69वीं
वार्षिक रिपोर्ट
2024-2025



अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली - 110029

00_Prelims__.indd 1 1/19/2026 2:03:28 PM

संयुक्त रूप से संपादित: -

डॉ. संदीप अग्रवाला, विभागाध्यक्ष, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. प्रताप शरण, विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा

डॉ. कल्पना लूथरा, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन

डॉ. अर्चना सिंह, आचार्य, जैव रसायन

डॉ. आर. लक्ष्मी, आचार्य, हृद् जैव रसायन

डॉ. पूर्वा माथुर, आचार्य, प्रयोगशाला चिकित्सा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें

डॉ. रश्मि रामाचंद्रन, आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान

डॉ. दीप्ति विभा, आचार्य, तंत्रिका विज्ञान

डॉ. राकेश गर्ग, आचार्य, अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान

डॉ. संजीव कुमार, अपर आचार्य, हृद् विकिरण विज्ञान

डॉ. सुरभि गुप्ता, अपर आचार्य, प्रजनन जीव विज्ञान

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, अपर आचार्य, शरीर रचना विज्ञान

डॉ. अंजन दुहा, अपर आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा

डॉ. अमृता चावला, अपर आचार्य, दं.शि. एवं अ.कें.

डॉ. विवेक गुप्ता, अपर आचार्य, सामुदायिक नेत्र विज्ञान

डॉ. कुणाल ढींगरा, अपर आचार्य, दं.शि. एवं अ.कें.

डॉ. सिद्धार्थ सरकार, अपर आचार्य, मनोचिकित्सा

डॉ. नसरीन अख्तर, अपर आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान

डॉ. उमा कांगा, अपर आचार्य, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान

डॉ.नीतू भारी, अपर आचार्य, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान

डॉ. सिद्धार्थ जैन, अपर आचार्य, मूत्ररोग विज्ञान, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें

डॉ. राखी यादव, अपर आचार्य, जैव रसायन

डॉ. सुमित राठौर, सह-आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी

डॉ. जितेंद्र सोढ़ी, सह-आचार्य, अस्पताल प्रशासन

डॉ. मनप्रीत पंवार, सह-आचार्य, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

डॉ. शालिनी सिंह, सह-आचार्य, मनोचिकित्सा, एनडीडीटीसी

डॉ. अनु गुप्ता, सह-आचार्य, तंत्रिका विज्ञान

डॉ. सौम्या जगन्नाथ महापात्रा, सहायक आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान

डॉ. सचित आनंद, सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा

डॉ. निशिता चावला, सहायक आचार्य, मनोचिकित्सा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें

श्री एम. के. विश्वकर्मा, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष (स्थानापन्न), बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

डॉ. राकेश लोढ़ा, आचार्य, बाल चिकित्सा एवं सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

डॉ. जी. पी. रथ, आचार्य, तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं कुल-सचिव

हिंदी अनुवाद श्रीमती अनीता राय सक्सेना, श्री प्रमोद कुमार और श्री विजय कुमार द्वारा वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्री पदम सिंह की देखरेख में किया गया।

00_Prelims__.indd 2 1/19/2026 2:03:28 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना सन् 1956 में संसद के अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्चस्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना, स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कर्मियों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान करता है। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा 275 करोड़ रुपये से अधिक का बाह्य अनुदान प्राप्त करने के साथ-साथ एम्स, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा-नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50-बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

00_Prelims__.indd 4 1/19/2026 2:03:28 PM



श्री जगत प्रकाश नड्डा
माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
भारत सरकार
तथा
अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली



श्री प्रतापराव जाधव
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
आयुष मंत्रालय
तथा
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार



श्रीमती अनुप्रिया पटेल
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
भारत सरकार

00_Prelims__.indd 6 1/19/2026 2:03:28 PM

एम्स-एक नज़र में

2024-2025

स्थापना वर्ष 1956

शिक्षण विभाग एवं केंद्र	43+7	चिकित्सा स्नातक (वर्तमान में)	3901
संकाय-सदस्य (स्वीकृत पद 1306)	782	स्नातकोत्तर (वर्तमान में)	14517
गैर-संकाय स्टाफ (स्वीकृत पद 13,464)	10910	नर्सिंग/पराचिकित्सा स्नातक (वर्तमान में)	4332
स्नातक-पूर्व छात्र (पंजीकृत)	1243	पत्रिकाओं/सार में प्रकाशन	2990
स्नातकोत्तर छात्र (पंजीकृत)	2233	पुस्तके/पुस्तकों में अध्याय	369

अस्पताल सेवाएँ

अस्पताल/केंद्र	बाह्य रोगी (घायलों सहित)	भर्ती	शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन/ प्रक्रियाएँ)	बिस्तर		
				सामान्य वार्ड	निजी वार्ड	कुल
मुख्य अस्पताल	22,68,551	1,58,450	1,42,383	1,706	214	1,920
डॉ रा.प्र.केंद्र	6,07,304	52,852	51,717	288	22	310
डॉ.भी.रा.अं.सं.रो.कै.अ.	2,15,093	67,670	9,781	174	15	189
हृद् वक्ष केंद्र	1,51,807	11,065	3,422	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केंद्र	1,45,610	10,412	3,223	174	31	
एनडीडीटीसी*	3,47,054	1,345	---	50	---	50
सामुदायिक चिकित्सा केंद्र †	4,74,686	7,407	597	50	---	50
ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें**	1,17,576	7,379	7,535	238	21	259
दं.शि. एवं अ.कें.	2,82,475	1,376	945	20	--	20
एनसीआई, झज्जर	1,04,009	43,280	36,348	387	8	395
आउटरीच बाह्य रोगी, बाढ़सा, झज्जर	1,29,407	---	1,500	----	----	---
कुल	48,43,572	3,61,236	2,57,451	3,313	344	3,657

* त्रिलोकपुरी, सुंदर नगरी और कोटला मुबारकपुर सहित हैं

† पीएचसी दयाल पुर, छांयसा सहित

** 30 ट्राइएज बेड सहित

अस्पताल प्रदर्शन सूचकांक

मापदंड	मुख्य अस्पताल		हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र		जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
ठहरने की औसत अवधि (दिन)	9.6	9.5	10.3	10.8	10.6	9.43
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	83.1	85.3	84.2	78.3	78.09	75.90
शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.1	1.4	1.9	2.4	4.79	5.90

सीसीएम: सामुदायिक चिकित्सा केंद्र; दं.शि.अ.कें.: दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र; डॉ. बीआरआईआरसीएच: डॉ. भी.रा. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल; डॉ. रा.प्र.केंद्र: डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र; ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें: जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र; एनसीआई: राष्ट्रीय कैंसर संस्थान; एनडीडीटीसी: राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र

00_Prelims__.indd 8 01/21/26 3:50:00 PM

विषय सूची

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान 11
3. शैक्षिक अनुभाग 18
4. परीक्षा अनुभाग 68
5. सामान्य प्रशासन 81
6. मुख्य अस्पताल 87
   - 6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग 88
   - 6.2 आहार विज्ञान 107
   - 6.3 चिकित्सा समाज कल्याण एकक (अस्प.) 108
   - 6.4 नर्सिंग सेवाएँ 117
   - 6.5 संक्रमण नियंत्रण कोर समिति 124
   - 6.6 अस्पताल बिलिंग अनुभाग 129
7. नर्सिंग कॉलेज 130
8. अनुसंधान अनुभाग 144

विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार 176
9.2 शरीर रचना विज्ञान 206
9.3 जैव रसायन विभाग 220
9.4 जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग 239
9.5 जैवभौतिकी 250
9.6 जैव सांख्यिकी 265
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 288
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 303
9.9 त्वचारोग विज्ञान 335
9.10 आपातकालीन चिकित्सा 346
9.11 अंतः स्रावि की एवं चयापचय 364
9.12 न्याय चिकित्सा 378
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण 392
9.14 जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण 410
9.15 जराचिकित्सा 416
9.16 रुधिर विज्ञान 424
9.17 अस्पताल प्रशासन 442

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 453
9.19 काय चिकित्सा 479
9.20 सूक्ष्मजैव विज्ञान 497
9.21 राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर 526
9.22 वृक्क विज्ञान 640
9.23 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद 649
9.24 नाभिकीय चिकित्सा 656
9.25 प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान 669
9.26 अस्थिरोग विज्ञान 710
9.27 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान 720
9.28 बाल चिकित्सा 737
9.29 बाल शल्य चिकित्सा 799
9.30 विकृति विज्ञान 811
9.31 भेषजगुण विज्ञान 839
9.32 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 851
9.33 शरीर क्रिया विज्ञान 860
9.34 प्लास्टिक सर्जरी 881
9.35 मनोचिकित्सा 890
9.36 पुल्मोनरी चिकित्सा 918
9.37 विकिरण विज्ञान 927
9.38 प्रजनन जैवविज्ञान 941
9.39 रुमेटोलॉजी 952
9.40 शल्यचिकित्सा 962
9.41 आधान चिकित्सा 991
9.42 प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान तथा प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 1001
9.43 मूत्ररोग विज्ञान 1012

केंद्र

10.1 हृद् वक्ष केंद्र 1030
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 1092
10.3 नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान 1126
10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र 1227
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र 1287
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 1364
10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र 1383

केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय....1452
11.2 केंद्रीय पशु सुविधा....1457
11.3 केंद्रीय कार्यशाला....1460
11.4 एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर)....1468
11.5 कंप्यूटर सुविधा....1478
11.6 इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा....1494
11.7 छात्रावासु....1497
11.8 नीति विषयक समिति कार्यालय....1505
11.9 के एल विग चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र (सीएमईटीआई)....1506
11.10 वार्षिक रिपोर्ट: नैदानिक महामारी विज्ञान एकक, एम्स, नई दिल्ली (2024-2025)....1515
11.11 मीडिया प्रकोष्ठ एवं प्रोटोकॉल प्रभाग....1517
11.12 नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया....1538
12. प्रकाशन....1539

वित्त विभाग

13. वित्त प्रभाग....1540
13.1 बजट....1543
13.2 लेखा परीक्षा रिपोर्ट....1569

1. निदेशक की समीक्षा

वर्ष 2024-2025 हेतु उनहत्तरवीं वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखों का लेखापरीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

एम्स गीता के कर्म योग की एक जीवंत प्रयोगशाला है

ये शब्द भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (एम्स-नई दिल्ली) के 49वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहे गए थे। महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि "एम्स 'भारत में निर्मित' सफलता की एक गौरवशाली कथा है और पूरे देश के लिए अनुकरणीय आदर्श है।"

पिछले एक वर्ष में, पूर्व प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, हमारी टीमों ने रोगी उपचार, अनुसंधान तथा शिक्षा के मानकों को ऊंचा उठाने के लिए अटूट समर्पण के साथ काम किया है ताकि एम्स-नई दिल्ली न केवल प्रासंगिक बना रहे बल्कि परिवर्तनकारी भी हो। मैं हमारे चिकित्सकों, नर्सों, पारचिकित्सकों, अनुसंधानकर्ताओं, प्रशासकों तथा सहायक स्टाफ के प्रति अपनी गहरी एवं हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने भारतीय समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित सबसे गंभीर चुनौतियों का समाधान करने तथा अन्य देशवासियों के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करने हेतु संस्थान के संचालन में परम आवश्यक भूमिका निभाई है। मुझे इस असाधारण संस्थान का नेतृत्व करने तथा सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त है और मैं इस रिपोर्ट में इसकी कुछ असाधारण उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहता हूं।



01_.indd 1 1/10/2026 3:46:39 PM

सेवा एवं नेतृत्व

श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने 49वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में बुनियादी ढांचे एवं स्वास्थ्य सेवाओं में हुई व्यापक उन्नतियों के लिए एम्स-नई दिल्ली को बधाई दीं। एम्स में बिस्तरों की क्षमता में 34%, गहन उपचार एवं शल्य चिकित्सा क्षमता में 40% की वृद्धि की गई है तथा प्रौद्योगिकी एवं संसाधनों के कुशल प्रबंधन द्वारा नैदानिक सुविधाओं में सुधार किया गया है।

हम, एम्स नई दिल्ली में, सहानुभूतिपूर्ण रूप से रोगी उपचार प्रदान करने एवं उसमें विकास करने में विश्वास रखते हैं, और पिछले बारह माह में, हमारे संस्थान एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र प्रदान करने पर केंद्रित रहा है जो किफायती हो, सुलभ हो तथा जिसमें गुणवत्ता निहित हो ताकि रोगी संतुष्टि को सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य अस्पताल और हमारे केंद्र - हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (हृ.तं. केंद्र), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.), डॉ. भी.रा. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.) तथा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (डॉ. रा.प्र.कें.), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (दं शि. एवं अ.कें.) तथा राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी), गाजियाबाद - में अब कुल मिलाकर 4000 से अधिक बिस्तर क्षमता है। वर्ष 2024-2025 के दौरान, एम्स-नई दिल्ली द्वारा लगभग 50 लाख बाह्य रोगियों तथा 3.5 लाख अंतः रोगियों को उपचार प्रदान किया गया और 3 लाख से अधिक ऑपरेशन किए गए। इन सभी सेवाओं में रोगी उपचार सेवा के सर्वोत्तम मानकों को अपनाया गया जैसे लगभग 83% बिस्तर अधिभोग, अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि 9.6 दिन; तथा निम्न शुद्ध मृत्यु दर 1.1% रही - जो हमारी नैदानिक उत्कृष्टता एवं परिचालन क्षमता का प्रमाण है।

एम्स-नई दिल्ली को न्यूज वीक और स्टेटिस्टा जीएमबीएच द्वारा प्रकाशित 'वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स 2024' रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान दिया गया, जिसमें 30 देशों के 2,400 से अधिक अस्पतालों का मूल्यांकन नैदानिक परिणामों, रोगी संतुष्टि, स्वच्छता मानकों और समकक्ष संस्तुतियों के आधार पर किया गया था। यह उपलब्धि एम्स दिल्ली की वैश्विक प्रतिष्ठा में एक उल्लेखनीय प्रगति का प्रतीक है और शीर्ष स्तर के स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के बीच भारत की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है।

बुनियादी ढांचे को मजबूत करना

एम्स-नई दिल्ली ने अपने गहन उपचार बुनियादी ढांचे का विस्तार और अनुकूलन किया है तथा वास्तविक समय में नैदानिक निर्णय लेने के लिए उन्नत निगरानी प्रणालियाँ इस्तेमाल की हैं। हमारी अब सुव्यवस्थित हो चुकीं एमआरआई सेवाओं से पिछले एक वर्ष में ही 15,000 से अधिक रोगियों को लाभ हुआ है।

सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग की अधिकांश प्रयोगशालाएँ अब राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त हैं। विभाग ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा स्वीकृत देश की पहली एचआईवी दवा प्रतिरोध जांच प्रयोगशाला स्थापित की है; तथा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) की संक्रामक रोग अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (आईआरडीएल) भी स्थापित की है। इस वर्ष, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, दं.शि. एवं अ.कें. (मुख विकृति विज्ञान), वृक्क विज्ञान विभाग, हृद् जैव रसायन तथा क्लिनिकल पोर्फिरिया टेस्टिंग लेबोरेटरी की प्रयोगशालाओं में विभिन्न जाँचों को एनएबीएल द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई। बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक द्वारा अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) प्रमाणन प्राप्त किया गया।

01_.indd 2 1/10/2026 3:46:39 PM

शल्य चिकित्सा विभाग ने ऑपरेशन के क्षेत्र में रोबोटिक शल्य चिकित्सा प्रणाली को स्थापित करके तथा शल्य चिकित्सा गहन उपचार के क्षेत्र में डायलिसिस सुविधा को स्थापित करके अपनी शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया है। इसके अतिरिक्त, इसने जठरांत्रीय रोग एवं पित्त पथरी, कोलोप्रोक्टोलॉजी, गुर्दा प्रतिरोपण एवं धमनी-शिरा फिस्टुला आदि के लिए विशेष क्लीनिक भी आरंभ किए हैं। डॉ. रा.प्र. केंद्र द्वारा मायोपिया, यूवेइटिस (रूमेटोलॉजी विभाग के साथ) तथा विट्रियो-रेटिनल डिस्ट्रॉफी के लिए नए क्लीनिक आरंभ किए गए हैं। केंद्र द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल (एससीईएच) के सहयोग से आई-ड्रोन सेवाओं की शुरुआत की है ताकि प्रतिरोपण हेतु कॉर्निया को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके।

बाल चिकित्सा विभाग के नवजात विज्ञान प्रभाग द्वारा एक व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र, 'पायोधी' की स्थापना की गई है ताकि नवजात आईसीयू में बीमार शिशुओं की दाता दूध संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके; और इसी प्रकार की सेवाएं स्थापित करने के लिए सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली तथा बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, नेपाल को मार्गदर्शन प्रदान किया। राष्ट्रीय वृद्जन केंद्र के जराचिकित्सा विभाग द्वारा जराचिकित्सा अर्बुद विज्ञान तथा नाज़ुक फ्रैक्चर क्लीनिकों के साथ-साथ अपनी विशिष्ट सेवाओं का विस्तार किया गया। एनडीडीटीसी द्वारा पुल्मोनोलॉजी विभाग के सहयोग से एक तंबाकू छोड़ने संबंधी क्लिनिक को आरंभ किया गया है।

रोगी केंद्रित प्रयास

महामहिम राष्ट्रपति महोदया से प्रशंसा प्राप्त करना हमारे लिए गर्व का क्षण होने के साथ-साथ प्रेरणादायक भी था, क्योंकि उन्होंने कहा, "एम्स की जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान तक ही सीमित नहीं है। यह जिम्मेदारी एक ऐसा वातावरण बनाने तक बढ़ी हुई है जहाँ प्रत्येक हितधारक की आवाज़ सुनी जाए, संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किया जाता हो तथा उत्कृष्टता ही मानदंड हो।" एम्स-नई दिल्ली में, हम गर्व और दृढ़ संकल्प के साथ स्वास्थ्य समानता की जिम्मेदारी उठाते हैं। हमने रोगी प्रतिक्रिया सर्वेक्षणों में 95% संतुष्टि दर हासिल की है, जो सहानुभूति, दक्षता एवं उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को सुलभ तथा कुशल बनाने के सरकार के मिशन के अनुरूप प्रयास करते हुए, एम्स-नई दिल्ली में सेवाओं को सुगम बनाने के लिए हमारी कंप्यूटर सुविधा द्वारा कई सॉफ्टवेयर इन-हाउस विकसित किए गए हैं। हमने 'संतुष्ट' नामक एक नया रोगी शिकायत निवारण पोर्टल आरंभ किया है जो रोगियों को लिखित, ऑडियो अथवा वीडियो प्रारूप में शिकायतें दर्ज करने तथा उनके समाधान को वास्तविक समय में ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में, यह पोर्टल मातृ एवं शिशु ब्लॉक में लाइव है। हमने मुख्य स्थानों, जैसे आपातकालीन विभाग, मुख्य द्वार तथा मातृ एवं शिशु ब्लॉक के प्रवेश/निकास बिंदुओं पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरों का एक प्रायोगिक चरण भी आरंभ किया है ताकि चेहरे की पहचान, विसंगति का पता लगाने और छेड़छाड़-रोधी निगरानी द्वारा सुरक्षा में सुधार किया जा सके।

स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमने *'टीआरईडी (ट्राइएज रजिस्टर फॉर इमरजेंसी डिपार्टमेंट)'* का परिचालन भी किया है, जो आपातकालीन विभागों में रोगी उपचार तथा परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई एक वेब-आधारित एप्लिकेशन है; तथा *'एम्स इंटर रेफरल सिस्टम'*, एक केंद्रीकृत मंच है जो समन्वित और कुशल अंतर-संस्थागत उपचार सुनिश्चित करते हुए भारत में एम्स नेटवर्क में निर्बाध रोगी रेफरल को सक्षम बना सकता है।

01_.indd 3 1/10/2026 3:46:39 PM

एम्स-नई दिल्ली द्वारा पूरी लगन से एबीपीएमजेएवाई योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। योजना के सुचारू कार्यान्वयन हेतु हमारे आयुष्मान भारत केंद्र चौबीसों घंटे (24×7) कार्यरत हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के कार्यान्वयन में अपनी भूमिका को गंभीरता से लेते हुए, हमने 7 लाख से अधिक आभा आईडी तथा 20 लाख से अधिक 'स्कैन एंड शेयर' आभा टोकन बनाए हैं। इस संस्थान ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत 30,000 से अधिक रोगियों को उपचार प्रदान किया है, जो सरकारी स्वास्थ्य सेवा पहल के तहत रियायती उपचार प्रदान करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के एक मुख्य प्रदाता के रूप में इसकी भूमिका को दर्शाता है।

हमने निकटतम मेट्रो स्टेशनों और बस स्टॉप से हमारे विशाल परिसर में स्थित विभिन्न सुविधाओं तक आने-जाने वाले रोगियों, परिचरों तथा उपचार प्रदाताओं के लिए अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु एक इलेक्ट्रिक बस (ई-बस) सेवा भी आरंभ की है। इन ई-बसों में व्हीलचेयर, वातानुकूलन तथा परिसर में नियमित स्टॉप पर रुकने की सुविधा हैं ताकि सभी उपयोगकर्ताओं के लिए आराम एवं सुगमता को सुनिश्चित किया जा सके।

अनुसंधान एवं नवाचार

एम्स-नई दिल्ली का अनुसंधान अनुभाग, बुनियादी एवं नैदानिक विज्ञान के लिए क्रमशः केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) तथा नैदानिक अनुसंधान एकक (सीआरयू) के माध्यम से एम्स के संकाय-सदस्यों और छात्र अनुसंधानकर्ताओं को क्षमता निर्माण संबंधी सहायता प्रदान करता है। चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (सीएमआईई) अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है। सीआरयू, का कोक्रेन इंडिया नेटवर्क के एक संबद्ध केंद्र के रूप में एक विशिष्ट स्थान है तथा यह नैदानिक परीक्षणों के लिए एक उन्नत केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह आईसीएमआर के नेतृत्व में इंडियन क्लिनिकल ट्रायल एंड एजुकेशन नेटवर्क (आईएनटीईएनटी) पहल में सक्रिय भूमिका भी निभाता है ताकि देश में नैदानिक अनुसंधान क्षमता एवं मानकों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

अनुसंधान अनुभाग ने वर्ष 2024-2025 के दौरान 958 बाह्य वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं और 369 आंतरिक अनुसंधान अनुदानों का प्रबंधन किया, जिनकी कुल राशि 288 करोड़ रुपये से अधिक थी; जिसमें से लगभग 50 करोड़ रुपये अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त किए गए थे। वित्तपोषण एजेंसियों में आईसीएमआर, डीएचआर, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तथा संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) शामिल थे। संस्थान ने हमारे समुदाय के वैज्ञानिक एवं विद्वतापूर्ण प्रयासों में निरंतर निवेश करना जारी रखा है। विभिन्न प्रतिस्पर्धी अनुदानों के माध्यम से युवा संकाय सदस्यों तथा छात्रों की अनुसंधान में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए परोपकारी निधि भी जुटाई गई। कैंसर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए इस वर्ष अनुसंधान अनुभाग द्वारा एनसीआई-एम्स, झज्जर के लिए नई आंतरिक निधिकरण योजना आरंभ की गई है।

एम्स-नई दिल्ली के अनुसंधान समुदाय ने नवाचारों एवं प्रकाशनों में अपने नेतृत्व द्वारा स्कॉलशिप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय-सदस्यों तथा वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2500 से अधिक शोध पत्र तथा 365 मोनोग्राफ, पुस्तकें और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए।

01_.indd 4 1/10/2026 3:46:39 PM

एम्स-नई दिल्ली ने आईसीएमआर की कई उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) परियोजनाओं: बाल वृक्क विज्ञान, बाल फुप्फुसीय चिकित्सा, बाल तंत्रिका विकास विकार (बाल चिकित्सा विभाग), वर्चुअल ऑटोप्सी (न्याय चिकित्सा विभाग), अग्न्याशय रोग एवं आंत्र रोग (जठरान्त्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग), न्यूरोमॉड्यूलेशन (मनोचिकित्सा विभाग), विकलांगता एवं सहायक प्रौद्योगिकी (जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग), वृक्क विज्ञान (वृक्क विज्ञान विभाग) और पल्मोनोलॉजी (पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग) को अपनी सहायता प्रदान करना जारी रखा है। हृद् विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग (बाल चिकित्सा विभाग) तथा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग, आईसीएमआर सहयोगी उत्कृष्टता केंद्र (आईसीएमआर-सीसीओई) के रूप में क्रियाशील हैं। इस वर्ष, एम्स-नई दिल्ली ने बच्चों और युवाओं में इंटरनेट और प्रौद्योगिकी की लत की बढ़ती जन-स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए व्यसनी व्यवहार संबंधी उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर-एबी) की स्थापना की है। इस पहल के अंतर्गत व्यवहार संबंधी डेटा विश्लेषण द्वारा जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए एक एआई-आधारित पूर्वानुमान मॉडल भी विकसित किया जाएगा। यह परियोजना स्कूलों, कॉलेजों, शिक्षकों, अभिभावकों, चिकित्सा संस्थानों तथा प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के साथ साझेदारी करके एक राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण करेगी जो सर्वोत्तम सहायता प्रदान कर सके।

इस वर्ष, डॉ. रा.प्र. केंद्र ने रेटिनोमिक्स सुविधा का शुभारंभ किया, जो भारत का पहला बहु-विषयक एआई-आधारित स्वास्थ्य अनुसंधान मंच है; तथा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए एक स्वदेशी जैव-इंजीनियरी कॉर्नियल प्रतिरोपन विकसित किया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने कार्डियोजेनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, संक्रामक रोगों की बायोएनर्जेटिक्स तथा आणविक कैंसर उपचार जैसे नए क्षेत्रों में अनुसंधान आरंभ किया।

सहयोगी अनुसंधान

संस्थान के असाधारण संसाधनों, सहयोगी ऊर्जा और समन्वय स्थापित करने की क्षमता के कारण मौलिक अनुसंधान, नैदानिक उपचार तथा स्वास्थ्य सेवा वितरण पर केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कई संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

एम्स-नई दिल्ली ने पहले पैन-एम्स रिसर्च कंसोर्टियम की मेजबानी की, जिसमें एम्स नेटवर्क के सभी संकायाध्यक्षगण (अनुसंधान) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर सहयोगी, बहु-केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए। संस्थान ने सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) के साथ संयुक्त अनुसंधान, शैक्षिक कार्यक्रमों, रोगी उपचार सेवाओं और संकाय आदान-प्रदान, विशेष रूप से ऊंचाई, एयरोस्पेस और समुद्री चिकित्सा के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

संस्थान ने अपने झज्जर परिसर में एक नया 'राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण विकास, सत्यापन एवं कौशल प्रशिक्षण केंद्र' स्थापित करने के लिए जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के साथ मिलकर एक कोलेबोरेशन किया है। 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत, यह केंद्र शल्य-चिकित्सकों, चिकित्सकों तथा जैव चिकित्सा इंजीनियरों को चिकित्सा उपकरणों की संयुक्त अवधारणा, डिजाइन, प्रोटोटाइप एवं परीक्षण के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य आयातित चिकित्सा उपकरणों पर भारत की निर्भरता को कम करना है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी अनुसंधान को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एम्स, यूसीएल तथा आईआईटी दिल्ली के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। सीएसआईआर, सीएसआईआर-सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी), नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) के साथ भी नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

01_.indd 5 1/10/2026 3:46:39 PM

जैव प्रौद्योगिकी, औषध, रोबोटिक्स तथा एआई संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करके संस्थान के विज्ञान की गुणवत्ता को मजबूत किया गया है। एम्स के सीएमआईई द्वारा इस प्रकार के विभिन्न संपर्क स्थापित किए गए हैं, जो शिक्षा जगत एवं उद्योग के बीच की बाधाओं को समाप्त करके अद्वितीय शिक्षण अवसर पैदा करते है तथा नवीन विचारों को नई चिकित्सा पद्धतियों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को गति प्रदान करते हैं। सीएमआईई सार्वजनिक अस्पताल परिसर में स्थापित पहले बायो-इनक्यूबेटरों में से एक है। यह चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देता है, शिक्षा जगत एवं उद्योग को आपस में सम्बद्ध करता है तथा मेक-इन-इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया एवं अटल इनोवेशन मिशन जैसे राष्ट्रीय अभियानों के साथ मिलकर कार्य करता है। सीएमआईई वर्तमान में 26 स्टार्ट-अप को इनक्यूबेट करता है, जिनमें 6 ग्रेजुएटिक उद्यम तथा 5 इन-हाउस फैकल्टी के नेतृत्व में किए गए नवाचार शामिल हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (आईएमएस, बीएचयू) तथा शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, एम्स दिल्ली, नैदानिक अवसंरचना, अनुसंधान एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षण को उन्नत बनाने में आईएमएस बीएचयू का मार्गदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, समझौते में एम्स, नई दिल्ली तथा आईएमएस, बीएचयू के बीच संकाय-सदस्यों तथा छात्रों के आदान-प्रदान, रोबोटिक सर्जरी, अस्पताल प्रशासन, शासन तथा साझा शैक्षिक-अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग की परिकल्पना की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री जेपी नड्डा जी ने इस समझौते को 'पूर्ण-रूप-से-सरकारी' दृष्टिकोण का प्रतीक बताया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन बिन्दु प्रस्तुत किया है, और हम आविष्कारों को गति देने के लिए इसकी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं। संस्थान ने बुनियादी, नैदानिक एवं स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान को लाभान्वित करने हेतु उन्नत डिजिटल ढांचा विकसित करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधानों को एकीकृत करने के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। हमने एक समर्पित स्वास्थ्य सेवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया है, जिससे छाती के एक्स-रे का मूल्यांकन, प्रारंभिक मधुमेह रेटिनोपैथी तथा त्वचा के घावों की पहचान के लिए एआई-आधारित उपकरण उपलब्ध होने की उम्मीद है।

एम्स-नई दिल्ली ने एआई के माध्यम से निदान एवं उपचार सेवाओं में बदलाव लाने के उद्देश्य से 'एआई हेल्थ इनोवेशन हब' स्थापित करने हेतु विप्रो जीई हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पांच वर्ष के इस कोलेबोरेशन का लक्ष्य हृद् विज्ञान, अर्बुद विज्ञान तथा तंत्रिका विज्ञान में कुशल तंत्र का विकास करना, साथ ही वास्तविक समय में रोगी डेटा ट्रैकिंग तथा उन्नत निदान प्रदान करना है। यह पहल डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा एआई का उपयोग करके पूर्वानुमानित, व्यक्तिगत एवं निवारक उपचार के लिए भारत को चिकित्सा प्रौद्योगिकी नवाचार में अग्रणी बनाने के व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है।

भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. का नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान विभाग एआई, मशीन लर्निंग, मेडिकल डिवाइस तथा मेडिकल रोबोटिक्स सहित कई क्षेत्रों में अनुसंधान में गंभीरतापूर्वक संलग्न है।

नैदानिक नवाचार

एम्स-नई दिल्ली में देश के स्वास्थ्य विज्ञान के कुछ महानतम विशेषज्ञ मौजूद हैं, जो चिकित्सा और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में अथक प्रयास करते रहते हैं। एम्स-नई दिल्ली के बाल शल्य चिकित्सकों ने एक बच्चे में अग्न्याशय कैंसर के एक दुर्लभ मामले के उपचार के लिए न्यूनतम चीरे (की-होल) वाली सर्जरी

01_.indd 6 1/10/2026 3:46:39 PM

सफलतापूर्वक संपन्न की। यह उपलब्धि जटिल मामलों में अत्याधुनिक तथा बच्चों के अनुकूल शल्य चिकित्सा तकनीकों को अपनाने के लिए हमारे शल्य चिकित्सकों की तत्परता को दर्शाती है। कान, नाक गला विज्ञान विभाग द्वारा अपना पहला ऑडिटरी ब्रेन स्टेम सफलतापूर्वक इम्प्लांट किया। अब यह विभाग ऐसे अनुभव रखने वाले चुनिंदा वैश्विक संस्थानों में से एक है।

एम्स-नई दिल्ली की एक टीम ने भारत में पहली (और दुनिया में आठवीं) चिकित्सा संबंधी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उन्होंने एक दुर्लभ मातृ-भ्रूण रक्त-समूह असंगति (एंटी-आरएच17 एंटीबॉडी) के कारण गंभीर एनीमिया से पीड़ित भ्रूण के लिए गर्भाशय के भीतर सफलतापूर्वक रक्ताधान किया है।

हमारे चिकित्सक-शोधकर्ताओं ने मल्टीपल मायलोमा से पीड़ित रोगियों के उपचार हेतु एक नवीन, कम लागत वाली अनुकूलित सेलुलर थेरेपी विकसित करने की भी शुरुआत की है। यह प्रयास एम्स-नई दिल्ली की अर्बुदविज्ञान चिकित्सा में स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने की व्यापक नीति का हिस्सा है।

प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विभाग ने फ्लो साइटोमिट्री आधारित इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके प्राथमिक प्रतिरक्षा संबंधी कमियों के लिए प्रसवपूर्व निदान आरंभ किया है। रोग का शीघ्र पता लगने से समयबद्ध आनुवंशिक परामर्श, परिवारों हेतु सूचित निर्णय लेने तथा, जहां संभव हो, प्रारंभिक इंटेरवेंशन की तैयारी का मार्ग प्रशस्त हो जाता है।

शिक्षण एवं अध्ययन

एम्स-नई दिल्ली की परिकल्पना चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के एक संस्थान के रूप में की गई थी और यह नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हम इस परिकल्पना के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध रहे हैं। अपने 9 केन्द्रों, 43 स्वचलित विभागों तथा 800 से अधिक संकाय-सदस्यों सहित 15,000 से अधिक कार्मिकों के साथ, एम्स-नई दिल्ली चिकित्सा स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, विशेषज्ञ (एमडी/एमएस/एमडीएस), सुपर-स्पेशलिस्ट (डीएम/एमसीएच/ फेलो), पीएचडी अनुसंधानकर्ताओं तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं मूल विज्ञान विशेषज्ञों, जिनमें नर्स और पराचिकित्सा पेशेवर शामिल हैं, को प्रशिक्षित करता है। इस वर्ष हमने विभिन्न स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 1250 अनुसंधानकर्ताओं को पंजीकृत किया। संस्थान ने लगभग 550 अल्पकालिक प्रशिक्षुओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण का अवसर भी प्रदान किया।

एम्स-नई दिल्ली ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के अंतर्गत लगातार आठवें वर्ष सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रथम स्थान बरकरार रखते हुए भारत के शीर्ष चिकित्सा संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को फिर से मजबूत किया है। अपनी इस उत्कृष्ट विरासत को आत्मसात करते हुए, संस्थान को राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में नामित किया गया है, जो 'सक्षम' नामक शिक्षण-प्रबंधन मंच के माध्यम से 100 से अधिक मेडिकल कॉलेजों को सहयोग प्रदान करता है।

स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी तथा सटीक चिकित्सा तकनीकों में हो रही तीव्र प्रगति के कारण भविष्य के चिकित्सकों का, उपचार के नए मॉडलों से संलग्न होना आवश्यक है। एम्स में प्रशिक्षण में पारंपरिक पद्धतियाँ, उन्नत मार्गदर्शन और सिमुलेशन-आधारित शिक्षण शामिल हैं। शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए, एम्स-नई दिल्ली डिजिटल परिवर्तन कर रहा है। हमने पिछले वर्ष एम्स डिजिटल लर्निंग हब लॉन्च किया, जिसमें 300 घंटे से अधिक की चयनित सामग्री, वर्चुअल लैब तथा इंटरैक्टिव केस मॉड्यूल उपलब्ध हैं। हमने एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग, टेलीमेडिसिन) सुविधा में अपने रेजीडेंट डॉक्टरों तथा संकाय-सदस्यों के लिए अत्याधुनिक सर्जिकल रोबोटिक्स प्रशिक्षण सुविधा भी आरंभ की है।

01_.indd 7 1/10/2026 3:46:39 PM

आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में पेशेवरता, सांस्कृतिक विनम्रता, सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व पर जोर देना आवश्यक है ताकि स्नातक कर रहे छात्र सक्षम एवं दयालु चिकित्सक, वैज्ञानिक और मानवतावादी बन सकें। श्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अपने दीक्षांत समारोह संबोधन में हमारे संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, "एम्स में आपकी शिक्षा ने आपको न केवल अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपेक्षित ज्ञान एवं कौशल से लैस किया है, बल्कि सहानुभूति, ईमानदारी तथा सेवा के मूल्यों से भी परिपूर्ण किया है। ये आधारभूत मूल्य चिकित्सा पेशे की जटिलताओं को समझने और उन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के आपके मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में कार्य करेंगे जिनकी आप सेवा करते हैं।"

हम न केवल अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं, उत्कृष्ट संकाय-सदस्यों तथा बड़ी संख्या में आने वाले रोगियों के संपर्क में आने के कारण, बल्कि एआई जैसी नवीनतम तकनीक को उत्साहपूर्वक अपनाने के कारण भी छात्रों की शीर्ष पसंद बने हुए हैं। यह संस्थान विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करता है जो पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती हैं, जैसे कि केंद्रीय पुस्तकालय (एशिया के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक), जो हजारों चिकित्सा जर्नलों, ई-संसाधनों तथा अनुसंधान डेटाबेस, साथ ही समर्पित पठन क्षेत्र और 24×7 डिजिटल एक्सेस तक पहुंच प्रदान करता है; तथा एक छात्र कल्याण विंग है जो छात्रों को आगे बढ़ने में सहायता प्रदान करता है। एम्स-नई दिल्ली में छात्र होना केवल डिग्री प्राप्त करने से कहीं अधिक है, यह एक परिवर्तनकारी अनुभव है जो चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी बनने के लिए आवश्यक कौशल एवं आत्मविश्वास से लैस करता है।

केएल विग चिकित्सा शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएमईटी) ने विभिन्न श्रेणियों के स्टाफ-सदस्यों के लिए कई आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। विशेष रूप से, इसने चिकित्सा नैतिकता, नेतृत्व एवं शिक्षा विज्ञान में संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे हमारे शैक्षिक परिवेश को मजबूती मिली।

एम्स-नई दिल्ली चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने की क्षमता विकसित करने में पेशेवरों तथा अन्य हितधारकों की सहायता करने के लिए उन्नत शिक्षण अवसर प्रदान करता है। हमने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत हजारों चिकित्सकों और विज्ञान अग्रणियों को विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में नए रुझानों से परिचित कराने के लिए क्रमिक पेशेवर विकास शिक्षा प्रदान की। हमने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 260 से अधिक कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए/ उनकी मेजबानी की।

यह कहा जाता है कि मूल्यांकन ही शिक्षा का निर्धारण करते हैं। एम्स-नई दिल्ली ने उच्च स्तरीय परीक्षाओं के संचालन में अपनी उत्कृष्ट दक्षता के लिए एक मजबूत प्रतिष्ठा स्थापित की है। हमने पिछले वर्ष 11 लाख से अधिक उम्मीदवारों के लिए 123 परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं। हमने अब परीक्षा संबंधी लेन-देन को सुरक्षित रूप से रिकॉर्ड करने के लिए एक अभूतपूर्व ब्लॉकचेन प्रणाली लागू की है, जिससे पारदर्शिता और आंकड़ों की ईमानदारी सुनिश्चित होती है। एम्स-नई दिल्ली ने 28 एम्स और केंद्रीय संस्थानों के लिए आयोजित एक प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की सामान्य भर्ती परीक्षा 2024 का भी नेतृत्व किया, जिसमें 66 वर्गों में 712 पदों के लिए 4,600 से अधिक रिक्तियां शामिल थीं।

जन-स्वास्थ्य एवं समुदाय निर्माण

एम्स-नई दिल्ली सामाजिक, आर्थिक एवं चिकित्सा कारकों की जटिल परस्पर क्रिया का लाभ उठाकर स्वास्थ्य नीति में सुधार करने तथा लोगों द्वारा समाज में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता को बढ़ाने के तरीके की एक सूक्ष्म जानकारी प्रदान करता है।

01_.indd 8 1/10/2026 3:46:40 PM

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र ने राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत एनीमिया नियंत्रण अनुसंधान केंद्र, सामुदाय आधारित गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण में क्षमता विकास एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र, राष्ट्रीय एचआईवी प्रहरी निगरानी संस्थान, वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन हेतु नवाचार एवं शिक्षण केंद्र, एसआरएस-आधारित मौखिक शव परीक्षण के माध्यम से भारत में मृत्यु के कारणों का अध्ययन तथा वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य हेतु उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग में मानव प्रजनन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम एवं अनुसंधान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ-सीसी) का सहयोगी केंद्र स्थित है। बाल चिकित्सा विभाग में, नवजात शिशु विज्ञान प्रभाग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी है, तथा आनुवंशिकी प्रभाग विकासशील देशों के लिए नैदानिक एवं प्रयोगशाला आनुवंशिकी में प्रशिक्षण के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी है। एम्स-नई दिल्ली में तपेदिक (काय चिकित्सा विभाग), मादक द्रव्यों के सेवन (एनडीडीटीसी), अंधेपन की रोकथाम (डॉ. रा.प्र. केंद्र), मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन (सीडीईआर) तथा आपातकालीन एवं आघात उपचार (आपात चिकित्सा विभाग) में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी भी स्थित है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) को राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) को लागू करने हेतु राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है। वर्तमान में, सीडीईआर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय मुख रोग भार सर्वेक्षण का नेतृत्व कर रहा है। बाल चिकित्सा विभाग का नवजात शिशु विज्ञान प्रभाग मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में संकल्प कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसका उद्देश्य नवजात मृत्यु दर को एकल अंक तक लाना है। यह पहल एक प्रदर्शन मॉडल के रूप में कार्य करती है और इससे राष्ट्रीय नीति को दिशा देने हेतु महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त होने की उम्मीद है।

एम्स-नई दिल्ली तथा भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने समुद्री अभियानों में जीवन रक्षक चिकित्सा तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत, हम चुनौतीपूर्ण समुद्री वातावरण में कार्यरत तटरक्षक बल के चिकित्सा अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) तथा अन्य आपातकालीन प्रोटोकॉल में संरचित एवं उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

पुरस्कार एवं संबोधन

हमारे समुदाय की उपलब्धियों को भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों से लगातार सम्मान मिलता रहा है। इस वर्ष एम्स-नई दिल्ली में डॉ. अशोक कुमार महापात्रा, पूर्व आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा तथा डॉ. नीरजा भाटला, पूर्व आचार्य, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग को चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

डॉ. संदीप माथुर, आचार्य, विकृति विज्ञान को स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के अंतर्गत शोभा सेठ वेंगर विशिष्ट चेयर से सम्मानित किया गया; तथा डॉ. समीर बख्शी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. को अर्बुद विज्ञान में इंफोसिस चेयर से सम्मानित किया गया।

01_.indd 9 1/10/2026 3:46:40 PM

चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह के मुख्य आकर्षण प्रोफेसर क्षितिज कपूर, कुलपति एवं अध्यक्ष, किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा दिया गया हीरक जयंती संभाषण, जिसका शीर्षक था 'आधुनिक चिकित्सा के चमत्कार एवं वैश्विक स्वास्थ्य का भविष्य - चार महाद्वीपों में एक करियर से सीख'; तथा डॉ. योगेश जैन, सह-संस्थापक, संगवारी-पीपुल काउंसिल फॉर इक्विटी एंड हेल्थ द्वारा दिया गया एम्स रजत जयंती संभाषण था, जिसका शीर्षक था 'चिकित्सा शिक्षा एवं जन स्वास्थ्य'।

निष्कर्ष

एम्स-नई दिल्ली ने जनहितकारी वैज्ञानिक शिक्षा, साक्ष्य-आधारित, सुलभ एवं किफायती सेवा प्रावधान तथा अत्याधुनिक जैव चिकित्सा अनुसंधान के माध्यम से भारतीय लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं समान स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रयासों में भारत सरकार की सहायता करने के अपने जनादेश को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया है।

इस प्रतिष्ठित संस्थान की सेवा करना और इतने समर्पित और उद्यमी सहयोगियों के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं हमारे चिकित्सकों, जो अथक परिश्रम करते हैं और न केवल कौशल बल्कि हर रोगी के प्रति सहानुभूति भी रखते हैं; हमारी नर्सों और पराचिकित्सकों, जिनकी अचल शक्ति, सतर्कता और सहानुभूति रोगी उपचार की रीढ़ हैं; हमारे अनुसंधानकर्ताओं, जो ज्ञान के क्षितिज को आगे बढ़ाते हैं, अक्सर पर्दे के पीछे रहकर भविष्य की महत्वपूर्ण खोजों को संभव बनाते हैं; हमारे प्रशासकों और तकनीकी टीमों, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रणालियाँ सुचारू रूप से चलें, संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो और हर चुनौती का दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के साथ सामना किया जाए; हमारे स्वच्छता कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और सहायक कर्मचारियों, जिनका योगदान अक्सर अनदेखा रह जाता है लेकिन हमारे वातावरण की गरिमा, सुरक्षा और अखंडता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, को धन्यवाद देना चाहता हूँ। ये सभी मिलकर हमारी धड़कन बनते हैं - सेवा, उत्कृष्टता एवं मानवता की एक लय बनती है। सबसे बढ़कर, आइए हम अपने रोगियों का सम्मान करें। किसी रोग के सामने उनका साहस, हमारे उपचार पर उनका विश्वास तथा विपरीत परिस्थितियों में उनका लचीलापन हमें हर दिन प्रेरित करता है। वे हमें याद दिलाते हैं कि हमने यह मार्ग क्यों चुना और क्यों हमें विनम्रता और आशा के साथ इस पर चलना अवश्य जारी रखना चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि हम एकता, करुणा एवं साझा उद्देश्य की इस भावना को आगे बढ़ाएंगे। क्योंकि एम्स की पहचान केवल इस संस्थान की दीवारों से नहीं होती, बल्कि इसमें मौजूद लोगों से होती है।

अपने साझा मिशन - स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना, शिक्षा प्रदान करना, नई खोज करना तथा उत्थान करना - को ध्यान में रखते हुए, हम एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक सहानुभूतिपूर्ण भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराते हैं।

एम. श्रीनिवास
निदेशक

01_.indd 10 1/10/2026 3:46:40 PM

2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संस्थान निकाय (01.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1.	**श्री जे.पी. नड्डा** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री मनसुख मंडाविया के स्थान पर** दिनांक 28.04.2022 से 22.08.2024 तक
2.	**श्री सुरेंद्र सिंह नागर, सांसद (राज्यसभा)** 12, तालकटोरा रोड, नई दिल्ली-110001	सदस्य दिनांक 25.09.2024 से वर्तमान तिथि तक **डॉ. अनिल जैन के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 24.09.2024 तक
3.	**श्री हरेन्द्र मलिक, सांसद (लोकसभा)** वेस्टर्न कोर्ट, छात्रावास कमरा नंबर 18, पहली मंजिल, 20, जनपथ नई दिल्ली-110001	सदस्य दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री रमेश बिधूड़ी के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 22.08.2024 तक
4.	**सुश्री बांसुरी स्वराज, सांसद (लोकसभा)** एच-4 धवनदीप बिल्डिंग, 6 जंतर मंतर रोड दिल्ली-110001	सदस्या दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री मनोज कुमार तिवारी के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 22.08.2024 तक
5.	**डॉ. के विजय राघवन** पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार	सदस्य दिनांक 6.12.2021 से वर्तमान तिथि तक
6.	**श्री विनीत जोशी** सचिव, भारत सरकार उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य दिनांक 20.01.2025 से वर्तमान तिथि तक **श्री के. संजय मूर्ति के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 19.01.2025 तक
7.	**डॉ. प्रांजल मोदी** कुलपति गुजरात प्रत्यारोपण विज्ञान विश्वविद्यालय, ट्रॉमा सेंटर के सामने, सिविल अस्पताल परिसर, असरवा, अहमदाबाद-380016, गुजरात	सदस्य दिनांक 09.3.2022 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 11 1/10/2026 12:32:58 PM

8.	**सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव** सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य दिनांक 01.10.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री अपूर्व चंद्रा के स्थान पर** दिनांक 01.01.2024 से 30.09.2024 तक
9.	**प्रोफेसर योगेश सिंह** कुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007	सदस्य (पदेन) (दिनांक 6.12.2021 से वर्तमान तिथि तक)
10.	**डॉ. अतुल गोयल** स्वास्थ्य सेवा, महानिदेशक भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) दिनांक 18.04.2022 से वर्तमान तिथि तक
11.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला** अधिशिक्षक एवं कुलपति बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005, उत्तर प्रदेश	सदस्य दिनांक 09.3.2022 से वर्तमान तिथि तक
12.	**रिक्त** पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, (आईएससीए), कोलकाता, पश्चिम बंगाल,	सदस्य दिनांक से वर्तमान तिथि तक
13.	**डॉ. कामेश्वर प्रसाद,** मकान नंबर 224, हौज़ खास अपार्टमेंट, अरबिंदो रोड, नई दिल्ली-110016	सदस्य दिनांक 09.03.2022 से वर्तमान तिथि तक
14.	**डॉ. प्रेम नायर** चिकित्सा निदेशक, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, एलमक्करा पीओ, कोच्चि-682041, केरल नासिक-422 004	सदस्य दिनांक 09.03.2022 से वर्तमान तिथि तक
15.	**डॉ. एस वेंकटेश** प्रधान सलाहकार आर.नं.501, न्यू एपिडेमियोलॉजी ब्लॉक, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, 22, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-110054	सदस्य दिनांक 06.12.2021 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 12 1/10/2026 12:32:58 PM

16. **श्री जयदीप कुमार मिश्रा** — सदस्य
अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार
भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011
(दिनांक 4.10.2022 से वर्तमान तिथि तक)

17. **प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** — सदस्य-सचिव
निदेशक, एम्स
(दिनांक 23.09.2022 से वर्तमान तिथि तक)

शासी निकाय (दिनांक 01.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. **श्री जे.पी. नड्डा** — अध्यक्ष
दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक
श्री मनसुख मंडाविया के स्थान पर
दिनांक 28.04.2022 से 22.08.2024 तक

2. **सुश्री बांसुरी स्वराज, सांसद (लोकसभा)** — सदस्य
दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक
श्री मनोज कुमार तिवारी के स्थान पर
दिनांक 06.12.2021 से 22.08.2024 तक

3. **सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव** — सदस्य
दिनांक 01.10.2024 से वर्तमान तिथि तक
श्री अपूर्व चंद्रा के स्थान पर
01.01.2024 से 30.09.2024 तक

4. **श्री विनीत जोशी** — सदस्य
दिनांक 20.01.2025 से वर्तमान तिथि तक
श्री के. संजय मूर्ति के स्थान पर
दिनांक 06.12.2021 से 19.01.2025 तक

5. **श्री जयदीप कुमार मिश्रा** — सदस्य
दिनांक 04.10.2022 से वर्तमान तिथि तक

6. **डॉ. अतुल गोयल** — सदस्य
दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक

7. **डॉ. कामेश्वर प्रसाद** — सदस्य
दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक

8. **डॉ. प्रांजल मोदी** — सदस्य
दिनांक 28.04.2022 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 13 1/10/2026 12:32:58 PM

9. **प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
10. **प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला**	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
11. **प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.2022 से वर्तमान तिथि तक

वित्त समिति (दिनांक 1.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. **सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव**	अध्यक्ष दिनांक 01.10.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री अपूर्व चंद्रा के स्थान पर** दिनांक 01.01.2024 से 30.09.2024 तक
2. **श्री सुरेंद्र सिंह नागर, सांसद (राज्यसभा)**	सदस्य दिनांक 25.09.2024 से वर्तमान तिथि तक **डॉ. अनिल जैन के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 24.09.2024 तक
3. **श्री विनीत जोशी**	सदस्य दिनांक 20.01.2025 से वर्तमान तिथि तक **श्री के. संजय मूर्ति के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 19.01.2025 तक
4. **डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य दिनांक 25.2.2022 से वर्तमान तिथि तक
5. **श्री जयदीप कुमार मिश्रा**	सदस्य दिनांक 4.10.2022 से वर्तमान तिथि तक
6. **डॉ. के विजय राघवन**	सदस्य दिनांक 06.12.2021 से वर्तमान तिथि तक
7. **डॉ. प्रांजल मोदी**	सदस्य दिनांक 04.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
8. **प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.22 से वर्तमान तिथि तक

स्थायी शैक्षिक समिति (दिनांक 1.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. **डॉ. प्रांजल मोदी**	अध्यक्ष दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 14 1/10/2026 12:32:58 PM

2. डॉ. अतुल गोयल	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
3. प्रोफेसर योगेश सिंह	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
4. श्री जयदीप कुमार मिश्रा	सदस्य दिनांक 4.10.2022 से वर्तमान तिथि तक
5. प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से
6. डॉ. प्रेम नायर	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से
7. श्री विनीत जोशी	सदस्य
8. प्रोफेसर एम. श्रीनिवास निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.22 से वर्तमान तिथि तक

स्थायी संपदा समिति (दिनांक 01.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. श्री सुरेंद्र सिंह नागर, सांसद (राज्यसभा)	अध्यक्ष दिनांक 25.09.2024 से वर्तमान तिथि तक **डॉ. अनिल जैन के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 24.09.2024 तक
2. सुश्री बांसुरी स्वराज, सांसद (लोकसभा)	सदस्य दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री मनोज कुमार तिवारी के स्थान पर** 06.12.2021 से 22.08.2024 तक
3. डॉ. अतुल गोयल	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
5. प्रोफेसर योगेश सिंह	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
6. श्री जयदीप कुमार मिश्रा	सदस्य दिनांक 4.10.2022 से वर्तमान तिथि तक
7. प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से प्रभावी
8. प्रोफेसर एम. श्रीनिवास निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.22 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 15 1/10/2026 12:32:58 PM

स्थायी अस्पताल मामले संबंधी समिति (दिनांक 01.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. श्री सुरेंद्र सिंह नागर, सांसद (राज्यसभा)	अध्यक्ष दिनांक 25.09.2024 से वर्तमान तिथि तक **डॉ. अनिल जैन के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 24.09.2024 तक
2. श्री हरेन्द्र मलिक, सांसद (लोकसभा)	सदस्य दिनांक 23.08.2024 से वर्तमान तिथि तक **श्री रमेश बिधूड़ी के स्थान पर** दिनांक 06.12.2021 से 22.08.2024 तक
3. डॉ. के. विजय राघवन	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
4. डॉ. अतुल गोयल	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
5. डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
6. डॉ. कामेश्वर प्रसाद	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
7. प्रोफेसर योगेश सिंह	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
8. प्रोफेसर एम. श्रीनिवास निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.22 से वर्तमान तिथि तक

चयनसमिति (दिनांक 01.04.2024 से 31.3.2025 तक)

1. डॉ. कामेश्वर प्रसाद	अध्यक्ष दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
2. डॉ. अतुल गोयल	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
3. प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
4. डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य दिनांक 28.4.2021 से वर्तमान तिथि तक
5. प्रोफेसर योगेश सिंह	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 16 1/10/2026 12:32:58 PM

6.	**डॉ. के. विजय राघवन**	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
7.	**डॉ. प्रेम नायर**	सदस्य दिनांक 28.4.2022 से वर्तमान तिथि तक
8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव दिनांक 23.9.22 से वर्तमान तिथि तक

2_INSTITUTE BODY Annual report 2024-2025 - HINDI.indd 17 1/10/2026 12:32:58 PM

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

के के वर्मा

सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

राकेश लोढ़ा

कुल-सचिव

गिरिजा प्रसाद रथ

शैक्षिक अनुभाग द्वारा एम्स, नई दिल्ली में नीतियाँ एवं योजनाएँ विकसित की जाती है तथा शैक्षिक गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट कार्यक्रम शामिल हैं। ये गतिविधियाँ स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पैरामेडिकल प्रकोष्ठों द्वारा संचालित की जाती हैं।

पिछले तीन वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	2024-25	2023-24	2022-23
1.	एमएससी/एमबायोटेक/एमएससी नर्सिंग (अगस्त)*	103	105	106
2.	एमडी/एमएस/एमडीएस/एमसीएच (प्रत्यक्ष 6 वर्ष)/डीएम (प्रत्यक्ष 6 वर्ष)	480	440	295
3.	डीएम/एमसीएच	222	238	189
4.	पीएचडी	93	57	57
5.	फैलोशिप	36	48	37
6.	एमबीबीएस*	132	132	132
7.	बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक)*	31	36	31
8.	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग*	95	95	94
9.	संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवर पाठ्यक्रम*	52	53	34
	कुल	**1244**	**1204**	**975**

*प्रवेश वर्ष में एक बार किया जाता है।

3_Academic Section.indd 18 1/13/2026 12:39:31 PM

स्नातकपूर्व शिक्षा

यह अनुभाग नए छात्रों हेतु प्रवेश के बाद की औपचारिकताओं को पूरा करता है, पाठ्यक्रम विकसित एवं संशोधित करता है और विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त स्नातक छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन सहित शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। इन पाठ्यक्रमों में एमबीबीएस, बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बीएससी डेंटल हाइजीन, बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट (डीओआरए), बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री, बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम शामिल हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस)

एमबीबीएस पाठ्यक्रम साढ़े पाँच वर्ष की अवधि का है और इसमें तीन चरण तथा एक वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है। विवरण निम्नानुसार है:

चरण	अवधि (वर्ष)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक	परा-नैदानिक
द्वितीय	डेढ़	परा-क्लिनिकल + नैदानिक
तृतीय	दो	नैदानिक
प्रशिक्षण	एक	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रोटेशन

वर्तमान में, एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष 132 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है (45 सामान्य श्रेणी, 36 अन्य पिछड़ा वर्ग, 15 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, 20 अनुसूचित जाति, 9 अनुसूचित जनजाति एवं 7 विदेशी नागरिक)। बेंचमार्क दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूबीडी) हेतु क्षैतिज आधार पर 5% आरक्षण प्रदान किया गया है। विदेशी नागरिकों के छात्रों हेतु कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। वर्ष 2021 से, ये प्रवेश राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से योग्यता के आधार पर किए जाते हैं।

31 मार्च 2025 से,126 प्रशिक्षुओं सहित 675 एमबीबीएस छात्र नामांकित थे। पेशेवर परीक्षाओं के पहले, दूसरे एवं अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नौ मेधावी एमबीबीएस छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

संबद्ध स्वास्थ्य सेवा पेशेवर शिक्षा

वर्ष 2024-2025 में, बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 95 छात्रों (38 सामान्य श्रेणी, 10 ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 14 अनुसूचित जाति, 7 अनुसूचित जनजाति तथा 26 अन्य पिछड़ा वर्ग) को प्रवेश दिया गया। बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) पाठ्यक्रम हेतु 31 छात्रों (15 सामान्य श्रेणी, 5 अनुसूचित जाति, 2 अनुसूचित जनजाति, 9 अन्य पिछड़ा वर्ग) को प्रवेश दिया गया।

विभिन्न बी.एससी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले छात्र निम्नानुसार थे:

अवधि	कुल
ऑप्टोमेट्री में स्नातक	21
रेडियोग्राफी में बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी	10

3_Academic Section.indd 19 1/13/2026 12:39:31 PM

अवधि	कुल
बीएससी ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी	18
बीएससी डेंटल हाइजीन	1
बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट	2

31 मार्च 2025 तक इन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या निम्नानुसार थी:

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक)	59
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	337
परा चिकित्सा	
ऑप्टोमेट्री में स्नातक	79
रेडियोग्राफी में बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी	39
बीएससी ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी	48
बीएससी डेंटल हाइजीन	04
बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट	02

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा कनिष्ठ एवं वरिष्ठ रेजिडेंट सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश एवं प्रशिक्षण से संबंधित सभी गतिविधियों का प्रबंधन किया जाता है। यह फेलोशिप, पीएचडी, डीएम, एमसीएच, एमडी, एमएस, एमडीएस, एमएचए, प्रत्यक्ष 6 वर्षीय एमसीएच और डीएम पाठ्यक्रम, एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) और विभिन्न विषयों में एमएससी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन करता है।

भारतीय नागरिकों के साथ-साथ प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह परीक्षा एमएससी, एमएससी नर्सिंग और एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों को छोड़कर सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। एमएससी, एमएससी नर्सिंग और एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों के लिए यह परीक्षा वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के अंतर्गत विदेशी नागरिकों को भी इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2024-25 में, विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1244 छात्रों को प्रवेश दिया गया। विवरण नीचे दिया गया है:-

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	जनवरी 2025	जुलाई 2024	कुल
1	एमएससी/एम बायोटेक/एमएससी नर्सिंग (अगस्त)*	103	--	103

3_Academic Section.indd 20 1/13/2026 12:39:31 PM

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	जनवरी 2025	जुलाई 2024	कुल
2	एमडी/एमएस/एमडीएस/एम.सीएच/डीएम (सीधे 6 वर्ष)	234	246	480
3	डीएम/एमसीएच	102	120	222
4	पीएचडी	55	**39**	94
5	फैलोशिप	16	20	36
	कुल	**510**	**425**	**935**

*प्रवेश वर्ष में एक बार किया जाता है।

नामांकित स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	नामांकित छात्रों की संख्या
1	पीएचडी	354
2	डीएम	403
3	एमसीएच	213
4	फैलोशिप कार्यक्रम	49
5	एमडी	849
5	एमएस	119
6	एमडीएस	58
7	एमएससी पाठ्यक्रम/एम बायोटेक/ एमएससी नर्सिंग	189
	कुल	**2234**

नामांकित पीएचडी छात्रों का विषयवार वितरण

क्र. सं.	विषय	ओपन	प्रायोजित
1.	शरीर रचना विज्ञान	17	--
2.	जैव रसायन	35	---
3.	जैव भौतिकी	37	---
4.	जैव प्रौद्योगिकी	24	--
5.	हृद जैवरसायन (सीएनसी)	05	

3_Academic Section.indd 21 1/13/2026 12:39:31 PM

क्र. सं.	विषय	ओपन	प्रायोजित
6.	हृद् विज्ञान	02	---
7.	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	06	2
8.	नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान	03	---
9.	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा.प्र. केंद्र)	01	
10.	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	02	1
11.	न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान	04	---
12.	जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	05	---
13.	रुधिर विज्ञान	01	---
14.	प्रयोगशाला चिकित्सा	05	---
15.	प्रयोगशाला चिकित्सा (टीसी)	01	---
16.	प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान	07	---
17.	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)	23	---
18.	चिकित्सा भौतिकी (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)	02	---
19.	सूक्ष्मजैव विज्ञान	08	---
20.	काय चिकित्सा	07	1
21.	राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी)	06	---
22.	तंत्रिका-विकृति विज्ञान (एनएससी)	06	---
23.	तंत्रिका-विज्ञान	12	---
24.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	01	
25.	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	09	
26.	नाभिकीय चिकित्सा	02	---
27.	मौखिक चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान (सीडीईआर)	03	---
28	मौखिक विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान (सीडीईआर)	04	---
29.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	01	---
30.	नेत्र विज्ञान (रा.प्र.कें.)	04	---

3_Academic Section.indd 22 1/13/2026 12:39:31 PM

क्र. सं.	विषय	ओपन	प्रायोजित
31.	नेत्र जैव रसायन (डॉ रा.प्र. केंद्र)	03	---
32.	नेत्र रोग विज्ञान (डॉ रा.प्र. केंद्र)	02	---
33.	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ रा.प्र. केंद्र)	03	---
34.	बाल शल्य चिकित्सा	01	1
35.	बाल चिकित्सा	06	---
36.	विकृति विज्ञान	17	---
37.	भेषजगुण विज्ञान	11	---
38.	शरीर क्रिया विज्ञान	23	---
39.	प्लास्टिक पुनर्निर्माण एवं बर्न सर्जरी	01	
40.	निवारक अर्बुदविज्ञान (आईआरसीएच)	01	
41.	निवारक अर्बुदविज्ञान (एनसीआई, झज्जर)	03	
42.	मनोचिकित्सा	11	---
43.	विकिरण अर्बुदविज्ञान	---	1
44.	फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	03	---
45.	प्रजनन जैवविज्ञान	14	---
46.	मूल कोशिका	03	---
47.	शल्य चिकित्सा	---	
48.	शल्य चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)	01	---
49.	प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान	01	---
	कुल	**347**	**6**

नामांकित डीएम छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	डीएम	ओपन	प्रायोजित
1	व्यसन मनोचिकित्सा (एनडीडीटीसी)	12	1
2	मनोदैहिक चिकित्सा	1	0
2	हृद शल्य चिकित्सा एवं गहन उपचार (सीटीवीएस)	7	0

3_Academic Section.indd 23 1/13/2026 12:39:31 PM

क्र.सं.	डीएम	ओपन	प्रायोजित
3	हृद संवेदनाहरण एवं गहन उपचार	13	1
4	हृद् विज्ञान	22	0
5	नैदानिक रूधिर विज्ञान	11	3
6	नैदानिक चिकित्सा विज्ञान	2	0
7	संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार	24	2
8	अंतःस्त्राविका	8	3
9	जठरांत्ररोग विज्ञान	22	1
10	रूधिर-विकृति विज्ञान	8	3
11	चिकित्सा एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान	8	0
12	चिकित्सा आनुवंशिकी	8	0
13	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	28	3
14	नवजात शिशु विज्ञान	9	1
15	वृक्क विज्ञान	13	0
16	तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार	18	2
17	तंत्रिका-विज्ञान	35	2
18	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी	6	0
19	अर्बुद-संवेदनाहरण, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.	22	0
20	बाल हृद् रोग विज्ञान	5	0
21	बाल अंत:स्राविकी	4	2
22	बाल वृक्क विज्ञान	4	1
23	बाल तंत्रिका विज्ञान	9	2
24	बाल पुल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार	4	3
25	बाल अर्बुदविज्ञान	14	1
26	फुफ्फुसीय, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा	12	0

3_Academic Section.indd 24 1/13/2026 12:39:31 PM

क्र.सं.	डीएम	ओपन	प्रायोजित
27	प्रजनन चिकित्सा	6	3
28	थेरेप्यूटिक मेडिसिन	8	0
29	कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन	6	2
	कुल	**349**	**36**

नामांकित एमसीएच (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषयवार वितरण

क्र. सं.	एमसीएच	ओपन	प्रायोजित
1	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	10	---
2	बाल शल्य चिकित्सा	5	---
	कुल	**15**	---

31 मार्च 2025 तक नामांकित एमसीएच का विषयवार वितरण

क्र. सं.	विषय	ओपन	प्रायोजित
1	स्तन, अंतःस्रावी एवं सामान्य सर्जरी	8	0
2	कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी	29	0
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा	13	3
4	स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान	12	1
5	सिर-गर्दन की सर्जरी एवं अर्बुदविज्ञान	11	3
6	मिनिमल एम्सेस सर्जरी और सामान्य सर्जरी	16	2
7	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
8	बाल शल्य चिकित्सा	6	1
9	प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जरी	18	3
10	सर्जिकल अर्बुदविज्ञान	15	2
11	आघात सर्जरी एवं गहन उपचार	14	3
12	मूत्ररोग विज्ञान	17	2
	कुल	**176**	**22**

3_Academic Section.indd 25 1/13/2026 12:39:31 PM

नामांकित फेलोशिप छात्रों का विषयवार वितरण

	विषय	ओपन	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार-पीड़ा चिकित्सा	7	1
2	हृद संवेदनाहरण एवं गहन उपचार-बाल हृद संवेदनाहरण	1	---
3	सीएमईटीआई-अंशकालिक नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा	1	---
4	ईएनटी-स्कल बेस सर्जरी	1	---
5	जठरांत्र रोग विज्ञान-उन्नत जठरांत्र एंडोस्कोपी	2	---
6	जठरांत्र रोग विज्ञान-अग्नाशय विज्ञान	1	---
7	जठरांत्र रोग विज्ञान-इंफलेमेट्री आंत्र रोग	2	---
8	जठरांत्र रोग विज्ञान-हेपेटोलॉजी	2	---
9	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान-अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण	1	---
10	तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं तंत्रिका-गहन उपचार	1	---
11	तंत्रिक-शल्य चिकित्सा-स्कल बेस एवं सेरेब्रोवास्कुलर सर्जरी	1	---
12	तंत्रिका-शल्यचिकित्सा-एपिलेप्सी सर्जरी एवं कार्यात्मक तंत्रिका शल्य चिकित्सा	2	---
13	तंत्रिका -शल्यचिकित्सा- रीढ़ की सर्जरी	2	---
14	प्रसूति एवं स्त्री रोग- स्त्री मूत्र रोग	4	---
15	प्रसूति एवं स्त्री रोग - मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम)	1	1
16	प्रसूति एवं स्त्री रोग- न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी	2	---
17	अस्थि रोग - आर्थोस्कोपी	2	---
18	अस्थि रोग - जोइंट रिप्लेसमेंट	1	---
19	अस्थि रोग-पेल्विक-एसिटाबुलर ट्रॉमा	2	---
20	ऑर्थोपेडिक्स-मस्कुलोस्केलेटल अर्बुदविज्ञान	1	---
21	सीडीईआर- क्लेफ्ट एवं क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडॉन्टिक्स	1	---
22	विकिरण-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान - नैदानिक एवं इंटरवेंशनल जीआई विकिरण विज्ञान	2	---

3_Academic Section.indd 26 1/13/2026 12:39:31 PM

	विषय	ओपन	प्रायोजित
23	विकिरण-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान - नैदानिक एवं इंटरवेंशनल पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी	2	--
24	सर्जरी-बैरिएट्रिक एवं चयापचय शल्य चिकित्सा	1	--
25	मूत्ररोग विज्ञान-न्यूनतम इनवेसिव मूत्ररोग विज्ञान (लैप्रोस्कोपिक तथा रोबोटिक्स)	1	--
26	मूत्ररोग विज्ञान-मूत्र-अर्बुदविज्ञान	1	--
27	तंत्रिका विज्ञान-तंत्रिका प्रतिरक्षा विज्ञान	1	--
28	तंत्रिका विज्ञान-स्ट्रोक	1	--
	कुल	**47**	**2**

नामांकित एमडी/एमएस/एमडीएस छात्रों का विषयवार वितरण

	विषय	ओपन	प्रायोजित
1.	संवेदनाहरण विज्ञान	90	3
2.	शरीर रचना	18	--
3.	जैव रसायन	15	--
4.	जैव भौतिकी	16	--
5.	सामुदायिक चिकित्सा	29	3
6.	**कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा एवं एंडोडॉंटिक्स**	11	1
7.	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	23	3
8.	आपातकालीन चिकित्सा	41	3
9.	न्याय चिकित्सा	11	--
10.	जराचिकित्सा	21	3
11.	अस्पताल प्रशासन	11	1
12.	संक्रामक रोग- डी.एम. (प्रत्यक्ष 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	18	--
13.	प्रयोगशाला चिकित्सा	11	--
14.	कायचिकित्सा	66	3
15.	सूक्ष्मजैव विज्ञान	16	--

3_Academic Section.indd 27 1/13/2026 12:39:31 PM

	विषय	ओपन	प्रायोजित
16.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा - एमसीएच (प्रत्यक्ष 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	11	--
17.	नाभिकीय चिकित्सा	21	3
18.	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	51	3
19.	नेत्र विज्ञान	83	2
20.	मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी	11	1
21.	आर्थोडोन्टिक्स	11	3
22.	अस्थि रोग	21	3
23.	कान, नाक एवं गला (ईएनटी)	25	3
24.	बाल शल्य चिकित्सा - एमसीएच (सीधे 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	7	--
25.	बालचिकित्सा	41	3
26.	प्रशामक चिकित्सा	17	1
27.	विकृति विज्ञान	34	1
28.	पेडोन्टिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा	11	--
29.	भेषजगुण विज्ञान	17	--
30.	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	11	2
31.	शरीर क्रिया विज्ञान	20	--
32.	प्रोस्थोडोन्टिक्स	8	1
33.	मनोचिकित्सा	38	3
34.	विकिरण निदान	36	3
35.	रेडियोथेरेपी	16	2
36.	शल्य चिकित्सा	74	3
37.	आधान चिकित्सा	8	--
	कुल	**969**	**57**

3_Academic Section.indd 28 1/13/2026 12:39:31 PM

नामांकित एमएससी छात्रों का विषयवार वितरण

क्र. सं.	एमएससी	ओपन	प्रायोजित
1	चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान	10	--
2	चिकित्सा जैव रसायन	13	--
3	जैव भौतिकी	9	--
4	चिकित्सा भेषजगुण विज्ञान	8	---
5	चिकित्सा शरीर क्रिया विज्ञान	12	---
6	एम जैव प्रौद्योगिकी	35	--
7	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	25	--
8	प्रजनन जैवविज्ञान एवं नैदानिक भ्रूणविज्ञान	12	---
9	कार्डियो वैस्कुलर इमेजिंग एवं एंडोवैस्कुलर टेक्नोलॉजी	6	**---**
	कुल	**130**	**00**

नामांकित एमएससी (नर्सिंग) छात्रों का विषयवार वितरण

क्र. सं.	एमएससी (नर्सिंग)	ओपन	सेवारत उम्मीदवार/एफएन
1	हृदरोग विज्ञान/सीटीवीएस नर्सिंग	8	2
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	8	2
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	5	2
4	मनोरोग नर्सिंग	5	2
5	अर्बुदविज्ञान नर्सिंग	7	2
6	वृक्क विज्ञान नर्सिंग	7	2
7	गहन उपचार नर्सिंग	5	2
	कुल	**45**	**14**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत एवं विदेशों में विभिन्न संगठनों के छात्रों तथा कर्मचारियों हेतु अल्पकालिक, दीर्घकालिक एवं वैकल्पिक प्रशिक्षण का प्रावधान है। वर्ष 2024-25 के दौरान, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक 449 व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:-

3_Academic Section.indd 29 1/13/2026 12:39:32 PM

क्र. सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पकालिक प्रशिक्षण: भारतीय नागरिक	365
2	अल्पकालिक प्रशिक्षण: विदेशी नागरिक	23
3	दीर्घकालिक प्रशिक्षण: भारतीय नागरिक	06
4	वैकल्पिक प्रशिक्षण: विदेशी नागरिक (स्नातकपूर्व छात्र)	55
5	डब्ल्यूएचओ फेलो: भारतीय नागरिक	---
6	डब्ल्यूएचओ फेलो: विदेशी नागरिक	---

समिति की बैठकें

वर्ष 2024-25 के दौरान, शैक्षिक अनुभाग ने शैक्षिक समिति, कर्मचारी परिषद, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय एवं अनुसंधान प्रस्तुतियों की बैठकें आयोजित कीं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1	शैक्षिक समिति	02
2	कर्मचारी परिषद	02
3	संकायाध्यक्ष समिति	02
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	07
5.	व्याख्यान	9

सेट सुविधा
(कौशल, ई-लर्निंग एवं टेलीमेडिसिन)

आचार्य अंबुज रॉय	अध्यक्ष, सेट सुविधा
आचार्य कल्पना लूथरा	प्रभारी-आचार्य (ई-लर्निंग)
आचार्य रश्मि रामचंद्रन	प्रभारी-आचार्य (कौशल एवं सिमुलेशन)
आचार्य विजय प्रकाश माथुर	प्रभारी-आचार्य (टेलीमेडिसिन सुविधा)
श्री ज्ञान चंद	प्रशासनिक अधिकारी

3_Academic Section.indd 30 1/13/2026 12:39:32 PM



उद्देश्य-

- सिमुलेशन आधारित कौशल-शिक्षण सुविधा स्थापित करना।
- ऑनलाइन शिक्षा और मिश्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सुविधा हेतु एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म विकसित करना।
- पूरे भारत में संस्थानों के बीच सहयोग हेतु टेली-शिक्षा एवं टेली-परामर्श के लिए टेलीमेडिसिन सुविधा।

मुख्य कार्य

- राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, राष्ट्रीय चिकित्सा महाविद्यालय नेटवर्क, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एक परियोजना
- स्वास्थ्य संबंधी वीडियो बनाने हेतु यू-ट्यूब के साथ साझेदारी
- स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा हेतु साझेदारी (पीईपी) के एक भाग के रूप में स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र, नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन के साथ एक संयुक्त कार्यक्रम
- इंडिया मेडट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में एम्स रोबोटिक प्रशिक्षण सुविधा

प्रमुख सुविधाएं

उन्नत वायुमार्ग प्रशिक्षण प्रयोगशाला

1. **छाती एवं फेफड़ों का ऑस्कल्टेशन प्रशिक्षण**
    - आयोजित कुल संख्या - 03
    - कुल नामांकित रेजिडेन्टस - 39
2. **छाती एवं फेफड़ों का ऑस्कल्टेशन प्रशिक्षण- इनसाइट**
    - आयोजित कुल संख्या- 02
    - कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 65

3_Academic Section.indd 31 1/13/2026 12:39:32 PM




अल्ट्रासाउंड स्टीमुलेशन प्रयोगशाला

1. **अल्ट्रासोनोग्राफी (यूएसजी) के नैदानिक उपयोग पर कार्यशाला**
    - आयोजित कुल संख्या- 01
    - कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स- 26
2. **पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) कार्यशाला - इनसाइट**
    - आयोजित कुल संख्या- 02
    - कुल नामांकित उम्मीदवार - 38
3. **लक्षणों से निदान तक: यूएसजी का उपयोग**
    - आयोजित कुल संख्या- 03
    - कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स- 57
4. **मेडिसिन रेजिडेंट्स हेतु यूएसजी कार्यशाला**
    - आयोजित कुल संख्या- 01
    - कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स- 15




3_Academic Section.indd 32 1/13/2026 12:39:32 PM

कौशल प्रयोगशाला

1. **स्नातकपूर्व छात्रों**

   क. स्नातक छात्रों हेतु कौशल-आधारित शिक्षा, जिसे पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है

   ख. कार्यक्रम चौथे सेमेस्टर में मिश्रित ऑनलाइन एवं व्यावहारिक शिक्षण पद्धति का उपयोग करके शुरू होता है

   - कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या- 28
   - उपस्थित छात्रों की संख्या - 517

2. **नर्सिंग छात्र**

   - नर्सिंग कॉलेज के छात्रों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम - 42
   - उपस्थित छात्रों की संख्या - 1230

3. **नर्सिंग स्टाफ**

   क. कार्डियक रिससिटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीआरटीपी) पाठ्यक्रम

   - आयोजित कुल संख्या - 24
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 564

   ख. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी) द्वारा आईपीसी प्रथाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

   - आयोजित कुल संख्या - 12
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 429

   ग. बीएलएस एवं एसीएलएस प्रशिक्षण अस्पताल प्रशासन

   - आयोजित कुल संख्या - 08
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 233

   घ. आईआरसीएच हेतु बीएलएस प्रशिक्षण

   - आयोजित कुल संख्या - 03
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 64

   ङ. नर्सिंग इंडक्शन प्रोग्राम - बेसिक लाइफ सपोर्ट

   - आयोजित कुल संख्या - 08
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 228

   च. नर्सिंग प्रेरण कार्यक्रम - बुनियादी कौशल प्रशिक्षण

   - आयोजित कुल संख्या - 02
   - कुल नामांकित उम्मीदवार - 49

3_Academic Section.indd 33 1/13/2026 12:39:32 PM

छ. हज पर प्रतिनियुक्ति हेतु नर्सों/तकनीशियनों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 09

ज. स्तन कैंसर जागरूकता पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 96

झ. आपातकालीन चिकित्सा वायुमार्ग कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 36

ञ. कार्यशाला: नर्सिंग उत्कृष्टता के माध्यम से किडनी संबंधी स्वास्थ्य में परिवर्तन

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 29

4. **स्नातकोत्तर छात्र-**

क. सीएमई: मैकेनिकल वेंटिलेशन में बुनियादी एवं हालिया प्रगति

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 80

ख. फिक्स्ड बेनिंग यूकेआर कार्यशाला (ऑर्थो) आर्थ्रोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणा

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 40

ग. मेडिसिन जेआर रेजिडेंट हेतु बीएलएस एवं एसीएलएस प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 04
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 64

घ. सीसीएम जेआर रेजिडेंट्स हेतु बीएलएस प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स-12

ङ. मनोचिकित्सा रेजीडेंटों हेतु बीएलएस प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 10

च. बीएलएस एवं एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम (एएचए मान्यता प्राप्त)

- आयोजित कुल संख्या - 05
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 132

3_Academic Section.indd 34 1/13/2026 12:39:32 PM

छ. आईएपी एएलएस कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 88

ज. सीएनसी रेजिडेन्ट्स हेतु कोड ब्लू प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार-21

झ. कोड ब्लू कार्यान्वयन हेतु सीडीईआर हेतु बीएलएस प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 53

ञ. वायुमार्ग प्रबंधन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 18

ट. आपातकालीन चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण दिवस

- आयोजित कुल संख्या -01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 38

5. **एमसीएच/एमडी/डीएम/सुपर स्पेशियलिटी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम**

क. कार्यशाला; यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन

- आयोजित कुल संख्या - 06
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 76

ख. थीसिस: नीडल निर्देशित प्रोटोटाइप जांच

- आयोजित कुल संख्या - 11
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 22

ग. एमडी परीक्षा आयोजित

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 16

घ. सर्जरी में सीएमई एवं वार्षिक दिवस

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 45

3_Academic Section.indd 35 1/13/2026 12:39:32 PM

ङ. संकाय हेतु सीपीआर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 15

च. चरक डिजिटल हेल्थकेयर मास्टरक्लास ऑन एआई

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि-100

छ. गहन उपचार में हालिया प्रगति

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 68

ज. ईबीयूएस: एंडो-ब्रोन्कियलअल्ट्रासाउंड पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 08

6. **सेट सुविधा में स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा हेतु साझेदारी (पीईपी) कार्यक्रम के तहत चिकित्सा शिक्षा के लिए एम्स-एनएनएफ उत्कृष्टता केंद्र के हिस्से के रूप में आयोजित कार्यशालाएं।**

क्रम	दिनांक	कार्यशाला का शीर्षक	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
1	15 अप्रैल 2024	पीपीटी एनीमेशन कार्यशाला	12
2	8 मई 2024	लक्षणों से निदान तक: यूएसजी का उपयोग	25
3	9 मई 2024	एसएआरएएल कार्यशाला	14
4	11 मई 2024	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	18
5	26 जुलाई 2024	लक्षणों से निदान तक: यूएसजी का उपयोग	17
6	3 अगस्त 2024	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	6
7	14 अगस्त 2024	एसएआरएएल कार्यशाला	7
8	7 सितंबर 2024	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	12

3_Academic Section.indd 36 1/13/2026 12:39:32 PM

क्रम	दिनांक	कार्यशाला का शीर्षक	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
9	25 सितंबर 2024	सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला	15
10	1 अक्टूबर 2024	प्रतिक्रिया एवं सहयोगी उपकरणों के माध्यम से सक्रिय शिक्षण	22
11	3 अक्टूबर 2024	डिजिटल शिक्षा में छात्रों के दृष्टिकोण पर शोध	19
12	4 अक्टूबर 2024	स्वास्थ्य सेवा शिक्षा में एआई	47
13	5 अक्टूबर 2024	मिश्रित शिक्षा: अनुभव एवं प्रतिक्रिया	9
14	26 अक्टूबर 2024	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	17
15	20 नवंबर 2024	पीपीटी एनीमेशन पर कार्यशाला	13
16	13 और 14 नवंबर 2024	“एम्स संकाय हेतु चिकित्सा शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला”	21
17	11 दिसंबर 2024	मूडल क्विज़ पर कार्यशाला	17
18	18-19 दिसंबर 2024	एम्स संकाय हेतु चिकित्सा शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला (बेसिक स्तर)	23
19	14 दिसंबर 2024	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	8
20	4 से 6 फरवरी, 2025	एम्स संकाय के लिए चिकित्सा शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला (उन्नत स्तर)	28
21	29 जनवरी 2025	लक्षणों से निदान तक: यूएसजी का उपयोग	15
22	1 मार्च 2025	व्यवहार में परिशुद्धता: यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन	18
23	22 मार्च 2025	बाल चिकित्सा पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट-सीएमई	60

3_Academic Section.indd 37 1/13/2026 12:39:32 PM



पीईपी कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की एक झलक

7. **अन्य**

आम लोगों (एम्स कर्मचारियों) हेतु केवल संपीड़न जीवन समर्थन-सीपीआर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 18
- कुल नामांकित छात्र - 418

एम्स में कार्यरत तकनीशियनों/पैरामेडिक्स को बेसिक कार्डियोपल्मोनरी लाइफ सपोर्ट (बीसीएलएस)-सीपीआर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 08
- कुल नामांकित छात्र - 136

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन स्टाफ (एसआर, जेआर, नर्स, पैरामेडिक्स एवं तकनीशियन) हेतु बीएलएस प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 04
- कुल नामांकित छात्र-82

आपातकालीन चिकित्सा डॉक्टरों एवं नर्सों हेतु सीआरटीपी

- आयोजित कुल संख्या - 04
- कुल नामांकित छात्र - 192

3_Academic Section.indd 38 1/13/2026 12:39:32 PM

सेट सुविधा में स्नातक छात्रों हेतु सायंकालीन कौशल प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 16
- कुल नामांकित छात्र - 129

बीएलएस एवं एसीएलएस प्रशिक्षण इनसाइट कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित छात्र - 111

नवजात पुनर्जीवन इनसाइट कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित छात्र - 60

प्रसूति कौशल प्रशिक्षण इनसाइट कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित छात्र - 38

व्यापक चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण इनसाइट कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 04
- कुल नामांकित छात्र - 180

सीएपीएफआईएमएस: नर्सिंग अधिकारियों के लिए ओएससीई स्क्रीनिंग

- आयोजित कुल संख्या - 07
- कुल नामांकित छात्र - 122

बुनियादी जीवन समर्थन/केवल संपीड़न जीवन समर्थन प्रशिक्षण (संस्थान दिवस पर)

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित छात्र - 131

स्कूली छात्रों हेतु बुनियादी जीवन समर्थन/केवल संपीड़न जीवन समर्थन प्रशिक्षण (संस्थान दिवस पर)

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित छात्र - 60

गंभीर कैंसर की रोकथाम हेतु प्राथमिक उपचार को मजबूत करना (जन स्वास्थ्य नर्स)

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित उम्मीदवार - 62

3_Academic Section.indd 39 1/13/2026 12:39:32 PM

स्किल लैब में प्रशिक्षण



वेट लैब

1. **स्नातकपूर्व छात्र**
    - कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या- 29
    - विभिन्न सत्रों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या-596
2. **नर्सिंग एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ**

    एचआईसीसीओएम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) प्रेरण कार्यक्रम
    - कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या - 12
    - उपस्थित नर्सिंग स्टाफ की संख्या - 429
3. **स्नातकोत्तर छात्र-**

    आर्थोस्कोपी पर कार्यशाला।
    - आयोजित कुल संख्या - 01
    - कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स- 10

3_Academic Section.indd 40 1/13/2026 12:39:33 PM

थर्ड स्पेस एंडोस्कोपी पर कार्यशाला - पशु मॉडल

- आयोजित कुल संख्या-02
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स -20

अग्नाशयी जेजुनल एनास्टोमोसिस कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 04
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 20

प्रशिक्षण कार्यशाला "लक्षण से निदान तक" यूएसजी का उपयोग

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 40

"अपनी कक्षा में मिश्रित शिक्षण का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे करें" विषय पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 14

संवहनी आईआर पर सीएमई

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 94

ईयूएस एलएएमएस/एफएनबी कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 10

"पीड्स पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट मैनेजमेंट" पर व्यावहारिक जानकारी

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित रेजिडेन्ट्स - 60

क. कोलपोस्कोपी और सी/एन के उपचार में कौशल बढ़ाने वाला पाठ्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 73

ख. आईएपी एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 88

3_Academic Section.indd 41 1/13/2026 12:39:33 PM

ग. एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी 2024

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 35

घ. पीओईएम कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 04

ङ. पायलोप्लास्टी, एंडो ट्रेनर, रोबोटिक प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 15

एंडो ट्रेनर

- सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कुल उपस्थित रेजिडेन्ट्स - 279

सिमुलेशन पर रोबोटिक प्रशिक्षण

- सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कुल उपस्थित रेजिडेन्ट्स -124

रोबोटिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल उपस्थित रेजिडेन्ट्स - 01

4. एमसीएच/एमडी/डीएम/सुपर स्पेशियलिटी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-

च. ह्यूगो रास सिमुलेशन

- सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कुल नामांकित प्रतिनिधि-53

छ. ह्यूगो रास ऊतक कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 11
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 35

ज. 3डी मॉडल पर रोबोटिक प्रशिक्षण - माइक्रोसर्जरी वैस्कुलर एनास्टोमोसिस

- आयोजित कुल संख्या - 03
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 09

3_Academic Section.indd 42 1/13/2026 12:39:33 PM

झ. ह्यूगो रास कैडेवरिक कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 13
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 37

ञ. "हैंडहेल्ड रोबोटिक उपकरण" पर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 02
- कुल नामांकित प्रतिनिधि-06

ट. एसईएलएसआई का राष्ट्रीय सम्मेलन: रोबोटिक सर्जरी

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 40

ठ. "सौंदर्य सर्जरी प्रदर्शन" पर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 20

ड. कैडवरिक कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 03
- कुल नामांकित प्रतिनिधि-77

ढ. एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी 2024

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 35

ण. स्टेपलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 20

त. इंट्रावस्कुलर एनास्टोमोसिस पर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 03

थ. किडनी हार्वेस्टिंग पर लैप कैडेवरिक कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 18

द. हाल ही में गहन उपचार प्रबंधन पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01

3_Academic Section.indd 43 1/13/2026 12:39:33 PM

- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 35

ध. पैरामेडिक्स हेतु आपातकालीन चिकित्सा पर प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 43

न. एंडोब्रोन्कियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि- 50

प. हृदय अनुसंधान सम्मेलन

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 100

फ. ईईजी, तंत्रिका विज्ञान पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि - 100

वेट प्रयोगशाला में प्रशिक्षण



3_Academic Section.indd 44 1/13/2026 12:39:33 PM

उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा

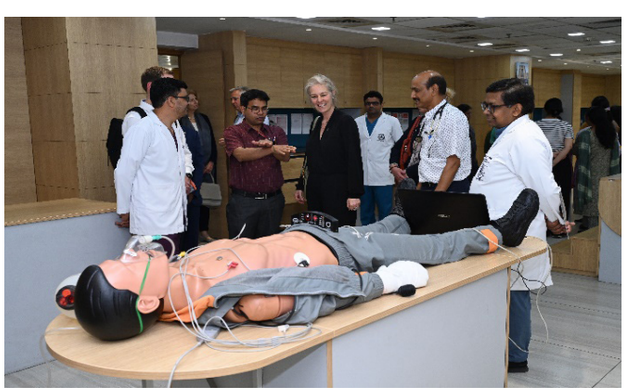
डेनमार्क के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों का दौरा:




यूके की कील यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों का दौरा:




स्वास्थ्य, कल्याण एवं खेल मंत्रालय, नीदरलैंड:




3_Academic Section.indd 45 1/13/2026 12:39:33 PM

नीदरलैंड के स्वास्थ्य, कल्याण एवं खेल मंत्रालय के प्रतिनिधियों का दौरा:
यू ट्यूब टीम द्वारा सेट सुविधा का दौरा






नीति आयोग के प्रतिनिधियों का दौरा:




3_Academic Section.indd 46 1/13/2026 12:39:33 PM

बीएचयू के प्रतिनिधियों का दौरा:





नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) की गतिविधियाँ

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार, नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) पर टेलीमेडिसिन समेत ई-हेल्थ पर एक ग्रीन फ़ील्ड परियोजना लागू कर रही है। इसका उद्देश्य देश भर के मेडिकल कॉलेजों को ई-शिक्षा और ई-स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन नेटवर्क से जोड़ना है।

एनएमसीएन परियोजना ऑनलाइन मौजूद मेडिकल कंटेंट को पुनर्गठन और सुधार करने और सभी मेडिकल प्रोफ़ेशनल्स के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा को आसान बनाने के लिए प्रक्रियाधीन है। इस उद्देश्य के लिए एमओएचएफडब्ल्यू ने स्नातकपूर्व मेडिकल छात्रों के लिए एक लर्निंग मैनेजमेंट इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम (एलएमआईएस)-सक्षम बनाया है। एम्स (नई दिल्ली, भोपाल, ऋषिकेश), पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जिपमैर, पुडुचेरी समेत पूरे भारत में 150 से ज़्यादा बड़े मेडिकल कॉलेज ई-लर्निंग के लिए कंटेंट विकसित करने में मदद कर रहे हैं।

एनएमसीएन-सक्षम

अपलोड किए गए पाठ्यक्रम

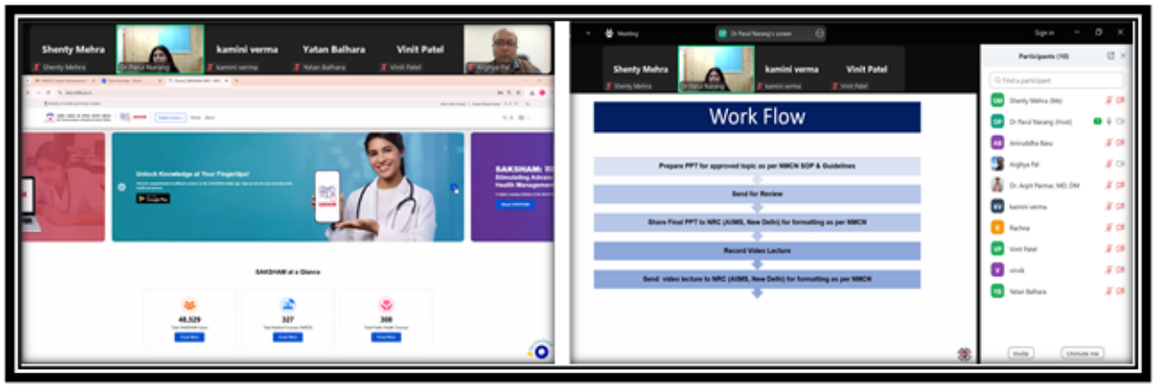
पाठ्यक्रम	**339**
पाठ	**495**

संकाय सदस्य एवं छात्र अभिविन्यास सत्र

संकाय सदस्य को ई-लर्निंग कंटेंट बनाने, एसओपीज और गाइडलाइन्स के बारे में बताने के लिए, एनआरसी एवं आरआरसीज में फेस-टू-फेस और ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए। ये सत्र संकाय सदस्य के सवालों को हल करने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझने में मदद करते हैं। इसके अलावा, बातचीत से संकाय सदस्य को नए आइडिया और सुझाव देने का मौका मिलता है।

3_Academic Section.indd 47 1/13/2026 12:39:33 PM

1. मनोचिकित्सा संकाय सदस्य के साथ संकाय अभिविन्यास सत्र, एनडीडीटीसी, 29 जनवरी 2025



2. एम्स, ऋषिकेश में संकाय अभिविन्यास सत्र, 17-18 जनवरी 2025



1. एम्स, ऋषिकेश में छात्र अभिविन्यास सत्र, 17-18 जनवरी 2025

एम्स, नई दिल्ली (एनआरसी-एनएमसीएन) ने एम्पावर स्कूल ऑफ़ हेल्थ के सपोर्ट से एक दिलचस्प छात्र-केंद्रित एडवोकेसी कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य सक्षम एनएमसीएन लर्निंग मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एलएमआईएस) के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पंजीकरण को बढ़ावा देना था। इस पहल के लिए विशेष तौर पर एम्स ऋषिकेश के एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों को लक्षित किया गया। दो दिनों तक चले इस आयोजन में तीन इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र थे, जिनमें से हर एक में दो अलग-अलग प्रारूप थे: एक पूर्वनियोजित प्रश्नोत्तरी और एक तात्कालिक प्रश्नोत्तरी सत्र। इन सत्रों में छात्रों की मेडिकल और नर्सिंग शिक्षण की जानकारी का परीक्षण किया गया, साथ ही उन्हें सक्षम एनएमसीएन एलएमआईएस की विशेषताओं और लाभ से भी परिचित कराया गया। डायनोमिक प्रश्नोत्तरी प्रारूप ने छात्रों की सक्रिय रूप से सहभागिता को बढ़ावा दिया, एक प्रतिस्पर्धात्मक लेकिन शिक्षण माहौल बनाया को बढ़ावा दिया और भावी स्वास्थ सेवाकर्ताओं के बीच इस प्लेटफॉर्म में दिलचस्पी पैदा की।

आयोजन की मुख्य विशिष्टताएं और प्रभाव

यह आयोजन बहुत सफल रहा, जिससे सक्षम एनएमसीएन एलएमआईएस प्लेटफॉर्म पर इसकी दृश्यता और उपयोगकर्त्ताओं संलग्नता में अत्यधिक वृद्धि हुई।

- आयोजन के दौरान सक्षम एलएमआईएस पर एनएमसीएन कोर्स के लिए 162 नए यूज़र ने पंजीकरण किया, जो प्लेटफॉर्म के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

3_Academic Section.indd 48 1/13/2026 12:39:33 PM

- प्रश्नोत्तरी में छात्रों में बहुत उत्साह दिखा, जिसमें नर्सिंग और एमबीबीएस दोनों प्रोग्राम के छात्रों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया, जिससे सहभागिता का स्तर काफ़ी ज़्यादा दिखा।
- इस आयोजन ने सक्षम एनएमसीएन एलएमआईएस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सुलभ, अच्छी गुणवत्ता वाले डिजिटल शिक्षण संसाधन के माध्यम से चिकित्सा मेडिकल शिक्षण को बेहतर बनाने में इसके महत्व को बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



2. एम्स, कल्याणी में संकाय अभिविन्यास सत्र, 14 दिसंबर 2025



एम्स, ऋषिकेश में संकाय अभिविन्यास सत्र, 4-5 जुलाई 2024



3_Academic Section.indd 49 1/13/2026 12:39:33 PM

क्षमता निर्माण और पुनश्चर्या प्रशिक्षण तथा कार्यशाला

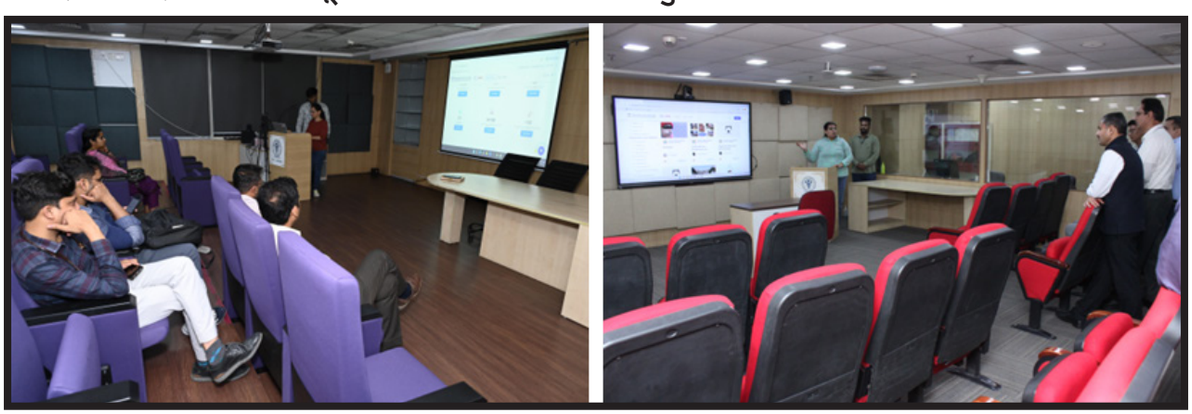
1. एम्स, नई दिल्ली में कंटेंट निर्माण और एनिमेशन टीम के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग, 13 फरवरी 2025



1. एम्स, नई दिल्ली में एनिमेशन और कंटेंट निर्माण टीम के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग, 28 मई 2024



पीजीआई चंडीगढ़ और बीएचयू के संकाय सदस्य ने सेट सुविधा का दौरा किया



एम्स के यू ट्यूब चैनल के लिए हेल्थ जागरूकता वीडियो

एम्स, दिल्ली और यू ट्यूब के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत, विशेष स्वास्थ्य स्थितियों पर 21 स्वास्थ्य जागरूकता वीडियो बनाए जाएंगे, जिन्हें एम्स के यू ट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गलत जानकारी को असरदार तरीके से दूर करते हुए, अलग-अलग हेल्थ समस्याओं के बारे में लोगों की समझ को बढ़ाना है। वीडियो ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध होंगे।

3_Academic Section.indd 50 1/13/2026 12:39:34 PM

अभी तक, 10 वीडियो बनाए गए हैं और वर्तमान में उन्हें अपलोड करने के लिए समीक्षा और तैयारी चल रही है। ये वीडियो चिकित्सा जानकारी के एक विश्वसनीय स्रोत के तौर पर काम करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि लोगों को एक भरोसेमंद संस्थान से सटीक और सत्यापित सामग्री प्राप्त हो।



टेलीमेडिसिन सेवाएं

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के लिए गतिविधियों का विवरण

क्र. सं.	टेलीमेडिसिन	संख्या
1	परीक्षाएं - डीएम मूल्यांकन, पीएचडी मौखिक परीक्षा	9
2	शासी निकाय की बैठक	1
3	अतिथि व्याख्यान	3
4	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	1
5	साक्षात्कार - संकाय सदस्य एपीएस एवं संविदात्मक	28
6	बैठक	24
7	ऑनलाइन व्याख्यान	2
8	भाषण	6
9	जन व्याख्यान	11
10	संगोष्ठी	3
11	टेली परामर्श	7
12	टेली-साक्ष्य	5
13	प्रशिक्षण	1

3_Academic Section.indd 51 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	टेलीमेडिसिन	संख्या
14	कार्यशाला	2
15	सीधा प्रसारण	24
16	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	60
17	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	23
18	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	8

एम्स यूट्यूब गतिविधियाँ

यूट्यूब चैनल का नाम: एम्स_टेलीमेडिसिन

अवधि: 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025

क्र	गतिविधियाँ	विषय का शीर्षक	दिनांक	दर्शक	विभाग
1	संगोष्ठी	अल्जाइमर रोग में बायोमार्कर पर संगोष्ठी	9 अप्रैल 2024	350	तंत्रिका विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
2	जन व्याख्यान	पार्किंसंस रोग जागरूकता कार्यक्रम	18 अप्रैल 2024	948	प्रोटोकॉल प्रभाग
3	जन व्याख्यान	ऑटिज़्म के विभिन्न रंग - आइए इस पहेली को सुलझाते हैं	22 अप्रैल 2024	1571	प्रोटोकॉल प्रभाग
4	स्वच्छता पखवाड़ा 3 0	-	15 मई 2024	397	डॉ. बीआर अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
5	जन व्याख्यान एवं पैनल चर्चा	गर्मी से संबंधित बीमारी	21 मई 2024	1388	प्रोटोकॉल प्रभाग
6	जन व्याख्यान	उच्च रक्तचाप	24 मई 2024	4278	प्रोटोकॉल प्रभाग
7	जन व्याख्यान	मल्टीपल स्क्लेरोसिस	3 जून 2024	1568	प्रोटोकॉल प्रभाग
8	राष्ट्रीय सम्मेलन	सिकल सेल रोग के बारे में जागरूकता पैदा करना	19 जून 2024	867	ज्ञान साथी बिरसा मुंडा केंद्र के सहयोग से जनजातीय कार्य मंत्रालय

3_Academic Section.indd 52 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र	गतिविधियाँ	विषय का शीर्षक	दिनांक	दर्शक	विभाग
9	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह	21 जून 2024	1298	एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर)
10	जन व्याख्यान	फ्रेडरिक अटैक्सिया रिसर्च एलायंस	25 जून 2024	783	तंत्रिका-विज्ञान
11	जन व्याख्यान	कॉस्मेटिक शल्य-चिकित्सा और बाल प्रत्यारोपण से जुड़े मिथक	15 जुलाई 2024	519	त्वचा विज्ञान
12	जन व्याख्यान	भारत में हेपेटाइटिस	29 जुलाई 2024	664	प्रोटोकॉल प्रभाग
13	ऑनलाइन व्याख्यान	दंत चिकित्सा और कपाल-चेहरे के अनुसंधान में बिग डेटा अध्ययन	9 अगस्त 2024	388	जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा
14	जन व्याख्यान	विटिलिगो (ल्यूकोडर्मा)	13 अगस्त 2024	1378	प्रोटोकॉल प्रभाग
15	ऑनलाइन व्याख्यान	दंत जन स्वास्थ्य एवं प्रौद्योगिकी	20 सितंबर 2024	279	जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा
16	एम्स का 69वां स्थापना दिवस समारोह	नई दिल्ली स्थित एम्स के 69वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन	25 सितंबर 2024	2,012	एम्स
17	संस्थान दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम	एम्स सांस्कृतिक समिति	25 सितंबर 2024	3,999	एम्स
18	जन व्याख्यान	दृष्टिहीनता की रोकथाम में आपको क्या जानना चाहिए	9 अक्टूबर 2024	697	प्रोटोकॉल प्रभाग
19	जन व्याख्यान	आघात	28 अक्टूबर 2024	1,092	प्रोटोकॉल प्रभाग
20	व्याख्यान	डॉ. ओपी घई स्मृति व्याख्यान	9 नवंबर 2024	669	बाल चिकित्सा

3_Academic Section.indd 53 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र	गतिविधियाँ	विषय का शीर्षक	दिनांक	दर्शक	विभाग
21	डॉ. एल.के. भूटानी व्याख्यान	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, त्वचा रोग विज्ञान विभाग, रवींद्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान	18 जनवरी 2025	189	शैक्षिक अनुभाग
22	अतिथि व्याख्यान	चतुर्थ एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस 2025 के मुख्य अतिथि का व्याख्यान	31 जनवरी 2025	141	अनुसंधान अनुभाग
23	विदाई समारोह	विदाई समारोह	31 जनवरी 2025	763	बाल चिकित्सा
24	एम्स हीरक जयंती व्याख्यान	आधुनिक चिकित्सा के चमत्कार और वैश्विक स्वास्थ्य का भविष्य - चार महाद्वीपों में करियर से सीख"	1 फ़रवरी 2025	215	शैक्षिक एवं अनुसंधान अनुभाग
25	एम्स रजत जयंती व्याख्यान	एम्स रजत जयंती व्याख्यान: चौथा एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस 2025 "चिकित्सा शिक्षा और जन स्वास्थ्य"	3 फ़रवरी 2025	48	शैक्षिक एवं अनुसंधान अनुभाग
26	डॉ. एस.के. कैकर का व्याख्यान	न्यूनतम इनवेसिव ट्रांस-नेजल एंडोस्कोपिक सीएसएफ लीक क्लोजर - 4 दशकों में 500 मामलों के अनुभव से सीखे गए सबक	21 फ़रवरी 2025	769	शैक्षिक एवं अनुसंधान अनुभाग
27	सर्वेश्वरी स्मृति व्याख्यान	सुनियोजित तरीके से रूढ़ियों को तोड़ना	27 फ़रवरी 2025	149	शैक्षिक अनुभाग
28	6वां डॉ. पीएन टंडन व्याख्यान	मौन की शक्ति - मस्तिष्क में एचआईएफयू	28 फरवरी 25	44	शैक्षिक अनुभाग
29	अतिथि व्याख्यान	संगोष्ठी - वेसिकोयूरेटेरल रिफ्लक्स (वीयूआर) पर अद्यतन	2 मार्च 2025	720	बाल शल्य-चिकित्सा
30	स्वास्थ्य शिक्षा	दिल के दौरे के लक्षण, निदान, उपचार और रोकथाम	5 मार्च 2025	161	एम्स नई दिल्ली

3_Academic Section.indd 54 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र	गतिविधियाँ	विषय का शीर्षक	दिनांक	दर्शक	विभाग
31	स्वास्थ्य शिक्षा	प्रारंभिक पहचान और तात्कालिक प्रतिक्रिया	5 मार्च 2025	102	एम्स नई दिल्ली
32	आचार्य सरिंदर मान सिंह व्याख्यान	प्रोस्टेट कैंसर के जैव रासायनिक पुनरावृत्ति का मूल्यांकन और उपचार: रोग की जैविक प्रक्रियाओं और अन्य जोखिमों के बीच संतुलन बनाना	6 मार्च 2025	214	मूत्र विज्ञान एवं शैक्षिक अनुभाग
33	जन व्याख्यान	बाल गठिया विकार	19 मार्च 2025	100	प्रोटोकॉल प्रभाग
34	49वां दीक्षांत समारोह	एम्स, नई दिल्ली का 49वां दीक्षांत समारोह	21 मार्च 2025	43,471	शैक्षिक अनुभाग

एम्स शैक्षिक शिक्षण यूट्यूब गतिविधियाँ: सीसीआर, सीजीआर और सीपीसी
यूट्यूब चैनल का नाम: एम्स टेलीमेडिसिन_1,

अवधि: 01-04-2024 से 31-03-2025

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
1	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	पहेली को सुलझाना: असामान्य तंत्रिका संबंधी पतन और शून्य मामला: लेकिन मदद से वंचित नहीं!!	2 अप्रैल 2024	61	जरा चिकित्सा एवं अस्थि रोग (ट्रॉमा केंद्र)
2	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	कैंसर से संबंधित थ्रोम्बोसिस	2 अप्रैल 2024	111	रुधिर विज्ञान
3	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	त्वचीय टी-सेल लिंफोमा में संपूर्ण त्वचा इलेक्ट्रॉन बीम थेरेपी	9 अप्रैल 2024	39	विकिरण निदान
4	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	एक बदलाव : अनेक प्रभाव	9 अप्रैल 2024	24	नेत्र विज्ञान

3_Academic Section.indd 55 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
5	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	गर्दन के ऊपरी हिस्से में रीढ़ की हड्डी में चोट - क्या यह एक हारी हुई लड़ाई है या उम्मीद की एक किरण?	9 अप्रैल 2024	28	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा (ट्रॉमा केंद्र)
6	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बार-बार होने वाले बुखार का एक दिलचस्प मामला	16 अप्रैल 2024	390	चिकित्सा एकक - II
7	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	पेट में दर्द: जब सभी रास्ते बंद हों, तब सर्जन ही एकमात्र उम्मीद है।	16 अप्रैल 2024	28	शल्य चिकित्सा एकक - द्वितीय
8	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	मुख कैंसर एनसीआई - एम्स ऑडिटिंग अभ्यास, परिणामों में सुधार	16 अप्रैल 2024	122	कान, नाक एवं गला रोग विभाग
9	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	विभिन्न पहलुओं को जोड़कर (बहुविषयक दृष्टिकोण) खनिजों के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करना	23 अप्रैल 2024	233	रुमेटोलॉजी
10	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	प्लेसेंटा एक्रेटा स्पेक्ट्रम (पीएएस): असामान्य प्रस्तुति और असामान्य प्रबंधन	23 अप्रैल 2024	46	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान एकक - I
11	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	वक्षीय चोटें: 15 वर्षों में सीखी गई बातें	23 अप्रैल 2024	194	शल्य-चिकित्सा (जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र)
12	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ और एआरडीएस के मामले में एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) का सफल उपयोग	30 अप्रैल 2024	87	संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

3_Academic Section.indd 56 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
13	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	सिस्टिक पहेली: इंट्राऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके इंसुलर क्षेत्र में न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस का अन्वेषण	30 अप्रैल 2024	3	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा एकक - II
14	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा: डॉ. राजदीप सिंह एमएएमसी, दिल्ली और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. रिमली दत्ता	30 अप्रैल 2024	78	शल्य-चिकित्सा एकक - IV
15	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	उदासी के कोहरे के बीच आशा की धारा टीडीसीएस	6 अगस्त 2024	18	मनोचिकित्सा
16	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	डूबते जहाज में एक छोटे से रिसाव की गाथा	6 अगस्त 2024	83	शल्य-चिकित्सा एकक - V
17	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	हेमोप्टिसिस के उपचार में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी: दो दशकों का टीमवर्क	6 अगस्त 2024	68	विकिरण- निदान
18	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बार-बार होने वाली श्वसन विफलता पर विजय प्राप्त करना: एक यात्रा	27 अगस्त 2024	91	फुप्फुसीय चिकित्सा
19	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	समस्या का समाधान	27 अगस्त 2024	13	अस्थिरोग विज्ञान एकक -II
20	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	नैदानिक चर्चा: डॉ. राजेश गुप्ता, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. रजनी यादव	27 अगस्त 2024	82	जीआई शल्य-चिकित्सा

3_Academic Section.indd 57 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
21	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	इंट्राक्रैनियल एन्यूरिज्म के उपचार के लिए इंट्रासैक्युलर डिवाइस: एक नवीन चिकित्सीय विकल्प	3 सितंबर 2024	134	तंत्रिका विकिरण विज्ञान
22	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	आघातजन्य बाएं पीसीए धमनीविस्फार के एक जटिल मामले का उपचार	3 सितंबर 2024	36	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)
23	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	फेफड़ों के कैंसर में लक्षित चिकित्सा: सटीक चिकित्सा का एक प्रोटोटाइप	3 सितंबर 2024	202	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
24	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	ग्रेव्स रोग में बचाव चिकित्सा के रूप में प्लास्मफेरेसिस	10 सितंबर 2024	140	अंतःस्त्राविका
25	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	क्षति नियंत्रण स्टेंटिंग	10 सितंबर 2024	66	प्लास्टिक शल्य-चिकित्सा
26	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	हाथ की शल्य-चिकित्सा में शल्य चिकित्सा संबंधी अवमानना	10 सितंबर 2024	41	अस्थिरोग
27	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बचपन के मधुमेह पर व्यापक स्ट्रोक से लेकर महीन रेखाओं तक, सटीक चिकित्सा का प्रभाव	17 सितंबर 2024	47	बाल चिकित्सा एकक I
28	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	चयापचय रहस्य: हाइपोग्लाइसीमिया की पहेली को सुलझाना	17 सितंबर 2024	28	शल्य-चिकित्सा एकक VI
29	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	एसोफैजियल कार्सिनोमा: एक दशक में उपचार का विकास	17 सितंबर 2024	63	शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

3_Academic Section.indd 58 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
30	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	कब्ज की आपदा	24 सितंबर 2024	129	जठरान्त्र रोग विज्ञान
31	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	दोहरी समस्या: यकृत और फेफड़े के हाइडैटिड सिस्ट, उपचार में चुनौतियाँ	24 सितंबर 2024	19	जीआई शल्य-चिकित्सा
32	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा: डॉ. अमिता सुनेजा और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. रिद्धि सूद	24 सितंबर 2024	65	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान एकक - तृतीय
33	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	आराम के लिए बहुत कम, तत्वों के टीआरवाईएसटी को जीने के लिए बहुत अधिक	1 अक्टूबर 2024	67	आपात चिकित्सा
34	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	रोबोटिक हैंड्स, तंत्रिकाओं का उपचार: तंत्रिका शल्य चिकित्सा का भविष्य	1 अक्टूबर 2024	13	शल्य-चिकित्सा ट्रॉमा केंद्र
35	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	एक ही क्रिया द्वारा दो धड़कनों को संतुलित करना - गर्भावस्था में हृदय रोग	1 अक्टूबर 2024	76	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान एकक - द्वितीय
36	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	क्षणिक शक्ति: कमजोर मांसपेशियों का एक पेचीदा मामला	8 अक्टूबर 2024	140	चिकित्सा एकक - I
37	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	पैरागैंग्लियोमा: चुनौतियाँ	8 अक्टूबर 2024	27	शल्य-चिकित्सा एकक - I
38	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	बचपन में सूजन संबंधी गठिया: सीमित विकलांगताएं	8 अक्टूबर 2024	44	बाल चिकित्सा एकक - I

3_Academic Section.indd 59 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
39	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	एक सामान्य श्वसन स्थिति का असामान्य कारण	15 अक्टूबर 2024	53	बाल चिकित्सा एकक - III
40	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बाल चिकित्सा सिर-गर्दन म्यूकोर्मिकोसिस का व्यापक उपचार	15 अक्टूबर 2024	19	कान, नाक एवं गला रोग विभाग
41	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	जटिल मस्तिष्क घावों के खिलाफ रक्तहीन निर्णय	15 अक्टूबर 2024	95	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा एकक - II
42	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	आकाशगंगा में एक पेचीदा निदान	22 अक्टूबर 2024	65	रुधिर रोग विज्ञान
43	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	संतुलन बनाना - गर्भावस्था में आने वाली गंभीर चुनौतियों का सामना करना	22 अक्टूबर 2024	41	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान एकक - तृतीय
44	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	ट्रॉमा केंद्र में नाजुक फ्रैक्चर संपर्क सेवाओं की स्थापना: चुनौतियाँ और प्रारंभिक परिणाम	22 अक्टूबर 2024	78	अस्थिरोग (ट्रॉमा केंद्र)
45	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	पारिवारिक किडनी रोग की जटिलता को सुलझाना	29 अक्टूबर 2024	57	वृक्क रोग विज्ञान
46	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	गर्भावस्था के दौरान फियोक्रोमोसाइटोमा: एक नाजुक स्थिति	29 अक्टूबर 2024	30	मूत्ररोग विज्ञान
47	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा: डॉ. जेसी सूरी और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. अनुभव नरवाल	29 अक्टूबर 2024	71	जठरान्त्र रोग विज्ञान
48	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	इम्यूनोथेरेपी उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा क्वांटम ऑफ सोलेस	5 नवंबर 2024	163	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

3_Academic Section.indd 60 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
49	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	जागृत अवस्था में फेफड़ों की शल्य-चिकित्सा: एक नई सुबह	5 नवंबर 2024	11	शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
50	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	तीव्र वैरिकियल रक्तस्राव के उपचार में प्रगति	5 नवंबर 2024	388	कायचिकित्सा एकक - III
51	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	रक्त संबंधी दुर्दमता के लिए त्वचा एक नैदानिक अवसर के रूप में: मल्टीपल मायलोमा के संदर्भ में स्क्लेरोमायक्सेडेमा	12 नवंबर 2024	41	त्वचा रोग विज्ञान
52	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	दोहरी सहक्रिया	12 नवंबर 2024	19	शल्य-चिकित्सा एकक IV
53	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	सिस्टमिक स्क्लेरोसिस में नए आयाम स्थापित करना: एम्स से प्राप्त नैदानिक और चिकित्सीय अंतर्दृष्टि	12 नवंबर 2024	40	रुमेटोलॉजी
54	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	एक सामान्य मामले में असामान्य नेविगेशन नवीनता को उजागर करना	19 नवंबर 2024	131	काय चिकित्सा एकक - III
55	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	क्या मेरी चमक तुम्हारे दिमाग को भ्रमित करती है? आपका एड्रेनल	19 नवंबर 2024	110	शल्य चिकित्सा एकक - III
56	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	फ्लेक्सिन के बारे में कुछ तथ्य: सार्कोपेनिया के मांसपेशीय रहस्य का अनावरण	19 नवंबर 2024	167	कायचिकित्सा एकक - II
57	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	मतिभ्रम	27 नवंबर 2024	101	तंत्रिका-विज्ञान

3_Academic Section.indd 61 1/13/2026 12:39:35 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
58	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	हीरायामा रोग - यह एक ऐसी स्थिति है जिसका इलाज आसानी से संभव है, लेकिन अक्सर इसे मानसिक तंत्रिका रोग (एमएनडी) समझ लिया जाता है।	27 नवंबर 2024	12	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा एकक -I
59	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा : प्रो. पुनीत आईएमएस बीएचयू वाराणसी पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. सोनाली दीक्षित	27 नवंबर 2024	16	शल्य-चिकित्सा एकक - IV
60	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	हृदय पर लगी गंभीर चोट: दो असामान्य मामलें	14 जनवरी 2025	75	हृद रोग विज्ञान
61	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	ट्यूमर का गुर्दे से फेफड़ों तक का सफर	14 जनवरी 2025	25	सीटीवीएस
62	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	रोबोटिक थर्मोकोएगुलेटिव हेमिस्पेरोटॉमी (आरओटीसीएच) - एम्स में विकसित रक्तहीन शल्य-चिकित्सा की एक तकनीक है जिसके द्वारा रक्त विच्छेदन किया जाता है।	14 जनवरी 2025	48	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा एकक -I
63	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	सकल रक्तमेह: एक असामान्य गायब कड़ी	21 जनवरी 2025	33	बाल चिकित्सा एकक - I
64	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बार-बार होने वाली इंट्राथोरेसिक सिस्ट: एक बहुआयामी चुनौती	21 जनवरी 2025	32	बाल चिकित्सा शल्य-चिकित्सा
65	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम: नज़दीकी नज़र से मदद मिल सकती है	21 जनवरी 2025	53	त्वचा विज्ञान

3_Academic Section.indd 62 1/13/2026 12:39:36 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
66	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	एक जटिल पहेली, समय के साथ बचाव	28 जनवरी 2025	101	आपात चिकित्सा
67	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	काइलोथोरेक्स एंकरिंग पूर्वाग्रह को उजागर करता है	28 जनवरी 2025	20	शल्य-चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)
68	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	नैदानिक चर्चा: प्रो. अपुल गोयल और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. अनुभव नरवाल	28 जनवरी 2025	35	मूत्ररोग विज्ञान
69	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	जटिलता के धागे: बुजुर्गों के लिए समाधान बुनना	4 फ़रवरी 2025	18	संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
70	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	ट्रिपल जेपर्डी गैप :: गैर-संघ :: संक्रमण	4 फ़रवरी 2025	12	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा एकक - II
71	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	मेन सिंड्रोम का व्यापक परिदृश्य	4 फ़रवरी 2025	30	शल्य चिकित्सा एकक - III
72	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	असाध्य कार्सिनोमा अग्नाशय में खुराक बढ़ाकर एसबीआरटी - आशा की एक किरण	11 फ़रवरी 2025	80	विकिरण विज्ञान
73	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	हेबिटस रोगी में रेटिनल डिटैचमेंट के साथ एक्टोपिया लेंटिस, जिसमें शारीरिक बनावट है।	11 फ़रवरी 2025	14	नेत्र विज्ञान
74	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	सी.के.डी. में पोषण	11 फ़रवरी 2025	43	वृक्क रोग विज्ञान
75	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	पांच पत्तियों वाले तिपतिया घास की तलाश!	18 फ़रवरी 2025	149	काय चिकित्सा एकक द्वितीय

3_Academic Section.indd 63 1/13/2026 12:39:36 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
76	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	क्लीन-नेट: लैप्रोस्कोपी और एंडोस्कोपी को सहबद्धता	18 फ़रवरी 2025	17	शल्य-चिकित्सा एकक II
77	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	एक नाजुक संतुलन: एक नए उपचार योग्य गतिभंग को सुलझाना	18 फ़रवरी 2025	57	तंत्रिका-विज्ञान
78	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	मायोसिटिस, नेफ्राइटिस और त्वचा के अल्सर: असली प्रक्रिया और जवाब यहीं मौजूद हैं!	25 फरवरी 2025	31	रुमेटोलॉजी
79	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद गर्भावस्था: जटिलताओं से निपटना	25 फरवरी 2025	26	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान यूनिट- I
80	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा: प्रो. निशा सिंह और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. रुचि राठौड़	25 फरवरी 2025	17	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान यूनिट - II
81	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	स्क्रब टाइफस में खामोश तूफान: बचाव के लिए बेडसाइड ईईजी	4 मार्च 2025	20	संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
82	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	रेडियोशल्य-चिकित्सा से महारोगों का समाधान - द मास्क मैन	4 मार्च 2025	39	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा यूनिट - II
83	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	स्तन कैंसर आनुवंशिकी को मुख्यधारा में लाना: आवश्यकता, चुनौतियाँ और हमारा प्रारंभिक अनुभव	4 मार्च 2025	84	शल्य-चिकित्सा यूनिट - III
84	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	गंभीर ब्लेफरोस्पाज्म के साथ अवसाद: एक गहन टीएमएस दृष्टिकोण	11-मार्च-2025	65	मनोचिकित्सा
85	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	लक्षणों में उलझाव	11-मार्च-2025	27	अस्थिरोग

3_Academic Section.indd 64 1/13/2026 12:39:36 PM

क्र. सं.	गतिविधियाँ	विषय	तारीख	दर्शक	विभाग
86	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	आगमन पर अवरोध	11-मार्च-2025	140	आपात चिकित्सा
87	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	लैम्डा वेव ईसीजी - आखिर यह इतना जटिल भी नहीं है!	18-मार्च-2025	28	हृद रोग विज्ञान
88	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	जन्मपूर्व से प्रसवोत्तर निरंतरता: जन्मजात दोष के लिए ऑटोग्राफ्ट समाधान	18-मार्च-2025	30	सीटीवीएस
89	क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)	दस्तक दें, जानें! यह नोकार्डिया है: आठ साल का अनुभव	18-मार्च-2025	44	सूक्ष्म जैव विज्ञान
90	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	एक ऐसे बच्चे की कहानी जिसे ऑटोइन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम है	25-मार्च-2025	101	बाल चिकित्सा यूनिट - I
	क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)	बच्चों में अग्नाशय के सिर के ट्यूमर के लिए लेप्रोस्कोपी: पहली पूर्ण लेप्रोस्कोपिक व्हिपल प्रक्रिया	25-मार्च-2025	18	बाल शल्य-चिकित्सा
91	क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी)	क्लिनिकल चर्चा: डॉ. अमित खोसला और पैथोलॉजी चर्चा: डॉ. सीमा कश्यप	25-मार्च-2025	48	नेत्र रोग विज्ञान

निदेशक, एम्स द्वारा सेट सुविधा में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में योगदान देने वाले संकाय सदस्यों का विवरण।

क्र. सं.	संकाय का नाम	विभाग
1	डॉ. वी सीनू	शल्य चिकित्सा विभाग
2	डॉ. रश्मि रामचंद्रन	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
3	डॉ. देवलीना गोस्वामी	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
4	डॉ. दालिम के. बैद्य	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार

3_Academic Section.indd 65 1/13/2026 12:39:36 PM

क्र. सं.	संकाय का नाम	विभाग
5	डॉ. निशांत कुमार	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
6	डॉ अभिषेक एन	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
7	डॉ. परिण लालवानी	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
8	डॉ. श्रेया बी शाह	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
9	डॉ. निष्कर्ष गुप्ता	अर्बुद संवेदनाहरण विभाग
10	डॉ. राकेश गर्ग	अर्बुद संवेदनाहरण विभाग
11	डॉ. विनोद	अर्बुद संवेदनाहरण विभाग
12	डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सिंह	तंत्रिका संवेदनाहरण विभाग
13	डॉ. प्रबुद्ध गोयल	बाल शल्य-चिकित्सा विभाग
14	डॉ. अनु सचदेवा	बाल चिकित्सा विभाग
15	डॉ. रजनी शर्मा	बाल चिकित्सा विभाग
16	डॉ. झूमा शंकर	बाल चिकित्सा विभाग
17	डॉ. नरेंद्र बागड़ी	बाल चिकित्सा विभाग
18	डॉ. के. अपर्णा शर्मा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
19	डॉ. जूही भारती	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
20	डॉ. ज्योति मीणा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
21	डॉ विदूषी सिन्हा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
22	डॉ. अर्चना	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
23	डॉ. अनुभूति राणा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
24	डॉ. दीपाली	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
25	डॉ. कुसुम	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
26	डॉ. रवनीत कौर	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
27	डॉ. हर्षल साल्वे	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
28	डॉ. हेमंगा के. भट्टाचार्जी	शल्य चिकित्सा विभाग
29	डॉ. सुहानी	शल्य चिकित्सा विभाग

3_Academic Section.indd 66 1/13/2026 12:39:36 PM

क्र. सं.	संकाय का नाम	विभाग
30	डॉ. मोहित जोशी	शल्य चिकित्सा विभाग
31	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	नर्सिंग महाविद्यालय
32	डॉ. स्मिता दास	नर्सिंग महाविद्यालय
33	सुश्री लेविस मुरे	नर्सिंग महाविद्यालय
34	डॉ. अरविंद कुमार	काय चिकित्सा विभाग
35	डॉ. रणवीर सिंह जादोन	काय चिकित्सा विभाग
36	डॉ. उपेंद्र राज	काय चिकित्सा विभाग
37	डॉ. अक्षय कुमार	आपात चिकित्सा विभाग
38	डॉ. ऋषि नायर	मूत्ररोग विज्ञान विभाग
39	डॉ ब्रुषभानु नायक	मूत्ररोग विज्ञान विभाग
40	डॉ. आर. के. यादव	वृक्क रोग विज्ञान विभाग
41	डॉ. अंजू गुप्ता	संवेदनाहरण विभाग
42	डॉ. अनिमेष रे	काय चिकित्सा विभाग
43	डॉ. पंकज जोरवाल	काय चिकित्सा विभाग

3_Academic Section.indd 67 1/13/2026 12:39:36 PM

4 परीक्षा अनुभाग

संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

विजय एल. कुमार
(दिनांक 01.02.2023 से 31.07.2024 तक)

सी.एस. बाल
(दिनांक 21.10.2024 से)

सह संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

नवल के. विक्रम
(दिनांक 01-03-2021 से)

सहायक परीक्षा नियंत्रक

एम. के. सिंह (दिनांक 04.11.2019 से)

लेखा अधिकारी:

अमित कुमार (दिनांक 13 जनवरी 2024 से)

एम्स, नई दिल्ली का परीक्षा अनुभाग संस्थान के शैक्षिक बुनियादी ढांचे में आधारशिला के रूप में कार्यरत है, जो सावधानीपूर्वक संपूर्ण परीक्षा प्रक्रियाओं को सटीकता एवं परिश्रम के साथ संचालित करत रहा है। परीक्षा की समय-सारणी एवं प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परिणाम प्रसंस्करण तथा रिकॉर्ड प्रबंधन तक, पूरे परीक्षा चक्र की देखरेख के लिए ज़िम्मेदार, यह विभाग चिकित्सा छात्रों के लिए मूल्यांकन के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करता है। शैक्षिक अखंडता और निष्पक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के साथ, परीक्षा अनुभाग एक नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण में परीक्षाओं का संचालन करने के लिए अथक प्रयास करता है, जिससे छात्रों के ज्ञान एवं कौशल का सटीक मूल्यांकन संभव हो पाता है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के शैक्षणिक लोकाचार के अनुरूप नीतियों एवं दिशानिर्देशों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे शिक्षण एवं उत्कृष्टता के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण होता है।

परीक्षा अनुभाग, बिना किसी असमानता के देश के सभी आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगी उपचार पहुंचाने के संस्थान के मिशन को पूरा करने में योगदान दे रहा है।

उत्तम परीक्षा पद्धतियों, विनियामक अनुपालन, निरंतर सुधार पहलों और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रति अपने अटूट समर्पण द्वारा एम्स, नई दिल्ली का परीक्षा अनुभाग चिकित्सा शिक्षा मूल्यांकन में उत्कृष्टता का प्रतीक है, जो संस्थान की ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठा एवं भविष्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

उद्देश्य

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की परीक्षा एवं मूल्यांकन को सटीकता से संचालित करते हुए शिक्षा, गुणवत्ता एवं क्षमता के उच्चतम मानकों को बनाए रखना।

वर्ष 2024-2025 की अवधि के दौरान, परीक्षा अनुभाग ने निम्नलिखित पेशेवर, प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाएं आयोजित कीं:

4_.indd 68 1/7/2026 5:43:17 PM

क. स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व पेशेवर परीक्षाएँ

एम्स, नई दिल्ली के परीक्षा अनुभाग द्वारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक आयोजित विभिन्न स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर पेशेवर परीक्षाओं का विवरण।

स्नातकपूर्व पेशेवर परीक्षाओं का विवरणः-

आयोजित परीक्षाओं की संख्या: 32
उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 737

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच आयोजित स्नातकपूर्व पेशेवर परीक्षाओं के आंकड़े

क्र. सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	उत्तीर्ण	असफल	अनुपस्थित
1	मई 2024	फाइनल एमबीबीएस (पूरक)	13	7	1	5
2	मई से जून 2024	द्वितीय एमबीबीएस	145	122	17	6
3	जुलाई 2024	प्रथम एमबीबीएस	137	121	12	4
4	-तदैव-	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी.एससी. चरण-।	16	12	4	
5	-तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण । (पूरक)	5	2	3	
6	-तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण ।। (पूरक)	6	3	2	1
7	तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण III (पूरक)	2	1	1	
8	-तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी चरण ।	12	5	7	
9	अगस्त 2024	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण -	17	13	4	
10	अगस्त 2024 से सितंबर 2024 तक	प्रथम एमबीबीएस (पूरक)	17	9	6	2
11	अक्टूबर 2024 से नवंबर 2024 तक	द्वितीय एमबीबीएस (पूरक)	29	24	4	1

4_.indd 69 1/7/2026 5:43:17 PM

क्र. सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	उत्तीर्ण	असफल	अनुपस्थित
12	नवंबर 2024	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी.एससी. चरण । (पूरक)	6	6		
13	-तदैव-	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी.एससी. चरण ॥	4	3	1	
14	-तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी और इमेजिंग टेक्नोलॉजी चरण । (पूरक)	7	2	5	
15	-तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी फेज ।।	9	4	4	1
16	दिसंबर 2024	फाइनल एमबीबीएस	132	114	13	5
17	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण । (पूरक)	7	6		1
18	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण ॥	11	5		6
19	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण - III (पूरक)	1			1
20	जनवरी 2025	द्वितीय एमबीबीएस	120	108	10	2
21	-तदैव-	फाइनल एमबीबीएस (कम्पार्टमेंटल)	4	4		
22	मार्च 2025	डेंटल हाइजीन में बी.एससी. चरण III	1	1		
23	-तदैव-	डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस में बी.एससी. चरण-III	2	2		
24	तदैव-	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी.एससी. चरण । (पूरक)	6	5	1	
25	तदैव-	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी.एससी. चरण ।। (पूरक)	1	1		

4_.indd 70 1/7/2026 5:43:17 PM

क्र. सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	उत्तीर्ण	असफल	अनुपस्थित
26	- तदैव-	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी चरण - III में बी.एससी.	3	3		
27	- तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी चरण I (पूरक)	5	2	3	
28	- तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी चरण II (पूरक)	5	5		
29	- तदैव-	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी चरण - III	9	9		
30	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण I (पूरक)	2	2	-	
31	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण II (पूरक)	2	2		
32	- तदैव-	ऑप्टोमेट्री स्नातक चरण - III (पूरक)	1	1		

स्नातकोत्तर पेशेवर परीक्षाओं का विवरणः

आयोजित परीक्षाओं की संख्या: 19
उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 671

1 अप्रैल 2024 - 31 मार्च 2025 के बीच आयोजित स्नातकोत्तर पेशेवर परीक्षाओं के आंकड़े

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	असफल
1	मई 2024	एमडी	146	2	143	1
2	- तदैव-	एमएस	18		18	
3	- तदैव-	एमडीएस	15		15	
4	- तदैव-	फैलोशिप कार्यक्रम	18		18	
5	जुलाई 2024	एम. बायोटेकनोलॉजी	17		17	
6	दिसंबर 2024	एमडी	136	3	132	1

4_.indd 71 1/7/2026 5:43:17 PM

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	असफल
7	- तदैव-	एमएस	11		10	1
8	- तदैव-	एमडीएस	13		12	1
9	- तदैव-	फैलोशिप कार्यक्रम	16		16	
10	मई 2024	डीएम	66		66	
11	- तदैव-	एम.सीएच	24		24	
12	जुलाई 2024	एम.एससी. पाठ्यक्रम	44		41	3
13	-तदैव-	एम.एससी नर्सिंग-	30		29	1
14	- तदैव-	एम.एससी नर्सिंग-।।	27		27	
15	अक्टूबर, 2024	एम.एससी. पाठ्यक्रम	4		3	1
16	अक्टूबर, 2024	एम.एससी. नर्सिंग-।	1		1	
17	अक्टूबर, 2024	एम.एससी. नर्सिंग - ।।	1		1	
18	दिसंबर 2024	डीएम	54		54	
19	- तदैव-	एम.सीएच	30	-	30	
	कुल		**671**	**5**	**657**	**9**

ख. स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं:

शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का विवरणः-

आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 16
आवेदकों की संख्या: 352996
उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 298729

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या
1	आईएनआई-सीईटी (एमडी/एमएस/ एमडीएस) जुलाई सत्र 2024	19.05.2024	89713	86409

4_.indd 72 1/7/2026 5:43:17 PM

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या
2	आईएनआई-एसएस (डीएम/ एमसीएच/एमडी- अस्पताल प्रशासन) (जुलाई सत्र 2024)	27.04.2024	5175	4734
3	फेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2024 सत्र	30.04.2024	133	85
4	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग 2024	08.06.2024/ 09.06.2024	121902	102782
5	बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) 2024	06.06.2024	1002	560
6	बी.एससी. (ऑनर्स) पैरामेडिकल पाठ्यक्रम 2024	06.07.2024	51268	29368
7	एम.एससी. पाठ्यक्रम 2024	15.06.2024	1219	825
8	एम.एससी. नर्सिंग 2024	15.06.2024	4273	2750
9	एम. बायोटेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा 2024	15.06.2024	1138	669
10	सीनियर रेजिडेंट भर्ती परीक्षा, जुलाई, 2024 सत्र	13.07.2024	1271	1063
11	पीएचडी जुलाई सत्र 2024	13.08.2024	960	758
12	सीनियर रेजिडेंट भर्ती परीक्षा जनवरी, 2025	28.12.2024	982	703
13	आईएनआई-सीईटी (एमडी/एमएस/ एमडीएस) जनवरी 2025 सत्र	10.11.2024	67731	62548
14	आईएनआई-एसएस (डीएम/एमसीएच/ एमडी- अस्पताल प्रशासन) जनवरी, 2025 सत्र	25.10.2024	5512	4900
15	फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी, 2025 सत्र	30.11.2024	87	81
16	पीएचडी जनवरी सत्र 2025	20.02.2025	630	494
	कुल योग		352996	298729

4_.indd 73 1/7/2026 5:43:17 PM

पीएचडी मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025: 52

ग. 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान भर्ती परीक्षाएं
क. सीआरई - 2024

क्र.सं.	पद का नाम	आवेदन करने वालों की संख्या	परीक्षा देने वालों की संख्या
1	एड्स शिक्षक-सह-परामर्शदाता/एएनएम/नर्सिंग अधिकारी/ पब्लिक हेल्थ नर्स/वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी/पब्लिक हेल्थ नर्स/वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी/वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (नर्सिंग अधिकारी ग्रेड-I)/स्टाफ नर्स ग्रेड-I (वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी)/टीबी एवं छाती रोग स्वास्थ्य सहायक/ बहुउद्देशीय कार्यकार्ता	49162	41997
2	कलाकार/मॉडलर (आर्टिस्ट)	92	75
3	सहायक आहारविद् / आहारविद्/डेमोन्सट्रेटर (आहार विज्ञान एवं पोषण)	673	606
4	सहायक अभियंता (ए/सी एंड आर) / कनिष्ठ अभियंता (ए/सी एंड आर)	544	446
5	सहायक अभियंता (सिविल) / कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	1693	1295
6	सहायक अभियंता (विद्युत) / कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	1053	814
7	सहायक लॉंड्री पर्यवेक्षक/लॉंड्री पर्यवेक्षक	55	44
8	सहायक सुरक्षा अधिकारी	389	318
9	सहायक वार्डन/छात्रावास वार्डन/कनिष्ठ वार्डन/कनिष्ठ वार्डन (हाउस कीपर)/वार्डन/वार्डन (छात्रावास वार्डन)	348	280
10	सहायक (एनएस) / सहायक प्रशासनिक अधिकारी/कार्यकारी सहायक (एनएस)/कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी/कार्यालय सहायक (एनएस)	15752	11799
11	ऑडियोमीटर तकनीशियन / स्पीच थेरेपिस्ट / कनिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट / तकनीकी सहायक (ईएनटी)	326	262
12	बेरिएट्रिक समन्वयक	3	2
13	बायोमेडिकल इंजीनियर	131	110

4_.indd 74 1/7/2026 5:43:17 PM

क्र.सं.	पद का नाम	आवेदन करने वालों की संख्या	परीक्षा देने वालों की संख्या
14	कोडिंग क्लर्क/चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन/चिकित्सा अभिलेख सहायक/तकनीकी सहायक (एमआरडी)	297	262
15	समुदाय आधारित बहु पुनर्वास कार्यकर्ता/सामाजिक मार्गदर्शक/सामाजिक कार्यकर्ता	119	99
16	सीएसएसडी सहायक ग्रेड ।/ सीएसएसडी पर्यवेक्षक/ सीएसएसडी तकनीशियन/वरिष्ठ सीएसएसडी तकनीशियन	81	70
17	डेटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड ए/कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक/अवर श्रेणी लिपिक/वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक/यूडीसी/प्रवर श्रेणी लिपिक	15850	11568
18	डेंटल हाइजिनिस्ट/तकनीकी अधिकारी/डेंटल मैकेनिक/ तकनीकी अधिकारी/डेंटल तकनीशियन (हाइजीन)/डेंटल तकनीशियन (मैकेनिक/डेंटल तकनीशियन ग्रेड-II/तकनीकी अधिकारी (डेंटल)/डेंटल (टेक्नीशियन)	303	263
19	उप महाप्रबंधक (कैफेटेरिया)	146	115
20	डिससेक्शन हॉल परिचर	99	85
21	डोनर ऑर्गनाइजर/चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी ग्रेड II/ मेडिकल सोशल वर्कर/मेडिकल सोशल वर्कर (एमएसडब्ल्यू)/मेडिको सोशल सर्विस ऑफिसर ग्रेड-I/मेडिको सोशल वर्कर/साइकेट्रिक सोशल वर्कर/मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर ग्रेड-I/मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर ग्रेड-II/ वोकेशन काउंसलर/हेल्थ एजुकेटर (सोशल साइकोलॉफजिस्ट	847	746
22	ड्राफ्ट्समैन ग्रेड III	71	53
23	ड्रेसर/अस्पताल परिचर/अस्पताल परिचर ग्रेड III/अस्पताल परिचर ग्रेड-III (नर्सिंग अर्दली)/शवगृह परिचर/मल्टी टास्किंग स्टाफ/नर्सिंग परिचर/कार्यालय परिचर ग्रेड-II/ कार्यालय/भंडार परिचार (मल्टी-टास्किंग/ओटी सहायक/ओटी परिचर/स्टोर परिचर ग्रेड-II/ऑपरेटर (ई एंड एम)/लिफट ऑपरेटर/डार्क रूम सहायक	24345	18622
24	चालक/चालक (साधारण ग्रेड)	555	467
25	ईसीजी तकनीशियन	612	576

4_.indd 75 1/7/2026 5:43:18 PM

क्र.सं.	पद का नाम	आवेदन करने वालों की संख्या	परीक्षा देने वालों की संख्या
26	इलेक्ट्रीशियन/लाइनमैन (इलेक्ट्रिकल)/ वायरमैन	511	441
27	भ्रूणविज्ञानी	6	5
28	फायर तकनीशियन/सुरक्षा-सह-फायर सहायक/सुरक्षा-सह-फायर जमादार	994	782
29	कनिष्ठ परफ्यूज़निस्ट/परफ्यूज़निस्ट	154	133
30	कनिष्ठ लेखा अधिकारी/कनिष्ठ लेखा अधिकारी (लेखाकार)/ कैशियर/मुख्य कैशियर	379	313
31	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक/वरिष्ठ हिंदी अधिकारी	524	454
32	कनिष्ठ रेडियोग्राफर/रेडियोग्राफर/रेडियोग्राफिक तकनीशियन ग्रेड-I/ तकनीशियन (रेडियोलॉजी)/डार्क रूम सहायक ग्रेड-II	5166	4779
33	कनिष्ठ स्केल स्टेनो (हिंदी) / निजी सहायक/प्रधानाचार्य के निजी सहायक/निजी सचिव/आशुलिपिक/आशुलिपिक ग्रेड-III	4688	4179
34	लैब अटेंडेंट/लैब अटेंडेंट ग्रेड II/ प्रयोगशाला सहायक/ प्रयोगशाला अटेंडेट ग्रेड-II/जूनियर मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट/लैब तकनीशियन/मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी)/वरिष्ठ तकनीशियन (प्रयोगशाला)/ तकनीकी सहायक/तकनीशियन/तकनीशियन (एनेस्थीसिया/ ऑपनेशन थिएटर/आईसीयू) तकनीशियन प्रयोगशाला	13261	12310
35	प्रयोगशाला तकनीशियन ईईजी	96	81
36	पुस्तकालय परिचर ग्रेड II	656	535
37	मैनिफोल्ड तकनीशियन (गैस स्टीवर्ड) / मैनिफोल्ड रूम अटेंडेंट/गैस मैकेनिक/पंप मैकेनिक	90	87
38	मैकेनिक (एसी और आर) / मैकेनिक (एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन)	220	205
39	मैकेनिक ऑपरेटर-सह-कंपोजिटर	8	3
40	न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजिस्ट	14	12

4_.indd 76 1/7/2026 5:43:18 PM

क्र.सं.	पद का नाम	आवेदन करने वालों की संख्या	परीक्षा देने वालों की संख्या
41	पेशेवर चिकित्सक	114	98
42	नेत्र तकनीशियन ग्रेड I/ऑप्टोमेट्रिस्ट/रिफ्रैक्शनिस्ट/ नेत्र तकनीशियन ग्रेड I/तकनीकी अधिकारी नेत्र विज्ञान (रिफ्रैक्शनिस्ट)/तकनीकी अधिकारी (नेत्र) (रिफ्रैक्शनिस्ट)	1431	1293
43	चित्रकार	38	28
44	फार्मा केमिस्ट/केमिकल परीक्षक/फार्मासिस्ट/फार्मासिस्ट ग्रेड- II/डिस्पेंसिंग अटेंडेंट/फार्मासिस्ट (एलोपैथिक)	17495	15200
45	फार्मासिस्ट (आयुर्वेदिक)	228	188
46	फार्मासिस्ट (होम्योपैथी)	297	244
47	प्लंबर	114	101
48	प्रोग्रामर	1257	1009
49	गुणवत्ता नियंत्रण प्रबंधक	12	7
50	रेडियोथेरेपी तकनीशियन/तकनीशियन (रेडियोथेरेपी)	575	483
51	श्वसन प्रयोगशाला सहायक	13	12
52	सांख्यिकीय सहायक	159	131
53	स्टोर कीपर (ड्रग्स)	557	490
54	दर्जी ग्रेड III	54	45
55	तकनीशियन (प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स)/तकनीशियन प्रोस्थेटिक्स ओर ऑर्थोटिक्स (तकनीकी अधिकारी)/कार्यशाला तकनीशियन ग्रेड II (आर एंड एएल)	289	256
56	तकनीशियन (टेलीफोन) ग्रेड IV/ टेलीफोन ऑपरेटर	43	34
57	कार्यशाला सहायक (सीडब्ल्यूएस)	74	72
58	योग प्रशिक्षक	214	181
	कुल योग	**163277**	**135165**

4_.indd 77 1/7/2026 5:43:18 PM

ख. अन्य भर्ती परीक्षाएं

क्र.स.	पद का नाम	आवेदन करने वालों की संख्या	परीक्षा देने वालों की संख्या
1	वैयक्तिक सहायक विभागीय	31	23
2	निजी सचिव विभागीय	17	17
3	आशुलिपिक विभागीय	9	9
4	नॉरसेट-6 चरण-1	96603	75505
5	नॉरसेट-6 चरण-2	8041	7902
6	नॉरसेट-7 चरण-1	75710	62426
7	नॉरसेट-7 चरण-2	7829	7732
8	कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक विभागीय	20	19
9	वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक विभागीय	30	23
10	आईसीएमआर	85	78
	कुल योग	188375	153734

भर्ती परीक्षाओं का विवरण:-

आयोजित परीक्षाओं की संख्या: 68
आवेदकों की संख्या: 351652
उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 288899

परीक्षाओं का समग्र विवरणः

1. स्नातकपूर्व पेशेवर परीक्षा का विवरणः-
   क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 32
   ख. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 737
2. स्नातकोत्तर पेशेवर परीक्षा का विवरणः-
   क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 19
   ख. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 671
3. शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का विवरणः
   क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 16
   ख. आवेदकों की संख्या: 352996
   ग. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या: 298729

4_.indd 78 1/7/2026 5:43:18 PM

4. भर्ती परीक्षा का विवरणः-

क. आयोजित परीक्षाओं की संख्या:	68
ख. आवेदकों की संख्या:	351652
ग. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या:	288899

आयोजित प्रवेश परीक्षाएं:

1. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आईएनआई-सीईटी [(एमडी/एमएस/एमडीएस/एमसीएच (6 वर्ष)/डीएम (6 वर्ष)] जुलाई 2024 सत्र के लिए 19 मई 2024 को 315 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और आईएनआई-एसएस के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आईएनआई-एसएस जनवरी 2025 सत्र के लिए 10 नवंबर 2024 को क्रमशः 234 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परिणाम क्रमशः 24 मई 2024 और 16 नवंबर 2024 को घोषित किए गए थे।

2. जुलाई 2024 सत्र के लिए विभिन्न पोस्ट-डॉक्टरल (सुपर-स्पेशलिटी) पाठ्यक्रमों जैसे डीएम/एमसीएच/एमडी (अस्पताल प्रशासन) में प्रवेश के लिए आईएनआई-एएसएस चयन 27 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया था तथा जनवरी 2025 सत्र, 25 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था।

3. संस्थान द्वारा जुलाई 2024 सत्र के लिए सीनियर रेजिडेंट/सीनियर डेमोंस्ट्रेटर के पद के लिए सीबीटी क्रमशः 13 जुलाई 2024 को तथा जनवरी 2025 सत्र के लिए 28 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया था।

4. जुलाई 2024 सत्र के लिए पीएचडी कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन 13 अगस्त 2024 को तथा जनवरी 2025 सत्र के लिए 20 फरवरी 2025 को किया गया।

5. बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम-2024 प्रवेश परीक्षा एम्स, नई दिल्ली और अन्य एम्स के लिए 8 और 9 जून 2024 को सीबीटी ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी।

6. एमएससी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा/एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम अगस्त 2024 सत्र दिल्ली/एनसीआर में 15 जून 2024 को सीबीटी ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा।

7. बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) 6 जुलाई 2024 को आयोजित की गई थी और एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 15 जून 2024 को दिल्ली और एनसीआर में सीबीटी ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी, जिसके बाद 17 और 18 जुलाई 2024 को उम्मीदवारों का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया था।

8. जुलाई 2024 सत्र के लिए फेलोशिप कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा 30 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई थी, जबकि जनवरी 2025 सत्र के लिए परीक्षा 30 नवंबर 2024 को आयोजित की गई थी।

9. अगस्त 2024 सत्र के लिए बीएससी (पैरामेडिकल) पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 24 जून 2024 को आयोजित की जाएगी।

अन्य कार्यक्रमों में भागीदारी:

1. परीक्षा अनुभाग द्वारा शैक्षिक अनुभाग/भर्ती अनुभाग के संकाय-सदस्यों एवं कर्मचारियों की भागीदारी से आईएनआई-सीईटी, आईएनआई-एएसएस, बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, बीएससी पैरामेडिकल, एमएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रम, एमएससी पाठ्यक्रम, नोरसेट, कनिष्ठ रेजिडेंट (गैर-शैक्षिक) में

4_.indd 79 1/7/2026 5:43:18 PM

प्रवेश के लिए ऑनलाइन सीट आबंटन आयोजित किया गया। परीक्षा अनुभाग बीएससी (नर्सिंग) पोस्ट-सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए कार्मिक मूल्यांकन में भी सक्रिय रूप से भाग लेता है।

2. परीक्षा अनुभाग भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी विभिन्न परीक्षाओं के संचालन हेतु तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करता है।

विशेष उपलब्धि

1. एम्स में सभी भर्ती परीक्षाओं में ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन।

2. वर्ष 2024 में भर्ती के लिए सामान्य भर्ती परीक्षा फरवरी 2025 में 66 समूहों में विभाजित 700 से अधिक पदों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें एम्स, नई दिल्ली सहित 28 विभिन्न केंद्रीय सरकारी संस्थानों/अस्पतालों में भर्ती के लिए 2,40,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे।

4_.indd 80 1/7/2026 5:43:18 PM

5. सामान्य प्रशासन

अपर निदेशक (प्रशासन)
करन सिंह

उप सचिव
आर गोपीनाथ
(4 मार्च 2025 तक)

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरिंग सेवाएँ, विभागीय भंडार, समन्वय प्रकोष्ठ, संसदीय मामले, शिकायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ आदि सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण अपर निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न शाखाएँ हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यगण की मदद से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखरेख करने वाले अधिकारियों / स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:-

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

देव नाथ साह
(दिनांक 31.12.2023 तक)

बी.एस. गिल (कार्यकारी)
(दिनांक 01.01.2024 से अब तक)

अधीक्षण अभियंता

एम्स परिसर
दीपक कुमार भुटाले
(दिनांक 05.12.2024 तक कार्यकारी) एवं
(दिनांक 06.12.2024 से अब तक नियमित)

एम्स, झज्जर परिसर
प्रदीप कुमार (कार्यकारी)
(दिनांक 22.03.2024 से अब तक)

अधिशासी अभियंता

एम्स परिसर
डी विजय राघवन
(दिनांक 15.10.2022 से अब तक)

एम्स, झज्जर परिसर
रूपनारायण देवगन
(दिनांक 05.09.2024 से अब तक)

देवेंद्र कुमार
(दिनांक 31.12.2024 से अब तक)

अनुज अग्रवाल
(दिनांक 04.09.2024 से अब तक)

प्रदीप कुमार
(दिनांक 27.09.2022 से अब तक)

5_.indd 81 1/13/2026 5:08:01 PM

दिनेश कुमार
(दिनांक 23.09.2024 से अब तक)

मुख्य सुरक्षा अधिकारी

कर्नल दिग्विजय सिंह
(दिनांक 13.03.2024 से अब तक)

उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी

आर.एस. रावत
(दिनांक 01.11.2011 से 31.08.2024 तक)

बिजेन्द्र सिंह
(दिनांक 31.12.2024 से अब तक)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

श्री बी.एस. गिल
(दिनांक 01.01.2020 से अब तक)

श्रीमती अनीता टेटे
(दिनांक 01.03.2021 से अब तक)

भूप सिंह
(दिनांक 18.02.2023 से 30.06.2024 तक)

आर.के. शर्मा
(दिनांक 01.02.2024 से 31.08.2024 तक)

निर्मला जे कुजूर
(दिनांक 31.08.2024 से अब तक)

उत्तम चंद
(दिनांक 02.09.2024 से अब तक)

प्रशासनिक अधिकारी

उत्तम चंद
(दिनांक 07.12.2020 से 01.09.2024 तक)

सुश्री निर्मला जे कुजूर
(दिनांक 29.07.2021 से 30.08.2024 तक)

कमल चंद्र भट्ट
(दिनांक 21.10.2022 से अब तक)

जोगिंदर कुमार
(दिनांक 05.12.2020 से अब तक)

राजेश कुमार
(दिनांक 21.10.2022 से अब तक)

श्रीमती सरोज लाल
(दिनांक 21.10.2022 से 31.12.2024 तक)

सोहनबीर
(दिनांक 13.03.2023 से अब तक)

अनिल कुमार
(दिनांक 21.02.2023 से अब तक)

ज्ञान चंद
(दिनांक 25.10.23 से अब तक)

देवी प्रसाद
(दिनांक 25.10.2023 से अब तक)

राज कुमार भारद्वार
(दिनांक 01.09.2024 से अब तक)

अशोक कुमार
(दिनांक 06.02.2024 से 30.04.2024 तक)

विश्वेश चतुर्वेदी (प्रतिनियुक्ति पर)
(दिनांक 01.04.2023 से अब तक)

शशांक चतुर्वेदी (प्रतिनियुक्ति पर)
(दिनांक 31.03.2023 से 31.03.2025 तक)

पवन कुमार (प्रतिनियुक्ति पर)
(दिनांक 27.04.2023 से अब तक)

अंकित कुमार (प्रतिनियुक्ति पर)
(दिनांक 06.04.2023 से अब तक)

सीमा भूटानी
(दिनांक 02.01.2025 से अब तक)

राज कुमार भोला
(दिनांक 02.09.2024 से अब तक)

शशिकांत खरवार
(दिनांक 28.08.2024 से अब तक)

5_.indd 82 1/13/2026 5:08:01 PM

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

शशिकांत खरवार
(दिनांक 29.07.2021 से 27.08.2024 तक)
शिव शंकर सिंह (पूर्वकुलनाम दयाल)
(दिनांक 29.07.2021 से 31.07.2024 तक)
सीमा भूटानी (घई)
(दिनांक 29.07.2021 से 01.01.2025 तक)
पूर्णिमा घोष
(दिनांक 29.07.2021 से 30.04.2024 तक)
सुनील कुमार
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
वेद प्रकाश
दिनांक 17.12.2022 से प्रभावी
हेमन्त कुमार शर्मा
दिनांक 29.08.2024 से प्रभावी
अतर सिंह
दिनांक 16.12.2022 से प्रभावी
नंदन सिंह रौतेला
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
पूरन चंद भट्ट
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
ज्योति कपूर
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
हर गोपाल सिंह
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
मंगल सिंह
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
सुनील दत्त कौशिक
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
नरोत्तम आनंद
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
चंद्रा बिष्ट
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
राम सूरत
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
सी.जी. सत्यन
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
जितेंद्र बहल
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
राज कुमार भोला
(दिनांक 29.07.2021 से 01.09.2024 तक)
विनोद कुमार शर्मा
(दिनांक 15.12.2022 से 31.08.2024 तक)
श्याम लाल बसवाला
(दिनांक 15.12.2022 से 30.04.2024 तक)
ज्योति अरोड़ा (पूर्वकुलनाम भूटानी)
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
राजीव महेंद्रू
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
हरविंदर कौर जॉली
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
मनोज कुमार शर्मा
दिनांक15.12.2022 से प्रभावी
महेंदर पाल सिंह
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
वीना पाठक
दिनांक 29.07.2021 से प्रभावी
जगबीर सिंह
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
पुष्पा रानी
दिनांक 22.12.2023 से प्रभावी
वासु देव
दिनांक 17.12.2022 से प्रभावी
किशन सिंह बिष्ट
दिनांक 07.09.2024 से प्रभावी
कमल सिंह राणा
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
अनिल कुमार
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
माधवी
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
कृष्ण कांत शर्मा
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
अनिल कुमार
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
सुश्री कविता
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी

5_.indd 83 1/13/2026 5:08:01 PM

रेखा रानी
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
महेश कुमार
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
जितेन्द्र कुमार महतो
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
दीपक प्रसाद
दिनांक 16.12.2022 से प्रभावी
श्याम सुंदर लाल
दिनांक 18.05.2023 से प्रभावी
रेणु बाला
दिनांक 22.12.2023 से प्रभावी
सुधा महेंद्रू
दिनांक 22.12.2023 से प्रभावी
हरीश चंदर
दिनांक 22.12.2023 से प्रभावी
जगदीश चंद ठाकुर
दिनांक 29.08.2024 से प्रभावी
सुधीर श्रीवास्तव
दिनांक 30.06.2024 से प्रभावी
प्रदीप कुमार
दिनांक 30.06.2024 से प्रभावी
सुदेश कुमार
दिनांक 02.09.2024 से प्रभावी
अशोक कुमार
दिनांक 02.01.2025 से प्रभावी

अनिल आर. सिंह
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
रेणु सिंह
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
सूक्ष्म (इंग्ले)
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
राज कुमार-I
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
श्रीमती सुनीता
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
कमला मीणा
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
रविवार तिग्गा
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
श्रीमती जे चंद्रिया
दिनांक 22.12.2023 से प्रभावी
बिन्नामी
दिनांक 13.02.2024 से प्रभावी
राजेंद्र कुमार
दिनांक 15.12.2022 से प्रभावी
नरेन्द्र सिंह बिष्ट
दिनांक 30.06.2024 से प्रभावी
कमला भाकुनी
दिनांक 01.09.2024 से प्रभावी
रविंदर कुमार
दिनांक 02.09.2024 से प्रभावी

वरिष्ठ भण्डार अधिकारी

मनोहर आर्या
(दिनांक 27.08.2024 से प्रभावी)

अर्चना शर्मा
(दिनांक 27.08.2024 से प्रभावी)

भण्डार अधिकारी

मनोहर आर्या
(दिनांक 01.01.2019 से 26.08.2024 तक)
कमल सिंह
(दिनांक 03.01.2019 से अब तक)
श्रीमती सुमन नरनौलिया
(दिनांक 18.01.2023 से अब तक)
श्री अमित मानव
(दिनांक 23.12.2024 से अब तक)

अर्चना शर्मा
(दिनांक 01.01.2019 से 26.08.2024 तक)
यतेंद्र कुमार
(दिनांक 07.01.2021 से अब तक)
श्री हेमंत कुमार अरोड़ा
(दिनांक 17.01.2023 से अब तक)
श्री धर्मपाल सिंह
(दिनांक 24.03.2025 से अब तक)

5_.indd 84 1/13/2026 5:08:01 PM

स्थापना अनुभाग एवं सामान्य प्रशासन के उत्तरदायित्व में भर्ती, सेवा मामले, सांविधिक समितियों की बैठकें कराना, संपदा एवं संपत्ति का प्रबंधन, उपकरण, सामग्री तथा उपभोज्य सामग्रियों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारी कल्याण आदि शामिल हैं।

संस्थान में कुल स्वीकृत कर्मचारी संख्या 14770 है तथा दिनांक 31.03.2025 तक कार्यरत कर्मचारी संख्या 11692 है। इसमें सभी केन्द्रों/मुख्य अस्पताल/निदेशक कार्यालय के कर्मचारीगण शामिल हैं। समूहवार स्वीकृत स्टाफ संख्या तथा कार्यरत स्टाफ संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र.सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत संख्या	वर्तमान पद
1.	समूह "क" (संकाय)	1306	782
2.	समूह "क" (गैर-संकाय)	739	530
3.	समूह "ख"	8428	7302
4.	समूह "ग"	4297	3078
	कुल	**14770**	**11692**

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./महिला प्रकोष्ठ (एम्स)की संरचना

1.	**पर्यवेक्षण अधिकारी**	डॉ. आर. गोपीनाथ (आईएफओएस), उप सचिव (दिनांक 04.03.2025 तक)
		श्री बी.एस. गिल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (कार्यकारी) दिनांक 05.03.2025 से प्रभावी।
2.	**अ.जा., अ.ज.जा. एवं पीडब्ल्यूडी हेतु संपर्क अधिकारीगण**	डॉ. राजपाल, आचार्य, नेत्र विज्ञान, डॉ. रा.प्र.केन्द्र दिनाक 18.03.2014 से 10.03.2025 तक।
	अनुसूचित जाति एवं पीडब्ल्यूडी हेतु संपर्क अधिकारीगण	डॉ. राजपाल, आचार्य, नेत्र विज्ञान, डॉ.रा.प्र. केन्द्र दिनांक 18.03.2014 से अब तक
	अ.ज.जा. हेतु संपर्क अधिकारीगण	डॉ. वी. दारलोंग, आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान दिनांक 11.03.2025 से प्रभावी।
	अ.पि.व. हेतु संपर्क अधिकारीगण	डॉ. दयानंद शर्मा, आचार्य, रेडियोथेरेपी दिनांक 28.01.2021 से 26.02.2025 तक।
		डॉ. सचिदानंद भारती, आचार्य, अर्बुद संवेदनाहरण, डॉ. भी.रा.अं.रो.कैं.अ. दिनांक 27.02.2025 से प्रभावी।

5_.indd 85 1/13/2026 5:08:01 PM

3.	**प्रशासनिक स्टाफ**	सुश्री सरोज लाल, तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारी, दिनांक 31.12.2024 तक।
		सुश्री ज्योति अरोड़ा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, दिनांक 22.01.2025 से अब तक।
		श्री देशराज, वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक
		श्री टी. गुरु वेंकटेश, कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक
		सुश्री पूजा कुमारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर (आउटसोर्स)

इसके अलावा वर्ष 2024-25 (दिनांक 01.04.2024 से 31.03.2025) के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं (यौन उत्पीड़न सहित) से प्राप्त शिकायतें/अभ्यावेदन निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	शिकायतों/रिपोर्टों की संख्या	कुल	निपटान	विचाराधीन
1.	अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.	17	11	06
2.	महिलाएं (यौन उत्पीड़न सहित)	33	18	15
कुल		**50**	**29**	**21**

5_.indd 86 1/13/2026 5:08:01 PM

6. मुख्य अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक
निरुपम मदान
(19-01-2024 से अब तक)

अस्पताल प्रशासन विभाग
आचार्य एवं अध्यक्ष
सिद्धार्थ सतपति

आचार्य

संजय कुमार आर्य, अमित लठवाल,
महेश आर

अपर आचार्य

ऐंजल राजन सिंह, परमेश्वर कुमार,
विजयदीप सिद्धार्थ, अब्दुल हकीम चौधरी

सह-आचार्य

जितेंद्र सोढ़ी, विकास एच

सहायक आचार्य

कनिका जैन, अरुण वर्मा, नम्रता मक्कड़
खालिद महमूद, निशांत शर्मा, क्षितिजा सिंह

बिस्तर संख्या

बिस्तर श्रेणी	अस्पताल					दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
	मुख्य अस्पताल	बी एंड पीएस ब्लॉक	सर्जिकल ब्लॉक	एमसीएच ब्लॉक	एनसीए ब्लॉक		
सामान्य	836	60	173	282	78	15	317
आईसीयू	93	30	10	57	10	-	74
अवलोकन	69	08	00	00	00	05	09
वैयक्तिक वार्ड	165	10	20	00	19	-	64
कुल	**1163**	**108**	**203**	**339**	**107**	**20**	**464**
कुल योग	**1920**						

6_Main Hospital final.indd 87 1/13/2026 3:28:52 PM

अस्पताल कार्य-निष्पादन सूचकांक

पैरामीटर	मुख्य अस्पताल		ह्.तं. केंद्र		सीडीईआर		निष्कर्ष
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	
ठहरने की औसत अवधि (दिनों में)	9.6	9.5	10.3	10.8	4.8	4.7	*नियमित भर्ती वाले बिस्तरों के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है*
औसत बिस्तर अधिभोग दर(%)	83.1	85.3	84.2	78.3	77.8	71.2	*उचित अधिभोग को इंगित करता है।*
कुल मृत्यु दर (%)	1.1	1.4	1.9	2.4	0.0	0.09	*अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की काफी बड़ी संख्या में भर्ती होने के तथ्य के बावजूद, यह कम मृत्यु दर को दर्शाता है।*
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर(%)	0.55-15.14	7.4%	-	-		-	

6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग

प्रभारी अधिकारी
निशांत शर्मा

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी एवं उप रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु)

देवानंद शर्मा

कोविड-19 (महामारी)

चिकित्सा अभिलेख अनुभाग की भूमिका मुख्य अस्पताल के वार्डों से कोविड-19 डेटा एकत्र करना और उसे संकलित करके भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों तथा विभागों को भेजना है, जैसे कि आईडीएसपी, डीजीएचएस, डीसी दक्षिण, मृत्यु लेखा परीक्षा समिति, स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ता, लाइन लिस्टिंग एवं कोविड-19, डेटा प्रबंधन पोर्टल आदि पर दैनिक आधार पर रविवार एवं राजपत्रित छुट्टियों पर भी जानकारी अपलोड करना।

शिक्षा

होली फैमिली अस्पताल के 09 चिकित्सा अभिलेख टेक्नोलॉजी के छात्रों ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल का दौरा किया तथा दिनांक 06-03-2025 को एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

6_Main Hospital final.indd 88 1/13/2026 3:28:52 PM

प्रशिक्षण

श्री सुभाष चंद, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन को दिनांक 01/01/2025 से 30/06/2025 (छह महीने) तक सीबीएचआई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में संचालित चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नामित किया गया है।

अदालत में उपस्थिति

दिल्ली और दिल्ली के बाहर की विभिन्न अदालतों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) में कुल 613 सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए। संबंधित डॉक्टरों/परामर्शदाताओं (मामले के अनुसार) और चिकित्सा अभिलेख विभाग के कर्मचारियों को एम्स अस्पताल की ओर से अदालत में उपस्थित होकर मामले का निपटारा/समाधान करने के लिए नियुक्त किया गया है।

चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान में सहायता

लगभग **8074** मेडिकल केस रिकॉर्ड (केस शीट) प्राप्त किए गए हैं तथा उन्हें अनुसंधान, शिक्षा और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा अधिकृत रेजीडेटों को जारी किया गया है।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण तथा डिजिटलीकरण

मुख्य अस्पताल के अंत:रोगी मेडिकल अभिलेखों का डिजिटलीकरण वर्ष 2014 से शुरू किया गया था ताकि अभिलेखों को आसानी से प्राप्त किया जा सके। भविष्य में संदर्भ के लिए मरीजों के 872312 से अधिक इमेज (चालू वर्ष 2024-25) केस अभिलेखों स्कैन किए गए हैं।

अंत:रोगी सेवाएं

1. एम्स के मुख्य अस्पताल, सीडीईआर तथा सीएन सेंटर की वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन परिशिष्ट-I में दिया गया है

2. एम्स अस्पताल ने देश भर के साथ-साथ विदेशों से भी अस्पताल आने वाले मरीजों की बढ़ती संख्या के बावजूद अपनी सेवाओं और रोगी उपचार की गुणवत्ता की परंपरा को बनाए रखा है। वित्त वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सीएन सेंटर तथा सीडीईआर की विभिन्न नैदानिक इकाइयों में कुल **181229** रोगी भर्ती हुए। विभागवार, राज्यवार एवं लिंगवार, भर्ती, छुट्टी और रहने की औसत अवधि के अनुसार रोगी भार का विवरण क्रमशः परिशिष्ट- II, III एवं V में दिया गया है। विभागवार मृत्यु का विवरण और उसके सूचकांक परिशिष्ट- IV में दिए गए हैं।

3. मुख्य अस्पताल, सीएन सेंटर और दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) के विभिन्न सर्जिकल विभागों में वर्ष के दौरान कुल **178758** सर्जिकल प्रक्रियाएं (बड़ी एवं छोटी) की गई, जिसका विवरण परिशिष्ट-VI में दिया गया है।

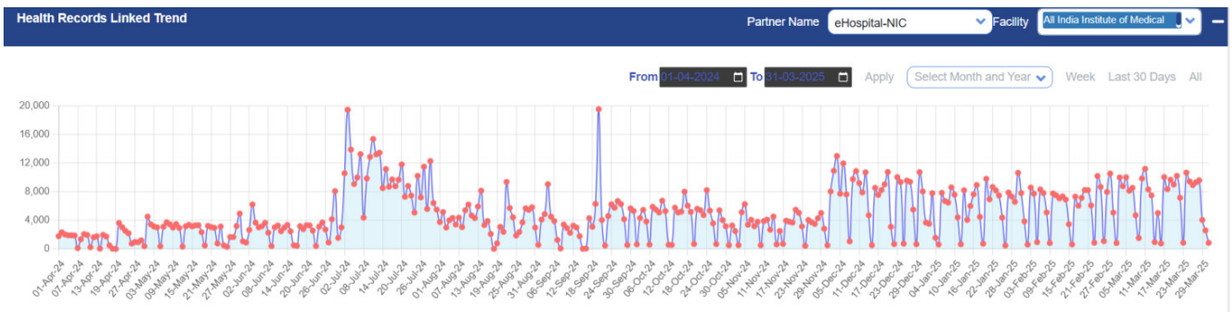
4. शिक्षा, अनुसंधान/थीसिस, प्रस्तुति, बीमा, अदालती मामलों आदि के लिए, आसानी से प्राप्त करने हेतु, भर्ती मरीजों के चिकित्सा अभिलेख को व्यवस्थित रूप से वर्गीकृत और श्रेणीबद्ध किया जाता है। ये रिकॉर्ड सीआर नंबरों के अनुसार कॉम्पैक्टर्स में संग्रहीत किए जाते हैं। मुख्य अस्पताल, सीएन सेंटर तथा दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) के सभी भर्ती मरीजों के रिकॉर्ड मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा अलग-अलग अनुरक्षित रखे जाते हैं।

5. एम्स अस्पताल में एबी-पीएमजेएवाई के तहत कुल 13384 मरीजों का इलाज किया गया।

6. एम्स अस्पताल में कुल 236230 एबीएचए आईडी बनाई गई।

6_Main Hospital final.indd 89 1/13/2026 3:28:52 PM

स्वास्थ्य रिकॉर्ड संबंधी प्रवृत्ति



केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा अस्पताल पूछताछ

1. एम्स का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ कार्यालय (सीएओ एवं ई) बिना किसी रुकावट के 365 दिन चौबीस घंटे काम करता है।
2. मुख्य अस्पताल, सीएन सेंटर और सीडीईआर के अंतःरोगी क्षेत्रों में सभी भर्तियां इसी कार्यालय के माध्यम से की जाती हैं। यह संस्थान के हृदय की तरह कार्य करता है एवं रोगी पंजीकरण, प्रवेश पर्ची (फेस-शीट) जारी करने तथा परिचारक पास जारी करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है।
3. यह भर्ती कार्यालय वीआईपी/वीवीआईपी के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में कई मंत्रालयों के साथ-साथ एम्स के उच्च अधिकारियों को भी जानकारी देता है।
4. इसके अलावा, यह कार्यालय एक सामान्य पूछताछ केंद्र के रूप में भी कार्य करता है जो रोगियों और संस्थान के बारे में त्वरित तथा सटीक जानकारी प्रदान करता है। यहाँ कार्यरत कर्मचारी शिफ्ट ड्यूटी पर होते हैं ।यहॉ पर चिकित्सा अभिलेख अधिकारी तथा चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन आदि कार्यरत होते हैं।

बाह्य रोगी विभाग और विशिष्टता क्लीनिक

एम्स के मुख्य अस्पताल के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), विशिष्टता क्लीनिक और आपातकालीन विभाग में कुल **2268551** मरीज़ आए। बाह्य रोगी भार प्रोफ़ाइल का विवरण परिशिष्ट-VII में दिया गया है।

अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कुल संख्या
1.	वर्ष के दौरान अंत:रोगी रोगी रिकॉर्ड में किए गए संशोधन	931
2.	वर्ष के दौरान जन्म अभिलेखों में किए गए संशोधन	696
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु अभिलेखों में किए गए संशोधन	624
4.	मुख्य अस्पताल और सीडीईआर में गरीब मरीजों और जेएसएसके योजना के तहत भर्ती मरीजों के लिए प्रवेश और अन्य शुल्क में छूट दी गई है।	10890
5.	सीएन सेंटर में गरीब मरीजों तथा जेएसएसके योजना के तहत भर्ती मरीजों के लिए प्रवेश और अन्य शुल्क में छूट	1117 (ह्.तं. केंद्र)

6_Main Hospital final.indd 90 1/13/2026 3:28:52 PM

वर्ष 2024-2025 के लिए सांख्यिकीय डेटा (वार्षिक रिपोर्ट) को चिकित्सा अभिलेख अधिकारी की देखरेख में चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन **श्री राजबीर सिंह** द्वारा तैयार/संकलित किया गया है।

तालिका I. वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन - एक नज़र में (परिशिष्ट - I)

क्र. सं.	मद	मुख्य अस्पताल		सीटी तथा एनएस केंद्र		सीडीईआर	
		2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
1.	कुल भर्ती रोगी	158450	139290	21377	20476	1402	1115
	क. वयस्क और बच्चे	158450	139290	-	-	-	-
	-नियमित	50071	47527	14485	13570	1169	967
	-लघु	108379	91763	6892	6906	233	148
	ख. नवजात शिशु	2767	3059	-	-	-	-
	नियमित	2767	3059	-	-	-	-
	लघु	00	00	-	-	-	-
2.	अस्पताल से छुट्टी दिए गए रोगी (इसमें एलएएमए, फरार, अनुरोध पर छुट्टी और मृत्यु शामिल हैं)	**149629**	**132241**	**20872**	**20280**	1325	1063
	क. वयस्क तथा बच्चे	149629	132241	-	-	-	-
	-नियमित	48315	45628	14358	13641	1117	929
	-लघु	101314	86613	6514	6639	208	134
	ख. नवजात शिशु	2696	2920	-	-	-	-
	-नियमित	2696	2920	-	-	-	-
	-लघु	00	00	-	-	-	-
3.	कुल उपचार दिवस	563379	521004	155020	153784	5576	4507
	क. वयस्क तथा बच्चे	462065	434391	-	-	-	-

6_Main Hospital final.indd 91 1/13/2026 3:28:53 PM

क्र. सं.	मद	मुख्य अस्पताल		सीटी तथा एनएस केंद्र		सीडीईआर	
		2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
	-नियमित	440630	409791	148506	147145	5368	4373
	-लघु	101314	86613	6514	6639	208	134
	ख. नवजात शिशु	21435	24600	-	-	-	-
	-नियमित	21435	24600	-	-	-	-
	-लघु	00	00	-	-	-	-
4.	(एएलएस-नियमित रोगी) की ठहरने की औसत अवधि	9.6	9.5	10.3	10.8	4.8	4.7
	क. वयस्क तथा बच्चे	9.7	9.6	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	8.0	8.4	-	-	-	-
5.	कुल रोगी उपचार दिवस (दैनिक जनगणना के अनुसार)	427362	425451	139787	129985	4262	3900
	क. वयस्क तथा बच्चे	417422	417896	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	9940	7555	-	-	-	-
6.	रोगियों की दैनिक औसत संख्या (दैनिक जनगणना के अनुसार)	1171	1166	383	356	12	11
	क. वयस्क तथा बच्चे	1144	1145	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	27	21	-	-	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग	83.1	85.3	84.2	78.3	77.8	71.2
	क. वयस्क तथा बच्चे	83.5	85.4	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	69.8	79.6	-	-	-	-

6_Main Hospital final.indd 92 1/13/2026 3:28:53 PM

क्र. सं.	मद	मुख्य अस्पताल		सीटी तथा एनएस केंद्र		सीडीईआर	
		2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
8.	अस्पताल में जन्म	2767	3059	-	-	-	-
	क. पुरुष	1467	1607	-	-	-	-
	ख. महिला	1298	1451	-	-	-	-
	ग. इटंरसेक्स	02	01	-	-	-	-
9.	आईपीडी में कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	2330	2615	566	695	00	01
	क. 48 घंटे से कम समय में हुई मृत्यु	758	792	168	207	00	00
	ख. 48 घंटे से अधिक समय में हुई मृत्यु	1572	1823	398	488	00	01
	ग. सकल मृत्यु दर (%)	1.6	2.0	2.7	3.4	0.0	0.09
	घ. कुल मृत्यु दर (%)	1.1	1.4	1.9	2.4	0.0	0.09
10.	आपातकालीन में कुल उपस्थिति	152440	124442	-	-	-	-
	मृत्यु	1505	1399	-	-	-	-
	मृत लाए गए	1567	1294	-	-	-	-
11.	विशेष क्लीनिक सहित ओपीडी उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	2116111	2172531	-	-	-	-
	नए मामले	684788	765723	-	-	-	-
	पुराने मामले	1431323	1406808	-	-	-	-

6_Main Hospital final.indd 93 1/13/2026 3:28:53 PM

तालिका II. विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल तथा ह्.तं. केंद्र एवं सीडीईआर) (परिशिष्ट-II) 2024-2025

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, फरार, अनुरोध पर, मृत्यु सहित)		कुल उपचार दिवस		नियमित भर्ती में ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	लघु	नियमित	लघु	नियमित	लघु	
संवेदनाहरणविज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	00	855	00	846	00	846	0.0
त्वचाविज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान	626	1201	597	1138	8030	1138	13.5
अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय	490	38	485	33	7980	33	16.5
जठरांत्र एवं मानव पोषण	2110	7793	2164	7356	26222	7356	12.1
जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं लिवर प्रत्यारोपण	1258	852	1244	768	17368	768	14.0
जरा चिकित्सा	1680	2811	1682	2558	21617	2558	12.9
रुधिरविज्ञान	1611	18963	1556	18600	22398	18600	14.4
कायचिकित्सा I	943	980	1200	930	15489	930	12.9
कायचिकित्सा II	903	695	653	594	7358	594	11.3
कायचिकित्सा III	1074	818	887	715	9921	715	11.2
वृक्कविज्ञान	1135	14745	742	13880	9158	13880	12.3
नवजात	2767	00	2696	00	21435	00	8.0
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	218	19	221	20	2375	20	10.7
नाभिकीय चिकित्सा	331	96	305	85	778	85	2.6
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान I	3106	2993	3028	2913	22899	2913	7.6

6_Main Hospital final.indd 94 1/13/2026 3:28:53 PM

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, फरार, अनुरोध पर, मृत्यु सहित)		कुल उपचार दिवस		नियमित भर्ती में ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	लघु	नियमित	लघु	नियमित	लघु	
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान II	2048	2210	2006	2072	17473	2072	8.7
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान III	2728	2425	2535	2290	17602	2290	6.9
अर्बुद विज्ञान (मुख्य)	594	07	578	01	5196	01	9.0
अस्थिरोग I	1334	3377	1992	2995	12683	2995	6.4
अस्थिरोग II	2338	4319	1402	3907	9613	3907	6.9
कान, नाक एवं गला रोग I	708	1314	819	1226	6170	1226	7.5
कान, नाक एवं गला रोग II	933	1435	646	1247	4438	1247	6.9
कान, नाक एवं गला रोग III	839	1479	624	1287	4247	1287	6.8
बाल चिकित्सा I	1187	5826	1168	5676	12374	5676	10.6
बाल चिकित्सा II	847	3301	744	3185	9384	3185	12.6
बाल चिकित्सा III	1152	9452	1134	9150	12100	9150	10.7
बाल शल्य चिकित्सा	1950	1629	1978	1528	18177	1528	9.2
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	29	01	26	01	1235	01	47.5
मनोचिकित्सा	327	00	285	01	9591	01	33.7
फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	815	5173	771	4971	7416	4971	9.6

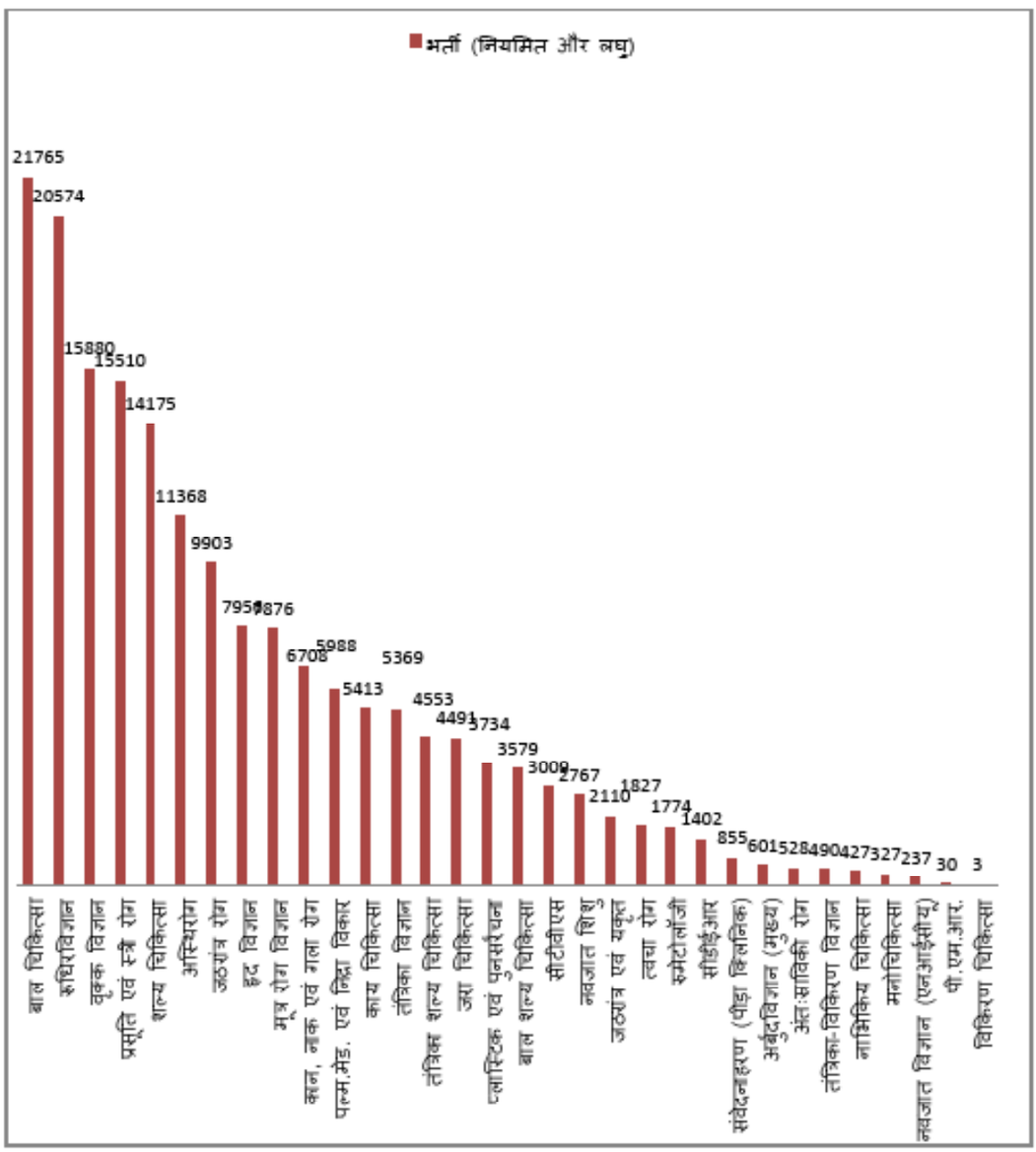
6_Main Hospital final.indd 95 1/13/2026 3:28:53 PM

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, फरार, अनुरोध पर, मृत्यु सहित)		कुल उपचार दिवस		नियमित भर्ती में ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	लघु	नियमित	लघु	नियमित	लघु	
प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जरी	2927	807	3037	817	35174	817	11.6
विकिरण चिकित्सा	02	01	01	07	03	07	3.0
रुमेटोलॉजी	41	1733	27	1705	239	1705	8.9
शल्य चिकित्सा I	1373	1161	1329	860	11638	860	8.8
शल्य चिकित्सा II	1623	850	1432	483	11513	483	8.0
शल्य चिकित्सा III	1096	669	1216	383	10476	383	8.6
शल्य चिकित्सा IV	1463	905	1570	545	12411	545	7.9
शल्य चिकित्सा V	1891	1126	1935	731	13338	731	6.9
शल्य चिकित्सा VI	1078	940	1200	650	9574	650	8.0
मूत्ररोगविज्ञान	2496	5380	2400	5160	16972	5160	7.1
कुल (मुख्य)	**50071**	**108379**	**48315**	**101314**	**462065**	**101314**	**9.6**
हृदरोगविज्ञान	5719	2337	5762	2180	38329	2180	6.7
हृदवक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा	2991	18	2979	16	40529	16	13.6
तंत्रिकाविज्ञान I	752	900	885	874	10014	874	11.3
तंत्रिकाविज्ञान II	998	712	948	646	10127	646	10.7
तंत्रिकाविज्ञान III	925	1082	762	1065	8093	1065	10.6
तंत्रिका शल्यचिकित्सा I	1208	1022	1267	944	19981	944	15.8
तंत्रिका शल्यचिकित्सा II	1408	915	1294	783	18551	783	14.3
तंत्रिका विकिरणविज्ञान	484	06	461	06	2882	06	6.3

6_Main Hospital final.indd 96 1/13/2026 3:28:53 PM

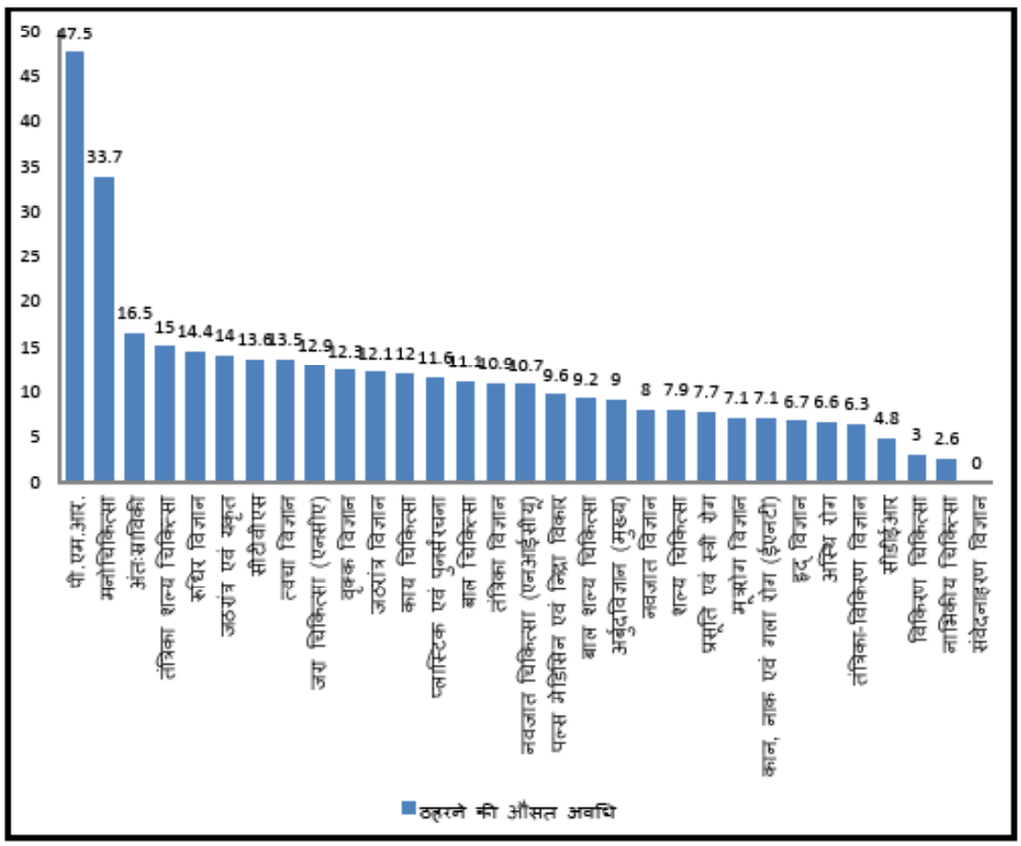
विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, फरार, अनुरोध पर, मृत्यु सहित)		कुल उपचार दिवस		नियमित भर्ती में ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	लघु	नियमित	लघु	नियमित	लघु	
कुल (ह्.तं. केंद्र)	14485	6992	14358	6514	148506	6514	10.3
सीडीईआर							

चित्र 1: विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल, ह्.तं. केंद्र तथा सीडीईआर)-2024-2025

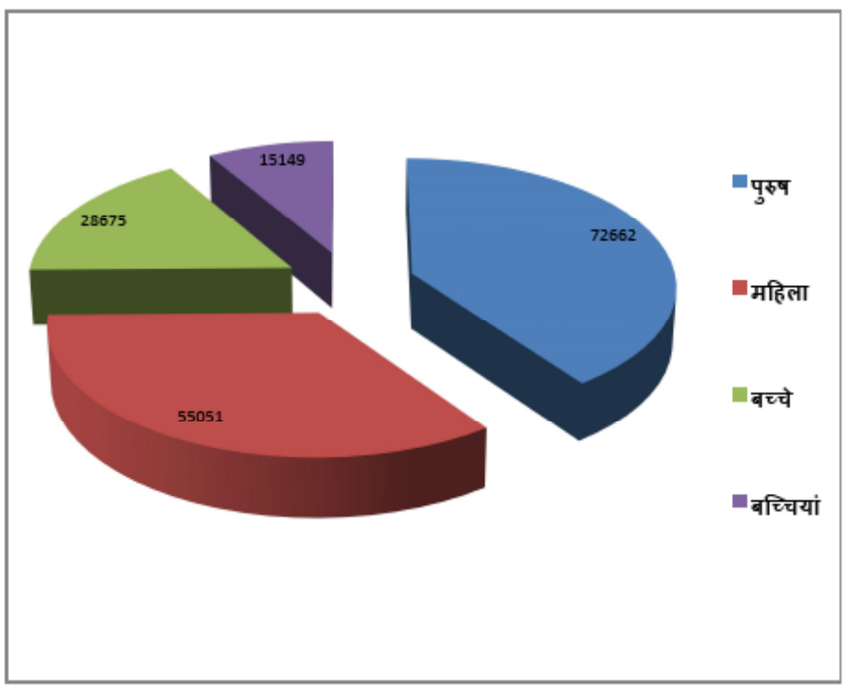


6_Main Hospital final.indd 97 1/13/2026 3:28:53 PM

चित्र 2. विभागवार ठहरने की औसत अवधि (मुख्य अस्पताल, ह्.तं. केंद्र एवं सीडीईआर नियमित) 2024-2025



चित्र 3. मुख्य अस्पताल, ह्.तं. केंद्र और सीडीईआर में लिंग-वार भर्ती रोगी-2024-2025



6_Main Hospital final.indd 98 1/13/2026 3:28:53 PM

तालिका III. मुख्य अस्पताल सीडीईआर तथा ह्.तं. केंद्र में विभागवार मृत्यु 2024-2025

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे से कम अवधि में हुई मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में हुई मृत्यु	सकल मृत्यु दर % में	कुल मृत्यु दर % में
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	846	00	00	00	0.0	0.0
त्वचाविज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान	1735	07	00	07	0.4	0.4
अंत:स्राविकी एवं चयापचय	518	05	00	05	1.0	1.0
जठरांत्र एवं विज्ञान मानव पोषण	9520	364	155	209	3.8	2.2
जठरांत्र विज्ञान शल्यचिकित्सा एवं लिवर प्रत्यारोपण	2012	64	13	51	3.2	2.6
जरा चिकित्सा (एनसीए)	4240	207	46	161	4.9	3.8
रुधिरविज्ञान	20156	210	70	140	1.0	0.7
कायचिकित्सा I	2130	154	56	98	7.2	4.7
कायचिकित्सा II	1247	110	38	72	8.8	6.0
कायचिकित्सा III	1602	158	68	90	9.9	5.9
वृक्कविज्ञान	14622	46	22	24	0.3	0.2
नवजात	2696	43	16	27	1.6	1.0
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	241	11	03	08	4.6	3.4
नाभिकीय चिकित्सा	390	00	00	00	0.0	0.0
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान I	5941	05	03	02	0.08	0.03
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान II	4078	01	01	00	0.02	0.0
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान III	4825	03	00	03	0.06	0.06
अर्बुदविज्ञान (मुख्य)	579	190	83	107	32.8	21.6
अस्थिरोग I	4987	03	00	03	0.06	0.06

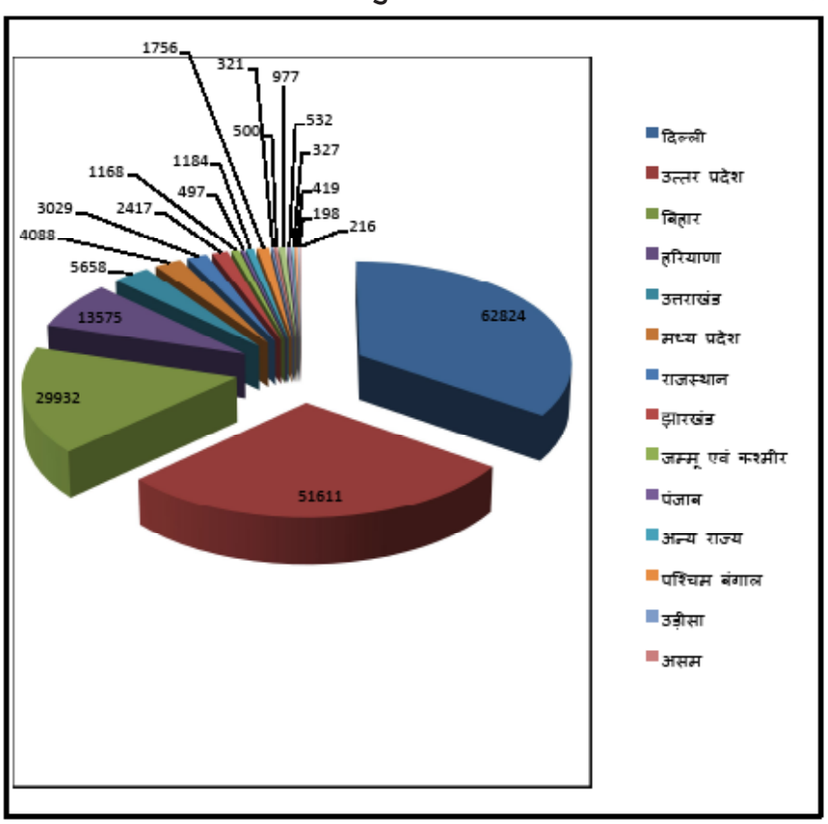
6_Main Hospital final.indd 99 1/13/2026 3:28:53 PM

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे से कम अवधि में हुई मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में हुई मृत्यु	सकल मृत्यु दर % में	कुल मृत्यु दर % में
अस्थिरोग II	5309	02	01	01	0.03	0.02
कान, नाक एवं गला रोग I	2045	05	03	02	0.2	0.1
कान, नाक एवं गला रोग II	1893	10	01	09	0.5	0.5
कान, नाक एवं गला रोग III	1911	05	03	02	0.3	0.1
बाल चिकित्सा I	6844	63	14	49	0.9	0.7
बाल चिकित्सा II	3929	70	18	52	1.8	1.3
बाल चिकित्सा III	10284	71	17	54	0.7	0.5
बाल शल्यचिकित्सा	3506	46	03	43	1.3	1.2
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	27	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	286	00	00	00	0.0	0.0
फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	5742	92	36	56	1.6	1.0
प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी	3854	162	42	120	4.2	3.1
विकिरणचिकित्सा	08	00	00	00	0.0	0.0
रुमेटोलॉजी	1732	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा विभाग I	2189	46	04	42	2.1	1.9
शल्य चिकित्सा विभाग II	1915	44	12	32	2.3	1.7
शल्य चिकित्सा विभाग III	1599	34	03	31	2.1	1.9
शल्य चिकित्सा विभाग IV	2115	25	06	19	1.2	0.9
शल्य चिकित्सा विभाग V	2666	33	09	24	1.2	0.9
शल्य चिकित्सा विभाग VI	1850	34	07	27	1.8	1.5
मूत्ररोग विज्ञान	7560	07	05	02	0.09	0.03
कुल (मुख्य अस्पताल)	149629	2330	758	1572	*1.6*	*1.1*

6_Main Hospital final.indd 100 1/13/2026 3:28:53 PM

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे से कम अवधि में हुई मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में हुई मृत्यु	सकल मृत्यु दर % में	कुल मृत्यु दर % में
हृदरोगविज्ञान	7942	182	92	90	2.3	1.1
हृदवक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2995	179	33	146	6.0	4.9
तंत्रिकाविज्ञान I	1759	36	08	28	2.0	1.6
तंत्रिकाविज्ञान II	1594	21	04	17	1.3	1.1
तंत्रिकाविज्ञान III	1827	29	07	22	1.6	1.2
तंत्रिका शल्य चिकित्सा I	2211	35	11	24	1.6	1.1
तंत्रिका शल्य चिकित्सा II	2077	67	10	57	3.2	2.8
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	467	17	03	14	3.6	3.0
कुल (हृ.तं. केंद्र)	20872	566	168	398	*2.7*	*1.9*
सीडीईआर	1063	01	00	01	0.09	0.09

चित्र 4. आंतरिक रोगियों का भौगोलिक वितरण (मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केंद्र तथा सीडीईआर)-2024-2025



6_Main Hospital final.indd 101 1/13/2026 3:28:53 PM

तालिका IV. मुख्य अस्पताल, सीडीईआर और ह्.तं. केंद्र में 2024-2025 में की गई सर्जिकल प्रक्रियाएँ

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		आंतरिक रोगी मामले	बाह्य रोगी मामले	
शल्य चिकित्सा विभाग-I	1205	229	2579	4013
शल्य चिकित्सा विभाग-II	1047	284	2372	3703
शल्य चिकित्सा विभाग-III	966	183	2123	3272
शल्य चिकित्सा विभाग-IV	1380	421	2910	4711
शल्य चिकित्सा विभाग-V	1533	472	3067	5072
शल्य चिकित्सा विभाग-VI	1053	81	2685	3819
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रत्यारोपण	1106	01	00	1107
मूत्ररोग विज्ञान	2090	620	19071	21781
प्रसूति विज्ञान	1601	00	00	1601
टेस्ट ट्यूब के अंदर निषेचन	00	2366	00	2366
स्त्री रोग विज्ञान -I	802	865	00	1667
स्त्री रोग विज्ञान - II	545	591	00	1136
स्त्री रोग विज्ञान - III	735	674	00	1409
भ्रूण चिकित्सा	00	1180	00	1180
कान, नाक एवं गला रोग I	1306	110	12069	13485
कान, नाक एवं गला रोग II	1605	59	10774	12438
कान, नाक एवं गला रोग III	1554	94	12287	13935
अस्थिरोग- I	1794	1136	00	2930
अस्थिरोग - II	2117	1547	00	3664
बाल शल्य चिकित्सा	2657	02	00	2659
आपात चिकित्सा	17	214	00	231

6_Main Hospital final.indd 102 1/13/2026 3:28:54 PM

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		आंतरिक रोगी मामले	बाह्य रोगी मामले	
प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी	2836	831	12902	16569
संवेदनाहरणविज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	03	812	00	815
रुधिररोग विज्ञान	00	00	00	00
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	00	00	5458	5458
त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	00	00	13362	13362
कुल (मुख्य अस्पताल)	*27952*	*12772*	*101659*	*142383*

सीटीवीएस	3422	00	00	3422
तंत्रिका शल्यचिकित्सा I	1490	73	00	1563
तंत्रिका शल्यचिकित्सा I	1490	73	00	1563
तंत्रिका शल्यचिकित्सा II	1568	92	00	1660
कुल (ह्.तं. केंद्र)	*6480*	*165*	*00*	*6645*
सीटीवीएस	3422	00	00	3422
दंत शल्य चिकित्सा/सीडीईआर	862	70	26798	29730

तालिका V. बाह्य रोगियों और विशिष्टता क्लीनिकों में उपस्थिति 2024-2025

चिकित्सा विभाग		नए मामले	पुराने मामले	कुल
कायचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	50465	129796	180261
	क) मोटापा और चयापचय संबंधी विकार	141	361	502
	संक्रामक रोग क्लिनिक	1741	6479	8220
रुमेटोलॉजी	सामान्य ओपीडी	6813	26192	33005
	रुमेटोलॉजी क्लिनिक	38	3021	3059
जराचिकित्सा		14910	49725	64635

6_Main Hospital final.indd 103 1/13/2026 3:28:54 PM

चिकित्सा विभाग		नए मामले	पुराने मामले	कुल
फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	सामान्य ओपीडी	10051	28978	39029
	निद्रा विकार	174	514	688
	फेफड़े का कैंसर	371	1239	1610
	आईएलडी - पीएएच	285	1415	1700
	संयुक्त फुप्फुसीय सर्जरी	341	805	1146
नाभिकीय चिकित्सा		2963	9606	12569
अंत:स्राविकी एवं चयापचय		12287	54460	66747
वृक्कविज्ञान	सामान्य ओपीडी	6596	44771	51367
	क) प्रत्यारोपण क्लिनिक	119	11779	11898
	आरटीसीसी	483	4344	4827
रुधिर विज्ञान		8818	14242	23060
जठरांत्ररोग विज्ञान		28795	72899	101694
बालचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	34003	93038	127041
	क) स्वस्थ बच्चा	799	447	1246
	ख) फॉलो-अप टीबी	147	1362	1509
	ग) लिवर क्लिनिक	402	1803	2205
	घ) बाल तंत्रिका विज्ञान	503	2207	2710
	ड.) बाल चेस्ट क्लिनिक	282	2984	3266
	च) उच्च जोखिम वाले नवजात शिशु	307	1770	2077
	छ) आनुवंशिक एवं जन्म विकार क्लिनिक	6011	6166	12177
	ज) अर्बुद विज्ञान क्लिनिक	377	2190	2567
	झ) बाल विकास क्लिनिक	293	1223	1516
	ञ) अंत:स्राविकी क्लिनिक	272	1125	1397
	त) न्यूरोसिस्टीसरकोसिस क्लिनिक	76	585	661

6_Main Hospital final.indd 104 1/13/2026 3:28:54 PM

चिकित्सा विभाग		नए मामले	पुराने मामले	कुल
	थ) पीसीएससी	327	1835	2162
	द) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	235	1595	1830
	ध) मायोपैथी क्लिनिक	390	1571	1961
	न) बाल जठरांत्र विज्ञान क्लिनिक	272	1639	1911
	प) ऑटिज़्म	659	1328	1987
त्वचाविज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	41401	80388	121789
	क) एसटीडी (त्वचाविज्ञान सर्जरी)	1406	2608	4014
	ख) एलर्जी क्लिनिक	336	649	985
	ग) कुष्ठ रोग	310	2480	2790
	घ) सोरायसिस	223	845	1068
	ड.) डर्मो-सर्जरी	963	1152	2115
	च) विटिलिगो	258	840	1098
	छ) फोटो थेरेपी	56	318	374
	ज) फोटो त्वचाविज्ञान	21	95	116
	झ) बाल त्वचाविज्ञान	128	324	452
मनोचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	17385	80736	98121
	क) बाल मार्गदर्शन	16	39	55
	ख) केस प्रोग्रेस क्लिनिक	00	00	00
	ग) कॉन्सुलेशन संपर्क व्यसन	323	1099	1422
	उप-योग	253572	755067	1008639

विभाग	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**कुल**
शल्य चिकित्सा	45249	54623	99872
प्लास्टिक सर्जरी	5217	21788	27005
मूत्ररोग विज्ञान	16479	30735	47214
जीआई सर्जरी	4420	12687	17107

6_Main Hospital final.indd 105 1/13/2026 3:28:54 PM

विभाग		नए मामले	पुराने मामले	कुल
बाल शल्य चिकित्सा (विशेष क्लीनिक)	**सामान्य ओपीडी**	8084	17856	25940
	क) हाइड्रोसेफालस	05	02	07
	ख) बाल मूत्रविज्ञान	715	2242	2957
	ग) पीएसटीसी	17	75	92
संवेदनाहरणविज्ञान	क) पीड़ा क्लिनिक	1222	4950	6172
	ख) पूर्व-संवेदनाहरण क्लिनिक	14779	2614	17393
अस्थिरोग (विशिष्टता क्लीनिक)	**सामान्य ओपीडी**	53680	152675	206355
	क) फिजियोथेरेपी	27293	15246	42539
	ख) व्यावसायिक चिकित्सा	1112	4407	5519
	ग) हाइड्रो थेरेपी	665	2913	3578
	घ) तपेदिक	00	00	00
	ड.) स्कोलियोसिस	177	498	675
	च) हैंड क्लिनिक	78	180	258
	छ) सी.टी.ई.वी.	172	3228	3400
	ज) स्पोर्ट्स क्लीनिक	07	10	17
	झ) अस्थिभंगुरता फ्रैक्चर क्लिनिक एवं संपर्क सेवाएँ	00	00	00
	ञ) अस्थि एवं कोमल ऊतक सारकोमा क्लिनिक	00	01	01
कान, नाक एवं गला रोग (ईएनटी) (विशेष क्लीनिक)	**सामान्य ओपीडी**	36957	76609	113566
	क) ऑडियोलॉजी	54	28	82
	ख) वाक शक्ति	3220	3350	6570
	ग) श्रवण	139	112	251
	घ) आवाज	221	92	313
	ड.) चक्कर आना	121	283	404
	त) राइनोलॉजी	82	37	119
	एचएन एंड आर.	150	227	377

6_Main Hospital final.indd 106 1/13/2026 3:28:54 PM

विभाग		नए मामले	पुराने मामले	कुल
प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान (विशेष क्लीनिक)	**सामान्य ओपीडी**	35411	98370	133781
	क) आईवीएफ	890	1241	2131
	ख) परिवार कल्याण	1946	4978	6924
	ग) प्रसवपूर्व	547	2248	2795
	घ) एंडो-गायनेकोलॉजी	94	151	245
	ड.) उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था	2046	9448	11494
रेडियो-थेरेपी		00	75	75
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (विशिष्टता क्लीनिक)	**सामान्य ओपीडी**	15036	30517	45553
	क) प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स	4015	9137	13152
	ख) दिव्यांगता मूल्यांकन क्लिनिक	139	307	446
	ग) ओपीडी (पीटी सेक्शन)	00	19741	19741
	घ) ओपीडी (ओटी सेक्शन)	00	5799	5799
	ड.) ओपीडी (एमएसएसओ)	00	00	00
अन्य	आपातकालीन/दुर्घटना	99109	53331	152440
	ई.एच.एस.	130165	86776	216941
	पोषण	20612	00	20612
उप-योग		**530325**	**729587**	**1259912**
कुल योग		**783897**	**1484654**	**2268551**

6.2 आहार विज्ञान

मुख्य अस्पताल और केंद्रों के भर्ती रोगियों को प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आहार का अनुमानित वार्षिक डेटा, जिसमें एक दिन में लगभग 05 भोजन शामिल हैं, तालिका-1 में दिया गया है

तालिका 1. एम्स अस्पताल के मुख्य रसोईघर के लिए अस्पताल आहार की कुल संख्या

आहार के प्रकार	मरीजों की संख्या
सामान्य आहार	418548
निजी आहार	81875

6_Main Hospital final.indd 107 1/13/2026 3:28:54 PM

आहार के प्रकार	मरीजों की संख्या
अर्ध-ठोस आहार	40887
चिकित्सीय आहार	83466
रसोई आधारित भोजन	44349
गेस्ट हाउस	1934
कुल	**671059**

पोषण परामर्श: मुख्य अस्पताल के आहार विशेषज्ञों द्वारा न्यू आरएके ओपीडी में पोषण परामर्श भी दिया जाता है। पोषण परामर्श प्राप्त करने वाले कुल अंत:रोगी और बाह्य रोगियों की संख्या तालिका-2 में दी गई है।

तालिका 2 पोषण परामर्श की कुल संख्या

लिंग	ओपीडी	अंत:रोगी	कुल
पुरुष	7783	6702	14485
महिला	6908	6379	13287
कुल	**14691**	**13081**	**27772**

प्रभारी आहारविद्

मुख्य आहारविद्
प्रभारी अधिकारी आहारविज्ञान
एमआरओ

6.3 चिकित्सा समाज कल्याण एकक (अस्प.)

मुख्य चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी

बी.आर. शेखर

मुख्य चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी

पंकज कुमार

विशिष्टताएं

चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी (एमएसएसओ) 'बहु-पेशेवर स्वास्थ्य उपचार टीम' का एक अनिवार्य सदस्य है जो डॉक्टर, रोगी, परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सीय नेटवर्क बनाता है।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक (एच) 1960 में अपनी स्थापना के बाद से ही चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में कार्यरत है ताकि रोगियों को सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान की जा

6_Main Hospital final.indd 108 1/13/2026 3:28:54 PM

सके तथा उपचार के दौरान होने वाली परेशानियों को कम किया जा सके। एमएसडब्ल्यू एकक (अस्प.) में 16 चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी (एमएसडब्ल्यूओ) कार्यरत हैं जो मुख्य अस्पताल में राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र, सर्जिकल ब्लॉक, बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक, केंद्रीकृत आयुष्मान भारत केंद्र सहित 20 महत्वपूर्ण विभागों के ओपीडी एवं वार्डों की देखरेख करते हैं। आपातकालीन समाज कल्याण सेवाओं का 24x7 प्रबंधन भी एमएसडब्ल्यू एकक (अस्प.) द्वारा किया जाता है।



विश्व समाज कार्य दिवस: विश्व सामाजिक कार्य दिवस 2025, 18 मार्च 2025 को डॉ. रामालिंगास्वामी सभागार में "स्थायी कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को सुदृढ़ बनाना" विषय पर मनाया गया। इस कार्यक्रम में एम्स के निदेशक, श्री आलोक कुमार, दधीचि देह दान समिति के संस्थापक एवं संरक्षक, आचार्य संजय राय, सीसीएम, डॉ. जहाँआरा, विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग, आईएचबीएएस और एम्स के विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



सहयोगात्मक बैठक - देश भर में अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए एम्स और बिजनेस स्वीडन के बीच एक सहयोगात्मक बैठक।

6_Main Hospital final.indd 109 1/13/2026 3:28:54 PM



यूवीकैन के साथ बैठक - स्तन कैंसर रोगियों के लिए सामाजिक अभियान यूवीकैन की एक बैठक होटल पुलमैन में आयोजित की गई। भारत में 2 लाख स्तन कैंसर रोगियों की जाँच हेतु एक सामाजिक अभियान।



फीम फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन- रोगी कल्याण परियोजना के लिए एम्स और फीम फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

6_Main Hospital final.indd 110 1/13/2026 3:28:54 PM




इच्छापूर्ति पहल: एम्स में 3 प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 400 बच्चों की इच्छापूर्ति का समन्वयन एवं आयोजन किया गया।



बीपीएस सप्ताह- बीपीएस ब्लॉक में जलने के बारे में जागरूकता लाने के लिए बीपीएस सप्ताह मनाया गया।




बच्चों के साथ उत्सव: बाल शल्य चिकित्सा वार्ड में उपहार वितरण के साथ दिवाली और क्रिसमस उत्सव का आयोजन किया गया।

6_Main Hospital final.indd 111 1/13/2026 3:28:55 PM

शिक्षा तथा प्रदत्त व्याख्यान

1. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी, श्री अनिल माली और श्री विवेक कुमार सिंह ने 25 फरवरी 2025 को यशवंत राव चौहान स्कूल ऑफ सोशल वर्क महाराष्ट्र के 30 छात्रों और सामाजिक कार्य के एक संकाय सदस्य के लिए अभिविन्यास सत्र लिया।

2. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय कैंसर सोसायटी के वार्षिक सेमिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया और कैंसर रोगियों की सामाजिक देखरेख पर अपने विचार साझा किए।

3. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मध्य प्रदेश सरकार के सहायक अस्पताल प्रबंधकों के लिए चिकित्सा समाज कल्याण सेवाओं पर एक सत्र लिया।

4. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी ने 28 जून 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में पीजीडीएम-अस्पताल प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चिकित्सा सामाजिक सेवाओं पर एक सत्र और समूह चर्चा में भाग लिया।

5. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के सामाजिक विज्ञान विभाग में 24 से 28 मार्च 2025 तक चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं और परामर्शदाताओं के लिए रोगी उपचार प्रबंधन और कल्याण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

6. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी ने 24 से 28 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के सामाजिक विज्ञान विभाग में चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं और परामर्शदाताओं के लिए रोगी उपचार प्रबंधन तथा कल्याण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए अस्पताल सेटिंग में चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर एक सत्र लिया।

7. श्री बी.आर. शेखर, मुख्य समाज सेवा कल्याण अधिकारी, सुश्री लीमा माइती और डॉ. कीर्ति आर्य ने 19 सितंबर 2024 से 21 सितंबर 2024 तक एम्स, नई दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रम एनएबीएच में भाग लिया।

8. श्री अमित कुमार, समाज सेवा कल्याण अधिकारी को सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड्स में सम्मानित वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने क्राउन प्लाजा, नई दिल्ली में 'संभावना से उद्देश्य तक: कैंसर एवं दुर्लभ बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनसीडी प्रबंधन के लिए सीएसआर को खोलना' विषय पर विचार साझा किए।

9. सुश्री लीमा माइती, समाज सेवा कल्याण अधिकारी ने एबी-पीएमजेएवाई के संबंध में विभिन्न विभागों/केंद्रों के संकाय, रेजीडेंट, नर्सिंग के साथ कई सत्र लिए।

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ:

1. एबी-पीएमजेएवाई योजना के लाभार्थियों को कैशलेस उपचार।

2. अस्पताल शुल्क से छूट

6_Main Hospital final.indd 112 1/13/2026 3:28:55 PM

3. अस्पताल द्वारा अंत:रोगी रोगियों के लिए निःशुल्क दवाइयाँ/शल्य चिकित्सा सामग्री

4. राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ),ए मुख्यमंत्री कोष, दिल्ली आरोग्य निधि (डीएएन), उपराष्ट्रपति कोष और चिकित्सा उपचार के लिए अन्य ऐसी निधियों की व्यापक योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता

5. अज्ञात/परिचारिकाविहीन/निराश्रित/अनाथ रोगियों का पुनर्वास

6. सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों के माध्यम से संसाधन जुटाना

7. आवश्यकता एवं अपेक्षाओं के अनुसार रोगियों एवं उनके परिचारकों को परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान करना

8. सरकारी नियमों के अनुसार बाहरी मरीजों को रेलवे रियायत

9. सेमिनार, व्याख्यान, व्यक्तिगत परामर्श, समूह कार्य और आईईसी सामग्री आदि के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता।

10. अंग दाताओं के प्राधिकरण के लिए परामर्श एवं समन्वय; तथा संभावित अंग दाताओं के लिए जागरूकता/प्रेरणा।

11. सामाजिक कार्य के छात्रों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की क्षमता निर्माण और संवेदीकरण

12. साक्ष्य-आधारित अभ्यास में सुधार के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक अनुसंधान गतिविधियाँ

13. एम्स विश्राम सदनों में आवास सुविधाओं का प्रबंधन और पर्यवेक्षण

14. आपातकालीन विभाग में 24×7 रोगी कल्याण सेवाएँ

क्र. सं.	कल्याण सेवाएं (2024-25)	लाभार्थी
1	एबी-पीएमजेएवाई लाभार्थी रोगी	13679
2	आरएएन अम्ब्रेला योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता	एचएमडीजी - 131 आरएएन - 77 (ऑनलाइन) 150 (ऑफ़लाइन)
3	दिल्ली आरोग्य कोष	ऑनलाइन- 51 ऑफलाइन-65
4	एम्स निर्धन निधि के माध्यम से वित्तीय सहायता	88
5	ट्रस्ट/फाउंडेशन के माध्यम से वित्तीय सहायता (अनुमानित डेटा)	73
6	भर्ती मरीजों के लिए निःशुल्क दवाइयां/शल्य चिकित्सा वस्तुएं (अनुमानित आंकड़े)	7000

6_Main Hospital final.indd 113 1/13/2026 3:28:55 PM

क्र. सं.	कल्याण सेवाएं (2024-25)	लाभार्थी
7	अस्पताल शुल्कों में ऑनलाइन/ऑफ़लाइन छूट (अनुमानित डेटा)	-
8	अज्ञात/बिना परिचारक वाले मरीजों का पुनर्वास (लगभग)	325
9	टी एच ओए -1994 के तहत असंबंधित अंग दाताओं को अधिकृत करना	16
10	रेलवे रियायत (अनुमानित डेटा)	12000
12	मेक अ विश- इंडिया के माध्यम से इच्छा पूर्ण	400
13	एम्स विश्राम सदन के लिए गद्दों का दान	249
14	मरीजों/परिचारकों को परामर्श और मार्गदर्शन (लगभग)	50,000
15	वन स्टॉप सेंटर मामले (24 × 7)	1050

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

श्री बी.आर. शेखर, मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी को राष्ट्रीय सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय आयोग की व्यावसायिक परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है, ताकि वे देश में सहयोगी स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय को मानकीकृत करने के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेने में योगदान दे सकें।। उन्हें एम्स सीएसआर समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। नवंबर 2024 में विश्व बर्न्स सप्ताह के लिए उन्हें एम्स, नई दिल्ली के प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न्स सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्हें एम्स में 2025 से 2028 तक के लिए एम्स अधिकारी संघ के चुनाव कराने हेतु चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया और 27 मार्च 2025 को चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए।

चित्र गैलरी



6_Main Hospital final.indd 114 1/13/2026 3:28:55 PM



चित्र 1- इच्छा पूर्ति कार्यक्रम



चित्र 2-क्रिसमस उत्सव



चित्र 3 भारतीय कैंसर सोसायटी कार्यक्रम

6_Main Hospital final.indd 115 1/13/2026 3:28:55 PM



चित्र 4 छात्र अभिविन्यास



चित्र 5 ओटीए को प्रशिक्षण



चित्र 6 जर्मन गणमान्य अतिथि का दौरा



चित्र 7 विश्राम सदन गतिविधि

6_Main Hospital final.indd 116 1/13/2026 3:28:55 PM



चित्र 8 संस्थान दिवस पोस्टर



चित्र 9 विश्व सामाज कार्य दिवस

6.4 नर्सिंग सेवाएँ

नर्सिंग सेवाओं का संगठन

मुख्य परिचर्या अधिकारी
⇩
परिचर्या अधीक्षक
⇩
उप परिचर्या अधीक्षक
⇩
सहायक परिचर्या अधीक्षक
⇩
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी
⇩
परिचर्या अधिकारी

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगियों और समुदाय को उच्च-गुणवत्ता वाली नर्सिंग देखरेख प्रदान करना है। पेशेवर नर्सें ऐसे वातावरण में काम करती हैं जो अस्पताल में संबद्ध विभागों के सदस्यों के साथ व्यापक रोगी उपचार प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करता है।

6_Main Hospital final.indd 117 1/13/2026 3:28:55 PM

कर्मचारियों की संख्या

एम्स में कार्यबल का मुख्य स्तर विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित प्रोफेशनल नर्सों द्वारा निर्मित है। एम्स में नर्सिंग सेवा में स्टाफिंग एसआईयू (कर्मचारी निरीक्षण एकक) मानदंडों पर आधारित है।

अस्पताल और केंद्रों में कर्मचारियों की संख्या	
मुख्य परिचर्या अधिकारी	01
परिचर्या अधीक्षक	06
उप परिचर्या अधीक्षक	40
सहायक परिचर्या अधीक्षक	216
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी	1005
परिचर्या अधिकारी	4265
कुल	**5533**

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (अप्रैल 2024-मार्च 2025)

नर्सिंग स्टाफ को पूरे वर्ष सेवाकालीन और क्रमिक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है ताकि कार्यरत नर्सों के नैदानिक ज्ञान को अद्यतन किया जा सके, जिसका उद्देश्य एम्स में नर्सिंग देखरेख के मानक में सुधार लाना है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

जनवरी 2011 से एक सुव्यवस्थित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया है। शुरुआत में यह सप्ताह में दो बार एक-एक घंटे की कक्षाओं से शुरू हुआ, जिसे बाद में बढ़ाकर सप्ताह में तीन बार कर दिया गया। सप्ताह में दो कक्षाएं बेडसाइड नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी) के लिए आयोजित की जाती हैं, जबकि सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (सिस्टर इंचार्ज और उससे ऊपर की) के लिए होती है।

प्रबंधक: सुश्री नानकी रानी (कार्यकारी) मार्च 2024 से नवंबर 2024 तक
सुश्री सुमन आर कश्यप 1 दिसंबर 2024 से आज तक

परामर्शदाता: सुश्री एमई शोभा संपत

शिक्षक: सुश्री रेबेका जे हेराल्ड
सुश्री जे सुब्बुलक्ष्मी
सुश्री सी.वसुंधरा बालास्वामी - एसबी
सुश्री मंजुलता माधव - एमसीबी मई 2024 से प्रभावी
सुश्री अश्वति एमयू - बीपीएस नवंबर 2024 तक
सुश्री तिशा मैरी थॉमस - मुख्य अस्पताल
श्री राधे श्याम - एसबी
सुश्री अर्पणा मसीह - नवंबर 2024 तक एनसीए
सुश्री शीना मेरिन जैकब - एनसीए दिसंबर 2024 से
श्री मुकेश कुमार सैनी - बीपीएस दिसंबर 2024 से

6_Main Hospital final.indd 118 1/13/2026 3:28:55 PM

I. सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

एनआईई सत्र सप्ताह में तीन बार सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए गए। इन सत्रों में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई।

- एनीमिया से पीड़ित रोगियों का उपचार
- उच्च रक्तचाप
- स्वास्थ्य संवर्धन - आहार और व्यायाम
- गंभीर रूप से बीमार रोगी का नर्सिंग उपचार
- वासो एक्टिव दवाएं
- केंद्रीय शिरापरक पहुंच उपकरण
- गर्मी से संबंधित बीमारी
- वेंटिलेटर पर रोगी का नर्सिंग उपचार
- ट्रॉपिकल संक्रमण वाले रोगियों का उपचार
- सदमे में मरीजों का उपचार
- स्ट्रोक के रोगियों का उपचार
- सामान्य आपात स्थितियाँ
- ऑन्कोलॉजिकल आपात स्थिति
- श्वसन संबंधी आपात स्थितियाँ
- हृदय संबंधी आपात स्थिति
- सामान्य चिकित्सा आपात स्थितियाँ
- रोगी सुरक्षा
- स्वास्थ्य उपचार बंडल
- पार्किंसंस रोग
- बुजुर्गो से दुराचार
- जराचिकित्सा नर्सिंग और एनपीएचसीई
- नर्सिंग में कानूनी पहलू
- पॉली फार्मेसी
- लचीलापन
- टीम की गतिशीलता
- प्रेरणा

इन 459 कक्षाओं में कुल उपस्थिति 7500 थी

6_Main Hospital final.indd 119 1/13/2026 3:28:55 PM

II. एनआईई द्वारा आयोजित सम्मेलन और कार्यशालाएँ

1. जून 2024 से जुलाई 2024 तक चार बैचों (04) में आईसीयू, इमरजेंसी और अन्य आपातकालीन वार्डों जैसे महत्वपूर्ण उपचार क्षेत्रों में काम करने वाली 193 नर्सों के लिए क्रिटिकल नर्सिंग अपडेट पर कार्यशाला आयोजित की गई।

2. 284 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों के लिए 08 बैचों में "अंतर्राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा लक्ष्यों" पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार, सभी ब्लॉकों और केंद्रों में नर्सों के लिए "गर्मी से संबंधित बीमारी के उपचार और मंकी पॉक्स रोग पर कक्षाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। मई महीने में (गर्मी से संबंधित बीमारी) कुल 211 नर्सों के लिए तथा अगस्त महीने में (मंकी पॉक्स) कुल 93 नर्सों के लिए ये सत्र आयोजित किए गए।

4. एनएबीएच प्रवेश स्तर प्रमाणन की आवश्यकता के एक भाग के रूप में अस्पताल प्रशासन विभाग के माध्यम से 08 बैचों में 225 नर्सों को बीएलएस और एसीएलएस पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

5. मुख्य एम्स और उसके ब्लॉकों में 149 नर्सिंग कर्मियों के लिए पांच बैचों में कार्डियक मॉनिटर, वेंटिलेटर और डिफिब्रिलेटर जैसे विभिन्न उपकरणों पर प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

6. 13 जनवरी 2025 से 03 अप्रैल 2025 तक पांच बैचों में 147 एएनएस के लिए एएनएस प्रमोशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

III. क्रेडेंशियल

नर्सिंग काउंसिल में पंजीकरण नवीनीकरण के लिए कुल **63** नर्सों को क्रेडिट घंटों के प्रमाण पत्र जारी किए गए।

IV. प्रेरण प्रशिक्षण

नोर्सेट VI और नोर्सेट VII के माध्यम से नवनियुक्त नर्सों के लिए एक सुव्यवस्थित प्रेरण कार्यक्रम अक्टूबर 2024 और मार्च 2025 में क्रमशः चार बैचों में कुल 130 नर्सों के लिए निम्नलिखित विषयों पर चलाया गया।

सिद्धांत	कौशल स्टेशन	अन्य प्रशिक्षण
• एम्स का परिचय और एम्स में नर्सिंग संस्कृति • अस्पताल की दिनचर्या • आचरण नियमावली • छुट्टी के नियम • रोगी सुरक्षा • एनआईएस • संचार कौशल	• बुनियादी नर्सिंग प्रक्रियाएं • दवा देना • नेबुलाइजेशन और सामान्य उपकरण • ऑक्सीजनेशन और सक्शनिंग • अंतःशिरा कैनुलेशन • पुनर्जीवन कार्ट	बालाइफ सपोर्ट

6_Main Hospital final.indd 120 1/13/2026 3:28:55 PM

V. एसईटी/सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग कॉलेज के साथ एनआईई द्वारा समन्वित सम्मेलन और कार्यशालाएं।

क्रम सं.	कार्यशाला का नाम	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1.	नैदानिक उत्कृष्टता में निपुणता प्राप्त करना; नर्सिंग क्षमता को बढ़ाना	10/14/24	30
2.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला	09/10/24	28
3.	स्तन कैंसर जागरूकता	18/10/24	10
4.	नर्सिंग उत्कृष्टता को सशक्त बनाना; स्वास्थ्य उपचार में नवाचार और प्रौद्योगिकी	10/23/24	30
5.	बदलाव और विचलन: नर्सिंग उत्कृष्टता के माध्यम से स्ट्रोक उपचार में परिवर्तन	11/11/24	30
6.	नर्सिंग उत्कृष्टता को सशक्त बनाना; कैंसर स्क्रीनिंग और रोकथाम की दिशा में नैदानिक दक्षताओं को आगे बढ़ाना	11/25/24	29
7.	सीमाओं को पुन:परिभाषित करना; नर्सिंग अभ्यास का भविष्य	11/12/24	27
8.	विश्व दिव्यांगता दिवस पर सीएनई कार्यक्रम	03/12/24	30
9.	उपचार में सहयोग; मजबूत टीमों का निर्माण	14/02/25	30
10.	नैदानिक दक्षताओं को आगे बढ़ाना; दबाव से होने वाली चोट की रोकथाम	17/02/25	30
11.	हर बूँद मायने रखती है; इन्फ्यूजन थेरेपी में नर्सिंग उत्कृष्टता का निर्माण	24/02/25	30
12.	नवाचार, शिक्षा, टीकाकरण; नर्सें अग्रणी भूमिका में	17/03/25	30
13.	नर्सिंग उत्कृष्टता के माध्यम से गुर्दे के स्वास्थ्य में परिवर्तन	19/03/25	30

उपर्युक्त कार्यशालाओं/सम्मेलनों में कुल 364 नर्सों ने भाग लिया।

VI. एनआईई द्वारा समन्वित सम्मेलन और कार्यशालाएं (एम्स के अंदर एवं बाहर)

वर्ष 2024-2025 के दौरान, मुख्य अस्पताल के विभिन्न विभागों की नर्सों ने कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया।

6_Main Hospital final.indd 121 1/13/2026 3:28:55 PM

क्र. सं.	कार्यशाला का नाम	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आईएपी- एएलएस प्रमाणन पाठ्यक्रम	18-19/05/24	एसईटी	01
2.	नर्सिंग अधिकारियों के लिए योग कार्यशाला	19/06/24	सीआईएमआर	40
3.	आम लोगों के लिए सीओएलएस - सीपीआर प्रशिक्षण	7-8/08/24	एसईटी	02
4.	आईएएसजी मिड टर्म मीट/ सीएमई, दिल्ली-2024	13-14/07 24	जेएलएन	59
5.	वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों के लिए प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	27-31/08/24	एनआईएचएफडब्ल्यू	02
6.	एनएबीएच प्रशिक्षण कार्यक्रम	24-26/07/24 19-21/09/24	प्राइवेट III सभागार	18 05
7.	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	14-24/10/24	एम्स	30
8.	यूरो नर्सिंग संगोष्ठी / भारतीय यूरोलॉजिकल सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन	11/29/24	हयात रीजेंसी गुरुग्राम	03
9.	अनुसंधान पद्धति पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	10-14/02/2025	एनआईएचएफडब्ल्यू	02
10.	संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं पर कार्यशाला	14/02/25	जेपीएनएटीसी	32
11.	नर्सों के लिए केंद्रित गहन उपचार प्रशिक्षण	10/03/2025 17/03/25	जेपीएनएटीसी	40
12.	कायाकल्प योग	07/03/25	सीआईएमआर	30
13.	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	24/03/25 से 03/04/25	एम्स	35
14.	संवेदीकरण कार्यक्रम और सहायक प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण तथा जागरूकता मॉड्यूल का पायलट परीक्षण	28/03/2025	सीएचईबी	10

6_Main Hospital final.indd 122 1/13/2026 3:28:56 PM

उपरोक्त कार्यशालाओं/सम्मेलनों के लिए कुल 309 नर्सें भेजी गईं ।

VII. हृद पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीआरटीपी)

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक महीने में दो बार एसईटी सुविधा में हृद पुनर्जीवन पर प्रशिक्षण के लिए कुल 238 नर्सों को भेजा गया।

VIII. ओर्बो कार्यशालाएँ

एम्स, नई दिल्ली में ओआरबीओ द्वारा मृतक अंग एवं ऊतक दान पर 3 बैचों में कुल 60 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया।

IX. शैक्षिक यात्राओं का आयोजन

एम्स में नर्सिंग शिक्षकों ने निम्नलिखित कॉलेजों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया।

क्र. सं.	नाम	तारीख	कार्यक्रम	छात्रों/संकाय की संख्या
1.	एम्स, कॉन, कल्याणी, पश्चिम बंगाल	12/20/24	एमएससी द्वितीय वर्ष	04
2.	भारती विद्यापीठ कॉन, सांगली, महाराष्ट्र	29/03/25	बीएससी चतुर्थ वर्ष	02

X. प्रबंधकर्ता/विशेषज्ञ के रूप में

- कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन

XI. उच्च अध्ययन के लिए नर्सों की प्रतिनियुक्ति

वर्ष 2023-2024 के दौरान, पीसी बीएससी कार्यक्रम के लिए दो नर्सों और नर्सिंग में स्नातकोत्तर के लिए तीन नर्सों को नामांकित किया गया है।

XII. जन जागरूकता कार्यक्रम

क्रम सं.	विषय	तारीख	उपस्थिति
1.	एसबी में गर्मी से संबंधित बीमारियाँ	29/05/24	200
2.	दंत चिकित्सा, मासिक धर्म और हाथ की स्वच्छता, अटल आदर्श विद्यालय, अंसारी नगर पश्चिम	20/09/2024	210
3.	अस्पतालों में जनता के लिए सामान्य शिष्टाचार/हाथों की स्वच्छता/आईआरसीएच में सामान्य अपशिष्ट निपटान	21/09/24	150
4.	एनसीए ओपीडी एवं एसबी में पॉलीफार्मेसी पर भूमिका निभाना	21/09/24	375

6_Main Hospital final.indd 123 1/13/2026 3:28:56 PM

क्रम सं.	विषय	तारीख	उपस्थिति
5.	एमसीबी में मासिक धर्म और हाथ की स्वच्छता/ सामान्य अपशिष्ट निपटान/ सामान्य शिष्टाचार	27/09/24	100
6.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	10/10/24	355
7.	जलन निवारण सप्ताह कार्यक्रम	04-10/11/24	335
8.	अस्पताल में सामान्य शिष्टाचार	27/3/2025	150
9.	गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता कार्यक्रम	28/3/2025	100

- दिनांक 10 अक्टूबर 2024 को एनसीए ओपीडी में "मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम" आयोजित किया गया। 258 ओपीडी रोगियों को स्व-देखरेख और बुजुर्गों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
- बीपीएस ब्लॉक में कुल 335 ओपीडी रोगियों और परिचारकों के लिए जलन निवारण सप्ताह और उसी पर जन व्याख्यान आयोजित किया गया ।

XIII. एमसीबी और एसबी में एनआईई द्वारा आयोजित एनएबीएच प्रशिक्षण।

1. एमसीबी में सभी नर्सों के लिए कुल 11 सत्र।
2. सर्जिकल ब्लॉक में सभी नर्सों के लिए दो सत्र।
3. बीपीएस में सभी नर्सों के लिए दो सत्र

XV. एनआईई के लिए भविष्य की परिकल्पना:

नये संसाधन सामग्री का विमोचन।

1. नर्सों के लिए तैयार सामग्री के रूप में आपातकालीन नर्सिंग मैनुअल ।
2. नवनियुक्त नर्सों को पर्याप्त प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण अवधि को तीन दिन से बढ़ाकर एक माह करना ।

6.5 संक्रमण नियंत्रण कोर समिति:

सदस्य

1. डॉ. निरुपम मदान	चिकित्सा अधीक्षक, एम्स एवं अध्यक्ष
2. डॉ. बिमल कुमार दास	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग एवं सह-अध्यक्ष
3. डॉ. राकेश लोढ़ा	आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
4. डॉ. रश्मि रामचंद्रन	आचार्य, संवेदनाहरण विभाग
5. डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ	अपर आचार्य, अस्पताल प्रशासन

6_Main Hospital final.indd 124 1/13/2026 3:28:56 PM

6. डॉ. पीयूष रंजन	आचार्य, कायचिकित्सा विभाग
7. डॉ. गगनदीप सिंह	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
8. डॉ. हितेंद्र गौतम	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
9. डॉ. निशांत वर्मा	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
10. डॉ. सरिता महापात्रा	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
11. डॉ. झूमा शंकर	अपर आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
12. डॉ. पंकज जोरवाल	अपर आचार्य, कायचिकित्सा विभाग
13. डॉ. अरविंद कुमार	अपर आचार्य, कायचिकित्सा विभाग
14. सुश्री निर्मल कैन	नर्सिंग अधीक्षक, संक्रमण नियंत्रण
15. सुश्री इवेंजेलिन वसंत	एएनएस(एचआर), संक्रमण नियंत्रण
16. सुश्री बेट्टी मारिया बिनु	एसएनओ (एचआर), संक्रमण नियंत्रण
17. श्री धवल द्विवेदी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
18. श्री कुंज बिहारी गौतम	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
19. सुश्री अश्वति ए.के.	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
20. सुश्री श्रीजा सीएस	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
21. सुश्री स्पंदना कपुदसी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
22. सुश्री त्सेरिंग लामो	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
23. श्री डोनबोकलांग पी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
24. सुश्री कनुप्रिया	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
25. सुश्री श्वेता वर्मा	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण

एचआईसीकॉम कोर समिति दैनिक गतिविधियों और इंटरवेंशन पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर बैठकें करती है। एचआईसीकॉम द्वारा समय-समय पर संक्रमण नियंत्रण कोर समिति के साथ प्रशासनिक बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें पाई गई समस्याओं पर चर्चा की जाती है और उन्हें ठीक किया जाता है।

एचआईसीकॉम की गतिविधियाँ

- एचआईसीकॉम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) ने सभी स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के लिए संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण कार्यप्रणाली के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कुल 3063 स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

6_Main Hospital final.indd 125 1/13/2026 3:28:56 PM

- एचआईसीकॉम एम्स में अपनाई जाने वाली विभिन्न संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं को रेखांकित करते हुए एक लिखित दस्तावेज (मैनुअल) तैयार करती है और समय-समय पर इसे अद्यतन करती है।

- एचआईसीकॉम जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, सुई से जख्म, रिसाव प्रबंधन प्रोटोकॉल एवं कीटाणुनाशक समाधानों पर मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपीएस) की समय-समय पर समीक्षा तथा अद्यतनीकरण करती है । इन्हें चार्ट के रूप में एम्स के सभी नैदानिक क्षेत्रों में वितरित और प्रदर्शित किया जाता है।

- एचआईसी द्वारा आयोजित नैदानिक और गैर-नैदानिक क्षेत्रों के प्रशासनिक दौरा ।

- एचआईसी सीपीसीबी (केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) की एक टीम द्वारा राउंड आयोजित करने और दस्तावेज़ सत्यापन में सक्रिय रूप से शामिल है।

- एचआईसी ने जन जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य चर्चा जैसी "स्वच्छता पखवाड़ा" गतिविधियों का आयोजन किया और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव के साथ राउंड में भाग लिया।

- एचआईसी "काया-कल्प" मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन और मूल्यांकनकर्ताओं तथा अस्पताल प्रशासन की एक टीम के साथ "काया-कल्प" दौरों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल है।

- एचआईसी एम्स में नई/नवीनीकृत इकाइयों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल है। इकाई शुरू करने से पहले वायु और जल का नमूना लिया जाता है।

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियाँ:

1. आईसीएन सीएलएबीएसआई, सीएयूटीआई, वीएपी और एसएसआई डेटा एकत्र कर रहे हैं। डिवाइस से जुड़ी संक्रमण दरों की गणना मासिक आधार पर की जाती है। सूक्ष्मजैवविज्ञान के प्रभारी आचार्य द्वारा डेटा का विश्लेषण एवं सत्यापन किया जाता है। अंततः इसे एचआईसी और एमआरडी अनुभाग के सदस्य सचिव को प्रस्तुत किया जाता है।

2. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा नैदानिक क्षेत्र चेकलिस्ट का उपयोग करके दैनिक दौरों का आयोजन किया जाता है और एचआईसी के साथ चर्चा के बाद समस्याओं को ठीक किया जाता है।

3. आवश्यकतानुसार नैदानिक क्षेत्रों में ऑनसाइट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

4. निगरानी गतिविधियाँ: विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों से पर्यावरणीय संवर्धन, बंध्यता और उपयोग में आने वाले नमूने एकत्र किए जाते हैं तथा रिपोर्टें एकत्रित करके सभी संबंधित क्षेत्रों में वितरित की जाती हैं। इसी उद्देश्य के लिए एटीपी इल्युमिनोमीटर और वायु नमूना मशीन का भी उपयोग किया जाता है।

5. घटना रिपोर्ट पुस्तिका का रखरखाव: प्रकोपों को रिकॉर्ड करना, निगरानी करना और प्रबंधन करना।

6. रिपोर्टिंग के लिए दैनिक रिपोर्ट बुक का रखरखाव करना।

6_Main Hospital final.indd 126 1/13/2026 3:28:56 PM

7. आईसीएन ने मुख्य रसोईघर के रसोई कर्मचारियों के लिए हाथ की स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर सत्र आयोजित किए ।

8. आईसीएन ने न्यू आरएके ओपीडी, मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक, सर्जिकल ब्लॉक और मुख्य अस्पताल के मल्टी टास्किंग स्टाफ के लिए हाथ की स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार, सफाई / कीटाणुशोधन तकनीक तथा जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर सत्र आयोजित किए।

9. आईसीएन हाथ-स्वच्छता अनुपालन की निगरानी कर रहे हैं और दरों की गणना कर रहे हैं।

10. आईसीएन जैविक संकेतकों को उजागर करके विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों के जैविक सुविधा और प्लाज्मा स्टेरिलाइजर्स में माइक्रोवेव की निगरानी में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

11. आईसीएन ने विभिन्न स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सूखा और गीला अपशिष्ट) पर सत्र आयोजित किए।

12. यूएसएआईडी, जेएचपीआईईजीओ और एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से जन स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान बीएमडब्ल्यू प्रबंधन सहित आईपीसी पर मार्गदर्शन दस्तावेज़ के प्रशिक्षण और विकास के लिए आईसीएन विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय रूप से शामिल थे। भारत के आंध्र प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से कुल 70 स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

13. आईसीएन मुख्य अस्पताल, एनसीए ब्लॉक, एमसीबी, सीडीईआर, सर्जरी ब्लॉक, बीपीएस, न्यूरो-साइंसेज और एम्स-सीएपीएफआईएमएससी मैदान-गढ़ी नई दिल्ली के नर्सिंग अधिकारियों के लिए अस्पताल संक्रमण की रोकथाम तथा नियंत्रण प्रथाओं पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे।

14. आईसीएन एसईटी सुविधा एम्स में एम्स के सभी ब्लॉकों के नव-नियुक्त नर्सिंग अधिकारियों के लिए अस्पताल संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण कार्यप्रणालियों पर प्रशिक्षण सत्रों के संचालन और आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

15. आईसीएन ने एम्स नर्सिंग कॉलेज द्वारा नर्सिंग कर्मियों के लिए संक्रमण नियंत्रण कार्यप्रणालियों पर सत्र आयोजित किए।

16. आईसीएन ने "स्वच्छता पखवाड़ा" गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की और सभी स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया ।

17. बायोटिक श्रमिकों, सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा गार्डों, रसोई कर्मचारियों और अस्पताल परिचारकों को हाथ की स्वच्छता, पीपीई, स्पिल प्रबंधन और सुई चुभने से जख्म प्रोटोकॉल, व्यक्तिगत स्वच्छता, बीएमडब्ल्यू नियमों के अनुसार बीएमडब्ल्यू ट्रॉलियों को लोड करने के बारे में जागरूक करने पर जोर दिया गया।

18. जब भी एचआईसीकॉम कोर समूह के सदस्यों द्वारा आवश्यकता होती है, आईसीएनएस एचआईसीकॉम बैठक में भाग लेते हैं और सभी सतहों (कम स्पर्श और उच्च स्पर्श क्षेत्रों) की कीटाणुशोधन की आवृत्ति बढ़ाने, वस्तुओं के कीटाणुशोधन और कीटाणुनाशक घोल का सही प्रकार से विलियन के लिए पर्यावरणीय सफाई पर गतिशील दिशानिर्देशों को संवेदनशील बनाने में शामिल होते हैं।

6_Main Hospital final.indd 127 1/13/2026 3:28:56 PM

कुल पर्यावरण और जीवाणुरहित नमूने	कुल उपयोग में घोल नमूने	कुल जीवाणुरहित नमूने		कुल असंक्रमित नमूने	
		पर्यावरण और जीवाणुरहित नमूने	उपयोग में घोल नमूने	पर्यावरण और जीवाणुरहित नमूने	उपयोग में घोल नमूने
3824	1333	2964	1275	860	58

अप्रैल 2024- मार्च 2025 के दौरान एकत्र किए गए निगरानी नमूने

(मुख्य अस्पताल, एम्स)

सर्जिकल इकाइयों और आईसीयू के लिए मासिक निगरानी डेटा की गणना की जाती है और एमआरडी अनुभाग को प्रस्तुत किया जाता है। सर्जिकल इकाइयों और आईसीयू के वार्षिक संयुक्त डेटा विश्लेषण की गणना की जाती है और उसे प्रो. डॉ. बिमल कुमार दास, प्रो. माइक्रोबायोलॉजी और सह-अध्यक्ष अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, प्रो. डॉ. निरुपम मदान, चिकित्सा अधीक्षक एम्स को परिचालित किया जाता है।
श्रीमती नानकी रानी, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा अभिलेख अनुभाग से संक्रमण नियंत्रण के प्रभारी अधिकारी

श्रीमती इवांगेलिन वसंत
एएनएस (एचआर) एचआईसीकॉम

श्रीमती सुमन आर कश्यप
मुख्य नर्सिंग अधिकारी

प्रो. बिमल कुमार दास
सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग

क्षेत्र	सीएलएबीएसआई		सीएयूटीआई		वीएपी	
	दर	डीयूआर	दर	डीयूआर	दर	डीयूआर
एबी8 आईसीयू	15.2	0.83	2.04	0.87	7.35	0.61
डी6 आईसीयू	24.30	0.80	0.74	0.90	16.60	0.33
एबी2 आईसीयू	14.59	0.91	0	0.83	2.44	0.38
सी2 आईसीयू	15.6	0.7	4.6	0.8	--	0.7
पीएम आईसीयू	7.73	0.61	0.42	0.88	19.53	0.68

6.5 वार्षिक औसत एचसीएआई डेटा (2024-2025)

मुख्य अस्पताल, एम्स नई दिल्ली

**** वीएपी दर की गणना निगरानी के दौरान उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर की जाती है***

वार्षिक सर्जिकल साइट संक्रमण दर (2024-2025)

मुख्य अस्पताल, एम्स नई दिल्ली

नैदानिक क्षेत्र	एसएसआई दर
जीआई सर्जरी वार्ड	15.14

6_Main Hospital final.indd 128 1/13/2026 3:28:56 PM

नैदानिक क्षेत्र	एसएसआई दर
मूत्ररोगविज्ञान विभाग	1.48
ईएनटी विभाग	1.13
अस्थिरोग वार्ड	0.55

वार्षिक औसत हाथ स्वच्छता अनुपालन दर

मुख्य अस्पताल, एम्स नई दिल्ली

(2024-2025)

नैदानिक क्षेत्र	अनुपालन दर (%)
एबी8 आईसीयू	54.32
डी6 आईसीयू	51.2
एबी2 आईसीयू	48.01
सी2 आईसीयू	42
पीएम आईसीयू	45.88

6.6 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान प्राप्त दान और मरीजों को किए गए भुगतान इस प्रकार हैं:-

दानदाताओं से प्राप्त दान	रु.19,26,590.39
दान	रु.17,42,361.00
खोले गए निर्धन निधि खाते	रु.1,82,790.00
सुझाव बॉक्स को क्षति	रु.1,439.00
कुल	रु.19,26,590.00
(50) मरीजों को भुगतान किया गया	रु.2,54,930.00
विक्रेता को भुगतान	रु.1,62,500.00
कुल	रु.4,17,430.00

(इन गरीब मरीजों को वितरित की जाने वाली राशि वर्ष के दौरान दानदाताओं से प्राप्त दान के साथ-साथ एम्स निर्धन निधि में पड़ी पिछली राशि से दी जाती है)।

6_Main Hospital final.indd 129 1/13/2026 3:28:56 PM

7. नर्सिंग कॉलेज

आचार्य-सह-प्राचार्य

लता वेंकटेशन

सह-आचार्य

शशि मवार	सिबी रिजू	अदिति पी सिन्हा
प्रज्ञा पाठक	उज्ज्वल दहिया	सेसिलिया एम.एस.
मंजू अमित कुमार राजोरा	लेविस मुरी	वाई सुरबाला देवी
स्मिता दास	मिलन तिर्वा	अजेश कुमार टी.के.
तारिका शर्मा	अनुभा देवगुरू	ममता चौधरी

ट्यूटर्स

गायत्री बत्रा	बबीता साहू	मीना आरा
सीमा सचदेवा	अनुभा देवगुरू	नीलिमा राज
नेमखोलम	हंसाराम	मोनिका सभरवाल
मनिता दलाल	सुमन डबास	सविता

विशिष्टताएं

- एम्स दिल्ली में क्षेत्रीय एसओएमआई सम्मेलन का आयोजन किया गया-भारत के लिए मिडवाइफरी को पुनर्परिभाषित करना: महिला स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करना।
- मनोचिकित्सा नर्सिंग विभाग के सहयोग से मनो-अर्बुदविज्ञान (एनसीपीओ-2025) में मनोचिकित्सा मूल्यांकन तथा उपचार पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया
- दिनांक 14 जनवरी से 20 मार्च 2025 तक 2 महीने के लिए इको मॉडल के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा तथा स्तन कैंसर की रोकथाम, उसकी पहचान एवं कैंसर उपचार में नर्सिंग कैडर को सशक्त बनाने पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन।
- एसएआरएएल प्लेटफॉर्म पर "नर्सिंग अधिकारियों हेतु संचार" पर एक महीने की अवधि का ऑनलाइन मिश्रित (ब्लेंडेड) शिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया गया।
- एम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं डेनिश यूनिवर्सिटी कॉलेजों के बीच नर्सिंग शिक्षा तथा अनुसंधान पर जारी साझेदारी।
- संगठित स्तनपान, शिशु एवं छोटे बच्चों को आहार देना-स्तनपान परामर्शदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- चयापचयी शिथिलता से संबंधित स्टेटोटिक यकृत रोग (एमएएसएलडी) पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन।
- पूरे भारत के नर्सिंग संकाय एवं एम्स, नई दिल्ली के बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए "मधुमेह रेटिनोपैथी जागरूकता एवं उपचार: व्यावहारिक पाठ्यक्रम" का आयोजन किया गया।

7_.indd 130 1/8/2026 12:19:46 PM

- एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग अधिकारियों के लिए 10 इन-सर्विस शिक्षा कार्यशालाओं की श्रृंखला का आयोजन किया गया।
- विभिन्न विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए गए, जैसे:- राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, विश्व दिव्यांगता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व आघात रोकथाम दिवस, विश्व हृदय दिवस, विश्व कैंसर दिवस, विश्व आघात दिवस, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विश्व किडनी दिवस, विश्व क्षय रोग दिवस
- छात्र विकास कार्यक्रम: छात्रों के लिए खेल दिवस एवं वार्षिक महाविद्यालय दिवस का आयोजन किया गया। छात्रों ने संस्थान दिवस समारोह, रक्तदान शिविर, मानसिक स्वास्थ्य दिवस तथा हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- प्रत्येक बुधवार को संकाय क्लिनिकल अपडेट आयोजित किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 108

लता वेंकटेशन: 31
अदिति पी सिन्हा: 7
मंजू अमित कुमार राजोरा: 3
अजेश कुमार टी.के.: 2
ममता चौधरी: 8
सविता: 5
शशि मवार: 7
उज्ज्वल दहिया: 7
लेविस मुरी : 5
तारिका शर्मा: 9
सीमा सचदेवा: 5
सिबी रिजू:04
सेसिलिया:06
सुरबाला देवी:04
अनुभा देवगुरू: 2
मोनिका सभरवाल: 3

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
76	103	108

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत: 5

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
3	34	5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. तृतीयक उपचार सुविधा में भर्ती समय से पहले जन्मे शिशुओं की माताओं में कम दूध की मात्रा के पूर्वानुमान का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन। सुश्री सुमन, परियोजना कोड- (ए-895), प्रारंभिक कैरियर विकास के अंतर्गत आंतरिक वित्त पोषित परियोजना। अनुसंधान अनुभाग- एम्स-नई दिल्ली 2 वर्ष, 2024-2025, रुपये 4,62,000 लाख।

7_.indd 131 1/8/2026 12:19:46 PM

2. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से पीड़ित रोगियों की शारीरिक गतिविधि तथा जीवन की गुणवत्ता पर डिजिटल स्वास्थ्य इंटरवेंशन की प्रभावशीलता की जाँच हेतु एक पायलट अध्ययन। डॉ. मंजू राजोरा, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 6,85,000.00 लाख।

3. चयनित अस्पतालों में प्रसव कराने वाली माताओं के बीच ज्ञान, स्तनपान की शुरुआत एवं विशेष स्तनपान पर नर्स-नेतृत्व मोबाइल ऐप-आधारित हस्तक्षेप बनाम नियमित उपचार की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। लता वेंकटेशन, एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 8 लाख।

4. एम्स-यूसीएल, लंदन परियोजना "स्थानीय संदर्भ में नीति एवं अभ्यास को सूचित करने के लिए साक्ष्य स्थानांतरित करना: कौन से डिजिटल स्वास्थ्य उपकरण गर्भवती महिलाओं के बीच स्व-उपचार प्रबंधन को बढ़ावा दे सकते हैं?", डॉ. लता वेंकटेशन, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 5 लाख।

5. नर्सिंग अधिकारियों हेतु संचार (एसएआरएएल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन मिश्रित पाठ्यक्रम), डॉ. शशि मवार, मोनिका, पीईपी चरण 1, 2 वर्ष, 2023-2025, रु 43,116, 691 लाख।

6. नर्सिंग छात्रों में आत्मविश्वास तथा आलोचनात्मक सोच का आकलन करने के लिए नर्सिंग शिक्षा में वर्चुअल सिमुलेशन बनाम पारंपरिक शिक्षण विधियाँ, डॉ. शशि मवार, पीईपी चरण 1, एनएनएफ, एसईटी सुविधा, 3 वर्ष, 2023-2025

पूर्ण

1. "उत्तरी भारत के चयनित राज्यों में ग्रामीण महिलाओं के बीच आयुष्मान भारत योजना के कवरेज, उपयोग एवं प्रभाव का आकलन", डॉ. लता वेंकटेशन, आईसीएसएसआर, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 14 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. "एम्स नई दिल्ली के बाल चिकित्सा सर्जरी वार्ड में स्टाफ नर्सों एवं अभिभावकों के व्यवहारों तथा दृष्टिकोणों पर परिवार केंद्रित उपचार हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन"।

2. "एक तृतीयक उपचार अस्पताल में मैकेनिकल हृदय वाल्व प्रतिस्थापन से पीड़ित रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता एवं उपचार अनुपालन पर डिजिटल इंटरैक्टिव प्रोग्राम (डीआईपी) के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।"

3. "इंट्रा-मस्क्युलर कीमोथेरेपी इंजेक्शन लगवाने वाले कैंसर से पीड़ित रोगियों में दर्द के स्तर को कम करने पर मानक उपचार बनाम थर्मो मैकेनिकल उत्तेजना की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।"

4. "आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर से पीड़ित रोगियों के बीच पोषण की स्थिति, दैनिक जीवन की गतिविधियों एवं जीवन की गुणवत्ता पर नर्स द्वारा संचालित पोषण तथा व्यायाम हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी)।"

7_.indd 132 1/8/2026 12:19:46 PM

5. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली भोजन संबंधी समस्याओं एवं चुनौतियों का पता लगाने हेतु एक केस नियंत्रित अध्ययन

6. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग छात्रों के बीच एबीजी विश्लेषण एवं व्याख्या दक्षताओं पर मानक शिक्षण बनाम सिमुलेशन आधारित शिक्षण पद्धति की प्रभावशीलता का विश्लेषण करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

7. एचपीवी टीकाकरण के संबंध में मेडिकल एवं गैर-मेडिकल कॉलेज जाने वाले युवा वयस्कों की जागरूकता, धारणा तथा व्यवहार का आकलन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

8. एचपीवी टीकाकरण के संबंध में मेडिकल एवं गैर-मेडिकल कॉलेज जाने वाले युवा वयस्कों की जागरूकता, धारणा तथा व्यवहार का आकलन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

9. एम्स, नई दिल्ली के प्रसवोत्तर वार्ड में भर्ती सामान्य योनि प्रसव वाली माताओं बनाम सिजेरियन सेक्शन वाली माताओं के स्तनपान प्रैक्टिस का आकलन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

10. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग कॉलेज के स्नातक पूर्व नर्सिंग छात्रों के बीच स्क्रीन समय एवं नींद की गुणवत्ता के बीच संबंध का आकलन करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

11. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली के स्नातक पूर्व नर्सिंग छात्रों के बीच स्क्रीन समय एवं नींद की गुणवत्ता के बीच संबंध का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

12. एम्स, नई दिल्ली में बीएससी (आनर्स) नर्सिंग के छात्रों के बीच एचपीवी वैक्सीन के बारे में ज्ञान तथा दृष्टिकोण का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

13. जराचिकित्सा ओपीडी, एनसीए, एम्स, नई दिल्ली में आने वाले वयस्कों में अनिद्रा का कारण बनने वाले कारकों एवं स्वास्थ्य स्थिति के साथ इसके संबंध का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

14. एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा आपातकालीन विभाग में बच्चों (नवजात से 18 वर्ष तक) के पुनः आगमन के मूल कारण विश्लेषण पर एक वर्णनात्मक अध्ययन।

15. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम (पीएमएस) एवं प्रीमेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक विकार (पीएमडीडी) के बारे में ज्ञान तथा दैनिक जीवन की गतिविधि पर उनके प्रभाव का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

16. जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में एक सूचनात्मक वीडियो विकसित करने के उद्देश्य से रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों के प्राथमिक उपचारकर्ताओं के बीच उपशामक उपचार के संबंध में दृष्टिकोण, ज्ञान, प्रथाओं एवं चुनौतियों का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

17. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्त्रीरोग ओपीडी में आने वाली प्रजनन आयु वाली महिलाओं के बीच गर्भनिरोधक वरीयताओं का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

18. एम्स नई दिल्ली के नर्सिंग छात्रों के बीच ई-कचरा कम करने के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण तथा अभ्यास का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

19. एम्स, नई दिल्ली में पंजीकृत नर्सों के बीच रजोनिवृत्ति के लक्षणों एवं जीवन की गुणवत्ता तथा इससे निपटने की नीतियों पर इसके प्रभाव का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

7_.indd 133 1/8/2026 12:19:46 PM

20. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग एवं पैरा-मेडिकल छात्रों के बीच प्रचलन, विशेषताओं, प्रभाव तथा उपचार दृष्टिकोण का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

21. एक उपचार मॉड्यूल विकसित करने के उद्देश्य से मधुमेह रेटिनोपैथी से पीड़ित रोगियों में दृश्य तीक्ष्णता, जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) संबंधी दृष्टिकोण तथा रोगी से संबंधित परिणाम माप (पीआरओएम) का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

22. एम्स, दिल्ली में सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली भोजन संबंधी समस्याओं, उसके प्रभाव तथा चुनौतियों का पता लगाने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

23. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों के बीच नर्सिंग प्रक्रिया के उपयोग की व्यापकता तथा इसके उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाने हेतु एक मिश्रित पद्धति अध्ययन"।

24. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों के बीच नर्सिंग प्रक्रिया के उपयोग की स्थिति एवं इसके उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाने हेतु एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।

25. म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस से पीड़ित बच्चों के माता-पिता द्वारा सामना किए जाने वाले अनुभवों, चुनौतियों एवं उनसे निपटने की नीतियों का पता लगाने हेतु एक घटना-क्रियात्मक अध्ययन।

26. एम्स, नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण से पीड़ित बच्चे के पालन-पोषण में माता-पिता के अनुभवों एवं दृष्टिकोणों का पता लगाने हेतु एक गुणात्मक अध्ययन।

27. एम्स, दिल्ली में स्वास्थ्य उपचार सेवाओं पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अनुभवों का पता लगाने हेतु एक गुणात्मक अध्ययन।

28. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच अस्पताल आपदा तैयारी के संबंध में ज्ञान तथा कौशल पर टेबल टॉप अभ्यास बनाम शिक्षाप्रद व्याख्यान के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन।

29. एम्स, नई दिल्ली के न्यूरोसर्जिकल वार्ड में भर्ती प्रिऑपरेटिव महिलाओं में यूटीआई को रोकने के लिए मूत्र पीएच के परिवर्तन में विटामिन सी एवं अल्कासोल की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

30. एम्स, नई दिल्ली में ईईजी करवाने वाले रोगियों एवं परिवार के सदस्यों के ज्ञान तथा पूर्व-प्रक्रियात्मक चिंता पर वीडियो-आधारित शिक्षण का उपयोग करके परिवार और रोगी शिक्षा की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

31. एम्स, नई दिल्ली में वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी से पीड़ित रोगियों की स्व-क्षमता, स्वास्थ्य साक्षरता एवं उपचार का अनुपालन (एसईएचएटी) पर रोगी केंद्रित संक्रमणकालीन उपचार मॉडल (पीसीटीसीएम) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

32. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से पीड़ित रोगियों में संवहनी कैनुलेशन के दौरान दर्द एवं चिंता पर आभासी वास्तविकता की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

7_.indd 134 1/8/2026 12:19:46 PM

33. इंट्रा-मस्क्युलर कीमोथेरेपी इंजेक्शन लगवाने वाले कैंसर से पीड़ित रोगियों में दर्द को कम करने पर थर्मो मैकेनिकल उत्तेजना बनाम मानक उपचार (आइस-पैक) की प्रभावशीलता की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

34. एम्स दिल्ली में न्यूरो इमेजिंग से पीड़ित रोगियों में चिंता, सहयोग एवं संतुष्टि पर एमआरआई शोर सिमुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

35. एम्स, नई दिल्ली में दीर्घकालिक गुर्दे संबंधी विकारों से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों के बीच तृतीयक गुर्दे के उपचार तक पहुंच के मार्ग, बाधाओं एवं सुविधाकर्ताओं की पहचान करने हेतु एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

36. चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में कार्सिनोमा स्तन से पीड़ित रोगियों में दम्पंत्ति के बीच वैवाहिक अंतरंगता एवं यौन संचार में सुधार हेतु युगल-आधारित अंतरंगता वृद्धि हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

37. एम्स, दिल्ली में बाल कैंसर से पीड़ित रोगियों के लक्षणों, बोझ एवं जीवन की गुणवत्ता पर अभिभावक-बाल एकीकृत उपशामक उपचार मॉडल की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

38. तृतीयक अस्पताल, एम्स नई दिल्ली एवं एनसीआई झज्जर में अर्बुविज्ञानात्मक रोग से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार लोगों में जीवन के अंत के उपचार तथा उपचारकर्ता के बोझ के बारे में परिवार की धारणा का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

39. एम्स, नई दिल्ली में एमएससी नर्सिंग छात्रों के बीच स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षा पाठ्यक्रम के अनुकूलन का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

40. तृतीयक उपचार अस्पताल में उपचार प्राप्त कर रहे गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित रोगियों के उपचारकर्ताओं के बीच जीवन की गुणवत्ता तथा सामना करने की नीतियों के साथ कथित स्टिग्मा के संबंध का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

41. एम्स, नई दिल्ली में पहले से हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित महिलाओं में गर्भनिरोधक के बारे में जागरूकता एवं इच्छा का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

42. एम्स, नई दिल्ली में ल्यूकेमिया से पीड़ित रोगियों के बीच लक्षणात्मक स्व-उपचार एवं दवा का सेवन करने पर मोबाइल स्वास्थ्य-आधारित ऐप के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

43. एम्स, नई दिल्ली में सीने में दर्द की शिकायत से पीड़ित रोगियों में मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (स्टेमी) में वृद्धि कारक, एसटी खंड की पहचान करने में आपातकालीन नर्सों के ज्ञान एवं निदान सटीकता पर योग्यता-आधारित ईसीजी प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

44. एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में कार्सिनोमा स्तन पीड़ित रोगियों के दंपत्तियों के बीच वैवाहिक अंतरंगता एवं यौन संचार में सुधार के लिए युगल-आधारित अंतरंगता वृद्धि हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

45. एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल आपदा से संबंधित तैयारी के संबंध में नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान एवं कौशल पर शिक्षाप्रद व्याख्यान बनाम टेबल टॉप उत्पादों की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

7_.indd 135 1/8/2026 12:19:46 PM

46. एक तृतीयक उपचार केंद्र में स्डवांसड सिर एवं गले के कैंसर से पीड़ित रोगियों के बीच मुखीय स्वास्थ्य की स्थिति, दर्द एवं जीवन की गुणवत्ता पर ग्रीन-टी (कैमेलिया साइनेंसिस) आधारित माउथ रिन्स की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

47. बाल चिकित्सा ओपीडी में आने वाले बच्चों के उपचारकर्ताओं के बीच फोरेन बॉडी एयरवे अवरोध के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में योग्यता एवं ज्ञान पर हेमलिच मेन्यवर के बारे में आईईसी पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

48. एम्स, नई दिल्ली के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक के स्त्रीरोग वार्ड में प्रसवोत्तर माताओं के बीच ज्ञान एवं दृष्टिकोण पर मानव दूध दान पर सूचनात्मक पुस्तिका की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

49. एम्स, नई दिल्ली में गुर्दा प्रत्यारोपण करवाने वाले रोगियों की रिकवरी की गुणवत्ता, रोगी की संतुष्टि एवं अस्पताल में रहने की अवधि पर नर्स द्वारा संचालित सर्जरी के बाद उन्नत रिकवरी कार्यक्रम (ईआरएएस) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

50. तृतीयक उपचार अस्पताल की गहन उपचार इकाइयों में भर्ती रोगियों के बीच एक्सपोजर केराटोपैथी की घटनाओं पर नर्स नेतृत्व वाले एक्सपोजर केराटोपैथी रोकथाम प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन - एक व्यवहार्यता अध्ययन।

51. एम्स, नई दिल्ली में उच्च रक्तचाप से पीड़ित सी.के.डी. बच्चों में बायोफिजियोलॉजिकल मापदंडों, व्यवहार पैटर्न एवं जीवन की गुणवत्ता (क्यू.ओ.एल.) पर नर्सिंग हस्तक्षेप पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

52. नई दिल्ली के चयनित स्कूल में 8-12 वर्ष की आयु के बच्चों के बीच ब्रश करने की तकनीक पर मुखीय स्वच्छता प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

53. एम्स, नई दिल्ली के आईसीयू में भर्ती एआरडीएस से पीड़ित रोगियों की श्वसन उपचार के संबंध में नर्सिंग अधिकारियों के ज्ञान और नैदानिक कौशल पर सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

54. न्यूरोसाइंस सेंटर एम्स नई दिल्ली में कार्यरत नर्सों के ज्ञान एवं अभ्यास के संदर्भ में सिजर एक्शन प्लान पर संरचित नर्सिंग दिशानिर्देशों की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

55. एम्स नई दिल्ली में सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित बच्चों के उपचार करने वालों के बीच गृह-आधारित देखभाल के बारे में ज्ञान पर वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

56. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग कॉलेज में नर्सिंग छात्रों के बीच खाने के पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों एवं पोषण संबंधी स्थिति पर उनके प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

57. एम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्सिंग छात्रों के बीच यौन स्वास्थ्य अधिकारों के बारे में ज्ञान एवं जागरूकता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

58. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा ओपीडी में आने वाले 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों की माताओं के बीच पूरक आहार के संबंध में ज्ञान दृष्टिकोण एवं अभ्यास का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

7_.indd 136 1/8/2026 12:19:46 PM

59. भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चयनित अस्पतालों में आने वाले पिताओं में प्रसवोत्तर अवसाद के स्तर एवं उससे जुड़े कारकों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

60. यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों के लिए मानक नर्सिंग उपचार प्रोटोकॉल विकसित करने के उद्देश्य से तृतीयक उपचार अस्पताल के आईसीयू में भर्ती वेंटिलेटर पर रोगियों के लिए नर्सिंग उपचार प्रथाओं का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

61. एम्स नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से पीड़ित क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में पोषण की स्थिति एवं नैदानिक, मनोवैज्ञानिक अस्थिरता तथा जीवन की गुणवत्ता के साथ इसके संबंध का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

62. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच नीडल स्टिक घाव की घटना एवं रोकथाम तथा प्रबंधन के बारे में ज्ञान का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

63. एम्स, नई दिल्ली में ल्यूपस नेफ्रैटिस से पीड़ित महिला रोगियों में यौन रोग की व्यापकता एवं इससे संबंधित कारकों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

64. एम्स, नई दिल्ली के न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी वार्ड में भर्ती रोगियों में क्यूएसओएफए स्कोर तथा सेप्सिस के नैदानिक लक्षणों और चयनित परिणामों के साथ इसके संबंध का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

65. एम्स, नई दिल्ली में नव निदान स्तन कैंसर रोगियों के बीच तनाव एवं समस्या का सामना करने पर एक संक्षिप्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

66. एम्स दिल्ली में भर्ती बच्चों में नींद एवं चिंता पर आर्ट थेरेपी की प्रभावशीलता।

67. दिल्ली के चयनित प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों के बीच ब्रश करने की आदतों पर मुखीय स्वच्छता प्रशिक्षण की प्रभावशीलता।

68. तृतीय गुर्दा उपचार का मार्ग:- एम्स, दिल्ली में क्रोनिक गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित अपने बच्चे के उपचार के लिए माता-पिता के अनुभव का एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

69. तृतीयक उपचार अस्पताल, नई दिल्ली में पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता।

70. एम्स नई दिल्ली में नर्सिंग अधिकारियों के बीच इम्पोस्टर सिंड्रोम, प्रदर्शन विफलता एवं समस्या का सामना करने के बीच संबंध का आकलन करने हेतु अध्ययन।

पूर्ण

1. एचपीवी टीकाकरण के बारे में मेडिकल एवं गैर-मेडिकल कॉलेज जाने वाले युवा वयस्कों की जागरूकता, धारणा और व्यवहार का आकलन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन।

2. एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा आपातकालीन विभाग में बच्चों के पुनः आने के मूल कारण विश्लेषण पर एक वर्णनात्मक अध्ययन।

3. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम (पीएमएस) एवं प्रीमेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक विकार (पीएमडीडी) के बारे में ज्ञान तथा दैनिक जीवन की गतिविधि पर उनके प्रभाव का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

7_.indd 137 1/8/2026 12:19:46 PM

4. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल छात्रों में सिरदर्द की व्यापकता, लक्षणों, प्रभाव तथा स्व-देखभाल प्रबंधन का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।

5. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों के बीच नर्सिंग प्रक्रिया के उपयोग की स्थिति एवं इसके उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाने हेतु एक मिश्रित विधि अध्ययन।

6. एम्स, नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण वाले बच्चे के पालन-पोषण में माता-पिता के अनुभवों एवं दृष्टिकोणों का पता लगाने हेतु एक गुणात्मक अध्ययन।

7. सीटीवीएस, एम्स, नई दिल्ली में मैकेनिकल वाल्व रिप्लेसमेंट (एमवीआर) कराने वाले रोगियों में एंटीकोएगुलेशन, दवा अनुपालन एवं आईएनआर नियंत्रण के बारे में ज्ञान पर टेली-नर्सिंग फॉलो-अप शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन।

8. एम्स, नई दिल्ली में ठोस अंग ट्यूमर वाले बच्चों की घर पर देखभाल के संबंध में माताओं के ज्ञान एवं आत्मविश्वास पर नर्स के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन।

9. एक तृतीयक उपचार केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाले स्तन रोगियों के बीच स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा की रोकथाम के ज्ञान, अनुपालन एवं जीवन की गुणवत्ता पर मोबाइल ऐप आधारित स्व-प्रबंधन बनाम पुस्तिका आधारित स्व-प्रबंधन की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण अध्ययन।

10. एम्स, नई दिल्ली में ईईजी से पीड़ित रोगियों एवं परिवार के सदस्यों के ज्ञान तथा पूर्व-प्रक्रियात्मक चिंता पर वीडियो आधारित शिक्षण का उपयोग करके रोगी और परिवार की शिक्षा की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

11. एम्स, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा ओपीडी में अवसाद से पीड़ित रोगियों में दवा के अनुपालन एवं लक्षणों की गंभीरता पर नर्स के नेतृत्व वाले मनोवैज्ञानिक शिक्षा सत्र की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

12. एम्स नई दिल्ली के न्यूरोसाइंस सेंटर में स्ट्रोक के रोगियों में न्यूरोजेनिक डिस्फेजिया में चिन-टक मैन्यूवर की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. "एम्स, नई दिल्ली में वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी कराने वाले रोगियों की स्व-प्रभावकारिता, स्वास्थ्य साक्षरता एवं उपचार के अनुपालन (एसईएचएटी) पर रोगी केंद्रित संक्रमणकालीन देखभाल मॉडल (पीसीटीसीएम) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

14. एम्स, नई दिल्ली में हृद शल्य चिकित्सा करवाने वाले वयस्क रोगियों में शल्य चिकित्सा स्थल संक्रमण (एसएसआई) की रोकथाम पर 2% म्यूपिरोसिन बनाम 0.5% नियोमाइसिन बनाम प्लेसीबो इंट्रानैसल मरहम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

15. एम्स, नई दिल्ली में ओपीडी में आने वाले रोगियों के बीच नर्स के नेतृत्व वाले तंबाकू समाप्ति हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

16. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार के रोगियों का उपचार करने वालों के बीच उपचारकर्ता के भार, चिंता, अवसाद एवं सामना करने की नीतियों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

7_.indd 138 1/8/2026 12:19:46 PM

17. एम्स, नई दिल्ली के हृदरोगविज्ञान बाह्य रोगी विभाग में आने वाले पश्च मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के रोगियों के बीच यौन स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान एवं चिंताओं का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

18. सीटीवीएस, एम्स, दिल्ली में हृद शल्य चिकित्सा कराने वाले वयस्क रोगियों के ज्ञान प्रथाओं एवं नैदानिक मापदंडों पर नर्स-द्वारा संचालित हृद पुनर्वास के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

19. एम्स, नई दिल्ली के हृदपात क्लिनिक में आने वाले हृदपात रोगियों में प्यास की तीव्रता एवं शुष्क मुँह पर प्यास बंडल हस्तक्षेप (टीबीआई) के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

20. "एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में कार्सिनोमा स्तन रोगियों के दम्पतियों के बीच वैवाहिक अंतरंगता एवं यौन संचार में सुधार हेतु युगल-आधारित अंतरंगता वृद्धि हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन"।

21. "एक तृतीयक उपचार केंद्र में उन्नत सिर एवं गले के कैंसर के रोगियों के बीच मुखीय स्वास्थ्य की स्थिति, दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता पर ग्रीन टी (कैमेलिया साइनेंसिस) आधारित माउथवॉश की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"।

22. 'कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान के संदर्भ में एचपीवी एवं एचपीवी वैक्सीन पर ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।'

23. एम्स, नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण करवाने वाले रोगियों के ज्ञान एवं अभ्यास के आधार पर किडनी प्रत्यारोपण के मोबाइल एप्लिकेशन आधारित होम केयर प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन"।

24. एम्स नई दिल्ली के कायचिकित्सा वार्ड में नर्सिंग अधिकारियों द्वारा रोगी के परिणाम एवं इसके उपयोग से संबंधित बाधाओं पर संशोधित प्रारंभिक चेतावनी स्कोर (एमईडब्ल्यूएस) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

25. तंत्रिक विज्ञान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली में भर्ती पोस्ट ऑपरेटिव न्यूरोसर्जरी रोगियों के बीच छाती की जकड़न से राहत के लिए नेल्सन इनहेलर एवं स्पाइरोमेट्री बनाम इलेक्ट्रिक स्टीम इनहेलर तथा स्पाइरोमेट्री की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

26. एम्स, नई दिल्ली में गुर्दा प्रत्यारोपण करवाने वाले रोगियों के स्वास्थ्य लाभ की गुणवत्ता, रोगी संतुष्टि एवं अस्पताल में रहने की अवधि पर नर्स द्वारा संचालित उन्नत सर्जरी पश्चात स्वास्थ्य लाभ कार्यक्रम (ईआरएएस) की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

27. एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली में उपस्थित ओडीएस रोगियों के बीच सामाजिक कार्यप्रणाली, आपराधिकता और स्वास्थ्य पर नर्स द्वारा संचालित समूह संक्षिप्त हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

28. तंत्रिका विज्ञान केन्द्र, एम्स नई दिल्ली में नर्सों के ज्ञान और अभ्यास और चयनित रोगी परिणामों के संदर्भ में सीज़र कार्रवाई योजना पर संरचित नर्सिंग दिशानिर्देशों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

29. दिल्ली के चयनित स्कूलों में किशोरों के बीच लिंग आधारित हिंसा के बारे में ज्ञान पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

7_.indd 139 1/8/2026 12:19:46 PM

30. एम्स, नई दिल्ली के कर्मचारियों के बीच गुर्दे के स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान और व्यवहारिक प्रथाओं पर वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।"

31. एम्स, नई दिल्ली में भर्ती नासोगैस्ट्रिक ट्यूब वाले मरीजों के प्राथमिक देखभालकर्ताओं के बीच ज्ञान और अभ्यास के संबंध में नासोगैस्ट्रिक ट्यूब फीडिंग पर वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

32. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग छात्रों के बीच मानक शिक्षण कार्यक्रम की तुलना में ट्रेकियोस्टोमी सक्शनिंग के बारे में ज्ञान और अभ्यास पर वीडियो शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

33. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच खाने के पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों और पोषण संबंधी स्थिति पर उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

34. एम्स, नई दिल्ली के तृतीयक अस्पताल में कैंसर रोग से ग्रस्त गंभीर रूप से बीमार लोगों में जीवन के अंत का उपचार और उपचारकर्ता के बोझ के बारे में परिवार की धारणा का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

35. नई आरएके ओपीडी, एम्स, नई दिल्ली में आने वाले मरीजों में स्वास्थ्य चिंता और मनोवैज्ञानिक कल्याण पर साइबरकॉन्ड्रिया के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

36. एम्स, नई दिल्ली में तीव्र ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया की घटनाओं एवं उपचार करने वालों के ज्ञान पर अनुवर्ती टेली-परामर्श के साथ संक्रमण नियंत्रण के लिए नर्स-द्वारा संचालित शिक्षा बंडल के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

37. एम्स, दिल्ली में अभिघातज मस्तिष्क क्षति से पीड़ित रोगियों के उपचारकर्ताओं के बीच रोगी उपचार प्रथाओं एवं उपचारकर्ता बोझ पर नर्स द्वारा संचालित इंदरवेंशन के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

38. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स, दिल्ली में कार्यरत नर्सों के लिए विकिरण सुरक्षा पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से विकिरण सुरक्षा के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यास का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

39. "यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों के लिए मानक नर्सिंग उपचार प्रोटोकॉल विकसित करने के उद्देश्य से तृतीयक उपचार अस्पताल के आईसीयू में भर्ती वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों के लिए नर्सिंग उपचार प्रैक्टिस का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।"

40. एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग छात्रों के बीच नीडल स्टिक घाव से होने वाली क्षतियों की रोकथाम एवं प्रबंधन के बारे में ज्ञान तथा घटना का आकलन करने हेतु एक अध्ययन

41. निवारक मेटाबोलिक सिंड्रोम पैम्फलेट विकसित के उद्देश्य से एम्स में युवा वयस्कों में मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

42. एम्स, नई दिल्ली में ल्यूपस नेफ्रैटिस से पीड़ित महिला रोगियों में यौन रोग की व्यापकता एवं इससे संबंधित कारकों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।

7_.indd 140 1/8/2026 12:19:47 PM

43. एम्स, नई दिल्ली के तंत्रिका विज्ञान एवं तंत्रिका शल्यचिकित्सा वार्ड में भर्ती रोगियों में क्यूएसओएफए स्कोर एवं सेप्सिस के नैदानिक लक्षणों चयनित परिणामों के साथ इसके संबंध का आकलन करने के हेतु एक अध्ययन।

44. एम्स, नई दिल्ली में लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के पश्चात शल्यक्रिया स्थल पर संक्रमण की रोकथाम में पारंपरिक ड्रेसिंग बनाम सिल्वर आधारित ड्रेसिंग की प्रभावशीलता की तुलना करने हेतु एक अध्ययन।

45. एम्स नई दिल्ली में 6 सप्ताह से 2 वर्ष की आयु के माँ-शिशु युग्म के स्तनपान व्यवहार का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन।

46. नासोगैस्ट्रिक ट्यूब वाले अस्पताल से छुट्टी पाने वाले कैंसर से पीड़ित रोगियों में पोषण संबंधी स्थिति, अनुपालन, बाधाओं एवं रोगी संतुष्टि पर अनुकूलित आहार योजना का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

47. दिल्ली के चयनित अस्पतालों के क्रोनिक पेरिटोनियल डायलिसिस रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता, उपचार के अनुपालन एवं पोषण संबंधी संकेतकों पर वेब-आधारित गृह देखभाल उपचार कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

48. अस्थमा से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच उपचार अनुपालन, इनहेलर तकनीक एवं घरेलू उपचार के संबंध में ज्ञान पर मिश्रित शिक्षण के प्रभाव का आकलन करना।

49. तृतीयक उपचार केंद्र में उपशामक उपचार प्राप्त करने वाले एडवांसड कैंसर रोगियों के बीच अनुपालन, ज्ञान एवं संतुष्टि पर पुस्तिका-आधारित शिक्षा के साथ-साथ एआई आधारित शिक्षा बनाम पारंपरिक नुस्खे के साथ मोबाइल ऐप आधारित नुस्खे की प्रभावशीलता की तुलना करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. चयनित नर्सिंग परिणामों पर परिवर्तनकारी नेतृत्व दृष्टिकोण का मूल्यांकन, इग्नू

2. बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में रोगी उपचार एवं स्वास्थ्य अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने हेतु प्रौद्योगिकी आधारित डॉक्टर-रोगी इंटरफेस का विकास"/ संदर्भ संख्या 5/4/7-3/यूआरओ/2020-एनसीडी-II। बाल शल्यचिकित्सा, एम्स दिल्ली।

पूर्ण

1. लीवर सिरोसिस के रोगियों के बीच गुणवत्ता, स्व-प्रभावकारिता एवं स्वास्थ्य परिणामों पर एक नर्स द्वारा संचालित वर्चुअल लीवर सिरोसिस क्लिनिक की प्रभावशीलता। जठरांत्र रोग विज्ञान एवं एचएनयू विभाग, एम्स।

2. विकासशील शिशु में जन्मजात विकृति का निदान किए गए 'भावी' दम्पतियों के परामर्श हेतु दिशानिर्देश तैयार करने में विशेषज्ञ सदस्य। बाल शल्यचिकित्सा, एम्स दिल्ली।

7_.indd 141 1/8/2026 12:19:47 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	01	02	04
कुल निधि (लाख में)	₹2942 लाख	₹35.12 लाख	₹24.47 लाख

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 26 **सार: 02**

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**17**	**36**	**28**
पत्रिकाओं में लेख	16	32	26
सार	-	-	02
पुस्तकों में अध्याय	01	03	-
पुस्तकें	01	01	-

रोगी उपचार

- अंबेडकर नगर में कैंसर एवं एनसीडी हेतु स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया।
- स्कूली बच्चों में कुपोषण की जांच।

व्यक्तिगत संकाय सदस्यों हेतु

- आप किसी भी प्रमुख शैक्षिक गतिविधि को शामिल कर सकते हैं जो शिक्षण, अनुसंधान एवं रोगी उपचार गतिविधियों के अंतर्गत शामिल नहीं है।
- इस अनुभाग में कार्यक्रम सलाहकार समितियों, वैज्ञानिक सलाहकार समितियों, अनुसंधान सलाहकार समितियों, सरकारी सलाहकार निकायों आदि की सदस्यता भी शामिल हो सकती है।

1. सीसीएम विभाग के सहयोग से जवाहर लाल समाचार में 24 मई 2025 को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
2. आईसीएमआर में पीएचडी फेलोशिप हेतु विशेषज्ञ
3. बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट के बोर्ड सदस्य
4. एनएनएफ द्वारा वित्त पोषित नर्सिंग कॉलेज के लिए पीईपी चरण II परियोजना हेतु सह-पीआई।

7_.indd 142 1/8/2026 12:19:47 PM

- शराब से जुड़े लिवर सिरोसिस के रोगियों हेतु जठरांत्र ओपीडी में नर्स द्वारा संचालित लिवर सिरोसिस क्लिनिक का संचालन
- अक्टूबर 2024 में कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह समारोह (न्यू आरएके ओपीडी और मनोचिकित्सा वार्ड में) हेतु सह-आयोजक।
- बाल चिकित्सा वार्ड में बीएससी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष एवं पोस्टर बेसिक नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों का मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण करना।

मदें	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	-	-	-
विशेष क्लिनिक परामर्श	-	01	-
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	-	-	-
कुल भर्ती रोगी	-	-	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य लता वेंकटेशन नैदानिक नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गई।

डॉ. मंजू ए.के. राजोरा 21 एवं 22 नवंबर 2024 को एनएसएस के फोर्सिथिया चैप्टर द्वारा आयोजित "नर्सिंग अनुसंधान को सशक्त बनाना: कौशल, नीतियाँ एवं सांख्यिकीय अंतर्दृष्टि" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में संचालक। उन्होंने 22 मई से 12 जुलाई 2024 तक आईआईटी दिल्ली के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र में समर फैकल्टी रिसर्च फेलो (एसएफआरएफ) कार्यक्रम में भाग लिया। 12 मई 2024 को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सिंग स्कॉलर सोसाइटी द्वारा उन्हें फ्रंटलाइन हीरो नर्स होने के लिए अध्यक्ष सम्मान पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने बीएफयूएचएस के लिए एमएससी नर्सिंग थीसिस का मूल्यांकन किया।सोसाइटी ऑफ पेरिऑपरेटिव नर्सिंग में कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में चुनी गई।

डॉ. तारिका शर्मा सोसायटी ऑफ कार्डियक नर्सिंग में कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में चुनी गई। एम्स भुवनेश्वर, एम्स मंगलागिरी एवं एम्स ऋषिकेश में पीजी तथा यूजी पाठ्यक्रमों हेतु बाह्य परीक्षक और पेपर सेटर।

सुश्री अनुभा देवगुरू द्वारा 23 अक्टूबर 2024 को "नर्सिंग उत्कृष्टता को सशक्त बनाना: स्वास्थ्य सेवा में नवाचार एंव प्रौद्योगिकी" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। वह यूआरओ की संयोजक थी नर्सिंग नॉर्थ ज़ोन सम्मेलन, 29 नवंबर 2024, नई दिल्ली। वह आईएसीटीएस के 71वें वार्षिक सम्मेलन, 20 फ़रवरी 2025, नई दिल्ली के लिए नर्सिंग संगोष्ठी की समन्वयक थीं। 24 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल यूरोलॉजी में नर्सिंग संगोष्ठी की समन्वयक। उन्होंने 10 मार्च 2024 को एम्स, नई दिल्ली में विश्व किडनी दिवस का आयोजन किया। वे एम्स, ऋषिकेश में एमएसएन 1 की बाह्य परीक्षक थीं।

सुश्री मोनिका सभरवाल ने हिंदी पखवाड़ा सितम्बर 2025 के दौरान संकाय हेतु निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

7_.indd 143 1/8/2026 12:19:47 PM

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्षगण (अनुसंधान)

जीवन एस टिटियाल
(1 अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक जारी)

निखिल टंडन
(11 जनवरी 2025 से प्रभावी)

सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
गोविंद के मखारिया
(8 अप्रैल 2024 से प्रभावी)

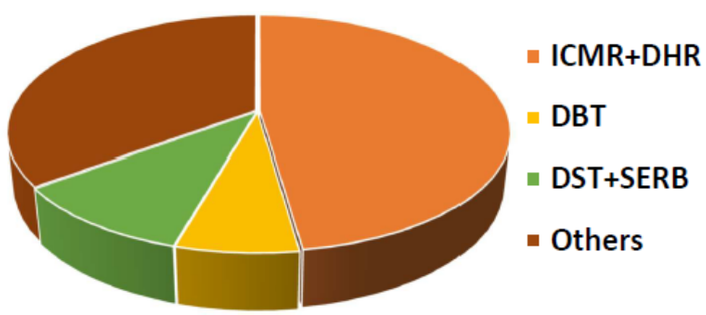
विशिष्टताएं

अनुसंधान अनुभाग, एम्स के त्रिमूर्ति मिशन का एक महत्वपूर्ण घटक है। अनुसंधान अनुभाग, एम्स में आंतरिक और बाह्य, दोनों प्रकार की अनुसंधान योजनाओं को सुगम बनाने के लिए नोडल कार्यालय है। अनुसंधान अनुभाग ने मूल और नैदानिक विज्ञानों के लिए क्रमशः केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) और नैदानिक अनुसंधान एकक (सीआरयू) के माध्यम से एम्स के संकाय और छात्र शोधकर्ताओं को क्षमता निर्माण में सहायता भी प्रदान की। चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (सीएमआईई) अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है। पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहायता और समर्थन के लिए आईपीआर एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग (आईपीटी-टीटीडी) द्वारा इसे और भी विस्तार प्रदान किया जाता है।

अंतःविषयक वित्तपोषण योजना में प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान, अंतःविषयक सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, अनुसंधान कौशल सहायता के लिए स्नातक स्तर पर मार्गदर्शन शामिल हैं।कैंसर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए एनसीआई-एम्स, झज्जर के लिए नई इंट्राम्यूरल फंडिंग योजना शुरू की गई है। एमडी/एमएस/एमडीएस/डीएम/एमसीएच रेजिडेंट्स को उनके शोध प्रबंध संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। इसके अलावा, वर्तमान में आईआईटी-दिल्ली, टीएचएसटीआई-फरीदाबाद, यूसीएल-लंदन और सीएसआईआर-आईजीआईबी-दिल्ली के साथ सहयोगात्मक नेटवर्क को बढ़ाने के लिए अंतर-संस्थागत योजनाएँ जारी हैं। सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद के साथ एक संयुक्त सहयोगी योजना भी शुरू की गई है।एम्स, यूसीएल और आईआईटी दिल्ली के बीच मेडटेक अनुसंधान को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

बाह्य परियोजनाएं

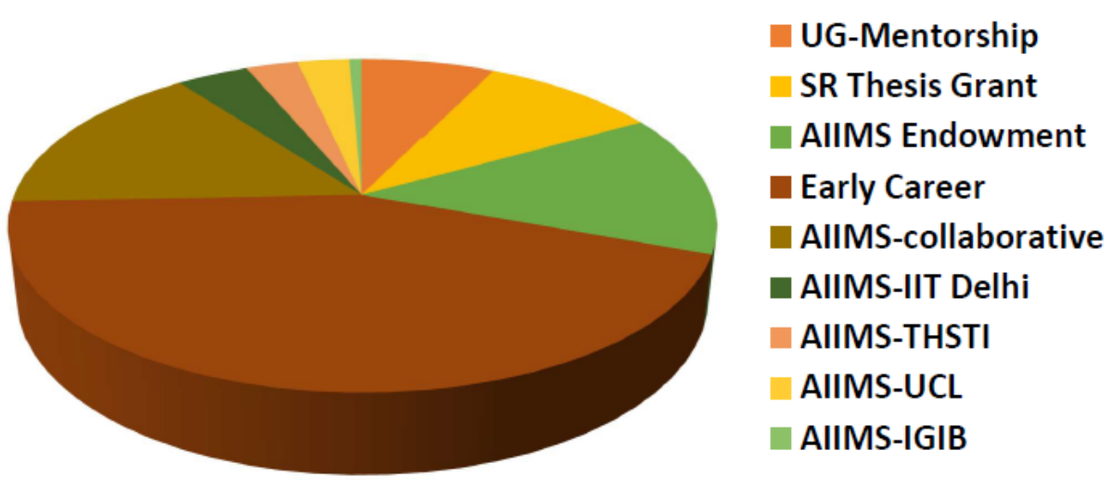
एन = 958 [रु 280 करोड़ लगभग]



8_.indd 144 1/10/2026 1:09:27 PM

वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की संख्या	बजट
आईसीएमआर	417	160,98,99,288
डीएच	57	10,10,64,233
डीएसटी	38	4,71,88,800
एसईआरबी	50	6,18,78,190
डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट	55	18,82,66,585
गैर-सरकारी / भारतीय वित्तपोषण एजेंसियां	185	12,34,80,713
अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियां	86	49,23,71,000
मंत्रालय आदि	70	17,48,44,871
	958	279,89,93,680

आंतरिक परियोजना संबंधी योजनाएँ



एन = 369 [लगभग 8 करोड़ रु पये]

योजना	परियोजनाओं की संख्या	अनुदान
आईआरजी	137	2,43,32,256
एसी	59	3,13,48,015
एआई	13	5,00,000
एटी	13	29,77,500

8_.indd 145 1/10/2026 1:09:27 PM

योजना	परियोजनाओं की संख्या	अनुदान
यूसीएल	9	29,91,200
यूजी	36	42,77,100
एसएसडब्ल्यूसी	1	7,50,000
आईजीआईबी	8	39,93,600
पीजी	93	76,20,625
	369	**7,87,90,296**

प्रतिष्ठित पद

"मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान में शोभा सेठ वेंगर प्रतिष्ठित पद पर ।

यह प्रतिष्ठित पद एम्स, नई दिल्ली के एक वरिष्ठ संकाय/वैज्ञानिक को प्रदान किया जाता है, जिसका स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड हो।

विकृति विज्ञान के आचार्य, डॉ. संदीप माथुर को यह पद 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

एम्स संकाय हेतु अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप

इस फ़ेलोशिप का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान करना और एम्स, नई दिल्ली में कार्य हेतु उनका उपयोग करना है। फ़ेलोशिप की अवधि 2-4 सप्ताह है।

फैलोशिप की अवधि:

वर्ष 2024-2025 के लिए एम्स अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची इस प्रकार है:

1. आंचल कक्कड़, अपर आचार्य, सिर एवं गर्दन विकृति विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर विकृति विज्ञान, आचार्य, कीथ हंटर, सिर एवं गर्दन विकृति विज्ञान, लिवरपूल हेड एंड नेक सेंटर, लिवरपूल विश्वविद्यालय, 3 सप्ताह

2. दीपम पुष्पम, सह-आचार्य, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, ल्यूकेमिया, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण एवं सार्कोमा, नितिन जैन, एमडी, एंडरसन कैंसर सेंटर, ल्यूकेमिया विभाग, सीएआर-टी कार्यक्रम। टेक्सास विश्वविद्यालय, 4 सप्ताह

3. सुजाता मोहंती, आचार्य, स्टेम सेल सुविधा विभाग, ऊतक इंजीनियरिंग, 3डी बायोप्रिंटिंग, पुनर्योजी चिकित्सा, बायोमटेरियल निर्माण, बायोमिमिक्री, ऑर्गेनोइड्स, बर्न्ड गिबेल आचार्य, डुइसबर्ग-एसेन विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल एसेन, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन इंस्टीट्यूट, 4 सप्ताह

4. प्रज्ञान आचार्य, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग, यकृत रोग रोगजनन, बायोमार्कर और नैदानिक प्लेटफॉर्म, बड़े पैमाने पर जीनोमिक स्क्रीन, डॉ. कल्पना सुरेंद्रनाथ, वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय, 4 सप्ताह

5. मनीष सिंघल, आचार्य एवं अध्यक्ष, प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न्स शल्य-चिकित्सा विभाग, पुनर्निर्माण माइक्रो शल्य-चिकित्सा, बर्न्स पुनर्निर्माण, आघात पुनर्निर्माण, डॉ. कविता रंगनाथन, एमडी, सहायक आचार्य और निदेशक, क्रैनियोफेशियल शल्य-चिकित्सा, शल्य-चिकित्सा संस्थान विभाग: ब्रिघम एवं वुमेंस हॉस्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, 75 फ्रांसिस स्ट्रीट, बोस्टन, 4 सप्ताह

8_.indd 146 1/10/2026 1:09:27 PM

अर्बुदविज्ञान में इन्फोसिस पद

अर्बुदविज्ञान में इन्फोसिस पद के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची इस प्रकार है:

स्मिता भाटिया, विशिष्ट आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, रुधिर विज्ञान/अर्बुदविज्ञान विभाग, गे एंड ब्यू बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में व्हाइट एंडोव्ड पद, परिणाम अनुसंधान के लिए उपाध्यक्ष ,बाल चिकित्सा विभाग निदेशक, कैंसर, आउटकम एंड सर्वाइवरशिप यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम (यूएबी) स्कूल कार्य चिकित्सा विभाग, डॉ. समीर बख्शी, आचार्य एवं अध्यक्ष, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स, दिल्ली

एम्स अनुदान निधि के तहत यात्रा सहायता छात्रवृत्ति

i) अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशाला प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए छात्रों, रेजीडेंटों, पीएचडी विद्वानों और अनुसंधान कर्मचारियों के लिए यात्रा फैलोशिप की संख्या में वृद्धि।

ii) यात्रा अनुदान के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु प्रत्येक दो माह में बैठक आयोजित की जा रही है।

29 जनवरी 2025 और 30 जनवरी 2025 को चौथा वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह

अखिल-एम्स अनुसंधान संगोष्ठी

एम्स ने अपना चौथा वार्षिक अनुसंधान दिवस मनाया, जो चिकित्सा विज्ञान में नवीन अनुसंधान को मान्यता देने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक दो दिवसीय कार्यक्रम था। जेएल ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अग्रणी लोगों ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता का उत्सव मनाया और स्वास्थ्य सेवा नवाचार के भविष्य पर चर्चा की।
अखिल-एम्स अनुसंधान संगोष्ठी के दौरान, जो एक ऐतिहासिक आयोजन था और जिसमें देश भर के 20 एम्स संस्थानों के संकायाध्यक्ष शामिल हुए। डॉ. रामालिंगास्वामी बोर्डरूम में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने और पूरे भारत के सभी एम्स संस्थानों के लिए एक एकीकृत अनुसंधान ढाँचा बनाने के साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया।

संगोष्ठी की शुरुआत एम्स के केंद्रीय अनुसंधान केंद्रों के भ्रमण से हुई, जिसमें केंद्रीयकृत कोर अनुसंधान सुविधा, नैदानिक अनुसंधान एकक और चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र शामिल थे। प्रतिभागियों को नवाचार और वैज्ञानिक खोज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवीनतम अनुसंधान अवसंरचना का अवलोकन करने का अवसर मिला।

सभी एम्स - बठिंडा, भोपाल, भुवनेश्वर, बिलासपुर, बीबीनगर, देवघर, गुवाहाटी, जोधपुर, कल्याणी, मदुरै, मंगलागिरी, पटना, रायपुर, राजकोट, ऋषिकेश, नागपुर, जम्मू आदि के संकायाध्यक्षों ने संक्रामक रोगों से लेकर एआई-संचालित स्वास्थ्य उपचार समाधानों तक के क्षेत्रों में अपने शोध के मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की शुरुआत सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान), आचार्य गोविंद मखारिया के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा की बेहतरी के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एम्स की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। एम्स के निदेशक, आचार्य एम. श्रीनिवास ने एक प्रेरक संबोधन देते हुए कहा, "अनुसंधान चिकित्सा प्रगति की रीढ़ है। एम्स हमारे समय की दबावपूर्ण स्वास्थ्य उपचार चुनौतियों का समाधान करने वाले नवीन अध्ययनों को पोषित और समर्थन करता रहेगा।"कार्यक्रम में पीएचडी, एमएससी और स्नातक छात्रों के साथ-साथ जूनियर और सीनियर रेजीडेंट छात्रों द्वारा 13 मंच प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध को प्रदर्शित किया गया। 514 पोस्टरों वाली एक पोस्टर प्रदर्शनी में

8_.indd 147 1/10/2026 1:09:27 PM

कैंसर, तंत्रिकाविज्ञान, हृदविज्ञान, नेत्रविज्ञान, दुर्लभ रोगों, संक्रामक रोगों आदि जैसे विभिन्न रोग क्षेत्रों में एम्स के विद्वानों द्वारा जारी नैदानिक और बुनियादी शोध के अभिनव शोध योगदान पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण एम्स रजत जयंती पर दिया गया व्याख्यान था, जो संगवारी-पीपुल्स काउंसिल फॉर इक्विटी एंड हेल्थ के सह-संस्थापक डॉ. योगेश जैन ने दिया। "चिकित्सा अकादमी और जन स्वास्थ्य" शीर्षक से उनके व्याख्यान में भारत में अनुसंधान-आधारित स्वास्थ्य सेवा सुधारों के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

दोपहर के सत्र में मुख्य अतिथि, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, आचार्य अजय कुमार सूद ने अनुसंधान दिवस का उद्घाटन किया। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार के प्रति एम्स के समर्पण की सराहना करते हुए कहा, "एम्स जैसे संस्थान स्वास्थ्य सेवा परिवर्तन में अग्रणी हैं। यहाँ किया गया अनुसंधान न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर उत्कृष्टता के मानक स्थापित करता है।"

किंग्स कॉलेज लंदन के कुलपति एवं अध्यक्ष, आचार्य शितिज कपूर ने "आधुनिक चिकित्सा के चमत्कार और वैश्विक स्वास्थ्य का भविष्य - चार महाद्वीपों में करियर से शिक्षा" शीर्षक से एक विचारोत्तेजक हीरक जयंती व्याख्यान दिया। आचार्य कपूर ने स्वास्थ्य सेवा में हुई प्रमुख प्रगति पर प्रकाश डाला और अपने शानदार करियर से मिली बहुमूल्य सीखों को साझा किया।

“नवाचार को उत्प्रेरित करना: नवाचार को बढ़ावा देने के तरीके” विषय पर पैनल चर्चा में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हुए, जिनमें शामिल हैं:

- डॉ. चिंतन वैष्णव, पूर्व मिशन निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन
- डॉ. अन्नम विशाला, उप औषधि नियंत्रक (भारत), सीडीएससीओ
- डॉ. मनीष दीवान, मिशन निदेशक, बायोटेक क्षेत्र के लिए मेक इन इंडिया
- श्री रोहित गुप्ता, कार्यक्रम प्रमुख, अटल नवाचार मिशन
- आचार्य संदीप सिंह, कार्यकारी निदेशक, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिज़ाइन

  चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र के परियोजना प्रमुख आचार्य आलोक ठाकर द्वारा संचालित इस चर्चा में स्वास्थ्य सेवा में नवाचार को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया तथा उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के महत्व पर बल दिया गया।

अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार: मूल विज्ञान श्रेणी

1. सरोज कुमार, अपर आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, जैव भौतिकी, बेसिक, फ्लोरोसेंस-टैग्ड लार के छोटे बाह्यकोशिकीय पुटिकाएँ पार्किंसंस रोग के प्रारंभिक निदान में एक नैनोटूल के रूप में, बीएमसी मेडिसिन, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र
2. सुदीप सेन, आचार्य, जैव रसायन विभाग, जैव रसायन, बेसिक, हाइपोक्सिया डब्ल्यूएनटी मार्ग को सक्रिय करके मानव भ्रूण तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं में प्रारंभिक तंत्रिकाजेनेसिस को प्रेरित करता है, आणविक तंत्रिका जैव विज्ञान, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

8_.indd 148 1/10/2026 1:09:27 PM

3. भूपेंद्र वर्मा, सह-आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी, मूल, मेजबान एंजियोजेनिन और डेंगू वायरस प्रतिकृति के बीच सहक्रियात्मक सहसंबंध, आरएनए जैवविज्ञान, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

4. प्रतीक कुमार, आचार्य, चिकित्सा भौतिकी विभाग, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, चिकित्सा भौतिकी, बेसिक, लाइफ-एमजीएफ2 प्रणाली में ऑप्टिकली स्टिम्युलेटेड ल्यूमिनेसेंस और चिकित्सा विकिरण डोसिमीटर के रूप में इसकी प्रतिक्रिया, सेरामिक्स इंटरनेशनल, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

5. शिप्रा अग्रवाल, अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, विकृति विज्ञान, मूलभूत, सामान्य निम्न और उच्चतर मानव पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के आणविक संकेत में जन्मजात अंतर: पैराथाइरॉइड एडेनोमा के लिए निहितार्थ, आणविक और कोशिकीय जैव रसायन, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

6. सिमरन कौर, अपर आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, शरीर क्रिया विज्ञान, बेसिक, कीमोथेरेपी करा रहे युवा सार्कोमा रोगियों में रोगी द्वारा रिपोर्ट की गई संज्ञानात्मक हानि और वस्तुनिष्ठ तंत्रिका साइकोलॉजिकल कमियां और स्वस्थ नियंत्रण से इसकी तुलना: भारत से एक तृतीयक स्वास्थ्य उपचार अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर,

7. रेणु ढींगरा, आचार्य, शरीर रचना विभाग, शरीर रचना, बेसिक, हाइड्रोजन सल्फाइड एक आरएचओ जीटीपीएएसई मध्यस्थता एक्टिन साइटोस्केलेटन पुनर्गठन द्वारा ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास को बढ़ावा देता है, प्लेसेंटा,

8. रीमा दादा, आचार्य, शरीर रचना विभाग, बेसिक, योग टीएच17/ट्रेग सेल होमियोस्टेसिस को बनाए रखता है और रुमेटी गठिया में टी सेल उम्र बढ़ने की दर को कम करता है: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, वैज्ञानिक रिपोर्ट,

9. सविता यादव, आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, जैव भौतिकी, बेसिक, डिम्बग्रंथि के कैंसर की प्रगति को नियंत्रित करने में एफजीएफ8 ओवरएक्सप्रेशन के महत्व का खुलासा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज,

10. रूपेश के. श्रीवास्तव, सह-आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी, बेसिक, लैक्टोबैसिलस रैम्नोसस (एलआर) न्यूट्रोफिल को लक्षित करके पुल्मोनरी और एक्स्ट्रापल्मोनरी एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) को बेहतर बनाता है, नैदानिक इम्यूनोलॉजी,

11. मनोज कुमार टेम्भरे, वैज्ञानिक, हृद जैव रसायन विभाग, जैव रसायन, बेसिक, पीजीसी-1α एगोनिस्ट ऑक्सीडेटिव तनाव और नेक्रोप्टोसिस को कम करके डॉक्सोरूबिसिन-प्रेरित कार्डियोमायोपैथी को बचाता है, एंटीऑक्सीडेंट (बेसल),

12. मयंक सिंह, अपर आचार्य, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग (प्रयोगशाला), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बेसिक, यूबिक्विटिन स्पेसिफिक पेप्टिडेज़ 37 और पीसीएनए इंटरैक्शन रेप्लिकेशन फोर्क प्रोग्रेसन को मॉड्यूलेट करके ओस्टियोसारकोमा पैथोजेनेसिस को बढ़ावा देता है, जर्नल ऑफ ट्रांसलेशनल मेडिसिन,

13. जयंत कुमार, एमडी, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग, जैव रसायन, बेसिक, आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन आईजीएफ2बीपी1 ईटीवी6-आरयूएनएक्स1 के साथ मिलकर बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ऑन्कोजेनिक सिग्नलिंग को संचालित करता है, जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड क्लीनिकल कैंसर रिसर्च,

8_.indd 149 1/10/2026 1:09:28 PM

अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार: नैदानिक विज्ञान श्रेणी

1. सुहानी, अपर आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, शल्य चिकित्सा, स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फनोड बायोप्सी के लिए दोहरी डाई तकनीक का मूल्यांकन: टू-आर्म वाला ओपन-लेबल समानांतर डिज़ाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जरी, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

2. प्रज्ञान आचार्य, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग, जैव रसायन, क्वांटिटेटिव प्लाज़्मा प्रोटिओमिक्स ने मेटालोथायोनीन को तीव्र-क्रोनिक यकृत विफलता से संबंधित तीव्र गुर्दे की चोट के मार्कर के रूप में पहचाना, फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

3. कृतिका रंगराजन, सह-आचार्य, रेडियोलॉजी विभाग बीआरएआईआरसीएच, रेडियोलॉजी बीआरएआईआरसीएच, मैमोग्राफिक रूप से सघन स्तनों में आइसोडेंस, अस्पष्ट द्रव्यमान का पता लगाने के लिए गहन शिक्षण, यूरोपीय रेडियोलॉजी, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

4. प्रणय तंवर, आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण द्वारा पीआईके3सीए के नए प्रकारों की पहचान और भारतीय आबादी में स्तन कैंसर में ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा हॉटस्पॉट उत्परिवर्तन का सत्यापन, कैंसर सेल इंटरनेशनल, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

5. दीपाली जैन, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, विकृति विज्ञान, नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में एनाप्लास्टिक लिम्फोमा काइनेज (एएलके) और रोस प्रोटो-ऑन्कोजीन 1 (आरओएस1) जीन पुनर्व्यवस्था का पता लगाने में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और फ्लोरोसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन की सहमति, आर्क पैथोल प्रयोगशाला मेड, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र

6. मंजरी त्रिपाठी, हृद तंत्रिका विभाग, हृद तंत्रिका केंद्र, दवा-प्रतिरोधी मिर्गी से ग्रस्त व्यक्तियों में संशोधित एटकिंस आहार की सुरक्षा, प्रभावकारिता और सहनशीलता, तंत्रिका विज्ञान

7. पारिजात चंद्रा, आचार्य, आरपीसी, आरपीसी, समयपूर्वता की आक्रामक रेटिनोपैथी में फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी निर्देशित लेजर उपचार की भूमिका, नेत्र (लोड)

8. वंदना जैन, आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, चयापचय प्रभाग, बाल चिकित्सा, टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले भारतीय बच्चों में कार्बोहाइड्रेट गिनती बनाम निश्चित भोजन योजना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंडियन जर्नल ऑफ पैडिएट्रीक्स

9. कल्पना बंसल, अपर आचार्य, पेडोडोंटिक्स और दंत निवारक चिकित्सा विभाग, दंत चिकित्सा शिक्षा केंद्र, पेडोडोंटिक्स और दंत निवारक चिकित्सा दंत चिकित्सा शिक्षा केंद्र, कैरियस प्राथमिक मोलर्स पारंपरिक पुनर्स्थापनात्मक तकनीक की तुलना में सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड संशोधित एट्रॉमैटिक रिस्टोरेटिव उपचार - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जर्नल ऑफ डेंटिस्ट्री

10. राजीव कुमार, आचार्य, मूत्र रोग विभाग, मूत्र रोग, इडियोपैथिक ऑब्सट्रक्टिव एज़ोस्पर्मिया के लिए एकतरफा बनाम द्विपक्षीय वासोएपिडीडिमल एनास्टोमोसिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यूरोपीयन यूरोलॉजी ओपन साइंस

11. प्रकाश रंजन मिश्रा, सह-आचार्य, आपात चिकित्सा विभाग, आपात चिकित्सा, हेमोप्टाइसिस एक पायलट रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण के लिए नेबुलाइज्ड बनाम आईवी ट्रैनेक्सैमिक एसिड, चेस्ट

8_.indd 150 1/10/2026 1:09:28 PM

12. शेफाली गुलाटी, आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, बाल चिकित्सा, एकतरफा सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में मस्तिष्क उत्तेजना और बाधा प्रेरित संचार चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोरिहैबिलिटेशन और तंत्रिका सुधार

13. झूमा शंकर, अपर आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, बाल चिकित्सा, बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में पुनर्जीवन के लिए बोलस द्रव के रूप में मल्टीपल इलेक्ट्रोलाइट्स सॉल्यूशन बनाम सलाइन: एक बहुकेंद्र यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, क्रिट केयर मेड

इन्फोसिस अर्बुदविज्ञान सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार - मूल विज्ञान श्रेणी

1. रितु गुप्ता, आचार्य और कार्यालय प्रभारी, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, बेसिक, बीडीएल-एसपी: डब्ल्यूईएस डेटा का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में परिवर्तित सिग्नलिंग मार्गों की पहचान के लिए एक जैव-प्रेरित डीएल मॉडल, अमेरिकन जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च

2. ज्योतिर्मय बनर्जी, अपर आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, जैव भौतिकी, बेसिक, इंट्राऑपरेटिव पेरिट्यूमोरल ऊतकों की आरएनए अनुक्रमण से ग्लियोमा से संबंधित दौरों में शामिल संभावित मार्गों का पता चलता है, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर न्यूरोसाइंस

3. प्रमोद कुमार गौतम, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग, जैव रसायन, बेसिक, 3डी कैंसर स्फेरोइड्स में मैक्रोफेज इन्फ्लेशन टीएमई को पुन: प्रस्तुत करने और कीमोथेरेपीटिक दवा प्रभावकारिता को संशोधित करने के लिए कैंसर कोशिकाओं और मैक्रोफेज के भीतर बातचीत का खुलासा करना, बीएमसी कैंसर

इन्फोसिस अर्बुदविज्ञान सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार - नैदानिक विज्ञान श्रेणी

1. सीएस बाल, आचार्य एवं अध्यक्ष, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, नाभिकीय चिकित्सा, नैदानिक, [68जीए]जीए की आमने-सामने तुलनारेडियोआयोसंकायाध्यक्ष प्रतिरोधी फॉलिक्युलर कोशिका व्युत्पन्न थायरॉइड कैंसर में [18F] एफएफडीजी पीईटी/सीटी के साथ डीओटीए.एसए.एफएपीआई, यूरोपियन ऑफ जर्नल न्यूक्लीयर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग

2. सुप्रिया मल्लिक, सह-आचार्य, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, विकिरण अर्बुदविज्ञान, नैदानिक, नव निदान ग्लियोब्लास्टोमा में समवर्ती और रखरखाव टेमोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटेड त्वरित रेडियोथेरेपी: चरण II एचआआरटी-जीबीएम परीक्षण से अद्यतन परिणाम, जर्नल ऑफ न्यूरो-ओंकोलोजी

3. शिप्रा अग्रवाल, अपर आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, विकृति विज्ञान, नैदानिक, बाल चिकित्सा एड्रेनोकोर्टिकल नियोप्लाज्म: तीन हिस्टोपैथोलॉजिकल स्कोरिंग सिस्टम की तुलना करने वाला एक अध्ययन, एंडोक्राइन विकृति विज्ञान

प्रतिभागी पुरस्कार - मौखिक प्रस्तुति - चौथा एम्स अनुसंधान दिवस 2025

स्नातकपूर्व

1. पवित सिंह, अंतर का अध्ययन करने के लिए अग्नाशय कैंसर के रोगियों में एक्सोसोमल प्रचुरता

8_.indd 151 1/10/2026 1:09:28 PM

2. इशान गुप्ता, युग्मित तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) नमूनों के ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण से अंतर्दृष्टि: नवीन सीआरआईएसपीआर-आधारित चिकित्सीय लक्ष्यों को अनलॉक करना

3. सत्या वीरा मेरला, बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में पेक्स5-संचालित उपप्रकारों को समझना: एक व्यापक विश्लेषण,

एमएससी

1. महक फरहान, जैव रसायन विभाग, शीर्षक: गौचर रोग में सुधार के लिए एक एल483पी उत्परिवर्ती ग्लूकोसेरेब्रोसिडेस मॉडल और एक सीआरआईएसपीआर/सीएएस13-आधारित आरएनए संपादन दृष्टिकोण का निर्माण,

कनिष्ठ रेजिडेंट

1. एच.वी. भावना, प्रसूति एवं स्त्री रोग, ओव्यूलेशन प्रेरण चक्र से गुजर रही एनोवुलेटरी बांझ पीसीओएस महिलाओं में डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग बनाम स्टेप अप गोनाडोट्रोपिन थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।,

2. तविश गुप्ता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एससीएआर-एआई: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके कॉर्नियल अपारदर्शिता का स्मार्टफोन-आधारित सामुदायिक मूल्यांकन और केराटोप्लास्टी के लिए रेफरल,

3. गुप्ता हिमानी, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया प्री और पोस्ट ऑक्लूजन थेरेपी में फंक्शनल एमआरआई और डीटीआई: खुले परिवर्तनशील प्रतिक्रियाओं के पीछे तंत्रिका तंत्र,

वरिष्ठ रेजिडेंट

1. पैरासेली सैतेजा, बाल चिकित्सा, बार-बार होने वाले और स्टेरॉयड पर निर्भर नेफ्रोटिक सिंड्रोम में साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी की प्रभावकारिता - एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन

2. देवी सरन्या एसएस, बाल चिकित्सा, नीमन-पिक रोग प्रकार ए/बी के एक भारतीय समूह में जीनोटाइप-फेनोटाइप स्पेक्ट्रम,

3. संदीप राव, काय चिकित्सा, नव निदान बहुऔषधि प्रतिरोधी टी.बी. रोगियों के घरेलू संपर्कों में अव्यक्त टी.बी. संक्रमण और सक्रिय टी.बी.,

पीएचडी

1. आशीष-बिंजोला, विकिरण अर्बुदविज्ञान, एक नवीन रेडियोथेरेपी जेल बोलस के रियोलॉजिकल और तन्य गुण।,

2. निशा चौहान, न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस, ओपिओइड उपयोग विकार में क्यू रिएक्टिविटी टास्क आधारित कार्यात्मक कनेक्टिविटी का पता लगाना,

3. हर्ष भाखरी, जैव रसायन, एचआईवी-1 का पता लगाने के लिए एक बहुमुखी सीआरआईएसपीआर/सीएएस12ए-आधारित न्यूक्लिक एसिड परीक्षण (एनएटी)क्लेडसी संक्रमण,

8_.indd 152 1/10/2026 1:09:28 PM

प्रतिभागी पुरस्कार - पोस्टर प्रस्तुति - चौथा एम्स अनुसंधान दिवस 2025

स्नातकपूर्व

1. वेदांत गर्ग, डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण प्रतिजन (पीओटीई) पर सीओएक्स (साइक्लोऑक्सीजिनेज) अवरोधक के प्रभाव का अध्ययन, अनुशंसा
2. पवित्र सिंह, सीलिएक रोग के रोगियों में ग्लूटेन मुक्त आहार के अनुपालन की व्यापकता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण,
3. हयाग्रीवस एमबी, गठिया रोगों वाले रोगियों में पैर के जोड़ों के गठिया का पता लगाने के लिए पैर-दबाव वितरण विधि,
4. अजिंक्य नाइक, कारोलिंस्का स्लीपनेस स्केल और डे-टाइम ईईजी के बीच सहसंबंध,

एमएससी

1. आकांक्षा वर्मा, जैव प्रौद्योगिकी, अस्थि-प्रतिरक्षा प्रणाली पर दीर्घकालिक तनाव की भूमिका को रेखांकित करना, अनुशंसा
2. अरीबा अज़ीज़, जैव प्रौद्योगिकी, डेंगू (डीईएनवी) संक्रमण के दौरान टीआरएनए-व्युत्पन्न आरएनए टुकड़ों की यांत्रिक भूमिका (टीएसआरएनएएस),
3. नीति भारद्वाज, जैव रसायन, सेरेब्रल पाल्सी के इन विट्रो रोग मॉडल में हाइपोक्सिया-एक्सपोज्ड ओलिगोडेंड्रोसाइट्स को बचाने में होम्योपैथिक दवा हाइपरिकम पेरफोरेटम की तंत्रिका थेरेप्यूटिक प्रभावकारिता का मूल्यांकन,
4. अतुल कुमार डंडरियाल, जैव प्रौद्योगिकी, यह निर्धारित करने के लिए कि लिपिड बूंदों के अंदर वसा की संरचना रोकती है या लिपोफैजी ट्रिगर करती है,

पीएचडी

1. वैशाली प्रजापति, भेषजगुण विज्ञान, सीटीएलए-4 एनालॉग के माध्यम से कार्डियक हाइपरट्रॉफी के रेट मॉडल में एबाटासेप्ट की चिकित्सीय क्षमता: सिग्नलिंग मार्गों की खोज, अनुशंसा
2. गुंजन शर्मा, शरीर क्रिया विज्ञान, थीटा बर्स्ट स्टिमुलेशन और आयरनऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इम्प्लांटेशन के संयोजन दृष्टिकोण के साथ स्पाइनल रिकवरी, अनुशंसा
3. सुतीर्थ घोष, शरीर क्रिया विज्ञान, बाइसेप्स कर्ल मूवमेंट में लोड के पूर्वानुमानित संकेतक के रूप में प्री-मूवमेंट ईईजी माइक्रोस्टेट्स, अनुशंसा
4. निखिल कुमार, नेत्र विकृति विज्ञान, यूवियल मेलेनोमा में हिप्पो पाथवे डिसरेग्यूलेशन और कोशिका चक्र किनेसेस के रोगसूचक निहितार्थ, अनुशंसा
5. रिधिमा गोयल, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एस्ट्रोजन-संबंधी रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) एक संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में डीएन200434 (ईआरआरγ व्युत्क्रम-एगोनिस्ट) और एमके-2206 (एकेटी अवरोधक) का सहक्रियात्मक ट्यूमर-रोधी प्रभाव, अनुशंसा
6. अखिल कुमार, जैव प्रौद्योगिकी, विकासवादी संरक्षित वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस के लिए महत्वपूर्ण है

8_.indd 153 1/10/2026 1:09:28 PM

7. मनीष त्रिपाठी, जैव प्रौद्योगिकी, पीवीट्रेग36.6 (पीवीएक्स-112660) - स्टोमेटिन के साथ लिपिड इंटरैक्शन अध्ययन - मानव रेटिकुलोसाइट में प्लास्मोडियम विवैक्स आक्रमण की नई अंतर्दृष्टि।, श्वेता शर्मा, शरीर क्रिया विज्ञान, 6-ओएचडीए पीडी रेट में संज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक्स और आरटीएमएस के सहक्रियात्मक प्रभाव,

कनिष्ठ रेजिडेंट

1. आराधना शर्मा, जैव रसायन, संक्रमित बच्चों से प्राप्त एचआईवी-1 वायरल आवृत से संक्रामक आणविक क्लोनों का निर्माण और लक्षण वर्णन, प्रशस्ति

2. विश्वास कुमार आनंद, पीएमआर, बेरेइट्सचाफ्ट्सपोटेंशियल का उपयोग करके पोस्टपोलियो सिंड्रोम में केंद्रीय थकान का आकलन, अनुशंसा

3. डॉ. ओमकार किशोर शाह, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पोस्ट ऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं के लिए मशीन-लर्निंग व्युत्पन्न जोखिम पूर्वानुमान मॉडल का बाहरी सत्यापन

4. सबरी सिनेहा, विकृति विज्ञान, एपिथेलियल मायोएपिथेलियल कार्सिनोमा के आणविक परिदृश्य को डिकोड करना

5. काव्या वी नायर, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके कॉर्टिकल हेमोडायनामिक गतिविधि का तुलनात्मक मूल्यांकन और सेवोफ्लुरेन बनाम प्रोपोफोल टीवा के साथ एनेस्थीसिया करवाने वाले बच्चों में उभरती प्रलाप के साथ सहसंबंध - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

वरिष्ठ रेजिडेंट

1. साक्षी ओझा, बाल शल्य-चिकित्सा, सामान्यीकृत डिस्टोनिया से पीड़ित बच्चों और किशोरों (आयु 5-18 वर्ष) में दोहरावदार ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शम-नियंत्रित परीक्षण, अनुशंसा

2. शेख अब्दुल मुबीन अब्दुल रहीम, जैव रसायन, सीडी14++ सीडी16− क्लासिकल मोनोसाइट उपसमूह आईएल-1ß स्रावित करता है और उच्च मोनोसाइट-टोलिम्फोसाइट अनुपात 'टी.बी. प्रतिरोधियों' के फेनोटाइप से जुड़ा है, अनुशंसा

3. कनिका चौधरी, सूक्ष्मजैव विज्ञान, रक्त कोशिका लाइसिसएक्सट्रैक्शन द्वारा पॉजिटिव रक्त कल्चर बोतलों से कार्बापेनेमेज़ का शीघ्र पता लगाना: एंटीबायोटिक उपचार के लिए प्रभावी उपकरण, अनुशंसा

4. प्रवीण जॉर्ज पॉल, बाल रोग, मातृ मोटापे और प्रसवोत्तर जैवनशैली हस्तक्षेप का शिशु मोटापे पर प्रभाव - एक समूह अध्ययन के भीतर एक नेस्टेड आरसीटी,

5. रिया आहूजा, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान, रीटक्सिमैब से उपचारित पेम्फिगस के रोगियों में शीघ्र पतन के नैदानिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी पूर्वानुमान: एक संभावित समूह अध्ययन,

6. किरण कुमारी, जैव प्रौद्योगिकी, किशोर नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा में पुरुष-विशिष्ट वाई-क्रोमोसोम उत्परिवर्तन: संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण से नई अंतर्दृष्टि

8_.indd 154 1/10/2026 1:09:28 PM

परियोजना वैज्ञानिक (एसपीएस)

1. पटनायक तनुराग, ओरल सूक्ष्मजैव विज्ञान और ओरल विकृति विज्ञान विभाग, सीडीईआर, आरोग्य आरोहण - ओरल कैंसर के लिए एक पॉइंट-ऑफ-केयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित स्क्रीनिंग टूल, अनुशंसा

2. रसना परवीन, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, भारत में अस्पतालों के नेटवर्क में स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमणों की निगरानी: एक बहुकेंद्रीय संभावित अध्ययन, 2017-2024, अनुशंसा

3. सौम्या दाश, स्टेम सेल सुविधा, नवीन द्वि-मोडल फ्लोरोसेंट चुंबकीय नैनोकण: स्टेम सेल-होमिंग और ट्रैकिंग के लिए एक स्मार्ट सामग्री, अनुशंसा

4. सृष्टि जैन, राष्ट्रीय सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी केंद्र (एनसीएएचटी), व्हील उपयोग पैटर्न की जांच: आरएटीए प्रश्नावली का उपयोग करते हुए एक तृतीयक अस्पताल में उपयोगकर्ता अनुभव का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, अनुशंसा

5. प्रतिवा चौधरी, बाल चिकित्सा शल्य-चिकित्सा विभाग, बच्चों में लिंग की फैली हुई लंबाई मापने के लिए स्प्लिंट तकनीक: 1-14 वर्ष की आयु में संबद्ध टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन स्तरों के साथ व्यवस्थित समीक्षा, सत्यापन अध्ययन और संदर्भ नोमोग्राम: नैदानिक उपचार में एक परिवर्तनकारी योगदान

6. स्वर्णदीप सिंह, जैव रसायन विभाग, बाल चिकित्सा वंशावली एंटीबॉडी में फ्रेमवर्क इंडेल प्रतिस्थापन और आत्मीयता परिपक्वता के माध्यम से उन्नत एचआईवी-1 न्यूट्रलाइजेशन

7. रेणु वेणुगोपाल, रा.प्र.केंद्र, टॉपिकल सब-एंटीकोएगुलेंट डोज़ हेपरिन एडजुवेंट थेरेपी ऑक्युलर स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम आँखों में टीएनएफएसएफ14 अभिव्यक्ति को कम करती है: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

एसडीजी

1. सौम्या श्रीवास्तव, उन्नत अनुसंधान केंद्र, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी विभाग, वैज्ञानिक III, मोबिप्रयोगशाला का सत्यापन और प्रदर्शन मूल्यांकन: मेटाबोलिक विकारों की जांच के लिए एक पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर बैटरी चालित आईओटी सक्षम उपकरण, अनुशंसा

2. दीक्षा माधी, जैव प्रौद्योगिकी, पीएचडी छात्र, बायोटिन आधारित नॉर्दर्न ब्लॉटिंग (बीआईएनओबी): एक लागत-कुशल, गैर-खतरनाक और टिकाऊ विकल्प, अनुशंसा

3. सामंता प्रोजोयिता, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, शिक्षा और स्वास्थ्य को जोड़ना: सतत चिकित्सा शिक्षा (एसडीजी-4) के माध्यम से एसडीजी-3 प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रोफेशनल को सशक्त बनाना

4. कंचन सैनी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पीएचडी छात्रा, संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता को नियंत्रित करने में आहार और सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका,

5. अरमानुल्लाह खान, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार विभाग, वरिष्ठ रेजिडेंट, बाल चिकित्सा प्रीमेडिकेशन के लिए सब्लिंगुअल और इंट्रानेजल डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना: डेक्समेडेटोमिडाइन प्रीमेडिकेशन का एक नया दृष्टिकोण।,

8_.indd 155 1/10/2026 1:09:28 PM

6. ममता पुरसवानी, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, वैज्ञानिक 1, तृतीयक उपचार केंद्र में प्रकोप की जांच को उजागर करने के लिए उच्च थ्रूपुट दृष्टिकोण।

नर्सिंग

1. सजीथरा एस, नर्सिंग छात्रा, किडनी प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के लिए मोबाइल एप्लिकेशन-आधारित होम केयर उपचार कार्यक्रम की प्रभावशीलता: एक संभावित अध्ययन
2. अजियो जॉय, नर्सिंग छात्र, एम्स, नई दिल्ली में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर मौखिक स्वच्छता के संबंध में एक मोबाइल एप्लिकेशन-आधारित शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
3. आकृति चौधरी, नर्सिंग छात्रा, रोगी के परिणामों पर संशोधित प्रारंभिक चेतावनी स्कोर (एमईडब्ल्यूएस) की प्रभावशीलता और काय-चिकित्सा वार्ड में नर्सिंग अधिकारियों द्वारा इसके उपयोग से संबंधित बाधाओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली

नये हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और सीआरटीसी-आईआरसीएफ, एम्स, नई दिल्ली 30 दिसंबर 2024

1. एम्स, नई दिल्ली सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जैवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) 17 दिसंबर 2024 को
2. एम्स, नई दिल्ली और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा 17 दिसंबर 2024 को किया जाएगा।
3. 22 नवंबर 2024 को एम्स, यूसीएल और आईआईटी दिल्ली के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन।
4. राष्ट्रीय न्याय चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और एम्स, 4 अक्टूबर 2024
5. जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) और एम्स नई दिल्ली ने 22 मई 2024 को संकेत किए।
6. भारत में मोबाइल सूटकेस प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त आशय की घोषणा, निदेशक, मोबाइल सूटकेस प्रयोगशाला कंसोर्टियम, लीपज़िग विश्वविद्यालय, लीपज़िग, जर्मनी, निदेशक, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी), नई दिल्ली, भारत, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली, भारत, सीईओ, मेसर्स वीआईएनएस बायप्रोडक्ट्स लिमिटेड, हैदराबाद, भारत, प्रबंध निदेशक और सीईओ, जेनेक्स्टजीनोमिक्स, नागपुर, महाराष्ट्र, भारत

समझौता ज्ञापनों का नवीनीकरण

16 अक्टूबर 2024 को एम्स और सीएसआईआर-आईजीआईबी

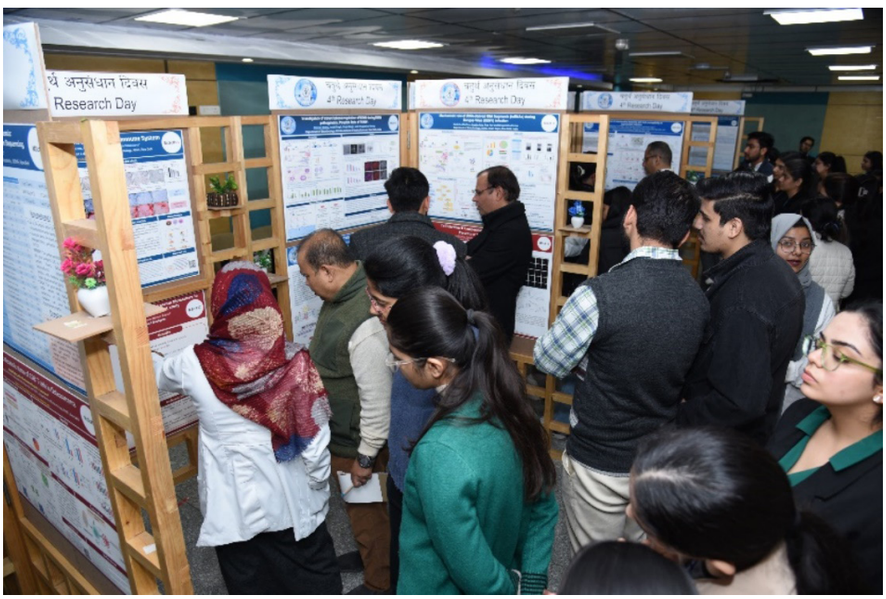
21 नवंबर 2024 को एम्स और यूसीएल

एम्स और टीएचएसटीआई, 15 जनवरी 2025 को

8_.indd 156 1/10/2026 1:09:28 PM









8_.indd 157 1/10/2026 1:09:28 PM







29 जनवरी 2025 को अनुसंधान दिवस 2025 के दौरान एम्स संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) की बैठक

8_.indd 158 1/10/2026 1:09:29 PM



अनुसंधान दिवस 2025 के दौरान प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, आचार्य, अजय कुमार सूद



डॉ. क्षितिज कपूर, कुलपति एवं अध्यक्ष, किंग्स कॉलेज लंदन, अनुसंधान दिवस 2025 के दौरान

नैदानिक अनुसंधान एकक
अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली
रिपोर्ट 2024-2025

एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग का नैदानिक अनुसंधान एकक (सीआरयू) विश्व की सर्वोत्तम पद्धतियों के अनुरूप, अन्वेषक द्वारा आरंभ किए गए नैदानिक अनुसंधान की योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और विश्लेषण में उच्च-गुणवत्ता वाली तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीआरयू कोक्रेन इंडिया नेटवर्क के एक संबद्ध केंद्र के रूप में एक विशिष्ट स्थान रखता है

8_.indd 159 1/10/2026 1:09:29 PM

और नैदानिक परीक्षणों के लिए एक उन्नत केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के नेतृत्व में भारतीय नैदानिक परीक्षण एवं शिक्षा नेटवर्क (इंटेंट) पहल में भी सक्रिय भूमिका निभाता है, जो देश में नैदानिक अनुसंधान क्षमता और मानकों के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

संकाय एवं स्टाफ

सीआरयू कार्य समिति:

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

आचार्य

निखिल टंडन

सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

आचार्य

गोविंद मखारिया

जठरांत्र विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग

आचार्य

विनीत आहूजा

आचार्य एवं अध्यक्ष, बाल चिकित्सा एवं दंत निवारक चिकित्सा

विजय प्रकाश माथुर

आचार्य एवं अध्यक्ष, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

समीर बख्शी

बाल चिकित्सा विभाग

आचार्य

राकेश लोढ़ा

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य

सुमित मल्होत्रा

बाल चिकित्सा विभाग

आचार्य

एम जीवा शंकर

भेषजगुण विज्ञान विभाग

आचार्य

पूजा गुप्ता

8_.indd 160 1/10/2026 1:09:29 PM

जैव सांख्यिकी विभाग

सहायक आचार्य

एम कलैवानी

सीआरयू वैज्ञानिक:

वैज्ञानिक-II (महामारी विज्ञान), नैदानिक अनुसंधान एकक

प्रदीप कुमार

वैज्ञानिक-II (जैव सांख्यिकी), नैदानिक अनुसंधान एकक

आशीष दत्त उपाध्याय

वैज्ञानिक-II (स्वास्थ्य अर्थशास्त्र), नैदानिक अनुसंधान एकक

कमलेश कुमार पटेल

वैज्ञानिक-II (स्वास्थ्य अर्थशास्त्र), नैदानिक अनुसंधान एकक

संजुक्ता सरकार

विशिष्टताएं

नैदानिक अनुसंधान एकक (सीआरयू) एम्स, नई दिल्ली में, बहु-विषयक, साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से नैदानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उच्च-गुणवत्ता वाले, अन्वेषक-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने का हमारा मिशन प्रभावशाली पहलों और उपलब्धियों की एक श्रृंखला में परिलक्षित होता है। वित्त वर्ष 2024-25 की प्रमुख विशेषताएँ नीचे दी गई हैं:

1. **मेंटरशिप और अनुदान सहायता:** सीआरयू वैज्ञानिकों ने कई बाह्य अनुसंधान प्रस्तावों के विकास के लिए व्यापक मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता प्रदान की है। इनमें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), और रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन (आरएसटीएमएच) जैसी प्रतिष्ठित वित्तपोषण संस्थाओं में सफल आवेदन शामिल हैं। यह मार्गदर्शन एम्स के भीतर एक शोध-प्रधान वातावरण को बढ़ावा देता है।

2. **उच्च-प्रभाव प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन:** सीआरयू ने अनुसंधान क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण हेतु कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्यावहारिक सत्रों की एक श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इन आयोजनों ने चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और स्नातकोत्तर छात्रों को अनुसंधान पद्धति, नैदानिक परीक्षण प्रबंधन, जैव सांख्यिकी और साक्ष्य संश्लेषण में आवश्यक कौशल प्रदान किए हैं। सीआरयू टीम द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 की अर्धवार्षिक अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:

शिक्षा

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

क्र. सं.	कार्यशाला का शीर्षक	दिनांक	कुल उपस्थिति
1.	रेड केप	9-10 अप्रैल	46

8_.indd 161 1/10/2026 1:09:29 PM

क्र. सं.	कार्यशाला का शीर्षक	दिनांक	कुल उपस्थिति
2.	व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण	18-19 अप्रैल 2024	67
3.	गंभीर प्रतिकूल घटना	2 मई 2024	34
4.	कोक्रेन समीक्षाएं	7-9 मई 2024	25
5.	अनुदान लेखन	30- 31 जुलाई 2024	53
6.	अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए नैदानिक परीक्षणों के लिए प्रोटोकॉल विकास	30 सितंबर-1 अक्टूबर 2024	40
7.	कोविड	18 नवंबर 2024	31
8.	रायन	9 दिसंबर 2024	32
9.	एसपीएसएस	18 दिसंबर 2024	46
10.	प्रकाशन में नैतिकता और दायित्वपूर्ण लेखन	24 फ़रवरी 2025	38

3. **प्रतिष्ठित मंचों पर अनुसंधान का प्रसार:** हमारी टीम ने प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और मौलिक शोध प्रस्तुत किए हैं, जिन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य और नैदानिक विज्ञान में बढ़ते प्रमाणों में योगदान दिया है। इन प्रस्तुतियों ने अंतर्राष्ट्रीय शोध मंचों पर एम्स की दृश्यता को बढ़ाया है।

4. **उच्च-गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन**: सीआरयू के वैज्ञानिकों ने प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 22 समकक्ष-समीक्षित लेख प्रकाशित किए हैं, जो उनके निष्कर्षों की नैदानिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिकता को प्रदर्शित करते हैं और मजबूत साक्ष्य निर्माण के माध्यम से स्वास्थ्य उपचार चुनौतियों का समाधान करने के लिए सीआरयू की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 2

प्रदीप कुमार: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
16	24	21

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची

मौखिक प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक	**03**	**02**	**02**

8_.indd 162 1/10/2026 1:09:29 PM

पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पोस्टर	**03**	**03**	**02**

अनुसंधान

पूर्ण

1. एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में गर्भावस्था और नवजात शिशु के परिणामों पर विभिन्न आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) फॉर्मूलेशन, खुराक, आवृत्तियों का प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, डॉ. प्रदीप कुमार, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2024, 7.50 लाख रुपये
2. कम वजन वाले नवजात/समय से पहले जन्मे/एसजीए में आयरन के पूरक/फोर्टिफिकेशन की एनीमिया की स्थिति पर प्रभावकारिता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, डॉ. प्रदीप कुमार, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2024, 7.50 लाख रुपये

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रा.प्र.कें में प्रारंभिक अवस्था में केराटोकोनस में चिकित्सकीय रूप से क्रियाशील जीन और आंसू द्रव-आधारित बायोमार्कर की पहचान करने के लिए एक व्यापक "मल्टी-ओमिक्स आधारित दृष्टिकोण"
2. जन्मजात हृदय रोगों से ग्रस्त भारतीय रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करना, हृद रोग विज्ञान
3. परिसंचरण में और मातृ-भ्रूण इंटरफेस में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं की अभिव्यक्ति और प्री-एक्लेम्पसिया रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक वेरिएंट के साथ इसका सहसंबंध प्रसूति एवं स्त्री रोग।
4. उच्च-थ्रूपुट प्रोटिओमिक्स और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके स्ट्रोक उपप्रकार भेदभाव और परिणाम पूर्वानुमान के लिए रक्त-आधारित प्रोटीन बायोमार्कर की पहचान, तंत्रिका विज्ञान
5. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित किशोरों और प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एटोनोगेस्ट्रेल (ईटीएन) सबडर्मल इम्प्लांट (एसडीआई) का नया उपयोग और लेवोनोजेस्ट्रेल इंट्रा-यूटेराइन सिस्टम (एलएनजी-जेयूएस) के साथ इसकी तुलना: एक गैर-हीनता संभावित पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
6. सामान्य आबादी में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों का पता लगाना: एक अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, तंत्रिकाविज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान:

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	**0**	**2**	**0**
कुल वित्तपोषण	**0**	**15 लाख रुपये**	**0**

8_.indd 163 1/10/2026 1:09:29 PM

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 20

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**14**	**22**	**20**
पत्रिकाओं में लेख	**14**	**18**	**20**
सार	**0**	**1**	**0**

रोगी उपचार: लागू नहीं

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

कुमार पी: 21-23 मई 2025 को आयोजित 11वें यूरोपीय स्ट्रोक सम्मेलन (ईएसओसी 2025) में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान हेलसिंकी, फिनलैण्ड

पटेल केके: नवंबर 2024 में काठमांडू, नेपाल में आयोजित होने वाले छठें एशियन पोप्यूलेशन एसोसिएशन सम्मेलन में "बच्चों में स्क्रीन समय और मानसिक स्वास्थ्य का संबंध एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।

अतिथि वैज्ञानिक:

19 अन्य एम्स के अनुसंधान संकायाध्यक्षगण ने 29 जनवरी 2025 को सीआरयू का दौरा किया ताकि सीआरयू की कार्यप्रणाली को समझा जा सके और अपने-अपने संस्थानों में भी इसे दोहराने की इच्छा व्यक्त की। इस बैठक के दौरान सीआरयू के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे जीसीपी प्रशिक्षण, नैदानिक परीक्षण एसओपी और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र आदि में संकाय सदस्यों को शामिल करने का भी निर्णय लिया गया।

केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा

संकाय एवं वैज्ञानिक:

	उप-सुविधा	संकाय समन्वयक	वैज्ञानिक-II
1.	जैव-विश्लेषण	टी. वेलपांडियन, आचार्य, नेत्र भेषजगुण विज्ञान और फार्मेसी डिवीजन, आरपी सेंटर फॉर ऑप्थैल्मिक साइंसेज	हनुमान प्रसाद शर्मा
2.	बायोइनफॉरमैटिक्स	पुनीत कौर, आचार्य, जैव भौतिकी विभाग	अमित कटियार, दिव्यभाबा प्रधान
3.	बीएसएल-3	ललित डार, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजैव विज्ञान	सुनीता कंसवाल
4.	फ्लो साइटोमेट्री	डीके मित्रा, आचार्य एवं अध्यक्ष, टीआईआई विभाग	राहुल शर्मा, रविंदर सिंह

8_.indd 164 1/10/2026 1:09:29 PM

5.	सामान्य सुविधा	कल्पना लूथरा, आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव रसायन विभाग	विकास शर्मा, शुब्बीर अहमद
6.	जीनोमिक्स कोर सुविधा	मधुलिका काबरा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल चिकित्सा विभाग	लता रानी
7.	माइक्रोस्कोपी	पार्थप्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव रसायन विभाग	सौमित्र डे चौधरी
8.	प्रोटिओमिक्स	पुनीत कौर, आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव भौतिकी विभाग	सब्यसाची बंद्योपाध्याय
9.	परियोजना प्रबंधन	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) सह संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	कमल गुलाटी

विशिष्टताएं

डॉ. कमल गुलाटी ने 18 अक्टूबर 2024 को यूसीएल ग्लोबल बिजनेस स्कूल फॉर हेल्थ, यूके के संकाय और छात्रों के एम्स, नई दिल्ली के अध्ययन दौरे का समन्वय किया।

शिक्षा

	सह पर्यवेक्षक	डीसी सदस्य	छात्रों की संख्या	विभाग
पीएच.डी.	डॉ. अमित कटियार और डॉ. दिव्यभाभा प्रधान	16	03	शरीर रचना विज्ञान, जैव रसायन, न्याय चिकित्सा विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, सूक्ष्मजैवविज्ञान, तंत्रिका विकृति विज्ञान, विकृति विज्ञान, औषध विज्ञान
पीएच.डी.	डॉ. राहुल शर्मा और डॉ. रविंदर सिंह	06	00	शरीरक्रिया विज्ञान, आईआरसीएच, भेषजगुण विज्ञान
पीएच.डी.	डॉ. सब्यसाची बंद्योपाध्याय	04	00	शरीरक्रिया विज्ञान, विकृति विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान
एमडी	डॉ. कमल गुलाटी	1	1	अस्पताल प्रशासन
डीएम	डॉ. लता रानी	-	01	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
एमएससी		-	-	एम्स के एमएससी जैव प्रौद्योगिकी के छात्रों को पढ़ाने के लिए बायोइन्फॉर्मेटिक्स कक्षाओं के छह सत्र।

8_.indd 165 1/10/2026 1:09:29 PM

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

एम्स, नई दिल्ली में आयोजित:

1. एफएसीएस सुविधा और बीडी बायोसाइंसेज द्वारा संयुक्त रूप से तीन दिवसीय फ्लो साइटोमेट्री वेट कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था "फ्लो साइटोमेट्री की सीमाओं को आगे बढ़ाना: इमेज सक्षम स्पेक्ट्रल सेल सॉर्टिंग" 3-5 दिसंबर 2024 तक।

2. सीसीआरएफ: बायोइनफॉरमैटिक्स फैसिलिटी में 5-6 नवंबर 2024 को “हाई-थ्रूपुट आरएनए-सीक्वेंसिंग डेटा विश्लेषण” शीर्षक से कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

3. 21 जनवरी 2025 को एरिविस प्रो 4.2 का उपयोग करते हुए उन्नत 3डी इमेज प्रोसेसिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4. फॉल लाइव-सेल इमेजिंग हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला 4-5 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी।

5. 01 अगस्त 2024 को “स्पेक्ट्रल फ्लो साइटोमेट्री: जैवचिकित्सा अनुसंधान में निहितार्थ" विषय पर एफएसीएस सुविधा और साइटेक बायोसाइंसेज इंक द्वारा संयुक्त रूप से एक फ्लो साइटोमेट्री वेट कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. एफएसीएस सुविधा द्वारा 19 जुलाई 2024 को एक बेसिक फ्लो साइटोमेट्री हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

7. “लक्षित मल्टी-ओमिक्स - एलसी-एमएस/एमएस (लक्षित प्रोटिओमिक्स, मेटाबोलोमिक्स और लिपिडोमिक्स) का उपयोग करते हुए व्यावहारिक कार्यशाला”। 30 अप्रैल 2024, एम्स, नई दिल्ली।

8. स्प्रिंग कॉन्फोकल और सुपर-रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला 19-20 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई थी।

9. सीसीआरएफ द्वारा आयोजित "वेस्टर्न ब्लॉटिंग और जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम द्वारा प्रोटीन का पता लगाना और मात्रा निर्धारित करना" शीर्षक से व्यावहारिक कार्यशालाएँ: 4-5 जून 2024 और 3-4 सितंबर, 2024 को सामान्य सुविधा

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

व्याख्यान प्रदत्त: 23

कमल गुलाटी: 7
दिब्यभाबा प्रधान: 4
राहुल शर्मा: 1
सौमित्रा डी चौधरी: 3
शब्बीर अहमद: 1
हनुमान प्रसाद शर्मा: 2
अमित कटियार: 2
रविंदर सिंह: 1
सब्यसाची बंद्योपाध्याय: 1
विकास शर्मा: 1

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

2022-2023	2023-2024	2024-25
16	24	23

8_.indd 166 1/10/2026 1:09:29 PM

प्रस्तुत पोस्टरों की सूची: 12

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2022-23	2023-24	2024-25
पोस्टर	2	7	12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

जैवविश्लेषण

1. संभावित बायोमार्कर और दवा उम्मीदवार की पहचान के लिए किशोर अज्ञातहेतुक गठिया के एकीकृत ट्रांसक्रिप्टोमिक्स और मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग, डॉ. हनुमान प्रसाद शर्मा, एम्स-इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

बीएसएल-3

1. भारत में उच्च-परिणाम वाले रोगजनकों को सुरक्षित करने के लिए उच्च नियंत्रण प्रयोगशाला (एचसीएल) संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना, डॉ. विक्रम सैनी, यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स ऑफिस ऑफ कोऑपरेटिव थ्रेट रिडक्शन (सीटीआर) और आईसीडीडीआर, ढाका, 1 वर्ष, 2024-2025, 15 लाख रुपये

सामान्य सुविधा - विकास शर्मा

1. आईडीएच1 डब्ल्यूटी ग्लियोब्लास्टोमा में चिकित्सीय प्रतिरोध के विकास में आरएनए संशोधनों की भूमिका का निरूपण।, डॉ. विकास शर्मा (पीआई), एम्स इंट्राम्यूरल फंडिंग, 1 वर्ष (अगले वर्ष के लिए विस्तार योग्य), 2024-2025, 10 लाख रुपये (प्रति वर्ष 5 लाख)

सामान्य सुविधा - शुब्बीर अहमद

1. कैंसर उपचार के रूप में प्रोग्राम्ड सेल डेथ 1 (पीडी-1) प्रोटीन के विरुद्ध चक्रीय-पेप्टाइड अवरोधकों की जांच के लिए चक्रीय-पेप्टाइड फेज डिस्प्ले लाइब्रेरी की स्थापना, डॉ. शब्बीर अहमद, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये (5 लाख/वर्ष)

जीनोमिक्स

1. नव निदानित मल्टीपल मायलोमा में जीनोमिक जटिलता के आकलन में ऑप्टिकल जीनोम मैपिंग की व्यवहार्यता - एक पायलट अध्ययन।, लता रानी, एम्स और सीएसआईआर-आईजीआईबी, 2 वर्ष, 2025-2027, रु 20,00,000/-

2. नैदानिक और उपचारात्मक दृष्टिकोण में सुधार के लिए क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया में इम्यूनोग्लोबुलिन हेवी वेरिएबल सोमैटिक हाइपरम्यूटेशन स्थिति का अगली पीढ़ी के अनुक्रमण आधारित निर्धारण, लता रानी, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

8_.indd 167 1/10/2026 1:09:29 PM

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित) -

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

जैवविश्लेषण

1. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में लक्षित मेटाबोलोमिक्स को एकीकृत करने वाले ओरेक्सिनर्जिक मार्ग के साथ अवसादरोधी चिकित्सा का सहसंबंध: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स
2. पाइरेथ्रोइड एक्सपोजर और पार्किंसंस रोग के बीच संबंध का खोजपूर्ण विश्लेषण: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स
3. न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस और मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके बायोमार्कर की पहचान के लिए प्रोस्टेट कैंसर की मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग, एनएमआर विभाग, एम्स
4. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में माइक्रोबायोम-मेटाबोलोम अक्ष, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स
5. अज्ञातहेतुक यूवाइटिस में टीएलआर4 से जुड़ा आंत-नेत्र अक्ष: उपचार रणनीतियों को तर्कसंगत बनाने का संभावित मार्ग, नेत्र भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स

बायोइनफॉरमैटिक्स

जारी

1. टी.बी. वैक्सीन उम्मीदवार के लिए टी सेल एपिटोप्स की प्रारंभिक पहचान, जैव रसायन विभाग, एम्स
2. छिटपुट त्वचा कैंसर के साथ ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम के कैंसर चालक जीन और उत्परिवर्तनीय संकेतों का तुलनात्मक मूल्यांकन, त्वचा विज्ञान, एम्स
3. आईडीएच1 डब्ल्यूटी ग्लियोब्लास्टोमा में चिकित्सीय प्रतिरोध के विकास में आरएनए संशोधनों की भूमिका का निर्धारण, सीसीआरएफ, एम्स
4. जन्मजात हृदय रोगों से ग्रस्त भारतीय रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करना, हृद् जैव रसायन, एम्स
5. सीएनएस ट्यूमर उपचार में परिवर्तन: सटीक निदान और प्रभावी उपचार के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल डेटा, मल्टीओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, तंत्रिकाविकृति विज्ञान विभाग, एम्स

पूर्ण

1. जवान लोगों में अचानक हुई अस्पष्टीकृत मौतों के कारणों का पता लगाना, विकृति विज्ञान, एम्स
2. सीएनएस ट्यूमर उपचार में परिवर्तन: सटीक निदान और प्रभावी उपचार के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल डेटा, मल्टी-ओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, तंत्रिका विकृति विज्ञान, एम्स

8_.indd 168 1/10/2026 1:09:29 PM

जीनोमिक्स

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कोलेडोकल विकृति के ऑपरेशन किए गए रोगियों में मल माइक्रोबायोटा में परिवर्तन का आकलन करने के लिए व्यापक अवलोकन अध्ययन।, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स
2. सीएलएल निदान से पहले या बाद में द्वितीय प्राथमिक दुर्दमताओं (एसपीएम) की घटना और व्यापकता का आकलन करने तथा रोग के पाठ्यक्रम और समग्र उत्तरजीविता (ओएस) पर उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, डॉ. भी.रा.सं.रो.कैं.अ., एम्स

पूर्ण

1. भारत में विभेदक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, उत्परिवर्तन और टीकाकरण की स्थिति के साथ नैदानिक परिणामों और रोग के परिणामों को सहसंबंधित करने के लिए कोविड-19 के लिए एक बहु-ओमिक्स अध्ययन और एक पूर्वानुमानात्मक कम्प्यूटेशनल मॉडल का विकास, जैवभौतिकी विभाग

माइक्रोस्कोपी

1. सिनैप्टिक और एक्स्ट्रा-सिनैप्टिक जीएबीएए रिसेप्टर विन्यास में परिवर्तन और फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में जीएबीए एरजिक गतिविधि के मॉड्यूलेशन में उनकी भूमिका, जैव भौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली
2. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में कूपिक गतिशीलता में माइटोकॉन्ड्रिया-एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम क्रॉस-टॉक की भूमिका, प्रजनन जैवविज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

प्रोटिओमिक्स

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के आक्रामक अग्रभाग के प्रोटीन संकेत का बहुसंकेतन स्थानिक रूप से हल किया गया विश्लेषण, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. प्रमुख जलन में एसकेप जैव सेप्सिस में प्रोटिओमिक-आधारित परिणाम बायोमार्कर अन्वेषण (प्रोबएस्केप), प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और जलन शल्य-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. कोविड-19 रोगियों में विभिन्न अंग रोगों के प्रति झुकाव को चिह्नित करने के लिए बायोमार्कर की पहचान हेतु सीरम प्रोटिओमिक्स, जैव भौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले रोगियों में सीरम प्रोटिओमिक्स प्रोफाइल की भूमिका का अध्ययन करना, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजना/संकाय	2022-2023	2023-2024	2024-25
सीसीआरएफ वैज्ञानिक	1	2	7

8_.indd 169 1/10/2026 1:09:30 PM

प्रदत्त सेवाएँ

i **जैवविश्लेषण**- जैवविश्लेषण सुविधा मानव, पशु, पौधों और सूक्ष्मजीवों सहित जैविक स्रोतों से प्राप्त विश्लेषकों के पृथक्करण, शुद्धिकरण और द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमेट्रिक लक्षण-निर्धारण के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग करती है। यह सुविधा बहु-ओमिक्स परियोजनाओं के लिए गहन इन-सिलिको डेटा विश्लेषण प्रदान करती है। इसके अलावा, यह सुविधा डिस्कवरी-प्रकार के प्रयोगों द्वारा पहचाने गए प्रोटीनों के विशिष्ट विश्लेषण के लिए एक मंच प्रदान करती है।

प्रदत्त सेवाएँ	उपयोगकर्ता की संख्या			
	2022-23	2023-24	2024-25	कुल घंटे
जैवविश्लेषणात्मक कार्य की योजना और निष्पादन के संबंध में परामर्श	15	16	25	लागू नहीं
जैवविश्लेषणात्मक कार्य का निष्पादन	4 (600 घंटे)	5 (1000 घंटे)	7 (1150 घंटे)	2750 घंटे
मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण	शून्य	2 (100 घंटे)	2 (100 घंटे)	200 घंटे

ii. **बायोइनफॉरमैटिक्स** यह सुविधा एक उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा है जिसमें उच्च-स्तरीय जीपीयू/सीपीयू आधारित कंप्यूट नोड्स (एनजीएस डेटा विश्लेषण, आणविक मॉडलिंग, डीप लर्निंग आदि के लिए), रेम 3.4टीबी और 1पीबी पीएफएस स्टोरेज सिस्टम शामिल हैं। यह सुविधा अन्य मुख्य सुविधाओं (जैसे जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, मेटाबोलोमिक्स आदि) के साथ मिलकर काम करती है, और इन तथा अन्य विभागों/केंद्रों/सुविधाओं द्वारा उत्पन्न बड़ी मात्रा में डेटा का निरंतर और निर्बाध डेटा भंडारण, पहुँच और विश्लेषण प्रदान करती है। आज तक, इस सुविधा ने जीनोमिक्स, अगली पीढ़ी के अनुक्रमण और नैदानिक अनुसंधान में 55 से अधिक बड़े पैमाने की परियोजनाओं पर एम्स के 32 से अधिक विभागों/केंद्रों को सेवाएं प्रदान की हैं। यह सुविधा एमएससी/एमडी/पीएचडी छात्रों को उनके वैज्ञानिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करती है और जीनोमिक्स और एनजीएस में परियोजनाओं के विकास में योगदान देती है।

iii. **फ्लो-साइटोमेट्री कोर सुविधा** उन्नत कोशिका विश्लेषण और छंटाई तकनीकों में अग्रणी, यह एकल कोशिका स्तर पर कोशिकाओं के फ्लोरोसेंट विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन प्रदान करता है, जिसमें उच्च गति प्रतिदीप्ति-सक्रिय कोशिका छंटाई भी शामिल है। इस सुविधा में समर्पित वैज्ञानिक और तकनीकी टीम के साथ दो सबसे उन्नत फ्लो साइटोमीटर, बीडी एफएसीएस आरिया फ्यूजन सॉर्टर (18 रंग, 5 लेज़र) और बीडी एफएसीएस सिम्फनी ए5 (35 रंग, 5 लेज़र) मौजूद हैं। यह सुविधा शोधकर्ताओं के लिए पूरी तरह से चालू है और प्रयोगात्मक/पैनल डिज़ाइन से लेकर फ्लो साइटोमेट्री के सभी क्षेत्रों में डेटा विश्लेषण तक, प्रशिक्षण, कार्यशाला, अधिग्रहण, डेटा विश्लेषण और कोशिका छंटाई आदि सहित, हर चरण में सहायता प्रदान करती है।

8_.indd 170 1/10/2026 1:09:30 PM

प्रदत्त सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25 (वर्तमान)
बीडी एफएसीएस आरिया सॉर्टर	32	49	226
बीडी एफएसीएस सिम्फनी	150	504	853
कुल	182	553	1079

प्रदत्त सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25 (वर्तमान)
बीडी एफएसीएस आरिया सॉर्टर	03	06	10
बीडी एफएसीएस सिम्फनी	13	21	28
कुल	16	27	38

iv. **सामान्य सुविधा:** सीसीआरएफ की सामान्य सुविधा आणविक अनुसंधान के लिए समर्पित एक प्रमुख उप-सुविधा के रूप में कार्य करती है, जो अत्याधुनिक उपकरण और विशेषज्ञ तकनीकी सहायता प्रदान करती है। यह सुविधा शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करती है, जिससे वे जटिल परीक्षण कर सकते हैं और नमूनों का कुशलतापूर्वक प्रसंस्करण कर सकते हैं। सामान्य सुविधा उन्नत उपकरणों की एक प्रभावशाली श्रृंखला से सुसज्जित है, जो वैज्ञानिक आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए व्यापक सहायता सुनिश्चित करती है। इनमें पीसीआर मशीनें, डीएनए/आरएनए और प्रोटीन विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, मल्टीमोड रीडर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, लाइओफिलाइज़र, बायोसेफ्टी हुड आदि जैसे उपकरण शामिल हैं। सामान्य सुविधा न केवल अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करती है, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से कौशल विकास को भी बढ़ावा देती है। एम्स में संकाय, शोधकर्ताओं, कर्मचारियों और छात्रों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिनमें आवश्यक आणविक जैव विज्ञान तकनीकों को शामिल किया जाता है। प्रायोगिक कार्यों में सहयोग देने के अलावा, सामान्य सुविधा के वैज्ञानिक स्वतंत्र रूप से और सहयोग से, सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं और एम्स तथा अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं में योगदान दे रहे हैं। कुल मिलाकर, सामान्य सुविधा उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण के अवसरों और सक्रिय अनुसंधान भागीदारी को एक साथ लाती है, जिससे आणविक और प्रोटीन जैव विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति और नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

v. **जीनोमिक्स**

जीनोमिक्स सुविधा द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ			
	2022-23	2023-24	2024-25 (वर्तमान)
पुस्तकालय व्यवस्था	एक्सोम अनुक्रमण (एन=32), गुणसूत्र स्क्रीनिंग (एन=36)]	356	122
सार्स-कोव-2 अनुक्रमण	872	272	शून्य
टुकड़ा विश्लेषक	75	195	183

8_.indd 171 1/10/2026 1:09:30 PM

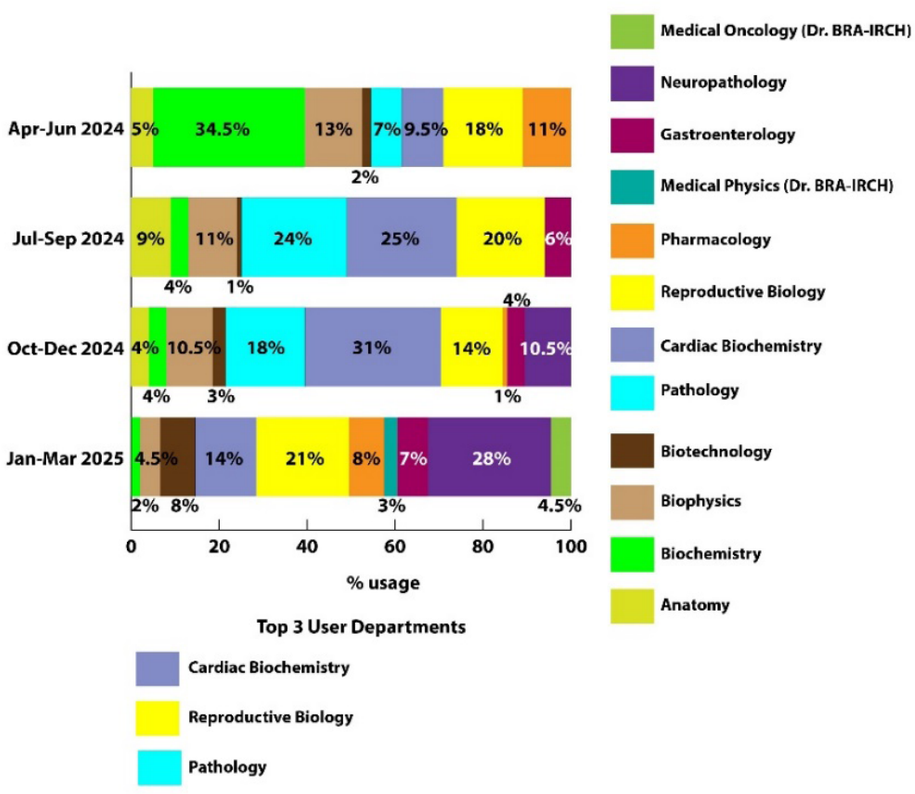
जीनोमिक्स सुविधा द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ			
	2022-23	2023-24	2024-25 (वर्तमान)
क्यूबिट	500	1578	791
अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत करने/ प्रस्तावित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोटोकॉल और प्रयोग डिजाइन	05 उपयोगकर्ता	05 उपयोगकर्ता	07

माइक्रोस्कोपी

माइक्रोस्कोपी: नवंबर 2020 में सीसीआरएफ में कॉन्फोकल सिस्टम स्थापित किया गया था और यह आरंभ हो गया है

फरवरी 2021 से विभिन्न विभागों के शोधकर्ताओं द्वारा इसका बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। यह अत्याधुनिक कॉन्फोकल सिस्टम लाइव इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए तापमान और गैस-नियंत्रित इनक्यूबेशन चैंबर से सुसज्जित है। जनवरी 2023 में एयरीस्कैन मॉड्यूल जोड़कर इस प्रणाली को सेमी सुपर-रिज़ॉल्यूशन सिस्टम में अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2024-2025 में, इस सुविधा ने शरीर रचना विज्ञान, जैव रसायन, जैव भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, हृद् जैव रसायन, जठरांत्र विज्ञान, विकृति विज्ञान, तंत्रिकाविकृति विज्ञान, भेषजगुण विज्ञान, चिकित्सा फिजिक्स/चिकित्सा अर्बुदविज्ञान-आईआरसी हैंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी के क्षेत्रों में शोधकर्ताओं को बायोमार्कर खोज, नैदानिकविकृति विज्ञान, ड्रग परख और आणविक निदान से संबंधित उनके शोध प्रश्नों के समाधान की दिशा में सहायता प्रदान की है।

Department-wise usage of LSM980 Confocal Microscope in 2024-2025



8_.indd 172 1/10/2026 1:09:30 PM

प्रोटिओमिक्स

कोशिकाओं, ऊतकों, जैव तरल पदार्थों और सूक्ष्मजीवों जैसे सभी प्रकार के जैविक नमूनों से जैल-आधारित (2डी-जीई और डीआईजीई) और एलसीएमएस/एमएस आधारित प्रोटिओमिक्स प्रयोगों के लिए सहायता। प्रोटीन बायोमार्कर खोज और लक्षित प्रोटिओमिक्स के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक व्यापक प्रोटिओमिक्स प्रयोग (लेबल मुक्त और लेबल आधारित) और डेटा विश्लेषण। एम्स में 16 विभागों के 38 छात्रों और विद्वानों को सुविधा और सहायता प्रदान की गई है। विभिन्न प्रकार के सहायता प्रदान की गई जिनमें शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं (1) प्रोटिओमिक्स अध्ययन डिजाइनिंग, (2) नमूना प्रसंस्करण, (3) जैविक नमूनों वाले समाधानों की वैक्यूम सांद्रता (4) एलसीएमएस/एमएस डेटा विश्लेषण दोनों खोज और लक्षित (5) जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण (6) परियोजना प्रस्तावों को जमा करना (7) प्रकाशन हेतु लेखों को जमा करना।

प्रकाशनों

पत्रिकाएँ: 18 **सार: 02** **पुस्तक में अध्याय: 01**

प्रकाशन

मद	2022-23	2023-24	2024-25
कुल	23	25	21
पत्रिकाओं में लेख	21	20	18
सार	02	04	2
पुस्तक अध्याय	--	01	1

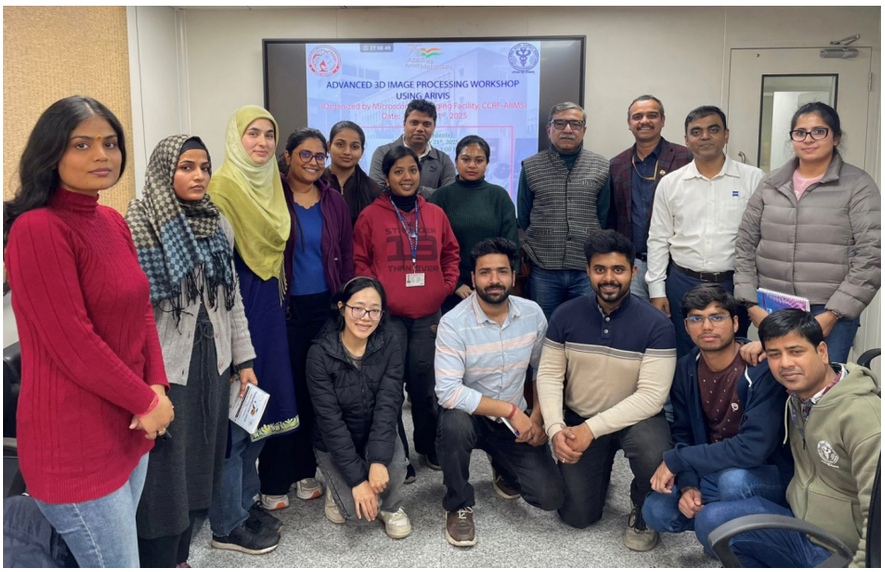
पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. कमल गुलाटी ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर म्यूचुअल एंड को-ओन्ड बिजनेस के आचार्य जॉन हॉफमेयर ने डॉ. कमल गुलाटी का साक्षात्कार लिया और सेंटर फॉर बिजनेस एंड पॉवर्टी (2024) में प्रकाशित किया। भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में इंडिया मैनेजमेंट रिसर्च कॉन्फ्रेंस (2024) में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया। जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ इंडिया और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बैंगलोर ने 5-7 सितंबर 2024 को आईआईएम, बैंगलोर में आयोजित 8वें वैश्विक संगोष्ठी ऑन हेल्थ सिस्टम्स रिसर्च (एचएसआर 2024) में वक्ता के रूप में ट्रैवल ग्रांट प्राप्त किया। सह-राष्ट्रीय समन्वयक, पैन-एम्स रिसर्च कंसोर्टियम। एम्स-यूसीएल-आईआईटीडी त्रिपक्षीय (मेडटेक) अनुसंधान योजना और एम्स-यूसीएल द्विपक्षीय अनुसंधान योजना के लिए समन्वयक।

कार्य योजना

बीएसएल-3 और प्रोटिओमिक्स प्रयोगशालाओं को बहाल करके और अन्य प्रयोगशालाओं को उन्नत करके सीसीआरएफ को पूरी तरह से क्रियाशील बनाना, जिससे एम्स में संकाय और छात्र शोधकर्ताओं के लिए सहायता में वृद्धि हो सके।

8_.indd 173 1/10/2026 1:09:30 PM



21 जनवरी, 2025 को सीसीआरएफ में आयोजित एरिविस प्रो 4.2 का उपयोग करते हुए उन्नत 3डी इमेज प्रोसेसिंग कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी।

चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (सीएमआईई)

चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (सीएमआईई) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का एक प्रमुख जैव-इनक्यूबेटर है, जिसे बीआईआरएसी, भारत सरकार और एम्स, नई दिल्ली का समर्थन प्राप्त है। जून 2021 में लॉन्च किया गया, सीएमआईई दो स्थानों से संचालित होता है: **क**. कमरा संख्या 901, 9वीं मंजिल, राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र, एम्स जिसमें लैंडिंग कार्यालय और प्रयोगशाला है। इस सुविधा का आधिकारिक उद्घाटन 19 अक्टूबर 2023 को एम्स के निदेशक आचार्य, एम. श्रीनिवास द्वारा अगस्त में आचार्य, जीवन सिंह टिटियाल, संकायाध्यक्ष (आरएस), आचार्य, कौशल के. वर्मा, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) और बीआईआरएसी और एम्स, नई दिल्ली के संकाय-सदस्यों की उपस्थिति में किया गया था। **ख**. एम्स, दिल्ली के झज्जर परिसर के रिसर्च ब्लॉक, एनसीआई की चौथी और पांचवीं मंजिल, इस सुविधा का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने 13 दिसंबर 2023 को MoS (स्वास्थ्य) आचार्य एसपी सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया था। सीएमआईई, एम्स, नई दिल्ली के ऐसे संकाय/वैज्ञानिक/छात्रों/रेजीडेंटों/शोधकर्ताओं द्वारा किए गए शोध प्रयासों के परिणामों को सक्षम करके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्वदेशी शैक्षणिक नवाचारों को सफल बनाने का प्रयास करता है। इस दिशा में, सीएमआईई - एम्स स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काम करने वाले भारतीय स्टार्टअप्स को एम्स के नैदानिक और गैर-नैदानिक संकाय के मार्गदर्शन और सलाह का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है, और उन्हें एम्स में उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों और संसाधनों तक सशुल्क पहुँच भी प्रदान करता है। अपनी स्थापना के बाद से, सीएमआईई - एम्स ने 16 स्टार्ट-अप, 5 इनहाउस संकायों और 2 स्नातक स्टार्ट-अप सहित 21 इनोवेटर्स को इनक्यूबेट किया है सीएमआईई - एम्स की एक उल्लेखनीय उपलब्धि एम्स, दिल्ली के संकाय सदस्यों को जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) के तहत बीआईआरएसी को अपने नवाचार लिखने और जमा करने के लिए प्रदत्त सहायता है, जिसमें 5 संकाय (11 आवेदनों में से) को बीआईजी -21, 22 और 23 कॉल से पुरस्कार दिया गया है। बीआईजी पुरस्कार जीतने वाले संकाय हैं आचार्य दीपक अग्रवाल, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा विभाग (बीआईजी -21);

8_.indd 174 1/10/2026 1:09:30 PM

डॉ प्रज्ञान आचार्य, जैव रसायन विभाग (बीआईजी -21); आचार्य, आलोक ठाकर, ओटोलरींगोलॉजी और हेड-नेक सर्जरी विभाग (बीआईजी -22); आचार्य विनीत आहूजा, जठरांत्र विज्ञान विभाग (बीआईजी -23)। सीएमआईई - एम्स ने बीआईआरएसी द्वारा समर्थित पीएसीई, एसआईबीआरआई जैसी अन्य योजनाओं के साथ संकाय सदस्यों का भी सहायता प्रदान की है।



8_.indd 175 1/10/2026 1:09:30 PM

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार

आचार्य एवं प्रमुख
गंगा प्रसाद

आचार्य

विमी रेवाड़ी

वनालाल दार्लोंग	ज्योत्सना पुंज	रविन्द्र कुमार पाण्डेय
रवीन्द्र कुमार पांडे	अंजलि छाबड़ा	रश्मि रामचंद्रन
पुनित खन्ना (1 जुलाई 2024 से		बिकास रंजन रे (1 जुलाई 2024 से)

राहुल कुमार आनंद (1 जुलाई 2024 से)
देबेश भोई (1 जुलाई 2024 से)

अपर आचार्य

शैलेन्द्र कुमार	सौविक मैत्रा	अखिल कांत सिंह
राकेश कुमार		निशांत पटेल

सह-आचार्य

अंजू गुप्ता	केलिका प्रकाश	अजीशा अरविंदन
मृत्युंजय कुमार	परिन चेल्लानी	सुलग्ना भट्टाचार्य
श्रेया भारत शाह	अभिषेक नागराजप्पा	क्रिस्टोफर दास

सहायक **आचार्य**

प्रियंकर कुमार दत्ता	सना यास्मीन हुसैन	नेहा पंगासा
ध्रुव जैन	अमित कुमार	अदिति सूरी
हिना गर्ग	नितिन चौधरी	अंशुल सिंह
चोरो अथिफ्रो कायिना	सुधांशु शेखर नायक	सुबोध कुमार
सचिन कुमार	स्वाति मेहता	नेहा गर्ग
साक्षी दुग्गल	राम सिंह	प्रकाश ज्ञानदेव गोंडोडे
सुष्मिता बैरागी	अजीतविश्वनाथन टी	स्नेहा सिंह
वनिता राजगोपालन	रूपावत रामकुमार	अमित कुमार मालवीय

विशिष्टताएं

कुछ वर्ष पहले शुरू हुआ विभाग का विस्तार, इस वर्ष भी जारी रहा। सर्जरी ब्लॉक में संवेदनाहरण सेवाओं को छह ऑपरेशन थिएटरों से बढ़ाकर आठ ऑपरेशन थिएटर कर दिया गया, जिसमें जटिल रोबोटिक सर्जरी के लिए एक समर्पित थिएटर भी शामिल है। इसी वर्ष मातृ एवं शिशु ब्लॉक में चौबीसों घंटे बाल चिकित्सा आपातकालीन सेवाएँ शुरू की गईं। विभाग ने सर्जरी ब्लॉक के आईसीयू में चौबीसों घंटे हीमोडायलिसिस सुविधा भी शुरू की, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीजों को मुख्य ब्लॉक में स्थानांतरित करने की

9.1_.indd 176 1/8/2026 12:30:45 PM

आवश्यकता समाप्त हो गई। दर्द निवारक ओपीडी में अत्याधुनिक तकनीक की उपलब्धता के कारण, कई जटिल प्रक्रियाएँ वहीं की जा रही हैं, जिससे मरीजों के प्रतीक्षा समय में काफी कमी आई है।

इस वर्ष, विभाग ने गहन उपचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 'गहन उपचार में हालिया प्रगति 2024' का आयोजन किया, जिसमें लगभग एक सौ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों और ढाई सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में चिकित्सकों के लिए छह कार्यशालाएँ, गहन उपचार नर्सिंग स्टाफ और तकनीशियनों के लिए एक-एक कार्यशाला, और दो दिनों में लगभग 80 व्याख्यान आयोजित किए गए।

इसके अलावा, विभाग ने सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यक्रम सहित कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया। विभाग के व्यापक शिक्षण कार्यक्रम को और सुदृढ़ किया गया क्योंकि चार संकाय सदस्यों को आचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया। विभाग के संकाय सदस्य देश भर में कई शैक्षिक कार्यक्रमों और सामुदायिक चिकित्सा सेवाओं में शामिल रहे हैं।

शिक्षा

शैक्षणिक पाठ्यक्रम/डिग्री	छात्रों की संख्या
एमडी संवेदनाहरण विज्ञान	92
डीएम गहन उपचार चिकित्सा	26
पीड़ा चिकित्सा में फैलोशिप	8
बीएससी ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी	43

शैक्षिक कार्यक्रम और ली गई कक्षाएं

विभाग, एमडी (संवेदनाहरण विज्ञान), डीएम (गहन उपचार चिकित्सा), पीड़ा चिकित्सा में फेलोशिप, एमबीबीएस और बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी के छात्रों के लिए एक सशक्त शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करता है। सामान्य शैक्षणिक कार्यक्रम में संकाय सदस्यों द्वारा साप्ताहिक सेमिनार, केस प्रेजेंटेशन, जर्नल क्लब और ट्यूटोरियल शामिल हैं। विभाग में नए शामिल हुए जूनियर रेजीडेंट्स के लिए एक ओरिएंटेशन शैक्षणिक कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया था। इस वर्ष से, विभाग के विभिन्न आईसीयू में भर्ती गंभीर रूप से बीमार मरीजों के बारे में नैदानिक चर्चा के लिए एक 'ग्रैंड राउंड' शुरू किया गया। संकाय सदस्य बीएससी नर्सिंग और एमएससी गहन उपचार नर्सिंग के शिक्षण कार्यक्रम में भी नियमित रूप से शामिल रहे।

अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहयोग से विभाग के सभी स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के लिए 'संक्रमण नियंत्रण' पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

जूनियर रेज़िडेंट के लिए एक उच्च-निष्ठा मानव रोगी सिमुलेशन-आधारित नैदानिक परिदृश्य प्रबंधन कार्यक्रम पहले से ही मौजूद था। कई नए संकाय सदस्यों को शामिल करके सिमुलेशन आधारित शिक्षण कार्यक्रम को और भी मज़बूत बनाया गया। विभाग के रेज़िडेंट के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय

9.1_.indd 177 1/8/2026 12:30:45 PM

संवेदनाहरण और वैस्कुलर एक्सेस जैसे उन्नत तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु कई कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

विभाग का एमबीबीएस शिक्षण कार्यक्रम केवल संकाय सदस्यों द्वारा कक्षा में दिए जाने वाले व्याख्यानों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इसमें ऑपरेटिंग रूम में नैदानिक शिक्षण भी शामिल था। नियमित शैक्षिक कार्यक्रम के अलावा, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट रेजीडेंट्स के लिए कई अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं।

एमडी संवेदनाहरण विज्ञान कक्षाएं

- सेमिनार: 32
- केस प्रस्तुतियाँ: 39
- जर्नल क्लब: 19
- ट्यूटोरियल: 21
- सिमुलेशन कक्षाएं: 51
- एमडी थीसिस प्रस्तुत: 33

डीएम गहन उपचार मेडिसिन कक्षाएं

- सेमिनार: 31
- केस प्रस्तुति: 33
- जर्नल क्लब: 28
- डीएम थीसिस प्रस्तुत: 5

पीड़ा चिकित्सा कक्षाओं में फेलोशिप

- सेमिनार: 23
- केस प्रस्तुति: 16
- जर्नल क्लब: 11

बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी कक्षाएं(संवेदनाहरण कक्षाएं)

- प्रथम वर्ष: 60
- द्वितीय वर्ष: 51
- तृतीय वर्ष: 76

विभाग के रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए विशेष आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए

1. 14 अक्टूबर 2024 को आचार्य फ्रेडरिक के पुह्लिंगर, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्यूबिंगन, जर्मनी द्वारा "इनहेल्ड संवेदनाहरण सहित रोगी परिणामों को अधिकतम करना: सर्वोत्तम अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित करना" विषय पर अतिथि व्याख्यान।

9.1_.indd 178 1/8/2026 12:30:45 PM

2. 25 सितंबर 2024 को मेयो क्लिनिक, जैक्सनविले, यूएसए के काय-चिकित्सा के आचार्य और ईसीएमओ निदेशक प्रमोद के गुरु द्वारा एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन पर अतिथि व्याख्यान।

3. 10 मार्च 2025 को मेयो क्लिनिक, जैक्सनविले, यूएसए में गहन उपचार चिकित्सा के सहायक आचार्य अनिरबन भट्टाचार्य द्वारा "चिकित्सा में एआई, विकासशील बुद्धिमत्ता और अंतर्दृष्टि" पर अतिथि व्याख्यान।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. पेरिऑपरेटिव और गहन उपचार में द्रव चिकित्सा: 28 अप्रैल 2024: नई दिल्ली
2. गहन उपचार में हालिया प्रगति: 24, 25 और 26 अगस्त 2024: नई दिल्ली
3. अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संवेदनाहरण कार्यशाला: 27 सितंबर 2024: नई दिल्ली
4. "यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन" पर सिमुलेशन-आधारित कार्यशाला: 26 अक्टूबर 2024: नई दिल्ली
5. इंडियन सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी (दिल्ली शाखा) मासिक बैठक: 29 जनवरी 2024: नई दिल्ली
6. "यूएसजी का उपयोग करके नीडल नेविगेशन" पर सिमुलेशन-आधारित कार्यशाला: 1 मार्च 2025: नई दिल्ली
7. बाल चिकित्सा पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट: 22 मार्च 2025: नई दिल्ली
8. रीढ़ की हड्डी की विकृति में पेरिऑपरेटिव संवेदनाहरण उपचार: 29 मार्च 2025: नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 44

गंगा प्रसाद: 3
रविंदर कुमार पांडे: 10
पुनीत खन्ना: 15
राहुल कुमार आनंद: 16
अखिल कांत सिंह: 13
अंजू गुप्ता: 6
परिन लालवानी: 5
श्रेया भरत शाह: 4
प्रियंकर कुमार दत्त: 5
नेहा पंगासा: 10
नेहा गर्ग: 2
विमि रेवाडी: 16
रश्मि रामचंद्रन: 9
देबेश भोई: 13
शैलेंद्र कुमार: 3
निशांत पटेल: 10
केलिका प्रकाश: 2
अजीशा अरविंदन: 5
अभिषेक नागराजप्पा: 34
सना यास्मीन हुसैन: 9
अमित कुमार: 5
सचिन कुमार: 4
ज्योत्सना पुंज: 13
अंजलि छाबड़ा: 2
बिकास रंजन रे: 75
सौविक मैत्रा: 18
राकेश कुमार: 4
मृत्युंजय कुमार: 10
सुलग्ना भट्टाचार्जी: 10
क्रिस्टोफर दास: 2
ध्रुव जैन: 7
सुष्मिता बैरागी: 2
प्रकाश गोंडोडे: 3

9.1_.indd 179 1/8/2026 12:30:45 PM

राम सिंह: 2 **अदिति सूरी: 2** **वनिता राजगोपालन: 4**

स्वाति मेहता: 6 **रूपावथ रामकुमार: 7** **स्नेहा सिंह: 4**

सुधांसु शेखर नायक: 1 **सुरभि गुप्ता: 5** **साक्षी दुग्गल: 4**

नितिन चौधरी: 7 **चोरो अथिफ्रो कायना: 5**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
215	232	392

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 48

पिछले 3 वर्षों के मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची

2022-2023	2023-2024	2024-2025
21	**41**	**48**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा चिकित्सकों को सशक्त बनाने के लिए मोबाइल ऐप एकीकरण के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित क्रोनिक दर्द प्रबंधन,देवेश भोई (एसजीपीजीआई, लखनऊ के साथ सहयोगी परियोजना), आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2025-2026, रु 2,41,021

2. सामान्य संवेदनाहरण के तहत प्रमुख आर्थोपेडिक सर्जरी करवाने वाले बुजुर्ग रोगियों में परिधीय रक्त ल्यूकोसाइट्स में डीएनए टेलोमेर लंबाई और पोस्ट-ऑपरेटिव संवेदनाहरण शिथिलता (पीओसीडी) और पोस्ट-ऑपरेटिव डिलीरियम (पीओडी) के बीच संबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन,पुनीत खन्ना, डीएसटी, सीएसआरआई, 3 वर्ष, 2023-2026, 80,00,000 रुपये

3. वैकल्पिक डे केयर सर्जरी के लिए निर्धारित बच्चों में प्रीऑपरेटिव अवसाद पर ऑपरेटिंग रूम के आभासी वास्तविकता-आधारित वीडियो ट्यूटर की तुलना में पारंपरिक प्रीऑपरेटिव शिक्षा के प्रभावों का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,स्वाति मेहता, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, 3,35,000 रुपये

4. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में वायुमार्ग उपकरण के रूप में एलएमए प्रोसील और ® एलएमए प्रोटेक्टर™ की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अदिति सूरी, एम्स-इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2024-2025, 3,65,500 रुपये

5. सामान्य बनाम क्षेत्रीय संवेदनाहरण के तहत सीजेरियन सेक्शन द्वारा जन्म लेने वाले नवजात शिशु में तनाव प्रतिक्रिया की तुलना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, चोरो अथिफ्रो कायिना, एम्स अंतःविषय सहयोगात्मक अंतःविषय अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 रुपये 0,00,000

6. गंभीर रूप से बीमार रोगियों के फेफड़े और आंत माइक्रोबायोम का सहसंबंध: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन,चोरो अथिफ्रो कायिना, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 9 रुपये 00,000

9.1_.indd 180 1/8/2026 12:30:46 PM

7. सामान्य संवेदनाहरण के तहत बाल रोगियों में आपातकालीन प्रलाप और संवेदनाहरण शिथिलता की घटना के साथ पूर्व-ऑपरेटिव कमजोरी और पोषण संबंधी स्थिति के बीच संबंध का निर्धारण करना,पुनीत खन्ना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 78,00,000 रुपये

8. क्रोनिक दर्द और मधुमेह के रोगियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा पोर्टल का विकास: रोगी संतुष्टि और उपयोगिता का आकलन, राम सिंह, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 9,50,000 रुपये

9. लम्बर एपिड्यूरल एडहेसिओलिसिस में सहायक के रूप में 10% डेक्सट्रोज का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, ध्रुव जैन, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10,00,000 रुपये

10. वैकल्पिक सर्जरी प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में आंतों के माइक्रोबायोम और संज्ञान पर एनेस्थेटिक एजेंटों का प्रभाव,अंजू गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 1,64,71,990 रुपये

11. प्रतिस्थापन सर्जरी प्रक्रियाधीन घुटने बदलवाने वाले मरीजों की रिकवरी पर कार्बोहाइड्रेट लोडिंग का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,सना वाई हुसैन, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 9,63,000 रुपये

12. प्रमुख उदर शल्य चिकित्सा प्रक्रियाधीन रोगियों में शल्यक्रिया के बाद के दर्द और सूजन संबंधी प्रतिक्रिया पर दो खुराक की तुलना में एकल खुराक डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,प्रियंकर कुमार दत्ता, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 5,00,000 रुपये

13. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस रोगियों में सर्कैडियन लय को बहाल करने के लिए एक बंडल इंटरवेंशन का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,सौविक मैत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2027, 62,79,448 रुपये

14. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए दूसरी पीढ़ी के लेरिंजियल मास्क एयरवे (एलएमए प्रोटेक्टर) का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुबोध कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2024-2026, 10,00,000 रुपये

15. स्कोलियोसिस सर्जरी के दौरान पेरिऑपरेटिव रक्तस्राव पर फाइब्रिनोजेन के प्रभाव का मूल्यांकन: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, सुबोध कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2024-2026, 20,00,000 रुपये

16. प्रशिक्षित सीपीआर प्रदाताओं में बीएलएस कौशल के लिए सीपीआर फीडबैक डिवाइस के उपयोग के आकलन के लिए इन-सीटू सिमुलेशन: एक पूर्व-पश्चात हस्तक्षेप अध्ययन,अमित कुमार, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 4,96,000 रुपये

17. स्वास्थ्य कर्मचारियों की शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र तैयार करना,रश्मि रामचंद्रन, नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन, डेनमार्क, 2 वर्ष, 2023-2025, 44,58,550 रुपये

18. सीपीआर कौशल को बनाए रखने के लिए रिमोट ट्रेनर निर्देशित इच्छित अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकन एसोसर ब्लाइंडेड सिमुलेशन अध्ययन,अभिषेक एन, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 4,80,000 रुपये

19. पोस्ट-ऑपरेटिव संवेदनाहरण शिथिलता (पीओसीडी) की घटनाओं पर नॉर्मोक्सिक बनाम हाइपरॉक्सिक स्थितियों का प्रभाव और गैर-हृदय सर्जरी प्रक्रियाधीन बुजुर्ग रोगियों में पीओसीडी में एमआईआरएनए

9.1_.indd 181 1/8/2026 12:30:46 PM

की पहचान: एक संभावित अवलोकन केस नियंत्रण अध्ययन,पुनीत खन्ना, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये

20. इनहेलेशन बर्न सर्जरी में नैदानिक सरोगेटिव मार्कर और गंभीरता भविष्यवक्ता के रूप में सीरम सेल-फ्री डीएनए (सीएफ डीएनए) की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन,रूपवथ रामकुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, रु 7,75,000

21. सामान्य संवेदनाहरण के तहत सर्जरी करा रहे एनाल्जेसिक स्पॉन्जिलाइटिस रोगियों के वायुमार्ग प्रबंधन में 3-डी प्रिंटिंग मॉडल की उपयोगिता: एक पायलट अध्ययन,नितिन चौधरी, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 4,60,000 रुपये

पूर्ण

1. आपातकालीन लैपरोटॉमी प्रक्रियाधीन छिद्रित पेरिटोनाइटिस रोगियों में 5% मानव एल्ब्यूमिन-आधारित पेरिऑपरेटिव द्रव चिकित्सा का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सुलग्ना भट्टाचार्जी, एसईआरबी डीएसटी, 2 वर्ष 3 महीने, 2022-2024, 28,00,000 रुपये

2. स्पाइनल फ्यूजन प्रक्रियाधीन तंबाकू धूम्रपान से परहेज करने वालों में ऑपरेशन के दौरान ओपिओइड की आवश्यकता पर निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी का प्रभाव, एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, पुनीत खन्ना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 50,00,000 रुपये

3. बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की अवधि, परिचालन परिणामों और जटिलताओं पर सर्जरी के बाद उन्नत रिकवरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल का प्रभाव, श्रेया शाह, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 5,00,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस सहित)

जारी

1. प्रीऑपरेटिव चिंता को कम करने में मेलाटोनिन और गैबापेंटिन का एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण

2. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं वाले रोगियों में शल्यक्रिया के बाद दर्द निवारण के लिए क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल ब्लॉक का तुलनात्मक अध्ययन

3. बाल रोगियों में हाथ की सर्जरी के लिए सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित फोरआर्म नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक परीक्षण

4. समय से पहले जन्मे शिशुओं में आरओपी नेत्र शल्यक्रिया के बाद रिकवरी समय के लिए एलएमए बनाम ईटीटी के बीच एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक विश्लेषण

5. वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया में एरोसोलाइज्ड कोलिस्टिन, कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर के कारण है: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

6. एआरडीएस फेनोटाइप्स और आरवी डिसफंक्शन ट्रैजेक्टरी के साथ इसका संबंध

9.1_.indd 182 1/8/2026 12:30:46 PM

7. कृत्रिम न्यूरॉन - कार्बापेनम प्रतिरोधी ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के बारे में पूर्वानुमान लगाने के लिए वाष्पशील कार्बनिक यौगिक का मशीन लर्निंग विश्लेषण, जो निचले श्वसन पथ के संक्रमण का कारण है।

8. स्वास्थ्य सेवा कर्मियों में बेसिक कार्डियोपल्मोनरी लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण के बाद कौशल और ज्ञान के अल्पकालिक अवधारण का आकलन: एक संभावित हस्तक्षेप अध्ययन

9. सामान्य संवेदनाहरण के तहत द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट अप्रोच (बीएबीए) एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में द्विपक्षीय पेक्टो-इंटरकोस्टल फेसियल ब्लॉक और इंटरमीडिएट सरवाइकल प्लेक्सस ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

10. आपातकालीन उदर शल्य चिकित्सा प्रक्रियाधीन वयस्क रोगियों में संचयी द्रव संतुलन और अनुमानित कोलाइड ऑन्कोटिक दबाव अनुपात तथा शल्यक्रिया के बाद के परिणामों के बीच संबंध

11. पेरिऑपरेटिव उच्च रक्तचाप, अस्पताल में रहने की अवधि और पेरिऑपरेटिव हृदय संबंधी जटिलताओं के बीच संबंध: तृतीयक उपचार केंद्र से एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

12. सामान्य संवेदनाहरण के तहत बड़ी सर्जरी प्रक्रिया वाले बुजुर्ग मरीजों में सीरम यूरिक एसिड और सी-रिएक्टिव प्रोटीन के स्तर के साथ ऑपरेशन के बाद के प्रलाप और संवेदनाहरण शिथिलता के बीच संबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

13. क्या प्रवाह से परे की चमक बाल चिकित्सा में एपिड्यूरल दवा के प्रसार की भविष्यवाणी कर सकती है? - एक अवलोकन अध्ययन

14. आपातकालीन विभाग में उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोग संकट के साथ आने वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम

15. बाल रोगी की चिंता को कम करने के लिए रंग भरने की गतिविधि बनाम वीडियो द्वारा ध्यान भटकाना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

16. शिशुओं में सामान्य संवेदनाहरण के दौरान आई-जेल सुप्राग्लॉटिक वायुमार्ग और स्व-दबाव वाले एयर-क्यू इंट्यूबेटिंग लेरिंजियल वायुमार्ग की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।

17. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोग के तीव्र प्रकोप में हाई फ्लो नैज़ल कैनुला बनाम नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

18. आपातकालीन विभाग में चेस्ट ट्यूब थोरैकोस्टॉमी के दौरान दर्द को कम करने में सेरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक बनाम मानक उपचार की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक संभावित ओपन लेबल रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल

19. ट्रांसफोरामिनल लम्बर इंटरबॉडी फ्यूजन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित सैक्रल इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक और घाव रिसने की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

20. क्लासिकल थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन (टीएलआईपी) ब्लॉक और संशोधित टीएलआईपी ब्लॉक में एनाटॉमिकल प्रसार का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक शव अध्ययन

21. प्रसूति रोगियों में पोस्ट ड्यूरल पंचर सिरदर्द के उपचार के लिए स्फेनोपालाटाइन गैंग्लियन ब्लॉक और डेक्समेडेटोमिडाइन नेबुलाइजेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन।

9.1_.indd 183 1/8/2026 12:30:46 PM

22. पीडिएट्रिक यूनिलेटरल हिप एवं प्रॉक्सिमल फीमर सर्जरी में लम्बर इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक और कॉडल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण बाल चिकित्सा पीडिएट्रिक यूनिलेटरल हिप एवं प्रॉक्सिमल में लम्बर इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक और कॉडल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

23. परिवर्तनकारी एपिड्यूरल इंजेक्शन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रेकनिक के पैरा सैगिटल ओब्लिक एप्रोच और एक्सियल एप्रोच के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. प्रमुख उदर शल्यचिकित्सा वाले रोगियों में पोस्ट ऑपरेटिव एटेलेक्टासिस को कम करने में एक्सट्यूबेशन और उद्भव के दौरान दबाव समर्पित वेंटिलेशन और सहज वेंटिलेशन के बीच तुलना": एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

25. बाएं डबल-लुमेन ट्यूबों के सफल प्लेसमेंट के लिए 110 डिग्री वामावर्त रोटेशन और पारंपरिक 90-डिग्री रोटेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

26. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में स्तनपान बंद करने की भविष्यवाणी करने के लिए अल्ट्रासाउंड आधारित श्वसन सूचकांकों के साथ वायुमार्ग अवरोध दबाव की तुलना: एक संभावित अवलोकन परीक्षण

27. निचली रीढ़ की सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में थोरैकोलम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक बनाम सैक्रल इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना

28. हाइपोस्पेडियास सुधार प्रक्रियाधीन बच्चों में बुपीवाकेन और क्लोनिडाइन का उपयोग करके पुडेंडल तंत्रिका ब्लॉक की दर्दनाशक प्रभावकारिता की कॉडल ब्लॉक के साथ तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

29. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक के दो तरीकों की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

30. लेप्रोस्कोपिक/रोबोट सहायता प्राप्त गुर्दे की सर्जरी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम ट्रांसमस्क्युलर क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

31. जलने से पीड़ित रोगियों के प्रारंभिक द्रव प्रतिबंध में रिंगर लैक्टेट और आइसोटोनिक बाइकार्बोनेट संयोजन चिकित्सा बनाम अकेले रिंगर लैक्टेट के प्रभाव की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

32. बाल चिकित्सा थोरैकोस्कोपिक सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए ईएसपीबी और एसएपीबी की तुलना।

33. अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके वैकल्पिक सर्जरी प्रक्रिया वाले पुरुषों और महिलाओं में उपवास गैस्ट्रिक मात्रा की तुलना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

34. लम्बर की रीढ़ की सर्जरी में शल्यक्रिया के परिणामों पर सामान्य संवेदनाहरण बनाम रीढ़ की हड्डी के संवेदनाहरण की तुलना: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

35. बाल रोगियों में इंट्यूबेशन के लिए ग्लाइड स्कोप और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक संभावित, तुलनात्मक और यादृच्छिक अध्ययन

9.1_.indd 184 1/8/2026 12:30:46 PM

36. वैकल्पिक सर्जरी वाले उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में मैकिन्टोश ब्लेड सी-मैक बनाम डी ब्लेड सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप का उपयोग करके ऑरोट्रेकियल इंटुबैशन के हेमोडायनामिक प्रभावों की तुलना

37. त्रिकास्थि-इलियक जोड़ों के दर्द के लिए दो सुई तकनीक और स्टेरॉयड इंजेक्शन द्वारा अंतः-आर्टिकुलर स्पंदित रेडियोफ्रीक्वेंसी की तुलना: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड परीक्षण

38. बच्चों में कूल्हे और समीपस्थ फीमर सर्जरी के लिए लम्बर ईएसपी और कॉडल ब्लॉक की तुलना

39. सामान्य संवेदनाहरण के तहत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रक्रिया वाले बच्चों में पीसीवी बनाम वीसीवी के बीच यांत्रिक शक्ति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

40. इंट्यूबेटेड रोगियों में पारंपरिक तकनीक बनाम नरम ऊतकों के संपीड़न (सीओएसटी) तकनीक का उपयोग करके नासोगैस्ट्रिक ट्यूब डालने की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

41. एनआईएम ईएमजी एंडोट्रेकियल ट्यूब के साथ इंट्यूबेशन के समय स्वरयंत्र योजक बनाम योजक पोलिसिस के पक्षाघात की तुलना

42. अपक्षयी रीढ़ की हड्डी की बीमारी वाले बुजुर्ग मरीजों में सबराचनोइड ब्लॉक के लिए पैरामीडियन और पैरास्पाइनस तकनीकों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

43. क्रोनिक पीठ दर्द में पीईएमएफ और चिकित्सा प्रबंधन की तुलना-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

44. घुटने के नीचे की हड्डी संबंधी सर्जरी में पॉप्लिटियल दृष्टिकोण के माध्यम से अल्ट्रासाउंड निर्देशित सायटिक तंत्रिका ब्लॉक में सहायक के रूप में पेरीन्यूरल डेक्सामेथासोन और डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम डेक्सामेथासोन की तुलना: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण

45. कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनोबैक्टर बाउमानी वेंटिलेटर से संबंधित निमोनिया में पॉलीमिक्सिन-बी की माइनोसाइक्लिन बनाम पॉलीमिक्सिन-बायथ उच्च खुराक सल्बैक्टम से की गई तुलना - एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड गैर-हीनता अध्ययन

46. सीएसई संवेदनाहरण के लिए दो प्रविष्टि बिंदुओं (एक नवीन तकनीक) के साथ एकल स्थान और पारंपरिक डबल स्पेस तकनीक की सफलता की तुलना: एक यादृच्छिक भावी अध्ययन

47. सिमुलेटिड ग्रीवा रीढ़ की चोट वाले बच्चों में स्टॉर्ज़ आकार 2 मैकिन्टोश ब्लेड सीएमएसी और आकार 2 डी ब्लेड सीएमएसी की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

48. नौसिखिए संवेदनाहरण रेजीडेंट द्वारा श्वासनली इंट्यूबेशन के लिए टीयूओआरईएनकेआईएन-जीटीएई के® वीडियो लैरींगोस्कोपी और प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोपी की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

49. लैप्रोस्कोपिक ऊपरी उदर शल्यचिकित्सा में पोस्टऑपरेटिव एनाल्नोसिटा पर बाहय तिरछी इंटरकोस्टल ब्लॉक (ईआईओबी) में सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन की दो खुराकों की तुलना: एक दोहरा अंधा यादृच्छिक नियंत्रित

50. जले हुए रोगी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित द्रव पुनर्जीवन प्रोटोकॉल की मानक सूत्र आधारित द्रव पुनर्जीवन प्रोटोकॉल के साथ तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

9.1_.indd 185 1/8/2026 12:30:46 PM

51. यूनिलेटरल ऊपरी अंग की सर्जरी वाले बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउट ऑफ प्लेन बनाम इनप्लेन कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक दृष्टिकोण की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

52. यूनिमॉडल, गैर-औषधीय, शल्यक्रिया-पूर्व मनोवैज्ञानिक पुनर्वास हस्तक्षेप की तुलना, शल्यक्रिया-पूर्व चिंता और तनाव न्यूनीकरण पर प्राकृतिक ध्वनि-दृश्य विसर्जन और आभासी वास्तविकता - एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण

53. वयस्कों में रेडियल धमनी कैनुलेशन के लिए यूएसजी निर्देशित ओब्लिक एक्सिस इन-प्लेन तकनीक (ओए-आईपी) बनाम शॉर्ट एक्सिस-डायनामिक नीडल टिप पोजिशनिंग (एसए-डीएनटीपी) तकनीक की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण

54. कुपोषित बाल रोगी में एलएमए के आकार चयन हेतु आयु के अनुसार वजन बनाम वजन की तुलना - एक यादृच्छिक क्रॉसओवर परीक्षण

55. थायरोमेंटल दूरी और ग्लोटिस के माध्यम से संस्थापित नासोट्रेकियल ट्यूब के बीच सहसंबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

56. प्रमुख उदर शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट का पूर्वानुमान लगाने के लिए मशीन-लर्निंग आधारित मॉडल का विकास और सत्यापन: एक व्यापक अध्ययन

57. क्या ऑप्टिक तंत्रिका आवरण के व्यास में परिवर्तन का लेप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में ऑपरेशन के बाद होने वाले डेलीरियम से कोई संबंध है? - एक अवलोकनात्मक अध्ययन

58. वैकल्पिक उदर शल्य चिकित्सा में प्रारंभिक वासोप्रेसर प्रवेशन और शल्यक्रिया के बाद अंग की शिथिलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

59. क्रोनिक लम्बोसैक्रल रेडिकुलोपैथी वाले रोगियों के उपचार के लिए ट्रांसफोरामिनल एपिड्यूरल स्टेरॉयड इंजेक्शन में सहायक हाइपरटोनिक सलाइन का प्रभाव - एक डबल ब्लाइंड, संभावित, यादृच्छिक परीक्षण

60. स्त्री रोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं वाले रोगियों में प्रोसील लेरिंजियल मास्क वायुमार्ग के कफ दबाव पर वायुमार्ग दबाव का प्रभाव

61. आपातकालीन विभाग में अविभेदित परिसंचरण आघात के प्रारंभिक उपचार में नैदानिक परिणामों पर एमआईएनयूटीईएस बंडल बनाम मौजूदा उपचार के अनुप्रयोग का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

62. ऊपरी उदर शल्यचिकित्सा में पेरी-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर द्विपक्षीय बाह्य तिरछा इंटरकोस्टल ब्लॉक (ईओआईबी) का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

63. बुजुर्ग आबादी में ऑपरेशन के बाद संवेदनाहरण गिरावट पर डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित ट्रिपल ब्लाइंड परीक्षण

64. बाइस्पेक्ट्रल इंडेक्स का उपयोग करके प्रोपोफोल की प्रेरण खुराक पर अलग-अलग समय अंतराल पर प्रशासित फेंटेनाइल का प्रभाव

65. लैप्रोस्कोपिक उदर शल्य चिकित्सा में न्यूमोपेरिटोनियम के निर्माण के दौरान ब्रैडीकार्डिया पर अंतः-उदर दबाव में क्रमिक वृद्धि का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

9.1_.indd 186 1/8/2026 12:30:46 PM

66. जलने से घायल बच्चों में ड्रेसिंग बदलने के दौरान दर्द निवारक की आवश्यकता को कम करने में इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

67. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम वाले रोगी में ऑक्सीजनेशन और दाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन पर इनहेल्ड मिलरिनोन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

68. ग्रीवा प्लेक्सस ब्लॉक में दवा के प्रसार पर इंजेक्शन की मात्रा का प्रभाव: एक शव अध्ययन

69. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम वाले रोगियों में फेफड़ों की चोट के स्कोर पर अंतःशिरा डेक्सामेथासोन और अंतःश्वसन बुडेसोनाइड बनाम अकेले अंतःशिरा डेक्सामेथासोन का प्रभाव - एक संभावित, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक परीक्षण

70. नासोट्रेकियल इंटुबैशन के दौरान एपिस्टेक्सिस की घटना पर पार्श्व सिर की स्थिति का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

71. इन-विट्रो निषेचन परिणामों पर अंडकोशिका पुनर्प्राप्ति के दौरान नाइट्रस ऑक्साइड का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

72. सामान्य संवेदनाहरण के तहत सर्जरी करवा रहे कुपोषित बच्चों में पोस्टऑपरेटिव एटेलेक्टासिस पर अनुमानित बनाम वास्तविक शारीरिक वजन आधारित टाइडल वॉल्यूम सेटिंग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

73. लेप्रोस्कोपिक गुर्दे की सर्जरी में पश्चात दर्द और रिकवरी की गुणवत्ता पर डेक्सामेथासोन के पूर्वनियंत्रित प्रशासन का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

74. जले हुए रोगियों में प्रारंभिक अंग शिथिलता पर प्रणालीगत रोगाणुरोधी प्रोफिलैक्सिस का प्रभाव: एक खुला-लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

75. पोस्टऑपरेटिव डेलिरियम और संवेदनाहरण शिथिलता पर आभासी वास्तविकता चिकित्सा का प्रभाव, वैकल्पिक गैर-हृदय शल्य चिकित्सा रोगियों में एक संभावित यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

76. सेप्टिक शॉक में फ्लूड्रोकोर्टिसोन के प्रारंभिक प्रशासन की प्रभावशीलता: एक संभावित डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

77. सेप्टिक शॉक से ग्रस्त इंट्रा-एब्डॉमिनल सेप्सिस रोगियों में मेथिलीन ब्लू के प्रारंभिक प्रशासन के प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

78. सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के साथ एनाल्जेसिया के विस्तार में रोपिवाकेन के साथ हाइड्रॉक्सी-एथिल स्टार्च की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रण पायलट अध्ययन।

79. स्तन सर्जरी में इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक - एक दवा खोज परीक्षण

80. सामान्य संवेदनाहरण के तहत स्वतःस्फूर्त श्वास लेने वाले बच्चों में लघु नेत्र चिकित्सा प्रक्रियाओं के दौरान केंद्रीय नेत्र स्थिति के रखरखाव के लिए सेवोफ्लुरेन के एमएसी और बीआईएस कारक सूचकांक का मूल्यांकन और बीआईएस के साथ सेवोफ्लुरेन के एमएसी का सह-संबंध

81. थायरॉइड और पैराथायरॉइड सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव आवाज में होने वाले बदलावों का मूल्यांकन और पोस्टऑपरेटिव आवाज के परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए स्कोरिंग प्रणाली का निर्माण

9.1_.indd 187 1/8/2026 12:30:46 PM

82. भारत में धमनी कैनुलेशन प्रथाओं की खोज: संवेदनाहरणविज्ञानी के एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि"

83. संवेदनाहरण में छिपे पाठ्यक्रम की खोज स्नातकोत्तर निवास कार्यक्रम एक गुणात्मक अध्ययन

84. फेफड़े के यूएसजी आधारित पोस्ट ऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं के जोखिम पूर्वानुमान मॉडल का बाह्य सत्यापन: एक संभावित अध्ययन

85. ऑपरेशन के बाद की फुफ्फुसीय जटिलताओं के लिए मशीन-लर्निंग व्युत्पन्न जोखिम पूर्वानुमान मॉडल का बाह्य सत्यापन

86. संवहनी मुक्त फाइबुलर और रेडियल फ्लैप का उपयोग करके मैंडिबुलर पुनर्निर्माण में परिचालन के बाद के परिणामों को प्रभावित करने वाले कारक: 150 रोगियों की पूर्वव्यापी समीक्षा

87. वृद्धावस्था में कोविड-19 रोगियों में नैदानिक गंभीरता के पूर्वानुमान के रूप में कमज़ोरी: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

88. बाल चिकित्सा जनसंख्या में सेवोफ्लुरेन प्रेरित उद्भव प्रलाप के साथ आनुवंशिक मार्कर का जीनोम व्यापक संबंध।

89. पोस्टऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं की रोकथाम के लिए ड्राइविंग प्रेशर टारगेटेड पॉजिटिव एंड-एक्सपिरेटरी प्रेशर टिट्रेशन के प्रभाव में विविधता: दो यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का विश्लेषण

90. आर्थोपेडिक आघात सर्जरी और एसआईआरएस के विकास में न्यूट्रोफिल बाह्यकोशिकीय जाल और उनके घटकों पर विभिन्न संवेदनाहारी तकनीकों का प्रभाव: एक एकल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

91. क्रोनिक पोस्ट थोरेक्टोमी दर्द की घटना और जोखिम कारक और जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव: भारतीय उपमहाद्वीप में एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

92. आपातकालीन लैपरोटॉमी के बाद उदरीय सेप्टिक पेरिटोनिटिस का शीघ्र पता लगाने और पूर्वानुमान लगाने के लिए पेरिटोनियल द्रव में एक साथ कई साइटोकाइन माप के पूर्वानुमानात्मक महत्व की जांच करना: एक तृतीयक उपचार केंद्र में एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

93. एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) के दौरान बेहोशी के लिए प्रोपोफोल के सहायक के रूप में लिग्नोकेन बनाम केटामाइन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

94. सेप्टिक शॉक में द्वितीय श्रेणी के वैसोप्रेसर के रूप में मेथिलीन ब्लू बनाम वैसोप्रेसिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

95. निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी तंबाकू धूम्रपान से परहेज करने वालों में ऑपरेशन के बाद की अवधि में प्रलाप और संवेदनाहरण शिथिलता की घटनाओं को कम करती है: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित ट्रेल।

96. कंधे में हेरफेर प्रक्रिया के लिए पीईएनजी बनाम इंटरस्केलीन: एक आरसीटी

97. केंद्रीय शिरापरक कैथेटर टिप की सही स्थिति की पुष्टि करने के लिए पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड - एक संभावित अवलोकन अध्ययन

9.1_.indd 188 1/8/2026 12:30:46 PM

98. कार्बापेनम रेसिस्टेंट एंटरोबैक्टीरिया (सीआरई) और कार्बापेनम रेसिस्टेंट स्यूडोमोनास एरुगिनोसा (सीआरपीए) के प्राथमिक उपचार के लिए पॉलीमीक्सिन बनाम सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम एज़्ट्रियोनाम के साथ [केयर परीक्षण]।

99. डायाफ्रामिक सतह इलेक्ट्रोमायोग्राफी द्वारा वीनिंग परिणाम की भविष्यवाणी: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

100. बाल चिकित्सा आबादी में मुख-ग्रसनी वायुमार्ग के साथ या उसके बिना मास्क वेंटिलेशन के बाद गैस्ट्रिक वॉल्यूम का परिमाणीकरण

101. एनआरएस और संवहनी गतिशीलता के अल्ट्रासाउंड स्टेलेट गैंग्लियन तंत्रिका ब्लॉक मापदंडों में डेक्सामेथासोन और क्लोनिडाइन की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

102. अल्ट्रासाउंड निर्देशित ग्लोसोफेरींजल न्यूराल्जिया में स्पंदित रेडियोफ्रीक्वेंसी की पारंपरिक रेडियोफ्रीक्वेंसी से तुलना करने वाला यादृच्छिक परीक्षण

103. आईसीयू में नैदानिक निर्णय लेने में प्रवेशित पीओसीयूएस की भूमिका: एक बहु-केंद्रित संभावित अवलोकन अध्ययन (एक पीओसीयूएस आईसीयू अध्ययन)

104. आपातकालीन उदर शल्य चिकित्सा के बाद शल्यक्रिया पश्चात फुफ्फुसीय जटिलताओं की भविष्यवाणी करने में व्यापक फेफड़े के अल्ट्रासाउंड की भूमिका: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

105. पेरिटोनिटिस और उदर सेप्सिस के रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट की भविष्यवाणी में ऊरु शिरा स्पंदन की भूमिका एक संभावित अवलोकन अध्ययन है।

106. सामान्य संवेदनाहरण के तहत प्रमुख सर्जरी प्रक्रियाधीन बुजुर्ग रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव डेलिरियम और संवेदनाहरण शिथिलता की घटना में चयापचय सिंड्रोम (मेट्स) की भूमिका: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

107. गंभीर ज्वलन की चोट में गंभीर गुर्दे की चोट की भविष्यवाणी करने में गुर्दे प्रतिरोधी सूचकांक की भूमिका: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

108. बच्चों में नींद में गड़बड़ी और अचानक प्रलाप: पिट्सबर्ग नींद गुणवत्ता सूचकांक (पीएसक्यूआई) और नींद में परेशानी और नींद में ढिलाई (एसटीबीयूआर) प्रश्नावली के बीच तुलना

109. गंभीर रूप से बीमार जले हुए रोगियों में प्रणालीगत रोगाणुरोधी प्रोफिलैक्सिस - एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

110. कॉर्टिकोस्टेरॉइड थेरेपी के बाद सेप्टिक शॉक के उप-फेनोटाइप की अस्थायी स्थिरता: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

111. प्रोसील लेरिंजियल मास्क वायुमार्ग द्वारा प्रशासित सकारात्मक अंत-श्वसन दबाव का पेरी-ऑपरेटिव एटेलेक्टासिस पर प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

112. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में गैबापेंटिन, डेक्सामेथासोन, पैरासिटामोल और केटोरोलैक (पीएडीईएक्सपीएके) बनाम डेक्सामेथासोन, पैरासिटामोल और केटोरोलैक (डीईएक्सपीएके) संयोजन के ओपिओइड स्पेयरिंग वाले प्रभावों की तुलना करना: एक संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण

9.1_.indd 189 1/8/2026 12:30:46 PM

113. एंडोस्कोपिक थायरॉइड और पैराथायरॉइड सर्जरी में ऑप्टिक तंत्रिका म्यान व्यास पर कार्बन डाइऑक्साइड इनसफ्लेशन के प्रभाव का मूल्यांकन: एक अवलोकन अध्ययन

114. एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की प्रभावकारिता का मूल्यांकन और लिएनो रीनल शंट सर्जरी में शंट के खुलेपन पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन - एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रण अध्ययन

115. आंत के सूक्ष्मजीवों पर प्रोबायोटिक्स के प्रभाव का मूल्यांकन करना और मेटाजीनोमिक्स विश्लेषण का उपयोग करके शल्यक्रिया के बाद तंत्रिका-संवेदनाहरण शिथिलता को नियंत्रित करने में उनकी संभावित भूमिका का मूल्यांकन करना - एक पायलट अध्ययन

116. विभिन्न ऑन्कोलॉजिकल ब्रेस्ट सर्जरी में दर्द से राहत के लिए पेक्टोरल नर्व ब्लॉक (पीईसीएस I और II) में क्लोनिडीन की विभिन्न खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक संभावित, तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

117. एकतरफा प्राथमिक घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी से गुजरने वाले सभी रोगियों में प्रॉक्सिमल एडक्टर कैनाल ब्लॉक और स्थानीय रिसावट एनाल्जेसिया के अलावा पूर्ववर्ती ऊरु त्वचीय तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावशीलता का अध्ययन।

118. वेंटिलेटर पर रखे गए मरीजों में संचयी द्रव संतुलन और डायाफ्रामिक शिथिलता के सहसंबंध का अध्ययन।

119. टॉन्सिलेक्टॉमी प्रक्रिया वाले बच्चों में टॉन्सिलर वॉल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन; ऑपरेशन के बाद की रुग्णता का पूर्वानुमान

120. संचयी द्रव संतुलन और आईसीयू परिणाम के लिए अल्ट्रासोनोग्राफिक उपचर्म एडिमा आकलन - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

121. गंभीर ज्वलन वाले रोगियों में आईजीएम-समृद्ध अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन मिश्रण का उपयोग: एक संभावित यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित पायलट परीक्षण

122. उच्च वोल्टेज विद्युत जलन में तीव्र गुर्दे की चोट की रोकथाम में आइसोटोनिक बाइकार्बोनेट का उपयोग: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

123. समय से पूर्व जन्म के रेटिनोपैथी के लिए शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं वाले शिशुओं में वायुमार्ग प्रबंधन के लिए लेरिंजियल मास्क वायुमार्ग की उपयोगिता: एकल भुजा नैदानिक परीक्षण

124. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रक्रियाधीन बुजुर्ग रोगियों में ओपिओइड और ओपिओइड-स्पेयरिंग संवेदनाहरण और पोस्ट-ऑपरेटिव संवेदनाहरण शिथिलता के बीच क्षेत्रीय मस्तिष्क ऑक्सीजन संतृप्ति की तुलना करने के लिए एनआईआरएस मॉनिटर का उपयोग एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

125. कोविड-19 रोगियों में तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम की वैश्विक परिभाषा का सत्यापन: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

126. सेप्टिक शॉक वाले वयस्क रोगियों में वॉल्यूम प्रतिक्रिया के लिए दबाव ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न ऊरु धमनी सुधारित प्रवाह समय का सत्यापन।

127. सेप्टिक शॉक से पीड़ित यांत्रिक रूप से वेंटिलेटेड वयस्कों में वॉल्यूम प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी के लिए आरोही महाधमनी में वेग-समय समाकलन और स्ट्रोक वॉल्यूम मापा गया

9.1_.indd 190 1/8/2026 12:30:46 PM

128. आपातकालीन लैपरोटॉमी में आयतन नियंत्रित बनाम दबाव नियंत्रण आयतन गारंटी वेंटिलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में कॉडल रोपिवाकेन के सहायक के रूप में कॉडल बनाम इंट्रानेजल डेक्समेडेटोमिडाइन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित डबल ब्लाइंड गैर-हीनता परीक्षण
2. बच्चों में ऑरोट्रेकियल इंट्यूबेशन के लिए एक माध्यम के रूप में एयर क्यू आईएलए: पीठ के बल लेटने और पार्श्व स्थिति के बीच तुलना
3. संपूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी प्रक्रिया वाले रोगियों में ब्यूपिवेकेन के सहायक के रूप में इंट्राथेकल डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन की दर्दनाशक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक समानांतर समूह डबल-ब्लाइंड गैर-हीनता परीक्षण
4. पारंपरिक उपचार की तुलना में लंबोसैक्रल स्पाइन सर्जरी में सैक्रल इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता - कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा निर्मित सार्वजनिक शैक्षिक सामग्रियों का एक व्यापक विश्लेषण। चेटजीपीटी बनाम गूगल जेमिनी में सटीकता, उपयुक्तता, भावना, पठनीयता और व्यावहारिकता का आकलन
6. गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों में आहार असहिष्णुता की भविष्यवाणी करने के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) द्वारा तीव्र जठरांत्रीय चोट (एजीआई) का आकलन।
7. बच्चों में साँस द्वारा एनेस्थेटिक की आवश्यकता और दिन में उपचार प्रक्रियाओं के दौरान जागृति के साथ कुपोषण का संबंध
8. क्या सुप्राग्लॉटिक एयरवे (एसजीए) हटाने से पहले नासॉफिरिन्जियल सक्शन बच्चों में एसजीए हटाने के बाद होने वाली प्रतिकूल वायुमार्ग घटनाओं की घटनाओं को कम कर सकता है? - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
9. क्लासिकल थोरैको-लम्बर इंटरफेसियल प्लेन (टीएलआईपी) ब्लॉक और संशोधित टीएलआईपी ब्लॉक में शारीरिक फैलाव का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक शव अध्ययन
10. ऊपरी अंग की सर्जरी के लिए अल्ट्रासाउंड-निर्देशित कॉस्टोक्लेविकुलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के मध्य और पार्श्व दृष्टिकोणों के बीच तुलना - एक पायलट इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
11. लम्बर डिस्क सर्जरी वाले रोगियों में सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ संशोधित प्लेन थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक (टीएलआईपी) बनाम संशोधित थोरैको लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - तुलनात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. एकतरफा हिप आर्थ्रोप्लास्टी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में तंत्रिका ब्लॉक बनाम क्वाड्रेटस लम्बोरम प्रकार III ब्लॉक के पेरिकैप्सुलर समूह की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक तुलनात्मक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

9.1_.indd 191 1/8/2026 12:30:46 PM

13. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी से गुजर रहे रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक के दो तरीकों की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

14. स्थानीय संवेदनाहरण और डेक्समेडेटोमिडाइन इन्फ्यूजन के तहत प्रत्याशित कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप का उपयोग करके जागृत नासोट्रैकियल इंट्यूबेशन की तुलना

15. बाल रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के लिए कॉडल एपिड्यूरल ब्लॉक की मल्टीपल इंजेक्शन कॉस्टोट्रांसवर्स ब्लॉक के साथ तुलना: एक संभावित यादृच्छिक, अंध नैदानिक परीक्षण

16. इन-विट्रो निषेचन परिणामों पर अण्डाणु पुनर्प्राप्ति के दौरान सेवोफ्लुरेन और आइसोफ्लुरेन की तुलना: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

17. ऊपरी उदर शल्य चिकित्सा वाले बाल रोगियों में तनु स्थानीय संवेदनाहारी घोल और फेंटेनाइल से एपिड्यूरल मॉर्फिन बोलस के साथ सतत खंडीय एपिड्यूरल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

18. नए रेजीडंट के दृश्य-प्रेरक कौशल पर कंसोल-आधारित वीडियो गेम के प्रभाव की तुलना: एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

19. अग्नाशय-पित्त संबंधी सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में शल्यक्रिया के दौरान रक्त की हानि को कम करने में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की दो खुराकों की तुलना

20. सुप्राक्लेविक्युलर तंत्रिका ब्लॉक के इंटरट्रंकल दृष्टिकोण की अल्ट्रासाउंड निर्देशित डबल इंजेक्शन बनाम ट्रिपल इंजेक्शन तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण।

21. जले हुए रोगियों में सांस वायुमार्ग संबंधी क्षति के आकलन के लिए लचीली ब्रोंकोस्कोपी के साथ अल्ट्रासाउंड परीक्षा का सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

22. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में यांत्रिक वेंटिलेशन की अवधि की भविष्यवाणी: एक एआई मॉडल का विकास और सत्यापन।

23. वृद्ध वयस्कों में शल्यक्रिया के बाद उप-सिंड्रोमल प्रलाप पर डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण

24. सामान्य संवेदनाहरण के तहत नियमित शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन के दौरान श्वसन यांत्रिकी पर बिस्तर के अंत उन्नयन के विभिन्न डिग्री का प्रभाव।

25. प्रोपोफोल के कारण होने वाले पोस्ट इंडक्शन हाइपोटेंशन पर विभिन्न रोगी स्थितियों का प्रभाव - एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण

26. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी वाले रोगियों में क्रोनिक पोस्टऑपरेटिव दर्द पर ब्यूपीवाकेन और केटामाइन बनाम अकेले ब्यूपीवाकेन के साथ इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन

27. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी वाले रोगियों में तीव्र पश्चात दर्द और ओपिओइड सेवन पर ब्यूपीवाकेन और केटामाइन बनाम अकेले ब्यूपीवाकेन के साथ इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक का प्रभाव

9.1_.indd 192 1/8/2026 12:30:47 PM

28. प्रमुख खुले उदर शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में शल्यक्रिया के बाद फेफड़ों के एटेलेक्टासिस और फुफ्फुसीय जटिलताओं पर आई:ई अनुपात अनुकूलन और लंबे समय तक अंत श्वास-प्रश्वास का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

29. क्रोनिक लम्बर रेडिकुलर दर्द में एपिड्यूरल स्टेरॉयड इंजेक्शन के सहायक के रूप में वेरापामिल का प्रभाव: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड अध्ययन

30. बाल चिकित्सा जनसंख्या में रेडियल धमनी कैनुलेशन की आसानी पर कलाई के कोण का प्रभाव: अल्ट्रासाउंड-निर्देशित शारीरिक मूल्यांकन

31. निचले खंडीय सिजेरियन सेक्शन (एलएससीएस) प्रसव के दौरान गर्भाशय की कमजोरी की रोकथाम में कैल्शियम ग्लूकोनेट की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

32. स्तन सर्जरी वाले मरीजों में रेट्रोलैमिनर प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता: एक एकल-केंद्र, संभावित, अवलोकनात्मक अध्ययन

33. बच्चों में कठिन वायुमार्ग की भविष्यवाणी करने के लिए सोनोग्राफिक वायुमार्ग मूल्यांकन मापदंडों के प्रदर्शन का मूल्यांकन

34. सामान्य संवेदनाहरण के तहत वैकल्पिक सर्जरी वाले बच्चों में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

35. वयस्क रोगियों में जलने पर ड्रेसिंग के लिए केटोफोल बनाम कीटोडेक्स बनाम कीटोफेन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

36. जले हुए रोगियों में प्रारंभिक हल्के मध्यम एआरडीएस में कम खुराक मेथिलप्रेडनिसोलोन: एक एकल केंद्र खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

37. सेप्टिक शॉक रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी के लिए मायोकार्डियल प्रदर्शन सूचकांक: एक संभावित अवलोकन पायलट अध्ययन।

38. गहन उपचार में ऑक्सीजन के हाइपरऑक्सीमिया और अनुमापन का पता लगाने के लिए ऑक्सीजन रिजर्व सूचकांक: एक संभावित अवलोकन संबंधी समूह अध्ययन।

39. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी वाले बुजुर्ग रोगियों में पेरिऑपरेटिव ओपिओइड्स और पोस्टऑपरेटिव न्यूरोकॉग्निटिव परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

40. स्कोलियोसिस में ऑपरेशन के बाद आईसीयू में रहने के पूर्वानुमान - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

41. कमजोरी और ऑपरेशन के बाद के प्रलाप की पहचान के लिए क्वाड्रिसेप्स की गहराई का ऑपरेशन-पूर्व अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

42. तृतीयक उपचार संस्थान में वयस्क जले हुए रोगी में लंबे समय तक इंट्यूबेशन को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

43. आपातकालीन उदर शल्य चिकित्सा के बाद शल्यक्रिया पश्चात फुफ्फुसीय जटिलताओं की भविष्यवाणी करने में व्यापक फेफड़े के अल्ट्रासाउंड की भूमिका: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

44. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित रोगियों में सुप्राहिओड वायुमार्ग मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांकन - एक पायलट, अवलोकन अध्ययन।

9.1_.indd 193 1/8/2026 12:30:47 PM

45. मोटे रोगियों में फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण और कठिन वायुमार्ग के बीच संबंध

46. निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके मस्तिष्क ऑक्सीजनेशन पर पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन का प्रभाव और निचले खंड सिजेरियन सेक्शन प्रक्रियाधीन पूर्णकालिक प्रसूति में नवजात परिणाम - एक संभावित अवलोकन अध्ययन

47. एकतरफा उदर सर्जरी वाले बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करना: एक तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन।

48. आर्थोस्कोपिक घुटने की सर्जरी में प्रीऑपरेटिव जेनिकुलर नर्व ब्लॉक के बाद पहले बचाव दर्दनाशक की आवश्यकता के लिए समय का आकलन करना।

49. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में सबरेनकॉइड ब्लॉक की अवधि पर आईवी डेक्सामेथासोन की विभिन्न खुराक की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण डबल ब्लाइंड अध्ययन।

50. बच्चों में एकतरफा वंक्षण हर्निया की मरम्मत में शल्यक्रिया के बाद दर्दनाशक की अवधि बढ़ाने में घाव रिसाव के साथ-साथ इलियोइन्गुइनल/इलियोहाइपोगैस्ट्रिक ब्लॉक के लिए 0.25% रोपिवाकेन के साथ 6% हाइड्रॉक्सीएथाइल स्टार्च की प्रभावकारिता का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

अंतर-विभागीय सहयोग

जारी

1. स्कोलियोसिस सर्जरी में संवेदनाहरण प्रबंधन और पेरिऑपरेटिव चिंताओं का पूर्वव्यापी मूल्यांकन: एक तृतीयक उपचार अस्पताल, ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, दिल्ली से एक एकल केंद्र अध्ययन

2. गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में चिकित्सीय समाप्ति के कारण होने वाले दर्द को कम करने में फेंटेनाइल और मल्टीमॉडल पैरेंटेरल एनाल्जेसिया के साथ रोगी नियंत्रित एनाल्जेसिया के बीच तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. क्रिकोफैरिंजियल डिसफंक्शन के कारण ग्रसनी-ग्रासनली डिस्फेजिया के उपचार के लिए ऊपरी ग्रासनली स्फिंक्टर में ओनाबोटुलिनम टॉक्सिन ए (बोटोक्स) इंजेक्शन की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग जठरांत्र विज्ञान विभाग और मानव पोषण विभाग विकिरण चिकित्सा विभाग एम्स, दिल्ली

4. तृतीयक उपचार केंद्र में उपस्थित रोगी में हाथ के जटिल क्षेत्रीय दर्द सिंड्रोम का मूल्यांकन,ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, दिल्ली

5. जलने की चोट के कारण साँस द्वारा वायुमार्ग अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता का मूल्यांकन,प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली

6. रेडिकल सिस्टेक्टोमी के दौरान पेल्विक लिम्फैडेनेक्टोमी की सीमा - मानक और विस्तारित पेल्विक लिम्फैडेनेक्टोमी के बीच एक बहु-संस्थागत ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण।,पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; एम्स, नई दिल्ली; जिपमैर, पांडिचेरी, एम्स, भुवनेश्वर; एम्स, जोधपुर; एम्स,ऋषिकेश

9.1_.indd 194 1/8/2026 12:30:47 PM

7. आपातकालीन विभाग में तीव्र पेट दर्द के साथ आने वाले रोगियों में तीव्र पेट के पूर्वानुमान के रूप में न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, आपातकालीन चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

8. प्रमुख जलने में ईएसकेएपीई जीव सेप्सिस में प्रोटिओमिक-आधारित परिणाम बायोमार्कर अन्वेषण (पीआरओबीईएससीएपीई, प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. सीजेरियन सेक्शन में ऑपरेशन के बाद के दर्द को कम करने में इंट्राऑपरेटिव डेक्सामेथासोन की एकल खुराक की प्रभावकारिता पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. जन्मजात स्वरयंत्र-ट्रेकिओमैलेशिया से पीड़ित बाल रोगियों में ट्रेकियोमैलेशिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए व्यापक अध्ययन, ओटोलैरिंगोलोजी और सिर व गर्दन की सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. कंप्यूटेड टोमोग्राफी इमेजिंग द्वारा वक्ष स्तर पर कॉस्टोट्रांसवर्स फोरामेन ब्लॉक में फैलाव का शारीरिक मूल्यांकन: एक शव अध्ययन,फोरेंसिक चिकित्सा एवं टॉक्सिकोलॉजी एवं रेडियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली

4. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा प्रसव पीड़ा में रोपिवाकेन और लेवोबुपिवाकेन की दर्द निवारक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. हृदय स्वायत्त न्यूरोपैथी के साथ और बिना मधुमेह वाले टाइप 2 मधुमेह रोगियों में वेक्यूरोनियम और आइसोफ्लुरेन की अवधि का निर्धारण,फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. डेक्सामेथासोन और डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ संयुक्त होने पर चिकित्सकीय रूप से प्रयुक्त स्थानीय संवेदनाहारी मिश्रण के क्रिस्टलीकरण का सूक्ष्म विश्लेषण,जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. वास्तविक समय पीसीआर द्वारा लीजियोनेला न्यूमोफिला का आणविक पता लगाना और अनुक्रम-आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. मौखिक वीडियो लैरींगोस्कोप फीडबैक के बिना प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोपी द्वारा किए गए एंडोट्रेकियल इंटुबैशन के समय की तुलना मौखिक वीडियो लैरींगोस्कोप फीडबैक के साथ प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोपी से करने के लिए नए संवेदनाहरणविज्ञानी द्वारा किए गए एंडोट्रेकियल इंटुबैशन के समय की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. एनआरएस और संवहनी गतिशीलता के अल्ट्रासाउंड स्टेलेट गैंग्लियन तंत्रिका ब्लॉक मापदंडों में डेक्सामेथासोन और क्लोनिडाइन की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीरक्रिया विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. क्रोनिक पैल्विक दर्द के रोगियों में बेहतर हाइपोगैस्ट्रिक प्लेक्सस की स्पंदित रेडियोफ्रीक्वेंसी के लिए रोपिवाकेन डेक्सामेथासोन संयोजन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए आरसीटी,प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.1_.indd 195 1/8/2026 12:30:47 PM

11. जन्मजात हृदय रोग वाले और बिना जन्मजात हृदय रोग वाले बाल रोगियों में केटामाइन का उपयोग करके संवेदनाहरण के अंतःशिरा प्रेरण की गति की तुलना, हृद संवेदनाहरण, हृ.तं.कें., एम्स, नई दिल्ली

12. पुराने पीठ दर्द के उपचार के लिए सहायक के रूप में स्पंदित विद्युत-चुंबकीय क्षेत्रों (पीईएमएफ) का उपयोग: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन,ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. तृतीयक उपचार अस्पताल में स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के मोबाइल फोन के पराबैंगनी विकिरण से संदूषण निवारण, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों की शोध परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	15	20	21
कुल निधि (लाख में)	274.8 रुपये	761.7 रुपये	647.76 रुपये

प्रकाशन

कुल प्रकाशन: 149;
पत्रिकाएं: 113 सार: 19 पुस्तकों में अध्याय: 15 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 2

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	190	148	149
पत्रिकाओं में लेख	141	122	113
सार	16	07	19
पुस्तकों में अध्याय	30	18	15
पुस्तकें	3	1	2

रोगी उपचार

a) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं हम ईएनटी, जीआई सर्जरी, सर्जरी ब्लॉक, बीपीएस ब्लॉक, यूरोसर्जरी, डेंटल सर्जरी आदि जैसे विभिन्न सर्जिकल विशेषज्ञताओं के लिए लगभग 45 ऑपरेशन थिएटरों में संवेदनाहरण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। हम सीटी, एमआरआई, डीएसए आदि जैसे विभिन्न परिधीय स्थानों पर भी संवेदनाहरण सेवाएँ प्रदान करते हैं। विभाग ओपीडी आधारित दर्द निवारण के साथ-साथ पीएसी क्लिनिक, दर्द क्लिनिक जैसे विशेष क्लिनिक भी संचालित करता है। विभाग द्वारा एबी8 आईसीयू, बीपीएस आईसीयू और सर्जरी ब्लॉक आईसीयू जैसे विभिन्न आईसीयू के अंतर्गत गहन उपचार सेवाएँ भी प्रदान की जाती हैं।

ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि। लक्षद्वीप में तट रक्षकों का सीपीआर प्रशिक्षण 30 अप्रैल से 2 मई 2024 तक आयोजित किया जाएगा 8-11 मई 2024 तक अनिनी, अरुणाचल प्रदेश में बीएसएफ कर्मियों का सीपीआर प्रशिक्षण 16-21 सितंबर 2024 तक अशोक मिशन द्वारा लद्दाख में चिकित्सा शिविर।

9.1_.indd 196 1/8/2026 12:30:47 PM

विशेषता / सेवा	2022-23	2023-24	2024-25
जीआई सर्जरी	571	925	1063
मूत्ररोग विज्ञान	1360	1936	1905
ईएनटी	1357	2205	2304
दंत शल्य चिकित्सा (सीडीईआर)	704	704	872
अस्थि रोग (बड़े और छोटे मामले)	6746	6623	6544
नेत्र शल्य चिकित्सा (आरपीसी)	8113	9440	8686
नियमित + ईयूए रोगी	–	7728	7022
• आपातकालीन रोगी	–	1236	1245
• एमएसी मामले	–	246	157
पीएसी क्लिनिक	19509	20981	18057
परिधीय सेवाएँ			
• एंडोस्कोपी	–	1592	1549
• एमईसीटी	–	1984	2472
• एमआरआई	–	544	488
• सीटी	–	477	384
• डीएसए	–	234	209
• आरएफए	–	34	43
एबी8 रिकवरी			
• मामले	3741	2208	1956
• कॉल	1660	1865	1726
आईसीयू - एबी8			
• नए भर्ती मरीज	683	682	476
• छुट्टी दिए गए मरीज़	–	512	338
• समाप्त	–	170	146
एसबी आईसीयू			
पिछले वर्ष से आगे ले जाए गए मरीज		58	74

9.1_.indd 197 1/8/2026 12:30:47 PM

विशेषता / सेवा	2022-23	2023-24	2024-25
रोगी का स्थानांतरण	230	598	709
कुल समाप्त मामले		146	186
स्थानांतरित बाह्य रोगी		463	508
बीपीएस आईसीयू 5वीं मंजिल			
पिछले माह से शिफ्ट किए गए रोगी		127	13
कुल नए भर्ती रोगी/रोगियों का स्थानांतरण	905	908	768
कुल डिस्चार्ज/स्थानांतरण किए गए मामले		535	629
कुल मृत रोगियों के मामले		246	152
बीपीएस आईसीयू छठी मंजिल			
पिछले माह से शिफ्ट किए गए रोगी		138	7
कुल नए भर्ती रोगी/रोगियों का स्थानांतरण		1033	754
कुल डिस्चार्ज/स्थानांतरण किए गए मामले		893	759
कुल मृत रोगियों के मामले		16	02
सर्जरी ब्लॉक (कुल मामले)	3546	5642	6628
• रूटीन	–	4526	5206
• आपात चिकित्सा	–	1116	1412
मातृ एवं शिशु ब्लॉक			
स्त्री रोग विज्ञान			2302
आईवीएफ ओ.टी			779
मातृत्व ओ.टी			2507
ए.बी 8 ओ.टी में अन्य मामले			47
बाल शल्य-चिकित्सा (कुल मामले)			2669
बाल शल्य-चिकित्सा (रूटीन केस)			2027
बाल शल्य-चिकित्सा (आपात चिकित्सा मामले)			642
बर्नस एवं प्लास्टिक ब्लॉक ओटी (कुल)	2033	2507	2646
• जी.ए मामले	–	1746	1798
• जी.ए/ब्लॉक	–	129	106

9.1_.indd 198 1/8/2026 12:30:47 PM

विशेषता / सेवा	2022-23	2023-24	2024-25
• क्षेत्रीय	–	315	178
• सिडेशन (दर्दनिवारक दवा)	–	14	08
• आपात चिकित्सा	–	303	556
पेन ओ.टी	377	584	784
पेन क्लिनिक (नया + एफयू)		3878	6174
• नया	–	897	1222
• अनुवर्ती जांच	–	2981	4952
• ओ.पी.डी इंटरवेंशन	–	813	1074

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

विभाग के रेजिडेंटों द्वारा जीते गए पुरस्कार

पेपर/पोस्टर पुरस्कार (राष्ट्रीय)- 29
पेपर/पोस्टर पुरस्कार (अंतर्राष्ट्रीय)- 5
प्रश्नोत्तरी (राष्ट्रीय)- 5

आचार्य गंगा प्रसाद अगस्त 2024 तक जेपीएन ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में संवेदनाहरण और गहन उपचार में नैदानिक सेवाओं के प्रशासनिक प्रभारी थे। वे संवेदनाहरण उपकरणों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली के सदस्य बने। वे एम्स, नई दिल्ली की केंद्रीय कार्यशाला के संकाय समन्वयक थे। वे ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों में "राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों और केंद्र सरकार के संस्थानों में एमपीजीपीएस" पर सत्र के अध्यक्ष थे; 27 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में स्थापित सुविधा में ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ। वह 28 जनवरी 2025 को एम्स नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक के अध्यक्ष थे। वह 28 सितंबर 2024 को हयात सेंट्रिक, जनकपुरी, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी दिल्ली ब्रांच- आईएसएसीओएन दिल्ली के 63वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रतियोगिता के निर्णायक सदस्य थे। वह 26 अक्टूबर 2024 को ओरछा पैलेस एंड कन्वेंशन सेंटर, ओरछा, झांसी उत्तर प्रदेश में संवेदनाहरण और गहन उपचार में नवाचार और प्रौद्योगिकी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इंडियन सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी के वार्षिक केंद्रीय क्षेत्र सम्मेलन में "प्रमुख औद्योगिक भागीदार द्वारा प्रौद्योगिकी प्रस्तुति" शीर्षक सत्र के अध्यक्ष थे। उन्होंने 22 मार्च 2024 को आयोजित बाल चिकित्सा पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट (पी- पीओसीए) में "बाल चिकित्सा पुनर्जीवन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की थी वे एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीय कार्यशाला के लिए डीपीसी समिति के अध्यक्ष थे। वे दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के लिए थीसिस परीक्षक थे; वे मार्च 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ थे। वे 24-25 फरवरी 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 8वीं अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल संवेदनाहरण कैडेवरिक कार्यशाला के आयोजन अध्यक्ष थे। संवेदनाहरण और गहन उपचार में नवाचार और प्रौद्योगिकी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स के वार्षिक केंद्रीय क्षेत्र सम्मेलन में "राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार" शीर्षक सत्र के लिए निर्णायक। 6-27 अक्टूबर 2024 को ओरछा पैलेस और कन्वेंशन सेंटर, ओरछा, झांसी उत्तर प्रदेश में।

9.1_.indd 199 1/8/2026 12:30:47 PM

आचार्य विमी रेवाड़ी 6 अप्रैल 2024 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नई दिल्ली में आयोजित तीसरे आईएसए दिल्ली वाईयूवीएसीओएन के निःशुल्क शोध-पत्र सत्र की अध्यक्ष। 28 अप्रैल 2024 को एम्स सेट सुविधा में आयोजित संगोष्ठी: पेरिऑपरेटिव एवं गहन उपचार में द्रव चिकित्सा में परिसंचालन द्रव चिकित्सा के लिए एक केस-आधारित दृष्टिकोण पर पेनल चर्चा में वे पेनलिस्ट थीं। वह 25 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "गहन उपचार में हालिया प्रगति" {आरएसीसी-2024} सम्मेलन में पेनल चर्चा: एच1एन1 एआरडीएस प्रस्तुतियों के साथ गर्भावस्था में पेनलिस्ट थीं। वह 14 सितंबर 2024 को किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज और होटल हॉलिडे इन, लखनऊ में आयोजित इंडियन कॉलेज ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी (आईसीएसीओएन) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय और 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में निर्णायक सदस्य थीं। वह 22-23 सितंबर 2024 को बीपीकेआईएचएस, धरान, नेपाल में डीएम गहन उपचार पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला के लिए बाहरी विशेषज्ञ थीं। वह 28 सितंबर 2024 को हयात सेंट्रिक जनकपुरी, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी दिल्ली शाखा - आईएसएसीओएन दिल्ली के 63वें वार्षिक सम्मेलन में प्रतिस्पर्धी पेपर प्रस्तुति में निर्णायक सदस्य थीं। 21 नवंबर 2024 को सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर, पटना में आयोजित आईएसएसीओएन 2024 में संवेदनाहरणविज्ञानी। वह 22 फरवरी 2025 को गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित डीएनबी(गहन उपचार मेडिसिन) प्रिपरेटरी कोर्स के लिए गहन उपचार विशेषज्ञ थीं। उन्होंने13 सितंबर 2024 को किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज और होटल हॉलिडे इन, लखनऊ में आयोजित इंडियन कॉलेज ऑफ संवेदनाहरणविज्ञानी (आईसीएसीओएन) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय और 15वें राष्ट्रीय सम्मेलन में संवेदनाहरण में सिमुलेशन पर कार्यशाला। उन्होंने 15 अक्टूबर 2024 को संवेदनाहरण विज्ञान, गहन उपचार और दर्द प्रबंधन विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर, कश्मीर द्वारा आयोजित गहन उपचार अपडेट कॉन्फ्रेंस और कार्यशाला के एक भाग के रूप में "गहन उपचार में पीओसीयूएस" पर कार्यशाला की।

आचार्य वनलाल डार्लोंग 1 अप्रैल से 14 अप्रैल 2024 तक टोक्यो विश्वविद्यालय और कोबे विश्वविद्यालय, कोबे, जापान में तीव्र और पुरानी दर्द प्रक्रियाओं में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आचार्य ज्योत्सना पुंज टोक्यो मेडिकल यूनिवर्सिटी और जापान के कोबे मेडिकल यूनिवर्सिटी में दर्द निवारक प्रक्रियाओं के प्रशिक्षण में शामिल हुईं। वह आईजेपीयूटी (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेरिऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्नोलॉजीज) की एसोसिएट एडिटर थीं। वह रशियन जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स, द एनल्स ऑफ गहन उपचार, जर्नल ऑफ संवेदनाहरण विज्ञान एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ संवेदनाहरण, सऊदी मेडिकल जर्नल, बीएमजे ओपन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स और एसओजे संवेदनाहरण विज्ञान एंड पेन मैनेजमेंट के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं। वह जम्मू विश्वविद्यालय से थीसिस के मूल्यांकन की सदस्य हैं।

आचार्य रविंदर कुमार पांडे 2014 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेरिऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के मुख्य संपादक थे। वह 2014 से इंटरनेशनल इंडेक्स्ड जर्नल ऑफ पेरिऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के मुख्य संपादक थे। वह पब मेड इंडेक्स्ड जर्नल्स, जेसीए, जेओएसीपी, आईजेए, जर्नल ऑफ मेडिकल केयर रिपोर्ट, बीएमजे (ओपन), जर्नल ऑफ नेशनल बोर्ड और आईसीए के एसोसिएट एडिटर के समीक्षक थे।

आचार्य अंजलि छाबड़ा आचार्य ने जुलाई 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए संवेदनाहरण और दर्द चिकित्सा विभाग, सिक किड्स, द हॉस्पिटल फॉर सिक चिल्ड्रन, टोरंटो में अतिथि आचार्य का कार्यभार संभाला।

9.1_.indd 200 1/8/2026 12:30:47 PM

आचार्य पुनीत खन्ना ने के एससीसीएम- एसीसीसी 2024**,** सियोल**,** कोरिया में 25-26 अप्रैल 2024 में अपना पेपर प्रस्तुति के लिए पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने ईयूआरओएमईडी 2024 माराकेच, मोरक्को, 15-18 मई 2024 में सर्वश्रेष्ठ 5 पेपर में से एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्हें एपीआईसीएस 2024, सिंगापुर, 17-19 अगस्त 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुत करने के लिए 1000 एसजीडी का पुरष्कार प्राप्त हुआ। वह आईएसए न्यूज़लेटर 2024 के मुख्य संपादक थे और वर्ष 2024 में (10 अंक प्रकाशित)। उन्होंने 16 जुलाई 2024 को शिलांग स्थित नीग्रिहमस अस्पताल के 150-बेड वाले क्रिटिकल ब्लॉक- का तकनीकी निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया तथा 30 अगस्त 2024 को दिल्ली के बाबू जगजीवनराम मैमोरियल अस्पताल, का भी निरीक्षण किया। उनके पास ईएसआईसीएम सदस्यता 2024-2025, आईएआरएस सदस्यता 2024-2025 थी। वह शैक्षणिक गतिविधि में संलग्न है। वह आईएसए वाईयूवीएसीओएन - 7 अप्रैल 2024 को आयोजन समिति के सदस्य थे। वह एम आर एस, सीबीएमई, आईआईटी दिल्ली 11 दिसंबर 2024, सरंचनात्मक तथा गैर- सरंचनात्मक शमन में चिकित्सों एवं अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता निर्माण के लिए चयन समिति के विशेषज्ञों के सदस्य थे। उन्होने अस्पताल सुरक्षा और आपदा से निपटने की क्षमता (डिजास्टर रेजिलिएरा) को बेहतर बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए और स्थायी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में दवा की अधिक मात्रा से होने वाली मौतों को कम करने हेतु विस्तृत राष्ट्रीय नीति और कार्ययोजना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पीजीआईएमआर चंडीगढ़, जीएमसी, चंडीगढ़ में शोध प्रबंधन के एमडी थे।

आचार्य बिकाश रंजन रे सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय 2024 द्वितीय पुरस्कार - सीईसीसी 2024 ताइपे प्राप्त किया। उन्होंने सिंगापुर में बीट ओरल पेपर इंटरनेशनल 2024 प्रथम रनर अप सर्वश्रेष्ठ पेपर - एपीआईसीएस 2024 पुरष्कार भी प्राप्त किया। उन्होंने एजुकेशन ग्रांट इंटरनेशनल 2024 एपीआईसीएस 2024 सिंगापुर से पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने तीसरे केएससीसीएम - टीएससीसीएम के लिए ट्रैवल अवार्ड इंटरनेशनल 2024 “कोरियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार मेडिसिन” प्राप्त किया। वह सियोल, दक्षिण कोरिया के संयुक्त कांग्रेस के सदस्य थे। उन्होंने फिनलैंड के ओउलू में एसएसएआई-2024 सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता राष्ट्रीय 2024 पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य देबेश भोई थाकुचिंग, सारावाक, मलेशिया में एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स ट्रैवल ग्रांट के प्राप्तकर्ता (एएसपीए ट्रैवल ग्रांट 2024) रहे।

डॉ. शैलेंद्र कुमार को 30 अप्रैल से 2 मई 202 तक लक्षद्वीप में चिकित्सा शिविर और तटरक्षकों को सीपीआर प्रशिक्षण देने के लिए निदेशक द्वारा नामित किया गया था। 8 मई से 11 मई तक अनिनी, अरुणाचल प्रदेश में बीएसएफ कर्मियों को सीपीआर प्रशिक्षण देने के लिए निदेशक द्वारा उन्हें नामित किया गया था। सीआरटीसी केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में तटरक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए उन्हें भारतीय तटरक्षक मुख्यालय के प्रधान निदेशक द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने 16 सितंबर से 21 सितंबर तक अशोक मिशन द्वारा लद्दाख में आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया। 22 सितंबर को संशोधित ईसीटी थेरेपी सेवा शुरू करने के लिए उन्हें एसएनएम अस्पताल, लेह के एमएस द्वारा एम्स निदेशक को भेजा गया प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। उन्हें इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रियाओं के दौरान ओसाइट रिट्रीवल के लिए प्रक्रियात्मक बेहोश करने की क्रिया और एनाल्जेसिया के रूप में केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना शीर्षक वाले थीसिस पेपर की मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार मिला: आईएसएकॉन दिल्ली 2024 में एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। उन्होंने 30 दिसंबर 2024 को तटरक्षकों को सीपीआर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्हें

9.1_.indd 201 1/8/2026 12:30:47 PM

30 जनवरी-3 फरवरी 2025 को जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बधाल गांव में विषाक्तता मामले की जांच के लिए निदेशक द्वारा नामित किया गया था।

डॉ. अखिल कांत सिंह चिकित्सा ऑक्सीजन प्रबंधन और तृतीयक उपचार अस्पतालों में इसके उपयोग पर चिकित्सा और नर्सिंग अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. निशांत पटेल एशिया पैसिफिक इंटेंसिव केयर सिम्पोजियम (एपीआईसीएस 2024) सिंगापुर में (1000 सिंगापुर डॉलर) का शैक्षिक प्रतिपूर्ति पुरस्कार अनुदान प्राप्त हुआ। वे राष्ट्रीय समाचार पत्रों (अंग्रेजी और हिंदी) में प्रकाशित एक मामले की संवेदनाहरण टीम के प्रभारी संकाय सदस्य थे - एम्स में 4 महीने के बच्चे की दुर्लभ न्यूनतम इनवेसिव फेफड़ों की सर्जरी हुई। टीएनएन।16 मार्च 2025, शाम 7.38 बजे IST। वे इसके मुख्य समन्वयक थे। ब्रोंकोस्कोपी, टीसीडी, प्यूपिलोमेट्री कार्यशाला में गहन उपचार में हालिया प्रगति" (आरएसीसी-2024)। वे आरसीएपीसीओएन जोधपुर में 19 अप्रैल 2024 को प्रो-कॉन डिबेट: एक्सट्यूबेशन के दौरान 100% ऑक्सीजन का प्रशासन मानक, के अध्यक्ष थे।

डॉ. सुलग्ना भट्टाचार्य हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग के क्षेत्र में फ्रांस की लघु शोध यात्रा (चिकित्सा) के लिए उन्हें फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, फ्रांस सरकार की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।रॉबर्ट अस्पताल के गहन चिकित्सा और बहुमुखी पुनर्जीवन विभाग का दौरा किया डेब्रे, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, रीम्स, फ़्रांस। वह क्रिटिकेयर कोच्चि की अध्यक्ष थीं 8 मार्च 2025 को विषयगत सत्र के लिए। वह 22 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में "गहन उपचार संगोष्ठी" पल्मोक्रिट 2025 की अध्यक्ष थीं । वह इंडियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार मेडिसिन द्वारा प्रकाशित द्विमासिक पत्रिका "गहन उपचार कम्युनिकेशंस 2024-2025" के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं। उन्होंने ईसीएमओ सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित 21वें ईसीएमओ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. मृत्युंजय कुमार बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) - संकाय और प्रशिक्षक थे। उन्हें जर्नल ऑफ संवेदनाहरण विज्ञान क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें भारतीय एनेस्थेटिस्ट फोरम के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें व्यापक आपातकालीन प्रसूति और नवजात उपचार (सीईएमओएनसी) के लिए लाइफसेविंग संवेदनाहरण कौशल (एलएसएएस) के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार। वह चिकित्सा अधिकारियों (ईएमक्रिट), राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के लिए महत्वपूर्ण उपचार पाठ्यक्रम के सदस्य थे। वह जिला अस्पताल में आपातकालीन उपचार सेवाओं पर परिचालन और तकनीकी दिशानिर्देशों के सदस्य थे। वह पंजाब विश्वविद्यालय और एम्स जोधपुर थीसिस परीक्षक एमडी संवेदनाहरण थे। उन्होंने रिसर्च सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरण विज्ञान एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी के 32वें वार्षिक और तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने क्विज़ मास्टर के रूप में पीजी क्विज़ का संचालन किया। उन्होंने 19 से 21 अप्रैल 2024 के दौरान जोधपुर में आयोजित 'साहित्य खोज और महत्व के परीक्षण' कार्यशाला में संकाय के रूप में भाग लिया। उन्होंने कार्डियक संवेदनाहरण के लिए 'उषा मेहता पुरस्कार' के पोस्टरों का मूल्यांकन किया। उन्हें 22 से 25 अगस्त 2024 तक हैदराबाद में आयोजित एकेडमी ऑफ रीजनल संवेदनाहरण ऑफ इंडिया के 14वें वार्षिक सम्मेलन में 'संयुक्त समिति'

9.1_.indd 202 1/8/2026 12:30:48 PM

में मॉडरेटर के रूप में नियुक्त किया गया था। वे 24-26 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली में गहन उपचार (आरएसीसी) में हालिया प्रगति पर संकाय; क्विज़ मास्टर के रूप में शामिल हुए। मुख्य प्रश्नोत्तरी, और जयपुर संवेदनाहरणविज्ञानी के लिए निर्णायक सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्होंने 20 से 22 सितंबर 2024 को एम्स, मंगलगिरी में आयोजित 15वें राष्ट्रीय वायुमार्ग सम्मेलन 2024 में अकादमिक फाउंडेशन (जेएएएफ) पुरस्कार प्राप्त किया और बाल चिकित्सा वायुमार्ग पर एक सत्र की अध्यक्षता की। वह 28 जनवरी 2025 को आईएसए दिल्ली मासिक क्लिनिकल मीट के क्विज मास्टर थे। वह क्रिटिकेयर 2025, इंडियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार का 31वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन था। उन्होंने 7 से 9 मार्च 2025 तक कोच्चि में आयोजित एक पेपर और न्यूरोगहन उपचार मेडिसिन को कैसे पढ़ा जाए और 22 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित पीडियाट्रिक पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट (पी-पीओसीए) पर सत्रों की अध्यक्षता की। 28 और 29 मार्च 2025 को एम्स, भटिंडा में आयोजित। उन्होंने 'तीव्र दर्द सेवाओं के लिए रसद की व्यवस्था' विषय पर एक पेनल चर्चा में भाग लिया और उसका संचालन किया। वे आईएआरएस, एयूए और एसओसीसीए वार्षिक बैठकों के सार, जर्नल ऑफ क्लिनिकल संवेदनाहरण सहित कई पत्रिकाओं के सहकर्मी समीक्षक रहे हैं।जर्नल ऑफ इंटेंसिव केयर मेडिसिन, जर्नल ऑफ अल्ट्रासाउंड इन मेडिसिन। टर्किश जर्नल ऑफ संवेदनाहरण विज्ञान रीएनिमेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिटिकल इलनेस एंड इंजरी साइंसेज, क्लिनिकल टॉक्सिकोलॉजी।

डॉ. परिन लालवानी ई पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक सदस्य। युवाकॉन एमएएमसी दिल्ली 6 अप्रैल 2024। 7 जुलाई 2024 को एसजीआरएच दिल्ली में आईडीआरए में कार्यशाला संकाय। 18 जुलाई 2024 को सलेम तमिलनाडु में एसजेड आईएसएकॉन में ई-फास्ट में कार्यशाला संकाय। नवजात वायुमार्ग (एसजीडी के माध्यम से फाइबरऑप्टिक इंटुबैषन) में कार्यशाला संकाय नासकोन 2024 21 जुलाई आरएमएल दिल्ली। अध्यक्ष: संवेदनाहरण और मूत्र प्रणाली नासकोन आरएमएल अस्पताल दिल्ली में 27 जुलाई 2024। आरएसीसी 2024 में कार्यशाला संकाय (नर्सिंग प्रतिनिधियों के लिए एसीएलएस) 24-26 अगस्त 2024 एम्स, नई दिल्ली। कार्यशाला संकाय पीओसीयूएस 27 सितंबर और 63वें वार्षिक सम्मेलन आईएसएसीओएन 28 सितंबर 2024 में पोस्टर प्रस्तुति में निर्णायक सदस्य। कार्यशाला संकाय 13-14 अप्रैल 2024 पीयूआरई 2024 हैदराबाद में निर्णायक सदस्य।

डॉ अंजू गुप्ता ने आरएसएसीपीकॉन में बाल चिकित्सा संवेदनाहरण में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए पद्मकांत पुरस्कार प्राप्त किया - मार्च 2025। दिल्ली आईएसए में क्षेत्रीय संवेदनाहरण श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर (सह-लेखक) सितंबर 2024 ई-पोस्टर (केस सीरीज-संकाय) में दूसरा पुरस्कार आरएसएसीपीकॉन- मार्च 2025। आरएसएसीपीकॉन एक मिनट चुनौती- तीसरा पुरस्कार।

डॉ. केलिका प्रकाश 23/8/24: एम्स नई दिल्ली में गहन उपचार में हालिया प्रगति पर "संक्रामक रोग नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करें" विषय पर नर्स संगोष्ठी के लिए प्रमुख समन्वयक।

डॉ. श्रेया भारत शाह 22 मार्च 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित पीडियाट्रिक पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट (पी-पीओसीए) कार्यशाला की आयोजन सचिव थी। वह एएचए द्वारा मान्यता प्राप्त एसीएलएस पाठ्यक्रम की प्रशिक्षक थीं। उन्होंने जुलाई 2024 में नई दिल्ली में आयोजित नियोनेटल संवेदनाहरण सोसाइटी सम्मेलन (एनएसीओएन 2024) में नवजात शिशुओं के लिए नए अनुप्रयोगों पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सना यास्मीन हुसैन 27-28 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में आयोजित एआईएम-पी इंटरवेंशनल आरएफ पेन कॉन्फ्रेंस के वैज्ञानिक सत्र में अध्यक्ष रहे। उन्हें एम्स द्वारा अनिनी, दिबांग घाटी, आंध्र प्रदेश

9.1_.indd 203 1/8/2026 12:30:48 PM

में तैनात आईटीबीपी, सीआरपीएफ जवानों और चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्राथमिक उपचार और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के लिए नामित किया गया था।

डॉ. नितिन चौधरी इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स की दिल्ली शाखा के 63वें वार्षिक सम्मेलन में राजीव गुप्ता यंग संवेदनाहरणविज्ञानी पुरस्कार से सम्मानित थे। रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, आरएसएसीपीसीओएन 2024 के 33वें वार्षिक राष्ट्रीय और चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें सुमन पुरस्कार और प्रोमिलाजीत विर्क पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे आईएसए दिल्ली न्यूज़लेटर में सहायक संपादक भी रहे।

डॉ सुरभि गुप्ता अध्यक्ष: सेगमेंटल स्पाइनल के लिए थोरैकोलम्बर फ्रैक्चर स्पाइन, 23 मार्च 25 को एम्स, ऋषिकेश में लाइव वर्कशॉप। वह बर्न्स रोगियों में द्रव पुनर्जीवन: एनएबीकॉन 2025 (नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स का वार्षिक सम्मेलन - भारत) (13 फरवरी 25) सत्र के लिए मॉडरेटर थे।

डॉ. अमित कुमार युवाकॉन 2024 में पेपर प्रस्तुति में न्यायाधीश 07 अप्रैल 2024 नई दिल्ली, भारत
पेपर प्रेजेंटेशन में निर्णायक सदस्य आईएसएसीओएन 2024 28 सितंबर 2024 नई दिल्ली, भारत।
डॉ. स्वाति मेहता मार्च 2025 में, एम्स, दिल्ली के एसईटी केंद्र में संवेदनाहरण जूनियर और सीनियर रेजिडेंट के लिए आयोजन सह-सचिव के रूप में, उन्होंने बाल चिकित्सा पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट (पी-पीओसीए) पर अपनी तरह की पहली कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने अगस्त 2024 में, एम्स, नई दिल्ली के एसईटी केंद्र में "गहन उपचार में हालिया प्रगति 2024" सम्मेलन के भाग के रूप में नर्सिंग पेशेवरों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। वे सितंबर 2024 में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ इंडियन ऑप्थेल्मिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन के भाग के रूप में एयरवे कार्यशाला की पाठ्यक्रम समन्वयक थीं। उन्होंने जनवरी 2025 में एम्स में आयोजित आईएसए मासिक बैठक के संचालन में सहायता की।

डॉ. ध्रुव जैन 27-28 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में आयोजित एआईएम-पी इंटरवेंशनल आरएफ पेन कॉन्फ्रेंस के वैज्ञानिक सत्र में अध्यक्ष थे। उन्हें प्राग, चेक गणराज्य में आयोजित 41वें ईएसआरए वार्षिक सम्मेलन में 'क्रोनिक पेन पर दूसरे सर्वश्रेष्ठ पेपर' के लिए पुरस्कार मिला। उन्होंने 8-11 मई 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी के अनिनी में सीआरपीएफ जवानों और चिकित्सा अधिकारियों के लिए 'प्राथमिक चिकित्सा और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन कोर्स' पर एक व्याख्यान दिया और पाठ्यक्रम संचालित किया।

डॉ. स्नेहा सिंह दी आईयूवीएआईएसएसीओएन 2024 में ई-पेपर प्रस्तुति के एवं युवा इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स उत्तराखंड राज्य अध्याय का तीसरा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 3 अगस्त 2024 की अध्यक्ष थी। वह राष्ट्रीय आघात और जलने की चोटों की रोकथाम और प्रबंधन (एनपीपीएमटी और बीआई) के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल थीं - डॉक्टरों, नर्सों और ड्रेसरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण में बर्न्स गहन उपचार पर व्याख्यान दे रही थीं।

डॉ. नेहा पंगासा एनबीई (राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड) में संवेदनाहरण विषय विशेषज्ञ। मैं हर छह महीने में उनके लिए प्रश्न/ओएससीई तैयार करता हूँ।

डॉ. नेहा गर्ग ने एसीएलएस और बीएलएस कोर्स पूरा किया। उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर एजिंग के लिए एनएबीएच कार्यक्रम का कार्यान्वयन पूरा किया। उन्होंने सितंबर 2024 में एआईओए पीजीआईएमईआर,

9.1_.indd 204 1/8/2026 12:30:48 PM

चंडीगढ़ में नेत्र संबंधी आपात स्थितियों पर सिमुलेशन परिदृश्य का संचालन किया और 2024 में जोधपुर एम्स में आरएएसपीसीओएन की अध्यक्ष रहीं। वह आईएसएकॉन 2024 की अध्यक्ष भी रहीं।

डॉ अंशुल सिंह अमेरिकी पेटेंट दाखिल - यूएसएसएन 19/117, 010 - शीर्षक ए द्रव संग्रह उपकरण - नवीन मूत्र संग्रह उपकरण: एरोबैग के लिए पेटेंट दायर: संशोधित मूत्र संग्रह उपकरण, 30 मार्च 2025 को।

9.1_.indd 205 1/8/2026 12:30:48 PM

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. शरीफ

आचार्य

एसबी रे
रीमा दादा
अरुंधति शर्मा (आनुवांशिक)
रेनु ढ़ींगरा
टीसी नाग
रितु सहगल

(इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी)
सरोज कालेर

अपर आचार्य

टोनी जार्ज जेकब
नीरजा रानी
सीमा सिंह
एससी यादव
(इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी)

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह
(इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी)
आरती गणपति

सहायक आचार्य (संविदा)

जावेद ए क़ादरी
8 फ़रवरी 2025
दिबाकर बोरथाखुर
11 फ़रवरी 2025

जेसी - 01 मार्च 2025

सहायक आचार्य (संविदा की समाप्ति)
पारूल कौशल-17 जनवरी 2025

वैज्ञानिक

प्रभाकर तिवारी
मनोज कुमार

विशिष्टताएं

शिक्षा

विभाग ने 15 मई से 14 जून 2024 तक इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी पर एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें भारत के विभिन्न भागों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9.2_.indd 206 1/8/2026 1:15:47 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

एम्स, नई दिल्ली के शरीर रचना विभाग द्वारा आयोजित/सुविधायुक्त कार्यक्रम

1. 22-26 अप्रैल 2024 को शरीर रचना विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा द्वारा जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर राष्ट्रीय कार्यशाला
2. जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर द्वारा स्पाइन सर्जरी कैडेवरिक कार्यशाला, 28 अगस्त, 2024
3. अस्थिरोग विभाग द्वारा कैडेवरिक एंडोस्कोपिक शल्य चिकित्सा पर कार्यशाला, 24 सितंबर, 2024
4. 13 अक्टूबर, 2024 को कान, नाक एवं गला विभाग द्वारा राइनोप्लास्टी कार्यशाला
5. 19 अक्टूबर, 2024 को कान, नाक एवं गला विभाग द्वारा पार्श्व कपाल आधारित विच्छेदन पाठ्यक्रम
6. 18 - 30 नवंबर, 2024 को शरीर रचना विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा द्वारा वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
7. 12-14 नवंबर, 2024 तक एनाटॉमी विभाग द्वारा इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर फ्लोराइड रिसर्च (आईएसएफआर) का सम्मेलन
8. 24 नवंबर, 2024 को अस्थिरोग विभाग द्वारा संपूर्ण घुटना प्रतिस्थापन रोबोटिक कार्यशाला
9. 4-5 दिसंबर, 2024 को न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा ब्रेकियल प्लेक्सस और पेरिफेरल नर्व प्रक्रियाओं पर कैडेवरिक कार्यशाला, न्यूरोसर्जरी द्वारा, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर
10. 12-13 दिसंबर, 2024 को जराचिकित्सा चिकित्सा द्वारा कैडेवरिक कार्यशाला के साथ फिजियोथेरेपी का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
11. शरीर रचना विज्ञान विभाग ने ह्यूगो रोबोटिक कैडेवरिक कार्यशालाओं के लिए सेट सुविधा को ताजा जमे हुए शव प्रदान किए

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान।

प्रदत्त व्याख्यान: 64

एसबी रे: 2	**रीमा दादा: 27**	**अरुंधति शर्मा: 2**
टीसी नाग: 4	**रितु सहगल: 2**	**टोनी जॉर्ज जैकब: 17**
नीरजा रानी: 1	**एससी यादव: 8**	**आरती गणपति: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
72	55	64

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 44

[1]सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
[2]पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा स्थान

9.2_.indd 207 1/8/2026 1:15:47 PM

पिछले 3 वर्षों के मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची

2022-2023	2023-2024	2024-2025
50	50	44

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों के एक्सोसोम में नए बायोमार्कर के लिए एक मल्टी-ओमिक्स अध्ययन, नीरजा रानी, डीएसटी, तीन वर्ष, 2025-, 2028, 59.37 लाख रुपये
2. एचपीवी प्रेरित गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का त्वरित और लागत प्रभावी नैनो-प्रौद्योगिकी-आधारित दृश्य पता लगाना: इम्यूनोफ्लोरेसेंस जांच का एक विकल्प, डॉ. सुभाष चंद्र यादव, एएनआरएफ (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2024-,2027, 55.0 लाख रुपये
3. वृद्धावस्था में आंखों में कोरॉइडल केशिका मृत्यु के तंत्र को समझने हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन, जिसमें मैक्रोफेज और अन्य प्रतिरक्षा-सक्षम कोशिकाओं की भागीदारी पर जोर दिया गया है, टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-, 2024, 37.0 लाख रुपये
4. सिस्प्लैटिन-एनकैप्सुलेटेड एचपीवी विरिऑन-आधारित लक्षित वितरण वाहन सत्यापन उच्च-रिज़ॉल्यूशन क्रायो-इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी का उपयोग करके गर्भाशय ग्रीवा के नमूने, सुभाष सी यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 97.54 लाख रुपये।
5. जैविक नमूनों (कोशिकाओं और ऊतक) हेतु क्रायो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप इमेजिंग सुविधा, सुभाष सी यादव, डीबीटी, 5 वर्ष, 2021-,2026, 2400.0 लाख रुपये।
6. अवसाद के रोगियों में आत्म-क्षति का पूर्वानुमान लगाने हेतु एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित मॉडल का विकास, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50.00 लाख रुपये
7. मोनोक्रोटलाइन-प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप वाले चूहों में लेंटिवायरस-मध्यस्थ आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण का प्रभाव: अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा सत्यापन, प्रभाकर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10.0 लाख रुपये
8. लेबर वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एलएचओएन) रोगियों में दृश्य कार्य, सेलुलर उम्र बढ़ने के बायोमार्कर और माइटोकॉन्ड्रियल प्रतिलिपि संख्या पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-,2024, 30.0 लाख रुपये
9. चूहे में कोलीनर्जिक प्रणाली और संतानों के संज्ञानात्मक कार्य पर मातृ क्रोनिक आंतरायिक हाइपोक्सिया का प्रभाव, प्रभाकर सिंह, डीएसटी, 3 वर्ष, 2023, 2026, 80.0 लाख रुपये
10. मधुमेह में योग चिकित्सा के साथ आणविक हस्ताक्षरों की भूमिका को स्पष्ट करना, रीमा दादा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 72.0 लाख रुपये
11. अल्जाइमर रोग में एमआईआरएनए मॉड्यूलेशन और संज्ञानात्मक हानि में कमी पर योग इंटरवेशन के प्रभाव का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन (एईसीआईपीएन-एम्स-2024-275), प्रभाकर, एम्स, 2 वर्ष, 2023,-2025, 10 लाख रुपये

9.2_.indd 208 1/8/2026 1:15:47 PM

12. ग्रासनली कैंसर में मेलाटोनिन रिसेप्टर्स एमटीआई और एमटी 2 के अभिव्यक्ति पैटर्न, आरती जी, आईआरजी, 1 वर्ष, 2023-2025, Rs 5.0 लाख रूपये

13. इंटरवेशन एवं परामर्श के माध्यम से बिहार के समुदाय में फ्लोरोसिस शमन, ए शरीफ, डीएसटी, 4 वर्ष, 2020-2024, 152.76 लाख रुपये

14. "पीओएजी में माइटोकॉन्ड्रियल स्वास्थ्य, टेलोमेर लंबाई और विभेदित रूप से व्यक्त एमआईआरएनए पर योग और ध्यान का प्रभाव", मनोज, एम्स, 2 वर्ष, 2025-20, 27, 10.0 रुपये

15. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) पर योग-आधारित जीवनशैली इंटरवेशन का प्रभाव, रीमा दादा, आयुष, 3 वर्ष, 2023-2026, 61.0 लाख रुपये

16. जलीय द्रव्य से कोशिका मुक्त डीएनए का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में आणविक प्रोफाइलिंग, अरुंधति शर्मा, आईआरजी, 2 वर्ष, 2023-2025, 10.00 लाख रुपये

17. स्वास्थ्य सेवा डेटा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित विधियों के लिए राष्ट्रीय नेटवर्किंग कार्यक्रम, अरुंधति शर्मा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2023-, 2028, 186.19 लाख रुपये

18. प्लेसेंटेशन के दौरान ट्रोफोब्लास्ट सेल आक्रमण में ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन के एसएमएआरसीई 1 मध्यस्थता तंत्र और प्रीक्लेम्पसिया में उनकी स्थिति, रेणु ढींगरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023- 2026, 40.0 लाख रुपये

19. अल्जाइमर रोग में रक्त-आधारित बायोमार्कर, एपिजेनेटिक संशोधन और प्रतिरक्षा प्रणाली विकार पर योग द्वारा इंटरवेशन का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन, प्रभाकर तिवारी, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2024-2026, 10.0 लाख रुपये

20. सहज या सहायक गर्भाधान के बाद अज्ञात आवर्ती गर्भावस्था में अंकित जीन और विकासात्मक महत्व के प्रमुख जीन के डीएनए मिथाइलेशन परिवर्तनों पर योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-, 2025, 85.0 लाख रुपये

21. एमिलॉयड बीटा प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेशन पर कोलीनर्जिक ट्रांसमिशन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, प्रभाकर सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-, 2026, रु. 30.0 लाख रूपये

22. एपिजीनोम के माध्यम से जैविक आयु चिह्न का अनावरण (बेस): टेम्पोरल लोब मिर्गी में नवीन सटीक चिकित्सा पद्धतियों की पहचान और विकास। आईसीएमआर से 3 वर्षों के लिए सह-पीआई के रूप में लघु बाह्य प्रस्ताव हेतु अनुदान प्राप्त (आईआईआरपीएसजी-2024-01-00204)। प्रभाकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 82.41 लाख रुपये

23. थायरॉइड के घातक घावों में अंतर करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता, अरुंधति शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2024, 74.16 लाख रुपये

पूर्ण

1. अज्ञात बांझपन और प्रारंभिक अवस्था में गर्भावस्था की हानि में शुक्राणु प्रतिलेखों और एमआईआरएनए अभिव्यक्ति पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, सत्यम, 3 वर्ष, 2020-2023, 55.0 लाख रुपये

2. लेबर वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एलएचओएन) रोगियों में दृश्य कार्य, सेलुलर उम्र बढ़ने के बायोमार्कर और माइटोकॉन्ड्रियल प्रतिलिपि संख्या पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 30 लाख रुपये

9.2_.indd 209 1/8/2026 1:15:47 PM

3. जैव चिकित्सा लाइव सेल इमेजिंग और नैनो-पार्टिकुलेट ड्रग डिलीवरी हेतु लेजर कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप सुविधा की स्थापना। डॉ. सुभाष चंद्र यादव, डीएसटी, 5 वर्ष, 2018-2024, 1.65 करोड़ रुपये

4. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के उपचार हेतु ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी16) आधारित नैनोकैरियर्स का उपयोग करके सिस्प्लैटिन का बाहरी वितरण। डॉ. सुभाष चंद्र यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30.0 लाखों रुपये

5. चूहों में दीर्घकालिक अग्नाशयशोथ के एक प्रायोगिक मॉडल में परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में परिवर्तन की जांच, टोनी जॉर्ज जैकब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2024, 31.0 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त आर्टिकुलर डिस्क का एक रूपात्मक अध्ययन।

2. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में हाइड्रोजन सल्फाइड मध्यस्थता वाले ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन और प्रीक्लेम्पसिया के साथ उनके संबंध पर एक अध्ययन।

3. मानव इन्फीरियर कोलिकुलस के ग्लूटामेटेरिक न्यूरॉन्स में आयु-संबंधी रूपात्मक और न्यूरोकेमिकल परिवर्तन।

4. वृद्धावस्था के दौरान आँखों में कोरॉइडल केशिकाओं की नाश की क्रियाविधि को समझने हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन, जिसमें मैक्रोफेज और अन्य प्रतिरक्षा-सक्षम कोशिकाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया गया है। अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों में फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का विश्लेषण।

5. आयरन संचय के कारण चूहे के रेटिना में बिखरे हुए प्रोटीन प्रतिक्रिया के सेंसर की अभिव्यक्ति की स्थिति की जांच।

6. वयस्क मानव इन्फीरियर कोलिकुलस में बीडीएनएफ, एनटी 3 और उनके रिसेप्टर्स टीआरकेबी और टीआरकेसी की अभिव्यक्ति का आकलन।

7. चूहे के रेटिना पर एनएमडीए रिसेप्टर्स पर निरंतर प्रकाश के संपर्क का प्रभाव।

8. उम्र बढ़ने और कार्यक्षमता में गिरावट पर योग का प्रभाव।

9. प्री-एक्लेम्पसिया के रोगियों के रक्त और प्लेसेंटा में एसएमएआरसीई1 (बीएएफ 57) की अभिव्यक्ति।

10. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों के रक्त में नए प्रोटीन की अभिव्यक्त प्रोफ़ाइल।

11. एंटीरियर पिट्यूटरी एडेनोमा के रोगियों में आनुवंशिक और एपिजेनेटिक प्रोफ़ाइलिंग।

12. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में आनुवंशिक और एपिजेनेटिक प्रोफ़ाइलिंग।

13. मेन2 सिंड्रोम वाले रोगियों की आनुवंशिक जांच।

14. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के मामलों में नए प्रोटीन, एपोप्टोटिक प्रोटीन और एक्सोसोम के अवरोधकों की पहचान और मूल्यांकन, सीकेडी की प्रगति पर योग इंटरवेशन का प्रभाव।

9.2_.indd 210 1/8/2026 1:15:47 PM

15. अल्जाइमर पर योग का प्रभाव।

16. मोटापे पर योग का प्रभाव।

17. ध्यान आधारित तनाव निवारण: क्या यह प्राथमिक खुला एंगल मोतियाबिंद (पीओएजी) के लिए उपचारात्मक है?

18. रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों के जलीय द्रव्य में कोशिका डीएनए का उपयोग करके आणविक प्रोफाइलिंग।

19. फाइब्रोमायल्जिया में आणविक अध्ययन।

20. विभिन्न आयु समूहों में इंजेक्शन स्थलों पर मानव घुटने के जोड़ के सिनोवियम का आकृति विज्ञान।

21. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन रोग-योग का प्रभाव, एचटीआर8/एसबीएनईओ ट्रोफोब्लास्ट कोशिका रेखा के प्रवासन और आक्रमण क्षमता में एसएमएआरसीई1/बीएएफ57 की भूमिका।

22. न्यूरोपैथिक दर्द के म्यूरिन मॉडल में रीढ़ की हड्डी के माइक्रोग्लियल पी2वाई12 रिसेप्टर की भूमिका

23. चूहे के ऑप्टिक तंत्रिका के एक्सोनल साइटोस्केलेटन में आयु-संबंधी परिवर्तनों का अध्ययन।

24. शराब पर निर्भरता के साथ मोनोमाइन पाथवे जीन की बहुरूपता, मिथाइलेशन और अभिव्यक्ति स्थिति के संबंध पर अध्ययन।

25. किशोर चूहों के प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के ग्रे मैटर में माइलिनेशन पर अत्यधिक शराब के सेवन का प्रभाव।

26. योग इंटरवेशन के बाद बांझ पुरुषों में जीन अभिव्यक्ति, एपिजेनेटिकल परिवर्तन, ऑक्सीडेटिव डीएनए क्षति का अध्ययन करना और कैंसर कोशिका रेखाओं पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करना।

27. चूहों में एल-आर्जिनिन द्वारा प्रेरित प्रायोगिक गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता पर लहसुन के रोगनिरोधी प्रशासन के प्रभाव का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. घुटने के जोड़ के आस पास पूर्ववर्ती क्रूसिएट लिगामेंट और टेंडन का हिस्टो-मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन।

2. वृद्धावस्था के दौरान आँखों में कोरॉइडल कोशिकाओं की क्षति की क्रियाविधि को समझने हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन, जिसमें मैक्रोफेज और अन्य प्रतिरक्षा-सक्षम कोशिकाओं की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया है।

3. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिका आक्रमण में सीएसई एवं एचटीआरए1 का एक इन विट्रो अध्ययन।

4. लहसुन (एलियम सैटिवम एल) के अर्क का क्रोनिक पैंक्रियाटाइटिस के चूहों के मॉडल पर प्रभाव।

5. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिकाओं पर प्रोटीन आर्जिनिन मिथाइल ट्रांसफ़ेरेज़-1 (पीआरएमटी-1) सिग्नलिंग पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीक्लेम्पसिया के साथ इसका संबंध।

6. प्रीक्लेम्पसिया में सिस्टैथियोनीन गामा लाइस (सीएसई) और उच्च तापमान आवश्यकता (एचटीआरए1) की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और उनका संबंध।

9.2_.indd 211 1/8/2026 1:15:47 PM

7. कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित रोगियों में उत्परिवर्तन की पहचान के लिए आनुवंशिक अध्ययन
8. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव।
9. पैतृक कारकों पर योग का प्रभाव प्रारंभिक गर्भावस्था का नुकसान।
10. खराब प्रतिक्रिया देने वालों में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण।
11. पिता बनने में सक्षम मिथाइलीनटेट्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (एमटीएचएफआर) बहुरूपताओं के संबंध का अध्ययन।
12. अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों के आंत्र तंत्रिका तंत्र में आंत्र ग्लिया और वासोएक्टिव आंत्र पेप्टाइडर्जिक न्यूरॉन्स का अध्ययन।
13. चूहे के मस्तिष्क में एंडोथेलिन-1 प्रेरित कैप्सूलर इन्फार्क्ट मॉडल में रूपात्मक परिवर्तनों का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बिलिओपैंक्रिएटिक वाहिनी के शल्यचिकित्सा बंधाव द्वारा प्रेरित तीव्र अग्नाशयशोथ वाले वयस्क नर विस्टार चूहों में अंग शिथिलता की गंभीरता पर मिथाइल प्रेडनिसोलोन के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन की प्रभावकारिता का एक अध्ययन, जठरांत्रशल्य चिकित्सा
2. कार्डियोमायोपैथी के आनुवंशिकी अध्ययन, हृद्य रोग विज्ञान विभाग
3. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम की आनुवंशिकी, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
4. रेटिनोब्लास्टोमा में जलीय द्रव पर आनुवंशिक अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
5. मोटापे और मधुमेह में लघु और दीर्घकालिक योग आधारित इंटरवेशन के बाद तनाव, सूजन और सेलुलर उम्र बढ़ने का पता लगाने के लिए जीनोम वाइड विश्लेषण, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
6. युवा आबादी में प्रत्यारोपित जैविक कृत्रिक वाल्वों में प्रारंभिक गिरावट के कारक-एक बहुविषयक विश्लेषण, सीटीवीएस
7. आईसीएमआर न्यूरोसर्जरी उपकरणों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
8. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणामों पर प्रीऑपरेटिव स्टेरॉयड का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
9. मोटापे में अल्पकालिक योग आधारित इंटरवेशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
10. मस्तिष्क ऊतक के भौतिक लक्षणों का वर्णन और ऊतक-उपकरण अंतःक्रिया आधारित तंत्रिका शल्य चिकित्सा सिमुलेशन उपकरणों का विकास, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
11. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म, अग्नाशयी ट्यूमर और पिट्यूटरी ट्यूमर के रोगियों में एमईएन1 जीन उत्परिवर्तन और इसके नैदानिक निहितार्थ, अंत: स्राविकी
12. शुक्राणु टेलोमेर की आयु आधारित गतिशीलता और डीएनए क्षति प्रतिक्रिया के साथ अंतर-संबंध, प्रजनन जैवविज्ञान, एम्स,

9.2_.indd 212 1/8/2026 1:15:47 PM

13. मध्य फोसा और रेट्रो सिग्मॉइड श्रवण संरक्षण कपाल आधार दृष्टिकोणों के माध्यम से आईएसी के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना-एक प्रयोगशाला जांच, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

14. एएसएमडी का उत्परिवर्तन विश्लेषण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

15. भारत के दुबले एवं मोटे रोगियों में शराब का सेवन न करने वाले फैटी लिवर रोगी: समानताएं एवं अंतर, जठरांत्ररोग

16. रीढ़ की हड्डी के आंशिक अनुप्रस्थ काट वाले रोगियों में चाल और यूरोडायनामिक्स के पैथोमेकेनिज्म के ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना के प्रभाव पर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान

17. शुक्राणु माइटोकॉन्ड्रियल और परमाणु डीएनए अखंडता पर क्रायोप्रिजर्वेशन प्रभावों का अध्ययन और निषेचन घटना पर इसका प्रभाव, प्रजनन जीवविज्ञान

18. पिता बनने में सक्षम शुक्राणु ऑक्सीडेटिव अवस्था, शेल्टरिन प्रोटीन अभिव्यक्ति और क्रोमेटिन कार्य का अध्ययन, प्रजनन जैवविज्ञान

19. पिता बनने में सक्षम शुक्राणु टेरा अभिव्यक्ति और क्रोमेटिन कार्य पर ऑक्सीडेटिव तनाव का अध्ययन", प्रजनन जैवविज्ञान, एम्स,

20. मनुष्यों में गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद माइलिन से जुड़े अवरोधकों और माइलिनेटेड एक्सॉन के रोग संबंधी अल्ट्रास्ट्रक्चरल परिवर्तनों की जांच करना (न्याय चिकित्सा के साथ), न्याय चिकित्सा

21. इन्फ्राटेम्पोरल फोसा के लिए ट्रांसऑर्बिटल दृष्टिकोण: एक मानव अन्वेषणात्मक अध्ययन, कान, नाक एवं गला विज्ञान विभाग

22. आईयूजीआर के कारण के लिए रसजा भाव (पोषण घटक) की भेद्यता का आकलन-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान

23. मातृभाव (मातृ कारक) के साथ एनएएसएच से संबंधित लिवर सिरोसिस की आनुवंशिक व्यापकता का आकलन-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। चौधरी ब्रह्म प्रकाश, आयुर्वेद चरक संस्थान

24. महाधमनी के अंतःसंवहनी अवरोध के लिए ऑटोप्लास्टी बैलून कैथेटर की व्यवहार्यता की जाँच, शल्य चिकित्सा विभाग

25. चेहरे और हाथ के पुनर्निर्माण, शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से संबंधित संवहनी आपूर्ति के चित्रण हेतु प्रशिक्षण मॉडल का विकास। शव प्रसंस्करण, प्लास्टिक पुनर्सरचना एवं दग्ध शल्य चिकित्सा की एक नवीन विधि।

26. मोटापे में संज्ञान, तनाव और वृद्धावस्था पर योग-आधारित इंटरवेशन और ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता का मूल्यांकन। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीरक्रिया विज्ञान।

27. एंडोस्कोपिक तंत्रिका शल्य चिकित्सा के क्षितिज का विस्तार: हमारे संस्थान के न्यूनतम आक्रामक न्यूरोसर्जरी के शस्त्रागार में पोस्टीरियर फोसा एंडोस्कोपिक दृष्टिकोणों को शामिल करने के लिए एक प्रारंभिक चरण के रूप में एक शव अध्ययन। तंत्रिका शल्य चिकित्सा

28. किशोरों में ग्लूकोमा की आनुवंशिकी, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

29. शराब और नशीली दवाओं पर निर्भरता की आनुवंशिकी, मनोचिकित्सा

9.2_.indd 213 1/8/2026 1:15:47 PM

पूर्ण

1. एपिजेनेटिक्स के दायरे में बचपन के ल्यूकेमिया के कारणों हेतु मातृजा भाव (मातृ कारक) और रसजा भाव (पोषण कारक) के आकलन हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन", चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान दिल्ली।
2. एम्स+ सीएसई-आईआईटी-डी उत्कृष्टता केंद्र, नवाचार और ट्रांसलेशन अनुसंधान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता हेतु सहयोगी न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच।
3. युवा आबादी में प्रत्यारोपित बायोप्रोस्थैटिक वाल्वों में प्रारंभिक गिरावट के कारक-एक बहु-विषयक विश्लेषण, सीटीवीएस
4. ऑपरेशनल रिसर्च तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भारतीय संस्थानों को सहायता।

पिछले 3 वर्षों की शोध परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	20	20	23
कुल वित्तपोषण	2942.22	3512.32	3647.43

प्रकाशन

कुल प्रकाशन: 66;

पत्रिकाएं: 55 **सार: 04** **पुस्तक में अध्याय: 07**

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**42**	**60**	**66**
पत्रिकाओं में लेख	32	54	55
सार	8	4	4
पुस्तकों में अध्याय	2	2	9

रोगी देखभाल

आनुवंशिक निदान और परामर्श सेवाएँ

कैरियोटाइपिंग	298
वाई क्यू माइक्रोडिलीशन स्क्रीनिंग	36
आरओएस अनुमान	154
क्यूपीसीआर विश्लेषण	178
आणविक जांच	
कॉर्नियल डिस्ट्रोफी	25

9.2_.indd 214 1/8/2026 1:15:47 PM

विभिन्न विकारों के आनुवंशिक विश्लेषण के लिए डीएनए	582
विविध	54
साइटोजेनेटिक विश्लेषण	4
नशीली दवाओं पर निर्भरता	274
शवों का संलेपन	190
परिवहन हेतु	156
शिक्षण/अनुसंधान हेतु	34

रोगी उपचार संबंधी गतिविधियाँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
आनुवंशिक परीक्षण	525	1075	1300
रक्त/मूत्र में भारी धातुओं/विषाक्त तत्वों/सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिए नैदानिक परीक्षण	3200	7500	25000
शवों का संलेपन	169	232	190

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य ए. शरीफ ने निम्नलिखित बैठकों में भाग लिया- 7वां एएनएसएसीओएन 2025 असम एनाटॉमिकल सोसाइटी का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 2025, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, मेघालय, अप्रैल 2025, 27वां बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरान, नेपाल की अकादमिक समिति की बैठक मार्च 2025, सेलुलर और आणविक जैवविज्ञान केंद्र, हैदराबाद में अनुसंधान परिषद की बैठक, मार्च 2025, एम्स, गुवाहाटी में चयन समिति की बैठक, मार्च 2025, चेन्नई में संचालन समिति की बैठक, जनवरी 2025, बदहाल गांव के प्रकाश में राजौरी में विशेषज्ञों की नैदानिक टीम की तैनाती, जनवरी 2025, जीएसएल मेडिकल कॉलेज, राजमुंदरी द्वारा पैनल चर्चा का आयोजन, नवंबर 2024, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी आयोजन में अतिथि वक्ता, अक्टूबर 2024, होलकर भवन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में चयन समिति की बैठक, जुलाई 2024, "मेडिकल छात्रों के वर्तमान शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई और आधुनिक तकनीक" पर वार्ता 2024.

आचार्य एसबी रे ने 1 वर्ष तक बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, पश्चिम बंगाल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, गुरु गोविंद सिंह आई.पी. विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में व्यावसायिक एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने एम्स, भुवनेश्वर में शरीर रचना में एमडी परीक्षा के परीक्षक के रूप में भी कार्य किया।

आचार्य रीमा दादा ने एसवीवायएएसए विश्वविद्यालय से डीएससी की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने डॉ. दास और डॉ. हलीम ने केजीएमयू विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया। उन्हें भारतीय विज्ञान अकादमी की फेलोशिप भी मिली। वह बायोमेडिकल साइंसेज (आईएबीएस) में पीएचडी हैं। वह आयुष्मान भारत योजना (वेलनेस) की टास्क फोर्स और योग और आनुवंशिकी के लिए अध्यक्ष हैं तक्ष एकीकृत चिकित्सा और योग केंद्र (सीआईएमवाई), अमेरिका की सदस्य हैं। उन्होंने 1 व्याख्यान, 4 पूर्ण सत्र व्याख्यान और 28 व्याख्यान दिए। वे प्रभारी आचार्य हैं। मीडिया सेल के अध्यक्ष और पिछले एक साल में 47 प्रेस मीट 6 वार्ता और एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन एम्स, दिल्ली में कर चुकी हैं । वह आईएफएस की सदस्य हैं जिन्होंने दिल्ली में मनोवैज्ञानिक देखभाल के लिए सर्वसम्मति दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार किया था। जो एआरटी

9.2_.indd 215 1/8/2026 1:15:48 PM

दिसंबर 2024 में प्रकाशित होगा। उन्होंने सामाजिक पहचान बढ़ाने हेतु कई कदम उठाए हैं और एम्स के डॉक्टरों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न नैदानिक सेवाओं के प्रभाव को दर्शाने वाले पॉडकास्ट किए एवं ट्विटर और इंस्टाग्राम पर प्रमुख डॉक्टरों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में छोटे वीडियो बनाए। एसवीवाईएएसए बैंगलोर की संस्थान नैतिकता समिति की सदस्य है और जैव प्रौद्योगिकी, अमृता संस्थान कोट्टायम स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की डीसी सदस्य हैं। उन्हें 6 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था। योग अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय द्वारा एक समिति गठित की गई है। वह एनबीई और एनईईटी के लिए प्रश्नों के मूल्यांकन/निर्माण और समीक्षा की भी विशेषज्ञ हैं। परीक्षा और मेडिकल मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड (एमएबीआर) के लिए गवर्नर्स बोर्ड और विशेषज्ञ एनएमसी। डॉ. दादा को आईसीएमआर-केयर के अंतर्गत परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया। एनसीडी और आरबीएमएच अनुभाग (आईसीएमआर) में टास्क फोर्स मोड में योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की गई वह इसकी समीक्षक भी थीं। आईसीएमआर/डीबीटी/डीएसटी/वेलकम ट्रस्ट द्वारा विभिन्न तदर्थ परियोजनाओं हेतु उन्हें एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में उन्हें योग पर उच्च प्रभाव के अनुसंधान हेतु सलाहकार समिति/आयुष अंतःविषय शोध एवं अनुसंधान कार्य बल के विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया। वह नैदानिक भ्रूणविज्ञान में आईएफएस पाठ्यक्रम हेतु संकाय हैं और कला में डिप्लोमा, पीएचडी परीक्षक और विभिन्न छात्रों के लिए मार्गदर्शक। बीबीसी पर एक पॉडकास्ट में विशेष रुप से प्रदर्शित माइकल मोस्ले द्वारा संचालित। टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स और द हिंदू जैसे प्रमुख समाचार पत्रों और टीवी, विज्ञान प्रसार पर भी बीमारियों के बारे में छपी जीवनशैली संबंधित बीमारियों पर योग के प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिए। बीबीसी. एपीएस और लोक सेवा आयोग के तहत साक्षात्कार आयोजित किए। किडनी रोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट एसजीपीजीआई एवं परम निमहंस संस्थान में उन्नत अनुसंधान और अनुसंधान केंद्र के लिए ऑनसाइट तकनीकी मूल्यांकन समिति की विशेषज्ञ हैं। एनबीई और एनएमसी के पीजी विशेषज्ञ द्वारा एमसीक्यू प्रश्न बैंक एमबीबीएस एक्जिट स्तर की कार्यशालाओं का आयोजन समिति के विशेषज्ञ है। एनपीसी द्वारा नेतृत्व एवं उच्च प्रदर्शनकारी टीमों के प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया। वह 45 से अधिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षा लिख चुकी हैं और उन्हें एमबीबीएस के अतिरिक्त अनुसंधान के अवसरों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। डॉ. दादा विश्राम सदन के सदस्य सचिव और सीपीआईओ हैं और कोर कमेटी की सदस्य हैं। संस्थान दिवस और यूजी चुनावों के लिए चुनाव आयुक्त है। डॉ. दादा आंतरिक अनुदानों की समीक्षा करने वाली समिति की सदस्य हैं और आईसीसीएसएच में एसपीसी की सदस्य हैं। वह विभाग में पीजी शिक्षण प्रभारी हैं। उनके पीएचडी छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई पुरस्कार मिले। इनकी लैब योग और आनुवंशिक निदान सुविधा प्रदान करती है। वह शरीर रचना विज्ञान एवं न्याय चिकित्सा में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की सदस्य हैं। जर्नल की गुणवत्ता में उत्कृष्ट योगदान और नेशनल जर्नल ऑफ नैदानिक विज्ञान के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में सेवा देने के लिए उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उन्हें आईआईटी बॉम्बे में पीसीओएस महिलाओं में अंतर्राष्ट्रीय मनोसामाजिक चुनौतियों 2025 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जयपुर में भारतीय प्रजनन और प्रजनन अध्ययन सोसायटी (आईएसएसआरएफ 2025) की 35वीं वार्षिक बैठक में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए) में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, एनआईएच द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षु यात्रा पुरस्कार मिला एवं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए और आईसीए 2025), वाशिंगटन, डीसी, 29 मार्च 2025-1 अप्रैल 2025, सीएसआईआर विदेश यात्रा अनुदान “अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी के संयुक्त कांग्रेस और इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए और आईसीए 2025), वाशिंगटन, डीसी, 29 मार्च 2025-01 अप्रैल 2025, आईसीएमआर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान सहायता में

9.2_.indd 216 1/8/2026 1:15:48 PM

भाग लेने के लिए" अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी के संयुक्त कांग्रेस और इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए और आईसीए 2025), वाशिंगटन, डीसी, 29 मार्च 2025-1 अप्रैल 2025, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी-एसईआरबी) अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) अनुदान 13वीं यूरोपीय कांग्रेस ऑफ एंड्रोलॉजी में भाग लेने के लिए स्टॉकहोम, स्वीडन एंड्रोलॉजी स्टॉकहोम, स्वीडन 4 सितंबर 2024-06 सितंबर 2024, "प्रोस्टेट कैंसर कोशिका विशेषताओं पर बच्चे पैदा करने में अक्षम पुरुषों से योग-प्राइम्ड सीरम का प्रभाव, योग के प्रभाव पर सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन (एसएसआर) डबलिन, आयरलैंड में 57वीं वार्षिक बैठक 2024 में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय सार पुरस्कार" प्रोस्टेट कैंसर कोशिका विशेषताओं पर बच्चे पैदा करने में अक्षम पुरुषों से कंडीशन्ड सीरम, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार, लालोर फाउंडेशन द्वारा अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए) में 29 अप्रैल-2 मई 2024 को डेनवर, कोलोराडो में 49वीं एएसए वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए प्रायोजित। "पुरुष बांझ आबादी में योग-प्राइम्ड सीरम के कैंसर विरोधी प्रभाव की खोज" और प्रशिक्षु यात्रा पुरस्कार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, एनआईएच द्वारा अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए) में 29 अप्रैल-2 मई 2024 को डेनवर, कोलोराडो में 49वीं एएसए वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए प्रायोजित।

आचार्य अरुंधति शर्मा ने परियोजनाओं, प्रकाशनों के लिए पांडुलिपियों और पीएचडी एवं एमडी शोध-प्रबंधों की समीक्षक के रूप में कार्य किया। वे विभागीय वार्षिक रिपोर्ट और वेबसाइट जानकारी के लिए नोडल अधिकारी हैं। वे विभाग के स्टोर संबंधी कार्यों की भी देखरेख करती हैं। उन्होंने संस्थान की यूजी रिसर्च मेंटरशिप योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा समिति की सदस्य के रूप में कार्य किया।

आचार्य रेणु ढींगरा को जनवरी 2025 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस (बेसिक साइंसेज में उत्कृष्टता) में प्लेसेंटा पत्रिका में प्रकाशित शोध लेख के लिए सम्मानित किया गया।

आचार्य टीसी नाग ने चेन्नई विश्वविद्यालय, सीडीआरआई (लखनऊ) और विश्वभारती (पश्चिम बंगाल) से प्राप्त एक-एक पीएचडी थीसिस की जाँच की। उन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु 86 पांडुलिपियों की समीक्षा की। वे 27 और 28 जनवरी 2025 को आयोजित चौथे एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस प्रस्तुति में सार समीक्षा समिति के सदस्य और निर्णायक थे।

आचार्य रितु सहगल वर्तमान में आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत काम देखने के लिए शरीर रचना विभाग के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के पद पर हैं; केंद्रीय लैब के लिए संकाय प्रभारी 1006; हिस्टोलॉजिकल तकनीक पाठ्यक्रम के लिए विभागीय संकाय समन्वयक; फरवरी 2024 से नवगठित शरीर रचना विज्ञान विभाग संगठन एम्स एसोसिएशन फॉर एनाटॉमी (एएए) के उपाध्यक्ष और आजीवन सदस्य, देश के सभी एम्स संस्थानों के शरीर रचना विभागों के बीच पेशेवर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एएए की अग्रणी टीम के हिस्से के रूप में। उन्होंने बाहरी अकादमिक ऑडिट के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया और शरीर रचना विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान स्कूल के शैक्षणिक प्रवीणता की व्यापक समीक्षा के लिए शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आमंत्रित किया गया। शरीर रचना विज्ञान विभाग के नोडल अधिकारी और 69वें संस्थान दिवस के लिए प्रदर्शनी उप-समिति के सदस्य; स्पिकमैके (युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी) के एम्स चैप्टर के पुनरुद्धार और एम्स, नई दिल्ली में आयोजित संगीत कार्यक्रम के आयोजन के लिए सदस्य तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया; छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम के लिए विभागीय

9.2_.indd 217 1/8/2026 1:15:48 PM

परामर्शदाता, परामर्श का समन्वय करना और सहायता की आवश्यकता वाले एमबीबीएस छात्रों की सहायता करना; एमडी/एमएससी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय और हमदर्द विश्वविद्यालय के लिए प्रथम एमबीबीएस व्यावसायिक परीक्षाएं के लिए बाह्य और आंतरिक परीक्षक।

डॉ. एस. के. झाझरिया सरोज कालेर वर्तमान में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, एम्स, नई दिल्ली की शिक्षण अनुसूची समिति की सदस्य हैं। उन्होंने कई पत्रिकाओं में प्रस्तुत शोध लेखों की समीक्षा भी की है। वे विभिन्न विश्वविद्यालयों में बाह्य परीक्षक रही हैं। उनके छात्र को अगस्त में नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) द्वारा आयोजित 2024 वर्ल्ड कांग्रेस ऑन पेन में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

डॉ. टोनी जैकब, बेंगलुरु के निमहांस में आयोजित भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी (आईएएन) की 42वीं वार्षिक बैठक में पोस्टरों के निर्णायक और एक सत्र के अध्यक्ष थे। वे दिल्ली और इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक, गुजरात चिकित्सा विश्वविद्यालय और जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग के प्रश्नपत्र निर्माता और मूल्यांकनकर्ता भी रहे हैं। उन्होंने पुद्दुचेरी के जिपमेर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपने ज्ञान को बढ़ाया है। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में बने हुए हैं। वे शोध पद्धति, लेखन कौशल, संचार कौशल और चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। वे विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में पूरी तरह से सम्मिलित रहते हैं।

डॉ. नीरजा रानी ने वीईएसआईसीओएन 2025 में एक सत्र की अध्यक्षता और संचालन किया है, जिसका विषय था-न्यूरोलॉजी बायोमार्कर एंड बियोंड। उन्होंने एक पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया है और पीएचडी मौखिक परीक्षा आयोजित की है। वह हरियाणा के रोहतक स्थित पीजीआईएमएस के शरीर रचना विज्ञान विभाग में पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य हैं। उन्होंने एम्स जम्मू में शरीर रचना विज्ञान में नियमित और पूरक प्रथम व्यावसायिक एमबीबीएस परीक्षा के लिए शरीर रचना विज्ञान विभाग की बाह्य परीक्षक के रूप में भी कार्य किया है।

डॉ. सीमा सिंह प्रथम वर्ष के एमबीबीएस बैच के लिए आंतरिक परीक्षाओं के आयोजन और संचालन तथा परिणामों के संकलन के लिए संकाय प्रभारी थीं; जामिया हमदर्द में बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हैं और वैज्ञानिक लेखों के प्रकाशन और समीक्षा में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

डॉ. सुभाष चंद्र यादव को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा फेलो ईएमएसआई के रूप में चुना गया। उन्होंने इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी (आईपीएससीओएन-2024) के 54वें वार्षिक सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की और आईआईटी हैदराबाद, सीएसआईआर-आईटीआरसी और सीएसआईआर सीडीआरआई के 5 पीएचडी शोध प्रबंधों के परीक्षक थे।

डॉ. प्रभाकर सिंह जैविक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जैविक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम और जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर तीसरी राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन सचिव थे। वे एम्स के शरीर रचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर फ्लोराइड रिसर्च (आईएसएफआर) के वित्त सचिव थे।

9.2_.indd 218 1/8/2026 1:15:48 PM

डॉ. आरती गणपति ने एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" कार्यशाला में भाग लिया है, सीएमईटी द्वारा आयोजित "चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम" पूरा किया है और एसईटी सुविधा द्वारा आयोजित "डिजिटल शिक्षा में छात्र दृष्टिकोण पर शोध" नामक कार्यशाला में भी भाग लिया है। एक सहकर्मी समीक्षक के रूप में, उन्होंने विभिन्न प्रकाशकों के लिए कई पांडुलिपियों की समीक्षा की है। उन्होंने 9वीं एम्स अल्ट्रासाउंड-निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला में संसाधन संकाय के रूप में कार्य किया और वर्तमान में शरीर रचना विज्ञान शिक्षा के लिए एक आभासी वास्तविकता मंच के विकास हेतु सीएमआईई-एम्स इनक्यूबेशन परियोजना का हिस्सा हैं।

9.2_.indd 219 1/8/2026 1:15:48 PM

9.3 जैव रसायन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष
कल्पना लूथरा

आचार्य

पीपी चट्टोपाध्याय

अल्पना शर्मा
(1 अप्रैल 2024 से 31 जुलाई 2024 तक;
31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्त हुए)

कुन्ज़ांग चोसडोल
अर्चना सिंह-I
सुभ्रादीप कर्माकर

सुदीप सेन
जयंत कुमार पी
अर्चना सिंह-II

अपर आचार्य

प्रज्ञान आचार्य
प्रमोद कुमार गौतम

रियाज़अहमद मीर
राखी यादव

सह- आचार्य
सिद्धार्थ कुंडू

सहायक आचार्य
कार्तिकेयन पेथुसामी

विशिष्टताएं

विभाग व्यापक अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगा हुआ है, जिसमें डीबीटी, डीएसटी, एएनआरएफ, आईसीएमआर, डीएचआर एवं इंट्राम्यूरल एम्स जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित 49 जारी परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल राशि 37.46 करोड़ रुपये है, जबकि इस वर्ष 15 परियोजनाएं पूरी हुईं। इसके अतिरिक्त, 62 विभागीय और 30 सहयोगी परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें 22 विभागीय परियोजनाएं संपन्न हुई हैं। प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं में 58 प्रकाशनों और 5 सारांशों के साथ अनुसंधान उत्पादकता उच्च बनी हुई है। संकाय सदस्यों ने 49 आमंत्रित व्याख्यान दिए तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर 56 शोध पत्र (मौखिक/पोस्टर) प्रस्तुत किए। विभाग की उत्कृष्टता को 2025 में दो शोध पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता दी गई अन्य पुरस्कारों में आईआईएस सीनियर साइंटिस्ट ओरेशन अवार्ड (इम्यूनोकॉन-2024), जीआईएस-2025 में प्लेनरी स्पीकर की भूमिका तथा सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए केपी सिन्हा-पीएस कृष्णन पुरस्कार शामिल हैं। संकाय और छात्रों ने सम्मेलनों में 35 पुरस्कार, पुरस्कार और यात्रा अनुदान प्राप्त किए। शैक्षणिक रूप से, विभाग 13 एमएससी, 15 एमडी, 10 एसआर और 32 पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन करता है, जबकि उन्नत कक्षाओं के साथ एमबीबीएस, एमडी और एमएससी पाठ्यक्रम को बढ़ाता है। छह बैचों के लिए पीएचडी कोर्सवर्क सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। चिकित्सीय रूप से, विभाग विशेष परीक्षण करता है, जिसमें 223 पोरफाइरिया परीक्षण शामिल हैं, और इसकी प्रयोगशाला

9.3_.indd 220 1/8/2026 1:22:23 PM

अब एनएबीएल-मान्यता प्राप्त है। संकाय सदस्य डॉ. राखी यादव और डॉ. अर्चना सिंह गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करते हुए रीनल जैव रसायन प्रयोगशाला की देखरेख करती हैं उल्लेखनीय रूप से, डॉ. कुंजांग चोसडोल ने बायोमार्कर्स पर डॉ. पी. लाली स्मारक व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. प्रज्ञान आचार्य को "वुमन इन इम्यूनोलॉजी" पुरस्कार (2025) से सम्मानित किया गया। डॉ. कार्तिकेयन पी को सन फार्मा साइंस फाउंडेशन फेलोशिप से सम्मानित किया गया और उन्हें फेमर फेलोशिप में नामांकित किया गया, जिससे अनुसंधान एवं शिक्षा में विभाग के क्रियाशील योगदान स्पष्ट किए गऐ है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

विभाग ने स्नातक स्तर के शिक्षण पाठ्यक्रम में कुछ संशोधन किए, जिनका उद्देश्य कौशल विकास को बढ़ावा देना एवं जैव रसायन विज्ञान के वर्तमान विकास के साथ ज्ञान को संतुलित रखना था। सिद्धांत-व्यावहारिक संबंध को बेहतर बनाने हेतु, ग्लूकोज निगरानी और गर्भावस्था परीक्षण के लिए पीओसीटी उपकरणों पर शिक्षाप्रद व्याख्यानों और प्रदर्शनात्मक प्रायोगिकों से संबंधित केस चर्चाएँ शुरू की गईं। छात्रों को पारंपरिक और स्व-विश्लेषक-आधारित विधियों के बीच अंतर समझने में मदद करने के लिए, कुछ नियमित जैव रासायनिक विश्लेषकों (यूरिक एसिड और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल) के लिए किट-आधारित प्रायोगिक अभ्यास शुरू किए गए। आणविक जीव विज्ञान में वर्तमान अनुप्रयोगों से संबंधित तकनीकों, जैसे प्रतिबंधन पाचन और प्रतिबंधन स्थल मैपिंग, को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

चिकित्सा शिक्षा

हमारे विभाग के वर्तमान अध्यक्ष चिकित्सा शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (सीएमईटीआई) के प्रमुख तथा सेट सुविधा में ई-लर्निंग के प्रभारी आचार्य भी हैं। विभाग के कई संकाय सदस्यों द्वारा एनएमसी आधारित यूजी जैव रसायन विषयों पर ई-लर्निंग मॉड्यूल बनाए गए हैं और एलएमआईएस पर अपलोड किए गए हैं।

स्नातकोत्तर

इनमें 13 एमएससी और 15 एमडी छात्र शामिल हैं। विभाग में 32 पीएचडी छात्र भी हैं। विभाग में पंजीकृत छात्रों के अलावा दो जूनियर रिसर्च फेलो, 6 प्रोजेक्ट साइंटिस्ट और 3 रिसर्च एसोसिएट भी कार्यरत हैं।

स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम को अद्यतन किया गया और सभी संकाय सदस्यों के सुझावों को इसमें शामिल किया गया; आणविक जैव विज्ञान एवं कैंसर जैव विज्ञान मॉड्यूल में और अधिक उन्नत कक्षाओं को शामिल करने के लिए इसका और विस्तार किया गया। एमडी, एमएससी छात्रों और वरिष्ठ रेजिडेंट्स के लिए विभिन्न पत्रिकाओं से जटिल केस रिपोर्टों पर चर्चा करने के लिए 'क्लिनिकल केस चर्चा' को संशोधित किया गया है। अद्यतन पीजी पाठ्यक्रम को शैक्षणिक अनुभाग को अनुमोदन और प्रकाशन के लिए भेज दिया गया है।

विभाग में पीएचडी छात्रों के लिए विभिन्न मॉड्यूलों पर एक औपचारिक पाठ्यक्रम कार्य चल रहा है। इसमें उन्नत प्रयोगशाला उपकरण, कोशिका जैव विज्ञान और कल्चर तकनीक, मानव और ऐनिमल एथिक्स, जैव सांख्यिकी, अनुसंधान पद्धति आदि शामिल हैं। पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद छात्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग की गई।

विभाग बाल चिकित्सा आनुवंशिकी डीएम एवं ईएनटी एमसीएच छात्रों को आणविक जैव विज्ञान में औपचारिक प्रशिक्षण भी दे रहा है।

9.3_.indd 221 1/8/2026 1:22:24 PM

हमारा विभाग प्रत्येक मंगलवार को जर्नल क्लब का आयोजन कर रहा है, जिसमें पीएचडी छात्र, वरिष्ठ रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट और एमएससी छात्र विभिन्न जैव चिकित्सा विषयों पर मूल शोध लेख प्रस्तुत कर रहे हैं, जो हाल ही में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

- जैव रसायन विभाग ने 29 अप्रैल, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य आयोजक डॉ. अल्पना शर्मा और सह-आयोजक डॉ. अर्चना सिंह द्वितीय थीं। यह कार्यक्रम एम्स, इंदौर के एलटी2 शिक्षण खंड में आयोजित किया गया था।
- विभाग ने अप्रैल 2024 में अंतिम वर्ष के एमडी छात्रों के लिए माइक्रोटीचिंग पर सत्र भी आयोजित किया है। यह कार्यक्रम विभाग के प्रदर्शन कक्ष में आयोजित किया गया था।
- डॉ. कल्पना लूथरा हमारे विभाग और भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी, अलीगढ़ चैप्टर द्वारा 3 जून 2024 को आयोजित 'मन और मस्तिष्क' विषय पर संगोष्ठी की संयोजक थीं।
- डॉ. कल्पना लूथरा 6 अगस्त 2024 को जेएलएनएम ऑडिटोरियम एम्स में आईएबीएस-2024 उत्तर क्षेत्र के वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति की सह-अध्यक्ष थीं।
- डॉ. कल्पना लूथरा ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से 20 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर 2024 के एक घटक, एम्स-स्प्रिंगर-नेचर इंडिया पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।
- डॉ. कल्पना लूथरा 21-22 अक्टूबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एआईएमएलटीए) के 43वें अखिल भारतीय सम्मेलन की संरक्षक थीं।
- डॉ. प्रमोद गौतम 2 और 3 दिसंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में एसवाईबीएस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान सम्मेलन (एनबीआरसीओएम) के सह-आयोजक थे।

प्रदत्त व्याख्यान: 49

कल्पना लूथरा: 9	**अल्पना शर्मा: 2**	**कुंजांग चोस्डोल: 3**
सुदीप सेन: 1	**अर्चना सिंह I: 3**	**जयंत कुमार: 1**
सुभ्रादीप कर्माकर: 3	**अर्चना सिंह II: 3**	**प्रज्ञान आचार्य: 3**
रियाज़ अहमद मीर: 3	**प्रमोद के गौतम: 5**	**कार्तिकेयन पेथुसामी: 13**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
46	47	49

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए: 56

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतिकरण

2022-2023	2023-2024	2024-2025
71	**76**	**56**

9.3_.indd 222 1/8/2026 1:22:24 PM

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. घातक-से-दीर्घकालिक यकृत विफलता वाले रोगियों के लिए एक पॉइंट-ऑफ-केयर तीव्र किडनी क्षति पूर्वानुमानक, प्रज्ञान आचार्य, बीआईआरएसी-बिग,18 महीने, 2023-2025, रु49 लाख

2. बेरियाट्रिक सर्जरी के अच्छे बनाम खराब प्रतिक्रियाकर्ताओं में चयापचय लचीलापन के पूर्वानुमान के रूप में वसा ऊतक में फाइब्रोटिक मध्यस्थों की तुलना करने वाला एक संभावित पायलट अध्ययन, डॉ. राखी यादव, एम्स (अंतर्विषयक सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान), 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

3. एएमएल रोगियों में टीईटी 2 अभिव्यक्ति पर टीईटी2 प्रमोटर मिथाइलेशन के प्रभाव और कोशिका रेखाओं में एपिजेनेटिक संशोधकों के प्रभाव का अध्ययन, डॉ. कार्तिकेयन पी, एम्स सहयोगी आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

4. एसआईआरएनए और कीमोथेरेपीटिक दवा के सह-प्रसव के लिए लक्षित दृष्टिकोण का उपयोग करके दवा प्रतिरोधी ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर से निपटने के लिए एक चिकित्सीय रणनीति।", डॉ. कुन्जांग चोसडोल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 26.0 लाख रुपये

5. जौबर्ट सिंड्रोम से जुड़े प्रोटीन सीएसपीपी-1 और आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के बीच परस्पर क्रिया का जैव रासायनिक विश्लेषण,रियाज़ अहमद मीर, एम्स यूजी स्नातक अनुसंधान, 1 वर्ष, 2025-2026, 1.5 लाख रुपये

6. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) के पीआई3के/एकेटी मार्ग और मेटाबोलिक फेनोटाइप को संशोधित करने में इंसुलिन जैसे ग्रोथ फैक्टर 2 बाइंडिंग प्रोटीन (आईजीएफ2बीपी) की भूमिका का वर्णन, जयंत कुमार पलानीचामी, सहयोगी इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

7. भारत के स्वदेशी जनजातीय समुदायों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए सतत खाद्य प्रणालियों का लक्षण वर्णन, पुनरुद्धार, समर्थन, निगरानी और प्रबंधन। सीएआरआईएसएमएमए सतत खाद्य प्रणालियों पर अध्ययन।,अर्चना सिंह (सेंटर पीआई), इंडिया अलायंस: टीम साइंस ग्रांट, 5 वर्ष, 2023-2028, 988 लाख रुपये (एम्स का 93.2 हिस्सा)

8. भारतीय मूल के बोनेट और रीसस मैकाक, मार्मोसेट और अफ्रीकी हरे बंदरों में इम्युनोग्लोबुलिन आनुवंशिक विविधता का तुलनात्मक विश्लेषण: एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान के लिए संभावित गैर-मानव प्राइमेट मॉडल (मार्गदर्शक के रूप में)डॉ. कल्पना लूथरा (मेंटर) परियोजना पीआई, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 25 नवंबर 2024-24 मई 2027, 28.4 लाख रुपये

9. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में पुनरावृत्ति को लक्षित करने वाले सिंथेटिक सर्किट के साथ चिकित्सीय कोशिकाओं का निर्माण, जयंत कुमार पलानीचामी, आईसीएमआर इंटरमीडिएट अनुदान, 4 वर्ष, 2024-2028, 308 लाख रुपये

10. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2बीपीएस और एम6ए मशीनरी के बीच तालमेल को समझना, जयंत कुमार पलानीचामी, एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट (सीआरजी), 3 वर्ष, 2022-2025, 63 लाख रुपये

9.3_.indd 223 1/8/2026 1:22:24 PM

11. प्राथमिक और पुनरावर्ती बी-कोशिका घातक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) में एम6ए आरएनए मिथाइलेशन चिह्नों का चित्रण तथा लक्षण वर्णन, जयंत कुमार पलानीचामी, आईसीएमआर लघु अनुदान, 3 वर्ष, 2025-2028, 93 लाख रुपये

12. मोनो-ज़ाइगोटिक जुड़वां बच्चों में एचआईवी-1 व्यापक रूप से निष्क्रिय करने वाले एंटीबॉडी और परिसंचारी वायरस के सह-विकास को रेखांकित करना बाल चिकित्सा अभिजात वर्ग-निष्क्रियकर्ता, डॉ. कल्पना लूथरा, एसईआरबी, 3 वर्ष,2021-2024, 47.4 लाख रुपये

13. बाल चिकित्सा बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के पुनरावर्तन में शामिल आणविक तंत्रों का चित्रण, जयंत कुमार पलानीचामी, डीएचआर अनुदान-सहायता अंतरक्षेत्रीय अनुसंधान अनुदान, 3 वर्ष, 2023-2026, 59 लाख रुपये

14. पीडीएक्स मॉडल में एआई-निर्देशित गणना-आधारित अनुकूलन, संश्लेषण और पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन का उपयोग करके स्तन कैंसर के लिए एक बहु-लक्षित दवा के रूप में डीडीपीएमपीवाईपीईपीयू का विकास, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 98 लाख रुपये

15. गौचर रोग के लिए एक चिकित्सीय हस्तक्षेप के रूप में एचडीआर (होमोलॉजी डायरेक्टेड रिपेयर) मध्यस्थता आनुवंशिक सुधार के लिए सीआरआईएसपीआर-सीएएस9 आधारित एएवी (एडेनो एसोसिएटेड वायरस) वेक्टर का विकास, जयंत कुमार पलानीचामी, आईसीएमआर दुर्लभ रोग अनुदान, 3 वर्ष, 2024-2027, 54 लाख रुपये

16. मानव मूत्राशय कैंसर में बोएरहाबिया डिफ्यूसा और सिट्रुलस कोलोसिन्थिस पौधे के अर्क से एंटी-प्रोलिफेरेटिव एजेंट का विकासडॉ. प्रमोद कुमार गौतम, आईएमआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

17. बच्चों और वयस्कों में परिसंचारी एचआईवी-1 क्लेड सी के विरुद्ध चिकित्सीय व्यापक रूप से निष्क्रियकारी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास, डॉ. कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 18 सितंबर 2023, 17 सितंबर 2026, 319 लाख रुपये

18. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए शव से प्राप्त सहायक कोशिकाओं में एटीओएच1 का संपादन, रियाज़ अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 70 लाख रुपये

19. अग्नाशयी वाहिनी एडेनोकार्सिनोमा के ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में γ-δ टी कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेशन में एक्सोसोमल माइक्रोआरएनए की भूमिका को स्पष्ट करना, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, एएनआरएफ, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 60 लाख रुपये

20. स्पष्टीकरणलक्षित, चिकित्सीय भूमिकाडोसेटेक्सेल-लोडेड-एचएसपी70 पेप्टाइड कॉम्प्लेक्स पीडीएक्स माउस मॉडल, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 88 लाख रुपये

21. हाइपोक्सिक मस्तिष्क क्षति के एक मॉडल में कोलेस्ट्रॉल चयापचय को प्रभावित करके ऑलिगोडेंड्रोसाइट फ़ंक्शन पर एस्ट्रोसाइट्स के प्रभाव का मूल्यांकन, डॉ सुदीप सेन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023- 2026, 54.7 लाख रुपये

22. इन विट्रो में सेरेब्रल पाल्सी के सेलुलर मॉडल में होम्योपैथिक दवाओं की संभावित भूमिका का मूल्यांकन, डॉ. सुदीप सेन, सीसीआरएच, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2024-2026, 45.5 लाख रुपये

9.3_.indd 224 1/8/2026 1:22:24 PM

23. कोलेस्ट्रॉल, फैटी एसिड और सूजन पैदा करने वाले ल्यूकोट्रिएन्स को बांधने की क्षमता के आधार पर वसा ऊतक से प्राप्त सीआरआईएसपीएलडी1 की एंटी-एथेरोजेनिक भूमिका की खोज, डॉ. राखी यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 86 लाख रुपये

24. गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर में पीआरबी और पी53 की बहाली पर अंतर्जात प्रोटीन व्युत्पन्न पेप्टाइड के प्रभाव की खोज, रियाज़ अहमद मीर, आईसीएमआर लघु अनुदान, 3 वर्ष, 2025-2028, 114 लाख रुपये

25. बाल चिकित्सा बी-सेल ल्यूकेमिया में फैटी एसिड चयापचय एवं बायोएनर्जेटिक्स के बीच संबंध की खोज: ट्यूमर के अस्तित्व और उपचार प्रतिक्रिया हेतु जटिलताएं।, अर्चना सिंह, एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट (सीआरजी), 3 वर्ष, 2023-2026, रु.34.79 लाख

26. मेनियर रोग में पैथोफिजियोलॉजिकल तंत्र और बायोमार्कर की जांच एक बहुउद्देश्यीय अध्ययन। रियाज़ अहमद मीर, सहयोगी इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

27. बहु-संस्थागत अनुदान "गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) के प्रतिकूल परिणाम की प्रगति की निगरानी के लिए बायोमार्कर विकास की दिशा में एक एकीकृत क्लिनिको-प्रोटियो-जीनोमिक्स दृष्टिकोण", प्रज्ञान आचार्य, डीएच, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 1,30,00,000

28. एनीमिया न्यूनीकरण पहल के लिए बहुक्षेत्रीय पोषण हस्तक्षेप (एनएआरआई): त्रिपुरा, भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान,अर्चना सिंह (केंद्रीय पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 150 लाख रुपये (एम्स में कोई वित्त नहीं)

29. एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम जीन बहुरूपता और पेरिओडोन्टाइटिस में उनकी अभिव्यक्ति - उत्तर भारतीय जनसंख्या में एक आनुवंशिक अध्ययन। अल्पना शर्मा, एम्स सहयोगी, 2 वर्ष, 2022-2024, 17.5 लाख रुपये

30. स्तन कैंसर में ट्यूमर से जुड़े मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में डीएनए मिथाइलेशन और पीआई3के-एकेटी सिग्नलिंग पाथवे विश्लेषण पर एम1 मैक्रोफेज की भूमिका, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, आईएमआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

31. पीआईएच1डी1 की भूमिका: थायराइड कैंसर में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स का एक घटक, रियाज़ अहमद मीर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

32. थायरॉइड कैंसर में टीईएल2 प्रोटीन की भूमिका,रियाज़ अहमद मीर, एम्स एमडी थीसिस अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

33. वयस्क फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के घरेलू संपर्कों के बीच संक्रमण मुक्त "प्रतिरोधकों" में ह्यूमरल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और इसके आनुवंशिक सहसंबंधों का अध्ययन।, अर्चना सिंह II, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 39 लाख रुपये

34. एफएटी1-पीडीसीडी4 सिग्नलिंग अक्ष का अध्ययनपेरिअम्पुलरी कैंसर, डॉ. कुंजांग चोसडोल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 49.80 लाख रुपये

35. पूर्वोत्तर क्षेत्र में नासोफेरींजल कार्सिनोमा के आणविक प्रोफाइल और एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) संक्रमण से इसके संबंध का अध्ययन, सुभ्रादीप कर्माकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 65 लाख रुपये

9.3_.indd 225 1/8/2026 1:22:24 PM

36. ग्लियोमा ट्यूमर मॉडल में छोटे अणुओं द्वारा असामान्य कैडहेरिन एफएटी1 के ऑन्कोजेनिक सिग्नलिंग को लक्षित करना, डॉ. कुन्जांग चोसडोल, एएनआरएफ (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2025-2028, 70.79 लाख रुपये

37. घातक-से-दीर्घकालिक यकृत विफलता में चिकित्सीय रणनीति के रूप में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं के चयापचय पुनर्प्रोग्रामिंग को लक्षित करना,प्रज्ञान आचार्य,सर्ब, 3 वर्ष, 2024-2027, रु57,89,695 लाख

38. क्रोनिक हाइपरग्लाइसेमिया के साथ फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस वाले मैक्रोफेज पीएफ रोगियों में बैक्टीरिया की निकासी पर माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी और मानव बीटा डिफेन्सिन उपचार की सहक्रियात्मक भूमिका का आकलन करना,अर्चना सिंह-मेंटर II, यूजी मेंटरशिप अनुदान, 1 वर्ष, 2024-2025, 1.5 लाख रुपये

39. एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया के रोगियों में जेल्सोलिन जीन अभिव्यक्ति और सूजन संबंधी मार्गों तथा जीवित रहने के परिणामों पर इसके प्रभाव को चिह्नित करने के लिए, डॉ. कार्तिकेयन पी, एम्स आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

40. वयस्क फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के स्पेक्ट्रम में एमटीबी एंटीजन पीपीई15 और पीई पीजीआरएस45 के खिलाफ टी सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को चिह्नित करना, अर्चना सिंह II, आईसीएमआर और एम्स थीसिस अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 2 लाख रुपये

41. अग्नाशय के कैंसर रोगियों के ट्यूमर स्थल में मौजूद भिन्न रूप से व्यक्त माइक्रो-आरएनए और उनके प्रोटीन लक्ष्यों की भूमिका निर्धारित करना।डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, इंटर-डिसिप्लिनरी आईआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

42. कॉर्टिस के अंग से प्राप्त माउस कोशिका रेखाओं में बाल कोशिका पुनर्जनन के लिए सीआरआईएसपीईआर मध्यस्थता वाले एडेनोवायरस का उपयोग करके एटीओएच1 नॉक इन दृष्टिकोण की क्षमता की जांच करने के लिए, रियाज अहमद मीर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

43. मोटापे से प्रेरित फाइब्रो-सूजन को कम करने में एफ2आरएल3-एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम अक्ष मॉड्यूलेशन की चिकित्सीय क्षमता की जांच के लिए, डॉ. राखी यादव, डीएसटी-एसईआरबी (सीआरजी), 3 वर्ष, 2024-2027, 36 लाख रुपये

44. प्लेसेंटा ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं और भ्रूण के विकास पर पर्यावरणीय कण पदार्थ (शहरी प्रदूषक) और भारी धातु के संपर्क के प्रभाव की जांच करने के लिए, सुभ्रादीप कर्मोकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 75 लाख रुपये

45. एडेनोइड सिस्टिककर्सिनोमा में नए मार्गों को परिभाषित करने सिस्टिक कार्सिनोमा और नैदानिक परिणामों के साथ सहसंबंध स्थापित करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, कुंजांग चोसडोल, एम्स (सहयोगी अंतःविषय अनुदान), 2 + 1 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

46. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा में ट्यूमर डायनेमिक्स और प्रतिरक्षा कोशिका अंतःक्रियाएँ।, रियाज़ अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30 लाख रुपये

47. वसा ऊतक का उपयोग करके इंसुलिन-संवेदनशील और इंसुलिन-प्रतिरोधी मोटे और गैर-मोटे फेनोटाइप के बीच अंतर-कम्पार्टमेंटल क्रॉसटॉक को समझना, अर्चना सिंह (केंद्र पीआई), डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 19.2 लाख रुपये

9.3_.indd 226 1/8/2026 1:22:24 PM

48. सूजन संबंधी यकृत रोग एक्यूट-ऑन-क्रॉनिक लिवर फेल्योर (एसीएलएफ) में न्यूट्रोफिल विषमता की भूमिका और इसकी चिकित्सीय क्षमता को समझना,प्रज्ञान आचार्य,एसईआरबी, 3वर्ष, 2022-2025, रु 45,13,696/-

49. ग्लियोमा आक्रामकता में एफएटी1- विनियमित माइक्रोप्रोटीन एमआईपीईपी133 के महत्व को उजागर करना, डॉ. कुन्जांग चोसडोल, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2025-2028, 75.03 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

वर्ष की अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	49	42	49
कुल निधि (लाख में)	73.5 लाख रुपये	69.03 लाख रुपये	37.45 74 लाख

पूर्ण।

1. कोवैक्सिन और कोविशील्ड के प्रति अनुकूली प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ: एक तुलनात्मक अध्ययन, जयंत कुमार पलानीचामी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

2. अग्नाशय रोगों में केयर (सह-पीआई के रूप में), डॉ. प्रमोद गर्ग, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 5.06 करोड़ रुपये

3. सीआरआईएसपीआर-आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निदान और प्रयोगात्मक चिकित्सा विज्ञान का विकास, डॉ. कुन्जांग चोसडोल, डीबीटी (बहु-संस्थागत), 4 वर्ष, 2020-2024, 58.00 लाख रुपये

4. इन विट्रो में विभिन्न तंत्रिका कोशिका प्रकारों पर हाइपोक्सिया का प्रभाव - समय से पूर्व जन्मे शिशुओं में सेरेब्रल पाल्सी के विरुद्ध चिकित्सीय रणनीति तैयार करने के लिए एक मॉडल, डॉ. सुदीप सेन, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023 (15 अप्रैल 2024 तक कोई लागत विस्तार नहीं), 69 लाख रुपये

5. एचडीएल की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज-आधारित उत्प्रवाह परख के विरुद्ध लिपोसोम-आधारित कोलेस्ट्रॉल उत्प्रवाह परख का मूल्यांकन, अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023,रुपये28 लाख

6. अग्नाशय के कैंसर रोगियों के उपचार से पूर्व और पश्चात रक्त में ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, अंतःविषय आईआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2023, रुपये20 लाख

7. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) का जीनोमिक परिदृश्य", रियाज़ अहमद मीर, अंतःविषय आईएमआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2023, 20 लाख रुपये

8. बी-एएलएल में मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग: विवो में रोग का निदान और रसायन प्रतिरोध के साथ सहसंबंधित जीन नेटवर्क की पहचान और एक नया एक्स-विवो प्राथमिक संस्कृति मॉडल।, अर्चना सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल कोलैबोरेटिव ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023,रुपये20 लाख

9.3_.indd 227 1/8/2026 1:22:24 PM

9. एक सामान्य चयापचय नेटवर्क के उत्तल शंकु से प्रतिक्रिया-विशिष्ट पृथक्करण स्थिरांक का संख्यात्मक अनुमान", सिद्धार्थ कुंडू, एसईआरबी-मैट्रिक्स, 3 वर्ष, 2022-2025, 6 लाख रुपये

10. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा में एफएटी सिग्नलिंग की भूमिका: नए आणविक लक्ष्यों की पहचान और उनके नैदानिक जटिलताएं,डॉ. कुन्जांग चोसडोल,आईसीएमआर, साढ़े तीन साल, 2021-2024, 38.67 लाख रुपये

11. गॉल्ब्लैडर के कैंसर के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर नेटवर्क सिग्नलिंग की भूमिका", सुभ्रादीप कर्माकर, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024,रुपये60 लाख

12. एमडीएस में टीईटी2 की भूमिका, सुभ्रादीप कर्माकर, एम्स, 3 वर्ष, 2021-2024,रुपये10 लाख

13. मोटापे में सह-रुग्णताओं के न्यूनाधिक के रूप में विसराल एडीपोज़ टिशू (वैट) व्युत्पन्न कारकों का अध्ययन, डॉ. राखी यादव, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025,रुपये10 लाख

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एल483पी उत्परिवर्तन को ठीक करने के लिए साइटोसिन डीएनए बेस संपादन दृष्टिकोण और सीआरआईएसपीआर-निर्देशित आरएनए संपादन के साथ दक्षता की तुलना

2. मानव क्रोनिक अग्नाशयशोथ के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन

3. मेटाबोलिक डिसफ्यूकेशन से संबंधित स्टीटोटिक यकृत रोग (एमएएसएलडी) के प्रतिकूल परिणामों की प्रगति की निगरानी के लिए बायोमार्कर विकास की दिशा में एक एकीकृत नैदानिक प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण

4. थायरॉइड कार्सिनोमा में कुछ बायोमार्करों की भूमिका का विश्लेषण

5. थायरॉइड कैंसर में टीईएल2 की अभिव्यक्ति का विश्लेषण करें

6. प्रीक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी करने में स्थापित सीरम बायोमार्करों की तुलना में नए लार बायोमार्करों का आकलन - एक पायलट अध्ययन

7. एचआईवी-1 उपप्रकार सी संक्रमित व्यक्तियों के बी सेल रिसेप्टर भंडार का लक्षण वर्णन और एचआईवी-1 विरोधी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का उत्पादन

8. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के रोगियों में जेल्सोलिन जीन अभिव्यक्ति का लक्षण वर्णन और सूजन संबंधी मार्गों पर इसका प्रभाव

9. तीव्र या जीर्ण यकृत विफलता में मोनोसाइट्स एवं मैक्रोफेज का लक्षण वर्णन

10. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के स्पेक्ट्रम में एम.टी.बी. स्रावी प्रोटीन पीई3 इम्युनोजेनिक पेप्टाइड्स के विरुद्ध टी कोशिका प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का लक्षण वर्णन

11. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में एपिट्रांसक्रिप्टोमिक नेटवर्क की विशेषता

12. एक्यूट लिम्फोब्लास्ट ल्यूकेमिया में घुलनशील प्रोटीन को लक्षित करने वाली प्रतिरक्षा कोशिका चिकित्सा का विकास

9.3_.indd 228 1/8/2026 1:22:24 PM

13. माइटोकॉन्ड्रियल फिटनेस मापदंडों पर आहारीय एंटी-ऑक्सीडेंट का प्रभाव

14. डिम्बग्रंथि के कैंसर में पीओटीईबी के कार्यात्मक पहलुओं और अंतर्निहित एपिजेनेटिक विनियमन का स्पष्टीकरण।

15. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया को लक्षित करने वाले सिंथेटिक रिसेप्टर सर्किट के साथ चिकित्सीय कोशिकाओं की इंजीनियरिंग

16. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 अभिव्यक्ति का एपिजेनेटिक विनियमन

17. म्यूरिन कॉर्टिस अंग से प्राप्त कोशिकाओं में बाल कोशिका विभेदन पर सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता वाले एटीओएच1 के प्रभाव का मूल्यांकन

18. चयापचय संबंधी शिथिलता से जुड़े स्टेटोटिक यकृत रोग में संभावित बायोमार्कर के रूप में प्रोकोलेजन-3 और साइटोकेराटिन-18 का मूल्यांकन-

19. मोटापे में प्लेटलेट्स सक्रियण के मध्यस्थों के रूप में आंत के वसा ऊतक से प्राप्त पी-सेलेक्टिन ग्लाइकोप्रोटीन लिगैंड-1, थ्रोम्बोस्पोंडिन-1 और वर्सिकन का मूल्यांकन (एमएससी थीसिस)

20. मैक्रोफेज फ़ंक्शन के माइक्रोग्रैविटी-मध्यस्थता मॉड्यूलेशन में फ़ाइब्रोनेक्टिन/इंटीग्रिन/एक्टोमायोसिन-अक्ष की भूमिका की खोज: एक मॉडलिंग और सिमुलेशन अध्ययन"।

21. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 और ऑटोफैगी

22. कैंसर में एफएटी1 और चयापचय पुनर्प्रोग्रामिंग

23. एफएटी1 प्रोटीन: ग्लियोमा कोशिकाओं में इसका प्रसंस्करण और कोशिकीय कार्य

24. मानव दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) का कार्यात्मक विश्लेषण और कैंसर में स्थानिक जीनोम संगठन के साथ उनका संबंध।

25. ग्लियोमा कोशिकाओं में एफएटी1, पी53 और पी300 की कार्यात्मक अंतःक्रिया

26. ग्लियोमा कोशिकाओं में एफएटी1 और वाईएपी1 के बीच कार्यात्मक संबंध

27. एएमएल और एएमएल-एमआरसी में डीएनए मिथाइलेशन मशीनरी की जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल

28. संक्रमित बच्चों से प्राप्त एचआईवी-1 वायरल लिफाफे से संक्रामक आणविक क्लोनों का निर्माण और लक्षण-वर्णन

29. एचआईवी-1सी संक्रमित बाल चिकित्सा न्यूट्रलाइजर्स से वंश-आधारित लिफाफा ट्रिमर्स का निर्माण और लक्षण वर्णन

30. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नए प्रोस्टेट, प्लेसेंटा, अंडाशय, वृषण-व्यक्त (पीओटीई) एंटीजन की प्रतिरक्षा चिकित्सा क्षमता।

31. बाल चिकित्सा बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य और जैवजनन पर लिपिड मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग का प्रभाव

32. सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लाइसेमिया के विभिन्न स्तरों का प्रभाव

9.3_.indd 229 1/8/2026 1:22:24 PM

33. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के विभिन्न चरणों में एचएसपी70 परिवार के प्रोटीन की विभेदक जीन अभिव्यक्ति की जांच करना

34. माइटोकॉन्ड्रियल कार्यों और एंडोथेलियल स्वास्थ्य पर सेरामाइड-स्फिंगोसिन अक्ष की भूमिका की जांच

35. प्राकृतिक एचआईवी-1 संक्रमण के दौरान उत्पन्न मानव न्यूट्रलाइजिंग मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का पृथक्करण और लक्षण वर्णन।

36. क्रोनिक यकृत विफलता में तीव्र गुर्दे की चोट के तंत्र

37. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी/बी2 का आणविक तंत्र

38. ग्लियोमा में एफएटी1 जीन और लिपिड चयापचय के बीच आणविक संबंध

39. थायराइड कैंसर में आर2टीपी अभिव्यक्ति और महत्व

40. रिसेप्टर-रिसेप्टर इंटरैक्शन जो तीव्र-क्रोनाइट यकृत विफलता में सूजन को नियंत्रित करता है

41. रिसेप्टर-टीएलआर इंटरैक्शन तीव्र-पर-जीर्ण यकृत विफलता (एसीएलएफ) में सूजन को नियंत्रित करते हैं

42. आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के कार्य को हाईजैक करने में ई7 की भूमिका

43. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा में एफएटी सिग्नलिंग की भूमिका: नए आणविक लक्ष्यों की पहचान और उनकी नैदानिक जटिलताएं

44. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम सेल प्रवासन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका

45. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के अस्तित्व और ट्यूबरकुलोसिस के पुनर्सक्रियन में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका

46. एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्राकृतिक किलर कोशिकाओं की भूमिका

47. ओरल डिस्प्लेसिया के घातक परिवर्तन में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका

48. ग्लियाल ट्यूमरजनन में प्रोथिमोसिन की भूमिका

49. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 और माइक्रोप्रोटीन के बीच कार्यात्मक संबंध का अध्ययन

50. वयस्क फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के टीएसटी और आईजीआरए नकारात्मक घरेलू संपर्कों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन

51. मोटे और गैर-मोटे व्यक्तियों के एडिपोसाइट्स में प्रोटीएज़ सक्रिय रिसेप्टर 4 (पीएआर 4) और एनएलआरपी3 इन्फ्लेमासोम की अभिव्यक्ति की मात्रात्मक तुलना का अध्ययन (एमडी थीसिस) - 2024 में आईसीएमआर एमडी थीसिस सहायता से सम्मानित

52. पेरिअम्पुलरी कैंसर में एफएटी1-पीडीसीडी4 सिग्नलिंग का अध्ययन

53. कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिकली स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर पर अध्ययन।

9.3_.indd 230 1/8/2026 1:22:24 PM

54. कैंसर कोशिका फेनोटाइप में परिवर्तन के लिए कोशिका रेखाओं में एफएटी-1 जीन का लक्षित एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन

55. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के स्पेक्ट्रम में अद्वितीय टी कोशिका एपिटोप्स के विरुद्ध कोशिका मध्यस्थता प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को चिह्नित करना

56. वयस्क फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के स्पेक्ट्रम में एमटीबी एंटीजन पीपीई15 और पीई पीजीआरएस45 के खिलाफ टी सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को चिह्नित करना

57. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतक विकार में ईसीएम-एडिपोसाइट संचार की भूमिका को स्पष्ट करना (पीएचडी थीसिस)

58. गामा डेल्टा टी-कोशिकाओं पर ट्यूमर व्युत्पन्न एक्सोसोम के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना

59. बाल चिकित्सा बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य के मॉड्यूलेटर के रूप में वीडीएसी और वीडीएसी से संबद्ध प्रोटीन

पूर्ण

1. एलपीएस/पीजीई2/सीएएमपी-अक्ष और मैक्रोफेज ध्रुवीकरण के चयापचय प्रेरण के बीच संबंधों की जांच करने के लिए एक गणितीय मॉडलिंग और सिमुलेशन अध्ययन"

2. तीव्र-पर-जीर्ण यकृत विफलता (एमएससी) वाले रोगियों के सीरम में कोशिका-मुक्त न्यूक्लिक एसिड का विश्लेषण

3. तीव्र-पर-जीर्ण यकृत विफलता में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का लक्षण वर्णन

4. प्लास्मोडियम विवैक्स से संक्रमित गंभीर और हल्के मलेरिया रोगियों में तुलनात्मक टीएनएफ अल्फा प्रोफाइलिंग

5. पर्यावरण कणिकीय पदार्थ (शहरी प्रदूषक) और गैसीय (एसओ) प्रदूषकों का प्लेसेंटल ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण और विभेदन पर प्रभाव: प्लेसेंटल अपर्याप्तता और भ्रूण विकास में प्रदूषण की भूमिका पर एक अंतर्दृष्टि

6. मल्टीपल मायलोमा कोशिकाओं में लंबी श्रृंखला फैटी एसिड व्युत्पन्नों और निफ्लुमिक एसिड की सहायक और ट्यूमरजन्य क्षमता को स्पष्ट करना

7. एसीएलएफ व्युत्पन्न न्यूट्रोफिल की कीमोटैक्टिक क्षमता का मूल्यांकन।

8. पेम्फिगस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में मैक्रोफेज और एनके कोशिकाओं की खोज

9. पेम्फिगस वल्गेरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में जन्मजात लिम्फोइड कोशिकाओं की भूमिका की खोज

10. ग्लियोमा में एफएटी1 और एमआईआरएनए की कार्यात्मक अंतःक्रिया

11. इम्यूनोजेन डिज़ाइन की दिशा में बाल चिकित्सा एचआईवी-1 लिफ़ाफ़ा ट्रिमर्स का निर्माण और लक्षण वर्णन

9.3_.indd 231 1/8/2026 1:22:24 PM

12. विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2016 के ग्लियोमा वर्गीकरण के संदर्भ में ग्लियोमा के आणविक हस्ताक्षर

13. एथेरोस्क्लेरोसिस में माइलॉयड व्युत्पन्न दमनकारी कोशिकाओं (एमडीएससी) और नियामक टी कोशिकाओं (टीआरईजी) का फेनोटाइपिक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन

14. सीलिएक रोग में छोटी आंत की बायोप्सी का प्रोटिओमिक्स

15. विटिलिगो में मैक्रोफेज की भूमिका

16. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में मेमोरी टी कोशिकाओं की भूमिका

17. मूत्राशय कैंसर में ऑटोफैगी और संबंधित अणुओं में ओएएमएस की भूमिका

18. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच सिग्नलिंग इंटरैक्शन

19. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में बी कोशिका उपसमूहों और उनके प्रतिरक्षा नियामक कार्यों का अध्ययन

20. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के विरुद्ध जीवित एंटीबायोटिक के रूप में बीडेलोविब्रियो बैक्टीरियोवोरस का अध्ययन

21. हाइपरट्राइग्लिसराइडेमिया में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण: एक खोजपूर्ण अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बेरियाट्रिक सर्जरी के अच्छे बनाम खराब प्रतिक्रियाकर्ताओं में चयापचय लचीलेपन के पूर्वानुमान के रूप में वसा ऊतकों में फाइब्रोटिक मध्यस्थों की तुलना करने वाला एक अग्रदर्शी पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा, एम्स दिल्ली

2. गैर-सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस रोगियों में विटामिन डी अनुपूरण की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा

3. गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर के रोगियों के उपचार में टायरोसिन काइनेज अवरोधकों के क्रोनोफार्माकोकाइनेटिक्स और क्रोनो-जीनोमिक्स की भूमिका को समझने के लिए एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल, नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान

4. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों में अंतर्निहित प्रतिरक्षा घाटे और सह-संक्रमण पर एक अध्ययन, काय चिकित्सा

5. आक्रामक नेत्र संबंधी दुर्दमताओं में नवीन आणविक लक्ष्य के रूप में असामान्य लिपिड चयापचय मार्ग, विकृति विज्ञान, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स

6. एनीमिया पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र के भाग के रूप में एनीमिया अनुसंधान कंसोर्टियम, सामुदायिक चिकित्सा

7. फेफड़ों के कैंसर के ज़ेनोग्राफ्ट माउस मॉडल में एक चयनित यूनानी दवा का कीमोथेरेपीटिक प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान

9.3_.indd 232 1/8/2026 1:22:25 PM

8. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर रोगियों में टायरोसिन काइनेज अवरोधकों के क्रोनो-फार्माकोकाइनेटिक्स और क्रोनो-जीनोमिक्स: आरसीटी, भेषजगुण विज्ञान

9. एकाधिक आसन्न मसूड़े की गिरावट के उपचार के लिए संशोधित कोरोनली उन्नत फ्लैप के साथ संयोजी ऊतक ग्राफ्ट बनाम वॉल्यूम स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स का उपयोग करने के परिणामों की तुलना: आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, पीरियोडोंटिक्स (सीडीईआर एम्स)

10. पीडीएक्स मॉडल में एआई-निर्देशित गणना-आधारित अनुकूलन, संश्लेषण और प्रीक्लिनिकल मूल्यांकन का उपयोग करके स्तन कैंसर के लिए एक बहुलक्षित दवा के रूप में डीडीपीएमपीवाईपीईपीयू का विकास, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

11. ट्यूबरकुलोसिस और मलेरिया के विरुद्ध साझा मल्टीएपिटोप वैक्सीन का विकास और पूर्व-नैदानिक सत्यापन, टीबी इम्यूनोलॉजी समूह, आईसीजीईबी

12. पाइरेथ्रोइड एक्सपोज़र और पार्किंसंस रोग के बीच संबंध का खोजपूर्ण विश्लेषण: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान

13. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में चिकित्सीय बीसीएमए (बी कोशिका परिपक्वता प्रतिजन) विशिष्ट एंटीबॉडी का उत्पादन और लक्षण वर्णन, के चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. बचपन में अंतरालीय फेफड़े की बीमारी के तीव्र प्रकोप में मेजबान और पर्यावरणीय कारक, के बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

15. ट्यूबरकुलोसिस के बाद के फुप्फुसीय परिणामों के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा हस्ताक्षर और न्यूट्रोफिल की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान

16. इम्यूनोपोरोसिस: ऑबटेओपोरोसिस में जीटीयू-इन्नेट कोशिकाओं की भूमिका स्थापित करना, के जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. मूत्र मार्ग में संक्रमण की संभावना वाले जन्मजात यूरोपैथी से ग्रस्त बच्चों के आंत माइक्रोबायोम प्रोफाइल पर मेजबान जीनोमिक परिदृश्य और पर्यावरणीय कारक का प्रभाव, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

18. आईएमआरजी: दिल्ली की एक शहरी झुग्गी बस्ती में पोषक तत्वों के सेवन, मानवमिति और चयनित सीरम बायोमार्करों द्वारा गर्भवती महिलाओं की पोषण स्थिति का आकलन - एक समुदाय आधारित संभावित अध्ययन,सामुदायिक चिकित्सा

19. मूत्र पथ के संक्रमण से ग्रस्त जन्मजात यूरोपैथी से ग्रस्त बच्चों के मूत्र माइक्रोबायोम-मेटाबोलोम प्रोफाइल पर विटामिन डी-बाइंडिंग प्रोटीन जीन पॉलीमॉर्फिज्म का प्रभाव, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. साँस द्वारा उत्सर्जित सांस संघनित पदार्थ (ईबीसी) का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर में नैदानिक रूप से प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तन और जोखिम बायोमार्करों की जांच करना, पल्मोनरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. पश्च मूत्रमार्ग मान वाले लड़कों में डीएनए मिथाइलेशन प्रोफ़ाइल की जांच, गुर्दे के कार्य में प्रगतिशील गिरावट की संभावना,बाल शल्य चिकित्सा विभाग,एम्स, नई दिल्ली

9.3_.indd 233 1/8/2026 1:22:25 PM

22. मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ डेंगू वायरस से संक्रमित रोगियों में बनती हैं,जैव प्रौद्योगिकी विभाग, रसायन एवं जीवन विज्ञान विद्यालय, जामिया हमदर्द

23. गंभीर सेप्सिस में इम्यूनोपैरालिसिस की व्यापकता, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

24. एंडोमेट्रियल कैंसर के रोगियों में विसफैटिन और एडिपोनेक्टिन के सीरम स्तर और पाइरूवेट काइनेज एम2 के ऊतक अभिव्यक्ति की रोगसूचक भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग

25. अदरीय भित्ति के हर्निया के रोगजनन में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीज़ और उनके अवरोधकों की भूमिका - एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन, शल्य चिकित्सा, एम्स, दिल्ली

26. एकल-कोशिका ट्रांसक्रिप्टोमिक्स का उपयोग करके वृद्धावस्था और बाल्यावस्था ल्यूपस में एसएलई विषमता को लक्षित करना और रोगी-विशिष्ट सटीक चिकित्सा के लिए सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन संपादन प्रणाली का उपयोग करके सत्यापन करना", मणिपाल विश्वविद्यालय, एमएएचई

27. अग्नाशय के कैंसर रोगियों के ट्यूमर स्थल में मौजूद भिन्न रूप से अभिव्यक्त माइक्रो-आरएनए और उनके प्रोटीन लक्ष्यों की भूमिका निर्धारित करना।, शल्य चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

28. कोरोनरी आर्टरी रोग में इन्फ्लेमसोम मार्ग को विनियमित करने वाले एमआईआरएनए नेटवर्क से संबंधित एथेरोस्क्लेरोटिक जोखिम कारकों की जांच करना, हृद विज्ञान, एम्स

29. $\gamma\delta$ टी कोशिकाओं पर ट्यूमर व्युत्पन्न एक्सोसोम के इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, जैव रसायन

30. एडेनोइड सिस्टिककार्सिनोमा में नवीन मार्गों को परिभाषित करने कार्सिनोमा और नैदानिक परिणामों के साथ सहसंबंध स्थापित करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, विकृति विज्ञान, डॉ रा.प्र. केंद्र, एम्स

वर्ष	जैव रसायन विज्ञान में विभागीय परियोजनाओं की कुल संख्या	जैव रसायन विज्ञान में सहयोगी परियोजनाओं की कुल संख्या
2022-2023	67	68
2023-2024	63	49
2024-2025	60	30
कुल	**190**	**147**

पूर्ण

1. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं का उपयोग करके हाइड्रोजन सल्फाइड मध्यस्थता वाले ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन एवं प्रीक्लेम्पसिया में उनके संबंध पर एक अध्ययन, शरीर रचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. अग्नाशय के कैंसर के रोगियों के उपचार से पहले और बाद में रक्त में ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, शल्य चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

9.3_.indd 234 1/8/2026 1:22:25 PM

3. बेरियाट्रिक सर्जरी के बाद वजन कम होने के पूर्वानुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार तथा वजन कम बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, शल्य चिकित्सा एम्स दिल्ली
4. घातक अश्रु ग्रंथि ट्यूमर का आणविक लक्षण वर्णन, विकृति विज्ञान, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स
5. यूवीअल मेलेनोमा में एनएफकेबी मार्ग का आणविक लक्षण वर्णन, विकृति विज्ञान, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स

रोगी उपचार

पोरफाइरिया परीक्षण:

यह परीक्षा हमारे विभाग में वर्ष 2020 से शुरू की गई थी

2022-2023	2023-2024	2024-2025
87	150	223

क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला (पोरफाइरिया परीक्षण) एम्स, दिल्ली के बायोकैमिस्ट्री विभाग के अंतर्गत एक छोटे आकार की प्रयोगशाला (<100 नमूने/दिन) है। यह संस्थान के पंजीकृत रोगियों को पोरफाइरिया स्क्रीनिंग परीक्षण करके नैदानिक सेवाएँ प्रदान करती है। युरिन में पोरफोबिलिनोजेन (वाटसन श्वार्ट्ज़ अभिक्रिया) की उपस्थिति का आकलन करने के लिए एक गुणात्मक परीक्षण उपलब्ध है।

यह परीक्षण एचसीपी (वंशानुगत कोप्रोपोरफाइरिया), एआईपी (घातक आंतरायिक पोरफाइरिया) और वीपी (विविध पोरफाइरिया) की जाँच करता है। दूसरा परीक्षण अर्ध-मात्रात्मक है जिसमें मूत्र एवं प्लाज्मा पोरफाइरिन को एक विशिष्ट स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक तरंगदैर्ध्य पर प्रतिदीप्ति तीव्रता के शिखर के रूप में मापा जाता है। ये परीक्षण चौबीस घंटे के टर्नअराउंड समय के साथ मैन्युअल रूप से किए जाते हैं।

तीन परीक्षणों के पैनल के अनुसार, परीक्षणों/जांच की संख्या प्रति रोगी नमूने में तीन गुना होती है।

गुणवत्ता नियंत्रण:

नियमित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले एक वर्ष से बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) में सफल मासिक भागीदारी।

आगे यह भी बताया जाता है कि लैब को एनएबीएल मान्यता प्राप्त है और अब सभी परीक्षण एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं। हमारी दो संकाय-सदस्य डॉ. राखी यादव और डॉ. अर्चना सिंह रीनल लैब की प्रभारी हैं। वे गुणवत्ता आश्वासन और हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण की भी प्रभारी हैं।

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 45 **सार: 04** **पुस्तक में अध्याय: 02**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिका में छापे लेख	69	56	45

9.3_.indd 235 1/8/2026 1:22:25 PM

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सार	18	12	4
कुल प्रकाशित अध्यायों की संख्या	01	03	2
कुल	88	71	51

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. कल्पना लूथरा एफआईएमएसए इम्यूनोलॉजी कोर्स की प्रशिक्षक और बीआरआईसी-टीएचएसटीआईमें 13-15 फ़रवरी 2025 को आयोजित जीआईएस-2025 (ग्लोबल इम्यूनोलॉजी समिट) में मुख्य वक्ता थी। वह 1 अप्रैल 2024 से सीमेटआई, एम्स, नई दिल्ली की अध्यक्ष थीं।राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) की फेलो थी। वह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज इंडिया (एफएएमएस) की फेलो थीं। राष्ट्रीय एचआईवी कोहोर्ट कार्यक्रम (भारतीय बच्चों और वयस्कों में एचआईवी प्रतिरोध और प्रगति के कोहोर्ट - सीओएचआरपीआईसीए) के लिए रिपोजिटरी एक्सेस कमेटी (आरएसी) की सह-अध्यक्ष रहीं। वह सितंबर 2021 से 3 वर्षों के लिए राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएबी) हैदराबाद के शासी निकाय की सदस्य थीं।। वह 26 अप्रैल 2024 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी संकाय (एफएलएसबी) के संकाय सदस्यों की पदोन्नति के लिए मूल्यांकन समिति की सदस्य थी। वह जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) में अनुवाद संबंधी गतिविधियों के लिए विशेषज्ञ समिति थी। वह सन फार्मा साइंस फाउंडेशन साइंस स्कॉलर अवार्ड्स 2022-2024 के लिए जूरी की सदस्य थी। वह टीएचएसटीआई-जेएनयू शैक्षणिक समिति की सदस्य थी। वह 5-6 अगस्त 2024 को आईएबीएस-24 उत्तर-क्षेत्र के वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति की सह-अध्यक्ष थी। वह 21 और 22 अक्टूबर 2024 को अखिल भारतीय चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविद् संघ द्वारा आयोजित 43वें अखिल भारतीय सम्मेलन एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी “लैबटेककॉन 2024” की संरक्षक थी। उन्होंने 16 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स, सीएसआईआर-सीसीएमबी ओपन हाउस का आयोजन किया। वह इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसलेशनल रिसर्च की आजीवन सदस्य थी। वह प्रारंभिक कैरियर की परियोजना समीक्षा समितियों (बेसिक साइंस-कमेटी-1) की सदस्य थी। वह एस्पायर लाइफ साइंसेज रिसर्च कमेटी की सदस्य थीं। वह एम्स के एमबीबीएस, चरण I हेतु शिक्षण पाठ्यक्रम समिति की अध्यक्ष थीं। वह वार्षिक रिपोर्ट समिति की सह-अध्यक्ष थीं। एम्स नई दिल्ली में एकल उत्तरदायी बोली निविदा की जांच के लिए सदस्य थी। वह डीबीटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्विपक्षीय कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही एवं पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक की सदस्य थी। वह (चिकित्सा विज्ञान) सीएसआईआर-एचआरडीजी की यात्रा अनुदान और संगोष्ठी प्रबंधन (टीजीएसएम) इकाई की सदस्य थी। वह इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल जैव रसायन के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थी। वह एनएमसी अधिनियम, एमओएचडब्ल्यू के तहत केंद्र सरकार को भेजी गई अपीलों से निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) समिति की सदस्य थीं। 23 दिसंबर 2020 से यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी की अध्यक्ष थी। वह एमस्फीयर को प्रस्तुत पांडुलिपि की समीक्षक थी। वह अप्रैल 2022 से डीबीटी के संक्रामक रोग जीव विज्ञान कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति की सदस्य थी।

प्रो. अल्पना शर्मा को आईएमएमयूएनओसीओएन-2024 में आईआईएससी बैंगलोर के इंड इम्यूनोलॉजी सोसाइटी द्वारा आईआईएस- सीनियर साइंटिस्ट ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें नॉर्थ अमेरिकन वैस्कुलर बायोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (एनएवीबीओ) से मेरी पीएचडी छात्रा कोमल सागर द्वारा अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में जुलाई 2024 में आयोजित वैस्कुलता मीटिंग में यात्रा पुरस्कार

9.3_.indd 236 1/8/2026 1:22:25 PM

मिला। वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज के जैव रसायन विभाग की अनुसंधान समिति में बाह्य विशेषज्ञ थीं।

प्रो. कुन्जांग चोसडोल ने 8 मार्च 2025 को एमएएमसी में जैवरसायन में प्रगति पर सीएमई कार्यक्रम के दौरान डॉ पी लाली मेमोरियल में व्याख्यान दिया, जिसका विषय था "बायोमार्कर और उससे आगे: व्यक्तिगत चिकित्सा में जैवरसायन की बढ़ती भूमिका" पर एक कार्यशाला सत्र की अध्यक्षता की "सैंगर अनुक्रमण, खंड विश्लेषण और डिजिटल पीसीआर" के दौरान न्यूरोविकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया का 7वां वार्षिक सम्मेलन (एनपीएसआईसीओएन 2025). आयोजक: तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला, एम्स, नई दिल्ली, 20 फरवरी 2025, सेट सुविधा, एम्स, दिल्ली।

प्रो. अर्चना सिंह II को केपी सिन्हा-पीएस कृष्णन पुरस्कार- इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल जैव रसायन में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ पेपर: सुधासिनी पांडा, अंबरीश तिवारी, विवेक कुमार, कल्पना लूथरा, कुलदीप कुमार, अर्चना सिंह* पुरस्कार प्रदान किया गया। फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के करीबी घरेलू संपर्कों में सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस के विकास के खिलाफ विटामिन डी की सुरक्षात्मक भूमिका: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन। इंड जे क्लिन बायोकेम (2023)। अलीशा अरोड़ा (पीएचडी छात्रा) (पोस्टर प्रस्तुति): (एफआईएमएसए 2024 यात्रा पुरस्कार): ट्यूबरकुलोसिस और टाइप 2 मधुमेह में जन्मजात प्रतिरक्षा: नैदानिक परिणामों के लिए लक्षण वर्णन को जोड़ना। दीपक वत्स (पीएचडी छात्र) (पोस्टर प्रस्तुति): (एफआईएमएसए 2024 यात्रा पुरस्कार): दीपक वत्स (पीएचडी छात्र) : सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, एसीबीआईसीओएन 2024: क्षय रोग के उपचार में सुधार: माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानि और मानव बीटा डिफेन्सिन-2 की भूमिका। दीपक वत्स (पीएचडी छात्र) (एम्स अनुसंधान दिवस 2024 में पोस्टर प्रस्तुति): प्रशंसा प्रमाण पत्र: फुप्फुसीय क्षय रोग के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदान करने में आईएफएन-γ स्वतंत्र सीडी4+ टी कोशिका उपसमूहों की भूमिका का अन्वेषण।शेख अब्दुल मुबीन रहीम मुबीन (एमडी छात्र) (एम्स अनुसंधान दिवस 2024 में पोस्टर प्रस्तुति): प्रशंसा पुरस्कार: सीडी14++सीडी16- क्लासिकल मोनोसाइट उपसमूह आईएल-1β स्रावित करता है और उच्च मोनोसाइट से लिम्फोसाइट अनुपात "ट्यूबरकुलोसिस प्रतिरोधी" फेनोटाइप से जुड़ा हुआ है।

प्रो. जयंत कुमार को ट्रस्ट फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन साइटोमेट्री टीईटीसी बेस्ट पेपर अवार्ड (क्लिनिकल) (फरवरी 2025) के लिए चयनित किया गया। एम्स रिसर्च एक्सीलेंस पुरस्कार: बेसिक साइंस रिसर्च में प्रथम पुरस्कार (जनवरी 2025)। कार्यशाला: इंटरसेप्टिंग चाइल्डहुड ब्लड कैंसर: फ्रॉम सिंगल सेल्स टू मैलिग्नेंट क्लोन्स, डसेलडोर्फ, जर्मनी के लिए ईएमबीओ ट्रैवल ग्रांट (मई 2024)।

डॉ. प्रज्ञान आचार्य को प्राप्त नैदानिक अनुसंधान में एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (उत्कृष्टता प्रमाणपत्र) प्रदान किया गया। एम्स एंडोमेंट अधिनियम के अंतर्गत एम्स अंतर्राष्ट्रीय यात्रा फ़ेलोशिप। भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी का 2025 का "इम्यूनोलॉजी में महिलाएँ" पुरस्कार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग और आईसीएमआर में टास्क फ़ोर्स सदस्य। (i) आईआईटी दिल्ली (एमएससी), (ii) भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु (पीएचडी), (iii) वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय, यूके (पीएचडी) के लिए मूल्यांकन किए गए शोध का मूल्यांकन। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी और फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी के सह-संपादक।

डॉ. राखी यादव, क्लिनिकल जैव रसायन प्रयोगशाला- पोरफाइरिया परीक्षण (जैव रसायन विभाग) अब एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है (एमसी 7096 दिनांक 16 जनवरी 2025), की प्रभारी थी। एनएबीएल मान्यता प्रमाणपत्र आईएसओ15189:2022 (चिकित्सा प्रयोगशालाओं के लिए) के अनुसार जारी किया गया है। प्रयोगशाला पोरफाइरिया के लिए निम्नलिखित स्क्रीनिंग परीक्षण कर रही है: 1. मूत्र पोरफोबिलिनोजेन 2. प्लाज्मा/मूत्र पोरफाइरिन स्क्रीनिंग 3. मूत्र कुल पोरफाइरिन-क्रिएटिनिन अनुपात।

9.3_.indd 237 1/8/2026 1:22:25 PM

डॉ. प्रमोद कुमार गौतम ने मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया- 30 जनवरी 2025 को आयोजित चौथे शोध दिवस के दौरान डॉ. पवित सिंह (मेरे मार्गदर्शन में आईसीएमआर-एसटीएस फेलो) को पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रस्तुति का शीर्षक: अग्नाशय के कैंसर के रोगियों में विभेदक एक्सोसोमल प्रचुरता का अध्ययन करना। पारिस्थितिकी - मूल विज्ञान में इन्फोसिस सर्वश्रेष्ठ पेपर, 30 जनवरी 2025 को आयोजित चौथे शोध दिवस के दौरान प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। लेख का शीर्षक: टीएमई की पुनरावृत्ति हेतु 3डी कैंसर स्फेरॉइड्स में माइक्रोफेज का आगमन तथा क्रिमोथेरेपेटिक ड्रग कार्यशीलता को व्यवस्थित करने के लिए कैंसर कोशिकाओं एवं माइक्रोफेज में संबंध उजागर करना। 24-26 मार्च, 2025 को आईएनएसईवी द्वारा जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "ईवीओएलवीई 2025" में अंकित कुमार (मेडिकल जैव रसायन में मेरे निर्देशन में एमएससी छात्र) को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार दिया गया। सार का शीर्षक: अग्नाशय वाहिनी एडेनोकार्सिनोमा (पीडीएसी) रोगियों में भिन्न रूप से अभिव्यक्त एक्सोसोमल एमआईआरएनए की पहचान और सत्यापन।

डॉ. कार्तिकेयन पेथुसामी को सन फार्मा साइंस फाउंडेशन क्लिनिकल रिसर्च फेलोशिप (3 वर्षीय फेलोशिप) से सम्मानित किया गया। फेमर फेलोशिप (2 वर्षीय फेलोशिप) में नामांकित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक:

निम्नलिखित वैज्ञानिकों ने विभाग का दौरा किया एवं व्याख्यान दिए:

1. डॉ. मुबाशिर अहमद इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक रिसर्च एंड बायोमैकेनिक्स ट्रॉमा रिसर्च सेंटर उल्म यूनिवर्सिटी जर्मनी 20 नवंबर 2024
2. डॉ. रायीस अंद्राबी, मेडिसिन के एसोसिएट आचार्य, पेरेलमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन, संक्रामक रोग विभाग, मेडिसिन विभाग, पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय, जनवरी 2025
3. डॉ. प्रतीक भारद्वाज येल यूनिवर्सिटी, 14 जनवरी 2025

विभागीय अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में

1. स्मिता भाटिया एमडी, एमपीएच इंफोसिस चेयर ऑन्कोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा यूएसए
2. श्री प्रवीण कुमार गुप्ता, प्रबंध निदेशक, प्रेमास लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड।
3. डॉ. अमरनाथ नटराजन, रूथ ब्रानहम आचार्य, यूएनएमसी एपली इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन कैंसर एंड एलाइड डिजीज
4. डॉ. सोनी देशवाल, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजी ऑफ एजिंग, कोलोन, जर्मनी

9.3_.indd 238 1/8/2026 1:22:25 PM

9.4 जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीतू सिंह

आचार्य

संदीप झा

सह-आचार्य

दिनेश कल्याणसुंदरम
अनूप सिंह
अमित मेहंदीरत्ता
दीपक जोशी
जयंत भट्टाचार्य

सहायक आचार्य

अर्नब चंदा
बिस्वरूप मुखर्जी
सचिन कुमार बी नवीन कुमार
सर्वेश कुमार प्रिया वशिष्ठ
आरात कालरा
प्रदीप्ता मुखर्जी

प्रतिष्ठित आचार्य

हरपाल सिंह

अतिथि आचार्य

केके दीपक

डीएसटी इंस्पायर संकाय

परवेज शेख

विशिष्टताएं

जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना 1971 में एम्स, नई दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के संयुक्त उद्यम के रूप में हुई थी। विभाग ने चिकित्सा तथा जैविक समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों को लागू किया है। विभाग भारत के प्रमुख संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगी परियोजनाएँ चला रहा है।

विभाग का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार एवं निदान, उपचार प्रतिक्रियाओं का अनुवर्तन, औषधि वितरण एवं रोग उपचार में सहायता के लिए तकनीकों, उपकरणों और विधियों का विकास करना है। विभाग के संकायगण निम्नलिखित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए समर्पित हैं:

- बायोमैटिरियल्स
- बायोइंस्ट्रूमेंटेशन

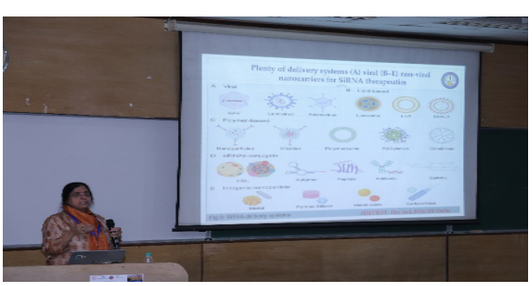
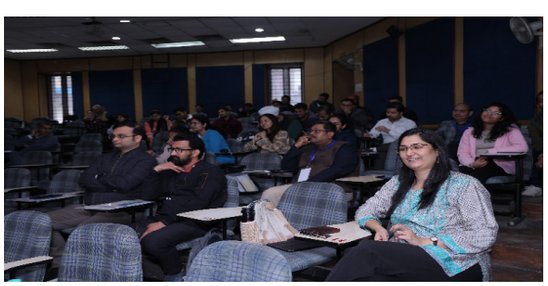
9.4_.indd 239 1/9/2026 5:20:17 PM

- जैवयांत्रिकी
- मेडिकल इमेजिंग
- मेडिकल इम्प्लांट

पिछले वर्ष की निम्नलिखित विशिष्टताओं एवं उपलब्धियों का वर्णन:

1. अमित मेहंदीरत्ता को यूएसए में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम) 2024 की 32वें अनुष्ठान में ईके ज़ावोस्की पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
2. ऋषभ बाजपेयी: आईआईटी दिल्ली से डॉक्टरेट अनुसंधान पुरस्कार 2024 में डिस्टिंक्शन प्राप्त की।
3. ऋषभ बाजपेयी: सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए संजीव भाटिया मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित, यह पुरस्कार उन्हें आगामी दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा।
4. अपूर्वा (एमटेक छात्र): देश भर के 100 छात्रों में से रिलायंस स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति के लिए चयनित, जिसकी राशि 6,00,000 रुपये है।
5. मार्च 2025 में भारत सरकार द्वारा 'क्वांटम जैव प्रौद्योगिकी' पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की उच्च स्तरीय संचालन समिति का एक हिस्सा है, जिसे एक मजबूत दृष्टिकोण के लिए क्वांटम विज्ञान और जीव विज्ञान के इंटरफेस पर अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करने का कार्य सौंपा गया था।
6. मस्तिष्क और संज्ञानात्मक विज्ञान संगोष्ठी का सह-आयोजन किया गया, जो सितंबर 2024 में आईआईटी दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन था, जिसमें मस्तिष्क और संज्ञानात्मक विज्ञान की उभरती बहु-विषयक सीमाओं पर वार्ता हेतु अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने भाग लिया।
7. संस्थान में क्वांटम जैव विज्ञान से संबंधित सभी क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी दिल्ली क्वांटम बायोलॉजी इनिशिएटिव (द क्यूबी) का नेतृत्व किया।



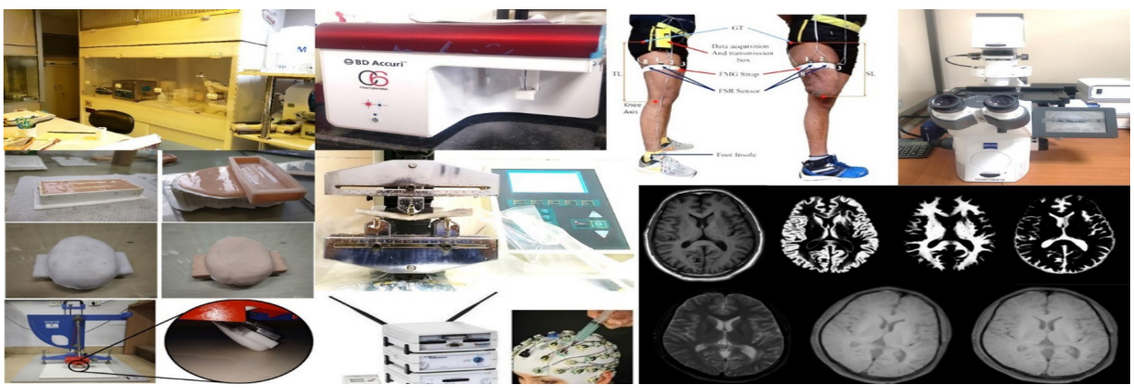
9.4_.indd 240 1/9/2026 5:20:17 PM

शिक्षा

अनुसंधान के अलावा यह विभाग शिक्षण में भी संलग्न है, जहाँ आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग से संबंधित पीजी, यूजी और प्री-पीएच.डी पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। वर्तमान में, विभाग के संकायगण द्वारा 58 पीएच डी. छात्र और 7 एमटेक छात्र अध्ययनरत हैं। पिछले वर्ष सात पीएच.डी छात्र और छह एमटेक छात्रों ने उपाधि प्राप्त की।

आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग में पीएच.डी कार्यक्रम

पीएच.डी कार्यक्रम में प्रवेश सामान्यतः जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग केंद्र (सीबीएमई) द्वारा अपनी केंद्र अनुसंधान समिति (सीआरसी) के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के आधार पर दिया जाता है। सीआरसी सर्वोत्तम उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए लिखित परीक्षा, या कई साक्षात्कार, या अन्य परीक्षण विधियों का भी उपयोग कर सकता है। प्रत्येक वर्ष प्रथम सेमेस्टर के लिए मार्च में और दूसरे सेमेस्टर के लिए अक्टूबर में आईआईटी-दिल्ली के वेब पोर्टल पर विज्ञापन द्वारा उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।



आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग में एमटेक कार्यक्रम







9.4_.indd 241 1/9/2026 5:20:17 PM

आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग में एमएसआर कार्यक्रम



वर्ष (2024-2025) के लिए सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. खेल के दौरान लगने वाली चोटों की रोकथाम के लिए मांसपेशी संकुचन अवस्थाओं के बायोमैकेनिकल मॉडलिंग और वर्गीकरण के लिए एक पहनने योग्य मल्टीमॉडल सेंसिंग सिस्टम (यूके के एक्सेटर विश्वविद्यालय के सहयोग से आईआरडी की एमएफआईआरपी योजना के तहत), डॉ. बिस्वरूप मुखर्जी, आईआरडी, आईआईटी दिल्ली, भारत, 5,00,000 रुपये
2. बैलिस्टिक मूल्यांकन के लिए बायोफिडेलिक मानव ऊतक सिमुलेंट, डॉ. अर्नब चंदा, रक्षा मंत्रालय, एआरएमआरईबी, भारत, 2,50,87,411 रुपये
3. आईआईटी दिल्ली में व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा पर उत्कृष्टता केंद्र: भारत का पहला सेंटर फॉर प्रिसिजन मेडिसिन एण्ड मेडटेक, डॉ. नीतू सिंह,"वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क, वाधवानी फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारत, 1,30,00,000 रुपये

9.4_.indd 242 1/9/2026 5:20:17 PM

4. ट्रांसलेशनल रिसर्च सेंटर हिरोशिमा विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगी अनुसंधान परियोजना। डॉ. दीपक जोशी, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान, 18,95,010 रुपये

5. जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, डॉ. आरत प्रत्यक्ष कालरा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार भारत, 79,55,980 रुपये

6. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग का उपयोग करके सारकोमा में पुल्मोनरी नोड्यूल्स की घातक क्षमता का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल का विकास तथा इसका संभावित सत्यापन (एम्स के सहयोग से आईआरडी एमएफआईआरपी योजना के तहत), डॉ. अमित मेहंदीरत्ता, आईआरडी, आईआईटी दिल्ली, भारत 10,00,000 रुपये

7. ऑक्लूसल कैरीज़ का पता लगाने तथा इसके वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली का विकास तथा मूल्यांकन, डॉ. अनूप सिंह, आईसीएमआर, भारत, 13,72,314 रुपये

8. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित केंद्रीय शिरापरक कैनुलेशन के लिए रोबोटिक जांच धारक उपकरण का विकास तथा सत्यापन, डॉ. दीपक जोशी, डीएसटी इंडिया, 48,35,680 रुपये

9. गैर-शल्य चिकित्सा एंडोडॉन्टिक थेरेपी के दौरान तेजी से माइक्रोबियल पता लगाने के लिए एक प्रोटोटाइप लैब-ऑन-ए-चिप का विकास, डॉ. संदीप कुमार झा, आईसीएमआर भारत, 51,61,685 रुपये

10. स्तन कैंसर के उपचार के लिए सतह-इंजीनियर स्मार्ट नैनो-इम्यूनोथेरेप्यूटिक का विकास, डॉ. जयंत भट्टाचार्य, आईसीएमआर भारत, 54,74,043 रुपये

11. लिगामेंट ऊतक के बायोमिमेटिक गुण के लिए लघु चुंबकीय नैनोफाइबर के साथ प्रबलित डबल नेटवर्क हाइड्रोजेल प्रणाली (एसईआरबी एनपीडीएफ डॉ. प्रीति तिवारी को, प्रोफेसर सचिन कुमार बी, सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के उपचार में), डॉ. सचिन कुमार बी,विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) भारत, 29,80,800 रुपये

12. मुख्य परियोजना आरपी04863जी के अंतर्गत आचार्य आरत प्रत्यक्ष कालरा जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग केंद्र को उपकरण मिलान अनुदान, डॉ. आरत प्रत्यक्ष कालरा, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस फंड्स, योजना एकक आईआईटी दिल्ली, भारत, 30,00,000 रुपये

13. ईएक्सओएसकेआईएनजीआरएएफटी: जलने से हुई हानि को कम करने के लिए ऑक्सेटिक पैटर्न का उपयोग करके उच्च विस्तार वाली स्किन ग्राफ्टिंग, डॉ. अर्नब चंदा, स्पार्क, एमएचआरडी भारत, 74,04,000 रुपये

14. मेडटेक इनोवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार तथा वृद्धि: स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिज़ाइन (एसआईओ): चरण-V (पांच वर्ष: 2022-2026) [बीटी/पीआर42130/बीआईओ/144/7/2021], डॉ. दीपक जोशी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 3,89,44,295 रुपये

15. बोवाइन स्पर्मेटोजोआ के पृथक्करण के लिए एकीकृत मैग्नेटो-एकॉस्टो-डाइइलेक्ट्रोफोरेसिस आधारित माइक्रोफ्लुइडिक्स, डॉ. संदीप कुमार झा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत, 2,63,09,104 रुपये

16. अपर-एक्सट्रीमिटी प्रोस्थटिक डिवाइज की एकीकृत सोनोमोग्राफी तथा सॉफ्ट हैप्टिक्स-आधारित सहज नियंत्रण, डॉ. बिस्वरूप मुखर्जी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 78,46,930 रुपये

9.4_.indd 243 1/9/2026 5:20:17 PM

17. रोबोएक्सोस्मार्ट का अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षण तथा प्रक्रिया मूल्यांकन: आईआईटी दिल्ली (एसपीएआरसी सेल आईआईटी खड़गपुर के तहत) द्वारा विकसित एक्सोस्केलेटन उपकरण, डॉ. अमित मेहंदीरत्ता, ए अपर लिम्ब रिहेब्लिटेशन स्पार्क, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत, 71,16,000 रुपये

18. बायोरिसॉर्बेबल स्टेंट सतह विनियमित प्लेटलेट्स प्रतिक्रिया पर फाइब्रिनोजेन का आणविक संरचनात्मक नियंत्रण (टीयूडी के सहयोग से आईआरडी की एमएफआईआरपी योजना के तहत), डॉ. सचिन कुमार बी, आईआरडी, आईआईटी दिल्ली, भारत, 5,00,000 रुपये

19. खाद्य कन्टैमनेन्ट की संवेदनशीलता की पहचान के लिए नैनोप्लेटफॉर्म आधारित मल्टीप्लेक्स इम्यूनोसेंसर (डॉ. श्रुति चट्टोपाध्याय, डीएसटी वाइज किरण योजना के तहत महिला वैज्ञानिक, प्रोफेसर सचिन कुमार बी, सीबीएमई की देखरेख में), डॉ. सचिन कुमार बी, डीएसटी भारत, 42,63,240 रुपये

20. उपास्थि पुनर्जनन के लिए ऑक्सीजन मुक्त करने वाला बायोएनर्जेटिक इंजेक्शन योग्य जैल, डॉ. सचिन कुमार बी, आईसीएमआर, भारत, 1,22,00,409 रुपये

21. नियंत्रण कोबाल्ट-क्रोमियम स्टेंट की तुलना में सिरोलिमस-एल्यूटिंग बायोरिसॉर्बेबल तथा बायोस्टेबल कोरोनरी स्टेंट का फार्माकोकाइनेटिक विश्लेषण एवं हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन, डॉ. प्रिया वशिष्ठ, आईसीएमआर, भारत, 50,94,086 रुपये

22. समय से पहले जन्म के कारण होने वाले जोखिम आकलन के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक टेस्ट (मुख्य सीओई परियोजना # आरपी04761जी के अंतर्गत), डॉ. नवीन कुमार सिंह, आईसीएमआर, भारत, 13,53,440 रुपये

23. प्रत्यारोपण योग्य एवं नैदानिक उपकरणों का पूर्व-अनुपालन तथा नैदानिक सत्यापन (ओटोरहिनोलैरिंजोलॉजी, नेत्ररोग विज्ञान एवं अस्थिरोग विज्ञान), डॉ. दिनेश कल्याणसुंदरम, आईसीएमआर, भारत , 4,85,99,087 रुपये

24. नए संकायगण को सीड ग्रांट (मुख्य सीड ग्रांट परियोजना # एमआई02794 के तहत प्रोफेसर आचार्य प्रदीप मुखर्जी, सीबीएमई को इंस्टीट्यूट सीड ग्रांड, डॉ. प्रदीप्त मुखर्जी, इइंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस फंड्स, योजना एकक आईआईटी, दिल्ली, भारत, 20,00,000 रुपये

25. सामान्य वैज्ञानिक सुविधा में उपकरणों की तकनीकी विशिष्टताओं सहित खरीद की तकनीकी जांच/ समीक्षा, बायोमेटेरियल परीक्षण सुविधा के लिए उपकरण तथा संबंधित सेवाएं और वाईईआईडीए सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) के लिए इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स लैब, डॉ. नीतू सिंह, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, नोएडा, भारत, 7,04,000 रुपये

जारी

1. 3डी बायोप्रिंटिंग एवं बायोसेंसर

2. मस्तिष्क ट्यूमर का एआई आधारित एमआर इमेज विश्लेषण

3. न्यूरोइमेजिंग डेटा का विश्लेषण तथा इसके अनुप्रयोग

4. अल्पकालिक मेडिटेशन ध्यान साधना के दौरान पहनने योग्य नासिका उपकरण एवं न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल मार्करों के माध्यम से संज्ञानात्मक तनाव का आकलन

9.4_.indd 244 1/9/2026 5:20:18 PM

5. जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों में सहायक प्रौद्योगिकियां
6. आयुर्वेदिक औषधि-निस्सारक बायोरिजोर्बेबल स्टेंट
7. कैंसर चिकित्सा के लिए जैव-निम्नीकरणीय बहुलक नैनोकण
8. भारतीय रोगियों में सिर एवं गले के कैंसर के लिए बायोमार्कर
9. उच्च तनाव दरों पर मेनिस्कल ऊतकों का बायोमैकेनिकल मूल्यांकन एवं बायोमिमेटिक मेनिस्कल प्रतिस्थापन का विकास
10. मधुमेह संबंधी पैर के अल्सर का बायोमैकेनिकल मॉडलिंग
11. जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग
12. कैंसर इमेजिंग
13. कैंसर इम्यूनोथेरेपी
14. पुराने घाव का भरना
15. कृत्रिम उपकरणों के सहज नियंत्रण के लिए सहयोगात्मक क्लोस्ड-लूप नियंत्रण नीतियाँ
16. डेन्टल ट्रामा तथा उसकी रोकथाम का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग एवं विश्लेषण
17. गहन शिक्षण आधारित चिकित्सा छवि विश्लेषण
18. डेन्टल ट्रामा बायोमैकेनिक्स
19. फिमोरल प्रत्यारोपण का डिजाइन तथा विकास
20. रोगी-विशिष्ट प्रत्यारोपणों का डिज़ाइन तथा विकास
21. तंत्रिका-संज्ञानात्मक विकारों के लिए छोटे थेरानोस्टिक्स का डिज़ाइन एवं विकास
22. आर्थोपेडिक उपकरणों का डिज़ाइन विकास तथा बायोमैकेनिकल मूल्यांकन
23. निदान एवं थेरेप्यूटिक्स के लिए सिंथेटिक जैविक सर्किट विकसित करना
24. पहनने योग्य मल्टी-चैनल का विकास तथा सत्यापन
25. बायोफिडेलिक फुटवियर ट्रैक्शन परीक्षण उपकरण का विकास
26. एक व्यापक नैदानिक निर्णय सहायता प्रणाली का विकास
27. उच्च विस्तार क्षमता वाले ऑक्सेटिक त्वचा ग्राफ्ट का विकास
28. कैंसर रोधी एजेंटों के वितरण के लिए बायोडिग्राफ्टिंग नैनोकणों का विकास
29. कोम्बेट ओपरेशन अभियान के तहत अस्पताल पूर्व उपचार हेतु बायोपॉलिमर आधारित फॉर्मूलेशन का विकास
30. कैंसर मार्जिन क्लीयरेंस के लिए नैनोप्लेटफॉर्म का विकास

9.4_.indd 245 1/9/2026 5:20:18 PM

31. विद्युत क्षेत्र-आधारित थेरेपी विविध दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करती है...
32. कार्बन डॉट्स द्वारा रोगजनकों का विद्युतीय ढंग से पता लगाना
33. इमेज-गोइडेड के प्रशिक्षण एवं योजना के लिए विद्युत चुम्बकीय ट्रैकिंग सक्षम उपकरण
34. टेंडन अनुकरण ऊतक इंजीनियरिंग संरचना का निर्माण
35. सेरेब्रल पाल्सी में जीएआईटी रेस्टोरेशन
36. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल माइक्रोबायोटा सामुदायिक मूल्यांकन तथा ओमिक्स प्रोफाइलिंग
37. आंशिक रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों के लिए मानव मशीन इंटरफेस
38. चिकित्सा इमेज विश्लेषण
39. कैंसर के निदान और पूर्वानुमान के लिए मेडिकल रेजोनेंस इमेजिंग
40. माइक्रोफ्लुइडिक चिप विकास, जैव चिकित्सा अनुप्रयोग
41. अस्पतालों में अप्रत्याशित फिसलने और गिरने की घटनाओं का मॉडलिंग तथा शमन
42. एमआर इमेज प्रोसेसिंग
43. एमआर स्किवेंशिंग प्रोग्रामिंग, प्रोटोकॉल अनुकूलन तथा विश्लेषण, मशीन लर्निंग का उपयोग
44. ब्रेन ट्यूमर एवं इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों का एमआरआई डेटा विश्लेषण
45. बहुक्रियाशील नैनोकण कैंसर थेरानोस्टिक्स
46. मजबूत बायोमेकाट्रॉनिक नियंत्रण के लिए बहु-मॉडल मांसपेशी गतिविधि संवेदन तथा संलयन
47. दवा वितरण के लिए नैनो आधारित प्लेटफॉर्म
48. कैंसर चिकित्सा के लिए नैनोडिलीवरी प्रणाली
49. नैनोकण मध्यस्थता आरएनएआई
50. अपर लिम्ब विच्छेदन वाले रोगियों में संवेदी-मोटर नियंत्रण के न्यूरोमस्कुलर बायोसिग्नेचर
51. रीढ़ की हड्डी की चोट से ग्रस्त रोगियों के लिए न्यूरोरिहैबिलिटेशन
52. कैंसर प्रतिरक्षा चिकित्सा के लिए एनके कोशिका व्युत्पन्न नैनोवेसिकल्स
53. गैर-संचारी रोगों के लिए गैर-इन्वेसिव बायोसेंस
54. हृदय वाल्व मूल्यांकन के लिए फोनोकार्डियोग्राफी प्रणाली
55. आभासी वास्तविकता आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके स्ट्रोक के बाद डिस्टल अपर लिम्ब का पुनर्वास
56. कावांटिटेटिव एमआरआई तथा इसके अनुप्रयोग
57. कैंसर मार्जिन क्लीयरेंस के लिए नैनोप्लेटफॉर्म का विकास

9.4_.indd 246 1/9/2026 5:20:18 PM

58. कार्टिलेज ऊतक पुनर्जनन के लिए स्व-उपचारात्मक बायोएडेसिव हाइड्रोजेल
59. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल निदान तथा थेरेपी के लिए स्व-पॉलीमराइज़िंग इंटरफेस
60. कार्बन डॉट्स का उपयोग करके भारी धातु आयन का पता लगाना
61. ऊपरी छोर के बायोनिक उपकरणों के लिए सोनोमोग्राफी आधारित नियंत्रण
62. घाव भरने के लिए धातु नैनोकणों हेतु बहुलकीय सूक्ष्मवाहक से युक्त स्प्रे योग्य हाइड्रोजेल
63. ट्यूमर में अंतः कोशिकीय संरचनाओं, तंत्रों तथा आणविक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन
64. रोगग्रस्त अवस्थाओं को विचलित करने के लिए कोशिका-सदृश प्रणालियों हेतु कृत्रिम कोशिकीय कम्पार्टमेंटस - कृत्रिम कोशिका निर्माण की दिशा में
65. कैंसर चिकित्सा के लिए प्रतिरक्षा संकेतन को लक्षित करना
66. इम्यूनोथेरेप्यूटिक्स के माध्यम से संक्रामक रोगों को लक्षित करना
67. टीबीडी
68. अध्ययन का उद्देश्य एरोटिक वाल्व की 3डी प्रिंटिंग के लिए थर्मोप्लास्टिक पॉलीयूरेथेन के उपयोग की संभाव्यता तथा प्रभावशीलता की जांच करना है
69. कैंसर मेटास्टेसिस का अध्ययन करने के लिए ऊतक इंजीनियरिंग
70. ऊतक प्रक्रिया को समझना ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोग के लिए कोशिका तथा कोशिका पदार्थ तथा अंतःक्रिया को समझना
71. माइक्रोफ्लूडिक्स प्लेटफॉर्म में संवहनी ऑर्गेनोइड्स तथा इसके अनुप्रयोग
72. निगलने की समस्या का पता लगाने के लिए पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	31	42	25
कुल वित्तपोषण	6152 लाख रुपये	6525 लाख रुपय	2346.08 लाख रुपय

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 71 सार: 08 पुस्तक में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**90**	**54**	**81**
पत्रिका लेख	86	54	71

9.4_.indd 247 1/9/2026 5:20:18 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सार	1	0	8
पुस्तकों में अध्याय	3	0	2
पुस्तकें	0	0	0

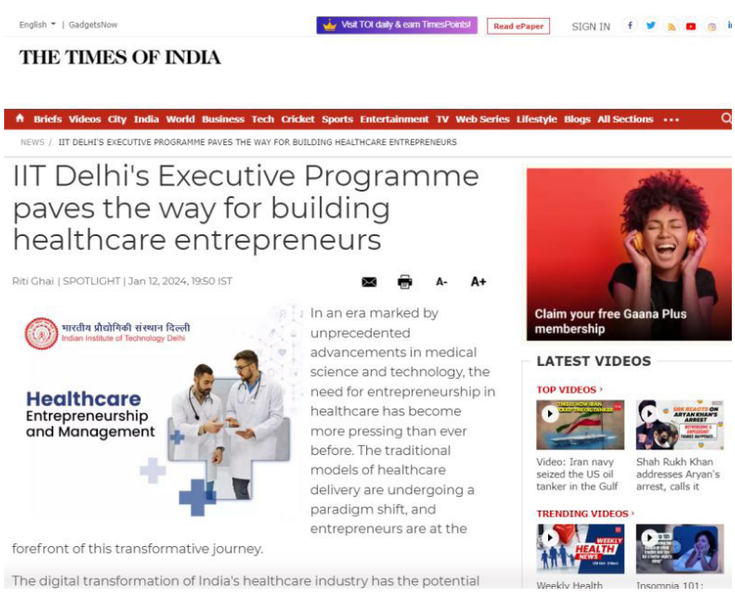
पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

सीबीएमई में आईआईटी दिल्ली - सोरबोन विश्वविद्यालय कार्यशाला

सीबीएमई ने आईआईटी दिल्ली तथा सोरबोन विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यशाला में फ्रांस के सोरबोन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यशाला में एमटेक एवं पीएच.डी के छात्रों ने प्रतिनिधियों के समक्ष अपना कार्य प्रस्तुत किया। आईआईटी दिल्ली तथा सोरबोन विश्वविद्यालय ने फ्रांस सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य पर एक इंडो-फ्रेंच कैंपस की मांग के लिए एक साथ बोली लगाई थी। हम इस कार्य में सफल रहे और हमें 2023-24 (2 वर्ष) के लिए 150,000 यूरो प्रदान किए गए हैं। यह अनुदान मास्टर्स तथा पीएच.डी छात्रों (3-6 महीने के लिए) और संकाय सदस्यों (विशेषकर शुरुआती करियर वाले अनुसंधानकर्ताओं) को गतिशीलता प्रदान करेगा तथा कार्यशालाओं एवं ग्रीष्मकालीन स्कूलों के आयोजन को सक्षम बनाएगा। शुरुआती वर्षों में, स्वास्थ्य और जैविक विज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवा उद्यमिता तथा उपचार पर 5 महीने का कार्यकारी कार्यक्रम

सीबीएमई, आईआईटी दिल्ली का स्वास्थ्य सेवा उत्पादों और सेवाओं के विकास तथा परिनियोजन पर विशेष कार्यक्रम (बैच-2) स्वास्थ्य सेवा उद्यमियों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रोफ़ेसर अर्नब चंदा तथा प्रोफ़ेसर बिस्वरूप मुखर्जी के कार्यक्रम समन्वयन में, यह देश में स्वास्थ्य सेवा उद्यमिता पर केंद्रित अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। इसमें सभी विषयों के स्नातक (छात्र, चिकित्सक, इंजीनियर, प्रबंधक) शामिल थे जो स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनना चाहते हैं और स्वास्थ्य सेवा उत्पादों एवं सेवाओं की अवधारणा से लेकर व्यावसायीकरण और प्रबंधन सीखना चाहते हैं।



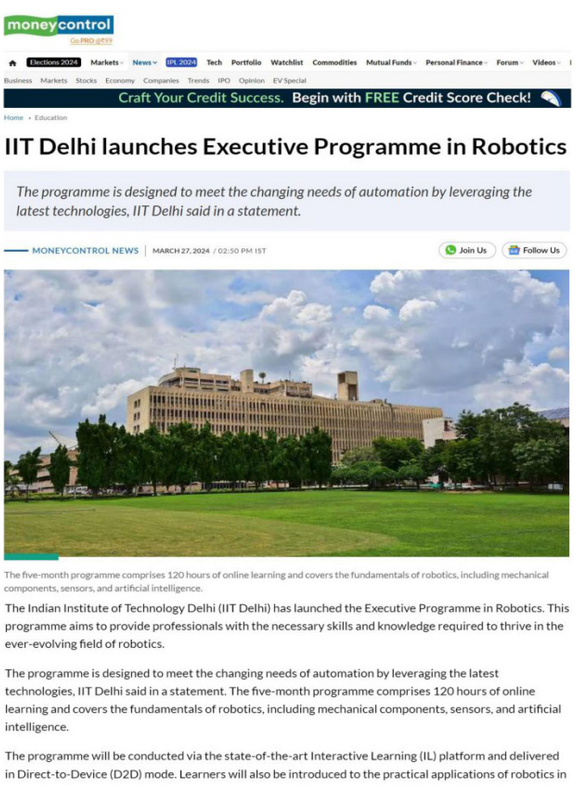
9.4_.indd 248 1/9/2026 5:20:18 PM

रोबोटिक्स में 5 माह का कार्यकारी कार्यक्रम

तकनीकी परिवर्तन के वर्तमान युग में रोबोटिक्स वैश्विक उद्योगों को आकार देने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है। रैपिड प्रोटोटाइपिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों में तीव्र प्रगति ने स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोटिव और अंतरिक्ष अन्वेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोबोटों के व्यापक एकीकरण को बढ़ावा दिया है। रोबोटिक अनुप्रयोगों में यह उछाल रोबोट की अवधारणा, डिज़ाइन, विकास, निर्माण और संचालन में शामिल व्यक्तियों के कौशल विकास तथा पुनर्कौशल पर तत्काल ध्यान देने की माँग करता है।

प्रोफ़ेसर अर्नब चंदा और प्रोफ़ेसर बिस्वरूप मुखर्जी ने कार्यक्रम समन्वयकों के रूप में साथ मिलकर आईआईटी दिल्ली को रोबोटिक्स में कार्यकारी कार्यक्रम को बुनियादी सिद्धांतों से लेकर उन्नत अनुप्रयोगों के कार्यान्वयन तक व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करके इस मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया है। यह उन व्यक्तियों के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है जो मानव कल्याण एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए रोबोटिक्स के उभरते परिदृश्य में नेविगेट करने और योगदान करने में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) ने हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के दो फेलो की मेजबानी की, डॉ. अटवाउ पायस, जिनका शोध नवजात शिशु के क्षेत्र में उपचार में प्रमुख चुनौतियों पर केंद्रित है, और पीटर ओपेंडे ओचिएंग, जो मातृ प्रसव पीड़ा निगरानी में काम कर रहे हैं।



moneycontrol

Craft Your Credit Success. Begin with FREE Credit Score Check!

Home • Education

IIT Delhi launches Executive Programme in Robotics

The programme is designed to meet the changing needs of automation by leveraging the latest technologies, IIT Delhi said in a statement.

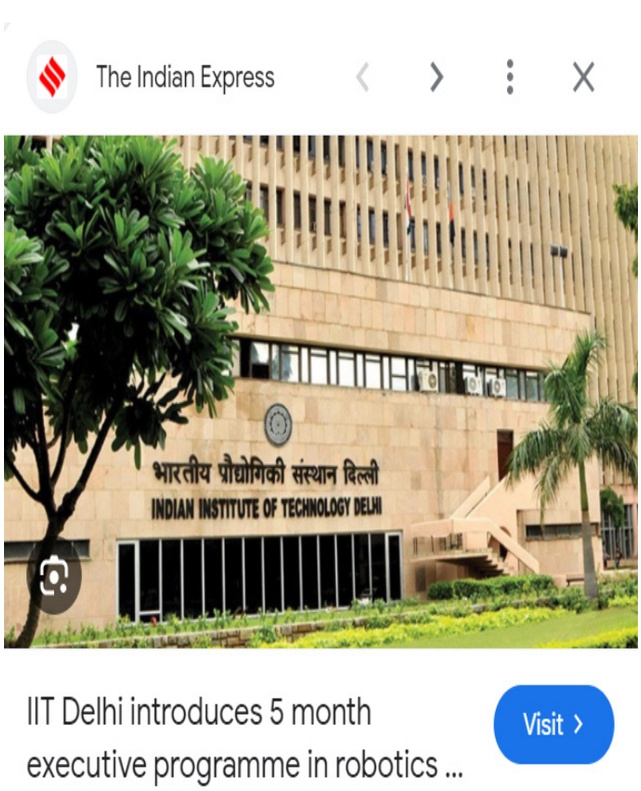
MONEYCONTROL NEWS | MARCH 27, 2024 / 02:50 PM IST

The five-month programme comprises 120 hours of online learning and covers the fundamentals of robotics, including mechanical components, sensors, and artificial intelligence.

The Indian Institute of Technology Delhi (IIT Delhi) has launched the Executive Programme in Robotics. This programme aims to provide professionals with the necessary skills and knowledge required to thrive in the ever-evolving field of robotics.

The programme is designed to meet the changing needs of automation by leveraging the latest technologies, IIT Delhi said in a statement. The five-month programme comprises 120 hours of online learning and covers the fundamentals of robotics, including mechanical components, sensors, and artificial intelligence.

The programme will be conducted via the state-of-the-art Interactive Learning (IL) platform and delivered in Direct-to-Device (D2D) mode. Learners will also be introduced to the practical applications of robotics in



9.4_.indd 249 1/9/2026 5:20:18 PM

9.5 जैवभौतिकी

एसईआरबी प्रतिष्ठित आचार्य
टीपी सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष
पुनीत कौर

आचार्य

सविता यादव
जी हरिप्रसाद राव
सुजाता शर्मा
शर्मिष्ठा डे

अपर आचार्य

एथयाथुल्ला.ए.एस. कृष्णा के इनामपुडी
सरोज कुमार
ज्योतिर्मय बनर्जी

सह - आचार्य
प्रदीप शर्मा

वैज्ञानिक

आशा भूषण मनोज कुमार
उद्दीपन दास

विशिष्टताएं

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, जैवभौतिकी विभाग में बाह्य अनुदानों द्वारा वित्तपोषित 45 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं जारी थीं। जैवभौतिकी विभाग में अनुसंधान का संबंध जैविक प्रक्रिया के आणविक आधार को निर्धारित करने, तर्कसंगत संरचना आधारित दवा डिज़ाइन तथा नए विशिष्ट बायोमार्करों की खोज से है। विभाग प्रोटीन क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटिओमिक्स एवं गतिशील प्रकाश बिखराव पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। पिछले एक वर्ष में संकाय-सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में 58 शोध प्रकाशित किए। विभाग द्वारा निरंतर एमबीबीएस स्नातक छात्रों के लिए वैकल्पिक प्रशिक्षण के साथ-साथ बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए कक्षाएं तथा एमएससी, पीएच.डी और एमडी छात्रों की स्नातकोत्तर शिक्षा एवं लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्रदान करना जारी रहा।

विभाग में पंजीकृत छात्रों/प्रशिक्षुओं की संख्या

एमडी: 17 **एम.एससी: 06**
पीएच.डी: 39 **प्रशिक्षु: 50**

9.5_.indd 250 1/8/2026 1:30:26 PM

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैवभौतिकी विभाग के संकाय-सदस्यों तथा वैज्ञानिकों ने पीएच.डी डिग्री, एमएससी (जैवभौतिकी) और एमडी (जैवभौतिकी) के लिए छात्रों को शिक्षण प्रदान करना और मार्गदर्शन करना जारी रखा। स्नातकोत्तर शिक्षण में सैद्धांतिक कक्षाएं, व्यावहारिक कक्षाएं तथा एक शोध प्रबंध परियोजना शामिल है।

लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग ने विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एमएससी तथा एमटेक छात्रों को 6 दीर्घकालिक तथा 25 अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किए।

सीएमई, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान (नामित व्याख्यानों को छोड़कर सभी व्याख्यान, आमंत्रित वार्ता, पूर्ण सत्र व्याख्यान और अतिथि व्याख्यान यहां सूचीबद्ध किए जाने हैं)

प्रदत्त व्याख्यान: 44

टीपी सिंह: 12
सुजाता शर्मा: 5
कृष्णा के इनामपुडी: 1
प्रदीप शर्मा: 3
पुनीत कौर: 5
हरिप्रसाद जी: 1
सरोज कुमार: 3
उद्दीपन दास: 1
सविता यादव: 5
शर्मिष्ठा डे: 3
ज्योतिर्मय बनर्जी: 5

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
50	46	44

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 78

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक/पोस्टर	41	74	78

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पार्किंसंस रोग के "एक्सोसोम-आधारित आणविक सिग्नेचर" को विकसित करने के लिए एक केस-कंट्रोल अध्ययन, डॉ. सरोज कुमार आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 84,67, 800 लाख रुपये
2. भारत में विभेदक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, उत्परिवर्तन तथा टीकाकरण की स्थिति के साथ नैदानिक परिणामों और रोग के परिणामों को सहसंबंधित करने के लिए कोविड-19 के लिए एक बहु-ओमिक्स अध्ययन एवं एक रोगसूचक कम्प्यूटेशनल मॉडल का विकास, आचार्य पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 94,00,000 लाख रुपये

9.5_.indd 251 1/8/2026 1:30:26 PM

3. राष्ट्रीय महत्व के डायग्नोटिक्स के नैदानिक मूल्यांकन के लिए उन्नत केंद्र: अल्फा-सिन्यूक्लिन हेतु एसएमएआरएसए (सैंसिटिव मगनेटिकअसिस्टेड नैनो पार्टिकल रेपिड सैंडविच ऐसे): सीरम में अल्फा-सिन्यूक्लिन की मात्रा का निर्धारण करने के लिए कार्ट्रिज-आधारित ईएलआईएसए का सत्यापन, आचार्य हरिप्रसाद. जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रु 60,00,000 लाख

4. एएमआर-एजुकेट: संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध के खतरों के विरुद्ध स्थायी भविष्य के लिए एक बहुराष्ट्रीय तथा अंतःविषयक अनुसंधान-एकीकृत शिक्षा साझेदारी, आचार्य पुनीत कौर, नॉर्वेजियन शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्रालय के तहत उच्च शिक्षा और कौशल के लिए नॉर्वेजियन निदेशालय, 3 वर्ष, 2023-2026, 31,00,000 लाख रुपये

5. लक्षणों से परे: पार्किंसंस रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए एक्सोसोम-आधारित उन्नत तकनीक - प्रयोगशाला से समुदाय-आधारित जांच तक, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 2,65,48,640 लाख रुपये

6. क्रोनिक दर्द के उपचार के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में कैल्शियम पारगम्य आयन चैनल, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी,3 वर्ष, 2024-2026, 40,00,000 लाख रूपये

7. प्रोटोज़ोआ परजीवी ई हिस्टोलिटिका में पैथोजेनेसिस को कैल्शियम सिग्नलिंग से जोड़ना, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी (एम्स में प्रमुख अन्वेषक), डीबीटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 82,00,000 लाख रुपये

8. सिनैप्टिक तथा एक्स्ट्रा-सिनैप्टिक जीएबीएए रिसेप्टर कॉन्फ़िगरेशन में परिवर्तन को समझना तथा फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) में गावाएर्जिक गतिविधि के मॉड्यूलेशन में उनकी भूमिका का निर्धारण, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2024-2026, 10,00,000 लाख रूपये

9. दवा प्रतिरोधी मिर्गी विकृति में दौरे की संवेदनशीलता में प्रोएस्ट्रस-एस्ट्रस संक्रमण के योगदान को स्पष्ट करना, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी, 3 वर्ष,2024-2027, 69,70,000 लाख रूपये

10. दवा प्रतिरोधी मिर्गी विकृति में प्लेटलेट्स की भूमिका को समझना, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 43,00,000 लाख रूपये

11. अल्जाइमर रोग के लिए तंत्र-आधारित नवीन थेरानोस्टिक एजेंटों का डिज़ाइन, संश्लेषण एवं जैविक मूल्यांकन, डॉ. सरोज कुमार, एसईआरबी/डीएसटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 44,22,240 लाख रुपये

12. ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया में कोरम संवेदन को शांत करने के लिए नए अवरोधन अणुओं का डिजाइन तैयार करना, आचार्य पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 49,08,000 लाख रुपये

13. स्तन के दूध के वैकल्पिक पूरकों का विकास: गाय, घोड़ी एवं ऊँट के कोलोस्ट्रम का गट माइक्रोबायोटा तथा इम्यूनोमॉड्यूलेशन पर तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. प्रदीप शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 95,70,000 लाख रूपये

14. स्वाभाविक रूप से प्रेरित नवीन बहुक्रियाशील न्यूरोप्रोटेक्टिव अणुओं के लिए एक्सोसोम-आधारित दवा वितरण प्रणाली का विकास तथा अल्जाइमर रोग मॉडल में इनका जैविक मूल्यांकन करना, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 55,59,246 लाख रुपये

9.5_.indd 252 1/8/2026 1:30:26 PM

15. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के आइसोसाइट्रेट लाइज़ को लक्षित करने के लिए प्राकृतिक उत्पादों में मुख्य यौगिकों की खोज, डॉ. मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रूपये

16. आधातिक मस्तिष्क की चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल क्रम की पूर्वसूचना देने में) प्रोटिओमिक्स एवं मेटाबोलोमिक्स द्वारा संभावित आणविक विशिष्टता का विश्लेषण करना, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी (विभाग में प्रमुख अन्वेषक), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 85 लाख रुपये

17. अलजाइमर रोग हेतु रक्त-आधारित बायोमार्कर एवं चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में ईसीएम प्रोटीन, आचार्य शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 58 लाख रुपये

18. स्वास्थ्य में एक्सोसोम: पृथक्करण, लक्षण वर्णन एवं जैव-चिकित्सा अनुप्रयोग डॉ. सरोज कुमार, डीएचआर, 5 वर्ष, 2024-2029, 75 लाख रुपये

19. एंटी-ट्यूमर गतिविधि के लिए आइरिस बल्ब द्वारा टाइप-1 तथा टाइप-2 राइबोसोम निष्क्रिय प्रोटीन (आरआईपी) के संरचना-कार्य अंतर्संबंधों की खोज, आचार्य सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 35,64,839 लाख रुपये

20. एपिडर्मल कार्सिनोमा के लिए वैकल्पिक चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव ईजीएफआर के विरुद्ध डीएनए एप्टामर्स बनाने वाला जी क्वाड्रप्लेक्स, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 44 लाख रुपये

21. लॉन्गीट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) हेतु डिमेंशिया (डीएडी) का हार्मोनाइज्ड नैदानिक मूल्यांकन। वेव2, आचार्य शर्मिष्ठा डे, एनआईएच (आरओ1), 4 वर्ष, 2022-2026, 60,52,282 लाख रूपये

22. लॉन्गीट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) हेतु डिमेंशिया (डीएडी) का हार्मोनाइज्ड नैदानिक मूल्यांकन। वेव 1, आचार्य शर्मिष्ठा डे, एनआईएच (आरओ1), 4 वर्ष, 2021-2026, 42,47,718 लाख रुपये

23. एथेरोस्क्लेरोसिस में एंडोथेलियल डिसफंक्शन के लिए सियालिन को लक्षित करने वाले शक्तिशाली छोटे अणु अवरोधक/अवरोधकों की पहचान एवं सत्यापन, आचार्य सविता यादव (संरक्षक), डीएचआर महिला वैज्ञानिक परियोजना, 3 वर्ष, 2024-2027, 61 लाख रुपये

24. अल्जाइमर रोग में संभावित बायोमार्कर तथा चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में माइटोकॉन्ड्रिया-संबंधी प्रोटीन की पहचान, आचार्य शर्मिष्ठा डे, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 58 लाख रुपये

25. घातक एंजियोइनवेसिव रोग, क्यूकोर्निकोसिस के विरुद्ध नवीन दवा अणुओं की पहचान, डॉ. प्रदीप शर्मा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2023-2026, 30,10,000 लाख रुपये

26. नये आरडीआरपी अवरोधकों की पहचान: एंटीवायरल नीतियों के लिए डेंगू के आरएनए-आधारित आरएनए पॉलीमरेज़ को लक्षित करना डॉ. कृष्णा के इनामपुडी प्रमुख अन्वेषक मेंटर, एम्स यूजी मेंटरशिप रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2025-2027, 2 लाख रुपये

27. लार के एक्सोसोमल प्रोटिओम से मुख कैंसर के प्रारंभिक संभावित बायोमार्करों की पहचान, डॉ. कृष्णा के इनामपुडी प्रमुख अन्वेषक मेंटर, एम्स यूजी मेंटरशिप रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

9.5_.indd 253 1/8/2026 1:30:26 PM

28. अज्ञात कारणों से बार-बार होने वाली गर्भावस्था विफलता (गर्भपात) में एमआईआरएनएएस के अनियमन तथा उनके लक्ष्यों की पहचान, आचार्य सविता यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 50 लाख रुपये

29. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए प्लाज्मा एवं एक्सोसोम का एकीकृत प्रोटिओमिक्स तथा मेटाबोलोमिक्स का विश्लेषण, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 85 लाख रुपये

30. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में ग्लूटामेट रिसेप्टर्स के परिवर्तित सबयूनिट कॉन्फिगरेशन की जांच, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध योजना, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2024-2026, 2 लाख रूपये

31. α4 युक्त जीएबीएए रिसेप्टर्स के मॉड्यूलेटर: फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) हेतु संभावित चिकित्सा, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 93,50,000 लाख रुपये

32. जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी रुड़की की राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना, डॉ. प्रदीप शर्मा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2023-2028, 55 लाख रुपये

33. ओएच-एएमआर-डायग: वन-हेल्थ परिप्रेक्ष्य से एएमआर का त्वरित पता लगाने और जांच के लिए नये तकनीकी समाधान, आचार्य पुनीत कौर, नॉर्वे अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2024-2027, 35 लाख रुपये

34. चूहों के ज़ेनोग्राफ्ट मॉडल का उपयोग करके नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के लिए एक आशाजनक चिकित्सीय एजेंट के रूप में एक नए टायरोसिन किनेज अवरोधक, केकेआई04 का पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 63 लाख रुपये

35. स्तन कैंसर सेल लाइन में उत्परिवर्ती पी53 की कैंसर-रोधी गतिविधि को पुनः सक्रिय करने के लिए ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट्स की जांच, आचार्य एथायथुल्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, 33,43, 304 लाख रूपये

36. कोविड-19 रोगियों में विभिन्न अंग रूग्णता के पूर्वानुमान को चिह्नित करने वाले बायोमार्कर की पहचान हेतु सीरम प्रोटिओमिक्स, आचार्य हरिप्रसाद जी, आईसीएमआर,3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये

37. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) तथा टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (टीएलई) के रोगियों में एस्ट्रोसाइट एवं न्यूरोनल परिवर्तनों का वर्णन करने के लिए एकल कोशिका-प्रकार आरएनए अनुक्रमण, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, एम्स अंत:विषय सहयोगी डंट्रामयूरल अनुसंधान परियोजना, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2023-2025, 20 लाख रूपये

38. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर में संरचनात्मक निरीक्षण, डॉ. उद्दीपन दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 40 लाख रुपये

39. स्तनधारी जन्मजात प्रतिरक्षा प्रोटीन तथा सूक्ष्मजीव प्रोटीन एवं दवा डिजाइन का संरचनात्मक अध्ययन, आचार्य टीपी सिंह, आईएनएसए, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रूपये

40. बहु-दवा प्रतिरोधी तपेदिक के उपचार के लिए एक नए दवा लक्ष्य के विरुद्ध प्रमुख यौगिकों की संरचना-आधारित रूपरेखा, डॉ. मनोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 24 लाख रुपये

9.5_.indd 254 1/8/2026 1:30:26 PM

41. उपचार की अवधि को कम करने के लिए स्थायी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस को लक्षित करने वाले प्रमुख यौगिकों की संरचना-आधारित डिजाइन, डॉ. मनोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 30 लाख रुपये

42. संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य की स्थापना के लिए अल्जाइमर रोग में सूजन और एंटी-ऑक्सीडेटिव मार्गों में सीरम प्रोटीन के संचार स्तर का अध्ययन, आचार्य शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2025, 84 लाख रूपये

43. सामान्य मुख सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में पारंपरिक नॉन-इनवेसिव उपचार की तुलना में अधिकतम अंतःस्रावी मुंह खोलने पर 940 एनएम डायोड लेजर के साथ फोटोबायोमॉड्यूलेशन के सहायक प्रभाव को निर्धारित करने तथा तुलना करने के लिए: एक ब्लाइंड मल्टी आर्म, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, आचार्य सविता यादव, अंत: सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

पूर्ण

1. अल्जाइमर रोग में एक्सोसोम तथा ऑटोफैगी के बीच क्रॉस-टॉक, डॉ. सरोज कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 49,45,500 लाख रुपये

2. अल्जाइमर रोग की रोकथाम के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में नवीन अणुओं का पता लगाना, आचार्य शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2020-2024, 67 लाख रुपये

3. म्यूकोरमाइकोसिस के उपचार के लिए एक शक्तिशाली एंटीफंगल प्रोटीन लैक्टोफेरिन और इसके व्युत्पन्न कार्यात्मक टुकड़ों की क्रिया का पता लगाना, आचार्य सुजाता शर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 38,10,000 लाख रुपये

4. पार्किंसंस रोग के नए बायोमार्कर लक्ष्यों के रूप में एक्सोसोमल एमआईउआरएनए की क्षमता की खोज, डॉ. सरोज कुमार, एम्स नई दिल्ली (अर्ली कैरियर इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट), 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

5. ह्यूमन मल्टीमेरिन 1 (इन-विट्रो एवं इन-विवो) का कार्यात्मक लक्षण वर्णन और डिम्बग्रंथि में संभावित चिकित्सीय लक्ष्य/लक्ष्यों के रूप में इसके अवरोधकों की पहचान, डॉ. सविता यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 54 लाख रूपये

6. पार्किंसंस रोग हेतु कार्यात्मक विवरण एवं एक प्रारंभिक जांच पद्धति विकसित करना, डॉ. सरोज कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 33,94,960 लाख रुपये

7. नोग-स्माल-सेल लंग्स/एडेनोकार्सिनोमा में संभावित लिगैंड करक्यूमिन एवं इसके एनालॉग के साथ पी53वाई220सी उत्परिवर्ती का प्रोटिओमिक विश्लेषण, आचार्य इथायाथुल्ला, अपर आचार्य, *एम्स-इंट्राम्यूरल*, 2 वर्ष, 2022-2024, 9,80,000 लाख रूपये

8. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया, एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में सीओए सिंथेटिक मार्ग की तुलना में जीवाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड डिजाइन, आचार्य सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 45,84,220 लाख रुपये

9. एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में हिस्टिडीन जैवसंश्लेषण मार्ग में शामिल प्रोटीनों के विरुद्ध नवीन जीवाणुरोधी एजेंटों के विकास के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड रूपरेखा, डॉ. प्रदीप शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 29,47,830 लाख रुपये

9.5_.indd 255 1/8/2026 1:30:27 PM

10. कोविड-19 के लिए नए चिकित्सा डिजाइन एवं उम्मीदवारों हेतु रिवर्स फ़ार्माकोलॉजी और बहु-लक्ष्य दृष्टिकोण, आचार्य पुनीत कौर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 66,80,000 लाख रुपये

11. स्तन कैंसर में पी53 ओलिगोमेराइजेशन डोमेन म्यूटेंट के कार्य को फिर से प्राप्त करने के लिए चिकित्सीय पी53 उत्प्रेरक अणुओं की स्क्रीनिंग,आचार्य इथायथुल्ला, अपर आचार्य, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 31,70,354 लाख रूपये

12. माइकोबैक्टीरियल टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन प्रणालियों का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, डॉ. उद्दीपन दास, एसईआरबी भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 56 लाख रूपये

13. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडिल-टीआरएनए हाइड्रोलेस का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन: बहुऔषधि प्रतिरोधी तपेदिक का एक नया ड्रग टारगेट, डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 68 लाख रुपये

14. जन्मजात प्रतिरक्षा प्रणाली से पेप्टिडोग्लाइकन पहचान प्रोटीन की संरचना तथा कार्य अध्ययन, आचार्य टीपी सिंह, एसईआरबी/एएनआरएफ, 5 साल, 2020-2025, 1,41,00,000 करोड़ रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर रोग: आईटी आरएक्यू-आधारित मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स द्वारा बायोफ्लुइड एक्सोसोम में मौजूद प्रारंभिक बायोमार्करों को उजागर करना।

2. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में प्रारंभिक बायोमार्कर पहचान के लिए रक्त और ऊतक मेटाबोलोम प्रोफाइलिंग

3. कोरोनरी धमनी रोग के जैव द्रवों से एक्सोसोम्स एमआईआरएनए का लक्षण वर्णन तथा अनुक्रम विश्लेषण।

4. जीवाणु प्रणाली में मानव पीआई3के γ की क्लोनिंग, पुनः संयोजक अभिव्यक्ति तथा शुद्धिकरण

5. पार्किंसंस रोग और सिज़ोफ्रेनिया की डोपामाइन-निर्देशित अवस्थाओं में फार्माक्लोजिकल इन्टर्वेंशन की चिकित्सीय प्रभावशीलता की निगरानी के लिए डिजिटल एलिसा डायग्नोस्टिक्स का विकास

6. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के उपचार के लिए दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर काइनेज के विरुद्ध शक्तिशाली अवरोधकों का विकास।

7. सार्स-कोविड2 से आरडीआरपी और पीएल प्रोटीएज के लिए शक्तिशाली अवरोधकों का विकास।

8. स्क्रीनिंग विधियों का विकास और अल्जाइमर रोग के लिए नवीन दवाओं की प्रभावकारिता का मूल्यांकन

9. मल्टी-ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक से निपटने के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस शिकिमेट काइनेज को लक्षित करने वाले संभावित प्रमुख यौगिकों की खोज

10. वायरल गैर-संरचनात्मक प्रोटीन के विरुद्ध दवा की खोज और एंटीवायरल इन्हेबिटर्स।

11. अल्जाइमर रोग की रोकथाम के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में नए अणुओं की खोज

9.5_.indd 256 1/8/2026 1:30:27 PM

12. अल्जाइमर रोग के रोगजनन में माइटोकॉन्ड्रिया से संबंधित प्रोटीन की भूमिका एवं चिकित्सीय एजेंट के रूप में उनकी क्षमता का पता लगाना।

13. अज्ञात कारणों से बार-बार होने वाले गर्भपात (आईआरपीएल) में चयनित एमआईआरएनएएस की अभिव्यक्ति का विश्लेषण

14. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए मानव एसईजीएफआर के विरुद्ध डीएनए एप्टामर्स की पहचान।

15. जीनोमिक और प्रोटिओमिक दृष्टिकोण का उपयोग करके एनएससीएलसी के लिए संभावित बायोमार्करों की पहचान।

16. एमआरएनए डिस्प्ले प्रौद्योगिकी के माध्यम से इंजीनियर्ड पेप्टाइड्स का उपयोग करके स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के जोखिम को रोकना।

17. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में ग्लूटामेट रिसेप्टर्स के परिवर्तित सबयूनिट विन्यास की जांच करना

18. अल्जाइमर रोग की प्रगति पर एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स प्रोटीन के प्रभाव की जांच: 'निदान से लेकर संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों तक'

19. न्यूरोपैथिक दर्द में ग्लूटामेट रिसेप्टर फ़ंक्शन के विनियमन में शामिल क्रियाविधि की जांच करना।

20. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) से जुड़ी परिवर्तित सिनैप्टिक गतिविधि में हिस्टामाइन की प्लेटलेट-मध्यस्थता रिलीज की भूमिका की जांच करना

21. रक्त-आधारित बायोमार्कर के रूप में क्लोथो की संभावित भूमिका तथा एमआईआरएनए को लक्षित करके स्तन कैंसर में इसका चिकित्सीय महत्व

22. चूहों के ज़ेनोग्राफ्ट मॉडल का उपयोग करके गैर-लघु कोशिकीय फेफड़े के कैंसर (एनएससीएलसी) के लिए एक आशाजनक चिकित्सीय एजेंट के रूप में एक नए टायरोसिन काइनेज अवरोधक, केकेआई 04 का पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन

23. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में अमीनो एसिड ट्रांसपोर्ट के संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।

24. मानव कैंसर में पी53 ओलिगोमेराइजेशन उत्परिवर्ती आर337 के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन

25. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडिल-टीआरएनए हाइड्रोलेस के संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन: मल्टी ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक का एक नया ड्रग लक्ष्य।

26. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मैलेट सिंथेज़ का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन

27. फ्लेवोनोइड आधारित स्कैफोल्ड को टेम्पलेट के रूप में उपयोग करते हुए सार्स-कोवि-2 के एनएसपी12-आरएनए आश्रित आरएनए पॉलीमरेज़ एंजाइम के संरचनात्मक आधारित ड्रग डिजाइन और इनहेबिटर व्लाइन्डिंग अध्ययन

28. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस से मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर्स का संरचनात्मक अध्ययन

29. ईजीएफआर के विरुद्ध नैनोबॉडी अवरोधकों की संरचना आधारित डिजाइन: फेफड़ों के कैंसर के लिए नवीन उपचार विकसित करने हेतु एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण।

9.5_.indd 257 1/8/2026 1:30:27 PM

30. ऑरोरा काइनेज को लक्षित करने वाले नवीन कैंसर-रोधी अणुओं का संरचना-निर्देशित विकास

31. ऑन्कोजेनिक उत्परिवर्ती पी53वाई220सी को पुनः सक्रिय करने के लिए छोटे-अणु स्टेबलाइजर का संरचना-आधारित डिजाइन

32. अल्जाइमर रोग में मेसेनकाइमल स्टेम सेल-व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय क्षमता का अध्ययन

33. पार्किंसंस रोग के लिए बायोमार्कर लक्ष्य के रूप में छोटे गैर-कोडिंग आरएनए की क्षमता का मूल्यांकन करने हेतु अध्ययन

34. न्यूरोपैथिक दर्द में α7 निकोटिनिक रिसेप्टर और ग्लूटामेट रिसेप्टर फ़ंक्शन के बीच क्रॉस-टॉक की जांच करना।

35. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) में परिवर्तित जीएबीएए रिसेप्टर फ़ंक्शन में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम-मध्यस्थता वाले पायरोप्टोसिस की भूमिका की जांच करना

36. दवा प्रतिरोधी मिर्गी (डीआरई) विकृति में न्यूरोइन्फ्लेमेशन और सिनैप्टिक गतिविधि पर प्लेटलेट-व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं (पीईवी) के प्रभाव का अध्ययन करना।

37. स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक्सोसोमल और इन्फ्रारेड आधारित बायोमार्कर का पता लगाना

पूर्ण

1. लिपोक्सीजेनेस को लक्षित करके अल्जाइमर रोग (एडी) विकृति विज्ञान में एमिलॉयड बीटा ($A\beta$) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण

2. कार्बोप्लाटिन और पैक्लिटैक्सेल की प्रथम कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया देने वालों और प्रतिक्रिया न देने वालों के संभावित बायोमार्करों की पहचान करने के लिए उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटिओमिक विश्लेषण

3. पूर्व-घातक मौखिक स्थितियों के घातक मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिवर्तन के दौरान संभावित बायोमार्करों की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक विश्लेषण

4. टेम्पोरल लोब मिर्गी से जुड़े एपिलेप्टोजेनेसिस और हाइपरएक्सिटेबिलिटी में सेमाफोरिन की भूमिका को स्पष्ट करें।

5. पार्किंसंस रोग एवं सिज़ोफ्रेनिया की डोपामाइन निर्देशित अवस्थाओं में प्रोटीन संकेतों की पहचान के लिए सीएसएफ तथा सीरम का प्रोटिओमिक्स

6. कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में विभिन्न अंग रोगों के प्रति जोखिम को चिह्नित करने के लिए बायोमार्कर की पहचान हेतु सीरम प्रोटिओमिक्स

7. मानव फॉस्फोलिपेज़ ए2 उत्परिवर्तन का संरचनात्मक विश्लेषण: एंजाइम कार्य पर प्रभाव तथा नैदानिक परिदृश्यों को समझना

8. पी53 टेट्रामेराइजेशन म्यूटेंट का संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन

9.5_.indd 258 1/8/2026 1:30:27 PM

9. सार्स-कोविड-2 से प्राप्त आरएनए पर निर्भर आरएनए पॉलीमरेज़ (एनएसपी12) का संरचनात्मक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन: कोविड-19 के विरुद्ध प्रभावी ड्रग कंडिडेटस की रूपरेखा के लिए निहितार्थ

10. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में अमीनो एसिड परिवहन के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन।

11. साल्मोनेला टाइफी के विरूद्ध संभावित दवा लक्ष्य के रूप में एफटीजेड कोशिका विभाजन प्रोटीन का संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।

12. माइकोबैक्टीरियल टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन प्रणालियों के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन

13. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडिल टीआरएनए हाइड्रोलेस के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन - मल्टी ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक रोग का एक नया ड्रग टारगेट

14. एंजाइम दवा लक्ष्य के विरुद्ध शक्तिशाली निरोधात्मक अणुओं को विकसित करने के लिए स्टिलबेनोइड्स और इसके अनुरूपों सहित फॉस्फेटिडिलिनोसिटॉल 3-काइनेज का संरचनात्मक मॉडलिंग

15. पार्किंसंस रोग में एक्सोसोमल लिपिड सामग्री और एक्सोसोम के साथ एमिलॉयड बीटा संबंध पर अध्ययन

16. हृदय जनक स्टेम कोशिकाओं की वृद्धि पर इंसुलिन वृद्धि कारक, परिवर्तनकारी वृद्धि कारक तथा फाइब्रोब्लास्ट वृद्धि कारक के संयुक्त प्रभाव का मूल्यांकन करना

17. कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में सेरेब्रल कॉर्टेक्स की आयु-निर्भर डिसमेच्युरिटी को समझना

18. प्लाज्मा-व्युत्पन्न बायोमार्करों का उपयोग करके पार्किंसंस रोग के रोगजनन को समझना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. संपूर्ण-मेटाजेनोमिक शॉटगन अनुक्रमण का उपयोग करके दवा-प्रतिरोधी मिर्गी रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा डिस्बिओसिस की जांच करने के लिए एक केस-कंट्रोल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।

2. मैक्सिलरी एंटीरियर क्षेत्र में सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करके लगाए गए तत्काल प्रत्यारोपणों में क्षारीय फॉस्फेट स्तर और प्रत्यारोपण स्थिरता भाग का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रोस्थोडोन्टिक्स तथा क्राउन ब्रिज विभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

3. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित रोगियों की आंत माइक्रोबायोटा संरचना की जांच करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एम्स अंतःविषय सहयोगात्मक अंतःविषयक अनुसंधान परियोजना, एम्स, नई दिल्ली।

4. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों में फॉरियर-ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का विश्लेषण, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.5_.indd 259 1/8/2026 1:30:27 PM

5. प्रोटोज़ोआ परजीवी ई. हिस्टोलिटिका में कैल्शियम सिग्नलिंग से रोगजनन को संयोजित करना, बहुविषयक उन्नत अनुसंधान एवं अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025

6. डिम्बग्रंथि के कैंसर में यूएसपी37 (यूएसपी37) के ऑन्कोजेनिक नेटवर्क को समझना तथा नए आणविक लक्ष्य की पहचान, सत्यापन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स

7. मोनो-ज़ाइगोटिक जुड़वां बच्चों में एचआईवी-I व्यापक रूप से निष्क्रिय करने वाले प्रतिरक्षी और परिसंचारी वायरस के सह-विकास को रेखांकित करना बाल चिकित्सा अभिजात वर्ग-निष्क्रियकर्ता,जैव रसायन विभाग, एम्स

8. अल्जाइमर रोग के लिए स्क्रीनिंग विधि का विकास और नवीन दवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन, जराचिकित्सा विभाग एवं तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. दवा प्रतिरोधी मिर्गी (डीआरई) में भिन्न रूप से अभिव्यक्त सिनैप्टिक-गतिविधि-संबंधित लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (आईएनसी आरएनए), तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित इंट्राम्यूरल ग्रांट (आईआरजी), अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल कोर्स का पूर्वानुमान लगाने में प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स द्वारा संभावित आणविक हस्ताक्षर का विश्लेषण करना, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग

11. अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल कोर्स का पूर्वानुमान लगाने में प्रोटिओमिक्स एवं मेटाबोलोमिक्स द्वारा संभावित आणविक संकेतों का विश्लेषण करना, सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद, भारत

12. वायरल गैर-संरचनात्मक प्रोटीन के विरुद्ध दवा की खोज तथा एंटीवायरल अवरोधक, विषाणु विज्ञान में बहुविषयक अनुसंधान प्रयोगशाला, वाईआरसी, येनेपोया (मानित विश्वविद्यालय),

13. कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया बनाम नॉन-कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया दवा-प्रतिरोधी मिर्गी में न्यूरोइन्फ्लेमेशन पर स्टेरॉयडल और नॉन-स्टेरॉयडल हार्मोन की भूमिका का स्पष्टीकरण, डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित

14. तीव्र हाइपोबैरिक हाइपोक्सिक स्थिति के तहत रेनिन-एंजियोटेंसिन-एल्डोस्टेरोन अक्ष पर क्वेरसेटिन के रोगनिरोधी प्रभाव का मूल्यांकन, डीआईपीएएस, डीआरडीओ, दिल्ली

15. हाइपोबैरिक हाइपोक्सिक वातावरण में संज्ञानात्मक वृद्धि पर दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय स्राव की चिकित्सीय प्रभावकारिता एवं क्रियाविधि का मूल्यांकन, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलएसआरबी), डीआरडीओ, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित

16. मानव मल्टीमेरिन1 (इन विट्रो तथा इन-विवो) का कार्यात्मक लक्षण वर्णन और डिम्बग्रंथि के कैंसर में संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसके अवरोधकों की पहचान, जैव भौतिकी विभाग, एम्स

17. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के मामलों में नए प्रोटीन, एपोप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों तथा एक्सोसोम की पहचान एवं मूल्यांकन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.5_.indd 260 1/8/2026 1:30:27 PM

18. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में रोग संबंधी और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

19. लार के एक्सोसोमल प्रोटिओम से मौखिक कैंसर के प्रारंभिक संभावित बायोमार्करों की पहचान, ओटोलरींगोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में एपोप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका की पहचान, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. मैंडिबुलर एडवांसमेंट उपकरण तथा सीपीएपी थेरेपी के बाद स्लीप एपनिया रोगी में आईएल6 बायोमार्कर स्तर को जानना, प्रोस्थोडॉन्टिक्स और क्राउन ब्रिज विभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

22. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए प्लाज्मा तथा एक्सोसोम का एकीकृत प्रोटिओमिक्स एवं मेटाबोलोमिक्स विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

23. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए प्लाज्मा एवं एक्सोसोम का एकीकृत प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स विश्लेषण, पुल्मोनरी मेडिसिन तथा स्लीप डिसऑर्डर, एम्स, नई दिल्ली

24. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए प्लाज्मा एवं एक्सोसोम का एकीकृत प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स विश्लेषण, सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद, भारत

25. टेम्पोरल लोब मिर्गी चूहे के मॉडल में प्रोटीन टायरोसिन काइनेज पीवाईके2 का ड्रग इन्टर्वेंशन, दौरे के प्रभाव की गंभीरता और सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी में इसकी भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए, डॉ. भी.रा. अंबेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, एसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित

26. चूहों के ज़ेनोग्राफ्ट मॉडल का उपयोग करके नोन-स्माल-सेल लंग्स के कैंसर (एनएससीएलसी) के लिए एक आशाजनक चिकित्सीय एजेंट के रूप में एक नए टायरोसिन काइनेज अवरोधक, केकेआई04 का पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन, जीवन विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा

27. चूहों के ज़ेनोग्राफ्ट मॉडल का उपयोग करके नोन-स्माल-सेल लंग्स के कैंसर (एनएससीएलसी) के लिए एक आशाजनक चिकित्सीय एजेंट के रूप में एक नए टायरोसिन काइनेज अवरोधक, केकेआई04 का पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन, कोशिकीय एवं आणविक चिकित्सा विभाग, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा

28. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों के प्लाज्मा-व्युत्पन्न एक्सोसोम की प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

29. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) से जुड़े क्लिनिकोपैथोलॉजिकल वर्गीकरण तथा आणविक गड़बड़ी में गैर-कोडिंग आरएनए (एनसीआरएनए) की भूमिका, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित

9.5_.indd 261 1/8/2026 1:30:27 PM

30. कोलेस्ट्रॉल परिवहन में सेपिन प्रोटीन की भूमिका,जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

31. एसिनेटोबैक्टर बाउमनी में लिपिड ट्रांसपोर्टर का संरचनात्मक अध्ययन,मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई

32. मल्टी-ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक रोग के उपचार के लिए एक नवीन ड्रग टारगेट के विरुद्ध प्रमुख यौगिकों की संरचना-आधारित रूपरेखा, जैवभौतिकी विभाग, एम्स

33. पार्किंसंस रोग के लिए बायोमार्कर लक्ष्य के रूप में छोटे गैर-कोडिंग आरएनए की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

34. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मैलेट सिंथेज़ के अवरोधकों का संश्लेषण, आईआईटी, दिल्ली

35. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के शिकिमेट काइनेज के अवरोधकों का संश्लेषण, आईआईटी, दिल्ली

36. मध्यम मौखिक सबम्यूकोस फ़ाइब्रोसिस में अधिकतम आंतरिक मुख फैलाव बनाम पारंपरिक गैर-आक्रामक उपचार पर 940एनएम डायोड लेज़र के साथ फोटोबायोमॉड्यूलेशन के सहायक प्रभाव का निर्धारण और तुलना: ए ब्लाइंड मल्टी आर्म, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण। मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली

37. इन विट्रो भेषजगुण विज्ञान अध्ययनों का उपयोग करके इमिडाक्लोप्रिड और इसके मेटाबोलाइट्स के क्यूटी विस्तार जोखिम को समझना, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली इंट्राम्यूरल ग्रांट, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

38. स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक्सोसोमल तथा इन्फ्रारेड आधारित बायोमार्कर को उजागर, विकृति विज्ञान विभाग, शल्यचिकित्सा विभाग तथा चिकित्सा अबुर्दविज्ञान विभाग, बीआरए-आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. स्तन कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं के लिए लिक्विड बायोप्सी में प्रोटिओमिक्स का नैदानिक महत्व: एक खोजपूर्ण अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. प्री-एक्लेम्पसिया का पूर्वानुमान लगाने में स्थापित सीरम बायोमार्कर की तुलना में लार बायोमार्कर का मूल्यांकन: एक नेस्टेड केस कंट्रोल अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. केआईएफसी1, केआईएफ4ए, केआईएफ15 और केआईएफ20ए के विरुद्ध निरोधात्मक अणुओं की जांच तथा स्तन कैंसर कोशिकाओं पर पहचाने गए अणुओं की कैंसर-रोधी गतिविधि का मूल्यांकन, राष्ट्रीय प्रयोगशाला संस्थान, दिल्ली

4. कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ II को लक्षित करके उच्च ऊंचाई पर मूत्रवर्धक दवा एजेंट के रूप में क्वेरसेटिन की क्षमता, डीआईपीएएस, डीआरडीओ, दिल्ली

5. कुकूमबर ग्रीन मोटेल मोज़ेक वायरस की क्रायो-ईएम संरचना का स्पष्टीकरण, आईआईएसईआर, कोलकाता

9.5_.indd 262 1/8/2026 1:30:27 PM

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	32	42	45
कुल वित्तपोषण	1455.86029 लाख रुपये	1342.39773 लाख रुपये	2194.1774 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 61 सार: 06 पुस्तक में अध्याय: 01 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	54	61	69
सामान्य लेख	44	53	61
सार	7	6	6
पुस्तकों में अध्याय	3	2	1
पुस्तकें	शून्य	शून्य	1

रोगी उपचार: शून्य

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य टीपी सिंह ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा विजिटिंग प्रोफेसरशिप पुरस्कार; महाराजा सूरजमल विश्वविद्यालय, भरतपुर द्वारा विजिटिंग प्रोफेसरशिप पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य पुनीत कौर सदस्य, 'रोगाणुरोधी प्रतिरोध, महामारी विज्ञान और संचारात्मक रोग (ईसीडी) प्रभाग, आईसीएमआर पर टास्क फोर्स; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, पीएम-अभिम योजना के तहत प्रस्ताव - जैव सूचना विज्ञान, आईसीएमआर;बाह्य सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडी, कम्प्यूटेशनल विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा;डीएचआर-आईसीएमआर नॉन-मेडिकल फेलोशिप-पीएचडी नेट हेतु पाठ्य विवरण समिति की विशेषज्ञ सदस्य रहीं।

आचार्य सविता यादव ने एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) प्राप्त किया; विभागीय अनुसंधान समिति की बाह्य सदस्य, जैव विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली; सीएसआईआर-आईआईसीबी कोलकाता में चयन समिति की बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नामित; सदस्य, उपसमिति, सीसीआरएफ, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, आईबीएससी, आईआईटी रुड़की; प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल परियोजना की समीक्षा के लिए मूल विज्ञान परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, यूपी में सहायक आचार्य के पद के लिए चयन समिति के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ; पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया: दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

9.5_.indd 263 1/8/2026 1:30:27 PM

आचार्य शर्मिष्ठा डे एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी इंडिया (एजीआई) सोसायटी में अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन: बी.एच.यू., वाराणसी और केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर बी.एच.यू., वाराणसी एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर; पद हेतु चयन समिति के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ, डॉ. भी.रा. अंबेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली में जेआरएफ से एसआरएफ के पद पर पदोन्नति; उपसमिति, सीसीआरएफ, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली की सदस्य रहीं।

डॉ. कृष्णा के. इनामपुडी 11-13 मार्च 2025 हैदराबाद के महिंद्रा विश्वविद्यालय में "वेसिकॉन 2025: व्हेयर वेसिकल साइंस मीट्स क्लीनिकल इनोवेशन" में इवेंट हेड थीं; पोलैंड के डांस्क यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में "प्रोटीन डिजाइन तथा इसके अनुप्रयोगों" पर आमंत्रित व्याख्यान; स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए का दौरा करने के लिए युवा भारतीय जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए प्रतिष्ठित दीर्घकालिक आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप 2023-24 प्राप्त किया; हमारे अनुसंधान लेख, 'सार्स-कोविड-2 में एनएसपी12 गतिविधि को फिर से परिभाषित करना और एनएसपी8 तथा एनएसपी7 द्वारा इसका विनियमन' पर एक टिप्पणी प्रकाशित की गई, जिसमें आरएनए वायरस के खिलाफ संभावित अवरोधकों की रूपरेखा तैयार करने में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया; एसएलएसी, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए में विजिटिंग साइंटिस्ट (2024 - 2025) रहीं।

डॉ. सरोज कुमार 11-13 मार्च 2025 को महिंद्रा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित "वेसिकॉन 2025: व्हेयर वेसिकल साइंस मीट्स क्लिनिकल इनोवेशन" में सह-संयोजक; 10 मार्च 2025 को महिंद्रा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में "इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी)" में आमंत्रित वक्ता; 17-21 दिसंबर 2024 को एनआईटी हमीरपुर में "केमिस्ट्री फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स (सीईईबीए-2024)" में मानदेय व्याख्यान; लुलिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन में एडजंक्ट आचार्य (2021-2024)। लुलिया यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन में अतिथि संकाय के रूप में शिक्षण तथा वैज्ञानिक यात्रा; एम्स में हुए अनुसंधान से पता चलता है कि अल्जाइमर का जल्द पता लगाया जा सकता है: यह महत्वपूर्ण खोज क्यों महत्वपूर्ण है?" द इंडियन एक्सप्रेस, 11 जुलाई 2024। https://indianexpress.com/article/health-wellness/hope-for-alzheimers-early-diagnosis-why-aiims-blood-test-could-be-a-gamechanger-9445783/; लुलिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन में सहायक आचार्य (2021 - 2024)। लुलिया यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, स्वीडन में अतिथि संकाय के रूप में शिक्षण एवं वैज्ञानिक यात्रा।

डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी ने 30 जनवरी 2025 को चौथे एम्स अनुसंधान दिवस पर बेसिक साइंस श्रेणी के अंतर्गत एम्स अर्बुदविज्ञान अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किया; इन्हें एक वक्ता तथा सत्र अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया, 15वीं एशियाई एवं महासागरीय इप्पीलेप्सी कांग्रेस (एओईसी- 2025) फरवरी 2025 में आयोजित; *न्यूरोलॉजी इंडिया* जर्नल के सह-संपादक; भारतीय इप्पीलेप्सी सोसायटी (आईईएस) के ईसी सदस्य; हिंदी माह के दौरान हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. मनोज कुमार आईएनएमएएस**,** डीआरडीओ**,** दिल्ली में परियोजना आईएनएम-324 के कार्यकारी समीक्षा बोर्ड में बाह्य विशेषज्ञ**;** जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय**,** दिल्ली में जैव सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों की व्यावहारिक परीक्षा का मूल्यांकन करने हेतु परीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ रफी अहमद, नॉर्वे; डॉ. बलप्रीत अहलूवालिया, नॉर्वे; डॉ. शेखर मांडे, विज्ञान भारती, शशांक शेखर, अभय कुमार सिंह, इशान कुमार पात्रो

9.5_.indd 264 1/8/2026 1:30:27 PM

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
मारूफ अहमद खान

सहायक आचार्य
एम कलैवानी

समूह 'क' अधिकारी
शिवम पांडे | नीलिमा | सुमित कुमार दास

विशिष्टताएं

वर्तमान में विभाग दो बाह्य वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं में संलग्न है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के विभिन्न केंद्रों एवं विभागों के साथ सहयोग करता है, कुल 268 जारी तथा 6 पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं में योगदान देता है। विभाग के संकाय-सदस्य और वैज्ञानिकों ने सहकर्मी-समीक्षित चिकित्सा पत्रिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में 132 अनुसंधान प्रकाशनों में योगदान दिया है। संकाय सदस्यों ने अन्य संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों हेतु चयन समिति के सदस्यों के रूप में भी कार्य किया है। विभाग के संकाय-सदस्य विभिन्न विशिष्टताओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में संपादकीय और वैज्ञानिक समीक्षक पदों पर हैं। इसके अलावा, उन्होंने संस्थान के भीतर कई प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों में भाग लिया है, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्यों के रूप में कार्य किया है, तथा राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों के लिए डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्डों (डीएसएमबीएस) में अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया है।

शिक्षा

विभाग की शैक्षणिक गतिविधि में स्नातकपूर्व, पैरामेडिकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जैसे एमबीबीएस, रेडियोलॉजी में मेडिकल टेक्नोलॉजी में बीएससी (ऑनर्स), एम. बायोटेक, बीएससी और एमएससी नर्सिंग सहित एक विस्तृत स्पेक्ट्रम शामिल है। संकाय सदस्य और वैज्ञानिक संस्थान के भीतर विभिन्न विभागों में सह-गाइड तथा डीसी सदस्यों के रूप में सहयोग करते हैं और पीएचडी, डीएम, एमसीएच, एमडी/एमएस/एमएचए/एमडीएस पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। विभाग की प्राथमिक गतिविधियों में शिक्षण तथा वैज्ञानिक सांख्यिकीय मार्गदर्शन प्रदान करना दोनों शामिल हैं। यह मार्गदर्शन संकाय सदस्य, अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों (वित्तपोषित और गैर-वित्तपोषित दोनों) के साथ-साथ अपने थीसिस/शोध प्रबंध पर काम कर रहे सभी मेडिकल एवं पैरामेडिकल छात्रों तक बढ़ाया जाता है। विभाग प्रारंभिक योजना चरणों से लेकर रिपोर्ट लेखन के पूरा होने तक सहायता प्रदान करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

शून्य

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 14

9.6_.indd 265 1/8/2026 1:34:35 PM

एम. कलैवानी: 14

2022–2023	2023-2024	2024–2025
1	15	14

प्रस्तुत मुखीय पत्रों/पोस्टरों की सूची: 6

पिछले 3 वर्षों में मुखीय/पोस्टर प्रस्तुति

2022–2023	2023-2024	2024–2025
2	3	6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. डिमेंशिया की रोकथाम हेतु जोखिमग्रस्त वयस्क भारतीयों में नीतिगत बहुविध इंटरवेंशन (स्मृति भारत): एक समूह बहुविध यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएमआरसीटी), डॉ. एमए खान, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये
2. भारत में बच्चों में लॉन्गीट्यूडनल वृद्धि संदर्भ का विकास और विकास वेग, कार्डियो मेटाबॉलिक माप तथा इसके सहसंबंध का आकलन - एक अग्रदर्शी अध्ययन, डॉ एम कलैवानी, आईसीएमआर, 3.3 वर्ष 2021-2025, 93.4 लाख रुपये

पूर्ण:

शून्य

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

शून्य

पूर्ण

शून्य

सहयोगी परियोजनाएँ:

जारी

1. मोटापे हेतु एकल एनास्टोमोसिस स्लीव जेजुनल बाईपास सर्जरी में 200-सेमी बनाम 150-सेमी बिलिओपैंक्रिएटिक लिम्ब: चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
2. नए रोगात्मक एवं उपचारात्मक मार्गों की पहचान करने हेतु इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) एवं पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस (पीसीपीएफ) का तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स तथा मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, पल्मोनरी, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 266 1/8/2026 1:34:35 PM

3. अर्बुद-शल्य चिकित्सा रोगियों में थोरैकोटॉमी हेतु एक फेफड़े के वेंटिलेशन के दौरान धमनी ऑक्सीजनेशन पर डेसफ्लुरेन बनाम सेवोफ्लुरेन के प्रभाव की तुलना: - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग

4. घाव संबंधी दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी (नींद में फोकल एपिलेप्सी अथवा इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस) से पीड़ित 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस और कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता क्रॉसओवर अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

5. 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों में अस्पताल से छुट्टी के 90 दिनों के भीतर अस्पताल में पुनः भर्ती होने से जुड़े कारकों पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, जरा चिकित्सा विभाग

6. कोविड के बाद संक्रमित व्यक्तियों में कार्यात्मक स्थिति एवं लंबे समय तक कोविड से संक्रमित रोगियों में लक्षणों का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

7. विटिलिगो से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों तथा उनके प्राथमिक उपचार करने वालों में जीवन की गुणवत्ता में कमी का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन एवं उम्र तथा लिंग के अनुसार स्वस्थ नियंत्रण समूहों की तुलना में विटिलिगो से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों में अवसाद, चिंता और कम आत्मसम्मान की व्यापकता की तुलना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

8. रीढ़ की हड्डी की चोट में न्यूरोजेनिक आंत्र शिथिलता की गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता, कार्यात्मक स्थिति एवं संपूर्ण आंत्र पारगमन का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग

9. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता तथा संज्ञानात्मक हानि का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

10. औषध-प्रतिरोधी वाले व्यक्तियों में सहायक चिकित्सा के रूप में ओसीमम सैंक्टम अर्क का मूल्यांकन करने वाला एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

11. प्रारंभिक मधुमेह से पीड़ित वृद्ध व्यक्तियों में 20% कैलोरी प्रतिबंध की तुलना में मेटफॉर्मिन के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु एक गैर-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जरा चिकित्सा विभाग

12. मुंह के कैंसर में पारंपरिक एवं इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी तकनीक का उपयोग करके पेक्टोरलिस मेजर मायोक्यूटेनियस फ्लैप परिणामों की तुलना करने वाला चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

13. चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिसमें एसोफेजेक्टोमी करवा रहे रोगियों में रेट्रोस्टर्नल बनाम पोस्टीरियर मीडियास्टिनल गैस्ट्रिक कंड्यूट प्लेसमेंट में फुप्फुसीय जटिलताओं की तुलना की गई, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

14. पोस्ट-मॉर्टम न्यूनतम इनवेसिव ऊतक नमूनाकरण का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों में इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान हेतु बीएम-एएसपीआईसीयू एल्गोरिदम को मान्य करने हेतु एक प्रारंभिक अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 267 1/8/2026 1:34:35 PM

15. प्रसवपूर्व श्रवण परीक्षण हेतु एक उपकरण के रूप में भ्रूण विब्रोएकॉस्टिक स्टिमुलेशन की व्यवहार्यता एवं सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग

16. संवेदी परिवर्तनों पर एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन: सौम्य अथवा कोशिका विज्ञान संबंधी अनिश्चित विक्षतियों हेतु एक्सिलो-ब्रेस्ट तथा द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण के माध्यम से एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी के बाद नेक एंड एंटिरिअर चेस्ट में पेरेस्थेसिया/हाइपोस्थेसिया का विश्लेषण, शल्य चिकित्सा विभाग

17. केलोइड्स के उपचार में एकल 5-फ्लूरोरासिल सहित इंट्रालेसनल ट्रायम्सीनोलोन एसीटोनाइड की तुलना बनाम इंट्रालेसनल रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के संयोजन में तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

18. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करवाने वाले रोगियों में पोर्ट साइट लोकल एनेस्थीसिया घुसपैठ को मानकीकृत करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

19. कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के बाद नाक के पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस में पुनरावृत्ति को रोकने के लिए मुखीय कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स एवं इंट्रानैसल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स बनाम केवल इंट्रानैसल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स की दोहरी चिकित्सा का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग

20. पोर्ट साइट इन्फिलट्रेशन के साथ मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम बनाम लेप्रोस्कोपिक रूप से निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के साथ कम दबाव न्यूमोपेरिटोनियम एवं लेप्रोस्कोपिक रूप से निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के साथ मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम में दर्द से राहत की तुलना करने हेतु लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

21. गैर-हिस्टेरेक्टॉमी स्त्री रोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस के उपयोग का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

22. गैर-सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस रोगियों में विटामिन डी अनुपूरण की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग

23. क्रोनिक अग्नाशयशोथ में केंद्रीय दर्द मॉड्यूलेशन का एक अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

24. ह्यूमन क्रोनिक अग्नाशयशोथ के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन, जैव रसायन विभाग

25. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में द्वितीय उपचार सुविधा में आने वाले मधुमेह रोगियों के बीच आध्यात्मिक कल्याण का एक अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

26. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं में एंडोमेट्रियोसिस-संबंधित एस्ट्रोजेनिक क्रिया के सेलुलर फिजियोलॉजी पर एक अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

27. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर हेतु कैपेसिटाबाइन में कम खुराक वाले पेम्ब्रोलिज़ुमाब को शामिल करना: चरण III यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसिबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ. बी आर अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

9.6_.indd 268 1/8/2026 1:34:35 PM

28. एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी के अनुपालन में सुधार हेतु पीएलएचआईवी के बीच अनुपालन आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण का विकास एवं सत्यापन, काय चिकित्सा विभाग

29. 12 महीने की उम्र में सेरेब्रल पाल्सी की घटना एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के जोखिम की भविष्यवाणी करने के लिए उच्च जोखिम वाले शिशुओं में सामान्य गतिविधि मूल्यांकन हेतु घर-आधारित वीडियो और क्लिनिक वीडियो के बीच समझौता: एक लॉन्गीट्यूडनल अवलोकन अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

30. वायु प्रदूषण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव (आत्महत्याएं), सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

31. परिवेशी वायु प्रदूषण, फेफड़ों के कार्य एवं संज्ञानात्मक हानि बनाम सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी: किशोरों के बीच एक लॉन्गीट्यूडनल बहु-केंद्रित समूह अध्ययन, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

32. भारतीय त्वचा प्रकारों में मेलास्मा के उपचार में मुखीय मेटफॉर्मिन के साथ सामयिक 4% हाइड्रोक्विनोन बनाम अकेले सामयिक 4% हाइड्रोक्विनोन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक मूल्यांकन-ब्लांइड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

33. सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकारों हेतु उपचार की निरंतरता को सशक्त एवं विकसित करने हेतु एक इंटरवेंशन अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग

34. प्लेसेंटल इन्फ्लेमेटरी प्रतिक्रिया एवं भ्रूण के विकास पर पर्टिकुलेट मैटर के संपर्क के प्रभाव की परीक्षण, जैव रसायन विभाग

35. केलोइड्स के उपचार में सामयिक ट्रायमिसिनोलोन के साथ फ्रैक्शनल सीओ2 लेजर बनाम सामयिक ट्रायमिसिनोलोन के साथ माइक्रोनीडलिंग रेडियो-फ्रीक्वेंसी (एमएनआरएफ) की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

36. इलेक्टिव लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टॉमी करवाने वाले मध्यम स्प्लेनोमेगाली वाले रोगियों में प्री-ऑपरेटिव प्लीहा धमनी एम्बोलिज़ेशन (एसएई) के साथ तथा उसके बिना परिणामों की तुलना करने हेतु एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

37. चिकित्सा वार्ड एवं गहन उपचार एकक में नैदानिक एवं पर्यावरणीय फंगल आइसोलेट्स का विश्लेषण - अस्पताल संक्रमण निगरानी हेतु एक उपकरण, काय चिकित्सा विभाग

38. तृतीयक उपचार केंद्र में हेमोडायलिसिस करवाने वाले रोगियों में लक्षण भार एवं जीवन की गुणवत्ता का विश्लेषण: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

39. एनीमिया: भारतीय आबादी में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों एवं जीवनशैली की भूमिका का अन्वेषण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

40. रोगी के लक्षण विज्ञान, विस्तृत नैदानिक परीक्षण एवं बुनियादी परीक्षण के आधार पर चक्कर आने की समस्या वाले रोगियों का निदान करने में ऐप की सहायता, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग

9.6_.indd 269 1/8/2026 1:34:36 PM

41. वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के निदान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित निर्णय सहायता प्रणाली, काय चिकित्सा विभाग

42. बेसलाइन गैलियम-68 पीएसएमए पीईटी/सीटी स्कैन एवं अन्य नैदानिक विधियों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रोस्टेट कैंसर के निदान, स्थानीय स्तर निर्धारण एवं पूर्वानुमान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

43. पीएलएचआईवी आबादी में एड्रेनो-कॉर्टिकल फ़ंक्शन एवं इसके निहितार्थ का आकलन, काय चिकित्सा विभाग

44. सेप्सिस के रोगियों में डिस्ग्लाइसीमिया से जुड़े क्लिनिको-प्रयोगशाला मापदंडों एवं परिणामों का मूल्यांकन, काय चिकित्सा विभाग

45. वृद्धावस्था में कार्यात्मक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन, जरा चिकित्सा विभाग

46. हरियाणा के चयनित जिलों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति घरेलू स्तर की संवेदनशीलता एवं स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी का आकलन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

47. प्रोस्टेट कैंसर से ग्रस्त एवं प्रोस्टेट कैंसर रहित भारतीय वृद्ध वयस्कों (65 वर्ष अथवा अधिक आयु) में आंतरिक क्षमता का आकलन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

48. पित्ताशय-उच्छेदन के बाद के लक्षणों का आकलन एवं जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

49. दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले मधुमेह संबंधी रोगियों में मधुमेह से संबंधित फूट डिजिज की जोखिम स्थिति का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

50. वृद्ध वयस्कों की संज्ञानात्मक स्थिति के संबंध में स्व-सूचित नींद की अवधि एवं गुणवत्ता का आकलन, जरा चिकित्सा विभाग

51. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट अप्रोच (बीएबीए) एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी करवाने वाले रोगियों में द्विपक्षीय पेक्टो-इंटरकोस्टल फेसियल ब्लॉक एवं इंटरमीडिएट सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

52. स्पंदित डाई लेजर की अकेले एवं दीर्घ-स्पंदित एनडी के साथ संयोजन की प्रभावकारिता का आकलन: हाइपरट्रॉफिक फेशियल पोर्टवाइन दागों के उपचार में वाईएजी लेजर अथवा टॉपिकल सिरोलिमस (0.5%) मरहम: एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, अंतर-वैयक्तिक, पायलट अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

53. मेटाबोलिक डिसफंक्शन एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिजीज (एमएएसएलडी) वाले वयस्क रोगियों में क्लिनिकल एवं मेटाबोलिक मापदंडों के साथ एडीपोज-मांसपेशी फेनोटाइप का संबंध, काय चिकित्सा विभाग

54. ईडी हेतु प्रस्तुत डेंगू बुखार में हाइपोकैल्सीमिया का संबंध, काय चिकित्सा विभाग

55. हल्के संज्ञानात्मक हानि वाले वृद्ध वयस्कों में इंटरवेंशन के तंत्रिका-सुरक्षात्मक प्रभाव का द्विआणविक विश्लेषण, जरा चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 270 1/8/2026 1:34:36 PM

56. जन्मजात हाइपोगोनाडिज्म के कारण पुरुषों में अस्थियों संबंधी स्वास्थ्य, अंत: स्राविकी एवं चयापचय विभाग

57. एआरटी पर पीएलएचआईवी में कार्डियोमेटाबोलिक विकारों का बोझ, काय चिकित्सा विभाग

58. चिकित्सा आईसीयू में स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के बीच केंद्रीय लाइन से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण एवं जीवाणु संदूषण: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

59. युवा मधुमेह में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र (केयर), अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

60. आपातकालीन चिकित्सा विभाग में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त संकट के साथ आने वाले रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल तथा परिणाम, आपातकालीन विभाग

61. ट्यूमर प्रेरित ऑस्टियोमलेशिया का नैदानिक प्रोफ़ाइल एवं उपचार परिणाम - एक एकल केंद्र अनुभव, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

62. गैर-खंडीय विटिलिगो में भविष्य की रोग गतिविधि के नैदानिक, डर्मोस्कोपिक एवं बायोमार्कर भविष्यवक्ता: एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

63. <1 वर्ष के लिए चिकित्सकीय रूप से स्थिर गैर-सेगमेंटल विटिलिगो पैच में गैर-संवर्धित एपिडर्मल सेल सस्पेंशन बनाम अकेले गैर-संवर्धित एपिडर्मल सेल सस्पेंशन के प्रत्यारोपण के साथ टोफैसिटिनिब का संयोजन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

64. डब्ल्यूएचओ के कार्य, विकलांगता एवं स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का उपयोग करते हुए दिल्ली में वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान, रा.प्र. केन्द्र

65. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के तीव्र प्रकोप वाले रोगियों में उच्च प्रवाह नाक प्रवेशनी बनाम गैर-आक्रामक वेंटिलेशन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आपातकालीन चिकित्सा विभाग

66. फेफड़े के कार्सिनोमा रोगियों में सांस फूलने, दर्द और जीवन की गुणवत्ता के उपचार में मेथाडोन एवं मॉर्फिन का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग

67. केंद्रीय संवेदीकरण वाले क्रोनिक निचले पीठ के दर्द वाले रोगियों में व्यायाम चिकित्सा बनाम केवल व्यायाम चिकित्सा के साथ स्वीकृति एवं प्रतिबद्धता चिकित्सा की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, पीएम एंड आर विभाग

68. मुखीय ल्यूकोप्लाकिया के उपचार में सामयिक कैल्सीपोट्रिऑल के साथ 2.5% टोल्यूडीन ब्लू मध्यस्थता वाले सामयिक फोटोडायनामिक थेरेपी की नैदानिक प्रभावकारिता की तुलना, मुखीय चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, सीडीईआर

69. प्रारंभिक स्तन कैंसर के रोगियों में रोग सीमा मूल्यांकन में कंट्रास्ट एन्हांस्ड मैमोग्राफी और संक्षिप्त प्रोटोकॉल स्तन एमआरआई की तुलना, रेडियो-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

70. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म (पीएचपीटी) में स्थानीयकरण हेतु सेस्टामिबी/एसपीईसीटी के साथ कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीई-यूएस) की नैदानिक सटीकता की तुलना, शल्य चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 271 1/8/2026 1:34:36 PM

71. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय कैंसर में पारंपरिक दीर्घकालीन कीमोथेरेपी के साथ समेकन कीमोथेरेपी के बाद नवसहायक लघुकालीन रेडियोथेरेपी की समग्र प्रतिक्रिया की तुलना, विकिरण अर्बुद विज्ञान विभाग

72. घुटने के ऊपर के अभिघातजन्य विच्छेदन के बाद लक्षित मांसपेशी पुनर्तंत्रिकाकरण बनाम पारंपरिक स्टंप तैयारी से गुजरने वाले रोगियों में दर्द की स्थिति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अभिघात शल्य चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर

73. उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार में री-188-एचडीडी लिपिओडोल ट्रांस आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (टीएआरटी) की री-188-डीईडीसी लिपिओडोल टीएआरटी के साथ तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

74. बाल चिकित्सा लिम्फोहिस्टियोसाइटिक नियोप्लाज्म में 18 एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ पूरे शरीर के एमआरआई की तुलना, विकिरण निदान विभाग

75. ऊपरी पेट के कैंसर के दर्द में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड निर्देशित सीलिएक प्लेक्सस तंत्रिका ब्लॉक, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग

76. शहरी पुनर्वास कॉलोनी में मधुमेह से पीड़ित वयस्कों में एचबीए1सी, रक्तचाप एवं कोलेस्ट्रॉल (एबीसी) का नियंत्रण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

77. मस्तिष्क एमआरआई निष्कर्षों का नैदानिक परिणामों के साथ सहसंबंध और बाल चिकित्सा आबादी में एचआईवी नकारात्मक सीएनएस तपेदिक के उपचार में इसका निहितार्थ, रेडियो-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

78. लक्षणहीन पित्ताशय की पथरी रोग हेतु प्रारंभिक लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से गुजरने वाले रोगियों में नैदानिक क्रम के साथ पूर्व एवं पश्चात शल्य चिकित्सा निष्कर्षों का सहसंबंध: एक अग्रदर्शी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

79. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल एपिलेप्सी से पीड़ित 5 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में संज्ञान, व्यवहार तथा कार्यकारी कार्य के साथ नींद की संरचना का सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

80. हरियाणा के बल्लभगढ़ के एक ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार व्यवस्था में मातृ पोषण सेवाओं का कवरेज एवं वितरण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

81. बी-कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2बीपीएस एवं एम6ए मशीनरी के बीच तालमेल को समझना, जैव रसायन विभाग

82. मुंह के कैंसर के परीक्षण एवं शीघ्र पता लगाने हेतु एक सुरक्षित, पोर्टेबल, किफायती, गैर-आक्रामक, पॉइंट ऑफ केयर डिजिटल इन्फ्रारेड इमेजिंग प्रणाली का डिजाइन तथा विकास - एक अन्वेषण अग्रगामी अध्ययन, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

83. बाल चिकित्सा निद्रा विकारों के निदान हेतु चरणबद्ध दृष्टिकोण का विकास: एक प्रश्नावली, एक्टिग्राफी एवं पॉलीसोम्नोग्राफी आधारित अवलोकन अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग

84. किशोर अज्ञातहेतुक गठिया से पीड़ित बच्चों में कम अस्थि खनिज घनत्व हेतु पूर्वानुमानित स्कोर का विकास एवं सत्यापन, बाल चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 272 1/8/2026 1:34:36 PM

85. युवा वयस्कों हेतु एक वैयक्तिक वजन उपचार मॉड्यूल का विकास एवं मूल्यांकन, काय चिकित्सा विभाग

86. 4-10 वर्ष की आयु के ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में नींद संबंधी विकारों के उपचार हेतु एक व्यापक मॉड्यूल का विकास तथा सत्यापन: एक पूर्व एवं पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

87. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया के निदान एवं आकलन में इम्यूनोएसेज़ सहायता का विकास एवं सत्यापन, काय चिकित्सा विभाग

88. बच्चों में विटिलिगो के मनोसामाजिक प्रभाव को मापने हेतु एक पैमाने का विकास, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

89. मल्टीमॉडल इमेजिंग का उपयोग करके स्ट्रोक में न्यूरो-वैस्कुलर युग्मित कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग का विकास, एनएमआर एवं एमआरआई सुविधा विभाग

90. तपेदिक पुल्मोनरी इफ्यूजन में जीन एक्सपर्ट अल्ट्रा की नैदानिक सटीकता, काय चिकित्सा विभाग

91. ट्रॉमा संबंधी रोगियों में नेत्र की क्षति की पहचान हेतु ओर्बिट की गैर-विपरीत संगणित टोमोग्राफी (एनसीसीटी) की तुलना में संशोधित जल स्नान तकनीक तथा पारंपरिक नेत्र अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, आपातकालीन चिकित्सा विभाग,

92. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में सेप्सिस का पता लगाने हेतु प्रोकैल्सीटोनिन की नैदानिक सटीकता, काय चिकित्सा विभाग

93. स्प्यूटम की कमी वाले एवं स्प्यूटम नकारात्मक उपचारित पुल्मोनरी तपेदिक संदिग्धों में पुनरावृत्ति के निदान में ब्रोन्कोएल्वियोलर लैवेज तथा कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी की नैदानिक उपयोगिता, काय चिकित्सा विभाग

94. बाल चिकित्सा में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र द्वारा अधिग्रहित डिमाइलिनेशन सिंड्रोम के पहले प्रकरण एवं क्रोनिक न्यूरोबिहेवियरल परिणाम का नैदानिक सत्यापन: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

95. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में 06-23 महीने की आयु के बच्चों की आहार पद्धतियां एवं पोषण संबंधी स्थिति, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

96. विल्म्स ट्यूमर के रोग लक्षण, जटिलताएँ एवं उपचार के परिणाम, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

97. बृहत सैफेनस नस के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा उपचारित वैरिकाज़ नसों के रोगियों में दर्द निवारण हेतु ओबट्यूरेटर तंत्रिका के साथ-साथ फीमरल तंत्रिका ब्लॉक की व्यवहार्यता, सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत: वाहिका इंटरवेंशन विभाग

98. भारत में एनीमिया में कमी के कारक: उप-राष्ट्रीय उदाहरणों से अंतर्दृष्टि। भारतीय आबादी में कोविड-19: एक अग्रदर्शी बहु-केन्द्रित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

99. दक्षिण एशिया में पूर्व गर्भावधि मधुमेह एवं प्री-डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम हेतु दवा इंटरवेंशन (दिव्य): एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग।

9.6_.indd 273 1/8/2026 1:34:36 PM

100. ऑन्को-पेलिएटिव केयर में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) का शीघ्र एकीकरण, अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग

101. मधुमेह के रोगियों में नींद की गुणवत्ता एवं ग्लाइसेमिक/चयापचय नियंत्रण पर व्यापक नींद कार्यक्रम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय विभाग

102. मेडिसिन वार्ड एवं आईसीयू में एंटीफंगल के उपयोग पर शैक्षिक इंटरवेंशन का प्रभाव, काय चिकित्सा विभाग

103. संज्ञानात्मक रूप से कमज़ोर रोगियों में दोहरे कार्य निष्पादन पर व्यायाम का प्रभाव: एक गैर-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जरा चिकित्सा विभाग

104. क्रोनिक कमर दर्द से पीड़ित रोगियों की कार्यात्मक स्थिति एवं मानसिक स्वास्थ्य पर व्यायाम का प्रभाव: एक पूर्व-पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन, पीएमआर विभाग

105. मेमोरी क्लिनिक में आने वाले वृद्ध भारतीयों में संज्ञानात्मक हानि पर एनएमएन एवं सीए-एकेजी का प्रभाव, राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र, एम्स, नई दिल्ली, जरा चिकित्सा विभाग

106. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम से पीड़ित सामान्य एवं विटामिन डी की कमी वाले रोगियों में थ्रोम्बोलिसिस के दौरान सूजन संबंधी मार्करों एवं मायोकार्डियल क्षति पर रिमोट इस्केमिक पोस्ट-कंडीशनिंग का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग

107. सर्वाईकल स्पाइन की शल्यक्रिया द्वारा स्थिरीकरण के बाद फेफड़ों के वातन स्कोर पर सुगैमाडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन उत्क्रमण का प्रभाव: एक अग्रदर्शी, डबल ब्लाइंडेड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, तत्रिका-संवेदनाहरण एवं गंभीर उपचार विभाग

108. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में दर्द की स्थिति एवं कॉर्टिकल उत्तेजना पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विज्ञान विभाग

109. ड्रग रेजिस्टेन्स एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्ति में दौरे की आवृत्ति पर मायोइनोसिटोल अनुपूरण के प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग

110. आपातकालीन विभाग में तीव्र रूप से उत्तेजित रोगियों के उपचार में इंट्रामस्क्युलर हेलोपेरिडोल एवं ओलानज़ापाइन की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा विभाग

111. ओवुलेशन प्रेरण चक्र से गुजर रही पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में प्रजनन एवं चयापचय परिणामों पर आयुर्वेद एवं योग के अतिरिक्त इंटरवेंशन की प्रभावकारिता: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

112. आईवीएफ/आईसीएसआई चक्रों से गुजर रहे अपेक्षित रूप से कम प्रतिक्रिया देने वाले रोगियों में पारंपरिक जीएनआरएच प्रतिपक्षी प्रोटोकॉल के साथ क्लोमीफीन साइट्रेट एवं लेट्रोज़ोल के सह-प्रशासन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

113. गौचर रोग टाईप I एवं टाईप 3 से ग्रस्त ईआरटी-अनभिज्ञ बच्चों (6-17 वर्ष) में एलिग्लस्टैट मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल सिंगल-आर्म चरण 3 इंटरवेंशन परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 274 1/8/2026 1:34:36 PM

114. दो वर्ष से अधिक समय तक कैल्सीनुरिन अवरोधकों पर कायम स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कमी को बनाए रखने में IV रिटक्सिमैब बनाम मुखीय मायकोफेनोलेट मोफेटिल की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग

115. डेंगू बुखार के रोगियों में चेतावनी के संकेतों एवं गंभीर बीमारी की घटनाओं को कम करने में मोंटेलुकास्ट की प्रभावकारिता: चरण 2, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, यादृच्छिक परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग

116. तीव्र कास्टिक अंतर्ग्रहण के रोगियों में म्यूकोसल उपचार एवं एंडोस्कोपिक ग्रेडिंग में परिवर्तन में पैंटोप्राज़ोल बनाम प्लेसिबो की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन, आपातकालीन चिकित्सा विभाग

117. टेट्रालॉजी ऑफ़ फैलोट रिपेयर में बॉर्डरलाइन सिस्टमिक से पल्मोनरी आर्टरी कोलेटरल्स के प्री-ऑपरेटिव ट्रांस-कैथेटर एम्बोलिज़ेशन की प्रभावकारिता, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग

118. डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट अधिगम विकार वाले स्कूल जाने वाले बच्चों (6-18 वर्ष की आयु) में एआई सक्षम उपचारात्मक इंटरवेंशन के सहायक के रूप में दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावकारिता, बाल चिकित्सा विभाग

119. डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ स्प्लेन्चनिक न्यूरोलिसिस को बढ़ाना: एक डबल-ब्लाइंड रेंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग

120. उन्नत वायुपाचन दुर्दमताओं में एंटरल फीडिंग प्रथाएं एवं उनके परिणाम: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन, प्रशामक चिकित्सा विभाग

121. एशियाई भारतीय आबादी में अग्र खंड विकासात्मक कॉर्नियल अपारदर्शीकरण का महामारी विज्ञान तथा आनुवंशिक अध्ययन, नेत्ररोग विज्ञान विभाग

122. भारत में मुखीय रोग भार एवं वृद्ध आबादी के मुखीय स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता का महामारी विज्ञान मूल्यांकन तथा मुखीय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और तत्परता का मूल्यांकन - आईसीएमआर का एक बहु-केन्द्रित कार्यबल, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

123. अस्पताल में भर्ती रोगियों में फेफड़े की कैविटी का इटियोलॉजी एवं परिणाम, काय चिकित्सा विभाग

124. फेफड़ों के कैंसर में ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण एवं चयापचय को नियंत्रित करने में पीडी1 अवरोध के साथ संयुक्त मेटफॉर्मिन की सहक्रिया का मूल्यांकन, भेषजगुण विज्ञान विभाग

125. गर्भावधि मधुमेह की रोकथाम के लिए प्रारंभिक गर्भावस्था में नामांकित उच्च जोखिम वाली महिलाओं में व्यवहार परिवर्तन के लिए निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली की उपयोगिता का मूल्यांकन: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

126. पारंपरिक तरीकों की तुलना में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया एवं β-थैलेसीमिया लक्षण में अंतर करने हेतु कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

127. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी हेतु दोहरी डाई तकनीक का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेबल समानांतर डिजाइन, गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

9.6_.indd 275 1/8/2026 1:34:36 PM

128. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस के निदान में किट-आधारित लूप-मध्यस्थ आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (टीबी-एलएएमपी) परख का मूल्यांकन, काय चिकित्सा विभाग

129. डीआईपीएसआई मानदंडों द्वारा नॉर्मोग्लाइसीमिया से पीड़ित महिलाओं में आईएडीपीएसजी मानदंडों का उपयोग करके जीडीएम अथवा नॉर्मोग्लाइसीमिया से नैदानिक महिलाओं में मातृ और भ्रूण परिणामों का मूल्यांकन, भावी बहुकेंद्रीय अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय विभाग

130. डीआईपीएसआई मानदंडों द्वारा नॉर्मोग्लाइसीमिया से पीड़ित महिलाओं में: आईएडीपीएसजी मानदंडों का उपयोग करके जीडीएम अथवा नॉर्मोग्लाइसीमिया से नैदानिक महिलाओं में मातृ एवं भ्रूण परिणामों का मूल्यांकन, भावी बहुकेंद्रीय अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय विभाग

131. प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग में मुख के कैंसर का शीघ्र पता लगाने एवं जोखिम-आधारित ओपीएमडी उपचार प्रोटोकॉल के विकास हेतु ओपीएमडी में गैर-आक्रामक सहायक का मूल्यांकन, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

132. तृतीयक उपचार अस्पताल के लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में रोगियों में विक्षति के बाद सेप्सिस की भविष्यवाणी में नवीन हेमाटोलॉजिकल विस्तारित इन्फलेमेट्री मापदंडों (ईआईपी) का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

133. वेस्टिबुलर फ़ंक्शन पर कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन, शल्य चिकित्सा विभाग

134. एक सीमुलेटेड वातावरण में रोबोटिक सर्जिकल कौशल के अधिग्रहण पर लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के पूर्व अनुभव के प्रभाव का मूल्यांकन, शल्य चिकित्सा विभाग

135. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में एपीओबीईसी3बी की अभिव्यक्ति, विनियमन एवं नैदानिक प्रासंगिकता का मूल्यांकन, डॉ. बी आर अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

136. ब्यूप्रेनॉर्फिन अनुरक्षण उपचार पर ओपिओइड आश्रित रोगियों से जुड़े न्यूरोइमेजिंग एवं मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज, एनएमआर विभाग

137. बाल चिकित्सा बी-कोशिका ल्यूकेमिया में फैटी एसिड चयापचय एवं बायोएनर्जेटिक्स के बीच संबंध की खोज: ट्यूमर के अस्तित्व तथा उपचार प्रतिक्रिया हेतु निहितार्थ, जैव रसायन विभाग

138. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतक विकार एवं इंसुलिन प्रतिरोध में बाह्यकोशिकीय मैट्रिक्स रीमॉडलिंग, जैव रसायन विभाग

139. उन्नत एचआईवी रोग में उपचार के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक, काय चिकित्सा विभाग

140. वृद्ध वयस्कों में एटीटी (क्षय-रोधी उपचार) प्रेरित हेपेटाइटिस के जोखिम की भविष्यवाणी करने वाले कारक: एक एकल केंद्र समूह अध्ययन, जरा चिकित्सा विभाग

141. प्रजनन संबंधी जीवन की गुणवत्ता एवं अवसादग्रस्तता - पुरुष कारक बांझपन वाले बांझ दंपति में चिंता के लक्षण - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

142. प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया एवं न्यूमोसिस्टिस जेरोवेर्सी की आवृत्ति तथा आनुवंशिक लक्षण वर्णन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

9.6_.indd 276 1/8/2026 1:34:36 PM

143. टाइप 2 मधुमेह रोगियों में अव्यक्त तपेदिक संक्रमण की आवृत्ति एवं जोखिम कारक, काय चिकित्सा विभाग

144. मोरक्विओ सिंड्रोम से ग्रस्त भारतीय बच्चों में जीनोटाइप फेनोटाइप सहसंबंध, बाल चिकित्सा विभाग

145. अंतरालीय फेफड़े की बीमारी के तीव्र प्रकोप में मेजबान और पर्यावरणीय कारक, बाल चिकित्सा विभाग

146. हाइपोमैग्नेसीमिया एवं भर्ती सेप्सिस रोगी में नैदानिक परिणामों के साथ इसका सहसंबंध, काय चिकित्सा विभाग

147. आईसीएमआर का पल्मोनरी फाइब्रोसिस नेटवर्क (आईएनपीएफ), पल्मोनरी, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

148. एचआईवी-सेरोपॉजिटिव रोगियों में माइक्रोस्पोरिडिया की पहचान एवं लक्षण वर्णन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग

149. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित रहित एवं सहित मोटे भारतीय वयस्कों में डायनेपेनिया/ सार्कोपेनिया हेतु बायोमार्कर की पहचान, पूर्वानुमान समीकरणों तथा जोखिम स्कोर का विकास, काय चिकित्सा विभाग

150. बेरियाट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटने के पूर्वानुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार एवं वजन घटने को बनाए रखने हेतु एक मॉडल का निर्माण, शल्य चिकित्सा विभाग

151. आक्रामक प्रोस्टेट कैंसर की पहचान करने हेतु प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े माइक्रो-बायोम के मेटाबोलोमिक्स तथा मेटा-जीनोमिक्स का उपयोग करके मेटाबोलिक बायोमार्करों की पहचान, एनएमआर विभाग

152. एचआईवी संक्रमण वाले रोगियों में कोविड-19 टीकाकरण के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, काय चिकित्सा विभाग

153. एईसीओपीडी में उपचार की सफलता एवं प्रतिकूल घटना पर इओसिनोफिल-आधारित कॉर्टिकोस्टेरॉइड थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी चिकित्सा, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकत्सा विभाग

154. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में आहार संबंधी सूजन सूचकांक पर भूमध्य आहार के भारतीय अनुकूलन का प्रभाव - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, हृद् विज्ञान विभाग

155. एक सिमुलेटेड सेटिंग में न्यूनतम पहुंच सर्जिकल कार्यों के दौरान मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों एवं सर्जिकल रेजीडेन्ट के प्रदर्शन पर इंट्राऑपरेटिव माइक्रोब्रेक्स का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग

156. अति उन्नत मुंह के कैंसर वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा निर्णय एवं शल्यक्रिया के बाद के परिणामों पर नव-सहायक कीमोथैरेपी का प्रभाव, कान, नाक एवं गला रोग विभाग

157. भारत के चयनित जिलों में मुख, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का परीक्षण, शीघ्र निदान एवं उपचार की शुरुआत को बढ़ाने हेतु कार्यान्वयन अनुसंधान, सं.रो.कैं.अ.

158. तृतीयक उपचार अस्पताल के सर्जरी वार्ड में सर्जिकल साइट संक्रमण की घटना एवं निदान, काय चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 277 1/8/2026 1:34:36 PM

159. बाल ठोस घातक ट्यूमर से बचे बच्चों में मनोसामाजिक एवं दैहिक विकारों की घटना तथा गंभीरता, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

160. वृद्ध वयस्क रोगियों (> 65 वर्ष) में अस्पताल में अर्जित निमोनिया की घटना, जोखिम कारक एवं परिणाम: एक अग्रदर्शी समूह - अवलोकन अध्ययन, जरा चिकित्सा विभाग

161. भारत में आइसोनियाज़िड मोनो-रेसिस्टेंट पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस: क्लिनिकल लैबोरेटरी प्रोफ़ाइल एवं उपचार परिणाम, काय चिकित्सा विभाग

162. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा और आईडी रेजीडेन्ट के बीच यात्रा चिकित्सा का ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यास - एक अर्ध इंटरवेंशन अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

163. उन्नत ईजीएफआर उत्परिवर्तित एनएससीएलसी में टीकेआई के साथ कीमोथेरेपी का लिक्विड बायोप्सी निर्देशित जोड़: एक ओपन-लेबल, बहु-केंद्रित, चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

164. कोविड-19 से ठीक हुए रोगियों में लॉन्ग कोविड एवं कोगुलोपैथी: एक अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

165. वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक संपर्क एवं भारतीय आबादी में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी तथा कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में रोग की गंभीरता एवं परिणामों के साथ उनका संबंध: एक अग्रदर्शी बहु-केंद्रीय अध्ययन, पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग

166. रोगी के लक्ष्यों को अंतर्राष्ट्रीय कार्यात्मकता, विकलांगता एवं स्वास्थ्य वर्गीकरण (आईसीएफ) के अनुसार मैपिंग करना: रोलैंड मॉरिस विकलांगता प्रश्नावली एवं ओसवेस्ट्री विकलांगता सूचकांक का उपयोग करते हुए पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कोर सेट की वैधता की जांच करना, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग

167. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में मेलाटोनिन बनाम प्लेसिबो, तंत्रिका विज्ञान विभाग

168. सरल वंक्षण हर्निया में कुल अतिरिक्त-पेरिटोनियल जाल की मरम्मत में मध्य रेखा बनाम त्रिकोणीय पोर्ट प्लेसमेंट: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

169. मिडलाइन बनाम त्रिकोणीय पोर्ट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

170. उत्तर भारत में गंभीर रूप से बीमार अस्पताल में भर्ती रोगी की मृत्यु के कारण का निर्धारण करने हेतु न्यूनतम आक्रामक ऊतक नमूनाकरण, काय चिकित्सा विभाग

171. भारत में यूटीआई के रोगियों में यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली (यूपीईसी) का आणविक लक्षण वर्णन एवं रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रोफ़ाइल: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग

172. पोस्ट-ट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस एवं मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम का पता लगाने हेतु मल्टी-एनालाइट्स लेटरल फ्लो इम्यून एसे, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

173. प्राथमिक स्जोग्रेन सिंड्रोम में पैरोटिड एवं सबमैंडिबुलर ग्रंथियों की मल्टीमोडैलिटी इमेजिंग, विकिरण निदान विभाग

9.6_.indd 278 1/8/2026 1:34:36 PM

174. ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा हेतु कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: एकल आर्म चरण 2 पायलट अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

175. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में बायोमार्कर के रूप में न्यूरोफिलामेंट एवं क्रिएटिनिन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

176. थाइमोमैटस एवं नॉन-थाइमोमैटस मायस्थेनिया ग्रेविस में न्यूनतम इनवेसिव थाइमेक्टोमी के बाद न्यूरोलॉजिकल परिणाम तथा जीवन की गुणवत्ता, शल्य चिकित्सा विभाग

177. नवजात शिशुओं में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी की परीक्षण - एक पायलट अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

178. गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: पित्त पथरी रोग हेतु लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से पीड़ित रोगी में गहरे न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड के साथ कम दबाव वाले न्यूमोपेरिटोनियम के विभिन्न परिणामों का मूल्यांकन करना तथा उनकी तुलना मानक दबाव वाले न्यूमोपेरिटोनियम से करना, शल्य चिकित्सा विभाग

179. मानव इम्यूनोडिफ़िशिएंसी वायरस संक्रमण से ग्रस्त लोगों में गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग एवं इसके सार्को-मेटाबोलिक सहसंबंध, काय चिकित्सा विभाग

180. गर्भवती महिलाओं के पोषण संबंधी जोखिम का आकलन - ग्रामीण बल्लभगढ़ में एक समुदाय-आधारित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

181. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों में सहायक चिकित्सा के रूप में ओसीमम सैंक्टम अर्क: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

182. वृद्ध रोगी में सुप्राटेंट क्रैनियोटॉमी हेतु ओपियोइड स्पेरिंग एनेस्थीसिया तकनीक [ओपिएट अध्ययन]: एक यादृच्छिक ओपन लेबल अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

183. उत्तर भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में इलाज कराने वाले मधुमेह रोगियों के जेब से होने वाला खर्च; एक सुविधा आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

184. रोगी एवं उपचारकर्ता भारतीय न्यूरोसाइकोलॉजिकल कंटिन्यूम ऑफ केयर (पीआईएन-सीओसी) मॉडल (पीआईएन-सीओसी), निदान तंत्रिका-मनोविज्ञान विभाग

185. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में उपचार का पैटर्न एवं परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

186. बीएम-एएसपी आईसीयू मानदंडों का पालन करते हुए आक्रामक फुप्फुसीय एस्परगिलोसिस के निदान हेतु मिनी ब्रोंकोएल्वियोलर लेवेज द्रव पर एस्परगिलस पीसीआर का प्रदर्शन: एक क्रॉस-सेक्शनल डायग्नोस्टिक परीक्षण सत्यापन अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

187. स्फिंगोलिपिडोसिस में मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा प्लाज्मा बायोमार्कर: रोग की गंभीरता एवं जीनोटाइप के साथ सहसंबंध, बाल चिकित्सा विभाग

188. पोस्ट सेप्सिस सिंड्रोम: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, चिकित्सा एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

9.6_.indd 279 1/8/2026 1:34:36 PM

189. सीएनएस क्षय रोग के रोगी में रोगनिरोधी एंटी-एपिलेप्टिक उपयोग की प्रथाएँ एवं परिणाम: तृतीयक उपचार केंद्र के अवलोकन अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टि, काय चिकित्सा विभाग

190. टीबी के उपचार में प्रतिकूल परिणामों के पूर्वानुमानकर्ता, काय चिकित्सा विभाग

191. मेडिकल छात्रों एवं रेजीडेन्ट में सुप्त क्षय रोग संक्रमण (एलटीबीआई) की व्यापकता, घटना एवं जोखिम कारक, काय चिकित्सा विभाग

192. सिजेरियन डिलीवरी के बाद सिजेरियन निशान दोष की व्यापकता एवं नैदानिक प्रोफ़ाइल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

193. एआरटी पर एचआईवी+ रोगियों में तंत्रिका संबंधी और तंत्रिका-संज्ञानात्मक विकारों की व्यापकता एंव सहसंबंध, काय चिकित्सा विभाग

194. टाइप 1 डायबिटीज़ मेलिटस में सार्कोपेनिया की व्यापकता एवं जोखिम कारक: एक केस कंट्रोल अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

195. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के रोगियों में चिंता एवं अवसाद की व्यापकता तथा दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव, जठरांत्ररोग एवं मानव पोषण विभाग

196. रजोनिवृत्त महिलाओं में डायनेपेनिया/सार्कोपेनिया की व्यापकता एवं चयापचय मापदंडों, शारीरिक संरचना तथा अस्थि खनिज घनत्व के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

197. तृतीयक उपचार अस्पताल में प्रतिरक्षा कंप्रोमाइज्ड वाले रोगी के बीच स्ट्रॉन्गिलोइड्स संक्रमण का प्रचलन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

198. डिस्पेनिया के साथ भर्ती रोगियों में संरक्षित इजेक्शन अंश (एचएफपीईएफ) के साथ अज्ञात हृदयघात की विफलता की व्यापकता, जोखिम कारक एवं परिणाम, काय चिकित्सा विभाग

199. तीव्र गुर्दे की विक्षति वाले जीवाणु सेप्सिस रोगी के बायोमार्कर के रूप में प्रोकैल्सीटोनिन, काय चिकित्सा विभाग

200. आंतरिक रोगियों में जीवन की गुणवत्ता, अवसाद, चिंता तथा कथित कलंक का आकलन करने हेतु अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, तथा बाह्य रोगियों की तुलना में उनके प्राथमिक उपचारकर्ताओं के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

201. केवल नीले रंग का उपयोग करके स्तन कैंसर के नवसहायक उपचार के बाद सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी पर भावी अध्ययन और सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी एवं सहायक लिम्फ नोड विच्छेदन के बाद लिम्फेडेमा दरों का पूर्वव्यापी विश्लेषण, शल्य चिकित्सा विभाग

202. जन्मजात गंभीर अज्ञातहेतुक गैर-सिंड्रोमिक एसएनएचएल से पीड़ित बाल रोगी में विद्युत प्रतिबाधा मापन एवं श्रवण कौशल विकास पर कोक्लीयर इम्प्लांट के विलंबित स्विच ऑन की तुलना में कोक्लीयर इम्प्लांट के इंट्रा ऑपरेटिव स्विच ऑन (आईओएसओ) के प्रभाव का विश्लेषण करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान तथा एचएनएस विभाग

9.6_.indd 280 1/8/2026 1:34:37 PM

203. फेफड़े के प्रत्यारोपण हेतु पात्र अंतिम चरण के फेफड़े के रोग वाले रोगी में प्रदर्शन की स्थिति एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में प्रोटोकॉलयुक्त फुप्फुसीय पुनर्वास कार्यक्रम की भूमिका, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

204. मेनिन्जाइटिस के इटियोलॉजी को निर्धारित करने में सीएसएफ लैक्टेट एवं क्लोराइड की भूमिका, काय चिकित्सा विभाग

205. भारत में मृत्यु दर के आंकड़ों के निर्माण में जनसांख्यिकीय निगरानी स्थलों (डीएसएस) की भूमिका: स्थिति विश्लेषण, डिजिटल समाधानों की व्यवहार्यता एवं राष्ट्रीय मृत्यु दर के आंकड़ों के आकलन में उपयोगिता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

206. गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग में एमआर इलास्टोग्राफी की भूमिका, विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

207. सौम्य पित्ताशय विकृति से घातक विकृति को अलग करने में मल्टी-पैरामीट्रिक अल्ट्रासाउंड एवं दोहरी ऊर्जा-कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डीईसीटी) की भूमिका, विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

208. संज्ञानात्मक हानि वाले पीएलएचआईवी में पीईटी मस्तिष्क की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

209. एंडोब्रोंकियल बायोप्सी के दौरान रक्तस्राव की गंभीरता को कम करने में प्रोफिलैक्टिक ट्रैनेक्सैमिक एसिड इन्स्टिलेशन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी चिकित्सा, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

210. सर्जरी के बाद नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद स्तन कैंसर के दीर्घकालिक परिणामों की भविष्यवाणी करने में अवशिष्ट कैंसर के भार की भूमिका: एक व्यापक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

211. अस्थि की भागीदारी वाले गौचर रोग में टी-हेल्पर 17 एवं टी-नियामक कोशिकाओं की भूमिका: एक पायलट अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग

212. मेटास्टेटिक फेफड़ों के घावों में ट्रांस आर्टेरियल रेडियोएम्बोलाइज़ेशन की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

213. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में वेनेटोक्लैक्स के प्रति अनुकूली प्रतिरोध की मध्यस्थता में ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण की भूमिका, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

214. लक्षण शुरू होने के 12-72 घंटों के बीच एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन वाले रोगी में नियमित आक्रामक बनाम इस्केमिया संचालित नीति (लेटकोमर ट्रायल), हृद् विज्ञान विभाग

215. क्या बिना लक्षण वाले भारतीयों में कोलोरेक्टल कैंसर की परीक्षण की जानी चाहिए: एक अखिल भारतीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग

216. मधुमेह के रोगियों में नींद की गुणवत्ता एवं मधुमेह की अवधि, ग्लाइसेमिक और चयापचय नियंत्रण एवं एनएएफएलडी के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, अंत: स्राविकी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग

9.6_.indd 281 1/8/2026 1:34:37 PM

217. भारत में शहरी ग्रामीण परिवेश में गर्भावधि मधुमेह के उपचार हेतु स्मार्टफोन ऐप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

218. भारत में एकीकृत जैविक एवं व्यवहारिक निगरानी सर्वेक्षण 2014-15 का उपयोग करके किन्नर और ट्रांसजेंडर आबादी के बीच एचआईवी जोखिम व्यवहार के निर्धारकों का आकलन करने हेतु सांख्यिकीय मॉडलिंग, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

219. डिमेंशिया की रोकथाम हेतु जोखिमग्रस्त व्यस्क भारतीयों में नीतिगत बहुविध इंटरवेंशन (स्मृति भारत): एक समूह बहु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएमआरसीटी), तंत्रिका विज्ञान विभाग

220. उत्तर भारत में एनसीडी हेतु चलित उपचार को सुदृढ़ बनाना (स्टार-एनसीडी): एक कार्यान्वयन अनुसंधान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता अनुसंधान, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

221. एटीटी प्रेरित यकृत क्षति का अध्ययन: एक अस्पताल आधारित अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

222. गैर-मोटे व्यक्तियों की शारीरिक संरचना, नैदानिक, चयापचय प्रोफ़ाइल का अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

223. हृदयघात रोग में फाइब्रोसिस का अध्ययन: एफआईबीआईसीएआर अध्ययन, हृद् विज्ञान विभाग

224. गैर-मेटास्टेटिक स्तन कैंसर रोगी में सर्जरी के दीर्घकालिक रोगी द्वारा रिपोर्ट किए गए परिणामों का अध्ययन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

225. मोटे वयस्कों में ऑस्टियोसारकोपेनिया का अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

226. पीवाईपी स्कैन द्वारा गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस वाले वयस्क रोगी में सहवर्ती ट्रांसथायरेटिन एमिलॉयडोसिस की व्यापकता का अध्ययन, हृद् विज्ञान विभाग

227. ओपन थायरॉइडेक्टॉमी एवं मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी के दौरान सर्जन के कार्यभार पर एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और माइक्रो ब्रेक के प्रभाव पर अध्ययन: एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

228. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ग्लाइसेमिक एवं नैदानिक परिणामों की उपलब्धि पर निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली के प्रभाव पर अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

229. 18 एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी से पहले अप्रत्याशित हाइपरग्लाइसेमिया के साथ उपस्थित होने वाले रोगी में एक अनुकूली अंतःशिरा इंसुलिन प्रोटोकॉल की सफलता दर, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

230. बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद पोषण संबंधी कमी पर सिंगल एनास्टोमोसिस स्लीव जेजुनल बाईपास बनाम स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी का प्रभाव: एक चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

231. वृद्ध वयस्कों में मानसिक स्वास्थ्य, संज्ञान एवं जीवन की गुणवत्ता पर आयु-संबंधी विशेष संवेदी हानि का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, जरा चिकित्सा विभाग

232. ग्रासनली कैंसर सर्जरी में गैस्ट्रिक अथवा कोलोनिक कंड्यूट परफ्यूज़न के इंट्रा-ऑपरेटिव आकलन हेतु इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस इमेजिंग की भूमिका - एक पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

9.6_.indd 282 1/8/2026 1:34:37 PM

233. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रेकियल इंटुबैशन से पीड़ित रोगी में हृदयघातवाहिनी पतन को रोकने में पुच-डोज़ एपिनेफ्रीन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आपातकालीन चिकित्सा विभाग

234. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में दर्द, इन्फ्रारेड ऑरोफेशियल थर्मोग्राफी एवं मुखीय स्वास्थ्य जीवन की गुणवत्ता पर कार्बामाज़ेपाइन के साथ सहायक 940एनएम डायोड लेजर फोटोबायोमॉड्यूलेशन का चिकित्सीय प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, मुखीय चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, सीडीईआर

235. हिंद अंग इस्केमिया के एक माउस मॉडल में मेसेनकाइमल स्टेम सेल (एमएससी) के साथ अप्रत्यक्ष रूप से तैयार एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिका (ईसीएफसी) से प्राप्त बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं (ईवी) की चिकित्सीय क्षमता, हृद् जैव रसायन विभाग

236. पित्ताशय के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगी के जीवन की गुणवत्ता पर पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी के प्रभाव का आकलन करना, विकिरण-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

237. स्थानीय रूप से उन्नत फेफड़ों के रोगियों में नियोएडजुवेंट थेरेपी की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में फेफड़ों की सीटी प्रीफ्यूजन इमेजिंग की भूमिका का आकलन करना, विकिरण-निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग।

238. मध्यम ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में अधिकतम अंतः कृमिनाशक मुंह खोलने बनाम कॉन्वेंट गैर-आक्रामक उपचार पर 940एनएम डायोड लेजर के साथ फोटो बायोमॉड्यूलेशन के सहायक प्रभाव का निर्धारण एवं तुलना करना - एक ब्लाइंडेड, बहु-भुजा, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मुखीय चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, सीडीईआर

239. लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस से पीड़ित बच्चों (1 से 18 वर्ष की आयु) में लिवर की भागीदारी की व्यापकता एवं परिणामों का निर्धारण करना, बाल चिकित्सा विभाग

240. कोविड-19 से प्रभावित मधुमेह रोगियों के लिए बहु-विषयक शिक्षा एवं उपचार मॉडल की प्रभावशीलता का विकास तथा मूल्यांकन करना: दो-भुजा समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

241. चिकित्सकीय रूप से नकारात्मक अक्षिका वाले प्रारंभिक ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर के रोगी में अक्षिका के उपचार हेतु एक एल्गोरिथ्म स्थापित करना, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

242. 68जीए-एफएपीआई-46 पीईटी/सीटी एवं 177एलयू-एफएपीआई-46 थेरेपी का उपयोग करके सॉफ्ट टिशू सार्कोमा में अग्रदर्शी थेरानोस्टिक के रूप में एफएपीआई-46 का मूल्यांकन करना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

243. एंडोजिनीयस डर्मेटाइटिस की घटना में एलर्जी की भूमिका को स्पष्ट करने हेतु पैच परीक्षण एवं स्क्रीन फिक की परीक्षण का मूल्यांकन करना: एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

244. यूरीनरी इनकंटीनेंस से पीड़ित वृद्ध महिलाओं में पेल्विक फ्लोर के चुंबकीय उत्तेजना के लाभ का मूल्यांकन करना - एकल केंद्र यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जरा चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 283 1/8/2026 1:34:37 PM

245. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों में सुधार हेतु उन्नत व्यवहारिक इंटरवेंशन एवं प्रौद्योगिकी (निरंतर ग्लूकोज निगरानी) के उपयोग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: एक तीन-भुजा समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग

246. हेड एवं नेक के कैंसर में न्यूरोपैथिक दर्द हेतु मेथाडोन बनाम फेंटेनाइल की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक समतुल्य यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग

247. परिधीय रक्त स्मीयर हेतु पारंपरिक माइक्रोस्कोपी के संबंध में शोनिट (एक नया स्वचालित डिजिटल इमेजिंग प्लेटफ़ॉर्म) के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

248. परक्यूटेनियस ट्रांस-हेपेटिक पित्त जल निकासी से पीड़ित रोगी में हेपेटिक हिलर प्लेक्सस ब्लॉक की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना, विकिरण निदान इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग

249. प्रजनन आयु की महिलाओं में हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीपेक्टोमिक्स से पहले संयुक्त हार्मोनल गोली (एथिनिल एस्ट्राडियोल प्लस लेवोनोर्गेस्ट्रेल) के उपयोग का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

250. ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्तियों में नी के आसपास टेलैंजिएक्टेसिया की ओक्यूरेन्स का पता लगाने के लिए अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, पीएम एंड आर विभाग

251. आईएडीपीएसजी मानदंडों द्वारा सामान्य के रूप में परिभाषित महिलाओं में गर्भावस्था के 24 से 32 सप्ताह में ग्लाइसेमिया हेतु निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली का उपयोग करके मानक डेटा उत्पन्न करना, अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग

252. हृदयघात रोगियों में एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाओं एवं प्लेटलेट फ़ंक्शन के बीच परस्पर क्रिया का अध्ययन तथा मूल्यांकन करना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

253. मध्यम सब्मुकोस फिब्रोसिस में नैदानिक, कार्यात्मक, आणविक विशेषताओं एवं मुखीय स्वास्थ्य गुणवत्ता पर 940एनएम तरंगदैर्ध्य के डायोड लेजर का उपयोग करके फोटोबायोमॉड्यूलेशन थेरेपी के सहायक प्रभाव का अध्ययन करना, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

254. जुवनियल डर्मेटोमायोसिटिस से पीड़ित बच्चों में रोग गतिविधि के साथ नेलफोल्ड केशिका घनत्व के संबंध का अध्ययन करना, बाल चिकित्सा विभाग

255. वक्षीय अभिघात से पीड़ित रोगी के दर्द पर छोटे छेद वाले आकार के चेस्ट ट्यूब के प्रभाव का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अभिघात शल्य चिकित्सा और गंभीर उपचार विभाग, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

256. सौम्य थायरॉइड नोड्यूल्स के माइक्रोवेव एब्लेशन की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना: एक अग्रगामी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

257. सबटोटल कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद कोलेलिथियसिस वाले रोगी में परिणामों का अध्ययन करना, शल्य चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 284 1/8/2026 1:34:37 PM

258. मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले रोगियों में सीरम प्रोटिओमिक्स प्रोफाइल की भूमिका का अध्ययन करना, काय चिकित्सा विभाग

259. थायरॉइडेक्टॉमी से पीड़ित रोगी में हाइपोकैल्सीमिया को रोकने हेतु प्रोफिलैक्टिक स्टेरॉयड का उपयोग: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कान, नाक एवं गला रोग विभाग

260. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में कैथेटर-संबंधित रक्तप्रवाह संक्रमण के निदान में कैथेटर युक्तियों की उपयोगिता - एक अग्रदर्शी अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

261. हर्निया के पास कमजोर एरिया का पता लगाने के साथ-साथ वी एब्डोमिनल हर्निया के सफल उपचार की भविष्यवाणी करने में उदर की दीवार एवं मांसपेशियों की प्री-ऑपरेटिव शियर वेव इलास्टोग्राफी की उपयोगिता, एक अग्रदर्शी तुलनात्मक इंटरवेंशन अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

262. डेंगू बुखार में सीरम फेरिटिन की उपयोगिता, काय चिकित्सा विभाग

263. मानव रोगियों में जैविक उम्र बढ़ने, रोग के भार एवं मृत्यु दर को परिभाषित करने तथा भविष्यवाणी करने हेतु पांच अलग-अलग समूहों में बायोमार्कर पैनल को मान्य करना - एक अग्रगामी अग्रदर्शी समूह अध्ययन, जरा चिकित्सा विभाग

264. हरियाणा के फरीदाबाद एवं पलवल जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में टीमवर्क को मापने हेतु "प्राथमिक उपचार टीम गतिशीलता सर्वेक्षण" उपकरण का सत्यापन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

265. हरियाणा के पलवल एवं फरीदाबाद जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्रों में टीम की गतिशीलता को मापने हेतु एक प्रश्नावली का सत्यापन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

266. किशोर अज्ञातहेतुक गठिया से पीड़ित बच्चों में रोग गतिविधि एवं क्षति के आकलन में संपूर्ण शरीर चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग, विकिरण निदान विभाग

267. आनुवंशिक मार्करों की पहचान एवं सत्यापन हेतु हाइपोस्पेडिया रोगी परिवार तिकड़ी का संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण तथा हाइपोस्पेडिया जोखिम मूल्यांकन हेतु एक आनुवंशिक पैनल का विकास, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

268. युवावस्था में शुरू होने वाला फेफड़ों का कैंसर: क्लिनिकोपैथोलॉजिक एवं आणविक प्रोफ़ाइल एवं उपचार परिणाम, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग

पूर्ण

1. पीयूजेओ (पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन) में मूत्र बायोमार्कर पर एक अध्ययन: पीटीजीआर1 (प्रोस्टाग्लैंडीन रिडक्टेस 1), एनजीएएल (न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज-एसोसिएटेड लिपोकेलिन), एवं केआईएम-1 (किडनी इंजरी मॉलिक्यूल-1) का परीक्षण, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

2. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य एवं मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी साक्षरता को बढ़ाना,सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

3. एक्सट्यूबेशन के समय हाइपरकेपनिया वाले रोगियों में रिइंटूबेशन की रोकथाम हेतु उच्च प्रवाह नाक ऑक्सीजन थेरेपी बनाम गैर-इनवेसिव वेंटिलेशन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (हाइपरहॉट एनआईवी परीक्षण),पल्मोनरी, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग

9.6_.indd 285 1/8/2026 1:34:37 PM

4. केलोइड्स के उपचार में ट्रायम्सीनोलोन एसीटोनाइड के सामयिक अनुप्रयोग के साथ इंट्रालेसनल ट्रायम्सीनोलोन एकल बनाम फ्रैक्शनल इलेक्ट्रोलिसिस की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग

5. तृतीयक उपचार केंद्र में उपशामक उपचार प्राप्त करने वाले उन्नत कैंसर रोगियों के बीच अनुपालन, ज्ञान एवं संतुष्टि पर एआई आधारित शैक्षिक इंटरवेंशन युक्त दर्दनाशक दवाओं एवं सहायक दवाओं के पारंपरिक नुस्खे बनाम मोबाइल ऐप की प्रभावशीलता की तुलना करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नर्सिंग महाविद्यालय

6. प्रयोगशाला चूहे में नर प्रजनन पर डीजल निकास के प्रभाव का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

7. एक यादृच्छिक शम नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण में सिज़ोफ्रेनिया (> 2 वर्ष अवधि) से पीड़ित व्यक्ति में मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों एवं संज्ञानात्मक कार्य में आंतरायिक थीटा बर्स्ट उत्तेजना (आईटीबीएस) दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) के प्रभाव का अध्ययन करना, मनोचिकित्सा विभाग

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	2
कुल वित्तपोषण	103.4 लाख रुपये	103.4 लाख रुपये	103.4 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 97 सार: 05

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	68	86	102
पुस्तकों में लेख	67	79	97
सार	01	05	5
पुस्तकों में अध्याय	0	02	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

लागू नहीं

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर मारूफ ए खान विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में चयन समिति के सदस्य थे। इंडियन जर्नल ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी एवं इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिपोर्ट्स के संपादकीय

9.6_.indd 286 1/8/2026 1:34:37 PM

बोर्ड के सदस्य (जैवसांख्यिकी)। लैंसेट जर्नल, अलीगढ़ जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स, अमेरिकन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ रिसर्च, जर्नल ऑफ़ ओबेसिटी, ब्रिटिश जर्नल ऑफ़ विज़ुअल इम्पेयरमेंट तथा बीएमजे समूह की विभिन्न पत्रिकाओं के वैज्ञानिक समीक्षक थे।

डॉ. एम. कलैवानी आईसीएमआर वीपीएम वैक्सीन परीक्षण के डीएसएमबी सदस्य थे: एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, जिसमें न्यूली डायग्नोस्ट स्प्यूटम पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संबंधितों में तपेदिक (टीबी) को रोकने में दो टीकों वीपीएम1002 और इम्यूवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन किया गया; नैदानिक अनुसंधान एकक की कार्य समिति सदस्य; परियोजना कर्मचारियों हेतु चयन समिति के सदस्य थे; भारतीय चिकित्सा जैव सांख्यिकी सोसायटी के आजीवन सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स के सदस्य थे, भारतीय आबादी अध्ययन संघ के आजीवन सदस्य एवं भारतीय महामारी विज्ञान फाउंडेशन के सदस्य थे। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के संपादक तथा एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक हृदरोग विज्ञान के वैज्ञानिक समीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक: कोई नहीं

9.6_.indd 287 1/8/2026 1:34:37 PM

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष
अनुश्री गुप्ता

अपर आचार्य
रूपेश कुमार श्रीवास्तव
विक्रम सैनी
भूपेंद्र कुमार वर्मा

सह-आचार्य
सिरीश कुमार इप्पागुंटा
विनीत चौधरी
सुमित राठौर
महेंद्र सीरवी

सहायक आचार्य
अवतार सिंह मीणा

वैज्ञानिक
श्राबणी सौगंधिका

विशिष्टताएं

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी में एक उच्च-स्तरीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें प्रति बैच 18 छात्र प्रवेश लेते हैं। विभाग एक पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित करता है। एमएससी और पीएचडी छात्रों की कुल संख्या लगभग 60 है।
- संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया अलायंस फ़ेलोशिप सहित कई प्रतिस्पर्धी बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए हैं। उनकी उपलब्धियों को विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, और वे सरकारी वैज्ञानिक समितियों में विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं। उनके विपुल अनुसंधान परिणाम उच्च-प्रभावी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित प्रकाशनों में परिलक्षित होते हैं।
- विभाग में छह वरिष्ठ मार्गदर्शक हैं जो विभाग की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में भाग लेते हैं।
- विभाग को अपने पीएचडी विद्वानों की उपलब्धियों पर गर्व है, जिनमें केएसबीएमआर, एफआईएमएसए, आईएसएसआरएफ, आईएबीएसकॉन और एसएफआरआर-इंडिया जैसे प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों से प्राप्त पुरस्कार शामिल हैं।
- विभाग जैव-चिकित्सा अनुसंधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है और संकाय-सदस्य के निरंतर प्रयासों ने कुष्ठ रोग, क्षय रोग और मलेरिया के क्षेत्रों में विभाग को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। विभाग में शुरू किए गए नए अनुसंधान क्षेत्रों में कार्डियोजेनोमिक्स, जैव सूचना विज्ञान, अस्थि-प्रतिरक्षा विज्ञान, विषाणु विज्ञान, संक्रामक रोगों का चयापचय और

9.7_.indd 288 1/8/2026 1:42:07 PM

जैव ऊर्जा विज्ञान, जन्मजात प्रतिरक्षा, औषधि विकास, आणविक परजीवी विज्ञान, लिपिड ड्रॉपलेट जैवजनन, कोशिका मृत्यु और उसका नियमन तथा आणविक कैंसर चिकित्सा विज्ञान, आंत्र जीव विज्ञान और यकृत रोग शामिल हैं।

- आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना: आने वाले वर्ष में, विभाग उपरोक्त क्षेत्रों में अपने अनुसंधान प्रयासों को और आगे बढ़ाने की योजना बना रहा है। विभिन्न रोगों के लिए नवीन निदान और उपचारात्मक तकनीकों का विकास तथा व्यावसायीकरण एक प्रमुख प्राथमिकता होगी।



1. डॉ. अनुश्री गुप्ता को 28 फरवरी 2025 को एमकेएम कन्या महाविद्यालय, होडल, भारत द्वारा सम्मानित किया गया।
2. डॉ. रूपेश श्रीवास्तव को 30 जनवरी 2025 को एम्स के चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।
3. डॉ. रूपेश श्रीवास्तव ने एम्स, नई दिल्ली में अस्थि स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसबीएच-2024) का आयोजन किया।
4. 8 छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार मिले

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

- विभाग जैव प्रौद्योगिकी में दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान दिया जाता है और एम. बायोटेक की डिग्री प्रदान की जाती है। इस शिक्षण कार्यक्रम में 16 विषय शामिल हैं: कोशिका एवं विकासात्मक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, मानव जैव रसायन, चिकित्सा सूक्ष्म जैव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा प्रौद्योगिकी, आणविक जीव विज्ञान, संक्रामक रोग जीव विज्ञान, आनुवंशिक अभियांत्रिकी एवं जीनोम प्रौद्योगिकी,

9.7_.indd 289 1/8/2026 1:42:07 PM

जैवभौतिकी (चिकित्सा में सिद्धांत, तकनीक एवं अनुप्रयोग), जैव सूचना विज्ञान, ओमिक्स (जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, प्रोटिओमिक्स एवं मेटाबोलोमिक्स), जैव सांख्यिकी, प्रयोगशाला तकनीकों पर सेमिनार (सिद्धांत एवं उपकरण), चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी (जर्नल क्लब एवं संचार कौशल), आणविक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी पर सेमिनार और चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में शोध प्रबंध।

- विभाग ने एम. जैव प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम में पांच नए क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनके नाम हैं, संक्रामक रोग जीवविज्ञान, ओएमआईसीएस: जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स, बौद्धिक संपदा अधिकार, जैव नैतिकता और जैव सुरक्षा (आईबीबी), आणविक निदान और नैदानिक जैव रसायन (एमडीबी) और चिकित्सा सूक्ष्म जैव विज्ञान और संक्रामक रोग जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला पाठ्यक्रम।
- छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाता है और व्यावहारिक कक्षाओं में व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।
- जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आणविक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स आदि में सेमिनार देने के लिए विभिन्न विशेषज्ञताओं से एम्स संकाय के अलावा पीजीआईएमईआर, जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई, आईआईटी, टीएचएसटीआई, आरसीबी, बीसीआईएल, टीईआरआई, जामिया हमदर्द और दिल्ली विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है।
- विभाग चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है।
- यह विभाग डीबीटी और डीएसटी राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त युवा वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करता है।

वर्ष	विभाग में पंजीकृत छात्रों की संख्या
2022-2023	50
2023-2024	58
2024-2025	53

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान: 42

अनुश्री गुप्ता: 1
भूपेन्द्र कुमार वर्मा: 6
महेंद्र सीरी: 1
रूपेश कुमार श्रीवास्तव: 9
सुमित राठौर: 5
विक्रम सैनी: 11
विनीत चौधरी: 9

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
222	28	42

9.7_.indd 290 1/8/2026 1:42:07 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 48

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक/पोस्टर	20	49	49

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ऑस्टियोपोरोटिक रोगियों में प्रथम-पंक्ति चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रूपेश के. श्रीवास्तव, एम्स-अंतर्विषयक अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

2. फुफ्फुसीय टीबी रोगियों में क्रोनिक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस की घटना का आकलन करने और एस्परगिलस इम्यूनोडायग्नोस्टिक एंटीजन की पहचान करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, डॉ. सुमित राठौर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2023-25, 10 लाख रुपये

3. भारत में उच्च परिणाम वाले रोगजनकों को सुरक्षित करने के लिए उच्च नियंत्रण प्रयोगशाला (एचसीएल) संचालन और अनुरक्षण (ओ एंड एम) कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना। डॉ. विक्रम सैनी, यू.एस.डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स ऑफिस ऑफ कॉपरेटिव थ्रेट रिडक्शन (सीटीआर), 1 वर्ष, 2024-2025, 15 लाख रुपये

4. एनसीडीसी और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा समर्थित, उत्कृष्टता केंद्र और वन हेल्थ प्रोग्राम के लिए क्षेत्रीय केंद्र, डॉ. विक्रम सैनी, एनसीडीसी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 5 वर्ष, 2023-2028, 350.00 लाख रुपये

5. अनुपचारित बनाम एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में न्यूक्लियर पोर कॉम्प्लेक्स (एनपीसी) और न्यूक्लियोपोरिन का तुलनात्मक मूल्यांकन, डॉ महेंद्र सीरवी, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

6. साइटोप्लाज्मिक तनाव कणिकाएँ: कैंसर कोशिकाओं में एनास्टेसिस के गतिशील नियामक?, डॉ महेंद्र सीरवी, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024 64 लाख रुपये

7. प्रणालीगत दृष्टिकोणों के माध्यम से लिपोडिस्ट्रोफी और इंसुलिन प्रतिरोध में संरक्षित वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन के कार्यों को समझना, डॉ. विनीत चौधरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी); द्विपक्षीय कार्यक्रम (भारत-स्विस संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम (आईएसजेआरपी), 4 वर्ष, 2021-2025, 250 लाख रुपये

8. रूमेटायड गठिया मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और सिनोवियल फाइब्रोब्लास्ट पर नए टोल-जैसे रिसेप्टर सिग्नलिंग अवरोधकों के सूजन-रोधी प्रभावों की खोज: रूमेटायड गठिया में सूजन को नियंत्रित करने के लिए भविष्य की संभावित नीति के रूप में टीएलआर सिग्नलिंग अवरोध की पहचान करने के लिए एक इन विट्रो अध्ययन, डॉ. सिरीश कुमार इप्पागुंटा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 81.81 लाख रुपये

9.7_.indd 291 1/8/2026 1:42:07 PM

9. टीबी और मधुमेह से ग्रस्त व्यक्तियों में मेज़बान-रोगज़नक़ अंतःक्रियाओं के आणविक तंत्रों को स्पष्ट करना, डॉ. विक्रम सैनी,एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

10. इथेनॉल एक्सपोजर के तहत प्रोबायोटिक्स और आंतों की कोशिकाओं के बीच क्रॉसटॉक की जांच करने के लिए आंतों के ऑर्गेनोइड्स की स्थापना, डॉ. अवतार सिंह मीणा ,एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

11. अल्कोहल-प्रेरित कोलोरेक्टल कैंसर के विकास में टीआपीवी6 चैनल की भूमिका की जांच,डॉ अवतार सिंह मीणा,एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

12. लिवर कैंसर की प्रगति में गैर-पेशेवर फागोसाइटोसिस की भूमिका की खोज, डॉ. अवतार सिंह मीणा, एम्स-आईजीआईबी अनुदान, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

13. पित्ताशय के कैंसर के ट्रांसक्रिप्टोम की खोज: आरएनए अनुक्रमण और ऑर्गेनोइड्स का उपयोग करके मेटास्टेटिक और गैर-मेटास्टेटिक रोगियों का तुलनात्मक अध्ययन,डॉ. अवतार सिंह मीणा, एम्स अंतःविषय सहयोग अनुदान, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

14. एंडोथेलिन रिसेप्टर जीन के मूक आनुवंशिक रूपों के कार्यात्मक लक्षण वर्णन के लिए आणविक उपकरणों का निर्माण, डॉ.अनुश्री गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

15. क्रायो-ईएम, प्रोटिओम और प्रतिरक्षाविज्ञानी दृष्टिकोणों का उपयोग करके *प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम* मेरोजोइट पर प्रमुख लिगैंड्स/लिगैंड कॉम्प्लेक्स की पहचान - एक प्रभावी मलेरिया रक्त चरण वैक्सीन के विकास की दिशा में एक कदम, डॉ. सुमित राठौर, डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस, 5 वर्ष, 2024-2029, 165 लाख रुपये

16. लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस के लिए ईआर उपडोमेन को व्यवस्थित करने में वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन की भूमिका की जांच करना, डॉ. विनीत चौधरी, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

17. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में आंत से जुड़े मेटाबोलाइट्स की नैदानिक क्षमता की जांच करना और ऑस्टियोपोरोसिस के पूर्व-नैदानिक मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता की खोज करना: एक ऑस्टियोइम्यूनोलॉजिकल दृष्टिकोण, डॉ. रूपेश के. श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 780 लाख रुपये

18. म्यूकोर्मिकोसिस रोगियों के बीच सुरक्षा के इम्यूनोमेटाबोलिक निर्धारकों की जांच करना, डॉ. विक्रम सैनी, एम्स अंतरविभागीय सहयोगी परियोजनाएं, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

19. के562 मेगाकार्योपोइजिस सेल मॉडल का उपयोग करके डेंगू वायरस संक्रमण के दौरान थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के अंतर्निहित आणविक तंत्र की जांच करना, डॉ. भूपेंद्र के वर्मा,एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

20. डीईएनवी संक्रमण में संशोधित प्रमुख स्प्लिसिंग घटनाओं की जांच, डॉ. भूपेंद्र के. वर्मा, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 55.5 लाख रुपये

21. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए-व्युत्पन्न आरएनए खंडों का यांत्रिक विश्लेषण, डॉ. भूपेंद्र के वर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

9.7_.indd 292 1/8/2026 1:42:07 PM

22. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया रोगियों में व्यक्तिगत चिकित्सा के लिए एक नए उपकरण के रूप में मेटाबोलिक रीप्रोग्रामिंग, डॉ. विक्रम सैनी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 359.60 लाख रुपये

23. एकल + 139 'ए' सम्मिलन उत्परिवर्तन युक्त ईडीएन1 जीन के 5' यूटीआर का आणविक लक्षण वर्णन, डॉ. अनुश्री गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 84.51 लाख रुपये

24. लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस के आणविक तंत्र,डॉ. विनीत चौधरी, डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस, 5 वर्ष, 2021-2026, 359 लाख रुपये

25. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारत में जूनोटिक और ट्रांसबाउंड्री रोगों से निपटने के लिए वन हेल्थ के लिए राष्ट्रीय कंसोर्टियम, डॉ. विक्रम सैनी (एम्स में पीआई), डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2025, 57.12 लाख रुपये

26. सूक्ष्मजीव संक्रमण के उपचार के लिए एक नवीन दृष्टिकोण के रूप में प्रोबायोटिक्स मध्यस्थता बायोएनर्जेटिक्स स्वास्थ्य मॉड्यूलेशन, डॉ. विक्रम सैनी, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2021-2025, 75.50 लाख रुपये

27. फुफ्फुसीय टीबी और अव्यक्त टीबी संक्रमण के निदान के लिए परिसंचारी छोटे गैर-कोडिंग आरएनए के मात्रात्मक संकेत, डॉ. सुमित राठौर, लघु बाह्य अनुदान योजना के अंतर्गत आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2025-2027, 98 लाख रुपये

28. टीबी के खिलाफ सहायक चिकित्सा के रूप में सेलेनियम अनुपूरण, डॉ. विक्रम सैनी,आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 68.80 लाख रुपये

29. प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम में एंटीजेनिक भिन्नता जीन और ऊतक ट्रॉपिज्म लक्षण वर्णन के एमआरएनए और प्रोटीन अभिव्यक्ति का एकल-कोशिका परिमाणीकरण। डॉ. सुमित राठौर, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, 3 वर्ष, 2023-2026, 40 लाख रुपये

30. आंत-यकृत अक्ष के मॉड्यूलेशन के माध्यम से अल्कोहलिक यकृत रोग को कम करने में लैक्टिप्लांटिबैसिलस पेंटोसस की भूमिका। डॉ. अवतार सिंह मीणा, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2023-2025, 30 लाख रुपये

31. प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल स्थितियों के तहत फुफ्फुसीय और एक्स्ट्राफुफ्फुसीय एआरडीएस को कम करने में प्रोबायोटिक्स और उनके संबंधित मेटाबोलाइट्स की चिकित्सीय क्षमता स्थापित करना, डॉ. रूपेश के. श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 190 लाख रुपये

32. ऑस्टियोपोरोटिक स्थितियों में चयनित होम्योपैथिक फॉर्मूलेशन (एसएचएफ) की हड्डी सुरक्षात्मक क्षमता की जांच करना, डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव, सीसीआरएच-आयुष, 3 वर्ष, 2022-2025, 70 लाख रुपये

33. ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार और प्रबंधन में प्रोबायोटिक्स की चिकित्सीय क्षमता की जांच करना: "नियामक बी कोशिकाओं (बीरेग्स) की भूमिका", डॉ. रूपेश के. श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 73 लाख रुपये

34. मानव मलेरिया परजीवी *प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम* में माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता और हीमोस्टेसिस के प्रमुख नियामकों को समझना", डॉ. सुमित राठौर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 67 लाख रुपये

9.7_.indd 293 1/8/2026 1:42:07 PM

35. *प्लास्मोडियम विवैक्स* के जीवन चक्र के दौरान लिपिड-प्रोटीन अंतःक्रियाओं की भूमिका को समझना, डॉ. सुमित राठौर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2024-2027, 55 लाख रुपये

पूर्ण

1. एमआईपी के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रोटीन का लक्षण वर्णन,डॉ. विक्रम सैनी,एम्स, 2 वर्ष,2021-2023, 10 लाख रुपये

2. माइकोबैक्टीरियम एब्सेसस से एल, डी-ट्रांस पेप्टिडेस का लक्षण वर्णन: एक उभरता हुआ अवसरवादी रोगजनक, डॉ. विक्रम सैनी (डॉ. नम्रता कुशवाह महिला वैज्ञानिक के गुरु), डीएच, 3 वर्ष, 2020-2023, 30.9 लाख रुपये

3. डीईएनवी रोगजनन में एमआईआरएनएएस-आरबीपीएस संबंध को समझना, डॉ. भूपेंद्र के वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

4. किशोर नासोफेरींजल एंजियोफाइब्रोमा में एक्सोम अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन, डॉ. भूपेन्द्र के वर्मा और डॉ. हितेश वर्मा (ईएनटी, एम्स, दिल्ली), एम्स, 3 वर्ष, 2021-2024, 20 लाख रुपये

5. ल्यूपस रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में नए टोल-जैसे रिसेप्टर-सिग्नलिंग अवरोधकों की इम्यूनोमॉडुलेटरी गतिविधियों की खोज: ल्यूपस के लिए दवा लक्ष्य के रूप में टीएलआर की पहचान करने के लिए एक अध्ययन। डॉ. सिरीश कुमार इप्पागुंटा, एसईआरबी, 4 वर्ष, 2020-2024, 68.01 लाख रुपये

6. हल्के लक्षण वाले, बीमार और अधिक बीमार कोविड-19 रोगियों में होस्ट ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग, डॉ. विक्रम सैनी, एम्स कोविड-19, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

7. सार्स-कोव-2 संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा कोशिकाओं के विनियमन के जैव ऊर्जा तंत्र की पहचान करना, डॉ. विक्रम सैनी, एम्स अंतर-विभागीय, 2 वर्ष, 2021-2023, 20 लाख रुपये

8. टीबी उपचार के लिए एक नवीन दृष्टिकोण के रूप में सेलेनियम अनुपूरण के माध्यम से मेजबान जैव ऊर्जा स्वास्थ्य और रेडॉक्स कार्य का मॉड्यूलेशन, डॉ. विक्रम सैनी, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, 53.5 लाख रुपये

9. माइकोबैक्टीरियल संक्रमणों में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, डॉ. विक्रम सैनी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2020-2023, 59.6 लाख रुपये

10. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (एआरडीएस) को कम करने में प्रोबायोटिक्स की इम्यूनोमॉडुलेटरी क्षमता का विश्लेषण करना, डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव, यूनिक बायोटेक, हैदराबाद, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

11. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस में आईएलसी3-आईएलसीआरईजी कोशिका अक्ष पर इसके प्रभाव के माध्यम से हड्डियों के स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में प्रोबायोटिक्स की प्रतिरक्षा-संशोधक भूमिका को स्पष्ट करना। डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 82 लाख रुपये

12. ऑस्टियोपोरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में टीएच9 कोशिकाओं की भूमिका स्थापित करना,डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव,एम्स-इंट्रा म्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

9.7_.indd 294 1/8/2026 1:42:07 PM

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एमआईपी के इम्यूनोमॉड्यूलेटर प्रोटीन का लक्षण वर्णन
2. मानव अल्फा डिफेंस पेप्टाइड्स की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और लक्षण वर्णन
3. कोविड-19 सह-संक्रमण और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का चयापचय आधार
4. लिपिड बूंदों के संयोजन में संरक्षित वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन के कार्यों को समझना
5. डेंगू वायरस पैथोफिज़ियोलॉजी के दौरान एमआईआरएनए-आरबीपी संबंध को डिकोड करना
6. अस्पताल में होने वाले संक्रमणों से निपटने के लिए रोगाणुरोधी कपड़ों का विकास
7. नवीन एंटीजन की पहचान करके क्रोनिक फुप्फुसीय एस्परगिलोसिस के लिए इन-हाउस डायग्नोस्टिक परख का विकास
8. एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में एएलडीएच1ए3 की भूमिका को स्पष्ट करना
9. प्रोबायोटिक्स द्वारा अस्थि स्वास्थ्य के मध्यस्थता मॉड्यूलेशन में "ब्रेग-ट्रेग-टीएच17" कोशिका अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की स्थापना
10. अस्थि विकृति में जीयूटी-संबद्ध मेटाबोलाइट्स (जीएएमएस) की अस्थि-सुरक्षात्मक भूमिका स्थापित करना
11. विट्रो में अल्कोहल-प्रेरित आंत्र अवरोध शिथिलता पर फैटी एसिड के प्रभाव की जांच करना।
12. एंडोथेलिन रिसेप्टर जीन की अभिव्यक्ति और कार्यात्मक विश्लेषण
13. लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस में लगे ईआर उपडोमेन का कार्यात्मक लक्षण वर्णन
14. यीस्ट नॉकआउट लाइनों में *प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम* के लौह परिवहन जीन का कार्यात्मक लक्षण वर्णन
15. तटस्थ लिपिड होमियोस्टेसिस में यीस्ट टीएजी-सिंथेज़ एलआरओ1 और इसके मानव समरूप एलसीएटी का कार्यात्मक लक्षण वर्णन
16. कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित भारतीय रोगियों में एसएनपी ले जाने वाले एंडोथेलिन 'ए' जीन की उत्पत्ति और अभिव्यक्ति
17. ईटी-1 जीन के 5'यूटीआर क्षेत्र में 'क' के सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता वाले नॉक-इन के लिए आणविक उपकरणों का निर्माण
18. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएनए खंडों की पहचान और कार्यात्मक लक्षण वर्णन
19. एंडोथेलिन जीन के 5' यूटीआर के आरएनए-प्रोटीन इंटरैक्टोम की पहचान
20. लिपिड ड्रॉपलेट जैवजनन के नियमन में लिपिड ड्रॉपलेट संयोजन कारकों की भूमिका की जांच करना

9.7_.indd 295 1/8/2026 1:42:07 PM

21. म्यूकोर्मिकोसिस संक्रमण की गंभीरता का आणविक आधार
22. पोषण संबंधी कारक, सूक्ष्म पोषक तत्व अनुपूरण और टीबी संक्रमण
23. जूनोटिक संक्रमणों से निपटने का एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण
24. जीवाणु संक्रमण में अंतःकोशिकीय गैसों की भूमिका
25. इम्यूनोमॉड्यूलेशन और माइक्रोबियल संक्रमण में प्रोबायोटिक्स की भूमिका
26. टीएलआर2 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक 2-फेनिल क्विनाज़ोलिन व्युत्पन्नों की जांच
27. टीएलआर4 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक 2-फेनिल क्विनाज़ोलिन व्युत्पन्नों की जांच
28. डेंगू पैथोफिज़ियोलॉजी में स्प्लिसोसोमल विनियमन
29. ऑस्टियोपोरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में नियामक और प्रभावकारी बी-कोशिका अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका को रेखांकित करना
30. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस में जीयूटी रेजिडेंट टीआरईजी-टीएच17 कोशिका अक्ष की भूमिका का विश्लेषण करना
31. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों के स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में प्रोबायोटिक्स की प्रतिरक्षा-संशोधक भूमिका को आईएलसी3-आईएलसीआरईजी कोशिका अक्ष पर इसके प्रभाव के माध्यम से स्पष्ट करना।
32. ऑस्टियोपोरोटिक स्थितियों में चयनित होम्योपैथिक फॉर्मूलेशन (एसएचएफ) की हड्डी सुरक्षात्मक क्षमता की जांच करना
33. ऑस्टियोसारकोमा पर इंडोल-3-लैक्टिक एसिड (आईएलए) की साइटोटॉक्सिक टी-लिम्फोसाइट मध्यस्थता वाली इम्यूनोथेरेप्यूटिक क्षमता की जांच करना
34. माइकोबैक्टीरियल संक्रमणों में दवा सहिष्णुता के आधार को समझना
35. एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में तनाव कणिका प्रोटीन की भूमिका को समझना

पूर्ण

1. एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में एल्डिहाइड डिहाइड्रोजनेज (एएलडीएच) गतिविधि का लक्षण वर्णन (2023-24)
2. एमआईपी के इम्यूनोमॉड्यूलेटर प्रोटीन का लक्षण वर्णन
3. माइकोबैक्टीरियम में सल्फर चयापचय के प्रोटीन का लक्षण वर्णन
4. कैंसर कोशिकाओं में एक्सपीO1 और परमाणु छिद्र जटिल संख्या के बीच सह-संबंध को समझना (2023-24)
5. प्लास्मोडियम संक्रमण का पता लगाने के लिए एप्टामर आधारित परख का विकास
6. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस में जीयूटी रेजिडेंट टीआरईजी-टीएच17 कोशिका अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका का विश्लेषण

9.7_.indd 296 1/8/2026 1:42:07 PM

7. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस में सूजनजन्य अस्थि क्षति को कम करने में एक नई इम्यूनोथेरेप्यूटिक नीति के रूप में "ब्रेग-ट्रेग-टीएच17" कोशिका अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की स्थापना

8. यीस्ट ट्राइसिलग्लिसरॉल संश्लेषण एंजाइम एलआरओ1 का कार्यात्मक लक्षण वर्णन

9. कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित भारतीय रोगियों में एसएनपी ले जाने वाले एंडोथेलिन 'ए' जीन की उत्पत्ति और अभिव्यक्ति

10. ईटी-1 जीन के 5'यूटीआर क्षेत्र में 'क' के सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता वाले नॉक-इन के लिए आणविक उपकरणों का निर्माण

11. एरिथ्रोसाइट सतह के साथ प्लास्मोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफैन रिच एंटीजन 26.3 (पीवीटीआरएजी26.3) के परस्पर क्रिया करने वाले प्रोटीन की पहचान

12. सेपिन फ़ंक्शन की कमी वाली कोशिकाओं में एक्टोपिक लिपिड बूंदों के परिणामों की जांच

13. आंतों की विक्षति के शमन में *लैक्टोबैसिलस पैंटोसस* की सुरक्षात्मक क्षमता की जांच

14. डीईएनवी रोगजनन के दौरान एमवाईएच9 के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन की जांच: आरयूएनएक्स1 की संभावित भूमिका

15. माइकोबैक्टीरियल संक्रमणों में सूक्ष्म पोषक तत्व अनुपूरण

16. हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादन के नियमन में धातुओं की भूमिका

17. एम एब्सेसस दवा सहिष्णुता में ट्रांसपेप्टिडेज़ एंजाइम की भूमिका

18. म्यूकोर्मिकोसिस में जिंक की भूमिका

19. टीएलआर2 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक पाइराज़ोल व्युत्पन्नों की जांच

20. टीएलआर4 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक पाइराज़ोल व्युत्पन्नों की जांच

21. डेंगू पैथोफिज़ियोलॉजी में स्प्लिसोसोमल विनियमन

22. प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के माइटोकॉन्ड्रियल वाहक प्रोटीन का उपकोशिकीय स्थानीयकरण।

23. माइकोबैक्टीरियल दवा लक्ष्यीकरण के लिए सल्फर चयापचय

24. प्लास्मोडियम विवैक्स के गंभीर मलेरिया रोगियों में रेटिकुलोसाइट्स की सतही प्रोटिओमिक्स

25. तटस्थ लिपिड होमियोस्टेसिस में एसपीओ7 की भूमिका को चिह्नित करना

26. डेंगू वायरस प्रतिकृति के दौरान आई-टीआरएफ एलवाईएस सीटीटी और 3'टीआरएफ जीएलयू-टीटीसी की यांत्रिक भूमिका को समझना

27. ऑस्टियोपोरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में नियामक और प्रभावकारी बी-कोशिका अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका को रेखांकित करना

28. ऑस्टियोसारकोमा में सीडी8+ टी कोशिकाओं की चयापचय स्थिति को रेखांकित करना

9.7_.indd 297 1/8/2026 1:42:07 PM

29. यह निर्धारित करना कि लिपिड बूंदों के अंदर वसा की संरचना लिपोफैगी को रोकती है या ट्रिगर करती है

30. सेपिन म्यूटेंट में एक्टोपिक लिपिड बूंदों पर प्रोटीन लक्ष्यीकरण की जांच करना

31. ऑस्टियोसारकोमा पर इंडोल-3-लैक्टिक एसिड (आईएलए) की साइटोटॉक्सिक टी-लिम्फोसाइट मध्यस्थता वाली इम्यूनोथेरेप्यूटिक क्षमता की जांच करना

32. लिपिड चयापचय में वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन प्रोटीन (एफआईटीएम2) की भूमिका की जांच करना

33. लिपिड बूंदों के न्यूक्लिएशन में सेपिन टीएमडी की भूमिका की जांच करना

34. अस्थि प्रतिरक्षा प्रणाली पर दीर्घकालिक तनाव के प्रभाव का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ऑस्टियोपोरोटिक रोगियों में प्रथम-पंक्ति चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन,अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. कोवैक्सिन और कोविशील्ड के प्रति अनुकूली प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ: एक तुलनात्मक अध्ययन,जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. अटैक्सिया टैलेंजिएक्टेसिया में एंटीसेंस ओलिगो मध्यस्थता चिकित्सा,बाल चिकित्सा, एम्स दिल्ली

4. गौचर रोग से पीड़ित बच्चों और किशोरों में टीआरएपी 5बी और हड्डियों की भागीदारी के बीच सहसंबंध,बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. प्रणालीगत दृष्टिकोणों के माध्यम से लिपोडिस्ट्रोफी और इंसुलिन प्रतिरोध में संरक्षित वसा भंडारण-प्रेरक ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन के कार्यों को समझना,जीवविज्ञान विभाग, फ़ाइबर्ग विश्वविद्यालय, फ़ाइबर्ग, स्विट्ज़रलैंड।

6. डेंगू रोगजनन और मेज़बान स्प्लिसियोसोम,टीएचएसटीआई

7. किशोर नासोफेरींजल एंजियोफाइब्रोमा में एक्सोम अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन,ईएनटी, एम्स दिल्ली

8. पित्ताशय के कैंसर के ट्रांसक्रिप्टोम की खोज: आरएनए अनुक्रमण और ऑर्गेनोइड्स का उपयोग करके मेटास्टेटिक और गैर-मेटास्टेटिक रोगियों का तुलनात्मक अध्ययन,जीआई सर्जरी विभाग

9. क्रायो-ईएम, प्रोटिओम और प्रतिरक्षाविज्ञानी दृष्टिकोणों का उपयोग करके *प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम* मेरोजोइट पर प्रमुख लिगैंड्स/लिगैंड कॉम्प्लेक्स की पहचान, एक प्रभावी मलेरिया रक्त-चरण वैक्सीन के विकास की दिशा में एक कदम,एम्स, आईसीजीईबी नई दिल्ली, आईआईटी दिल्ली और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय लॉस एंजिल्स, अमेरिका

10. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की जाँच करना, अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.7_.indd 298 1/8/2026 1:42:07 PM

11. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में आंत से जुड़े मेटाबोलाइट्स की नैदानिक क्षमता की जांच करना और ऑस्टियोपोरोसिस के पूर्व-नैदानिक मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता की खोज करना: एक ऑस्टियोइम्यूनोलॉजिकल दृष्टिकोण, अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

12. मेटाजीनोमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से अस्पताल के विभिन्न स्थलों पर विषाणु जीन और रेसिस्टोम के लिए वायु माइक्रोबायोम का मानचित्रण,एम्स जैव प्रौद्योगिकी, अस्पताल प्रशासन और दिल्ली विश्वविद्यालय

13. म्यूकोर्मिकोसिस की आणविक गंभीरता और उसके तंत्र,एम्स ईएनटी, सूक्ष्म जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी

14. टी हेल्पर 17 और टी नियामक कोशिकाओं की भूमिका हड्डियों से जुड़ी गौचर बीमारी: एक पायलट अध्ययन, आनुवंशिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

15. प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम में एंटीजेनिक भिन्नता जीन और ऊतक ट्रॉपिज्म लक्षण वर्णन के एमआरएनए और प्रोटीन अभिव्यक्ति का एकल-कोशिका परिमाणीकरण। एम्स नई दिल्ली, आईआईएसईआर पुणे, भारत

16. ऑस्टियोपोरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में आईएलसी की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका को रेखांकित करना,जठरांत्र रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. ओस्टियोसारकोमा में प्राकृतिक किलर (एनके) कोशिकाओं की चयापचय स्थिति को रेखांकित करना, अस्थिरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

18. क्रोनिक तनाव-प्रेरित अस्थि क्षति में ट्रेग-ब्रेग-टीएच17-टीएच9 कोशिका अक्ष की भूमिका का विश्लेषण करना, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

19. प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल स्थितियों के तहत फुफ्फुसीय और एक्स्ट्राफुफ्फुसीय एआरडीएस को कम करने में प्रोबायोटिक्स और उनके संबंधित मेटाबोलाइट्स की चिकित्सीय क्षमता स्थापित करना, फुप्फुसीय, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. अस्थि प्रतिरक्षा प्रणाली पर दीर्घकालिक तनाव के प्रभाव का अध्ययन करना, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. पशु मॉडल का उपयोग करके आघातजन्य रक्तस्रावी आघात में रक्तजन्य विफलता के लिए आईपीएससी व्युत्पन्न रक्तजन्य पूर्वज कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना। एम्स आपातकालीन चिकित्सा और एम्स जैव प्रौद्योगिकी

पूर्ण

1. विभिन्न ग्रेड के एस्ट्रोसाइटोमा में कैंसर स्टेम सेल मार्कर और इसके प्रोटीन का नैदानिक महत्व, एम्स जैव प्रौद्योगिकी और आरपी सेंटर, एम्स

2. ऑस्टियोपोरोसिस के प्रोबायोटिक्स-मध्यस्थता अवरोध में नियामक टी कोशिकाओं (ट्रेग्स) से जुड़े कोशिकीय तंत्रों का स्पष्टीकरण, जठरांत्र रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. ग्लूकोमा में एंडोथेलिन और रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरआरएएस) का मूल्यांकन, नेत्र भेषजगुण विज्ञान विभाग, डॉ. आरपी नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स नई दिल्ली

9.7_.indd 299 1/8/2026 1:42:08 PM

4. कॉर्निया प्रत्यारोपण करवाने वाले केराटोकोनस और फुच के एंडोथेलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी रोगियों में काइन्यूरेनिन मार्ग के माध्यम से ट्रिप्टोफैन चयापचय और नैदानिक परिणामों के साथ उनके सहसंबंध की खोज, एम्स जैव प्रौद्योगिकी और आरपी सेंटर, एम्स

5. टीबी उपचार प्रतिक्रिया के लिए मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, आईसीजीईबी नई दिल्ली, और इनस्टेम बैंगलोर

6. ओस्टियोसारकोमा में सीडी8+ T कोशिकाओं की चयापचय स्थिति का चित्रण करना, अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. ओस्टियोसारकोमा पर इंडोल-3-लैक्टिक एसिड की साइटोटॉक्सिक टी-लिम्फोसाइट मध्यस्थता वाली इम्यूनोथेरेप्यूटिक क्षमता की जांच करना, अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. एस्ट्रोजन की कमी से प्रेरित हड्डियों की गिरावट को रोकने के लिए मानव प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल (एचआईपीएससी)-व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम सेल (आईएमएससीएस) द्वारा जारी बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं (ईवी) की चिकित्सीय क्षमता की जांच करना, महिला स्वास्थ्य संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, लंदन

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	30	31	35
कुल वित्तपोषण (रुपये में)	1766.25	2306.25	3618.84

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 28 सार:05 पुस्तकों में अध्याय:02

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**43**	**24**	**35**
पत्रिकाओं में लेख	32	17	28
सार	08	5	05
पुस्तकों में अध्याय	3	02	02
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार: लागू नहीं

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर अनुश्री गुप्ता को 28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एमकेएम कन्या महाविद्यालय, होडल में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की शुरुआत के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने 5

9.7_.indd 300 1/8/2026 1:42:08 PM

जुलाई 2024 को एम्स, नागपुर में आयोजित चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी संकाय साक्षात्कारों के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया। इसके अतिरिक्त, डॉ गुप्ता ने 9 नवंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय अस्थि स्वास्थ्य संगोष्ठी (आईएसबीएच-2024) के संरक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने प्रमुख संस्थागत भूमिकाएँ निभाई हैं, जिनमें जैव प्रौद्योगिकी विभाग के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और एम्स, नई दिल्ली में पीजी रिसर्च (बेसिक साइंसेज) के लिए संस्थान एथिक्स कमेटी के सदस्य के रूप में कार्य करना शामिल। उन्होंने एम. बायोटेक. के छात्रों के लिए बायोइन्फॉर्मेटिक्स पाठ्यक्रम मॉड्यूल का समन्वय किया और उनकी अंतिम परीक्षाओं के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव एक अस्थि प्रतिरक्षाविज्ञानी हैं जो ऑस्टियोपोरोसिस के विकास और पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रणाली की व्यापक भूमिका को उजागर करने पर केंद्रित हैं, जिसके कारण उन्होंने जीव विज्ञान के एक नए क्षेत्र का प्रस्ताव रखा है जिसे "इम्यूनोपोरोसिस" कहा जाता है। उनकी टीआईओआईएल लैब को हाल ही में अस्थि स्वास्थ्य पर आईसीएमआर-सहयोगी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने 9 नवंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में अस्थि स्वास्थ्य पर पहला अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसबीएच-2024) सफलतापूर्वक आयोजित किया। उन्होंने ऑस्ट्रिया के वियना में होने वाले 19वें अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी कांग्रेस (आईयूआईएस 2025) के लिए सार के समीक्षक के रूप में भी काम किया। डॉ. श्रीवास्तव कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं, जिनमें शामिल हैं: चौथे एम्स अनुसंधान दिवस पर एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार); ऑस्टियोपोरोसिस पर विश्व कांग्रेस (डब्ल्यूसीओ-2025), रोम, इटली में ईएससीईओ-इस्लेन अराउजो डे कार्वाल्हो पुरस्कार; 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक पीजीआईएमईआर, लखनऊ में आयोजित आईएसबीएमआर वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार।

डॉ. विक्रम सैनी संक्रामक रोग जीव विज्ञान, जैव सुरक्षा और जैव सुरक्षा में एक मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ हैं, जिसमें वन हेल्थ और माइकोबैक्टीरियल संक्रमण पर विशेष जोर दिया जाता है। डॉ. सैनी एम्स नई दिल्ली में एनसीडीसी समर्थित वन हेल्थ सेंटर के क्षेत्रीय समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं, और राष्ट्रीय जैव रक्षा कार्यक्रम, रक्षा विभाग, भारत सरकार के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य और सलाहकार हैं; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारत सरकार के तहत भारत के विभिन्न राज्यों में उच्च नियंत्रण जैव सुरक्षा स्तर -3 (बीएसएल -3) सुविधाओं का नेटवर्क स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक (डीजीएचएस) की विशेषज्ञ तकनीकी सलाहकार समिति; और राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य मंत्रालय, और डीआरडीओ, भारत के लिए प्राथमिकता-रोगज़नक़ नियंत्रण सुविधाओं के विकास का तकनीकी मूल्यांकन।इसके अलावा, डॉ. सैनी ने रक्षा फिजियोलॉजी और संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस), नई दिल्ली की शैक्षणिक परिषद और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) में जैव प्रौद्योगिकी स्नातक बोर्ड ऑफ स्टडीज में भी कार्य किया। डॉ सैनी भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग के तहत पशुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण (सीपीसीएसईए) के उद्देश्य से गठित समिति के नामित सदस्य के रूप में भी कार्य करते हैं; और पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारत में जूनोटिक और ट्रांसबाउंड्री रोगों से निपटने के लिए वन हेल्थ के राष्ट्रीय संघ में एक प्रमुख अन्वेषक (एम्स में) हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ सैनी एम्स में कई पहलों में शामिल हैं, जिसमें भारत सरकार की मेक इन इंडिया नीति के अनुसार भारत में औषधीय और रोगाणुरोधी कपड़ों के विकास के लिए एम्स-आईआईटी स्टार्टअप के बीच सीआरए में प्रमुख अन्वेषक होना भी शामिल है। इसके अलावा, डॉ सैनी संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी), संस्थागत पशु नैतिकता समिति (आईएईसी), न्यूड माइस/ट्रांसजेनिक माइस की सुविधा के लिए समिति सहित विभिन्न संस्थागत निकायों/समितियों के सदस्य/विशेष आमंत्रित सदस्य हैं; एम्स में बीएसएल-3 प्रयोगशाला के सीसीआरएफ सदस्य तथा एम्स में केंद्रीय पशु सुविधा में ए-बीएसएल3 सुविधा की स्थापना के लिए सदस्य सचिव।डॉ.

9.7_.indd 301 1/8/2026 1:42:08 PM

सैनी पीएचडी डिग्री (जेएनयू, नई दिल्ली) के लिए परीक्षक/मूल्यांकनकर्ता के रूप में भी कार्य करते हैं, और यूजीसी नेट, डीबीटी जेआरएफ, एनईईटी यूजी परीक्षा और जैव प्रौद्योगिकी, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक चिकित्सा सहित विभिन्न विषयों में मास्टर्स परीक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए भी कार्य करते हैं।इसके अलावा, डॉ. सैनी फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, फ्रंटियर्स इन रेडॉक्स बायोलॉजी एंड फिजियोलॉजी जर्नल में समीक्षा संपादक के रूप में कार्य करते हैं और विभिन्न पत्रिकाओं और वित्त पोषण एजेंसियों डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी, स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एसएनएफ), आदि के लिए समीक्षक हैं। "वन-हेल्थ: आइए हम अपने स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सहयोग करें" विषय पर विशेष सीएमई कार्यक्रम वन हेल्थ में नैम्सकॉम-2024 में संसाधन व्यक्ति और सत्र अध्यक्ष, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का 64वां वार्षिक सम्मेलन, एम्स जोधपुर, राजस्थान (22-24 नवंबर, 2024); 6-9 नवंबर को बीएआरसी, मुंबई में रेडॉक्स मेडिसिन पर एसएफआरआरआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष।

डॉ. भूपेंद्र कुमार वर्मा को 29 और 30 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित चौथे एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस पर, "होस्ट एंजियोजेनिन और डेंगू वायरस प्रतिकृति के बीच सहक्रियात्मक सहसंबंध" शीर्षक से प्रकाशित उनके प्रकाशन के लिए, उन्हें *बेसिक साइंसेज में उत्कृष्टता पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। वे इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी (आईवीएस), भारत (पंजीकरण आईडी: 738, 2024) के आजीवन सदस्य और आरएनए इंडिया तथा बायोग्रुप इंडिया के सदस्य भी हैं।

डॉ. विनीत चौधरी प्रतिष्ठित वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया अलायंस इंटरमीडिएट फ़ेलोशिप अनुदान प्राप्तकर्ता हैं। यह पहली बार है जब एम्स, नई दिल्ली के किसी व्यक्ति को बेसिक बायोचिकित्सा रिसर्च के क्षेत्र में इतना प्रतिष्ठित अनुदान प्राप्त हुआ है। वे विभागीय स्तर पर बायोफिज़िक्स: मेडिसिन में सिद्धांत, तकनीक और अनुप्रयोग (बीपीटी) और कोशिका एवं विकासात्मक जीव विज्ञान (सीडीबी)के पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में भाग ले रहे हैं।), । उन्होंने भारत-अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) का एक प्रमुख कार्यक्रम, भारत सरकार की चयन समिति की बैठक में आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्हें डीबीटी-रिसर्च एसोसिएट (आरए) फेलोशिप कार्यक्रम की चयन समिति की बैठक में सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. चौधरी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। वे अमेरिकन सोसाइटी फॉर सेल बायोलॉजी और अमेरिकन सोसाइटी फॉर बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के सदस्य हैं। वे भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), पुणे, महाराष्ट्र में ऑर्गेनेल बायोलॉजी एंड मेम्ब्रेन ट्रैफिकिंग सम्मेलन में एक आमंत्रित वक्ता थे। ।डॉ. चौधरी ने सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के गृह अर्थशास्त्र संस्थान में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया डॉ. चौधरी ने क्षेत्रीय युवा अन्वेषक बैठक 2024-25 में राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर और अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी" पर तीसरी राष्ट्रीय कार्यशाला में उच्च दाब हिमीकरण विषय पर व्याख्यान दिया।

अतिथि वैज्ञानिक: शून्य

9.7_.indd 302 1/8/2026 1:42:08 PM

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
किरण गोस्वामी

आचार्य

आनंद कृष्णन	बरिडालीन नोंगकिनरिह	पुनीत मिश्रा
संजय कुमार राय	कपिल यादव	सुमित मल्होत्रा
वाई एस कुसुमा कुमारी		रवनीत कौर

अपर आचार्य

हर्षल रमेश साल्वे	राकेश कुमार	पार्थ हलदर

सह-आचार्य
मोहन लाल बैरवा

सहायक आचार्य
मान्या प्रसाद

विशिष्टताएं

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) अपने शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय-आधारित व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं के मॉडल के विकास पर केंद्रित है। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में स्थित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से संचालित होता है। यह हरियाणा के फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ में स्थित व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी) हरियाणा राज्य सरकार तथा नई दिल्ली स्थित एम्स के मध्य यह सहयोगात्मक परियोजना है। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का उद्देश्य ग्रामीण परिवेश में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी देखभाल के माध्यम से जन स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। इसमें एक उप-जिला अस्पताल (एसडीएच), दयालपुर तथा छांयसा में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और 12 उप-केंद्रों का एक नेटवर्क सम्मिलित है। 31 मार्च 2025 तक, सीआरएचएसपी के अंतर्गत प्रैक्टिस फील्ड में कुल 1,05,163 जनसंख्या शामिल थी। सीसीएम ने राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं एनीमिया नियंत्रण उन्नत अनुसंधान केंद्र, समुदाय-आधारित एनसीडी रोकथाम एवं नियंत्रण में क्षमता विकास एवं अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र, राष्ट्रीय एचआईवी प्रहरी निगरानी संस्थान, वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के कार्यान्वयन हेतु नवाचार एवं शिक्षण केंद्र, एसआरएस-आधारित मौखिक शव-परीक्षा के माध्यम से भारत में मृत्यु के कारणों का अध्ययन, और वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता प्रदान की है। विभाग ने नवंबर 2024 में पाँचवें आईएपीएसएम यंग लिडर नेशनल कॉनक्लेव में भाग लिया।

9.8_.indd 303 1/8/2026 2:05:27 PM

शिक्षा

विभाग में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों तरह से शिक्षण प्रदान किए जाते हैं ताकि एसएआरएएल तथा कौशल प्रशिक्षण द्वारा संसाधनों को अधिक सुलभ तथा छात्र-अनुकूल बनाया जा सके। सामुदायिक चिकित्सा प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में स्नातक अनुसंधान कार्यक्रम, फील्ड प्रैक्टिस के आधार पर फिर से व्यावहारिक रूप में शुरू हो गया है। स्नातकोत्तर कक्षाएं, सेमिनार और जर्नल क्लब पूरी तरह से भौतिक रूप में शुरू हुए। कौशल आधारित मॉड्यूल ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिस पर व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

1. स्नातकपूर्व एमबीबीएस छात्र

अपने 4-5वें सेमेस्टर में, एमबीबीएस छात्रों को रोटेशन द्वारा 5 सप्ताह के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में नियुक्त किया जाता है, जहाँ वे महामारी विज्ञान संबंधी प्रैक्टिस, स्वास्थ्य वार्ता तथा पारिवारिक अध्ययन करते हैं। इन दो सेमेस्टरों के दौरान, वे पारिवारिक स्वास्थ्य सलाहकार सेवाओं (एफएचएएस) में भी भाग लेते हैं, जिसमें वे नौ महीनों की अवधि में नियत परिवारों का फॉलो-अप करते हैं और उनके द्वारा लागू किए गए इंटरवेंशन की प्रभावशीलता का आकलन करते हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के एमबीबीएस के 7वें सेमेस्टर के छात्रों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में प्रत्येक 6 सप्ताह के लिए 5 बैचों में तैनात किया गया है। इस पोस्टिंग के दौरान, छात्र प्रेक्टिस के माध्यम से महामारी विज्ञान की अवधारणाओं को सीखते हैं, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों सहित सामुदायिक स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक पहलुओं, सामुदायिक स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य प्रणालियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

नवजात एवं बाल्यावस्था में होने वाले रोगों के एकीकृत उपचार (आईएमएनसीआई) तथा महामारी विज्ञान पर प्रशिक्षण के लिए विशेष मॉड्यूल उपलब्ध हैं। इस पोस्टिंग के दौरान छात्र एक संक्षिप्त गुणात्मक पद्धति-आधारित अनुसंधान परियोजना भी करते हैं, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति स्नातकों का उन्मुखीकरण (ओयूसीएच) कहा जाता है। छह सप्ताह की प्रत्येक तैनाती का समापन एक आंतरिक मूल्यांकन द्वारा होता है। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में आवासीय तैनाती के दौरान ग्लूकोमीटर का उपयोग और ग्लोइंग एवं गाउनिंग नामक दो कौशल मॉड्यूल शामिल किए गए।

2. प्रशिक्षु

प्रशिक्षुओं को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कुल तीन महीने के लिए तैनात किया जाता है। यह अवधि एसडीएच में 6 सप्ताह तथा दयालपुर व छांयसा स्थित प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 3 सप्ताह में बांटा गया है। यह पोस्टिंग पूर्णत: आवासीय है। एसडीएच में, प्रशिक्षुओं को ओपीडी तथा वार्डों में नियुक्त किया जाता है जो उन्हें बुनियादी नैदानिक कौशल सीखने के साथ-साथ सामान्य प्रसव कराने सहित रोगी उपचार में भी सहायता करते हैं। उन्हें वरिष्ठ रेजीडेंट (एसआर) की देखरेख में एसडीएच में सभी उपलब्ध नैदानिक विभागों में रोटेट किया जाता है। पीएचसी पोस्टिंग के दौरान, प्रशिक्षु अन्य गांवों में पीएचसी क्लीनिकों, उप-केंद्रों, विस्तार क्लीनिकों में स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में भाग लेते हैं। उन्हें सामुदायिक चिकित्सा के एसआर की देखरेख में प्रत्येक पीएचसी में डिलीवरी हट में भी नियुक्त किया जाता है। उन्हें सामुदायिक स्तर की गतिविधियों जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का उपचार, टीबी-रोधी उपचार प्राप्त न करने वाले रोगियों का फॉलो-अप, उप-केंद्रों की देखरेख, आउटरीच गतिविधियों का संचालन, टीकाकरण तथा पीएचसी में चल रही अन्य गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है। प्रशिक्षु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कायाकल्प मूल्यांकन, वार्षिक जनगणना, जन जागरूकता सृजन और स्कूल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों

9.8_.indd 304 1/8/2026 2:05:27 PM

जैसी विशेष गतिविधियों में भी शामिल होते हैं। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में ग्रामीण पोस्टिंग के अंत में, प्रशिक्षु संबंधित एसआर द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अपनी लॉग-बुक जमा करते हैं, जिनके तहत उन्हें अंतिम पोस्टिंग मूल्यांकन हेतु नियुक्त किया गया था।

3. सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्र

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम में प्रत्येक 18 महीने के लिए नियुक्त किया जाता है। सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में 18 महीने के लिए नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति रेजिडेंशियल हैं। कुल अवधि में से वे उप-जिला अस्पताल तथा दोनों पीएचसी में 5 महीने और 10 दिन बिताते हैं। इससे उन्हें एस.डी.एच. एवं पी.एच.सी. दोनों में आवश्यक कौशल तथा अनुभव प्राप्त करने का पर्याप्त अवसर मिलता है। उन्हें पीएचसी में निर्णय लेने और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य उपचार सूचना प्रणाली और फील्ड आंकड़ों पर आधारित सेमिनार, पारिवारिक तथा नैदानिक मामले की प्रस्तुतियाँ, परिचालन अनुसंधान एवं समस्या-समाधान प्रैक्टिस शामिल हैं। रेजिडेंट विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत पी.एच.सी. एवं गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लेते हैं।

4. बीएससी (ऑनर्स) तथा पोस्ट बेसिक नर्सिंग छात्र

बीएससी (ऑनर्स) और पोस्ट बेसिक नर्सिंग के छात्रों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में डेढ़ महीने के लिए नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति आवासीय प्रकृति की होती है। वे एसडीएच में 1 महीना तथा दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से किसी एक में 2 सप्ताह रहते हैं। उन्हें प्रसवपूर्व उपचार, वार्ड में उपचार और टीकाकरण का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें ओपीडी एवं वार्ड दोनों में नियुक्त किया जाता है। वे ओपीडी और वार्ड में स्वास्थ्य संबंधी चर्चाएँ और आईईसी प्रदान करते हैं। नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण की देखरेख नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली के एक संकाय-सदस्य द्वारा की जाती है।

5. सेवाकालीन प्रशिक्षण

छात्रों के शिक्षण के अतिरिक्त, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कार्यरत विभिन्न कर्मचारियों के विभिन्न संवर्गों के लिए समय-समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किए गए। 2023-24 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण इस प्रकार थे:

- स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा आशा कार्यकर्ताओं (45*2=90) के लिए कुल 50 घंटे का इन-सर्विस प्रशिक्षण पीएचसी दयालपुर और छांयसा में आयोजित किया गया (आंकड़े सम्मिलित हैं)। ये प्रत्येक माह में बैठकों के दौरान आयोजित किए जाते हैं। क्षेत्र पर्यवेक्षण के दौरान पहचानी गई प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आधार पर विषयों का निर्णय लिया गया; रिपोर्टिंग अवधि के लिए, ये निम्नलिखित थे: जेएसवाई लाभार्थियों की पहचान करना तथा उन्हें लाभ प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करना, जानवरों द्वारा काटे गए मामलों का उपचार, एलबीडब्ल्यू शिशुओं का उपचार, परिवार नियोजन-विधियां, महत्व और कवरेज में सुधार कैसे करें, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, उच्च जोखिम गर्भावस्था की ट्रैकिंग और उपचार, जटिलता उपचार तथा कंगारू मां के उपचार सहित मां और नवजात शिशु का प्रसवोत्तर उपचार, आईएमएनसीआई-बीमार बच्चे की पहचान और उपचार, क्षेत्र स्तर पर कुपोषण की पहचान, देखभाल और उपचार।

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 5वां आईएपीएसएम यंग लिडरर्स' राष्ट्रीय सम्मेलन एम्स, नई दिल्ली में, 8-11 नवंबर 2024
2. 10 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में "वायु प्रदूषण तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव''-क्या "वायु प्रदूषण तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव: हम क्या जानते हैं एवं हमें क्या करने की आवश्यकता है?"

9.8_.indd 305 1/8/2026 2:05:28 PM

3. सीएपीएचईआर इंडिया वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत "वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सामुदायिक सहभागिता-दृष्टिकोण तथा सीखे गए सबक" पर वेबिनार-7 मार्च 2025

4. दून विश्वविद्यालय में आईएएसटीए के सहयोग से शुरुआती करियर के अनुसंधानकर्ताओं के लिए "वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य पर वैज्ञानिक अनुसंधान प्रस्ताव का विकास" पर सीएपीएचईआर इंडिया के तहत कार्यशाला-16 दिसंबर 2024

5. सीएपीएचईआर इंडिया वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत "प्रारंभिक बाल विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव" विषय पर वेबिनार-24 जुलाई 2024

6. सीएपीएचईआर इंडिया वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत "उच्च वायु प्रदूषण के बीच स्वास्थ्य पर गर्मी का प्रभाव-वर्तमान साक्ष्य तथा कार्रवाई के संकेत" विषय पर वेबिनार-8 मई, 2024

7. वायु प्रदूषण महामारी विज्ञान के संबंध में वैज्ञानिक साक्ष्य पर चर्चा करने वाले शुरुआती करियर शोधकर्ताओं के लिए सीएपीएचईआर इंडिया जर्नल क्लब सीरीज़ (वर्चुअल)-"कणिकीय पदार्थ तथा उच्च रक्तचाप की घटना को उजागर करना" पर पहला जर्नल क्लब-7 फरवरी 2025

8. एनएमओसीओएन-2025 में "अनुसंधान पद्धति-व्यवस्थित समीक्षाओं के दृष्टिकोण तथा गुणवत्ता का मूल्यांकन" पर कार्यशाला-2 मार्च 2025, उदयपुर, राजस्थान

9. एम्स, नई दिल्ली में वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर उत्कृष्टता केंद्र के तहत वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारी के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन योजना को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ परामर्श, 19 मार्च 2025

10. स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान, काठमांडू, नेपाल के सहयोग से वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य में प्रारंभिक कैरियर अनुसंधानकर्ताओं का प्रशिक्षण-12-14 अगस्त 2024

11. एचआईवी सेंटिनल निगरानी (एचएसएस-2025) के 19वें दौर के लिए 23 से 27 सितंबर 2024 तक भारत के सभी 37 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्रीय संस्थानों, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटियों (एसएसीएस), केंद्रीय टीम के सदस्यों (सीटीएम) और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटियों के अधिकारियों के लिए "राष्ट्रीय पूर्व-निगरानी कार्यशाला" होटल द म्यूज़ सरोवर पोर्टिको, कापसहेड़ा, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

12. विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटियों के अधिकारियों के लिए "एएनसी, जेल और एचआरजी एचआईवी सेंटिनल निगरानी 2025 (एचएसएस 2025) के लिए पूर्व-निगरानी दिशा-निर्देश तथा योजना कार्यशाला" 11-12 नवंबर 2024 को नई दिल्ली के द एक्जीक्यूटिव क्लब रिसॉर्ट में आयोजित की गई।

13. उच्च रक्तचाप पर सार्वजनिक व्याख्यान तथा पैनल चर्चा-24 मई 2024

14. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में युवा वयस्कों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी साक्षरता बढ़ाने के लिए कार्यशाला, 21-26 अक्टूबर 2024

15. संकाय-सदस्यों के लिए व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण पर कार्यशाला, एमएएमसी मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 8 और 9 अप्रैल 2024

9.8_.indd 306 1/8/2026 2:05:28 PM

प्रदत्त व्याख्यान: 145

किरण गोस्वामी: 5	**आनंद कृष्णन: 13**	**पुनीत मिश्रा: 3**
संजय कुमार राय: 4	**कपिल यादव: 5**	**सुमित मल्होत्रा: 33**
रवनीत कौर: 14	**हर्षल रमेश साल्वे: 31**	**राकेश कुमार: 4**
पार्थ हलधर: 16	**मोहन लाल बैरवा: 13**	**मान्या प्रसाद: 4**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
126	143	145

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 16

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

2022-2023	2023-2024	2024-2025
20	22	16

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ग्रामीण और आदिवासी समुदाय में मधुमेह, रक्तचाप, लिपिड प्रोफ़ाइल तथा स्वास्थ्य पर समुदाय-आधारित योग कार्यक्रम के प्रभाव एवं देश में स्वास्थ्य तथा कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यू) के साथ इसके एकीकरण की संभावना को देखने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित), डॉ. पुनीत मिश्रा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 53,52,445.00 लाख।

2. भारत में गर्भावस्था एवं प्रारंभिक बाल विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव - कोहोर्ट अध्ययन (एपीआईपीईडी कोहोर्ट), डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024, 2028, रुपये 4,40,00,000.00 लाख।

3. हरियाणा के बल्लभगढ़ जिले में वृद्ध जनसंख्या के बीच जीवन की गुणवत्ता पर आयुर्वेद आहार के 1 रिस्पोंडर प्रतिबंधित अध्ययन की एक खोजपूर्ण श्रृंखला - एक समुदाय-आधारित अध्ययन। (सीसीआरएएस द्वारा वित्त पोषित), डॉ. पुनीत मिश्रा, सीसीआरएएस, 3 वर्ष, 2024, 2027, रुपये 3,96,57,500.00 लाख।

4. हरियाणा के चयनित जिलों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति घरेलू स्तर की संवेदनशीलता एवं स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी का आकलन, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे (थीसिस सुपरवाइजर), एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 1,00,000.00 लाख।

5. वयस्क भारतीय आबादी (18-60 वर्ष) में इन्फ्लूएंजा और एसएआरएस-सीओवी2 से जुड़े एसएआरआई का बोझ और परिणाम", डॉ. आनंद कृष्णन, सीडीसी अटलांटा, 5 वर्ष, 2024-2029, रुपये 42,65,00,000.00 लाख।

9.8_.indd 307 1/8/2026 2:05:28 PM

6. सीएपीएचईआर-वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव अनुसंधान पर सहयोग, भारत, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट, बोस्टन, यूएसए, 4 वर्ष, 2021-2025, रुपये 1,02,42,000.00 लाख।

7. वायु प्रदूषण तथा स्वास्थ्य पर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, पीएम एबीएचआईएम (एनसीडीसी, एमओएचएफडब्ल्यू), 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 1,78,48,000.00 लाख।

8. भारतीय जनसंख्या में चुनिंदा गैर-संचारी रोगों के लिए दवा पालन को मापने के लिए एक नए उपकरण का विकास तथा सत्यापन-एक खोजपूर्ण अनुक्रमिक मिश्रित विधि बहुकेंद्रित अध्ययन, डॉ. मोहन बैरवा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, रुपये 6,20,000.00 लाख।

9. दिल्ली एनसीआर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग करके प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में हृदय रोगों के प्रबंधन के लिए एक मॉडल का विकास, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, ट्रिकॉग हेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 12,95,000.00 लाख।

10. भारत में एनीमिया के घटने संबंधी के कारक: उप-राष्ट्रीय उदाहरणों से अंतर्दृष्टि, डॉ. कपिल यादव, आईएवीआई, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 1,50,00,000.00 लाख।

11. प्रजनन आयु वर्ग की गैर-गर्भवती महिलाओं में मध्यम रूप से आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के उपचार में आयरन फोलिक एसिड की तुलना में अकेले पुनर्नवादि मंडूरा और द्राक्षावलेह के संयोजन की प्रभावशीलता तथा सुरक्षा: एक समुदाय-आधारित थ्री-आर्म बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित), डॉ. पुनीत मिश्रा, आईसीएमआर, 18 महीने, 2024-2025, रुपये 22,04,012.00 लाख।

12. नमूना पंजीकरण प्रणाली में मौखिक शव परीक्षण आधारित मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई की स्थापना, भारत के महापंजीयक एन-1725, डॉ. आनंद कृष्णन, गृह मंत्रालय (आरजीआई), 5 वर्ष, 2020-2025, रुपये 15,00,00,000.00 लाख।

13. भारत के लिए एचआईवी सेंटिनल निगरानी परियोजना, डॉ. संजय के. राय, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 2,65,61045.00 लाख।

14. आईसीएमआर की राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता परियोजना "आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के अनुकूलन के लिए न्यायसंगत, क्वालिटि यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज इम्पलिमेंटेशन रिसर्च परियोजना - ईक्यूयूआईपी-एचडब्ल्यूसीएस, डॉ वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 5,87,36,000.00 लाख।

15. भारत में जिला स्तर पर चिकित्सक द्वारा मृत्यु के कारण का पता लगाकर यूनिवर्सल कवरेज प्राप्त करने के लिए मॉडल का कार्यान्वयन और विस्तार, डॉ. आनंद कृष्णन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 6,20,00,000.00 लाख।

16. भारत प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सहायता पहल, डॉ. आनंद कृष्णन, जेएचयू, 5 वर्ष, 2021-2026, रुपये 2,50,00,000.00 लाख।

17. नूंह (मेवात) में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन में सहायता के लिए नवाचार शिक्षण केंद्र, डॉ. सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 7 वर्ष, 2018-2025, रुपये 1,08,57,625.00 लाख।

9.8_.indd 308 1/8/2026 2:05:28 PM

18. हरियाणा में स्वास्थ्य परामर्शदाताओं तथा मध्य-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के माध्यम से कॉलेज एवं स्कूल जाने वाले युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन मॉडल - व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और पायलट प्रभावशीलता अध्ययन, डॉ. सुमित मल्होत्रा, एम्स इंट्राम्यूरल कोलैबोरेटिव, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 10,00,000.00 लाख।

19. राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत एनीमिया नियंत्रण अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) 2018, डॉ. कपिल यादव, यूनिसेफ, 7 वर्ष, 2018-2026, रुपये 1,50,00,000.00 लाख।

20. उत्तर भारत के एक ग्रामीण जिले में नवजात शिशु उपचार डिलीवरी (प्रसव) में डिजिटल नैदानिक निर्णय समर्थन उपकरणों को एकीकृत करने के लिए आवश्यकता मूल्यांकन, डॉ. सुमित मल्होत्रा, एम्स-यूसीएल सहयोगात्मक, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 5,00,000.00 लाख।

21. महाकुंभ मेला 2025 के दौरान भारत में धार्मिक सामूहिक आयोजन में जोखिम मूल्यांकन और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी, डॉ. संजय के. राय, शहरी विकास मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार, 4 महीने, 2025-2025, रुपये 37,24,500.00 लाख।

22. महाकुंभ मेला 2025 में सक्षम-रणनीतिक निक्षय अभियान: महाकुंभ मेला 2025 में एनटीईपी 100-दिवसीय क्षय रोग अभियान के कार्यान्वयन में अवसर तथा चुनौतियाँ, डॉ. राकेश कुमार, शहरी विकास मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार, 3 महीने, 2025-2025, रुपये 20,48,655.00 लाख।

23. गर्भवस्था के दौरान मधुमेह के लिए भारत सरकार के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन हेतु स्वास्थ्य उपचार सुविधा और सामुदायिक तैयारी का स्थितिजन्य विश्लेषण, (एक आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन), डॉ. पुनीत मिश्रा, आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 47,77,453.00 लाख।

24. भारत में उच्च रक्तचाप तथा मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जनसंख्या सहभागिता और स्वास्थ्य उपचार की बढ़ती मांग के लिए नीतियाँ: स्टेप्स-इंडिया बहु-केंद्र अध्ययन, डॉ. मोहन बैरवा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, रुपये 84,00,000.00 लाख।

25. उत्तर भारत में सामान्य एनसीडी के लिए एम्बुलेंस देखभाल को मजबूत करना (स्टार एनसीडी)- एक कार्यान्वयन अनुसंधान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता परियोजना, डॉ. सुमित मल्होत्रा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 4,70,16,807.00 लाख।

26. तकनीकी संसाधन केंद्र, साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश केंद्र, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, डॉ. मान्या प्रसाद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 60 लाख।

27. बच्चों को कोविड-19 के विरुद्ध टीकाकरण से प्राप्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सुरक्षा: एक व्यापक समूह अध्ययन, डॉ. संजय के. राय, भारत बायोटेक, 4 वर्ष, 2022-2025, रुपये 1,500,000.00 लाख।

28. भारत में बुजुर्गों की तंदरूस्ती पर सकारात्मक वृद्धावस्था इंटरवेंशन का प्रभाव: एक अखिल भारतीय क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. मोहन बैरवा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2026, रुपये 21 लाख।

29. भारत में मृत्यु के कारणों के आंकड़ों में सुधार के लिए डिजिटल समाधानों का उपयोग, डॉ. आनंद कृष्णन, यूएनएसडब्ल्यू के माध्यम से सीडीसी फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2024-2025, 67 लाख रुपये,

9.8_.indd 309 1/8/2026 2:05:28 PM

फेफड़ों के स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेटिंग में स्वासा एआई प्लेटफॉर्म की मान्यता और सम्भाव्यता, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, जेनसार्क टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, 1.5 वर्ष, 2023-2024, रुपये 8,87,740.00 लाख।

30. भारत में खांसी से पीड़ित रोगियों में फुफ्फुसीय तपेदिक (पीटीबी) की संभावित उपस्थिति का पता लगाने के लिए स्वासा एआई प्लेटफॉर्म का सत्यापन और ओपरेशनल सम्भाव्यता अध्ययन, डॉ. राकेश कुमार, साल्सिट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, 1.5 वर्ष, 2023-2025, रुपये 35 लाख।

पूर्ण

1. उत्तर भारत में स्कूल जाने वाले किशोरों में एनीमिया की रोकथाम के लिए नेचुरल आयरन फ्रूट बार की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक क्लस्टर-यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड अध्ययन, डॉ. कपिल यादव, एन/ए, 1 वर्ष, 2024-2025, गैर-वित्तपोषित।

2. व्यापक एनीमिया नियंत्रण पहल: आईएफए अनुपूरण रणनीति को बढ़ाना तथा प्राइवेट स्कूल को प्राथमिकता देना, डॉ. कपिल यादव, साक्ष्य कार्रवाई, 2 वर्ष, 2024-2025, रुपये 33 लाख।

3. कोविड-19 वैक्सीन स्वीकृति तथा उपयोग: चार भारतीय राज्यों के चयनित जिलों में आदिवासी, ग्रामीण और शहरी समुदायों के बीच एक कार्यान्वयन अनुसंधान, डॉ. वाईएस कुसुम, आईसीएमआर, 1 वर्ष 9 महीने, 2022-2024, रुपये 139.74 लाख।

4. गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जनसंख्या-आधारित जांच में आशा के कार्य निष्पादन का आकलन - एक बहु-स्थल अध्ययन, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, डब्ल्यूएचओ - भारत हेतु देश कार्यालय, 0.9 वर्ष, 2023, 2023, रुपये 15,38,250 लाख।

5. कम उम्र में विवाह और किशोरावस्था में गर्भावस्था: निर्णय लेने तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में लिंग, गरीबी और सामाजिक मानदंडों की अंतर्संबंधता-आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले का एक केस अध्ययन, डॉ. वाईएस कुसुम, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 50.71 लाख 1

6. भारत के हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में रहने वाली प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की जनजातीय महिलाओं में एनीमिया की संभाव्यता एवं कारण। डॉ. रवनीत कौर, आईसीएमआर, एक साल, 2023-2024, रुपये 31,89,250 लाख।

7. राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों की समीक्षा तथा प्रस्तावित संशोधन (सीओ-पीआई), डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, सीपीसीबी, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 24,00,000/- लाख।

8. भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य आधारित वकालत को मजबूत करना एन-1814, आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 वर्ष, 2017-2024, यूएस 1250,000 डालर।

9. भारत में सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में मृत्यु के कारण के चिकित्सा प्रमाणन (एमसीसीडी) को सुदृद्ध करना, आनंद कृष्णन, आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 45 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (शोध/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में माध्यमिक उपचार सुविधा में आने वाले मधुमेह से पीड़ित रोगियों के बीच आध्यात्मिकता द्वारा कल्याण का एक अध्ययन।

9.8_.indd 310 1/8/2026 2:05:28 PM

2. हरियाणा, भारत की ग्रामीण आबादी में 6 महीने से 24 महीने की आयु के बच्चों में एनीमिया की रोकथाम के लिए, मौखिक आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) सिरप के साथ ओरल स्माल क्वांटिटी में लिपिड-आधारित पोषक तत्व पूरक (एसक्यूएलएनएस) के दैनिक पूरकता की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" 2023-2025 एम्स।

3. भारतीय चिकित्सा संस्थानों में डिजिटल शिक्षण वातावरण का मूल्यांकन।

4. हरियाणा के चयनित जिलों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति घरेलू स्तर की संवेदनशीलता तथा स्वास्थ्य प्रणाली हेतु तैयारी का आकलन।

5. हरियाणा के फरीदाबाद जिले के स्कूलों में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन।

6. ग्रामीण हरियाणा में फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों के घरेलू संपर्कों में तपेदिक निवारक चिकित्सा का मूल्यांकन।

7. ग्रामीण हरियाणा में स्कूल जाने वाली किशोरियों के बीच हीमोग्लोबिन में सुधार के लिए दिन में एक बार बनाम दिन में दो बार चिकित्सीय आईएफए की तुलना एक ओपन-लेबल नॉन इनफिरिएटी क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. हरियाणा के बल्लभगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में मातृ पोषण सेवाओं का कवरेज एवं वितरण।

9. दिल्ली में एचआईवी के लिए लक्षित हस्तक्षेप स्थलों पर नामांकित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में अवसाद और चिंता।

10. उत्तर भारत के चयनित राज्यों में जिला स्तर पर एक एकीकृत मृत्यु संबंधी सूचना प्रणाली विकसित करना।

11. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में 06-23 महीने की आयु के बच्चों की आहार पद्धतियां तथा पोषण संबंधी स्थिति।

12. ग्रामीण बल्लभगढ़ में गर्भवती महिलाओं में स्क्रीन टाइम की अवधि और पैटर्न तथा इससे जुड़े कारक।

13. उत्तर भारत के एक कस्बे में औद्योगिक श्रमिकों के बीच तनाव, नींद की गुणवत्ता तथा जीवन की गुणवत्ता पर कार्यस्थल पर मिल रहे योग अवकाश का प्रभाव।

14. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी साक्षरता को बढ़ाना तथा मानसिक बीमारी के प्रति भय को कम करना: एक इंटरवेंशनल अध्ययन।

15. एमएसएम के बीच एचआईवी परीक्षण की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए एक क्रियाविधि के रूप में एचआईवी स्व-परीक्षण: एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।

16. भारत के चयनित शहरों में चिकित्सकों के इन्फ्लूएंजा उपचार और रोकथाम प्रथाओं में सुधार।

17. दिल्ली में पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों (एमएसएम) तथा ट्रांसजेंडर (टीजी) में एचआईवी के लिए प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) का जानकारी और स्वीकार्यता।

9.8_.indd 311 1/8/2026 2:05:28 PM

18. हरियाणा के फरीदाबाद जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में टाइप 2 मधुमेह का उपचार: चिकित्सक का दृष्टिकोण।

19. हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकता, देखभाल की मांग और स्वास्थ्य प्रणाली हेतु तैयारी: एक मिश्रित विधि अध्ययन।

20. दिल्ली के तृतीयक उपचार अस्पतालों में ओपीडी में आने वाले अस्थमा से पीड़ित बच्चों के बीच उपचार करने वालों की धारणा और एयर प्यूरिफायर के उपयोग के बारे में जानकारी।

21. हरियाणा के बल्लभगढ़ में सामुदायिक आवास गृह में रहने वाले किशोरों का उत्पीड़न, अपराध तथा उनके निर्धारकों की व्यापकता।

22. बल्लभगढ़, फरीदाबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले 45 वर्ष तथा उससे अधिक आयु के वयस्कों में क्रोनिक किडनी रोग की व्यापकता (प्रसार)।

23. हरियाणा के फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ ब्लॉक के निवासियों में एंटीबायोटिक उपयोग की व्यापकता, पैटर्न और निर्धारक।

24. पलवल जिले में किशोर स्वास्थ्य-अनुकूल क्लीनिकों का गुणवत्ता मूल्यांकन - एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।

25. भारत में मृत्यु दर के आंकड़ों की गणना में जनसांख्यिकी निगरानी स्थलों (डीएसएस) की भूमिका: स्थिति विश्लेषण, डिजिटल समाधानों की संभाव्यता और राष्ट्रीय मृत्यु दर के आंकड़ों के आकलन में उपयोगिता।

26. भारत में एकीकृत जैविक तथा व्यवहारिक निगरानी सर्वेक्षण 2014-2015 का उपयोग करके हिजड़ा और ट्रांसजेंडर आबादी के बीच एचआईवी जोखिम व्यवहार के निर्धारकों का आकलन करने के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग।

27. एम्स, नई दिल्ली में बाल रोग एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी से ग्रस्त किशोरों (एएलएचआईवी) में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन।

28. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की आबादी पर कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभावों पर अध्ययन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

29. फरीदाबाद जिले में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) पर विशेष ध्यान देने के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफार्मों का उपयोग।

30. गंभीर तीव्र कुपोषण से ग्रस्त 6-59 महीने की आयु के बच्चों में समुदाय-आधारित उपचार हेतु एनर्जी डेन्स भोजन (ईडीएफ)/स्थानीय रूप से तैयार चिकित्सीय भोजन का उपयोग 2023-2025 एम्स।

31. दिल्ली में एचआईवी से ग्रस्त लोगों के बीच वित्तीय सहायता के उपयोग के पैटर्न।

32. हरियाणा के फरीदाबाद और पलवल जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में टीमवर्क को मापने के लिए “प्राथमिक देखभाल टीम गतिशीलता सर्वेक्षण” उपकरण का सत्यापन।

9.8_.indd 312 1/8/2026 2:05:28 PM

पूर्ण

1. ग्रामीण हरियाणा में एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए ओरल मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट (एमएमएस) बनाम ओरल आयरन और फोलिक एसिड की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. हरियाणा के फरीदाबाद, पलवल तथा मेवात जिलों में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार पैकेजों के अंतर्गत स्वास्थ्य संवर्धन और कल्याण गतिविधियों का मूल्यांकन।
3. फरीदाबाद, भारत में 18-24 वर्ष की आयु के कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच ई-स्वास्थ्य साक्षरता को मापने के लिए एक पैमाने का विकास (अंग्रेजी संस्करण)।
4. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में 15-24 वर्ष की आयु की महिलाओं की पोषण स्थिति।
5. ग्रामीण बल्लभगढ़ में 2 से 4 वर्ष की आयु के बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन समय का प्रचलन और इससे जुड़े कारक।
6. मृत्यु के कारण के लिए मौखिक शव-परीक्षा में नरेटिवस की प्रासंगिकता और संबंध।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. नव निदान किए गए लार पॉजिटिव फुफ्फुसीय टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकने में दो टीकों वीपीएम 1002 और इम्यूवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण-III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, थ्री-आर्म प्लेसबो नियंत्रित, थ्री-आर्म प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, पुल्मोनरी, गंभीर उपचार तथा निंद्रा चिकित्सा विभाग।
2. छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर में घरेलू अपशिष्ट पृथक्करण में सुधार के लिए विकसित टेलर-मेड डिजिटल कार्यक्रम की प्रभावशीलता एवं नगरपालिका ठोस अपशिष्ट उपचार के मूल्यांकन पर एक अध्ययन: एक मिश्रित-विधि दृष्टिकोण, सीएफएम, एम्स रायपुर।
3. भारत में गर्भावस्था और बचपन के शुरूआती विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव-कोहोर्ट अध्ययन (एपीआईपीईडी कोहोर्ट), आईआईटी दिल्ली।
4. लिपोक्सीजेनेस को लक्षित करके अल्जाइमर रोग (एडी) विकृति विज्ञान में एमिलॉयड बीटा (एβ) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैव भौतिकी।
5. दक्षिण भारतीयों बनाम उत्तर भारतीयों में सीलिएक रोग का प्रसार: अंतर के कारणों का आकलन करने के लिए प्रवासी अध्ययन (आईसीएमआर), जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग।
6. दिल्ली वायु प्रदूषण स्वास्थ्य और प्रभाव (डीएपीएचएनई)-मानव वास्तविक जीवन परीक्षण-वायु प्रदूषण के प्रति संवेदनशीलता एवं वायु प्रदूषण के साथ व्यायाम की अंतःक्रिया के आधार पर एएपी विषयों का स्तरीकरण-एक अनुवर्ती अध्ययन (सीओ-पीआई), आईआईटी दिल्ली।
7. दिल्ली एनसीआर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्राथमिक तथा माध्यमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में हृदय रोगों के उपचार के लिए एक मॉडल का विकास, हृद् रोग विज्ञान।

9.8_.indd 313 1/8/2026 2:05:28 PM

8. भारत के प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्रों में रक्तचाप की घर पर स्व-निगरानी की प्रभावशीलता (ईएएसई-बीपी), तंत्रिका विज्ञान।

9. पोस्ट-पीसीआई रोगियों में योग-आधारित हृदय रिहेब्लिटेशन की प्रभावकारिता: एक संभावित यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड-पॉइंट परीक्षण, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र।

10. दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम जिलों में कोविड-19 महामारी के दौरान आत्महत्या के कारण हुई मौतों की महामारी विज्ञान संबंधी जांच, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

11. अग्नाशयशोथ और प्रमुख जठरांत्र रोगों पर महामारी विज्ञान: पूरे भारत में एक बहु-केंद्रीय अध्ययन-एक आईसीएमआर टास्क फोर्स परियोजना, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग।

12. मिर्गी कलंक: मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों पर पड़ने वाला बोझ, उपचार प्रभाव, बाधाओं और स्व-व्यवस्था रणनीतियों की प्रभावशीलता का आकलन करना, जैव भौतिकी।

13. चिकित्सीय इंटरवेंशनस के साथ अल्जाइमर रोग के बायोमार्कर के रूप में सीरम में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिरोध प्रोटीन का मूल्यांकन, जैव भौतिकी।

14. पल्पिटिस के साथ क्षतिग्रस्त प्राथमिक दांतों में दंत पल्प की अंतःक्रियात्मक विशेषताओं का मूल्यांकन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

15. अल्जाइमर रोग के रोगजनन में माइटोकॉन्ड्रिया से संबंधित प्रोटीन की भूमिका तथा चिकित्सीय एजेंट के रूप में उनकी क्षमता का अन्वेषण, जैव भौतिकी।

16. आईसीएमआर नेशनल रजिस्ट्री ऑन वेनस थ्रोम्बो-एम्बोलिक डिसऑर्डर (आई-रजि. वीईडी), हृद् रोग विज्ञान।

17. मेडिकल कॉलेजों में स्ट्रोक की एक समान उपचार तथा परिणामों के लिए मूल्यांकन एवं उपचार पैकेज का कार्यान्वयन। एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।

18. भारतीय मल्टीपल स्केलेरोसिस और संबद्ध डिमाइनेटिग विकार रजिस्ट्री और अनुसंधान नेटवर्क, तंत्रिका विज्ञान।

19. गर्भधारण-पूर्व महिलाओं के लिए एकीकृत उपचार: एक अनुमानित गर्भधारण-पूर्व स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन उपकरण और समुदाय-आधारित जोखिम कम करने संवेदीकरण कार्यक्रम का विकास, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

20. अल्जाइमर के बढ़ने में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स प्रोटीन के प्रभाव की जांच: निदान से लेकर संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों तक, जैव भौतिकी।

21. मानसिक विकारों और मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों की जांच और उपचार के साथ-साथ अन्य गैर-संचारी रोगों के एकीकरण पर बहुराज्यीय कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन (आईसीएमआर-एमआईएनडीएस), राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं उपचार केंद्र।

22. रक्त-आधारित बायोमार्कर के रूप में क्लोथो की संभावित भूमिका और एमआईआरएनए को लक्षित करके स्तन कैंसर में इसका चिकित्सीय महत्व, जैव भौतिकी।

9.8_.indd 314 1/8/2026 2:05:28 PM

23. महिलाओं के लिए गर्भधारण-पूर्व एकीकृत स्वास्थ्य उपचार: एक अनुमानित गर्भधारण-पूर्व स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन उपकरण तथा समुदाय-आधारित स्वास्थ्य जोखिम संबंधी संवेदीकरण कार्यक्रम का विकास 2024-26, डीएचआर द्वारा वित्त पोषित।

24. दिल्ली एनसीआर के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में रिपोर्ट करने वाले तीव्र अभिघात दांत की चोटों वाले 8-14 वर्ष के बच्चों में मनोवैज्ञानिक लक्षणों का प्रसार और पैटर्न, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

25. कान की सर्जरी करवाने वाले बच्चों में श्रवण और संज्ञानात्मक निष्पादन का संभावित मूल्यांकन, एक तुलनात्मक अध्ययन, नाक, कान, गला रोग विभाग।

26. ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के रोगियों में अकेले मानक चिकित्सा उपचार के साथ एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल के साथ अतिरिक्त चिकित्सा की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान।

27. सामूहिक धार्मिक समारोह में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया के लिए जोखिम मूल्यांकन तथा स्वास्थ्य प्रणाली हेतु तैयारी 2025, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित।

28. मिर्गी रोग के बारे में बातचीत: क्या बेहतर रोगी-प्रदाता संप्रेषण द्वारा उपचार के परिणामों को बेहतर बना सकता है? एक मिश्रित-विधि अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।

29. तंबाकू छोड़ने के लिए एक हस्तक्षेप के रूप में योग-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र।

पूर्ण

1. एक सुविधा सेटिंग में बाह्य रोगियों के बीच सीरम फेरिटिन आकलन के लिए पीओसीटी का सत्यापन, जैव रसायन विभाग।

2. समुदाय-अधिग्रहित यूरिनरी ट्रेक संक्रमण में उभरती दवा प्रतिरोधिता और भारतीय आइसोलेट्स में प्रतिरोध लक्षणों की गतिशीलता में आणविक अंतर्दृष्टि-एक बहु-केन्द्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

3. आईसीएमआर टास्क फोर्स सेंटर ऑन रेशनल यूज ऑफ ड्रग्स, भेषजगुण विज्ञान।

4. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में ट्रोमिक दांत की चोटों की व्यापकता तथा पैटर्न का आकलन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

5. राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम सेन्टिनल निगरानी प्रयोगशाला, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ*	33	28	48	40
कुल निधि (भारतीय रूपये) (लाख में)	रुपये 14.7 लाख	रुपये 18.5 लाख	रुपये 25.1 लाख	रुपये 34.1 लाख

9.8_.indd 315 1/8/2026 2:05:29 PM

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 75 सार: 02 पुस्तक में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**108**	**96**	**78**
पत्रिकाओं में लेख	103	84	75
सार	0	4	02
पुस्तकों में अध्याय	5	8	01
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़

प्रभारी आचार्य: डॉ. पुनीत मिश्रा
अपर आचार्य: डॉ. हर्षल रमेश साल्वे
डॉ. राकेश कुमार (09 जनवरी 2025 तक)
सह-आचार्य: डॉ. मोहन लाल बैरवा (16 सितंबर 2024 से)
सहायक आचार्य: डॉ. मान्या प्रसाद (10 मार्च 2025 से)

****

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा केंद्र का ग्रामीण कार्यक्रम है। इसमें एक उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) तथा दयालपुर तथा छांयसा में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) शामिल हैं। 31 मार्च 2025 तक, सीआरएचएसपी के गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र की कुल जनसंख्या 1,05,163 थी। सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे सीआरएचएसपी के गहन क्षेत्र प्रैक्टिस फिल्ड में उपर्युक्त दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से संबद्ध 12 उप-केंद्र शामिल हैं। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का मिशन ग्रामीण परिवेश में शिक्षण, अनुसंधान और रोगी उपचार के माध्यम से जन स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ रोगी उपचार, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों में संलग्न है। एमबीबीएस के सातवें सेमेस्टर के छात्र, प्रशिक्षु, स्नातकोत्तर छात्र, विभिन्न विषयों के वरिष्ठ रेजिडेंट और नर्सिंग छात्र, उप-जिला सुविधा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर स्वास्थ्य उपचार प्रावधानों के प्रशिक्षण के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में नियुक्त हैं। इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रेजीडेन्शियल शिक्षण के माध्यम से, जहाँ वे समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद करते हैं, वहीं इन छात्रों को स्वास्थ्य के सामाजिक कारकों के प्रति भी संवेदनशील बनाया जाता है।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्वास्थ्य सेवा संबंधी प्रावधान के आंकड़े (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025)

- ओपीडी सेवाएं-**257362** रोगी
- अंत:रोगी सेवाएं-**6591** रोगी

9.8_.indd 316 1/8/2026 2:05:29 PM

- आपातकालीन सेवाएं-**79799** रोगी
- कुल 2746 गर्भवती महिलाओं के प्रसव कराए गए
- कुल सर्जरी की संख्या-**597** (केवल एसडीएच बल्लभगढ़ में)

निम्नलिखित नोट में सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में गतिविधियाँ का विस्तृत विवरण दिया गया है, जिसमें वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए दो पीएचसी शामिल हैं:

1. शिक्षण
2. रोगी उपचार

रोगी उपचार

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल को निम्नलिखित दो श्रेणियों के अंतर्गत वर्णित किया गया है

क. उप-जिला अस्पताल (एसडीएच), बल्लभगढ़ में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएं

ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएँ

एसडीएच बल्लभगढ़ में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएं:

एसडीएच बल्लभगढ़ में नए वार्ड ब्लॉक के प्रस्तावित निर्माण के कारण आईपीडी सेवाओं को ओपीडी ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसलिए, एसडीएच बल्लभगढ़ में ओपीडी और आईपीडी दोनों सेवाएँ सीमित हैं। वार्ड में वर्तमान में बिस्तरों की संख्या 30 है। (मूलत: बिस्तरों की संख्या 55 थी)

बाह्य रोगी विभाग:

<table>
<tr><th>दैनिक</th><th>सप्ताह में एक बार</th></tr>
<tr><td>• काय चिकित्सा</td><td>• गैर-संचारी रोग क्लिनिक</td></tr>
<tr><td>• शल्य चिकित्सा</td><td>• भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर)</td></tr>
<tr><td>• बाल चिकित्सा</td><td>• बाल चिकित्सा सर्जरी</td></tr>
<tr><td>• प्रसूति एवं स्त्री रोग</td><td>• पोषण ओपीडी</td></tr>
<tr><td>• नेत्र रोग विज्ञान</td><td>• त्वचा रोग विज्ञान</td></tr>
<tr><td>• मनोचिकित्सा</td><td rowspan="2">• कान, नाक एवं गला</td></tr>
<tr><td>• दंत चिकित्सा</td></tr>
<tr><td>• आयुष (होम्योपैथी)</td><td>सप्ताह में दो बार</td></tr>
<tr><td rowspan="3">• आयुष (आयुर्वेद)</td><td>• अस्थिरोग रोग विभाग</td></tr>
<tr><td>सप्ताह में तीन बार</td></tr>
<tr><td>• प्रसवपूर्व क्लिनिक</td></tr>
</table>

9.8_.indd 317 1/8/2026 2:05:29 PM

1. कुल बाह्य रोगी

सेवाएं	2024-2025	2023-2024	2022-2023
• बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) कुल (नए + पुराने)	2,57,362	2,89,066	3,02,362
• नए ओपीडी रोगी (%)	127353 (49.5%)	1,39,549 (48.3%)	1,58,889 (52.5%)
• काय-चिकित्सा (नए + पुराने)	98619	1,03,247	90,532
• बाल चिकित्सा (नए + पुराने)	38753	46,756	56,232
• प्रसूति एवं स्त्री रोग (नए + पुराने)	21484	23,173	22,310
• प्रसवपूर्व देखभाल क्लिनिक पंजीकरण, कुल दौरे, (नए+पुराने)	20141	21,805	22,547
• नेत्ररोग विज्ञान (नए + पुराने)	11125	14,544	16,238
• शल्यचिकित्सा (नए + पुराने)	10700	12,727	14,175
• नाक, कान, गला विभाग (नए + पुराने)	3914	6,219	8,370
• दंत चिकित्सा	11550	11,007	8,894
• भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (नए + पुराने)	3574	2,671	2,310
• गैर-संचारी रोग क्लिनिक, कुल (नए + पुराने)	2156	3,296	3,202
• त्वचा रोग विज्ञान (नए + पुराने)	4540	6,113	7,668
• आयुष (होम्योपैथी + आयुर्वेद)	12419	10,251	11,629
• अस्थिरोग विज्ञान (नए + पुराने)	7966	15,412	25,095
• मनो चिकित्सा	9869	10,601	9,187
• पोषण ओपीडी	192	408	305
• प्लास्टिक सर्जरी	0	0	0
• तंत्रिका विज्ञान	0	0	0
• बाल चिकित्सा सर्जरी	0	836	1,668

9.8_.indd 318 1/8/2026 2:05:29 PM

2. अंत: रोगी सेवाएं

कुल बिस्तरों की संख्या: 50 (क्रियाशील: 30)

सेवाएं	2024-25	2023-24	2022-23
क. कुल रोगी भर्ती (जन्म सहित)	**6591**	**7394**	**9,966**
• आपात चिकित्सा के माध्यम से भर्ती रोगी	3610	3,546	3,961
• ओपीडी द्वारा भर्ती रोगी	253	1,024	2,846
• नवजात शिशु भर्ती रोगी (जन्म)	2728	2,824	3,159
ख. विशिष्टताओं के द्वारा भर्ती किए गए रोगियों का पृथक्कीरण			
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	3736	3,856	4,690
• बाल चिकित्सा	104	198	378
• नेत्र रोग विज्ञान	0	255	816
• शल्य चिकित्सा	21	185	721
• काय-चिकित्सा	2	19	29
• नाक, कान, गला विभाग	0	57	171
• भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर)	0	0	2
• नवजात शिशु	2728	2,824	3,159
ग. औसत बिस्तर उपयोग दर (%) (एनबी सहित)	118.4	121.7	107.9
घ. सभी रोगियों के लिए अस्पताल में रहने की औसत अवधि (दिनों में)	1.92	1.99	2.08
ङ. किए गए कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	2746	2,842	3,191

3. आपात सेवाएँ

कुल बिस्तरों की संख्या-10

आपात सेवाएँ	2024-2025	2023-2024	2022-23
पंजीकृत रोगी	79799	72,591	68,427
मेडिको लीगल मामले	5485	5,724	5,790
आपातकालीन भर्ती रोगी	2196	2,295	2,934

9.8_.indd 319 1/8/2026 2:05:29 PM

4. सर्जिकल प्रक्रियाएं

एसडीएच बल्लभगढ़ में कुल शल्य प्रक्रियाएं	2024-25	2023-24	2022-2023
1. नेत्ररोग विज्ञान	0	239	775
2. प्रसूति एवं स्त्री रोग	572	596	668
3. सामान्य सर्जरी	25	166	603
4. बाल चिकित्सा सर्जरी	0	56	135
5. नाक, कान, गला विभाग	0	53	140
6. पीएमआर	0	0	0
कुल	**597**	**1,110**	**2,321**

5. प्रयोगशाला एवं नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला एवं नैदानिक सेवाएँ	2024-25	2023-24	2022-23
1. प्रयोगशाला जांच (जैव रासायनिक एवं रुधिर विज्ञानी)	1,69,318	3,10,225	3,05,727
2. एक्स-रे	7707	24,921	32,114
3. यूएसजी	9457	8,969	9,728
4. मलेरिया स्लाइड	3903	6,818	8,393
• पी. विवैक्स	0	0	0
• पी. फाल्सीपेरम	0	0	0
5. एचआईवी के लिए परामर्श एवं परीक्षण सेवाएं प्रदान की गईं	8324; 8301	8502; 8486	11208; 11192

राष्ट्रीय टीबी रोग उन्मूलन कार्यक्रम:

एसडीएच बल्लभगढ़, राष्ट्रीय टीबी रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत एक क्षय रोग इकाई (टीयू) है। इस इकाई से तीन निर्दिष्ट मिक्रोस्कोपी केंद्र (डीएमसी) जुड़े हुए हैं। बल्लभगढ़ अस्पताल में पिछले 3 वर्षों के दौरान किए गए कुल टीबी रोग के उपचारों की संख्या निम्न प्रकार है:

उपचार हेतु शुरू कएि गए कुल मामले	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1. नए रोगी	1161	1,122	651
2. पहले से उपचारित रोगी	0	0	0

9.8_.indd 320 1/8/2026 2:05:29 PM

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएँ

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़, दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (दयालपुर और छांयसा) एवं 12 उप-केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से 28 गाँवों के गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र (आईएफपीए) में सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। आईएफपीए में घरेलू, बाह्य रोगी, अंतःरोगी और रेफरल सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। वर्ष (2023-2024) के लिए आईएफपीए के महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक इस प्रकार थे:

सूचक	2022-2023	2023-2024	2024-2025
जनसंख्या	106,646	1,04,053	1,05,163
प्रति 1,000 जनसंख्या पर जन्म दर	18.5	16.4	16.0
प्रति 1,000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	6.7	6.1	6.9
जन्म के समय लिंग अनुपात (प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाएं)	832	887.8	870
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु दर	28.8	20.6	25.6
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर	32.7	25.7	27.5

1. गहन फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं: इसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी के साथ-साथ आईपीएचए के प्रत्येक गांव में संचालित विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिकों की ओपीडी में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं शामिल हैं।

पीएचसी छांयसा			
ओपीडी सेवाएं	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
नए रोगी	19164	20609	18641
दुबारा आने वाले रोगी	15564	13805	30953
कुल	38333	34414	48594

पीएचसी दयालपुर			
ओपीडी सेवाएं	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
नए रोगी	23697	23119	19448
दुबारा आने वाले रोगी	22769	18290	15128
कुल	46466	41409	34576

पीएचसी दयालपुर में पंजीकृत आयुष ओपीडी रोगियों की कुल संख्या: 10,555
(पीएचसी छांयसा में कोई आयुष ओपीडी नहीं है)

9.8_.indd 321 1/8/2026 2:05:29 PM

2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रदान की जाने वाली आंतरिक रोगी सेवाएं:

पीएचसी	2024-25	2023-24	2022-23
दयालपुर	380	448	489
छांयसा	436	470	782
कुल	**816**	**918**	**1271**

3. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आपातकालीन सेवाएं:

पीएचसी	2024-2025	2023-2024	2022-2023
दयालपुर	12,178	15254	14668
छांयसा	3,724	5084	4685
कुल	**15,902**	**20338**	**19,353**

4. परिवार कल्याण एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

सूचक	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल प्रसवपूर्व पंजीकरण	2,218	1965	1850
पंजीकृत मामलों का पूर्ण टीटी कवरेज (%)	90.5	91.7	87.5
आईएफपीए में संस्थागत प्रसव का प्रतिशत	98.6	90.2	99.2
पीएचसी छांयसा (%)	99.2	83.7	99.5
पीएचसी दयालपुर (%)	98.0	96.9	98.9
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डिलिवरी हट्स में कुल प्रसव	**576**	**459**	**410**
पीएचसी छांयसा	312	235	220
पीएचसी दयालपुर	264	224	190

5. अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम: रक्त स्लाइडों का संग्रह ओपीडी में निष्क्रिय जांच के एक भाग के रूप में तथा आईएफपीए में घरेलू विजिट के दौरान सक्रिय जांच के रूप में किया जाता है।

पीएचसी छांयसा			
सूचक	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
परीक्षण की गई मलेरिया स्लाइडों की कुल संख्या	8047	4885	5701
कुल सकारात्मक मामलों की संख्या	0	0	0

9.8_.indd 322 1/8/2026 2:05:29 PM

वार्षिक परजीवी घटना (प्रति 1,000 जनसंख्या)	0	0	0
वार्षिक रक्त परीक्षण दर (%)	15.4	9.39	10.9
स्लाइड पॉजिटिविटी दर (%)	0	0	0

पीएचसी दयालपुर			
सूचक	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
परीक्षण की गई मलेरिया स्लाइडों की कुल संख्या	3744	3040	3899
कुल सकारात्मक मामलों की संख्या	0	0	0
वार्षिक परजीवी घटना (प्रति 1,000 जनसंख्या)	0	0	0
वार्षिक रक्त परीक्षण दर (%)	6.86	5.9	7.4%
स्लाइड पॉजिटिविटी दर (%)	0	0	0

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम: राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आईएफपीए में चलाया जाता है। दयालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को एक माइक्रोस्कोपी केंद्र के रूप में नामित किया गया है तथा यह आईएफपीए के अंतर्गत आने वाले सभी गाँवों की सेवा करता है। आईएफपीए में उपचार किए जाने वाले क्षय रोग के रोगियों की श्रेणी (श्रेणीवार) इस प्रकार है:

पीएचसी छांयसा			
सूचक	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
उपचार आरंभ किए गए रोगियों की कुल संख्या	172	117	120
नए रोगी	121	97	95

पीएचसी दयालपुर			
सूचक	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
उपचार आरंभ किए गए रोगियों की कुल संख्या	160	91	112
नए रोगी	137	67	96

कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस): इस कार्यक्रम के तहत ओपीडी में रोगियों की अवसरवादी जांच की जाती है।

पीएचसी छांयसा			
सूचक	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
स्क्रीनिंग की गई कुल एनसीडी	637	3759	4072
पूर्ण मधुमेह का निदान	125	237	303
उच्च रक्तचाप का पूर्ण निदान	321	411	366

9.8_.indd 323 1/8/2026 2:05:29 PM

पीएचसी दयालपुर			
सूचक	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
स्क्रीनिंग की गई कुल एनसीडी	4577	3288	3818
मधुमेह का पूर्ण निदान	86	549	224
उच्च रक्तचाप का पूर्ण निदान	266	632	276

6. विशेष सेवाएं: आउटरीच विशिष्टता ओपीडी (ओआरएसओ) प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित एक विशेष गतिविधि है जहाँ एसडीएच बल्लभगढ़ में नियुक्त वरिष्ठ रेजिडेंट साप्ताहिक आधार पर (प्रत्येक मंगलवार) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों का उपचार करते हैं। ये सेवाएँ जून 2013 में शुरू की गई थीं। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के लिए, प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में देखे गए रोगी इस प्रकार थे:

पीएचसी छांयसा			
सेवाएं	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
स्त्रीरोग विज्ञान	487	176	63
बाल चिकित्सा	194	48	89
नेत्ररोग विज्ञान	251	281	143
मनोचिकित्सा	91	90	52
आउटरीच विशिष्टता ओपीडी (ओआरएसओ)* (कुल)	**1023**	**595**	**347**

पीएचसी दयालपुर			
सेवाएं	**2022-2023**	**2023-24**	**2024-2025**
स्त्री रोग विज्ञान	500	284	221
बाल चिकित्सा	292	202	126
नेत्ररोग विज्ञान	575	467	241
मनोचिकित्सा	206	88	76
आउटरीच विशिष्टता ओपीडी (ओआरएसओ)* (कुल)	**1573**	**1041**	**664**

7. पशु दंश उपचार क्लिनिक

पीएचसी	2022-2023	2023-2024	2024-2025
दयालपुर	362	512	0
छांयसा	579	560	150
कुल	**941**	**1072**	**150**

9.8_.indd 324 1/8/2026 2:05:29 PM

8. गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सेवाएं

पीएचसी छांयसा			
विशेष सेवाएं	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
गर्भावस्था में प्राप्त आईवीआईएस	24	38	34
पीपीआईयूसीडी	27	17	15
उच्च जोखिम गर्भावस्था परामर्श (%)	40.2	39.1	56

पीएचसी दयालपुर			
विशेष सेवाएं	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
गर्भावस्था में प्राप्त आईवीआईएस	6	72	25
पीपीआईयूसीडी	80	13	63
उच्च जोखिम गर्भावस्था परामर्श (%)	38.4	36.6	35.8

9. आईईसी गतिविधियाँ

स्वास्थ्य वार्ता: पीएचसी छांयसा एवं दयालपुर में क्रमशः 342 और 524 स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई। ये स्वास्थ्य वार्ता नर्सिंग छात्रों, प्रशिक्षुओं, उप-केंद्रों, पीएचसी और समुदाय में रेजिडेंट चिकित्सकों द्वारा दी गई । विषयों में नवजात शिशु देखभाल एवं कंगारू मदर केयर, स्तनपान तथा वीनिंग, प्रसवपूर्व उपचार, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, गर्भावस्था में एनीमिया, संस्थागत डिलीवरी का महत्व, टीकाकरण, मलेरिया तथा डेंगू, क्षय रोग, बच्चों में एनीमिया, कृमिनाशक, बच्चों में कुपोषण, विटामिन-ए की कमी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, एचआईवी/एड्स, बच्चों में दुर्घटनाएँ, व्यक्तिगत स्वच्छता, परिवार नियोजन के तरीके, प्रसवोत्तर उपचार तथा आहार, नवजात शिशु की देखभाल, किशोर स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, कोविड-19, वृद्धावस्था देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

10. प्रशिक्षण गतिविधियाँ

क. एचडब्ल्यू के कई अवसरों पर आईएमएनसीआई, उच्च जोखिम गर्भावस्था, उच्च जोखिम वाले शिशु, एनसीडी का प्रशिक्षण

ख. स्वास्थ्य कर्मियों को एनीमिया की रोकथाम, निदान एवं उपचार का प्रशिक्षण

ग. संक्रमण की रोकथाम के लिए स्टाफ नर्स को प्रशिक्षण

घ. आशा कार्यकर्ताओं को कुष्ठ रोग, कृमि मुक्ति, पोलियो पर प्रशिक्षण

ड. जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार एवं संक्रमण रोकथाम के लिए डीटीएस कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण

च. सभी पीएचसी कार्यकर्ताओं को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण

छ. एनक्यूएएस तैयारी पर पीएचसी कर्मचारियों का प्रशिक्षण

9.8_.indd 325 1/8/2026 2:05:29 PM

11. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में वित्तीय वर्ष के दौरान विशेष गतिविधियाँ

क. उच्च जोखिम वाले शिशुओं की जांच

ख. कुपोषित बच्चों के लिए सामुदायिक आधारित शिविर

ग. सभी उप-केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टी3 एनीमिया शिविर लगाकर लगभग 3000 लाभार्थियों की जांच की जाएगी

घ. आईपीपीआई पर 2 अवसरों

ड. एचआरए, ईंट भट्टे पर 4 अवसरों पर विशेष टीकाकरण सप्ताह समारोह

च. पीएचसी छांयसा एवं पीएचसी दयालपुर के सभी गांवों में पांच साल से कम उम्र के सभी बच्चों के बीच कुपोषण जांच अभियान।

छ. एनीमिया उन्मूलन माह

ज. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उपकेंद्र के सभी स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण अभियान (50 पौधे)

झ. पीएचसी परिसर में छोटे बच्चों तथा किशोरों को को ध्यान में रखकर आहार एवं स्वच्छता पर लघु फिल्म का प्रदर्शन

ण. स्कूल में दो दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए

III. नई पहल एवं पुरस्कार

क. नवीनतम पहल

- 29 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री द्वारा सीएचसी फतेहपुर बिल्लोच का वर्चुअल शिलान्यास।
- एसडीएच बल्लभगढ़ में नए वार्ड परिसर का विकास कार्य प्रगति पर है। 15 अक्टूबर 2024 को एम्स निदेशक डॉ. (प्रोफेसर) एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में मिशन लाइफ के अंतर्गत सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में 250 पौधों का रोपण अभियान चलाया गया।
- एनीमिया की रोकथाम के लिए गैर-गर्भवती महिलाओं को आयुष फॉर्मूलेशन उपलब्ध कराना।
- मधुमेह एवं अन्य गैर-संचारी रोगों के उपचार के लिए स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र में योग को शामिल करना।
- बुजुर्गों में संज्ञानात्मक विकारों के लिए आयुष के सहयोग से आयुर्वेदिक उपचार।
- रुग्ण अवस्था वाले रोगियों को पुनर्वास उपचार प्रदान करने के लिए घर-घर जाकर देखभाल की पहल।
- एम्स के रेडियोलॉजी विभाग के सहयोग से कम तीव्रता वाली एमआरआई स्कैनिंग सेवाओं की स्थापना।
- गर्भावस्था एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का आकलन करने के लिए समूह की स्थापना (एपीआईपीईडी समूह)।

9.8_.indd 326 1/8/2026 2:05:29 PM

- ट्राइकॉग आधारित ईसीजी - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग में हृदय रोगों के व्यापक उपचार के लिए एक मॉडल विकसित करने का पायलट प्रस्ताव।
- एसडब्ल्यूएएसएसए ऐप - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके खांसी की आवाज़ पर आधारित सीओपीडी का निदान।
- उच्च जोखिम वाले शिशु डेटाबेस: पहचान, अनुवर्ती कार्रवाई और हस्तक्षेप।
- सभी एएनसी को महीने में एक बार तथा सभी कुपोषित एएनसी को सप्ताह में एक बार भोजन पैकेट के रूप में आहार अनुपूरक (250 ग्राम गुड़ + 200 ग्राम चना) दिया जाएगा।
- गंभीर रूप से कुपोषित सभी बच्चों को महीने में एक बार भोजन पैकेट के रूप में आहार अनुपूरक (250 ग्राम गुड़ + 200 ग्राम चना) दिया जाएगा।

ख. पुरस्कार

- **कायाकल्प:** पीएचसी छांयसा एवं पीएचसी दयालपुर दोनों को कायाकल्प प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ।
- **राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक:** पीएचसी छांयसा एवं पीएचसी दयालपुर दोनों एनक्यूएएस प्रमाणित हैं।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र का फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अंबेडकर नगर, दक्षिण दिल्ली में स्थित है, जिसमें ब्लॉक 1-7, 14, 15, 19, सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी शामिल हैं, जो लगभग **38,902** की आबादी को सेवा प्रदान करता है। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी उपचार सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

4.3.1. नैदानिक सेवाएँ

	गतिविधियाँ	संख्या
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (टीकाकरण सहित)	22579
प्रयोगशाला सेवाएँ	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	9232
	आयोजित हीमोग्लोबिन (एचबी) परीक्षणों की संख्या	2532
	जिनमें से एचबी.<7 ग्राम% वाली संख्याएँ	85
	जिनमें से एचबी.<11ग्राम% वाली संख्या	1121
	रक्त शर्करा-एफबीएस, आरबीएस, पीपीएस	6109
	मूत्र एल्बुमिन एवं शर्करा परीक्षण	203
	यूपीटी	63
	मलेरिया के लिए आरडीटी	21
	रक्त समूह	43

9.8_.indd 327 1/8/2026 2:05:30 PM

4.3.2. बाल स्वास्थ्य सेवाएँ

आयोजित टीकाकरण सत्रों की संख्या - 101 दिन

बीसीजी	23
पेंटावेलेंट 1	211
पेंटावेलेंट 2	210
पेंटावेलेंट 3	208
ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)	09
ओपीवी1	211
ओपीवी2	210
ओपीवी3	210
हेपेटाइटिस-बी (जन्म खुराक)	0
निष्क्रिय आईपीवी 1	211
निष्क्रिय आईपीवी 2	211
निष्क्रिय आईपीवी 3	239
रोटावायरस 1	211
रोटावायरस 2	210
रोटावायरस 3	211
पीसीवी 1	211
पीसीवी 2	211
पीसीवी बूस्टर	240
एमआर 1	246
12 महीने के बाद टीकाकरण	
एमआर-2 (16-24 महीने)	168
डीपीटी I	01
डीपीटी II	03
डीपीटी III	02
एमएमआर	114
डीपीटी / ओपीवी बूस्टर 1	269

9.8_.indd 328 1/8/2026 2:05:30 PM

डीपीटी बूस्टर 2	297
टाइफाइड का टीका	252
टीडी-10 वर्ष	286
टीडी- 16 वर्ष	104
विटामिन ए 9 महीने से 5 वर्ष के बीच दिया जाता है	224
5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एल्बेंडाजोल	138
बहुत कम वजन वाले स्वास्थ्य जांच प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या (0-5 वर्ष)	68

4.3.3 मातृ स्वास्थ्य सेवाएँ

प्रसवपूर्व उपचार	शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखी गई गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या	267
	पहली तिमाही के भीतर पंजीकृत एएनसी की कुल संख्या (12 सप्ताह के भीतर)	39
	टीडी1 दी गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	46
	टीडी-2 दी गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	38
	टीडी बूस्टर दी गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	4
	180 आईएफए / 360 कैल्शियम टैबलेट दी गई कुल गर्भवती महिलाओं की संख्या	29
प्रसवोत्तर उपचार	प्रथम प्रसवोत्तर जांच प्राप्त करने वाली महिलाओं की कुल संख्या (48 घंटे से 14 दिन तक)	226
परिवार नियोजन	वितरित कंडोम की संख्या	315
	वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्रों की संख्या	5
	नए आरटीआई/एसटीआई मामलों की पहचान	27

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य किरण गोस्वामी आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना "माताओं एवं नवजात शिशुओं की प्रसवपूर्व तथा तत्काल प्रसवोत्तर देखभाल की गुणवत्ता: भारत के छह जिलों में लक्ष्य कार्यक्रम के प्रदर्शन को उत्प्रेरित करने के लिए एक कार्यान्वयन अनुसंधान" के लिए केंद्रीय समन्वय दल के आईएनसीएलइएन सदस्य थीं। वायरस रोग के प्रकोप और सहयोगी अनुसंधान के लिए आईसीएमआर एनआईवी उत्तर क्षेत्र क्षमता निर्माण के लिए विशेषज्ञ। सदस्य एनटीए यूजीसी-नेट विशेषज्ञ समिति सामाजिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य, एफएमजीई के लिए एनबीई विषय विशेषज्ञ। एमडी थीसिस मूल्यांकन गुजरात विश्वविद्यालय। एमडी परीक्षक-गुजरात विश्वविद्यालय, एनआईएचएफडब्ल्यू, एम्स जोधपुर। एमबीबीएस परीक्षक-एम्स राजकोट। परियोजना समन्वयक एनएसएस इकाई-जागरूकता सृजन इनफील्ड अभ्यास क्षेत्र और वंचित समूहों के कल्याण पर नियमित गतिविधियां। सदस्य संस्थान नीतिशास्त्र (पीजी) समिति।

9.8_.indd 329 1/8/2026 2:05:30 PM

विषय विशेषज्ञ डिसटेंस लर्निंग सेल (डीएलसी) के 6 पाठ्यक्रम की शिक्षा सामग्री/कोर्स मोड्यूल में संशोधन हेतु स्टेक होल्डर की बैठक 21-22 मई, 2024.

प्रोफेसर आनंद कृष्णन नैदानिक महामारी विज्ञान इकाई के प्रभारी आचार्य; एम्स शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष थे; संकायाध्यक्ष की अनुसंधान समिति के सदस्य; साक्ष्य आधारित चिकित्सा में समन्वयक फैलोशिप; सलाहकार समिति के सदस्य, सीएपीएचईआर; शिक्षा विभाग (एम्स एनडी) के लिए स्वास्थ्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उत्कृष्टता केंद्र के सदस्य; एनसीडीसी के तहत वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य में उत्कृष्टता केंद्र के सदस्य; एसआरएस-वीए और मिनर्वा नेटवर्क के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के प्रमुख; भारतीय स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ के स्वास्थ्य पर स्वतंत्र आयोग के सदस्य; स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष, एमआरयू एम्स गोरखपुर; अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य, एम्स मदुरै, संस्थागत नैतिकता समिति के अध्यक्ष, हृदय; भारत के लिए एचएएलई अनुमान पर राष्ट्रीय समिति के सह-अध्यक्ष सदस्य परियोजना चयन समिति राष्ट्रीय नेशनल डिजीज मोडलिंग सेन्टर फेज-II; सदस्य, स्कूल बोर्ड, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसिज, इग्नो; सदस्य, स्कूल बोर्ड, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसिज, हैदराबाद विश्वविद्यालय सदस्य, सेन्टर कमिटी फॉर सेन्टर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हेल्थ, इन्फ्लूएंजा तथा अन्य श्वसन वायरस रोग और आर्थिक बोझ पर एक विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक; परामर्श संपादक, डब्ल्यूएचओ एसई एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ; चिकित्सा विज्ञान संपादक, वर्तमान विज्ञान; संपादक, फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ; प्रमुख, समुदाय आधारित एनसीडी रोकथाम तथा नियंत्रण पर अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र; सदस्य, कोविड-19 मृत्यु दर आकलन पर यूएनडीईएसए / डब्ल्यूएचओ तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी); सदस्य, इन्फ्लूएंजा बर्डन ऑफ डिजीज में डब्ल्यूएचओ कार्य समूह।

आचार्य बरिडालीन नोंगकिनरिह

आचार्य पुनीत मिश्रा ने यूजी एवं पीजी छात्रों के शिक्षण तथा प्रशिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। वे विभिन्न संस्थानों में संकाय की विभिन्न चयन समितियों में विशेषज्ञ रहे हैं। वे आईसीएमआर, डीएसटी और एमओएचएफडब्ल्यू समितियों के लिए टास्क फोर्स के सदस्य रहे हैं। उन्होंने सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ के प्रभारी आचार्य के रूप में काम किया जहां एम्स के कुल रोगियों के लगभग दसवें हिस्से के बराबर का उपचार किया। उन्हें विभिन्न टीवी चैनलों और ऑल इंडिया रेडियो पर कई स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया गया। वे भारत, अमेरिका और थाईलैंड में एकीकृत चिकित्सा, मधुमेह, ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल एवं पारिवारिक चिकित्सा विषयों पर विभिन्न सम्मेलनों में मुख्य वक्ता थे। उनके समुदाय आधारित अनुसंधान पर आधारित योग तथा मधुमेह पर उनकी एक पुस्तिका भारत सरकार के मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा विमोचित की गई और यह डीएसटी वेबसाइट पर आम जनता के लिए उपलब्ध है।

आचार्य संजय कुमार राय एम्स, नई दिल्ली के सभी छात्रावासों के छात्रावास अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। विषय विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय, एम्स ऋषिकेश, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ, आईजीआईएमएस पटना, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय नासिक तथा जम्मू एवं कश्मीर लोक सेवा आयोग, जम्मू की स्थायी चयन समितियों को इन संस्थानों/विश्वविद्यालयों में विभिन्न संकाय पदों की भर्ती के लिए क्रमशः 27 जुलाई, 2024 को यूसीएमएस दिल्ली, 28 सितंबर, 2024 को एम्स ऋषिकेश, 9 अक्टूबर, 2024 को आरएमएल लखनऊ, 13 नवंबर, 2024 को आईजीआईएमएस पटना, 2 दिसंबर, 2024 और 24 मार्च, 2025 को जम्मू में सहायता प्रदान की। आईजीआईएमएस पटना, बिहार द्वारा एमडी सामुदायिक चिकित्सा के लिए परीक्षक बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित। एक बाह्य परीक्षक के रूप में 27-28 जनवरी 2025 से आईजीआईएमएस पटना में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षा

9.8_.indd 330 1/8/2026 2:05:30 PM

आयोजित की। आपने भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित चिकित्सा विशेषज्ञ टीम के सदस्य के रूप में माननीय न्यायमूर्ति सुश्री गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति की कई बैठकों में भाग लिया। पूरे देश के एचआईवी सेंटिनल निगरानी (एचएसएस) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए एम्स, नई दिल्ली में एचएसएस के लिए नाको नामित राष्ट्रीय संस्थान के नोडल व्यक्ति के रूप में कार्य करना जारी रखा। इन राज्यों में चल रहे एचएसएस 2025 का समर्थन करने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के कई जिलों की कई बार की गई विजिट। एम्स अभियंता सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य के रूप में इंजीनियरिंग सेवाओं के कामकाज को कारगर बनाने के लिए कई अभियंता सलाहकार समिति की बैठकों में भाग लिया। भारत में एच आई डी आंकलन पर नाकों के टेकनीकल रिसोर्स ग्रुप (टीआरजी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य तथा वर्ष 2024-2025 के दौरान टीआरजी विभिन्न टीआरजी बैठकों में भाग लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नामित, जोकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत एक कार्यकारी समिति है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के निर्बाध संचालन हेतु एम्स, नई दिल्ली के निदेशक द्वारा नोडल अधिकारी के रूप में नामित। आईएमएस, बीएचयू को एम्स जैसे संस्थान में बदलने के लिए भारत सरकार, कुलपति, बीएचयू, वाराणसी और निदेशक, एम्स, नई दिल्ली को सहयोग प्रदान किया।

आचार्य वाईएस कुसुमा कुमारी आईसीएमआर-राष्ट्रीय एनसीडी कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान (एनआईआईआरएनसीडी), जोधपुर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य थी। आईसीएमआर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना के सदस्य- ईक्यूयूआईपी-एचडब्ल्यूसीएस (समान, गुणवत्ता सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा आंध्र प्रदेश साइट के मुख्य अन्वेषक के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के अनुकूलन हेतु सदस्य। सीडी डिवीजन, आईसीएमआर, नई दिल्ली के विशेषज्ञ सदस्य। "एनसीडी जोखिम कारक सहयोग (एनसीडी-आरआईएससी)" के सदस्य जोकि दुनिया भर के वैज्ञानिकों का एक नेटवर्क जो गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के जोखिम कारकों पर सटीक और समय पर डेटा प्रदान करता है। एमआईएचएसए (माइग्रेशन हेल्थ साउथ एशिया) नेटवर्क के सदस्य- दक्षिण एशिया तथा यूके में अनुसंधान एवं नीति संस्थानों में प्रमुख विद्वानों तथा चिकित्सकों को शामिल करने वाला एक विकसित नेटवर्क। पत्रिका के लिए एक संपादकीय सदस्य के रूप में कार्य किया-एथनो-मेडिसिन पर अध्ययन; पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में कार्य किया, जैसे कि:- बीएमजे पब्लिक हेल्थ, चाइल्ड केयर इन प्रैक्टिस, क्यूरियस, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ माइग्रेशन एंड हेल्थ, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, हेल्थ साइंस रिपोर्ट्स, पब्लिक हेल्थ, ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, जीआईटीएएम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, और बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, धरन, नेपाल में पीएच.डी और एमडी थीसिस के निर्णायक के रूप में कार्य किया।

आचार्य कपिल यादव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "एनीमिया मुक्त भारत" के लिए गर्भावस्था में इंजेक्शन एफसीएम के उपयोग पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए)" के लिए फोकल प्वाइंट।

आचार्य सुमित मल्होत्रा एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग के अंतर्गत क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) की कार्यसमिति के सदस्य थे; एम्स में कोक्रेन इंडिया नेटवर्क के संबद्ध केंद्र के सदस्य थे; आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स के सदस्य; एम्स संकाय-सदस्य के लिए नैदानिक

9.8_.indd 331 1/8/2026 2:05:30 PM

अनुसंधान पद्धति तथा साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पर फेलोशिप कार्यक्रम के शिक्षण सदस्य; एम्स, दिल्ली में क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट (सीईयू) के सदस्य। एसआरएस-वीए और मिनेर्वा नेटवर्क हेतु एम्स तकनीकी सहायता इकाई के सदस्य। आईएपीएसएम (इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन) अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के परिचालन और स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान मॉड्यूल के लिए रिसोर्स पर्सन। एम्स, दिल्ली में आयोजित 5वें आईएपीएसएम राष्ट्रीय युवा नेता सम्मेलन के लिए आयोजन दल के सदस्य। एम्स की पत्रिका- नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के कार्य समूह के सदस्य। प्राथमिक उपचार में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों हेतु आईसीएमआर कार्यों को आसान बनाने हेतु विशेषज्ञ सदस्य स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) तथा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित लंग कैंसर पर साक्ष्य आधार दिशा-निर्देशों के विकास हेतु विशेषज्ञ सदस्य। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा गठित समिति में किशोर स्वास्थ्य से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ सदस्य। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के लिए एमबीबीएस परीक्षक। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के लिए एमपीएच थीसिस तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए एमडी थीसिस का निरीक्षण किया।

आचार्य रवनीत कौर आईसीएमआर की पीएम-एबीएचआईएम योजना के तहत राज्यों में सरकारी मेडिकल कॉलेजों (एमआरयू) तथा मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) में बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों में अनुसंधानात्मक गतिविधियों का समर्थन करने के लिए परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य थी। एक्स्ट्रामुरल एड-हॉक रिसर्च प्रोग्राम और सीनियर रिसर्च फेलो/रिसर्च एसोसिएट (एसआरएफ/आरए) प्रोग्राम के लिए आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य। आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के लिए गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान उपचार हेतु वर्कफ़्लो विकसित करने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विशेषज्ञ समूह की सदस्य थी। पर्यावरण और व्यावसायिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एमबीए (स्वास्थ्य उपचार एवं अस्पताल प्रबंधन) (एमबीएएचसीएचएम) के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की पाठ्यक्रम लेखक समिति की सदस्य। एम्स की सेट सुविधा (कौशल, ई-लर्निंग एवं टेलीमेडिसिन) के लिए संकाय-सदस्य। भारत में मृत्यु के कारण का पता लगाने हेतु एसआरएस आधारित वर्बल शव परीक्षण प्रणाली के कार्यान्वयन में महापंजीयक कार्यालय भारत (ओआरजीआई) हेतु तकनीकी सहायता इकाई (गृह मंत्रालय, भारत सरकार)। एमआईवाईसीएन (मातृ, शिशु एवं युवा बाल पोषण) पर आईएपीएसएम (भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ) के राष्ट्रीय कार्य समूह की सदस्य। भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ (आईएपीएसएम) की दिल्ली शाखा की कार्यकारी सदस्य। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, इंडियन पीडियाट्रिक्स, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्सेज ऑफ इंडिया, द क्लिनिकल की समीक्षक अध्यापक; ग्लोबल हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी, बीएमजे ओपन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, जर्नल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन)।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे निर्वाचित शासी परिषद सदस्य (उत्तर-मध्य क्षेत्र) भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ (आईएपीएसएम)। भारत में वायु प्रदूषण एवं हेल्थ इफेक्ट रिसर्च के सहयोग हेतु समन्वयक (सीएपीएचईआर-भारत), हेल्थ इफेक्ट इन्स्टीट्यूट (एचईआई), बोस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा समर्थित। पाठ्यक्रम समन्वयक-एम्स-पीजीआईएमईआर गैर-संचारी रोगों हेतु सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर पाठ्यक्रम। पर्यावरण महामारी विज्ञान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के सदस्य (आईएसईई), भारतीय महामारी विज्ञान फाउंडेशन, भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ (आईएपीएसएम), भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ (आईपीएचए)। सीएपीएचईआर इंडिया द्वारा "एयर हेल्थ बुलेटिन" के प्रबंध संपादक। वायुमंडलीय पर्यावरण एक्स के अतिथि संपादक: भारत पर विशेष अंक। अनुभाग संपादक

9.8_.indd 332 1/8/2026 2:05:30 PM

(पर्यावरण स्वास्थ्य)-निवारक चिकित्सा, अनुसंधान एवं समीक्षा क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट (सीईयू), एम्स नई दिल्ली• राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित हीट-हेल्थ राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशाला तथा कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ संकाय-मार्च 2025; वायु गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर गोलमेज बैठक, आईआईटी दिल्ली द्वारा आईआईटी दिल्ली में आयोजित-मार्च 2025; दिल्ली में रोगी अकादमी फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय रोगी शिखर सम्मेलन में क्रोनिक फेफड़ों के रोगों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर पैनल चर्चा-मार्च 2025; 10वां अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण गैर-संचारी रोगों के लिए 2025; महाकुंभ-2025, प्रयागराज में आपातकालीन प्रतिक्रिया और टीबी स्क्रीनिंग सेवाओं का आकलन-फरवरी 2025; एनएमओ दिल्ली द्वारा इंद्रप्रस्थ सेवा यात्रा के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन-जनवरी 2025 एनसीडीसी, एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित वायु प्रदूषण तथा स्वास्थ्य पर निगरानी और डेटा प्रबंधन पर विशेषज्ञ समूह की बैठक (वर्चुअल)-दिसंबर 2024; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2 के तहत मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला-निमहांस, बेंगलुरु-नवंबर 2025; दक्षिण पूर्व, दक्षिण तथा पूर्वी एशिया में अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण के मानव स्वास्थ्य प्रभावों के एक क्षेत्रीय संघ की स्थापना की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, एनटीयू, सिंगापुर-अक्टूबर 2024; भारतीय स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ की वार्षिक बैठक-अक्टूबर 2024; पोषण एवं स्वास्थ्य 2024 (वर्चुअल) पर दूसरा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन-सितंबर 2024; इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का चौथा राज्य सम्मेलन-कर्नाटक राज्य अध्याय, दावणगेरे, कर्नाटक-सितंबर 2024; अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण महामारी विज्ञान सोसायटी (आईएसईई) का 36वां वार्षिक सम्मेलन, चिली (वर्चुअल) अगस्त 2024; भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा संघ की शासी परिषद की बैठक, बेंगलुरु-अगस्त 2024; सीपीसीबी, एमओईएफ तथा सीसी द्वारा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के संशोधन पर विशेषज्ञ समूह की (वर्चुअल) बैठक जुलाई 2024; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एनवायर्नमेंटल एपिडेमियोलॉजी एशियन एंड वेस्टर्न पैसिफिक चैप्टर (आईएसईई-एडब्ल्यूपीसी) और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एक्सपोजर साइंस एशियन चैप्टर (आईएसईएस-एसी) पर संयुक्त सम्मेलन 2024, कोटा किनाबालु, सबा मलेशिया-जून 2024। टेलीविजन एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से भारत में प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के विषय पर बहस की।

डॉ. राकेश कुमार भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग की विभिन्न विशेषज्ञ समितियों एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की बाह्य तदर्थ अनुसंधान परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य रहे। वे अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन, ट्रांजेक्शन्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हेल्थ, ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ एवं द जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया के समीक्षक हैं। वह क्षय रोग कोर समिति, एम्स, नई दिल्ली के नोडल अधिकारी (जन स्वास्थ्य) हैं।

डॉ. पार्थ हलदर भारत में वायरल हेपेटाइटिस निगरानी हेतु तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य थे, भारत में वायरल हेपेटाइटिस के प्रसार का आकलन करने हेतु विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित वन हेल्थ पर एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर तकनीकी कार्य समूह के सदस्य थे। एम्स, नई दिल्ली के एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र की अनुसंधान समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली की नैदानिक महामारी विज्ञान इकाई के सदस्य थे। एम्स के संकाय-सदस्यों के लिए नैदानिक अनुसंधान पद्धति तथा साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पर फ़ेलोशिप कार्यक्रम के संकाय-सदस्य। बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, नेपाल, एनईआईजीआरएचआईएमएस शिलांग, एनआईएचएफडब्ल्यू नई दिल्ली के एमडी थीसिस मूल्यांकन और राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, चेन्नई के एमपीएच शोध प्रबंध मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक। अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं-स्ट्रोक एंड वैस्कुलर न्यूरोलॉजी, मेडिसिन, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च, बीएमजे, द क्लेफ्ट पैलेट क्रेनियोफेशियल जर्नल, सेक्सुअल हेल्थ, इंटरनेशनल जर्नल

9.8_.indd 333 1/8/2026 2:05:30 PM

ऑफ एडोलसेंट मेडिसिन एंड हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एक्सपर्ट रिव्यू ऑफ हेमेटोलॉजी, न्यूरोलॉजिकल रिसर्च के समीक्षक।

डॉ. मोहन लाल बैरवा फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ और बीएमसी पब्लिक हेल्थ के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। वे एम्स की सेट सुविधा (कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन) संकाय, राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत एनीमिया नियंत्रण अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए-ए), एसआरएस-वीए के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई, और आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं। उन्होंने जिपमेर, पुद्दुचेरी के एमपीएच शोध-प्रबंधों और बीपी केआईएचएस, धरन के एमडी शोध-प्रबंधों का परीक्षण किया।

डॉ. मान्या प्रसाद ने न्यूरोएपिडेमियोलॉजी तथा वैश्विक स्वास्थ्य में अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी द्वारा ब्रूस स्कोनबर्ग अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 2025 प्राप्त किया।

9.8_.indd 334 1/8/2026 2:05:30 PM

9.9 त्वचारोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
कौशल के. वर्मा

आचार्य

एम राममसुजॉय खांडपुर
जी सेथुरमनसोमेश गुप्ता

अपर आचार्य

कनिका साहनीनीतू भारी

सह-आचार्य
विशाल गुप्ता

सहायक आचार्य

नेहा तनेजारजत

विशिष्टताएं

प्रोफेसर कौशल वर्मा, अध्यक्ष, त्वचारोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली में संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) के पद पर कार्यरत हैं। विभाग के शिक्षण, अनुसंधान एवं रोगी उपचार में कमियों तथा सुधार की संभावनाओं की पहचान करने के लिए उनके नेतृत्व में, नियमित विभागीय बैठकें आयोजित की गई। सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के सहयोग से, हमने इनपेशेंट एवं शल्यचिकित्सा क्षेत्रों में एसेप्टिक सुरक्षा में सुधार के लिए अपनी नियमित प्रक्रियाओं में सुधार किया है। विभाग के सलाहकारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख पदों पर चुना गया है, जैसे आईजेडीवीएल के प्रधान संपादक, एनएसीओ के लिए एसटीआई/आरटीआई के तकनीकी तथा परिचालन दिशानिर्देशों की समीक्षा और संशोधन हेतु राष्ट्रीय कार्य समूह के अध्यक्ष।

रोगी उपचार:

विभाग द्वारा त्वचा संबंधी रोगों, यौन संचारित रोगों एवं कुष्ठ रोग के रोगियों हेतु एक ओपीडी संचालित की जाती है, त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ निष्पादित की जाती हैं और प्रतिदिन त्वचा बायोप्सी की समीक्षा की जाती है। इसके अतिरिक्त, हम 8 विशिष्ट क्लीनिक, 4 लेज़र क्लीनिक एवं प्रतिदिन छोटी ऑपरेशन थियेटर प्रक्रियाएँ संचालित करते हैं, जिनमें एक्सिशन, रेडियोफ्रीक्वेंसी, क्रायोथेरेपी, ग्राफ्टिंग, वसा स्थानांतरण प्रक्रियाएँ और विटिलिगो सर्जरी शामिल हैं। हमने टेली-परामर्श सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा है। हमारे विभाग में29 बिस्तरों वाला एक वार्ड है, जिसकी अधिभोग दर लगभग 100% रहती है, और 6, 6 बिस्तरों वाले डेकेयर हैं जहाँ हम पेम्फिगस तथा अन्य संयोजी ऊतक रोगों जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अंतःशिरा स्टेरॉयड पल्स तथा जैविक दवाएँ देने के लिए रोगियों को भर्ती करते हैं।

9.9_.indd 335 1/8/2026 2:09:44 PM

विकृति विज्ञान विभाग, प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जरी, ऑकुलोप्लास्टी के सहयोग से, हम मोहस माइक्रोग्राफिक सर्जरी की अपनी सुविधा में नियमित रूप से विभिन्न त्वचा कैंसरों के लिए मोहस माइक्रोग्राफिक सर्जरी करते हैं।

शिक्षण एवं प्रशिक्षण:

विभाग 28 जूनियर रेजिडेंट, 10+3 (सीएपीएफआईएमएस में भर्ती) सीनियर रेजिडेंट, 3 पीएचडी उम्मीदवारों एवं स्नातक छात्रों तथा कायचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, संक्रामक रोग विभागों के रेजिडेंटों को प्रशिक्षण दे रहा है।

अनुसंधान:

विभाग के संकाय सदस्यों ने अनुसंधान के लिए कई बाह्य एवं आंतरिक अनुदान प्राप्त किए हैं तथा शीर्ष, समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में100 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए हैं, तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यानों तथा अतिथि व्याख्यानों सहित 80 से अधिक व्याख्यान दिए हैं। संकाय सदस्यों ने त्वचारोग विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संक्रामक रोगों पर आईसीपी-मोनोग्राफ सहित कई पाठ्यपुस्तकों का संपादन भी किया है।

सामुदायिक गतिविधियाँ:

- विभाग के संकाय सदस्यों ने रेडियो एवं टेलीविजन पर विभिन्न सोशल मीडिया कार्यक्रमों में भाग लिया। संकाय-सदस्यों ने 23-25 मार्च 2025 को कर्नाटक के मोंडगोड में एक धर्मार्थ चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
- विभाग द्वारा विटिलिगो पर सामुदायिक जागरूकता पैदा करने के लिए 13 अगस्त 2024 को "विटिलिगो (ल्यूकोडर्मा): मिथक बनाम वास्तविकता" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान तथा पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।
- विभाग ने जनवरी 2025 में दुर्लभ रोगों पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की। इससे दुर्लभ रोगों के निदान, उपचार एवं प्रबंधन से संबंधित सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद मिली।
- विभाग ने सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ एवं एनसीआई झज्जर दोनों को आउटरीच त्वचारोग विज्ञान संबंधी सेवाएं प्रदान करना जारी रखा है।

शिक्षा

विभाग स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, वरिष्ठ रेजिडेंट, पीएचडी छात्रों एवं नर्सिंग छात्रों को प्रशिक्षण देने में सक्रिय रूप से शामिल है।

	2022-23	2023-24	2024-25
वरिष्ठ रेजीडेंटों की संख्या	10	10	10+3*
स्नातकोत्तरों की संख्या	25	28	28
पीएचडी छात्रों की संख्या	3	3	3
अल्पकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या	1	3	1

*** सीएपीएफआईएमएस के तहत चयनित उम्मीदवार लेकिन एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत हैं।**

9.9_.indd 336 1/8/2026 2:09:44 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 18 जनवरी 2025 को जवाहर लाल सभागार, एम्स नई दिल्ली में चौथी संयुक्त एम्स-पीजीआईएमईआर त्वचारोग विज्ञान संबंधी बैठक।
2. 19 जनवरी 2025 को जवाहर लाल सभागार, एम्स नई दिल्ली में दुर्लभ त्वचा संबंधी विकार पर सीएमई।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 99

कौशल के वर्मा: 9	**एम राममः 10**	**सुजॉय खांडपुर: 13**
सोमेश गुप्ता: 13	**जी सेथुरमन: 4**	**कनिका साहनी: 12**
नीतू भारी: 11	**नेहा तनेजा: 15**	**रजत: 1**
विशाल गुप्ता: 11		

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
71	**72**	**99**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 7

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
5	7	7

अनुसंधान

जारी

1. पेम्फिगस वल्गेरिस में मौखिक स्टेरॉयड बनाम रिटक्सिमैव, मौखिक स्टेरॉयड एवं मौखिक इम्यूनोसप्रेसेंट के साथ रिटक्सिमैब इन्फ्यूजन) रुमेटॉइड आर्थराइटिस प्रोटोकॉल) की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा की तुलना करने वाला एक संभावित ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन, डॉ. सुजॉय खांडपुर, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 5 लाख।
2. प्रतिक्रियात्मक बनाम गैर-प्रतिक्रियात्मक कुष्ठ रोग में दवा प्रतिरोध: एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन, विशाल गुप्ता, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 7.39 लाख।
3. पेम्फिगस वल्गेरिस में अल्ट्रा-लो डोज़ रिटक्सिमैब की चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक पायलट अध्ययन, विशाल गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 2 लाख।
4. भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के निदान के लिए मेटाबोलाइट-आधारित पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण का विकास, डॉ. सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 70 लाख।
5. वुल्वोवैजिनल कैंडिडिआसिस हेतु एप्टामर-आधारित नैदानिक परीक्षण, डॉ. सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2023-2026, रुपये 50 लाख।

9.9_.indd 337 1/8/2026 2:09:44 PM

6. एटोपिक डर्मेटाइटिस से पीड़ित बच्चों एवं वयस्कों द्वारा उपयोग किए जाने वाली टॉपिकल क्रीम की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक बहुकेंद्रीय, वैश्विक अध्ययन, डॉ. सोमेश गुप्ता, एमएस नैदानिक अनुसंधान, 1 वर्ष, 2025-2026, रुपये 60 लाख।

7. कुष्ठ रोग का उपचार- भारतीय रोगियों में कुष्ठ रोग के उपचार एवं प्रबंधन हेतु एआई संचालित पहचान, उपचार तथा परामर्श, डॉ. सोमेश गुप्ता, शिक्षा मंत्रालय, 4 वर्ष, 2025-2029, रुपये 4 करोड।

8. युवा स्वास्थ्य-भारतीय रोगियों में यौन संचारित रोगों (एसटीआई) के उपचार और प्रबंधन हेतु एआई संचालित पहचान, उपचार तथा परामर्श, डॉ. सोमेश गुप्ता, शिक्षा मंत्रालय, 4 वर्ष, 2025-2029, रुपये 4 करोड।

9. कैंसर एवं संक्रमण का पता लगाने हेतु स्वचालित एआई -सक्षम निर्णय समर्थन के साथ ट्रांसवेजिनल जांच-आधारित डर्मेटोस्कोप का विकास, डॉ. सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2025-2026, रुपये 80 लाख।

10. ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम से पीड़ित बच्चों में विभिन्न पूरक समूहों में त्वचा के घावों का रूपात्मक पैटर्न एवं विभिन्न त्वचीय तथा अतिरिक्त-त्वचीय कैंसर और फोटोएजिंग के साथ इसका संबंध, डॉ. नीतू भारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 45.94 लाख।

11. एटोपिक डर्मेटाइटिस से पीड़ित बच्चों में त्वचा के सूक्ष्म वातावरण को संशोधित करने में त्वचा माइक्रोबायोम की भूमिका को परिभाषित करना, डॉ. नीतू भारी, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 7.70 लाख।

पूर्ण

1. सूक्ष्म त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से पीड़ित बच्चों में दर्द एवं अवसाद को कम करने में मौजूदा मानक एनेस्थेटिक तकनीक में हाइपोएनेस्थीसिया को शामिल करने के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. विटिलिगो से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों तथा उनके प्राथमिक उपचारकर्ताओं में जीवन की गुणवत्ता में कमी का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, तथा स्वस्थ नियंत्रण समूहों की तुलना में प्रभावित बच्चों तथा किशोरों में अवसाद, तनाव और कम आत्मसम्मान की व्यापकता का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

3. एक पूर्वानुमान स्कोरिंग प्रणाली के विकास हेतु गैर-खंडीय विटिलिगो में पूर्वानुमान कारकों को निर्धारित करने हेतु एक संभावित समूह अध्ययन।

4. आईएलवीईएन के हिस्टोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम का एक व्यापक वर्णनात्मक अध्ययन।

5. अप्रभावी डिस्ट्रोफिक एपिडर्मोलिसिस बुलोसा के रोगियों में खुजली के उपचार में प्लेसीबो बनाम टॉपिकल टैक्रोलिमस की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण।

6. स्थानीयकृत विटिलिगो के उपचार में दो लक्षित फोटोथेरेपी उपकरणों अर्थात होम-बेस्ड हाथ से पकड़े जाने वाले नेरो बैंड यूवीबी कोम्ब उपकरण के दैनिक उपयोग बनाम सप्ताह में दो बार अस्पताल आधारित एक्साइमर प्रकाश चिकित्सा की तुलना करने वाला एक ओपन लेबल गैर-यादृच्छिक गैर-हीनता अध्ययन।

9.9_.indd 338 1/8/2026 2:09:44 PM

7. होल बॉडी नेरो बैंड पराबैंगनी बी थेरेपी के बाद, सामान्यीकृत विटिलिगो के अवशिष्ट पैच में रि-पिगमेंटेशन उत्पन्न करने में मोनोक्रोमैटिक एक्साइमर प्रकाश चिकित्सा की प्रभावकारिता का आकलन - एक ओपन-लेबल, संभावित अध्ययन।

8. हाइपरट्रॉफिक फेशियल पोर्टवाइन दागों के उपचार में प्लस्ड डाई लेजर की अकेले तथा लॉग-प्लस्ड एनडी: वाईएजी लेजर या टोपिकल सिरोलिमस (0.5%) मरहम के साथ संयोजन की प्रभावकारिता का आकलन: एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित।

9. स्पैरैडिक त्वचा ट्यूमर की तुलना में ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम वाले रोगियों में कैंसर के बढ़ने के कारकों की पहचान करने एवं उनके नैदानिक और ऊतकवैज्ञानिक निहितार्थों का निर्धारण करने हेतु जीनोमिक परिदृश्य।

10. अंतर-व्यक्तिगत, पायलट अध्ययन; एक ओपन लेबल, भावी, गैर-यादृच्छिक, गैर-हीनता अध्ययन, जिसमें पामोप्लांटार सोरायसिस में सप्ताह में दो बार प्रशासित होम-बेस्ड पुवासोल सोक चिकित्सा बनाम सप्ताह में दो बार दी जाने वाली अस्पताल-आधारित पीयूवीए सोक चिकित्सा की प्रभावकारिता की तुलना की गई।

11. पेम्फिगस वल्गेरिस में रीटक्सिमैब थेरेपी एवं डेक्सामेथासोन पल्स के बीच प्रभावकारिता तथा लागत-प्रभावशीलता की तुलना करने हेतु संभावित यादृच्छिक परीक्षण।

12. मध्यम से गंभीर एटोपिक डर्मेटाइटिस वाले रोगियों में टोफैसिटिनिब बनाम मेथोट्रेक्सेट की प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित मूल्यांकनकर्ता-ब्लाइंड परीक्षण।

13. ऑटोइम्यून बुलस रोगों के निदान में इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीकों [साल्ट स्पिल्ट त्वचा पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस], बायोचिप मोज़ेक असे तथा मल्टीप्लेक्स एलिसा की उपयोगिता की तुलना करना - एक संभावित क्रॉस-सेक्शनल पायलट अध्ययन।

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. विटिलिगो से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों तथा उनके प्राथमिक उपचारकर्ताओं में जीवन की गुणवत्ता में कमी का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, तथा स्वस्थ नियंत्रण समूहों की तुलना में प्रभावित बच्चों एवं किशोरों में अवसाद, तनाव और कम आत्मसम्मान की व्यापकता का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

2. चौदह सामान्य त्वचा रोगों के निदान के लिए मशीन लर्निंग आधारित नैदानिक निर्णय समर्थन अनुप्रयोग के विकास हेतु एक बहु-केन्द्रित परियोजना।

3. अप्रभावी डिस्ट्रोफिक एपिडर्मोलिसिस बुलोसा के रोगियों में खुजली के उपचार में प्लेसीबो बनाम टॉपिकल टैक्रोलिमस की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण।

4. एक पूर्वानुमान स्कोरिंग प्रणाली के विकास के लिए गैर-खंडीय विटिलिगो में पूर्वानुमान कारकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित समूह अध्ययन।

5. त्वचाविज्ञान के आंतरिक रोगियों में जीवन की गुणवत्ता, अवसाद, तनाव तथा कथित स्टिग्मा का आकलन करने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन, तथा बाह्य रोगियों की तुलना में उनके

9.9_.indd 339 1/8/2026 2:09:44 PM

प्राथमिक उपचारकर्ताओं के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

6. सूक्ष्म त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से पीड़ित बच्चों में दर्द और अवसाद को कम करने में मौजूदा मानक एनेस्थेटिक तकनीक में हाइपोएनेस्थीसिया को शामिल करने के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिसमें केवल मानक एनेस्थेटिक तकनीक की तुलना में, मामूली त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से पीड़ित बच्चों में दर्द और अवसाद को कम करने में मौजूदा मानक एनेस्थेटिक तकनीक में हाइपोएनेस्थीसिया को शामिल करने के प्रभाव का आकलन किया गया।

8. प्लाक सोरायसिस के रोगियों में नैदानिक समापन बिंदु का उपयोग करते हुए मायलान लैबोरेटरीज लिमिटेड की टैपिनारोफ क्रीम 1% बनाम डर्मावेंट साइंसेज इंक की वीटीएएमए टैपिनारोफ क्रीम 1% की जैव-समतुल्यता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, ट्रिपल-आर्म, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण।

9. आईएलवीईएन के हिस्टोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम का एक व्यापक वर्णनात्मक अध्ययन।

10. भारतीय त्वचा प्रकारों में मेलास्मा के उपचार में मौखिक मेटफॉर्मिन के साथ सामयिक 4% हाइड्रोक्विनोन बनाम अकेले सामयिक 4% हाइड्रोक्विनोन की सुरक्षा तथा प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक मूल्यांकन-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

11. स्थानीयकृत विटिलिगो के उपचार में दो लक्षित फोटोथेरेपी उपकरणों अर्थात होम-बेस्ड हाथ से पकड़े जाने वाले नेरो बैंड यूवीबी कोम्ब उपकरण के दैनिक उपयोग बनाम सप्ताह में दो बार अस्पताल आधारित एक्साइमर प्रकाश चिकित्सा की तुलना करने वाला एक ओपन लेबल गैर-यादृच्छिक गैर-हीनता अध्ययन।

12. केलोइड्स के उपचार में सामयिक ट्रायमिसिनोलोन के साथ आंशिक सीओ2 लेजर बनाम सामयिक ट्रायमिसिनोलोन के साथ माइक्रो नीडलिंग रेडियोफ्रीक्वेंसी (एमएनआरएफ) की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. केलोइड्स के उपचार में उष्णकटिबंधीय ट्रायमिसिनोलोन के साथ आंशिक सीओ2 लेजर बनाम उष्णकटिबंधीय ट्रायमिसिनोलोन के साथ माइक्रो नीडलिंग रेडियो-फ्रीक्वेंसी (एमएनआरएफ) की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

14. वुल्वोवैजिनल कैंडिडिआसिस हेतु एप्टामर आधारित नैदानिक परीक्षण।

15. संपूर्ण शरीर में नेरो बैंड पराबैंगनी बी थेरेपी के बाद, सामान्यीकृत विटिलिगो के अवशिष्ट पैच में पुनः रंजकता उत्पन्न करने में मोनोक्रोमैटिक एक्साइमर प्रकाश चिकित्सा की प्रभावकारिता का आकलन - एक ओपन-लेबल, संभावित अध्ययन।

16. हाइपरट्रॉफिक फेशियल पोर्टवाइन स्टेन्स के उपचार में पल्स्ड डाई लेजर की अकेले एवं लॉग पल्स्ड एनडी: वाईएजी लेजर या सामयिक सिरोलिमस (0.5%) मरहम के साथ संयोजन की प्रभावकारिता का आकलन: एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित।

9.9_.indd 340 1/8/2026 2:09:44 PM

17. दीर्घकालिक प्लाक सोरायसिस से पीड़ित रोगियों के चेहरे की छवियों से कार्डियो-मेटाबोलिक सिंड्रोम के पूर्वानुमान में गहन शिक्षण एवं सोरायसिस की गंभीरता के मूल्यांकन हेतु एक गहन शिक्षण मॉडल का विकास।

18. संवहनी विकृति में मौखिक सिरोलिमस की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा: एक संभावित पायलट एसेसर-ब्लाइंड इंटरवेंशन अध्ययन।

19. पार्थेनियम डर्मेटाइटिस के रोगियों में मौखिक टोफैसिटिनिब की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन।

20. पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगी में रीटक्सिमैब के बाद छूट बनाए रखने में साइक्लोफॉस्फेमाइड पल्स थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

21. पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगी में रीटक्सिमैब के बाद छूट बनाए रखने में साइक्लोफॉस्फेमाइड पल्स थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

22. स्पोरेडिक त्वचा संबंधी ट्यूमर की तुलना में ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम वाले रोगियों में कैंसर के बढ़ने के कारकों की पहचान करने एवं उनके नैदानिक और ऊतकवैज्ञानिक निहितार्थों का निर्धारण करने हेतु जीनोमिक परिदृश्य।

23. अंतर-व्यक्तिगत, पायलट अध्ययन; एक ओपन लेबल, भावी, गैर-यादृच्छिक, गैर-हीनता अध्ययन, जिसमें पामोप्लांटार सोरायसिस में सप्ताह में दो बार दी जाने वाली घर-आधारित पुवासोल सोख चिकित्सा बनाम सप्ताह में दो बार दी जाने वाली अस्पताल-आधारित पुवासोल सोख चिकित्सा की प्रभावकारिता की तुलना की गई।

24. पेम्फिगस वल्गेरिस में रीटक्सिमैब थेरेपी और डेक्सामेथासोन पल्स के बीच प्रभावकारिता और लागत-प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए संभावित यादृच्छिक परीक्षण।

25. मध्यम से गंभीर एटोपिक डर्मेटाइटिस वाले रोगियों में टोफैसिटिनिब बनाम मेथोट्रेक्सेट की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित एसेसर-ब्लाइंडेड परीक्षण।

26. पेम्फिगस वल्गेरिस में अल्ट्रा-लो डोज़ रीटक्सिमैब की चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक पायलट अध्ययन।

27. ऑटोइम्यून बुलस रोगों के निदान में इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीकों [नमक-विभाजित त्वचा पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस], बायोचिप मोज़ेक परख एवं मल्टीप्लेक्स एलिसा की उपयोगिता की तुलना करना - एक संभावित क्रॉस-सेक्शनल पायलट अध्ययन।

28. अंतर्जात जिल्द की सूजन की घटना में एलर्जी की भूमिका को स्पष्ट करने हेतु पैच परीक्षण और त्वचा चुभन परीक्षण का मूल्यांकन करना: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

पूर्ण

1. ग्रैनुलोमैटस त्वचा के घावों एवं उनके नैदानिक अनुकरणों की नैदानिक, डर्मोस्कोपिक तथा हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक क्रॉस-सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन।

9.9_.indd 341 1/8/2026 2:09:44 PM

2. वंशानुगत एपिडर्मोलिसिस बुलोसा से पीड़ित बच्चों एवं वयस्कों में त्वचा के अतिरिक्त तथा प्रणालीगत संलिप्तता का मूल्यांकन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन।

3. धीमी प्रवाह संवहनी विकृतियों के उपचार में इंट्रालेसनल रेडियो-फ्रीक्वेंसी एब्लेशन हेतु एक अवलोकन चरण नैदानिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. त्वचा रोगों से पीड़ित रोगियों का गैर-त्वचाविज्ञान सेटिंग्स में उपचार कैसे किया जाता है, इस पर गुणात्मक अध्ययन, मनोचिकित्सा, जैव सांख्यिकी।

2. बेसल सेल कार्सिनोमा के विभिन्न उप-प्रकारों में जीएलआई 1, पी53 और केआई67 का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन, विकृतिविज्ञान।

3. सूजन संबंधी रैखिक वेरुकस एपिडर्मल नेवस (आईएलवीईएन) के हिस्टोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम का एक महत्वाकांक्षी वर्णनात्मक अध्ययन, विकृतिविज्ञान।

4. बच्चों में विटिलिगो के मनोसामाजिक प्रभाव को मापने हेतु एक पैमाने का विकास। मनोचिकित्सा, जैव सांख्यिकी।

5. हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस में एंटीवायरल दवा प्रतिरोध हेतु फेनोटाइपिंग एवं जीनोटाइपिंग के साथ जननांग अल्सर रोग की विस्तारित वायरल एटियोलॉजिकल जांच, सूक्ष्मजैवविज्ञान, एम्स।

6. जननांग क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस हेतु संभावित पीओसीटी विकास हेतु एसईएलईएक्स प्रौद्योगिकी की खोज, सूक्ष्मजैवविज्ञान, एम्स।

7. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) हेतु पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण विकास: बेंच से बेडसाइड तक (प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट का नैदानिक सत्यापन), सूक्ष्मजैवविज्ञान, एम्स।

8. पेम्फिगस वल्गेरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में जन्मजात प्रतिरक्षा की भूमिका की खोज, जैव रसायन।

9. डेंड्राइटिक कोशिकाओं की विकृत आवृत्ति एवं उनसे संबंधित उत्तेजक तथा निरोधात्मक मार्कर पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगजनन को बढ़ाते हैं, जैव रसायन।

10. सूजन संबंधी मायोपैथी से पीड़ित वयस्क रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिक प्रोफ़ाइल एवं उपचार परिणाम, काय चिकित्सा।

पूर्ण

1. बेसलाइन श्रृंखला में डिस्पर्स ऑरेंज 3 के बिना टेक्सटाइल डाई मिश्रण के साथ पैच परीक्षण, अंतर्राष्ट्रीय संपर्क डर्मेटाइटिस अनुसंधान समूह (आईसीडीआरजी) एवं व्यावसायिक तथा पर्यावरण त्वचाविज्ञान विभाग स्केन विश्वविद्यालय अस्पताल, माल्मो, स्वीडन तथा एम्स में नाभिकीय चिकित्सा और त्वचारोग एवं रतिजरोगविज्ञान विभाग।

2. विटिलिगो रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया की धारणा पर गुणात्मक अध्ययन, मनोचिकित्सा, जैव सांख्यिकी

9.9_.indd 342 1/8/2026 2:09:44 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	13	10	11
कुल वित्तपोषण	रुपये 25.80 लाख	रुपये 384.45 लाख	रुपये 1428.03 लाख

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 72 **पुस्तक में अध्याय: 02** **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 02**

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**75**	**84**	**76**
पत्रिका में लेख	59	64	72
सार			
पुस्तकों में अध्याय	16	20	2
पुस्तकें	0	0	2

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं:

1. बाह्य रोगी सेवाएं: विभाग द्वारा त्वचा रोगों, यौन संचारित रोगों एवं एचआईवी से पीड़ित रोगियों के लिए ओपीडी का संचालन किया जाता है और त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं तथा त्वचा बायोप्सी की त्वचा रोग विज्ञानी समीक्षा प्रतिदिन की जाती है।

2. टेलीडर्माटोलॉजी: हमने प्रतिदिन टेली-परामर्श प्रदान करना जारी रखा है जबकि ओपीडी पूरी तरह से भौतिक रूप से क्रियाशील है।

3. विशिष्ट क्लीनिक: कुष्ठ रोग, फोटो त्वचाविज्ञान तथा फोटोथेरेपी, त्वचा शल्य चिकित्सा, एसटीडी, पिगमेंटरी विकार, सोरायसिस, बाल चिकित्सा त्वचारोगविज्ञान, एलर्जी क्लिनिक।

4. साइड-लैब: केओएच, ग्राम स्टेन, स्लिट स्किन स्मीयर, त्ज़ानक स्मीयर, पैच और फोटो पैच परीक्षण।

5. सर्जिकल प्रक्रियाएं: निदान एवं चिकित्सीय बायोप्सी, काटना, निशान रह जाना, काटने से होने वाली घातक बीमारियाँ, विटिलिगो सर्जरी।

6. सौंदर्य प्रक्रियाएं: पीलिंग, माइक्रोनीडलिंग, प्लेटलेट रिच्च प्लाज्मा थेरेपी, माइक्रोनीडलिंग रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन।

7. लेज़र: बाल हटाने वाला लेज़र (डायोड के साथ ट्रिपल वेवलेंथ लेज़र, एनडी-वाईएजी और एलेक्ज़ेनड्राइड लेज़र), संवहनी (पीडीएल) लेजर, एब्लेटिव (सीओ2) लेजर।

8. फोटोथेरेपी: यूवीए और एनबी-यूवीबी कक्ष।

9.9_.indd 343 1/8/2026 2:09:45 PM

9. आंतरिक रोगी सेवाएं: हमारे पास 29 बिस्तरों वाला वार्ड है, जिसमें अधिभोग लगभग 100% रोगी हैं

10. डे केयर सुविधा: हमारे पास जैविक और अन्य दवाओं को देने के लिए 6 बिस्तरों वाली डे केयर सुविधा है जिसमें स्टेरॉयड/साइक्लोफॉस्फामाइड पल्स थेरेपी, और ऑपरेशन के बाद के रोगियों को निगरानी में रखा जाता है।

रोगी उपचार ***(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)***

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श (नए रोगी+ फॉलोअप रोगी)	39067+565789	43395+79582	41423+80367
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	10329	6750	3396
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	-	-	-
कुल भर्ती रोगी (दीर्घ + अल्पकालिक)	697+2199	995+1594	595+1164
प्रयोगशाला जांच	4587	5124	5063

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. आयुष और डॉ. कीपा 6, 7 अप्रैल 2024 को कोयंबटूर में आयोजित हेयरकॉन क्विज़ 2024 के विजेता थे और भारतीय कुष्ठ रोग संघ 2024 द्वारा आयोजित आईएएल कुष्ठ रोग क्विज़ में उपविजेता थे। उन्होंने 10 नवंबर 2024 को दिल्ली में आयोजित टीवाईएसए जोनल (उत्तर) में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया एवं डॉ. कीपा 8 दिसंबर को अहमदाबाद में आयोजित टीवाईएसए नेशनल राऊंड में फाइनलिस्ट रहीं।

डॉ. जपनूर कौर और डॉ. सुशांत अग्रवाल आईएडीवीएल जीएसके क्विज डीएसबी- अक्टूबर 2024 में उपविजेता थे और जनवरी 2025 में एम्स-पीजीआई मीट क्विज; जनवरी 2025 में डर्मपैथ सोसाइटी ऑफ इंडिया क्विज वाईजेग; मार्च 2025 में फोटोडर्मेटोलॉजी क्विज एमएएमसी में विजयी रहे।

डॉ. आयुष और डॉ. रितु ने आईएडीवीएल द्वारा आयोजित डर्माज़ोन नॉर्थ ऑल इंडिया क्विज़ 2024 जीता और 10वें डीएएएस शिखर सम्मेलन (त्वचारोगविज्ञान और संबद्ध विशेषताएँ), 2024 में उपविजेता रहे थे। **डॉ. अनन्या शर्मा और डॉ. रिया आहूजा** विभाग के वरिष्ठ रेजीडेन्टस को छात्रवृत्ति और अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक अनुदान प्रदान किया गया।

आचार्य कौशल के वर्मा ने 27-28 जून 2024 को मिशिगन, यूएसए में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में मिशिगन विश्वविद्यालय की यात्रा की और सह-संकायाध्यक्ष और विभिन्न संकाय सदस्यों के साथ समझौता ज्ञापन और अनुसंधान सहयोग पर बैठकें कीं। 1-4 सितंबर 2024 को कोपेनहेगन और एब्सलॉन, डेनमार्क में डेनमार्क के नर्सिंग केंद्रों को देखने के लिए एब्सलॉन और कोपेनहेगन के विश्वविद्यालय कॉलेजों की यात्रा की। 11-16 सितंबर 2024 को ऑकलैंड विश्वविद्यालय, ऑकलैंड में विजिटिंग प्रोफेसर। 29-30 अप्रैल 2024 को कवरत्ती और एंड्रोथ ((एल एंड एम), लक्षद्वीप में एक मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप में भाग लिया। 7-11 जुलाई 2024 को कारगिल में एक धर्मार्थ चिकित्सा शिविर में भाग लिया। 8 जनवरी

9.9_.indd 344 1/8/2026 2:09:45 PM

2025 को एम्स, भुवनेश्वर में "शैक्षणिक पाठ्यक्रम और प्रशासनिक मामलों के मानकीकरण" पर मार्गदर्शन प्रदान किया। 11-12 अक्टूबर 2025 को एसकेआईएमएस, श्रीनगर में डीन कॉन्क्लेव में भाग लिया।

आचार्य सुजॉय खांडपुर इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईजेडीवीएल) के मुख्य संपादक चुने गए। 2025 में डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष। एशियन सोसाइटी ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी की शिक्षा समिति के सदस्य और कार्यकारी समिति के सदस्य। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल (आईडीओजे) के 'ब्रीफ रिपोर्ट' खंड में सर्वश्रेष्ठ पेपर और आईजेडीवीएल 2024-2025 में सर्वश्रेष्ठ पत्र से सम्मानित।

आचार्य सोमेश गुप्ता डब्ल्यूएचओ-तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी)/एसटीआई अनुसंधान प्राथमिकता निर्धारण सलाहकार समूह के आमंत्रित सदस्य। डब्ल्यूएचओ-एसटीआई दिशानिर्देश विकास समूह के आमंत्रित सदस्य। वह नाको के लिए एसटीआई/आरटीआई के तकनीकी और परिचालन दिशानिर्देशों की समीक्षा और संशोधन के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह के अध्यक्ष थे। "एआई-सहायता प्राप्त ट्रांसवेजिनल डर्मेटोस्कोप के विकास" पर हमारे प्रस्ताव के लिए आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम के सहयोग से आईसीएमआर का फर्स्ट इन द वर्ल्ड चैलेंज अनुदान प्राप्त हुआ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एआई-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत त्वचारोगविज्ञान परियोजनाओं के लिए प्रधान अन्वेषक। त्वचारोगविज्ञान में एआई पर आईएडीवीएल टास्क फोर्स के संयोजक। ई-संजीवनी के लिए एआई त्वचाविज्ञान साधन बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और वाधवानी एआई के साथ काम करना। त्वचाविज्ञान में एआई पर पहली संपादित पुस्तक प्रकाशित की। इसके साथ-साथ, यौन स्वास्थ्य, सी.एस.आई.आर.ओ., आस्ट्रेलिया हेतु संयुक्त संपादक के रूप में भी कार्य किया।

आचार्य जी सेथुरमन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) इलाहाबाद के फेलो चुने गए। आईएडीवीएल द्वारा त्वचारोगविज्ञान उत्कृष्टता के लिए प्रो. वी.एन. सहगल पुरस्कार से सम्मानित हुए। आईएडीवीएल की बाल चिकित्सा त्वचारोगविज्ञान पाठ्यपुस्तक के मुख्य संपादक चुने गए। यह भारतीय त्वचा संबंधी विशेषज्ञों के लिए एक संदर्भ पाठ्यपुस्तक है जिसमें प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के 15 अंतर्राष्ट्रीय लेखकों सहित 70 अध्याय हैं। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी: 2024 से आईएसपीडी की शैक्षिक गतिविधियों के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत।

डॉ. नीतू भारी जनवरी 2024 में नई दिल्ली में आयोजित चौथी एम्स-पीजीआई बैठक की आयोजन सचिव रहीं। जनवरी 2024 में नई दिल्ली में आयोजित दुर्लभ त्वचा संबंधी विकारों पर सीएमई की आयोजन सचिव रहीं। 2025 में भारतीय त्वचा रोग विज्ञान सोसायटी की कोषाध्यक्ष रहीं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. मनु जैन, त्वचारोगविज्ञान विभाग में एसोसिएट अटेंडिंग, मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर (एमएसकेसीसी), न्यूयॉर्क, यूएसए ने 15 मई 2024 को "कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी" पर अतिथि व्याख्यान दिया।
2. आचार्य रोनी पी डोडियुक-गाद इज़राइल के एमेक मेडिकल सेंटर में त्वचारोगविज्ञान विभाग के उप-प्रमुख ने 21 जनवरी 2025 को "डैरियर रोगों पर विकसित परिप्रेक्ष्य, अनुसंधान और रोगी उपचार में 15 साल की यात्रा" पर प्रस्तुति दी।

9.9_.indd 345 1/8/2026 2:09:45 PM

9.10 आपातकालीन चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
राकेश यादव

आचार्य
संजीव कुमार भोई (टीसी)

अपर आचार्य
नायर जमशेद
अक्षय कुमार
मीरा एक्का
तेज प्रकाश सिन्हा (टीसी)

सह आचार्य
प्रकाश रंजन मिश्रा

सहायक आचार्य
विनीत चंद्रन (टीसी)
अंकित कुमार साहू (टीसी)

विशिष्टताएं

आपातकालीन चिकित्सा विभाग, चिकित्सा, बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, आघात-संबंधी एवं सामूहिक दुर्घटना की घटनाओं सहित, विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं वाले रोगियों को व्यापक, चौबीस घंटे, विश्व स्तरीय आपातकालीन उपचार प्रदान करने में अग्रणी रहा है। वर्ष 2024-25 में विभाग में लगभग 1,51,581 से अधिक रोगी आए। शिक्षा एवं नैदानिक सेवा में उत्कृष्टता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, विभाग आपातकालीन चिकित्सा में विशेषज्ञता प्राप्त स्नातकोत्तर छात्रों को योजनाबद्ध तथा दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में, इसने अत्यधिक कुशल और सक्षम आपातकालीन चिकित्सकों को तैयार किया है जो अब भारत एवं विश्व स्तर पर आपातकालीन चिकित्सा पद्धतियों के विकास तथा प्रसार में सक्रिय रूप से अपना योगदान दे रहे हैं। विभाग के स्नातकों ने देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में लगातार प्रतिष्ठित पद प्राप्त किए हैं। उन्होंने अकादमिक अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान-प्रबंध तैयार किए हैं एवं अपने निष्कर्षों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण को बेहतर बनाने हेतु, विभाग ने कई कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों की संकल्पना की है, उन्हें विकसित किया है और सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है। इनमें 'आपातकालीन ईसीजी पाठ्यक्रम', 'आपातकालीन एबीजी कार्यशाला', 'आपातकालीन अल्ट्रासाउंड पाठ्यक्रम', 'कठिन वायुमार्ग पाठ्यक्रम', 'सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम' और 'बेडसाइड प्रक्रिया कौशल विकास पाठ्यक्रम' सम्मिलित हैं। ये पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालित होते हैं एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। अपने छात्रों को प्रशिक्षित करने के अतिरिक्त, विभागीय संकाय सामान्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, जराचिकित्सा, संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, त्वचाविज्ञान, प्रशामक चिकित्सा एवं मनोचिकित्सा जैसे अन्य विषयों के स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षित तथा मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे स्नातक

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 346 1/9/2026 5:30:14 PM

चिकित्सा छात्रों, नर्सिंग कर्मियों और पैरामेडिकल कर्मचारियों के प्रशिक्षण में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं, विशेष रूप से आपातकालीन उपचार एवं जीवन रक्षक तकनीकों जैसे मुख्य क्षेत्रों में। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, विभाग ने उपचार वितरण और परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई रोगी-केंद्रित पहल शुरू की गई हैं। इन प्रयासों से रोगियों के रहने की अवधि को कम करने एवं संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने में उल्लेखनीय योगदान मिला है।

आपातकालीन चिकित्सा हेतु क्षमता निर्माण में भी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। यह भारत के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के वर्तमान तथा भावी संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने में सक्रिय रूप से शामिल है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संरक्षण में, विभाग ने व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार, विशेष रूप से जलने, आघात उपचार एवं जिला अस्पतालों में आपातकालीन विभागों के कामकाज के संदर्भ में, राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, विभाग अन्य मेडिकल कॉलेजों को अकादमिक आपातकालीन चिकित्सा विभागों और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ), दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के सहयोग से, विभाग सड़क सुरक्षा, चोट की रोकथाम, और भारत तथा पड़ोसी देशों में आपातकालीन एवं आघात उपचार सेवाओं के सुधार एवं एकीकरण से संबंधित प्रमुख पहलुओं पर भी काम कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, विभाग दुनिया भर के कई विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय सहयोग बनाए रखता है, और चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिक्स के प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है। संकाय ने प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में आपातकालीन और आघात उपचार के लिए परिचालन दिशानिर्देशों के विकास में योगदान देकर, साथ ही बड़े पैमाने पर दुर्घटना की स्थिति में अस्पताल की तैयारी के लिए मॉड्यूल तैयार करके राष्ट्रीय तैयारियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिक्षा

आपातकालीन चिकित्सा विभाग के संकाय ने स्नातक छात्रों, स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं एवं विभाग में तैनात नर्सिंग कर्मचारियों के लिए जीवन रक्षक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला के आयोजन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन प्रशिक्षण सत्रों ने पूरे संस्थान में विभिन्न अन्य विशिष्टताओं के रेज़ीडेंट को भी लाभान्वित किया है, जिससे आपातकालीन उपचार के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला है। जीवन रक्षक प्रशिक्षण के अतिरिक्त, विभाग ने आपातकालीन इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी), आपातकालीन सोनोग्राफी जैसे विशेष पाठ्यक्रम संचालित किए हैं और धमनी रक्त गैस (एबीजी) व्याख्या पर एक नई कार्यशाला भी शुरू की है। ये कार्यक्रम न केवल संस्थान के स्नातकोत्तर रेज़ीडेंट के लिए, बल्कि अन्य मेडिकल कॉलेजों के प्रशिक्षुओं के लिए भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे आपातकालीन चिकित्सा शिक्षा में अकादमिक प्रगति एवं क्षमता निर्माण के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को बल मिला है।

आपातकालीन चिकित्सा विभाग में रेजिडेंट्स हेतु एक सुदृढ़ और संरचित शैक्षिक कार्यक्रम का पालन किया जाता है, जो प्रति सप्ताह लगभग ग्यारह घंटे का होता है। इसमें सेमिनार, जर्नल क्लब, नैदानिक मामलों पर चर्चा, अंतःविषय पैनल चर्चा, पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) ग्रैंड राउंड और गुणवत्ता सुधार बैठकें जैसी विभिन्न शिक्षण गतिविधियाँ शामिल हैं। ये सत्र आलोचनात्मक सोच, साक्ष्य-आधारित अभ्यास और अंतर-पेशेवर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए हैं। नैदानिक और कौशल-आधारित प्रशिक्षण के अतिरिक्त, विभाग, स्नातक, स्नातकोत्तर और नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यानों और सेमिनारों के माध्यम से शिक्षाप्रद शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। ये सत्र ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों प्रारूपों में आयोजित किए गए हैं, जिससे चुनौतीपूर्ण समय में निर्बाध शिक्षण सुनिश्चित होता है।

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 347 1/9/2026 5:30:14 PM

विभाग व्यावहारिक कौशल विकास पर विशेष रूप से जीवन रक्षक आपातकालीन इंटरवेंशनों में ज़ोर देता है। रेज़ीडेंट को गंभीर उपचार प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी एवं उन्नत दोनों प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। सिमुलेशन-आधारित शिक्षण - जिसमें टेबलटॉप अभ्यास और सिमुलेटर दोनों का उपयोग किया जाता है - प्रशिक्षण नीति का एक मुख्य घटक है, जो रेज़ीडेंट को नियंत्रित वातावरण में जटिल परिदृश्यों का अभ्यास करने में सक्षम बनाता है। प्रक्रियात्मक आत्मविश्वास एवं नैदानिक क्षमता को बढ़ाने के लिए, विभाग नियमित रूप से लाइव कार्यशालाएँ, शव-आधारित कौशल प्रशिक्षण सत्र और व्यावहारिक प्रक्रियात्मक कार्यशालाएँ आयोजित करता है। इन पहलुओं ने विश्व की वास्तविक आपातकालीन स्थितियों के प्रबंधन में रेज़ीडेंट की तैयारी और आत्मविश्वास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभाग के संकाय सदस्यों ने संस्थान में सिमुलेशन एवं शिक्षा प्रौद्योगिकी (एसईटी) सुविधा हेतु इलेक्ट्रॉनिक शिक्षण मॉड्यूल (ई-मॉड्यूल) के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन मॉड्यूल का उद्देश्य नैदानिक ज्ञान के प्रसार को मानकीकृत और सरल बनाना है, जिससे छात्रों को सीखने की एक अधिक संवादात्मक और व्यावहारिक पद्धति मिल सके।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेकर तथा प्रस्तुतियाँ देकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अकादमिक संवर्धन में भी योगदान दिया है। वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, विभाग ने प्रतिष्ठित, समकक्ष-समीक्षित, अनुक्रमित पत्रिकाओं में लगभग 30 प्रकाशनों और विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 21 मौखिक अनुसंधानपत्रों एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के साथ एक दृढ़ अकादमिक प्रदर्शन किया है - जो उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान और विद्वत्तापूर्ण उत्कृष्टता के प्रति इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शैक्षिक पाठ्यक्रम/डिग्री	छात्रों की संख्या
एमडी आपातकालीन चिकित्सा	48

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. चैंपियंस ऑफ चेंज-लद्दाख के चिकित्सा अधिकारियों हेतु बुनियादी आपातकालीन उपचार पाठ्यक्रम, 22-25 अप्रैल 2024, नई दिल्ली
2. भारतीय लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईआईपीएच) के अंतर्गत चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण, 2 अगस्त 2024, नई दिल्ली
3. आपातकालीन कौशल कार्यशाला: बुनियादी और उन्नत वायुमार्ग कौशल, 31 अगस्त 2024, नई दिल्ली
4. एम्स पैरामेडिक प्रशिक्षण: ट्राइएज में रोगी के प्रति दृष्टिकोण, 3 सितंबर 2024, नई दिल्ली
5. रहस्य जानें: रक्त गैस विश्लेषण कार्यशाला, 6 सितंबर 2024, नई दिल्ली
6. आपातकालीन चिकित्सकों हेतु तीव्र दर्द उपचार कार्यशाला, 25 सितंबर 2024 और 21 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 348 1/9/2026 5:30:14 PM

7. आपातकालीन वायुमार्ग कार्यशाला,11 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली
8. ईएम सोनो कार्यशाला, 26 और 27 अप्रैल 2024, 26 एवं 27 जुलाई 2024, 26 और 27 सितंबर, 25 और 26 अक्टूबर 2024, 13 और 14 दिसंबर 2024, नई दिल्ली
9. एनडीआरएफ कर्मियों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट पर प्रशिक्षक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण, 17 दिसंबर 2024, नई दिल्ली
10. एसडब्ल्यूएटी कमांडो के लिए बुनियादी आपातकालीन एवं प्राथमिक चिकित्सा पैरामेडिक प्रशिक्षण, 13 जनवरी 2025, नई दिल्ली
11. परिवर्तन के चैंपियन: दिल्ली के चिकित्सा अधिकारियों के लिए बुनियादी आपातकालीन उपचार पाठ्यक्रम, 22 जनवरी 2025, नई दिल्ली
12. राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा बोर्ड समीक्षा पाठ्यक्रम (एनईएमबीआरआईसी 2025),17-21 फरवरी 2025, नई दिल्ली
13. चैम्पियंस ऑफ चेंज - मध्य प्रदेश के चिकित्सा अधिकारियों के लिए बुनियादी आपातकालीन उपचार पाठ्यक्रम, 27-31 मार्च 2025, नई दिल्ली
14. सीआरपीएफ पैरामेडिक्स बेडसाइड शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण, 8 अप्रैल 2024, 9 अप्रैल 2024, 6 फरवरी से 25 मार्च 2025, नई दिल्ली
15. डब्ल्यूएचओ मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट कोर्स और टीओटी कार्यशाला, 1-5 अक्टूबर 2024 3-5 मार्च 2025, नई दिल्ली

वर्ष (2024-2025) हेतु सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान: 92

संजीव भोई: 4 **नायर जमशेद: 11** **तेज प्रकाश सिन्हा: 3**
मीरा एक्का: 3 **अक्षय कुमार: 20** **प्रकाश रंजन मिश्रा: 20**
विनीत चंद्रन केपी: 28 **अंकित कुमार साहू: 3**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-25
66	129	92

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 21

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक/पोस्टर	17	18	21

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 349 1/9/2026 5:30:14 PM

जारी

1. स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के सभी स्तरों पर लाल ट्राइएज रोगियों (समय-संवेदनशील और अन्य आपात स्थितियों) में गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन उपचार प्रदान करने हेतु सुविधा-आधारित आपातकालीन उपचार प्रणाली को दृढ़ करने के लिए अनुकूल मॉडल, डॉ. संजीव भोई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 21,35,71,736 रुपये

2. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम वाले रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ साइटोकाइन स्तरों (टीएसएलपी, आईएल-31, आईएल-13, आईएल-35) का संबंध: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 5,00,000 रुपये

3. आपातकालीन विभाग में प्रशिक्षित आपातकालीन चिकित्सक बनाम रेडियोलॉजिस्ट द्वारा लिवर फोड़े की बेडसाइड पर्क्यूटेनियस जल निकासी, डॉ. नायर जमशेद भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 6229208 रुपये

4. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव, डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2024-2027, 44,40,653 रुपये

5. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हैंड एडं फुट की चोटों के निदान में वाटर बाथ अल्ट्रासाउंड तकनीक (डब्ल्यूबीटी) का मूल्यांकन, डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा,भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 2.5 वर्ष, अप्रैल 2024 से सितंबर 2026, 62,38,200 रुपये

6. आपातकालीन विभाग में आने वाले सेप्सिस रोगियों में प्रतिरक्षा-नैदानिक सहसंबंध, डॉ. अक्षय कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 9,50,000 रुपये

7. आपातकालीन विभाग में महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में सुधार - कार्डियक अरेस्ट और आपातकालीन एंडोट्रैकियल इंट्यूबैशन, डॉ अक्षय कुमार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 70,00,000 रुपये

8. पैरामेडिक्स के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता पाठ्यक्रम-प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: आपात स्थिति से निपटने में पैरामेडिक्स और ईएमटी की क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षकों का एक पूल बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक पाठ्यक्रम।डॉ. संजीव भोई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, 3,88,96,050 रुपये

9. हेमोप्टाइसिस के लिए नेबुलाइज्ड बनाम अंतः शिरा ट्रैनेक्सैमिक एसिड: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 62,44,794 रुपये

10. ओज़िन-डी™, जो दवाओं एवं तरल पदार्थों के वितरण हेतु एक नवीन अंतःअस्थि उपकरण है, की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित, ओपन-लेबल, सिगंल आर्म, इंटरवेशंनल, बहुकेन्द्रीय, पायलट अध्ययन। डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 72,28,710 रुपये

11. आघात रक्तस्रावी सदमे वाले रोगियों में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक, ओपन-लेबल, चरण IIए/IIबी नैदानिक परीक्षण,डॉ. संजीव भोई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली,3 वर्ष, 2024-2026, 7,17,708 रुपये

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 350 1/9/2026 5:30:14 PM

12. राजस्थान में आपातकालीन और आघात उपचार को दृढ़ करना - राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर के चयनित कॉलेजों में बीएलएस और दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रियाओं पर प्रशिक्षकों का एक समूह बनाना।डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा,राजस्थान सरकार,1 वर्ष, 2024-2025, 56,48,500 रुपये

पूर्ण

1. राजस्थान में आपातकालीन और ट्रॉमा उपचार को दृढ़ करना - राज्य सड़क सुरक्षा सेल, परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार (चरण 1) के सहयोग से जयपुर के चयनित कॉलेजों में बीएलएस और दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रियाओं पर प्रशिक्षकों का एक पूल बनाना। डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, राजस्थान सरकार, 06 महीने, सितंबर 2023 से फरवरी 2024 तक, 27,17,000.00 रुपये

2. ट्रॉमा रक्तस्रावी सदमे वाले रोगियों के परिधीय रक्त में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल स्टेम और प्रोजेनिटर कोशिकाओं के पैटर्न का अध्ययन करना, डॉ. संजीव भोई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 4. 6,00,000.00 रुपये

3. एक पशु मॉडल का उपयोग करके आघात रक्तस्रावी सदमे के बीच हेमटोपोइएटिक विफलता के लिए आईपीएससी (प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल) व्युत्पन्न हेमटोपोइएटिक प्रोजेनिटर कोशिकाओं (एचपीसी) की भूमिका का अध्ययन करना, डॉ. संजीव भोई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 69,00,000.00 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/अनुसंधान प्रबंध सहित)

जारी

1. आघात पीड़ित रोगियों में रक्तस्रावी सदमे के दौरान ट्रांसक्रेनियल कलर डॉपलर का उपयोग करके सेरिब्रल परफ्यूज़न का आकलन: एक संभावित अवलोकनात्मक पायलट अध्ययन

2. तेज वेंट्रिकुलर दर के साथ अलिंद विकम्पन में दर नियंत्रण के लिए बीटा ब्लॉकर्स बनाम कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स: एक यादृच्छिक ओपन-लेबल अध्ययन

3. आपातकालीन विभाग में आने वाले तीव्र-चिरकारी यकृत विफलता वाले रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल

4. आपातकालीन विभाग में प्रस्तुत यकृत फोड़े की नैदानिक-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल

5. सीओपीडी के तीव्र प्रकोप में एचएफएनसी बनाम एनआईवी की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

6. आपातकालीन विभाग में चेस्ट ट्यूब थोरैकोस्टॉमी के दौरान दर्द को कम करने में सेरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक बनाम मानक उपचार की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

7. आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों में अविभेदित शॉक के पुनर्जीवन के दौरान संतुलित क्रिस्टलोइड्स और सामान्य लवण की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

8. सेप्टिक शॉक में संयुक्त बनाम अनुक्रमिक तरल पदार्थ और नोरेपिनेफ्रिन थेरेपी की शॉक नियंत्रण दरों की तुलना: एक यादृच्छिक ओपन-लेबल परीक्षण

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 351 1/9/2026 5:30:14 PM

9. गंभीर अभिघातज मस्तिष्क चोट वाले रोगी में आर्ट्रीअल बल्ड गैस का जटिलता दर एवं फाइनल तंत्रिका संबंधी परिणाम के साथ सहसंबंध

10. ईडी में आने वाले रोगियों में मानक इको की तुलना में दाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन का पता लगाने में दाएं वेंट्रिकुलर बबल टाइम की नैदानिक सटीकता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

11. ईडी में आने वाले रोगियों में बढ़े हुए आईसीपी के लक्षणों वाले रोगियों में स्मार्टफोन फंडोस्कोपी बनाम प्रत्यक्ष नेत्रदर्शन की नैदानिक सटीकता

12. हल्के ट्रॉमाटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में एनसीसीटी हेड की आवश्यकता का आकलन करने हेतु सोनो-क्लिनिकल निर्णय नियम की नैदानिक सटीकता

13. ट्रॉमा वाने रोगियों में नेत्र संबंधी चोटों की पहचान हेतु ऑर्बिट की गैर-विपरीत संगणित टोमोग्राफी की तुलना में संशोधित जल स्नान तकनीक और पारंपरिक नेत्र संबंधी अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता

14. आपातकालीन विभाग में अविभेदित परिसंचरण ट्रॉमा के प्रारंभिक उपचार में नैदानिक परिणामों पर मिनट्स बंडल बनाम मौजूदा उपचार के अनुप्रयोग का प्रभाव यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

15. आपातकालीन विभाग में मधुमेह कीटोएसिडोसिस के उपचार में ग्लेरगीन प्लस अंतःशिरा इंसुलिन बनाम अंतःशिरा इंसुलिन की प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

16. तीव्र कास्टिक अंतर्ग्रहण के रोगियों में म्यूकोसल उपचार और एंडोस्कोपिक ग्रेडिंग में परिवर्तन में पैंटोप्राज़ोल बनाम प्लेसिबो की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन

17. आपातकालीन विभाग में आने वाले वयस्क ट्रॉमा वाले रोगियों में सामान्य उपचार की तुलना में गंभीर कंधे की चोटों के निदान में लगने वाले समय को कम करने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

18. एम्स, नई दिल्ली के आपातकालीन विभाग में यांत्रिक वेंटिलेशन पर रहने वाले रोगियों के लिए वेंटिलेटर नीतियों में सुधार, एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन

19. आपातकालीन विभाग में तीव्र पेट दर्द से पीड़ित रोगियों में तीव्र पेट दर्द के पूर्वानुमान के रूप में न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

20. आपातकालीन विभाग में आने वाले संक्षारक पदार्थ के सेवन के रोगियों में स्वरयंत्र-ग्रसनी की क्षति का पैटर्न

21. कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन में पीईईपी बनाम जैडईईपी: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट परीक्षण

22. आपातकालीन विभाग में आने वाले समुदाय-अर्जित निमोनिया के रोगियों में अंतःश्वासनलीय इंट्यूबैशन की आवश्यकता के पूर्वानुमान: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

23. आपातकालीन विभाग में सेप्सिस रोगियों में लैक्टेट-एल्ब्यूमिन अनुपात, प्रोकैल्सीटोनिन-एल्ब्यूमिन अनुपात, सीआरपी-एल्ब्यूमिन अनुपात, एसओएफए और क्यूएसओएफए की रोगसूचक भूमिका

24. वाल्वुलर एट्रियल फ़िब्रिलेशन वाले रोगियों में मानक उपचार के सहायक के रूप में मैग्नीशियम सल्फेट की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 352 1/9/2026 5:30:14 PM

25. मानक 12 लीड ईसीजी की तुलना में असामान्य चालन वाले सुप्रावेंट्रीकुलर टैकीकार्डिया और वेंट्रीकुलर टैकीकार्डिया में अंतर करने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड निर्देशित अतालता एल्गोरिदम की भूमिका

26. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित सेंटरल वेनस कैथेटर सम्मिलन में स्व-निर्देशित शिक्षण बनाम प्रशिक्षक-विनियमित शिक्षण: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

27. सोनो-पेकारन बनाम पेकारन: दो वर्ष से कम आयु के मध्यवर्ती पेकारन जोखिम समूह के निर्णय लेने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कपाल फ्रैक्चर का पता लगाने की भूमिका का अध्ययन करना।

28. आपातकालीन विभाग में दुर्दम्य वेंट्रिकुलर अतालता में स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

29. तीव्र अनुक्रम इंट्यूबैशन के लिए सक्सिनिलकोलाइन बनाम रोकुरोनियम: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

30. आपातकालीन विभाग में आने वाने चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की तुलना में घुटने में और उसके आसपास की चोट के निदान में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका

31. आपातकालीन अंतःश्वासनलीय इंट्यूबैशन करवाने वाने रोगियों में हृदवाहिनी पतन को रोकने में पुश डोज़ एपिनेफ्रीन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

32. हृदघात के रोगियों में ईटीसीओ2 की तुलना में छाती के संपीड़न की गुणवत्ता का आकलन करने में कैरोटिड शिखर सिस्टोलिक वेग की भूमिका का आकलन करना।

33. आपातकालीन विभाग में सेप्टिक शॉक से पीड़ित रोगियों में द्रव प्रतिक्रिया का आकलन करने में एओर्टो-कैवल इंडेक्स बनाम आईवीसी संकुचनशीलता की तुलना करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

34. आपातकालीन विभाग में आने वाले कम-मध्यवर्ती जोखिम वाले सीने में तीव्र दर्द वाले रोगियों में कोरोनरी धमनी कैल्शियम स्कोर की भूमिका का मूल्यांकन करना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

35. ट्रॉमेटिक एक्स्ट्रेमिटी फ्रैक्चर में पूर्व-प्रक्रियात्मक दर्द उपचार की पर्याप्तता में सुधार करने हेतु - गुणवत्ता सुधार अध्ययन

36. हृदयाघात के रोगियों में हृदयाघात के परिणामों पर पारंपरिक छाती संपीड़न की तुलना में अल्ट्रासाउंड निर्देशित छाती संपीड़न के प्रभाव का अध्ययन करना।

37. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में, जिन्हें अंतःश्वासनलीय इंट्यूबैशन की आवश्यकता होती है, तीव्र अनुक्रम इंट्यूबैशन की तुलना में विलंबित अनुक्रम इंट्यूबैशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. तीव्र हृदपात में रोगसूचक संकेतक के रूप में पूर्ण लिम्फोसाइट काउंट

2. अतालता के निदान में स्मार्टफोन ईसीजी की सटीकता का आकलन

3. स्टेमी के निदान में स्मार्टफोन ईसीजी की सटीकता का आकलन

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 353 1/9/2026 5:30:14 PM

4. इनफिरियर वेना कावा संकुचनशीलता की तुलना में इन्ट्रावास्कुलर वॉल्यूम स्थिति के निर्धारण में आंतरिक जुगुलर नस और फेमोरल वैन की संकुचनशीलता का आकलन,
5. आपातकालीन विभाग में आने का समय और अस्पताल में मृत्यु दर के बीच संबंध
6. सदमे से पीड़ित रोगियों में पुनर्जीवन के बाद मृत्यु दर के पूर्वानुमान के रूप में केशिका पुनः पूर्ति समय
7. आपातकालीन विभाग रजिस्ट्री अध्ययन में सीने में दर्द और हृदय गति रुकना
8. सीएलडी में एकेआई वाले रोगियों की नैदानिक महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल
9. आपातकालीन विभाग में आने वाले घातक रोग से ग्रस्त रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल
10. आपातकालीन विभाग में आने वाले रूमेटिक हृदय रोग से पीड़ित रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल
11. आपातकालीन विभाग में आने वाले सीने में तीव्र दर्द वाले रोगियों की क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल
12. चिरकारी यकृत रोगों में गुर्दे के गंभीर क्षति चोट वाले रोगियों की क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल
13. आपातकालीन विभाग में अग्नाशयशोथ के रोगियों के पेट दर्द को सफलतापूर्वक कम करने में इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम पारंपरिक औषधीय चिकित्सा की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
14. आपातकालीन विभाग में परिवर्तित संवेदी क्षमता वाले रोगी के मूल्यांकन के लिए ग्लासगो कोमा स्केल (जीसीएस) के साथ फुल आउटलाइन ऑफ अनरिस्पोंसिवनेस (फॉर) स्कोर की तुलना
15. आपातकालीन विभाग में आने वाले निमोनिया के रोगियों में अस्पताल मृत्यु दर की भविष्यवाणी करने में स्कोरिंग प्रणालियों की तुलना
16. आपातकालीन विभाग में आने वाले संक्रमण के संदिग्ध रोगियों के कल्चर नमूनों के आधार पर एक एंटीबायोग्राम विकसित करना
17. क्रेनियेक्टॉमी क्रियापूर्ण के रोगियों में चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण स्थितियों का पता लगाने के लिए ट्रांसक्रेनियल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता
18. परिवर्तित मानसिक स्थिति के साथ दीर्घकालिक यकृत रोग के रोगियों में गैर-विपरीत कंप्यूटेड टोमोग्राफी मस्तिष्क का नैदानिक प्रतिफल
19. क्या पीओसीयूएस निर्देशित एम्स-बाल चिकित्सा पीओसीयूएस एल्गोरिथ्म गंभीर रूप से बीमार बाल रोगियों में शीघ्र निदान और गहन उपचार प्रबंधन निर्णय में सुधार करता है?
20. तीव्र विघटित हृदपात वाले आयरन की कमी वाले रोगियों में लक्षणात्मक सुधार पर अंतःशिरा आयरन का प्रभाव
21. आपातकालीन विभाग में तीव्र रूप से उत्तेजित रोगियों के उपचार में इंट्रामस्क्युलर हैलोपेरिडोल और ओलानज़ापाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 354 1/9/2026 5:30:14 PM

22. वयस्कों में सेप्टिक शॉक के उपचार में दूसरे वैसोप्रेसर के रूप में वैसोप्रेसिन की तुलना में मेथिलीन ब्लू की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक ओपन लेबल परीक्षण

23. ओपी विषाक्तता में इंट्रालिपिड इमल्शन थेरेपी की प्रभावकारिता - एक खोजपूर्ण अध्ययन

24. आपातकालीन विभाग में पैरॉक्सिस्मल सुप्रावेंट्रीकुलर टैकिकार्डिया को समाप्त करने में वाल्सल्वा और संशोधित वाल्सल्वा की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

25. तीव्र अग्नाशयशोथ में सामान्यतः प्रयुक्त स्कोर (एपीएसीएचई II, सीटीएसई और बीआईएसएपी) की तुलना में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात की नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन

26. एससीएपीई (सिम्पैथेटिक क्रैशिंग एक्यूट पल्मोनरी एडिमा) के उपचार में उच्च खुराक एनटीजी बनाम कम खुराक एनटीजी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

27. एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के आपातकालीन विभाग में नर्सिंग कर्मचारियों के लिए संचार के सॉफ्ट कौशल पर इंटरैक्टिव प्रशिक्षण इंटरवेंशन का प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन

28. सांस लेने में तकलीफ और बुखार से पीड़ित बाल रोगियों में फेफड़ों का यूएसजी

29. आपातकालीन विभाग में आने वाले ऊपरी जठरांत्र रक्तस्राव वाले रोगियों के परिणाम

30. आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों के लिए 72 घंटों में मृत्यु दर के आधार पर मुख्य शिकायत आधारित ट्राइएज प्रणाली का प्रदर्शन

31. हृदयाघात के रोगियों के परिणाम में हाइड्रोकोर्टिसोन की भूमिका: एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण

32. एम्स, नई दिल्ली में लाए गए मृत रोगियों के इटिऑलॉजिकल प्रोफाइल का अध्ययन और लॉकडाउन अवधि के दौरान कोविड-19 के कारण हुई मृत्यु की तुलना

33. आपातकालीन चिकित्सा विभाग में वर्तमान दर्द मूल्यांकन और उपचार प्रथाओं का अध्ययन

34. सेप्टिक शॉक के रोगियों में मृत्यु दर की भविष्यवाणी करने में प्रणालीगत प्रतिरक्षा सूजन सूचकांक और प्रोकैल्सीटोनिन - एक संभावित कोहॉर्ट अध्ययन

35. आपातकालीन विभाग में सदमे से पीड़ित रोगियों में अंत-ज्वारीय कार्बन डाइऑक्साइड निगरानी की उपयोगिता

36. सदमे से पीड़ित रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट वेलोसिटी-टाइम इंटीग्रल मॉनिटरिंग की उपयोगिता

37. आपातकालीन विभाग में उपस्थित सीओपीडी के तीव्र प्रकोप वाले रोगियों में फुफ्फुसीय अन्त:शल्यता की व्यापकता का अनुमान लगाना

38. आपातकालीन विभाग में बढ़े हुए इंट्राक्रैनील दबाव सहित परिवर्तित मानसिक स्थिति में पीओसीयूएस (यूएसजी) का उपयोग करके ओएनएसडी में क्रीसेंट साइन की घटना का पता लगाना

39. आपातकालीन विभाग में डेंगू बुखार से पीड़ित रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के पूर्वानुमान संबंधी महत्व का मूल्यांकन करना

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 355 1/9/2026 5:30:14 PM

40. सरकार द्वारा संचालित आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से एम्स के आपातकालीन विभाग में आने वाले गंभीर रूप से बीमार रोगियों को प्रदान की जाने वाली अस्पताल-पूर्व स्वास्थ्य उपचार बंडल अनुपालन में सुधार करना।

41. छाती के कुंद आघात के रोगियों में उपचार बिंदु अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना

42. दिल्ली के स्कूली छात्रों के बीच ज्ञान और कौशल में सुधार के संदर्भ में केवल हाथों से कार्डियो-पल्मोनरी पुनर्जीवन प्रशिक्षण के प्रभाव का अध्ययन करना-एक सामुदायिक उपचार पहल।

43. सामान्य उपचार की तुलना में लंबी हड्डी के फ्रैक्चर में सहायता प्राप्त पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की उपयोगिता का अध्ययन करना

44. आपातकालीन विभाग में आने वाले गंभीर अंग चोटों वाले रोगियों में दर्द निवारण के लिए आगमन पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित ब्लॉक बनाम सामान्य उपचार की उपयोगिता का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

45. वयस्क आघात रोगियों में महत्वपूर्ण उपचार निर्णय लेने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्राथमिक सर्वेक्षण एल्गोरिदम की उपयोगिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ऊपरी जठरांत्र रक्तस्राव के उपचार में कम बनाम उच्च खुराक टेर्लिप्रेसिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरांत्ररोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. वयस्कों और किशोरों में स्टेटस एपिलेप्टिकस के परिणामों के निर्धारक: एक संभावित समूह अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. ऑर्गनोफॉस्फेट विषाक्तता के कारण होने वाली संज्ञानात्मक हानि सहित न्यूरोपैथी से जुड़े ट्रांसक्रिप्टोमिक मार्करों का निर्धारण एवं इसकी गंभीरता की प्रगति का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित उपकरण का विकास, सूक्ष्मजैव विज्ञान एवं भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. म्यूकोर्मिकोसिस के शीघ्र निदान के लिए सीओटीएच जीन का उपयोग करके एक वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक (ईस्ट-एआईएस) के रोगियों में 4.5 घंटे से 24 घंटे की इमेजिंग योग्य विंडो में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावकारिता और सुरक्षा, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. थ्रोम्बोलिसिस प्रक्रियाधीन रोगियों में रिमोट इस्केमिक पोस्ट-कंडीशनिंग के कार्डियो-प्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन और विटामिन डी के साथ इसका सहसंबंध, भेषजगुण विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. ग्रामीण भारत में शल्य चिकित्सा क्षमता निर्माण इंटरवेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ भारत-नॉर्वे सहयोग

8. कोविड-19 का क्षय रोग पर प्रभाव, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 356 1/9/2026 5:30:14 PM

9. उन्नत गहन शिक्षण का उपयोग करके शरीर के महत्वपूर्ण अंगों का गैर-आक्रामक, वीडियो और छवि-आधारित आकलन: एक सहयोगात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. एम्स, नई दिल्ली के प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग में लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में बड़े पैमाने पर रक्त आधान प्रोटोकॉल की आवश्यकता वाले रोगियों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए पॉइंट ऑफ केयर थ्रोम्बोलास्टोग्राफी

11. भारत में कृषि रसायनों के कारण विषाक्तता: महामारी विज्ञान, जागरूकता, आणविक मार्करों की पहचान (ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग और मेटाजीनोमिक विश्लेषण), जोखिम मूल्यांकन और निवारक रणनीतियों का विकास, भेषजगुण विभाग, एम्स, नई दिल्ली

12. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के रोगियों में दाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन स्कोर के पूर्वानुमानित परिणाम, संवेदनाहरण विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के रोगियों में दाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन स्कोर के पूर्वानमानित परिणाम, संवेदनाहरण विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. तीव्र वैरिकाज़ रक्तस्राव वाले रोगियों में मानक चिकित्सा उपचार और अंतःशिरा एल्ब्यूमिन बनाम मानक चिकित्सा उपचार: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

15. प्राथमिक परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन करवा रहे एसटी-सेगमेंट मायोकार्डियल इंफार्क्शन में थ्रोम्बस बर्डन के पूर्वानुमान के रूप में थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी पैरामीटर, हृद् रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

16. संदर्भगत और मनो-शारीरिक परिप्रेक्ष्य से नैदानिक जटिलता को समझना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

17. ओमिक्स प्रौद्योगिकियों और नैदानिक जांच विकास का उपयोग करके तीव्र स्ट्रोक में बायोमार्करों का सत्यापन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. म्यूकोर्मिकोसिस के शीघ्र निदान के लिए सीओटीएच जीन का उपयोग करके एक वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. तीव्र हृदपात के लिए एप्टामर-आधारित त्वरित निदान परीक्षण का विकास, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद, हरियाणा

3. एम्स, नई दिल्ली के काय-चिकित्सा विभाग के एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल में रेजिडेंट चिकित्सकों के कार्यस्थल पर हिंसा और संचार कौशल का मूल्यांकन

4. लक्षणात्मक सार्स-कोव-2 वैक्सीन सफलता संक्रमण का जीनोमिक विश्लेषण, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. प्रयोगशाला सूचना प्रणाली का इष्टतम उपयोग और आपातकालीन उपचार सेटिंग में इसका प्रभाव: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 357 1/9/2026 5:30:15 PM

6. बच्चे में एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस की भूमिका तीव्र वैरिसियल रक्तस्राव के साथ बाल-ए सिरोसिस: एक बहु-केंद्रित ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. एम्स, नई दिल्ली के सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के तृतीयक उपचार केंद्र में आपातकालीन सेटिंग में कोविड-19 से संबंधित म्यूकोरमाइकोसिस के निदान में इन-हाउस और वाणिज्यिक पीसीआर जांच की उपयोगिता

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	11	14	12
कुल वित्तपोषण	2668 लाख रुपये	2744 लाख रुपये	3036 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 13 सार: 07 पुस्तक में अध्याय: 04 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	22	29	25
पत्रिकाओं में लेख	20	24	13
सार	-	2	7
पुस्तकों में अध्याय	1	2	4
पुस्तक-संपादक	1	1	1

रोगी उपचार सेवाएँ

1. (क) आपातकालीन सेवाओं में उपस्थित रोगियों की संख्या

कुल नए रोगी	पुनः आने वाले कुल रोगी	कुल रोगी
98,215	53,366	1,51,581

(ख.) मेडिको-लीगल मामले

वर्ष	कुल एमएलसी
2024-25	9,670

2. पॉइंट ऑफ केयर टेस्टिंग लैबोरेटरी (पीओसीटी) डाटा

जांच का प्रकार	कुल की गई जांच
कम्पलीट ब्लड काउंट	89428

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 358 1/9/2026 5:30:15 PM

जांच का प्रकार	कुल की गई जांच
क्वांटीटेटिव ट्रोपोनिन	7865
बल्ड गैस विश्लेषण	102723
एनटी प्रो बीएनपी	1082
डी-डिमर	767
यूरीन टॉक्स स्क्रीन	404
प्रोकैल्सीटोनिन	476
मूत्र और सीरम ऑस्मोलैलिटी	762
एमाइलेस	74
लिप्ऐस	74
कुल की गई जांच:	**2,03,655**

3. आपातकालीन ऑपरेशन थियेटर में की गई प्रक्रियाएं

प्रक्रिया का प्रकार	कुल संख्या
प्रमुख प्रक्रिया	23
लधु प्रक्रिया	218
कुल प्रक्रियाएं:	**241**

रोगी उपचार

मद	2022-23	2023-24	2024-25
कुल आपातकालीन दौरे	1,11,063	1,23,962	1,51,581
आपातकाल से उत्पन्न कुल एमएलसी	10,940	9,916	9,670
आपातकालीन प्रयोगशाला में की गई कुल बिंदु-उपचार जांचें	2,41,898	2,10,576	2,03,655
आपातकालीन ओटी में की गई कुल प्रक्रियाएं	266	212	241

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर संजीव भोई ने भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में आपातकालीन और ट्रॉमा उपचार प्रणालियों के विकास के लिए अपनी सेवाएँ समर्पित कीं। उन्होंने उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित जारी परियोजनाएँ और विश्व स्वास्थ्य संगठन - दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (डब्ल्यूएचओ-सीरो) के साथ सहयोगात्मक अध्ययन शामिल हैं। एक दशक से भी अधिक समय से, वे रोगी सुरक्षा पर विशेष ज़ोर देते हुए, आपातकालीन उपचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले आठ वर्षों में उनकी प्रमुख अनुसंधान रुचि ट्रॉमा-प्रेरित रक्तस्रावी शॉक, विशेष रूप से ट्रांसलेशनल डोमेन में रही है, जिसके

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 359 1/9/2026 5:30:15 PM

परिणामस्वरूप कई प्रकाशन हुए हैं। वे जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के अंतर्गत वैश्विक एक्यूट केयर नेटवर्क और घायलों की उपचार के लिए वैश्विक गठबंधन (सीएसीआई) की कोर कमेटी के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त, वे आपातकाल, ट्रॉमा और जलन उपचार के लिए उत्कृष्टता केंद्र की देखरेख करने वाली कोर कमेटी के सदस्य हैं साथ ही दिल्ली सरकारी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को मुख्यधारा में लाने के कार्य में समिति सदस्य हैं। उन्होंने निर्दिष्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी फॉर नेशनल अमरजेंसी लाईफ सपोर्ट (एनईएलएस) एवं मास मैनेजमेंट का भी नेतृत्व किया है। इसके अतिरिक्त, वे दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में 'आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार' के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के निदेशक के रूप में भी योगदान दे रहे हैं तथा भारत के विभिन्न राज्यों (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा) के साथ मिलकर एकीकृत आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार प्रणालियों के निर्माण के लिए कार्य कर रहे हैं।

डॉ. नायर जमशेद ने 2024-25 में पीयर-रिव्यूड पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल्स में 13 अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए हैं। वह चार अनुसंधान परियोजनाओं में मुख्य अन्वेषक और 14 अनुसंधान परियोजनाओं में सह-अन्वेषक, पाँच स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मुख्य मार्गदर्शक और 17 स्नातकोत्तर उम्मीदवारों के लिए सह-मार्गदर्शक हैं। डॉ. नायर जमशेद छह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण मुख्य अन्वेषक/मुख्य मार्गदर्शक के रूप में एवं नौ सह-अन्वेषक के रूप में कर रहे हैं। वह विष विज्ञान में प्रस्तावित आपातकालीन फेलोशिप कार्यक्रम के लिए एक शिक्षण संकाय और पाठ्यक्रम समन्वयक हैं और मानसिक चिकित्सा एवं इकोटॉक्सिकोलॉजी में प्रस्तावित डीएम पाठ्यक्रम में एक सहायक संकाय हैं। वह सेट सुविधा हेतु एक शिक्षण संकाय भी हैं। वह शैक्षिक शिक्षण कार्यक्रम, विभागीय सिमुलेशन शिक्षण तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन बैठकों, रेडियो-सम्मेलन और विभाग की मासिक पैनल चर्चा के प्रभारी हैं। वे आपातकालीन विभाग में रोगी उपचार की गुणवत्ता में सुधार हेतु विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का भाग हैा डॉ. नायर जमशेद वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के सह-संपादक है तथा उन्होंने विभिन्न पाठ्यपुस्तकों मे अध्याय भी लिखे है। वे आपातकालीन चिकित्सा की सात अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। वे एम्स के एसएआरआई रोगियों, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति और एमबीबीएस पाठ्यक्रम संशोधन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी हैं। वे छात्र कल्याण समिति, विभिन्न संस्थान चयन समिति और एम्स की खरीद समितियों के सदस्य भी हैं। वे एनबीई परीक्षाओं के राष्ट्रीय मॉडरेटर में से एक हैं एवं विभिन्न एम्स एवं अन्य स्नातकोत्तर संस्थानों में आपातकालीन चिकित्सा विषय के बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक भी रहे हैं। उन्हें एनबीई द्वारा आपातकालीन चिकित्सा के लिए मूल्यांकनकर्ता नियुक्त किया गया था। वे डिप्लोमैट नेशनल बोर्ड द्वारा शुरू की गई बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा में फेलोशिप की शुरुआत करने के लिए बोर्ड सदस्यों में से एक थे। वे डीएनबी आपातकालीन चिकित्सा और गहन उपचार के बोर्ड सदस्य भी हैं। वे एम्स, भोपाल में आपातकालीन चिकित्सा के एमडी विषय के अध्ययन बोर्ड में बाह्य विशेषज्ञ हैं। उन्होंने संक्षारक और रिक्रिएशनल दवाओं के विषाक्तता के उपचार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश भी बनाए हैं। आने वाले वर्ष में आपातकालीन विष विज्ञान में फेलोशिप और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियनों में बी.एससी शुरू करने की योजना है। रोगी उपचार की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, उन्होंने आम तौर पर सामने आने वाली आपातकालीन स्थितियों के लिए प्रोटोकॉल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में योगदान दिया।

डॉ. नैयर जमशेद एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी और एसोसिएशन ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन एजुकेटर्स जैसी विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्य हैं। वे गुणवत्तापूर्ण रोगी उपचार, अनुसंधान और संस्थान के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा को प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में महाकुंभ-2025 के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, जिन्होंने सामूहिक समारोहों के लिए चिकित्सा संबंधी तैयारियों को सुनिश्चित करने

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 360 1/9/2026 5:30:15 PM

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय स्तर पर, उन्होंने कई प्रमुख पहलों का नेतृत्व किया है, जिसमें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य एवं परविार कल्याण मंत्रालय) द्वारा वित्तपोषित 'मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट कोर्स' के लिए राष्ट्रीय प्रमुख समन्वयक के रूप में कार्य करना और पैरामेडिक्स के लिए एनईएलएस (राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन) कार्यक्रम के राष्ट्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करना शामिल है। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत गहन उपचार ब्लॉक के मानकीकरण के लिए एक समिति के सदस्य और एनईएलएस और मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट के लिए उत्कृष्टता केंद्र के सदस्य हैं। अपनी विषय विशेषज्ञता के लिए सम्मानित, उन्हें एम्स कल्याणी, जीआईएमएस नोएडा एवं टीआरआईएचएमएस अरुणाचल प्रदेश जैसे प्रमुख संस्थानों के संकाय चयन पैनल में नियुक्त किया गया है। वैश्विक स्तर पर, वे ईमर्ज (वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा आपातकालीन चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान) नेटवर्क की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष हैं, जिसका उद्देश्य आपातकालीन उपचार अनुसंधान के माध्यम से जीवन में बदलाव लाना है। वे एक्यूट केयर नेटवर्क-इंडिया की कोर कमेटी के सदस्य, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामुदायिक प्राथमिक उपचार प्रतिक्रिया (सीएफएआर) पाठ्यक्रम के समीक्षक एवं आवश्यक ट्रॉमा उपचार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के विशेषज्ञ समीक्षक भी हैं। इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान के साथ ही आईसीएमआर, भारत-नॉर्वे सहयोग और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्तपोषित जारी परियोजनाएँ में और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

डॉ. मीरा एक्का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक हैं और "एनल्स ऑफ क्लिनिकल केस स्टडीज" की संपादकीय बोर्ड में हैं। वह एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया और इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सदस्य हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सूचीबद्ध पत्रिकाओं में सह-लेखिका के रूप में छह लेख एवं संबंधित लेखक के रूप में दो पत्र प्रकाशित किए हैं। वह वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन, एसएई की सह-संपादक में से एक हैं और उन्होंने इसी मैनुअल में कोविड-19 रोग पर एक अध्याय और टॉक्सिकोलॉजी बुक में गहन उपचार में विषाक्त गैसों पर एक अध्याय लिखा है। वह आपातकालीन चिकित्सा विभाग में स्टोर, पीओसीटी प्रयोगशाला की प्रभारी संकाय सदस्य और उपकरण ऑडिट की नोडल अधिकारी हैं। वह एम्स के आपातकालीन विभाग के संसदीय मामलों की नोडल अधिकारी भी हैं। वह विभाग द्वारा संचालित एम्स आपातकालीन ईसीजी और व्यापक आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार प्रशिक्षण (सीएपीएफएस) पाठ्यक्रम की शिक्षण संकाय भी हैं। वह विभाग में संचालित विभिन्न सेमिनारों एवं जर्नल क्लबों के लिए ग्यारह आपातकालीन चिकित्सा स्नातकोत्तर छात्रों तथा मध्यम स्नातकोत्तर छात्रों की मुख्य मार्गदर्शक हैं तथा विभाग में आयोजित विभिन्न सेमिनारों और जर्नल क्लबों में स्नातकोत्तर छात्रों का संचालन करती हैं। वह स्नातकोत्तर एक्जिट परीक्षा की आंतरिक परीक्षक हैं। वह प्रस्तावित विष विज्ञान फ़ेलोशिप कार्यक्रम के लिए शिक्षण संकायों में से एक हैं। वह संस्थान स्तर पर विभाग के लिए विभिन्न उपकरणों की क्रय समिति की सदस्य हैं। वह तीव्र विषाक्तता रजिस्ट्री पर भी काम कर रही हैं। उन्होंने अपने नौ स्नातकोत्तर छात्रों के साथ मिलकर नौ अनुसंधान अध्ययनों को थीसिस परियोजना के रूप में डिज़ाइन, अध्ययन, पूरा और प्रस्तुत किया। उनके चार स्नातकोत्तर छात्रों ने अपने अनुसंधान-प्रबंधों को अनुक्रमित पत्रिकाओं में लेख के रूप में प्रकाशित किया है और एक छात्र ने अनुसंधान-पत्र प्रस्तुत किया है। उनके दो स्नातकोत्तर छात्रों ने राष्ट्रीय सम्मेलनों में मौखिक प्रस्तुति के रूप में अपना काम प्रस्तुत किया है, और उनमें से एक को पोडियम प्रस्तुति के रूप में सर्वश्रेष्ठ 15 अनुसंधान-पत्रों में से एक चुना गया है।

डॉ. अक्षय कुमार ने संस्थान में आपातकालीन उपचार सेवाओं को उन्नत बनाने में योगदान दिया है। उन्होंने 'त्वरित मूल्यांकन क्षेत्र' के विकास में सहायता करके आपातकालीन विभाग में ट्राइएज सेवाओं को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उच्च-प्राथमिकता वाले रोगियों के त्वरित मूल्यांकन में सुधार हुआ है एवं समग्र रोगी प्रवाह क्षमता में वृद्धि हुई है। उन्होंने विभाग में प्रमुख खरीद प्रक्रियाओं

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 361 1/9/2026 5:30:15 PM

का नेतृत्व और सुविधा भी प्रदान की है, जिससे आवश्यक उपकरणों और महत्वपूर्ण उपकरणों की प्राप्ति सुनिश्चित हुई है जिससे नैदानिक और उपचार क्षमताओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने बेसिक और एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट कोर्स, दोनों के लिए संकाय के रूप में कार्य किया है, और वरिष्ठ रेज़ीडेंट के लिए 'माइक्रोटीचिंग' कार्यशाला और संकाय हेतु एक चिकित्सा शिक्षा कार्यशाला सहित संकाय विकास कार्यक्रमों में सक्रिय रूप में शामिल रहे हैं। वे राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा बोर्ड समीक्षा पाठ्यक्रम और दिल्ली के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन आपातकालीन उपचार प्रणाली सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम में एक प्रतिष्ठित संकाय सदस्य भी थे। पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में, उन्होंने रोगी सुरक्षा, आपातकालीन वायुमार्ग प्रबंधन और तीव्र गंभीर उपचार पर कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। अनुसंधान क्षेत्र में, डॉ. अक्षय दो यादृच्छिक नैदानिक परीक्षणों और एक आईसीएमआर-समर्थित कार्यान्वयन परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं, जो आपातकालीन चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित अभ्यास और नीति-स्तरीय सुधारों में और योगदान दे रहे हैं।

डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस के दौरान प्रतिष्ठित 'एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड्स' में 'क्लिनिकल साइंसेज श्रेणी' में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रोगी उपचार में अपनी समर्पित भागीदारी के अतिरिक्त, उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा विभाग के शैक्षिक, अनुसंधान और प्रशासनिक क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूरे वर्ष के दौरान, उन्होंने विभिन्न नवीन शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिक्स और अल्पकालिक प्रशिक्षुओं के लिए शैक्षिक पहलों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने आपातकालीन इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी, पॉइंट-ऑफ-केयर सोनोग्राफी और बल्ड गैस विश्लेषण सहित प्रमुख आपातकालीन कौशलों के शिक्षण और प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एसईटी सुविधा में आपातकालीन चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित "मास्टर द मिस्ट्री: ब्लड गैस एनालिसिस" नामक नव-विकसित कार्यशाला के कार्यक्रम निदेशक और संकाय सदस्य के रूप में, उन्होंने व्यावहारिक और प्रभावशाली शिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया। उन्होंने वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन: साउथ-ईस्ट एशिया संस्करण के सह-संपादक के रूप में भी कार्य किया और इस अवधि के दौरान सहकर्मी-समीक्षित अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित तीन मूल अनुसंधान लेख लिखे। चिकित्सा शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए, उन्हें एसोसिएशन ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन एजुकेटर्स (एईएमई)-इंडिया की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई। एक समीक्षक के रूप में अनुक्रमित पत्रिकाओं जैसे, 'क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स', 'बीएमजे इनोवेशन', 'थोरैक्स' और 'क्यूरियस' के लिए पांडुलिपियों का मूल्यांकन करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवधि के दौरान, उन्होंने अपने थीसिस अनुसंधान का संचालन करने वाले पांच स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मुख्य मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया और अपने अनुसंधान पर काम कर रहे 22 अतिरिक्त स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। अपने अनुसंधान कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उन्हें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा दो बाह्य अनुसंधान अनुदानों से सम्मानित किया गया और उन्हें एम्स से आरंभिक करियर आंतरिक अनुसंधान अनुदान मिला। वह कई राष्ट्रीय सम्मेलनों में एक लोकप्रिय वांछिक वक्ता एवं संसाधन व्यक्ति रहे हैं, जहां उन्हें व्याख्यान देने और व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह विभाग की गुणवत्ता सुधार पहल में भी महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहे हैं, जहां उन्होंने मृत्यु दर की समीक्षा और निरंतर उपचार वृद्धि कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, अपनी संगठनात्मक और प्रशासनिक क्षमताओं के लिए परिचित, उन्हें कई संस्थागत जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिनमें आरटीआई मामलों के लिए सहायक केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), विभागीय वेबसाइट सामग्री अपडेट के लिए नोडल अधिकारी, रोग निवारण और प्रकोप प्रतिक्रिया सेल के सदस्य और एम्स में सुई से घाव की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करना शामिल है।

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 362 1/9/2026 5:30:15 PM

इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत सरकार की 'मिशन कर्मयोगी' पहल के तहत कई प्रशिक्षण मॉड्यूल सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसका उद्देश्य संरचित शिक्षा के माध्यम से सिविल सेवा क्षमता को मजबूत करना था। उनकी दीर्घकालिक दृष्टि आपातकालीन और रोगी उपचार सेवाओं में वृद्धि करने तथा उन्नत करने के साथ-साथ संस्थागत एवं राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अनुसंधान और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

डॉ. विनीत चंद्रन केपी एम्स और ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, दोनों के आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों के मूल्यांकन और उपचार में सक्रिय रूप से शामिल रहे। ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में होली जैसी सामूहिक दुर्घटना की घटनाओं में उपचार योजनाओं की युक्तियां बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में भी उनकी भूमिका के रूप में रही है। वे फरवरी 2025 से रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन (आरसीईएम) परीक्षक के सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ सहित चिकित्सा कर्मचारियों को बुनियादी और उन्नत आपातकालीन उपचार में शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किया। वे स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण कार्य में भी शामिल थे। वे विभागीय गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें सेमिनार, पैनल चर्चा, सिमुलेशन, केस चर्चा और बेडसाइड शिक्षण शामिल थे।वे ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग द्वारा डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए आयोजित नियमित प्रशिक्षण सत्रों में संकाय सदस्य रहे हैं। वे फरवरी 2025 में नई दिल्ली में आयोजित नेशनल इमरजेंसी बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स (नमबरिक) में आमंत्रित संकाय सदस्य थे। वे ज.प्र.ना. ट्रॉमा सेंटर में कर्मचारियों के पोस्ट-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस प्रबंधन के प्रभारी भी थे और ट्रॉमा सेंटर की 'कोड ब्लू' समिति के सदस्य भी थे।

डॉ. अंकित कुमार साहू फरवरी 2025 में ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में संविदा संकाय के रूप में विभाग में शामिल हुए। वे रोगी उपचार, शिक्षण-प्रशिक्षण और विभागाध्यक्ष द्वारा सौंपी गई प्रशासनिक ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे हैं।

9.10_APAR_EMERGENCY MEDICINE- HINDI.indd 363 1/9/2026 5:30:15 PM

9.11 अंत: स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष
निखिल टंडन

आचार्य
रविंद्र गोस्वामी | राजेश खड़गावत | विवेका पी ज्योत्सना

अपर आचार्य
यशदीप गुप्ता

सहायक आचार्य
आशुतोष कुमार आर्य

विशिष्टताएं

विभाग कई शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल है, जैसे प्रत्येक वैकल्पिक सप्ताह अंत:स्राविकी एवं चयापचय सम्मेलन, अंत:स्राविकी-शल्य चिकित्सा-नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद (बुधवार) और अंत:स्राविकी -विकिरण निदान (शुक्रवार) बैठकें। हर सप्ताह सेमिनार (बुधवार), जर्नल क्लब (शुक्रवार) और नैदानिक कक्षाएं (गुरुवार) आयोजित की जाती हैं। इन शैक्षणिक कार्यक्रमों के दौरान नैदानिक महत्व के विषयों और हाल ही में प्रकाशित उच्च प्रभाव वाले लेखों पर चर्चा की जाती है। विभाग में प्रतिदिन बाह्य रोगी सुविधाएँ चलायी जाती हैं, और हार्मोन परीक्षण, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व मापन के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला सेवाएँ उपलब्ध हैं। वर्ष के दौरान विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की गईं।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पराचिकित्सा प्रशिक्षण

विभाग स्नातक चिकित्सा छात्रों और नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने में सक्रिय रूप से भागीदार था। आंतरिक चिकित्सा और वृद्धावस्था चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्र (एमडी) एक और दो माह की पोस्टिंग के लिए विभाग में आते हैं। इसके अलावा, एमसीएच, स्तन एंड अंत:स्राविकी शल्य चिकित्सा, डीएम, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद और एमएससी प्रजनन जैवविज्ञान में नामांकित स्नातकोत्तर फेलो भी विभाग में 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए आते हैं।

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण

- तीन उम्मीदवार डी.एम. पाठ्यक्रम में शामिल हुए [एक सामान्य (जुलाई 2024) दो प्रायोजित (एक जुलाई 2024 और एक जनवरी 2025)]।
- दो अभ्यर्थी अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए शामिल हुए, पहला 29 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2024 तक (वैकल्पिक प्रशिक्षण) और दूसरा 1 फरवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक।

9.11_.indd 364 1/9/2026 5:33:39 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान: 39

निखिल टंडन: 12
राजेश खड़गावत: 12
यशदीप गुप्ता: 10
रविंद्र गोस्वामी: 1
विवेका पी. ज्योत्सना: 3
आशुतोष कुमार आर्य: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
45	39	39

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: 4

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पेपर/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	4	4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित वयस्कों में इंसुलिन एस्पार्ट के साथ संयोजन में, सप्ताह में एक बार इंसुलिन इकोडेक की तुलना में दिन में एक बार इंसुलिन डेग्लुडेक के साथ उपचार के ग्लाइसेमिक नियंत्रण और सुरक्षा पर प्रभाव की जांच करने वाला 26-सप्ताह का यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, खुला-लेबल, सक्रिय-नियंत्रित, समानांतर समूह, दो-सशस्त्र, उपचार-से-लक्ष्य परीक्षण, दीर्घकालिक सुरक्षा की जांच के लिए 26-सप्ताह के विस्तार के साथ।, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2021-2026, रुपये 34,95,400 लाख।

2. छोटे कद वाले बच्चों में, जो गर्भावधि उम्र के हिसाब से छोटे पैदा हुए थे और 2 वर्ष या उससे अधिक उम्र तक कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई थी, दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® की तुलना में सोमापैसिटान के एक बार-सप्ताहिक उपचार के प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन करने वाला एक ओपन डोज परीक्षण। डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2020-2025, रुपये 25,00,000 लाख।

3. टाइप 2 डायबिटीज़ से रहित और मोटापे या अधिक वजन वाले प्रतिभागियों में एलवाई3437943 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक मास्टर प्रोटोकॉल: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण (टीआरआईयूएमपीएच-1), डॉ. राजेश खड़गावत, एली लिली, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 30 लाख।

4. एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय, सक्रिय-नियंत्रित, (खुले लेबल वाला), खुराक खोज, (डबल-ब्लाइंड), समानांतर समूह परीक्षण, जिसमें वृद्धि हार्मोन की कमी वाले, युवावस्था से पहले के सरल बच्चों में दैनिक वृद्धि हार्मोन उपचार की तुलना में एक बार साप्ताहिक एनएनसी 0195-0092 उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच की गई। डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 8 वर्ष, 2017-2025, रुपये 30,00,000 लाख।

9.11_.indd 365 1/9/2026 5:33:40 PM

5. गैर-औषधीय उपचारित एक्रोमेगाली वाले विषयों में पाल्टूसोटिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, नियंत्रित, बहुकेंद्रीय अध्ययन। डॉ. राजेश खड़गावत, क्रिनेटिक्स, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 38,34,170 लाख।

6. एक अध्ययन जिसमें दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® के साथ सोमापैसिटान की एक बार साप्ताहिक खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना की गई है, साथ ही छोटे कद वाले बच्चों में एक बास्केट अध्ययन डिजाइन में सोमापैसिटान की दीर्घकालिक सुरक्षा का मूल्यांकन किया गया है, जो या तो गर्भावधि उम्र से छोटे पैदा हुए हैं या टर्नर सिंड्रोम, नूनन सिंड्रोम, या अज्ञात हेतुक डील-डौल का है। डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 30,00,000 लाख।

7. ग्रोथ हार्मोन की कमी वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® के साथ सोमापैसिटान की एक बार साप्ताहिक खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करने वाला एक परीक्षण, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 7 वर्ष, 2018-2025, रुपये 10 लाख।

8. फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लियोमा में सटीक चिकित्सा के लिए संभावित बायोमार्करों की पहचान करने हेतु जीनोमिक्स और ऊतक प्रोटिओमिक्स का उपयोग करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण, आशुतोष कुमार आर्य, आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल स्मॉल ग्रांट्स, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 1,18,00,000 लाख।

9. अंतर्जात कुशिंग्स सिंड्रोम वाले रोगियों में दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक ओपन-लेबल मल्टीसेंटर रोल-ओवर अध्ययन, जिन्होंने पहले नोवार्टिस प्रायोजित नोवार्टिस-प्रायोजित ओसिलोड्रोस्टैट (एलसीआई699) अध्ययन पूरा कर लिया है और अन्वेषक द्वारा ओसिलोड्रोस्टैट के साथ निरंतर उपचार से लाभान्वित होने का निर्णय लिया गया है। डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस/आईक्यूवीए,7 वर्ष,2019-2026, रुपये 30,00,000 लाख।

10. प्रारंभिक मधुमेह में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र (केयर), डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2025, रुपये 4,89,42,083 लाख।

11. बच्चों में मधुमेह का बदलता रूप, डॉ. निखिल टंडन, नोवोनॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 11 वर्ष, 2012-2025, रुपये 25,00,000 लाख।

12. दक्षिण एशिया में पूर्व गर्भावधि के पहले हुए मधुमेह और पूर्व-मधुमेह से ग्रस्त महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम के लिए औषधि हस्तक्षेप(डीआईवीआईएनई):एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. निखिल टंडन, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2024-2028, रुपये 1,76,75,542 लाख।

13. मधुमेह के रोगियों में नींद की गुणवत्ता और ग्लाइसेमिक/चयापचय नियंत्रण पर व्यापक नींद कार्यक्रम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 20,16,882 लाख।

14. भारत में टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोगों के बीच डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग कार्यक्रम में एआरडीए की प्रभावशीलता-एक तीन-भुजा यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. निखिल टंडन, गूगल एलएलसी, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 49,600.

15. आईएडीपीएसजी मानदंडों का उपयोग करके जीडीएम या नॉर्मोग्लाइसीमिया से पीड़ित महिलाओं में मातृ और भ्रूण परिणामों का मूल्यांकन, डीआईपीएसआई मानदंडों द्वारा नॉर्मोग्लाइसीमिया से पीड़ित महिलाओं में संभावित बहु-केंद्र अवलोकन समूह अध्ययन, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 72,44,005 लाख।

9.11_.indd 366 1/9/2026 5:33:40 PM

16. मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया टाइप 1 सिंड्रोम के रोगियों और उनके रिश्तेदारों का आनुवांशिक स्पेक्ट्रम विश्लेषण: आनुवांशिक परिदृश्य की खोज, आशुतोष कुमार आर्य, एम्स भीतरी अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 10 लाख।

17. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म, एक दुर्लभ अंतःस्रावी विकार, के गलत निदान और कुप्रबंधन को रोकने के लिए जीनोमिक्स, डॉ. रविंदर गोस्वामी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 1,71,00,000 लाख।

18. आईसीएमआर-प्रारंम्भिक मधुमेह रजिस्ट्री (वाईडीआर) और वाईडीआर समूह-चरण-III", डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2025, रुपये 4,28,44,503 लाख।

19. टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में डायबिटिक रेटिनोपैथी पर सेमाग्लूटाइड के दीर्घकालिक प्रभाव (फोकस), डॉ. निखिल टंडन, नोवोनॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2027, रुपये 27,50,000 लाख।

20. जन्मजात वृद्धि हार्मोन की कमी और जीएच संवेदनशीलता का आणविक जीनोमिक्स, डॉ. राजेश खड़गावत, स्व-वित्त पोषित, 4 वर्ष, 2021-2025.

21. हाइपोपैराथायरायडिज्म में न्यूरोसाइकिएट्रिक और संज्ञानात्मक शिथिलता, पारंपरिक चिकित्सा पर अज्ञात हेतु हाइपोपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में 10 वर्षों के अनुवर्ती अध्ययन के बाद इसका प्राकृतिक पाठ्यक्रम और इन शिथिलताओं का उनके कैल्सेमिक नियंत्रण पर प्रभाव, डॉ. रविंद्र गोस्वामी, आईसीएमआर-डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2025, रुपये 58,00,000 लाख।

22. प्रेसिजन कैरर्स, डॉ. निखिल टंडन, एनएचएलबीआई, एनआईएच, 5 वर्ष, 2023-2026, रुपये 1,61,320 लाख।

23. मानक पारंपरिक चिकित्सा पर लगातार हाइपरफॉस्फेटेमिया के साथ अज्ञात हेतु हाइपोपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में सीरम फॉस्फेट पर सहायक के रूप में सेवेलेमर-हाइड्रोक्लोराइड के प्रभाव के लिए यादृच्छिक क्रॉसओवर परीक्षण, डॉ. रविंदर गोस्वामी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 86 लाख।

24. भारत में एनसीडी के लिए एम्बुलेटरी केयर को मजबूत करना, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2027, रुपये 5,99,88,140 लाख।

25. मोटापे और स्थापित हृदय रोग (रीडिफाइन 3) वाले प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी (कैग्रीसेमा 2.4 मिलीग्राम/2.4 मिलीग्राम एससी) के साथ संयोजन में कैग्रिलिनटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी की हृदय संबंधी सुरक्षा, डॉ. निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क, 4 वर्ष, 2023-2027, रुपये 35,07,000 लाख।

26. गर्भावधि मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं के प्रसवोत्तर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति का उपयोग करके और उनके विचारों को शामिल करने के बाद रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करने की रणनीति विकसित करना, डॉ. निखिल टंडन, ल्यूपिन लिमिटेड, 5 वर्ष, 2018-2026, रुपये 40,41,400 लाख।

27. कोविड-19 से प्रभावित मधुमेह रोगियों के लिए एक बहु-विषयक शिक्षा और देखभाल मॉडल की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करना: एक टू-आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 67,72,400 लाख।

9.11_.indd 367 1/9/2026 5:33:40 PM

28. आईएडीपीएसजी (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डायबिटीज एंड प्रेगनेंसी स्टडी ग्रुप्स) मानदंडों द्वारा सामान्य के रूप में परिभाषित महिलाओं में गर्भावस्था के 24 से 32 सप्ताह में ग्लाइसेमिया के लिए निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग करके मानक डेटा तैयार करना, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 45,00,000 लाख।

29. मानव विषयों के चयापचय प्रोफ़ाइल पर वृद्धि हार्मोन की स्थिति में परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करना। राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2025, रुपये 29,00,000 लाख।

30. टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन में चावल के कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स की उपयोगिता: ग्लाइसेमिक नियंत्रण, संबंधित मापदंडों और जीवन की गुणवत्ता पर यादृच्छिक क्रॉस-ओवर परीक्षण, डॉ. रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2023-2027, रुपये 97,90,000 लाख।

पूर्ण

1. एक अन्वेषणात्मक नई दवा के लिए चरण II के नैदानिक परीक्षण का विकास, डॉ. निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, 9 वर्ष, 2014-2024, रुपये 84,53,212 लाख।

2. उच्च रक्तचाप और मधुमेह संस्थान के लिए एकीकृत ट्रैकिंग रेफरल और एल्गोरिथम प्रबंधन (आई-टीआरईसी) प्रणाली, डॉ. निखिल टंडन, एनआईएच, यूएसए, 6 वर्ष, 2017-2024, $1,298113.

3. अज्ञात हेतु हाइपोपैराथायरायडिज्म के रोगियों में इष्टतम कैल्सेमिक और फॉस्फेटमिक नियंत्रण प्राप्त करने के लिए एक अल्फा हाइड्रॉक्सिल विटामिन डी बनाम 1,25 डायहाइड्रॉक्सी विटामिन-डी, डॉ. रविंदर गोस्वामी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, रुपये 31,20,076 लाख।

4. एसओयूएल-टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में सेमाग्लूटाइड कार्डियोवैस्कुलर परिणामों का परीक्षण, डॉ. निखिल टंडन, नोवोनॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, रुपये 30 लाख।

5. अधिक वजन/मोटापे से ग्रस्त महिलाओं में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए [पिछले बच्चे के जन्म के दो साल के भीतर] जब उन्हें अकेले प्रसव कराने के बाद अगला प्रसव उनके पति की मौजूदगी में करवाया है: टू-आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-2023, रुपये 47 लाख।

6. मानव विषयों के मेटाबॉलोमिक प्रोफाइल पर वृद्धि हार्मोन की स्थिति में परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करना। डॉ. राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 29 लाख।

7. लक्षणविहीन स्वस्थ भारतीयों में विटामिन डी की कमी और अस्थि सूक्ष्म संरचना: कम सीरम 25(ओएच)डी और उच्च पीटीएच के कार्यात्मक महत्व की खोज, डॉ. रविंद्र गोस्वामी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, रुपये 76 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. उत्तर भारत के टाइप 1 मधुमेह रोगियों में आइलेट एंटीबॉडी का पैटर्न और उनकी दृढ़ता।

2. उत्तर भारत में एमईएन सिंड्रोम रोगियों के नैदानिक स्पेक्ट्रम/प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना।

3. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया वाले विषयों के अंतः स्रावी, प्रजनन, चयापचय मस्कुलोस्केलेटल मापदंडों का मूल्यांकन-एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन।

9.11_.indd 368 1/9/2026 5:33:40 PM

4. मधुमेह रोगियों में नींद की गुणवत्ता और मधुमेह की अवधि, ग्लाइसेमिक और चयापचय नियंत्रण और एनएएफएलडी के साथ इसका संबंध: एक अंत: अनुभागीय अध्ययन।

5. जन्मजात हाइपोगोनैडिज्म वाले वयस्क पुरुषों में हड्डियों का स्वास्थ्य।

6. गर्भावधि मधुमेह की रोकथाम के लिए प्रारंभिक गर्भावस्था में नामांकित उच्च जोखिम वाली महिलाओं में व्यवहार परिवर्तन के लिए निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली की उपयोगिता का मूल्यांकन: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

7. विटामिन डी की स्थिति और इसका कार्यात्मक महत्व।

8. हाइपोपैराथायरायडिज्म में बेसल गैन्ग्लिया कैल्सीफिकेशन के रोगजनन में आणविक पहलू।

9. जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी और एफ18-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर का लक्षण वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ परिणामों की तुलना।

10. दिल्ली में शहरी वयस्कों के हृदय-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी आहार का मूल्यांकन।

11. किशोरों में आहार की गुणवत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना: लड़कों और लड़कियों के बीच तुलना।

12. उच्च रक्तचाप के अत्यधिक जोखिम वाले विषयों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना।

13. मोटे, अधिक वजन वाले और सामान्य बीएमआई वाले 5 से 12 वर्ष की आयु के विटामिन-डी की कमी वाले भारतीय बच्चों में विटामिन डी उपचार की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए-एक ओपन-लेबल यादृच्छिक इंटरवेशन अध्ययन।

14. पिछले 10 वर्षों में एंडोक्राइन वार्ड में भर्ती प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म के मामलों में मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया का मूल्यांकन और विशेषताएं: एक व्यापक अध्ययन।

पूर्ण

1. ट्यूमर-प्रेरित ऑस्टियोमलेशिया के रोगियों की नैदानिक, जैव रासायनिक, रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम: एक व्यापक अध्ययन।

2. भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एक्रोमेगाली के दीर्घकालिक उपचार परिणाम-एक व्यापक अवलोकन अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. डायनेपेनिया और सार्कोपेनिया से पीड़ित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों की ताकत**,** द्रव्यमान और कार्यों में परिवर्तन पर आहार इंटरवेंशन और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (2022-2025), चिकित्सा विभाग, एम्स।

2. असामान्य मनोविकार रोधी दवाओं पर मनोविकृति से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में शारीरिक संरचना और इंसुलिन प्रतिरोध का विश्लेषण,मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

9.11_.indd 369 1/9/2026 5:33:40 PM

3. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के रोगियों में मासिक धर्म पैटर्न और यौन कार्य: रोग गतिविधि के साथ अनुदैर्ध्य बातचीत पर ध्यान केंद्रित करना, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

4. पीसीओएस से ग्रस्त किशोरियों में शारीरिक संरचना, मांसपेशियों की ताकत और व्यायाम सहनशीलता: एक केस नियंत्रण अध्ययन, बालरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

5. किशोर लड़कियों में मासिक धर्म की अनियमितता की व्यापकता और कारण-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, बालरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

6. 5 से 12 वर्ष की आयु के मोटे, अधिक वजन वाले और सामान्य बीएमआई, विटामिन डी की कमी वाले भारतीय बच्चों में विटामिन डी उपचार की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए एक ओपन लेबल यादृच्छिक इंटरवेंशन अध्ययन (2023-2026), कायचिकित्सा विभाग, एम्स।

7. व्यक्तित्व लक्षणों का मूल्यांकन करना और मोटे विषयों (2023-2026) में शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों पर विशेषता-विशिष्ट हस्तक्षेप के लिए मानवतावादी मनोचिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना, कायचिकित्सा विभाग, एम्स।

8. छिटपुट पीयुषिका एडेनोमा मामलों (2023-2026) के परिधीय रक्त में सीडीकेएन2ए और आरएएसएसएफ 1 जीन के एपिजेनेटिक संशोधनों का आकलन, शरीररचना विज्ञान विभाग, एम्स।

9. स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोग निदान और पूर्वानुमान कारकों के साथ इसके संबंध का आकलन करने के लिए अध्ययन (2023-2026), शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।

10. सौम्य और अनिश्चित थायरॉइड घावों वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण के परिणामों की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (2023-2026), शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।

11. तृतीयक देखभाल अस्पताल में पीसीओएस से ग्रस्त महिलाओं में मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता का आकलन करने के लिए एक केस-कंट्रोल अध्ययन। (2025-2028), नर्सिंग विभाग, एम्स।

12. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में जीवित रहने पर समय-प्रतिबंधित भोजन (टीआरई) के साथ आंतरायिक उपवास की प्रभावकारिता की खोज: एक चरण-II यादृच्छिक अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

13. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के रोगियों में प्राथमिक हाइपरएल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करने के लिए, कायचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पूर्ण

1. सौम्य थायरॉइड सूजन (2021-2024) वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।

2. मानक चिकित्सा देखभाल की तुलना में क्रोनिक डायबिटीज और परिधीय धमनी रोग अल्सर के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (2021-2024), शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।

9.11_.indd 370 1/9/2026 5:33:40 PM

3. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव पर एक सहायक दवा के रूप में बेनफोटियामाइन का प्रभाव-एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (2021-2024), भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स।

4. ग्रेव्स ऑर्बिटोपैथी के जोखिम कारकों का आकलन और हाइपरथायरायडिज्म में डिस्टीमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी की संभावना का पूर्वानुमान (2021-2024), नेत्रविज्ञान विभाग, एम्स।

पिछले 3 वर्षों में शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	26	34	29
कुल वित्तपोषण	1761 लाख रुपये	3822 लाख रुपये	3005 लाख रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 72 सार: 03 पुस्तकों में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	73	89	76
पत्रिकाओं में लेख	54	85	72
सार	19	4	3
पुस्तकों में अध्याय	-	-	1
पुस्तकें	-	-	-

रोगी उपचार

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक ओपीडी/क्लिनिक में रोगी उपस्थिति

अंत:स्राविकी नए रोगी	अंत:स्राविकी पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
12462	**59399**	**625**	**1966**	**353**	**74805**

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक ओपीडी में रोगी उपस्थिति का मासिक विवरण

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
अप्रैल 2024	1121	5136	74	151	38	6520
मई 2024	1085	5441	58	107	39	6730
जून 2024	831	4326	38	163	25	5383

9.11_.indd 371 1/9/2026 5:33:40 PM

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
जुलाई 2024	1077	5342	57	171	41	6688
अगस्त 2024	771	4485	22	223	33	5534
सितम्बर 2024	1415	4735	60	163	34	6407
अक्टूबर 2024	1129	5094	71	145	23	6462
नवम्बर 2024	918	4627	46	192	17	5800
दिसम्बर 2024	1041	5079	42	108	13	6283
जनवरी 2025	1110	5302	46	160	21	6639
फरवरी 2025	974	4449	59	160	24	5666
मार्च 2025	990	5383	52	223	45	6693
कुल	**12462**	**59399**	**625**	**1966**	**353**	**74805**

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	57775	68517	71861
विशेष क्लिनिक परामर्श	3115	3229	2944

प्रयोगशाला सेवाएँ

हार्मोन जांच

क्र.	हार्मोन	निष्पादित ट्यूब परीक्षण		क्र.	हार्मोन	निष्पादित ट्यूब परीक्षण
1	टी-4	23264		10	17 ओएचपी	637
2	टीएसएच	28326		11	एसीटीएच	3150
3	टीपीओ	4500		12	पीटीएच	6390
4	एलएच	4050		13	विटामिन डी	11875
5	एफएसएच	3780		14	इंसुलिन	6120
6	पीआरएल	3870		15	सी पेप्टाइड	3510
7	कोर्टिसोल	6840		16	जीएच	1710
8	टेस्टोस्टेरोन	4320		17	सीटी-II	450
9	डीएचईएएस	3025		**कुल**		**115817**

9.11_.indd 372 1/9/2026 5:33:40 PM

क्र.	हार्मोन	निष्पादित ट्यूब परीक्षण		क्र.	हार्मोन	निष्पादित ट्यूब परीक्षण
18	जीएडी65	1560		27	आईएल-6	450
19	एफ टी4	7380		28	आईए2	490
20	टी3	5220		29	जेडएनटी8	480
21	एफ टी3	1980		30	लेप्टिन	234
22	आईजीएफ 1	2185		31	घ्रेलिन	296
23	ई2	1710		32	मेटानेफ्रिन	809
24	एल्डोस्टीरोन	3040		33	नॉर्मेटेनेफ्राइन	809
25	रेनिन	2375		34	3-मेथॉक्सीटायरामाइन	809
26	एफजीएफ 23	360		**कुल योग**		**1,46,004**

जैव रासायनिक जांच

नहीं	जाँच	नमूनों की संख्या
1	रक्त शर्करा	26011
2	ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन	28638
3	मूत्र पीएच	212
4	ऑस्मोलैलिटी (मूत्र)	605
5	ऑस्मोलैलिटी (सीरम)	605
6	लिपिड प्रोफाइल	20373
7	टीटीजी एलिसा परीक्षण	1251
	कुल जांच	**77695**

विशेष क्लीनिक:

- शनिवार को डायबिटीज ऑफ यंग (डीओवाय) क्लिनिक।
- सोमवार दोपहर को बाल चिकित्सा और किशोर अंतःस्रावी क्लिनिक (पीएईसी)।
- शुक्रवार सुबह गर्भावधि मधुमेह (जीडीएम) क्लिनिक।
- सामुदायिक सेवाएं/शिविर।

विभाग नियमित रूप से शिविरों का आयोजन करता है, विशेषकर मोटापा, पीसीओएस, मधुमेह और थायरॉइड विकारों पर जागरूकता और जांच कार्यक्रम।

9.11_.indd 373 1/9/2026 5:33:40 PM

वर्ष 2019 से, हमने कन्वर्जेंस ब्लॉक की सातवीं मंजिल पर स्थित इम्यूनोएसे प्रयोगशाला में स्थापित लिक्विड क्रोमैटोग्राफी टैंडम मास स्पेक्ट्रोमीटर पर स्टेरॉयड हार्मोन जांच की विधि में सुधार किया है। इसी वर्ष एलसी-एमएस प्रणाली पर स्टेरॉयड पैनल परीक्षण (विशेषकर महिला रोगियों में टेस्टोस्टेरोन और 17-हाइड्रॉक्सीप्रोजेस्टेरोन) भी शुरू किया है। चालू वर्ष में हमने प्लाज्मा मुक्त मेटानेफ्रिन (मेटानेफ्रिन, नॉर्मेटेनेफ्रिन और 3-मेथॉक्सी टायरामाइन) के आकलन की विधि को अनुकूलित किया है और रोगियों की जाँच और निदान शुरू किया है। हम अपने सभी एलसी-एमएस आधारित हार्मोन परीक्षण के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य निखिल टंडन 22 जनवरी 2024 से 21 जनवरी 2026 तक मधुमेह पर डब्ल्यूएचओ सलाहकार समूह (टीएजी/डी) के सदस्य थे। वे फोकस अध्ययन के वैश्विक पैनल सदस्य थे। वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के शासी निकाय के सदस्य थे। उन्हें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ध्रुवीय विज्ञान कार्यक्रम (एनसीपीपी), अंटार्कटिका के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उन्हें अंटार्कटिका (आईएसईए), गोवा के 38वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान के लिए चिकित्सा अधिकारियों के चयन हेतु चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली के उपाध्यक्ष थे। वे नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया (एनएमजेआई), नई दिल्ली के एसोसिएट एडिटर थे। यूके में थायरॉइड रिसर्च के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। ग्लोबल अलायंस फॉर क्रॉनिक डिजीज के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह के सदस्य। भारतीय विज्ञान अकादमी की परिषद के सदस्य। वे सन फार्मा फाउंडेशन की 3 शासन करने वाली परिषद के सदस्य थे। वे सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव जैव विज्ञान की अनुसंधान परिषद के सदस्य थे। एम्स, बिलासपुर के अंत:स्राविकी चयापचय विभाग में अपर आचार्य के पद पर चयन के लिए एम्स, बिलासपुर की स्थायी चयन समिति की सहायता के लिए बाह्य विशेषज्ञ (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित) थे। उन्हें फेलोशिप और मेमोरियल गवर्निंग काउंसिल लेक्चर (वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फेलोशिप, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और एनएएसआई शासन करने वाली परिषद मेमोरियल लेक्चर पुरस्कार) के पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा गठित चयन समिति के सदस्य बनाया गया। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अनुबंध आधार पर अपर आचार्य (अंत:स्राविकी) के चयन हेतु चयन बोर्ड के बाह्य सदस्य। वे केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारतीय औषधि महानियंत्रक, नई दिल्ली की तकनीकी समिति के सदस्य भी रहे। माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) के सदस्य के रूप में 3 वर्षों के लिए नामित किया गया। एसएबी को आईसीएमआर के वैज्ञानिक उद्देश्यों से संबंधित सभी प्रस्तावों की जाँच करने का दायित्व सौंपा गया है। उन्हें सीताराम जयपुरिया फाउंडेशन (एसजेएफ) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा सीताराम जयपुरिया चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता पुरस्कारों के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें नैदानिक परीक्षण आईडी: एनएन9838-4942 (रीडिफाइन 3) में राष्ट्रीय नेता के रूप में नामित किया गया था, जिसका शीर्षक था, "मोटापे और स्थापित हृदय रोग वाले प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी (कैग्रीसेमा 2.4 मिलीग्राम/2.4 मिलीग्राम एससी) के साथ संयोजन में कैग्रिलिंटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी की हृदय सुरक्षा"। इस संदर्भ में, उन्हें रीडिफाइन 3 अध्ययन के लिए भारत का राष्ट्रीय नेता बनने के लिए आमंत्रित किया गया। वे "जैव-विनिर्माण पर राष्ट्रीय रणनीतिक सलाहकार समिति (एनएसएसी)" के सदस्य थे, जो "जैव ई 3 नीति अर्थात अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी" पर केंद्रित थी, जिसका मुख्य उद्देश्य "उच्च प्रदर्शन जैव-विनिर्माण को बढ़ावा देना - हरित, स्वच्छ और समृद्ध भारत के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक एकीकृत दृष्टिकोण" था। वे एनसीडी पर दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह (आरईजी-एनसीडी) के सदस्य थे। वे अखिल भारतीय

9.11_.indd 374 1/9/2026 5:33:40 PM

आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के अध्यक्ष थे। कम्प्यूटरीकरण समिति, वे टाइप 1 मधुमेह शिक्षा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के संरक्षक थे जिसका उद्देश्य सामान्य चिकित्सकों, पैरामेडिक्स और टाइप 1 मधुमेह देखभालकर्ताओं/रोगियों को शिक्षित करना था। सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ एजुकेशन इन एंडोक्रिनोलॉजी एंड डायबिटीज (स्पीड)। स्पीड एक गैर-लाभकारी शैक्षणिक संस्था है जो चिकित्सा बिरादरी और रोगियों के लिए शिक्षा के प्रसार में शामिल है। उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें न्यायमूर्ति प्रतिभा एम.सिंह, सह-अध्यक्ष, डब्ल्यूजी-आरसी, ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन एआई फॉर हेल्थ (जीआई-ए14एच) द्वारा स्वास्थ्य के लिए एआई पर डब्ल्यूएचओ वर्किंग ग्रुप ऑन रेगुलेटरी कंसीडरेशंस (SG-RC) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, पुरस्कार समारोह 17 अप्रैल 2024 (अवकाश) को द हयात रीजेंसी, तेनाम्पेट, चेन्नई में आयोजित किया गया। वह गैर-संक्रामक रोगों वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों को अनुकूलित करने के लिए मार्गदर्शन के बड़े पोर्टफोलियो के भीतर गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन पर एक दिशानिर्देश विकसित करने से संबंधित डब्ल्यूएचओ संचालन समूह चर्चाओं में थे) इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ ने एनसीडी दिशानिर्देश विकास समूह के मधुमेह उप-समूह में भी भाग लिया, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड रूम सैल यू 1, बी बिल्डिंग 29-30 अप्रैल, 2024 से आयोजित किया गया। उन्हें नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (अध्ययन की फंडिंग एजेंसी) द्वारा 5 मई 2024 को हिल्टन बैंगलोर में इस अध्ययन के लिए राष्ट्रीय नेता के रूप में रीडिफाइन-3 एनएन 9838-4942 अध्ययन के लिए एक अन्वेषक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था उन्होंने 6-7 मई 2024 को आयोजित डीएम (एंडोक्रिनोलॉजी), पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया। उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डीजीएचएस, भारत सरकार द्वारा पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के निरीक्षण हेतु नामित किया गया था, जिसका उद्देश्य टीएचओटीए, 1944 के अंतर्गत पैनक्रियास प्रत्यारोपण के पंजीकरण का नवीनीकरण करना था। उन्होंने 29 जून, 2024 (शनिवार) को बेंगलुरु में आयोजित भारतीय विज्ञान अकादमी परिषद की बैठक में भाग लिया। उन्होंने 26 जून और 28 अगस्त, 2024 को दोपहर 1:00 बजे से 15:00 बजे के बीच माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के लिए मधुमेह निगरानी ढाँचे के संकेतकों के चयन और प्राथमिकता निर्धारण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्चुअल तकनीकी विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया। उन्होंने एम्स के अनुसंधान अनुभाग में पंजीकृत आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित चल रही शोध परियोजना, "उत्तर भारत में गैर-संक्रामक रोगों के लिए चलित देखभाल को सुदृढ़ बनाना (स्टार-एनसीडी)" (परियोजना कोड I-1696) के प्रधान अन्वेषक के रूप में इस परियोजना की गतिविधियों को देखने और इस परियोजना में कार्यरत कर्मचारियों और त्रिपुरा साइट सहयोगियों के साथ बैठकें आयोजित करने के लिए, उन्होंने गोमती जिले, त्रिपुरा में परियोजना स्थल पर 11-13 सितंबर 2024 को आयोजित होने वाली परियोजना बैठकों में भाग लिया। उन्होंने 1-3 अक्टूबर 2024 के दौरान एमोरी विश्वविद्यालय, एमोरी ग्लोबल डायबिटीज रिसर्च सेंटर, अटलांटा, यूएसए में परियोजना समीक्षा बैठक में भाग लिया (परियोजना का शीर्षक: परिशुद्धता सीएआरआरएस (पी-सीएआरआरएस) एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान अनुभाग में अनुसंधान परियोजना कोड एन-2358 के रूप में पंजीकृत है। उन्होंने नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन के "ग्लोबल डायबिटीज सेंटर फोरम 2024" में सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया। 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2024 को आयोजित ग्लोबल डायबिटीज सेंटर फोरम (जीडीसीएफ) में ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ के दुनिया के लगभग 45 शीर्ष मधुमेह नैदानिक विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने भी भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना, विचारों का आदान-प्रदान करना और विशेष रूप से वैश्विक संदर्भ में मधुमेह देखभाल और अनुसंधान के लिए चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा करना है। उन्होंने 21-22 नवंबर 2024 को कोलंबो, श्रीलंका में श्रीलंका सरकार और डब्ल्यूएचओ के सहयोग से विश्व मधुमेह दिवस 2024 के क्षेत्रीय स्मरणोत्सव 'बाधाओं को तोड़ना, अंतराल को पाटना' में भाग लिया उन्होंने 9-10 दिसंबर 2024 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित डीएम (अंत:स्राविकी) परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया। उन्होंने 10-11 जनवरी 2025 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में आयोजित वेल्लोर

9.11_.indd 375 1/9/2026 5:33:41 PM

एंडोक्रिनोलॉजी इंटरनेशनल कांग्रेस 2025 में संकाय सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्हें 18 जनवरी 2025 को मैसूर, कर्नाटक में आयोजित जीएपीआईओ के 15वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएपीआईओ) द्वारा विशिष्ट श्रेणी में डॉ. आई ए मोदी पुरस्कार और 1.00 लाख रुपये की राशि से सम्मानित किया गया। उन्होंने 28-30 जनवरी 2025 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में गेट्स फाउंडेशन और नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'यूरोपीय और भारतीय समूहों में गर्भावधि मधुमेह और प्रीक्लेम्पसिया में कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम कारक' में भाग लिया। उन्होंने (i) विश्व मधुमेह फाउंडेशन, (ii) डेनिश मधुमेह और अंतःस्रावी अकादमी, (iii) पूर्वी अफ्रीकी मधुमेह अध्ययन समूह और (iv) जिनेवा विश्वविद्यालय द्वारा 4-6 फरवरी 2025 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित टाइप 1 मधुमेह से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने 20-21 फरवरी 2025 को लंदन, यूके में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य और देखभाल अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान (जीएचआर) कार्यक्रम स्वतंत्र वैज्ञानिक सलाहकार समूह की बैठक में भाग लिया।

आचार्य रविंद्र गोस्वामी एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ यूएसए द्वारा हाइपोपैराथायरायडिज्म पर शुरू की गई तीसरी अंतर्राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य थे। वह 2015 से अब तक सीएसआईआर की चिकित्सा परियोजनाओं के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य रहे हैं। केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) की कोर समिति के सदस्य। वह विभिन्न एम्स और पीजीआई रोहतक के लिए संकाय चयन/पदोन्नति हेतु विषय विशेषज्ञ (अंत:स्राविकी)। वह वर्ष 2023-2024 के लिए सन फार्मा साइंस फाउंडेशन की फ़ेलोशिप थे। उन्हें विटामिन-डी की कमी और अज्ञातहेतुक हाइपोपैराथायरायडिज्म सहित मेटाबोलिक अस्थि विकारों पर महत्वपूर्ण कार्य के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, दिल्ली (आईएनएसए) की फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्हें एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार प्रदान किया गया।

आचार्य राजेश खड़गावत को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआरसीपी), एडिनबर्ग, यूके की फेलोशिप प्राप्त हुई थी। वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के बोर्ड ऑफ मेंबर के रूप में नियुक्त थे। वह कोलकाता स्थित जांडू फाउंडेशन ऑफ हेल्थ रिसर्च की वैज्ञानिक परिषद के सदस्य थे। वह भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (एनएडीए) के विशेषज्ञ थे। वह जापान की जापान डोपिंग रोधी एजेंसी (जेएडीए) के अंत:स्राविकी के बाहरी विशेषज्ञ थे। वह जयपुर के राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के बोर्ड ऑफ मेंबर्स (बीओएम) थे। वह जयपुर के राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के चयन बोर्ड के सदस्य थे। वह भारत सरकार के डीसीजीआई की एसएई-डेथ समिति के सदस्य थे। वह डीसीजीआई के भारत सरकार के विषय विशेषज्ञ समिति (अंत:स्राविकी) थे। वह भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के विषय विशेषज्ञ थे। वह आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की केंद्रीय आचार समिति के सदस्य (चिकित्सक) थे। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), एम्स-भोपाल, एम्स-भुवनेश्वर, एम्स-जोधपुर, एम्स-रायपुर, एम्स-मंगलागिरी, एम्स-कल्याणी, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पीजीआई रोहतक और अन्य राज्य लोक सेवा आयोगों के लिए संकाय चयन/पदोन्नति हेतु विषय विशेषज्ञ (अंत:स्राविकी) उन्होंने 27 अप्रैल-1 मई 2024 तक लक्षद्वीप में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया। उन्होंने 7-13 जुलाई 2024 तक कारगिल में चिकित्सा शिविर में भाग लिया। उन्होंने 17-23 सितंबर 2024 तक लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर में भाग लिया। उन्होंने 30 नवंबर 2024 तक प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिविर में भाग लिया। उन्होंने एनआरएस मेडिकल कॉलेज, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, कोलकाता, शिक्षा-ओ-अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, केईएम अस्पताल और सेठ

9.11_.indd 376 1/9/2026 5:33:41 PM

जीएस मेडिकल कॉलेज, मुंबई, गांधी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद, बीवाईएल नायर अस्पताल और जेजे मेडिकल कॉलेज, मुंबई द्वारा आयोजित डीएम परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया। वे राजस्थान लोक सेवा आयोग, यूपीएससी, यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस), पीजीआई, रोहतक, आरएमएल अस्पताल और पीजी संस्थान, दिल्ली और एम्स-जोधपुर, भुवनेश्वर, रायपुर, भोपाल, मंगलागिरी, कल्याणी में अंत:स्रावि‍की संकाय के चयन हेतु विषय विशेषज्ञ थे।

आचार्य विवेका पी. ज्योत्सना सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत वर्ष 2010 से अब तक एम्स के अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय विभाग में केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के पद पर कार्यरत थे। जनवरी 2016 से वे अंत:स्रावि‍की विभाग की विभागीय क्रय समिति के सदस्य थे। जनवरी 2015 से अब तक वे भारत के औषधि महानियंत्रक के न्यू ड्रग डिविजन की विषय विशेषज्ञ समिति (अंत:स्रावि‍की) के सदस्य भी हैं। वह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ अंत:स्रावि‍की एवं चयापचय, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एंडोक्राइन प्रैक्टिस, क्लिनिकल अंत:स्रावि‍की, जेसीईएम की पत्रिकाओं के समीक्षक थे। 13-14 मई 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित डीएम अंत:स्रावि‍की एग्जिट परीक्षा के अध्यक्ष और आंतरिक परीक्षक थे। वह 15 जून 2024 को लखनऊ में अंत:स्रावि‍की विभाग, एसजीपीजीआई, लखनऊ द्वारा न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर पर आयोजित एंडो अपडेट 2024 में शामिल थे: जीआईटी में न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर और इंसुलिनोमा में डायग्नोस्टिक परीक्षणों पर सत्र की अध्यक्षता की। वह 18 जून 2024 को आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में सहायक आचार्य (अंत:स्रावि‍की) के चयन के लिए चयन बोर्ड के बाहरी सदस्य थे। वह 18 अक्टूबर 2024 को आयोजित किए गए डीएम एंडोक्रिनोलॉजी कोर्स में जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश के लिए आईएनआई-एसएस के लिए एमसीक्यू का पूर्व सत्यापन और एमसीक्यू के मॉडरेशन थे। वह 13 नवंबर 2024 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से डीएम अंत:स्रावि‍की, जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश के लिए आईएनआई-एसएस उम्मीदवारों के चयन के लिए विभागीय मूल्यांकन के समन्वयक थे। वह कुलदीप सिंह सेंगर बनाम सीबीआई केस में विशेषज्ञ की राय के लिए 13 और 16 दिसंबर 2024 को एम्स में मेडिकल बोर्ड की बैठकों के सदस्य थे। वह जगजीत सिंह दल्लेवाल बनाम उदय प्रताप सिंह और अन्य पर विशेषज्ञ की राय के लिए 20 जनवरी 2025 को एम्स में मेडिकल बोर्ड की बैठकों के सदस्य थे। उन्होंने 28 फरवरी 2025 को आयोजित परीक्षा के लिए डीएम अंत:स्रावि‍की आंतरिक मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र तैयार किया और उत्तर पुस्तिकाओं का विश्लेषण किया। उन्होंने 2 मार्च 2025 को द्वारका, दिल्ली में मोटापे पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ओबिसिटास 2025 में मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के मूल्यांकन के लिए संकाय और निर्णायक के रूप में कार्य किया। वह 6 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में याचिकाकर्ता श्री अरविंद धाम बनाम प्रवर्तन निदेशालय की चिकित्सा जांच के लिए मेडिकल बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ. यशदीप गुप्ता को भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसाइटी द्वारा आरएसएसडीआई नोवार्टिस यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें नैदानिक अंत:स्रावि‍की के क्षेत्र में इंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा अनिल आर सेठ यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. आशुतोष कुमार आर्य एबी-पीएमजेएवाई के विभागीय नोडल अधिकारी थे। वे एम्स, नई दिल्ली की केंद्रीयकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) की प्रोटिओमिक्स उप-समिति के सदस्य थे। वे एम्स, नई दिल्ली के संकाय एवं वैज्ञानिकों की अनुसंधान निर्देशिका समिति के सदस्य भी थे।

अतिथि वैज्ञानिक

इस वर्ष के दौरान किसी को भी विभाग में आमंत्रित नहीं किया गया/किसी ने भी विभाग का दौरा नहीं किया।

9.11_.indd 377 1/9/2026 5:33:41 PM

9.12 न्याय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुधीर कुमार गुप्ता

आचार्य

मिलो ताबिन
आदर्श कुमार (जे.पी.एन.ए.टी.सी)
कुलभूषण प्रसाद
संजीव लालवानी (जे.पी.एन.ए.टी.सी)
चितरंजन बेहरा
अभिषेक यादव

सहायक आचार्य

स्वाति त्यागी (जे.पी.एन.ए.टी.सी)
अभिलाष एस

वैज्ञानिक- 1
निधि शर्मा

रसायनज्ञ
ए.के. जायसवाल

विशिष्टताएं

न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग जटिल मेडिको-लीगल मामलों हेतु भारत में एक प्रमुख रेफरल केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, विभिन्न न्यायालयों एवं राज्य अपराध शाखाओं जैसी एजेंसियों द्वारा संदर्भित मामलों पर विशेषज्ञ राय प्रदान करता है। इसकी गतिविधियों में मेडिको-लीगल शव परीक्षण, मेडिको-लीगल मृत्यु के मामलों का शव संलेपन, नैदानिक न्याय सेवाएं, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, विशेषज्ञ परामर्श तथा कानूनी कार्यवाही शामिल हैं। विभाग तीन मुख्य प्रयोगशालाओं - विषविज्ञान, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ-साथ तीन सहायक इकाइयों का संचालन करता है: न्याय विकिरणविज्ञान, न्याय नृविज्ञान एवं न्याय जैवरसायन। समीक्षा अवधि के दौरान, 1,750 मेडिको-लीगल शव परीक्षण किए गए। वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र, मृत व्यक्तियों के सम्मानजनक उपचार के उद्देश्य से वर्चुअल ऑटोप्सी सेवाएँ प्रदान करता है एवं 59 वर्चुअल ऑटोप्सी के माध्यम से अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग एक बहुकेन्द्रीय आईसीएमआर-वित्तपोषित टास्क फोर्स परियोजना का नेतृत्व कर रहा है, जो पूरे भारत में अज्ञात शवों और लापता व्यक्तियों की पहचान पर केंद्रित है। आत्महत्या में आनुवंशिक अनुसंधान के लिए संसाधन विकसित करने पर केंद्रित एक एनआईएमएच-वित्त पोषित आर01 अनुदान परियोजना वर्तमान में जारी है। इसके अतिरिक्त, पाँच वित्त पोषित परियोजनाएँ एवं 28 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएँ सक्रिय रूप से प्रगति पर हैं।

शिक्षा

विभाग में नौ स्नातकोत्तर (एमडी) छात्र एवं तीन पीएचडी छात्र नामांकित हैं।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 378 1/8/2026 2:25:26 PM

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन

1. रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति, नई दिल्ली प्रतिनिधिमंडल के समन्वय में "वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला" पर 24 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
2. न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली में भूटान के प्रतिनिधियों हेतु न्याय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, 24-28 जून 2024।
3. युवाओं में अचानक मृत्यु पर कार्यशाला, न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली - एम्स नई दिल्ली, आईसीएमआर मुख्यालय दिल्ली का सहयोग, 23 नवंबर 2024।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 39

आदर्श कुमार: 9	**चित्तरंजन बेहरा: 13**	**अभिषेक यादव: 5**
स्वाति त्यागी: 4	**अभिलाष एस: 7**	**ए.के. जायसवाल: 1**

आदर्श कुमार

1. न्याय ट्रॉमेटोलॉजी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के घाव और उनका दस्तावेज़ीकरण: एक दृष्टिकोण, वूडंकेयरकॉन-2024 - घाव उपचार एवं अनुसंधान का 16वां वार्षिक सम्मेलन, 26 अप्रैल 2024, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
2. चिकित्सा पद्धति के संबंध में कानूनों में वर्तमान परिवर्तन एवं संशोधन, राष्ट्रीय आयुष मेडिकोलीगल सम्मेलन, 22 जून 2024, पुणे, महाराष्ट्र।
3. चिकित्सा लापरवाही बनाम रक्षात्मक चिकित्सा - वर्तमान भारतीय परिदृश्य में यह कितना उचित है, चिकित्सक दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान, 3 जुलाई 2024, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।
4. 21वीं सदी में भारत में हिरासत में मृत्यु की जांच के बदलते प्रतिमान - भारत का एक अनुभव, न्याय चिकित्सा परिषद की 19वीं अंतर्राष्ट्रीय न्याय चिकित्सा कांग्रेस, 23 सितंबर 2024, अंताल्या, तुर्की।
5. डिजिटल ऑटोप्सी (वर्टोप्सी) - अब तक का सफर एवं आगे का भविष्य, न्याय विज्ञान में वर्तमान प्रगति पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - न्याय ज्ञान-2024, 14 नवंबर 2024, जयपुर, राजस्थान।
6. भारत में न्याय विषविज्ञान की वर्तमान स्थिति - एक अद्यतन, भारतीय विषविज्ञान सोसायटी का 20वां राष्ट्रीय सम्मेलन- टॉक्सोकॉन 2024, 21 नवंबर 2024, देवघर, झारखंड।
7. भारत में बाल दुर्व्यवहार से निपटना - एक अद्यतन, अफ़्रीकी सोसाइटी ऑफ़ फ़ोरेंसिक मेडिसिन का 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - एएसएफएम- 2025, 10 मार्च 2025, प्रिटोरिया दक्षिण अफ़्रीका।
8. एम्स, नई दिल्ली में डिजिटल ऑटोप्सी (विरटॉप्सी) सेवाओं की स्थापना का साझाकरण - एक अनुभव, पंजाब एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी का 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन-पीएएफएमएटीसीओएन 2024-2025, 20 मार्च 2025, देहरादून उत्तराखंड।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 379 1/8/2026 2:25:26 PM

9. भारत में बेहतर आपराधिक जांच प्रणाली हेतु अंतःविषय दृष्टिकोण: प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में समय की आवश्यकता, रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान में वर्तमान प्रगति पर 10वां वार्षिक सम्मेलन "रेस", 28 मार्च 2025, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

चित्तरंजन बेहरा

1. नई दिल्ली, भारत में कोविड-19 महामारी और आत्महत्या मृत्यु दर पैटर्न का समय श्रृंखला विश्लेषण, आत्महत्या और आत्मघाती व्यवहार पर 20वीं यूरोपीय संगोष्ठी (ईएसएसएसबी20), 29 अगस्त 2024, रोम, इटली।

2. यूएमआईडी: अज्ञात शवों की पहचान के लिए भारत का पहला डीएनए डेटाबेस, "डीएनए प्रौद्योगिकी के माध्यम से न्याय को आगे बढ़ाना" विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अतिथि व्याख्यान, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर, 4 सितंबर 2024, नई दिल्ली।

3. भारत में आत्महत्या अनुसंधान की खोज करना, भारतीय चिकित्सा विधि विशेषज्ञों की अकादमी के 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि व्याख्यान, 30 सितंबर 2024, जोधपुर।

4. आत्महत्या मृत्यु दर पर जीनोमिक डाटा के विविधीकरण के लिए संसाधन निर्माण। 2024 विश्व मनोचिकित्सा आनुवंशिकी सम्मेलन में एक संगोष्ठी के भाग के रूप में व्याख्यान, 17 अक्टूबर 2024, सिंगापुर।

5. न्याय चिकित्सा में आणविक अनुसंधान की खोज एवं कार्यान्वयन, व्यावहारिक कार्यशाला-III में अतिथि व्याख्यान, न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग और बहुविषयक अनुसंधान इकाई मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, 22 नवंबर 2024, नई दिल्ली।

6. अज्ञात शवों की पहचान के लिए भारत का पहला डीएनए डेटाबेस। सेंचुरियन विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्यान, 24 जनवरी 2025, भुवनेश्वर।

7. यूएमआईडी: अज्ञात शवों की पहचान के लिए भारत में पहला डीएनए डेटाबेस, भारतीय न्याय चिकित्सा अकादमी (न्याय मेडिकॉन-2025) के 46वें वार्षिक सम्मेलन (वर्चुअल) के दौरान अतिथि व्याख्यान, 30 जनवरी 2025, चेन्नई।

8. भारत में आत्महत्या अनुसंधान, अल्ज़ाइमर रोग एवं आत्महत्या अनुसंधान समूह पर वेब मीटिंग के दौरान अतिथि व्याख्यान (वर्चुअल), 31 जनवरी 2025, मारिलिया, ब्राज़ील।

7. भारत में अज्ञात शवों एवं लापता व्यक्तियों की पहचान के लिए डीएनए डेटाबेस तथा पहचान पोर्टल (यूएमआईडी परियोजना), न्याय अगोरा के दौरान अतिथि व्याख्यान, साक्ष्य से परे तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: आपराधिक न्याय के भविष्य को आकार देने के लिए न्याय नवाचारों पर विचार, 8 फरवरी 2025, ग्रेटर नोएडा।

9. मेडिको-लीगल प्रतिक्रिया, विशेष रूप से यौन उत्पीड़न पीड़ितों और चिकित्सा कर्मियों की भूमिका पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वर्तमान दिशानिर्देश, एनआईएच एंड एफडब्ल्यू में "महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित व्याख्यान, 19 फरवरी 2025, नई दिल्ली।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 380 1/8/2026 2:25:26 PM

10. चिकित्सा कर्मियों की भूमिका एवं बाल दुर्व्यवहार तथा पॉक्सो अधिनियम, एनआईएच एंड एफडब्ल्यू में "महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लिंग आधारित हिंसा और मानवाधिकार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित व्याख्यान, 19 फरवरी 2025, नई दिल्ली।

11. सामूहिक आपदा में अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग और डेटाबेस, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में सीएमई के दौरान अतिथि व्याख्यान, 22 फरवरी 2025, नई दिल्ली।

12. न्याय चिकित्सा में बहुविषयक और बहुकेंद्रित अनुसंधान सहयोग, 5वें वार्षिक एम्स, न्याय गिल्ड कॉन्क्लेव के दौरान अतिथि व्याख्यान, 6 मार्च 2025, कोणार्क।

13. अज्ञात शवों की पहचान हेतु भारत का पहला डीएनए डेटाबेस, डीएनए प्रौद्योगिकी के माध्यम से न्याय को आगे बढ़ाने पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर, 18 मार्च 2025, नई दिल्ली।

अभिषेक यादव

1. पीएमसीटी एंजियोग्राफी, वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला, रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति, नई दिल्ली प्रतिनिधिमंडल के समन्वय में आयोजित, 24 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

2. पीएमसीटी एंजियोग्राफी, सीएमई-मृत्यु से निदान तक: सर्पदंश की मृत्यु जांच और उपचार में पीएमसीटी एंजियोग्राफी, 6 सितंबर 2024, बठिंडा।

3. मध्य प्रदेश सरकार के चिकित्सा अधिकारियों हेतु चिकित्सा नैतिकता एवं चिकित्सा कानूनी मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन, 17 सितंबर 2024, भोपाल।

4. मध्य प्रदेश सरकार के चिकित्सा अधिकारियों के लिए "चिकित्सा नैतिकता और चिकित्सा कानूनी मुद्दे" पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन, 24 सितंबर 2024, भोपाल।

5. न्याय इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री, 5वां वार्षिक एम्स न्याय गिल्ड 2025, 7 मार्च 2025, कोणार्क।

स्वाति त्यागी

1. युवाओं में अचानक संदिग्ध मृत्यु के निदान में वर्चुअल ऑटोप्सी, वर्चुअल ऑटोप्सी पर कार्यशाला, आईसीआरसी एवं आईसीएमआर मुख्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 24 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

2. न्याय मानव विज्ञान में वर्चुअल ऑटोप्सी की भूमिका, वर्चुअल ऑटोप्सी पर कार्यशाला, आईसीआरसी एवं आईसीएमआर मुख्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 24 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

3. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम, 28 जनवरी 2025, नई दिल्ली।

4. शवगृह प्रबंधन और पोस्टमॉर्टम तकनीकों का अवलोकन, एम्स में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत भूटान के न्याय रोग विशेषज्ञों का प्रशिक्षण, 1 अप्रैल 2025, नई दिल्ली।

अभिलाष एस

1. युवाओं में अचानक संदिग्ध मृत्यु के निदान में वर्चुअल ऑटोप्सी, वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला, 24 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 381 1/8/2026 2:25:26 PM

2. न्याय मानव विज्ञान में वर्चुअल ऑटोप्सी की भूमिका, वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला, 24 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

3. मेडिकोलीगल दस्तावेज़ीकरण, राष्ट्रीय रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत उन्नत आपातकालीन जलन प्रबंधन प्रशिक्षण, 4 सितंबर 2024, नई दिल्ली।

4. त्वचा दान में कानूनी मुद्दे, राष्ट्रीय रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत उन्नत आपातकालीन जलन प्रबंधन प्रशिक्षण, 21 दिसंबर 2024, नई दिल्ली।

5. राष्ट्रीय रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेडिकोलीगल डॉक्यूमेंटेशन', उन्नत आपातकालीन बर्न प्रबंधन प्रशिक्षण, 8 जनवरी 2025, नई दिल्ली।

6. राष्ट्रीय रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेडिकोलीगल डॉक्यूमेंटेशन', उन्नत आपातकालीन बर्न प्रबंधन प्रशिक्षण, 5 फरवरी 2025, नई दिल्ली।

7. राष्ट्रीय रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेडिकोलीगल डॉक्यूमेंटेशन', उन्नत आपातकालीन बर्न प्रबंधन प्रशिक्षण, 5 मार्च 2025, नई दिल्ली

ए.के. जायसवाल

1. विषविज्ञान में न्याय कौशल, न्याय विज्ञान विभाग में न्याय कौशल पर व्यावहारिक कार्यशाला, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, 22 अप्रैल 2024, नई दिल्ली।

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
20	38	9

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

2022-2023	2023-2024	2024-2025
40	17	20

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मनो-सक्रिय मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले व्यक्तियों में पूर्ण आत्महत्या के जोखिम और सुरक्षात्मक कारकों का आकलन करने हेतु एक खोजपूर्ण केस-कंट्रोल अध्ययन, डॉ. चित्तरंजन बेहरा, एम्स अंतःविषय इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 10 लाख ।

2. आत्महत्या से होने वाली मृत्यु पर आनुवंशिक डाटा के विविधीकरण के लिए संसाधन तैयार करना, डॉ. चित्तरंजन बेहरा, एनआईएमएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2024-2029, रुपये 800 लाख ।

3. युवाओं में अचानक होने वाली संदिग्ध मृत्यु का कारण स्थापित करना, डॉ. सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 87 लाख।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 382 1/8/2026 2:25:26 PM

4. आत्महत्या करने वालों में एपिजेनेटिक संशोधन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग, डॉ. चित्तरंजन बेहरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 120.62 लाख।

5. बहुकेंद्रीय कार्य बल परियोजना- आणविक, जैव सूचना विज्ञान उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके भारत में अज्ञात शवों की पहचान हेतु एक बहुकेंद्रीय पहचान पोर्टल और डीएनए डेटाबेस की स्थापना, डॉ. चित्तरंजन बेहरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 389.91 लाख।

जारी

1. वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रुपये 500 लाख।

2. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विश्लेषण द्वारा तृतीय श्रेणी मातृ संबंधी में संबंध का निर्धारण, डॉ. निधि शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 10 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/अनुसंधान प्रबंध सहित)

जारी।

1. स्तनधारी आंतरिक कर्ण की कोशिकाओं में आनुवंशिक हेरफेर के प्रभाव पर एक अध्ययन।

2. हड्डियों और जोड़ों के विकिरण विज्ञानात्मक अध्ययन द्वारा आयु का अनुमान।

3. आत्महत्या एवं टोक्सोप्लाज्मा गोंडी संक्रमण के बीच संबंध: एक अस्पताल आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन।

4. जले हुए रोगी में शव त्वचा प्रत्यारोपण।

5. अचानक, संदिग्ध अहिंसक मृत्यु में पीएमसीटी आभासी शव परीक्षण एवं पारंपरिक शव परीक्षण का तुलनात्मक विश्लेषण।

6. अचानक, संदिग्ध एवं अप्रत्याशित मृत्यु में बहु-अंग ऊतकविकृति विज्ञान के साथ आभासी शव-परीक्षा तथा पारंपरिक शव-परीक्षा का तुलनात्मक विश्लेषण।

7. अचानक, संदिग्ध एवं अप्रत्याशित मृत्यु में बहु-अंग हिस्टोविकृतिविज्ञान के साथ आभासी शव परीक्षा और पारंपरिक शव परीक्षा का तुलनात्मक विश्लेषण।

8. सिर में चोट लगने एवं संदिग्ध अचानक मृत्यु के मामलों में सेरेब्रल नॉन-कंट्रास्ट पोस्टमॉर्टम सीटी, सीटी एंजियोग्राफी तथा पारंपरिक शव परीक्षण का तुलनात्मक अध्ययन।

9. हृदय और फुफ्फुसीय उत्पत्ति की संदिग्ध अचानक मृत्यु में पोस्ट-मॉर्टम सीटी एंजियोग्राफी, अनएन्हांस्ड सीटी और पारंपरिक शव परीक्षा के निष्कर्षों का तुलनात्मक अध्ययन।

10. सीटी स्कैन एवं डिजिटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल शव परीक्षण बनाम पारंपरिक शव परीक्षण, जिसमें गर्दन पर घातक दबाव के कारण मृत्यु के मामलों में हिस्टोपैथोलॉजीलॉजिकल परीक्षण के निष्कर्ष शामिल हैं।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 383 1/8/2026 2:25:26 PM

11. कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफिक स्कैनिंग के साथ डिजिटल शव परीक्षण और मृतकों का सम्मानजनक प्रबंधन।

12. अवसाद से ग्रस्त मरणोपरांत रोगियों के मस्तिष्क ऊतकों में रेनिन एंजियोटेंसिन प्रणाली मार्करों पर एसीई अवरोधकों एवं एंजियोटेंसिन रिसेप्टर अवरोधकों का प्रभाव।

13. युवाओं में अचानक होने वाली संदिग्ध मृत्यु के कारणों का पता लगाना।

14. उत्तर भारतीय जनसंख्या में त्रिकास्थि और उरोस्थि के कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन का उपयोग करके अस्थिकरण केंद्रों के अध्ययन द्वारा आयु का अनुमान लगाना।

15. म्यूरिन ऑर्गन ऑफ कॉर्टिस से प्राप्त कोशिका रेखाओं में बाल कोशिकाओं के विभेदन पर सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता वाले एटीओएच1 नोक के प्रभाव का मूल्यांकन।

16. वंशानुगत कार्डियोमायोपैथी में आनुवंशिक लक्षण वर्णन और जीनोटाइपिक फेनोटाइपिक सहसंबंध।

17. कार्डियोमायोपैथी का आनुवंशिक परिदृश्य।

18. विषाक्तता के संदिग्ध और पुष्ट मामलों में अंगों की स्थूल और सूक्ष्म विशेषताएं।

19. आणविक मार्कर के रूप में एमआरएनए का उपयोग करके वीर्य के नमूनों की पहचान।

20. पोस्टमॉर्टम कोरोनरी धमनी विकृति विज्ञान का एकीकृत मूल्यांकन: सकल परीक्षण, पीएमसीटी और कोरोनरी एक्सप्लांट एंजियोग्राफी का सहसंबंध।

21. अचानक हृदय मृत्यु का रूपात्मक और आनुवंशिक मूल्यांकन।

22. वंशानुगत कार्डियोमायोपैथी में एमवाईएच7 जीन उत्परिवर्तन।

23. पीएम सीटी एंजियोग्राफी।

24. हृद वाहिका रोग में फाइब्रोसिस का अध्ययन: एफआईबीआईसीएआर अध्ययन।

25. मृत्यु के विभिन्न गैर-आघातजन्य कारणों में सीटी स्कैन आधारित आभासी शव परीक्षा और पारंपरिक शव परीक्षा का उपयोग करके फुफ्फुसीय विकृति का अध्ययन।

26. प्राथमिक कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में एमवाईबीपीसी3 जीन उत्परिवर्तन पर अध्ययन।

27. मेटाबोलोमिक्स और लिपिडोमिक्स को एकीकृत कर मानव यकृत एवं विषाक्तता से पोस्टमॉर्टम अंतराल अनुमान के लिए 'फोरेंसोमिक्स' दृष्टिकोण।

28. संपूरित आत्महत्या के शिकार लोगों के परिवार और मित्रों के लिए आघात-केंद्रित पोस्टवेंशन मॉड्यूल - विकास और सत्यापन।

29. प्रत्यारोपण प्रयोजनों के लिए हृदय की धड़कन विहीन शवों में विभिन्न अंगों और ऊतकों की व्यवहार्यता का आकलन।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 384 1/8/2026 2:25:26 PM

पूर्ण

1. हिंसक श्वासावरोध से हुई मृत्यु के साथ पोस्टमॉर्टम सीटी निष्कर्षों का तुलनात्मक विश्लेषण।
2. एम्स शवगृह में पोस्टमार्टम जांच के लिए लाए गए मामलों में मानव रक्त, मूत्र, विट्रीयस ह्यूमर और सेरेब्रोस्पाइनल में एथिल अल्कोहल का तुलनात्मक अध्ययन।
3. संबंध स्थापित करने हेतु अपमानजनक परिस्थितियों में पोस्टमार्टम नमूनों में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रुमेटिक हृदय रोगों में एफसी रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना, हृद जैवरसायन विभाग।
2. भारतीय जलवायु परिस्थितियों में सूखी विघटित उंगलियों के लिए त्वरित फिंगरप्रिंट रेस्टॉरेशन सोल्यूशन का विकास एवं मूल्यांकन: कार्यप्रणाली, पीएच और तापमान में भिन्नता का तुलनात्मक विश्लेषण, न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल।
3. जैविक मैट्रिक्स में जेड-ड्रग्स और ट्रामाडोल विश्लेषण के लिए विकास और प्रद्धति सत्यापन, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।
4. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए शव से प्राप्त सहायक कोशिकाओं में एटीओएच1 का संपादन, जैव रसायन और ईएनटी विभाग।
5. अवसादग्रस्त रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया पर एंटीडिप्रेसेंट्स और रेनिन-एंजियोटेंसिन-एल्डोस्टेरोन सिस्टम (आरएएएस) मॉड्यूलेटर की ऐड-ऑन थेरेपी का प्रभाव: आरएएएस से संबंधित बायोमार्कर एवं उनकी जीन अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध विश्लेषण, भेषजगुणविज्ञान विभाग।
6. दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिलों में कोविड-19 महामारी के दौरान आत्महत्या से हुई मृत्यु की महामारी विज्ञान संबंधी जांच, सामुदायिक चिकित्सा विभाग।
7. यूनानी फॉर्मूलेशन की प्रतिरक्षा नियामक और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का मूल्यांकन, नेत्र जैव रसायन विभाग, एम्स।
8. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार सुविधा में भर्ती आग से जलने के घाव वाले के रोगियों में साइनाइड विषाक्तता की व्यापकता का मूल्यांकन बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग।
9. सूजन के विनियमन एवं आघात रक्तस्रावी सदमे के रोगियों की रिकवरी पर अल्कोहल का प्रभाव, जे.पी.एन.ए.टी.सी, एम्स।
10. मूत्रमार्ग में संक्रमण की संभावना वाले जन्मजात यूरोपैथी से ग्रस्त बच्चों में गट माइक्रोबायोम प्रोफाइल पर होस्ट जीनोमिक परिदृश्य और पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 385 1/8/2026 2:25:26 PM

11. मूत्र पथ के लिए प्रवण जन्मजात यूरोपैथी वाले बच्चों के माइक्रोबायोम-मेटाबोलोम प्रोफाइल पर विटामिन डी-बाइंडिंग प्रोटीन जीन पॉलीमॉर्फिज्म का प्रभाव, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।

12. क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से ग्रस्त पोस्टीरियर यूरेथ्रल वाल्व (पीयूवी) वाले बाल रोगियों में डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइल की जांच, बाल शल्य चिकित्सा विभाग।

13. जीनोटाइप एवं जियोलोकेशन के बीच सहसंबंध की खोज हेतु विभिन्न वैश्विक तथा भारतीय आबादी में एसटीआर मार्करों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।

पूर्ण

1. नर एल्बिनो रैट में निकोटीन-प्रेरित रक्तविषाक्तता, ऑक्सीडेटिव क्षति एवं प्रजनन विषाक्तता पर सेलेनियम और सेलेनियम नैनो-कणों का सुधारात्मक प्रभाव, न्याय चिकित्सा एवं नैदानिक विषविज्ञान, काय चिकित्सा संकाय, बेन्हा विश्वविद्यालय, मिस्र।

2. सोशल मीडिया और पूर्ण आत्महत्याओं के अंतर्संबंध पर एक खोजपूर्ण अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग।

3. आंतरिक कान से सहायक कोशिका निकालने के लिए सक्शन बनाम माइक्रोडिसेक्शन पद्धित की तुलना, ईएनटी विभाग।

4. युवाओं में अचानक हृदय मृत्यु: कारण का पता लगाने के लिए शव परीक्षण और आणविक अध्ययन, विकृतिविज्ञान विभाग।

घटक	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
अनुसंधान हेतु प्राप्त कुल धनराशि	3	6	5
अनुसंधान हेतु प्राप्त कुल धनराशि	रुपये 96.50 लाख	रुपये 362.57 लाख	रुपये 244.36 लाख

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 17 **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 01**

प्रकाशन

मद	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
कुल	30	24	18
पत्रिकाओं में लेख	27	24	17
सार	0	0	0
पुस्तकों में अध्याय	0	0	0
पुस्तकें	03	0	1

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 386 1/8/2026 2:25:26 PM

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में सूचना शामिल है:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

रोगी उपचार से संबंधित गतिविधियों की संख्या - विशेष क्लीनिक, प्रक्रियाएं, जांच आदि।

क्रम सं.	मद		2022-23	2023-2024	2024-2025
	मेडिको लीगल पोस्टमॉर्टम		1523	1564	1750
	नैदानिक न्याय चिकित्सा	क्षमता एवं अन्य मेडिको लीगल परीक्षण	578	503	539
		सीबीआई मामले	27	13	16
		अनुवर्ती राय	380	280	336
	सम्मन		409	458	572
	विषविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएँ	मामलों की संख्या	249	47	175
		परीक्षणों की संख्या	1643	336	414
	शव संलेपन		134	141	104
	न्याय विकिरणविज्ञान सेवाएं	एक्स-रे के मामलों की संख्या	116	74	01
		सीटी स्कैन के मामलों की संख्या	1214	1271	1377
		आभासी शव परीक्षण के मामलों की संख्या	-	45	59

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 387 1/8/2026 2:25:26 PM

	न्याय मानवविज्ञान सेवाएं (आयु निर्धारण) के मामलों की संख्या	16	01	0
	न्याय उत्तकविकृतिविज्ञानी मामलों की संख्या	121	73	128
	डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला	अज्ञात शवों के नमूने की डीएनए प्रोफाइलिंग: (186 मामले एवं प्रोफाइलिंग के लिए 125 रन)। डीएनए आइसोलेशन एवं डीएनए परिमाणीकरण हेतु संसाधित किए गए अनुसंधान नमूने (रक्त और लार) (201 नमूने)। अन्य तकनीकों के लिए किए गए नमूने - पीसीआर: 912, रियल टाइम पीसीआर: 64, सीक्वेंसिंग पीसीआर: 105, आरएफएलपी: 233, एसटीआर प्रोफाइलिंग: 32	डीएनए - अज्ञात शवों के नमूने (बाल, दांत का गूदा, गॉज में रक्त) की प्रोफाइलिंग संसाधित: डीएनए पृथकीकरण मात्रा, डीएनए एवं नमूना रन परिमाणान (कुल मामले -563, 287 में मल्टीप्लेक्स पीसीआर और प्रोफाइलिंग के लिए 105 रन)। डीएनए आइसोलेशन एवं डीएनए परिमाणीकरण हेतु संसाधित किए गए अनुसंधान नमूने (रक्त और लार) (465 नमूने)। अन्य तकनीकों के लिए निष्पादित किए गए नमूने - डीएनए पृथकीकरण एवं परिमाणीकरण: 275, कुल पीसीआर: 3350 [पीसीआर: 1700 (एमटी डीएनए), अनुक्रम पीसीआर: 1100 (एमटी डीएनए), एक्सोसैप पीसीआर: 550 (एमटी डीएनए)], सैंगर अनुक्रमण जनित (एफ एंड आर): 870, अल्कोहल परीक्षण: 115, मल्टीड्रग स्क्रीनिंग: अनुसंधान नमूनों हेतु 100	डीएनए डेटाबेस हेतु अज्ञात और ज्ञात शवों की डीएनए प्रोफाइलिंग (बाल, दाँत का गूदा, गॉज में रक्त) संसाधित: नमूना रन (कुल मामले -1427, 1288 में मल्टीप्लेक्स पीसीआर और प्रोफाइलिंग के लिए 161 रन)। डीएनए प्रथकीकरण और डीएनए के परिमाणीकरण के लिए अनुसंधान नमूने (रक्त, गॉज, कोमल ऊतक, दाँत और लार) संसाधित (898 नमूने)। अन्य तकनीकों के लिए निष्पादित किए गए नमूने, डीएनए प्रथकीकरण और परिमाणीकरण: 165, कुल पीसीआर: 4200 [पीसीआर: 1900 (एमटी डीएनए), अनुक्रम पीसीआर: 2300 (एमटी डीएनए), एक्सोसैप क्लीनअप: 835 (एमटी डीएनए)], सैंगर अनुक्रमण जनित (एफ एंड आर): 1900, अल्कोहल परीक्षण: 395, मल्टीड्रग स्क्रीनिंग: अनुसंधान नमूनों हेतु 159
	चिकित्सीय प्रत्यारोपण हेतु अंग पुनर्प्राप्ति (प्राप्त कॉर्निया की संख्या)	208	152	140

1. आपात सेवाएँ:

दिल्ली के दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व जिले में चोट, यौन अपराध, विषाक्तता आदि के मामलों में चौबीसों घंटे मेडिको-लीगल सेवाएं प्रदान करना।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 388 1/8/2026 2:25:27 PM

2. शवगृह सेवाएं

मुख्य विभाग के शवगृह में कुल 1750 मेडिको-लीगल शव-परीक्षण किए गए।

3. नैदानिक न्याय चिकित्सा

विभाग द्वारा जाँच अधिकारी द्वारा लाए गए एवं अदालत से संदर्भित कुल 539 जनन-क्षमता तथा अन्य मेडिको-लीगल परीक्षण के मामलों को निपटाया गया। विभाग के मेडिकल बोर्ड द्वारा सीबीआई के कुल 16 मामलों को निपटाया गया। कुल 336 मामलों में, जिसमें दुर्घटना से संबंधित संदर्भ भी शामिल हैं, जटिल मामलों में अनुवर्ती राय दी गई।

4. सम्मन

विभाग के चिकित्सकों ने दिल्ली एवं अन्य राज्यों से आए 572 मामलों में अदालत में उपस्थिति दर्ज की

5. चिकित्सा विषविज्ञान

कुल 175 मामले प्राप्त हुए, 180 नमूनों की जांच की गई, एम्स के नैदानिक विभाग, चिकित्सा-विधिक मामलों एवं शैक्षिक मामलों से संदर्भित विभिन्न विषों 414 परीक्षण किए गए।

6. न्याय उत्तकविकृतिविज्ञान

विभाग दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व ज़िले के मेडिको-लीगल शव-परीक्षण मामलों के नमूनों हेतु उत्तकविकृतिविज्ञान एवं साथ ही अनुसंधान प्रयोजन संबंधी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 128 मामलों की जाँच की गई और 1309 स्लाइडे बनाई गईं।

7. शव-संरक्षण सुविधा

विभाग एमएलसी मामलों (पोस्टमॉर्टम मामलों) हेतु शव-संरक्षण सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 104 शव-संरक्षण किए गए।

8. चिकित्सीय प्रत्यारोपण हेतु अंग पुनर्प्राप्ति

राष्ट्रीय नेत्र बैंक द्वारा प्रत्यारोपण के लिए 70 दानकर्ताओं से कुल 140 कॉर्निया शवगृह से प्राप्त किए गए।

9. न्याय विकिरणविज्ञान सेवाएं

विभिन्न मेडिको-लीगल एवं शैक्षिक उद्देश्यों (शव परीक्षण तथा जीवित मामले दोनों) के लिए 01 मामले में एक्स-रे किया गया (कुल 02 एक्स-रे किए गए)। शव परीक्षण के दौरान विभिन्न चिकित्सीय और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए 1377 मामलों (पीएमसीटी) में सीटी स्कैन सेवा प्रदान की गई। 59 मामलों में वर्चुअल शव परीक्षण किया गया।

10. डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला

डीएनए डेटाबेस हेतु अज्ञात एवं ज्ञात शवों की डीएनए प्रोफाइलिंग (बाल, दाँत का गूदा, गॉज में रक्त) संसाधित: नमूना रन (कुल मामले -1427, 1288 में मल्टीप्लेक्स पीसीआर और प्रोफाइलिंग के लिए 161 रन)। डीएनए आइसोलेशन और डीएनए के परिमाणीकरण के लिए अनुसंधान नमूने (रक्त, गॉज, कोमल ऊतक, दाँत और लार) संसाधित (898 नमूने)। अन्य तकनीकों के लिए नमूने निष्पादित किए गए-, डीएनए प्रथकीकरण और परिमाणीकरण: 165, कुल पीसीआर: 4200 [पीसीआर: 1900 (एमटी डीएनए), अनुक्रम पीसीआर: 2300 (एमटी डीएनए), एक्सोसैप क्लीनअप: 835 (एमटी डीएनए)], सेंगर अनुक्रमण जनित (एफ एंड आर): 1900, अल्कोहल परीक्षण: 395, मल्टीड्रग स्क्रीनिंग: अनुसंधान नमूनों के लिए 159।

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 389 1/8/2026 2:25:27 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर आदर्श कुमार 21-23 मई 2024 को एथेंस, ग्रीस में आयोजित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन- आईएएलएम-2024 के 26वें त्रैवार्षिक सम्मेलन हेतु अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में शामिल थे। न्याय चिकित्सा के क्षेत्र में दुनिया के इस शीर्ष सम्मेलन में "बाल उत्पीड़न" पर सत्र की अध्यक्षता भी की। 28 मार्च 2025 को ग्वालियर में रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान रेस में वर्तमान प्रगति पर 10वें वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित अतिथि। इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के महासचिव चुने गए। इंडियन एकेडमी ऑफ न्याय चिकित्सा के उपाध्यक्ष चुने गए। 12 मई 2024 को आगरा, यूपी में न्याय चिकित्सा डे क्वेस्टियो न्याय के अवसर पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान दिया 10 अगस्त 2024 को नए कानून के कार्यान्वयन के मद्देनजर पोस्टमॉर्टम परीक्षा इसकी जटिलताओं के बारे में जानने के लिए शिमडेगा, झारखंड में पुलिस कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। 9-10 सितंबर 2024 को भोपाल, मध्य प्रदेश में न्याय नृविज्ञान की मूल बातें पर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति। पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता में न्याय विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य-बाहरी विशेषज्ञ, मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल में न्याय चिकित्सा एवं न्याय विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य-बाहरी विशेषज्ञ, सरकारी न्याय विज्ञान संस्थान, नागपुर में न्याय विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य। राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और नई दिल्ली परिसरों के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य। बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य-अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के न्याय चिकित्सा में बाह्य विशेषज्ञ, बोर्ड ऑफ स्टडीज सदस्य-महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के न्याय विज्ञान में बाह्य विशेषज्ञ। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत के मानद चिकित्सा कानूनी विशेषज्ञ।

प्रोफेसर चितरंजन बेहरा: सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ के प्रसव कक्ष में हुई गंभीर घटना की जाँच हेतु गठित जाँच समिति के अध्यक्ष। 24 सप्ताह से अधिक के गर्भकाल में एमटीपी के लिए एम्स के स्थायी चिकित्सा बोर्ड के सदस्य। एम्स, बीबीएसआर में एसआर चयन हेतु विषय विशेषज्ञ और एम्स में अनुसंधान कर्मचारियों के चयन हेतु विशेषज्ञ।.एम्स और संबंधित संस्थानों के लिए चिकित्सा विज्ञान एवं उपचार के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण - चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन (प्रशिक्षु के रूप में) 28 जुलाई से 3 अगस्त 2024 तक जापान में। 18 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित सारांश (स्वास्थ्य में व्यवस्थित समीक्षा एवं नेटवर्किंग सहायता) कार्यशाला के लिए सलाहकार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी एंड लीगल मेडिसिन के सहायक संपादक, आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट एडिटर, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एनल्स ऑफ फॉरेंसिक रिसर्च एंड एनालिसिस, साइ फेड जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन, आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज। भारतीय पत्रिका न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान के इंडियन जर्नल संपादकीय सलाहकार निकाय के सदस्य। वैज्ञानिक पत्रिकाओं हेतु समीक्षक: इन्होंने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (पब-मेड-इंडेक्सड) जैसे जर्नल ऑफ न्यूरोसांइसेज इन रूरल प्रौक्टिस के लेखों की समीक्षा की है।

प्रोफेसर अभिषेक यादव 6 सितंबर 2024 को एम्स बठिंडा में सीएमई 'मृत्यु से निदान तक: सांप के काटने से मृत्यु की जांच एवं उपचार में पीएमसीटी एंजियोग्राफी' में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 31 से 2 जनवरी 2025 तक ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और पीजीआईएसएमआर, चेन्नई में इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के 46वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन: फॉरेंसिक मेडिकॉन 2024 में संकाय प्रस्तुति हेतु सत्र के अध्यक्ष। 6 से 7 मार्च 2025 को एम्स भुवनेश्वर में 5वें वार्षिक एम्स न्याय गिल्ड 2025 में संकाय प्रस्तुति के लिए एक सत्र की अध्यक्षता की। 23 नवंबर 2024 को एम्स नई दिल्ली के न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, युवाओं में अचानक मृत्यु पर आईसीएमआर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति। न्याय

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 390 1/8/2026 2:25:27 PM

चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली में भूटान के प्रतिनिधियों हेतु फोरेंसिक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञ, दिनांक 24 जून, 2024 से 28 जून, 2024 तक। दिल्ली, 24 जून 2024 से 28 जून 2024 तक। 'आरएफपी- जर्नल ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन' के प्रधान संपादक। पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य- इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड विकृतिविज्ञान, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंस, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सिकोलॉजी, मेडिकल केस रिपोर्ट। "जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन" में समीक्षक, जो कि विशेषता का राष्ट्रीय निकाय और जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड मेडिसिन है। एम्स, नई दिल्ली के शरीररचना, भेषजगुण विज्ञान और प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान विभाग में छात्रों की पीएचडी डॉक्टोरल समिति में डीसी सदस्य। दिल्ली सरकार के गृह विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में एनसीटी दिल्ली सरकार के अस्पतालों में हिस्टो-पैथोलॉजिकल और टॉक्सिकोलॉजी लैब की स्थापना के लिए सलाहकार विशेषज्ञ। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग में अपील मामलों में विषय विशेषज्ञ। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में सुरक्षा कर्मिक सेवाएं। सरकारी अस्पताल में लाए गए मृत मामलों पर दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु समिति सदस्य, डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय। ईएसआईसी चिकित्सा कॉलेज तथा अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में संविदात्मक नर्सिंग/पैरामेडिकल, मंत्रालयिक स्टाफ एवं सुरक्षाकर्मी सेवा प्रदान करने हेतु क्यूसीबीएस के समिति सदस्य। एम्स, जोधपुर में 150 बेड वाले गहन उपचार ब्लॉक की स्थापना के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए उप-समिति के सदस्य। गुजरात में वर्चुअल ऑटोप्सी शुरू करने के लिए विशेषज्ञ सहायता प्रदान करने के लिए समन्वयक। वैज्ञानिक एवं नियामक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए सीडीएससीओ के साथ सहयोग हेतु नामित। ड्रग ओवरडोज से होने वाली मृत्यु को कम करने के लिए एक विस्तृत राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना विकसित करने के लिए स्थायी विशेषज्ञ समिति के सदस्य। 24 सप्ताह के गर्भ से उपर गर्भावस्था के मेडिकल टर्मिनेशन पर निर्णय लेने के लिए एम्स के स्थायी मेडिकल बोर्ड के सदस्य। राष्ट्रीय स्तर पर युवा एथलीटों में आयु विवाद के मामलों का निवारण करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण मेडिकल के लिए बहु-विषयक मेडिकल अपीलीय बोर्ड के सदस्य। हिरासत में हुई मृत्यु की जांच हेतु दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों जैसे एमएएससी, भीम राव अम्बेडकर, यूसीएमएस, डीडीयू आदि में गठित बहु-संस्थागत चिकित्सा बोर्डों में चिकित्सा बोर्डों के सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

9.12-Forensic Medicine Hindi1.indd 391 1/8/2026 2:25:27 PM

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
प्रमोद कुमार गर्ग

आचार्य

विनीत आहूजा
शालीमार
गोविंद मखारिया
बैबस्वता नायक

अपर आचार्य
दीपक गुंजन

सहायक आचार्य
सौम्या जगन्नाथ महापात्रा

विशिष्टताएं

सन् 1971 में अपनी स्थापना के उपरांत, विभाग द्वारा अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान की गई एवं ल्यूमिनल जठरांत्र रोग विज्ञान, अग्नाशय-पित्त विज्ञान, हेपेटोलॉजी तथा एंडोस्कोपी के क्षेत्र में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया है। इसे लगातार भारत के अग्रणी जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के रूप में मान्यता प्राप्त है, और कई वर्षों से प्रमुख संगठनों द्वारा किए गए राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में टॉप रैंकिंग अर्जित की है। वर्तमान में, देश के प्रमुख संस्थानों में जठरांत्र रोग विज्ञान के प्रमुख इस विभाग के पूर्व छात्र हैं। वर्ष 2024-2025 के दौरान, विभाग ने भविष्य के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट को प्रशिक्षित करने, उच्च-गुणवत्ता वाली रोगी उपचार सेवा प्रदान करने एवं जठरांत्र रोग विज्ञान में नैदानिक अभ्यास को रूप देने वाले अनुसंधान का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। संकाय, रेजीडेंट एवं पीएचडी छात्रों को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार और यात्रा अनुदान सहित कई प्रशंसाएं प्राप्त हुईं। इसके अतिरिक्त, विभाग के संकाय-सदस्यों ने विभिन्न जठरांत्र रोगों हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के विकास की शुरूआत एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

शिक्षा

विभाग ने जठरांत्र रोग विज्ञान में डीएम एवं जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण में पीएचडी सहित अपने शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखे। इसने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षा में भी सक्रिय योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, विभाग उन्नत एंडोस्कोपी, अग्नाशय विज्ञान, सूजन आंत्र रोग (आईबीडी) तथा हेपेटोलॉजी में विशेष प्रशिक्षण हेतु एक वर्षीय फेलोशिप कार्यक्रम में पोस्ट-डीएम रेजिडेंट्स को नामांकित करता है।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण:

23 डीएम छात्र
05 पीएचडी छात्र
06 उन्नत जीआई एंडोस्कोपी, अग्नाशय विज्ञान, सूजन आंत्र रोग और हेपेटोलॉजी में 6 फेलो (पोस्ट-डीएम)

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 392 1/8/2026 2:29:45 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 114

प्रमोद कुमार गर्ग: 14
गोविंद मखारिया: 28
बैबस्वता नायक : 3
सौम्या जगन्नाथ महापात्रा: 7
विनीत आहूजा : 43
शालीमार : 8
दीपक गुंजन : 11

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022- 2023	2023-2024	2024-2025
125	124	114

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 55

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-23	2023-24	2024-25
63	39	57

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग वाले सहभागियों में गुसेलकुमाब एवं गोलिमुमैब के साथ इंडक्शन एवं संधारण संयोजन चिकित्सा की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु चरण 2बी यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, सक्रिय और प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, पैरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 12.22 लाख रुपये

2. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस से पीड़ित सहभागियों में गुसेलकुमाब एवं गोलिमुमैब के साथ इंडक्शन एवं संधारण कॉम्बिनेशन थेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण 2बी यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, सक्रिय और प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेंद्रीय अध्ययन। डॉ. विनीत आहूजा, पैरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 5.12 लाख रुपये

3. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस (एमीराल्ड-2) से ग्रस्त वयस्कों में एमओआरएफ-057 की 3 सक्रिय खुराक व्यवस्थाओं की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण 2बी, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, पीएसआई सीआरओ फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 1.70 लाख रुपये

4. नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के उपचार में 24 सप्ताह हेतु पिक्रोरिज़ा कुरोआ रॉयल एक्स बेंथ (पिक्रोलिव®) के मानकीकृत अंश की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा पर एक चरण III, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, इंटरवेंशन अध्ययन।", डॉ. शालीमार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 1 वर्ष, 2023-2024, 33 लाख रुपये

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 393 1/8/2026 2:29:46 PM

5. बायोमार्कर की खोज हेतु उच्च थ्रूपुट मास-स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित प्रोटिओमिक्स एवं प्रोटिओजेनोमिक्स के माध्यम से क्रोनिक अग्नाशयशोथ के बड़े पैमाने पर विश्लेषण पर एक पायलट अध्ययन, डॉ. सौम्या जगन्नाथ महापात्रा, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद, हरियाणा, 2 वर्ष, 2025-2028, 20 लाख रुपये

6. हल्के से मध्यम रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के उपचार हेतु जेडवाईआईएल1 की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर, इंटरवेंशनल चरण IIए अवधारणा परीक्षण का प्रमाण, जो मौखिक अमीनोसैलिसिलेट्स के प्रति प्रतिरोधी या असहनशील है, डॉ. विनीत आहूजा, ज़ाइडस लाइफ साइंसेज प्राइवेट, 1 वर्ष, 2024-2025, 1.80 लाख रुपये

7. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस (यूसी) वाले रोगियों में एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, मल्टीसेंटर चरण 3 अध्ययन, जिसमें नैदानिक प्रतिक्रिया एवं इंडक्शन एवं संधारण हेतु पीबी016 और एन्टीवियो® की प्रभावकारिता, सुरक्षा और प्रतिरक्षाजनकता की तुलना की गई। (यूसीईएसिव)", डॉ. विनीत आहूजा, वर्ल्डवाइड क्लिनिकल ट्रायल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 0.70 लाख रुपये

8. तीव्र अग्नाशयशोथ में नियंत्रित सूजन के एटियोपैथोजेनेसिस का एक अध्ययन, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2025-2029, 634 लाख रुपये

9. एबीएक्स464-106 - मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में इंडक्शन उपचार हेतु एबीएक्स464 की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय चरण III अध्ययन। डॉ. विनीत आहूजा, आईक्यूवीआईए रिसर्च (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड), 2 वर्ष, 2023-2025, ₹3.74 लाख

10. क्रोहन रोग (सीडी) से ग्रस्त भारतीय रोगियों में यूस्टेकिनुमाब की सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक ओपन लेबल, बहुकेंद्रीय, चरण IV अध्ययन। डॉ. विनीत आहूजा, जॉनसन एंड जॉनसन प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 9.37 लाख रुपये

11. हेपेटाइटिस बी प्रेरित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के कैंसर स्टेमनेस संकेत, डॉ. बैबस्वता नायक (महिला वैज्ञानिक: डॉ. सोनाली सेनगुप्ता), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 24 लाख रुपये

12. सीलिएक रोग उपचार इष्टतम और ग्लूटन रिस्ट्रिक्शन एक्सक्लूशन (सीईडी-कोर), डॉ गोविंद के मखारिया, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2025-2028, 466 लाख रुपये

13. उन्नत अनुसंधान केंद्र "आंतों के रोगों में आंत माइक्रोबायोम मेनीपुलेशन चिकित्सा: नैदानिक परीक्षण नेटवर्क केंद्र", डॉ. विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 5 वर्ष, 2024-2029, 294 लाख रुपये

14. अग्नाशय रोगों में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 5 वर्ष, 2019-2024, 490 लाख रुपये

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 394 1/8/2026 2:29:46 PM

15. सीलिएक रोग के रोगियों में एचएलए जीन हैप्लोटाइप के मूल्यांकन हेतु दो विभिन्न तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ. गोविंद के. मखारिया, कनिष्क इंटरनेशनल, 6 महीने, 2024-2025, 12 लाख रुपये

16. दक्षिण एशियाई लोगों में क्रोहन रोग (सी.डी.): रोकथाम एवं बेहतर उपचार हेतु रोग के जीवविज्ञान को परिभाषित करना। डॉ. विनीत आहूजा, द लियोना एम. और हैरी बी. हेम्सली चैरिटेबल ट्रस्ट, 4 वर्ष, 2021-2025, 202 लाख रुपये

17. जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग "सीलिएक रोग पर कंसोर्टियम", सीलिएक रोग से ग्रस्त निर्दिष्ट रोगियों के राष्ट्रीय जैव भंडार का विस्तार और पोषण, डॉ गोविंद के मखारिया, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2023-2028, 456 लाख रुपये

18. सार्स-कोव वेरिएंट के रिसेप्टर मध्यस्थता रोगजनन एवं वायरल प्रोटीन द्वारा इम्यूनोमॉड्यूलेशन का निर्धारण, डॉ. बैबस्वता नायक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2021-2024, 48 लाख रुपये

19. अल्सरेटिव कोलाइटिस के लिए संभावित चिकित्सीय पद्धति के रूप में आंत माइक्रोबायोटा-व्युत्पन्न मेटाबोलाइट्स के एक संपुटित कॉकटेल का विकास, डॉ. विनीत आहूजा, बीआईआरएसी-बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी), 1 वर्ष, 2024-2025, 14.83 लाख रुपये

20. लिवर कैंसर के एक प्रमुख जोखिम कारक लिवर फाइब्रोसिस का पता लगाने हेतु मैट्रिक्स एटालोप्रोटीनेज आधारित जांच का विकास, डॉ. शालीमार, एम्स यूसीएल, 2 वर्ष, 2025-2026, 5 लाख रुपये

21. अल्प मोलेक्यूलर वेट हेपरिन (एनोक्सापारिन) के साथ प्रारंभिक इंटरवेंशन, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2025-2028, 647 लाख रुपये

22. गंभीर नेक्रोटाइज़िंग पैंक्रियाटाइटिस (एएनपी) के रोगियों में 90 दिनों के अस्पताल मुक्त क्रियाशील दिनों पर अग्नाशयी एंजाइम अनुपूरण का प्रभाव, डॉ. सौम्या जगन्नाथ महापात्रा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2025-2028, 200 लाख रुपये

23. अग्नाशयशोथ एवं प्रमुख जठरांत्र संबंधी विकारों की महामारी विज्ञान: संपूर्ण भारत में एक राष्ट्रव्यापी बहु-केंद्र अध्ययन, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2021-2024, 350 लाख रुपये

24. सीलिएक रोग से पीडित रोगियों में अतिरिक्त-आंतीय अंगों की भागीदारी के इम्यूनोपैथोजेनेसिस का पता लगाना", डॉ. गोविंद के. मखारिया, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2023-2026, 73.5 लाख रुपये

25. सीलिएक रोग और अन्य एंटरोपैथी वाले रोगियों के प्लाज्मा में सिट्रूलाइन का पता लगाने हेतु फ्लोरोसेंट सेंसर, रोग के बायोप्सी मुक्त निदान एवं अनुवर्ती निगरानी में सहायता: केमोसेलेक्टिव ग्लाइऑक्सल जांच के मॉलेक्यूलर डिजाइन और संश्लेषण, डॉ गोविंद के मखारिया, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 18 महीने, 2024-2026, 16.35 लाख रुपये

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 395 1/8/2026 2:29:46 PM

26. हाइपोक्सिया, एंजियोजेनेसिस और स्टेमनेस मार्कर हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा हेतु स्थानीय और इम्यूनोथेरेपी के परिणाम का पता लगाते हैं, डॉ. बैबस्वता नायक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2023-2026, 69 लाख रुपये

27. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग के रोगियों में मिरिकिज़ुमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु। आई6टी-एमसी-एएमएएम-ए चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो- और सक्रिय-नियंत्रित, उपचार-आधारित अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, एली लिली, दवा कंपनी, 4 वर्ष, 2021-2025, ₹9.55 लाख

28. भारतीय लक्षणहीन पित्त पथरी: प्राकृतिक क्रम एवं उनके पूर्वानुमान (इंडियास्टोन अध्ययन), डॉ. दीपक गुंजन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2024-2026, 64 लाख रुपये

29. जेसी बोस फ़ेलोशिप, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 5 वर्ष, 2020-2025, 95 लाख रुपये

30. दुबले और मोटे लोगों में मेटाबोलिक संबंधी यकृत रोग (एमएएफएलडी): रोग और प्रगति के बायोमार्कर का पता लगाना, डॉ. शालीमार, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2022-2025, 44 लाख रुपये

31. प्राथमिक एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोलेडोकोडुओडेनोस्टॉमी बनाम एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी द्वारा डिस्टल रिसेक्टेबल एवं बॉर्डरलाइन रिसेक्टेबल घातक पित्त अवरोध वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव पित्त जल निकासी, डॉ सौम्या जगन्नाथ महापात्रा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2025-2028, 500 लाख रुपये

32. हेपेटाइटिस बी (एचबीवी) से होने वाले हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में न्यूक्लियर रिसेप्टर की भूमिका, डॉ. बैबस्वता नायक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2021-2024, 22.92 लाख रुपये

33. क्या बिना लक्षण वाले भारतीयों में कोलोरेक्टल कैंसर की जांच की जानी चाहिए: एक अखिल भारतीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 4 वर्ष, 2024-2028, 134 लाख रुपये

34. सिरोसिस के रोगियों में सार्कोपेनिया के उपचार हेतु मानक चिकित्सा उपचार प्लस रिफैक्सिमिन बनाम केवल मानक चिकित्सा उपचार: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. दीपक गुंजन, सन फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड। 2 वर्ष, 2022-2024, 16 लाख रुपये

35. अंग विफलता के समाधान हेतु तीव्र गंभीर अग्नाशयशोथ के रोगियों में स्टेरॉयड थेरेपी, डॉ. प्रमोद कुमार गर्ग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2025-2028, 200 लाख रुपये

36. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता एवं नैदानिक परिणामों पर संरचित योग अभ्यासों का प्रभाव, डॉ. विनीत आहूजा, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2023-2025, 21.64 लाख रुपये

37. बहुऔषधि प्रतिरोधी जीवों से रोगाणुरोधी जीन की कमी एवं आंतों के उपनिवेशीकरण में फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण के माध्यम से फेज स्थानांतरण की भूमिका का मूल्यांकन करना,

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 396 1/8/2026 2:29:46 PM

डॉ. विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2021-2024, 57.35 लाख रुपये

38. मल्टीप्लेक्स एप्टा-सेंसर पैनल विकसित करके कोलोरेक्टल कैंसर के मल आधारित निदान की दिशा में, डॉ गोविंद के मखारिया, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2024-2027, 125 लाख रुपये

पूर्ण

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस एवं क्रोहन रोग से पीड़ित भारतीय रोगियों में वेडोलिज़ुमाब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक बहुकेंद्रीय, एकल-बाहु, ओपन-लेबल, चरण 4 अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, टेकेडा-एसआईआरओ, 2 वर्ष, 2022-2024, 6.98 लाख रुपये

2. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग के लिए इंडक्शन थेरेपी के रूप में ओरल ओज़ैनिमॉड का चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, पीएसआई सीआरओ फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 6 लाख रुपये

3. एशिया में उच्च जोखिम वाले समूह में सीलिएक रोग की व्यापकता का अनुमान लगाने हेतु एक पायलट अध्ययन (एशियाई सीलिएक रोग अध्ययन), डॉ गोविंद के मखारिया, टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स, यूएसए, 3 वर्ष, 2021-2024, 182 लाख रुपये

4. मध्यम से गंभीर क्रोहन रोग वाले रोगियों में इन्फिमाबटीएम की सुरक्षा और प्रभावकारिता प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित, बहु-केंद्र, ओपन लेबल, चरण IV अध्ययन, डॉ विनीत आहूजा, रिलायंस फार्मास्युटिकल्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 3.75 लाख रुपये

5. स्टेमपेयूसेल (वयस्क मानव अस्थि) व्युत्पन्न, संवर्धित पूलित, एलोजेनिक स्ट्रोमल कोशिका मज्जा के लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक ओपन लेबल, सिंगल आर्म, अन्वेषक द्वारा आरंभ किया गया चरण I/II अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, स्टेमपेयूटिक्स रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड 5 वर्ष, 2018-2023, 5.77 लाख रुपये

6. दक्षिण भारतीयों बनाम उत्तर भारतीयों में सीलिएक रोग का प्रचलन; अंतर जानने हेतु प्रवासी अध्ययन, डॉ. गोविंद के. मखारिया, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2 वर्ष, 2022-2024, 68.45 लाख रुपये

7. आंत्र रोगों में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 5 वर्ष, 2019-2024, 500 लाख रुपये

8. हेपेटाइटिस ई वायरस के लिए एक पुनः संयोजक वैक्सीन का विकास एवं हेपेटाइटिस ई समूह तथा संभावित वैक्सीन प्राप्तकर्ता समूह का प्रतिरक्षात्मक लक्षण वर्णन, डॉ. शालीमार, बीआईआरएसी (सह-पीआई), 30 महीने, 2021-2023, 110 लाख रुपये

9. अल्सरेटिव कोलाइटिस में आंत के माइक्रोबायोटा से प्राप्त मेटाबोलाइट्स के माध्यम से आंतों के ऐपीथैलियल स्टेम कोशिकाओं की एपिजेनेटिक रीप्रोग्रामिंग। डॉ. विनीत आहूजा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2020-2023, 56.45 लाख रुपये

10. कम प्रतिरक्षाजनक ग्लूटन वाले गेहूं के विकास हेतु अन्वेषण, डॉ गोविंद के मखारिया, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, 7 वर्ष, 2017-2024, 47.50 लाख रुपये

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 397 1/8/2026 2:29:46 PM

11. आंत माइक्रोबायोम - स्वास्थ्य एवं सूजन आंत्र रोग में आंत्र स्टेम सेल के नियामक, डॉ. विनीत आहूजा, एमएचआरडी-शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग संवर्धन योजना (एसपीएआरसी), 4 वर्ष, 2019-2023, 45.97 लाख रुपये

12. आईबीडी में निरंतर प्रतिरक्षा दमन के तहत कोविड-9 एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, द लियोना एम. और हैरी बी. हेम्सली चैरिटेबल ट्रस्ट, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.24 लाख रुपये

13. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में संभावित ऑन्कोजेनिक एमआईआरएनएएस की भूमिका, डॉ. बैबस्वता नायक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 1 वर्ष, 2021-2024, 22.92 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध सहित)

जारी

1. इडियोपैथिक तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में संक्रामक एटियोलॉजी का पता लगाने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन

2. कॉर्टिको-स्टेरॉयड बनाम टोफासिटिनिब का उपयोग करके मध्यम से गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में नैदानिक प्रतिक्रिया के समय की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

3. मध्यम से गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में रीमिशन हेतु टोफासिटिनिब और फेकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांटेशन (एफएमटी) बनाम टोफासिटिनिब और शम ट्रांसप्लांटेशन के संयोजन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

4. हल्के से मध्यम अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में रीमिशिन हेतु एमिट्रिप्टिलाइन बनाम प्लेसीबो

5. सीलिएक रोग का बांझपन और डिम्बग्रंथि रिजर्व में कमी के साथ संबंध

6. हेपेटाइटिस बी प्रेरित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के कैंसर स्टेमनेस लक्षण

7. तीव्र अग्नाशयशोथ में साइटोकाइन स्टॉर्म सिंड्रोम का लक्षण वर्णन: एक संभावित समूह अध्ययन

8. इडियोपैथिक आवर्तक तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में सूजन संबंधी प्रतिवेश का लक्षण वर्णन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

9. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा एवं ग्रासनली संबंधी वेरिसेस के रोगियों की प्राथमिक रोकथाम हेतु एंडोस्कोपिक उपचार और कार्वेडिलोल का संयोजन बनाम अकेले कार्वेडिलोल - एक ओपन-लेबल समानांतर समूह यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

10. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में अग्नाशयी द्रव संग्रह की पुनरावृत्ति के लिए ईयूएस निर्देशित लैम्स ड्रेनेज के बाद प्लास्टिक बनाम बिना प्लास्टिक की तुलना

11. उच्च जोखिम वाले फंडल वैरिसेज़ के प्राथमिक प्रोफिलैक्सिस हेतु बैलून ऑक्लुडेड रेट्रोग्रेड ट्रांसवेनस ऑब्लिटेरेशन, एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड-निर्देशित कॉइल एम्बोलिज़ेशन और बीटा ब्लॉकर्स की तुलना: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 398 1/8/2026 2:29:46 PM

12. पित्त नली के बड़े स्टोन को एंडोस्कोपिक और लैप्रोस्कोपिक प्रक्रिया से हटाने की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

13. सीलिएक रोग के रोगियों में ग्लूटन-मुक्त आहार के प्रति प्रतिक्रिया और रीमिशन को निर्धारित करने हेतु एक वर्गीकरण प्रणाली की व्युत्पत्ति एवं सत्यापन

14. संक्रमित नेक्रोटाइज़िंग अग्नाशयशोथ के लिए शीघ्र बनाम विलंबित पर्क्यूटेनियस जल निकासी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (रैपिड परीक्षण)

15. गंभीर तीव्र पित्तवाहिनीशोथ के रोगियों में पित्तवाहिनी जल निकासी के समय का प्रभाव (तत्काल बनाम शीघ्र): एक अन्वेषक द्वारा आरंभित खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एक्ट परीक्षण)

16. सीएमवी संक्रमण के साथ सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के उपचार में एफएमटी की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण

17. आवर्ती तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में दर्द कम करने में लहसुन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण

18. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में जठरांत्रीय फिस्टुला गठन एवं जोखिम कारकों का अनुमान: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन

19. सीलिएक रोग के रोगियों में अतिरिक्त आंत्र अंगों के संयोजन के इम्यूनोपैथोजेनेसिस का पता लगाना

20. सिरोसिस में यकृत विघटन पर एपिक्सैबन का प्रभाव एक समानांतर समूह ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एपीहेप)

21. नियंत्रण समूह की तुलना में उपचार-अनुभवहीन सीलिएक रोग वाले रोगियों के मस्तिष्क में न्यूरोसाइकिएट्रिक अभिव्यक्ति एवं चयापचय संबंधी विशेषताएं तथा उन पर ग्लूटन मुक्त आहार का प्रभाव: एक संभावित अनुवर्ती अध्ययन

22. डिस्चार्ज के बाद तीव्र नेक्रोटाइजिंग अग्नाशयशोथ वाले रोगियों के परिणाम: एक समूह अध्ययन

23. संक्रमित पैन्क्रीऐटिक-नेक्रोसिस वाले रोगियों में त्वरित स्वास्थ्य लाभ हेतु परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक या न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल स्टेप-अप नेक्रोसेक्टॉमी: एक यादृच्छिक परीक्षण (एनस्नेयर परीक्षण)

24. सूजन आंत्र रोग में सार्कोपेनिया एवं कमजोरी की व्यापकता और प्रभाव, और सूजन आंत्र रोग के रोगियों में सार्कोपेनिया और नैदानिक परिणामों पर मल्टी-मोडल इंटरवेंशन का प्रभाव

25. अंतरालीय फेफड़े के रोग वाले रोगियों में सीईडी की व्यापकता

26. क्रोनिक अग्नाशयशोथ में सीलिएक रोग की व्यापकता

27. सीलिएक रोग में भोजन विकारों की व्यापकता एवं ग्लूटन-मुक्त आहार के अनुपालन पर भोजन विकारों का प्रभाव

28. क्रोनिक हेपेटाइटिस वायरस पुनर्सक्रियन, प्रसार और वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस, तथा संक्रमण के बाद दवा प्रतिरोध को समझने हेतु रिवर्स जेनेटिक्स और जीन संपादन दृष्टिकोण

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 399 1/8/2026 2:29:46 PM

29. क्रोनिक अग्नाशयशोथ में लगातार सूजन में माइक्रोबायोम एवं माइकोबायोम की भूमिका

30. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ में कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता

31. ऊपरी जठरांत्र पथ में सब-ऐपीथैलियल घावों की व्यापकता, उनके परिणामों और 1 वर्ष में फॉलो-अप का अध्ययन करना - संभावित अवलोकन अध्ययन

32. सीलिएक रोग के एक्स विवो ऑर्गेनोइड मॉडल में विकसित होने वाले गैर-प्रतिक्रियाशील सीलिएक रोग के एटियोलॉजी को समझना

पूर्ण

1. सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों के परिवार के सदस्यों के सामने आने वाली चुनौतियों एवं बोझ का आकलन।

2. क्रोनिक लिवर रोग के रोगियों में हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस की प्रारंभिक पूर्वासूचना हेतु तरल बायोप्सी।

3. क्रोनिक अग्नाशयशोथ के रोगियों में चिंता एवं अवसाद की व्यापकता और दर्द और जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।

4. तीव्र अग्नाशयशोथ में सार्कोपेनिया और डिस्चार्ज के बाद के परिणामों पर इसका प्रभाव।

5. अपच रोगियों में क्रियाशील डियोडेनल इयोसिनोफिलिया के साथ आंत्र परजीवी संक्रमण के संबंध का पता लगाना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के रोगियों में एंडोथेरेपी की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाने हेतु एक नवीन गैर-आक्रामक अग्नाशयी वाहिनी दबाव माप तकनीक, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, संयुक्त राज्य अमेरिका

2. सीलिएक रोग (सीडी) के लिए एक टी-सेल डायग्नोस्टिक टेस्ट, इम्यूनिटास बायो बैंगलोर।

3. सर्वश्रेष्ठ सीलिएक रोग उपचार एवं ग्लूटन रिस्ट्रिक्शन एक्सक्लूशन (सीईडी-कोर), आईजीआईबी दिल्ली; आईआईटी इंदौर; गुजरात जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय।

4. सीलिएक रोग के रोगियों में एचएलए जीन हैप्लोटाइप के मूल्यांकन हेतु दो अलग-अलग तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, कनिष्क इंटरनेशनल, मुंबई।

5. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म प्रतिवेश के लक्षणों एवं लक्षित एंटी-पीडी-एल1 और एंटी वीईजीएफ थेरेपी की प्रतिक्रिया के बीच सहसंबंध: एक संभावित अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. दक्षिण एशियाई लोगों में क्रोहन रोग (सीडी): रोकथाम एवं बेहतर उपचार हेतु रोग जीवविज्ञान को परिभाषित करना। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल और मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल, यूएसए

7. जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग "सीलिएक रोग पर कंसोर्टियम", सीलिएक रोग से ग्रस्त निर्दिष्ट रोगियों के राष्ट्रीय बायोरिपोजिटरी का विस्तार एवं पोषण, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़; एसपीएमसी बीकानेर; आईजीआईबी, दिल्ली; आईआईटी दिल्ली।

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 400 1/8/2026 2:29:46 PM

8. असामान्य पहचान गुणवत्ता हेतु ढांचे का विकास, जो छोटी आंत कैप्सूल एंडोस्कोपी वीडियो फ्रेम का मूल्यांकन करता है, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

9. बुजुर्ग भारतीय आबादी में चयापचय संबंधी शिथिलता, हेपेटोस्टीटोसिस एवं मायोस्टीटोसिस से संबंधित हृदय रोग के जोखिम का आकलन करने हेतु गैर-आक्रामक इमेजिंग बायोमार्कर का विकास, विकिरण निदान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. "गंभीर नेक्रोटाइज़िंग पैंक्रियाटाइटिस (एएनपी) के रोगियों में 90-दिनों के अस्पताल मुक्त सक्रिय दिनों पर अग्नाशयी एंजाइम अनुपूरण का प्रभाव: एक बहुकेंद्रीय डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण", सीएमसी वेल्लोर

11. सीलिएक रोग के रोगियों में अतिरिक्त आंत्र अंगों के संयोजन के इम्यूनोपैथोजेनेसिस का पता लगाना, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद, हरियाणा

12. सीलिएक रोग और अन्य एंटरोपैथीज वाले रोगियों के प्लाज्मा में सिट्रुलिन का पता लगाने हेतु फ्लोरोसेंट सेंसर, रोग के बायोप्सी मुक्त निदान एवं अनुवर्ती निगरानी में सहायता: केमोसेलेक्टिव ग्लायोक्सल जांच के मॉलेक्यूलर डिजाइन और संश्लेषण, नैनो तथा सॉफ्ट मैटर विज्ञान केंद्र, बैंगलोर।

13. आत्महत्या करने वालों में एपिजेनेटिक संशोधन की भूमिका और भारतीय जनसंख्या की आत्महत्या की प्रवृत्ति में इसकी उपयोगिता का अध्ययन करने के लिए जीनोम-व्यापी डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. सूजन आंत्र रोग उपप्रकारों के लिए संभावित नैदानिक, रोगसूचक एवं चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में स्फिंगोलिपिड और ईकोसैनोइड-आधारित संकेतों की पहचान।, एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम, हरियाणा

15. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस में व्यक्तिगत दर्द उपचार (इनपेन): एक अंतर्राष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय, अन्वेषक-प्रारंभितक, संभावित, अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, आल्बोर्ग विश्वविद्यालय अस्पताल, डेनमार्क

16. केटामाइन के विकल्प के रूप में लिग्नोकेन, एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) के दौरान बेहोश करने की क्रिया हेतु प्रोपोफोल के सहायक के रूप में उपयोग किया जाता है: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

17. प्राथमिक एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोलेडोकोडुओडेनोस्टॉमी बनाम एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी द्वारा डिस्टल रिसेक्टेबल और बॉडर लाइन रिसेक्टेबल घातक पित्त अवरोध वाले रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व पित्त ड्रेनेज: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ड्रीमी), पीजीआईएमईआर चंडीगढ़

18. रेक्टल इंडोमेथेसिन, ओरल टैक्रोलिमस, या पोस्ट-ईआरसीपी अग्नाशयशोथ की रोकथाम हेतु उनका संयोजन (इंट्रो ट्रायल): एक यादृच्छिक, नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड परीक्षण, जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, यूएसए

19. कोलोरेक्टल एडेनोकार्सिनोमा में वैकल्पिक रूप से विभाजित घटनाओं की पहचान करने के लिए आरएनए-सीक्वेंस आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन - जैव सूचना विज्ञान एवं जीनोमिक्स-आधारित अध्ययन", शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 401 1/8/2026 2:29:46 PM

20. अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगजनन में माइक्रोबायोटा और आंत्र गॉब्लेट कोशिकाओं के बीच क्रॉसटॉक का अध्ययन, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद, हरियाणा

21. अल्सरेटिव कोलाइटिस में गॉब्लेट कोशिका कार्य के आरएबी7 आधारित विनियमन की क्रियाविधि का अध्ययन, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद, हरियाणा

22. मल्टीप्लेक्स एप्टा-सेंसर पैनल विकसित करके कोलोरेक्टल कैंसर के मल-आधारित निदान की दिशा की ओर राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), दिल्ली।

23. कोलोरेक्टल कैंसर की प्रगति एवं कार्सिनोजेनेसिस में ओरल माइक्रोबायोटा की भूमिका को समझना, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), दिल्ली।

पूर्ण

1. एशिया में उच्च जोखिम वाले समूह में सीलिएक रोग की व्यापकता का अनुमान लगाने हेतु एक पायलट अध्ययन (एशियाई सीलिएक रोग अध्ययन), एम्स दिल्ली भारत, सिंगापुर, थाईलैंड, बैंकॉक, इंडोनेशिया, जापान,

2. दक्षिण भारतीयों की तुलना में उत्तर भारतीयों में सीलिएक रोग की व्यापकता; अंतर जानने हेतु प्रवासी अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स दिल्ली

3. उत्तर भारत के आईबीडी रोगियों में आंत माइक्रोबायोम, माइकोबायोम एवं वायरोम पर शहरीकरण का प्रभाव, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

4. कम प्रतिरक्षाजनक ग्लूटन वाले गेहूं के विकास हेतु अन्वेषण, एम्स दिल्ली, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), दिल्ली, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर; आईसीएआर-एनआईपीबी दिल्ली।

5. आईबीडी में निरंतर प्रतिरक्षा दमन के तहत कोविड-9 एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और माउंट सिनाई, यूएसए में इकान स्कूल ऑफ मेडिसिन

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	34	34	38
कुल वित्तपोषण	1672 लाख रुपये	3856 लाख रुपये	5379 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 83 **सार: 15** **पुस्तकों में अध्याय: 01**

प्रकाशन:

मद	2022-2023	2023-24	2024-25
कुल			
पत्रिकाओं में लेख	125	105	83

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 402 1/8/2026 2:29:46 PM

मद	2022-2023	2023-24	2024-25
सार	50	31	15
पुस्तकों में अध्याय	शून्य	2	1

रोगी उपचार:

बाह्य रोगी विभाग में निम्नलिखित संख्या में रोगी देखे गए: नियमित ओपीडी एवं विशेष क्लीनिक

जांच का नाम	2022-2023		2023-2024		2024-2025	
नियमित जठरांत्र रोग विज्ञान ओपीडी (सोमवार से शुक्रवार)						
नए मामले	42586		31679		28974	
पुराने मामले	93358		72865		79673	
विशेष क्लीनिक	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**नए मामले**	**पुराने मामले**
लिवर क्लिनिक	1105	10317	911	11644	1496	11929
अग्न्याशय क्लिनिक	898	4290	933	4887	777	3593
आईबीडी और आईटीबी क्लिनिक	855	7844	654	7823	696	7009
इंटरवेंशनल क्लिनिक	लागू नहीं	527	126	1214	142	1222
सीलिएक क्लिनिक	101	955	131	1087	135	1205
एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं						
नैदानिक एवं चिकित्सीय एंडोस्कोपी	18602		19270		19065	
नैदानिक एवं चिकित्सीय कोलोनोस्कोपी	2549		5214		5213	
नैदानिक सिग्मोइडोस्कोपी	1683		2486		2298	
साइड व्यूइंग एंडोस्कोपी	502		460		356	
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी)	1908		2010		1723	
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय)	340		845		834	

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 403 1/8/2026 2:29:46 PM

जांच का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
प्रति ओरल एंडोस्कोपिक मायोटॉमी	51	40	33
परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी	5	68	58
वाल्ड ऑक नेक्रोसिस-एंडोस्कोपिक लैवेज	38	210	262
सेल्फ-एक्सपेंडिंग मटैलिक स्टेंट प्लेसमेंट	39	95	56
एंटरोस्कोपी	53	65	48
फाइब्रोस्कैन (ट्रांसिऐटं इलास्टोग्राफी)	12344	12560	13167
मैनोमेट्री (इसोफेगल एडं एनोरेक्टल)			2917
प्रयोगशाला जांच	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
जांच हेतु वायरल न्यूक्लिक एसिड अलगाव	7120	195	249
रक्त से जीनोमिक डीएनए ओईसोलेशन	727	92	51
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचबीवी परिमाणीकरण	4799	150	237
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचसीवी परिमाणीकरण	2599	12	90
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	170	शून्य	शून्य
एचईवी का मात्रात्मक पता लगाना	687	107	48
एलिसा द्वारा एचबीएसएजी	958	212	45

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 404 1/8/2026 2:29:46 PM

जांच का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ईएलएफए द्वारा एंटी एचबीएसएजी	187	106	30
एलिसा द्वारा एचबीईएजी	2020	513	540
एलिसा द्वारा एंटी एचबीई	615	203	224
एलिसा द्वारा एंटी एचबीसी टोटल	746	226	215
विडाज़ द्वारा एचबीसी आईजीएम	246	41	116
एलिसा द्वारा एचएवी आईजीएम	427	219	128
एलिसा द्वारा एचईवी आईजीएम	891	382	331
एलिसा द्वारा एंटी एचसीवी	287	112	21
एलिसा द्वारा ईबीवी आईजीएम	23	शून्य	शून्य
एलिसा द्वारा सीएमवी आईजीएम	98	शून्य	शून्य
आर्टियल अमोनिया	510	178	68
नेफेलोमेट्री द्वारा आईजीजी4	250	209	341
कोलोरीमैट्री द्वारा डी-ज़ाइलोज़	418	287	367
ईदर एक्सट्रेक्शन द्वारा फैक्ल फैट	3	5	7
एलिसा द्वारा फेकल इलास्टेज	1033	254	613
हाइड्रोजन ब्रीथ टेस्ट	51	20	33
यूरिया/अमोनिया ब्रीथ टेस्ट	231	56	26

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 405 1/8/2026 2:29:47 PM

जांच का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एलिसा द्वारा एंटी टीटीजी आईजीए	5235	2748	3468
टर्बिडोमेट्री द्वारा सेरुलोप्लास्मिन	2895	1457	1762
कोलोरीमैट्री द्वारा सीरम कॉपर	2274	922	1059
24 घंटे यूरिन कॉपर	895	481	710
स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पेरोक्सीडेशन (एमडीए)	14	शून्य	शून्य
फ्री रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	14	शून्य	शून्य
फेकल कैलप्रोटेक्टिन	322	322	517
टोटल ऑक्सीडेंट स्ट्रेस (टीओएस)	14	शून्य	शून्य
टोटल एंटीऑक्सीडेंट स्ट्रेस (टीएएस)	14	शून्य	शून्य
फैकल बाइल एसिड जांच	280	228	7
फैकल इलेक्ट्रोलाइट	शून्य	10	शून्य
आईएल6	320	शून्य	शून्य
एफएबीपी	160	शून्य	शून्य
सीआरपी	320	शून्य	शून्य

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य प्रमोद कुमार गर्ग ने 2020-2025 के लिए जे.सी. बोस फेलोशिप प्राप्त की विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड,भारत सरकार। वह अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका पैन्क्रियाटोलॉजी के प्रधान संपादक; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एफएएमएस), भारत के परिषद सदस्य, 2021-25 और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) के परिषद सदस्य, 2022-24 रहे।

आचार्य विनीत आहूजा जर्नल ऑफ जठरांत्र रोग विज्ञान एंड हेपेटोलॉजी ओपन के प्रधान संपादक। वह आईआईएसईआर भोपाल में एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष हैं; अशोका विश्वविद्यालय में एथिक्स कमेटी के सदस्य; जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ में एथिक्स कमेटी के सदस्य; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में संस्थान निकाय के सदस्य; नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज में शैक्षिक

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 406 1/8/2026 2:29:47 PM

निकाय के सदस्य; एम्स जोधपुर में चयन समिति के अध्यक्ष; एशियन ऑर्गनाइजेशन ऑफ क्रोहन एंड कोलाइटिस के शासी बोर्ड के सदस्य; और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज की कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं। उन्होंने एशिया पैसिफिक एसोसिएशन फॉर जठरांत्र रोग विज्ञान (एपीएजीई) क्लिनिकल फोरम ऑन इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज में केएल गोह ओरेशन और 2024 में एम्स कल्याणी में गैस्ट्रो सीएमई में डॉ. बीसी रॉय ओरेशन दिया।

आचार्य गोविंद मखारिया 2025 के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के फेलो के रूप में चुने गए हैं; 2024 के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, यूनाइटेड किंगडम के फेलो के रूप में चुने गए हैं; इंडियन सोसाइटी ऑफ जठरांत्र रोग विज्ञान के अध्यक्ष (2023-24); एम्स में अनुसंधान अनुभाग के एसोसिएट डीन; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के शासी परिषद सदस्य; शैक्षिक परिषद के सदस्य, आईसीएमआर; विश्व जठरांत्र रोग विज्ञान संगठन के शासी परिषद सदस्य; विश्व जठरांत्र रोग विज्ञान संगठन की नैदानिक अनुसंधान समिति के अध्यक्ष (2020-25); विश्व जठरांत्र रोग विज्ञान संगठन में जलवायु समिति और प्लेनेटरी स्वास्थ्य के सदस्य; एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी हेतु सीलिएक रोग पर समिति के अध्यक्ष; सीलिएक रोग पर अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के बोर्ड सदस्य; जैव प्रौद्योगिकी विभाग में तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य; बीआईआरएसी में टीईसी के सदस्य; वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद में विशेष चयन समिति के सदस्य; जेएनयू में संस्थागत नैतिकता समीक्षा बोर्ड (आईईआरबी) (2020 से आगे); सीलिएक रोग पर जैव प्रौद्योगिकी कंसोर्टियम विभाग के समन्वयक; एम्स में कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के प्रभारी आचार्य; एम्स में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति के अध्यक्ष; एम्स मंगलागिरी में स्थायी चयन समिति (एसएससी) के सदस्य रहे। उन्होंने 2024 में भारत के वाराणसी में 65वें आईएसजीसीओएन में अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने आईसीएमआर द्वारा आयोजित शैक्षिक नैदानिक परीक्षणों, गैर-नियामक परीक्षणों एवं गैर-अन्वेषणात्मक नई दवा परीक्षणों पर विचार-मंथन बैठक, हैदराबाद में सीएसआईआर-सीसीएमबी बैठक और सीबीआर, IIएससी, बैंगलोर में जीनोम इंडिया और माइक्रोबायोम पहल हेतु तकनीकी निगरानी एवं सलाहकार समिति की बैठक में भी भाग लिया है।

आचार्य शालीमार ऑटोइम्यून लिवर रोग (एआईएलडी) पर विशेष रुचि समूह (एसआईजी)/टास्कफोर्स के सदस्य रहे हैं और कोच्चि, केरल में भारतीय राष्ट्रीय लिवर अध्ययन संघ (आईएनएएसएल) की 32वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में तीव्र एवं दीर्घकालिक लिवर विफलता पर सत्र की अध्यक्षता की है।

आचार्य बैबस्वता नायक ने फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी जर्नल में पांडुलिपि प्रकाशन के लिए संपादक के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में तीन पत्रिकाओं के लिए एक सहयोगी संपादक हैं, जिनमें फ्रंटियर्स इन मेडिसिन (हेपेटोलॉजी), फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी (वायरोलॉजी), और जठरांत्र रोग विज्ञान एंड हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल जर्नल (जीएचआईजे) शामिल हैं। वह 26 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक भी हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एचसीसी के उपचार में स्कोर और पूर्वसूचक मॉडल पर सत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय लिवर कैंसर कोर्स 2024 (आईएलसीसी2024) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने आईएलसीसी 2024 में पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र के लिए जज के रूप में काम किया और एमआईसीआरओसीओएन 2024 में वायरोलॉजी पोस्टर प्रेजेंटेशन के लिए जज के रूप में काम किया। वह एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग एजेंसियों (आईसीएमआर तथा डीएसटी) के एक्सपर्ट हैं। उन्होंने आईएलबीएस एवं एसएयू से पीएचडी शोध प्रबंध प्राप्त किए हैं एवं विभिन्न प्रवेश और पीएचडी मौखिक परीक्षाओं के लिए आईएलबीएस, जेएनयू, टीएचएसटीआई, आईआईटी और केआईआईटी सहित कई संस्थानों हेतु परीक्षक के रूप में काम किया है।

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 407 1/8/2026 2:29:47 PM

डॉ. दीपक गुंजन क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु में इंडियन पैंक्रियाज़ क्लब के लिए अग्नाशयी एंजाइम प्रतिस्थापन चिकित्सा हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित करने में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2025 में मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित जठरांत्र रोग विज्ञान एक्सीलेंस प्रोग्राम के 7वें संस्करण की भी अध्यक्षता की है।

डॉ. सौम्या जगन्नाथ महापात्रा नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की एसोसिएट फेलो हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. मैत्रेयी रमन** कैलगरी विश्वविद्यालय में काय-चिकित्सा विभाग में सह-आचार्य, अक्टूबर 2024 में एक महीने के लिए हमारे विभाग में विजिटिंग आचार्य थे।

2. **आचार्य मार्टिन फ्रीमैन** अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय में जीआई डिवीजन में काय-चिकित्सा के आचार्य ने विभाग का दौरा किया एवं 22 अप्रैल 2024 को ईआरसीपी केस पर चर्चा की।

3. **डॉ. सिल्विया मेलगर** आयरलैंड के कॉर्क में एपीसी माइक्रोबायोम इंस्टीट्यूट के अन्वेषक ने 23 सितंबर 2024 को विभाग का दौरा किया, और "बैक्टीरिया और आहार योजकों के योगशील प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव एवं आईबीडी के लिए उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करने वाले तंत्रों की पहचान" पर एक व्याख्यान दिया।

4. **डॉ. मारिएटा इयाकुची** यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क में आचार्य एवं सलाहकार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, ने 3 अक्टूबर 2024 को विभाग का दौरा किया और "आईबीडी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एंडोहिस्टोमिक्स" पर एक व्याख्यान दिया।

5. **डॉ. क्लाउडियो फियोची** क्लीवलैंड क्लिनिक लर्नर कॉलेज ऑफ मेडिसिन में मॉलेक्यूलर चिकित्सा तथा ओहियो के लर्नर रिसर्च इंस्टीट्यूट में सूजन एवं प्रतिरक्षा विभाग के आचार्य ने 7 अक्टूबर को विभाग का दौरा किया और "सटीक चिकित्सा के साथ आईबीडी में उपचारात्मक सीमा को तोड़ना" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

6. **डॉ. गुरसिमरन कोचर** एलेघेनी हेल्थ नेटवर्क, पिट्सबर्ग में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एवं पोषण के प्रमुख ने 27 अक्टूबर 2023 को विभाग का दौरा किया तथा शाम 5 बजे 'आईबीडी में एंडोस्कोपी की भूमिका' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

7. **आचार्य डेविड वेनबर्ग** फॉक्स चेस कैंसर सेंटर, टेम्पल हेल्थ, संयुक्त राज्य अमेरिका में काय-चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष, ने 4 दिसंबर 2024 को विभाग का दौरा किया और "मल्टी-कैंसर प्रारंभिक पहचान परीक्षण - तैयार हैं या नहीं?" पर व्याख्यान दिया।

8. **डॉ. मयूर गर्ग** नॉर्दर्न हेल्थ में जठरांत्र रोग विज्ञान के निदेशक एवं मेलबर्न विश्वविद्यालय में नैदानिक सह-आचार्य, ने 19 दिसंबर 2024 को विभाग का दौरा किया और गंभीर सीवियर अल्सरेटिव कोलाइटिस पर एक व्याख्यान दिया।

9. **डॉ. अंजन धर**, टीसाइड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में काय-चिकित्सा के आचार्य ने 28 जनवरी 2025 को विभाग का दौरा किया और "एंडोबैरिएट्रिक्स - नई सीमा" पर एक व्याख्यान दिया।

10. **डॉ. अमित सिंगल** यूटी साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर के आंतरिक चिकित्सा विभाग के आचार्य, ने 29 जनवरी 2025 को विभाग का दौरा किया

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 408 1/8/2026 2:29:47 PM

11. **प्रो. अन्र्ड्ट वोगेल,** एमडी, जीआई-कैंसर सेंटर के प्रमुख और मेडिकल स्कूल हनोवर में व्यक्तिगत चिकित्सा केंद्र के प्रमुख ने 7 फरवरी 2025 को विभाग का दौरा किया और उन्नत एचसीसी में इम्यूनोथेरेपी की भूमिका और प्रतिरक्षा-मध्यस्थ प्रतिकूल घटनाओं के उपचार पर एक व्याख्यान दिया।

12. **प्रो. असबजॉर्न मोहर ड्रूज़ एवं प्रो. सोरेन शू ओलेसन** डेनमार्क के आल्बोर्ग विश्वविद्यालय, 11 मार्च 2025 को विभाग का दौरा किया और क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस पर केस-आधारित चर्चा की।

13. **डॉ. डैनियल लेफ़लर** हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में काय-चिकित्सा के सह-आचार्य ने 25 मार्च 2025 को विभाग का दौरा किया और सीलिएक रोग में नए विकास पर व्याख्यान दिया।

14. **डॉ. नमिता सिंह** टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और इन्फ्लेमेशन के वरिष्ठ चिकित्सा निदेशक एवं वैश्विक नैदानिक विकास प्रमुख ने 25 मार्च, 2025 को विभाग का दौरा किया और इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज में टीवाईके2 अवरोध पर एक व्याख्यान दिया।

15. **डॉ. चक्षु देसाई** हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. एम. के. शर्मा ने 25 मार्च 2025 को विभाग का दौरा किया एवं वैश्विक नैदानिक परीक्षणों में सुरक्षा निगरानी पर व्याख्यान दिया।

9.13- GASTRO WORKING.en.hi.indd 409 1/8/2026 2:29:47 PM

9.14 जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुजॉय पाल

आचार्य
निहार रंजन दास

सह-आचार्य
राजेश पंवार | सौरभ गलोधा | आनंद नारायण सिंह

सहायक आचार्य
कैलाश चंद कुर्डिया

विशिष्टताएं

विभाग ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइन्टेरोलॉजी (आईएएसजी) के सहयोग से मध्यावधि सीएमई का आयोजन किया। विभाग ने सर्जिकल प्रशिक्षुओं के लिए पेन्क्रिएटिको-जेजुनोस्टॉमी कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। इण्डियन चैप्टर ऑफ इंटरनेशनल हिपाटो-पैनक्रिटो-बिलियरी एसोसिएशन (आईएचपीबीए इंडिया) के भारतीय चैप्टर के सहयोग से, विभाग के संकाय ने 23-27 अक्टूबर 2024 तक काठमांडू, नेपाल में आयोजित एचपीबी सर्टिफिकेट कोर्स का समन्वय किया। विभाग ने 8 सितंबर 2024 को एनबीई सर्जिकल जठरांत्र रोग विज्ञान नैदानिक परीक्षा का भी आयोजन किया। वर्ष 2024 का एक अन्य मुख्य आकर्षण ऑपरेशन थिएटर स्लॉट और अंत:रोगी बिस्तरों की संख्या में वृद्धि के रूप में रोगी उपचार सेवाओं का विस्तार था। विभाग ने इस विस्तार का पूरी तरह से उपयोग किया तथा 1110 बडें जी.आई. ऑपरेशन किए। इस विभाग की स्थापना के बाद से पहली बार एक वर्ष में 1000 से अधिक ऑपरेशन किए गए।

शिक्षा

विभाग स्नातक-पूर्व छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। छठे तथा आठवें सेमेस्टर के छात्रों को शिक्षाप्रद व्याख्यानों एवं एकीकृत संगोष्ठियों के माध्यम से निम्नलिखित विषय पढ़ाए गए:

पोर्टल उच्च रक्तचाप
ऊपरी जठरांत्र रक्तस्राव
तीव्र आंत्रीय रुकावट
छोटी तथा बड़ी आंत के सूजन संबंधी घाव
पेट का कैंसर
पित्त संबंधी संकुचन
अवरोधक पीलिया
तीव्र अग्न्याशयशोथ
शल्य चिकित्सा रोगियों में पोषण
हल्का तथा घातक ग्रासनली विकार
निचले जठरांत्र रक्तस्राव
आंतों का तपेदिक
आंत्र और यकृत के अमीबी घाव
पित्ताशय की पथरी रोग और जटिलताएँ
पित्ताशय का कैंसर
अग्न्याशय के रोग
क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस

9.14_.indd 410 1/8/2026 2:32:11 PM

विभाग जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एमसीएच की उपाधि प्राप्त करने हेतु तीन वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग में 15 एमसीएच छात्र हैं। विभाग 1-3 महीने की अवधि के लिए अल्पकालिक पर्यवेक्षण भी प्रदान करता है। साप्ताहिक शैक्षणिक गतिविधियों में साप्ताहिक ऑडिट, हाल ही में प्रकाशित शोधपत्रों के सारांश प्रस्तुत करना, एक संगोष्ठी, जर्नल क्लब तथा अनुसंधान एवं शोध प्रबंध परियोजनाओं पर चर्चा शामिल है। इसके अलावा, जठरांत्र रोग विज्ञान तथा जी.आई. विकिरण विज्ञान सम्मेलन का एक संयुक्त सत्र सप्ताह में एक बार आयोजित एवं जीई-जी.आई. सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन दो सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है। विभाग नियमित रूप से स्नातकोत्तर छात्रों को आंत्र, पित्त, अग्न्याशय एवं संवहनी सम्मिलन तकनीक सिखाने के लिए यकृत पुनर्प्राप्ति तथा ऊतक मॉडल आधारित शल्य चिकित्सा कौशल पाठ्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. पेन्क्रिएटिको-जेजुनोस्टॉमी कार्यशाला, 8-9 जून 2024, वेट लैब, सेट सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक द्वितीय तल, एम्स, नई दिल्ली
2. आईएएसजी की मध्यावधि बैठक, 13-14 जुलाई 2024; जवाहर लाल सभागार, एम्स, नई दिल्ली
3. पेन्क्रिएटिको-जेजुनोस्टॉमी कार्यशाला, 27-28 जुलाई 2024, वेट लैब, सेट सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक द्वितीय तल, एम्स, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 55

सुजॉय पाल: 16 **निहार रंजन दास: 14** **राजेश पंवार: 19**
सौरभ गलोधा: 2 **कैलाश चंद कुर्डिया: 4**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
28	51	55

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुति: 9

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति

2022-2023	2023-2024	2024-2025
3	5	9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1 पशु ऊतकों का उपयोग करके डक्ट-टू-म्यूकोसा पेन्क्रिएटिको-जेजुनोस्टॉमी के लिए एक संरचित हेन्ड-आन शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास तथा सत्यापन, डॉ. राजेश पंवार,एम्स, नई दिल्ली इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-25, 5 लाख रुपये

9.14_.indd 411 1/8/2026 2:32:11 PM

2 पित्ताशय के कैंसर के ट्रांसक्रिप्टोम की खोज: आरएनए अनुक्रमण तथा ऑर्गेनोइड्स का उपयोग करके मेटास्टेटिक एवं गैर-मेटास्टेटिक रोगियों का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. कैलाश चंद कुर्डिया, एम्स अंतःविषय सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 02 वर्ष, 2024-26, रु. 5 लाख

3 इसोफेगियल कैंसर में कीमोरेसिस्टेंस में शामिल एलएनसीआरएनए-एमआईआरएनए-एमआरएनए नियामक अक्षों की पहचान के लिए ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग, डॉ. एनआर दास, एसईआरबी, जारी, 2023-26, 45.36 लाख रुपये

4 सीएचआरएसपी बल्लभगढ़ और इसके संबद्ध केंद्रों के बीच चिकित्सा आपूर्ति के लिए मानव रहित हवाई वाहनों का परीक्षण,डॉ. राजेश पंवार, एम्स, नई दिल्ली(एम्स-आईआईटी सहयोगी अनुसंधान परियोजना),2 वर्ष, 2023-25, 2.5 लाख रुपये

पूर्ण

1 भारत में इसोफेगियल कैंसर रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के कम्प्यूटेशनल पूर्वानुमान विश्लेषण के लिए डेटाबेस निर्माण, डॉ. राजेश पंवार (एम्स, नई दिल्ली से पीआई, आईसीएमआर (सहयोगी बहु-केंद्रीय परियोजना), 3 वर्ष, 2021-24, 27.56 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1 व्हिपल पेन्क्रिएटिकोड्यूओडेनेक्टॉमी का उपचार करवा रहे रोगियों में शल्यक्रिया से पहले तथा बाद में समान विशिष्ट रोगजनक जीवों की पहचान की संभावना और उनके एंटीबायोटिक संवेदनशीलता पैटर्न के सहसंबंध को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन

2 अग्न्याशय-उच्छेदन के बाद तीव्र अग्न्याशयशोथ के नैदानिक महत्व एवं जोखिम कारक - एक एकल केंद्र संभावित समूह अध्ययन

3 पित्ताशय कैंसर के रोगियों में ट्यूमर इनफील्ट्रेशन लिम्फोसाइटों का नैदानिक महत्व

4 क्रोनिक अग्न्याशयशोथ के रोगियों में पीड़ा की गंभीरता के साथ अग्न्याशय की शल्यक्रिया के बाद की मॉर्फोलॉजी का सहसंबंध: एक व्यापक अध्ययन

5 यकृत उच्छेदन का उपचार करवा रहे रोगियों में हेपेटेक्टोमी के बाद यकृत विफलता-जोखिम मूल्यांकन (पीएचएलएफ-आरआई) स्कोरिंग प्रणाली का विकास तथा पुष्टि करना

6 पोर्टल कैवर्नोमा कोलेंजियोपैथी के उपचार के बाद के परिणाम

7 संपूर्ण अग्न्याशय उच्छेदन के बाद जीवन की गुणवत्ता: एक एकल केंद्र क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

8 हेपेटोबिलरी दुर्दमताओं में एफएपीआई-पीईटी/सीटी की भूमिका - एक संभावित पायलट अध्ययन

9 अब्स्ट्रक्टिव पीलिया के साथ उपस्थित पित्ताशय कार्सिनोमा में विभिन्न उपचार नीतियों की सफलता दर का मूल्यांकन करना

10 एम्स, नई दिल्ली में आने वाले एमईएन1 वाले रोगियों के समूह की पृष्ठभूमि में होने वाले अग्न्याशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के स्पेक्ट्रम का अध्ययन करना।

9.14_.indd 412 1/8/2026 2:32:11 PM

11 अग्न्याशय ग्रहणी उच्छेदन से पीडित रोगियों के एक भारतीय समूह में पीआरईडीआईसीटी-डीजीई स्कोरिंग प्रणाली को मान्य करना, जिसका उद्देश्य विलंबित गैस्ट्रिक खाली होने के जोखिम का पूर्वानुमान लगाना और उसका आकलन करना है।

12 अग्न्याशय ग्रहणी उच्छेदन का उपचार करवा रहे रोगियों के एक भारतीय समूह में पीआरईडीआईसीटी-डीजीई स्कोरिंग प्रणाली को मान्य करना, जिसका उद्देश्य विलंबित गैस्ट्रिक एम्प्टींइग के जोखिम का पूर्वानुमान लगाना तथा उसका आकलन करना है।

पूर्ण

1 प्राथमिक रिसेक्टेबल कार्सिनोमा पित्ताशय में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18एफडीजी-पीईटी/सीटी) की भूमिका

2 एम्स में ईएचपीवीओ के लिए प्रोफिलैक्टिक शंटिंग कराने वाले रोगियों के दीर्घकालिक अनुवर्ती अध्ययन के लिए

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1 बड़े ओपन एब्डोमिनल शल्य चिकित्सा करवा रहे वयस्क रोगियों में पोस्टऑपरेटिव फेफड़ों के एटेलेक्टासिस एवं पुल्मोनरी जटिलताओं पर जी:ई अनुपात अनुकूलन एवं लंबे समय तक अंत श्वास विराम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान

2 सूजन आंत्र रोग वाले रोगियों से आंतों की बायोप्सी में टाइट जंक्शन क्लाउडिन प्रोटीन का अध्ययन, विकृति विज्ञान

पूर्ण

1 मध्यम से गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में छूट लाने में टोफैसिटिनिब और फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण (एफएमटी) बनाम टोफैसिटिनिब एवं शम फीडिंग के संयोजन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र रोग विज्ञान

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	5	4	5
कुल वित्तपोषण	26.46 लाख रुपये	35.40 लाख रुपये	57.86 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 18 सार: 04 पुस्तक में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	33	28	24

9.14_.indd 413 1/8/2026 2:32:11 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिका लेख	21	25	18
सार	11	2	4
पुस्तकों में अध्याय	0	1	2
पुस्तकें	1	0	0

रोगी उपचार

ओपीडी

नए रोगी: **पुन: दिखाने आए रोगी:**

विशिष्टता क्लीनिक

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए दैनिक क्लिनिक का संचालन कर रहा है।

अंत: रोगी

कुल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं: 1110 **वैकल्पिक:** 860 **आपातकालीन:** 250

विशेष रुचि क्षेत्र

पित्त अवरोध: 211
ग्रासनली कैंसर: 36
अल्सरेटिव कोलाइटिस: 49
लोअर जी.आई. रक्तस्राव: 11
क्रोनिक अग्न्याशयशोथ: 25
अग्न्याशय-ग्रहणी उच्छेदन: 90
पोर्टल उच्च रक्तचाप: 89
पित्ताशय कार्सिनोमा: 97
अपर जी.आई. रक्तस्राव: 5
तीव्र अग्न्याशयशोथ: 81
पित्त संबंधी संकुचन: 26
बड़ा यकृत उच्छेदन: 19

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर:

कारगिल, लद्दाख में चिकित्सा शिविर: दिनांक 7-13 जुलाई 2024

- बाह्य रोगी सेवाएं
- अंत:रोगी परामर्श

लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर: दिनांक 14-21 सितंबर 2024

- बाह्य रोगी सेवाएं
- अंत:रोगी परामर्श
- मेजर ऑपरेटिव प्रक्रियाएं
- दूरदराज के क्षेत्रों से आउटरिच ओपीडी

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल ओपीडी	14058	14838	28032

9.14_.indd 414 1/8/2026 2:32:11 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी: नयी	3277	3736	3840
ओपीडी: फोलो-अप	10781	11102	24192
कुल भर्ती रोगी	994	1228	1323
वैकल्पिक शल्य चिकित्सा	392	745	860
आपातकालीन शल्य चिकित्सा	232	235	250

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर सुजॉय पाल अक्टूबर 2024 में 3 साल के कार्यकाल के लिए भारतीय इंडियन एसोसिएशन ऑफ गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी के महासचिव चुने गए। डॉ. सुजॉय पाल पित्ताशय कैंसर के आईएचपीबीए-एपीएचपीबीए अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन समूह का हिस्सा थे, जिसने 2024 में अपनी नैदानिक प्रैक्टिस संस्तुतियां प्रकाशित की। उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से एमसीएच सर्जिकल जठरांत्र रोग विज्ञान एग्जिट परीक्षाओं में बैठने वाले विभिन्न उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत 4 थीसिस का भी मूल्यांकन किया।

प्रोफेसर निहार रंजन दास "जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन रिसर्च" के मुख्य संपादक हैं ई-आईएसएसएन: 2348-1064

डॉ. राजेश पंवार आईएएसजी की शिक्षा समिति के सदस्य, ट्रॉपिकल जठरांत्र रोग विज्ञान जर्नल के अनुभाग संपादक, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल जठरांत्र रोग विज्ञान के कार्यकारी सदस्य और इण्डियन चैप्टर इंटरनेशनल हेपाटो-पैनक्रिएटो बिलियरी एसोसिएशन (आईएचपीबीए) के सदस्य, सेट सुविधा टीम एवं वेट लैब उप-समिति के सदस्य, एम्स, नई दिल्ली के पूर्व छात्र संघ 'द एम्सोनियन्स' के संयुक्त सचिव; के लिए अध्यक्ष/जज/संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था जयपुर में यकृत समिट और आईएचपीबीए मिडटर्म मीट 2024, पटना में आईएएसजीसीओएन 2024, एंडोसर्ज, दिल्ली, प्रथम एएमएएसआई एमएमएएस-एचपीबी कोर्स, दिल्ली एवं कोलकाता में आईएचपीबीए इंडिया 2025; कई अंतरराष्ट्रीय अनुक्रमित पत्रिकाओं के समीक्षक हैं।

डॉ. कैलाश सी. कुर्डिया 2024 एसीएस-गुणवत्ता एवं सुरक्षा सम्मेलन, डेनवर, कं. यूएसए में भाग लेने के लिए आईसीएमआर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान सहायता प्राप्त हुई, 18-21 जुलाई 2024।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. रवींद्र कडियाला, निदेशक या लिविंग डोनर ट्रांसप्लांट एवं उदर प्रत्यारोपण फैलोशिप, प्रत्यारोपण प्रभाग ड्यूक विश्वविद्यालय, डरहम, एनसी, यूएसए ने जून 2024 में जठरांत्र शल्य चिकित्सा और जठरांत्र रोग विज्ञान विभागों, एम्स का दौरा किया, यकृत प्रत्यारोपण से संबंधित केस चर्चाओं पर रेजिडेंटों के साथ बातचीत की और 7 जून 2024 को निम्नलिखित विषयों पर 2 व्याख्यान दिए:

1. भारत में छोटी आंत प्रत्यारोपण का विकास कार्यक्रम: तकनीकी एवं तर्कसंगत चुनौतियाँ
2. पेरिहिलर कोलेंजियोकार्सिनोमा के लिए यकृत प्रत्यारोपण

व्याख्यानों को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और उनमें श्रोताओं की काफी रुचि पैदा हुई।

9.14_.indd 415 1/8/2026 2:32:11 PM

9.15 जराचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
नवीत विग

आचार्य
प्रसून चटर्जी अविनाश चक्रवर्ती

सहायक आचार्य
निधि सोनी प्रमोद कुमार मेहता
अंबिका सिंह (संविदात्मक) अभिजीत आर राव (संविदात्मक)

विशिष्टताएं

एम्स, नई दिल्ली के जराचिकित्सा विभाग ने 2024 में अपनी सेवाओं का विस्तार और जराचिकित्सा उपचार की गुणवत्ता में सुधार करते हुए उल्लेखनीय प्रगति की है। राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रम (एनपीएचसीई) के अंतर्गत, राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र, एनसीए एम्स (नई दिल्ली) का उद्घाटन 2023 में किया गया और यह वृद्धजनों के लिए व्यापक उपचार प्रदान करने वाली एक अत्याधुनिक सुविधा के रूप में उभरा है। शल्य चिकित्सा, अस्थिरोग, मनोचिकित्सा, पीएमआर, हृद् रोग विज्ञान और विकिरण विज्ञान जैसे विभागों के सहयोग से, यह केंद्र वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवा के लिए एक एकीकृत, बहु-विषयक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

प्रमुख उपलब्धियों में वर्ष 2023 में एनसीए ओपीडी और प्रयोगशाला/विकिरण विज्ञान सेवाओं का संचालन शुरू करना, उसके बाद 2024 में एनसीए में इनपेशेंट सेवाएं, एक समर्पित जराचिकित्सा आईसीयू और पूरी तरह सुसज्जित ऑपरेशन थिएटरों का शुभारंभ शामिल है। विशिष्ट सेवाओं का विस्तार हुआ है, जिसमें क्रमशः कैंसर और फ्रैक्चर के रोगियों के लिए जराचिकित्सा अर्बुदविज्ञान और फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर क्लीनिक शामिल हैं, जो डिमेंशिया मूल्यांकन के लिए मौजूदा मेमोरी क्लिनिक की कमी को पूरा करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक सहयोगी केंद्र के रूप में, विभाग सक्रिय रूप से वृद्धावस्था अनुसंधान और स्वास्थ्य संवर्धन को बढ़ावा देता है।

वृद्धजनों के लिए एकीकृत देखभाल (आईसीओपीई) पहल, जो आंतरिक क्षमता निर्माण पर केंद्रित है, में 3,956 वृद्धों की जाँच हुई, जिससे समय पर मूल्यांकन और इंटरवेंशन सुनिश्चित हुआ है। 30 शोध प्रबंध परियोजनाओं और 12 वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं के साथ, अनुसंधान एक आधारशिला बना हुआ है। यहाँ एक उल्लेखनीय अध्ययन "उम्र बढ़ने के बायोमार्कर" से संबंधित है, जो भारतीय जनसंख्या में वृद्धावस्था की क्रियाविधि की खोज करता है। अत्याधुनिक नैदानिक देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान के साथ, विभाग जराचिकित्सा में मानक स्थापित कर रहा है, जिससे पूरे भारत और उसके बाहर स्वस्थ वृद्धावस्था में प्रगति हो रही है।

9.15_.indd 416 1/8/2026 4:28:34 PM

शिक्षा

भारत में जराचिकित्सा के क्षेत्र में सबसे बड़े स्नातकोत्तर प्रशिक्षण विभाग के रूप में, एम्स, नई दिल्ली का जराचिकित्सा विभाग, शैक्षिक उत्कृष्टता में अग्रणी है। नैदानिक संयुक्त राउंड जैसी संस्थागत गतिविधियों के साथ-साथ, विभाग उच्च गुणवत्ता वाले स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर प्रमुख ध्यान केंद्रित करता है।

संकाय सलाहकारों के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर छात्रों और वरिष्ठ रेजीडेंटों ने शिक्षण कार्यक्रम को अनुशासन और समय की पाबंदी के साथ बनाए रखा है। अपने शैक्षणिक प्रशिक्षण के अलावा, रेज़ीडेंटों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। उनका निरंतर समर्पण उनके शोध प्रबंध अध्ययन परियोजनाएं, और उच्च गुणवत्ता वाले रोगी उपचार में उनका सराहनीय प्रदर्शन भी दिखाई देता है।

राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र (एनसीए) में "जराचिकित्सा एवं सर्जनस के बीच की दूरी को कम करना" विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सत्र आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देना वृद्ध शल्य चिकित्सा रोगियों की विशिष्ट आवश्यकताओं की समझ को बढ़ाना था। इसमें जराचिकित्सा, अस्थिरोग, शल्यचिकित्सा फिजियोथेरेपी, मनोचिकित्सा और संवेदनाहरण सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं के संकाय-सदस्यों, वरिष्ठ रेज़ीडेंटों एवं कनिष्ठ चिकित्सों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवादात्मक चर्चाओं और केस आधारित शिक्षण के माध्यम से सीएमई में रोगियों के परिणामों में सुधार लाने से जराचिकित्सकों एवं शल्य चिकित्सकों के बीच टीम वर्क के महत्व और स्वास्थ्य लाभ में अन्य विशेषताओं की सहायक भूमिका पर सफलतापूर्वक प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम सफल रहा एवं विचारों के आदान प्रदान अनुभव को सांझा करने एवं अंत:विभागीय सबंधों को मजबूत करने हेतु एक पलेटफार्म के रूप में कार्य किया।

आबंटित और जारी विभागीय शैक्षणिक, अनुसंधान और रोगी देखभाल के अलावा, विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों ने विभिन्न प्रश्नोत्तरी में भाग लिया तथा वह विभिन्न शैक्षिक समारोहों एवं प्रस्तुतियों में सक्रिय रूप से शामिल रहें।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

नाम: सीएमई- जराचिकित्सकों और शल्यचिकित्सकों के बीच की समस्याओं को समाधान
दिनांक: 2 दिसंबर 2024
शहर: नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 26
प्रसून चटर्जी: 7 निधि सोनी: 7 प्रमोद कुमार मेहता: 8
अंबिका सिंह: 2 अभिजीत आर. राव: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2023-2023	2023-2024	2024-2025
2	9	26

9.15_.indd 417 1/8/2026 4:28:34 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 6

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2023-2023	2023-2024	2024-2025
5	12	6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. वृद्ध वयस्कों में ड्यूल टास्क गेट प्रदर्शन और संज्ञानात्मक कमज़ोरी के बीच संबंध, डॉ. प्रमोद कुमार मेहता, एम्स - आंतरिक वित्तपोषण, 2 वर्ष, 2024-26, 6 लाख रुपये
2. कमजोर बुजुर्गों में साइटोकाइन्स और केमोकाइन्स की रक्त प्लाज्मा से प्राप्त एक्सोसोमल प्रोफाइलिंग और एक्सोसोम पर नॉर्डिक वॉकिंग इंटरवेंशन के प्रभाव का आकलन, डॉ. अविनाश चक्रवर्ती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 70.35 लाख रुपये
3. यूनानी फॉर्मूलेशन की एंटी-एजिंग और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का निर्धारण, डॉ. अविनाश चक्रवर्ती,सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-24, 48.72 लाख रुपये
4. भाषण, भावना और दृश्य-स्थानिक पैटर्न पहचान के माध्यम से वृद्ध लोगों की संज्ञानात्मक स्थिति का आकलन करने के लिए एक एंड्रॉइड आधारित एप्लिकेशन का विकास और सत्यापन। डॉ. प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 2 वर्ष, 2023-25, 21,43,650 रुपये
5. मध्यम यूनिपोलर अवसाद वाले बुजुर्ग रोगियों में अकेले देखभाल की तुलना में देखभाल के मानक के साथ संयोजन में सहायक प्रोबायोटिक्स की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड समानांतर-समूह प्लेसीबो-नियंत्रित बहु-केंद्र पायलट परीक्षण (एम्स, एनडी में साइट पीआई), डॉ. प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-25, 31.32 लाख रुपये
6. दक्षिण दिल्ली में रहने वाले लोगों में मनोभ्रंश से ग्रस्त लोगों और इसके जोखिम कारकों की जीआईएस आधारित निगरानी बहु-विषयक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अनुकूलित देखभाल योजना और नीति नियोजन के लिए एक पायलट क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डॉ. प्रसून चटर्जी, डीएचआर, 2 वर्ष, 2022-24, 15 लाख रुपये
7. एम्स के जराचिकित्सा विभाग के मौजूदा वृद्धावस्था समाधान पोर्टल का लाभ उठाते हुए, दृश्य-श्रव्य और प्रिंट मीडिया की श्रृंखला के माध्यम से भारत के बुजुर्गों और परिवार के सदस्यों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, डॉ. प्रसून चटर्जी, केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी), 1 वर्ष, 2023-24, 30 लाख रुपये
8. कैंसर से पीड़ित वृद्ध रोगियों के स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता पर वृद्धावस्था मूल्यांकन-आधारित इंटरवेंशन का प्रभाव डॉ. निधि सोनी, एम्स - इंट्राम्यूरल फंडिंग, 2 वर्ष, 2024-26, 10 लाख रुपये

9.15_.indd 418 1/8/2026 4:28:34 PM

9. मानव में जैविक उम्र बढ़ने, रोग भार और मृत्यु दर को परिभाषित और पूर्वानुमानित करने के लिए पाँच अलग-अलग समूहों में बायोमार्कर पैनल को मान्य करना - एक पायलट संभावित समूह अध्ययन। (तकनीकी रूप से अनुमोदित), डॉ. प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-25, 98 लाख रुपये

पूर्ण

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों में छुट्टी के 90 दिनों के भीतर अस्पताल में पुनः भर्ती होने से जुड़े कारक का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
2. यूरिनरी ट्रेक्ट के संक्रमण के रोगियों में डिलिरियम के बायोमार्कर
3. डब्ल्यूएचओ आईसीओपीई आधारित मूल्यांकन के आधार पर अस्पताल में भर्ती होने के दौरान और बाद में वृद्ध वयस्कों की आंतरिक क्षमता में परिवर्तन
4. संज्ञानात्मक कमजोर रोगियों में ड्यूल टास्क निष्पादन पर व्यायाम का प्रभाव
5. मोटरिक संज्ञानात्मक जोखिम सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक कार्य और गतिशीलता के लिए चाल और संतुलन प्रशिक्षण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक पायलट गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. बुजुर्गों में एटीटी प्रेरित हेपेटाइटिस के जोखिम की संभावना बताने वाले कारक
7. वृद्ध लोगों के स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता पर जराचिकित्सा मूल्यांकन-आधारित इंटरवेंशन का प्रभाव
8. वृद्ध वयस्क रोगियों में अस्पताल में हुए निमोनिया के जोखिम कारक और परिणाम
9. प्रारंभिक मधुमेह से पीड़ित बुजुर्ग व्यक्तियों में 20% कैलोरी प्रतिबंध के साथ मेटफॉर्मिन के प्रभाव की तुलना करने के लिए गैर-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
10. स्वस्थ एंजींग पर वृद्धों का दृष्टिकोण
11. कैंसर के निदान के बाद बुजुर्गों एवं उनकी प्राथमिक देखभाल करने वालों में धूम्रपान बंद करने का पैटर्न
12. वृद्ध वयस्कों में जीवित रहने या पुनः अस्पताल में भर्ती होने के समग्र परिणाम पर गेट गति का पूर्वानुमानित मूल्य
13. भारत के कैंसर से बचे बुजुर्ग लोगों में वृद्धावस्था क्षेत्रों में विकलांगता की व्यापकता और जीवन की गुणवत्ता तथा कैंसर रहित समान आयु वाले समूह के साथ इसकी तुलना: एक केस-कंट्रोल अध्ययन
14. मेलिगनेंसी वाले वृद्ध रोगियों में पॉलीफार्मेसी की व्यापकता
15. वृद्ध वयस्कों में मानसिक स्वास्थ्य, संज्ञान और जीवन की गुणवत्ता पर आयु संबंधी विशेष संवेदी दुर्बलता का मनोवैज्ञानिक प्रभाव

9.15_.indd 419 1/8/2026 4:28:34 PM

16. 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के वृद्ध वयस्कों में आहार पैटर्न का प्रकार और दीर्घायु, शारीरिक कार्य बायोमार्कर पर आहार पैटर्न का प्रभाव - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

17. मूत्र असंयम से पीड़ित वृद्ध महिलाओं में पेल्विक फ्लोर के मैगनेटिक सिटुमेलेशन के लाभ का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. निर्देशित फिजियोथेरेपी के बाद सार्कोपेनिया रोगियों में कार्डियो पल्मोनरी व्यायाम सूचकांकों का आकलन

2. सबसे बुजुर्ग वयस्कों में कार्यात्मक स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन

3. प्रोस्टेट कार्सिनोमा से ग्रस्त और प्रोस्टेट कार्सिनोमा रहित 65 वर्ष या उससे अधिक की आयु के भारतीय वृद्धों में आंतरिक क्षमता का आकलन

4. भारत में कैंसर से पीड़ित वृद्ध रोगियों में भविष्य में विषाक्तता की के लिए सीएआरजी और सीआरएएसएच स्कोर की प्रभावकारिता की तुलना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. नींद की गुणवत्ता, मस्तिष्क मोर्फोमिटरी और संज्ञान के बीच के अंतर्संबंधों को समझने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण (एक सोलेस अध्ययन): भारत बनाम यूके में रहने वाले व्यक्तियों के बीच तुलना, शरीरक्रिया विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

2. नई दिल्ली के चयनित वृद्धाश्रमों, में बुजुर्गों के बीच कल्याण और अवसाद पर रेमिसेंस थेरेपी की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली

3. वृद्धों में नींद की संरचना, मस्तिष्क मोफोमेट्री और संज्ञान का एक अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

4. आईसीयू में वृद्ध व्यक्तियों में एचएआई की निगरानी संबंधी अध्ययन, अस्पताल प्रशासन, एम्स, नई दिल्ली

5. रजोनिवृत्त महिलाओं में आयुर्वेद फॉर्मूलेशन की अस्थि-सुरक्षात्मक भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए टू-आर्म लांगिटियूडनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

6. वृद्ध जनसंख्या में वृद्धावस्था को समझने के लिए एंजियोजेनेसिस-संबंधी प्रोटीन का विश्लेषण, हृद् जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

7. संज्ञानात्मक हानि के साथ जीवन के अंतिम चरण में अवसाद में एस्सिटालोप्राम और बुस्पिरोन की संयुक्त प्रभावकारिता का आकलन - एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मनोचिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

8. कूल्हे के फ्रैक्चर वाले बुजुर्गों में ऑस्टियोसारकोपेनिया, कमजोरी और संज्ञानात्मक स्थिति का आकलन: एक संभावित अध्ययन, अस्थिरोग, एम्स, नई दिल्ली

9.15_.indd 420 1/8/2026 4:28:34 PM

9. दीर्घकालिक नॉन-स्टेरियोडल एंटी इंफ्लेमेटरी ड्रग्स और स्वस्थ वृद्ध लोगों पर वृद्ध आबादी के विभिन्न आयु समूहों के गट माइक्रोफ्लोरा की तुलना, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

10. बुजुर्ग भारतीय आबादी में चयापचय संबंधी शिथिलता, हेपेटोस्टीटोसिस और मायोस्टीटोसिस से संबंधित हृदय रोग के जोखिम का आकलन करने के लिए गैर-इनवेसिव इमेजिंग बायोमार्कर का विकास, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

11. अल्जाइमर रोग के लिए रक्त-आधारित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में ईसीएम प्रोटीन, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली, प्रारंभिक संकेतक के रूप में एक्सोसोम: अल्जाइमर रोग का पता लगाने में यांत्रिक अंतर्दृष्टि और बायोमार्कर खोज, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

12. डिमेंशिया रोगियों की देखभाल करने वालों के लिए एक संक्षिप्त इंटरवेंशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण पायलट परीक्षण, मनोचिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

13. एम्स में फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर संपर्क सेवा की स्थापना: एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, अस्थिरोग (जेपीएनए ट्रॉ.क्रें.), एम्स, नई दिल्ली

14. चिकित्सीय इंटरवेंशनों के साथ अल्जाइमर रोग के बायोमार्कर के रूप में सीरम में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिरोध प्रोटीन का मूल्यांकन, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

15. अल्जाइमर रोग के रोगजनन में माइटोकॉन्ड्रिया से संबंधित प्रोटीन की भूमिका और चिकित्सीय एजेंट के रूप में उनकी क्षमता का अन्वेषण, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

16. अल्जाइमर रोग में संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में माइटोकॉन्ड्रिया-संबंधी प्रोटीन की पहचान, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

17. ल्यूकेमिया और ट्रांसप्लांट कंडीशनिंग के लिए गहन कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में उपचार के परिणामों पर सार्कोपेनिया और कमजोरी का प्रभाव - भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र, रूधिर विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली से एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

18. अल्जाइमर रोग की प्रगति पर एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स प्रोटीन के प्रभाव की जांच: निदान से लेकर संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों तक, जैवभौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

19. बुजुर्गों में शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के परिणाम: एक व्यापक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विषय, एम्स, नई दिल्ली

20. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में गैर-मनोरोग नैदानिक जगह में भर्ती बुजुर्ग रोगियों में मानसिक विकारों की व्यापकता - एक क्रॉस-सेक्शनल, अवलोकनात्मक अध्ययन, मनोचिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

21. रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं में मूत्र मार्ग में संक्रमण के लिए पायरिया कट-ऑफ - एक केस कंट्रोल अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

22. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में मानक चिकित्सा उपचार, जेनिकुलर आर्टरी एम्बोलाइजेशन और इंट्रा आर्टिकुलर स्टेरॉयड इंजेक्शन की तुलना पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

23. वृद्ध वयस्कों में परिसंचारी एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाओं (ईपीसी) का आंतरिक क्षमता (आईसी) के साथ संबंध का अध्ययन, हृद् जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

9.15_.indd 421 1/8/2026 4:28:34 PM

24. वृद्ध वयस्कों में आंतरिक क्षमता (आईसी) के साथ ईपीसी के संबंध का अध्ययन करने के लिए, हृद् जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. यूनानी फॉर्मूलेशन की इम्यूनोमॉडुलेटरी और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का मूल्यांकन, नेत्र जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

2. संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य की स्थापना के लिए अल्जाइमर रोग में सूजन और एंटी-ऑक्सीडेटिव मार्गों में सीरम प्रोटीन के परिसंचरण स्तर का अध्ययन, जैव भौतिकी, एम्स, नई दिल्ली

3. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आने वाले वृद्ध रोगियों में उपशामक देखभाल की आवश्यकताओं, लक्षणों के बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए - एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण और उपशामक उपचार, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों की अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	5	10	09
कुल वित्तपोषण	213.38 लाख रुपये	330.51 लाख रुपये	330.83 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 16

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**19**	**32**	**16**
पत्रिकाओं में लेख	19	18	16
सार	00	12	00
पुस्तकों में अध्याय	00	02	00
पुस्तकें	00	00	00

रोगी देखभाल

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	34,656	53,528	63,368
विशेष ओपीडी परामर्श	347	527	760
रोगी को प्रदान की गई पुनर्वास सेवाएं	11,603	18,324	13,530
कुल भर्ती रोगी	1,493	2,347	4,239
प्रयोगशाला जांचें	-	-	39,724

9.15_.indd 422 1/8/2026 4:28:35 PM

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

विशिष्ट संकाय सदस्यों के लिए

डॉ. प्रसून चटर्जी को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन ऑफ एडिनबर्ग {एफआरसीपी (एडिन)} का फेलो पुरस्कार प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक (कोई नहीं)

9.15_.indd 423 1/8/2026 4:28:35 PM

9.16 रुधिर विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
मनोरंजन महापात्रा

आचार्य
तुलिका सेठ

सह-आचार्य

ऋषि धवन	जसमिता दास	मुकुल अग्रवाल
गणेश कुमार वी		प्रदीप कुमार

सहायक आचार्य
ऋचा चौहान

वैज्ञानिक II
सुमन लता

वैज्ञानिक I

रवि रंजन	रवि कुमार

विशिष्टताएं

- रूधिर विज्ञान विभाग एक समग्र विभाग है जो कि संस्थान को **नैदानिक रूधिर विज्ञान एवं रूधिर-विकृति विज्ञान** दोनों सेवाएं प्रदान करता है।
    - **नैदानिक रूधिर विज्ञान** सेवाओं में बिनाइन और मैलिगनेंट रक्त संबंधी बीमारियों वाले रोगियों का व्यापक उपचार शामिल है। विभाग इन बीमारियों वाले रोगियों हेतु विशेष बाह्य रोगी क्लीनिक चलाता है। विभाग विभिन्न बिनाइन एवं रक्त संबंधी बीमारियों जैसे अप्लास्टिक एनीमिया, थैलेसीमिया, मायलोमा, लिम्फोमा, ल्यूकेमिया तथा मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम हेतु ऑटोलॉगस तथा एलोजेनिक हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (एचसीटी) भी करता रहा है, जिसमें हैप्लोआइडेन्टिकल डोनर एचसीटी भी शामिल है।
    - **रूधिर-विकृति विज्ञान** रक्त एवं बोन मैरो संबंधी रोगों का अत्याधुनिक मूल्यांकन प्रदान करता है। विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेषज्ञ रक्तविकृति विज्ञान सेवाओं में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री तथा साइटोकेमिस्ट्री सहित बोन मैरो जांच; फ्लोसाइटोमेट्री; आणविक निदान; विशिष्ट रक्तसंश्लेषण एवं कोगुलेशन जांच शामिल हैं।
- रूधिर विज्ञान विभाग द्वारा संचालित आईएसएचटीएम-एम्स के हेमोग्राम हेतु बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम को एनएबीएल द्वारा पीटी प्रदाता के रूप में अगले दो वर्षों हेतु मान्यता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 6000 से अधिक प्रयोगशालाओं ने भाग लिया।

9.16_.indd 424 1/8/2026 4:38:00 PM

- रूधिर विज्ञान विभाग ने प्रायोगिक रूधिर विज्ञान तथा ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन संस्थान, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बॉन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हेमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस हेतु क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र बनना जारी रखा है।

शिक्षा

- रूधिर विज्ञान विभाग के क्षेत्र में डीएम (नैदानिक रूधिर विज्ञान), डीएम (रूधिर विकृति विज्ञान) एवं पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है। शैक्षणिक कार्यक्रम में नियमित सेमिनार, अतिथि व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, सूक्ष्म-शिक्षण एवं केस चर्चाएँ शामिल हैं।
- संकाय-सदस्य विकृति विज्ञान, रूधिर विज्ञान एवं काय चिकित्सा विषयों में एमबीबीएस छात्रों हेतु सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक कक्षाओं में शामिल होते है। एमडी (विकृति विज्ञान) के छात्रों को रूधिर विज्ञान प्रयोगशाला में प्रशिक्षित किया जाता है। एमडी (बाल चिकित्सा), एमडी (काय चिकित्सा), एमडी (जरा चिकित्सा), एमडी (आपात चिकित्सा) एवं एमडी (आधान चिकित्सा) के साथ-साथ डीएम (बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान) एवं डीएम (संक्रामक रोग) के छात्र प्रशिक्षण तथा केस चर्चा हेतु विभाग में आते हैं।
- यह विभाग रूधिर विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले अतिथि चिकित्सकों, स्वास्थ्य पेशेवरों एवं एमएससी छात्रों हेतु अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान अपडेट: XIII, 1-2 फरवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली
2. 5वीं एम्स रूधिर विज्ञान पूर्व छात्र बैठक, 31 जनवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली
3. एनएचयू XIII के दौरान चार समानांतर कार्यशालाएँ, 31 जनवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली
4. आईएसएचबीटी-ईक्यूएपी कार्यक्रम पर कार्यशाला, 31 जनवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली
5. एमपीएआईसीओएन 2024 के दौरान सौम्य रूधिर विज्ञान पर सत्र, 6-10 दिसंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली
6. दिल्ली सोसाइटी ऑफ रूधिर विज्ञान का वार्षिक सम्मेलन, 1 सितंबर 2024, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 200

एम महापात्रा: 17 **तुलिका सेठ: 65**
ऋषि धवन: 2 **जसमिता दास: 33**
मुकुल अग्रवाल: 62 **गणेश कुमार वी: 4**
प्रदीप कुमार: 11 **ऋचा चौहान: 6**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
113	117	200

9.16_.indd 425 1/8/2026 4:38:00 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 30

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
18	13	30

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. आईएसएचटीएम-एम्स हेमोग्राम के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम, डॉ. एम महापात्रा, आईएसएचबीटी,2005 के बाद, 2005-2025, 80 लाख रुपये/वर्ष (लगभग)

2. इंटरमीडिएट-2 अथवा उच्च-जोखिम वाले मायलोफाइब्रोसिस (एमएफ) के रोगियों में इमेटेलस्टैट (जीआरएन163एल) बनाम सर्वोत्तम उपलब्ध थेरेपी (बीएटी) का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक ओपन-लेबल, चरण 3 अध्ययन, जेनस किनेज (जेएके)-अवरोधक के प्रति प्रतिरोधी, डॉ. एम महापात्रा, गेरोन फार्मा, 5 वर्ष, 2021-2026, 4 लाख रुपये/पंजीकृत रोगी

3. हाल ही में फिलाडेल्फिया गुणसूत्र पॉजिटिव क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया के पुराने चरण में निदान किए गए रोगियों में ओरलएस्किमिनिब बनाम निलोटिनिब की सहनशीलता एवं प्रभावकारिता का एक चरण आईआईआईबी बहुकेंद्रीय यादृच्छिक अध्ययन डॉ. एम. महापात्रा, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये/पंजीकृत रोगी

4. वार्म ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया (डब्ल्यूएआईएचए) के रोगियों जो कम से कम एक उपचार पद्धति (वीएवाईएचआईए) में असफल रहे में प्लेसिबो बनाम इयानालुमैब (वीएवाई736) की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का आकलन करने हेतु चरण 3 यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन, डॉ. एम महापात्रा, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2023-2025, 7 लाख रुपये/पंजीकृत रोगी

5. ट्रिपल नेगेटिव मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म के आणविक आनुवंशिकी का स्पष्टीकरण, डॉ. सीमा त्यागी/डॉ. सुमन लता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 69.50 लाख रुपये

6. दिल्ली एवं एनसीआर (भारत) के युवा वयस्कों में थैलेसीमिया ऑसम, स्क्रीनिंग तथा परामर्श पर एक अध्ययन, डॉ. सीमा त्यागी/डॉ. रवि रंजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 21.65 लाख रुपये

7. हीमोफीलिया ए एवं बी के रोगियों में अवरोधकों के साथ कॉन्सिज़ुमैब प्रोफिलैक्सिस की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा, डॉ. तुलिका सेठ, नोवो-नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, 2020-2025

8. पैरोक्सिस्मल नॉक्टर्नल हीमोग्लोबिनुरिया (पीएनएच) के रोगियों में एनएम8074 का चरण II, ओपन लेबल अध्ययन, डॉ. तुलिका सेठ, नोवेलमेड थेरेप्यूटिक्स, 2 वर्ष, 2022-2024

9. उच्च जोखिम वाले एमडीएस एवं एएमएल में इसकी प्रगति का पूर्वानुमान लगाने तथा रोग की प्रगति में सूजन की भूमिका का पता लगाने हेतु एक एकीकृत फॉस्फोप्रोटिओमिक और रक्त-आधारित एमआईआरएनए प्रोफाइलिंग डॉ. टी सेठ, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2026, 11.65 लाख रुपये

9.16_.indd 426 1/8/2026 4:38:01 PM

10. हेमाटोपोइएटिक कोशिका प्रत्यारोपण कराने वाले रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा परिवर्तनों पर प्रत्यारोपण कंडीशनिंग रेजिमेन तीव्रता का प्रभाव, ऋषि धवन, एम्स इंट्राम्यूरल, 4 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

12. एक्वायर्ड अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित भारतीय रोगियों के समूह में जीनोम-वाइड एसोसिएशन अध्ययन, ऋषि धवन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी ग्लोबल रिसर्च अवार्ड 2021, 3 वर्ष, 2022-2024, 112 लाख रुपये

13 छोटे रोगी समूह में नैदानिक जांचों की दिशा में सिकल सेल रोग के सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता आनुवंशिक सुधार, ऋषि धवन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2022-2027, 6000 लाख रुपये

14. अधिग्रहित अप्लास्टिक एनीमिया के रोगियों में बी-कोशिका उपसमूहों एवं एनके कोशिका उपसमूहों का अध्ययन, डॉ. जसमिता दास, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

15. क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में हेमोस्टैटिक मापदंडों एवं प्लेटलेट फ़ंक्शन का आकलन, डॉ. जसमिता दास, डॉ. अरुण कुमार, एम्स अंतःविषय सहयोगी परियोजना अनुदान, 1+ वर्ष, सितंबर 2024-2026 को स्वीकृत, 20 लाख रुपये

16. यह अध्ययन करना कि क्या ऊतक कारक मार्ग अवरोधक (टीएफपीआई) एवं इसके बहुरूपता का स्तर मध्यम और गंभीर हीमोफीलिया ए रोगियों में रक्तस्राव की गंभीरता को प्रभावित करता है, डॉ. मुकुल अग्रवाल, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल,2 वर्ष, 2023-2024, रु.10 लाख

17. सिकल सेल रोग के रीकॉम्बिनेज पॉलीमरेज़ एम्प्लीफिकेशन-आधारित निदान का आकलन करना, डॉ. मुकुल अग्रवाल, सीएसआईआर, 1 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

18. एएमएल रोगियों में प्रणालीगत साइटाराबिन अरबीनोसाइड (आरा-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन, डॉ. मुकुल अग्रवाल, एम्स इंट्राम्यूरल इंटरडिपार्टमेंटल रिसर्च ग्रांट, 3 वर्ष, 2023-2026, 20 लाख रुपये

19. एनीमिया: भारतीय आबादी में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों एवं जीवनशैली की भूमिका का अन्वेषण, डॉ. मुकुल अग्रवाल, आईसीएमआर

20. टाइरोसिन काइनेज अवरोधक (टीकेआई थेरेपी) पर क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) रोगियों में बीसीआर-एबीएल1 ट्रांसक्रिप्ट क्वांटिटेशन हेतु डिजिटल ड्रॉपलेट पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (डीडी-पीसीआर) और क्वांटिटेटिव रियल टाइम पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूआरटी-पीसीआर) का तुलनात्मक अध्ययन और उपचार मुक्त छूट (टीएफआर) हेतु पात्र, डॉ. गणेश कुमार वी, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

21. वयस्क प्रतिरक्षा अप्लास्टिक एनीमिया में संरचनात्मक विविधताएं एवं प्रतिलिपि संख्या परिवर्तन, डॉ. गणेश कुमार वी, अप्लास्टिक एनीमिया एमडीएस इंटरनेशनल फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2025-2027, 51 लाख रुपये

22. बी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में निदान के समय एवं न्यूनतम अवशिष्ट रोग मूल्यांकन हेतु चिकित्सा के बाद बीसीएल-2 अभिव्यक्ति का आकलन, डॉ. प्रदीप कुमार, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

9.16_.indd 427 1/8/2026 4:38:01 PM

23. प्रणालीगत इंफ्लोमेशन की विशेषताओं वाले कम जोखिम वाले मायलोडिस्प्लास्टिक नियोप्लाज्म वाले रोगियों की क्लिनिको-हेमेटोलॉजिकल प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना एवं इस रोगी उपसमूह में यूबीए -1 जीन में दैहिक उत्परिवर्तन की घटना की जांच करना, डॉ. ऋचा चौहान, एम्स प्रारंभिक कैरियर अंतःविषय, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. गंभीर हीमोफीलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा नैदानिक फेनोटाइप का शमन, डॉ. एम महापात्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2023, 8 लाख रुपये

2. वासो-ऑक्लूसिव दर्द संकट की अधिकता: भारत में सिकल सेल रोग के रोगियों के बीच एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन (बी-वोकल स्टडी), डॉ. तुलिका सेठ, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2021-2023, शून्य

3. भारत में हीमोफीलिया ए के रोगियों पर जो मानक नैदानिक अभ्यास के अंतर्गत ऑन-डिमांड अथवा प्रोफिलैक्सिस के रूप में एडवेट प्राप्त कर रहे हैं, चरण 4, बहुकेंद्रीय, संभावित, इंटरवेंशनल पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, डॉ. तुलिका सेठ, ताकेदा, 3 वर्ष, 2021-2023, शून्य

4. कैंसर का पूर्वानुमान लगाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग की उपयोगिता का आकलन करना, संबंधित शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म का पता लगाना तथा उसकी तुलना मौजूदा बायोमार्कर और पूर्वानुमान स्कोर से करना, डॉ. मुकुल अग्रवाल, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-23, 17.6 लाख रुपये

5. एएमएल रोगियों में प्रणालीगत साइटाराबिन अरेबिनोसाइड (एआरए-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन करना डॉ. मुकुल अग्रवाल,एम्स अंतःविषय सहयोगी अंतःविषय अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2022-2023, 10 लाख रुपये

6. हीमोफीलिया ए एवं बी के रोगियों में अवरोधकों के साथ कॉन्सिज़ुमैब प्रोफिलैक्सिस की प्रभावकारिता, डॉ. टी. सेठ, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड।आरंभ की तिथि 1 अगस्त 2020 समाप्ति की तिथि: 1 जुलाई 2025,

7. भारत में राष्ट्रीय रेफरल प्रशिक्षण केंद्रों को मजबूत एवं मानकीकृत करना, डॉ. तुलिका सेठ, एनएनएचएफ (वैश्विक एनजीओ), 2020-2023

विभागीय परियोजनाएँ (शोध-पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. सिकल सेल रोग के रोगियों में एचबीएफ मॉड्यूलेटिंग जीन पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका का मूल्यांकन करना

2. टायरोसिन काइनेज अवरोधकों का उपयोग करने वाले भारतीय क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया रोगियों में बीसीआर-एबीएल1 काइनेज डोमेन एवं अन्यत्र उत्परिवर्तनों का विश्लेषण करने हेतु अगली पीढ़ी का गहन अनुक्रमण

3. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया/इवांस सिंड्रोम में सामान्य परिवर्तनशील इम्यूनोडेफिशिएंसी एवं ऑटोइम्यून लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार की व्यापकता तथा नैदानिक परिणामों पर उनका प्रभाव

9.16_.indd 428 1/8/2026 4:38:01 PM

4. तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में सेंट्रल नर्वस सिस्टम हेमरेज एवं थ्रोमबोएसिस

5. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा प्रीकर्सर बी कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइलॉयड-व्युत्पन्न शमनकारी कोशिकाओं की पहचान एवं मात्रा का निर्धारण

6. एएमएल हेतु 7 प्लस 3 प्राप्त करने वाले रोगियों में हृदय संबंधी शिथिलता के माप के रूप में वैश्विक लॉन्गीट्यूडनल प्रारंभिक पैटर्न

7. शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म वाले कैंसर रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल, उपचार पैटर्न एवं जीवन की गुणवत्ता

8. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा एएमएल में सीडी9 अभिव्यक्ति का विश्लेषण: रोगनिदान संबंधी भूमिका, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ सहसंबंध, साइटोजेनेटिक्स तथा उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल

9. ऐतिहासिक समूह की तुलना में, गंभीर अप्लास्टिक एनीमिया के रोगियों में साइक्लोस्पोरिन के साथ एल्ट्रोम्बोपैग के शीघ्र आरंभ के बाद प्रतिक्रिया दर का मूल्यांकन। एक प्रायोगिक अध्ययन

10. सीएनएस चरण 1 रोग वाले सभी रोगियों में सीएसएफ में ल्यूकेमिक ब्लास्ट का फ्लो साइटोमेट्रिक पता लगाना एवं उनमें मानक इंट्राथेकल मेथोट्रेक्सेट की प्रभावकारिता की निगरानी करना

11. तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में बेसोफिल-वंश प्रतिबद्धता मार्कर सीडी203सी की अभिव्यक्ति एवं प्रसारित अंतःसंवहनी जमावट (डीआईसी) प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध

12. ए एल एल रोगियों में मानक मल्टीएजेंट इंडक्शन कीमोथेरेपी में बोर्टेज़ोमिब को शामिल करने से उनकी ईओआई एमआरडी नकारात्मकता दर में वृद्धि

13. गहन कीमोथेरेपी हेतु अयोग्य पूर्व में अनुपचारित एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया रोगियों में एज़ासाइटिडीन एवं वेनेटोक्लैक्स के बाद हाईडैक समेकन

14. रक्ताधान पर निर्भर थैलेसीमिया के रोगी में थैलिडोमाइड की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमानों का अध्ययन करना

15. एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम (एपीएस) के निदान में सुधार हेतु एक उपकरण के रूप में एंटी-फॉस्फेटिडिलसेरिन/एंटी-प्रोथ्रोम्बिन आईजीजी एंटीबॉडी का अध्ययन

16. अज्ञातहेतुक एरिथ्रोसाइटोसिस के आणविक आधार का अध्ययन

17. विभिन्न प्रेरण कीमोथेरेपी प्रोटोकॉल पर नव निदानित मल्टीपल मायलोमा रोगियों में 6 महीने में जैव रासायनिक प्रतिक्रिया तथा पीईटी/सीटी स्कैन प्रतिक्रिया के साथ सहसंबंध का आकलन

18. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार के प्रेरण चरण के दौरान इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता वाले रोगियों में एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक एजेंट के रूप में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

19. नव निदानित क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) - क्रोनिक चरण (सीपी) के रोगियों में अपफ्रंट थेरेपी के रूप में कम खुराक डैसटिनिब (50 मिलीग्राम ओडी) बनाम मानक खुराक डैसटिनिब (100 मिलीग्राम) बनाम मानक खुराक इमैटिनिब (400 मिलीग्राम) का एक ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन

9.16_.indd 429 1/8/2026 4:38:01 PM

20. रक्तस्राव की समस्याओं एवं गंभीरता का मूल्यांकन तथा हीमोफीलिया के वाहक होने के कारण होने वाले मनो-सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन

21. मायलोमा के रोगियों में गुर्दे की भागीदारी का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम

22. सक्रिय आंशिक थ्रोम्बोप्लास्टिन समय- हीमोफिलिया रोगियों में थक्के जमने के कार्य के मूल्यांकन हेतु थक्का तरंग विश्लेषण (एपीटीटी-सीडब्ल्यूए) - एक अवलोकन अध्ययन

23. जी6पीडी की कमी के निदान हेतु फ्लो साइटोमेट्री-आधारित जी6पीडी परख को मान्य करना

24. फिलाडेल्फिया पॉजिटिव प्रीकर्सर बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर, क्वांटिटेटिव पीसीआर तथा मापनीय अवशिष्ट रोग के फ्लोसाइटोमेट्रिक आकलन द्वारा बीसीआर-एबीएल1 गतिकी का तुलनात्मक अध्ययन,

25. अस्पष्टीकृत साइटोपेनिया एवं कम जोखिम वाले एमडीएस के साथ आने वाले रोगियों में भारी धातु स्तर की असामान्यता की व्यापकता का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन

26. फिलाडेल्फिया गुणसूत्र पॉजिटिव तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले वयस्क रोगियों में मल्टीएजेंट बीएफएम कीमोथेरेपी बैकबोन के साथ डैसैटिनिब के संयोजन का चरण 2 व्यवहार्यता अध्ययन

27. मल्टीप्लेक्स पीसीआर का उपयोग करके सीडी5 एवं सीडी10 नेगेटिव मैच्योर बी सेल लिम्फोइड नियोप्लाज्म में सीएक्ससीआर4, एमवाईडी88 और बीआरएएफवी600ई का पता लगाना - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

28. एसवाई11बी5 एंटीबॉडी क्लोन का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा निर्धारित सीडी157 नकारात्मक मामलों के स्पष्टीकरण के रूप में आरएस2302464 बहुरूपता का आकलन करना

29. फिलाडेल्फिया-पॉजिटिव एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के रोगियों में बीसीआर:एबीएल1 काइनेज उत्परिवर्तन का पता लगाने हेतु ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर की नैदानिक उपयोगिता

30. एसवाई11बी5 एंटीबॉडी क्लोन का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा निर्धारित सीडी157 नकारात्मक मामलों के स्पष्टीकरण के रूप में आरएस2302464 बहुरूपता का आकलन करना।

31. हीमोफिलिया रोगियों में क्लॉट जमने के कार्य के मूल्यांकन हेतु सक्रिय आंशिक थ्रोम्बोप्लास्टिक टाइम - क्लॉट वेवफॉर्म विश्लेषण (एपीटीटी-सीडब्ल्यूए) - एक अवलोकन अध्ययन

32. जी6पीडी की कमी के निदान हेतु फ्लो साइटोमेट्री-आधारित जी6पीडी परख को मान्य करना

33. हेमेटोलॉजिक रोगों/हेमेटोपोएटिक प्रत्यारोपण वाले न्यूट्रोपेनिक रोगियों में इवेल्यूशन ऑफ फिवर में पीईटी सीटी स्कैन की भूमिका का अध्ययन करना

34. गहन कीमोथेरेपी हेतु अयोग्य परीवियसली अनट्रीटेड पूर्व में अनुपचारित एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया रोगियों में एज़ासाइटिडीन एवं वेनेटोक्लैक्स के बाद हाईडैक कनसोलीडेशन

35. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार के प्रेरण चरण के दौरान इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता वाले रोगियों में एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक एजेंट के रूप में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना

36. कम जोखिम वाले एमडीएस वाले रोगियों में भारी धातु स्तर की असामान्यताओं की व्यापकता एवं साइटोपेनिया पर पूरकता/कीलेशन के प्रभाव का अध्ययन करना।

9.16_.indd 430 1/8/2026 4:38:01 PM

37. जी6पीडी की कमी के निदान हेतु फ्लो साइटोमेट्री-आधारित जी6पीडी विश्लेषण को मान्य करना

38. हीमोफिलिया रोगियों में क्लॉट जमने के कार्य के मूल्यांकन हेतु एपीटीटी क्लॉट वेवफॉर्म विश्लेषण - एक अवलोकन अध्ययन

39. एसवाई11बी5 एंटीबॉडी क्लोन का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा निर्धारित सीडी157 नकारात्मक मामलों के स्पष्टीकरण के रूप में आरएस2302464 बहुरूपता का आकलन करना

40. डीडीपीसीआर, क्यूपीसीआर एवं मापनीय अवशिष्ट रोग के प्रवाह साइटोमेट्रिक आकलन द्वारा फिलाडेल्फिया पॉजिटिव पूर्ववर्ती बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में बीसीआर-एबीएल1 गतिकी का तुलनात्मक अध्ययन।

41. मल्टीप्लेक्स पीसीआर का उपयोग करके सीडी5 नेगेटिव सीडी10 नेगेटिव परिपक्व बी लिम्फोइड नियोप्लाज्म में सीएक्ससीआर4, एमवाईडी88, बीआरएएफवी600ई का पता लगाना - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

42. फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में बेसोफिल्स का इम्यूनोफेनोटाइपिक लक्षण वर्णन

43. एलजीएल लिम्फोसाइटोसिस एवं टी/एनके एलजीएलएल के मामलों में एसटीएटी3 एवं एसटीएटी5बी आनुवंशिक उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल।

पूर्ण

1. लक्षणों की अधिकता एवं जीवन की गुणवत्ता के आकलन हेतु एमपीएन 10 प्रश्नावली की उपयोगिता का आकलन करना तथा मायलोफाइब्रोसिस के रोगियों में उपयोग की जा रही विभिन्न स्कोरिंग प्रणालियों का आकलन करना

2. नव निदान मायलोमा में इम्यूनोपैरेसिस की विशेषता एवं एंटी मायलोमा थेरेपी के संबंध में प्रगति-मुक्त एवं समग्र उत्तरजीविता पर इसका प्रभाव

3. मोनोसाइटोसिस के मामलों में परिधीय रक्त में मल्टीपैरामीटर फ्लो साइटोमेट्री द्वारा मोनोसाइट उपसमूहों का विश्लेषण

4. बीसीआरएबीएल नकारात्मक मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा जीएटीए1 प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।

5. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में मायलोब्लास्ट पर प्रोग्राम्ड डेथ-लिगैंड1 (पीडी-एल1)/ सीडी274 अभिव्यक्ति का फ्लो साइटोमेट्री द्वारा मूल्यांकन

6. तीव्र ल्यूकेमिया के रोगियों में रक्तस्राव के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने करने में थ्रोम्बोलास्टोग्राफी की भूमिका का अध्ययन

7. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में सीडी 26+ ल्यूकेमिया स्टेम कोशिकाओं का फ्लो साइटोमेट्री मूल्यांकन

8. सीमित एंटीबॉडी पैनल का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में न्यूनतम अवशिष्ट रोग विश्लेषण

9. प्राथमिक आईटीपी वाले वयस्कों में थ्रोम्बोपोइटिन रिसेप्टर एगोनिस्ट की प्रतिक्रिया एवं सीरम एलडीएच प्रोफाइल के आकलन के साथ अंतर्जात थ्रोम्बोपोइटिन स्तरों का सहसंबंध

9.16_.indd 431 1/8/2026 4:38:01 PM

10. अप्लास्टिक एनीमिया में प्रतिरक्षा शमनकारी चिकित्सा एवं एल्ट्रॉम्बोपैग की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
11. एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम (एपीएस) के निदान में सुधार हेतु एक उपकरण के रूप में एंटी-फॉस्फेटिडिलसेरिन/एंटी-प्रोथ्रोम्बिन (एंटी-पीएस/पीटी) आईजीजी एंटीबॉडी का एक अध्ययन
12. तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में बेसोफिल-वंश प्रतिबद्धता मार्कर सीडी203सी की अभिव्यक्ति और प्रसारित अंतःसंवहनी जमावट (डीआईसी) प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध
13. रक्ताधान पर निर्भर थैलेसीमिया (पूर्ण/किया गया) के रोगियों में थैलिडोमाइड की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमानों का अध्ययन करना।
14. विभिन्न इंडक्शन कीमोथेरेपी प्रोटोकॉल पर नव निदानित मल्टीपल मायलोमा रोगी में 6 महीने में जैव रासायनिक प्रतिक्रिया और पीईटी/सीटी स्कैन प्रतिक्रिया के साथ सहसंबंध का आकलन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1 नए कोरोना वायरस निमोनिया (कोविड-19) के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त जमावट एवं फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित बहु-केंद्रित अवलोकन अध्ययन सफदरजंग अस्पताल

2 सिकल सेल एनीमिया रोगियों के लिए संभावित चिकित्सा विकसित करने हेतु माउस मॉडल में स्वस्थ दाता व्युत्पन्न सीडी34+ हेमेटोपोएटिक स्टेम प्रोजेनिटर कोशिकाओं (एचएसपीसीएस) में ग्लोबिन जीन लोकस के सीआरआईएसपीआर-सीएएस मध्यस्थता जीन संपादन का पूर्व नैदानिक अध्ययन। आईजीआईबी तथा देश के 5 अन्य नैदानिक केंद्र

4 एनीमिया एवं मधुमेह के रोगियों की स्क्रीनिंग, वर्गीकरण एवं नैदानिक प्रोफ़ाइल। काय चिकित्सा, एम्स

5 भारत में दुर्लभ विकारों वाली प्रजातियों हेतु राष्ट्रीय रजिस्ट्री का बहुकेन्द्रीय सहयोगी अध्ययन, बाल चिकित्सा, एम्स

6 एएमएल रोगियों में छूट प्रेरित करने हेतु कीमोथेरेपी के साथ वेनेटोक्लैक्स: चरण आईबी/आईआई अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एम्स

7 मेडिकल आईसीयू में भर्ती सेप्सिस से पीड़ित विटामिन डी की कमी वाले यांत्रिक वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों में विटामिन डी की विभिन्न अनुपूरण पद्धतियों का दिन 0 एवं दिन 14 पर हीमोग्लोबिन के स्तर पर प्रभाव, आंतरिक चिकित्सा, एम्स दिल्ली

8 एमवाईडी88 एल265पी अवर्गीकृत परिपक्व लघु बी कोशिका लिम्फोइड नियोप्लाज्म के लक्षण वर्णन में उत्परिवर्तन संबंधी अध्ययन, विकृति विज्ञान, एम्स दिल्ली

9 वैकल्पिक लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी करा रहे मध्यम स्प्लेनोमेगाली वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव स्प्लेनिक धमनी एम्बोलिज़ेशन (एसएई) के साथ एवं उसके बिना परिणामों की तुलना करने हेतु एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्यचिकित्सा, एम्स दिल्ली

10 आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान हेतु रियल टाइम पीसीआर सूक्ष्मजैव विज्ञान, एम्स

11 प्रणालीगत सूजन की विशेषताओं वाले कम जोखिम वाले मायलोडिस्प्लास्टिक नियोप्लाज्म वाले रोगियों की क्लिनिको-हेमेटोलॉजिकल प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना एवं इस रोगी उपसमूह में यूबीए-1 जीन में दैहिक उत्परिवर्तन की घटना की जांच करना, काय चिकित्सा विभाग, एम्स

9.16_.indd 432 1/8/2026 4:38:01 PM

12 क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में हेमोस्टैटिक मापदं डों एवं प्लेटलेट फ़ंक्शन का आकलन, वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स

पूर्ण

1. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार केंद्र में प्रस्तुत हाइपर इओसिनोफिलिया से पीड़ित रोगियों की नैदानिक एवं प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल काय-चिकित्सा विभाग
2. स्ट्रोक एवं कोगनेटिव डिकलाइन के कारणों का पता लगाने हेतु आबादी आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक पार-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग एम्स तथा इरास्मस मेडिकल सेंटर, रॉटरडैम, नीदरलैंड, नैदानिक एपिडेमियोलॉजी यूनिट, एम्स
3. टाइप-2 मधुमेह के रोगियों में सिस्टमेटिक इन्फलेमेशन के विकास में प्लेटलेट सक्रियण की भूमिका, अंत:स्राविकी, एम्स एवं क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी)
4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया देने वालों एवं प्रतिक्रिया न देने वालों में जीन बहुरूपता तथा प्रकृति के संबंध की पहचान करना। हृद रोग विज्ञान, एम्स
5. डिम्बग्रंथि द्रव्यमान के आकलन में सीरम डी-डाइमर, न्यूट्रोफिल: लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट: लिम्फोसाइट अनुपात तथा सीए125 की भूमिका का मूल्यांकन करना। प्रसूति एवं स्त्री रोग, एम्स
6. आयरन की कमी वाले वयस्क सियानोटिक, जन्मजात हृदय रोग के रोगियों में 3 महीने में नैदानिक परिणामों में सुधार करने हेतु मुखीय आयरन उपचार की तुलना में अंत:शिरा आयरन थेरेपी की प्रभावकारिता, हृद विज्ञान, एम्स
7. भारतीय परिवेश में एकाधिक प्लेटलेट आधान प्राप्त करने वाले रोगियों में प्लेटलेट अपवर्तकता की व्यापकता एवं उसके कारणों का आकलन करने हेतु एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन। आधान चिकित्सा
8. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया: नैदानिक एवं सीरोलॉजिकल सहसंबंध आधान चिकित्सा, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 23 **सार: 35**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**36**	**41**	**58**
पुस्तकों में लेख	20	24	23
सार	15	14	35
पुस्तकों में अध्याय	1	3	-
पुस्तकें	-	-	-

9.16_.indd 433 1/8/2026 4:38:01 PM

रोगी उपचार

क. नैदानिक सेवाएं

- **ओपीडी/क्लिनिक प्रति सप्ताह 6 दिन चलता है**:

  नए रोगी: सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को

  क्लीनिक:

  1. सोमवार: सीएमएल, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी
  2. मंगलवार: स्टेम सेल प्रत्यारोपण क्लिनिक
  3. बुधवार: हेमोलिटिक एनीमिया एवं आईटीपी, सीएलपीडी
  4. गुरुवार: कोगुलेशन एवं रक्तस्राव क्लिनिक
  5. शुक्रवार: अप्लास्टिक एनीमिया, सीएमपीडी क्लीनिक
  6. शनिवार: 2024-25 में ल्यूकेमिया सर्वाइवर क्लिनिक गणना:

कुल बाह्यरोगियों की संख्या 2024-25:	**56170**
• **नये रोगी:**	**13740**
• **फॉलो-अप रोगी (एच.नं.):**	**6578**
• **विशिष्ट क्लीनिक:**	
• **सीएमएल:**	**6844**
• **प्रत्यारोपण (एचटी)**	**1856**
• **आईटीपी (एचसी)**	**3504**
• **हेमोलिटिक एनीमिया (एचए)**	**2481**
• **अप्लास्टिक एनीमिया(एए)**	**3951**
• **हेमोस्टेसिस(एचएस)**	**2422**
• **लेकिमिया उत्तरजीवी(एचएल)**	**630**
• **ल्यूकेमिया (एचओ)**	**2914**
• **लिम्फोमा/मायलोमा (सीएलपीडी)**	**2707**
• **सीएमपीडी**	**2846**
• **विविध (एचएम)**	**257**

9.16_.indd 434 1/8/2026 4:38:01 PM

- **अंत: रोगी उपचार:**

  i) अंत: रोगी: सी2, सी6, डी6, आपातकालीन वार्ड, प्राइवेट वार्ड

  ii) स्टेम सेल प्रत्यारोपण: प्रति माह 6-8 नए एलोजेनिक प्रत्यारोपण

  iii) रूधिर विज्ञान डे केयर: प्रक्रियाओं, कीमोथेरेपी एवं ट्रांसफ्यूजन सेवाओं हेतु

- **कुल अंत:रोगी गणना 2024-25**

  नियमित भर्ती -6834

  लघु भर्ती: - 13740 (ओपीडी डे केयर सहित)

  कुल भर्ती: 20574

रूधिर विज्ञान डे केयर सेंटर (सी2 वार्ड के पास) की गणना 2024-25

माह	भर्ती	कीमोथेरपी	आधान		प्रक्रियाएं			कुल प्रक्रियाएं
			आरबीसी	एसडीपी/ पीआरपी/ एफएफपी/ क्रायो	बोन मैरो	इंट्रा-थेकल	फ्लेबोटॉमी	
अप्रैल 2024	1178	300	352	157	256	271	44	571
मई 2024	1433	296	331	199	278	312	42	632
जून 2024	1055	286	245	211	198	304	38	540
जुलाई 2024	1287	319	298	187	214	378	93	685
अगस्त 2024	889	217	387	165	267	353	79	699
सितंबर 2024	1275	224	371	181	228	314	65	607
अक्टूबर 2024	1059	218	354	183	266	298	44	608
नवंबर 2024	985	222	367	158	202	331	51	584
दिसम्बर 2024	1152	212	313	160	270	309	44	623
जनवरी 2025	1193	222	370	139	237	391	56	684
फ़रवरी 2025	1012	190	369	179	215	359	39	613
मार्च 2025	1222	258	343	193	211	371	43	625

9.16_.indd 435 1/8/2026 4:38:01 PM

- **सामुदायिक सेवाएँ**

  विभाग थैलेसीमिया फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं हीमोफीलिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की मदद से थैलेसीमिया तथा हीमोफीलिया जागरूकता के लिए सक्रिय रहा है।

प्रयोगशाला सेवाएँ

रूधिर विज्ञान विभाग में निम्नलिखित अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- बोन मैरो एस्पिरेट, बोन मैरो बायोप्सी एवं परिधीय स्मीयर
- इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री
- मालीक्यूलर जेनेटिक्स
- हेमोलिटिक एनीमिया वर्कअप
- फ्लो साइटोमेट्री
- हीमोग्लोबिनोपैथी हेतु केपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसस संचलन
- वंशानुगत एवं अर्जित रक्तस्राव विकारों हेतु कुग्यूलेशन वर्कअप
  - प्लेटलेट एग्रीगेमेट्री
  - थ्रोम्बोफिलिया वर्कअप
  - हीमोफिलिया एवं हीमोग्लोबिनोपैथी का प्रसवपूर्व निदान

विभिन्न प्रयोगशालाओं की गणना (2024-2025)

प्रयोगशाला का नाम	जांच	संख्या	कुल
बोन मैरो बायोप्सी प्रयोगशाला	बायोप्सी (एच एंड ई)	4750	6597
	रेटिकुलिन स्टेन	1297	
	मैसन ट्राइकोम	511	
	कांगो रेड	39	
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला	की गई इम्यूनोस्टेनिंग	4495	4495

9.16_.indd 436 1/8/2026 4:38:01 PM

प्रयोगशाला का नाम	जांच	संख्या	कुल
कोगुलेशन प्रयोगशाला	प्रोथॉम्बिन टाइम	4272	
	आईएनआर	480	
	सक्रिय आंशिक थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम	5196	
	हेपरिन निगरानी हेतु एपीटीटी	120	
	थ्रोम्बिन टाइम	2796	
	फाइब्रिनोजेन	1920	
	प्लेटलेट की गिनती	100	
	डी-डाइमर	744	
	क्लोट सोल्यूबिलिटी जांच	540	
	फैक्टर एस्से (VIII, IX, X, II, V, VII, XI)	680	
	फेक्टर इनहिबिटर स्क्रीनिंग	650	
	इनहिबिटर टिटर हेतु बेथेस्डा एस्से	35	
	प्लेटलेट एकत्रीकरण	450	
	वॉन-विलेब्रांड एंटीजन	360	
	ल्यूपस थक्कारोधी (पीटीटी-एलए, केसीटी एवं डीआरवीवीटी)	8568	
	प्रोटीन सी	266	
	प्रोटीन एस	266	
	सक्रिय प्रोटीन सी प्रतिरोध	185	
	एंटीथ्रोम्बिन	266	
	β2-ग्लाइकोप्रोटीन I	2800	

9.16_.indd 437 1/8/2026 4:38:01 PM

प्रयोगशाला का नाम	जांच	संख्या	कुल
हेमोलिटिक प्रयोगशाला	एचपीएलसी	7138	14840
	आयरन स्टडिज/फेरिटिन	1802	
	जी6पीडी	1442	
	डीसीटी	40	
	ओएफटी	-	
	पीएनएच	-	
	यूरिन हेमोसाइडरिन	07	
	क्रायोग्लोब्युलिन	08	
	सिकलिंग परीक्षण	59	
	एलएपी स्कोर	12	
	साइटोकेमिरस्ट्री	4332	
हेमोग्राम प्रयोगशाला	ओपीडी एवं वार्ड के रोगी	14154	62445
	रूधिर विज्ञान ओपीडी के रोगी	7900	
	एचडीसीसी, बोन मैरो एवं हेमोलिटिक प्रयोगशाला हेतु हेमोग्राम	3347	
	बोन मैरो स्टेनिंग	10041	
	रेटिक काउंट	20688	
	एमबीबीएस कक्षा हेतु स्लाइड स्टेनिंग	2000	
	रूधिर विज्ञान क्लिनिक	4315	
आणविक निदान प्रयोगशाला	आरटीपीसीआर/आरक्यूपीसीआर	384/1893 = 2277	3505
	हीमोफिलिया का प्रसवपूर्व निदान	10 परिवार	
	फैक्टर वी लीडेन	412	
	एमटीएचएफआर बहुरूपता	712	

9.16_.indd 438 1/8/2026 4:38:01 PM

प्रयोगशाला का नाम	जांच	संख्या	कुल
	प्रोथ्रोम्बिन जीन उत्परिवर्तन (पी20210)		
	α-थैलेसीमिया	32	
	β-थैलेसीमिया	40	
	α-ट्रिप्लिकेशन	22	
फ्लो साइटोमेट्री	तीव्र ल्यूकेमिया	730	3150
	क्रोनिक लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार+पीसीएन	580	
	पैरोक्सिस्मल नोक्टरनल हीमोग्लोबिनुरिया	925	
	न्यूनतम अवशिष्ट रोग	347	
	सीडी34 गणना	102	
	प्लेटलेट विकार	24	
	ईएमए	442	

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. एम महापात्रा

1. भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी स्वास्थ्य एवं रुधिर विज्ञान के अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया।
2. बंगाल सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी द्वारा आचार्य जे.बी.चटर्जी मेमोरियल ओरेशन पुरस्कार प्राप्त किया
3. दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी (डीएसएच) के अध्यक्ष बने
4. इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसएचबीटी) के उपाध्यक्ष बने
5. राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य
6. जनवरी-फरवरी 2025 में नई दिल्ली में 13वें राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान अपडेट के आयोजन अध्यक्ष
7. यूरोपीयन सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी (ईएचए) के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य
8. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ थ्रोम्बोसिस एंड हेमोस्टेसिस (आईएसटीएच) के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य

डॉ. तुलिका सेठ

निर्वाचित पद

- नार्थ जोन ईसी सदस्य भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी का पीएचओ चैप्टर 2024-वर्तमान
- ईसी सदस्य आईएएचएडी (हीमोफिलिया एवं संबद्ध विकारों हेतु भारतीय अकादमी)।

9.16_.indd 439 1/8/2026 4:38:02 PM

- **एम्स में पद**
- स्नातकोत्तर हेतु संस्थान नीति विषयक समिति सदस्य, एम्स, नई दिल्ली
- नैदानिक परीक्षणों हेतु प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी में नीति विषयक समिति की सहायता के लिए सदस्य उपसमिति (एम्स, नई दिल्ली)
- सदस्य पुस्तकालय समिति एम्स
- **अन्य पद**
- दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (डीएसपीएच) की शासी निकाय सदस्य
- राष्ट्रीय परीक्षक बोर्ड (एनबीई) रुधिर विज्ञान की विशेषज्ञ सदस्य
- सदस्य राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं एनीमिया नियंत्रण पर उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए)
- दुर्लभ रोगों के लिए चिकित्सा विज्ञान पर अनुसंधान और विकास हेतु राष्ट्रीय संघ (एनसीआरडीटीआरडी) - रूधिर विज्ञान विशेषज्ञ समूह की सदस्य
- सदस्य जेएनयू स्टेम सेल नीति विषयक समिति आईसी-एससीआर
- राजपत्र भारत विकलांगता दिशानिर्देश रक्त विकार- अधिसूचना 12 मार्च 2024
- अध्यक्ष
- तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक XXVIII -IIपीएस राष्ट्रीय संगोष्ठी 2024 12-13 फरवरी 2024 वाराणसी

डॉ. मुकुल अग्रवाल

1. नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), भारत एवं एंटी डोपिंग प्रयोगशाला, टोक्यो के साथ एथलीट जैविक पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एबीपीयू) हेतु रूधिर विज्ञान विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं।
2. राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल), भारत एवं नई दिल्ली एपीएमयू के साथ एथलीट जैविक पासपोर्ट उपचार इकाई (एबीपीयू) हेतु रूधिर विज्ञान विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर रहे हैं।
3. अशोक मिशन द्वारा लेह में आयोजित चिकित्सा शिविर में रूधिर विज्ञान संकाय।
4. राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान क्विज़ 2024 हेतु राष्ट्रीय समन्वयक
5. इंडियन पीडियाट्रिक्स जर्नल हेतु अनुभाग संपादक - रूधिर विज्ञान
6. सह-संपादक- इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन
7. आईएनपीएचओजी की बोन मैरो की फेलियर उपसमिति के अध्यक्ष।
8. नई दिल्ली में राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान अपडेट 13 हेतु वैज्ञानिक सचिव
9. नई दिल्ली में दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी के 33वें वार्षिक सम्मेलन के वैज्ञानिक सचिव।
10. नई दिल्ली में हाई एल्टिट्यूड, एयरोस्पेस एवं मरीन चिकित्सा पर पहली सहयोगी सीएमई के आयोजन सचिव।

9.16_.indd 440 1/8/2026 4:38:02 PM

11. अनुभाग संपादक: रूधिर विज्ञान स्नातकोत्तरों हेतु बाल चिकित्सा की पीजी पाठ्यपुस्तक, चौथा संस्करण।

अतिथि वैज्ञानिक:

1. डॉ. मार्क लेविस, अर्बुद विज्ञान के आचार्य एवं एडल्ट ल्यूकेमिया सर्विस के निदेशक तथा जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ मेडिसिन, बाल्टीमोर, यूएसए के सिडनी किमेल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर में हेमेटोलॉजिक मैलिग्नेंसीज विभाग के सह-निदेशक ने 5 अप्रैल 2024 को "एएमएल में एफएलटी 3 उत्परिवर्तन में गिल्टेरिटिनिब की भूमिका: एक अपडेट" पर एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. निकोलस शॉर्ट, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, टेक्सास, यूएसए के संकाय ने 11 मई 2024 को "एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के विकसित परिदृश्य" पर एक व्याख्यान दिया।
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, बेथेस्डा, यूएसए के वैज्ञानिक डॉ. पंके क़स्बा ने 8 अक्टूबर 2024 को एक व्याख्यान दिया।

पिछले वर्षों से तुलना

	उप-प्रकार	2022-23	2023-24	2024-25
विभाग में पंजीकृत छात्रों/ प्रशिक्षुओं की संख्या	डीएम नैदानिक रूधिर विज्ञान एवं रूधिर विकृति विज्ञान	25	25	25
मौखिक प्रस्तुतियों एवं पोस्टरों की संख्या		18	14	54
विभिन्न प्रकार के प्रकाशन की संख्या		40	41	191
अनुसंधान हेतु प्राप्त कुल वित्तपोषण राशि	इंट्राम्यूरल एवं एक्स्ट्राम्यूरल	62,59,50,130	63,64,01,200	67,56,08,630
रोगी उपचार से संबंधित गतिविधियों की संख्या	आंतरिक रोगी गणना	14,850	17,373	20,574
	विशिष्ट क्लीनिक	10	10	10
	प्रक्रियाएं	17,780	21,205	22,783
	प्रयोगशाला जांच	1,47,700	1,41,722	95,032
	अन्य गतिविधियाँ- रोगी सेमिनार/ कार्यशालाएँ	4	4	4

9.16_.indd 441 1/8/2026 4:38:02 PM

9.17 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष
सिद्धार्थ सत्पथी

चिकित्सा अधीक्षक

डी के शर्मा
(डॉ. आर पी सेंटर)

निरुपम मदान
(मुख्य अस्पताल)

आचार्य

संजय आर्या
अमित लठवाल

आरती विज
महेश आर

अपर आचार्य

एंजेल राजन सिंह
विजयदीप सिद्धार्थ

परमेश्वर कुमार
अब्दुल हकीम चौधरी

सह-आचार्य

जितेंद्र सोढ़ी
शीतल सिंह

लक्ष्मी तेज वुंडावल्ली
विकास एच

सहायक आचार्य

कनिका जैन
अरुण वर्मा
खालिद महमूद
राहुल रंजन
तिलोतमा जामवाल
(संविदात्मक- सीएपीएफआईएमएस)

अनंत गुप्ता
नम्रता मक्कड़
मोहम्मद कौसर
निशांत शर्मा
क्षितिजा सिंह
(संविदात्मक)

शिक्षा:

विभाग चिकित्सा स्नातकों के लिए एक स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम चला रहा है, अर्थात एमडी (एचए), जिसे पहले एमएचए (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) के रूप में जाना जाता था। यह कोर्स भारत में पहली बार फरवरी 1966 में शुरू किया गया था और तब से इसे एक अलग स्नातकोत्तर विषय के रूप में मान्यता दी गई है। जनवरी 2016 में, इस कोर्स को 13 अप्रैल 2015 को आयोजित अपनी बैठक के दौरान जीबी (जीबी-152/7) द्वारा विधिवत अनुमोदित शैक्षिक समिति (एसी-113/10) के निर्णय के अनुसार एमडी (अस्पताल प्रशासन) में परिवर्तित कर दिया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम 'हैंड्स ऑन' प्रशिक्षण पर केंद्रित है, जहां रेजिडेंट प्रशासक मुख्य अस्पताल के 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष', जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर परिसर में चौबीसों घंटे 'ड्यूटी ऑफिसर' के रूप में तैनात रहते हैं तथा ड्यूटी घंटों के पश्चात समस्त अस्पताल संबंधी गतिविधियों का समन्वय

9.17.indd 442 1/9/2026 5:37:04 PM

करते हैं। विभाग में वरिष्ठ रेजिडेंट भी हैं जो मुख्य अस्पताल और विभिन्न केंद्रों में प्रशासनिक कार्यों में संकाय सदस्यों की सहायता के लिए तैनात हैं। वे एम्स की नई परियोजनाओं में भी शामिल हैं।
संकाय सदस्यों ने केन्द्र, राज्य सरकारों, अर्धसैनिक बलों और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे आईआईसीएम, रांची और अन्य प्रबंधन संस्थानों सहित विभिन्न संगठनों में कार्यरत डॉक्टरों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण:

1. एमडी (एचए) रेजिडेंट शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर
2. रेजिडेंट एमडी (एचए) बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल
3. एमडी(एचए) रेजिडेंट गांधी मेडिकल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना
4. एमडी(एचए) रेजिडेंट एएफएमसी, पुणे
5. एमडी (एचए) रेजिडेंट पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
6. चिकित्सा अधिकारी, आईटीबीपी, भारत सरकार उप निदेशक (चिकित्सा), आईटीबीपी

सतत चिकित्सा शिक्षा

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली की कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत बाह्य रोगी सेवाओं में स्टाफिंग आवश्यकताओं के कार्यभार संकेतक (डब्ल्यूआईएसएन) का अध्ययन।
2. चिकित्सकों, पूर्व/परा चिकित्सकों और प्रशासनिक चिकित्सा पेशेवरों में निर्णय लेने के पैटर्न और तनाव के स्तर में भिन्नता का एक अध्ययन
3. डिजिटल लाइब्रेरी संबंधी खरीद का विश्लेषण और एम्स, नई दिल्ली के सामानों की खरीद पर इसका प्रभाव
4. एनएबीएच मान्यता मानकों के अनुसार नई दिल्ली में एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के इन-पेशेंट मेडिकल रिकॉर्ड की अनुपालन स्थिति का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
5. ओपीडी कार्ड और डिस्चार्ज सारांश के बारे में रोगी की समझ का आकलन: संगठनात्मक स्वास्थ्य साक्षरता में सुधार के लिए एक आवश्यकता आकलन अध्ययन।
6. ट्रॉमा उपचार सुविधा में दी जाने वाली इनपेशेंट सेवाओं से रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन।
7. जेपीएनएटीसी में डिस्चार्ज प्रक्रिया का मूल्यांकन और डिस्चार्ज में देरी का विश्लेषण
8. जेपीएनएटीसी में एनएबीएच प्रमाणन की चुनौतियाँ और शिक्षण
9. पीएमजेएवाई के अंतर्गत बीपीएस में स्वास्थ्य उपचार पैकेज के उपयोग और इसकी बाधाओं और सुगमताओं का आकलन

9.17.indd 443 1/9/2026 5:37:04 PM

10. बीपीएस में आईसीएमआर के सहयोग से उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण

11. तृतीयक उपचार अस्पताल में दवा निविदाओं में भागीदारी और प्रभावी अनुबंध पर निविदा शर्तों में संशोधन का प्रभाव

12. स्टाफिंग मानदंडों के कार्यभार संकेतकों का उपयोग करके ऑपरेशन थिएटर तकनीकी कर्मचारियों के स्टाफिंग स्तर का अनुकूलन।

13. गंभीर उपचार सेटिंग में अस्पताल डिस्चार्ज प्रोटोकॉल का मूल्यांकन: ट्रॉमा सेंटर से अंतर्दृष्टि, उत्तर भारत

14. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा उपकरणों में जीएफआर, 2017 के अनुसार खरीद प्रक्रिया के कार्यान्वयन और इसके संशोधनों का अध्ययन।

15. नई दिल्ली में एक तृतीयक उपचार शिक्षण संस्थान में टिकाऊ प्रथाओं को लागू करने की गुंजाइश का अध्ययन।

16. उत्तर भारत में एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल की चिकित्सा गैस पाइपलाइन प्रणाली के चुनिंदा घटकों की क्षमता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

17. तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल में आपातकालीन विभाग का स्थानांतरण: निर्बाध संक्रमण और सेवा निरंतरता सुनिश्चितता

18. एम्स, नई दिल्ली में वृद्धावस्था उपचार में रोगी की सहभागिता।

19. पीओएसएच अधिनियम, 2013 के संदर्भ में स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ता का ज्ञान और जागरूकता

20. एम्स, नई दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच व्यावसायिक संतुष्टि, नौकरी छोड़ने का इरादा और मतभेद पर एक अध्ययन

21. भारत भर के तृतीयक उपचार अस्पतालों में रोगी केंद्रित उपचार पर एक अध्ययन

22. भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य सेवा संगठन में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय (ओओपीई) को दर्शाने वाला एक अध्ययन

23. अस्पतालों में एआई का अनुप्रयोग

पूर्ण

1. शिक्षण-अध्ययन की संकर विधि संचार में सुधार लाने में प्रभावी है - नर्सों के लिए संचार कार्यशाला के माध्यम से एक इंटरवेंशनल पूर्व-पश्चात एकल-भुजा अध्ययन का अनुभव। (प्रकाशनाधीन)

2. भारत के ट्रॉमा सेंटर में डब्ल्यूएचओ सर्जिकल सुरक्षा चेकलिस्ट मापदंडों के अनुपालन का मूल्यांकन

3. तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के आपातकालीन नर्सिंग स्टाफ में संचार के सॉफ्ट स्किल पर इंटरैक्टिव प्रशिक्षण इंटरवेंशन का प्रभाव: एक प्रायोगिक अध्ययन

4. उत्तर भारत के एक बड़े तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के पीसी एवं पीएनडीटी लाइसेंस के नवीनीकरण की प्रक्रिया: इसके लिए किस प्रकार योजना बनाई जानी चाहिए?

9.17.indd 444 1/9/2026 5:37:04 PM

5. नई दिल्ली में एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के बाल चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग में स्क्रीनिंग उपकरण के रूप में टेलीमेडिसिन की उपयोगिता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन

6. एम्स नई दिल्ली में रोगी केंद्रित उपचार पर एक अध्ययन

7. अमृत (उपचार के लिए सस्ती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाना और जेब से होने वाले खर्च को कम करना: भारत सरकार द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में एक नई पहल

8. स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में मेडिकल गैस पाइपलाइन प्रणाली (एमजीपीएस) का तृतीय-पक्ष ऑडिट: मेडिकल गैस सेवाओं के प्रावधान में गुणवत्ता सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण

9. बीपीएस ब्लॉक में पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य सेवा पैकेज के उपयोग का आकलन

10. एम्स, नई दिल्ली के विभिन्न रोगी क्षेत्रों में घटना रिपोर्टिंग पर रोगी सुरक्षा घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक इंटरवेंशनल अध्ययन

11. जारी ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण में उच्च जोखिम वाले ज्वरीय न्यूटोपेनिया वाले बाल कैंसर रोगियों में नैदानिक सुधार के लिए प्रयोग सिद्ध एंटीबायोटिक चिकित्सा को शीघ्र बंद करने की लागत-प्रभावशीलता

12. कैंसर रोधी दवाओं की लागत की पहेली: भारत भर में मूल्य भिन्नता पर एक अध्ययन

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 62

सिद्धार्थ सत्पथी: 7
अब्दुल हकीम चौधरी: 1
शीतल सिंह: 2
राहुल रंजन: 2
निशांत शर्मा: 1
विजयदीप सिद्धार्थ: 28
जितेंद्र सोढ़ी: 6
कनिका जैन: 4
नम्रता मक्कड़: 4
तिलोतमा जामवाल: 1
परमेश्वर कुमार: 1
विकास एच: 2
अनंत गुप्ता: 2
मोहम्मद कौसर: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
84	92	61

प्रस्तुत मौखिक पत्रों की सूची: 14

पिछले 3 वर्षों में सम्मेलनों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	18	14

अनुसंधान

वित्तषित परियोजना

9.17.indd 445 1/9/2026 5:37:04 PM

जारी

1. उत्तर भारत के एक शीर्ष तृतीयक उपचार शिक्षण संस्थान में बुजुर्गों के उपचार में संचार और मनोवृत्ति संबंधी बाधाओं का आकलन करने और चुनिंदा स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम लागू करने के लिए एक अध्ययन। एक इंटरवेंशनल अध्ययन, डॉ. नम्रता मक्कड़, एम्स, प्रारंभिक कैरियर अनुदान, दो वर्ष, 2024-2026, 1.50 लाख रुपये।

2. विभिन्न रोगी उपचार इकाईयाँ/क्षेत्र में रक्तप्रवाह संक्रमणों में पृथक किए गए रोगाणुओं के रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न बनाम एंटीबायोटिक निर्धारित करने की प्रथाएँ और एक्नीटोबैक्टर बाउमानी की जीनोटाइपिक क्लोनलिटी, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ और डॉ. हितेंद्र गौतम, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2022 (विस्तार पर), 10 लाख रुपये

3. एम्स, नई दिल्ली में स्वच्छता और हाउसकीपिंग में शामिल पूरी तरह से टीकाकृत स्वास्थ्य कर्मियों के बीच क्रमिक कोविड-19 आईजीजी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का आकलन, डॉ. अब्दुल हकीम चौधरी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, 4.5 लाख रुपये

4. अस्पताल सुरक्षा और आपदा संबंधी प्रबंधन हेतु संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता वृद्धि, डॉ. डी के शर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2022-2025, 1.59 करोड़

5. अस्पताल सुरक्षा और आपदा संबंधी प्रबंधन हेतु संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता वृद्धि, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2021-2026, 154 लाख रुपये

6. वायु गुणवत्ता पर वायु गुणवत्ता हस्तक्षेपों का प्रभाव, जिसमें इनपेशेंट पर्यावरणीय वायु में माइक्रोबियल लोड भी शामिल है, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2020-2021, 3.46 लाख रुपये

7. क्रिटिकल केयर सेटिंग्स में संक्रमण नियंत्रण में सुरक्षात्मक जूते का प्रभाव: एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. कनिका जैन, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 3 वर्ष, 2024-2027, 5 लाख रुपये

8. ऑक्सीजन प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 1 वर्ष, 2025-2025, 84 लाख

9. मेडिकल ऑक्सीजन प्रबंधन और तृतीयक उपचार अस्पतालों में इसके उपयोग पर चिकित्सा और नर्सिंग अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 6 महीने, 2025-2025, 83 लाख रुपये

10. एम्स, नई दिल्ली के नशा मुक्ति केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कार्य-जीवन एकीकरण में सुधार हेतु माइंडफुलनेस मेडिटेशन इंटरवेंशन के लाभों पर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. निशांत शर्मा, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 8.50 लाख रुपये

11. सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) का सामाजिक-आर्थिक भार और सामान्य सर्जरी प्रक्रियाओं के लिए एसएसआई निगरानी हेतु सीडीसी मानदंडों के विरुद्ध सिम्पी मानदंडों का सत्यापन, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी, 3 वर्ष, 2025-2028, 49 लाख रुपये

9.17.indd 446 1/9/2026 5:37:04 PM

पूर्ण

1. अस्पताल सुरक्षा और आपदा संबंधी प्रबंधन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता वृद्धि, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.54 करोड़ रुपये

2. कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मानव हेतु जोखिम को कम करने के लिए फर्श की सफाई में रोबोट की प्रभावशीलता, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट0, 1 वर्ष, 2020-2021, 6.29 लाख रुपये

3. महामारी की तैयारी के लिए जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) प्रबंधन सहित संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, यूएसएआईडी, भारत और जेएचपीआईईजीओ, भारत, 1 वर्ष, 2022-2024, 300 लाख रुपये

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पीएमजेएवाई के तहत बीपीएस में स्वास्थ्य उपचार पैकेज के उपयोग और इसकी बाधाओं और सुविधाओं का आकलन करना, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी

2. आईसीएमआर के सहयोग से बीपीएस, बर्न और प्लास्टिक सर्जरी में उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण

3. एम्स में मृत्यु के चिकित्सा प्रमाणीकरण का मूल्यांकन और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना, सीसीएम विभाग

4. ऑक्सीजन प्रबंधन पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

पूर्ण

1. भारत सरकार के तत्वावधान के तहत शरीरक्रिया विज्ञान, मनोचिकित्सा विभाग एवं एमईआईटीवाई फिजियोलॉजी, मनोचिकित्सा विभाग द्वारा कोविड-19 महामारी प्रबंधन में कुशल स्वास्थ्यकर्मियों के सृजन हेतु आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा।

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान:

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022 - 2023	2023 -24	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	03	11	**09**
कुल वित्तपोषण (पीआई)	313 लाख रुपये	975.03 लाख रुपये	793.74 लाख रुपये

पत्रिका में प्रकाशित प्रकाशनों की सूची

पत्रिका: 13 सार: शून्य पुस्तकों में अध्याय: 03 पुस्तकें/मोनोग्राफ: 03

9.17.indd 447 1/9/2026 5:37:04 PM

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पुस्तकों में लेख	30	21	**13**
सार	01	02	**-**
पुस्तकों में अध्याय	09	04	**03**
पुस्तकें	03	03	**03**

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 10

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**47**	**23**	**10**
पुस्तकों में लेख	29	21	**10**
सार	03	01	**-**
पुस्तकों में अध्याय	15	01	**00**
पुस्तकें	00	00	**00**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ:

आचार्य सिद्धार्थ सत्पथी उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल द्वारा स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के सदस्य के रूप में नामित थे। वह भारत सरकार के एमईआईटीवाई के तत्वावधान में कोविड-19 महामारी प्रबंधन में कुशल स्वा.उप.कार्य. बनाने के लिए आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा नामक परियोजना के तहत परियोजना समीक्षा और संचालन समूह (पीएसआरजी) समिति के सदस्य थे। (परियोजना अक्टूबर 2024 में पूरी हुई)। उन्होंने दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा गठित टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्होंने (ए) स्वास्थ्य सूचना विज्ञान अनुभागीय समिति (एमएचडी -17); (बी) एमएचडी अनुभागीय समिति-चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना समिति के तत्वावधान में अस्पताल बीएमडब्ल्यू प्रबंधन संक्रमण नियंत्रण अनुभागीय समिति (एमएचडी -21), और मेड टेक अनुप्रयोगों के लिए तकनीकी वस्त्र अनुभागीय समिति (TXD-36) के सदस्य के रूप में बीआईएस मानकों के विकास में योगदान दिया। उन्होंने वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की और केजीएमयू, लखनऊ, यूपी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएचडब्ल्यूएमसीओएन-24 के दौरान 15-16 नवंबर 2024 को "बृहत तृतीयक उपचार उस्पतालों में बीएमडब्ल्यू तथा एसडब्ल्यूएम प्रबंधन का एक्रीडेशन" पर पैनल चर्चा की। उन्होंने एम्स जोधपुर (19-07-2024) में चिकित्सा अधीक्षक और सहायक आचार्य अस्पताल प्रशासन, एम्स बिलासपुर

9.17.indd 448 1/9/2026 5:37:04 PM

(11-10-24 और 25-02-25) के चिकित्सा अधीक्षक, 22 अक्टूबर 2024 को सीएपीएफआईएमएस के लिए सहायक आचार्य (एचए) (एम्स नई दिल्ली) के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; एम्स भोपाल में अपर आचार्य (अस्प. प्रशासन) के एपीएस (23-12-24) आदि। वे इंक्लेन ट्रस्ट के लिए आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना की केंद्रीय समन्वय टीम (सीसीटी) के सदस्य थे। उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण समिति (एनएटीसीओएम) में सदस्य के रूप में नामित किया गया था। आगामी विकास कार्यों के लिए आर्किटेक्ट नियुक्त किया गया। वह एसजीपीजीआई, लखनऊ,स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, इग्नू और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अस्पताल प्रबंधन एवं प्रशासन के लिए अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के विशेषज्ञ सदस्य रहे। उन्होंने आगे के विकास कार्यों के लिए वास्तुकारों की शॉर्टलिस्टिंग हेतु राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) की भवन समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिदेशित शैक्षिक और अनुसंधान में सुधार हेतु आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की शैक्षिक लेखा परीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। उन्हें चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के आधिकारिक पत्रिका, जेपीएमईआर के राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वे जेएएचए की संपादकीय समिति के सलाहकार और एनएमजेआई, डब्ल्यूएचओ-एसईएजेपीएच, आईजेसीएम आदि के समीक्षक के रूप में कार्यरत रहे।

डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ ने अपोलो हॉस्पिटल्स द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सम्मेलन में "सेफ-ए-थॉन" चैलेंज में नोवेल आईटी आधारित रोगी सुरक्षा पहल का समाधान विकसित करने के लिए प्रथम पुरस्कार (75000 रुपये) प्राप्त किया। उन्हें एम्स नई दिल्ली में रोगी सुरक्षा सप्ताह के दौरान अनुसंधान कार्य "उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में रोगी सुरक्षा घटना रिपोर्टिंग को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का विश्लेषण करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन" के लिए दूसरा पुरस्कार मिला। वे रोगी सुरक्षा पर संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय पाथवे आयोग पहल के विशेषज्ञ सदस्य थे। वे 29 अप्रैल से 3 मई 2024 तक डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ की ओर से राष्ट्रीय चिकित्सा सेवाओं और जिग्मे दोरजी वांगचुक राष्ट्रीय रेफरल अस्पताल, भूटान के कामकाज की व्यापक समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य थे। वे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा आयोजित संक्रमण, रोकथाम और नियंत्रण हेतु व्यापक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम विकसित करने हेतु विशेषज्ञ सदस्य थे। वे यहाँ स्थापित किए जा रहे चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (एमआरसी) के डिज़ाइनों की समीक्षा हेतु गठित समिति के सदस्य भी थे। केंद्र (एमआरसी) की स्थापना की जा रही है। वह दिल्ली के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में आईपीडी और ओपीडी रोगियों के प्रतीक्षा समय और रेफरल प्रणाली के पाठ्यक्रम का अध्ययन करने और इसके सुधार के लिए इंटरवेंशन का सुझाव देने के लिए अनुसंधान प्रस्ताव की समीक्षा करने के लिए तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के सदस्य थे। वह इग्नू के हेल्थकेयर और अस्पताल प्रबंधन में एमबीए के लिए एमएचएच 014 पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम डिजाइनिंग के विशेषज्ञ थे। वह इग्नू के हेल्थकेयर और अस्पताल प्रबंधन में एमबीए के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम इकाइयों के संपादक थे। वह दिल्ली ऑक्सीजन प्रबंधन की विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। वह आपातकालीन तैयारी और बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन प्रणालियों के प्रबंधन/उपयोग में चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण योजना विकसित करने हेतु आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बुलाई गई समिति के सदस्य थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना के तहत आपदा प्रतिरोधी अस्पतालों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम बनाने पर दूसरी राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की बैठक आयोजित की थी। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को

9.17.indd 449 1/9/2026 5:37:05 PM

अंतिम रूप देने के लिए मेडिकल ऑक्सीजन प्रबंधन में राष्ट्रीय क्षमता निर्माण परियोजना की पहली बैठक आयोजित की। वे एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में पीजीडीएम के लिए बाह्य परीक्षक थे।

डॉ. परमेश्वर कुमार अस्पताल प्रबंधकों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), ईएमआरओ के अस्थायी सलाहकार रहे। वे द्वितीयक एवं तृतीयक स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के लिए "सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन सहित संक्रमण निवारण एवं नियंत्रण हेतु तैयारियों पर एम्स मार्गदर्शन दस्तावेज़" का मसौदा तैयार करने हेतु गठित विशेषज्ञ सलाहकार समूह के सदस्य रहे। वे भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना के अंतर्गत आपदा प्रतिरोधी अस्पतालों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम बनाने पर गठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की बैठक के सदस्य रहे।

डॉ. अब्दुल हकीम चौधरी अस्पतालों और नर्सिंग होम में अग्नि सुरक्षा के मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा समिति के सदस्य रहे। उन्होंने पीजीआई, चंडीगढ़ और एनआईटीआरडी, नई दिल्ली में कायाकल्प सहकर्मी मूल्यांकन किया। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में तृतीय पक्ष अग्नि सुरक्षा ऑडिट का समन्वय और संचालन किया। वे 21-26 अप्रैल 2025 तक अखिल भारतीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह के आयोजन हेतु अग्नि सुरक्षा समिति के सदस्य रहे।

डॉ. जितेंद्र सोढ़ी सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे द्वारा 18 अक्टूबर 2024 को हेल्थकेयर सेक्टर में कानूनी और नैतिक ढांचे पर फोकस ग्रुप डिस्कशन में एक रिसोर्स फैकल्टी (ऑनलाइन मोड के माध्यम से) के रूप में भाग लेने के लिए उन्हें सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे के निदेशक द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे द्वारा 16-17 जनवरी 2025 को हेल्थकेयर लॉ पर आयोजित एक ग्राउंडब्रेकिंग कंसल्टेटिव वर्कशॉप में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए उन्हें सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे के निदेशक द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के अस्पताल प्रशासन सहित स्वास्थ्य प्रशासन में विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य थे। वे एम्स में विभागीय शैक्षिक समिति और जांच समितियों और टीएसईसी के सदस्य थे। वे एम्स की वार्षिक रिपोर्ट संपादन समिति के सदस्य थे। वे एम्स के संकाय एवं वैज्ञानिकों की अनुसंधान निर्देशिका की समीक्षा समिति के सदस्य थे। उन्होंने अस्पताल स्थापना में संकाय प्रभारी के रूप में, अवकाश संबंधी मामलों और कर्मचारियों की अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित प्रशासनिक प्रस्तावों की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे मुख्य अस्पताल के सभी अदालती मामलों के प्रभारी आचार्य थे। उन्होंने मुख्य अस्पताल के अदालती मामलों की एक डिजिटल लाइब्रेरी की चल रही पहल में योगदान दिया और इसमें परिणामों के कुछ नए क्षेत्र जोड़े। उन्होंने न्यू आरएके ओपीडी में पीसीसी और पीसीएम के लिए सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा एम्स, नई दिल्ली में एएनएस प्रमोशनल इंडक्शन प्रशिक्षण के दौरान संसाधन संकाय के रूप में योगदान दिया।

डॉ. शीतल सिंह ने नवंबर 2024 में नई दिल्ली में आयोजित एनएबीएच अस्पताल मानकों के छठे संस्करण पर एनएबीएच निर्धारक के रूप में कॉन्क्लेव और रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

डॉ. अनंत गुप्ता ने डीएमए विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्राप्त किया। वे जेपी एनए ट्रॉमा सेंटर में संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक, स्थान आवंटन समिति के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी हैं। वे जेपीएनएटीसी के विभिन्न विभागों और एसपीसी में टीएसईसी के सदस्य और मुख्य अस्पताल; ट्रॉमा सेंटर में मेडिकल रिकॉर्ड समिति के सदस्य थे। उन्होंने आईआईएम जम्मू में एमबीए (एचएम) कार्यक्रम और आईआईसीएम, रांची में एचएमए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए व्याख्यान देने के लिए अतिथि/अतिथि संकाय

9.17.indd 450 1/9/2026 5:37:05 PM

के रूप में योगदान दिया। उन्होंने इस वर्ष के दौरान कई अस्पतालों के मूल्यांकनकर्ता के रूप में एनएबीएच मान्यता कार्यक्रम में योगदान दिया। वे सीएपीएफआईएमएस में खरीद के प्रभारी अधिकारी थे। वे ट्रॉमा सेंटर में सीबीआरएन सुविधा, नए ओपीडी, ठोस अंग प्रत्यारोपण केंद्र की योजना और डिजाइनिंग कर रहे थे। वे जेपीएनएटीसी में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु नोडल अधिकारी थे। वे गुड समैरिटन योजना और त्वरित प्रतिक्रिया दल के कार्यान्वयन में सदस्य थे। वे अस्पताल प्रशासन में विभागीय शैक्षणिक समिति के सदस्य थे। वे आउटसोर्सिंग सेल के प्रभारी अधिकारी थे।

डॉ. मोहम्मद कौसर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तषित परियोजना "अस्पताल सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए संरचनात्मक एवं गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों तथा अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता वृद्धि" के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य थे।

डॉ. तिलोतमा जामवाल एम्स-सीएपीएफआईएमएस में सहायक आचार्य (एचए) के रूप में शामिल होने के बाद, मैं संस्थान को चरणबद्ध तरीके से संचालित करने के लिए योजना बनाने और गतिविधियों को शुरू करने में शामिल रही है। इसमें विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय, नियमित प्रशासनिक दौर और रोगी उपचार सेवाओं के अंतिम रोलआउट का समर्थन करने के लिए संस्थागत योजना में योगदान देना भी शामिल है। उन्होंने चरणा वर्कफ़्लो का परीक्षण करने और परिचालन तैयारियों का आकलन करने के लिए एम्स-सीएपीएफआईएमएस में विभिन्न विभागों यानी नेत्र विज्ञान, त्वचा विज्ञान, मनोचिकित्सा, पीएमआर, ईएनटी तथा आईटी की भागीदारी के साथ एक ओपीडी शिविर का आयोजन किया। वे स्टोर्स की प्रभारी अधिकारी थी, उन्होंने खरीद प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाया, टीएसईसी बैठकों का आयोजन किया और उपकरणों की उपलब्धता के लिए समय पर समन्वय सुनिश्चित किया। अतिरिक्त योगदानों में संस्थागत वेबसाइट के विकास की देखरेख, 24×7 निगरानी के लिए सीसीटीवी की स्थापना के साथ-साथ एम्स, नई दिल्ली के समर्थन से ई-हॉस्पिटल प्लेटफॉर्म का कार्यान्वयन शामिल है सात विभागों के लिए शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण कार्य अभी चल रहा है और इसे संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्यात्मक बनाया जाएगा। समझौता ज्ञापन (एमओए) के अनुसार, एम्स, नई दिल्ली के इंजीनियरिंग प्रभाग और सीपीडब्ल्यूडी के सहयोग से वैधानिक अनुपालन के प्रयास किए गए हैं। अनुमोदित सेवा शुल्क मॉडल के तहत सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ एमओए के अनुरूप 10 लाख रुपये से अधिक की मशीनरी और उपकरणों की खरीद को एचआईटीईएस के माध्यम से समन्वित किया गया है। अन्य सुविधाजनक प्रयासों में जनवरी औषधि केंद्र, अमृत फार्मेसी की स्थापना को सुविधाजनक बनाना, दंत चिकित्सा विभाग के सहयोग से एक क्रेच सुविधा की स्थापना का समर्थन करना और परिसर के भीतर बागवानी विकास में योगदान देना शामिल है। शैक्षणिक और अनुसंधान के मोर्चे पर, एम्स नई दिल्ली के अस्पताल प्रशासन विभाग के साथ लगातार मार्गदर्शन और समन्वय रहा है। इसमें शैक्षणिक योजना पर सहयोग, परिचालन मार्गदर्शन प्राप्त करना और संयुक्त अनुसंधान प्रयासों में योगदान देना शामिल है। एम्स-सीएपीएफआईएमएस में अस्पताल प्रशासन सेवाओं के लिए आधार तैयार करने में एम्स नई दिल्ली के अस्पताल प्रशासन विभाग का निरंतर समर्थन महत्वपूर्ण रहा है एम्स-सीएपीएफआईएमएस में पूरे उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एम्स-सीएपीएफआईएमएस के सभी विभागों, हाउसकीपिंग, इंजीनियरिंग और बागवानी टीमों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों के सहयोग और समर्थन से आयोजित किया गया, जिसमें माइक्रोबायोलॉजी विभाग, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नर्स (एचआईसीएन) और पैथोलॉजी विभाग की विशेष भागीदारी रही। हाउसकीपिंग, इंजीनियरिंग रखरखाव और बागवानी गतिविधियों से संबंधित दैनिक रिपोर्ट संकलित की गईं और एम्स, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गईं, ताकि परिसर में स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों को बनाए रखने के लिए जारी प्रयासों को दर्शाया जा सके। वह इस अभियान का हिस्सा थे, संकाय-सदस्य और कर्मचारियों की जागरूकता तथा सहभागिता बढ़ाने के लिए

9.17.indd 451 1/9/2026 5:37:05 PM

एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विजेताओं को स्वच्छता पहल को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

डॉ. निशांत शर्मा 23-25 जनवरी 2025 तक एम्स नई दिल्ली में आयोजित एम्सोनियन्स एंड एयूई संगोष्ठी के आयोजन सचिव थे। उन्हें ब्रिटिश इंटरनेशनल डॉक्टर्स एसोसिएशन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा बीआईडीए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया गया था। वे एम्स को चिकित्सा अनुसंधान और अभ्यास में एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान बनाने के लिए रोडमैप तैयार करने हेतु नीति आयोग द्वारा गठित समिति के सदस्य थे। वे कोल इंडिया लिमिटेड के संकाय थे: भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में कोल इंडिया लिमिटेड के चिकित्सा पेशेवरों के लिए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन, एनआईएचएफडब्ल्यू: सीएचएस डॉक्टरों के लिए पीजीडीएम और प्रेरण कार्यक्रम, एम्स, नई दिल्ली में नए शामिल हुए रेजिडेंटों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालक थे। वे मुख्य अस्पताल तथा संस्थान स्तर पर कई समितियों के सदस्य सचिव और सदस्य थे। वह उस टीम के सदस्य थे जिसने 12वीं आईपीएससी के दौरान आयोजित सेफ-ए-थॉन में 'रोगी सुरक्षा पहल' पर अभिनव समाधान विकसित करने के लिए प्रथम पुरस्कार जीता था। वह उन समितियों के सदस्य थे जिन्होंने एमओएचएफडब्ल्यू के तहत सभी आईएनआई के लिए दिशानिर्देश तैयार किए: वह आउटसोर्स सेवाओं के प्रबंधन और गुणवत्ता आश्वासन के सदस्य थे। वह इंटर-एम्स रेफरल नेटवर्क से: तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के अनुकूलन के लिए एक व्यापक ढांचा से संबद्ध थे। एम्स बिलासपुर से मरीजों के निर्बाध रेफरल के लिए इंटर-एम्स रेफरल पोर्टल के नोडल अधिकारी थे। उन्होंने 16वें हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 में 3 दौर की प्रस्तुतियों में एम्स का प्रतिनिधित्व किया, जहां एम्स ने रोगी सुरक्षा और उपचार (सार्वजनिक अस्पतालों) में उत्कृष्टता के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र जीता। ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र - संतुष्टि के विकास और कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी। उन्होंने रोगी सुरक्षा से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं के लिए मानकीकृत रिपोर्टिंग प्रारूप विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर परामर्श का आयोजन किया। वह 17-23 सितंबर 2024 तक एम्स नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सप्ताह के आयोजन सह-अध्यक्ष थे। उन्हें स्वास्थ्य सेवा संगठनों के लिए एनएबीएच प्रवेश-स्तरीय प्रमाणन कार्यक्रम के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। वह दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा गठित टास्कफोर्स के सदस्य थे, जिसका उद्देश्य जीएनसीटीडी और एमसीडी के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में डॉ. सरीन समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी करना था। वह उत्तराखंड में जन स्वास्थ्य अवसंरचना के अंतर विश्लेषण और सिफारिशों के लिए भेजे गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी थे।

9.17.indd 452 1/9/2026 5:37:05 PM

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुदीप कुमार दत्ता
(1 जुलाई 2024 से प्रभावी)

अपर आचार्य
श्याम प्रकाश

सह-आचार्य
सुनीता मीणा
तुषार सहगल (पीएचडी कर रहे हैं)

सहायक आचार्य
अशोक कुमार अहिरवार
रोज़लीन दास
उपिंदर माहे
(5 मार्च 2025 से अनुबंध पर)

विशिष्टताएं

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग ने आईएसओ 15189:2022 के अंतर्गत पहली बार मान्यता प्राप्त करने के लिए 28-29 सितंबर 2024 को एनएबीएल सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया। 24×7 कार्यरत और दो भौतिक स्थानों के चार खंडों में प्रतिदिन 9,000 से अधिक नमूनों का प्रबंधन करते हुए, विभाग ने 263 परीक्षणों के स्वीकृत दायरे और 12 अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं के साथ अति विशाल प्रयोगशाला श्रेणी के अंतर्गत आवेदन किया। यह विभाग मान्यता प्राप्त करने का प्रयास कर रही अन्य सभी प्रयोगशालाओं के लिए सहायक के रूप में भी कार्य करता है। एक सुनियोजित रोडमैप के माध्यम से सावधानीपूर्वक निष्पादित यह मान्यता यात्रा, एम्स दिल्ली में गुणवत्ता आश्वासन और नैदानिक सेवाओं में उत्कृष्टता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

यह विभाग संस्थान में प्रयोगशाला परीक्षण का मुख्य आधार बना हुआ है, जहाँ नए आरएके ओपीडी परिसर में 24×7 अत्याधुनिक, पूर्णतः स्वचालित एकीकृत **स्मार्ट प्रयोगशाला** और दूसरी मंजिल के **आपातकालीन एवं वार्ड ब्लॉक** में 24×7 वार्ड एवं आपातकालीन प्रयोगशाला है, जिसमें शुष्क रसायन विज्ञान प्रयोगशाला स्वचालन प्लेटफ़ॉर्म, स्वचालित रुधिर विज्ञान और जमावट विश्लेषक उपलब्ध हैं। पुराने आरएके और नए आरएके ओपीडी में **केंद्रीय संग्रह सुविधाएँ** सुबह 8:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक कार्यान्वित रहती हैं और बिना किसी अपॉइंटमेंट के सीधे आकर नमूना संग्रह की सुविधा प्रदान करती हैं। विभाग की सभी रिपोर्ट ऑनलाइन और कम समय में उपलब्ध हैं।

एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, हमारे पीजी रेजिडेंटों में से एक, डॉ. हेमाप्रिया जयरंग बाबू को शिकागो, अमेरिका में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ नैदानिक एंड लेबोरेटरी मेडिसिन (एडीएलएम) 2024 में छात्र पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया।

9.18_.indd 453 12/24/2025 12:46:17 PM

उपलब्धियों का सारांश:

	2024-25	2023-24	2022-23
विभाग में किए गए परीक्षणों की कुल संख्या	22 मिलियन से अधिक	20 मिलियन से अधिक	18 मिलियन से अधिक
वित्तपोषित परियोजनाएँ	13	15	14
सहयोगी परियोजनाएँ	25	51	35
प्रकाशन	34	50	30
मौखिक पत्र और पोस्टर	36	21	23
आमंत्रित व्याख्यान/ वार्ता	27	22	19
प्रकाशित सार	17	19	11
एमडी से सम्मानित छात्र	01	05	02
पीएचडी से सम्मानित छात्र	01	01	01

शिक्षा

कृपया, वर्ष के दौरान शिक्षण कार्यक्रमों और नवीन शैक्षिक गतिविधियों (पिछले वर्षों में किए गए नवाचार और परिवर्तन) में हुए किसी भी परिवर्तन का उल्लेख करें:

एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा कार्यक्रम के लिए रेजिडेंट्स की पोस्टिंग शेड्यूल में विभाग में स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स के प्रशिक्षण के लिए तकनीकों पर व्यापक प्रयोगशाला अभ्यास और पीसीआर, रियल-टाइम पीसीआर और एचपीएलसी जैसे उपकरणों के माध्यम से संवादात्मक चर्चाएँ शुरू की गईं। आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा और स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स के साथ ईक्यूएएस पर चर्चा भी शामिल की गई है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईएसओ15189: 2012 और 2022 संस्करणों के लिए कई आंतरिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए
2. 15 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में एसीबीआई-सुब्बाराव ओरेशन पुरस्कार
3. 16-17 नवंबर 2024 को एम्स, दिल्ली में आईसीएमएलएस के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रोफेसर जय कालरा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्य द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन
4. 5-6 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली में भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी, उत्तरी क्षेत्र का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 26

सुदीप कुमार दत्ता: 14 **श्याम प्रकाश: 2** **सुनीता मीणा: 1**

तुषार सहगल: 8 **रोजलीन दास: 1**

9.18_.indd 454 12/24/2025 12:46:17 PM

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
15	22	26

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 36

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2022–2023	2023-24	2024-25
मौखिक/पोस्टर	23	21	36

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. रजोनिवृत्त महिलाओं में आयुर्वेद फॉर्मूलेशन की अस्थि सुरक्षात्मक भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए टू-आर्म अनुदैर्ध्य यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. अशोक कुमार अहिरवार, आयुष-आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2025-2028, 197.19 लाख रुपये

2. जठरांत्र संबंधी संक्रमणों के लिए स्वचालित न्यूक्लिक एसिड निष्कर्षण प्रणाली का विश्लेषणात्मक प्रदर्शन, डॉ. सुनीता मीणा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027,

3. उन्नत अनुसंधान केंद्र: प्रत्यारोपण योग्य और नैदानिक उपकरणों का पूर्व-अनुपालन और नैदानिक सत्यापन (कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, नेत्र विज्ञान और अस्थि रोग), डॉ. कपिल सिक्का (पीआई-समन्वयक एम्स), डॉ. सुदीप कुमार दत्ता (पीआई-नैदानिक), आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2024-2029, 515.18 लाख रुपये

4. एनएएफएलडी में रोग निदान और पूर्वानुमान के लिए एक परिसंचारी बायोमार्कर के रूप में ट्रांसफर आरएनए-व्युत्पन्न छोटे आरएनए का लक्षण वर्णन और अभिव्यक्ति, डॉ. श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 65.5 लाख रुपये

5. देखभाल केन्द्रों के लिए थायराइड उत्तेजक हार्मोन (टीएसएच) परीक्षण किट का नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता, सीएमआईई के माध्यम से मेसर्स विडकेयर लिमिटेड, 2 वर्ष, 2024-2025, 3.70 लाख रुपये

6. दीर्घकालिक गैर-स्टेरायडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं और स्वस्थ वृद्ध आबादी पर वृद्ध आबादी के विभिन्न आयु समूहों के आंत माइक्रोफ्लोरा की तुलना, डॉ. रोजलीन दास, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख

7. तम्बाकू से परहेज के अनुपालन की निगरानी के लिए मूत्र और लार में कोटिनीन का पता लगाने हेतु एसईआरएस आधारित पोर्टेबल उपकरण का विकास, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता (पीआई-एम्स) और डॉ. सतीश दुबे (पीआई-आईआईटीडी), डीबीटी-बीएमई, 3 वर्ष, 2024-2027, 170.92 लाख रुपये

9.18_.indd 455 12/24/2025 12:46:17 PM

8. जन्मजात या अधिग्रहित टीटीपी के निदान को सक्षम करने के लिए एडीएएमटीएस13 गतिविधि के लिए त्वरित परख की स्थापना, तुषार सहगल, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

9. पारंपरिक तरीकों की तुलना में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया और β-थैलेसीमिया लक्षण में अंतर करने के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का मूल्यांकन, तुषार सहगल, आईसीएमआर, दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2025, 23 लाख रुपये

10. प्री-एक्लेमप्सिया की भविष्यवाणी करने में स्थापित सीरम बायोमार्कर की तुलना में लार के बायोमार्कर का मूल्यांकन: एक नेस्टेड केस कंट्रोल अध्ययन, डॉ. अशोक कुमार अहिरवार, एम्स, दिल्ली (इंट्रा म्यूरल प्रोजेक्ट), 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख

11. चरण 3 से 5 के क्रोनिक किडनी रोग में कैल्सीट्रिऑल थेरेपी की प्रभावकारिता पर विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) बहुरूपता की भूमिका का मूल्यांकन: एक संभावित डबल-ब्लाइंड अध्ययन: आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष 6 महीने, 2021, -2025, 53.97 लाख रुपये

12. मेटाबॉलिक रूप से संबद्ध फैटी लिवर रोग में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन के साथ आयरन ट्रैफिकिंग जीन वेरिएंट की आणविक अंतःक्रिया, डॉ. श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 55.5 लाख रुपये

13. हेपेटाइटिस बी वायरस डीएनए परिमाणीकरण के लिए माइक्रो पीसीआर का त्वरित नैदानिक मूल्यांकन, डॉ. श्याम प्रकाश, बिगटेक बैंगलोर, 6 वर्ष, 2017-2025, 52 लाख रुपये

14. भारतीय जनसंख्या में संदर्भ अंतराल स्थापित करने के लिए टास्क फोर्स, तुषार सहगल, आईसीएमआर, दिल्ली, 2, 2025, 2027, 1.4 करोड़

पूर्ण

1. लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) द्वारा सार्स कोव-2 और कोविड-19 आरएनए का पता लगाने के लिए एक महंगी और तीव्र नैदानिक विधि, डॉ. श्याम प्रकाश, इंट्राम्यूरल एम्स, 3 वर्ष, 2020-2023, 10 लाख रुपये

2. गैर-आक्रामक लार ग्लूकोज परिमाणीकरण के लिए स्टैंडअलोन मीटर का विकास और सत्यापन, डॉ श्याम प्रकाश, बीआईआरएसी (डीएसटी), 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

3. पीयूओ में ईआईपी का मूल्यांकन और कार्यात्मक इमेजिंग और पारंपरिक सूजन मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, तुषार सहगल, सिस्मेक्स, भारत, 2 वर्ष, 2022-2024, 13 लाख रुपये

4. गंभीर टीबीआई में तीव्र ट्रॉमा प्रेरित कोगुलोपैथी की भविष्यवाणी में रैपिड टीईजी का मूल्यांकन, तुषार सहगल, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख

5. मोटापे में टी-नियामक कोशिकाओं और प्रोकिनेटिनेटिन का आणविक समन्वय और गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग और मेटाबोलिक सिंड्रोम में मोटापे से जुड़ी सूजन में उनका नैदानिक सहसंबंध, डॉ. श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 75.87 लाख रुपये

9.18_.indd 456 12/24/2025 12:46:17 PM

6. हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी रोगियों में आक्रामक एस्परगिलोसिस के निदान के लिए एक संभावित बायोमार्कर के रूप में मूत्र में ट्राइएसिटाइलफसरीनिन सी, डॉ. सुनीत मीणा, इंट्राम्यूरल एम्स, 3 वर्ष, 2022-2025, 9 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. उत्तर भारतीय वयस्कों में डेंगू बुखार की गंभीरता के साथ विटामिन डी रिसेप्टर जीन बहुरूपता का संबंध
2. स्यूडोमोनास एरुगिनोसा में कार्बापेनम प्रतिरोध के कारण तृतीयक उपचार सेटिंग में मूत्र पथ संक्रमण हो सकता है
3. विविध भौगोलिक क्षेत्रों के सिकल सेल एनीमिया रोगियों में मुक्त मूलक अपमार्जन दक्षता पर तुलनात्मक विश्लेषण और लौह होमियोस्टैटिक तंत्र के साथ संबंध की अंतर्दृष्टि
4. हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के रोगियों में सक्रिय एस्परगिलोसिस के निदान के लिए मूत्र गैलेक्टोमैनन की सीरम गैलेक्टोमैनन से तुलना
5. आंतरिक और बाह्य रोगी सेटिंग में यूटीआई का कारण बनने वाले आइसोलेट्स में रोगाणुरोधी संवेदनशीलता की तुलना
6. ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी रोग में रक्त और मूत्र जैव रासायनिक मापदंडों का मूल्यांकन तथा स्वस्थ एवं रोग नियंत्रण के साथ तुलना
7. तृतीयक उपचार अस्पताल में प्रसवोत्तर रोगियों में जमावट की स्थिति का मूल्यांकन
8. स्वचालित सीबीसी विश्लेषक का उपयोग करके जीवाणु सेप्सिस की प्रारंभिक पहचान के लिए विस्तारित प्रदाहक मापदंडों का मूल्यांकन
9. एनएएफएलडी और एचसीसी में ट्रांसक्रिप्टोमिक, लिपिडोमिक और माइटोकॉन्ड्रियल चुनौतियों की पहचान
10. चयापचय संबंधी शिथिलता से संबंधित स्टीटोटिक यकृत रोग से संबंधित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ग्लाइकोलाइटिक मध्यस्थता वाले माइटोकॉन्ड्रियल ऑक्सीकरण के पुनः प्रोग्रामिंग में टेलोमेर लंबाई का प्रभाव।
11. गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग में स्थानांतरण आरएनए व्युत्पन्न आरएनए टुकड़ों और माइटोकॉन्ड्रियल संलयन प्रोटीन की अभिव्यक्ति का आणविक लक्षण वर्णन।
12. पीसीओएस और विटामिन बी1, सेक्स हार्मोन बाइंडिंग ग्लोब्युलिन और पीएआई-1 के साथ इसका संबंध
13. हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी वाले रोगियों और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता

9.18_.indd 457 12/24/2025 12:46:17 PM

14. गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग और टाइप-2 मधुमेह रोगियों में ग्लूकोज विनियमित प्रोटीन-78 और फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन-4 की भूमिका।

15. इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में वैरिसेला ज़ोस्टर वायरस एंटीबॉडी टाइटर का सीरोलॉजिकल मूल्यांकन: वैक्सीन प्रतिक्रिया और हर्पीज ज़ोस्टर जोखिम के लिए निहितार्थ

16. स्वास्थ्य कर्मियों में टीके से रोके जा सकने वाले रोगों की सीरोपॉजिटिविटी

17. रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं में आंत माइक्रोबायोटा का अध्ययन

पूर्ण

1. कोविड-19 के रोगियों में जीआरपी-78, जिंक, आयरन और विटामिन सी के स्तर और म्यूकोरमाइकोसिस होने का संबंध

2. सीएपी-53194, पोलो-जैसे काइनेज-1 का एक नया पूर्वानुमानित ट्यूमर अवरोधक

3. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयन-चयनात्मक इलेक्ट्रोड द्वारा इलेक्ट्रोलाइट माप पर प्रोटीन और लिपिड की भिन्न सांद्रता का प्रभाव

4. एक तृतीयक अस्पताल में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों में दस्त संबंधी महामारी विज्ञान

5. गंभीर अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट में माइलिन हानि और ऑलिगोडेंड्रोसाइट विकृति का मूल्यांकन

6. मेटाबोलिक सिंड्रोम और टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस रोगियों में एड्रोपिन, आइरिसिन, प्रीप्टिन जीन अभिव्यक्ति का आणविक समन्वय

7. मधुमेह और उपापचयी सिंड्रोम में वृद्धि विभेदन कारक-15 (जीडीएफ-15) और नाइट्रिक ऑक्साइड नियामक जीन के बीच आणविक अभिव्यक्ति और अंतःक्रिया

8. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और एनआरएफ-2 जीन अभिव्यक्तियों में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की आणविक अंतःक्रिया

9. तृतीयक उपचार अस्पताल में गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता

10. मेटाबोलिक संबद्ध फैटी लिवर रोग में एंडोथेलियल जीएटीए 4 और प्लेटलेट व्युत्पन्न वृद्धि कारक-बी की भूमिका

11. एक्स्ट्रा-हेपेटिक बिलियरी एट्रेसिया वाले शिशुओं के निदान और पूर्वानुमान में सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज 7 के स्तर की भूमिका

12. जीवित गुर्दा दाताओं में गुर्दे, हृदय और अस्थि खनिज चयापचय में संरचनात्मक और कार्यात्मक अनुकूलन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्रसवोत्तर वजन जोखिम कारक के प्रक्षेप पथ, जो वजन प्रतिधारण से जुड़ा है और 18 महीने तक चयापचय संबंधी विकारों के साथ इसका संबंध पर एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, प्रसूति विज्ञान

9.18_.indd 458 12/24/2025 12:46:17 PM

2. राष्ट्रीय महत्व के निदान के नैदानिक मूल्यांकन के लिए उन्नत केंद्र, जैवभौतिकी विभाग

3. भारत में गर्भावस्था और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव - (एपीआईपीईडी कोहोर्ट), सामुदायिक चिकित्सा

4. स्थूल वयस्कों में खाने के व्यवहार और पोषण संबंधी कालक्रम का आकलन और शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों के साथ इसका संबंध, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. टाइप 2 मधुमेह वाले यूथायरॉइड एशियाई भारतीयों में थायरॉइड हार्मोन प्रतिरोध सूचकांकों का स्टीटोटिक यकृत रोग, कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम कारकों और सार्कोपेनिया के साथ संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैवरासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण तथा हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और प्रतिरक्षा मॉड्युलेटर की अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध, बाल शल्य-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित बांझ महिलाओं में ओवलेशन इंडक्शन के सहायक के रूप में कैबर्गोलिन: एक ओपन-यादृच्छिक अध्ययन,प्रसूति विज्ञान

8. भारतीय वयस्कों में सार्कोपेनिया के लिए हाथ की पकड़ की ताकत और मांसपेशियों के द्रव्यमान के लिए कटऑफ का निर्धारण: 6 भौगोलिक क्षेत्रों में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. स्थूल व्यक्तियों की तुलना में गैर-स्थूल व्यक्तियों में चाल, संतुलन और शक्ति पर शारीरिक संरचना का प्रभाव, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. मोटापे से ग्रस्त भारतीय वयस्कों में उम्र बढ़ने, चयापचय संबंधी गड़बड़ी और सूजन के संकेतों पर पोषण इंटरवेंशन और शारीरिक गतिविधि का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में सूजन संबंधी बायोमार्करों पर एक विरोधी प्रदाहक आहार इंटरवेंशन की प्रभावशीलता, जैव रसायन

12. गर्भधारण की इच्छा रखने वाली पीसीओएस महिलाओं में व्यक्तिगत जीवनशैली इंटरवेंशन की प्रभावशीलता: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बहुकेन्द्रित परियोजना

13. पीसीओएस से ग्रस्त और रहित महिलाओं के कूपिक द्रव में माइक्रो-आरएनए प्रोफाइल का मूल्यांकन और आईवीएफ परिणामों के साथ उनका सहसंबंध: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित भारतीय महिलाओं में व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह-रुग्णता, जोखिम कारक और विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में भिन्नता का मूल्यांकन: भारत भर में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, बहु-केंद्रित परियोजना

15. मस्तिष्क शोफ का विकास, रक्त-मस्तिष्क अवरोध विघटन और उसके बाद की बहाली, साथ ही बाल अभिघातजन्य मस्तिष्क विक्षति रोगियों में सम-विषम समाधान की तुलना, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा विभाग, जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

9.18_.indd 459 12/24/2025 12:46:17 PM

16. तनाव के उपचार में योग निद्रा (गहन विश्राम) की क्षमता का अन्वेषण करना, जो मोटापे से ग्रस्त भारतीय वयस्कों में सूजन और चयापचय संबंधी विकार का प्रमुख कारण है, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. मध्यम से गंभीर एनीमिया से ग्रस्त बच्चों में आंत माइक्रोबायोटा और उपचार के प्रति उसकी प्रतिक्रिया, जठरान्त्र विज्ञान

18. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस सहित एवं इसके बिना स्थूल भारतीय वयस्कों में डायनेपेनिया/ सार्कोपेनिया के लिए बायोमार्कर की पहचान, पूर्वानुमान समीकरणों और जोखिम स्कोर का विकास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

19. स्थूल व्यक्तियों में फेफड़ों की कार्यक्षमता, कथित परिश्रम की दर और जीवन की गुणवत्ता पर कॉस्टल विस्तार व्यायाम और आहार इंटरवेंशन के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली

20. सार्कोपेनिया से पीड़ित स्थूल रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों के द्रव्यमान और कार्य में परिवर्तन पर व्यायाम और पोषण संबंधी इंटरवेंशन के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के अलावा हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी प्राप्त करने वाले स्तन कैंसर रोगियों में हाइपोक्सिया प्रेरित कारक और एंजियोजेनिक साइटोकाइन की अभिव्यक्ति का अध्ययन, शल्य-चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली

22. बाल अभिघातजन्य मस्तिष्क विक्षतियों में मस्तिष्क शोफ, तंत्रिका सूजन और रक्त-मस्तिष्क अवरोध विघटन के विकास का अध्ययन,न्यूरोसर्जरी विभाग, जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

23. व्यक्तित्व लक्षणों का मूल्यांकन करना और मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में शारीरिक संरचना तथा चयापचय मापदंडों पर विशेषता-विशिष्ट इंटरवेंशन के लिए मानवतावादी मनोचिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

24. जले हुए घावों में ईएसकेएपीई जीव की शीघ्र पहचान और रोगाणुरोधी प्रोफाइलिंग के लिए नवीन आणविक तकनीकों (मल्टीप्लेक्स पीसीआर, डिपस्टिक और एनजीएस) की उपयोगिता का मूल्यांकन करना, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

पूर्ण

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में एज़ैथियोप्रिन की पारंपरिक खुराक वृद्धि नीति के साथ जीनोटाइप-निर्देशित मानक खुराक की तुलना करने वाला एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, जठरान्त्र विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. डायनेपेनिया और सार्कोपेनिया से पीड़ित टाइप-2 मधुमेह रोगियों में मांसपेशियों की ताकत, द्रव्यमान और कार्य में परिवर्तन पर आहार इंटरवेंशन और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. ल्यूपस नेफ्रैटिस में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं (सीटीएलए-4, पीडी-1, पीडी-एल1), साइटोकिन्स और टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.18_.indd 460 12/24/2025 12:46:17 PM

4. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस और स्वस्थ प्रजनन आयु वाली भारतीय महिलाओं में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ऑर्गेनोक्लोरीन, ऑर्गेनोफॉस्फेट, बाइफिनाइल ए, थैलेट) का तुलनात्मक मूल्यांकन, तथा आहार संबंधी आदतों (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) और आनुवंशिक परिवर्तनशीलता के साथ उनका सहसंबंध, बहु-केंद्रित परियोजना

5. मोटापे में टी-टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रेग्स) की भूमिका और टाइप 2 मधुमेह एवं क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) में मोटापे से जुड़ी सूजन में उनका नैदानिक सहसंबंध, वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. मनुष्यों में गंभीर ट्रॉमाजन्य मस्तिष्क विक्षति (एसटीबीआई) के बाद श्वेत पदार्थ विकृति में माइलिनेशन और ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में परिवर्तन की जांच करना, न्याय चिकित्सा विकृति विज्ञान और आणविक डीएनए, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स, नई दिल्ली

7. चयापचय की जन्मजात त्रुटि वाले रोगियों में एचपीएलसी विधि का उपयोग करके अमीनो एसिड की मात्रा निर्धारित करने के लिए सूखे रक्त के धब्बों और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, आनुवंशिकी विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. नेत्र चिकित्सा प्रक्रियाओं से गुजर रहे बच्चों में एनेस्थीसिया के प्रेरण के दौरान तनाव बायोमार्कर, मेलाटोनिन स्तर और चिंता स्कोर पर माता-पिता की उपस्थिति का प्रभाव।एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,एनेस्थीसिया विभाग, आरपीसी एम्स, नई दिल्ली

9. आणविक और परिधीय रक्त बायोमार्करों का अध्ययन और हल्के तथा मध्यम टीबीआई-प्रेरित संज्ञानात्मक हानि के निदान के लिए उनकी उपयोगिता, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र, एम्स नई दिल्ली

10. चयापचय संबंधी शिथिलता से संबंधित फैटी लिवर रोग (एमएएफएलडी) और डायनेपेनिया/ सार्कोपेनिया के कार्डियो-मेटाबोलिक जोखिमों के साथ संबंध का एक अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 25 सार: 05 पुस्तकों में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**27**	**50**	**31**
पत्रिकाओं में लेख	26	30	25
सार	--	19	05
पुस्तकों में अध्याय	01	01	01
पुस्तकें	--	--	--

9.18_.indd 461 12/24/2025 12:46:18 PM

रोगी उपचार

रोगी उपचार *(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)*

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श			
विशेष क्लिनिक परामर्श			
मरीजों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं			
कुल भर्ती मरीज			
प्रयोगशाला जांच			

इन-पेशेंट उपचार/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित) (ख) सामुदायिक सेवाएं/ शिविर आदि।

केंद्रीय संग्रह सुविधा (पुरानी आरएके ओपीडी एवं नयी आरएके ओपीडी)

प्रयोगशाला सेवाएँ

क्र. सं.	नई आरएके ओपीडी और पुरानी आरएके ओपीडी की प्रयोगशाला संख्या 27 में लिए गए रक्त के नमूने	शीशियों की संख्या:
1	रक्त कल्चर (सूक्ष्म जैव विज्ञान कक्ष संख्या 2071)	11040
2	ब्लू कैप्ड	39665
3	नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान (4093)	27490
4	नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (एचआईवी और वायरल मार्कर)	19739
5	नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (पीसीआर)	3909
6	नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान (टॉर्च प्रोफाइल)	19264
7	एंडोकलेक्शन	9315
8	ग्रे-कैप्ड	131469
9	एचबीए1सी ट्यूब	12679
10	रुधिर विज्ञान (ओपीडी)	6635
11	बीटी/सीटी	1013
12	रुधिर विज्ञान (ट्रॉमा)	428
13	हेमोलिटिक एनीमिया	864
14	नैदानिक पाथ एंड मोल इम्यूनोल (एचआईपी)	756

9.18_.indd 462 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र. सं.	नई आरएके ओपीडी और पुरानी आरएके ओपीडी की प्रयोगशाला संख्या 27 में लिए गए रक्त के नमूने	शीशियों की संख्या:
15	प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान (आईआरसीएच)	7940
16	वायलेट कैप (रुधिर विज्ञान)	5297
17	कवक विज्ञान(फंगल) प्रयोगशाला बीसी	1216
18	कवक विज्ञान(फंगल) प्रयोगशाला बीटी	730
19	कवक विज्ञान (2080)	2018
20	परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला उपकेंद्र	4313
21	रीनल प्रयोगशाला (नैदानिक केमिस्ट्री)	5431
22	वार्ड (रसायन विज्ञान)	269
23	प्रजनन जीवविज्ञान (मुख्य भवन दूसरी मंजिल, कमरा संख्या 20)	318368
24	सीरोलॉजी प्रयोगशाला (सूक्ष्म जैव विज्ञान कक्ष संख्या 24)	18800
25	सीरोलॉजी प्रयोगशाला नई (सूक्ष्म जैव विज्ञान कक्ष संख्या: 24)	98
26	विशेष रोगजनक परीक्षण (अवायवीय प्रयोगशाला)	4362
27	वायलेट कैप प्रयोगशाला रुधिर विज्ञान	251386
28	वायरोलॉजी प्रयोगशाला-चिकनगुनिया	2934
29	वायरोलॉजी प्रयोगशाला-डेंगू	4626
30	रक्त बैंक	9744
31	ईएसआर	105283
32	पीली कैप (रसायन विज्ञान)	270873
	कुल	**1297954**

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवाएँ (चौबीसों घंटे)

नैदानिक जैव रसायन (आपातकालीन और वार्ड 24 x7 सेवाएं)

मुख्य प्रयोगशाला (द्वितीय तल)

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	
1	एएलबी	302968
2	एएलकेपी	300359
3	एएलटीवी	305223
4	एमाइल	24311

9.18_.indd 463 12/24/2025 12:46:18 PM

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	
5	एएसटी	303539
6	बीसी	288724
7	बीयू	289310
8	सीए	307099
9	सीएचओएल	13392
10	सीके	5554
11	सीएल-	311207
12	सीआरईए	315911
13	जीजीटी	308
14	डीएचडीएल	13022
15	डीएलडीएल	9057
16	एफटी3	7262
17	एफटी4	7303
18	जीएलयू	22196
19	के+	319443
20	एलडीएच	32020
21	एलआईपीए	13607
22	एनए+	316719
23	पीएचओएस	295854
24	पीआरओटी-सीएसएफ	9020
25	टीबीआईएल	302777
26	टीपी	304565
27	टीआरआईजी	13936
28	टीएसएच	13266

9.18_.indd 464 12/24/2025 12:46:18 PM

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	
29	टीटी3	10280
30	टीटी4	10456
31	यूरिया	311133
32	यूरिक	295684
33	एएफपी	2295
34	बीएचसीजी	2908
35	सीए125	1866
36	सीए19.9	1910
37	सीईए	1927
38	सीकेएमबी	6321
39	सीओआरटी	2580
40	आईपीटीएच	4616
41	विटामिन डी3	7177
42	एचबीए1सी	9592
43	ईएसआर (अप्रैल-दिसंबर)	74659
44	टीपीएसए	1917
45	जेंटमाइसिन	47
46	आईजीएम	46
47	पीएचवाई	23
48	एमएएलबी	1415
49	एडीए	0
50	प्ल्यूरल फ्लूड एमाइलेज	1267
51	बीटी/सीटी	1013
52	क्रोमोग्रानिन ए	1052
सभी मापदंडों के परीक्षण की कुल संख्या		**5198136**

9.18_.indd 465 12/24/2025 12:46:18 PM

एबीजी परीक्षण (आपातकालीन एवं वार्ड 24×7 सेवाएं) मुख्य प्रयोगशाला (द्वितीय तल) कुल निष्पादित एबीजी परीक्षण 47284

द्रव रसायन विज्ञान (आपातकालीन एवं वार्ड 24x7 सेवाएं) मुख्य प्रयोगशाला (द्वितीय तल)

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	कुल
1	यू सोडियम (एनए)	433
2	यू एसीआर	433
3	यू एल्बुमिन	535
4	यू क्रिएटिनिन	433
5	यू प्रोटीन	0
6	यूरिया	66
7	यू कैल्शियम	65
8	यू फॉस्फेट	48
9	यूरिक एसिड	48
10	यू पोटेशियम (के)	433
11	यू क्लोराइड (सीएल)	433
12	यू लाइपेस	12
13	यू एमाइलेज	12
14	यू ग्लूकोज	554
15	यू 24 एल्बुमिन	133
16	यू 24 प्रोटीन	0
17	यू 24 क्रिएटिनिन	133
18	यू 24 यूरिक एसिड	09
19	यू 24 कैल्शियम	09
20	यू 24 यूरिया	12
21	यू 24 फॉस्फेट	09
22	यू 24 सोडियम	98
23	यू 24 क्लोराइड	98

9.18_.indd 466 12/24/2025 12:46:18 PM

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	कुल
24	यू 24 पोटेशियम	98
25	यू 24 ग्लूकोज	133
26	सीएसएफ प्रोटीन	9020
27	सीएसएफ ग्लूकोज	3264
28	सीएसएफ एल्बुमिन	544
29	सीएसएफ एलडीएच	600
30	प्ल्यूरल फ्लूड ग्लूकोज	1854
31	प्ल्यूरल फ्लूड प्रोटीन	1854
32	प्ल्यूरल फ्लूड एल्बुमिन	1854
33	प्ल्यूरल फ्लूड लाइपेस	1267
34	प्ल्यूरल फ्लूड एलडीएच	1054
35	एसीटिक फ्लूड ग्लूकोज	4350
36	एसीटिक फ्लूड प्रोटीन	4350
37	एसीटिक फ्लूड एल्बुमिन	4350
38	एसीटिक फ्लूड लाइपेस	4125
39	एसीटिक फ्लूड एमाइलेज	4125
40	एसीटिक फ्लूड एलडीएच	3435
41	पेरिकार्डियल फ्लूड ग्लूकोज	1044
42	पेरिकार्डियल फ्लूड प्रोटीन	1044
43	पेरिकार्डियल फ्लूड एल्बुमिन	1044
44	पेरिकार्डियल फ्लूड एमाइलेज	677
45	पेरिकार्डियल फ्लूड एलडीएच	465
46	सिनोवियल फ्लूड ग्लूकोज	132
47	सिनोवियल फ्लूड प्रोटीन	132
48	ड्रैनेज फ्लूड (मवाद) टीजी	70

9.18_.indd 467 12/24/2025 12:46:18 PM

क्रम सं.	परीक्षण का नाम	कुल
49	24 घंटे-मूत्र साइट्रेट	252
50	24 घंटे-मूत्र ऑक्सालेट	252
कुल		**55395**
	कुल योग	**53,00,815**

रुधिर विज्ञान अनुभाग

क्र. सं.	परीक्षण का नाम	कुल
1	**सीबीसी**	327592
2	रेटिक काउंट	6493
3	परिधीय स्मियर	45949
4	ईएसआर	29235
5	पीटी/आईएनआर	158842
6	एपीटीटी	110312
7	डी-डिमर	25329
8	फाइब्रिनोजेन	25335
9	शरीर के तरल पदार्थ	13463
10	पीएफटी	62
11	आईपीएफ नमूने	5678
12	एमपीओ	432
	कुल योग	**748722**

स्मार्ट प्रयोगशाला सेवाएँ

क्र.सं.	रुधिर	
1	सीबीसी टीएलसी आरबीसी एचजीबी एचसीटी	506778

9.18_.indd 468 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
	एमसीवी एमसीएचसी पीएलटी आरडीडब्ल्यू एनआरबीसी न्यूट लिम्फो मोनो ईओ बासो अब्स्ल्यूट एन. काउंट अब्स्ल्यूट एल. काउंट अब्स्ल्यूट एम. काउंट अब्स्ल्यूट ई. काउंट अब्स्ल्यूट बी. काउंट	
2	रेटिकुलोसाइट काउंट - एबीएस	6568
3	(अन्य) हेतु पीएस	22118
4	कुल फ्लूड कोशिका काउंट	370
5	द्रव विभेदक कोशिका काउंट	341
6	सीएसएफ कुल कोशिका काउंट	57
7	सीएसएफ विभेदक कोशिका काउंट	34
8	ल्यूपस एंटीकोगुलेंट स्क्रीन	591
9	पीटी,आईएनआर	79639
10	एपीटीटी	79366
11	टीटी	66
12	डी डिमर	3036
13	फाइब्रिनोजेन	1484
14	प्रोटीन सी	1103
15	एंटीथ्रोम्बिन	497
	कुल	**702048**
	सीरम विज्ञान	

9.18_.indd 469 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
16	एचआईवी कॉम्बो (एचआईवी 1, 2)	546
17	एंटी एचएवी आईजीएम	24144
18	एचबीएस एजी	106476
19	एंटी एचबीएस	44687
20	आईजीएम एंटी एचबीसी	8763
21	एंटी एचसीवी एबी	106021
	कुल	**290637**
	प्रतिरक्षा	
22	एफएसएच	7132
23	एलएच	12651
24	प्रोलैक्टिन	7387
25	टेस्टोस्टेरोन	6760
26	कोर्टिसोल	9171
27	एस्ट्राडियोल	10300
28	प्रोजेस्टेरोन	9654
29	इंसुलिन	12026
30	अक्षुण्ण पीटीएच	69933
31	टीएसएच (अतिसंवेदनशील)	222116
32	एफटी3	16089
33	एफटी4	17532
34	टी3	219153
35	टी -4	219246
	कुल	**839150**
	रसायन विज्ञान	
36	वीएलडीएल - सी	208785
37	एलडीएल-सी	208921
38	एचडीएल-सी	208917

9.18_.indd 470 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
39	सीएचओएल/एचडीएल अनुपात	208966
40	एलडीएल/एचडीएल अनुपात	208876
41	आयरन	101652
42	ट्रांसफ़रिन	91269
43	फेरिटिन	130215
44	टीआईबीसी	96535
45	विटामिन बी 12	184912
46	सीरम फोलेट	114332
47	आईजीजी	18681
48	आईजी ऐ	14041
49	आईजीएम	13091
50	सीआरपी	214441
51	एचएस सीआरपी	4595
52	एएसओ	2326
53	आरए फैक्टर	24097
54	पूरक सी3	12113
55	पूरक सी4	11483
56	एएफपी	18702
57	कुल पीएसए	9999
58	निःशुल्क पीएसए	4344
59	बीटा एचसीजी	3382
60	सीरम प्रोटीन	254
61	ओजीटीटी-1 घंटा	3287
62	ओजीटीटी-2 घंटे	3918
63	मूत्र प्रोटीन	11309
64	मूत्र 24 घंटे प्रोटीन	6727
65	मूत्र 24 घंटे एल्बुमिन	4820

9.18_.indd 471 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
66	सीएसएफ प्रोटीन	73
67	सीएसएफ ग्लूकोज	69
68	सीएसएफ एलडीएच	220
69	द्रव प्रोटीन	1750
70	द्रव ग्लूकोज	1627
71	द्रव एलडीएच	1312
72	जीजीटी	10306
73	मूत्र 24 घंटे यूरिया	1412
74	मूत्र 24 घंटे क्रिएटिनिन	6091
75	मूत्र 24 घंटे कैल्शियम	3332
76	मूत्र 24 घंटे फॉस्फेट	2233
77	मूत्र 24 घंटे यूरिक एसिड	1218
78	मूत्र यूरिया	1092
79	मूत्र कैल्शियम	2721
80	मूत्र फॉस्फेट	1523
81	मूत्र यूरिक एसिड	1004
82	मूत्र सोडियम	3915
83	यू क्लोराइड (सीएल)	2141
84	मूत्र पोटेशियम	3272
85	मूत्र 24 घंटे सोडियम	1341
86	मूत्र 24 घंटे पोटेशियम	1285
87	मूत्र 24 घंटे क्लोराइड	929
88	द्रव कोलेस्ट्रॉल	501
89	द्रव ट्राइग्लिसराइड	750
90	द्रव एमाइलेज	1431
91	द्रव एल्बुमिन	1656
92	मूत्र प्रोटीन	181

9.18_.indd 472 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
93	मूत्र एल्बुमिन	29792
94	मूत्र क्रिएटिनिन	34026
95	मूत्र एसीआर	32460
96	एचबीए 1 सी	183642
97	ग्लूकोज आर	27900
98	ग्लूकोज एफ	120720
99	ग्लूकोज पीपी	54952
100	ओजीटीटी	3460
101	यूरिया	530381
102	क्रिएटिनिन	530656
103	यूरिक एसिड	564197
104	कैल्शियम	564983
105	फास्फोरस	564257
106	सोडियम	530241
107	पोटेशियम	530347
108	क्लोराइड	530227
109	मैगनीशियम	26385
110	बिलीरुबिन (टी)	562440
111	बिलीरुब्लिन (डी)	562373
112	बिलीरुबिन (I)	562517
113	एएलटी	562414
114	एएसटी	562364
115	ए एल पी	562635
116	कुल प्रोटीन	518945
117	एल्बुमिन	519083
118	ग्लोबुलिन	518957
119	ए/जी अनुपात	518978

9.18_.indd 473 12/24/2025 12:46:18 PM

क्र.सं.	रुधिर	
120	विटामिन डी3 कुल	188122
121	कुल एमाइलेज	12600
122	लिपेज	10638
123	सी.के.	13240
124	सीके-एमबी (गतिविधि)	9790
125	ट्रोपोनिन टी - एचएस	4946
126	मायोग्लोबिन	1392
127	होमोसिस्टीन	11980
128	एलडीएच	47290
129	कार्बमेज़पाइन	403
130	वैल्प्रोइक एसिड	2111
131	कुल कोलेस्ट्रॉल	240408
132	ट्राइग्लिसराइड्स	208855
	कुल	**13259482**
	सकल योग	**15091317**

नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान प्रभाग

क. नियमित जांच			
1. मूत्र			
परीक्षणों का नाम	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
रूटीन	25046	54885	79931
सूक्ष्म	25046	54885	79931
पीएच	25046	54885	79931
विशिष्ट गुरुत्व	25046	54885	79931
एसीटोन	25046	54885	79931
पित्त वर्णक/नमक	25046	54885	79931
यूरोबायलिनोजेन	25046	54885	79931

9.18_.indd 474 12/24/2025 12:46:18 PM

रक्त	25046	54885	79931
बेन्स जोन्स प्रोटीन	8	16	24
चिलुरिया	15	28	43
पोर्फोबिलिनोजेन	14	16	30
मायोग्लोबिनुरिया	6	15	21
हीमोग्लोबिन	0	0	0
मूत्र संवर्धन	43316	0	43316
स्ट्रैन पहचान परीक्षण	17879	0	17879
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	3996	0	3996
उप-योग	**265602**	**439155**	**704757**
2. मल जांच	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
वेट माउंट सेलिन	15404	4253	19657
वेट आयोडीन स्टेन	15404	4253	19657
मल में गुप्त रक्त	3167	1652	4819
वसा ग्लोबुलेस	34	22	56
मल के लिए विशेष दाग जेड-एन दाग, मोडिफ	269	25	294
उप-योग	**34278**	**10205**	**44483**
3. वीर्य विश्लेषण	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
रूटीन	4578	0	4578
प्रतिक्रियाओं की संख्या	4578	0	4578
गतिशीलता	4578	0	4578
गिनती करना	3538	0	3538
फ्रुक्टोज	1597	0	1597
उप-योग	**18869**	**0**	**18869**
ख. विशेष जांच **इम्यूनो-सीरोलॉजिकल एवं आणविक निदान**			

9.18_.indd 475 12/24/2025 12:46:18 PM

जांच 6. टॉर्च		
जांच का नाम* (वर्ष के अधिकांश समय तक ये जांच स्थगित रहे)		
टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीजी	2534	
टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीएम	2499	
रूबेला आईजीजी	3451	
रूबेला आईजीएम	3105	
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1576	
साइटोमेगालो वायरस आईजीएम	2984	
हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	1048	
हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस 2 आईजीजी	944	
हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस (1+2) आईजीएम	0	
उप-योग	**18141**	
6. वायरल मार्कर		
एचएवी आईजीएम	1272	
एचबीएसएजी	18740	
एचबीसी आईजीएम	1036	
एचबीईएजी	1418	
एंटी एचबीई	926	
एंटी एचबीएस	1455	
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	19017	
एचईवी आईजीएम	0	
एचबीवी डीएनए	967	
एचसीवी आरएनए	331	
सीएमवी पीसीआर	721	
उप-योग	**45883**	
7. अन्य		

9.18_.indd 476 12/24/2025 12:46:18 PM

खसरा आईजीजी	442	
मम्प्स आईजीजी	442	
वैरिसेला आईजीजी	609	
वैरिसेला आईजीएम	0	
उप-योग	**1493**	
कुल योग	**833,626**	

विभाग द्वारा किए गए कुल परीक्षण: 2,19,74,480

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य सुदीप कुमार दत्ता सदस्य, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ नैदानिक केमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन (आईएफसीसी) टास्क फोर्स- एथिक्स (पहला टर्म 2020-2022, दूसरा टर्म 2023-2025)। वह आईसीएमआर-एमडीएमएस के तहत समर्थित विभिन्न परियोजनाओं के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य थे। वह भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) में मेडिकल लेबोरेटरी इंस्ट्रूमेंट्स सेक्शनल कमेटी, एमएचडी-10 के अध्यक्ष थे (2023 से अब तक)। वह भारतीय जनसंख्या में संदर्भ अंतराल की स्थापना के लिए आईसीएमआर टास्क फोर्स (टीईआरआईपी) के सदस्य थे (2022 से अब तक)। उन्होंने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन पूरा किया। उन्होंने एम्स, जोधपुर और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एमडी थीसिस का मूल्यांकन पूरा किया। वह एसोसिशन और क्लिनिकल बायोकैमिस्टस ऑफ इंडिया (एसीबीआई) हेतु राज्य प्रतिनिधि दिल्ली थे।

डॉ. श्याम प्रकाश मणिपाल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के एसोसिएट एडिटर। वह एम्स, नई दिल्ली में आईएबीएस-नॉर्थ ज़ोन 2024 के आयोजन सचिव थे। वह जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज में आईएबीएस के एसोसिएट एडिटर थे। वह चरण- I नैदानिक परीक्षणों (जैव-तुल्यता और जैव-वितरण अध्ययन के लिए नैनो-करक्यूमिन निर्माण) पर डीआईपीएएस, दिल्ली में बाहरी विशेषज्ञ सदस्य थे। वह एएसबीएमबी (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी) में पोस्टर के निर्णायक सदस्य थे। वह एएसबीएमबी (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी) में पोस्टर के निर्णायक सदस्य थे। उन्होंने (क) डीआईपीएएस-डीआरडीओ, नई दिल्ली और (ख) निम्स, हैदराबाद पर पीएचडी थीसिस मूल्यांकन पूरा किया। वह विभिन्न सम्मेलनों (आईएबीएस-सीओएन, एसीबीआई-सीओएन, आईएसएआर-डीसीसीओएन, आईएसबीएच-2024, आदि) के अध्यक्ष और पैनलिस्ट थे। वह "चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता" श्रेणी में बीएमजे साउथ एशियन अवार्ड 2024 के फाइनलिस्ट थे। वह एसकेआईएमएस (शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज), केंद्रीय अनुसंधान इकाई, श्रीनगर, (जम्मू और कश्मीर) में विजिटिंग फैकल्टी थे।

डॉ. सुनीता मीणा "भारत में ढांचे के कार्यान्वयन की प्रभावी शुरुआत को सक्षम करने के लिए प्रमुख आवश्यकताएं हैं, अर्थात आपके विशिष्ट संदर्भों और सेटिंग्स को ध्यान में रखते हुए जैव जोखिम शमन और डीयूआर शासन को मजबूत करना", में पैनलिस्ट और वक्ता थी।

डॉ. तुषार सहगल ने - एम्स अनुसंधान दिवस, 30 जनवरी 2025, नवीन उपकरण श्रेणी, एआई आधारित पीबीएफ विश्लेषण और सीबीसी रिपोर्टिंग में प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया। 28 जुलाई-1 अगस्त 2024 को शिकागो, अमेरिका के डायग्नोस्टिक एंड लेबोरेटरी मेडिसिन अकादमी में गंभीर अभिघातजन्य मस्तिष्क

9.18_.indd 477 12/24/2025 12:46:19 PM

क्षति में कोगुलोपैथी की भविष्यवाणी करने के लिए काओलिन टीईजी और रैपिड टीईजी की उपयोगिता पर विशिष्ट सार पुरस्कार प्राप्त किया। 25 जनवरी 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान फाउंडेशन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में प्रेरक योगदान के लिए गणतंत्र दिवस पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रोजलीन दास को फरवरी 2025 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान से अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया गया है।

अतिथि वैज्ञानिक

कनाडा के सस्केचवान विश्वविद्यालय के विकृति विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. जय कालरा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है और उन्होंने 16 नवंबर 2024 को भारतीय चिकित्सा प्रयोगशाला विज्ञान परिसंघ (आईसीएमएलएस) 2024 के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रयोगशाला में त्रुटि प्रकटीकरण" पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

आचार्य अरुण गर्ग, पीएचडी, एमडी, एफआरसीपीसी, सलाहकार मेडिकल बायोकेमिस्ट, प्रयोगशाला चिकित्सा और पैथोलॉजी, फ्रेजर हेल्थ; नैदानिक आचार्य, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, यूबीसी; सहायक आचार्य, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय।

9.18_.indd 478 12/24/2025 12:46:19 PM

9.19 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
नवीत विग

आचार्य
संजीव सिन्हा
नवल के विक्रम
मनीषा सोनेजा
पीयूष रंजन

अपर आचार्य
नीरज निश्चल पंकज जोरवाल अरविंद कुमार
रणवीर सिंह जादोन अनिमेष रे उपेन्द्र बैठा

सह-आचार्य
प्रयास सेठी
वेद प्रकाश मीणा

सहायक आचार्य
सिद्धार्थ जैन अमनदीप सिंह बिंदु प्रकाश
राहुल के जी (संविदा पर) रेणुका तितियाल (संविदा पर)

विशिष्टताएं

एम्स नई दिल्ली के काय चिकित्सा विभाग ने इस वर्ष नैदानिक उपचार, शिक्षा और जन-स्वास्थ्य नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारे विशेष क्लीनिकों-जिनमें संक्रामक रोग, चयापचय, छाती और नींद संबंधी रोग शामिल हैं, ने व्यापक रोग स्पेक्ट्रम में अत्याधुनिक, सहानुभूति पूर्ण उपचार प्रदान करना जारी रखा है। शैक्षणिक रूप से, हमने अपनी विभागीय वेबसाइट में सुधार किया और एक गतिशील, सुलभ डिजिटल शिक्षण वातावरण बनाने के लिए गूगल क्लासरूम को एकीकृत किया है। बेडसाइड मेंटरशिप के साथ तकनीक के इस मिश्रण ने एमबीबीएस, एमडी और डीएम स्तरों पर प्रशिक्षण को मज़बूत किया है। विभाग ने उन्नत विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और अकादमिक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रतिष्ठित "इनक्विसिटो" राष्ट्रीय मेडिसिन क्विज़ 2025, का आयोजन किया। हमारे रेजीडेंटों ने राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय रुमेटोलॉजी क्विज़-2024 पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जीत प्राप्त की और संस्थान अनुसंधान दिवस कार्यक्रमों के दौरान सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतियाँ प्राप्त की। तो हमारे अनुसंधान-उन्मुख, साक्ष्य-आधारित प्रशिक्षण का प्रमाण है। संकाय-सदस्यों द्वारा प्रतिस्पर्धी अनुदान प्राप्त करने और प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशन करने से अनुसंधान संबंधी प्रयासों में वृद्धि हुई हैं। अंतःविषयक ग्रैंड राउंड, सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण और वर्चुअल केस चर्चाओं ने स्नातकोत्तर शिक्षा को समृद्ध बनाया हैं। स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सार्वजनिक जुड़ाव को मजबूत किया गया, जबकि हमारे संकाय-सदस्यों ने राष्ट्रीय नीति-निर्माण और पाठ्यक्रम डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्कृष्टता, नवाचार और सेवा के प्रति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता के साथ, विभाग भारत के चिकित्सा परिदृश्य में एक मार्गदर्शक बना हुआ है - जो भविष्य निर्माण के साथ परंपरा का भी सम्मान करता है।

9.19_.indd 479 1/8/2026 5:03:36 PM

शिक्षा

विभाग चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है, जो स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लिए एक जीवंत और समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। हमारा पाठ्यक्रम व्याख्यान, सेमिनार और संवादात्मक सत्रों की एक श्रृंखला को एकीकृत करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है, जिसमें नैदानिक कंबाइंड राउंड्स (सी सी आर) नैदानिक ग्रैंड राउंड्स (सी जी आर), जर्नल क्लब, मृत्युदर बैठकें, संक्रामक रोग बैठकें और एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप पर मासिक अपडेट शामिल हैं। ये कठिन बेडसाइड नैदानिक केस चर्चाओं से परिपूर्ण होते हैं जो व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करते हैं। पिछले 1 वर्ष में, नैदानिक स्टीवर्डशिप के साथ-साथ गुणवत्ता सुधार की पहलों पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें हाथ की स्वच्छता का अनुपालन, तर्कसंगत जांच क्रम और संक्रमण नियंत्रण में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। हमें गर्व है कि हम 70 एमडी छात्रों, 44 डीएम संक्रामक रोग प्रतिभागियों, 23 वरिष्ठ रेजीडेंटों के शैक्षिक और पेशेवर विकास को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारा शैक्षिक दर्शनशास्त्र असाधारण प्रशिक्षण प्रदान करने पर केन्द्रित हैं जो शैक्षिक परिणामों को अधिकतम करने हेतु व्यवहारिक और आकलन के साथ सीखने के उद्देश्य को सावधानीपूर्वक श्रेणीबद्ध करता है। हम अनुसंधान और रोगी देखभाल के सबसे कड़े मानकों का पालन करने के लिए अपने नैदानिक प्रशिक्षण की क्षमता को निरंतर उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारे रेजीडेंट अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अमूल्य वैश्विक अनुभव प्राप्त करते हैं, जहाँ वे मौखिक और पोस्टर दोनों माध्यमों से प्रस्तुति देते हैं। उनकी उपलब्धियों में राष्ट्रीय क्विज़ में प्रशंसा प्राप्त करना शामिल हैं, जो उनके ज्ञान और शोध के कौशल की क्षमता को दर्शाते हैं। इसके अलावा, नए रेजीडेंटों के लिए हमारे उन्नत अभिविन्यास कार्यक्रम में शोध पद्धति कार्यशालाएँ भी शामिल हैं।

स्नातक शिक्षा को भी समान रूप से प्राथमिकता दी जाती है। एमबीबीएस के छात्रों को बैच-विशिष्ट पर्यवेक्षण, बेडसाइड पर नैदानिक मामलों पर चर्चा, शिक्षण पर केंद्रित करने के लिए व्यक्तिगत बेड आवंटन, शाम की आपातकालीन कक्षाएं और साप्ताहिक प्रारंभिक मूल्यांकन सहित सभी को एक समर्पित संकाय-मेंटर मॉडल का लाभ मिलता है। वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में आत्मविश्वास विकसित करने के लिए सिमुलेशन-आधारित शिक्षण और बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) प्रशिक्षण को उनके पाठ्यक्रम में प्रारंभिक रूप से शामिल किया जाता है। छात्रों को संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है, और कई छात्र पहले से ही चल रही परियोजनाओं में योगदान दे रहे हैं। हमारे संकाय सदस्य बीएससी नर्सिंग के छात्रों को नियमित रूप से पढ़ाते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें न केवल सैद्धांतिक चिकित्सा सिखाई जाए, बल्कि इसका बेडसाइड पर ही व्यावहारिक और सहानुभूतिपूर्वक कार्य भी सिखाया जाए।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. राष्ट्रीय स्तर की पीजी काय चिकित्सा क्विज़ “इनक्विज़िटो-5”, 13 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में
2. राष्ट्रीय स्तर की पीजी काय चिकित्सा क्विज़ “इनक्विज़िटो-6”, 30 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 26

9.19_.indd 480 1/8/2026 5:03:36 PM

नवल के विक्रम: 5 मनीष सोनेजा: 4 अरविंद कुमार: 3 नीरज निश्चल: 1
अमनदीप सिंह: 1 अनिमेष रे: 2 उपेन्द्र बैठा: 1 सिद्धार्थ जैन: 9

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
36	9	28

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 10

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
13	16	10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस की घटनाओं का आकलन करने और एस्परगिलस इम्यूनोडायग्नोस्टिक एंटीजन की पहचान करने के लिए एक लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन, डॉ. अनिमेष रे, एम्स, इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2023-2025, 9,99,990 रुपये
2. पोस्टमॉर्टम न्यूनतम इनवेसिव ऊतक नमूने का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर वाले रोगियों में आक्रामक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान के लिए बीएम-एस्पआईसीयू एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, डॉ अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 40,00,000 रुपये
3. नान-अल्कोहल फैटी लिवर रोग वाले उत्तर भारतीय मोटे व्यक्तियों में ल्यूकोसाइट टेलोमेरेज़ लंबाई और टेलोमेरेज़ गतिविधि पर विटामिन डी अनुपूरण का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ रणवीर सिंह जादौन, वर्ष 2024-2025, 23,12,515 रुपये
4. नॉन-सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस रोगियों में विटामिन-डी अनुपूरण की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 76,51,252 रुपये
5. मेटाबोलिक डिसफंक्शन संबंधित फैटी लिवर बीमारी (एमएएफएलडी) और डायनेपेनिया/ सार्कोपेनिया के कार्डियो मेटाबोलिक जोखिम से संबंध पर एक अध्ययन, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 59,13,114 रुपये
6. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों में अंतर्निहित प्रतिरक्षा में कमी और सह-संक्रमण पर एक अध्ययन, डॉ अनिमेष रे, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024- 2026, 20 लाख रुपये

9.19_.indd 481 1/8/2026 5:03:36 PM

7. हृदय विफलता वाले रोगियों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) का उन्नत अध्ययन: ओएसए-हृदय विफलता के निदान और उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को शामिल करना, डॉ. संजीव सिन्हा, टीआईएच, आईआईटी, इंदौर, 3 वर्ष, 2024-2027, रु. 35,70,063 रुपये

8. वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के निदान के लिए कृत्रिम बुद्धिमता आधारित निर्णय सहायता प्रणाली, डॉ. अनिमेष रे, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024 (मई 2025 तक विस्तारित), 26,86,419 रुपये

9. टाइप 2 मधुमेह रोगियों में ग्लाइसेमिक परिवर्तनशीलता का हेपेटिक स्टेटोसिस, सार्कोपेनिया और इम्यूनोमेटाबोलिक मापदंडों के साथ संबंध, डॉ. प्रयास सेठी, एम्स इंट्रामयूरल, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

10. विभिन्न बॉडी मास इंडेक्स प्रतिभागियों में मांसपेशियों और हाथ की पकड़ का शारीरिक संरचना के साथ सहसंबंध", डॉ. उपेंद्र बैठा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 2,22,282 रुपये

11. मोटापे से ग्रस्त रोगियों के लिए चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण वजन घटाने के लिए एक व्यापक पुन:प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन। एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. पीयूष रंजन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 46.36 लाख रुपये

12. युवा वयस्कों के लिए एक व्यक्तिगत वजन प्रबंधन मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन। मुख्य अन्वेषक। राशि 57.16 लाख। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, डॉ. पीयूष रंजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 57.16 लाख रुपये

13. आक्रामक फंगल संक्रमणों के निदान और पूर्वानुमान के लिए एक स्वदेशी (1→3)-β-D-ग्लूकेन (बीडीजी) परख का विकास और सत्यापन, डॉ. अनिमेष रे, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

14. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया के निदान और आकलन में सहायता के लिए इम्यूनोएस्से का विकास और सत्यापन, डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 59,65,142 रुपये

15. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग मॉडल का विकास। एक बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, टीआईएच, आईआईटी बॉम्बे डीएसटी, 2 वर्ष, 2025-2027, 1.10 करोड़ रुपये

16. खांसी की आवाज़ और लक्षणों का उपयोग करके पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाने के लिए एआई आधारित स्क्रीनिंग प्रणाली की नैदानिक सटीकता, डॉ. नीरज निश्चल, वाधवानी, 2 वर्ष, 2025-2027, 14 लाख रुपये

17. म्यूकोर्मिकोसिस में कोशिका मुक्त डीएनए की नैदानिक सटीकता, डॉ अरविंद कुमार, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2025-2027, 2 लाख रुपये

18. एशियाई भारतीय व्यक्तियों में मोटापे से संबंधित ग्लोमेरुलोपैथी का शीघ्र पता लगाना: गुर्दे की चोट हेतु नवीन बायोमार्करों की भूमिका का मूल्यांकन- एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. अमनदीप सिंह, एम्स नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

19. सेप्सिस से पीड़ित मेकेनिकल रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए मरीजों के हीमोग्लोबिन सांद्रता पर विटामिन डी3 की उच्च खुराक का प्रभाव: एक प्लेसिबो-नियंत्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 50,47,800 रुपये

9.19_.indd 482 1/8/2026 5:03:36 PM

20. ऑटोइम्यून रूमेटिक रोगों वाली युवा महिलाओं में अंतःशिरा साइक्लोफॉस्फेमाइड की डिम्बग्रंथि विषाक्तता को कम करने में ल्यूप्रोलाइड एसीटेट की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक मूल्यांकन-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सिद्धार्थ जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 84.5 लाख रुपये

21. डेंगू बुखार के रोगियों में चेतावनी के संकेतों और गंभीर बीमारी की घटनाओं को कम करने में मोंटेलुकास्ट की प्रभावकारिता: एक द्वितय चरण, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. मनीष सोनेजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 75,00,000 रुपये

22. फैटी किडनी का कार्डियोमेटाबोलिक विकारों और किडनी कार्यों के जोखिम के साथ संबंध का मूल्यांकन: चयापचय की दृष्टि से स्वस्थ और अस्वस्थ मोटे और पतले एशियाई भारतीय व्यक्तियों का, एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. अमनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 98,07,427 रुपये

23. ऊपरी श्वसन संक्रमण, तीव्र समरूप ज्वर और समुदाय-अधिग्रहित निमोनिया के लिए एंटीबायोटिक के एमपीरिकल उपयोग पर साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों के लिए साक्ष्य संश्लेषण: व्यवस्थित समीक्षा/मेटा-विश्लेषण का संचालन, डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 महीने, 2025, - 2025, 5,13,500 रुपये

24. वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक संपर्क और भारतीय जनसंख्या में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और कोविड़-19 के रोगियों में रोग की गंभीरता और परिणामों के साथ उनका संबंध: एक संभावित बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. उपेंद्र बैठा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 1,86,71,755 रुपये

25. गंभीर पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों में ओरल एज़ोल्स में नेबुलाइज्ड एम्फोटेरिसिन बी मिलाया गया: एक प्लेसिबो-नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड बहुकेन्द्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एनएबी परीक्षण), डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 2,89,70,598 रुपये

26. टीबीएम रोगियों में दौरे की बायोमार्कर पहचान के लिए एनएमआर आधारित सीएसएफ मेटाबोलोमिक्स, डॉ. बिंदु प्रकाश, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

27. ट्यूबरकुलोसिस मेनिनजाइटिस रोगियों में खराब परिणामों के लिए बायोमार्कर पहचान हेतु एनएमआर-आधारित सीएसएफ मेटाबोलोमिक्स, डॉ. बिंदु प्रकाश, एम्स (अंतःविषय, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

28. रजोनिवृत्त महिलाओं में डायनेपेनिया/सार्कोपेनिया की व्यापकता और चयापचय मापदंडों, शरीर संरचना और बोन मिनरल घनत्व के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. रणवीर सिंह जादौन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 9,07,608 रुपये

29. ओस्टियोसारकोपेनिया से ग्रस्त मोटे रोगियों में हड्डियों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर पोषण संबंधी इंटरवेंशन के साथ भार वहन और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. रणवीर सिंह जादौन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 76,74,989 रुपये

30. कंकाल की मांसपेशियों की ताकत में परिवर्तन पर आहार इंटरवेंशन और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डायनेपेनिया और सार्कोपेनिया वाले टाइप 2 मधुमेह रोगियों में द्रव्यमान और कार्य, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 73,46,403 रुपये

9.19_.indd 483 1/8/2026 5:03:37 PM

31. आवर्ती या लगातार सटेराइल सूजन के साथ उपस्थित अज्ञात रोगियों में ऑटोइन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम की जांच: एक पायलट अध्ययन, सिद्धार्थ जैन, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

32. भारत में एचपीवी और एचआईवी सह-संक्रमण से ग्रस्त कमज़ोर महिलाओं में द्वितीयक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम। एक अंतर्राष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), 5 वर्ष, 2024-2029, 129,171 अमरीकी डॉलर

33. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले और बिना ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले भारतीय मोटे मरीजों में मैगनेटिक अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके ऊपरी वायुमार्ग की शारीरिक रचना का अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, एसईआरबी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 75 लाख रुपये

34. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ग्लाइसेमिक और नैदानिक परिणामों की उपलब्धि पर निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली के प्रभाव पर अध्ययन, डॉ. वेद प्रकाश मीणा, इंट्राम्यूरल एम्स, 1 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

35. हेपेटिक स्टेटोसिस और फाइब्रोसिस पर निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध आहार के साथ इंडो-मेडिटेरेनियन आहार के प्रभाव की तुलना करने के लिए, आरएनए बायोमर्कर नान-अल्कोहल फैटी लिवर रोग वाले वयस्कों में, शरीर संरचना और चयापचय पैरामीटर, डॉ. नवल के विक्रम, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 44,78,700 रुपये

36. मोटे लोगों में व्यक्तित्व लक्षणों का मूल्यांकन करना और शारीरिक संरचना और चयापचय मानदंडो पर विशेषता विशिष्ट इंटरवेंशन के लिए मानवतावादी मनोचिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना, डॉ. नवल के विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 59,43,606 रुपये

37. मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले लोगों में सीरम प्रोटिओमिक्स प्रोफाइल की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, डॉ. उपेंद्र बैठा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 22 लाख रुपये

पूर्ण

1. उत्तर भारत में नान-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग और मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में शारीरिक संरचना, बहु-चयापचय मापों पर 6 महीने के योगिक व्यायाम बनाम नियमित शारीरिक गतिविधि का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नवल के. विक्रम, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2023, 96,39,720 रुपये

2. उत्तर भारतीय तृतीयक रेफरल केंद्र से गंभीर पल्मोनरी एस्परगिलोसिस की ओर अग्रसर होने वाले आनुवंशिक दोषों पर एक अध्ययन, डॉ अनिमेष रे, फंगल इंफेक्शन ट्रस्ट, इंटरनेशनल, 1 वर्ष, 2023-2024, 33,60,575 रुपये

3. एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी के पालन में सुधार के लिए लक्षणहीन पीएलएचआईवी के बीच पालन आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण का विकास और सत्यापन", डॉ. नवीत विग, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 28 लाख रुपये

4. वॉक-इन-पेशेंट्स में श्वसन रोगों की व्यापकता का निर्धारण, डॉ. संजीव सिन्हा, एल्वोफिट, भारत-स्वीडन हेल्थकेयर इनोवेशन सेंटर, 18 महीने, 2023-2024, 5,13,648 रुपये

5. मोटे रोगियों में हीमोग्लोबिन पर वजन घटने का प्रभाव और इम्यूनो-मेटाबोलिक मापदंडों के साथ इसका संबंध, डॉ. प्रयास सेठी, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख रुपये

9.19_.indd 484 1/8/2026 5:03:37 PM

6. एचआईवी संक्रमण वाले वयस्क रोगियों में कोविड-19 टीकाकरण के प्रति प्रतिरक्षात्मक प्रतिक्रिया, डॉ. नीरज निश्चल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 76 लाख रुपये

7. सार्कोपेनिया से ग्रस्त मोटे रोगियों में मांसपेशियों के कार्यात्मक सुधार और मसल फंक्शन में परिवर्तन पर व्यायाम और पोषण संबंधी इंटरवेंशन के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023 (विस्तार), 83,01,698 रुपये

8. एचआईवी/एड्स से ग्रस्त लोगों में सार्कोपेनिया: क्लिनिको-मेटाबोलिक और हार्मोनल सहसंबंध और रेसिस्टेंट प्रशिक्षण अभ्यासों का प्रभाव, डॉ. प्रयास सेठी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 19 लाख रुपये

9. उच्च जोखिम वाले वयस्कों में प्रतिरक्षा की अंतर्निहित जन्मजात त्रुटियों की जांच और इसके निदान, उपचार और रोगनिदान संबंधी प्रभावों का आकलन, डॉ. सिद्धार्थ जैन, एपीएलएआर (एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएशन फॉर रूमेटोलॉजी), 1 वर्ष, 2023-2024, 14000 यूएसडी

10. एक भारतीय सेटअप में चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षणों (एमयूपीएस) वाले रोगियों में दैहिक लक्षणों की गंभीरता और विकलांगता के पाठ्यक्रम का अध्ययन- [एम्स एमयूपीएस कोहोर्ट अध्ययन], डॉ. पीयूष रंजन, डीएसटी, 1 वर्ष, 2021-2022, 9.28 लाख रुपये

11. ट्यूबरकुलोसिस के बाद फेफड़ों की बीमारी वाले रोगियों में कार्यात्मक व्यायाम क्षमता और स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) पर पल्मोनरी पुनर्वास की प्रभावशीलता का अध्ययन: एक बहुकेंद्रीय पूर्व और पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, आईसीएमआर, 1.2 वर्ष, 2023-2024, 60,18,226 रुपये

12. मोटे वयस्कों में शरीर की संरचना, कई चयापचय और शारीरिक मापदंडों पर इंटरमिटेंट फासटिंग और निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध के प्रभाव की तुलना करने के लिए, डॉ. नवल के विक्रम, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023 (विस्तार), 53,16,985 रुपये

13. विभिन्न बहु-विशिष्टताओं के बीच राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) दिशानिर्देशों के तहत अतिरिक्त-पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में निदान और उपचार में अंतराल का मूल्यांकन करने के लिए: एक बहुकेंद्रीय अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, आईसीएमआर, 24 महीने, 2023-2025, 63,18,226 रुपये

14. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन: सिंगल ब्लाइंड, समानांतर समूह, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अरविंद कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 57 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. ब्रोन्किइक्टेसिस रोगियों में घटना और तीव्रता को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक अध्ययन

2. अस्पताल में भर्ती मरीजों में क्लोस्ट्रीडियम डिफिसाइल के कोलोनाईजेशन दर का अनुमान लगाने के लिए एक अध्ययन

3. एनएससीएलसी आश्रित ड्राइवर म्यूटेशन वाले वाले रोगी की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल, उपचार पैटर्न और परिणाम का विश्लेषण

9.19_.indd 485 1/8/2026 5:03:37 PM

4. हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस वाले रोगियों में एपस्टीन-बार वायरस वायरेमिया का आकलन - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

5. वयस्क पुरुषों में एमयूपीएस, मेटाबोलिक सिंड्रोम और यौन रोग (ईरेक्टाइल दोष और शीघ्रपतन) के बीच संबंध: उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र से एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण

6. मेटाबोलिक डिसफंक्शन एसोसिएटेड स्टेटोटिक लिवर डिजीज (एमएसएलडी) वाले वयस्क रोगियों में नैदानिक और मेटाबोलिक मापदंडों के साथ एडीपोज़-मांसपेशी फेनोटाइप का संबंध

7. एचआईवी सेरोनिगेटिव रोगियों में लिम्फ नोड ट्यूबरकुलोसिस में पेराडॉक्स प्रतिक्रिया के नैदानिक, प्रतिरक्षाविज्ञानी, विकिरण विज्ञान सहसंबंध

8. रिसेक्टिव सर्जरी से गुजर रहे गंभीर पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों की नैदानिक, विकिरण विज्ञान, सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रोफ़ाइल

9. एमडीआर/एक्सडीआर एक्स्ट्रान्यूरोलॉजिकल ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में एटीटी प्रेरित पेरिफेरल न्यूरोपैथी की क्लिनिकोडेमोग्राफिक और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

10. नैदानिक-प्रयोगशाला और पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी) स्कैन फॉलोअप और एंटी ट्यूबरकुलर थेरेपी के 6 महीने पूरे होने के बाद लगातार लिम्फैडेनोपैथी वाले रोगियों के परिणाम

11. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया-सीपी वाले रोगियों में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताएं और उत्तरजीविता परिणाम

12. फॉलिक्युलर लिम्फोमा वाले रोगियों की क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताएं और उत्तरजीविता परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

13. इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोपैथेसिस वाले वयस्क रोगियों में नैदानिक- विकृत-विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम

14. मेटाबोलिक डिसफंक्शन स्टेटोटिक यकृत रोग (एमएएसएलडी) और मेटाबोलिक डिसफंक्शन और अल्कोहल से संबंधित यकृत रोग (मेटाएएलडी) से जुड़े रोगियों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) की व्यापकता की तुलना

15. टाइप 2 मधुमेह रोगियों में एमएएसएलडी के साथ जीजीटी/एचडीएल-सी अनुपात का सहसंबंध।

16. नैदानिक, जैव रासायनिक और विकिरण विज्ञान मापदंडों के आधार पर बैक्टीरियल सेप्सिस के नैदानिक संदेह वाले रोगियों में प्रेरक जीवों की पहचान के लिए एक पूर्वानुमान मॉडल का विकास

17. आवर्ती पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस का निदान: क्लिनिको-रेडियो-माइक्रोबायोलॉजिकल और एआई आधारित इमेजिंग प्रणालियों की तुलना

18. एंटी टीएनएफ थेरेपी पर रोगियों में सह नैदानिक पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस का निदान।

19. म्यूकोरमाइकोसिस में कोशिका मुक्त डीएनए की नैदानिक सटीकता।

20. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान के लिए यूरिया ड़िलुशन द्वारा सही किए गए बीएएलएफ में गैलेक्टोमैनन का पता लगाने की नैदानिक उपयोगिता।

9.19_.indd 486 1/8/2026 5:03:37 PM

21. एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस में जेनएक्सपर्ट एमटीबी/एक्सडीआर की नैदानिक उपयोगिता।

22. भारत में दवा प्रतिरोधी मिर्गी का आर्थिक बोझ।

23. सीआरटी प्रत्यारोपण के बाद विद्युत और यांत्रिक प्रदर्शन में सुधार पर विद्युत आधारित अनुकूलन का प्रभाव।

24. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में पल्मोनरी आर्टरी धमनी उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोगियों में महामारी विज्ञान, नैदानिक प्रोफ़ाइल, उपचार रुझान और परिणाम।

25. अस्पताल में भर्ती मरीजों में फेफड़े की गुहा का इटियोलॉजी और परिणाम।

26. फंगल संक्रमण का पता लगाने के लिए नैदानिक निष्कर्षों, प्रयोगशाला मापदंडों और रेडियोलॉजिकल इमेजिंग के आधार पर पूर्वानुमान मॉडल की नैदानिक उपयोगिता का मूल्यांकन करना।

27. सीएनएस ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में वर्तमान उपचार प्रथाओं और परिणामों का मूल्यांकन।

28. स्पैकल इकोकार्डियोग्राफी के माध्यम से 5 वर्ष से अधिक समय तक एचएएआरटी पर पीएलएचआईवी में सह नैदानिक मायोकार्डियल डिसफंक्शन का मूल्यांकन।

29. एचआईवी या टाइप 2 मधुमेह में उप-नैदानिक ट्यूबरकुलोसिस का साक्ष्य।

30. स्वस्थ देखभाल कर्ताओं के बीच डेस्मॉइड/फाइब्रोमैटोसिस के बारे में जागरूकता और समझ की खोज: एक ज्ञान मूल्यांकन अध्ययन।

31. तृतीयक देखभाल केंद्र के सामान्य शल्य चिकित्सा वार्ड में सर्जिकल साइट संक्रमण की घटना और नैदानिक सूक्ष्मजीववैज्ञानिक प्रोफ़ाइल।

32. बिना किसी विसंगति वाले रोगियों की तुलना में इम्यूनो-वायरोलॉजिकल विसंगति वाले पीएलएचआईवी में एड्स और गैर-एड्स संबंधी घटनाओं की घटना।

33. चिकित्सा शिक्षा में प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर भारतीय मेडिकल छात्रों की धारणा।

34. कार्बापेनम प्रतिरोधी स्यूडोमोनास एरुगिनोसा बनाम एमिकासिन-मेरोपेनम और एमिकासिन- इमिपेनम का इन-विट्रो मूल्यांकन।

35. हृदय संबंधी हस्तक्षेपों में इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस वाले बाल रोगियों में गैलेक्टोमैनन की गतिकी।

36. पोस्ट कोविड सिंड्रोम रोगियों में दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणाम।

37. म्यूकर माइकोसिस से पीड़ित वयस्क रोगियों में उपचार और नैदानिक परिणाम: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन।

38. उत्तर भारत में गंभीर रूप से बीमार अस्पताल में भर्ती रोगियों में मृत्यु के कारण के निर्धारण के लिए न्यूनतम आक्रामक ऊतक नमूनाकरण करना।

39. सीएनएस ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में रोगनिरोधी मिर्गी-रोधी उपयोग के अभ्यास और परिणाम: तृतीयक देखभाल केंद्र का एक अवलोकन अध्ययन से प्राप्त इनसाइट।

9.19_.indd 487 1/8/2026 5:03:37 PM

40. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में ट्यूबरकुलोसिस और एनटीएम संदिग्धों में गैर- ट्यूबरकुलोसिस माइकोबैक्टीरियम की व्यापकता और विविधता।

41. मेडिसिन वार्ड में भर्ती मरीजों में सीआरई आंत्र कोलोनाइजेशन की व्यापकता।

42. मल्टीपल स्क्लेरोसिस, एनएमओएसडी और एमओजीएडी के रोगियों में ईबीवी डीएनए और एंटी ईबीवी एंटीबॉडी की व्यापकता।

43. अधिक वजन और मोटे व्यक्तियों में मायोस्टीटोसिस की व्यापकता: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

44. ओएसएएचएस के रोगियों में एरेथिमियास का प्रचलन, प्रकार और निर्धारण करने वाले कारक।

45. डेंगू से पीड़ित प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में लम्बे समय तक एनएस 1 एंटीजेनिमिया।

46. इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस (वीजेडवी) का सीरोप्रिवलेंस: वैक्सीन प्रतिक्रिया और हर्पीज ज़ोस्टर जोखिम का आशय।

47. एंटी-ट्यूबरकुलर थेरेपी से प्रेरित लिवर की चोट का अध्ययन: एक अस्पताल आधारित अध्ययन।

48. अतिरिक्त पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के उपचार परिणामों और इसे प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का अध्ययन।

49. लिपिड प्रोफाइल और शरीर के वजन पर बाजरा के सेवन के प्रभाव का अध्ययन करें।

50. अस्पताल में हुए यूटीआई की निगरानी और वयस्क चिकित्सा आईसीयू में कैंडिडुरिया का महत्व।

51. एक्सडीआर एशेरिकिया कोली और क्लेबसिएला न्यूमोनिया स्ट्रेन में सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम प्लस एज़ट्रेओनम का सिनर्जी परीक्षण: नैदानिक परिणाम और मृत्यु दर विश्लेषण।

52. सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी स्कैन का उपयोग करके ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया और कोरोनरी प्लेक के बीच संबंध - एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन।

53. पीईटी सीटी का उपयोग करके मीडियास्टिनल लिम्फ नोड ट्यूबरकुलोसिस में 6 मासिक एटीटी की प्रतिक्रिया दर का आकलन करना।

54. डायनेपेनिया/सार्कोपेनिया से पीड़ित (30 से<65 वर्ष) और (≥ 65 वर्ष) आयु के व्यक्तियों के बीच मसल मास, शक्ति और कार्य, जैव रासायनिक और जीवनशैली कारकों की तुलना करना।

55. भारतीय जनसंख्या में हृदय विफलता वाले रोगियों में अवरोधक स्लीप एपनिया की व्यापकता का अनुमान लगाना और मोनोसाइट से एचडीएल कोलेस्ट्रॉल अनुपात के साथ अवरोधक स्लीप एपनिया की गंभीरता का सहसंबंध स्थापित करना।

56. गर्भावधि में मधुमेह से पीड़ित महिलाओं में विभिन्न मेटफॉर्मिन खुराकों के ग्लाइसेमिक नियंत्रण और सुरक्षा प्रोफ़ाइल के लिए प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना - एक पायलट टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

57. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के रोगियों में प्राथमिक हाइपरएल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना।

58. मेटाबोलिक और अल्कोहल से संबंधित स्टेटोटिक लिवर रोग (मेटाएएलडी) की व्यापकता को समझना: एक भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र से इनसाइट।

9.19_.indd 488 1/8/2026 5:03:37 PM

59. पुनरावृत्ति को समझना: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

60. ट्यूबरकुलोसिस ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले मोटे रोगियों में ओरोफेशियल मायोफंक्शनल थेरेपी की उपयोगिता।

पूर्ण

1. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और संज्ञानात्मक हानि का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

2. एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी के पालन में सुधार के लिए पीएलएचआईडी के बीच पालन आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण का विकास और सत्यापन।

3. सेप्सिस केयर बंडल का पालन और रोगी के परिणाम पर इसका प्रभाव

4. एक मेडिकल आईसीयू में सेप्सिस से पीड़ित विटामिन डी की कमी वाले यांत्रिक वेंटिलेटर वाले रोगियों में हीमोग्लोबिन के स्तर पर विभिन्न विटामिन डी अनुपूरण प्रयासों के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन

5. सेप्सिस के रोगियों में डिस्ग्लाइसीमिया से जुड़े नैदानिक-प्रयोगशाला मापदंडों और परिणामों का मूल्यांकन

6. पुष्टीकृत मेनिंगजाइटिस मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस के रोगियों में सीएसएफ साइटोकिन्स के स्तर का मूल्यांकन

7. कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टरबाउमिनी के कारण वेंटिलेटर से जुड़े हुए निमोनिया के रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम

8. गंभीर कोलेंजाइटिस के रोगियों की नैदानिक माइक्रोबियल प्रोफ़ाइल

9. मेंटल सेल लिंफोमा के रोगियों की क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताएं और उत्तरजीविता परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

10. एनपीएच के रोगियों की क्लिनिको विकिरण नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम

11. कार्यात्मक डिस्पेसिया, ट्यूबरकुलोसिस। पलियूरल, इंफयूजन अपच के रोगियों में आंत्र परजीवियों का पता लगाना और आणविक लक्षण वर्णन

12. ट्यूबरकुलोसिस फुफ्फुस बहाव में जीन एक्सपर्ट अल्ट्रा की नैदानिक सटीकता

13. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में जीवाणु संक्रमण / सेप्सिस का पता लगाने के लिए प्रोकैल्सीटोनिन की नैदानिक सटीकता

14. स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के निदान में मूत्र लिपोअराबिनोमैनन एंटीजन की नैदानिक उपयोगिता

15. संरचनात्मक और वायुमार्ग फेफड़ों की बीमारी में रुग्णता पर गैर-ट्यूबरकुलर माइकोबैक्टीरियल रोग की व्यापकता और/या पुनरावृत्ति का प्रभाव

16. भारत में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग की घटना और गंभीरता के लिए जीवनशैली से संबंधित कारकों और जैव रासायनिक मार्करों का मूल्यांकन।

9.19_.indd 489 1/8/2026 5:03:37 PM

17. हाइपोमैग्नेसीमिया और भर्ती सेप्सिस रोगी में नैदानिक परिणामों के साथ इसका सहसंबंध

18. मोटे लोगों में फेफड़ों की कार्यक्षमता, कथित परिश्रम की दर और जीवन की गुणवत्ता पर कॉस्टल विस्तार अभ्यास का प्रभाव

19. यूटीआई के निदान और उपचार पर स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के बीच एकीकृत स्टीवर्डशिप सुदृढीकरण का प्रभाव: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन

20. हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस वाले रोगियों में साइटोमेगालोवायरस पुन: सक्रीय होने की घटना: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

21. बहु-दवा प्रतिरोधी और व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरेलिस- व्यापकता, उपचार और परिणाम: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

22. वयस्क आईसीयू में वेंटिलेटर-संबंधित घटनाओं (वीएई) की घटना और विशेषताएं

23. ट्यूबरकुलोसिस मेनिंगजाइटिस रोगियों में खराब परिणामों के लिए बायोमार्कर पहचान हेतु एनएमआर आधारित सीएसएफ मेटाबोलोमिक्स

24. मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस संक्रमण से पीड़ित लोगों में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिस्केज और इसके सार्को-मेटाबोलिक सहसंबंध

25. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके ऊपरी वायुमार्ग की शारीरिक रचना में परिवर्तनों का अवलोकन करना और बैरिएट्रिक सर्जरी से वजन कम करने वाले रोगियों में एपनिया हाइपोपनिया सूचकांक में परिवर्तनों के साथ सहसंबंध स्थापित करना

26. बीएम एस्प आईसीयू मानदंडों का उपयोग करके इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान के लिए एस्परगिलस पीसीआर ओ मिनी ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज फ्लूड का प्रदर्शन: एक क्रॉस सेक्शनल डायग्नोस्टिक परीक्षण सत्यापन अध्ययन

27. पोस्ट सेप्सिस सिंड्रोम- एक संभावित अवलोकन अध्ययन

28. गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरई) वाले वयस्कों में (आरएसवी) की व्यापकता और नैदानिक परिणाम

29. एआरटी पर एच आईवी+ रोगियों में तंत्रिका संबंधी और तंत्रिका-संज्ञानात्मक विकारों की व्यापकता और सहसंबंध

30. सेप्सिस से गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सीएमवी का पुन:सक्रीय होना और ऊतक आक्रामक रोग की व्यापकता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

31. आवश्यक उच्च रक्तचाप में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता

32. मेडिकल छात्रों और रेजीडेंट के बीच अव्यक्त ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण (एलटीबीआई) की व्यापकता, घटना और जोखिम कारक

33. डिस्पेनिया के साथ भर्ती मरीजों में संरक्षित इजेक्शन फ्रेकशन (एचएफपीईएफ) के साथ अज्ञात हृदय विफलता की व्यापकता, जोखिम कारक और परिणाम

9.19_.indd 490 1/8/2026 5:03:37 PM

34. तृतीयक केंद्र में इम्यूनोंकंपोरमाइज्ड प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में स्ट्रॉन्ग्लॉइड्स संक्रमण की व्यापकता

35. स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं में टीके द्वारा रोके जा सकने वाले रोगों का सीरोप्रिवलेंस

36. वयस्क जनसंख्या में एंथ्रोपोमेट्रिक माप और शरीर में वसा वितरण का लिपिड प्रोफाइल और एचएससीआरपी के साथ संबंध का अध्ययन

37. गैर मोटे व्यक्तियों की शारीरिक संरचना, नैदानिक और चयापचय प्रोफ़ाइल का अध्ययन

38. पीजेआई के निदान को बढ़ाने में आणविक निदान तकनीकों की नैदानिक विशेषताओं और मूल्यांकन का अध्ययन

39. टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों में सुधार के लिए उन्नत व्यवहार इंटरवेंशन और प्रौद्योगिकी (निरंतर ग्लूकोज निगरानी) के उपयोग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: एक थ्री आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

40. हेमटोलॉजिकल दुर्दमताओं वाले रोगियों में ट्यूबरकुलोसिस की घटनाओं और उनमें ट्यूबरकुलोसिस की कैंसर विशिष्ट घटना दरों का अध्ययन करना

41. उत्तर भारत के एक तृतीयक अस्पताल में कैथेटर-संबंधी रक्तप्रवाह संक्रमण के निदान में कैथेटर युक्तियों की उपयोगिता - एक संभावित अध्ययन

42. युवावस्था में होने वाला फेफड़ों का कैंसर: क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल, उपचार और परिणाम

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एस्परगिलस प्रजातियों और एज़ोल प्रतिरोध क्षमता का पता लगाने के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन मेलटिंग कर्व एस्से का विकास और सत्यापन, सूक्ष्म जैव विज्ञान

2. एफयूओ में एफडीजी पीईटी-गाइड बायोप्सी की नैदानिक उपयोगिता का मूल्यांकन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद, एम्स, नई दिल्ली

3. सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस बनाम लेटेंट ट्यूबरकुलोसिस बनाम स्वस्थ आबादी में अंतर करने के लिए लक्षित प्रोटीनों का परिमाणीकरण: ट्यूबरकुलोसिस निदान दुविधा के लिए साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण, सूक्ष्म जैव विज्ञान

4. निदान पूर्व और नैदानिक स्थितियों में पल्मोनरी और एक्स्ट्रापल्मोनरी एआरडीएस को कम करने में प्रोबायोटिक्स और उनके संबंधित मेटाबोलाइट्स की चिकित्सीय क्षमता स्थापित करना, जैव प्रौद्योगिकी

5. एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के निदान के लिए रक्त आधारित ट्रांसक्रिप्शनल बायोमार्कर का सत्यापन, सूक्ष्म जैव विज्ञान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	35	31	37
कुल वित्तपोषण	16,46,45,949 रुपये	16,53,41,563 रुपये	24,17,63,333 रुपये

9.19_.indd 491 1/8/2026 5:03:37 PM

पिछले 3 वर्षों में किए गए शोध

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 64 **सार: 10** **पुस्तकों में अध्याय: 04**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**129**	**83**	**78**
पुस्तकों में लेख	125	79	64
सार	-	3	10
पुस्तकों में अध्याय	03	01	04
पुस्तकें	01	0	0

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
ओपीडी परामर्श			
काय चिकित्सा ओपीडी	150634	179339	**193904**
विशेष क्लिनिक परामर्श			
संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लिनिक (सोमवार एवं गुरुवार दोपहर 2.00 बजे)	4352	7010	**8220**
स्लीप क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2.00 बजे)	479	747	**733**
मोटापा और चयापचय विकार क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2.00 बजे)	3361	2452	**2001**
चेस्ट क्लिनिक (शुक्रवार दोपहर 2.00 बजे)	1750	4046	**5004**
एंटीरेट्रोवायरल (एआरटी) केंद्र	प्री-एआरटी 523 एआरटी 63582	प्री-एआरटी 546 एआरटी 64182	प्री-एआरटी- 551 एआरटी- 64316
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	**-**	3173	**3214**
कुल भर्ती रोगी	4464	5042	**5433**

9.19_.indd 492 1/8/2026 5:03:37 PM

प्रयोगशालाएँ:

पीओसीटी प्रयोगशाला:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
प्रोकैल्सीटोनिन (पीसीटी)	4320	2543	**3643**
एनटी - प्रो बीएनपी	2166	1545	**2254**
ट्रोपोनिन I (ट्रॉप I)	2164	1517	**1914**
एबीजी (धमनी रक्त गैस विश्लेषण)	33290	32257	**33260**
ब्लड कल्चर	5814	4581	**6072**
आरओटीईएम का आईएनटीईएम	146	216	**222**
आरओटीईएम का ईएक्सटीईएम	149	207	**222**
आरओटीईएम का एफईबीटीईएम	128	196	**196**
आरओटीईएम का एपीटीईएम	74	129	**148**
डेंगू एनएस1 आईजीजी/ आईजीएम	183	104	**88**
स्क्रब टाइफस आईजीजी/आईजीएम	91	98	**74**
मलेरिया प्रतिजन	97	56	**78**
निमोनिया पैनल	-	88	**217**
श्वसन पैनल	-	8	**09**
एम/ई पैनल	-	25	**35**
बीसीआईडी पैनल	-	61	**59**
निद्रा प्रयोगशाला:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-25**
निद्रा अध्ययन	350	373	**359**
रक्तचाप की ऐंबूलेटरी निगरानी	19	10	**22**
एक्टिग्राफी	4	4	**7**
पीएफटी प्रयोगशाला:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-25**
पल्मनरी फंक्शन जांच	7553	7813	**6958**
6 मिनट वॉक टेस्ट	791	698	**622**
एफओटी	478	322	**95**

9.19_.indd 493 1/8/2026 5:03:37 PM

पीओसीटी प्रयोगशाला:	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एसवीसी	1072	1007	**816**
डीएलसीओ	1083	1007	**811**
टीएलसी	187	87	**88**
एमआईपी/एमईपी	5	3	**-**
सीपीईटी	1	-	**124**
एमडीआई	-	**-**	**1380**
की गई ब्रोंकोस्कोपी की संख्या:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-25**
ब्रोन्कोएल्वियोलर (बीएएल)	232	**279**	**280**
फारसेप बायोप्सी	23	22	**14**
ब्रश बायोप्सी	1	2	**2**
रेडियल प्रोब बायोप्सी	1	4	**2**
पारंपरिक ट्रांसब्रोंकियल निडल एस्पिरेशन (टीबीएनए)	0	7	**6**
ईबीयूएस टीबीएनए	71	65	**72**
ट्रेकियोस्टोमी	6	9	**3**
एम्फो बी नेबुलाइजेशन	0	-	**5**
पिगटेल इंसर्शन	-	3	**-**
एडीए/एसीई प्रयोगशाला:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-25**
एसीई परीक्षण	1565	1281	612
इंटरमीडिएट रेफरेंस प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं:	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-25**
थूक स्मीयर के लिए नमूनों की संख्या-	9081	7890	**-**
लिक्विड कल्चर के लिए नमूनों की संख्या-	11011	6448	**3782**
लिक्विड डीएसटी के लिए नमूनों की संख्या (पहली पंक्ति)	65	205	**-**

9.19_.indd 494 1/8/2026 5:03:37 PM

पीओसीटी प्रयोगशाला:	2022-2023	2023-2024	2024-2025
लिकविड़ डीएसटी के लिए नमूनों की संख्या (दूसरी पंक्ति)	109	86	-
लाइन प्रोब एस्से के लिए नमूनों की संख्या (प्रथम लाइन एलपीए)	5662	6288	**3798**
लाइन प्रोब एस्से के लिए नमूनों की संख्या (द्वितीय एलपीए)	641	750	**196**
जीन/एक्सपर्ट हेतु नमूनों की संख्या	7977	7810	-
टीबी एजी एमपीटी64 के लिए नमूनों की संख्या	180	250	-
सीबीएनएएटी परीक्षण के लिए किए गए नमूनों की संख्या	-	-	**5543**

मेटाबोलिक क्लीनिक प्रयोगशाला

फाइब्रोसन	9995	11000	12960
बायोइलेक्ट्रिकल इमपैडेंस विश्लेषण (बीआईए)	9000	9950	11500

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर नवीत विग - माननीय प्रधानमंत्री के निजी चिकित्सक के रूप में सेवाएं देना जारी रखा। मैं कई प्रमुख राष्ट्रीय पदों पर कार्यरत हूँ। इनमें भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अंतर्गत कोविड़-19 पर राष्ट्रीय कार्यबल और कोविड़-19 पर नैदानिक अनुसंधान समूह की सदस्यता, साथ ही ट्यूबरकुलोसिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करना शामिल है।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा भारतीय चिकित्सक संघ के सदस्य हैं। वह इंडियाक्लेन के सदस्य थे। वह राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एमएनएएमएस) के भी सदस्य थे। वह भारतीय चेस्ट सोसाइटी के भी सदस्य थे। वह भारतीय थायरॉइड सोसाइटी के सदस्य थे। वह अमेरिकन थोरेसिक सोसाइटी के सदस्य थे। वह अंतर्राष्ट्रीय एड्स सोसाइटी के सदस्य थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) की फ़ेलोशिप प्राप्त की। वह गोवा स्थित भारत सरकार के अंटार्कटिका अभियान के मेडिकल बोर्ड के सदस्य हैं। वह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नाको की वैज्ञानिक समिति के सदस्य हैं। वह भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य हैं। वह भारत सरकार के डीसीजीआई के एफडीसी के सदस्य भी हैं। वह "केसेज़ जर्नल" के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। वह दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित जर्नल ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट की समीक्षा समिति के सदस्य हैं। वह जर्नल ऑफ़ आईजेएमआर की समीक्षा समिति के सदस्य हैं। वह जर्नल ऑफ़ करेंट एचआईवी रिसर्च की समीक्षा समिति के सदस्य हैं। वह डीएचआर, आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति के सदस्य हैं। उन्हें नेशनल एकेडमी ऑफ़ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) की फ़ेलोशिप प्राप्त है। वह नेशनल एकेडमी ऑफ़ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) की परिषद के सदस्य हैं।

9.19_.indd 495 1/8/2026 5:03:38 PM

वह पीजीआर की एम्स नीति विषयक समिति के सदस्य सचिव हैं।

डॉ. रणवीर सिंह जादौन को 24 जनवरी 2025 को कोलकाता में एपीआईकॉन, 2025 में प्रतिष्ठित इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फेलोशिप (एफआईसीपी) से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनिमेष रे को नागासाकी यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, जापान में एपीएसआर शॉर्ट टर्म फेलोशिप सम्मानित किया गया। (1- 28 फरवरी 2025)।

डॉ. सिद्धार्थ जैन को अमेरिकन कॉलेज ऑफ रूमेटोलॉजी द्वारा 2024 फिल रॉबिन्सन ग्लोबल स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया। उन्होंने हैदराबाद में आयोजित नैदानिक रूमेटोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2024 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार जीता।

डॉ. अमनदीप सिंह ने 8 मार्च 2025 को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एम्स दिल्ली द्वारा ईएसआईसी अलवर, राजस्थान में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप में एक चिकित्सक के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया।

डॉ. बिन्दू प्रकाश द्वारा 30 मार्च 2025 को राष्ट्रीय पीजी मेडिसिन क्विज़ - इनक्विज़िटो का आयोजन किया गया।

9.19_.indd 496 1/8/2026 5:03:38 PM

9.20 सूक्ष्मजैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
ललित डार

आचार्य

बिमल कुमार दास
बिजय रंजन मिर्धा
इमाकुलाता जैस
बेनु धवन
सीमा सूद
सरिता महापात्रा
उर्वशी बी सिंह
आशीष चौधरी
हितेन्द्र गौतम

(वर्तमान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अस्थायी रूप से (ऋण पर)
गगनदीप सिंह

अपर आचार्य
निशांत वर्मा
मेघा बृजवाल
किरण बाला

सहायक आचार्य
प्रियम बत्रा
तनु सागर

विशिष्टताएँ

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग एम्स का पहला विभाग था जिसने नवंबर 2019 में अपने जांच के दायरे को एनएबीएल-मान्यता दिलवाई (आईएसओ: 15189; 2012 के अनुसार), और तब से इसका अनुरक्षण करना जारी रखा। एनएसीओ राष्ट्रीय एचआईवी संदर्भ प्रयोगशाला (एनआरएल), और वायरल लोड और प्रारंभिक शिशु निदान के लिए एचआईवी क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला कुछ साल पहले से मान्यता प्राप्त हैं। डॉ बिमल कुमार दास (एम्स एनएबीएल मान्यता के मुख्य समन्वयक) के माध्यम से सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग ने वर्ष 2024-2025 के दौरान जेपीएनएटीसी, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, सीडीईआर (ओरल पैथोलॉजी), वृक्क विज्ञान विभाग, क्लिनिकल पोरफाइरिया जांच प्रयोगशाला ने अन्य प्रयोगशालाओं में जांच के दायरे की मान्यता को पूरा करने में भी मदद की है। अन्य प्रयोगशाला इस प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं।

9.20_.indd 497 1/8/2026 5:37:11 PM



National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS), NEW DELHI

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, SECOND FLOOR, TEACHING BLOCK, ALL INDIA INSTITUE OF MEDICAL SCIENCES, ANSARI NAGAR, NEW DELHI, SOUTH, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-3267

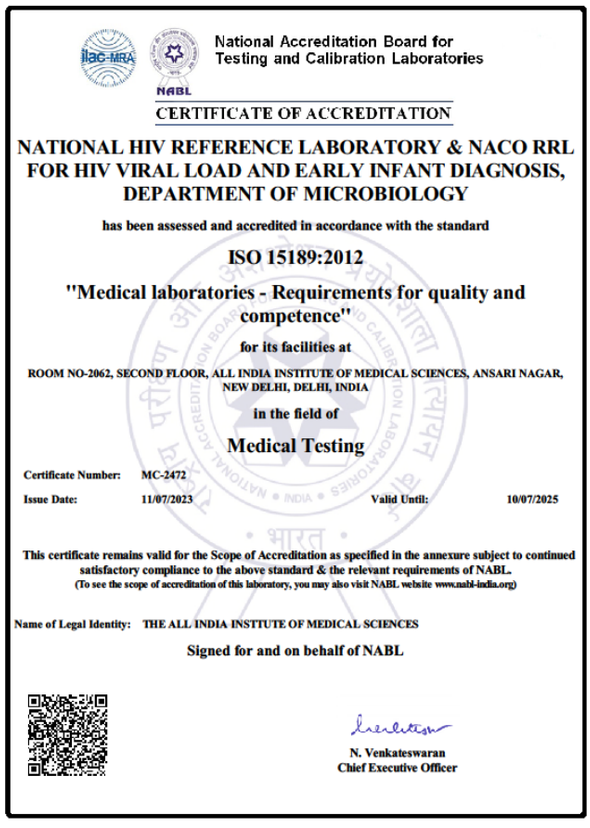
Issue Date: 15/11/2023 Valid Until: 14/11/2025

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Entity: All India Institute of Medical Sciences

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer



National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

NATIONAL HIV REFERENCE LABORATORY & NACO RRL FOR HIV VIRAL LOAD AND EARLY INFANT DIAGNOSIS, DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

ROOM NO-2062, SECOND FLOOR, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, ANSARI NAGAR, NEW DELHI, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-2472

Issue Date: 11/07/2023 Valid Until: 10/07/2025

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Identity: THE ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

विभाग ने वर्ष 2024-2025 में पीएम-भीम योजना के अंतर्गत डीएचआर संक्रामक रोग अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (आईआरडीएल) की स्थापना की। वर्ष 2019 से, वायरोलॉजी प्रयोगशाला एक डीएचआर क्षेत्रीय विषाणु निदान एवं अनुसंधान प्रयोगशाला (वीआरडीएल) है। जीवाणु विज्ञान, कवक विज्ञान और परजीवी विज्ञान अब आईआरडीएल का हिस्सा हैं।

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला, वर्ष 2013 से साल्मोनेला टाइफी के लिए आईसीएमआर द्वारा शुरू किए गए एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस सर्विलांस एंड रिसर्च नेटवर्क (एएमआरएसएन) के लिए एक नोडल केंद्र रही है। आईसीएमआर इन्फ्लूएंजा प्रहरी निगरानी केंद्र, डेंगू और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) की शीर्ष रेफरल प्रयोगशाला; एचआईवी-1 प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) के लिए एनएसीओ क्षेत्रीय रेफरेंस प्रयोगशाला (आरआरएल); एचआईवी-1 वायरल लोड हेतु रेफरल प्रयोगशाला (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत) रही है। परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला मलेरिया, विसराल लीशमैनियासिस, लिम्फैटिक फाइलेरिया और अन्य संक्रमणों के लिए अत्याधुनिक नैदानिक सुविधाएँ प्रदान करती है। माइकोलॉजी प्रयोगशाला मानव फंगल रोगों के लिए आईसीएमआर रेफरेंस प्रयोगशाला है। एचआईवी प्रयोगशाला नाको राष्ट्रीय रेफरेंस प्रयोगशाला (एनआरएल) है। यौन संचरित रोग प्रयोगशाला आईसीएमआर-सीडीएससीओ हेतु एसटीडी के लिए चिकित्सा उपकरण जांच के लिए नामित है।

विभाग रोगी उपचार के लिए 24x7 निदान सेवाएँ प्रदान करता है। संकाय सदस्य संस्थान के लिए अस्पताल-जनित संक्रमण निगरानी गतिविधियों और प्रशिक्षण का समन्वय करते हैं।

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण:

चिकित्सा सूक्ष्मजैव विज्ञान के लिए एमबीबीएस

9.20_.indd 498 1/8/2026 5:37:11 PM

बीएससी (नर्सिंग)- चिकित्सा सूक्ष्मजैव विज्ञान

बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी - चिकित्सा सूक्ष्मजैव विज्ञान

स्नातकोत्तर शिक्षण

पीएचडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

- व्याख्यान - सप्ताह में एक बार
- जर्नल क्लब - सप्ताह में एक बार

एमडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

- व्याख्यान/सेमिनार - सप्ताह में एक बार
- जर्नल क्लब - सप्ताह में एक बार
- ट्यूटोरियल - माह में दो बार
- व्यावहारिक अभ्यास प्रस्तुति - माह में दो बार
- विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला में तैनाती

डीएम (संक्रामक रोग)

- सेमिनार - सप्ताह में एक बार
- विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला में तैनाती

अल्पावधि प्रशिक्षु: शून्य

छात्रों की पंजीकृत संख्या	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एमडी	19	17	17

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 1-15 अप्रैल 2024 तक एम्स नई दिल्ली के सर्जिकल ब्लॉक में विशेष स्वच्छता अभियान के दौरान कीट नियंत्रण, हाथ की स्वच्छता को बढ़ावा देना, एचए/एसए और नर्सिंग अधिकारियों का प्रशिक्षण, व्यावहारिक सत्र, रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, अस्पताल अपशिष्ट का से सर्वश्रेष्ठ निपटान, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. विश्व हाथ स्वच्छता दिवस, सर्जिकल ब्लॉक, एम्स नई दिल्ली, 5 मई 2024
3. 29 अगस्त 2024 को दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली के प्राणीशास्त्र विभाग में एसईआरबी वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) के अंतर्गत सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीकों में एक दिवसीय इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली
4. 30 अगस्त 2024 को फंगल डायग्नोस्टिक्स पर एम्स - आईएएमएम-दिल्ली चैप्टर कार्यशाला एम्स, नई दिल्ली
5. वायरोलॉजी प्रयोगशाला ने आईएनएसपीआईआरईएस आईएनएसपीआईआरईएस नेटवर्क (बुजुर्गों में इन्फ्लुएंजा, सार्स-कोविड2 और अन्य श्वसन वायरस के लिए आबादी-आधारित निगरानी प्लेटफार्मों का भारतीय नेटवर्क) के एक भाग के रूप में, 27-28 सितंबर 2024 को एम्स दिल्ली में 2 दिवसीय आणविक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

9.20_.indd 499 1/8/2026 5:37:11 PM

6. आईएएमएम द्वारा स्वचालित जीवाणु कल्चर, पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता जांच, आणविक प्रतिरोध मार्करों सहित, पर व्यावहारिक कार्यशाला, 8-10 अक्टूबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

7. 18-22 नवंबर 2024 को एम्स नई दिल्ली के सर्जिकल ब्लॉक में रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया

8. 21 नवंबर 2024 को यूटीआई वर्कफ़्लो में एकीकृत उपचार पर आईएएमएम व्यावहारिक कार्यशाला, बीजे मेडिकल कॉलेज, पुणे

9. शील्डिंग द स्कालपल: एडवांसिंग सर्जिकल साइट इंफेक्शन प्रिवेंशन पर, 14 दिसंबर 2024 को, एम्स नई दिल्ली के सर्जिकल ब्लॉक में, दिल्ली के सूक्ष्म जैव विज्ञानी, सर्जन और संक्रमण नियंत्रण नर्सों के लिए एम्स-एचआईएसआई दिल्ली चैप्टर सम्मेलन।

10. 5 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय एचआईवी रेफरेंस प्रयोगशाला, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली के अंतर्गत चार एचआईवी राज्य रेफरेंस प्रयोगशालाओं के लिए ईक्यूए कार्यशाला, जिसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली के प्रतिभागी शामिल होंगे।

11 वायरोलॉजी प्रयोगशाला, एक एचआईवी प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) के लिए नाको क्षेत्रीय रेफरेंस प्रयोगशाला (आरआरएल) ने 19-20 फरवरी 2025 को एम्स दिल्ली में एचआईवी-1 के आणविक निदान पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

12. अन्य चिकित्सा संस्थानों के संकाय-सदस्यों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिन्होंने नैदानिक परजीवी विज्ञान में अपने कौशल में सुधार करने का अनुरोध किया था।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 52

ललित डार: 4
इमाकुलाता जैस: 1
सरिता महापात्रा: 5
हितेन्द्र गौतम: 5
प्रियम बत्रा: 5
बिमल कुमार दास: 3
बेनू धवन: 2
आशीष चौधरी: 6
मेघा बृजवाल: 2
तनु सागर: 4
बिजय रंजन मिर्धा: 2
सीमा सूद: 5
गगनदीप सिंह: 7
किरण बाला: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
37	51	52

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 56

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
43	43	56

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

9.20_.indd 500 1/8/2026 5:37:11 PM

जारी

1. रक्तप्रवाह संक्रमणों में पृथक किए गए रोगाणुओं के रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न बनाम एंटीबायोटिक निर्धारित करने की पद्धतियां और विभिन्न रोगी उपचार एककों/क्षेत्रों में एसिनेटोबैक्टर बाउमानी की जीनोटाइपिक क्लोनलिटी, डॉ. हितेन्द्र गौतम,अंतर-विषयक एम्स आईएमआरजी,1 वर्ष, जनवरी 2024, जनवरी 2025, 4.90 लाख रुपये

2. सीडी4 जांच कार्यक्रम,डॉ. बिमल कुमार दास, नाको, जारी, 2005, जारी, नाको द्वारा प्रदान की गई जांच किट, उपभोग्य सामग्रियों के लिए 0.50 लाख रुपये

3. भारत में प्लास्मोडियम विवैक्स के प्रति मानव एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं का लक्षण वर्णन"। (आईएनएसपीआईआरई संकाय कार्यक्रम के माध्यम से),डॉ. बीआर मिर्धा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2023-2028, 7 करोड़ रुपये

4. लाइम रोग का नैदानिक और महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन: भारत में एक बहु-केंद्रित टास्कफोर्स अध्ययन,डॉ. निशांत वर्मा,आईसीएमआर,5 वर्ष 2020-2025, 120.00 लाख रुपये

5. आवर्ती मूत्र पथ संक्रमण का कारण बनने वाले यूरोपैथोजेन्स के नए बायोमार्करों की पहचान के लिए तुलनात्मक जीनोमिक और एपिजेनेटिक विश्लेषण, डॉ. सरिता महापात्रा,बीएफआई बायोम,2 वर्ष, 2024-2026, 20.93 लाख रुपये

6. यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली के विषाणु और प्रतिरोध जीन को लक्षित करने वाली सीआरआईएसपीआर/सीएएस9 पद्धति - मूत्र पथ संक्रमण में इसकी चिकित्सीय क्षमता का पता लगाना, डॉ. सरिता महापात्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028,26.73 लाख रुपये

7. अत्यधिक दस्त से पीड़ित 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में रुग्णता और मृत्यु दर के कारण के रूप में दस्तजन्य एस्चेरिचिया कोली का पता लगाना और आणविक लक्षण-निर्धारण, एम्स साइट पीआई: डॉ. हितेन्द्र गौतम,स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), 3 वर्ष,2024-2026,20.42 लाख रुपये

8. पोस्ट एलोजेनिक हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में एचएचवी-6 वायरीमिया का पता लगाना, डॉ. मेघा बृजवाल,एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान (यूजी अनुसंधान मेंटरशिप योजना), 6 माह, 2025-2025,1.50 लाख रुपये

9. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग के तीव्र प्रकोप में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया संक्रमण का पता लगाना, डॉ. तनु सागर,एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 9.80 लाख रुपये

10. कागज आधारित डीएनए बायोसेंसर का उपयोग करके रक्त नमूने से सीधे साल्मोनेला सेरोवर्स और उनके संबद्ध प्रतिरोध मार्कर का पता लगाना, डॉ. बिमल कुमार दास, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2024-2026, 135.69 लाख रुपये

11. सेप्सिस और मेनिन्जाइटिस में व्यवहार्य लेकिन गैर-संवर्धनीय (वीबीएनसी) ग्राम-नकारात्मक बैक्टीरिया का पता लगाना: एएमआर उपचार में नैदानिक महत्व, डॉ. हितेन्द्र गौतम, एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

12. सिरोसिस के रोगियों में आक्रामक कैंडिडिआसिस के निदान और पूर्वानुमान के लिए नए कैंडिडा ल्यूसीन एमिनोपेप्टिडेज़ 2 आधारित इम्यूनोएसे का विकास और सत्यापन,डॉ. गगनदीप सिंह, आईसीएमआर,3 वर्ष, 2025-2028, 16 लाख रुपये

9.20_.indd 501 1/8/2026 5:37:11 PM

13. संक्रामक रोग निदान गुणवत्ता में वृद्धि: बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम, डॉ. मेघा बृजवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 50 लाख रुपये

14. एसकेप रोगजनकों के कारण होने वाले बहुऔषधि प्रतिरोधी संक्रमणों से निपटने के लिए बैक्टीरियोफेज अनुसंधान और चिकित्सा के लिए उन्नत अनुसंधान केंद्र की स्थापना,डॉ. तनु सागर, आईसीएमआर,5 वर्ष, 2024-2029, 739.60 लाख रुपये

15. 15 वर्ष से अधिक समय से एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी ले रहे एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में विलंबता के एनएफ-κबी आधारित पुनर्सक्रियन का मूल्यांकन: उपचार की खोज, डॉ. बिमल कुमार दास, डीएचआर (एचआरडी योजना),3 वर्ष, 2022-2025, 50.92 लाख रुपये

16. एचआईवी संक्रमित रोगियों में एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी से पहले और बाद में टी कोशिकाओं की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने में बी-1 कोशिकाओं की भूमिका का मूल्यांकन: कोहोर्ट अध्ययन, डॉ. बिमल कुमार दास, आईसीएमआर,3 वर्ष, 2022-2025, 50.41 लाख रुपये

17. हार्पीज सिम्प्लेक्स वायरस में एंटीवायरल दवा प्रतिरोध के लिए फेनोटाइपिंग और जीनोटाइपिंग के साथ जननांग अल्सर रोग की विस्तारित वायरल एटियोलॉजिकल जांच, डॉ. मेघा बृजवाल, आईसीएमआर,3 वर्ष, 2023-2026, 59 लाख रुपये

18. जननांग क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के लिए संभावित पीओसीटी विकास हेतु सेलेक्स प्रौद्योगिकी की खोज,डॉ. सीमा सूद, आईसीएमआर,3 वर्ष, 2022-2025, 50 लाख रुपये

19. राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स रेफरेंस प्रयोगशाला, एम्स, दिल्ली की बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस), डॉ. बिमल कुमार दास, नाको, जारी, 2005, जारी, 14 लाख रुपये/वर्ष

20. एचआईवी एकीकृत परामर्श और जांच (आईसीटीसी), डॉ. बिमल कुमार दास, नाको, जारी, 2005, जारी, किट नाको द्वारा प्रदान की जाती हैं और आराम का ध्यान ईक्यूएएस बजट के तहत रखा जाता है

21. आईसीएमआर: एडवांस्ड माइकोलॉजी डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर (एएमडीआरसी), डॉ. इमाकुलाता जैस,आईसीएमआर,5 वर्ष, 2022-2027, 250 लाख रुपये

22. एसकेप रोगजनकों में एएमआर के नए न्यूक्लिक एसिड संकेतों की पहचान: रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और रोगाणुरोधी प्रबंधन में भूमिका,डॉ. हितेन्द्र गौतम,एम्स-आईजीआईबी सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2025-2027,10 लाख रुपये

23. संक्रामक रोग अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (आईआरडीएल), डॉ. ललित डार (समन्वयक पीआई) पीआई: डॉ. बिमल के दास, डॉ. बीआर मिर्धा, डॉ. आई एक्सेस, डीएचआर-आईसीएमआर योजना, जारी, जनवरी 2025, जारी, 285.55 लाख रुपये

24. दिल्ली के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में वृद्ध आबादी के बीच हार्पीज ज़ोस्टर (शिंगल्स) टीकाकरण के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार, डॉ. आशीष चौधरी, आईसीएमआर तीसरे टर्म के एमबीबीएस/बीडीएस उम्मीदवारों के लिए अल्पकालिक छात्रवृत्ति (एसटीएस) के लिए आह्वान, 3 माह, 2024-2025,0.30 लाख रुपये

25. बैक्टीरिया उपभेदों के तीव्र और लेबल-मुक्त आणविकों का पता लगाने के लिए लेबल-मुक्त बहु-बीम उत्तेजना और प्लाज़्मोन संवर्धित रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी: एक बिंदु-की-देखभाल तेज

9.20_.indd 502 1/8/2026 5:37:11 PM

और सटीक आणविक जांच तकनीक, डॉ. सरिता महापात्रा (सह-पीआई), मो-स्टार्स, 3 वर्ष, 2024-2027,3.50 लाख रुपये

26. कैथेटर से जुड़े मूत्र पथ के संक्रमण को कम करने के लिए माइक्रो-नैनो संरचित मूत्र कैथेटर, डॉ. सरिता महापात्रा (सह-प्रधान अन्वेषक), मो-स्टार्स, 3 वर्ष, 2023-2026, 10,66,867 रुपये

27. नैदानिक और पर्यावरण नमूनों से क्रिप्टिक एस्परगिलस प्रजातियों की आणविक महामारी विज्ञान और इन-विट्रो एंटीफंगल संवेदनशीलता, डॉ. गगनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये

28. उत्तर भारत में यौन संचरित रोग क्लीनिकों में आने वाले उच्च जोखिम समूह (एमएसएम और एफएसडब्ल्यू) में माइकोप्लाज्मा जेनिटालियम और इसके प्रतिरोध मार्करों की व्यापकता पर बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. बेनु धवन, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 28.65 लाख रुपये

29. एचआईवी प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) के लिए एनएसीओ क्षेत्रीय रेफरंस प्रयोगशाला, डॉ. आशीष चौधरी,राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), कोई निश्चित अवधि नहीं,2012,जारी, 106 लाख रुपये

30. एचआईवी वायरल लोड (वीएल) के लिए नाको क्षेत्रीय रेफरंस प्रयोगशाला, डॉ. आशीष चौधरी, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), कोई निश्चित अवधि नहीं,2019, जारी, 64 लाख रुपये

31. वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, डॉ. आशीष चौधरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), 5 वर्ष (विस्तार योग्य), 2020, 1 लाख रुपये

32. कृत्रिम उपकरणों, लेप्रोस्कोपी या अन्य इंटरवेंशन से जुड़ी प्रक्रियाओं में फुप्फुसीय रोग और संक्रमण के लिए जिम्मेदार गैर-ट्यूबरकुलर माइकोबैक्टीरिया, डॉ. किरण बाला, एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2023-2025, 4.95 लाख रुपये (दोनों वर्ष)

33. एमडीआर और एक्सडीआर क्लेबसिएला न्यूमोनिया पर नए चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की खोज के लिए मंच, डॉ. सरिता महापात्रा (सह-प्रधान अन्वेषक), डीबीटी-बीआईआरएसी, 3 वर्ष, 2023-2026, 4.89 लाख रुपये

34. मेनिन्जाइटिस और सेप्सिस के लिए उन्नत रोगजनक पहचान हेतु प्लेटफ़ॉर्म: तीव्र, पोर्टेबल और क्षेत्र-परिनियोजन योग्य निदान। आईआईआरपीआईजी-2023-0001405, एम्स साइट पीआई: डॉ. हितेन्द्र गौतम,आईसीएमआर, 4 वर्ष,मार्च 2024,फरवरी 2028,93.46 लाख रुपये

35. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर जांच का विकास: बेंच से बेडसाइड तक (प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट का नैदानिक सत्यापन), डॉ. सीमा सूद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 75 लाख रुपये

36. जियार्डिया इंटेस्टाइनलिस आइसोलेट्स का प्रोटिओमिक्स अध्ययन विभिन्न नैदानिक स्पेक्ट्रम के साथ संबद्ध करने और इसकी आक्रामक क्षमता का अनुमान लगाना, डॉ. निशांत वर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026,48.69 लाख रुपये

37. डिजिटल पीसीआर द्वारा संदिग्ध प्रोग्रेसिव मल्टीफोकल ल्यूकोएनसेफैलोपैथी रोगियों के सीएसएफ नमूनों में जेसी पॉलीओमावायरस का परिमाणीकरण, डॉ. मेघा बृजवाल, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

9.20_.indd 503 1/8/2026 5:37:11 PM

38. क्षेत्रीय विषाणु अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशाला (आरएल-वीआरडीएल), डॉ. आशीष चौधरी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), 10 वर्ष (विस्तार योग्य),2019, जारी, 986 लाख रुपये

39. आईसीयू में संक्रमण को कोलोनाईजेशन या सड़न रोकने वाली सूजन से अलग करने के लिए साइट-विशिष्ट बायोमार्कर, डॉ. हितेन्द्र गौतम,आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025,73.39 लाख रुपये

40. फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक विधियों का उपयोग करके भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में सामुदायिक-सेटिंग से यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली से जुड़े सामान्य विषाणु निर्धारकों की व्यापकता का निर्धारण करना डॉ. सरिता महापात्रा, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2025, 5.53 लाख रुपये

41. एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी के निदान के लिए रक्त आधारित ट्रांस्क्रिप्शनल बायोमार्कर्स का सत्यापन डॉ. किरण बाला, एम्स-आईजीआईबी अंतर-सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. विषाणु और रोगाणुरोधी प्रतिरोध मार्करों की पहचान करने के लिए विभिन्न नैदानिक नमूनों से आक्रामक और अस्पताल से प्राप्त एस्चेरिचिया कोली पैथोटाइप की जीनोमिक प्रोफाइलिंग, डॉ. हितेन्द्र गौतम, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड एसईआरबी (डीएसटी के अंतर्गत), 2 वर्ष 6 माह, 2022-2024, 45.46 लाख रुपये

2. साल्मोनेला एंटरिका सीरोटाइप टाइफी और पैराटाइफी में रोगाणुरोधी प्रतिरोध के निगरानी नेटवर्क के लिए नोडल समन्वय केंद्र, डॉ. बिमल कुमार दास, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, 2 वर्ष, 2018-2024, 239.22 लाख रुपये

3. एमआरएसए और एज़िथ्रोमाइसिन-प्रतिरोधी एनजी का तीव्र विद्युत रासायनिक पता लगाना: एक नई रणनीति, डॉ. सीमा सूद, एसईआरबी-टेयर, 3 वर्ष, 2021-2024, 15 लाख रुपये

4. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस जैसे प्रकोप प्रवण श्वसन रोगजनकों के जीनोमिक अनुक्रमण की क्षमता को मजबूत करना, डॉ मेघा बृजवाल, सीडीसी, एपीएचएल,10 माह, 2023-2024,40 लाख रुपये

5. ठीक हो चुके कोविड मामलों में क्लोस्ट्रीडियोइड्स डिफिसाइल, वैनकोमाइसिन प्रतिरोधी एंटरोकोकी और कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी के गट कोलोनाईजेशन का निर्धारण करना, डॉ. प्रियम बत्रा, एम्स इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2023-2024, 20 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. अस्पताल में भर्ती रोगियों में क्लोस्ट्रीडियोइड्स डिफिसाइल के कोलोनाईजेशन दर का अनुमान लगाने के लिए एक अध्ययन

2. जीनोटाइपिक और फेनोटाइपिक विधि द्वारा कैंडिडा पैराप्सिलोसिस में एज़ोल प्रतिरोध का पता लगाना

3. प्रतिरक्षाविहीन व्यक्तियों में न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी (पी. जीरोवेसी) और मानव साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) संक्रमण का पता लगाना।

9.20_.indd 504 1/8/2026 5:37:11 PM

4. संदिग्ध वीएपी मामलों से बीएएल नमूनों पर प्रत्यक्ष रोगाणुरोधी संवेदनशीलता जांच (एएसटी)

5. नैदानिक मामलों से खसरा वायरस का जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन

6. प्रसव के समय गर्भवती महिलाओं में एचएसवी सीरोप्रिवलेंस और स्पर्शोन्मुख वायरल शेडिंग - एक संभावित अध्ययन

7. तीव्र दस्त के मामलों में एंटरोएग्रीगेटिव ई. कोली की पहचान और एएमआर प्रोफ़ाइल

8. सकारात्मक रक्त बीएसीटीईसी बोतलों से एमएएलडीआई-टीओएफ द्वारा यीस्ट की पहचान

9. यूटीआई के निदान और उपचार पर स्वास्थ्य कर्मियों के बीच एकीकृत उपचार सुदृढ़ीकरण का प्रभाव: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन

10. वयस्क आईसीयू में वीएई का आपतन और विशेषताएं

11. तृतीयक चिकित्सा अस्पताल के सामान्य सर्जरी वार्ड में सर्जिकल साइट संक्रमण की घटना और क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफ़ाइल।

12. हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस वाले रोगियों में एपस्टीन-बर वायरस (ईबीवी) वायरीमिया का आकलन: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

13. हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस वाले रोगियों में साइटोमेगालोवायरस पुनर्सक्रियण की घटना: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

14. सीआरपीए पर एमिकासिन-मेरोपेनम और एमिकासिन-इमिपेनम का इन विट्रो मूल्यांकन

15. भारत में यूटीआई के रोगियों में यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली (यूपीईसी) का आणविक लक्षण वर्णन और रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रोफ़ाइल: व्यापक अध्ययन

16. बाल चिकित्सा दस्तग्रस्त आबादी में दस्तजन्य एस्चेरिचिया कोली (डीईसी) पैथोटाइप का आणविक लक्षण वर्णन, व्यापकता और रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रोफ़ाइल

17. गैर-गोनोकोकल मूत्रमार्गशोथ (एनजीयू) पैदा करने वाले वायरल रोगजनकों का आणविक पता लगाना

18. द्वितीयक अस्पतालों को सहायता प्रदान करने के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोध अनुसंधान और निगरानी नेटवर्क के लिए नोडल केंद्र

19. काय चिकित्सा वार्ड में भर्ती मरीजों में सीआरई आंत्र उपनिवेशण की व्यापकता

20. सेप्सिस से गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मानव साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) पुनर्सक्रियण और ऊतक आक्रामक रोग की व्यापकता

21. पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में शिगेला की व्यापकता: एक पायलट अध्ययन।

22. भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र में स्टेनॉट्रोफोमोनास माल्टोफिलियाबैक्टीरिया की व्यापकता, जोखिम कारक और परिणाम

23. द्विध्रुवी विकार वाले रोगियों में टोक्सोप्लाज्मा गोंडी सीरोपॉजिटिविटी और आजीवन आत्महत्या के साथ इसके संबंध का आकलन।

9.20_.indd 505 1/8/2026 5:37:11 PM

24. डायरिया के मामलों में एंटरोपैथोजेनिक ई. कोली, शिगेला एसपीपी, और एरोमोनस एसपीपी की व्यापकता, विषाणु चिह्न, रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रोफ़ाइल

25. बच्चों में तीव्र यकृत विफलता (एएलएफ) का कारण बनने वाले हेपेटोट्रोपिक वायरस पर अध्ययन

26. शल्य चिकित्सा स्थल के संक्रमणों में गैर-टीबी माइकोबैक्टीरिया का उनकी रोगाणुरोधी संवेदनशीलता के साथ अध्ययन

27. हार्पीज सिम्प्लेक्स वायरस पॉजिटिव क्लिनिकल आइसोलेट्स में थाइमिडीन काइनेज जीन बहुरूपता का अध्ययन

28. एक्सडीआर एस्चेरिचिया कोली और क्लेबसिएला न्यूमोनिया स्ट्रेन में सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम प्लस एज़िट्रोनाम का सहक्रिया जांच: नैदानिक परिणाम और मृत्यु दर विश्लेषण

29. आवर्ती मूत्र पथ संक्रमणों में एएसटी और ई. कोली की व्यापकता

30. *क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस* और एमएसएम में निसेरिया गोनोरिया सह-संक्रमण

31. बार-बार मूत्र पथ संक्रमण का कारण बनने वाले एस्चेरिचिया कोली आइसोलेट्स की नैदानिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी विशेषताएं

32. संबंधित सर्जरी करा रहे क्रोनिक पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफ़ाइल

33. तीव्र कोलेंजाइटिस के रोगियों की क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफ़ाइल

34. कार्यात्मक अपच (एफडी) के रोगियों से परजीवियों का पता लगाना और आणविक लक्षण वर्णन।

पूर्ण

1. अस्पताल में भर्ती मरीजों में क्लोस्ट्रीडियोइड्स डिफिसाइल के उपनिवेशण दर का अनुमान लगाने के लिए एक अध्ययन

2. 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में विशिष्ट और असामान्य एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली के कारण तीव्र दस्त रोग।

3. एलोजेनिक हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण वाले रोगियों में बीके और जेसी पॉलीओमावायरस का पता लगाना

4. मेडिकल आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मचारियों के बीच केंद्रीय लाइन से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण और जीवाणु संदूषण: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

5. बैक्टेरिमिया में एरोबिक बैक्टीरिया आइसोलेट्स के लिए पारंपरिक और स्वचालित कल्चर की तुलना

6. रक्त संबंधी विकारों वाले रोगियों में पार्वोवायरस बी19 संक्रमण का पता लगाना

7. उत्तर भारत के एक तृतीयक अस्पताल में कैथेटर से संबंधित रक्तप्रवाह संक्रमण का निदान - एक संभावित अध्ययन।

8. स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के निदान के लिए मूत्र में लिपोअराबिनोमैनन एंटीजन का पता लगाने की नैदानिक उपयोगिता

9.20_.indd 506 1/8/2026 5:37:11 PM

9. बाल चिकित्सा ल्यूकेमिया (एएलएल और एएमएल) में एचसीएमवी रोग

10. एचआईवी-सेरोपॉजिटिव रोगियों में माइक्रोस्पोरिडिया की पहचान और लक्षण वर्णन

11. जीवाणुजनित मैनिंजाइटिस और रक्तप्रवाह संक्रमण से उत्पन्न नैदानिक आइसोलेट्स के लिए ओमाडासाइक्लिन की व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी (एक्सडीआर) एसिनेटोबैक्टर बाउमानी और क्लेबसिएला न्यूमोनिया के प्रति इन विट्रो संवेदनशीलता,

12. एसीएलएफ रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण - एक संभावित अध्ययन

13. फुप्फुसीय टीबी और अतिरिक्त फुप्फुसीय टीबी (ईपीटीबी) के निदान के लिए मूत्र में लिपोअरबिनोमैनन एंटीजन का पता लगाना

14. टीबी के संदिग्ध रोगियों में हिस्टोप्लास्मोसिस की व्यापकता

15. तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में स्ट्रॉन्गिलोइड्स संक्रमण का प्रचलन

16. एमआरएसए और एज़िथ्रोमाइसिन-प्रतिरोधी एनजी का तीव्र विद्युत-रासायनिक पता लगाना: एक नए रणनीति

17. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) से जुड़े बैक्टीरिया का पता लगाने में एप्टामर तकनीक की भूमिका

18. वाहकों का पता लगाने के लिए कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरेलिस, कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी और क्लॉस्ट्रिडियोइड्स डिफिसाइल के लिए एंटीबायोटिक दवाओं पर भर्ती मरीजों के मल और मलाशय के स्वैब नमूनों की जांच करना।

19. वाहकों का पता लगाने के लिए कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरेलिस, कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी और क्लॉस्ट्रिडियोइड्स डिफिसाइल के लिए एंटीबायोटिक दवाओं पर भर्ती मरीजों के मल के नमूनों की जांच

20. बाल रोगी आबादी में तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस में साइटोकिन्स का अध्ययन

21. मलेरिया का अध्ययन, जिसमें उप-सूक्ष्म मलेरिया का पता लगाने, प्रजातियों के लक्षण-निर्धारण और नैदानिक परिणामों के सहसंबंध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

22. हार्पीज सिम्प्लेक्स वायरस पॉजिटिव क्लिनिकल आइसोलेट्स में थाइमिडीन काइनेज जीन बहुरूपता का अध्ययन

23. कार्यात्मक अपच (एफडी) वाले रोगियों में ड्यूडेनल इयोसिनोफिलिया के साथ आंत्र परजीवी संक्रमण के संबंध का पता लगाना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. अवसादग्रस्त और स्वस्थ किशोर समूहों की आंत माइक्रोबायोम संरचना की तुलना करने वाला एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन,मनोचिकित्सा

2. मौखिक माइक्रोबायोम बदलावों, लार माइक्रोआरएनए बायोमार्कर्स और तंबाकू त्याग अनुपालन के आधार पर मौखिक ल्यूकोप्लाकिया के प्रगति पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए एक अनुदैर्ध्य भावी अध्ययन।, मौखिक विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, सीडीईआर

9.20_.indd 507 1/8/2026 5:37:11 PM

3. गंभीर रूप से बीमार वेंटिलेटर पर रखे गए मरीजों में पोस्ट-मॉर्टम न्यूनतम इनवेसिव ऊतक नमूने का उपयोग करके इनवेसिव पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान के लिए बीएम-एएसपीआईसीयू एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, काय चिकित्सा, एम्स

4. बच्चों में हिर्शस्प्रंग रोग में आंत माइक्रोबायोटा और माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा सर्जरी

5. गैर-सिस्टिक ब्रोन्किइक्टेसिस में तीव्रता निर्धारित करने वाली घटनाओं और कारकों पर एक अध्ययन, काय चिकित्सा, एम्स

6. कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर के कारण वीएपी में एरोसोलाइज्ड कोलिस्टिन, संवेदनाहरण

7. कोलेडोकल विकृति के ऑपरेशन किए गए रोगियों में मल माइक्रोबायोटा में परिवर्तन का आकलन करने के लिए व्यापक अवलोकन अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

8. एएमआर-एजुकेट: संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध के खतरों पर एक स्थायी भविष्य के लिए एक बहुराष्ट्रीय और अंतः विषयक अनुसंधान-एकीकृत शिक्षा साझेदारी । नॉर्वे के उच्च शिक्षा और कौशल निदेशालय, जैवभौतिकी विभाग और इनलैंड नॉर्वे विश्वविद्यालय (आईएनएन), नॉर्वे द्वारा वित्त पोषित।

9. एपीपी-डीआईपी: प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में संक्रमण का शीघ्र पता लगाने के लिए एआई आधारित रोगनिदान मंच का विकास। जैव प्रौद्योगिकी में भारत-स्वीडन सहयोग (आईआईटीडी) और एम्स, नई दिल्ली के तहत संयुक्त रूप से स्वीकृत। भारत (डीबीटी)-स्वीडन सहयोग।आईआईटी-डी और चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली के साथ जैव प्रौद्योगिकी में भारत-स्वीडन सहयोग

10. वुल्वोवैजिनल कैंडिडिआसिस के लिए एप्टामर-आधारित नैदानिक जांच, त्वचा विज्ञान एवं रतिजरोग विज्ञान, एम्स

11. द्विध्रुवी विकार वाले रोगियों में टोक्सोप्लाज्मा गोंडी सीरोपॉजिटिविटी और आजीवन आत्महत्या की इच्छा रखन वालों के साथ इसके संबंध का आकलन, मनोचिकित्सा

12. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस पर सीडीसी-एम्स सहकारी समझौता परियोजनाएं, रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी), अटलांटा (यूएसए) और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स

13. नॉन लैक्टेशनल मैस्टाइटिस के रोगियों में परिसंचारी प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों का लक्षण वर्णन - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

14. भारत में प्लास्मोडियम विवैक्स के प्रति मानव एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं का लक्षण वर्णन।अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरिंग जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आईसीजीईवी)

15. यूटीआई के रोगियों में प्रलाप से संबंधित नैदानिक और जैव रासायनिक पैरामीटर: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, जरा चिकित्सा विभाग

16. एमडीआर और एक्सडीआर ग्राम-नेगेटिव बेसिली के कारण वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया की नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम, काय चिकित्सा विभाग

17. सीआरएबी के कारण होने वाले वीएपी से पीड़ित रोगियों का नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम, काय चिकित्सा, एम्स

9.20_.indd 508 1/8/2026 5:37:12 PM

18. सिस्टिक न्यूट्रोफिलिक ग्रैनुलोमैटस मैस्टाइटिस का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम और एटिऑलॉजिकल एजेंट के रूप में कोरिनेबैक्टीरियम की भूमिका, विकृति विज्ञान विभाग

19. ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया में कोरम संवेदन को शांत करने के लिए नए निरोधात्मक अणुओं का डिजाइन तैयार करना, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. स्वच्छता, हाउसकीपिंग और सुरक्षा सेवाओं में शामिल स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड-19 IgG एंटीबॉडी के सीरोप्रवलेंस का निर्धारण, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. नीम के पत्तों के अल्कोहलिक अर्क में नैनो धातु ऑक्साइड के फैलाव द्वारा कृत्रिम दांतों की सफाई करने वाले एजेंट के रूप में रोगाणुरोधी हाइड्रोजेल का विकास, भेषजगुण विभाग

22. भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के निदान के लिए मेटाबोलाइट-आधारित पॉइंट-ऑफ-केयर जांच का विकास, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान, एम्स

23. बच्चों और वयस्कों में परिसंचारी एचआईवी-1 क्लेड सी पर चिकित्सीय व्यापक रूप से निष्क्रियकारी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास,जैव रसायन, एम्स दिल्ली

24. प्रारंभिक अवस्था में सेप्सिस के लिए प्रसवकालीन जोखिम कारकों वाले स्पर्शोन्मुख नवजात शिशुओं में अनुभवजन्य एंटीबायोटिक दवाओं की अवधि और उपचार विफलता के जोखिम पर नेस्टेड मल्टीप्लेक्स पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (बायोफायर®) का प्रभाव,बाल चिकित्सा विभाग

25. वैकल्पिक सर्जरी करा रहे बाल रोगियों में आंत्र माइक्रोबायोम और संज्ञान पर एनेस्थेटिक एजेंटों का प्रभाव, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार

26. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में तीव्र, उपतीव्र और दीर्घकालिक मस्तिष्क ज्वर/मस्तिष्क विकृति से पीड़ित शिशुओं, बच्चों और किशोरों का रोग-विषयक प्रोफ़ाइल, तंत्रिका विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

27. क्रोनिक लिम्ब अल्सर और प्रेशर अल्सर के उपचार के लिए एक नए हर्बल एंटीसेप्टिक फॉर्मूलेशन - एसईपीआईएल का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित जांच, अस्थि रोग विभाग के विशेषज्ञ, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

28. कृत्रिम प्रत्यारोपण के ढीलेपन वाले रोगियों के पेरी-प्रोस्थेटिक नरम ऊतकों में एम1 और एम2 मैक्रोफेज और ऊतक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।, विकृति विज्ञान विभाग

29. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए वैकल्पिक लार निदान रणनीतियों की खोज, जैव भौतिकी, एम्स

30. एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के कारण वीएपी रोगियों के लिए मेटाबॉलोमिक सिग्नेचर, काय चिकित्सा, एम्स

31. महामारी की तैयारी के लिए जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) उपचार सहित संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम,अस्पताल प्रशासन विभाग

32. ओएच-एएमआर डायग्नोसिस: वन-हेल्थ परिप्रेक्ष्य से एएमआर का त्वरित पता लगाने और जांच के लिए नए तकनीकी समाधान,नॉर्वे के जैव भौतिकी और अनुसंधान परिषद विभाग, बेडरेहेल्से कॉल के तहत

9.20_.indd 509 1/8/2026 5:37:12 PM

33. मूत्र संबंधी सर्जरी के लिए दिशानिर्देश निर्देशित प्री-ऑपरेटिव प्रोफिलैक्टिक एकल खुराक/दिन बनाम विस्तारित प्रोफिलैक्टिक एंटीबायोटिक दवाओं का परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, मूत्र रोग विभाग

34. पोस्ट सेप्सिस सिंड्रोम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

35. अज्ञातहेतुक तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में संक्रामक ईटियोलॉजी का पता लगाने के लिए संभावित अवलोकन अध्ययन, जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

36. क्रोनिक फेफड़ों की बीमारी में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का संभावित अध्ययन, काय चिकित्सा, एम्स

37. गियार्डिया इंटेस्टाइनलिस आइसोलेट्स के प्रोटिओमिक्स अध्ययन को विभिन्न नैदानिक स्पेक्ट्रम के साथ संबद्ध करना तथा इसकी आक्रामक क्षमता का पता लगाना।, जठरांत्र रोग और बाल चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।

38. एक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय केंद्र,जैव प्रौद्योगिकी

39. एक्टिनोबैक्टीरिया-व्युत्पन्न नए रोगाणुरोधियों पर अध्ययन और एमडीआर रोगजनकों में समुदाय/अस्पताल-अधिग्रहित रोगाणुरोधक प्रतिरोध से निपटने के लिए उन्नत रणनीतियों का विकास,आईआईटी, दिल्ली

40. संक्रामक रोगों का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिक ग्राफीन नैनोरिबन डोप्ड लिक्विड क्रिस्टल सेल का तकनीकी विकास,एनपीएल, नई दिल्ली

41. पेरिप्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण के निदान को बढ़ाने में नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन और आणविक नैदानिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन, काय चिकित्सा विभाग

42. महिलाओं की पुरानी बीमारियों में आयुर्वेद चिकित्सा के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना और समग्र स्वास्थ्य चिकित्सा (सीएआर) को बढ़ावा देना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

पूर्ण

1. लैक्टोफेरिसिन का एंटीफंगल प्रभाव, एक प्राकृतिक शक्तिशाली रोगाणुरोधी पेप्टाइड जो जन्मजात प्रतिरक्षा प्रोटीन, लैक्टोफेरिन से प्राप्त होता है और म्यूकोरमाइकोसिस के उपचार में इसका उपयोग।, जैव भौतिकी विभाग

2. सिजेरियन डिलीवरी के लिए एज़िथ्रोमाइसिन-आधारित विस्तारित-स्पेक्ट्रम प्रोफिलैक्सिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

3. भारत के जिला अस्पतालों में बहुऔषधि प्रतिरोधी नवजात सेप्सिस की अधिकता, बाल चिकित्सा विभाग

4. चिकित्सा आईसीयू में स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मचारियों के बीच केंद्रीय लाइन से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण और जीवाणु संदूषण: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

5. आपातकालीन विभाग, आपातकालीन चिकित्सा विभाग में आने वाले संक्रमण के संदिग्ध रोगियों के कल्चर नमूनों के आधार पर एक एंटीबायोग्राम विकसित करना

6. दवा प्रतिरोधी जीवाणु और कवक रोगजनकों पर रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, आईआईटी, नई दिल्ली

9.20_.indd 510 1/8/2026 5:37:12 PM

7. बहु-औषधि प्रतिरोधी और व्यापक रूप से औषधि प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरेलिस- व्यापकता, उपचार और परिणाम- एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग

8. महामारी के लिए जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन सहित संक्रमण, रोकथाम और नियंत्रण में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण। यूएसएआईडी और जेएचपीआईईजीओ द्वारा वित्तपोषित।, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. एएमआर पर अध्ययन: एक्टिनोबैक्टीरियल बायोएक्टिव यौगिकों द्वारा मध्यस्थता से बायोफिल्म अवरोधन और क्वोरम संवेदन मार्गों के प्रति आणविक अंतर्दृष्टि, आईआईटी, दिल्ली

10. संक्रमण के कारण अज्ञात उत्पत्ति के ज्वर (पीयूओ) से पीड़ित रोगियों में निर्णय समर्थन एल्गोरिथ्म की स्थापना में इमेजिंग एजेंट के रूप में रेडियोलेबल एंटीबायोटिक्स की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	43	43	41
कुल **निधिकरण** (लाख में)	1179.46 रुपये	3944 रुपये	4173 रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ:

पत्रिकाएँ: 54 सार: 06 पुस्तकों में अध्याय: 02

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	99	90	62
पत्रिकाओं में लेख	83	84	54
सार	15	3	06
पुस्तकों में अध्याय	1	1	02
पुस्तकें	0	2	0

रोगी उपचार

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 4,95,078 जांचें की गई।

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
रक्त कल्चर और पहचान	43621
श्वसन पथ के नमूने: कल्चर और पहचान	26400

9.20_.indd 511 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
मूत्र कल्चर और पहचान	48480
मवाद कल्चर और पहचान	25517
मल कल्चर और पहचान	3023
सीएसएफ/जीवाणुरहित नमूना कल्चर और पहचान	11206
बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के लिए सीएसएफ नमूनों से लेटेक्स एग्लूटिनेशन (एंटीजन का पता लगाना)	1000
कुल	**159247**
रोगाणुरोधी संवेदनशीलता जांच (स्वचालित वीटेक-2 सहित)	
रक्त कल्चर	4865
श्वसन पथ के नमूने	12350
मूत्र कल्चर	8784
मवाद कल्चर	9522
मल कल्चर	16
सीएसएफ कल्चर	1822
कुल	**37359**
एचआईसी प्रयोगशाला	
आई वी द्रव, पर्यावरण नमूने आदि	21813
सीएसएसडी जैविक सूचक	2445
सीएसएसडी बॉवी डिक पैक	1743
प्लाज्मा सूचक	203
जल जांच	2294
कुल	**28498**
टीबी और सीबी-एनएएटी	
टीबी जांच	
जेडएन स्मीयर माइक्रोस्कोपी	13230
जीन एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	4652
ट्रूनेट	2327

9.20_.indd 512 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए पीसीआर	2302
एमजीआईटी 960 पर रैपिड कल्चर	4987
एलजे माध्यम पर कल्चर	13230
एमजीआईटी दवा संवेदनशीलता जांच (डीएसटी)	56
लाइन जांच विश्लेषण	179
कुल	**40963**
कोविड सीबी-एनएएटी	
जीन एक्सपर्ट/ ट्रूनेट	197
कुल	**41160**
माइकोलॉजी प्रयोगशाला	
प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी/कल्चर	
रक्त कल्चर/अस्थि मज्जा/रक्त बीएसीटीईसी	3281
श्वसन (बीएएल, थूक, श्वासनली एस्पिरेट)	8405
मूत्र	1607
सीएसएफ	1624
ऊतक/बायोप्सी	1482
स्किन स्क्रेपिंग/नाखून/बाल	65
द्रव (पेरिटोनियल, पेरिकार्डियल और एसिटिक द्रव)	1918
मवाद	1184
विविध (प्लेटें, स्वैब, कैथेटर टिप्स)	2058
कुल	**21624**
फंगल सीरोलॉजी/एंटीफंगल/टीडीएम/पीसीआर	
क्रिप्टोकोकल एंटीजन	2012
गैलेक्टोमैनन एंटीजन	6818
मूत्र हिस्टोप्लाज्मा प्रतिजन	173
टीडीएम	1467
एंटीफंगल संवेदनशीलता जांच	1100

9.20_.indd 513 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
पीसीआर	1005
बीटा-डी-ग्लूकन	171
कुल	**12746**
कुल योग	**34370**
परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
सीरोलॉजिकल जांच	
एलिसा द्वारा एंटी-अमीबिक आईजीजी एंटीबॉडी हेतु सीरोलॉजी	352
एलिसा द्वारा आईजीजी एंटीबॉडी के लिए एंटी-इचिनोकोकस के लिए सीरोलॉजी	328
एलिसा द्वारा एंटी-टॉक्सोप्लाज्मा आईजीजी एंटीबॉडी के लिए सीरोलॉजी	274
टीनिया सोलियम संक्रमण के लिए सीरोलॉजी	25
स्ट्रॉन्गिलोइडियासिस के लिए सीरोलॉजी	390
टोक्सोकेरियासिस के लिए सीरोलॉजी	47
कुल	**1416**
मलेरिया की जांच	
फ्लोरोसेंट धुंधलापन (एक्रिडीन ऑरेंज)	7242
गिएम्सा धुंधलापन	7242
मात्रात्मक बफी कोट (क्यूबीसी) जांच	7242
एचआरपी-II एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट	7242
24x7 एमपी (एओ, गिमेसा, क्यूबीसी, आरडीटी)	**2760**
कुल	**31728**
कालाजार की जांच	
फ्लोरोसेंट धुंधलापन (एक्रिडीन ऑरेंज)	75
गिएम्सा धुंधलापन	75
कालाजार सीरोलॉजी (आरके-39)	719
24×7 एमपी (एओ, गिमेसा, क्यूबीसी, आरडीटी)	15

9.20_.indd 514 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
कुल	**884**
आंत्र परजीवी के लिए मल के नमूनों की जांच	
प्रत्यक्ष और कंसन्ट्रैशन तकनीकें	1960
कृत्रिम परिवेशीय कल्चर	20
आंत्र कोक्सीडिया के लिए संशोधित एसिड-फास्ट और विशेष धुंधलापन	1960
माइक्रोस्पोरिडिया प्रजातियों का पता लगाने के लिए पीसीआर विश्लेषण	1960
कुल	**5900**
एस्पिरेट्स की जांच	
थूक, मवाद और अन्य एस्पिरेट्स	**143**
फाइलेरिया की जांच	
प्रत्यक्ष और कंसन्ट्रैशन तकनीकें	650
एक्रिडीन ऑरेंज	650
पतली स्मीयर जांच	650
मोटी स्मीयर जांच	650
फाइलेरिया एंटीजन का पता लगाना	650
क्यूबीसी	650
24 × 7 सेवाएं	245
कुल	**4145**
अन्य जांच	
धुंधलापन और पीसीआर जांच द्वारा न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी संक्रमण (पीसीपी) का पता लगाने के लिए जांच	360
मुक्त रहने वाले अमीबा (एफएलएएस) के लिए मस्तिष्कमेरु द्रव जांच	85
कृमि के नमूने	6
आर्थ्रोपोडा नमूने	2
कुल	**453**
कुल योग	**44669**
वायरोलॉजी प्रयोगशाला	

9.20_.indd 515 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
आणविक जांच (रियल टाइम पीसीआर, जीनोम सिक्वेन्सिंग)	
सार्स-कोव-2, इन्फ्लुएंजा ए एवं बी, आरएसवी, एचएमपीवी (श्वसन वायरस) के लिए संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण/एनजीएस	208
इन्फ्लूएंजा रियल टाइम मल्टीप्लेक्स आरटी-पीसीआर	3, 590
सार्स-कोव-2 रियल टाइम आरटी-पीसीआर (कोविड-19)	3, 510
श्वसन वायरस (इन्फ्लूएंजा, सार्स-कोव-2, और आरएसवी) की निगरानी	1, 411
मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) रियल टाइम आरटी-पीसीआर	86
श्वसन वायरस पैनल- मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पीसीआर	764
एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी, सीएसएफ आदि)	3, 835
प्रारंभिक शिशु निदान के लिए एचआईवी-1 आरटी-पीसीआर (डीबीएस नमूने)	2, 831
एचआईवी-1 आरएनए आरटी-पीसीआर (एचआईवी-1 वायरल लोड)	12, 533
एचबीवी डीएनए रियल टाइम पीसीआर (एचबीवी वायरल लोड)	1, 371
एचसीवी आरएनए रियल टाइम आरटी-पीसीआर (एचसीवी वायरल लोड)	328
डेंगू और चिकनगुनिया वायरस की रियल टाइम आरटी-पीसीआर	68
जीका वायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	06
जननांग अल्सर रोग (जीयूडी) वायरल पैनल विशेष रूप से एचएसवी-1 और 2	103
बीके पॉलीओमावायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	1, 431
जेसी (जॉन कनिंघम) पॉलीओमावायरस रियल टाइम पीसीआर	96
दाने वाले बुखार - वायरल पीसीआर पैनल (खसरा, एंटरोवायरस, पार्वोवायरस बी19, एचएचवी-6 और एचएचवी-7)	6
वायरल मेनिनजाइटिस/एन्सेफेलाइटिस पीसीआर पैनल (एचएसवी, एंटरोवायरस, पैरेकोवायरस, वीजेडवी, मम्प्स)	429
वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस पीसीआर पैनल (रोटावायरस, नोरोवायरस, सैपोवायरस, एस्ट्रोवायरस और एडेनोवायरस 40/41)	249
एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) डीएनए रियल टाइम पीसीआर	932
पार्वोवायरस बी19 रियल टाइम पीसीआर	427

9.20_.indd 516 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
एंटरोवायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	22
एडेनोवायरस रियल टाइम पीसीआर	51
खसरा रियल टाइम आरटी-पीसीआर	11
कण्ठमाला का रियल टाइम आरटी-पीसीआर	10
मंकीपॉक्स रियल टाइम पीसीआर (ऑर्थोपॉक्स और एमपॉक्स)	07
एचएचवी-6 रियल टाइम पीसीआर	14
एचएचवी-8 रियल टाइम पीसीआर	11
रियल टाइम आरटी-पीसीआर द्वारा डेंगू वायरस सीरोटाइपिंग	227
एंटीजन पहचान	
डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलिसा)	12,742
एचबीएसएजी (एलिसा/सीएलआईए)	119
वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस आईसीटी जांच (रोटावायरस, नोरोवायरस, एडेनोवायरस, आदि)	48
एंटीबॉडी पहचान (सीरोलॉजी)	
डेंगू रोधी आईजीएम (एलिसा)	11, 308
चिकनगुनिया रोधी आईजीएम (एलिसा)	485
जापानी एन्सेफलाइटिस रोधी आईजीएम (एलिसा)	134
एंटी_एचएवी आईजीएम (एलिसा/सीएलआईए)	129
एंटी_एचईवी आईजीएम (एलिसा)	101
एंटी-एचबीसी आईजीएम (एलिसा/सीएलआईए)	103
एंटी-एचसीवी (आईसीटी/सीएलआईए)	101
खसरा रोधी आईजीएम (एलिसा)	20
एंटी-मम्प्स आईजीएम (एलिसा)	15
एंटी-ईबीवी (वीसीए) आईजीएम (एलिसा)	290
प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी	
त्जानक स्मीयर (एचएसवी 1 और 2, वीजेडवी के लिए)	10

9.20_.indd 517 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
डाउनी कोशिकाओं/असामान्य लिम्फोसाइट्स (ईबीवी-संबंधित संक्रामक मोनोन्यूक्लिओसिस) के लिए पीएस	3
सेल कल्चर	
वायरस पृथक्करण- एमडीसीके, वेरो, एचईपी-2 कोशिकाएं आदि।	159
कुल	**60334**
यौन संचरित रोग प्रयोगशाला	
वीर्य	1374
एचवीएस	706
ईपीएस	49
एन.गोनोरिया कल्चर और एएसटी के लिए मूत्रमार्ग स्राव	183
एन.गोनोरिया पीसीआर के लिए मूत्रमार्ग स्राव	183
सीटी पीसीआर के लिए मूत्रमार्ग स्राव	183
एन.गोनोरिया कल्चर और एएसटी के लिए सरवाइकल स्वैब	164
एन.गोनोरिया पीसीआर के लिए सरवाइकल स्वैब	164
एन.गोनोरोई कल्चर और एएसटी के लिए ग्रसनी स्वैब	134
एन.गोनोरिया पीसीआर के लिए ग्रसनी स्वैब	134
एन.गोनोरिया कल्चर और एएसटी के लिए रेक्टल स्वैब	134
एन.गोनोरिया पीसीआर के लिए रेक्टल स्वैब	134
बी.वी. के लिए योनि स्वैब	127
ट्रेपोनेमा पैलिडम पीसीआर के लिए रक्त	02
कुल नमूने	**3671**
माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला	
क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस पीसीआर	698
यूरियाप्लाज्माउरियालिटिकम कल्चर	586
यूरियाप्लाज्माउरियालिटिकम पीसीआर	673
माइकोप्लाज्मा होमिनिस कल्चर	586
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	673

9.20_.indd 518 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
माइकोप्लाज्मा जेनिटालियम पीसीआर	405
कुल	**3621**
अवायवीय और विशेष जीवाणु रोगजनक प्रयोगशाला	
अवायवीय कल्चर के लिए नमूने (रक्त, पित्त, बीएएल, सीएसएफ, ऊतक) अन्य नमूने	721
क्लोस्ट्रीडियोड्स डिफिसाइल	
सी. डिफिसाइल के लिए मल कल्चर	625
सी. डिफिसाइल एलिसा के लिए मल के नमूने	400
सी. डिफिसाइल पीसीआर के लिए मल का नमूना	102
सी. डिफिसाइल के लिए मल का नमूना जीन एक्सपर्ट	13
कैम्पिलोबैक्टर	
कैम्पिलोबैक्टर के लिए मल कल्चर	9
विशेष जीवाणु रोगज़नक़ प्रयोगशाला (एसबीपीएल)	
लेप्टोस्पाइरा	
लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के लिए कल्चर के लिए साइट्रेट रक्त के नमूने।	987
लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के लिए कल्चर हेतु मूत्र के नमूने।	985
लेप्टोस्पाइरा आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	1482
मूत्र डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	985
प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	987
लेप्टोस्पाइरा पीसीआर	421
स्क्रब टाइफस और रिकेट्सिया	
स्क्रब टाइफस के लिए आईजीएम एलिसा	1421
स्क्रब टाइफस के लिए आईएफए	08
स्क्रब टाइफस पीसीआर	103
बारटोनेला	
बारटोनेल्ला कल्चर के नमूने	54
बारटोनेल्ला आईएफए (IgG) के लिए नमूना	54

9.20_.indd 519 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
बारटोनेल्ला आईएफए (IgM) के लिए नमूना	54
बारटोनेल्ला पीसीआर के लिए नमूना	19
लेजिओनेला न्यूमोफिला	
लीजियोनेला सीरोलॉजी	170
लीजिओनेला पीसीआर	166
लीजिओनेला मूत्र प्रतिजन	67
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया	
माइकोप्लाज्मा आईजीएम एंटीबॉडी का पता लगाना	180
माइकोप्लाज्मा पीसीआर	177
माइकोप्लाज्मा कल्चर	177
क्लैमाइडिया न्यूमोनिया	
क्लैमाइडिया न्यूमोनिया आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	178
लाइम रोग	
लाइम रोग आईजीएम एलिसा	146
लाइम रोग आईजीजी एलिसा	146
लाइम रोग आईजीएम इम्यूनोब्लॉट	59
लाइम रोग आईजीजी इम्यूनोब्लॉट	35
बोरेलिया16S रियल-टाइम पीसीआर	146
कुल	**11077**
सीरोलॉजी प्रयोगशाला	
विडाल जांच:	10876
वीडीआरएल जांच	14931
ट्रेपोनेमा पैलिडम हेमाग्लगुटिनेशन विश्लेषण (टीपीएचए)	1350
एंटी-स्ट्रेप्टोलिसिन ओ (एएसएलओ):	15
ब्रुसेला एंटीबॉडी के लिए मानक एग्लूटिनेशन टेस्ट (एसएटी)	406
एच.पायलोरीमल प्रतिजन	3470
कुल	**31048**

9.20_.indd 520 1/8/2026 5:37:12 PM

जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला	
विश्लेषण/जांच/परीक्षण का नाम	**की गई जांचों की संख्या**
आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला	
तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस (एबीएम) के लिए मल्टीप्लेक्स (पारंपरिक/रियल टाइम) पीसीआर	450
कुल	**450**
एचआईवी और इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला:	
सीडी4 जांच	5550
एचआईवी जांच	30047
एचआईवी का वेस्टर्न ब्लॉट जांच	16
नाको द्वारा एचआईवी प्रहरी निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी डीबीएस नमूने	3961
कुल	**39574**
कुल योग	**4,95,078**

बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस):

- विभाग के सभी अनुभागों ने विभिन्न ईक्यूए/ प्रवीणता जांच (पीटी) कार्यक्रमों में 100% या उत्कृष्ट सामंजस्य के साथ सफलतापूर्वक भाग लिया:
- आईएएमएम ईक्यूए/पीटी कार्यक्रम
- नाको ईक्यूए/पीटी कार्यक्रम
- डब्ल्यूएचओ जीएएसपी (गोनोकोकल एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम) का ईक्यूए कार्यक्रम
- भारतीय उष्णकटिबंधीय परजीवी विज्ञान संघ (आईएटीपी) द्वारा संचालित बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस), सीएमसी पैरासिटोलॉजी ईक्यूएएस, द वेलकम ट्रस्ट रिसर्च लेबोरेटरी, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर और इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान (आईएएमएम) (जिसमें परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला को लगातार "ए+" ग्रेड प्राप्त हुआ)
- एपेक्स रीजनल एसटीडी सेंटर, त्वचाविज्ञान और एसटीडी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के साथ सिफलिस सीरोलॉजी (वीडीआरएल/टीपीएचए) के लिए अंतर-प्रयोगशाला तुलना।

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

9.20_.indd 521 1/8/2026 5:37:12 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल भर्ती मरीज	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
प्रयोगशाला जांच	3.55, 618	4, 55, 415	4, 95, 078

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर ललित डार राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन में प्रयोगशाला सेवाओं और एसटीआई के तकनीकी संसाधन समूह के सह-अध्यक्ष थे। वे राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस निगरानी कार्यक्रम में तकनीकी संसाधन समूह (प्रयोगशालाएँ) के अध्यक्ष थे। वे एनएबीएल की सलाहकार समिति के सदस्य थे; आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के एसएसी के सदस्य थे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (डीजीएचएस की अध्यक्षता में) के ईएमआर के संयुक्त निगरानी समूह के सदस्य; ईएसआई निगम (केंद्र सरकार द्वारा नामित) के सदस्य थे।

प्रोफेसर बिमल कुमार दास सदस्य - चयन समिति अनुसंधान अनुभाग, एम्स दिल्ली; अध्यक्ष - अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति, एम्स दिल्ली; बाह्य परीक्षक, एम्स पटना (17 दिसंबर 24); परीक्षक, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पंजाब; अध्यक्ष, एमडी जांच (सूक्ष्मजैव विज्ञान), एम्स दिल्ली (मई 2024) थे।

प्रोफेसर बिजय रंजन मिर्धा 09 फ़रवरी 2024 से एम्स, नई दिल्ली की संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) के अध्यक्ष हैं। वे एम्स, नई दिल्ली की तकनीकी विनिर्देश एवं मूल्यांकन समिति (टीएसईसी) के अध्यक्ष भी रहे। वे इसके विशेषज्ञ सदस्य भी रहे।एनवीबीडीसीपी के तहत मलेरिया प्रशिक्षण, दक्षिण जिलाचिकित्सा अधिकारियों और जन स्वास्थ्य नर्सों के लिए मलेरिया प्रशिक्षण हेतु शिक्षण और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। एम्स अनुसंधान दिवस, 2024 के लिए एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग के तत्वावधान में मूल विज्ञान के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु चयन समिति के सदस्य रहे। लिम्फेटिक फाइलेरिया के शीघ्र निदान और उपचार हेतु राष्ट्रीय कार्यबल के सदस्य रहे। कालाजार के निदान और उपचार हेतु तकनीकी विनिर्देश समिति के सदस्य रहे। विभिन्न सम्मेलनों और संगोष्ठियों के दौरान विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर बेनु धवन ने भारतीय यौन संचरित रोग और एड्स अध्ययन संघ द्वारा डॉ. पीएस रंगनाथन मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया; आईएएसएसटीडी और एड्स का 48वां राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली। 31 अगस्त-1 सितंबर 2024। (शोध पत्र के वरिष्ठ सह-लेखक)।

प्रोफेसर सीमा सूद को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का फेलो (एफएएमएस) चुना गया। एसटीडी लैब की पहचान आईसीएमआर-सीडीएससीओ द्वारा एसटीडी के लिए चिकित्सा उपकरण जांच हेतु एक रेफरेंस लैब के रूप में की गई है और एमडीटीएल की स्थापना के एक हिस्से के रूप में आईएसओ 17025 के लिए गतिविधियां शुरू की गई हैं। प्रतिष्ठित एसटीआई और एचआईवी कांग्रेस, 2025, मॉन्ट्रियल, कनाडा के लिए सदस्य- सार समीक्षा समिति और छात्रवृत्ति समिति के रूप में आमंत्रित किया गया। निर्वाचित समिति सदस्य- आईयूएसटीआई विश्व समिति (2021-25)। दूसरे कार्यकाल (2025-2029) को जारी रखने के लिए। सदस्य- भारत-जापान सहकारी विज्ञान कार्यक्रम (2024-2026)। सदस्य- एम्स, नई दिल्ली में पीजी रिसर्च (बेसिक साइंस) के लिए संस्थान एथिक्स कमेटी, उन्हें वैज्ञानिक सलाहकार समिति-एएसटीकॉन 2024 के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। वे भारत में ईगेस्प के कार्यान्वयन के लिए नाको,

9.20_.indd 522 1/8/2026 5:37:13 PM

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सदस्य थीं। वे नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित एनएसीपी के अंतर्गत टीआरजी (निगरानी एवं महामारी विज्ञान) की सदस्य थीं। आईसीएमआर में विशेषज्ञ, एचआईवी/एड्स और यौन संचरित रोगों पर पीआरसीओएन। जीपमर, पुदुचेरी में बाह्य विशेषज्ञ। सदस्य - संपादकीय टीम - इंडियन जर्नल ऑफ एसटीडी एंड एड्स। संकाय - राष्ट्रीय जांच बोर्ड (एनबीई)। समीक्षक - राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ थीं।

प्रोफेसर सरिता महापात्रा तीन वर्षों (2023-2025) की अवधि के लिए «इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायलॉजी" की कार्यकारी समिति की सदस्य चुनी गईं। उन्हें 2024-25 के लिए "सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रैक्टिसेस इन इंडिया" का अध्यक्ष चुना गया। आईएएमएम संक्रमण निवारण नियंत्रण पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञ थीं। उन्हें «माइक्रोबायलॉजी स्पेक्ट्रम» पत्रिका के लिए समीक्षा संपादक के रूप में चुना गया। उन्हें «बीएमसी सूक्ष्मजैव विज्ञान" पत्रिका के लिए समीक्षा संपादक के रूप में चुना गया।

प्रोफेसर आशीष चौधरी को 19 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित माइक्रो-डी-कॉन में 'उत्तर भारत के एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल की दीर्घकालिक उपचार इकाई में वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस (वीजेडवी) प्रकोप' शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोध पत्र के लिए सतीश सी. तलवार मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एम्स दिल्ली की संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएसई) के सदस्य। एम्स दिल्ली की सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिलिटी (सीसीआरएफ) की बीएसएल-3 सुविधा के सदस्य थे। ‹वन हेल्थ› के अंतर्गत सिंड्रोमिक दृष्टिकोण पर आधारित डायग्नोस्टिक एल्गोरिदम स्थापित करने हेतु डीएचआर-आईसीएमआर कार्य समूह के सदस्य रहे।

प्रोफेसर हितेन्द्र गौतम सितंबर 2024 से प्लोस वन जर्नल संपादकीय बोर्ड में अकादमिक संपादक हैं। भारत में सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रैक्टिसेस (एसएएसपीआई) (2024-27) प्रकाशन समिति के निदेशक थे। वह सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रैक्टिसेस (एसएएसपीआई) के संस्थापक सदस्य थे। वह सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के लिए प्रभारी-संकाय भंडार (गैर-योजना) थे। वह डिपार्टमेंट स्टोर सत्यापन समिति के सदस्य थे। वह सीएपीएफआईएमएस में वरिष्ठ रेजिडेंटों के चयन के लिए विभाग विशेषज्ञ थे। वह संकाय पदों के लिए ईएसआईसी चयन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य/विषय विशेषज्ञ थे। वह अजमेर, राजस्थान में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के तहत डीएनए डिवीजन के लिए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के लिए सलाहकार थे। वह एम्स अस्पताल भंडार में «विभिन्न सर्जिकल उपभोज्य वस्तुओं» की खरीद के लिए टीएसईसी समिति के सदस्य थे। अगस्त 2024 से प्रभावी। वे 26 दिसंबर 2025 को कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत एनआईटीआरडी नई दिल्ली के सहकर्मी मूल्यांकन के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता थे। वे 10 अगस्त 2024 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड हॉस्पिटल, नई दिल्ली के सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग में आईएएमएम दिल्ली चैप्टर में पैनल चर्चा में पैनेलिस्ट थे। «सूक्ष्मजैव विज्ञान में गुणवत्ता प्रणाली और प्रयोगशाला मान्यता स्थापित करना: चुनौतियां और आगे का रास्ता»। वे एम्स-सीएपीएफआईएमएस की प्रयोगशाला सेवाओं के संचालन के लिए समिति के सदस्य थे। वे एम्स-सीएपीएफआईएमएस के प्रशासनिक/शैक्षणिक ब्लॉक के संचालन के लिए सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग से संकाय नामित किए गए थे: एम्स, 19 जुलाई 2024 से समिति के सदस्य थे। वे एम्स, नई दिल्ली के लिए स्वच्छता टीम समिति के सदस्य थे वह एम्स, नई दिल्ली के सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के लिए एनएबीएल कोर समिति के सदस्य और उप गुणवत्ता प्रबंधक थे: विभाग को 15 नवंबर 2019 से एनएबीएल मान्यता प्राप्त है। वह 1 जून 2022 से सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग में 24 × 7 प्रयोगशाला का संचालन कर रहे थे। वह प्रमुख परिणाम क्षेत्रों (केआरए) के लिए स्वच्छ और हरित एम्स उप-समिति के

9.20_.indd 523 1/8/2026 5:37:13 PM

सदस्य थे: केआरए 5 के लिए: अपशिष्ट प्रबंधन और केआरए 6 के लिए: संक्रमण नियंत्रण। वह फरवरी 2022 से एम्स में एंटीसेप्टिक्स, कीटाणुनाशक और रसायनों के लिए तकनीकी विनिर्देश और मूल्यांकन समिति (टीएसईसी) के सदस्य थे। वह डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव थे। वह अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), कोर समिति के सदस्य एम्स, नई दिल्ली थे। विभाग के लिए काया काल्प निरीक्षण प्रबंधन किया। वे एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार और एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह (एयू-सीओजी) के लिए समिति के सदस्य थे। वे एम्स बठिंडा में सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग में अध्ययन बोर्ड के गठन के बाह्य सदस्य थे। वे एम्स बठिंडा में सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के लिए एमबीबीएस स्नातक पाठ्यक्रम और मूल्यांकन तैयार करने हेतु बोर्ड के सदस्य थे।एनएमसी के अंतर्गत पूरे भारत में एक समान शिक्षण हेतु स्नातक छात्रों के लिए ई-लर्निंग मॉड्यूल तैयार किया। तक्षशिला अमेरिकी विश्वविद्यालय में मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान कार्यक्रम द्वारा चिकित्सा में पीएचडी के लिए सह-मार्गदर्शक रहे। केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ), प्रोटिओमिक्स सुविधा उप-समिति के सदस्य रहे, 31 जनवरी 2023 से प्रभावी।

डॉ. निशांत वर्मा "ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी" पत्रिका के सह-संपादक रहे। सदस्य - आईसीएमआर संक्रामक रोग अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला (आईआरडीएल) नेटवर्क का मार्गदर्शन और सहायता करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य - विशेष रूप से परजीवी विज्ञान वर्टिकल के लिए आईसीएमआर के इस अखिल भारतीय नेटवर्क निर्माण पहल के तौर-तरीकों को विकसित करने में प्रमुख योगदान था। वह परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला में जांच के लिए एनएबीएल मान्यता दिलाने में सहायक थे। वह एम्स में एनएबीएल कार्य के समन्वय के लिए केंद्रीय समिति के सदस्य थे। वह विभागीय भंडार (योजना) के प्रभारी संकाय थे। वह विभागीय डीएम आईडी शिक्षण समिति के सदस्य थे। वह डीएम संक्रामक रोग पाठ्यक्रम के लिए केंद्रीय समिति के सदस्य थे। वह एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह के सदस्य थे। वह विभागीय रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता समिति-बाल चिकित्सा रोग, बाल शल्य चिकित्सा, नवजात इकाई और नवजात शल्य चिकित्सा एकक - एमसीएच ब्लॉक के सदस्य थे। वह ‹स्वच्छ और हरित एम्स› उप-समिति के सदस्य थे। वह सीपीआईओ-आरटीआई थे। वह कोर ग्रुप सदस्य थे: अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), एम्स, नई दिल्ली। वह सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों के प्रभारी थे; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक में एचआईसी गतिविधियों के प्रभारी थे। वह स्नातक शिक्षण के लिए ई-लर्निंग मॉड्यूल के विकास में शामिल थे। वह कार्यकारी समिति के सदस्य थे: इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी। वह सदस्य-हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसाइटी- इंडिया थे। वह सदस्य - आईएएमएम; सदस्य-आईएएमएम- दिल्ली चैप्टर; कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के समीक्षक; सदस्य - सीसीआरएफ की बीएसएल-3 प्रयोगशाला के नवीनीकरण के लिए समिति। सदस्य - विभिन्न शोध परियोजनाओं में सलाहकार / कंप्यूटर प्रोग्रामर / ...एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीयकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) के लिए माइक्रोस्कोपी उप-समिति के सदस्य थे। मलेरिया के लिए जिला समन्वय समिति के सदस्य, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी कार्यालय-दक्षिण जिला, डीजीएचएस-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार। एम्स जोधपुर में एमडी थीसिस मूल्यांकन किया।

डॉ. मेघा बृजवाल सदस्य- ‹वन हेल्थ› के अंतर्गत सिंड्रोमिक दृष्टिकोण पर आधारित डायग्नोस्टिक एल्गोरिदम स्थापित करने के लिए डीएचआर-आईसीएमआर कार्य समूह रही।

डॉ. किरण बाला सदस्य-अस्पताल संक्रमण नियंत्रण कोर समिति, एम्स, नई दिल्ली। वह नेशनल सेंटर ऑफ एजिंग, एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण उपसमिति की सचिव थी। वह एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण टीम की सदस्य थी। वह नोडल अधिकारी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) थी - विभागीय कंप्यूटर से संबंधित और सूचना प्रौद्योगिकी और

9.20_.indd 524 1/8/2026 5:37:13 PM

डिजिटलीकरण (नोडल आईटी अधिकारी, विभाग से सामग्री प्रदाता, एचएमआईएस में लैब एलआईएस का एकीकरण, वेबसाइट अपडेशन)। वह पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विभागीय मूल्यांकन (स्टेज III) के संगठन की संकाय समन्वयक थी। वह समिति की सदस्य और टीएसईसी की सदस्य थी - मातृ एवं शिशु ब्लॉक में सूक्ष्मजैव विज्ञान सेवाओं की योजना और दीक्षा, तकनीकी विनिर्देश और माँ और बच्चे ब्लॉक के लिए विभिन्न एम एंड ई की खरीद। (आरंभ, एम एंड ई की खरीद और एसओपी की डिजाइनिंग, रूपरेखा)। वे बीएमजे केस रिपोर्ट्स, फ्रंटियर्स इन मेडिसिन, इंटरनेशनल जे ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, मेडिकल माइकोलॉजी, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस, माइकोपैथोलोजिया की समीक्षक थी।

डॉ. प्रियम बत्रा विभिन्न संस्थागत समितियों के सदस्य थे। गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा समिति, सर्जिकल ब्लॉक और एनएबीएच समिति, सर्जिकल ब्लॉक के सदस्य थे। सदस्य, सामान्य सुविधा समिति, सीसीआरएफ। कैफेटेरिया खाद्य सुरक्षा समिति। सह-सदस्य सचिव, एम्स-सीएपीएफआईएमएस रक्त केंद्र और प्रयोगशाला सेवाओं के लिए समिति। सदस्य, एम्स-सीएपीएफआईएमएस शैक्षणिक सेवाओं के लिए समिति। संक्रमण नियंत्रण अधिकारी, सीएसएसडी, मस्जिद मोठ कॉम्प्लेक्स। कीटाणुनाशक, सामान्य कीट और कृंतक नियंत्रण सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए समिति। वह साइंटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर पब्लिकेशन; जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियन के अकादमिक संपादक थे। वह निम्नलिखित पत्रिकाओं में समीक्षक थे। जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज। स्पेक्ट्रम जर्नल; जर्नल ऑफ एडवांस इन मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च; द लैंसेट रीजनल हेल्थ- दक्षिण पूर्व एशिया; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस। क्लिनिकल मेडिसिन इनसाइट्स: पीडियाट्रिक्स। जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड सूक्ष्मजैव विज्ञान। आंत के रोगाणु। कैनेडियन जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज। विभिन्न संगठनों के फेलो/सदस्य; हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसाइटी इंडिया (एचआईसीआई)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएएमएम) के सदस्य रहे।

डॉ. तनु सागर ने मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया: वृषाली पटवर्धन, पी दिलीप, अनुषा राठी, तनु सागर, निशांत वर्मा, सीएएचओ डायग्नोस्टिकॉन 2025 में, जिसका शीर्षक था «लेप्टोस्पायरोसिस: एक गैर-स्थानिक क्षेत्र में छिपे हुए खतरे का अनावरण»।

9.20_.indd 525 1/8/2026 5:37:13 PM

9.21 राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर

अध्यक्ष एनसीआई
आलोक ठक्कर
अपर चिकित्सा अधीक्षक
सुनील कुमार

विशिष्टताएं

श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, केंद्रीय मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा 15 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), एम्स झज्जर में दूसरे एम्स अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया गया किया, जो वर्ष 2019 में इसकी स्थापना के बाद से संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी स्थापना के छह साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, मंत्री श्री नड्डा जी द्वारा बहु-विषयक एवं रोगी-केंद्रित कैंसर उपचार प्रदान करने वाले विश्व स्तरीय रेफरल केंद्र के रूप में एनसीआई के तीव्र विकास की प्रशंसा की गई। उन्होंने संस्थान के मिशन को आगे बढ़ाने में चिकित्सकों, स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों तथा प्रशासकों के समर्पण की सराहना भी की। इस कार्यक्रम में एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास, एम्स में संकायाध्यक्ष एवं एनसीआई के संकाय डॉ. के.के.-सदस्यवर्मा और डॉ. निखिल टंडन, देश भर के एम्स संस्थान, पीजीआई चंडीगढ़ तथा जेआईपीएमईआर पुडुचेरी के स्वास्थ उपचारकर्ता, नीति निर्माता, वैज्ञानिक तथा प्रवर्तक सम्मिलित हुए।

इस आयोजन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित रही:

- मंत्री जी द्वारा नाभिकीय चिकित्सा लक्षित उपचार वार्ड एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) यूनिट का दौरा किया गया, जिसे थायरॉइड तथा हेमेटोलिम्फॉइड कैंसर के परिणामों में सुधार हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- एनसीआई के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मान्यता, स्टार्टअप के साथ सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना, पीएचडी छात्रों की सहभागिता, व्यावहारिक सामाजिक अनुप्रयोगों सहित अनुसंधान एवं इंफोसिस विश्राम सदन जो रोगियों के परिवारों को किफायती आवास तथा मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करता है।

मंत्री, श्री नड्डा जी ने कैंसर की रोकथाम एवं उपचार में भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रयासों पर भी जोर दिया और कहा:

- एनएचएम के अंतर्गत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों हेतु कैंसर जांच, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मुख, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर हेतु 49 करोड़ से अधिक जांच।
- वर्ष 2014-2026 तक राज्य कैंसर संस्थानों एवं तृतीयक कैंसर उपचार केंद्रों हेतु ₹3,000 करोड़ से अधिक का निवेश।
- सभी 22 नए एम्स में कैंसर उपचार के बुनियादी ढांचे को मंजूरी दी गई है, तथा प्रत्येक जिला अस्पताल में डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करने की योजना है, जिसकी शुरुआत इस वर्ष 200 से होगी।

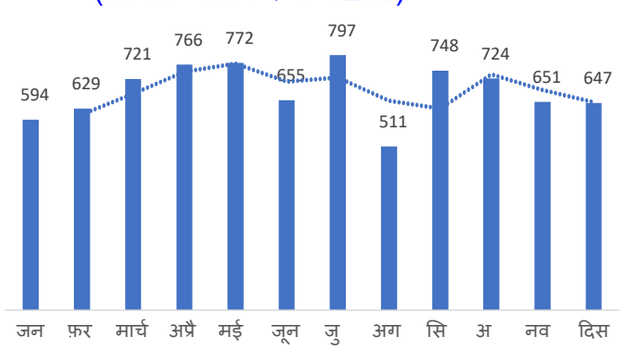
9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 526 12/24/2025 6:55:54 PM







नए रोगी पंजीकरण 2024
(वार्षिक पंजीकरण: 8215)



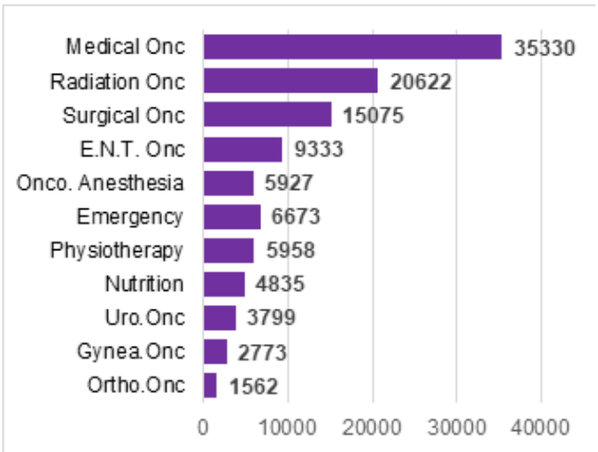
एनएबीएच मान्यता





9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 527 12/24/2025 6:55:54 PM

एनएबीएच मान्यता



लीड-अप इवेंट

अमेरिका-भारत कैंसर मूनशॉट पहल

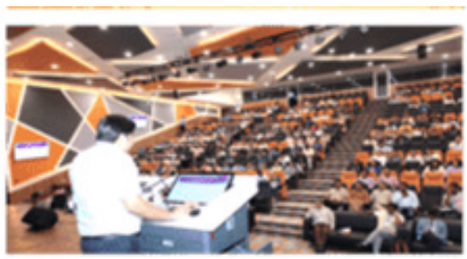
मई 2024



प्रशामक उपचार में क्षमता निर्माण कार्यशाला

जुलाई 2024









एम्स सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव, सितंबर 2024

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 528 12/24/2025 6:55:55 PM



Cancer Care Services at National Cancer Institute (NCI), Jhajjar

Integrated Cancer Services & Tumor Boards

- Breast
- ENT/Head & Neck
- Gastro-Intestinal
- Gynae Oncology
- Uro/Genito-urinary
- Musculoskeletal
- Hematological/ BMT
- Pediatric
- Neurological & Orbit
- Thoracic & Pulmonary

Specialized Clinics & Cancer Care Services

- Preventive Oncology
- Pain & Palliative Care
- Cancer Emergency Care Services
- Transfusion Medicine
- Onco-Psychiatry & Psychology Services
- Ostomy Care
- Onco-Genetics & Onco-fertility
- Internal Medicine Services- General Medicine, Pulmonary, Endocrine, Gastroenterology.
- Physiotherapy & Rehabilitation Services
- Dental Services
- Alternative Medicine-Ayurveda & Yoga

Support Services

- Tobacco Cessation Services
- Genetic Counselling
- Long term Follow-up
- Medical Social Services
- Dietary services
- Survivor Wellness program
- Vocational Rehabilitation

Diagnostic, Laboratory & Imaging Services

- Radiology
- Nuclear Medicine
- Core Lab
- Pathology
- Microbiology
- Cytogenetics and Molecular pathology
- Medical Physics

विभाग

जैव रसायन

अपर आचार्य

अशोक शर्मा

स्टाफ

तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अर्चना बंसल खूब चंद बिमला भट्ट

तकनीकी अधिकारी

विकास यादव

चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन

वी एस राजू शनमुखी प्रदीप कुमार

शमा परवीन भगवत दयाल

अस्पताल परिचर

राकेश कुमार

एमटीएस

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 529 12/24/2025 6:55:55 PM

महिपाल परचा

चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन (संविदात्मक)

पूनम पाराशर

एमटीएस (संविदात्मक)

राजेश अनिकेत

डीईओ (संविदात्मक)

अनुपमा यादव गायत्री

आणविक निदान प्रयोगशाला, एनसीआई, झज्जर परिसर:

प्रयोगशाला तकनीशियन (संविदात्मक)

अल्पना शर्मा

विशिष्टताएं:

शैक्षिक एवं व्यावसायिक विशिष्टताएं

- सह-सदस्यता
- नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) की सह-सदस्यता प्रदान की गई, संदर्भ संख्या: 32-(1)/2025(I)/एनएएमएस।

अनुसंधान प्रकाशन एवं वैज्ञानिक योगदान

- अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में 7 अनुसंधान लेख प्रकाशित।
- सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित 4 समकक्ष-समीक्षित सार प्रस्तुत किए गए।
- आईओपीसाइंस, ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रकाशित *"कैंसर के गैर-आक्रामक निदान हेतु नैनो बायोसेंसर्स"* में 6 पुस्तक अध्यायों में योगदान दिया।
- हमारी प्रयोगशाला ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 20 मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों में योगदान दिया।
- कोशिका जैव रसायन एवं कार्यक्रम-2024 का संपादकीय बोर्ड -विले-ब्लैकवेल
- डिस्कवर अर्बुदविज्ञान-2024 का संपादकीय बोर्ड - स्प्रिंगर नेचर

अनुसंधान अनुदान एवं वित्तपोषण

- प्रयोगशाला में वर्तमान में जारी दो बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं जिनकी कुल निधि लगभग ₹16.692 करोड़ के लिए एवं प्रधान अन्वेषक (पीआई) है।

मेंटरशिप एवं शैक्षिक निरीक्षण

- पर्यवेक्षित:
  - एक एमएससी, एक एमडी, और पांच पीएचडी विद्वान मुख्य मार्गदर्शक के रूप में।
  - एक एम.सी.एच., एक डी.एम., तथा छह पी एच.डी. छात्र सह-निरीक्षक के रूप में।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 530 12/24/2025 6:55:55 PM

- दस स्नातकोत्तर छात्रों को अवलोकनात्मक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शन दिया गया।
- स्नातकपूर्व मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से पांच स्नातकपूर्व छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया।
- तीन स्नातक-पूर्व छात्रों का निरीक्षण किया, जिन्हें प्रतिष्ठित आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप प्राप्त हुई।
- माननीय निदेशक महोदय द्वारा मुझे इस संस्थान की प्रथम एमबीबीएस जैव रसायन परीक्षा हेतु परीक्षक बोर्ड के आंतरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है, जो अगस्त से सितंबर 2024 तक आयोजित की जाएगी।
- माननीय निदेशक महोदय द्वारा मुझे मई 2024 में आयोजित जैव रसायन में एमडी की अंतिम व्यावसायिक परीक्षा आयोजित करने हेतु आंतरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

पुरस्कार एवं मान्यताएँ

- इस वर्ष हमारी प्रयोगशाला को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सात पुरस्कार प्राप्त हुए:
  - तीन सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार
  - चार सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार
- "मिंट ऑल अबाउट एआई | टेक4गुड अवार्ड्स 2024 - गोल्ड कैटेगरी" प्राप्त करने हेतु एम्स टीम के हिस्से के रूप में सम्मानित किया गया, iOncology.ai हेतु सैल्सफोर्स द्वारा प्रायोजित "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में एआई का सर्वोत्तम उपयोग" श्रेणी के अंतर्गत।

∞ और पढ़ें

प्रौद्योगिकी एवं मीडिया कवरेज

- एम्स मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में हमारे उन्नत उत्पाद, iOncology.ai प्लेटफ़ॉर्म पर प्रकाश डाला गया, जिसे WONDRx के सहयोग से अनुसंधान दिवस पर प्रदर्शित किया गया था।
- डीडी न्यूज़ - सुबह का शो ∞ यूट्यूब पर देखें
- टॉप न्यूज़ और अन्य प्रमुख मीडिया हाउस ∞ शीर्ष कहानी ई-पेपर कवरेज
- iOncology.ai प्लेटफॉर्म अब एम्स इंट्रानेट (नई दिल्ली और एनसीआई-झज्जर परिसर) पर अनुसंधान एवं विकास मोड में क्रियाशील है।

  ∞ httपीएस://ioncologyai.एम्स.edu

नैदानिक पहल

- तंत्रिका विज्ञान केंद्र (एनएससी) में कई विशिष्ट नैदानिक जांच सेवाओं को पुनः आरंभ किया गया तथा नई सेवाएं शुरू की गईं तथा एनसीआई, झज्जर परिसर में एचपीवी जीनोटाइपिंग जांच शुरू किए गए।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 531 12/24/2025 6:55:55 PM

सार्वजनिक जुड़ाव एवं आउटरीच

- 21 फरवरी 2024: नई दिल्ली में Onlymyhealth.com (जागरण न्यू मीडिया) द्वारा आयोजित गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी वैक्सीन पर जागरूकता बढ़ाने हेतु एक ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया।
- 26 मार्च 2024: Onlymyhealth.com द्वारा आयोजित *"कैंसर प्रतिरोधक: भारत में चिकित्सा नीतियाँ और समाधान"* में अतिथि वक्ता तथा विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, जिसका उद्देश्य कैंसर एवं हृदय रोगों से निपटना था।

शैक्षिक नेतृत्व एवं योगदान

- सात से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य वक्ता एवं सत्र अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 21 फरवरी 2025 को सभागार, एडमिन ब्लॉक, एनसीआई/एम्स, नई दिल्ली में आचार्य सुदीप्त सील, विश्वविद्यालय विशिष्ट आचार्य, यूसीएफ पेगासस द्वारा एक वैज्ञानिक वार्ता का आयोजन किया गया।

वैज्ञानिक समितियाँ एवं सहकर्मी समीक्षा

- निम्नलिखित की परियोजना मूल्यांकन समितियों हेतु विशेषज्ञ समीक्षक के रूप में कार्य किया:
  - भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग - एसईआरबी (डीएसटी-एसईआरबी), भारत सरकार
  - जैव प्रौद्योगिकी विभाग - अनुसंधान सहयोगी कार्यक्रम (डीबीटी-आरए), भारत सरकार
  - मैं खौराना चयन समिति की बैठक का एक विशेषज्ञ सदस्य हूं, जो 9 जनवरी 2025 को आयोजित की गई थी और इसका आयोजन डीबीटी द्वारा किया गया था-आईयूएसएसटीएफ.

राष्ट्रीय शैक्षिक पहल

- भारत सरकार के स्वयाम (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव-लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स) ऑनलाइन पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में नियुक्त।

संपादकीय एवं समीक्षा कार्य:

- कोशिका जैव रसायन एवं कार्यक्रम-2024 का संपादकीय बोर्ड - विले-ब्लैकवेल
- डिस्कवर अर्बुदविज्ञान-2024 का संपादकीय बोर्ड - स्प्रिंगर नेचर

उपलब्धियों का विवरण:

डॉ. अशोक शर्मा एम्स के जैव रसायन विभाग में शैक्षिक, अनुसंधान, नैदानिक एवं प्रशासनिक ज़िम्मेदारियों के व्यापक क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत रहे हैं। एक समर्पित शिक्षक के रूप में, डॉ. शर्मा एमबीबीएस, एमएससी, एमडी, एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी) और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों सहित स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नियमित रूप से सैद्धांतिक, व्यावहारिक और केस-आधारित कक्षाएं संचालित करते

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 532 12/24/2025 6:55:55 PM

हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. शर्मा भारत सरकार के राष्ट्रीय ऑनलाइन शिक्षा मंच के अंतर्गत दो यूजीसी-स्वयाम एमओओसी–"जैव रसायन में विश्लेषणात्मक तकनीकें" और "जैव अणु: स्वास्थ्य एवं रोग में संरचना एवं कार्य"–हेतु पाठ्यक्रम समन्वयक एवं प्रशिक्षक के रूप में कार्य करते हैं। नैदानिक नवाचार में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता, डॉ. शर्मा ने तंत्रिका विज्ञान केंद्र (एनएससी) में तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में आणविक नैदानिक प्रयोगशाला में कई उन्नत आणविक नैदानिक सेवाओं के पुन: परिचय एवं विकास का नेतृत्व किया, जैसे कि प्रीनियोप्लास्टिक मार्कर प्रोफाइलिंग, एनएमओ तथा एमओजी एंटीबॉडी जांच, और एचपीवी जीनोटाइपिंग, जिससे वंचित कैंसर रोगियों को काफी लाभ हुआ। डॉ. शर्मा ठोस एवं हेमटोलॉजिकल दोनों प्रकार के दुर्दमताओं हेतु आने वाली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस)-आधारित जीन पैनल की स्थापना का भी नेतृत्व कर रहे हैं। एक मजबूत ट्रांसलेशनल संबंधी फोकस के साथ, डॉ. शर्मा एनसीआई/एम्स, झज्जर में एक तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला एवं आणविक प्रयोगशाला विकसित करने में गहराई से शामिल हैं। डॉ. शर्मा iOncology.ai प्लेटफॉर्म में स्तन कैंसर और ओवरियन के कैंसर ईएचआर प्रोफार्मा को शामिल करने पर भी काम कर रहे हैं। iOncology.ai प्लेटफॉर्म (https://ioncologyai.एम्स.edu): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग, इंडिया (सीडीएसी), पुणे के बीच मिटी द्वारा वित्तपोषित सहयोगी परियोजना में, हमने एक एआई प्लेटफॉर्म विकसित किया है जिसका नाम है - "iOncology.ai" (httपीएस://ioncologyai.एम्स.edu) जो नैदानिक डाटा के संग्रह, मिलान और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है। यह प्लेटफ़ॉर्म विशेष रूप से अर्बुदविज्ञान से संबंधित नैदानिक डाटा एकत्र करना समर्पित है। यह प्लेटफ़ॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित मॉडल से लैस है जो कैंसर के निदान एवं उपचार में सहायता करता है। iOncology.ai को दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे 5 राज्यों के कई जिला अस्पतालों में स्थापित किया गया है। एम्स में, यह प्लेटफ़ॉर्म एम्स इंट्रानेट पर लाइव है।

शिक्षा:

सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक कक्षाएं (जैव रसायन विभाग में):

- एमबीबीएस
- एमएससी
- एमडी
- एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी)
- पैरामेडिकल शिक्षण

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या 18

- दस स्नातकोत्तर छात्रों को अवलोकनात्मक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।
- स्नातक-पूर्व मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से पांच स्नातक-पूर्व छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया।
- तीन स्नातक-पूर्व छात्रों का निरीक्षण किया, जिन्हें प्रतिष्ठित आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप प्राप्त हुई।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

सीएमई	= 1
संगोष्ठियों	= 02

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 533 12/24/2025 6:55:55 PM

पूर्ण व्याख्यान = 04
अतिथि व्याख्यान = 04
आमंत्रित व्याख्यान = 09
राष्ट्रीय सम्मेलन = 05
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन = 04

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

अशोक शर्मा: 9

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
12	10	09

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
12	14	20

अनुसंधान:

वित्तपोषित

जारी = 4 कुल बजट = ~16.692 करोड़

1. चिकनगुनिया संक्रमण में आरएनए वायरस एवं संबंधित संक्रमण-पश्चात गठिया के विरुद्ध बोरोन-आधारित चिकित्सा- एक पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन।, डॉ. अशोक शर्मा, आईसीएमआर-भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, कुल लागत 250 लाख रुपये की बहुकेन्द्रीय परियोजना।
2. कैंसर हीलर थेरेपी पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना एवं स्तन तथा ओवरियन के कैंसर कोशिका रेखाओं में इसकी कैंसर-रोधी क्षमता का पता लगाना", डॉ. अशोक शर्मा, कैंसर हीलर सेंटर, 1 वर्ष, 2024-2025, 27.2 लाख रुपये
3. कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी/विकिरण चिकित्सा के सहायक उपचार के रूप में होम्योपैथिक दवा की भूमिका का मूल्यांकन करने एवं आणविक प्रोफाइलिंग के साथ सहसंबंध स्थापित करने वाला एक पायलट अध्ययन, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 100 लाख रुपये
4. डीबीटी एनसीआई-एम्स ट्रांसलेशनल कैंसर अनुसंधान सेंटर, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2023-2028, 4000 लाख रुपये में से 1000 लाख रुपये (प्रक्रियाधीन) (प्रमुखत: स्वीकृत

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 534 12/24/2025 6:55:55 PM

पूर्ण: 3

1. अर्बुदविज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों हेतु व्यक्तिगत निदान एवं उपचार प्रदान करना बड़े डाटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग, डॉ. अशोक शर्मा, मिटी, 3 वर्ष, 2020-2024, 291.67 लाख रुपये

सह-प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में जारी अनुसंधान परियोजनाएं: 8.

1. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के रोगियों में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का यादृच्छिक अध्ययन, ओपन लेबल, चरण IIए/IIबी नैदानिक जांच", आईसीएमआर, 70एल, आचार्य संजीव कुमार भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2026, 70 लाख रुपये

2. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानि में कैंसर/वृषण प्रतिजन एनवाई-ईएसओ-1 को सम्मिलित करके नवीन कैंसर इम्यूनोथेरेपी का विकास और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसकी ट्यूमर-रोधी प्रभावकारिता एवं प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन, डॉ. पवन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 50 लाख रुपये

3. वयस्क गैर-एचआईवी केंद्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग (सीएनएसटीबी) रोगियों में प्रतिरक्षा पुनर्निर्माण सूजन सिंड्रोम (आईआरआईएस) के निर्धारक: एक संभावित समूह अध्ययन, डॉ. दीप्ति विभा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 123.75 लाख रुपये

सह-प्रमुख अन्वेषक (पीआई) के रूप में पूर्ण की गई परियोजना: 5

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रधान अन्वेषक का नाम	द्वारा वित्तपोषित (वित्तपोषण एजेंसी का नाम)	अवधि (वर्ष)	आंरभिक वर्ष	समाप्ति वर्ष	कुल स्वीकृत धनराशि (रु. में)

1. स्तन कैंसर में ट्यूमर से जुड़े मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में डीएनए मिथाइलेशन और पीआई3के-एकेटी सिग्नलिंग मार्ग विश्लेषण पर एम1 मैक्रोफेज की भूमिका। एम्स, 10 लाख रुपये, 2022-2024 (दो वर्ष), डॉ. प्रमोद गौतम, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

2. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव। आईसीएमआर, 43 लाख रुपये, 2022-2024 (दो वर्ष), डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, आपातकालीन चिकित्सा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., नई दिल्ली।

3. नैदानिक एवं विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाले डिमेंशिया में जोखिम संबंध, उपचारकर्ता का बोझ और नैदानिक परिणाम। एम्स, 10 लाख रुपये, 2022-2024 (दो वर्ष), डॉ. अनु गुप्ता, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 535 12/24/2025 6:55:55 PM

4. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट वाले चूहे मॉडल में स्वतःस्फूर्त रक्त संचार की वापसी की शुरुआत पर एनएचई-1 अवरोधक का प्रभाव कैरीपोराइड, आईसीएमआर, 44 लाख रुपये, 2022-2024 (दो वर्ष), आचार्य संजीव कुमार भोई, आपातकालीन चिकित्सा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

5. महिला जननांग तपेदिक में एपिजेनेटिक्स एवं प्रतिरक्षा कारकों की भूमिका। आईसीएमआर, 6430.857 लाख रुपये, 2021-2024 (तीन वर्ष); आचार्य जेबी शर्मा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित): एमएससी/एमडी/पीएचडी/महिला वैज्ञानिक/पोस्टडॉ. क: जारी: 9

1. ऑर्गेनोइड/कोशिका मॉडल उत्पन्न कीमोरेसिस्टेंट रिलैप्स्ड ओवेरियन कैंसर रोगियों में नॉच/कैंसर वृषण प्रतिजन पीओटीईई सिग्नलिंग अक्ष का पता लगाना (एफ नं:आईसीएमआर-5/3/8/31-आईटीआर-एफ/2022-आईटीआर)

2. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के माइक्रोआरएनए मध्यस्थता विनियमन का जीनोम-व्यापी विश्लेषण" (डीएसटी/डब्ल्यूओएस-ए/एलएस-266/2021)

3. ओवरियन के कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी/बी2 का आणविक तंत्र (पी-1-2023/15081)

4. मानव दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) का कार्यात्मक विश्लेषण और कैंसर में स्थानिक जीनोम संगठन के साथ उनका संबंध (पी01 2021/14956)

4. प्रोस्टेट, अंडाशय, वृषण और भ्रूण (पीओटीई) पेप्टाइड के साथ जटिल में एचएलए-ए2 प्रोटीन संरचना का स्पष्टीकरण, (एस/7471/2024)

5. ओवरियन के कैंसर में जीनोमिक इंप्रिंटिंग और कैंसर-वृषण प्रतिजन पीओटीई के विनियमन का अध्ययन करना। (एस/7160/2024)

6. कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिकली स्थानीयकृत कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर पर अध्ययन। (पी-2018/14773)

7. ओवरियन के कैंसर में पीओटीईB के कार्यात्मक पहलुओं और अंतर्निहित एपिजेनेटिक विनियमन का स्पष्टीकरण। (पी-2018/14779)

8. नए प्रोस्टेट की प्रतिरक्षा चिकित्सा क्षमता, प्लेसेंटा, अंडाशय, वृषण - ओवरियन के कैंसर में व्यक्त (पीओटीई) प्रतिजन। (पी/136/19)

9. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार सहित राइबोफ्लेविन अनुपूरण के प्रभाव का आकलन करना यादृच्छिक नियंत्रित जांच

स्नातक-पूर्व मेंटरशिप कार्यक्रम

1. ओवरियन के कैंसर में कैंसर-वृषण प्रतिजन (पीओटीई) पर सीओएक्स (साइक्लोऑक्सीजिनेज) अवरोधक के प्रभाव का अध्ययन, (सं.एफ.5-59/आईआरजी/2010/आरएस), जारी (2024)

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 536 12/24/2025 6:55:55 PM

2. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में प्लैटिनम प्रतिरोध फेनोटाइप को समझने में प्रोस्टेट अंडाशय वृषण भ्रूण प्रोटीन (पीओटीई) सदस्य ई और नॉच सिग्नलिंग क्रॉस-टॉक के बीच कार्यात्मक परस्पर क्रिया का रहस्योद्घाटन, जारी (2024)

3. पीओटीई प्रोटीन/नॉच सिग्नलिंग एक्सिस के कार्यात्मक परस्पर क्रिया एवं बहुरूपता का स्पष्टीकरण और एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में नैदानिक फेनोटाइप के साथ इसका संबंध।, पूर्ण (2024)

एमबीबीएस आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप:

1. स्तन कैंसर में पीओटीईई की बायोमार्कर क्षमता को समझना, मिस गौरी गुप्ता (202402155), जारी (2024)

2. ओवरियन के कैंसर में पीओटीई की अभिव्यक्ति पर डाइक्लोफेनाक के प्रभाव को समझना, कीर्ति तेजा (202309225), पूर्ण (2024)

एमबीबीएस एम्स समर फेलोशिप

1. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में "सिसप्लैटिन प्रेरित कीमोरेसिस्टेंस नाभिकीय लेमिना एवं कैंसर एपिजीनोम वास्तुकला को नियंत्रित करता है", श्री संदीप कुमार कंडी (एम्स नई दिल्ली- ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फैलोशिप), पूर्ण (2024)

2. ओवरियन के कैंसर के रोगियों में कैंसर वृषण प्रतिजन अभिव्यक्ति और प्रतिरक्षा कोशिका वितरण के बीच संबंध का निर्धारण करना, प्रज्ञान शर्मा, पूर्ण

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु/अवलोकन कार्यक्रम के छात्र:

1. फेफड़ों के कैंसर हेतु सिस्टम जैव विज्ञान एवं कार्यात्मक जीनोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके मिथाइलेशन परिदृश्य विकसित करना, शाइस्ता समन, जारी (2025)

2. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में एपिजेनेटिक पैटर्न की पहचान हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मध्यस्थता वाले एल्गोरिदम का उपयोग, शाकिरा कादरी, जारी (2025)

3. फेफड़ों के कैंसर के प्रभावी उपचार के रूप में हर्बल यौगिकों की क्षमता का पता लगाना: एक इन-सिलिको अध्ययन, दानिश मुश्ताक, जारी (2025)

4. iOncology.ai प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण - ओवरियन कैंसर, सौरभ राठौर, पूर्ण (2024)

5. iOncology.ai प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण - स्तन कैंसर, प्रथम कौशिक, पूर्ण (2024)

6. ओवरियन के कैंसर में इन सिलिको और इन विट्रो दृष्टिकोण द्वारा पीओटीई (प्रोस्टेट, अंडाशय, वृषण और भ्रूण) प्रोटीन अभिव्यक्ति का स्पष्टीकरण, मनोज कुमार जाना, पूर्ण (2024)

7. नाभिकीय वास्तुकला पर दमनकारी हिस्टोन संशोधनों की भूमिका, अब्दुर रहमान, पूर्ण (2024)

8. ईओसी में प्लैटिनम प्रतिरोध को पुनः संवेदनशील बनाने पर एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन के प्रभाव की जांच करना, सुश्री मेहरोज़ गनी, एमएससी. जैव रसायन, कश्मीर विश्वविद्यालय, पूर्ण (मार्च-मई 2024) ज्ञापन संख्या एफ.10-39/2024.शैक्षिक.II

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 537 12/24/2025 6:55:55 PM

9. प्लैटिनम संवेदनशील एवं प्रतिरोधी ओवरियन के कैंसर में कैंसर वृषण प्रतिजन नॉच (1, 2, 3) पर नेप्रोक्सन और डाइक्लोफेनाक के प्रभाव की जांच करना, सुश्री एयनैन फयाज वाजा, एमएससी. जैव रसायन, कश्मीर विश्वविद्यालय, पूर्ण (मार्च-मई 2024) ज्ञापन संख्या एफ.10-39/2024.शैक्षिक.II

10. ओवरियन के कैंसर में कैंसर वृषण प्रतिजन सीटीए, पीओटीई की अभिव्यक्ति पर मोनोक्लोनल एंटीबॉडी थेरेपी के प्रभाव की जांच करना, सुश्री बाशी, एमएससी. जैव रसायन, कश्मीर विश्वविद्यालय, पूर्ण (मार्च-मई 2024) ज्ञापन संख्या एफ.10-39/2024.शैक्षिक.II

11. ओवरियन के कैंसर में एपिजेनेटिक संकेत पैटर्न का पता लगाने हेतु एक एआई संचालित कार्यात्मक जीनोमिक्स और सिस्टम जैव विज्ञान दृष्टिकोण, सुश्री मानसी शर्मा, एमएससी बायोइनफॉरमैटिक्स, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, जामिया नगर, नई दिल्ली - 110025, पूर्ण (फरवरी-अप्रैल 2024) ज्ञापन संख्या एफ.10-13/2024.शैक्षिक.II

12. इन-सिलिको विश्लेषण के माध्यम से ओवरियन के कैंसर के उपचार में होम्योपैथिक पौधों के अर्क की प्रभावकारिता को डिकोड करना, सुश्री एना अब्बास - एमएससी बायोइनफॉरमैटिक्स, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, जामिया नगर, नई दिल्ली - 110025, पूर्ण (मार्च-अप्रैल 2024) ज्ञापन संख्या एफ.10-30/2024.शैक्षिक.II

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी: 3

1. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के रोगियों में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का अध्ययन करना यादृच्छिक, ओपन लेबल वाले, चरण IIए/IIबी नैदानिक जांच", आईसीएमआर, 70एल, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स

2. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी में कैंसर/वृषण प्रतिजन एनवाई-ईएसओ-1 को शामिल करके नवीन कैंसर प्रतिरक्षा चिकित्सा का विकास और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसकी ट्यूमर-रोधी प्रभावकारिता एवं प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन। डॉ.भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., एम्स

3. वयस्क गैर-एचआईवी केंद्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग (सीएनएसटीबी) रोगियों में प्रतिरक्षा पुनर्निर्माण सूजन सिंड्रोम (आईआरआईएस) के निर्धारक: एक संभावित समूह अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, ह्.तं.कें., एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण: 7

1. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट चूहे मॉडल में स्वतःस्फूर्त परिसंचरण की वापसी की शुरुआत पर एनएचई-1 अवरोधक, कैरीपोराइड का प्रभाव, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाले मनोभ्रंश में नैदानिक और विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल, जोखिम संबंध, उपचारकर्ता का बोझ और नैदानिक परिणाम, तंत्रिका विज्ञान विभाग, ह्.तं.कें., एम्स, नई दिल्ली

3. महिला जननांग तपेदिक में एपिजेनेटिक्स और प्रतिरक्षा कारकों की भूमिका, स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 538 12/24/2025 6:55:55 PM

4. स्तन कैंसर में ट्यूमर से जुड़े मेसेनकाइमल स्टेम सेल में डीएनए मिथाइलेशन और पीआई3के-एकेटी सिग्नलिंग मार्ग विश्लेषण पर एम1 मैक्रोफेज की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. प्रत्यारोपण विफलता में प्राकृतिक किलर सेल की भूमिका की जांच करना एवं नए गैर-दाता आईवीएफ चक्रों में उच्च गर्भाशय प्राकृतिक किलर कोशिकाओं वाली महिलाओं में इंट्रालिपिड्स के इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभावों का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच, स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. सेप्सिस में तीव्र किडनी क्षति का पता लगाने हेतु बायोमार्कर के रूप में मूत्र संबंधी नवीन माइक्रोआरएनए, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

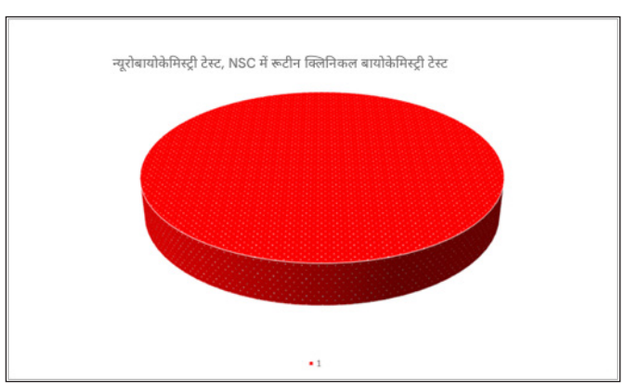
7. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान (पीआई के रूप में):

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	01	01	02
कुल वित्तपोषण	10 लाख रुपये	10 लाख रुपये	277 लाख रुपये

रोगी उपचार सेवाएँ:

तंत्रिका विज्ञान केंद्र में नियमित निदान सेवाएं: (ओपीडी + वार्ड)



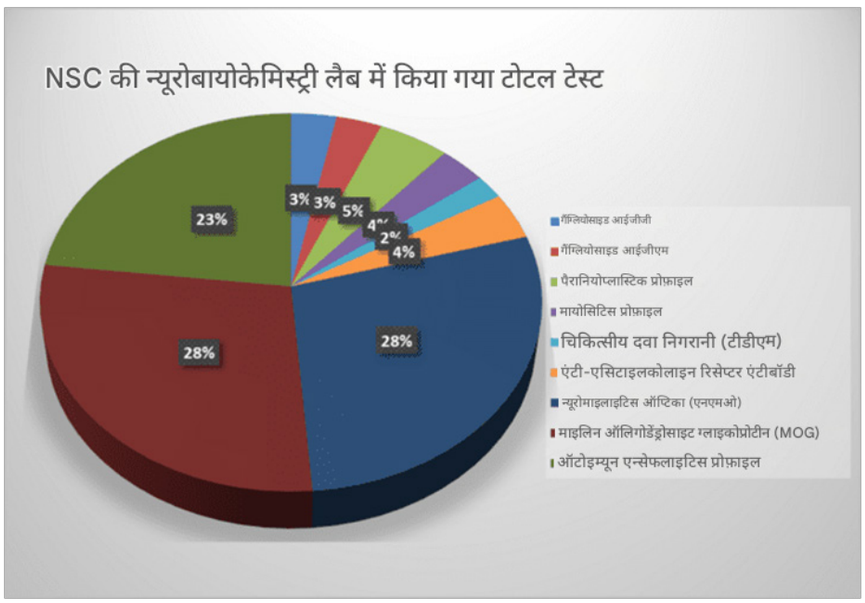
कुल रक्त संग्रह = 1, 09, 180

तंत्रिका विज्ञान केंद्र में विशेष निदान सेवाएं: (ओपीडी + वार्ड)

1. गैंग्लियोसाइड आईजीजी = 92
2. गैंग्लियोसाइड आईजीएम = 92
3. पैरानियोप्लास्टिक प्रोफाइल = 145
4. मायोसिटिस प्रोफाइल = 94
5. चिकित्सीय दवा निगरानी (टीडीएम) = 60

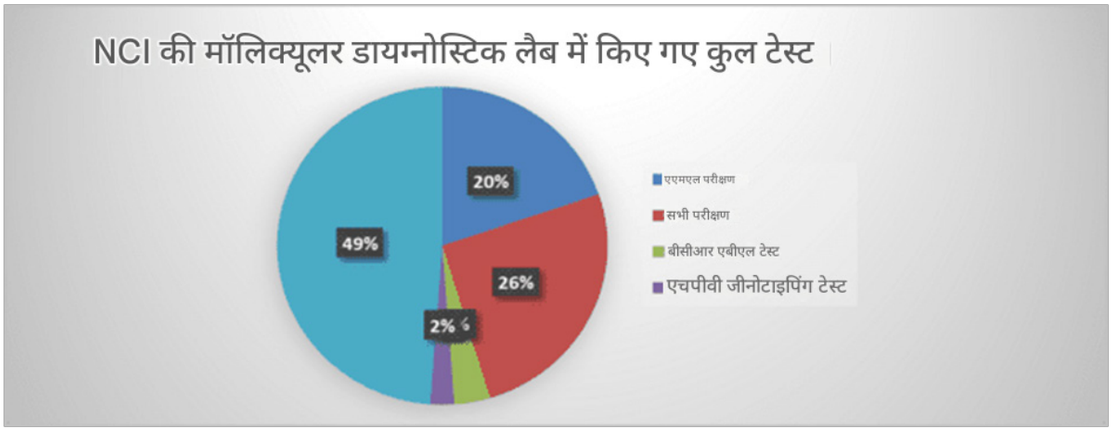
9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 539 12/24/2025 6:55:55 PM

6. एंटी-एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर एंटीबॉडी (एंटी एसीएचआर एबी) = 115
7. न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका (एनएमओ) = 815
8. माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन (एमओजी) = 815
9. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस प्रोफाइल = 671



राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर परिसर में आणविक निदान सेवाएं:

1. मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) जांच = 4 (नई जांच शुरू की गई)
2. बीसीआर-एबीएल1 मात्रात्मक (प्रमुख, लघु, सूक्ष्म) आनुवंशिक जांच, = 06
3. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) 10 जीन व्यापक पैनल, = 44
4. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) मल्टीप्लेक्स पैनल रियल-टाइम पीसीआर जांच, = 34



रोगी उपचार: लागू नहीं

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 540 12/24/2025 6:55:55 PM

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार:

1. नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) की सह-सदस्यता प्रदान की गई, संदर्भ संख्या: 32-(1)/2025(I)/एनएएमएस।

2. सेल्सफोर्स द्वारा प्रायोजित प्रतिष्ठित "द मिंट ऑल अबाउट एआई | टेक4गुड अवार्ड्स 2024 (गोल्ड कैटेगरी)" प्राप्त करके हम टीम के रूप में गौरवान्वित हैं। यह सम्मान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को iOncology.ai हेतु "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में एआई के सर्वोत्तम उपयोग" श्रेणी में प्रदान किया गया है। https://www.livemint.com/ai/all-about-ai-tech4good-awards-recognise-aiims-and-wadhwani-institute-for-ai-led-solutions-in-health-and-sanitation11734629721189.html)

3. **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति (द्वितीय पुरस्कार):** स्तन कैंसर में आईएनसीआरएनए एसी092718.4 के बायोमार्कर और चिकित्सीय संभावनाओं का अनावरण। ग्लोबल कैंसर कंसोर्टियम कॉन्फ्रेंस (जीसीसीसी), 28-31 जनवरी 2025, नोएडा, दिल्ली।

4. **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति (प्रथम पुरस्कार):**"सिस्प्लैटिन-प्रतिरोधी एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में जीनोम-व्यापी एलएडी-नाभिकीय लेमिना परिवर्तन और एपिजेनेटिक पुनर्प्रोग्रामिंग" ग्लोबल कैंसर कंसोर्टियम कॉन्फ्रेंस (जीसीसीसी) में श्री सुभादीप कुंडू को प्रदान किया गया। 28-31 जनवरी 2025, नोएडा, दिल्ली।

5. **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति (द्वितीय पुरस्कार)**: **पीओटीई** एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर (ईओसी) हेतु संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में, ओएफसीओएन सम्मेलन, 18-19 जनवरी 2025, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली, भारत.

6. **सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति**: स्तन कैंसर कोशिकाओं में कैंसर-वृषण प्रतिजन पीओटीईई अभिव्यक्ति को विनियमित करने में एमआईआरएनए की भूमिका का अनावरण, 22-24 अक्टूबर कश्मीर, भारत।

7. **(जीपीटी यंग साइंटिस्ट अवार्ड में उपविजेता पुरस्कार):** मानव ओवरियन कैंसर हेतु एक आशाजनक इम्यूनोथेरेप्यूटिक नीति के रूप में डेंड्राइटिक सेल-मध्यस्थ पीओटीई टीकाकरण का एपिजेनेटिक पोटेंशिएशन। आईआईएससी बैंगलोर, 17-20 अक्टूबर बैंगलोर, भारत।

8. **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति:** एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में पीओटीई प्रोटीन: सटीक चिकित्सा हेतु उभरते बायोमार्कर। कैंसर की रोकथाम एवं चिकित्सीय इंटरवेंशन में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन। 25-27 सितंबर 2024, बठिंडा, पंजाब, भारत।

9. **सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार:** "एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में कीमोरेसिस्टेंस: जीनोम-वाइड एलएडी-नाभिकीय लेमिना परिवर्तन और एपिजेनेटिक रीप्रोग्रामिंग पर ध्यान" कैंसर की रोकथाम एवं चिकित्सीय इंटरवेंशन में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में श्री सुभादीप कुंडू को प्रदान किया गया, 25-27 सितंबर 2024, बठिंडा, पंजाब, भारत।

सामुदायिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम में योगदान:

1. **"कैंसर प्रतिरोधक:** भारत में चिकित्सा नीतियाँ और समाधान" शीर्षक वाले कार्यक्रम में अतिथि वक्ता और विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, कैंसर एवं हृदय संबंधी रोगों जैसी गंभीर रोगों

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 541 12/24/2025 6:55:56 PM

के खिलाफ लड़ाई को मज़बूत करने पर केंद्रित। यह कार्यक्रम जागरण न्यू मीडिया के डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म Onlymyhealth.com द्वारा आयोजित किया गया था और 26 मार्च 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

2. जागरण न्यू मीडिया की स्वास्थ्य पहल Onlymyhealth.com द्वारा आयोजित गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के निवारक उपाय के रूप में एचपीवी वैक्सीन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु एक ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया। यह साक्षात्कार 21 फरवरी 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार

1. आचार्य सुदीप्त सील, विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित आचार्य और यूसीएफ पेगासस आचार्य की वैज्ञानिक वार्ता, जिसका शीर्षक था, रेडॉ.क्स-सक्रिय नैनोसेरिया: एंजियोजेनेसिस में निहितार्थ। सभागार, प्रशासनिक ब्लॉक, एनसीआई/एम्स, नई दिल्ली में आयोजित, 21 फरवरी, 2025.

समाचार एवं मीडिया में अनुसंधान कार्य:

- एम्स मीडिया सेल द्वारा "अनुसंधान दिवस" पर वंडरएक्स के साथ हमारे प्रदर्शित उन्नत उत्पाद, "iOncology.ai प्लेटफॉर्म" के बारे में एक प्रेस नोट जारी किया गया था, जिसे प्रात:कालीन शो में डीडी न्यूज और टॉप न्यूज और अन्य प्रमुख मीडिया हाउसों द्वारा प्रदर्शित किया गया था।

1. https://youtu.be/VbQPRF92Rnw?si = vs2Z0f-QkyoEq3m0
2. https://epaper.topstory.online/epaper/edition/2443/jan/page/2

- सेल्सफोर्स द्वारा प्रायोजित प्रतिष्ठित "द मिंट ऑल अबाउट एआई | टेक4गुड अवार्ड्स 2024 (गोल्ड कैटेगरी)" प्राप्त करके हम टीम के रूप में गौरवान्वित हैं। यह सम्मान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को iOncology.ai हेतु "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में एआई के सर्वोत्तम उपयोग" श्रेणी में प्रदान किया गया है।

(https://www.livemint.com/ai/all-about-ai-tech4good-awards-recognise-aiims-and-wadhwani-institute-for-ai-led-solutions-in-health-and-sanitation-11734629721189.html)

संपादकीय एवं समीक्षा कार्य:

1. कोशिका जैव रसायन एवं कार्यक्रम की संपादकीय बोर्ड-2024- विले-ब्लैकवेल
2. डिस्कवर अर्बुदविज्ञान-2024 का संपादकीय बोर्ड - स्प्रिंगर नेचर

अतिथि वैज्ञानिक: शून्य

नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग

सहायक आचार्य
देबाशीष बिस्वाल

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं -

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 542 12/24/2025 6:55:56 PM

जीवाणु विज्ञान: स्वचालित रक्त संवर्धन प्रणालियाँ (बीडी बीएसीटीईसी एफएक्स 40), स्वचालित पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता प्रणालियाँ (बीडी फीनिक्स एम 50), नियमित माइक्रोस्कोपी (ग्राम स्टेन), संवर्धन और संवेदनशीलता

माइकोबैक्टीरियोलॉजी: जेड़एन स्टेन, जीन एक्सपर्ट अल्ट्रा

कवक विज्ञान:स्वचालित रक्त संवर्धन प्रणालियाँ (बीडी बीएसीटीईसी एफएक्स 40), स्वचालित पहचान प्रणालियाँ (बीडी फ़ीनिक्स एम 50), केओएच अभिरंजन, कवक संवर्धन

परजीवी विज्ञान: स्टूल वेट माउंट, मलेरिया एंटीजन, मलेरिया परिधीय रक्त धब्बा

क्लीनिकल विकृति विज्ञान: स्वचालित मूत्र दिनचर्या और माइक्रोस्कोपी

अस्पताल संक्रमण नियंत्रण: वायु एवं जल निगरानी, स्वाब निगरानी

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल भर्ती रोगी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
प्रयोगशाला जांच	13, 486	16, 049	17, 077

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. देबाशीष बिस्वाल अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी (एएसएम) फ्यूचर लीडर्स मेंटरशिप फेलोशिप (एफएलएमएफ), अप्रैल 2025 थे। कंसोर्टियम ऑफ एक्रिडिटेड हेल्थकेयर ऑर्गेनाइजेशन (सीएएचओ) द्वारा सितंबर 2024 में आयोजित सर्टिफाइड इंफेक्शन कंट्रोल प्रोफेशनल (सीआईसीपी) परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 02 प्राप्त कर सिल्वर मेडल, 29 अगस्त से 1 सितंबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित आईएएसएसटीडी एवं एड्स के 48वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर हेतु डॉ. पीएस रंगनाथन मेमोरियल सिल्वर मेडल। जिसका शीर्षक क्लैंडेस्टाइन एजेंट्स ऑफ स्टेराइल पायरिया: क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, यूरियाप्लाज्मा एसपीपी, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटालियम का प्रचलन एवं निर्धारक।

कान, नाक, गला एवं सिर-गर्दन अर्बुदविज्ञान विभाग

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान-एम्स, झज्जर

आचार्य एवं अध्यक्ष

आलोक ठक्कर

आचार्य

कपिल सिक्का चिरोम अमित सिंह राजीव कुमार

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 543 12/24/2025 6:55:56 PM

सहायक आचार्य

अनूप सिंह
मनीष वर्मा
स्मृति पांडा
मनस्विता रॉय

विशिष्टताएं

द्वितीय एम्स अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव एवं प्रथम हेड एंड नेक सिम्पोजियम (15 से 16 फरवरी) के अवसर पर, विभाग ने विभिन्न एम्स तथा आईएनआई से सिर एवं गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहु-विषयक सदस्यों के साथ सहयोग किया और सहयोगी अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु बुद्धिशील भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना सिर एवं गर्दन के कैंसर हेतु एक कार्य समूह विकसित किया।

सिर एवं गर्दन की सर्जरी में रुचि रखने वाले विभिन्न एम्स तथा आईएनआई के रेजिडेंट एवं प्रशिक्षुओं हेतु 10वां सिर एवं गर्दन शव विच्छेदन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह 25 से 26 नवंबर 2024 तक चला और इसमें 10 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विभिन्न एम्स तथा आईएनआई के प्रशिक्षुओं और रेजीडेंट हेतु चौथा माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस पाठ्यक्रम और कैडेवरिक फ्लैप हार्वेस्ट 27 से 30 नवंबर 2024 तक आयोजित किया गया। सात प्रतिनिधियों को जीवित चूहे के मॉडल और फ्री फ्लैप की हार्वेस्ट में माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सिर एवं गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, 19 मार्च 2025 को अर्बुदसंवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग के सहयोग से सिर एवं गर्दन की ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी की एक विस्तृत श्रृंखला का लाइव शल्य चिकित्सा प्रदर्शन किया गया।

एम्स-एनसीआई-आईएनआई बहु-विषयक केस प्रेजेंटेशन श्रृंखला मासिक आधार पर शुरू की गई है। यह सिर एवं गर्दन के प्रशिक्षुओं हेतु केस-आधारित चर्चा पर केंद्रित है और एम्स तथा आईएनआई के संकाय-सदस्य द्वारा संचालित है। 31 अगस्त 2024 को इसकी शुरुआत के बाद से, एनसीआई, एम्स ऋषिकेश और एम्स गोरखपुर की प्रस्तुतियों के साथ 4 मासिक केस प्रेजेंटेशन आयोजित किए जा चुके हैं।

विभाग एकल-चरण सेंटिनल नोड बायोप्सी हेतु [99एमटीसी] डीटीपीए एंटी-साइटोकेराटिन कोलेजनस नैनोपार्टिकल पर मानव जांच कर रहा है।

शिक्षा

एमसीएच हेड एंड नेक अर्बुदविज्ञान एवं शल्य चिकित्सा पाठ्यक्रम करने वाले रेजिडेंट एनसीआई-एम्स के कान, नाक, गला विभाग में अपने पाठ्यक्रम की अवधि के 18 महीने बिताते हैं। इस अवधि के दौरान, उन्हें रोगी उपचार का प्रशिक्षण दिया जाता है और वे शिक्षण गतिविधियों में भाग लेते हैं। रोगी उपचार में इन-पेशेंट और आउट-पेशेंट पोस्टिंग, सिर एवं गर्दन के कैंसर के रोगियों की जांच और सिर एवं गर्दन के कैंसर की आपात स्थितियों का उपचार शामिल है। रेजिडेंट इस अवधि के दौरान क्षेत्रीय और फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण जैसी पुनर्निर्माण सर्जरी सहित विभिन्न सिर एवं गर्दन की सर्जरी का निरीक्षण और प्रदर्शन करते हैं। हर हफ्ते एम्स, नई दिल्ली के रेजिडेंट और संकाय सदस्यों के साथ हाइब्रिड मोड में अकादमिक व्याख्यान, जर्नल क्लब एवं केस प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं। शिक्षण गतिविधि का विषय बहु-विषयक है और इसमें विकृति विज्ञान विभाग, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग एवं चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग का महत्वपूर्ण योगदान शामिल है।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 544 12/24/2025 6:55:56 PM

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन

- 10वां सिर एवं गर्दन शव विच्छेदन पाठ्यक्रम: 25 से 26 नवंबर 2025
- चौथा माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस और कैडेवरिक फ्लैप हार्वेस्ट पाठ्यक्रम: 27 से 30 नवंबर 2025
- लाइव-शल्य चिकित्सा प्रदर्शन (अंतर्राष्ट्रीय सिर एवं गर्दन शव विच्छेदन पाठ्यक्रम) - 19 मार्च 2025

प्रदत्त व्याख्यान: 117

आलोक ठक्कर: 25 **कपिल सिक्का: 20** **चिरोम अमित सिंह: 12**
राजीव कुमार: 27 **अनूप सिंह: 3** **स्मृति पांडा: 26**
मनीष वर्मा: 4

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-23	2023-2024	2024-2025
99	74	117

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत: 17

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
5	17	17

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (एम्स बायोनेस्ट), आचार्य आलोक ठक्कर, एम्स बायोनेस्ट
2. सिर-गर्दन के कैंसर में सेंटिनल लिम्फनोड का पता लगाने हेतु न्यूनतम इनवेसिव नैनो सक्षम लक्षित तकनीक, आचार्य आलोक ठक्कर, जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान-(बड़ा अनुदान) जैव प्रौद्योगिकी विभाग-बीआईआरएसी -डीबीटी 2024-25
3. इम्प्लांटेबल और डायग्नोस्टिक उपकरणों का पूर्व अनुपालन और नैदानिक सत्यापन करना (ओटोरहिनोलैरिंजोलॉजी, ऑप्थैल्मिक्स और ऑर्थोपेडिक्स), कपिल सिक्का, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2024-2029, 14.95 करोड़ रुपये
4. गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड्स में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में फाइन नीडल एस्पिरेट्स एवं कोर नीडल बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने हेतु क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण, आचार्य चिरोम अमित सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 545 12/24/2025 6:55:56 PM

5. भारत के चार क्षेत्रों में श्रवण बाधित बच्चों की शीघ्र पहचान, वाणी एवं भाषा प्रशिक्षण हेतु समुदाय आधारित मॉडल, मिश्रित विधि कार्यान्वयन अध्ययन, आचार्य चिरोम अमित सिंह, आईसीएमआर इंटरमीडिएट अनुदान

6. सिर एवं गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के इतिहास वाले रोगियों में एयरो-पाचन तंत्र के दूसरे प्राथमिक ट्यूमर की घटनाओं को कम करना करक्यूमिन और मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता निर्धारित करना एक चरण IIबी/III अध्ययन, आचार्य राजीव कुमार (साइट पीआई), एनसीजी, 6 वर्ष, 2020-2026

7. आक्रामक और जटिल लैरींगोट्रैचियल और पुल्मोनरी आवर्तक श्वसन पेपिलोमाटोसिस वाले रोगियों में प्रणालीगत बेवाकिज़ुमैब थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करना संभावित अध्ययन, आचार्य राजीव कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष, 2021-2024

8. किशोर नासोफेरींजल एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करना अध्ययन, आचार्य राजीव कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष, 2021-2024

9. सिर एवं गर्दन के फिस्टुला के ऑपरेशन के बाद उपचार हेतु इंट्राग्लैंडुलर बोटुलिनम टॉक्सिन बीओएनटी इंजेक्शन - एक पायलट अध्ययन, स्मृति पांडा, इंट्राम्यूरल प्रारंभिक करियर अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 5.85 लाख रुपये

10. सिर एवं गर्दन के कैंसर के उपचार का स्वायत्त कार्य पर तीव्र और दीर्घकालिक प्रभाव।, स्मृति पांडा, आईसीएमआर- एक्स्ट्रामुरल स्मॉल ग्रांट, 3 वर्ष, 2025-2028, 84,45,837 रुपये

11. इन्फ्राटेम्पोरल फोसा हेतु ट्रांसऑर्बिटल दृष्टिकोण - एक शव-अन्वेषणात्मक अध्ययन, डॉ. अनूप सिंह, एम्स दिल्ली, 2 वर्ष, 2024, 5 लाख रुपये

निष्कर्ष

जारी थीसिस

1. वृद्धावस्था में सिर-गर्दन के कैंसर रोगियों में शल्य चिकित्सा संबंधी जटिलताओं का पता लगाने में विभिन्न निर्बलता स्क्रीनिंग उपकरणों की भूमिका का मूल्यांकन करना एक संभावित अध्ययन।

2. टी1-टी3 जीभ कार्सिनोमा में ताजा जमे हुए सेक्शन विश्लेषण सहित एक्स-विवो यूएस सहायता प्राप्त गहरे मार्जिन मूल्यांकन का मूल्यांकन करने वाला तुलनात्मक अध्ययन: व्यवहार्यता अध्ययन

3. टी2-टी3 ओरल टंग स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में कम्पार्टमेंटल ग्लोसेक्टोमी एवं मानक वाइड मार्जिन एक्सिशन में शल्य चिकित्सा परिणाम - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

4. स्थानीय रूप से उन्नत विभेदित थायरॉइड कार्सिनोमा में लेन्वाटिनिब का उपयोग करते हुए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी - एक चरण II ओपन लेबल अध्ययन।

5. ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिसंचारी ट्यूमर सेल (सीटीसी) किनेटिक्स पर ट्यूमर के शल्य चिकित्सा हेरफेर का प्रभाव

6. स्वरयंत्र और हाइपोफेरीन्जियल दुर्दमताओं हेतु कुल स्वरयंत्र उच्छेदन के बाद श्वासनली स्टोमल स्टेनोसिस हेतु पूर्वानुमान कारकों का संभावित विश्लेषण (2021 -2023, गैर-वित्तपोषित अध्ययन)

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 546 12/24/2025 6:55:56 PM

7. प्रारंभिक जीभ कार्सिनोमा में ट्यूमर के आक्रमण एवं लिम्फनोड मेटास्टेसिस की गहराई का अनुमान लगाने में अल्ट्रासाउंड की भूमिका। (2017-अब तक, गैर-वित्तपोषित अध्ययन)

8. मैंडिबुलर पुनर्निर्माण में शल्य चिकित्सा परिणामों में सीएडी-सीएएम योजना बनाम पारंपरिक फ्री फिबुला योजना का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक संभावित अध्ययन

9. साइनोनेजल दुर्दमताओं की नैदानिक-रोग संबंधी विशेषताओं एवं उपचार परिणामों का व्यापक विश्लेषण

10. सिर एवं गर्दन के एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में नैदानिक परिणामों के पूर्वानुमान: एक व्यापक विश्लेषण

11. मुख स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के प्रारंभिक चरणों में सेंटिनल लिम्फनोड का पता लगाना: डीटीपीए साइटोकेराटिन- कोलेजनस नैनोपार्टिकल [99एम टीसी] टीसी-डीसी-सीओआईएनपी और [99m टीसी] टीसी-सल्फर कोलाइड के बीच तुलना

12. जीवन की गुणवत्ता और शल्य चिकित्सा परिणामों का आकलन: थायरॉइडेक्टॉमी वाले रोगी में रोबोटिक और ओपन थायरॉइडेक्टॉमी की तुलना

पूर्ण

1. ओरल कैविटी के जिंजिवो-बक्कल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमा (जीबीसीसी) (टी1-टी4ए) में गुप्त एवं प्रत्यक्ष लिम्फनोडल मेटास्टेसिस पर ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ओएसएमएफ) के प्रभाव का मूल्यांकन करना एक संभावित अध्ययन

2. कुल या पूर्ण थायरॉइडेक्टॉमी वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के प्रारंभिक पूर्वानुमान कारकों को निर्धारित करना एक संभावित अध्ययन

3. सिर एवं गर्दन के कैंसर में सुप्राक्लेविक्युलर धमनी द्वीप फ्लैप [एससीएआईएफ] पुनर्निर्माण की उपयोगिता के मूल्यांकन हेतु व्यापक अध्ययन

4. ओसीएससीसी के रोगियों में प्रतिपक्षीय नोडल मेटास्टेसिस से जुड़े विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर और इप्सिलैटरल नोडल कारकों के आकलन संबंधी व्यापक अध्ययन

5. पीसीएफ को कम करना पूर्ण स्वरयंत्र छेदन के बाद ग्रसनी बंद करना बार्बेड सिवनी बनाम विक्रिल सिवनी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन हेतु अध्ययन

6. प्रारंभिक चरण के ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सहायक चिकित्सा की भूमिका - एक व्यापक विश्लेषण

7. ओरल कैविटी कैंसर से बचे लोगों में "सामान्य स्थिति में वापसी" का विश्लेषण करने वाला एक अध्ययन

8. प्रारंभिक चरण के ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सहायक चिकित्सा की भूमिका - एक व्यापक विश्लेषण

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 547 12/24/2025 6:55:56 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सिर एवं गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के इतिहास वाले रोगियों में वायु-पाचन तंत्र के दूसरे प्राथमिक ट्यूमर की घटनाओं को कम करना करक्यूमिन और मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता निर्धारिण संबंधी करना चरण IIबी/III अध्ययन, एसपीटी जांच एनसीजी द्वारा वित्तपोषित; बहु-केंद्रित

2. उच्च श्रेणी के लार ग्रंथि कार्सिनोमा में चिकित्सकीय रूप से कार्रवाई योग्य लक्ष्यों का पता लगाने हेतु विशिष्ट आणविक परिवर्तनों और ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का मूल्यांकन, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, विकृति विज्ञान विभाग

3. स्वोर जांच: सिर एवं गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में डिस्फेगिया-एस्पिरेशन से संबंधित संरचनाओं और सबमैंडिबुलर ग्रंथि को बचाते हुए तीव्रता मॉड्यूलेटेड विकिरण चिकित्सा (स्वोर-आईएमआरटी) बनाम मानक आईएमआरटी का मूल्यांकन करने वाला चरण III परीक्षण, विकिरण चिकित्सा विभाग

4. जीन अभिव्यक्ति एवं स्थानिक प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग का उपयोग करते हुए विभिन्न ग्रेडों में कूपिक कोशिका-व्युत्पन्न थायरॉयड कार्सिनोमा का ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण, विकृति विज्ञान विभाग

5. सिर एवं गर्दन के कैंसर हेतु निश्चित कीमोविकिरण प्राप्त करने वाले रोगियों में संज्ञानात्मक हानि को कम करने में सेलेकोक्सीब की भूमिका: चरण II यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

6. संभावित रूप से घातक घाव एटलस परियोजना: एक नए, पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक्स की प्रभावकारिता को मान्य करना एवं एक एकीकृत बहुआयामी, रोगसूचक नोमोग्राम विकसित करना, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, निवारक अर्बुदविज्ञान विभाग, एनसीआई एम्स

7. लार के एक्सोसोमल प्रोटिओम से मुख कैंसर के प्रारंभिक संभावित बायोमार्करों की पहचान

8. साल्वेज टोटल लैरींगेक्टॉमी के बाद ग्रसनी-त्वचीय फिस्टुला दर को कम करने में पेक्टोरलिस मेजर मायोफेसियल फ्लैप की उपयोगिता

9. मुख स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के पूर्ववर्ती घावों में संभावित नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर, विकृति विज्ञान विभाग

10. उच्च श्रेणी के लार ग्रंथि कार्सिनोमा में चिकित्सकीय रूप से कार्रवाई योग्य लक्ष्यों का पता लगाने हेतु विशिष्ट आणविक परिवर्तनों और ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का मूल्यांकन, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, विकृति विज्ञान विभाग

11. जीन अभिव्यक्ति एवं स्थानिक प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग का उपयोग करते हुए विभिन्न ग्रेडों में कूपिक कोशिका-व्युत्पन्न थायरॉयड कार्सिनोमा का ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्तपोषित, विकृति विज्ञान विभाग

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 548 12/24/2025 6:55:56 PM

12. सिर एवं गर्दन के कैंसर हेतु निश्चित कीमोविकिरण प्राप्त करने वाले रोगियों में संज्ञानात्मक हानि को कम करने में सेलेकॉक्सिब की भूमिका: एक चरण II यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित जांच, एएससीओ, कॉन्कर कैंसर फाउंडेशन इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट 2023, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

13. संभावित रूप से घातक घाव एटलस परियोजना: एक नए, पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक्स की प्रभावकारिता को मान्य करना और एक एकीकृत बहुआयामी, रोगसूचक नोमोग्राम विकसित करना, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, निवारक अर्बुदविज्ञान विभाग, एनसीआई एम्स

पूर्ण

1. ऑलफेक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान विभाग

2. टीसी-99एम यूबिक्विसिडिन की किट आधारित एवं घरेलू तैयारी के बीच तुलना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

3. साइनोनेजल म्यूकोर्मिकोसिस के निदान में 99एम टीसी- यूबिक्विसिडिन स्किन्टिग्राफी की उपयोगिता, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

4. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों में जीए - 68 - एनओटीए- यूबीआई की उपयोगिता, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

5. प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी रिकरंट/मेटास्टेटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ईएमएफ (एर्लोटिनिब+ मेथोट्रेक्सेट+ सेलेकॉक्सिब) का चरण II अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

6. मुख माइक्रोबायोम का आकलन और ऊपरी वायुपाचन पथ के कैंसर में इसका महत्व, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

रोगी उपचार

विभाग सिर एवं गर्दन के कैंसर के रोगियों हेतु ओपीडी, रोगी सेवाएँ, ऑपरेशन थिएटर तथा बहु-विषयक ट्यूमर बोर्ड (डीएमजी) की सेवाएँ प्रदान करता है। आँकड़े इस प्रकार हैं:

मद	2022			2023			2024			2025		
ओपीडी	नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल	नए	पुराने	कुल
	891	5620	6511	1181	8194	9375	147	1330	1477	1118	8282	8400
आईपीडी	578			658			92			575		

माइनर ओटी प्रक्रियाएं

2023- 694

2024- 1013

2025- 880

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 549 12/24/2025 6:55:56 PM

मेजर ओटी प्रक्रियाएं

2023-552

2024-641

2025-330

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य आलोक ठक्कर एम्स में चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र के परियोजना प्रमुख थे। एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायरॉइड सर्जरी (एपीटीएस) के परिषद सदस्य है। हेड-नेक ऑन्को-सर्जरी पर यूशिकागो-यूसीएमएस वेबिनार श्रृंखला के वैज्ञानिक निदेशक है। एम्स कल्याणी में अतिथि संकाय/आचार्य हैं। भारत-अमेरिका कैंसर मूनशॉट डायलॉग- एक गोलमेज चर्चा का संचालन और नेतृत्व किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण- कान, नाक, गला के प्रमुख विशेषज्ञ। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के सलाहकार (कान, नाक, गला); चिकित्सा उपकरणों हेतु उपसमिति के सह-अध्यक्ष, दवाओं पर राष्ट्रीय स्थायी समिति। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड-हेड-नेक अर्बुदविज्ञान स्पेशलिटी बोर्ड- सदस्य।

आचार्य कपिल सिक्का को 2022 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, एफएसीएस की फेलोशिप प्रदान की गई। समीक्षक, इंडियन जे ओटोलॉजी, इंडियन जे ओटोलरींगोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी, इंडियन जे पीडियाट्रिक्स, इंडियन जे कैंसर, लैरींगोस्कोप इन्वेस्टिगेटिव ओटोलरींगोलॉजी, इंडियन जे तंत्रिका विज्ञान। संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा। मेडिकल बोर्ड के सदस्य, एम्स। मानद कोषाध्यक्ष, फाउंडेशन फॉर हेड नेक अर्बुदविज्ञान (एफएचएनओ), 2023। सदस्य, अनुसंधान निर्देशिका हेतु संपादकीय टीम, एम्स। आंतरिक परीक्षक, एम्स, एमएस, ओटोलरींगोलॉजी। बाहरी परीक्षक, डीएनबी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, कान, नाक, गला। सदस्य, कार्यकारी समिति, एओआई, दिल्ली राज्य शाखा। उपाध्यक्ष, ओटोरहिनोलैरिंजोलॉजिक अनुसंधान सोसाइटी ऑफ एम्स (ओआरएसए), 2024. अपर चिकित्सा अधीक्षक, नई आरएके ओपीडी- 28 मार्च 2024 को नियुक्त किया गया।

चिरोम अमित सिंह द्वारा 27-30 नवंबर 2024 को माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला, लाइव रैट मॉडल का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तकनीकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

राजीव कुमार शैक्षिक पुरस्कार: 27-29 सितंबर 2024 को आयोजित एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली राज्य शाखा) के 46वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान दिल्ली एओआई द्वारा *"प्री-वैस्कुलर फेशियल नोड्स: जिंजिवो-बक्कल कॉम्प्लेक्स कैंसर में मेटास्टेसिस हेतु सेंटिनल स्टेशन"* पर मेरे काम हेतु "वर्ष 2024-25 हेतु सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। 27-29 सितंबर 2024 को आयोजित एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली राज्य शाखा) के 46वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान दिल्ली एओआई द्वारा "ओपन आंशिक सुप्राग्लॉटिक लेरिंजेक्टॉमी की शल्य चिकित्सा तकनीक" हेतु आरपी सोनी वीडियो प्रेजेंटेशन पुरस्कार श्रेणी में वीडियो प्रस्तुति हेतु स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एलएम-4070), सी. फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक अर्बुदविज्ञान (एलएम-280), डी. न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया, ई. ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसाइटी। एफ. एओआई दिल्ली राज्य शाखा (एलएम-572), जी. दिल्ली मेडिकल काउंसिल (41154), एच. यूरोपियन हेड नेक सोसाइटी (ईएचएनएस), आई. एशिया पैसिफिक थायराइड सोसाइटी (एपीटीएस), जे. नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस), के. इंडियन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 550 12/24/2025 6:55:56 PM

एकेडमी ऑफ ओटोरहिनोलैरिंगोलोजी - हेड नेक सर्जरी (677), I. इंडियन सोसाइटी ऑफ थायरॉइड सर्जन (आईएसटीएस; एलएम-298). एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलोजी ऑफ इंडिया के आधिकारिक प्रकाशन - इंडियन जर्नल ऑफ ओटोरहिनोलैरिंगोलोजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी हेतु 21 फरवरी 2013 से समीक्षक. जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स हेतु समीक्षक. "इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग" हेतु समीक्षक. "नैदानिक ओटोलैरिंगोलोजी" हेतु समीक्षक. "वर्ल्ड जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी" हेतु समीक्षक. "बीएमजे केस रिपोर्ट्स" हेतु समीक्षक रहे। "क्यूरआन" हेतु समीक्षक।

स्मृति पांडा

- अंतर्राष्ट्रीय अतिथि स्कॉलरशिप (आईवीएस)-2024: अमेरिकन एकेडमी ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी- हेड एंड नेक सर्जरी (एएओ-एचएनएसएफ)
- एफएचएनओ 2024: वैज्ञानिक समिति के सदस्य
- समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी
- एफएचएनओ शैक्षिक समिति के सदस्य

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

आचार्य एवं प्रमुख

नीना मल्होत्रा

आचार्य

सीमा सिंघल

ज्योति मीणा

अपर आचार्य

राजेश कुमारी

सह- आचार्य

नीलांचली सिंह

अंजू सिंह

स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान

सहायक आचार्य

आरती एस जयराज

अर्निका कश्यप

विशिष्टताएं

पिछले वर्ष, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर, एम्स ने स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान विभाग ने नैदानिक उपचार, अनुसंधान एवं शैक्षिक उत्कृष्टता में उल्लेखनीय प्रगति की है। विभाग ने ओवरियन, गर्भाशय ग्रीवा, एंडोमेट्रियल और वल्वर कैंसर सहित स्त्री रोग संबंधी घातक रोगों से पीड़ित रोगियों को व्यापक बहु-विषयक उपचार प्रदान किए हैं। जटिल साइटोरिडक्टिव एवं स्टेजिंग सर्जरी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, साथ ही प्रणालीगत उपचारों एवं सटीक चिकित्सा के बेहतर एकीकरण में भी वृद्धि हुई है। विभाग ने स्त्री रोग संबंधी कैंसरों में शीघ्र पहचान, नवीन चिकित्सा पद्धति एवं उत्तरजीविता पर केंद्रित कई अन्वेषक-प्रवर्तित तथा सहयोगी नैदानिक परीक्षणों में भी योगदान दिया है। प्रमुख प्रयास रोगी उपचार मार्गों

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 551 12/24/2025 6:55:56 PM

को सुव्यवस्थित करने, उपचार तक पहुँच में सुधार करने एवं प्रशामक एवं निवारक सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में किए गए। शैक्षिक गतिविधियों में नियमित ट्यूमर बोर्ड, सीएमई एवं रेजिडेंट और फेलो हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल थे। टीम ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें कई मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से नवोन्मेषी कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों के सहयोग से सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता पहल का आयोजन किया गया, जिनमें एचपीवी टीकाकरण और सर्वाइकल कैंसर की जाँच पर ध्यान केंद्रित किया गया। ये संयुक्त प्रयास स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देते हुए साक्ष्य-आधारित, रोगी-केंद्रित उपचार प्रदान करना विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

शिक्षा

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर का स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली के रेजिडेंट और प्रशिक्षुओं, विशेष रूप से एमसीएच स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम में नामांकित लोगों, का सक्रिय रूप से समर्थन करता है। हम अपने रेजिडेंट को बहु-विषयक कैंसर उपचार ढाँचे के भीतर, गर्भाशय ग्रीवा, ओवरियन, गर्भाशय, योनि और वल्वर दुर्दमता के कैंसर सहित स्त्री रोग संबंधी कैंसरों की एक विस्तृत श्रृंखला के उपचार में उन्नत नैदानिक अनुभव और व्यावहारिक शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। हमारा विभाग रेजिडेंट हेतु रोटेशन और अल्पकालिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है, जिसमें प्रणालीगत उपचार, सटीक चिकित्सा और एचआईपीईसी जैसी उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीकों को एकीकृत किया जाता है। हम प्रशिक्षुओं को ट्यूमर बोर्ड, अनुसंधान परियोजनाओं और एनसीआई में आयोजित नैदानिक जांचों में भी शामिल करते हैं, जिससे उनके शैक्षिक विकास और अनुसंधान कौशल को बढ़ावा मिलता है। यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि छात्र एनसीआई के व्यापक कैंसर उपचार वातावरण से लाभान्वित हों, उनकी विशेषज्ञता को बढ़ाएँ और उन्हें अच्छी तरह से प्रशिक्षित स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने हेतु तैयार करें। संयुक्त शैक्षिक गतिविधियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से, हम स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान में शिक्षा, अनुसंधान तथा रोगी-केंद्रित उपचार को आगे बढ़ाने के साझा मिशन में योगदान देना जारी रखते हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित कार्यशालाएँ:

एम्स-डब्ल्यूएचओ सहयोगी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर रोकथाम और अनुसंधान केंद्र, मालदीव एवं श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों हेतु कोल्पोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के उपचार पर प्रशिक्षण, प्रशिक्षण, 19-24 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली

नीना मल्होत्रा

1. "कैंसर रोगियों में प्रजनन क्षमता संरक्षण",त्रिवेंद्रम ओब-गाइन क्लब "एडवांस 2024" की XXIV वार्षिक बैठक, 6 अप्रैल 2024, तिरुवनंतपुरम, त्रिवेंद्रम
2. "गर्भाशय के स्थान घेरने वाले घावों को हटाना: कब, कौन सा और कितना?",आर्मी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित सीएमई, आयुर्विज्ञान सभागार, एएचआरआर, 14 अप्रैल 2024, नई दिल्ली,
3. "प्रजनन क्षमता संरक्षण में चिकित्सीय और नैतिक चुनौतियाँ", आईएसएआर - रिप्रोमेड अपडेट 2024, 12 मई 2024, जोधपुर, एम्स
4. प्रजनन क्षमता संरक्षण में चिकित्सीय और नैतिक चुनौतियाँ - क्या हम अभी तैयार हैं? विज़डम 2024 - एक एफओजीएस, राष्ट्रीय सम्मेलन, 21-23 जून 2024, आईटीसी रॉयल बंगाल, कोलकाता

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 552 12/24/2025 6:55:57 PM

5. “प्रजनन क्षमता संरक्षण की नैतिक और सामाजिक चिंताएँ” सत्र - मिश्रित बैग: चिंगारी अभी भी है, निजिमस्कॉन सम्मेलन 2024, 13 जुलाई 2024, फरीदाबाद में होटल रेडिसन ब्लू.

6. “प्रजनन उपचारों में रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण”, 5वां आईवीएफ शिखर सम्मेलन और पुरस्कार, 25 जुलाई 2024, ऑनलाइन मोड

7. “आनुवंशिक कारण और भविष्य की दिशाएँ”, एफओजीएसआई एफआईजीओ ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन अपडेट्स इन ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी 2024 सम्मेलन, 24 अगस्त 2024, एचआईसीसी, हैदराबाद, तेलंगाना

8. प्रजनन चिकित्सा में स्टेम कोशिकाएँ”, “दोहरी उत्तेजना के साथ मेरा अनुभव? “एफयूएसआइओएन2024, प्रजनन चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसएचआरई, आईएफएस और आईएसएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित,13-15 सितंबर 2024, मैरियट होटल, जयपुर।

9. “ओवरियन क्रायोप्रिजर्वेशन - वैश्विक बनाम भारतीय परिप्रेक्ष्य”, “एफयूएसआइओएन2024, प्रजनन चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसएचआरई, आईएफएस और आईएसएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 13-15 सितंबर 2024, मैरियट होटल, जयपुर।

10. स्त्री रोग संबंधी विकारों में क्रायोप्रिजर्वेशन,62वां एआईसीओजी 2025 -उन्नत एआरटी कार्यशाला - सत्र- IV: अभ्यास प्रोटोकॉल में सटीकता, 8-12 जनवरी 2025, मुंबई

11. मुख्य भाषण-I भारत में प्रजनन संरक्षण का भविष्य, आईएसएसआरएफ - 2025, मानव कल्याण हेतु नैदानिक अभ्यास में बुनियादी जैविक एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान को एकीकृत करने पर सम्मेलन, 14 फ़रवरी 2025,जयपुर

सीमा सिंघल

1. जननांग पथ माइक्रोबायोम और स्त्री रोग संबंधी कैंसर, एओजीआईएन इंडिया 2024, 5 अक्टूबर 2024, पांडिचेरी

2. पैनलिस्ट के रूप में असामान्य योनि घावों पर पैनल चर्चा।, एओगिन इंडिया, 4 अक्टूबर 2024, पांडिचेरी

3. वल्वोस्कोपी का प्रदर्शन, एओजीआईएन इंडिया 2024, 4 अक्टूबर 2024, पांडिचेरी

4. पैनल चर्चा “स्त्री रोग संबंधी कैंसर में प्रजनन क्षमता संरक्षण”, 23वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - “आरजीकॉन 2025, 22 मार्च 2025, आरजीसीआई दिल्ली

5. पैनल चर्चा के संचालक: उन्नत एंडोमेट्रियल कैंसर के उपचार में वर्तमान बदलाव एंडोमेट्रियल कैंसर उपचार पर वेबिनार, 28 अगस्त 2024, एजीओआई (अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार)

6. पैनल चर्चा: भारत में एमआईएस का भविष्य भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञ संघ का 31वां वार्षिक सम्मेलन, 8 दिसंबर 2024, एजीओआईकॉन कोच्चि

7. पैनलिस्ट “कार्सिनोमा सर्विक्स पर पैनल चर्चा”, तीसरा अर्बुदविज्ञान अपडेट 2025, 13 अप्रैल 2025, इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली

8. पैनल चर्चा, वंशानुगत स्त्री रोग संबंधी कैंसर कार्यशाला आईआरसी आरसीओजी वार्षिक सम्मेलन 2025, 1 मार्च 2025, आईआईसी, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 553 12/24/2025 6:55:57 PM

9. "प्राथमिक एचपीवी स्क्रीनिंग या वीआईए" पर बहस आईएससीसीपी का 16वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 13 अप्रैल 2024, रायपुर

10. व्याख्यान "एंडोमेट्रियल और सरवाइकल कैंसर में नए वर्गीकरण के नैदानिक निहितार्थ" एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक वर्गीकरण के निहितार्थ पर वेबिनार, 11 दिसंबर 2024, एजीओआई (वर्चुअल)

ज्योति मीणा

1. "केस परिदृश्यों के साथ व्याख्या: सामान्य या असामान्य कोल्पोस्कोपी" पर पैनल का संचालन किया, कोल्पोस्कोपी और सीआईएन के उपचार में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम पर एओजीआईएन अंतरिम सीएमई, 4 मई 2024, एम्स, दिल्ली

2. सर्वाइकल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया पर पैनल के पैनलिस्ट - निर्णय लेने में कठिनाई, सीसीसी-एपिसोड-20 वेबिनार, 12 जून 2024, ऑनलाइन

3. "कैंसर ग्रस्त गर्भाशय ग्रीवा हेतु अनुचित हिस्टेरेक्टॉमी" मामले हेतु मॉडरेटर, एजीओआई केस प्रेजेंटेशन सीरीज़, 10 जुलाई 2024, ऑनलाइन

4. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग का परिचय: विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देश, मालदीव एवं श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों हेतु कोल्पोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के उपचार पर डब्ल्यूएचओ-सीसी प्रशिक्षण, 19 अगस्त 2024, एम्स, दिल्ली

5. एक्सिसनल प्रक्रिया: कोनिज़ेशन, मालदीव और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों हेतु कोल्पोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के उपचार पर डब्ल्यूएचओ-सीसी प्रशिक्षण, 21 अगस्त 2024, एम्स, दिल्ली

6. "स्त्री रोग संबंधी कैंसर में हाइपोफ्रैक्शनेटेड विकिरण चिकित्सा" हेतु चर्चाकर्ता, 52 एएसजीओ वेबिनार श्रृंखला, 26 सितंबर 2024, ऑनलाइन

7. गलतफहमी से रहस्योद्घाटन तक: एक पेल्विक मास की कहानी, एओजीडी मासिक बैठक, 30 अगस्त 2024, दिल्ली

8. "ग्रीवा संबंधी चुनौतियाँ: गतिशील केस-आधारित चर्चा" पर पैनल चर्चा हेतु पैनलिस्ट, एफओजीएसआई आईएईसीओएन सम्मेलन, 7 सितंबर 2024, दिल्ली

9. सीए एंडोमेट्रियम का आणविक वर्गीकरण, सीएमई: स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान में सफलता के मूल सिद्धांत "श्रृंखला 2 एंडोमेट्रियल कैंसर, 14 सितंबर 2024, दिल्ली

10. "विशेष आबादी में एचपीवी टीकाकरण" पर पैनल चर्चा हेतु पैनलिस्ट, एओजीआईएन 2024 सम्मेलन, 5 अक्टूबर 20024, पांडिचेरी

11. स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान में उप-विशेषता कार्यक्रम की खोज: यूरोप और अमेरिका, एएसजीओ 2024, 30 नवंबर 2024, बाली, इंडोनेशिया

12. स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान हेतु शैक्षिक सामग्री विकास में वर्तमान रुझान, एएसजीओ 2024, 1 दिसंबर 2024, बाली, इंडोनेशिया

13. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर हेतु नैदानिक विकास पर एक अद्यतन एएसजीओ वेबिनार #55 समीक्षा पाठ्यक्रम 2024: वर्ष का अंतिम सत्र, 19 दिसंबर 2024, ऑनलाइन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 554 12/24/2025 6:55:57 PM

14. नियमित उपचार से परे: स्त्री रोग संबंधी कैंसर में मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान, प्रथम एनसीपीओ-2025, 5 जनवरी 2025, दिल्ली

15. "स्त्री रोग संबंधी कैंसर में प्रजनन क्षमता को बचाना; कठिन परिस्थितियों में काम करना" विषय पर पैनल चर्चा हेतु पैनलिस्ट, 23वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - "आरजीकॉन 2025, 22 मार्च 2025, दिल्ली

16. एंडोमेट्रियल कैंसर आनुवंशिकी केस-आधारित चर्चा में पैनलिस्ट, महिला कैंसर उपचार में आनुवंशिकी के एकीकरण पर एफओजीएसआई स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान समिति सीएमई, 29 मार्च 2025, दिल्ली

नीलांचली सिंह

1. आक्रामक मोल, भारत में ट्रोफोब्लास्टिक रोग के राष्ट्रीय सोसायटी अध्ययन का 13वां वेबिनार, 8 मार्च 2025,

2. एचपीवी जांच हेतु स्व-संग्रह: चुनौतियाँ और सीमाएँ, सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के तरीकों पर गहन जानकारी - बाधाओं एवं अवसरों को समझना, 04 फरवरी 2025,

3. वंशानुगत स्त्री रोग संबंधी कैंसर, उत्कृष्टता हेतु साक्ष्य: प्रसूति संबंधी निर्णय लेने की कला में महारत हासिल करना, 1 मार्च 2025,

4. स्क्रीन पॉजिटिव का केस आधारित उपचार, युवा के साथ फोगसी उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन, 2025, 21 फरवरी 2025,

5. कोलपोस्कोपी और सीआईएन का उपचार, एओजीडी अर्बुदविज्ञान समिति- कोल्पोस्कोपी कार्यशाला मॉड्यूल 2024-2025, 25 जुलाई 2024,

6. भविष्य की रक्षा: बढ़ते कैंसर से किशोरों की सुरक्षा, किशोर स्वास्थ्य समिति, एफओजीएसआई और एओजीडी, 2 मई 2024,

7. युवा महिलाओं में कैंसर की रोकथाम, एओजीडी सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर रोकथाम समिति, 29 अप्रैल 2024,

8. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच और एचपीवी टीकाकरण, मुरादाबाद ऑब्स एंड गाइनी सोसाइटी, 3 जुलाई 2024,

अंजू सिंह

1. वीआईए की नैदानिक व्याख्या गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम हेतु प्राथमिक उपचार को दृढ़ करने पर एएनएम और पीएचएन हेतु कार्यशाला, 23 जनवरी 2025, नई दिल्ली, भारत

2. एचपीवी संक्रमण के विशेष संदर्भ में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का रोग जनन मालदीव एवं श्रीलंका के प्रतिनिधियों हेतु डब्ल्यूएचओ-सीसी कार्यशाला, 19-24 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली, भारत

3. सिगंल विजिट दृष्टिकोण मालदीव और श्रीलंका के प्रतिनिधियों हेतु डब्ल्यूएचओ-सीसी कार्यशाला, 19-24 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली, भारत

4. संसाधन आधारित एकरूपता हेतु स्क्रीनिंग और उपचार प्रोटोकॉल (वाद-विवाद वक्ता), आईएससीसीपीसीओएन-2024, 13-14 अप्रैल 2024, रायपुर, भारत

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 555 12/24/2025 6:55:57 PM

5. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग - पता लगाने योग्य का पता लगाएं, प्रसूति एवं स्त्री रोग में व्यावहारिक सुझावों पर वेबिनार, 23 अगस्त 2024, वेबिनार, नई दिल्ली, भारत

6. पैनलिस्ट के रूप में, रोके जा सकने वाली चीज़ों को रोकें एवं पता लगाए जा सकने वाली चीज़ों का पता लगाएं, एओजीडी 2024, 22-24 नवंबर 2024, नई दिल्ली, भारत

7. मॉडरेटर के रूप में योनि की स्थितियों का रहस्य उजागर करना, एनजेडवाईएफ 2025, 22-23 फरवरी 2025, नई दिल्ली, भारत

आरती एस जयराज

1. स्थानीय रूप से उन्नत और मेटास्टेटिक ग्रीवा कैंसर का उपचार (मॉडरेटर), आईजीसीएस फ़ेलोशिप कार्यक्रम, 11 अप्रैल 2023, केन्याटा राष्ट्रीय अस्पताल और नैरोबी विश्वविद्यालय (वर्चुअल)

2. एंडोमेट्रियल कैंसर मास्टर सत्र: परिदृश्य बदलना (भाग II)", 2024 वार्षिक वैश्विक बैठक (आईजीसीएस 2024), 16-18 अक्टूबर 2024, डबलिन, आयरलैंड

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

संकाय-सदस्य का नाम	2023-2024	2024-2025
नीना मल्होत्रा	21	11
सीमा सिंघल	12	10
ज्योति मीणा	13	16
राजेश कुमारी	2	2
नीलांचली सिंह	12	8
अंजू सिंह	6	7
आरती एस जयराज	लागू नहीं	2
अर्निका कश्यप	लागू नहीं	0

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 37

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
25	30	37

अनुसंधान
जारी

1. कैंसर से बचे युवा लोगों में प्रजनन क्षमता के संरक्षण हेतु ओवरियन टिशू क्रायोप्रिजर्वेशन - धीमी गति से जमने और विट्रीफिकेशन की तुलना, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2020-2025, 87.70 लाख रुपये

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 556 12/24/2025 6:55:57 PM

2. एशरमैन सिंड्रोम और एट्रोफिक एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियम को पुनर्जीवित करना ऑटोलॉगस स्टेम सेल और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका - एक पायलट अध्ययन, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, 3 वर्ष, 2023-2026, 102 लाख रुपये

3. प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में मेरी देखरेख में इंट्रासाइटोप्लाज़्मिक शुक्राणु इंजेक्शन के इन-विट्रो निषेचन के बाद गर्भावस्था के परिणामों हेतु निर्णय लेने में सहायता हेतु संवर्धित बुद्धिमान नैदानिक सहायता प्रणाली, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 120 लाख रुपये

4. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में कोशिका मुक्त डीएनए (सीएफडीएनए) का नैदानिक एवं रोगसूचक मान - एक समूह अध्ययन, सीमा सिंघल, आईसीएमआर (इंडिया कैंसर अनुसंधान कंसोर्टियम अनुदान के अंतर्गत), 3 वर्ष, 2023-2026, 98.77 लाख रुपये

5. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच हेतु स्वदेशी उपकरण और पॉइंट ऑफ केयर एचपीवी जांच के साथ स्व-संग्रह का मूल्यांकन (स्व-उपचार गर्भाशय ग्रीवा अध्ययन), सीमा सिंघल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 109.78 लाख रुपये

6. महिला यौन कर्मियों में गर्भाशय ग्रीवा की जांच हेतु मोबाइल आधारित एप्लिकेशन एवं स्वयं एकत्रित नमूनों का उपयोग करके व्यवस्थित नीति के पायलट जांच का विकास, सीमा सिंघल, इंट्राम्यूरल सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 9.91 लाख रुपये

7. आईएनएनओ-एलआईपीए जीनोटाइपिंग का उपयोग करके गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच हेतु मूत्र संबंधी एचपीवी डीएनए जांच की भूमिका का मूल्यांकन करना: एक पायलट अध्ययन, डॉ. ज्योति मीणा, इंट्राम्यूरल सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

8. चरण-IV सिंगल-आर्म, बहुकेंद्रीय, एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन (सर्वावैक®) की सुरक्षा का आकलन करना अध्ययन, जब इसे 9-14 वर्ष की आयु के लड़कियों और लड़कों को दो-खुराक की मात्रा में और 15-26 वर्ष की आयु के महिलाओं और पुरुषों को तीन-खुराक की मात्रा में प्रदान किया जाता है, डॉ. ज्योति मीणा, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये

9. एचपीवी पॉजिटिव महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान तथा गर्भाशय ग्रीवा टिशू नमूने में पीसीआर आधारित ई6/ई7 ऑन्कोजीन की पहचान की हिस्टोविकृति विज्ञान के साथ तुलना करना, डॉ. ज्योति मीणा, संस्थान वित्तीय थीसिस अनुदान, 1 वर्ष, 2024-2025, 2 लाख रुपये

10. आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) और चिकित्सकों द्वारा एचपीवी स्व-नमूनाकरण हेतु ग्राहकों का परामर्श: एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल, गैर-हीनता जांच (आशा-अध्याय जांच), विज्ञान शिक्षा और बोर्ड अनुसंधान (एसईआरबी), डॉ. नीलांचली सिंह, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2023-2025, 19.86 लाख रुपये

11. भारत में लगातार एचपीवी संक्रमण में प्रतिरक्षात्मक परिदृश्य डॉ. नीलांचली सिंह, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2024-2026, $154,000 यूएसडी

12. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचे लोगों में यौन रोग के उपचार में योनि एस्ट्रोजन क्रीम की भूमिका: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित जांच (एस्ट्रो-सर्वा अध्ययन) डॉ. नीलांचली सिंह, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल परियोजना, 2 वर्ष, 2025-2026, 5 लाख रुपये

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 557 12/24/2025 6:55:57 PM

13. गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की रोकथाम में एचपीवी वैक्सीन की 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा: एक भारतीय बहु-केंद्र यादृच्छिक जांच, डॉ. अंजू सिंह, आईएआरसी-डब्ल्यूएचओ, 46.53 लाख रुपये

14. मर्कस एचपीबी6 नवबंर 16/18 वैक्सीन (गार्दासिल®) की तुलन में कोहार्ट 1 (9-14 की आयु वाले लडकें एवं लड़कियां) तथा कोहार्ट 2 (15-26 वर्ष की आयु वाले महिलाएं एवं पुरूष) के लिए तीन-डोज की मात्रा के अनुसार स्वस्थ वांलटियर्स में इंट्रामस्कुलेरी रूप से दी गई। एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन की प्रतिरक्षाजनन क्षमता और सुरक्षा का आकलन करना चरण-II/III, डॉ. अंजू सिंह, डायग्नोसर्च साइंस प्राइवेट लिमिटेड, 3.47 लाख

पूर्ण

1. गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग (आई-एचपीवी) हेतु स्वदेशी एचपीवी जांचों का सत्यापन अध्ययन", नीरजा भाटला/ सीमा सिंघल, बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2023-2025, रु 71.15 लाख

2. स्त्री रोग संबंधी कैंसर रोगियों के बीच कैंसर के ज्ञान में सुधार हेतु ऐप-आधारित इंटरवेंशन - जीवाईएन-कैंसर ऐप (एम्स स्नातक-पूर्व अनुसंधान अनुदान) डॉ. सीमा सिंघल, एम्स (स्नातक-पूर्व अनुसंधान ग्रांट), 1 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. अंतराल साइटोरिडक्टिव सर्जरी वाले उच्च ग्रेड सीरस एपिथीलियल ओवरियन कैंसर के रोगियों में सीए 125 केएलआईएम (उन्मूलन दर स्थिरांक के) और कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर (सीआरएस) स्कोर का सहसंबंध।

2. समय से पूर्व ओवरियन अपर्याप्तता वाली महिलाओं में हड्डियों के स्वास्थ्य का बहु-पैरामीट्रिक मूल्यांकन: एक संभावित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

3. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र वाली पतली एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का उप-एंडोमेट्रियल इन्स्टिलेशन - एक व्यवहार्यता अध्ययन

4. कैंसर से बचे लोगों में प्रजनन क्षमता के संरक्षण हेतु ओवरियन टिशू क्रायोप्रिजर्वेशन में धीमी गति से हिमीकरण और विट्रीफिकेशन तकनीकों की तुलना करना।

5. एक ओपन लेबल खराब ओवरियन प्रतिक्रियाकर्ताओं में इंट्रा-ओवरियन प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा बनाम ऑटोलॉगस वयस्क अस्थि मज्जा-व्युत्पन्न स्टेम सेल इंस्टिलेशन के प्रभाव का अध्ययन करना तीन आर्म, यादृच्छिक, प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण।

6. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में रोगी की संतुष्टि और आनुवंशिक जांच की स्वीकार्यता पर टेली जेनेटिक्स और व्यक्तिगत आनुवंशिक परामर्श के प्रभाव की तुलना

7. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में साइटोरिडक्टिव सर्जरी करवाने वाले रोगियों में पेरिटोनियल मेटास्टेसिस का पता लगाने हेतु निकट-अवरक्त (एनआईआर) इमेजिंग का उपयोग करके प्रतिदीप्ति निर्देशित सर्जरी - एक व्यवहार्यता अध्ययन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 558 12/24/2025 6:55:57 PM

8. आवर्ती/दुर्दम्य उच्च श्रेणी के एंडोमेट्रियल कैंसर में कम खुराक वाली ओरल मेट्रोनोमिक साइक्लोफॉस्फेमाइड और एटोपोसाइड का संयोजन, सिंगल आर्म चरण 2 अध्ययन (डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

9. मेटास्टेटिक एंडोमेट्रियल कैंसर के एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव रिकंट वाले रोगियों हेतु पल्बोसिक्लिब और एनास्ट्रोज़ोल: एकल आर्म चरण 2 अध्ययन (डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

10. उन्नत चरण एपीथेलियल ओवरियन कैंसर के रोगी में कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर (सीआरएस) के साथ न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट लिम्फोसाइट अनुपात का सहसंबंध

11. पोस्ट मेनोपॉजल के बाद महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता पर पोस्ट मेनोपॉजल के लक्षणों और उनसे निपटने की नीतियों के प्रभाव का आकलन करना

12. साइटोरिडक्टिव सर्जरी करवा रही एपीथेलियल ओवरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में शल्य चिकित्सा परिणामों और पश्चात की जटिलताओं की दर की भविष्यवाणी में पूर्व-उपचार नियंत्रण पोषण स्थिति (सीओएनयूटी) स्कोर और फाइब्रिनोजेन एल्ब्यूमिन (एफए) स्कोर की भूमिका।

13. एचपीवी पॉजिटिव महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान और गर्भाशय ग्रीवा टिशू नमूने में पीसीआर आधारित ई6/ई7 ऑन्कोजीन की पहचान की तुलना हिस्टोविकृति विज्ञान के साथ करना।

14. स्त्री रोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर माइंडफुलनेस मेडिटेशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

15. स्त्री रोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में वासोमोटर लक्षणों के उपचार हेतु वेनलाफैक्सिन बनाम प्लेसीबो: एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण

16. गर्भवती महिलाओं में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच हेतु युग्मित मूत्रीय एचपीवी डीएनए और प्रदाता द्वारा नमूनाकृत गर्भाशय-ग्रीवा एचपीवी डीएनए का सहसंबंध

17. एचपीवी संक्रमण प्राप्त करने में गर्भाशय ग्रीवा मेटाजीनोमिक्स की भूमिका की खोज, इसकी दृढ़ता और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर-पूर्व के साथ इसका संबंध

18. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले उन्नत एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म की रोकथाम में एपिक्सैबन: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन-लेबल नैदानिक जांच

19. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं से ग्रस्त वृद्ध महिलाओं में शल्यक्रिया के बाद की जटिलताओं के पूर्वानुमान के रूप में जी8 प्रश्नावली और एफआरएआईएल पैमाने के साथ दुर्बलता का आकलन किया गया

20. स्त्री रोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में हड्डियों के स्वास्थ्य एवं पोस्ट मेनोपॉजल के लक्षणों का मूल्यांकन

21. ओवरियन प्राथमिक पेरिटोनियल और फैलोपियन ट्यूब कैंसर रोग से पीड़ित भारतीय महिलाओं में संज्ञानात्मक कार्य का आकलन: एक पायलट अध्ययन

22. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर से बचे लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 559 12/24/2025 6:55:57 PM

23. ओवरियन कार्सिनोमा के शल्य चिकित्सा उपचार में कंप्यूटेड टोमोग्राफी-पेरिटोनियल कार्सिनोमैटोसिस इंडेक्स (सीटी-पीसीआई) और इंट्राऑपरेटिव पीसीआई के बीच सहसंबंध

पूर्ण

1. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र वाली पतली एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का उप-एंडोमेट्रियल इन्स्टिलेशन - एक व्यवहार्यता अध्ययन
2. एमडी-एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में रोग की सीमा के पूर्व-संचालन मूल्यांकन हेतु सीटी इमेजिंग के 3-आयामी सिनेमाई प्रतिपादन की भूमिका
3. एंडोमेट्रियल कैंसर के उपचार में टीसी -99एम सल्फर कोलाइड के रेडियोन्यूक्लाइड इंजेक्शन द्वारा 18एफ-एफडीजी पीईटी-विशिष्ट मात्रात्मक ट्यूमर मापदंडों और प्रहरी लिम्फनोड मानचित्रण का मूल्यांकन
4. एपीथेलियल ओवरियन कैंसर हेतु पूर्व-संचालन निदान एवं रोगसूचक का पता लगाने के उपकरण के रूप में पीओटीईई जीन और मशीन लर्निंग की भूमिका का मूल्यांकन करना एक पायलट अध्ययन
5. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम में रोगसूचक कारकों के साथ पाइरूवेट काइनेज एम2 की सीरम विसफैटिन एडिपोनेक्टिन और टिशू अभिव्यक्ति का सहसंबंध
6. उन्नत चरण एपीथेलियल ओवरियन कैंसर के रोगी में कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर (सीआरएस) के साथ हेमाटोलॉजिकल मापदंडों का सहसंबंध
7. जीएलआईएम मानदंडों का उपयोग करते हुए स्त्री रोग संबंधी कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं का पोषण मूल्यांकन और अंतराल डीबल्किंग सर्जरी वाली महिलाओं में पोषण एवं परिचालन परिणामों पर केंद्रित पुनर्वास प्रोटोकॉल का प्रभाव
8. वंशानुगत ओवरियन कैंसर हेतु पूर्वप्रवृत्त जीन में सकारात्मक जर्मलाइन उत्परिवर्तन वाले ओवरियन कैंसर रोगियों के नैदानिक परिणाम और जैविक विशेषताएं तथा भारतीय महिलाओं में कैस्केड जांच की स्वीकृति

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. चरण IIIसी2 कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में डीडीएनएसीटी के साथ अस्थि मज्जा स्पेरिंग विस्तारित क्षेत्र सीआरटी: एक चरण 2 अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान
2. मानक प्रथम-पंक्ति प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी (मोनो-ओएलए1) की प्रतिक्रिया के बाद बीआरसीए वाइल्ड टाइप एडवांस्ड (एफआईजीओ स्टेज III-IV) हाई ग्रेड सीरस या एंडोमेट्रियोइड ओवेरियन कैंसर वाले प्रतिभागियों में ओलापारिब मेंटेनेंस मोनोथेरेपी का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित,चरण III अध्ययन, (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के साथ सहयोगी अनुसंधान), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
3. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में हाइपो-फ्रैक्शनेटेड विकिरण चिकित्सा एक गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित जांच (विकिरण अर्बुदविज्ञान के साथ सहयोगी अनुसंधान), विकिरण अर्बुदविज्ञान

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 560 12/24/2025 6:55:57 PM

4. भारत के चुनिंदा ज़िलों में मुख, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर स्क्रीनिंग को बढ़ाने शीघ्र निदान तथा उपचार आरंभ करने हेतु कार्यान्वयन अनुसंधान (प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान के साथ सहयोगी अनुसंधान), प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान

5. एडवांस्ड एपिथीलियल ओवेरियन, फैलोपियन ट्यूब या पेरिटोनियल कार्सिनोमा (फ्लोरा-5) वाले रोगियों में कीमोइम्यूनोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-ओरेगोवोमैब) बनाम कीमोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-प्लेसीबो) की तुलना करते हुए चरण 3, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, मल्टीसेंटर नैदानिक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के साथ सहयोगी अनुसंधान), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

6. भारतीय समूह में लक्षित ट्रांसक्रिप्टोमिक्स दृष्टिकोण द्वारा एंडोमेट्रियल कैंसर में चयापचय संबंधी समस्या की जांच करना, विकृति विज्ञान

7. एम्स, नई दिल्ली आनुवंशिक कैंसर प्रवृत्ति जीन तथा जर्मलाइन डीएनए भंडार में उत्परिवर्तन के साथ स्तन एवं ओवरियन कैंसर हेतु एक रजिस्ट्री की स्थापना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

8. वल्वर स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जीनोमिक पदचिह्नों और उनके अर्थों की खोज, विकृति विज्ञान

9. उच्च-रिज़ॉल्यूशन क्रायो-इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी का उपयोग करके गर्भाशय-उच्छेदन नमूनों पर सिस्प्लैटिन-एनकैप्सुलेटेड एचपीवी विरिऑन-आधारित लक्षित वितरण साध्न सत्यापन, शरीर रचना

10. गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर के उपचार हेतु एचपीवी आधारित नैनोकैरियर्स का उपयोग करके सिस्प्लैटिन का बाह्य वितरण, शरीर रचना

11. न्यूमोडक्स™ सिस्टम और हाइब्रिड कैप्चर एचसी2 के साथ एचपीवी 16/18 जांच का मूल्यांकन करना एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान आईआरसीएच

12. कैंसर और संक्रमण का पता लगाने हेतु स्वचालित एआई-सक्षम निर्णय समर्थन के साथ एक ट्रांसवेजिनल जांच-आधारित डर्मेटोस्कोप का विकास, त्वचाविज्ञान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम

13. चरण-IV, एकल-बाहु, बहुकेंद्रीय अध्ययन, जिसमें एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन (सर्वावाक®) की सुरक्षा का आकलन किया गया, जब इसे 9-14 वर्ष की आयु के लड़कियों और लड़कों को दो-खुराक के रूप में और 15-26 वर्ष की आयु के महिलाओं एवं पुरुषों को तीन-खुराक के रूप में दिया गया, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे

14. हरियाणा के चयनित जिला अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों/विशेषज्ञों हेतु कैंसर जागरूकता और रेफरल एंगेजमेंट (केयर) कार्यक्रम, फाइजर, भारत

15. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के कार्सिनोजेनेसिस में सर्कैडियन लय और मूत्र मेलाटोनिन के स्तर का प्रभाव, स्नातक-पूर्व मेंटरशिप एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट

पूर्ण

1. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करना गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच सेवाओं को बढ़ाने हेतु किफायती प्रौद्योगिकी (एक्सेलरेट) का उपयोग करते हुए क्षेत्र में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के उन्मूलन को प्रभावी ढंग से बढ़ाना, 2 लाख रुपये का एफओजीएसआई-एफआईजीओ अनुदान (पूर्ण)

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 561 12/24/2025 6:55:57 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	12	10	22
कुल वित्तपोषण	300 लाख रुपये	265.38 लाख रुपये	754.80 लाख रुपये

रोगी उपचार

रोगी उपचार *(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)*

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	2397	3143	2773
विशेष क्लिनिक परामर्श (ऑन्को-फर्टिलिटी)	-	12	33
कुल भर्ती रोगी	338	411	347

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य नीना मल्होत्रा ने 14 फ़रवरी 2025 को जयपुर में आयोजित 35वें वार्षिक सम्मेलन में भारतीय प्रजनन एवं उर्वरता अध्ययन सोसायटी (आईएसएसआरएफ) द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया। मानव प्रजनन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम पर अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र की प्रमुख। भारतीय प्रजनन सोसायटी की निर्वाचित अध्यक्ष (2024-2026)। भारतीय विदेश सेवा की वरिष्ठ उपाध्यक्ष (2022-24)। एफओजीएसआई समिति 2025-2027 की एफओजीएसआई इमेजिंग विज्ञान सोसायटी की की अध्यक्ष।

ओरेशन:

डॉ. प्रभा मेहरा द्वारा ओरेशन "इस सदी में कला हेतु चुनौती", प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग का 92वां स्थापना दिवस, 2 नवंबर 2024 को केजीएमयू लखनऊ द्वारा आईयूआई कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, लखनऊ, आईएफएस ओरेशन, भारत में प्रजनन संरक्षण का भविष्य, ओरेशन, 6-8 दिसंबर 2024, गांधीनगर, अहमदाबाद, गुजरात,

बैठकें

4 अप्रैल 2024 को हैदराबाद में विशेषज्ञ समूह परामर्श में भाग लिया। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र और प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली 'राष्ट्रीय स्तर' का आयोजन कर रहा है। प्रजनन आयु की महिलाओं में एनीमिया में पैरेंट्रल आयरन के उपयोग पर तकनीकी परामर्श" 9 अप्रैल को 2024 को रामलिंगास्वामी सभागार, एम्स, नई दिल्ली में सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक। नीति आयोग सदस्य समिति एम्स, नई दिल्ली को मेडिकल अनुसंधान एंड प्रैक्टिस विश्व स्तरीय संस्थान बनाने हेतु रोडमैप तैयार करना, सभागार में 20 अप्रैल 2024 को दोपहर 2.20 से 2.30 बजे तक। पार्ट 3 एमआरसीओजी परीक्षा हेतु परीक्षक रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स लंदन, यूके द्वारा 13 मई 2024 को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य। एम्स गुवाहाटी के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संकाय पदों के चयन हेतु बैठक 25-26 जून 2024 को एम्स, गुवाहाटी। यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 562 12/24/2025 6:55:57 PM

संकाय सदस्य पदोन्नति हेतु स्क्रीनिंग समिति के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य (ऑन लाइन) 17 अगस्त 2024। दिनांक 29 अगस्त 2024 की आईसीएमआर, नई दिल्ली में हाइब्रिड मोड पर एनआईईजीआरआईएचएमएस के प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग में मूल्यांकन पदोन्नति योजना के लिए संकाय पदों के चयन हेतु स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य। दिनांक 15-16 जनवरी 2025 को यूएएफपीए द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मंत्रालय, भूटान के सहयोग से टीओटी फॉर मास्टर ट्रेनर्स के लिए थिंपु भूटान में प्रशिक्षक, विभागीय परीक्षा एमडी, एमबीबीएस, एम.सीएच में अध्यक्ष (स्त्री रोग - अर्बुदविज्ञान)।

एम्स समितियों में सदस्य

1. सदस्य - संकाय-सदस्य से संबंधित मुद्दों की जांच करने वाली समिति - फरवरी 2024 से प्रभावी
2. सदस्य - एनसीआई झज्जर में एनसीआई समन्वय समिति का गठन, 2024 से प्रभावी
3. सदस्य - एमबीबीएस के चरण II/III हेतु शिक्षण अनुसूची समिति, 2024 से प्रभावी
4. सदस्य - एम्स में एंटी रैगिंग कमेटी (एआरसी) 2024-25 से
5. सदस्य - केंद्रीय समिति / उप-समिति 2024
6. सदस्य - तकनीकी विशेषज्ञ सीओई दुर्लभ रोगों हेतु समिति 2025

आचार्य सीमा सिंघल

एनसीआई-एम्स, झज्जर में पद:

1. अध्यक्ष - अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति, एनसीआई-एम्स, झज्जर
2. सदस्य - टीएसईसी समिति एनसीआई-एम्स, झज्जर
3. सदस्य - गुणवत्ता नियंत्रण समिति एनसीआई-एम्स, झज्जर

अंतर्राष्ट्रीय निकायों में पद

1. एशिया ओशिनिया प्रशांत प्रतिनिधि सदस्य निदेशक मंडल अंतर्राष्ट्रीय स्त्री रोग कैंसर सोसायटी (2024-2026)

राष्ट्रीय निकायों में पद

1. कोषाध्यक्ष एओजीआईएन (जननांग संक्रमण और नियोप्लासिया में एशिया ओशिनिया अनुसंधान संगठन) भारत (2024-2026)
2. एओजीडी (दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों का संघ) की अर्बुदविज्ञान समिति के सदस्य: 2023-2024, 2024-2026
3. संयुक्त सचिव एजीओआई (एसोसिएशन ऑफ गायनोकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया) 2024-2026
4. कार्यकारी सदस्य एजीओआई (एसोसिएशन ऑफ गायनोकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया) 2022-2024
5. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के टीकाकरण प्रभाग द्वारा गठित एचपीवी वैक्सीन की भूमिका पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 563 12/24/2025 6:55:57 PM

6. नैदानिक परीक्षणों, नई दवाओं एवं नए चिकित्सा उपकरणों के अनुप्रयोगों की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यांकन हेतु विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य (प्रजनन और मूत्रविज्ञान), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएंडएफडब्ल्यू), भारत सरकार (जीओआई) के रूप में नामित

7. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के समता, सशक्तिकरण एवं विकास (एसईईडी) प्रभाग में "महिलाओं हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसटीडब्ल्यू)" कार्यक्रम के पीएसी सदस्य के रूप में नामित

8. भारत में एचपीवी टीकाकरण की शुरूआत हेतु परिचालन दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करना विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य

9. मुझे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य किशोर कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री के मसौदे की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

10. चरण II नैदानिक जांच हेतु विशेषज्ञ सदस्य डीएसएमबी जिसका शीर्षक है "9-14 वर्ष की आयु की स्वस्थ लड़कियों में गार्डासिल® वैक्सीन की एक खुराक की तुलना में सर्वावैक® की एक खुराक के बाद एंटीबॉडी प्रतिक्रियाएं: एक गैर-हीनता, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित जांच" (आईसीएमआर)

11. राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. एनबी गायनी अर्बुदविज्ञान, गायनी अर्बुदविज्ञान सुपर स्पेशियलिटी छात्रों हेतु साप्ताहिक वर्चुअल कक्षाएं, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित

संपादक/ संपादकीय बोर्ड के सदस्य

1. सह-संपादक: इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल अनुसंधान (आईजेएमआर-आईसीएमआर)

2. सह-संपादक: इंडियन जर्नल ऑफ गाइनी अर्बुदविज्ञान (भारतीय गाइनी ऑन्कोलॉजिस्ट एसोसिएशन का एक जर्नल) (आईजेजीओ-एजीओआई)

3. जर्नल ऑफ कोलपोस्कोपी एंड लोअर जेनिटल ट्रैक्ट विकृति विज्ञान के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जो आईएससीसीपी (इंडियन सोसाइटी ऑफ कोलपोस्कोपी एंड सर्वाइकल विकृति विज्ञान) का एक आधिकारिक जर्नल है।

4. जीटीएन एटलस पुस्तक के सह संपादक; प्रकाशक इवेंजेल, एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया

पुरस्कार

1. एलएलआरएम द्रोणाचार्य पुरस्कार 2024

2. 29 जून 2023 को कोलकाता में आयोजित अंतरिम एजीओआईसीओएन 2023 के दौरान एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया।

परीक्षक

- 2025 में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान में फेलोशिप की व्यावहारिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 564 12/24/2025 6:55:58 PM

- एएचआरसीसी कटक ओडिशा में एम.सीएच स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान परीक्षा के सैद्धांतिक पेपर के प्रारूपण हेतु बाह्य परीक्षक
- डॉ.एनबी स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान हेतु बाहरी परीक्षक (अप्रैल 2025)

पाठ्यक्रम प्रारूपण एम.सीएच (स्त्री रोग विज्ञान)

1. एम्स मंगलागिरी
2. एम्स भटिंडा
3. कल्याण सिंह सुपरस्पेशलिटी संस्थान, लखनऊ

विभिन्न संस्थानों में संकाय साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामांकित

1. कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में संविदात्मक के आधार पर सहायक आचार्य का चयन
2. आरएमएल दिल्ली और एलएचएमसी नई दिल्ली में संविदा के आधार पर सहायक आचार्य का चयन
3. स्वास्थ्य विभाग मिजोरम के अंतर्गत बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान का चयन
4. एलएचएमसी (संविदात्मक)

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

1. वेबिनार के समन्वयक डॉ. एनबी (स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान) नियमित रूप से साप्ताहिक सत्र का संचालन करते हैं, जिसमें स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान और अन्य स्नातकोत्तर छात्र भाग लेते हैं।
2. नारायण कैंसर संस्थान, बैंगलोर में स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान पाठ्यक्रम शुरू करना मूल्यांकनकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया
3. केरल के मालाबार कैंसर अस्पताल में डॉ.एनबी स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान पाठ्यक्रम शुरू करना मूल्यांकनकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया
4. डॉ.एनबी स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान थीसिस समीक्षा -

1. उन्नत एपीथेलियल ओवरियन कैंसर में अंतराल डीबल्किंग सर्जरी के प्रीऑपरेटिव परिणाम का एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
2. उन्नत ओवरियन कैंसर हेतु प्राथमिक सर्जरी के दौरान पूर्ण कोशिका न्यूनीकरण प्राप्त करने में कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन की पूर्वानुमानिता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

सामुदायिक गतिविधियाँ

1. तिहाड़ जेल: जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए एवं तिहाड़ जेल हरि नगर में 150 और सेंट्रल जेल मंडोली में 100 कैदियों की स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग पॉजिटिव मामलों को उपचार हेतु एम्स बुलाया गया और डीडीयू और सफदरजंग अस्पताल के सहयोगियों के साथ मिलकर उपचार किया गया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 565 12/24/2025 6:55:58 PM

2. नोएडा में ग्रीवा जागरूकता शिविर में भाग लिया

3. डीडी समाचार कार्यक्रम

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम और अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सीसी के तहत आयोजित गतिविधियाँ

1. 17 नवंबर 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस के अवसर पर, ईएचएस की जाँच और टीकाकरण हेतु एक अभियान चलाया गया। कुल 230 एम्स महिला कर्मचारियों की जाँच और उपचार किया गया।

2. अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह (3-11 अप्रैल 2025): रोटरी इंटरनेशनल के साथ सहयोग किया गया एवं एम्स, में एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया गया तथा एम्स दिल्ली में कार्यरत या अध्ययनरत 240 लड़कियों या ईएचएस कर्मचारियों की बेटियों को टीका लगाया गया।

ज्योति मीणा

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

- एम्स, नई दिल्ली में आयोजित कोलपोस्कोपी और सीआईएन एओजीआईएन इंडिया अंतरिम सीएमई के उपचार में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के संयोजक
- बाली में आयोजित एएसजीओ 2024 के दौरान उन्नत चरण के उच्च श्रेणी के सीरस एपिथेलियल ओवरियन कैंसर में हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करना न्यूट्रोफिल-टू-लिम्फोसाइट अनुपात (एनएलआर) और प्लेटलेट-टू-लिम्फोसाइट अनुपात (पीएलआर) की भूमिका पर एक विशेष पोस्टर प्रस्तुत किया।
- एएसजीओ की शिक्षा समिति के सदस्य और एएसजीओ शिक्षा समिति में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर हेतु अद्यतन कार्य समूह के सह-अध्यक्ष
- एओजीआईएन इंडिया के कार्यकारी सदस्य 2022-2024
- एफओजीएसआई अर्बुदविज्ञान समिति के सदस्य (2025-2027)
- एम्स के एसईटी सुविधा केंद्र में कौशल आधारित सिमुलेशन प्रयोगशाला स्थापित करना शल्य चिकित्सा सिमुलेशन समिति के सदस्य
- आईएमए नई दिल्ली शाखा द्वारा महिलाओं हेतु वार्षिक सम्मान समारोह के दौरान सम्मान प्रमाण पत्र - 2024
- बीएमजे केस रिपोर्ट्स के समीक्षक, द जर्नल ऑफ मैटरनल-फेटल एंड नियोनेटल चिकित्सा, बीएमसी कैंसर, जर्नल ऑफ कोल्पोस्कोपी एंड लोअर जेनिटल ट्रैक्ट विकृति विज्ञान, करंट मेडिकल इश्यूज, बीएमजे प्रेगनेंसी एंड चाइल्डबर्थ

डॉ. नीलांचली सिंह

यूरोपियन सोसाइटी ऑफ गायनेकोलॉजिकल अर्बुदविज्ञान (ईएसजीओ) मेंटरशिप अवार्ड, 2024-26

डॉ. आरती एस जयराज

1. प्रारंभिक कैरियर कार्यशाला सत्र (सह-अध्यक्ष) 2024 वार्षिक वैश्विक बैठक (आईजीसीएस 2024) 16-18 अक्टूबर, 2024 डबलिन, आयरलैंड

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 566 12/24/2025 6:55:58 PM

2. शीर्ष 5 समीक्षक जेसीओ ग्लोबल अर्बुदविज्ञान 31 जनवरी 2024 एक अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नैदानिक अर्बुदविज्ञान (एएससीओ) जर्नल

3. जूनियर संकाय मेंटर इंटरनेशनल गायनोकोलॉजिकल कैंसर सोसाइटी (आईजीसीएस) 2024-2025 (2 वर्ष का कार्यकाल) आईजीसीएस

4. सोशल मीडिया संपादक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गाइनोकोलॉजिक कैंसर (आईजेजीसी) 2023 से आईजीसीएस और ईएसजीओ की आधिकारिक पत्रिका

5. कैंसर में वर्तमान समस्याएँ 2024 हेतु सह-संपादक कैंसर में वर्तमान समस्याएँ

6. सोशल मीडिया समिति के सदस्य, यूरोपियन नेटवर्क ऑफ यंग गायनोकोलॉजिस्ट्स (ईएनवाईजीओ) 2024, ईएसजीओ का हिस्सा

7. पैन-अरेबियन अनुसंधान सोसाइटी ऑफ गायनेकोलॉजिकल अर्बुदविज्ञान (पीएआरएसजीओ) के कार्यकारी बोर्ड सदस्य 2024 पीएआरएसजीओ

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. नीना मल्होत्रा

7-8 मार्च 2025 को गंगटोक, सिक्किम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का राज्य स्तरीय समारोह

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, एनसीआई-एम्स

सहायक आचार्य

(संविदात्मक)

तनिमा द्विवेदी

प्रभारी-अधिकारी

रितु गुप्ता

विशिष्टताएं

एनसीआई-एम्स की प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. की प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान यूनिट के साथ मिलकर रोगियों को हेमेटो-ऑन्कोविकृति विज्ञान सेवाएं प्रदान करती है। एनसीआई के भीतर, उन्होंने सरकारी क्षेत्र में भारत की पहली पूर्ण स्वचालित प्रयोगशाला, "रोबोटिक कोर नैदानिक प्रयोगशाला" की शुरुआत की है। पिछले वर्ष में ही, इस सुविधा ने कुल **67,83,679 नैदानिक जांच** किए हैं। रोबोटिक कोर नैदानिक प्रयोगशाला एक अत्याधुनिक प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है, जो निर्बाध, चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करती है, जो टर्नअराउंड समय को कम करने एवं रोगियों को सटीक, उच्च-गुणवत्ता वाली डिजिटल रिपोर्ट देने हेतु डिज़ाइन की गई हैं। यह अभिनव दृष्टिकोण अत्याधुनिक स्वचालन और सटीक तकनीक का उपयोग करके रोगी उपचार के स्तर को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

आचार्य एवं प्रमुख

समीर बख्शी

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 567 12/24/2025 6:55:58 PM

सह-आचार्य

आकाश कुमार

सहायक आचार्य

अपर्णा शर्मा

बबीता कटारिया

विशिष्टताएं

1. जैव सांख्यिकी कार्यशाला - कोलकाता स्त्री रोग-अर्बुदविज्ञान जांच एवं ट्रांसलेशनल अनुसंधान समूह (कोलगोट्रिग) के सहयोग से, एनसीआई-एम्स ने 8-10 नवंबर 2024 को चिकित्सकों हेतु तीन दिवसीय गहन जैव सांख्यिकी कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों - डॉ. अतनु भट्टार्जी (आचार्य, जैव सांख्यिकी, डंडी विश्वविद्यालय और डॉ. केली एम. किडवेल, मिशिगन विश्वविद्यालय) ने जैव सांख्यिकी के विभिन्न सिद्धांतों पर व्याख्यान दिए। आईआरसीएच एवं एनसीआई के संकाय सदस्यों ने भी कार्यशाला के दौरान सत्रों का मार्गदर्शन किया।

2. स्त्री-अर्बुदविज्ञान में कोलगोट्रजी और स्त्री रोग संबंधी कैंसर इंटर ग्रुप (जीसीआईजी) के साथ विचार-मंथन सत्र: हमने डॉ. माइकल बुकमैन - अध्यक्ष, जीसीआईजी और डॉ. मैरी आइकेन, सीईओ-इंटरनेशनल गायनोकोलॉजिकल कैंसर सोसाइटी (आईजीसीएस) के मार्गदर्शन में 5 दिसंबर 2024 को स्त्री-अर्बुदविज्ञान में नैदानिक जांचों हेतु एक विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया। एनसीआई, आईआरसीएच और कोलगोट्रजी के संकाय-सदस्य ने अंतर्राष्ट्रीय संकाय से प्रतिक्रिया हेतु अपने अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत किए। व्यावहारिक नैदानिक जांच डिज़ाइन एवं एम्स तथा कोलगोट्रजी द्वारा बहु-केंद्रित आईजीसीएस और सर्विक्स कैंसर अनुसंधान नेटवर्क (सीसीआरएन) अध्ययनों के रूप में भविष्य के परीक्षणों के विस्तार की व्यवहार्यता पर चर्चा की गई।

3. एनसीआई एवं आईआरसीएच नर्सों हेतु कार्यशाला: एनसीआई एवं आईआरसीएच के 5 नर्सिंग अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया, जहाँ उन्हें नर्स-नेतृत्व वाली आनुवंशिक परामर्श (नर्स-नेतृत्व वाली आनुवंशिक परामर्श) हेतु प्रशिक्षित किया गया। एनसीआई ने कोल्गोटीआरजी टीम के सहयोग से 5 दिसंबर 2025 को कार्यशाला का आयोजन किया।

4. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. एवं एनसीआई एम्स ने 23 एवं 24 नवंबर 2024 को पहला बहु-विषयक एम्स मूत्र-अर्बुदविज्ञान अपडेट आयोजित किया। इसमें जेनिटोरिनरी अर्बुदविज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संकाय शामिल थे।

शिक्षा

आकाश कुमार

1. जराचिकित्सा हेमेटोलिम्फॉइड दुर्दमता रोगी का उपचार मरीज़, 51वां आईकॉन, 30 नवंबर 2024, मुंबई

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय का नाम	2021-2022	2022-2023	2023-2024
आकाश कुमार		-	1

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 568 12/24/2025 6:55:58 PM

अपर्णा शर्मा

1. नर्सिंग छात्रा - एमएससी (अर्बुदविज्ञान) नर्सिंग छात्रों हेतु "ऑन्कोलॉजिकल नर्सिंग" "कैंसर सेल के बुनियादी आनुवंशिक और जैविक अंतर" पर दो व्याख्यान लिए।
2. स्नातकोत्तर - निम्नलिखित पर संकाय व्याख्यान दिया गया

   क) थाइमिक दुर्दमताएँ: एक अवलोकन

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

1. एंटीबॉडी दवा संयुग्म विषय; "रुचि की विषाक्तताएँ" वक्ता, वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ लंग कैंसर, 10 सितंबर 2024, सैन डिएगो, यूएसए
2. ऑन्कोलॉजिस्ट कार्यशाला हेतु जीनोमिक्स: वक्ता, वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ लंग कैंसर, 8 सितंबर 2024, सैन डिएगो, यूएसए
3. फेफड़ों का कैंसर: रोकथाम, शीघ्र पहचान, उपचार की विधियों, चुनौतियाँ और सहयोगी अनुसंधान के भविष्य के अवसर' सीआईओ (सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव अर्बुदविज्ञान) में पीएचडी छात्रों और संकाय सदस्यों हेतु कार्यशाला, 1 अगस्त 2024, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली, एआईआईए
4. उन्नत/मेटास्टैटिक एनएससीएलसी के उपचार में ट्यूमर बोर्ड एवं बहु-विषयक टीम की भूमिका: पैनल चर्चा पैनल मॉडरेटर, नाल्कोन 2024, 5 अक्टूबर 2024, एम्स ऋषिकेश
5. मीडियास्टिनल जीसीटी: एक हौदिनी का कार्य वक्ता, एम्स मूत्र-अर्बुदविज्ञान अपडेट, 24 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली
6. "उन्नत आरसीसी में शल्य चिकित्सा पहलू - सीआरएन, ओलिगोमेटास्टैटिक आरसीसी: विकसित अभ्यास" पैनलिस्ट, एम्स मूत्र-अर्बुदविज्ञान अपडेट, 24 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली
7. एनजीएस को समझना: चिकित्सीय से रिपोर्टिंग तक, पैनलिस्ट, अर्बुदविज्ञान अपडेट्स 2024, 27 अप्रैल 2024, आरजीसीआई दिल्ली

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
अपर्णा शर्मा	-	4	5

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
-	-	2

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 569 12/24/2025 6:55:58 PM

बबीता कटारिया

3. **नर्सिंग छात्र**- एमएससी (अर्बुदविज्ञान) नर्सिंग छात्रों हेतु "त्वचा कैंसर" पर व्याख्यान दिया।
4. **स्नातकोत्तर**- निम्नलिखित पर संकाय व्याख्यान दिया गया

   क) ऑन्कोफर्टिलिटी का विकास

   ख) आईआरसीएच और एनसीआई में जर्नल क्लब प्रेजेंटेशन हेतु डीएम रेजिडेंट डॉ. नवीन भाटी को मार्गदर्शन दिया

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

बबीता कटारिया: 11

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
बबीता कटारिया	01	01	05

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2021-2022
मौखिक/ पोस्टर	01	01	0

अनुसंधान

आकाश कुमार

जारी अनुदान

1. "बचपन में जीवन रक्षा में सुधार - भारत में एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (आईएस-कॉल): आईसीआईसीएलई कार्यान्वयन अध्ययन", आकाश कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 55 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. स्थानीय रूप से उन्नत रिसेक्टेबल ओरल कैविटी कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के रूप में डोसेटेक्सेल-प्लेटिनम रेजिमेन के साथ संशोधित टीपीएफ की तुलना करने वाला चरण 2 ओपन लेबल रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (नियोओआरएएल अध्ययन)

पूर्ण

1. कार्बोप्लाटिन (एयूसी $\geq$ 4) युक्त कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कीमोथेरेपी से प्रेरित मतली एवं उल्टी की रोकथाम हेतु ओलान्ज़ापाइन बनाम फ़ोसाप्रेपिटेंट: एक चरण 3 यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित जांच

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 570 12/24/2025 6:55:58 PM

2. स्थानीयकृत ट्रिपल नेगेटिव एवं एचआईआर2एनईयू-पॉजिटिव स्तन कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ मेटफॉर्मिन: एक संभावित चरण 2 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एमसीबीईटीएच)

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1 चरण 2 स्तन कैंसर के रोगियों में स्वास्थ्य उपचार मॉडल का डिजाइन एवं परिपालन विकिरण अर्बुदविज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2021-2022	2022-2023	2023-2024
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	-	-	
कुल वित्तपोषण			

अपर्णा शर्मा
जारी

1. "एएलके पॉजिटिव नॉन स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में फॉस्फोराइलेटेड एएलके एक्सप्रेशन एवं उत्तरजीविता परिणामों पर इसका प्रभाव", अपर्णा शर्मा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना 2023-2024, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

2. "सिर एवं गर्दन के कार्सिनोमा हेतु निश्चित कीमोविकिरण प्राप्त करने वाले रोगियों में संज्ञानात्मक हानि को कम करने में सेलेकॉक्सिब की भूमिका: एक चरण II यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, अपर्णा शर्मा, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नैदानिक अर्बुदविज्ञान, कॉन्कर कैंसर फाउंडेशन, 1 वर्ष, 2024-2024, 16 लाख रुपये

3. भारत में युवा अवस्था में होने वाले फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा का व्यापक जीनोमिक लक्षण वर्णन (वाईओएलए-I अध्ययन), अपर्णा शर्मा, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑन लंग कैंसर (आईएएसएलसी) /एलसीएफए/बीएमएस डिपैरिटीज़ इन नैदानिक अर्बुदविज्ञान अनुसंधान ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 180 लाख रुपये (यूएसडी 200,000)

4. टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई द्वारा बहु-संस्था अध्ययन: एनएससीएलसी में प्रशामक चिकित्सा में पेम्ब्रोलिज़ुमाब को शामिल करने के मूल्यांकन हेतु चरण 3 यादृच्छिक अध्ययन। साइट पीआई: अपर्णा शर्मा, टीएमएच, मुंबई, 2 वर्ष, 2024-2026, 19 लाख रुपये

5. "एफडीजी पीईटी-सीटी द्वारा चयापचय प्रतिक्रिया और नियोएडजुवेंट कीमोइम्यूनोथेरेपी प्राप्त करने वाले नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में रोग संबंधी प्रतिक्रिया और जीनोमिक प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध", अपर्णा शर्मा सीओ पीआई: अभिनव सिंघल, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 571 12/24/2025 6:55:58 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. "एफडीजी पीईटी-सीटी द्वारा चयापचय प्रतिक्रिया और नियोएडजुवेंट कीमोइम्यूनोथेरेपी प्राप्त करने वाले नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में रोग संबंधी प्रतिक्रिया एवं जीनोमिक प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध", डॉ. अभिनव सिंघल, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एनसीआई झज्जर

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	0	2	5
कुल वित्तपोषण		21 लाख रुपये	221 लाख रुपये

बबीता कटारिया

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में समेकन कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता की जांच करना चरण II, बहु-भुजा, यादृच्छिक गैर-तुलनात्मक समानांतर डिज़ाइन परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स, दिल्ली, 02 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

2. प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी (सीएपीइ्र-सीईआरवी) पर प्रगति न करने वाले लगातार/आवर्ती/ मेटास्टैटिक सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में प्रगति-मुक्त अस्तित्व पर रखरखाव सीएपीसीटाबिन के दो अलग-अलग खुराक स्तरों के प्रभाव का जांच करना चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स, दिल्ली, 02 वर्ष, 2025-2027, 20 लाख रुपये

3. स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में रोगसूचक एवं पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में एचपीवी-सीटीडीएनए की भूमिका, डॉ. बबीता कटारी, सन फार्मा अनुसंधान फाउंडेशन, 02 वर्ष, 2025-2027, 12 लाख रुपये

पूर्ण

1. ओलान्ज़ापीन कीमोथेरेपी पर मेटास्टेटिक सॉलिड कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु: चरण II यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स दिल्ली एवं आईएएससीसी (इंडियन एसोसिएशन ऑफ सपोर्टिव केयर इन कैंसर), 2 वर्ष, 2022-2023, 4 लाख रुपये सभी जांच शुल्क से छूट।

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024- 2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	01	01	03

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 572 12/24/2025 6:55:58 PM

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024- 2025
कुल वित्तपोषण	4 लाख रुपये	4 लाख रुपये	42 लाख रुपये

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	25597	30808	34850
डे केयर भर्ती	23045	31319	34100
कुल भर्ती रोगी	2259	3070	3294

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. आकाश कुमार

लिन सेज ब्रेस्ट कैंसर सिम्पोजियम - शिकागो सिस्टर सिटीज़ विजेता - 2025, शिकागो (अमेरिका)
डॉ. अपर्णा शर्मा फेफड़ों के कैंसर पर अध्ययन हेतु अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएएसएलसी) / एलसीएफए / बीएमएस डिपैरिटीज इन नैदानिक अर्बुदविज्ञान अनुसंधान ग्रांट 2023 के सदस्य थे, जिसका शीर्षक था भारत में युवा अवस्था में फेफड़ों में होने वाले एडेनोकार्सिनोमा का व्यापक जीनोमिक लक्षण वर्णन (योला-I अध्ययन)" 2024 सैन डिएगो में डब्ल्यूसीएलसी। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) की दुर्लभ ट्यूमर समिति एवं थाइमिक ट्यूमर उपसमिति के सदस्य के रूप में कार्यकाल 2023 से शुरू होने वाले दो वर्ष के कार्यकाल हेतु बढ़ाया गया। एएससीओ वार्षिक बैठक 2024 में एएससीओ आईडीईए पुरस्कार प्राप्तकर्ता और 5 जून से 8 जून 2024 तक जीयू अर्बुदविज्ञान के लंक सेंटर के मेंटर संस्थान डाना फार्बर कैंसर इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड, बोस्टन का दौरा किया।

डॉ. बबीता कटारिया ईएसएमओ-आईसीएफ नैदानिक यूनिट विजिट फेलोशिप 2024- इन्हें यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के कॉम्प्रिहेंसिव नैदानिक ट्रायल्स यूनिट में इंटरनेशनल कैंसर फाउंडेशन के नैदानिक यूनिट विजिट प्रोग्राम हेतु फेलो के रूप में चुना गया। 8वें विश्व कैंसर कांग्रेस, नई दिल्ली, भारत (मार्च 2024) में "ओलंज़ापाइन से कीमोथेरेपी पर मेटास्टेटिक सॉलिड कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार: चरण II रैंडमाइज्ड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण" के सार हेतु सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति हेतु डॉ. एडवर्ड कैनेडी मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त हुआ। ईएसएमओ वर्चुअल मेंटरशिप प्रोग्राम 2024-2025 - प्रोग्राम हेतु मेंटीज़ में से एक के रूप में चुना गया। सन फार्मा नैदानिक अनुसंधान फेलोशिप 2025 - अनुसंधान परियोजना "स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल कैंसर में एक रोगसूचक और भविष्य कहनेवाला बायोमार्कर के रूप में एचपीवीसीटीडीएनए की भूमिका" का समर्थन करना फेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ। युवा अन्वेषक यात्रा अनुदान -जीसीआईसी सीसीसीसी-सीआर, स्त्री रोग संबंधी कैंसर इंटर ग्रुप, प्रथम सर्वाइकल कैंसर सहमति सम्मेलन- नैदानिक अनुसंधान। सहमति वक्तव्यों के प्रारूपण और पांडुलिपि लेखन में सक्रिय रूप से भाग लिया। जीसीआईजी स्प्रिंग मीटिंग 2024 में नैदानिक अनुसंधान में समानता, विविधता और समावेशन पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 573 12/24/2025 6:55:58 PM

चिकित्सा भौतिकी, एनसीआई

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रतीक कुमार

सहायक आचार्य

अविनव भारती

आर के बिष्ट

सी सेंथमिल सेल्वन

विशिष्टताएं

चिकित्सा भौतिकी, एनसीआई वर्तमान में एनसीआई में नैदानिक विकिरण विज्ञान उपकरणों के गुणवत्ता आश्वासन एवं नियामक पहलू के उपचार में शामिल है। डायग्नोस्टिक विकिरण जनरेटिंग उपकरणों के विकिरण सुरक्षा पहलू का भी चिकित्सा भौतिकी, एनसीआई द्वारा ध्यान रखा जा रहा है। एम्स में विकिरण उपकरण, आउटरीच ओपीडी। विभाग एनसीआई एम्स के सभी विभागों हेतु टीएलडी व्यक्तिगत निगरानी सेवाओं को बनाए रखता है। हम विकिरण सेफ्टी कमेटी, एनसीआई एम्स के सदस्य/सहभागी भी हैं जो एनसीआई में सभी विकिरण सुरक्षा और जागरूकता गतिविधियों हेतु एनसीआई में सभी विकिरण सेफ्टी अधिकारियों के साथ समन्वय करता है। चिकित्सा भौतिकी, एनसीआई आधान चिकित्सा विभाग, एनसीआई, एम्स में एक्स रे ब्लड इरेडिएटर के नियामक और विकिरण सुरक्षा पहलुओं का भी ध्यान रखता है।

विभाग ने एनसीआई एम्स में एनएबीएच मान्यता निरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया। हम एनसीआई के नाभिकीय चिकित्सा विभाग में विकिरण सुरक्षा एवं नियामक पहलू उपचार भी प्रदान कर रहे हैं।

शिक्षा

1. एनसीआई और डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. में चिकित्सा भौतिकी के संकाय-सदस्य चिकित्सा भौतिकी हेतु व्याख्यान देते हैं/कक्षाएं लेते हैं

   क. एम्स में रेडियोडायग्नोसिस में स्नातकोत्तर एमडी कार्यक्रम

   ख. एम्स में बायोफिजिक्स स्नातकोत्तर एमडी कार्यक्रम

   ग. एम्स में बायोफिजिक्स स्नातकोत्तर एमएससी कार्यक्रम

   घ. रेडियोडायग्नोसिस बीएससी एमटीआर कार्यक्रम, एम्स

2. डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. एम्स में मेडिकल इमेजिंग में रेडियोमिक्स पर सेमिनार व्याख्यान दिया

3. चिकित्सा भौतिकी संकाय-सदस्य एनसीआई एम्स में विकिरण सुरक्षा और जागरूकता शिक्षण कार्यक्रमों में भी शामिल है

4. पीएचडी थीसिस के सह-मार्गदर्शक, जिसका शीर्षक है, 'निम्न स्तर की मेडिकल इमेजिंग आयनीकरण विकिरण में जैविक प्रभावों का अध्ययन और विकिरण सुरक्षा हेतु उनकी प्रासंगिकता।'

5. राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के चिकित्सा एवं विकिरण भौतिकी केंद्र में सेमिनार व्याख्यान दिया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 574 12/24/2025 6:55:58 PM

6. (बेसिक विकिरण फिजिक्स) परीक्षक के रूप में नामित। कॉलेज ऑफ मेडिकल टेक्नोलॉजी, एसजीपीजीआई, लखनऊ।

7. एम्स, राजकोट में मेडिकल फिजिसिस्ट की भर्ती हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2024 तक मलेशिया के पेनांग में एओसीएमपी और सीकॉम्प 2024 में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

2. 8 नवंबर से 10 नवंबर 2024 तक हैदराबाद, तेलंगाना में एएमपीआईसीओएन 2024 में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

3. 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक दिल्ली में आयोजित "अंतरिक्ष विकिरण, भारी आयनों और मानव अंतरिक्ष मिशनों के जैविक प्रभाव - तंत्र और जैव-चिकित्सा प्रतिवाद" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय विकिरण जैव विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया।

4. 13 से 14 अप्रैल 2024 तक दिल्ली में एएमपीआई एनसी कॉन में अध्यक्ष एवं पैनल विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

5. दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया, उत्तरी चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन 2025 के आयोजन हेतु वैज्ञानिक समिति के सदस्य

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

1. राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के चिकित्सा एवं विकिरण भौतिकी केंद्र में सेमिनार व्याख्यान दिया।

2. डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. एम्स में मेडिकल इमेजिंग में रेडियोमिक्स पर एक सेमिनार व्याख्यान दिया

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
अविनव भारती	लागू नहीं	4	6

काय-चिकित्सा

1. डॉ. अतींद्र नारायण, सहायक आचार्य

विशिष्टताएं

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस, 24 मई 2024 के अवसर पर एम्स, नई दिल्ली में उच्च रक्तचाप पर एक सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान में संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया। उच्च रक्तचाप के उपचार पर एक व्याख्यान दिया एवं सामान्य जागरूकता, उपचार नीतियों तथा भारतीय आबादी में संबंधित जटिलताओं सहित उच्च रक्तचाप के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाली चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 575 12/24/2025 6:55:58 PM

शिक्षा

- ओपीडी एवं इमरजेंसी में नर्सों और सहायक स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों का प्रशिक्षण।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

अतीन्द्र नारायण: 3

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

संकाय का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
अतीन्द्र नारायण	लागू नहीं	लागू नहीं	3

रोगी उपचार

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं: ओपीडी, आपातकालीन सेवाएं, इनपेशेंट रेफरल परामर्श
(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर, आदि: निवारक अर्बुदविज्ञान विभाग के सहयोग से कैंसर रोकथाम स्क्रीनिंग कार्यक्रम

रोगी उपचार:

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	2437	2634

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. अतीन्द्र नारायण अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एफआईएमएसए), नई दिल्ली की फेलोशिप से सम्मानित। 5 मार्च 2024 से 2 अप्रैल 2024 तक "कोहोर्ट स्टडीज - डिजाइन, तरीके और विश्लेषण" कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन नैदानिक अनुसंधान यूनिट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया गया। 9 और 10 अप्रैल 2024 को नैदानिक अनुसंधान यूनिट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "रेड कैप वर्कशॉप" में भाग लिया। 18 और 19 अप्रैल 2024 को नैदानिक अनुसंधान यूनिट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" कार्यशाला में भाग लिया। एपीआई दिल्ली राज्य अध्याय मिड टर्म सीएमई -2024 नैदानिक नॉलेज एंड प्रैक्टिस अपडेट में आमंत्रित संकाय और शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म- साक्ष्य के उपचार पर एक सत्र की अध्यक्षता की: 21 जुलाई, 2024, नई दिल्ली। 30 और 31 जुलाई 2024 को एम्स, नई दिल्ली के नैदानिक अनुसंधान यूनिट द्वारा आयोजित "अनुदान लेखन" कार्यशाला में भाग लिया। 30 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक एम्स, नई दिल्ली के नैदानिक अनुसंधान यूनिट द्वारा आयोजित "अन्वेषक-प्रारंभिक नैदानिक जांचों हेतु प्रोटोकॉल विकास" में भाग लिया। 49वें व्यापक इको (हैंड्स ऑन ट्रेनिंग) पाठ्यक्रम में भाग लिया, जेआरओपी संस्थान, 17-20 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली। आरएसएसडीआई 2024 में आमंत्रित संकाय और लीन बनाम ओबेस मधुमेह पर सत्र की अध्यक्षता की: 14-17 नवंबर 2024, नई दिल्ली। एपीआईकॉन 2025 में आमंत्रित संकाय और आवधिकता के साथ बुखार, एएलटी का महत्व: एएसटी अनुपात, पृथक बेसोफिलिया, एचबीए1सी की भ्रांतियां, सीएक्सआर पर माइलरी शैडो पर केस आधारित चर्चा पर सत्र की अध्यक्षता की: 23-26 जनवरी 2025, कोलकाता

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 576 12/24/2025 6:55:59 PM



तंत्रिका-विज्ञान

सहायक आचार्य

दिव्यानी गर्ग　　जैस्मीन परिहार

विशिष्टताएं

वर्ष 2024-25 में, तंत्रिका विज्ञान सेवाओं ने रोगी उपचार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण में जारी सेवाओं को और विकसित किया। संकाय-सदस्य ने 86 प्रकाशन तैयार किए, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 30 पोस्टर/मौखिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं और प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया। संकाय-सदस्य ने संस्थान हेतु कई पुरस्कार जीते तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों, समितियों और संपादकीय बोर्डों में विशिष्ट भूमिकाएँ निभाईं।

विभाग ने अनेक बाह्य रोगियों की सेवा की और एनसीआई, झज्जर में अन्य सेवाओं के साथ संपर्क सेवाएँ प्रदान कीं। रोगी उपचार, शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण में अग्रणी, तंत्रिका विज्ञान सेवाओं ने देश और दुनिया हेतु उच्च मानक स्थापित किए हैं और कैंसर रोगियों के उपचार को और अधिक मज़बूत किया है।

प्रदत्त व्याख्यान: 16

दिव्यानी गर्ग: 10

जैस्मीन परिहार: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
जैस्मीन परिहार	5	13	16

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 577　12/24/2025 6:55:59 PM

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत: 57

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
11	14	57

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. किशोरावस्था एवं वयस्कता में होने वाली ल्यूकोडिस्ट्रोफी की क्लिनिको-जेनेटिक और विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल, डॉ. दिव्यानी गर्ग (एम्स इंट्राम्यूरल परियोजना, 10 लाख रुपये)
2. पैरोक्सिस्मल मूवमेंट विकार में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल लाइनों का नैदानिक एवं आणविक लक्षण वर्णन और विकास, डॉ. दिव्यानी गर्ग (एम्स-सीएसआईआर-आईजीआईबी सहयोगी परियोजना, 20 लाख रुपये)
3. प्रोग्रेसिव सुप्रानाभिकीय पाल्सी (पीएआईआर-पीएसपी) हेतु अखिल भारतीय रजिस्ट्री, डॉ. दिव्यानी गर्ग (माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन, 230.64 लाख रुपये)
4. दवा प्रतिरोधी मिर्गी (डीआरई) में विभेदित रूप से व्यक्त सिनैप्टिक-गतिविधि-संबंधी लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (इंकराएनए), डॉ. जैस्मीन परिहार (एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 10 लाख रुपये)
5. फोकल ड्रग-रेसिस्टेंट मिर्गी के उपचार में फोकस्ड अल्ट्रासाउंड की क्षमता का अन्वेषण - एक पायलट अध्ययन। डॉ. जैस्मीन परिहार, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, 31 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. अतिरिक्त-तंत्रिका विज्ञान एमडीआर/एक्सडीआर तपेदिक में एटीटी-प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी की क्लिनिकोडेमोग्राफिक और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल
2. स्ट्रोक के रोगियों में सूर्य के प्रकाश से उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में गति विकारों का स्पेक्ट्रम और नैदानिक प्रोफ़ाइल
4. विल्सन रोग के रोगियों में मल्टीमोडैलिटी इवोक्ड पोटेंशियल्स और इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम
5. सबएक्यूट स्केलेरोसिंग पैनएनसेफलाइटिस में मायोक्लोनस का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मूल्यांकन
6. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम
7. विल्सन रोग के रोगियों में अच्छे तंत्रिका संबंधी परिणामों से जुड़े कारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
8. हंटिंगटन रोग के रोगियों में गैर-मोटर अभिव्यक्तियाँ और जीवन की गुणवत्ता पर उनका प्रभाव

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 578 12/24/2025 6:55:59 PM

9. ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस में बेसल एक्सयूडेट्स के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड: एक संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (प्रोब) अध्ययन सीएनएस ट्यूबरकुलोसिस में रिफ्रैक्टरी प्रोलिफेरेटिव एराक्नोइडाइटिस के उपचार में साइक्लोफॉस्फेमाइड

10. तीव्र डिमाइलेटिंग ऑप्टिक न्यूरिटिस में दृश्य कार्य में सुधार हेतु डॉ.ल्फैम्प्रिडिन - एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण।

11. नैदानिक स्पेक्ट्रम, इमेजिंग विशेषताएँ, कार्यात्मक गति विकारों के दीर्घकालिक परिणाम

12. फोकल दवा प्रतिरोधी मिर्गी के रोगियों में दौरे के परिणाम पर मेलाटोनिन की प्रभावकारिता: एक आरसीटी

13. ब्रेकियल प्लेक्सोपैथी में स्टेरॉयड के प्रति नैदानिक प्रोफ़ाइल एवं प्रतिक्रिया: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

14. माइग्रेन के रोगियों में पेपर पेन डायरी की तुलना में सिरदर्द से संबंधित मापदंडों में सुधार करने में स्मार्टफोन आधारित डिजिटल एप्लिकेशन की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रित क्रॉस ओवर परीक्षण।

15. तपेदिक मैनिंजाइटिस प्रेरित मस्तिष्क वाहिकाविकृति के निदान एवं पूर्वानुमान में ट्रांसक्रेनियल डॉ.पलर अल्ट्रासोनोग्राफी

16. आईआईएच में दृश्य क्षेत्र के साथ टीसीडी द्वारा अक्टूबर पैरामीटर, ऑप्टिक तंत्रिका म्यान व्यास और एमसीए वेवफॉर्म में परिवर्तन का सहसंबंध।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. हाइपरट्रॉफिक पैचीमेनिन्जाइटिस का एटियोलॉजिकल अध्ययन, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा विभाग

2. तीव्र नॉन-कार्डियोएम्बोलिक इस्केमिक स्ट्रोक या उच्च-जोखिम वाले टीआईए के बाद 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पुरुष और महिला सहभागियों में इस्केमिक स्ट्रोक की रोकथाम हेतु मुख एफएक्सआईए अवरोधक असुंडेक्सियन (बीएवाई 2433334) का एक बहुकेंद्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह और घटना-संचालित चरण 3 अध्ययन। कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी।

3. प्राथमिक प्रगतिशील मल्टीपल स्क्लेरोसिस (पर्सूएस) से पीड़ित सहभागियों में स्कार442168 की तुलना प्लेसीबो से करने वाला एक चरण III यादृच्छिक, दोहरा, प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा अध्ययन। कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी।

4. भारत में किसी मूवमेंट विकार सेंटर में रेफ़रल से पहले पार्किंसंस रोग हेतु प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न को समझना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। भारत वर्ष में कई केंद्र।

पूर्ण

1. नॉन-रिलैप्सिंग सेकेंडरी प्रोग्रेसिव मल्टीपल स्क्लेरोसिस (हरक्यूल) से पीड़ित प्रतिभागियों में स्कार442168 की तुलना प्लेसीबो से करते हुए चरण III यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 579 12/24/2025 6:55:59 PM

2. दैनिक लेवोडोपा समतुल्य खुराक में सांस्कृतिक विचार: वैश्विक जनसंख्या का एक अध्ययन। कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी।

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	0	1	6
कुल वित्तपोषण	-	10 लाख रुपये	301.64 लाख रुपये

रोगी उपचार

एनसीआई, झज्जर में तंत्रिका विज्ञान सेवाएँ तंत्रिका विज्ञान समस्याओं से ग्रस्त रोगियों, विशेष रूप से कैंसर से प्रभावित रोगियों की उपचार हेतु प्रतिबद्ध हैं। बाह्य रोगी विभाग ने कई रोगियों को परामर्श प्रदान किया है, जिसमें विशेष क्लिनिक परामर्श भी शामिल है।

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	-	5600	5850
विशेष क्लिनिक परामर्श	-	650	750
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	-	-	-
कुल भर्ती रोगी	-	-	-
प्रयोगशाला जांच	-	-	-

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

- डॉ. दिव्यानी गर्ग ने पार्किंसंस रोग हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. जैस्मीन परिहार ने रोगी उपचार ट्रस्ट (एनजीओ) और एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से कर्नाटक के मुंडगोड में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा जांच कार्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक आउटरीच में भाग लिया तथा तंत्रिका विज्ञान संबंधी स्क्रीनिंग और रोगी शिक्षा में योगदान दिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

पुरस्कार

दिव्यानी गर्ग को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआरसीपी), लंदन, यूके द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

जैस्मीन परिहार को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 35वें वार्षिक सम्मेलन (एपीआईडीएससी) 2025 में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा चिकित्सक हेतु श्रीमती पवन कुमारी जैन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 580 12/24/2025 6:55:59 PM

विशेष घटनाएँ

दिव्यानी गर्ग

1. इंटरनेशनल पार्किंसन एंड मूवमेंट विकार सोसाइटी इंटरनेशनल लीडरशिप प्रोग्राम 2024-2025 हेतु चयनित
2. अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसन और मूवमेंट विकार सोसाइटी की जेनेटिक्स शिक्षा उपसमिति के सदस्य के रूप में 2025 हेतु चयनित
3. इंटरनेशनल पार्किंसन एंड मूवमेंट विकार सोसाइटी नैदानिक अनुसंधान मेथोडोलॉजी स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप (2025-2027) के संचालन समिति सदस्य के रूप में चयनित
4. इंटरनेशनल पार्किंसन एंड मूवमेंट विकार सोसाइटी, मूवमेंट विकार विशेष रुचि समूह (2023-2025) में महिलाएं की संचालन समिति की सदस्य
5. इंटरनेशनल पार्किंसन एंड मूवमेंट विकार सोसाइटी पीडियाट्रिक मूवमेंट विकार स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप (2023-2025) की संचालन समिति के सदस्य
6. संपादकीय बोर्ड के सदस्य, तंत्रिका विज्ञान विकार में चिकित्सीय प्रगति पत्रिका
7. सहायक संपादक, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के इतिहास
8. सहायक संपादक, एनाल्स ऑफ मूवमेंट विकार
9. एशियाई एवं ओशियन पार्किंसन और मूवमेंट विकार कांग्रेस 2025 में पार्किंसन रोग में गैर-मोटर लक्षणों पर निर्देशित पोस्टर टूर का आयोजन किया।
10. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएचएएनएस), बेंगलुरु हेतु डीएम थीसिस मूल्यांकन
11. गैर-आईसीएमआर वैज्ञानिकों हेतु आईसीएमआर यात्रा अनुदान प्राप्त किया
12. तंत्रिका विज्ञान हेतु प्रतिष्ठित इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान बार-बीक्यू क्विज़ हेतु क्विज़मास्टर के रूप में कार्य किया

जैस्मीन परिहार

1. सिरदर्द विकारों में गैर-आक्रामक न्यूरोमॉड्यूलेशन पर कॉनफ्लूऐस ऑफ स्पेशिलिटीज इन मेडिसिन (सीओएसएम) 2025 में एक सत्र की अध्यक्षता की: एक अद्यतन 11 जनवरी 2025
2. हाइपरएक्यूट स्ट्रोक की पहचान और उपचार पर एपीआई-डीएससी द्वारा चिकित्सकों के लिए न्यूरो-अपडेट में 1 जून 2024 को एक सत्र की अध्यक्षता की।
3. 21 फरवरी 2025 को एओईसी में डेटा ब्लिट्ज सत्र की अध्यक्षता और संचालन किया।
4. डीएनएसीओएन, 2025 में पोस्टरों का मूल्यांकन किया।
5. इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी (15 नवंबर 2024 से 15 अप्रैल 2025 तक) द्वारा आयोजित वीआईआरईपीए - न्यूरोइमेजिंग कोर्स का चौथा संस्करण 2024-25 पूर्ण किया।
6. 18-19 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एएसईपीए - ईईजी सम्मेलन से पूर्व (एओईसी) कार्यशाला का संचालन किया और उसमें एक शिक्षक के रूप में भाग लिया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 581 12/24/2025 6:55:59 PM

नाभिकीय चिकित्सा

सह-आचार्य

अभिनव सिंघल　　कल्पा ज्योति दास

विशेषताएं

वर्ष 2024-25 एनसीआई, झज्जर में नाभिकीय चिकित्सा विभाग के नैदानिक कामकाज का केवल तीसरा वर्ष था। विभाग वर्तमान में पीईटी-सीटी स्कैनर (128 स्लाइस सीटी) और एक डूयल हेड एसपीईसीटी-सीटी गामा कैमरे से सुसज्जित है, जिसका संस्थापन मार्च 2022 में पूरा हो गया था, जिसने 18 एफ-एफडीजी पीईटी-सीटी और 99 एमटीसी रेडियोफार्मास्युटिकल आधारित स्किन्टिग्राफी के साथ नैदानिक इमेजिंग सेवाओं की शुरुआत को चिह्नित किया। अगस्त 2023 माह में, 68 जर्मेनियम-68 गैलियम जनरेटर को स्वचालित सिंथेसाइज़र प्रणाली की स्थापना के साथ खरीदा गया था, इस प्रकार 68 जीए-डीओटीएएनओसी और 68 जीए-पीएसएमए स्कैन को शामिल करने के लिए पीईटी-सीटी इमेजिंग के पहुंच का विस्तार किया गया। 21बिस्तरों वाले अधिकतम खुराक रेडियोन्यूक्लिाइड थेरेपी वार्ड (भारत में इस प्रकार की सबसे बड़ी अंत: रोगी सुविधा) का कार्य पूर्ण हो गया है तथा नियामक समिति से द्वारा वार्ड को शुरू करने के लिए लाइसेंस की प्रतीक्षा है। यह एकक शिक्षा तथा अनुसंधान में सक्रिय रूप से कार्यरत है।

शिक्षा

1. नाभिकीय चिकित्सा में एमडी की डिग्री प्राप्त करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को रोटेशन के आधार पर नियुक्त किया जाता है और उन्हें अर्बुदविज्ञान पीईटी-सीटी और विभिन्न प्रकार के गामा स्किन्टिग्राफी स्कैन के संचालन और रिपोर्टिंग में प्रशिक्षित किया जाता है।
2. स्नातकोत्तर छात्रों, प्रौद्योगिकीविदों और नर्सिंग स्टाफ के शिक्षण के लिए संकाय सदस्यों द्वारा समय-समय पर व्याख्यान दिए जाते हैं।
3. हर महीने के आखिरी शनिवार को स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा जर्नल क्लब प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनमें नाभिकीय चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध पत्रों पर चर्चा की जाती है।
4. प्रत्येक संकाय सदस्य को एमडी थीसिस के लिए नाभिकीय चिकित्सा में एमडी कर रहे तीन स्नातकोत्तर छात्रों को आवंटित किया गया है, जिससे विभाग में वर्तमान में कुल छह पीजी छात्र थीसिस कर रहे हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

अभिनव सिंघल

1. मेटास्टेटिक हार्मोन-सेंसेटिव प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) में व्यक्तिगत चिकित्सा, यूरो-ऑन्कोलॉजी अपडेट, 23-24 नवंबर 2024, नई दिल्ली

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
डॉ. अभिनव सिंघल	3	2	1
डॉ. कल्पा ज्योति दास	1	1	0

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 582　12/24/2025 6:55:59 PM

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	कोई नहीं	1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एफडीजी पीईटी-सीटी द्वारा चयापचय प्रतिक्रिया और नियोएडजुवेंट कीमोइम्यूनोथेरेपी प्राप्त करने वाले नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में रोग संबंधी प्रतिक्रिया और जीनोमिक प्रोफाइल के साथ इसका सह-संबंध, डॉ. अभिनव सिंघल, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

अभिनव सिंहल

1. 18-एफडीजीपीईटी-सीटी से पहले अप्रत्याशित हाइपरग्लाइसिमिया की उपस्थिति वाले रोगियों में अंतःशिरा इंसुलिन का उपयोग करते हुए रक्त शर्करा अनुकूलन की व्यवहार्यता
2. 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी से पहले अप्रत्याशित हाइपरग्लाइसिमिया लक्षणों वाले रोगियों में अनुकूली अंतःशिरा इंसुलिन प्रोटोकॉल की सफलता दर
3. वयस्क ग्लियोमा में उपचार के बाद पुनरावृत्ति को रेडिएशन नक्रोशिस से अलग करने के लिए जीए68-पीएसएमए पीईटी-सीटी का मूल्यांकन

जारी

कल्पा ज्योति दास

1. उपचार पूर्व 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी रेडियोमिक्स का उपयोग करते हुए स्तन कैंसर का आणविक लक्षण-वर्णन।
2. 68जीए पीएसएमए पीईटी/सीटी द्वारा उपचार-अनुभवी ऑस्टियोसारकोमा रोगियों में पीएसएमए की अभिव्यक्ति का आकलन तथा एनएसीटी के प्रति प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान
3. टीएनबीसी रोगियों में जीए-68 पीएसएमए और पारंपरिक स्टेजिंग की तुलना।
4. 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी करवा रहे कैंसर रोगी में व्यापकता और स्कैन-चिंता की गंभीरता का आकलन तथा चिंता के स्तर को कम करने में दृश्य-श्रव्य हस्तक्षेप का प्रभाव।
5. एचसीसी के रोगियों में प्रणालीगत चिकित्सा के लिए चरण निर्धारण और प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 68 जीए-पीएसएमए-11पीईटी/सीटी का मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 583 12/24/2025 6:55:59 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

अभिनव सिंहल

1. एफडीजी पीईटी-सीटी द्वारा चयापचय प्रतिक्रिया और नियोएडजुवेंट कीमोइम्यूनोथेरेपी प्राप्त करने वाले गैर लघु कोशिका लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में रोग संबंधी प्रतिक्रिया और जीनोमिक प्रोफाइल के साथ इसका सहसंबंध, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एनसीआई झज्जर, एम्स नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में किए गए शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	3
कुल वित्तपोषण (रुपये)	रुपये 15 लाख	रुपये 15 लाख	रुपये 25 लाख

रोगी उपचार

अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक नाभिकीय चिकित्सा विभाग में निष्पादित किए गए नैदानिक स्कैन

पीईटी-सीटी	2024-25
18एफ-एफडीजी स्कैन	4191
68जीए-पीएसएमए स्कैन	239
68जीए-डीओटीएएनओसी स्कैन	57
68जीए-एफएपीआई स्कैन	01
गामा स्किंटिग्राफी (99एमटीसी आधारित)	
जीएफआर के साथ डीटीपीए स्कैन	146
ए1, 1, ईसी डीयूरेटिक रीनल स्कैन	120
एमडीपी बोन स्कैन	47
थायरॉइड स्कैन	0
पैराथाइरॉइड स्कैन	01
एमयूजीए स्कैन	1507
लंग फरफ्यूज़न स्कैन	11
सेंटिनेल लिम्फ नोड प्रक्रिया	14
डीएमएसए रीनल स्कैन	01

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 584 12/24/2025 6:55:59 PM

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

- डॉ. कल्पा ज्योति दास को सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन इंडिया- नॉर्दर्न चैप्टर द्वारा 2024 में क्विज़ मास्टर के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें 8-10 अप्रैल 2024 को इंस्टीट्यूट क्यूरी, पेरिस में आयोजित रेडियोमिक्स: थ्योरी एंड प्रैक्टिस में मास्टरक्लास के तीसरे संस्करण के लिए चुना गया और पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। 1-2 मार्च 2025 को जोरहाट में 'कैंसर उपचार के लिए समग्र दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित होने वाले तीसरे वार्षिक नॉर्थईस्ट ऑन्कोलॉजी शिखर सम्मेलन (एनईओएस) 2025 के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

अर्बुद-संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

विशेषताएं

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

अनुजा पंडित: 2 **सौरभ विग: 2** **श्वेता भोपाले: 1**

बलबीर कुमार: 1 **प्रशांत सिरोहिया: 4** **राघव गुप्ता: 13**

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
22	35	23

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
7	4	5

अनुसंधान

जारी बाह्य वित्तपोषित/आंतरिक वित्तपोषित परियोजनाएं

1. दीर्घकालिक दुर्बलता वाली स्थितियों के रोगी भार को कम करने के लिए, उत्तर भारत के 10 अस्पतालों में प्रशामक उपचार सेवाओं की क्षमता का निर्माण करना, डॉ. ब्रजेश कुमार रात्रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 2.76 लाख
2. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में ऑपरेशन के बाद न्यूट्रोफिल जिलेटिनेस-एसोसिएटेड लिपोकेलिन प्रोफाइल पर लक्ष्य-निर्देशित थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डॉ. राघव गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 रुपये प्लस रुपये 5 लाख

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 585 12/24/2025 6:55:59 PM

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. गैर-गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, गैर-पेल्विक दुर्दमताओं के साथ स्त्रीरोग संबंधी दुर्दमताओं वाले रोगियों में गैस्ट्रिक वॉल्यूम का अनुमान लगाने और तुलना करने के लिए बेड साइड अल्ट्रासाउंड: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. उन्नत सिर एवं गर्दन के रोगियों में तथा उपरी जठरांत्र संबंधी दुर्दमताओं के साथ भोजन करने में कठिनाई में आधुनिक शल्य चिकित्सा में प्रशामक शल्य चिकित्साओं का प्रभाव क्षमता का अध्ययन करना: एक संभावित अध्ययन।

3. डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ स्प्लेनचनिक न्यूरोलिसिस को बढ़ाना: पेट के ऊपरी भाग के कैंसर के लिए एक डबल-ब्लाइंड संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

4. सिर और गर्दन के कैंसर में सियालोरिया के उपचार में सब्लिंगुअल एट्रोपिन बनाम प्लेसीबो की प्रभावकारिता - एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

5. स्तन कैंसर शल्य चिकित्सा में ऑपरेशन के बाद के दर्द पर इंट्राऑपरेटिव एस्मोलोल का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

6. हेपेटोबिलरी कैंसर के रोगियों में मानक उपचार के साथ उपशामक उपचार के प्रारंभिक एकीकरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. प्रमुख उदरीय पेल्विक अर्बुद विज्ञान शल्य चिकित्सा में ऑपरेशन से पूर्व के परिणामों पर जीडीएफटी के लिए क्रिस्टलॉयड बनाम एल्ब्यूमिन के प्रभाव की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

8. तृतीयक उपचार केंद्र में उपशामक उपचार इकाई में प्रस्तुत होने वाले मेटास्टैटिक स्पाइनल कॉर्ड संपीड़न से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और भावनात्मक कल्याण का आकलन एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

9. सिर और गर्दन संबंधी विकारों के रोगियों में सामान्य संवेदनाहरण के बाद ऑपरेशन से पहले अल्ट्रासाउंड निर्देशित सबक्लेवियन डायामीटर में परिवर्तन और पैरों को निष्क्रिय अवस्था में उपर उठाने के परीक्षण द्वारा पोस्ट-इंडक्शन हाइपोटेंशन की घटना के बीच सहसंबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

10. उपशामक चिकित्सकों के बीच-बर्नआउट एवं बोझ का निर्धारण - क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

11. सिर और गर्दन की शल्य चिकित्सा करवा रहे मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद की रुग्णता और मृत्यु दर के पूर्वानुमान कारक। एक पूर्वव्यापी अवलोकनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में डबल लुमेन ट्यूब के आकार का अनुमान लगाने के लिए क्रिकॉइड अल्ट्रासोनोग्राफी और सीटी स्कैन - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. रोग संबंधी विकृतियों के लिए डीबल्किंग सर्जरी के बाद ऑपरेशन के पश्चात की रुग्णता और मृत्यु दर का पूर्वानुमानस्त्री पूर्वव्यापी अवलोकनात्मक अध्ययन।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 586 12/24/2025 6:55:59 PM

3. एपिड्यूरल एनाल्जेसिया थोरैकोटॉमी से ग्रस्त ऑन्को-सर्जिकल रोगियों में रिकवरी की पेरिऑपरेटिव गुणवत्ता पर एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रण, ओपनलेबल, गैर-हीनता, प्रारंभिक परीक्षण (सेपेट ट्रायल)।

4. मूत्राशय ट्यूमर के ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन करवा रहे रोगियों में शल्य चिकित्सा के बाद कैथेटर से संबंधित मूत्राशय की असुविधा की रोकथाम के लिए अंतःशिरा लिडोकेन और अंतःशिरा केटामाइन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

5. मस्तिष्क मेटास्टेसिस से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और संज्ञानात्मक कार्य का आकलन, तृतीयक उपचार केंद्र में प्रशामक चिकित्सा विभाग के समक्ष प्रस्तुत - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

6. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में अवेक फाइबरऑप्टिक इंटुबैशन (एएफओआई) में बेहोशी के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन और मिडाज़ोलम बनाम कीटोफ़ोल (केटामाइन+प्रोपोफ़ोल) की संयोजन आहार के प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक अध्ययन - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सिर और गर्दन की सर्जरी में ईआरएएस - एक ऑडिट चक्र, ईएनटी विभाग, एनसीआई झज्जर

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	2	2
कुल वित्तपोषण	-	रुपये 10 लाख	रुपये 286 लाख

रोगी उपचार

	2022-23	2023-24	2024-25
ओपीडी परामर्श	स्क्रीनिंग और फॉलो-अप ओपीडी सप्ताह में 2 दिन	स्क्रीनिंग और फॉलो-अप ओपीडी सप्ताह में 2 दिन, 6 घंटे की ओपीडी, उपशामक चिकित्सा और कैंसर से होने वाला दर्द, प्रत्येक ओपीडी में लगभग 50-60 रोगी	स्क्रीनिंग और अनुवर्ती ओपीडी सप्ताह में 5 दिन, प्रशामक चिकित्सा और कैंसर से होने वाला दर्द में 6 घंटे की ओपीडी, प्रत्येक ओपीडी में लगभग 70-80 रोगी
ऑपरेशन थियेटर	4 प्रमुख ऑपरेशन थिएटर और चौबीसों घंटे आपातकालीन ओटी सेवाएं	6 प्रमुख ऑपरेशन थिएटर और चौबीस घंटे आपातकालीन ओटी सेवाएं	5 प्रमुख ऑपरेशन थिएटर और चौबीस घंटे आपातकालीन ओटी सेवाएं

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 587 12/24/2025 6:55:59 PM

	2022-23	2023-24	2024-25
आईसीयू	25 बिस्तरों वाला आईसीयू	25 बिस्तरों वाला आईसीयू	25 बिस्तरों वाला आईसीयू
उपशामक उपचार वार्ड	24 बिस्तरों वाला वार्ड	40 बिस्तरों वाला वार्ड	40 बिस्तरों वाला वार्ड
आपातकालीन और परिधीय सेवाएं	बेहोश करके की गई प्रक्रियाएं, गैर-ऑपरेशन कक्ष संवेदनाहरण, आपातकालीन आईसीयू और ओआर सेवाएं	बेहोश करके की गई प्रक्रियाएं, गैर-ऑपरेशन कक्ष संवेदनाहरण, आपातकालीन आईसीयू और ओआर सेवाएं	बेहोश करके की गई प्रक्रियाएं, गैर-ऑपरेशन कक्ष संवेदनाहरण, आपातकालीन आईसीयू और ओआर सेवाएं

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

राघव गुप्ता आईएसए दिल्ली न्यूज़लेटर के सहायक संपादक थे। वे आईएससीसीएम न्यूज़लेटर के सहायक संपादक थे। मेडिकल डायलॉग्स ब्लैकबक राइजिंग रिसर्चर अवार्ड प्राप्त। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (भारत की पहली विज्ञान अकादमी)-एमएनएएससी की सदस्यता। एम्स-एनएएमएस कैंसर पेन सीएमई के आयोजन सचिव। एनएएमएस (नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज) के दिल्ली राज्य चैप्टर के सह-नोडल अधिकारी। आईएसए दिल्ली युवाकॉन, दिल्ली आईएसएकॉन, दिल्ली आईएपीसी के सीएमई, कैंसर प्रशिक्षण केंद्र कोहोर्ट 6 कोर्स की आयोजन समिति के सदस्य। एनसीपीआई 2025 की वैज्ञानिक समिति के सदस्य। प्रथम एनसीपीओ 2025 में अनुसंधान श्रेणी में योगदान प्रथम पुरस्कार।

बलबीर कुमार बेसिक लाइफ सपोर्ट, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (जुलाई 2024) § बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स (नवंबर 2024 में नामांकन)। एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (जुलाई 2024) § पीडियाट्रिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (जुलाई 2024)।

प्रशांत सिरोहिया

1. कार्यशाला संकाय

   क. 20 से 21 जुलाई, 2024 तक राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर, एम्स, नई दिल्ली में पैलिएटिव केयर पर आईसीएमआर-एम्स क्षमता निर्माण कार्यशाला।

   ख. 13 सितंबर 2024 को जोधपुर में राजस्थान सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के 25वें वार्षिक सम्मेलन "राजीसाकॉन 2024" में अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक कार्यशाला (अपर लिम्ब ब्लॉकस)।

   ग. 27 से 29 सितंबर 2024 तक इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स दिल्ली शाखा - आईएसएसीओएन दिल्ली के 63वें वार्षिक सम्मेलन में क्रोनिक पेन कार्यशाला (कमर दर्द की जांच) - नई दिल्ली

2. फैलोशिप

   क. कोझिकोड के उपशामक चिकित्सा संस्थान में पैलिएटिव मेडिसिन कार्यक्रम में राष्ट्रीय फैलोशिप

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 588 12/24/2025 6:55:59 PM

3. प्रशिक्षण

   क. सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में एसीएलएस और बीएलएस प्रशिक्षण - 19 से 21 नवंबर 2024 तक।

अतिथि वैज्ञानिक

1. 29-30 नवंबर 2024 तक जीएमसी, चंडीगढ़ में आईसीएमआर परियोजना के लिए अतिथि संकाय-सदस्य, जिसका शीर्षक है: "उत्तर भारत के 10 अस्पतालों में गंभीर स्थितियों के रोगियों में पीड़ा को कम करने के लिए उपशामक उपचार सेवाओं की क्षमता का निर्माण करना"।

सौरभ विग

1. एसीसीएएचए मान्यता प्राप्त - एसीएलएस बीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम बेसिक लाइफ सपोर्ट कोर्स पूर्ण किया, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (जुलाई 2024)
2. जैव चिकित्सा अनुसंधान में बेसिक कोर्स (नवंबर 2024 में नामांकन)

श्वेता भोपाले

1. जैव चिकित्सा अनुसंधान पूर्ण किया (बीसीबीआर) जुलाई 2024

नेत्र विज्ञान

सहायक आचार्य

सुमित ग्रोवर　　दीपशेखर दास

विशिष्टताएं

एनसीआई में नेत्र ऑन्कोलॉजी सेवाएं दिसंबर 2022 में शुरू की गईं।

लक्ष्य:

- नेत्र कैंसर सेवा का उद्देश्य नेत्र ट्यूमर का विशेष निदान एवं उपचार प्रदान करना, नेत्र ट्यूमर से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य और आयु को संरक्षित करना और उनके जीवन को दीर्घायु करना है।

उद्देश्य:

- एनसीआई में नेत्र कैंसर सेवा का उद्देश्य नेत्र ट्यूमर का निदान और उपचार करना है, ताकि नेत्र दीर्घायु हो सके तथा नेत्र और उपयुक्त दृष्टि को संरक्षित करके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।
- चिकित्सा और शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञानी के साथ सहयोग करना ताकि मेटास्टेटिक रोग की रोकथाम और उपचार के लिए किसी भी अवसर का अनुकूलन किया जा सके।

प्रमुख गतिविधियाँ:

- नेत्र ऑन्कोलॉजी क्लीनिक द्वारा सभी अंतः नेत्र और कक्षीय ट्यूमर का उपचार किया जाता है।
- एपिफोरा क्लिनिक में कैंसर या उसके उपचार के परिणामस्वरूप एपिफोरा विकसित होने वाले रोगियों का मूल्यांकन और उपचार करना शुरू कर दिया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 589　12/24/2025 6:56:00 PM

- अपवर्तक त्रुटियाँ, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और मधुमेह रेटिनोपैथी आदि जैसी सामान्य बीमारियों के लिए व्यापक नेत्र विज्ञान सेवाएं।
- निवारक ऑन्कोलॉजी सेवाओं (एनसीआई) के सहयोग से सामुदायिक नेत्र विज्ञान सेवाएं।
- एनसीआई नेत्र विज्ञान ओपीडी में रेटिना रोगों की एआई आधारित स्क्रीनिंग के लिए फंडस ऑन फोन की शुरुआत की गई।
- आईसीएमआर और डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से "ड्रोन द्वारा आई-ड्रोन कॉर्नियल परिवहन" परियोजना में संकाय-सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।





शिक्षा

सुमित ग्रोवर: 11

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
डॉ. सुमित ग्रोवर	12	20	11

दीपशेखर दास: 7

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
दीपशेखर दास	4	8	7

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	2	5

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 590 12/24/2025 6:56:00 PM

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित): 2

जारी

1. मल्टीमॉडल उपचार के बाद इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा के दृश्य परिणाम और रिग्रेशन पैटर्न
2. वर्तमान युग में एकतरफा रेटिनोब्लास्टोमा की नैदानिक जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम।

रोगी उपचार

विशेष क्लीनिक

1. नेत्र ऑन्कोलॉजी क्लिनिक.
2. कीमोथेरेपी पर कैंसर रोगियों के लिए एपिफोरा क्लिनिक।

संकाय सदस्यों द्वारा सामुदायिक चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया

1. 22 अप्रैल 2024 को सरकोमा केयर फाउंडेशन और निवारक अर्बुदविज्ञान एवं नेत्र विज्ञान ईकाई एनसीआई (झज्जर) के सहयोग से सेंट स्टीफंस कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के "आरोहण" सोशल सर्विस लीग द्वारा आयोजित वार्षिक चिकित्सा शिविर में भाग लिया। 200 रोगियों को नेत्र विज्ञान सेवाएं प्रदान की गईं।
2. 16-21 जनवरी 2024 तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित नेत्र कुंभ में क्षेत्रीय अनुसंधान में भाग लिया और नेत्र रोगियों का उपचार किया। माननीय निदेशक, एम्स द्वारा नामित, एम्स की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 5 दिनों में लगभग 450 रोगियों का उपचार किया।
3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्लयू) के 48वें वार्षिक दिवस के अवसर पर आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया। 9 मार्च 2025 को एम्स का प्रतिनिधित्व किया और लगभग 150 रोगियों का उपचार किया।
4. 23-25 मार्च 2025 तक मुंदगोड कर्नाटक में पीसीटी-एम्स द्वारा आयोजित एक चिकित्सा शिविर में भाग लिया। मुंदगोड के आदिवासी क्षेत्रों के 250 बौद्ध भिक्षुओं और अन्य कमजोर तबके के लोगों ने इसमें भाग लिया।

रोगी उपचार ***(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)***

मद	2022 (दिसंबर)	2023 जनवरी-दिसंबर	2024 जनवरी-दिसंबर
ओपीडी परामर्श नेत्र रोग विशेषज्ञ आउटरीच ओपीडी झज्जर		11731	11636
एनसीआई नेत्र विज्ञान ओपीडी			821
विशेष क्लिनिक परामर्श	-	960	250

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 591 12/24/2025 6:56:00 PM

मद	2022 (दिसंबर)	2023 जनवरी-दिसंबर	2024 जनवरी-दिसंबर
मरीजों को प्रदान की गई पुनर्वास सेवाएं	-	15	6
कुल भर्ती मरीज	-	-	-

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. सुमित ग्रोवर 2 मई 2024 को निर्माण भवन नई दिल्ली में एनपीसीबी VI एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा भारत में ट्रेकोमा उन्मूलन से संबंधित डोजियर समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया। डॉस टाइम्स "ओक्यूलर ऑन्कोलॉजी सेक्शन" के अनुभाग संपादक के रूप में नामित किया गया, डीओएस दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी का आधिकारिक प्रकाशन है, 8 मई 2024. एसीओआईएन असम राज्य चेप्टर ओरेशन 2024 पुरस्कार से सम्मानित। एसीओआईएन पूर्वोत्तर भारत शिखर सम्मेलन श्री शंकरदेव नेत्रालय गुवाहाटी असम में 11 अगस्त 2024 को प्रतिष्ठित स्वर्गीय डॉ. प्रेम प्रकाश गुप्ता स्मारक भाषण दिया। 30 सितंबर 2024 (सोमवार) को दोपहर 2.00 बजे से भारत के डीजीएचएस की अध्यक्षता में संसाधन केंद्र कक्ष संख्या 445-ए विंग निर्माण भवन, नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत समावेशी नेत्र स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के गठन पर पहली चर्चा के लिए आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. दीपशेखर दास 27 मार्च 2025 को इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के सहायक संपादक के रूप में कार्य के लिए संपादक प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 24 मार्च 2025 को इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी द्वारा "प्लाक ब्रैकीथेरेपी की डिसइन्सर्ट, रिट्रैक्ट, रोटेट तकनीक" के लिए आईजेओ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

लागू नहीं

अस्थिरोग विभाग

सहायक आचार्य

लव कपूर श्रीजीत मुरलीधरन बी

विशिष्टताएं

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में, हमने मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर वाले रोगियों की जटिल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की है और पहलों को लागू किया है। हमारा सबसे प्रमुख प्रयास अस्थिरोग अर्बुदविज्ञान आउटपेशेंट विभाग (ओपीडी) और ऑपरेशन थिएटर (ओटी) सेवाओं का उद्घाटन करना रहा है। इससे हमें एक ही छत के नीचे, निदान से लेकर उपचार तक विशेष उपचार प्रदान करने में सहायता मिलती है, जिससे प्रत्येक रोगी के लिए निर्बाध समन्वय और व्यक्तिगत उपचार सुनिश्चित होता है। हमारे प्रमुख बिन्दुओं में से एक अंगों के जटिल अस्थि ट्यूमर के लिए अंग की बचाव शल्य चिकित्सा है। उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीकों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य घातक ट्यूमर का प्रभावी ढंग से इलाज करते हुए अंगों की कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 592 12/24/2025 6:56:00 PM

बनाए रखना है। इसके अतिरिक्त, हमने स्पाइनल ट्यूमर शल्य चिकित्सा में विशेषज्ञता हासिल की है, जो स्पाइनल कॉलम को प्रभावित करने वाले ट्यूमर के रोगियों को सेवा प्रदान करती है। सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए, हमने संस्थान के विभिन्न विभागों के साथ साझेदारी की है, रोग उपचार समूहों (डीएमजी) के माध्यम से एक बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साथ लाकर, हम उपचार योजना और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं, जिससे अंततः रोगी उपचार में सुधार होता है। इसके अलावा, हमने मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी के लिए विशेष उपकरणों और मशीनों की खरीद को प्राथमिकता दी है। यह निवेश हमें सटीकता और दक्षता के साथ प्रक्रियाएँ करने में सक्षम बनाता है, और अस्थिरोग अर्बुदविज्ञान की प्रगति में अग्रणी बना रहता है। संक्षेप में, हमारी अस्थिरोग अर्बुदविज्ञान की इकाई मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर से जूझ रहे रोगियों के लिए एक आशा की किरण के रूप में खड़ी है, जो उनके स्वास्थ्य लाभ की यात्रा में व्यापक उपचार, नवीन उपचार और अटूट समर्थन प्रदान करती है।

शिक्षा

अस्थिरोग विभाग में सहायक आचार्य के रूप में, हम स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने में शामिल थे, जिसमें व्याख्यान देना और सेमिनारों का संचालन करना शामिल था। हम नर्सिंग स्टाफ और रोगी उपचार से जुड़े अन्य स्वास्थ्य सेवा कार्मिकों को सतत शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने में भी सक्रिय थे।

1. 'पैर की जन्मजात विकृतियाँ' पर व्याख्यान - स्नातकपूर्व
2. 'अंगविच्छेदन और कृत्रिम अंग' पर व्याख्यान - स्नातकपूर्व
3. 'हड्डी के ट्यूमर में अंग बचाव' पर सेमिनार - स्नातकोत्तर
4. बिनाइन हड्डी ट्यूमर का उपचार पर सेमिनार - स्नातकोत्तर
5. स्नातकोत्तर रेडियोलॉजी सत्र - सामान्य आर्थोपेडिक मामलों के एक्स-रे पर चर्चा
6. स्नातकोत्तर व्याख्यान - "अस्थि प्रत्यारोपण और विकल्प।"
7. स्नातकपूर्व छात्रों के लिए 'बिनाइन अस्थि ट्यूमर' पर व्याख्यान
8. स्नातकोत्तर शिक्षण केस प्रस्तुति - "रीढ़ की हड्डी का तपेदिक रोग"
9. स्नातकोत्त्र केस प्रस्तुति - "डिस्टल जांघ की हड्डी में सूजन"
10. स्नातकोत्तर विकिरण विज्ञान सत्र - सामान्य अस्थिरोग के मामलों की एक्स-रे चर्चा।
11. स्नातकोत्तर केस प्रस्तुति- "नॉन यूनियन नेक ऑफ फीमर"।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

लव कपूर: 5 श्रीजीत मुरलीधरन बी: 7

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-25
2	8	7

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 593 12/24/2025 6:56:00 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 6

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-25
8	20	6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ:

कोई नहीं

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित): कोई नहीं

सहयोगी परियोजनाएँ:

कोई नहीं

रोगी उपचार

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
ओपीडी परामर्श	28	258	379
विशेष क्लिनिक परामर्श	13	107	175
मरीजों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	13	33	54
कुल भर्ती मरीज	13	33	54

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. लव कपूर को "क्या एंडोथेलियल सेल डिसफंक्शन बोन सार्कोमा में सर्जिकल घाव के स्वास्थ्य की भविष्यवाणी कर सकता है, नामक पेपर प्रस्तुति शीर्षक के लिए ''बेस्ट ओरल पेपर'' पुरस्कार प्रदान किया गया। दिल्ली ऑर्थोपेडिक संघ द्वारा बोन सार्कोमा में घाव की जटिलताओं की भविष्यवाणी करने वाले कारकों का मूल्यांकन करने वाला एक अग्रदर्शी अध्ययन" इंडियन ऑर्थोपेडिक संघ द्वारा "बोन ट्यूमर के उपचार के लिए एक्स्ट्राकोर्पोरियल इरेडिएटेड ऑटोग्राफ़्ट के समावेश को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण - एक तृतीयक रेफरल केंद्र से पूर्वव्यापी विश्लेषण" शीर्षक वाले पेपर प्रस्तुति के लिए "सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर" के लिए प्रतिष्ठित डॉ. एसएस यादव स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इंडियन मस्कुलो-स्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी (आईएमएसओएस) द्वारा "क्या एंडोथेलियल सेल डिसफंक्शन बोन सार्कोमा में सर्जिकल घाव के स्वास्थ्य की भविष्यवाणी कर सकता है बोन सार्कोमा में घाव की जटिताओं की भविष्यवाणी करने वाले कारकों का मूल्यांकन करने वाला संभावित अध्ययन'' विषय पर पेपर प्रस्तुत करने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ मौखिक पत्र के लिए स्वर्ण मेडल प्राप्त हुआ।

डॉ. श्रीजीत एम.बी. 2024 के लिए एओ स्पाइन इंटरनेशनल फेलो के रूप में सम्मानित किया गया और मान्यता प्रदान की गई। वे जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एंड रिसर्च, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 594 12/24/2025 6:56:00 PM

ऑन्कोलॉजी, जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के लिए समीक्षक हैं। एम्स, नई दिल्ली के अस्थिरोग विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्पाइन विकृति सम्मेलन - 2023-2024/2024-2025 के सह-आयोजक सचिव और कैडेवर कोर्स के संयोजक।

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

बाल चिकित्सा

विशिष्टताएं

बाल चिकित्सा विभाग के दायरे और सेवाओं का विस्तार किया गया। इसमें गंभीर रूप से बीमार कैंसर से पीड़ित बाल रोगियों का उपचार, एनसीआई में बाल ऑन्कोलॉजी पोषण क्लिनिक और बाल कैंसर उत्तरजीविता क्लिनिक की शुरुआत करना शामिल है। बाल ऑन्कोलॉजी पोषण क्लिनिक का उद्देश्य कैंसर से पीड़ित बच्चों में कुपोषण की रोकथाम और उपचार करना है। बाल कैंसर उत्तरजीविता क्लिनिक की शुरुआत चिकित्सा अर्बुदविज्ञान टीम के साथ मिलकर की गई है ताकि जीवित बचे बच्चों को व्यापक उपचार प्रदान किया जा सके। इसमें उनके विकास, टीकाकरण और कैंसर के उपचार के बाद के प्रभावों की निगरानी शामिल है।

संकाय-सदस्य

ललित टाकिया
वर्षा मिश्रा
रचना पासी

ललित टाकिया

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आपातकालीन कक्ष और वार्ड में क्रोनिक अस्थमा उपचार, एम्स बाल पल्मोनोलॉजी और गहन चिकित्सा पाठ्यक्रम मॉड्यूल 13, 13-14 अप्रैल 2024, नई दिल्ली
2. हाई फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी, सीएमई/बेसिक और एडवांस्ड मैकेनिकल वेंटिलेशन पर कार्यशाला: व्यक्तिगत थेरेपी", 17-18 अगस्त 2024, दिल्ली
3. पीआईसीयू में चुनौतीपूर्ण मामले: केस आधारित चर्चा, उत्तर भारत का बाल चिकित्सा सम्मेलन, 21-22 सितंबर 2024, दिल्ली

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

ललित टाकिया" बीएमसी बाल चिकित्सा, जो एक सहकर्मी-समीक्षित बाल चिकित्सा पत्रिका है, के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया गया। एम्स, नई दिल्ली, एम्स ऋषिकेश, जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा और ईएसआईसी फरीदाबाद में आयोजित बेसिक लाइफ सपोर्ट और बाल चिकित्सा उन्नत लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला में संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया।

डॉ. ललित टाकिया ने उत्तर भारत के 7वें बाल चिकित्सा सम्मेलन में "पीआईसीयू में चुनौतीपूर्ण केस" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 595 12/24/2025 6:56:00 PM

सहायक आचार्य

वर्षा मिश्रा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एनीमिया - बचपन में कैंसर के प्रारंभिक निदान और रेफरल, भारतीय बाल कैंसर पहल, 3 अप्रैल 2025, दिल्ली
2. बच्चों में पैन्सीटोपेनिया के लिए दृष्टिकोण - अप्लास्टिक एनीमिया, आईएपी द्वारा पिंक फुटस्टेप मॉड्यूल कार्यशाला,13 अप्रैल 2025, दिल्ली

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की सूची: 1

अनुसंधान परियोजनाएं

1. कैंसर से पीड़ित बच्चों में फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया में बैक्टेरिमिया तथा "नैदानिक परिणामों की प्रारंभिक भविष्यवाणी के लिए सीरम बायोमार्कर की उपयोगिता का मूल्यांकन" डॉ. वर्षा मिश्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, 1 लाख रुपये

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. वर्षा मिश्रा ने नवंबर 2024 में जम्मू में आयोजित 27वें वार्षिक बाल रूधिर विज्ञान ऑन्कोलॉजी सम्मेलन में उन्नत बाल ऑन्कोलॉजी उपचार पर एक कार्यशाला में संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया। वह भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के बाल रूधिर विज्ञान ऑन्कोलॉजी चेप्टर की सदस्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय पेडिएट्रिक ऑन्कोलॉजी सोसायटी की सदस्य हैं। इंडियन चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव (आईसीसीआई) के एक्सेस टू केयर टास्क फोर्स की सदस्य हैं और इसके लिए प्रशिक्षण संबंधी दस्तावेज़ तैयार करने में सम्मिलित हैं। उत्तर भारत के 7वें बाल चिकित्सा सम्मेलन में "बाल ऑन्कोलॉजी में पीआईसीसी लाइनों का उपयोग" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की। एनसीआई, एम्स, नई दिल्ली में बाल्यावस्था कैंसर उत्तरजीविता सेवाओं की शुरुआत की।

सहायक आचार्य

रचना पासी

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

रचना पासी: 6

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
रचना पासी	1	3	6

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 596 12/24/2025 6:56:00 PM

रोगी उपचार

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श		100	118
विशेष क्लिनिक परामर्श (बाल ऑन्को-पोषण क्लिनिक)	-	4	59
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं			
कुल भर्ती मरीज			
प्रयोगशाला जांच			

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. रचना पासी आईएपी राष्ट्रपति कार्य योजना 2025 के तहत "पिंक फुटस्टेप" प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रमाणित राष्ट्रीय प्रशिक्षक हैं सितम्बर, 2025 एम्स, दिल्ली में आयोजित हेमेटो ऑन्कोलॉजी उप विशेषज्ञता के तहत उत्तर भारत बाल रोग सम्मेलन (पीसीएनआई) और आईएपी में मेडिकोलिगल चैप्टर (एमएलकॉन) 2024 के 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एप्लास्टिक एनीमिया'' सत्र की अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षता की। वह सितम्बर, 2024 को एनसीआई, एम्स, दिल्ली में विशेष क्लिनिक; बाल चिकित्सा ऑन्को-न्यूट्रिशनल क्लिनिक (पीओएनसी) की प्रभारी संकाय सदस्य (अधिकारिक स्वीकृत) हैं। नैदानिक अनुसंधान ईकाई (सीआरयू), अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली में रिसर्च डाटा कैपचरिंग यूसिंक आईईडी कैप'' एवं ''व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण'' पर हेंड्स ऑन वर्कशाप पूर्ण की। सितंबर, 2025, विशेष क्लिनिक, बाल चिकित्सा ऑन्को-न्यूट्रिशनल क्लिनिक (पीओएनसी) की प्रभारी संकाय हैं। एनसीआई एम्स-दिल्ली में सितंबर, 2024 (आधिकारिक अनुमोदन) में उन्होंने हैंड्स-ऑन वर्कशॉप पूर्ण की है। "आरईडीकेप" का उपयोग करके अनुसंधान डेटा कैप्चरिंग" और "व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" पर आयोजित, क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू), अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली।

प्लास्टिक सर्जरी

सहायक आचार्य

अपर्णा सिन्हा

व्याख्यान

1. बर्न्स का प्रारंभिक मूल्यांकन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत - ट्रॉमा एवं बर्न इंजरी की रोकथाम एवं उपचार पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण, 5 फ़रवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली
2. बर्न्स पुनर्जीवन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत - ट्रॉमा और बर्न से होने वाली चोटों की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न्स उपचार प्रशिक्षण, 5 फ़रवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 597 12/24/2025 6:56:00 PM

3. **बर्न में कौशल प्रदर्शन**, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - ट्रॉमा और बर्न से होने वाली चोटों की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण, 5 फ़रवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली

4. **इन्हेलेशन इंजुरी**, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - ट्रॉमा और बर्न से होने वाली चोटों की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण, 6 फ़रवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली

5. **बच्चों के जलने, रासायनिक बर्न, विद्युत बर्न**, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - ट्रॉमा और बर्न से होने वाली चोटों की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण, 6 फ़रवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-संदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
डॉ. अपर्णा सिन्हा	1	6	5

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	5	2

अनुसंधान

पत्रिकाओं में लेख

गणेशन के., साहा एस., सिन्हा ए., सिंघल एम. हर्नियेटेड पोस्ट ट्रॉमेटिक रेडियल आर्टरी स्यूडोन्यूरिज्म - वैस्कुलर रिकंस्ट्रक्शन के साथ एक्सिशन। बीएमजे केस रिपोर्ट्स। 2025 मार्च 1. मैन्यूस्क्रिप्ट आईडी: बीसीआर-2024-263418

निवारक अर्बुदविज्ञान

सह-आचार्य

हरि कृष्ण राजू सगीराजू　　जीतेन्द्र कुमार मीना

विशिष्टताएं

मुखीय, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की नियमित नैदानिक जांच के अलावा, विभाग अन्य कैंसरों, जैसे प्रोस्टेट, कोलोरेक्टल और वंशानुगत, आदि के जोखिम की जांच, प्रयोगशाला परीक्षण और रेफरल/फॉलो-अप की सुविधा भी प्रदान करता है। अन्य ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञताओं और रोग उपचार समूहों के समन्वय से कैंसर रोगियों और उसके जोखिम वाले व्यक्तियों को नियमित रूप से सहायक सेवाएं, जैसे तंबाकू निषेध, एचपीवी डीएनए परीक्षण, कैंसर शिक्षा/जीवनशैली परामर्श आदि प्रदान की जाती हैं।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 598　12/24/2025 6:56:00 PM

इसी प्रकार, दिल्ली, हरियाणा (झज्जर, गुरुग्राम) जिलों में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों और हरियाणा एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ एनपी-एनसीडी क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से सामुदायिक जांच सेवाओं (2024-25 में 4964 जांच की गई) का विस्तार किया गया। कैंसर संबंधी सेवाओं के अलावा, विभाग सामुदायिक आउटरीच और अस्पताल-आधारित सेवाओं, दोनों के लिए एक व्यापक उपचार मॉडल, एनसीडी जोखिम प्रोफाइलिंग, प्रयोगशाला परीक्षण और एनसीडी जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्रोनिक किडनी/लिवर रोग आदि के लिए उपचार रेफरल सहायता प्रदान करता है।

विभाग द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य संवर्धन और कैंसर जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं ताकि ग्रामीण और शहरी सामुदायिक परिवेशों में एनसीआई (रोगी, परिचारक और कर्मचारी) और शिविर में उपस्थित लोगों में कैंसर के जोखिम को कम करने और शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। विभाग द्वारा साप्ताहिक एम्स कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण सत्र भी आयोजित किए जाते हैं जिसमें कैंसर स्क्रीनिंग, जीवनशैली शिक्षा और कैंसर जोखिम उपचार सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

विभाग द्वारा 5वें आईएपीएसएम यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव के दौरान निवारक अर्बुदविज्ञान के तौर-तरीकों को सिखाने हेतु और युवा स्नातकोत्तर छात्रों और नए संकाय-सदस्यों को उन्मुख करने और कौशल बढ़ाने हेतु एक "प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी वर्कशॉप" का आयोजन किया गया। विभाग ने एक पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है और एक छात्र को नामांकित किया है। संकाय-सदस्यों द्वारा नियमित रूप से एनसीआई झज्जर के रेजिडेंटों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों (व्याख्यान, वार्ता आदि) का आयोजन और संचालन किया जाता है और विभिन्न राज्य सरकारों के चिकित्सा अधिकारियों, नर्सों आदि हेतु वर्चुअल/फिजिकल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि उन्हें कैंसर की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान के साथ-साथ सहायक उपचार संबंधित ज्ञान और कौशल से युक्त किया जा सके। वर्तमान में विभाग विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों जैसे आईसीएमआर, एचईएफए, शिक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा के सहयोग से सीएसआर/उद्योग समर्थन से विभिन्न बाह्य अनुसंधान अनुदानों के तहत अपनी सामुदायिक आउटरीच सेवाओं का समर्थन करता है।

शिक्षा

1. पीएचडी कार्यक्रम: पाठ्यक्रम, कैंसर महामारी विज्ञान, अनुसंधान पद्धति, जैव सांख्यिकी आदि पर सत्र।
2. साप्ताहिक सेमिनार प्रस्तुतियाँ और चर्चाएँ संकाय-सदस्य द्वारा संचालित तथा रेजिडेंट, पीएचडी छात्र और अनुसंधान स्टाफ (मेडिकल सामाजिक कार्यकर्ता, स्टाफ नर्स, आदि) द्वारा दी जाती हैं।
3. हरियाणा सरकार और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के कैंसर की रोकथाम और शीघ्र पहचान हेतु में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रशिक्षण।

पीएचडी छात्रों की संख्या:1

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. निवारक अर्बुदविज्ञान कार्यशाला, 5वां आईएपीएसएम युवा नेता सम्मेलन, एम्स नई दिल्ली
2. एपिक्रिटिक कार्यशाला, 5वां आईएपीएसएम युवा नेता सम्मेलन, एम्स नई दिल्ली
3. सीएमआईई स्वास्थ्य उपचार नवाचार श्रृंखला, ऑन्कोलॉजी में बूट कैंप, एनसीआई झज्जर

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 599 12/24/2025 6:56:00 PM

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

हरि कृष्ण राजू सगीराजू: 3 जितेंद्र कुमार मीणा: 7

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
डॉ. हरि कृष्ण राजू सगीराजू	3	6	3
डॉ. जितेंद्र कुमार मीणा	5	10	7

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: शून्य

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई)-भारत के निकटवर्ती भौगोलिक क्षेत्रों में सिर, गर्दन और प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम कारकों और कैंसर-पूर्व घावों की जांच। डॉ. हरि कृष्ण राजू सगीराजू, बायर फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत, 5 साल, 2022-2027, रुपये 900 लाख।

2. तृतीयक कैंसर केंद्र अस्पताल में कैंसर रोगियों के परिचारकों के बीच सेकेंड-हैंड तंबाकू धूम्रपान (एसएचएस) जोखिम का आकलन और एम-हेल्थ संवर्धन रणनीति का मूल्यांकन, डॉ. जितेंद्र कुमार मीणा,एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-जारी, रुपये 150 लाख।

4. ओरल संभावित घातक घाव एटलस परियोजना: एक नवीन, पॉइंट-ऑफ-केयर निदान की प्रभावकारिता को मान्य करना और एक एकीकृत बहुआयामी रोगसूचक नोमोग्राम विकसित करना, डॉ. हरि कृष्ण राजू सगीराजू, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 129 लाख।

5. मशीन लर्निंग आधारित जोखिम पूर्वानुमान उपकरण विकसित करके भारत में ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच स्तन कैंसर के जोखिम प्रोफाइल और विभेदक घटना दरों में निहित कारकों का आकलन, डॉ. जितेंद्र कुमार मीणा, आईसीएमआर, 3 वर्ष,2023-2026, रुपये 49.5 लाख।

6. महिला स्वास्थ्य के लिए जीवन पाठ्यक्रम दृष्टिकोण: भारत में कैंसर की प्रभावी रोकथाम के लिए एक स्थायी रणनीति, डॉ. जितेंद्र कुमार मीणा, एचईएफए, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 59.5 लाख।

पूर्ण

1. हरियाणा के चयनित जिला अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों/विशेषज्ञों के लिए कैंसर जागरूकता और रेफरल इंगेजमेंट (केयर) कार्यक्रम। डॉ. हरि कृष्ण राजू सगीराजू, पीफाइजर ग्लोबल- एक्स्ट्रामुरल, 18 महीने, 2022-2024, रुपये 29.5 लाख

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 600 12/24/2025 6:56:01 PM

जारी

1. पीएचडी थीसिस: रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों के बीच स्तन कैंसर उपचार तक पहुंच को निर्धारित करने वाले कारकों का एक बहुस्तरीय अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) झज्जर, में अस्पताल-आधारित कैंसर रजिस्ट्री, एम्स, नई दिल्ली के शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच।
2. उत्तर भारत के 10 अस्पतालों में उपशामक उपचार सेवाओं की क्षमता का निर्माण करना ताकि दीर्घकालिक दुर्बलताजनक स्थितियों वाले रोगियों की पीड़ा को कम किया जा सके, अर्बुद संवेदनाहरण और उपशामक चिकित्सा विभाग।
3. भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तंबाकू से होने वाले मौखिक घावों के लिए मेडिकल इमेजिंग डेटासेट (एमआईडीएएस) तैयार करना, ओरल विकृति विज्ञान विभाग, सीडीईआर।
4. बच्चों में ल्यूकोकोरिया के साथ दिखने वाले रेटिनोब्लास्टोमा और अन्य नेत्र विकारों की शीघ्र पहचान के लिए सार्वजनिक संस्थानों का सहयोगात्मक नेटवर्क - एक कार्यान्वयन मॉडल। नेत्र विज्ञान विभाग, रा.प्र. केंद्र।
5. तम्बाकू सेवन के जारी रहने या फिर से शुरू होने के निर्धारकों का आकलन और सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों के रेडियोथेरेपी उपचार और अनुवर्ती कार्रवाई के दौरान एकीकृत समाप्ति इंटरवेंशन का प्रभाव, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, एनसीआई।

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजना	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	3	6	6
कुल वित्तपोषण (परियोजना वर्ष विशिष्ट)	31 लाख रुपये	151 लाख रुपये	255 लाख रुपये	310 लाख रुपये

रोगी उपचार

मद	2023	2024 (जारी)	अप्रैल 2024- मार्च 2025
ओपीडी सेवाएं (कुल उपस्थित)	**1140**	**671**	**985**
स्क्रीनिंग परामर्श	537	416	
केस पंजीकरण	603	155	413
विशेष क्लिनिक परामर्श (तंबाकू निषेध क्लिनिक)	143	69	196

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 601 12/24/2025 6:56:01 PM

मद	2023	2024 (जारी)	अप्रैल 2024- मार्च 2025
एचपीवी डीएनए परीक्षण (सर्वाइकल स्क्रीनिंग)	416	102	483
सामुदायिक जांच शिविरों के माध्यम से जांचे गए व्यक्ति	**2726**	**1273**	**4964**

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास

1. डॉ. रक्तिम स्वर्णकार, सहायक आचार्य, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर) एनसीआई-एम्स, झज्जर, एम्स, नई दिल्ली। (27 फरवरी 2025 से)

   चूंकि संबंधित संकाय-सदस्य (संविदात्मक) के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि 27 फरवरी 2025 थी। प्रकाशन के अलावा कोई अन्य मुख्य गतिविधियां नहीं हुई थीं।

रोगी उपचार

एनसीआई-एम्स, झज्जर के विभिन्न विभागों से रेफर किए गए मामलों (कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों) को पीएमआर ओपीडी में भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) परामर्श के लिए देखा गया।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

संकाय-सदस्य

सुप्रिया मल्लिक
अमन शर्मा
करुण कम्बोज

संकाय-सदस्य का नाम

1. स्तन कैंसर में रेडियोथेरेपी की उभरती भूमिका, सफदरजंग अस्पताल में आमंत्रित व्याख्यान, 10 मई 2024, नई दिल्ली
2. नैदानिक ट्रायल डिज़ाइन, 48वां आईसीआरओ शिक्षण पाठ्यक्रम, 26 अक्टूबर 2024, भटिंडा
3. हेमंगीओपेरीसाइटोमा के लिए रेडियोथेरेपी, आईएसएनओ, ऑनलाइन
4. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओपीआरएएच) में पेलिटेशन के लिए आप्टिमम विकिरण खुराक - एक तृतीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ईएसटीआरओ 2024, 3-7 मई 2024, ग्लासगो, यूके
5. ग्लियोमा/मेडुलोब्लास्टोमा के प्रति दृष्टिकोण, तंत्रिका-अर्बुदविज्ञान क्लास, नई दिल्ली
6. जीबीएम/एए में सहायक उपचार का विकास, तंत्रिका-अर्बुदविज्ञान वर्ग, नई दिल्ली
7. मेडुलोब्लास्टोमा में सहायक विकिरण, तंत्रिका-अर्बुदविज्ञान क्लास, नई दिल्ली
8. कोलेंजियोकार्सिनोमा ट्यूमर बोर्ड: सर्वोत्तम रोगी उपचार के लिए बहु-विषयक सहयोग, जीआईओएस, 9 नवंबर 2024, चंडीगढ़

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 602 12/24/2025 6:56:01 PM

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

सुप्रिया मल्लिक: 8

संकाय-सदस्य का नाम	2022- 2023	2023-2024	2024-2025
सुप्रिया मल्लिक	3	3	8

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 12

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक/पोस्टर	5	3	12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. स्टेज 2 स्तन कैंसर के रोगियों में स्वास्थ्य उपचार मॉडल का डिजाइन और कार्यान्वयन, सुप्रिया मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 180 लाख।
2. उच्च जोखिम वाले ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के रोगियों के लिए प्रोफिलैक्टिक सी केनियल विकिरण और पीसीटीसी और सीएसएफ सीटीसी के साथ सहसंबंध, सुप्रिया मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 60 लाख।

पूर्ण

1. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में उपचार के लिए इष्टतम विकिरण खुराक - एक तृतीय चरण, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ओपीआरएएच), सुप्रिया मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 20 लाख।
2. नव नैदानित आईडीएचडबल्यू एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (एनसीआई-आर 01-एचवाईआरएए) में समवर्ती और रखरखाव टेमोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटेड त्वरित रेडियोथेरेपी का द्वितीय चरण अध्ययन, सुप्रिया मल्लिक, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, रुपये 5 लाख।
3. सर्वाइकल कैंसर ट्यूमर माइक्रो-एनवायरनमेंट टी इम्यून प्रोफाइलिंग और भारतीय मरीजों में मानक कीमोरेडियो थेरेपी की प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव, सुप्रिया मल्लिक, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, रुपये 5 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. उन्नत स्तन कैंसर वाले रोगियों में ओलिगोप्रोग्रेसिव/ओलिगोरेकरंट/ओलिगोरेसिडुअल साइटें स्टीरियोटैक्टिक एब्लेटिव रेडियोथेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन एक द्वितीय चरण सिंगल आर्म अध्ययन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 603 12/24/2025 6:56:01 PM

2. द हाइपकॉन द्वितीय परीक्षण: एक द्वितीय चरण यादृच्छिक अध्ययन जो सिर और गर्दन के कैंसर में हाइपोफ्रैक्शनेटेड बनाम पारंपरिक सहायक समवर्ती कीमो-रेडिएशन थेरेपी का मूल्यांकन करता है

पूर्ण

1. बोन ओनली ओलिगोमेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर में एसएबीआर के साथ उपचारात्मक दृष्टिकोण
2. उत्तरी भारत में स्थानीय रूप से उन्नत नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर रोगियों में उपचार और परिणाम का पैटर्न - तृतीयक उपचार केंद्र से विकिरण ऑन्कोलॉजी परिप्रेक्ष्य
3. प्रारंभिक चरण के स्तन कार्सिनोमा में हाइपोफ्रैक्शनेटेड संपूर्ण स्तन विकिरण बनाम त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के बीच तुलना
4. सिर और गर्दन के कैंसर में हाइपोफ्रैक्शनेटेड सहायक विकिरण चिकित्सा: एक यादृच्छिक द्वितीय चरण अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	2	3
कुल वित्तपोषण	रुपये 17 लाख	रुपये 17 लाख	रुपये 100 लाख

रोगी उपचार

शीर्षक: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)
   1) व्यापक स्तन कैंसर डीएमजी और स्तन कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	3500	7000	9000
विशेष क्लिनिक परामर्श	3500	4300	4500
मरीजों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं			
कुल भर्ती मरीज			
प्रयोगशाला जांच			

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 604 12/24/2025 6:56:01 PM

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

अमन शर्मा: 4

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2024-2025
अमन शर्मा	04

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

1. एसडब्ल्यूओएआर परीक्षण, डॉ. अमन शर्मा, शून्य, 2 वर्ष, 2022-2024, शून्य
2. एचवाईपीसीओएन परीक्षण, डॉ. अमन शर्मा (थीसिस मुख्य गाइड), शून्य, 2 साल, 2022-2024, शून्य

जारी

1. परीक्षण समाप्त करें
2. हाइपकॉन 03 पायलट अध्ययन
3. हाइपकॉन द्वितीय परीक्षण

पूर्ण

1. एसडब्ल्यूओएआर परीक्षण
2. हाइपकॉन परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एलिमिनेट ट्रायल, एनसीआई एम्स झज्जर, एम्स नई दिल्ली, एम्स रायपुर, जेआईपीएमईआर पुडुचेरी, एम्स ऋषिकेश, आरएमएल लखनऊ, आईजीआईएमएस, पटना

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	05
कुल वित्तपोषण	10 लाख रुपये

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 605 12/24/2025 6:56:01 PM

रोगी उपचार

रोगी उपचार

मद	2024-2025 (कुल आरओ विभाग)
ओपीडी परामर्श	21234 परामर्श - (लगभग)
विशेष क्लिनिक परामर्श	>1500(लगभग)
मरीजों को प्रदान की गई पुनर्वास सेवाएं	उपशामक आरटी- 1110 रोगी
कुल भर्ती मरीज	1706 (लगभग)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

करुण कम्बोज स्त्री रोग संबंधी कैंसर में पुनः विकिरण से जुड़े परिणाम और विषाक्तता, एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनोकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी - एएसजीओ-2024 में संकाय व्याख्यानदाता थे, 28 नवंबर 2024-1 दिसंबर 2024, बाली, इंडोनेशिया। संकाय व्याख्यान-रेक्टल कैंसर (टीएनटी और एनओएम) पर एक चर्चा के रूप में संचालक, 11वां वार्षिक युवा विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट सम्मेलन (वाईआरओसी)-2025, 25-26 जनवरी 2025, मदुरै, तमिलनाडु। पेनलिस्ट-एंडोमेट्रियल कैंसर में आणविक परिदृश्य, ओएफसीओएन-2024-2025, 18-19 जनवरी 2025, अपोलो अस्पताल नई दिल्ली। वीडियो प्रस्तुति- वल्वर ब्रैकीथेरेपी पर प्रस्तुति- एकल संस्थान अनुभव, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी पाठ्यक्रम-2024, 9-13 दिसंबर 2024, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर ब्रैकीथेरेपी, कॉन्टूरिंग और प्लान इवैल्यूएशन का व्यावहारिक प्रदर्शन, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी कोर्स-2024, 9-13 दिसंबर 2024, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली। एनेस्थेटिक संबंधी विचार और प्रक्रिया-पूर्व तैयारी, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी कोर्स-2024, 9-13 दिसंबर 2024 में संकाय व्याख्यानदाता, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली। सीए एसोफैगस में आईएलआरटी, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी कोर्स-2024 संकाय व्याख्यानदाता, 9-13 दिसंबर 2024, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली। वीडियो प्रस्तुति: वेनेज़िया- सीए सर्विक्स में हाइब्रिड एप्लीकेटर- संकेत और उपयोगिता, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी कोर्स-2024, 9-13 दिसंबर 2024, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली। सीए एसोफैगस में ब्रैकीथेरेपी का व्यावहारिक प्रदर्शन- आईएलआरटी एप्लीकेटर और नैदानिक उपयोग, एम्स-एनसीआई ब्रैकीथेरेपी कोर्स-2024, 9-13 दिसंबर 2024, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

करुण कम्बोज: 9

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 3

अनुसंधान

जारी

1. कार्सिनोमा सर्विक्स में रेडिकल कीमोरेडिएशन प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विक नोड्स को स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) बढ़ावा: सुरक्षा प्रोफाइल की तुलना करने वाला

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 606 12/24/2025 6:56:01 PM

एक संभावित द्वितीय चरण सिंगल आर्म पायलट अध्ययन, डॉ. करुण कंबोज, इंट्रामुरल, 2 साल, 2023-2025, रुपये 6.5 लाख

जारी

1. कार्सिनोमा सर्विक्स में रेडिकल कीमोरेडिएशन प्राप्त करने वाले रोगियों के पेल्विक नोड्स में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) बूस्ट बनाम सिमल्टेनियस इंटीग्रेटेड बूस्ट (एसआईबी): सुरक्षा प्रोफाइल की तुलना करने वाला एक संभावित द्वितीय चरण सिंगल आर्म पायलट अध्ययन।

2. स्थानीय उन्नत रेक्टल कैंसर में नियोएडजुवेंट शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी के बाद कंसालिडेशन किमोथेरेपी के साथ कंवेंशनल लॉग कोर्स रेडियोथेरेपी के समग्र रिसपांस की तुलना।

3. उन्नत स्तन कैंसर वाले रोगियों में ओलिगोप्रोग्रेसिव/ ओलिगोरकरंट/ओलिगोरेसिडुअल साइटों पर स्टीरियोटैक्टिक एब्लेटिव रेडियोथेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन, द्वितीय चरण, सिंगल आर्म अध्ययन।

4. द हाइपकॉन परीक्षण 2: सिर और गर्दन के कैंसर में हाइपो-फ्रैक्शनेटेड बनाम पारंपरिक सहायक समवर्ती कीमो-रेडिएशन थेरेपी का मूल्यांकन करने वाला एक द्वितीय चरण यादृच्छिक अध्ययन।

5. पैराओर्टिक लिम्फैडेनोपैथी के साथ कार्सिनोमा सर्विक्स में डोस डेंस नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ विस्तारित फील्ड बोन मैरो स्पेयरिंग इमेज गाइडेड इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी (बीएमएस आईजी-आईएमआरटी) कीमोरेडिएशन - एक द्वितीय चरण अध्ययन

6. प्रारंभिक और स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा वाले रोगियों में हाइपो की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन - फ्रैक्शनेटेड एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए अध्ययन।

7. स्थानीय रूप से उन्नत कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में कंसालिडेशन कीमोथेरेपी: एक एकीकृत द्वितीय चरण/तृतीय, प्लेसीबो नियंत्रित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. ऐसेफीगल कार्सिनोमा वाले रोगियों में रेडियोथेरेपी से जुड़े मायोकार्डियल परिवर्तन मूल्यांकन में कार्डियक एमआरआई

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कार्सिनोमा सर्विक्स में रेडिकल कीमोरेडिएशन प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विक नोड्स में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) बूस्ट बनाम सिमल्टेनियस इंटीग्रेटेड बूस्ट (एसआईबी): सुरक्षा प्रोफाइल की तुलना करने वाला एक संभावित द्वितीय चरण सिंगल आर्म अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा - एनसीआई झज्जर और एम्स, नई दिल्ली।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 607 12/24/2025 6:56:01 PM

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1
कुल वित्तपोषण	रुपये 6.5 लाख (लगभग)

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान विभाग, एनसीआई, झज्जर परिसर, एम्स नई दिल्ली

सहायक आचार्य

संजय कुमार मीणा तेज पाल अमित गुप्ता

विशिष्टताएं

वर्तमान में, हमारे विभाग में तीन सहायक आचार्य (1 नियमित संकाय-सदस्य, 2 संविदा पद पर) हैं। हमें आईआरसीएच के वरिष्ठ रेडियोलॉजी संकाय सदस्यों से सक्रिय समर्थन और मार्गदर्शन मिल रहा है। हम एमडी छात्रों के लिए कक्षाएं और सेमिनार रेजिडेंट शिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इसके अतिरिक्त, हम नियमित रूप से क्लिनिको-रेडियोलॉजी मीटिंग और रोग उपचार समूह चर्चा आयोजित करते हैं। हम विभिन्न गैर-संवहनी और संवहनी इंटरवेंशन प्रक्रियाओं जैसे (टीएसीई), गैस्ट्रोस्टोमी, वैक्यूम असिस्टेड मैमोग्राफी बायोप्सी और एमआरआई निर्देशित स्तन बायोप्सी में वरिष्ठ रेजिडेंटों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अलावा, हम विभिन्न बहु-विषयक परीक्षणों में शामिल हैं। हाल ही में, हमारे विभाग को डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल ऑन्को-रेडियोलॉजी विभाग के रूप में स्थापित किया गया है, और निकट भविष्य में, हम डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल ऑन्को-रेडियोलॉजी में डीएम कोर्स भी प्रस्तावित करेंगे।

शिक्षा:

- विभाग में कुल वरिष्ठ रेजिडेंट; मुख्य विकिरण विज्ञान विभाग से रोटेशन के आधार पर 4 से 5
- विभिन्न गैर-संवहनी और संवहनी इंटरवेंशन प्रक्रियाओं में रेजिडेंटों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनका पर्यवेक्षण करना।
- नियमित क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल बैठकें और रोग उपचार समूह चर्चाएँ।
- एमडी छात्रों के लिए नियमित रूप से कक्षाएं और सेमिनार आयोजित करना।

भविष्य की योजना: डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल ऑन्को-रेडियोलॉजी में डीएम पाठ्यक्रम शुरू करना।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय सदस्य का नाम:

अमित गुप्ता: 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 608 12/24/2025 6:56:01 PM

जारी

1. प्लैटिनम आधारित कीमोथेरेपी पर प्रगति न करने वाले लगातार/आवर्ती/मेटास्टैटिक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के रोगियों में प्रगति मुक्त अस्तित्व पर रखरखाव कैपेसिटाबाइन के दो अलग-अलग खुराक स्तरों के प्रभाव का परीक्षण करने के लिए द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, डॉ. संजय कुमार मीणा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 10 लाख

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. स्तन कैंसर के लिए सहायक विकिरण और प्रणालीगत चिकित्सा के अनुक्रम का मानकीकरण स्टार्स एक तृतीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, एनसीआई

2. 31पी एमआरएस का उपयोग करके नियोप्लास्टिक लिवर की मेटाबोलिक इमेजिंग, एनएमआर विभाग, एम्स नई दिल्ली

3. भारत में युवा अवस्था में होने वाले फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा का जीनोमिक लक्षण वर्णन (वाईओएलए-I अध्ययन)। इसे 2023 एलसीएफए/बीएमएस/आईएएसएलसी नैदानिक रिसर्च अनुदान में असमानताओं के प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

4. इमेज र्गाडेड ब्रेस्ट इंटरवेंशन में रेडियोलॉजिकल विकृति विज्ञान सहसंबंध, विकृति विज्ञान और शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच

5. आईसीएमआर एक्स्ट्राम्यूरल लघु अनुदान: सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार का आटोनोमिक कार्य पर तीव्र और दीर्घकालिक प्रभाव, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और सिर-गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, एनसीआई

6. मुंह के बहुत एडवांस्ड कैंसर से पीड़ित रोगियों में शल्य चिकित्सा संबंधी निर्णय और शल्यक्रिया के बाद के परिणामों पर नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी का प्रभाव। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

7. स्वरयंत्र और हाइपोफेरीन्जियल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ इनवेज़न की गहराई का सहसंबंध, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नेक सर्जरी विभाग, एनसीआई

8. सिर और गर्दन के एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में नैदानिक परिणामों के पूर्वानुमान: एक व्यापक विश्लेषण, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी और सिर-गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, एनसीआई

9. केवल नीले रंग का उपयोग करके स्तन कैंसर के नियोएडजुवेंट उपचार के बाद सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी पर संभावित अध्ययन और सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और एक्सिलरी लिम्फ नोड विच्छेदन के बाद लिम्फेडेमा दरों का पूर्वव्यापी विश्लेषण, शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

10. सर्जरी करवा रहे ओरल केविटी स्केवमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल परिणामों पर सार्कोपेनिया का प्रभाव - एक व्यापक अध्ययन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और सिर एवं गला शल्य चिकित्सा विभाग, एनसीआई

11. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) रोगियों में जीए-68 पीएसएमए और पारंपरिक स्टेजिंग की तुलना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 609 12/24/2025 6:56:01 PM

12. द्वितीय चरण ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, स्थानीय रूप से उन्नत रिसेक्टेबल ओरल कैविटी कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के रूप में संशोधित टीपीएफ की तुलना डोसेटेक्सेल-प्लेटिनम रेजिमेन से करवाना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

13. स्थानीय रूप से उन्नत विभेदित थायरॉइड कैंसर में लेन्वाटिनिब का उपयोग करते हुए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी - एक द्वितीय चरण ओपन लेबल अध्ययन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और सिर एवं गला शल्य चिकित्सा विभाग, एनसीआई

पूर्ण

1. सिर और गर्दन के फिस्टुला के शल्यक्रिया पश्चात उपचार के लिए इंट्राग्लैंडुलर बोटुलिनम टॉक्सिन (बीओएनटी) इंजेक्शन: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और सिर गर्दन सर्जरी विभाग, एनसीआई

उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
इमेज गाइडेड बायोप्सी (यूएसजी और सीटी)		1692	1534
सीटी स्कैन		6586	5209
डीआरएफ		166	161
कलर डॉपलर		439	386
मैमोग्राफी		1543	1450
यूएसजी		6499	5956
एक्स-रे		21518	22309
डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए) जिसमें संवहनी और गैर-संवहनी दोनों प्रक्रियाएं शामिल हैं		459	250
एमआरआई स्कैन		1098	1048
रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (RFA)		2	0

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

- सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी से हेइडी पैट्रिक्विन इंटरनेशनल फेलोशिप अवार्ड 2025।
- एनसीआई में आयोजित "एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025- हेड एंड नेक कैंसर सिम्पोजियम" में आयोजन समिति के सदस्य रहे और अन्य एम्स/आईएनआई के संकाय-सदस्यों के साथ विभिन्न सहयोगात्मक विचारों पर चर्चा की।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 610 12/24/2025 6:56:01 PM

शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग, भी.रा.अ.-सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनील कुमार

आचार्य

मुकुरदीपी रे

सह-आचार्य

आशुतोष मिश्रा

संदीप कुमार भोरीवाल

सह-आचार्य (एनसीआई, झज्जर)

ज्योति शर्मा

सहायक आचार्य

बाबुल बंसल

सहायक आचार्य (एनसीआई, झज्जर)

नवीन कुमार

ज्योतिशमन सैकिया

अमिताभ मंडल

बिट्टू भुक्कल

विशिष्टताएं

शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग - वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

वर्ष 2024-2025 के दौरान, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग ने रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग ने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में अपनी शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया, उन्नत और जटिल अर्बुदविज्ञानी प्रक्रियाओं के साथ-साथ व्यापक नैदानिक और चिकित्सीय एंडोस्कोपी सेवाएँ भी शुरू कीं। संकाय सदस्यों ने सरकारी निकायों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से कैंसर जागरूकता, रोकथाम और रजिस्ट्री गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

वर्ष के दौरान कुल 2,564 जटिल प्रमुख कैंसर शल्यचिकित्साएं और 10,236 डायग्नोस्टिक, चिकित्सीय एंडोस्कोपिक और छोटी प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं।
प्रमुख गतिविधियाँ और उठाए गए कदम:

1. आईआरसीएच और एनसीआई में 12,800 से अधिक बड़ी और छोटी कैंसर शल्यचिकित्साएँ सफलतापूर्वक की गईं, जिससे रुग्णता और मृत्यु दर अंतरराष्ट्रीय मानकों के बराबर है।
2. 45,000 से अधिक ओपीडी परामर्श।
3. एम्स (आईआरसीएच और एनसीआई) में सामान्य कैंसर शल्य चिकित्सा के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई।
4. अस्पताल में रहने और संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने के लिए ईआरएएस (शल्य चिकित्सा के बाद बेहतर रिकवरी) कार्यक्रम लागू किया गया।
5. नियमित रुग्णता और मृत्यु दर ऑडिट और गुणवत्ता मीट्रिक आकलन सहित विभागीय गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया गया।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 611 12/24/2025 6:56:01 PM

6. एक संरचित कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस की स्थापना की गई, जिससे डेटा संग्रहण और अनुसंधान क्षमताओं में वृद्धि हुई।

7. अनुसंधान, सम्मेलन प्रस्तुतियों और प्रकाशनों के लिए संकाय-सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन के साथ, रजिडेंटों (एम.सीएच और गैर-शैक्षणिक एसआर) को अंग-विशिष्ट डेटाबेस सौंपे गए।

8. आईआरसीएच और एनसीआई परिसरों के बीच शैक्षणिक संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए हाइब्रिड शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए।

9. आईआईटी, आईसीएमआर, डीबीटी और आईआईएससी जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ कई आरसीटी और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू कीं।

10. कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए।

11. समकक्ष-समीक्षित उच्च-प्रभाव पत्रिकाओं में 50 से अधिक प्रकाशनों और अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के साथ उच्च शोध आउटपुट प्राप्त किया।

2025-26 के लिए कार्य योजना:

विभाग का लक्ष्य आगामी वर्ष में निम्नलिखित पहलों के माध्यम से रोगी उपचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को और बढ़ाना है:

- उभरती हुई शल्य चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का परिचय इसमें रोबोटिक शल्य चिकित्सा, नेविगेशनल सर्जरी और इंट्राऑपरेटिव विकिरण विज्ञान (आईओआरटी) शामिल हैं।
- उपचार की पहुंच और निरंतरता में सुधार करने हेतु टेली-ऑन्कोलॉजी सेवाओं का विस्तार।
- ईआरएएस प्रोटोकॉल के साथ संरेखित कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस और फास्ट-ट्रैक शल्य चिकित्सा कार्यक्रमों का निरंतर विकास।
- नवीन, रोगी-केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं का शुभारंभ, विशेष रूप से भारतीय कैंसर रोगी जनसांख्यिकी के अनुरूप।

सारांश:

वर्ष 2024-25 सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, जहाँ अब तक की सबसे अधिक जटिल ऑन्कोलॉजी प्रक्रियाएँ की गईं। नैदानिक उत्कृष्टता, शैक्षणिक नवाचार और अनुसंधान उत्पादकता के एक मज़बूत संयोजन के माध्यम से, विभाग ने कैंसर उपचार में नए मानक स्थापित किए हैं और विश्व स्तरीय ऑन्कोलॉजिकल सेवाएँ प्रदान करने के अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है।

शिक्षा

1. **स्नातकपूर्व शिक्षण:** शिक्षाप्रद व्याख्यान देकर और ऑन्कोलॉजिकल विषयों पर सेमिनारों में भाग लेकर/संचालन करके संकाय-सदस्य स्नातकपूर्व शिक्षा में शामिल थे।

2. **स्नातकोत्तर शिक्षण:** संकाय-सदस्यों ने 17 एम.सीएच शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान छात्रों और 12 शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान वरिष्ठ रेजीडेंट, डीएम चिकित्सा अर्बुद विज्ञान रेजीडेंट और एमडी विकिरण निदान कनिष्ठ रेजीडेंट को शिक्षाप्रद व्याख्यान देकर, सेमिनारों का संचालन करके, जर्नल क्लब आदि का संचालन करके और वार्ड राउंड के दौरान और आईआरसीएच के विशेष कैंसर क्लीनिकों में नैदानिक शिक्षण देकर शिक्षण और प्रशिक्षण में भाग लिया। संकाय ने

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 612 12/24/2025 6:56:01 PM

बीआरए-आईआरसीएच और एम्स के विभिन्न विभागों से एमसीएच शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, डीएम चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एमडी विकिरण निदान, एमडी रेडिएशन ऑन्कोलॉजी थीसिस परियोजनाओं और पीएचडी परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। संकाय-सदस्य ने सामान्य शल्य चिकित्सा और डेंटल शल्य चिकित्सा रेजीडेंट और एमसीएच ब्रेस्ट और एंडोक्राइन सर्जरी प्रशिक्षुओं, एम.सीएच स्त्रीरोग विज्ञान अर्बुद विज्ञान प्रशिक्षुओं के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी रोटेशन आधार पर भाग लिया।

3. **पैरा क्लिनिकल शिक्षण/प्रशिक्षण:** संकाय सदस्य एमएससी नर्सिंग ऑन्कोलॉजी के छात्रों के शिक्षण में शामिल थे।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव (एएसओसीओएन 2024) - शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग ने युवा शल्य चिकित्सक को उन्नत शल्य चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एम्स सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव (एएसओसीओएन 2024) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। (आयोजन अध्यक्ष - डॉ. सुनील कुमार, संगठन सचिव - डॉ. नवीन कुमार)।
2. चेन्नई में वरिष्ठ रेजिडेंट वेट लैब न्यूनतम इनवेसिव कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. एनसीआई में एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 115

सुनील कुमार: 10	**एमडी रे: 17**	**आशुतोष मिश्रा: 50**
संदीप कुमार भोरीवाल: 3	**ज्योति शर्मा: 9**	**नवीन कुमार: 5**
बाबुल बंसल: 10	**ज्योतिशमन सैकिया: 6**	**अमिताभ मंडल: 5**

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
35	54	72	114

1. व्याख्यान: डॉ. सुनील कुमार, थोरेसिक ऑन्कोलॉजी सर्जरी : यात्रा और सीख, सर्जरी सीएमई 2024, 5 सितंबर 2024, नई दिल्ली
2. मिश्रा आशुतोष, रघुराम के., एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, सुनील कुमार, "क्या एंडेमिक क्षेत्र में आकस्मिक पित्ताशय कैंसर वास्तव में आकस्मिक है? उपचारात्मक रीशेक्शन के बाद आकस्मिक पित्ताशय कैंसर के रोगियों में दीर्घकालिक ऑन्कोलॉजिकल परिणाम" शीर्षक (मौखिक शोधपत्र प्रस्तुति), अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा सप्ताह (आईएसडब्ल्यू 2024) अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा सोसायटी की 50वीं विश्व कांग्रेस, आईएसएस/एसआईसी, आईएसडीएस किताजिमा पुरस्कार सत्र। (सर्वश्रेष्ठ 4 सार), 27 अगस्त 2024, कुआलालंपुर, मलेशिया
3. मिश्रा आशुतोष, रघुराम के, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, सुनील कुमार, क्या सभी चतुर्थ चरण वाले सभी पित्ताशय कैंसर रोगियों के परिणाम समान होते हैं? और शल्य चिकित्सा द्वारा उपचारित पित्ताशय कैंसर रोगियों के जीवित रहने को प्रभावित करने वाले रोगसूचक कारक (मौखिक शोध पत्र

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 613 12/24/2025 6:56:02 PM

प्रस्तुति), अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा सप्ताह (आईएसडब्ल्यू 2024) अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा सोसायटी आईएसएस/एसआईसी की 50वीं विश्व कांग्रेस, 27 अगस्त 2024, कुआलालंपुर, मलेशिया

4. मिश्रा आशुतोष, एसवीएस देव, सुनील कुमार, एलएमआईसी में तृतीयक उपचार कैंसर केंद्र में जोखिम कम करने वाली शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों में व्यवहार्यता, कॉस्मेटिक परिणाम, तनाव, संतुष्टि के स्तर और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाला संभावित अध्ययन" (मौखिक पेपर प्रस्तुति), अंतर्राष्ट्रीय सर्जिकल सप्ताह (आईएसडब्ल्यू 2024) इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सर्जरी आईएसएस/एसआईसी की 50वीं विश्व कांग्रेस, ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल (बीएसआई) निःशुल्क पेपर पुरस्कार सत्र, 28 अगस्त 2024, कुआलालंपुर, मलेशिया

5. मिश्रा आशुतोष, कुमार अमित, बंसल बाबुल, कुमार सुनील, आंशिक स्तन पुनर्निर्माण में चेस्ट वॉल परफोरेटर ट्रांसपोज़िशन फ्लैप्स के सर्जिकल और सौंदर्यपरक परिणाम, सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एसएसओ 2025, टाम्पा, 26-29 मार्च 2025, फ्लोरिडा, यूएसए

6. मिश्रा आशुतोष, भंतिया प्रांजल, बंसल बाबुल, एमडी रे, प्राइमरी एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ स्टेज I-III) में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी (एसएलएनबी) की व्यवहार्यता और सटीकता - एक संभावित पायलट अध्ययन, सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एसएसओ 2025, टाम्पा, 26-29 मार्च 2025, फ्लोरिडा यूएसए

7. रे एमडी, ओवीरियन कैंसर के उपचार में एचआईपीईसी की भूमिका: वर्तमान साक्ष्य और भविष्य के परिप्रेक्ष्य, होमी भाभा कैंसर कॉन्क्लेव 2024, 24-25 अगस्त 2024, नई चंडीगढ़

8. रे एमडी, आंशिक पेनेक्टॉमी और ग्रोइन विच्छेदन: शरीर रचना, चरण और वीडियो, शल्य चिकित्सा में सीएमई 2024, 4 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली

9. रे एमडी, उन्नत एपिथिलीयल ओवेरियन कैंसर की सभी स्थितियों में सीआरएस के साथ एचआईपीईसी कैसे भूमिका निभाता है: आनुवंशिक दृष्टिकोण पर एक पायलट अध्ययन। पेरिटोनियल सतह दुर्दमताओं पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस: पीजीओएसआई-आईएसएसपीपी 2024, 26-28 सितंबर 2024, ल्योन, फ्रांस

10. रे एमडी, कार्सिनोमा ओवरी में सीआरएस एचआईपीईसी की भूमिका, आज हम कहां खड़े हैं - एक तृतीयक रेफरल ऑन्कोलॉजी सेंटर, भारत के हमारे अनुभव के साथ। पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसीज़ पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस: पीजीओएसआई-आईएसएसपीपी 2024, 26-28 सितंबर 2024, ल्योन, फ्रांस

11. रे एमडी, क्या साइटोरिडक्टिव सर्जरी और एचआईपीईसी से गुजरने वाले रोगियों में इंसिज़नल हर्निया कम हो सकता है: एक तृतीयक ऑन्कोलॉजी केंद्र, भारत से एक अवलोकनात्मक संबंधी नैदानिक अध्ययन, पेरिटोनियल सतह दुर्दमताओं पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस: पीजीओएसआई-आईएसएसपीपी 2024, 26-28 सितंबर 2024, ल्योन, फ्रांस

12. रे एमडी, पेरिटोनियल मेसोथेलियोमा: वर्तमान उपचार और भविष्य की दिशाएँ, सीएमई 2024: कैंसर और उससे आगे, 29-30 नवंबर 2024, कोलकाता

13. रे एमडी, एचआईपीईसी-पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसीज़ के लिए एक विकसित उपचार दृष्टिकोण, आईसीए वेबिनार: एचआईपीईसी संगोष्ठी, 04 दिसंबर 2024

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 614 12/24/2025 6:56:02 PM

14. रे एमडी, कैंसर उपचार में योग: दायरा, साक्ष्य और विकास, 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कैवल्यधाम योग संस्थान और अनुसंधान केंद्र, 4-7 दिसंबर 2024, लोनावाला

15. रे एमडी, कोलो-रेक्टल मैलिग्नेंसीज़ में एचआईपीईसी, ओन्कोविज़न 2025 - फ्यूचर ऑन्कोलॉजी, 19 जनवरी 2025, नई दिल्ली

16. रे एमडी, कोलोरेक्टल कैंसर में एचआईपीईसी की वर्तमान स्थिति, ओएफसीओएन 2024-2025, 19 जनवरी 2025, नई दिल्ली

17. रे एमडी, वीडियो प्रस्तुति - सबडायफ्राग्मैटिक पेरिटोनेक्टॉमी - मैं इसे कैसे करूँ? आईएएसओ मध्यावधि सम्मेलन 2025, 8-10 फ़रवरी 2025, पुरी

18. रे एमडी, पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसीज़ में एचआईपीईसी की भूमिका, आईएएसओ उत्तर क्षेत्रीय सम्मेलन 2025, 21-22 फरवरी 2025, ऋषिकेश

19. रे एमडी, कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली के विकल्प, कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर, 16 मार्च 2025, नई दिल्ली

20. रे एमडी, सेंटिनल लिम्फ नोड्स स्त्री रोग संबंधी कैंसर: वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता, बियॉन्ड द ब्लेड: स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में प्रगति, 23 मार्च 2025, नई दिल्ली

21. मौखिक पेपर: शर्मा जे, देव एसवीएस, कुमार एस, भोरिवाल एस, मिश्रा ए, शर्मा ए, पैथी एस, भटनागर एस, 350 रेक्टल कैंसर रोगियों में एससीआरटी बनाम एलसी सीआरटी: भारतीय तृतीयक उपचार कैंसर केंद्र के अनुभव का लेखा-जोखा, अंतर्राष्ट्रीय सर्जिकल सप्ताह, 29 अगस्त 2024, कुआलालंपुर, मलेशिया

22. मौखिक पेपर: शर्मा जे, देव एसवीएस, कुमार एस, भोरिवाल एस, मिश्रा ए, थुलकर एस, बख्शी एस, शर्मा डीएन, एसटीएस डेटा, आईएएसओ नैटकॉन, 27 सितंबर 2024, बेंगलुरु

23. अमिताभ मंडल, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, आशुतोष मिश्रा, ज्योति शर्मा ज्योतिष्मन सैकिया, चिन्मय बागला, उत्तर भारत के एक तृतीयक कैंसर केंद्र में 5340 स्तन कैंसर रोगियों में पुनरावृत्ति के पैटर्न का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण कैसे तैयार करें। आईएएसओ - नैटकॉन 2024, 26-29 सितंबर 2024, बेंगलुरु

24. मौखिक पेपर, अमिताभ मंडल, सुनील कुमार, नवीन कुमार, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, शिवानी कपिला, अतुल शर्मा, सुष्मिता पथी, निओ-एडजुवेंट कीमोथेरेपी - भारतीय आबादी में ऐसोफेगस के एससीसी के लिए एक संभावित उपचार विकल्प - उत्तर भारत के एक तृतीयक कैंसर केंद्र में आयोजित आरसीटी, आईएएसओ - नैटकॉन 2024, 26-29 सितंबर 2024, बेंगलुरु

25. मौखिक पेपर, अमिताभ मंडल, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, आशुतोष मिश्रा, ज्योति शर्मा ज्योतिष्मन सैकिया, चिन्मय बागला, उत्तर भारत के एक तृतीयक कैंसर केंद्र में 5340 स्तन कैंसर रोगियों में पुनरावृत्ति के पैटर्न का महत्वपूर्ण विश्लेषण। आईएएसओ - नैटकॉन 2024, 26-29 सितंबर 2024, बेंगलुरु

26. मौखिक पेपर, अमिताभ मंडल, रघुराम के, सुनील कुमार, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, दीर्घकालिक उत्तरजीविता परिणाम और उपचारात्मक रूप से उपचारित पित्ताशय कैंसर रोगियों के उत्तरजीविता को प्रभावित करने वाले रोगसूचक कारक, आईएचपीबीए - कोलकाता 2025, 20-23 मार्च 2025, कोलकाता

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 615 12/24/2025 6:56:02 PM

27. मौखिक पेपर अमिताभ मंडल, रघुराम के, सुनील कुमार, एसवीएस देव, संदीप भोरिवाल, क्यूरेटिव रीशेक्शन के बाद पित्ताशय कैंसर के रोगियों में पुनरावृत्ति पैटर्न और उसका उपचार - एकल केंद्र से दीर्घकालिक फालो-अप डेटा का विश्लेषण, आईएचपीबीए - कोलकाता 2025, 20-23 मार्च 2025, कोलकाता

28. चिन्मय बागला, आशुतोष मिश्रा, बाबुल बंसल, जीना जोसेफिन, राजा प्रमानिक, एसवीएस देव, भारत में एक तृतीयक उपचार केंद्र में स्तन कैंसर आनुवंशिकी का वर्तमान परिदृश्य और चुनौतियाँ, आईएएसओ एनईटीसीओएन, सितंबर 2024, बैंगलोर,

29. चिन्मय बागला आशुतोष मिश्रा, एसवीएस देव, संदीप भोरीवाल, ज्योति शर्मा, भारतीय रोगियों में एलएबीसी में पोस्ट एनएसीटी एसएलएनबी का दायरा। क्या यह एएलएनडी को कम करेगा? 1998 भारतीय स्तन कैंसर रोगियों का विश्लेषण, एबीएसआईसीओएन 2024, 2-4 अगस्त 2024, लखनऊ,

30. बिट्टू भुक्कल, डॉ. एसवीएस देव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. संदीप, डॉ. मनीष और डॉ. मदीवलेश, मौखिक प्रस्तुति: ओरल केवेटी के घातक रोगों में लिम्फ नोड विच्छेदन - क्या वर्तमान दिशानिर्देश सर्वोत्तम हैं? 1926 ग्रीवा लिम्फ नोड विच्छेदनों का विश्लेषण, मैक्स कैंसर कांग्रेस: 2023, 29 अप्रैल से 2023 अप्रैल, दिल्ली

31. बिट्टू भुक्कल, डॉ. एसवीएस देव, डॉ. सुनील, डॉ. संदीप, डॉ. नवीन, डॉ. अमिताभ और डॉ. चंदन, मौखिक प्रस्तुति: उत्तर भारत के एक तृतीयक कैंसर उपचार केंद्र से 123 गैस्ट्रोइसोफेगल जंक्शन ट्यूमर की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल, सर्जिकल परिणाम, पुनरावृत्ति पैटर्न और दीर्घकालिक अस्तित्व, 6वां ओएफसीओएन: 2023, 2-3 दिसंबर: 2023, दिल्ली

32. बिट्टू भुक्कल, डॉ. एसवीएस देव, डॉ. सुनील, डॉ. नवीन और डॉ. अमिताभ, पोस्टर प्रस्तुति: गैस्ट्रिक कैंसर के लिए 199 रोगियों में डी2 लिम्फैडेनेक्टॉमी; व्यवहार्यता, रुग्णता, मृत्यु दर, पुनरावृत्ति पैटर्न और उत्तरजीविता का एक अध्ययन। 6वां ओएफसीओएन: 2023, 2-3 दिसंबर: 2023, दिल्ली

33. बिट्टू भुक्कल और आचार्य डॉ. एमडी रे, ई-पोस्टर प्रस्तुति: उन्नत ओवेरियन कैंसर में आरपीएलएनडी की भूमिका, 37वां नैटकॉन: 2024, 26-29 सितंबर 2024, बेंगलुरु

34. बिट्टू भुक्कल, आचार्य डॉ. एसवीएस देव, मौखिक प्रस्तुति: अभिनव निदान: मौखिक कैंसर में फलोरेसेंट डाई और स्पेक्ट्रोस्कोपी का आकलन: एक पायलट अध्ययन, 37वां एनएटीसीओएन: 2024, 26-29 सितंबर 2024, बेंगलुरु

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 13

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मौखिक/पोस्टर	26	54	50	40

अनुसंधान

वित्तपोषित

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 616 12/24/2025 6:56:02 PM

जारी

1. गैस्ट्रिक कैंसर के लिए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी बनाम अपफ्रंट सर्जरी और एडजुवेंट कीमोथेरेपी की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 3 लाख

2. कैंसर के निदान और पूर्वानुमान के लिए रक्त प्लाज्मा में जीनोमिक जानकारी का संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग दृष्टिकोण आधारित विश्लेषण। डॉ. सुनील कुमार, आईहब अनुभूति-आईआईआईटीडी, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 10.05 लाख

3. कैंसर रोगियों के लिए जैव-सक्रिय रोगी-विशिष्ट जबड़े प्रत्यारोपण का डिजाइन और विकास, डॉ. सुनील कुमार, डीबीटी, 18 महीने, 2024-2026, रुपये 12 लाख

4. क्यूरेटिव सर्जिकल रिसेक्शन करवा रहे नॉन स्माल सेल फेफड़े के कैंसर रोगियों में पलीसूरल फैलाव का शीघ्र पता लगाने और प्लाज्मा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का आकलन करने में कोशिका मुक्त डीएनए का मूल्यांकन, डॉ. ज्योतिषमान सैकिया, एम्स इंट्राम्यूरल अंतर-विभागीय परियोजना, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 20 लाख

5. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, वार्षिक नवीनीकरण के आधार पर, 2024-2025, रुपये 30 लाख

6. सेकेंडरी सीआरएस+एचआईपीईसी करवा रहे रिलैप्स्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर के मरीजों में पुनरावृत्ति का पैटर्न और नैदानिक-आणविक सहसंबंध, आचार्य एमडी रे, आईसीएमआर डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 35.68 लाख

7. भारत में जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 34 लाख

8. शल्य चिकित्सा द्वारा उपचारित स्तन कैंसर रोगियों के बीच नैदानिक, इमेजिंग, ऊतकीय जानकारी और बहुआयामी विश्लेषण का उपयोग करते हुए, स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के बाद नियोएडजुवेंट प्रणालीगत चिकित्सा (पीआरईवीओएल-बीसीएस) में शल्य चिकित्सा उच्छेदन की आदर्श मात्रा का पूर्व-संचालन पूर्वानुमान: एक पायलट अध्ययन, डॉ. ज्योतिषमान सैकिया, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 10 लाख

9. स्तन कैंसर में इमेजिंग पैरामीटर्स और मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग पर अध्ययन, डॉ. ज्योति शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 15 लाख

पूर्ण

1. पल्मोनरी मेटास्टेसेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव प्ल्यूरल लैवेज द्रव और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्व, सुनील कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 10 लाख

2. साइटोरिडक्टिव शल्य चिकित्सा और एचआईपीईसी करवा रहे उन्नत ओवेरियन कैंसर के रोगियों में इम्यूनोन्यूट्रिएंट के रूप में दिव्य-सिस्टोग्रिट-डायमंड कैप्सूल की पेरी-ऑपरेटिव प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो-नियंत्रित पायलट अध्ययन, आचार्य एमडी रे, पतंजलि अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 5.39 लाख

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 617 12/24/2025 6:56:02 PM

3. सीआरसी के रोगजनन में गट माइक्रोबायोम डिस्बिओसिस, डॉ. ज्योति शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 10 लाख

4. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पित्ताशय कैंसर (जीबीसी) के उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन (पीओसीएसएस) के पैटर्न, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, 4 वर्ष, 2020-2024, रुपये 13.75 लाख

5. ओवेरियन कैंसर में सरोगेट मार्कर के रूप में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए (सीटी-डीएनए) की भूमिका - एक पायलट अध्ययन। डॉ. आशुतोष मिश्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2024, रुपये 10 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. उन्नत एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर के उपचार में एचआईपीईसी बनाम एनआईपीएसी में एक तुलनात्मक भावी नैदानिक अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. ओरल केविटी के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा बनाम अग्रिम शल्य चिकित्सा के बाद मौखिक मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. मौखिक कैंसर में पारंपरिक और आईसीजी तकनीकों का उपयोग करके पीएमएमसी फ्लैप परिणामों की तुलना करने वाला द्वितीय चरण आरसीटी

4. स्थानीय रूप से उन्नत कोलन कैंसर में रोगनिरोधी एचआईपीईसी के प्रभावों पर एक संभावित अवलोकनात्मक तुलनात्मक अध्ययन

5. स्थानीय रूप से उन्नत कोलन कैंसर में रोगनिरोधी एचआईपीईसी के प्रभावों पर एक संभावित अवलोकनात्मक तुलनात्मक अध्ययन

6. स्तन कैंसर रोगियों में पोस्ट-मास्टेक्टॉमी प्रीपेक्टोरल और सबपेक्टोरल इम्प्लांट आधारित स्तन पुनर्निर्माण की तुलना करने वाला एक ओपन-लेबल, समानांतर-समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

7. स्तन कैंसर रोगियों में पोस्ट-मास्टेक्टॉमी प्री-पेक्टोरल और सबपेक्टोरल इम्प्लांट-आधारित स्तन पुनर्निर्माण की तुलना करने वाला एक ओपन-लेबल, समानांतर-समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं के रोगियों में गैस्ट्रिक वाल्यूम का अनुमान लगाने और अन्य गैर-जठरांत्र संबंधी, गैर-श्रोणि संबंधी दुर्दमताओं के साथ तुलना करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासाउंड - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

9. रेक्टल एडेनोकार्सिनोमा में कीमोथेरेपी और नियोएडजुवेंट लॉन्ग कोर्स कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के बीच प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

10. निचले एसोफैजियल कैंसर में एससीसी में आइवर लुईस और मैक कियोन की एसोफैजेक्टॉमी के बीच परिणाम की तुलना - एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन

11. निचले ऐसोफेगस के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मैकेओन बनाम आइवर लुईस एसोफैजेक्टॉमी के परिणाम की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 618 12/24/2025 6:56:02 PM

12. सर्जरी करवा रहे रोगियों में नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के मीडियास्टिनल नोडल स्टेजिंग के लिए सर्जिकल हिस्टोपैथोलॉजी के साथ पेट-सीटी और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड की तुलना

13. साइटोरिडक्टिव सर्जरी और हिपेक इन रिलैप्स्ड एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर - एचआरडी/बीआरसीएडब्ल्यूटी जीनोमिक प्रोफाइल में हिपेक के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तृतीय चरण यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण और वर्णनात्मक अध्ययन

14. प्राइमरी ओवेरियन कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ चरण I-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - उपचारित प्राथमिक उन्नत एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर में केआई67 और पी53 के रोगसूचक और भविष्यसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित पायलट अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण।

15. विकिरण नैदानिक रूप से नोड नेगेटिव प्राइमरी एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ चरण I-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - एक संभावित पायलट अध्ययन।

16. एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर में साइटोरिडक्टिव शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में पेरिटोनियल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए निकट-इन्फ्रारेड इमेजिंग का उपयोग करके फलोरेसेंट गाईडेड शल्य चिकित्सा - एक व्यवहार्यता अध्ययन

17. नॉन-मेटास्टेटिक रिसेक्टेबल कार्सिनोमा रेक्टम में नियोएडजुवेंट फोल्फिरिनॉक्स बनाम लॉन्ग कोर्स कीमोरेडियोथेरेपी - एक आरसीटी

18. ऐसोफेगस के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: सिंगल आर्म, द्वितीय चरण पायलट अध्ययन

19. ऐसोफेगस के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: सिंगल आर्म द्वितीय चरण पायलट अध्ययन।

20. स्तन कैंसर के नियोएडजुवेंट उपचार के बाद केवल ब्लू डाई का उपयोग करके सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी पर संभावित अध्ययन और सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और एक्सिलरी लिम्फ नोड विच्छेदन के बाद लिम्फेडेमा दरों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

21. ओवेरियन कैंसर में सरोगेट मार्कर के रूप में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए (सीटी-डीएनए) की भूमिका - एक पायलट अध्ययन।

पूर्ण

1. मौखिक कैंसर में पारंपरिक और इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी तकनीक का उपयोग करके पेक्टोरलिस मेजर मायोक्यूटेनियस फ्लैप की तुलना करने वाला द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

2. एसोफेजेक्टोमी से ग्रस्त रोगियों में रेट्रोस्टर्नल बनाम पोस्टीरियर मीडियास्टिनल गैस्ट्रिक कंड्यूट प्लेसमेंट में पल्मोनरी जटिलताओं की तुलना। द्वितीय चरण, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. स्थानीय रूप से उन्नत / आवर्ती चरम नरम ऊतक सार्कोमा में ऑपरेशन से पूर्व कीमोरेडियोथेरेपी की भूमिका का आकलन करने और नरम ऊतक सार्कोमा डेटाबेस के ऑडिट के लिए एक पायलट अध्ययन।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 619 12/24/2025 6:56:02 PM

4. प्रारंभिक कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों में माइक्रोबायोम गतिशीलता और गट डिस्बिओसिस पर एक संभावित अध्ययन और निम्न और मध्य रेक्टल कैंसर रोगियों में स्फिंक्टर कॉम्प्लेक्स के महत्वपूर्ण शारीरिक मूल्यांकन पर एक संभावित अध्ययन

5. कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों के लिए एमआईएस का मूल्यांकन करने और बृहदान्त्र और मलाशय कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए मोलेकुलर जैव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों को सीखने का एक अध्ययन

6. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और प्रारंभिक ऑपरेशन के बाद इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआरसीके बीच परिचालन-पूर्व परिणामों की तुलना करने वाला व्यापक अध्ययन, पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण के साथ।

7. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआईसी) के बीच पेरिऑपरेटिव परिणामों की तुलना करने वाला व्यापक अध्ययन, पेरिटोनियल सतह दुर्दमता डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण के साथ।

8. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा एसोफैगस में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और नियोएडजुवेंट समवर्ती कीमोरेडिएशन के बीच प्रभावकारिता की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

9. क्यूरेटिव सर्जिकल रिस्कशन से गुजर रहे नान स्माल सेल लंग कैंसर के रोगियों में पल्मोनरी फैलाव का शीघ्र पता लगाने और प्लाज्मा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का आकलन करने में कोशिका मुक्त डीएनए का मूल्यांकन

10. रेडियोलॉजिकल नोड नेगेटिव प्राइमरी एडवांस्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर (पीएईओसी) (एफआईजीओ स्टेज II-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - उपचारित प्राइमरी एडवांस्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में केआई-67 और पी53 के पूर्वानुमान और भविष्यसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित पायलट अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण।

11. ऐसोफेगस कैंसर सर्जरी में गैस्ट्रिक या कोलोनिक कंड्यूट परफ्यूजन के अंतःक्रियात्मक मूल्यांकन के लिए इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस डाई की व्यवहार्यता अध्ययन - एक संभावित सत्यापन अध्ययन और हेपेटोबिलरी और अग्नाशय कैंसर डेटाबेस का अद्यतन और विश्लेषण

12. घातक थोरेसिक रोग वाले रोगियों में थोरेसिक के बाद कार्यात्मक सुधार और काम पर वापसी: एक संभावित अध्ययन

13. एसोफैजेक्टॉमी के बाद एसोफैजियल कैंसर रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता की भविष्यवाणी करने के लिए नोमोग्राम

14. ओरल केविटी में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन और मौखिक कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए टोल्यूडीन ब्लू डाई और नैरो बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन

15. व्यक्तिगत बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवांशिक परामर्श का भावी अध्ययन और जोखिम कम करने वाली सर्जरी करवाने वाले रोगियों का महत्वाकांक्षी मूल्यांकन।

16. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी से गुजर रहे उन्नत एपिथिलियल ओवेरियन कैंसर के रोगियों में कैंसर-वृषण प्रतिजन (सीटी45) की अभिव्यक्ति और प्लैटिनम आधारित कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ इसके सहसंबंध पर संभावित अध्ययन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 620 12/24/2025 6:56:02 PM

17. तृतीयक उपचार केंद्र में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के साथ साइटोरिडक्टिव शल्य चिकित्सा (सीआरएस) में "सर्जरी के बाद उन्नत रिकवरी (ईआरएएस)" प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन और अनुपालन की व्यवहार्यता - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन और ओवेरियन कैंसर डेटाबेस का ऑडिट और विश्लेषण।

18. गर्भाशय लेयोमायोसार्कोमा में बीआरसीएनेस से संबंधित सटोमेटिक मयूटेशन की व्यापकता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्लैटिनम रेसिस्टेंट/रिफ्रैक्टरी एपिथीलियल ओवेरियन या प्राइमरी पेरिटोनियल कैंसर में एकल एजेंट पेमेट्रेक्सेड का सिंगल आर्म द्वितीय चरण अध्ययन। चिकित्सा अबुर्द विज्ञान विभाग, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

2. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के शीघ्र निदान और हिस्टोलॉजिकल सबटाइपिंग के लिए बायोमार्कर्स की पहचान हेतु एक एकीकृत मेटाबोलोमिक्स और लिपिडोमिक्स दृष्टिकोण। एनएमआर विभाग, एम्स नई दिल्ली

3. ऑन्कोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने हेतु बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग। जैव-रसायन विभाग। एम्स, नई दिल्ली

4. "प्रिसिजन मेडिसिन के माध्यम से भारत में कोलन कैंसर के उपचार के लिए बायोबैंक का निर्माण, बायोमार्कर की पहचान, मेटाबोलिक लक्ष्यों का निर्धारण और चिकित्सीय प्लेटफॉर्म का विकास", क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

5. बायोबैंक का निर्माण, बायोमार्करों की पहचान, चयापचय लक्ष्यों का निर्धारण, और सटीक चिकित्सा के माध्यम से भारत में कोलोरेक्टल (सीआरसी) कैंसर के उपचार के लिए चिकित्सीय प्लेटफॉर्म विकसित करना, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

6. सीएपीई-सीईआरवी परीक्षण - मेटास्टैटिक सर्वाइकल कैंसर में कैपेसिटाबाइन रखरखाव, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

7. कार्सिनोमा पेनिस के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम और जीवित बचे लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन, चिकित्सा अबुर्द विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. डीबीटी एनसीआई-एम्स ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च सेंटर (फेज-1), जैव रसायन

9. पीडीएक्स मॉडल बहुलक्षित दवा में एआई-निर्देशित गणना-आधारित अनुकूलन, संश्लेषण और पूर्व नैदानिक मूल्यांकन का उपयोग करके स्तन कैंसर के रूप में डीडीपीएमपीवाईपीईपीयू विकसित करना। आईसीएमआर

10. ओवेरियन कैंसर के लिए माइक्रोआरएनए-आधारित बायोमार्कर का विकास।, प्रजनन जैवविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. पीडीएक्स माउस मॉडल में डोसेटेक्सेल-लोडेड-एचएसपी70 पेप्टाइड कॉम्प्लेक्स की चिकित्सीय भूमिका को स्पष्ट करना, आईसीएमआर

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 621 12/24/2025 6:56:02 PM

12. आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले स्तन और ओवेरियन कैंसरों की रजिस्ट्री और जर्मलाइन रिपोजिटरी की स्थापना, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. एम्स, नई दिल्ली में आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले स्तन और ओवेरियन कैंसर के लिए रजिस्ट्री और जर्मलाइन डीएनए रिपोजिटरी की स्थापना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

14. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ कम खुराक निवोलुमैब का मूल्यांकन नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: द्वितीय चरण ओपन लेबल रैंडमाइज्ड नैदानिक ट्रायल (ईएलओएन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली)

15. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में जीवित रहने पर समय-प्रतिबंधित भोजन (टीआरई) के साथ आंतरायिक उपवास की प्रभावकारिता की खोज, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

16. ओवेरियन कैंसर में नवीन नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर की खोज, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

17. एपेंडिसियल एपिथीलियल नियोप्लाज्म का हिस्टोपैथोलॉजिकल, इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

18. कार्सिनोमा अंडाशय में हामोलोगस रीकोबिंगेशन डेफिशयेंसी - वास्तविक दुनिया के आंकड़ों का विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

19. द्वितीय चरण के स्तन कैंसर में जीवित रहने की दर में सुधार के लिए कार्यान्वयन अध्ययन, आईसीएमआर

20. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी/बी2 का आणविक तंत्र, जैव रसायन

21. प्लैटिनम-प्रतिरोधी उन्नत ओवेरियन कैंसर में मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी (ओएमटी) बनाम चिकित्सक की पसंद की कीमोथेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

22. द्वितीय चरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक है "कैंसर रोगियों के लिए जैव-सक्रिय रोगी-विशिष्ट जबड़े प्रत्यारोपण का डिजाइन और विकास, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

23. पीएलएएनईटी परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

24. एपिथिलियन ओवेरियन कैंसर (पीओआईसीई 2024) में अंतराल साइटोरिडक्शन के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी: बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, तृतीय चरण परीक्षण। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, जिपमेर, पुडुचेरी

25. स्तन संरक्षण सर्जरी में सर्जिकल रिसेक्शन की आदर्श मात्रा का ऑपरेशन से पूर्व का पूर्वानुमान (पीआरईवीओएल-बीसीएस),

26. एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा के नैदानिक-विकृति विज्ञान पहलुओं और भारतीय रोगियों में उनके परिणामों का अध्ययन करने के लिए पूर्वव्यापी विश्लेषण, तृतीयक कैंसर केंद्र, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 622 12/24/2025 6:56:02 PM

27. थायरॉइड कैंसर में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका, जैव रसायन

28. थायरॉइड कैंसर में टीईएल2 की भूमिका, जैव रसायन

29. अग्नाशय के कैंसर के रोगियों के ट्यूमर स्थल में मौजूद भिन्न रूप से अभिव्यक्त माइक्रो-आरएनएएस और उनके प्रोटीन लक्ष्यों की भूमिका निर्धारित करने के लिए, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

30. फॉलिक्युलर सेल-व्युत्पन्न थायरॉइड कार्सिनोमा का ट्यूमर प्रतिरक्षा माइक्रोएन्वायरमेंट, विकृति विज्ञान

31. व्यावहारिक उपचार रणनीतियों के विकास के लिए स्त्री रोग संबंधी एडेनोकार्सिनोमा में व्यापक जीनोमिक और प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग का उपयोग करना। विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. ओरल केविटी के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा बनाम अग्रिम सर्जरी के बाद मौखिक मेट्रोनॉमिक कीमोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और ओरल केविटी कैंसर रोगी डेटाबेस के विश्लेषण के साथ मौखिक मेट्रोनॉमिक थेरेपी के लिए कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए बायोमार्कर के रूप में पी53 की भूमिका निर्धारित करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन, शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. सामान्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कोशिका मुक्त डीएनएएस (सीएफ-डीएनए) का मूल्यांकन। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

3. फेफड़ों की सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी से ग्रस्त रोगियों में बाद में होने वाले तीव्र दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोरैसिक पैरावर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन निर्देशित सेरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग

4. ओवेरियन कैंसर में नए प्रोस्टेट अंडाशय वृषण भ्रूण (पीओटीई) प्रतिजन की प्रतिरक्षा-चिकित्सा क्षमता, जैव-रसायन विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणामों पर 15 वर्षों से अधिक का अनुभव - तृतीयक उपचार केंद्र, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग।

6. प्राथमिक ओवेरियन कैंसर में नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में कैंसर टेसटिस एंटिजन जीन (सीटी45) की भूमिका। प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान ईकाई, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

7. गर्भाशय लेयोमायोसार्कोमा में बीआरसीएनेस से संबंधित दैहिक उत्परिवर्तनों की व्यापकता, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 623 12/24/2025 6:56:02 PM

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	3	11	11	10	18
कुल वित्तपोषण	रुपये 221.15 लाख	रुपये 165.90 लाख	रुपये 249.90 लाख	रुपये 215.42 लाख	रुपये 139.73 लाख

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1. आंतरिक रोगी बिस्तर 45 (बीआरए-आईआरसीएच) और 64 (एनसीआई)
2. प्रमुख ऑपरेशन थिएटर - 4 (आईआरसीएच) और 3 (एनसीआई)
3. एंडोस्कोपी और माइनर ओटी कॉम्प्लेक्स - आईआरसीएच और एनसीआई में प्रत्येक में 1
4. एमडीटी अंग आधारित विशेष क्लीनिक और ओपीडी (आईआरसीएच और एनसीआई में 10-10 प्रत्येक)

विशेष उन्नत ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम

1. रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम
2. ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम
3. थोरैसिक ऑन्कोलॉजी क्लिनिक
4. यकृत-पित्त और अग्नाशय क्लिनिक
5. पेरिटोनियल सतह दुर्दमता और एचआईपीईसी कार्यक्रम।
6. न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम
7. कैंसर आनुवंशिकी और जोखिम कम करने वाली सर्जरी कार्यक्रम
8. उपशामक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम

जनगणना (रोगी उपचार सेवाएँ)

मद	2023-2024		
	आईआरसीएच	एनसीआई	कुल
ओपीडी परामर्श	28363	17254	45617

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 624 12/24/2025 6:56:02 PM

प्रमुख शल्य चिकित्सा की कुल संख्या	1523	1041	2564
एंडोस्कोपी और छोटी सर्जरी/ प्रक्रियाओं की कुल संख्या	8215	2021	10236

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. आशुतोष मिश्रा ईवाईएसएसी यूरोपियन सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के राष्ट्रीय प्रतिनिधि चुने गए। सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, यूएसए की वैज्ञानिक समिति के सदस्य नियुक्त किए गए। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (2024-2025) के संपादकीय सचिव चुने गए। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (2024-2025) के डिजिटल सचिव चुने गए। एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया के शिक्षा निदेशक चुने गए। ऑन्कोलॉजी फोरम, दिल्ली के कोषाध्यक्ष और यूआईसीसी समन्वयक चुने गए। ब्रेस्टिक्स 24 के निदेशक मंडल के सदस्य चुने गए। एसएसओ ग्लोबल पार्टनर्स लीडर्स समिट, टाम्पा, फ्लोरिडा में आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. ज्योति शर्मा इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में अनुभाग संपादक के रूप में आमंत्रित। 15-16 फरवरी 2025 को एनसीआई में आयोजित एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव, एनसीआई के आयोजन सचिव।

डॉ. ज्योतिशमन सैकिया - आयोजन समिति, एएसओसीओएन 2024 एम्स सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव, 6-7 सितंबर 2024। आयोजन समिति, एओसी 2025 - एम्स ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव, 15-16 फरवरी 2025, नई दिल्ली।

डॉ. नवीन कुमार - अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन (एफएसीएस) के सदस्य। रोबोटिक और इनोवेटिव सर्जरी (एफएआरआईएस) में फेलोशिप। दिल्ली ऑन्कोलॉजी फोरम के कार्यकारी सदस्य चुने गए। संचार समिति के कार्यकारी सदस्य चुने गए।

डॉ. बाबुल बंसल दिल्ली ऑन्कोलॉजी फोरम के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित।

सामुदायिक सेवाएं

डॉ. सुनील कुमार चंद्रकांति देवी कैंसर फाउंडेशन नामक एक गैर सरकारी संगठन के माध्यम से बिहार और झारखंड में कैंसर के प्रति छात्रों में जागरूकता लाने के लिए नि:शुल्क कैंसर उपचार सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

आधान चिकित्सा, एनसीआई, झज्जर

सह-आचार्य

दीप्तिरंजन राउत

विशिष्टताएं

यह केंद्र सभी के लिए सुरक्षित रक्त सुनिश्चित करने हेतु स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले एक वर्ष में, केंद्र ने प्रतिदिन औसतन 47+ स्वैच्छिक रक्तदान के साथ 336 आउटडोर स्वैच्छिक रक्तदान अभियान चलाए हैं इसके परिणामस्वरूप एनसीआई ने सभी कैंसर रोगियों के लिए

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 625 12/24/2025 6:56:03 PM

निःशुल्क रक्त आधान सेवाएँ प्रदान की गई हैं। अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए समुदाय के समर्थन को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र ने 12 फरवरी 2025 को 6वें एनसीआई स्थापना दिवस पर 7 स्वैच्छिक रक्तदान आयोजकों को सम्मानित किया।



शिक्षा

1. एम.डी. (आधान चिकित्सा) छात्रों के लिए स्नातकोत्तर शिक्षण।
2. दीप्तिरंजन राउत

1. स्वचालन - घटक उत्पादन में गुणवत्ता बढ़ाने का एक साधन? 12वां ट्रांसमेडकॉन 2024, 27-29 सितंबर 2024, चेन्नई

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
3	2	1

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	2	3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 626 12/24/2025 6:56:03 PM

जारी

1. यूग्लाइसेमिक स्वस्थ मधुमेह रक्तदाताओं से प्राप्त प्लेटलेट्स की प्लेटलेट स्टोरेज़ लाइसन और एकत्रीकरण का आकलन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. भारतीय ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर रोगियों के ट्यूमर क्षेत्र में आणविक अंतर्दृष्टि और स्थानीय, क्षेत्रीय और प्रणालीगत रोग प्रगति से जुड़े जीनों का मानचित्रण। विकिरण अर्बुदविज्ञान
2. एसडब्ल्यूओएआर परीक्षण: एक तृतीय चरण परीक्षण जो सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मानक आईएमआरटी बनाम तीव्रता नियंत्रित रेडियोथेरेपी द्वारा निगलने और आकांक्षा से संबंधित जोखिमग्रस्त अंगों और सबमैंडिबुलर ग्रंथि के बचाव का मूल्यांकन करता है। विकिरण अर्बुदविज्ञान

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित) केंद्र, ल्यूकोरिया से पीड़ित सभी रोगियों को मानक उपचार के रूप में चौबीसों घंटे रक्त आधान सेवाएँ प्रदान करता है। केंद्र में उपलब्ध नियमित सुविधाएँ निम्नलिखित हैं:

1. वॉक-इन स्वैच्छिक रक्तदान की सुविधा।
2. आउटडोर रक्तदान अभियान के लिए मोबाइल रक्तदान वैन।
3. 24×7 रक्त घटक जारी करने की सुविधा।
4. स्वचालित रक्त घटक पृथक्करण सुविधा।
5. सीरोलॉजी और उन्नत आणविक तकनीकों द्वारा स्वचालित इम्यूनोहेमेटोलॉजी।
6. सीरोलॉजी और आणविक तकनीकों द्वारा स्वचालित संक्रमण जांच सुविधा।
7. रक्त घटकों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण सुविधा।
8. रक्त घटकों के लिए वॉक-इन कोल्ड स्टोरेज सुविधा (4°C और-30°C)।
9. विकिरण सुविधा (100% विकिरणित प्लेटलेट्स और आवश्यकता आधारित विकिरणित सेलुलर उत्पाद)
10. चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण दुर्लभ रक्त समूह एंटीजन टाइपिंग सुविधा।

सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

यह केंद्र "सभी के लिए सुरक्षित रक्त" सुनिश्चित करने के मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र विभिन्न स्थानीय संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से स्वैच्छिक गतिविधियों के माध्यम से रक्त इकाइयाँ एकत्रित करने के लिए कई स्वैच्छिक दान अभियान चलाता है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अभियानों की संख्या में वृद्धि देखी गई है, जिससे एनसीआई के सभी कैंसर रोगियों को बेहतर और सुरक्षित रक्त आधान सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं।

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 627 12/24/2025 6:56:03 PM

मद	2022-23	2023-24	2024-25
आयोजित शिविर	187	320	336

रोगी उपचार

मद	2022-23	2023-24	2024-25
कुल दान	11391	20219	15888
स्वैच्छिक दान	10711 (94.03%)	20183 (99.82%)	15673 (98.64%)
प्रतिस्थापन दान	680 (5.97%)	36 (0.18%)	215 (1.35%)
कुल क्रॉसमैच और मुद्दे	16949	29521	26916
कुल रोगियों की संख्या	2681	3176	2397
रक्त घटकों को तैयार करना और नष्ट करना			
एलआर-पीआरबीसी + एफएफपी + पीसी	34173	60657	47664
फेक्रिटेनेशन के लिए सरपलस प्लाज्मा आपूर्ति	2005.7 लीटर	2852.7 लीटर	1485.17
कुल इकाई नष्ट की गई (प्रतिक्रियाशील इकाइयाँ) (%)	422 (3.70)	867 (4.28)	652 (4.12)
कुल इकाई नष्ट की गई (संग्रहित इकाइयों सहित) (%)	119 (1.04)	171 (0.84)	112 (0.7)
कुल घटक नष्ट किए गए (आरसीसी/ लिपेमिया) (%)	109 (0.31)	221 (0.35)	226 (0.47)
कुल घटक नष्ट किए गए (रिसाव/टूटना) (%)	62 (0.17)	108 (0.17)	60 (0.12)
कुल घटक नष्ट किए गए (समाप्ति) (%)	18 (0.05)	19 (0.03)	0 (0)
ट्रांसफ्यूज़न ट्रांसमिसेबल इंफेक्शन (एचआईवी, एचबीवी, एचसीवी, सिफलिस, मलेरिया) स्क्रीनिंग परीक्षण			
केमिलुमिनेसेंस	56955	101095	79440
एनएटी	34173	60657	47664

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 628 12/24/2025 6:56:03 PM

मद	2022-23	2023-24	2024-25
एचआईवी (%)	27 (0.23)	90 (0.44)	66 (0.41)
एचबीवी (%)	132 (1.15)	271 (1.34)	219 (1.37)
एचसीवी (%)	114 (1.00)	183 (0.90)	154 (0.96)
सिफलिस (%)	134 (1.17)	269 (1.33)	217 (1.36)
मलेरिया (%)	0 (0)	0 (0)	1 (0.00)
एनएटी रिएक्टिव (%)	15 (0.13)	53 (0.26)	143 (0.9)
इम्यूनोहेमेटोलॉजी (रूटीन-उन्नत-आणविक)			
एबीओ रक्त समूहीकरण, दाताओं के लिए एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	22782	40438	31776
रोगियों के लिए एबीओ रक्त समूहन, एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	12600	16066	21987
रोगियों की एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	3745	6419	9551
एसएसओपी विधि द्वारा ल्यूकोसाइटिक एंटीजन टाइपिंग	0	70	210
रक्त समूह विसंगति का आणविक समाधान	0	14	7

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

कोई नहीं

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

मूत्ररोग विज्ञान विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

अमलेश सेठ

सहायक आचार्य

श्रीधर पी

प्रशांत सिंह

विशिष्टताएं

एनसीआई झज्जर परिसर में मूत्ररोग विज्ञान विभाग द्वारा जननांगों के कैंसर से पीड़ित रोगियों के लिए व्यापक कैंसर उपचार प्रदान किया जाता है। विभाग में वर्तमान में दो संकाय सदस्य हैं और यह प्रति सप्ताह (बुधवार और शुक्रवार) दो बाह्य रोगी क्लीनिक संचालित करते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रति सप्ताह

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 629 12/24/2025 6:56:03 PM

दो समर्पित मूत्र-अर्बुदविज्ञान ऑपरेटिंग थिएटर भी संचालित होते हैं। विभाग ने कई उन्नत प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक संपन्न करके अपनी नैदानिक क्षमताओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है, जिनमें आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ पहला रेडिकल नेफरेक्टोमी, मूत्र मार्ग परिवर्तन के साथ लैप्रोस्कोपिक रेडिकल सिस्टेक्टोमी, और क्रमशः वृक्क कोशिका कार्सिनोमा, मांसपेशी-आक्रामक मूत्राशय कैंसर, और शिश्न कैंसर के लिए दोहरे रंगों (फ्लोरोसेंट और मेथिलीन ब्लू) का उपयोग करके सेंटिनल लिम्फ नोड विच्छेदन शामिल हैं।

शिक्षा

विभाग के संकाय सदस्यों ने पूरे वर्ष सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जहाँ उन्होंने व्याख्यान दिए और अपनी विशेषज्ञता को सांझा किया। इसके अतिरिक्त, संकाय-सदस्य ने स्नातक और नर्सिंग छात्रों (बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान आयोजित किए हैं। एम्स, नई दिल्ली के मुख्य विभाग से एम.सीएच (19 छात्र) और फेलोशिप प्रशिक्षुओं (3 फेलो) को मासिक रोटेशनल आधार पर एनसीआई झज्जर परिसर में नियुक्त किया गया था, जहाँ उन्हें यूरो-ऑन्कोलॉजी के विभिन्न पहलुओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। एम.सीएच छात्रों और फेलो ने गूगल क्लासरूम क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित समूह चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, जहाँ यूरो-ऑन्कोलॉजिकल प्रक्रियाओं की विभिन्न बारीकियों, मूत्ररोग कैंसर दिशानिर्देश अपडेट और हालिया नैदानिक परीक्षणों पर नियमित रूप से चर्चा की गई।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

श्रीधर पी

1. पैनलिस्ट: प्रोस्टेट कैंसर पर केस-आधारित चर्चा: दुविधाओं का समाधान, ऑन्कोकॉन, 24 अप्रैल 2024, गाजियाबाद
2. संयोजक: रेजिडेंट क्विज़, जीयू-ऑनकोकॉन, 26 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली
3. पैनलिस्ट: जैव रासायनिक पुनरावृत्ति और गैर-मेटास्टेटिक सीपीआरसी उपचार: रुचि के वर्तमान क्षेत्र, यूरो-ऑन्कोलॉजी अपडेट 2024, 24 नवंबर 2024, नई दिल्ली
4. संयोजक: रेजिडेंट क्विज़, यूरो-ऑन्कोलॉजी अपडेट 2024, 24 नवंबर 2024, नई दिल्ली
5. वाद-विवाद: अंतरालों को समाप्त करने हेतु सत्र - 'दिशानिर्देश - जिनका पालन किया जाना आवश्यक है - रोगी के लिए सर्वोत्तम', एनजेडयूएसआईसीओएन 2024, 30 नवंबर 2024, गुरुग्राम
6. आरसीसी: दिशानिर्देश अद्यतन, एनजेडयूएसआईसीओएन 2024, 30 नवंबर 2024, गुरुग्राम

प्रशांत सिंह

1. मॉडरेटर: रेजिडेंट क्विज़, जीयू-ऑनकोकॉन, 26 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली
2. ओलिगोमेटास्टैटिक प्रोस्टेट कैंसर: सिकुड़ता उपसमूह या इलाज का अवसर, एनजेडयूएसआईसीओएन 2024, 30 नवंबर 2024, गुरुग्राम
3. अध्यक्षता: पिनाईल कैंसर सत्र, एनजेडयूएसआईसीओएन 2024, 30 नवंबर 2024, गुरुग्राम

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 630 12/24/2025 6:56:03 PM

पिछले दो वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2023-24	2024-25
5	9

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. टीयूआरबीटी के दौरान शल्य चिकित्सक द्वारा मूत्राशय कैंसर हिस्टोपैथोलॉजी की संभावना और इमेजिंग और अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसका सहसंबंध।
2. मूत्ररोग संबंधी सर्जरी के लिए दिशानिर्देश निर्देशित प्री-ऑपरेटिव प्रोफिलैक्टिक एकल खुराक/दिन बनाम विस्तारित प्रोफिलैक्टिक एंटीबायोटिक दवाओं का परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
3. रेडिकल सिस्टेक्टोमी के दौरान टाइटेनियम क्लिप से लिफमेटिक लिगेशन बनाम अल्ट्रासोनिक डिसेक्टर के उपयोग से होने वाली लिम्फोरिया का तुलनात्मक अध्ययन; एक संभावित, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक परीक्षण।
4. रेडिकल सिस्टेक्टॉमी के बाद होने वाली जटिलताओं पर 24 घंटे बनाम लंबे समय तक एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस के प्रभाव का अध्ययन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
5. नॉन-मसल इनवेसिव मूत्राशय ट्यूटर्स में रीस्टेज टीयूआरबीटी से बचने के प्रभाव का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. कार्सिनोमा पेनिस के रोगियों में आईसीजी फ्लोरोसेंस, फ्लोरेसिन और मेथिलीन ब्लू डाई गाइडेड डायनेमिक सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी हेतु तकनीकी की प्रभावकारिता का आकलन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सिस्प्लेटिन के लिए अपात्र या सिस्प्लेटिन लेने से इंकार करने वाले मसल इंवेसिव ब्लेडर कैंसर के रोगियों में पेरिऑपरेटिव पेम्ब्रोलिज़ुमाब के साथ सिस्टेक्टोमी और पेरिऑपरेटिव पेम्ब्रोलिज़ुमाब के साथ सिस्टेक्टोमी और पेरिऑपरेटिव एनफोटूर्मेब वेडोटिन और पेम्ब्रोलिज़ुमाब के साथ केवल सिस्टेक्टोमी का मूल्यांकन करने वाला आरसीटी (कीनोट-905/ईवी-303), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान भी.रा.अं.रा.रो.कैंसर आस्पताल, एम्स, नई दिल्ली
2. मल्टीकाइनेज इनहिबिटर से संबंधित हाथ-पैर त्वचा के रिएकशन की रोकथाम के लिए रिकोम्बिनेंट पुनः संयोजक मानव प्लेटलेट-व्युत्पन्न वृद्धि कारक का एक अन्वेषक द्वारा आरंभित, ओपन-लेबल, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 631 12/24/2025 6:56:03 PM

3. प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति में वृत्ताकार आरएनए की भूमिका को समझना, प्रजनन जैवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

रोगी उपचार:

	2022-23	2023-24	2024-25
ओपीडी, नए केस	328	481	493
ओपीडी, पुराने केस	630	1988	3327
वार्ड में प्रवेश	-	394	531
वार्ड डिस्चार्ज	-	397	523
कुल ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं	412	328	449

एनसीआई झज्जर ओटी सर्जिकल प्रक्रियाओं का विवरण: 449

ओपन सर्जरी: 74

रेडिकल सिस्टेक्टोमी	27	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफरेक्टोमी	7
नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टोमी	3	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफरेक्टोमी	1
आंशिक सिस्टेक्टोमी	1	आंशिक नेफ्रेक्टोमी	1
बचाव सिस्टेक्टोमी	-	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	-
इलियोइंगुइनल लिम्फ नोड विच्छेदन	5	आरपीएलएनडी	-
उच्च वंक्षण ओर्कियोक्टॉमी	7	कुल/रेडिकल पेनेक्टॉमी	1
सरकमशिजन/वेज बायोप्सी	2	आंशिक पेनेक्टॉमी	7
बायलेट्रल ऑर्किडेक्टॉमी	9	अन्य	3

लेप्रोस्कोपिक: 5

रेडिकल नेफरेक्टोमी	3
रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	1
रेडिकल सिस्टेक्टोमी + नेफरेक्टोमी + यूरेटेरोस्टॉमी	1

एंडोयूरोलॉजी: 369

टीयूआरबीटी	163
चैनल टीयूआरपी	3

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 632 12/24/2025 6:56:03 PM

सीपीई / क्लोट निष्कासन / डीजे स्टेंटिंग / डीजे हटाना / अन्य	203

प्रोस्टेट बायोप्सी: 1

फिंगर गाइडेड	1
यूएसजी निर्देशित	-

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. श्रीधर पी. डीजीएचएस के अंतर्गत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के चिकित्सा उपचार हेतु एसओपी तैयार करने हेतु मूत्ररोग विज्ञान विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे। बीआईआरएसी के अंतर्गत क्रियान्वित जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एसबीआईआरआई योजना के लिए साइट विजिट विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन

जैव रसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 05 सार: 04 पुस्तकों में अध्याय: 05

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**12**	**36**	**14**
पत्रिकाओं में लेख	12	06	05
सार	0	27	04
पुस्तकों में अध्याय	0	03	05
पुस्तकें	0	0	0

नैदानिक सूक्ष्मजैव विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	-	-	04
पत्रिकाओं में लेख	-	-	04
सार	-	-	0

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 633 12/24/2025 6:56:03 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पुस्तकों में अध्याय	-	-	0
पुस्तकें	-	-	0

ईएनटी और सिर-गर्दन अर्बुदविज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 20 सार: 05 पुस्तकों में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	12	36	27
पत्रिकाओं में लेख	09	28	20
सार	--	07	05
पुस्तकों में अध्याय	03	01	02
पुस्तकें	--	--	--

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 17 सार: 09 पुस्तकों में अध्याय: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**37**	**41**	30
पत्रिकाओं में लेख	28	31	17
सार	6	7	09
पुस्तकों में अध्याय	3	3	04
पुस्तकें	0	0	--

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	06	05	01

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 634 12/24/2025 6:56:03 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिकाओं में लेख	06	05	01
सार	0	0	0
पुस्तकों में अध्याय	0	0	0
पुस्तकें	0	0	0

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 03 सार: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**04**	**19**	**04**
पत्रिकाओं में लेख	02	15	03
सार	02	03	01
पुस्तकों में अध्याय	-	01	-
पुस्तकें	-	-	-

निवारक अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 13 सार: 12

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	28	17	25
पत्रिकाओं में लेख	20	13	13
सार	08	2	12
पुस्तकों में अध्याय	-	01	-
पुस्तकें	-	01	-

नाभिकीय चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 05 सार: 01

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 635 12/24/2025 6:56:03 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**01**	**04**	**06**
पत्रिकाओं में लेख	01	04	05
सार	-	-	01
पुस्तकों में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें	-	-	-

अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान और प्रशामक चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 11 पुस्तकों में अध्याय: 05

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**40**	**25**	**16**
पत्रिकाओं में लेख	21	17	11
सार	8	-	-
पुस्तकों में अध्याय	11	8	05

नेत्रविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 14

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**12**	**3**	**14**
पत्रिकाओं में लेख	09	3	14
सार	-	-	-
पुस्तकों में अध्याय	03	-	-
पुस्तकें	-	-	-

अस्थिरोग विभाग

प्रकाशन

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 636 12/24/2025 6:56:03 PM

पत्रिकाएँ: 13

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	-	-	13
पत्रिकाओं में लेख	-	-	06
सार	-	-	07
पुस्तकों में अध्याय	-	-	0
पुस्तकें	-	-	0

बालचिकित्सा

प्रकाशन

प्रकाशन

पत्रिकाओं में लेख: 03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	04	17	03
पत्रिकाओं में लेख	03	13	03
सार	-	02	-
पुस्तकों में अध्याय	01	02	-
पुस्तकें	-	-	-

प्लास्टिक सर्जरी

प्रकाशन

प्रकाशन

पत्रिकाओ में लेख: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	-	-	01
पत्रिकाओं में लेख	-	-	01
सार	-	-	-

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 637 12/24/2025 6:56:03 PM

पुस्तकों में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें	-	-	-

निवारक अर्बुद विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 05 सार: 07

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**28**	**17**	**12**
पत्रिकाओं में लेख	20	13	5
सार	8	2	7
पुस्तकों में अध्याय	0	1	-
पुस्तकें	0	1	-

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 13 सार: 19 पुस्तकों में अध्याय: 09 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	--	--	**42**
पत्रिकाओं में लेख	-	-	**13**
सार	-	-	**19**
पुस्तकों में अध्याय	-	-	**09**
पुस्तकें	-	-	**01**

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 02 पुस्तकों में अध्याय: 05

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	-	7	7
पत्रिकाओं में लेख	-	3	2

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 638 12/24/2025 6:56:03 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सार	-	-	-
पुस्तकों में अध्याय	-	-	5
पुस्तकें	-	-	-

शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग, भी.रा.अं.-सं.रो.कैं.अ.

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 32 सार: 09 पुस्तकों में अध्याय: 03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	30	**57**	44
पत्रिकाओं मे लेख	27	44	32
सार	-	04	09
पुस्तकों में अध्याय	02	8	3
पुस्तकें	01	1	-

मूत्ररोग विज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 05 पुस्तकों में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2023-2024	2024-2025
कुल	**12**	**07**
पत्रिकाओं में लेख	8	5
सार	1	-
पुस्तकों में अध्याय	2	2
पुस्तकें	1	-

9.21_National Cancer Institute - hindi.indd 639 12/24/2025 6:56:04 PM

9.22 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
दीपांकर मधुसूदन भौमिक

आचार्य
संदीप महाजन
सौमिता कमल कुमार बागची

अपर आचार्य
राज कुमार यादव

सह - आचार्य
अरुण कुमार सुब्बैया

विशिष्टताएं

विभाग व्यापक वृक्क विज्ञान सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें बहुत कम कीमत पर गुर्दा प्रत्यारोपण भी शामिल है। एबीओ-असंगत प्रत्यारोपण नियमित रूप से किए जाते हैं। प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं को निःशुल्क प्रतिरक्षा-दमनकारी दवा स्तर की मॉनीटरिंग और संक्रमण संबंधी निगरानी प्रदान की जाती है। गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए चौबीसों घंटे हीमोडायलिसिस की सुविधा नाममात्र दरों पर उपलब्ध है और यह निःशुल्क है। ट्रॉमा सेंटर और एम्स के अन्य ब्लॉकों सहित, अस्पताल के सभी विभागों में बेडसाइड डायलिसिस सेवा उपलब्ध है।

प्रारंभिक ग्लोमेरुलर रोगों एवं क्रोनिक किडनी रोग पर अनुसंधान को बढावा देने के लिए एक रीनल बायो-रिपॉजिटरी का रखरखाव किया जाता है। संकाय सदस्य सीकेडी, डायलिसिस और प्रत्यारोपण पर राष्ट्रीय नीति-निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं। विभाग संवहनी और पेरिटोनियल प्रयोग संबंधी केंद्रित एक इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी कार्यक्रम भी चलाता है, जिसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा नेफ्रोलॉजी फेलो के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

विभाग ने एम्स के जेएनयू ऑडिटोरियम में वार्षिक दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी अपडेट का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के नेफ्रोलॉजिस्ट और प्रशिक्षुओं के साथ-साथ प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों ने व्यापक रूप से भागीदारी की। इसने मेयो क्लिनिक कॉलेज ऑफ मेडिसिन के साथ मिलकर एम्स मेयो क्लिनिक अपडेट इन किडनी डिजीज एंड ट्रांसप्लांट का भी आयोजन किया, जिसे देश भर के संकाय सदस्यों से व्यापक प्रशंसा मिली। हमने 28-29 सितंबर 2025 को एम्स इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी कार्यशाला का उद्घाटन किया, जिसमें पूरे भारत के नेफ्रोलॉजिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग डीएम नेफ्रोलॉजी कार्यक्रम का संचालन करता है, जो पोस्ट एमडी/डीएनबी (मेडिसिन और बाल चिकित्सा) के उम्मीदवारों के लिए डिज़ाइन किया गया एक तीन वर्षीय डिग्री कोर्स है। इस कार्यक्रम के लिए चयन एम्स द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता के आधार पर होता

9.22_.indd 640 1/9/2026 3:17:16 PM

है। विभाग अन्य एम्स जैसे संस्थानों के लिए भी प्रवेश परीक्षा के साक्षात्कार सहित परीक्षाएँ आयोजित करता है। इस अवधि के दौरान, एम्स, नई दिल्ली में डीएम नेफ्रोलॉजी पाठ्यक्रम में नौ उम्मीदवारों का नामांकन हुआ। इसके अतिरिक्त, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी तथा विकृति विज्ञान विभागों के रेजिडेंट अक्सर नेफ्रोपैथोलॉजी के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, विभाग अधिकतम 6 महीने की अवधि के लिए दो से तीन गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट को समायोजित करता है।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है:

1. आंतरिक चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, मूत्ररोग विज्ञान, संवेदनाहरण, संक्रामक रोग, क्रिटिकल केयर मेडिसिन एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के स्नातकोत्तरों को कुछ सप्ताह से लेकर कुछ महीनों की परिवर्तनीय अवधि के लिए रोटेशन के आधार पर तैनात किया जाता है।
2. हमारे केंद्र को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा इंटरनेशनल इंटरवेंशन नेफ्रोलॉजी सेंटर के रूप में चुना गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत हमने नाइजीरिया और बर्मा के नेफ्रोलॉजिस्टों को प्रशिक्षित किया है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- विभाग ने 7 अप्रैल 2024 को एम्स के जेएनयू ऑडिटोरियम में वार्षिक दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी अपडेट का आयोजन किया, जिसमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय के साथ-साथ दिल्ली एनसीआर के नेफ्रोलॉजिस्ट और प्रशिक्षुओं की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई।
- हमने 28-29 सितंबर 2025 को एम्स इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी कार्यशाला का उद्घाटन किया, जिसमें पूरे भारत के नेफ्रोलॉजिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- हमने 7-8 दिसंबर 2024 को मेयो क्लिनिक कॉलेज ऑफ मेडिसिन के साथ मिलकर किडनी रोग और प्रत्यारोपण पर एम्स मेयो क्लिनिक अपडेट की सह-मेजबानी की, जिसे देश भर के संकाय सदस्यों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 37

दीपांकर मधुसूदन भौमिक: 10 **संदीप महाजन: 11** **सौमिता बागची: 2**
राज कुमार यादव: 6 **अरुणकुमार सुब्बैया: 8**

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
30	66	37

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 10

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022–2023	2023–2024	2024–2025
6	7	10

9.22_.indd 641 1/9/2026 3:17:16 PM

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, समानांतर समूह, चरण III अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 5 वर्ष, 2021-2026, 5.88 लाख रुपये/वर्ष (सीआरसी वेतन) + 2 लाख रुपये प्रति रोगी

2. पूरक 3 ग्लोमेरुलोपैथी में इप्टाकोपैन (एलएनपी023) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 3 वर्ष, 2022-2025, रु. 5.59 लाख/वर्ष (सीआरसी वेतन) + रु. 2.24 लाख प्रति रोगी

3. आईजीए नेफ्रोपैथी (आईजीएएन) से ग्रस्त रोगियों में एटासिसेप्ट की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 2बी/3, बहु-भागीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, वेरा थेरेप्यूटिक्स लिमिटेड, 5 वर्ष, 2024-2029, प्रति रोगी 5.31 लाख रुपये

4. क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से ग्रस्त रोगियों में एनीमिया के उपचार के लिए डेसिडुस्टैट की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 4, 52-सप्ताह, एकल-बाहु, बहु-केंद्रीय पोस्ट-मार्केटिंग निगरानी।, दीपांकर भौमिक, ज़ाइडस, 2 वर्ष, 2024-2026, सीआरसी वेतन + 25,000 रुपये प्रति रोगी

5. एम्स में एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम (एएचयूएस) के रोगियों में एनएम8074 का चरण II ओपन-लेबल अध्ययन। आर.के. यादव, नोवलमेड थेरेप्यूटिक्स, 1 वर्ष 6 महीने, 2023-2025, प्रति रोगी 1.29 लाख रुपये

6. क्रोनिक किडनी रोग और उच्च रक्तचाप वाले प्रतिभागियों में क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) प्रगति पर एकल डैपाग्लिफ्लोज़िन की तुलना में डैपाग्लिफ्लोज़िन के साथ संयोजन में बैक्सड्रोस्टैट की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, सक्रिय-नियंत्रित अध्ययन।,अरुणकुमार, एस्ट्रा ज़ेनेका, 3 वर्ष, 2024-2027, ≈ प्रति रोगी 2.50 लाख रुपये

7. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (आईजीएएन) के रोगियों में बुडेसोनाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, डबल-ब्लाइंड, मल्टीसेंट्रिक, रैंडमाइज्ड, प्लेसीबो-नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण, सौमिता बागची, फोर्ट्स फार्मा लिमिटेड, 3 वर्ष, 2024-2026, प्रति रोगी 1.98 लाख रुपये

8. गैर-मधुमेह वाले क्रोनिक किडनी रोग (एफआईएनडी-सीकेडी) के रोगियों में किडनी रोग की प्रगति पर उपचार के मानक के अलावा, फाइलरेनोन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेंद्रीय चरण 3 अध्ययन।, अरुणकुमार, बायर, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 43,000/वर्ष (सीआरसी वेतन) + ≈ प्रति रोगी 2,50,000 रुपये

9. सक्रिय ल्यूपस नेफ्राइटिस वर्ग III-IV, +/- V वाले वयस्क रोगियों में मुखीय कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के साथ एवं उसके बिना मानक उपचार के संयोजन में एलएनपी023 की प्रभावकारिता, सुरक्षा और

9.22_.indd 642 1/9/2026 3:17:16 PM

सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुकूली, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, खुराक अन्वेषण, समानांतर समूह, प्लेसीबो-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय चरण 2 परीक्षण।, अरुणकुमार, नोवार्टिस, 4 वर्ष, 2022-2026, रु 43,000/वर्ष (सीआरसी वेतन) + ≈ प्रति मरीज 1,90,000 रुपये

10. ल्यूपस नेफ्रैटिस में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं (सीटीएलए-4, पीडी-1, पीडी-एल1), साइटोकाइन्स और टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, संदीप महाजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024,86.17 लाख रुपये

11. टाइप-2 मधुमेह और सीकेडी में मोटापे से संबंधित सूजन में टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रेग्स) की भूमिका और उनका नैदानिक सहसंबंध, संदीप महाजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष + 1 वर्ष विस्तार, 2019-2023,56.53 लाख रुपये

12. एम्पाग्लिफ्लोज़िन के साथ संयोजन में बीआई 690517 सहित हृदय और गुर्दे की सुरक्षा पर अध्ययन: क्रोनिक किडनी रोग से ग्रस्त रोगियों में एम्पाग्लिफ्लोज़िन के साथ संयोजन में एल्डोस्टेरोन सिंथेज़ अवरोधक बीआई 690517 का एक बहुकेंद्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (ईएएसआई-किडनी परीक्षण),संदीप महाजन, जॉर्ज इंस्टीट्यूट, 5 वर्ष, 2025

पूर्ण

1. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूली निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, खुराक रेंजिंग अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, प्रति रोगी 1,98,000 रुपये

2. अज्ञातहेतुक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी से पीड़ित रोगियों के उपचार में रिटक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, खुराक-ब्लांइडिड समानांतर समूह, तीन भुजा, अवधारणा-प्रमाण नैदानिक परीक्षण, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2023, 5.88 लाख रुपये प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन) + 2,00,000 रुपये प्रति रोगी

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. मध्यम रूप से गंभीर प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (इक्वलिटी अध्ययन) में प्रोटीन्यूरिया को कम करने में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित बहु-केंद्रित यादृच्छिक ओपन लेबल परीक्षण

2. आईजीए नेफ्रोपैथी (आईजीएएन) वाले रोगियों में बी लिम्फोसाइट्स की उप-जनसंख्या: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

3. कम खुराक सीएमवी प्रोफिलैक्सिस के साथ नैदानिक परिणाम और गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में सीएमवी विशिष्ट प्रतिरक्षा का मूल्यांकन

4. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में नोरोवायरस संक्रमण की नैदानिक प्रस्तुति और परिणाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

5. एए एमिलॉयडोसिस का नैदानिक प्रोफ़ाइल और दीर्घकालिक परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

9.22_.indd 643 1/9/2026 3:17:16 PM

6. बायोप्सी द्वारा सिद्ध नलिका-अंतरालीय रोगों का नैदानिक प्रोफ़ाइल और दीर्घकालिक परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

7. सीकेडी के रोगियों में हेपेटाइटिस बी टीकाकरण का अनुपालन और प्रभावकारिता

8. मृतक गुर्दा प्रत्यारोपण में ग्राफ्ट परिणामों को प्रभावित करने वाले कारक।

9. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में पीटीडीएम की घटना और निर्धारक: एक 1 वर्षीय संभावित समूह अध्ययन

10. वॉल्यूम ओवरलोड के जोखिम वाले रोगियों के शरीर के तरल पदार्थ को मापने वाले एक नए कलाई में पहनने योग्य उपकरण की सटीकता और प्रभावकारिता की भविष्यवाणी करना

11. संभावित जीवित किडनी दाताओं में दान-पूर्व और दान-पश्चात जीएफआर की भविष्यवाणी में सुधार के लिए सिस्टैटिन सी का दान-पूर्व मूल्यांकन

12. डायलिसिस पर निर्भर सीकेडी रोगियों में सार्कोपेनिया की व्यापकता एवं जोखिम कारक तथा प्रत्यारोपण के बाद उनका अनुवर्ती अध्ययन

13. आईजीए नेफ्रोपैथ के नैदानिक पाठ्यक्रम और परिणाम के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी बहु-केंद्रित अध्ययन

14.एबीओ असंगत की एबीओ संगत किडनी प्रत्यारोपण क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल के नैदानिक परिणामों के साथ तुलना तथा रीनल एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं में अस्वीकृति का परिणाम

पूर्ण

1. गुर्दे के दान के बाद मापी गई जीएफआर, इकोकार्डियोग्राफी, अस्थि खनिज चयापचय के मार्कर और कैरोटिड इंटिमल मीडियल मोटाई (सीआईएमटी) में परिवर्तन का मूल्यांकन

2. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में नैदानिक और ऊतकवैज्ञानिक गंभीरता के साथ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए/पूरक कारक 3(आईजीए/सी3) का सह संबंध

3. *प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोगों से ग्रस्त महिलाओं में गुर्दे की उत्तरजीविता और गर्भावस्था के परिणामों पर गर्भावस्था का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन*

4. भारत में प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोगों वाले वयस्क रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता

5. एम्स, नई दिल्ली में गुर्दा प्रत्यारोपण करवा रहे रोगियों की रिकवरी, रोगी संतुष्टि और अस्पताल में रहने की गुणवत्ता पर नर्स द्वारा संचालित सर्जरी के बाद उन्नत रिकवरी कार्यक्रम (ईआरएएस) की प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए एक अध्ययन।

6. प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी की आवृत्ति और आनुवंशिक लक्षण वर्णन

7. एम्स, नई दिल्ली में ल्यूपस नेफ्रैटिस से पीड़ित महिला रोगियों में यौन रोग की व्यापकता और इससे संबंधित कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

8. ल्यूपस नेफ्रैटिस में नैदानिक प्रोफ़ाइल, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध और उपचार परिणाम

9.22_.indd 644 1/9/2026 3:17:16 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. चरण 4-5 सीकेडी रोगियों में वीडीआर जीन, विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन के स्तर के फोक I बहुरूपता का आकलन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
2. झिल्लीदार नेफ्रोपैथी में नवीन लक्ष्य प्रतिजनों का मूल्यांकन और उनका नैदानिक सह संबंध: भारतीय जनसंख्या में लक्ष्य प्रतिजनों के आधार पर मामलों को पुनर्वर्गीकृत करने का एक प्रयास, विकृति विज्ञान विभाग
3. भारतीय जनसंख्या में ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी रोग (एडीपीकेडी) का जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन: एक पायलट अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
4. ऑटोलॉगस एडीपोज ऊतक से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके सीकेडी वी रोगियों में एवी फिस्टुला हेमोडायलिसिस पहुंच की परिपक्वता दर में सुधार: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण।,कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवैस्कुलर इंटरवेंशन विभाग
5. सी3 ग्लोमेरुलोपैथी के मूल्यांकन में एपोलिपोप्रोटीन ई इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री की उपयोगिता का अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग

पूर्ण

1. हेमोडायलिसिस करवा रहे और तृतीयक उपचार केंद्र के अनुवर्ती रोगियों में लक्षण भार और जीवन की गुणवत्ता का विश्लेषण: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा
2. एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों और जीवनशैली की भूमिका की खोज (आईसीएमआर परियोजना), भेषजगुण विज्ञान एवं काय चिकित्सा
3. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी और ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक परिणाम: एक व्यापक तुलनात्मक कोहोर्ट अध्ययन, सर्जरी विभाग
4. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में 24 घंटे बनाम मानक 7 दिन की रोगनिरोधी एंटीबायोटिक व्यवस्था के प्रभाव का अध्ययन करना, सर्जरी विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 15 सार: 10 पुस्तकों में अध्याय: 03

प्रकाशन

मद	2022–2023	2023–2024	2024–2025
कुल	19	11	28
पत्रिकाओं में लेख	13	7	15
सार	-	1	10

9.22_.indd 645 1/9/2026 3:17:16 PM

मद	2022–2023	2023–2024	2024–2025
पुस्तकों में अध्याय	6	3	3
पुस्तकें	-	-	-

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

वृक्क विज्ञान से संबंधित सभी बीमारियों के लिए सामान्य नेफ्रोलॉजी उपचार प्रदान करने के अलावा, विभाग अंतिम चरण के गुर्दे की बीमारी से पीड़ित किसी भी रोगी को अत्याधुनिक रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी; हीमोडायलिसिस, सीएपीडी और रीनल ट्रांसप्लांट बहुत कम कीमत पर प्रदान करता है। विभाग स्वैप ट्रांसप्लांट और एबीओ असंगत रीनल ट्रांसप्लांट की सुविधा भी प्रदान करता है। हीमोडायलिसिस के दौरान, मशीन को अल्ट्रा-शुद्ध पानी दिया जाता है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सुरक्षित हीमोडायलिसिस प्रदान किया जा सके। विभाग में नियमित रूप से इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी की सुविधा प्रदान की जाती है, जिसमें सभी प्रकार की अस्थायी संवहनी पहुँच प्रक्रियाएँ आंतरिक स्तर पर ही की जाती हैं।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

विभाग, प्रत्यारोपण रोगियों के लिए निःशुल्क प्रतिरक्षा-दमनकारी औषधि मॉनीटरिंग प्रदान करता है। विभागीय प्रयोगशाला में गुर्दे के कार्य परीक्षणों के अलावा, सीरम बाइकार्बोनेट स्तर, लौह कार्य परीक्षण और ऑस्मोलैलिटी मूल्यांकन भी किया जाता है। प्रयोगशाला में गुर्दे के रोगियों के लिए प्रोटीन्यूरिया का सटीक मूल्यांकन किया जाता है। गुर्दे की प्रयोगशाला एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है।

निम्नलिखित संख्या में रोगियों को संबंधित सुविधा प्रदान की गई

रोगी उपचार *(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)*

क्र. सं.	क्षेत्र	उप-शीर्षक	2022	2023	2024
1	एचडी संबंधित	एचडी नए रोगी	1125	1422	1452
		कुल एचडी	11163	12343	11372
		प्लैज्मफेरिसिस	192	115	226
		फिमोरल वेन कैथेटेराइजेशन	340	232	152
		जुगुलर/सबक्लेवियन कैथेटेराइजेशन	160	73	134
		पर्मकैथ इंसर्शन	37	22	81
2	आईसीयू संबंधित	एसएलईडी - बेडसाइड डायलिसिस	136	804	78/1068
3	पेरिटोनियल डायलिसिस	एक्यूट पी.डी.	3	2	2
		सीएपीडी	9	6	8

9.22_.indd 646 1/9/2026 3:17:16 PM

क्र. सं.	क्षेत्र	उप-शीर्षक	2022	2023	2024
4	इनडोर संबंधित	किडनी बायोप्सी	540	674	723
		अंतरंग नियमित भर्ती	546	418	635
		अंतरंग लघु भर्ती	3450	5952	7092
		अंतरंग मृत्यु/पुरुष	26	41/27	32/22
		नेफ्रोलॉजी परामर्श	3159	7547	8316
		अल्ट्रासाउंड	578	720	794
5	डे केयर उपचार	पल्स मिथाइलप्रेडनिसोलोन टीटी	95	162	240
		IV आयरन थेरेपी	235	350	273
		IV साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी	28	72	89
		IV रिटक्सिमैब	-	243	292
		अन्य विविध चिकित्साएँ	3916	4540	5601
6	गुर्दे का प्रत्यारोपण	एलआरआरटी का मूल्यांकन	307	399	475
		शव प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	63	181	251
		लिविंग आरटी किया गया	97	118	120
		शव का आर.टी. किया गया	12	13	11
7	गुर्दे की प्रयोगशाला संबंधित	जैव रसायन (यूरिया, सीआर, एनए, के)	40067	48954	197855
		मूत्र परासरणीयता	1794	2278	2760
		24 घंटे मूत्र परीक्षण	19907	29705	42491
		आरटी रोगियों हेतु हीमोग्राम	24260	10094	12310
		बायकार्बोनेट	25765	30681	34401
		आयरन प्रकार्य परीक्षण (लौह, यूआईबीसी, टीआईबीसी)	6994	9711	14170
		सीरम फेरिटिन	3549	1481	599
		टैक स्तर	5097	3339	6350
8	ओपीडी संबंधित	गुर्दा क्लिनिक के नए रोगी	5907	7265	6596
		गुर्दा क्लिनिक के पुराने रोगी	28264	39407	44771

9.22_.indd 647 1/9/2026 3:17:16 PM

क्र. सं.	क्षेत्र	उप-शीर्षक	2022	2023	2024
		गुर्दा क्लिनिक के कुल रोगी	34171	46672	51367
		आरटीसीसी के नए मामले	349	399	483
		आरटीसीसी के पुराने मामले	2073	2803	4344
		आरटी के नए मामले	109	131	130
		आरटी के पुराने मामले	8180	10210	11779
		आरटी क्लिनिक के कुल रोगी दौरे	8289	10341	11898

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य दीपांकर मधुसूदन भौमिक दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसायटी के अध्यक्ष हैं और उन्हें नेफ्रोलॉजी अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी फेलो प्रदान किया गया हैं।

आचार्य संदीप महाजन आईएसएन दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बोर्ड के निर्वाचित उपाध्यक्ष (2025-2027) और आईएसएन परिषद सदस्य (2025-2029) रहे; अंतर्राष्ट्रीय होम डायलिसिस कंसोर्टियम, आईएसओटी परिषद (2023-2025) में भी कार्य करते हैं, और पेरिटोनियल डायलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया (2023-2025) के सचिव के रूप में भी कार्य करते हैं।

आचार्य सौमिता बागची वह *डायलिसिस में सेमिनार* के लिए सह संपादक और *नेफ्रोलॉजी* (कार्लटन) के लिए विषय संपादक (ग्लोमेरुलर रोग) हैं; *बीएमसी नेफ्रोलॉजी* के संपादकीय बोर्ड में हैं; डब्ल्यूसीएन 2025 के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम कार्य समूह और टीटीएस सीएमवी दिशानिर्देश सहमति समूह के सदस्य हैं।

डॉ राज कंवर यादव ने टीटीएस 2024 (इस्तांबुल) में टीटीएस-आईएसओटी ला रेनॉन इंटरनेशनल मेंटी-मेंटर पुरस्कार और राजस्थान रत्नाकर, दिल्ली द्वारा चिकित्सा में योगदान के लिए श्री लोकनाथ सराफ मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अरुण कुमार सुब्बैया यूरोपीय रीनल एसोसिएशन के युवा राष्ट्रीय पोर्टल के राष्ट्रीय प्रतिनिधि हैं; एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) की विशेषज्ञ समिति के सदस्य; भारतीय नेफ्रोलॉजी सोसायटी की युवा समिति के सदस्य; सहायक संपादक - भारतीय अंग प्रत्यारोपण जर्नल और जूनियर संपादक - जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी।

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

9.22_.indd 648 1/9/2026 3:17:16 PM

9.23 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा जयासुंदर

आचार्य

एस सेंथिल कुमारन	उमा शर्मा	वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़	पवन कुमार	दुष्यंत कुमार

विशिष्टताएं

नैदानिक एमआरआई सुविधा 24×7 आधार पर कार्यरत है, जिसमें दो 3 टेस्ला एमआरआई एवं एक 1.5 टेस्ला एमआरआई है।

शिक्षा

एम्स के संकाय एवं वैज्ञानिकों ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, एम. बायोटेक कार्यक्रम के "पाठ्यक्रम 10: संरचनात्मक जैवविज्ञान एवं एनएमआर प्रौद्योगिकी, पाठयक्रम 11: जैव सूचना विज्ञान" एवं "आणविक चिकित्सा"; एमबीबीएस कोर्स तीसरे सेमेस्टर एवं एमडी शरीरक्रिया विज्ञान पाठ्यक्रम शीर्षक वाले पाठ्यक्रमों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 37

रमा जयासुंदर: 31 **एस सेंथिल कुमारन: 2** **उमा शर्मा: 3**
वीरेंद्र कुमार: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
25	30	37

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 41

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
26	41	39

9.23_.indd 649 1/9/2026 3:20:14 PM

अनुसंधान

जारी

1. नॉन-स्मॉल-सेल-लंग कैंसर के शीघ्र निदान एवं हिस्टोलॉजिकल सबटाइपिंग हेतु बायोमार्कर्स की पहचान हेतु एक एकीकृत मेटाबोलोमिक्स तथा लिपिडोमिक्स दृष्टिकोण। उमा शर्मा, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, 106.78 लाख रुपये

2. ईईजी एवं एफएमआरआई का उपयोग करके पार्किंसंस रोगियों में आसन संबंधी कार्यों में गिरावट के प्रारंभिक लक्षणों का पता लगाना, डॉ. आयुषी खजूरिया, प्रो. एस सेंथिल कुमारन के मार्गदर्शन में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2023-2028, 39.36 लाख रुपये

3. मेटाबोलोमिक्स एवं प्रोटिओमिक्स का उपयोग करके रुमेटॉइड गठिया की पैथोफिज़ियोलॉजी को स्पष्ट करना तथा प्रतिक्रिया के बायोमार्कर की पहचान करना।, उमा शर्मा, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 44.23 लाख रुपये

4. अवसाद में मस्तिष्क उत्तेजना में कार्यात्मक एमआरआई आधारित लक्ष्य स्थानीयकरण, डॉ. प्रियंका भट्ट, प्रो. एस सेंथिल कुमारन के मार्गदर्शन में, डीबीटी बायो केयर, 3 वर्ष, 2024-2026, 32.53 लाख रुपये

5. प्रायोगिक पीडी मॉडल एवं पीडी के रोगियों में रेडियोमिक्स एवं मेटाबोलोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके पार्किंसंस रोग के लिए प्रारंभिक बायोमार्करों की पहचान, डॉ साधना कुमारी, प्रो. एस सेंथिल कुमारन के मार्गदर्शन में, डीएचआर महिला वैज्ञानिक, 3 वर्ष, 2023-2026, 48.72 लाख रुपये

6. आक्रामक प्रोस्टेट कैंसर को अलग करने हेतु प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े माइक्रोबायोम के मेटाबोलोमिक्स एवं मेटाजीनोमिक्स का उपयोग करके मेटाबोलिक बायोमार्कर की पहचान।, वीरेंद्र कुमार, डीएचआर, भारत सरकार।, 3 वर्ष, 2022-2025, 55.5 लाख रुपये

7. पार्किंसंस रोग की पहचान, रोग निदान संबंधी बायोमार्कर, गहन शिक्षण विधियां, प्रो. एस. सेंथिल कुमारन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 18.78 लाख रूपये

8. इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव, प्रोटीएज़ निरोधात्मक गतिविधि एवं विशिष्ट आयुर्वेदिक रोगनिरोधी तथा फॉर्मूलेशन का स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नोवल सार्स कोविड संक्रमण हेतु इन विट्रो अध्ययन, रमा जयासुंदर, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 67.69 लाख रूपये

9. परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी एवं मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके बायोमार्करों की पहचान करने के लिए प्रोस्टेट कैंसर की मेटाबेलिक प्रोफाइलिंग, डॉ. सुजीत कुमार मेवाड़, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

10. 1एचएनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके हृदय वाल्व संबंधी रोगों से पीड़ित रोगियों में सीरम मेटाबोलाइट्स की पहचान करने के लिए मेटाबोलोमिक फिंगरप्रिंटिंग", पवन कुमार, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2025, 8.2 लाख रुपये

11. टीबी मेनिनजाइटिस रोगियों में खराब परिणामों के लिए बायोमार्कर पहचान हेतु एनएमआर-आधारित सीएसएफ मेटाबोलोमिक्स।, वीरेंद्र कुमार, एम्स (अंतर्विषयक), 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

9.23_.indd 650 1/9/2026 3:20:14 PM

12. आंत्र और यकृत कोशिकाओं में एनएमआर फाइटोमेटा बोलोमिक्स एवं पारगम्यता विश्लेषण के साथ इसके परस्पर क्रिया का अध्ययन करके गुण एवं अनुपान की आयुर्वेदिक अवधारणाओं का वैज्ञानिक सत्यापन, रमा जयासुंदर, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 23 लाख

13. केस स्टडी के रूप में इस्केमिक स्ट्रोक के माध्यम से एमआर छवियों का अर्ध-स्वचालित विभाजन एवं वर्गीकरण, रमा जयासुंदर, कोइता सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ (केसीडीएच), आईआईटी बॉम्बे, 2 वर्ष, 2024-2026, 15 लाख

14. एफएमआरआई एवं डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग का उपयोग करके अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोप्स में ऑक्लूजन थेरेपी द्वारा संरचनात्मक तथा कार्यात्मक परिवर्तन, रमा जयासुंदर, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख

पूर्ण

1. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके संरचनात्मक, तंत्रिका जैवविज्ञान में परिवर्तनों तथा नॉन-इनवेसिव बायोमार्करों की पहचान को स्पष्ट करना, उमा शर्मा, एसईआरबी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, 33.08 लाख

2. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग एवं न्यूरोएनाटॉमिकल तकनीकों का उपयोग करके हाऊस क्रोज में श्रवण बोध की खोज, प्रो. एस. सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 4 वर्ष, 2021-2024, 36.42 लाख रुपये

3. पार्किंसंस रोग (किशोर/युवाओं में) में गहन शिक्षण विधियों का उपयोग करके रोगसूचक और नैदानिक बायोमार्करों की पहचान, प्रो. एस, सेंथिल कुमारन, डीएचआर, 1.9 वर्ष, 2022-2024, 37.40 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. मेटाबोलोमिक्स एवं प्रोटिओमिक्स का उपयोग करके रुमेटोइड आर्थराइटिस के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान का अध्ययन तथा प्रतिक्रिया के बायोमार्करों की पहचान करना

2. स्पिनोसेरिबेलर अटैक्सिया में मस्तिष्क के कार्यात्मक परिवर्तन एवं चयापचय प्रत्यावर्तन

3. मल्टीमॉडल इमेजिंग का उपयोग करके स्ट्रोक में न्यूरो-वैस्कुलर युग्मित कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग का विकास

4. ओपिओइड निर्भरता एवं फार्माकोथेरेपी से जुड़े न्यूरोइमेजिंग तथा मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज करना।

5. विशिष्ट आयुर्वेदिक रोगनिरोधकों एवं योगों के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, प्रोटीएज़ निरोधात्मक गतिविधि तथा स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण-वर्णन: नवीन एसएआरएस-सीओवी संक्रमण के लिए इन विट्रो अध्ययन

6. मल्टी-पैरामीट्रिक चुंबकीय अनुनाद दृष्टिकोण और मेटाबोलोमिक्स का उपयोग करके उपचार-प्रतिरोधी सिज़ोफ्रेनिया के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान की जांच करना।

7. स्वस्थ आबादी में प्रकृति प्रकार के साथ एमआर और अन्य तकनीकों आधारित फेनोटाइपिंग और सहसंबंध

9.23_.indd 651 1/9/2026 3:20:14 PM

8. पार्किंसंस रोग के एक प्रायोगिक मॉडल में न्यूरोमॉड्यूलेशन-प्रेरित चयापचय और रूपात्मक परिवर्तन: एक एमआर जांच

9. आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों के कार्यात्मक लक्षणों के लिए एनएमआर मेटाबोलोमिक्स और भेषजगुणविज्ञान का परीक्षण

10. एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स के साथ इसके परस्पर प्रभाव का अध्ययन करके एवं आंत और यकृत कोशिकाओं में पारगम्यता विश्लेषण द्वारा गुण और अनुपान की आयुर्वेदिक अवधारणा का वैज्ञानिक सत्यापन।

11. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके मुख्य अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में संरचनात्मक और तंत्रिका जैवविज्ञान परिवर्तनों को समझना

पूर्ण

1. एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स और चुनिंदा आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के कीमोसेंसरी इंटरवेंशन का विश्लेषण

2. चुनिंदा आयुर्वेदिक पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन का एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण और कैंसर-रोधी मूल्यांकन

3. स्ट्रोक में आयुर्वेदिक और योग इंटरवेंशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. लिपोऑक्सीजिनेज को लक्षित करके अल्जाइमर (एडी) रोग विकृति विज्ञान में एमिलॉयड बीटा की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. इस्केमिक स्ट्रोक के पशु मॉडल में सेफिनामाइड उपचार की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता का आकलन, भेषजगुणविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. केयर - स्ट्रोक रिकवरी में न्यूरोअसिस्टिव तकनीकें, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. चूहों में स्ट्रोक के मध्य मस्तिष्क धमनी अवरोध मॉडल में इस्केमिया रिपरफ्यूजन चोट में डेकोनोइक एसिड का मूल्यांकन।, भेषजगुणविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव, प्रोटीएज़ अवरोधक गतिविधि और चुनिंदा आयुर्वेदिक रोगनिरोधी दवाओं और फॉर्मूलेशन के स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नवीन एसएआरएस सीओवी संक्रमण हेतु इन विट्रो अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. मस्तिष्क ऊतक का भौतिक लक्षण वर्णन और ऊतक-उपकरण अंतःक्रिया आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन उपकरण का विकास, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण से पीड़ित बाल रोगियों में दाता तथा प्राप्तकर्ता की मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग।, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.23_.indd 652 1/9/2026 3:20:14 PM

8. एएमपीए रिसेप्टर का मॉड्यूलेशन: चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्केमिया रिपरफ्यूजन चोट के बाद स्ट्रोक के बाद की क्षति पर प्रभाव, भेषजगुणविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स के साथ इसके परस्पर प्रभाव का अध्ययन करके और आंतों और यकृत कोशिकाओं में पारगम्यता विश्लेषण द्वारा, गुण और अनुपान की आयुर्वेदिक अवधारणा का वैज्ञानिक सत्यापन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीक आधारित संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक, बायोमार्कर का उपयोग करके स्ट्रोक के बाद की रिकवरी में शास्त्रीय आयुर्वेदिक इंटरवेंशन के विकृति जैवविज्ञान को स्पष्ट करना, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, तंत्रिकाविकिरण विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. मानकीकरण और गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, अर्बुद भेषजगुण विज्ञान तथा फार्मेसी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	9	11	14
कुल वित्तपोषण (लाखों में)	324.3	433.17	499.79

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 17 सार: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**15**	**18**	**18**
पत्रिकाओं में लेख	14	18	17
सार	0	0	1
पुस्तकों में अध्याय	1	0	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशिष्ट क्लीनिक तथा/अथवा विशिष्ट प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी उपलब्ध कराएं।

9.23_.indd 653 1/9/2026 3:20:14 PM

रोगी उपचार ***(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)***

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामार्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल भर्ती रोगी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
प्रयोगशाला जांच	11884	14400	11699

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. रमा जयासुंदर को स्वदेशी एमआरआई-एक राष्ट्रीय मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति का सदस्य नामित किया गया। उन्हें कोइता सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे, मुंबई में सहायक आचार्य नामित किया गया था। वह यूजी और पीजी भौतिकी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए लर्निंग आउटकम-आधारित पाठ्यक्रम रूपरेखा समिति की सदस्य थी। उन्हें विज्ञान के लिए पाठ्यक्रम क्षेत्र समूह, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का सदस्य नामित किया गया था। उन्हें भारतीय ज्ञान प्रणाली, एनसीईआरटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों का सदस्य नामित किया गया था। वह सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जैवविज्ञान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीबी), कोलकाता में वैज्ञानिक पदों के लिए चयन समिति की सदस्य थी। उन्हें न्यूरोइमेजिंग सुविधा, एनबीआरसी, मानेसर, हरियाणा की समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के शासी निकाय का सदस्य नामित किया गया था। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, एनसीएसएम के उत्तरी क्षेत्र की कार्यकारी समिति का अध्यक्ष नामित किया गया था। जैव विज्ञान तथा जैव इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई में चयन समिति के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति के नामित (विजिटर के नामित)। जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, हैदराबाद में चयन समिति के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति के नामित (विजिटर के नामित)। उन्हें केरल सरकार के अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया था। उन्हें आईआईटी, हैदराबाद के हेरिटेज एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक आचार्य के रूप में नामित किया गया था। उनके पास संगठन शक्ति के उपाध्यक्ष का मानद पद है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करता है। उन्हें भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के तहत भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान (आईआईएएस), शिमला की सोसायटी का सदस्य नामित किया गया था। उन्हें विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली द्वारा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा (एफआईटीएम) पर फोरम के शासी निकाय के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली की मुख्य वक्ता थी। उनका साक्षात्कार प्रिंसटन, अमेरिका स्थित इन्फिनिटी फाउंडेशन द्वारा लिया गया था। उनका साक्षात्कार इंडिक अकादमी, भारत द्वारा लिया गया था। उनका साक्षात्कार पॉडकास्ट, कान्हा शांति वनम पॉडकास्ट, हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट, हैदराबाद के लिए लिया गया था।वह (i) जे मेडिकल फिजिक्स, (ii) जे बायोसाइंसेज, (iii) फूड बायोफिजिक्स, (iv) बायोमेड जे, (v) करंट साइंस, (vi) जे आयु इंटेग मेड, (vii) जे कॉम्प मेड रेस, (viii) पीएलओएस वन की समीक्षक थी।

9.23_.indd 654 1/9/2026 3:20:14 PM

प्रो. उमा शर्मा ने पीएचडी थीसिस पूर्ण की आईआईटी दिल्ली तथा दिल्ली विश्वविद्यालय हेतु परीक्षक थी।

प्रो. वीरेंद्र कुमार स्टैंडफोर्ड-एल्सेवियर द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में सूचीबद्ध थे। वे तीन वर्षों (2021-24) तक, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर के जैव-विज्ञान विभाग में बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (बीओएस) के बाह्य विशेषज्ञ रहे। वे लखनऊ स्थित जैवचिकित्सक मैग्नेटिक रेजोनेंस (सीबीएमआर) केंद्र में संकाय पदोन्नति हेतु मूल्यांकनकर्ता भी रहे। वे इन पत्रिकाओं के समीक्षक भी रहे: क. साइंटिफिक रिपोर्ट्स, स्प्रिंगर नेचर; ख. कैंसर इमेजिंग, स्प्रिंगर नेचर; ग. कंप्यूटर्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन, एल्सेवियर; घ. आईईई एक्सेस; ड. बीएमसी यूरोलॉजी; च. फ्रंटियर्स इन ऑन्कोलॉजी।

अतिथि वैज्ञानिक
कोई नहीं

9.23_.indd 655 1/9/2026 3:20:14 PM

9.24 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
सी.एस. बाल

आचार्य

राकेश कुमार
माधवी त्रिपाठी
निशिकांत ए दामले
चेतन डी पटेल (हृ.तं.कें.)
अनिल के पांडे (चिकित्सा भौतिकी)
शमीम ए शमीम

सह-आचार्य
बंगकिम चंद्र खंगेम्बम

विशिष्टताएँ

हमने थेरानोस्टिक्स के अपने क्षेत्र का विस्तार किया है एवं अब नियमित रूप से एफएपीआई थेरेपी कर रहे हैं। जिन रोगियों को इसकी आवश्यकता है, उनके लिए मेटाबोलिक पीईटी-निर्देशित बायोप्सी नियमित रूप से की जा रही है।

हृद वक्ष केंद्र (सीटीसी) में नाभिकीय चिकित्सा के पास अब कोरोनरी धमनी रोगों वाले रोगियों के उपचार में मायोकार्डियल परफ्यूजन के कार्डियक एसपीईसीटी इमेजिंग आकलन हेतु एक समर्पित कार्डियक सीजेडटी कैमरा है। मायोकार्डियल व्यवहार्यता और संक्रामक/सूजन कार्डियोमायोपैथी के मूल्यांकन के लिए पीईटी अध्ययन भी नियमित रूप से किए जाते हैं। संकाय द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में कुल 47 व्याख्यान दिए गए। विभाग ने इस वर्ष 42 प्रकाशित सारांशों के साथ सहकर्मी-समीक्षित और अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 80 पूर्ण पत्र प्रकाशित किए। 5 पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कुल 73 प्रस्तुतियाँ दी गईं। संकाय द्वारा चार प्रतिष्ठित व्याख्यान दिए गए एवं राष्ट्रीय बैठकों में विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की। अनुसंधान के क्षेत्र में, विभाग को विभिन्न संगठनों/वित्त पोषण एजेंसियों से 8 अनुसंधान निधि प्राप्त हैं।

शिक्षा

वरिष्ठ संकाय द्वारा विभिन्न सेमेस्टरों में स्नातकपूर्व छात्रों के लिए सेमिनारों में व्याख्यान।
स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 62 (33 एमडी नाभिकीय चिकित्सा छात्र एवं 39 एमएससी नाभिकीय चिकित्सा टेक्नोलॉजी छात्र)। कुल 9 डीएम नाभिकीय चिकित्सा थेरेपी भी पंजीकृत हैं।
एमडी, डीएम एवं एमएससी छात्रों द्वारा थीसिस और अनुसंधान पत्र।
एमडी और डीएम छात्रों द्वारा जर्नल क्लब/सेमिनार/केस प्रस्तुतियाँ। अंतर-विभागीय चर्चाएँ और बैठकें तथा संकाय द्वारा अंतर-विभागीय व्याख्यान।
नैदानिक अध्ययनों की रिपोर्टिंग करते समय एमडी छात्रों को 'ऑन साइट' शिक्षण प्रदान करना।

विभाग ने 15 एवं 16 फरवरी 2025 को न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिसिस्ट्स ऑफ इंडिया (एनएमपीएआईकॉन) का 9वां वार्षिक सम्मेलन एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया।

9.24_ Nuclear Medicine.indd 656 1/10/2026 1:17:37 PM

प्रदत्त व्याख्यान: 47

सी.एस. बाल: 10
राकेश कुमार: 22
चेतन डी पटेल: 1
अनिल के पांडे: 1
माधवी त्रिपाठी: 5
निशिकांत ए दामले: 3
शमीम ए शमीम: 3
बंगकिम चंद्र खंगेम्बम: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
33	61	47

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 73

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
61	43	73

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. भली-भांति विभेदित आक्रामक ग्रेड 2 और ग्रेड 3 वाले रोगियों में उपचार के सर्वोत्तम मानक की तुलना में ल्यूटेटियम (177एलयू) एडोट्रियोटाइड के साथ पेप्टाइड रिसेप्टर रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (पीआरआरटी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा एवं रोगी द्वारा रिपोर्ट किए गए परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित, ओपन-लेबल, मल्टीसेंटर परीक्षण, डॉ. सी.एस. बाल, पीएसआई सीआरओ फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2022-2026, 25 लाख रुपये

2. स्थानीय रूप से उन्नत या मेटास्टैटिक, रेडियो-सक्रिय आयोडीन प्रतिरोधी बीआरएएफवी600ई उत्परिवर्तन-पॉजिटिव विभेदित थायरॉइड कैंसर से पीड़ित पूर्व उपचारित रोगियों में डैब्रेफेनिब प्लस ट्रामेटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित चरण III अध्ययन, डॉ. सी.एस. बाल, नोवार्टिस फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2022-2026, 20 लाख रुपये

3. अन्य पारंपरिक उपचारों के प्रति प्रतिरोधी मेटास्टैटिक स्तन कैंसर (एमबीसी) रोगियों में 177 एलयू -एफएपीआई रेडियोलिगैंड थेरेपी की नैदानिक प्रभावकारिता, (आईसीएमआर वित्तपोषित परियोजना), डॉ. शमीम ए. शमीम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 59 लाख रुपये

4. मध्यम और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के प्रारंभिक चरण के लिए 68जीएपीएसएमए-11 पैट/सीटी और पारंपरिक इमेजिंग की नैदानिक सटीकता" (पीआरओसीए अध्ययन) डॉ राकेश कुमार, अंतर्राष्ट्रीय एटोमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्तपोषित, 5 वर्ष, 2022-2025, 25,000 यूरो

5. एफयूओ में एफडीजी पीईटी-निर्देशित बायोप्सी की नैदानिक उपयोगिता का मूल्यांकन'। अंतःविषय परियोजना, दो वर्ष।, डॉ. माधवी त्रिपाठी, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10+10 लाख रुपये

9.24_ Nuclear Medicine.indd 657 1/10/2026 1:17:37 PM

6. आईएईए ट्रांसथायरेटिन एमिलॉयड कार्डियोमायोपैथी अध्ययन (आईटीएससी अध्ययन), डॉ. ख. बंगकिम चंद्रा (प्रधान अन्वेषक) और डॉ. चेतन डी. पटेल (सह-प्रधान अन्वेषक), अंतर्राष्ट्रीय एटोमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, 2021- जारी, 25,000 यूरो

7. हृद अर्बुद विज्ञान अध्ययन (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, डॉ. चेतन डी पटेल, अंतर्राष्ट्रीय एटोमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, सितंबर 2019 - जारी, 25,000 यूरो

8. बाल ऑस्टियोमाइलाइटिस: टीसी-99एम एमडीपी बोन स्कैन अध्ययनों की पहचान संवेदनशीलता में वृद्धि, डॉ. अनिल कुमार पांडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 33 लाख रुपये

पूर्ण

1. उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार में री-188-एचडीडी लिपिओडोल ट्रांसआर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (टीएआरटी) की री-188-डीईडीसी लिपिओडोल टीएआरटी से तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. शमीम ए शमीम, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 47.57 लाख रुपये

2. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा वाले रोगियों में 177एलयू-पीएसएमए थेरेपी की भूमिका, डॉ. शमीम ए. शमीम, इंट्राम्यूरल फंडिंग, 3 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

3. संक्रमण के कारण अज्ञात ओरिजन(पीयूओ) से पीड़ित रोगियों में निर्णय समर्थन एल्गोरिथम की स्थापना में इमेजिंग एजेंट के रूप में रेडियोलेबल एंटीबायोटिक्स की उपयोगिता एवं अल्पकालिक और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, डॉ. निशिकांत ए दामले, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-2024, 36 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. ग्रेड 2 और ग्रेड 3 उन्नत न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (नेट) के लिए 177 एलयू-ओटीएटीएटीई पेप्टाइड रिसेप्टर रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (पीआरआरटी) और कैपेसिटाबाइन प्लस टेमोज़ोलोमाइड (सीएपीटीईएम)

2. संदिग्ध पीयूजेओ के लिए प्रारंभिक मूल्यांकन करवा रहे बच्चों में विभेदक गुर्दे के कार्य का आकलन करने के लिए 99एमटीसी-ईसी और 99एमटीसी-डीएमएसए स्कैन का तुलनात्मक अध्ययन

3. स्वैच्छिक किडनी दाताओं में विभेदक गुर्दे के कार्य का आकलन करने के लिए 99एमटीसी-ईसी और 99एमटीसी-डीएमएसए स्कैन का तुलनात्मक अध्ययन

4. उन्नत/अत्यधिक पूर्व-उपचारित अग्नाशयी वाहिनी एडेनोकार्सिनोमा में थेरानोस्टिक लक्ष्य के रूप में पीएसएमए की स्थिति का आकलन करने के लिए एक अग्रगामी अध्ययन

5. आवर्तक ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में थेरानोस्टिक लक्ष्य के रूप में पीएसएमए की स्थिति का आकलन करने के लिए एक अग्रगामी अध्ययन

6. लिम्फेडेमा के लिए एक सरलीकृत लिम्फोसिंटिग्राफी स्टेजिंग प्रणाली: इंट्रा-और इंटरऑब्ज़र्वर अनुबंध एवं स्वचालित वर्गीकरण के लिए मशीन लर्निंग की व्यवहार्यता

9.24_ Nuclear Medicine.indd 658 1/10/2026 1:17:37 PM

7. अज्ञात मूल ओरिजन से पीड़ित रोगियों में रक्त में सूजन संबंधी मार्करों एवं अस्थि मज्जा और प्लीहा में 18एफ-एफडीजी अवशोषण के बीच सहसंबंध पर एक अध्ययन

8. जीए-68 पीएसएमए-11 पैट/सीटीस्कैन और कई नैदानिक विधियों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रोस्टेट कैंसर के निदान, स्थानीय अवस्था निर्धारण, पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता

9. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिओडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन

10. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के निदान और अवस्था निर्धारण के लिए जीए-68 पीएसएमए-11 पैट/सीटीस्कैन का स्वचालित वर्गीकरण

11. ट्यूमर-प्रेरित ऑस्टियोमलेशिया-सिया वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम: एक एकल-केंद्र अनुभव

12. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म (पीएचपीटी) में स्थानीयकरण के लिए सेस्टामिबी/एसपीईसीटी के साथ कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीई-यूएस) की नैदानिक सटीकता की तुलना: एक अग्रगामी अध्ययन।

13. गैस्ट्रिक कैंसर के निदान और चरण निर्धारण में एफ-18 एफडीजी पीईटी और जीए-68 एफएपीआई-46 पीईटी की प्रभावकारिता की तुलना।

14. सीजेडटी एसपीईसीटी पर टीसी99एम-एमआईबीआई का उपयोग करके बाएं वेंट्रिकुलर इजेक्शन फ्रैक्शन एवं बाएं वेंट्रिकुलर वॉल्यूम के आकलन के लिए एमोरी, सीडर सिनाई, 4डी-एमएसपीईसीटी और मायोमेट्रिक्स सॉफ्टवेयर की तुलना: 2डी-इकोकार्डियोग्राफी के साथ सहसंबंध

15. कार्डियक सारकॉइडोसिस के निदान में जीए-68 डोटानॉक पैट-सीटी की एफ-18 एफडीजी पैट-सीटी से तुलना

16. योगिकैड अध्ययन की डिजाइन एवं विधियाँ - पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक जांच परीक्षण

17. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में 68 जीए- एफएपीआई-46 पैट/सीटी की नैदानिक सटीकता: 18 एफ-एफडीजी पैट/सीटी के साथ तुलनात्मक विश्लेषण

18. न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में 68जीए-एनओडीएजीए-जेआर-11 पैट/सीटी की नैदानिक सटीकता

19. ब्लाइंड डिकॉन्वोल्यूशन एल्गोरिदम का उपयोग करके टीसी-99एम एमडीपी बाल चिकित्सा अस्थि स्कैन छवियों का संवर्धन

20. भारतीय जनसंख्या में 99एमटीसी-एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूज़न सीजेडटी स्पेक्ट पर एलवीईएफ के सामान्य मानों की स्थापना: चार कार्डियक सॉफ्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म एवं 2डी इकोकार्डियोग्राफी के साथ एक सहसंबंधी विश्लेषण

21. विभिन्न टेक्नीशियम-99m लेबल वाले रेडियोफार्मास्युटिकल्स की रेडियोलेबलिंग के दौरान कर्मियों के संपूर्ण शरीर के विकिरण जोखिम का अनुमान

22. पीयूओ के रोगियों में सारकॉइडोसिस के निदान में 68जीए डोटानॉक पैट/सीटी का मूल्यांकन।

9.24_ Nuclear Medicine.indd 659 1/10/2026 1:17:37 PM

23. एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी का उपयोग करके तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले रोगियों में एक्स्ट्रामेडुलरी रोग स्थलों का मूल्यांकन

24. अनिश्चित थायरॉइड नोड्यूल्स में नए निदान पद्धतियों का मूल्यांकन

25. मेटास्टैटिक ओवेरियन एडेनोकार्सिनोमा में फाइब्रोब्लास्ट एक्टिवेशन प्रोटीन लक्षित नाभिकीय थेरानोस्टिक्स: एक संभावित अध्ययन

26. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा का प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण

27. लिम्फोमा में कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया के चरण निर्धारण एवं मूल्यांकन के लिए पैरामीट्रिक पुनर्निर्माण विधि के साथ आईवीआईएम-डीकेआई

28. एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी रेडियोमिक्स द्वारा गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में ईजीएफआर उत्परिवर्तन का पूर्वानुमान

29. पीएसएमए पीईटी/सीटी से गुजर रहे प्रोस्टेट कैंसर के उपचार-नवजात रोगियों में उच्च-मात्रा वाले रोग का पता लगाना: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

30. नैदानिक एवं तनाव मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग मापदंडों के आधार पर मशीन लर्निंग का उपयोग करके मध्यम से गंभीर प्रतिवर्ती इस्केमिया की पूर्व जानकारी

31. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) रोगियों में रेडियोएम्बोलाइजेशन से पहले एवं बाद में यकृत कार्य और वॉल्यूमेट्री के मूल्यांकन में 99एमटीसी मेब्रोफेनिन हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफिक का पूर्वानुमानित मान

32. जीबीए1 वाहकों के एक समूह में प्रोड्रोमल पार्किंसनिज़्म की व्यापकता

33. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए रेडियोनोमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

34. 99एमटीसी-एमडीपी में छवि गुणवत्ता का पूर्वव्यापी विश्लेषण

35. कॉर्डोमा के उपचार में एफ-18 एफडीजी पीईटी सीटी की भूमिका

36. पीयूओ में एफडीजी-पीईटी निर्देशित बायोप्सी की भूमिका

37. आवर्ती उच्च श्रेणी ग्लियोमा (एचजीजी) हेतु पुनः-आरटी योजना में जीए-68 पीएसएमए पैट की भूमिका - एक अग्रगामी अध्ययन

38. डिस्क्रीट कोसाइन बदलाव में कोम्प्रेशन नाभिकीय चिकित्सा छवि से पहले प्री-प्रोसेसिंग की भूमिका।

39. मेटास्टेटिक फेफड़ों के घावों में ट्रांसआर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन की भूमिका

40. [99एम-टीसी] टीआरओडीएटी स्पेक्ट इमेजिंग पर स्ट्रिएटल से ओसीसीपिटल अनुपात (एसओआर)

41. 68जीए-पीएसएमए पैट/सीटीपर आधारित प्रोस्टेट कार्सिनोमा के लक्षण-निर्धारण हेतु बनावट विश्लेषण

42. 18एफ-एफडीजी पैट/सीटी के साथ वृक्क कोशिका कार्सिनोमा की विशेषता निर्धारित करने हेतु बनावट विश्लेषण

9.24_ Nuclear Medicine.indd 660 1/10/2026 1:17:37 PM

43. हेपेटोबिलरी एवं अग्नाशयी दुर्दमताओं में पैट/सीटीपर 68जीए-एफएपीआई अभिव्यक्ति को एफएपी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री के साथ सहसंबंधित करना

44. 68जीए-एफएपीआई-46 पैट/सीटीऔर 177एलयू-एफएपीआई 46 थेरेपी का उपयोग करके नरम ऊतक सार्कोमा में संभावित थेरानोस्टिक के रूप में एफएपीआई का मूल्यांकन करना

45. पर्सिस्ट 1.0 एवं पीएसडब्ल्यूजी3 मानदंडों का उपयोग करते हुए मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में 68जीए-पीएसएमए-11 पैट/सीटीका उपयोग करके उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन

पूर्ण

1. मेटास्टेटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में 68जीए-पीएसएमए पैट/सीटी

2. अस्थि सिंटीग्राफी में कंकाल मेटास्टेसिस को वर्गीकृत करने हेतु एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

3. पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण

4. अवसाद में उच्च परिभाषा ट्रांसक्रैनियल प्रत्यक्ष धारा उत्तेजना की प्रभावशीलता एवं सहनशीलता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड शम नियंत्रित परीक्षण

5. अज्ञात ओरिजन से पीड़ित रोगियों में रक्त में सूजन संबंधी मार्करों एवं अस्थि मज्जा और प्लीहा में एफ18 एफडीजी अवशोषण के बीच सहसंबंध पर एक अध्ययन

6. थायरोटॉक्सिकोसिस के रोगियों में थायरॉइड सिंटीग्राफिक पर 2 घंटे के रेडियोधर्मी आयोडीन अवशोषण एवं 99एम टेक्नीशियम परटेक्नेटेट (99एम टीसीओ4−) अवशोषण के बीच सहसंबंध का आकलन

7. न्यूरोब्लास्टोमा से पीड़ित बाल रोगियों में 68जीए-डोटानॉक पैट/सीटी में मेटाबोलिक सूचकांकों एवं ट्यूमर के संरचनागत विश्लेषण के माध्यम से रोग की सीमा और ट्यूमर बरडेन का आकलन - 131आई-एमआईबीजी स्पेक्ट/सीटी की तुलना में 68जीए-डोटानॉक पैट/सीटी की भूमिका

8. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म (पीएचपीटी) में स्थानीयकरण के लिए सेस्टामिबी/एसपीईसीटी के साथ कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीई-यूएस) की नैदानिक सटीकता की तुलना: एक अग्रगामी अध्ययन

9. सीजेडटी कैमरे पर मायोकार्डियल परफ्यूज़न एसपीईसीटी वाले मोटे रोगियों में सामान्य दृश्य क्षेत्र एवं विस्तारित दृश्य क्षेत्र की तुलना

10. सीजेडटी कैमरे पर मायोकार्डियल परफ्यूज़न एसपीईसीटी करवाने वाले मोटे रोगियों में सामान्य दृश्य क्षेत्र एवं विस्तारित दृश्य क्षेत्र की तुलना

11. बाल चिकित्सा लिम्फो-हिसियोसाइटिक नियोप्लाज्म में 18-एफएफडीजी पीईटी/सीटी के साथ पूरे शरीर के एमआरआई की तुलना

12. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में 68 जीए-एफएपीआई-46 पैट/सीटी की नैदानिक सटीकता: 18 एफ-एफडीजी पैट/सीटीके साथ तुलनात्मक विश्लेषण

13. गतिशील लार सिंटीग्राफी: भारतीय जनसंख्या में सामान्य पैटर्न एवं संदर्भ मान

9.24_ Nuclear Medicine.indd 661 1/10/2026 1:17:37 PM

14. गतिशील लार सिंटीग्राफी: भारतीय जनसंख्या में सामान्य पैटर्न एवं संदर्भ मान

15. भारतीय जनसंख्या में टीसी-99एम मीबी मायोकार्डियल परफ्यूशन सीजेडटी स्पेक्ट्रा पर बाएं वेंट्रिकुलर इजेक्शन फ्रैक्शन के सामान्य मानों की स्थापना: चार कार्डियक सॉफ्टवेयर प्लेटफार्मों और 2डी इकोकार्डियोग्राफी के साथ एक सहसंबंधी विश्लेषण

16. सारकॉइडोसिस के निदान में 68जीए-डीओटीएएनओसो पैट/सीटी का मूल्यांकन

17. अनिश्चित थायरॉइड नोड्यूल्स में नए निदान पद्धतियों का मूल्यांकन

18. गैर-घावीय दवा-प्रतिरोधी मिर्गी में एफडीजी-पीईटी/एमआरआई सह-पंजीकरण।

19. वसायुक्त भोजन प्रोटोकॉल का उपयोग करके पित्ताशय की थैली के इजेक्शन फ्रैक्शन का हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफिक मूल्यांकन: भारतीय जनसंख्या में संदर्भ मूल्यों की स्थापना

20. फैटी मील प्रोटोकॉल का उपयोग करके पित्ताशय इजेक्शन फ्रैक्शन का हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफिक मूल्यांकन: भारतीय जनसंख्या में संदर्भ मूल्यों की स्थापना

21. अस्थि सिंटीग्राफी पर एकल घाव के मूल्यांकन में प्लानर एवं अलोन एसपीईसीटी की तुलना में सीटी का वृद्धिशील मान

22. अस्थि सिंटीग्राफी पर एकल घाव के मूल्यांकन में प्लानर एवं अलोन एसपीईसीटी की तुलना में सीटी का वृद्धिशील मान

23. एडीडी, गैर-एडी डिमेंशिया एवं नियंत्रण समूहों में टाउ पीईटी पर मेसियल टेम्पोरल एसयूवीआर

24. प्रतिशत कोलोनिक पारगमन का मानक डाटा एवं कोलोनिक ज्यामितीय केंद्र के साथ इसका सहसंबंध

25. प्रतिशत कोलोनिक पारगमन का मानक डाटा एवं कोलोनिक ज्यामितीय केंद्र के साथ इसका सहसंबंध

26. एफडीजी-पीईटी छवि निर्देशित स्वचालित रोबोटिक आर्म-सहायता प्राप्त बायोप्सी के दौरान कार्मिक डोसिमेट्री

27. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) रोगियों में रेडियोएम्बोलाइजेशन से पहले एवं बाद में यकृत कार्य और वॉल्यूमेट्री के मूल्यांकन में 99एमटीसी मेब्रोफेनिन हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफिक का पूर्वानुमानित मूल्य

28. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण हेतु पीएसएमए पैट रेडियोमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

29. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए रेडियोनोमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

30. फुप्फुसीय और अतिरिक्त फुप्फुसीय तपेदिक के निदान में 99एमटीसी-एथैम्बुटोल सिंटीग्राफी की भूमिका

31. कशेरुका घावों के मूल्यांकन में 99एमटीसी-एमडीपी स्पेक्ट/सीटी अस्थि स्कैन की भूमिका एवं समतल अस्थि सिंटीग्राफिक पर इसका लाभ

32. उच्च जोखिम वाले लोगों में ट्रांसथायरेटिन कार्डियक एमिलॉयडोसिस (एटीटीआर-कार्डियक एमिलॉयडोसिस) का पता लगाने में 99एमटीसी-पाइरोफॉस्फेट इमेजिंग की भूमिका

9.24_ Nuclear Medicine.indd 662 1/10/2026 1:17:37 PM

33. आर्थोपेडिक इम्प्लांट संक्रमण के निदान में 99एमटीसी-यूबीक्यूसीडिन सिंटीग्राफी की भूमिका

34. प्राथमिक एक्स्ट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के प्रति उपचार प्रतिक्रिया के आकलन में एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका

35. ओस्टियोइड ओस्टियोमा में रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रतिक्रिया के निदान एवं मूल्यांकन में एफ-18 फ्लोराइड पीईटी/सीटी की भूमिका

36. प्राथमिक एक्स्ट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में नव सहायक कीमोथेरेपी के उपचार प्रतिक्रिया के आकलन में पीईटी-सीटी की भूमिका

37. डिक्रीट कोसाइन रूपांतरण में संपीड़न से पहले नाभिकीय चिकित्सा छवि के पूर्व प्रसंस्करण की भूमिका

38. वर्टिब्रल लैजन के मूल्यांकन में स्पेक्ट-सीटी अस्थि स्कैन की भूमिका और समतल अस्थि सिंटीग्राफी की तुलना में इसके लाभ

39. फ़ज़ी लॉजिक आईएनअी ऑपरेटर का उपयोग करके स्पेक्ट छवि संवर्द्धन

40. पैराथाइरॉइड कार्सिनोमा में पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का अध्ययन

41. पीवाईपी स्कैन द्वारा गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस वाले बुजुर्ग रोगियों में सहवर्ती ट्रांसथायरेटिन एमिलॉयडोसिस की व्यापकता का अध्ययन

42. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी करवाने वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल, जांच एवं परिणाम का अध्ययन करना: एक पूर्वव्यापी एवं भावी अनुभव

43. पर्सिस्ट 1.0 और पीएसडब्ल्यूजी3 मानदंडों का उपयोग करते हुए मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में 68जीए-पीएसएमए-11 पैट/सीटी का उपयोग करके उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन

44. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों के अंतर में 99एम-टीसी यूबिक्विसिडिन की उपयोगिता

45. कम संख्या वाली नाभिकीय चिकित्सा छवि को उच्च संख्या वाली छवि में परिवर्तित करने हेतु गतिशील स्टोकेस्टिक अनुनाद का सत्यापन: एक काल्पनिक अध्ययन

46. कम संख्या वाली नाभिकीय चिकित्सा छवि को उच्च संख्या वाली छवि में परिवर्तित करने के लिए गतिशील स्टोकेस्टिक अनुनाद का सत्यापन: एक काल्पनिक अध्ययन

47. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में एफडीजी-पैट अध्ययनों का दृश्य बनाम एसपीएम मूल्यांकन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. घाव संबंधी दवा प्रतिरोधी मिर्गी (नींद में फोकल मिर्गी या इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस) से पीड़ित 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस एवं कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता क्रॉसओवर अध्ययन", बाल तंत्रिका विज्ञान

9.24_ Nuclear Medicine.indd 663 1/10/2026 1:17:38 PM

2. रीढ़ की हड्डी की चोट में न्यूरोजेनिक आंत्र निष्क्रियता की गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता, कार्यात्मक स्थिति एवं संपूर्ण आंत्र संक्रमण का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. आवर्ती/प्रतिरोधी डिफ्यूज लार्ज बी-सैल लिम्फोमा वाले रोगियों में रिटुक्सिमैब प्लस जेमसिटाबाइन प्लस ऑक्सालिप्लैटिन (आर-जीईएमओएक्स) के साथ पोलाटुजुमैब वेडोटिन बनाम आर-जीईएमओएक्स एकल की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए फेज III, ओपन लेबल, बहुकेंद्रित यादृच्छिक अध्ययन। चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

4. कोविड के बाद ओर्टिक एवं फेफड़ों की सूजन: हृदय संबंधी घटना का एक मार्कर, एक भारत-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त परियोजना - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित,हृद् विज्ञान

5. प्रारंभिक एवं देर से शुरू होने वाले मनोभ्रंश में नैदानिक तथा विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल, जोखिम सहयोगी, उपचारकर्ता का बोझ और नैदानिक परिणाम, तंत्रिका विज्ञान

6. नव निदानित न्यूरोब्लास्टोमा में अस्थि मज्जा मेटास्टेसिस का पता लगाने में अस्थि मज्जा बायोप्सी के साथ 18एफ-एफडीजी पैट/सीटीकी नैदानिक उपयोगिता की तुलना, बाल विभाग, बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. मध्यम से उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में लोको-रीजनल स्टेजिंग हेतु प्रोस्टेट के मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई के साथ 68जीए पीएसएमए पैट/सीटीस्कैन की तुलना, मूत्ररोग विज्ञान

8. कंधे के आसंजक कैप्सूलाइटिस में सुप्रास्कैपुलर तंत्रिका ब्लॉक और कैप्सूलर हाइड्रोडायलेटेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भौतिक चिकित्सा एव पुनर्वास विभाग, एम्स, नई दिल्ली; विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. मध्यम और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के प्रारंभिक चरण के लिए 68जीए पीएसएमए-11 पेट-सीटी और पारंपरिक इमेजिंग की नैदानिक सटीकता (पीआरओसीए अध्ययन), मूत्ररोग विज्ञान

10. पोस्ट-पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता: आयुष मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित एक संभावित यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड-पॉइंट परीक्षण,सीआईएमआर, हृद् विज्ञान

11. तृतीयक उपचार सेटिंग में तेजी से प्रगतिशील मनोभ्रंश के लिए एटियलॉजी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन, तंत्रिका विज्ञान।

12. इन्फ्लैमेटरी कार्डियोमायोपैथी: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक अध्ययन, जिसमें नए प्रोटिओमिक बायोमार्कर, नॉन-कंट्रास्ट एमआरआई और सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर आधारित पीईटी/सीटी को मिलाकर एक नैदानिक एल्गोरिदम को मान्य किया गया है, हृद् विज्ञान, हृद् विकिरण विज्ञान

13. सेंटिनल लिम्फ नोड एसएलएन का पता लगाने हेतु न्यूनतम आक्रामक नैनो सक्षम लक्षित प्रौद्योगिकी, ईएनटी

14. न्यूरोब्लास्टोमा में निदान, जोखिम स्तरीकरण एवं प्रतिक्रिया निगरानी में लिक्विड बायोप्सी की भूमिका, बाल चिकित्सा विभाग, बाल अर्बुद प्रभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.24_ Nuclear Medicine.indd 664 1/10/2026 1:17:38 PM

15. प्रोस्टेट कैंसर में एकल स्टेजिंग पद्धति के रूप में 68जीए पीएसएमए पैट/सीटीस्कैन की भूमिका', मूत्ररोग विज्ञान

पूर्ण

1. बच्चों में सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस का एक संभावित बहुविध मूल्यांकन, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान
2. अवसाद में उच्च परिभाषा ट्रांसक्रैनियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना की प्रभावशीलता एवं सहनशीलता के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड शम-नियंत्रित परीक्षण, मनोचिकित्सा
3. सारकॉइड के साथ हृदय संबंधी भागीदारी वाले रोगियों के रोग का निदान निर्धारित करने हेतु एक अध्ययन: निदान और उपचार एल्गोरिदम का विकास, हृद् विज्ञान, हृद् विकिरण विज्ञान
4. दवा प्रतिरोधी फोकल मिर्गी में उन्नत न्यूरोइमेजिंग तकनीक, न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान
5. प्राथमिक मनोभ्रंश का शीघ्र पता लगाने हेतु नवीन एमआरआई मार्करों की उपयोगिता के साथ-साथ पीईटी और एएसएल-एमआर परफ्यूज़न तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन, न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान
6. बच्चों में ईएसईएस में दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) थेरेपी की प्रभावकारिता: सिंगल हैंड इंटरवेंशन अध्ययन, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान
7. सिर आधार ऑस्टियोमाइलाइटिस में रोग का निदान प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन, ईएनटी
8. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में कार्यात्मक परिणाम पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव और सफल परिणाम के लिए इसके पूर्वानुमान, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों कं अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	10	9	10
कुल वित्तपोषण	620 लाख + 69000 यूरो	154 लाख + 50000 यूरो	157 लाख + 50000 यूरो

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 54 सार:38 पुस्तकों में अध्याय:01

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-24	2024-25
कुल	148	172	93
पत्रिकाओं में लेख	97	107	54

9.24_ Nuclear Medicine.indd 665 1/10/2026 1:17:38 PM

मद	2022-2023	2023-24	2024-25
सार	51	63	38
पुस्तकों में अध्याय	0	2	01
पुस्तकें	-	-	-

अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक नाभिकीय चिकित्सा एवं पीईटी विभाग में प्रदान की गई डायग्नोस्टिक स्कैन और रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी

रोगी उपचार	2023-2024
चिकित्साविधान	
I-131 थेरेपी	396
131हाइपरथायरायडिज्म के लिए आई-थेरेपी	309
177एलयू - डोटा टेट थेरेपी	57
177 एलयू -पीएसएमए-617 थेरेपी	47
177 एलयू -एफएपीआई थेरेपी	82
131आई-एमआईबीजी-थेरेपी	19
निदान	
एफ-18 एफडीजी-पीईटी	9878
जीए-68 डोटानॉक पेट	831
जीए-68 पीएसएमए पेट	529
जीए-68 एफएपीआई पेट	170
पीईटी निर्देशित बायोप्सी	130
सादा सीटी-स्कैन	329
जीएफआर	2295
आरएआईयू	502
रक्त पूल अध्ययन	16
डीएमएसए स्कैन	1607
डीआरसीजी	89
ईसीडी-स्पेक्ट	643
जीईआर	233
जीईटी	185
जीएचए स्पेक्ट	2
एचआईडीए	414

9.24_ Nuclear Medicine.indd 666 1/10/2026 1:17:38 PM

रोगी उपचार	2023-2024
लिम्फोसिंटीग्राफी	259
एमडीपी अस्थि स्कैन	1161
एमआईबीजी-डायग्नोस्टिक	167
मेकेल स्कैन	113
पीटीएच स्पेक्ट	484
गुर्दे की गतिशील स्कैन	4323
सेंटिनल लिम्फोसिंटीग्राफी	3
थायरॉइड स्कैन	584
टीसी-99एम ट्रोडैट	357
मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	1680
आरएनवी अध्ययन	359
कार्डियक पीईटी	359
परफ्यूजन अध्ययन (वी/क्यू स्कैन + टीसी99एम-पीवाईपी)	124

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

पद	2021-2022	2022-2023	2024-2025
ओपीडी परामर्श	8148	10771	14, 384
कुल भर्ती रोगी	322	446	365

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर सी.एस. बाल ने चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस में अर्बुद विज्ञान में इन्फोसिस का सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया, 30 जनवरी 2025, एम्स तथा उन्हें चिकित्सा विज्ञान के लिए सन फार्मा साइंस फाउंडेशन रिसर्च फेलोशिप (क्लीनिकल रिसर्च) से सम्मानित किया गया, जो चिकित्सीय नाभिकीय चिकित्सा में उनके अग्रणी योगदान हेतु दिया गया।

प्रोफेसर राकेश कुमार नाभिकीय मेडिसिन कम्यूनिकेशंस (ब्रिटिश सोसाइटी ऑफ नाभिकीय मेडिसिन की आधिकारिक पत्रिका) में संपादक हैं।

प्रोफ़ेसर चेतन डी पटेल ने सितंबर 2024 में चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में एसोसिएशन ऑफ नाभिकीय मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया (एएनएमपीआई) के 22वें वार्षिक सम्मेलन में "प्रोफेसर आरडी लेले ओरेशन" दिया। वे 6 दिसंबर 2025 को कोयंबटूर में 56वें एसएनएमआईसीओएन में नाभिकीय हृद् रोग विज्ञान सत्र के अध्यक्ष थे और 8 मार्च 2025 को फरीदाबाद, हरियाणा के सर्वोदय अस्पताल में एनसीएसआई के 15वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भी अध्यक्ष थे। वे सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की स्टोर परचेज कमेटी के सदस्य थे। वे आयुष की सीओई योजना के अंतर्गत सीआईएमआर में कोर स्टाफ की भर्ती हेतु चयन समिति के अध्यक्ष थे।

9.24_ Nuclear Medicine.indd 667 1/10/2026 1:17:38 PM

प्रोफेसर अनिल कुमार पांडे ने हाल एंगर ओरेशन दिया; नाभिकीय मेडिसिन फिजिसिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएमपीएआईसीओएन 2024) का 8वां वार्षिक सम्मेलन 23-24 फरवरी 2024। श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल (एसएमवीडीएनएसएच), कटरा, जम्मू। वह 15 फरवरी 2025 से 16 फरवरी 2025 तक एम्स, नई दिल्ली में आयोजित नाभिकीय मेडिसिन फिजिशियन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 9वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष/आयोजन समिति/वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष थे।

प्रोफेसर माधवी त्रिपाठी को कोयंबटूर, भारत में आयोजित एसएनएमआई के 56वें वार्षिक सम्मेलन में उन्हें 'ब्रिगेडियर एसके मजूमदार ओरेशन' पुरस्कार मिला। सितंबर 2024 में इंडोनेशिया के बाली में आयोजित एओसीएनएमबी में उन्हें मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

डॉ. शमीम्स पीएचडी छात्र ने कोयंबटूर में एसएनएमआईकॉन 2024 सम्मेलन में हेपेटोलॉजी में शकुंतला कृष्णमूर्ति सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता।

डॉ. खानगेमबम बंगकिम चंद्र को 7-11 अक्टूबर 2024, वियना, ऑस्ट्रिया में हाइब्रिड इमेजिंग (आईपीईटी 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुए। 7-11 अक्टूबर 2024, वियना, ऑस्ट्रिया में हाइब्रिड इमेजिंग (आईपीईटी 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हाइलाइट लेक्चर में एक हाइलाइट एब्सट्रैक्ट। उन्हें 56वें एसएनएमआईकॉन 2024, 5-8 दिसंबर 2024, कोयंबटूर, भारत में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में आयोजित नाभिकीय मेडिसिन फिजिसिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएमपीएआईसीओएन 2025, 15-16 फरवरी 2025) के 9वें वार्षिक सम्मेलन में "नाभिकीय मेडिसिन में रोबोटिक्स और एआई" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। वे इंडियन कॉलेज ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (एमआईसीएनएम) के सदस्य हैं वे एम्स, नई दिल्ली में आयोजित नाभिकीय मेडिसिन फिजिसिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएमपीएआईसीओएन 2025, 15-16 फ़रवरी 2025) के 9वें वार्षिक सम्मेलन की सलाहकार समिति के सदस्य थे। वे एम्स, नई दिल्ली की अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी) के सदस्य भी हैं।

9.24_ Nuclear Medicine.indd 668 1/10/2026 1:17:38 PM

9.25 प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीना मल्होत्रा

आचार्य

वत्सला डढवाल
(05 फरवरी, 2025 को वीआरएस ली)

जे. बी. शर्मा
(31 जनवरी, 2025 को सेवानिवृत्त)

नीता सिंह

के. अपर्णा शर्मा

गरिमा कच्छावा

रीता माहे

अपर आचार्य

विदुषी कुलश्रेष्ठ
(30 जून, 2024 तक, 01 जुलाई, 2024 से आचार्य)

सीमा सहगल
(30 जून, 2024 तक, 01 जुलाई, 2024 से आचार्य)

ज्योति मीणा
(30 जून, 2024 तक, 01 जुलाई, 2024 से आचार्य)

राजेश कुमारी

जूही भारती

सह-आचार्य

नीलांचली सिंह

ऋचा वत्स

दीपाली गर्ग

अर्चना कुमारी

अंजू सिंह

नेहा वरुण

सोनिया धीमान

अनुभूति राणा

सहायक आचार्य

सुश्री मोनिका साहू

स्वाति तोमर

ज्योत्सना शर्मा
(संविदात्मक)

वैज्ञानिक-I

अरुण कुमार

मोनिका सैनी

विशिष्टताएं

विभाग उच्च जोखिम वाली प्रसूति एवं सामान्य स्त्रीरोग के अलावा प्रजनन चिकित्सा, मातृ-भ्रूण चिकित्सा, न्यूनतम इनवेसिव शल्य चिकित्सा, स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान और यूरोगायनेकोलॉजी जैसी उप-विशेषज्ञताओं के माध्यम से व्यापक रोगी उपचार प्रदान करके महिलाओं के जीवन के सभी चरणों में महिला स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता के एक स्तंभ के रूप में कार्य कर रहा हैं। विभाग महिलाओं की हार्मोनल और पोषण

9.25_.indd 669 1/15/2026 4:33:08 PM

संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एनीमिया, स्त्रीरोग-अंत:स्राविकी और रजोनिवृत्ति क्लिनिक भी चला रहा है। विभाग ने कैंसर का इलाज करा रही युवा महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऑन्कोफर्टिलिटी सेवाओं का विस्तार किया है, जिससे अर्बुदविज्ञान और प्रजनन देखभाल के बीच प्रभावी रूप से दूरी को कम किया है। नियमित प्रसूति अभ्यास में योग, जन्म योजना और सम्मानजनक मातृत्व देखभाल को शामिल करने से रोगी संतुष्टि और नैदानिक परिणामों में वृद्धि हुई है। अपनी रोगी शिक्षा पहल के एक भाग के रूप में, विभाग ने गर्भवती महिलाओं को उनकी गर्भावस्था के दौरान आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए व्यापक रोगी सूचना पत्रक और प्रसवपूर्व देखभाल पुस्तिका विकसित की है। गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और विभाग को सबसे अधिक संख्या में सब-डर्मल प्रत्यारोपण लगाने के लिए प्रशंसा पुरस्कार मिला। विभाग ने संकाय-सदस्यों, रेजीडेंटों और नर्सों के लिए सम्मानजनक मातृत्व देखभाल और अल्ट्रासोनोग्राफी पर प्रशिक्षण और कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं।

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में नियमित प्रसूति एवं स्त्रीरोग सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, साथ ही झज्जर में भी ओपीडी सेवाएँ उपलब्ध हैं। एनसीआई, झज्जर में भी एक समर्पित स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान ओपीडी और ऑपरेशन कक्ष सेवाएँ उपलब्ध हैं। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम और अनुसंधान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में, विभाग ने मालदीव और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के लिए कोलपोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के उपचार पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। उन्नत निदान और न्यूनतम आक्रामक शल्य चिकित्सा तकनीकों को अपनाकर, विभाग अत्याधुनिक साक्ष्य-आधारित देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण

चौथे सेमेस्टर से स्नातक छात्रों को विभाग में नैदानिक पोस्टिंग के लिए तैनात किया जाता है। छठे और आठवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए शिक्षाप्रद व्याख्यान दिए जाते हैं। इस अवधि के दौरान दिए गए शिक्षाप्रद व्याख्यानों की सूची इस प्रकार है:

कुल स्नातक व्याख्यान: 42

छठा सेमेस्टर

1. गर्भावस्था का निदान, गर्भावस्था के प्रति मातृ अनुकूलन
2. प्रसवपूर्व देखभाल, गर्भधारणपूर्व देखभाल और परामर्श
3. सामान्य मासिक धर्म और विलंबित मासिक चक्रों का शरीरक्रिया विज्ञान
4. यौवन में परिवर्तन और रजोरोध के प्रति दृष्टिकोण
5. गर्भपात के प्रकार, चिकित्सा और शल्यचिकित्सीय पद्धतियाँ
6. प्रसव का शरीरक्रिया विज्ञान, प्रसव का प्रवर्तन एवं वृद्धि
7. उच्च रक्तचाप से ग्रस्त गर्भावस्था के विकार
8. गर्भकालीन मधुमेह
9. प्रसवपूर्व और प्रसव के दौरान भ्रूण की निगरानी

9.25_.indd 670 1/15/2026 4:33:09 PM

10. बांझपन और सहायक प्रजनन तकनीकों के प्रति दृष्टिकोण
11. गर्भावस्था में एनीमिया
12. प्रसवपूर्व रक्तस्राव
13. प्रसवोत्तर रक्तस्राव
14. प्रजननपथ संक्रमण, जननांग तपेदिक
15. सौम्य डिम्बग्रंथि ट्यूमर और एडनेक्सल द्रव्यमान तक पहुंच
16. पीपीआरओएम,समय से पहले प्रसव
17. असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव
18. गर्भनिरोधक 1 (चिकित्सा विधियाँ)
19. गर्भनिरोध 2 (एलएआरसीऔर नसबंदी)
20. घातक डिम्बग्रंथि ट्यूमर
21. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच और टीकाकरण
22. गर्भावस्था के समय हृदय रोग
23. सामान्य और असामान्य प्रसवोत्तर अवधि
24. रजोनिवृत्ति और हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी

8वां सेमेस्टर

1. गर्भावस्था में हेपेटाइटिस और एचआईवी
2. प्रसवोत्तर अवधि और उसकी जटिलताएँ
3. रेसस असंगति और गैर-प्रतिरक्षा हाइड्रोप्स
4. विभिन्न गर्भावस्था और हाइड्रैम्निओस
5. गर्भावस्था में हृदय रोग
6. प्रसवोत्तर और आईयूडी
7. एमेनोरिया और हर्सुटिज़्म
8. यौन भेदभाव संबंधी विकार और जननांग पथ विकृतियाँ
9. एंड्रोमेट्रियोसिस और एडेनोमायसिस
10. गर्भावधि ट्रोफोब्लास्टिक नियोप्लासिया
11. श्रोणि अंग का आगे बढ़ना और जननांग फिस्टुला
12. गर्भाशय में बिनाइन घाव

9.25_.indd 671 1/15/2026 4:33:10 PM

13. गर्भाशय के प्रीलिग्नेंट और घातक घाव
14. गर्भाशय ग्रीवा के बिनाइन और पूर्व-घातक घाव
15. गर्भाशय ग्रीवा के घातक घाव
16. रजोनिवृत्ति, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव
17. एमटीपी अधिनियम और पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम
18. प्रसूति आपात स्थिति

स्नातकोत्तर शिक्षण:

कुल स्नाकोत्तर सेमिनार: 31

1. स्केएर्ड गर्भाशय में गर्भावस्था
2. प्रसव प्रेरण
3. प्रोलैप्स के लिए रूढ़िवादी शल्य चिकित्सा
4. किशोरों और युवा वयस्कों में हाइपोगोनाडिज्म का प्रबंधन
5. प्रसूति एवं स्त्रीरोग में पुनर्योजी चिकित्सा (प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और स्टेम सेल थेरेपी)
6. पुरुष बांझपन कारक
7. प्रसवोत्तर मानसिक स्वास्थ्य
8. प्लेसेंटा एक्रीटा स्पेक्ट्रम
9. पीपीएच में हालिया प्रगति
10. फाइब्रॉएड गर्भाशय और एडिनोमायोसिस का चिकित्सा प्रबंधन
11. बार-बार गर्भपात
12. योनी और योनि के घातक घाव
13. एंडोमेट्रियोसिस की वर्तमान प्रगति
14. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता
15. प्रसूति विज्ञान के संबंध में आईटीपी
16. जननांग फिस्टुला
17. प्रसवपूर्व रक्तस्राव (पीएएस को छोड़कर)
18. कैल्शियम स्तन सहित स्त्रीरोग संबंधी दुर्दमताओं की जांच
19. पर्प्यूरियल सेप्सिस

9.25_.indd 672 1/15/2026 4:33:10 PM

20. प्रसव के तीसरे चरण की जटिलताएँ (पीपीएच को छोड़कर)
21. महिलाओं में मूत्र असंयमता
22. मुलेरियन विसंगतियों का सर्जिकल प्रबंधन
23. प्राथमिक एमेनोरिया का मूल्यांकन
24. प्रसूति एवं स्त्रीरोग में मेडिकोलीगल मुद्दे (पीओसीएसओ को छोड़कर)
25. पोस्को अधिनियम
26. गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में पीलिया
27. लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा की मूल बातें
28. प्रजनन क्षमता संरक्षण (स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों को छोड़कर)
29. स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों का प्रजनन क्षमता बख्शने वाला प्रबंधन
30. ग्रीवा अक्षमता का उपचार

रजोनिवृत्ति हार्मोनल थेरेपी (एमएचटी)

शिक्षण तकनीकों में नवाचार

1. स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण गतिविधियाँ

1. ड्राई स्किल लैब: पेल्विक जांच, सामान्य प्रसव, सीयूटी प्रविष्टि, एपिसियोटॉमी सिवनी, सीटीजी इंटरप्रिटेशन
2. वेट स्किल लैब: कैडेवरिक वर्कशॉप, एलईईपी और थर्मल एब्लेशन

2. पर्याप्त कौशल सुनिश्चित करने के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सिमुलेशन प्रशिक्षण गतिविधियाँ

1. अभ्यास: पीपीएच, एक्लैम्पसिया, शोल्डर डिस्टोसिया, मातृ पतन
2. बुनियादी जीवन समर्थन
3. एंडोस्कोपिक प्रशिक्षण

1. रोबोटिक सिमुलेशन गतिविधियाँ और शवों पर पोर्ट प्लेसमेंट
2. पेल्विक एंडोट्रेनर्स

4. प्रशिक्षुओं के लिए समर्पित प्रशिक्षण सत्र, ताकि वे नियमित आधार पर व्यापक गर्भपात देखभाल प्रशिक्षण के साथ-साथ योग्यता-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से अपने कौशल को बढ़ा सकें।
5. विभाग में उप-विशेषज्ञता के छात्रों के लिए साप्ताहिक कक्षाएं (प्रजनन चिकित्सा/स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान/मूत्र रोग विज्ञान/न्यूनतम इनवेसिव स्त्रीरोग/भ्रूण चिकित्सा)।

9.25_.indd 673 1/15/2026 4:33:10 PM

6. प्रसूति एवं स्त्रीरोग के क्षेत्र में ऐतिहासिक परीक्षणों पर चर्चा के लिए सुबह 8-9 बजे जर्नल क्लब की शुरुआत की गई।

7. प्रसवकालीन और सिजेरियन ऑडिट के अलावा स्त्रीरोग संबंधी प्रक्रियाओं पर नियमित ऑडिट।

8. मासिक लेबर रूम पोस्टिंग के आरंभ में कनिष्ठ, वरिष्ठ रेजिडेंट और स्टाफ नर्सों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू किए गए, ताकि प्रसव के दौरान देखभाल, प्रसूति संबंधी आपातस्थितियों और सम्मानजनक मातृत्व देखभाल से संबंधित उनके कौशल को बढ़ाया जा सके।

9. अल्ट्रासाउंड की बेहतर समझ और कौशल को बढ़ाने के लिए प्रसूति एवं स्त्रीरोग में अल्ट्रासाउंड की मूल बातें पर कक्षाएं।

10. सम्मानजनक गर्भपात उपचार के लिए छोटे समूह में चर्चा जिसमें संकाय, वरिष्ठ और कनिष्ठ रेजिडेंट और स्टाफ नर्स शामिल हों।

11. रोगियों को प्रदान की जाने वाली नैदानिक देखभाल को सुव्यवस्थित करने के लिए विभाग द्वारा प्रसूति विज्ञान में एसओपी का मसौदा तैयार किया गया।

सीएमई, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. यूएसजी सिम्युलेटर कोर्स और 3डी/4डी कार्यशाला, 29 अप्रैल 2024, एम्स, नई दिल्ली।

2. वकालत बैठक - अंतर्राष्ट्रीय मिडवाइफरी दिवस, 3 मई 2024, नई दिल्ली।

3. कोलपोस्कोपी और सीआईएन एओजीआईएन अंतरिम सीएमई के उपचार में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, 4 मई 2024, एम्स, नई दिल्ली।

4. भ्रूण न्यूरोकॉन 2024 - भ्रूण न्यूरोसोनोग्राफी पर लाइव प्रदर्शन कार्यशाला, 9 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली।

5. एम्स डब्ल्यूएचओ सीसी द्वारा मालदीव और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के लिए कोल्पोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण,19-24 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली।

6. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत कार्यालय के साथ सबडर्मल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, 6 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

7. सम्मानजनक मातृत्व देखभाल पर कार्यशाला, एनएआरसीएचआई दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन, 5 अक्टूबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

8. परिवार कल्याण निदेशालय और भारत के लिए डब्ल्यूएचओ-देश कार्यालय के सहयोग से विभाग द्वारा आयोजित इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक एमपीए (आईएम और एससी) पर प्रशिक्षण, 8 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

9. ईएचएस के लिए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता पहल और उनके आश्रितों, 11-17 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

10. एस्ट्रिका फाउंडेशन के सहयोग से संकाय, रेजिडेंट, नर्स और सहायक कर्मचारियों के लिए सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर प्रशिक्षण, 15-16 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

9.25_.indd 674 1/15/2026 4:33:10 PM

11. सकारात्मक प्रसव अनुभव और सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर कार्यशाला, 17 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

12. भ्रूण चिकित्सा में दैनिक अभ्यास कार्यशाला, एओजीडी 2024 का 46वां वार्षिक सम्मेलन, 21 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली।

13. हिस्टेरोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में "लाइव हिस्टेरोस्कोपिक शल्य चिकित्सा कार्यशाला सह संगोष्ठी",15 दिसंबर 2024, नई दिल्ली।

14. सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर कार्यशाला, सर गंगा राम अस्पताल, 28 दिसंबर 2024, नई दिल्ली।

15. पीओआईएसई- अल्ट्रासाउंड कार्यशाला, 1 मार्च 2025, नई दिल्ली।

16. अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर ईएचएस के लिए स्क्रीनिंग और टीकाकरण अभियान, 3-8 मार्च 2025, एम्स, नई दिल्ली।

अल्प एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ. नेहा नायक, 3 अप्रैल-1 मई 2024, 1 माह, प्रसूति-अर्बुदविज्ञान, बीर अस्पताल, नेपाल

2. डॉ. अनामिका झा, 18 अप्रैल-14 मई 2024, 1 माह, यूरोगायनेकोलॉजी, बीर अस्पताल, नेपाल

3. डॉ. सबीना श्रेष्ठ, 18 अप्रैल-14 मई 2024, 1 माह, यूरोगायनेकोलॉजी, बीर अस्पताल, नेपाल

4. डॉ. नीसीमा सेधैन, 18 अप्रैल-14 मई 2024, 1 माह, डीएम (रिप. मेड), बीर अस्पताल, नेपाल

5. डॉ. कोमाथी चोकलिंगम, 1-26 जुलाई 2024, 4 सप्ताह, ऑब्स. एवं स्त्रीरोग विज्ञान में वैकल्पिक प्रशिक्षण, लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी चिकित्सा स्कूल, यूके

6. डॉ. अमीनाथ लिम्या, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल, मालदीव

7. डॉ. तस्नीम फ़ारूग, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल, मालदीव

8. डॉ. अमीनाथ ज़हरा, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल, मालदीव

9. डॉ. अमीनाथ अमाल, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, हुलहुमाले अस्पताल, मालदीव

10. डॉ. अमीनाथ जुहैना हमीद, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, हुलहुमाले अस्पताल, मालदीव

11. डॉ. ऐशनाथ नीना शरीफ, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल, मालदीव

12. डी.आई. सेनादेरा,19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, कैसल स्ट्रीट महिला अस्पताल, श्रीलंका

9.25_.indd 675 1/15/2026 4:33:10 PM

13. के. एस. जयसिंघे,19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, जर्मन श्रीलंका मैत्री महिला अस्पताल गाले, श्रीलंका

14. आर.डी. विजेसिंघे, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, राष्ट्रीय अस्पताल कैंडी, श्रीलंका

15. थानुया महेंद्रन, 19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, शिक्षण अस्पताल जाफना, श्रीलंका

16. आई.एन.एस. हेरथ,19-24 अगस्त 2024, 6 दिन, निवारक स्त्रीरोग विज्ञान, परिवार स्वास्थ्य ब्यूरो, श्रीलंका

17. आचार्य पिकी सक्सेना, 20 जुलाई-19 अक्टूबर 2024, 3 महीने, प्रजनन चिकित्सा, एलएचएमसी

18. डॉ. अंबरीन कुरैशी, 23 सितंबर-22 दिसंबर 2024, 3 महीने, मातृ-भ्रूण चिकित्सा, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, श्रीनगर

19. डॉ. नलिनी अरोड़ा, 16 अक्टूबर-30 नवंबर 2024, 13 दिन, भ्रूण चिकित्सा, पीजीआईएमईआर और ईएसआईसी चिकित्सा कॉलेज, कोलकाता

20. डॉ. पूजन डोगरा, 16-30 नवंबर 2024, 15 दिन, मातृ भ्रूण चिकित्सा, एम्स, बिलासपुर

21. डॉ. रूपश्नता गोगोई, 01-28 फरवरी 2025, 1 माह, मातृ भ्रूण चिकित्सा, असम चिकित्सा कॉलेज, डिब्रूगढ़

उप-विशेषज्ञता में रेजीडेंट्स की सूची

1. डॉ. सुप्रिया कुमारी, 4 जनवरी 2022-01 जुलाई 2025, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

2. डॉ आरती के जयराज, 2 जनवरी 2023-01 जनवरी 2026, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

3. डॉ. स्निग्धा सोनी, 12 जनवरी 2023-11 जनवरी 2026, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

4. डॉ. निशा, 1 जुलाई 2023-27 दिसंबर 2026, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

5. डॉ. अर्चना कुमारी, 17 जुलाई 2023-16 जुलाई 2026, डीएम (प्रजनन चिकित्सा) (सेवारत संकाय)

6. डॉ. रक्षा सोनी, 8 जनवरी 2024-07 जनवरी 2027, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

7. डॉ. रेखा आर, 31 जनवरी 2024-30 जनवरी 2027, डीएम (प्रजनन चिकित्सा) (प्रायोजित)

8. डॉ गुनुपुरु गायत्री श्वेता, 13 जुलाई 2024-12 जुलाई 2027, डीएम (प्रजनन चिकित्सा)

9. डॉ. निष्ठा जायसवाल, 30 जुलाई 2024-29 जुलाई 2027, डीएम (प्रजनन चिकित्सा) (प्रायोजित)

10. डॉ. कैरोलिन सोलोमी वी, 11 जुलाई 2022-10 जुलाई 2025, एम.सीएच स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान

11. डॉ. सुविद्या सिंह, 10 जनवरी 2023-09 जनवरी 2026, एम.सीएच. स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान

9.25_.indd 676 1/15/2026 4:33:10 PM

12. डॉ. भावना अरोड़ा, 16 जनवरी 2023-15 जनवरी 2026, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
13. डॉ. शोलंकी हलदर, 11 जुलाई 2023-10 जून 2026, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
14. डॉ. शिवांगी मंगल, 1 जनवरी 2024-31 दिसंबर 2026, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
15. डॉ. तान्या सतीजा, 2 जनवरी 2024-01 जनवरी 2027, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
16. डॉ. बैशाली रॉय, 3 जनवरी 2024-02 जनवरी 2027, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
17. डॉ. ऋचा गर्ग, 8 जनवरी 2024-07 जनवरी 2027, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
18. डॉ. मीनल भाटी, 9 जनवरी 2024-08 जनवरी 2027, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
19. डॉ. शालू प्रिया, 10 जनवरी 2024-09 जनवरी 2027, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
20. डॉ. सौमी बनर्जी, 11 जुलाई 2024-10 जुलाई 2027, एम.सीएच स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान
21. डॉ. नूतन, 31 जनवरी 2025-30 जनवरी 2028, एम.सीएच प्रसूति अर्बुदविज्ञान
22. डॉ. सरिता सिंह, 15 फरवरी 2025-14 फरवरी 2028, एम.सीएच. गायनोकोलॉजी (प्रायोजित)
23. डॉ. निशा, 12 जुलाई 2023-14 जुलाई 2025, यूरो - स्त्रीरोग
24. डॉ देवघरे मानसी कमलाकर, 11 जनवरी 2024-10 जनवरी 2026, यूरो - स्त्रीरोग विज्ञान
25. डॉ. आशिता अग्रवाल, 11 जनवरी 2024-10 जनवरी 2026, यूरो - स्त्रीरोग विज्ञान
26. डॉ मुंतहा, 31 जनवरी 2024-30 जनवरी 2026, यूरो - स्त्रीरोग विज्ञान
27. डॉ श्रीकर येदलापल्ली, 11 जुलाई 2023-10 जुलाई 2025, एमआईएस
28. डॉ खुशबू बशीर, 17 जनवरी 2024-16 जनवरी 2026, एमआईएस
29. डॉ. सलोनी कम्बोज, 18 जुलाई 2024-13 जनवरी 2026, एमएफएम
30. डॉ. दीक्षा बिस्ता छेत्री, 06 फरवरी 2025-05 फरवरी 2026, एमएफएम

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 192

नीना मल्होत्रा: 35
नीता सिंह: 7
रीता माहे: 5
ज्योति मीणा: 16
नीलांचली सिंह :10
अर्चना कुमारी: 2
सोनिया धीमान: 2
स्वाति तोमर: 2
वत्सला डढवाल: 12
के अपर्णा शर्मा: 33
विदुषी कुलश्रेष्ठ: 17
राजेश कुमारी: 1
ऋचा वत्स: 5
अंजू सिंह: 8
अनुभूति राणा: 6
जेबी शर्मा: 2
गरिमा कछावा: 4
सीमा सिंघल: 10
जूही भारती: 10
दीपाली गर्ग: 1
नेहा वरुण: 8
सुश्री मोनिका साहू: 1

9.25_.indd 677 1/15/2026 4:33:11 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
200	170	192

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 140

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
142	162	138

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. समय पर प्रीक्लेमसिया को रोकने के लिए एसएफआईटी1.पीआईजीएफ और नियोजित प्रेरण प्रसव के साथ स्क्रीनिंग का एक बहुकेंद्र यादृच्छिक परीक्षण, पीआई- एडुआर्डो ग्राटाकोस (बार्सिलोना) पीआई डॉ. के अपर्णा शर्मा (भारत), बीसीनेटल (हॉस्पिटल क्लिनिक और हॉस्पिटल सैंट जोआन डे देउ) (बार्सिलोना)-रोश डायग्नोस्टिक्स, 2 वर्ष, 2023-2025, किट प्रदान की गईं।

2. गर्भावधि आयु के प्रसवपूर्व आकलन के लिए भारतीय जनसंख्या-विशिष्ट उपकरणों का बहुकेंद्रीय मूल्यांकन, डॉ. शिंजिनी भटनागर, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2024-2026, 35.08 लाख रुपये।

3. एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन (सर्वावैक®) की सुरक्षा का आकलन करने के लिए चरण-IV एकल-भुजा, बहुकेंद्रीय अध्ययन, जब इसे 9-14 वर्ष की आयु के लड़कियों और लड़कों को दो-खुराक अनुसूची में और 15-26 वर्ष की आयु के महिलाओं और पुरुषों को तीन-खुराक अनुसूची में प्रशासित किया जाता है, डॉ. ज्योति मीणा, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 9.24 लाख रुपये।

4. प्रसवोत्तर वजन के प्रक्षेप पथ, वजन प्रतिधारण से जुड़े जोखिम कारक, और 18 महीने तक चयापचय संबंधी विकारों के साथ इसके संबंध पर एक संभावित समूह अध्ययन, डॉ. अर्चना कुमारी, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 52 लाख रुपये।

5. प्रसव के बाद प्रीक्लेम्पसिया के मार्करों का आकलन और महिलाओं में कार्डियो वैस्कुलर रोग के भविष्य के जोखिम कारकों के साथ सहसंबंध, डॉ. गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 51.77 लाख रुपये।

6. इंट्रासाइटोप्लाज़्मिक स्पर्म इंजेक्शन के इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन के बाद गर्भावस्था के परिणामों के लिए निर्णय लेने में सहायता के लिए संवर्धित बुद्धिमान नैदानिक सहायता प्रणालियाँ, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 120 लाख रुपये।

7. एचपीवी पॉजिटिव महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान और गर्भाशय ग्रीवा ऊतक नमूने में पीसीआर आधारित ई6.ई7 ऑन्कोजीन का पता लगाने की तुलना हिस्टोपैथोलॉजी के साथ, डॉ. ज्योति मीणा, संस्थान वित्तीय शोध प्रबंध अनुदान, 1 वर्ष, 2024-2025, 2.00 लाख रुपये।

9.25_.indd 678 1/15/2026 4:33:11 PM

8. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के स्टेजिंग में कंट्रास्ट-एन्हांस्ड एमआरआई के साथ संयुक्त डिफ्यूजन-वेटेड और नॉन-कंट्रास्ट एमआरआई की तुलना, डॉ. स्वाति तोमर, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 4.68 लाख रुपये।

9. आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) और चिकित्सकों द्वारा एचपीवी स्व-नमूनाकरण के लिए ग्राहकों की परामर्श: एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल, गैर-अपकर्ष परीक्षण (आशा-अध्याय परीक्षण), विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डॉ. नीलांचली सिंह, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2023-2025, 19.86 लाख रुपये।

10. प्रसवपूर्व देखभाल (मातृ एवं भ्रूण स्वास्थ्य में सुधार) के लिए फोन आधारित ऐप, स्वस्थ गर्भ का विकास एवं सत्यापन, डॉ. वत्सला डढवाल, डॉ. दीपाली गर्ग, डीएचआर आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 12.81 लाख रुपये।

11. महिला यौनकर्मियों में गर्भाशय ग्रीवा की जांच के लिए मोबाइल आधारित एप्लिकेशन और स्व-एकत्रित नमूनों का उपयोग करके व्यवस्थित रणनीति हेतु पायलट परीक्षण का विकास, डॉ. सीमा सिंघल, डॉ. संजय राय, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये।

12. भारत में हृदय रोगों से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के मातृ हृदय, प्रसूति और भ्रूण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए प्रोटोकॉलयुक्त कार्डियो-प्रसूति देखभाल का विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन'' जिसे राष्ट्रीय गर्भावस्था और हृदय रोग - भारत अध्ययन समूह (एनपीएसी इंडिया) भी कहा जाता है, डॉ. वत्सला डढवाल डॉ. के अपर्णा शर्मा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 3.34 लाख रुपये।

13. भारत में हृदय रोगों से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के मातृ हृदय, प्रसूति और भ्रूण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए प्रोटोकॉलयुक्त कार्डियो-प्रसूति देखभाल का विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन (एनपीएसी इंडिया अध्ययन), डॉ. के अपर्णा शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 9.84 लाख रुपये।

14. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में कोशिका मुक्त डीएनए (सीएफडीएनए) का नैदानिक और रोगसूचक मूल्य - एक समूह अध्ययन, डॉ. सीमा सिंघल, भारतीय कैंसर अनुसंधान संघ आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 98.46 लाख रुपये।

15. बांझपन के इलाज की चाह रखने वाले पुरुषों में शुक्राणु की गुणवत्ता पर परिवर्तनीय जीवनशैली कारकों का प्रभाव: क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, आचार्य नीता सिंह, संस्थान वित्त पोषण, 1 वर्ष, 2024-2025, 2 लाख रुपये।

16. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम में एचपीवी वैक्सीन की 2 बनाम 3 खुराक की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक भारतीय बहु-केंद्र यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. अंजू सिंह (फरवरी 2024 से पीआई), आईएआरसी-डब्ल्यूएचओ, 2008-2025, 46.53 लाख रुपये।

17. गर्भधारण की इच्छा रखने वाली पीसीओएस महिलाओं में व्यक्तिगत जीवनशैली इंटरवेंशन की प्रभावशीलता - एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2023-2028, 174.23 लाख रुपये।

18. चिंता और अवसाद को कम करने में योग की प्रभावशीलता और आईवीएफ वाली महिलाओं में प्रजनन परिणामों पर इसका प्रभाव। आईसीएसआई: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, आचार्य नीता सिंह, संस्थान वित्त पोषण, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये।

9.25_.indd 679 1/15/2026 4:33:11 PM

19. ओवुलेशन प्रेरण चक्र वाली पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में प्रजनन और चयापचय परिणामों पर आयुर्वेद और योग के अतिरिक्त इंटरवेंशन की प्रभावकारिता एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. रीता माहे, आयुष-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 200.00 रुपये।

20. गर्भपात की आशंका के उपचार में मौखिक माइक्रोनाइज्ड प्रोजेस्टेरोन सतत रिलीज फॉर्मूलेशन की विभिन्न खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन और इम्यूनोमॉड्यूलेशन और गर्भाशय-अपरा रक्त प्रवाह के मापदंडों पर इसका प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. अनुभूति राणा, मेडविज़ हेल्थकेयर कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, 1.5 वर्ष, 2024-2026, 40.64 लाख रुपये।

21. कम से अधिक आयरन की कमी वाले एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं में अंतःशिरा फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज़ की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन, डॉ. अनुभूति राणा, टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, भारत, 1 वर्ष, 2024, 31 मार्च 2025, 25.08 लाख रुपये।

22. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए स्वदेशी उपकरण और पॉइंट ऑफ केयर एचपीवी परीक्षण द्वारा स्व-संग्रह का मूल्यांकन (स्व-देखभाल गर्भाशय ग्रीवा अध्ययन), डॉ. सीमा सिंघल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, 109.43 लाख रुपये।

23. परिसंचरण में और मातृ-भ्रूण इंटरफेस पर प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं की अभिव्यक्ति और प्री-एक्लेमप्सिया में पूरे एक्सोम अनुक्रमण-आधारित आनुवंशिक वेरिएंट के साथ इसका सहसंबंध।, डॉ. दीपाली गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 85 लाख रुपये।

24. भारत में लगातार एचपीवी संक्रमण में प्रतिरक्षात्मक परिदृश्य, डॉ. नीलांचली सिंह, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2024-2026, 133.00 लाख रुपये।

25. प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, अर्ध-कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा स्तरों में वेब आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ एएनसी मॉडल का कार्यान्वयन, डॉ. के अपर्णा शर्मा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2022-2025, 66.69 लाख रुपये।

26. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित किशोरियों और प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एटोनोगेस्ट्रेल (ईटीएन) सबडर्मल इम्प्लांट (एसडीआई) का नया उपयोग और लेवोनोजेस्ट्रेल इंट्रा-यूटेराइन सिस्टम (एलएनजी-आईयूएस) के साथ इसकी तुलना: एक गैर-हीनता संभावित पायलट अध्ययन, डॉ. नेहा वरुण, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 61.89 रुपये।

27. प्लेसेंटल ऑक्सीजनेशन और मेटाबॉलिज्म की ऑप्टिकल मॉनिटरिंग, डॉ. वत्सला डढवाल, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, वेलकम लीप, 3 वर्ष, 2024-2026, 31.99 लाख रुपये।

28. प्लेसेंटल ऑक्सीजनेशन और मेटाबोलिज्म की ऑप्टिकल मॉनिटरिंग, पीआई-डॉ. शुभ्रब्रत मित्रा, यूसीएलएच पीआई डॉ. के. अपर्णा शर्मा (भारत), वेलकम लीप, डब्ल्यूईआईएसएस (वेलकम ईपीएसआरसी सेंटर फॉर इंटरवेंशनल एंड सर्जिकल साइंसेज), टॉमीज़, 3 वर्ष, 2023-2026, 31.99 लाख रुपये।

29. मातृत्व परिणामों का अनुकूलन: नियमित मातृत्वत्व देखभाल में मात्रात्मक रक्त हानि माप को अपनाना, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, डॉ. अपर्णा श्रीधर, यूसीएलए डीजीएसओएम ग्लोबल हेल्थ सीड ग्रांट प्रोग्राम, 1 वर्ष, 2025-2026, 19.30 लाख रुपये।

9.25_.indd 680 1/15/2026 4:33:11 PM

30. कैंसर से बचे युवाओं में प्रजनन क्षमता के संरक्षण के लिए डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन - धीमी गति से जमने और विट्रीफिकेशन की तुलना, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2020-2025, 87.70 लाख रुपये।

31. पीसीओएस में सार्कोपेनिक मोटापे की संभाव्यता और सार्कोपेनिक मोटापे के उपचार के लिए व्यक्तिगत जीवनशैली में बदलाव की प्रभावकारिता: एक मिलान केस नियंत्रण और पूर्व-पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन, डॉ. दीपाली गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 50 लाख रुपये।

32. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रस्त भारतीय महिलाओं में एटिऑलॉजिकल कारकों, सह-रुग्णताओं के प्रक्षेप पथ और विभिन्न चिकित्सीय एजेंटों की प्रभावकारिता और सुरक्षा का संभावित मूल्यांकन: एक बहुकेंद्रीय आईसीएमआर-पीसीओएस कोहार्ट अध्ययन चरण-II, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2023-2028, 146.95 लाख रुपये।

33. भ्रूण इमेजिंग वर्कफ़्लो में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका; संभावित मूल्यांकन, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, ओरिजिन एआई, 1 वर्ष, 2024-2025, 14.60 लाख रुपये।

34. एशरमैन सिंड्रोम और एट्रोफिक एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियम के पुनर्जनन के लिए ऑटोलॉगस स्टेम सेल और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका - एक पायलट अध्ययन, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 102.00 लाख रुपये।

35. भारतीय महिलाओं में गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में सीरम ऑटोटैक्सिन की भूमिका, डॉ सोनिया धीमान, संस्थान इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021, 2024-2025 तक बढ़ाया गया, 5 लाख रुपये।

36. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से उत्तरजीवी व्यक्तियों में यौन रोग के प्रबंधन में योनि एस्ट्रोजन क्रीम की भूमिका: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण (एस्ट्रो-सर्वा अध्ययन), डॉ. नीलांचली सिंह, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2025-2026, 5 लाख रुपये।

37. सामुदायिक व्यवस्था में प्रजनन आयु (डब्ल्यूआरए) की महिलाओं में आयरन फोलिक एसिड उपचार के प्रति गैर-प्रतिक्रियाकर्ताओं का मूल कारण विश्लेषण (आरसीए), आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जनवरी 2025, जनवरी 2028, 200 लाख रुपये।

38. एसएएचईएलई (सहेली): हिस्टेरेक्टॉमी पर अध्ययन और कार्रवाई: भारत में जीवन भर महिलाओं के स्वास्थ्य पर साक्ष्य", डॉ. अर्चना कुमारी, डीबीटी वेलकम इंडिया अलायंस, 4 वर्ष, 2024, 2028, 31.36 लाख रुपये।

39. भारत में शहरी और ग्रामीण परिवेश में गर्भावधि मधुमेह के उपचार के लिए स्मार्टफ़ोन ऐप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. दीपाली गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 65 लाख रुपये।

40. गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस वाले रोगियों में लक्षित पित्त अम्ल मेटाबोलोमिक्स और प्रसवकालीन परिणामों के साथ इसका सहसंबंध: एक संभावित अवलोकन संबंधी कोहोर्ट अध्ययन, डॉ. सुश्री मोनिका साहू, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये।

41. आईएनएनओ-एलआईपीए जीनोटाइपिंग का उपयोग करके गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच के लिए मूत्र संबंधी एचपीवी डीएनए परीक्षण की भूमिका का मूल्यांकन करना: एक पायलट अध्ययन,

9.25_.indd 681 1/15/2026 4:33:11 PM

डॉ. ज्योति मीना डॉ. आशीष चौधरी, अंतःविषय सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 6 लाख रुपये।

42. भ्रूण बायोमेट्री के अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग - अनुमानित भ्रूण वजन के स्वचालन और मैन्युअल माप की तुलना, पीआई - डॉ. अस्मा खलील (लंदन) पीआई डॉ. के. अपर्णा शर्मा (भारत), सेंट जॉर्जेस यूनिवर्सिटी - सैमसंग, 2 वर्ष, 2025-2027, यूएसजी मशीन।

43. प्रारंभिक गर्भावस्था में प्रीक्लेम्पसिया के लिए मल्टीपैरामीट्रिक जोखिम भविष्यवाणी मॉडल के प्रदर्शन का सत्यापन और भारतीय जनसंख्या के लिए सर्वोत्तम फिट मॉडल का निर्धारण, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख रुपये।

44. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग (आई-एचपीवी) के लिए स्वदेशी एचपीवी परीक्षणों का सत्यापन अध्ययन", डॉ. नीरजा भटला डॉ. सीमा सिंघल, बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2023-2025, 71.15 लाख रुपये।

पूर्ण परियोजनाएं

1. महिला जननांग तपेदिक के प्रारंभिक निदान में आरएनटीसीपी द्वारा अनुशंसित विधियों के विरुद्ध नए आणविक तरीकों और एंटीजन आधारित नैदानिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन, आचार्य जेबी शर्मा, केंद्रीय टीबी प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2020-2024, 67 लाख रुपये।

2. एक चरण-II/III, आंशिक रूप से डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय अध्ययन, जो कि मर्क के एचपीवी6 नवंबर 16/18 वैक्सीन (गार्डासिल®) की तुलना में कोहोर्ट 1 (9-14 वर्ष की आयु की लड़कियां और लड़के) के लिए दो-खुराक अनुसूची और कोहोर्ट 2 (15-26 वर्ष की आयु की महिलाएं और पुरुष) के लिए तीन-खुराक अनुसूची के अनुसार स्वस्थ स्वयंसेवकों में इंट्रामस्क्युलर रूप से प्रशासित एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन की प्रतिरक्षाजनकता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए है, पीआई-डॉ. अंजू सिंह (फरवरी 2024 से), सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, 5 वर्ष, 2018-2024, रु. 3.47 लाख।

3. प्राइमिग्रेविडा महिलाओं में सामान्य प्रसव के दौरान पेरिनियल चोट और पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शन पर 'रूटीन एपिसियोटॉमी' बनाम 'नो एपिसियोटॉमी' के परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक पायलट अध्ययन।, डॉ. अर्चना कुमारी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023 को 2024 तक बढ़ाया गया, 8.80 लाख रुपये।

4. तनाव मूत्र असंयमता से ग्रस्त महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फेशिया प्यूबोवेजिनल स्लिंग बनाम मिड-यूरेथ्रल स्लिंग प्रक्रिया बनाम बर्च कोल्पो सस्पेंशन का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2024, 70 लाख रुपये।

5. सहायक प्रजनन तकनीक कार्यक्रम से गुजर रही महिलाओं में नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना में फॉलिट्रोपिन अल्फ़ा (गोनल-एफ) के साथ एफई999049 (फॉलिट्रोपिन डेल्टा) की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने वाला भारत में एक यादृच्छिक नियंत्रित, मूल्यांकनकर्ता-रहित, समानांतर समूह, बहुकेंद्रीय परीक्षण, आचार्य नीना मल्होत्रा, फेरिंग फार्मास्युटिकल्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 25 लाख रुपये।

6. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर रोगियों में कैंसर के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए ऐप-आधारित इंटरवेंशन- प्रसूति कैंसर ऐप, डॉ. नीलांचली सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये।

9.25_.indd 682 1/15/2026 4:33:12 PM

7. प्रमुख भारतीय तकनीकी संस्थानों में युवाओं के बीच प्रजनन जागरूकता का आकलन और निर्माण, आचार्य नीता सिंह, मेलिंडा एंड गेट्स फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2020-2024, 5 लाख रुपये

8. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के लिए नियोजित अस्पष्टीकृत बांझपन और बार-बार प्रत्यारोपण विफलता वाली महिलाओं से गर्भाशय माइक्रोबायोटा का लक्षण वर्णन - एक पायलट अध्ययन, आचार्य नीना मल्होत्रा, एम्स अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये।

9. एंडोमेट्रियोसिस के मार्कर के रूप में परिसंचरण एक्सोसोमल माइक्रोआरएनए - एक पायलट अध्ययन।, डॉ. जूही भारती, इंट्राम्यूरल-एम्स, 6 वर्ष, 2018-2024, 10 लाख रुपये

10. रोगी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रसूति कैंसर केयर ऐप का विकास, डॉ. सीमा सिंघल, एम्स यूजी अनुदान, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये।

11. प्रथम तिमाही भ्रूण अल्ट्रासाउंड इमेजिंग और व्याख्या के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित प्रणाली का विकास, सत्यापन और व्यवहार्यता मूल्यांकन: एक पूर्वव्यापी बहु-केंद्र अध्ययन, डॉ. के अपर्णा शर्मा, ओरिजिन एआई, 1 वर्ष, 2023-2024, 8.80 लाख रुपये।

12. गर्भावस्था में मातृत्व एवं प्रसवकालीन परिणामों पर योग का प्रभाव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, आचार्य जेबी शर्मा, डीएसटी आयुष, 3 वर्ष, 2020-2024, 37 लाख रुपये।

13. गर्भावस्था में तनाव बायोमार्करों का मूल्यांकन और मातृत्व-भ्रूण परिणामों के साथ सहसंबंध, डॉ. अंजू सिंह, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना के लिए अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2024, 5 लाख रुपये।

14. गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में सार्स-कोव-2 संक्रमण पर राष्ट्रीय रजिस्ट्री (पेनइनप्रेग कोविड रजिस्ट्री), आचार्य वत्सला डढवाल, आईसीएमआर (कोविड रजिस्ट्री), 5 वर्ष, 2020-2024, 2.01 लाख रुपये।

15. वास्तविक विश्व नैदानिक अभ्यास (वीआईएसएजीई अध्ययन) में एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित भारतीय महिलाओं में डायनोगेस्ट (विसैन) का चरण IV अध्ययन (वीआईएसएजीई), डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ, बायर फार्मास्युटिकल्स, 1.5 वर्ष, 2023-2024, 1 लाख रुपये।

16. एचपीवी से जुड़ी घातक बीमारियों का त्वरित देखभाल केंद्र में पता लगाना, डॉ. राजेश कुमारी (2024 से पीआई), एनसीआई, यूएसए, एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के माध्यम से, 5 वर्ष, 2017-2024, 2.98 लाख रुपये।

17. प्रीक्लेम्पसिया कांगो रेड डिटेक्शन किट (पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्ट) का सत्यापन: बहुकेंद्रीय परीक्षण, डॉ. के. अपर्णा शर्मा, पर्किन-एल्मर्स, 2 वर्ष, 2019-2024, किट के लिए वित्तपोषण

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. समय पर प्रीक्लेम्पसिया को रोकने के लिए एसएफएलटी1.पीआईजीएफ और नियोजित प्रेरण प्रसव के साथ स्क्रीनिंग का एक बहुकेंद्र यादृच्छिक परीक्षण।

2. सम्मानजनक मातृत्व उपचार को मजबूत करने के लिए एक बहुघटक इंटरवेंशन-गुणवत्ता सुधार अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)।

9.25_.indd 683 1/15/2026 4:33:12 PM

3. श्रवण हानि के लिए प्रसवपूर्व जांच के उपकरण के रूप में भ्रूण विब्रोएकॉस्टिक उत्तेजना की व्यवहार्यता और सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

4. गर्भावधि मधुमेह के रोगियों में प्रारंभिक बनाम देर से प्रसवोत्तर मौखिक ग्लूकोज सहिष्णुता परीक्षण स्क्रीनिंग की तुलना करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

5. पहले से ही फ्रोजन थावेड भ्रूण स्थानांतरण चक्र करवा रही महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों पर स्वजनित अंतर्गर्भाशयी प्लेटलेट रिच प्लाज्मा इन्फ्यूजन के प्रभाव का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

6. दूसरे और तीसरे तिमाही में गर्भावधि उम्र के भ्रूणों के लिए उपयुक्त मध्यमस्तिष्क माप का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

7. प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम डेल्फी सर्वसम्मति के अनुसार, विकास प्रतिबंधित भ्रूणों की तुलना में गर्भावधि आयु के लिए छोटे भ्रूणों वाली गर्भावस्थाओं में और उचित रूप से विकसित भ्रूण। (एमएस शोध प्रबंध)

8. एक ओपन लेबलयुक्त, थ्री-आर्म, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, जिसका उद्देश्य कमज़ोर डिम्बग्रंथि प्रतिक्रियाकर्ताओं में अंतर्गर्भाशयी प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा बनाम स्व-जनित वयस्क अस्थि मज्जा-व्युत्पन्न स्टेम कोशिका स्थापन के प्रभाव का अध्ययन करना है। (एमसीएच शोध प्रबंध)

9. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले उन्नत एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म की रोकथाम में एपिक्सैबन: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन-लेबल नैदानिक परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

10. भ्रूण के विकास प्रतिबंध के उच्च जोखिम वाले रोगियों में भ्रूण के यकृत मापदंडों का आकनल। (एमएस शोध प्रबंध)

11. पीसीओएस से पीड़ित बांझ महिलाओं में लेट्रोजोल उपचार के फोलीक्यूलर प्रतिक्रिया को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का आकलन।(एमएस शोध प्रबंध)

12. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित बांझ महिलाओं में ओव्यूलेशन प्रेरण के लिए सहायक के रूप में कैबर्गोलिन - ओपन लेबल आरसीटी।(एमएस शोध प्रबंध)

13. तनाव मूत्र असंयमता के उपचार में ऑटोलॉगस फेशिया लता और मूत्रमार्ग स्लिंग बनाम पॉलीप्रोपाइलीन मेश आउटसाइड ट्रांसोबट्यूरेटर टेप की नैदानिक प्रभावकारिता। (एमएस शोध प्रबंध)

14. लक्षणात्मक एडेनोमायसिस के प्रबंधन में लेवोनोर्जेस्टेरोल अंतर्गर्भाशयी प्रणाली बनाम एटोनोगेस्ट्रेल प्रत्यारोपण की नैदानिक प्रभावकारिता।

15. लक्षणात्मक एडेनोमायसिस के प्रबंधन में एलएनजी-आईयूएस बनाम एटोनोगेस्ट्रेल इम्प्लांट की नैदानिक प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक परीक्षण।

16. डिनोप्रोस्टोन योनि सम्मिलन और इंट्रासर्विकल फोलीज़ कैथेटर बनाम डिनोप्रोस्टोन योनि सम्मिलन के संयोजन की तुलना, टर्म इंडक्शन में गर्भाशय ग्रीवा के पकने के लिए-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

9.25_.indd 684 1/15/2026 4:33:12 PM

17. गर्भवती महिलाओं में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए मूत्र और गर्भाशय-ग्रीवा एचपीवी डीएनए की प्रभावकारिता की तुलना। (एमएस शोध प्रबंध)

18. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं में आईवीएफ/आईसीएसआई चक्रों के दौरान लचीले प्रोजेस्टिन-प्राइम्ड ओवेरियन स्टिमुलेशन प्रोटोकॉल (पीपीओएस) की लचीले जीएनआरएच प्रतिपक्षी प्रोटोकॉल के साथ तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

19. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में मौखिक आयरन बनाम एफसीएम की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण. (एम.एस. शोध प्रबंध)

20. विटामिन बी 12 की कमी के साथ एनीमिया से ग्रस्त प्रसवपूर्व महिलाओं में मौखिक बनाम इंट्रामस्क्युलर विटामिन बी 12 थेरेपी की तुलना-ओपन लेबल-गैर-हीनता आरसीटी। (एमएस शोध प्रबंध)

21. प्रसवकालीन परिणाम में सुधार करने में ट्रांसएब्डॉमिनल और ट्रांसवेजिनल सरवाइकल सर्क्लेज के परिणाम की तुलना: केस-कंट्रोल अध्ययन।

22. एचपीवी पॉजिटिव महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान और गर्भाशय ग्रीवा ऊतक नमूने में पीसीआर आधारित ई6/ई7 ऑन्कोजीन पहचान की तुलना हिस्टोपैथोलॉजी के साथ। (एमसीएच शोध प्रबंध)

23. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर से पीड़ित महिलाओं में रोगी संतुष्टि और आनुवंशिक परीक्षण की स्वीकार्यता पर टेलीजेनेटिक्स और व्यक्तिगत आनुवंशिक परामर्श के प्रभाव की तुलना। (एमसीएच शोध प्रबंध)

24. एडेनोमायसिस और एमयूएसए विशेषताओं की नैदानिक विशेषताओं के बीच सहसंबंध। (एमएस शोध प्रबंध)

25. साइटोरिडक्टिव शल्यचिकित्सा रहे उच्च ग्रेड एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में सीए 125 केईएलआइएम (उन्मूलन दर कोंसटेट के) और कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर (सीआरएस) का सहसंबंध। (एमएस शोध प्रबंध)

26. साइटोरिडक्टिव शल्यचिकित्सा करवा रहे उच्च ग्रेड सीरस एपिथीलियल डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीए125 और कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर का सहसंबंध। (एमएस शोध प्रबंध)

27. गर्भवती महिलाओं में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए युग्मित मूत्रीय एचपीवी डीएनए और प्रदाता द्वारा नमूनाकृत गर्भाशय-ग्रीवा एचपीवी डीएनए का सहसंबंध।

28. क्या आरटीएमएस (रिपिटिटिव ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक उत्तेजना) मध्यम से गंभीर अवसाद वाली बांझ महिलाओं में इन विट्रो फर्टिलाइजेशन के परिणाम में सुधार करता है: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

29. आईवीएफ/आईसीएसआई चक्र वाले अपेक्षित खराब प्रतिक्रियाकर्ताओं में पारंपरिक जीएनआरएच प्रतिपक्षी प्रोटोकॉल के लिए क्लोमीफीन साइट्रेट और लेट्रोज़ोल के सह-प्रशासन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

9.25_.indd 685 1/15/2026 4:33:12 PM

30. एचएमबी और एडेनोमायसिस में दर्द के उपचार में एलएनजी आईयूएस बनाम इम्प्लांट की प्रभावकारिता। (एमएस शोध प्रबंध)

31. तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रसवोत्तर रोगियों में कोएगुलेशन की स्थिति का मूल्यांकन।

32. प्रीक्लेम्पसिया बनाम संदिग्ध प्रीक्लेम्पसिया वाली गर्भवती महिलाओं में मातृत्व नेत्र धमनी डॉपलर सूचकांक का मूल्यांकन। (एमएस शोध प्रबंध)

33. शल्यचिकित्सा करवा रही उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर से पीड़ित महिलाओं के रोग मूल्यांकन में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी-पेरिटोनियल कार्सिनोमैटोसिस इंडेक्स (पीईटी-पीसीआई) का मूल्यांकन। (एमसीएच शोध प्रबंध)

34. एचपीवी संक्रमण प्राप्त करने में गर्भाशय ग्रीवा मेटाजीनोमिक्स की भूमिका, इसकी निरंतरता और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर-पूर्व घावों के साथ इसके संबंध की खोज। (एमसीएच शोध प्रबंध)

35. पुरुषकारक बांझपन वाले बांझ दंपति में प्रजनन संबंधी जीवन की गुणवत्ता और अवसादग्रस्त चिंता के लक्षण - क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

36. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में साइटोरिडक्टिव शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में पेरिटोनियल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए निकट-अवरक्त (एनआईआर) इमेजिंग का उपयोग करके प्रतिदीप्ति निर्देशित शल्य चिकित्सा - एक व्यवहार्यता अध्ययन। (एमसीएच शोध प्रबंध)

37. स्त्रीरोग संबंधी दुर्बलताओं से ग्रस्त वृद्ध महिलाओं में शल्यक्रिया के बाद की जटिलताओं के पूर्वानुमान के रूप में जी8 प्रश्नावली और एफआरएआईएल पैमाने के साथ दुर्बलता का आकलन किया गया। (एससीएच शोध प्रबंध)

38. रजोनिवृत्त महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता पर रजोनिवृत्ति के लक्षणों और उनसे निपटने की रणनीतियों का प्रभाव। (एमएस शोध प्रबंध)

39. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर माइंडफुलनेस मेडिटेशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

40. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर से बचे लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

41. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता महिलाओं में हड्डियों के स्वास्थ्य का बहुपैरामीटरिक मूल्यांकन के साथ: संभावित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

42. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली बांझ महिलाओं में ओव्यूलेशन प्रेरण के लिए लेट्रोज़ोल की इष्टतम खुराक और अवधि: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

43. गर्भाशय धमनी डॉपलर, मातृत्व कारकों और अनुमानित भ्रूण वजन द्वारा 18-24 गर्भकालीन सप्ताह में गर्भकालीन आयु के लिए छोटे नवजात शिशुओं की भविष्यवाणी - एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

44. सिजेरियन प्रसव के बाद सिजेरियन निशान दोष और सिजेरियन निशान विकार की संभाव्यता और नैदानिक प्रोफ़ाइल। (एमएस शोध प्रबंध)

9.25_.indd 686 1/15/2026 4:33:12 PM

45. डुओस्टिम प्रोटोकॉल वाले कमज़ोर डिम्बग्रंथि प्रतिक्रियाकर्ताओं में ल्यूटियल चरण के दौरान प्रोजेस्टेरोन-प्राइम्ड बनाम पारंपरिक प्रतिपक्षी उत्तेजना - एक पायलट अध्ययन। (एमसीएच शोध प्रबंध)

46. प्रीक्लेम्पसिया से पीड़ित महिलाओं में प्रतिकूल मातृत्व एवं प्रसवकालीन परिणामों की भविष्यवाणी करने में हृदय संबंधी मार्करों की भूमिका। (एमएस शोध प्रबंध)

47. साइटोरिडक्टिव शल्य चिकित्सा वाली एपिथीलियल डिम्बग्रंथि कैंसर से पीड़ित महिलाओं में शल्य चिकित्सा परिणामों और आपरेशन के बाद होने वाली जटिलताओं के दर की भविष्यवाणी में प्री-ट्रीटमेंट कंट्रोलिंग न्यूट्रीशनल स्टेटस (सीओएनयूटी) स्कोर और फाइब्रिनोजेन-एल्ब्यूमिन (एफए) स्कोर की भूमिका। (एमसीएच शोध प्रबंध)

48. लेट्रोज़ोल-एफईटी बनाम एचआर-एफईटी चक्रों में सीरम एस्ट्राडियोल स्तर की भूमिका: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

49. भारत में गंभीर प्रसवोत्तर रक्तस्राव में एप्टाकोग अल्फा की सुरक्षा: चरण IV इंटरवेंशन अध्ययन

50. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर पूर्व जांच और प्रबंधन में सुधार के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) छवि पहचान उपकरण का विकास और मूल्यांकन (गर्भाशय ग्रीवा को बचाओं)।

51. प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में हिस्टेरोस्कोपी पॉलीपेक्टॉमी से पहले संयुक्त हार्मोनल गोली (एथिनिल एस्ट्राडियोल प्लस लेवोनोर्गेस्ट्रेल) की भूमिका: "एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण"। (एमएस शोध प्रबंध)

52. रजोनिवृत्त महिलाओं में पेल्विक फ्लोर प्रकार्य के लिए ट्रांस-पेरिनियल अल्ट्रासोनोग्राफी की भूमिका का आकलन करना। (एमएस शोध प्रबंध)

53. गर्भनिरोधक प्रभावकारिता और दुष्प्रभाव प्रोफ़ाइल के संदर्भ में ईएसआई और सीयू आईयूसीडी की तुलना करना। (एमएस शोध प्रबंध)

54. कैंसर से बचे लोगों में प्रजनन क्षमता के संरक्षण के लिए डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन में धीमी गति से हिमीकरण और विट्रीफिकेशन तकनीकों की तुलना करना

55. ओव्युलेटरी बांझ महिलाओं में जमे हुए भ्रूण स्थानांतरण परिणामों पर प्राकृतिक चक्र बनाम हार्मोन प्रतिस्थापन चक्र का उपयोग करके एंडोमेट्रियल तैयारी के प्रभाव की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

56. आईवीएफ परिणामों के संदर्भ में स्टॉप जीएनआरएच एगोनिस्ट-एंटागोनिस्ट प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता की तुलना पारंपरिक आईवीएफ उत्तेजना प्रोटोकॉल (जीएनआरएच एटागोनिस्ट प्रोटोकॉल और लॉन्ग जीएनआरएच एगोनिस्ट प्रोटोकॉल) से करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

57. पारंपरिक हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी तकनीक पर साक्ष्य-आधारित त्रि-आयामी/चार-आयामी हिस्टेरोसाल्पिंगो-कंट्रास्ट सोनोग्राफी शुरू करने के बाद बांझपन जांच के दौरान रोगी द्वारा रिपोर्ट किए गए परिणामों की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

9.25_.indd 687 1/15/2026 4:33:12 PM

58. आईवीएफ चक्रों से गुजरने वाले पूर्वानुमानित हाइपर-रिस्पॉन्डर्स में संशोधित ल्यूटियल चरण समर्थन के लिए बचाव एचसीजी बनाम दोहराया जीएनआरएच एगोनिस्ट इंजेक्शन की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

59. गर्भवती महिलाओं में गर्भावधि वजन बढ़ने पर आहार इंटरवेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

60. एलएनजी-आईयूएस का उपयोग करने वाली महिलाओं में अनिर्धारित योनि रक्तस्राव पर ऑर्मेलोक्सीफेन के प्रभाव का मूल्यांकन करना। (एमएस शोध प्रबंध)

61. सब-डर्मल गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण (इम्प्लानन) की गर्भनिरोधक प्रभावकारिता और दुष्प्रभावों का अध्ययन करना: संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

62. हिस्टेरोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी वाली महिलाओं में शल्य चिकित्सा की अवधि पर ट्रांससर्विकल इंट्रालेसनल वैसोप्रेसिन के प्रभाव का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

63. पीसीओएस से ग्रस्त अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त महिलाओं के उपचार में मेटफॉर्मिन के सहायक के रूप में कैबर्गोलाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना। (एमएस शोध प्रबंध)

64. मेटाबोलिक सिंड्रोम की संभाव्यता का अध्ययन करना और पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में मेटाबोलिक सिंड्रोम के लिए स्क्रीनिंग टूल के रूप में गर्दन की परिधि की नैदानिक सटीकता का मूल्यांकन करना - क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। (एमएस शोध प्रबंध)

65. भ्रूण बायोमेट्री के अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग - अनुमानित भ्रूण वजन के स्वचालित से मैनुअल माप की तुलना।

66. आईवीएफ/आईसीएसआई गैर-दाता चक्रों वाली महिलाओं में नैदानिक परिणामों के लिए भ्रूण की गुणवत्ता के संभावित बायोमार्कर के रूप में एसएचएलए-जी का उपयोग - एक संभावित अवलोकन अध्ययन। (एमसीएच शोध प्रबंध)

67. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में वासो-मोटर लक्षणों के उपचार के लिए वेनलाफैक्सिन बनाम प्लेसीबो: एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

पूर्ण

1. आईवीएफ/आईसीएसआई गैर-दाता चक्रों वाली महिलाओं में पारंपरिक बेंचटॉप इनक्यूबेटर और टाइम लैप्स इमेजिंग के बीच नैदानिक गर्भावस्था दरों की तुलना करने वाला एक संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमसीएच शोध प्रबंध)

2. सी-सेक्शन में ऑपरेशन के बाद के दर्द को कम करने में इंट्राऑपरेटिव डेक्सामेथासोन की एकल खुराक की प्रभावकारिता पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

3. डिम्बग्रंथि, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं में संज्ञानात्मक कार्य का आकलन - पायलट अध्ययन.(एमएस शोध प्रबंध)

4. सिजेरियन डिलीवरी के लिए एज़िथ्रोमाइसिन आधारित विस्तारित स्पेक्ट्रम प्रोफिलैक्सिस-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एमएस शोध प्रबंध)

9.25_.indd 688 1/15/2026 4:33:13 PM

5. वंशानुगत डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए पूर्व-प्रवृत्त जीन में जर्मलाइन उत्परिवर्तन वाले डिम्बग्रंथि कैंसर रोगियों के नैदानिक परिणाम और जैविक विशेषताएँ तथा भारतीय महिलाओं में कैस्केड परीक्षण की स्वीकृति। (एमसीएच शोध प्रबंध)

6. लगातार एडनेक्सल द्रव्यमान वाली गर्भवती महिलाओं की नैदानिक विकृति विज्ञान प्रोफ़ाइल और प्रसूति परिणाम

7. दूसरी तिमाही के गर्भपात में दर्द से राहत के लिए रोगी-नियंत्रित एनाल्जेसिया और मल्टीमॉडल पैरेंट्रल एनाल्जेसिया के बीच तुलना. (एमएस शोध प्रबंध)

8. एंडोमेट्रियोसिस में सीरम प्रोइन्फ्लेमेटरी मार्करों में कैबरगोलिन बनाम डायनोगेस्ट के प्रभाव की तुलना। (एमएस शोध प्रबंध)

9. प्रतिकूल बिशप वाली महिलाओं में डिनोप्रोस्टोन जैल के पारंपरिक बनाम अंतराल वाले उपचारों के साथ प्रसव प्रेरण की तुलना। (एमएस शोध प्रबंध)

10. मातृत्व प्रसव अनुभव की तुलना: प्रसव के दौरान देखभाल गाइड बनाम मातृत्व प्रसव अनुभव स्केल के साथ संशोधित डब्ल्यूएचओ पार्टोग्राफ (एमसीबीईएस)

11. भ्रूण के विकास प्रतिबंध और प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम की भविष्यवाणी के लिए नियमित प्रसवपूर्व देखभाल के साथ जोखिम मूल्यांकन और निगरानी प्रोटोकॉल की तुलना-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

12. उन्नत चरण के एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया स्कोर (सीआरएस) के साथ न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट लिम्फोसाइट अनुपात का सहसंबंध। (एमसीएच शोध प्रबंध)

13. जनसांख्यिकीय, नैदानिक और अल्ट्रासाउंड आधारित कारकों के आधार पर सिजेरियन सेक्शन के बाद सामान्य प्रसव के लिए एक पूर्वानुमान मॉडल का विकास और सत्यापन।

14. पीसीओएस-ए से ग्रस्त बांझ महिलाओं में लेट्रोज़ोल के विस्तारित उपचार की प्रभावकारिता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।(एमएस शोध प्रबंध)

15. भ्रूण संबंधी विसंगतियों के कारण दूसरी तिमाही में चिकित्सीय गर्भपात कराने वाली महिलाओं की भावनात्मक प्रतिक्रिया और मानसिक स्वास्थ्य। (एमएस शोध प्रबंध)

16. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में हड्डियों के स्वास्थ्य और रजोनिवृत्ति के लक्षणों का मूल्यांकन।एमएस शोध प्रबंध)

17. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली और बिना पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली महिलाओं में परिसंचारी माइक्रोआरएनए का मूल्यांकन और आईवीएफ परिणामों के साथ उनका सहसंबंध: एक केस-कंट्रोल अध्ययन।(एमसीएच शोध प्रबंध)

18. गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं में कोविड-19 वैक्सीन के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण, धारणा और चिंताओं का मूल्यांकन

19. योनिजनन के रोगियों में एमनियन का उपयोग करके संशोधित मैकइंडो वैजिनोप्लास्टी के परिणामों का मूल्यांकन

9.25_.indd 689 1/15/2026 4:33:13 PM

20. बड़े मायोमा के लिए मिनिलैपरोटॉमी सहायता प्राप्त लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी की व्यवहार्यता और परिणाम

21. गर्भावस्था में अपरिपक्व प्लेटलेट मापदंडों की पहचान प्रीक्लेम्पसिया के लिए स्क्रीन पॉजिटिव के रूप में की गई - संभावित तुलनात्मक अध्ययन.(एमएस शोध प्रबंध)

22. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर से पीड़ित महिलाओं का पोषण मूल्यांकन और अंतराल डीबल्किंग शल्य चिकित्सा के बाद पोषण और परिचालन परिणामों पर केंद्रित पुनर्वास प्रोटोकॉल का प्रभाव। (एमसीएच शोध प्रबंध)

23. गैर-हिस्टेरेक्टॉमी स्त्रीरोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक शल्यचिकित्सा के लिए एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस के उपयोग का आकलन करने के लिए प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

24. पूर्ण रूप से हृदय ब्लॉक वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणाम: एक तृतीयक उपचार अस्पताल का अनुभव।

25. ओवीआई चक्र से गुजर रही पीसीओएस से पीड़ित, एनोवुलेटरी बांझ महिलाओं में डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग बनाम स्टेप अप गोनैडोट्रॉफिन थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

26. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में रोग की सीमा के पूर्व-संचालन मूल्यांकन के लिए सीटी इमेजिंग के 3डी वॉल्यूम रेंडरिंग की भूमिका। (एमएस शोध प्रबंध)

27. एंडोमेट्रियोमा से पीड़ित महिलाओं में डिम्बग्रंथि आरक्षित और प्रजनन परिणाम पर इथेनॉल स्क्लेरोथेरेपी की भूमिका. (एमएस शोध प्रबंध)

28. एयूबी में एंडोमेट्रियल घाव के आकलन में आईईटीए यूएसजी मानदंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका। (एमएस शोध प्रबंध)

29. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली महिलाओं में घुलनशील ई-चयन स्तर और कार्डियो-वैस्कुलर जोखिम के मार्कर के रूप में क्यूआरआईएसके-3 स्कोर के साथ इसकी तुलना।

30. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र से गुजर रही पतली एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा का सन-एंडोमेट्रियल इंस्टीलेशन - एक व्यवहार्यता अध्ययन। (एमसीएच शोध प्रबंध)

31. प्रत्येक तिमाही में मिर्गी से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के रक्त में एंटीसीजर दवा की सांद्रता का आकलन करना, ताकि आधार स्तर की तुलना में किसी भी फार्माकोकाइनेटिक भिन्नता का पता लगाया जा सके और एंटीसीजर दवा चिकित्सा पर मिर्गी से पीड़ित महिलाओं में गर्भावस्था से संबंधित मातृत्व और नवजात परिणामों का मूल्यांकन किया जा सके।

32. इंट्राओटल अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके प्रसवोत्तर महिलाओं में ओएसआईएस की घटना का अध्ययन करना। (एमएस शोध प्रबंध)

33. ऑफिस हिस्टेरोस्कोपी के दौरान दर्द की गणना में सुधार के लिए विस्तार माध्यम में लिग्नोकेन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना: एक दोहरा अंध यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (एमएस शोध प्रबंध)

9.25_.indd 690 1/15/2026 4:33:13 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. न्यूमोडक्सटीएम सिस्टम और हाइब्रिड कैप्चर एचसी2 के साथ एचपीवी 16.18 परीक्षण का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच।

2. एम्स दिल्ली के स्त्रीरोग ओपीडी में आने वाली गर्भवती महिलाओं में गर्भ निरोधकों के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज।

3. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त आर्टिकुलर डिस्क का एक रूपात्मक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

4. उन्नत एपिथेलियल डिम्बग्रंथि, फैलोपियन ट्यूब या पेरिटोनियल कार्सिनोमा वाले मरीजों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-ओरेगोवोमैब) बनाम कीमोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-प्लेसबो) की तुलना करने वाला एक चरण 3, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित, बहुकेंद्रीय नैदानिक अध्ययन" (फ्लोरा-5), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

5. तृतीयक देखभाल सुविधा में भर्ती समय से पहले जन्मे शिशुओं की माताओं में स्तनपान की दर का आकलन करने और कम दूध की मात्रा के पूर्वानुमान का विश्लेषण करने हेतु एक संभावित समूह अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली।

6. प्रतिभागियों में बीआरसीए वाइल्ड टाइप एडवांस्ड (एफआईजीओ चरण III-IV) उच्च श्रेणी के सीरस या एंडोमेट्रियोइड डिम्बग्रंथि कैंसर के बाद मानक प्रथम-पंक्ति प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी (मोनो-ओएलए1) की प्रतिक्रिया ओलापारिब मेंटेनेंस मोनोथेरेपी का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, चरण III अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

7. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित महिलाओं में संवहनी कार्यों और उनके संबंधित आणविक मार्करों पर एक अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान।

8. रजोनिवृत्त महिलाओं में आयुर्वेद फॉर्मूलेशन की हड्डी सुरक्षात्मक भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक टू-आर्म लोंगिट्यूडनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

9. असामान्य चयापचय और गोनैडोट्रोपिन असंतुलन: इंसुलिन प्रतिरोध के साथ और बिना पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम के रोगियों के ग्रैनुलोसा कोशिकाओं और कूपिक द्रव में एक्सोसोमल मेटाबोलोमिक प्रोफाइल, प्राणीशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

10. वुल्वोवैजिनल कैंडिडिआसिस के लिए एप्टामर-आधारित नैदानिक परीक्ष, त्वचाविज्ञान विभाग।

11. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी के बाद एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में चिंता और अवसाद का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग।

12. सतत विकास के लिए व्यवहार परिवर्तन और सहभागी संचार के साथ अत्याधुनिक उपकरणों और उभरती प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के माध्यम से प्रोटोटाइप पर मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर किशोर लड़कियों और समुदाय की अनुभूति को बढ़ाना,बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेरसा, नोएडा।

9.25_.indd 691 1/15/2026 4:33:13 PM

13. स्टेज III सी 2 कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में डीडीएनएसीटी के साथ अस्थि मज्जा स्पेरिंग विस्तारित क्षेत्र सीआरटी: एक चरण II अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान।

14. उच्च-रिज़ॉल्यूशन क्रायो-इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी का उपयोग करके गर्भाशय-उच्छेदन नमूनों पर सिस्प्लैटिन-एनकैप्सुलेटेड एचपीवी विरिऑन-आधारित लक्षित वितरण वाहन सत्यापन, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी विभाग।

15. प्रसूति रोगियों में पोस्ट-ड्यूरल पंचर सिरदर्द के उपचार के लिए स्फेनोपालाटाइन गैंग्लियन ब्लॉक और डेक्समेडेटोमिडाइन नेबुलाइजेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक परीक्षण, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार विभाग।

16. सामान्य संवेदनाहरण बनाम रिजनल संवेदनाहरण के तहत सीजेरियन सेक्शन द्वारा जन्म लेने वाले नवजात शिशु में तनाव प्रतिक्रिया की तुलना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग।

17. जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रॉफी (सीएचईडी) को डिकोड करना और नैदानिक परिणामों के साथ जीनोटाइप और माइक्रोबायोम को सहसंबंधित करना और जीन थेरेपी की संभावनाओं की खोज करना, नेत्र रोग विज्ञान विभाग।

18. कैंसर और संक्रमण का पता लगाने के लिए स्वचालित एआई-सक्षम निर्णय समर्थन के साथ एक ट्रांसवेजिनल जांच-आधारित डर्मेटोस्कोप का विकास, त्वचाविज्ञान विभाग एवं भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, डिजाइन एवं विनिर्माण, कांचीपुरम।

19. व्यावसायिक रूप से उपलब्ध ग्लूकोमीटर का उपयोग करके लार एस्ट्रिऑल माप के माध्यम से समय से पहले जोखिम के आकलन के लिए एप्टामर-आधारित पॉइंट-ऑफ-केयर नैदानिक परीक्षण का विकास, आईआईटी-दिल्ली।

20. कैंसर तथा संक्रमण का पता लगाने के लिए स्वचालित एआई-सक्षम निर्णय समर्थन के साथ ट्रांसवेजिनल प्रोब-आधारित डर्मेटोस्कोप का विकास। आईसीएमआर (विश्व में प्रथम चुनौती), त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग द्वारा वित्तपोषित, एम्स, नई दिल्ली।

21. स्त्रीरोग संबंधी शल्य चिकित्सा हेतु नियोजित महिलाओं में अवसादग्रस्तता के लक्षणों, चिंता तथा तनाव की संभाव्यता पर शल्य चिकित्सा-पूर्व एवं शल्य चिकित्सा-पश्चात परामर्श का प्रभाव, मनोचिकित्सा विभाग।

22. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) पर संरचित योग का प्रभाव, शरीर-रचना विज्ञान विभाग।

23. प्रणालीगत स्वप्रतिरक्षी रूमेटिक रोगों से ग्रस्त युवा महिला रोगियों में मासिक अंतःशिरा साइक्लोफॉस्फेमाइड की डिम्बग्रंथि विषाक्तता पर डिपो ल्यूप्रोलाइड एसीटेट की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा।

24. एम्स, नई दिल्ली में आनुवंशिक कैंसर प्रवृत्ति जीन और जर्मलाइन डीएनए रिपोजिटरी में उत्परिवर्तन के साथ स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर हेतु एक रजिस्ट्री की स्थापना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

25. प्रसवोत्तर महिलाओं में कोऐग्युलेशन की स्थिति का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

9.25_.indd 692 1/15/2026 4:33:13 PM

26. प्री-एक्लेमप्सिया की भविष्यवाणी करने में स्थापित सीरम बायोमार्करों की तुलना में लार के बायोमार्करों का मूल्यांकन: एक नेस्टेड केस कंट्रोल अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

27. प्लेसेंटा एक्रीटा स्पेक्ट्रम (पीएएस) विकारों में प्रसवपूर्ण रक्तस्राव पर फाइब्रिनोजेन के प्रभाव का मूल्यांकन, एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विभाग।

28. इडियोपैथिक आवर्ती गर्भावस्था हानि में एचएसए-एमआईआर-1290 एवं इसके लक्ष्यों की खोज, जैव भौतिकी विभाग।

29. वल्वर स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जीनोमिक फूटप्रिंटों और उनके अर्थों की खोज, विकृति विज्ञान।

30. गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर के उपचार हेतु एचपीवी आधारित नैनोकैरियर्स का उपयोग करके सिस्प्लैटिन का बाह्य वितरण, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी विभाग।

31. समय से पहले तथा प्राथमिक डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

32. हाइपो-फ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर एक गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण अर्बुदविज्ञान।

33. इडियोपैथिक आर्वतक गर्भावस्था हानि में एमआईआरएनएएस के अनियमन और उनके लक्ष्यों की पहचान करना, जैवभौतिकी विभाग।

34. भारत के चयनित जिलों में मुखीय, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच, शीघ्र निदान और उपचार की शुरुआत को बढ़ाने के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान, निवारक अर्बुदविज्ञान।

35. गर्भवती एवं प्रसवोत्तर महिलाओं में और ओरल गर्भनिरोधक गोलियों का उपयोग करने वाली महिलाओं में देर रात लार में कोर्टिसोल का स्तर, अंत:स्राविकी विभाग।

36. बार-बार, दुर्दम्य उच्च श्रेणी के एंडोमेट्रियल कैंसर में कम खुराक वाली ओरल मेट्रोनॉमिक साइक्लोफॉस्फेमाइड और एटोपोसाइड का संयोजन, ए सिंगल आर्म चरण 2 अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

37. पर्यावरणीय जोखिम के कारण इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में शामिल आणविक तंत्र, नेत्र भेषजगुण विज्ञान विभाग, रा.प्र.केंद्र।

38. मेटास्टेटिक एंडोमेट्रियल कैंसर के एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव आवर्तक रोगियों हेतु पालबोसिक्लिब और एनास्ट्रोज़ोल: ए सिंगल आर्म चरण II अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

39. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण विकास: बेंच से बेडसाइड तक (प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट का नैदानिक सत्यापन), सूक्ष्मजैव विभाग।

40. प्रसवोत्तर आयु के 6 सप्ताह के भीतर लेट प्रीटर्म में जन्मे शिशुओं में स्तनपान न कर पाने का पूर्वानुमान: एक संभावित समूह अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग।

41. रजोनिवृत्त महिलाओं में डायनेपेनिया, सार्कोपेनिया की व्यापकता और चयापचय मापदंडों, शारीरिक संरचना और अस्थि खनिज घनत्व के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय-चिकित्सा विभाग।

9.25_.indd 693 1/15/2026 4:33:13 PM

42. परियोजना का शीर्षक है "अस्पष्टीकृत बांझपन तथा बार-बार प्रत्यारोपण विफलता वाली महिलाओं से गर्भाशय माइक्रोबायोटा का लक्षण वर्णन इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के लिए नियोजित - एक पायलट अध्ययन", सूक्ष्मजैव विभाग।

43. पीएपी नकारात्मक नमूनों के साथ गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान में एचपीवी-16 वायरस की गुणात्मक पहचान, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी विभाग।

44. प्लैटिनम-संवेदनशील एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में पीएआरपी अवरोधकों की वास्तविक दुनिया सुरक्षा और प्रभावशीलता: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।

45. पीसीओएस के रोगजनन में बिस्फेनॉल ए की भूमिका: एक केस नियंत्रण अध्ययन, नेत्र भेषजगुण विज्ञान विभाग।

46. इंफर्टाइल पुरुषों में शुक्राणु शेल्टरिन अभिव्यक्ति तथा क्रोमेटिन कार्य पर ऑक्सीडेटिव तनाव का अध्ययन, प्रजनन जीव विज्ञान विभाग।

47. कुल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में डेक्सामेथासोन, पैरासिटामोल एवं केटोरोलैक (डेक्सपैक) बनाम पैरासिटामोल, केटोरोलैक (पीएके) के संयोजन के ओपिओइड स्पेरिंग वाले प्रभावों की तुलना करना: एक संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग।

48. आइडिया प्रोटोकॉल का उपयोग करके गहरी पेल्विक एंडोमेट्रियोसिस के मानचित्रण में अल्ट्रासोनोग्राफी और एमआरआई की भूमिका का मूल्यांकन करना, विकिरण निदान विभाग।

49. भारतीय समूह में लक्षित ट्रांसक्रिप्टोमिक दृष्टिकोण द्वारा एंडोमेट्रियल कैंसर में चयापचय संबंधी गड़बड़ी की जांच करना, विकृति विज्ञान।

50. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) में आंत माइक्रोबायोम तथा सीरम मेटाबोलाइट्स पर कीटोजेनिक आहार तथा योग चिकित्सा के प्रभाव को समझना: एक केस कंट्रोल अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

पूर्ण

1. गर्भावस्था की जटिलताओं एवं प्रतिकूल परिणामों का पूर्वानुमान लगाने में स्थापित सीरम बायोमार्करों की तुलना में नए लार बायोमार्करों का आकलन - एक पायलट अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

2. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच सेवाओं को बढ़ाने के लिए किफायती प्रौद्योगिकी (एक्सेलरेट) का उपयोग करते हुए क्षेत्र में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के उन्मूलन को प्रभावी ढंग से बढ़ाना, एक एफओजीएसआई-एफआईजीओ अनुदान।

3. भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के निदान के लिए मेटाबोलाइट-आधारित पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण का विकास, त्वचारोग विज्ञान एवं रतिजरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

4. प्रीक्लेम्पसिया के मार्कर के रूप में सीरम प्लेसेंटा व्युत्पन्न गर्भावस्था विशिष्ट बीटा-1 ग्लाइकोप्रोटीन का मूल्यांकन, प्रयोगशाला-चिकित्सा विभाग।

9.25_.indd 694 1/15/2026 4:33:14 PM

5. बार-बार गर्भपात में पुरुष कारक की खोज: एक जीनोमिक एवं प्रोटिओमिक आधारित दृष्टिकोण, जैव भौतिकी विभाग।

6. अज्ञात कारणों से होने वाली बार-बार गर्भावस्था हानि से जुड़े प्रभावित दम्पतियों के पुरुष साथी में प्रोटिओमिक और जीनोमिक कारकों की खोज, जैव-भौतिकी विभाग।

7. अज्ञात कारणों से होने वाले बार-बार गर्भपात में ऑक्सीडेटिव स्टेस मार्कर शुक्राणु प्रोटीन से जुड़े एमआईआरएनएएस का अभिव्यक्ति विश्लेषण, जैव-भौतिकी विभाग।

8. गर्भपात में मनोवैज्ञानिक आघात: एक बहुआयामी मूल्यांकन उपकरण तथा एक समूह इंटरवेंशन मॉड्यूल का विकास", मनोचिकित्सा विभाग।

9. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) से जुड़े बैक्टीरिया के सियालिडेसिस का पता लगाने के लिए एप्टामर तकनीक की भूमिका, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग।

10. प्रीक्लेम्पसिया की पूर्वानुमान में जैव रासायनिक तथा जैवभौतिक मार्कर के संयोजन का मूल्यांकन करना, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
जारी	24,16,48,999 रुपये + 20000 (यूएस डॉलर) = 24,32,68,999 रुपये	27,09,52,091 रुपये	22,61,60,262 रुपये
पूर्ण	278.22 लाख रुपये	334.14 लाख रुपये	662.63 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 75 सार: 07 पुस्तक में अध्याय: 21 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 02

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**96**	**167**	**105**
पत्रिका में लेख	68	110	75
सार	20	27	07
पुस्तकों में अध्याय	07	28	21
पुस्तकें/मोनोग्राफ	01	2	2

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	115115	124356	133781

9.25_.indd 695 1/15/2026 4:33:14 PM

विशेष क्लिनिक परामर्श			
आईवीएफ	1185	1771	2131
परिवार नियोजन	4889	6165	6924
प्रसवपूर्व क्लिनिक	2399	2564	2795
स्त्रीरोग-अंतःस्राविकी विज्ञान	52	115	245
उच्च जोखिम गर्भावस्था	11853	11142	11494
क्लिनिक	-	-	190
रजोनिवृत्ति क्लिनिक	358	269	391
मूत्र प्रसूति क्लिनिक			
रोगियों को प्रदान की गई पुनर्वास सेवाएं			
भौतिक चिकित्सा	33391	33851	34302
प्रसवपूर्व योग	518	502	451
प्रसवपूर्व आहार/फिजियो			439
कुल भर्ती रोगी	12,022	13, 297	15,510
प्रयोगशाला जांच			
एचएसए (पति के वीर्य की	551	716	903
जांच)	2537	5535	11012
हार्मोन जांच			

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य नीना मल्होत्रा, मानव प्रजनन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम पर अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोगी केंद्र की प्रमुख थीं। वे भारतीय प्रजनन सोसाइटी (2024-2026) की निर्वाचित अध्यक्ष थीं। वे भारतीय प्रजनन सोसाइटी (आईएफएस) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष (2022-24) थीं। वे एफओजीएसआई इमेजिंग विज्ञान सोसाइटी (एफओजीएसआई) समिति 2025-2027 की अध्यक्ष थीं। उन्होंने 29 नवंबर 2024 को केजीएमयू लखनऊ के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग के 92वें स्थापना दिवस पर "इस सदी में एआरटी के लिए चुनौती" विषय पर डॉ. प्रभा मेहरा का व्याख्यान दिया। उन्होंने 8 दिसंबर 2024 को फर्टिविज़न 2024 के दौरान भारत में प्रजनन क्षमता संरक्षण के भविष्य पर आईएफएस व्याख्यान दिया। उन्हें 14 फरवरी 2025 को जयपुर में 35वें वार्षिक सम्मेलन में भारतीय प्रजनन एवं प्रजनन अध्ययन सोसायटी (आईएसएसआरएफ) द्वारा आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह 13 मई 2024 को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स लंदन, यूके द्वारा आयोजित एमआरसीओजी परीक्षा के भाग 3 की परीक्षक थीं। वह एम्स गुवाहाटी के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में संकाय पदों के चयन के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक की विशेषज्ञ सदस्य थीं। 25-26 जून 2024 को एम्स, गुवाहाटी। वह यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में संकाय की पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग समिति की बाहरी विशेषज्ञ सदस्य थीं। (ऑनलाइन) 17 अगस्त 2024। वह 29 अगस्त 2024 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में हाइब्रिड मोड पर प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, एनईआईजीआर आईएचएमएस में मूल्यांकन पदोन्नति योजना के लिए संकाय पदों के चयन हेतु स्थायी चयन समिति की विशेषज्ञ सदस्य थीं। वह 15-16 जनवरी 2025 को यूएनएफपीए द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मंत्रालय, भूटान के सहयोग से मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टीओटी के लिए थिम्पू, भूटान में प्रशिक्षक थीं। वह विभागीय परीक्षा एमडी, एमबीबीएस, एमसीएच (स्त्रीरोग-ऑन्कोलॉजी) की अध्यक्ष थीं। उन्हें गंगटोक, सिक्किम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

9.25_.indd 696 1/15/2026 4:33:14 PM

2025 के राज्य स्तरीय समारोह में आमंत्रित किया गया था। 7-8 मार्च 2025। वह जांच समिति की सदस्य थीं। संकाय से संबंधित मुद्दे - प्रभावी ढंग से फरवरी 2024; सदस्य - एनसीआई झज्जर में एनसीआई समन्वय समिति का गठन, दिनांक 11.07.2019 से 2024; सदस्य-एमबीबीएस के लिए चरण II/III के लिए शिक्षण अनुसूची समिति, प्रभावी। 2024; सदस्य-एंटी रैगिंग कमेटी (एआरसी)। एम्स प्रभावी 2024-2025; सदस्य-केन्द्रीय समिति/उप-समिति 2024; सदस्य-तकनीकी विशेषज्ञ, दुर्लभ बीमारियाँ 2025 के लिए सीओई समिति; एम्स, नई दिल्ली को चिकित्सा अनुसंधान और अभ्यास में विश्व स्तरीय संस्थान बनाने के लिए एक रोडमेप तैयार करने के लिए दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को बोर्ड रूम में आयोजित बैठक में नीति आयोग समिति की सदस्या।

प्रोफेसर नीता सिंह को दुबई, यूएई में फरवरी 2026 में आयोजित एमआईएस एंडो दुबई के 10वें विश्व सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला। उन्हें 20-22 फरवरी 2025 को दुबई, यूएई में आयोजित एंडोस्कोपिक सर्जरी के 10वें एंडो-दुबई सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ वीडियो प्रस्तुति का पुरस्कार मिला। उन्हें इंडियन सोसाइटी फॉर असिस्टेड रिप्रोडक्शन (आईएसएआर) द्वारा प्रजनन चिकित्सा और महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों और योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'आईएसएआर प्रशंसा पुरस्कार 2024' से सम्मानित किया गया। उन्हें 2024 में रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी की प्रतिष्ठित मानद फैलोशिप एफआरसीओजी (एडी ड्रयूएनडीईएम) से सम्मानित किया गया। उन्हें 67वीं अखिल भारतीय ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी कांग्रेस (एआईसीओजी 2025), मुंबई के दौरान सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए प्रतिष्ठित 'एफओजीएसआई मोविकोल कोरियन अवार्ड 2024' (प्रथम उपविजेता) से सम्मानित किया गया।

आचार्य के. अपर्णा शर्मा को 4 मई 2024 को दारेस्सलाम, तंजानिया में ग्लोबल कांग्रेस में महिला लिफ्ट हेल्थ के वैश्विक सलाहकार बोर्ड के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया; उन्हें डॉ. पुष्पलता दामाराजू मुख्य भाषण हेतु सोलहवें वार्षिक सम्मेलन मातरिका 2024 में आमंत्रित किया गया। एसओपीएआरबी हैदराबाद चैप्टर, 23 नवंबर 2024; विविध विषय पर सम्मेलन के सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए सीएल झावेरी पुरस्कार, एआईसीओजी, 2025, मुंबई, 11 जनवरी 2025; 67वें एआईसीओजी, मुंबई में गर्भावस्था में प्रतिरक्षा संबंधी विकारों पर मुख्य भाषण, 10 जनवरी 2025; ओजीजीएससीओएन, चेन्नई के वार्षिक सम्मेलन में गर्भावस्था में प्रतिरक्षा संबंधी विकारों पर मुख्य भाषण, 10 मार्च 2025; 19-23 अगस्त 2024 को कोपेनहेगन में सीएएमईएस सिमुलेशन मास्टर क्लास के लिए एम्स से नामांकित; अस्पतालों और प्रसूति गृहों में आने वाली गर्भवती महिलाओं (पीडब्ल्यू) में एनीमिया की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एसओपी की सहकर्मी समीक्षक। परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार। https:..hfw.delhi.gov.in.sites.default.files.FW.circular-sorders.anaemia_sop_2024। वह आईसीएमआर द्वारा एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीकी परामर्श की सदस्य; 2 अप्रैल 2024; कैंसर रोधी औषधि समिति, डीजीएचएस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार; एसएफएम अकादमिक परिषद की सदस्य; परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर, 30 मई 2024; मूल्यांकनकर्ता, राज्य गुणवत्ता टीम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार; वाइज-किरण प्रभाग के वाइज-स्कोप फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत डीएसटी की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी-एचएफएन); डीएसीपी योजना-2008 के अंतर्गत यूसीएमएस के संकाय सदस्यों की पदोन्नति हेतु स्क्रीनिंग समिति में बाह्य विशेषज्ञ सदस्य; विश्व स्वास्थ्य संगठन के आवश्यक सम्मानजनक देखभाल पाठ्यक्रम (ईआरसीसी) प्रारूप मॉड्यूल की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ; महाराष्ट्र में युवा दम्पतियों को व्यापक गर्भधारण-पूर्व देखभाल सेवाएँ प्रदान करने की व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और लागत शीर्षक वाली मिशन मोड परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक; एएमबी कार्यक्रम के एक भाग के रूप में गर्भावस्था में इंजेक्शन एफसीएम के उपयोग पर सरकार को सलाह देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति। वे 18

9.25_.indd 697 1/15/2026 4:33:14 PM

दिसंबर 2024; आईसीएमआर-पीएससी इंट्राम्यूरल प्रस्ताव समीक्षा, आईसीएमआर-आरसीएन प्रभाग, 2024 के लिए विशेषज्ञ थीं।

आचार्य गरिमा कछावा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों के बीच रेफरल नीति तैयार करने में विशेषज्ञ थीं। वे आईसीएमआर महानिदेशक द्वारा अस्पतालों के बीच एकीकृत आपातकालीन उपचार के लिए विशेषज्ञों के पैनल में थीं। परियोजना समीक्षा के लिए विशेषज्ञों के पैनल में थीं। आईसीएमआर के बाह्य अनुदानों के लिए स्क्रीनिंग समिति में थीं। आईसीएमआर की तकनीकी सलाहकार समिति की सदस्य थीं। एम्स के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग के लिए आरटीआई की केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी थीं। एम्स के एसईटी सुविधा में वेट लैब समिति और रोबोटिक प्रशिक्षण की सदस्य थीं। स्टाफ नर्स की भर्ती के लिए चयन समिति की सदस्य थीं। परामर्शदाता, आहार विशेषज्ञ, सांख्यिकीविद्, अध्ययन समन्वयक, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, भौतिक चिकित्सक, विभिन्न शोध परियोजनाओं में भेषजगुणविज्ञानी। एम्स में चिकित्सा परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड की अध्यक्ष। एम्स की आवश्यक औषधि सूची समिति की सदस्य। एम्स में 24 सप्ताह से अधिक गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन के लिए स्थायी मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ पैनल में थीं। स्नातक अनुसंधान मेंटरशिप योजना परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु समिति के सदस्य। विभागीय प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग समिति की सदस्य। विभाग की निराकरण समिति की सदस्य। डीजीईएस (दिल्ली स्त्रीरोग एंडोस्कोपिस्ट सोसाइटी) की कार्यकारी सदस्य। एम्स, नई दिल्ली में एमडी (प्रसूति एवं स्त्री रोग) के लिए आंतरिक परीक्षक। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग के स्टाफ-सदस्यों की एसीआर की रिपोर्टिंग अधिकारी। खरीद संबंधी निर्णय लेने हेतु स्टोर क्रय समिति (एसपीसी) की सदस्या।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ को एआईसीओजी 2025 के दौरान 'इम्प्लानॉन-नेक्स्ट का एकल केंद्र अनुभव: भारत में नवप्रवर्तित एकल रॉड सबडर्मल गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण' शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुति के लिए एफओजीएसआई - डॉ. श्रीमती जगदीश्वरी मिश्रा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह रेड फ्लावर पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के इंडियन जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (आईजेओजी) की संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं। उन्होंने निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए जर्नल की समीक्षा की: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जनरल मेडिसिन; जर्नल ऑफ इन्फ्लेमेशन रिसर्च; महिला स्वास्थ्य पर इंटरनेशनल जर्नल। (2023 से)। वह गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के संचालन हेतु राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर थीं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा 2023 में गर्भनिरोधक सूची में शामिल किया गया है। वह जिला सलाहकार समिति (डीएसी), पीसी-पीएनडीटी सेल, दक्षिण जिला, जीएनसीटी, दिल्ली की सदस्य थीं। वह फरवरी 2024 से विभाग में परिवार नियोजन सेवाओं की प्रभारी थीं। वह 6 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से सबडर्मल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षक थीं। वह 3-4 दिसंबर 2024 को सफदरजंग अस्पताल के परिवार कल्याण निदेशालय के सहयोग से सबडर्मल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षक थीं। वह 15-17 जनवरी 2025 को भूटान मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, थिम्पू के सहयोग से ग्याल्त्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मातृत्व एवं शिशु अस्पताल (जीजेपीडब्ल्यूएमसी), जेडीडब्ल्यूएनआरएच में सबडर्मल गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण की प्रशिक्षक थीं। वह 21 मार्च 2025 को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के परिवार कल्याण निदेशालय के सहयोग से सबडर्मल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षक थीं।

डॉ. सीमा सिंघल को एलएलआरएम द्रोणाचार्य पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। उन्हें 29 जून 2023 को कोलकाता में आयोजित अंतरिम एजीओआईसीओएन 2023 के दौरान एसोसिएशन ऑफ

9.25_.indd 698 1/15/2026 4:33:15 PM

गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया। वह इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर-आईसीएमआर) की सह-संपादक थीं। वह इंडियन जर्नल ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजी (एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया) (आईजेजीओ-एजीओआई) की सह-संपादक थीं। वह जर्नल ऑफ कोलपोस्कोपी एंड लोअर जेनिटल ट्रैक्ट पैथोलॉजी, जो आईएससीसीपी (इंडियन सोसाइटी ऑफ कोलपोस्कोपी एंड सर्वाइकल पैथोलॉजी) का एक आधिकारिक जर्नल है, की संपादकीय बोर्ड सदस्य थीं। वह जीटीएन एटलस; पब्लिशर्स इवेंजेल, एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया पुस्तक की सह-संपादक थीं। वे डॉ. एनबी गायनी ऑन्कोलॉजी की राष्ट्रीय समन्वयक थीं। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा गायनी ऑन्कोलॉजी सुपर स्पेशियलिटी छात्रों के लिए आयोजित साप्ताहिक वर्चुअल कक्षाओं की समन्वयक थीं। वह एओजीडी (दिल्ली प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञों का संघ) की अर्बुदविज्ञान समिति की सदस्य थीं: (2023-2024, 2024-2026)। वह एजीओआई (भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञों का संघ) की संयुक्त-सचिव थीं 2024-26। वह एजीओआई (भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञों का संघ) की कार्यकारी सदस्य थीं (2022-2024)। वह टीकाकरण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित एचपीवी वैक्सीन की शुरूआत पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह की सदस्य थीं। उन्हें नैदानिक परीक्षणों, नई दवाओं और नए चिकित्सा उपकरणों के विभिन्न श्रेणियों के अनुप्रयोगों के मूल्यांकन हेतु केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीइो), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएडंएफडब्ल्यू), भारत सरकार (जीओआई) की विषय विशेषज्ञ समिति (प्रजनन एवं मूत्रविज्ञान) के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विज्ञान एवं समता, सशक्तिकरण एवं विकास (एसईईडी) प्रभाग में "महिलाओं के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसटीडब्ल्यू)" कार्यक्रम की पीएसी सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वह भारत में एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत के लिए परिचालन दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने हेतु विषय विशेषज्ञ समिति की सदस्य थीं। वह "9-14 वर्ष की आयु की स्वस्थ लड़कियों में गार्डासिल® वैक्सीन की एक खुराक की तुलना में सर्वावैक® की एक खुराक के बाद एंटीबॉडी प्रतिक्रियाएँ: एक गैर-हीनता, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" (आईसीएमआर) शीर्षक वाले चरण II नैदानिक परीक्षण के लिए डीएसएमबी की विशेषज्ञ सदस्य थीं।

डॉ. ज्योति मीणा, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित कोल्पोस्कोपी और सीआईएन एओगिन इंडिया अंतरिम सीएमई के उपचार में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम की संयोजक थीं। उन्होंने बाली में आयोजित एएसजीओ 2024 के दौरान उन्नत चरण के उच्च श्रेणी के सीरस एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए न्यूट्रोफिल-से-लिम्फोसाइट अनुपात (एनएलआर) और प्लेटलेट-से-लिम्फोसाइट अनुपात (पीएलआर) की भूमिका पर एक विशेष पोस्टर प्रस्तुत किया। उन्हें एएसजीओ 2024, बाली के दौरान शिक्षा समिति सत्र के लिए आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल किया गया था। वह एएसजीओ की शिक्षा समिति की सदस्य और एएसजीओ शिक्षा समिति में सर्वाइकल कैंसर के लिए अद्यतन कार्य समूह की सह-अध्यक्ष थीं। वह एफओजीएसआई अर्बुदविज्ञान समिति की सदस्य थीं। वह एम्स के सेट सुविधा में कौशल आधारित सिमुलेशन लैब स्थापित करने के लिए सर्जिकल सिमुलेशन समिति की सदस्य थीं। उन्हें मई 2024 में आईएमए नई दिल्ली शाखा द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में सम्मान प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। वह एम्स, नई दिल्ली में एमडी (प्रसूति एवं स्त्रीरोग) और एम.सीएच (स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान) की आंतरिक परीक्षक थीं।

डॉ. राजेश कुमारी को सियोल, दक्षिण कोरिया में एचपीवी डीएनए सकारात्मक महिलाओं में ट्राइएज के लिए विभिन्न रणनीतियों की तुलना पर शोधपत्र के लिए एओजीआईएन 2024 यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ। वह 1 मार्च 2025 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में स्त्री मूत्ररोग विज्ञान में कौशल संवर्धन पर आरसीओजी-एनजेड स्त्रीमूत्ररोग विज्ञान कार्यशाला की संयोजक थी। वह मातृ मृत्यु दर के लिए नोडल

9.25_.indd 699 1/15/2026 4:33:15 PM

अधिकारी थीं। वह यौन उत्पीड़न मामलों के लिए वन स्टॉप सेंटर के नोडल अधिकारी थी। वह राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र की नोडल अधिकारी थीं।

डॉ. जूही भारती को एम्स, दिल्ली से डीएम प्रजनन चिकित्सा की उपाधि प्रदान की गई। वह भारतीय प्रजनन सोसायटी-प्रजनन संरक्षण के विशेष रुचि समूह की सह-संयोजक थीं और उन्होंने 4 जुलाई 2024 को प्रजनन संरक्षण पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वह 15 दिसंबर 2024 को हमारे विभाग द्वारा आयोजित लाइव हिस्टेरोस्कोपिक शल्य चिकित्सा कार्यशाला सह-संगोष्ठी के आयोजन में सम्मेलन समन्वयक थीं।

डॉ. नीलांचली सिंह ने यूरोपियन सोसाइटी ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी (ESGO) मेंटरशिप अवार्ड, 2024-2026 प्राप्त किया।

डॉ. ऋचा वत्स को 29 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 के बीच आईटीसी ग्रैंड चोला, चेन्नई, भारत में आयोजित 24वें वार्षिक एपीएजीई सम्मेलन में "रूडिमेंटरी हॉर्न और एक्सेसरी कैविटेटिंग यूटेराइन मालफॉर्मेशन के बीच नैदानिक दुविधा: इनट्रेक्टबल डिस्मेनोरिया के दो महत्वपूर्ण अंतर" विषय पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।

डॉ. दीपाली गर्ग को भारतीय चिकित्सा परिषद, पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा विशिष्ट चिकित्सा रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. अर्चना कुमारी को पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में लेट्रोज़ोल के उपयोग से ओव्यूलेशन प्रेरण की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमानों का मूल्यांकन: उत्तर भारत से एक संभावित समूह अध्ययन, फ्यूज़न 2024 में मौखिक प्रस्तुति के लिए उपविजेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. नेहा वरुण को आईएसओपीएआरबी 2024 में श्रीमती विद्या भसीन पुरस्कार (वरिष्ठ श्रेणी में मौखिक प्रस्तुति) प्रदान किया गया। उन्हें एमटीपीसीओएन (वरिष्ठ श्रेणी में मौखिक प्रस्तुति) में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने एफओजीएसआई-आईसीझेजी जीसीपीआर, दीर्घकालीन प्रतिवर्ती गर्भनिरोधकों में योगदान दिया, 2024। उन्होंने एफओजीएसआई-आईसीओजी जीसीपीआर, एडवांसेज इन हिस्टेरेक्टॉमी 2024 में सहयोग दिया।

डॉ. सोनिया धीमान ने 25 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में "गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद गर्भावस्था - जटिलताओं से निपटना" विषय पर एक सीसीआर प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुभूति राणा 6 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित सबडर्मल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण पर प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर थीं।

रोगी उपचार

एम्स मुख्य अस्पताल की सेवाओं के अलावा, आईआरसीएच में सप्ताह में तीन बार स्त्रीरोग कैंसर क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं। यह विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मरीजों को चौबीसों घंटे प्रसूति एवं स्त्रीरोग संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। एनसीआई, झज्जर में स्त्रीरोग संबंधी अर्बुदविज्ञान सेवाओं की पूरी श्रृंखला उपलब्ध कराई जा रही है।

9.25_.indd 700 1/15/2026 4:33:15 PM

क. विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

- प्रसवपूर्व क्लिनिक
- उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लिनिक
- प्रसवोत्तर क्लिनिक
- परिवार नियोजन क्लिनिक
- आईवीएफ क्लिनिक
- स्त्रीरोग कैंसर क्लिनिक (आईआरसीएच में)
- निवारक अर्बुदविज्ञान सेवाएं
- स्त्रीरोग अंत: स्राविकी क्लिनिक
- रजोनिवृत्ति क्लिनिक
- यूरोगायनेकोलॉजी क्लिनिक
- राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र में ओपीडी
- प्रसवपूर्व महिलाओं के लिए आहार और योग कक्षाएं
- ऑन्को-फर्टिलिटी ओपीडी
- जन्म योजना और प्रसव वार्ड टूर
- स्तनपान कक्षाएं

ख. सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

- विभाग में 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- 27 जून से 10 जुलाई 2024 तक "मोबिलाइजेशन पखवाड़ा" (दम्पति संपर्क पखवाड़ा) मनाया गया।
- 11 से 24 जुलाई 2024 तक "जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा" (जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा) मनाया गया।
- विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2024 के अवसर पर परिवार नियोजन इकाई द्वारा रोगी देखभाल क्षेत्रों में रोगी शिक्षा एवं जागरूकता संबंधी पोस्टर प्रदर्शित किए गए तथा 3 नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया।
- 1 से 7 अगस्त 2024 तक "विश्व स्तनपान सप्ताह" मनाया गया।
- 1 से 7 सितंबर 2024 तक "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया गया।
- 11 से 17 नवंबर 2024 तक ईएचएस और उनके आश्रितों के लिए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता पहल। कुल 230 महिला कर्मचारियों की जांच और उपचार किया गया।
- परिवार नियोजन इकाई द्वारा 16 से 20 दिसंबर 2024 तक नो-स्केलपेल नसबंदी (एनएसवी) शिविर का आयोजन किया गया।

9.25_.indd 701 1/15/2026 4:33:15 PM

- 16 से 20 दिसंबर 2024 एम्स, नई दिल्ली के परिवार नियोजन इकाई एवं शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा नो-स्केलपेल नसबंदी (एनएसवी) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 26 दिसंबर 2024 को 'एनीमिया मुक्ति भारत' पहल के तहत जन जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
- 28 फरवरी 2025 को ओपीडी में परिवार नियोजन पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
- रोटरी इंटरनेशनल के सहयोग से 3 से 8 मार्च 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह मनाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य ईएचएस लाभार्थियों के लिए गर्भाशय ग्रीवा की जाँच और टीकाकरण अभियान चलाना था। इस अभियान के दौरान कुल 240 लड़कियों का टीकाकरण किया गया।
- 6 मार्च 2025 को मातृत्व एवं शिशु ब्लॉक में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एमओएचएफडब्ल्यू) के तहत तंबाकू पहल पर जन जागरूकता के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
- विभाग ने 20 मार्च से 4 अप्रैल 2025 तक "पोषण पखवाड़ा" मनाया, जिसमें "गर्भावस्था और स्तनपान अवधि के दौरान आहार में मोटा आनाज के महत्व पर स्वास्थ्य चर्चा" शामिल थी।
- प्रसव स्थल पर यू-विन पोर्टल (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) का कार्यान्वयन किया गया, जिसमें टीकाकरण की स्थिति के लिए लाभार्थियों की व्यक्तिगत ट्रैकिंग की सुविधाओं के साथ नवजात शिशुओं के पंजीकरण और टीकाकरण का विवरण शामिल है।
- मातृत्व एवं शिशु ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली में प्रसव पूर्व ध्यान - योग कक्षाएं प्रत्येक सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को दोपहर 1.00 बजे से 2.00 बजे तक आयोजित की जाती हैं।
- चिकित्सा शिविर:

  1. डॉ. सीमा सिंघल ने जागरूकता कार्यक्रम चलाए और तिहाड़ जेल हरि नगर में 150 और सेंट्रल जेल मंडोली में 100 कैदियों की स्क्रीनिंग की। स्क्रीनिंग पॉजिटिव मामलों को इलाज के लिए एम्स बुलाया गया और डीडीयू तथा सफदरजंग अस्पताल के सहयोगियों के साथ मिलकर इलाज किया गया।
  2. डॉ. सीमा सिंघल ने नोएडा, उत्तर प्रदेश में ग्रीवा संबंधी जागरूकता शिविर में भाग लिया।
  3. डॉ. नीलांचली सिंह ने 7 से 13 जुलाई 2024 तक कारगिल, लद्दाख में कारगिल और अशोक मिशन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
  4. डॉ. राजेश कुमारी ने 23 से 26 जुलाई 2024 तक सेरा जे मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बायलाकुप्पी, मैसूर में पेशेंट केयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
  5. डॉ. जेबी शर्मा ने लद्दाख में वार्षिक चेरिटेबल चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
  6. डॉ. नीलांचली सिंह ने 30 नवंबर से 2 दिसंबर 2024 तक प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में एसवीएस द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया।
  7. डॉ. दीपाली गर्ग ने 23-25 मार्च 2025 को मुंडगोड, हुबली, कर्नाटक में निःशुल्क चिकित्सा शिविर में भाग लिया।

9.25_.indd 702 1/15/2026 4:33:15 PM

- स्वास्थ्य वार्ता:

  गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचे लोगों और दर्शकों के साथ पर डीडी न्यूज़ का इंटरैक्टिव सत्र।

  डॉ. राजेश कुमारी द्वारा गर्भावस्था और थैलेसीमिया पर स्वस्थ किसान वार्ता।

  डॉ. स्वाति तोमर द्वारा गर्भावस्था के दौरान देखभाल पर 15 फरवरी 2025 को स्वस्थ किसान वार्ता।

  दूरदर्शन पर कैंसर जागरूकता वार्ता, 27 मार्च 2025।

1. 2024-2025 के दौरान की गई प्रक्रियाओं का विवरण

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सौम्य स्त्रीरोग शल्य चिकित्सा			
• गर्भाशय-उच्छेदन	509	405	525
• लैप्रोस्कोपिक (टीएलएच)	184	113	171
• पेट	246	201	279
• योनि	79	91	75
डिम्बग्रंथि सिस्टेक्टोमी/ओओफोरेक्टोमी (डर्माँइड और एंडोमेट्रियोसिस सहित)	129	171	483
• ओपन	20	24	40
• लेप्रोस्कोपिक	87	66	194
• डिम्बाशय उच्छेदन	22	81	249
अस्थानिक गर्भावस्था • ओपन • लेप्रोस्कोपिक	13	20 13 7	14 7 7
सर्कलेज	23	46	8
• पेट	2	6	0
• लेप्रोस्कोपिक	1	4	1
मायोमेक्टोमी / एडेनोमायोमेक्टोमी	149	116	204
• ओपन	51	37	71
लेप्रोस्कोपिक	56	53	79
• हिस्टेरोस्कोपिक	36	19	44
• एडेनोमायोमेक्टोमी	6	7	10

9.25_.indd 703 1/15/2026 4:33:16 PM

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
वेजाइनोप्लास्टी • मैक-इंडो • लैप्रोस्कोपिक (डेविडोव)	57 18 39	22 18 4	28 22 6
स्त्रीरोग संबंधी कैंसर शल्य चिकित्सा			
कुल	**314**	**220**	**350**
गर्भाशय का कार्सिनोमा	11	62	108
अंडाशय का कार्सिनोमा	262	137	235
गर्भाशय ग्रीवा का कार्सिनोमा	13+19	14	3
योनि का कार्सिनोमा	9	7	4
डे केयर शल्य चिकित्सा			
हिस्टेरोस्कोपिक एडहेसिओलिसिस	30	47	66
हिस्टेरोस्कोपिक आईयूसीडी हटाना	20	74	60
हिस्टेरोस्कोपी + मॉक ईटी	43	15	9
हिस्टेरोस्कोपिक प्लेसेंटा हटाना	2	2	1
लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपिक कैनुलेशन	3	78	35
लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी + सीटी फिम्ब्रियोप्लास्टी		146	53
लैप्रोस्कोपिक सैल्पिंगेक्टोमी/क्लीपिंग	75	126	55
लैप्रोस्कोपिक डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग	13	17	14
लैप्रोस्कोपिक रूडिमेंटरी हॉर्न एक्सिशन	11	16	11
लैप्रोस्कोपिक गोनाडेक्टॉमी/ गोनाडोपेक्सी	10	14	9
एलएनजी-आईयूएस इनसर्टन	130	176	210
अन्य योनि शल्यचिकित्साएं			
मैकडॉनल्ड्स सर्कलेज	20	36	20
सीपीटी रिपेयर	29	18	4
टीवीटी-ओ	6	15	11
सैक्रोस्पाइनस स्थिरीकरण	10	15	16
फ़ोदरगिल ऑपरेशन	9	7	4

9.25_.indd 704 1/15/2026 4:33:16 PM

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
वेसिकोवेजिनल फिस्टुला की रिपेयर	12	4	7
रेक्टोवेजिनल फिस्टुला की रिपेयर	4	2	8
लेबियल मास एक्सिशन	-	1	4
योनि सिस्ट का निष्कासन	6	1	37
पीएफआर	-	19	104
स्लिंग शल्य चिकित्सा	-	10	7
एआरटी प्रक्रियाएं	814	1523	2366
आईयूआई	559	664	730
आईवीएफ/आईसीएसआई • फ्रेश ईटी • फ्रोजन ईटी • आईसीएसआई	 483 314 54	 363 190 66	 643 316 74
अंडकोशिका क्रायोप्रिजर्वेशन	20	9	26
भ्रूण क्रायोप्रिजर्वेशन	302	249	395
वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन	21	20	24
डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन	-	10	13
भ्रूण चिकित्सा			
एम्निोसेंटेसिस	341	456	466
कोरियोनिक विलस सैंपलिंग (सीवीएस)	303	273	246
आईयूटी (अंतर्गर्भाशयी आधान)	195	269	337
आरएफए (रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन)	32	25	33
कॉर्डोसेंटेसिस	20	43	24
चयनात्मक भ्रूण न्यूनीकरण	16	15	8
एमनियो रिडक्शन	12	9	31
प्लीयूरल फ्लूड एस्पीरेशन/शंट	-	1	0
डिम्बग्रंथि सिस्ट आकांक्षा	-	1	0

9.25_.indd 705 1/15/2026 4:33:16 PM

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पेरीकार्डियोसेंटेसिस	-	3	24
लेज़र	-	17	14
वेसिकोसेंटेसिस	-	1	0
भ्रूण सिस्ट एस्पीरेशन	3		2
सेफलोसेंटेसिस	1	1	2
लेजर फिटोस्कॉपी	1		9
थायरोक्सिन/इंट्राकार्डियक केसीएल इंसिटिलेशन	-	3	68
छोटी प्रक्रियाएं			
बार्थोलिन सिस्ट का निष्कासन	20	13	11
निशान एंडोमेट्रियोमा का निष्कासन	17	2	-
ट्रांसवर्स वेजिनल सेप्टम का उच्छेदन		7	4
संवेदनाहरण के तहत परीक्षा	12	16	23
पैप स्मीयर	17803	1579	8020
एचपीवी परीक्षण	1631	1775	2647
वीआईए	284	290	-
गर्भाशय ग्रीवा बायोप्सी	795	31	828
कोल्पोस्कॉपी	523	558	546
थर्मल एब्लेशन	18	3	12
लीप	24	23	8
वल्वल बायोप्सी	33	69	48
योनि बायोप्सी	7	11	22
वॉल्ट बायोप्सी		8	12
लेबियल सिस्ट एक्सीशन/लेबियल बायोप्सी	3	11	2
प्योमेट्रा/हेमेटोमेट्रा ड्रेनेज	33	45	30
मोल्ड परिवर्तन	41	17	28
दानेदार ऊतक हटाना/बार्ब सुचर हटाना	-	4	-
ईए + ईसीसी + पॉलीपेक्टॉमी		1149	2570
3 स्वाब परीक्षण		5	1

9.25_.indd 706 1/15/2026 4:33:16 PM

वर्ष	2022-2023	2023-2024	2024-2025
वीएसीसी	133	98	126
एचएसजी		750	596
कोनिजेशन	5	7	17
प्रसूति			
कुल प्रसवों की संख्या	2833	2985	2715
पूर्ण योनि प्रसव	1411	1340	1114
कुल सीजेरियन सेक्शन	1422	1645	1601

परिवार नियोजन कार्यक्रम भारत में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों में से एक है जिसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा मातृत्व, शिशु और बाल मृत्यु दर और रुग्णता को कम करना है।

विभाग ने निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने के लिए सप्ताह में 6 दिन निर्बाध रूप से परिवार नियोजन ओपीडी जारी रखी हैं:

- प्रसवोत्तर/अंतराल बंधाव
- गर्भपात के बाद बंधाव
- गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन
- गर्भनिरोधक विधियाँ-आईयूसीडी, प्रत्यारोपण, एलएनजी-आईयूएस प्रवेशन
- आईयूसीडी और प्रसवोत्तर आईयूसीडी के कारण होने वाली जटिलताओं की निगरानी/प्रबंधन के लिए रोगियों का अनुवर्ती उपचार
- गैर स्केलपेल नसबंदी (एनएसवी) के लिए पुरुष रोगियों को परामर्श देना और रेफर करना
- प्रसवपूर्व क्लीनिकों के साथ-साथ नियमित प्रसवोत्तर क्लीनिक

विभिन्न गर्भनिरोधक विधियाँ निःशुल्क उपलब्ध हैं। अंतरा कार्यक्रम और छाया के अंतर्गत इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक, एमपीए (मेड्रोक्सीप्रोजेस्टेरोन एसीटेट) भी उपलब्ध हैं। विभाग के संकाय सदस्यों को इम्प्लानॉन के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया है और अब भर्ती मरीजों को गर्भनिरोधक के रूप में इम्प्लानॉन के निवेशन की सेवाएँ उपलब्ध हैं।

2024-2025 में दी गई परिवार नियोजन विधियों की संख्या

विधि	संख्याएँ (2022-2023)	संख्याएँ (2023-2024)	संख्याएँ (2024-2025)
एमटीपी	633	573	606
मुखीय गर्भनिरोधक (पैकेट)	**2643**	**2114**	**1452**

9.25_.indd 707 1/15/2026 4:33:16 PM

विधि	संख्याएँ (2022-2023)	संख्याएँ (2023-2024)	संख्याएँ (2024-2025)
डीएमपीए	264	254	104
अंतराल सीयू-टी	360	319	348
पीपीआईयूसीडी	682	529	468
गर्भपात के बाद आईयूसीडी	95	103	103
एलएनजी-आईयूएस निवेशन	131	161	210
ट्यूबल बंधाव	418	381	343
पुरुष नसबंदी	26	27	15
इम्प्लानन	35	198	335

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में अतिथि संकाय-सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	तारीख	विषय	संस्थान
1	डॉ. ज्ञानराज जस्टिन पॉल	02 अप्रैल, 24	भारत में हृदय रोग से ग्रस्त महिलाओं में गर्भावस्था की रजिस्ट्री	कार्डियोलॉजी संस्थान, राजीव गांधी राजकीय सामान्य अस्पताल, मद्रास चिकित्सा कॉलेज
2	डॉ. जयतिलका चंदानी अनोमा	22 अगस्त, 24	मालदीव और श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी के लिए कोल्पोस्कोपी और कैंसर-पूर्व घावों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं के साथ इंटरैक्टिव सत्र	विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र कार्यालय
3	डॉ. पीटर लिम	09 सितंबर, 24	जटिल स्त्रीरोग शल्य चिकित्सा में रोबोटिक्स	सेंटर ऑफ होप, रेनो, नेवादा, अमेरिका
4	मैरी आइकेन	03 दिसंबर, 24	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के अवसर	आईजीसीएस सीईओ
5	डॉ. आशिमा मुखोपाध्याय	03 दिसंबर, 24	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में अनुसंधान	जेम्स कुक यूनिवर्सिटी अस्पताल, यूके
6	आचार्य नेविल एफ. हैकर	19 मार्च, 25	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में इंटरैक्टिव सत्र	एनएसडब्ल्यू विश्वविद्यालय, सिडनी

9.25_.indd 708 1/15/2026 4:33:16 PM

क्र.सं.	नाम	तारीख	विषय	संस्थान
7	आचार्य कैलाश नारायण	19 मार्च, 25	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में इंटरैक्टिव सत्र	पीटर मैक कैलम कैंसर सेंटर एंड आइकॉन कैंसर, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया
8	सुश्री मंजू लता	28 मार्च, 25	स्त्रीरोग ओपीडी में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता पर स्वास्थ्य वार्ता	एम्स, नई दिल्ली

9.25_.indd 709 1/15/2026 4:33:17 PM

9.26 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रवि मित्तल

आचार्य

शाह आलम खान

विजय कुमार

भावुक गर्ग

मोहम्मद ताहिर अंसारी

अपर आचार्य

वेंकटेशन संपत कुमार

विवेक शंकर

विक्रांत मन्हास

विशिष्टताएं

एम्स के अस्थिरोग विज्ञान विभाग में स्पोर्ट्स मेडिसिन, बाल अस्थिरोग चिकित्सा, हाथ की सर्जरी, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी, रीढ़ की सर्जरी और काम्पलैक्स ट्रॉमा उपचार के क्षेत्र में विशिष्टता वाले डॉक्टर मौजूद हैं। अस्थिरोग शल्य चिकित्सा में नवीनतम नवाचार जैसे नेविगेटेड जॉइंट रिप्लेसमेंट, रिवीजन हिप एवं नी रिप्लेसमेंट, नेविगेटेड बोन ट्यूमर सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी, नॉन-यूनियनस हेतु वैस्कुलराइज्ड ग्राफ्टिंग, लिम्ब रीइम्प्लांटेशन, आर्थ्रोस्कोपिक पीसीएल और कंधे की सर्जरी यहाँ की जा रही हैं। विभाग में 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला, आनुवंशिकी प्रयोगशाला और गैट प्रयोगशाला नामक समर्पित अनुसंधान प्रयोगशालाएँ भी हैं, जिसने इस विभाग को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। आईसीएमआर और सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ भी यहाँ संचालित की जा रही हैं।

शिक्षा

- तीन वर्षों हेतु एमएस (ऑर्थो) का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर रेजीडेंसी कार्यक्रम - 23 छात्र
- गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंट - 14
- विभाग में निम्नलिखित फैलोशिप पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं:
    - आर्थोस्कोपी में फैलोशिप - 2
    - मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी में फैलोशिप - 2
    - आर्थ्रोप्लास्टी में फैलोशिप - 2

विभाग में नियमित रूप से लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आर्थ्रोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएँ (सीसीए 2024) 2-4 अगस्त 2024, नई दिल्ली
2. चौथा एम्स अंतर्राष्ट्रीय स्पाइन विकृति पाठ्यक्रम, 27-29 मार्च 2025, नई दिल्ली

9.26_Orthopaedics hindi.indd 710 1/15/2026 4:37:38 PM

3. 11 जनवरी 2025 को आर्थोस्कोपिक मेनिस्कल रिपेयर पर कैडेवरिक पाठ्यक्रम

4. 17 नवंबर 2024 को हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी कार्यशाला

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 139

रवि मित्तल: 14
भावुक गर्ग: 22
विवेक शंकर: 5
शाह आलम खान: 4
मोहम्मद ताहिर अंसारी: 4
विक्रांत मन्हास: 14
विजय कुमार: 65
वेंकटेशन संपत कुमार: 11

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024- 2025
95	138	139

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 25

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
28	35	25

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए पेंटोक्सीफाइलाइन और टेरीपैराटाइड के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 106.21 लाख रुपये

2. ऑस्टियोपोरोसिस में सबसे पहला या शुरूआती उपचारों (बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स, टेरीपैराटाइड और डेनोसुमैब) के इम्यूनोपोरोटिक प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन। विक्रांत मन्हास, इंट्राम्यूरल इंटरडिसिप्लिनरी (इंट्राम्यूरल फंडेड), 1 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

3. रीढ़ की हड्डी के विकारों से पीड़ित रोगियों में पेडिकल स्क्रू की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित एकल भुजा बहु-केंद्रित पोस्ट मार्केटिंग क्लिनिकल फॉलो-अप का अध्ययन, डॉ. भावुक गर्ग, ऑक्सियन मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2023-2026, 7.30 लाख रुपये

4. जानू संधिगतवता (प्राथमिक नी के ऑस्टियोआर्थराइटिस) में मल्टीमॉडल आयुर्वेद इंटरवेंशनस की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ उमा कुमार, डॉ विजय कुमार, डॉ दानवीर भादू, डॉ आरके आर्य, डॉ बीडी चौधरी, आयुष, 3 वर्ष, 2022-2025, 98.66 लाख रुपये

5. आघात से होने वाले चाल हानि विकार से पीड़ित रोगियों में पुनर्वास की प्रभावकारिता पर बायोमैकेनिकल अध्ययन, डॉ. भावुक गर्ग, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2022-2025, 58 लाख रुपये

9.26_Orthopaedics hindi.indd 711 1/15/2026 4:37:39 PM

6. बच्चों में घुटने की विकृति की व्यापकता का आकलन करने हेतु क्रॉस सेक्शनल अस्पताल आधारित अध्ययन, पोषण की स्थिति और अस्थि चयापचय के नियामकों के साथ सहसंबंध का ऑडिट करना, डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 36.04 लाख रुपये

7. मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण और शव के उपयोग के माध्यम से थौरैसिक लेमिनर स्क्रू की व्यवहार्यता का निर्धारण और सुरक्षा, इसके बाद व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य पूर्ण लेमिनर स्क्रू सम्मिलन प्रणाली का विकास, डॉ. भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 13.68 लाख रुपये (प्रथम वर्ष)

8. आर्थोस्कोपी हेतु वायरलेस इमेजिंग सिस्टम एवं वायरलेस प्रकाश स्रोत का विकास, रवि मित्तल- एम्स, दिल्ली, जय धारीवाल-आईआईटी दिल्ली, एम्स, आईआईटी, 2 वर्ष, 16 दिसंबर 2022-2024, 5 लाख रुपये

9. टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी हेतु नेविगेशन, रोबोट, सिमुलेशन और प्रशिक्षण के साथ एकीकृत सर्जिकल प्लेटफॉर्म, प्रो. मोहनशंकर शिवप्रकाशम, आईआईटी मद्रास, सुबोध पीएस, सीडैक तिरुवनंतपुरम, डॉ. विजय कुमार, एम्स दिल्ली, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), 4 वर्ष एवं 6 महीने, 15 मार्च 2024-14 सितंबर 2028, 3405.60 लाख रुपये

10. स्कोलियोसिस से पीड़ित रोगियों के उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण एवं अनुप्रयोग, डॉ. भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 84.63 लाख रुपये

11. मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभाव, शाह आलम खान, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

12. अस्थिरोग प्रत्यारोपणों हेतु रोगाणुरोधी प्रभावकारिता की जांच हेतु मैग्नेट्रॉन प्लाज्मा-नियंत्रित एजी-डॉप्ड ट्राइकैल्शियम फॉस्फेट फिल्में, विक्रांत मन्हास (एम्स-पीआई), आईसीएमआर, तीन, 3 वर्ष, 2025-2028, 135.00 लाख रुपये

13. इंडीजीनस टीकेपी 2.4 इम्प्लांट के बहु-केंद्रित क्लिनिकल जांच और टीकेपी 2.4 का पायलट उत्पादन, प्रो. शाह आलम खान, डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार, एनएफटीडीसी, 5 वर्ष, 1 मार्च 2022-2027, 18 लाख रुपये

14. टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएँ।, विक्रांत मन्हास, एम्स-यूसीएल सहयोग (इंट्राम्यूरल वित्तपोषित), 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 10 लाख/वर्ष

15. जटिल पेरीएसीटेबुलर और डिस्टल फीमर पुनर्निर्माण का आकलन करने हेतु इंस्ट्रूमेंटेड गैट विश्लेषण का उपयोग, डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत), 2 वर्ष, 2024-2026, 36.26 लाख रुपये

पूर्ण

1. नी ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित और पीड़ित नहीं, आयु-समरूप उत्तर भारतीय रोगियों में आनुवंशिक और साइटोकाइन्स प्रोफ़ाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक फॉलोअप अध्ययन, डॉ. भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 12.44 लाख रुपये

2. निचले अंगों की द्विपक्षीय जीनु वैल्गम विकृति से पीडित बच्चों के गेट पैटर्न का विश्लेषण।, विक्रांत मन्हास, इंट्राम्यूरल वित्तपोषित, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये

9.26_Orthopaedics hindi.indd 712 1/15/2026 4:37:39 PM

3. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की जाँच करना।, विक्रांत मन्हास, इंट्राम्यूरल फ़ंडेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 5 लाख रुपये

4. मुख्य मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी से पीडित रोगियों में बायोमार्कर की भूमिका तथा विभिन्न एनेस्थेटिक तकनीकों और पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इसका संबंध, डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

5. प्रारंभिक अवस्था में स्कोलियोसिस से पीडित रोगियों के लिए कम लागत वाली इंडीजीनस मेगनेटिक ग्रोथ रॉड विकसित करने हेतु, डॉ. भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. बाईलैट्रल टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित रोगियों में संवर्धित वास्तविकता एवं पारंपरिक विधि के बीच तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

2. टोटल नी रिपलेसमेंट सर्जरी से पीडित रोगियों में प्रीऑपरेटिव ओरल कार्बोहाइड्रेट लोडिंग बनाम नान-कैलोरीक पेय का एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

3. फाइव स्ट्रैंडेड तकनीक का उपयोग करके आर्थोस्कोपिक एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के बाद नैदानिक एवं कार्यात्मक रोगी-संबंधी परिणामों का मूल्यांकन करने वाला एक व्यापक अध्ययन

4. युनिलैट्रल हिप आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित वयस्क रोगियों में पेरिकैप्सुलर ब्लॉक बनाम क्वाड्रेटस लम्बोरम टाइप III ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

5. भारतीय आबादी में टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी टीकेए के बाद नी के सीपीएके महामारी विज्ञान मूल्यांकन एवं कार्यात्मक मूल्यांकन का कोरोनल प्लेन संरेखण

6. घुटने के जोड़ के आसपास प्राथमिक घातक अस्थि ट्यूमर का जनसांख्यिकीय अध्ययन - एक तृतीयक रेफरल केंद्र से एक पूर्वव्यापी अध्ययन

7. हिप के विकासात्मक डिसप्लेसिया में हिप के कैप्सूल और आसपास की संरचनाओं का इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक मूल्यांकन एवं पुनः-अव्यवस्था दरों के साथ इसका सहसंबंध

8. तृतीयक उपचार केंद्र में उपस्थित रोगी के हाथ के जटिल क्षेत्रीय पीड़ा सिंड्रोम का मूल्यांकन

9. कलाई एवं हाथ के आसपास की हड्डी के विशाल कोशिका ट्यूमर के कार्यात्मक एवं अर्बुदविज्ञान परिणाम: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन

10. ज्यूवनिल लक्षणात्मक लचीले फ्लैट पैर वाले रोगियों में गेट विश्लेषण एवं नैदानिक तथा विकिरण विज्ञान मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध।

11. अज्ञातहेतुक एवं जन्मजात स्कोलियोसिस में माता-पिता की सूचना संबंधी आवश्यकताएं, उपचार संबंधी समस्याऐं तथा मनोवैज्ञानिक कल्याण: दिल्ली के एक तृतीयक अस्पताल में एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन

12. शल्यक्रिया से पूर्व एवं शल्यक्रिया के 6 माह बाद एचटीओ से पीडित रोगियों में एसपीईसीटी/सीटी तथा नैदानिक कार्यात्मक स्कोर के सहसंबंध का आकलन करने हेतु संभावित अध्ययन

9.26_Orthopaedics hindi.indd 713 1/15/2026 4:37:39 PM

13. रोटेटर कफ के फटने में सबस्कैपुलरिस की संलिप्तता का आकलन करने हेतु संभावित अध्ययन: नैदानिक, विकिरण विज्ञान और आर्थ्रोस्कोपिक मूल्यांकन

14. पूर्वनिर्मित छिद्रयुक्त लेपित फ्लैंज्ड एसिटाबुलर कप का उपयोग करते हुए संशोधित कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी के परिणामों का पूर्वव्यापी विश्लेषण, जिसमें ओबट्यूरेटर फोरामेन हेतु कॉडल हुक एवं इलियम फिक्सेशन के लिए फ्लैंज होते हैं।

15. इंट्रापेल्विक कप माइग्रेशन के साथ संशोधित टीएचआर के मामले में संवहनी जटिलता को रोकने हेतु सीटी एंजियोग्राफी एवं प्रीऑपरेटिव स्थायी एम्बोलिज़ेशन अथवा अस्थायी बैलून कैथेटर प्लेसमेंट की भूमिका।

16. अस्थि के विशाल कोशिका ट्यूमर में ज़ोलेड्रोनेट के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पीईटी-सीटी की भूमिका - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

17. पेरिप्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण के निदान को बढ़ाने में नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन एवं नवीन नैदानिक विधियों का मूल्यांकन

18. स्टेम टिबियल घटक का उपयोग करके प्राथमिक टोटल नी रिपेलसमेंट के बाद समीपस्थ टिबिया एवं क्लिनिकोविकिरण विज्ञान परिणामों में सट्रेस डिस्ट्रीब्यूशन का मूल्यांकन करना

19. यूनिलैट्रल प्राथमिक टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित रोगियों में प्रॉक्सिमल एडक्टर कैनाल ब्लॉक एवं लोकल इनफिलट्रेशन एनाल्जेसिया के अलावा एंटीरियर फिमारल क्यूटेनियस नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावशीलता का अध्ययन करने हेतु: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

20. बाल चिकित्सा सार्कोमा में कोशिका चक्र एवं डीएनए क्षति रिपेयर पथ के एपिआनुवंशिकी मिथाइलेशन की भूमिका का खुलासा

21. युवा रोगियों में घुटने के ऐन्टेरोमीडियल ऑस्टियोआर्थराइटिस हेतु यूनिकोम्पर्टमेंटल नी आर्थ्रोप्लास्टी बनाम हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

22. सेल ब्लॉक के साथ सहायता प्राप्त फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी की उपयोगिता बोन एंड सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर का निदान है

पूर्ण

1. एक पायलट समानांतर भुजा यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जो अभिघातज के बाद अंग भंग के उपचार में योग इंटरवेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन करता है, जिससे जटिल क्षेत्रीय पीड़ा सिंड्रोम (सीआरपीएस I) विकसित होता है तथा उनके जीवन की गुणवत्ता का आकलन होता है

2. केवल वोलर प्लेटिंग बनाम संयुक्त वोलर एवं पृष्ठीय प्लेटिंग से उपचारित कम्युनेटेड डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर 2आर3सी3.1 एवं 2आर3सी3.2 के विकिरण विज्ञान और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

3. एसीएल पुनर्निर्माण के महामारी विज्ञान एवं कार्यात्मक परिणाम पर व्यापक अध्ययन

4. स्कैफॉइड फ्रैक्चर के नॉनयूनियन हेतु आर्थ्रोस्कोपिक बोन ग्राफ्टिंग एवं नॉन-वैस्कुलराइज्ड बोन ग्राफ्टिंग के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन: एक गैर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

5. भारतीय आबादी में घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में इन्स्ट्रुमेंटड गेट विश्लेषण का कार्यात्मक एवं परिणाम स्कोर तथा विकिरणग्राफ़ ग्रेड के साथ इसका सहसंबंध

9.26_Orthopaedics hindi.indd 714 1/15/2026 4:37:39 PM

6. एसिटाबुलर प्रोट्रूशियंस में टीएचए हेतु लघु अंतराल पर किए गए अनुक्रमिक द्विपक्षीय टीकेए के बाद परिणामों का मूल्यांकन पूर्वव्यापी परिणाम विश्लेषण

7. बाल चिकित्सा बाह्य रोगियों में घुटने की विकृति एवं पोषण संबंधी स्थिति तथा अस्थि चयापचय के नियामकों के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने हेतु संभावित अध्ययन

8. थोरैकोलम्बर स्पाइन में फ्री हैंड, ओ-आर्म नेविगेटेड एवं रोबोट-सहायता प्राप्त पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट के बीच सटीकता एवं सुरक्षा की तुलना करना ट्रिपल रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. टोटल नी रिपेलसमेंट सर्जरी कराने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव ओरल कार्बोहाइड्रेट लोडिंग बनाम गैर-कैलोरीक पेय का एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. जानु संधिगतवात (प्राथमिक नी ऑस्टियोआर्थराइटिस) में बहुविध आयुर्वेद इंटरवेंशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रूमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. 99एमटीसी- यूबिक्विसिडिन की किट आधारित और घरेलू तैयारी के बीच तुलना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग/एम्स दिल्ली

4. शोल्डर मेनीपुलेशन प्रक्रियाओं के लिए पीईएनजी ब्लॉक एवं इंटरस्केलेंस ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

5. यूनिलैट्रल हिप आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित वयस्क रोगियों में पेरिकैप्सुलर ब्लॉक बनाम क्वाड्रेटस लम्बोरम टाइप III ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के सेलेक्टिव ट्रंक ब्लॉक एवं कॉर्नर पॉकेट दृष्टिकोण की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

7. यूनिलैट्रल ऊपरी अंग की सर्जरी करवाने वाले बच्चों के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउट-ऑफ-प्लेन बनाम इन-प्लेन कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक दृष्टिकोण की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

8. हल्के से मध्यम कार्पल टनल सिंड्रोम के उपचार में यूएसजी निर्देशित हाइड्रोडिसेक्शन की प्रभावशीलता, विकिरण-निदान विभाग/एम्स दिल्ली

9. यूएसजी द्वारा सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक में रोपिवाकेन के साथ एचईएस की प्रभावकारिता, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

10. टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी में फीमोरल अलाइनमेंट गाइड सिस्टम "एलाइनएश्योर"। आईआईटी दिल्ली

11. टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी हेतु नेविगेशन, रोबोट, सिमुलेशन एवं प्रशिक्षण के साथ एकीकृत सर्जिकल प्लेटफ़ॉर्म, आईआईटी मद्रास, सीडैक तिरुवनंतपुरम

9.26_Orthopaedics hindi.indd 715 1/15/2026 4:37:39 PM

12. रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में आंत से जुड़े मेटाबोलाइट्स की नैदानिक क्षमता की जांच और ऑस्टियोपोरोसिस के पूर्व-नैदानिक मोड में उनकी चिकित्सीय क्षमता की खोज: एक ऑस्टियोइम्यूनोलॉजिकल दृष्टिकोण, आईसीएमआर

13. प्रत्यारोपण योग्य एवं नैदानिक उपकरणों (कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, नेत्र विज्ञान एवं अस्थिरोग विज्ञान) का पूर्व-अनुपालन एवं नैदानिक वैधीकरण, आईसीएमआर

14. मोडरेट मेडिकल नी के दर्द में ट्रांसकैथेटर धमनी एम्बोलिज़ेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जो इष्टतम गैर-शल्य चिकित्सा उपचार हेतु प्रतिरोधी है - एक पायलट अध्ययन। हृद् विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

15. अस्थिरोग इम्प्लांट संक्रमण के निदान में 99एम-टीसी-यूबिक्विसिडिन स्किंटिग्राफी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स दिल्ली

16. इंट्रापेल्विक कप माइग्रेशन के साथ रिवीजन टीएचआर के मामले में संवहनी जटिलताओं को रोकने के लिए सीटी एंजियोग्राफी एवं प्रीऑपरेटिव परमानेंट एम्बोलिज़ेशन अथवा अस्थायी बैलून कैथेटर प्लेसमेंट की भूमिका। विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. रूढ़िवादी उपचार के प्रति प्रतिरोधी लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस के रोगियों में ट्रांसकैथेटर धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता, हृद्विकिरण विज्ञान विभाग

18. परंपरागत उपचार के प्रति प्रतिरोधी लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस के रोगियों में ट्रांसकैथेटर धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता, हृद्विकिरण विज्ञान विभाग

19. पेरिप्रोस्थेटिक जोड़ संक्रमण के निदान को बढ़ाने में नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन एवं नवीन नैदानिक विधियों का मूल्यांकन, संक्रामक रोग प्रभाग, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. ऑस्टियोपोरोसिस के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान में नियामक एवं प्रभावक बी सेल (ब्रेग-बीफ़) अक्ष की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका को रेखांकित करना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स

21. यूनिलैट्रल प्राथमिक टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित रोगियों में प्रॉक्सिमल एडक्टर कैनाल ब्लॉक एवं लोकल एनफिल्ट्रेशन एनाल्जेसिया के अलावा एंटीरियर फिमोरल क्यूटेनियर नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावशीलता का अध्ययन करने हेतु: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग, एम्स, नई दिल्ली

22. यूनिलैट्रल प्राथमिक टोटल नी के आर्थ्रोप्लास्टी से पीडित रोगियों में प्रॉक्सिमल एडक्टर कैनाल ब्लॉक एवं लोकल एनफिल्ट्रेशन एनाल्जेसिया के अलावा एंटीरियर फिमोरल क्यूटेनियर नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावशीलता का अध्ययन करना, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग, एम्स

23. एडहेसिव कैप्सूलाइटिस में नैदानिक सुधार के लिए ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलाइजेशन, हृद् विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

24. अकिलीज़ टेंडिनाइटिस के उपचार के लिए ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन, हृद् विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

25. प्रारंभिक हिप के गठिया के उपचार हेतु ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन, हृद् विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

9.26_Orthopaedics hindi.indd 716 1/15/2026 4:37:39 PM

पूर्ण

1. ऊपरी अंग की सर्जरी हेतु यूएसजी निर्देशित कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक के मध्य एवं लेटरल दृष्टिकोणों के बीच तुलना - एक पायलट इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
2. सुप्राक्लेविक्युलर ब्लॉक के इंटरट्रंकल दृष्टिकोण की अल्ट्रासाउंड गाइडेड डबल इंजेक्शन बनाम ट्रिपल इंजेक्शन तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
3. हल्के-मध्यम कार्पल टनल सिंड्रोम के उपचार में अल्ट्रासाउंड निर्देशित हाइड्रोडिसेक्शन की प्रभावशीलता, विकिरण विज्ञान विभाग
4. 99एमटीसी-एथेम्बुटोल स्किन्टिग्राफी का उपयोग करके तपेदिक घावों की इमेजिंग के लिए आदर्श समय बिंदु की स्थापना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स
5. प्रमुख मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी कराने वाले रोगियों में बायोमार्कर की भूमिका एवं विभिन्न एनेस्थेटिक तकनीकों तथा पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इसका सहसंबंध, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
6. प्रत्यक्ष एंटिरियर दृष्टिकोण बनाम पश्च दृष्टिकोण के साथ कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी के नैदानिक एवं विकिरण विज्ञान परिणामों की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थिरोग विज्ञान विभाग, एम्स
7. अल्ट्रा-कॉन्ग्रुएंट बेयरिंग बनाम क्रूसिएट-रिटेनिंग बेयरिंग के साथ टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी कराने वाले रोगियों में फॉरगॉटन जॉइंट स्कोर, क्लिनिकल, विकिरण विज्ञान परिणामों और चाल मापदंडों की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थिरोग विभाग, एम्स

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024- 2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	7	28	19	15
कुल वित्तपोषित (लाख में)	295 लाख रुपये	1172.1 लाख रुपये	4089.7 लाख रुपये	4034.34 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 33 सार: 08 पुस्तक में अध्याय: 01

प्रकाशन

मद	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**39**	**83**	**56**	**42**
पत्रकिाओं में लेख	37	74	46	33
सार	1	0	3	8
पुस्तकों में अध्याय	1	9	7	1
पुस्तकें	0	0	0	0

9.26_Orthopaedics hindi.indd 717 1/15/2026 4:37:40 PM

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशिष्ट/क्लीनिक तथा/अथवा विशिष्ट प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

प्रोफेसर शाह आलम खान एवं डॉ वेंकटेशन संपत कुमार क्लबफुट क्लिनिक चला रहे हैं तथा एनसीआई झज्जर में रोगी उपचार सेवाओं में सहायता प्रदान करने हेतु नोडल संकाय हैं

प्रोफेसर भावुक गर्ग स्कोलियोसिस क्लिनिक चलाने में संलग्न हैं

प्रोफेसर मोहम्मद ताहिर अंसारी - सामान्य अस्थिरोग ओपीडी एवं हैंड क्लिनिक में सामान्य अस्थिरोग रोगियों तथा हाथ से संबंधित बीमारी के रोगियों के उपचार में शामिल रहे हैं

डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा गठिया रोगों पर एक लोक व्याख्यान का हिस्सा बने

मद	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श		2, 23, 498	2, 01, 192	206355
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श		3063	4400	4350
रोगियों को प्रदत्त पुनर्वास सेवाएं			66, 717	51, 636
कुल भर्ती रोगी	5312	8869	9365	11368

क्लिनिक का नाम	रोगियों की संख्या
स्कोलियोसिस क्लिनिक	675
हैंड क्लिनिक	258
सीटीईवी क्लिनिक	3400
स्पोर्ट्स क्लिनिक	17

	यूनिट- I	यूनिट- II	कुल
बड़े ऑपरेशन कक्ष में ऑपरेशन	1794	2117	3911
लधु ऑपरेशन कक्ष में ऑपरेशन	1136	1547	2683
भर्ती	4711	6657	11368

9.26_Orthopaedics hindi.indd 718 1/15/2026 4:37:40 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. रवि मित्तल 29 अगस्त 2024 को आईसीएमआर में एनईआईजीएचआरआईएमएस शिलांग हेतु एपीएस बैठक हेतु बाहरी विशेषज्ञ थे। 4 जून 2024 को आकाशवाणी एफएम विकिरण पर जोड़ों के पीड़ा पर विकिरण वार्ता की।

प्रो. शाह आलम खान बेंगलुरू में दिसंबर 2024 को इंडियन आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के महत्वपूर्ण सत्रों में पूर्ण व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय कुमार नॉर्थ ज़ोन ऑर्थोपेडिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। आईएए के संयुक्त सचिव। इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन्स के विधि अध्यक्ष थे। 2-4 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में करंट कॉन्सेप्ट्स इन आर्थ्रोप्लास्टी 2024 के आयोजन सचिव रहे थे। 13-15 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में रिवीजन आर्थ्रोप्लास्टी कॉन्फ्रेंस 2024 (आरएसी 2024) के वैज्ञानिक अध्यक्ष थे। टीवी शो- डीडी उर्दू पर हैलो डॉक्टर, डीडी उर्दू पर फिट इंडिया हेल्दी इंडिया, डेली न्यूज लाइव पर आर्थराइटिस में भाग लिया।

प्रो. भावुक गर्ग को एएसएसआई प्रकाशन पुरस्कार 2025 प्रदान किया गया। उन्होंने एएसएसआई प्रकाशन पुरस्कार 2024 भी प्राप्त किया। इन्हें मेडिकल डायलॉग ब्लैकबक रिसर्च अवार्ड 2024 प्रदान किया गया। इन्हें आईएमए अकादमिक पुरस्कार 2024 प्रदान किया गया।

डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार ने सीसीए 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें एपीओए-वाईएसएफ 2024 में सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार भी मिला।

डॉ. विक्रांत मन्हास राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के लिए एम्स द्वारा गठित समिति के समीक्षा समिति सदस्य थे। वह एम्स, नई दिल्ली के अस्थिरोग विज्ञान विभाग में ओपीडी रोगियों के लिए निःशुल्क जेनेरिक फार्मेसी द्वारा वितरित दवाओं की जाँच एवं अनुमोदन हेतु समीक्षा समिति के सदस्य थे। वे अस्थिरोग विज्ञान विभाग में जीईएम (यूनिट- I) के कार्यालय प्रभारी थे। वे अस्थिरोग विज्ञान विभाग में विकलांगता मूल्यांकन एवं प्रमाणन के कार्यालय प्रभारी (यूनिट- I) थे। उन्होंने 29 सितंबर 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित नी एवं हिप के आर्थ्रोप्लास्टी पर चौथे स्मार्ट कॉन्क्लेव में बेसिक हिप पर प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया। उन्होंने 9 नवंबर 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अस्थि स्वास्थ्य संगोष्ठी (आईएसबीएच 2024) में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने 19 से 21 सितंबर 2024 तक एम्स, नई दिल्ली में अस्पतालों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा आयोजित अस्पतालों हेतु एनएबीएच 5वें संस्करण मानकों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रम पूरा किया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. ली तिजाउ त्जोएन डेनी, सिंगापुर से 8 अप्रैल 2024 को "शोल्डर इंसटेबिलिटी इन एशिया: क्या हम इतने अलग हैं? छोटी और बड़ी हड्डी के नुकसान से निपटने हेतु एल्गोरिदम एवं रणनीतियाँ" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

9.26_Orthopaedics hindi.indd 719 1/15/2026 4:37:40 PM

9.27 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

आलोक ठक्कर

आचार्य

राकेश कुमार | कपिल सिक्का | चीरोम अमित सिंह

राजीव कुमार | प्रेम सागर

अपर आचार्य

अरविंद कुमार कैरो | शुचिता सिंह पचौरी | हितेश वर्मा

सहायक आचार्य

पूनम सागर | अनूप सिंह

सहायक आचार्य (एनसीआई)

स्मृति पांडा | मनीष वर्मा | मनस्विता रॉय

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा जनवरी 2025 में अपना पहला ऑडिटरी ब्रेन स्टेम इम्प्लांट किया गया। अब यह ऐसे अनुभव वाले चुनिंदा वैश्विक संस्थानों के समूह में शामिल है एवं इसने अत्याधुनिक इम्प्लांटेशन ओटोलॉजी में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार किया है।

विभाग ने अपने छात्रों के साथ-साथ प्रतिनिधियों एवं समीक्षक पर्यवेक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु अपनी गतिविधियाँ जारी रखीं।

विभाग अपने रेजीडेंट, छात्रों, फेलो एवं अन्य प्रतिनिधियों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध था। विभाग ने कॉक्लियर इम्प्लांट कार्यशाला एवं अंतर्राष्ट्रीय सिर तथा गर्दन शव परीक्षण कार्यशाला सहित विभिन्न सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। विभाग ने एक ओटोलॉजी कार्यशाला भी आयोजित की। पद्म श्री प्रोफेसर मिलिंद वसंत कीर्तने, सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एमेरिटस एवं केईएम अस्पताल, मुंबई में मानद सर्जन द्वारा तीसरा एस.के. कैकर भाषण दिया गया। इस भाषण में भारत और विदेश के विभिन्न ईएनटी विशेषज्ञों और प्रोफेसर मिलिंद वसंत कीर्तने के कई छात्रों ने भाग लिया।

शिक्षा

एमबीबीएस छात्रों के लिए औपचारिक व्याख्यान कार्यक्रम छठे और आठवें सेमेस्टर में शामिल है और इसमें 1 घंटे के व्याख्यान होते हैं। स्नातक छात्रों को रोटेशन के आधार पर कुल 2 महीने की अवधि हेतु ईएनटी विभाग (ओपीडी और वार्ड) में तैनात किया जाता है। यहाँ वे बुनियादी ईएनटी जांच सीखते हैं, सामान्य ईएनटी रोगों के निदान से परिचित होते हैं और संचार कौशल सहित प्राथमिक प्रबंधन सीखते हैं

9.27_.indd 720 1/15/2026 4:46:15 PM

नैदानिक प्रशिक्षण में निम्नलिखित शामिल हैं:

1) कान, नाक एवं गले की उचित जांच सहित ईएनटी के नैदानिक पहलुओं के परिचय पर दो कक्षाएं
2) सीओएसएम, विचलित नासिका सेप्टम, नासिका पॉलीप्स, स्वरयंत्र कैंसर आदि जैसी सामान्य ईएनटी स्थितियों पर रोगी शय्या के पास शिक्षण और केस चर्चा
3) वे सामान्य ईएनटी प्रक्रियाओं से भी अवगत होते हैं

स्नातकोत्तरों हेतु, प्रमुख लक्ष्य रोगी उपचार, शिक्षण, अनुसंधान क्षमता और टीम वर्क हैं

स्नातकोत्तर छात्र को सेमिनार/शोध पत्र की प्रस्तुति देनी होगी। अनुसंधान लेखन में विशेषज्ञता हासिल करना और नैदानिक निर्णय लेने की क्षमता एवं प्रबंधन कौशल विकसित करना स्नातकोत्तर छात्रों का उद्देश्य है। वे संकाय सदस्य/वरिष्ठ रेजिडेंट की देखरेख में प्रमुख और लघु शल्य प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं। उन्हें स्वतंत्र रूप से प्रमुख और लघु ऑपरेशन करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान, उन्हें ऑडियोलॉजी अनुभाग और वेस्टिबुलर प्रयोगशाला में अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। वे वार्ड में रोगी की स्थिति को देखने, ऑपरेशन थिएटर में कार्य करने, आपातकालीन कक्ष एवं आईसीयू की आवश्यकताओं का ज्ञान प्राप्त करते हैं और तंत्रिका शल्य चिकित्सा/संवेदनाहरण जैसे संबंधित विभागों में भी जाते हैं। वे अस्पताल में भर्ती (चिकित्सा; ऑपरेशन से पहले और बाद के) रोगियों का उपचार करते हैं। वे ऑपरेशन थिएटर एवं आपातकालीन ऑपरेशनों में भी शामिल होते हैं। वे वार्ड राउंड में सहायता करते हैं तथा वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अन्य विभागों से आने वाले कॉल/परामर्शों हेतु अन्य वार्डों का दौरा करते हैं। वे वार्ड में रोगी की स्थिति से संबंधित नैदानिक पहलुओं के शिक्षण सत्रों में, दोपहर में विशेष क्लीनिकों में, सेमिनार/जर्नल क्लब में भाग लेते हैं एवं विभाग के रोस्टर के अनुसार आपातकालीन ड्यूटी करते हैं। स्नातकोत्तर छात्र संकाय के मार्गदर्शन में थीसिस भी करते हैं।

विभाग द्वारा एमसीएच हेड एंड नेक सर्जरी सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम और स्कल बेस सर्जरी में फेलोशिप भी संचालित की जाती है। एमसीएच रेजिडेंट्स को ओपीडी और ओटी में संबंधित विशिष्टताओं में ड्यूटी सौंपी गई है और वे विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकृति विज्ञान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा आदि विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेते हैं। एमसीएच रेजिडेंट्स एवं स्कल बेस फेलो को संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। वे बारी-बारी से सेमिनार और जर्नल क्लब प्रस्तुत करते हैं। एमसीएच रेजिडेंट्स को नैदानिक और शैक्षणिक कार्यों हेतु एनसीआई झज्जर में भी तैनात किया जाता है।

विभाग समय-समय पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लाभार्थ विभिन्न समसामयिक विषयों पर कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन भी करता है। विभाग भारत एवं विदेश से पर्यवेक्षकों का स्वागत करता है और उन्हें विभागीय गतिविधियों, विशेष क्लीनिकों, सेमिनारों तथा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का अवलोकन करने हेतु आमंत्रित करता है।

महामारी के दौरान भी वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम जारी रहे।
वर्तमान में विभाग ने लिवरपूल के प्रोफेसर टेरी जोन्स और दक्षिण कोरिया के सियोल के प्रोफेसर क्युंग ताए की मेजबानी की गई। इन सहयोगों से हमें बायोबैंक की स्थापना एवं न्यूनतम चीर-फाड़ वाली थायरॉइड सर्जरी के अपने उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिली।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण:

कोई नहीं

9.27_.indd 721 1/15/2026 4:46:16 PM

अल्पकालिक प्रशिक्षण:

- डॉ. पी.के. राठौर, प्रोफेसर, ईएनटी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 2 महीने, 1 मार्च 2025 - 30 अप्रैल 2025
- डॉ. रंजन रायचौधरी, प्रोफेसर, ओटोलैरिंगोलॉजी - हेड एंड नेक सर्जरी विभाग, विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान, पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, एक माह, 10 मार्च 2025 - 4 अप्रैल 2025
- डॉ. स्वाति एन चंदेल, कनिष्ठ रेजिडेंट (ईएनटी), इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, एक माह, 27 फरवरी 2025 - 26 मार्च 2025
- डॉ. सीमा मोंगा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, ईएनटी एवं सिर-गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, एचआईएमएसआर, नई दिल्ली, दो सप्ताह, 22 जून 2024 से 1 जुलाई 2024 तक।
- सुश्री कशिका सिंह, मेडिकल छात्रा, साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके, 1 माह, 4 अप्रैल 2024 - 3 मई 2024

वैकल्पिक प्रशिक्षण:

- विभाग में आपातकालीन चिकित्सा, विकिरण अर्बुद विज्ञान, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, बाल रोग एवं शरीर क्रिया विज्ञान विभागों से पर्यवेक्षक और रोटेशन पोस्टिंग थी।

विभाग में पंजीकृत छात्रों/प्रशिक्षार्थियों की संख्या।

पाठ्यक्रम का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एमएस (कान, नाक एवं गला)	05	17	6
एमसीएच हेड-नेक सर्जरी एवं अर्बुदविज्ञान	04	04	07
स्कल के आधार की सर्जरी में फेलोशिप (कान, नाक एवं गला)	01	--	01
वरिष्ठ रेजिडेंट (गैर-शैक्षणिक)	05	04	07
वरिष्ठ रेजिडेंट (गैर-शैक्षणिक) एम्स-सीएपीएफआईएमएस	--	--	06

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1 ट्रांसओरल, एंडोस्कोपिक और थायरॉइड कोर्स 2024, 2-6 अप्रैल 2024

2. 11-13 अक्टूबर 2024 तक 6वीं एम्स फेशियल प्लास्टिक कार्यशाला और सीएमई

3 शव विच्छेदन पाठ्यक्रम: जुगुलर फोरामेन तक पहुंचने के लिए ट्रांसटेम्पोरल दृष्टिकोण, 19-20 नवंबर 2024

4. सिर और गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम 25-26 नवंबर 2024

9.27_.indd 722 1/15/2026 4:46:16 PM

5 माइक्रोवस्कुलर पुनर्निर्माण पर चौथा व्यावहारिक पाठ्यक्रम 27-30 नवंबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

6. 21-22 जनवरी 2025 से पहला ऑडिटरी ब्रेनस्टेम इम्प्लांट (एबीआई) कार्यक्रम

7 एम्स न्यूरो-ओटोलॉजी अपडेट 2025 कार्यशाला 20-22 फरवरी 2025 तक आयोजित की जाएगी।

8. अंतर्राष्ट्रीय सिर और गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम - 2025, 17-21 मार्च 2025।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 243

आलोक ठक्कर: 32
चिरोम अमित सिंह: 11
अरविंद कुमार कैरो: 12
पूनम सागर: 8
मनीष वर्मा: 7
राकेश कुमार: 18
राजीव कुमार: 35
शुचिता सिंह पचौरी: 8
अनुप सिंह: 4
कपिल सिक्का: 28
प्रेम सागर: 28
हितेश वर्मा: 26
स्मृति पांडा: 26

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
154	148	243

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 51

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति

2022-2023	2023-2024	2024-2025
36	28	51

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. सिर एवं गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में वायु-पाचन तंत्र के दूसरे प्राथमिक ट्यूमर की घटनाओं को कम करने हेतु करक्यूमिन तथा मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक चरण IIb/III अध्ययन राजीव कुमार (साइट पीआई), एनसीजी, 6 वर्ष, 2020-2026, 420 लाख रुपये

2. गंभीर एवं अत्यधिक जन्मजात संवेदी तंत्रिका श्रवण हानि से ग्रस्त बच्चों को वाक् शिक्षण देने हेतु वाक् चिकित्सा सॉफ्टवेयर का एक प्रायोगिक अध्ययन, अरविंद कुमार कैरो,आईसीएमआर, 3 वर्ष 2025-2028, 30 लाख रुपये

3. लक्षणात्मक बाल रोगियों में एडेनोइड अतिवृद्धि पर नासिका कॉर्टिकोस्टेरॉइड एवं एंटीहिस्टामिनिक की तुलना में प्रणालीगत ओमालिज़ुमाब के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित

9.27_.indd 723 1/15/2026 4:46:16 PM

पायलट अध्ययन, प्रेम सागर (मुख्य मार्गदर्शक), डॉ. मनप्रीत (पीजी थीसिस उम्मीदवार), एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष 2024-2026, रुपये2 लाख

4. वृद्ध लोगों में श्रवण हानि के साथ दुर्बलता, संज्ञानात्मक शिथिलता एवं संबंधित सह-रुग्णताओं पर एक अध्ययन, कपिल सिक्का, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 30.90 लाख रुपये

5. सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार का स्वायत्त तंत्रिका तंत्र पर तीव्र एवं दीर्घकालिक प्रभाव, स्मृति पांडा, आईसीएमआर - बाह्य लघु अनुदान, 3 वर्ष, 2025-2028, 84.46 लाख रुपये

6. आलोक ठक्कर द्वारा संचालित चिकित्सा नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (एआईएमएस बायोनेस्ट), 4 वर्ष, 2020 - वर्तमान, 475 लाख रुपये

7. भारत के चार क्षेत्रों में श्रवण बाधित बच्चों के प्रारंभिक निदान और वाक् एवं भाषा प्रशिक्षण के लिए समुदाय आधारित मॉडल: मिश्रित पद्धति कार्यान्वयन अध्ययन। चिरोम अमित सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 778.76 लाख रुपये

8. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब की सफाई हेतु एक नए यांत्रिक हस्तचालित सक्शन उपकरण का निर्माण और नैदानिक सत्यापन: एक पायलट अध्ययन, प्रेम सागर (मुख्य मार्गदर्शक), डॉ. रितु डूडी (पीजी थीसिस उम्मीदवार), एम्स, नई दिल्ली आंतरिक परियोजना, ए-832, 2 वर्ष, 2023-2025, 2 लाख रुपये

9. पोस्ट ऑपरेटिव हेड एंड नेक फिस्टुला हीलिंग के लिए इंट्राग्लैंडुलर बोटुलिनम टॉक्सिन (बॉन्ट) इंजेक्शन - एक पायलट अध्ययन, स्मृति पांडा, इंट्राम्यूरल अर्ली करियर ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 5.85 लाख रुपये

10. मेनियर रोग में रोग शारीरिक क्रियाविधियों एवं बायोमार्करों की जांच: एक बहु उद्देशीय अध्ययन, अनूप सिंह रियाज़ मीर अहमद, एम्स-दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 20 लाख रुपये

11. ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ओएसएफ) के चिकित्सीय उपचार हेतु विशिष्ट यूनानी दवा का स्थानीय अनुप्रयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।अरविंद कुमार कैरो, सीसीआरएम, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष 2023-2025, 35 लाख रुपये

12. आक्रामक और जटिल लैरींगोट्रैकियल और पल्मोनरी आवर्ती श्वसन पैपिलोमैटोसिस वाले रोगियों में सिस्टमिक बेवाकिज़ुमाब थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु संभावित अध्ययन राजीव कुमार,एम्स आंतरिक सहयोगी अनुसंधान परियोजना,3 वर्ष, 2021-2024, 20 लाख रुपये

13. रोगी-व्युत्पन्न ट्यूमर मॉडल के एकल-कोशिका प्रोफाइलिंग द्वारा मुख कैंसर में रेडियो प्रतिरोध तंत्र के विकास का अध्ययन, हितेश वर्मा/डॉ. आर.पी. सिंह (जेएनयू), आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2024, 54.37 लाख रुपये

14. किशोर नासोफेरिंजियल एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करने हेतु अध्ययन।राजीव कुमार,एम्स आंतरिक अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष, 2021-2024, 20 लाख रुपये

15. प्रत्यारोपण योग्य एवं नैदानिक उपकरणों (कान, नाक एवं गला, ऑप्थेल्मिक्स एवं अस्थिरोग) के पूर्व अनुपालन और नैदानिक सत्यापन के संचालन हेतु, कपिल सिक्का, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2024-2029, 1495.00 लाख रुपये।

9.27_.indd 724 1/15/2026 4:46:16 PM

16. इनवेसिव साइनोनासल म्यूकोमाइकोसिस में लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी के साथ आउट पेशेंट एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी (ओपीएटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने हेतु, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण किया गया। पूनम सागर, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

17. इन्फ्रेटेम्पोरल फोसा हेतु ट्रांसऑर्बिटल दृष्टिकोण - एक शव संबंधी अन्वेषणात्मक अध्ययन, अनूप सिंह, एम्स-दिल्ली, 2 वर्ष 2024-2026, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. सिर एवं गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज हेतु एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरोइड का विकास हितेश वर्मा/आरपी सिंह डीपीआरपी योजना के अंतर्गत डीएसटी 3 वर्ष, 2021-2024, 300 लाख

2. किशोर नासोफेरिंजियल एंजियोफाइब्रोमा में एक्सोम अनुक्रमण एवं आणविक लक्षण वर्णन 2021-22, हितेश वर्मा/भूपिंदर वर्मा, एम्स रिसर्च, 2 साल, 2021-2024, 20 लाख

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित) जारी

1. नवजात शिशु की श्रवण क्षमता की जांच के उपकरण के रूप में भ्रूण वाइब्रोएकॉस्टिक स्टीमूलेशन की व्यवहार्यता एवं सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

2. सर्जरी से पहले एवं सर्जरी के 3 महीने बाद नैदानिक, एंडोस्कोपी तथा विकिरण विज्ञान निष्कर्षों सहित डीएनएस में राइनोमैनोमेट्री निष्कर्षों के सहसंबंध का पता लगाने हेतु एक संभावित अध्ययन।

3. वृद्धावस्था में सिर एवं गर्दन के कैंसर से पीड़ित रोगियों में शल्य चिकित्सा संबंधी जटिलताओं का पता लगाने में विभिन्न दुर्बलता स्क्रीनिंग उपकरणों की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन।

4. एएफआरएस रोगियों में स्टेरॉयड नेज़ल डूश एवं एंटीफंगल दवाओं की प्रभावकारिता पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - नैदानिक, विकिरण विज्ञान एवं जैव रासायनिक सहसंबंध

5. लक्षण वाले बाल रोगियों में एडेनोइड हाइपरट्रॉफी पर सिस्टमिक ओमालिज़ुमैब के प्रभाव की तुलना नेज़ल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और एंटीहिस्टामिनिक्स के प्रभाव से करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।

6. कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के बाद नाक के पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनुसाइटिस में पुनरावृत्ति को रोकने हेतु मौखिक स्टेरॉयड और इंट्रानेजल कॉर्टिकोस्टेरॉयड की दोहरी चिकित्सा बनाम केवल इंट्रानेजल कॉर्टिकोस्टेरॉयड के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. एंडोस्कोपिक एवं माइक्रोस्कोपिक स्टेपीज़ सर्जरी के परिणामों की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

8. सिर एवं गर्दन के पैरागैंग्लियोमा की आक्रामकता और माइटोकॉन्ड्रियल सुपरऑक्साइड उत्पादन: एक अवलोकन संबंधी भावी अध्ययन।

9. नवजात शिशुओं की सार्वभौमिक श्रवण जांच कार्यक्रम का मूल्यांकन करने हेतु उभय-दृष्टि अध्ययन

9.27_.indd 725 1/15/2026 4:46:16 PM

10. कान की सर्जरी वाले बच्चों में श्रवण एवं संज्ञानात्मक प्रदर्शन का आकलन: एक तुलनात्मक अध्ययन।

11. गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड्स में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में फाइन नीडल एस्पिरेट एवं कोर नीडल बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने हेतु क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण।

12. टी1-टी3 जीभ के कैंसर में एक्स-विवो अल्ट्रासाउंड द्वारा गहरे मार्जिन के आकलन एवं ताज़ा जमे हुए अनुभाग विश्लेषण के तुलनात्मक अध्ययन: व्यवहार्यता अध्ययन

13. एकतरफा माइक्रोशिया से पीड़ित रोगियों में सतही टेम्पोरल धमनी और पश्च कर्ण धमनी की शारीरिक भिन्नताओं का वर्णनात्मक अध्ययन एवं कर्ण पुनर्निर्माण सर्जरी में शल्य चिकित्सा परिणामों पर इसके प्रभाव का अध्ययन।

14. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब की सफाई के लिए एक नए यांत्रिक हैंडहेल्ड सक्शन उपकरण का निर्माण और नैदानिक सत्यापन: एक पायलट अध्ययन

15. एडेनोइड अतिवृद्धि से पीड़ित बच्चों में यूस्टेशियन ट्यूब के कार्य पर मैक्सिलरी आकृति विज्ञान का प्रभाव: एक अवलोकन अध्ययन

16. अत्यंत उन्नत अवस्था वाले मुख कैंसर के रोगियों में शल्य चिकित्सा संबंधी निर्णय एवं शल्य चिकित्सा परिणामों पर एनएटीसी का प्रभाव

17. स्थानीय रूप से उन्नत विभेदित थायरॉइड कैंसर में लेनवेटिनिब का प्रयोग करके नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी - एक ओपन लेबल चरण II अध्ययन

18. स्कल के पार्श्व भाग में ट्यूमर हेतु शल्य चिकित्सा द्वारा उपचारित रोगियों के परिणाम, जीवन की गुणवत्ता के विशेष संदर्भ में।

19. आपातकालीन विभाग में तीव्र पदार्थ के सेवन के बाद आने वाले रोगियों में स्वरयंत्र एवं ग्रसनी की चोट के पैटर्न

20. टाइप 1 टिम्पेनोप्लास्टी का संभावित ऑडिट एवं परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन

21. जन्मजात गंभीर अज्ञातहेतुक गैर-सिंड्रोमिक एसएनएलएच से पीड़ित बाल रोगियों में विद्युत प्रतिबाधा माप एवं श्रवण कौशल विकास पर कॉक्लियर इम्प्लांट के इंट्रा-ऑपरेटिव स्विच ऑन (आईओएसओ) के प्रभाव का विश्लेषण करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कॉक्लियर इम्प्लांट के विलंबित स्विच ऑन की तुलना में।

22. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में शल्य चिकित्सा के परिणामों में सुधार लाने में पूर्व-ऑपरेशनल पोषण संबंधी इंटरवेंशन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

23. पीसीएफ में कमी लाने हेतु टोटल लैरिंजेक्टॉमी के बाद ग्रासनली को बंद करने में बार्बेड सिवनी बनाम विक्रिल सिवनी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने वाला अध्ययन

24. टी2-टी3 ओरल जीभ स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में कम्पार्टमेंटल ग्लोसेक्टॉमी एवं मानक वाइड मार्जिन एक्सिशन में शल्य चिकित्सा परिणाम - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

9.27_.indd 726 1/15/2026 4:46:16 PM

25. स्वरयंत्र और हाइपोफेरिंजियल कार्सिनोमा में डीओआई का आकलन करना एवं परिणामों को नोडल मेटास्टेसिस के साथ सहसंबंधित करना।

26. ओरल जीभ के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी की तुलना में, एक्स विवो अल्ट्रासाउंड (यूएसजी) और फ्रोजन सेक्शन विश्लेषण द्वारा निकाले गए नमूने के गहरे मार्जिन के विश्लेषण में सटीकता और संगति का निर्धारण करना।

27. लैरिंजोट्रैकियल स्टेनोसिस में खराब पूर्वानुमान कारकों का मूल्यांकन करने हेतु: एक एम्बिसपेक्टिव अध्ययन

28. कोक्लियर इम्प्लांटेशन वाले जन्मजात गंभीर एसएनएलएचएल रोगियों में कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी पर संभावित श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि परिवर्तनों का मूल्यांकन करना।

29. चिकित्सा उपचार के साथ-साथ लगातार मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित रोगियों में उपचार पद्धति के रूप में पोस्टीरियर नेज़ल न्यूरेक्टॉमी की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. रेडियल धमनी फॉरार्म फ्री फ्लैप एवं इन्फ्राहयोइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप के साथ जीभ पुनर्निर्माण के बाद कार्यात्मक परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन

2. एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल से डिस्चार्ज रोगियों में नर्स द्वारा शुरू की गई अनुवर्ती टेली-परामर्श के प्रति रोगी संतुष्टि का आकलन करने हेतु एक लॅबवत सर्वेक्षण।

3. सेप्टोरिनोप्लास्टी वाले रोगियों में वस्तुनिष्ठ एवं सौंदर्य संबंधी परिणामों को मापने हेतु एक संभावित अध्ययन

4. कोविड-19 से संबंधित म्यूकोरमाइकोसिस से पीड़ित रोगियों में साइनो-नेज़ल म्यूकोसा में एसीई-2 रिसेप्टर की अभिव्यक्ति

5. जन्मजात लैरिंजोट्रेकियोमैलेशिया से पीड़ित बाल रोगियों में ट्रेकियोमैलेशिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु उभय-प्रवस्थित समूह अध्ययन (सीटीआरआई/2023/06/054248)

6. ओसीएससीसी के रोगियों में विपरीत दिशा में नोडल मेटास्टेसिस से संबंधी विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर एवं एकतरफा नोडल कारकों का आकलन करने हेतु उभय-दृष्टि अध्ययन।

7. सिर और गर्दन के कैंसर में सुप्राक्लेविकुलर धमनी द्वीप फ्लैप [एससीएआईएफ] पुनर्निर्माण की उपयोगिता का मूल्यांकन करने हेतु उभय-दृष्टि अध्ययन

8. साइनसाइटिस, इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस एवं नॉन-इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस के मामलों में एचएलए, फैगोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन

9. एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के संबंध में भर्ती रोगियों की संतुष्टि पर आधारित ओएमआर शीट आधारित प्रतिक्रिया सर्वेक्षण।

10. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के वेस्टिबुलर फंक्शन पर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन (सीटीआरआई/2023/07/054709)

11. लार में पाए जाने वाले माइक्रोआरएनए: तंबाकू उपयोगकर्ताओं एवं तंबाकू का सेवन न करने वालों में आणविक परिवर्तनों के दौरान जैव-चिह्नक के रूप में इनकी उपयोगिता

9.27_.indd 727 1/15/2026 4:46:17 PM

12. वेस्टिबुलर तंत्र पर कॉक्लियर इम्प्लांट के अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बचावकारी पूर्ण स्वरयंत्र विच्छेदन के बाद ग्रसनी-त्वचीय फिस्टुला की दर को कम करने में पेक्टोरलिस मेजर मायोफेशियल फ्लैप की उपयोगिता का एक चरण III, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, बहुकेंद्रित, टीएमएच, मुंबई
2. थायरोग्लोसल डक्ट सिस्ट में उत्पन्न होने वाले कार्सिनोमा के मूल्यांकन एवं उपचार के रुझान - एक बहु-संस्थागत अनुभव, मल्टीसेंट्रिक, टीएमएच, मुंबई
3. माउस के कॉर्टी अंग से प्राप्त कोशिका लाइनों में बाल कोशिका विभेदन पर सीआरआईएसपीआर-मध्यस्थ एटीओएच1 नॉक-इन का मूल्यांकन, जैव रसायन विभाग
4. उच्च श्रेणी के लार ग्रंथि कैंसर में चिकित्सकीय रूप से उपयोगी लक्ष्यों का पता लगाने हेतु विशिष्ट आणविक परिवर्तनों एवं ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का मूल्यांकन, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, विकृति विज्ञान विभाग
5. सीओएसओएम से पीड़ित रोगियों में वेस्टिबुलर कार्यप्रणाली का मूल्यांकन, सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू
6. ऊपरी श्वसन संक्रमण में रोग के परिणाम पर नाक के माइक्रोबायोम में एंटीबायोटिक-मध्यस्थता वाले डिसबायोसिस के प्रभाव के प्रमाण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एसईएएस, बेनेट विश्वविद्यालय के साथ सहयोगी परियोजना
7. बाल चिकित्सा कैंसर से बचे रोगियों में सिस्प्लैटिन-प्रेरित श्रवण हानि के आनुवंशिक लक्षण, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. वृद्धों में उम्र से संबंधित विशेष संवेदी हानि के मानसिक स्वास्थ्य, संज्ञानात्मक क्षमता एवं जीवन की गुणवत्ता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव, जराचिकित्सा विभाग।
9. श्वसन तंत्र संबंधी विकार (ओएसए) में ऑक्सीडेटिव एवं सूजन संबंधी प्रक्रियाओं पर आंतरायिक हाइपोक्सिया का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
10. बच्चों में मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस हेतु इंट्रा-नेज़ल स्टेरॉयड एकल और लेवोसेटिरिज़िन तथा/या मोंटेलुकास्ट के साथ संयोजन में: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण बाल रोग विभाग, नई दिल्ली
11. ओरल एससीसी के विभिन्न चरणों में एचएसपी 70 परिवार के प्रोटीनों की विभेदक जीन अभिव्यक्ति की जांच, जैव रसायन विभाग
12. नोवार्टिस फार्मास्युटिकल्स द्वारा किए गए एक चरण 3 नैदानिक परीक्षण (एसटीईईआर) में, देर से शुरू होने वाले टाइप-2 स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित उन रोगियों में इंट्रा-थैकल ओएवी101 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, शम-नियंत्रित, डबल ब्लाइंड अध्ययन किया गया, जिनकी आयु $\geq$ 2 से < 18 वर्ष है, जो पहले कभी उपचार प्राप्त नहीं कर चुके हैं, बैठे रहते हैं और कभी चल-फिर नहीं पाए हैं। ClinicalTrials.gov पहचानकर्ता: एनसीटी05089656

9.27_.indd 728 1/15/2026 4:46:17 PM

13. बाल चिकित्सा जन्मजात लैरिंगोमैलेशिया का पेरिऑपरेटिव एनेस्थेटिक उपचार - एक पूर्वव्यापी अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के पूर्ववर्ती घावों में संभावित नैदानिक एवं रोगनिदान संबंधी बायोमार्कर, विकृतिविज्ञान

15. संभावित घातक घाव एटलस परियोजना: एक नवीन, प्वाइंट-ऑफ-केयर निदान की प्रभावकारिता का सत्यापन और एक एकीकृत बहुआयामी, पूर्वानुमानित नोमोग्राम का विकास, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, निवारक अर्बुद विज्ञान विभाग, एनसीआई एम्स

16. तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में वेस्टिबुलर श्वानोमा के रोगियों में वेस्टिबुलर शिथिलता की व्यापकता और पैटर्न, जिनका ऑपरेशन किया जा रहा है।शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. थायरॉइड कैंसर में आर2टीपी अभिव्यक्ति और इसका महत्व, जैव रसायन विभाग

18. सिर और गर्दन के कैंसर के लिए निश्चित कीमोथेरेपी एवं विकिरण उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों में संज्ञानात्मक हानि को कम करने में सेलेकॉक्सिब की भूमिका: एक चरण II यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, एएससीओ, कॉन्कर कैंसर फाउंडेशन इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट 2023, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

19. स्लीप माइक्रो आर्किटेक्चर और संज्ञानात्मक कार्य, ओएसए में, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

20. किशोर नासोफेरिंजियल एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करने हेतु अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. हाइपकॉन ट्रायल 2: सिर एवं गर्दन के कैंसर में हाइपो-फ्रैक्शनेटेड बनाम पारंपरिक सहायक समवर्ती कीमोरेडिएशन थेरेपी का मूल्यांकन करने वाला एक चरण II यादृच्छिक अध्ययन, विकिरणथेरेपी विभाग

22. एसडब्ल्यूओएआर परीक्षण: सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मानक आईएमआरटी की तुलना में डिस्फेजिया-एस्पिरेशन संबंधित संरचनाओं एवं सबमैंडिबुलर ग्रंथि को बचाते हुए इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड विकिरणथेरेपी (एसडब्ल्यूओएआर-आईएमआरटी) का मूल्यांकन करने वाला एक चरण III परीक्षण, विकिरणथेरेपी विभाग।

23. स्तनधारियों के आंतरिक कान की कोशिकाओं पर आनुवंशिक हेरफेर के प्रभाव पर एक अध्ययन, जैव रसायन विज्ञान

24. जीन अभिव्यक्ति एवं स्थानिक प्रोटीओमिक प्रोफाइलिंग का उपयोग करते हुए विभिन्न ग्रेड के फॉलिक्युलर सेल-व्युत्पन्न थायरॉइड कार्सिनोमा के ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का अध्ययन, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित, विकृति विज्ञान विभाग

25. संवहनी विकृति में ओरल सिरोलिमस की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए: एक संभावित पायलट मूल्यांकनकर्ता-अंधा हस्तक्षेप अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

26. लार ग्रंथि के ट्यूमर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई एवं शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए, विकिरण विज्ञान विभाग।

9.27_.indd 729 1/15/2026 4:46:17 PM

27. म्यूकोरमाइकोसिस से पीड़ित वयस्क रोगियों में उपचार नीतियाँ एवं नैदानिक परिणाम: एक एंबिस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल कोहोर्ट अध्ययन। चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

28. सिर और गर्दन के कैंसर में सीटी डीएनए का पता लगाने हेतु एक नई विधि के रूप में डीडीपीसीआर की उपयोगिता, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान विभाग

29. निम्न श्रेणी के लार ग्रंथि एडेनोकार्सिनोमा में पीआरकेडी और एसएस18 जीन परिवर्तनों का मूल्यांकन, एम्स इंट्राम्यूरल अंडरग्रेजुएट रिसर्च ग्रांट (2024-2025)

30. गर्भाशय ग्रीवा के लिम्फनोड्स में मेटास्टेटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में फाइन नीडल एस्पिरेट और कोर नीडल बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने हेतु क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण, सहयोगी अंतर्विभागीय अध्ययन, एम्स

31. जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में क्रोनिक ओटिटिस मीडिया से पीड़ित वयस्क रोगियों में व्यक्तिपरक दृश्य वर्टिकल का उपयोग करके वेस्टिबुलर कार्यों का तुलनात्मक मूल्यांकन।

32. द्वितीयक ग्लोसोफेरिंजियल न्यूराल्जिया में पल्स रेडियो-फ्रीक्वेंसी बनाम पारंपरिक रेडियो-फ्रीक्वेंसी की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

33. गंभीर ब्रोंकोपल्मोनरी डिसप्लेसिया वाले नवजात शिशुओं में रोग के लक्षण: एक वर्णनात्मक समूह अध्ययन बाल रोग विभाग, नवजात शिशु विज्ञान प्रभाग, एम्स, नई दिल्ली

34. मध्य कान और थैलीनुमा कार्यप्रणाली पर कॉक्लियर प्रत्यारोपण का प्रभाव, एआईआईएसएच, मैसूरु के साथ सहयोगी परियोजना

पूर्ण

1. किशोर नासोफेरिंजियल एंजियोफाइब्रोमा में एक्सोम अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन,एम्स नई दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ सहयोगी परियोजना

2. ऑल फेक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफाइल का मूल्यांकन**,** विकृति विज्ञान विभाग

3. म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण का आणविक आधार,जैव प्रौद्योगिकी

4. उत्तर भारत के एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में आने वाले गंभीर से लेकर अत्यधिक श्रवण हानि से ग्रस्त बच्चों एवं किशोरों में आघातजन्य दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्नबाल दंत चिकित्सा, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में किए गए अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	16	20	17
कुल वित्त पोषण	970.00 लाख रुपये	1054.00 लाख रुपये	2590.00 लाख रुपये

9.27_.indd 730 1/15/2026 4:46:17 PM

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 40 सार: 13 पुस्तक में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित पुस्तकें

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	76	154	**55**
पत्रिकाओं में लेख	50	72	40
सारांश	7	7	13
पुस्तकों में अध्याय	9	74	2
पुस्तकें	-	1	-

रोगी उपचार

ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर एवं माइनर ओटी सेवाओं के अतिरिक्त, विभाग ऑडियोलॉजी और स्पीच विकृति विज्ञान की एक पुनर्वास इकाई और ऑडियोलॉजी और कोक्लियर इम्प्लांट सहित स्कल बेस, राइनोलॉजी, वर्टिगो, आवाज तथा निगलने में विशेषज्ञ क्लीनिक सप्ताह में दो बार सिर एवं गर्दन के कैंसर क्लिनिक चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ एवं आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान करता है। आंकड़े इस प्रकार हैं:

वार्ड में भर्ती: डी4 वार्ड: 8403*

*लंबे समय हेतु भर्ती: 4600
*अल्पकालिक भर्ती: 3803

ऑपरेशन किए गए रोगियों की संख्या

मुख्य ऑपरेशन थिएटर: *प्रमुख मामले-4468 *मामूली मामले-262

कुल - 4730

लघु ऑपरेशन थिएटर (ओपीडी) प्रक्रियाएं: 35130

ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या
नए रोगी - 39984 पुराना पंजीकरण -83411
कुल - 123395

आरयूएएस में देखे गए रोगियों की कुल संख्या: 6607*
*नए रोगी: 3227 *पुराने पंजीकरण: 3380

कुल किए गए ऑडियोलॉजिकल परीक्षण (पीटीए + टिम्पेनोमेट्री + एफएफए + बेरा + ओएई + एएसएसआर): 23185

9.27_.indd 731 1/15/2026 4:46:17 PM

चिकित्सा बोर्ड

मेडिकल बोर्ड की कुल संख्या: 67

यूडीआईडी (अद्वितीय विकलांगता आईडी)

जारी किए गए प्रमाणपत्रों की कुल संख्या: 145

विशेष क्लीनिकों में मामलों की संख्या

क्रमांक	क्लिनिक	नए मामले	पुराने मामले	कुल
1	चक्कर आना	121	283	404
2	ओटोलॉजी	54	28	82
3	कॉक्लियर इम्प्लांट	139	112	251
4	आवाज	221	92	313
5	राइनोलॉजी	82	37	119
6	सिर एवं गर्दन का कैंसर	1160	6544	7704
7	एचएनआरसी (सिर और गर्दन पुनर्वास क्लिनिक)	150	216	366
8	विकिरण विज्ञान सम्मेलन	650	120	770
9	नवजात शिशु की श्रवण जांच	2721	278	2999
10	शुल्क	632	0	632
11	स्कल बेस क्लिनिक	11	5	16

एनसीआई (झज्जर)

ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या:
नए रोगी- 1118 पुराने पंजीकरण - 8282
कुल - 9400

आईपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या:

ऑपरेशन किए गए रोगियों की संख्या
प्रमुख मामले: 330 छोटे मामले:880
कुल - 1210

सामुदायिक सेवा क्लीनिक
बल्लभगढ़ के सामुदायिक अस्पताल में सप्ताह में दो बार क्लीनिक, सप्ताह में एक बार परिचालन सुविधाओं सहित

9.27_.indd 732 1/15/2026 4:46:17 PM

गुड़गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में साप्ताहिक क्लीनिक
आईआईटी दिल्ली के सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लीनिक
विभाग झज्जर स्थित आउटरीच ओपीडी में प्रतिदिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। साथ ही सप्ताह में तीन बार ओटी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

मद	2022-23	2023-24	2024-25
ओपीडी परामर्श	96497	118851	123395
विशेष क्लिनिक परामर्श	10379	13187	13656
रोगी को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	6513	6412	6607
कुल भर्ती रोगी	1810	3323	8403

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर आलोक ठक्कर को लिवरपूल हेड-नेक सेंटर के नीतिक सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया गया था। वे सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) के परियोजना प्रभारी थे। वे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के ईएनटी विशेषज्ञ थे। वे भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के सलाहकार (ईएनटी) थे। वे राष्ट्रीय बहरेपन की रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। वे चिकित्सा उपकरणों पर स्थायी राष्ट्रीय समिति की उपसमिति के सह-अध्यक्ष थे। वे एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायरॉइड सर्जरी (एपीटीएस) के परिषद सदस्य थे। वे ग्लोबल हेल्दी हियरिंग इयर्स के सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। वे दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए श्रवण देखभाल पर डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के हेड-नेक अर्बुद विज्ञान विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य थे। वे हेड-नेक ऑन्को सर्जरी पर शिकागो विश्वविद्यालय-यूसीएमएस वेबिनार श्रृंखला के वैज्ञानिक निदेशक थे। उन्होंने 3 मुख्य व्याख्यान दिए हैं।

प्रोफेसर राकेश कुमार एसोसिएशन ऑफ ओटोरिनोलैरिंगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (दिल्ली शाखा) के अध्यक्ष 2024-2025 में, वे एमएचडी-04 बीआईएस के अध्यक्ष थे, जो ईएनटी उपकरणों के मानक की देखरेख करते थे। निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों तथा संघों के सदस्य; क) भारत के ओटोलैरिंगोलॉजिस्टों का संघ; ख) भारत की फेशियल रिकंस्ट्रक्टिव सोसायटी के सदस्य; ग) भारत के कॉक्लियर इम्प्लांट ग्रुप के सदस्य; घ) भारत की न्यूरो-ओटोलॉजिकल और इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसायटी के सदस्य; ङ) अखिल भारतीय राइनोलॉजी सोसायटी के सदस्य; च) एओआई दिल्ली राज्य शाखा के सदस्य; छ) दिल्ली चिकित्सा परिषद के सदस्य।

प्रोफेसर कपिल सिक्का उन्हें 2022 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफएसीएस) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया। वे इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, लैरिंजोस्कोप इन्वेस्टिगेटिव ओटोलैरिंगोलॉजी और इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी के समीक्षक थे। वे एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा के संयुक्त सचिव थे। वे एम्स के मेडिकल बोर्ड के सदस्य थे। वे फाउंडेशन फॉर हेड नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ) के मानद कोषाध्यक्ष (2023) थे। वे एम्स की रिसर्च डायरेक्टरी की संपादकीय टीम के सदस्य थे। वे एओआई दिल्ली राज्य शाखा की कार्यकारी समिति के सदस्य थे। वे एडीआईपी कॉक्लियर इम्प्लांट प्रोग्राम के कार्यान्वयन के लिए सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की शैक्षणिक गतिविधियों हेतु पैनल में शामिल संकाय सदस्य थे। वे बीएमजे इनोवेशन के समीक्षक थे। वे इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी के सहायक संपादक थे। वे एम्स के राष्ट्रीय बधिर निवारण

9.27_.indd 733 1/15/2026 4:46:17 PM

एवं नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी थे। एम्स में एबीआई कार्यक्रम शुरू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। 20 जनवरी 2025 को एम्स में पहली एबीआई सर्जरी के मूल्यांकन एवं उसमें शामिल होने में भी उनका योगदान रहा। वे 2024 में एम्स की ओटोरिनोलैरिंगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी (ओआरएसए) के उपाध्यक्ष थे। उन्हें 28 मार्च 2024 को नई रा.कु. ओपीडी में अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया। उन्होंने 27-29 सितंबर 2024 को उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिनोलॉजिस्ट के 41वें वार्षिक सम्मेलन में "श्रवण हानि: उभरते परिदृश्य और समाधान" विषय पर "प्रोफेसर आर.एन. मिश्रा यूपीएओआई भाषण" दिया। यह सम्मेलन 27-29 सितंबर 2024 को एम्स, वाराणसी में आयोजित हुआ था।

प्रोफेसर चिरोम अमित सिंह उन्होंने 27-30 नवंबर 2024 को जीवित चूहे के मॉडल पर माइक्रोवास्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला का संचालन किया। वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तकनीकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य थे।

प्रोफेसर राजीव कुमार को प्राप्त शैक्षणिक पुरस्कार: "प्रि-वस्कुलर फेशियल नोड्स" पर मेरे काम के लिए वर्ष 2024-25 का सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार।- *संवहनी चेहरे की ग्रंथियां: मसूड़ों और मुख के जटिल कैंसर में मेटास्टेसिस हेतु प्रहरी स्टेशन* दिल्ली एओआई द्वाराएसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली राज्य शाखा) का 46वां वार्षिक सम्मेलन 27-29 सितंबर 2024 को आयोजित। उन्हें वीडियो प्रस्तुति के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया दिल्ली एओआई द्वारा "ओपन पार्शियल सुप्राग्लोटिक लैरिंजेक्टोमी की सर्जिकल तकनीक" श्रेणी में आरपी सोनी वीडियो प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (दिल्ली राज्य शाखा) का 46वां वार्षिक सम्मेलन यह कार्यक्रम 27-29 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया था। वह क्लिनिकल ईएनटी उपविशेषज्ञता, एल्सेवियर (ऐप आधारित) में संपादक थे। वे निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों और संघों के सदस्य थे: इंडियन सोसाइटी ऑफ ओटोलॉजी (आईएसओ/एलएम/1134); एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एलएम - 4070); फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (एलएम-280); न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया; ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसाइटी; एओआई दिल्ली राज्य शाखा (एलएम-572); दिल्ली मेडिकल काउंसिल (41154); यूरोपियन हेड नेक सोसाइटी (ईएचएनएस); एशिया पैसिफिक थायरॉइड सोसाइटी (एपीटीएस); नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएएनएएमएस); इंडियन एकेडमी ऑफ ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी - हेड नेक सर्जरी (677); इंडियन सोसाइटी ऑफ थायरॉइड के सर्जन्स थे (आईएसटीएस; एलएम -298)। वह एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया के आधिकारिक प्रकाशन - इंडियन जर्नल ऑफ कान, नाक एवं गला एंड हेड एंड नेक सर्जरी के समीक्षक थे, 21 फरवरी 2013 से। वे जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स, इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग, क्लिनिकल ओटोलैरिंगोलॉजी, वर्ल्ड जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी, बीएमजे केस रिपोर्ट्स और क्युरियस के समीक्षक भी रह चुके हैं।

प्रोफेसर प्रेम सागर को स्वर्ण पदक 27-29 अक्टूबर 2024 को प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली स्टेट (दिल्ली एओआईसीओएन 2024) के 46वें वार्षिक सम्मेलन में "आंतरिक कान के स्वास्थ्य के एक सुसंगत मार्कर के रूप में सीरम प्रेस्टिन स्तर: मेनियर रोग में मानक मूल्य एवं भूमिका निर्धारित करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन" शीर्षक वाले पेपर हेतु वरिष्ठ सलाहकार पुरस्कार पेपर प्रस्तुति में रजत पदक प्रदान किया गया। उन्हें वरिष्ठ सलाहकार पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया: एम्स, पटना द्वारा आयोजित 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन, सीजीआईकॉन 2024 (30-31 अगस्त से 1 सितंबर 2024) में "कोक्लियर प्रत्यारोपण के बाद वेस्टिबुलर फ़ंक्शन में परिवर्तन: सर्जरी के प्रभाव एवं कोक्लियर प्रत्यारोपण के निरंतर उपयोग का मूल्यांकन" शीर्षक पर मौखिक प्रस्तुति के लिए। उन्हें भारतीय ओटोलॉजी सोसायटी के 32वें वार्षिक राष्ट्रीय

9.27_.indd 734 1/15/2026 4:46:18 PM

सम्मेलन, आईएसओकॉन 2024 (आगरा, उत्तर प्रदेश, 8-10 नवंबर 2024) में "भ्रूण वाइब्रोएकॉस्टिक उत्तेजना द्वारा प्रसवपूर्व श्रवण स्क्रीनिंग: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन के अंतरिम परिणाम" शीर्षक पर शोध पत्र हेतु वरिष्ठ सलाहकार पुरस्कार श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार/रजत पदक प्राप्त हुआ। वे एम्स, नई दिल्ली में आयोजित न्यूरो-ओटोलॉजी अपडेट (20-22 फरवरी 2025) के आयोजन सचिव थे। 21 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में प्रोफेसर मिलिंद वसंत कीर्तने द्वारा आयोजित तीसरे प्रोफेसर एस.के. काकर भाषण समारोह में उन्होंने भाग लिया। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एबी-पीएमजेएवाई के तहत ईएनटी स्वास्थ्य लाभ पैकेजों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह के सदस्य रहे। वे भारत सरकार के मानक उपचार दिशानिर्देश, स्वास्थ्य लाभ पैकेज, गुणवत्ता आश्वासन परियोजना/कार्य के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के चिकित्सा प्रकोष्ठ में विशेषज्ञ थे। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एमएचडी 04 के तहत ईएनटी शल्य चिकित्सा उपकरणों के मानक निर्धारण एवं देखरेख करने वाली ईएनटी अनुभागीय समिति के सह-सदस्य। उन्होंने अपने आविष्कार "ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब की सफाई के लिए एक प्रणाली" के पेटेंट हेतु आवेदन किया है (भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या- 202311022027)। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सदस्य। सदस्य: **क**. सोसाइटी ऑफ ईयर नोज एंड थ्रोट एडवांसमेंट इन चिल्ड्रन, फिलाडेल्फिया, यूएसए। **ख**. राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी; **ग**. कॉक्लियर इम्प्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया; **घ**. न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया; **ङ**. इंडियन सोसाइटी ऑफ ओटोलॉजी; **च**. एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया; **छ**. फाउंडेशन फॉर हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी; **ज**. ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसाइटी; **झ**. फेशियल रिकंस्ट्रक्टिव एंड कॉस्मेटिक सर्जरी ट्रस्ट (भारत); **ञ**. एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा। वे क्लिनिकल की नाउ, ईएनटी उप-विशेषज्ञता, एल्सेवियर (ऐप आधारित) में कार्यकारी संपादक थे। वे **क**. ओआरएल, कारगर पब्लिशर्स; **ख**. एनाल्स ऑफ ओटोलॉजी, राइनोलॉजी एंड लैरिंगोलॉजी; **ग**. इंडियन पीडियाट्रिक्स जर्नल **घ**. डेवलपमेंटल मेडिसिन एंड चाइल्ड न्यूरोलॉजी, अमेरिकन एकेडमी फॉर सेरेब्रल पाल्सी एंड डेवलपमेंटल मेडिसिन और ब्रिटिश पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एसोसिएशन की आधिकारिक पत्रिका **ङ**. छाती, अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियंस का आधिकारिक प्रकाशन **च**. इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी एंड हेड नेक सर्जरी; **छ**. इंटरनेशनल आर्काइव्स ऑफ कान, नाक एवं गला; **ज**. एलर्जी एंड राइनोलॉजी; **झ**. ट्रेंड्स इन एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर; **ञ**. जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल रिसर्च; **ट**. बीएमजे इनोवेशन्स; **ठ**. बीएमजे केस रिपोर्ट्स; **ड**. फ्रंटियर्स इन सर्जरी, सेक्शन कान, नाक एवं गला एंड हेड नेक सर्जरी; **ढ**. क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस; **ण**. लाइफ जर्नल; **त**. इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; **थ**. जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन, ओटोलैरिंगोलॉजी सेक्शन; **द**. चिल्ड्रन; **ध**. एडवांसेज इन थेरेपी में समीक्षक थे।

डॉ. हितेश वर्मा एम्स के मेडिकल बोर्ड के सदस्य थे एवं पीएम-जेएवाई वेबसाइट हेतु विभागीय नोडल अधिकारी। वे बीएमजे ओपन, लैरींगोस्कोप, मेडिसिन, जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी - हेड एंड नेक सर्जरी, क्लिनिकल ओटोलैरिंगोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी आदि के समीक्षक रहे हैं। वे 2021-2023 तक दिल्ली एओआई के मानद कोषाध्यक्ष थे। वे 2024 में एम्स (ओआरएसए) की ओटोरिनोलैरिंगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी के मानद कोषाध्यक्ष भी रहे। सीपीआईयू, ईएनटी विभाग; ईएनटी संबंधी समस्याओं पर पैनलिस्ट। इंडिया टीवी (04 अक्टूबर 2024), ज़ी टीवी (11 नवंबर 2024) और दूरदर्शन (25 अक्टूबर) पर भी दिखाई दिए हैं।

डॉ पूनम सागर ने 11-13 अक्टूबर 2024 को एम्स दिल्ली में आयोजित छठे एम्स फेशियल प्लास्टिक वर्कशॉप और सीएमई का आयोजन किया; एम्स न्यूरो-ओटोलॉजी अपडेट 2025 (20-22 फरवरी 2025, एम्स दिल्ली) में टेम्पोरल बोन वर्कशॉप की समन्वयक रही। 3 मार्च 2025 को विश्व श्रवण दिवस पर विभागीय गतिविधि का आयोजन किया - श्रवण हानि और रोकथाम तथा बुजुर्गों की श्रवण जांच पर संवादात्मक जागरूकता वार्ता प्रस्तुत की।

9.27_.indd 735 1/15/2026 4:46:18 PM

डॉ. स्मृति पांडा ने अंतर्राष्ट्रीय विजिटिंग छात्रवृत्ति (आईवीएस)-2024: अमेरिकन एकेडमी ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी-हेड एंड नेक सर्जरी (एएओ-एचएनएसएफ) प्राप्त की।

अतिथि वैज्ञानिक

प्रोफेसर क्युंग ताए, हन्यांग विश्वविद्यालय अस्पताल कैंसर केंद्र, सियोल, दक्षिण कोरिया के निदेशक ने 28 मार्च 2024 से 6 अप्रैल 2024 तक विभाग का दौरा किया, जिन्हें एम्स बंदोबस्ती निधि के तहत ऑन्कोलॉजी में इंफोसिस चेयर से सम्मानित किया गया था।

पद्म श्री प्रोफेसर मिलिंद वसंत कीर्तने,सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एमेरिटस और केईएम अस्पताल, मुंबई के मानद सर्जन ने 21 फरवरी 2025 को विभाग का दौरा किया और उन्हें तीसरा प्रोफेसर एस.के. काकर ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

9.27_.indd 736 1/15/2026 4:46:18 PM

9.28 बाल चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

पंकज हरि
(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

पूर्व अध्यक्ष

मधुलिका काबरा
(आनुवंशिकी प्रभाग)

आचार्य

शैफाली गुलाटी
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

राकेश लोढ़ा
(बाल पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

रचना सेठ
(बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग)

रमेश अग्रवाल
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

वन्दना जैन
(बाल अंत:स्राविकी विज्ञान प्रभाग)

अदिति सिन्हा
(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

नीरजा गुप्ता
(आनुवंशिकी प्रभाग)

एम जीवा शंकर
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

झूमा शंकर
(बाल पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

काना राम जाट
(बाल पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

अपर आचार्य

बिस्वरूप चक्रवर्ती
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

रजनी शर्मा
(बाल अंत:स्राविकी विज्ञान प्रभाग)

अनु सचदेवा
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

प्रशांत कुमार जौहरी
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

रोहन मलिक
(बाल जठरांत्ररोग विज्ञान प्रभाग)

जगदीश प्रसाद मीणा
(बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग)

नरेंद्र कुमार बागड़ी
(बाल रूमेटोलॉजी प्रभाग)

आदित्य कुमार गुप्ता
(बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग)

सह-आचार्य

अंकित वर्मा
(नवजात विज्ञान प्रभाग)

सहायक आचार्य

मेनका यादव
(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

दीपिका कैंथ
(नवजात चिकित्सा प्रभाग); संविदा पर

9.28_.indd 737 1/15/2026 5:13:44 PM

जितेंद्र मीणा (बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग); संविदा पर	मोनिका इंदराकांति (आनुवंशिकी प्रभाग); संविदा पर

वैज्ञानिक

मधुमिता रॉय चौधरी	काजल जैन	रश्मि शुक्ला
अमिता		लता सिंह

अन्य स्टाफ

पल्लवी मिश्रा: जैव रसायनज्ञ	पिंकी दलाल: आहारविद्
सुमिता गुप्ता: फिजियोथेरेपिस्ट	डी यादव: चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
नीना मेहता: चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी	

विशिष्टताएं

आनुवंशिकी प्रभाग

आनुवंशिकी प्रभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों के आयोजन में शामिल था:

- **भारत-अमेरिका दुर्लभ शिखर सम्मेलन:** दिनांक 16-18 नवंबर तक नई दिल्ली, भारत में स्थित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में आयोजित हुए **भारत-अमेरिका ब्रिजिंग रेयर शिखर सम्मेलन 2024**, ने असामान्य रोगों हेतु सहायता, अनुसंधान एवं नवाचार में वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने के अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। तीन दिनों तक चले इस शिखर सम्मेलन में 400 से अधिक प्रतिनिधि व्यक्तिगत तथा ऑनलाइन, दोनों रूपों में एक ट्रांसफोर्मेटिव इवेंट हेतु एकत्रित हुए, जिनमें रोगी अधिवक्ता, अनुसंधानकर्ता, पोलिसी मेकर और उद्योग जगत का नेतृत्व करने वाले भी शामिल थे।





- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग के आनुवंशिकी प्रभाग एवं मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नई दिल्ली के चिकित्सा आनुवंशिकी विभाग ने संयुक्त रूप से 22 फरवरी 2025 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार के तत्वावधान में चिकित्सा पेशेवरों के बीच असामान्य विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के सरकारी एवं निजी दोनों क्षेत्र के संस्थानों के स्वास्थ्य सेवा चिकित्सकों, रेजिडेंटों, अनुसंधानकर्ताओं और रोगी सहायता समूहों के

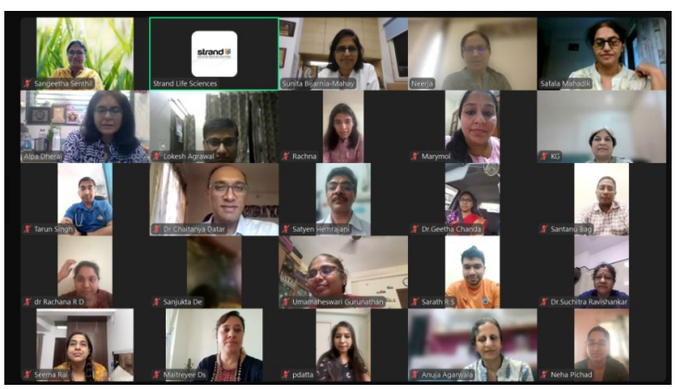
9.28_.indd 738 1/15/2026 5:13:44 PM

अलावा एमओएचएफडब्ल्यू और डब्ल्यूएचओ इंडिया के असमान्य रोग कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवा पेशेवर एक साथ आए। दिल्ली एनसीआर के 24 अस्पतालों के लगभग 96 प्रतिभागियों ने इस आयोजन हेतु पंजीकरण कराया है।





- भारतीय चयापचय संबंधी जन्मजात त्रुटियों की सोसायटी के तत्वावधान में 19 एवं 20 मार्च, 2025 को एक ऑफलाइन कैप्सूल कोर्स के पश्चात, चयापचय संबंधी जन्मजात त्रुटियों पर एक फाउंडेशन कोर्स 21 दिसंबर, 2024 से 15 मार्च, 2025 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया।





नवजात विज्ञान प्रभाग

- नवजात चिकित्सा प्रभाग 1997 में अपनी स्थापना के बाद से नवजात शिशु उपचार में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र (डब्ल्यूएचओ-सीसी) बना हुआ है।
- विभाग ने एक व्यापक स्तनपान उपचार केंद्र, **'पयोधि'** की स्थापना की, जिसका उद्घाटन 10 फ़रवरी 2025 को हुआ। यह केंद्र एनआईसीयू में बीमार शिशुओं का डोनेट किए गए दूध की आवश्यकताओं को पूरा करता है। हमने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली एवं बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, नेपाल को इसी तरह की सेवाएँ स्थापित करने हेतु मार्गदर्शन दिया।
- डब्ल्यूएचओ-सीसी 2024-25 में डॉक्टरों एवं नर्सों सहित हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स हेतु www.ontop-in.org पर एक ऑनलाइन ईएनसीसी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। मंच ने ढाका मेडिकल कॉलेज, बांग्लादेश शिशु अस्पताल एवं संस्थान, सर सलीमुल्लाह मेडिकल कॉलेज एवं मिटफोर्ड अस्पताल, ढाका में कुर्मीटोला जनरल अस्पताल एवं चटगाँव मेडिकल कॉलेज सहित दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र (एसईएआर) की नर्सों हेतु दो बीमार नवजात शिशु उपचार पाठ्यक्रम एवं सुविधा-आधारित नवजात नर्सिंग पाठ्यक्रमों की मेजबानी की। पहले पाठ्यक्रम (21वें बीमार नवजात शिशु उपचार पाठ्यक्रम, 27 जनवरी 2024 से 4 जून 2024 तक) में, 146 डॉक्टरों ने भाग लिया एवं 29 डॉक्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। 12वें सुविधा-आधारित नवजात शिशु नर्सिंग पाठ्यक्रम (28 जनवरी 2024 से 14 मई 2024) में, 157 नर्सों ने भाग लिया तथा 63 नर्सें उत्तीर्ण हुईं। द्वितीय पाठ्यक्रम, 22वें बीमार नवजात शिशु उपचार पाठ्यक्रम (2 नंवबर 2024 से 16 फरवरी 2025) में, 130

9.28_.indd 739 1/15/2026 5:13:45 PM

डॉक्टरों ने भाग लिया एवं 60 डॉक्टर उत्तीर्ण हुए। 13वें सुविधा-आधारित नवजात नर्सिंग पाठ्यक्रम (2 नवंबर 2024 से 2 फरवरी 2025) में 206 नर्सों ने भाग लिया तथा 40 नर्सें उत्तीर्ण हुईं।

- डब्ल्यूएचओ-सीसी www.pretermcare-eliminatingrop.com प्लेटफॉर्म पर "उपचार की गुणवत्ता में सुधार करके शीघ्र रेटिनोपैथी को खत्म करना" पाठ्यक्रम के साथ सुविधा-आधारित समयपूर्व शिशु उपचार हेतु स्व-निर्देशित शिक्षा भी प्रदान करता है। पिछले वर्ष कुल 1562 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और समयपूर्व शिशुओं के उपचार हेतु सर्वोत्तम प्रैक्टिस को सीखा।

- डब्ल्यूएचओ-सीसी https://workbook.pocqi.org/ पर उपलब्ध पीओसीक्यूआई वर्कबुक (पॉइंट ऑफ़ केयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट) के माध्यम से गुणवत्ता सुधार पर स्व-निर्देशित शिक्षण भी प्रदान करता है। पिछले वर्ष, 920 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया तथा क्यूआई पर सर्वोत्तम अभ्यास सीखा।

- प्रभाग के संकाय मध्य प्रदेश में 15 विशिष्ट नवजात शिशु उपचार एककों (एसएनसीयू) का मार्गदर्शन कर रहे हैं, जहाँ मामलों की संख्या अधिक है तथा परिणाम प्रतिकूल हैं। हमारे मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में, 15 मेंटर्स की एक समर्पित टीम प्रतिदिन इन सुविधाओं की सहायता करती है। इसका मुख्य उद्देश्य इन अधिक-रोगी भार वाली इकाइयों में उपचार की गुणवत्ता में सुधार एवं नवजात मृत्यु दर को कम करना है।

- यह प्रभाग मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में संकल्प कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है, जिसका उद्देश्य नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) को सिंगल-डिजिट में लाना है। यह पहल एक डमोनस्ट्रेशन मॉडल के रूप में कार्य करती है तथा इससे 2030 तक एनएमआर को सिंगल-डिजिट तक कम करने के सतत विकास लक्ष्य 3 के लक्ष्य की दिशा में राष्ट्रीय नीति को दिशा देने हेतु महत्वपूर्ण साक्ष्य उत्पन्न होने की उम्मीद है।

- संकाय-सदस्य ने हाल ही में द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में 'जिला अस्पताल' सेप्सिस अध्ययन के निष्कर्ष प्रकाशित किए। अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्वास्थ्य सुविधाओं, यानी जिला अस्पतालों एवं विशिष्ट उपचार नवजात इकाइयों (एसएनसीयू) में कल्चर-पॉजिटिव सेप्सिस के भार का मूल्यांकन करना था। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित यह अध्ययन पूरे भारत के पाँच जिला अस्पतालों में किया गया था। हमने एक जिला अस्पताल-तृतीयक स्थल युग्म की स्थापना की, जहाँ एक तृतीयक अस्पताल ने एक मार्गदर्शन स्थल के रूप में कार्य किया तथा अध्ययन के कार्यान्वयन के दौरान जिला अस्पताल के अन्वेषकों को सूक्ष्मजैवविज्ञान प्रयोगशाला तक पहुँच एवं सहायता प्रदान की। अध्ययन में लगभग 6600 नवजात शिशुओं को नामांकित किया गया एवं एसएनसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं में सामान्य रोगाणुओं में कल्चर-पॉजिटिव सेप्सिस, मृत्यु दर तथा मल्टी ड्रग प्रतिरोध की उच्च व्यापकता पाई गई।

- डीएम नियोनेटोलॉजी प्रोग्राम ने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जो इससे जुड़े सभी लोगों हेतु गौरव एवं प्रतिबिंब का क्षण है। इस उपलब्धि को मनाने के लिए एक स्मारक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व छात्र एवं संकाय सदस्य इसकी यादगार स्मृति में उत्सव में एकत्रित हुए। पूर्व संकाय सदस्यों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई तथा सहायक विभागों को उनके दीर्घकालिक योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के पूर्व छात्र, जो अब देश भर में एवं विदेशों में फैले हुए हैं, बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तथा अपने प्रशिक्षण के दौरान मिले मूल्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर, एनआईसीयू हेतु एक विशिष्ट लोगो का अनावरण किया गया, जो कार्यक्रम के मार्गदर्शक सिद्धांतों - समर्पण, करुणा एवं उत्कृष्टता - का प्रतीक है।

9.28_.indd 740 1/15/2026 5:13:45 PM

- एनआईसीयू में क्यूआई कार्यक्रम: हम अपनी इकाई में एक व्यापक गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) कार्यक्रम चलाते हैं जिसमें नर्स, डॉक्टर एवं एनआईसीयू टीम के अन्य सदस्य एक कार्यशाला में भाग लेते हैं जिसका उद्देश्य हमारे रेजीडेंटों एवं नर्सों के लिए गुणवत्ता सुधार को बढ़ावा देना है। नवजात शिशु विज्ञान विभाग ने एनआईसीयू में छह गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) परियोजनाएँ शुरू की हैं: विशेष स्तनपान में सुधार, कंगारू मदर केयर (केएमसी) की अवधि बढ़ाना, एनआईसीयू में ध्वनि के स्तर को कम करना, अनावश्यक भीड़ एवं पैदल यातायात को कम करना, तथा नुस्खे और प्रतिलेखन त्रुटियों को कम करना। प्रत्येक परियोजना का नेतृत्व एक टीम लीडर (नर्स अथवा डॉक्टर) करता है, जिसके चार से पाँच सदस्यों को विशिष्ट भूमिकाएँ सौंपी जाती हैं। प्रगति, चुनौतियों एवं संभावित समाधानों पर चर्चा हेतु हर चार से छह सप्ताह में क्यूआई बैठकें आयोजित की जाती हैं।
- सिमुलेशन लैब: टीम ने यूनिसेफ के सहयोग से एक अत्याधुनिक सिमुलेशन लैब (सिमुलेशन एवं कौशल प्रशिक्षण हेतु मॉडल एकक) की स्थापना की तथा बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के प्रशिक्षण हेतु 18 सिमुलेशन परिदृश्यों वाला एक पाठ्यक्रम विकसित किया। अगले वर्ष का लक्ष्य सिमुलेशन एवं कौशल प्रशिक्षण की एक व्यापक प्रणाली को लागू करना है जिसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में बीमार नवजात शिशुओं के उपचार हेतु कार्यरत प्रदाताओं की दक्षताओं को बढ़ाना है।



एसईटी सुविधा में स्नातकपूर्व और रेजीडेंट हेतु नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम



एम्स, नई दिल्ली के नवजात विज्ञान विभाग में व्यापक स्तनपान उपचार केंद्र (सीएलएमसी), पयोधि का उद्घाटन (10 फरवरी, 2025)

नवजात तंत्रिका विज्ञान प्रभाग

नवजात तंत्रिका विज्ञान प्रभाग 1 दिसंबर 2017 से "बाल न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों हेतु उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान का केंद्र" रहा है और यह अनुसंधान, शिक्षा में वृद्धि करने तथा पेशेवरों और अभिभावकों दोनों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है।

शैक्षणिक आउटरीच में शामिल हैं:

- बाल तंत्रिका विज्ञान एसोसिएशन के सहयोग से एपिलेप्सी में कैनाबिडियोल पर एक राष्ट्रीय वेबिनार
- एओसीएन के साथ 71 अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किए गए, जिनमें 74 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया

स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) से पीड़ित बच्चों के लिए मानवीय पहुंच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में:

9.28_.indd 741 1/15/2026 5:13:45 PM

- वर्तमान में 42 बच्चों को इंट्राथेकल नुसिनर्सन (स्पिनराज़ा) दिया जा रहा है
- 23 बच्चों का अंतः शिरा ज़ोल्गेन्स्मा से उपचार किया गया है
- 16 रोगी रिस्डिप्लाम ले रहे हैं

हम निम्नलिखित सहित कई बहुकेन्द्रीय वैश्विक नैदानिक परीक्षणों में सक्रिय रूप से शामिल हैं:

- टाइप 2 एसएमए में इंट्राथेकल ज़ोल्गेन्स्मा
- ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) में अंतः शिरा एटेप्लिर्सन (एक्सॉन 51 स्किपिंग एजेंट)

इसके अलावा इस वर्ष सेरिब्रल एड्रेनोल्यूकोडिस्ट्रॉफी से पीड़ित दो रोगियों का हेमाटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लानटेशन (एचएससीटी) किया गया।

हमारी टीम ने महत्वपूर्ण नीतिगत अद्यतनों में भी योगदान दिया, जिसमें विकलांग व्यक्तियों हेतु आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना में ऑटिज्म के लिए एम्स-संशोधित आईएनसीएलईएन डायग्नोस्टिक टूल को शामिल करना भी सम्मिलित है।

हमारी टीम ने 22 अप्रैल 2024 को ऑटिज्म पर जन स्वास्थ्य व्याख्यान आयोजित किया, जिससे जनता में इस उभरती स्वास्थ्य समस्या के बारे में जागरूकता पैदा हुई।

21 से 22 सितंबर 2024 को सीओई, आईएएन और एओसीएन के सहयोग से एम्स, नई दिल्ली में "ऑटिज्म के समग्र उपचार" पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

इसके अलावा, द हंस फाउंडेशन के सहयोग से, हमने **"होल्डिंग हैंड इन मेजिकल ईयर्स"** परियोजना शुरू की, जिसका उद्देश्य एक ही छत के नीचे न्यूरोडेवलपमेंटल विकलांगता वाले बच्चों हेतु व्यापक, एकीकृत सेवाएं प्रदान करना है।



चित्र: 2024 - 2025 के बीच बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग में विभिन्न कार्यक्रम

9.28_.indd 742 1/15/2026 5:13:46 PM

बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग

- बाल चिकित्सा में विभागीय संगोष्ठी सीमाएँ: बहु-विशिष्ट संगोष्ठी 25.1.25
- लेट इफैक्टस एवं सरवाईवरशिप मीटिंग 3 एवं 4 अगस्त 2024
- बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग सेंट ज्यूड ग्लोबल एलायंस का सदस्य बन गया है।

वन्दना जैन

शिक्षा

बाल अंत: स्रावि‍की प्रभाग

- डॉ. वन्दना जैन ने 30 नवंबर 2024 को स्नातकोत्तर छात्रों हेतु 'केस-बेस्ड सिम्पोसिजम ऑन थायरॉइड डिसआर्डरस' का आयोजन किया
- डॉ. वन्दना जैन ने 19 अक्टूबर 2024 को डिसआर्डर ऑफ सेक्स डेवलपमेंट पर एक पीजी मास्टरक्लास का आयोजन किया
- जून-जुलाई 2024 में डॉ. वन्दना जैन के अधीन बाल अंत:स्रावि‍की प्रशिक्षण हेतु एक अल्पकालिक प्रशिक्षु आया: डॉ. अमित कुमार, बाल चिकित्सा के सह प्रोफेसर, आईजीआईएमएस पटना
- डॉ. वन्दना जैन ने 9 नवंबर 2024 को प्रो. पीएसएन मेनन द्वारा प्रो. ओपी घई मेमोरियल ओरेशन का आयोजन किया
- डॉ. रजनी शर्मा ने 31 जुलाई 2024 को इंडियन सोसाइटी फॉर बाल चिकित्सा एंड एडोलसेंट एंडोक्रिनोलॉजी (आईएसपीएई) द्वारा पोस्टग्रेजुएट्स प्रोग्राम हेतु बाल एंडोक्रिनोलॉजी में "बचपन में जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लासिया" स्नातकोत्तर मामले के लिए परीक्षक के रूप में कार्य किया।

आनुवंशिकी प्रभाग

अल्पकालिक प्रशिक्षु:

1. डॉ. मनाली सतीजा वरिष्ठ रेजिडेंट, रूधिर विज्ञान विभाग, 11 सितंबर 2024-20 सितंबर 2024, 10 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, प्रो. एम महापात्रा रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली।
2. डॉ. अराधना शर्मा, एमडी, 1 अक्टूबर 2024-20 अक्टूबर 2024, 20 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, आनुवंशिकी, प्रो. कल्पना लूथरा जैव रसायन विभाग एम्स, नई दिल्ली।
3. डॉ. आनंदम बिस्वास एमडी, 1 अक्टूबर 2024-20 अक्टूबर 2024, 20 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, आनुवंशिकी, प्रो. कल्पना लूथरा जैव रसायन विभाग एम्स, नई दिल्ली।
4. डॉ. मधुबाला मनोहरन, एमडी, 1 अक्टूबर 2024-20 अक्टूबर 2024, 20 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, प्रो. कल्पना लूथरा जैवरसायन विभाग एम्स, नई दिल्ली।
5. डॉ. संजना इरुकुल्ला, एमडी, 1 अक्टूबर 2024-20 अक्टूबर 2024, 20 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, प्रो. कल्पना लूथरा जैवरसायन विभाग एम्स, नई दिल्ली।

9.28_.indd 743 1/15/2026 5:13:46 PM

6. डॉ. अभिषेक मलिक, वरिष्ठ रेजिडेंट, रूधिर विज्ञान, 1 दिसंबर 2024-10 दिसंबर 2024, 10 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, प्रो. एम महापात्रा रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली।

7. डॉ. जयदीप लोचन, 7 अक्टूबर 24-03 फरवरी 2025, 4 माह, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी,

8. डॉ. महाभारती वरिष्ठ रेजिडेंट, रूधिर विज्ञान विभाग, 1 जनवरी 2025-10 जनवरी 25, 10 दिन, बाल रोग विभाग, अनुवंशिकी, प्रो. एम महापात्रा रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली।

9. डॉ. रितेश रंजन साह, वरिष्ठ रेजिडेंट (डीएम नवजात चिकित्सा), 2 जनवरी 2025-15 जनवरी 2025, 15 दिन, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, डॉ. एम जीवा शंकर बाल चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली।

10. डॉ. इलिका डे, कनिष्ठ रेजिडेंट, 1 मार्च 2025-31 मार्च 2025, 1 माह, बाल चिकित्सा विभाग, अनुवंशिकी, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली।

नवजात विज्ञान प्रभाग

- विभाग ने एसईटी सुविधा में नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम पर दो कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिनमें स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर छात्रों को आपातकालीन चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के विभिन्न बैचों में व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण दिया गया ताकि उन्हें नवजात शिशुओं के पुनर्जीवन के बुनियादी कौशल से तैयार किया जा सके। इसके अतिरिक्त, विभाग ने स्नातकपूर्व छात्रों हेतु एक मानक उपचार प्रोटोकॉल कार्यशाला का भी आयोजन किया।

- एमबीबीएस शिक्षण कार्यक्रम के लिए, बाल चिकित्सा विभाग ने स्नातकपूर्व मेडिकल छात्रों हेतु कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है, जिसमें पल्स ऑक्सीमीटर, चेस्ट कॉमप्रेशन तथा बाल चिकित्सा रिससिटैशन, नवजात ओरोगैस्ट्रिक फीडिंग एवं एसईटी सुविधा हेतु लम्बर पंचर शामिल हैं।

- डीएम कार्यक्रम में, विभाग ने साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया है जिनमें बेडसाइड इकोकार्डियोग्राफी, पैरेंट्रल न्यूट्रिशन, श्वसन विकारों में वेंटिलेटर सेटिंग्स एवं नवजात शिशु उपकरण जैसे विषयों पर चर्चा की गई है। इन कार्यशालाओं का संचालन विभाग के संकाय के मार्गदर्शन में, अंतिम वर्ष के एक वरिष्ठ डीएम रेजिडेंट द्वारा किया जाता है। अन्य डीएम और वरिष्ठ एमडी रेजिडेंट भी इसमें शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग ने शिक्षण कार्यक्रम के अन्य विषयों से संबंधित पाँच एकीकृत सेमिनार तथा केस चर्चाएँ आयोजित की हैं।

- विभाग ने कंगारू मदर केयर, पेरेन्टरल न्यूट्रिशन एवं बेसिक नियोनेटल इक्विपमेंट ट्रेनिंग जैसे विषयों पर साप्ताहिक कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। इन कार्यशालाओं में रेजिडेंट और नर्सों हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है।

- हम अपनी इकाई में एक व्यापक गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) कार्यक्रम चलाते हैं जिसमें नर्स, डॉक्टर एवं एनआईसीयू टीम के अन्य सदस्य हमारे रेजिडेंट एवं नर्सों हेतु एक गुणवत्ता सुधार कार्यशाला में भाग लेते हैं। नवजात शिशु विज्ञान विभाग ने एनआईसीयू में छह गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) परियोजनाएँ शुरू की हैं: विशेष स्तनपान में सुधार, कंगारू मदर केयर (केएमसी) की अवधि बढ़ाना, एनआईसीयू में सांउड लेबल को कम करना, अनावश्यक भीड़ एवं पैदल यातायात को कम करना, तथा नुस्खे एवं प्रतिलेखन त्रुटियों को कम करना। प्रत्येक परियोजना का नेतृत्व एक टीम लीडर (नर्स अथवा डॉक्टर) द्वारा किया जाता है, जिसके चार से पाँच सदस्यों को विशिष्ट भूमिकाएँ सौंपी

9.28_.indd 744 1/15/2026 5:13:46 PM

जाती हैं। प्रगति, चुनौतियों एवं संभावित समाधानों पर चर्चा हेतु हर चार से छह सप्ताह में क्यू आई बैठकें आयोजित की जाती हैं।

बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग

- **नैदानिक उपकरण जिन्हें हमने न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों हेतु विकसित एवं मान्य किया है-** एएसडी, एडीएचडी, एपिलेप्सी तथा न्यूरोमोटर इम्पेयरमेंट (एनएमआई) का उपयोग अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान में किया जा रहा है। हमने इनके प्रशिक्षण शिक्षण सत्रों के साथ-साथ प्रशिक्षण मॉड्यूल भी तैयार किए हैं। हमने यूके एवं मलावी में सभी 4 उपकरणों हेतु ऑनलाइन/आमने-सामने प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। हाल ही में हमने ऑटिज़्म तथा एनएमआई पर पाकिस्तान, तंजानिया, यूके एवं अमेरिका के विशेषज्ञों हेतु प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। इनका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है।
- वेबसाइट पर विकासात्मक मूल्यांकन तथा तंत्रिका विज्ञान-संबंधी परीक्षण संसाधन सामग्री उपलब्ध कराई गई है, जिसमें दो पृष्ठों की विकासात्मक मूल्यांकन चेकलिस्ट भी शामिल है। विकासात्मक मूल्यांकन किट भी तैयार की गई हैं।

नवीन शैक्षिक गतिविधियाँ:

- ***वेबसाइट*** **(**www.pedneuroaiims.org) में विभिन्न न्यूरोलॉजिकल/न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों पर चिकित्सकों एवं माता-पिता हेतु ऑडियोविजुअल शामिल हैं।
- ***पेडन्यूरोएम्स डायग्नोस्टिक्स: ऑटिज़्म, एपिलेप्सी, एडीएचडी, न्यूरोमोटर विकारों के निदान हेतु मोबाइल ऐप*** *(गूगल एवं एप्पल प्लेटफॉर्म पर)*
- ***बाल तंत्रिका विज्ञान में ई-लर्निंग मॉड्यूल*** (https://pedneuroaiims.chalopadho.com)
- ***एपिलेप्सी वेबिनार के ई-लर्निंग मॉड्यूल:*** *यूट्यूब पर अब तक लगभग* 16000 *दर्शक हैं। क्यूआर कोड:*
- ***एसएलडी हेतु एआई आधारित उपचारात्मक शिक्षा कार्यक्रम:*** http://readabled.com

साप्ताहिक/पाक्षिक वेबिनार: एओसीएन, भारत के सहयोग से बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर प्रत्येक बुधवार को शाम 8:00 से 9:30 बजे तक साप्ताहिक/पाक्षिक वेबिनार आयोजित किए जाते हैं।

बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग

- बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग ने महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित मध्यावधि बाल रूधिर विज्ञान-अर्बुदविज्ञान सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार जीता।

बाल रूमेटोलॉजी विज्ञान एवं नैदानिक प्रतिरक्षा प्रभाग

अल्पकालिक प्रशिक्षण

नाम	प्रशिक्षण	पदनाम एवं संस्थान	से	तक
डॉ. रिंकू सैनी	अल्पकालिक पर्यवेक्षण बाल चिकित्सा रूधिर विज्ञान	सह प्रोफेसर, बाल चिकित्सा, एसएमएस, जयपुर	24 मई 2024	07 जून 2024

9.28_.indd 745 1/15/2026 5:13:46 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

बाल अंत: vस्राविकी प्रभाग

- डॉ. वन्दना जैन ने 23 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में बच्चों में अंतः स्रावी से संबंधित विकारों पर पीसीएनआई सम्मेलन के बाद कार्यशाला का आयोजन किया।
- डॉ. वन्दना जैन एशिया पैसिफिक बाल एंडोक्राइन सोसाइटी (एपीपीईएस) की 13वीं द्विवार्षिक वैज्ञानिक बैठक एवं 25वें एपीपीईएस फेलो स्कूल, सितंबर 2024 हेतु स्थानीय आयोजन कोर समिति की सदस्य थीं।
- डॉ. रजनी शर्मा 8 जून 2024 को एम्स एवं एटीएचआई (एसोसिएशन ऑफ ट्रांसजेंडर हेल्थ इन इंडिया) द्वारा आयोजित जेंडर अफर्मेटिव केयर वर्कशॉप की आयोजन सचिव थीं।

आनुवंशिकी प्रभाग

- **भारत-अमेरिका दुर्लभ के साथ भारत-अमेरिका दुर्लभ शिखर सम्मेलन - इंडो यूएस ब्रिजिंग रेयर समिट 2024,** 16-18 नवंबर को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ इंबोर्न एरर्स सोसायटी के तत्वावधान में, दिनांक 19 एवं 20 मार्च 2025 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली में एक ऑफलाइन कैप्सूल कोर्स के पश्चात 21 दिसंबर 2024 से 15 मार्च 2025 तक ऑनलाइन मोड में ए फाउंडेशन कोर्स आन इनबोर्न एररर्स आफ मेटाबोलिज्म।
- नीमन पिक रोग दिवस समारोह 16 अक्टूबर 2024, एम्स, नई दिल्ली
- नवजात शिशु स्क्रीनिंग की पहली वर्षगांठ 28 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली
- दुर्लभ रोग दिवस - 22 फरवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली

बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग

- 12 मार्च 2025 को विश्व किडनी दिवस के अवसर पर 'थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंजियोपैथी के उपचार' पर हाइब्रिड प्रारूप में एक इंटरैक्टिव शिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में दिल्ली भर के मेडिकल कॉलेजों के 30 स्नातकोत्तर छात्र, फेलो, वरिष्ठ रेजिडेंट एवं संकाय सदस्य तथा ज़ूम प्लेटफ़ॉर्म पर 100 वर्चुअल अटेन्डिज शामिल हुए। कार्यशाला में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एसजीपीजीआई लखनऊ एवं एम्स, नई दिल्ली के संकाय सदस्यों तथा रेजिडेंट सदस्यों द्वारा गर्भावस्था से संबंधित एवं प्रत्यारोपण के बाद के टीएमए सहित थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंजियोपैथी (टीएमए) से पीड़ित बाल एवं वयस्क मामलों पर केस-आधारित चर्चाएँ शामिल थीं।
- ऑनलाइन साप्ताहिक वेबिनार श्रृंखला, बाल वृक्क विज्ञान कोर पाठ्यक्रम: बाल चिकित्सा रेजिडेन्टस के दृष्टिकोण से नेफ्रोलॉजी शिक्षा (एनईएफपीआरओ): भारतीय बाल वृक्क विज्ञान सोसायटी (आईएसपीएन) की गतिविधियों के भाग के रूप में प्रभाग संकाय द्वारा संचालित, ऑनलाइन श्रृंखला में मार्च-अक्टूबर 2024 के दौरान 28 साप्ताहिक वेबिनार शामिल हैं एवं इसका नेतृत्व बाल वृक्क विज्ञान के राष्ट्रव्यापी विशेषज्ञों द्वारा किया गया है तथा इसमें पूरे भारत से बाल चिकित्सा में लगभग 400 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया हैं।

9.28_.indd 746 1/15/2026 5:13:46 PM

- बाल चिकित्सा में स्नातकोत्तरों हेतु बाल वृक्क विज्ञान पर तीसरी राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी: आईएसपीएन की गतिविधियों के भाग के रूप में प्रभागीय संकाय के नेतृत्व में, यह प्रश्नोत्तरी जून-दिसंबर 2024 के दौरान कॉलेज, प्रभागीय, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दौर में आयोजित की गई थी, और इसमें पूरे देश के 161 मेडिकल कॉलेजों अथवा संस्थानों तथा सौ से अधिक संकाय सदस्यों ने उत्साह से इसमें भाग लिया था।
- इस विभाग ने दिसंबर 2024 में द ललित, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी के वार्षिक सम्मेलन का सह-आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर से 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें संकाय, फेलो, स्नातकोत्तर रेजीडेन्ट एवं संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर शामिल थे और चार समानांतर पूर्व-सम्मेलन कार्यशालाएँ भी शामिल थीं।

बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग

प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची

1. ऑटिज्म जागरूकता माह पर जन स्वास्थ्य व्याख्यान, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 22 अप्रैल 2024, जेएलएन ऑडिटोरियम एम्स, नई दिल्ली
2. "ऑटिज़्म का समग्र उपचार: वर्तमान अद्यतन" पर कार्यशाला, एओसीएन के सहयोग से सीओई बाल चिकित्सा विभाग एवं आईएएन, 21 से 22 सितंबर 2024, एसईटी सुविधा, कॉन्फ्रेंस ब्लॉक, एम्स

बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग

- बाल चिकित्सा में विभागीय संगोष्ठी सीमाएँ: बहु-विशिष्ट संगोष्ठी 25 जनवरी 2025
- देरी से प्रभाव एवं उत्तरजीविता बैठक 3 एवं 4 अगस्त 2024

बाल चिकित्सा रूमेटोलॉजी एवं नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग

1. कार्यशालाएँ, 18 जनवरी 2025, एमसीबी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली
2. बाल रूमेटोलॉजी में मास्टर क्लास, 19 जनवरी 2025, डॉ. रामलिंगास्वामी सभागार कक्ष, एम्स, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 364

मधुलिका काबरा: 19	**पंकज हरि: 9**	**शैफाली गुलाटी: 95**
राकेश लोढ़ा: 9	**रचना सेठ: 18**	**रमेश अग्रवाल: 11**
वन्दना जैन: 14	**अदिति सिन्हा: 14**	**नीरजा गुप्ता: 16**
एम जीवा शंकर: 32	**काना राम जाट: 15**	**झूमा शंकर: 10**
बिस्वरूप चक्रवर्ती: 9	**रजनी शर्मा: 12**	**अनु सचदेवा: 13**
प्रशांत कुमार जौहरी: 8	**नरेंद्र कुमार बागड़ी: 18**	**अंकित वर्मा: 2**
मेनका यादव: 6	**दीपिका कैंथ: 7**	**जितेंद्र मीणा: 17**
रश्मि शुक्ला: 2	**काजल जैन: 4**	**यादव धनेश्वर (एमएसएसओ): 4**

9.28_.indd 747 1/15/2026 5:13:46 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
95	138	364

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 168

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
32	40	168

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. सेप्टिक शॉक से पीड़ित बच्चों में माइक्रोसर्कुलेशन एवं विभिन्न द्रव मात्राओं के प्रति उसकी प्रतिक्रिया का आकलन, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025 (जारी), 150 लाख रुपये
2. बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में एसीटेट-आधारित, लैक्टेट-आधारित एवं मल्टीपल इलेक्ट्रोलाइट सॉल्यूशन बनाम सलाइन (एमईएसएलएसी परीक्षण) की तुलना - एक बहुकेंद्र यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, झूमा शंकर, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026 (आरंभ), 30 लाख रुपये
3. बच्चों में गंभीर सेप्सिस: नैदानिक एवं प्रतिरक्षात्मक लक्षण, झूमा शंकर, टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2022-2025, 20 लाख रुपये
4. हेमोलाइटिक यूरीमिक सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में संक्रामक एवं आनुवंशिक ट्रिगर, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 87.19 लाख रुपये
5. बच्चों में स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पुनरावर्तन हेतु कम खुराक, लघु कोर्स प्रेडनिसोलोन रेजिमेन की प्रभावकारिता: एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, पंकज हरि, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 145.67 लाख रुपये
6. दो साल से अधिक समय तक कैल्सीनुरिन अवरोधकों पर स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कमी को बनाए रखने में IV रिटक्सिमैब बनाम ओरल मायकोफेनोलेट मोफेटिल की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अदिति सिन्हा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 152.44 लाख रुपये
7. पूरक-मध्यस्थ किडनी रोगों पर कार्यक्रम: आनुवंशिक परीक्षण हेतु वाणिज्यिक एलिसा एवं पाइपलाइनों का विकास, बायोमार्करों की पहचान, एवं उपचारों को परिष्कृत करना (आईआईआरप्रधान अन्वेषकजी-2023-0000119), अदिति सिन्हा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 425.88 लाख रुपये
8. इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में एंटी-नेफ्रिन एंटीबॉडी, अदिति सिन्हा, गौरव बत्रा, एम्स-टीएचएसटीआई (सहयोगी अनुसंधान परियोजना), 1 वर्ष, 2023-2024, 5 लाख रुपये

9.28_.indd 748 1/15/2026 5:13:47 PM

9. जन्मजात या अधिग्रहित टीटीपी के निदान को सक्षम करने हेतु एडीएएमटीएस 13 गतिविधि के लिए स्वचालित एवं तीव्र परख की स्थापना, अदिति सिन्हा, तुषार सहगल, एम्स (आंतरिक सहयोगी अनुसंधान परियोजना), 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

10. बाल नेफ्रोटिक सिंड्रोम में एंटी-नेफ्रिन एंटीबॉडी: निदान एवं चिकित्सा हेतु निहितार्थ, अदिति सिन्हा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2025-2027, 94.96 लाख रुपये

11. मैंटेंनेंस हेमोडायलिसिस प्राप्त कर रहे द्वितीयक हाइपरपैराथायरायडिज्म और क्रोनिक किडनी रोग वाले 28 दिन से 18 वर्ष की आयु के बाल रोगियों में एटेलकैल्सेटाइड का चरण 3 यादृच्छिक खुला लेबल नियंत्रित बहु-खुराक प्रभावकारिता सुरक्षा फार्माकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक अध्ययन, अदिति सिन्हा, मेसर्स एमजेन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2022-2026, 18.28 लाख रुपये

12. एटिपिकल हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम (एएचयूएस) से पीड़ित वयस्क एवं किशोर रोगियों में क्रोवालिमैब की प्रभावकारिता, सुरक्षा, फार्माकोकाइनेटिक्स और फार्माकोडायनामिक्स का मूल्यांकन करने वाला एक चरण III, बहुकेंद्रीय, एकल-आर्म अध्ययन, अदिति सिन्हा, रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2024-2028, 18 लाख रुपये

13. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया के निदान हेतु नाक की उपकला कोशिकाओं का संवर्धन, काना राम जाट, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 113 लाख रुपये

14. शैशवावस्था में सापेक्षिक भार वृद्धि, वसा एवं वसा रहित द्रव्यमान वृद्धि का मध्य-बचपन में शारीरिक संरचना एवं इंसुलिन संवेदनशीलता पर प्रोग्रामिंग प्रभाव: जन्म समूह का फॉलो-अप अध्ययन", वन्दना जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 25 लाख रुपये

15. 6 महीने से 2 साल की उम्र तक मिलेट एवं लेगुम-बेस्ड काम्पलीमेंट्री फिडिंग इंटरवेंशन का समय पर/समय के निकट जन्म लेने वाले कम वजन वाले शिशुओं के विकास, हीमोग्लोबिन, चयापचय मापदंडों एवं शारीरिक संरचना पर प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, वन्दना जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 150 लाख रुपये

16. 'पतले-मोटे' एशियाई भारतीय फेनोटाइप की उत्पत्ति का आकलन: समय से पहले अथवा गर्भावधि उम्र के हिसाब से छोटे जन्मे बच्चों में शारीरिक संरचना, चयापचय एवं मेटाबॉलिक प्रोफ़ाइल पर एक लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन, वन्दना जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 60 लाख रुपये

17. मोटे बच्चों पर पारंपरिक भारतीय मिलेटस के रूप में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले आहार का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रजनी शर्मा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2025, 34 लाख रुपये

18. स्कूल जाने वाली लड़कियों में मासिक धर्म संबंधी समस्याएं एवं प्यूबर्टल संबंधी विकार, रजनी शर्मा, एसईएचईएसी (व्यस्कों, किशोरों एवं बच्चों में एंडोक्राइन हेल्थ सोसायटी), 3 वर्ष, 2023-2026, 15 लाख रुपये

19. प्रोटोकॉल एच8एच-एमसी-एलएएचडब्ल्यू (ए) - माइग्रेन से पीड़ित बाल रोगियों में लैसमिडिटान का चरण 3, 12-माह, ओपन लेबल अध्ययन-पायोनीयर-पीईडीएस2, शैफाली गुलाटी साइट प्रधान अन्वेषक, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2021-2024, 12.17 लाख रुपये

9.28_.indd 749 1/15/2026 5:13:47 PM

20. प्रोटोकॉल एच8एच-एमसी-एलएएचवी (ए) माइग्रेन से राहत हेतु बाल चिकित्सा विकल्प: माइग्रेन के तीव्र उपचार हेतु लैसमिडिटान का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन: पायोनीयर पीईडीएस1, शैफाली गुलाटी साइट प्रधान अन्वेषक, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-2024, 16,90,880 लाख रुपये

21. प्रोटोकॉल 15क्यू-एमसी-सीजीएएस(एफ)-एपिसोडिक माइग्रेन से पीड़ित 6 से 17 वर्ष की आयु के रोगी में गैल्केनेज़ुमैब का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन- रीबिल्ड-1 अध्ययन, शैफाली गुलाटी साइट प्रधान अन्वेषक, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2021-जारी, 21.39 लाख रुपये

22. ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के रोगियों में 2'O मिथाइल एंटीसेंस ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक ओपन-लेबल एक्सटेंशन के साथ एक डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, मल्टीसेंटर अध्ययन, (प्रधान अन्वेषक) शैफाली गुलाटी, डिस्ट्रॉफी एनीहिलेशन रिसर्च ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2021-2024, 16.50 लाख रुपये

23. देर से शुरू होने वाले टाइप 2 स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) से पीड़ित रोगियों जो 2 से <18 वर्ष की आयु के हैं, उपचार के लिए नए हैं, बैठे हैं, और कभी भी चलने में सक्षम नहीं हैं,में इंट्राथेकल (आईटी) ओएवी101 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, शम-नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड अध्ययन, (प्रधान अन्वेषक) शैफाली गुलाटी, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2021, जारी, प्रति रोगी 17,97,417 रुपये (कुल 7 रोगी यादृच्छिक, कुल राशि 125.82 लाख रुपये

24. जन्मजात हृदय संबंधी दोषों के लिए सर्जरी करवा रहे शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक संभावित बहु-केंद्रीय कोहोर्ट अध्ययन।, (सह-प्रधान अन्वेषक) शैफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2025, 22.85 लाख रुपये

25. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (प्रधान अन्वेषक) की भूमिका, (प्रधान अन्वेषक) शैफाली गुलाटी, डीबीटी, 2 वर्ष, 2023-2025, 39.9 लाख रुपये

26. न्यूरोकंप्यूटिंग एवं संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता, मेंटर और साइट प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, एमईआईटीवाई आईआईटी दिल्ली-एनआईटी दुर्गापुर प्रोजेक्ट, 4 वर्ष, 2020-2024, 2.31 लाख रुपये

27. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और एडीएचडी और सेरेब्रल पाल्सी सहित अन्य न्यूरो विकासात्मक विकारों में आणविक, आनुवंशिक और पर्यावरणीय मार्करों के संबंध का पता लगाना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, शैफाली गुलाटी (प्रधान अन्वेषक), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 138 लाख रुपये

28. सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस में मस्तिष्क चयापचय, सूक्ष्म संरचनात्मक संगठन एवं न्यूरोइन्फ्लेमेशन का एक बहुआयामी मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, मेंटर प्रशांत जौहरी, एम्स यूजी मेंटरशिप अनुदान, 2 वर्ष (विस्तार), 2021-2024, 2 लाख रुपये

29. स्केलेबल ट्रांसडायग्नोस्टिक अर्ली असेसमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ (स्ट्रीम), (प्रधान अन्वेषक) शैफाली गुलाटी, एमआरसी, 1 वर्ष, 2019 एम्स में 2021, 2025 में प्रारंभ, जीबीपी 36.51 लाख रुपये

30. बाल चिकित्सा स्टेटस एपिलेप्टिकस में गंभीरता एवं परिणाम की भविष्यवाणी करने हेतु बायोमार्कर इंटरवेंशन एवं क्लिनिको-इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक मापदंडों पर आधारित मॉडल विकसित करना:

9.28_.indd 750 1/15/2026 5:13:47 PM

एक लॉन्गीट्यूडनल अवलोकन अध्ययन, प्रधान अन्वेषक (बिस्वरूप चक्रवर्ती), डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 53.9 लाख रुपये

31. बच्चों में नींद में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस (ईएसईएस) के न्यूरल नेटवर्क एवं न्यूरोइन्फ्लेमेटरी नेक्सस का बहुआयामी मूल्यांकन, प्रधान अन्वेषक (प्रशांत जौहरी), अंतःविषय आईएमआर फंडिंग, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

32. होस्ट इफेलेमेट्री प्रतिक्रिया एवं बचपन में ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के पैरोक्सिस्मल वर्सनिंग के साथ इसका सहसंबंध, प्रधान अन्वेषक (प्रशांत जौहरी), इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

33. गंभीर रूप से मोटर विकलांगों हेतु ब्रेन मशीन इंटरफेस सक्षम बायोमेडिकल सहायक संचार प्रणाली, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, एमईआईटीवाई, 3 वर्ष, 2022-2025, 53.72 लाख रुपये

34. एक्सॉन 51 स्किपिंग के अनुकूल विलोपन उत्परिवर्तन के साथ, ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले रोगियों में ओपन-लेबल डोज एसक्लेशन से पहले एटेप्लिर्सन की उच्च खुराक की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, डोज फाइंडिंग एवं तुलनात्मक अध्ययन, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, सरेप्टा, 4 वर्ष, 2022-2026, प्रति रोगी 17.08 रुपये कुल 222.03 लाख

35. मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण के माध्यम से एएसडी से पीड़ित बच्चों को सशक्त बनाना, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, 1 वर्ष, 2023-2024, 14.30 लाख रुपये

36. होल्डिंग हेड इन मेजिकल ईयरस - प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं तंत्रिका पुनर्वास केंद्र, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, एचएएनएस फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2023-2026, 231.53 लाख रुपये

37. ट्यूबरस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स से जुड़े सीर्जस से पीड़ित बच्चों, किशोरों एवं युवा वयस्कों में चल रहे एंटी-कन्वल्सिव थेरेपी के लिए बेसिमग्लुरेंट सहायक की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु 52-सप्ताह का ओपन लेबल एक्सटेंशन अध्ययन के बाद चरण - 2 बी बहु-केंद्रित 30-सप्ताह, संभावित, क्रॉस-ओवर, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, नोएमा फार्मा, 3 वर्ष, 2023-2026, 28.53 लाख रुपये

38. रिलैप्सिंग-रिमिटिंग मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों में फिंगोलिमोड की तुलना में ओक्रेलिज़ुमैब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण III बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, डबल-डमी अध्ययन, प्रधान अन्वेषक शैफाली गुलाटी, रोश, 3 वर्ष, 2023-2026, 98.46 लाख रुपये

39. बचपन की ड्रग रिफ्रेक्टरी फोकल एपिलेप्सी में आर टीएमएस की मध्यवर्ती एवं दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड शैम-नियंत्रित अध्ययन, प्रशांत जौहरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 48 लाख रुपये

40. बच्चों में फेब्राइल इन्फेक्शन-रिलेटेड एपिलेप्सी सिंड्रोम (एफआईआरईएस) की नैदानिक एवं न्यूरोइमेजिंग विशेषताओं तथा परिणामों का निर्धारण करना, शैफाली गुलाटी (एम्स) प्रो. जे हेलेन क्रॉस (यूसीएल प्रधान अन्वेषक), एम्स-यूसीएल सहयोग, 1 वर्ष, 2020, जारी, एम्स को 5 लाख रुपये

9.28_.indd 751 1/15/2026 5:13:47 PM

41. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में मुखीय प्रोबायोटिक पूरकता की प्रभावकारिता का आकलन करने वाला एक डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, शैफाली गुलाटी - प्रमुख, आईसीएमआर-वित्तपोषित, 5 वर्ष, 2019-2024, 33.32 लाख रुपये।

42. भारत में ल्यूकोडिस्ट्रोफी पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, शैफाली गुलाटी - साइट प्रधान अन्वेषक, पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा समन्वित, भारतीय न्यूरोलॉजी अकादमी द्वारा वित्तपोषित, जारी, 2020, समन्वय केंद्र को 5 लाख रुपये)।

43. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकारों (एएसडी) के लक्षणों में सुधार हेतु कोशिका-रहित चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका का अध्ययन। शैफाली गुलाटी - सह-प्रधान अन्वेषक, डीबीटी-वित्त पोषित, 5 वर्ष, 2022-2025, 74.68 लाख रुपये

44. सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस में मस्तिष्क चयापचय, सूक्ष्म संरचनात्मक संगठन एवं न्यूरोइन्फ्लेमेशन का बहुविध मूल्यांकन, शैफाली गुलाटी - सह-प्रधान अन्वेषक, एम्स यूजी मेंटरशिप अनुदान-समर्थित, 3 वर्ष, 2021-2024, 2 लाख रुपये

45. लाँगीट्यूडनल अवलोकन अध्ययन "बचपन एवं किशोरावस्था के मोनोफैसिक तथा आवर्तक एक्वायर्ड डिमाइलेटिंग विकारों में अंतर", शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, एम्स-आईआरजी-वित्त पोषित, जारी, 2020, 10 लाख रुपये

46. नींद से वंचित स्लीप ईईजी के लिए पोस्टिट बच्चों में नींद लाने में मेलाटोनिन एवं ट्राइक्लोफॉस की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा की तुलना करना नामक का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, एम्स अंडरग्रेजुएट रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, चालू, 2020, 1.10 लाख रुपये

47. 'एपीलेप्सी उपचार ऐप' के विकास पर एक अध्ययन तथा एम्स, नई दिल्ली में एपीलेप्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच इसकी उपयोगिता एवं संतुष्टि का आकलन", शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, एम्स आईआरजी, जारी, 2021, 2.25 लाख रुपये

48. न्यूरोकंप्यूटिंग एवं संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता, शैफाली गुलाटी- मेंटर एवं साइट प्रधान अन्वेषक, एमईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित, आईआईटी दिल्ली-एनआईटी दुर्गापुर, 4 वर्ष, 2020-2024, 2.31 लाख रुपये

49. बाल चिकित्सा स्टेटस एपिलेप्टिकस में गंभीरता एवं परिणाम की भविष्यवाणी करने हेतु बायोमार्कर सिग्नेचर तथा क्लिनिको-इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक मापदंडों पर आधारित मॉडल विकसित करना, शैफाली गुलाटी- सह-प्रधान अन्वेषक, डीएचआर-वित्तपोषित, 3 वर्ष, 2021-2024, 53.9 लाख रुपये

50. बच्चों में नींद में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस (ईएसईएस) के न्यूरल नेटवर्क एवं न्यूरोइन्फ्लेमेटरी नेक्सस का बहुआयामी मूल्यांकन, शैफाली गुलाटी- सह-प्रधान अन्वेषक, एम्स अंतः विषय आईएमआर-वित्त पोषित, 3 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

51. बचपन में ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के मामले में होस्ट इफ्लेमेट्री संबंधी प्रतिक्रिया एवं पैरोक्सिस्मल वर्सनिंग के साथ इसका सहसंबंध, शैफाली गुलाटी- सह-प्रधान अन्वेषक, एम्स, 3 वर्ष, 2021- 2024, 10 लाख रुपये

52. यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण जिसका शीर्षक है "बचपन के ड्रग रिफ्रैक्टरी फोकल एपीलेप्सी में आरटीएमएस की मध्यवर्ती एवं दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता, शैफाली गुलाटी- सह-प्रधान अन्वेषक, आईसीएमआर-वित्तपोषित, जारी, 2023-2026, 48 लाख रुपये

9.28_.indd 752 1/15/2026 5:13:47 PM

53. भारत में गर्भावस्था एवं प्रारंभिक बाल विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव (एप्रधान अन्वेषकपीईडी कोहोर्ट), शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, आईसीएमआर-वित्तपोषित, जारी, 2024, मध्यवर्ती अनुदान।

54. "डिफीकल्टी टू ट्रिट एपीलेप्सी" पर अनुसंधान केंद्र, शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय।,

55. बचपन एवं किशोरावस्था के मोनोफैसिक तथा विकरंट अक्वार्यड डिमाइलेटिंग विकारों में अंतर: एचएलए टाइपिंग, सीरम और सीएसएफ इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर आधारितलॉन्गीट्यूडनलअवलोकन संबंधी अध्ययन, बिस्वरूप चक्रवर्ती, एम्स-आईआरजी, 2 वर्ष (विस्तार पर), 2020, 10 लाख रुपये

56. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल एपीलेप्सी से पीड़ित 6-17 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में सीरम एंटीसीज़र दवा के स्तर का व्यवहार एवं संज्ञान का संबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, मेंटर (बिस्वरूप चक्रवर्ती), एम्स यूजी मेंटरशिप, 1 वर्ष (विस्तार पर), 2021-2022, 2 लाख रुपये

57. बाल चिकित्सा स्टेटस एपिलेप्टिकस में गंभीरता एवं परिणाम की भविष्यवाणी करने हेतु बायोमार्कर सिग्नेचर एवं क्लिनिको-इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक मापदंडों पर आधारित मॉडल विकसित करना: एकलॉन्गीट्यूडनलअवलोकनात्मक अध्ययन, प्रधान अन्वेषक (बिस्वरूप चक्रवर्ती), डीएचआर, 3 वर्ष (विस्तार पर), 2022-2025, 53.9 लाख रुपये

58. बचपन की दवा प्रतिरोधी फोकल एपीलेप्सी में आर टीएमएस की मध्यवर्ती एवं दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड शैम-नियंत्रित अध्ययन, प्रशांत जौहरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023, जारी, 48 लाख रुपये

59. बच्चों में नींद में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस (ईएसईएस) के तंत्रिका नेटवर्क और न्यूरोइन्फ्लेमेटरी नेक्सस का बहुआयामी मूल्यांकन, प्रशांत जौहरी, एम्स अंतःविषय सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान योजना, 3 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

60. होस्ट इन्फलेमेट्री संबंधी प्रतिक्रिया एवं बचपन में ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के पैरोक्सिस्मल वर्सनिंग के साथ इसका संबंध, प्रशांत जौहरी, एम्स-आईआरजी, 3 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

61. इन विवो एवं इन विट्रो मॉडल का उपयोग करके डेंगू वायरस तथा बाल चिकित्सा तीव्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के बीच आकस्मिक संबंध की परीक्षण, राकेश लोढ़ा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2025-2028, 12.47 लाख रुपये

62. प्राथमिक डेंगू संक्रमण वाले रोगी में गंभीर बीमारी से जुड़ी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएँ, राकेश लोढ़ा, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2024-2029, 125.46 लाख रुपये

63. बच्चों एवं किशोरों में ब्रोन्कियल अस्थमा के उपचार में मानक उपचार में अगस्त्य हरीतकी अवलेहा [शास्त्रीय आयुर्वेदिक सूत्रीकरण] तथा योग को शामिल करने की नैदानिक प्रभावकारिता। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 40.86 लाख रुपये

64. सेफ-आईसीयू: गहन उपचार परिणामों की शीघ्र भविष्यवाणी हेतु एक व्यापक बिग-डेटा तथा पुनरुत्पादनीय एआई संसाधन, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 103.88 लाख रुपये

65. इंट्राथोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस से पीड़ित बच्चों में दीर्घकालिक फेफड़ों के फंक्शन के परिणाम, एक व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 72 लाख रुपये

9.28_.indd 753 1/15/2026 5:13:47 PM

66. यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए बच्चों में प्रतिबंधित बनाम सामान्य/लिबरल रखरखाव द्रव नीति। एक बहुकेंद्रीय ओपन-लेबल यादृच्छिक परीक्षण आईएलआईएससीएच-एम परीक्षण, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2025-2027, 204.25 लाख रुपये

67. ओपन सोर्स एएमआर सर्विलांस इंडिया हेतु फेडरेटेड एआई, राकेश लोढ़ा, बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2025-2027, 63.68 लाख रुपये

68. दुर्लभ एवं अन्य वंशानुगत विकारों हेतु आईसीएमआर रजिस्ट्री, मधुलिका काबरा नीरजा गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2027, 109 लाख रुपये

69. बाल चिकित्सा दुर्लभ आनुवंशिक विकारों पर मिशन कार्यक्रम,नीरजा गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2022-2027, 101 लाख रुपये

70. वंशानुगत टायरोसिनेमिया प्रकार 1 वाले भारतीय रोगियों के उपचार हेतु एनटीबीसी की ओप्टिमम चिकित्सा के लिए फार्माकोकाइनेटिक एवं गतिशील सहसंबंध,नीरजा गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 66 लाख रुपये

71. नए एटीएम वेरिएंट का कार्यात्मक लक्षण वर्णन एवं एंटीसेंस ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड (एओएन) मेडिएटेड करेक्शन, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 50 लाख रुपये

72. क्लिनिकल फेनोटाइप से जुड़े स्पष्ट रूप से संतुलित गुणसूत्र पुनर्व्यवस्था की जटिलताओं को समझना, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 65 लाख रुपये

73. बड़े एवं जटिल जीन वाले 10 सामान्य आनुवंशिक विकारों हेतु अगली पीढ़ी के अनुक्रमण पैनल की रूपरेखा तैयार करना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मधुमिता रॉय चौधरी, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, रु10 लाख

74. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी जन्मपूर्व नमूनों से प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं का मोटर न्यूरॉन्स में उत्पादन, लक्षण वर्णन एवं विभेदन - डिश में रोग का पुनरावलोकन, अमिता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 134 लाख रुपये

75. संसाधन विहीन सेटिंग्स में एसएमए के निदान हेतु प्रत्यक्ष, तीव्र तथा लागत प्रभावी आणविक नैदानिक उपकरण के रूप में रिकॉम्बिनेंट पॉलीमरेज़ एम्प्लीफिकेशन युग्मित प्रतिबंध का सत्यापन, अमिता,डीबीटी, 3 वर्ष, 2025-2028, 27 लाख रुपये

76. भारत में नवजात शिशुओं में सेप्सिस से संबंधित मृत्यु दर: संदर्भ-विशिष्ट समाधानों हेतु एक बहु-विषयक, बहु-संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम (डीबीटी, भारत सरकार; 46.5 करोड़), एम. जीवा शंकर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 5 वर्ष, 2021-2026, 455 लाख रुपये

77. छत्तीसगढ़, भारत के जिला अस्पतालों में कम वजन वाले नवजात शिशुओं में नवजात मृत्यु दर एवं कल्चर-पॉजिटिव सेप्सिस पर तत्काल कंगारू मदर केयर (आईकेएमसी) का प्रभाव: एक स्टेप्ड-वेज क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण। एम. जीवा शंकर,बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2024-2028, 405 लाख रुपये

78. निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में स्तर-2 सुविधाओं में छोटे या/अथवा बीमार नवजात शिशु उपचार (एसएसएनसी) हेतु डब्ल्यूएचओ मानदंड, एम. जीवा शंकर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 1 वर्ष, 2023-2024 (2025 तक विस्तार), 13.12 लाख रुपये

9.28_.indd 754 1/15/2026 5:13:48 PM

79. सेप्सिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में क्लेबसिएला, ई कोलाई, एसिनोबैक्टर एवं एस ऑरियस के पृथककरण का अनुक्रमण, एम. जीवा शंकर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 1 वर्ष, 2023-2024 (2025 तक विस्तार), 190 लाख रुपये

80. 'कल्चर-नेगेटिव सेप्सिस' वाले नवजात शिशुओं में संभावित रोगाणु(ओं) की पहचान, काजल, जैन, डीबीटी भारत सरकार, 5 वर्ष, 2021-2026, 241 लाख रुपये

81. संकल्प: नवजात मृत्यु दर को एकल अंक में लाने हेतु कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं निगरानी को मजबूत करना, रमेश के अग्रवाल,बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2024-2027, 850 लाख रुपये

82. भारत में बाल्यावस्था में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचने की दर में सुधार (आईएससीएएलएल): आईसीआईसीएलई कार्यान्वयन अध्ययन,रचना सेठ,आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 58.36 लाख रूपये

83. 'बीसीआर-एबीएल जैसे' बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में लक्षित जीन अनुक्रमण का एकीकरण: विशिष्ट आनुवंशिक परिवर्तनों की भूमिका एवं नैदानिक प्रस्तुति, परिणामों तथा पुनरावृत्ति पर क्लोनल विविधता के साथ उनका संबंध', रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2027, 79.27 लाख रूपये

84. कैंसर उत्तरजीविता अनुकूलन में भागीदारी (प्रधान अन्वेषकसीएएसएसओ),रचना सेठ, भारतीय कैंसर सोसायटी, जारी, 2021-2024, 12.60 लाख रूपये

85. आईसीआईसीएलई- एएलएल-24- एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों हेतु भारतीय सहयोगात्मक बाल्यावस्था ल्यूकेमिया यादृच्छिक परीक्षण 2024, रचना सेठ,आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 68.18 लाख रूपये

पूर्ण

1. 4453 नियोएएमआर वैश्विक नवजात सेप्सिस अवलोकन अध्ययन (नियोओबीएस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित समूह अध्ययन, काजल जैन, वैश्विक एंटीबायोटिक अनुसंधान एवं विकास भागीदारी (जीएआरडीपी), 3.5 वर्ष, 2021-2024, 68 लाख रुपये

2. तिमोर - लेस्ते हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के आवश्यक नवजात शिशु उपचार पाठ्यक्रम प्रशिक्षण पैकेज को अपनाना, अनु सचदेवा, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 वर्ष, 2023-2024, 9.20 लाख रुपये

3. एक अवलोकनात्मक अध्ययन - 6-17 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल एपीलेप्सी के साथ व्यवहार तथा अनुभूति के साथ सीरम एंटीसीज़र दवा के स्तर का संबंध, शैफाली गुलाटी- सह-अन्वेषक, एम्स यूजी मेंटरशिप, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये

4. सिमुलेशन एवं कौशल विकास एमएनसीएच हेतु एपेक्स कौशल प्रयोगशाला", अनु सचदेवा, यूनिसेफ, 1 वर्ष, 2023-2024, 22.83 लाख रुपये

5. मल्टीमॉडल दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए न्यूरोलॉजिकल एवं विकासात्मक रोगों वाले बच्चों के बारे में सामुदायिक संवेदीकरण, शैफाली गुलाटी-प्रधान अन्वेषक, डीएसटी-एसटीईएमएम, 1 वर्ष, 2022-2023, 32.95 लाख रुपये

9.28_.indd 755 1/15/2026 5:13:48 PM

6. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के निर्माण में सिलिया एवं सोनिक हेजहॉग पाथवे जीन में कॉपी संख्या तथा अनुक्रम वेरिएंट का योगदान, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 65 लाख रुपये

7. बाल अर्बुदविज्ञान में सामान्य नैदानिक प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना, रचना सेठ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 6 वर्ष, 2024-2024, 11.33 लाख रुपये

8. दूसरे चरण के लिए लंबित वित्तपोषित प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग्स में बच्चों हेतु विकासात्मक स्क्रीनिंग कार्यक्रम, शैफाली गुलाटी, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्त पोषित, 1 वर्ष, 2022-2023, 19.97 लाख रुपये

9. भारत में आवश्यक नवजात शिशु उपचार पाठ्यक्रम क्षेत्र परीक्षण, रमेश अग्रवाल, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 वर्ष, 2023-2024, 20 लाख रुपये

10. भारतीय रोगियों में एटीएम म्यूटेशन के नॉनसेंस सप्रेशन हेतु रीड थ्रू यौगिकों का मूल्यांकन, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 45 लाख रुपये

11. एंटीसेंस ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड का उपयोग करके एटीएम स्प्लिस वेरिएंट का एक्स विवो सुधार, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2024, 16 लाख रुपये

12. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) रोगियों में आणविक दृष्टिकोण का उपयोग करके एसएमएन हाइब्रिड जीन की उपस्थिति की खोज, अमिता, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

13. आईसीएमआर बाल रोग उन्नत अनुसंधान केंद्र, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 6 वर्ष, 2018-2024, 636.85 लाख रुपये

14. पीडी-1/पीडी-एल1 मार्ग के निहितार्थ: जुवनियल अज्ञातहेतुक गठिया हेतु एक नया प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिमान, नरेंद्र कुमार बागड़ी (सह-प्रधान अन्वेषक), विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत, 2 वर्ष, 2022-2024, 32 लाख रुपये

15. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम वाले बच्चों में संक्रामक एवं आनुवंशिक ट्रिगर, अरविंद बग्गा, अदिति सिन्हा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 87.19 लाख रुपये

16. शिशु हेमिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी रोगियों में कम आवृत्ति वाले रिपिटेटिव ट्रांसक्रैनियल मेगनेटिक उत्तेजना द्वारा कॉर्टिकल उत्तेजना एवं प्लास्टिसिटी का न्यूरोमॉड्यूलेशन, शैफाली गुलाटी- सह-प्रधान अन्वेषक, आईसीएमआर-वित्तपोषित, 4 वर्ष, 2019-2023, 46.53 लाख रुपये

17. गुर्दे नलिका संबंधी विकारों वाले बच्चों में रजिस्ट्री एवं लक्षित एक्सोम अनुक्रमण की स्थापना: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2021-2024, अरविंद बग्गा, अदिति सिन्हा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 158.67 लाख रुपये

18. डीएमडी, में इंसेंटिव स्पाइरोमेट्री पर अल्पकालिक अध्ययन - शैफाली गुलाटी मार्गदर्शक, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 5 लाख रुपये

19. स्वस्थ समय से पहले जन्मे शिशुओं में जीवन के पहले छह महीनों के दौरान वसा एवं दुबले द्रव्यमान में अंतर वृद्धि: निर्धारक और बाद में स्वास्थ्य पर प्रभाव, वन्दना जैन, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 27.5 लाख रुपये

9.28_.indd 756 1/15/2026 5:13:48 PM

20. जुवनिल अज्ञातहेतुक गठिया के रोग क्रम एवं उपप्रकारों की भविष्यवाणी करने में सिनोवियल फल्यूड प्रोटिओमिक्स की भूमिका का पता लगाना, नरेंद्र कुमार बागड़ी, आईसीएमआर, 3 प्लस एक्सटेंशन, 2019-2024, 42.13 लाख रुपये

21. एएसडी से ग्रस्त बच्चों में सीलिएक रोग एवं गैर-सीलिएक ग्लूटेन-संबंधी विकारों की व्यापकता का अध्ययन करना, शैफाली गुलाटी- सह-संरक्षक, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 1.76 लाख रुपये

22. डेंगू की खोज से लेकर अवधारणा के प्रमाण तक रोगनिरोधी एवं चिकित्सीय नीतियों का समर्थन करने हेतु प्लेटफ़ॉर्म प्रौद्योगिकियों की स्थापना हेतु ट्रांस्लेशन अनुसंधान संघ, राकेश लोढ़ा, बीआईआरएसी, 6 वर्ष, 2019-2025, 161 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एम्स दिल्ली में सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली भोजन संबंधी समस्याओं एवं चुनौतियों का पता लगाने हेतु एक केस कंट्रोल अध्ययन।

2. दीर्घकालिक कॉर्टिकोस्टेरॉइड थेरेपी प्राप्त करने वाले नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित बाल रोगियों में हाइपोथैलेमिक-पिट्यूटरी-एड्रिनल (एचपीए अक्ष) दमन की व्यापकता एवं निर्धारकों का पता लगाने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन (एम्स स्नातक अनुसंधान परियोजना)

3. एम्स, दिल्ली में सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के सामने आने वाली भोजन संबंधी समस्याओं इसके प्रभाव एवं चुनौतियों का पता लगाने हेतु एक विवरणात्मक अध्ययन।

4. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम (डीएम थीसिस) वाले रोगियों में पूर्ण कमी करने में अकेले टैक्रोलिमस की तुलना में टैक्रोलिमस एवं रीटक्सिमैब के संयोजन की श्रेष्ठता की परीक्षण करने हेतु एक पायलट ओपन लेबल आरसीटी।

5. बाल रोगियों में ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद बी-कोशिका, टी-कोशिका एवं इम्युनोग्लोबुलिन पुनर्गठन का अध्ययन करने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन (एमडी शोध)

6. एएसडी से से ग्रस्त बच्चों एवं किशोरों में सह-रुग्णताओं के वितरण का एकल केंद्र क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

7. उच्च जोखिम वाले तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों में प्रेरण एवं समेकन कीमोथेरेपी के माध्यम से आंत माइक्रोबायोम में परिवर्तन का एक अध्ययन

8. 12 महीने की उम्र में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार का जोखिम एवं सेरेब्रल पाल्सी की उत्पत्ति की भविष्यवाणी करने हेतु उच्च जोखिम वाले शिशुओं में सामान्य गतिविधि मूल्यांकन के लिए घर-आधारित वीडियो तथा क्लिनिक में वीडियो के बीच अनुबंध: एक लॉन्गीट्यूडनल अवलोकन अध्ययन

9. 12 महीने की उम्र में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के जोखिम एवं सेरेब्रल पाल्सी की घटना की भविष्यवाणी करने हेतु उच्च जोखिम वाले शिशुओं में सामान्य गतिविधि मूल्यांकन के लिए घर-आधारित वीडियो तथा क्लिनिक में वीडियो के बीच अनुबंध: एक लॉन्गीट्यूडनल अवलोकन अध्ययन

9.28_.indd 757 1/15/2026 5:13:48 PM

10. सेप्सिस से पीड़ित संदिग्ध नवजात शिशुओं में नेस्टेड मल्टीप्लेक्स पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (बायोफायर®) एवं पारंपरिक रक्त संवर्धन के बीच अनुबंध।

11. तीव्र यकृत विफलता एवं यकृत एन्सेफैलोपैथी (एमडी थीसिस) वाले बाल रोगियों में मानक मात्रा चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय की तुलना में उच्च मात्रा की श्रेष्ठता को प्रदर्शित करने हेतु एक ओपन लेबल पायलट आरसीटी

12. सेप्टिक शॉक से पीड़ित बच्चों में माइक्रोसर्कुलेशन एवं विभिन्न फल्यूड मात्राओं के प्रति उसकी प्रतिक्रिया का आकलन करना। (प्रधान अन्वेषक)

13. प्रीमैच्योरिटी एपनिया में कैफीन बंद करने के बाद एपनिया की पुनरावृत्ति का आकलन।

14. 2-18 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में नींद संबंधी विकारों की व्यापकता के साथ वायु गुणवत्ता का संबंध - एक तुलनात्मक अवलोकनात्मक अध्ययन

15. व्यवहार्य पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस में स्टेरॉयड थेरेपी हेतु आधारभूत सिस्ट आकार निर्देशित अवधि में वृद्धि: एक पायलट संभावित इंटरवेंशन अध्ययन

16. सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार हेतु बाइकार्बोनेट बनाम हाइपरटोनिक सलाइन नेबुलाइजेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

17. पीसीओएस से पीड़ित किशोरियों में शारीरिक संरचना, मांसपेशियों की ताकत एवं व्यायाम सहनशीलता: एक केस कंट्रोल अध्ययन

18. "समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं में रेटिनोपैथी में लेजर फोटोकोएग्यूलेशन के दौरान एनाल्जेसिक हेतु अंतःशिरा फेंटेनाइल एवं केटामाइन बनाम अंतःशिरा फेंटेनाइल का संयोजन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"।

19. नव नैदानिक न्यूरोब्लास्टोमा में अस्थि मज्जा मेटास्टेसिस का पता लगाने में अस्थि मज्जा बायोप्सी के साथ 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी की नैदानिक उपयोगिता की तुलना (डीएम थीसिस)

20. बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में एसीटेट-आधारित, लैक्टेट-आधारित और मल्टीपल इलेक्ट्रोलाइट सॉल्यूशन बनाम सेलाइन (एमईएसएलएसी परीक्षण) की तुलना - एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (प्रधान अन्वेषक)

21. नवजात शिशुओं में हेमोलिटिक रोग के साथ डबल वॉल्यूम एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन हेतु 40 टी 5% बनाम 60 टी 5% हेमेटोक्रिट के साथ पुनर्गठित रक्त की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

22. प्रारंभिक सेप्सिस के जोखिम कारकों वाले स्पर्शोन्मुख नवजात शिशुओं के उपचार हेतु जोखिम कारकों एवं सेप्सिस स्क्रीन-आधारित दृष्टिकोण (एम्स प्रोटोकॉल) तथा नेशनल नियोनटोलॉजी फोरम - क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स (एनएनएफ-सीपीजी) की दिशा-निर्देशों की तुलना: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन

23. बच्चों में लचीली ब्रोंकोस्कोपी के दौरान ऑक्सीजन अनुपूरण के तीन तरीकों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. अम्बिकल आर्टरी एवं वेनस कैथेटर सम्मिलन की लंबाई के आकलन के दो तरीकों की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण

9.28_.indd 758 1/15/2026 5:13:48 PM

25. बाल चिकित्सा ग्लोमेरुलर रोगों में स्पॉट एवं 24 घंटे के मूत्र के नमूनों में एल्ब्यूमिन एवं प्रोटीन उत्सर्जन के बीच सहसंबंध (एमडी थीसिस)

26. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनवरी आरोग्य योजना के तहत प्रावधानित नवजात उपचार पैकेजों का लागत अनुमान: एक लागत विवरणात्मक अध्ययन।

27. स्टेरॉयड थेरेपी के उपयोग को कम करने के लिए स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम में स्पर्शोन्मुख सात-दिवसीय नेफ्रोटिक रेंज प्रोटीन्यूरिया के साथ पुनरावृत्ति को परिभाषित करना: एक संभावित इंटरवेंशन अध्ययन (डीएम थीसिस)

28. बाल निद्रा विकारों के निदान हेतु चरणबद्ध दृष्टिकोण विकसित करना: प्रश्नावली, एक्टिग्राफी एवं पॉलीसोम्नोग्राफी आधारित अवलोकन अध्ययन

29. बाल निद्रा विकारों के निदान हेतु चरणबद्ध दृष्टिकोण विकसित करना: प्रश्नावली, एक्टिग्राफी एवं पॉलीसोम्नोग्राफी आधारित अवलोकन अध्ययन

30. 4-10 वर्ष की आयु के ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में नींद संबंधी विकारों के उपचार के लिए एक व्यापक मॉड्यूल का विकास और सत्यापन: एक पूर्व और पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन

31. 4-10 वर्ष की आयु के ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में नींद संबंधी विकारों के उपचार हेतु एक व्यापक मॉड्यूल का विकास और सत्यापन: एक पूर्व और पश्चात इंटरवेंशन अध्ययन

32. जुवेनाइल इडियोपैथी अर्थराईटिस से पीड़ित बच्चों में कम अस्थि खनिज घनत्व हेतु पूर्वानुमानित स्कोर का विकास एवं सत्यापन

33. बाल चिकित्सा प्रारंभ सीएनएस अधिग्रहित डिमाइलिनेशन सिंड्रोम में न्यूरोबिहेवियरल परिणाम के नवीनतम फॉलो-अप एवं मूल्यांकन के साथ प्रारंभिक प्रस्तुति का नैदानिक समझौता: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन।

34. 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में तंत्रिका विकासात्मक विकारों में निदान एवं उपचार का अंतर: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

35. नवजात शिशुओं में फोटोथेरेपी पुनः आरंभ की आवश्यकता वाले रिबाउंड हाइपरबिलिरुबिनेमिया का पता लगाने में बिलिरुबिन एवं ट्रांसक्यूटेनियस बिलिरुबिनोमेट्री के दृश्य मूल्यांकन का नैदानिक प्रदर्शन।

36. बच्चों में इन्वेसिव फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस हेतु ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज गैलेक्टोमैनन की नैदानिक उपयोगिता

37. प्रसवपूर्व रूप से पता लगाए गए मस्तिष्क विकृतियों वाले यूप्लोइड भ्रूणों एवं नवजात शिशुओं में एक्सोम अनुक्रमण की नैदानिक उपज।

38. अज्ञात आनुवंशिक विकारों वाले रोगियों में नकारात्मक एक्सोम विश्लेषण के बाद जीनोम अनुक्रमण की नैदानिक उपज

39. गंभीर ब्रोंकोपल्मोनरी डिस्प्लेसिया वाले नवजात शिशुओं में रोग फेनोटाइप: एक विवरणात्मक कोहोर्ट अध्ययन।

9.28_.indd 759 1/15/2026 5:13:48 PM

40. दिल्ली के अस्थमा से पीड़ित बच्चों के अस्थमा नियंत्रण एवं जीवन की गुणवत्ता पर परिवेशी वायु प्रदूषण का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन

41. डोनर ह्यूमन मिल्क की कैलोरी सामग्री पर भंडारण कंटेनरों (पॉलीप्रोपाइलीन, प्लास्टिक भंडारण बैग, स्टेनलेस स्टील और कांच) की विभिन्न सामग्रियों का प्रभाव।

42. मेटरनल मोटापे एवं प्रसवोत्तर जीवनशैली इंटरवेंशन का शिशु की मोटापे पर प्रभाव - एक समूह अध्ययन के अंतर्गत एक नेस्टेड आरसीटी

43. कठिन-उपचार वाले नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी-नेफ्रिन एंटीबॉडी टाइटर्स पर रिटक्सिमैब का प्रभाव (स्नातक; एसटीएस परियोजना)

44. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित नव निदानित बच्चों में सीएसएफ एवं सीरम इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर्स पर कीमोथेरेपी के प्रभाव तथा न्यूरोकॉग्निटिव फ़ंक्शन के साथ उनका सहसंबंध

45. बाल चिकित्सा संवहनी ट्यूमर और विकृतियों के उपचार में सिरोलिमस की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा - एक संभावित अध्ययन" (डीएम थीसिस)

46. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में उपचार के मानक की तुलना में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में उपचार के मानक की तुलना में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

47. हेमेटोलिम्फोइड मैलिग्नेंसी वाले बच्चों में हाई डोज मेथोट्रेक्सेट कीमोथेरेपी के दौरान मुखीय मार्ग सहायक उपचार व्यवस्था बनाम पारंपरिक अंतःशिरा हाइड्रेशन की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण (डीएम थीसिस)

48. नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एडिमा के उपचार में मुखीय टॉर्सेमाइड बनाम मुखीय फ़्यूरोसेमाइड की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल श्रेष्ठता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (डीएम थीसिस)

49. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के निदान से लेकर पुनरावृत्ति तक के जीनोमिक प्रक्षेप पथ का मूल्यांकन। (पीएचडी थीसिस)

50. नीमन पिक रोग प्रकार ए, बी और ए/बी में प्लाज्मा न्यूरोफिलामेंट - लाइट का मूल्यांकन।

51. कुछ तंत्रिका विज्ञान संबंधी विकारों पर चयनित पर्यावरण प्रदूषकों की भागीदारी का मूल्यांकन

52. कुछ तंत्रिका विज्ञान संबंधी विकारों पर चयनित पर्यावरण प्रदूषकों की भागीदारी का मूल्यांकन

53. 46 XX कैरियोटाइप के साथ क्लासिकल 21-हाइड्रॉक्सिलेज़ की कमी जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया वाले बच्चों एवं किशोरों (8-19 वर्ष) में लिंग भूमिका व्यवहार तथा यौवन संबंधी मुद्दे: एक क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषणात्मक अध्ययन

54. "बी-अन्य" तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया की आनुवंशिक विशेषताएं एवं कीमोथेरेपी के प्रति प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव

55. अपनी मां का दूध और डोनर मानव दूध प्राप्त करने वाले बहुत समयपूर्व नवजात शिशुओं का गट माइक्रोबायोम: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

9.28_.indd 760 1/15/2026 5:13:49 PM

56. <32 सप्ताह की गैस्टेशनल आयु के समय से पूर्व जन्मे शिशुओं में कैफीन थेरेपी विफलता की घटना पर कैफीन की हाई (10 मिग्रा/किग्रा/दिन) बनाम मानक मैनटेंनस डोज (5 मिग्रा/किग्रा/दिन): एक ओपन लेबल, समानांतर समूह, श्रेष्ठता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

57. क्रेनियोफेरीन्जिओमा हेतु उपचारित बाल रोगियों में हाइपोथैलेमिक सिंड्रोम: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

58. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में उपचार चिकित्सा के मानक की प्रभावशीलता पर वायु गुणवत्ता का प्रभाव: एक संभावित लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन

59. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में उपचार चिकित्सा के मानक की प्रभावशीलता पर वायु गुणवत्ता का प्रभाव: एक संभावित लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन

60. बाह्य रोगी विभाग में टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों में "मधुमेह उपचार सूचकांक" चेकलिस्ट के अनुपालन को बढ़ाकर नैदानिक उपचार प्रदान करने में सुधार: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन

61. 32 सप्ताह के गर्भ से पहले जन्मे नवजात शिशुओं की माताओं में दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को अपनाने में सुधार: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन।

62. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में ज्वरीय न्यूट्रोपेनिया में एंटीबायोटिक दवाओं को विलंब से देने वाले कारणों में योगदान देने वाले कारक एवं घटनाएं

63. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में डिस्चार्ज के समय पोस्ट इंटेंसिव केयर सिंड्रोम की घटना, जोखिम कारक एवं परिणाम (डॉ. सुनिधि शालिनी एसए कनिष्ठ रेजिडेन्ट, डॉ. झूमा शंकर 24 जुलाई)

64. बच्चों में मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस एवं लेवोसेटिरिज़िन या/अथवा मोंटेलुकास्ट के साथ संयोजन में इंट्रानेजल स्टेरॉयड अलोन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

65. प्रोटीन्यूरिक क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित बच्चों में प्रोटीन्यूरिया को कम करने में मुखीय डेपाग्लिफ्लोज़िन की दीर्घकालिक प्रभावकारिता एवं सुरक्षा (एमडी थीसिस)

66. 12-18 महीनों में रेचिटिक कोरोनल घुटने की विकृति वाले 2-16 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों के नैदानिक परिणामों का लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन

67. बच्चों में खराब नियंत्रित अस्थमा में मोबाइल अवलोकित इनहेलेशनल थेरेपी (एमओबीआईटी): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

68. चरण II एवं III एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा का बहुविध उपचार: एक इंटरवेंशियल पायलट अध्ययन

69. अस्थमा की तीव्र वृद्धि से पीड़ित बच्चों के उपचार में नेबुलाइज्ड साल्बुटामोल एवं हाइपरटोनिक सलाइन बनाम नेबुलाइज्ड साल्बुटामोल तथा सामान्य सलाइन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

70. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया वाले बच्चों में तंत्रिका विकासात्मक परिणाम

71. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में बायोमार्कर के रूप में न्यूरोफिलामेंट्स एवं क्रिएटिनिन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

9.28_.indd 761 1/15/2026 5:13:49 PM

72. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में बायोमार्कर के रूप में न्यूरोफिलामेंट्स एवं क्रिएटिनिन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

73. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में बायोमार्कर के रूप में न्यूरोफिलामेंट्स एवं क्रिएटिनिन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन (डीएम थीसिस)

74. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी हेतु नवजात शिशुओं की परीक्षण - एक पायलट अध्ययन

75. हल्के श्वसन संबंधी समस्या के साथ विलंवित समय से पहले एवं समय पर जन्मे नवजात शिशुओं में "नो-सीपीएपी" बनाम "सीपीएपी": एक गैर-हीनता समानांतर समूह ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

76. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में कीमोथेरेपी से प्रेरित मतली एवं उल्टी की रोकथाम हेतु ओलानज़ापाइन बनाम एप्रेपिटांट: एक यादृच्छिक ओपन लेबल परीक्षण" (डीएम थीसिस)

77. कम जोखिम वाले ज्वरीय न्यूट्रोपेनिया में मुखीय बनाम IV एंटीबायोटिक्स

78. 10-18 वर्ष की आयु के बच्चों में प्राथमिक वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लक्स के परिणाम (एमडी थीसिस)

79. इडियोपैथिक स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में ज़ोनुलिन एवं एंटी-टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज के प्लाज्मा स्तर (स्नातकपूर्व; आईएपी परियोजना)

80. गौचर रोग में मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा प्लाज्मा लाइसो-जीबी1 सांद्रता: रोग की गंभीरता एवं जीनोटाइप के साथ सहसंबंध

81. बाल चिकित्सा क्रोनिक किडनी रोग (सी.के.डी.) में प्रिविलेंस अम्बुलेटरी हाइपरटेंशन: सी.के.डी. के ग्लोमेरुलर एवं गैर-ग्लोमेरुलर एटियोलॉजी वाले रोगियों में व्यापकता की तुलना तथा विभिन्न औषधि वर्गों की उच्च रक्तचाप रोधी प्रभावकारिता की तुलना (स्नातक अनुसंधान परियोजना)

82. सीकेडी 2-5डी में कार्यात्मक लौह की कमी से होने वाले एनीमिया की व्यापकता एवं जोखिम कारक (एमडी थीसिस)

83. बचपन में प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस रोग से होने वाली क्षति की व्यापकता

84. प्रीस्कूल बच्चों (2-5 वर्ष) में वीएलबीडब्ल्यू पैदा होने पर हाइपरटेंशन की व्यापकता एवं इसके पूर्वानुमान।

85. किशोरियों में मासिक धर्म की अनियमितता की व्यापकता - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

86. जीबीए1 वाहकों के एक समूह में प्रोड्रोमल पार्किंसनिज़्म की व्यापकता

87. वेनस ऐक्सस अल्ट्रासाउंड ग्रेडिंग प्रणाली (वीईएक्सयूएस) की रूपरेखा एवं सेप्सिस से पीड़ित बच्चों में तीव्र गुर्दे की क्षति एवं फलूड ओवरलोड के साथ इसका संबंध: एक पायलट अध्ययन

88. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में बेहोश करने वाली दर्दनाशक दवाओं के प्रोटोकॉल प्रबंधन के कार्यान्वयन पर गुणवत्ता सुधार पहल: विड्रोल सिंड्रोम की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करना

89. न्यूरोब्लास्टोमा में निदान, जोखिम स्तरीकरण एवं प्रतिक्रिया निगरानी में लिक्विड बायोप्सी की भूमिका"

9.28_.indd 762 1/15/2026 5:13:49 PM

90. बाल चिकित्सा माइलॉयड मेलिग्नेसिस में एसएच2बी3 जीन की भूमिका (पीएचडी थीसिस - डॉ. रवि कुमार माझी, डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता के अधीन)

91. हड्डी से जुड़ी गौचर बीमारी में टी-हेल्पर 17 एवं टी नियामक कोशिकाओं की भूमिका: एक पायलट अध्ययन

92. क्रोनिक कोलेस्टेसिस से पीड़ित बच्चों में विटामिन डी के स्तर को अनुकूल बनाने में पारंपरिक मुखीय कोलेकैल्सिफेरॉल बनाम जल में घुलनशील विटामिन डी बुक्कल स्प्रे की भूमिका

93. एचएससीटी के बाद बाल चिकित्सा रोगियों में प्लेटलेट रिकवरी बढ़ाने हेतु रोमिप्लोस्टिम - एक ओपन लेबल आरसीटी (डीएम थीसिस)

94. समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं (28-34 सप्ताह) में द्वितीयक एपनिया: घटना, संबद्ध कारक एवं एल्गोरिथ्म विकास।

95. अनुभागीय अध्ययन

96. बच्चों में गंभीर सेप्सिस: नैदानिक एवं प्रतिरक्षात्मक लक्षण (प्रधान अन्वेषक)

97. व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण: क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में ग्लोमेरुलर निस्पंदन दर का अनुमान लगाने हेतु समीकरणों की सटीकता

98. व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण: स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में पुनरावृत्ति को रोकने में साइक्लोफॉस्फेमाइड की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा (स्नातकपूर्व छात्रों की परियोजना)

99. फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा परिधीय रक्त एवं अस्थि मज्जा में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं का पूर्वानुमानात्मक महत्व

100. इविंग सारकोमा से पीड़ित बच्चे" (डीएम थीसिस)

101. 4 वर्ष से 12 वर्ष तक की आयु वाले डीईई-एसडब्ल्यूएएस से पीड़ित बच्चों में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में एथोसक्सिमाइड एवं पेरामपैनल की प्रभावकारिता का विश्लेषण करना: एक बहु-भुजा, ओपन लेबल वाला समानांतर डिज़ाइन वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

102. 4 से 12 वर्ष की आयु के डीईई-एसडब्ल्यूएएस से पीड़ित बच्चों में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में एथोसक्सिमाइड और पेरामपैनल की प्रभावकारिता का विश्लेषण करना: एक बहु-भुजा, खुला लेबल समानांतर डिज़ाइन यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"।

103. बच्चों में औषध इन्डयूजड स्लीप ईईजी के लिए प्रक्रियात्मक शामक के रूप में इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम मौखिक मेलाटोनिन बनाम मौखिक ट्राइक्लोफोस की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक डबल-ब्लाइंड, समानांतर डिज़ाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

104. बच्चों में दवा प्रेरित नींद ईईजी के लिए प्रक्रियात्मक शामक के रूप में इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम ओरल मेलाटोनिन बनाम ओरल ट्राइक्लोफॉस की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक डबल-ब्लाइंड, समानांतर डिजाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

105. प्रसवोत्तर आयु के 6 सप्ताह में देर से समय से पहले जन्मे शिशुओं में स्तनपान विफलताओं के पूर्वानुमानों का निर्धारण करने हेतु - एक संभावित कोहार्ट अध्ययन।

9.28_.indd 763 1/15/2026 5:13:49 PM

106. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस वाले बच्चों (आयु<18 वर्ष) में नेलफोल्ड कैपिलारोस्कोपिक परिवर्तनों की व्यापकता का अनुमान लगाना: किशोर डर्मेटोमायोसिटिस वाले बच्चों में रोग गतिविधि के साथ, नेलफोल्ड केशिका के संबंध का क्रॉस अध्ययन करना।

107. जुवनिल डर्मेटोमायोसिटिस से जुड़े कैल्सीनोसिस कटिस हेतु टोफैसिटिनिब: एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन

108. दुर्लभ मेंडेलियन विकारों में गैर-नैदानिक एक्सोम एवं जीनोम को सुलझाने में आरएनए-अनुक्रमण की उपयोगिता

109. नवजात शिशुओं में गर्भावधि आयु की भविष्यवाणी में एएमएएनएचआई जीए उपकरण का सत्यापन - एक संभावित नैदानिक अध्ययन।

110. भारतीय समयपूर्व शिशुओं में ब्रोंकोपल्मोनरी डिस्प्लेसिया (बीपीडी) की भविष्यवाणी हेतु तीन नैदानिक पूर्वानुमान स्कोर का सत्यापन -एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन

पूर्ण

1. लेसनल ड्रग रिफेट्री एपीलेप्सी (नींद में फोकल एपीलेप्सी या इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस) से पीड़ित 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस तथा कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता क्रॉस ओवर अध्ययन

2. सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस में मस्तिष्क चयापचय, सूक्ष्म संरचनात्मक संगठन एवं तंत्रिका-सूजन का बहुविध मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन। एम्स यूजी अनुसंधान मेंटरशिप योजना द्वारा वित्तपोषित। अनुदान राशि: ₹2,00,000

3. बचपन एवं किशोरावस्था में फोकल ऑनसेट रिफ्रैक्टरी एपीलेप्सी में टारगेटिड लो फ्रीक्वेन्सी आरटीएमएस थेरेपी का एक यादृच्छिक शम नियंत्रित परीक्षण।

4. क्यूईईजी, सीरम बायोमार्कर, एफएमआरआई एवं डीटीआई के साथ उपचार-नवीकृत वेस्ट सिंड्रोम वाले बच्चों में हार्मोनल थेरेपी की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमानों का विश्लेषण: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

5. यौन विकास विकारों से पीड़ित बच्चों के उपचार हेतु एक बहुविषयक उपचार मॉडल की स्थापना का आकलन, एवं उपचार की कथित गुणवत्ता पर इसका प्रभाव: एक कार्यान्वयन अनुसंधान

6. तीव्र श्वसन संबंधी तनाव सिंड्रोम वाले बच्चों में इम्यूनोमॉड्युलेटर के रूप में एज़िथ्रोमाइसिन - यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण

7. एपिनेफ्रीन इन्फ्यूजन की शुरुआत के बाद द्रव प्रतिरोधी शॉक के साथ गर्भावस्था के सैंतीस सप्ताह से कम के समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं में चयनात्मक इकोकार्डियोग्राफिक मापदंडों में परिवर्तन: एक संभावित अध्ययन"

8. उपचारकर्ताओं एवं स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों में बचपन एवं किशोरावस्था की नींद के बारे में जागरूकता: एक समुदाय और अस्पताल आधारित सर्वेक्षण

9. गंभीर सेप्सिस से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार बच्चों में थ्रोम्बोलास्टोग्राफी द्वारा मूल्यांकित किया गया कोगुलेशन विकार

9.28_.indd 764 1/15/2026 5:13:49 PM

10. वेस्ट सिंड्रोम वाले बच्चों में कीटोजेनिक आहार और एसीटीएच की प्रभावकारिता की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

11. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों एवं 2 से 18 वर्ष की आयु के सामान्यतः विकासशील बच्चों के बीच ऑक्सीडेटिव बायोमार्करों की तुलना

12. प्रारंभिक सेप्सिस के जोखिम कारकों वाले स्पर्शोन्मुख नवजात शिशुओं के उपचार हेतु जोखिम कारकों एवं सेप्सिस स्क्रीन-आधारित दृष्टिकोण (एम्स प्रोटोकॉल) एवं राष्ट्रीय नियोनटोलॉजी फोरम - क्लिनिकल प्रैक्टिस दिशानिर्देश (एनएनएफ-सीपीजी) की तुलना: एक व्यापक अवलोकन अध्ययन - जारी

13. प्राथमिक सिलिअरी डिस्किनीशिया के रोगियों में विशिष्ट उत्परिवर्तनों के साथ सिलिअरी कार्य एवं संरचना का सहसंबंध

14. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल एपीलेप्सी वाले 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में संज्ञान, व्यवहार और कार्यकारी कार्य के साथ नींद की संरचना का सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।

15. ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का उपयोग करके नान-एपिलेटिक वाले स्वस्थ बच्चों की तुलना में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस इन स्लीप (ईएसईएस) वाले 5 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में कॉर्टिकल उत्तेजना

16. बच्चों में कोविड-19 - कोविड के बाद के परिणाम (आईआरजी परियोजना) (प्रधान अन्वेषक)

17. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती सेप्सिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में बहु-औषधि प्रतिरोध की शीघ्र पहचान हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित पूर्वानुमान मॉडल का विकास और सत्यापन

18. एपिलेटिक मस्तिष्क विकृति से पीड़ित बच्चों में रोगी द्वारा बताए गए परिणाम को मापने हेतु प्रश्नावली-आधारित उपकरण का विकास।

19. एपीलेप्सी संबंधी मस्तिष्क विकृति से पीड़ित बच्चों में रोगी द्वारा बताए गए परिणामों को मापने हेतु प्रश्नावली-आधारित उपकरण का विकास

20. बाल चिकित्सा प्रारंभ में प्राप्त डिमाइलेटिंग सिंड्रोम में न्यूरोबिहेवियरल परिणाम के नवीनतम फॉलो-अप और मूल्यांकन के साथ प्रारंभिक प्रस्तुति का नैदानिक अनुबंध: एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन।

21. लिंग के विकास 46, एक्सवाई विकार (डीएसडी) में सीरम इन्हिबिन बी एवं एंटी-मुलरियन हार्मोन की नैदानिक उपयोगिता

22. सही प्रकार से नियंत्रित नॉनलेसनल एपीलेप्सी वाले बच्चों एवं किशोरों में संज्ञान तथा व्यवहार के डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

23. जोखिम मूल्यांकन द्वारा पहचाने गए कम जोखिम वाले उपसमूह में एकल कैल्सीफाइड पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस से पीड़ित 2-18 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में प्रारंभिक एंटी-सिर्जस दवा की मात्रा में कमी: ए सिंगल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन

24. प्रोटीन्यूरिक क्रोनिक किडनी रोगों वाले बच्चों में प्रोटीन्यूरिया को कम करने में मुखीय डेपाग्लिफ्लोज़िन की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा (एमडी थीसिस)

9.28_.indd 765 1/15/2026 5:13:49 PM

25. क्रोनिक किडनी रोग के एनीमिया से पीड़ित बच्चों में मुखीय डेसिडुस्टैट की प्रभावकारिता और सुरक्षा (डीएम थीसिस)

26. डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट सीखने के विकार से ग्रस्त स्कूल जाने वाले बच्चों (6-18 वर्ष की आयु) में एआई सक्षम उपचारात्मक इंटरवेंशन के सहायक के रूप में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावकारिता,

27. सामान्यीकृत डिस्टोनिया से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों (5-18 वर्ष) में रिपेटिटिव ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शम-नियंत्रित परीक्षण। (सीटीआरआई/2022 जनवरी 039806)

28. सामान्यीकृत डिस्टोनिया से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों (5-18 वर्ष) में रिपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शम-नियंत्रित परीक्षण

29. सीएनएस तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रियाओं की घटना एवं पैटर्न का अनुमान लगाना

30. संवेदी प्रोफ़ाइल उपचारकर्ता प्रश्नावली 2 का उपयोग करके मस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित 3-15 वर्ष की आयु के बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण असामान्यताओं की व्यापकता का अनुमान लगाना: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन।

31. छोटे शिशुओं में माइक्रोसेफाली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन

32. हेमिपैरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों में ऊपरी अंग के कार्य में सुधार करने हेतु संशोधित बाधा प्रेरित गति थेरेपी के सहायक के रूप में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

33. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से पीड़ित 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों में कोर फंक्शन की कमी को सुधारने में मानक चिकित्सा के सहायक के रूप में थीटा बर्स्ट ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, शम नियंत्रित परीक्षण

34. स्वस्थ पूर्णकालिक एसजीए शिशुओं में जन्म से 6 महीने तक वसा वृद्धि का प्रक्षेप पथ, तथा 2 वर्ष की आयु में सीरम इंसुलिन, आईजीएफ-1 और एडिपोनेक्टिन पर इसका प्रभाव

35. पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस (5 घावों तक) वाले बच्चों और किशोरों (5-18 वर्ष की आयु) में पांच दिन बनाम चौदह दिन मुखीय डेक्सामेथासोन: एक ओपन लेबल वाला क्लस्टर यादृच्छिक श्रेष्ठता परीक्षण

36. सेप्टिक शॉक से पीड़ित बच्चों में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसफंक्शन (डीएम थीसिस) (पूर्ण)

37. मॉर्कियो सिंड्रोम वाले भारतीय बच्चों में जीनोटाइप फेनोटाइप सहसंबंध

38. इमोटाइल सिलिया सिंड्रोम में हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपी (डीएम थीसिस)।

39. केवल स्तनपान करने वाले नवजात शिशुओं में जीवन के 10-14 दिनों तक अपर्याप्त वजन बढ़ना एवं इससे जुड़े कारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

40. ब्रोंकोपल्मोनरी डिस्प्लेसिया वाले समय से पहले जन्मे शिशुओं (<32 सप्ताह की गर्भावस्था) में सही उम्र के पहले 6 महीनों तक श्वसन संबंधी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) संक्रमण की घटना: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

9.28_.indd 766 1/15/2026 5:13:50 PM

41. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में एंडोट्रैकियल इंटुबैशन के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए केटामाइन बनाम फेंटेनाइल (डीएम थीसिस)।

42. प्राथमिक मोनोसिम्टोमैटिक नॉक्टर्नल एन्यूरिसिस के तंत्रिका सहसंबंध: एक स्वायत्त कार्य परीक्षण एवं पॉलीसोम्नोग्राफी-आधारित अध्ययन

43. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम (एमडी थीसिस) (पूर्ण)।

44. सिर्जस से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों में अप्टियल ईईजी ड्यूरेशन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

45. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में क्रिएटिनिन और सिस्टैटिन-आधारित अनुमानित ग्लोमेरुलर निस्पंदन दर (जीएफआर) समीकरणों का प्रदर्शन (एमडी थीसिस)

46. गौचर रोग के रोगियों के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम एवं उपचार परिणाम

47. ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस से पीड़ित बच्चों में सोडियम होमियोस्टेसिस के विकारों की व्यापकता एवं अल्पकालिक परिणाम के साथ इसका संबंध: एक अस्पताल आधारित लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन।

48. गंभीर सेप्सिस वाले बच्चों में प्रतिरक्षा-पक्षाघात की व्यापकता

49. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में मेटाबोलिक सिंड्रोम की व्यापकता

50. बच्चों में प्रोकैल्सीटोनिन निर्देशित एंटीबायोटिक थेरेपी। झूमा शंकर. (प्रधान अन्वेषक)

51. गिलियन-बैरे सिंड्रोम (आयु 2-18 वर्ष) से पीड़ित बच्चों में रोग निदान पद्धति के रूप में तंत्रिका अल्ट्रासाउंड की भूमिका: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन। अभ्यर्थी

52. 5-12 वर्ष की आयु के बच्चों में स्टेरॉयड प्रतिरोध/पुनरावर्ती ईएसईएस में कम आवृत्ति रिपिटिटिव ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) थेरेपी का सिंगल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन

53. डिस्ट्रोफिन पैथी से पीड़ित 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों में नींद से संबंधित श्वसन संबंधी विकार, जो कम से कम 6 महीने तक मुखीय स्टेरॉयड ले रहे हैं: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

54. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में कोगुलेशन की गड़बड़ी का आकलन करने हेतु थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी (डीएम थीसिस)।

55. हिस्टोरिकल कोहार्ट (एकल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन) की तुलना में अल्ट्रासाउंड-निर्देशित यूवीसी सम्मिलन द्वारा अप्टिमल टिप स्थिति की दर निर्धारित करना।

56. प्रधान अन्वेषकसीयू रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणामों की भविष्यवाणी करने हेतु एक एमपेरिक टूल को मान्य करना एवं गंभीर रूप से बीमार रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणामों के साथ बायोमार्कर एस100बी तथा एनएसई के संबंध का अध्ययन करना।

57. आईसीवी वृद्धि सहित एवं उससे रहित वाले गंभीर रूप से बीमार बच्चों में ऑप्टिक नर्व शीथ व्यास का ट्रांसबुलबर अल्ट्रासाउंड, (एमडी)

58. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में एंडोट्रैकियल ट्यूब की स्थिति की पुष्टि करने में अल्ट्रासाउंड की उपयोगिता (2022 में पूर्ण) (एमडी थीसिस)।

9.28_.indd 767 1/15/2026 5:13:50 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. "समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में कूपिक गतिशीलता पर माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल सिस्टम मध्यस्थता एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव का प्रभाव", प्रजनन जैवविज्ञान विभाग, एम्स, दिल्ली जारी

2. वंशानुगत एपिडर्मोलिसिस बुलोसा से पीड़ित बच्चों एवं वयस्कों की अतिरिक्त-प्रणालीगत तथा त्वचीय भागीदारी का मूल्यांकन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचारोगविज्ञान

3. बाल चिकित्सा ओपीडी में सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के माता-पिता द्वारा सामना की जाने वाली भोजन संबंधी समस्याओं, इसके प्रभाव एवं चुनौतियों का पता लगाने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन, एमएससी, नर्सिंग

4. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के निदान में डीएसएम IV टीआर एवं डीएसएम 5 की संवेदनशीलता एवं विशिष्टता का मूल्यांकन करने हेतु एक बहु-केंद्रीय, ओपन-लेबल परीक्षण, पूरे भारत में 5 स्थानों पर

5. सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस में मस्तिष्क चयापचय, सूक्ष्म संरचनात्मक संगठन एवं न्यूरोइन्फ्लेमेशन का बहुविध मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन, एम्स इंट्राम्यूरल

6. लक्षणात्मक बाल रोगियों में एडेनोइड हाइपरट्रॉफी पर नेजल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और एएमपी एवं एंटीहिस्टामिनिक्स की तुलना में प्रणालीगत ओमालिज़ुमाब के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, ईएनटी, नई दिल्ली

7. लक्षणात्मक बाल रोगियों में एडेनोइड हाइपरट्रॉफी पर नाक कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और एएमपी एवं एंटीहिस्टामिनिक की तुलना में प्रणालीगत ओमालिज़ुमाब के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, एमएस ईएनटी के सहयोग से।

8. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में प्रणालीगत सूजन एवं अंग विफलता के रोगजनन में माइक्रोबियल संक्रमण का एक अध्ययन, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. जुवनिल यौन शोषण: बाल यौन शोषण हेतु बहुआयामी पैमाने (एमएससीएसए) का संशोधन एवं आघात-केंद्रित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी इंटरवेंशन का एक यादृच्छिक व्यवहार्यता परीक्षण, मनोचिकित्सा

10. विकास प्रतिबंधित एवं उचित रूप से विकसित भ्रूणों की तुलना में, डेल्फी कन्सेनसिस द्वारा भ्रूण वृद्धि प्रतिबंध के मानदंडों को पूरा न करने वाले गर्भकालीन आयु के लिए छोटे भ्रूणों के साथ गर्भधारण में प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

11. भारत में गर्भावस्था एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव (आईसीएमआर-वित्त पोषित), सामुदायिक चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

12. इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एंटी-नेफ्रिन एंटीबॉडी, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद

9.28_.indd 768 1/15/2026 5:13:50 PM

13. सलाइवा-डिराइवड स्मॉल एक्सट्रासेलुलर वेसिकल्स की बायोमार्कर क्षमता और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम में एमएससी-सलाइवा-डिराइवड स्मॉल न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका का आकलन, पीएचडी स्टेम सेल सुविधा।

14. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत बड़े आर्थोपेडिक सर्जरी से पीड़ित व्यस्को रोगियों में परिधीय रक्त ल्यूकोसाइट्स में डीएनए टेलोमेर लंबाई एवं पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक शिथिलता (पीओसीडी) तथा प्रलाप (पीओडी) के बीच संबंध: एक संभावना, संवेदनाहरण विभाग, एम्स, दिल्ली जारी

15. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल एपीलेप्सी से पीड़ित 6-17 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में सीरम एंटीसीज़र दवा के स्तर का व्यवहार एवं संज्ञान के साथ संबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, एम्स, यूजी मेंटरशिप अनुदान

16. विल्म्स ट्यूमर के विकास, प्रगति एवं चिकित्सीय प्रतिक्रिया में जैविक तंत्र" (पीएचडी), बाल शल्य चिकित्सा

17. दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में किशोर अज्ञातहेतुक गठिया के उपचार हेतु नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश, एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएसन फॉर रूमेटोलॉजी

18. उपचार प्रतिक्रियाकर्ताओं एवं गैर-प्रतिक्रियाकर्ताओं के साथ इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफ़ाइल तथा परिणाम, नेत्र विज्ञान

19. इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोपैथीज का क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण एवं रोगजनन, विकृति विज्ञान

20. डब्ल्यूएचओ के अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणाली वर्गीकरण का उपयोग करते हुए दिल्ली में वयस्क जनसंख्या में विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. कॉर्टिकल ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एक प्रोमिसिंग बायोमार्कर एवं एकल तथा युग्मित पल्स प्रतिमान वाले सेरेब्रल पाल्सी बच्चों में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी को प्रेरित करने हेतु चिकित्सीय पद्धति है, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

22. बच्चों में कोविड-19 महामारी: 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में कोविड-19 और मल्टीसिस्टमिक इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआईएस-सी) की न्यूरोलॉजिकल अभिव्यक्तियों और महामारी के दौरान पहले से मौजूद न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में मनो-सामाजिक मुद्दों पर एक अध्ययन", मल्टीसेंटर के सहयोग से

23. बच्चों में कोविड-19 महामारी: 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में कोविड-19 और मल्टीसिस्टमिक इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआईएस-सी) की तंत्रिका संबंधी अभिव्यक्तियों और महामारी के दौरान पहले से मौजूद तंत्रिका संबंधी विकारों वाले 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में मनो-सामाजिक मुद्दों पर एक अध्ययन, मल्टीसेंटर के सहयोग से

24. बच्चों में घुटने की विकृति की व्यापकता एवं पोषण संबंधी स्थिति और अस्थि चयापचय के नियामकों के साथ इसके संबंध का आकलन करने हेतु क्रॉस सेक्शनल अस्पताल आधारित अध्ययन, अस्थि रोग

25. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया के निदान हेतु नेजल की उपकला कोशिकाओं का संवर्धन, जेएनयू, नई दिल्ली, आईजीआईबी नई दिल्ली

9.28_.indd 769 1/15/2026 5:13:50 PM

26. बाल चिकित्सा स्टेटस एपिलेप्टिकस में गंभीरता एवं परिणाम की भविष्यवाणी करने हेतु बायोमार्कर इंटरवेंशन एवं क्लिनिको-इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक मापदंडों पर आधारित मॉडल विकसित करना: एकलॉन्गीट्यूडनलअवलोकनात्मक अध्ययन, डीएचआर

27. म्यूकोरमाइकोसिस के शीघ्र निदान हेतु लक्ष्य के रूप में सीओटीएच जीन का उपयोग करते हुए वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास", सूक्ष्मजैव विज्ञान

28. बचपन एवं किशोरावस्था के मोनोफैसिक तथा आवर्तक अधिग्रहित डिमाइलेटिंग विकारों में अंतर: एचएलए टाइपिंग, सीरम और सीएसएफ भड़काऊ बायोमार्कर आधारितलॉन्गीट्यूडनलअवलोकन अध्ययन, एम्स इंट्राम्यूरल

29. यौन विकास विकार (डीएसडी): ट्रांसपेरिनियल अल्ट्रासाउंड एवं चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता, विकिरण नैदानिक एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान

30. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में कूपिक गतिशीलता पर माइटोकॉन्ड्रियल शटल प्रणाली की मध्यस्थता वाले एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव का प्रभाव, प्रजननरोग जीवविज्ञान

31. भारत में टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस (टी1डीएम) रोगियों के बीच मधुमेह उपचार एवं नैदानिक परिणामों के पालन में सुधार हेतु एक संरचित बाल चिकित्सा से वयस्क उपचार संक्रमण इंटरवेंशन की प्रभावशीलता" - पाथवे परीक्षण, अंत:स्राविकी विज्ञान

32. दो साल से अधिक समय तक कैल्सीनुरिन अवरोधकों पर स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कमी को बनाए रखने में IV रिटक्सिमैब बनाम ओरल मायकोफेनोलेट मोफेटिल की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली; एम्स, भोपाल; एम्स, जोधपुर; सेंट जॉन अस्पताल बेंगलुरु; एसएटी, तिरुवनंतपुरम

33. बच्चों में स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पुनरावर्तन हेतु कम खुराक, लघु कोर्स प्रेडनिसोलोन रेजिमेन की प्रभावकारिता: एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, दिल्ली; एम्स, भोपाल; एम्स, जोधपुर; सेंट जॉन अस्पताल बेंगलुरु; एसएटी, तिरुवनंतपुरम

34. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया (सीएएच) से पीड़ित रोगियों के अंतःस्रावी, प्रजनन, चयापचय, मस्कुलोस्केलेटल मापदंडों का मूल्यांकन, अंत: स्राविकी

35. जले हुए घावों में ग्राम-नेगेटिव ईएसकेएपीई (केएपीई) जीवों एवं रोगाणुरोधी प्रतिरोध जीनों का शीघ्र पता लगाने हेतु नवीन डिपस्टिक-आधारित आणविक तकनीकों का मूल्यांकन, प्लास्टिक पुनर्निर्माण एवं बर्न सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली

36. कुछ न्यूरोनल रोगों पर चयनित पर्यावरण प्रदूषकों की भागीदारी का मूल्यांकन, नेत्र भेषजगुण विज्ञान और फार्मेसी, रा.प्र.केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

37. दुर्दम्य/अड़ियल अंतःकोशिकीय आरबी में गामा नाइफ, नेत्ररोग विज्ञान

38. 46, एक्सवाई डीएसडी वाले बच्चों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण द्वारा आनुवंशिक विश्लेषण प्रजनन जैवविज्ञान

9.28_.indd 770 1/15/2026 5:13:50 PM

39. वैश्विक समानता, द्वितीयक विश्लेषण, बाल चिकित्सा तीव्र फेफड़े की चोट एवं सेप्सिस अन्वेषक, संयुक्त राज्य अमेरिका

40. होस्ट इन्फलेमेट्री संबंधी प्रतिक्रिया एवं बचपन में ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के पैरोक्सिस्मल वर्सनिंग के साथ इसका सहसंबंध, एम्स इंट्राम्यूरल

41. इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोसिटिस-इंटरस्टीशियल लंग डिजीज प्रोजेक्ट (आईआईएम-आईएलडी), मायोसिटिस क्लिनिकल ट्रायल्स कंसोर्टियम

42. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में संक्रामक एवं आनुवंशिक ट्रिगर, लिवर तथा हेपेटोबिलरी विज्ञान संस्थान, दिल्ली

43. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में संक्रामक एवं आनुवंशिक ट्रिगर, लिवर तथा हेपेटोबिलरी विज्ञान संस्थान, दिल्ली

44. वर्चुअल एवं ओगमेटेड रिएलिटी टेक्निक्स का उपयोग करके जोइंट अटेंशन एवं 3डी गति एवं गहराई की धारणा, आईआईटी, नई दिल्ली

45. जुवेनाइल सिस्टमेटिक स्लेरोसिस वर्गीकरण मानदंड विकास, अन्तरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा स्थेलारोडर्मा संघ

46. कीवी अध्ययन: कावासाकी रोग के बहु-केन्द्रित यूरोपीय एवं उत्तर भारतीय समूह में कोबायाशी तथा कावनेट आईवीआईजी प्रतिरोध स्कोर की तुलना, बाल चिकित्सा रूमेटोलॉजी यूरोपीय सोसायटी

47. दवा प्रतिरोधी एपीलेप्सी हेतु मेटफॉर्मिन: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, मल्टीसेंटर के सहयोग से

48. भारत में दुर्लभ विकारों हेतु राष्ट्रीय रजिस्ट्री का बहुकेन्द्रीय सहयोगी अध्ययन, आईसीएमआर

49. बच्चों में नींद में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस (ईएसईएस) के तंत्रिका नेटवर्क एवं न्यूरोइन्फ्लेमेटरी नेक्सस का बहुविध मूल्यांकन, एम्स इंट्राम्यूरल

50. गर्भवती महिलाओं एवं उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण पर राष्ट्रीय रजिस्ट्री - आईसीएमआर का तीन वर्षीय अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

51. जन्मजात हृदय दोषों हेतु शल्य चिकित्सा करवा रहे शिशुओं में तंत्रिका विकासात्मक परिणाम - एक संभावित बहु-केंद्रीय समूह अध्ययन। आईसीएमआर अध्ययन 2020 से आगे, बाल चिकित्सा हृद विज्ञान

52. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में बायोमार्कर के रूप में न्यूरोफिलामेंट्स एवं क्रिएटिनिन: एक अवलोकन, आनुवंशिकी

53. बाल एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा हेतु पैथोलॉजिकल स्कोरिंग सिस्टम, विकृति विज्ञान

54. पूरक-मध्यस्थ किडनी रोगों पर कार्यक्रम: आनुवंशिक परीक्षण हेतु वाणिज्यिक एलिसा एवं पाइपलाइनों का विकास, बायोमार्कर्स की पहचान, तथा उपचारों को परिष्कृत करना, बायोडिजाइन के लिए क्षेत्रीय केंद्र, फरीदाबाद; आईएलबीएस, दिल्ली; सीसीएमबी, हैदराबाद

55. रेटिनोब्लास्टोमा (पीएचडी), नेत्ररोग विज्ञान

9.28_.indd 771 1/15/2026 5:13:50 PM

56. भारत में नवजात शिशुओं में सेप्सिस-संबंधी मृत्यु दर: संदर्भ-विशिष्ट समाधानों हेतु एक बहु-विषयक, बहु-संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद; आईसीजीईबी, दिल्ली; एनआईआई; जेएनयू; आईजीआईबी; सीडीएसए; यूसीएमएस एवं जीटीबी; एसजेएच, दिल्ली; एलएचएमसी, दिल्ली

57. बाल अभिघातजन्य मस्तिष्क चोटों में मस्तिष्क शोफ, तंत्रिका सूजन एवं रक्त मस्तिष्क अवरोध विघटन का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान (फेलोशिप)

58. शुक्राणु माइटोकॉन्ड्रियल एवं नाभिकीय डीएनए अखंडता पर क्रायोप्रिजर्वेशन के प्रभावों तथा निषेचन घटनाओं पर इसके प्रभाव का अध्ययन, प्रजनन जैवविज्ञान विभाग, एम्स, दिल्ली जारी

59. बाल एएमएल में डब्ल्यूएनटी/β-केटिनेन और पी।3के/एकेटी/एमटीओआर सिग्नलिंग मार्ग के बीच क्रॉसटॉक की भूमिका, रुधिररोग विज्ञान विभाग, एम्स, दिल्ली

60. दवा-प्रतिरोधी फोकल एपीलेप्सी में व्यक्तिगत, बहु-सत्र, उच्च-घनत्व वाले ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट उत्तेजना के माध्यम से मल्टीमॉडल इमेजिंग-निर्देशित मस्तिष्क नेटवर्क मॉड्यूलेशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक डबल-ब्लाइंड शम-नियंत्रित अध्ययन।, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

61. स्लीप डिपराइवड स्लीप ईईजी से पीड़ित बच्चों में नींद लाने में मेलाटोनिन एवं ट्राइक्लोफॉस की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा की तुलना करना: एक डबल ब्लाइंड, समानांतर डिज़ाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। (सीटीआरआई/2020 फ़रवरी 023592), एम्स इंट्राम्यूरल

62. आरंभ एवं फॉलो-अप में बाल चिकित्सा अधिग्रहित डिमाइलेटिंग सिंड्रोम के विभिन्न उपप्रकारों में एमआरआई पैटर्न का वर्णन करना, एमडी, विकिरणनिदान के सहयोग से

63. बच्चों में फेबराइल इन्फेक्शन-रिलेटेड एपीलेप्सी सिंड्रोम (एफआईआरईएस) की नैदानिक एवं न्यूरोइमेजिंग विशेषताओं तथा परिणामों का निर्धारण करना", मल्टीसेंटर के सहयोग से

64. हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण से पीड़ित बाल रोगियों की निगरानी एवं पूर्वानुमान में डोनर एवं रिसेपियंट ब्लड मेटाबोलोमिक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद विभाग, एम्स, दिल्ली

65. ज़ोन 1 पोस्टीरियर बनाम ज़ोन 1 एंटीरियर एग्रेसिव रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (एआरओपी) में इंट्राविट्रियल रैनिबिजुमैब के परिणामों का अध्ययन करना, आरपीसी सेंटर, प्रोफेसर पारिजात चंद्रा, एम्स नई दिल्ली

66. 'माई होल चाइल्ड; चाइल्ड हेल्थ एंड डेवलपमेंट इंटरएक्टिव सिस्टम' का उपयोग, जो 18 वर्ष तक की आयु के भारतीय बच्चों और किशोरों के समग्र मूल्यांकन और उपचार हेतु एक वेब-आधारित मंच है; एक तृतीयक केंद्र पायलट अध्ययन, चाडिस, यूएसए

67. गहन उपचार एकक में गंभीर रूप से बीमार बच्चों में रैपिड ट्रियो होल एक्सोम अनुक्रमण की उपयोगिता, आनुवंशिकी

पूर्ण

1. "एपीलेप्सी केयर ऐप" के विकास पर एक अध्ययन तथा एम्स, नई दिल्ली में एपीलेप्सी की रिपोर्ट करने वाले बच्चों के माता-पिता के बीच इसकी उपयोगिता एवं संतुष्टि का आकलन" (आईआरजी), नर्सिंग कॉलेज

9.28_.indd 772 1/15/2026 5:13:51 PM

2. डिफ्यूज इंट्रींसिक पोंटीन ग्लियोमा के रोगियों में पारंपरिक रेडियोथेरेपी बनाम समवर्ती तथा सहायक टेमोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो फ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी की तुलना करने वाला चरण 2 डबल आर्म रैंडमाइज्ड परीक्षण, विकिरण चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. दवा प्रतिरोधी एपीलेप्सी से पीड़ित जुवनिल एवं वयस्कों में संशोधित एटकिंस आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा तथा सहनशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. एम्स, नई दिल्ली में बाल तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में आने वाले मस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित बच्चों तथा सामान्य रूप से विकसित हो रहे बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच चिंता, अवसाद एवं जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने हेतु एक अध्ययन। एमएससी नर्सिंग

5. एम्स, नई दिल्ली में 6 सप्ताह से 2 वर्ष की आयु के मातृ शिशु युग्मों के आहार प्रथाओं का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन।, नर्सिंग कॉलेज, एम्स नई दिल्ली

6. डब्ल्यूएचओ के अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणाली वर्गीकरण का उपयोग करते हुए दिल्ली में वयस्क जनसंख्या में विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. बाल गहन उपचार में मुख्य परिणाम, बाल चिकित्सा तीव्र फेफड़ा विक्षति एवं सेप्सिस अन्वेषक, संयुक्त राज्य अमेरिका

8. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में कॉर्टिकल स्रोत एवं कनेक्टिविटी: एक क्यूईईजी अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. भारत में सिस्टिक फाइब्रोसिस: व्यापकता, उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल एवं रजिस्ट्री का विकास,पल्मोनोलॉजी विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एसकेआईएमएस, एम्स जोधपुर जारी

10. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) से पीड़ित बच्चों में भावना पहचान क्षमता एवं सामाजिक अनुकूली व्यवहार: व्यवहारिक तथा फेनोटाइपिक लिंकेज का एक अध्ययन, पीएचडी आईआईटी कानपुर

11. आईसीएमआर यंग डायबिटीज रजिस्ट्री, अंत:स्रावि‍की

12. शुक्राणु एपिजीनोम पर वृद्ध पैतृक आयु एवं खराब जीवनशैली का प्रभाव: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में संभावित कारण, शरीररचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. बच्चों में अंतरालीय फेफड़े की बीमारी, फुप्फुसीय विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एसकेआईएमएस, एम्स जोधपुर

14. ओपन हार्ट सर्जरी के बाद सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में तंत्रिका विकासात्मक परिणाम, बाल हृद विज्ञान

15. तीव्र बीमारियों, बाल गंभीर फेफड़ा विक्षति एवं सेप्सिस अन्वेषक पर पीएएलआईएसआई वैश्विक समानता अध्ययन, संयुक्त राज्य अमेरिका

16. प्रारंभिक दांतों के निकलने के दौरान दांत निकलने संबंधी समस्याओं की व्यापकता - एक संभावित समूह अध्ययन, दंत विज्ञान खंड, एम्स, नई दिल्ली

9.28_.indd 773 1/15/2026 5:13:51 PM

17. रिनल ट्यूबुलर डिसआर्डर विकार वाले बच्चों में रजिस्ट्री एवं लक्षित एक्सोम अनुक्रमण की स्थापना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

18. बाल अभिघातजन्य मस्तिष्क चोटों में मस्तिष्क शोफ, तंत्रिका प्रदाह एवं रक्त मस्तिष्क अवरोध विघटन का अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

19. आरंभ एवं फॉलों-अप पर बाल चिकित्सा अधिग्रहित डिमाइलेटिंग सिंड्रोम के विभिन्न उपप्रकारों में एमआरआई पैटर्न का वर्णन करना, विकिरण निदान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

20. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में रोग जीव विज्ञान और जीवाणु सेप्सिस के निदान को समझना: एक बहु-केंद्रीय अध्ययन, टीएचएसटीआई, फ़रीदाबाद एवं एनसीबीएस, बेंगलुरु

21. जे.आई.ए. से पीड़ित बच्चों में रोग गतिविधि और क्षति के आकलन में संपूर्ण शरीर चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग, विकिरणनिदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	11	15	81
कुल वित्तपोषण	74.99 लाख रुपये	1196.86 लाख रुपये	14465 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 155 सार: 49 पुस्तक में अध्याय: 35 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**262**	**365**	**242**
पत्रिकाओं में लेख	171	282	155
सार	15	44	49
पुस्तकों में अध्याय	70	32	35
पुस्तकें	6	7	02

रोगी उपचार

बाल अंत:स्राविकी प्रभाग

(क) विशिष्ट क्लीनिक एवं प्रयोगशाला सुविधाएं

- बाल अंत:स्राविकी क्लिनिक: बच्चों में आम अंतःस्रावी विकार जिनका हम उपचार करते हैं, उनमें वृद्धि हार्मोन की कमी, जन्मजात अथवा अधिग्रहित हाइपोपिट्यूटारिज्म, हाइपोथायरायडिज्म, टाइप 1 मधुमेह, रिकेट्स, यौवन संबंधी विकार, अधिवृक्क अपर्याप्तता और अधिकता, विटामिन डी एवं पैराथॉर्मोन की कमी और अधिकता और मोटापा एवं चयापचय सिंड्रोम शामिल हैं।

9.28_.indd 774 1/15/2026 5:13:51 PM

- यौन विकास विकारों (डीएसडी) हेतु बहुविषयक क्लिनिक: यह डीएसडी से पीड़ित बच्चों के लिए एक ही स्थान पर एकीकृत मूल्यांकन एवं उपचार हेतु बाल शल्य चिकित्सा और मनोचिकित्सा विभागों के सहयोग से निर्मित एक नई सुविधा है।

- हमने अस्थि विकृति से पीड़ित बच्चों में शीघ्र सुधारात्मक सर्जरी के लिए अस्थिरोग विभाग के साथ समर्पित संयुक्त फॉलो-अप कार्रवाई के साथ सक्रिय सहयोग विकसित किया है।

- बाल अंत:स्रावि‍की प्रयोगशाला: बाल चिकित्सा विभाग में निम्नलिखित हार्मोनल जांच की जा रही हैं: रोश कोबास ई411 ईसीएलआईए उपकरण का उपयोग करके ग्रोथ हार्मोन, 25 हाइड्रॉक्सी-विटामिन डी, पीटीएच, कॉर्टिसोल और इंसुलिन।

- सीरम इंसुलिन-जैसे वृद्धि कारक 1 (आईजीएफ-1) की सुविधा इस वर्ष शुरू की गई। (अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल परीक्षणों की संख्या: वृद्धि हार्मोन: एन= 366, इंसुलिन, एन = 250, कॉर्टिसोल, एन = 18, आईजीई-1, एन = 110)।

- बाल शरीर संरचना मूल्यांकन प्रयोगशाला: हमारे पास नवजात शिशुओं एवं शिशुओं (पीईएपीओडी) के शरीर संरचना विश्लेषण हेतु अत्याधुनिक वायु विस्थापन प्लेथिस्मोग्राफी-आधारित प्रणाली एवं 2-18 वर्ष आयु वर्ग में शरीर संरचना विश्लेषण हेतु बाल चिकित्सा विकल्प के साथ बोडपॉड प्रणाली है (वित्त वर्ष 2024-25 में पीपॉड एवं बोडपॉड पर एन = 560 माप)।

- इसके अतिरिक्त, बाल चिकित्सा में केंद्रीय प्रयोगशाला जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लासिया (सीएएच) वाले बच्चों हेतु, और नैदानिक संदेह अथवा सकारात्मक नवजात स्क्रीनिंग वाले बच्चों के लिए 17Oएचपी परीक्षण करती है।

- बाल अंत:स्रावि‍की प्रभाग जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म और सीएएच हेतु सकारात्मक नवजात स्क्रीनिंग वाले सभी शिशुओं के फॉलो-अप, पुष्टिकरण परीक्षण और उपचार का समन्वय करता है।

- ग्रोथ हार्मोन की कमी के कारण छोटे कद वाले बच्चों हेतु निःशुल्क ग्रोथ हार्मोन थेरेपी के लिए गेल इंडिया से सीएसआर फंडिंग प्राप्त की।

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

- बाल अंत:स्रावि‍की विभाग साप्ताहिक मधुमेह शिक्षा समूह कक्षाएं (व्यक्तिगत अथवा ऑफ़लाइन) आयोजित करता है। हम दो गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर ज़रूरतमंद बच्चों को पेन डिवाइस, ग्लूकोमीटर एवं स्ट्रिप्स के साथ एनालॉग इंसुलिन की मुफ़्त आपूर्ति प्रदान करते हैं।

- रोगियों एवं उनके परिवारों हेतु इंसुलिन पंप और मधुमेह प्रौद्योगिकी कार्यशाला का आयोजन किया गया

- 28 सितंबर 2025 को टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित जुवनिल हेतु इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- ग्रोथ हार्मोन की कमी के कारण छोटे कद वाले बच्चों हेतु निःशुल्क ग्रोथ हार्मोन थेरेपी हेतु गेल इंडिया से सीएसआर फंडिंग प्राप्त हुई।

- डॉ. रजनी शर्मा ने अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक 2 पब्लिक स्कूलों एवं 3 सरकारी एनडीएमसी स्कूलों में किशोरियों में पोषण और मासिक धर्म स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया।

9.28_.indd 775 1/15/2026 5:13:51 PM

- डॉ. वन्दना जैन ने डीएसडी से पीड़ित बच्चों की बहुविषयक उपचार पर सोसाइटी ऑफ चिल्ड्रन विद डीएसडी एवं भारतीय बाल शल्य चिकित्सक अकादमी (आईएपीएस) को जानकारी प्रदान की।
- डॉ. वन्दना जैन 3 अगस्त 2024 को शिशुओं में विशेष स्तनपान के महत्व पर डीडी न्यूज के कार्यक्रम टोटल हेल्थ की पैनलिस्ट थीं।
- डॉ. वन्दना जैन ने छत्तीसगढ़ सरकार के एनसीडी सेल में टाइप 1 डायबिटीज के डॉक्टरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए सहायता प्रदान की।
- डॉ. वन्दना जैन, एफएडी 19-एफएडी 24 संयुक्त पैनल X 'शिशु आहार' (खाद्य एवं कृषि विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो), जुलाई 2024 से आगे की संयोजक हैं।
- डॉ. वन्दना जैन, एनसीडी विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश की सदस्य हैं, जो टाइप 1 मधुमेह हेतु विशेषज्ञ तकनीकी समिति (सितंबर 2024 से आगे) की सदस्य हैं।
- डॉ. वन्दना जैन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम (एनआईडीडीसीपी) की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की सदस्य हैं: दिसंबर 2024 से

आनुवंशिकी प्रभाग

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	6874	प्रसवपूर्व (पुराना) 1315 प्रसवपूर्व (नया) 2161 आनुवंशिक क्लिनिक (पुराना) 1105 आनुवंशिक क्लिनिक (नया) 691	प्रसवपूर्व (पुराना) 1664 प्रसवपूर्व (नया) 2100 जेनेटिक क्लिनिक (पुराना)-3708 जेनेटिक क्लिनिक (नया)-3263
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल भर्ती किए गए रोगी		डे केयर - 923 वार्ड - 103	डे केयर - 1168 (ईआरटी-1004; अंतःशिरा बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स - 158; प्रक्रियाएँ - 6) वार्ड - 135

साइटोजेनेटिक परीक्षण	2022-2023	2023-2024	2024-2025
परिधीय रक्त एवं गर्भनाल रक्त संवर्धन	668	823	1705
एमनियोटिक द्रव संवर्धन	308	436	405
कोरियोनिक विली कल्चर	36	45	40

9.28_.indd 776 1/15/2026 5:13:51 PM

क्यूएफ-पीसीआर द्वारा तीव्र एन्यूप्लोइडी परीक्षण	405		

आणविक आनुवंशिक प्रयोगशाला सेवाएँ	प्रसवपूर्व परीक्षण			प्रसवोत्तर परीक्षण		
	2022-2023	2023-2024	2024-2025	2022-2023	2023-2024	2024-2025
बीटा थैलेसीमिया	65	58	53	180	170	202
स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी	10	11	13	109	92	142
ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी	23	23	19	193	244	350
फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग	2	-	1	323	247	212
सिस्टिक फाइब्रोसिस	14	7	12	67	57	29
एकोंड्रोप्लासिया	-	4	1	26	24	27
गैर-सिंड्रोमिक हियरिंग लॉस (कॉनेक्सिन 26)	-	-	1	36	40	38
रेट सिंड्रोम विश्लेषण	2		-	57		17
मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी (एमएलडी)	-	2	2	3	3	10
वॉन हिप्पेल-लिंडौ सिंड्रोम (वीएचएल)	-			29		5
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाईप I (एमपीएस I)	1			-		9
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाईप II (एमपीएस II)	2			2		
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाईप III (एमपीएस IIIबी)	-			1		
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाईप एमपीएस IVए	2			2		7

9.28_.indd 777 1/15/2026 5:13:51 PM

आणविक आनुवंशिक प्रयोगशाला सेवाएँ	प्रसवपूर्व परीक्षण			प्रसवोत्तर परीक्षण		
मल्टीपल एडोक्राइन नियोप्लासिया टाइप2 (मेन2ए)	-	-		36	10	11
प्रेडर विली सिंड्रोम	-	-	2	23	36	22
एंजेलमैन सिंड्रोम	-			12		6
बेकविथ विडेमैन सिंड्रोम	-	1	2	9	8	11
सिल्वर रसेल सिंड्रोम	-		4	7		22
एपर्ट सिंड्रोम	-			3		2
बायोटिनिडेस की कमी	-		1	1		9
एक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया	-			12		1
फाइब्रोडिस्प्लासिया ऑसिफिकेंस प्रोग्रेसिव (एफओपी)	-	-		3	8	4
जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया (सीएएच)	2	-	2	1	7	28
न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस (एनएफ-I)						7
क्रैबे रोग	-	1	1	4	2	2
गौचर रोग	3	4	3	12	2	21
फ्रुक्टोज-1, 6-बिसफॉस्फेटेस (एफबीपी1) की कमी		-			1	2
गैलेक्टोसिमिया	-		1	2		1
हाइड्रॉक्सीस्टेरॉइड 17-बीटा डिहाइड्रोजनेज 4 (एचएसडी 17बी4)	1		1	19		5

9.28_.indd 778 1/15/2026 5:13:52 PM

आणविक आनुवंशिक प्रयोगशाला सेवाएँ	प्रसवपूर्व परीक्षण			प्रसवोत्तर परीक्षण		
स्टेरॉयड 5 अल्फा-रिडक्टेस 2 (एसआरडी5ए2)		-			15	16
स्फिंगोमाइलिन फॉस्फोडाइस्टरेज़ 1 (एसएमपीडी1) नीमन-पिक रोग टाईप क और ख	-			-		17
कैफ़ी रोग सीओएल1ए1	-	-		-	2	3
अल्काप्टोनिया						2
मार्फन सिंड्रोम						1
नेमोजेन		-			7	3
मायटोनिक डिस्ट्रोफी			2			4
एक्स-निष्क्रियता		-			8	10
वॉन हिप्पल-लिंडौ सिंड्रोम (वीएचएल)	-	-		29	10	
ब्लाउ सिंड्रोम		-			6	12
नूनन सिंड्रोम	-	1		1	2	2
एपर्ट सिंड्रोम (एफजीएफआर2)	-	3		3	2	1
गिल्बर्ट सिंड्रोम (यूजीटी1ए1)	-	-		6	9	11
मिथाइलमेलोनिक एसिडीमिया (एमएमए)			1			2
रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा (सीडब्ल्यूसी27)						7
हाइपोकॉन्ड्रोप्लासिया (एफजीएफआर3)			1			2

9.28_.indd 779 1/15/2026 5:13:52 PM

आणविक आनुवंशिक प्रयोगशाला सेवाएँ	प्रसवपूर्व परीक्षण			प्रसवोत्तर परीक्षण		
होलोप्रोसेन्सेफैली						3
पाइक्नोडाइसोस्टोसिस (सीटीएसके)		-			9	11
अल्बिनिज्म			1		3	2
प्रगतिशील स्यूडोर्यूमेटोइड डिस्प्लेसिया डब्ल्यूआईएसपी/ पीपीआरए						4
ग्लाइकोजन भंडारण विकार 1बी (जीएसडी1बी)	-		1	1		
टारगेटेड जीन टेस्टिंग *एसएमएआरसी* जीन			1			
कुल			**126**			**1, 316**

जैव रासायनिक आनुवंशिक प्रयोगशाला

क्र. सं.		संकेत	रोगियों की संख्या
1.	ट्रिपल मार्कर	प्रसवपूर्व परीक्षण	00
2.	दोहरे मार्कर परीक्षण	प्रसवपूर्व परीक्षण	1254
3.	अमीनो एसिड चयापचय के विकारों हेतु टीएलसी	मेटाबोलिक स्क्रीनिंग	
4.	एचपीएलसी	अमीनो एसिड चयापचय	166
5.	म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस विकार (यूरिन स्पॉट परीक्षण)		02
6.	जी ए जी एस		121
7.	होमोसिस्टीन्यूरिया परीक्षण		02
8.	मूत्र में पदार्थों को कम करना		36
9.	डीएनपीएच		10

9.28_.indd 780 1/15/2026 5:13:52 PM

क्र. सं.		संकेत	रोगियों की संख्या
10.	एफईसी13		02
11.	सल्फाइट ऑक्सीडेज		00
12.	ब्लड अमोनिया		1382
13.	ओलोगोसैकेराइड		124
14.	अल्काप्टोन्यूरिया		00
15.	यूएएजी		59
16.	नवजात शिशु स्क्रीनिंग (एम्स)		2759
17.	टीएमएस		659

क्र.सं.	एंजाइम विश्लेषण	विकार	रोगियों की संख्या	न्यून
1	ß - ग्लूकोसिडेज़	गौचर रोग	65	15
2	स्फिंगोमाइलिनेज	नीमन पिक रोग	56	13
3	किटोट्रियोसिडेस (प्लाज्मा)	चिटोट्रियोसिडेस (प्लाज्मा)	225	147
4	एमपीएस-I	हर्लर (एमपीएस-I)	41	11
5	एमपीएस-II	हंटर (एमपीएस-II)	20	09
6	α-एन-एसिटाइलग्लुकोसामिनिडेस	सैनफिलिप्पो बी (एमपीएस III बी)	11	04
7		सैनफिलिप्पो सी (एमपीएस III सी)	11	03
8	एसिटाइल-सीओए: α-ग्लूकोसामिनाइड एन-एसिटाइलट्रांसफेरेज़	सैनफिलिप्पो डी (एमपीएस III डी)	00	00
9	गैलेक्टोज-6- सल्फेट सल्फेटेज	मोर्के ए (एमपीएस- IV ए)	23	13
10	गैंग्लियोसिडोसिस	जीएम1 गैंग्लियोसिडोसिस /मोरकियो बी (एमपीएस-IV बी)	31	09

9.28_.indd 781 1/15/2026 5:13:52 PM

क्र.सं.	एंजाइम विश्लेषण	विकार	रोगियों की संख्या	न्यून
11	एरिलसल्फेट ए	मेटाक्रोमैटिक-ल्यूकोडिस्ट्रॉफी	35	09
12	एरिलसल्फेटेज-बी	एमपीएस-VI	10	04
13	β - ग्लूकोरोनिडेस	मैरोटेक्स- लैमी सिंड्रोम (एमपीएस VII)	00	00
14	हेक्सोसैमिनिडेस ए	टे सेचस	24	04
15	कुल हेक्सोसैमिनिडेस	सैंडॉफ रोग	01	00
16	प्लाज्मा हेक्स-ए	म्यूकोलिपिडोसिस	18	09
17	प्लाज्मा - एएसए	म्यूकोलिपिडोसिस	18	09
18	β-गैलेक्टोसेरेब्रोसिडेज़ (क्रैब्स)	क्रैबिस	25	01
19	पामिलॉयल-प्रोटीन-थियोएस्टरेज़ (आईएनसीएल)	आईएनसीएल-1	14	00
20	ट्राइपेप्टिडिल-पेप्टिडेज़-I	एनसीएल-2	14	01
21	α- ग्लूकोसिडेज़	पोम्पे	32	12
22	फेब्री	फेब्री	02	02
23	बायोटिनिडेस	बायोटिनिडेस	67	18
24	जी ए एल टी	गैलेक्टोसिमिया	73	05
25	फ्यूकोसिडेज़ / मैनोसिडेज़		एफयूसीओ- 01 एमएएनओ-02	एफयूसीओ-01 एमएएनओ-01
	एंजाइम परीक्षण हेतु रोगियों की कुल संख्या: 819			

क्र.सं.	कुल सीवीएस पीएनडी	संकेत	संख्या	न्यून
1	सीवीएस(एनआईएच)	गैर-प्रतिरक्षा हाइड्रोप्स	09	02
2	सीवीएस(एएसए)	मेटाक्रोमैटिक- ल्यूकोडिस्ट्रॉफी	02	-

9.28_.indd 782 1/15/2026 5:13:52 PM

क्र.सं.	कुल सीवीएस पीएनडी	संकेत	संख्या	न्यून
3	सीवीएस(जीएम1)	जीएम1 गैंग्लियोसिडोसिस	01	01
4	सीवीएस(एमपीएस-I)		01	-
	सीवीएस(एमपीएसII)		01	-
	सीवीएस(एमपीएसVI)		-	-
5	सीवीएस (गौचर)		01	-
6	सीवीएस (एनपीडी)		01	01
7	सीवीएस (क्रैबे रोग)		01	01
8	सीवीएस (एमएलडी)		01	
9	सीवीएस (एमपीएसIII सी)		-	
10	सीवीएस एनसीएल1 और 2		-	
11	एमपीएसआईवीए		01	
12	सैंडहॉफ़		-	
13	गर्भनाल रक्त (गाल्ट)		-	
14	गर्भनाल रक्त (एनआईएच)		-	

प्रयोगशाला सुविधा	2022-2023	2023-2024	2024-2025
बायोइनफॉरमैटिक्स	59	पुनर्विश्लेषण (निदान + पुनर्विश्लेषण परियोजना): 368	311
भ्रूण शव परीक्षण	72	133	118

नवजात विज्ञान प्रभाग

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	3513		2077
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल भर्ती रोगी -आंतरिक -बाह्य -पुन:भर्ती	761 660 25 76	1109 926 4 179	865 862 3 185

9.28_.indd 783 1/15/2026 5:13:52 PM

बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग

नेफ्रोलॉजी क्लिनिक में उपस्थिति, एवं टेली-परामर्श	~ 35000

विशिष्ट परीक्षण एवं प्रक्रियाएं

गुर्दा प्रत्यारोपण	10
हेमोडायलिसिस	1333
निरंतर कम दक्षता वाला डायलिसिस	59
तीव्र या दीर्घकालिक पेरिटोनियल डायलिसिस (स्वचालित सहित)	150
प्लास्माफेरेसिस सत्र	372
निरंतर गुर्दा प्रतिस्थापन चिकित्सा	112
अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक जुगुलर, फीमोरल)	150
पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर की स्थापना	150
गुर्दे की बायोप्सी	209
चलित रक्तचाप निगरानी	642
मानीर्टड इन्फ्यूजन (एल्ब्यूमिन, साइक्लोफॉस्फेमाइड, रीटक्सिमैब)	1876
पूरक कारक एच के प्रति एंटीबॉडी के लिए एलिसा	890

[1]इसमें विभिन्न अस्पताल वार्डों, उच्च निर्भरता एककों एवं गहन उपचार क्षेत्रों में गंभीर रूप से बीमार बच्चों हेतु हेमोडायलिसिस इकाई एककों के बाहर किए गए लगभग 200 हेमोडायलिसिस सत्र शामिल थे।

बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	16500	17000	35000 (संपूर्ण एकक 1)
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	1210	1713	2223 (नेफ्रोलॉजी)
पुनर्वास सेवा	लागू नहीं		
आंतरिक रोगी भर्ती			पेरिफेरी को छोड़कर 950 (एकक 1)

बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी प्रदान करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशिष्टता क्लीनिक तथा/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

वर्ष 2024-25

- ईईजी-2180, वीडियो ईईजी-2278, एंबुलेटरी ईईजी--68 (कुल ईईजी-4526)
- एनसीएस तथा ईएमजी - 378
- डायग्नोस्टिक टीएमएस- 9, थेराप्यूटिक टीएमएस- 181
- आरएनएसटी - 46

9.28_.indd 784 1/15/2026 5:13:52 PM

- पीएसजी -335
- डे केयर प्रक्रियाएं: लम्बर पंक्चर - 208 (एसप्रधान अन्वेषकएनआरएजेडए सहित), त्वचा बायोप्सी -18, तंत्रिका बायोप्सी -5, मांसपेशी बायोप्सी -51
- एसआईपीएचएपी (एसप्रधान अन्वेषकएनआरएजेडए व्यक्तिगत रोगी मानवीय पहुँच कार्यक्रम) के अंतर्गत स्पाइनल मस्कुलर अट्रोफी से ग्रस्त रोगियों को प्रोटोकॉल के अनुसार एसप्रधान अन्वेषकएनआरएजेडए उपचार एसएमए रोगियों को प्रदान किया गया: 47 (12 पुराने + 35 नए) रोगी
- जीन थेरेपी अंतः शिरा इन्फ्यूज़न - 23 रोगी (एक दिन पहले प्राइवेट वार्ड में भर्ती)
- वर्तमान में, एनएमसी क्लिनिक में पंजीकृत 16 रोगियों को ह्यूमन एक्सेस प्रोग्राम, क्राउड फंडिंग तथा सीजीएचएस के माध्यम से रिस्डिप्लाम मिल रहा है।

मनोवैज्ञानिक तथा विकासात्मक परीक्षण	
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू, कॉक्लियर इम्प्लांट हेतु)	600
विकासात्मक प्रोफ़ाइल 3	610
बचपन के व्यवहार की चेकलिस्ट	930
भारतीय बच्चों हेतु मेलिन का बुद्धि पैमाना	750
बच्चों हेतु वेचस्लर इंटेलिजेंस स्केल	40
हाउस ट्री पर्सन परीक्षण	400
भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक पैमाना (डीएएस।।)	605
सेंसरी प्रोफ़ाइल 2	235
ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए डीएसएम-5	900
बाल्यावस्था का ऑटिज़्म रेटिंग स्केल	610
एएसडी के लिए आईएनसीएलईएन उपकरण	400
एएसडी के लिए आईएसएए उपकरण	400
ध्यान अभाव अतिसक्रियता विकार के लिए डीएसएम-5	310
सामाजिक सम्प्रेषण विकार के लिए डीएसएम-5	30
ध्वन्यात्मक प्रसंस्करण की व्यापक परीक्षण	34
बाल निंद्रा आदत संबंधी प्रश्नावली	250
बच्चों हेतु जीवन की गुणवत्ता	100

9.28_.indd 785 1/15/2026 5:13:53 PM

गैसेल ड्राइंग टेस्ट	130
एडीएचडी के लिए कॉनर का रेटिंग स्केल	262
ग्रेड स्तर मूल्यांकन उपकरण	270
मनोवैज्ञानिक तथा विकासात्मक परीक्षण	
सीखने संबंधी विकार के लिए एनआईएमएचएएनएस बैटरी	265
8131 + 4597 = कुल - 12728	
प्रारंभिक उत्तेजना संबंधी थेरेपी	679
व्यवहारिक इंटरवेंशन	870
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक तथा व्यक्तित्व मूल्यांकन	380
रात्रिकालीन मूत्रत्याग के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	80
टीआईसी विकार के लिए परामर्श	95
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	450
वार्ड में माता-पिता के लिए परामर्श	70
आपातकाल में माता-पिता के लिए परामर्श	49
टेली परामर्श	68
विकलांगता प्रमाणन	603
प्रमाणन/यूडीआईडी के लिए मूल्यांकित रोगी	650 रोगियों का मूल्यांकन किया गया, 603 रोगियों को यूडीआईडी प्रमाणपत्र जारी किया गया

रोगी सूचना सामग्री

क्र.सं.	पुस्तक का नाम	सहयोगी	प्रकाशन शहर	प्रकाशन वर्ष	भाषा
1.	रंग - ऑटिज़्म के संबंध में क्षमताओं के विविध स्पेक्ट्रम (रोगियों, उपचार करने वालों तथा स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं के लिए) को मनाना	सीओईई	नई दिल्ली	2024	अंग्रेज़ी

9.28_.indd 786 1/15/2026 5:13:53 PM

2.	रंग - ऑटिज़्म के संबंध में क्षमताओं के विविध स्पेक्ट्रम (रोगियों, उपचार करने वालों तथा स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं के लिए) को मनाना	सीओई	नई दिल्ली	2024	हिंदी

टोल फ्री हेल्पलाइन:

24×7 टोल फ्री बाल तंत्रिका विज्ञान संबंधी टेली-हेल्पलाइन ने दिनांक 1 अप्रैल 2024 से दिनांक 31 मार्च 2025 तक औसतन 16 कॉल/दिन की दर से 5678 कॉलों के मामलों को हल किया।

हमारी नई पहल:

हाल ही में, हमने एक नया प्रयास आरंभ किया है तथा एक अत्याधुनिक प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं तंत्रिका पुनर्वास केंद्र विकसित किया है, जिसका नाम है - "**स्मरणीय वर्षों में हाथ थामे रखना - प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास तथा तंत्रिका पुनर्वास केंद्र**", यह हंस फाउंडेशन के सहयोग से संचालित है जो तंत्रिका विकास संबंधी विकलांगता से पीड़ित बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

हमारे उद्देश्य हैं -

- ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, एडीएचडी तथा एसएलडी और अन्य सहित न्यूरोलॉजिकल एवं न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों से पीड़ित बच्चों (0-18 वर्ष) के लिए शीघ्र और उचित निदान सुनिश्चित करने के बाद व्यापक चिकित्सीय पैकेज का प्रावधान करना।
- न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के निदान के लिए स्क्रीनिंग तथा डायग्नोस्टिक उपकरणों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करना, ताकि सुविधा से दूर बच्चों को इन्टरवेंशन के उपाय प्रदान किए जा सकें।
- एम्स, नई दिल्ली के बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग के बाल न्यूरोडेवलपमेंटल विकार के लिए उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र द्वारा संचालित प्रोफेशनल्स और अभिभावकों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण-सह-संसाधन केंद्र को उन्नत करना।

दिनांक 31 मार्च 2025 तक के आंकड़े: टीएचएफ परियोजना

हंस फाउंडेशन के सहयोग से सीओई की पहल "स्मरणीय वर्षों में हाथ थामे रखना" परियोजना के तहत लाभार्थियों की संख्या:

टीएचएफ में इंटरवेंशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या: 2542
हंस (स्मरणीय वर्ष में हाथ थामे रखना) केंद्र में पंजीकृत लाभार्थियों की कुल संख्या: 3679

बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग

मद	2024-2025
ओपीडी परामर्श	

9.28_.indd 787 1/15/2026 5:13:53 PM

मद	2024-2025
विशेष क्लिनिक परामर्श	**बाल अर्बुदविज्ञान क्लिनिक वर्ष** 400-450 नए रोगी पंजीकृत होते हैं बाल कैंसर सर्वाइवर क्लिनिक में प्रतिवर्ष लगभग 175-200 नए रोगी पंजीकृत होते हैं
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	कृत्रिम अंग, व्हील चेयर, शिक्षा सहायता, वित्तीय सहायता, दर्दनाशक, व्यावसायिक परामर्श, शिक्षा सहायता के साथ पुनर्वास
कुल भर्ती रोगी	
प्रयोगशाला परीक्षण	• 5बी वार्ड में सीबीसी (कुल्टर) • सीएसएफ परीक्षण परिधीय स्मीयर परीक्षण • अस्थि मज्जा एस्पिरेट एवं बायोप्सी परीक्षण • फुप्फुस, ऐसिटिस टेपस • बायोप्सी (त्वचा, यकृत, अस्थि मज्जा आदि) **प्रजनन जैव विज्ञान विभाग के साथ सीरम मेथोट्रेक्सेट आकलन**
सामाजिक घटक	रोगी शिक्षा मासिक अभिभावक शिक्षा/संवाद मंच सहायता समूह गतिविधियाँ राज्य और राष्ट्रीय सहायता, आरएएन, पीएम-जे ए वाई से हमारे कैंसर रोगियों के लिए वित्तीय सहायता की व्यवस्था करना **एनजीओ इंटरफ़ेस**

बाल रूमेटोलॉजी तथा प्रतिरक्षाविज्ञान

- **बाल चिकित्सा रूमेंटोलॉजी क्लिनिक हर शुक्रवार:** औसत उपस्थिति 40-45 /सप्ताह
- **नेत्ररोग विज्ञान विभाग, डॉ. रा.प्र.केन्द्र के सहयोग से संयुक्त यूविया क्लिनिक (साप्ताहिक क्लिनिक)**: 10-15 रोगी/सप्ताह
- **टेली परामर्श**(नर्स के नेतृत्व में पर्यवेक्षित सेवा) साप्ताहिक: 510 /वर्ष
- **डे केयर में प्रक्रियाएं/इंटरवेंशन (वार्षिक):**
  - आईएसीएस (इंट्रा-आर्टिकुलर कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स) जोइंट इंजेक्शन: 316 (723 जोड़)
  - नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपी: 60
  - अन्य प्रक्रियाएं (आर्थ्रोसेंटेसिस/त्वचा बायोप्सी आदि): 25
  - डेकेयर में जैविक और अन्य डीएमएआरडीएस प्रदान करना:
  - बायोलॉजिकल्स: 905 (एंटी-टीएनएफ: 700, टोसिलिज़ुमाबैंड रिटक्सिमै
  - अन्य: 158 (साइक्लोफॉस्फेमाइड, पैमिड्रोनेट, मेथिलप्रेडनिसोलोन, अंतः शिरा इम्युनोग्लोबुलिन)

9.28_.indd 788 1/15/2026 5:13:53 PM

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर, आदि

1	चिकित्सा शिविर	कारगिल एवं अशोका मिशन चेरिटेबल का वार्षिक चिकित्सा शिविर	7-13 जुलाई 2024	कारगिल, लद्दाख
2	जन व्याख्यान	जन व्याख्यान (बाल गठिया विकार: मिथक और तथ्य)	19 मार्च 2025	कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्स, दिल्ली
3	राष्ट्रीय प्रसारण (दूरदर्शन) पर स्वास्थ्य चर्चा	गठिया का उपचार एवं रोकथाम	12 सितंबर 2024	दूरदर्शन भवन
4	अखबार का लेख ई-द हिंदू	शीघ्र निदान हेतु गठिया रोग संबंधी विकारों के लक्षणों को परिभाषित करना	3 अप्रैल 2025	ई- द हिंदू

बाल चिकित्सा विभाग: रोगी उपचार विवरण

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	16515	124284	112512
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	1210	29317	32936
रोगियों को पुनर्वास प्रदान किया गया सेवा	124	143	145
कुल भर्ती रोगी	850	950	1215

यादव धनेश्वर (एमएसएसओ)

वर्ष 2024-2025 के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत गरीब रोगियों की वित्तीय सहायता हेतु अनुमानित आवेदन

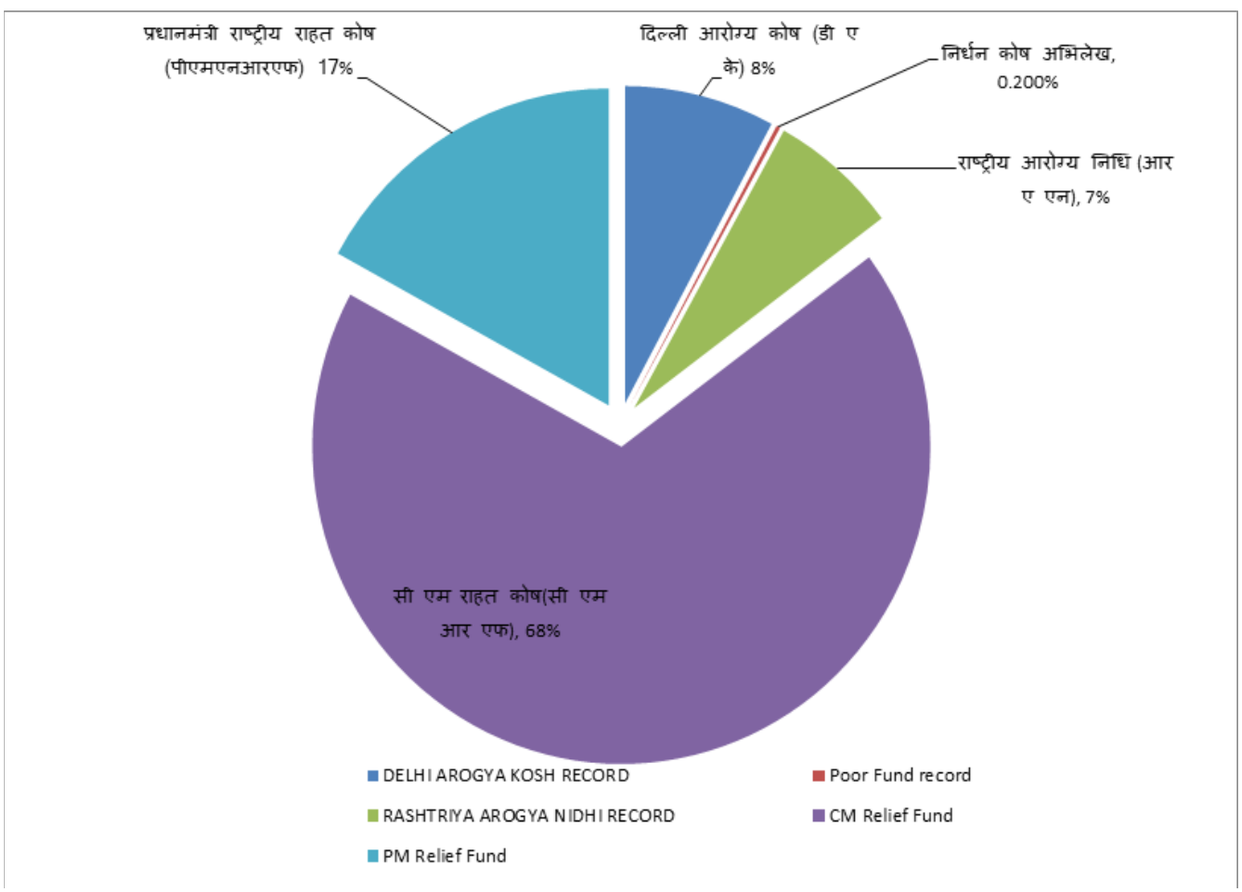
योजनाएं	रोगियों की संख्या	राशि	प्रतिशत
राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन)	2	26,84,000	6.7%
स्वास्थ्य मंत्री विवेकाधीन अनुदान (एचएमडीजी)	0	0	0%
दिल्ली आरोग्य कोष (डीएके)	5	31,27,200	7.9%
प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ)	10	67,80,881	17.0%
मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ)	36	2,71,32,527	68.2%
एम्स निर्धन निधि	16	80,000	0.2%
कुल	**69**	**39, 804, 608**	**100%**

9.28_.indd 789 1/15/2026 5:13:53 PM

बाल चिकित्सा विभाग की एमएसडब्ल्यू इकाई के एमएसएसओ की वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

गतिविधियाँ	लाभान्वित रोगियों की संख्या
• रोगियों को दी गई जानकारी एवं मार्गदर्शन।	1950
• परामर्श एवं मनोचिकित्सा.	985
• रेलवे रियायतें जारी करना।	455
• आवास की व्यवस्था में सहायता करना।	15
• विभिन्न जांचों के प्रभारों से छूट।	198
• गरीब रोगियों हेतु वित्तीय सहायता जुटाना।	51
• अज्ञात/परित्यक्त शिशुओं का पुनर्वास।	4
• सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण।	0
• गरीब रोगियों की विविध आवश्यकताएं जैसे दाह संस्कार की व्यवस्था करना, शवों को उनके मूल स्थानों पर भेजना।	12

वित्तीय सहायता



9.28_.indd 790 1/15/2026 5:13:53 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

विभाग

डॉ. अजिंक्य और **डॉ. महेश** ने स्नातक स्तर के छात्रों के लिए 37वें आईएपी बाल चिकित्सा क्विज- 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राहुल कुमार एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों में कीमोथेरेपी से प्रेरित एलोपेसिया को कम करने में स्कैल्प कूलिंग के प्रभाव के लिए एसआईओपी एशिया छात्रवृत्ति: एक संभावित गैर-यादृच्छिक परीक्षण। 23-25 जून, एसआईओपी एशिया, योकोहामा, जापान।

राहुल कुमार: एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों में कीमोथेरेपी-प्रेरित एलोपेसिया को कम करने में स्कैल्प कूलिंग के प्रभाव पर मौखिक प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार: एक संभावित गैर-यादृच्छिक परीक्षण। आईएसएमपीओसीओएन, नई दिल्ली 2024

प्रशांत प्रभाकर, देबब्रत महापात्रा, कृतिका सेटलूर, आदित्य कुमार गुप्ता, जगदीश प्रसाद मीणा, भावना चावला, नीवेते लोमी, रचना सेठ सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए एशियन बाल चिकित्सा रूधिर विज्ञान एवं अर्बुदविज्ञान ग्रुप (एपीएचओजी) पुरस्कार प्राप्त किया। सम्मेलन का नाम - इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान की एशिया महाद्वीपीय शाखा का 16वां सम्मेलन (एसआईओपी एशिया 2024); स्थान - योकोहामा, जापान; दिनांक - 23 जून 2024; पेपर का शीर्षक - "ग्रुप डी इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्र बचाव के लिए विन्क्रिस्टाइन एवं टोपोटेकन बनाम कार्बोप्लाटिन, एटोपोसाइड और विन्क्रिस्टाइन आधारित कीमोथेरेपी: एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल परीक्षण"

प्रशांत प्रभाकर[1], **देबब्रत महापात्रा**[2], **कृतिका सेटलुर**[2], **आदित्य कुमार गुप्ता**[3], **जगदीश प्रसाद मीणा**[4], **भावना चावला**[5], **नीवेते लोमी**[6], रचना सेठ ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर के लिए डॉ आरके मारवाह पुरस्कार प्राप्त किया; सम्मेलन का नाम-आईएपी के बाल चिकित्सा रूधिर विज्ञान-अर्बुदविज्ञान अध्याय का 27वां वार्षिक सम्मेलन (पीएचओसीओएन 2024);जगह - जम्मू; तारीख- 23 नवंबर 2024; पेपर का शीर्षक- "ग्रुप डी इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्र बचाव के लिए विन्क्रिस्टाइन और टोपोटेकन बनाम कार्बोप्लाटिन, एटोपोसाइड और विन्क्रिस्टाइन आधारित कीमोथेरेपी: एक यादृच्छिक, ओपन लेबल परीक्षण"।

प्रशांत प्रभाकर[1], **देबब्रत महापात्रा**[2], **कृतिका सेटलुर**[2], **आदित्य कुमार गुप्ता**[3], **जगदीश प्रसाद मीणा**[4], **भावना चावला**[5], **नीवेते लोमी**[6], **रचना सेठ:** सम्मेलन का नाम - इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी (एसआईओपी 2024) की 56वीं कांग्रेस स्थान - हवाई, यूएसए; दिनांक - 20 अक्टूबर 2024; पेपर का शीर्षक - "ग्रुप डी इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्र बचाव के लिए विन्क्रिस्टाइन और टोपोटेकन बनाम कार्बोप्लाटिन, एटोपोसाइड और विन्क्रिस्टाइन आधारित कीमोथेरेपी: एक यादृच्छिक, ओपन लेबल परीक्षण" संस्थान दिवस सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रतियोगिता: बाल चिकित्सा विभाग को दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रदान किया गया। डीएम थीसिस के लिए आईसीएमआर का पुरस्कार शीर्षक: - "शिशु स्टैम वाले बच्चों में कीटोजेनिक आहार और एसीटीएच थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना: डीएम उम्मीदवार डॉ आकाश महेसन हेतु एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण" मुख्य गाइड डॉ शैफाली गुलाटी के लिए

संकाय-सदस्यों को वैयक्तिक रूप से

डॉ. अरविंद बग्गा एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग के सेवानिवृत्ति प्रोफेसर थे। वह एशियन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के महासचिव भी थे। वह इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (आईपीएनए) के सहायक सचिव थे। पीडियाड्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक; आईपीएनए की पाठ्यपुस्तक, जर्नल

9.28_.indd 791 1/15/2026 5:13:53 PM

ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; फ्रंटियर्स पीडियाट्रिक्स के संपादक थे। वह कोक्रेन किडनी एंड ट्रांसप्लांट के संपादक थे; संपादकीय बोर्ड: पिडियाट्रिक्स नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; पीडियाट्रिक्स बाल स्वास्थ्य; वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक्स के संपादक थे। एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर सेवानिवृत्ति के मानद पद से सम्मानित किया गया। एशियन पिडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के महासचिव; इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (आईपीएनए) के सहायक सचिव; पिडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक; एशियन जे पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक; कोक्रेन किडनी एंड ट्रांसप्लांट के संपादक थे।

प्रोफेसर मधुलिका काबरा कलकत्ता विश्वविद्यालय एफआईएसटी द्वारा मूल्यांकित पीएचडी थीसिस के लिए विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

प्रोफेसर पंकज हरि अंतर्राष्ट्रीय बाल वृक्क विज्ञान एसोसिएशन के परिषद सदस्य थे। अंतर्राष्ट्रीय बाल वृक्क विज्ञान एसोसिएशन की सर्वोत्तम अभ्यास एवं मानक समिति के अध्यक्ष, ईआरएन पर यूरोपीय दुर्लभ किडनी रोग संदर्भ नेटवर्क (ईआरकेनेट) विशेषज्ञ पैनल के सदस्य रहे। सदस्य, संपादकीय बोर्ड: एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉमा इमरजेंसी पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ बाल चिकित्सा यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी समीक्षक: क्लिनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, ब्रिटिश मेडिकल जे, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, नेफ्रोन, किडनी और ब्लड प्रेशर रिसर्च, एक्टा बाल चिकित्सा, गुर्दे की विफलता, भारतीय बाल चिकित्सा रहे। अध्यक्ष, आईपीएनए सर्वोत्तम अभ्यास और मानक समिति; अध्यक्ष, शैक्षणिक समिति, भारतीय बाल वृक्क विज्ञान सोसायटी थे।

प्रोफेसर शैफाली गुलाटी ऑटिज़्म से संबंधित वैज्ञानिक ज्ञान, नैदानिक प्रैक्टिस, शैक्षिक विधियों और/या नीति पर महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव वाले अनुसंधान के लिए सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ, अंतर्राष्ट्रीय ऑटिज़्म अनुसंधान सोसायटी (आईएनएसएआर) की फेलो, 2025 रही। उन्हें राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा "वर्ष 2024 के लिए चिकित्सा में महिला पुरस्कार" से सम्मानित किया गया और उन्होंने एक व्याख्यान (चिकित्सा में महिलाएँ: परिवर्तन की अग्रदूत) दिया। आईएनएसए (भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी) महिला एसोसिएट्स की शासी निकाय संस्थापक सदस्य के रूप में नियुक्त हुई। कम्पास कंसोर्टियम (टीम का हिस्सा) के लिए आईएनएसएआर सांस्कृतिक विविधता पुरस्कार, 2024। दूसरा पुरस्कार "4 वां वार्षिक अनुसंधान दिवस, 2025 एकतरफा सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में मस्तिष्क उत्तेजना और बाधा प्रेरित आंदोलन चिकित्सा के लिए नैदानिक विज्ञान में उत्कृष्टता: आरसीटी महिला वैज्ञानिक पुरस्कार - जानकी अमल पुरस्कार। अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, एबी बेकर शिक्षक मान्यता पुरस्कार 2024: यह पुरस्कार न्यूरोलॉजिक शिक्षण के लिए सम्मान और प्रशंसा प्रदर्शित करता है। बाल न्यूरोलॉजी में स्वास्थ्य सेवा में योगदान के लिए मानद प्रतिष्ठित फेलो, ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएप्रधान अन्वेषकओ)। डॉ आईए मोदी पुरस्कार (प्रतिष्ठित क्लिनिशियन), 2024 - भारत में बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में अग्रणी योगदान के लिए ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएप्रधान अन्वेषकओ) नैदानिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और शिक्षा के माध्यम से क्षेत्र को आगे बढ़ा 2023-2025. आईएनएसएआर (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ऑटिज़्म रिसर्च) भारत के लिए 2021-2024 के वैश्विक वरिष्ठ नेता, आईएनएसएआर 2024 के सारांशों के समीक्षक रही। आईएलएई (इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी) समता, विविधता और समावेशन कार्य बल, 2023 से आगे के सदस्य रही। आईएलएई- एपीलेप्सी के प्राथमिक उपचार के लिए योगदानकर्ता पाठ्यक्रम-योग्यता: एपीलेप्सी से

9.28_.indd 792 1/15/2026 5:13:54 PM

पीड़ित बच्चों के माता-पिता को मार्गदर्शन दिया। आईसीएनए (अंतर्राष्ट्रीय बाल न्यूरोलॉजी एसोसिएशन) के न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर मॉड्यूल-इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी टीचिंग नेटवर्क (आईसीएनटीएन) के लिए सलाहकार बोर्ड के सदस्य और प्रमुख समन्वयक थी। साइट लीड - इंडो-कैनेडियन ऑटिज्म नेटवर्क (आई-सीएएन) सिडेनहैम कोरिया से पीड़ित बच्चों के निदान और उपचार में आम सहमति के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल के विशेषज्ञ सदस्य रही। स्टेम सेल, दुर्लभ रोगों, एमडी शोध प्रबंध, आईसीएमआर के कार्यकारी समूह एचडब्ल्यूसी वर्कफ़्लो, भारत में प्राथमिकता वाले दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के लिए स्वदेशी चिकित्सा विज्ञान पर विभिन्न आईसीएमआर समितियों की सदस्य, भारत में दुर्लभ रोगों के लिए चिकित्सा विज्ञान पर अनुसंधान और विकास के लिए राष्ट्रीय संघ, आईसीएमआर के न्यूरोमस्कुलर विकार समूह के सह-अध्यक्ष। एनसीडीसी के "रासायनिक विषाक्त पदार्थों के लिए राष्ट्रीय जैव निगरानी कार्यक्रम" के प्रारूपण और अंतिम रूप देने के लिए तकनीकी कार्य समूह की सदस्य रही। एसएमए के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्टीयर चैंपियन टास्क फोर्स के सदस्य। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के निदान और उपचार में अपूर्ण आवश्यकता पर चर्चा हेतु राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ समूह की सदस्य रही। भारतीय एपीलेप्सी सोसाइटी के कार्यकारी बोर्ड सदस्य, 2021-2025। बाल न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर के लिए उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र, अनुसंधान, शिक्षाविदों और पेशेवरों/अभिभावकों के सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रहा है। टोल फ्री 24×7 चाइल्ड न्यूरोलॉजी टेली-हेल्पलाइन औसतन 16 कॉल/दिन पर मुद्दों को संबोधित करती है। ऑटिज्म (नेशनल ट्रस्ट) से पीड़ित बच्चों के निदान और प्रमाणन में भारत भर में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय समन्वयक, ऑनलाइन प्रशिक्षण और ई-प्रमाणन विकसित करने के लिए चुनी गई। डॉ. शैफाली गुलाटी, बाल चिकित्सा विभाग को 3 जनवरी 2025 को दूसरा पुरस्कार "4 वां वार्षिक अनुसंधान दिवस, 2025 नैदानिक विज्ञान में उत्कृष्टता" के लिए दिया गया। इंडिया एआई स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज (लर्निंग डिसेबिलिटीज के लिए सहायक तकनीक) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के अंतर्गत इंडिया एआई, भारत में समावेशी, नैतिक और परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एआई-आधारित नवाचारों को बढ़ावा देता है।

प्रोफेसर राकेश लोढ़ा आईसीएमआर में कई परियोजना सलाहकार समितियों के सदस्य थे। उनके द्वारा वन हेल्थ के लिए डायग्नोस्टिक एल्गोरिदम पर आईसीएमआर एक्सपर्ट्स पीआरसी की अध्यक्षता की गई। उन्हें टीकाकरण-एसटीएस समिति पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह का सदस्य नामित किया गया था। वे विश्व स्वास्थ्य संगठन में कई दिशानिर्देश विकास समूहों के सदस्य रहे। वे गंभीर रूप से बीमार लोगों में द्रव चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन-जीडीजी के सह-अध्यक्ष रहे। वे सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, यूएसए के बाल चिकित्सा सेप्सिस टास्कफोर्स के सदस्य रहे। वे इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के संपादक रहे।

प्रोफेसर वन्दना जैन एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड (क्लिनिकल साइंसेज श्रेणी में तीसरा पुरस्कार), 2025 थे। जुलाई 2024 से वे एफएडी 19-एफएडी 24 संयुक्त पैनल एक्स 'शिशु आहार' (खाद्य और कृषि विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो) के संयोजक थे। वे एनसीडी विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश टाइप 1 मधुमेह के लिए विशेषज्ञ तकनीकी समिति के सदस्य थे (सितंबर 2024 से)। वे राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम (एनआईडीडीसीपी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के सदस्य थे: दिसंबर 2024 से। वे 0-18 वर्ष के स्वस्थ भारतीय बच्चों और किशोरों के लिए विकास संदर्भों के विकास के लिए आईसीएमआर और एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में प्रतिष्ठित एशिया पेसिफिक बाल चिकित्सा एंडोक्राइन सोसाइटी (एपीपीईएस) फेलो स्कूल के समन्वयक और संकाय-सदस्य के रूप में

9.28_.indd 793 1/15/2026 5:13:54 PM

कार्य किया। वे दिसंबर 2024 में जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में एमडी बाल रोग परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक और दिसंबर 2024 में एम्स दिल्ली में बाल चिकित्सा में एमबीबीएस अंतिम व्यावसायिक परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक थे। उन्हें दुर्लभ रोगों के लिए सीटीसीआरडी का विशेषज्ञ नामित किया गया था। वे नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज, यूथ ऑनसेट डायबिटीज रजिस्ट्री और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) पर आईसीएमआर टास्कफोर्स के सदस्य थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, फ्रंटियर्स इन पीडियाट्रिक्स (IF 3.56) और फ्रंटियर्स इन एंडोक्रिनोलॉजी (IF: 5.6) के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्य किया।

माई पीएचडी छात्र, बृजेश कुमार ने वर्ष 2024 के लिए पीएचडी स्कॉलर द्वारा सर्वश्रेष्ठ मूल पेपर के लिए एम्सोनियन पुरस्कार जीता। माईडीएम छात्र, सुकन्या प्रियदर्शिनी ने जुलाई 2024 में चेन्नई ऑन्को-एंडोक्रिनोलॉजी मीटिंग में मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए पहला पुरस्कार जीता, माई डीएम छात्र, प्रवीण पॉल ने चौथे एम्स अनुसंधान दिवस में पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

पाठ्यपुस्तक "केस बेस्ड रिव्यू इन बाल एंडोक्रिनोलॉजी" का दूसरा संस्करण, वन्दना जैन, राम के मेनन एड्स, जेपी ब्रदर्स पब्लिकेशन जुलाई 2024 में प्रकाशित हुआ था। 100 से अधिक प्रतिभागियों के साथ 23 सितंबर 2024 को एम्स, दिल्ली में बच्चों में एंडोक्राइन विकारों पर पीसीएनआई पोस्ट-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया। 'पतले-मोटे' एशियाई भारतीय फेनोटाइप की उत्पत्ति का आकलन: समय से पहले या गर्भावधि उम्र के हिसाब से छोटे पैदा हुए बच्चों में शरीर की संरचना, चयापचय और मेटाबॉलिक प्रोफाइल पर एक लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन' शीर्षक वाली परियोजना को मई 2024 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषण के लिए चुना गया था। यौन विकास के विकारों के लिए बहु-विषयक क्लिनिक को आधिकारिक तौर पर अप्रैल 2024 में बाल एंडोक्रिनोलॉजी, बाल शल्य चिकित्सा और मनोचिकित्सा टीमों के साथ वन्दना जैन के छात्र, श्री बृजेश कुमार ने उनके मार्गदर्शन में अपनी पीएचडी थीसिस सफलतापूर्वक पूरी की। उन्हें 2024 में पीएचडी स्कॉलर द्वारा प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए एम्सोनियन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। डॉ. वन्दना जैन और डॉ. रजनी शर्मा, एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग द्वारा 11 मई 2024 को एम्स, नई दिल्ली में डीएसडी में विवादास्पद सर्जिकल मुद्दों के उपचार हेतु आयोजित उच्चस्तरीय समिति की बैठक के सदस्य थी। वे डीएसडी के लिए दिल्ली राज्य की बहु-विषयक टीम की सदस्य भी थी।

डॉ. जितेंद्र मीणा संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष रहे इंडियन सोसाइटी ऑफ बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान 2024-2025

प्रोफेसर अदिति सिन्हा एशियन जर्नल ऑफ बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी के एसोसिएट एडिटर थीं। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स में सेक्शन एडिटर (नेफ्रोलॉजी)। बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, फ्रंटियर्स इन बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थी। समीक्षक: इंडियन पीडियाट्रिक्स, क्लिनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, किडनी इंटरनेशनल, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स, लैंसेट एडोलसेंट एंड चाइल्ड हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन, बाल चिकित्सा रिसर्च रही।

प्रोफेसर नीरजा गुप्ता डॉ. आईसी वर्मा उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार 2024 प्राप्त किया। आईआरडीआईआरसी डायग्नोस्टिक्स साइंटिफिक कमेटी के सदस्य नियुक्त हुई। मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी से पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया।

9.28_.indd 794 1/15/2026 5:13:54 PM

प्रोफेसर एम जीवा शंकर एक कैलेंडर वर्ष, 2021 में उद्धरणों के लिए डेटा का उपयोग करके एक समग्र संकेतक की रैंकिंग के आधार पर सभी वैज्ञानिक क्षेत्रों में 150,000 सर्वाधिक उद्धृत लेखकों के हाल ही में संकलित वैश्विक डेटाबेस के शीर्ष 2% में शामिल थे। 'मातृ एवं प्रसवकालीन स्वास्थ्य' में विश्व स्वास्थ्य संगठन (विश्व स्वास्थ्य संगठन), जिनेवा के दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) के सदस्य थे। समय से पहले प्रसव पीड़ा वाली महिलाओं में कम खुराक वाले प्रसवपूर्व स्टेरॉयड के उपयोग पर विश्व स्वास्थ्य संगठन एक्शन-III परीक्षण के 'तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी)' के सदस्य (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित) रहे। अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बीआइआरएसी-डीबीटी-बीएमजीएफ ग्रैंड चैलेंज इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) के विशेषज्ञ और सदस्य थे। वाशिंगटन विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य मैट्रिक्स और मूल्यांकन (आईएचएमई) के लिए 'ग्लोबल बर्डन ऑफ़ डिसीज़, इंजरीज़, एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी (जीबीडी)' के वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोगी - दुनिया भर में रोग भार के महामारी विज्ञान के स्तर और प्रवृत्तियों को मापने का सबसे बड़ा प्रयास थे। 'एनएनएफ - क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स' के संपादकीय समूह के सदस्य; साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश विकसित करने में मदद करने के लिए देश भर के नवजात रोग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन करने में शामिल थे। एम्स, नई दिल्ली के 'क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू)' की कार्य समिति के सदस्य, जो संस्थान में नैदानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन और सेवाएँ प्रदान करता है। एम्स, नई दिल्ली में 'क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड एविडेंस-बेस्ड मेडिसिन में फेलोशिप' पाठ्यक्रम के संचालन की देखरेख करने वाले तकनीकी समूह के सदस्य। 'एसटीजी डेवलपमेंट मैनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य थे।

प्रोफेसर झूमा शंकर ने बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में पुनर्जीवन के लिए बोलस द्रव के रूप में मल्टीपल इलेक्ट्रोलाइट्स बनाम सलाइन पर शोध पत्र के लिए एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (2024-2025) में प्रथम पुरस्कार: बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण प्राप्त किया। मार्च 2024 और मई 2024 में स्नातकोत्तरों के लिए आईएपी-एएलएस कार्यशाला का आयोजन किया। अगस्त 2024 में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संकाय के साथ वेंटिलेशन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 2024 में श्वसन और गंभीर उपचार स्थितियों पर चार एम्स पल्मो-क्रिटिकल केयर मॉड्यूल का सफलतापूर्वक संचालन किया। कार्यशालाओं, वर्चुअल सत्रों और बुनियादी जीवन रक्षक उपकरणों के माध्यम से नर्सिंग प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की। आईसीयू टीम के साथ उष्णकटिबंधीय संक्रमणों (गंभीर डेंगू), एमओडीएस, विषाक्तता और अन्य गंभीर रोगों के कई चुनौतीपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक उपचार किया। मातृ एवं शिशु ब्लॉक में नए संचालित 14 बिस्तरों वाले आईसीयू की योजना और क्रियान्वयन में शामिल थे। एमबीबीएस के छठे सेमेस्टर के शिक्षण पाठ्यक्रम का पर्यवेक्षण किया।

डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती बाल चिकित्सा दिशानिर्देश विकसित करने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के तत्वावधान में "भारतीय मल्टीपल स्केलेरोसिस और संबद्ध डिमाइलेटिंग विकार रजिस्ट्री और अनुसंधान नेटवर्क" के विशेषज्ञों के समूह का हिस्सा थे। पीजीआई चंडीगढ़ और अमृता इंस्टीट्यूट, कोच्चि में डीएम बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी एग्जिट परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक रहे। एमएएमसी, नई दिल्ली में एमडी पीडियाट्रिक्स के लिए बाह्य परीक्षक रहे। बीएमसी न्यूरोलॉजी और बीएमसी पीडियाट्रिक्स के लिए एसोसिएट एडिटर थे। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन पीडियाट्रिक्स, बीएमसी न्यूरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, बीएमसी पीडियाट्रिक्स, न्यूरोलॉजी इंडिया, क्लिनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीईएन, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी के लिए सहकर्मी समीक्षक थे। 9 फरवरी 2025 को कोलकाता में एम्स, नई दिल्ली के प्रतिनिधि के रूप में आईआईसीबी की बैठक में भाग लिया।

9.28_.indd 795 1/15/2026 5:13:55 PM

डॉ. रजनी शर्मा ने वर्ष 2024-2025 में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं, फ्रंटियर्स इन पीडियाट्रिक्स (आईएफ 3.56) और फ्रंटियर्स इन एंडोक्रिनोलॉजी (आईएफ: 5.6) के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्य किया। रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (आरएसएसडीआई-एनआईएन) के मधुमेह 2025 के दिशानिर्देशों के लिए राष्ट्रीय आहार दिशानिर्देशों के लिए "शिशुओं और बच्चों में मधुमेह के उपचार" पर एक अध्याय का योगदान दिया। आईआईटी, नई दिल्ली अस्पताल में बाल चिकित्सा विशेषज्ञ और चिकित्सक थी। इंडियन सोसाइटी फॉर बाल चिकित्सा एंड एडोलसेंट एंडोक्रिनोलॉजी (आईएसपीएई) द्वारा बेसिक डायबिटीज एजुकेशन प्रोग्राम (नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और रोगियों के लिए) के लिए संकाय और जुलाई 2024, सितंबर 2024 और फरवरी 2025 में ऑनलाइन सत्र लिए। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी एवं डायबिटिज (इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एवं एंडोलसेंट एंडोक्राइनोलॉजी की आधिकारिक पत्रिका के प्रबंध संपादक रही।

डॉ. अनु सचदेवा 2024 से 2026 के लिए फेलोशिप प्रशिक्षण नामांकन सीएमसीएल (क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना) में फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च) फेलोशिप रही। यह फेलोशिप उन संकाय सदस्यों के लिए डिज़ाइन की गई है जो चिकित्सा शिक्षा में नेतृत्व की भूमिका निभाने की आकांक्षा रखते हैं और अपने संस्थानों में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एकेडमी ऑफ हेल्थ प्रोफेशन एजुकेटर्स (एएचपीई) की सदस्य थी। नवजात शिशुओं के लिए ऑक्सीजन वितरण प्रणाली पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह की सदस्य थी। "गर्भावस्था के दौरान आईएफए अनुपूरण की तुलना में भारत-अनुरूप मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंटेशन का मातृ एनीमिया और जन्म परिणामों पर प्रभाव: एक बहु-केंद्र समुदाय-आधारित आरसीटी" के लिए डीएसएमबी की सदस्य थी। एनएनएफ इंडिया द्वारा "सामान्य नवजात शिशु के उपचार के लिए साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों का विकास" हर नवजात शिशु कार्य योजना (ईएनएपी-सी) तकनीकी कार्य समूह की सदस्य थी। आईसीएमआर और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामान्य नवजात स्थितियों के लिए एसटीडब्ल्यू के विकास हेतु नियोनटोलॉजी समूह की सदस्य थी।

डॉ. प्रशांत जौहरी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में डॉ पूजा (प्रोफेसर जितेंद्र साहू के अधीन) की पीएचडी वाइवा वॉयस के लिए बाहरी परीक्षक थे। एम्स ऋषिकेश में डीएम पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे। एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, इंडिया 2023-2025 के कोषाध्यक्ष रहे। जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे। यूरोपियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, सीजर, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी इंडिया के लिए सहकर्मी समीक्षक रहे। एम्स, ऋषिकेश, एम्स जोधपुर और पीजीआई चंडीगढ़ के लिए एमडी पीडियाट्रिक्स एवं डीएम बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी थीसिस मूल्यांकनकर्ता थे। सह गाइड: डॉ. सूर्याप्रकाश एम (शरीरक्रिया विज्ञान, मुख्य गाइड: डॉ. रतन शर्मा) की पीएचडी के लिए डीसी समिति के सदस्य थे। डॉ. श्वेता साहनी गाइड: प्रोफेसर अचल श्रीवास्तव, तंत्रिका विज्ञान) और डॉ. रवि के मांझी (गाइड: डॉ. आदित्य गुप्ता, बाल चिकित्सा) रहे।

डॉ. नरेंद्र कुमार बागड़ी एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएशन फॉर रूमेटोलॉजी (एपीएलएआर) के अंतर्गत दक्षिण पूर्व एशिया में किशोर अज्ञातहेतुक गठिया के उपचार हेतु नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश तैयार करने हेतु समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे। मायोसिटिस इंडिया मेडिकल सलाहकार बोर्ड (https://myositisindia.org/patient-registration) के चिकित्सा सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। भारतीय बाल चिकित्सा, भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी की आधिकारिक पत्रिका के संपादकीय सदस्य थे।

9.28_.indd 796 1/15/2026 5:13:55 PM

डॉ. अंकित वर्मा गर्मी से संबंधित रोगों पर राष्ट्रीय कार्य योजना के तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य थे, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार थे।

डॉ. मेनका यादव समीक्षक: इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, बीएमसी नेफ्रोलॉजी रही।

डॉ. दीपिका आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत ऑक्सीजन प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के विशेषज्ञ सलाहकार समूह की विशेषज्ञ संकाय थी। व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण हेतु क्षमता निर्माण हेतु आईसीएमआर-डीएचआर पहल के अंतर्गत ***सारांश कार्यशाला*** के लिए विशेषज्ञ संकाय थी। सामान्य नवजात परिदृश्यों के लिए ***सिमुलेशन परिदृश्य*** विकास कार्यशाला के लिए सदस्य संकाय थी।

डॉ. जितेंद्र मीणा संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी 2024-2025 थे।

डॉ. काजल जैन ने 10 फरवरी 2025 को 'पयोधि' नामक मानव दूध बैंक का औपचारिक उद्घाटन किया, जो एक व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

संकेतक	2024 (जनवरी से दिसंबर)
डोनर मां	86
एकत्रित दूध की मात्रा (लीटर में)	220
वितरित पीडीएचएम की मात्रा (लीटर में)	177.1
पीडीएचएम प्राप्त करने वाले शिशु	209

डॉ. रश्मि शुक्ला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य उपचार व्यवसाय आयोग के विशेषज्ञ सदस्य (जीवन विज्ञान पेशेवर) के रूप में मनोनीत थी। उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य उपचार पेशेवर आयोग के चिकित्सा प्रयोगशाला एवं जीवन विज्ञान पेशेवर परिषद के व्यावसायिक परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया। उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य उपचार पेशेवर आयोग के लिए विनियम तैयार करने हेतु समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

एमएसएसओ

वर्ष 2024-2025 के दौरान अज्ञात शिशुओं का पुनर्वास एवं सामाजिक एकीकरण।

पुलिस द्वारा तीन अज्ञात शिशुओं को चिकित्सा देखभाल एवं उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। चिकित्सा देखभाल एवं उपचार प्रदान करने के बाद, इन अज्ञात शिशुओं को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार, बच्चों को दिल्ली के विभिन्न बाल कल्याण गृहों में पुनर्वासित किया गया।

9.28_.indd 797 1/15/2026 5:13:55 PM



अतिथि वैज्ञानिक

- प्रोफेसर ए.वी. रामानन एफएममेडसाई; कंसल्टेंट बाल चिकित्सा रूमेटोलॉजिस्ट, ब्रिस्टल रॉयल हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन; अपर मौडलिन स्ट्रीट, ब्रिस्टल, बीएस2 8बीजे; ब्रिस्टल विश्वविद्यालय में बाल चिकित्सा रूमेटोलॉजी के प्रोफेसर

1. बाल चिकित्सा रूमेटोलॉजी में मास्टर क्लास (19 जनवरी 2025)
2. 19 जनवरी 2025 को अतिथि व्याख्यान (बाल चिकित्सा एवं त्वचा विज्ञान विभाग द्वारा सह-आयोजित) प्रतिरक्षा-चिकित्सा सूजन संबंधी रोग (त्वचा, आंत और जोड़ अक्ष)

डॉ. रश्मि भंडारी, बाल पीड़ा चिकित्सा में मनोचिकित्सा सेवाओं की निदेशक; संवेदनाहरण विज्ञान, पेरिऑपरेटिव एवं पीड़ा चिकित्सा विभाग में क्लिनिकल प्रोफेसर; स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर ने पीड़ा मूल्यांकन और पीड़ा उपचार के गैर-औषधीय तरीकों पर 24 अक्टूबर 2024 को एक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर विक्रम दुआ - संवेदी प्रसंस्करण विकार पर व्याख्यान, 23 सितंबर 2024 को, सीएन डिवीजन, बाल चिकित्सा विभाग में, वरिष्ठ सलाहकार मनोचिकित्सक, वैंकूवर, बीसी, कनाडा

सुश्री कविता कामत, व्यवहार विश्लेषक एवं बाल मनोवैज्ञानिक; तथा सुश्री टीना गांधी ने सितंबर 2024 में बाल न्यूरोलॉजी प्रभाग द्वारा आयोजित "ऑटिज्म का समग्र उपचार: वर्तमान अपडेट" पर कार्यशाला में कार्यात्मक व्यवहार विश्लेषण और स्वीकृति और प्रतिबद्धता थेरेपी (एसीटी) पर व्याख्यान दिया।

9.28_.indd 798 1/15/2026 5:13:55 PM

9.29 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
संदीप अग्रवाला (विभागाध्यक्ष)

आचार्य
एम श्रीनिवास
(निदेशक, 24 सितंबर 2022 से, एम्स, नई दिल्ली)
विशेष जैन
अंजन कुमार धुआ
प्रबुद्ध गोयल
देवेंद्र कुमार यादव

सह - आचार्य
अजय वर्मा

सहायक आचार्य
सचित आनंद
गली दिव्या

विशिष्टताएं

विभाग सफलतापूर्वक नए "मातृ एवं शिशु ब्लॉक" में स्थानांतरित हो गया है, जिससे आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर (नियमित कार्य समय से अलग) और उन्नत कार्यालय सुविधाओं सहित सभी नैदानिक सेवाएँ एक ही स्थान पर समेकित हो गई हैं। वर्तमान में, वार्ड एवं नवजात शिशु शल्य चिकित्सा गहन उपचार एकक अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए तैयार हैं, स्टाफ भर्ती अभी अपूर्ण है। एक विशिष्ट ब्लॉक में स्थानांतरण, जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा बाल चिकित्सा विभाग भी हैं, इसने सभी उप-विशिष्टताओं का विकास करने के लिए आधार तैयार किया है। इस युक्तिपूर्ण सह-स्थान ने जटिल विकृतियों, उन्नत चरण वाले कैंसर तथा अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित बच्चों के उपचार को भी महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया है।

शिक्षा

विभाग एमसीएच बाल शल्य चिकित्सा के रेजिडेंटों के साथ-साथ स्नातकोत्तर, स्नातकपूर्व एवं नर्सिंग छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। कोविड के दौरान शुरू की गई एक डिजिटल शैक्षणिक पहल, "सर्जरी-पीडिया", अब सहयोगी शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए समेकित की जा रही है। यह एक गूगल ग्रुप के माध्यम से रेजिडेंट के नेतृत्व में नैदानिक प्रश्नों की खोज की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें सिस्टम द्वारा व्यवस्थित संग्रहीत चर्चाएँ शामिल हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म में केस-आधारित टेम्प्लेट एवं नैदानिक परीक्षण वीडियो का क्लाउड-आधारित संग्रह भी शामिल है, जो व्यापक पहुँच और समृद्ध शिक्षण सुनिश्चित करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने कई उल्लेखनीय आयोजनों के माध्यम से शैक्षिक आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दिया। इसने 6 अप्रैल, 2024 को दिल्ली एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (डीएपीएस) की मासिक बैठक की मेजबानी की, जिसमें शहर भर के बाल चिकित्सा विशेषज्ञ एकत्रित हुए। 23 फरवरी 2025 को, डॉ. प्रबुद्ध गोयल द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (आईएपीएस) के

9.29_.indd 799 1/15/2026 5:28:16 PM

सहयोग से एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग के लिए एक अनुदान लेखन कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य शुरुआती कैरियर वाले शोधकर्ताओं को सशक्त बनाना था। इसके अलावा, विभाग ने 2 मार्च 2025 को वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लक्स पर एक अपडेट आयोजित किया, जिसमें प्रोफेसर प्रेम पुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अप्रैल 2025 में होने वाले **"एडवांसिंग पीडियाट्रिक मिनिमल एक्सेस सर्जरी (पीएमएएस)"** नामक आगामी सम्मेलन की भी तैयारियाँ चल रही हैं, जिसकी योजना संबंधी गतिविधियाँ वर्तमान में जोरों पर हैं।

प्रदत्त व्याख्यान: 62

संदीप अग्रवाला: 9 **विशेष जैन: 5** **अंजन कुमार धुआ: 7**
प्रबुद्ध गोयल: 24 **देवेंद्र कुमार यादव: 3** **अजय वर्मा: 4**
सचित आनंद: 9 **गली दिव्या: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
44	37	62

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 58

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
32	40	58

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. कोलेडोकल विकृतियों के ऑपरेशन किए गए रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा में परिवर्तन का पता लगाने के लिए व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन,डॉ. अजय वर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 9.75 लाख रुपये

2. बच्चों में न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के दौरान कैमरा होल्डिंग असिस्टेंट की छवि कंपन और थकान को कम करने के लिए एक पोर्टेबल तीव्र समायोज्य कैमरा होल्डिंग डिवाइस का विकास - एम्स-आईआईटीडी सहयोग, डॉ. विशेष जैन, एम्स, 3 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

3. बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में रोगी उपचार एवं स्वास्थ्य अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित चिकित्सक-रोगी इंटरफ़ेस का विकास, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 125 लाख रुपये

4. गुर्दे के खराब होने की ओर अग्रसर सीएकेयूटी विकृतियों के लिए आरएनए (दीर्घ गैर-कोडिंग) मार्करों की खोज, देवेन्द्र कुमार यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 84 लाख रुपये

5. सिस्प्लैटिन के आनुवंशिक संकेत बाल चिकित्सा कैंसर से बचे लोगों में श्रवण हानि को प्रेरित करते हैं, डॉ. विशेष जैन,आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 106.09 लाख रुपये

9.29_.indd 800 1/15/2026 5:28:16 PM

6. उच्च और निम्न एनोरेक्टल विकृतियों के डिस्टल रेक्टल पाउच में हिस्टोपैथोलॉजिक तथा इम्यूनोहिस्टोकेमिकल निष्कर्ष, देवेंद्र कुमार यादव, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

7. बाल चिकित्सा सर्जिकल घाव थर्मोग्राफिक प्रोफाइल के इन्फ्रारेड संकेत एवं सर्जिकल साइट संक्रमण का पूर्वानुमान लगाने के लिए प्रारंभिक चरण परीक्षण-सटीकता अध्ययन और स्वचालित छवि विभाजन के लिए गहन शिक्षण आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का विकास, डॉ. अंजन कुमार धुआ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 87 लाख रुपये

8. हेपेटोब्लास्टोमा में पूर्वानुमानात्मक बायोमार्कर के रूप में वृत्ताकार आरएनए (सर्कआरएनए) और दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) की अभिव्यक्ति का आकलन करने के लिए तरल बायोप्सी दृष्टिकोण,डॉ. गली दिव्या, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

9. बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर में बायोबैंकिंग, भौगोलिक-स्तरीकृत आणविक प्रोफाइलिंग तथा सटीक चिकित्सा विकास के लिए बहु-केंद्रित नेटवर्क, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2029, 790 लाख रुपये

10. संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण के माध्यम से भारतीय आबादी हेतु बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर जीन पैनल विकसित करने हेतु बहु-केंद्रित अखिल भारतीय अध्ययन, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 190 लाख रुपये

11. हाइपोस्पेडिया के मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग के लिए बहु-केंद्रित अध्ययन: चयापचय संबंधी गड़बड़ी को चिह्नित करने एवं रोग के विभिन्न (गंभीरता-आधारित) उप-प्रकारों में बायोमार्कर या नए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने हेतु भारतीय समूह पर पहला अध्ययन, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 200 लाख रुपये

12. बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में शल्यक्रिया के बाद की जटिलताएँ: दुर्बलता, पोषण तथा पेरिनेल माइक्रोबायोम की भूमिका (रोग, सर्जन एवं शल्य चिकित्सा से परे), डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 190 लाख रुपये

13. ट्यूमर प्रतिक्रिया और पुनरावृत्ति के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने के लिए, अनुकूल हिस्टोलॉजी विल्म्स ट्यूमर से पीड़ित वाले बच्चों में निदान के समय मूत्र प्रोहिविटिन तथा अन्य बायोमार्करों की भूमिका डॉ. विशेष जैन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रु 29.11 लाख

14. भारतीय आबादी के लिए स्पाइना बिफिडा के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण के रूप में कार्य करने वाले जीन पैनल के विकास की दिशा में आनुवंशिक मार्करों की पहचान के लिए एकल-केंद्र अध्ययन, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2024-2027, 140 लाख रुपये

15. आनुवंशिक मार्करों की पहचान तथा सत्यापन के लिए हाइपोस्पेडिया रोगी परिवार ट्रायो का संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण और हाइपोस्पेडिया जोखिम मूल्यांकन हेतु एक आनुवंशिक पैनल का विकास, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 150 लाख रुपये

पूर्ण

1. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैवरासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और इम्यूनोमॉड्युलेटर की अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध, डॉ. अजय वर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.98 लाख रुपये

9.29_.indd 801 1/15/2026 5:28:16 PM

2. 0-14 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डाइ-हाइड्रो टेस्टोस्टेरोन के लिए एक सामान्य संदर्भ सीमा (नोमोग्राम) स्थापित करने हेतु क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन,डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-2023, 250 लाख रुपये

3. बचपन में ठोस घातक ट्यूमर से बचे लोगों में मनोसामाजिक एवं दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता।, डॉ. विशेष जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 350 लाख रुपये

4. भारतीय बच्चों में विल्म्स ट्यूमर के लिए चिल्ड्रन ऑन्कोलॉजी ग्रुप (सीओजी) जोखिम स्तरीकरण को अपनाने की व्यवहार्यता और आनुवंशिक परिवर्तनों के नैदानिक महत्व का अध्ययन, देवेंद्र कुमार यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 480 लाख रुपये

5. भारतीय संदर्भ में हाइपोस्पेडियास रिपेयर (मूत्र संबंधी स्थिति) के लिए साक्ष्य-आधारित हाइपोस्पेडियास रिपेयर दिशानिर्देश विकसित करना, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. भारत के एक तृतीयक उपचार केंद्र में बाल चिकित्सा उदर ठोस ट्यूमर सर्जरी में शल्यक्रिया के दौरान और शल्यक्रिया के बाद की प्रारंभिक जटिलताओं का एक वर्णनात्मक अध्ययन

2. सर्जिकल प्रशिक्षुओं में नेत्र-हाथ समन्वय में सुधार के लिए वी.आर. अभ्यास के लाभों का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट परियोजना।

3. भारतीय बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों का आकलन करने के लिए एक संभावित, अवलोकनात्मक अध्ययन, जिन्हें जीवन के पहले पांच वर्षों के दौरान शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए सामान्य संवेदनाहरण द्वारा किया जाता है।

4. नवजात सर्जिकल आईसीयू में प्रवेश और परिणामों का विश्लेषण, एक महामारी के बाद का परिप्रेक्ष्य।

5. एंडरसन-हाइन्स पाइलोप्लास्टी के बाद एकतरफा पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन अवरोध के दीर्घकालिक फॉलोअप के लिए एक पूर्वानुमान सूचक के रूप में यूरेटेरिक जेट्स का मूल्यांकन और मूत्र मोनोसाइट कीमोएट्रैक्टेंट प्रोटीन 1 के स्तर के साथ सहसंबंध

6. समीपस्थ अधोमूत्रमार्गता में पश्च मूत्रमार्ग के मूल्यांकन में नैदानिक विधियों (रेट्रोग्रेड जेनिटोग्राम, पेरिनेल अल्ट्रासाउंड और सिस्टोयूरेथ्रोस्कोपी) की तुलना

7. गुदा-मलाशय विकृति के महाद्वीपीय बनाम गैर-महाद्वीपीय रोगियों में विभिन्न डिफेकोग्राफिक निष्कर्षों की तुलना।

8. गुदा-मलाशय विकृति के महाद्वीपीय बनाम गैर-महाद्वीपीय रोगियों में विभिन्न शौच-लेखन निष्कर्षों की तुलना

9. पूर्ण सुधार के 2 वर्ष बाद एनोरेक्टल विकृति के रोगियों में उच्च-रिज़ॉल्यूशन एनोरेक्टल मैनोमेट्री और क्रिकेनबेक क्लिनिकल स्कोरिंग सिस्टम का सहसंबंध

9.29_.indd 802 1/15/2026 5:28:16 PM

10. कम एआरएम वाली लड़कियों में कार्यात्मक परिणामों में अंतर, जिनमें पेरिनियल घाव की जटिलताएं थीं और जिनमें नहीं थीं - एक केस नियंत्रण अध्ययन

11. बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी के बाद अस्पताल से छुट्टी के समय पर फोले कैथेटर को जल्दी हटाने का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

12. शिशु रक्तवाहिकार्बुद की अवरक्त तथा दृश्य स्पेक्ट्रम छवि विशेषताएँ और उनका विकास

13. शल्य चिकित्सा द्वारा सुधार योग्य जन्मजात विकृतियों वाले भ्रूण वाली गर्भवती महिलाओं के लिए ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास प्रश्नावली: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन

पूर्ण

1. नैदानिक प्रस्तुति, नैदानिक चुनौतियों, शल्य चिकित्सा उपचार और परिणाम के साथ बाल चिकित्सा मेसेंटेरिक सिस्ट का व्यापक विश्लेषण।

2. अवरूद्ध गैस्ट्रोस्किसिस के खतरे - उदर भित्ति दोष के एक दुर्लभ प्रकार के रूप में इसका निदान एवं उपचार

3. गुर्दे और मूत्र पथ की जन्मजात विसंगतियों वाले रोगियों के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली, नर्सिंग कॉलेज में बाल चिकित्सा सर्जरी में नर्सों और प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मियों के व्यवहार और दृष्टिकोण पर परिवार-केंद्रित देखभाल हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन

2. पीयूजेओ (पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन अवरोध) में एक नए मूत्र बायोमार्कर पर एक अध्ययन - पीटीजीआर1 (प्रोस्टाग्लैंडीन रिडक्टेस 1), जैव रसायन तथा नाभिकीय चिकित्सा

3. कोलेडोकल विकृतियों के ऑपरेशन किए गए रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा में परिवर्तन का पता लगाने के लिए व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग

4. लैप्रोस्कोपिक हेपेटिकोजेजुनोस्टॉमी बनाम हेपेटिकोड्युडेनोस्टॉमी के बाद कोलेडोकल सिस्ट वाले बच्चों में पित्त संबंधी गैस्ट्रिटिस की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण, विकृति विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा, बाल चिकित्सा

5. अल्प गुदा-मलाशय विकृतियों वाली लड़कियों में कार्यात्मक परिणाम में अंतर, जिनमें पेरिनियल घाव संबंधी जटिलताएं थीं और जिनमें नहीं थीं - एक केस नियंत्रण अध्ययन, विकिरण विज्ञान

6. विल्म्स ट्यूमर के रोग लक्षण, जटिलताएँ एवं उपचार के परिणाम, जैव सांख्यिकी

7. एकतरफा विल्म्स ट्यूमर से पीड़ित रोगियों में गुर्दे के परिणामों और प्रतिपूरक अतिवृद्धि का मूल्यांकन,बाल चिकित्सा, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण निदान

8. हेपेटोब्लास्टोमा के उपचार के परिणाम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा

9.29_.indd 803 1/15/2026 5:28:17 PM

9. न्यूरोब्लास्टोमा के उपचार के परिणाम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान

10. एम्स, नई दिल्ली के बाल शल्य चिकित्सा विभाग में अगस्त 2009 से जून 2024 तक न्यूरोब्लास्टोमा के लिए उपचारित सभी बच्चों की रोग विशेषताओं, उपचार और परिणामों का मूल्यांकन करना।, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा, विकिरण अर्बुदविज्ञान

पूर्ण

1. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैवरासायनिक एवं एंजाइमेटिक विश्लेषण तथा हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और इम्यूनोमॉड्युलेटर की अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध।, विकृति विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

2. अतिरिक्त कपाल घातक जर्म सेल ट्यूमर वाले बच्चों की प्रस्तुति, उपचार तथा परिणाम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान

3. विभिन्न नवजात ट्यूमर की नैदानिक विशेषताओं, उपचार विकल्पों और परिणामों का अध्ययन करना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	11	15	15
कुल वित्तपोषण	74.99 लाख रुपये	1196.86 लाख रुपये	2130.95 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 33 सार: 06 पुस्तक में अध्याय: 03

प्रकाशन

	2022-23	2023-24	2024-25
पत्रिकाओं में लेख	33	45	33
सार	10	22	6
अध्याय	4	3	3
पुस्तकें/मोनोग्राफ	शून्य	शून्य	शून्य

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग.

बाल चिकित्सा का शल्य चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग प्रतिदिन संचालित होता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थितियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष क्लीनिक भी संचालित किए जाते हैं।

विभाग एवं संकाय-सदस्यों द्वारा संचालित विभिन्न विशेष क्लीनिक:

9.29_.indd 804 1/15/2026 5:28:17 PM

सोमवार: बाल चिकित्सा जीआई एवं हेपेटोबिलरी क्लिनिक (दोपहर)

मंगलवार: प्रसवपूर्व निदान एवं फॉलो-अप (पूर्वाह्न)

बुधवार:

संवहनी विकृति क्लिनिक (पूर्वाह्न)

बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (अपराह्न)

क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक (अपराह्न)

गुरुवार: आईआरसीएच: बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर क्लिनिक (अपराह्न)

शुक्रवार: बाल चिकित्सा वक्ष शल्य चिकित्सा क्लिनिक (पूर्वाह्न)
बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (दोपहर)

शनिवार: बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान, इंटरसेक्स एवं हाइपोस्पेडियास (पूर्वाह्न)

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन उपचार एकक
- बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनामिक तथा यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री
- कंप्यूटर आधारित एसोफैजियल मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवा

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और ऑपरेटिव सत्र (परिसर में नवीनीकरण के लिए किए जा रहे सिविल कार्य के मद्देनजर सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं)

ओपीडी एवं विशेष क्लीनिकों में उपस्थिति

उपस्थिति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सामान्य ओपीडी	27, 718	29, 593	26,950
हाइड्रोसेफेलस क्लिनिक	13	05	05
बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (बुधवार/गुरूवार/शुक्रवार)	1, 106	1, 451	3, 433
इंटरसेक्स और यूरोलॉजी क्लिनिक (डीएसडी + पीआईएसयू)	37	95	108
जीआई क्लिनिक	ना	ना	120
ट्यूमर क्लिनिक (मुख्य अस्पताल)	539	453	रोक दिया गया

9.29_.indd 805 1/15/2026 5:28:17 PM

उपस्थिति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ट्यूमर क्लिनिक (सं.रो.कैं.अ.)	2, 076	2, 367	नए-286 पुराने-2748
संवहनी विकृति क्लिनिक	ना	54	619
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़	1673	शून्य	लंबित

भर्ती रोगी

भर्ती रोगी		2022-23	2023-24	2024-25
6ए वार्ड (अगस्त 2023 से मातृ एवं शिशु ब्लॉक)		लागू नहीं	388	755
	लम्बी अवधि के लिए भर्ती	लागू नहीं	388	719
	कम अवधि के लिए भर्ती	लागू नहीं	शून्य	36
6बी वार्ड (कुल)		कुल 625	कुल 1802	1536
	लम्बी अवधि के लिए भर्ती	544	1469	1278
	कम अवधि के लिए भर्ती	81	333	248
नवजात सर्जिकल आईसीयू में प्रवेश एबी5/आईसीयू [6सी आईसीयू(13 अगस्त 2023 से मातृ शिशु ब्लॉक में स्थानांतरित)		128	156	97
निजी वार्ड		--	166	70
कुल भर्ती		**2148**	**2356**	**2458**

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मुख्य ओटी				
बड़ी प्रक्रियाएँ	834	1485	2085	1973
छोटी प्रक्रियाएं	44	16	08	2
आपातकालीन (मुख्य ओटी कॉम्प्लेक्स-वार्ड ब्लॉक)				
बड़ी प्रक्रियाएँ	327	398	383	39

9.29_.indd 806 1/15/2026 5:28:17 PM

शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
छोटी प्रक्रियाएं	शून्य	1	04	-
आपातकालीन (मातृ एवं शिशु ब्लॉक)				
बड़ी प्रक्रियाएँ	ना	ना	195	476
ओपीडी प्रक्रियाएं				
कुल	1648	2367	2048	2745
बायोप्सी	44	66	55	30
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़*				
बड़ी प्रक्रियाएँ	71	163	--	--
छोटी प्रक्रियाएं	शून्य	6	--	--

* सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं

विशेष जांच

विशेष जांच	2022-23	2023-24	2024-25
1. यूरोडायनामिक अध्ययन	372	495	544
2. यूरोफ्लोमीटरी	681	810	958
3. एनोरेक्टल मैनोमेट्री	110	78	116

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य संदीप अग्रवाला को आईएपीएस 2024 का डॉ. दोराईराजन लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ। मानद फैलोशिप भारतीय बाल शल्य चिकित्सक संघ का बाल शल्य चिकित्सा ऑन्कोलॉजी संघ (एपीएसओ) (आईएपीएस)। एम्स भोपाल बाल शल्य चिकित्सा दिवस व्याख्यान। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईजेपी) के सर्जिकल सेक्शन के संपादक। स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) के बाल शल्य चिकित्सा के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो (एसटीडब्ल्यू) विकसित करने वाले विशेषज्ञ समूह के राष्ट्रीय अध्यक्ष। आयुष्मान भारत के लिए पैकेज लागत विकसित करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष। डीएसडी से ग्रस्त बच्चों के उपचार हेतु दिशानिर्देश तैयार करने हेतु डीजीएचएस द्वारा गठित समिति के सदस्य और अध्यक्ष। डीजीएचएस द्वारा स्थापित बाल चिकित्सा आघात के उपचार हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देश स्थापित करने के लिए समिति के सदस्य।विभिन्न विश्वविद्यालयों के अनेक अभ्यर्थियों के शोध-प्रबंधों के परीक्षक। एम्स, जेआईपीएमईआर, पीजीआईएमईआर और अन्य विश्वविद्यालयों में संकाय चयन समिति में बाह्य विशेषज्ञ। अनेक सम्मेलनों में वैज्ञानिक सत्रों के अध्यक्ष। दार-ए-सलाम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाल शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान मास्टरक्लास के लिए संकाय सदस्य। एम्स के अस्पताल प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष। एम्स वार्षिक रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष। थीसिस गाइड आबंटन समिति

9.29_.indd 807 1/15/2026 5:28:17 PM

के अध्यक्ष। छात्र गतिविधियों के लिए पल्स समन्वय समिति के अध्यक्ष। अस्पताल के रसोईघर के लिए सभी खरीद (किराने का सामान, फल और सब्जियां, दूध और दूध से बने उत्पाद) के लिए वार्षिक रिपोर्ट समिति और निविदा विनिर्देश समिति के अध्यक्ष। अस्पताल के लिए जनशक्ति वितरण के युक्तिकरण के लिए समिति के अध्यक्ष। दो जाँच समितियों के अध्यक्ष। लिंग पुनर्निर्धारण हेतु एक ट्रांसजेंडर रोगी के लिए मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष। पीएचडी परामर्श समिति, एंटी-रैगिंग समिति, वार्षिक दीक्षांत समारोह समिति, टीएसईसी और विभाग की स्टोर खरीद समिति के सदस्य।

आचार्य विशेष जैन दिल्ली विश्वविद्यालय के कई अभ्यर्थियों के शोध प्रबंधों के परीक्षक थे। ईएसआईसी दिसंबर 2023 के लिए विशेषज्ञ (बाल शल्य चिकित्सा) चयन समिति में बाह्य विशेषज्ञ। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सदस्य विशेषज्ञ। मातृ एवं शिशु ब्लॉक की चिकित्सा अभिलेख समिति के अध्यक्ष। मातृ एवं शिशु ब्लॉक के लिए एनएबीएच प्रमाणन समिति के सदस्य। सदस्य, रोगी सुरक्षा और गुणवत्ता समिति (एमसीएच)।

आचार्य अंजन कुमार धुआ सेक्शन संपादक, सेक्शन 5: सेक्स क्रोमोसोम डीएसडी। रतन एस.के., संपादक: यौन विकास विकार: उपचार के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। सिंगापुर: स्प्रिंगर; 2024. पृष्ठ 205-244। विशेषज्ञ/समीक्षक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश (सीएसटी, उत्तर प्रदेश) के अंतर्गत अनुसंधान योजना। दिल्ली, बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान विशेषज्ञता में मान्यता हेतु एनबीई द्वारा दिल्ली के एक अस्पताल की सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे का भौतिक मूल्यांकन करने हेतु मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित - 18 मई 2024। यौन विकास विकार और संबंधित स्थितियों वाले बच्चों की सर्जरी से संबंधित, विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा हेतु गठित राष्ट्रीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति की एक दिवसीय बैठक में आमंत्रित। एम्स दिल्ली, 11 मई 2024। 7 नवंबर 2024 को एम्स ऋषिकेश में आयोजित आईएपीएससीओएन 2024 में "रोबोटिक पेपर सत्र" के लिए निर्णायक।

8 नवंबर 2024 को एम्स ऋषिकेश में आयोजित आईएपीएससीओएन 2024 में जीआई सर्जरी सुपरशॉर्ट्स-2 सत्र के लिए निर्णायक सदस्य। पोस्टर वॉक सत्र, पेसिकॉन 2025, कोच्चि के लिए निर्णायक सदस्य। वर्ष 2023-2024 के लिए 68वीं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने हेतु एम्स दिल्ली की समिति के सदस्य। संस्थान की वार्षिक दीक्षांत समारोह समिति के सदस्य। बाल शल्य चिकित्सा विभाग की वार्षिक रिपोर्ट संकलन हेतु नोडल अधिकारी। अमृता संस्थान की पशु प्रयोगशाला में दा विंची शी सर्जिकल रोबोट पर रोबोटिक प्रशिक्षण (12-13 फ़रवरी 2025)। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड के बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान विषय में विशेषज्ञ बोर्ड सदस्य।

आचार्य प्रबुद्ध गोयल "मैं अम्बिलिथस का उल्लेख कहाँ करूँ: एक्सट्रॉफी-एपिस्पेडिया एवं अन्य विकृतियाँ" के लिए जापानी सरकार से जेपीवाई100000 का यात्रा अनुदान (30 मई, 2024)। "एसोफैजियल एट्रेसिया में एओर्टोपेक्सी के विकल्प के रूप में ट्रेकियोपेक्सी" के लिए जापानी सरकार से जेपीवाई100000 का यात्रा अनुदान (30 मई, 2024)। एम्स, जम्मू में आरआईपीएसएस में "पीडियाट्रिक पेनाइल एंथ्रोपोमेट्री नोमोग्राम: मानकीकृत संदर्भ मानों की स्थापना" में प्रथम पुरस्कार (6 दिसंबर 2024)। बच्चों में दूध से होने वाली क्षति: परंपरा बनाम पोषण (एआई विज्ञान): समाज विकास संस्थान, मेरठ में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार। आर्य भट्ट वैज्ञानिक पुरस्कार: समाज विकास संस्थान, मेरठ। राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार: भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भारत। 'दवा अनुकूलन और बंडल उपचार: नर्सों की समस्याएं' विषय पर कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने के लिए कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली द्वारा प्रशंसा पुरस्कार। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग,

9.29_.indd 808 1/15/2026 5:28:17 PM

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के दिशानिर्देश केंद्र में संकाय के रूप में नियुक्त। बाल शल्य चिकित्सा अनुसंधान एवं नवाचार (आरआईपीएसएस) के अध्यक्ष, 2024-2025। समाज विकास संस्थान, मेरठ में विशिष्ट अतिथि।

देवेंद्र कुमार यादव दिल्ली विश्वविद्यालय के कई अभ्यर्थियों के शोध-प्रबंधों के परीक्षक थे।
विशेषज्ञ (बाल शल्य चिकित्सा) एमएएमसी, दिल्ली 2023 के लिए चयन समिति में बाहरी विशेषज्ञ। सदस्य, बाल शल्य चिकित्सा, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड।

डॉ. अजय वर्मा ने 31 मार्च 2025 को रात 9:30 बजे से 10:00 बजे तक आकाशवाणी पर "पोषण अभियान के माध्यम से कुपोषण से निपटना" विषय पर "पब्लिक स्पीक" नामक लाइव फ़ोन-इन कार्यक्रम में भाग लिया। 2025-"सोसाइटी ऑफ़ पीडियाट्रिक एंडोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ़ इंडिया" के फ़ेलो के रूप में शामिल हुए 16 फ़रवरी 2025। अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य। एम्स की विभिन्न तकनीकी विनिर्देश विशेषज्ञ समितियों के सदस्य। 2024-31 अगस्त 2024 में "सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी" के फेलो के रूप में शामिल हुए। एक विशेषज्ञ के रूप में माननीय राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, नई दिल्ली के अनुपालन में एम्स में मेडिकल बोर्ड के सदस्य। 26 मई 2024 को एनटीए द्वारा आयोजित एसडब्ल्यूएवाईएएम के "सूचना सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक" का कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया और परीक्षा उत्तीर्ण की। डीएचआर द्वारा वित्तपोषित "भारत में व्यवस्थित समीक्षाओं में क्षेत्रीय क्षमता निर्माण- सारांश (स्वास्थ्य में व्यवस्थित समीक्षा और नेटवर्किंग सहायता)" के अध्यक्ष और आयोजक 18-12 दिसंबर 2025। 11 मई 2024 को निर्धारित यौन विकास विकारों और संबंधित स्थितियों वाले बच्चों में सर्जरी से संबंधित विवादास्पद मुद्दों पर चर्चा।

डॉ. सचित आनंद स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा सारांश (स्वास्थ्य में व्यवस्थित समीक्षा तथा नेटवर्किंग समर्थन) पहल के तहत व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित करने के लिए प्रधान अन्वेषक, आयोजन सचिव एवं प्रमुख संकाय। अनुसंधान शासन योजना, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार के दिशानिर्देशों के लिए साक्ष्य केंद्र के तहत एक तकनीकी संसाधन केंद्र (टीआरसी) के प्रधान अन्वेषक। सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "माइक्रोबायोम: रोगों और अन्य अवसरों में चिकित्सा विज्ञान को लक्षित करना" पर उच्च स्तरीय विचार-मंथन बैठक के लिए समिति के सदस्य। महाबलीपुरम, चेन्नई में (23-24 जनवरी 2025) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के दिशानिर्देशों हेतु साक्ष्य केंद्र के अंतर्गत तकनीकी संसाधन केंद्रों के साथ नीतिक सम्मेलन के सदस्य। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) से सम्मानित। आईसीएमआर की प्रमुख "आई-डीआरओएनई" पहल के अंतर्गत आईसीएमएआर-आई-डीआरओएनई परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ गली दिव्या ने 23 फरवरी 2025 को बाह्य वित्त पोषण के लिए अनुदान लेखन पर एक कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की। 12-13 मार्च 2025 को हैदराबाद स्थित सेलुलर तथा आणविक जीवविज्ञान केंद्र का दौरा किया।

9.29_.indd 809 1/15/2026 5:28:18 PM

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. अद्रिसा पराशर, मेडिकल यूनिवर्सिटी प्लोवदिव, यूके 6 से 20 अगस्त 2024

श्री अश्विन शर्मा, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, 9 से 27 दिसंबर 2024

डॉ. रुचिरा नंदन, सहायक आचार्य, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, बीएचयू, 27 जनवरी 2025 से 10 फरवरी 2025 तक

डॉ. सुरजीत दास, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, बीएचयू, 27 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक

9.29_.indd 810 1/15/2026 5:28:18 PM

9.30 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वेंकटेश्वरन के. अय्यर

आचार्य

रूमा रे
(हृद् तंत्रिका विज्ञान केन्द्र)
दीपाली जैन
संदीप आर. माथुर
गीतिका सिंह
(डॉ.भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)
प्रसेनजित दास
सुधीर अरावा
(हृद् तंत्रिका विज्ञान केन्द्र)
असित रंजन मृधा
शिप्रा अग्रवाल
सीमा कौशल
रजनी यादव
सौम्या रंजन मल्लिक

अपर आचार्य

आदर्श बरवाड़
आंचल कक्कड़

सह-आचार्य

कवनीत कौर
अरुणा नांबिरंजन
रुचि राठौड़

सहायक आचार्य

रिमली दत्ता
(शल्य चिकित्सा)
लवलीन सिंह
अनुभव नरवाल
बालामुरुगन टी
(शल्य चिकित्सा)
सोनाली दीक्षित
रचना मीणा
रिद्धि सूद

समूह 'क' अधिकारी

हिमेंदर सिंह तोमर

विशिष्टताएं

वर्ष 2024-2025 में, विकृति विज्ञान विभाग ने उच्च-स्तरीय शैक्षिक और प्रभावी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करना जारी रखा। विभाग शल्य चिकित्सा विकृति विज्ञान और साइटोविकृति विज्ञान की नियमित नैदानिक रिपोर्टिंग, स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण के साथ-साथ विकृति विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान भी करता है। विभाग द्वारा लगभग 65,000 शल्यचिकित्सीय विकृति विज्ञान और लगभग 30,000 साइटोविकृति विज्ञान नमूनों को संसाधित करके बड़ी संख्या में रोगियों को सेवाएँ प्रदान की गई।

9.30_.indd 811 1/15/2026 5:40:25 PM

विकृति विज्ञान विभाग नियमित रूप से आणविक विकृति विज्ञान और कोशिका जनन विज्ञान विकास से संबंधित नियमित रोगी उपचार सेवाओं के लिए उन्नत आणविक परीक्षण प्रदान कर रहा है, जिसमें अगली पीढ़ी के अनुक्रमण, इन-सीटू संकरण, प्रवाह साइटोमेट्री, ऊतक माइक्रोएरे, केशिका विद्युत संवहन, वास्तविक समय पीसीआर आदि शामिल हैं। उपचारिक और पूर्वानुमानित इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 91,521 स्लाइडों को चिन्हित और अध्ययन किया गया है।

आणविक परीक्षण सेवाओं का उपयोग नियमित उपचार के साथ-साथ सभी विकृति विज्ञान द्वारा उप-विशेषज्ञताओं में रोग-निदान और पूर्वानुमान संबंधी उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। कुछ उदाहरणों में स्तन कैंसर में पीआईके3सीए उत्परिवर्तन, ऊतक के साथ-साथ लिक्विड बायोप्सी पर ईजीएफआर जीन उत्परिवर्तन, फेफड़ों के कैंसर में एएलके और आरओएस-1 पुनर्व्यवस्था और लक्षित अगली पीढ़ी अनुक्रमण, लिम्फोमा में वास्तविक समय टीसीआर द्वारा एमवाईडीडी88, बीआरएएफवी600ई में टीसीआर प्रतिरूपता की परख, लार ग्रंथि ट्यूमर और नरम ऊतक सार्कोमा में बहु-जीन संलयन और अन्य आणविक परिवर्तन, और बाल चिकित्सा न्यूरोब्लास्टोमा में एमवाईसीएन विस्तारण भी शामिल हैं।

विकृति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों को नियोप्लास्टिक और गैर-नियोप्लास्टिक रोगों की विस्तृत श्रृंखला की विकृति विज्ञान और आणविक विशेषताओं से संबंधित कुल 41 बाह्य और आंतरिक परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण प्राप्त हुए हैं। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न वर्चुअल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं और उन्हें व्यक्तिगत रूप से या उनसे संबद्ध लोगों को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सहकर्मी-समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 272 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं।

प्रो. दीपाली जैन वर्ष 2024 में भारत की राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एफएएमएस), की फेलो बनीं और उन्हें एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार, नैदानिक विज्ञान उत्कृष्ट प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया और उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफ़ोर्निया की दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया। प्रो. गीतिका सिंह को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी 2024-2025 के रीनल पैथोलॉजी वर्किंग ग्रुप का हिस्सा बनने और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी 2024-2025 के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बोर्ड (एसएआरबी) का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ. शिप्रा अग्रवाल को एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार, नैदानिक विज्ञान, बेसिक साइंसेज में उत्कृष्टता का प्रमाणपत्र मिला। डॉ. कवनीत कौर और डॉ. अरुणा नंबिराजन रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स, यूनाइटेड किंगडम की फेलो बनीं, डॉ. बालामुरुगन टी राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी 2024 के सह फेलोशिप बनें।

हमारे कई संकाय-सदस्य विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ब्लू बुक्स और विभिन्न ट्यूमर के वर्गीकरण के लिए पर्पल बुक्स में योगदान दे रहे हैं, जिन्हें इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी), ल्योन, फ्रांस द्वारा संपादित किया गया है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व:

कोई परिवर्तन नहीं

स्नातकोत्तर

9.30_.indd 812 1/15/2026 5:40:25 PM

2022-2023

एमडी छात्र: 37 वरिष्ठ रेजीडेंट: 25
पीएचडी छात्र: 11

2023-2024

एमडी छात्र: 38 वरिष्ठ रेजीडेंट: 21
पीएचडी छात्र: 13

2024-2025

एमडी छात्र: 35 वरिष्ठ रेजीडेंट: 24
पीएचडी छात्र: 12

अल्पकालिक प्रशिक्षण / दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ. मोहम्मद अज़ाली बिन ज़कारिया, 01 फरवरी 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
2. डॉ. अंजू खैरवा, 21 नवंबर 2024 से 19 दिसंबर 2024 तक
3. डॉ. स्वाति शर्मा, 21 नवंबर 2024 से 06 दिसंबर 2024 तक
4. डॉ. सबिता बराल, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
5. डॉ. सजाना कार्की, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
6. डॉ. संतोष कुमार गोइत, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
7. डॉ. शिल्पा सिमखाड़ा, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
8. डॉ. शुक्ति दहल, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
9. डॉ. सायन हंगमा, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक
10. डॉ. सुधेश मान श्रेष्ठ, 01 अक्टूबर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 122

वेंकटेश्वरन के अय्यर: 3
दीपाली जैन: 22
शिप्रा अग्रवाल: 4
रजनी यादव: 12
कवनीत कौर: 2
अनुभव नरवाल: 2
रचना मीणा: 1
संदीप आर माथुर: 10
गीतिका सिंह: 9
असित रंजन मृधा: 4
सौम्यरंजन मल्लिक: 11
अरुणा नंबिराजन: 4
रिमली दत्ता: 1
बालामुरुगन टी: 1
प्रसेनजित दास: 8
सुधीर कुमार ए: 6
सीमा कौशल: 5
आंचल कक्कड़: 12
रुचि राठौर: 2
सोनाली दीक्षित: 3

9.30_.indd 813 1/15/2026 5:40:25 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
92	113	122

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 90

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
48	110	90

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. भारतीय समूहों में झिल्लीदार नेफ्रोपैथी के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण: उन्नत नैदानिक पुन:वर्गीकरण के लिए पूरक वैकल्पिक दवाओं का उपयोग करने वाले रोगियों में एमएन में योगदान देने वाले नेल-1 एंटीजन, भारी धातु कारकों और अन्य नवीन तत्वों का अनावरण, डॉ. गीतिका सिंह (विकृति विज्ञान विभाग) / डॉ. ए शरीफ (शरीररचना विज्ञान विभाग), अंतःविषयक सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना; एम्स नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 10 लाख
2. भारतीय आबादी में गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा के आनुवंशिक परिदृश्य को परिभाषित करने के लिए एक एकीकृत जीनोमिक अनुक्रमण दृष्टिकोण दीपाली जैन, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारत, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 48 लाख
3. निम्न श्रेणी के लार ग्रंथि एडिनोकार्सिनोमा में पीआरकेडी और एसएस18 जीन परिवर्तनों का आकलन, आंचल कक्कड़, एम्स इंट्राम्यूरल अंडरग्रेजुएट रिसर्च अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 1.5 लाख
4. ऊतक और शारीरिक तरल पदार्थों की बायोबैंकिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण: ट्रांसलेशनल अनुसंधान के लिए जैविक नमूने, दीपाली जैन, एम्स-टीएसएचटीआई सहयोगी अनुसंधान अनुभाग एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 20 लाख
5. नवजात कोलेस्टेसिस का नैदानिक, रोगात्मक और आनुवंशिक लक्षण वर्णन, डॉ. रजनी यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 51.58 लाख
6. कार्डियक एमिलॉयडोसिस के मामलों में चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध और अमाइलॉइड उपप्रकार: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. सुधीर अरावा, डीबीटी-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 80 लाख
7. गर्भाशय कार्सिनोआर्कोमा में पीडी-एल1 का एचईआर 2 और पी53 के साथ का चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध का अध्ययन, डॉ. रुचि राठौर, स्नातक परामर्श योजना, 1 वर्ष, 2024-2025, रुपये 2 लाख

9.30_.indd 814 1/15/2026 5:40:26 PM

8. सिस्टिक न्यूट्रोफिलिक ग्रैनुलोमैटस मैस्टाइटिस का चिकित्सीय पैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम और एटिऑलॉजिकल एजेंट के रूप में कोरिनेबैक्टीरियम की भूमिका, रिद्धि सूद, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 5 लाख

9. गर्भाशय ग्रीवा के लिम्फ नोड्स में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सूक्ष्म नीडल एस्पिरेट्स और कोर नीडल बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने के लिए क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण, आंचल कक्कड़ और चिरोम अमित सिंह, एम्स अंतःविषयक सहयोगी संस्थागत अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 20 लाख

10. ट्यूमर के लक्षणों का सहसंबंध हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में इम्यूनोमाइक्रो वातावरण और लक्षित एंटी-पीडी-एल1 और एंटीवेजीएफ थेरेपी की प्रतिक्रिया: एक संभावित अध्ययन, प्रसेनजीत दास (विकृति विज्ञान विभाग) और दीपक गौतम (जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स), एम्स अनुसंधान अनुभाग, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 5 + 5 लाख

11. सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों से प्राप्त डुओडेनल म्यूकोसल बायोप्सी की स्वचालित व्याख्या और ग्रेडिंग के लिए एक व्याख्यात्मक डीप लर्निंग नेटवर्क-आधारित सॉफ़्टवेयर का विकास और सत्यापन। प्रस्ताव आईडी: 2022-16640, पीआई प्रसेनजीत दास (एम्स, दिल्ली) मौसम (आईआईटी, दिल्ली) प्रतोष एपी (आईएसआई, बेंगलुरु), आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 48 लाख

12. एक्स-विवो अध्ययनों हेतु मानव आंतों की बायोप्सी से एंटरॉयड्स का विकास और लक्षण वर्णन, प्रसेनजीत दास, सीलिएक रोग पर डीबीटी कंसोर्टियम परियोजना, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 58 लाख

13. नवीन ऑटोइम्यून एंटरोपैथी नैदानिक परीक्षणों का विकास और वितरण (अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस और मात्रात्मक एलिसा पर आधारित)।'- सीलिएक रोग उपचार अनुकूलन और ग्लूटेन-प्रतिबंध निष्पादन (सीईडी-कोर) के अंतर्गत, प्रसेनजीत दास सीईडी-कोर प्रभारी: प्रोफेसर गोविंद के मखारिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 93.28 लाख

14. निम्न और उच्चतर मानव पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के बीच आणविक परिवेश में अंतर: पैराथाइरॉइड ट्यूमर के विकास के लिए संभावित महत्व, डॉ. शिप्रा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 10 लाख

15. इलास्टिक इनसाइट: हाई रेज़ोल्यूशन 3डी ऑटोमेटेड ऑप्टिकल कोहेरेंस इलास्टोग्राफी के माध्यम से ओस्टियोसारकोमा और इविंग सारकोमा के प्रारंभिक निदान को आगे बढ़ाना, डॉ. विशाल श्रीवास्तव (टीआईईटी, पटियाला से), डॉ. असित रंजन मृधा (एम्स, नई दिल्ली से), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 119.64 लाख

16. थाइमोमा के प्रतिरक्षा परिदृश्य का स्पष्टीकरण और चिकित्सीय पैथोलॉजिकल और आणविक मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, अरुणा नंबिराजन, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 10 लाख

17. ऊपरी और निचले पथ के यूरोथेलियल कार्सिनोमा के आणविक उपप्रकार में माइक्रोसैटेलाइट अस्थिरता (एमएसआई) और पीडीएल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 10 लाख

9.30_.indd 815 1/15/2026 5:40:26 PM

18. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी में नए लक्ष्य प्रतिजनों का मूल्यांकन और उनका नैदानिक सहसंबंध: भारतीय आबादी में लक्ष्य प्रतिजनों के आधार पर मामलों को पुन:वर्गीकृत करने का प्रयास, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रुपये 38 लाख

19. छोटे लिम्फोसाइटिक लिंफोमा में रोगसूचक मार्करों डेल(11क्यू), डेल(13क्यू), डेल(17पी), ट्राइसोमी 12, आईजीएचवी उत्परिवर्तन और टीपी53 उत्परिवर्तन विश्लेषण का मूल्यांकन, बालामुरुगन टी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 5+5 लाख

20. उच्च ग्रेड के लार ग्रंथि कार्सिनोमा में नैदानिक रूप से उपचार करने योग्य लक्ष्यों का पता लगाने के लिए विशिष्ट आणविक परिवर्तनों और ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, लगभग रुपये 32 लाख

21. वल्वर स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में जीनोमिक फुटप्रिंट्स और उनके संकेतकों की खोज, रुचि राठौर, डीएसटी-एसईआरबी-62, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 48 लाख

22. जीनोमिक विपथन और एकल प्लाज्मासाइटोमा में इसका पूर्वानुमानात्मक प्रभाव, रचना मीणा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 10 लाख

23. हाई ग्रेड बी सेल लिंफोमा एनओएस का जीनोमिक प्रोफाइल का अध्ययन, डॉ. सौम्यरंजन मल्लिक, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 41.29 लाख

24. माइक्रोवेव इमेजिंग का उपयोग करके अस्थि कैंसर का शीघ्र पता लगाना और हाइपरथर्मिया लेंस एप्लीकेटर द्वारा स्वास्थ्य प्रणाली उपचार, डॉ. हरि शंकर सिंह (टीआईईटी, पटियाला से), डॉ. असित रंजन मृधा (एम्स, नई दिल्ली से), एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 30.12 लाख (एम्स, नई दिल्ली हेतु)

25. साइनोनासल ट्रैक्ट के अवर्गीकृत स्पिंडल कोशिका ट्यूमर में उच्च गतिशीलता समूह ए2 संलयन, दीपाली जैन, जेआर थीसिस अनुदान, अनुसंधान अनुभाग एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 2 लाख

26. इम्यूनोथेरेपी के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में प्रोस्टेट कैंसर के नए आणविक उपप्रकारों की पहचान, सीमा कौशल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 45 लाख

27. एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा की आणविक रूपरेखा और नैदानिक परिणामों के साथ इसका सहसंबंध - एक प्रारंभिक अध्ययन, सोनाली दीक्षित, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 10 लाख

28. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के घातक अग्रभाग के प्रोटीन सिग्नेचर का बहुसंकेतन स्थानिक रूप से हल किया गया विश्लेषण, आंचल कक्कड़, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, लगभग रूपये 93 लाख

29. दंत एवं हड्डी धातु प्रत्यारोपण में सूक्ष्म-तकनीकी हस्तक्षेप: बेहतर अस्थि-संयोजक एवं एंटी-बैक्टीरियल गुणों की दिशा में स्मार्ट, बहुक्रियाशील अंतराफलक का अनुकूलन का अध्ययन, आदर्श बरवाड़, डीबीटी, 2021 = 24, 4 वर्ष, 2021-2025, रुपये 70 लाख

30. फेफड़ों के कैंसर में एकल जीन बनाम मल्टीप्लेक्स जांच, दीपाली जैन, जूनियर थीसिस अनुदान, अनुसंधान अनुभाग एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 2 लाख

9.30_.indd 816 1/15/2026 5:40:26 PM

31. मूल्यांकन पूर्वानुमान मार्करों का अध्ययन एआर वी7, पीटीईएन, टीएमपीआरएसएस ईआरजी, बीआरसीए2, अनुभव नरवाल, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 10 लाख

32. भारतीय परिदृश्य में, सरोगेट मार्करों का उपयोग करके गैस्ट्रिक कार्सिनोमा में उपचार करने योग्य लक्ष्यों सहित आणविक उपप्रकारों का अध्ययन।, रिमली दत्ता, एम्स (इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट), 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 10 लाख

33. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के पूर्ववर्ती घावों के लिए संभावित नैदानिक और पूर्वानुमानात्मक बायोमार्करों का अध्ययन, कवनीत कौर, जेआर थीसिस अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 2 लाख

34. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन नियोप्लाज्म में पूर्वानुमानात्मक, रोगनिदानात्मक और थेरानोस्टिक मार्करों का अध्ययन, रजनी यादव, एम्स अंतःविषयक, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 20 लाख

35. सूजन संबंधी आंत्र रोग के सक्सिनिक एसिड मेडिएटेड टी सेल रोगजनन, रजनी यादव, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 20 लाख

36. युवाओं में अचानक अस्पष्ट मृत्यु, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 150 लाख

37. प्रीक्लेम्पसिया उपवर्गों में कोशिका चक्र से संबंधित प्रोटीनों की प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्टिक अभिव्यक्ति का विश्लेषण, लवलीन सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 10 लाख

38. जीन अभिव्यक्ति और स्थानिक प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग का उपयोग करते हुए विभिन्न ग्रेडों में फॉलिकयूलर सेल-व्युत्पन्न थायरॉयड कार्सिनोमा का ट्यूमर इम्यून माइक्रोएनवायरनमेंट, शिप्रा अग्रवाल, एएनआरएफ, 3 वर्ष, 2023-2026, रूपये 66.81 लाख

39. भारतीय परिदृश्य में हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी (एचसीएम) के आनुवंशिक परिदृश्य की पहचान करना, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 120 लाख

40. भारतीय समूह में लक्षित ट्रांसक्रिप्टोमिक्स दृष्टिकोण द्वारा एंडोमेट्रियल कैंसर में चयापचय संबंधी गड़बड़ी का पता लगाना, संदीप आर माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 18.06 लाख (प्रथम वर्ष)

41. क्रोनिक पैंक्रियाटाइटिस में सूजन मार्ग को समझना और चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करना, रजनी यादव, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 20 लाख

पूर्ण

1. भारत में आकस्मिक पित्ताशय कार्सिनोमा की व्यापकता के निर्धारण पर एक बहु-केंद्रीय अध्ययन, डॉ. पी. दास (एम्स), एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, बैंगलोर, 5 वर्ष, 2019-2024, रुपये 10 लाख

2. हाइपोक्सिया प्रेरित कारक-1 अल्फा मार्ग सक्रियण का आकलन और मिक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमा में ट्यूमर इम्यून माइक्रोएंवायरमेंट और ट्यूमर आक्रमण के मार्करों के साथ इसका सहसंबंध, अरुणा नंबिराजन, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, रुपये 10 लाख

3. बीके पॉलीओमा वायरस और यूरोथेलियल कार्सिनोमा का संबंध: भारतीय आबादी पर एक अध्ययन, गीतिका सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2012-2014, रुपये 4.94 लाख

9.30_.indd 817 1/15/2026 5:40:26 PM

4. मेम्ब्रेनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के कारण होने वाले नेफ्रिटिक सिंड्रोम में ऑटोएंटीबॉडी से जुड़े वैकल्पिक मार्ग का अनियमन (नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर बाल चिकित्सा रीनल जैवविज्ञान अनुसंधान कार्यक्रम का हिस्सा), गीतिका सिंह, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, रुपये 38 लाख

5. कुशिंग रोग के चिकित्सीय उपचार हेतु भेषजगुणविज्ञान लक्ष्यों की पहचान हेतु चिकित्सकीय रूप से कार्यशील और साइलेंट कॉर्टिकोट्रॉफ़ पिट्यूटरी एडेनोमा में ईजीएफआर/एमएपीके/एसएचएच/एनएफकेबी मार्गों के सक्रियण और यूएसपी8/यूएसपी48/बीआरएएफ जीन की उत्परिवर्तन स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण, अरुणा नंबिराजन, आईसीएमआर बाह्य, 3 वर्ष, 2021-2023, रुपये 27 लाख

6. सार्स-कोविड-2 न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन का पता लगाना और कोविड-19 रोगजनन की जानकारी के लिए ऊतक नमूनों में ऊतकीय परिवर्तनों का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स कोविड इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपये 10 लाख

7. विल्म्स ट्यूमर के निदान, पूर्वानुमान और उपचार योजना के वर्गीकरण हेतु मल्टीप्लेक्स नैनोस्ट्रिंग आधारित लोकस कॉपी संख्या और एमआरएनए अभिव्यक्ति मूल्यांकन परख का विकास, वीके अय्यर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2020-2024, लगभग रूपये 38 लाख

8. न्यूरोब्लास्टोमा में एएलके, एटीआरएक्स और एमवाईसी इम्यूनोएक्सप्रेशन का मूल्यांकन और रोगनिदान संबंधी मापदंडों के साथ उनका सहसंबंध, आंचल कक्कड़, एम्स यूजी मेंटरशिप प्रोग्राम, 1 वर्ष, 2021-2022, रुपये 2 लाख

9. साइनोनासल स्क्वैमस नियोप्लाज्म के रोगजनन में ईजीएफआर म्यूटेशन, एचपीवी स्थिति और पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 10 लाख

10. ओरल और ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एचपीवी स्थिति और एकेटी/एमटीओआर सिग्नलिंग पाथवे सक्रियण के साथ इसके सहसंबंध का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 8.80 लाख

11. ऊतक नमूनों में दुर्दमता की पहचान के लिए डीप लर्निंग सहित मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़ और एस श्रीरंगराजन, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 20 लाख

12. एल्क पॉजिटिव एनाप्लास्टिक लार्ज सेल लिंफोमा की जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल, डॉ. सौम्यरंजन मल्लिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 31.05 लाख

13. डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिंफोमा में पीडीएल1 और सीडी47 की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अभिव्यक्ति, डॉ. सौम्यरंजन मल्लिक, एम्स1, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 2 लाख

14. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और चिकित्सीय पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध, डॉ. संदीप माथुर, एम्स, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपये 5 लाख

15. पूर्वानुमानित और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए ओल्फैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण वर्णन, आंचल कक्कड़, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3.5 वर्ष, 2020-2024, लगभग 47 लाख

9.30_.indd 818 1/15/2026 5:40:26 PM

16. लार ग्रंथि कार्सिनोमा का आणविक लक्षण वर्णन: एम्स और भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन, आंचल कक्कड़ और एवरिसलिन मारबानियांग, डीबीटी एनईआर, 3 वर्ष, 2021-2024, लगभग 86 लाख

17. ईजीएफआर म्यूटेंट नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में ईजीएफआर टायरोसिन काइनेज अवरोधकों के प्रतिरोध के आणविक तंत्र, अरुणा नंबिराजन, एम्स सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 20 लाख

18. फेफड़ों के न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में पूर्वानुमानित बायोमार्कर, अरुणा नंबिराजन, एम्स यूजी अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 2 लाख

19. संभावित रोगी समूह में ऑटोइम्यून एंटरोपैथी के मामलों की पहचान करने के लिए समीपस्थ छोटी आंत एंटरोपैथी वाले रोगियों में अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस विधि द्वारा एंटी-गोब्लेट सेल और एंटी-एंटरोसाइट एंटीबॉडी का पता लगाने की तकनीक का मानकीकरण, संरक्षक: प्रसेनजीत दास, एम्स स्नातक-पूर्व मेंटरशिप परियोजना, 1 वर्ष, 2023-2024, रुपये 2 लाख

20. बचपन में अज्ञातहेतुक नेफ्रोटिक सिंड्रोम में पोडोसाइटिक चोट के लिए एक पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में मूत्र संबंधी एक्सोसोम का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 76,17,160

21. भारत में एल्पोर्ट सिंड्रोम का आनुवंशिक परिदृश्य, फेनोटाइपिक सहसंबंध के साथ, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपये 50.50 लाख

22. उन्नत नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में ट्यूमर उत्परिवर्तन की अधिकता: उपचार रणनीतियों की योजना बनाने के लिए निहितार्थ, दीपाली जैन, डीएसटी-एसईआरबी पावर फेलोशिप, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 30 लाख

23. पैपिलरी जैसे न्यूक्लियर विशेषताओं वाले नॉन-इनवेसिव फॉलिक्युलर थायरॉइड नियोप्लाज्म को अन्य फॉलिक्युलर-पैटर्न वाले थायरॉइड सौम्य एवं घातक घावों से अलग करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता, डॉ. शिप्रा अग्रवाल, डीबीटी, 3 वर्ष + 1 वर्ष का विस्तार, 2020-2024, रुपये 52.65 लाख

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. स्थानीयकृत ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर टीएनबीएसी के लिए नियोएडजुवेंट थेरेपी के रूप में कम खुराक पेम्ब्रोलिज़ुमाब प्लस कीमोथेरेपी बनाम कीमोथेरेपी का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण II, यादृच्छिक, ओपन लेबल्ड वाला अध्ययन। टीएनबीसी में एनएसीटी के साथ कम खुराक पेम्ब्रोलिज़ुमाब का वैश्विक परीक्षण।

2. पारंपरिक प्रतिबिबंन रूपात्मक क्रिया की तुलना में बहुल एवं बहुकेन्द्रिक स्तन ग्रंथि कर्कट रोग के मूल्यांकन में तुलनात्मक संबर्धित मैमोग्राफी की भूमिका का आकलन करने और स्तन कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण हेतु एक संभावित अध्ययन

3. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के लिए कैपेसिटाबाइन में कम खुराक वाली प्रीम्ब्रोलिक्सुमाब को शामिल करना: चरण III यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण

9.30_.indd 819 1/15/2026 5:40:26 PM

4. नवसहायक कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट एचईआर 2 पॉजिटिव स्तन कैंसर के लिए ट्रैस्टुजुमाब में कैपेसिटाबाइन को शामिल करने की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया ओपन-लेबल चरण III यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

5. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में एचयूडब्ल्यूई-1 विनियमित मेटाबोलिक और इम्यूनोलॉजिकल विशेषताओं का विश्लेषण

6. डिम्बग्रंथि कैंसर में आणविक बायोमार्कर का विश्लेषण

7. हेमेटोक्सिलिन और ईओसिन से रंगे संपूर्ण स्लाइड चित्रों पर एस्ट्रोजन रिसेप्टर, प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर और मानव एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर 2 की स्थिति का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित मूल्यांकन

8. लार वाहिनी कार्सिनोमा में ट्यूमर इम्यून माइक्रोइनवायरमेंट का आकलन

9. क्या स्तन कैंसर के रोगियों की सर्जरी टाली जा सकती है? सर्जरी की ज़रूरत कम करने के लिए रोगियों के चयन में एआई और वैक्यूम-असिस्टेड बायोप्सी की भूमिका

10. एंडोमेट्रियोसिस के माक्रेट के रूप में परिसंचरण एक्सोसोमल एमआई आरएनए का एक पायलट अध्ययन

11. अंतरालीय फेफड़े की बीमारी के मामलों में चिकित्सीय पैथोलॉजिकल और विकिरण विज्ञान संबंधी विशेषताएं और एमआईआर 21 स्तर

12. हाई ग्रेड बी सेल लिंफोमा एनओएस की चिकित्सीय-पैथोलॉजिकल विशेषताएं

13. कार्डियक एमिलॉयडोसिस के मामलों में चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध और एमिलॉयड उप-प्रकारण: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

14. हाई ग्रेड बी सेल लिंफोमा एनओएस का चिकित्सीय-पैथोलॉजिकल प्रोफाइल

15. सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग में देखें और उपचार करें का दृष्टिकोण हेतु एक इनोवेटिव स्पेकुलोस्कोप डिजाइन करना जिसमें समुदाय में पोर्टेबल कोल्पोस्कोपी की बाधाओं से उभरना

16. चरण I-III स्तन कैंसर के रोगियों के जीवित रहने पर स्वास्थ्य सेवा वितरण से संबंधित वेरिएबल के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्षेत्रीय स्तन कैंसर डेटा संग्रह का विकास

17. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई 1 टाइप 1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट पहचान प्रणाली का विकास

18. सिनोवियल सार्कोमा के लिए एसएसएक्स और फ्यूजन-विशिष्ट एंटीबॉडी (एसएस18-एसएसएक्स) की नैदानिक उपयोगिता

19. प्राथमिक हाइपरएल्डोस्टेरोनिज़्म से पीड़ित रोगियों और सामान्य आबादी में एल्डोस्टेरोन स्रावित करने वाली कोशिकाओं का वितरण

20. सामान्य रोगियों और प्राथमिक हाइपरएल्डोस्टेरोनिज़्म के रोगियों से अड्रीनल ग्रंथियों में एल्डोस्टेरोन-स्रावी कोशिकाओं का वितरण

21. थायरॉइड कार्सिनोमा में फाइब्रोनेक्टिन-1 की रोगनिदानात्मक भूमिका को स्पष्ट करना

9.30_.indd 820 1/15/2026 5:40:26 PM

22. सी3 ग्लोमेरुलोपैथी के निदान में एपोलिपोप्रोटीन ई की भूमिका का मूल्यांकन

23. एंडोमेट्रियल कैंसर के उपचार में टीसी99एम सल्फर कोलाइड के रेडियोन्यूक्लाइड इंजेक्शन द्वारा 18एफ-एफडीजी पीईटी-विशिष्ट मात्रात्मक ट्यूमर मापदंडों और सेंटिनल लिम्फ नोड मैपिंग का मूल्यांकन

24. प्रोस्टेट कैंसर में डीडीआर उत्परिवर्तन का मूल्यांकन

25. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेबल समानांतर डिजाइन, गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

26. कृत्रिम प्रत्यारोपण के लूजनिंग से पीड़ित रोगियों के पेरी-प्रोस्थेटिक नरम ऊतकों में एम1 और एम2 मैक्रोफेज और टिश्यू प्रतिक्रिया का मूल्यांकन

27. कृत्रिम प्रत्यारोपण के लूजनिंगसे पीड़ित रोगियों के पेरी-प्रोस्थेटिक नरम ऊतकों में एम1 और एम2 मैक्रोफेज और टिश्यू प्रतिक्रिया का मूल्यांकन

28. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत नरम टिश्यू सार्कोमा के रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका

29. एएलके पुनर्व्यवस्थित गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर (एनएससीएलसी) का आनुवंशिक परिदृश्य

30. उच्च-मध्यवर्ती और उच्च-जोखिम वाले गर्भाशय कार्सिनोमा का जीनोमिक परिदृश्य: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य

31. तरल बायोप्सी का उपयोग करके गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा की जीनोमिक प्रोफाइलिंग

32. साइनोनासल पथ के अवर्गीकृत स्पिंडल कोशिका ट्यूमर में उच्च गतिशीलता समूह ए2 संलयन

33. सुसाध्य हृद् ट्यूमर का हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन

34. एपेंडिसियल एपिथीलियल नियोप्लाज्म का हिस्टोपैथोलॉजिकल, इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक अध्ययन

35. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा का इम्यून माइक्रोएनवायरमेंट

36. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल सार्कोमा का आणविक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण वर्णन और उनका चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध

37. एएलके पॉजिटिव एनाप्लास्टिक बड़ी कोशिका लिंफोमा में चिकित्सीय अपवर्तकता के आणविक तंत्र

38. अज्ञातहेतुक कार्डियोमायोपैथी में एमवाईबीपीसी3 उत्परिवर्तन

39. एमवाईसी प्रवर्धन और ओस्टियोसारकोमा के रोगियों में जनसांख्यिकीय विशेषताओं और रोगनिदान के साथ इसका सहसंबंध

40. स्थानीय रूप से उन्नत विभेदित थायरॉइड कार्सिनोमा में लेन्वाटिनिब का उपयोग करते हुए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी, एक चरण II ओपन लेबल अध्ययन

41. सिनोवियल सार्कोमा के निदान में नवीन एसएस18-एसएसएक्स फ्यूजन-विशिष्ट एंटीबॉडी की भूमिका

9.30_.indd 821 1/15/2026 5:40:26 PM

42. रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में एंडोमेट्रियल मूल्यांकन के लिए ट्रांसवेजिनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका

43. फेफड़ों के कैंसर में एकल जीन बनाम मल्टीप्लेक्स जांच

44. उत्तेजक आंत्र रोग के रोगियों के आंत्र टिश्यू में एडहेरेंस जंक्शन प्रोटीन का अध्ययन

45. एपीसी उत्परिवर्तित और गैर-एपीसी उत्परिवर्तित सीआरसी का अध्ययन

46. आणविक उपप्रकार ऊपरी मार्ग यूरोथैलियल कार्सिनोमा का अध्ययन

47. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के प्रीकर्सर लीशन के लिए संभावित नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्करों का अध्ययन

48. संभावित संस्थागत समूह पर आईजीबीसी का आप्टिमम डिटेक्शन के लिए नमूनाकरण प्रोटोकॉल का अध्ययन

49. सी3 ग्लोमेरुलोपैथी के मूल्यांकन में एपोलिपोप्रोटीन ई इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री की उपयोगिता का अध्ययन

50. उत्तेजक आंत्र रोग के रोगियों की आंतों की बायोप्सी में टाइट जंक्शन क्लॉडिन प्रोटीन का अध्ययन

51. ग्लोमेरुलर रोगों में पूरक के वैकल्पिक मार्ग के सक्रियण पर अध्ययन

52. पेरिअम्पुलरी एडेनोकार्सिनोमा में पीआई3के/एकेटी और एमएपीके सिग्नलिंग मार्ग का उपप्रकारण और अध्ययन: डॉ. उर्वशी यादव के लिए एमडी थीसिस सह-गाइड

53. आकस्मिक हृद् संबंधी मृत्यु की पहचान के लिए हिस्टोपैथोलॉजी और आणविक अध्ययन

54. भारत में एल्पोर्ट सिंड्रोम का आनुवंशिक परिदृश्य, फेनोटाइपिक के साथ सहसंबंध

55. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा में एमवाईबीएल2 (मायलोब्लास्टोसिस प्रोटो-ऑन्कोजीन लाइक 2)-एटीएडी2 (एटीफेज परिवार एएए डोमेन युक्त प्रोटीन 2) एक्सेस की भूमिका को समझना।

56. अज्ञात कार्डियोमायोपैथी रोगियों में आनुवंशिक संबंध का मूल्यांकन करना

57. सर्वाइकल कैंसर के लिए आईएनएनओ-एलआईपीए जीनोटाइपिंग का उपयोग करके मूत्र संबंधी एचपीवी डीएनए जांच की भूमिका का मूल्यांकन करना। एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

58. सर्वाइकल कैंसर में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की जैविक और जैव रासायनिक भूमिका को समझना

59. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के ऑन्कोजेनिक मार्गों में उत्परिवर्तनों का संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित लक्षण वर्णन

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज और रोग) का उपयोग करके तैयार किए गए एक्सट्रेक्टेड हेयर फॉलिकल रूट शील कोशिका की विभिन्न कोशिका आबादी की प्रभावकारिता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन

9.30_.indd 822 1/15/2026 5:40:27 PM

2. युवा कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों पर एक अध्ययन - नैदानिक प्रोफ़ाइल, उपचार और पुनरावृत्ति पैटर्न, और कोलन कैंसर रोगियों में मिरना एक्स्ट्रेकशन के लिए आणविक जैव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों का अध्ययन, डॉ. प्रकाश भगत का एमसीएच शोधपत्र, शल्यक अर्बुदविज्ञान

3. कोशिकीय अस्वीकृति में ग्लोमेरुलर केशिका एंडोथेलियल क्षति का एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन

4. आईबीडी-प्रकार और गैर-आईबीडी-प्रकार कोलाइटिस में अंतर करने में बेसल प्लाज़्मासाइटोसिस और म्यूकोसल इओसिनोफिलिया का आकलन: एक प्रणालीगत समीक्षा और मेटा-विश्लेषण

5. हेड एवं नैक के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ट्यूमर बडिंग का आकलन, और चिकित्सीय पैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध

6. मेम्ब्रेनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के कारण नेफ्रोटिक सिंड्रोम में ऑटोएंटीबॉडी से संबंधित वैकल्पिक पूरक मार्ग का अनियमन

7. मेंटल सेल लिंफोमा से पीड़ित रोगियों की चिकित्सीय-पैथोलॉजिकल संबंधी विशेषताएं और उत्तरजीविता परिणाम: एक व्यापक अध्ययन

8. लार ग्रंथि नियोप्लाज्म में आणविक परिवर्तनों के साथ सेरोगेट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों की तुलना

9. उच्च-थ्रूपुट आरएनए अनुक्रमण, लक्ष्य विश्लेषण और परिसंचारी एमआईआरएनए स्तरों की तुलना द्वारा सीलिएक रोग वाले रोगियों के सीरोपॉजिटिव और सीरोनेगेटिव प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों में भिन्न रूप से व्यक्त एमआईआरएनएएस का प्रदर्शन

10. एएलके पुनर्व्यवस्थित गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर (एनएससीएलसी) का आनुवंशिक परिदृश्य

11. लिक्विड बायोप्सी का उपयोग करके गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा की जीनोमिक प्रोफाइलिंग

12. साइनोनासल ट्रेक्ट के अवर्गीकृत स्पिंडल कोशिका ट्यूमर में उच्च गतिशीलता समूह ए2 संलयन

13. ईएनएल प्रतिक्रियाओं के रोगियों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल और नैदानिक अध्ययन

14. टी1 मूत्राशय कैंसर के आणविक उपप्रकारों की पहचान

15. मैमब्रेनस नेफ्रोपैथी: नैदानिक सहसंबंध के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर प्रोफ़ाइल का एक अध्ययन

16. टी1 मूत्राशय कैंसर का आणविक उपप्रकार

17. एमवाईडी88 एल265पी अवर्गीकृत परिपक्व लघु बी-कोशिका लिम्फोइड नियोप्लाज्म के लक्षण वर्णन में उत्परिवर्तन संबंधी अध्ययन

18. अज्ञातहेतुक कार्डियोमायोपैथी में एमवाईएच7 उत्परिवर्तन

19. नरम टिश्यू के अविभेदित बहुरूपी सार्कोमा में पीडी-एल1 और पीडी1 प्रतिरक्षा-सक्रियता

20. पैराथाइरॉइड कार्सिनोमा में पीडी-एल1 की भूमिका और प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण के साथ इसका संबंध

9.30_.indd 823 1/15/2026 5:40:27 PM

21. फेफड़ों के कैंसर में एकल जीन बनाम मल्टीप्लेक्स परीक्षण

22. ग्लोमेरुलर रोगों में गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीए1 का अध्ययन

23. इन्वेसिव म्यूकोर्मिकोसिस में हॉस्ट ऊतक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन

24. ओल्फैक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और सोनिक हेजहॉग सिग्नलिंग मार्गों का अध्ययन

25. मेम्ब्रेनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस में पूरक के लेक्टिन मार्ग के सक्रियण पर अध्ययन

26. अस्थि और नरम टिश्यू ट्यूमर के निदान में सेल ब्लॉक की सहायता से फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी की उपयोगिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ग्रैनुलोमैटस चेहरे की त्वचा के घावों और उनके नैदानिक अनुकरणों की नैदानिक, डर्मोस्कोपिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक क्रॉस-सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचा एवं रजितरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. स्तन कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी के साथ अतिरिक्त उपचार के रूप में मेटफॉर्मिन और विटामिन डी की सहक्रियात्मक प्रभावकारिता की जांच करने के लिए एक बहु-केंद्रित, यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एनसीआई झज्जर

3. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में ट्यूबेरियल लार ग्रंथि आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने वाला चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स

4. प्रोस्टेट कैंसर के निदान में एमआरआई-इनबोर लक्षित बायोप्सी की 12-कोर व्यवस्थित ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड बायोप्सी के साथ एक संभावित तुलना, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

5. कार्सिनोमा अंडाशय में प्री-ऑपरेटिव रोग के बर्डन और रिसेक्टेबिलिटी का निर्धारण करने के लिए सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना करने वाला एक संभावित अवलोकन अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

6. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी) का उपयोग करके एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

7. पैराथाइरॉइड ग्लैंड एडेनोमा में ऑटोफ्लोरोसेंस की सटीकता - एक नैदानिक अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. ईएमटी संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए द्वारा डिम्बग्रंथि कैंसर से पीड़ित रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन 200 क, ख, ग", प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

9. रोग मुक्त उत्तरजीविता के आधार पर जी.बी.सी. में टी.आई.एल. के पूर्वानुमानात्मक महत्व का आकलन: जी.आई.एस., जी.आई. सर्जरी के साथ सहयोगी परियोजना

10. कार्डियक फाइब्रोसिस में एलओएकस एल2 का संबंध, हृद् विज्ञान, एम्स

9.30_.indd 824 1/15/2026 5:40:27 PM

11. फेशियल वाल्यूम लॉस के उपचार में ऑटोलॉगस गैर-संवर्धित त्वचीय कोशिका प्रत्यारोपण, त्वचारोग विज्ञान, एम्स

12. स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में आणविक मापदंडों सहित रोगनिदान कारकों के जैव सांख्यिकीय पहलू: एक महामारी विज्ञान मूल्यांकन, डॉ.भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.

13. बायोमार्कर आधारित प्रारंभिक निदान और इन्फ्रारेड इमेजिंग द्वारा स्तन कैंसर मेटास्टेसिस की समझ, जैव भौतिकी

14. सर्वाइकल के कैंसर ट्यूमर सूक्ष्म-पर्यावरण प्रतिरक्षा-प्रोफाइलिंग और भारतीय रोगियों में मानक कीमोरेडियोथेरेपी के लिए प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव, विकिरण विज्ञान

15. वायरल मायोकार्डिटिस का क्लिनिको-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन, हृद् विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

16. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, फुप्फुसीय चिकित्सा, एम्स

17. टी1-टी3 कार्सिनोमा जीभ में अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ गहरे मार्जिन मूल्यांकन के एक्स-विवो अल्ट्रासाउंड सहायता प्राप्त और फ्रोजन सेक्शन विश्लेषण की तुलना: एक संभावित अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

18. नव निदान न्यूरोब्लास्टोमा में अस्थि मज्जा मेटास्टेसिस का पता लगाने में अस्थि मज्जा बायोप्सी के साथ 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी की नैदानिक उपयोगिता की तुलना, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रभाग, एम्स

19. हाई रिस्क रिफ्रेटरी न्यूरोब्लास्टोमा से पीड़ित रोगियों में बचाव चिकित्सा के रूप में टीवीडी (टोपोटेकन-विंक्रिस्टाइन-डॉक्सोरूबिसिन) बनाम वीआईटी (विंक्रिस्टाइन-इरिनोटेकन-टेमोज़ोलोमाइड) की तुलना: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक परीक्षण,बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रभाग, एम्स

20. लेरिंजियल और हाइपोफेरिंजियल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ इन्वेशन की गहराई का सहसंबंध, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

21. जैविक नमूनों (कोशिकाओं और ऊतक) के लिए क्रायो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप इमेजिंग सुविधा, शरीररचना विज्ञान विभाग, नई दिल्ली

22. कार्यात्मक डिस्फेसिया से पीड़ित रोगियों में आंत्र परजीवियों का पता लगाना और आणविक लक्षण वर्णन-संक्रामक रोग

23. म्यूकोर्मिकोसिस के शीघ्र निदान के लिए लक्ष्य के रूप में सीओटीएच जीन का उपयोग करके एक रीअल-टाईम पीसीआर तकनीक का विकास, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, एम्स

24. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर-इन्वेसिव निदान किट का विकास: ए न्यू वॉक ऑन ओल्ड पाथ, जैवभौतिकी

25. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई1 टाइप 2 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट पहचान प्रणाली का विकास, शरीररचना विज्ञान विभाग, नई दिल्ली

9.30_.indd 825 1/15/2026 5:40:27 PM

26. पैराथाइरॉइड ऊतक की ऑटोफ्लोरोसेंस पर निर्भर अंतःक्रियात्मक पहचान के लिए डिटेक्टर के रूप में स्मार्टफोन कैमरे के साथ टीआईआरएफ आधारित सूक्ष्म प्रणाली का विकास, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली और आईआईटी, दिल्ली

27. डिस्टल हाइपोस्पेडिया में आंतरिक और बाहरी प्रीपुटियल त्वचा के बीच माइक्रोवेसल घनत्व और वृद्धि कारकों में अंतर,बाल शल्यचिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

28. डीएनए मिथाइलेशन सिग्नेचर और बाल चिकित्सा सारकोमा में नैदानिक परिणामों के साथ इसका सहसंबंध,बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रभाग, एम्स

29. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक और आनुवंशिक अध्ययन,बाल चिकित्सा पुल्मोनोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली

30. भारतीय उपमहाद्वीप में इन्वेसिव परिपक्व बी-नॉन-हॉजकिन लिंफोमा में एपस्टीन बार वायरस सकारात्मकता की व्यापकता का आकलन और जैविक विज्ञान और उत्तरजीविता पर इसके प्रभाव के आनुवंशिक आधार का पता लगाना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

31. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) थायराइड कैंसर के लिए एक संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और थायराइड कैंसर में आयोडीन हैंडलिंग जीन के साथ इसका सहसंबंध, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला विभाग, एम्स, नई दिल्ली

32. पित्ताशय के कैंसर में ऑरोरा-ए/टीपीएक्स2 कॉम्प्लेक्स की थेरानोस्टिक क्षमता का मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

33. आरसीसी में प्रतिरक्षा एसकेप तंत्र का मूल्यांकन, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

34. सी11-मेथियोनीन पीईटी/सीटी के साथ रीनल सेल कार्सिनोमा का मूल्यांकन और 18एफ फलोरोडीआक्सीग्लूकोसडब्ल्यू पीईटी/सीटी के साथ तुलना, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

35. पेम्फिगस वल्गेरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में $\gamma\delta$ टी सेल उपसमूहों और पैटर्न पहचान रिसेप्टर्स (पीआरआरएस) की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज करना, भेषजगुणविज्ञान, एम्स

36. थायरॉइड कैंसर में टीईएल2 प्रोटीन का अभिव्यक्ति विश्लेषण, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

37. एफबीएक्सओ4 एक नवीन यूबिक्विटिन लाइगेज के रूप में जो स्तन कैंसर के रोगजनन में साइक्लिन डी1 को लक्षित करता है, जैव रसायन

38. हिप्पो सिग्नलिंग मार्ग और यूवियल मेलेनोमा में इसका जैविक कार्य, नेत्र विकृति विज्ञान प्रभाग, रा.प्र.केन्द्र, एम्स

39. भारत में गैर-जीसी डीएलबीसीएल रोगियों में कीमो-प्रतिरोध के विकास हेतु आणविक चिकित्सीय लक्ष्य की पहचान, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई), लखनऊ

40. एडवांस मुख कैंसर से पीड़ित रोगियों में शल्य चिकित्सा निर्णय और परिणामों पर नव-सहायक कीमोथेरेपी का प्रभाव, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

41. अणु अवरोधक:, जैव रसायन

9.30_.indd 826 1/15/2026 5:40:27 PM

42. ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: एक सिंगल आर्म चरण II पायलट अध्ययन: चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

43. प्लेसेंटल संबंध ऑक्सीजनेशन और चयापचय की ऑप्टिकल निगरानी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

44. रिनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 और टीआरईजी कोशिकाओं का फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण वर्णन,जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

45. सह-अस्तित्व वाले एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के पूर्वानुमान के रूप में एटिपिकल एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया में पाइरूवेट काइनेज एम1 और एम2 बायोमार्कर,प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

46. आर2टीपी अभिव्यक्ति और थायरॉइड कैंसर में इसका महत्व, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

47. प्रारंभिक चरण के ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सहायक चिकित्सा की भूमिका: एक व्यापक विश्लेषण, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

48. यूरीनरी ब्लैडर कार्सिनोमा में बी सेल की भूमिका,जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

49. मेटास्टेटिक आरसीसी से पीड़ित रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की भूमिका, मूत्ररोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

50. पीयूओ (अज्ञात उत्पत्ति का पायरेक्सिया) में एफडीजी-पीईटी निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स

51. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेस-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान डॉ.भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ.

52. सीमित एमआर और डीएसए सहसंबंध के साथ गर्दन के द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में स्प्लिट-बोलस दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका, विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

53. स्कोप- गर्भावस्था में कोविड की निगरानी, कोविड-19 और गर्भावस्था की नैदानिक विशेषताओं और परिणामों पर साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण,प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

54. नेगेटिव नैक के साथ ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सेनिटल लिम्फ नोड का पता लगाना: डीटीपीए साइटोकेराटिन-कोलेजनस नैनोपार्टिकल [99एमटीसी] टीसी-डीसी-कोल एनपी और [99एमटीसी] टीसी-सल्फर कोलाइड के बीच तुलना,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

55. ब्लैडर के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में ऑटोफैगी से जुड़े एचएमजीबी-1 और इसके संबंधित अणुओं का अध्ययन।,जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

56. हृद् के कारण होने वाली संदिग्ध मृत्यु के मामलों में हृद् मार्करों, सकल निष्कर्षों और हृद् में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन, न्याय चिकित्सा, एम्स

57. रुमेटिक हृद् वाल्व नमूनों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल, प्रोटिओमिक्स और कोलेजन का अध्ययन, सीटीवीएस, नई दिल्ली

9.30_.indd 827 1/15/2026 5:40:27 PM

58. सर्टोली ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) में एमआईआरएनए प्रोफ़ाइल का अध्ययन,प्रजनन जैवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

59. चूहों में ब्लेओमाइसिन-प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान, एम्स

60. स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में ट्यूमर इनफिलट्रेटिंग लिम्फोसाइटों के महत्व का अध्ययन, शल्य चिकित्सा

61. प्रारंभिक (टी1 और टी2) ओरल केविटि स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की भविष्यवाणी करने वाले प्राथमिक ट्यूमर कारकों को निर्धारित करने के लिए अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

62. ज्यूविनल नासोफेरींजल एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करने के लिए अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

63. पित्ताशय के कैंसर में कीमोरेसिस्टेंस को लक्षित करना: एक बहु-ओमिक्स आधारित स्क्रीनिंग और स्माल की पहचान

64. बी-सेल लिंफोमा में एंटी-नियोप्लास्टिक कीमो-इम्यूनोथेरेपी और इम्यूनोमॉड्यूलेशन को परिष्कृत करने के लिए न्यूक्लियोलिन को लक्षित करना, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई), लखनऊ

65. एलिमिनेट ट्रायल: एक चरण II/III यादृच्छिक परीक्षण, जो ओरल केविटिके स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए रोगात्मक रूप से सिद्ध एन0/एन1 गर्दन में ऑपरेशन के बाद रेडियोथेरेपी की चूक का मूल्यांकन करता है, विकिरण अर्बुदविज्ञान, एनसीआई

66. प्रोस्टेट कैंसर में एकल स्टेजिंग मोडैलिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

67. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) के महत्व की जांच करनाγ) थायराइड कैंसर में अभिव्यक्ति और एक चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

68. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा में ट्यूमर की गतिशीलता और प्रतिरक्षा कोशिका परस्पर क्रिया, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

69. कोशिकीय स्तर पर नैनोकणों की इनट्रेक्शन, इनटरनलाइजेशन और ट्रेफिकिंग का अल्ट्रास्ट्रक्चर लेवल मेकेनिज्म, शरीररचना विज्ञान विभाग, नई दिल्ली

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, हाइड्रोसील और अवरोही वृषण के प्रोससवेजिनेलिस में स्मूथ मसल सेल विशेषताओं और मायोफिब्रोब्लास्ट का तुलनात्मक अध्ययन, बाल शल्यचिकित्सा, एम्स

2. स्थानीय रूप से उन्नत नासोफेरींजल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में, सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण II अध्ययन, जिसके बाद सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्फेगिया अनुकूलित तीव्रता मॉड्युलेटेड रेडियोथेरेपी

9.30_.indd 828 1/15/2026 5:40:27 PM

और सीरियल प्लाज्मा एपस्टीनबार वायरस डीएनए टाइटर के साथ नैदानिक परिणाम का सहसंबंध शामिल है। विकिरण अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स

3. ज्यूविनल नेजल एंजियोफिब्रोमा से पीड़ित रोगियों में 68जीए-पीएसएमए-एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

4. प्राथमिक कीमो-रेडिएशन थेरेपी से प्रबंधित स्थानीय रूप से उन्नत हेड एवं नैक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी-कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18एफ-एफडीजी पीईटी-सीटी) स्कैन की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन और सीईसीटी के साथ इसकी तुलना, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स

5. ओरल केविटि (टी1-टी4) के जिंजिवो बुक्कल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमा में ओकुल्ट और ओर्वट लिम्फ नोडल मेटास्टेसिस पर मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

6. ओसीएससीसी के रोगियों में कॉन्ट्रालेटरल नोडल मेटास्टेसिस से जुड़े विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर और इप्सिलैटरल नोडल कारकों का आकलन करने के लिए व्यापक अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

7. एक ओपन लेबल चरण II यादृच्छिक परीक्षण, जिसमें ओरल केविटि के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में मौखिक मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी (पारंपरिक खुराक मेथोट्रेक्सेट + सेलेकोक्सीब) के बाद सर्जरी बनाम उन्नत सर्जरी (कंट्रोल आर्म) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन नैदानिक और रोग संबंधी प्रतिक्रिया और रोग मुक्त अस्तित्व और समग्र अस्तित्व के संदर्भ में किया गया।, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स

8. कैंसर ओरल केविटि में हिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा मेजबान प्रतिरक्षा ट्यूमर प्रतिक्रिया का आकलन और रोग का निदान पर इसका प्रभाव - पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

9. ओरल केविटि के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए पहले सोपान के रूप में प्रीसर्विकल (पेरी-मार्जिनल और लिंगुअल) लिम्फ नोड का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

10. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैवरासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण तथा हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और प्रतिरक्षा मॉड्युलेटर की अभिव्यक्ति के साथ उनका सहसंबंध, बाल शल्यचिकित्सा, एम्स

11. ओरोफेरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में एक रोगसूचक मार्कर के रूप में बीआरसीसी3 की अभिव्यक्ति और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसका प्रभाव, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

12. इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस के उपचार के अंतिम बिंदु का पता लगाने में चिकित्सीय विकिरण विज्ञान का सहसंबंध, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

13. ज्यूविनल नासोफेरींजल एंजियोफाइब्रोमा का कोब्लेशन सहायता प्राप्त एंडोस्कोपिक एक्सीजन: एक संभावित पायलट अध्ययन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

9.30_.indd 829 1/15/2026 5:40:28 PM

14. पूर्व-घातक मौखिक स्थितियों के घातक मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिवर्तन के दौरान संभावित बायोमार्करों की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, जैवभौतिकी, एम्स

15. नोड पॉजिटिव ओरल केविटि स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अतिरिक्त नोडल विस्तार का पता लगाना, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

16. प्राथमिक ओरोफैरिंक्स, नासोफैरिंक्स और अज्ञात प्राथमिक से द्वितीयक सर्वाइकल लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

17. विल्म्स ट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा के निदान और पूर्वानुमान में एपोप्टोसिस से संबंधित एमआईआरएनए की विभेदक अभिव्यक्ति, बाल चिकित्सा

18. ज्यूविनल नासोफैरींजल एंजियोफाइब्रोमा (जेएनए) में एंजियोजेनेसिस के आकलन में डायनेमिक कंट्रास्ट एन्हांस्ड एमआर परफ्यूजन, विकिरण विज्ञान, एम्स

19. एसएआरएस कोविड19 से पीड़ित रोगियों के टीयर और कन्जक्टिवल सिक्रेशनस में कोरोनावायरस का मूल्यांकन, रा.प्र.केन्द्र,एम्स

20. ओलफैक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

21. कार्सिनोमा लैरिंक्स के चरण निर्धारण में स्प्लिट-बोलस डुअल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन, विकिरण विज्ञान, एम्स

22. सर्वाइकल लिम्फ नोड्स में मेटास्टेटिक अज्ञात सिर और गर्दन के प्राथमिक घावों का मूल्यांकन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

23. टॉन्सिल के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के प्रथम इकेलॉन सेनिटल लिम्फ नोड ड्रेनेज की खोज, विशेष रूप से रूविएर के लेट्रल रेट्रोफेरीन्जियल लिम्फ नोड के संदर्भ में, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

24. ज्यूविनल एंजियोफाइब्रोमा में विटामिन-डी और डब्ल्यूएनटी/बीटा-कैटेनिन सिग्नलिंग मार्ग की खोज।ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

25. म्यूकोर्मिकोसिस रोगियों में एसीई2 रिसेप्टर की अभिव्यक्ति,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

26. लार्ज मायोमा के लिए मिनिलैपरोटॉमी सहायता प्राप्त लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी की व्यवहार्यता और परिणाम, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

27. ओरल केविटि कैंसर में सेंटिनल नोड का पता लगाने के लिए दोहरी तकनीक-बल्यू डाई और फलोरोसेंस इमेजिंग की व्यवहार्यता का अध्ययन - एक संभावित सत्यापन अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स

28. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के मामलों में नए प्रोटीन, एपोप्टोटिक प्रोटीन और एक्सोसोम के अवरोधकों की पहचान और मूल्यांकन, शरीररचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.30_.indd 830 1/15/2026 5:40:28 PM

29. ओरल और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सौम्य फाइब्रोओसियस घावों का आणविक और प्रतिरक्षाविज्ञानी लक्षण वर्णन, मुख विकृति विज्ञान विभाग, सीडीईआर

30. संदिग्ध नासोफेरींजल कार्सिनोमा रोगियों में ईबीवी डीएनए के लिए पीसीआर, सूक्ष्मजैवविज्ञान, एम्स

31. ओरल केविटि में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन और ओरल कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए टोल्यूडीन ब्लू डाई और संकीर्ण बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स

32. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर से पीड़ित युवा भारतीय महिलाओं (<40 वर्ष) में बीआरसीए 1/2 जर्म लाइन म्यूटेशन का प्रचलन, शल्य चिकित्सा

33. प्राथमिक पैरोटिड कार्सिनोमा वाले रोगियों में इंट्राग्लैंडुलर, पेरी-पैरोटिड, ओकुल्ट और ओर्वट सर्वाइकल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटना का निर्धारण करने के लिए संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

34. पीएसएमए न्यूक्लियोटाइड चिकित्सा, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स

35. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर भार के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, विकिरण निदान

36. ओरल केविटि स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के शल्यचिकित्सा उपचार में पीईटी की भूमिका, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

37. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम से पीड़ित रोगियों में सीरम विसफैटिन और एडिपोनेक्टिन स्तर की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

38. ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के लिए स्व-नमूनाकरण द्वारा सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए महिलाओं को परामर्श देने में आशा कार्यकर्ताओं की टेली-परामर्श की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

39. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में माइक्रोवैस्कुलर घनत्व और सीडी68 इम्यूनोपोसिटिव ट्यूमर से जुड़े मैक्रोफेज का अध्ययन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

40. कोलेस्टीटोमा आक्रामकता का चिकित्सीय पैथोलॉजिकल मूल्यांकन,ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

41. जीभ के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में लिंगुअल लिम्फ नोड्स की व्यापकता और लिम्फ नोडल प्रसार के पैटर्न का आकलन करना, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

42. आंशिक/पूर्ण स्वरयंत्र उच्छेदन के लिए नियोजित स्वरयंत्र और हाइपोफरीनक्स कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पैराट्रेकियल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटना का निर्धारण करना, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

43. साइनोनासल और स्कल बेस द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में डाइनेमिक कंट्रास्ट परफ्यूजन एमआर इनहेन्स्ड की भूमिका का मूल्यांकन करना, विकिरण विज्ञान, एम्स

9.30_.indd 831 1/15/2026 5:40:28 PM

44. हेड और नैक के कैंसर से पीडित में सिंक्रोनस एसोफैजियल नियोप्लाज्म का पता लगाने के लिए ट्रांस नेज़ल एसोफैजियल एंडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करना, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी और हेड नैक सर्जरी, एम्स

45. एपिथेलियम ओवेरियन ट्यूमर के पूर्व-संचालन निदान में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई-ई का उपयोग: एक पायलट अध्ययन, स्त्री रोग और प्रसूति

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ (जारी परियोजनाएँ)	41	45	41
कुल वित्तपोषण (जारी परियोजनाएं)	1594.05 लाख रुपये	1696.67 लाख रुपये	1450.02 लाख रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 137 सार: 42 पुस्तक में अध्याय: 07

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**188**	**230**	**186**
पत्रिकाओं में लेख	139	184	137
सार	38	34	42
पुस्तकों में अध्याय	10	12	07
पुस्तकें	1	0	0

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएँ		2022-23	2023-2024	2024-2025
सर्जिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला	संसाधित नमूने	60,071	64,712	64,975
	स्पेशल स्टेंस	37,800	31,500	20,789
साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला	कुल नमूने	28,845	28,351	28,822
	एफएनएसी (बाह्य रोगी)	9060	9520	9162
	एक्सफ़ोलीएटिव रूटीन	10,005	10,806	11,640
	सर्वाइकल स्मीयर (पीएपी स्मीयर)	9780	8025	8020
	सेल ब्लॉक	9000	10800	8244

9.30_.indd 832 1/15/2026 5:40:28 PM

प्रयोगशाला सेवाएँ		2022-23	2023-2024	2024-2025
किए गए शव परीक्षण		3		
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला	नैदानिक	80,530	88,735	91,521
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा	कुल नमूने	1157	1354	1523
	मसल सेंपल	236	223	175
	नर्व सेंपल	7	16	49
	स्कीन सेंपल	37	22	18
	ट्यूमर सेंपल	81	68	62
	पैराफिन ब्लॉक	5	12	15
	डी2 बायोप्सी	7	12	12
	हृद्	-	-	71
	किडनी	791	955	1110
	अन्य	3	18	11
रिसर्च माइक्रोटॉमी और थीसिस आईएचसी प्रयोगशाला	अनुसंधान ब्लॉक	2800	4050	-
	थीसिस ब्लॉक	6000	7040	-
	ओटोप्सी ब्लॉक	65	450	1323
	एच एंड ई स्लाइड्स	36000	52700	-
	यू/एस (कोटेड) स्लाइड्स	20000	24000	-
	ब्लॉक एम्बेडेड	32335	49700	-
	फ्रोजन सेक्शन	1005	867	1075
रीनल पैथोलॉजी सेवाएं	मूत्र तलछट विश्लेषण	2686	1759	2006
	किडनी बायोप्सी की इम्यूनोफ्लोरेसेंस	745	989	1072
	किडनी की बायोप्सी की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	791	955	1259
हृद् रोग विकृति विज्ञान	नियमित नमूने	396	2850	1591
	अनुसंधान नमूने	140	1400	1419
	इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री	276	276	225
	एच एंड ई स्टेन	288	4200	3112

9.30_.indd 833 1/15/2026 5:40:28 PM

प्रयोगशाला सेवाएँ		2022-23	2023-2024	2024-2025
	स्पेशल स्टेन	1608	1600	1207
	प्रत्यारोपण के बाद बायोप्सी का मैन्युअल प्रसंस्करण	114	276	30
	ब्लॉकों की कटिंग (अनस्टेन सेक्शन)	776	534	649
	डीआईएफ	212	-	191
आणविक विकृति विज्ञान	वास्तविक समय पीसीआर (ईजीएफआर, पीआईके3सीए, बीआरएएफ, केआरएएस, एनआरएएस, एचआरएएस आदि)	587	1029	1243
	आरएनए आईएसएच (एचआर-एचपीवी, ईबीईआर-आईएसएच, कप्पा-लैम्ब्डा आईएसएच)	-	30	150
	लिक्विड बायोप्सी (ईजीएफआर)	125	310	334
	बीआरसीए1 बीआरसीए2 सिक्वेंसिग	-	-	110
	जीन पुनर्व्यवस्था विश्लेषण (टीसीआरγ, β, आईजीएच, आईजीके)	-	-	47
	उत्परिवर्तन विश्लेषण (सिक्वेंसिग)	-	-	18
फ्लोरोसेंट इन-सीटू हाईब्रिडाइजेशन	निदानात्मक अथवा रोगनिदानात्मक (फुप्फुसीय, हेड और नैक, स्तन, स्त्री रोग, नरम टिश्यू, लिम्फोमा, जठरांत्र, बाल चिकित्सा, अंतःस्रावी विकृति विज्ञान)	780	1135	1418
डिजिटल स्लाइड स्कैनर पर स्लाइड स्कैनिंग		-	12,500	22,239

9.30_.indd 834 1/15/2026 5:40:28 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

छात्रों द्वारा जीते गए पुरस्कार:

1. कुंती देवी मेहरोत्रा पुरस्कार एपीसीओएन दिसंबर 2024, डॉ. श्रद्धांजलि सतपति।
2. पोस्टर श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार। डॉ. अमृता एस.एम. साइटोकॉन, नवंबर 2024, एम्स जोधपुर
3. विकासशील राष्ट्र पुरस्कार: वारिसा खातून। सितंबर 2024 में फेफड़ों के कैंसर पर विश्व सम्मेलन। स्थानिक ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग से एएलके-पुनर्व्यवस्थित एनएससीएलसी रोगियों में खराब रोगनिदान से जुड़े आणविक पैटर्न का पता चलता है।
4. ऑन्कोलॉजी में इन्फोसिस सर्वश्रेष्ठ पेपर, प्रथम पुरस्कार, चौथा वार्षिक अनुसंधान दिवस, 29-30 जनवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली।जंगीर एच, आहूजा आई, अग्रवाल एस, जैन वी, मीना जेपी, अग्रवाला एस, शर्मा आर, शर्मा एमसी, अय्यर वीके, मणि के. बाल चिकित्सा एड्रेनोकोर्टिकल नियोप्लाज्म: तीन हिस्टोपैथोलॉजिकल स्कोरिंग प्रणालियों की तुलना पर एक अध्ययन। एंडोक्राइन पैथोलॉजी, 2023 जून; 34(2):213-223। डीओआई: 10.1007/एस12022-023-09767-जेड। ई-प्रकाशन 9 मई 2023। पीएमआईडी: 37160532।
5. डॉ. सुमन स्मिथ अधिकारी, जेआर, ने एपीसीओएन 2024, कटक में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए तीसरा पुरस्कार जीता
6. डॉ. अमृता, जेआर, ने यूरोऑन्कोलॉजी और यूरोपैथोलॉजी 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, केआईएमएस, भुवनेश्वर में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता
7. डॉ. सुमन स्मिथ अधिकारी, जेआर, ने यूरो ऑक्कोलॉजी एवं यूरोपैथोलॉजी 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, केआईएमएस, भुवनेश्वर में ओरल प्रेसेंटेशन के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता।
8. डॉ. शालिनी चौधरी, एसआर, ने यूरोऑन्कोलॉजी और यूरोपैथोलॉजी 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, केआईएमएस, भुवनेश्वर में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता
9. नाल्कोन क्विज़ द्वितीय स्थान:निमिशिया जून, अक्टूबर 2024, एम्स ऋषिकेश
10. वरिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. शिवांगी डागर को फरवरी 2025 में सीएमसी वेल्लोर में मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया एमपीएआईसीओएन 2024 के 12वें वार्षिक सम्मेलन में "लार ग्रंथि ट्यूमर में फ्लोरोसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन (एफआईएसएच) की उपयोगिता का मूल्यांकन: एक चार वर्ष का संस्थागत अनुभव" शीर्षक वाले अध्ययन के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार दिया गया।
11. कनिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. सबरी सिनेहा को जनवरी 2025 में एम्स नई दिल्ली में चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस 2025 में "एपिथेलियल मायोएपीथेलियल कार्सिनोमा के आणविक परिदृश्य को डिकोडिंग करना" शीर्षक वाले कार्य के लिए एमडी/एमएस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार दिया गया।
12. कनिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. रिया महेंद्रू को नवंबर 2024 में एम्स जोधपुर में भारतीय साइटोलॉजिस्ट अकादमी के 54वें वार्षिक सम्मेलन साइटोकॉन 2024 में "स्टेन्ड साइटोलॉजिकल स्मीयर पर ईटीवी6 जीन पुनर्व्यवस्था के लिए फ्लोरोसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन: लार ग्रंथि के स्रावी कार्सिनोमा के निदान में भूमिका" लेख के लिए इम्यूनोसाइटोकेमिस्ट्री तथा/अथवा साइटोलॉजी में लागू आणविक

9.30_.indd 835 1/15/2026 5:40:28 PM

तकनीकों के क्षेत्र में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ. सत्य मोंगा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

13. कनिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. सिमरन मीत को अगस्त 2024 में पांडिचेरी में बाल चिकित्सा विशेषज्ञों के संघ के 6वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीएमई में "पैनटीआरके इम्यूनोपॉजिटिव बाल चिकित्सा स्पिंडल सेल नियोप्लाज्म की चिकित्सीयपैथोलॉजिकल और आणविक विशेषताएं" शीर्षक वाले उनके पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैयक्तिक संकाय-सदस्यों हेतु

प्रो. संदीप आर माथुर को 2024-2026 की अवधि के लिए "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान में प्रतिष्ठित "शोभा सेठ वेंगर' प्रतिष्ठित अध्यक्षता से सम्मानित किया गया। इन्हें न्यू लॉन्च किए गए "इंडियन सोसाइटी ऑफ गायनोकोलॉजिकल पैथोलॉजी (आईएसजीवाईपी)" के संस्थापक सचिव के रूप में चुना गया। सोसाइटी का उद्देश्य भारत में स्त्री रोग संबंधी विकृति विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन करना और इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ सहयोग करना है।

प्रो. प्रसेनजीत दास इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलाजिस्ट्स के सह-संपादक के रूप में कार्यरत रहे। वे इंडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के सह-संपादक भी रहे। वे एम्स, नई दिल्ली के विकृति विज्ञान विभाग के स्टोर के प्रभारी-आचार्य भी रहे। वे विभागीय निराकरण समिति के सदस्य-सचिव भी रहे। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली में प्रश्नपत्र सेटिंग हेतु विषय विशेषज्ञ बैठक में भी शामिल रहे। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में एमडी थीसिस के समीक्षक थे। वे जीबी पंत अस्पताल, दिल्ली और जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी में बाह्य क्रय समितियों के सदस्य रहे। वे राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली में प्रश्नपत्र सेटिंग हेतु विषय विशेषज्ञ बैठक में शामिल रहे। वे 2024-2025 में दो बार एमबीबीएस द्वितीय प्रोफेसर परीक्षा के लिए परीक्षक बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

प्रो. दीपाली जैन को सम्मानित किया गया: फेलो नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफएएमएस), भारत, 2024; एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड क्लिनिकल साइंसेज, उत्कृष्टता प्रमाणपत्र 2023; स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया की दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में 2023 में सूचीबद्ध थी; विषय विशेषज्ञ दिल्ली विश्वविद्यालय; विषय विशेषज्ञ एम्स कल्याणी; विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; उत्तरदायी अध्याय लेखक डब्ल्यूएचओ हेड एंड नैक साइटोपैथोलॉजी प्रथम संस्करण के रूप में आमंत्रित;

महत्वपूर्ण घटनाएँ: अक्टूबर 2024 में हांगकांग में एशिया लंग कैंसर सम्मेलन (एसीएलसी) की सह-अध्यक्ष थी; सत्र अध्यक्ष: पूर्ण सत्र 3: सर्वश्रेष्ठ सार का प्रदर्शन। 19 अक्टूबर 2024 को हांगकांग में एशिया लंग कैंसर सम्मेलन; सत्र अध्यक्ष: थोरैसिक ऑन्कोलॉजी कार्यशाला में महिलाएँ। 18 अक्टूबर, 2024 को हांगकांग में एशिया लंग कैंसर सम्मेलन; सत्र अध्यक्ष: ट्रांसलेशनल पैथोलॉजी और बायोमार्कर। 17 अक्टूबर 2024 को हांगकांग में एशिया लंग कैंसर सम्मेलन।

प्रो. गीतिका सिंह को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी 2024-2025 के रीनल पैथोलॉजी वर्किंग ग्रुप का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी 2024-2025 के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बोर्ड (एसएआरबी) का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय जर्नल-ग्लोमेरुलर डिजीजेज 2024-2025 के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी और इंडियन जर्नल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन 2024-2025 के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। जीएलओएमसीओएन वर्चुअल फेलोशिप के लिए

9.30_.indd 836 1/15/2026 5:40:28 PM

नियमित संकाय; विकृति विज्ञान विभाग के सहयोग से 7-8 दिसंबर को किडनी रोग और प्रत्यारोपण 2024 पर एम्स मेयो क्लिनिक अपडेट का आयोजन किया गया।

प्रो. सुधीर अरावा, भारतीय हृद् अनुसंधान सोसायटी (आईएसएचआर) के सदस्य थे; वे भारतीय एथेरोस्क्लेरोटिक अनुसंधान सोसायटी (आईएसएचआर) के सदस्य थे। वे भारतीय हृद् एवं फेफड़े प्रत्यारोपण सोसायटी (आईएसएचएलटी) के सदस्य थे। वे आईजेडीपीपीडी पत्रिका के सह-संपादक थे। वे भारतीय पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी जर्नल (आईजेपीएम) के समीक्षक थे। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ पैथोलॉजी-इंडियन डिवीजन (आईपीआईडी) के सदस्य थे। वे जर्नल ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज (जेपीसीएस) के समीक्षक थे। वे एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन कार्डियोवैस्कुलर पैथोलॉजी (एईसीवीपी) के सदस्य थे। वे डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (डीएसआई) के सदस्य और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (आईएपीएम) के सदस्य थे।

प्रो. असित रंजन मृधा ने प्राप्त किया: "हाइपरथर्मिया बोन कैंसर के उपचार के लिए एक किफायती माप समाधान।" आवेदन संख्या: 202511009268, प्रकाशन संख्या: 13/2025, प्रकाशन तिथि: 28 मार्च 2025, प्रकाशन के प्रकार: आईएनए, आवेदन दाखिल करने की तिथि: 04 फरवरी 2025; आवेदक: डॉ. हरि शंकर सिंह, डॉ. विशाल श्रीवास्तव, डॉ. असित रंजन मृधा, डॉ. आदर्श बरवाड, डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार; डॉ. बिनोद कुमार कनौजिया। "बीके वायरस का पता लगाने के लिए एक किट और विधि"। आवेदन संख्या: 202211058621, दाखिल करने की तिथि: 13 अक्टूबर 2022, प्रकाशन तिथि (यू/एस 11ए): 19 अप्रैल 2024। आवेदक: सुभाष चंद्र यादव, किशोर शेषम, सुनील कुमार, सृष्टि रमन, अभिषेक गुप्ता, असित रंजन मृधा, राज कंवर यादव।

प्रो. शिप्रा अग्रवाल ने उत्कृष्टता प्रमाण पत्र (मूलभूत विज्ञान में) प्राप्त किया, चौथा वार्षिक अनुसंधान दिवस, 29-30 जनवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली। अग्रवाल एस, कार पी, बोरुआ एम, साहा एस, मिलो टी, कुमार सी, वुथालुरु एस, गोस्वामी आर. सामान्य निम्न और उच्चतर मानव पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के आणविक चिह्नों में जन्मजात अंतर: पैराथाइरॉइड एडेनोमा के संभावित निहितार्थ। एमओएल सेल बायोकेम। 2023, 27 जनवरी। डीओआई: 10.1007/एस11010-023-04664-9। मुद्रण से पहले ई-प्रकाशन। पीएमआईडी: 36703095।

प्रो. सीमा कौशल के पोस्टर का ईसीपी 2024 में यूरोपैथोलॉजी पेपर प्रस्तुति में शीर्ष पांच पोस्टरों में चयन किया गया। सितंबर 2024 में फ्लोरेंस, इटली में आयोजित जीयू प्रीकर्सर घावों पर आम सहमति सम्मेलन में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ यूरोलॉजिकल पैथोलॉजी (आईएसयूपी) द्वारा "वृषण के प्रीमैलिग्नेंट और पुटेटिव प्रीकर्सर घावों" पर कार्य समूह की आमंत्रित सदस्य।

प्रो. रजनी यादव एएसडीपी (एशियन सोसाइटी ऑफ डिजिटल पैथोलॉजी) वैज्ञानिक एवं सदस्यता समितियों की सदस्य।

डॉ. आंचल कक्कड़ राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड दिशानिर्देश विकास समूह-हेड एण्ड नैक की आमंत्रित सदस्य थीं; लिवरपूल हेड एंड नैक सेंटर, लिवरपूल यूके में लिवरपूल विश्वविद्यालय बायोबैंक का दौरा करने हेतु इन्होंने एम्स एंडोमेंट फंड के अंतर्गत एम्स अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप हेतु पुरस्कार प्राप्त किया। हेड एण्ड नैक के कैंसर में एक्स्ट्रानोडल विस्तार के आकलन हेतु सुगमता और पुनरुत्पादन क्षमता हेतु हेड एण्ड नैक कन्सेन्सस लैंगग्वज (एचएन-क्लियर) कार्य समूह के आमंत्रित सदस्य थीं। बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, नेपाल के लिए एमडी/एमएस थीसिस परीक्षक थीं।

9.30_.indd 837 1/15/2026 5:40:29 PM

डॉ. कवनीत कौर रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट, यूनाइटेड किंगडम, अप्रैल 2024 में फेलो थी। 20 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एनपीएसआईसीओएन 2025 पर डीएनए मिथाइलेशन कार्यशाला का संचालन किया।

डॉ. अरुणा नंबिराजन रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट, यूनाइटेड किंगडम, अप्रैल 2024 में फेलो थे। 20 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एनपीएसआईसीओएन 2025 पर डीएनए मिथाइलेशन कार्यशाला का संचालन किया।

डॉ. बालामुरुगन टी ने एम्स जोधपुर में 23 सितंबर 2024 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की एसोसिएट फ़ेलोशिप प्राप्त की। इन्होंने 30-31 जुलाई 2024 को एम्स, नई दिल्ली के क्लिनिकल रिसर्च यूनिट में अनुदान लेखन कार्यशाला में भाग लिया। 12-13 मार्च 2025 को आपसी सहयोगात्मक अनुसंधान की संभावनाओं की खोज के लिए एम्स, नई दिल्ली के डॉक्टरों की एक टीम के साथ सीसीएमबी, हैदराबाद का दौरा किया। उन्हें 31 जनवरी से 2 फ़रवरी 2025 तक एम्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय हेमटोलॉजी अपडेट-XIII में सीएलपीडी/लिम्फोमा पर एक सत्र के संचालन हेतु अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। इन्होंने 20 फ़रवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एनपीएसआईसीओएन 2025 में फिश एसे वर्कशॉप में विशेषज्ञ व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर, यूएसए से अंतर्राष्ट्रीय संकाय - प्रिया अलेक्जेंडर, नीरा डाहल, टिमुसीन टैनेर, एलेक्जेंड्रा कुक्ला, एन मोयेर

9.30_.indd 838 1/15/2026 5:40:29 PM

9.31 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वीएल कुमार
(31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्त)

डीएस आर्य
(1 अगस्त 2024 से)

आचार्य

जतिंदर कत्याल
के एच रीता

सुरेंद्र सिंह
जागृति भाटिया

पूजा गुप्ता
(1 जुलाई 2024 से)

अपर आचार्य

सुधीर चंद्र सारंगी

हरलोकेश नारायण यादव

वैज्ञानिक

सुंदर सिंह सैमुअल
स्वाति शर्मा
अजय गॉडविन पोटनुरी

माधुरी गुप्ता
देवेंद्र सिंह
ज्योति

विशिष्टताएं

विभाग के राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र (एनपीआईसी) ने राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा के 30 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह विभाग भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम (पीवीपीआई) के अंतर्गत एडीआर निगरानी केंद्र (एडीआर-एएमसी) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय मैटेरियोविजिलेंस कार्यक्रम (एमवीपीआई) के लिए चिकित्सा उपकरण निगरानी केंद्र (एमडीएमसी) बना हुआ है।

भेषजगुण विज्ञान विभाग ने 28 से 30 नवंबर 2024 तक 'अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान सम्मेलन एवं भारतीय भेषजगुण विज्ञानीय फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी का 54वां वार्षिक सम्मेलन' (आईपीसी-आईपीएससीओएन 2024) और 26 से 27 नवंबर 2024 तक दो दिवसीय प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन किया। आईपीसी-आईपीएससीओएन 2024 ने भेषजगुण विज्ञान में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया और युवा भेषजगुणविद, शोधकर्ताओं और पेशेवरों की आकांक्षाओं को अच्छी तरह से पूरा किया। सम्मेलन का विषय "आज का अनुसंधान - कल की चिकित्सा" था और इसमें 1200 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला का आयोजन "भेषजगुण विज्ञानीय अनुसंधान में तकनीक" पर किया गया था और इसने लगभग 150 कार्यशाला प्रतिभागियों को अनुसंधान में विभिन्न तकनीकों के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण और अंतर्दृष्टि प्रदान की।

9.31_.indd 839 1/15/2026 5:49:28 PM

विभाग ने निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान आयोजित किये:

1. 27 फरवरी 2025 को डॉ. यतिन शिवकर द्वारा 'औषधीय उत्पादों की विपणन-पश्चात सुरक्षा और जोखिम-प्रबंधन'वरिष्ठ चिकित्सा निदेशक, ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन (जीएसके), यूनाइटेड किंगडम।

शिक्षा

विभाग बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स), एमबीबीएस, एमएससी (चिकित्सा भेषजगुण विज्ञान), एमडी, पीएचडी और डीएम (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में संलग्न है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. भेषजगुण विज्ञानीय अनुसंधान में तकनीकें (प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला, आईपीसी-आईपीएससीओएन 2024), 26-27 नवंबर 2024, दिल्ली
2. अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी का 54वां वार्षिक सम्मेलन (आईपीसी-आईपीएससीओएन 2024), 28-30 नवंबर 2024, दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 25

जागृति भाटिया: 2
पूजा गुप्ता: 3
सुधीर चंद्र सारंगी: 11
हरलोकेश नारायण यादव: 4
माधुरी गुप्ता: 2
स्वाति शर्मा: 1
देवेंद्र सिंह: 1
अजय गॉडविन पोट्नुरी: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
16	18	25

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 32

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
20	23	32

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर के लिए ऐड-ऑन बीटा-सिटोस्टेरॉल: एक डबल-ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, पूजा गुप्ता (मेंटर), जूही (एमडी छात्रा), एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

9.31_.indd 840 1/15/2026 5:49:28 PM

2. रोग के बोझ और उपचारात्मक परिणाम के लिए नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्करों की पहचान करने के लिए प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के मेटाबोलोमिक्स की जांच, और मेटाबोलोमिक्स डेटाबेस का विकास, डीएस आर्य, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2025, 20 लाख रुपये

3. एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों और जीवनशैली की भूमिका का अन्वेषण, हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 75 लाख रुपये

4. फेफड़ों के कैंसर के ज़ेनोग्राफ़्ट माउस मॉडल में एक चयनित यूनानी दवा का कीमोथेरेपीटिक प्रभाव, पूजा गुप्ता, सीसीआरयूएम, 3 वर्ष, 2023-2026, 27.39 लाख रुपये

5. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों में टायरोसिन काइनेज अवरोधकों के क्रोनो-फार्माकोकाइनेटिक्स और क्रोनो-जीनोमिक्स: आरसीटी, पूजा गुप्ता, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 46.03 लाख रुपये

6. दुर्दम्य दौरे वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक हानि: होमोसिस्टीन, पाइरिडोक्सिन, फोलिक एसिड, साइनाकोबालामिन और बीडीएनएफ स्तरों के साथ सहसंबंध।, जतिंदर कत्याल, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 9.99 लाख रुपये

7. प्राथमिक पीसीआई प्रक्रिया वाले स्टेमी-रोगियों में इन्फ्लेमेटरी मार्करों पर रिमोट इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन और सीरम विटामिन डी के स्तर के साथ इसका सहसंबंध, डॉ. हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

8. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में लक्षित मेटाबोलोमिक्स को एकीकृत करने वाले ऑरेक्सिनर्जिक मार्ग के साथ अवसादरोधी चिकित्सा का सहसंबंध: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन,के एच रीता, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रु 54.48 लाख

9. कैंसर रोगियों में प्रतिरक्षा संबंधी प्रतिकूल घटनाओं के साथ अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा जर्मलाइन एचएलए भिन्नता का सहसंबंध, पूजा गुप्ता, डीएसटी, 3, 2022, 2025,58,15,260

10. हृदय स्वास्थ्य की वायरलेस निगरानी के लिए वायरलेस रूप से संचालित नैनोस्केल एकीकृत एंटीना सक्षम लीडलेस कार्डियक पेसमेकर प्रणाली का डिजाइन और विकास, हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 80 लाख रुपये

11. नीम के पत्तों के अल्कोहलिक अर्क में नैनो मेटल ऑक्साइड के फैलाव द्वारा डेन्चर क्लीनिंग एजेंट के रूप में रोगाणुरोधी हाइड्रोजेल का विकास, माधुरी गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

12. बेहतर थर्मोकंडक्टिव, बायोकम्पैटिबल और रेडियोपेसिटी के साथ प्रबलित नैनो डिस्प्रेड डेन्चर बेस रेजिन का विकास, माधुरी गुप्ता, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 36.16 लाख रुपये

13. अवसादग्रस्त व्यक्तियों में उपचार प्रतिक्रिया पर एंटीडिप्रेसेंट्स और रेनिन-एंजियोटेंसिन-एल्डोस्टेरोन सिस्टम (आरएएएस) मॉड्यूलेटर की अतिरिक्त चिकित्सा का प्रभाव: आरएएएस से संबंधित बायोमार्कर और उनकी जीन अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध विश्लेषण, सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

14. होम्योपैथिक आधारित औषधि निर्माण का मिर्गीजनन पर प्रभाव और मिर्गी-रोधी औषधि के साथ इसकी अंतःक्रिया: चूहों में मिर्गी और उससे संबंधित पोस्ट-इक्टल अवसाद के प्रायोगिक मॉडल पर एक अध्ययन, सुधीर चंद्र सारंगी, सीसीआरएच, 3 वर्ष, 2023-2026, रु 54.92 लाख

9.31_.indd 841 1/15/2026 5:49:28 PM

15. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति में दौरे की आवृत्ति पर मायोइनोसिटोल अनुपूरण का प्रभाव एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक एन-ऑफ-1 परीक्षण,सुधीर चंद्र सारंगी (संरक्षक), साकेत (एमडी छात्र), एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, 2 लाख रुपये

16. चूहों में मोनोक्रोटलाइन-प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप में लेंटिवायरस की मध्यस्थता वाली आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण का प्रभाव: अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा सत्यापन, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

17. इन-विट्रो प्रायोगिक मॉडलों का उपयोग करके गुडुची सत्व की एंटी-प्लेटलेट और थ्रोम्बोलाइटिक क्षमता का मूल्यांकन, अजय गॉडविन पोटनुरी, आईसीएमआर, 2, 2023, 2025, 15,90,000

18. गंभीर कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में रिमोट इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन और विटामिन डी के साथ इसका संबंध, हरलोकेश नारायण यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2026, 82 लाख रुपये

19. पाइरेथ्रॉइड एक्सपोज़र और पार्किंसंस रोग के बीच संबंध का खोजपूर्ण विश्लेषण: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, देवेंद्र सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

20. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में मोनोएमीनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहुरूपताओं की आनुवंशिक अभिव्यक्ति और अवसादरोधी प्रतिक्रिया के साथ उनका संबंध, सुधीर चंद्र सारंगी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 43.50 लाख रुपये

21. चूहों के मॉडल में हृदय संबंधी इस्केमिया-रिपर्फ्यूजन क्षति को कम करने में पोस्ट ट्रीटमेंट के रूप में एबाटासेप्ट (सीडी80/86 अवरोधक) की भूमिका की जांच करना, डीएस आर्य (मेंटर), प्रिया भारद्वाज (डीएचआर महिला वैज्ञानिक), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (एमओएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2024-2027, 56.82 लाख रुपये

22. मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के प्रायोगिक मॉडल में अंशुमति सिद्ध क्षीर का औषधीय और आणविक मूल्यांकन, डीएस आर्य (मेंटर), दृश्य दिनेश (पीडीएफ-सीसीआरएएस), पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत, 2 वर्ष, 2024-2026, 36.43 लाख रुपये

23. स्टेज-1 उच्च रक्तचाप के उपचार के लिए आयुर्वेदिक हस्तक्षेप (सर्पगंधा मिश्रन) बनाम एम्लोडिपिन पर संभावित डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, डीएस आर्य, सीसीआरएएस, 4 वर्ष, 2021-2025, 61 लाख रुपये

24. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन K (के) अनुपूरण के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।, डीएस आर्य, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 57 लाख रुपये

25. अवसाद से ग्रस्त व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार प्रतिक्रिया पर रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और इसके मॉड्यूलेटर की भूमिका,सुधीर चंद्र सारंगी (संरक्षक), मयंक (एमडी छात्र),एम्स, 2 वर्ष, 2024-2025, 2 लाख रुपये

26. चूहों के हृदय में इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव में विटामिन डी की भूमिका, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

9.31_.indd 842 1/15/2026 5:49:28 PM

27. चूहों में इस्केमिक स्ट्रोक के प्रायोगिक मॉडल में हीमॉक्सीजिनेज-1 की स्थानिक-कालिक अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल।,देवेंद्र सिंह, एसईआरबी-स्टार्टअप रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2023-2025, 29.20 लाख रुपये

28. एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर उत्परिवर्तित फेफड़े के कैंसर सेल लाइन और ज़ेनोग्राफ़्ट माउस मॉडल में गेफिटिनिब के साथ आइवरमेक्टिन की कैंसर विरोधी गतिविधि का मूल्यांकन करने के लिए, पूजा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 20.12 लाख रुपये

29. चूहों में ऑटोइम्यून मायोकार्डिटिस और डायबिटिक मायोकार्डिटिस में मोरिन के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, जागृति भाटिया (मेंटर), निवेथा के (एमडी छात्र), एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

30. फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस के रोगियों में मेटफॉर्मिन पर अतिरिक्त प्रभाव और सीरम विटामिन डी के स्तर के साथ इसके सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए - एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, अवधारणा का प्रमाण अध्ययन, डीएस आर्य (संरक्षक), शिवोम प्रताप (एमडी छात्र), एम्स इंट्राम्यूरल एमडी थीसिस सहायता अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

31. प्रायोगिक ऑटो-इम्यून मायोकार्डिटिस मॉडल पर एर्डोस्टीन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, डीएस आर्य, एम्स-टीएचएसटीआई (सहयोगी अनुसंधान), 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख

32. होम्योपैथिक दवाओं की विषाक्तता संबंधी अध्ययन, सुधीर चंद्र सारंगी, सीसीआरएच, 2 वर्ष, 2025-2027, 30.91 लाख रुपये

33. इन विट्रो औषधीय अध्ययनों का उपयोग करके इमिडाक्लोप्रिड और इसके मेटाबोलाइट्स के क्यू टी विस्तार जोखिम को समझना, अजय गॉडविन पोटनुरी,एम्स,2 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. सामान्य विषों से संबंधित जागरूकता, धारणा और केएपी (ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार) का आकलन और जीवनशैली में बदलाव के लिए वैज्ञानिक संचार मॉड्यूल का विकास और विषाक्तता की रोकथाम के लिए जन जागरूकता हेतु वर्ष भर की रणनीति,स्वाति शर्मा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2021-2023, 42.58 लाख रुपये

2. मिर्गी रोधी दवा मोनोथेरेपी का मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में सामाजिक संज्ञान और व्यवहार संबंधी दुर्बलता का संबंध: न्यूरोइमेजिंग निष्कर्षों और ट्रेस तत्वों की स्थिति के साथ सहसंबंध, सुधीर चंद्र सारंगी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 37.90 लाख रुपये

3. चूहों में तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के स्थायी और क्षणिक मॉडल में माइक्रोग्लियल ध्रुवीकरण शिफ्ट पर सेफिनामाइड के प्रभाव का मूल्यांकन,केएच रीता (मेंटर), हिमिका वासन (डीएचआर युवा वैज्ञानिक), डीएचआर (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2022-2025, 49.03 लाख रुपये

4. आईसीएमआर: उत्पाद विकास केंद्र, डीएस आर्य, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 71 लाख रुपये

5. इन-सिलिको विधियों का उपयोग करके व्यावसायिक जोखिम के कारण सीसा विषाक्तता से जुड़े संभावित बायोमार्कर्स की पहचान,स्वाति शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

9.31_.indd 843 1/15/2026 5:49:28 PM

6. हृदय फाइब्रोसिस के विभिन्न मॉडलों में 4 ऑक्टाइल इटाकोनेट के प्रभावों का अध्ययन और एनएलआरपी3 इन्फ्लेमोसोम मार्ग में इसकी भूमिका का आकलन करना, जागृति भाटिया, एसईआरबी, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 27.31 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. लेवेतिरेसेटम थेरेपी बनाम ब्रिवारासेटम पर मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में न्यूरोसाइकियाट्रिक प्रतिकूल प्रभावों पर पाइरिडोक्सिन अनुपूरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन

2. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार के साथ राइबोफ्लेविन अनुपूरण के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. भारतीय जनसंख्या के अवसादग्रस्त रोगियों में मोनोएमीनेर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन और औषधि परिवहनकर्ताओं से संबंधित आनुवंशिक बहुरूपता का सामाजिक बोध और उपचार प्रतिक्रिया के साथ संबंध: एक मशीन लर्निंग-आधारित दृष्टिकोण

4. प्राथमिक पीसीआई प्रक्रियाधीन एसटीईएमआई रोगियों में सूजन और हृदय संबंधी बायोमार्करों पर रिमोट इस्केमिक कंडीशनिंग के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन और विटामिन डी के स्तर के साथ सहसंबंध

5. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में अवसादरोधी चिकित्सा का ओरेक्सिनर्जिक मार्ग के साथ सहसंबंध: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन

6. फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप के प्रायोगिक चूहों मॉडल में माइटोकॉन्ड्रियल कार्यप्रणाली और फाइब्रोब्लास्ट-से-मायोफाइब्रोब्लास्ट संक्रमण के मॉड्यूलेशन पर एटी1 और मास रिसेप्टर्स के बीच क्रॉस टॉक: एनओएक्स2, एनओएक्स4, और डीआरपी-1 सिग्नलिंग की भूमिका

7. ऐन्टी-सीजर दवाओं पर फार्माकोरेसिस्टेंट मिर्गी रोगियों में संज्ञानात्मक हानि का निर्धारण - एक संभावित, अवलोकनात्मक अध्ययन

8. अवसाद से ग्रस्त मरणोपरांत रोगियों के मस्तिष्क ऊतकों में रेनिन एंजियोटेंसिन प्रणाली मार्करों पर एसीई अवरोधकों और एंजियोटेंसिन रिसेप्टर अवरोधकों का प्रभाव

9. एनएससीएलसी रोगियों में सीरम साइफ्रा 21-1 के स्तर पर निवोलुमैब की विभिन्न खुराकों का प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

10. चूहों में किंडलिंग मॉडल का उपयोग करके दौरे और संज्ञान पर समूह बी विटामिन का प्रभाव और एएसएम लेवेतिरेसेटम की प्रभावकारिता

11. भारतीय जनसंख्या में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के रोगियों में मानक अवसादरोधी चिकित्सा के अतिरिक्त प्रोबायोटिक्स का प्रभाव: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन

12. भारतीय जनसंख्या में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में मानक अवसादरोधी चिकित्सा के अतिरिक्त सिम्वास्टैटिन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन

9.31_.indd 844 1/15/2026 5:49:29 PM

13. चूहों में मोनोक्रोटलाइन प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप में लेंटिवायरल मध्यस्थता वाले आनुवंशिक रूप से इंजीनियर्ड मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण का प्रभाव: अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा सत्यापन

14. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति में दौरे की आवृत्ति पर मायोइनोसिटोल अनुपूरण का प्रभाव, एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक एन-ऑफ-1 परीक्षण

15. आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय अतिवृद्धि के चूहों मॉडल में पीडीई4 अवरोध की भूमिका का मूल्यांकन

16. अनियंत्रित एलडीएल कोलेस्ट्रॉल वाले रोगियों में एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर बेम्पेडॉइक एसिड और एज़ेटीमीब फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन बनाम ऐड-ऑन एटोरवास्टेटिन के साथ ऐड-ऑन थेरेपी का मूल्यांकन: एक 12-सप्ताह का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

17. चूहों में अप्रत्याशित क्रोनिक हल्के तनाव से प्रेरित अवसाद जैसे व्यवहार को कम करने में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन।

18. चूहों में आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय अतिवृद्धि में कोल्चिसीन की हृदय-सुरक्षात्मक क्षमता का मूल्यांकन

19. चूहों में ब्लियोमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता और फाइब्रोसिस पर डेपाग्लिफ्लोज़िन के प्रभाव का प्रायोगिक मूल्यांकन

20. चूहों में ब्लियोमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता और फाइब्रोसिस पर टिनोस्पोरा कार्डिफोलिया के प्रभाव का प्रायोगिक मूल्यांकन

21. आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय अतिवृद्धि में मोरिन के प्रभाव को रेखांकित करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन

22. चूहों के मॉडल में आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय अतिवृद्धि के विरुद्ध इमेग्लिमिन की भूमिका की जांच

23. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में न्यूरोसाइकियाट्रिक सह-रुग्णताएं एवं सीरम फोलेट, सायनोकोबालामिन का स्तर - एक अवलोकन अध्ययन

24. एएससीवीडी में पीसीएसके9 अवरोधकों के साथ स्टैटिन बनाम एकल स्टैटिन: हृदय संबंधी घटनाओं, प्लाक प्रतिगमन और सुरक्षा की एक व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटा-विश्लेषण

25. मेटास्टैटिक प्रोस्टेट कैंसर के लिए बीटा साइटोस्टेरॉल के अतिरिक्त यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण

26. हृदय विफलता के प्रायोगिक मॉडलों में बीटा-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर मध्यस्थता संकेतन के मॉड्यूलेशन पर कैल्शियम सेंसिंग रिसेप्टर की भूमिका: बीटा1 और बीटा2 रिसेप्टर्स के बीच क्रॉस टॉक

27. चूहों में कार्डियोमायोपैथी के एक प्रायोगिक मॉडल में एंडोथेलिन (ईटीए और ईटीबी) रिसेप्टर-मध्यस्थता संकेतन के मॉड्यूलेशन में एनओएक्स2/4 और डीआरपी1 की भूमिका

28. अवसाद के रोगियों में अवसादरोधी उपचार प्रतिक्रिया पर रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और इसके मॉड्यूलेटर की भूमिका

9.31_.indd 845 1/15/2026 5:49:29 PM

29. प्रोस्टेट कार्सिनोमा रोगियों में चयापचय परिवर्तनों पर अध्ययन

30. ऑटोइम्यून मायोकार्डिटिस के म्यूरिन मॉडल में मोरिन के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन

31. फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस के रोगियों में मेटफॉर्मिन सहायता के प्रभाव और सीरम विटामिन-डी के स्तर के साथ इसके सहसंबंध का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक, खुला लेबल, अवधारणा का प्रमाण अध्ययन।

32. चूहों में प्रायोगिक ऑटोइम्यून मायोकार्डिटिस मॉडल में एर्डोस्टीन के प्रभाव का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. स्टेटस एपिलेप्टिकस के चूहों मॉडल में दौरा नियंत्रण और न्यूरोबिहेवियरल मापदंडों पर ओसीमम सैंक्टम के सक्रिय सिद्धांत पर आधारित एक नए यौगिक फॉर्मूलेशन का प्रभाव

2. चूहों में दौरे और दौरे से प्रेरित व्यवहार परिवर्तन पर सोडियम वैल्प्रोएट के साथ संयोजन में अमैंटाडाइन का प्रभाव

3. चूहों में स्ट्रोक के स्थायी मध्य मस्तिष्क धमनी अवरोध (पीएमसीएओ) मॉडल में सेफिनामाइड पूर्व उपचार का मूल्यांकन

4. चूहों में डीओसीए-नमक प्रेरित उच्च रक्तचाप और डॉक्सोरूबिसिन प्रेरित कार्डियोमायोपैथी में 4-ऑक्टाइल इटाकोनेट के प्रभाव का प्रायोगिक मूल्यांकन

5. गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) के प्रायोगिक मॉडलों में निलोटिनिब के प्रभावों को रेखांकित करने के लिए औषधीय अध्ययन

6. चूहों में स्टेटस एपिलेप्टिक्स मॉडल में दौरा नियंत्रण और न्यूरोबिहेवियरल मापदंडों पर सोडियम-ग्लूकोज को ट्रांसपोर्टर (एसजीएलटी) की भूमिका

7. मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के प्रायोगिक मॉडलों में चयनित पौधों के अर्क के संभावित हृदय-सुरक्षात्मक प्रभाव को रेखांकित करने और उसकी विशेषता बताने के लिए अध्ययन

8. मिर्गी से पीड़ित गर्भवती महिलाओं में दौरे-रोधी दवाओं की चिकित्सीय दवा निगरानी, और गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं का आकलन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. न्यूरोट्रॉफिक और काइन्यूरिनिन मार्ग बायोमार्कर एवं सामाजिक अनुभूति का उपयोग करके अवसाद के रोगियों में छूट के पूर्वानुमानित मॉडलिंग के लिए एक कोहोर्ट अध्ययन, मनोचिकित्सा

2. मौखिक सबम्यूकोसल फाइब्रोसिस (ओएसएफ) के चिकित्सीय प्रबंधन के लिए विशिष्ट यूनानी दवा का स्थानीय अनुप्रयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, ईएनटी

3. ऑरोफरीन्जियल दुर्दमताओं वाले रोगियों में एन-एसिटाइल सिस्टीन के इंट्राडक्टल प्रशासन द्वारा रेडियोथेरेपी प्रेरित ज़ेरोस्टोमिया की रोकथाम: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, ईएनटी

4. स्टेनोसिस: इंट्राक्रैनील एथेरोस्क्लेरोटिक रोग के कारण इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी: एक यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

9.31_.indd 846 1/15/2026 5:49:29 PM

पूर्ण

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	सहयोगी विभाग/संस्था
1	-	-

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	30	29	33
कुल वित्तपोषण	1069.94 लाख रुपये	1066.46 लाख रुपये	984.01 लाख रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 25 सार: 13 पुस्तक में अध्याय: 03

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	49	44	41
पत्रिकाओं में लेख	38	28	25
सार	08	15	13
पुस्तकों में अध्याय	02	1	3
पुस्तकें	01	-	-

रोगी उपचार

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी)

भेषजगुण विज्ञान विभाग में स्थित राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) विषाक्तता प्रबंधन संबंधी जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी द्वारा प्रदान की जाने वाली चौबीसों घंटे सेवा का लाभ देश भर के चिकित्सक, सरकारी एजेंसियां, गैर-सरकारी संगठन और आम जनता उठाती है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र, भेषजगुण विज्ञान विभाग को विषाक्तता संबंधी प्राप्त कॉल (अप्रैल 2024 - मार्च 2025)

24 अप्रैल से मार्च 2025 के दौरान एनपीआईसी पर प्राप्त कुल कॉल		
	कुल	**में %**
कॉलों की कुल संख्या	6163	100%
पॉइजनिंग कॉल	6066	98.4

9.31_.indd 847 1/15/2026 5:49:29 PM

सूचना कॉल	46	0.74
अज्ञात	51	0.82
लिंग		
पुरुष	3599	59.33
महिला	2319	38.22
अज्ञात	148	2.43
आयु के अनुसार समूह		
>0-6 वर्ष	2913	48.02
>6-12 वर्ष	434	7.15
>12-18 वर्ष	679	11.19
>18-25 वर्ष	573	9.44
>25-60 वर्ष	1323	21.81
>60 वर्ष	111	1.82
अज्ञात	33	0.54
श्रेणियाँ (उत्पादों के प्रकार)		
घरेलू उत्पाद	2491	41.06
औद्योगिक उत्पादों	394	6.49
कृषि रसायन	1061	17.49
फार्मास्युटिकल उत्पाद (ड्रग्स कॉल्स)	1693	27.90
बाईटस एवं स्टिंग	122	2.01
पौधे	84	1.38
मिश्रित	169	2.78
अज्ञात	52	0.85

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य डीएस आर्य1 अगस्त 2024 से प्रभावी, एम्स, नई दिल्ली में भेषजगुण विज्ञान विभाग के प्रमुख और राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र के प्रमुख नियुक्त किए गए। अध्यक्ष: औषधि सुरक्षा निगरानी प्रभाग,डीजीएचएस, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार।अध्यक्ष, उप-समिति, औषधि परामर्शदात्री समिति- औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीसीसी-डीटीएबी) प्रभाग, सीडीएससीओ, डीजीएचएस,

9.31_.indd 848 1/15/2026 5:49:29 PM

भारत सरकार।चिकित्सा सदस्य, एंटी-डोपिंग अनुशासन पैनल (एडीडीपी), राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार। विषय विशेषज्ञ और सदस्य, (हृदय रोग; अंत:स्रावि‍की और चयापचय), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार। विषय विशेषज्ञ समिति (भेषजगुण विज्ञान) के सदस्य, सीडीएससीओ, डीजीएचएस, भारत सरकार। सदस्य, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। विषय विशेषज्ञ और सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार। सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए डीएसएमबी सदस्य और विषय विशेषज्ञ। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के 54वें वार्षिक सम्मेलन 2024 (आईपीसी- आईपीएससीओएन 2024) के आयोजन अध्यक्ष।

आचार्य के एच रीता आईआईआईटी हैदराबाद, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) और आईआईआईटी-एच डेटा आईहब फाउंडेशन द्वारा आयोजित "मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए एआई पर ओरिएंटेशन कोर्स" पूरा किया, जो साप्ताहिक (प्रत्येक रविवार) आयोजित किया जाता है।सितंबर से दिसंबर 2024 तक, और अब मैं एक 'प्रमाणित एआई पेशेवर' हूं।

आचार्य जागृति भाटिया 2023-2024 की अवधि के लिए भारतीय एथेरोस्क्लेरोसिस अनुसंधान सोसायटी, दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष। भारतीय औषधीय सोसायटी (एफआईपीएस) के फेलो चुने गए। 2023-2025 की अवधि के लिए राष्ट्रीय औषध विज्ञान एवं चिकित्सा विज्ञान संघ की नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के सदस्य। भारतीय एथेरोस्क्लेरोसिस अनुसंधान सोसायटी (राष्ट्रीय निकाय) के कार्यकारी समिति सदस्य। भारतीय तर्कसंगत फार्माकोथेरेप्यूटिक्स सोसायटी के कार्यकारी समिति सदस्य। स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान की नैतिकता समिति के सदस्य।

आचार्य पूजा गुप्ता कंप्यूटर सुविधा के प्रभारी आचार्य थी। सदस्य सचिव: एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी हेतु संस्थान आचार उपसमिति। अध्यक्ष, औषधि एवं चिकित्सा समिति, एनसीआई झज्जर एवं आईआरसीएच, एम्स। सदस्य: एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक अनुसंधान एकक की कार्य समिति। सदस्य, राष्ट्रीय औषधि डेटाबेस तैयार करने हेतु समिति, सीडीएससीओ। अनुसूची एच के संशोधन हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य, सीडीएससीओ। आचार समिति, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर।

डॉ. सुधीर चंद्र सारंगी भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राष्ट्रीय जीएलपी अनुपालन निगरानी प्राधिकरण (एनजीसीएमए) द्वारा आयोजित अच्छे प्रयोगशाला अभ्यास निरीक्षण कर्तव्य के लिए निरीक्षक थे। जानवरों पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति (सीसीएसईए) के नामित के रूप में चुने गए। नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए संस्थान आचार समिति (सीटी में एसएई के लिए आईईसी-एससी), एम्स, नई दिल्ली की सहायता के लिए उप-समिति के सदस्य। भेषजगुण विज्ञान विभाग, एचआईएमएसआर, नई दिल्ली में बाहरी विषय विशेषज्ञ के रूप में अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के सदस्य। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट और फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल अस्पताल, नई दिल्ली की संस्थागत नैतिकता समिति के सदस्य। भारतीय मिर्गी सोसायटी की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए।

डॉ. हरलोकेश नारायण यादव पंजाब विज्ञान अकादमी 2024 (एफपीएएस) के फेलो चुने गए थे। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना, "एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक

9.31_.indd 849 1/15/2026 5:49:29 PM

तत्वों और जीवनशैली की भूमिका की खोज" के लिए डीएचआर-आईसीएमआर स्वास्थ्य अनुसंधान उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन 2024 में नवाचार हेतु 'उत्कृष्टता प्रमाणपत्र' से सम्मानित। अहमदाबाद, गुजरात, भारत में आयोजित संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 में, विन्निपेग, कनाडा स्थित अंतर्राष्ट्रीय हृदय विज्ञान अकादमी द्वारा हृदय विज्ञान में विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित। 4 मार्च 2025 को भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में विषय विशेषज्ञ के रूप में सीएसआईआर की चयन समिति की बैठक के सदस्य थे।

डॉ. देवेंद्र सिंह उन्हें नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंडिया (एमएनएएमएस) का सदस्य चुना गया था।

अतिथि वैज्ञानिक

अल्पकालिक पर्यवेक्षण (15 दिन): डॉ. वेद, प्रकाश सहायक आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, आईएमएस-बीएचयू वाराणसी-221005 (यूपी)

9.31_.indd 850 1/15/2026 5:49:30 PM

9.32 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय वाधवा

आचार्य

एस एल यादव

गीता हांडा ठुकराल

श्रीकुमार वी
(1 जुलाई 2024 से प्रभावी)

अपर आचार्य

असीम रंगीता चानू
(1 जुलाई 2024 से प्रभावी)

श्रीकुमार वी
(30 जून 2024 तक)

सह - आचार्य

असीम रंगीता चानू
(30 जून 2024 तक)

सहायक आचार्य

अरुण कुमार चौधरी
(राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र)

स्टाफ सदस्यगण

स्मिता दास
मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट

रमन कुमार सिंह
मुख्य व्यावसायिक चिकित्सक

अंबिका पी एस
पीएचएन पर्यवेक्षक

ओ.पी. यादव
अधीक्षक फिजियोथेरेपिस्ट

अजय बब्बर
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
(पी एवं ओ कार्यशाला)

अनिल कुमार
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
(पी एवं ओ कार्यशाला)
(31 अगस्त 2024 से प्रभावी)

विशिष्टताएं

पीएमआर विभाग ने 30 नवंबर-1 दिसंबर 2024 को एम्स के सर्जरी ब्लॉक में आईपीएआरएम (आईएपीएमआर का दिल्ली चैप्टर) का 18वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

डॉ. संजय वाधवा लोकोमोटर अक्षमता समूह के अध्यक्ष के रूप में लोकोमोटर अक्षमता व्यक्तियों के आकलन हेतु संशोधित दिशानिर्देश, 2024 को तैयार करने में शामिल थे और बाद में (i) अप्रैल 2024 में एम्स, नई दिल्ली, (ii) जनवरी 2025 में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और (iii) मार्च 2025 में ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में लोकोमोटर अक्षमता व्यक्तियों के आकलन हेतु संशोधित दिशानिर्देश, 2024 में राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया। वह भारतीय मानक ब्यूरो (पुनर्वास उपकरण, ऑर्थोटिक और

9.32_.indd 851 12/26/2025 12:47:23 PM

प्रोस्थेटिक आइटम सहित सहायक उत्पाद) के तहत अनुभागीय समिति एमएचडी-09 के अध्यक्ष के रूप में भी कार्यरत हैं।

विभाग के संकाय भारतीय मानक ब्यूरो के तहत सहायक उपकरणों, पुनर्वास उपकरणों के मानकीकरण में सक्रिय रूप से शामिल हैं, तथा एम्स में राष्ट्रीय सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी केंद्र (एनसीएएचटी) के तहत आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास और एनआईएसएच त्रिवेंद्रम के साथ मिलकर कुछ पहलों के माध्यम से भारत में सहायक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार कर रहे हैं।

डॉ. विजेंद्र आनंद (28 दिसंबर 2024) और डॉ. स्रुतर्षि घोष (31 जनवरी 2025) सीएपीएफआईएमएस, एम्स, मैदानगढ़ी में पीएमआर विभाग में शामिल हुए और डॉ. रक्तिम स्वर्णकार 27 फरवरी 2025 को एनसीआई, एम्स, झज्जर में पीएमआर विभाग में शामिल हुए। ये 3 नियुक्तियां सहायक आचार्य (संविदा) के रूप में हैं।

नीचे साझा की गई मुख्य बातों से संबंधित तस्वीर:



30 नवंबर 2024 को उद्घाटन समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति। दाएं से बाएं बैठे हैं आचार्य संजय वाधवा (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. आरके श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), आचार्य एम. श्रीनिवास (माननीय मुख्य अतिथि), डॉ. ए के मुखर्जी (विशिष्ट अतिथि), आचार्य रंजन वाधवा (अध्यक्ष आईपीएआरएम), आचार्य यू सिंह (संरक्षक), और आचार्य गीता हांडा ठुकराल (आयोजन सचिव)।

शिक्षा

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शैक्षणिक अनुभाग द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम के अनुसार चतुर्थ सेमेस्टर (1), छठे सेमेस्टर (4) और आठवें सेमेस्टर (6) हेतु स्नातक शिक्षण में शामिल संकाय सदस्यों के साथ-साथ वर्ष के दौरान पी एवं ओ कार्यशाला सहित पीएमआर विभाग का दौरा करना।

9.32_.indd 852 12/26/2025 12:47:23 PM

एमडी (पीएमआर) हेतु तेरह (13) स्नातकोत्तर छात्रों ने नामांकन कराया।

सशस्त्र बलों से एक (1) दीर्घकालिक प्रशिक्षु (2 वर्ष की अवधि), डॉ मेजर अक्षय शर्मा, 20 मार्च 2025 को पीएमआर विभाग में शामिल हुए।
सशस्त्र बलों से एक (1) दीर्घकालिक प्रशिक्षु (2 वर्ष की अवधि), डॉ लेफ्टिनेंट कर्नल नितिन बामेटा ने 1 नवंबर 2024 को पीएमआर में अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

पीएमआर विभाग पैलिएटिव केयर और अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान, डीएम बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान और पेन मेडिसिन फेलोशिप हेतु स्नातकोत्तर और फेलोशिप प्रशिक्षण में शामिल है।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 38

संजय वाधवा: 19 **गीता हांडा ठुकराल: 8**
श्रीकुमार वेंकटरमन: 8 **असीम रंगीता चानू: 3**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
13	24	38

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 12

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
6	8	12

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. इंस्पायर फैकल्टी फेलो प्रोजेक्ट "बल का वास्तविक समय कार्यान्वयन", डॉ. गीता हांडा ठुकराल, डीएसटी, 5 वर्ष, 2020-2025, 110 लाख रुपये
2. मायोग्राफी: "डेवलप्मेंट ऑफ इनटेलिजेंस प्रोस्थेटिक लेग", डॉ. गीता हांडा ठुकराल, डीएसटी, 5 वर्ष, 2020-2025, 110 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. लिपिड प्रोफाइल, शरीर की वसा, अस्थि खनिज घनत्व, कार्यात्मक स्थिति और रीढ़ की हड्डी की क्षति में गतिविधि और भागीदारी का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
2. पीड़ानाक रीढ़ की हड्डी की क्षति वाले पुरुषों में यौन रोग तथा जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

9.32_.indd 853 12/26/2025 12:47:23 PM

3. रीढ़ की हड्डी की क्षति में न्यूरोजेनिक आंत्र शिथिलता की गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता, कार्यात्मक स्थिति और संपूर्ण आंत्र पारगमन का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

4. रीढ़ की हड्डी की क्षति वाले रोगियों में न्यूरोपैथिक पीड़ा उपचार में डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर उच्च बनाम निम्न आवृत्ति आरटीएमएस की प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

5. हिरायामा रोग में क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल विशेषताएं एवं अक्षमता - एक अवलोकन अध्ययन

6. केंद्रीय संवेदीकरण वाले क्रोनिक कमर पीड़ा के रोगियों में व्यायाम चिकित्सा बनाम केवल व्यायाम चिकित्सा के साथ स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा की तुलनात्मक प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

7. तृतीयक उपचार केंद्र में क्रोनिक प्लांटारफैसिटिस के रोगियों में पीड़ा और कार्य पर वृद्धि कारक सांद्रण, प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और प्लेसीबो के बीच तुलनात्मक अध्ययन: एक ट्रिपल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

8. मधुमेह से पैरों में अल्सर में प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा और प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक, समानांतर समूह सक्रिय तुलनात्म्क परीक्षण

9. कार्यशीलता, अक्षमता और स्वास्थ्य (आईसीएफ) के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण हेतु रोगी के लक्ष्यों का मानचित्रण: रोलांड मॉरिस अक्षमता प्रश्नावली और ओसवेस्ट्री अक्षमता सूचकांक का उपयोग करके पीठ के निचले हिस्से में पीड़ा के कोर सेट की वैधता की जांच करना

10. प्रोलिफ़रेट ट्रायल: रीढ़ की हड्डी की क्षति वाले व्यक्तियों में दबाव की क्षति के उपचार हेतु ऑटोलॉगस प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करने हेतु एक पायलट, डबल-ब्लाइंड, संभावित, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस घुटने के रोगियों में पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुधार हेतु इंट्राआर्टिकुलर प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और एडालिम्यूमैब के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

2. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में कार्यात्मक परिणाम पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव और सफल परिणाम हेतु इसके पूर्वानुमान

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ठोस भोजन के साथ संपूर्ण आंत पारगमन, न्यूरोजेनिक आंत्र शिथिलता की गंभीरता, कार्य, जीवन की गुणवत्ता और गतिविधि एवं रीढ़ की हड्डी की क्षति के रोगियों में भागीदारी का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. गैर-सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस रोगियों में विटामिन-डी अनुपूरण की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.32_.indd 854 12/26/2025 12:47:23 PM

3. ऊपरी अंग विच्छेदित व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता हेतु कैप-सेंस आधारित कृत्रिम अंगों का आकलन, सेंसर, इंस्ट्रूमेंटेशन और साइबर-भौतिक प्रणाली इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी दिल्ली

4. वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों हेतु सहायक तथा पुनर्वास प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी

5. वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों हेतु सहायक तथा पुनर्वास प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी

6. युवा वयस्कों में उप-पश्चकपाल कशेरुका कोण पर दीर्घकालिक आगे की ओर सिर की मुद्रा का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. युवा वयस्कों में उप-पश्चकपाल कशेरुका कोण पर दीर्घकालिक आगे की ओर सिर की मुद्रा का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में पीड़ा एवं स्वायत्तता पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, भौतिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में पीड़ा एवं स्वायत्तता पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, भौतिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. ओस्टियोसारकोपेनिया से ग्रस्त स्थूल रोगियों में हड्डियों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर पोषण संबंधी इंटरवेंशन के साथ भार वहन एवं प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. ओस्टियोसारकोपेनिया से ग्रस्त स्थूल रोगियों में हड्डियों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर पोषण संबंधी इंटरवेंशन के साथ भार वहन एवं प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

12. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में पीड़ा और अल्ट्रासोनोग्राफिक कंकाल की मांसपेशी मापदंडों पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव, रेडियोडायग्नोसिस एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग तथा नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में पीड़ा और अल्ट्रासोनोग्राफिक कंकाल की मांसपेशी मापदंडों पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव, रेडियोडायग्नोसिस एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विभाग और नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. बायोनिक नियंत्रण हेतु दृष्टि आधारित गति आशय का पता लगाना, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली

पूर्ण

1. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में पीड़ा की स्थिति और कॉर्टिकल उत्तेजना पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, भौतिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. रिकवर अध्ययन: कोविड-19 से ठीक हुए लोगों में अस्पताल से छुट्टी के बाद पुनर्वास की आवश्यकता की पहचान करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, क्रिटिकल और इंटेंसिव केयर विभाग और संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.32_.indd 855 12/26/2025 12:47:23 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	2	2
कुल वित्तपोषण	23 लाख रुपये	112.61 लाख रुपये	112.61 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकायें: 11 सार: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**16**	**18**	**12**
पत्रिकाओं में लेख	15	11	11
सार	0	0	1
पुस्तकों में अध्याय	01	7	2
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

ओपीडी डाटा

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श (नए रोगी)	21,056	15,043	15,036
ओपीडी परामर्श (पुराने रोगी)	12,374	26,929	30,517

पीएमआर इनपेशेंट्स डाटा

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल भर्ती रोगी		22	27

थेरेपी से संबंधित अनुभागों से डाटा

विद्युत चिकित्सा		5,401	5,053
व्यायाम भौतिक चिकित्सा अनुभाग		13,253	14,678
व्यावसायिक चिकित्सा अनुभाग		7,752	5,799

9.32_.indd 856 12/26/2025 12:47:23 PM

ओपीडी आधारित इंटरवेंशन से संबंधित डाटा

माइनर ओटी प्रक्रियाएं	1,123	2,368	2,681
पीड़ा उपचार हेतु पीएमआर संबंधित इंटरवेंशन		प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (पीआरपी) - 203 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन - 483	पीआरपी - 212 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन - 446
दबाव वाले घावों/घावों की ड्रेसिंग	671	886	1,102
कैथेटेराइजेशन तथा सीआईसी डेमो/मूत्राशय प्रशिक्षण	741	902	971
प्लास्टर का अनुप्रयोग	168	192	279

दिव्यांगजनों/अक्षमता अभ्यर्थियों से संबंधित विशेष इंटरवेंशन/सेवाओं से संबंधित डाटा

विशेष क्लिनिक परामर्श (अक्षमता प्रमाणन - यूडीआईडी कार्ड तैयार)	15	291	446
रेलवे रियायत प्रमाण पत्र जारी		98	101
डीओपीटी, भारत सरकार के अनुरोध पर सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) से संबंधित मेडिकल बोर्ड का आयोजन किया गया, जिसमें सीएसई 2023 और सीएसई 2024 के अभ्यर्थी शामिल थे			18

प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक कार्यशाला

रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	2022 -2023	2023-2024	2024-2025
प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक कुल वितरित	6,540	7,536	6,627
प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक नए मामले	3,859	4,495	4,017
पुराने मामले/ रोगियों के आने की संख्या	9,168	10,772	9,256

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य संजय वाधवा को 21 अप्रैल 2024 को नेम्स स्थापना दिवस पर नेम्स में उत्कृष्ट योगदान हेतु पुरस्कार को प्राप्त हुआ। प्रकाशित शोधपत्र "साहू एस, वेंकटरमन एस, चानू एआर, सिंह यू" हेतु अकादमी ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजरी प्रोफेशनल्स की ओर से 2025 हेतु वैज्ञानिक विकास हेतु अर्नेस्ट बोर्स पुरस्कार। स्पाइनल कॉर्ड इंजरी वाले व्यक्तियों में न्यूरोजेनिक डिट्रसर अतिसक्रियता हेतु ट्रांसक्यूटेनियस न्यूरोमॉड्यूलेशन बनाम ऑक्सीब्यूटिनिन: एक यादृच्छिक, अन्वेषक-अंधा, समानांतर समूह, गैर-हीनता

9.32_.indd 857 12/26/2025 12:47:23 PM

नियंत्रित परीक्षण। जे स्पाइनल कॉर्ड मेड। 2024(48): 1-8। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, वाकणकर आर, चंद्र बीके, चानू एआर, कविन एम, दास सीजे, पटेल सी, कुमार आर, 68जीए-पीएसएमए-11 पीईटी/सीटी करवाने वाले उपचार- अनुभवहीन प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में मशीन लर्निंग-एम1 रोग की पूर्वसूचना दे सकती है, हाइब्रिड इमेजिंग (आईपीईटी 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 8 अक्टूबर 2024 वियना, ऑस्ट्रिया। स्वर्णकार आर, वाधवा एस, वेंकटरमन एस, गोयल वी, विष्णुभटला एस के शोधपत्र हेतु इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन द्वारा पुनर्वास अनुसंधान पुरस्कार 2024। प्रारंभिक चरण के पार्किंसंस रोग में व्यायाम की प्रभावकारिता (पीएआरके-ईएएसई परीक्षण): एकल-अंधा, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण। बीएमजे न्यूरोल ओपन। 2023 नवंबर 14; 5(2):e000499। प्रमुख सार, चंद्र बीके, कविन एम, चानू एआर, वाकणकर आर, दास सीजे, पटेल सी, कुमार आर उपचार-अनुभवी प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में मेटास्टैटिक वर्कअप को अनुकूलित करना: 68जीए-पीएसएमए-11 पीईटी/सीटी की अनावश्यकता को कम करने हेतु एक मशीन लर्निंग-संचालित नोमोग्राम हाइब्रिड इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईपीईटी 2024) 7 अक्टूबर 2024 वियना, ऑस्ट्रिया। वे कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों में शामिल थे, जैसे कि अक्षमता वाले व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा लोकोमोटर अक्षमता वाले व्यक्तियों के आकलन हेतु संशोधित दिशानिर्देशों, 2024 पर चिकित्सा अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना। अक्षमता आकलन दिशानिर्देशों और प्रशिक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान हेतु उन्हें आचार्य अतुल गोयल, डीजीएचएस, जीओआई द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 20 जून 2024 को डीडी न्यूज़ पर आयोजित 'निवारक स्वास्थ्य हेतु योग' कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। उन्होंने 26 नवंबर 2024 को डीडी न्यूज़ पर आयोजित 'दिव्यांगजन: स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण' कार्यक्रम में 'टोटल हेल्थ प्रोग्राम' में भाग लिया। वे एमबीबीएस में प्रवेश पाने के इच्छुक दिव्यांग उम्मीदवारों के मूल्यांकन हेतु 2019 दिशानिर्देशों की समीक्षा हेतु एनएमसी की समिति के सदस्य हैं। उन्होंने इस समूह के सदस्य के रूप में कार्य किया गया। वरिष्ठ नागरिकों की उपचार के "स्वास्थ्य एवं पोषण" पहलुओं पर चर्चा करने के लिए मंगलवार 11 मार्च 2025 को नीति आयोग में नियुक्त। उन्होंने भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) अधिनियम में संशोधन एवं सरलीकरण हेतु प्रो. वी.के. अग्रवाल की अध्यक्षता में गठित उप-समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। 22.01.2025 को नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल सर ने उन्हें वृद्धावस्था चिकित्सा में उनके योगदान हेतु सम्मानित किया। स्पाइन केयर के लिए एसपीआईएनई20 ग्लोबल एडवोकेसी के तहत शिक्षा समिति के सदस्य चुने गए। स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (एससीएस), भारत की कार्यकारी समिति के सदस्य चुने गए। उन्होंने एम्स, दिल्ली और एलिम्को के बीच एम्स में एक प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र की स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर करवाने में सहायता की।

आचार्य गीता हांडा ठुकराल "व्हीलचेयर उपयोग पैटर्न की जांच: तृतीयक अस्पताल में उपयोगकर्ता अनुभव का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन" अध्ययन में सह-लेखक के रूप में शामिल थी और इस कार्य को 30 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में चौथे वार्षिक शोध दिवस के दौरान प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित। वह "बेरेइट्सचैफ्ट्स पोटेंशियल का उपयोग करके पोस्टपोलियो सिंड्रोम में केंद्रीय थकान का आकलन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुति में सह-लेखक के रूप में भी शामिल थीं और इस कार्य को 30 जनवरी 2025 को चौथे वार्षिक संस्थान अनुसंधान दिवस के दौरान प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य श्रीकुमार वी इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एवं रिहैबिलिटेशन के अनुभाग संपादक; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फिजिकल एवं रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के जर्नल के समीक्षक; द साइंटिफिक जर्नल ऑफ मेडिकल स्कॉलर के समीक्षक; पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी (एलटीडी-33) की तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में तथा भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले

9.32_.indd 858 12/26/2025 12:47:23 PM

मंत्रालय, भारत सरकार; युवा वयस्कों में वजन प्रबंधन हेतु व्यापक नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश के सदस्य के रूप में, एम्स-आईसीएमआर पहल करी।

उन्होंने कुछ सम्मेलनों के दौरान अध्यक्ष, निर्णायक, सदस्य के रूप में भी कार्य किया; इंद्रप्रस्थ पुनर्वास चिकित्सा संघ की कार्यकारी समिति 2023-25 के सदस्य भी रहे।

डॉ. कुलदीप कुमार स्वर्णकार जेआर (पीएमआर) को 30 जनवरी 2025 को चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस 2025 के दौरान जूनियर रेजिडेंट श्रेणी में पोस्टर, "न्यूरोजेनिक बाउल डिसफंक्शन, संपूर्ण बाउल ट्रांजिट और स्पाइनल कॉर्ड इंजरी में जीवन की गुणवत्ता" हेतु प्रशंसा प्रमाण पत्र पुरस्कार मिला।

9.32_.indd 859 12/26/2025 12:47:23 PM

9.33 शरीर क्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

कंवल प्रीत कोच्चर

(31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त)

रत्ना शर्मा

(1 फरवरी 2025 से)

आचार्य

नलिन मेहता	सुमन जैन	अशोक कुमार जरयाल
राज कुमार यादव	अंजना तलवार	अस्मिता पाटिल
रेणु भाटिया	सिमरन कौर	

अपर आचार्य

दीनू संता चंद्रन	नसरीन अख्तर	प्रशांत तुलसीदास तायडे
आकांक्षा सिंह	रितेश कुमार नेताम	गीतांजलि गोकर्ण बडे

सह - आचार्य

सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन

सहायक आचार्य

सुमन दास

विशिष्टताएं

शरीरक्रिया विज्ञान विभाग अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय रहा है। संकाय सदस्यों द्वारा भारत के विभिन्न संस्थानों और एम्स, नई दिल्ली में कई संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन बैठकों के दौरान, हमारे संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों ने भारत और विदेश के शरीरक्रियाविज्ञानियों एवं अन्य वैज्ञानिकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया। संकाय सदस्यों, डॉक्टरेट और पोस्टडॉक्टरेट छात्रों को शरीरक्रिया विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ या राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों या एम्स के विभागों के सहयोग से बहु-विषयक परियोजनाएँ प्राप्त हुईं। विभाग के संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों को अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में उनके अभिनव योगदान हेतु कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग ने स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षण और डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सम्मिलित होना जारी रखा। विभाग की अनुसंधान परियोजनाओं से प्रोत्साहित होकर, एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के कई छात्रों ने आईसीएमटी एसटीएस कार्यक्रम के लिए आवेदन किया। विभाग ने एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

विभाग ने अक्टूबर 2024 से नियमित नैदानिक शरीरक्रिया विज्ञान सेवाएँ करने के लिए वरिष्ठ रेजिडेंट की संरचित तैनाती शुरू कर दी है। ऑटोनॉमिक और वस्कुलर कार्यों, एकीकृत स्वास्थ्य नैदानिक, अंतःक्रियात्मक

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 860 1/15/2026 6:12:13 PM

तंत्रिका-शरीरक्रिया विज्ञान, ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन के लिए नैदानिक शरीरक्रिया विज्ञान सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। ग्रासनली दाब मेनोमेट्री, नर्व कन्डक्शन वेलोसिटी एवं संज्ञानात्मक कार्य जांच एवं नैदानिक शरीरक्रिया विज्ञान सेवाओं हेतु अतिरिक्त सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं।

शिक्षा

1. **स्नातक-पूर्व शिक्षण:** व्याख्यान 200 घंटे एवं प्रैक्टिकल 240 घंटे, एमबीबीएस छात्रों की कुल संख्या: 132
2. **स्नातकोत्तर शिक्षण:** पीजी छात्रों की कुल संख्या: 64
    1. एमएससी छात्र: 12
    2. एमडी छात्र: 21
    3. पीएच.डी. स्कॉलर्स: 31
3. **नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रम:**
    1. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग: 95
    2. बीएससी एमटीआर (विकिरण विज्ञान): 10
    3. बीएससी ओपीएच (ऑप्टोमेट्री): 22
    4. बीएससी ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन पाठ्यक्रम: 19
    5. एमएससी नर्सिंग हृद् विज्ञान द्वितीय वर्ष: 5
    6. एम.एससी. नर्सिंग तंत्रिका शरीरक्रिया विज्ञान द्वितीय वर्ष के छात्र: 3
    7. एमएससी नर्सिंग वृक्क विज्ञान: 4
    8. डेंटल ऑपरेटिंग रूम सहायक: 2
    9. दंत स्वास्थ्य विशेषज्ञ: 1
4. **शैक्षिक/अनुसंधान प्रशिक्षण**
    1. वरिष्ठ रेजिडेंट: 15
    2. युवा वैज्ञानिक: 2
    3. अनुसंधान एसोसिएट: 4
    4. वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अनुसंधान फेलो: 8
    5. अल्पकालिक प्रशिक्षण: 4
5. **कृपया वर्ष के दौरान शिक्षण कार्यक्रमों एवं नवीन शैक्षिक गतिविधियों में किसी भी परिवर्तन का उल्लेख करें:शून्य**

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 861 1/15/2026 6:12:13 PM

विभाग में पंजीकृत छात्रों/प्रशिक्षुओं की संख्या	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एमबीबीएस	132	132	132
एमएससी शरीरक्रिया विज्ञान	18	12	12
एमडी शरीरक्रिया विज्ञान	21	27	21
पीएच.डी.	26	27	31
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	90	99	95
बीएससी एमटीआर (विकिरण विज्ञान)	11	11	10
बीएससी ओपीएच (ऑप्टोमेट्री)	16	22	22
बीएससी ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन	8	20	19
बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट	7	0	2
बीएससी डेंटल हाइजीनिस्ट	0	0	1
एमएससी नर्सिंग हृद् विज्ञान	3	5	5
एमएससी नर्सिंग तंत्रिका शरीरक्रिया विज्ञान	3	3	3
एमएससी नर्सिंग वृक्क विज्ञान	3	4	4
वरिष्ठ रेजिडेंट	8	10	15
युवा वैज्ञानिक	2	2	2
अनुसंधान एसोसिएट	4	3	4
रिसर्च फैलो	7	7	8
अल्पकालिक प्रशिक्षण	14	14	4
कुल	373	398	390

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक - 2024, एम्स, नई दिल्ली, 2-4 अप्रैल 2024 तक, नई दिल्ली
2. एम्स पटना में भारतीय शरीरक्रिया विज्ञान महासंघ एवं भारतीय शरीरक्रिया विज्ञान संघ की 10वीं कांग्रेस 24 अक्टूबर 2024
3. चेन्नई में 10 दिसंबर 2024 से एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया का 70वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 862 1/15/2026 6:12:14 PM

प्रदत्त व्याख्यान: 59

रत्ना शर्मा: 2
राज कुमार यादव: 8
रेणु भाटिया: 4
नसरीन अख्तर: 6
सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन: 2
सुमन जैन: 8
अंजना तलवार: 5
सिमरन कौर: 1
प्रशांत तायडे: 1
सुमन दास: 4
अशोक कुमार जरयाल: 6
अस्मिता पाटिल: 5
दीनू एस चंद्रन: 5
गीतांजलि गोकर्ण बडे: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
121	74	59

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 57

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024- 2025
88	57	57

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मेडिटेशन और तनाव के माइक्रोस्टेट सिग्नेचर और रेस्टिंग ईईजी स्रोत (विस्तारित), डॉ. रत्ना शर्मा, डीएसटी, सत्यम, 4 वर्ष, 2021-2025, 52,86,000 रुपये

2. आंतरायिक थीटा-बर्स्ट स्टीमुलेशन और आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल के इम्पलांट के बाद रिकवरी के बायोमार्करों का पता लगाने हेतु चूहों के घायल रीढ़ की हड्डी के ऊतकों में विभिन्न प्रोटीन एक्सप्रेशन का एक अध्ययन, डॉ सुमन जैन, डीएसटी-एसईआरबी पावर, 3 वर्ष, 2022-2025, 44,24,640 रुपये

3. आर्टसेन® आयु: प्रारंभिक जांच और समय पर इंटरवेंशन के लिए नियमित नैदानिक अभ्यास में उम्र बढ़ने संबंधी प्रारंभिक वस्कुलर स्वास्थ्य मार्करों के विश्वसनीय मूल्यांकन हेतु एक बहुआयामी विधि एवं प्रणाली, डॉ. दीनू एस चंद्रन, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 10,63,612 रुपये

4. मिर्गी (पीडब्ल्यूई) के रोगियों में केंद्रीय आर्टियल कठोरता पर दौरा-रोधी दवाओं के प्रभाव का आकलन, डॉ. सुमन दास, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

5. स्तन कैंसर के रोगियों में कीमोथेरेपी संबंधी संज्ञानात्मक कार्य का आकलन: भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में एक संभावित लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन, डॉ. सिमरन कौर, कैनटेब अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2024 रु. 1,50,000

6. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों में न्यूरोकॉग्निटिव और मोटर फंक्शन डेफिसिट की गंभीरता के साथ आंग शरीरक्रिया विज्ञान का सहसंबंध, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (एसआरएफ), 2 वर्ष, 2022-2024, 7,48,797 रुपये

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 863 1/15/2026 6:12:14 PM

7. मस्तिष्क और मेटाबोलोम प्रोफाइल पर आधारित एक कॉम्बिनेटरियल बायो-मार्कर विकसित करना ताकि कार्यात्मक अलग करने वाले दौरों को मिर्गी से अलग किया जा सके, डॉ. सुमन दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 1,51,72,279 रुपये

8. रीढ़ की हड्डी की चोट को ठीक करना जटिल बायोमिमेटिक कृत्रिम तंत्रिका-ग्राफ्ट का विकास, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 21,65,660 रुपये

9. स्वस्थ रोगियों, अस्थमा रोगियों और सीओपीडी रोगियों में पुल्मोनरी वेरिएबल्स, प्रणालीगत और वायुमार्ग सूजन मार्करों पर एम्बिएंट वायु प्रदूषकों में तीव्र परिवर्तनों का प्रभाव, डॉ अंजना तलवार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-27, 78,18,095.20 रुपये

10. पार्किंसंस रोग के रोगियों में मोटर लक्षणों पर हाई-डेफिनिशन ट्रांसक्रैनियल अल्टरनेटिंग करंट स्टिमुलेशन थेरेपी का प्रभाव, डॉ. सूर्या प्रकाश एम, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 2,00,000 रुपये

11. नींद से वंचित अल्जाइमर रोग वाले रैट मॉडल में सिनैप्टिक असामान्यताओं पर दीर्घकालिक व्यायाम का प्रभाव, डॉ. रितेश कुमार नेताम, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 26,520 रुपये

12. मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर के रोगियों में नासिका श्वास पैटर्न का प्रभाव, डॉ. प्रशांत तायडे, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2024-2025, 32,42,565 रुपये

13. चूहों में आर्कुएट न्यूक्लियस में ग्लूकोज संवेदनशील न्यूरॉन्स पर नींद की कमी का प्रभाव, डॉ. रितेश कुमार नेताम, एम्स, दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 8,78,000 रुपये

14. अल्जाइमर रोग रैट मॉडल के हिप्पोकैम्पस में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन मध्यस्थता संज्ञानात्मक कमी पर आइरिसिन प्रीकंडीशन्ड मेसेनकाइमल स्टेम सेल थेरेपी के प्रभाव, डॉ रितेश कुमार नेताम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 82,41,013 रुपये

15. दीर्घकालिक अनिद्रा हेतु आयुष द्वारा 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' की प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल, टू आर्म, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. नसरीन अख्तर, डीएसटी, सत्यम जनजाति, सत्यम, 3 वर्ष, 2023-2026, 31,97,502 रुपये

16. मोटापे एवं प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राज कुमार यादव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 80 लाख रुपये

17. स्तन कैंसर की रोगियों में दर्द स्कोर और संज्ञान पर पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. रेणु भाटिया, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

18. हाइपोबैरिक हाइपोक्सिक वातावरण में संज्ञानात्मक वृद्धि पर पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता और तंत्र का मूल्यांकन, डॉ. सुमन जैन, एलएसआरबी, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2023-2026, रु 77,87,010

19. हिप्पोकैम्पस की कमी में संदर्भगत भय स्मृति के प्रतिपूरक सर्किटरी के रूप में पूर्ववर्ती यादृच्छिक कोर्टेम्स की सुगम भर्ती, डॉ. सुमन जैन, डीएसटी (एनपीडीएफ), 2 वर्ष, 2022-2024, 21,99,744 रुपये

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 864 1/15/2026 6:12:14 PM

20. कोविड-19 से ठीक हो चुके लोगों में हृदय संबंधी परिणामों का कार्यात्मक एवं जैव रासायनिक मूल्यांकन तथा रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन मार्ग में असंतुलन के साथ इसका संबंध: एक अवलोकन अध्ययन, डॉ. दीनू एस चंद्रन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 48,92,370 रुपये

21. अल्जाइमर रोगियों में दृश्य-स्थानिक कार्यशील स्मृति (वीएसडब्ल्यूएम) कार्यों के दौरान कार्यात्मक कनेक्टिविटी और माइक्रोस्टेट विश्लेषण, डॉ. रत्ना शर्मा, स्नातक अनुसंधान परियोजना एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 1,50,000 रुपये

22. पोस्ट-कोविड पुल्मोनरी फाइब्रोसिस में आरएनए सीक्वेंस और मेटाबॉलिक सिग्नेचर द्वारा जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग, डॉ. गीतांजलि गोकर्ण बडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रु. 63,99,035.2

23. ध्वनिक स्वर प्रोफ़ाइल को डिकोड करके बच्चों में ध्यान-आभाव/अतिसक्रियता विकार (एडीएचडी) के शुरुआती लक्षणों की पहचान करना, डॉ. सुमन दास, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2024-2026, 15,71,850 रुपये

24. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस पुल्मोनरी सीक्वेले के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान में प्रतिरक्षा संकेत और न्यूट्रोफिल की भूमिका, डॉ. गीतांजलि गोकर्ण बाडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रु. 92,52,959.2

25. दृश्य वस्तु पहचान के प्रभावी मानव मस्तिष्क संयोजकता का मानचित्रण, डॉ. सूर्या प्रकाश एम, एम्स, दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 10,31,000 रुपये

26. ध्यान और तनाव के माइक्रोस्टेट सिग्नेचर और रेस्टिंग ईईजी स्रोत, डॉ. रत्ना शर्मा, डीएसटी, सत्यम, 3 वर्ष, 2020-2024, 52,86,000 रुपये

27. रीढ़ की हड्डी में चोट वाले चूहों में बाह्य मैगनेटिक क्षेत्र द्वारा कॉर्टिकल मस्तिष्क मानचित्रों का मॉड्यूलेशन, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (आरए), 2 वर्ष, 2022-2024, 14,72,560 रुपये

28. चूहों में नींद की कमी से प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का तंत्रिका तंत्र, डॉ. रितेश कुमार नेताम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 37,63,208 रुपये

29. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित वयस्कों के सीरम द्वारा मानव वस्कुलर एंडोथेलियल कोशिकाओं में न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी सक्रियण, हाइपोक्सिया प्रेरित फैक्टर-1 और प्रेरित नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस एक्सप्रेशन, डॉ. नसरीन अख्तर,आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 29,82,714 रुपये

30. रीढ़ की हड्डी की चोट में अल्जाइमर के कारणों की रोकथाम: ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन की भूमिका", डॉ. सुमन जैन, एम्स, दिल्ली- यूजी मेंटरशिप प्रोग्राम, 1 वर्ष, 2024-2025, 1,50,000 रुपये

31. दृश्य-स्थानिक रूप से जटिल हिंदी भाषा में ईईजी सूक्ष्म अवस्थाओं और कॉर्टिकल स्रोतों का अध्ययन, डॉ. प्रशांत तायडे, एम्स, दिल्ली, 4 वर्ष, 2021-2025, 4,92,000 रुपये

32. टाइप 2 डायबिटीज़ वाले रोगियों में फेफड़ों की कार्यक्षमता, मांसपेशियों की मज़बूती और ग्लाइसेमिक नियंत्रण का परस्पर प्रभाव, डॉ. अंजना तलवार, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 865 1/15/2026 6:12:14 PM

33. मस्तिष्क मेटास्टेसिस के इमेजिंग-गाइडिड उपचार हेतु थेरानोस्टिक्स एक्सोसोम, डॉ सुमन जैन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 61,26,734 रुपये

34. दवा-प्रतिरोधी फोकल मिर्गी में व्यक्तिगत, बहु-सत्र, उच्च-घनत्व वाले ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन के माध्यम से मल्टीमॉडल इमेजिंग गाइडिड मस्तिष्क नेटवर्क मॉड्यूलेशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक डबल-ब्लाइंड शैम-नियंत्रित अध्ययन, डॉ. सूर्या प्रकाश एम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 83,35,081 रुपये

35. मादक पदार्थ उपयोग विकार में संज्ञानात्मक सुधार हेतु एक इंटरवेंशन के रूप में भारतीय डिजिटल न्यूरोकॉग्निटिव मॉड्यूल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ सिमरन कौर, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2025-2025, 1,09,69,543 रुपये

36. पार्किंसंस रोग में आंत-मस्तिष्क अक्ष पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन (आईटीबीएस) और प्रोबायोटिक्स के संयुक्त तंत्रिका मॉड्यूलेटरी प्रभावों की जांच करना- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ सुमन जैन, आईसीएमआर (आरए), 3 वर्ष, 2022-2025, 23,00,280 रुपये

37. बार-बार गर्भावस्था के नुकसान में रोगी केंद्रित एवं आणविक मार्करों पर सीबीटी (संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी) के प्रभाव का अध्ययन करना, डॉ. अस्मिता पाटिल, एम्स, दिल्ली - यूजी मेंटरशिप प्रोग्राम, 1 वर्ष, 2024-2025, 1 लाख रुपये

38. नींद की कमी से अल्जाइमर रोग के उपचार में आइरिसिन और लेप्टिन अनुपूरण की प्रभावकारिता का अध्ययन करना, रैट मॉडल, डॉ. रितेश कुमार नेताम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 88,44,408 रुपये

39. प्रयोगशाला चूहे में डीजल निकास सूक्ष्म वातावरण से प्रेरित वृषण क्षति पर एंटीऑक्सीडेंट सी और ई के सुरक्षात्मक प्रभाव का अध्ययन करना, डॉ. अस्मिता पाटिल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 92,01,252 रुपये

40. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस पुल्मोनरी सीक्वेले में परिसंचारी मोनोसाइट्स की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग, डॉ. गीतांजलि गोकर्ण बडे, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

41. चूहे में नर प्रजनन संबंधी डीजल निकास के संपर्क का पीढ़ी दर पीढ़ी प्रभाव, डॉ. अस्मिता पाटिल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2025, 29,90,490.80 रुपये

42. बीएमआई इंटरफेस के साथ ऊपरी अंग की मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाने हेतु पहनने योग्य सॉफ्ट रोबोटिक्स, डॉ. सूर्या प्रकाश एम, डीआरडीओ, 44, 4 वर्ष, 2021-2025, 56,34,000 रुपये

पूर्ण

1. नींद की गुणवत्ता, मस्तिष्क आकृतिमिति एवं संज्ञान के बीच अंतर्संबंधों को समझने हेतु एक बहु-विषयक दृष्टिकोण (एक सोलेस अध्ययन): यूके बनाम भारत में रहने वाले भारतीय व्यक्तियों के बीच तुलना, डॉ. नसरीन अख्तर, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2022-2024, 9,90,780 रुपये

2. पूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोपार्टिकल के प्रत्यारोपण के साथ-साथ दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की प्रभावकारिता का आकलन करना नैदानिक अनुसंधान, डॉ सुमन जैन,डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2024, 88,35,200 रु

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 866 1/15/2026 6:12:14 PM

3. कैरोलिंस्का स्लीपनेस स्केल, डे-टाइम ईईजी और साइकोमोटर विजिलेंस टास्क के बीच सहसंबंध, डॉ. नसरीन अख्तर, एम्स, दिल्ली, 1 वर्ष, 2023-2024, 1,99,900 रुपये

4. रूमेटाइड गठिया में कॉर्टिकोमोटर स्टीमुलेशन और दर्द की स्थिति पर कार्यात्मक मैगनेटिक स्टीमुलेशन मोटर इमेजिंग तंत्रिकाफीडबैक-गाइडिड मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव, डॉ. रेणु भाटिया, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2019-2024, 26,00,000 रु

5. फैनटम अंग दर्द वाले रोगियों में पृष्ठीय पार्श्व प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (डीएलपीएफसी) के पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन (आरटीएमएस) का प्रभाव, डॉ. आकांक्षा सिंह, एम्स, दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 6,75,000 रु

6. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में दर्द की स्थिति पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, डॉ. रेणु भाटिया, डीएसटी, 3.5 वर्ष 2019-2024, 59 लाख रु

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन मेट्रिक्स का उपयोग करके एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस में कॉर्टिको-स्पाइनल स्टीमुलेशन एवं प्लास्टिसिटी का आकलन करना एक लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन।

2. अपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में चाल पैथोमैकेनिक्स और मूत्र परीक्षण की शिथिलता पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

3. भारत में स्थूल लोगों में तनाव, सूजन एवं उम्र बढ़ने की जीन एक्सप्रेशन को संशोधित करने में योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

4. रीढ़ की हड्डी में चोट वाले चूहों में आंतरायिक थीटा-बर्स्ट स्टीमुलेशन और नैनोपार्टिकल लगाने के बाद विभिन्न प्रोटिओम एक्सप्रेशन का एक अध्ययन

5. वृद्ध वयस्कों में नींद की संरचना, मस्तिष्क आकारमिति एवं संज्ञान का एक अध्ययन

6. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के रोगियों में नींद की सूक्ष्म संरचना और संज्ञानात्मक कार्यों का एक अध्ययन

7. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित महिलाओं में वस्कुलर कार्यों और उनसे संबंधित आणविक मार्करों पर एक अध्ययन

8. श्रवण मतिभ्रम के साथ सिज़ोफ्रेनिया में कॉर्टिकोकोर्टिकल उत्तेजक-निरोधक सर्किटरी गतिशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन

9. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल द्वारा प्रत्यारोपित पूर्ण रीढ़ की हड्डी में चोट वाले रोगियों में आंतरायिक थीटा-बर्स्ट स्टीमुलेशन की न्यूरोमॉड्यूलेटरी भूमिका की जांच करने हेतु एक अध्ययन।

10. दीर्घकालिक अनिद्रा में न्यूरोफिजियोलॉजिकल हाइपरएराउज़ल, नींद की प्रतिक्रिया, तनाव के स्तर और सोमैटोसेंसरी सूचना प्रसंस्करण की दैनिक भिन्नता

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 867 1/15/2026 6:12:14 PM

11. ईईजी कॉर्टिकल स्रोत और ध्यान में कमी अतिसक्रियता विकार में कार्यशील स्मृति और भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी

12. एकल नासिका श्वास के दौरान ईईजी सूक्ष्म अवस्थाएँ और इसके कॉर्टिकल स्रोत

13. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में ईईजी सूक्ष्म अवस्थाओं, कॉर्टिकल स्रोतों और कनेक्टिविटी पर वैकल्पिक नासिका श्वास का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

14. अस्थमा, सीओपीडी रोगियों एवं स्वस्थ प्रतिभागियों में पुल्मोनरी कार्यों, कोशिकीय और आणविक मार्करों पर एम्बिएंट वायु प्रदूषण का प्रभाव

15. टाइप 2 मधुमेह में पेरिफेरल सेन्सरी स्थिति एवं हृदय स्वायत्त स्थिति पर हृदय गति परिवर्तनशीलता बायोफीडबैक प्रशिक्षण का प्रभाव

16. पार्किंसंस रोग के रोगियों में मोटर लक्षणों पर उच्च-परिभाषा ट्रांसक्रैनियल प्रत्यावर्ती ऑल्टर्नेटिंग स्टीमुलेशन चिकित्सा का प्रभाव

17. पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन रैट मॉडल में संज्ञानात्मक एवं मोटर कार्यों पर प्रोबायोटिक्स और पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव

18. अस्थिर पार्किंसंस रोग वाले रोगियों में संज्ञान और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरण का प्रभाव

19. तीव्र तनाव पर धीमी गति से सांस लेने का प्रभाव: एक क्यूईईजी आधारित अध्ययन

20. दीर्घकालिक माइग्रेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और हृदय गति परिवर्तनशीलता पर थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन का प्रभाव

21. दीर्घकालिक अनिद्रा में योग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

22. कोरोनरी आर्टियल रोग के रोगियों में एंडोथेलियल कार्य और आर्टियल स्वास्थ्य पर अल्पकालिक योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन के प्रभाव

23. मासिक धर्म चक्र के कूपिक एवं ल्यूटियल चरण में तनाव, प्रतिरक्षा और नींद की लय पर अल्पकालिक योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन के प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. स्वस्थ युवा वयस्क पुरुषों में तनाव और लार के कोर्टिसोल और अल्फा एमाइलेज के दैनिक बदलावों पर दो अल्पकालिक योग प्रोटोकॉल (हठ और राज योग) के प्रभाव: एक यादृच्छिक क्रॉसओवर अध्ययन

25. हृदय पुनर्वास करा रहे मायोकार्डियल इंफार्क्शन के बाद के रोगियों पर योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन के प्रभाव

26. मोटापे में संज्ञान, न्यूरोमॉड्यूलेशन और तनाव पर योग-आधारित इंटरवेंशन और ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

27. पुल्मोनरी फाइब्रोसिस के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान को स्पष्ट करना जीन एक्सप्रेशन और इम्यूनो-मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 868 1/15/2026 6:12:14 PM

28. मोटापे और सह-रुग्ण अवसाद से ग्रस्त प्रतिभागियों में 6 महीने तक योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन के बाद आनुवंशिक और कोशिकीय परिवर्तन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

29. नेटवर्क विश्लेषण के आधार पर मन भटकाव और ध्यान संबंधी चूक की पहचान: एक क्यूईईजी अध्ययन

30. पोस्ट टीबी पुल्मोनरी सीक्वेले के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान को स्पष्ट करना मोनोसाइट व्युत्पन्न मैक्रोफेज की प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन

31. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस पुल्मोनरी सीक्वेला में प्रतिरक्षा कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल के आणविक हस्ताक्षरों की इम्यूनोफेनोटाइपिंग

32. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में ऑक्सीडेटिव एवं इन्फ्लेमेटरी मार्गों पर आंतरायिक हाइपोक्सिया का प्रभाव

33. कोविड-19 से बचे लोगों में वेंट्रिकुलर-आर्टियल युग्मन और रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन मार्ग के साथ इसके संबंधों की जांच।

34. हाइपोबैरिक हाइपोक्सिक रैट मॉडल में संज्ञानात्मक कार्य और कॉर्टिकल प्लास्टिसिटी पर दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन स्टीमुलेशन की यांत्रिक अंतर्दृष्टि और चिकित्सीय प्रभावकारिता

35. सामान्य, ध्यानपूर्ण, तनावग्रस्त और मनोरोग मस्तिष्क अवस्थाओं को मापने और वर्गीकृत करना क्यूईईजी उपकरण के रूप में माइक्रोस्टेट्स और कॉर्टिकल स्रोत

36. चूहों और मनुष्यों में रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद अनुमस्तिष्क सिनैप्टिक गतिशीलता का मॉड्यूलेशन: पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका।

37. सहायक एक्सोसूट के साथ स्वैच्छिक ऊपरी अंग गतिविधि के लिए मोटर योजना के तंत्रिका सहसंबंध

38. सामान्यीकृत चिंता विकार के रोगियों में बाइनॉरल बीट्स के क्यूईईजी सहसंबंध

39. एन-बैक वर्किंग मेमोरी कार्य की गलत प्रतिक्रियाओं के दौरान क्यूईईजी माइक्रोस्टेट्स

40. कार्यशील स्मृति कार्य के दौरान गलत बनाम सही परीक्षणों की क्यूईईजी सूक्ष्म अवस्थाएँ

41. स्वस्थ मानव स्वसंसेवकों में कैरोटिड आर्टियल की कठोरता और सहज बैरोरिफ्लेक्स संवेदनशीलता के बीच संबंध

42. चूहा मॉडल रीढ़ की हड्डी की चोट में न्यूरोजेनिक मूत्राशय के मॉड्यूलेशन पर मोटर कॉर्टिकल ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका

43. आंतरिक विकारों वाले किशोरों के बीच सहायक ट्रांसडायग्नोस्टिक उपचार के रूप में न्यूरोफीडबैक प्रशिक्षण का अध्ययन

44. आवर्ती गर्भावस्था हानि में आणविक मार्करों और वस्कुलर कार्य का अध्ययन करना

45. विस्टार चूहों में फ़िल्टर किए गए डीजल निकास से प्रेरित और वस्कुलर कार्य पर विटामिन सी और ई के प्रभाव का अध्ययन करना

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 869 1/15/2026 6:12:15 PM

पूर्ण

1. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में रक्तचाप परिवर्तनशीलता और नींद के फ्रैगमेन्टेशन का एक अध्ययन
2. पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम पर पृष्ठीय पार्श्व प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन का एक अध्ययन
3. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं में एंडोमेट्रियोसिस-संबंधित एस्ट्रोजेनिक क्रिया के कोशिकीय शरीरक्रिया विज्ञान पर एक अध्ययन
4. कैटेकोल-ओ-मिथाइल ट्रांसफ़ेज़ में वीएएल158एमईटी बहुरूपता और रूमेटॉयड गठिया में दर्द की धारणा के बीच संबंध
5. पूर्ण मेरुमज्जा ट्रांसेक्शन रैट मॉडल में अनुमस्तिष्क पुनर्गठन: आंतरायिक थीटा विस्फोट स्टीमुलेशन का प्रभाव
6. एकल नासिका श्वास के दौरान ईईजी सूक्ष्म अवस्थाएँ और इसके कॉर्टिकल स्रोत
7. रूमेटॉयड गठिया में कॉर्टिकल स्टीमुलेशन एवं दर्द की स्थिति पर एफएमआरआई-आधारित न्यूरोफीडबैक गाइडिड मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव।
8. रूमेटाइड आर्थराइटिस के रोगियों में कॉर्टिकोमोटर स्टीमुलेशन और दर्द की स्थिति पर कार्यात्मक मैगनेटिक मोटर इमेजिंग न्यूरोफीडबैक-गाइडिड मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव
9. रूमेटॉयड गठिया में दर्द की स्थिति, जोड़ों की गतिशीलता एवं कॉर्टिकल स्टीमुलेशन पर कम आवृत्ति वाले पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन स्टीमुलेशन का प्रभाव
10. पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन रैट मॉडल में संज्ञानात्मक और मोटर कार्यों पर प्रोबायोटिक्स और पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव
11. पार्किंसंस रोग में उतार-चढ़ाव वाले रोगियों में संज्ञान एवं मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरण का प्रभाव
12. स्वस्थ नियंत्रण में कॉर्टिकोमोटर स्टीमुलेशन और दर्द धारणा पर लंबे समय तक थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन प्रोटोकॉल का प्रभाव
13. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में दर्द की अनुभूति और स्वायत्त प्रोफ़ाइल पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव
14. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकल स्टीमुलेशन पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव
15. फाइब्रोमायल्जिया में दर्द की स्थिति पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव
16. टी.बी. रोग के बाद के चरणों में परिसंचारी मोनोसाइट्स की इम्यूनोफेनोटाइपिंग
17. टी.बी. के बाद के परिणामों में फेफड़े के कार्य की रूपरेखा और सूजन संबंधी साइटोकिन्स।
18. चयापचय सिंड्रोम सहित एवं उसके बिना अवरोधक स्लीप एपनिया में श्वसन प्रतिबाधा, फेफड़ों का आयतन एवं व्यायाम क्षमता

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 870 1/15/2026 6:12:15 PM

19. नर विस्टार चूहों में स्पर्माटोजोनिसिस आकृति विज्ञान एवं शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और मिश्रित ईंधन इंजन के निकास के प्रभाव का अध्ययन

20. प्रयोगशाला चूहे में नर प्रजनन पर डीजल निकास के प्रभाव का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रैक्शन ऑस्टियोजेनेसिस और कॉस्टो कॉन्ड्रल ग्राफ्टिंग के साथ किए गए रैमस कॉन्डाइल यूनिट के ऑटोजेनस पुनर्निर्माण के ईएमजी गतिविधि और बाइट फोर्स द्वारा तुलनात्मक मूल्यांकन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

2. घाव संबंधी दवा प्रतिरोधी मिर्गी (नींद में फोकल मिर्गी या इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस) से पीड़ित 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में कॉर्टिकल स्टीमुलेशन पर सीटीबीएस और कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता क्रॉसओवर अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान, एम्स दिल्ली

3. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और संज्ञानात्मक हानि का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय-चिकित्सा

4. चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षणों वाले रोगियों में लक्षणों की गंभीरता, विकलांगता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु मानक चिकित्सा बनाम योग-आधारित व्यापक उपचार मॉड्यूल के तीन महीने के यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा विभाग

5. रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में न्यूरोपैथिक दर्द उपचार में आरटीएमएस की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पीएमआर, एम्स दिल्ली

6. चिकित्सकों, प्री/पैरा-क्लिनिकियनों और प्रशासनिक चिकित्सा कर्मियों में निर्णय लेने के पैटर्न और तनाव के स्तर में भिन्नता का एक अध्ययन, अस्पताल प्रशासन, एम्स, दिल्ली

7. सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार का स्वायत्त कार्य पर तीव्र और दीर्घकालिक प्रभाव, ईएनटी विभाग, एनसीआई झज्जर

8. लिपोक्सीजिनेज को लक्षित करके अल्जाइमर रोग (एडी) विकृति विज्ञान में एमिलॉयड बीटा (एβ) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैव भौतिकी, एम्स दिल्ली

9. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में आने वाले कैंसर रोगियों में ओपिओइड के उपयोग के कारण संज्ञानात्मक परिवर्तनों का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान एवं प्रशामक चिकित्सा

10. पीसीओएस से ग्रस्त किशोरियों में शारीरिक संरचना, मांसपेशियों की ताकत और व्यायाम सहनशीलता: एक केस कंट्रोल अध्ययन, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. आर्टसेन प्लस डिवाइस द्वारा मापी गई कैरोटिड आर्टियल कठोरता, एक्यूट एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (स्टेमी) के जोखिम कारक के रूप में: एक केस-कंट्रोल पायलट अध्ययन, हृद् विज्ञान विभाग

12. सारकॉइडोसिस में बॉडी बॉक्स प्लेथिस्मोग्राफी और इम्पल्स ऑसिलोमेट्री द्वारा वायुमार्ग प्रतिरोध का तुलनात्मक मूल्यांकन, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 871 1/15/2026 6:12:15 PM

13. प्राकृतिक रूप से प्रेरित नवीन बहुक्रियाशील न्यूरोप्रोटेक्टिव अणुओं हेतु एक्सोसोम-आधारित औषधि वितरण प्रणाली का विकास और अल्जाइमर रोग मॉडलों में उनका जैविक मूल्यांकन, जैवभौतिकी विभाग, एम्स दिल्ली

14. शारीरिक संकेतों से संयुक्त टॉर्क के ऑनलाइन आकलन हेतु पहनने योग्य सॉफ्ट सेंसर का विकास: संचालित सॉफ्ट सहायक उपकरण के तंत्रिका-मस्कुलर नियंत्रण की दिशा में अनुप्रयोग, आईआईटी दिल्ली

15. अस्थमा, सीओपीडी रोगियों और स्वस्थ प्रतिभागियों में पुल्मोनरी कार्यों, कोशिकीय और आणविक मार्करों पर एम्बिएंट वायु प्रदूषण का प्रभाव, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा

16. वर्तमान में कार्डियोसेरेब्रोवास्कुलर घटनाओं वाले रोगियों में नींद की गुणवत्ता पर आयुर्वेदिक तेल टपकाने के उपचार (शिरोधारा) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र

17. प्रायोगिक पार्किंसंस रोग मॉडल में चयापचय और रूपात्मक परिवर्तनों पर न्यूरोमॉड्यूलेशन का प्रभाव।, एनएमआर विभाग, एम्स दिल्ली

18. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम से पीड़ित सामान्य एवं विटामिन डी की कमी वाले रोगियों में थ्रोम्बोलिसिस के दौरान सूजन संबंधी मार्करों और मायोकार्डियल चोट पर रिमोट इस्केमिक पोस्टकंडिशनिंग का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान

19. मोनोक्रोटलाइन प्रेरित पुल्मोनरी उच्च रक्तचाप वाले चूहों में लेंटिवायरस की मध्यस्थता वाली आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण का प्रभाव: अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा सत्यापन, भेषजगुण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

20. मधुमेह रेटिनोपैथी रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव, सूजन, वस्कुलर एंडोथेलियल कार्य और स्वायत्त स्वर पर योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन का प्रभाव, नेत्र जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से

21. तंत्रिका सहसंबंधों और हृदय-शारीरिक संकेतों पर धीमी प्राणायाम श्वास के प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र

22. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों में वजन कम करना परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

23. सामान्यीकृत डिस्टोनिया से पीड़ित 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में पुनरावृत ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शम नियंत्रण परीक्षण, बाल तंत्रिका विज्ञान, एम्स दिल्ली

24. स्तन कैंसर के रोगियों में दर्द स्कोर और संज्ञान पर पुनरावृत ट्रांसक्रैनियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ.भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

25. ग्लूकोमा में स्वायत्त कार्य का मूल्यांकन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

26. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में रिमोट इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन और विटामिन डी के साथ इसका सहसंबंध, भेषजगुण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 872 1/15/2026 6:12:15 PM

27. स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन (एसटीज़ेड) प्रेरित एडी रैट मॉडल में रोडेंट-आयोवा गैंम्बलिंग टास्क का उपयोग करके निर्णय लेने और अंतर्निहित तंत्र पर उम्र बढ़ने और न्यूरोडीजनरेशन के प्रभाव की खोज, आईआईटी दिल्ली एवं जेएनयू दिल्ली

28. जीन एक्सप्रेशन और इम्यूनो-मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग पुल्मोनरी फाइब्रोसिस के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान को स्पष्ट करना, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी

29. प्रायोगिक पीडी मॉडल और पीडी, वाले रोगियों में रेडियोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके पार्किंसंस रोग के लिए प्रारंभिक बायोमार्करों की पहचान, एनएमआर, एम्स, नई दिल्ली

30. पोस्ट टीबी पुल्मोनरी सीक्वेले के विकृति शरीरक्रिया विज्ञान को स्पष्ट करना मोनोसाइट व्युत्पन्न मैक्रोफेज की प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा, जैव रसायन, प्रजनन चिकित्सा

31. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस पुल्मोनरी सीक्वेल में प्रतिरक्षा कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल के आणविक संकेतों की इम्यूनोफेनोटाइपिंग, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा, जैव रसायन

32. सर्जनों के बीच तीव्र और दीर्घकालिक तनाव पर ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन (टीएम) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

33. बचपन की दवा प्रतिरोधी फोकल मिर्गी में आर टीएमएस की मध्यवर्ती एवं दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड शैम नियंत्रित अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान, एम्स दिल्ली

34. आघात के बाद कोहनी के नीचे के काल्पनिक अंग दर्द उपचार के लिए कम लागत वाली आभासी वास्तविकता संवेदी-मोटर रोबोटिक इंटरवेंशन, एम्स-यूसीएल अनुसंधान अनुदान 2024-2025 (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र, एम्स नई दिल्ली)

35. रिसेसिव डिस्ट्रोफिक एपिडर्मोलिसिस बुलोसा के रोगियों में खुजली के उपचार में टॉपिकल टैक्रोलिमस बनाम प्लेसिबो की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण, त्वचा रोग विज्ञान, एम्स, दिल्ली

36. चूहे में हृदय विफलता के प्रायोगिक मॉडल में बीटा-अरेस्टिन मध्यस्थता वाले डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग मार्ग के नियमन में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर की संभावित भागीदारी, भेषजगुण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

37. चूहों में मधुमेह कार्डियोमायोपैथी के प्रायोगिक मॉडल के सुधार में ईपीएसी मध्यस्थता संकेत मार्ग की संभावित भागीदारी, भेषजगुण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

38. चिकित्सा मैनेजमेंट, के साथ-साथ लगातार एलर्जिक राइनाइटिस वाले रोगियों में उपचार पद्धति के रूप में पोस्टीरियर नेज़ल न्यूरेक्टॉमी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन, ईएनटी

39. चूहों में मोनो-क्रोटालाइन प्रेरित पुल्मोनरी आर्टियल उच्च रक्तचाप में इंट्रासेल्युलर रेनिन-एंजियोटेंसिन प्रणाली की भूमिका, भेषजगुण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 873 1/15/2026 6:12:15 PM

40. पार्किंसंस रोग में एक्सोसोमल लिपिड सामग्री और एक्सोसोम के साथ एमिलॉयड-(एबी) संबंध का अध्ययन, जैव भौतिकी विभाग, एम्स दिल्ली

41. आंतरिक विकार वाले किशोरों में सहायक ट्रांसडायग्नोस्टिक उपचार के रूप में न्यूरोफीडबैक प्रशिक्षण का अध्ययन, मनोचिकित्सा

42. युवा वयस्कों की कार्यशील स्मृति क्षमता और कार्यकारी कार्यों पर मानसिक थकान का प्रभाव (बाहरी पर्यवेक्षक के रूप में), तंत्रिका एवं संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय

43. बेरेइटशाफ्ट्स पोटेंशियल, का उपयोग करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के आधार पर पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम में थकान के उपचार में उच्च आवृत्ति-आरटीएमएस और आईटीबीएस के प्रभावों की तुलना करना, पीएमआर, एम्स दिल्ली

44. रोडेंट आयोवा गैंबलिंग टास्क द्वारा अंतर्निहित लिंग अंतर के साथ भावात्मक विकारों में निर्णय लेने में व्यवहारिक और तंत्रिका जैव विज्ञान परिवर्तनों की जांच करना, आईआईटी दिल्ली

45. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लक्षणों में सुधार हेतु कोशिका मुक्त चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका की जांच करना, स्टेम सेल सुविधा, एम्स दिल्ली

46. फाइब्रोमैटोसिस के रोगियों में संज्ञान, हृदय और प्रजनन कार्यों पर सोराफेनिब के प्रारंभिक प्रभाव को देखना, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

47. मध्यम ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में नैदानिक, कार्यात्मक, आणविक विशेषताओं और मौखिक स्वास्थ्य जीवन की गुणवत्ता पर 940एनएम तरंगदैर्ध्य के डायोड लेजर का उपयोग करके फोटोबायोमॉड्यूलेशन थेरेपी के सहायक प्रभाव का अध्ययन करना, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

48. मानसिक रोग से ग्रस्त युवाओं में संज्ञानात्मक एवं भावनात्मक प्रसंस्करण पर अकेलेपन और कथित सामाजिक समर्थन के सहसंबंधों का अध्ययन करना: एक इंटरवेंशन अध्ययन, मनोचिकित्सा

49. डीजल उत्सर्जन के कारण चूहे के नर प्रजनन पर पीढ़ी दर पीढ़ी प्रभाव, आईआईटी, दिल्ली

50. बीएमआई इंटरफेस के साथ ऊपरी अंग की मांसपेशियों की शक्ति वृद्धि के लिए पहनने योग्य सॉफ्ट रोबोटिक्स, आईआईटी दिल्ली

पूर्ण

1. सतही ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लेप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस उपचार के बाद चीरा हर्निया वाले रोगियों में एब्डोमिनल वॉल की गतिशीलता की अरोग्यता का मूल्यांकन करना एक संभावित अध्ययन। शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. बुजुर्गों में पोस्ट ऑपरेटिव संज्ञानात्मक शिथिलता की घटना पर लिग्नोकेन बनाम डेक्समेडेटोमिडाइन देने के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार, एम्स, नई दिल्ली

3. सीजेरियन सेक्शन के दौरान प्रसव पीड़ा के साथ मस्तिष्कमेरु द्रव में नॉरएड्रेनालाईन, सेरोटोनिन, जीएबीए और ग्लाइसिन के बीच सहसंबंध: एक प्रारंभिक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 874 1/15/2026 6:12:15 PM

4. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव,जेपीएन ट्रॉमा सेंटर एम्स दिल्ली

5. चूहों में मोनोक्रोटालाइन प्रेरित पुल्मोनरी आर्टियल उच्च रक्तचाप पर विटामिन डी का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान

6. गर्भावस्था पर मातृ एवं प्रसवकालीन परिणाम पर योग का प्रभाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. पोस्टीरियर क्रॉसबाइट हेतु तीव्र मैक्सिलरी विस्तार के साथ उपचार किए गए बढ़ते रोगियों में जबडे की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर तत्काल और ऑक्लूसल पैटर्न परिवर्तनों और उनके प्रभाव का मूल्यांकन - एक संभावित नैदानिक अध्ययन, ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल विकृति विभाग (दं.शि.ए.अ.कें.), एम्स, नई दिल्ली

8. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस सीक्वेल में परिसंचारी मोनोसाइट्स की इम्यूनोफेनोटाइपिंग, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा, विकिरण विज्ञान

9. निचले अंग विच्छेदन रोगियों में काल्पनिक अंग दर्द पर आरटीएमएस बनाम दवा चिकित्सा का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ज.प्र.ना.ए.टॉ.केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

10. पल्पोटॉमी के बाद दांत की विद्युत चालकता पर पुनर्स्थापन का प्रभाव - एक प्रारंभिक जांच, दं.शि. एवं.अ.कें., दिल्ली

11. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त प्रतिस्थापन करा रहे रोगियों की मैसेटर और टेम्पोरलिस मांसपेशियों की ईएमजी गतिविधि में लॉन्गीट्यूडनल परिवर्तन, मुखीय और मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा विभाग (दं.शि.एवं.अ.कें.)

12. तपेदिक के बाद के परिणामों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली की रूपरेखा और सूजन संबंधी साइटोकिन्स, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा, विकिरण विज्ञान

13. पार्किंसंस रोग के एक प्रायोगिक मॉडल में न्यूरोमॉड्यूलेशन-प्रेरित चयापचय और रूपात्मक परिवर्तन: एक एमआर जांच, एनएमआर, एम्स दिल्ली

14. जीएलआईएम मानदंडों का उपयोग करते हुए स्त्री रोग संबंधी कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं का पोषण मूल्यांकन एवं अंतराल डीबल्किंग शल्य चिकित्सा वाली महिलाओं में पोषण और परिचालन परिणामों पर केंद्रित पुनर्वास प्रोटोकॉल का प्रभाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

15. पैक्लिटैक्सेल प्राप्त करने वाले रोगियों में संवेदी न्यूरोपैथी की रोकथाम के लिए मौखिक गैबापेंटिन का यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., एम्स, दिल्ली

16. श्वसन प्रतिबाधा, फेफड़ों की मात्रा और चयापचय सिंड्रोम के साथ और बिना अवरोधक स्लीप एपनिया में व्यायाम क्षमता, पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा

17. नर विस्टार चूहों में वृषण आकृति विज्ञान और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और मिश्रित ईंधन इंजन के निकास के प्रभाव का अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 875 1/15/2026 6:12:15 PM

18. पित्त पथरी रोगों हेतु लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी वाले रोगियों में गहरे न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक बनाम मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम के साथ निम्न दबाव न्यूमोपेरिटोनियम में सूजन मार्करों की तुलना करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	44	45	40
कुल निधिकरण (लाख में)	1467.01 लाख रुपये	918.22 लाख रु	1630.11 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 39 सार: 11 पुस्तक में अध्याय: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

प्रकाशनों की संख्या	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिकाओं में लेख	52	30	39
पत्रिकाओं में प्रकाशित सार	14	17	11
पुस्तकों में अध्याय	01	0	4
पुस्तकें और मोनोग्राफ	02		
कुल	69	47	54

रोगी उपचार

पीड़ा अनुसंधान एवं टीएमएस प्रयोगशाला ने अक्टूबर 2024 से नैदानिक सेवाएं शुरू कर दी हैं, रोगियों को फाइब्रोमायल्जिया, स्तन कैंसर, अग्नाशयशोथ और पॉलीआर्थ्रोल्जिया के लिए आरटीएमएस थेरेपी प्राप्त हुई। मोटर कॉर्टेक्स/डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में कुल 256 आरटीएमएस (रिपीटिटिव ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन) सत्र प्रदान किए गए, 18 रोगियों में लचीलेपन के आकलन सहित 20 पर्यवेक्षित योग सत्र एवं पुराने दर्द के रोगियों को 15 मोटर इमेजरी सत्र प्रदान किए गए। 50 पुराने दर्द के रोगियों और स्वस्थ स्वयं सेवा कर्मियों का दर्द और सोमैटोसेंसरी का मूल्यांकन किया गया। 20 रोगियों हेतु पेरिक्रेनियल, एपिगैस्ट्रिक, पेट तथा ग्रीवा की मांसपेशियों की ईएमजी रिकॉर्डिंग की गई। 10 पुराने दर्द के रोगियों (फाइब्रोमायल्जिया) और स्वस्थ नियंत्रण में हृदय गति परिवर्तनशीलता की गई पुराने दर्द के रोगियों में पीठ के निचले हिस्से में पुराना दर्द, फाइब्रोमायल्जिया, रूमेटाइड आर्थराइटिस, गर्दन और कंधे का पुराना दर्द, पुरानी खुजली, हाइपोथायरायडिज्म, स्तन कैंसर, अग्नाशयशोथ, फैंटम लिम्ब के रोगी, गर्भवती महिलाएं तथा ऑर्थोडोंटिक थेरेपी ले रहे छोटे बच्चे शामिल थे। रोगियों को एम्स के विभिन्न क्लिनिकल विभागों, जैसे रुमेटोलॉजी, भौतिक चिकित्सा एवं पुर्नवास, अस्थि रोग, तंत्रिकाशल्य चिकित्सा, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडोंटिक्स, डर्मेटोलॉजी, अंत:स्रावि‍की, संवेदनाहरण विज्ञान एवं तंत्रिका विज्ञान, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., जठरांत्र रोग विज्ञान एवं स्त्री रोग विज्ञान से रेफर किया गया था।

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 876 1/15/2026 6:12:16 PM

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग एवं उच्च-रिज़ॉल्यूशन जीआई मैनोमेट्री

1. उच्च रिज़ॉल्यूशन मैनोमेट्री: शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के 50 रोगी
2. 24 घंटे पीएच निगरानी: शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के 30 रोगी
3. इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग: अस्थि रोग विभाग एवं तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग के 100 रोगी

स्वायत्त कार्य परीक्षण

2024-25 में रोगी उपचार हेतु एएफटी प्रयोगशाला द्वारा किए गए मामलों की कुल संख्या 92 है।

इंटीग्रल हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक (आईएचसी): मन, चिकित्सा एवं ध्यान के एकीकरण हेतु एक सुविधा इंटीग्रल हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक (आईएचसी) मन, चिकित्सा और ध्यान एकीकरण के लिए एक सुविधा है, जो मुख्य रूप से स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियों के लिए है।

आईएचसी एक बाह्य रोगी सुविधा है जिसका उपयोग न केवल चिकित्सीय लाभ हेतु, बल्कि स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूकता विकसित करने के एक भाग के रूप में भी किया जाता है। एक तनाव-मुक्ति सुविधा के रूप में, आईएचसी एम्स के कर्मचारियों, जिनमें संकाय, छात्र, रेजिडेंट और कर्मचारी शामिल हैं, के तनाव-मुक्ति के लिए एक सहायक सुविधा है।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक, आईएचसी नामांकन (योग चिकित्सक, अनुसंधान अन्वेषकों और चिकित्सा विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष देखरेख में):

1. मोटापा: 46, प्रत्येक सहभागी का नामांकन 2 से 4 सप्ताह हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा
2. मोटापा और अवसाद: 20, प्रत्येक सहभागी का 28 दिनों हेतु नामांकन, प्रत्येक दिन 1 घंटा
3. फिटनेस: 54 स्पष्टतः स्वस्थ सहभागी, प्रत्येक सहभागी का नामांकन 14 दिनों हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा
4. फाइब्रोमायल्जिया: 39 रोगी, प्रत्येक रोगी का नामांकन 4 से 6 सप्ताह हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा
5. स्त्री रोगी (डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा): 7 रोगी, प्रत्येक रोगी का नामांकन 3 से 6 महीने हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा (ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन)।
6. मधुमेह रेटिनोपैथी: 49 रोगी; प्रत्येक रोगी का नामांकन 2 से 4 सप्ताह हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा
7. स्ट्रोक रोगी: 10, प्रत्येक रोगी का नामांकन 28 दिनों हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा।
8. अन्य: (एमडीडी, हृदय विफलता, सीएसआर, मधुमेह, लम्बर स्पोंडिलोसिस, स्वायत्त शिथिलता, अनिद्रा आदि) कुल 17 रोगी; प्रत्येक रोगी का नामांकन 2 से 4 सप्ताह हेतु, प्रतिदिन 1 घंटा।

रोगियों को नियमित रूप से काय-चिकित्सा, अंत:स्राविकी, चयापचय एवं मधुमेह, रुमेटोलॉजी मनोचिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान, हृद् विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग, नेत्र विज्ञान हेतु रा.प्र.कें. आदि विभागों से रेफर किया जाता है।

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 877 1/15/2026 6:12:16 PM

रोगी उपचार संबंधी सेवाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
आरटीएमएस थेरेपी	-	241	256
इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग	390	172	100
स्वायत्त कार्य परीक्षण	821	762	92
उच्च-रिज़ॉल्यूशन जीआई मैनोमेट्री	-	30	50
24 घंटे पीएच निगरानी	-	15	30
इंटीग्रल हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक	329	562	242
कुल	1540	1782	770

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफ़ेसर सुमन जैन संपादकीय बोर्ड की सदस्य थी, वैज्ञानिक रिपोर्ट, नेचर पब्लिकेशन 2024। वह आईएनएसए 2024 की आईयूपीएस-आईयूपीएचएआर समिति की सदस्य थी। वह नॉर्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी 2024 की फंडिंग रिव्यू कमेटी की सदस्य थी। वह भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के दिल्ली-एनसीआर चैप्टर की सचिव थी। वे एम्स दिल्ली, 2024 की डीन रिसर्च कमेटी की सदस्य थी। वह एम्स दिल्ली के चौथे अनुसंधान दिवस पर पोस्टरों के मूल्यांकन एवं निर्णायक मंडल की वैज्ञानिक समिति की सदस्य थी। वह यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम 2024 के अंतर्गत समीक्षा समिति की सदस्य थी। वह एम्स दिल्ली के एमबीबीएस यूजी छात्रों के लिए चरण-I शिक्षण अनुसूची समिति की सदस्य थी। वह एम्स दिल्ली, 2023 तक यातायात निगरानी समिति की सदस्य थी। वह एम्स, नई दिल्ली, 2024 में अनुसंधान वैज्ञानिक कैडर को बढ़ाने तथा अनुसंधान स्टाफ/वैज्ञानिक पदों के अतिरिक्त सृजन की सदस्य थी। उन्होंने 12-14 नवंबर 2025 को निम्हान्स, बेंगलुरु में आयोजित भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान "तंत्रिकालॉजिकल विकारों में आंत मस्तिष्क अक्ष द्वारा न्यूरोमॉड्यूलेशन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने 22 अप्रैल 2024 को बेंगलुरु में "अल्जाइमर एसोसिएशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (एएआईसी): न्यूरोसाइंस नेक्स्ट 2024" के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। वह निम्हान्स, बेंगलुरु; आईएनएमएएस, दिल्ली; दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली में पीएचडी पब्लिक डिफेंस का संचालन करने वाली एक बाहरी विशेषज्ञ थी।

प्रोफ़ेसर अशोक कुमार जरयाल रक्षा शरीरक्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, तेरहवीं पंचवर्षीय योजना की परियोजनाओं एवं कार्यों की परियोजना निगरानी एवं समीक्षा समिति के विषय विशेषज्ञ रहे। वे राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड की परीक्षा नीति विषयक के सदस्य भी रहे। उन्हें सोसाइटी फॉर इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रोफ़ेसर राज कुमार यादव संपादक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी थे। वह सह-संपादक भी थे: मनोविज्ञान में अग्रणी। वह एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएसएसओपीआई) के उपाध्यक्ष (उत्तरी क्षेत्र) थे। वह एम्स, नई दिल्ली में संस्थान नीति विषयक समिति (पीजी) के सदस्य भी रहे। उप छात्रावास अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली रहे। वह एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर के सचिव थे। वह एम्स, नई दिल्ली के फैकल्टी क्लब के सचिव थे। वह एम्स, नई दिल्ली के सौंदर्यशास्त्र एवं सौंदर्यीकरण समिति

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 878 1/15/2026 6:12:16 PM

(एबीसी) के अध्यक्ष थे। वह एम्स (अनुसंधान अनुभाग), नई दिल्ली में अनुसंधान परियोजनाओं में सलाहकारों/फेलोओं/कंप्यूटर प्रोग्रामर आदि की नियुक्ति हेतु चयन समिति के अध्यक्ष थे। वह क्यूसीबीएस आधार (एम्स छात्रावास) पर निविदाओं के मूल्यांकन के लिए समिति के अध्यक्ष थे। वह छात्रावास के सामान (टेबल, सीसीटीवी आदि) हेतु निरीक्षण समिति के अध्यक्ष थे। वह जीईएम पोर्टल (एम्स छात्रावास) के माध्यम से खरीद हेतु तकनीकी विनिर्देश और मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष थे। वह मई 2022 से सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), छात्रावास अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली थे। वह संकाय के चयन/एपीएस के लिए एम्स ऋषिकेश (सितंबर 2024), एम्स बिलासपुर (फरवरी 2025) की स्थायी चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ थे। वह यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस), नई दिल्ली में संकाय, नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग प्रबंधकों आदि की स्क्रीनिंग/चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे। वह भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर): निराकरण समिति के बाहरी विशेषज्ञ थे। वह आईआईटीएम (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास) चेन्नई और एम्स (दिल्ली) के बीच सहयोग को सक्षम करने संबंधी संचालन समिति के सदस्य थे। वह एम्स-सीएपीएफआईएमएस, नई दिल्ली में सहायक आचार्य के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य/पर्यवेक्षक थे। वह एम्स, नई दिल्ली में सहायक आचार्य के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य/पर्यवेक्षक थे 15 जून 2024 को चिकित्सा, रोगों एवं योग पर चर्चा करना एक विशेषज्ञ ने लाइव शो, "टोटल हेल्थ" में भाग लिया। वह 18 जून 2024 को मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका पर चर्चा करना सुबह के शो, 'सुप्रभातम' में एक विशेषज्ञ थे। वह 21 जून 2024 को स्वास्थ्य, कल्याण एवं रोगों में योग की भूमिका पर चर्चा करने हेतु एक विशेष सुबह के शो में एक विशेषज्ञ के रूप में थे।

प्रोफ़ेसर रेणु भाटिया इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) की सदस्य थी। वह एम्स यूजी पाठ्यक्रम आयोजन समूह की सदस्य भी थी एम्स, नई दिल्ली। वह न्यूरोमॉड्यूलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्य थी। वह लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, एम्स, नई दिल्ली के ई-कंटेंट की नोडल अधिकारी भी थी।

प्रोफ़ेसर सिमरन कौर को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किया गया, "रोगी-रिपोर्टेड संज्ञानात्मक क्षीणताएँ और कीमोथेरेपी वाले युवा सार्कोमा रोगियों में वस्तुनिष्ठ तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक कमियाँ एवं स्वस्थ नियंत्रण समूहों से इसकी तुलना: भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य सेवा अध्ययन" शोधपत्र हेतु, जनवरी 2025 में एम्स अनुसंधान दिवस के दौरान उन्हें मूल विज्ञान में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें जुलाई 2024 में जीआईएमएस, नोएडा में आयोजित 'पदार्थों के उपयोग और व्यवहारिक व्यसन में जोखिम लेने का व्यवहार' विषय पर एनएएमएस सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार और ई-पोस्टर प्रस्तुति मिली। वह फ्रंटियर्स इन सइकियाट्री में 'न्यूरोइमेजिंग इन साइकियाट्री 2023: एडिक्टिव डिसऑर्डर' विषय पर अतिथि संपादक थीं। वह 31 अगस्त 2024 को आयोजित मेडिकल शिक्षा के बेसिक पाठ्यक्रम के दौरान सीएमईटी में विशेषज्ञ संकाय सदस्य थीं। वह दिसंबर 2024 में वरिष्ठ रेजीडेंटों के लिए व्यावहारिक एवं नैदानिक कौशल के आकलन के लिए सीएमईटी में आयोजक एवं विशेषज्ञ संकाय थीं। वह 2-4 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीकों के दौरान 'संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण' की संयोजक थीं। वह 22 मार्च 2024 को आईआईटी दिल्ली में "एडीएचडी में न्य'रोफिज़ियोलॉजिकल मार्कर: क्वांटिटेटिव ईईजी की भूमिका" विषय पर "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थकेयर एवं भारत और फ्रांस के लिए आगे की राह" पर आयोजित इंडो-फ्रेंच वर्कशॉप में वक्ता थीं।

डॉ. दीनू एस चंद्रन को अफ्रीका में शरीरक्रिया विज्ञानियों के लिए आईयूपीएस मेंटरशिप कार्यक्रम के टास्क फोर्स सदस्य के रूप में नामित किया गया था। इस क्षमता में, मैंने अफ्रीका में शुरुआती करियर वाले शरीरक्रिया विज्ञानियों के लिए आईयूपीएस मेंटरशिप परियोजना हेतु दिशानिर्देश और लक्ष्य तैयार करने

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 879 1/15/2026 6:12:16 PM

हेतु विशेषज्ञों के एक अंतरराष्ट्रीय पैनल के साथ सहयोग किया। उन्होंने संभावित मेंटेज़ के आवेदनों की समीक्षा करने और टास्क फोर्स के दिशानिर्देशों के आधार पर उनका चयन करने में भाग लिया। उन्हें आईयूपीएस अकादमी फेलो टास्क फोर्स के छह मुख्य सदस्यों में से एक नियुक्त किया गया था। मुझे आईयूपीएस अकादमी (एफआईयूपीएस) में फेलो के पुरस्कार के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करने एवं टास्क फोर्स टीम के साथ समन्वय करके पूरे विश्व से फेलोशिप से सम्मानित 30 आवेदकों का चयन करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी।

डॉ. नसरीन अख्तर 'स्लीप एंड विजिलेंस' पत्रिका की सह-संपादक थी, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर एंड साइंस ऑफ स्लीप, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फॉर्मोकोलॉजी पत्रिकाओं की समीक्षक रही, 30 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में रिसर्च डे पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (स्नातक) के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ और 8 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी की 11वीं कांग्रेस और क्रोनोबायोलॉजी पर 8वें एशियन फोरम में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए दो पुरस्कार, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के पीएचडी थीसिस की परीक्षक, एमबीबीएस शिक्षण प्रभारी थी। एम्स, नई दिल्ली में इंटीग्रेटिव मेडिसिन 2025 में एडवांसमेंट पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य के लिए एकीकृत रणनीति" पर पैनल चर्चा में विशेषज्ञ थी। 8-9 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी की 11वीं कांग्रेस और क्रोनोबायोलॉजी पर 8वें एशियाई फोरम के सह-आयोजन सचिव थी। 2024-25 के लिए अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन के एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजदूत के रूप में नामित किया गया।

डॉ. प्रशांत तायडे 2-4 अप्रैल 2024 तक एम्स नई दिल्ली में फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक-2024 पर आयोजित क्यूईईजी संबंधी कार्यशाला के संयोजक थे।।

डॉ सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीकों के आयोजन सचिव थे 2024, 2-4 अप्रैल 2024, नई दिल्ली। अतिथि संपादक, फ्रंटियर्स इन कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस - स्वास्थ्य और रोग में संज्ञानात्मक प्रसंस्करण की जटिल नेटवर्क गतिशीलता: वर्तमान ज्ञान और भावी अनुसंधान थे। अतिथि संपादक, फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस - सहायक स्वैच्छिक गति में मोटर नियोजन के तंत्रिका तंत्र रहे। वे अध्यक्ष, समानांतर सत्र - हमारे क्षेत्र में बुनियादी और स्थानान्तरणीय अनुसंधान तालमेल, 15वीं एशियाई और महासागरीय मिर्गी कांग्रेस, 20-23 फ़रवरी 2025, नई दिल्ली रहे। वे बाह्य परीक्षक - प्रथम एमबीबीएस प्रोफ़ेसर परीक्षा, अगस्त 2024, एम्स, गुवाहाटी थे।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. एलाड फेन, अक्टूबर 2024

9.33_ PHYSIOLOGY Annual Report hi.indd 880 1/15/2026 6:12:16 PM

9.34 प्लास्टिक सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष
मनीष सिंघल

अपर आचार्य

राजा तिवारी | शशांक चौहान | राज कुमार मानस

सहायक आचार्य

शिवांगी साहा | अपर्णा सिन्हा

उप नर्सिंग अधीक्षक
भारती एस एलोने

वैज्ञानिक
सुरेंद्र कुमार

नैदानिक मनोविज्ञानी
ऐश्वर्या राज

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

शाजिदा सलीम
बिंदु पी
सुषमा डी मून
सुमा राजू
विजी बी जोसेफ
बर्नाडेट एक्का
आशा सोजन
योगिता आर शर्मा
सुनीता मसीह
छाया के पाटिल
लौलाम्मा जॉय
लिसी बेनी
सोले जोस
कल्पना आनंद

विशिष्टताएं:-

बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक एम्स, नई दिल्ली का पहला ब्लॉक है जिसे एनएबीएच मान्यता प्राप्त हुई है। विभाग में बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी के मरीजों की उपचार के लिए कुल 6 प्रमुख ऑपरेशन कक्ष हैं। हमें बर्न्स अनुसंधान के क्षेत्र में आईसीएमआर सहयोगी उत्कृष्टता केंद्र प्रदान किया गया है। बर्न्स रोगियों के लिए हाल ही में ब्लॉक में स्किन बैंक का उद्घाटन किया गया है। विभाग अपनी तरह की पहली ट्रांसजेंडर सर्जिकल सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग ने भारत सरकार के साथ ड्रेसरों, नर्सों और डॉक्टरों के लिए उन्नत बर्न्स प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया और अब तक 150 से अधिक नामित कर्मचारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार, यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले 2 वर्षों तक नामित कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना जारी रखेगा। विभाग ने दुनिया का पहला पूर्ण कार्यात्मक फोरआर्म का पुनर्निर्माण किया है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं और इसे हाल ही में प्रकाशित किया गया है। विभाग की बाह्य अनुसंधान निधि पिछले 4 वर्षों में

9.34_.indd 881 1/15/2026 6:16:11 PM

11 गुना अधिक बढ़कर वर्ष 2020-2021 में 1.42 करोड़ रुपये से वर्ष 2024-25 में 16.43 करोड़ रुपये हो गई है।

शिक्षा

1. कृपया स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और परा चिकित्सा शिक्षण सहित सभी शैक्षिक गतिविधियों की सूची प्रदान करें।

   क. स्नातक शिक्षण: घाव भरना और जलन - 8वां सेमेस्टर स्नातक व्याख्यान

   ख. स्नातकोत्तर शिक्षण:

      i. सामान्य शल्य चिकित्सा में त्वचा प्रतिरोपण और फ्लैप्स - एमएस) सेमिनार

      ii. सिर और गर्दन के पुनर्निर्माण में फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण - एमसीएच (अर्बुद शल्य चिकित्सा) सेमिनार

   ग. पराचिकित्सा शिक्षण: घाव तथा जले हुए घाव का उपचार: बीएससी नर्सिंग व्याख्यान

2. कृपया अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या बताएं, यदि कोई हो (शैक्षिक अनुभाग द्वारा यथा अनुमोदित)

   क. एमसीएच प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी वरिष्ठ रेजीडेंट- 18

   ख. गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंट - 5

3. कृपया वर्ष के दौरान शिक्षण कार्यक्रमों और नवीन शैक्षिक गतिविधियों में हुए किसी भी परिवर्तन का उल्लेख करें।

   क. कोई नहीं

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. मृतक अंग एवं ऊतक दान पर नर्सिंग अधिकारियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण, राइनोप्लास्टी की उत्पत्ति एवं प्रसार पर कार्यशाला, 16 अप्रैल 2024, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक
2. मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सिंग अधिकारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण, मृतक अंग और ऊतक दान पर नर्सिंग अधिकारियों की चल रही सेवाकालीन शिक्षा और प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 8 अप्रैल 2024, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक
3. सीरियल बर्न घाव का आकलन, जले हुए रोगी का प्रारंभिक मूल्यांकन, डॉक्टरों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत), 4-6 सितंबर 2024, 6-8 नवंबर 2024, 8-10 जनवरी 2025, 5-7 फरवरी 2025, 5-7 मार्च 2025, सेमिनार रूम बीपीएस ब्लॉक
4. जले हुए मरीजों का प्रारंभिक मूल्यांकन, प्राथमिक सर्वेक्षण, द्वितीयक सर्वेक्षण, नर्सों के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत), 21-23 अगस्त 2024, 11-13 सितंबर 2024, 13-15 नवंबर 2024, 15-17 जनवरी 2025, 27-28 फरवरी 2025, 1 मार्च 2025, 11-13/ मार्च 2025, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक

9.34_.indd 882 1/15/2026 6:16:12 PM

5. सामूहिक दुर्घटना की घटनाओं का उपचार, नर्सों के लिए उन्नत आपातकालीन जलन उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत), 21-23 अगस्त 2024, 11-13 सितंबर 2024, 13-15 नवंबर 2024, 15-17 जनवरी 2025, 27-28 फरवरी 2025, 1 मार्च 2025, 11-13/ मार्च 2025, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक

6. जले हुए मरीजों का प्रारंभिक मूल्यांकन, प्राथमिक सर्वेक्षण, द्वितीयक सर्वेक्षण, ड्रेसर्स के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत), 18-20 सितंबर 2024, 20-22 नवंबर 2024 22-24 जनवरी 2025, 19-21 फरवरी 2025, 19-21 मार्च 2025, सेमिनार रूम बीपीएस ब्लॉक

7. सामूहिक रूप से हताहत की घटनाओं का प्रबंधन, ड्रेसर्स के लिए उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत), 18-20 सितंबर 2024, 20-22 नवंबर 2024 22-24 जनवरी 2025, 19-21 फरवरी 2025, 19-21 मार्च 2025, सेमिनार रूम बीपीएस ब्लॉक

8. स्किन बैंक पर जागरूकता कार्यक्रम, स्किन बैंक पर प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम, 21 दिसंबर 2024, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक

9. स्किन बैंक पर जागरूकता कार्यक्रम, प्लास्टिक सर्जरी कार्यशाला, 13-15 नवंबर 2024, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक

10. स्किन बैंक पर जागरूकता कार्यक्रम, बर्न्स प्रिवेंशन वीक कार्यक्रम, 4-10 अप्रैल 2024, सेमिनार रूम बीपीएस ब्लॉक

11. स्किन बैंक पर जागरूकता कार्यक्रम, जलने से बचाव पर सार्वजनिक व्याख्यान, 8 अप्रैल 2024, सेमिनार कक्ष बीपीएस ब्लॉक

12. स्किन बैंक पर जागरूकता कार्यक्रम, एस्थेटिक सर्जरी कार्यशाला, 22-23 दिसंबर 2024, एम्स नई दिल्ली

13. घाव उपचार कौशल प्रथम अंतर्राष्ट्रीय घाव उपचार कौशल पाठ्यक्रम-बाप्रस, 20-21 फरवरी 2025, एम्स नई दिल्ली

14. घाव उपचार कौशल नए शामिल हुए कर्मचारियों के लिए बर्न और वाउंड केयर नर्सिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22 अप्रैल 2024, 01 मई 2024, एम्स नई दिल्ली

15. स्तन कैंसर पर वार्ता, स्तन कैंसर पुनर्निर्माण कार्यशाला, 15-17 मार्च 2025, एम्स नई दिल्ली

16. स्तन कैंसर पर वार्ता, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी में सीएमई, 9 सितंबर 2024, एम्स नई दिल्ली

17. स्तन कैंसर पर वार्ता, सामुदायिक सहभागिता ट्रांसजेंडर, 7-10 दिसंबर 2024, एम्स नई दिल्ली

18. स्तन कैंसर पर वार्ता, हाथ की सर्जरी, 7-9 सितंबर 2024, एम्स नई दिल्ली

19. नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स - इंडिया का वार्षिक सम्मेलन, नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स इंडिया कॉन्फ्रेंस (एनएबीआईसीओएन) 2025, 13 फरवरी 2025-15 फरवरी 2025, एम्स नई दिल्ली

20. सीएमई प्रथम अंतर्राष्ट्रीय उपचार प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, सीएमई, 20-21 फरवरी 2025, एम्स नई दिल्ली

21. बियॉन्ड मेडिसिन, मेगा कॉन्फ्रेंस, 21 जुलाई 2024, एम्स नई दिल्ली

9.34_.indd 883 1/15/2026 6:16:12 PM

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 40

मनीष सिंघल: 5 **राजा तिवारी: 9** **शशांक चौहान: 2**
राज कुमार मानस: 10 **शिवांगी साहा: 9** **अपर्णा सिन्हा: 5**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
121	18	40

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 8

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
88	57	8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. स्थानांतरित ऊतक में संवहनी छिड़काव की वास्तविक समय निगरानी के लिए उपकरण का विकास और मूल्यांकन, मनीष सिंघल, डीएसटी-जेएसपीएस, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 8.8 लाख।

2. हाथ के फ्रैक्चर के मानकीकृत दूरस्थ उपचार के लिए एक कृत्रिम-बुद्धिमत्ता उपकरण का विकास, शिवांगी साहा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 28.36 लाख।

3. उपयोग में आसान फाइब्रिन-आधारित तेजी से कार्य करने वाली रक्तस्राव नियंत्रण बायोपॉलिमर शीट का विकास, सुरेंद्र कुमार वर्मा, वैज्ञानिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 2.4 करोड़।

4. चेहरे और हाथ की पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए प्रासंगिक संवहनी आपूर्ति के चित्रण हेतु प्रशिक्षण मॉडल का विकास: शव प्रसंस्करण की एक नवीन विधि, मनीष सिंघल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 81.82 लाख।

5. थर्मल बर्न चोटों के लिए प्रणालीगत प्रतिक्रिया के एक सरोगेट संकेतक के रूप में ज्वलनशील लार बायोमार्कर का मूल्यांकन: एक अवलोकन अध्ययन, शशांक चौहान,आईसीएमआर - तदर्थ योजना (मौखिक स्वास्थ्य), 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 76.92 लाख।

6. जले हुए घावों में ग्राम-नेगेटिव ईएसकेएपीई (केएपीई) जीवों और रोगाणुरोधी प्रतिरोध जीनों का शीघ्र पता लगाने के लिए नवीन डिपस्टिक आधारित आणविक तकनीकों का मूल्यांकन।, शिवांगी साहा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रु 1.44 करोड़।

7. अभिघातज के बाद नाक संबंधी विकृतियों के सुधार के लिए त्रि-आयामी मुद्रण मॉडल और सिमुलेशन कार्यक्रम के परिणाम का मूल्यांकन, राज कुमार मानस, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, रुपये 5 लाख।

9.34_.indd 884 1/15/2026 6:16:12 PM

8. आघात एवं जलन चोटों की रोकथाम एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीएमटी एवं बीआई), डॉ. मनीष सिंघल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 8 जनवरी 2025-31 मार्च 2026, 3.2 करोड़ रुपये।

9. ब्रेकियल प्लेक्सस पुनर्निर्माण के लिए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता पर पायलट अध्ययन, राजा तिवारी, आईसीएमआर, 2 वर्ष 2022-2024, 29.50 लाख रुपये।

10. जलने के बाद के निशान और सिकुड़न: रोग की अधिकता, परिणाम को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक और नैदानिक कारकों, तथा उन्हें कम करने के उपायों का एक अस्पताल-आधारित अध्ययन,शशांक चौहान,आईसीएमआर - एड हॉक स्कीम (ट्रॉमा और बर्न्स), 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 68.28 लाख।

11. जलने से घायल हुए लोगों में साइनाइड विषाक्तता की व्यापकता - एक अस्पताल आधारित अध्ययन, शशांक चौहान, आईसीएमआर - तदर्थ योजना (विषाक्तता), 3 वर्ष, 2023-2026, रुपये 65.05 लाख।

12. प्रमुख जलन में ईएसकेएपीई जीव सेप्सिस में प्रोटिओमिक-आधारित परिणाम बायोमार्कर अन्वेषण (पीआरओबीईएससीएपीई),शिवांगी साहा, इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 9.99 लाख।

13. मधुमेह पैर अल्सर (डीएफयू) के लिए बायोमिमेटिक सिल्क फाइब्रोइन-आधारित घाव भरने वाली ड्रेसिंग (वूंडर पैच) के पूर्व-अनुपालन, अंतराल विश्लेषण और नैदानिक सहनशीलता अध्ययन का संचालन करना, डॉ. मनीष सिंघल, आईसीएमआर इंटरमीडिएट अनुदान, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 5.65 करोड़।

पूर्ण

1. सिलिकॉन डाई इंजेक्शन का उपयोग करके सिर और गर्दन के अतिरिक्त कपाल वाहिकाओं की संवहनी लेबलिंग पर पायलट अध्ययन: ईलाज के दौरान खतरे वाले क्षेत्रों से बचना, राजा तिवारी, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2022-2024, रुपये 4,95,300/-

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. लिम्फेडेमा के निदान में उच्च आवृत्ति यूएसजी और आईसीजी फ्लोरोसेंस इमेजिंग के बीच सहसंबंध स्थापित करने के लिए एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन - एक पायलट अध्ययन।

2. कंधे की कार्यक्षमता में सुधार के लिए जन्मजात ब्रेकियल प्लेक्सस चोट वाले रोगियों में संशोधित क्वाड सर्जिकल प्रक्रिया के परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए एक व्यापक अध्ययन (जारी)।

3. जलने के बाद के निशानों और सिकुड़नों के रोग भार का विश्लेषण, उनके परिणामों को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक और नैदानिक कारक तथा उन्हें कम करने के उपाय।

4. महिलाओं में स्तन पुनर्निर्माण अपेक्षा मॉड्यूल।

5. जलने के बाद स्वास्थ्य लाभ के लिए एसटीएसजी के साथ विभिन्न त्वचीय विकल्पों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन बनाम अकेले त्वचा प्रत्यारोपण: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. आघातजन्य ब्रेकियल प्लेक्सस चोट में कंधे के कार्य की बहाली के लिए स्पाइनल एक्सेसरी तंत्रिका से सुप्रास्कैपुलर तंत्रिका स्थानांतरण के कार्यात्मक परिणाम का मूल्यांकन: एक व्यापक अध्ययन।

9.34_.indd 885 1/15/2026 6:16:12 PM

7. थर्मल जलन चोटों के प्रति प्रणालीगत प्रतिक्रिया के एक सरोगेट संकेतक के रूप में सूजनकारी लार बायोमार्करों का मूल्यांकन।

8. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार सुविधा में भर्ती आग से जलने की चोटों के रोगियों में साइनाइड विषाक्तता की व्यापकता का मूल्यांकन।

9. स्तन पुनर्निर्माण की मांग।

10. फाइब्रोएडिपोज वैस्कुलर विसंगति (एफएवीए) का सर्जिकल शल्य चिकित्सा उपचार - एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

11. लिंग पुष्टिकरण प्रक्रियाओं की मांग करने वाली ट्रांसजेंडर आबादी में मनोवैज्ञानिक, यौन और जीवन की गुणवत्ता के मापदंडों का आकलन करना।

12. शल्यचिकित्सक द्वारा संचालित कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड की विश्वसनीयता का अध्ययन करना, जिसमें इंट्राऑपरेटिव ऑल्ट फ्री फ्लैप परफोरेटर मैपिंग शामिल है - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

13. रोबोटिक-माइक्रोसर्जरी कौशल प्राप्त करने के लिए उपकरण।

14. स्तन कैंसर का अंतरक और पार-सांस्कृतिक सत्यापन।

15. विद्युत संपर्क से जलने के मामलों में विच्छेदन के स्तर का मार्गदर्शन करने के लिए थर्मोग्राफी का उपयोग - एक अवलोकन अध्ययन।

16. प्रशिक्षण के रूप में डीएस-माइक्रोट्रेनर की भूमिका को मान्य करना।

पूर्ण

1. ब्रेकियल प्लेक्सस अन्वेषण और पुनर्निर्माण के लिए दा विंची XI रोबोटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

2. जलने की गंभीरता और परिणामों के साथ सीरम बायोमार्कर का सहसंबंध।

3. ऊपरी अंग की पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से संबंधित संवहनी आपूर्ति के चित्रण के लिए प्रशिक्षण मॉडल का विकास: शव की एक नई विधि।

4. एकल केंद्र में जन्मजात ऊपरी अंग विसंगतियों की महामारी विज्ञान - एक व्यापक अध्ययन।

5. एकल-केंद्र में हाथ की चोटों की महामारी विज्ञान (जेपीएनएटीसी-एम्स- एक संभावित और पूर्वव्यापी अध्ययन)।

परियोजनाएँ

जारी

1. अस्पताल सुरक्षा और आपदा लचीलेपन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता निर्माण, अस्पताल प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।

2. स्थानांतरित ऊतक में संवहनी फैलाव की वास्तविक समय निगरानी के लिए उपकरण का विकास और मूल्यांकन, डीएसटी के तहत हिरोशिमा विश्वविद्यालय - जेएसपीएस।

9.34_.indd 886 1/15/2026 6:16:12 PM

3. लक्षणात्मक घुटने के ऑस्टियो आर्थराइटिस के उपचार के लिए ऑटोलॉगस एडीपोज व्युत्पन्न स्ट्रोमल संवहनी अंश या हायलूरोनिक एसिड का इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थि रोग विभाग/एम्स, नई दिल्ली।

4. रोगी उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए सर्जिकल इनोवेशन लैबोरेटरी (एसआईएल), जेपीएनएटीसी, एम्स आईसीएमआर - सीओई के तहत।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	9	15	17
कुल वित्तपोषण	2.50 लाख रुपये	8.55 लाख रुपये	16.43 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 22 पुस्तक में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	19	25	23
पत्रिकाओं में लेख	13	22	22
सार	5	0	0
पुस्तकों में अध्याय	1	3	1
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, आंकड़े भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	27592	30460	27,068
विशेष क्लिनिक परामर्श			
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	7,842	9,136	6,727
कुल भर्ती मरीज	3,337	3,767	3,349
प्रयोगशाला जांच			36,197

9.34_.indd 887 1/15/2026 6:16:12 PM

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर मनीष सिंघल को राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च के संपादक भी थे।

डॉ. राजा तिवारी ने आरएएमएसईएस 2024 द्वारा उस वर्ष में किए गए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए दिए जाने वाले "बेस्ट केस अवार्ड 2024" प्राप्त किया। सिंगापुर में 2024 में आयोजित रोबोटिक असिस्टेड माइक्रोसर्जिकल एंड एंडोस्कोपिक सोसाइटी सिम्पोजियम के वार्षिक सम्मेलन के दौरान यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. शशांक चौहान" स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया" पहल के हिस्से के रूप में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आपदा उपचार प्रकोष्ठ के अंतर्गत "अस्पताल सुरक्षा और आपदा लचीलेपन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों की राष्ट्रीय क्षमता निर्माण" की विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य।

डॉ. राज कुमार मानस ने आईएसएसएन इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड्स और कांग्रेस 2024 में प्लास्टिक, बर्न्स और माइक्रोसर्जरी में अनुसंधान और उत्कृष्टता के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार' प्राप्त किया। वह जर्नल ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी और इंडियन जर्नल ऑफ प्लास्टिक सर्जरी के समीक्षक थे। उन्होंने एनएबीआई पॉडकास्ट 2024 का संचालन किया- एनएबीआई शिक्षाविदों के हिस्से के रूप में पॉडकास्ट में कुल 9 शोध लेखों पर चर्चा की गई। वह लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली और संबद्ध अस्पताल में सहायक आचार्य के लिए चयन समिति के बाह्य विशेषज्ञ थे। उन्हें आईएसएसएचसीओएन 2024 (इंडियन हैंड की सर्जरी सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन) के लिए आमंत्रित संकाय सदस्य बनाया गया था। संकाय व्याख्यान के अलावा, उन्होंने प्रशिक्षक के रूप में टेंडन रिपेयर कार्यशाला में भी भाग लिया। उन्होंने बीजेएपीएसआईसीओएन 2024 में आमंत्रित संकाय, पैनलिस्ट और अध्यक्षों ने अतिथि व्याख्यान दिए। वह एम्स एस्थेटिक सर्जरी अपडेट 2024 में आमंत्रित संकाय-सदस्य और अध्यक्ष थे। वह ब्रेकियल प्लेक्सस सर्जरी पर एपीएसआई मान्यता प्राप्त सीएमई (मॉड्यूल-23) में आमंत्रित संकाय-सदस्य और वक्ता थे। वह नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स-इंडिया के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन एनएबीआईसीओएन 2025 में आमंत्रित संकाय-सदस्य और अध्यक्ष थे, उन्होंने बर्न सोसाइटी द्वारा बर्न्स के उपचार को कैसे ढाला जाता है, इस पर पैनल चर्चा का संचालन किया, और जूनियर बेस्ट पेपर सत्र की अध्यक्षता भी की। वह एम्स दिल्ली में एक्सट्रीमिटी फ्लैप विच्छेदन पाठ्यक्रम और माइक्रोसर्जरी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित संकाय सदस्य थे, उन्होंने प्रयोगशाला में शव पर फ्लैप और सूक्ष्म वाहिकाओं के सम्मिलन का प्रदर्शन किया। वह एपीएसआईसीओएन प्लास्टीक्वेस्ट 2024, ऑनलाइन प्लास्टिक सर्जरी स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम में पैनलिस्ट और संकाय-सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था उन्हें बर्न्स में प्लास्टिक्वेस्ट-चैलेंज- एक ऑनलाइन प्लास्टिक सर्जरी स्नातकोत्तर प्रतियोगिता के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. शिवांगी साहा को अमृतसर में एपीएसआईसीओएन 2022 अंतर्राष्ट्रीय यात्रा फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। वह इंडियन जर्नल ऑफ़ प्लास्टिक सर्जरी (आईजेपीएस) की उप-संपादक के रूप में कार्यरत थीं। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जन्स (आईएएपीएस) की संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थीं। वह 5-9 मार्च 2025 के एईएसयूआरजी के लिए समिति की सदस्य थीं। वह इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जरी की सह-संपादक के रूप में कार्यरत थीं। वह बीएमसी प्लास्टिक सर्जरी जर्नल की सह-संपादक के रूप में कार्यरत थीं।

9.34_.indd 888 1/15/2026 6:16:12 PM

अतिथि वैज्ञानिक

1. श्रीमती रीना भारद्वाज, वैज्ञानिक सी, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, दिल्ली, 2 सप्ताह के पर्यवेक्षण के लिए आईसीएमआर (बर्न्स और प्लास्टिक, पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली) के एक केंद्र का दौरा कर रही हैं।

2. डॉ. स्वाति जोशी, वैज्ञानिक बी, राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, अहमदाबाद, 2 सप्ताह के पर्यवेक्षण के लिए आईसीएमआर (बर्न्स और प्लास्टिक, पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली) के एक केंद्र का दौरा कर रही हैं।

3. डॉ. मनोज एमएल, वैज्ञानिक बी, राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (एनआईटीएम), बेलगावी 2 सप्ताह के पर्यवेक्षण के लिए आईसीएमआर (बर्न्स और प्लास्टिक, पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली) के एक केंद्र का दौरा कर रहे हैं।

4. डॉ. अनबाझगन एस, वैज्ञानिक सी, राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान पशु संसाधन सुविधा, हैदराबाद, 2 सप्ताह के पर्यवेक्षण के लिए आईसीएमआर (बर्न्स और प्लास्टिक, पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली) के एक केंद्र का दौरा कर रहे हैं।

5. डॉ. केविन सी. चुंग, प्लास्टिक सर्जरी में अनुसंधान, आचार्य, शल्य चिकित्सा, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन मेडिकल स्कूल, 13 सितंबर 2024.

6. डॉ. ग्रेगरी निकोलस एमडी, प्लास्टिक सर्जन, बॉडी कॉन्टूरिंग इन मेसिव वेट लॉस, ब्राज़ील, साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी) 13 नवंबर 2024.

7. डॉ. मार्सेलो ओलिवन एमडी, प्लास्टिक सर्जन "फेस लिफ्ट सर्जरी में माइक्रोलिफ्ट" साओ पाओलो विश्वविद्यालय, अक्टूबर प्लास्टिक सर्जरी अतिथि व्याख्यान 5-6 अक्टूबर 2024.

8. डॉ. कविता रंगनाथन, सहायक आचार्य, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल; सह शल्य चिकित्सक, ब्रिघम एंड वीमेन्स हॉस्पिटल, "ट्रांसजेंडर फेशियल फेमिनाइजेशन सर्जरी", 21-23 दिसंबर 2023.

9. डॉ. भागवत माथुर, सलाहकार प्लास्टिक सर्जन, सेंट एंड्रयूज सेंटर फॉर प्लास्टिक सर्जरी एंड बर्न्स, ब्रूमफील्ड हॉस्पिटल चेम्सफोर्ड, 28-29 मार्च 2025 को "इन्वर्टिड निप्पल करेक्शंस निप्पल सुधार" पर व्याख्यान दिया।

10. बीएमआई बियर्डवुड अस्पताल के सर्जन डॉ. जयराम आर. श्रीनिवासन 15-17 मार्च 2025 को "स्तन वृद्धि और न्यूनीकरण" पर व्याख्यान दिया।

11. न्यूकैसल अपॉन टाइन हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट के कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन डॉ. मणिराम रागबीर, 20-21 फरवरी 2025 को सारकोमा में बहु-विषयक उपचार पर व्याख्यान दिया।

9.34_.indd 889 1/15/2026 6:16:13 PM

9.35 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रताप शरण

आचार्य

राजेश सागर

नंद कुमार
रमन दीप
कौशिक सिन्हा देब
ममता सूद
सुजाता सतपथी (नैदानिक मनोविज्ञान)
रोहित वर्मा
बिचित्रा नंदा पात्रा

अपर आचार्य

गगन हंस

सह-आचार्य

वैभव पाटिल
(तंत्रिका मनोचिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान केंद्र)

सहायक आचार्य

बैरे विजय प्रसाद
(नैदानिक मनोविज्ञान)
स्वाति केडिया गुप्ता
(नैदानिक मनोविज्ञान, राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र)
निष्ठा चावला
(ज.प्र.ना.ऐ.ट्रॉ.कें)
प्रीति के
(राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र)

बाल मनोवैज्ञानिक

रेणु शर्मा

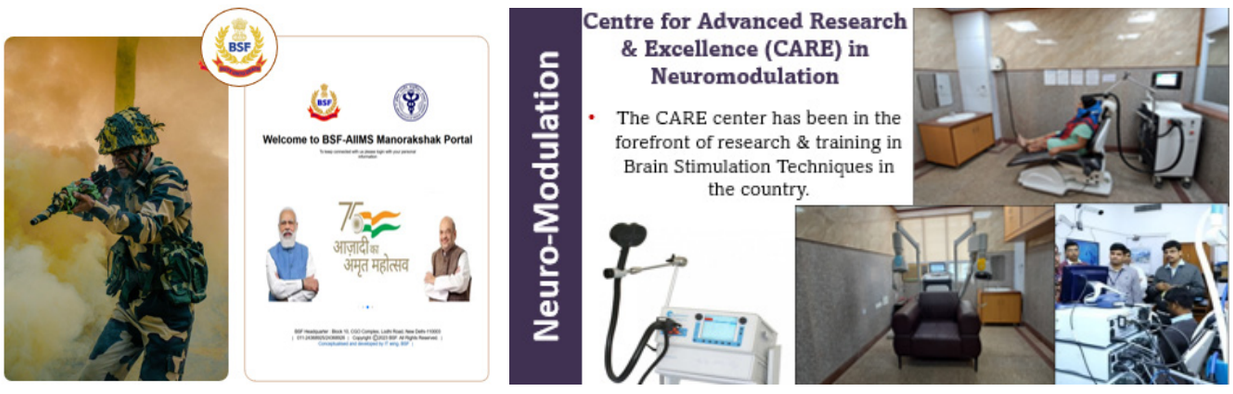
विशिष्टताएं

मनोचिकित्सा विभाग एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (मनोविज्ञान) तथा एमबीबीएस छात्रों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने में अग्रणी रहा है और बीएससी/एमएससी नर्सिंग के साथ-साथ कायचिकित्सा, जराचिकित्सा, आपात चिकित्सा, प्रशामक चिकित्सा तथा डीएम तंत्रिका विज्ञान विभागों के रेजिडेंटों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा। मनोदैहिक चिकित्सा में एक नया डीएम कार्यक्रम शुरू किया गया है। मनोचिकित्सा विभाग में अनुसंधान की एक समृद्ध परंपरा रही है और वर्तमान में यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत (डीएसटी), विश्व स्वास्थ्य संगठन, आईसीएमआर तथा कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कई प्रमुख वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है। इस विभाग ने वर्ष में कई प्रमुख कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिनमें 28 अप्रैल 2024 को 'कैंसर पीड़ा: समग्र उपचार' पर एम्स - एनएएमएस संयुक्त सीएमई, 13-14 जुलाई 2024 को एम्स - ग्लोबल मेंटल हेल्थ अकादमी - कोलंबिया डब्ल्यूएचओ सेंटर फॉर ग्लोबल मेंटल हेल्थ 'आईसीडी-11 मानसिक, व्यावहारिक और तंत्रिका विकास संबंधी विकारों के लिए

9.35_.indd 890 1/15/2026 6:24:05 PM

डायग्नोस्टिक आवश्यकताएं: एक ऑनलाइन कंप्रिहेंसिव पाठ्यक्रम', 24-26 अक्टूबर 2024 तथा 19-21 दिसंबर 2024 को क्रमशः न्यूरोमॉड्यूलेशन (आरटीएमएस) पर 5वीं और 6वीं हैंड्स-ऑन-वर्कशॉप एवं 9वीं राष्ट्रीय सीएमई, 3-5 जनवरी 2025 को साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इन्टर्वेंशन पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन तथा 8-9 फरवरी 2025 को तीसरा राष्ट्रीय मध्यावधि सीएमई, भारतीय बाल तथा किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ (आईएसीएएम) के अलावा सार्वजनिक व्याख्यान एवं छात्रों के कल्याण कार्यशालाओं जैसे कुछ अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। विभाग आरटीएमएस, बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विकारों, मनोदैहिक विकारों, सामान्य मानसिक विकारों, गंभीर मानसिक विकारों, दोहरे निदान विकारों और मस्तिष्क उत्तेजना के लिए साप्ताहिक विशिष्टता क्लीनिकों के अलावा दैनिक आधार पर वॉक-इन एवं फॉलो-अप क्लीनिक का भी संचालन होता है।

फोटो









9.35_.indd 891 1/15/2026 6:24:06 PM

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण, अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षण तथा नवीन शैक्षिक गतिविधियों सहित सभी शैक्षणिक गतिविधियों की सूची नीचे प्रदान की गई है। वर्ष के दौरान हुए परिवर्तनों का उल्लेख नीचे किया गया। कृपया यह न लिखें कि "...स्नातक, स्नातकोत्तर, आदि की कक्षाएं जारी रखीं।"

स्नातक पूर्व

सैद्धांतिक व्याख्यान

6वां सेमेस्टर - 20 घंटे

नैदानिक शिक्षण/पोस्टिंग.

तीसरा सेमेस्टर - 7 घंटे
4-5वां सेमेस्टर - 25 दिन
6-8वां सेमेस्टर - 40 दिन

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सामुदायिक शिक्षण

7वां सेमेस्टर - 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग

सैद्धांतिक व्याख्यान

प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान) **15** घंटे के लिए
तृतीय वर्ष (मनोचिकित्सा) **8** घंटे के लिए

नैदानिक पोस्टिंग

तीसरे वर्ष **2** महीने के लिए मनोचिकित्सा वार्ड में

एमएससी नर्सिंग

सैद्धांतिक व्याख्यान

प्रथम वर्ष में 8 घंटे

नैदानिक पोस्टिंग

प्रथम वर्ष - 8 माह मनोचिकित्सा वार्ड में और एक माह मनोचिकित्सा ओपीडी में
द्वितीय वर्ष - 3-4 माह मनोचिकित्सा वार्ड में

शोध कार्य

मनोचिकित्सा ओपीडी और वार्ड में अपने थीसिस कार्य का संचालन किया।

अन्य विभागों से तैनात जूनियर रेजिडेंटों हेतु प्रशिक्षण

काय-चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपात चिकित्सा तथा प्रशामक चिकित्सा विभागों के जूनियर रेजिडेंट तथा तंत्रिका विज्ञान में डीएम प्रशिक्षुओं को मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए मनोचिकित्सा विभाग में तैनात किया जाता है।

9.35_.indd 892 1/15/2026 6:24:06 PM

एमडी (मनोचिकित्सा) तथा पीएचडी शिक्षण

- सप्ताह में एक बार सेमिनार
- सप्ताह में एक बार केस कॉन्फ्रेंस
- सप्ताह में एक बार जर्नल चर्चा
- सप्ताह में एक बार थीसिस प्रोटोकॉल एवं मध्यावधि प्रस्तुति
- सप्ताह में एक बार ट्यूटोरियल
- स्नातकोत्तर मनोचिकित्सा और डॉक्टरेट स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान के छात्रों के लिए मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण
- मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंटों के लिए परामर्श-संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची प्रदान की गई है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित जानकारी प्रदान की गई हैं: कार्यक्रम का नाम, तिथि और शहर। कृपया यह न बताएँ कि कार्यक्रम का आयोजक कौन था।

निम्नलिखित सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया

- प्रोफ़ेसर दोस्त ओन्गुर के साथ इंटरैक्टिव सत्र संपादक जेएएमए साइकियाट्री, शीर्षक 'मेडिकल पब्लिशिंग' (ऑनलाइन, 2 अप्रैल 2024)
- 'कैंसर पीडा: समग्र उपचार' पर एम्स-एनएएमएस संयुक्त सीएमई (28 अप्रैल 2024, नई दिल्ली)
- एम्स - वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य अकादमी - कोलंबिया डब्ल्यूएचओ वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र आईसीडी-11 'मानसिक, व्यावहारिक एवं तंत्रिका-विकास संबंधी विकारों के लिए नैदानिक आवश्यकताएँ: एक ऑनलाइन व्यापक पाठ्यक्रम' (13-14 जुलाई 2024, ऑनलाइन)
- बीएसएफ चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम (3 बैच) (20-24 अगस्त 2024, 2-7 दिसंबर 2024, 24-29 मार्च 2025, नई दिल्ली)
- प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए सीआरईएसटी कार्यक्रम के दौरान आत्म-संवर्धन कार्यशाला (3-8 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली)
- सीआरईएसटी कार्यक्रम के दौरान मेंटरशिप कार्यशाला (9 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली)
- नए बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों के लिए स्व-संवर्धन कार्यशाला (ओरियन्टेशन प्रोग्राम) (19-20 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली)
- बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों के लिए तनाव उपचार पर कार्यक्रम (3 बैच) (21 सितंबर 2024; 28 सितंबर 2024; 5 अक्टूबर 2024, राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली)
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर 2024) पर 'एन एयर टू दा ग्राउंड: एम्स में हितधारकों की बात सुनना' शीर्षक से पैनल चर्चा एम्स, नई दिल्ली)

9.35_.indd 893 1/15/2026 6:24:06 PM

- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आईसीएमआर कर्मचारियों के लिए तनाव उपचार पर कार्यशाला (10 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली)
- छात्र कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला (15 अक्टूबर 2024, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
- न्यूरोमॉड्यूलेशन (आरटीएमएस) पर 5वीं व्यावहारिक कार्यशाला, (24-26 अक्टूबर 2024, नई दिल्ली)
- न्यूरोमॉड्यूलेशन (आरटीएमएस) पर 6वीं हैंड्स-ऑन-वर्कशॉप और 9वीं राष्ट्रीय सीएमई (19-21 दिसंबर 2024, नई दिल्ली)।
- प्रथम वर्ष के पीजी छात्रों के लिए आत्म-संवर्धन कार्यशाला (रेजिडेंट वेलनेस प्रोग्राम) (15 नवंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली)
- 3-5 जनवरी 2025 से साइकोऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन तथा इन्टर्वेंशन पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन (पहला एनसीपीओ 2025)
- तीसरा राष्ट्रीय मध्यावधि सीएमई, भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ (आईएसीएएम), रा.औ.नि.उ.कें. एवं मनोचिकित्सा विभाग (8-9 फरवरी 2025, एम्स, नई दिल्ली)
- तनाव उपचार एवं स्वास्थ्य सखा कार्यशाला (22 फरवरी 2025, नई दिल्ली)
- बीएसएफ के लिए मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण (16-18 मार्च 2025, नई दिल्ली)

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 193

प्रताप शरण: 44
ममता सूद: 8
कौशिक सिन्हा देब: 12
बैरे विजय प्रसाद: 6
प्रीति के: 17
राजेश सागर: 58
रमन दीप: 5
रोहित वर्मा : 4
स्वाति केडिया गुप्ता: 5
रेणु शर्मा: 5
नंद कुमार: 6
सुजाता सतपथी: 10
गगन हंस: 7
निष्ठा चावला: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
140	154	193

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 54

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक/पेपर/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
33	46	54

9.35_.indd 894 1/15/2026 6:24:06 PM

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सामान्य अवसादरोधी चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया देने वालों बनाम प्रतिक्रिया न देने वालों का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक व्यापक जीनोमिक दृष्टिकोण, आचार्य नंद कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 87.10 लाख रुपये

2. गंभीर अवसाद के उपचार के लिए ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) की प्रभावशीलता का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,रोहित वर्मा, एम्स आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

3. भारत में कैंसर के रोगियों में व्यावहारिक सक्रियता के साथ या उसके बिना अवसाद के उपचार हेतु एक प्रौद्योगिकी-सक्षम मंच का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेश सागर, डीबीटी वेलकम ट्रस्ट, 5 वर्ष, 2024-2028, 46.71 लाख रुपये

4. अवसादग्रस्त रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम में कमी (सामान्य उपचार की तुलना में) के लिए मैन्युअल सहायता प्राप्त, अनुकूलित संक्षिप्त इंटरवेंशन (बीआई) को विकसित करने एवं उसका मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन: ए टू-आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आरसीटी), रमन दीप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2026, 77.91 लाख रुपये

5. एम्स-बीएसएफ मनोरक्षक टेली-काउंसलिंग हेल्पलाइन सेवा परियोजना - एक पायलट परियोजना, प्रताप शरण, सुजाता सतपथी, रोहित वर्मा, बीएसएफ, 1 वर्ष, 2024-2025, 20 लाख रुपये (लगभग)

6. देश भर में एक समान संयम रिपोर्टिंग के लिए एक ढांचे के विकास के माध्यम से भारत में इन-पेशेंट रिस्ट्रेन्ट और सेक्लूशन प्रैक्टिस की जटिलता का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, कौशिक सिन्हा देब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 21.55 लाख रुपये

7. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार से पीड़ित व्यक्तियों में स्वप्न स्मरण पर उपचार के प्रभाव का आकलन करने वाला एक अवलोकनात्मक अध्ययन, रोहित वर्मा, आईपीएस बहुकेंद्रित अध्ययन अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 3 लाख रुपये

8. एशियाई द्विध्रुवी जेनेटिक्स नेटवर्क (ए- बिग-नेट), राजेश सागर, एनआईएमएच, यूएसए और निमहंस, 4 वर्ष 2024-2027, रु89.61 लाख

9. एवीएटीएआर थेरेपी कार्यान्वयन तथा नवाचार: उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में यूके-आधारित स्वचालन के साथ-साथ मानक एवीएटीएआर थेरेपी की पहुंच का परीक्षण।, आचार्य ममता सूद, वेलकम ट्रस्ट यूके, 4 वर्ष, 2024-2028, 297.21 लाख रुपये

10. भारत में कोविड-19 वैक्सीन का तनाव, हिचकिचाहट और इसके सहसंबंधों का भार तथा परिमाण, राजेश सागर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2022-2025, 49.75 लाख रुपये

11. जीवनकाल में सामान्य मानसिक विकारों (सीएमडी) की तुलनात्मक मैपिंग, प्रताप शरण (एम्स केंद्र के लिए) पीआई: अर्पण बनर्जी (एनबीआरसी, मानेसर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2019-2022, 560 लाख रुपये

9.35_.indd 895 1/15/2026 6:24:06 PM

12. दो तृतीयक केंद्रों में आत्म-क्षति के साथ उपस्थित रोगियों की प्रोफ़ाइल, आवश्यकताओं और अनुभवों के आधार पर मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा के लिए इंटरवेंशन मार्गदर्शिका विकसित करना: एक मिश्रित विधि अध्ययन, निष्ठा चावला, एम्स, दिल्ली,2 साल, 2023-2025, 6.20 लाख रूपये

13. उच्च जोखिम वाले भारतीय युवाओं के लिए उच्च जोखिम वाले दृष्टिकोण और जोखिम भरे यौन व्यवहार (एसएएचएएस) उपकरण के आकलन के लिए पैमाने का विकास तथा सत्यापन, राजेश सागर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2024-2027, 35.75 लाख रुपये

14. ऑटिज्म तथा एएसडी सह-रुग्णता सहित एडीएचडी से ग्रस्त 3-11 वर्ष की आयु के बच्चों की शीघ्र पहचान के लिए द्विभाषी मोबाइल-ऐप आधारित न्यूरो-कोगनेटिव स्क्रीनिंग टूल का विकास।, सतपथी सुजाता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 68.32 लाख रुपये

15. भारत में मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों की एआई फेनोटाइपिंग, डीप लर्निंग और पूर्वानुमान के लिए एक डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान मंच का विकास, कौशिक सिन्हा देब, आईहब-अनुभूति: डीएसटी, 2 वर्ष, 2024-2025, 230 लाख रुपये

16. मेडिकल छात्रों के लिए मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य ऐप का विकास, प्रीति के., एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 साल, दिसंबर 2023-दिसंबर 2025, 4.50 लाख रुपये

17. किंग्स कॉलेज, लंदन, यूके में 3 महीने के लिए डीएचआर-आईसीएमआर इंटरनेशनल फेलोशिप, (वास्तव में यह कोई अनुसंधान परियोजना नहीं है), बिचित्रा नंदा पात्रा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, एकमुश्त अनुदान, 2025, 13 लाख रुपये

18. डिजिटल मनोचिकित्सा अनुसंधान मेंटरशिप - प्रारंभिक कैरियर मनोचिकित्सा संकाय-सदस्य के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम।, कौशिक सिन्हा देब, डीएचआर, 5 वर्ष, 2024-2028, 66.92 लाख रुपये

19. कैंसर से ग्रस्त बच्चों में न्यूरो-कोगनेटिव और मनो-व्यवहार संबंधी कमियों का शीघ्र पता लगाना और पुनर्वास: एक स्क्रीनिंग स्केल और एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन का विकास, सतपथी सुजाता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 67.75 लाख रुपये

20. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर एडीएचडी से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में संज्ञानात्मक कार्य, लक्षण और कार्यप्रणाली पर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन टीडीसीएस का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन", बिचित्रा नंदा पात्रा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2023-2026, 50.85 लाख रुपये

21. एक्सपोजर और प्रतिक्रिया रोकथाम के लिए एक चिकित्सक-सहायता प्राप्त ऐप की प्रभावशीलता, प्रभाविता और संभाव्यता: एक समानांतर-समूह, पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण', स्वाति केडिया गुप्ता, आईहब-अनुभूति,3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 111.70 लाख

22. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले बच्चों और किशोरों में अधिक योग इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बिचित्रा नंदा पात्रा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 38.30 लाख रुपये

23. अवसाद से ग्रस्त रोगियों के लिए प्रशामक उपचार में प्रतिरक्षा प्रणाली नेटवर्क, प्रताप शरण, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, 51 लाख रुपये

9.35_.indd 896 1/15/2026 6:24:06 PM

24. मेडिकल यूजी में इम्पोस्टर सिंड्रोम - व्यापकता और संबंधित नैदानिक तथा सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारक, प्रताप शरण (गोयल बी के लिए मार्गदर्शिका), आईसीएमआर शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (एसटीएस) कार्यक्रम, 1 वर्ष, 2024-2025, 0.6 लाख रुपये

25. इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी से उपचारित अवसादग्रस्त व्यक्तियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी, गगन हंस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 26.04 लाख रुपये

26. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण, राजेश सागर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और निम्हांस, 2 वर्ष, 2025-2026, 75 लाख रुपये

27. महिलाओं के लिए गर्भधारण-पूर्व एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल: गर्भधारण-पूर्व स्वास्थ्य जोखिम आकलन उपकरण और समुदाय-आधारित स्वास्थ्य जोखिम न्यूनीकरण संवेदी कार्यक्रम का विकास, सतपथी सुजाता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 43 लाख रुपये (लगभग)

28. स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से अवसाद उपचार प्रतिक्रिया की पूर्वानुमान - एक संभावित, समूह अध्ययन, कौशिक सिन्हा देब, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 105 लाख रुपये

29. अवसाद, चिंता और पीटीएसडी से ग्रस्त किशोरों के लिए स्कूल-आधारित ट्रांसडायग्नोस्टिक ट्रॉमा-केंद्रित सीबीटी: दिल्ली-एनसीआर में कम, मध्यम और उच्च अपराध वाले हॉटस्पॉट में एक समानांतर समूह आरसीटी, सतपथी सुजाता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 80.86 लाख रुपये (लगभग)

30. समुदाय में अवसाद का पता लगाने के लिए स्पीच मार्कर। आचार्य नंद कुमार, कोल इंडिया लिमिटेड के अंतर्गत सीएसआर, 2.5 वर्ष, 10 फ़रवरी 2024- 9 अगस्त 2026, 196.52 लाख रुपये

31. मस्तिष्क की बायोइलेक्ट्रिकल गतिविधि तथा आंखों की गति के पैटर्न का विश्लेषण करके ऑब्सेसिव-कंपल्सिव डिसऑर्डर के फेनोटाइप की पहचान करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का उपयोग, रोहित वर्मा, भारत-रूसी अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 3 वर्ष, 2024-2027, 87 लाख रुपये

32. बौद्धिक अक्षमता, अटेंशन डेफिसिट हाईपरटेंशन विकार और विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले रोगियों में मस्तिष्क-आधारित बुद्धि परीक्षण बीबीआईटी का सत्यापन, सतपथी सुजाता, जेपी लर्निंग सेंटर, भारत, 6 महीने, 2025-2025, 3.5 लाख रुपये (लगभग)

पूर्ण

1. मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर कॉलेज के छात्रों के लिए आईईसी सामग्री का विकास, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ, 0.5वर्ष, 2024-2024, 10 लाख रुपये

2. सिज़ोफ्रेनिया में भावना पहचान के निर्धारकों के रूप में ओडिटरी सिमेंटिक और प्रोसोडिक सामग्री, भाषा अधिग्रहण और चेहरे की पहचान के मूल्यांकन के लिए डिफ्यूज़ ऑप्टिकल टोमोग्राफी आधारित कॉर्टिकल विश्लेषण, रोहित वर्मा, डीएसटी सीएसआरआई अनुसंधान अनुदान, 4 वर्ष, 2018-2023, 51.99 लाख रुपये

3. *प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त स्वास्थ्य इन्टर्वेंशनों के लिए रोगियों की एम-हेल्थ साक्षरता का मापन - एक वास्तविक-विश्व प्रदर्शन-केंद्रित मोबाइल ऐप आधारित पायलट अध्ययन।, कौशिक सिन्हा देब,* एम्स - यूजी अनुसंधान परियोजना के लिए अनुदान, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये

9.35_.indd 897 1/15/2026 6:24:06 PM

4. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण- मेगासिटी सर्वेक्षण, राजेश सागर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा एनआईएमएचएएनएस, 1 वर्ष, 2023-2024, 30 लाख रुपये

5. सामान्यीकृत तनाव विकार में पेरिफेरल इन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स: एक केस-नियंत्रित अध्ययन, गगन हंस, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2024, 9.36 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

1. पार्किंसंस रोग में सबथैलेमिक न्यूक्लियस के गहन मस्तिष्क उत्तेजना के बाद मनोचिकित्सा परिवर्तनों का एक केस-कंट्रोल अध्ययन

2. अवसादग्रस्त किशोरों तथा स्वस्थ नियंत्रण समूहों की आंत माइक्रोबायोम संरचना की तुलना करने वाला एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

3. दैहिक लक्षण विकार (एसएसडी) के रोगियों के उपचार में डीप रिपिटिटिव ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (डी-आरटीएमएस) के प्रभाव के लिए एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड शैम-नियंत्रित अध्ययन।

4. एएसडी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में सहायक उपचार के रूप में आरटीएमएस के प्रभावों का आकलन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड शम अध्ययन

5. मध्यम से गंभीर अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट (टीबीआई) में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली पर उच्च परिभाषा ट्रांसक्रैनियल प्रत्यक्ष धारा उत्तेजना (एचडी-टीडीसीएस) की प्रभावकारिता तथा सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक शम-नियंत्रित अध्ययन।

6. मस्तिष्क से प्राप्त तंत्रिका वृद्धि कारक एवं कॉर्टिकल हेमोडायनामिक तथा विद्युत गतिविधि का उपयोग करके अवसादरोधी दवा की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अवलोकनात्मक अध्ययन

7. कार्यकारी कार्यप्रणाली पर कार्य-निर्भर प्रभाव की जांच के लिए एनोडल ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ टारगेटिड प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

8. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में न्यूरोसाइकोलॉजिकल तथा नैदानिक परिणामों में सुधार के लिए केटामाइन बनाम संशोधित इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी का एक यादृच्छिक नियंत्रित सिंगल ब्लाइंड परीक्षण

9. आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले मध्यम से गंभीर प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के लिए ओरल केटामाइन वृद्धि की प्रभावशीलता तथा सहनशीलता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण

10. आत्महत्या के विचार के साथ अवसाद के लिए केटामाइन वृद्धि की प्रभावशीलता तथा सहनशीलता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड शम-नियंत्रित परीक्षण

11. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में त्वरित और मानक डीप ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (डीटीएमएस) प्रभावशीलता और सुरक्षा की तुलना करने वाला सिंगल ब्लाइंड, टू-आर्म नैदानिक परीक्षण

12. मनोचिकित्सा विकार से ग्रस्त बच्चों तथा किशोरों के माता-पिता के बीच संबद्ध स्टिग्मा तथा तनाव और बोझ के साथ इसके संबंधों पर एक अध्ययन।

9.35_.indd 898 1/15/2026 6:24:07 PM

13. शारीरिक चोटों के साथ लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आने वाले बच्चों तथा किशोरों के बीच नैदानिक, व्यावहारिक एवं मनोसामाजिक कारकों पर एक अध्ययन

14. कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मनो-सामाजिक और व्यावहारिक क्षेत्रों की जांच के लिए एक अध्ययन: मिश्रित अध्ययन डिजाइन-आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित

15. सैकैडिक गतिविधियों के दौरान एफएनआईआरएस का उपयोग करने वाले एडीएचडी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल सक्रियण पर मेथिलफेनिडेट का तीव्र प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

16. किशोर यौन दुर्व्यवहार: बाल यौन दुर्व्यवहार के लिए बहुआयामी पैमाने (एमएससीएसए) का संशोधन तथा ट्रॉमा-केंद्रित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी इंटरवेंशन का यादृच्छिक संभाव्यता परीक्षण

17. देश भर में एक समान संयम रिपोर्टिंग के लिए एक ढांचे के विकास के माध्यम से भारत में रोगी रिस्ट्रेंडस तथा सेक्लूजन प्रैक्टिस की व्यापकता का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन

18. असामान्य मनोविकार रोधी दवाओं पर मनोविकृति से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में शारीरिक संरचना तथा इंसुलिन प्रतिरोध का विश्लेषण (एमडी थीसिस)

19. कोगनेटिव इम्पेयरमेंट के साथ जीवन के अंतिम वर्षों में अवसाद में एस्सिटालोप्राम तथा बुस्पिरोन की संयुक्त प्रभावशीलता का आकलन - एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

20. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी के बाद उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर वाले रोगी में चिंता और अवसाद का आकलन:एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन

21. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी के बाद उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में चिंता और अवसाद का आकलन: क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन

22. एफएनआईआरएस का उपयोग करके कॉर्टिकल एक्टिवेशन और कनेक्टिविटी का आकलन

23. बायपोलर I विकार वाले रोगियों में सीरम यूरिक एसिड का आकलन और उन्मत्त प्रकरण के अल्पकालिक प्राकृतिक क्रम के साथ इसका संबंध

24. बायपोलर विकार वाले रोगियों में टोक्सोप्लाज्मा गोंडी सीरोपॉजिटिविटी और आजीवन आत्महत्या के साथ इसके संबंध का आकलन

25. अवसादग्रस्त रोगियों में स्क्रीन समय, स्क्रीन सामग्री और नींद की गड़बड़ी का आत्मघाती विचारों और कृत्यों के साथ संबंध - एक क्रॉस-सेक्शनल पायलट अध्ययन

26. डीएसएम-5 बायपोलर अवसाद में मिश्रित लक्षणों से जुड़ी प्रोफ़ाइल और नैदानिक विशेषताओं का वर्णन: एक अवलोकनात्मक, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

27. टैक्सेन-आधारित कीमोथेरेपी के प्रक्रियाधीन स्तन कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक हानि: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

28. टैक्सेन-आधारित कीमोथेरेपी के प्रक्रियाधीन स्तन कैंसर के रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक हानि, जिसमें तनाव, अवसाद, शारीरिक इमेज, संकट और जीवन की गुणवत्ता भी शामिल है: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

9.35_.indd 899 1/15/2026 6:24:07 PM

29. आयु-मिलान वाले सिस-जेंडर रोगियों सहित लिंग असंगति वाले लोगों में सामाजिक-नैदानिक विशेषताओं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन,

30. केंद्रीय संवेदीकरण वाले क्रोनिक मैकेनिकल लोअर बैक वाले रोगियों में व्यायाम चिकित्सा बनाम केवल व्यायाम चिकित्सा के साथ स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा की तुलना

31. बचपन में ट्रॉमा के साथ और बिना ट्रॉमा के वयस्क सिज़ोफ्रेनिया रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल, कार्यप्रणाली, स्मृति, सीरम कोर्टिसोल, बीडीएनएफ की तुलना

32. भारत में मानसिक रोग से ग्रस्त रोगियों के लिए अंतर्दृष्टि पैमाने का विकास तथा पुष्टिकरण

33. आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, ऑटिज्म और एएसडी सह-रुग्णता के साथ एडीएचडी से पीड़ित 3-11 वर्ष की आयु के बच्चों की शीघ्र पहचान के लिए द्विभाषी मोबाइल-ऐप आधारित न्यूरो-संज्ञानात्मक स्क्रीनिंग टूल का विकास।

34. एडीएचडी से ग्रस्त किशोरों के लिए माइंडफुलनेस-आधारित इन्टर्वेंशन का विकास (पीएचडी थीसिस)

35. कैंसर से पीड़ित बच्चों में तंत्रिका-संज्ञानात्मक तथा मनो-व्यवहार संबंधी कमियों का शीघ्र पता लगाना और पुनर्वास: एक स्क्रीनिंग स्केल और एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन का विकास

36. स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से अवसाद उपचार प्रतिक्रिया का प्रारंभिक पूर्वानुमान - एक संभावित, समूह अध्ययन।

37. मानसिक बीमारी से ग्रस्त युवाओं में संज्ञानात्मक और भावनात्मक प्रोसेसिंग पर अकेलेपन का प्रभाव: एक इन्टर्वेंशन अध्ययन

38. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों एवं गैर-आक्रामक बायोमार्करों की पहचान को स्पष्ट करना

39. महिला यौन रोग की खोज: सामान्य मानसिक विकारों वाली महिलाओं में व्यापकता और निर्धारक - एक क्रॉस-सेक्शनल, अवलोकनात्मक अध्ययन

40. अटेंशन डेफिसिट हाईपर एक्टिविटी विकार वाले किशोरों में सोशल मीडिया के उपयोग और उसके सहसंबंधों की खोज: एक केस नियंत्रण अध्ययन

41. नॉन-इपिलेप्टिक सीजर्स के साथ डिसोसिएटिव तंत्रिका विज्ञान संबंधी लक्षण विकार के वयस्क रोगियों में इन्ट्रलाइज्ड स्टिग्मा और इसके सहसंबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

42. चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके ओब्सेसिव-कम्प्लसिव विकार में एंटीरियर सिंगुलेट कॉर्टेक्स और डोर्सलेटरल पार्श्व प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स गामा-एमिनोब्यूटिरिक एसिड और ग्लूटामेट-ग्लूटामाइन के स्तर की जांच

43. मशीन लर्निंग आधारित आत्महत्या संबंधी व्यवहार पूर्वानुमान, और 15-29 वर्ष की आयु के आत्महत्या का प्रयास करने वालों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार इंटरवेंशन का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

9.35_.indd 900 1/15/2026 6:24:07 PM

44. फस्ट एपिसोड मनोविकृति में मोबाइल ऐप आधारित मनोसामाजिक इंटरवेंशन

45. आंतरिक विकारों वाले किशोरों के बीच एक ट्रांस-डायग्नोस्टिक उपचार दृष्टिकोण के रूप में न्यूरो-बायोफीडबैक

46. फस्ट एपिसोड में अनुपचारित अवसाद में पेरिफेरल इंफ्लामेट्री मार्कर - एक केस नियंत्रण अध्ययन

47. उपचार प्रतिरोधी सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में क्लोज़ापाइन की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान - एक पायलट अध्ययन। (थीसिस गाइड)

48. भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में गैर-मनोचिकित्सा नैदानिक सेटिंग्स में भर्ती बुजुर्ग रोगियों में मानसिक विकारों की व्यापकता - एक क्रॉस-सेक्शनल, अवलोकनात्मक अध्ययन

49. अवसाद में उपचार प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए क्वान्टेटिव इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम क्यूईईजी बायोमार्कर - एक अनुदैर्ध्य अवलोकनात्मक पायलट अध्ययन

50. संक्रमणकालीन आयु वाले युवाओं में आत्म-क्षति (टीएवाई): एक मूल्यांकन उपकरण का विकास और पुष्टिकरण तथा ट्रॉमा-केंद्रित सीबीटी इंटरवेंशन मॉड्यूल का यादृच्छिक संभाव्यता परीक्षण

51. संक्रमणकालीन आयु वाले युवाओं में आत्म-क्षति (टीएवाई): एक मूल्यांकन उपकरण का विकास और पुष्टिकरण तथा ट्रॉमा-केंद्रित सीबीटी इंटरवेंशन मॉड्यूल का यादृच्छिक व्यवहार्यता परीक्षण

52. आंतरिक विकार वाले किशोरों में सहायक ट्रांसडायग्नोस्टिक उपचार के रूप में न्यूरोफीडबैक प्रशिक्षण का अध्ययन

53. भारतीय किशोरों में ट्रॉमा, रेसिलियंस और ट्रॉमा के बाद के तनाव विकार (पीटीएसडी) का महामारी विज्ञान।

54. नव निदान स्तन कैंसर रोगियों के लिए तनाव में कमी और उससे लड़ने की नीतियों पर स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा की प्रभावशीलता का आकलन करना।

पूर्ण

1. पार्किंसंस रोग में सबथैलेमिक न्यूक्लियस के डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के बाद संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में परिवर्तन का एक केस कंट्रोल अध्ययन

2. गैर-मनोवैज्ञानिक अवसाद से ग्रस्त भारतीय रोगियों में अवसादरोधी दवाओं के प्रति शुरूआती उपचार प्रतिक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अध्ययन।

3. सैकैडिक गतिविधियों के दौरान एफएनआईआरएस का उपयोग करने वाले एडीएचडी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल सक्रियण पर मेथिलफेनिडेट का तीव्र प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

4. बायपोलर विकार से ग्रस्त रोगियों में क्रोनोटाइप से जुड़े नैदानिक कारकों का आकलन, थीसिस प्रस्तुत की गई, जून 2024, एम्स, नई दिल्ली,

5. बायपोलर विकार वाली महिलाओं में मासिक धर्म पूर्व बेचैनी विकार (पीएमडीडी) की नैदानिक विशेषताएं

9.35_.indd 901 1/15/2026 6:24:07 PM

6. ओसीडी में कोर प्रेरणा का न्यूरोकॉग्निटिव कार्यप्रणाली तथा प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल हेमोडायनामिक गतिविधि के साथ सहसंबंध

7. ओब्सेसिव-कम्प्लसिव विकार के लिए समूह संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी: विकास तथा संभाव्यता अध्ययन

8. बच्चों एवं किशोरों में मनोवैज्ञानिक ट्रॉमा रेसिलियंस: एक बहुआयामी पैमाने का विकास तथा मनोमितीय गुण

9. एक तृतीयक उपचार केंद्र के मनोचिकित्सा बाह्य-रोगी क्लिनिक से बचपन और किशोरावस्था में शुरू होने वाले लिंग डिस्फोरिया का सामाजिक-नैदानिक प्रोफ़ाइल

10. मामूली और घातक ओवेरियन मास वाली महिलाओं में जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल तथा ट्यूमर मार्कर एवं उनकी जीवनशैली पर इन नियोप्लाज्म का प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. भारतीय परिवेश में कम जोखिम बनाम उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में तनाव और अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

2. वयस्क रोगियों में अधिग्रहित त्वचीय मैक्यूलर हाइपरमेलानोसिस के मनोसामाजिक प्रभाव को मापने के लिए एक पैमाना विकसित करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

3. विटिलिगो के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता तथा रोगी द्वारा महसूस किए जाने वाले स्टिग्मा पर कॉस्मेटिक कैमफलेज के प्रभाव का एक संभावित समूह अध्ययन, त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

4. मनोवैज्ञानिक गैर-मिरगी के दौरे वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी बनाम योग निद्रा की प्रभावशीलता की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग

5. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार के साथ राइबोफ्लेविन सप्लिमेंटेशन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

6. पोस्ट ट्रॉमेटिक मीडियम मिक्स्ड वेसल रिपेयर के प्रक्रियाधीन रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव सिस्टमिक एंटीकोएगुलेशन के प्रभाव को देखने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, ज.प्र.ना.ऐ.ट्रा.कें.

7. ट्रॉमा के बाद घुटने के नीचे के अंग-विच्छेदन रोगियों में संतुलन, गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर तत्काल पश्चात शल्यक्रिया कृत्रिम अंग (आईपीओपी) बनाम पारंपरिक कृत्रिम अंग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

8. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में माध्यमिक उपचार सुविधा में उपस्थित मधुमेह रोगियों के बीच आध्यात्मिक कल्याण का एक अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

9.35_.indd 902 1/15/2026 6:24:07 PM

9. श्रवण मतिभ्रम के साथ सिज़ोफ्रेनिया में कॉर्टिकोकॉर्टिकल उत्तेजक-निरोधात्मक सर्किटरी गतिशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, शरीर-क्रिया विभाग

10. कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मनोसामाजिक तथा व्यावहारिक डोमेन का परीक्षण करने के लिए एक अध्ययन: मिश्रित अध्ययन डिजाइन, एनडीडीटीसी, एम्स

11. भारतीय मलिन बस्तियों (एआरटीईएमआईएस) में मानसिक स्वास्थ्य के लिए किशोरों की रिजिलियन्स तथा उपचार की आवश्यकताएं, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली

12. भारत में गर्भावस्था तथा शुरूआती बचपन के विकास पर वायु प्रदूषण का प्रभाव-(एपीआईपीईडी कोहोर्ट), सामुदायिक चिकित्सा विभाग

13. एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों तथा जीवनशैली की भूमिका का अन्वेषण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

14. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके अवसादरोधी उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान में मोनोएमीनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहुरूपताओं और उनकी भूमिका का आकलन, भेषजगुण विभाग

15. बचपन के प्रतिकूल तथा सदभावपूर्ण अनुभवों एवं सकारात्मक बचपन के अनुभवों के बीच वयस्क स्वास्थ्य और कार्यप्रणाली पर संबंध, जिपमेर, पुडुचेरी

16. गंभीर अवसादग्रस्तता विकारों के नैदानिक फेनोटाइप के साथ आनुवंशिक वेरिएंट का संबंध और उपचार परिणामों के लिए उनका पूर्वानुमानात्मक मूल्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, भोपाल

17. गैलानिन और उसके रिसेप्टर जीन में बहुरूपता और ओपिओइड निर्भरता का संबंध: एक केस नियंत्रण अन्वेषणात्मक अध्ययन, एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली

18. बाल्यावस्था कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम (सीसीएसपी), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

19. पूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के प्रत्यारोपण के साथ-साथ दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

20. प्लाज्मा स्तरों का तुलनात्मक विश्लेषण और अंतःशिरा बनाम भाषा ब्यूप्रेनॉर्फिन के व्यक्तिपरक प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड डबल डमी अध्ययन, राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी), गाजियाबाद

21. अवसादग्रस्त रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों में एफएमआरआई और एफएनआईआरएस का उपयोग करके कॉर्टिकल एक्टिवेशन का तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर विभाग

22. घुटने के ऊपर के ट्रॉमाजन्य विच्छेदन के बाद लक्षित मांसपेशी पुनर्निर्वहन बनाम पारंपरिक स्टंप तैयारी के प्रक्रियाधीन रोगियों में दर्द की स्थिति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

23. जराचिकित्सा चिकित्सा विभाग

24. अवसाद के रोगियों में आत्म-क्षति और आत्महत्या के प्रयासों के पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित विधियों का विकास और मूल्यांकन, शरीर रचना विज्ञान विभाग

9.35_.indd 903 1/15/2026 6:24:07 PM

25. बाल चिकित्सा शुरूआती सीएनएस अर्जित डिमाइलिनेशन सिंड्रोम में न्यूरोबिहेवियरल परिणाम के नवीनतम अनुवर्ती और मूल्यांकन के साथ प्रारंभिक प्रस्तुति का नैदानिक समझौता: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग

26. मानसिक स्वास्थ्य उपचार में डिजिटल इन्टर्वेंशन-आईसीएमआर-उन्नत अनुसंधान केंद्र, एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर

27. ईईजी कॉर्टिकल स्रोत और अटेंशन डेफिसिट हाइपरटेंशन में कार्यशील स्मृति तथा भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

28. चेहरे के भावों की पहचान के दौरान ईईजी माइक्रोस्टेट्स और इसके कॉर्टिकल स्रोत, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

29. क्रोनिक अनिद्रा के लिए आयुष द्वारा 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' का प्रभाव: एक ओपन लेबल, डबल आर्म, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण - एक प्रोटोकॉल, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

30. फरीदाबाद, हरियाणा में औद्योगिक श्रमिकों के बीच तनाव, नींद की गुणवत्ता तथा जीवन की गुणवत्ता पर "कार्यस्थल पर योग-विराम" का प्रभाव, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

31. अवसाद से ग्रस्त मरणोपरांत रोगियों के मस्तिष्क के ऊतकों में रेनिन एंजियोटेंसिन प्रणाली मार्करों पर एसीई अवरोधकों एवं एंजियोटेंसिन रिसेप्टर अवरोधकों का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग

32. टेस्टिकूलर और एडरेनल कार्यों पर अवसादरोधी दवा (एस्सिटालोप्राम) का प्रभाव, प्रजनन जैव विज्ञान विभाग

33. अवसादग्रस्त व्यक्तियों में उपचार प्रतिक्रिया पर एंटीडिप्रेसेंट्स और रेनिन-एंजियोटेंसिन-एल्डोस्टेरोन सिस्टम (आरएएएस) मॉड्यूलेटर की ऐड-ऑन थेरेपी का प्रभाव: आरएएएस से संबंधित बायोमार्कर और उनकी जीन एक्सप्रेशन के साथ सहसंबंध विश्लेषण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

34. अवसादग्रस्त रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन तथा न्यूरोप्लास्टिसिटी पर अवसादरोधी दवाओं का प्रभाव - आईसीएमआर, भेषजगुण विभाग द्वारा वित्तपोषित

35. सेप्टिक शॉक से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में फ्रोन्टल कोर्टेक्स की कैम-आईसीयू और कार्यात्मक निकट-अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) निर्देशित मैपिंग द्वारा अनुमानित डेलीरियम पर कुमुलेटिव फ्लूड संतुलन का प्रभाव - एक संभावित अवलोकन अध्ययन, संवेदनहरण विज्ञान विभाग

36. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार के रोगियों में नासिका श्वास पैटर्न का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

37. कोविड महामारी के दौरान अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं पर तनाव पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव - डीएसटी द्वारा वित्तपोषित, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

38. क्रोनिक अनिद्रा में योग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

39. एम्स जोधपुर में बायपोलर एफेक्टिव भावात्मक विकार के बीच वैश्विक कार्यप्रणाली, दवा पालन, पुनरावृत्ति दर पर सामुदायिक पुनः प्रवेश कार्यक्रम की प्रभावशीलता, एम्स, जोधपुर

9.35_.indd 904 1/15/2026 6:24:08 PM

40. मोटापे और गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवनशैली इंटरवेंशन बनाम रिपिटिटिव ट्रांसक्रैनियल उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता: डीएसटी, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग द्वारा वित्तपोषित एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी)

41. मीडियम यूनिपोलर अवसाद से ग्रस्त वृद्ध रोगियों में एकल उपचार के मानक की तुलना में उपचार के मानक के साथ संयोजन में सहायक प्रोबायोटिक्स की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड समानांतर-समूह, प्लेसीबो-नियंत्रित बहु-केंद्र पायलट परीक्षण, आईसीएमआर - वृद्धजन एवं मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

42. आत्महत्या करने वालों के मस्तिष्क के ऊतकों एवं रक्त में केंडिडेट जीनों का एपिजेनेटिक सहसंबंध: आत्महत्या की प्रवृत्ति की पुष्टि करना तथा इंटर्वेंशन बाद एपिजेनेटिक परिवर्तनों का मूल्यांकन, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग

43. भावनात्मक विकारों में तनाव और संज्ञानात्मक-भावात्मक प्रोसेसिंग की जांच, मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

44. मानसिक बीमारी पर व्यय का वित्तीयन - एनसीआर का एक केस अध्ययन - पीएच.डी थीसिस, इग्नू -, इग्नू, दिल्ली

45. 46 XX कैरियोटाइप के साथ क्लासिकल 21-हाइड्रॉक्सिलेज़ की कमी से पीड़ित जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लासिया वाले बच्चों और किशोरों (8-19 वर्ष) में लिंग भूमिका संबंधी व्यवहार और यौवन संबंधी मुद्दे,: एक क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषणात्मक अध्ययन", बाल चिकित्सा अंत:स्रावि‍की विज्ञान विभाग

46. मोटापे तथा कोर्मोबिड अवसाद से ग्रस्त रोगियों में 6 महीने तक योग-आधारित जीवनशैली इंटर्वेंशन के बाद आनुवंशिक और कोशिकीय परिवर्तन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

47. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में मोनोएमीनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहुरूपताओं की आनुवंशिक एक्सप्रेशन और अवसादरोधी प्रतिक्रिया के साथ उनका संबंध - भेषजगुण विज्ञान विभाग द्वारा वित्तपोषित

48. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में मोनोएमीनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहुरूपताओं की आनुवंशिक अभिव्यक्ति और अवसादरोधी प्रतिक्रिया के साथ उनका संबंध, भेषजगुण विज्ञान विभाग

49. भारतीय जनसंख्या में आत्महत्या करने वालों में एपिजेनेटिक संशोधन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए जीनोम-व्यापी डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग

50. बच्चों में प्रोफ़ाइल को डिकोड करके उनके ध्वनिक स्वर अटेंशन- डिफ़िक्ट हाईपरक्टिविटी विकार (एडीएचडी) के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

51. आधारिक अंग विच्छेदन/विच्छेदनों वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता एवं तनाव बायोमार्कर पर मनोसामाजिक इंटेर्वेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, ज.प्र.ना.ऐ.ट्रा.कें.

9.35_.indd 905 1/15/2026 6:24:08 PM

52. नई दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में दीर्घकालिक कोविड एवं चुनिंदा स्वास्थ्य स्थितियों के साथ इसका संबंध: एक समुदाय-आधारित, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

53. स्तन कैंसर रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों में स्तन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के निर्धारकों का बहुस्तरीय अध्ययन - पीएच.डी, निवारक अर्बुदविज्ञान विभाग, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई)

54. आइडोपेथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म में कोगनेटव और न्यूरोसाइकियाट्रिक डिसफंक्शन का प्राकृतिक इतिहास और इसके सहसंबंध, जिसमें जनसांख्यिकीय, चयापचय, इंट्राक्रैनील कैल्सीफिकेशन और कार्यात्मक एमआरआई-डीएम शामिल हैं, अंत:स्रावि‍की विज्ञान विभाग

55. कम से कम 24 महीनों तक छूट में बाल चिकित्सा-शुरूआती सीएनएस अर्जित डिमाइलिनेशन सिंड्रोम में न्यूरोकॉग्निटिव परिणाम: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान विभाग

56. हाइपोपैराथायरायडिज्म में न्यूरोसाइकिएट्रिक और संज्ञानात्मक शिथिलता, पारंपरिक चिकित्सा पर आइडोपेथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में 10 वर्षों के फोलोअप अध्ययन के बाद इसका स्वाभाविक क्रम और इन शिथिलताओं का उनके कैल्सेमिक कंट्रोल पर प्रभाव, अंत:स्रावि‍की विज्ञान विभाग

57. निर्णय लेने का तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक आधार: मध्यकालीन टेम्पोरल लोब मिर्गी में संज्ञानात्मक कार्य के लेटरलाइजेशन का परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली एवं मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

58. 15-30 वर्ष की आयु के ट्रॉमा-ग्रस्त व्यक्तियों में आत्महत्या संबंधी व्यवहारों की मनोसामाजिक और एपिजेनेटिक गतिशीलता, रोगी: आत्महत्या करने वालों के भाई-बहनों पर मनोवैज्ञानिक इंटेर्वेनशन का प्रभाव, न्याय एवं विष विज्ञान विभाग

59. 15-30 वर्ष की आयु के ट्रॉमा-ग्रस्त रोगियों में आत्महत्या संबंधी व्यवहार की मनोसामाजिक और एपिजेनेटिक गतिशीलता: आत्महत्या करने वालों के भाई-बहनों पर मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन का प्रभाव - पीएच.डी, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग

60. विटिलिगो रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया की धारणा पर गुणात्मक अध्ययन, त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

61. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रस्त बांझ महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता, नींद, यौन क्रियाशीलता और परेशानी: साइकोमेट्रिक टूल्स का हिंदी अनुवाद और सत्यापन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

62. सुधारात्मक व्यवस्थाओं के कैदियों के लिए पुनरावृत्ति निवारण मनो-व्यवहार इंटरवेंशन मॉड्यूल - एक फोरेंसिक इंटरवेंशन अध्ययन, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

63. राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में जराअर्बुदविज्ञान क्लिनिक में मूल्यांकन किए गए कैंसर से पीड़ित वृद्ध रोगियों का व्यापक वृद्धावस्था मूल्यांकन और ऑन्कोलॉजिकल मूल्यांकन के परिणामों का पूर्वगामी एवं भावी विश्लेषण।

9.35_.indd 906 1/15/2026 6:24:08 PM

64. ओपन रेडिकल सिस्टेक्टोमी के प्रक्रियाधीन रोगियों में प्रीऑपरेटिव ऑप्टिमाइज़ेशन नीति के रूप में मल्टीमॉडल प्रीहैबिलिटेशन प्रोग्राम की भूमिका: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, मूत्ररोग विभाग

65. अवसाद से ग्रस्त व्यक्ति में अवसादरोधी उपचार प्रतिक्रिया पर रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और इसके मॉड्यूलेटर की भूमिका, भेषजगुण विज्ञान विभाग

66. अल्फा-सिन्यूक्लिन के लिए एसएमएआरएसए संवेदनशील चुंबकीय सहायक नैनो-कण रैपिड सैंडविच परख): सीरम में अल्फा-सिन्यूक्लिन के परिमाणीकरण के लिए कार्ट्रिज-आधारित ईएलआईएसए की पुष्टि, जैवभौतिकी विभाग, एम्स

67. विकासात्मक डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बच्चों में भाषा प्रोसेसिंग में दृश्य-स्थानिक जटिलता के संरचनात्मक और कार्यात्मक सहसंबंध, आईसीएमआर-एसआरएफ परियोजना, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

68. टास्क फोर्स परियोजना "नींद संबंधी विकारों के उपचार के लिए नार्डोस्टैचिसजाटामांसी और विथानियासोम्निफेरा फॉर्मूलेशन का विकास", तंत्रिका विज्ञान विभाग

69. मन-भटकाव क्रिया-निषेध को कैसे प्रभावित करता है, इसका परीक्षण, आईआईटी, नई दिल्ली

70. चोट के बाद घुटने के ऊपर के विच्छेदन वाले रोगियों में प्रोस्थेसिस अनुकूलनशीलता एवं चलने-फिरने के संबंध में पारंपरिक अभ्यासों के साथ आइसोकाइनेटिक प्रशिक्षण के प्रभाव की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

71. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) में कोग्नेटिव फंकशन में सुधार के लिए ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना, नेत्ररोग विज्ञान विभाग, डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

72. कोक्लीयर इम्प्लांटेशन प्रक्रियाधीन प्रीलिंगुअल प्रोग्रेसिव एसएनएचएल रोगियों में कार्यात्मक निकट इन्फेरेरीड स्पेक्ट्रोस्कोपी पर भावी श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि परिवर्तनों का मूल्यांकन करना, कान, नाक एवं गला रोग विभाग

73. घुटने के ऊपर के विच्छेदन वाले रोगियों (पोस्ट ट्रॉमेटिक) में शल्य चिकित्सा के बाद के परिणाम, संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में तत्काल पोस्ट-ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययन करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, ज.प्र.ना.ऐ.ट्रॉ.कें.

74. आघात के बाद बाल चिकित्सा विच्छेदन में अवशिष्ट अंग दर्द और काल्पनिक अंग दर्द/संवेदना को कम करने में लक्षित मांसपेशी पुनर्संरचना (टीएमआर) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना - एक संभावित समूह अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, ज.प्र.ना.ऐ.ट्रॉ.कें.

75. बचपन के अवसाद पर योग आधारित जीवनशैली इंटरवेंशन के प्रभाव का अध्ययन करना, शरीर रचना विज्ञान विभाग

76. हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद बाल चिकित्सा दुर्दमता रोगियों में व्याप्त मानसिक मोर्विडिटिस और नींद की गड़बड़ी का अध्ययन करना, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रभाग, बालचिकित्सा विभाग

9.35_.indd 907 1/15/2026 6:24:08 PM

77. आत्महत्या के शिकार लोगों के परिवार और मित्रों के लिए ट्रॉमा-केंद्रित पोस्टवेंशन मॉड्यूल - विकास और पुष्टिकरण, न्याय एवं विष विज्ञान विभाग

78. भारत में बच्चों तथा युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को समझना: इंटरआरएआई मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग, वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, ओंटारियो, कनाडा

79. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में संरचनात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों को समझना, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद विभाग

80. बच्चों और किशोरों के लिए विटिलिगो प्रभाव पैमाना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

पूर्ण

1. विटिलिगो से पीड़ित बच्चों और किशोरों तथा उनके प्राथमिक उपचारकर्ताओं में जीवन की गुणवत्ता में आई गिरावट का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और विटिलिगो से पीड़ित बच्चों और किशोरों में समान आयु और लिंग के स्वस्थ नियंत्रण समूहों की तुलना में अवसाद, तनाव और कम आत्मसम्मान की व्यापकता की तुलना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

2. त्वचारोग विज्ञान के रोगियों और उनके परिवार में जीवन की गुणवत्ता, तनाव, अवसाद और कथित कलंक का एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

3. एम्स, नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण कराने वाले रोगियों के बीच मोबाइल एप्लीकेशन आधारित गृह देखरेख प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

4. यौन विकास विकारों से ग्रस्त बच्चों के उपचार के लिए बहु-विषयक क्लिनिक और बोर्ड के कार्यान्वयन का आकलन और उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव, डीएम, बाल अंत:स्रावि‍की विज्ञान विभाग

5. सेवोफ्लुरेन बनाम कुल अंतःशिरा संवेदनाहरण के साथ बच्चों में आपात डेलीरियमका पता लगाने के लिए कार्यात्मक निकट-अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

6. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल इपिलेप्सी से पीड़ित 5 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में संज्ञान, व्यवहार और विशिष्ट कार्य के साथ नींद की संरचना का सहसंबंध, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान विभाग

7. मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

8. दिल्ली में एचआईवी के लक्षित इंटेर्वेंशन स्थलों पर नामांकित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में अवसाद और तनाव, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

9. मनसा प्रकृति (मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व लक्षण) के आकलन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली

9.35_.indd 908 1/15/2026 6:24:08 PM

10. बाल चिकित्सा में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से प्राप्त डिमाइलिनेशन सिंड्रोम के फ्रस्ट एपिसोड और क्रोनिक न्यूरोबिहेवियरल परिणाम की नैदानिक पुष्टि: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग

11. अवसादग्रस्त रोगियों में न्यूरो-डीजनरेशन और न्यूरोप्लास्टिसिटी पर एंटीडिप्रेसेंट्स का प्रभाव, भेषजगुण विभाग

12. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और गैर-आक्रामक बायोमार्करों की पहचान को स्पष्ट करना, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद विभाग

13. भ्रूण संबंधी विसंगतियों के कारण गर्भावस्था की दूसरी तिमाही की चिकित्सा समाप्ति की प्रक्रियाधीन महिलाओं की भावनात्मक प्रतिक्रिया और मानसिक स्वास्थ्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

14. परिवर्तन तत्परता और उपचार उत्सुकता स्केल (सोक्रेट्स) के स्तर का हिंदी अनुवाद एवं मनोमितीय सत्यापन, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी)

15. कोगनेटिव इम्पेयरड वाले सिर की कम चोट वाले रोगियों के लिए बायोमार्कर की पहचान, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

16. साइकोजेनिक गैर-मिरगी के दौरों वाले रोगियों में दौरा-रोधी दवा का तुरंत बनाम देरी से बंद होना - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग

17. निचले लिम्ब विच्छेदन वाले रोगियों में फेनटोम लिम्ब दर्द पर आरटीएमएस बनाम दवा चिकित्सा का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

18. बचपन में ठोस घातक ट्यूमर से बचे लोगों में मनो-सामाजिक तथा दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता, बाल चिकित्सा-अर्बुदविज्ञान, आईसीएमआर

19. इंटरनेशनल सेक्स सर्वे, मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय, कनाडा

20. चरण-I प्राथमिक उच्च रक्तचाप के उपचार के लिए आयुर्वेदिक इंटरवेंशन सर्पगंधा मिश्रण) बनाम एम्लोडिपिन पर संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग

21. एडीएचडी में क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और ध्यान एवं इंटरवेंशन की सूक्ष्म अवस्थाएँ: एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर-पीएच.डी, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

22. त्वचा रोग से पीड़ित रोगियों का गैर-त्वचारोग विज्ञान सेटिंग्स में उपचार कैसे किया जाता है, इस पर गुणात्मक अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

23. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रक्रियाधीन बुजुर्ग मरीजों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक शिथिलता में ओपिओइड-स्पेयरिंग एनेस्थीसिया की भूमिका, एक डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड कंट्रोल अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

24. सामान्यीकृत तनाव विकार (जीएडी) वाले रोगियों में लेटरलाइज्ड कोंगनिटिव और भावात्मक प्रोसेसिंग पर श्वास-केन्द्रित प्रभावों का परीक्षण करना, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

9.35_.indd 909 1/15/2026 6:24:08 PM

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-23	2023-2024	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	16	41	37
कुल वित्तपोषण (₹)	1680.10 लाख रुपये	2557.49 लाख रुपये	2727.79 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 110 सार: 12 पुस्तकों में अध्याय: 15 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**151**	**152**	**138**
पत्रिका लेख	108	127	110
सार	12	05	12
पुस्तकों में अध्याय	29	18	15
पुस्तकें	02	02	01

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ (विशेष सहित)
क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं (ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि। कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी प्रदान करें।

विशिष्टता क्लीनिक

मनोदैहिक क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

सामान्य मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विशेषज्ञ सेवाएँ

गंभीर मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

ब्रेन स्टीलेश/टीएमएस क्लिनिक सप्ताह में एक बार गुरुवार को

ह्.तं.केन्द्र में न्यूरोसाइकियाट्री ओपीडी मंगलवार को हफ़्ते में एक बार।

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोचिकित्सा सेवाएं।

डूअल निदान क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशिष्टता क्लीनिक/स्पेशल प्रयोगशालाएं/स्पेशल चिकित्सा)

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशिष्ट क्लीनिक/स्पेशल प्रयोगशालाएं/स्पेशल चिकित्सा)

9.35_.indd 910 1/15/2026 6:24:09 PM

- **न्यूरोमॉड्यूलेशन में उन्नत अनुसंधान तथा उत्कृष्टता केंद्र** (आरटीएमएस एवं डीप टीएमएस सुविधा) - प्रतिदिन 6-10 रोगियों को आरटीएमएस और डीप टीएमएस प्रदान करता है।

- **ब्रेन मैपिंग लैब सुविधा -** मस्तिष्क मैपिंग के लिए अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए मौजूदा एफएनआईआरएस, क्यूईईजी और आई ट्रैकिंग प्रणाली में डिजिटल संज्ञानात्मक परीक्षण को जोड़ा गया।

- **एमईसीटी सुविधा -** एमईसीटी की कार्यप्रणाली में बेहतर डेटा संग्रहण/डिजिटलीकरण; कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक जांच को जोड़ा गया; एमईसीटी की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ केटामाइन, कीटोफोल और एटोमिडेट के उपयोग की उपयोगिता को जोड़ा गया।

- **उच्च स्पष्टता ट्रांसक्रैनियल विद्युत उत्तेजना -** कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक परीक्षण और समकालिक ईईजी की उपयोगिता के साथ संयुक्त न्यूरोमॉड्यूलेशन सुविधा के रूप में एचडी-टीडीसीएस विकसित किया गया।

सामुदायिक सेवा

- एम्स-बीएसएफ मनोरक्षक टेली-काउंसलिंग हेल्पलाइन सेवा परियोजना - एक पायलट परियोजना

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य प्रताप शरण छात्र कल्याण के प्रभारी आचार्य हैं; मुख्य समन्वयक हैं एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार समिति के मुख्य समन्वयक हैं; परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य (नैदानिक विज्ञान); तथा एम्स, नई दिल्ली में ट्रांसजेंडर नैदानिक सेवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य हेतु मार्गदर्शन कर रहे हैं। वह आईसीडी-11 मानसिक, व्यावहारिक और तंत्रिका-विकास संबंधी विकारों के प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं (2018 - से आगे); डब्ल्यूएचओ, मानसिक और तंत्रिका विज्ञान पूर्व-सेवा शिक्षासमूह, डब्ल्यूएचओ केट्रांस और लिंग विविध लोगों के स्वास्थ्य के लिए दिशा-निर्देश विकास समूह, डब्ल्यूएएसपी कॉर्शन ग्रुप, और कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य के लिए डब्ल्यूएचओ की उन्नत पर्यवेक्षक क्षमताओं के समीक्षक: फैसिलिटेटर गाइड (एएससीईएनडी) और मानसिक, तंत्रिका संबंधी और औषध उपयोग की स्थितियों के लिए एमएचजीएपी इंटरवेंशन गाइड के लिए प्रोटोटाइप जनरल कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स (सीएचडब्ल्यू) के लिए एमएचजीएपी जॉब सहायता प्रदान की। वे परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के विषय-वस्तु विशेषज्ञ हैं; सशस्त्र बलों में आत्महत्या/भ्रातृहत्या के मामलों को न्यूनतम करने पर अध्ययन समूह के सदस्य हैं; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के लिए समिति आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री योजना के स्वास्थ्य लाभ पैकेजों का युक्तिकरण (मानसिक स्वास्थ्य पैकेज),ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के चिकित्सा उपचार के लिए एसओपी तैयार करने के लिए डीजीएचएस विशेषज्ञ समिति तथा यौन भेदभाव (इंटरसेक्स) के विकार वाले शिशुओं/बच्चों में चिकित्सा इंटरवेंशन के लिए दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए डीजीएचएस विशेषज्ञ समिति; आत्महत्या रोकथाम पर बहुकेंद्रित अध्ययन के बाह्य मूल्यांकन के लिए आईसीएमआर समिति एवं मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई, यूएनए की स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति वह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के लिए एक चिकित्सा विशेषज्ञ हैं; जनजातीय कार्य मंत्रालय की सीओई योजना हेतु; रिसोर्स पर्सन हैं और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार के लिए राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की विशेषज्ञ समिति के सदस्य है। उन्होंने एनएम डे ओरेशन शीर्षक "पीढ़ी बीटा के लिए आईसीडी-11 एमबीएनडीडी गाथा का क्रॉनिकलिंग" व्याख्यान दिया। भारतीय सामाजिक मनोचिकित्सा संघ के 31वें राष्ट्रीय सम्मेलन (मैसूर, 4-5 नवंबर 2024) में व्याख्यान दिया और पाटलिपुत्र मनोचिकित्सा सोसायटी के 28वें वार्षिक सम्मेलन में 'व्यक्तित्व विकारों में पी-फैक्टर' शीर्षक से आचार्य आरपीएन सिंह मेमोरियल व्याख्यान (देवघर, 14-15 दिसंबर 2024); एवं राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य सम्मेलन,

9.35_.indd 911 1/15/2026 6:24:09 PM

जनजातीय कार्य मंत्रालय (नई दिल्ली, 20 जनवरी 2025) में मुख्य भाषण किया। वे एम्स के नर्सिंग कॉलेज में 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय' विषय पर आयोजित कार्यशाला (एम्स, नई दिल्ली, 9 अक्टूबर 2024) के मुख्य अतिथि और डीजीएचएस मानसिक स्वास्थ्य चैंपियन प्रशिक्षक प्रशिक्षण ईसीएचओ कार्यक्रम (ऑनलाइन, 10 जनवरी 2025) के नर्सिंग प्रभाग में मुख्य अतिथि थे। वे आईपीएस की सीपीजी समिति के अध्यक्ष हैं; आईपीएस नेतृत्व विकास कार्य बल के सलाहकार; आईपीएस उत्तरी क्षेत्र की सीएमई समिति के अध्यक्ष; और आईएसीएएम संविधान समिति के अध्यक्ष हैं। वह इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री के अध्यक्ष हैं; और जर्नल फॉर ईटिंग डिसऑर्डर्स के वरिष्ठ संपादक; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के सह-संपादक; पीएलओएस मेंटल हेल्थ के प्रबंध संपादक; और कई पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। उन्होंने कई पत्रिकाओं के लिए सहकर्मी समीक्षक के रूप में कार्य किया है, जिनमें शामिल हैं जैसे, बीएमजे ओपन, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, सार्वजनिक स्वास्थ्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ सिस्टम्स, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ,ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकियाट्री, और बी.जे. साइक इंटरनेशनल।

आचार्य राजेश सागर केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (सीएमएचए), मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के तहत नियामक निकाय के सदस्य हैं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, और इसे भारत के राजपत्र अधिसूचना में विधिवत उल्लिखित किया गया है तथा वह बैठकों में शामिल हुए हैं। वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की परिषद और वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) दोनों के सदस्य हैं और इन्होंने बैठकों में भाग लिया है। वह एलजीबी क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तेजपुर, असम (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन) बोर्ड ऑफ गवर्नर (बीओजी) के सदस्य हैं, और माननीय केंद्रीय परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में इसकी 10वीं बैठक में भाग लिया और बैठकों में शामिल हुए। वह मार्च, 2025 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान के सर्वोच्च वैधानिक निकाय, संस्थान निकाय (आईबी) के सदस्य हैं जो बैंगलोर में और राजपत्र में अधिसूचित हैं। वह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) की शासी परिषद और परियोजना निगरानी समिति के सदस्य हैं। वह भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी द्वारा जर्नल-सब कमेटी के सह-अध्यक्ष थे। उनका नाम वर्ष 2023 के लिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन द्वारा दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की रैंकिंग में सूचीबद्ध किया गया था (लगातार चौथे वर्ष)। वह कार्यकारी निदेशक, राज्य परिवार नियोजन सेवा परियोजना एजेंसी (एसआईएफपीएसए)/मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और जीवन कौशल पर युवाओं के लिए प्रशिक्षण और संचार पैकेज के विकास के लिए तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के सदस्य थे, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत) द्वारा समर्थित था और इन्होंने कई बैठकों में भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए आईईसी सामग्री के संकलन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों के लिए मॉड्यूल तैयार किया। वह ब्रिटेन के लीसेस्टर विश्वविद्यालय में मानद अतिथि आचार्य थे, वह यूकेआरआई इंटरनेशनल डेवलपमेंट पीयर रिव्यू कॉलेज, यूके के सदस्य थे। वह नॉर्थ ईस्ट इंग्लैंड साउथ एशिया मेंटल हेल्थ अलायंस (एनईईएसएएमए) के सदस्य थे - न्यूकैसल यूनिवर्सिटी, ब्रिटिश काउंसिल और एनटीडब्ल्यू एनएचएस ट्रस्ट, यूके द्वारा समर्थित। उन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन ऑफ एडिनबर्ग, एफआरसीपी (एडिन।) 2019 की फेलोशिप प्राप्त हुई। वह आईसीएमआर, पीएचएफआई, आईएचएमई (यूएसए) द्वारा ग्लोबल डिजीज बर्डन (जीबीडी) इंडिया इनिशिएटिव द्वारा भारत में रोग भार आंकलन के लिए क्षमता निर्माण के लिए मेंटर थे। वह वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर्स के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मानद वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार थे। ये स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालयद्वारा ऑटिज्म तथा तंत्रिका विकासात्मक विकारों पर राष्ट्रीय नीति विकसित करने हेतु तकनीकी समिति के गठन में विशेषज्ञ सदस्य थे एवं उन्होंने 2024 तक कई बैठकों

9.35_.indd 912 1/15/2026 6:24:09 PM

का संचालन किया और उनके लिए प्री-फाइनल ड्राफ्ट भी प्रस्तुत किए। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के तहत मानसिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों के विभिन्न मानकों के वर्गीकरण और रूपरेखा के लिए गठित मुख्य समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डीजीएचएस की अध्यक्षता में शहरी क्षेत्रों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में मुख्य समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे, जिसमें विशेषकर निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र शामिल थे। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डीजीएचएस की अध्यक्षता में एलजीबीटीक्यूआईए+ के लिए स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं (एचसीडब्ल्यू) के लिए मानसिक स्वास्थ्य मॉड्यूल और संवेदीकरण मॉड्यूल पर चर्चा करने के लिए गठित मुख्य समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे। वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एमएचसी अधिनियम, 2017 की धारा 21(4) के कार्यान्वयन के संबंध में मानसिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और संबंधित पहलुओं पर चर्चा करने के लिए गठित मुख्य समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे।

आचार्य ममता सूद को इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया था (2024-2026)। वह इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी नॉर्थ ज़ोन की अध्यक्ष (2024-2025) थी। वह वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर डायनेमिक साइकियाट्री- इंडिया चैप्टर (2024-2026) के कार्यकारी समिति की सदस्य थी। उन्होंने 7 अप्रैल 2024 को दिल्ली में आईपीएस एनजेड 2024 के मध्य-वर्षीय सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति की अध्यक्षता की। उन्होंने 18-19 मई 2024 को शिमला में 24वें स्नातकोत्तर विकास कार्यक्रम की वैज्ञानिक समिति की अध्यक्षता की। उन्होंने 28-29 सितंबर 2024 को बीकानेर में आईपीएस नॉर्थ ज़ोन के 49वें वार्षिक सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति की अध्यक्षता की। उन्होंने 2024 में इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री का जेके त्रिवेदी पुरस्कार प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथि, स्वास्थ्य उपचार अनुसंधान में एआई और एनएलपी पर संकाय-सदस्य विकास कार्यक्रम, नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय, दिल्ली, 18 मार्च 2025।

आचार्य रमन दीप जनवरी 2025 में प्रकाशित अनुसंधान पत्र के लिए सह-प्राप्तकर्ता, पीपीए-I पुरस्कार (2025) प्राप्त किया। जनवरी 2025 में प्रकाशित अनुसंधान पत्र के लिए सह-प्राप्तकर्ता, पीपीए-II पुरस्कार (2025) भी प्राप्त किया।

आचार्य रोहित वर्मा जर्नल- एशियन जर्नल ऑफ कॉग्निटिव तंत्रिका विज्ञान के सहायक संपादक थे। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री (आईएएसपी) के कार्यकारी समिति के सदस्य थे। वह यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी (आईईसी), एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा की एथिकल कमेटी के सदस्य थे। वह एम्स, रायपुर और ऋषिकेश में आई ट्रैकिंग के लिए तकनीकी विशेषज्ञ थे। वह एम्स, जोधपुर, रायपुर, बीबीनगर, भुवनेश्वर और ऋषिकेश में ईसीटी के लिए **तकनीकी विशेषज्ञ** थे। वह बीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली में एमईसीटी सेवाओं की स्थापना के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे। वह क्वींसलैंड विश्वविद्यालय - आईआईटी दिल्ली एकेडमी ऑफ रिसर्च (यूक्यआईडीएआर) - एम्स संयुक्त पीएच.डी कार्यक्रम के लिए बाह्य पर्यवेक्षक थे। वह विकलांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम के नियमों के निर्माण के लिए बोर्ड के सदस्य सचिव थे। वह पार्किंसस रोग के 6-हाइड्रोक्सी डोपामीन रेट मॉडल में कोगनेटिव तथा मोटर फंक्शन पर प्रोबोथोटिक्स तथा रिपीटेटिव ट्रांसक्रैनियल केगनेटिव सिक्यूलेशन के प्रभाव पर पीएच.डी हेतु डॉक्टरेट कमेटी के सदस्य थे; शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली। जोखिम और तन्यकता की रूपरेखा: भारतीय कॉलेज के छात्रों में नोमोफोबिया के जनसांख्यिकीय, मनो-सामाजिक और नैदानिक पूर्वानुमानों को चित्रित करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन; एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली; ओपिओइड निर्भरता और फार्माकोथेरेपी से

9.35_.indd 913 1/15/2026 6:24:09 PM

जुड़े न्यूरोइमेजिंग और मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज; एनएमआर विभाग, एम्स, नई दिल्ली। उन्होंने सम्मेलन/सीएमई/संगोष्ठी/कार्यशाला में अध्यक्ष- अध्यक्षता 4 जनवरी 2025 को साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीपीओ-2025) में ओपन सेशन की अध्यक्षता की, 3-5 जनवरी 2025 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित; 22-23 फरवरी 2025 को वेस्टिन, गुड़गांव में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ बायोलॉजिकल साइकियाट्री (आईएबीपी) के 19वें वार्षिक सम्मेलन में *मानसिक बीमारी के जैव विज्ञान की खोज* पर व्याख्यान की अध्यक्षता की। थीसिस मूल्यांकन - एमडी थीसिस, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़। स्नातक चिकित्सा/नर्सिंग शिक्षण व्याख्यान। बाह्य सहयोगी कार्य - अवसाद प्रतिक्रिया निर्धारित करने हेतु मशीन लर्निंग मॉडल विकास हेतु आईआईआईटी-डी के साथ सहयोग। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय - आईआईटी दिल्ली अनुसंधान अकादमी (यूक्यूआईडीएआर) द्वारा भावनात्मक विकारों में तनाव और संज्ञानात्मक-प्रभाव प्रोसेसिंब की जाँच हेतु संयुक्त पीएच.डी कार्यक्रम। वे क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में बाह्य पर्यवेक्षक थे।

डॉ. गगन हंस उन्हें 26 नवंबर 2024 को एम्स, विजयपुर, जम्मू में मनोचिकित्सा की विशेषता में संकाय-सदस्यों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें 15-20 जनवरी 2025 को भारत सरकार के गृह मंत्रालय में श्रेणी क राजपत्रित पद (स्तर 10) वैज्ञानिक बी के चयन के लिए पैनल विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह 24 -26 अक्टूबर 2024 को "न्यूरोमॉड्यूलेशन (आरटीएमएस) पर 5वीं हैंड्स-ऑन-वर्कशॉप" के संयुक्त आयोजन सचिव थे। वह 19-21 दिसंबर 2024 को "न्यूरोमॉड्यूलेशन (आरटीएमएस) पर 6वीं हैंड्स-ऑन-वर्कशॉप और 9वीं राष्ट्रीय सीएमई" के संयुक्त आयोजन सचिव थे। उन्होंने 14 सितंबर 2024 को नालंदा हॉल, बेस अस्पताल दिल्ली कैंट में "मनोचिकित्सा में न्यूरोमॉडयूलेशन" पर सीएमई में परामर्श पर संपर्क मनोचिकित्सा विशिष्टताओं के बीच अंतराल को पाटना, सीएलआईपी 2024 पर प्रीसीएमई पर कार्यशाला का आयोजन किया। उन्हें कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम के "भारत में समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं: वर्तमान स्थिति और भविष्य के लिए रोडमैप" पेपर के लिए कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम के "सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेख पुरस्कार 2024 विजेता - प्रथम स्थान" से सम्मानित किया गया, जो 2020-2021 में कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम में प्रकाशित सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेखों में से एक है। उन्हें कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम के "भारत में समुदाय-आधारित मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं: वर्तमान स्थिति और भविष्य के लिए रोडमैप" पेपर के लिए कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम के "सबसे अधिक उद्धृत लेख पुरस्कार 2024 विजेता - तृतीय स्थान" से सम्मानित किया गया, जो 2020-2021 में कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम में प्रकाशित सबसे अधिक उद्धृत लेखों में से एक है। "पाठकों के बीच लोकप्रिय पेपर लिखने में कैसे सफलता प्राप्त करें" विषय पर "सर्वाधिक पढ़ा गया तथा सर्वाधिक उद्धृत पुरस्कार 2024" जीतने के बाद कंसोर्टियम साइकियाट्रिकम जर्नल द्वारा उनका साक्षात्कार प्रकाशित किया गया। बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आईएसीएएम (भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ) अकादमी के परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रभारी। 12-13 दिसंबर 2024 को मनोचिकित्सा में एमडी की अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा आयोजित करने के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने 11 मार्च 2025 को मनोचिकित्सा विभाग से **"**गंभीर ब्लेफेरोस्पाज्म के साथ अवसाद**:** एक गहन टीएमएस दृष्टिकोण**"** विषय पर सीसीआर प्रस्तुत किया। वह जर्नल ऑटिज़्म, जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर, क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स, इंडियन जर्नल ऑफ़ सोशल साइकियाट्री और फ्रंटियर्स ऑफ़ पब्लिक हेल्थ के लिए सहकर्मी समीक्षक थे। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 मार्च 2025 को संसद टीवी पर "दिल से दिल की बात: ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार" विषय पर, 16 नवंबर 2024 को डीडी किसान पर "बच्चों और किशोरों में मनोचिकित्सा विकार" विषय पर और 6 जुलाई 2024 को डीडी किसान पर "ऑटिज़्म में चुनौतियाँ" विषय पर टीवी साक्षात्कार दिए।

9.35_.indd 914 1/15/2026 6:24:10 PM

डॉ. वैभव पाटिल ने मैसूर, भारत में आयोजित भारतीय सामाजिक मनोचिकित्सा संघ के 31वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए जे.के. त्रिवेदी पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. बर्रे विजय प्रसाद ने तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गयामनो-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीपीओ-2025)। मनोचिकित्सा विभाग द्वारा, बीआरबीआरआईसीएच, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, पैलिएटिव मेडिसिन एवं एनेस्थीसिया विभाग, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग एवं एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से, दिनांक 3 जनवरी 2025 से 5 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

डॉ. निष्ठा चावला को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित साइकोथेरेप्यूटिक असेसमेंट्स एंड इंटरवेंशन्स इन साइको-ऑन्कोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में निःशुल्क पोस्टर के लिए निर्णायक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया (4 जनवरी 2025)। एमजीआईएमएस, सेवाग्राम, महाराष्ट्र में आयोजित आईएएसपी के राष्ट्रीय मध्यावधि सीएमई में निःशुल्क पेपर और पोस्टर सत्र के लिए अध्यक्ष एवं निर्णायक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया (29 मार्च 2025)। इंडियन साइकियाट्री सोसाइटी नॉर्थ ज़ोन (एसीआईपीएसएनजेड) के 48वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ वीडी मील पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया। यह पेपर नॉर्थ ज़ोन जर्नल में भी प्रकाशित हुआ है। इंडियन साइकियाट्री सोसाइटी नॉर्थ ज़ोन (एसीआईपीएसएनजेड) के 48वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ बक्शी पुरस्कार (सह-लेखक के रूप में) प्राप्त किया जनवरी 2025 में भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी के 76वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पिछले साल की गई प्रस्तुति के लिए भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार तथा पूना मनोचिकित्सक संघ (पीपीए) - II पुरस्कार प्राप्त किया। अक्टूबर 2024 में पेरिस में आयोजित फास्ट ट्रैक सिटीज सम्मेलन के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया। एम्स, नई दिल्ली में सेट सुविधा में आयोजित पावरपॉइंट में एनीमेशन पर कार्यशाला (15 अप्रैल 2024) में "सर्वश्रेष्ठ पावरपॉइंट एनीमेशन" पुरस्कार के लिए पुरस्कृत। नवंबर 2024 में मैसूर में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के राष्ट्रीय सम्मेलन में वीके वर्मा पुरस्कार (विजेता पेपर के सह-लेखक) के विजेता के रूप में घोषित किया गया। इन्हें पुरस्कार प्रमाण पत्र अगले वर्ष प्रदान किया जाएगा।

डॉ. स्वाति केडिया 28 अप्रैल 2024 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, दिल्ली में आयोजित "कैंसर पीड़ा: पूर्ण उपचार" विषय पर राष्ट्रीय सीएमई, ऑन्को-एनेस्थीसिया एवं पैलियेटिव चिकित्सा विभाग और मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजक सचिव थी। वह मार्च 2024 से अब तक इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री की सहायक संपादक हैं। समीक्षक: साइकोसोशल जर्नल ऑफ रिहैबिलिटेशन। समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री। समीक्षक: फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री। वह लाइव चर्चा ऑल इंडिया रेडियो पर वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य तथा आत्महत्या रोकथाम पर कार्यक्रम हेतु आमंत्रित थी। वह मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस), दिल्ली और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच), चंडीगढ़ में एमफिल क्लिनिकल साइकोलॉजी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थीं। उन्होंने 13 अप्रैल 2024 को नेशनल एसोसिएशन ऑफ मेंटर्स फॉर एडोलसेंट हेल्थ (एनएएमएएच) द्वारा आयोजित "स्टेप टूवर्ड्स जेंडर-सेंसिटिव सोसाइटी" पर ऑनलाइन पैनल चर्चा का संचालन किया था। उन्हें किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा संगत और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सहयोग से प्रबंधित और वेलकम ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित परियोजना "मेट्रोपोलिस" के लिए विशेषज्ञ समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह पीएमजेएवाई योजना के तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के चिकित्सा उपचार के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए मनोचिकित्सा और नैदानिक मनोविज्ञान उप-समिति की सदस्य थीं। उन्हें विमान अपहरण से निपटने के लिए केंद्रीय समिति का पैनल सदस्य नामित किया गया था। वह 13-15 दिसंबर 2024 को नई

9.35_.indd 915 1/15/2026 6:24:10 PM

दिल्ली में आयोजित एजीआई (2024) के 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - एल्डरली एम्पावरमेंट एंड ग्रेसफुल एजिंग में प्रस्तुत "डिमेंशिया ए कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट" शीर्षक संगोष्ठी की पैनलिस्ट थीं। वह 13-15 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित एजीआई (2024) के 21वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - एल्डरली एम्पावरमेंट एंड ग्रेसफुल एजिंग में प्रस्तुत "जेरिएट्रिक ऑन्कोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च" शीर्षक संगोष्ठी की पैनलिस्ट थीं। उन्हें बीएसएफ कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (3 सत्र) आयोजित करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. प्रीति के. को अप्रैल 2024 को आयोजित 64वें एनएएमएस स्थापना दिवस के दौरान दिल्ली के राज्यपाल के हाथों चिकित्सा विज्ञान की उन्नति और नेविगेट सीएमई कार्यक्रम के कार्यान्वयन में योगदान के लिए "सम्मान प्रमाण पत्र" से सम्मानित किया गया। इंडियन एसोसिएशन फॉर जेरिएट्रिक मेंटल हेल्थ के फेलो के रूप में चयनित; इंटरनेशनल साइकोजेरिएट्रिक एसोसिएशन, एडवोकेसी एंड पॉलिसी कमेटी के सदस्य के रूप में चयनित; इंडियन एसोसिएशन फॉर जेरिएट्रिक मेंटल हेल्थ, जेरिएट्रिक रिलेटेड पॉलिसीज कमेटी की सदस्य के रूप में चयनित; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के तहत नेविगेट-मेडिको सीएमई प्रोग्राम के लिए मुख्य समन्वयक और मॉडरेटर, भारत भर के स्नातकोत्तर छात्रों को लक्षित करने वाला एक ऑनलाइन सीएमई कार्यक्रम; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के दिल्ली राज्य चैप्टर के एसोसिएट स्टेट नोडल अधिकारी; आईसीएमआर के मिशन मोड प्रोजेक्ट "प्राथमिक उपचार में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकारों की जांच और उपचार के लिए अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण"। "कैंसर पीड़ा: पूर्ण उपचार" पर एम्स-एनएएमएस संयुक्त सीएमई के आयोजन सचिव। "साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन" पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के सह-आयोजन सचिव। 10 नवंबर 2023 को आयोजित ओपिओइड एगोनिस्ट रखरखाव उपचार: विभिन्न देशों में नियमन पर आईएसएएम-नेक्स्ट और एनईसीपीएएम संयुक्त वेबिनार के अध्यक्ष। "साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन तथा इंटरवेंशन" पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए सत्र के जज रहे। "साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन" पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए अध्यक्ष थी। बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, नेपाल से एमडी मनोचिकित्सा थीसिस का मूल्यांकन किया।

डॉ. रेणु शर्मा ने व्याख्यानों के एक सत्र की अध्यक्षता की, इन्हें एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 17-19 सितंबर 2024 को आयोजित समग्र स्वास्थ्य: कल्याण के परस्पर जुड़े क्षेत्रों की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया। उन्होंने मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा 3-5 जनवरी 2025 को आयोजित मनोचिकित्सीय आकलन और साइको-ऑन्कोलॉजी में इंटरवेंशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ओपन पेपर सत्र 5: साइको-ऑन्कोलॉजिकल मूल्यांकन और वयस्कों के लिए इंटरवेंशन की अध्यक्षता की। उन्होंने 3-5 जनवरी 2025 को मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ओपन पेपर सत्र 10: पैलियेटिव केयर तथा मनो-ऑन्कोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी के मॉडल और मन-शरीर केंद्रित मॉडल की भारतीय प्रणाली की अध्यक्षता की। उन्होंने 3-5 जनवरी 2025 को मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ओपन पेपर सत्र 12: बाल चिकित्सा साइको-अर्बुदविज्ञान एवं साइको-ऑन्कोलॉजिकल मूल्यांकन तथा वयस्कों और नर्सिंग एवं साइको-अर्बुदविज्ञान के लिए इंटरवेंशन की अध्यक्षता की। मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा 3-5 जनवरी 2025 को आयोजित, साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन। 3-5 जनवरी 2025 को मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा मूल्यांकन और इंटरवेंशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति सत्र में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने 27-29 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में "ऑटिज़्म से पीड़ित बच्चों के लिए अभिभावक-मध्यस्थ इंटरवेंशन" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। "बाल चिकित्सा कैंसर से उभरे लोगों में तंत्रिका-संज्ञानात्मक कमियों की तंत्रिका-संज्ञानात्मक रूपरेखा" शीर्षक

9.35_.indd 916 1/15/2026 6:24:10 PM

वाले शोधपत्र को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का पुरस्कार दिया गया। मनोचिकित्सीय आकलन और मनो-ऑन्कोलॉजी में इंटरवेंशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रैक 1, विषय: बाल चिकित्सा साइको-ऑन्कोलॉजी, मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा 3-5 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया। "कैंसर से पीड़ित बच्चों के समग्र कामकाज पर बहुआयामी व्यापक स्क्रीनिंग टूल (एमसीओएसटी-51) का विकास: एक प्रारंभिक विश्लेषण" शीर्षक वाले पेपर को साइको-ऑन्कोलॉजी में मनोचिकित्सा आकलन और इंटरवेंशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रैक 3, विषय: साइको-ऑन्कोलॉजी में पैलियेटिव केयर, तकनीक और सांस्कृतिक मुद्दे, मनोचिकित्सा विभाग, नई दिल्ली द्वारा 3-5 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें इन्हें सर्वश्रेष्ठ पेपर से सम्मानित किया गया। एसआरएस की आवश्यकता वाले लिंग भेद विकार (डीएसडी) से पीड़ित बच्चों के उपचार के मुद्दों को देखने के लिए स्थानीय बहु-विषयक टीम (एमडीटी) की सदस्य थी। भारतीय बाल शल्य चिकित्सक संघ की प्रसवपूर्व परामर्श के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु समिति सदस्य थी।

9.35_.indd 917 1/15/2026 6:24:10 PM

9.36 पुल्मोनरी चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
अनंत मोहन

आचार्य
करण मदान विजय हड्डा

सहायक आचार्य
सौरभ मित्तल पवन तिवारी तेजस सूरी

वैज्ञानिक I
ए. सुरेन्द्रनाथ

विशिष्टताएं

हमारे विभाग ने क्रिटिकल केयर में अल्ट्रासाउंड पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और पल्मोनरी चिकित्सा अपडेट पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें देश भर और दक्षिण एशिया से 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हमने इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर भी एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें दुनिया भर के प्रतिष्ठित संकायों ने इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाएँ और व्याख्यान आयोजित किए।

शिक्षा

1. विभाग के संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, अस्थमा, ब्रोन्किइक्टेसिस, फेफड़ों के कैंसर और तपेदिक पर स्नातक सत्रों और बहु-विषयक चर्चाओं में भाग लिया। विभाग ने संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में वरिष्ठ रेजीडेंट द्वारा लगभग 30 सेमिनार और 40 जर्नल क्लब चर्चाएँ आयोजित की गई।
2. डीएम प्रशिक्षु: वर्तमान में विभाग में 12 डीएम रेजीडेंट हैं।
3. गैर-डीएम वरिष्ठ रेजीडेंट: वर्तमान में, विभाग में तीन गैर-डीएम वरिष्ठ रेजीडेंट हैं, जिन्हें सुपर स्पेशियलिटी के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है।
4. अल्पकालिक प्रशिक्षु/पर्यवेक्षक: 4.
5. उन्नत शैक्षिक गतिविधियाँ: देश भर के प्रशिक्षुओं के लिए डायग्नोस्टिक ब्रोंकोस्कोपी, एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड तथा मेडिकल थोरैकोस्कोपी पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई। हमारे विभाग ने श्वसनी चिकित्सा में स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं के लिए दो दिवसीय ओ एस सी ई-आधारित मॉक परीक्षा कार्यशाला का भी आयोजन किया।

9.36_.indd 918 1/15/2026 6:26:32 PM

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में वर्तमान परिप्रेक्ष्य: सीपीआईपी 2025, 10-12 जनवरी 2025, नई दिल्ली
2. एम्स पल्मोक्रिट 2025: अपडेट, 22-23 मार्च 2025, नई दिल्ली
3. क्रिटिकल केयर में बेसिक तथा एडवांस अल्ट्रासाउंड पर कार्यशाला, 20-21 मार्च 2025, नई दिल्ली
4. नेबुलाइजेशन कार्यशाला, 11 मई 2024, नई दिल्ली
5. फ्यूचर चेस्ट: प्रारंभिक परीक्षा, 1 और 2 फरवरी 2025, नई दिल्ली
6. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का डीमिस्टफाइंग, 8 दिसंबर 2024, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान।

प्रदत्त व्याख्यान: 83

अनंत मोहन: 32 **करण मदान: 8**

सौरभ मित्तल: 20 **पवन तिवारी : 14**

तेजस सूरी: 9

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
74	95	83

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
5	6	2

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के निदान के लिए दो परिधीय धमनी टोनोमेट्री-आधारित नींद उपकरणों की तुलना। (एम्स, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित), डॉ. सौरभ मित्तल, एम्स इंट्राम्यूरल फंड, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

2. कोविड-19 संक्रमण के बाद दीर्घकालिक परिणामों की घटना और जोखिम कारकों का एक अनुदैर्ध्य बहु-प्रणाली तथा आनुवंशिक मूल्यांकन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 94.85 लाख रुपये

3. सिम्प्टोमेटिक पोस्ट ट्यूबरकुलर फेफड़ों की बीमारी वाले रोगियों में इनहेल्ड फॉर्मोटेरोल/ग्लाइकोपाइरोनियम संयोजन (एलएबीए+एलएएमए) बनाम इनहेल्ड ग्लाइकोपाइरोनियम (एलएएमए)

9.36_.indd 919 1/15/2026 6:26:32 PM

की एकल प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।डॉ. सौरभ मित्तल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 62 लाख रुपये

4. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (टीएचएआरआरओएस) में कार्डियो-पल्मोनरी परिणामों पर ग्लाइकोपाइरोनियम और फॉर्मोटेरोल फ्यूमरेट एमडीआई के सापेक्ष बुडेसोनाइड, ग्लाइकोपाइरोनियम और मीटर्ड डोज़ इनहेलर की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, बहु-केंद्र, चरण III अध्ययन।, डॉ. अनंत मोहन, एस्ट्राजेनेका, 5 वर्ष, 2024-2029, 47 लाख रुपये

5. भारतीय सहभागियों में अंतर्राष्ट्रीय फेफड़े के कैंसर स्क्रीनिंग मानदंडों की प्रयोज्यता: एक पायलट अध्ययन, डॉ. अनंत मोहन, एम्स-यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, 1 वर्ष, 2024-2025, 5.0 लाख रुपये

6. भारतीय सहभागियों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के निदान और हृदय संबंधी जोखिम के साथ इसके सहसंबंध के लिए ऑक्सीजन संतृप्ति के गैर-रेखीय विश्लेषण का अनुप्रयोग।: एम्स दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (एम्स-यूसीएल सहयोगी अनुसंधान),डॉ. सौरभ मित्तल, एम्स यूसीएल सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख

7. उन्नत एनएससीएलसी वाले रोगियों में निवोलुमैब के साथ ईबीयूएस टीबीएनआई की व्यवहार्यता और सुरक्षा का आकलन, पवन तिवारी, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

8. छाती के एक्स-रे का उपयोग करके फुफ्फुसीय टीबी एवं अन्य फेफड़ों के रोगों की जांच/पहचान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण का विकास और सत्यापन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2025-2026, 17.32 लाख रुपये

9. छाती के एक्स-रे का उपयोग करके फुफ्फुसीय टीबी एवं अन्य फेफड़ों के रोगों की जांच/पहचान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण का विकास और सत्यापन,डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 41.46 लाख रुपये

10. फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक निदान और पूर्वानुमान के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए की भूमिका का मूल्यांकन: साँस के साथ निकले कंडेनसेट, थूक, रक्त और ब्रोन्कियल ब्रशिंग का उपयोग करके एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 37 लाख रुपये

11. फेफड़ों के कैंसर में चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तनों की पहचान के लिए साँस द्वारा निकाली गई सांस संघनित एक आशाजनक गैर-आक्रामक विधि है।, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 30.0 लाख रुपये

12. एसएआरएस सीओवी-2 (आईएनसीआईडीई -एसएआरएस सीओवी2) के प्रति सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया हेतु जीनोमिक साक्ष्य की जांच और अनुवाद, डॉ. अनंत मोहन, डीएसटी इंडो-इटैलियन नेटवर्क, 3 वर्ष, 2022-2025, 210 लाख रुपये

13. तपेदिक के रोगियों में एन-एसिटाइल सिस्टीन थेरेपी: एक पायलट ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,डॉ. सौरभ मित्तल, डीबीटी, 2 वर्ष, 2024-2026, 50 लाख रुपये

9.36_.indd 920 1/15/2026 6:26:32 PM

14. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) में प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं (पीएसीई) की रोकथाम,डॉ. अनंत मोहन, एनएचएमआरसी, 5 साल, 2022-2025, 22.88 लाख रुपये

पूर्ण

1. नए पैथोलॉजिकल एवं चिकित्सीय मार्गों की पहचान के लिए इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) और पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस (पीईपीएफ) का तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, डॉ. विजय हड्डा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 86.60 लाख रुपये

2. कोविड-19 संक्रमण के बाद दीर्घकालिक परिणामों की घटनाओं और जोखिम कारकों का एक अनुदैर्ध्य बहु-प्रणाली और आनुवंशिक मूल्यांकन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 94.85 लाख रुपये

3. अस्थमा और एलर्जिक ब्रोंको-पल्मोनरी एस्परगिलोसिस (एबीपीए) से पीड़ित वयस्क व्यक्तियों में इनहेलेशन के लिए सूखे पाउडर (पीयूआर1900) के रूप में दिए जाने वाले इट्राकोनाजोल का एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, संभावित, बहुकेंद्रीय, चरण 2, खुराक-खोज अध्ययन, डॉ. अनंत मोहन, सिप्ला, 2 वर्ष, 2022-2024, प्रति रोगी 0.65 लाख रुपये

4. श्वसन रोगों में ब्रेथोमिक्स विज्ञान का अनुप्रयोग, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर-केयर (उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र), 6 वर्ष, 2019-2025, 500 लाख रुपये

5. कोविड-19 के बाद पल्मोनरी फाइब्रोसिस के दौरान प्रतिरक्षा कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल परिवर्तनों का चित्रण, डॉ. विजय हड्डा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

6. आईसीएमआर का नेटवर्क ऑफ पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईएनपीएफ), डॉ. विजय हड्डा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 82.70 लाख रुपये

7. 20 शहरों में राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल अध्ययन, डॉ. विजय हड्डा, एमईएफसीसी, 5 वर्ष, 2019-2024, 62.67 लाख रुपये

8. ब्रोन्कियल अस्थमा (तमाकाश्वास) के उपचार में आयुर्वेदिक कोडित औषधि “आयुष ए” का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, डॉ. अनंत मोहन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2021-2024, 60.4 लाख रुपये

9. नॉन-इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस डिफ्यूज पैरेन्काइमल फेफड़े के रोग के एटियोलॉजी, गंभीरता और प्रगति में भारी धातुओं और विषाक्त तत्वों की भूमिका, डॉ. विजय हड्डा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/अनुसंधान प्रबंध सहित)

जारी

1. अंतरालीय फेफड़े के रोग से पीड़ित रोगियों के उपचार का बोझ: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

2. म्यूकोरमाइकोसिस के शीघ्र निदान के लिए लक्ष्य के रूप में सीओटीएच जीन का उपयोग करते हुए वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास

9.36_.indd 921 1/15/2026 6:26:32 PM

3. फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक निदान तथा पूर्वानुमान के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका का मूल्यांकन: एक तुलनात्मक अध्ययन

4. एक तृतीयक केंद्र में फेफड़ों के कैंसर के लिए विभिन्न उपचार पद्धतियों के नैदानिक परिणामों का मूल्यांकन: 15-वर्षीय विश्लेषण

5. मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त भारतीय रोगियों में फेफड़ों के कार्य और फेफड़ों के आयतन का मूल्यांकन, साँस छोड़ते हुए कंडेनसेट एवं ब्रोन्कियल ब्रशिंग का उपयोग करके किया गया अध्ययन

6. गैर-विशिष्ट अंतरालीय निमोनिया (एनएसआईपी) में प्रतिरक्षा ट्रांसक्रिप्टोमिक्स की खोज

7. फुफ्फुसीय फाइब्रोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी को स्पष्ट करने के लिए जीन अभिव्यक्ति तथा इम्यूनोमेटाबोलिक प्रोफाइलिंग

8. एक्सट्यूबेशन के समय हाइपरकैप्निया से पीड़ित रोगियों में रीट्यूबेशन की रोकथाम के लिए उच्च प्रवाह नाक की ऑक्सीजन थेरेपी बनाम गैर-आक्रामक वेंटिलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

9. बचपन में अंतरालीय फेफड़े के रोग के तीव्र प्रकोप में होस्ट एवं पर्यावरणीय कारक

10. एईसीओपीडी में उपचार की सफलता और प्रतिकूल घटनाओं पर इओसिनोफिल आधारित कॉर्टिकोस्टेरॉइड थेरेपी का प्रभाव एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

11. भारत के चयनित शहरों में चिकित्सकों के इन्फ्लूएंजा उपचार और रोकथाम प्रथाओं में सुधार।

12. अधिक जोखिम वाले विषयों में कम खुराक सीटी स्क्रीनिंग का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर की घटना

13. एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेनसेट (ईबीसी) का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर में नैदानिक रूप से प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तन और बायोमार्कर की जांच करना।

14. फेफड़ों के कैंसर की जांच के लिए कम डोज वाली कंप्यूटेड टोमोग्राफी: एक व्यापक अनुवर्ती अध्ययन

15. लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में वन कट होमोबॉक्स 2 (ओएनईसीयूटी2) ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर की भूमिका पर यांत्रिक अंतर्दृष्टि

16. गैर-विशिष्ट अंतरालीय निमोनिया (एनएसआईपी) के मेटाबोलोमिक सिगनेचर

17. बीएम एस्पिकु मानदंड का उपयोग करते हुए आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के निदान के लिए मिनी ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज द्रव पर एस्परगिलस पीसीआर का प्रदर्शन: एक क्रॉस-सेक्शनल डायग्नोस्टिक परीक्षण सत्यापन अध्ययन

18. क्रोनिक फेफड़ों के रोगों में एनटीएम की व्यापकता

19. एंडोब्रोंकियल बायोप्सी के दौरान रक्तस्राव की गंभीरता को कम करने में प्रोफिलैक्टिक ट्रैनेक्सैमिक एसिड इन्स्टिलेशन की भूमिका: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण

20. खराब प्रदर्शन स्थिति वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों की प्रदर्शन स्थिति में सुधार करने में साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: एकल-भुजा चरण दो परीक्षण

9.36_.indd 922 1/15/2026 6:26:32 PM

पूर्ण।

1. अस्थमा और एलर्जिक ब्रोंको-पल्मोनरी एस्परगिलोसिस (एबीपीए) से पीड़ित वयस्क सहभागियों में इनहेलेशन के लिए सूखे पाउडर (पीयूआर1900) के रूप में प्रशासित इट्राकोनाजोल का एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, संभावित, बहुकेंद्रीय, चरण 2, डोज-फाइन्डिंग अध्ययन। डॉ. अनंत मोहन, सिप्ला, 2 साल, 2022-2024, रु 0. प्रति मरीज 65 लाख
2. श्वसन रोगों में ब्रेथोमिक्स विज्ञान का अनुप्रयोग, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर-केयर (उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र), 6 साल, 2019-2025,500 लाख रुपये
3. ब्रोन्कियल अस्थमा (तमाकाश्वस) के उपचार में आयुर्वेदिक कोडित औषधि "आयुष ए" का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन,डॉ. अनंत मोहन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 60.4 लाख

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. भारतीय विषयों में अंतर्राष्ट्रीय फेफड़े के कैंसर स्क्रीनिंग मानदंडों की प्रयोज्यता: एक पायलट अध्ययन, एम्स-यूसीएल
2. एसएआरएस-सीओवी-2 (आईएनसीआईडीई -एसएआरएस-सीओवी-2) के प्रति सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया हेतु जीनोमिक साक्ष्य की जांच और अनुवाद, इंडो-इटैलियन नेटवर्क

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	11	15	14
कुल वित्तपोषण	11.68 लाख रुपये	14 लाख रुपये	636.51 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 35 सार: 05 पुस्तक में अध्याय: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**69**	**35**	**42**
पत्रिकाओं में लेख	69	32	35
सार	0	3	5
पुस्तकों में अध्याय	-	-	2
पुस्तकें	-	0	0

9.36_.indd 923 1/15/2026 6:26:32 PM

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	32965	34989	39, 451
विशेष क्लिनिक परामर्श	3872	4549	5241
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	3172	2100	5079
कुल भर्ती रोगी	5077	5712	5436

- **पल्मोनरी चिकित्सा ओपीडी (सोमवार / गुरुवार)**

  नए मामले 10, 007
  पुराने मामले 29, 444

- **फेफड़ों के कैंसर क्लिनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए मामले 370
  पुराने मामले 1240

- **संयुक्त फुफ्फुसीय सर्जरी क्लिनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए मामले 341
  पुराने मामले 805

- **निद्रा विकार क्लिनिक (शुक्रवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए मामले 165
  पुराने मामले 524

- **आईएलडी/पीएएच क्लिनिक (शुक्रवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए मामले 303
  पुराने मामले 1493

- **प्रयोगशालाएं**

- **(ए) श्वसन प्रयोगशाला**

  पीएफटी + बीडीआर 15332
  डीएलसीओ 3710
  बॉडी प्लेथिस्मोग्राफी (बॉडी बॉक्स) 577
  आईओएस 822
  एमआईपी/एमईपी 25
  बीसीए 10

- **(बी) ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला**

  लचीली ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रियाएं 1664

9.36_.indd 924 1/15/2026 6:26:32 PM

रेडियल ईबीयूएस	103
एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस)	711
मिनी रिजिड थोरैकोस्कोपी	13
रिजिड थोरैकोस्कोपी	03
सायोथेरेपी	23
स्टेंटिंग	23
विद्युतदहनकर्म	20
रेजिड ब्रोंकोस्कोपी	21
बैलून डिलाटेशन (सी आर ई)	14
स्पाइगोट	02
एपीसी	05
लेज़र	03
टीएमसी	20
ग्लू इंस्टिलेशन	02
पौरन बौडी रिमूब्ल	03
वीबीएन	05
कौनवेन्शश्नल टीबीएनए	08
फ्लोरोस्कोपी	02

- **(सी) निद्रा प्रयोगशाला**

पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	579
एक्टिग्राफी	07
वॉच पैट	77
एमएसएलटी	04

- **(डी) एलर्जी परीक्षण प्रयोगशाला**

कुल आईजीई स्तर	4881
विशिष्ट एस्परजिलस आईजीई स्तर	2846
विशिष्ट एस्परजिलस आईजीजी स्तर	2967
त्वचा चुभन परीक्षण	30
एडीऐ स्तर	320
एसीई स्तर	90
सीपीईटी	140

- **(ई) पुनर्वास प्रयोगशाला**

छह मिनट पैदल चलने की जांच	1955
भौतिक चिकित्सा	3124

- **(एफ) डॉट्स केंद्र**

कुल रेफरल रोगी	25257

9.36_.indd 925 1/15/2026 6:26:32 PM

- **(जी) इनडोर आउटडोर रोगी**

आईसीयू	288
वार्ड / डे केयर	5148

- **(एच) कीमोथेरेपी प्रक्रिया**

कुल प्रक्रिया	2168

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य अनंत मोहन को 2023 से 2026 तक यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में रेस्पिरेटरी चिकित्सा में मानद प्रोफेसर के पद से सम्मानित किया गया। वह जुलाई 2022 से एम्स और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस के बीच हुए समझौता ज्ञापन में एम्स से नोडल क्लिनिकल संकाय-सदस्य के रूप में कार्य जारी रखेंगे। वह रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (लंदन) के फेलो, अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के फेलो; अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी (एटीएस), यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी), नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल मेडिकल साइंसेज अकादमी, इंडियन एसोसिएशन फॉर ब्रोंकोलॉजी और इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर के सदस्य हैं। वह फरवरी 2017 से एम्स डॉट्स सेंटर के प्रभारी नोडल अधिकारी हैं। वह जुलाई 2016 से स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति-गंभीर प्रतिकूल घटनाएँ, औषधि महानियंत्रक (भारत) के सदस्य हैं। वह जनवरी 2018 से एम्स परिवहन अनुभाग के अध्यक्ष थे। वह अप्रैल 2018 से विभिन्न एम्स अनुसंधान परियोजनाओं में कर्मचारियों की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य थे। वह फरवरी 2019 से दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ के विशेषज्ञ सदस्य हैं। वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्र अध्यादेश, 2020 में वायु गुणवत्ता आयोग के सदस्य और "अनुसंधान और विकास" पर उप-समिति के सदस्य हैं। वह अगस्त 2023 से आपातकालीन कक्ष में काम करने वाले डॉक्टरों के लिए सीओपीडी के मॉड्यूल तैयार करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गठित एक उपसमिति के सदस्य हैं।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता उपचार अध्यादेश का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता आयोग, नई दिल्ली, आईसीएमआर, नई दिल्ली की पर्यावरणीय रोग परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य, एनसीडी डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत सीओपीडी, अस्थमा के प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ संकाय, फरवरी 2019 से वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली की आचार समिति के सदस्य, 2019 से वीपीसीआई की विस्तारित अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) के अध्यक्ष, जुलाई 2022 से केंद्रीय विद्यालय, आईएनए, दिल्ली के लिए समिति के अध्यक्ष, मई 2024 से परियोजनाओं की समीक्षा के लिए डीएसटी समिति में विशेषज्ञ सदस्य, मई 2024 से सीएसआईआर-आईजी, कोलकाता की आचार समिति के सदस्य, जुलाई 2024 से स्वास्थ्य मंत्रालय, श्वसन रोगों के लिए समिति के विशेषज्ञ सदस्य

आचार्य विजय हड्डा ने 5वीं राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रतियोगिता (एनबीआरसीओएम - 2024) के आयोजन अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

डॉ. सौरभ मित्तल ने 8 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला, "ओएसए का रहस्य उजागर करना" के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।

9.36_.indd 926 1/15/2026 6:26:33 PM

9.37 विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजू शर्मा
(1 मार्च 2023 से)

आचार्य

संजय थुलकर (सं.रो.कैं.अ.)
संजय शर्मा (रा.प्र.कें)
आशु सेठ भल्ला
स्मृति हरि
शिवानंद गामनगट्टी (ट्रॉमा केंद्र)
अतिन कुमार (ट्रॉमा केंद्र)
चंदन जे दास
मधुसूदन के.एस.
मनीषा जेना
सुरभि व्यास
देवसेनाथिपति कंडासामी
चंद्रशेखर एसएच (सं.रो.कैं.अ.)
स्मिता मनचंदा

अपर आचार्य

अंकुर गोयल
प्रियंका नारंजे
मुकेश यादव (सं.रो.कैं.अ.)
एकता धमीजा (सं.रो.कैं.अ.)

सहायक आचार्य

कृतिका रंगराजन (सं.रो.कैं.अ.)
अमरिंदर सिंह मल्ही (सर्जिकल ब्लॉक)
अंकिता अग्रवाल (सर्जिकल ब्लॉक)
राजेंद्र कुमार बेहरा (राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र)
स्टैनज़िन स्पाल्किट
संचिता गुप्ता
(संविदा आधार पर - दिनांक 6 मार्च 2025 को कार्यभार ग्रहण किया)

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)

पवन कुमार पोपली
अरुण केरकेट्टे
(दिनांक 31.1.25 को सेवानिवृत्त)
पूनम मुखी
भानु पी सिंह

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा रोगी उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान की प्रगति में विभिन्न कदम उठाए गए हैं। एक नई आरआईएस-पीएसीएस प्रणाली का विस्तार किया गया जिससे मुख्य अस्पताल, नए प्राइवेट वार्ड, ट्रॉमा सेंटर, सर्जिकल ब्लॉक, नई राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी और राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र (एनसीए) की इमेजिंग सेवाओं को एक-दूसरे जोड़ना संभव हो पाया है। इस संपर्क द्वारा यह सुनिश्चित किया है कि रिपोर्टिंग के साथ-साथ विशेषज्ञ राय हेतु समीक्षाएं भी विभिन्न केंद्रों और ब्लॉकों में साझा की जाएँ। इससे विशेष रूप से आपातकालीन एवं गहन उपचार में रोगी उपचार सेवाओं की मात्रा और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अध्ययनों और प्रक्रियाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, 24×7 कार्यसूची के लिए कई प्रणालियाँ संचालित की गई हैं। एनसीए में एक नया 3.0 टी एमआरआई आरंभ किया गया है जिससे रोगियों को उन्नत इमेजिंग सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 927 1/15/2026 6:30:34 PM

मैसर्स एआई वाधवानी के साथ एम्स की एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना वर्तमान में गहन शिक्षण का उपयोग करके चेस्ट रेडियोग्राफ के वर्गीकरण एवं रिपोर्टिंग हेतु जारी है, जो अब शिक्षा मंत्रालय के तहत आट्रिफिशियल इंटेलीजेन्स के लिए एम्स उत्कृष्टता केंद्र का हिस्सा है।

विभाग ने दिनांक 10 एवं 11 अगस्त 2024 को जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटोबिलरी विकिरण विज्ञान पर "5वीं एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग सीरीज़" का पहला पाठ्यक्रम आयोजित किया। इसमें 300 से ज़्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम इस रूप में अलग था कि इसने 4 वर्ष के अंतराल के बाद, एक बेहद सफल पाठ्यक्रम (जो लगभग पिछले 30 सालों से जारी है) के 5वें संस्करण की शुरुआत की। सीएमई/सम्मेलन के अतिरिक्त, पाठ्यक्रम पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

विभागीय संकाय रोगी उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न रहे। संकाय-सदस्यों द्वारा विभिन्न सीएमई, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 209 से अधिक व्याख्यान दिए गए। संकाय-सदस्य अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से सम्मिलित थे एवं विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 179 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए और विकिरण विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में 55 अध्यायों का योगदान दिया। तीन पुस्तकें भी प्रकाशित की गईं। विभिन्न सम्मेलनों में कुल 55 पोस्टर एवं मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 2 को विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के संकाय सदस्य 7 वित्तपोषित परियोजनाओं में प्रधान अन्वेषक थे; और वे 16 से अधिक विभागीय परियोजनाओं एवं अन्य नैदानिक विभागों सहित लगभग 36 सहयोगी परियोजनाओं में शामिल थे। संकाय-सदस्यों को वर्ष के दौरान 16 पुरस्कार मिले।

प्रत्येक सप्ताह बत्तीस अंतर-विभागीय क्लिनिको विकिरण विज्ञान सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। इनमें एम्स, दिल्ली एवं अन्य जगहों पर केसों पर की गई बहु-विषयक चर्चा भी शामिल थी। वर्ष भर में एम्स के बाहर किए गए लगभग 22,000 स्कैन की समीक्षा की गई।

दिनांक 6 अगस्त 2024 को व्याख्यान कक्ष-1 में विभाग के संकायों द्वारा "हेमोप्टाइसिस के उपचार में इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान: टीमवर्क के दो दशक" विषय पर क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर) प्रस्तुत किया गया। इसमें एम्स के विभिन्न विभागों के रेजिडेंट एवं संकाय-सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व:

विभाग के संकाय-सदस्य स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय-सदस्यों द्वारा स्नातक छात्रों हेतु 40 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर:

इस अवधि के दौरान विभाग में कुल 39 कनिष्ठ रेजिडेंट थे, जिनमें 9 नए रेजिडेंट भी शामिल थे। इस अवधि के दौरान विभाग में चार फेलो अपनी फेलोशिप प्राप्त कर रहे थे। स्नातकोत्तर छात्रों हेतु शैक्षणिक गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की गईं, जिनमें लगभग 24 जर्नल क्लब, 22 सेमिनार, 20 केस चर्चाएं, 98 रोचक फिल्म सत्र एवं 20 शिक्षाप्रद व्याख्यान शामिल थे। शैक्षणिक सत्रों हेतु ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही माध्यमों का उपयोग किया गया।

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 928 1/15/2026 6:30:34 PM

बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी (बीएमआरआईटी):

अद्यतन पाठ्यक्रम की अवधि अब एक वर्ष की इंटर्नशिप सहित चार वर्ष है। वर्तमान में कुल 39 छात्र इस पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रहे हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

विभाग द्वारा दिनांक 10 एवं 11 अगस्त 2024 को जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटोबिलरी विकिरण विज्ञान पर "5वें एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग सीरीज़" के पहले पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम इस रूप से अलग था कि इसने 4 वर्ष के अंतराल के बाद एक बेहद सफल पाठ्यक्रम (जो लगभग 30 वर्षों से जारी है) के 5वें संस्करण की शुरुआत की। सीएमई/सम्मेलन के अतिरिक्त, पाठ्यक्रम पुस्तिका का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें सत्ताईस अद्यतन अध्याय शामिल जिसमें प्रैक्टिस कर रहे विकिरण विज्ञानी सहित स्नातकोत्तर छात्रों हेतु सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का समावेश किया गया था। नवीनतम प्रगति, नए दिशानिर्देशों एवं विकसित अवधारणाओं को शामिल करने के लिए प्रत्येक अध्याय को सावधानीपूर्वक अद्यतन किया गया था। मेटाबोलिक एसोसिएटेड स्टेटोटिक लिवर डिजीज (एमएएसएलडी) में नई शब्दावली और अवधारणाएं, एमआर इलास्टोग्राफी, अद्यतन बीसीएलसी और एनसीसीएन दिशानिर्देश, एलआईआरएडी नामकरण, हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के लिए इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान विकल्पों में वर्तमान प्रगति आदि पर उचित रूप से प्रकाश डाला गया।

विभाग ने 17 अक्टूबर 2022 को ऑनलाइन माध्यम में द्वितीय अनूप स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया, जिसका विषय था विकिरण विज्ञान में अकादमिक, उद्यमिता और उत्कृष्टता की खोज

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 216

राजू शर्मा: 23
शिवानंद गामनगट्टी: 17
मनीषा जेना: 17
स्मिता मनचंदा: 20
अंकिता अग्रवाल: 5
स्टैनज़िन स्पाल्किट: 12
आशु सेठ भल्ला: 20
अतिन कुमार: 21
सुरभि व्यास: 10
अंकुर गोयल: 14
अमरिंदर सिंह: 8
स्मृति हरि: 10
चंदन ज्योति दास: 11
देवसेनाथिपति कंडासामी: 16
प्रियंका नारंजे: 11
राजेंद्र कुमार बेहरा: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
180	225	216

सम्मेलनों में प्रस्तुत मौखिक पत्र एवं पोस्टर: 42

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
61	55	42

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 929 1/15/2026 6:30:35 PM

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र इलियोफेमोरल डीप वेन थ्रोम्बोसिस हेतु: कैथेटर-गाइडेड थ्रोम्बोलिसिस प्लस रिवारोक्साबन बनाम रिवारोक्साबन बनाम रिवारोक्साबन अलोन एक डबल ब्लाइंड आरसीटी संभावित अध्ययन, अमरिंदर सिंह मल्ही, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

2. डीप लर्निंग का उपयोग करके छाती के एक्स-रे का वर्गीकरण। आट्रिफिशियल इंटेलीजेन्स (एआई) परियोजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवा को सशक्त बनाने के राष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रथम चरण के अंतर्गत, आशु सेठ भल्ला, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के अंतर्गत आट्रिफिशियल इंटेलीजेन्स (एआई) परियोजना में एम्स उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), 2 वर्ष, 2024-2025, 2 करोड़ रुपये

3. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग का उपयोग करके सारकोमा में फुप्फुसीय नोड्यूल्स की घातक क्षमता का पता लगाने हेतु आट्रिफिशियल इंटेलीजेन्स-आधारित मॉडल विकसित करना और इसका संभावित सत्यापन, देवसेनाथिपति कंदासामी, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

4. वृद्ध भारतीय आबादी में चयापचय संबंधी शिथिलता, हेपेटोस्टीटोसिस और मायोस्टीटोसिस से संबंधित मायोस्टीटोसिस-संबंधी हृद् रोग जोखिम का आकलन करने के लिए गैर-इनवेसिव इमेजिंग बायोमार्कर का विकास, चंदन जे दास, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 1.5 करोड़ रुपये

5. बाल चिकित्सा में फैले फेफड़ों के रोगों का रेडियोजेनोमिक सहसंबंध, मनीषा जेना, एक्स्ट्रामुरल, 2 वर्ष, 2023-2025, यूएसडी 10,000

6. फेसेट मूल के क्रोनिक निचले भाग पीठ दर्द में फेसेट ज्वाइंट रेडियोफ्रीक्वेंसी डिनर्वेशन बनाम फेसेट ज्वाइंट इंजेक्शन की तुलना पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, स्टैनज़िन स्पाल्किट, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

7. यूएसजी गाइडेड वैक्यूम असिस्टेड एक्सीजन ऑफ इंट्राडक्टल पेपिलोमा - भारतीय सेटिंग में एक औचित्य अध्ययन - यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंकिता अग्रवाल, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

पूर्ण - शून्य

विभागीय परियोजनाएँ (शोध-पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. फोकल ब्रेस्ट शिकायतों वाली महिलाओं में अल्ट्रासाउंड के बाद सप्लिमेंटल इमेजिंग पद्धति के रूप में मैमोग्राफी के नैदानिक लाभ का आकलन

2. प्रारंभिक ऑपरेशन योग्य ब्रेस्ट कैंसर वाले रोगियों में रोग विस्तार मूल्यांकन में कंट्रास्ट-उन्नत मैमोग्राफी एवं संक्षिप्त एमआरआई की तुलना

3. पैथोलॉजिकल निप्पल डिस्चार्ज वाले रोगियों में अल्ट्रासोनोग्राफी एवं संक्षिप्त एमआरआई की तुलना

4. टी.बी. की मानक छाती रेडियोग्राफिक छवियों के एटलस का विकास

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 930 1/15/2026 6:30:35 PM

5. एमआरआई पर एम-रीसिस्ट मानदंड का उपयोग करके टीएसीई के प्रति हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा की प्रारंभिक प्रतिक्रिया का आकलन

6. काइलस लीक में कम खुराक सीटी लिम्फैंगियोग्राफी (एलडीसीटीएल) की औचित्य और भूमिका

7. पेरिएनल फिस्टुला का एमआरआई मूल्यांकन - वर्गीकरण प्रणालियों एवं सर्जिकल सहसंबंध की तुलना

8. कंट्रास्ट-एन्हांस्ड एमआरआई और कंट्रास्ट-एन्हांस्ड यूएसजी का उपयोग करके सिस्टिक रीनल मासिस के जोखिम स्तरीकरण में संशोधित बोस्नियाक वर्गीकरण, संस्करण 2019 का संभावित मूल्यांकन।

9. अल्सरोकॉन्स्ट्रक्टिव आंत्र रोग के मूल्यांकन में 68 जीए-एफएपीआई पैट/सीटी और एमआर एंटरोग्राफी की भूमिका

10. पित्ताशय के द्रव्यमान के मूल्यांकन में उन्नत यूएसजी और स्पेक्ट्रल सीटी की भूमिका

11. बच्चों में फोकल लिवर घावों के मूल्यांकन में सीईयूएस की भूमिका

12. पेरीफेरल वास्कुलर ट्रॉमा में डयूयल एनर्जी सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका

13. वृद्ध रोगी में घुटने के ओए में जेनिकुलर आर्टरी एम्बोलिज़ेशन की भूमिका

14. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म के रोगियों में प्रीऑपरेटिव स्थानीयकरण में स्पेक्ट्रल सीटी और सुई एस्पिरेट पैराथॉर्मोन जांच की भूमिका, जिसमें 4डीसीटी के निष्कर्ष अस्पष्ट हों

15. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद नोड पॉजिटिव ब्रेस्ट कैंसर में एक्सिलरी लिम्फ नोडल प्रतिक्रिया के आकलन में अल्ट्रासाउंड गाइडेड लिम्फ नोड लक्ष्यीकरण की भूमिका

16. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद नोड पॉजिटिव ब्रेस्ट कैंसर में यूएसजी गाइडेड लिम्फ नोडल प्रतिक्रिया की भूमिका

17. लार ग्रंथि के बड़े घावों के मूल्यांकन में मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई और शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करना

18. आईडीईए प्रोटोकॉल का उपयोग करके डीप पेल्विक एंडोमेट्रियोसिस के मैपिंग में अल्ट्रासोनोग्राफी एवं एमआरआई की भूमिका का मूल्यांकन करना।

19. यौन विकास संबंधी विकारों वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड एवं एमआरआई की उपयोगिता

पूर्ण

1. क्रोहन रोग के मूल्यांकन में संक्षिप्त एमआर एंटरोग्राफी

2. पैथोलॉजिक्ल निप्पल डिस्चार्ज वाले रोगियों में अल्ट्रासोनोग्राफी एवं संक्षिप्त एमआरआई की तुलना

3. हल्के-मध्यम कार्पल टनल सिंड्रोम के उपचार में अल्ट्रासाउंड गाइडेड हाइड्रोडिसेक्शन की प्रभावशीलता'

4. प्राथमिक स्जोग्रेन सिंड्रोम में पैरोटिड और सबमैंडिबुलर ग्लैंड की मल्टीमोडैलिटी इमेजिंग

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 931 1/15/2026 6:30:35 PM

5. इलियो-सेकल क्षेत्र के टी.बी. और क्रोहन रोग के मूल्यांकन में कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रासाउंड की भूमिका

6. छाती एवं पेट में काइलस लीक और लिम्फटिक विकृतियों के प्रदर्शन में एमआर लिम्फैंगियोग्राफी की भूमिका।

7. सीमित एमआर एवं डीएसए सहसंबंध के साथ नैक मासिस के लक्षण वर्णन में स्प्लिट-बोलस डयूयल एनर्जी सीटी की भूमिका।

8. स्थानीय रूप से उन्नत वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट आणविक लक्षित थेरेपी (टीकेआई) की प्रतिक्रिया का आकलन करने में स्पेक्ट्रल ड्यूल एनर्जी सीटी।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. विकृत नाक सेप्टम में नाक अवरोध के राइनोमैनोमेट्री निष्कर्षों को व्यक्तिपरक, एंडोस्कोपिक एवं विकिरण विज्ञान निष्कर्षों के साथ सहसंबंधित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

2. विकृत नाक सेप्टम में नाक अवरोध के राइनोमैनोमेट्री निष्कर्षों को व्यक्तिपरक, एंडोस्कोपिक और विकिरण विज्ञान निष्कर्षों के साथ सहसंबंधित करने हेतु एक संभावित अध्ययन,कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

3. कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के बाद नाक पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस को दोबारा होने से रोकने हेतु ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और इंट्रानैसल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स बनाम केवल इंट्रानैसल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स की दोहरी चिकित्सा का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

4. आरसीटी, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से ओरल एंटीकोआगुलंट्स प्राप्त करने वाले रोगियों बनाम कम मॉलेक्यूलर वेट हेपरिन को कीमोप्रोफिलैक्सिस के रूप में प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विकेटेबुलर सर्जरी उपरांत लक्षणात्मक एवं लक्षणहीन वेनस थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं की तुलना की गई है", अस्थि रोग

5. ग्रैनुलोमैटस मास्टिटिस का एल्गोरिथम उपचार: संभावित क्वासी इंटरवेंशनल अध्ययन डिजाइन।, शल्य चिकित्सा विभाग

6. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री एवं सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा और जठरांत्र रोग विज्ञान

7. बेरिएट्रिक सर्जरी से पूर्व एवं बाद में मोटापे से ग्रस्त रोगियों में लीवर बायोप्सी के साथ सहसंबंध में गैर-इनवेसिव परीक्षणों तथा स्कोरिंग प्रणालियों के साथ लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, शल्य चिकित्सा विभाग

8. फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में क्षारसूत्र लगाने वाले रोगियों में क्षारसूत्र के लाभ: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 932 1/15/2026 6:30:35 PM

9. रिसेक्टिव सर्जरी वाले क्रोनिक पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगी में नैदानिक, विकिरण विज्ञान और सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रोफ़ाइल, संक्रामक रोग

10. गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड्स में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में फाइन सुई एस्पिरेट एवं कोर सुई बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने हेतु क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

11. मैंडिबुलर पुनर्निर्माण में सर्जिकल परिणामों में सीएडी-सीएएम योजना बनाम पारंपरिक फ्री फिबुला योजना का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक संभावित अध्ययन, सिर एवं गला शल्य चिकित्सा और अर्बुदविज्ञान

12. टी1-टी4 कार्सिनोमा जीभ में अंतिम हिस्टोविकृति विज्ञान के साथ गहरे मार्जिन के एक्स-विवो अल्ट्रासाउंड सहायता प्राप्त एवं फ्रोजन सेक्शन विश्लेषण की तुलना: एक संभावित अध्ययन, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

13. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म (पीएचपीटी) में स्थानीयकरण के लिए सेस्टामिबी/एसपीईसीटी के साथ कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीईयूएस) की नैदानिक सटीकता की तुलना, शल्य चिकित्सा विभाग

14. लेरिंजियल और हाइपोफेरिंजियल कार्सिनोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ इंनवेशन की गहराई का सहसंबंध, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

15. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर प्रतिरक्षा-सूक्ष्म वातावरण के लक्षणों एवं लक्षित एंटी-पीडी-एल1 तथा एंटी-वीईजीएफ थेरेपी की प्रतिक्रिया का सहसंबंध: एक व्यापक अध्ययन, विकृति विज्ञान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

16. एकतरफा माइक्रोटिया वाले रोगियों में सुपरफिसियल टेंपोरल आर्टरी और पोस्टीरियर ऑरिकुलर आर्टरी की शारीरिक विविधताओं का वर्णनात्मक अध्ययन और ऑरिकुलर पुनर्निर्माण सर्जरी में शल्य चिकित्सा परिणामों पर इसके प्रभाव, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

17. उपचार-अनुभवहीन गैर-मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद रोगात्मक पूर्ण प्रतिक्रिया का आकलन करने हेतु पूर्वानुमानित नोमोग्राम का विकास: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

18. यूप्लोइड भ्रूणों और नवजात शिशुओं में प्रसवपूर्व-पता लगाए गए मस्तिष्क विकृतियों में एक्सोम अनुक्रमण की नैदानिक उपज, चिकित्सा आनुवंशिकी

19. गर्भावधि मधुमेह की रोकथाम हेतु प्रारंभिक गर्भावस्था में नामांकित उच्च जोखिम वाली महिलाओं में व्यवहार संशोधन के लिए निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली की उपयोगिता का मूल्यांकन: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंतःस्त्राविकी

20. एक वर्ष की अवधि के दौरान लचीले आंशिक डेन्चर का उपयोग करके कैनेडी वर्ग 1 मैंडिबुलर आर्च के पुनर्वास के बाद मैसेटर मांसपेशी की मोटाई और ऑक्लूसल बल का मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन, प्रोस्थोडोन्टिक्स

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 933 1/15/2026 6:30:35 PM

21. लक्षणात्मक लचीले फ्लैटफुट में गैट विश्लेषण एवं विकिरण विज्ञान और नैदानिक मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, अस्थि रोग

22. ल्यूकेमिया और ट्रांसप्लांट कंडीशनिंग हेतु गहन कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में उपचार के परिणामों पर सार्कोपेनिया और कमजोरी का प्रभाव - भारत में एक तृतीयक उपचार केंद्र से एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, रुधिर विज्ञान

23. सर्जरी करवाने वाले ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में अर्बुदविज्ञान परिणामों पर सार्कोपेनिया का प्रभाव - एक तृतीयक उपचार केंद्र में एक व्यापक अध्ययन, सिर एवं गला शल्य चिकित्सा और अर्बुदविज्ञान

24. पेरिएनल फिस्टुला का एमआरआई मूल्यांकन - वर्गीकरण प्रणालियों और सर्जिकल सहसंबंध की तुलना, शल्य चिकित्सा विभाग

25. समय से पूर्व डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता वाली महिलाओं में हड्डियों के स्वास्थ्य का बहुपैरामीटरिक मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग

26. एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव, उपचार-रहित गैर-मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी: रोग संबंधी और नैदानिक परिणाम, शल्य चिकित्सा विभाग

27. स्थानीय रूप से उन्नत विभेदित थायरॉइड कैंसर में लेन्वाटिनिब का उपयोग करते हुए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी - एक ओपन-लेबल चरण II अध्ययन, सिर एवं गर्दन शल्य चिकित्सा और अर्बुदविज्ञान

28. सिर और गर्दन के एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में नैदानिक परिणामों का पता लगाना: एक व्यापक विश्लेषण, सिर एवं गला शल्य चिकित्सा और अर्बुदविज्ञान

29. सीपीए रोगियों में टीएक्स के प्रति प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान, काय-चिकित्सा

30. बाल चिकित्सा बाह्य रोगियों में घुटने की विकृति एवं पोषण संबंधी स्थिति और अस्थि चयापचय के नियामकों के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने हेतु संभावित अध्ययन, अस्थि रोग

31. हड्डी के जीसीटी में ज़ोलेड्रोनेट की प्रतिक्रिया के आकलन में पीईटी-सीटी की भूमिका, अस्थि रोग

32. प्रोस्टेट कैंसर में 90 वाई-स्थिति के साथ ट्रांस-आर्टेरियल रेडियो-एम्बोलाइजेशन की भूमिका: एक पायलट अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा, अर्बुदविज्ञान

33. रोटेटर कफ टियर में सबस्कैपुलरिस की भागीदारी का आकलन करने हेतु अध्ययन: नैदानिक, विकिरण विज्ञान और आर्थ्रोस्कोपिक मूल्यांकन, अस्थि रोग

34. टी2-टी3 ओरल जीभ स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में कम्पार्टमेंटल ग्लोसेक्टॉमी और मानक वाइड मार्जिन एक्सिशन में सर्जिकल परिणाम - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

35. संवहनी विकृतियों के विभिन्न उपचार पद्धतियों के परिणामों का आकलन और मूल्यांकन करना, शल्य चिकित्सा विभाग

36. पारंपरिक हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी (एचएसजी) तकनीक पर साक्ष्य-आधारित त्रि-आयामी/चार-आयामी हिस्टेरोसाल्पिंगो-कंट्रास्ट सोनोग्राफी (3डी/4डी-हाइकोसी) शुरू करने के बाद ट्यूबल जांच परीक्षण/

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 934 1/15/2026 6:30:35 PM

बांझपन जांच के दौरान रोगी द्वारा बताए गए परिणामों का आकलन/सुधार करना: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन,प्रसूति एवं स्त्री रोग

37. जन्मपूर्व निदान किए गए तंत्रिका ट्यूब दोषों हेतु चिकित्सा समाप्ति के बाद व्यापक भ्रूण शव विच्छेदन द्वारा संबद्ध कपाल-रीढ़ की विसंगतियों की घटना का अध्ययन करना: एक पायलट अध्ययन, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

38. स्ट्रोक के रोगियों में निगलने की प्रक्रिया हेतु पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, तंत्रिका-विज्ञान

पूर्ण

1. सेप्टोराइनोप्लास्टी, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में मदनिष्ठ, व्यक्तिपरक और सौंदर्य संबंधी परिणामों को मापने के लिए एक संभावित अध्ययन

2. लेटरल स्कल आधार घावों के कारण निचले क्रेनियल तंत्रिका पक्षाघात वाले रोगियों में निगलने, खांसने और बोलने के मूल्यांकन पर एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन, कान, नाक एवं गला विज्ञान - सिर एवं गला शल्य चिकित्सा

3. ब्रेस्ट कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू-आर्म ओपन-लेबल समानांतर डिजाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग

4. पैथोलॉजिक्ल गर्भाशय रक्तस्राव वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियल घावों के आकलन में आईईटीए अल्ट्रासाउंड मानदंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

5. अंतर्गर्भाशयी अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके प्रसवोत्तर महिलाओं में प्रसूति एनल स्पिंकटर इंजिरी (ओएसिस) की घटनाओं का अध्ययन करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	4	7
कुल वित्तपोषण	19,65,000 रुपये	27,65,000 रुपये +10,000 अमेरिकी डॉलर	4,00,000,00 रुपये + 10,000 अमेरिकी डॉलर

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

शून्य

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 139 **पुस्तक में अध्याय: 53** **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 03**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	189	178	195
पत्रिकाओं में लेख	183	131	139

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 935 1/15/2026 6:30:36 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
सार	1	1	-
पुस्तकों में अध्याय	5	45	53
पुस्तकें	0	1	3

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर राजू शर्मा ने दिनांक 3 अगस्त 2024 को पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी विकिरण विज्ञान के वार्षिक सम्मेलन में "एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस की इमेजिंग" पर व्याख्यान दिया। उन्होंने दिनांक 5 जनवरी 2025 को एम्स भोपाल में एमपी राज्य शाखा वार्षिक सम्मेलन में डॉ. राम राय व्याख्यान दिया। उन्हें विकिरण विज्ञान उपकरणों के विनिर्देशों को तैयार करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर आशु सेठ भल्ला, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित "भारत के लिए साक्ष्य-आधारित फेफड़े के कैंसर दिशानिर्देश" के लिए दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) के सदस्य थे। वे इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के सह-संपादक (चेस्ट सेक्शन) भी थे।

प्रोफ़ेसर अतिन कुमार ने दिनाकं 9 अक्टूबर 2025 को इंडियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी, कोच्चि के मिड-टर्म सीएमई में डॉ. अनूप मेमोरियल व्याख्यान। उन्हें सोसाइटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी के महासचिव के रूप में चुना गया।

प्रोफेसर चंदन जे. दास ने प्रतिष्ठित जे.सी. बोस व्याख्यान, एओसीआर 2025 दिया। उन्हें दिनांक 21 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली के 49वें दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्हें एब्डोमिनल विकिरण विज्ञान (एमआरआई प्रभाग) का संपादक चुना गया। वे इंडियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग की शोध समिति के सदस्य भी रहे। वह इंडियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग की नोमोग्राम समिति के सदस्य भी रहे। वह सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति (अर्बुदविज्ञान) के सदस्य भी रहे।

प्रोफेसर मनीषा जेना ने प्रतिष्ठित मिहिर मित्तर व्याख्यान, एओसीआर 2025 दिया। उन्हें इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (एफआईसीआर) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (आईएसपीआर) की कार्यकारी समिति का सदस्य चुना गया है। प्रोफेसर सुरभि व्यास को इंडियन जर्नल ऑफ ब्रेस्ट इमेजिंग का सेक्शन संपादक चुना गया है। पीएमएसएसवाई - IV एवं पीएमएसएसवाई - V के अंतर्गत चिकित्सा उपकरणों की खरीद सहायता एजेंसी, एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड (एचआईटीईएस) में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया। उन्हें मेडटेक मित्र पोर्टल के माध्यम से आवेदनों के मूल्यांकन हेतु स्वास्थ्य उत्पाद स्क्रीनिंग समिति (एचपीएससी) में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है।

प्रोफेसर स्मिता मनचंदा ने प्रतिष्ठित डॉ. एमएल अग्रवाल मेमोरियल व्याख्यान 2024, एओसीआर 2025 दिया। उन्हें आईसीआरआई-आईआरआईए में महिला इमेजिंग विभाग की उप-विशेषज्ञ प्रमुख के रूप में चुना गया। उन्हें आईसीआरआई-आईआरआईए में महिला इमेजिंग डेली ऑनलाइन टीचिंग पाठ्यक्रम की समन्वयक के रूप में चुना गया। आईजेआरआई के सह-संपादक के रूप में चयनित किया गया।

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 936 1/15/2026 6:30:36 PM

डॉ. अंकुर गोयल आईआरआईए के दिल्ली राज्य चैप्टर के सचिव (2023-2024) रहे। वह मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी (भारत) के संयुक्त सचिव (2023-2025) भी रहे।

डॉ. अमरिंदर सिंह मल्ही आईएसवीआईआर नेशनल (2025-2026) के संयुक्त सचिव थे। वह आईएसवीआईआर दिल्ली एनसीआर स्टेट चैप्टर (2023-2026) के संयुक्त सचिव थे। वह आईएसवीआईआर नेशनल (2024-2025) के कार्यकारी परिषद सदस्य थे। वह आईआरआईए (2024-2026) के दिल्ली स्टेट चैप्टर के कार्यकारी परिषद सदस्य थे। वह एम्स के फैकल्टी एसोसिएशन (एफएआईएमएस) (2024-2026) के महासचिव थे। वह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस) - 2023 के सदस्य थे। वह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एफएएमएस) - 2024 के एसोसिएट फेलो थे। वह आईएसवीआईआर मिडटर्म कॉम्प्लिकेशन मीट 2024 आर्टेरियल एंड वीनस इंटरवेंशन, छ संभाजीनगर (औरंगाबाद), महाराष्ट्र 2-4 अगस्त 2024। वह 64वें नैम्सकॉन - एम्स जोधपुर, 23 और 24 नवंबर 2024 को "वन हेल्थ" संगोष्ठी के अध्यक्ष और जज थे। वह न्यूरोएंडोक्राइन लिवर मेटास्टेसिस संगोष्ठी, स्पेक्ट्रम 2024, मुंबई - 9 नवंबर 2024 के अध्यक्ष थे।

दिनांक 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि हेतु की गई जांचों का विवरण

क्र. सं.	जांच/विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांचों की कुल संख्या
1	**रूटीन एक्स-रे**	
	• ओपीडी	340290
	• इनडोर	31867
	• आपात	66551
	• पोर्टेबल	78901
2	**विशेष जांच**	
	• बेरियम अध्ययन	1236
	• अंतःशिरा पाइलोग्राफी	1178
	• मिक्ट्यूरेटिंग सिस्टोयूरेथ्रोग्राफी	900
	• हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी	565
	• ऑपरेशन थिएटर स्टडी	151
	• अन्य कंट्रास्ट स्टडी	613
3	**मैमोग्राफी**	4534
4	**डेक्सा स्कैन**	3144
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	• रूटीन	66024
	• आपातकाल	27859

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 937 1/15/2026 6:30:36 PM

क्र. सं.	जांच/विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांचों की कुल संख्या
	• डॉप्लर (रूटीन + कैजुअल्टी)	7578
6	**सीटी**	
	• शरीर	34401
	• सिर	12499
7	**एमआरआई (मेन + एनएमआर)**	7341 + 4941 = 12282
8	**इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं**	
	• इंटरवेंशनल वस्कुलर अध्ययन	3534
	इंटरवेंशनल नॉन-वास्कुलर अध्ययन	
	• सीटी गाइडेड	752
	• अल्ट्रासाउंड गाइडेड	6250
	• फ्लोरोस्कोपी गाइडेड	3069
	• मैमोग्राफी गाइडेड	45
	कुल योग	**704223**

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल इमेजिंग जांच	**549324**	**632106**	**704223**

आयोजित विकिरण सम्मेलनों की संख्या: 32 प्रति सप्ताह

विभाग में समीक्षा किए गए बाहरी इमेजिंग अध्ययनों की संख्या (अप्रैल 2024 से मार्च 2025)

विकिरण सम्मेलनों के दौरान: 21063

आरसी के अतिरिक्त बाहरी समीक्षाएं (नवंबर 2024-मार्च 2025): 900

क्र. सं.	माह	आरसी में प्राइवेट स्कैन की समीक्षा की गई
1.	अप्रैल-24	1839
2.	मई-24	1557
3.	जून-24	1387
4.	जुलाई-24	1831
5.	अगस्त-24	1221
6.	सितंबर-24	1940

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 938 1/15/2026 6:30:36 PM

क्र. सं.	माह	आरसी में प्राइवेट स्कैन की समीक्षा की गई
7.	अक्टूबर-24	1765
8.	नवंबर-24	1964
9.	दिसंबर-24	2103
10.	जनवरी-25	2152
11.	फ़रवरी-25	1656
12.	मार्च-25	1648
	कुल	**21063**

विकिरण सम्मेलनों की सूची

क्र. सं.	विभाग	दिन
1	जठरांत्र विज्ञान	सोमवार
2	आनुवंशिकी	सोमवार
3	रुमेटोलॉजी	सोमवार
4	बाल तंत्रिका	सोमवार
5	शल्य चिकित्सा I	सोमवार
6	शल्य चिकित्सा III	सोमवार
7	दंत	सोमवार
8	बाल नाभिकीय	मंगलवार
9	काय-चिकित्सा 1	मंगलवार
10	शल्य चिकित्सा IV	मंगलवार
11	पुल्मो	मंगलवार
12	अस्थि रोग यूनिट I/रीढ़	मंगलवार
13	स्त्रीरोग विज्ञान	मंगलवार
14	बाल शल्य चिकित्सा	बुधवार
15	जराचिकित्सा	बुधवार
16	काय चिकित्सा 2	बुधवार
17	आपातकालीन	बुधवार
18	जीआई शल्य चिकित्सा	बुधवार

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 939 1/15/2026 6:30:36 PM

क्र. सं.	विभाग	दिन
19	बाल अंत: स्त्राविकी	बुधवार
20	कान, नाक एवं गला	बुधवार
21	अस्थि रोग II	बुधवार
22	बाल चिकित्सा	गुरुवार
23	शल्य चिकित्सा II	गुरुवार
24	संवेदनाहरण	गुरुवार
25	रुधिर विज्ञान	गुरुवार
26	शल्य चिकित्सा VI	गुरुवार
27	मूत्ररोग विज्ञान	गुरुवार
28	प्लास्टिक सर्जरी	शुक्रवार
29	काय चिकित्सा 3	शुक्रवार
30	अंत: स्त्राविकी	शुक्रवार
31	शल्य चिकित्सा V	शुक्रवार
32	वृक्क विज्ञान	शनिवार

9.37_ Radiodiagnosis Hindi.indd 940 1/15/2026 6:30:36 PM

9.38 प्रजनन जैवविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आशुतोष हलदर

आचार्य एवं प्रभारी अधिकारी
सुरभि गुप्ता
सीआरआईए सुविधा

आचार्य
मोना शर्मा

सहायक आचार्य
विवेक दीक्षित
(संविदात्मक-6 अप्रैल 2024 से)

वैज्ञानिक

दीपक पांडे
(वैज्ञानिक II)

नीरज कुमार
(वैज्ञानिक II)

वैज्ञानिक I
मनीष जैन

विशिष्टताएं

विभाग मुख्य रूप से नैदानिक सेवाओं (प्रजनन हार्मोन और कैंसर बायोमार्कर; वीर्य विश्लेषण; विभिन्न आनुवंशिक विकारों के लिए एफआईएसएच और क्यूएफ पीसीआर) और प्रजनन आनुवंशिक परामर्श के अलावा शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यों में लगा हुआ है। अधिकांश प्रजनन आनुवंशिक परामर्श सेल्फ-रेफरल थे। अधिकांश मामले प्रजनन विकार, विकृति, कैंसर, बांझपन आदि के थे। सीआरआईए सुविधा द्वारा कैंसर मार्कर, प्रजनन हार्मोन, चयापचय मार्कर आदि सहित 50 से अधिक मापदंडों के लिए परीक्षण प्रदान की जाती है। सभी सीआरआईए लैब परीक्षणों के लिए ऑनलाइन रिपोर्ट प्रदान की जाती है। इस वर्ष सीआरआईए सुविधा ने 1.35 लाख से अधिक रोगी नमूनों के लिए 3,44,133 परीक्षण किए हैं। एंड्रोलॉजी प्रयोगशाला विस्तृत वीर्य विश्लेषण प्रदान करती है जबकि विभाग की आणविक प्रयोगशाला एफआईएसएच, क्यूएफ पीसीआर, आदि तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न आनुवंशिक परीक्षण प्रदान करती है एम्स के अन्य विभागों के अतिरिक्त हमारे अन्य पीएचडी छात्रों, एमएससी छात्रों और विभाग के विभिन्न प्रशिक्षुओं को शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न शैक्षणिक योगदानों के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों द्वारा (एनएबीएल/क्यूसीआई, आईसीएमआर, एमसीआई/एनएमसी, एनआईएचएफडब्ल्यू, डीबीटी, एनआईआरआरएच, आदि) आमंत्रित किया गया। विभाग के कई पीएचडी छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए पुरस्कार जीते।

9.38_.indd 941 1/15/2026 6:34:48 PM

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पैरामेडिकल शिक्षण सहित सभी शैक्षणिक गतिविधियों की सूची।

पीएचडी छात्र (पंजीकृत/जारी): 17 (2 छात्रों ने सफलतापूर्वक पीएचडी थीसिस पूर्ण की; 4 छात्रों ने थीसिस प्रस्तुत की)
एमएससी छात्र 12
सीएसआईआर- पूल अधिकारी 01
जेआरएफ/एसआरएफ/आरए 05
द्वि-साप्ताहिक सेमिनार और साप्ताहिक पत्रिका क्लब

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 17
आशुतोष हलदर: 12 सुरभि गुप्ता: 2 मोना शर्मा: 3

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
15	11	17

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 32
पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
19	18	32

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. अंतःस्रावी-विघटनकारी रसायनों (बिस्फेनॉल ए एंड एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स) के साथ पीसीओएस के अंतर्निहित तंत्र पर एक जांच, आशुतोष हलदर, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2022-2025, 68.8 लाख रुपये।

2. अवसादरोधी दवाओं का प्लेसेंटल कार्यों पर प्रभाव, सुरभि गुप्ता, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 27.9 लाख रुपये।

3. शुक्राणु टेलोमेर जीव विज्ञान और निषेचन क्षमता पर वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन का प्रभाव, मोना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 58 लाख रुपये।

4. एंडोमेट्रियोसिस के निदान के लिए परिसंचारी एंडोमेट्रियल कोशिकाओं (सीईसी) के विशिष्ट आणविक बायोमार्करों की पहचान और मूल्यांकन: एक एकीकृत और गैर-आक्रामक दृष्टिकोण, नीरज कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये।

5. सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) मामलों में माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन प्रोफाइल, मनीष जैन, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये।

9.38_.indd 942 1/15/2026 6:34:49 PM

6. एचसीजी किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, सुरभि गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्रालय-सीएमएसएस, वार्षिक, 5 लाख/वर्ष।

7. समयपूर्व डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में फोलिक्यूलर डाईनेमिक्स में माइटोकॉन्ड्रिया-एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम क्रॉस-टॉक की भूमिका, मोना शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 75 लाख रुपये।

8. वृषण कार्यों पर चयनात्मक सेरोटोनिन रीअपटेक इनहिबिटर्स (एसएसआरआईएस) के प्रभाव का अध्ययन, सुरभि गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 78 लाख रुपये।

9. बार-बार होने वाले गर्भपात (आरपीएल) के लिए लिपिड इमल्शन थेरेपी के सेलुलर आधार को समझना, सुरभि गुप्ता, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2024-2027, 53.9 लाख रुपये।

पूर्ण

1. संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों और बायोमार्कर खोज की पहचान के लिए डिम्बग्रंथि कैंसर ट्रांसक्रिप्टोम का एकीकृत विश्लेषण, आशुतोष हलदर, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2020-2024, 56.4 लाख रुपये।

2. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल सिस्टम की भूमिका, मोना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 40.58 लाख रुपये।

3. जननांग में टीजीएफ-β एवं इंसुलिन सिग्नलिंग द्वारा प्रेरित प्रजनन दीर्घायु विनियमन ट्रांसक्रिप्शनल लक्ष्य की कार्यात्मक अंत: क्रिया को समझने हेतु, नीरज कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2020-2024, 50 लाख रुपये।

4. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरैक्शन पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन के प्रभाव को स्पष्ट करना: सामान्य प्रोस्टेट फिजियोलॉजी के रखरखाव में भूमिका, दीपक पांडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 41.56 लाख रुपये।

5. प्री-एक्लेमप्सिया के रोगजनन में अंतर्निहित तंत्र का अध्ययन करने हेतु, सुरभि गुप्ता, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 76.12 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. बीपीए और एण्ड्रोजन के संपर्क से प्रेरित पीसीओएस चूहों के मॉडल में एपिजेनेटिक और अंतःस्रावी परिवर्तनों का तुलनात्मक विश्लेषण।

2. शुक्राणु टेलोमेर की आयु पर निर्भर गतिशीलता और डीएनए क्षति प्रतिक्रिया के साथ अंतर्संबंध

3. अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों के साथ पीसीओएस के एपिजेनेटिक तंत्र पर एक जांच।

4. प्रत्येक्ष अज्ञात हेतुक हाइपो स्पर्मेटोजेनेसिस में एटिऑलॉजिकल कारकों को निर्धारित करने के लिए एक जांच।

5. प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं पर डिडिमिन की कैंसर-रोधी गतिविधि का विश्लेषण।

6. स्तनधारी निषेचन में संभावित भूमिका वाले वृषण-समृद्ध प्रोटीन के लक्षण का वर्णन।

7. अंडाणु सक्रियण संकेतन पर एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव का प्रभाव।

9.38_.indd 943 1/15/2026 6:34:49 PM

8. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में कूपिक गतिशीलता पर माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल मध्यस्थता एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव का प्रभाव।

9. ट्रोफोब्लास्ट कार्यों पर सेरोटोनिन के प्रभावों को स्पष्ट करना।

10. शुक्राणु क्रायोप्रिजर्वेशन से प्रेरित माइटोकॉन्ड्रियल विकारों का शुक्राणु गतिशीलता पर प्रभाव।

11. इडियोपैथिक हाइपोस्पर्मेटोजेनेसिस में पर्यावरणीय कारक (बीपीए और भारी धातु) प्रेरित डीएनए मिथाइलेशन परिवर्तनों की जांच।

12. गर्भावधि में मधुमेह से पीड़ित महिलाओं के प्लेसेंटा में मेटफॉर्मिन की मध्यस्थता से होने वाले एपिजेनेटिक परिवर्तन।

13. प्रोस्टेट स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरैक्शन के मॉड्यूलेशन में सूक्ष्म पोषक तत्वों और फ्लेवोनोइड्स की भूमिका।

14. शुक्राणु माइटोकॉन्ड्रियल और परमाणु डीएनए इंटरग्रिटी पर क्रायोप्रिजर्वेशन प्रभाव का अध्ययन और निषेचन घटनाओं पर इसका प्रभाव।

15. कैंसर रोगियों में शुक्राणु क्रायोप्रिजर्वेशन प्रेरित एपिजेनेटिक परिवर्तन और उनके संभावित कार्यात्मक दोषों का अध्ययन।

16. कैपेसिटेशन मार्गों पर शुक्राणु क्रायोप्रिजर्वेशन के अस्थायी प्रभाव।

17. असंवर्धित एंडोमेट्रियोटिक कोशिकाओं का ट्रांसक्रिप्टोमिक्स निष्पादन।

पूर्ण

1. प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं पर ओरिएंटिन और बिलोबालाइड की कैंसर-रोधी गतिविधि का विश्लेषण।

2. कैनोरहेबडाइटिस एलिगेंस प्रजनन संबंधी उम्र बढ़ने में इंसुलिन/इंसुलिन-जैसे ग्रोथ फैक्टर सिग्नलिंग (आईआईएस) की भूमिका का वर्णन।

3. वृषण और एड्रिनल कार्यों पर अवसादरोधी दवा (एस्सिटालोप्राम) का प्रभाव।

4. ट्रोफोब्लास्ट कार्यों पर लिपिड इमल्शन का प्रभाव।

5. अज्ञात हेतुक समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक।

6. कैनोरहैबडाइटिस एलेगेंस को मॉडल प्रणाली के रूप में उपयोग करते हुए, प्रजनन और दीर्घायु में एचडीएसी अवरोधक (अवरोधकों) की मध्यस्थता वाले जीनोम-व्यापी ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क।

7. एंडोमेट्रियल बायोप्सी से एंडोमेट्रियल कोशिकाओं की आबादी का अलगाव और लक्षण वर्णन।

8. आवर्ती गर्भावस्था हानि रोगियों में डिसिड्यूलाइजेशन में प्लेसेंटा व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका।

9. बार-बार गर्भपात में शुक्राणु टेलोमेर इंटरग्रिटी के साथ पैटर्नल स्लीप और सर्कैडियन रिदम संबंध का अध्ययन।

10. शुक्राणु हेड दोष वाले बांझ पुरुषों में नींद और सर्कैडियन रिदम संबंध का अध्ययन।

9.38_.indd 944 1/15/2026 6:34:49 PM

11. यौन विकास विकार (डीएसडी) के बाल चिकित्सा 46, एक्स वाई रोगियों में जीनोमिक वेरिएंट की जांच करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बाल रोगियों में तीव्र ल्यूकेमिया और हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लिए फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया में जीवाणु रोगजनकों का तेजी से पता लगाने के लिए 16ए आरडीएनए एम्प्लिकॉन और मेटाजेनोमिक नैनोपोर अनुक्रमण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स।

2. तपेदिक मेस्टिटिस के रोगियों में स्तन माइक्रोबायोटा और प्रतिरक्षा रेपरटॉमर के लक्षण वर्णन, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स।

3. महिला प्रजनन स्वास्थ्य पर विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभाव, पर्यावरण विज्ञान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

4. स्वप्रतिरक्षी गठिया रोगों से ग्रस्त युवा महिलाओं में अंतःशिरा साइक्लोफॉस्फेमाइड की डिम्बग्रंथि विषाक्तता को कम करने में ल्यूप्रोलाइड एसीटेट की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक मूल्यांकन-ब्लाईडेंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण काय चिकित्सा विभाग, एम्स।

5. बाल रोग संवहनी ट्यूमर और विकृतियों के प्रबंधन में सिरोलिमस की प्रभावकारिता और सुरक्षा-एक संभावित अध्ययन, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स।

6. हेमेटोलिम्फोइड दुर्दमताओं वाले बच्चों में उच्च खुराक मेथोट्रेक्सेट कीमोथेरेपी के दौरान मुखीय-मार्ग सहायक देखभाल व्यवस्था (ओएससीआर) की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स।

7. ट्रॉमेटिक अंग विच्छेदन/विच्छेदनों वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और तनाव बायोमार्करों पर मनोसामाजिक इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ट्रॉमा शल्य चिकित्सा और गहन उपचार विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।

8. भारतीय बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार की विषाक्तता और नैदानिक प्रतिक्रिया के संबंध में आणविक मार्कर मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स।

9. सामान्य स्वप्रतिरक्षी विकारों के लिए एए की व्यापकता और नूनन सिंड्रोम वाले रोगियों में पीटीपीएन 11 वेरिएंट के साथ उनका सहसंबंध, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स।

10. रजोनिवृत्ति महिलाओं में डायनेपेनिया/सार्कोपेनिया की व्यापकता और चयापचय मापदंडों, शारीरिक संरचना और बोन मिनरल डेनसिटी के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, काय चिकित्सा विभाग, एम्स।

11. भारतीय महिलाओं में गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में सीरम ऑटोटैक्सिन की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स।

12. गर्भावस्था के दौरान यकृत के अंदर कोलेस्टेसिस से पीड़ित रोगियों में लक्षित पित्त अम्ल मेटाबोलोमिक्स और प्रसवकालीन परिणामों के साथ इसका सहसंबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स।

9.38_.indd 945 1/15/2026 6:34:49 PM

13. कैंसर से बचे रोगी में प्रजनन क्षमता के संरक्षण हेतु डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन में धीमी गति से फ्रीजिंग और विट्रीफिकेशन तकनीकों की तुलना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स।

14. संज्ञान, हृदय और प्रजनन कार्यों पर सोराफेनिब के प्रारंभिक प्रभाव को देखना चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स।

15. प्रयोगशाला चूहे में डीजल निकास प्रदूषित सूक्ष्म वातावरण प्रेरित वृषण चोट पर एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी और ई के सुरक्षात्मक प्रभाव का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स।

16. इडियोपेथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के अनूठे पहलू, अंत: स्रावकी विभाग, एम्स।

पूर्ण

1. एनीमिया: भारतीय लोगों में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों और जीवनशैली की भूमिका की खोज, भेषजगुण विज्ञान विभाग और रूधिर विज्ञान विभाग।

2. नेत्र कुंभ, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स।

3. भारत में धार्मिक सामूहिक सभा (महा-कुंभ) में जोखिम मूल्यांकन और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स।

पिछले 3 वर्षों में शोध

शोध परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजना	22	18	14
कुल वित्तपोषण	**रुपये 1141.94 लाख**	**रुपये 1037.43 लाख**	**रुपये 651.26 लाख**

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 17 **सार: 04** **पुस्तक में अध्याय: 01**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**19**	**17**	**22**
पत्रिकाओं में लेख	14	17	17
सार	1	-	4
पुस्तकों में अध्याय	4	-	1
पुस्तकें	-	-	-

रोगी उपचार

प्रजनन जैवविज्ञान विभाग में विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

आणविक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला:

9.38_.indd 946 1/15/2026 6:34:49 PM

रक्त (इंटरफ़ेज़/मेटाफ़ेज़ कोशिका), मुख कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस ऊतक आदि पर माइक्रोडिलीशन एफआईएसएच।

भर्ती किए गए 350 मरीजों में सभी संदिग्ध माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम वाले रोगी थे और 75 प्राथमिक वृषण विफलता वाले मामले थे। हमने अपनी आणविक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला में सभी मामलों का एफआईएसएच और प्राथमिक वृषण विफलता के मामलों का वायक्यू माइक्रोडिलीशन किया है और सभी मरीज़ों को रिपोर्ट दी है।

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम (रक्त/एमनियोटिक द्रव कोशिकाएं) की सूची:

- डिजॉर्ज सिंड्रोम (22क्यू11.2)
- विलियम सिंड्रोम (7क्यू 11.23)
- प्रेडर विली सिंड्रोम (15क्यू 11.13)
- रेटेनोब्लास्टोमा (13क्यू)
- मिलर डेकर सिंड्रोम (17पी 13.3)
- लैंगर गिडियन सिंड्रोम (8क्यू 24.11)
- 1पी.36.13
- वोल्फ हिर्शहॉर्न (4पी16.3)

सेक्स क्रोमोसोम्स एफआईएसएच (एक्स, वाई, एसआरवाई: केवल अनुसंधान एवं बांझपन)
वाईक्यू माइक्रोडिलीशन पीसीआर (लगभग 20 प्राइमर कवर)

सीआरआईए सुविधा:

इस सुविधा केंद्र में भर्ती और ओपीडी रोगियों के रक्त नमूनों में 50 से अधिक मापदंडों की नियमित जाँच की गई। 1,35,001 रोगियों के नमूनों की नैदानिक जाँच की गई।

वर्ष 2024-25 के लिए कुल जांचों की संख्या		
क्र.सं.	**जांच का नाम**	**जांचों की कुल संख्या**
1.	17-ओएच प्रोजेस्टेरोन	792
2.	एसीटीएच	638
3.	सक्रिय बी-12	26101
4.	एएफपी	4129
5.	एएमएच	6672
6.	एंटी-सीसीपी	8421
7.	एंटी-टीजी	562
8.	एंटी-टीपीओ	4069
9.	बी-एचसीजी	2614

9.38_.indd 947 1/15/2026 6:34:49 PM

वर्ष 2024-25 के लिए कुल जांचों की संख्या		
क्र.सं.	जांच का नाम	जांचों की कुल संख्या
10.	बीएनपी	5060
11.	सीए-125	5525
12.	सीए15.3	2
13.	सीए19.9	9205
14.	सीईए	8734
15.	सीकेएमबी	46
16.	कॉर्टिसोल	2085
17.	सी-पेप्टाइड	403
18.	सीआरपी	248
19.	साइक्लोस्पोरिन	1698
20.	डीएचईए-एस	1313
21.	डीएचटी	179
22.	एस्ट्राडियोल	2510
23.	फेरिटिन	12481
24.	फोलेट	17953
25.	फ्री पीएसए	488
26.	फ्री टी3	7074
27.	फ्री टी4	8772
28.	एफएसएच	10790
29.	ग्रोथ हार्मोन (जीएच)	456
30.	एचबीए1सी	12487
31.	एचई4	25
32.	होमोसिस्टीन	184
33	आईएल-6	3
34	इन्हिबिन बी	972
35	इंसुलिन	1376

9.38_.indd 948 1/15/2026 6:34:49 PM

वर्ष 2024-25 के लिए कुल जांचों की संख्या		
क्र.सं.	**जांच का नाम**	**जांचों की कुल संख्या**
36	इंटैक्ट पीटीएच	16049
37	एलएच	10023
38	मेथोट्रेक्सेट	822
39	प्रोकैल्सीटोनिन (पीसीटी)	13943
40	प्रोजेस्टेरोन	817
41	प्रोलैक्टिन	10430
42	प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन (पीएसए)	3530
43	एसएचबीजी	1013
44	टेस्टोस्टेरोन	4054
45	थायरॉइड प्रोफाइल	6715
46	कुल टी3	17635
47	कुल टी4	18512
48	ट्रोपोनिन-I	1291
49	टीएसएच	42487
50	विटामिन डी	32745
	किए गए कुल परीक्षणों की संख्या	**344133**

जेएसएसके हेतु किए गए परीक्षण	बीपीएल हेतु किए गए परीक्षण	एबी-पीएमजेएवाई हेतु किए गए परीक्षण	आरएएन के तहत किए गए परीक्षण
1324	5169	1193	94

इसके अलावा, विभिन्न शोध परियोजना अध्ययनों के लिए 405 से अधिक परीक्षण किए गए।

एंड्रोलाजी प्रयोगशाला:

एंड्रालॉजी प्रयोगशाला ने 1500 रोगियों को वीर्य विश्लेषण सेवाएं प्रदान कीं।

रोगी से संबंधित परीक्षणों/प्रयोगशाला जांचों की संख्या

वर्ष	सीआरआईए सुविधा	मोलिकुलर साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला	एंड्रोलॉजी प्रयोगशाला
2022-23	265857	300	995

9.38_.indd 949 1/15/2026 6:34:50 PM

वर्ष	सीआरआईए सुविधा	मोलिकुलर साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला	एंड्रोलॉजी प्रयोगशाला
2023-24	252725	250	1330
2024-25	344133	350	1500

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

- पीएचडी छात्रा (आयुषी तनेजा) ने 26-27 जुलाई, 2024 को एसीएमएस, दिल्ली में आयोजित आरआरआर शरीर रचना विज्ञान: वर्तमान, प्रासंगिक और शोध आधारित सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता।
- पीएचडी छात्रा (निशा शर्मा) को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स 2024, डेनवर, यू.एस.ए. में पोस्टर प्रस्तुति के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद यात्रा पुरस्कार मिला।
- पीएचडी छात्रा (निशा शर्मा) को इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) से टी.सी. आनंद कुमार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2025 प्राप्त हुआ।
- पीएचडी छात्रा (काजल सिहाग) ने जयपुर में 14-16 फरवरी 2025 को आयोजित आईएसएसआरएफ की 35वीं वार्षिक बैठक में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता।

आचार्य आशुतोष हलदर आईसीएमआर में प्रजनन जैव विज्ञान और मातृ स्वास्थ्य फेलोशिप पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य थे (जारी) सलाहकार पैनल-विशेषज्ञ सदस्य (जेनेटिक्स: फेलोशिप और सदस्यता) एनएएमएस (जारी)। भारतीय गुणवत्ता परिषद (पूर्व एनएबीएल) के जेनेटिक्स और साइटोजेनेटिक्स पर कोर प्रत्यायन समिति के सदस्य (जारी)। एनआईएचएफडब्ल्यू, मुनिरका, दिल्ली के कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य (जारी)। आईसीएमआर-एनआईआरआरएच, मुंबई की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य। आईसीएमआर वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए मूल्यांकन बोर्ड विशेषज्ञ (जारी)। विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे, जैसे, ईसी स्त्री रोग विज्ञान, ऑस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इनफर्टिलिटी,जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर एंड मेडिसिन, एसएम जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स, क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स एंड रिव्यूज, जर्नल ऑफ हेल्थ साइंस रिसर्च आदि। विभिन्न पत्रिकाओं/सरकारी वित्तपोषित संगठनों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के लिए समीक्षक। पिछले वर्ष से नए उद्धरण 100 से अधिक हैं (कुल उद्धरण 1700), एच-इंडेक्स 22 और आई10-इंडेक्स 40 उन्होंने राष्ट्रीय इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (उत्तरी क्षेत्र) सम्मेलन की अध्यक्षता की, दिल्ली चैप्टर, 5 अगस्त 2024; आईसीआरएसएमएम-2024 और सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी की 41वीं वार्षिक बैठक, 17 नवंबर 2024 (आमंत्रित वार्ता सत्र); सोसाइटी फॉर इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स का 9वां वार्षिक सम्मेलन-आईएएमजी-2024, 6 दिसंबर 2024 (मुख्य भाषण सत्र) के राष्ट्रीय सम्मेलनों की अध्यक्षता की। भारतीय मानव आनुवंशिकी सोसायटी की 49वीं वार्षिक बैठक और न्यूरोजेनेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-22 जनवरी 2025 (पूर्ण सत्र)। भारतीय प्रजनन एवं प्रजनन अध्ययन सोसायटी (आईएसएसआरएफ-2025) की 35वीं वार्षिक बैठक, 14 फ़रवरी 2025 (वक्तव्य पुरस्कार सत्र)। उन्होंने **पोस्टर मूल्यांकन सम्मेलन (राष्ट्रीय) में भाग लिया**: भारतीय चिकित्सा आनुवंशिकी अकादमी सोसायटी का 9वें वार्षिक सम्मेलन-आईएएमजी-2024 में भाग लिया; भारतीय मानव आनुवंशिकी सोसायटी की 49वीं वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नयूरोजेनेटिक्स, 16 नवंबर 2024 प्रजनन एवं प्रजनन क्षमता के अध्ययन के लिए भारतीय सोसायटी की 35वीं वार्षिक बैठक (आईएसएसआरएफ-2025), 14 फरवरी 2025 में भाग लिया।

9.38_.indd 950 1/15/2026 6:34:50 PM

आचार्य सुरभि गुप्ता नवंबर 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी (एसआरबीसीसई-2024) की 41वीं वार्षिक बैठक में एक सत्र की अध्यक्ष थीं। वे मार्च 2025 में जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित पर्यावरण और जन स्वास्थ्य पर मोबाइल फ़ोन विकिरण और नैनो तकनीक के प्रभाव (एनएमआरएनईएच-2025) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दो सत्रों की अध्यक्ष थीं। वे मार्च 2025 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित आईएनएसईवी - ईवीओएलवीई 2025 के उद्घाटन सम्मेलन की आयोजन समिति की सदस्या थीं। वे मार्च 2025 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित आईएनएसईवी-ईवीओएलवीई 2025 के उद्घाटन सम्मेलन में पोस्टर सत्र की निर्णायक थीं।

आचार्य मोना शर्मा एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बायोकेमिस्ट्री, जर्नल ऑफ मेडिकल एकेडमिक्स, जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक इंडोक्राइनोलॉजी एंड डायबिटीज, डीएसटी अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षक थीं। वह 30 अगस्त 2024 को शारदा विश्वविद्यालय में पीएचडी समीक्षा समिति के लिए विशेषज्ञ थीं। उन्होंने दिसंबर 2024 में एनआईआरआरसीएच, मुंबई (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन) में फेलोशिप "ओपनिंग गेट्स ट्रेनिंग" पाठ्यक्रम का आयोजन किया। वह नवंबर 2024 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रिनोलॉजी (एसआरबीसीई-2024) की 41वीं वार्षिक बैठक में पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक थीं।

डॉ. विवेक दीक्षित एम्स अनुसंधान दिवस और एम्स दीक्षांत समारोह (2025) की मंच समिति के सदस्य रहे। उन्होंने एम्स मानविकी पहल में सह-संयोजक और मुख्य वक्ता के रूप में भी कार्य किया।

9.38_.indd 951 1/15/2026 6:34:50 PM

9.39 रुमेटोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष
उमा कुमार

अपर आचार्य
रंजन गुप्ता
दानवीर भादू

सह-आचार्य
रुद्र प्रसाद गोस्वामी

वैज्ञानिक-I
कौस्तव चौधरी

विशिष्टताएं

रुमेटोलॉजी विभाग गंभीर एवं दीर्घकालिक गठिया रोगों से ग्रस्त रोगियों को अत्याधुनिक उपचार प्रदान करता है तथा अगस्त 2015 से संसाधन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2012 में शुरू की गई 6-बिस्तरों वाली रुमेटोलॉजी डे केयर सेवा, भारत में अपनी तरह की पहली सेवा थी और विभिन्न उपचारों एवं प्रक्रियाओं की आवश्यकता वाले रोगियों को लागत-प्रभावी तरीके से सेवा प्रदान करती रही है। वर्तमान में 14 इनडोर बिस्तरों के जुड़ने से रोगी उपचार एवं रेजिडेंट प्रशिक्षण दोनों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। जनता और चिकित्सा पेशेवरों के बीच गठिया और संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न शैक्षिक गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। पेशेवर एवं व्यावसायिक चिकित्सा सेवाएँ, मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड तथा कुछ जाँचों सहित, विभागीय पॉइंट-ऑफ-केयर सेवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विभाग अनुसंधान में भी अग्रणी रहा है; इसके पास 5,26,90,098.00 रुपये का अनुसंधान अनुदान है तथा कई सहयोगी परियोजनाएँ भी जारी हैं। विभाग के संकाय-सदस्यों ने प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई प्रकाशन प्रकाशित किए हैं। सहयोगी अनुसंधान गतिविधियों के कारण रोगी भर्ती किए गए हैं। प्रशिक्षित रुमेटोलॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता को देखते हुए, विभिन्न सरकारी संगठनों के चिकित्सा विशेषज्ञों को नियमित आधार पर अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विभाग ने गठिया संबंधी रोगों के कारण विकसित होने वाली विकलांगताओं वाले रोगियों के व्यापक पुनर्वास हेतु श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन कौशल प्रमाणन की सुविधा प्रदान करेगा, रोजगार क्षमता बढ़ाएगा एवं रोगियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु नए व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगा।

कार्य योजना: विभाग में सक्रिय शिक्षण कार्यक्रम है एवं इन-डोर रोगी सुविधा शुरू होने पर यह रुमेटोलॉजी में सुपर-स्पेशलिटी पाठ्यक्रम 'डीएम' शुरू करने का प्रयास कर रहा है।

शिक्षा

डॉ. उमा कुमार (स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर)

1. नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान का दायरा ऑटोइम्यूनिटी एवं ऑटोइम्यून विकार में वर्तमान अवधारणा है

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 952 12/26/2025 3:00:47 PM

2. रूमेटॉइड गठिया और स्पोंडिलोआर्थराइटिस
3. एसएलई
4. प्राथमिक नेक्रोटाइज़िंग वास्कुलिटाइड्स
5. जोड़ों में दर्द एवं कोमल उतक की समस्याओं वाले रोगियों हेतु दृष्टिकोण
6. जोड़ों में दर्द से पीड़ित रोगियों हेतु दृष्टिकोण
7. लघु वैसल वास्कुलिटिस: निदान एवं उपचार

डॉ. रंजन गुप्ता

1. प्रणालीगत स्केलेरोसिस एवं ओवरलैप सिंड्रोम

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन की मासिक नैदानिक बैठक आयोजित - रोचक मामले

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 43

उमा कुमार: 23 **दानवीर भादू: 3**
रंजन गुप्ता: 9 **रुद्र प्रसाद गोस्वामी: 8**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
33	45	43

प्रस्तुत मुखीय पत्रों/पोस्टरों की सूची: 15

पिछले 3 वर्षों में मुखीय/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
2	29	15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सक्रिय प्रोलिफेरेटिव ल्यूपस नेफ्रैटिस वाले वयस्क रोगियों में एनीफ्रोलुमैब की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित चरण 3 अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, एस्ट्राज़ानेका, 2 वर्ष, 2023-2025, 23.62 लाख रुपये
2. सिस्टमिक स्क्लेरोसिस से पीड़ित 18 से 70 वर्ष की आयु के पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में प्लेसबो की तुलना में एनीफ्रोलुमाब की सुरक्षा तथा प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 953 12/26/2025 3:00:47 PM

बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, समानांतर-समूह, डबल-ब्लाइंड, टू-आर्म, चरण III अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, एस्ट्राजेनेका (डेज़ी), 2 वर्ष, 2024-2026, 6.24 लाख रुपये

3. प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस से पीड़ित वयस्क रोगियों में ईएसके-001 की बहु-खुराक स्तरों की सुरक्षा, प्रभावकारिता एवं फार्माकोकाइनेटिक्स का आकलन करने हेतु चरण-I, बहुकेंद्रीय, बहुराष्ट्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, रंजन गुप्ता, एलुमिस द्वारा वित्तपोषित नैदानिक परीक्षण, 2 वर्ष, 2024-2026, 23.02 लाख रुपये

4. प्रगतिशील प्रणालीगत काठिन्य (सिस्टमिक स्क्लेरोसिस) से ग्रस्त वयस्कों में कम से कम 48 हफ़्तों तक मुखीय बीआई 685509 उपचार का चरण II, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड, समानांतर-समूह, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन। डॉ. उमा कुमार, बीआई, 2 वर्ष, 2024-2026, ₹7.91 लाख

5. जनानु संधिगतवात (प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस) में बहुविध आयुर्वेद इंटरवेंशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण,डॉ. उमा कुमार, आयुष, 3 वर्ष, 2022-2025, रु.62.43 लाख

6. स्जोग्रेन सिंड्रोम के रोगियों में इयानालुमाब की दीर्घकालिक सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड 2-आर्म नेप्ट्यूनस विस्तार अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2024-2029, 19.98 लाख रुपये

7. डिफ्यूज़ क्यूटेनियस सिस्टमिक स्क्लेरोसिस वाले प्रतिभागियों में इयानालुमैब की प्रभावकारिता, सुरक्षा एवं सहनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, प्लेसीबो-नियंत्रित मल्टीसेंटर अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2025-2028, 14.03 लाख रुपये

8. सक्रिय स्जोग्रेन सिंड्रोम (नेप्चूनस-2) के रोगियों में इयानालुमाब की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, 3-आर्म मल्टीसेंटर चरण 3 अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 2 वर्ष, 2023-2025, 20.56 लाख रुपये

9. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (सीरियस-एसएलई 2) के रोगियों में मानक उपचार चिकित्सा के टॉप पर इयानालुमाब की प्रभावकारिता, सुरक्षा तथा सहनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित मल्टीसेंटर चरण 3 अध्ययन।, डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 1.5 वर्ष, 2024-2026, 30.31 लाख रुपये

10. यह उन रोगियों के लिए एक ओपन-लेबल, मल्टी-सेंटर प्रोटोकॉल है जिन्होंने नोवार्टिस द्वारा प्रायोजित सेक्यूकिनुमाब का पिछला अध्ययन पूरा कर लिया है एवं जिन्हें अन्वेषक द्वारा सेक्यूकिनुमाब उपचार जारी रखने से लाभ होता पाया गया है डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2022-2025, ₹90.88 लाख

11. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस में एंटीन्यूक्लियर एंटीबॉडी इम्यूनोफ्लोरेसेंस पैटर्न: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके नैदानिक एवं रोगसूचक मूल्यांकन,रंजन गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 79.99 लाख रुपये

12. रूमेटॉइड गठिया के बारे में रोगियों एवं स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं की मान्यताओं, ज्ञान एवं धारणा का आकलन और सूचना पाठ्यक्रम का प्रभाव। रंजन गुप्ता, फाइजर इंक. 4 वर्ष, 2021-2025, 13.86 लाख रुपये

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 954 12/26/2025 3:00:47 PM

13. रूमेटॉइड गठिया के निदान एवं उपचार में प्राथमिक उपचार चिकित्सकों के ज्ञान अंतराल का आकलन तथा एक अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रभाव,रंजन गुप्ता, फाइजर इंक. 4 वर्ष, 2021-2025, यूएसडी 46111=36,88,880 लगभग

14. लंदन और नई दिल्ली में प्रोलिफेरेटिव और मेम्ब्रेनस ल्यूपस नेफ्रैटिस के रोगियों में मेटाबोलोमिक्स प्रोफाइल की तुलना,रंजन गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल एम्स-यूसीएल अनुदान, 4 वर्ष, 2021-2025, 5 लाख रुपये

15. अस्थि प्रोलिफरेशन और प्रो-इन्फ्लेमेटरी घुलनशील बायोमार्कर (टीएनफाल्फा, आईएल-17, आईएल-22 और आईएल-23) के स्तर में बाधा पर गैर-रेडियोग्राफिक अक्षीय स्पोंडिलोआर्थराइटिस में टोफैसिटिनिब उपचार की प्रभावकारिता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. दानवीर भादू, संस्थागत अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

16. पैर के गठिया के निदान एवं उपचार की निगरानी हेतु पहनने योग्य दबाव वाले इनसोल का उपयोग करके पैर के दबाव वितरण का आकलन, रंजन गुप्ता, दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन, 3 वर्ष, 2022-2025, 5 लाख रुपये

17. पैर के जोड़ों के गठिया का पता लगाने एवं स्थानीयकरण के लिए पैर-दबाव वितरण विधि: पारंपरिक रेडियोग्राफ़ के साथ तुलना,रंजन गुप्ता, एम्स यूजी अनुदान, 3 वर्ष, 2022-2025, 2 लाख रुपये

18. जीएस-यूएस-417-0304 प्रोटोकॉल शीर्षक: "रुमेटॉइड आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में फिलगोटिनिब की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन", डॉ. उमा कुमार, गैलापागोस, 5 वर्ष, 2019, फरवरी 2025, रु. 1137468.00

19. रूमेटॉइड गठिया में उपचार प्रतिक्रिया के बायोमार्कर के रूप में मैक्रोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फैक्टर (एमआईएफ) और सीडी74/सीडी44 प्रणाली,रंजन गुप्ता, संस्थागत इंट्राम्यूरल अनुदान, 5 वर्ष, 2020-2025, 10 लाख रुपये

20. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के रोगियों में कोविड-19 टीकाकरण के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का परिमाण, विशेषताएँ और सहनशक्ति: एक बहुकेंद्रीय समूह अध्ययन,रंजन गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 74.59 लाख रुपये

21. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के रोगियों में मासिक धर्म पैटर्न एवं यौन क्रिया: रोग गतिविधि सहित अनुदैर्ध्य अंतःक्रिया पर फोकस करना, रंजन गुप्ता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 44,19.39 लाख रुपये

22. रूमेटॉइड गठिया रोगियों में एंटी टीएनएफ थेरेपी के प्रति गैर प्रतिक्रिया में गामा चेन साइटोकाइन की भूमिका। डॉ. कौस्तव चौधरी, एम्स (प्रारंभिक करियर अनुसंधान अनुदान), 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख

23. रूमेटॉइड गठिया में एटॉमस के विभेदन और ध्रुवीकरण में आईएल-9 की भूमिका, डॉ. रुद्रप्रसाद गोस्वामी, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2025-2027, 20 लाख रुपये

पूर्ण

1. सक्रिय स्जोग्रेन सिंड्रोम (नेप्च्यूनस-2) वाले रोगियों में इयानालुमाब की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, 3-आर्म मल्टीसेंटर चरण 3 अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, नोवार्टिस, 1 वर्ष, 2023-2024, 20.56 लाख रुपये

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 955 12/26/2025 3:00:47 PM

2. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना,रंजन गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2024, 99.85 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. प्रणालीगत स्केलेरोसिस रोगियों की नैदानिक विशेषताओं, उपचार नीतियों एवं परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक फालो-अप: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रूमेटॉइड गठिया में कॉर्टिकल उत्तेजना एवं दर्द की स्थिति पर एमआरआई आधारित न्यूरोफीडबैक निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव। शरीर क्रिया विज्ञान

2. ल्यूपस परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल जैसे रिसेप्टर सिग्नलिंग अवरोधकों की इम्यूनोमॉडुलेटरी गतिविधियों का मूल्यांकन,जैव प्रौद्योगिकी

3. साइक्लोफॉस्फेमाइड (सीवाईसी)/हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू)/माइकोफेनोलेट (एमएमएफ)/ रिटक्सिमैब के प्रति प्रत्युनत्तरकर्ता बनाम गैर-प्रत्युनत्तरकर्ता देने वालों को स्तरीकृत करने एवं सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एसएलई) में फ्लेयर स्पीसोड का पता लगाने हेतु संचार एमआईआरएनए के नए वर्ग की पहचान करने के लिए जीनोमिक दृष्टिकोण, सामान्य काय-चिकित्सा विभाग, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, कर्नाटक

4. वयस्क डर्मेटोमायोसिटिस में टोफैसिटिनिब की स्टेरॉयड स्पेरिंग वाली प्रभावकारिता, काय-चिकित्सा

पूर्ण

1. मशीन लर्निंग मॉडल का उपयोग करके अल्ट्रासाउंड छवि का स्वचालित छवि विश्लेषण: डबल कॉन्टूर का पता लगाना, गणित विभाग, आईआईटी खड़गपुर

2. अज्ञातहेतुक सूजन संबंधी मायोपैथी का क्लिनिको-सीरो-विकृति विज्ञान वर्गीकरण और रोगजनन, विकृति विज्ञान

3. प्रणालीगत स्वप्रतिरक्षी विकारों में रोग की गंभीरता के साथ टियर इन्फ्लामेट्री मेडिऐटर और सीरम ऑटो एंटीबॉडी का सहसंबंध, डॉ. रा.प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र

4. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में दर्द एवं ऑटोनॉमिक प्रोफ़ाइल पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान

5. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकल उत्तेजना पर योगिक इंटरवेंशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान

6. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी विभाग, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेंगलुरु, भारत।

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 956 12/26/2025 3:00:47 PM

7. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ, भारत

8. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, रुमेटोलॉजी विभाग, निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद, भारत।

9. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी विभाग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर, भारत।

10. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, काय-चिकित्सा विभाग, एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक, भारत।

11. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना,नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, भारत।

12. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, वृक्क विज्ञान विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, भारत।

13. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी विभाग, आईपीजीएमईआर, कोलकाता, भारत।

14. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी, भारत।

15. भारतीय मायोसिटिस कोहोर्ट में मायोसिटिस-विशिष्ट और मायोसिटिस-संबंधित ऑटोएंटीबॉडीज़ का प्रचलन एवं नैदानिक सहसंबंध, तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला।

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	15	13	23
कुल वित्तपोषण (रू)	473.91 लाख रुपये	30.28 लाख रुपये	526.90 लाख रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 17 सार: 03 पुस्तकों में अध्याय:03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**28**	**23**	**23**
पत्रिकाओं में लेख	12	13	17
सार	10	8	3

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 957 12/26/2025 3:00:47 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पुस्तकों में अध्याय	6	2	3
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डाटा भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार (*विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं*)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	40718	41350	34666
विशेष क्लिनिक परामर्श	2918	3170	3021
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	7041	7288	8776
कुल भर्ती रोगी	5765	5700	6073
प्रयोगशाला जांच	53277	68462	77199

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के रुमेटोलॉजी विभाग में व्यावसायिक चिकित्सा एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से रोगियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु समर्पित है, जिसमें चिकित्सीय व्यायाम, रोगी शिक्षा एवं उन्नत पुनर्वास तकनीकों को एकीकृत किया जाता है।
व्यावसायिक चिकित्सा (ओटी) गठिया रोग से ग्रस्त रोगियों को प्रदान की जाने वाले बहु-विषयक उपचार का एक महत्वपूर्ण घटक है। हम विभिन्न प्रकार के मस्कुलोस्केलेटल और स्व-प्रतिरक्षा विकारों के आकलन, निदान तथा उपचार के लिए साक्ष्य-आधारित पद्धतियों का उपयोग करते हैं। ओटी का प्राथमिक उद्देश्य रोगियों को उनकी दैनिक गतिविधियों एडीएल में इष्टतम कार्यात्मक स्वतंत्रता प्राप्त करने में सक्षम बनाना है, जिससे उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार हो।

आरंभ की गई गतिविधियां

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग, रोगियों के स्वास्थ्य लाभ एवं कार्यात्मक सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में संलग्न है। इन गतिविधियों में शामिल हैं:

1. **व्यापक मूल्यांकन:** व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने हेतु रोगियों की शारीरिक, संज्ञानात्मक एवं मनोसामाजिक स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन।
2. **चिकित्सीय इंटरवेंशन:** गतिशीलता, शक्ति एवं समन्वय को बढ़ाने हेतु डिज़ाइन किए गए अनुकूलित चिकित्सीय व्यायाम और गतिविधियों का कार्यान्वयन।
3. **रोगी शिक्षा:** रोगियों और उनके परिवारों को रोग उपचार, एर्गोनोमिक सिद्धांतों एवं दैनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने हेतु अनुकूल तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 958 12/26/2025 3:00:47 PM

4. **अंतःविषयक सहयोग:** रोगी उपचार के लिए समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करने हेतु रुमेटोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों के साथ मिलकर कार्य करना।

5. **स्प्लिंट्स:** ऊपरी अंगों के ऑर्थोसिस, स्प्लिंट्स, अनुकूली और सहायक उपकरणों का निर्माण

6. **चिकित्सीय व्यायाम:**हमारा विभाग प्रत्येक रोगी की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न प्रकार के चिकित्सीय व्यायाम करता है। इन व्यायामों में शामिल हैं:

    1. *गति की सीमा (आरओएम) अभ्यास*: जोड़ों के लचीलेपन को बनाए रखने या बेहतर बनाने एवं सिकुड़न को रोकने हेतु डिज़ाइन किए गए ये व्यायाम रुमेटॉइड आर्थराइटिस और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे रोगों से पीड़ित रोगियों के लिए बेहद आवश्यक हैं।

    2. *शक्तिवर्धक व्यायाम:* मांसपेशियों की ताकत एवं सहनशक्ति के विकास पर केंद्रित। ये व्यायाम विशेष रूप से उन रोगियों के लिए फायदेमंद हैं जो पुरानी सूजन या लंबे समय तक गतिहीनता के कारण मांसपेशियों में कमजोरी का अनुभव कर रहे हैं।

    3. *कार्यात्मक प्रशिक्षण*: ऐसी गतिविधियाँ जो दैनिक कार्यों का अनुकरण करती हैं ताकि रोगियों की दैनिक जीवन की गतिविधियों (एडीएल) को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता में सुधार हो सके। इसमें उपचार, गतिशीलता एवं गृह प्रबंधन कौशल का प्रशिक्षण शामिल है।

    4. *न्यूरोमस्कुलर पुनः* शिक्षा: इन तकनीकों का लक्ष्य समन्वय, संतुलन और प्रोप्रियोसेप्शन में सुधार। ये व्यायाम तंत्रिका संबंधी विकारों से पीड़ित रोगियों या जोड़ों की सर्जरी से उबर रहे रोगियों हेतु आवश्यक हैं।

    5. *पीड़ा उपचार तकनीकें:* दर्द को कम करने और सूजन को कम करने हेतु गर्मी, ठंड और विद्युत उत्तेजना जैसे तरीकों को शामिल करना।

हम प्रगतिशील चिकित्सीय इंटरवेंशन एवं सहयोगी प्रयासों के माध्यम से उच्च-गुणवत्तापूर्ण, रोगी-केंद्रित उपचार प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य रोगियों की कार्यात्मक क्षमताओं को अधिकतम करके एवं उनके समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देकर उन्हें एक संपूर्ण जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है।

क्र.सं.	माह	रोगियों की संख्या
1	अप्रैल-24	699
2	मई-24	758
3	जून-24	622
4	जुलाई-24	477
5	अगस्त-24	495
6	सितंबर-24	632
7	अक्टूबर-24	602
8	नवंबर-24	494
9	दिसंबर-24	606

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 959 12/26/2025 3:00:47 PM

क्र.सं.	माह	रोगियों की संख्या
10	जनवरी-25	504
11	फ़रवरी-25	487
12	मार्च-25	512
	कुल रोगी	6888

सामुदायिक सेवा

1. चिकित्सा शिविरों में भागीदारी

क्र. सं.	शिविर का नाम	स्थान
1	चिकित्सा शिविर	कारगिल
2	चिकित्सा शिविर	मैसूर
3	चिकित्सा शिविर	लेह, लद्दाख
4	चिकित्सा शिविर	नौडेरा, प्रतापगढ़

2. विभिन्न रेडियो एवं टेलीविजन कार्यक्रमों में भाग लेकर तथा समाचार पत्रों में लेख लिखकर गठिया और स्वप्रतिरक्षा रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. उमा कुमार आयुर्वेदिक चिकित्सा के इतिहास के संपादकीय बोर्ड में नामांकित। उन्होंने पीएचडी थीसिस मूल्यांकनकर्ता पूर्ण किया-जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़। डीएम थीसिस मूल्यांकनकर्ता - पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़। उन्हें विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता (पीयूआरएसई) कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड में सदस्य के रूप में नामांकित किया गया था। उन्हें इन्सपायर फेलोशिप एप्प्लीकेशन के लेवल-2 मूल्यांकन हेतु बायोसाइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी पर विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। उन्हें वाइस-सोसाइटी चैलेंजेस विद ऑपर्च्युनिटीज (स्कोप) कार्यक्रम, डीएसटी, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत प्राप्त प्रस्तावों के तकनीकी मूल्यांकन हेतु विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें शहरी जलवायु एवं अत्यधिक जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (सीसीपी), डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्र में प्राप्त आरएंडडी प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए समीक्षक पैनल में नामित किया गया था। उन्हें केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नए ड्रग्स डिवीजन के विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था। उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीएफ) की नैदानिक उप-समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में पीएचडी परीक्षक थीं। वह डीएम (नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी) पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में परीक्षक थीं। वह डॉ. एनबी (नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान और रुमेटोलॉजी) परीक्षक थीं। उन्होंने पेरिस में एमआरएसएस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बैंकॉक (थाईलैंड) में अन्वेषकों की बैठक में भाग

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 960 12/26/2025 3:00:47 PM

लिया। तेलंगाना के सिकंदराबाद में आयोजित नैदानिक रुमेटोलॉजी सम्मेलन 2024 में नैदानिक मामलों का संचालन किया। उन्हें बाल चिकित्सा रुमेटिक विकारों पर एक सार्वजनिक व्याख्यान में भाग लेने हेतु एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने दूरदराज के क्षेत्रों में कई चिकित्सा शिविरों में भाग लिया।

प्रो. रंजन गुप्ता ने टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान में एपीएलएआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया। उन्हें फुकुओका, जापान में जापानी कॉलेज ऑफ रूमेटोलॉजी के 69वें वार्षिक सम्मेलन जेसीआर-2025 में भाग लेने हेतु अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो. दानवीर भादू केजीएमयू के रुमेटोलॉजी विभाग के परीक्षा बोर्ड के सदस्य थे। वह दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन (2022-24) द्वितीय अवधि (2024-26) के कार्यकारी सदस्य रहे।

9.39_ RHEUMATOLOGY 2024-2025 hindi.indd 961 12/26/2025 3:00:47 PM

9.40 शल्यचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनील चुंबर

आचार्य

राजेन्द्र प्रसाद	वीरेन्द्र कुमार बंसल	अनीता धर
असुरी कृष्णा	हेमंगा के भट्टाचार्जी	पीयूष रंजन

अपर आचार्य

मंजूनाथ मारुति पोल, सुहानी	मोहित जोशी, यशवंत राठोर	कमल कटारिया ओम प्रकाश

सहायक आचार्य

अंकिता सिंह	संजीव कुमार राय	आदित्य कुमारa
उत्तम कुमार ठाकुर	देवेन्द्र सिंह	बृजेश कुमार सिंह
सुशांत सोरेन	नेलसन टी	वसीम फिरोज़ खान
अरूण आनंद		आदित्य बख्शी

निजी सचिव

दीपिका सलूजा	राजीव गोसाईं

वैज्ञानिक-I

दरख़्शा कैसर	आरशी रिज़वान

विशिष्टताएं

शल्य चिकित्सा विभाग छह इकाइयों में संगठित है और इसने ऑपरेटिंग क्षेत्र में रोबोटिक शल्य चिकित्सा प्रणाली और शल्य चिकित्सा संबंधी गहन देखभाल क्षेत्र में डायलिसिस सुविधा की स्थापना के साथ अपनी शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया है। पिछले एक साल में कई नए विशेष क्लीनिक दोपहर में शुरू किए गए जिन्होंने बिनाइन स्तन रोग, अंतःस्रावी शल्य चिकित्सा, कैंसर आनुवंशिकी, स्टोमा, पुरुष यौन स्वास्थ्य, जठरांत्रीय और पित्ताशय की पथरी, हर्निया, कोलोप्रैक्टोलॉजी, संवहनी, वृक्क प्रत्यारोपण और धमनी शिरापरक फिस्टुला (शिरापरक अभिगम) सहित कई शल्य चिकित्सा क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कई प्रकार की समस्याओं का समाधान किया है। यह क्लीनिक स्तन कैंसर, बेरिएट्रिक शल्य चिकित्सा, संयुक्त फुफ्फुसीय शल्य चिकित्सा और अनुवर्ती क्लीनिकों जैसे मौजूदा क्लीनिकों के पूरक हैं। जेरिएट्रिक शल्य चिकित्सा ओपीडी ने लगभग दो साल का सफलतापूर्वक संचालन पूरा कर लिया है, और जल्दी ही समर्पित इनपेशेंट और ऑपरेटिव सेवाएँ शुरू करने की योजना है। विभाग द्वारा कई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सम्मेलन, सीएमई और शल्य चिकित्सा कार्यशालाएँ शामिल हैं, जिनमें से कुछ प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों के सहयोग से आयोजित किए गए, जिसमें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभाग के संकाय सदस्य, शल्य चिकित्सा ब्लॉक में स्थित विभागीय शल्य चिकित्सा कौशल केंद्र और सेट सुविधा में कौशल और वेट लैब, दोनों में सिमुलेशन

9.40_.indd 962 12/26/2025 3:03:47 PM

आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल हैं। विभाग द्वारा अन्य एम्स में गुर्दा प्रत्यारोपण जैसी उन्नत शल्य चिकित्सा सेवाओं के विकास में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। विभाग को दिल्ली स्टेट चेप्टर ऑफ द एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक के लिए रोलिंग ट्रॉफी जीतने पर प्रशंसा मिली। संकाय-सदस्यों और रेजिडेंट ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं, जिनमें से कुछ को पुरस्कारों एवं पुरस्कारों के रूप में सराहना प्राप्त हुई है। विभाग जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों के अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा स्नातकों को अल्पकालिक एक्सटर्नशिप प्रदान करने के लिए उनकी मेजबानी करता है।

शिक्षा

1. वार्षिक जनगणना
2. स्नातकोत्तर संगोष्ठी: साप्ताहिक
3. एम.सीएच सेमिनार: सप्ताह में दो बार (स्तन और अंतःस्रावी; मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा)
4. जर्नल क्लब और वरिष्ठ रेजिडेंटों द्वारा रोचक केस पर प्रस्तुतियाँ
5. मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा और अंतःस्रावी शल्य चिकित्सा कक्षाएं: क्रमशः साप्ताहिक
6. प्रत्येक यूनिट (6) में सप्ताह में एक बार रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा मृत्यु दर, रुग्णता, ऑपरेटिव, जनगणना (ऑडिट और जनगणना) पर चर्चा।
7. एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी और वार्ड में व्याख्यान, सेमिनार और नैदानिक शिक्षण कार्यक्रम।
8. रेजिडेंट के लिए कौशल केंद्र में व्यावहारिक लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण (ड्राई लैब)।
9. एमबीबीएस छात्रों, पीजी और एमसीएच रेजिडेंट्स के लिए आंतरिक मूल्यांकन (6 मासिक), एमबीबीएस छात्र, बीएससी ओटीटी
10. कनिष्ठ एवं एमसीएच रेजिडेंट्स के लिए आंतरिक मूल्यांकन (6 मासिक)
11. बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान
12. बीएससी ओटी तकनीशियनों के लिए व्याख्यान
13. सभी अंतिम वर्ष के एमएस और एमसीएच उम्मीदवारों के लिए सुबह के राउंड से पहले नैदानिक प्रस्तुति कक्षाओं की शुरूआत।

विभाग द्वारा प्रस्तुत सीसीआर:

सागा ऑफ ए सिंकिंग लीक इन ए सिंकिंग शिप	6 अगस्त 2024
मेटाबालिक मिस्ट्री: डीकोडिंग द पज़ल ऑफ हाइपोग्लाइसीमिया	17 सितंबर 2024
द सिनर्जी ऑफ टू (यूनिट 4)	12 नवंबर 2024
कम्बाइंड लैप्रो-एंडोस्कोपिक मेनेजमेंट ऑफ गेस्ट्रिक जीआईएसटी	18 फ़रवरी 2025

9.40_.indd 963 12/26/2025 3:03:47 PM

विभाग द्वारा सीजीआर:

पैनोरामा ऑफ एमईएन सिड्रोम	04 फ़रवरी 2025
स्तन कैंसर आनुवंशिकी की मुख्य स्ट्रीमिंग: जरूरतें, चुनौतियाँ एवं हमारा शुरूआती अनुभव	04 मार्च 2025

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या

कनिष्ठ रेजिडेंट		77
वरिष्ठ रेजिडेंट	एमसीएच-स्तन, अंत:स्राविकी एवं सामान्य शल्य चिकित्सा	09
	एमसीएच-मिनिमल एक्सेस एवं सामान्य शल्य चिकित्सा	16
	गैर-एमसीएच	31
फेलोशिप	बैरिएट्रिक शल्य चिकित्सा	01
ऑब्जर्वरशिप	राष्ट्रीय	11
	अंतर्राष्ट्रीय	9

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. अंत:स्राविकी शल्य चिकित्सा में सीएमई, 6 अप्रैल 2024
2. स्वच्छता पखवाड़ा, 9 अप्रैल 2024
3. एमएस और एमसीएच कोर्स रेजिडेंट्स के जनवरी 2024 (प्रथम सेमेस्टर) बैच के लिए थीसिस प्रोटोकॉल लेखन पर कार्यशाला, 13 अप्रैल 2024
4. घाव उपचार पर कार्यशाला, 20 अप्रैल 2024
5. एमएस और एमसीएच कोर्स रेजिडेंट्स के जनवरी 2022 (पांचवा सेमेस्टर) बैच के लिए थीसिस लेखन पर कार्यशाला, 20 अप्रैल 2024
6. सम्मेलन पूर्व कार्यशाला के साथ पहला एम्स कोलो-प्रॉक्टोलॉजी संगोष्ठी, 24-27 अप्रैल 2024
7. बैरिएट्रिक शल्य चिकित्सा सहायता समूह बैठक, 2 मई 2024
8. छात्रों, संकाय सदस्यों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और संयुक्त/दोहरी डिग्री कार्यक्रम की गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए भारत-जर्मनी द्विपक्षीय सहयोग, एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम, 2 मई 2024
9. हाथ स्वच्छता दिवस, 8 मई 2024
10. स्टोमा की जटिलताएँ: रोकथाम और प्रबंधन रणनीतियाँ, 27 जुलाई 2024
11. व्यावहारिक कार्यशाला: स्तन घावों की यूएसजी निर्देशित बायोप्सी, 30 जुलाई 2024

9.40_.indd 964 12/26/2025 3:03:47 PM

12. शल्य चिकित्सा के नए शल्य चिकित्सा रेजिडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन कार्यशाला, 10 अगस्त 2024
13. सम्मेलन पूर्व कार्यशाला- शल्य चिकित्सा में सीएमई, 1 सितंबर 2024
14. शल्य चिकित्सा में सीएमई और वार्षिक दिवस, 2-5 सितंबर 2024
15. इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसप्लांट सर्जन्स कैडेवरिक वर्कशॉप और सीएमई, 7-8 सितंबर 2024
16. बैरिकॉन 2024, 25-28 सितंबर 2024
17. एंडोसर्ज 2024, एसईएलएसआई का 17वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एसईएलएसआईसीओएन 2024) - स्नातकोत्तर सीएमई और कैडवेरिक कार्यशाला और एफसीएलएस/एमसीएलएस परीक्षा, 16-19 अक्टूबर 2024
18. एमएस और एमसीएच कोर्स रेजिडेंट्स के जुलाई 2024 (प्रथम सेमेस्टर) बैच के लिए थीसिस प्रोटोकॉल लेखन कार्यक्रम, 26 अक्टूबर 2024
19. सतर्कता जागरूकता सप्ताह और कार्यक्रम, 28 अक्टूबर 2024
20. एमएस और एमसीएच कोर्स रेजिडेंट्स के जुलाई 2022 (5वें सेमेस्टर) बैच के लिए थीसिस लेखन पर कार्यशाला, 2 नवंबर 2024
21. जेनेटिक काउंसलर जागरूकता दिवस, वेबिनार, 13 नवंबर 2024
22. विश्व रोगाणुरोधी प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह, 18-22 नवंबर 2024
23. शल्य चिकित्सा ब्लॉक दिवस, 6 दिसंबर 2024
24. एएसआईसीओएन आगरा- लाइव ऑपरेटिव प्रसारण-एम्स, शल्य चिकित्सा ओटी से, 11 दिसंबर 2024
25. एम्स-एचआईएसआई, 14 दिसंबर 2024
26. प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शिक्षाप्रद सत्र आयोजित करने के लिए एनएसवी के लिए प्रशिक्षण शिविर, 16-19 दिसंबर 2024
27. शल्य चिकित्सा में नए रेजिडेंट्स के लिए अभिविन्यास कार्यशाला, 2 फरवरी 2025
28. वर्ष की समीक्षा-स्तन कैंसर में अद्यतन, पोस्टर प्रस्तुति, 1 से 2 मार्च 2025
29. विश्व लिम्फेडेमा दिवस पर लिम्फेडेमा कार्यशाला, 6 मार्च 2025
30. मस्जिद मोठ परिसर- खेल प्रतियोगिता, 2-9 मार्च 2025
31. एमएस और एमसीएच कोर्स रेजिडेंट्स के जनवरी 2025 (प्रथम सेमेस्टर) बैच के लिए थीसिस प्रोटोकॉल लेखन कार्यक्रम, 15 मार्च 2025
32. चेस्ट वाल की शल्य चिकित्सा पर संगोष्ठी, विषय "चेस्ट वाल की विकृति, ट्रॉमा एवं ट्यूमर-2025, 21-23 मार्च 2025
33. चेस्ट वाल पर कैडवरिक कार्यशाला, 23 मार्च 2025

9.40_.indd 965 12/26/2025 3:03:47 PM

34. एमएस और एम.सीएच रेजिडेंट्स के लिए 5वें सेमेस्टर बैच जनवरी 2025 के लिए थीसिस लेखन पर कार्यशाला, 29 मार्च 2025.

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 201

सुनील चुंबर: 3	राजेन्द्र प्रसाद: 13	वीरेंद्र कुमार बंसल: 5
अनीता धर: 9	हेमंगा भट्टाचार्जी: 6	असुरी कृष्णा: 1
पीयूष रंजन: 18	मंजूनाथ मारुति पोल: 5	मोहित जोशी: 15
कमल कटारिया: 10	सुहानी: 12	यशवंत सिंह राठोर: 7
ओम प्रकाश: 8	अंकिता सिंह: 21	संजीत कुमार राय: 11
आदित्य कुमार: 8	उत्तम कुमार ठाकुर: 5	देवेन्द्र सिंह: 13
बृजेश कुमार सिंह: 2	सुशांत सोरेन: 2	वसीम फिरोज खान: 2
अरूण आनंद: 8	नेलसन टी: 7	आदित्य बख्शी: 8

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2022-2024	2022-2025
154	183	201

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 81

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2022-2024	2022-2025
103	83	81

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. बेरियाट्रिक शल्य चिकित्सा के अच्छे बनाम खराब प्रतिक्रियाकर्ताओं में चयापचय लचीलापन के पूर्वानुमान के रूप में वसा ऊतक में फाइब्रोटिक मध्यस्थों की तुलना करने वाला संभावित पायलट अध्ययन, डॉ. आदित्य बख्शी, एम्स (आंतरिक सहयोगी अनुसंधान), 2, 2025, 2027, 10 लाख रुपये

2. पेरीफेरियल धमनी रोग वाले रोगी में काल्क सकेलेटल मसल डिस्फंक्शन एनएडी+ जैवसंश्लेषण की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन, आचार्य अनीता धर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2022-2026, 40 लाख रुपये

3. ग्रैनुलोमैटस मैस्टाइटिस (एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजना) के रोगियों में स्तन माइक्रोबायोटा का लक्षण वर्णन, डॉ. कमल कटारिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स और टीएचएसटीआई फरीदाबाद, 2 वर्ष, 2023, 2025, 20 लाख रुपये

9.40_.indd 966 12/26/2025 3:03:47 PM

4. नॉन लैक्टेशनल मैस्टाइटिस के रोगियों में परिसंचारी प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों का लक्षण वर्णन -एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डॉ. नेल्सन टी, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

5. अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन बनाम अंतः पित्ताशय अंतःशिरा इंडोसायनिन_ग्रीन बनाम बिना अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन के बीच तुलना में सुरक्षा के बारे में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त करने के संबंध में नासर ग्रेड चतुर्थ लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सुशांत सोरेन, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

6. थायरॉइड और पैराथायरॉइड शल्य चिकित्सा के दौरान पैराथायरॉइड ग्रंथि का ऑपरेशन के दौरान पता लगाने के लिए ऑटोफ्लोरोसेंस आधारित इमेजिंग सिस्टम का विकास, डॉ. कमल कटारिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 55 लाख रुपये

7. पैराथाइरॉइड ऊतक की ऑटोफ्लोरोसेंस पर निर्भर इंट्राऑपरेटिव पहचान के लिए डिटेक्टर के रूप में स्मार्टफोन कैमरे के साथ टीआईआरएफ आधारित माइक्रोस्कोपिक प्रणाली का विकास, डॉ. कमल कटारिया, एम्स-आईआईटी सहयोगी परियोजना, 3 वर्ष, 2023-2026, 20 लाख रुपये

8. अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड्स.सी. 2.4 मिलीग्राम (कैग्रिसेमास.सी. 2.4 मिलीग्राम/2.4 मिलीग्राम) के साथ कैग्रिलिनटाइड्स.सी. 2.4 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा (रीडिफाइन 1), डॉ. आदित्य बख्शी, नोवो नॉर्डिस्क, >3 वर्ष, 2023-2026, 8 लाख रुपये

9. स्वदेशी रूप से विकसित, कम लागत वाले हल्के वजन वाले पॉलीसेंट्रिक पॉलीमेरिक घुटने के जोड़ (पीपीकेजे) की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन और अभिघातजन्य ट्रांसफेमोरल अंग-विच्छेदन के बाद जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर इसका प्रभाव। डॉ. मोहित जोशी, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

10. अचलासिया कार्डिया में लैप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी के अलावा, डोर्स फंडोप्लीकेशन बनाम एंगल ऑफ हिज़ एक्सेंचुएशन से गुज़र रहे मरीज़ों में विकृति विज्ञान संबंधी रिफ्लक्स का मूल्यांकन। डॉ. आदित्य कुमार, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2023-2025, 3.70 लाख रुपये

11. भारत के चुनिंदा जिलों में मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच, शीघ्र निदान और उपचार शुरू करने में तेजी लाने के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान, डॉ. आसुरी कृष्णा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2027, 300 लाख रुपये

12. तीव्र अग्नाशयशोथ की पुनरावृत्ति, द्रव संग्रह और लैप्रोस्कोपिक या एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक जल निकासी के बाद कार्यात्मक परिणामों के संदर्भ में अग्न्याशय के वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस/स्यूडोसिस्ट वाले रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम, डॉ. ओम प्रकाश, एम्स, 5 वर्ष, 2019-2024, 10 लाख रुपये

13. नोवेल कोरोनावायरस (कोविड-19) का पता लगाने के लिए मल्टी-मॉडल फ्लोरोसेंस और रेमन स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित आणविक पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण। (आईआईटीडी के सहयोग से), डॉ. पीयूष रंजन, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2024, 8 लाख रुपये।

14. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित युवा भारतीय महिलाओं में बीआरसीए1/2 जर्म लाइन म्यूटेशन का प्रचलन, डॉ. ओम प्रकाश, एम्स, 4 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये।

9.40_.indd 967 12/26/2025 3:03:48 PM

15. आरसीटी-लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी के दौरान प्लीहा धमनी की निरंतरता में ऑपरेशन से पूर्व एम्बोलिज़ेशन बनाम लिगेशन, डॉ. यशवंत राठौर, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, फरवरी 2024, जारी, 45 लाख रुपये

16. कोलोरेक्टल एडेनोकार्सिनोमा में वैकल्पिक रूप से विभाजित घटनाओं की पहचान करने के लिए आरएनए-सीक्वेंस आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन- जैव सूचना विज्ञान और जीनोमिक्स आधारित अध्ययन [2021-12417], मंजूनाथ मारुति पोल, आईसीएमआर- एक्स्ट्रा-म्यूरल फंड, 2 वर्ष, 2023-2025, 88,01,820 रुपये

17. एबडोमिनल हर्निया के रोगजनन में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीज और उनके अवरोधकों की भूमिका - एक संभावित केस कंट्रोल अध्ययन, डॉ. देवेंद्र सिंह, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

18. स्तन कैंसर रोगियों में सीटी1-3 एन1 एम0 रोग सहित नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट एक्सिलरी रोग का अनुमान लगाने में लक्षित एक्सिलरी क्लीयरेंस की भूमिका: एक संभावना, डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024- 2026, 10 लाख रुपये

19. पित्ताशय के कैंसर और कोलिलिथियासिस के रोगियों में भारी धातुओं और सूक्ष्म तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, निकेल, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, लेड, मरकरी, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन। डॉ. कमल कटारिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025 (जून), 10 लाख रुपये

20. दिल्ली में यमुना नदी के आसपास के स्कूलों में जोखिम वाले स्कूली छात्रों को महामारी विज्ञान का अध्ययन करना, जरूरत पर ध्यान देना, आईईसी सामग्री विकसित करना और संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करना-संभावित, गैर-यादृच्छिक, इंटरवेंशन अध्ययन।" डॉ. पीयूष रंजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 74 लाख रुपये

21. यूएसजी निर्देशित वैक्यूम असिस्टेड एक्सीज़न ऑफ़ इंट्राडक्टल पेपिलोमा-भारतीय परिवेश में एक व्यवहार्यता अध्ययन-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। डॉ. अंकिता सिंह, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2027, 10 लाख रुपये

22. बेरियाट्रिक सर्जरी करवा रहे अत्यधिक मोटे मरीज़ों में लिवर फाइब्रोसिस की सीमा का ऑपरेशन से पहले पता लगाने के लिए ईएलएफ टेस्ट (एन्हांस्ड लिवर फाइब्रोसिस पैनल) की उपयोगिता। डॉ. वसीम फिरोज़ खान, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये।

23. मिनिमल एक्सेस (लैप्रोस्कोपिक) शल्य चिकित्सा के लिए वीआर असिस्टेड 3डी एंडोस्कोपी, हेमंगा के भट्टाचार्जी, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये।

पूर्ण

1. स्तन कैंसर पीड़ित भारतीय महिलाओं के लिए लिक्विड बायोप्सी में प्रोटिओमिक्स का नैदानिक महत्व: एक सहयोगी अध्ययन, सुहानी, एम्स सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

2. पित्ताशय के कैंसर और कोलेलिथियसिस के रोगियों में भारी धातुओं और सूक्ष्म तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम और निकल, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, लेड, मरकरी, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन, कमल कटारिया, इंट्राम्यूरल परियोजना (एम्स दिल्ली), 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

9.40_.indd 968 12/26/2025 3:03:48 PM

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. फिस्टुला-इन-एनो वाले रोगियों के नैदानिक परिणामों में पारंपरिक शल्य चिकित्सा उपचार बनाम "क्षारसूत्र" चिकित्सा की प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. इंटरमिडिएट कोशिका विज्ञान के थायरॉइड नोड्यूल में कोर सुई बायोप्सी की व्यवहार्यता पर एक पायलट अध्ययन।

3. जांच-आधारित फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधि द्वारा पैराथाइरॉइड ग्रंथि के ऑटोफ्लोरोसेंस आधारित पता लगाने की तुलना इंडोसायनिन ग्रीन निर्देशित पैराथाइरॉइड ग्रंथियों की अंतःक्रियात्मक पहचान से करने हेतु एक पायलट अध्ययन।

4. संवेदी परिवर्तनों पर एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन: एक्सिलो-ब्रेस्ट और द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट के माध्यम से एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी के बाद गर्दन और एंटीरियर छाती में पेरेस्थेसिया/हाइपोस्थेसिया का विश्लेषण।

5. थायरॉइड शल्य चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में स्वरयंत्र की गतिशीलता का मूल्यांकन करने में ऑपरेशन से पूर्व और पोस्ट-ऑपरेटिव ट्रांसक्यूटेनियस लेरिंजियल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीएलयूएसजी) की सटीकता का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

6. प्राथमिक वेंट्रल हर्निया वाले रोगियों के लिए इंट्रापेरिटोनियल ऑनले मेश रिपेयर बनाम ट्रांसएब्डॉमिनल प्री पेरिटोनियल मेश प्लस रिपेयर की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

7. भारतीय जनसंख्या में पिलोनिडल साइनस रोग के लिए मानक सर्जिकल उपचार और विशिष्ट नकारात्मक दबाव ड्रेसिंग की तुलना न्यूनतम इनवेसिव उपचार और विशिष्ट नकारात्मक दबाव ड्रेसिंग से करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

8. निम्न दबाव बनाम मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम में वेंट्रल हर्निया की रिपेयर हेतु आईपीओएम से पीड़ित रोगी में दर्द के संदर्भ में परिणामों की तुलना करने के लिए एक संभावित आरसीटी।

9. युवा शल्य चिकित्सकों को सुरक्षित टीएपीपी रिपेयर करने में सहायता हेतु गहन शिक्षण मॉडल विकसित करने हेतु एक संभावित अध्ययन।

10. अंतरिम प्रमुख अग्नाशय-पित्त संबंधी घटनाओं और प्रमुख सर्जिकल परिणामों के संदर्भ में मध्यम रूप से गंभीर अथवा गंभीर तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में प्रारंभिक बनाम देरी से लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

11. केवल देखभाल के मानक की तुलना में स्तन कार्सिनोमा के लिए एक्सिलरी लिम्फ नोड विच्छेदन से गुजरने वाले रोगियों में ऊपरी छोर लिम्फेडेमा की रोकथाम के लिए देखभाल के मानक में लिम्फैटिको-वेनस एनास्टोमोसिस को जोड़ने के परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

12. फिस्टुला-इन-एनो के रोगियों के नैदानिक परिणामों में "क्षारसुर उपचार" (आयुर्वेदिक चिकित्सा सेटोन) बनाम पारंपरिक शल्य चिकित्सा उपचार के प्रभाव पर एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

9.40_.indd 969 12/26/2025 3:03:48 PM

13. एकल ग्रंथि रोग के कारण प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में इप्सिलैटरल एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण बनाम ओपन फोकस्ड पैराथायरायडेक्टॉमी द्वारा एंडोस्कोपिक पैराथायरायडेक्टॉमी की रोगी संतुष्टि, सौंदर्य, जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और व्यवहार्यता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

14. निम्न गुदा फिस्टुला के उपचार में क्षारसूत्र सम्मिलन बनाम वीडियो-सहायता प्राप्त गुदा फिस्टुला उपचार की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

15. एकल ग्रंथि रोग के कारण प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में इप्सिलैटरल एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण बनाम ओपन फोकस्ड पैराथायरायडेक्टॉमी द्वारा एंडोस्कोपिक पैराथायरायडेक्टॉमी की रोगी संतुष्टि, सौंदर्य, जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और व्यवहार्यता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

16. बिनाइन थायरॉइड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी के लिए एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण और द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

17. गंभीर लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से पीडित पीड़ित रोगियों में इंडोसायनिन ग्रीन के साथ या उसके बिना एक्स्ट्राहेपेटिक पित्त संरचनाओं को देखने के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण- डॉ. रोहित।

18. गंभीर लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से गुजर रहे रोगियों में इंडोसायनिन ग्रीन के साथ या उसके बिना एक्सट्राहेपेटिक पित्त संरचनाओं को देखने के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण।

19. गंभीर लेप्रोस्कोपिक काइलीसिस्टेक्टोमी से पीड़ित रोगियों में इंडोसायनिन ग्रीन के साथ या उसके बिना एक्स्ट्राहेपेटिक पित्त संरचनाओं को देखने के लिए एक आरसीटी।

20. पैराथाइरॉइड ग्रंथि एडेनोमा में ऑटोफ्लोरोसेंस की सटीकता-एक नैदानिक अध्ययन।

21. ग्रैनुलोमैटस मैस्टाइटिस का एल्गोरिथम उपचार: संभावित क्वासी-इंटरवेंशन अध्ययन डिज़ाइन।

22. तीव्र अग्नाशयशोथ के बाद अग्न्याशय के वाल्ड-ऑफ परिगलन/स्यूडोसिस्ट के लेप्रोस्कोपिक बनाम ईयूएस निर्देशित ड्रेनेज से गुजरने वाले रोगियों में दीर्घकालिक परिणामों की तुलना करने वाला एक व्यापक अवलोकन अध्ययन।

23. धमनी शिरापरक विकृति के विभिन्न उपचार पद्धतियों के परिणामों का आकलन और मूल्यांकन करने हेतु एक व्यापक अवलोकन अध्ययन।

24. इलेक्टिव लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी से ग्रस्त मध्यम स्प्लेनोमेगाली वाले रोगियों में ऑपरेशन से पूर्व स्प्लेनिक आर्टरी एम्बोलिज़ेशन (एसएई) के साथ और उसके बिना परिणामों की तुलना करने हेतु एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

25. डिस्टल अल्सरेटिव कोलाइटिस में एपेंडेक्टोमी: संभावित अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन।

26. अपेंडिसाइटिस वैश्विक परिणाम अध्ययन: आपातकालीन उपचार में संपूर्ण प्रणाली सुदृढ़ीकरण के क्षेत्रों की पहचान-अपेंडिसाइटिस के लिए अपेंडिसेक्टोमी के परिणामों पर एक वैश्विक संभावित समूह अध्ययन।

27. सरफेस ईएमजी का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के दौरान सर्जनों में मांसपेशियों की गतिविधि और थकान का आकलन।

9.40_.indd 970 12/26/2025 3:03:48 PM

28. सर्जिकल आईसीयू बनाम ट्रॉमा आईसीयू में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन के बाद रोगियों में जोखिम कारकों और परिणामों का आकलन।

29. फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में क्षारसूत्र लगाने वाले रोगियों में क्षारसूत्र के लाभ: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

30. ट्यूबरकुलर मैस्टाइटिस के रोगियों में स्तन माइक्रोबायोटा और प्रतिरक्षा प्रदर्शन की विशेषता।

31. कठिन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद नैदानिक, जैव रासायनिक और इमेजिंग परिणाम: एक व्यापक अध्ययन।

32. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बिनाइन स्तन रोगों की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और रोग संबंधी रूपरेखा: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।

33. गंभीर पेरिटोनिटिस के शल्य चिकित्सा उपचार में बंद या खुला उदर - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

34. लेप्रोस्कोपिक सहायता प्राप्त व्हिपल के पैंक्रियाटिकोडुओडेनेक्टोमी बनाम खुले पैंक्रियाटिकोडुओडेनेक्टॉमी के प्रारंभिक पश्चात के शल्य-क्रिया परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण।

35. लैप असिस्टेड व्हिपल पैंक्रियाटिकोडुओडेनेक्टॉमी बनाम ओपन पैंक्रियाटिकोडुओडेनेक्टॉमी के प्रारंभिक पश्चातवर्ती परिणाम का तुलनात्मक विश्लेषण।

36. लेप्रोस्कोपिक-सहायता प्राप्त पीडी और ओपन पीडी के बीच प्रारंभिक पश्चात-शल्यक्रिया परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण-एक पायलट अध्ययन।

37. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में सुरक्षा के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को प्राप्त करने के संबंध में नासर ग्रेड III/IV लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन बनाम अंतः पित्ताशय अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन बनाम बिना अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

38. फेफड़ों के रोगों में ऑपरेशन के बाद फुफ्फुसीय कार्य की भविष्यवाणी हेतु 3डी-सीटी वॉल्यूमेट्री और नियमित स्पाइरोमेट्री की तुलना-संभावित अवलोकन संबंधी कोहोर्ट अध्ययन।

39. सौम्य और घातक अधिवृक्क रोगों के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम रोबोटिक एड्रेनालेक्टोमी में नैदानिक परिणामों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

40. उदर भित्ति चीरों को बंद करने के लिए बाधित डबल 'एक्स' सुचर वर्सिस कंटीन्यूएस फॉर नीयर नीयर फॉर मेथड फॉर क्लोज़र प्रारंभिक परिणामों की तुलना: एक डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

41. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रस्त रोगियों में परिचालन संबंधी चिंता और शल्यक्रिया के बाद के दर्द पर वीडियो आधारित मल्टीमीडिया बनाम एनीमेशन बनाम पारंपरिक मौखिक संचार का उपयोग करते हुए शल्यक्रिया-पूर्व स्वास्थ्य शिक्षा के प्रभाव की तुलना।

42. गैस्ट्रिक कैंसर के निदान और अवस्था निर्धारण में 18एफएफडीजी पीईटी/सीटी और 68जीए-एफएपीआई-46 पीईटी/सीटी की प्रभावकारिता की तुलना।

9.40_.indd 971 12/26/2025 3:03:48 PM

43. लेप्रोस्कोपिक इंट्रापेरिटोनियल ऑनले मेश (आईपीओएम) और मिडलाइन वेंट्रल हर्निया से ग्रस्त रोगियों में डीप न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक बनाम मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम के साथ निम्न दाब न्यूमोपेरिटोनियम में शल्यक्रिया के बाद के दर्द की तुलना।

44. सौम्य और घातक थायरॉयड रोगों के लिए संशोधित आरएबीआईटी बनाम एंडोस्कोपिक बीएबीए में जीवन की गुणवत्ता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

45. एबीओ असंगत और एबीओ संगत लाइव संबंधित रीनल एलोग्राफ्ट प्रत्यारोपण में अल्पकालिक परिणामों की तुलना - तृतीयक देखभाल केंद्र में एक व्यापक अध्ययन।

46. ग्रेड II-IV हेमोरोइडल रोग वाले रोगियों में स्टेपलर हेमोरोइडोपेक्सी बनाम सुपीरियर रेक्टल आर्टरी एम्बोलिज़ेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

47. ऑपरेशन के बाद परिणामों और सीखने की अवस्था के संदर्भ में ग्रोइन हर्निया की उपचार के लिए टीईपी बनाम ईटीईपी तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण।

48. डीप लर्निंग आधारित हाइपरथर्मिया के साथ स्तन कैंसर के निदान और उपचार की निगरानी के लिए कम लागत वाली डूयल मोड तकनीक का विकास।

49. उपचारात्मक गैर मेटास्टेटिक स्तन कैंसर रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद रोगात्मक पूर्ण प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए पूर्वानुमानित नोमोग्राम का विकास: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

50. उपचार-अनुभवी गैर-मेटास्टेटिक स्तन कैंसर रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद रोगात्मक पूर्ण प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए पूर्वानुमानित नोमोग्राम का विकास: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

51. कठिन कोलेसिस्टेक्टोमी: लघु और दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन।

52. कोलोरेक्टल शल्य चिकित्सा के प्रारंभिक और दीर्घकालिक परिणाम- व्यापक अध्ययन।

53. मध्यम और गंभीर तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ में प्रारंभिक बनाम विलंबित लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

54. मध्यम और गंभीर तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ में शीघ्र बनाम विलंबित लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएलसीएपी परीक्षण)।

55. वैकल्पिक लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा में शल्य चिकित्सा के शारीरिक, मानसिक और दृश्य तनाव पर इंट्राऑपरेटिव माइक्रोब्रेक का प्रभाव: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

56. स्तन और एक्सिलरी शल्य चिकित्सा के बाद ऑपरेशन के बाद सेरोमा की रोकथाम के लिए इंट्रा-ऑपरेटिव टॉपिकल टैल्क बनाम पोविडोन आयोडीन का प्रभाव: ए आरसीटी।

57. स्तन और एक्सिलरी शल्य चिकित्सा के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव सेरोमा की रोकथाम के लिए इंट्रा-ऑपरेटिव टॉपिकल टैल्क बनाम पोविडोन आयोडीन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

58. सौम्य स्थितियों के लिए अवशिष्ट थायरॉयड ग्रंथि पर हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के प्रभाव।

9.40_.indd 972 12/26/2025 3:03:48 PM

59. संशोधित एफओएलएफआईआरआईएनओएक्स कीमोथेरेपी के बाद लोकली एडवांस्ड पित्ताशय कैंसर के लिए प्रभावकारिता और सफल कंवर्जन शल्य चिकित्सा।

60. एक्स-विवो क्रॉस ओवर रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल में सिम्युलेटेड सर्जिकल कार्य में बंद कंसोल रोबोटिक सिस्टम (दा विंसीरस) के साथ खुले कंसोल रोबोटिक सिस्टम (ह्यूगोरस) का एर्गोनोमिक मूल्यांकन।

61. रोबोटिक शल्य चिकित्सा में कलाई की गतिविधियों का मूल्यांकन: शल्य चिकित्सक के एर्गोनॉमिक्स और प्रदर्शन का एक अवलोकनात्मक अध्ययन।

62. पीएचपीटी के स्थानीयकरण में सीईयूएस बनाम एमआईबीआई का मूल्यांकन।

63. नैदानिक मास्टाल्जिया वाले रोगी में सेक्स हार्मोन और गोनैडोट्रॉफ़िन के स्तर में परिवर्तन का मूल्यांकन - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

64. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू-आर्म ओपन लेबल समानांतर डिज़ाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

65. अनिश्चित थायरॉइड नोड्यूल्स में नए निदान पद्धतियों का मूल्यांकन।

66. सिमुलेटिड वातावरण में रोबोटिक शल्य चिकित्सा कौशल के अधिग्रहण पर लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के पूर्व एक्सपोजर के प्रभाव का मूल्यांकन।

67. सिमुलेटिड वातावरण में रोबोटिक शल्य चिकित्सा कौशल के अधिग्रहण पर लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के पूर्व अनुभव के प्रभाव का मूल्यांकन।

68. प्रजनन आयु वर्ग के भारतीय पुरुषों द्वारा नो स्केलपेल नसबंदी (एनएसवी) के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक: एक क्रॉस सेक्शनल, अवलोकनात्मक अध्ययन।

69. व्हिपल्स शल्य चिकित्सा के बाद अग्नाशयी एक्सोक्राइन अपर्याप्तता और विलंबित गैस्ट्रिक खाली होने के संदर्भ में अग्नाशय का कार्यात्मक परिणाम।

70. फुफ्फुसीय और फुफ्फुसीय रोगों के लिए वक्ष शल्य चिकित्सा कराने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एक संभावित समूह अध्ययन।

71. कठिन कोलेसिस्टेक्टोमी में सर्जिकल प्रिसिजन पर इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस का प्रभाव: एक यादृच्छिक परीक्षण।

72. फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में क्षार सूत्र की स्थापना का प्रभाव: एक संभावित समूह अध्ययन।

73. कृत्रिम रोबोटिक सर्जिकल कार्यों के दौरान दृश्य, शारीरिक और मानसिक तनाव पर माइक्रोब्रेक का प्रभाव-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

74. एक तृतीयक उपचार अस्पताल में जनरल शल्य चिकित्सा वार्ड में शल्य चिकित्सा वाली जगह पर संक्रमण की घटना और नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रोफ़ाइल।

75. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी बनाम एक्सिलरी क्लीयरेंस से गुजरने वाले सीटी1-3एन1-2एम0 स्तन कैंसर रोगियों में लिम्फेडेमा की घटना: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन।

9.40_.indd 973 12/26/2025 3:03:48 PM

76. न्यूनतम इनवेसिव हर्निया रिपेयर से गुजर रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव मूत्र कैथीटेराइजेशन: एक तृतीयक उपचार अस्पताल में रुझान एवं परिणाम।

77. आपातकालीन लैपरोटॉमी के बाद उदर सेप्टिक पेरिटोनिटिस का शीघ्र पता लगाने और पूर्वानुमान लगाने के लिए पेरिटोनियल द्रव में एक साथ कई साइटोकाइन माप के पूर्वानुमानात्मक महत्व की जांच: एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

78. तीव्र अपेंडिसाइटिस में लेप्रोस्कोपिक अपेंडेक्टोमी बनाम गैर-ऑपरेटिव उपचार। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

79. भारतीय जनसंख्या में आंत्र माइक्रोबायोटा परिवर्तन और जठरांत्र संबंधी दुर्दमता के जोखिम पर कोलेसिस्टेक्टोमी का दीर्घकालिक प्रभाव - एक अवलोकनात्मक समूह अध्ययन।

80. लैप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी और उनके एक्सेंचुएशन के कोण बनाम लैप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी और अचलसिया कार्डिया के लिए टॉपेट फंडोप्लीकेशन के दीर्घकालिक परिणाम।

81. न्यूनतम चीरा बनाम पारंपरिक हॉकी स्टिक चीरा, आइस बैग तकनीक का उपयोग करके गुर्दा प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

82. स्तन कैंसर रोगियों में हाइपोक्सिया प्रेरक कारक (एचआईएफ) और एंजियोजेनिक साइटोकाइन का आणविक लक्षण वर्णन और हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के अलावा नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ उनका सहसंबंध।

83. एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव, उपचार-सरल, गैर-मेटास्टेटिक स्तन कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी: रोग संबंधी और नैदानिक परिणाम।

84. कोलेलिथियसिस के लिए लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से ग्रस्त रोगियों में गहरे न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड के साथ कम दबाव वाले न्यूमोपेरिटोनियम के विभिन्न परिणामों का मूल्यांकन करने और मानक दबाव वाले न्यूमोपेरिटोनियम के साथ उनकी तुलना करने के लिए गैर-हीनता आरसीटी।

85. पल्मोनरी एस्परगिलोमा की शल्य चिकित्सा करा रहे मरीजों में रोगी-रिपोर्ट और कार्यात्मक परिणाम।

86. एनास्टोमोटिक रिसाव में पेरी-एनास्टोमोटिक ड्रेन फ्लूइड बायोमार्कर का पूर्वानुमानित मूल्य: एक समूह अध्ययन।

87. तीव्र जटिल एपेंडिसाइटिस से पीड़ित मरीजों में सीकल और एपेंडिसियल नियोप्लाज्म की व्यापकता - एक समूह अध्ययन।

88. दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों के स्कूल जाने वाले बच्चों में पेक्टस विकृति की व्यापकता: एक क्रॉस सेक्शनल, अवलोकनात्मक अध्ययन।

89. न्यूनतम इनवेसिव एसोफेजेक्टोमी से ग्रस्त मरीज़ों में जीवन की गुणवत्ता और परिणाम: व्यापक अध्ययन।

90. प्राथमिक वेंट्रल हर्निया के लिए लैप्रोस्कोपिक वेंट्रल ट्रांसएब्डॉमिनल प्रीपेरिटोनियल (वीटीएपीपी) प्लस बनाम इंट्रापेरिटोनियल ऑनले मेश (आईपीओएम) प्लस उपचार में दर्द, जीवन की गुणवत्ता और लागत की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

9.40_.indd 974 12/26/2025 3:03:48 PM

91. प्राथमिक वेंट्रल हर्निया के उपचार में बीटीएपीपी बनाम आईपीओएम प्लस की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

92. मधुमेह के कारण पैर के अल्सर (डीएफयू) में पुराने घावों के उपचार में उन्नत घाव देखभाल ड्रेसिंग बनाम पारंपरिक ड्रेसिंग की भूमिका: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

93. पैराथाइरॉइड ग्रंथि एडेनोमा की पहचान में इंट्राऑपरेटिव इंडो-सायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस की भूमिका - एक नैदानिक अध्ययन।

94. टोटल थायरॉइडेक्टॉमी से ग्रस्त मरीज़ों में पोस्ट-ऑपरेटिव के पश्चात हाइपोकैल्सीमिया होने की संभावना बताने में इंट्राऑपरेटिव इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी की भूमिका: एक नैदानिक अध्ययन।

95. पेट के हर्निया के रोगजनन में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीज़ और उनके अवरोधकों की भूमिका - एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन।

96. सौम्य बनाम घातक पित्ताशय की थैली विकृति के विभेदन में बहुपैरामीट्रिक इमेजिंग की भूमिका।

97. लेप्रोस्कोपिक वंक्षण हर्निया शल्य चिकित्सा के बाद दर्द, एडिमा और हेपेटोमा को कम करने में सक्रोटल सहायता की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

98. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद नोड पॉजिटिव स्तन कैंसर में एक्सिलरी लिम्फ नोडल प्रतिक्रिया के आकलन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित लिम्फ नोड लक्ष्यीकरण की भूमिका।

99. रबर बैंड लिगेशन बनाम लेज़र हेमोराहाइडोप्लास्टी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

100. एक तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के ऑपरेटिंग कमरों में डिस्पोजेबल बनाम पुन: प्रयोज्य ड्रेप्स और गाउन के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन: एक गैर-हीनता यादृच्छिक परीक्षण।

101. गैर-मेटास्टेटिक स्तन कैंसर रोगियों में शल्य चिकित्सा के दीर्घकालिक रिपोर्ट किए गए रोगी परिणामों का अध्ययन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

102. ओपन थायरॉइडेक्टॉमी और संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी के दौरान सर्जनों के कार्यभार पर एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और छोटे विराम के प्रभाव पर अध्ययन: एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन।

103. एस्परगिलोमा के रोगियों के सर्जिकल परिणाम - एक व्यापक अध्ययन।

104. सिंगल एनास्टोमोसिस स्लीव जेजुनल बाईपास में 200-सेमी बनाम 250-सेमी बिलिओपैंक्रिएटिक अंग का बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने पर प्रभाव: एक द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

105. किडनी प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में नैदानिक और ग्राफ्ट परिणामों पर संशोधित बनाम पारंपरिक ईआरएएस का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

106. बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद पोषण संबंधी कमी पर सिंगल एनास्टोमोसिस स्लीव जेजुनल बाईपास बनाम स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी का प्रभाव: एक द्वितीय चरण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

107. सुरक्षा के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के दौरान अंतःशिरा इंडोसायनिन ग्रीन, इंट्रा पित्ताशय इंडोसायनिन ग्रीन और नो इंडोसायनिन ग्रीन की तुलना करने वाला थ्री आर्म यादृच्छिक परीक्षण।

9.40_.indd 975 12/26/2025 3:03:48 PM

108. शीर्षक: नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद नोड नेगेटिविटी वाले सीटी1-3एन1एम0 स्तन कैंसर रोगियों में आगे का एक्सिलरी उपचार बनाम कोई उपचार नहीं: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

109. गुदा फिस्टुला के उपचार में क्षारसूत्र सम्मिलन बनाम वीडियो-सहायता प्राप्त गुदा फिस्टुला उपचार की प्रभावकारिता का आकलन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

110. बार्ब सूयर विड ट्राइएन्गुलर एंड स्टॉपर एंड ब्लैक नीडिल बनाम बार्द सूयर विद लूप एंड और पारंपरिक स्टील सुई वाले बार्ब सूयर की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन। एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

111. लेप्रोस्कोपिक ट्रांस एब्डॉमिनल प्रीपेरिटोनियल हर्नियोप्लास्टी में सेल्फ-फिक्सेटिंग पॉलीप्रोपाइलीन जाल बनाम 3डी एनाटॉमिकल पॉलीप्रोपाइलीन मेश की तुलना करना-एक आरसीटी।

112. लैप्रोस्कोपिक ट्रांस एब्डॉमिनल प्रीपेरिटोनियल हर्नियोप्लास्टी में सेल्फ-फिक्सेटिंग पॉलीप्रोपाइलीन मेश बनाम 3डी एनाटॉमिकल पॉलीप्रोपाइलीन मेश की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

113. लैप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के दौरान सरफेस इलेक्ट्रोमायोग्राफी का उपयोग करके मांसपेशियों की गतिविधि और थकान पर माइक्रोब्रेक के प्रभावों का अध्ययन करना।

114. उदरीय हर्निया की सफल उपचार की भविष्यवाणी के साथ-साथ हर्निया के पास कमजोर अंगों का पता लगाने में उदरीय वाल और मांसपेशियों की ऑपरेशन से पूर्व शियरवेव इलास्टोग्राफी की उपयोगिता-एक संभावित तुलनात्मक इंटरवेंशन अध्ययन।

115. तृतीयक अस्पताल में छोटे गर्भनाल हर्निया की उपचार की विभिन्न तकनीकें और उनके परिणाम: एक महत्वाकांक्षी लोगिट्यूर्डिनल कोहोर्ट अध्ययन।

पूर्ण

1. सौम्य और अनिश्चित थायरॉइड घावों वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी हेतु ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण के परिणामों की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. सरल वंक्षण हर्निया में कुल एक्स्ट्रापेरिटोनियल मेश उपचार में मध्य रेखा बनाम त्रिकोणीय पोर्ट प्लेसमेंट: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

3. लैप्रोस्कोपिक और ओपन रिपेयर के बाद चीरा हर्निया के रोगियों में उदर भित्ति की गतिशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन।

4. थायरॉइड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी के लिए अक्षीय स्तन दृष्टिकोण और बी/लैक्सिलोब्रेस्ट दृष्टिकोण के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

5. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से पीडित रोगियों में पोर्ट साइट लोकल संवेदनाहरण लगाने को मानकीकृत करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पोर्ट साइट लगाने बनाम मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम में दर्द से राहत की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण बनाम लेप्रोस्कोपिक रूप से

9.40_.indd 976 12/26/2025 3:03:48 PM

निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के साथ कम दबाव न्यूमोपेरिटोनियम और लेप्रोस्कोपिक रूप से निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के साथ मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम।

7. सौम्य थायरॉइड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टॉमी के लिए एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण और द्विपक्षीय एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने के लिए एक आरसीटी।

8. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से पीडित रोगियों में नाभि पोर्ट साइट जटिलताओं की घटनाओं को कम करने के लिए ऑपरेशन से पूर्व रूप से एक समान नाभि स्वच्छता का उपयोग करने की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक आरसीटी।

9. प्रथम स्तर ट्रॉमा केंद्र में गर्दन की चोट के पैटर्न और उसके परिणामों का विश्लेषण: एक व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन।

10. डीप न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक के तहत मानक बनाम कम दबाव वाले लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की तुलना आरसीटी।

11. ऑपरेशन से पूर्व स्प्लेनिक आर्टरी एम्बोलिज़ेशन बनाम अकेले लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी के ऑपरेशन से पूर्व परिणामों की तुलना मध्यम और बड़े पैमाने पर स्प्लेनोमेगाली वाले रोगियों को वैकल्पिक लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी से गुजरने वाले रोगियों से: एक ओपन लेबल अन्वेषणात्मक आरसीटी।

12. सौम्य फेफड़ों के रोगों में शल्यक्रिया के बाद फुफ्फुसीय कार्य की संभावना हेतु 3डी-सीटी वॉल्यूमेट्री और नियमित स्पाइरोमेट्री की तुलना - संभावित अवलोकनात्मक कोहोर्ट अध्ययन।

13. वक्षीय शल्यक्रिया के बाद होने वाली जटिलताओं के वर्गीकरण हेतु क्लेवियन डिंडो वर्गीकरण और व्यापक जटिलता सूचकांक की तुलना, एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

14. चीरा और उदर हर्निया के उपचार की खुली, लेप्रोस्कोपिक, एंडोस्कोपिक, रोबोटिक और हाइब्रिड तकनीकों की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का एक मेटा विश्लेषण।

15. चीरा और वेंट्रल हर्निया के उपचार की खुली, लेप्रोस्कोपिक, एंडोस्कोपिक, रोबोटिक और हाइब्रिड तकनीकों के बाद परिणामों की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का मेटा-विश्लेषण।

16. लक्षणहीन पित्ताशय की पथरी रोग हेतु प्रारंभिक लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से उपचार करवाने वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा के पूर्व और पश्चात निष्कर्षों का नैदानिक पाठ्यक्रम के साथ सहसंबंध।

17. ग्रेट सैफेनियस नस के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा उपचार की जा रही वैरिकोज़ नसों के रोगियों में दर्द निवारण के लिए ओबट्यूरेटर तंत्रिका के साथ संयुक्त फेमोरल तंत्रिका ब्लॉक की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला दोहरा ब्लाइन्ड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण-कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवैस्कुलर इंटरवेंशन।

18. कोलोरेक्टल शल्य चिकित्सा के प्रारंभिक और दीर्घकालिक परिणाम: एक व्यापक अध्ययन।

19. पोर्टल शिरा थ्रोम्बोसिस के जोखिम वाले रोगियों में लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी के बाद एस्पिरिन बनाम एपिक्सैबन के रोगनिरोधी उपयोग की प्रभावकारिता: एक द्वितीय चरण आरसीटी।

9.40_.indd 977 12/26/2025 3:03:48 PM

20. समीपस्थ धमनी शिरापरक फिस्टुला शल्य चिकित्सा हेतु एनास्टोमोसिस के लिए दूरस्थ शिरा के बंधन के साथ अंत से साइड बनाम साइड से साइड एनास्टोमोसिस: एक खोजपूर्ण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू-आर्म ओपन लेबल समानांतर डिजाइन गैर हीनता यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

22. युवा भारतीय महिलाओं में ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में बीआरसीए 1/2 उत्परिवर्तन की अभिव्यक्ति।

23. आपातकालीन विभाग में आने वाले तीव्र कैलकुलस कोलेसिस्टेक्टोमी रोगियों के सूचकांक मामलों में फास्ट ट्रैक आपातकालीन लैप कोलेसिस्टेक्टोमी बनाम आपातकालीन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी - आरसीटी।

24. गंभीर अपेंडिसाइटिस में लेप्रोस्कोपिक अपेंडेक्टोमी बनाम ऑपरेशन के बिना उपचार। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

25. 3डी एंडोविज़न का उपयोग करके ग्रोइन हर्निया की ट्रांसएब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) रिपेयर को सीखने की प्रक्रिया।

26. बिना जटिलता वाले वंक्षण हर्निया में कुल एक्स्ट्रा-पेरिटोनियल मेश रिपेयर में मिडलाइन बनाम ट्राइएन्गुलर पोर्ट प्लेसमेंट: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

27. कोलेडोकोलिथियासिस के लिए एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैन्क्रिएटोग्राफी के बाद लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी का इष्टतम समय (प्रारंभिक बनाम विलंबित): एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

28. कठिन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के परिणाम एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

29. लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी के दौरान अपेंडिक्स के आधार को सुरक्षित करने के लिए पॉलीमेरिक क्लिप बनाम एंडोस्कोपिक स्टेपलर: एक अन्वेशणात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

30. दीर्घकालिक शिरापरक उच्च रक्तचाप वाले रोगियों के पैर के अल्सर के पूर्ण उपचार को प्राप्त करने में पेनिसिलिन और देखभाल के मानक बनाम अकेले मानक देखभाल की तुलना करने वाला यादृच्छिक परीक्षण।

31. छोटी आंत की शल्य चिकित्सा में स्टेपल्ड बनाम समवर्ती स्टेपल्ड और हाथ से सिला हुआ एनास्टोमोसिस:एक खोजपूर्ण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

32. लक्षणहीन पित्ताशय की पथरी रोग, लक्षणहीन पित्ताशय की पथरी रोग और कार्सिनोमा पित्ताशय में मल और पित्त माइक्रोबायोम का अध्ययन।

33. ओपन थायरॉइडेक्टॉमी और मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी के दौरान शल्य चिकित्सकों के कार्यभार पर एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और माइक्रोब्रेक के प्रभाव पर अध्ययन: एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन।

34. जीएसडी के लिए लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से उपचार कराने वाले रोगियों के बीच गहरे न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक बनाम मानक दबाव न्यूमोपेरिटोनियम के साथ कम दबाव वाले न्यूमोपेरिटोनियम में सूजन मार्करों की तुलना करना: एक आरसीटी।

9.40_.indd 978 12/26/2025 3:03:49 PM

35. अग्नाशयी तंत्रिका अंत:स्राविकी ट्यूमर हेतु लेप्रोस्कोपिक बनाम रोबोटिक अग्नाशयी शल्य चिकित्सा के बाद परिणामों की तुलना करना। एक प्रणालीगत समीक्षा और मेटा-विश्लेषण।

36. गैस्ट्रोडुओडेनल छिद्र वाले रोगियों के एटियोलॉजी, नैदानिक प्रस्तुति और परिणामों का अध्ययन करना।

37. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी से गुजर रहे रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल, जांच और परिणाम का अध्ययन करना: एक पूर्वव्यापी और भावी अनुभव।

38. लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल हर्निया के उपचार में ऑपरेशन के बाद दर्द नियंत्रण के लिए लेप्रोस्कोपिक रूप से दिए गए ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की प्रभावशीलता का अध्ययन करना - एक प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक अध्ययन।

39. पूर्ण कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद कोलेलिथियसिस वाले रोगियों में परिणामों का अध्ययन करना।

40. सह-पीआई के रूप में इमपेल्पबल स्तन ट्यूमर को फ्लोरेसेंस और हेमेटोमा निर्देशित उपचार हेतु उपयोग करना।

41. थायरॉइडेक्टॉमी से उपचार ले रहे रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया को रोकने हेतु प्रोफिलैक्टिक स्टेरॉयड का उपयोग।

42. उदरीय हर्निया के सफल उपचार की भविष्यवाणी के साथ-साथ हर्निया के पास कमजोर क्षेत्रों का पता लगाने में उदरीय वाल और मांसपेशियों की प्री-ऑपरेटिव शियर वेव इलास्टोग्राफी की उपयोगिता, एक संभावित तुलनात्मक इंटरवेंशन अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एपेंडिसाइटिस के लिए एपेंडेक्टोमी के परिणामों पर एक वैश्विक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, बर्मिंघम/एडिनबर्ग विश्वविद्यालय।

2. एस्ट्रोजन रिसेप्टर-पॉजिटिव, एचईआर2-नेगेटिव उन्नत स्तन कैंसर वाले प्रतिभागियों में एआरवी-471 (पीएफ-07850327) बनाम फुलवेस्ट्रेंट का तृतीय चरण, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, मल्टीसेंटर परीक्षण, जिनका रोग उन्नत रोग के लिए पूर्व अंतःस्रावी आधारित उपचार के बाद बढ़ गया (वेरिटाक-2), प्रोटोकॉल संख्या: सी4891001, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

3. वैरिकोज वेन के रोगियों में अक्षम पेरफोरेटर्स के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड फोम स्क्लेरोथेरेपी (पोलिडोकैनॉल) के साथ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक एकल केंद्र यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, हृदय विकिरण विज्ञान, एम्स।

4. स्तन कैंसर कोशिकाओं में एमईजी3-प्रेरित जीनोम-व्यापी डीएनए मिथाइलेशन पैटर्न का विश्लेषण, विकृति विज्ञान, एम्स।

5. मोटापे में कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य के आंतरिक वसा ऊतक व्युत्पन्न मॉड्यूलेटर के रूप में एम्फायरगुलिन और सीआरआईएसपीएलडी1 का आकलन, जैव रसायन, एम्स।

9.40_.indd 979 12/26/2025 3:03:49 PM

6. मधुमेह ग्रस्त पैर के अल्सर के रोगियों में घाव की ड्रेसिंग के रूप में फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर (एफजीएफ) और सिल्वर नैनोपार्टिकल (एजीएनपी) एनट्रैप्ड जिलेटिन/गेलन हाइब्रिड जैल का नैदानिक मूल्यांकन। दिल्ली फार्मास्युटिकल विश्वविद्यालय आईआईटी बॉम्बे।

7. रिसेक्टिव शल्य चिकित्सा से गुजर रहे गंभीर फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस रोगियों की नैदानिक, विकिरण एवं सूक्ष्म जैव विज्ञानी प्रोफ़ाइल, जैव रसायन, एम्स।

8. माइक्रोवेव इमेजिंग का उपयोग करके स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए यूडब्ल्यूबी एंटीना से एकीकृत स्मार्ट टेक्सटाइल्स का डिज़ाइन और विकास। राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार (6.9 करोड़)।

9. डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, जिसमें वेरिकोज वेंस के रोगियों में दर्द निवारण के लिए फीमरल नर्व ब्लॉक के साथ ओबट्यूरेटर नर्व की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया गया, जिनका इलाज ग्रेट सैफेनस वेन के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा किया जा रहा है, हृदय विकिरण विज्ञान, एम्स।

10. मेडिकल छात्रों के लिए नैदानिक परिदृश्यों से संबंधित उनके खोज कौशल को बढ़ाने हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन। मनोचिकित्सा विभाग, एम्स।

11. अचलासिया कार्डिया में लेप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी के अलावा एंटी रिफ्लक्स प्रक्रिया के रूप में डोर के फंडोप्लीकेशन बनाम एंगल ऑफ हिज एक्सेंचुएशन से गुजरने वाले रोगियों में विकृति विज्ञान संबंधी रिफ्लक्स का मूल्यांकन। शरीर क्रिया विज्ञान, जठरांत्ररोग विज्ञान- एम्स।

12. मोटापे में प्लेटलेट सक्रियण के मध्यस्थों के रूप में विसरल एडीपोज टिशू (वीएटी) व्युत्पन्न पी-सेलेक्टिन ग्लाइकोप्रोटीन लिगैंड (पीएसजीएल1), थ्रोम्बोस्पोंडिन-1 (टीएसपी1) और वर्सिकन का मूल्यांकन, जैव रसायन, एम्स।

13. लांग ह्यूमन गैर-कोडिंग आरएनए (आईएनसीआरएनए) का कार्यात्मक विश्लेषण और स्तन कैंसर में स्थानिक जीनोम संगठन के साथ उनका संबंध, जैव रसायन, एम्स।

14. कोलेसिस्टेक्टोमी ज्ञान और परिणामों का वैश्विक मूल्यांकन। कोलेसिस्टेक्टोमी पर एक अंतर्राष्ट्रीय संभावित समूह अध्ययन। बर्मिंघम विश्वविद्यालय (जीईसीकेओ अध्ययन)।

15. चिकित्सा शिक्षा में प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर भारतीय मेडिकल छात्रों की धारणाएँ: एक मिश्रित-पद्धति अध्ययन, काय चिकित्सा, एम्स।

16. प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) की मध्यस्थता वाले इंसुलिन प्रतिरोध की भागीदारी की जांच, जैव रसायन विभाग, एम्स।

17. भारतीय जनसंख्या में आंत के माइक्रोबायोटा में परिवर्तन और जठरांत्र संबंधी दुर्दमता के जोखिम पर कोलेसिस्टेक्टोमी का दीर्घकालिक प्रभाव। एक अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान, एम्स।

18. नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग में ट्रांसफर आरएनए व्युत्पन्न आरएनए अंशों का आणविक लक्षण वर्णन और माइटोकॉन्ड्रियल फ्यूजन प्रोटीन की अभिव्यक्ति, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स।

19. पेरिएनल फिस्टुला का एमआरआई मूल्यांकन - वर्गीकरण प्रणालियों और सर्जिकल सहसंबंध की तुलना, विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विभाग, एम्स।

9.40_.indd 980 12/26/2025 3:03:49 PM

20. परियोजना का शीर्षक है 'इन विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग अध्ययन मॉडल के रूप में 3डी ब्रेस्ट ट्यूमर ऑर्गेनोइड्स का निर्माण'।स्टेम सेल सुविधा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

21. संख्यात्मक रेटिंग स्केल (एनआरएस) और वास्कुलोपैथी में संवहनी गतिशीलता के मापदंडों द्वारा अल्ट्रासाउंड स्टेलेट गैंग्लियन तंत्रिका ब्लॉक (यूएसजीएनबी) में रोपिवाकेन और क्लोनिडाइन संयोजन के साथ रोपिवाकेन की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

22. एमएजीईसी1 एक्सॉन-4 आनुवंशिक परिवर्तनों की जांच और स्तन कार्सिनोजेनेसिस में इसकी कार्यात्मक भूमिका पर अध्ययन, आईसीएमआर विकृति विज्ञान।

23. टीएएफ7एल और टीएएफ1सी आनुवंशिक परिवर्तनों की जांच और स्तन कार्सिनोजेनेसिस में इसकी कार्यात्मक भूमिका पर अध्ययन, आईसीएमआर विकृति विज्ञान।

24. मोटे और पतले व्यक्तियों के एडीपोसाइट्स में प्रोटीएज एक्टिवेटेड रिसेप्टर 4 (पीएआर4) और एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम की अभिव्यक्ति की तुलना करने के लिए अध्ययन, जैव रसायन, एम्स।

25. अग्नाशयशोथ के रोगियों में मांसपेशी एट्रोफी से जुड़े नए प्रोटिओमिक और लिपिडोमिक बायोमार्करों को उजागर करने और प्राकृतिक/औषधीय एजेंटों की सुरक्षात्मक क्षमता को समझने के लिए अध्ययन। जठरांत्ररोग विज्ञान, एम्स।

26. स्तन कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए एमयूसी1 और आरओआर1 को लक्षित करने वाली स्विच करने योग्य टेंडेम सीएआर-टी कोशिकाएं (प्रोजेक्ट आईडी: आईआईआरपीआईजी-2024 जनवरी 01110), जैव रसायन, आईजीआईबी।

27. स्तन कैंसर के बढ़ने और रोग के परिणाम की भविष्यवाणी करने में एक नए एण्ड्रोजन रिसेप्टर स्प्लिस वेरिएंट 7 (एआर-वी7) की भूमिका का अध्ययन, जैव रसायन।

28. यूएसजी निर्देशित वैक्यूम असिस्टेड एक्सीज़न ऑफ़ इंट्राडक्टल पेपिलोमा-भारतीय परिवेश में एक व्यवहार्यता अध्ययन-यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विभाग।

29. पैपिलरी जैसे न्यूक्लियर विशेषताओं वाले गैर-आक्रामक फॉलिक्युलर थायरॉइड नियोप्लाज्म को अन्य फॉलिक्युलर-पैटर्न वाले नरम एवं घातक थायरॉइड घावों से अलग करने में कृत्रिम बुद्धिमता की उपयोगिता। (बाह्य परियोजन, डीबीटी), विकृति विज्ञान।

पूर्ण

1. एम्स, दिल्ली में नए निदान किए गए स्तन कैंसर रोगी में तनाव में कमी और मुकाबला करने के तंत्र पर स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक प्रयोगात्मक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज के एमएससी नर्सिंग छात्र (अर्बुदविज्ञान नर्सिंग) का शोध प्रबंध

2. स्तन कैंसर पीड़ित भारतीय महिलाओं के लिए लिक्विड बायोप्सी में प्रोटिओमिक्स का नैदानिक महत्व: एक खोजपूर्ण अध्ययन। जैव भौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

9.40_.indd 981 12/26/2025 3:03:49 PM

3. मल्टीनोडुलर गॉइटर में थायरॉइड धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता। विकिरण निदान एवं इंटरवेंशनल विकिरण विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पिछले 3 वर्षों में शोध

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	22	33	23
कुल वित्तपोषण	590.03 लाख रुपये	933.80 लाख रुपये	791.72 लाख रुपये

प्रकाशन:

पत्रिकाएं: 74 सार: 16 पुस्तक में अध्याय: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	73	91	94
पत्रिकाओं में लेख	55	70	74
सार	13	14	16
पुस्तकों में अध्याय	05	07	04
पुस्तकें	0	0	00

रोगी उपचार

रोगी देखभाल/सहायक गतिविधियाँ: शीर्षक के अंतर्गत: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर, आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

विशेष क्लीनिक

1. बैरिएट्रिक सर्जरी
2. बैरिएट्रिक सर्जरी क्लिनिक
3. बिनाइन स्तन रोग

9.40_.indd 982 12/26/2025 3:03:49 PM

4. स्तन कैंसर क्लिनिक
5. कैंसर आनुवंशिकी
6. कोलोप्रैक्टोलॉजी
7. संयुक्त फुफ्फुसीय-शल्य चिकित्सा
8. अंतःस्रावी शल्य चिकित्सा
9. जठरांत्र और पित्ताशय की पथरी
10. जराचिकित्सा शल्य चिकित्सा ओपीडी
11. जराचिकित्सा शल्य चिकित्सा ओपीडी
12. हर्निया क्लिनिक
13. पुरुष यौन स्वास्थ्य
14. पेक्टस क्लीनिक
15. वृक्क प्रत्यारोपण और धमनी शिरापरक फिस्टुला (शिरापरक अभिगम)
16. स्टोमा क्लिनिक
17. वेस्क्यूलर क्लिनिक

ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

1. 24-27 जुलाई 2024, 23-27 सितंबर 2024, 16-20 दिसंबर 2024 और 12-16 फरवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एनएसवी के लिए सेवा शिविर
2. स्तन कैंसर जागरूकता 30 सितंबर 2024
3. 29 सितंबर को मंडी हाउस, दूरदर्शन, नई दिल्ली में डीडी न्यूज “टोटल हेल्थ” कार्यक्रम में वैरिकोज़ वेन्स के बारे में जागरूकता
4. 02 मई 2024 को बैरिएट्रिक सर्जरी सहायता समूह की बैठक

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	96,324	95967	1,00,068
विशेष क्लिनिक परामर्श	8,597	10,258	18,106
रोगी को दी गई पुनर्वास सेवाएं			
कुल भर्ती रोगी	7,459	10,708	14,188
प्रयोगशाला जांचें			

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

9.40_.indd 983 12/26/2025 3:03:49 PM

आचार्य सुनील चुम्बर ने सीएमई और सम्मेलन सर्जरी अपडेट में भाग लिया-एमएएमसी सर्जरी अपडेट (मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज)-एमएएमसी, सितंबर 2024 में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, 2024 में सर्जरी में सीएमई। उन्होंने 12 मई 2024 को वार्षिक एएसआईसीओएन सीएमई-2024, नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में एक सत्र की अध्यक्षता की। वह 29 मई 2024 को एथिक्स कमेटी-एनएमसी (द्वारका) की फिजिकल सुनवाई हेतु एक विशेषज्ञ के रूप में बैठक के विशेषज्ञ थे। वह 13 सितंबर 2024 को लाइव शल्य चिकित्सा के संचालन और प्रसारण को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ थे - उन्होंने 2 से 5 सितंबर को एम्स नई दिल्ली में ऑफलाइन और फिजिकल दोनों मोड में सर्जरी में सीएमई-2024 और शिक्षक दिवस और पूर्व छात्र मिलन समारोह-2024 का आयोजन किया। उन्होंने प्रोटोकॉल लेखन × 2 - 2024 पर कार्यशाला का आयोजन किया। उन्होंने थीसिस लेखन × 2 - 2024 पर कार्यशाला का आयोजन किया। 6 मार्च 2024 को शल्य चिकित्सा ब्लॉक में खेल दिवस का आयोजन किया। वह 30 अगस्त, 2024 को पटना एम्स में फाइनल पीजी (एमएस) के बाहरी परीक्षक थे। 3 दिसंबर, 2024 को एम्स, रायपुर में एमएस जनरल शल्य चिकित्सा के लिए बाहरी परीक्षक और पेपर तैयार किया। 18 फरवरी, 2025 को एम्स, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में सिद्धांत सेटिंग/प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक 17 मार्च, 2025 को चौथी प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षा, मार्च 2025 में जनरल शल्य चिकित्सा में बाहरी परीक्षक। (कल्याणी, पश्चिम बंगाल)। 29 जनवरी 25 को पीजी डिग्री-एमडी/एमएस (नियमित) परीक्षा, जनवरी 2025 (असम) के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा की अनुमति। 17 मार्च 2025 को लखनऊ में डीएम.एम.सीएच. अंत:स्राविकी शल्य चिकित्सा हेतु पेपर तैयार किया। उन्होंने इंटरव्यू बोर्ड में भाग लिया। 13 जुलाई 2024-बीएचयू, वाराणसी में चयन समिति/संकाय-सदस्यों के चयन साक्षात्कार के विशेषज्ञ सदस्य। 26 फरवरी 2025 को-एम्स बिलासपुर के जनरल शल्य चिकित्सा विभाग में सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/संविदा के आधार पर संकाय पदों (ग्रुप क) के साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति में विशेषज्ञ। 11 अप्रैल 2025 को - नागपुर, एम्स में संकाय-सदस्य पदों के साक्षात्कार हेतु स्थायी चयन समिति में भाग लिया। समारोह एवं पहल-तीसरा शल्य चिकित्सा ब्लॉक दिवस-एम्स नई दिल्ली-6 दिसंबर 2024। राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा-एमएस छात्र-मार्च 2024। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय का दौरा-एमएस और एमसीएच छात्र-जुलाई 2024। खेल दिवस-शल्य चिकित्सा ब्लॉक में-6 मार्च, 2025। मार्च, 2025 में एम्स में स्पिक-मैके समारोह।

आचार्य राजेंद्र प्रसाद द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। वह आयोजक अध्यक्ष थे - वर्ष की समीक्षा - स्तन कैंसर में अपडेट; 1-2 मार्च, 2025; नई दिल्ली, आयोजन अध्यक्ष थे। चेस्ट वॉल शल्यचिकित्सा पर संगोष्ठी-2025; 21-23 मार्च, 2025; नई दिल्ली, आयोजन अध्यक्ष थे। वह शल्यचिकित्सा में समकालीन प्रथाएँ - चेस्ट वॉल रोगों पर संगोष्ठी 2025 (एम्स, दिल्ली) के सत्र अध्यक्ष थे। संपीड़न पेक्टस कैरिनेटम के लिए ब्रेसिंग, पेक्टस कैरिनेटम हेतु शल्य चिकित्सा: कब और कैसे, पेक्टस एक्सकावेटम के लिए वैक्यूम बेल थेरेपी। क्रायोएनल्जेसिया: सिद्धांत और अभ्यास। प्रतिकूल परिस्थितियों में नवाचार। "वर्ष की समीक्षा - स्तन कैंसर में अपडेट" (एम्स, नई दिल्ली) डीसीआईएस: नया क्या? आनुवांशिक स्तन कैंसर आनुवांशिक परीक्षण, विवाद एवं सहमति। स्तन कैंसर हेतु न्यूक्लीयर इमेजिंग नया क्या? स्तन रेडियोलॉजी: उभरते तौर तरीके। आईएसीटीएस थोरेसिक सीएमई 2024 (जम्मू)। वीडियो सत्र: एसटीएस सत्र की अध्यक्षता। एंडोसर्ज 2024 और सेल्सी सेल्सीकॉन 2024 (एम्स, दिल्ली) का 17वां राष्ट्रीय सम्मेलन। लेप्रोस्कोपिक इंसीजन हर्निया रिपयेर - मेश और स्थिरीकरण उपकरण। लेप्रोस्कोपिक हर्निया प्रशिक्षण कार्यक्रम की संरचना। छठा वार्षिक सम्मेलन आईएसटीएससीओएन 2024 (हैदराबाद)। "रोबोटिक सर्जिकल तकनीक - मैं इसे कैसे करू?" (वीडियो सत्र)। वह परीक्षक थे: एमएस परीक्षा - जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय। बेरियाट्रिक शल्य चिकित्सा के लिए फेलोशिप परीक्षा। एमसीएच मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा। पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश।

9.40_.indd 984 12/26/2025 3:03:49 PM

आचार्य वीरेंद्र के बंसल के पास 13 फरवरी, 2025 को आईएचएससीओएन 2025, रांची, झारखंड में ग्रोइन हर्निया रिपेयर पर दो दशकों का अनुभव है।
आचार्य अनीता धर ने आईएईएससीओएलन 2024, केजीएमयू, लखनऊ, 23 सितंबर, 2024 में "एंडोस्कोपिक टोटल थायरॉइडेक्टॉमी के लिए मास्टर वीडियो अवार्ड" का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने 6 मार्च, 2025 को विश्व लिम्फेडेमा दिवस पर एम्स, नई दिल्ली में कार्यशाला का आयोजन किया। वह अध्यक्ष थी: कोलोरेक्टल सर्जरी में नए क्षितिज: एम्स कोलो-प्रोक्टोलॉजी संगोष्ठी 2024 (एसीएस 2024) 27 अप्रैल, एम्स, नई दिल्ली। उन्होंने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित कैंसर अनुसंधान प्राथमिकता वितरण अनुसंधान पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया - 7 मई, 2024 को हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान-एम्स में "स्केल अप-लो हैंगिंग फ्रूट" पर समूह चर्चा में सक्रिय भागीदार रही। रोबोटिक थायरॉइडेक्टॉमी पर कार्यशाला, आईएईएससीओएलन 2024, केजीएमयू, लखनऊ, 21 सितंबर, 2024। जर्मनी के मैगडेबर्ग विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के बीच भारत-जर्मनी द्विपक्षीय सहयोग बैठकें आयोजित कीं; कार्यशाला; "छात्रों, शिक्षकों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और संयुक्त/डूयल डिग्री कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम की गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए भारत-जर्मनी द्विपक्षीय सहयोग" 02 मई, 2024 एम्स, नई दिल्ली। 18 जुलाई, 2024 को एएसआई के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा आयोजित स्कोप 2024 में एक वेनस सत्र का संचालन किया। 29 मार्च, 2025 को छठे एलएचएमसी शल्य चिकित्सा में संवहनी सत्र की अध्यक्ष पीजी क्लिनिकल अपडेट 2025।

आचार्य हेमंगा के. भट्टाचार्जी 23 से 25 मार्च 2025 को मुंडगोड, हुबली, कर्नाटक में एम्स रोगी देखभाल ट्रस्ट के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर में भाग लिया। 24-25 जुलाई, 2024, 23-27 सितंबर, 2024, 16-20 दिसंबर, 2024, 12-16 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एनएससी हेतु सर्विस कैंप का आयोजन किया गया। 13 से 14 फ़रवरी, 2025, रांची में भारतीय हर्निया सोसाइटी (आईएचएससीओएन 2024) के 16वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में लेप्रोस्कोपिक इंसिज़नल हर्निया रिपेयर (आईपीओएम प्लस) का प्रदर्शन किया। 13 से 15 जुलाई, 2024, नई दिल्ली में शल्य चिकित्सा पद्धति "सौश्रुतम्- 2024" पर दूसरे राष्ट्रीय सेमिनार में लेप्रोस्कोपिक टीएपीपी हर्निया रिपेयर का प्रदर्शन किया। एम्स, नई दिल्ली में 25-27 अप्रैल, 2024 को आयोजित एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी सिम्पोजियम (एसीएस 2024) में गुदा विदर के लिए पार्श्व आंतरिक स्फिंटेरोटॉमी और गुदा में फिस्टुला के लिए क्षारसूत्र सम्मिलन का प्रदर्शन किया। 16-19 मार्च, 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित एसईएलएसआई के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एसईएलएसआईसीओएन 2024) में रेक्टल प्रोलैप्स के लिए लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल मेश रेक्टोपेक्सी का प्रदर्शन किया। 8-9 जुलाई, 2024 को जिपमर, पुदुचेरी में एमएस जनरल सर्जरी के लिए बाह्य परीक्षक। 28 जुलाई से 3 अगस्त, 2024 तक ओसाका, जापान में एम्स और संबंधित संस्थान - चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन के लिए चिकित्सा विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण में प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में संविदात्मक संकाय के चयन के लिए उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। एम्स, दिल्ली में एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी (एसीएस 2024) के आयोजन सचिव। एम्स, दिल्ली में शल्य चिकित्सा में सीएमई और वार्षिक दिवस 2024 के आयोजन सचिव। रोबोटिक शल्य चिकित्सा प्रशिक्षण सुविधा, टीएसईसी (शल्य चिकित्सा ब्लॉक), टीएसईसी (एनसीए) की संकायाध्यक्ष अनुसंधान कमेटी के सदस्य। राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण विकास, सत्यापन और कौशल प्रशिक्षण केंद्र के नोडल अधिकारी।

आचार्य असुरी कृष्णा एंडोसर्ज 2024 एम्स, नई दिल्ली के आयोजक सचिव थे। वह एमबीबीएस बीएच हेतु बाह्य परीक्षक थे। वे संस्थान की नीति-शास्त्र समिति के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य थे। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली के पहले हेट्रोपैगस संयुक्त जुड़वां बच्चों का ऑपरेशन किया। वह एसईएलएसआई के सचिव चुने गए। उन्होंने संस्थान का पहला मृतकदाता डूयल गुरदा प्रत्यारोपण किया।

9.40_.indd 985 12/26/2025 3:03:49 PM

उन्होंने संस्थान का पहला एन ब्लॉक बाल चिकित्सा मृतकदाता प्रत्यारोपण किया। उन्हें बीएमसी के एसएलईपीटी, किडनी प्रत्यारोपण कार्यवाही का अतिथि संपादक नियुक्त किया गया। उन्हें मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा में एफएनबी के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड का राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया गया।

आचार्य पीयूष रंजन अमेरिकन थायराइड एसोसिएशन की सर्जिकल मामलों की समिति 2024-2027 के सदस्य थे। उन्हें ईवाईएसएसी, ईएसएसओ (यूरोपियन सोसाइटी ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान) के टैलेंट पूल में शामिल किया गया था। उन्हें डेब्रेसेन विश्वविद्यालय के शल्य चिकित्सा संस्थान में अंत:स्रावि‍की शल्य चिकित्सा में फेलोशिप प्राप्त हुई। वे बीएआईटीएस (ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन एंड थायराइड सर्जन) के सदस्य थे। उन्होंने लक्षद्वीप में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में भी भाग लिया। वे एपीएस - एनईआईजीएचआरआईएमएस, नई दिल्ली में विषय विशेषज्ञ थे। वे एटीए (अमेरिकन थायराइड एसोसिएशन) के अनुदान मूल्यांकनकर्ता थे।

डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ (डीओटीसी) के अंतर्गत किडनी-अग्नाशय प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सक के रूप में पंजीकृत थे: फ़ाइल संख्या: एए/डीओटीसी/2016/1030/1092 दिनांक 06 सितंबर 2024। रॉयल एडिलेड अस्पताल, ऑस्ट्रेलिया में किडनी-अग्नाशय प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा में फेलो। भारतीय प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा सोसायटी के सक्रिय सदस्य। ट्रांसप्लांट सोसायटी के सक्रिय सदस्य: 35543 ।

डॉ. मोहित जोशी द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव, वक्ष शल्य चिकित्सा-2023 में संगोष्ठी। एम्स, 24-26 मार्च, 2023। आयोजन सचिव, चिकित्सा शिक्षा में सिमुलेशन (ऑनलाइन)। 'सिमुलेशन सत्र में प्रीसेप्टर की भूमिका' पर एक का आयोजन किया, 8 अप्रैल, 2023। संयोजक, स्वास्थ्य व्यवसायों के लिए चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम, 27-29 अप्रैल, 2023, सीएमईटीआई, एम्स, नई दिल्ली। आयोजन सचिव, सीआईएम एमईईटी 2023, मास्टर और सेट सुविधा, एम्स दिल्ली। 'तकनीकी कौशल सिखाने के लिए सिमुलेशन' पर एक सत्र का आयोजन किया और 'तकनीकी कौशल के लिए डीब्रीफिंग तकनीक' पर कार्यशाला आयोजित की। 29-31 अगस्त, 2024. सीएमईटीआई, एम्स, नई दिल्ली। एसआर और वैज्ञानिकों के लिए 'पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षिक उद्देश्यों को तैयार करने पर कार्यशाला' के संयोजक। 'पाठ्यक्रम का अवलोकन' और 'पाठ्यक्रम विकास' पर सत्र का आयोजन किया, 5 अक्टूबर, 2024। संयुक्त आयोजन सचिव, एंडोसर्ज 2024 और एसईएलएसआई के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन "सेल्सिकॉन-2024" का आयोजन 16-19 अक्टूबर, 2024 एम्स, नई दिल्ली। पीजी केस प्रेजेंटेशन का संचालन किया और मुफ्त मौखिक पेपर सत्र की अध्यक्षता की। संयुक्त आयोजन सचिव, स्तन कैंसर में वर्ष की समीक्षा-अपडेट, एम्स दिल्ली, 1-2 मार्च, 2025। एसआर और वैज्ञानिकों के लिए 'पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षिक उद्देश्यों को तैयार करने पर कार्यशाला' के संयोजक। मार्च, 2025 में 'पाठ्यक्रम का अवलोकन' और 'पाठ्यक्रम विकास' पर सत्र दिए। आयोजन सचिव, चेस्ट वॉल शल्य चिकित्सा-2025 पर संगोष्ठी, एम्स दिल्ली। 'पेक्टस विकृति वाले रोगियों के अवलोकन और कार्य पर एक सत्र लिया, 21-23 मार्च, 2025। निम्नलिखित संस्थागत समितियों के लिए सदस्य के रूप में शामिल: दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए कोर समिति। सर्जिकल सिमुलेशन प्रशिक्षण उपसमिति। वर्ष 2023-24 के लिए वरिष्ठ बायोमेडिकल वैज्ञानिकों के लिए आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित। जनवरी, 2025 में चेस्ट वॉल इंटरनेशनल ग्रुप की सदस्यता प्रदान की। 27-30 जनवरी, 2025 को एमएएमसी में दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बाह्य परीक्षक एमएस (शल्य चिकित्सा) के रूप में नियुक्त निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों में सत्रों की अध्यक्षता की: शल्य चिकित्सा और वार्षिक दिवस 2024, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 1-5 सितंबर, 2024। आईएसटीएससीओएन 2024 (आईएसटीएस का 6वां वार्षिक सम्मेलन)। 8-10 नवंबर, 2024 को फेफड़ों के कैंसर पर एक संगोष्ठी

9.40_.indd 986 12/26/2025 3:03:49 PM

की अध्यक्षता की। सेवाएं: 24-27 जुलाई, 2024 तक एम्स, नई दिल्ली में एनएसवी के लिए एक सेवा शिविर का आयोजन किया। 23-27 सितंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सा अधिकारियों के लिए एनएसवी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। 16-20 दिसंबर, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा अधिकारियों के लिए एनएसवी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। 12-16 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा अधिकारियों के लिए एनएसवी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

डॉ. सुहानी को वार्षिक शोध दिवस 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रकाशन के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह एम्स जोधपुर, एम्स ऋषिकेश और बीपीकेआईएमएस, धरन, नेपाल के लिए थीसिस मूल्यांकनकर्ता हैं। वह राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन ढाँचे (एनपीएसआईएफ) के लिए 'सुरक्षित शल्य चिकित्सा' हेतु परिचालन दिशानिर्देशों की सदस्य हैं। वह एम्स नई दिल्ली की सेट सुविधा केंद्र में वेट लैब समिति की सदस्य हैं।

डॉ. कमल कटारिया को डर्बी और बर्टन विश्वविद्यालय अस्पताल (एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट), यूनाइटेड किंगडम में "ऑन्कोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी" में फेलोशिप मिली।

डॉ. यशवंत सिंह राठौर संगठन: क. द्वितीय एम्स कोलो-प्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी, कैंसर जागरूकता मार्च। ख. वक्षस्थल शल्य चिकित्सा पर संगोष्ठी- 2025। ग. शल्य चिकित्सा ब्लॉक खेलकूद प्रतियोगिता। घ. शल्य चिकित्सा में वार्षिक दिवस और सीएमई- 2024। ङ. शल्य चिकित्सा में सभी स्नातकोत्तर और एमसीएच छात्रों के लिए वार्षिक मूल्यांकन। च. डीएनबी शल्य चिकित्सा परीक्षा 2024। छ. विभाग में रेजिडेंट के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम। 2. चिकित्सा शिविर (क) 23-26 जुलाई, 2024, मैसूर कर्नाटक, सेरा जे मोनैस्टिक विश्वविद्यालय, बायलाकुप्पे, मैसूर द्वारा आयोजित रोगी देखभाल ट्रस्ट चिकित्सा शिविर में भाग लिया। (ख) एसएनएम अस्पताल, लेह, लद्दाख, 15-21 सितंबर, 2024 को अशोक मिशन, महरौली, दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। 3. एफएसीएस, ईएईएस, एएसआई और एसईएलएसआई के सक्रिय सदस्य। 4. एनबीई द्वारा आयोजित सेमिनारों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल। 5. चेस्ट वाल सर्जरी पर संगोष्ठी, 2025, स्तन कैंसर आनुवंशिकी संगोष्ठी, 2025 और रोबोसिम - 2025 में प्रतिस्पर्धी पेपर मूल्यांकन पैनल चर्चा में शामिल।

डॉ. अंकिता सिंह को 19 अक्टूबर, 2024 को सेलसिकॉन में आयोजित एंडोसर्ज 2024 में कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स (एफसीएलएस) की फेलोशिप प्रदान की गई। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन्स (आईएईएस); मेडिकल एसोसिएशन फॉर सिमुलेशन, ट्रेनिंग, एजुकेशन एंड रिसर्च (मास्टर); इंडियन हर्निया सोसाइटी (आईएचएस); और सोसाइटी ऑफ एंडोस्कोपिक एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया (एसईएलएसआई) की सदस्य हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में समीक्षित लेख। उन्होंने निम्नलिखित सीएमई/सेमिनार/कार्यशालाओं आदि का सह-आयोजन या समन्वय कार्य किया। क. एंडोक्राइन शल्य चिकित्सा में सीएमई, 6 अप्रैल, 2024, ख. प्रथम एम्स कोलो-प्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला के साथ, 24-27 अप्रैल, 2024, ग. डॉ. रघुराम और डॉ. मूर्ति का सम्मेलन हॉल में दौरा- "भारत में स्तन कैंसर सेवाएं" 11 जुलाई, 2024, घ. स्टोमा का निर्माण और देखभाल, 27 जुलाई, 2024, ङ. नए शल्य चिकित्सा रेजीडेंट के लिए अभिविन्यास कार्यशाला, 10 अगस्त, 2024 और 2 फरवरी, 2025, च. शल्य चिकित्सा में सीएमई, एम्स, 1-5 सितंबर, 2024, छ. एंडोसर्ज 2024, एसईएलएसआई का 17वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एसईएलएसआईसीओएन 2024)- स्नातकोत्तर सीएमई और कैडवेरिक कार्यशाला और एफसीएलएस/एमसीएलएस परीक्षा, 16-19 अक्टूबर, 2024, ज. शल्य चिकित्सा ब्लॉक दिवस, 6 दिसंबर, 2024। राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की और पत्रों/पोस्टर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया।

9.40_.indd 987 12/26/2025 3:03:49 PM

डॉ. संजीत राय, अमेरिका के रोचेस्टर विश्वविद्यालय में रोबोटिक रीनल ट्रांसप्लांट और प्रशिक्षु शल्य चिकित्सकों के लिए हाइड्रोजेल आधारित शिक्षण मॉडल के शल्य चिकित्सा विभाग में पर्यवेक्षक रहे थे। उन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ़ फ़िज़िशियन एंड सर्जन्स ऑफ़ ग्लासगो (एमआरसीपीएसजी) की सदस्यता प्राप्त है। वह विभागीय थीसिस लेखन कार्यशाला 2025 के समन्वयक हैं। वह एम्स ऋषिकेश में रीनल ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की स्थापना में शामिल टीम के मुख्य सदस्य हैं। एम्स दिल्ली में एंडोसर्ज और एसईएलएसआईसीओएन 2024, आईएसएसटीएस 2024 और आईएचएससीओएन 2024 के आयोजन सचिव।

डॉ. आदित्य कुमार ने निम्नलिखित शैक्षणिक सम्मेलनों/ कार्यशालाओं का आयोजन किया। I. सह-आयोजन सचिव -वर्ष की समीक्षा-स्तन कैंसर में अपडेट; 1-2 मार्च, 2025; नई दिल्ली; II. सह-आयोजन सचिव - चेस्ट वॉल शल्य चिकित्सा पर संगोष्ठी-2025; 21-23, मार्च 2025; नई दिल्ली। 2. फेलोशिप: I. कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन (एफसीएसएस) के फेलो - इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन; 19 अक्टूबर, 2024। संपादकीय कार्य: I. सेक्शन एडिटर (थोरैसिक शल्य चिकित्सा)-जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा (जेएमएएस)। विषय विशेषज्ञ समिति सदस्य-बैरिएट्रिक शल्य चिकित्सा-केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (डीजीएचएस, एमओएचएफडब्ल्यू)। संकाय और सत्र अध्यक्ष: मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा में प्रथम महारत - जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएमएएसआई) द्वारा हेपाटो-पैन्क्रिएटिको-बिलियरी शल्य चिकित्सा में उन्नत फेलोशिप कोर्स। अध्यक्ष: निःशुल्क पेपर सत्र- एएमएएसआईकॉन 2024। थीसिस मूल्यांकन: I. एमएस थीसिस मूल्यांकन: बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल, II. डीएनबी थीसिस मूल्यांकन: राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड।

डॉ. देवेंद्र सिंह को अकादमिक पुरस्कार: एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा एएसईसीओएन 2024 में ट्रैवल फेलोशिप पुरस्कार मिले। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्जरी के समीक्षक। एसयूआरजीआईसीओएन 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त किया। एएसआईसीओएन 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त किया। निम्नलिखित अकादमिक संगठनों के फेलो और सदस्य: क. मिनिमल एक्सेस सर्जन ऑफ इंडिया (एफएमएएस) के फेलो। ख. नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस) के सदस्य, ग. यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एंडोस्कोपिक सर्जन्स (एमआईएजीईएस) के सदस्य, घ. एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया (एएसआई) के सदस्य, ङ. सोसाइटी ऑफ अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन्स (एसएजीईएस) के सदस्य, च. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कोलोप्रैक्टोलॉजी (आईएससीपी) के सदस्य।

डॉ. बृजेश कुमार सिंह, स्तन कैंसर और अंतःस्रावी क्लिनिक चलाते हैं। जीआई अर्बुदविज्ञान क्लिनिक और किडनी प्रत्यारोपण क्लिनिक का एक भाग। 3. एफएईएस फेलोशिप से सम्मानित, 4. स्तन कैंसर के एक्सिलरी उपचार में नई तकनीक-लक्षित एक्सिलरी विच्छेदन[टीएडी], 5. लखनऊ में एबीएसआईसीओएन 2024 सत्र के संचालन हेतु संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित। लखनऊ में आईएईएससीओएन 2024 सत्र के संचालन हेतु संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित। आगरा में एएसआईसीओएन 2024 में एंडोक्राइन सर्जरी सत्र के संचालन हेतु संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित। एनबीईएमएस मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा वेबिनार में एक सत्र का संचालन किया।

डॉ. सुशांत सोरेन ने एम्स मंगलागिरी में पहला मृतकदाता गुर्दा प्रत्यारोपण किया। क्लीनिक शुरू किए: किडनी ट्रांसप्लांट क्लिनिक, स्तन कैंसर क्लिनिक, अंत:स्राविकी शल्य चिकित्सा क्लिनिक। शल्य चिकित्सा प्रथाओं में नवाचार: हाथ द्वारा की गई लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा। रोबोटिक शल्य चिकित्सा (दा विंची एक्सआई) के लिए पहली सहायता के रूप में इंट्यूटिव सर्जिकल द्वारा प्रमाणित। नई तकनीकों की शुरुआत

9.40_.indd 988 12/26/2025 3:03:50 PM

की: चीरा हर्निया के लिए टीएआरएम/टीएआरएम-टीएआर, कमर हर्निया के लिए ई-टीईपी। उन्नत संवहनी प्रक्रियाएं: एवी ग्राफ्ट, शिरापरक ट्रांसपोजिशन, वेनोप्लास्टी।

डॉ. नेल्सन टी. संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य थे और उन्होंने 24 अप्रैल, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में "स्वच्छता पखवाड़ा विशेष अभियान" का आयोजन किया था। आईएजीईएस के तहत 23-25 अगस्त, 2024 को विक्रोली, मुंबई में आयोजित "अर्बुदविज्ञान में उन्नत लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा (एफएएलएस अर्बुदविज्ञान) की फेलोशिप" से सम्मानित किया गया। 13 सितंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में "प्रकाशन में नैतिकता और जिम्मेदार ऑथरशिप" पर क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) कार्यशाला द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स। 27-28 सितंबर, 2024 को इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित एचएसआईसीओएन 2024 में "सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रथम पुरस्कार" से सम्मानित 10-15 फरवरी, 2025 को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में आयोजित "स्वास्थ्य पेशेवरों की बैठक" में भाग लिया। 18 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, दिल्ली राज्य अध्याय में स्कोप कोर्स 2024 में सत्र "सॉफ्ट टिशू सार्कोमा" के लिए अध्यक्ष। 26 अप्रैल, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में प्रथम एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी 2024 में "लेटरल इंटरनल स्फिंक्टेरोटॉमी" पर लाइव ऑपरेटिव सत्र का प्रदर्शन किया। 2 मई, 2024. एंडोसर्ज/एसईएलएसआईसीओएन 2024 में "हर्निया अपडेट के लिए पैनलिस्ट" 2024, एम्स, नई दिल्ली, 7 और 8 मार्च, 2025 को उदयपुर, राजस्थान में एबीएसआई-एमआईडीकॉन 2025 में "ईबीसी में एक्सिला प्रबंधन के लिए आम सहमति आधारित दृष्टिकोण" सत्र के अध्यक्ष। 27-30 मार्च, 2025 को 7वें जेआईपीएमईआर शल्य चिकित्सा अपडेट 2025 में "थायरॉइड सूजन के नैदानिक मूल्यांकन पर वीडियो व्याख्यान" सत्र के अध्यक्ष। 27-30 मार्च, 2025 को 7वें जेआईपीएमईआर शल्य चिकित्सा अपडेट 2025 में "प्राथमिक वेंट्रल हर्निया की उपचार के लिए एमएएस दृष्टिकोण पर वीडियो व्याख्यान" सत्र के अध्यक्ष। 27-30 मार्च, 2025 को 7वें जेआईपीएमईआर शल्य चिकित्सा अपडेट 2025 में "पेनाइल अल्सर पर केस प्रेजेंटेशन" सत्र के अध्यक्ष 16-19 अक्टूबर, 2024.

डॉ. आदित्य बख्शी, जर्नल ऑफ बेरियाट्रिक सर्जरी और जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। 23-24 अगस्त, 2024 को एमएएमसी दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एसटीईपी - अपर जीआई एंडोस्कोपी वर्कशॉप में भाग लिया। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एफएनबी मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं के 7 वेबिनार में मॉडरेटर के रूप में भाग लिया। सेट सुविधा में रोबोटिक्स सिमुलेशन प्रशिक्षण उपसमिति और शल्य चिकित्सा ब्लॉक में एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप समिति के सदस्य। डीएनबी जनरल सर्जरी प्रैक्टिकल परीक्षा (21 सितंबर, 2024), एमबीबीएस प्री-प्रोफेशनल परीक्षा और अंतिम एमबीबीएस परीक्षा 2024, और डीएनबी जनरल सर्जरी प्रैक्टिकल परीक्षा (21 जनवरी, 2025) के समन्वयक। 15 फरवरी, 2025 को एम्स नई दिल्ली में एएसआई दिल्ली राज्य अध्याय बैठक के समन्वयक। इंदौर में 27-28 सितंबर, 2024 को आयोजित एचएसआईसीओएन 2024 में संकाय-सदस्य; 'बेसिक वेंट्रल हर्निया' सत्र में अध्यक्ष। एम्स में 'वर्ष की समीक्षा: स्तन कैंसर में अद्यतन' में संकाय सदस्य; 2 मार्च, 2025 को आयोजित प्रतियोगी पेपर सत्र में निर्णायक। बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज (स्वायत्त विश्वविद्यालय, नेपाल) से एमएस थीसिस का मूल्यांकन किया।

डॉ. वसीम फ़िरोज़ खान ने 28 जुलाई से 3 अगस्त, 2024 तक ओसाका, जापान में एम्स और संबंधित संस्थानों के लिए चिकित्सा विज्ञान एवं उपचार के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण में प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया-चिकित्सा उपकरण विकास एवं सामाजिक कार्यान्वयन। 21 मार्च, 2025 को कोलकाता में आयोजित आईएचपीबीए भारतीय चैप्टर 2025 के अध्यक्ष। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित एफएनबी मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं के 5 वेबिनार में मॉडरेटर के रूप में भाग लिया।

9.40_.indd 989 12/26/2025 3:03:50 PM

डॉ. अरुण आनंद को एम्स नई दिल्ली में आयोजित एंडोसर्ज/एसईएलएसईसीओएन 2024 में प्रतिष्ठित एफसीएलसी की उपाधि से सम्मानित किया गया। वह एम्स दिल्ली में आयोजित एंडोसर्ज और एसईएलएसईसीओएन 2024, आईएसटीएस 2024, आईएचएससीओएन 2024 और आईएचएससीओएन रांची 2025 के आयोजन सचिव हैं। उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसप्लांट सर्जन्स (आईएसटीएस) के बोर्ड सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। एंडोसर्ज/एसईएलएसईसीओएन 2024 में लाइव वीडियो प्रदर्शन के दो सत्रों की अध्यक्षता की। 17-19 अक्टूबर, 2024 को एंडोसर्ज/एसईएलएसईसीओएन के बोर्ड सदस्य के रूप में शामिल किया गया। एम्स कोलोप्रैक्टोलॉजी संगोष्ठी 2024 में एक सत्र की अध्यक्षता की। एमएस और एमसीएच छात्रों के लिए वेट लैब में बुनियादी लेप्रोस्कोपिक टांके लगाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17-18 मई, 2024 को एसईएलएसईसीओएन सीईएलआईओएससीओपीई कोयंबटूर में दो सत्रों की अध्यक्षता की। 15-17 नवंबर, 2024 को एसयूआरजीआईसीओएन के एक सत्र की अध्यक्षता की। 8 मार्च, 2025 को ईएसआईसी अलवर में आउटरीच ओपीडी/चिकित्सा शिविर।

अतिथि वैज्ञानिक

आने वाले व्यक्ति का नाम, गतिविधि, संस्थागत संबद्धता, शहर और देश की जानकारी प्रदान करें।

9.40_.indd 990 12/26/2025 3:03:50 PM

9.41 आधान चिकित्सा

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष
हेम चंद्र पांडे

अपर आचार्य
गोपाल कुमार पाटीदार
राहुल चौरसिया

समूह क अधिकारी
पूनम कौशिक
(रक्त केंद्र, मुख्य अस्पताल)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा रक्त की सुरक्षा एवं गुणवत्ता पर इसके संचालन की गुणवत्ता पर बल दिया जाता है। वर्ष 2024-2025 के दौरान, 80 से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान अभियानों के साथ-साथ 60,000 से अधिक रक्त यूनिट एकत्रित की गईं। सभी रक्त यूनिटों की सीरोलॉजिकल और आणविक जांच करने के लिए स्वचालित उपकरणों का उपयोग करके संक्रामक मार्करों के लिए परीक्षण किया गया। इसके साथ ही, रोगी का नमूना प्राप्त होने से लेकर रक्त घटक जारी होने तक रोगी देखभाल की सभी गतिविधियाँ पूरी तरह से स्वचालित हैं। हाल ही में, सर्जिकल और एमसीएच (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) ब्लॉक और एनसीए (राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र) के जुड़ने के साथ, इन रोगियों की विशेष रूप से देखभाल के लिए एमसीएच ब्लॉक में एक भंडारण केंद्र जोड़ा गया है। इसके अलावा, विभाग ने चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, पीबीएससी संग्रह और ग्रैनुलोसाइट संग्रह की सुविधाओं का विस्तार करके अपनी रोगी देखभाल गतिविधियों में सुधार किया है। विभाग फेनोटाइप आरबीसी सांद्रों का एक सूची भी रखता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बहु-आधान वाले रोगियों में एलो-टीकाकरण का जोखिम न्यूनतम हो। इसके अलावा, रक्ताधान के लिए इच्छुक सभी रोगियों को क्रॉस-मैचिंग से पहले एंटीबॉडी स्क्रीनिंग से गुजरना पड़ता है ताकि किसी भी तीव्र या विलंबित रक्ताधान प्रतिक्रिया के जोखिम को कम किया जा सके। गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करते हुए, विभाग ने मुख्य रक्त केंद्र के लिए एनएबीएच मान्यता हेतु आवेदन किया और उसका मूल्यांकन भी कराया। नियमित गतिविधियों के अलावा, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसमें निदेशक महोदय की उपस्थिति में रक्तदान करने वालों के लिए और शिविर आयोजकों के लिए एक सम्मान समारोह भी शामिल है। इनमें शैक्षणिक गतिविधियाँ की प्राथमिकता रही हैं, इसमें विभागीय संकाय-सदस्यों और रेजिडेंट द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया गया।

स्नातकोत्तर छात्रों और वरिष्ठ रेजिडेंट के साथ विचार-विमर्श हेतु विभाग में कई अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों का आगमन रहा जिससे आधान चिकित्सा के क्षेत्र में शोध विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

9.41_.indd 991 12/26/2025 3:04:57 PM

चित्र 1: राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस (1 अक्टूबर 2024) पर रक्तदाताओं और शिविर आयोजकों के लिए सम्मान कार्यक्रम



2: एनएबीएच मान्यता के लिए प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय संकाय-सदस्यों एवं निरीक्षण दल का आगमन।



शिक्षा

1. एम्स के नर्सिंग छात्रों के लिए नियमित अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. एमडी आधान चिकित्सा: वर्तमान में सात छात्र इस कार्यक्रम में अध्ययन कर रहे हैं।

9.41_.indd 992 12/26/2025 3:04:57 PM

3. विकृतिविज्ञान विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा और रूधिर विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों का शिक्षण कार्य एवं बी.एस-सी. ओटी तकनीशियनों का शिक्षण कार्य उनकी तैनाती के दौरान किया जाता है।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 38

हेम चंद्र पांडे: 20 गोपाल कुमार पाटीदार: 13 राहुल चौरसिया: 5

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
26	27	38

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 12

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक/पोस्टर

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	7	12

अनुसंधान

जारी

1. गंभीर रूप से घायल आघात रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरिड्यूस्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, राहुल चौरसिया, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2019-24, रुपये 10 लाख।

2. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में एलोजेनिक रक्त आधान को कम करने पर रोगी रक्त प्रबंधन के प्रभाव का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 5 लाख।

3. सुरक्षित रक्तदान के लिए आधान-संक्रामक संक्रमणों (टीटीआई) का पता लगाने हेतु रक्त की एक बूंद का उपयोग करके दो मिनट के तीव्र पूर्व-दान परीक्षण का विकास, राहुल चौरसिया (सीओ-पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 4 करोड़।

4. दाता और प्राप्तकर्ता हीमोविजिलेंस के लिए इम्प्यूटेबिलिटी मानदंडों के वस्तुकरण के लिए उपकरणों का विकास। गोपाल कुमार पाटीदार, आधान चिकित्सा हेतु अंतर्राष्ट्रीय संस्था 1 वर्ष, 2025-2026, 6000 यूरो।

5. गर्भनाल रक्त में सीरोलॉजिकल परीक्षणों का उपयोग करके डी स्थिति के निर्धारण की तुलना में प्रसवपूर्व अवधि के दौरान भ्रूण के आरएच डी स्थिति के निर्धारण के लिए मां के प्लाज्मा से पृथक सेल-फ्री भ्रूण डीएनए का उपयोग करने की नैदानिक सटीकता, हेम चंद्र पांडे, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 10 लाख।

9.41_.indd 993 12/26/2025 3:04:57 PM

6. भारतीय जनसंख्या में विभिन्न परीक्षणों के लिए संदर्भ अंतराल की स्थापना, गोपाल कुमार पाटीदार, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2025-2027, रुपये 1.5 करोड़।

7. ट्रॉमा के रोगियों में कमरे के तापमान पर संग्रहित प्लेटलेट सांद्रणों की तुलना में क्रायोप्रिजर्व्ड प्लेटलेट सांद्रणों का हेमोस्टेटिक मूल्यांकन, राहुल चौरसिया, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2024-2026, रुपये 17 लाख।

8. सामान्यीकृत चिंता विकार में परिधीय भड़काऊ साइटोकिन्स: एक केस-नियंत्रित अध्ययन, हेम चंद्र पांडे, एम्स (सहयोगी इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2021-2023, रुपये 10 लाख।

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. रक्त आधान वाले हेमेटोलॉजी रोगियों में तीव्र प्रतिकूल रक्त आधान प्रतिक्रियाओं की निगरानी के लिए सक्रिय और निष्क्रिय निगरानी प्रणालियों की तुलना करने वाला एक पायलट अध्ययन।

2. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में बाल चिकित्सा ट्रॉमा रोगियों में रक्ताधान प्रथाओं की एक संभावित समीक्षा।

3. रक्तदाताओं में सुई के डर पर विजय पाने हेतु एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित गेम एआईएनएआर की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. एडवांस - एड्स महामारी से निपटने के लिए टीकों और नई प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाना - उपयुक्त इम्युनोजेन्स का चयन और एचआईवी-1 की रोकथाम के बारे में जानकारी देने के लिए भारत और अफ्रीका में इसकी उपयुक्तता।

5. बेडसाइट पर तीव्र प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं के प्रबंधन की उपयुक्तता का आकलन: प्रमुख तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

6. रक्त केंद्रों में वासोवागल प्रतिक्रिया (वीवीआर) शमन रणनीतियों के ज्ञान का आकलन: भारतीय परिप्रेक्ष्य से एक ऑनलाइन सर्वेक्षण।

7. बॉम्बे समूह के व्यक्तिगत के प्लाज्मा के साथ फ्यूकोबेन्ज़ाइम रूपांतरित ओ-समूह लाल रक्त कोशिकाओं की इन-विट्रो अनुकूलता का आकलन।

8. प्राथमिक और पुनरावर्ती बी-कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया बी-एएलएल में एम6ए आरएनए मिथाइलेशन चिह्नों का चित्रण और लक्षण वर्णन।

9. रक्तदाताओं और प्राप्तकर्ता हीमोविजिलेंस के लिए इम्प्यूटेबिलिटी मानदंडों के वस्तुकरण हेतु उपकरणों का विकास।

10. स्पर्शोन्मुख एचबीवी संक्रमण वाले स्वस्थ रक्तदाताओं में हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) जीनोटाइप की पहचान।

11. आधान-संचारित संक्रमणों के प्रति प्रतिक्रियाशील रक्तदाताओं की सूचना और अनुवर्ती कार्रवाई: भारत से साहित्य की एक वर्णनात्मक समीक्षा।

12. प्रजनन आयु वर्ग की महिला आबादी (15-49 वर्ष) में लाल रक्त कोशिका एंटीबॉडी की व्यापकता और विशिष्टता: एक प्रमुख तृतीयक देखभाल अस्पताल में पूर्वव्यापी अध्ययन।

9.41_.indd 994 12/26/2025 3:04:57 PM

13. हमारे केंद्र के लिए प्लाज्मा और प्लाज्मा घटकों हेतु रक्ताधान प्रथाओं की समीक्षा करना।

14. टीकाकृत और गैर-टीकाकृत दाताओं में हेपेटाइटिस-बी की व्यापकता और रक्त सुरक्षा पर इसके प्रभावों का विश्लेषण करने हेतु अध्ययन करें।

15. हृदय की शल्यचिकित्सा करवा रहे बाल रोगियों में प्लेटलेट सांद्रता का आधान: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

पूर्ण

1. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल शैक्षणिक संस्थान में रक्तदाताओं के बीच चिंता संबंधी घटनाओं के लिए मदों का आकलन करने और उनकी उपस्थिति और सामग्री की वैधता स्थापित करने के लिए एक पायलट अध्ययन।

2. प्लेटलेटफेरेसिस दाताओं में प्रतिकूल साइट्रेट प्रतिक्रिया की रोकथाम के लिए मौखिक कैल्शियम अनुपूरण की प्रभावकारिता और अनुसूची निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

3. एम्स, नई दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में वयस्क सीटीवीएस आईसीयू रोगियों में रक्त आधान प्रथाओं का मूल्यांकन।

4. रक्तदान से होने वाले संक्रमण की सूचना पर रक्तदाताओं की प्रतिक्रिया का आकलन और उनका अनुवर्तन।

5. ग्रैनुलोसाइट कॉलोनी उत्तेजक कारकों के साथ जुटाए गए दाताओं में परिधीय रक्त स्टेम सेल उपज से जुड़े कारक: दाता विशेषताओं का प्रभाव।

6. एकध्रुवीय और द्विध्रुवीय अवसाद से ग्रस्त उपचार-अनुभवी रोगियों में पूर्ववर्ती सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला में चयापचय संबंधी असामान्यताओं का एच1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन और परिधीय ग्लूटामिनेज के साथ इसका संबंध।

7. सामान्यीकृत चिंता विकार में परिधीय सूजन संबंधी साइटोकिन्स: एक केस-नियंत्रित अध्ययन।

8. सक्रिय निगरानी के बाद प्लेटलेटफेरेसिस प्रक्रिया के दौरान प्रतिकूल दाता प्रतिक्रियाओं की घटनाओं का विश्लेषण करने के लिए संभावित अध्ययन।

9. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में ऑटो-इम्यून हेमोलिटिक एनीमिया वाले रोगियों में एलोइम्यूनाइजेशन की आवृत्ति निर्धारित करने के लिए लाल कोशिका अवशोषण अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रक्त आधान वाले रुधिरविज्ञान रोगियों में तीव्र प्रतिकूल रक्त आधान प्रतिक्रियाओं की निगरानी के लिए सक्रिय और निष्क्रिय निगरानी प्रणालियों की तुलना करने वाला एक पायलट अध्ययन, रुधिरविज्ञान विभाग।

2. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र, शल्य चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी, क्रिटिकल एंड इंटेंसिव केयर विभाग, जेपीएनएटीसी, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी में बाल चिकित्सा ट्रॉमा रोगियों में रक्त आधान प्रथाओं की एक संभावित समीक्षा।

9.41_.indd 995 12/26/2025 3:04:57 PM

3. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में, जड़ पिघले भ्रूण स्थानांतरण चक्रों से गुजर रही पूर्व प्रत्यारोपण विफलताओं वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों पर स्व-गर्भाशयी अंतर्गर्भाशयी प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा जलसेक के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. तीव्र यकृत विफलता और यकृत एन्सेफैलोपैथी वाले बाल रोगियों में मानक मात्रा चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय की तुलना में उच्च मात्रा की श्रेष्ठता को प्रदर्शित करने के लिए एक ओपन लेबल पायलट आरसीटी, बालचिकित्सा विभाग।

5. कमजोर डिम्बग्रंथि प्रतिक्रियाकर्ताओं में अंतर्गर्भाशयी प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा बनाम ऑटोलॉगस वयस्क अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल इंस्टिलेशन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक ओपन लेबल वाला थ्री-आर्म यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्रीरोग विभाग।

6. महत्वपूर्ण रक्तस्रावी सदमे वाले आघात रोगियों में क्रायोप्रेसिपिटेट के शीघ्र और अनुभवजन्य प्रशासन की प्रभावशीलता पर एक ओपन-लेबल समानांतर-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।

7. आघात के रोगियों में नैदानिक और प्रयोगशाला कारकों का विश्लेषण, जिन्हें बड़े पैमाने पर रक्त आधान की आवश्यकता होती है, शल्य चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।

8. पेल्विक फ्रैक्चर मूत्रमार्ग की चोट में एनास्टोमोटिक पोस्टीरियर यूरेथ्रोप्लास्टी के परिणामों पर प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और मानव एमनियोटिक झिल्ली की नैदानिक प्रभावकारिता का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, मूत्ररोग विज्ञान विभाग।

9. क्रोनिक संक्रमणों में बायोएनर्जेटिक गतिशीलता और सूजन में उनकी भूमिका, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

10. नवजात शिशुओं में हेमोलिटिक रोग के साथ डीवीईटी के लिए पुनर्गठित रक्त के 40 ± 5% बनाम 60± 5% हेमेटोक्रिट की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बालचिकित्सा विभाग।

11. सुरक्षित रक्तदान के लिए आधान-संचारी संक्रमणों (टीटीआई) का पता लगाने हेतु रक्त की एक बूंद का उपयोग करके दो मिनट के तीव्र पूर्व-दान परीक्षण का विकास, संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी), दिल्ली विश्वविद्यालय और सूरत रक्तदान केंद्र और अनुसंधान केंद्र।

12. भारतीय जनसंख्या में विभिन्न परीक्षणों हेतु संदर्भ अंतराल की स्थापना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

13. स्वचालित सीबीसी विश्लेषक का उपयोग करके बैक्टीरियल सेप्सिस की प्रारंभिक पहचान के लिए विस्तारित प्रदाहक मापदंडों का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।

14. एलोइम्यूनाइज्ड गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व निगरानी में मातृ प्लाज्मा से परिसंचारी कोशिका-मुक्त भ्रूण डीएनए का उपयोग करके पैतृक आरएचडी ज़ाइगोसिटी और गैर-आक्रामक भ्रूण आरएचडी जीनोटाइपिंग के निर्धारण के संभावित प्रभाव का मूल्यांकन: लागत-लाभ विश्लेषण पर एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग।

15. ट्रॉमा के रोगियों में कमरे के तापमान पर संग्रहित प्लेटलेट सांद्रणों की तुलना में क्रायोप्रिजर्व्ड प्लेटलेट सांद्रणों का हेमोस्टेटिक मूल्यांकन, शल्यचिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी और गहन देखभाल विभाग, जेपीएनएटीसी।

9.41_.indd 996 12/26/2025 3:04:58 PM

16. एशरमैन सिंड्रोम और एट्रोफिक एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियम के पुनर्जनन के लिए ऑटोलॉगस स्टेम सेल और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग।

17. टीएलआर2 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक 2-फेनिल क्विनाज़ोलिन व्युत्पन्नों की जांच, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

18. टीएलआर4 अवरोधकों की पहचान के लिए चयनात्मक 2-फेनिल क्विनाज़ोलिन व्युत्पन्नों की स्क्रीनिंग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

19. माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता का अवसरवादी संक्रमणों के दौरान अध्ययन करना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

पूर्ण

1. गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरिड्यूस्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी और गहन देखभाल विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें. आपातकालीन चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।

पिछले 3 वर्षों में शोध

अनुसंधान परियोजनाएँ	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	4	7
कुल वित्तपोषण	30 लाख	35 लाख	6 करोड़

प्रकाशन:

पत्रिकाएं: 18 सार: 03 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	16	18	23
पत्रिकाओं में लेख	12	13	18
सार	4	02	03
पुस्तकों में अध्याय	0	3	2
पुस्तकें	0	0	0

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. गोपाल कुमार पाटीदार को आईएसबीटी विकिपीडिया नैदानिक आधान कार्यकारी वर्किंग पार्टी के उपसमूह के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन के संक्रामक रोग और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन परीक्षण विशेष रुचि समूह (एसआईजी) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। उन्हें आईएसबीटी हीमोविजिलेंस वर्किंग पार्टी के प्राप्तकर्ता उपसमूह के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। उन्हें आईएसबीटी हीमोविजिलेंस वर्किंग पार्टी के सचिव के रूप में चुना गया था। वह भारत के राष्ट्रीय रक्तदाता

9.41_.indd 997 12/26/2025 3:04:58 PM

हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत डोनर-विजिल सॉफ्टवेयर में प्रस्तुत दाता प्रतिक्रिया की रिपोर्ट की समीक्षा और विश्लेषण के सदस्य थे। उन्हें आधान चिकित्सा दिशानिर्देशों के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसीटीएमजी) के सदस्य के रूप में चुना गया।
अतिथि वैज्ञानिक: कोई नहीं

रोगी उपचार:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक एवं/विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित):

- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सुविधा
- 100% रक्त घटक तैयार करना
- स्व-संचालित रक्तदान
- एफेरेसिस प्रक्रियाएं (प्लेटलेटफेरेसिस, ग्रैनुलोसाइटैफेरेसिस, चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, पीबीएससी संग्रह)
- स्वचालित रक्त समूहन और सीरोलॉजी
- स्वचालित संक्रामक मार्कर परीक्षण और आईडी-एनएटी परीक्षण
- एंटीबॉडी स्क्रीनिंग और पहचान
- एंटीबॉडी टाइटर्स (एबीओ और एलोएंटीबॉडीज)
- लाल कोशिकाओं की आरएच (डी, सी, सी, ई, ई) और के फेनोटाइप सूची
- ल्यूकोडेप्लेटेड रक्त/घटक
- विकिरण सुविधा

ख) रक्त संग्रह

क्र.सं.	निष्पादित कार्य	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1.	कुल एकत्रित रक्त यूनिट	54093	62524	61610
	- स्वैच्छिक दाता	12562	11371	10360
	- प्रतिस्थापित दाता	41531	48413	51300
	- एफेरेसिस घटक	2617	2740	2523
2.	स्वैच्छिक दान शिविरों का आयोजन	100	83	82
3.	चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज	344	420	353
4.	परिधीय रक्त स्टेम सेल संग्रह	44	60	65
5.	ग्रैनुलोसाइट संग्रह	14	5	4

9.41_.indd 998 12/26/2025 3:04:58 PM

ग) रक्त घटक तैयार करना

क्र.सं.	रक्त घटक	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1.	लाल रक्त कोशिकाएं (पीआरबीसी+एलडी आरबीसी)	52673	57649	59096
2.	संपूर्ण रक्त व्युत्पन्न प्लेटलेट सांद्र	46027	49835	43542
3.	ताज़ा फ्रोजन प्लाज़्मा	28823	28480	25369
4.	ताज़ा प्लाज़्मा	22569	29475	34497
5.	क्रायोप्रेसिपिटेट	506	772	793
6.	घटक गुणवत्ता नियंत्रण	432 प्रत्येक	646 प्रत्येक	691 प्रत्येक

घ) रक्त घटकों के जारी करने सहित नियमित और आपातकालीन प्रयोगशाला गतिविधियाँ

क्र.सं.	जांच	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1.	रक्त समूह (रोगी + दाता)	120391	126962	139669
2.	एंटीबॉडी स्क्रीनिंग (रोगी + दाता)	112608	110111	123014
3.	लाल कोशिकाओं का विस्तारित फेनोटाइप (दाता)	4946	4336	4729
4.	कुल प्राप्त रोगी अनुरोध	65104	66708	101446
5.	क्रॉसमैच (नियमित + आपातकालीन)	57779	48386	71146
6.	जारी किया गया कुल रक्त (पीआरबीसी + एलडी-पीआरबीसी)	47716	47007	59393
7.	अन्य रक्त केंद्रों/अस्पतालों को जारी किए गए पीआरबीसी	1934	1302	8675
8	कुल जारी किए गए घटक	-	-	74066
9.	दाता का कमजोर आर (डी) परीक्षण	3178	3387	3549
10.	फ्रैक्शनेटर्स को अधिशेष प्लाज्मा जारी किया गया	31351	39034	36194

च) प्रतिरक्षारूधिरविज्ञान प्रयोगशाला

क्र.सं.	जांच	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1.	अप्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण	2268	1887	1441
2.	प्रत्यक्ष कूम्ब्स परीक्षण	3999	4561	4572

9.41_.indd 999 12/26/2025 3:04:58 PM

क्र.सं.	जांच	2022-2023	2023-2024	2024-2025
3.	एंटीबॉडी अनुमापांक (एबीओ+एलोएंटीबॉडी)	1050	1027	850
4.	माइनर ब्लड ग्रुप के लिए फेनोटाइप	2255	2533	3335
5.	क्रॉसमैच असंगति का समाधान	1057	93	656
6.	रक्त समूह विसंगति का समाधान	79	93	103
7.	एंटीबॉडी पहचान (रोगी + दाता)	1661	1273	1020
8.	ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रिया का कार्य	51	74	44
9.	अभिकर्मकों की गुणवत्ता पर नियंत्रण	19	13	13
10.	ईक्यूएएस	4	4	4

छ) संक्रामक रोग जांच प्रयोगशाला

		जांचों की संख्या		
क्र.सं.	संक्रामक रोग मार्कर परीक्षणों की संख्या	2022-2023	2023-2024	2024-2025
1.	एचआईवी 1 और 2	54093	62290	64961
2.	एचबीवी	54093	62699	64367
3.	एचसीवी	54093	62468	64367
4.	सिफलिस	54093	62204	64367
5.	मलेरिया	54093	62204	61958
6.	आईडी एनएटी स्क्रीनिंग	82814	100401	104041
7.	एनएटी विभेदक	-	5995	6174

9.41_.indd 1000 12/26/2025 3:04:58 PM

9.42 प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान तथा प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
डी.के. मित्रा

अपर आचार्य
उमा कांगा
राकेश कुमार दीपक

वैज्ञानिक II
लता कुमारी

वैज्ञानिक I
संजीव गोस्वामी
प्रबीन कुमार

विशिष्टताएं

विभाग ठोस अंग प्रतिरोपण तथा हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण (एचएससीटी) दोनों में सहायता के लिए अत्याधुनिक प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान सेवाएँ प्रदान करता है। उन्नत आणविक एचएलए टाइपिंग तथा व्यापक सीरोलॉजिकल निगरानी तकनीकों का उपयोग करते हुए विभाग प्रतिरोपण प्राप्तकर्ताओं के लिए उच्च-गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करता है। ये सेवाएँ मृतक दाता प्रतिरोपण संबंधी गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए भी प्रदान की जाती हैं जो तत्काल प्रतिरोपण प्रक्रियाओं की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। एक मुख्य प्रगति के रूप में, विभाग ने फ्लो साइटोमेट्री-आधारित इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके प्राथमिक प्रतिरक्षा-अक्षमताओं (पीआईडी) के लिए प्रसवपूर्व निदान कार्यक्रम की शुरुआत की है। परिष्कृत फ्लो साइटोमेट्री तकनीकों के अनुप्रयोग के द्वारा विभाग विशिष्ट प्रतिरक्षा सेल पाप्यूलेशन एवं सब-पाप्यूलेशन का शीघ्र विश्लेषण कर सकता है, कोशिका सतह, अंतःकोशिकीय और अंतःनाभिकीय प्रोटीन का मूल्यांकन कर सकता है तथा प्रतिरक्षा संबंधी दोषों से जुड़े जैविक कार्यों का आकलन कर सकता है। प्रसवपूर्व पीआईडी निदान आरंभ होने से प्रभावित भ्रूणों की, विशेष रूप से गर्भावस्था की पहली तिमाही में, शीघ्र पहचान संभव हो पाती है। शीघ्र पहचान से समय पर आनुवंशिक परामर्श, परिवारों के लिए सूचित निर्णय लेने और जहाँ संभव हो, शीघ्र इंटरवेंशन की तैयारी का मार्ग प्रशस्त होता है। यह पहल बेहतर रोगी परिणामों के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरोपण विज्ञान के क्षेत्र को उन्नत बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। विभाग नैदानिक उपचार, निदान तथा अनुसंधान में उत्कृष्टता बनाए रखते हुए, रोगियों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपनी सेवाओं को निरंतर विकसित करता रहता है।

शिक्षा

वर्ष 2024-2025 के दौरान हमारे विभाग ने देश-विदेश के विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों के 21 छात्रों/डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों को ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी, इम्यूनोजेनेटिक्स-एचएलए परीक्षण, ट्रांसप्लांट के बाद निगरानी एवं प्रतिरक्षा की कमी के लिए अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जाँचों की प्रयोगशाला तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

9.42_.indd 1001 1/7/2026 12:24:57 PM

अल्पकालिक प्रशिक्षण-एम्स (1-2 सप्ताह): 20

दीर्घकालिक प्रशिक्षण-राष्ट्रीय (6 माह से अधिक): 1

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

उमा कांगा

1. इंडियन सोसाइटी फॉर हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (टीसी-आईएसएचआई2024) के तत्वावधान में ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 1-2 दिसंबर 2024, नई दिल्ली

* यह पाठ्यक्रम अमेरिकन कॉलेज ऑफ हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एसीएचआई) द्वारा प्रमाणित किया गया था एवं प्रतिभागियों ने 18 क्रेडिट घंटे/2.7 क्रमिक शिक्षा क्रेडिट (सीईसी) प्राप्त किया ।

फोटोग्राफ 1: प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संकाय-सदस्य: वर्षा त्रिवेदी, नरिंदर मेहरा (अध्यक्ष-आईएसएचआई), उमा कांगा (पाठ्यक्रम संयोजक), अजय बरनवाल, योगिंदर पाल सिंह, मीनाक्षी सिंह और राजा राजलिंगम

फोटोग्राफ 2: ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी एवं इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग के प्रतिभागियों के साथ संकाय-सदस्य

फोटोग्राफ 3: कोर्स डिनर में उपस्थित प्रतिभागियों के साथ एम्स निदेशक, प्रो. एम. श्रीनिवास

फोटोग्राफ 4: समूह फोटो - प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी तथा संकाय-सदस्य

(फ़ाइल का आकार बहुत बड़ा होने के कारण फ़ोटो अलग से पेन ड्राइव में भेज रहे हैं)

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 24

डीके मित्रा: 4	**उमा कांगा: 14**	**राकेश: 1**
लता कुमारी: 1	**संजीव गोस्वामी: 1**	**प्रबीन कुमार: 3**

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
17	20	24

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 7

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	9	7

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. हृदय प्रतिरोपण अस्वीकरण में तरल बायोप्सी की नैदानिक उपयोगिता, डॉ. राकेश कुमार दीपक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 88 लाख रूपये

9.42_.indd 1002 1/7/2026 12:24:57 PM

2. इम्यूनोजेनेटिक वेरिएंट एचएलए-केआईआर प्रदर्शनों की सूची और हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण परिणाम में उनकी कार्यात्मक प्रासंगिकता, डॉ. उमा कांगा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 36.3 लाख रुपये

3. तपेदिक वैक्सीन बनाने के लिए सिलिको परीक्षण (एसटीआरआईटीयूवीएडी) यूरोपीय कमीशन होराइजन 2020, प्रो. डी. के. मित्रा, डीबीटी, 4 वर्ष, 2020-2024, 398.36 लाख रुपये

4. प्रतिरक्षा जांच बिंदु अवरोधकों की रूपरेखा (टिम-3, एलएजी-3, टीआईजीआईटी, पीडी-1 तथा सीटीएलए-4) पित्ताशय कैंसर में, डॉ. लता कुमारी, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

5. "टाइप-2 मधुमेह से पीडित व्यक्तियों में सक्रिय तपेदिक संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता: प्रतिरक्षा क्षय की संभावित प्रासंगिकता।", प्रो. डी.के. मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2025, 112 लाख रुपये

6. सक्रिय अंग प्रतिरोपण के दौरान प्रतिरक्षा टॉलरेंस उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता, डॉ. उमा कांगा, एम्स - अंतर विभागीय, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

पूर्ण

1. "क्षय रोग के रोगियों में सहायक इम्यूनोथेरेपी के रूप में α पीडी-1 की प्रभावकारिता", प्रो. डी.के. मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 140.20 लाख रुपये

2. मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) तपेदिक की एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग", प्रो. डीके मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 70 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. बाल चिकित्सा में प्रतिरक्षात्मक कमियों की व्यापकता का निर्धारण करने तथा ऑटोलॉगस हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल के प्रतिरोपण के बाद प्रतिरक्षा रीकन्स्ट्रक्शन का अध्ययन करने के लिए एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

2. इडियोपैथिक इन्फ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण तथा रोगजनन

3. आनुवंशिक मार्करों में विविधता की स्थापना: एचएससीटी के बाद निगरानी में इसका संभावित उपयोग

4. "गुर्दे के प्रतिरोपण करवा चुके रोगियों में एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग: तीव्र ग्राफ्ट डिसफंक्शन में प्रासंगिकता"

5. ग्लूटेन मुक्त आहार में जीएफडी के 12 महीने बाद भी सीलिएक रोग के प्रति कोई प्रतिक्रिया न होने वाले लगातार विलस एट्रॉफी से पीड़ित रोगियों में आंत्र स्टेम सेल (आईएससी) कर्मता की खोज

6. गुर्दे के प्रतिरोपण में अस्वीकरण का पूर्वानुमान लगाने हेतु सिगनेचर की पहचान

7. "हैप्लोइडेन्टिकल हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण के बाद प्रतिरक्षा रीकन्स्ट्रक्शन"

9.42_.indd 1003 1/7/2026 12:24:57 PM

8. तपेदिक में प्रतिरक्षा की रूकी हुई स्थिति पर चेकपॉइंट अवरोधकों का प्रभाव

9. क्षय रोग में चेक प्वाइंट अणुओं को बाधित करना: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में एफ्लक्स पंप पर प्रभाव"

10. तपेदिक में पीडी-1 को रोकना: दवा प्रतिरोधी और दवा संवेदनशील रोगियों में प्रतिरक्षा और नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव

11. कार्डियक एलोग्राफ्ट अस्वीकारण का शीघ्र पता लगाने में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन बेमेल, दाता विशिष्ट एंटीबॉडी एवं जीन एक्सप्रेशन प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन करना तथा सहसंबंध

पूर्ण

1. पित्ताशय कैंसर से उभरने हेतु सर्जरी करवा रहे रोगियों में ट्यूमर-रोधी प्रतिरक्षा और इसके मार्करों पर एनेस्थेटिक तकनीक का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण परिणाम में एचएलए-केआईआर अंतःक्रियाओं की कार्यात्मक प्रासंगिकता, रूधिर विज्ञान, बाल चिकित्सा एवं चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

2. दार्जिलिंग हिमालय के भारतीय गोरखाओं में आनुवंशिक विविधता: एचएलए मिनीजीनोम के इन-फेज पॉलीमॉर्फिज्म विश्लेषण पर आधारित आगामी पीढ़ी अनुक्रमण (एनजीएस), सिक्किम विश्वविद्यालय

3. उत्तर भारतीयों में एंटीएपिलेप्टिक दवाओं के प्रति अतिसंवेदनशीलता के लिए एचएलए से जुड़ी आनुवंशिक प्रवृत्ति: एक केस नियंत्रण अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. उत्तर भारतीयों में ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस का पता लगाने के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति, जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, द.शि.अ.कें., एम्स, नई दिल्ली

5. कोविड-19 में एचएलए एलील, टी-कोशिका एपिटोप पहचान एवं वायरस विविधताओं का अध्ययन: जैव सूचना विज्ञान एवं इम्यूनोइन्फॉर्मेटिक दृष्टिकोण, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे तथा राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर), पुणे

6. दुर्दम्य सीलिएक रोग की व्यापकता एवं इसका अध्ययन करना, साथ ही सीलिएक रोग से पीड़ित गैर-प्रतिक्रियाशील रोगियों के समूह में सर्वोत्तम संभव लागत प्रभावी निदान पैनल तैयार करना, विकृतिविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. सक्रिय अंग प्रतिरोपण के दौरान प्रतिरक्षा टॉलरेंस उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की ट्रांसलेशनल क्षमता, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. फोरेंसिक स्थितियों में बीएमटी के बाद वीर्य नमूने की विश्वसनीयता, न्याय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9.42_.indd 1004 1/7/2026 12:24:57 PM

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	8	8	6
कुल वित्तपोषण	रुपये 760.21 लाख	रुपये 772.66 लाख	रुपये 664.66 लाख

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 06 सार: 03

प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**17**	**18**	**9**
पत्रिकाओं में लेख	12	13	6
सार	5	2	3
पुस्तकों में अध्याय	0	3	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

रोगी उपचार/प्रयोगशाला सेवाओं का सांख्यिकीय डेटा (विभिन्न अध्ययनों/जांचों की संख्या)

अंग प्रतिरोपण

वृक्क विज्ञान, हृद् रोग विज्ञान, पुल्मोनरी चिकित्सा एम्स एवं अन्य रेफरल

अंग प्रतिरोपण सेवा (गुर्दा, फेफड़ा, हृदय)	2022-23	2023-24	2024-25
एचएलए जांचे - लाइव संबंधित प्रतिरोपण	668	702	687
क्रॉस मैच जांच - सीडीसी (सीरोलॉजी)	868	994	872
क्रॉस मैच जांच - (फ्लोसाइटोमेट्री)	291	322	183
ल्यूमिनेक्स पीआरए	418	469	319
ल्यूमिनेक्स एसएबी (डीएसए मॉनिटरिंग)	302	303	351

अस्थि मज्जा / हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण

9.42_.indd 1005 1/7/2026 12:24:57 PM

रूधिर विज्ञान, एम्स और अन्य रेफरल

निदान	2022-23	2023-24	2024-25
एप्लास्टिक एनीमिया	537	355	305
एक्यूट ल्यूकेमिया (एएमएल+एएलएल)	329	187	187
थैलासीमिया	213	153	162
क्रोनिक ल्यूकेमिया (सीएमएल+जेएमएमएल)	64	51	51
अन्य(ऑस्टियोपेट्रोसिस+एमडीएस+पीएनएच+अन्य)	243	271	231
कुल	**1396**	**1017**	**949**

क्र. सं.	निदान	2022-23	2023-24	2024-25
क	**लो रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर-एसएसपी अथवा पीसीआर-एसएसओ ल्यूमिनेक्स आधारित)			
1.	एचएलए-ए लोकस	1541	1139	1030
2.	एचएलए-बी लोकस	1541	1139	1043
3.	एचएलए-सी लोकस	1541	1005	1045
4.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	422	225	517
5.	एचएलए-डीक्यूबी1 लोकस	422	225	530
6.	एचएलए-डीक्यूए1 लोकस	422	225	530
7.	एचएलए-डीआरबी3/4/5 लोसी	35	0	0
ख	**उच्च रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (अनुक्रम आधारित टाइपिंग (एसबीटी)/ नेक्स्ट जेनरेशन अनुक्रमण (एनजीएस)/एसएसओ ल्यूमिनेक्स)			
8.	एचएलए-ए लोकस	38	12	12
9.	एचएलए-बी लोकस	38	12	12
9.	एचएलए-सी लोकस	38	12	12
10.	एचएलए-डीआरबी1	38	12	12
11.	एचएलए-डीक्यूबी1	38	12	12
12.	एचएलए-डीक्यूए1	38	12	12
ग	**दाता विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) मोनिटरिंग - ल्यूमिनेक्स**			

9.42_.indd 1006 1/7/2026 12:24:58 PM

क्र. सं.	निदान	2022-23	2023-24	2024-25
13.	मिश्रित स्क्रीन (एचएलए वर्ग I एवं II)	50	32	28
14.	एचएलए वर्ग I (एसएबी)	36	24	26
15.	एचएलए वर्ग II (एसएबी)	34	21	24
	बीएमटी में चिमेरिज्म अध्ययन			
16.	पोस्ट एचएससीटी प्राप्तकर्ता	113	81	19
17.	पूर्व एचएससीटी प्राप्तकर्ता	49	31	19
18.	एचएससीटी दाताओं	59	31	19
	कुल चिमेरिज्म विश्लेषण (नियंत्रण के साथ)	कुल 221 **जांचें**	165	57 (+20)
	कुल जांचें	**6493**	**4272**	**4980**
	बीएमटी के लिए असंबंधित का दाता की खोज * वर्ष के दौरान एशियाई भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री हेतु एचएलए मैच हो चुके दाताओं के लिए अनुरोध प्राप्त हुए	6*	**0**	**0**

II. डिसीज एसोसिएशन एचएलए स्क्रीनिंग जांचें

	रोग	एचएलए परीक्षण	2022-23	2023-24	2024-25
1.	एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस एवं अन्य स्पॉन्डिलोआर्थ्रोपैथी	एचएलए- बी-27	520	474	494
2.	कोएलियाक रोग	एचएलए-डीक्यूए1	6	6	2
3.	कोएलियाक रोग	एचएलए-डीक्यूबी1	6	6	2
4.	नार्कोलेप्सी/कैटाप्लेक्सी	एचएलए-डीक्यूबी1	2	0	0
5.	बेहेट्स रोग	एचएलए-बी*51	76	90	146
6.	ड्रग हाइप्रसेंसिटिव स्क्रीनिंग	एचएलए-बी*57:01, बी*15:02	2	2	1
	कुल (नियंत्रण सहित)		**606**	**648**	**643 (+10)**

9.42_.indd 1007 1/7/2026 12:24:58 PM

रोगी उपचार संबंधी सभी सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25
एचएससीटी संबंधी एवं गुणवत्ता एश्योरेंस कार्यक्रम	6493	4272	4980
रोग संबंधी स्क्रीनिंग	606	648	713
एंटीबॉडी गुणवत्ता एश्योरेंस कार्यक्रम	12	12	44
कुल	**7111**	**4944**	**5693**

अस्थि मज्जा प्रतिरोपण- सं.रो.कैं.अ., एम्स रेफरल

निदान	2022-23	2023-24	2024-25
एक्यूट ल्यूकीमिया- एएलएल	38	67	122
एक्यूट ल्यूकीमिया- एएमएल	75	90	237
क्रोनिक ल्यूकीमिया - (सीएमएल+जेएमएमएल)	12	22	44
अन्य	27	81	101
कुल	**615**	**812**	**507**

क्र. सं.	निदान	जांचों की संख्या 2022-23	जांचों की संख्या 2023-24	जांचों की संख्या 2024-25
	लो रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग (पीसीआर-एसएसपी अथवा पीसीआर-एसएसओ ल्यूमिनेक्स आधारित)			
1.	एचएलए-ए लोकस	696	924	590
2.	एचएलए-बी लोकस	690	940	620
3.	एचएलए-सी लोकस	687	930	610
4.	एचएलए-डीआरबी लोकस	130	190	170
5.	एचएलए-डीक्यूए1/बी1 लोकस	130	190	170
	उच्च रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग (अनुक्रम आधारित टाइपिंग (एसबीटी) / -एसएसओ ल्यूमिनेक्स)			
6.	एचएलए-ए लोकस	06	20	0
7.	एचएलए-बी लोकस	06	20	0
8.	एचएलए-सी लोकस	06	20	0
9.	एचएलए-डीआरबी1	06	20	0
10.	एचएलए-डीक्यूबी1	06	20	0

9.42_.indd 1008 1/7/2026 12:24:58 PM

क्र. सं.	निदान	जांचों की संख्या 2022-23	जांचों की संख्या 2023-24	जांचों की संख्या 2024-25
11.	एचएलए-डीक्यूए1	06	20	0
	दाता विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) मोनटरिंग ल्यूमिनेक्स आधारित जांच			
12.	एचएलए वर्ग I (एसएबी)	35	56	43
13.	एचएलए वर्ग II (एसएबी)	35	56	43
	बीएमटी में किमेरिज्म अध्ययन			
14.	पोस्ट एचएससीटी प्राप्तकर्ता	31	39	0
15.	पूर्व एचएससीटी प्राप्तकर्ता	31	39	0
16. .	एचएससीटी दाता	31	39	0
	कुल जांच	**2532**	**3523**	**2246**

डिसीज एसोसिएशन एचएलए स्क्रीनिंग जांच

क्र.सं.	रोग	एचएलए जांच	जांचों की संख्या 2022-23	जांचों की संख्या 2023-24	जांचों की संख्या 2024-25
17.	एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस एवं अन्य स्पॉन्डिलोआर्थ्रोपैथीस	एचएलए- बी-27	270	327	153
18.	कोएलियाक रोग	एचएलए-डीक्यूए1	00	00	0
	कोएलियाक रोग	एचएलए-डीक्यूबी1	00	00	0
19.	बेहेट्स रोग	एचएलए-बी*51	46	36	31
	कुल		**316**	**363**	**184**

रोगी उपचार संबंधी सभी सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25
एचएससीटी संबंधित एवं गुणवत्ता एश्योरेंस कार्यक्रम	2532	3523	2246
रोग संबंधी स्क्रीनिंग	316	363	184
एंटीबॉडी गुणवत्ता एश्योरेंस कार्यक्रम	0	0	0
कुल	**2848**	**3886**	**2430**

9.42_.indd 1009 1/7/2026 12:24:58 PM

प्राथमिक प्रतिरक्षा निदान

निदान	2022-23	2023-24	2024-25
प्रतिरक्षा की कमी से होने वाले विकार * प्रति वर्ष जांचों की संख्या	**5266**	**5083**	**4955**

प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रतिरक्षाहीनता रोगों के लिए निःशुल्क सेवा प्रदान की जाती है

क्र. सं.	निदान	मार्कर/विश्लेषण	2022-23	2023-24	2024-25
1	टीसेल आवृत्ति	सीडी3+/सीडी4+/सीडी8+	764	879	653
2	बीसेल आवृत्ति	सीडी19+/सीडी20+	853	978	821
3	एनके सेल आवृत्ति	सीडी3-/सीडी16+/सीडी56+	463	528	413
4	एनके सेल गतिविधि	सीडी3/सीडी56डिम/परफोरी+	241	278	547
5	एनके सेल गतिविधि	घुलनशीलाएल2आर	15	**34**	**21**
6	एएलपीएस	सीडी3+/सीडी4/8-/टीसीआरएβ+	32	32	68
7	ल्यूकोसाइट्स एडिसियन कमी	सीडी18+/सीडी11ए+/ सीडी11बी+	383	456	341
8	दीर्घकालिक ग्रैनुलोमैटस रोग	डीएचआर	1263	1452	1241
9	हाइपर आईजीएम	सीडी3+/सीडी8-/सीडी69+/ सीडी154+	16	14	10
10	टीसेल फ़ंक्शन(आईएफएन-जी)	सीडी3+/सीडी4+/ आईएफएन-γ+/आईएल-2+	68	62	36
11	क्लास स्विच मेमोरी	सीडी19+/सीडी27+/आईजीडी-	17	26	17
12	डीग्रेनुलेशन परख	सीडी3/सीडी56डिम/सीडी107+	32	42	71
13	आईएल-12परख	सीडी14+/आईएल-12+	37	41	13
14	मेमोरी टीसेल	सीडी3+/सीडी45आरए+/ सीडी45आरओ+	245	261	56
15	सीरम आईजीए		302	--	237
16	सीरम आईजीएम		359	--	278
17	सीरम आईजीजी		148	--	132

9.42_.indd 1010 1/7/2026 12:24:58 PM

क्र. सं.	निदान	मार्कर/विश्लेषण	2022-23	2023-24	2024-25
18	सीरम आईजीई		28	--	41
19	सीरम आईजीजी उपवर्ग		32	--	--
कुल			**5266**	**5083**	**4955**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. उमा कांगा ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से 'विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार' प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल ने उन्हें एसजीपीजीआई, लखनऊ की चयन समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया है। उन्हें हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर स्थित एम्स की संस्थान वैज्ञानिक सलाहकार समिति (आईएसएसी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। एम्स, नई दिल्ली के माननीय निदेशक ने उन्हें मंगलागिरि स्थित एम्स में प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने हेतु गठित समिति में विशेषज्ञ के रूप में शामिल करने के लिए नामित किया है। एम्स, नई दिल्ली की सीएमईटीआई समिति की सदस्य नियुक्त की गई हैं। उन्हें एम्स, नई दिल्ली की 68वीं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने वाली समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) ने उन्हें एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने के इच्छुक चिकित्सा प्रयोगशालाओं के मूल्यांकनकर्ता के रूप में प्रमाणित किया है। उन्हें 'ह्यूमन इम्यूनोलॉजी' पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में सह-संपादक के रूप में शामिल किया गया है। उन्हें 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इम्यूनोजेनेटिक्स' पत्रिका के संपादकीय बोर्ड की सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्हें 'इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन' के संपादकीय बोर्ड (बेसिक साइंसेज) की सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्हें पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था। 7-8 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में किडनी रोग और प्रतिरोपण पर एम्स-मेयो क्लिनिक का अपडेट। उन्हें इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटीज़ (आईयूआईएस) की 'जेंडर इक्विटी कमेटी' (2024-2027) का सदस्य चुना गया। भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के उपाध्यक्ष (उत्तर) के रूप में निर्वाचित किया गया है। वह एशिया-पैसिफिक हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचआईए) की एशिया-प्रशांत क्षेत्र की काउंसलर चुनी गई हैं। उन्हें ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी में यूरोपियन बोर्ड ऑफ सर्जरी (एफईबीएस) के फेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया तथा वह बोर्ड में (2021 से) सदस्य हैं। वे अंतर्राष्ट्रीय एचएलए और इम्यूनोजेनेटिक्स वर्कशॉप तथा काउंसिल (आईएचआईडब्ल्यूसी) के परिषद सदस्य के रूप में कार्य करती हैं। वह भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसाइटी द्वारा नामित इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटीज (आईयूआईएस) (2022-2025) की 'जनरल असेंबली' के सदस्य के रूप में कार्य करना जारी रखा। वह एसोसिएशन ऑफ पीएचडी मेडिकल साइंटिस्ट्स (एपीएमएस) की सचिव के रूप में कार्यरत हैं। भारतीय हृदय एवं फेफड़ा प्रतिरोपण सोसायटी (आईएनएसएचएलटी) के मनोनीत कार्यकारी समिति सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ राकेश कुमार दीपक का 17-20 अक्टूबर 2024 को अहमदाबाद में आयोजित आईएनएसएचएलटी 2024 में पैनलिस्ट एवं अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर राजालिंगम राजा, आचार्य, नैदानिक शल्यचिकित्सा, शल्यचिकित्सा विभाग, निदेशक, प्रतिरक्षा आनुवंशिकी एवं प्रतिरोपण प्रयोगशाला, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमेरिका।

9.42_.indd 1011 1/7/2026 12:24:58 PM

9.43 मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अमलेश सेठ

आचार्य

राजीव कुमार	ऋषि नैयर (1 जुलाई 24)	वृषभानु नायक (1 जुलाई 24)

अपर आचार्य

सिद्धार्थ जैन (ज.प्र.ना.ए. ट्रॉमा केंद्र)	मनोज कुमार	संजय कुमार

सहायक आचार्य

श्रीधर पनैयादियान (एनसीआई झज्जर)	प्रशांत सिंह (एनसीआई झज्जर)

विशिष्टताएं

1. एम्स और एसएसआई प्राइवेट लिमिटेड के बीच एसएसआई मंत्र सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की स्थापना के लिए 18 मई 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।





2. डॉ. स्मिथ हैरिसन ने 5 जून 2024 को हमारे विभाग में "टेक होम मैसेजेज फ्रोम द बेस्ट ऑफ एयूए-2024" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
3. दो विभागीय संकाय सदस्यों को आचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया (जुलाई 2024 से)
4. डॉ. गोपाल बदलानी, वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए ने सी4 वार्ड में रेजीडेंटों के साथ क्लिनिकल राउंड लिया और 23 अगस्त 2024 को पुरुष एलयूटीएस उपचार पर एक व्याख्यान दिया।

9.43_.indd 1012 1/7/2026 12:21:38 PM



5. डॉ. लोरेंट्ज़ क्लॉट्ज़, आचार्य, मूत्ररोग-अर्बुद विज्ञान, सनीब्रुक हॉस्पिटल, ओंटारियो विश्वविद्यालय, कनाडा ने 10 अक्टूबर से 16 नवंबर 2024 तक कैंसर (अर्बुद विज्ञान) में इन्फोसिस चेयर के रूप में विभाग का दौरा किया और अपने नैदानिक अनुभव और विशेषज्ञता को साझा किया। उन्होंने नैदानिक चिकित्सा के मुद्दों, अग्रदर्शी शोध प्रश्नों और सहयोग के अवसरों पर मार्गदर्शन और साझा करने के लिए विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने हमारे विभाग में माइक्रो अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसपेरिनियल बायोप्सी के उपयोग का भी पर्यवेक्षण किया। उन्होंने जर्नल क्लब, शोध पत्र प्रस्तुतियों, विकिरण विज्ञान बैठकों, नैदानिक दौरों, ओपीडी केस चर्चाओं और ओटी के अवलोकन में भाग लिया। उन्होंने प्रोस्टेट कैंसर उपचार और रेजिडेंट प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

   1) रेडियो-जीनोमिक्स और एमआरआई दृश्य बनाम अदृश्य कैंसर का प्राकृतिक इतिवृत
   2) प्रोस्टेट कैंसर के लिए सक्रिय निगरानी
   3) एमआरआई बनाम उच्च रिज़ॉल्यूशन माइक्रो अल्ट्रासाउंड और पेरिनेल प्रोस्टेट बायोप्सी
   4) प्रोस्टेट कैंसर के लिए फोकल थेरेपी का अवलोकन
   5) अमेरिका/कनाडा में अनुसंधान और रेजीडेंसी/फेलोशिप अवसरों का महत्व
   6) प्रोस्टेट कैंसर के लिए एमआरआई निर्देशित टीयूएलएसए
   7) एडीटी, एलएचआरएच एनालॉग्स और एलएचआरएच प्रतिपक्षी - कम ज्ञात तथ्य
   8) चिकित्सा अनुसंधान में त्रुटियों का उपयोग
   9) चिकित्सा स्व-प्रयोग

9.43_.indd 1013 1/7/2026 12:21:39 PM








6. डॉ. जेहोनाथन पिंथस, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, हैमिल्टन, ओंटारियो, कनाडा ने 4 नवंबर 2024 को विभाग का दौरा किया और प्रोस्टेट कैंसर के लिए एलएचआरएच प्रतिपक्षी पर एक व्याख्यान दिया।



7. विभाग ने 21 नवंबर 2024 से अपनी देखरेख में गुर्दा प्रत्यारोपण कार्यक्रम पुनः शुरू किया।

9.43_.indd 1014 1/7/2026 12:21:39 PM

8. 6 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में मूत्ररोग विज्ञान में डीयूएस बैठक और डॉ. सरिंदर मानसिंह का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. स्टीफन ए. बूर्जियन, मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर, यूएसए ने ‹प्रोस्टेट कैंसर बायोकेमिकल पुनरावृत्ति का मूल्यांकन और उपचार: प्रतिस्पर्धी जोखिमों के साथ रोग जीवविज्ञान को संतुलित करना' विषय पर व्याख्यान दिया।





9. डॉ. ऋषि नैयर, एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में पावर पॉइंट में एनिमेशन के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यशाला के संकाय-संयोजक थे: 15 अप्रैल 2024, 20 नवंबर 2024 और 29 जनवरी 2025



शिक्षा

विभाग के संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और व्याख्यान दिए। वरिष्ठ संकाय सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में एनबीई और एमसीएच मूत्ररोग विज्ञान के परीक्षक हैं। विभाग के संकाय सदस्य भारतीय यूरोलॉजिकल सोसाइटी के तत्वावधान में और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत जीयूटीबी के लिए विभिन्न भारतीय दिशानिर्देशों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

विभाग ने स्नातक और नर्सिंग छात्रों (बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान दिए। संकाय सदस्य स्नातकों के लिए पाठ्यक्रम संशोधन में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग तीन वर्ष की अवधि में मूत्ररोग विज्ञान में एमसीएच की डिग्री के लिए 19 स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित करता है। एमसीएच के बाद फेलोशिप प्रशिक्षण न्यूनतम इनवेसिव मूत्ररोग विज्ञान, मूत्ररोग-अर्बुद विज्ञान, पुनर्निर्माण मूत्ररोग विज्ञान और यूरोगायनेकोलॉजी सहित उप-विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है। दिसंबर 2024 में ‹मिनिमली इनवेसिव मूत्ररोग विज्ञान' और 'मूत्ररोग-अर्बुद विज्ञान' के क्षेत्र में 1-1 उम्मीदवार ने अपनी-अपनी फेलोशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एमएस (सामान्य शल्य-चिकित्सा) से 2 उम्मीदवारों (यूरोगायनेकोलॉजी) को तीन-तीन माह के लिए रोटेट किया गया।

9.43_.indd 1015 1/7/2026 12:21:40 PM

विभाग के संकाय सदस्यों ने छात्रों के लिए कौशल विकास के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो ई-लर्निंग की दिशा में एक कदम आगे है। संकाय सदस्यों ने अपने संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सेट सुविधा के लिए व्याख्यान भी दिए। मूत्रमार्ग कैथीटेराइजेशन के लिए प्रशिक्षुओं और एमबीबीएस छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया: पुरुष और महिला पुतला श्रोणि पर प्रशिक्षित किया गया, जिसे एसईटी सुविधा में उनके नियमित पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने निम्नलिखित वेबिनार/सम्मेलन आयोजित किए

- 6 मार्च 2025 को एम्स, नई दिल्ली में मूत्ररोग विज्ञान में डीयूएस मीटिंग और डॉ. सरिंदर मानसिंह का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. स्टीफन ए. बूर्जियन, मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर, यूएसए ने ‹प्रोस्टेट कैंसर बायोकेमिकल पुनरावृत्ति का मूल्यांकन और उपचार: प्रतिस्पर्धी जोखिमों के साथ रोग जीवविज्ञान को संतुलित करना' विषय पर व्याख्यान दिया।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 158

अमलेश सेठ: 24 **राजीव कुमार: 26** **ऋषि नैय्यर: 62**
वृषभानु नायक: 22 **सिद्धार्थ जैन: 3** **मनोज कुमार: 6**
संजय कुमार: 6 **श्रीधर पनैयादियान: 6** **प्रशांत सिंह: 3**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
121	133	158

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 34

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक/पोस्टर

2022-23	2023-24	2024-25
35	25	34

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एंटीरियर यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर वाले मरीजों के मूल्यांकन में रियल टाइम कॉन्ट्रास्ट एनहैंस्ड अल्ट्रासाउंड और शियर वेव इलास्टोग्राफी, मनोज कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2023-2024, 4,87,000 रुपये

2. गुर्दे की पथरी रोग में ट्रेस तत्वों की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष + 6 माह का विस्तार, 2021-2025, 97,61,605 रुपये + 4,49,904

3. रक्त-आधारित एमआईआरएनए 371-373 और एमआई302/367 की प्रारंभिक बायोमार्कर के रूप में नैदानिक उपयोगिता का परीक्षण करना, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि रेट्रोपेरिटोनियल

9.43_.indd 1016 1/7/2026 12:21:40 PM

लिम्फ नोड विच्छेदन (आरपीएलएनडी) से किसे लाभ हो सकता है: एक रोगी-आधारित अध्ययन, वृषभानु नायक, एम्स इंट्रामुरल, 2 वर्ष,2023-2025, रु.10,00,000

पूर्ण

1. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) में रिसेप्टर टायरोसिन काइनेज अवरोधकों (टीकेआई) के खिलाफ प्रतिरोध का पता लगाने के लिए आणविक विश्लेषण और मेटास्टैटिक आरसीसी (एमआरसीसी) वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की रोगसूचक भूमिका, वृषभानु नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 59,00,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. गुर्दे की पथरी बनने की संरचना और जोखिम पर सीरम विटामिन-डी के स्तर के प्रभाव की जांच करने के लिए एक केस कंट्रोल अध्ययन
2. डीजे स्टेंटिंग के बाद मूत्ररोग विज्ञान रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और यौन रोग का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
3. हाइपोस्पर्मेटोजेनेसिस (एचपी) में जीनोमिक और एपिजेनोमिक इटियोलॉजी का पता लगाने के लिए एक जांच
4. पेल्विक फ्रैक्चर मूत्रमार्ग की चोट में एनास्टोमोटिक पोस्टीरियर यूरेथ्रोप्लास्टी के परिणामों पर प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और मानव एमनियोटिक झिल्ली की नैदानिक प्रभावकारिता का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. कार्सिनोमा पेनिस के रोगियों में मेथिलीन ब्लू डाई निर्देशित डायनेमिक सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी के साथ आईसीजी फ्लोरोसेंस की प्रभावकारिता का आकलन: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
6. ट्रांस-रेक्टल यूएसजी निर्देशित बायोप्सी के बाद प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने की दरों का पूर्वानुमान लगाने वाले कारकों का मूल्यांकन
7. कॉन सिंड्रोम की सर्जरी के बाद कार्यात्मक परिणाम
8. इडियोपैथिक सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम (एससीओएस): एपिजेनोमिक इटियोलॉजी का पता लगाने के लिए एक जांच
9. रेडिकल सिस्टेक्टॉमी के बाद शल्यक्रिया के बाद होने वाली जटिलताओं पर 24 घंटे बनाम लंबे समय तक एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस का प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
10. गैर-मांसपेशी आक्रामक मूत्राशय ट्यूटर्स में रीस्टेज टीयूआरबीटी से बचने का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. आरएआरपी के दौरान सकारात्मक सर्जिकल मार्जिन पर न्यूरोसेफ द्वारा इंट्रा-ऑपरेटिव फ्रोजन सेक्शन परीक्षा का प्रभाव - एक अग्रदर्शी अध्ययन
12. टाइटेनियम क्लिप के साथ लसीका बंधाव के बाद लिम्फोरिया बनाम रेडिकल सिस्टेक्टोमी के दौरान अल्ट्रासोनिक विच्छेदक: एक अग्रदर्शी, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक परीक्षण

9.43_.indd 1017 1/7/2026 12:21:40 PM

13. मूत्र संबंधी सर्जरी के लिए दिशानिर्देश निर्देशित प्री-ऑपरेटिव प्रोफिलैक्टिक एकल खुराक/दिन बनाम विस्तारित प्रोफिलैक्टिक एंटीबायोटिक्स का परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

14. टीयूआरबीटी के दौरान सर्जन द्वारा मूत्राशय कैंसर हिस्टोविकृति विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान और इमेजिंग और अंतिम हिस्टोविकृति विज्ञान विभाग के साथ इसका सहसंबंध

15. ओपन रेडिकल सिस्टेक्टोमी कराने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव ऑप्टिमाइज़ेशन रणनीति के रूप में मल्टीमॉडल प्रीहैबिलिटेशन प्रोग्राम की भूमिका: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन

16. नियमित मूत्र संबंधी शल्य-चिकित्सा में कैथीटेराइजेशन से पहले मूत्रमार्ग में पोविडोन-आयोडीन डालने की भूमिका

17. फीयोक्रोमोसाइटोमा की असंवर्धित सीटी और जैव रासायनिक विशेषता: एक व्यापक अध्ययन

पूर्ण

1. गुर्दे की पथरी बनने की संरचना और जोखिम पर सीरम विटामिन-डी के स्तर के प्रभाव की जांच करने के लिए एक केस कंट्रोल अध्ययन

2. आरएआरपी के लिए पूर्ववर्ती-प्रथम बनाम पश्च-प्रथम दृष्टिकोण - एक तुलनात्मक अध्ययन

3. श्रोणि फ्रैक्चर से संबंधित मूत्रमार्ग की चोट में एमआरआई में शल्य चिकित्सा की जटिलता और परिणाम का प्रीऑपरेटिव ज्योमैट्रिक मापदंडों के साथ सहसंबंध: एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन

4. पीसीएनएल के दौरान बेहतर कैलीसील पहुंच के लिए क्रेनियो-कॉडल बुल्स आई (सीसीबी) तकनीक: प्रभावकारिता और जटिलताओं का आकलन

5. उन्नत कार्सिनोमा प्रोस्टेट के रोगियों में हृदय संबंधी कार्य पर एंड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी का प्रभाव: एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन

6. इनफर्टाइल पुरुषों में एज़ोस्पर्मिया के कारण के रूप में अवरोध के निदान के लिए वीर्य बायोमार्करों का मूल्यांकन

7. गैर-अवरोधक एज़ोस्पर्मिया के विभेदक निदान के लिए अग्रदर्शी बायोमार्करों की जांच

8. स्पष्ट अज्ञातहेतुक सर्टोली कोशिका केवल सिंड्रोम (एससीओएस) मामलों के वृषण एफएनएसी नमूनों में माइक्रोआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइल

9. यादृच्छिक आबादी में वाईक्यू सूक्ष्म-विलोपन की व्यापकता

10. एनएसएस के लिए इंडोसायनिन ग्रीन (आईसीजी) और इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (यूएसजी) के संयुक्त उपयोग की भूमिका

11. मूत्राशय कैंसर में रोग के चरण और श्रेणी का पूर्वानुमान लगाने में वीआईआरएडी (संस्करण 1) का उपयोग करते हुए एमपी एमआरआई की भूमिका

12. अज्ञातहेतुक प्रतिरोधी एज़ोस्पर्मिया के कारण बांझपन वाले पुरुषों में एकतरफा बनाम द्विपक्षीय वासो-एपिडीडिमल एनास्टोमोसिस के परिणामों का मूल्यांकन और तुलना करना

9.43_.indd 1018 1/7/2026 12:21:40 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. यूरेटेरोस्कोपी के बाद यूरेटेरिक स्ट्रिक्चर का एक बहु-संस्थागत अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, यूएसआई-सीआरसी
2. पीटीईएन की कमी से होने वाले डे नोवो मेटास्टेटिक हार्मोन संवेदनशील प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के रूप में कैपिवासर्टिब + एबिरेटेरोन बनाम प्लेसबो + एबिरेटेरोन का चरण III डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन (कैपिटेलो-281), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स
3. भारत में प्रोस्टेट बायोप्सी प्रक्रियाओं का एक अग्रदर्शी बहु-संस्थागत मूल्यांकन, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, यूएसआई-सीआरसी
4. मेटास्टैटिक हार्मोन संवेदनशील प्रोस्टेट कैंसर (एआरएएनओटीई) से पीड़ित पुरुषों में एंड्रोजन डिप्रिवेशन थेरेपी (एडीटी) बनाम प्लेसिबो + एडीटी के अतिरिक्त डारोलुटामाइड का एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित चरण 3 अध्ययन, विकिरण अर्बुद विज्ञान, एम्स अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
5. उच्च जोखिम वाले गैर-मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित भारतीयों के लिए मानक एण्ड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी के अतिरिक्त डारोलुटामाइड का एकल-आर्म, ओपन लेबल चरण 4 अध्ययन, विकिरण अर्बुद विज्ञान, एम्स
6. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के मेटाबोलोमिक्स की जांच, रोग की अधिकता और उपचारात्मक परिणाम के लिए रोग के निदान और पूर्वानुमान बायोमेकर्स की पहचान करने और मेटाबोलोमिक्स डेटाबेस के विकास के लिए, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स
7. रोग की अधिकता और उपचारात्मक परिणाम के लिए नैदानिक और रोगनिदानात्मक बायोमार्करों की पहचान करने और मेटाबोलोमिक्स डेटाबेस के विकास के लिए प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के मेटाबोलोमिक्स की जांच, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स
8. मल्टीकाइनेज अवरोधक-संबंधित हाथ-पैर त्वचा प्रतिक्रिया की रोकथाम के लिए पुनः संयोजक मानव प्लेटलेट-व्युत्पन्न वृद्धि कारक का एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया, ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स
9. प्रोस्टेट कैंसर के निदान, स्थानीय अवस्था निर्धारण और पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बेसलाइन गैलियम-68 पीएसएमए पीईटी/सीटी स्कैन और अन्य नैदानिक विधियों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित, नाभिकीय चिकित्सा
10. क्या रक्त प्लाज्मा के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स का उपयोग प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों को सकारात्मक बायोप्सी और नकारात्मक बायोप्सी के साथ गैर-आक्रामक तरीके से अलग करने के लिए किया जा सकता है? एनएमआर, एम्स
11. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेट प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में कार्बोप्लाटिन, जिसमें दैहिक या जर्म लाइन होमोलॉगस पुनर्संयोजन मरम्मत जीन उत्परिवर्तन मौजूद हैं: एक चरण II एकल भुजा परीक्षण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स

9.43_.indd 1019 1/7/2026 12:21:40 PM

12. तनाव मूत्र असंयम के उपचार में ऑटोलॉगस फैसिया लता मिड-यूरेथ्रल स्लिंग बनाम पॉलीप्रोपाइलीन मेश आउटसाइड-इन ट्रांसओबट्यूरेटर टेप की नैदानिक प्रभावकारिता, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स

13. तनाव मूत्र असंयम के प्रबंधन में ऑटोलॉगस फैसिया लता बनाम रेक्टस फैसिया मिड-यूरेथ्रल स्लिंग की नैदानिक प्रभावकारिता, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स

14. मध्यम और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में बाह्य बीम रेडियोथेरेपी (ईबीआरटी) के बाद ब्रैकीथेरेपी बूस्ट बनाम स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) बूस्ट पर तुलनात्मक अध्ययन», विकिरण अर्बुद विज्ञान

15. पुरुष प्रजनन कार्य पर डीजल इंजन के धुएं के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए संपूर्ण शरीर एक्सपोजर इकाई का विकास, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स

16. सामान्य रोगियों और प्राथमिक हाइपरएल्डोस्टेरोनिज़्म के रोगियों से अधिवृक्क ग्रंथियों में एल्डोस्टेरोन-स्रावी कोशिकाओं का वितरण, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स

17. मेटास्टेटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में टायरोसिन काइनेज अवरोधकों (टीकेआई) के प्रति प्रतिक्रिया का आकलन करने में दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डीईसीटी), विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स

18. प्रोस्टेट कैंसर में डीएनए क्षति प्रतिक्रिया (डीडीआर) मार्गों का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स

19. ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना के बाद अपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में चाल कीनेमेटीक्स और न्यूरोजेनिक मूत्राशय: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स

20. कम खुराक डिल्टियाज़ेम इन्फ्यूजन के साथ और बिना फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लियोनोमा सर्जरी कराने वाले रोगियों में परिचालन अवधि में हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल, संवेदनहरण विभाग, एम्स

21. पीआईसीयू, एम्स में प्रयुक्त मूत्र कैथेटर की जटिलताओं के लिए घटना और जोखिम कारक, बाल चिकित्सा।

22. परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी और मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर के गैर-आक्रामक निदान में सुधार के लिए मेटाबोलाइट्स की पहचान करने के लिए एकीकृत मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग अध्ययन और नैदानिक पैरामीटर,एनएमआर, एम्स

23. एण्ड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी प्राप्त करने वाले मेटास्टेटिक कार्सिनोमा प्रोस्टेट के रोगियों में मेटाबोलिक प्रोफ़ाइल और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स

24. भारत में यूटीआई के रोगियों में यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली (यूपीईसी) का आणविक लक्षण वर्णन और रोगाणुरोधी प्रतिरोध प्रोफ़ाइल: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स

25. फियोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंग्लियोमा के रोगियों की आणविक प्रोफाइलिंग और फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध: प्रबंधन और रोगनिदान में निहितार्थों को समझना, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स

26. प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम और प्रगति को प्रभावित करने वाले उत्परिवर्तनों की व्यापकता, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स विश्वविद्यालय अस्पताल नेटवर्क, टोरंटो

9.43_.indd 1020 1/7/2026 12:21:40 PM

27. सौम्य ठोस वृक्क द्रव्यमान को अधिक आक्रामक घातक आरसीसी से अलग करने के लिए टीसी 99एम सेस्टा एमआईबीआई स्कैन का अग्रदर्शी मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स

28. ब्रेकियल प्लेक्सस अन्वेषण और पुनर्निर्माण के लिए दा विंची™ रोबोटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने के लिए अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी, एम्स

29. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन के अनुपूरण के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

30. यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसिबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण - कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में एक अतिरिक्त उपचार के रूप में मोक्लोबेमाइड की प्रभावकारिता की जांच करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग

31. आरसीटी द्वारा पेरिऑपरेटिव पेम्ब्रोलिज़ुमाब के साथ सिस्टेक्टोमी और पेरिऑपरेटिव एनफोर्टुमैब वेडोटिन और पेम्ब्रोलिज़ुमाब के साथ सिस्टेक्टोमी बनाम अकेले सिस्टेक्टोमी का मूल्यांकन उन प्रतिभागियों में किया जा रहा है जो सिस्प्लैटिन के लिए अयोग्य हैं या मांसपेशी-आक्रामक मूत्राशय कैंसर के साथ सिस्प्लैटिन लेने से इनकार करते हैं (की नोट-905/ईवी-303), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एम्स

32. प्रोस्टेट कार्सिनोमा रोगियों में चयापचय परिवर्तनों पर अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग

33. टेली-प्री-संवेदनाहरण विज्ञान विभाग-चेकअप बनाम मानक आमने-सामने प्री-संवेदनाहरण विज्ञान विभाग-चेकअप, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स

34. रीनल सेल कार्सिनोमा के मूल्यांकन में 68जीए पीएसएमए पेट स्कैन की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा, एम्स

35. योग हस्तक्षेप के बाद बांझ पुरुषों में जीन अभिव्यक्ति, एपिजेनेटिकल परिवर्तन, ऑक्सीडेटिव डीएनए क्षति का अध्ययन करना और कैंसर कोशिका रेखाओं पर उनके सीरम के प्रभाव का विश्लेषण करना, शरीर रचना विभाग, एम्स

36. पुरुष मूत्रमार्ग पुनर्निर्माण सर्जरी के लिए न्यूरैक्सियल संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के विकल्प के रूप में अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित पुडेंडल तंत्रिका ब्लॉक, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स

37. प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति में वृत्ताकार आरएनए की भूमिका को समझना, प्रजनन जीव विज्ञान

38. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के निदान और अनुवर्ती कार्रवाई में गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली प्रतिजन के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स

पूर्ण

1. 40 वर्ष से कम आयु के युवा पुरुषों में एलयूटीएस की नैदानिक महामारी विज्ञान, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एफएफयूएस अनुभाग

2. ऊपरी और निचले पथ के यूरोथेलियल कार्सिनोमा के आणविक उपप्रकारों में माइक्रोसैटेलाइट अस्थिरता (एमएसआई) और पीडीएल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स

9.43_.indd 1021 1/7/2026 12:21:40 PM

3 वर्षों में कुल वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ

	2022-23	2023-24	2024-25
कुल वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ	4	4	3
बाह्य/अंतर-संस्थानिक वित्तपोषण की कुल राशि (रु.)	1,71,48,605 रुपये	1,71,48,605 रुपये	1,16,98,509 रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 22 सार: 08 पुस्तक में अध्याय: 08

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-23	2023-24	2024-25
कुल	**39**	**38**	**38**
पत्रिकाओं में लेख	27	26	22
सार	09	07	08
पुस्तकों में अध्याय	03	04	08
पुस्तकें	-	01	-

रोगी उपचार

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

सारणीबद्ध रूप में रोगी-संबंधी कार्यों की कुल संख्या

	2022-23	2023-24	2024-25
मुख्य अस्पताल विभाग			
मुख्य ओपीडी के नए रोगी	20051	15700	16385
मुख्य ओपीडी पुराने रोगी	37392	29821	30534
बीआरएआईआरसीएच यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक नए रोगी	581	724	736
बीआरएआईआरसीएच यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक पुराने रोगी	7740	8705	9575
एंड्रोलॉजी और बांझपन क्लिनिक नए रोगी	861	725	778
एंड्रोलॉजी और बांझपन क्लिनिक पुराने रोगी	1014	682	917

9.43_.indd 1022 1/7/2026 12:21:40 PM

	2022-23	2023-24	2024-25
दीर्घकालिक भर्ती	1437	1847	1584(सी4) + 484(एबी7) +10(केटीपी)
अल्पकालिक भर्ती	649	694	814(सी4)
छुट्टी	2081	2559	2496
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - खुली	368	455	352
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - एंडोमूत्ररोग विज्ञान	782	1249	1168
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - लैप्रोस्कोपिक	149	182	198
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - रोबोटिक	130	156	179
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - माइक्रोसर्जरी	20	14	18
मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं - स्थानीय संज्ञाहरण	495	551	599
माइनर ओटी	15982	18190	18996
पथरी प्रयोगशाला	-	292	317
ईएसडब्ल्यूएल	682	810	845
अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रक्रियाएं	650	398	328
एनसीआई झज्जर			
एनसीआई झज्जर ओपीडी, नए रोगी	328	481	493
एनसीआई झज्जर ओपीडी, पुराने रोगी	630	1988	3327
एनसीआई झज्जर, वार्ड भर्ती	-	394	531
एनसीआई झज्जर, डिस्चार्ज	-	397	523
एनसीआई झज्जर, ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं	412	328	449
जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र			
ट्रॉमा केंद्र, ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं	72	24	30

9.43_.indd 1023 1/7/2026 12:21:40 PM

मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाओं का विवरण: 2516

ओपन सर्जरी: 352

रेडिकल सिस्टेक्टोमी	58	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफ्रेक्टॉमी	33
नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टोमी	11	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	12
गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता (लाइव संबंधित)	5	सरल नेफ्रेक्टॉमी	14
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	14	आंशिक नेफ्रेक्टॉमी	7
एंटीरियर ले ओपन	-	आरपीएलएनडी	14
प्रगतिशील पेरिनियल यूरेथ्रोप्लास्टी	16	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	11
मूत्रमार्ग-त्वचीय फिस्टुला की मरम्मत	9	दूसरे चरण का समापन	6
वृद्धि सिस्टोप्लास्टी	3	पायलोप्लास्टी	5
एड्रिनलेक्टॉमी	3	यूरेटेरोलिथोटॉमी/सिस्टोलिथोटॉमी	8
वीवीएफ मरम्मत	26	पायलोलिथोटॉमी	3
एयूएस प्रत्यारोपण/लिंग कृत्रिम अंग	5	कॉर्डी सुधार	5
पेरिनियल यूरेथ्रोस्टॉमी	9	एपिस्पेडियास/हाइपोस्पेडियास	9
मूत्रवाहिनी पुनर्प्रत्यारोपण	5	आंशिक पेनेक्टॉमी	5
बोअरी फ्लैप	4	उच्च वंक्षण ओर्कियोक्टॉमी	17
		अन्य	35

अन्तःस्राविका मूत्ररोग विज्ञान: 1168

अपर ट्रेक्ट: 537		**लोअर ट्रेक्ट: 631**			
पीसीएनएल	225	टीयूआरपी/टीयूआईपी/टीयूईबी	118	सीएलटी/पीसीसीएलटी	42
यूआरएस	167	टीयूआरबीटी/बीएक्स/फुलगुरेशन	405	पीवीपी	-
आरआईआरएस	125	टीयूआरईडी	2	होलेप	20
एंडोपाइलोटॉमी	-	यूरेटेरोसील चीरा	-	ओआईयू/बीएनआई/ एंडोडिलेटेशन	23
अन्य	20	डीजेएस/डीजेआर	-	अन्य	21

***लेप्रोस्कोपिक*: 198**

रेडिकल या साइटोरिकेक्टिव नेफ्रेक्टॉमी	42	आंशिक नेफ्रेक्टॉमी	-
सरल नेफ्रेक्टॉमी	70	एड्रिनलेक्टॉमी	20

9.43_.indd 1024 1/7/2026 12:21:40 PM

नेफ्रोयूरेटरेक्टोमी	22	यूरेट्रोलिथोटॉमी	12
दाता नेफ्रेक्टॉमी (लाइव संबंधित)	5	डायग्नोस्टिक लैप/ऑर्कियोपेक्सी	12
पायलोप्लास्टी	4	अन्य	11
मूत्रवाहिनी पुनर्प्रत्यारोपण	-		

रोबोटिक: **179**

रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी	33	पायलोप्लास्टी	41
वंक्षण लिम्फ नोड विच्छेदन	7	मूत्रवाहिनी पुनर्प्रत्यारोपण/	2
रेडिकल सिस्टेक्टोमी	7	बोअरी फ्लैप	2
आंशिक नेफ्रेक्टॉमी	62	वृद्धि सिस्टोप्लास्टी	-
आरपीएलएनडी	7	अन्य	18

माइक्रोसर्जरी: **18**

वीईए	10	वीवीए	2	एमवीएल	6
अंडकोषीय अन्वेषण	0	टीईएसई	0		

स्थानीय संवेदनाहरण प्रक्रियाएं: **599**

डीजेएस/डीजेआर	325	सिस्टोलिथोट्रिप्सी	35
बी/एल ऑर्किडेक्टॉमी	49	परिच्छेदन/फ्रेनुलोप्लास्टी	68
प्रतिगामी पाइलोग्राफी	48	स्क्लेरोथेरेपी	-
आंशिक पेनेक्टॉमी	-	सिस्टोस्कोपी	34
उच्च वंक्षण ओर्कियोक्टॉमी	10	नेफ्रोस्टोग्राम	14
अन्य	16		

माइनर ओटी: **18996**

एंडोस्कोपिक	3005
ओपन	-
छोटे मामले	7314
यूरोफ्लोमेटरी	8324
यूरोडायनामिक अध्ययन	353

9.43_.indd 1025 1/7/2026 12:21:40 PM

ईएसडब्ल्यूएल: 845

नए रोगी	247	पुराने रोगी	598

अल्ट्रासाउंड कक्ष प्रक्रियाएं: 328

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	203	एसपीसी	0	पीयूसी	-
एमआरआई- टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी	59	पीसीएन	0	एचआईवीईसी	66
बोर बायोप्सी में	0	यूएसजी	-		

एनसीआई झज्जर ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं: 449

***ओपन सर्जरी:* 74**

रेडिकल सिस्टेक्टोमी	27	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफ्रेक्टॉमी	7
नेफ्रोयूरेटेरेक्टोमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टोमी	3	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	1
आंशिक सिस्टेक्टोमी	1	आंशिक नेफ्रेक्टोमी	1
बचाव सिस्टेक्टोमी	-	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	-
इलियोइंगुइनल लिम्फ नोड विच्छेदन	5	आरपीएलएनडी	-
उच्च वंक्षण ओर्कियोक्टॉमी	7	कुल/मूलिक पेनेक्टॉमी	1
परिच्छेदन/वेज बायोप्सी	2	आंशिक पेनेक्टॉमी	7
द्विपक्षीय ऑर्किडेक्टॉमी	9	अन्य	3

***लेप्रोस्कोपिक:* 5**

रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	3
रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	1
रेडिकल सिस्टेक्टोमी + नेफ्रेक्टॉमी + यूरेटेरोस्टॉमी	1

***अन्तः स्राविका मूत्ररोग विज्ञान:* 369**

टर्बट	163
चैनल टीयूआरपी	3
सीपीई / थक्का निष्कासन / डीजे स्टेंटिंग / डीजे हटाना / अन्य	203

9.43_.indd 1026 1/7/2026 12:21:41 PM

प्रोस्टेट बायोप्सी: **1**

उंगली निर्देशित	1
यूएसजी निर्देशित	-

ट्रॉमा केंद्र ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं: 30

ओपन सर्जरी: **13**

पेरिनियल यूरेथ्रोप्लास्टी	4	ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	2
सरल नेफ्रेक्टोमी	-	रेक्टौरेथ्रल फिस्टुला को ठीक करना	-
मूत्रवाहिनी की चोट का उपचार	-	जननांग की चोट	-
मूत्राशय का उपचार	5	लिंग का फ्रैक्चर	2

अन्तःस्राविका मूत्ररोग विज्ञान: **17**

सिस्टोस्कोपी	4
सिस्टोलिथोट्रिप्सी	3
एंडोडिलेटेशन± ओआईयू	-
आरजीपी + डीजेएस	10
अन्य	-

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर इत्यादि.

1. 23-26 जुलाई 2024 तक सेरा झा मठ विश्वविद्यालय, बायलाकुप्पे, मैसूर-कर्नाटक में आयोजित रोगी उपचार ट्रस्ट के 04 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर में भाग लिया (डॉ. संजय कुमार)
2. जून 2024 में एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा में एनजेडयूएसआई केयर्स गतिविधि में ओटी सेवाएं प्रदान की गईं (डॉ. ऋषि नैयर)
3. स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य मिशन अस्पताल, धर्मावाला, देहरादून में एनजेडयूएसआई केयर्स गतिविधि में अक्टूबर 2024 में ओटी सेवाएं प्रदान की गईं। (डॉ. ऋषि नैयर)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर अमलेश सेठ 30 नवंबर 2024 को "मूत्ररोग विज्ञान और रेट्रोपेरिटोनियम" पर एनजेडयूएसआई के "डॉ पीएन कटारिया" मेमोरियल व्याख्यान दिया। वे बाहरी परीक्षक एमसीएच (मूत्ररोग विज्ञान) जयपुर, दिसंबर 2024 थे। जनवरी 2025 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के चिकित्सा संस्थान में एमसीएच (मूत्ररोग विज्ञान) परीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ थे। वह मार्च 2025 में सविता चिकित्सा एवं तकनीकी विज्ञान संस्थान, थांडलम (चेन्नई) के एमसीएच (मूत्ररोग विज्ञान) के बाह्य परीक्षक थे। वह जनवरी 2025 में राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर में सहायक आचार्य (मूत्र रोग-अर्बुद विज्ञान) के

9.43_.indd 1027 1/7/2026 12:21:41 PM

पद के लिए पाठ्यक्रम समीक्षा समिति के लिए एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग के मूत्ररोग विज्ञान विभाग के लिए टीएसईसी के बाह्य विशेषज्ञ और विषय विशेषज्ञ थे। वह जनवरी 2025 में मूत्ररोग विज्ञान के सह-आचार्य और अपर आचार्य के पद के लिए पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की स्थायी चयन समिति के बाह्य विशेषज्ञ थे।

प्रोफेसर राजीव कुमार इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आईसीएमजेई) के सदस्य चुने गए थे। उन्हें वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) का निदेशक चुना गया। उन्हें जयपुर में आयोजित होने वाले वट्टीकुटी रोबोटिक सर्जरी अवार्ड्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय जूरी सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर ऋषि नैयर यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया के पूर्ण सदस्य बने - पूर्ण सदस्य (03598-1-07) - सितंबर 2024। उन्हें जुलाई 2024 में आचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने अक्टूबर 2024 में सोसाइटी इंटरनेशनेल डी›मूत्ररोग विज्ञान के 44वें कांग्रेस में सर्जिकल अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन: ‹रोबोटिक आंशिक नेफ्रेक्टॉमी विद फायरफ्लाई› का लाइव प्रदर्शन किया। वे डीसीजीआई के तहत मूत्ररोग विज्ञान और प्रजनन पर विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं। वे राजस्थान लोक सेवा आयोग में बाल चिकित्सा मूत्ररोग विज्ञान के लिए विशेषज्ञ चयन समिति के सदस्य थे। वे डीएनबी/एमसीएच मूत्ररोग विज्ञान परीक्षाओं के लिए एनबीईएमएस और एसजेएच के परीक्षक थे। वे एसआईयू में वैज्ञानिक समीक्षा समिति के सदस्य थे। वे नवंबर 2023-2025 तक एनजेडयूएसआई के मानद सचिव रहे वह नवंबर 2024 तक एम्स के एसईटी सुविधा में रोबोटिक्स सिमुलेशन प्रशिक्षण समिति के सदस्य सचिव रहे हैं।

प्रोफेसर वृषभानु नायक एम्स जोधपुर, जेआईपीएमईआर पुडुचेरी और आरएमएल लखनऊ में एमसीएच मूत्ररोग विज्ञान परीक्षा के परीक्षक/एमसीएच रहे। जुलाई 2024 में उन्हें आचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया। वे यूएसआई 2025-2027 के यूरोअर्बुद विज्ञान उपखंड के निर्वाचित सचिव रहे। नवंबर 2024 में वे एम्स के एसईटी सुविधा केंद्र में रोबोटिक्स सिमुलेशन प्रशिक्षण समिति के सदस्य रहे। वे राजस्थान लोक सेवा आयोग में यूरो-अर्बुद विज्ञान के लिए विशेषज्ञ चयन समिति के सदस्य रहे। वे मूत्ररोग विज्ञान विभाग में आरटीआई के लिए केंद्रीय जनसूचना अधिकारी रहे।

डॉ. मनोज कुमार को एनजेडयूएसआई के हरगोबिंद सिंह मेमोरियल ट्रैवल फेलोशिप से सम्मानित किया गया, 34वां एनजेडयूएसआईसीओएन, नवंबर 2024। उन्हें एनजेडयूएसआई के एनजेड गॉट टैलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया, 34वां एनजेडयूएसआईसीओएन, नवंबर 2024। उन्हें मूत्ररोग विज्ञान में लागू बुनियादी विज्ञानों में उत्कृष्ट योगदान के लिए डीयूएससीओएन अवार्ड और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया, 34वां एनजेडयूएसआईसीओएन, नवंबर 2024। उन्हें एनजेडयूएसआई द्वारा ईएयू 2025 में पेपर प्रस्तुत करने के लिए युवा सदस्य अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता से सम्मानित किया गया।

डॉ. संजय कुमार ने आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित विभाग में पथरी प्रयोगशाला की स्थापना की। उन्होंने मूत्ररोग विज्ञान विभाग के वरिष्ठ रेजीडेंटों को एमआरआई-फ्यूजन बायोप्सी प्रशिक्षण प्रदान किया। वे एनबीईएमएस में डॉ.एनबी की सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षाओं के परीक्षक थे। उन्हें आईसीएमआर द्वारा जारी बाह्य चिकित्सा परियोजना की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें “एमआईयूसी 2000 राष्ट्रीय यात्रा फेलोशिप - 2025», एनजेडयूएसआई से सम्मानित किया गया। मूत्ररोग विज्ञान विभाग में रीनल ट्रांसप्लांट कार्यक्रम शुरू करने में उनका प्रमुख योगदान था।

9.43_.indd 1028 1/7/2026 12:21:41 PM

डॉ. श्रीधर पनैयादियान डीजीएचएस के अंतर्गत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के चिकित्सा उपचार हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने हेतु मूत्ररोग विज्ञान विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। वे बीआईआरएसी के अंतर्गत क्रियान्वित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की एसबीआईआरआई योजना के लिए स्थल भ्रमण विशेषज्ञ भी थे।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. लोरेन्ट्ज़ क्लॉट्ज़, आचार्य, मूत्ररोग-अर्बुद विज्ञान, सनीब्रुक हॉस्पिटल, ओंटारियो विश्वविद्यालय, कनाडा ने 10 अक्टूबर से 16 नवंबर 2024 तक कैंसर (अर्बुद विज्ञान) में इन्फोसिस चेयर के रूप में विभाग का दौरा किया।

9.43_.indd 1029 1/7/2026 12:21:41 PM

10.1 हृद् वक्ष केंद्र

हृद् वक्ष केंद्र प्रमुख तथा आचार्य एवं अध्यक्ष

हृद् रोग विज्ञान
आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
आर नारंग

आचार्यगण

संदीप सेठ
नितीश नाइक
राकेश यादव
जी. कार्तिकेयन संदीप सिंह
गौतम शर्मा
अंबुज रॉय
एस. रामाकृष्णन
सौरभ कुमार गुप्ता

सह-आचार्य
नीरज परख दीप्ति एस सत्यवीर यादव

सहायक आचार्य
निर्मल घाटी सौरभ अगस्तम असीम बाशा एम
लाम्क कडियानी
नयानी मक्कड़
सुमित कुमार
अतीत ए. गवालकर
मोहसिन राज
अंकुर हांडा

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार
आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
संदीप चौहान

आचार्यगण

नीति मखीजा
पूनम मल्होत्रा
मिनाती चौधरी
संभुनाथ दास
पराग घरडे
सुरुचि हसीजा
अरिंदम चौधरी

सहायक आचार्य
सुरेंद्र जांगिड़
मोहित प्रकाश
अंकिता सिंह

हृद् जैव रसायन विभाग
आचार्य एवं अध्यक्ष
लक्ष्मी रामाकृष्णन

वैज्ञानिक

मनोज कुमार टेंभरे
रान्सी एन अब्राहम

10.1_.indd 1030 1/10/2026 4:11:03 PM

तकनीकी अधिकारी

राजीव कुमार

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए.के.बिसोई

आचार्य

वी. देवागुरु
पी. राजशेखर
सचिन तलवार
मनोज कुमार साहू

अपर-आचार्य

सर्वेश पाल सिंह
रमेश पी. मेनन

सह-आचार्य

प्रदीप रामाकृष्णन

सहायक आचार्य

उम्मेद सिंह धत्तरवाल
मयंक यादव
अमिताभ सत्संगी
नवनीता किस्कू
सुषमा गायत्री
भरत एच.वी.

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं एंडोवेस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रिया जागिया

अपर-आचार्य

संजीव कुमार

सहायक आचार्य

नीरज निर्मल पांडे

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

आचार्य

चेतन डी. पटेल

स्टेम सेल सुविधा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुजाता मोहंती

रक्त आधान सेवाएं

10.1_.indd 1031 1/10/2026 4:11:03 PM

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
अंजलि हजारिका
अपर आचार्य
गोपाल पाटीदार

मुख्य तकनीकी अधिकारी

बिजय माझी
पी.एस. राजपूत

गुलशन मेहता

गजेंद्र सिंह चौहान
सुषमा माकन

हृद् विकृति विज्ञान
आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
रूमा रे

आचार्य
सुधीर कुमार अरावा

विशिष्टताएं

हृद् तंत्रिका केंद्र की रक्त आधान सेवाएँ, सुरक्षित तथा गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त घटकों का संग्रह, ट्रांसफ्यूजन एवं आपूर्ति द्वारा, एम्स के हृद् तंत्रिका केंद्र में भर्ती रोगियों की चौबीसों घंटे रक्त आधान संबंधी ज़रूरतों को पूर्ण करती हैं। इन गतिविधियों में आंतरिक और बाह्य रक्त संग्रह, रक्तदाता प्रेरणा और रक्तदान-पूर्व एवं दान-पश्चात परामर्श, रक्त कोंपोनेंट तैयार करना, विभिन्न सीरोलॉजिकल परीक्षण और एफेरेसिस तथा चिकित्सीय फ़्लेबोटोमी जैसी विशेष प्रक्रियाएँ शामिल हैं।

अवयव पैक्ड लाल रक्त कोशिकाएँ, प्लाज़्मा, ताज़ा फ्रोज़न प्लाज़्मा, प्लेटलेट रिच प्लाज़्मा, प्लेटलेट कॉन्संट्रेट, क्रायोप्रेसिपिटेट, ल्यूकोडिप्लेटेड लाल रक्त कोशिकाएँ तथा प्लेटलेट्स जैसी सामग्री यहां हर समय पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। एफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉगस दान की सुविधा उपलब्ध है। अतिरिक्त प्लाज़्मा को प्लाज़्मा उत्पाद विभाजन के लिए भेजा जा रहा है। हृदय प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए रक्त घटकों का विकिरण किया जाता है।

सीरोलॉजिकल परीक्षण बीटीएस में किए जाने वाले परीक्षणों में रक्त समूह निर्धारण, अनियमित एंटीबॉडी की जाँच, कॉलम एग्लूटिनेशन और एसपीआरसीए परख जैसी नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कंपैटिबिलिटी टेस्ट शामिल करना हैं। एकत्रित रक्त की प्रत्येक इकाई का हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी-1 और 2, सिफलिस, मलेरिया जैसे संक्रमणकारी संक्रमणों के लिए परीक्षण किया जाता है। बेहतर परिणाम तथा गुणवत्ता के लिए विभाग की अधिकांश प्रयोगशालाओं में स्वचालन का उपयोग किया जाता है। एचआईवी/एचसीवी/एचबीवी का पता लगाने एवं इस प्रकार रक्त सुरक्षा में सुधार के लिए एक अतिरिक्त जाँच परीक्षण के रूप में दाता के रक्त के नमूनों की एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट) स्क्रीनिंग भी की जाती है।

10.1_.indd 1032 1/10/2026 4:11:03 PM

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली रक्त तथा रक्त घटकों, उपकरणों, प्रक्रियाओं और सेवाओं जैसे इसके उत्पादों के लिए स्थापित किया गया है। बीटीएस बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में भी भाग लेता है।

हीमोविजिलेंस, विभाग नियमित आधार पर प्राप्तकर्ता और दाता दोनों के हीमोविजिलेंस के लिए भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) में भाग लेता है।

कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है ताकि एनआईसी द्वारा ई-ब्लड बैंक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के माध्यम से रक्त बैंक प्रक्रियाओं का रियल टाइम डेटा निर्माण तथा एचआईएस के साथ एकीकरण किया जा सके।

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

5 अप्रैल 2025 से डॉ. संदीप चौहान द्वारा आचार्य बलराम भार्गव द्वारा हृद् रोग विज्ञान केंद्र के प्रमुख का पदभार संभाला गया। डॉ. नीति मखीजा को 13 अप्रैल 2024 को एम्स के हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार विभाग की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, इस पद को उन्होंने 15 अप्रैल 2024 को संभाला, क्योंकि 14 अप्रैल को रविवार था। तीन नए तदर्थ संकाय-सदस्य फरवरी-मार्च 2025 में सहायक आचार्य (तदर्थ) के रूप में विभाग में शामिल हुए, जिनका नाम डॉ. सुरेंद्र जांगिड़, डॉ. मोहित प्रकाश और डॉ. अंकिता सिंह है। डॉ. नीति मखीजा एक अत्यधिक अनुभवी और कुशल चिकित्सक हैं, जिन्होंने विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने दो सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हृद् संवेदनाहरण विज्ञान में सहायक आचार्य के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए हैं। डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर ने महिलाओं में सीवीडी में बिसोप्रोलोल पर राष्ट्रीय सहमति: नए मोर्चे (एनसीबीसी, डब्ल्यू-2024) के अवसर पर हृद् संवेदनाहरण विज्ञान, गंभीर उपचार और ईसीएमओ में उत्कृष्टता का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। वह वर्तमान में एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा की 5 साल की अवधि के लिए अध्यक्ष हैं और एफआईसीसीसी, एफआईईसीएमओ और एफआईईसीएचओ और कार्डियो-डायबिटीज में टीएसएस फेलोशिप की मुख्य शिक्षा निदेशक हैं। वह टीसीसीसी (हृद् रोग विज्ञान क्रिटिकल केयर की पाठ्यपुस्तक) की मुख्य संपादक और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवस्कुलर अल्ट्रासाउंड: 2024-25 की फेलो भी हैं। डॉ. मिनाती चौधरी रॉयल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल लिवरपूल, यूके में एक संकाय-सदस्य थी। उन्होंने विभिन्न परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र भी तैयार किए हैं और कई परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक भी रही हैं। चौधरी ने टीईई के लिए पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में भी काम किया है और कई परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक के रूप में योगदान दिया है।

हृद् विकृति विज्ञान

- न्याय चिकित्सा विभाग के सहयोग से भारत में अचानक हृदय मृत्यु रजिस्ट्री विकसित करने के लिए कार्य करना

- सभी कार्डियोमायोपैथी और हृद् रोग विज्ञान एमिलॉयडोसिस रोगियों के लिए नियमित निदान और फॉलोअप कार्रवाई विकसित की गई, जिसमें पारिवारिक जांच, शीघ्र पहचान तथा स्वास्थ्य शिक्षा शामिल है।

- आणविक कार्डियोलॉजी की स्थापना

10.1_.indd 1033 1/10/2026 4:11:03 PM

हृद् रोग विज्ञान

- वर्ष 2024-2025 में, हृद् रोग विज्ञान विभाग ने लगभग 1,09,000 बाह्य रोगी दौरों को पूरा किया। 6600 से अधिक रोगियों की एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर, ट्रांसकैथेटर महाधमनी/माइट्रल/फुफ्फुसीय वाल्व प्रत्यारोपण, डिवाइस प्रत्यारोपण और बैलून वाल्वोप्लास्टी सहित इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं की गईं।

- इस अवधि के दौरान, विभाग ने हृदय रोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम के रोगियों का अध्ययन करने वाली कई अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लिया। एसटीईएमआई, उच्च रक्तचाप, हार्ट फेलियर, रूमेटिक हृद रोग तथा जन्मजात हृदय रोग से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशन उच्च प्रभाव वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। संकाय-सदस्य कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय बैठकों का हिस्सा थे। विभाग के संकाय-सदस्य प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा हैं, जिनमें ओपन हार्ट, इंडियन हार्ट जर्नल, एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीएस शामिल हैं। विभिन्न संकाय सदस्य महत्वपूर्ण समितियों का हिस्सा थे।

- रोगी उपचार, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा विभाग देश में हृद् विज्ञान में अकादमिक चर्चाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रूप से शामिल था। विभाग के संकाय-सदस्यों को राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय हृद् विज्ञान निकायों में कार्यकारी पदों के लिए चुना गया है और उन्होंने अकादमिक एजेंडे पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद की है।

हृद् जैव रसायन विभाग

यह विभाग निदान और अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न है। निदान के क्षेत्र में, हम हृद तंत्रिका केंद्र के आंतरिक और बाह्य रोगियों के साथ-साथ अन्य विभागों और संस्थानों में भी विशिष्ट जाँचों के लिए सेवाएँ प्रदान करते हैं। एक प्रमुख विशेषता यह है कि हृद् जैव रसायन के सभी कर्मचारियों के अथक प्रयासों से प्रयोगशाला को एनएबीएल (राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशाकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड) से मान्यता प्राप्त हुई है। विभाग के संकाय-सदस्य तथा वैज्ञानिक सक्रिय रूप से अनुसंधान कार्य में संलग्न हैं और उन्हें आईसीएमआर और अन्य एजेंसियों से 7 बाह्य अनुदान प्राप्त हुए हैं। विभाग के अनुसंधान संबंधी प्रयासों के परिणामस्वरूप 15 प्रकाशन हुए हैं।

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा विभाग

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच, हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा विभाग (सीटीवीएस) विभाग असाधारण रोगी उपचार प्रदान करने, शिक्षण को आगे बढ़ाने और हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा विभाग के क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित रहा है। हमने भारत सरकार की जेएसएसके योजना के माध्यम से लगभग 3487 रोगियों पर विभिन्न हृद् शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ सफलतापूर्वक पूरी की हैं, जिनमें एक वर्ष से कम आयु के बच्चों के मामले भी शामिल हैं।

हमारी बहु-विषयक टीम प्रत्यारोपण कार्यक्रम पर निष्ठा से काम कर रही है, और ईसीएमओ प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन ने हमें अधिक जटिल हृदय दोषों का शल्य चिकित्सा द्वारा उपचार करने में सक्षम बनाया है। हृद् रोग विज्ञान विभाग के सहयोग से, हमने सीटीवीएस वार्डों में सभी आयु वर्ग के असंख्य रोगियों को भर्ती किया है और उनका उपचार किया है, जिससे आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार के रोगियों की आवश्यकताओं का समाधान हुआ है। बाह्य रोगी सेवाओं ने बड़ी संख्या में नए और पुराने रोगियों का समाधान किया है, जिससे सभी के लिए व्यापक उपचार सुनिश्चित हुआ है।

10.1_.indd 1034 1/10/2026 4:11:03 PM

हमारे विभागीय संकाय-सदस्य ने वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया है, विभिन्न सम्मेलनों में आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं और ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। कुल मिलाकर, 65 आमंत्रित व्याख्यान और शोधपत्र प्रस्तुत किए गए हैं और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में हमारे कई प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं।

रोगी उपचार गतिविधियों में सुधार के लिए उठाए गए कदम:

रोगी उपचार को और बेहतर बनाने के लिए, हमने सीटीवीएस आईसीयू ए और बी का नवीनीकरण किया है, बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जा रही है वर्ष 24-25 हेतु कार्य योजना और मशीनरी, उपकरण और सहायक उपकरणों के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराया है।
भविष्य को देखते हुए, हमने वर्ष 2024-2025 के लिए कई पहलों की रूपरेखा तैयार की है:

1. हृदय और फेफड़े प्रत्यारोपण कार्यक्रम को सुदृढ़ करना।
2. ऑपरेशन थियेटरों की संख्या में दो की वृद्धि की जाए।
3. सीटीवीएस ओटी में हाइब्रिड एओर्टिक इंटरवेंशन शुरू किया।
4. उन्नत न्यूनतम इनवेसिव हृद् रोग विज्ञान सर्जरी।
5. वीएटीएस (वीडियो असिस्टेड थोरेसिक सर्जरी) का आरंभ किया गया।
6. एमएससी (परफ्यूज़न) पाठ्यक्रम पुनः प्रारंभ किया।

हृद् वक्ष विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन विभाग

- विभाग ने 14 तथा 15 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में एसआईजीटी एवं सीवीआरईएफ फाउंडेशन के तत्वावधान में वस्कुलर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में दो दिवसीय समर्पित संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- विभाग को 69वें संस्थान दिवस प्रदर्शनी (25 सितंबर 2024) में पोस्टर प्रतियोगिता "स्वास्थ्य उपचार तथा चिकित्सा शिक्षा में नवाचार" में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- विभाग के संकाय-सदस्य ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में व्याख्यान दिए।
- संकाय-सदस्य अनेक वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य तथा समीक्षक हैं।
- 7 डीएम छात्र पिछले 3 वर्षों में विभाग में नामांकित हुए।
- विभाग के संकाय-सदस्य शोध परियोजनाएँ और शोध प्रबंध संचालित कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न समकक्ष-समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में विभिन्न शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। ये शोध पत्र एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए गए (जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है)।

10.1_.indd 1035 1/10/2026 4:11:03 PM

- विभाग ने अस्पताल के विभिन्न विशिष्टता विभागों से रेफर किए गए रोगियों को कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग तथा वस्कुलर इंटरवेंशनल उपचार सेवाएं प्रदान करना जारी रखा है (जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है)

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

हृद् वक्ष केंद्र नाभिकीय चिकित्सा (सीटीसी) डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं का संचालन करता है। इस एकक में कोरोनरी धमनी रोगों के रोगियों के उपचार में मायोकार्डियल परफ्यूज़न के आकलन हेतु हृद् रोग विज्ञान एसपीईसीटी इमेजिंग हेतु हाल ही में स्थापित समर्पित हृद् रोग विज्ञान सीजेडटी कैमरा लगा है। मायोकार्डियल संभाव्यता तथा संक्रामक/सूजन संबंधी कार्डियोमायोपैथी के मूल्यांकन के लिए पीईटी अध्ययन भी नियमित रूप से किए जाते हैं।

नाभिकीय चिकित्सा में एमडी की डिग्री प्राप्त करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को रोटेशन के आधार पर नियुक्त किया जाता है और उन्हें न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी डायग्नोस्टिक प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें स्ट्रेस प्रोटोकॉल का पालन, रोगी अध्ययनों की व्याख्या और रिपोर्टिंग शामिल है। एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के छात्रों को भी न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं के तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें रोगी अध्ययनों का अधिग्रहण और प्रसंस्करण शामिल है।

नाभिकीय चिकित्सा 18 एमडी, पीएचडी और एमएससी (न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी) छात्रों के शोध-पत्रों और थीसिस में भी शामिल है। हम ट्रांसथायरेटिन एमिलॉयड कार्डियोमायोपैथी अध्ययन (आईटीएसी अध्ययन) नामक बहुराष्ट्रीय परियोजना का हिस्सा हैं। जो हृदय संबंधी एमिलॉयडोसिस के निदान में टीसी99एम-पीवाईपी की भूमिका का मूल्यांकन करेगा। यह परियोजना अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा वित्तपोषित है। विभाग अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्तपोषित "कार्डियो-ऑन्कोलॉजी अध्ययन (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन" नामक अंतर्राष्ट्रीय बहु-केंद्र अनुसंधान परियोजना में मुख्य अन्वेषक भी है।

स्टेम सेल सुविधा

स्टेम सेल सुविधा बुनियादी, पूर्व-नैदानिक और नैदानिक अनुसंधान पर समर्पण और महत्वपूर्ण ध्यान सहित स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा का उपयोग करके अभिनव और अत्याधुनिक रोगी उपचार सेवाएँ प्रदान करने के लिए समर्पित है। वर्तमान में, यह सुविधा वित्तपोषण एजेंसियों द्वारा समर्थित 20 सक्रिय परियोजनाओं में शामिल है: डीबीटी, आईसीएमआर, डीएसटी तथा डीएचआर। कर्मियों के संदर्भ में, सुविधा में एक समर्पित टीम है जिसमें तीन पीएच. डी शोध विद्वान, पाँच एमडी और डीएम छात्र, और सात प्रशिक्षु अपनी डिग्री/प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, साथ ही पाँच वैज्ञानिक सरकारी वित्तपोषित परियोजनाओं में सक्रिय हैं। इस वर्ष, सुविधा ने प्रतिष्ठित सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में 14 शोध लेख प्रकाशित किए हैं। डॉ. सुजाता मोहंती ने 17 राष्ट्रीय और दो अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों सहित कई वैज्ञानिक मंचों पर अपने शोध परिणाम साझा किए हैं। वह जर्नल ऑफ एक्स्ट्रासेलुलर बायोलॉजी, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, ट्रांसलेशनल सर्जरी, करंट ट्रेंड्स इन स्टेम सेल्स एंड रीजनरेटिव मेडिसिन, तथा इनसाइट्स इन स्टेम सेल्स सहित 5 प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में कार्यरत हैं। वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों, जैसे कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेल्युलर थेरेपी, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट, द इंडियन साइंस कांग्रेस, द इंडियन

10.1_.indd 1036 1/10/2026 4:11:03 PM

इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटी और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स (आईएसईवी) की सक्रिय भागीदार और सदस्य भी हैं। वह आईएसईवी के निदेशक मंडल की सदस्य हैं। वह इंडियन सोसाइटी फॉर एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स (आईएनएएसईवी) की संस्थापक अध्यक्ष हैं और आईएनएसईवी उद्घाटन सम्मेलन ईवीओएलवीई-2025 की संयोजक और आयोजन सचिव थी। इसके अलावा, उनकी टीम ने स्टेम सेल और ऊतक इंजीनियरिंग पर तीन कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

शिक्षा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

शून्य

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 105

अंजलि हजारिका: 4 **पूनम मल्होत्रा कपूर: 70** **नीति मखीजा: 8**

मिनाती चौधरी: 14 **संभुनाथ दास: 3** **सुरुचि हसीजा: 1**

अरिंदम चौधरी: 1 **सुरेन्द्र जांगिड़: 1** **मोहित प्रकाश: 1**

अंकिता सिंह: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
308	200	101

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

हृद् विकृति विज्ञान

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

सुधीर कुमार ए: 6

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या:

संकाय-सदस्य का नाम	2022-23	2023-2024	2024-25
डॉ. सुधीर अरावा	**3**	**7**	**6**

10.1_.indd 1037 1/10/2026 4:11:03 PM

हृद् रोग विज्ञान

हृद् रोग विज्ञान विभाग, स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। दैनिक ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियों में जर्नल क्लब, मृत्यु दर संबंधी बैठक, सीएटीएच सम्मेलन, लघु और दीर्घ सेमिनार, वाद-विवाद, नैदानिक मामलों पर चर्चा और संकाय द्वारा स्पॉटिंग शामिल हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पीएच निदान एवं उपचार में वर्तमान परिप्रेक्ष्य, एम्स, 20 अप्रैल 2025, नई दिल्ली
सीआईएमआर एम्स में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एकीकृत चिकित्सा में प्रगति, एआईएम 2025, प्राचीन प्रेरणा, आधुनिक चिकित्सा), एम्स, 7-8 मार्च 2025, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
25	33	100

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 14

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
2	5	14

हृद् जैव रसायन विभाग

1) स्नातक स्तर के छात्रों के लिए कक्षाएं प्रदान की जाती है।

2) एमएससी (जैव रसायन) और एमडी (जैव रसायन) के छात्रों को हृद् जैव रसायन विभाग में 2-3 सप्ताह के लिए तैनात और प्रशिक्षित किया जाता है।

3) एक एम.डी. छात्र को मुख्य मार्गदर्शक तथा 3 को सह-मार्गदर्शक के रूप में मार्गदर्शन प्रदान करना।

4) 2 पीएच. डी छात्र पीएच. डी कर रहे हैं।

5) सतत शिक्षा के भाग के रूप में तकनीकी कर्मचारियों के लिए कक्षाएं संचालित करना।

6) डॉ. मनोज पीएच. डी (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में 3 पीएच. डी छात्र), एमडी, डीएम तथा एमसीएच छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

10.1_.indd 1038 1/10/2026 4:11:03 PM

प्रदत्त व्याख्यान: 15

मनोज कुमार टेंभरे: 2 **रान्सी ऐन अब्राहम: 1**

सचिन तलवार: 4 **पी. राजशेखर: 1** **सर्वेश पाल सिंह: 4**

अमिताभ सत्संगी: 2 **उम्मेद सिंह: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
6	9	4

- **प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 4**

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर: 4

2022-2023	2023-2024	2024-2025
7	3	4

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा विभाग

प्रदत्त व्याख्यान: 21

वी. देवागुरु: 9 **सचिन तलवार: 4** **पी. राजशेखर: 1**

सर्वेश पाल सिंह: 4 **अमिताभ सत्संगी: 2** **उम्मेद सिंह: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
9	10	21

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
		5

10.1_.indd 1039 1/10/2026 4:11:03 PM

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा विभाग

शिक्षण:

अतिरिक्त-विभागीय

- **स्नातकपूर्व:** कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग एण्ड वस्कुलर इंटरवेंशन की मूल बातों पर व्याख्यान
- **स्नातकोत्तर:** हृद् विकिरण विज्ञान क्विज़, संबद्ध विशेषज्ञताओं जैसे मेडिसिन के विभागों में सेमिनारों का संचालन,

  सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी

  कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस विभाग के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजी बैठकें

  संबद्ध विशेषज्ञताओं के साथ क्लिनिकल संयुक्त राउंड और क्लिनिकल ग्रैंड राउंड में भागीदारी

अंतर-विभागीय

- दैनिक केस प्रस्तुतियाँ
- साप्ताहिक जर्नल क्लब तथा सेमिनार

प्रशिक्षण:

- जूनियर और सीनियर रेडियोलॉजी रेजीडेंट, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस और हृद् संवेदनाहरण विज्ञान में सीनियर रेजीडेंट, तथा कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग एवं वस्कुलर इंटरवेंशन की तकनीकों में बाह्य पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने 14 और 15 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में एसआईजीटी तथा सीवीआरईएफ फाउंडेशन के तत्वावधान में वैस्कुलर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में दो दिवसीय समर्पित संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 66

प्रिया जगिया: 24 **संजीव कुमार: 19**

नीरज निर्मल पांडे: 16 **विनीता ओझा: 7**

10.1_.indd 1040 1/10/2026 4:11:03 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
39	45	66

लेखक अथवा सह-लेखक के रूप में प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 14

सभी संकाय-सदस्यों (लेखकों तथा सह-लेखकों) द्वारा प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की कुल संख्या:

2022-23	2023-2024	2024-2025
9	21	14

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

स्नातकपूर्व स्तर के छात्रों के लिए आबंटित एवं प्रदत्त व्याख्यानों की संख्या: एक
स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 72 (नाभिकीय हृद् विज्ञान में रोटेशन के आधार पर 33 एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन छात्र और 39 एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी छात्र)
पूर्ण किए गए थीसिस/शोध पत्रों की संख्या: 8
जर्नल क्लब/सेमिनार/अंतर-विभागीय व्याख्यानों में मॉडरेटर: 8
शुरू की गई नई थीसिस की संख्या: 7
नैदानिक अध्ययनों की रिपोर्टिंग करते समय एमडी छात्रों को 'ऑन-साइट' शिक्षण

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

कोई नहीं

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय का नाम	2021 - 2022	2022- 2023	2023 - 2024
चेतन डी पटेल	4	3	2

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर की सूची:

कोई नहीं

स्टेम सेल सुविधा

क्र. सं.	कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
1	एमएससी	लागू नहीं

10.1_.indd 1041 1/10/2026 4:11:03 PM

क्र. सं.	कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
2	पीएच.डी. (गाइड)	04
3	पीएच.डी. (सह-गाइड)	07
4	डीएम तथा एमडी	05
5	**प्रशिक्षण:**	
	क. लघु अवधि	10
	ख. दीर्घकालिक	लागू नहीं

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. बायोप्रिंटिंग अनुप्रयोगों के लिए अगली पीढ़ी के बायोमैटेरियल पर कार्यशाला, 20-21 अगस्त 2024, एम्स, नई दिल्ली

2. एक्स्ट्रासेलुलर वेसकिल एवं नैनोपार्टिकल्स के लिए नैनोपार्टिकल ट्रैकिंग विश्लेषण पर व्यापक कार्यशाला, 16 अक्टूबर 2024, एम्स, नई दिल्ली

3. सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला - एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स के अलगाव तथा लक्षण वर्णन पर व्यापक व्यावहारिक कार्यशाला, ईवीओएलवीई 2025, 22-23 मार्च 2025, एम्स, नई दिल्ली

4. इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स का उद्घाटन सम्मेलन, ईवीओएलवीई 2025, 24-27 मार्च 2025, एम्स, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

सुजाता मोहंती: 18

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	2022-2023	2023-2024	2024-2025
आचार्य सुजाता मोहंती	**10**	**6**	**18**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
10	**18**	**18**

10.1_.indd 1042 1/10/2026 4:11:03 PM

अनुसंधान

रक्त आधान सेवाएं

जारी

1. रुमेटोइड हृदय रोग में एफसी रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना, हृद् जैव रसायन विभाग, ह्.तं.कें, एम्स

2. कार्डियो वैस्कुलर रोगों (सीवीडी) के लिए कोशिका मुक्त चिकित्सा के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्स्ट्रासेलुलर एक्सोसोम की क्षमता की खोज, हृद् जैव रसायन विभाग, ह्.तं.कें, एम्स

3. ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम के $\gamma\delta$ टी-कोशिकाओं पर इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभाव का अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स

4. मानव क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स

5. यकृत तथा हृदय रोग के पशु मॉडलों में न्यूट्रोफिल-प्रेरित ऊतक क्षति पर मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, स्टेम सेल सुविधा, एम्स

6. पुल्मोनरी टीबी के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज फ़ंक्शन पर हाइपरग्लाइसीमिया का प्रभाव, जैव रसायन विभाग, एम्स

7. सामान्य ऑक्सीजन और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर प्रणालियों में एमएससी और एमएपीसी की संवहनी क्षमता की तुलना, स्टेम सेल सुविधा, एम्स

8. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थता वाले इम्यूनोमॉड्यूलेशन की संभावित भूमिका का अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा, एम्स

9. ऑटोफैगी के माध्यम से एचआईवी रिजर्वायर का विनियमन, जैव रसायन विभाग, एम्स

10. कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं को अमर बनाने के लिए टेलोमेरेज़ रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, स्टेम सेल सुविधा, एम्स

11. पूरक कारक एच (सीएफएच)-संबंधित प्रोटीन 1 (सीएफएचआर1) तथा प्रतिरक्षात्मक टोलरेंस के उपचार में इसकी भूमिका", क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

12. सीआरआईएसपीआर-आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निदान तथा प्रयोगात्मक चिकित्सा का विकास, जैव रसायन विभाग, एम्स

10.1_.indd 1043 1/10/2026 4:11:03 PM

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. हृदय शल्य चिकित्सा में रोगी रक्त प्रबंधन दिशानिर्देश, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

2. वेनो-आर्टेरियल एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन पर रोगियों में रक्तस्राव, थ्रोम्बोसिस और संक्रमण के लिए बायोमार्कर के गतिशील प्रक्षेपवक्र और आईसीयू मृत्यु दर के साथ उनके कारण संबंध के बीच संबंध, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 2 लाख रुपये

3. ईसीएमओ पर प्रतिबंधात्मक रक्त आधान ट्रिगर, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 2 लाख रुपये

4. ईसीएमओ पर सेप्सिस और हेमोडायनामिक्स निगरानी, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

5. ईसीएमओ पर फाइब्रिनोजेन कंसट्रेट्स और कंसट्रेट्स सांद्रण का उपयोग, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

पूर्ण

1. सुधारात्मक जन्मजात सायनोटिक हृदय शल्यचिकित्सा में रक्त तथा रक्त उत्पादों की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन, संदीप चक्रवर्ती पीआई: पी. राजशेखर सह-पीआई: पूनम मल्होत्रा कपूर, एम्स विभाग परियोजना, 2 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

2. फैलोट के टेट्रालॉजी की वैकल्पिक मरम्मत के प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में डेल नीडो कार्डियोप्लेजिया समाधान और माइक्रोप्लेजिया की तुलना - एक संभावित, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, जयदीप मालाकार, पीआई: सचिन तलवार सह-पीआई: पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

3. ईसीएमओ के प्रक्रियाधीन हृदय शल्य चिकित्सा के बाद के रोगियों में एफआईबीटीईएम और प्लेटलेट प्रतिक्रियाशीलता का सहसंबंध; वेरीफाई नाउ का उपयोग, ओमर मुजाहिद पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

4. रोटेम सहित सीएबीजी में प्लेटलेट फ़ंक्शन अध्ययन, पीआई: पूनम मल्होत्रा कपूर सह-अन्वेषक: डॉ. मिनाती चौधरी, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 2 लाख रुपये

10.1_.indd 1044 1/10/2026 4:11:04 PM

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. माइट्रल स्टेनोसिस के लिए माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन के बाद पोस्टऑपरेटिव एट्रियल फ़िब्रिलेशन के पूर्वानुमान के रूप में लेफ्ट एट्रियल स्ट्रेन- एक संभावित अवलोकन अध्ययन। (थीसिस डीएम हृद रोग विज्ञान एनेस्थीसिया छात्र - डॉ. जीजो फ्रांसिस।

2. लेफ्ट एट्रियल स्टिफनेश सूचकांक (एलएएसआई) का लेफ्ट वेंट्रिकलर डायस्टोलिक शिथिलता के साथ सहसंबंध और शल्य चिकित्सा द्वारा एओर्टिक वाल्व प्रतिस्थापन करवा रहे एओर्टिक स्टेनोसिस रोगियों में परिणाम - एक अवलोकनात्मक अध्ययन। (डॉ. गुरुमूर्ति एस. द्वारा जनवरी 2025 से डीएम हृद् संवेदनाहरण के छात्र के रूप में शोध प्रबंध)

3. जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित सुधारात्मक सर्जरी करवा रहे रोगियों के उपचार में इलेक्ट्रो कार्डियोमेट्री आधारित मापदंडों की नैदानिक उपयोगिता। (डीएम हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार के छात्र डॉ. रोहन थोटन का मई 2023 से अब तक का शोध प्रबंध) टेट्रालॉजी ऑफ़ फैलोट के लिए इंट्रा कार्डियक रोग विज्ञान रिपेयर के बाद तत्काल पश्चात-शल्यक्रिया परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव राइट वेंट्रिकुलर स्ट्रेन के प्रभाव - एक संभावित अवलोकनात्मक कोहोर्ट अध्ययन। (मार्च 2025 से डीएम हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार की छात्रा डॉ. सुमेधा सुरेश कुमार की थीसिस के लिए प्रोटोकॉल ड्राफ्टिंग) टेट्रालॉजी ऑफ़ फैलोट के वैकल्पिक रिपेयर के प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में डेल निडो कार्डियोप्लेजिया सॉल्यूशन और माइक्रोप्लेजिया की तुलना - एक संभावित, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

4. ईसीएमओ के प्रक्रियाधीन हृदय शल्य चिकित्सा के बाद के रोगियों में एफआईबीटीईएम तथा प्लेटलेट प्रतिक्रियाशीलता का सहसंबंध; वेरीफाई नाउ का उपयोग

5. हृदय शल्य चिकित्सा करवाने वाले बच्चों के वेंटिलेटर वीनिंग में इको, डायाफ्रामिक और फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड की भूमिका

6. माइट्रल वाल्व सर्जरी करवा रहे रोगियों में एएफ का पूर्वानुमान लगाने में एलए स्ट्रैन।

7. फास्ट-ट्रैक हृद् संवेदनाहरण हेतु इंट्राथेकल मॉर्फिन बनाम इंट्राथेकल ब्यूप्रेनॉर्फिन का तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. संशोधित बीटी शंट सर्जरी के प्रक्रियाधीन टीओएफ से पीड़ित बच्चों के पूर्व और पश्चात ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम का तुलनात्मक अध्ययन

9. हृदय शल्य चिकित्सा वाले बच्चों के वेंटिलेटर वीनिंग में इको, डायाफ्रामिक और फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड की भूमिका

10.1_.indd 1045 1/10/2026 4:11:04 PM

10. अंतर्विभागीय: पुल्मोनरी उच्च रक्तचाप के साथ जन्मजात हृदय रोग के लिए सुधारात्मक सर्जरी प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में फुफ्फुसीय धमनी दबाव पर लेवोसिमेंडन और मिलरिनोन का तुलनात्मक प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंडेड नैदानिक परीक्षण (एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना; हृद् गंभीर उपचार विभाग)।

पूर्ण

1. सुधारात्मक जन्मजात सियानोटिक हृदय शल्यचिकित्सा में रक्त तथा रक्त उत्पादों की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

2. सीएबीजी के प्रक्रियाधीन मधुमेह रोगियों में परिणाम का पूर्वानुमान वाले बायोमार्कर सामने आए हैं

3. सीएबीजी के प्रक्रियाधीन मधुमेह रोगियों में बायोमार्कर का पूर्वानुमान लगाना

4. संशोधित बीटी शंट सर्जरी के प्रक्रियाधीन टीओएफ से पीड़ित बच्चों के पूर्व और पश्चात ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम का तुलनात्मक अध्ययन

5. इक्पीडेंस कार्डियोमेट्री द्वारा ऑफ पंप और ऑन पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी में वक्षीय द्रव सामग्री की तुलना

6. डेल नीडो कार्डियोप्लेजिया आधारित बीडी ग्लेन सर्जरी, जिसमें सूजन संबंधी मार्कर आईएल6, आईएल-18 और टीएनएफ α शामिल हैं

7. ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाले शिशुओं में ऑपरेशन के बाद होने वाली पुल्मोनरी जटिलताओं का पूर्वानुमान लगाने में फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड की प्रभावशीलता

8. ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाले शिशुओं में ऑपरेशन के बाद होने वाली पुल्मोनरी जटिलताओं का पूर्वानुमान लगाने में फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड की प्रभावशीलता

9. हृदय शल्य चिकित्सा के प्रक्रियाधीन बाल रोगियों में स्टर्नोटॉमी के बाद दर्द से राहत के लिए प्रीस्टर्नल मल्टीओरिफिस कैथेटर द्वारा रोपाइवाकेन घुसपैठ की प्रभावशीलता

10. सियानोटिक हृदय संबंधी बच्चों में उपचार बिंदु परीक्षण के रूप में एफएलईवी और एफआईवीटीईएम ए5 - डीएम थीसिस

11. टीओएफ और संशोधित टीओएफ में पुल्मोनरी स्थिति में यांत्रिक बनाम बायोप्रोस्थेसिस

12. मीडियास्टिनल द्रव्यमान: पेरिओप उपचार

13. एम्स के हृद् संवेदनाहरण और परफ्यूजन विभाग में कम प्रवाह ईसीएमओ-पर्फ्यूजन आधारित परियोजना के परिणाम

10.1_.indd 1046 1/10/2026 4:11:04 PM

14. आरओटीईएम के साथ सीएबीजी में प्लेटलेट फ़ंक्शन अध्ययन

15. सीएबीजी में पुल्मोनरी एफएन

16. एसटीआर-एलवी एफएन टीईई बनाम प्रतिबाधा कार्डियोमेट्री

17. विटामिन डी की कमी एवं हृदय शल्य चिकित्सा

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. दांयी तरफ के कृत्रिम वाल्व में 3डी ईसीएचओ, अंतर्राष्ट्रीय कार्डियोवैस्कुलर अल्ट्रासाउंड सोसायटी द्वारा बिना किसी वित्त पोषण के - प्रकाशन के लिए ईसीएचओ पर केवल अवलोकन

2. शाफ्ट फीमर फ्रैक्चर के निर्धारण के दौरान हेमोडायनामिक, हृदय संबंधी परिवर्तन और एम्बोलिक लोड के लिए रीमर इरिगेटर एस्पिरेटर के साथ पारंपरिक रीमिंग तकनीक की तुलना, (आईसीएमआर अनुसंधान परियोजना; अस्थिरोग विभाग)।

3. ईसीएमओ पर बाल रोगियों में प्रारंभिक ईसीएमओ पुनर्वास और गतिशीलता, एक्स्ट्राकॉर्पोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (ईएलएसओ)

4. ईसीएमओ-रक्तस्राव पर केंद्रीय कार्य समूह, इंसब्रुक मेडिकल यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रिया

5. श्वसन विफलता के लिए वेनो-लेफ्ट एट्रियल एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन, (एम्स सहयोगी अनुसंधान परियोजना; मुख्य अन्वेषक : डॉ. संदीप चौहान)

हृद् विकृति विज्ञान

वित्तपोषित

जारी

सुधीर अरावा

1. कार्डियक एमिलॉयडोसिस के मामलों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध और एमिलॉयड सबटाइपिंग: एक अवलोकन अध्ययन, डीबीटी-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, 80 लाख रुपये

2. युवा व्यक्तियों में अचानक अस्पष्टीकृत मृत्यु, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 1.50 लाख रुपये

10.1_.indd 1047 1/10/2026 4:11:04 PM

3. भारतीय परिदृश्य में हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी (एचसीएम) के आनुवंशिक परिदृश्य की पहचान करना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 1.20 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

रूमा रे तथा डॉ. सुधीर अरावा

1. इंटरस्टिशियल फेफड़े के रोग के मामलों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल तथा रेडियोलॉजिकल विशेषताएं एवं एमआईआर 21 स्तर

2. कार्डियक एमिलॉयडोसिस के मामलों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध तथा एमिलॉयड उप-प्रकारण: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

3. हृदय ट्यूमर का हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन

4. अज्ञातहेतुक कार्डियोमायोपैथी में एमवाईबीपीसी3 उत्परिवर्तन

5. अचानक हृदय समस्या से होने वाली मृत्यु के कारण की पहचान के लिए हिस्टोपैथोलॉजी और आणविक अध्ययन

6. अनैदानिक कार्डियोमायोपैथी रोगियों में आनुवंशिक संबंध का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज और रोग) के उपयोग द्वारा तैयार किए गए निकाले गए हेयर फोलिसलि आउटर रूट आवरण कोशिका सस्पेंशन निलंबन की विभिन्न कोशिका आबादी की प्रभावशीलता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।

2. ईएनएल प्रतिक्रियाओं के रोगियों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल और नैदानिक अध्ययन

3. आइडयोपैथिक कार्डियोमायोपैथी में एमवाईएच7 उत्परिवर्तन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. हृद रोग विज्ञान फाइब्रोसिस में एलओएक्सएल2 का संबंध, हृद् रोग विज्ञान, एम्स

2. चेहरे के आयतन में कमी के उपचार में ऑटोलॉगस गैर-संवर्धित त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचा रोग विज्ञान, एम्स

10.1_.indd 1048 1/10/2026 4:11:04 PM

3. वायरल मायोकार्डिटिस का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, हृद् रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

4. पुल्मोनरी सारकॉइडोसिस तथा मीडियास्टिनल ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग तथा साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पुल्मोनरी चिकित्सा, एम्स

5. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक और आनुवंशिक अध्ययन, बाल चिकित्सा पुल्मोनोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली

6. पेम्फिगस वल्गेरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में $\gamma\delta$ टी सेल उपसमूहों और पैटर्न पहचान रिसेप्टर्स (पीआरआर) की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, भेषजगुण विज्ञान, एम्स

7. संदिग्ध हृदय समस्या के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों में हृदय मार्करों, कुल फाइनडिंगस और हृदय में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन, न्याय चिकित्सा, एम्स

8. रुमेटिक हृदय वाल्व नमूनों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल, प्रोटिओमिक्स और कोलेजन का अध्ययन, सीटीवीएस, नई दिल्ली

9. चूहों में ब्लेओमाइसिन-प्रेरित पुल्मोनरी विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान, एम्स

पिछले 3 वर्षों के दौरान अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	4	4	3
कुल वित्तपोषण	200 लाख रुपये	300 लाख रुपये	350 लाख रुपये

हृद् रोग विज्ञान

वित्तपोषित

जारी:

1. एट्रियल सेप्टल दोष वाले वयस्क रोगियों में ट्रांसकैथेटर डिवाइस बंद होने के बाद दाएं एट्रियल और वेंट्रिकुलर रिवर्स रीमॉडलिंग का आकलन करने के लिए एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, डॉ. निर्मल घाटी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

2. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक डेटासेट का एआई-आधारित 3डी विज़ुअलाइज़ेशन, डॉ. सौरभ के गुप्ता, एसईआरबी, 4 वर्ष, 2021-2025, 15 लाख रुपये

10.1_.indd 1049 1/10/2026 4:11:04 PM

3. कार्डियोवॉच-इंडिया: मायोकार्डियल इन्फार्क्शन और हृदय रोग के लिए प्रारंभिक मल्टी-बायोमार्कर सटीक निदान के माध्यम से युवा हृदय की सुरक्षा, एस. रामकृष्णन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 736.09 लाख रुपये

4. सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन पुल्मोनरी हाइपरटेंशन, एस. रामकृष्णन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2024-2029, 1163.39 लाख रुपये

5. इस्केमिक हृदय रोग (सीओएलटी-एचएफ) के कारण हृदय विफलता में सीओएलशीसीन और थायमिन, डॉ. अंबुज रॉय, जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा, 4 वर्ष, 2024-2028, 50 लाख रुपये

6. कार्डियक रीसिंक्रोनाइज़ेशन थेरेपी (सही-सीआरटी परीक्षण) के प्रक्रियाधीन रोगियों में रिवर्स रीमॉडलिंग के लिए फ्यूजन ऑप्टिमाइज्ड इंटरवल (एफओआई) और डिवाइस ऑटोमेटेड एल्गोरिदम के बीच तुलना, डॉ. नितीश नाइक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 414.56 लाख रुपये

7. जीनोटाइप और फेनोटाइप आधारित उपचार द्वारा निर्देशित कार्डियक चैनलोपैथी में समकालीन परिणाम, डॉ. नितीश नाइक, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2026, 116.44 लाख रुपये

8. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के निर्माण में सिलिया और सोनिक हेजहॉग पाथवे जीन में प्रतिलिपि संख्या और अनुक्रम वेरिएंट का योगदान, डॉ. सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2025, 65 लाख रुपये

9. रूमेटिक हृदय रोग में डिगोक्सिन - एक बहु-केंद्रीय, प्लेसीबो नियंत्रित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (डिग-आरएचडी परीक्षण) का तर्क तथा डिजाइन, जी कार्तिकेयन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2025, 167 लाख रुपये

10. हार्ट फेलियर के परिणामों पर इनडोर एयर प्यूरीफायर की प्रभावशीलता। (पीयूआरआई-एचएफ परीक्षण), डॉ. नितीश नाइक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 104.08 लाख रुपये

11. हार्ट फेलियर में योग आधारित हृदय पुनर्वास (योग-केयर) की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रुपये

12. तृतीयक अस्पताल में एंजियोग्राफी कराने वाले रोगियों के एक समूह पर कोरोनरी धमनी रोग के लिए जैविक नमूनों का भंडार स्थापित करना, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 87.13 लाख रुपये

13. देश के चयनित जिलों में एसटी सेगमेंट एलिवेटेड मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) में थ्रोम्बोलिसिस दर में परिवर्तन पर स्वास्थ्य प्रणाली-आधारित हस्तक्षेप का मूल्यांकन - एक स्वास्थ्य कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना (आईसीएमआर-एसटीईएमआई-एसीटी), एस. रामकृष्णन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2021-2025, 1382.60 लाख रुपये

14. कोरोनरी धमनी रोग में संभावित माइक्रोआरएनए बायोमार्कर की पहचान और कार्यात्मक सत्यापन: एक खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष-, 2022-2025, 23 लाख रुपये

10.1_.indd 1050 1/10/2026 4:11:04 PM

15. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में आहार संबंधी सूजन सूचकांक पर भूमध्यसागरीय आहार बनाम कम वसा वाले आहार का भारतीय अनुकूलन पर प्रभाव।, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 70.66 लाख रुपये

16. हाल ही में मायोकार्डियल इन्फार्क्शन से पीड़ित रोगियों में हृदय संबंधी घटनाओं को कम करने के लिए इन्फ्लूएंजा वैक्सीन: एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 600 लाख रुपये

17. नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क, डॉ. अंबुज रॉय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2026, प्रति वर्ष 200 लाख रुपये

18. जन्मजात हृदय दोषों से उभरने के लिए सर्जरी कराने वाले शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक संभावित बहुकेंद्रीय कोहोर्ट अध्ययन, सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2025, 22.85 लाख रुपये

19. एनएन6018-4914: एथेना: हल्के रूप से कम या रिजर्वड इजेक्शन अंश और सिस्टमेटिक सूजन वाले हृदय विफलता के रोगियों में हृदय विफलता के लक्षणों और शारीरिक कार्य पर ज़िल्टिवेकिमैब बनाम प्लेसीबो का प्रभाव, डॉ. अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 2 वर्ष, 2024-2026, 35 लाख रुपये

20. पुल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप (पीएएच) के लिए मौखिक एंटीकोएग्यूलेशन (विटामिन के प्रतिपक्षी) - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सत्यवीर यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 49.48 लाख रुपये

21. लक्षण शुरू होने के 12-72 घंटों के बीच एसटी-सेगमेंट-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन वाले रोगियों में रूटीन इनवेसिव बनाम इस्केमिया संचालित नीति (लेटकोमर ट्रायल), एस. रामकृष्णन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 769.75 लाख रुपये

22. कोरोनरी धमनी रोग में इन्फ्लेमसोम मार्ग को विनियमित करने वाले एमआईआरएनए नेटवर्क से संबंधित एथेरोस्क्लेरोटिक जोखिम कारकों की जांच करना, सत्यवीर यादव, आईसीएमआर/डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 34.28 लाख रुपये

23. उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हृदय रोग में नैट्रियूरेटिक पेप्टाइड्स, एनपीएस (एनपीपीए, एनपीपीबी) की भूमिका का अध्ययन करना और एमटीएचएफआर-एनपीपीबी लोकस (एनपीपीए और एनपीपीबी दोनों युक्त) बहुरूपता और हृदय संबंधी जोखिम पर इसके एपिजेनेटिक संशोधनों के प्रभाव की जांच करना, सत्यवीर यादव, आईसीएमआर/डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 71.72 लाख रुपये

पूर्ण:

1. हॉर्ट फेलियर से पीड़ित रोगियों की जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक और नैदानिक कारकों, कारणों, विकृति विज्ञान, उपचार और परिणामों में आने वाली बाधाओं का अध्ययन करने के लिए एक वैश्विक रजिस्ट्री। (जी-सीएचएफ), डॉ. अंबुज रॉय, जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा, 8 वर्ष, 2016-2024, 98 लाख रुपये

10.1_.indd 1051 1/10/2026 4:11:04 PM

2. पुल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप (पीएएच) [डब्ल्यूएचओ ग्रुप I] के रोगियों में बोसेंटन 62.5 मिलीग्राम/125 मिलीग्राम ओरल टैबलेट की सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल, अवलोकनात्मक, अभ्यास आधारित, गैर-तुलनात्मक, बहुकेंद्रीय, संभावित, सक्रिय निगरानी, एस. रामकृष्णन, सिप्ला प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 3.60 लाख रुपये

3. भारत में हृदय रोग की रोकथाम के लिए एक सहयोगी गुणवत्ता सुधार (सी-क्यूआईपी) पहल का विकास और परीक्षण, डॉ. अंबुज रॉय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 5 वर्ष, 2019-2024, 10.05 लाख रुपये

4. अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त लोगों में हृदय संबंधी परिणामों पर सेमाग्लूटाइड का प्रभाव (चयनित), डॉ. अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2019-2024, 38 लाख रुपये

5. भारत में एकल-गोली संयोजन के साथ रक्तचाप के लिए उपचार अनुकूलन (टीओपीएसपीआईएन), डॉ. अंबुज रॉय, इंपीरियल कॉलेज ऑफ़ लंदन, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एलबीबीबी और संरक्षित ईएफ वाले रोगियों में स्पैकल ट्रैकिंग स्ट्रेन इमेजिंग द्वारा एलवी डिसक्रोनी की डिग्री का आकलन

2. प्राथमिक पीसीआई के प्रक्रियाधीन एसटीईएमआई रोगियों में रिमोट इस्केमिक प्रीकंडिशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभावों में विटामिन डी के स्तर की भूमिका का आकलन

3. बार-बार होने वाले आइडोपेथिक वेंट्रिकुलर समयपूर्व संकुचन वाले रोगियों में हृदय चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग पर संरचनात्मक असामान्यताओं के नैदानिक और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक पूर्वानुमान

4. पेसमेकर थेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में बाएं बंडल शाखा पेसिंग और आरवी पेसिंग के बीच परिणामों की तुलना

5. आइसेनमेंजर सिंड्रोम के रोगियों में डैपाग्लिफ्लोज़िन थेरेपी: एक प्लेसबो नियंत्रित, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

6. पुनर्संवहनीकरण के बाद एसटीईएमआई रोगियों में होल्टर असामान्यताएं और अचानक हृदय मृत्यु का जोखिम

7. गैर-इस्कीमिक कार्डियोमायोपैथी में प्राथमिक रोकथाम के लिए इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर: एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन।

8. रिजर्वड इजेक्शन अंश वाले हार्ट फेलियर के रोगियों में मायोकार्डियल कार्य का गैर-इंवेसिव मूल्यांकन

10.1_.indd 1052 1/10/2026 4:11:04 PM

9. युवा (<50 वर्ष) बनाम वृद्ध भारतीय स्टेमी रोगियों में विभिन्न सीवी जोखिम स्कोर का प्रदर्शन

10. रिडयूश इजेक्शन अंश वाले हार्ट फेलियर से ग्रस्त के रोगियों में कार्यात्मक क्षमता का पूर्वानुमान लगाना: हार्ट फेलियर कार्यात्मक सूचकांक (एचएफआई-आर)

11. सीआईईडी के रोगियों में एट्रायल उच्च दर प्रकरणों की व्यापकता और जोखिम कारक

12. ऑपरेशन के बाद टीओएफ रोगियों में आरवीओटी की शिथिलता

13. भारी धातु के संपर्क और कोरोनरी धमनी रोग के बीच संबंध का अध्ययन

14. मल्टीवेसल सीएडी में हृद रोग विज्ञान एमआरआई द्वारा कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग के बाद बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन में सुधार का पूर्वानुमान लगाना

पूर्ण

1. "क्या थ्रोम्बोस्ड मैकेनिकल वाल्वों के सफल फाइब्रोलिसिस के बाद अवशिष्ट प्रवाह असामान्यताएं हैं?"

2. भारतीय आबादी में आर्टियल कार्यात्मक माइट्रल रिगुर्गिटेशन की विशेषताएं

3. कोरोनरी धमनी रोग में एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाएं और प्लेटलेट फ़ंक्शन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्वास्थ्य कर्मियों की शिक्षा के लिए साझेदारी (पीईपी): एम्स (सह-पीआई), सेट सुविधा, एम्स में चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने के लिए नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन की एक परियोजना।

2. एकीकृत ट्रैकिंग, रेफरल और इलेक्ट्रॉनिक निर्णय समर्थन तथा उपचार समन्वय (आई-टीआरईसी) प्लेटफॉर्म (को-पीआई), अंत:स्रावि‍की विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एमोरी विश्वविद्यालय, अटलांटा, यूएसए

पूर्ण

1. एचडीएल की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज-आधारित एफ्लक्स परख के विरुद्ध लिपोसोम-आधारित कोलेस्ट्रॉल एफ्लक्स परख का मूल्यांकन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10.1_.indd 1053 1/10/2026 4:11:04 PM

2. एनसीआर में तीव्र हृदय उपचार में देरी और बाधाओं की पहचान, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	15	24	23
कुल वित्तपोषण	4971.75 लाख रुपये	3711.63 लाख रुपये	8013.04 लाख रुपये

हृद् जैव रसायन विभाग

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. वृद्ध समुदाय में एंजियोजेनेसिस पर उम्र बढ़ने के प्रभाव को समझने के लिए एंजियोजेनेसिस से संबंधित प्रोटीन की एक्सप्रेशन प्रोफ़ाइल का विश्लेषण, डॉ. रानसी एन अब्राहम, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

2. सक्रिय सोरायसिस में न्यूट्रोफिल के एक्स्ट्रा-सेलुलर ट्रैप (एनइटी) निर्माण क्षमता पर एफसी रिसेप्टर्स के प्रभाव और सोरायसिस और रोगों की गंभीरता के साथ इसके सहसंबंध को समझना", डॉ. मनोज के. टेम्भरे, आईसीएमआर, नई दिल्ली (एक्स्ट्राम्यूरल अनुदान), 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

3. त्वचा में मेलेनिन संश्लेषण और मेलेनिन स्थानांतरण को विनियमित करने में मधुमक्खी के जहर से उत्पन्न पेप्टाइड (बीवीडीपी) की भूमिका को परिभाषित करना: विटिलिगो में चिकित्सीय निहितार्थ, डॉ. मनोज के. टेम्भरे, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

4. जन्मजात हृदय रोगों से पीड़ित भारतीय रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करना, डॉ. मनोज के. टेम्भरे, डीएचआर (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

5. भारत में आहार और बायोमार्कर सर्वेक्षण, डॉ. आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 60.17 लाख रुपये

6. जीटीपीसीएच-1 जीन स्थानांतरण द्वारा इंट्रासेल्युलर बीएच4 स्तरों में वृद्धि का नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस गतिविधि, प्रोटीन स्तर और सीएडी रोगियों से ईसीएफसी में द्विगुणन पर प्रभाव और ईसीएफसी कार्यक्षमता पर इसका प्रभाव, डॉ. आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 43.83 लाख रुपये

10.1_.indd 1054 1/10/2026 4:11:04 PM

7. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों से संवर्धित एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) की कार्यक्षमता पर विटामिन डी का प्रभाव, डॉ. आर लक्ष्मी, एम्स, 1 वर्ष, 2024-2025, 2 लाख रुपये

8. एसएसआरएनए वायरस के खिलाफ दवा विकास कार्य में तेजी लाने के लिए एआई/एमएल-आधारित पाइपलाइन का विकास" (एन-2377), डॉ. मनोज के. टेम्भरे, ऑस्ट्रेलियाई पूर्व छात्र अनुदान योजना, 2 वर्ष, 2023-2025, 11 लाख रुपये

9. युवा वयस्कों में भोजन के बाद प्रोटीन अवशोषण पर प्रोबायोटिक बैसिलस कोएगुलन्स यूनिक आईएस-2 को पादप प्रोटीन के साथ देने का प्रभाव, डॉ. रान्सी एन अब्राहम, यूनिक बायोटेक, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

10. वृद्ध वयस्कों में परिसंचारी एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाओं (ईपीसी) का आंतरिक क्षमता (आईसी) के साथ संबंध का अध्ययन करना, डॉ. आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2024, 63.40 लाख रुपये

पूर्ण

1. अलार्मिन-प्रेरित नेक्रोप्टोसिस के तंत्र और एथेरोस्क्लेरोसिस में प्रतिरक्षा होमियोस्टेसिस और सूजन में इसकी भूमिका को समझना, डॉ. मनोज के. टेम्भरे, डीएसटी-एसईआरबी (प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान पुरस्कार-एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपये

2. प्रतिरक्षा विनियमन और सूजन में न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप्स (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, डॉ. मनोज के. टेम्भरे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल अनुदान), 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये

3. न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप (एनईटी) को सक्रिय करने में अलार्मिन की भूमिका पर प्रकाश डालना: सोरायसिस में प्रतिरक्षा विनियमन और त्वचा होमियोस्टेसिस पर प्रभाव (ए-862), डॉ. मनोज के. टेम्भरे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल अनुदान), 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

4. सोरायसिस में सूजन और त्वचा होमियोस्टेसिस को नियंत्रित करने में टीएनआईएनपी1, आईएल2बी और एनएफकेबीआईए और उनके लक्ष्य माइक्रोआरएनए की भूमिका पर प्रकाश डालना, (आईसीएमआर-1125) मुख्य अन्वेषक* के रूप में, डॉ. मनोज के. टेम्भरे, आईसीएमआर, नई दिल्ली (बाह्य अनुदान), 3 वर्ष, 2019-2022, 45 लाख रुपये

5. हृदय रोगों (सीवीडी) के लिए कोशिका-रहित चिकित्सीय उपकरण के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (ईवी) की क्षमता की खोज, डॉ आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 49 लाख रुपये

10.1_.indd 1055 1/10/2026 4:11:04 PM

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. सामान्य सलाईन में संरक्षित सैफेनस शिरापरक ग्राफ्ट पर हीट शॉक प्रोटीन एक्सप्रेशन के स्तर की तुलना और ग्राफ्ट होने तक इन विट्रो में संरक्षित।

2. रुमेटी हृदय रोग में एफसी रिसेप्टर-आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना

3. सीएएम-आईसीयू द्वारा पूर्वानुमानित डेलिरियम पर क्यूक्यूलेटिव फ्लूड संतुलन का प्रभाव और सेप्टिक शॉक से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में फ्रंटल कॉर्टेक्स के कार्यात्मक निकट-अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) निर्देशित मेपिंग - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों से संवर्धित एंडोथेलियल कॉलोनी-निर्माण कोशिकाओं (ईसीएफसी) की कार्यक्षमता पर विटामिन डी का प्रभाव।

5. कार्डियोमायोपैथी में सूजन, प्रतिरक्षा विनियमन और हृदय होमियोस्टेसिस को संचालित करने में अलार्मिन्स-ऑटोफैगी-नेक्रोप्टोसिस के जटिल नेटवर्क को स्पष्ट करना

6. हृदय रोगों (सीवीडी) के लिए कोशिका-मुक्त चिकित्सीय उपकरण के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी निर्माण कोशिकाओं (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (ईवी) की क्षमता की खोज करना।

7. भारतीय जन्मजात हृदय रोगों में आनुवंशिक निर्धारक

8. पेम्फिगस वल्गेरिस में अल्ट्रा-लो डोज़ रीटक्सिमैब की चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक पायलट अध्ययन।

9. हिंड लिम्ब इस्केमिया के एक माउस मॉडल में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल (एमएससी) के साथ अप्रत्यक्ष रूप से प्राइम किए गए एंडोथेलियल कॉलोनी-फॉर्मिंग सेल (ईसीएफसी-ईवीएस) से प्राप्त बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं की चिकित्सीय क्षमता।

10. शुद्ध गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस वाले रोगियों में फैले हुए इन्टरसिटिटल मायोकार्डियल फाइब्रोसिस के संबंध में हार्ट फेलियर के लिए बायोमार्कर के रूप में कोपेप्टिन और बीएनपी की भूमिका का आकलन करना।

पूर्ण

कोई नहीं

सहयोगी परियोजनाएँ

10.1_.indd 1056 1/10/2026 4:11:04 PM

जारी

1. भारत में बच्चों के बीच अनुदैर्ध्य वृद्धि संदर्भ का विकास और वृद्धि वेग कार्डियो मेटाबोलिक मापों का मूल्यांकन और इसके सहसंबंध एक संभावित अध्ययन, जैव सांख्यिकी

2. मल्टीवेरिएट जैव अभियांत्रिकी नीतियों के माध्यम से मेसेनकाइमल स्टेम कोशिका-व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की ट्रांसलेशन क्षमता की वृद्धि, स्टेम सेल

3. तृतीयक अस्पताल में एंजियोग्राफी करवाने वाले रोगियों के एक समूह पर कोरोनरी धमनी रोग के लिए जैविक नमूनों का भंडार स्थापित करना, हृद् विज्ञान

4. प्री-एक्लेम्पसिया रोगियों में परिसंचरण और मातृ-भ्रूण इंटरफेस में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं की अभिव्यक्ति और संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण-आधारित आनुवंशिक वेरिएंट के साथ इसका सहसंबंध (आईआईआरपी-2023-4778/एफ1) आई-1624, प्रसूति एवं स्त्री रोग सीसीआरएफ (जैव-सूचनात्मक)

5. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में आहार संबंधी सूजन सूचकांक पर भूमध्यसागरीय आहार बनाम कम वसा वाले आहार के भारतीय अनुकूलन का प्रभाव, हृद् रोग विज्ञान

6. ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम से पीड़ित बच्चों में विभिन्न पूरक समूहों में त्वचा के घावों का रूपात्मक पैटर्न और विभिन्न त्वचीय और अतिरिक्त-त्वचीय कैंसर और फोटोएजिंग के साथ इसका सहसंबंध, त्वचा रोग एवं रतिजरोग विज्ञान

7. पीसीओएस में सार्कोपेनिक मोटापे की व्यापकता और सार्कोपेनिक मोटापे के उपचार के लिए व्यक्तिगत जीवनशैली संशोधनों की प्रभावकारिता: एक मिलान केस नियंत्रण और पूर्व-पश्चात हस्तक्षेप अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग अंतःस्त्राविका विज्ञान

8. मानव विषयों में जैविक उम्र बढ़ने, रोग की अधिकता और मृत्यु दर को परिभाषित करने और पूर्वानुमान लगाने के लिए पांच अलग-अलग समूहों में बायोमार्कर पैनल को मान्य करना - एक पायलट संभावित समूह अध्ययन, जराचिकित्सा

पूर्ण

1. 3 माह में चयनित स्वास्थ्य संबंधी परिणाम चर पर नर्स-नेतृत्व से संरचित टेलीफोनिक हार्ट फेलियर उपचार कार्यक्रम की प्रभावशीलता तक पहुंचने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

2. रिटक्सिमैब से उपचारित पेम्फिगस के रोगियों में रोग की पुनरावृत्ति का पूर्वानुमान लगाने वाले नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक कारक: एक संभावित समूह अध्ययन।

3. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में एमआईआरएनए इंटरवेंशन को परिभाषित करना।

10.1_.indd 1057 1/10/2026 4:11:04 PM

4. हृदय संबंधी रोगों (सीवीडी) के लिए कोशिका मुक्त चिकित्सा के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) से युक्त एक्सोसोम्स व्युत्पन्न एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) की क्षमता की खोज करना।

5. ज़ेरोडर्मा पिगमेंटोसम से पीड़ित बच्चों में विभिन्न पूरक समूहों में त्वचा के घावों का मोरफोलॉजिक्ल पैटर्न और विभिन्न त्वचीय और अतिरिक्त त्वचीय कैंसर और फोटोएजिंग के साथ इसका सहसंबंध।

6. टीएच2/टीएच17 इन्फ्लामेट्री साइटोकाइन्स एटोपिक डर्माटाइटिस वाले बच्चों में फिलाग्रिन एक्सप्रेशन और रोग की गंभीरता को नियंत्रित करते हैं।

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	10	10	10
कुल वित्तपोषण	351.23 लाख रुपये	359.40 लाख रुपये	320.40 लाख रुपये

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

उम्मेद सिंह

1. जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित के लिए सुधारात्मक सर्जरी प्रक्रियाधीन पुल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप वाले शिशुओं में प्रारंभिक पश्चात की अवधि के दौरान पुल्मोनरी धमनी दबाव में परिवर्तन एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. उम्मेद सिंह, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 9.78 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)
जारी

वी. देवागुरु

1. संपूर्ण एवीएसडी की एकल बनाम दोहरे पैच उपचार के परिणामों की तुलना करने वाला आरसीटी

2. माइट्रल वाल्व उपचार के बाद प्रारंभिक और मध्यावधि नैदानिक परिणाम-महत्वाकांक्षी अध्ययन

वी. देवागुरु

1. टीजीए आईवीएस में एएसओ के परिणाम प्रतिगमन के उपयोग से2-चरण बनाम एकीकृत ईसीएमओ - पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन

10.1_.indd 1058 1/10/2026 4:11:05 PM

2. हृद् शल्य चिकित्सा के बाद बाल रोगियों में अलग-अलग अवधि के साथ लंबे समय तक यांत्रिक वेंटिलेशन के जोखिम कारक और परिणाम: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

सचिन तलवार

1. टेट्रालॉजी ऑफ फैलोट के सर्जिकल उपचार के बाद एओर्टिक रूट का दीर्घकालिक फेट: एमेटा-एनालिसिस

2. महाधमनी फैलाव का आकलन टेट्रालॉजी ऑफ फैलोट का उपचार करने के बाद विस्तारित एओर्टिक अर्च में कठोरता और खिंचाव: एक मेटा-विश्लेषण।

सचिन तलवार

1. क्या नवजात शिशुओं में जन्मजात हृदय दोषों के लिए सर्जरी आवश्यक है? क्या वयस्कों में अर्जित हृदय दोषों के लिए सर्जरी की तुलना में शिशुओं और बच्चों में हृदय दोषों के लिए सर्जरी अधिक चुनौतीपूर्ण और अत्याधिक मेहनत वाली है?

2. प्रथम सुपीरियर कैवो-पल्मोनरी एनास्टोमोसिस में थाइमस का पुनःरोपण और इसके परिणाम

3. राइट पुल्मोनरी आर्टरी की असामान्य उत्पत्ति का स्वतः एओर्टा से पुनर्निर्माण

4. क्या फॉन्टान पूर्णता पर एक साथ डायाफ्रामिक प्लिकेशन लाभदायक है?

5. क्रायोप्रिजर्व्ड पुल्मोनरी होमोग्राफ्ट का उपयोग करके बाएं पुल्मोनरी धमनी का पुनर्निर्माण।

6. प्रफोर्मिंग की ओपन तकनीक कार्डियो पुल्मोनरी बाईपास पर कुल कैवो पुल्मोनरी कनेक्शन

7. प्रफोर्मिंग की एक वैकल्पिक तकनीक कार्डियो पुल्मोनरी बाईपास के बिना कुल कैवो पुल्मोनरी कनेक्शन

8. एक वैकल्पिक तकनीक कार्डियो पुल्मोनरी बाईपास के बिना बाईडारेक्शन सुपीरियर कैवो पुल्मोनरी कनेक्शन का प्रदर्शन करना।

9. शरीर रचना और अतिरिक्त हृद रोग विज्ञान टोटल कैवो पुल्मोनरी कनेक्शन के प्रक्रियाधीन रोगियों में हेमोडायनामिक्स: इकोकार्डियोग्राफी, कंप्यूटेड टोमोग्राफी और कार्डियक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग की तुलना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

सर्वेश पाल सिंह

1. महा धमनियों का स्थानांतरण करवाने वाले बच्चों के लिए धमनी स्विच ऑपरेशन के परिणाम।

2. हृदय शल्य चिकित्सा करवा रहे बुजुर्ग रोगियों (> 60 वर्ष) में गंभीर गुर्दे की चोट - घटना, जोखिम कारक और परिणाम

10.1_.indd 1059 1/10/2026 4:11:05 PM

सर्वेश पाल सिंह

1. सत्तर वर्षीय लोगों में ऑफ-पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग के पश्चात के परिणाम

सुषमा गायत्री

1. कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग के प्रक्रियाधीन रोगियों में शल्यक्रिया-पश्चात परिणामों के एक नए पूर्वानुमानित मार्कर के रूप में शल्यक्रिया-पूर्व न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकनात्मक संस्थागत अध्ययन

2. हृद् शल्य चिकित्सा के लिए बाल चिकित्सा कार्डियोपल्मोनरी बाईपास के दौरान हेपरिन खुराक निर्धारण के लिए हेपरिन खुराक प्रतिक्रिया कर्व - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

भरत वी.

1. सुधारात्मक उपचार के दौर की प्रक्रियाधीन पुल्मोनरी उच्च रक्तचाप की समस्या से ग्रस्त शिशुओं में शल्यक्रिया के बाद की प्रारंभिक अवधि के दौरान पुल्मोनरी आर्टरी के दबाव में परिवर्तन जन्मजात हृदय रोग के लिए सर्जरी: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. फास्ट-ट्रैक कार्डियक एनेस्थीसिया के लिए इंट्राथेकल मॉर्फिन बनाम इंट्राथेकल ब्यूप्रेनॉर्फिन का तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

3. एआरडीएस से पीड़ित पोस्टऑपरेटिव बाल चिकित्सा हृदय शल्य चिकित्सा रोगियों में विद्युत प्रतिबाधा टोमोग्राफी द्वारा मापे गए फेफड़ों के रिजनल वेंटिलेशन प्रदान करने पर पेट के बल लेटने की स्थिति का प्रभाव: एक संभावित गैर-यादृच्छिक इंटरवेंशन अध्ययन

अमिताभ सत्संगी

1. जटिल जन्मजात हृदय रोग के सर्जिकल उपचार में 3डी प्रिंटिंग तकनीक के उपयोग की प्रभावकारिता

2. पृथक एसवीसी बनाम पारंपरिक तरीकों के माध्यम से सुपीरियर साइनस वेनोसस एट्रियल सेप्टल दोषों के सर्जिकल क्लोजर होने पर एक तुलनात्मक अध्ययन

3. ऑन-पंप सीएबीजी में नैदानिक परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण अलोंग संयुक्त एंटीग्रेड और ग्राफ्ट कार्डियोप्लेजिया बनाम पारंपरिक एंटीग्रेड कार्डियोप्लेजिया अलोंग - पूर्वव्यापी अध्ययन

उम्मेद सिंह

1. जन्मजात हृदय रोग के लिए सुधारात्मक सर्जरी करवा रहे पुल्मोनरी उच्च रक्तचाप वाले बाल रोगियों में पुल्मोनरी आर्टरी दबाव पर लेवोसिमेंडन और मिलरिनोनका तुलनात्मक प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नैदानिक परीक्षण

10.1_.indd 1060 1/10/2026 4:11:05 PM

2. हृद् शल्य चिकित्सा के बाद बाल रोगियों में विभिन्न के साथ लंबे समय तक यांत्रिक वेंटिलेशन के जोखिम कारक और परिणाम अवधि: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

3. शिशुओं में जन्मजात हृद् शल्य चिकित्सा के बाद प्रारंभिक पश्चात अवधि में रिइनट्यूबेशन की घटना और जोखिम कारक: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

सर्वेश पाल सिंह

1. कार्डियक एलोग्राफ्ट अस्वीकृति में लिक्विड बायोप्सी की नैदानिक उपयोगिता, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षाजनन विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

उम्मेद सिंह

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	0	0	1
कुल वित्तपोषण			9.78 लाख रुपये

हृद् वक्ष विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका

अनुसंधान
वित्तपोषित

जारी

1. भारत में थैलेसीमिया रोगियों में आयरन की अधिकता को मापना और उसका उपचार करना, ताकि जीवित रहने की दर में सुधार हो सके, प्रिया जगिया,एम्स - यूसीएल अनुदान, 2 वर्ष, 2022, चालू, 5 लाख रुपये

2. सीएआरआरएस समूह में सटीक हृदय रोग फेनोटाइपिंग और पैथोफिज़ियोलॉजिकल मार्ग (प्रिसिजन-सीएआरआरएस) - एक बहुकेंद्रीय परियोजना, प्रिया जगिया, आईसीएमआर, 2022-2024,जारी 5 लाख रुपये

3. वर्ग 1 मोटापे में बैरिएट्रिक धमनी एम्बोलाइजेशन की सुरक्षा एवं प्रभावशीलता, संजीव कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-जारी, 10 लाख रुपये

10.1_.indd 1061 1/10/2026 4:11:05 PM

पूर्ण

1. पेरिफेरल अर्टरी रोग के कारण नॉन-रिवेस्कुल्रराजेबल गंभीर लिम्ब इस्केमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा द्वारा प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन, संजीव कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, विस्तार के साथ 2 वर्ष, 2019-2022, 4.9 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों की अनुसंधान परियोजना

अनुसंधान परियोजना	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	2
कुल वित्तपोषण	10 लाख रुपये	10 लाख रुपये	15 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के रोगियों में सीटीसीए आधारित एपिकार्डियल और पेरीकोरोनरी ऊतक क्षीणन का आकलन - एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. 4डी फ्लो फेज कॉन्ट्रास्ट एमआरआई का उपयोग करके आइडोपेथिक पीएएच में पुल्मोनरी धमनी उच्च रक्तचाप की रिवर्सबिलिटि का आकलन।

3. कार्डियो टॉक्सिक कैंसररोधी दवाएं प्राप्त करने वाले कार्सिनोमा स्तन से पीड़ित रोगी में कैंसर थेरेपी से संबंधित हृदय संबंधी शिथिलता का पता लगाने के लिए हृद् चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग।

4. एसोफैजियल कार्सिनोमा के रोगियों में रेडियोथेरेपी से जुड़े मायोकार्डियल परिवर्तनों के मूल्यांकन में कार्डियक एमआरआई।

5. एब्डोमिनल एओर्टिक एन्यूरिज्म में कोरोनरी और पेरीकोरोनरी प्रत्यावर्तन का नैदानिक मूल्य।

6. प्लांटा फैस्कीटिस में फ्लोरोस्कोपी निर्देशित ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन बनाम यूएसजी निर्देशित एम्बोलिज़ेशन का तुलनात्मक अध्ययन।

7. उन्नत कैल्शियम जागरूक इमेज पुनर्निर्माण तकनीक के साथ कम ट्यूब वोल्टेज और टिन निस्पंदन का उपयोग करके कोरोनरी धमनी कैल्शियम स्कोरिंग में खुराक में कमी।

8. चार-आयामी चरण कंट्रास्ट एमआरआई का उपयोग करके बाइकसपिड एओर्टिक वाल्व से ग्रस्त रोगियों में एओर्टिक फ्लो पैटर्न और एओर्टिक में वॉल शिर् स्ट्रेस मैप का मूल्यांकन।

9. हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी वाले रोगियों में बाएं अर्टरी स्ट्रेस का मूल्यांकन और हृद रोग विज्ञान चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन पर स्वस्थ नियंत्रण के साथ तुलना।

10.1_.indd 1062 1/10/2026 4:11:05 PM

10. मायोकार्डियल आयरन ओवरलोड में विशेषता ट्रैकिंग तनाव विश्लेषण।

11. वैनिशिंग लिवर पोजिशन (वीएलपी) तकनीक के माध्यम से सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी में विकिरण खुराक का अनुकूलन।

12. शल्य चिकित्सा द्वारा एओर्टिक वाल्व प्रतिस्थापन के प्रक्रियाधीन सर्वर एओर्टिक स्टेनोसिस के रोगियों में इमेजिंग बायोमार्कर के रूप में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग में मूल टी1, टी2 मैपिंग और बाएं वेंट्रिकुलर मायोकार्डियल स्ट्रेन की संभावित भूमिका तथा परिणाम के साथ सहसंबंध।

13. व्यवस्थित ल्यूपस एरिथेमेटोसिस एसएलई रोगियों में उप-नैदानिक हृदय संलिप्तता के लिए हृद रोग विज्ञान एमआरआई का पूर्वानुमानात्मक मूल्य।

14. हृदय कैथीटेराइजेशन में विकिरण सुरक्षा, मानक प्रोटोकॉल की तुलना में स्कैटर्ड रेडिएशन को कम करने में आरएडीपीएडी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन।

15. रिवास्कुलराइजेशन सर्जरी के बाद हृदय के कार्यात्मक परिणामों के लिए एक नए पूर्वानुमान उपकरण के रूप में सीएबीजी से पहले और बाद में एमआरआई टी1 और टी2 पैरामीट्रिक मैपिंग की भूमिका।

16. कन्जर्वएटिव मैनेजमेंट के लिए प्रतिरोधी लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस वाले रोगियों में ट्रांस कैथेटर धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावशीलता।

17. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म का कारण बनने वाले एकल पैराथाइरॉइड एडेनोमा के उपचार में ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावशीलता - एक पायलट अध्ययन।

18. कन्जर्वएटिव मैनेजमेंट के प्रति प्रतिरोधी एडेनोमायसिस में गर्भाशय धमनी एम्बोलाइजेशन की सुरक्षा और प्रभावशीलता।

19. एकतरफा कार्यात्मक एड्रिनल एडेनोमा में चयनात्मक एड्रिनल अर्टरी एम्बोलिज़ेशन - एक पायलट अध्ययन।

20. चिपकने वाले कैप्सूलिटिस में ट्रांस धमनी एम्बोलिज़ेशन।

21. कन्जर्वएटिव मैनेजमेंट के लिए प्रतिरोधी क्रोनिक एचिलीस टेंडिनोपैथी के लिए ट्रांस-आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन।

पूर्ण

1. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों में मीसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त छोटे बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका का आकलन करना।

2. प्रोस्थेटिक हृदय वाल्व वाले रोगियों में सिने-फ्लोरोस्कोपी और फोनोकार्डियोग्राफिक आधारित डेटा अधिग्रहण।

10.1_.indd 1063 1/10/2026 4:11:05 PM

3. कार्डियक एमआरआई पर एलजीई वाले डीसीएमपी रोगियों के समूह में नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम।

4. एबरनेथी विकृति की नैदानिक प्रोफ़ाइल, प्रणालीगत अभिव्यक्तियाँ और उपचार परिणाम।

5. वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष वाले रोगियों में पुल्मोनरी उच्च रक्तचाप के मूल्यांकन में 4डी फ्लो और 2डी फेज कॉन्ट्रास्ट एमआरआई की तुलना।

6. मधुमेह रोगियों में एपिकार्डियल वसा ऊतक भार और एटेन्यूएटर का कोरोनरी धमनी कैल्शियम स्कोर के साथ सहसंबंध।

7. ग्रेट सैफेनस नसों के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा उपचारित वैरिकाज़ नसों के रोगियों में दर्द निवारण के लिए ओबट्यूरेटर नर्व के साथ फीमोरल नर्व ब्लॉक के संयोजन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने वाला डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

8. चार-आयामी चरण कंट्रास्ट एमआरआई का उपयोग करके बाएं वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट का मूल्यांकन और माइट्रल रेगुर्गिटेशन हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी का प्रत्यक्ष परिमाणीकरण।

9. एक्स्ट्रा कार्डियक फॉन्टन सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में हेमोडायनामिक्स - इकोकार्डियोग्राफी, कंप्यूटेड टोमोग्राफी और कार्डियक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिन की तुलना :: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

10. धमनी सेप्टल दोष वाले वयस्क रोगियों में ट्रांसकैथेटर डिवाइस बंद होने के बाद दाएं आट्रियम और वेंट्रिकल का रिवर्स रिमॉडलिंग: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

11. हृदय रोग से ग्रस्त बच्चों में इट्रोजेनिक फेमोरल आर्टेरियल और शिरापरक घनास्त्रता के लघु और मध्यम अवधि के परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

12. ग्रेड II/III बवासीर के लिए सुपीरियर रेक्टल धमनी एम्बोलिज़ेशन - एक पायलट अध्ययन।

13. द्विदिशात्मक सुपीरियर कैवोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस के बाद फुफ्फुसीय धमनी शिरापरक विकृतियों के विकास पर एंटेग्रेड फुफ्फुसीय रक्त प्रवाह को खुला छोड़ने के प्रभाव - एक पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन।

14. सारकॉइडोसिस में हृदय की भागीदारी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. स्टैनफोर्ड टाइप बी महाधमनी विच्छेदन के विकास की भविष्यवाणी और ऐसी स्वास्थ्य उपचार प्रौद्योगिकी के वास्तविक विकल्प वित्तीय मूल्यांकन के लिए सीटी इमेजिंग विशेषताओं पर लागू नवीन सांख्यिकीय शिक्षण और मॉडलिंग तकनीकें, एम्स-आईआईटी परियोजना

10.1_.indd 1064 1/10/2026 4:11:05 PM

2. सीएडी और एलवी डिसफंक्शन वाले रोगियों में व्यवहार्यता के आकलन और कार्यात्मक सुधार की भविष्यवाणी के लिए एफडीजी-पीईटी के साथ डीई-सीएमआर की तुलना, हृद रोग विज्ञान

3. रुग्ण मोटापे में हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में बेरिएट्रिक शल्य चिकित्सा का प्रभाव, शल्य चिकित्सा

4. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डोसिमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, विकिरण भौतिकी

5. कार्डियक सारकॉइडोसिस में 68 जीए-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी की भूमिका; कार्डियक एमआर से तुलना, नाभिकीय चिकित्सा

6. गैर-इस्कोमिक डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी वाले रोगियों में वॉल मायोकार्डियल एवं फाइब्रोसिस आकृति विज्ञान की पहचान में कार्डियक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग की भूमिका, हृद रोग विज्ञान

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

वित्तपोषित

जारी

1. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी अध्ययन (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, डॉ. चेतन डी. पटेल, अंतर्राष्ट्रीय एटोमिक ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, सितंबर 2019-जारी, 25,000 यूरो

2. ट्रांसथायरेटिन एमिलॉयड कार्डियोमायोपैथी अध्ययन (आईटीएसी अध्ययन), डॉ. बंगकिम चंद्रा (पीआई) और डॉ. चेतन डी. पटेल (सह-पीआई), अंतर्राष्ट्रीय एटोमिक ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, 2021-जारी, 25,000 यूरो

पूर्ण

कोई नहीं

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. कार्डियक सारकॉइडोसिस के निदान में जीए-68 डीओटीएएनओसी पीईटी-सीटी की एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी से तुलना

2. सीजेड टी स्पेक्ट पर टीसी 99एम-एम आई बी आई का प्रयोग करके बाएं वेंट्रीकुलर इंजेक्शन फ्रैक्शन एवं बाएं वेंट्रीकुलर वोल्यूम के मूल्यांकन के लिए इमोरी, सेडार सिनाई, 4डी-एम एस पी ई सी टी तथा मायोमेट्रिक्स सॉफ्टवेयर की तुलना।

10.1_.indd 1065 1/10/2026 4:11:05 PM

3. योगिकैड अध्ययन की डिजाइन एवं पद्धतियां - पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण

4. पीएसएमए पीईटी/सीटी करवा रहे प्रोस्टेट कैंसर के उपचार-अनुभवहीन रोगियों में उच्च-मात्रा रोग की भविष्यवाणी: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

5. कार्डियक सारकॉइडोसिस के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में जीए-68 डीओटीएएनओसी पीईटी-सीटी की एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी से तुलना।

6. नैदानिक एवं तनाव मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग मापदंडों के आधार पर मशीन लर्निंग का उपयोग करके मध्यम से गंभीर प्रतिवर्ती इस्केमिया की भविष्यवाणी

7. एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी का उपयोग करके तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले रोगियों में एक्स्ट्रामेडुलरी रोग स्थलों का मूल्यांकन

8. ब्लाइंड डिकॉन्वोल्यूशन एल्गोरिदम का उपयोग करके टीसी-99एम एमडीपी बाल चिकित्सा अस्थि स्कैन छवियों का संवर्धन

9. 99एम टीसी-एमडीपी में छवि गुणवत्ता का पूर्वव्यापी विश्लेषण

10. संदिग्ध पीयूजेओ के लिए प्रारंभिक मूल्यांकन करवा रहे बच्चों में विभेदक गुर्दे के कार्य का आकलन करने के लिए 99एमटीसी-ईसी और 99एमटीसी-डीएमएसए स्कैन का तुलनात्मक अध्ययन

11. स्वैच्छिक किडनी दाताओं में विभेदक गुर्दे के कार्य का आकलन करने के लिए 99एमटीसी-ईसी और 99एमटीसी-ईएमएसए स्कैन का तुलनात्मक अध्ययन

पूर्ण

1. अस्थि सिंटीग्राफी में कंकाल मेटास्टेसिस को वर्गीकृत करने के लिए एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

2. पीसीआई के बाद के रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण

3. सीजेडटी कैमरे पर मायोकार्डियल परफ्यूज़न एसपीईसीटी करवा रहे मोटापे से गृहस्थ रोगियों में सामान्य दृश्य क्षेत्र और विस्तारित दृश्य क्षेत्र की तुलना

4. भारतीय जनसंख्या में 99एमटीसी-एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूज़न सीजेडटी एसपीईसीटी पर एलवीईएफ के सामान्य मानों की स्थापना: चार कार्डियक सॉफ्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म और 2डी इकोकार्डियोग्राफी के साथ एक सहसंबंधी विश्लेषण

5. प्रतिशत कोलोनिक पारगमन का मानक डेटा और कोलोनिक ज्यामितीय केंद्र के साथ इसका सहसंबंध

10.1_.indd 1066 1/10/2026 4:11:05 PM

6. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए रेडियोनोमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

7. डिक्रीट कोसाइन रूपांतरण में नाभिकीय चिकित्सा छवि के संपीड़न से पहले पूर्व-प्रसंस्करण की भूमिका।

8. फ़ज़ी लॉजिक आईएनटी ऑपरेटर का उपयोग करके एसपीईसीटी छवि संवर्द्धन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पोस्ट-पीसीआई रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता: आयुष मंत्रालय, सीआईएमआर, हृद रोग विज्ञान द्वारा वित्तपोषित एक संभावित यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड-पॉइंट परीक्षण

2. मध्यम एवं उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों (पीआरओसीए अध्ययन) के प्रारंभिक चरण के लिए 68जीए पीएसएमए-11 पीईटी-सीटी और पारंपरिक इमेजिंग की नैदानिक सटीकता, मूत्र रोग विज्ञान

पूर्ण

1. कोविड के बाद महाधमनी तथा फेफड़ों की सूजन: हृदय संबंधी घटना का एक मार्कर, एक भारत-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त परियोजना - विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हृद रोग विज्ञान विभाग द्वारा वित्तपोषित

2. इन्फ्लैमेटरी कार्डियोमायोपैथी: नए प्रोटिओमिक बायोमार्कर, नॉन-कंट्रास्ट एमआरआई और सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर-आधारित पीईटी/सीटी को मिलाकर एक नैदानिक एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक अध्ययन, हृद रोग विज्ञान, हृद् विकिरण विज्ञान

स्टेम सेल सुविधा

वित्तपोषित

जारी

1. ऊतक पुनर्जनन के लिए एमनियोटिक झिल्ली एवं नैनो-फाइबर कम्पोजिट स्कैफोल्ड का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 2 वर्ष, 2022-2024, 82 लाख रुपये

2. बहुभिन्नरूपी जैव-इंजीनियरिंग रणनीतियों के माध्यम से मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल-व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता को बढ़ाना, डॉ. सुजाता मोहंती, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2024-2027, 64 लाख रुपये

10.1_.indd 1067 1/10/2026 4:11:05 PM

3. बहुभिन्नरूपी जैव-इंजीनियरिंग रणनीतियों के माध्यम से मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल-व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता को बढ़ाना, डॉ. सुजाता मोहंती, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2024-2027, 50 लाख रुपये

4. प्राइम्ड ऊतक-विशिष्ट एमएससी-ईवीएस की तुलनात्मक पुनर्योजी क्षमता को स्पष्ट करने के लिए मल्टी-ओमिक्स दृष्टिकोण, डॉ. सुजाता मोहंती, सीएसआईआर-एएसपीआईआरई, 2 वर्ष, 2025-2027, 25 लाख रुपये

5. हृदय रोग स्पेक्ट्रम में पशु-मुक्त दवा स्क्रीनिंग के लिए उच्च-थ्रूपुट प्लेटफॉर्म के रूप में नवीन बायोइंक-आधारित 3डी मुद्रित ऑर्गेनोइड, डॉ. सुजाता मोहंती, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 120 लाख रुपये

6. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लक्षणों में सुधार के लिए कोशिका-मुक्त चिकित्सा दृष्टिकोण के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल-व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका की जांच करना, डॉ सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 73 लाख रुपये

पूर्ण

1. स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र: बेसिक और ट्रांसलेशनल (चरण-II), डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 5 वर्ष, 2017-2022, 292 लाख रुपये

2. घाव भरने के लिए एक्सोसोम आधारित ऑफ-द-शेल्फ उत्पाद का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी-बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2020-2022, 50 लाख रुपये

3. भारत-अमेरिका संयुक्त केंद्र: इंडियाना विश्वविद्यालय के साथ "पुनर्योजी चिकित्सा में सेलुलर पुनर्प्रोग्रामिंग", डॉ. सुजाता मोहंती, आईयूएसएसटीएफ, 3 वर्ष, 2019-2022, 38 लाख रुपये

4. लक्षणात्मक घुटने के ओए के उपचार के लिए ऑटोलॉगस ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल संवहनी अंश या हायलूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. सुजाता मोहंती, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपये

5. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल का उपयोग करके रेटिना तक स्टेम सेल की डिलीवरी बढ़ाने की नीतियाँ, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 85 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. लार-व्युत्पन्न लघु बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की बायोमार्कर क्षमता का आकलन और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में एमएससी-व्युत्पन्न लघु बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की तंत्रिका-सुरक्षात्मक भूमिका का आकलन

10.1_.indd 1068 1/10/2026 4:11:05 PM

2. यकृत रोग के लिए चिकित्सीय इंटरवेंशन के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त जैव-इंजीनियर्ड बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं का विकास

3. त्वचा की क्षति के मॉडल में ऊतक-विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एक्सोसोम की पुनर्योजी क्षमताओं को स्पष्ट करना

4. स्टेम सेल-व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं का उपयोग करके कार्यात्मक त्वचा प्रतिस्थापन की पुनर्योजी क्षमता का अनुकूलन और संवर्धन

पूर्ण

1. धमनी रोग के रोगियों में एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाएंकोरोनरी

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. संपूर्ण घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएँ।, पीआई: डॉ. विक्रांत मन्हास, सह-आचार्य, अस्थि रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. संपूर्ण घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएँ।, पीआई: डॉ. डैरेन जे. प्लेयर, शल्य चिकित्सा और इंटरवेंशन विज्ञान प्रभाग, चिकित्सा विज्ञान संकाय, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन

3. संपूर्ण घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएँ, सह-पीआई: आचार्य एमसी शर्मा, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. संपूर्ण घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएँ, सह-पीआई: आचार्य सुजाता मोहंती, आचार्य, स्टेम सेल सुविधा (डीबीटी-स्टेम सेल अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र), एम्स, नई दिल्ली

5. ठोस अंग प्रत्यारोपण के दौरान प्रतिरक्षा सहिष्णुता उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता, पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, आचार्य, स्टेम सेल सुविधा (डीबीटी-स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र), एम्स, नई दिल्ली।

6. ठोस अंग प्रत्यारोपण के दौरान प्रतिरक्षा सहिष्णुता उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता, पीआई: डॉ. उमा कांगा, एसोसिएट आचार्य, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स, एम्स, नई दिल्ली

10.1_.indd 1069 1/10/2026 4:11:05 PM

7. ठोस अंग प्रत्यारोपण के दौरान प्रतिरक्षा सहिष्णुता उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता, सह-पीआई: डॉ. डी भौमिक, आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. ठोस अंग प्रत्यारोपण के दौरान प्रतिरक्षा सहिष्णुता उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की स्थानान्तरण क्षमता, सह-पीआई: डॉ. वत्सला डढ़वाल, आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. न्यूरोइन्फ्लेमेटरी रोग मॉडल में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम को लक्षित करने वाले इंजीनियर्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की प्रभावकारिता का आकलन, पीआई: डॉ. अरूप बनर्जी, आरसीबी, फरीदाबाद

10. न्यूरोइन्फ्लेमेटरी रोग मॉडल में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम को लक्षित करने वाले इंजीनियर्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की प्रभावकारिता का आकलन, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल फैसिलिटी, एम्स, नई दिल्ली

11. न्यूरोइन्फ्लेमेटरी रोग मॉडल में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम को लक्षित करने वाले इंजीनियर्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की प्रभावकारिता का आकलन, सीओ-I: डॉ. आर लक्ष्मी, एम्स, नई दिल्ली

12. न्यूरोइन्फ्लेमेटरी रोग मॉडल में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम को लक्षित करने वाले इंजीनियर्ड एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की प्रभावकारिता का आकलन, सीओ-I: डॉ. रूपा रंजन, एम्स, नई दिल्ली

13. उपयोग में आसान फाइब्रिन-आधारित तेजी से काम करने वाली रक्तस्राव नियंत्रण बायोपॉलिमर शीट का विकास, पीआई: डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, प्लास्टिक पुनर्निर्माण और बर्न सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली

14. उपयोग में आसान फाइब्रिन-आधारित तीव्र क्रियाशील रक्तस्राव नियंत्रण बायोपॉलिमर शीट का विकास, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

15. विभेदन, आणविक लक्षण वर्णन और संवर्द्धित मानव कॉर्नियल एंडोथेलियल कोशिकाओं के ट्रांस्लेशनल संबंधी अनुप्रयोग, पीआई: डॉ. नम्रता शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

16. विभेदन, आणविक लक्षण वर्णन और संवर्धित मानव कॉर्नियल एंडोथेलियल कोशिकाओं का स्थानान्तरणीय अनुप्रयोग, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

17. मानव रोगियों में जैविक उम्र बढ़ने, रोग के बोझ और मृत्यु दर को परिभाषित करने तथा भविष्यवाणी करने के लिए पांच अलग-अलग समूहों में बायोमार्कर पैनल को मान्य करना - एक पायलट संभावित समूह अध्ययन, पीआई: डॉ. प्रसून चटर्जी, जराचिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली

18. मानव रोगियों में जैविक उम्र बढ़ने, रोग भार और मृत्यु दर को परिभाषित करने तथा भविष्यवाणी करने के लिए पांच अलग-अलग समूहों में बायोमार्कर पैनल को मान्य करना - एक पायलट संभावित समूह अध्ययन, सीओ-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

10.1_.indd 1070 1/10/2026 4:11:05 PM

19. स्तन कैंसर में कीमोरेसिस्टेंस और स्टेमनेस के नियमन में माइक्रोआरएनए-191 की भूमिका का विश्लेषण, पीआई: डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, आईआईटी, नई दिल्ली

20. स्तन कैंसर में कीमोरेसिस्टेंस और स्टेमनेस के नियमन में माइक्रोआरएनए-191 की भूमिका का विश्लेषण, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल फैसिलिटी, एम्स, नई दिल्ली

21. नैदानिक विविधता को समझने के लिए ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से रोगी द्वारा प्राप्त एकल कोशिका स्फिरॉइड का कार्यात्मक लक्षण वर्णन: दवा स्क्रीनिंग और विकिरण संवेदनशीलता के लिए एक उपकरण, पीआई: डॉ. विभा टंडन, जेएनयू, नई दिल्ली

22. नैदानिक विविधता को समझने के लिए ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से रोगी द्वारा प्राप्त एकल कोशिका स्फिरॉइड का कार्यात्मक लक्षण वर्णन: दवा स्क्रीनिंग और विकिरण संवेदनशीलता के लिए एक उपकरण, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

23. एक नवीन चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मधुमेह में माइक्रोवेसिकल्स मध्यस्थता वाले माइटोकॉन्ड्रियल प्रत्यारोपण द्वारा एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन का मूल्यांकन, पीआई: डॉ. स्वाति पालीवाल, वनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान

24. एक नवीन चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मधुमेह में माइक्रोवेसिकल्स मध्यस्थता वाले माइटोकॉन्ड्रियल प्रत्यारोपण द्वारा एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन का मूल्यांकन, सीओ-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

25. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी प्रीनेटल नमूनों से मोटर न्यूरॉन्स में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं (आईपीएससी) का उत्पादन, लक्षण वर्णन और विभेदन - डिश में रोग का पुनरावलोकन, पीआई: डॉ. अमिता, बाल चिकित्सा विभाग - जेनेटिक यूनिट, एम्स, नई दिल्ली

26. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी प्रीनेटल नमूनों से मोटर न्यूरॉन्स में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं (आईपीएससी) का उत्पादन, लक्षण वर्णन और विभेदन - डिश में रोग का पुनरावलोकन, सह-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

27. अल्जाइमर रोग रेट मॉडल के हिप्पोकैम्पस में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन मध्यस्थता संज्ञानात्मक क्षति पर आइरिसिन पूर्व-निर्धारित मेसेनकाइमल स्टेम सेल थेरेपी का प्रभाव, पीआई: डॉ रितेश कुमार नेताम, एम्स, नई दिल्ली

28. अल्जाइमर रोग रेट मॉडल के हिप्पोकैम्पस में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन मध्यस्थता संज्ञानात्मक क्षति पर आइरिसिन पूर्व-निर्धारित मेसेनकाइमल स्टेम सेल थेरेपी का प्रभाव, सीओ-पीआई: डॉ. सुजाता मोहंती, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

29. संवर्धित अस्थिजनन के लिए मानव एमनियोटिक झिल्ली-आधारित कार्यात्मक अस्थि प्रत्यारोपण ढांचे का जैव-निर्माण, पीआई: डॉ. सौम्या दाश

30. संवर्धित अस्थिजनन के लिए मानव एमनियोटिक झिल्ली-आधारित कार्यात्मक अस्थि प्रत्यारोपण ढांचे का जैव-निर्माण, मार्गदर्शक: डॉ. सुजाता मोहंती

10.1_.indd 1071 1/10/2026 4:11:05 PM

31. किशोर पार्किंसंस रोग से पीड़ित परिवारों में पहचाने गए नवीन सामान्य रोग के कारणों की मानव प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल-आधारित कार्यात्मक विशेषता, पीआई: डॉ. लक्ष्मी किरोला

32. किशोर पार्किंसंस रोग से पीड़ित परिवारों में पहचाने गए नवीन सामान्य रोग के कारणों की मानव प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल-आधारित कार्यात्मक विशेषता, मेंटर: डॉ. सुजाता मोहंती

पूर्ण

1. ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट-रोग में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के इम्यूनोमॉडुलेटरी गुण, एम्स, नई दिल्ली

2. डेंगू रोगजनन में प्लेटलेट-न्यूट्रोफिल अंतःक्रिया की भूमिका को समझना, एम्स, नई दिल्ली

3. स्टेम सेल विभेदन के लिए जैव-अपशिष्टों से कार्बन-आधारित नैनो संरचनाओं का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	10	10	7
कुल वित्तपोषण	351 लाख रुपये	359 लाख	773 लाख

प्रकाशन

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 31 सार: 01 पुस्तक में अध्याय: 03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	78	61	35

हृद विकृति विज्ञान

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 18

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	9	7	18

10.1_.indd 1072 1/10/2026 4:11:06 PM

हृद् विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 98 पुस्तकों में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	97	89	99

हृद् जैव रसायन विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 15

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	10	12	15

हृद् वक्ष एवं वस्कुलर शल्य चिकिसा विभाग

प्रकाशन
पत्रिकाएँ: 28

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	22	24	28

हृद् वक्ष रेडियोलॉजी एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

प्रकाशन
पत्रिकाएँ: 89 सार:01 पुस्तकों में अध्याय: 10

10.1_.indd 1073 1/10/2026 4:11:06 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	106	47	100

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

प्रकाशन
पत्रिकाएं: 04 सार: 11

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022 - 2023	2023-2024	2024-2025
कुल	25	21	158

स्टेम सेल सुविधा

प्रकाशन
पत्रिकाएँ: 20 पुस्तकों में अध्याय: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	22	12	24

रोगी उपचार

रक्त आधान सेवाएं

रोगी उपचार: बीटीएस सीएनसी में अप्रैल 2021 से मार्च 2024 की अवधि के लिए 3 वर्षों के (कार्यभार) आँकड़े

एकत्रित रक्त की	2022-23	2023-24	2024-25
प्रतिस्थापन रक्तदाता	12318	13819	14408
विभाग में स्वैच्छिक रक्तदाता	399	222	195

10.1_.indd 1074 1/10/2026 4:11:06 PM

एकत्रित रक्त की	2022-23	2023-24	2024-25
मोबाइल रक्त सुविधा के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदाता	693	1371	575
पारिवारिक स्वैच्छिक रक्तदाता	5865	4880	5285
एसडीपी रक्तदाता	47	68	42
एम्स के अस्पताल ब्लड बैंक से प्राप्त रक्त	94	224	51
ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स से प्राप्त रक्त	41	77	36
एनसीआई झज्जर से प्राप्त रक्त			54
अन्य अस्पताल से प्राप्त रक्त	87	149	56
एकत्रित की हुई रक्त की कुल मात्रा की संख्या	**19591**	**20742**	**20702**
जारी की गई रक्त मात्रा			
सीटीवीएस/एनएस को जारी की गई रक्त की मात्रा	20471	21560	23430
एम्स के अस्पताल ब्लड बैंक को दिया गया रक्त	396	40	29
ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. को दिया गया रक्त	469	141	513
अन्य अस्पतालों को दिया गया रक्त	1974	2251	2730
एचआईवी/एचबीएसएजी/एचसीवी रिएक्टिव यूनिट डिस्कार्ड	696	810	802
जारी किए गए रक्त यूनिटों की कुल संख्या	**23310**	**23992**	**23972**
प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ			
रक्त समूहीकरण की कुल संख्या (एबीओ)	89425	87935	86381

10.1_.indd 1075 1/10/2026 4:11:06 PM

एकत्रित रक्त की	2022-23	2023-24	2024-25
रक्त समूहीकरण की कुल संख्या (आरएच)	89425	87935	86381
कुल क्रॉस मिलान की संख्या	127806	147186	149166
संक्रामक मार्कर			
एचआईवी परीक्षण	22316	22809	22528
एचबीवी परीक्षण	21655	21981	21806
एचसीवी परीक्षण	21539	21948	21664
सिफलिस परीक्षण	21244	21763	21435
एमपी परीक्षण	20800	20325	20530
कुल टीटीआई परीक्षण	**107554**	**108826**	**107963**
दिए गए रक्त घटकों की संख्या			
ताजा जमे हुए प्लाज्मा (एफएफपी)	20158	20004	19862
प्लेटलेट सांद्रण	10663	11791	14552
क्रायोप्रेसिपिटेट	1798	2451	3045
पैक्ड रेड सेल्स	23310	23992	26702
एकल डॉनर प्लेटलेटफेरेसिस	47	68	42
कुल	**55976**	**58374**	**64203**

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

1. सभी स्पेक्ट्रम से संबंधित नियमित, आपातकालीन एवं उच्च जोखिम वाले हृदय शल्य चिकित्सा रोगियों के उपचार हेतु उन्नत निगरानी सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ निगरानी)

2. हृदय विफलता, हृदय प्रत्यारोपण एवं एलवीएडी रोगियों के लिए विशेष संज्ञानात्मक पुनर्वास कार्यक्रम

3. शल्यक्रिया से पूर्व एवं पश्चात दोनों रोगियों के लिए नियमित तनाव उपचार कार्यक्रम

4. संकायों-सदस्य द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम।

5. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा के लिए संज्ञाहरण सहित विशेष भागीदारी

10.1_.indd 1076 1/10/2026 4:11:06 PM

6. हृदय प्रत्यारोपण एवं एलवीएडी जैसे हृदपात उपचार की टीम के सदस्य

7. ट्रांसएसोफैजियल इकोकार्डियोग्राफी

8. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य शिक्षा

9. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा एवं ओपीसीएबी के लिए संज्ञाहरण सहित विशेष भागीदारी

10. हृदय प्रत्यारोपण एवं एलवीएडी जैसे हृदय विफलता उपचार की टीम के सदस्य

11. ट्रांसएसोफैजियल इकोकार्डियोग्राफी

12. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य शिक्षा

हृदय विकृति विज्ञान

नमूने
दैनिक - 1591 मामलों की संख्या
अनुसंधान - 1419 मामलों की संख्या
अन्य कार्य - इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री-225 स्लाइड्स
एच एवं ई स्टेन- 3112 स्लाइड्स
विशेष दाग-1207 स्लाइड
प्रत्यारोपण के बाद बायोप्सी की मैन्युअल प्रक्रिया - 30 मामले
ब्लॉकों की कटाई (अन्स्टैण्ड ब्लॉक) - 649 स्लाइड

हृद् विज्ञान

कुल संख्या	
नए ओपीडी मामले	**29, 635**
पुराने हृद रोग विज्ञान के मामले	**1, 08, 613**

रोगी सेवाएँ

• टीएमटी	301
• होल्टर	2613
• इकोकार्डियोग्राफी	32, 000
• ईसीजी	33, 886
• एबीपी	133
• टी ई ई	273
• एच यू टी टी	140

10.1_.indd 1077 1/10/2026 4:11:06 PM

कैथ लैब सेवाएँ

कार्ट	1437
कैथ	750
गुब्बारा फैलाव	105
पीटीएमसी	335
पीडीए	109
एएसडी उपकरण	123
वीएसडी उपकरण	15
पीटीसीए	1495
पेसमेकर	703
आईसीडी	64
सीआरटी	54
आरएफए	193
सीएआरटीओ	32
डीएसए	107
कॉइल एम्बोलिज़ेशन	94
बीएएस	64
ईएम बायोप्सी	25
टीए वीआई/टीएमवीआर/टीपीवीआई	31

हृद जैव रसायन विभाग

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

केमिल्यूमिनेसेंस विश्लेषक, जमावट विश्लेषक, एचबीए1सी विश्लेषक, हेमेटोलॉजी विश्लेषक (6-भाग), एलिसा माइक्रोप्लेट रीडर, पॉइंट ऑफ केयर परीक्षण उपकरण, कोल्ड स्टोरेज रेफ्रिजरेटर (4C, -20C, -80C), सेंट्रीफ्यूज।

10.1_.indd 1078 1/10/2026 4:11:06 PM

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि: शून्य

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, डेटा भी उपलब्ध कराएं।
रोगी उपचार(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

कुल रक्त संग्रह (ओपीडी)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
हृद जैव रसायन लैब में निष्पादित प्रयोगशाला जांच: पीटी, एपीटीटी, डी - डायमर, फाइब्रिनोजेन, प्रोटीन सी, प्रोटीन एस, सीबीसी, एचबीए1सी, प्रोकैल्सीटोनिन, एनटी-प्रो बीएनपी, ट्रोपोनिन टी, सीके-एमबी, टैक्रोलिमस, साइक्लोस्पोरिन, आईएल - 6, डिगोक्सिन, मायोग्लोबिन, हीमोग्लोबिन - प्रीकैथ, कैटेकोलामाइन्स	78,798	76,075	93,491

- **कुल रक्त संग्रह (वार्ड)**

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
हृद जैव रसायन लैब में निष्पादित प्रयोगशाला जांच: पीटी, एपीटीटी, डी-डाइमर, फाइब्रिनोजेन, प्रोटीन सी, प्रोटीन एस, सीबीसी, एचबीए1सी, प्रोकैल्सीटोनिन, एनटी-प्रो बीएनपी, ट्रोपोनिन टी, सीके-एमबी, टैक्रोलिमस, साइक्लोस्पोरिन, आईएल-6, डिगोक्सिन, मायोग्लोबिन, प्री-कैथ के लिए हीमोग्लोबिन, कैटेकोलामाइन्स	47,000	51,946	69,143

- **कुल रक्त संग्रह (ओपीडी): 34,703**

हृद जैव रसायन लैब में किए गए लैब परीक्षण (ओपीडी नमूने)													
रक्त संग्रह	24 अप्रैल	24 मई	जून 24	जुलाई 24	अगस्त 24	24 सितंबर	24 अक्टूबर	24 नवंबर	24 दिसंबर	25 जनवरी	फ़रवरी 25	मार्च 25	कुल परीक्षण
पीटी	1,990	1,976	1,578	1,779	1,794	1,917	1,677	1,717	1,928	1,808	1,567	1,962	21,693
एपीटीटी	65	70	65	75	99	86	73	86	79	99	91	173	1,061
डी - डाइमर	4	7	4	3	1	0	2	11	10	0	9	8	59
फाइब्रिनोजेन	3	0	3	1	0	0	0	9	6	0	2	1	25
प्रोटीन सी	2	5	2	4	3	0	2	2	4	0	2	1	27
प्रोटीन एस	3	5	1	4	3	0	2	2	1	0	2	0	23

10.1_.indd 1079 1/10/2026 4:11:06 PM

सीबीसी	0	57	0	0	0	14	20	0	0	0	40	0	131
एचबीए 1 सी	1,384	1,105	827	868	674	160	0	116	315	1,102	830	1,213	8,594
प्रोकैल्सीटोनिन	0	6	1	6	15	4	4	1	1	0	7	0	45
एनटी-प्रो बीएनपी	134	152	90	169	143	197	170	173	193	255	241	274	2,191
ट्रोपोनिन टी	0	3	0	0	18	0	9	10	5	0	2	3	50
सीके-एमबी	0	0	0	0	19	0	8	7	2	5	1	0	42
टैक्रोलिमस	369	87	7	6	26	3	17	15	7	4	8	15	564
साइक्लोस्पोरिन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
आईएल - 6	2	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	5
डायजोक्सिन	0	3	0	0	17	0	4	0	0	0	0	0	24
मायोग्लोबिन	0	3	0	0	14	0	0	0	0	0	1	0	18
हीमोग्लोबिन - प्रीकैथ	9	19	8	18	0	13	0	0	0	0	0	40	107
कैटेकोलामाइन्स	1	2	3	3	2	7	5	8	8	5	0	0	44

कुल रक्त संग्रह (वार्ड): 37,334

हृद जैव रसायन लैब में किए गए लैब परीक्षण (वार्ड में रक्त संग्रह)													
रक्त संग्रह	**24 अप्रैल**	**24 मई**	**जून-24**	**जुलाई-24**	**अगस्त-24**	**24 सितंबर**	**24 अक्टूबर**	**24 नवंबर**	**24 दिसंबर**	**25 जनवरी**	**फ़रवरी-25**	**मार्च-25**	**कुल परीक्षण**
पीटी	1,363	1,185	856	800	912	862	805	896	816	644	727	760	10,626
एपीटीटी	866	803	459	409	523	518	430	530	514	324	396	502	6,274
डी - डाइमर	5	2	1	3	6	12	6	6	17	2	5	2	67
फाइब्रिनोजेन	5	1	1	1	2	9	5	1	11	3	1	2	42
प्रोटीन सी	1	1	0	3	1	3	1	1	1	1	1	0	14
प्रोटीन एस	3	1	0	3	1	2	1	1	1	1	1	0	15
सीबीसी	1,659	1,540	1,423	1,756	1,815	841	619	1,630	1,187	1,158	1,002	1,491	16,121
एचबीए 1 सी	387	0	40	0	0	0	0	0	0	50	50	0	527
प्रोकैल्सीटोनिन	266	192	100	108	107	122	115	146	165	98	123	138	1,680
एनटी-प्रो बीएनपी	148	87	78	82	64	63	73	80	77	100	111	83	1,046
ट्रोपोनिन टी	7	13	7	14	0	19	12	15	18	18	31	18	172
सीके-एमबी	75	25	19	30	12	10	6	20	14	4	13	9	237
टैक्रोलिमस	40	17	19	37	9	29	10	29	29	26	26	12	283
साइक्लोस्पोरिन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
आईएल - 6	62	43	18	1	0	0	0	5	0	2	0	8	139
डायजोक्सिन	5	10	1	3	6	0	6	15	20	3	6	3	78
मायोग्लोबिन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

10.1_.indd 1080 1/10/2026 4:11:06 PM

हीमोग्लोबिन - प्रीकैथ	0	0	0	0	0	13	0	0	0	0	0	0	13
कैटेकॉलामाइन्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

हृद-वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	35608	36732	36910
विशेष क्लिनिक परामर्श	1073	646	87

हृदवाहिका रेडियोलॉजी एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

मद	2022 - 2023	2023 - 2024	2024 - 2025
एमआरआई	1105	1218	1317
सीटी	6564	8039	9562
डीएसए /वेनोग्राम	1275	1805	2129
डॉपलर एवं अल्ट्रासाउंड	6830	6826	7678
एक्स-रे	21200	22323	24543

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

दिनांक 1/4/24 से दिनांक 31/3/2025 तक नाभिकीय हृद विज्ञान में जांचे गए रोगियों की कुल संख्या
मायोकार्डियल परफ्यूज़न अध्ययन: 1680
कार्डिएक पीईटी 359
विविध (वी/क्यू स्कैन, पीवाईपी स्कैन): 124
किए गए अध्ययनों की कुल संख्या - 2163

मद	2022 - 2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श (नैदानिक प्रक्रियाएं)	2531	1308	2163

स्टेम सेल सुविधा

नैदानिक अनुसंधान:

1. मैं विभिन्न विकारों, जैसे कॉर्नियल अपारदर्शिता (नेत्र सतह विकार), विटिलिगो, अस्थि पुनर्जनन में उनकी सुरक्षा और व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर सेल का उपयोग करके जारी नैदानिक परीक्षणों में सक्रिय रूप से शामिल हूं।

10.1_.indd 1081 1/10/2026 4:11:06 PM

2. नैदानिक अनुसंधान एवं रोगी उपचार के लिए समर्पित सीजीएमपी (वर्तमान अच्छी विनिर्माण प्रथाएँ) प्रयोगशाला।

3. स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके पूर्व-नैदानिक अध्ययन के लिए विभिन्न रोगों, जैसे यकृत फाइब्रोसिस, त्वचा घाव मॉडल आदि हेतु पशु मॉडल की स्थापना।

4. स्टेम कोशिकाओं के पृथक्करण एवं प्रसंस्करण में शामिल सभी प्रक्रियाओं का गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण बनाए रखना।

5. अस्थि मज्जा एवं गर्भनाल रक्त से स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन।

6. स्वस्थ और मेगालेनसेफैलिक ल्यूकोएनसेफैलोपैथी रोगियों से आईपीएससी पीढ़ी और अभिघातजन्य रक्तस्राव शॉक सिंड्रोम के इन विट्रो मॉडल का विकास।

7. एमनियोटिक झिल्ली ग्राफ्ट: हाल ही में, हमने एम्स के डॉ.रा.प्र.केंद्र से एम्स के अन्य विभागों (बाल शल्यचिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर, एम्स) और दिल्ली के भीतर और बाहर के अन्य अस्पतालों (ईएसआई अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, आदि) तक एमनियोटिक झिल्ली ग्राफ्ट वितरण सेवाओं का विस्तार किया है।

क्र. सं.	प्रदान की गई सेवा	संसाधित नमूनों की संख्या		
		2022-2023	2023-2024	2024-25
1	अस्थि मज्जा से स्टेम सेल अलगाव	25	22	28
2	वसा ऊतक से स्टेम कोशिका पृथक्करण	05	06	02
3	व्हार्टन जेली से स्टेम सेल अलगाव	12	20	15
4	अस्थि मज्जा से एमएनसी अलगाव	02	06	08
5	गर्भनाल रक्त से एमएनसी अलगाव एवं क्रायोप्रिजर्वेशन	04	03	02
6	एफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रिजर्वेशन	09	20	15
7	संवर्धित मुखीय म्यूकोसा उपकला प्रत्यारोपण	04	28	03
8	कल्चर लिम्बल एपिथेलियल ट्रांसप्लांट	03	05	03
9	स्टेम कोशिकाओं की व्यवहार्यता (प्रत्यारोपण/ अंतःक्षेपण से पूर्व एवं पश्चात)	15	06	15

10.1_.indd 1082 1/10/2026 4:11:06 PM

क्र. सं.	प्रदान की गई सेवा	संसाधित नमूनों की संख्या		
		2022-2023	2023-2024	2024-25
10	ग्राफ्टिंग के लिए एमनियोटिक झिल्ली की तैयारी	20 बैच (500 शीशियाँ)	14 बैच (420 शीशियाँ)	22 बैच (500 शीशियाँ)
11	स्टेम सेल गणना (सीडी34+ गणना)	06	05	06

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ:

1. 14 अप्रैल 2024 को आईएमए एसडी शाखा द्वारा "शैक्षणिक क्षेत्र में दक्षता एवं समाज सेवा के लिए अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

2. 14 जून 2024 को डॉ. बीएसए अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में रक्ताधान चिकित्सा एवं स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

आचार्य संदीप चौहान ने 5 अप्रैल 2025 से आचार्य बलराम भार्गव से कार्डियक सेंटर के प्रमुख का पदभार ग्रहण किया।

आचार्य नीति मखीजा को 13 अप्रैल 2024 में एम्स के हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार विभाग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। जिसका कार्यभार उन्होंने 15 अप्रैल 2024 को संभाला, क्योंकि 14 अप्रैल को रविवार था। वह केंद्र शासित प्रदेश के दो प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी में सहायक आचार्य के पद के लिए इंटरव्यू लेने के लिए सब्जेक्ट एक्सपर्ट थीं।
वह विभिन्न अस्पतालों के लिए उपकरणों की खरीद हेतु बाह्य विशेषज्ञ थीं। वह एनबीई में शिक्षिका थीं और विभिन्न सत्रों में संचालक के रूप में शामिल थीं।
आचार्य पूनम मल्होत्रा कपूर ने महिलाओं में सीवीडी हृदय रोग में बिसोप्रोलोल पर राष्ट्रीय सहमति के अवसर पर "कार्डियक एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और ईसीएमओ में "राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया": नई सीमाएँ (एनसीबीसी, डब्ल्यू-2024) रविवार, 17 नवंबर 2024 वह 5 वर्षों (दिसंबर 2023-दिसंबर 2028) के कार्यकाल के लिए एससीए-दिल्ली एवं एनसीआर शाखा की अध्यक्ष और आईएसीटीए की एससीए-दिल्ली एवं एनसीआर शाखा की संस्थापक सदस्य एवं पूर्व सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वह एफआईसीसीसी, एफआईईसीएमओ एवं एफआईईसीएचओ तथा कार्डियो-डायबिटीज में टीएसएस फेलोशिप की मुख्य शिक्षा निदेशक हैं। वह जेएएपीआई के अतिथि संपादक के रूप में कार्यरत हैं - जो कि अमेरिका से चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा पर एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है। (2022-2027)। उन्हें वर्ष 2024-26 के लिए एक्स्ट्राकॉर्पोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एसडब्ल्यूएसीईएलएसओ) के दक्षिण पश्चिम एशिया और अफ्रीका चैप्टर का तत्काल पूर्व अध्यक्ष नियुक्त किया गया।.वह थीम प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित टीसीसीसी (कार्डियक क्रिटिकल

10.1_.indd 1083 1/10/2026 4:11:06 PM

केयर की पाठ्यपुस्तक) की मुख्य संपादक हैं, जिसे अप्रैल 2024 में कोलकाता में आईएससीसीएम सम्मेलन में जारी किया गया था और अतिथि पाठकों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था।वह "द सिमुलेशन सोसाइटी" की संस्थापक सचिव और अकादमिक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। वह जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर (टीएसएस) की संस्थापक प्रधान संपादक हैं, जहाँ उन्होंने वर्ष 2024-2025 में जेसीसीसी टीएसएस के 8.2, 8.3, 8.4 और 9.1 अंक जारी किए हैं। हृदय विज्ञान में इकोकार्डियोग्राफी में मेरे योगदान के लिए, वह अलबामा, अमेरिका की इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईएससीयू) सोसाइटी द्वारा "इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर अल्ट्रासाउंड: 2024-25 की फेलो" के रूप में कार्यरत हैं। मई 2024 में, वह एम्स, नई दिल्ली में डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया की अध्यक्ष थीं। उन्होंने कार्डियक क्रिटिकल केयर की पाठ्यपुस्तक का संपादन किया और एम्स, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर एम. श्रीनिवास द्वारा एम्स में इसका विमोचन किया। उन्होंने सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासनिक प्रभारी के रूप में टी एस एस और एन सी आर शाखा के तहत 7 सेमिनार, 10 वेबिनार और 2 कार्यशालाओं का आयोजित की। वह किस्म के लिए परीक्षक की थी: डी एम कार्डिएक संवेदनाहरण (एम्स, नई दिल्ली), डी एम कार्डिएक संवेदनाहरण (यू एन मेहता), डी एम कार्डिएक संवेदनाहरण, पी जी आई एम ई आर, कोलकाता; डीएनबी कार्डिएक एनेस्थीसिया के लिए मॉडरेट और परीक्षक, एससीआईटीएमएसटी, त्रिवेंद्रम में डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया और एनबीई, नई दिल्ली के लिए जुलाई 2024 में डीएनबी प्रश्न पत्रों का मॉडरेट। उन्होंने एमडी, एमडी, कार्डियक एनेस्थीसिया, पीजीआईएमईआर, कोलकाता (ऑनलाइन) और एमडी, कार्डियक एनेस्थीसिया, यू. एन. मेहता, अहमदाबाद (ऑनलाइन) के अनुसंधान उपचार और थीसिस की जांच की।वह कार्डियक क्रिटिकल केयर, ईसीएमओ, इकोकार्डियोग्राफी और कार्डियो डायबिटीज में ऑनलाइन टीएसएस जेसीसीसी फेलोशिप परीक्षाओं की परीक्षकों में से एक थीं। वह पिछले 20 वर्षों से नई दिल्ली में “डॉ के के मल्होत्रा अर्श गुरुकुल” और राम मेमोरियल क्लिनिक में धर्मार्थ कार्य जारी रखे हुए हैं, गुरुकुल में 19 छात्र मुफ्त में रह रहे हैं और “काशीविद्या” का अध्ययन कर रहे हैं। वह एमडी/एमएस/एमडीएस/एमसीएच पाठ्यक्रमों के रेजीडेंटों को थीसिस चीफ गाइड के आवंटन के लिए अनुपालन निगरानी समिति की सदस्य हैं। वह एम्स, नई दिल्ली के 49वें दीक्षांत समारोह की व्यवस्था करने के लिए एम्स में समिति की सदस्य हैं। वह एम्स में रेजिडेंट डॉक्टर्स/पीएचडी स्कॉलर्स/पीजी छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति की सह-अध्यक्ष हैं। वह विभाग में वार्षिक रिपोर्ट तथा चिकित्सा रिकार्ड की प्रभारी रहीं, विभाग एवं संस्थागत सांख्यिकी में दक्ष तथा अध्ययन रहीं।

आचार्य मिनाती चौधरी को रॉयल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल लिवरपूल, यूके द्वारा [ऑन-लाइन] व्याख्यान देने के लिए एक संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें जर्नल ऑफ नियोनेटल क्रिटिकल केयर एंड एनेस्थीसिया का एसोसिएट एडिटर चुना गया था। उन्हें इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की कई बैठकों में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। वे बीएससी ओटी तकनीशियन छात्रों के शिक्षण और शिक्षा तथा डीएम (कार्डियक एनेस्थीसिया) और पीजी छात्रों (एनेस्थीसिया) के नैदानिक शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल थीं। प्रशासन: विभाग के मेडिकल रिकॉर्ड का प्रबंधन करना, विभाग की तकनीकी विनिर्देश समिति की सदस्य, संस्थान की अन्य क्रय समिति की सदस्य। अन्य एम्स डीएम, पीडियाट्रिक कार्डियक फेलोशिप प्रवेश और पीजी प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों का सेट-अप, अन्य संस्थानों की डीएम और पीडीसीसी कार्डियक एनेस्थीसिया निकास परीक्षा और अन्य संस्थानों की पीडी फेलोशिप कार्डियक एनेस्थीसिया प्रवेश परीक्षा, थीसिस मूल्यांकन (डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया और पीजी एनेस्थीसिया एक बाहरी के रूप में), प्रश्न सेटिंग और थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया, यूएन मेहता संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात, आरजी कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता और डीएम कार्डियक

10.1_.indd 1084 1/10/2026 4:11:07 PM

एनेस्थीसिया जीबी पंत अस्पताल, एनडी की थीसिस परीक्षा के लिए विशेषज्ञ, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया प्रश्नपत्र सेटिंग के लिए बाहरी परीक्षक, श्रीचित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, मई 2024, एम्स, नई दिल्ली 2024 के बीएससी ओटीटी छात्रों की मध्यावधि और अंतिम परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक। स्नातकपूर्व-आपको आवंटित व्याख्यान/सेमिनारों की संख्या: [बीएससी ओटी तकनीशियन,: सभी कक्षाओं का संचालन, डीएम छात्र - तीन सेमिनारों का संचालन] -13 कक्षाएं, आपके द्वारा लिए गए व्याख्यानों/सेमिनारों की संख्या: शून्य। सभी सत्रों का संचालन, नैदानिक शिक्षण/प्रदर्शन/ट्यूटोरियल में बिताए गए घंटे/सप्ताह/वर्ष: लगभग 12-15 घंटे/सप्ताह, **परीक्षक/विशेषज्ञ/विविध**-डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, दिसंबर 2025, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा सिद्धांत प्रश्न सेटर के लिए बाहरी परीक्षक, यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, गुजरात, दिसंबर 2025, आंतरिक परीक्षक, बीएससी मिड-टर्म और अंतिम परीक्षा ओटी तकनीशियन एम्स नई दिल्ली, जनवरी 2025, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा सिद्धांत प्रश्न सेटर के लिए बाहरी परीक्षक, श्री चित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज नवंबर 2024, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया थीसिस मूल्यांकन: जनवरी सत्र 2024 के लिए एमसीक्यू सेटर, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया, एसआर कार्डियक एनेस्थीसिया और पेड कार्डियक एनेस्थीसिया फेलोशिप प्रोग्राम, कुछ परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में योगदान दिया, एक राष्ट्रीय कार्यशाला में टीईई के लिए पाठ्यक्रम निदेशक।

हृद विकृति विज्ञान

1. सदस्य, भारतीय हृदय अनुसंधान संस्था (आईएसएचआर)
2. सदस्य, भारतीय एथेरोस्क्लेरोटिक अनुसंधान सोसायटी (आईएसएचआर)
3. सदस्य, भारतीय हृदय एवं फेफड़ा प्रत्यारोपण सोसायटी (आईएसएचएलटी)
4. एसोसिएट एडिटर, आईजेडीपीपीडी जर्नल
5. समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी (आईजेपीएम)
6. सदस्य: अंतर्राष्ट्रीय पैथोलॉजी अकादमी-भारतीय प्रभाग (आईएपीआईडी)
7. समीक्षक, जर्नल ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज (जेपीसीएस)
8. सदस्य, एसोसिएशन ऑफ यूरोपियन कार्डियोवैस्कुलर पैथोलॉजी (एईसीवीपी)
9. सदस्य, डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (डीएसआई)
10. सदस्य, भारतीय पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (आईएपीएम)

हृद् विज्ञान

संदीप सेठ- मुख्य संपादक, जेपीसीएस, अध्यक्ष, भारतीय हृदय एवं फेफड़ा प्रत्यारोपण संस्था
नितीश नाइक- संपादक, इंडियन हार्ट जर्नल

10.1_.indd 1085 1/10/2026 4:11:07 PM

राकेश यादव- उपाध्यक्ष, सीएसआई

संदीप सिंह - कार्यकारी निदेशक, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिज़ाइन

कार्तिकेयन जी- निदेशक, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कार्यकारी संपादक, हार्ट, एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन हार्ट जर्नल, दक्षिण एशिया, प्रधान संपादक, ओपन हार्ट जर्नल

गौतम शर्मा- स्वामी विवेकानन्द योग "अनुस्वादन संस्थान" (एस-व्यासा), बेंगलुरु, कर्नाटक के योग और जीवन विज्ञान प्रभाग में प्रतिष्ठित आचार्य (मानद)

अंबुज रॉय- नोडल अधिकारी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय चिकित्सा महाविद्यालय नेटवर्क के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र। सदस्य, संस्थान निकाय, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी, अध्यक्ष, कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन (एसईटी) सुविधा, एम्स, नई दिल्ली, भारत, विशेषज्ञ,एम्स पटना द्वारा स्थायी चयन समिति की बैठक, विशेषज्ञ चयन समिति, एम्स, भुवनेश्वर, विशेषज्ञ चयन समिति, निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद, निर्वाचित फेलो, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत), संचालन समिति के सदस्य और जी-सीएचएफ (ग्लोबल कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर) रजिस्ट्री के राष्ट्रीय प्रधान अन्वेषक। इस्केमिक हृदय रोग (सीओएलटी-एचएफ) के कारण हृदय विफलता में सीओएलसीएचआईसीआईएनई और थायमिन के संचालन समिति के सदस्य और राष्ट्रीय सह-प्रमुख अन्वेषक नेशनल हार्ट फेल्योर रजिस्ट्री की संचालन समिति के सदस्य। एनआईएच-प्रायोजित आई-टीआरईसी अध्ययन की संचालन समिति के सदस्य, टॉपस्पिन ट्रायल की संचालन समिति के सदस्य, जीबीडी इंडिया सीवीडी विशेषज्ञ समूह के सदस्य, फेलोशिप, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग (यूके), भारत में हृदय संबंधी अनुसंधान के लिए आईसीएमआर की टास्क फोर्स समिति के सदस्य, अध्यक्ष, परियोजना समीक्षा समिति (हृदय रोग), आईसीएमआर, नई दिल्ली, सदस्य, प्रबंध समिति, केएल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली, भारत, सदस्य, डीन समिति, एम्स, नई दिल्ली, भारत, सदस्य, डीन अनुसंधान समिति, एम्स, नई दिल्ली, सदस्य, संस्थान आचार समिति (स्नातकोत्तर) एम्स, नई दिल्ली, भारत, सदस्य, संस्थान आचार समिति- नैदानिक परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं के लिए उपसमिति, अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता आईसीएमआर परियोजना “भारत के चयनित जिलों में आपातकालीन उपचार प्रणालियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रोगी-केंद्रित एकीकृत मॉडल के विकास पर एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन” (इंडिया-ईएमएस)”।

एस रामकृष्णन- एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक हृदय रोग विज्ञान के मुख्य संपादक

एस रामकृष्णन- नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष, जेपीसीएस के एसोसिएट एडिटर, राष्ट्रीय पीआई. एसटीईएमआई में देर से आने वाले क्लिनिकल परीक्षण, सह-पीआई और टास्क फोर्स सदस्य, भारत उच्च रक्तचाप उपचार पहल (आईएचएमआई), राष्ट्रीय समन्वयक, एसटीईएमआई-एसीटी, एक आईसीएमआर पहल, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कार समिति, आईसीएमआर, सदस्य, भारत में एसटीईएमआई के उपचार के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम, एफपीआईसीएस (बाल चिकित्सा और जन्मजात इंटरवेंशनल कार्डियोवैस्कुलर सोसाइटी के फेलो), पहला भ्रूण महाधमनी वाल्व गुब्बारा फैलाव निष्पादित किया गया, विशेषज्ञ चयन समिति, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी, विशेषज्ञ चयन समिति, ईएसआई अस्पताल

सौरभ गुप्ता- भारतीय बाल चिकित्सा कार्डियक सोसायटी के कोषाध्यक्ष, कार्यकारी संपादक, एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक हृद रोग विज्ञान

10.1_.indd 1086 1/10/2026 4:11:07 PM

सत्यवीर यादव- वर्ष 2025-2026 के लिए दिल्ली सीएसआई के मानद सचिव, सहायक संपादक इंडियन हार्ट जर्नल, वर्ष 2025-2026 के लिए आईएचआरएस की कार्यकारी समिति के सदस्य

हृद् जैवरसायन विभाग

आचार्य आर लक्ष्मी आईसीएमआर द्वारा संचालित आहार और बायोमार्कर अध्ययन (डीएबीएस) की तकनीकी विशेषज्ञ। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य। मधुमेह के क्षेत्र में आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य। एनसीडी के क्षेत्र में आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य। सेंटर फॉर न्यूट्रिशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एनएफआई) की नैतिकता समिति के सदस्य। एम्स में आयोजित भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी-उत्तरी क्षेत्र (आईएबीएस-एनजेड 2024) में एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की। एम्स में आयोजित भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी-उत्तरी क्षेत्र (आईएबीएस-एनजेड 2024) के सारांश की समीक्षा की। एटीवीबी के लिए लेख की समीक्षा की।

डॉ. मनोज कुमार टेंभरे की एम्स-रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2023 (जनवरी-2025 में प्रदान किया गया)। वे फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी जर्नल (2025) में अतिथि सहयोगी संपादक थे। वे ओबीआरएस एथिक्स कमेटी (दिल्ली स्थित स्टार्ट-अप) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य थे। वे ग्रोडिया (आईआईटी-दिल्ली की साझेदारी में एआई-एमएल आधारित स्टार्ट-अप) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे।एमडीपीआई पत्रिकाओं (एप्लाइड साइंसेज, बायोइंजीनियरिंग, डायग्नोस्टिक्स, जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन, हेल्थकेयर, मेडिसिना, आईजेएमएस, सेंसर्स आदि), पीएलओएस वन, फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, कैंसर इंटरनेशनल आदि के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नाामित । उन्हें जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल इम्यूनोलॉजी (विली पब्लिकेशंस) में उभरते संपादक के रूप में नाामित किया गया था। उन्हें इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईजेडीवीएल) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नाामित किया गया था। वे राष्ट्रीय (आईजेडीवीएल, इम्पैक्ट फैक्टर = 3) और अंतरराष्ट्रीय जर्नल (ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, इम्पैक्ट फैक्टर = 11.11) के समीक्षक थे। वह 1)भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी(आईआईएस),2)भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट एसोसिएशन (आईएडीवीएल),3)अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (एएसएन),4)इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हार्ट रिसर्च (आईएसएचआर), भारतीय खंड के सदस्य थे।

डॉ. रान्सी एन अब्राहम, विभाग को एनएबीएल मान्यता प्रदान की गई है, और मैं गुणवत्ता प्रबंधक के रूप में इस उपलब्धि में योगदान करने में सक्षम था।

हृद्-वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

डॉ. देवागुरु एसीटीएस (भारतीय हृद-वक्ष शल्य चिकित्सक संघ) के अध्यक्ष चुने गए हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ थोरेसिक सर्जरी के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उन्होनें अपर चिकित्सा अधीक्षक सीटीसी का अतिरिक्त कार्यभार संभाला।

हृद वाहिका रेडियोलॉजी एवं एंडोवैस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

10.1_.indd 1087 1/10/2026 4:11:07 PM

आचार्य प्रिया जगिया कार्डियक इमेजिंग पर वॉल्यूम III के लिए रेडियोलॉजी की आईआरआईए पाठ्यपुस्तक के लिए संपादक (वॉल्यूम संपादक) थी। भारतीय रेडियोलॉजिकल एसोसिएशन आईआरआईए द्वारा "कार्डियक रेडियोलॉजी" के लिए दूसरी बार 2 साल के लिए सबस्पेशलिटी अध्यक्ष चुने गए। भारतीय रेडियोलॉजिकल एसोसिएशन आईआरआईए द्वारा कार्डियक रेडियोलॉजी में छह महीने के लंबे शिक्षण पाठ्यक्रम की अवधारणा और मॉडरेशन किया गया (राष्ट्रव्यापी प्रसारण के लिए कुल 26 साप्ताहिक सेमिनार किए गए)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियक इमेजिंग के विशेष कार्यकारी सदस्य। सीवीआरईएफ (कार्डियोवैस्कुलर रिसर्च एंड एजुकेशन फोरम) के अध्यक्ष। एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम में सीवीआर और आईआर में डीएम परीक्षा के लिए परीक्षक। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा थ्योरी और प्रैक्टिकल डीएनबी रेडियोलॉजी परीक्षाओं के लिए परीक्षक। एम्स, जोधपुर में कार्डियक इमेंजिंग में फैलोशिप हेतु परीक्षक। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और हृदय रोग विज्ञान पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

डॉ. संजीव कुमार इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में आईसीएमआर एसटीडब्ल्यू समिति के सदस्य थे- उन्होंने एओर्टिक डिसेक्शनल के लिए एसटीडब्ल्यू का ड्राफ्ट तैयार किया। कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और हृदय रोग विज्ञान पत्रिकाओं के समीक्षक। सोसाइटी ऑफ इमेज गाइडेड थेरेपी के सचिव। भारतीय रेडियोलॉजिकल एसोसिएशन (आईआरआईए) द्वारा 2 वर्षों के लिए आईआर सबस्पेशलिटी के निर्वाचित सदस्य। पूरे भारत में आईआर में डीएम परीक्षा के परीक्षक। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा सैद्धांतिक और व्यावहारिक डीएनबी रेडियोलॉजी परीक्षाओं के परीक्षक।

डॉ. नीरज निर्मल पांडे ए. पत्रिकाओं में संपादकीय पद: उप-संपादक, रेडियोलॉजी एडवांसेज़, रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका। अकादमिक संपादक, जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी। अकादमिक संपादक, पीएलओएस वन। अकादमिक संपादक, बीएमसी कार्डियोवैस्कुलर डिसऑर्डर। द यंग में हृदय रोग विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य। अतिथि संपादक, वयस्क जन्मजात हृदय रोग पर संग्रह (प्रगति पर) - बीएमसी कार्डियोवैस्कुलर डिसऑर्डर। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में आईसीएमआर एसटीडब्ल्यू समिति के सदस्य - गंभीर अंग इस्किमिया के लिए इमेज गाइडेड थेरेपीज़ हेतु एसटीडब्ल्यू का मसौदा तैयार किया। बी.रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका द्वारा **डेरेक हारवुड**-नैश अंतर्राष्ट्रीय फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. चेतन पटेल

1. सितंबर 2024 में चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में 22वें वार्षिक एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया (एएनएमपीआई) सम्मेलन में "आचार्य आरडी लेले ओरेशन" दिया जाएगा।

2. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक

3. इंटीग्रेटिव मेडिसिन एवं रिसर्च सेंटर (सीआईएमआर) की स्टोर क्रय समिति के सदस्य

4. आयुष, सीओई योजना के अंतर्गत सीआईएमआर में कोर स्टाफ की भर्ती के लिए चयन समिति के अध्यक्ष

10.1_.indd 1088 1/10/2026 4:11:07 PM

डॉ. सुजाता मोहंती ने एम्स इंटरनेशनल फेलोशिप पुरस्कार 2024 प्राप्त किया। ईवीओएलवीई 2025 में "उन्नत त्वचा ऊतक पुनर्जनन के लिए स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स के साथ नोवेल एमनियोटिक झिल्ली आधारित हाइड्रोजेल" शीर्षक वाले कार्य के लिए पोस्टर प्रस्तुति 2025 के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया। ईवीओएलवीई 2025 में "त्वचा पुनर्जनन में अकोशिकीय नवाचार: एक सहक्रियात्मक बहु-एमआईआरएनए आधारित एमएससी-एसईवी सूत्रीकरण" शीर्षक कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार 2025 प्राप्त किया। ईवीओएलवीई 2025 में "शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेटिव गुणों के साथ मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त छोटे बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं से भरे बायोइंस्पायर्ड स्कैफोल्ड के माध्यम से घाव के सूक्ष्म वातावरण को संशोधित करना" शीर्षक वाले कार्य के लिए पोस्टर प्रस्तुति 2025 के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। ईवीओएलवीई 2025 में "न्यूरोरेजेनेरेटिव ईवीएस के अलगाव के लिए एमएससी स्रोतों और हाइपोक्सिया प्रीकंडीशनिंग का तुलनात्मक मूल्यांकन: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लिए उन्नत सेल-फ्री थेरेप्यूटिक्स का मार्ग प्रशस्त करना" शीर्षक वाले कार्य के लिए पोस्टर प्रस्तुति 2025 के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। ईवीओएलवीई 2025 में "ईवी समृद्ध सीक्रेटोम आधारित 3डी बायोप्रिंटेड कंस्ट्रक्ट्स का उपयोग करके उन्नत घाव पुनर्जनन" शीर्षक वाले कार्य के लिए पोस्टर प्रस्तुति 2025 के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। चौथे एनुअक अनुसंधान दिवस, 2025 में "नोवेल बिमोडल फ्लोरोसेंट मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल: स्टेम सेल-होमिंग और ट्रैकिंग के लिए एक स्मार्ट सामग्री" शीर्षक से किए गए कार्य के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया।

सम्मान: पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ संकाय चयन पैनल; संकायों के चयन एवं पदोन्नति हेतु विषय विशेषज्ञ, केजीएमयू, लखनऊ; बोर्ड सदस्य, आईएसईवी; अध्यक्ष, इनएसईवी; आयोजन सचिव और संयोजक, आईएनएसईवी

वैज्ञानिक समिति सदस्य: मुझे विभिन्न वैज्ञानिक निकायों में सदस्य के रूप में नामित किया गया है:

स्टेम सेल अनुसंधान हेतु संस्थान समिति के सदस्य

राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; टीएचएसटीआई, फरीदाबाद; आईआईटी, इंदौर; दिल्ली विश्वविद्यालय; सीएसआईआर-जीनोमिक्स एवं एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान (आईजीआईबी); भारतीय स्पाइनल इंजरीज़ सेंटर, नई दिल्ली; कविकृष्ण लैब आईआईटी - गुवाहाटी; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय; श्री गोविंद सिंह त्रि-शताब्दी विश्वविद्यालय; जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर), पुडुचेरी; क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी), फरीदाबाद; एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा; आईआईएसईआर भोपाल; अध्यक्ष, एम्स, जम्मू

सदस्य: अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय निकाय

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेलुलर थेरेपी (आईएससीटी); स्टेम सेल अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी (आईएसएससीआर); सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (एसबीसी); भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसायटी; भारतीय नैनोमेडिसिन सोसायटी; भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन; स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया; साइटोमेट्री सोसाइटी, भारत; भारतीय अनुवाद अनुसंधान सोसायटी; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सोसाइटी (बीएमईएस); बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (आईएसईवी); अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (आईएनएसईवी)

10.1_.indd 1089 1/10/2026 4:11:07 PM

अतिथि वैज्ञानिक

रक्त आधान सेवाएं

कोई नहीं

हृद् संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

कोई नहीं

हृद विकृति विज्ञान

कोई नहीं

हृद् विज्ञान

कोई नहीं

हृद् जैवरसायन विभाग

कोई नहीं

हृद वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

हृद् वाहिका रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

कोई नहीं

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

कोई नहीं

स्टेम सेल सुविधा

ईवीओएलवीई-2025 के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों ने भारत का दौरा किया

नाम	संबंधन
डॉ. एना क्लाउडिया ट्रोकोली टोर्रेसिलहास	सह-आचार्य II, फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साओ पाउलो, ब्राज़ील
एंड्रियास मोलर	आचार्य, निदेशक, जेसी स्टेम लैब ऑफ पर्सनलाइज्ड कैंसर मेडिसिन, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी विभाग, ली का शिंग इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, द चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग
डॉ. चंदन के. सेन	आचार्य, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, अमेरिका
माय जी. महोनी	आचार्य, फार्माकोलॉजी, फिजियोलॉजी और कैंसर बायोलॉजी विभाग, ओटोलरींगोलॉजी विभाग - सिर और गर्दन की सर्जरी, सिडनी किमेल कैंसर सेंटर, थॉमस जेफरसन विश्वविद्यालय, यूएसए

10.1_.indd 1090 1/10/2026 4:11:07 PM

नाम	संबंधन
डॉ. शिल्पा बच	आचार्य,नेब्रास्का मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
डॉ. सुस्मिता साहू	आचार्य, माउंट सिनाई, अमेरिका
डॉ. सुरेश मथिवानन	आचार्य, ला ट्रोब विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
नोरहयाती बिनती लियाकत अली खान	वरिष्ठ व्याख्याता (एनाटॉमी), विभागाध्यक्ष एवं संसाधन व्यक्ति, यूनिवर्सिटी टेक्नोलोजी एमएआरए, मलेशिया
पलसामी पेरियासामी	सह आचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर, ओमाहा, अमेरिका
अखिल श्रीवास्तव	सहायक आचार्य, मिसौरी विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन, कोलंबिया, अमेरिका
शरद	प्रतिष्ठित आचार्य, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

10.1_.indd 1091 1/10/2026 4:11:07 PM

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

रितु दुग्गल
(ऑर्थोडोन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डिफॉरमेटिज)

आचार्य

अजय रॉय चौधरी
(मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

ओंगकिला भूटिया
(मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

अजय लोगानी
(कन्सर्वेटिव दंत चिकित्सा एंडोडोंटिक्स)

वीना जैन
(प्रोस्थोडोन्टिक्स)

विजय प्रकाश माथुर
(पेडोडोन्टिक्स)

देवलिना गोस्वामी
(संवेदनाहरण)

अपर आचार्य

दीपिका मिश्रा
(मुख विकृतिविज्ञान एवं सूक्ष्मजैवविज्ञान)

अमृता चावला
(कन्सर्वेटिव दंत चिकित्सा एंडोडोंटिक्स)

विजय कुमार
(कन्सर्वेटिव दंत चिकित्सा एंडोडोंटिक्स)

धीरज कोली
(2 वर्ष के अध्ययन अवकाश पर)
(प्रोस्थोडोन्टिक्स)

कल्पना बंसल
(पेडोडोन्टिक्स)

राहुल यादव
(मुख एवं
मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

नितेश तिवारी
(पेडोडोन्टिक्स)

शालिनी गुप्ता
(मुख चिकित्सा)

हर्ष प्रिया

(सितंबर 2024 से सितंबर 2025 तक ड्यूटी अवकाश पर, राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके में जन स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर करने हेतु)
(जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा)

कुणाल ढींगरा
(पेरियोडोंटिक्स)

विलास समृत
(ऑर्थोडोन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डिफॉरमेटिज)

प्रभात कुमार चौधरी
(ऑर्थोडोन्टिक्स एवं
डेंटोफेशियल डिफॉरमेटिज)

विकेंदर सिंह
(पेरियोडोंटिक्स)

10.2_.indd 1092 1/7/2026 2:26:24 PM

सह-आचार्य

सिद्धार्थ शर्मा
(कन्सर्वेटिव दंत चिकित्सा एंडोडोंटिक्स)

अदिति नंदा
(प्रोस्थोडोन्टिक्स)

मोरंकर राहुल
(पेडोडोन्टिक्स)

अनिका डावर
(पेरियोडोंटिक्स)

कृष्णा भट्ट
(मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

भारती एम. पुरोहित
(जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा)

सहायक आचार्य

वरुण सूर्या
(मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान)

राजीव बी
(ऑर्थोडोन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डिफॉरमेटिव)

अरुण कुमार एन
(प्रोस्थोडोन्टिक्स)

विशिष्टताएं

मुख चिकित्सा

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र में ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी मुख्य ओपीडी है जहां दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र में आने वाले ईएचएस सहित सभी नए एवं पुराने रोगियों की सर्वप्रथम जांच की जाती है तथा निश्चित उपचार से पहले रेडियोलॉजिकल और अन्य जांच की जाती है। यह मुख कैंसर तथा मुख संभावित घातक विकारों के उपचार के लिए सुविधानुसार जांच भी करता है। यह केंद्र एक विशिष्ट क्लिनिक ओरल अल्सर क्लिनिक तथा सॉफ्ट टिशू लेजर क्लिनिक का संचालन करता है जहां सभी ओरल म्यूकोसल घावों का उपचार किया जाता है। यह निश्चित उपचार से पहले आईआरसीएच, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, हृदरोग विज्ञान एवं एंडोक्रिनोलॉजी से डेंटल रेफर के लिए संदर्भित रोगियों हेतु समन्वय विभाग भी है। यह केंद्र भारत सरकार की अंटार्कटिका टीम के सदस्यों के लिए मुख एवं दंत स्क्रीनिंग भी प्रदान करता है। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र में सभी नैदानिक विभागों के लिए आईओपीए, ऑक्लूसल, ओपीजी, लेटरल सेफ तथा सीबीसीटी के साथ 3 डी इमेजिंग जैसी सभी 2 डी डेंटल रेडियोलॉजिकल जांचें की जाती हैं

मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

एम्स दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र का ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी प्रभाग सभी प्रकार के मैक्सिलोफेशियल सर्जरी रोगियों के लिए अत्याधुनिक उपचार प्रदान कर रहा है, हमारा केंद्र टीएमजे एंकिलोसिस, स्लीप एपनिया तथा मैक्सिलोफेशियल विकृतियों (जन्मजात या अधिग्रहित) के जटिल मामलों के उपचार के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक है।

कंसर्वेटिव दंत चिकित्सा एंडोडोंटिक्स

यह प्रभाग एंडोडॉन्टिक आपात स्थितियों, दंत आघात, पुनर्स्थापन एवं उन्नत गैर-शल्य चिकित्सा/शल्य चिकित्सा संबंधी एंडोडॉन्टिक प्रक्रियाओं का उपचार करता है। केंद्र ने जटिल गैर-शल्य चिकित्सा तथा

10.2_.indd 1093 1/7/2026 2:26:24 PM

शल्य चिकित्सा संबंधी मामलों के उपचार के लिए 3डी गतिशील नेविगेशन का आरंभ किया है। इसने एक प्रीक्लिनिकल सिमुलेशन प्रयोगशाला स्थापित की है। नई डेंटल इकाइयाँ जोड़ी गई हैं। दंत आघात, एस्थेटिक्स एवं रीट्रीटमेंट जैसे नए विशेष क्लीनिक शुरू किए गए हैं। इसने अनुसंधान में निरंतर प्रगति को दर्शाते हुए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में कई प्रकाशन प्राप्त किए हैं। इसके अलावा, इस वर्ष प्रभाग को दो बाह्य वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ प्रदान की गई हैं। प्रभाग ने फरवरी 2025 में भारत में पहली अंतर्राष्ट्रीय वाइटल पल्प थेरेपी संगोष्ठी का आयोजन किया।

ओर्थोडोन्टिक्स

एम्स के दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र में स्थित ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग ने मैलोक्लुज़न, दंत-चेहरे संबंधी विकृतियों तथा कटे होंठ व तालू से पीड़ित रोगियों को गुणवत्तापूर्ण ऑर्थोडॉन्टिक उपचार प्रदान किया है। विभाग ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने आईसीएमआर तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे विभिन्न सरकारी/अनुसंधान संगठनों एवं अन्य संस्थानों को भी अपनी व्यावसायिक और शैक्षणिक विशेषज्ञता प्रदान की है।

पेरियोडॉन्टिक्स

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र का पेरियोडोंटिक्स विभाग, पेरियोडोंटल रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार से संबंधित है। हमारी विशेषज्ञता प्रतिदिन पेरियोडोंटल उपचार के लिए बड़ी संख्या में आने वाले रोगियों, साथ ही अन्य विभागों से रेफर किए गए रोगियों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करती है। इस विभाग में पारंपरिक गैर-शल्य चिकित्सा एवं सूक्ष्म शल्य चिकित्सा पेरियोडोंटल थेरेपी, पेरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, कोमल तथा कठोर ऊतक पुनर्योजी प्रक्रियाएं, डायोड लेजर सहायता प्राप्त कोमल ऊतक निष्कासन और सहायक पॉकेट डीब्राइडमेंट प्रक्रियाएं जैसी विविध उपचार प्रक्रियाएं की जाती हैं।

मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान

मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान ने आईएसओ 15189 के लिए मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग के लिए नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज (एनएबीएल) मान्यता प्राप्त की है। डिवीजन ने नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) मान्यता भी प्राप्त की। हमने कई कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे कि एआई इन हेल्थ वर्कशॉप ऑन डेटा, वैलिडेशन, एंड डिप्लॉयमेंट ऑफ एआई-बेस्ड सॉल्यूशंस (जुलाई 2024) और कॉलेज ऑफ नर्सिंग, स्प्रिंगर नेचर, आईसीएमआर, आईआईएससी और सीएचआईपी फाउंडेशन के साथ सत्र आयोजित किए। यह केन्द्र शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित एआई सीओई चरण 2 के तहत ओरल कैंसर प्रोजेक्ट का नेतृत्व करता है और यूआईटी नॉर्वे के साथ इंडो-नॉर्वे अनुदान प्राप्त करता है। आईआईएससी बेंगलुरू एवं पूरे भारत में दंत संस्थान के साथ सहयोगी परियोजनाएं आरंभ की गई। इस विभाग ने आईआईटी दिल्ली के सहयोग से मुख कैंसर के शीघ्र निदान हेतु कम लागत वाला एक मल्टीमॉडल ऑप्टिकल इमेजिंग माइक्रोस्कोपिक उपकरण विकसित किया है ।

पेडोडोंटिक्स

इस वर्ष विभाग विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान एवं नियामक निकायों के लिए विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेशनल रूप से करने में सक्रिय रहा है।

10.2_.indd 1094 1/7/2026 2:26:24 PM

जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा प्रभाग, मुख संबंधी रोगों के भार को रोकने एवं व्यक्ति विशेष की अपेक्षा जन समुदाय के मुख संबंधी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का प्रयास करता है । डेंटल पब्लिक हेल्थ मुख संबंधी स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों की व्यापक समझ विकसित करने तथा प्रभावी परिवर्तन लाने हेतु स्वास्थ्य संबंधी सेवा अनुसंधान करता है। यह विभाग निवारक क्लिनिक तंबाकू निषेध सेवा, स्वास्थ्य एवं संबद्ध स्वास्थ्य प्रोफेशनल हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है, आउटरीच मुख स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियों का आयोजन करता है और व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ और त्रिलोकपुरी स्थित रोटरी अस्पताल में निवारक एवं उपचारात्मक दंत चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है।

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र को दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में मुख स्वास्थ्य संवर्धन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र को राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है। वर्तमान में दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में नेशनल ओरल डिसीज बर्डन सर्वेक्षण का नेतृत्व कर रहा है। विभाग इन पदनामों के अंतर्गत संचालित सभी गतिविधियों और अनुसंधान संबंधी पहलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेता है।

संवेदनाहरण

सभी आयु समूहों एवं सर्जरी के सभी प्रकार के जटिल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी रोगियों को व्यापक पेरिऑपरेटिव उपचार प्रदान करता है, जिसमें टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ विकार, आघात, ट्यूमर तथा विकृतियाँ शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं । नैदानिक उपचार में प्री-ऑपरेटिव चेक-अप, शल्य-क्रिया के दौरान उपचार, जिसमें इनवेसिव तथा नॉन इनेसिव मॉनिटरिंग तथा पोस्टऑपरेटिव फॉलो-अप सहित इंट्राऑपरेटिव उपचार शामिल हैं ।

राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम

वर्ष 1998 में राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएचपी) के लिए पायलट परियोजना की शुरुआत के बाद से, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण सहायक रहा है और कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा दिशा-निर्देशों एवं प्रोटोकॉल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। कार्यक्रम के कार्यान्वयन में दं.शि.अ.कें. के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए, इसे आधिकारिक तौर पर निम्नलिखित अधिदेशों के साथ एनओएचपी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है:

1. जनसाधारण के लिए मुख स्वास्थ्य संवर्धन
2. हेल्थ प्रोफेशनल के माध्यम से मुख स्वास्थ्य संवर्धन
3. मुख स्वास्थ्य पर परामर्श की भूमिका
4. मुख स्वास्थ्य संवर्धन हेतु अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ एकीकरण
5. राष्ट्रीय मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य नोडल अधिकारियों की वार्षिक समीक्षा बैठक
6. मुख स्वास्थ्य पर चीनी के प्रभाव के लिए संसाधन केंद्र

10.2_.indd 1095 1/7/2026 2:26:24 PM

शिक्षा:

- **स्नातकपूर्व**
  - डीओआरए तथा डीएच में बीसीएससी पाठ्यक्रम: ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, प्रोस्थोडोन्टिक्स तथा क्राउन एवं ब्रिज, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोन्टिक्स, ऑर्थोडोन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स, मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान, पेरियोडोंटोलॉजी, पेडोडोन्टिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री।
  - बीएससी नर्सिंग: ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी, पेडोडोंटिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री।
  - एमबीबीएस छात्रों हेतु नैदानिक शिक्षण: ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी, प्रोस्थोडोन्टिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोन्टिक्स, ओरल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी, पेडोडोन्टिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर
  - एमडीएस: ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, प्रोस्थोडोन्टिक्स एवं क्राउन एवं ब्रिज, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोन्टिक्स, ऑर्थोडोन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स, पेडोडोन्टिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री।
- डॉक्टरेट:
  - पीएचडी: मुख चिकित्सा एवं विकिरणविज्ञान, ऑर्थोडॉन्टिक्स तथा डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स, मुख विकृतिविज्ञान एवं सूक्ष्मजैवविज्ञान

एनओएचपी:

मुख स्वास्थ्य संवर्धन तथा तंबाकू निषेध हेतु सशक्तिकरण:

इन प्रतिभागियों को जागरूकता सृजन, व्यवहार परिवर्तन, तथा मुख संबंधी स्वास्थ्य को उनकी नियमित सामान्य स्वास्थ्य गतिविधियों में शामिल करने के लिए संवेदनशील बनाया गया तथा प्रशिक्षित किया गया।

- स्कूली छात्र
- स्कूल शिक्षक
- स्कूल शिक्षक परामर्शदाता
- हेल्थ केयर प्रोफेशनल
- पुलिस अधिकारी
- सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी एवं कर्मचारी
- आयुष छात्र एवं संकायगण
- लैब तकनीशियन
- फार्मेसिस्ट

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र के संकाय-सदस्यों द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिनांक 3-5 अप्रैल, 2024 तक एम्स, नई दिल्ली में 'प्राकृतिक दांत एवं दंत प्रत्यारोपण के आसपास माइक्रोसर्जिकल नरम ऊतक वृद्धि' पर कार्यशाला।

10.2_.indd 1096 1/7/2026 2:26:25 PM

2. राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय (गार्गी), ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में 3 अप्रैल, 2024 को स्कूल के छात्राओं तथा शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया।

3. सरकारी सर्वोदय कन्या विद्यालय, सेक्टर-1, एमबी रोड, पुष्प विहार, नई दिल्ली में स्कूली छात्रों शिक्षकों और अन्य स्टाफ के लिए दिनांक 10 अप्रैल, 2024 को मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया।

4. दिनांक 14 अप्रैल, 2024 को नई दिल्ली में एंटीरियर कम्पोजिट रेस्टोरेशन में मास्टरिंग प्राप्त करना।

5. कर्नल सत्संगी किरण मेमोरियल पब्लिक स्कूल अंसल विला, सतबड़ी, छतरपुर, नई दिल्ली, दिल्ली में 24 अप्रैल 2024 को स्कूली छात्रों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया।

6. दिनांक 27 अप्रैल, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में एंडोडोंटिक्स में 3-डी डायनेमिक नेविगेशन।

7. दिनांक 27 अप्रैल, 2024 को असम में कक्षा के मॉनिटरों के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य संवर्धन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण।

8. दिनांक 6 मई, 2024 को एमसीडी प्राइमरी स्कूल, नेब सराय, नई दिल्ली में स्कूली छात्रों, शिक्षकों तथा अन्य स्टाफ के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया।

9. दिनांक 7 मई, 2024 को एमसीडी प्राइमरी स्कूल, नेब सराय, नई दिल्ली में स्कूली छात्रों, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया।

10. दिनांक 9 मई, 2024 को स्कूली छात्रों, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ के लिए सर्वोदय कन्या विद्यालय हौज़ खास 2, मालवीय नगर में मुख संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रचार गतिविधि का आयोजन किया गया।

11 दिनांक 11 मई, 2024 को दिल्ली में ओरल पैथोलॉजी प्रभाग और सूक्ष्म जैव विभाग, सीडीईआर द्वारा आयोजित "डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के रहस्य को उजागर करना" पर कार्यशाला सूक्ष्म जैव विज्ञान।

12. दिनांक 24 मई, 2024 को शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा के लिए ई-सिगरेट ऑनलाइन जागरूकता सत्र पर ऑनलाइन व्याख्यान।

13. दिनांक 27 मई, 2024 को शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा के लिए ई-सिगरेट ऑनलाइन जागरूकता सत्र पर ऑनलाइन व्याख्यान।

14. दिनांक 28 जून, 2024 को दिल्ली में स्कूल नोडल शिक्षकों के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य पर तंबाकू के उपयोग के दुष्प्रभावों तथा तंबाकू सेवन को रोकने संबंधी परामर्श तकनीकों पर व्याख्यान।

15. दिनांक 1 जुलाई, 2024 को बाराखंभा रोड पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों के लिए तंबाकू सेवन से मुख संबंधी स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और तंबाकू सेवन से मुक्ति के परामर्श तकनीकों पर व्याख्यान दिया गया।

16. दिनांक 5 जुलाई, 2024 को फ्रांस के यूनिवर्सिटी डी मोंटपेलियर में निकोलस गिरौडेउ द्वारा मेरे विश्वविद्यालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा पहल पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला।

10.2_.indd 1097 1/7/2026 2:26:25 PM

17. दिनांक 9 जुलाई, 2024 दिल्ली सरकार के स्कूलों के स्कूल परामर्शदाताओं के लिए मुख संबंधी स्वास्थ्य पर तंबाकू के उपयोग के दुष्प्रभावों और तंबाकू सेवन को रोकने संबंधी परामर्श तकनीकों पर व्याख्यान

18. दिनांक 18 जुलाई, 2024 को केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार स्तर पर मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अवलोकन पर एनसीडी राज्य नोडल अधिकारियों के लिए व्याख्यान।

19. मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान, दं.शि.अ.कें., एम्स, द्वारा आईसीएमआर दिल्ली, फाइंड संगठन, जिनेवा और आर्टपार्क, आईआईएससी, बेंगलुरु के सहयोग से "स्वास्थ्य में एआई: डेटा, एआई-आधारित समाधानों का सत्यापन एवं उनको लागू करना पर 25 जुलाई, 2024 को दिल्ली में कार्यशाला आयोजित की गई।

20. दिनांक 31 जुलाई, 2024 को उत्तराखण्ड, लक्षद्वीप, डीडी एवं डीएनएच, एएनआई, गोवा, ओडिशा, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के राज्य नोडल अधिकारी हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार स्तर पर मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अवलोकन पर व्याख्यान,

21. दिनांक 9 अगस्त, 2024 को येरुशलम, इजराइल, हिब्रू विश्वविद्यालय के आचार्य गैलिट अल्मोज़्निनो द्वारा दंत चिकित्सा एवं क्रैनियोफेशियल अनुसंधान में बिग डेटा अध्ययन पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया

22. दिनांक 12 अगस्त, 2024 को छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम के अवलोकन पर एनसीडी राज्य नोडल अधिकारियों के लिए राज्य नोडल अधिकारी हेतु व्याख्यान।

23. दिनांक 28 अगस्त, 2024 को छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, और झारखंड, के राज्य नोडल अधिकारी हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम के अवलोकन पर एनसीडी राज्य नोडल अधिकारियों के लिए व्याख्यान।

24. एम्स, नई दिल्ली में 5-7 सितंबर 2024 तक 3 एम्स पेरियोडॉन्टल एवं पेरी-इम्प्लांट प्लास्टिक सर्जरी संगोष्ठी तथा माइक्रोसर्जिकल कैडेवरिक कार्यशाला।

25. दिनांक 10 सितम्बर, 2024 को असम, सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, लक्षद्वीप और तेलंगाना के राज्य नोडल अधिकारी हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम के अवलोकन पर एनसीडी राज्य नोडल अधिकारियों के लिए व्याख्यान

26. दिनांक 10 सितंबर, 2024 को आर.के.पुरम में शिक्षकों के लिए मुख स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रशिक्षण।

27. दिनांक 11 सितंबर, 2024 को आर.के. पुरम में शिक्षकों तथा छात्रों के लिए "मुख तथा सामान्य स्वास्थ्य को कैसे बनाए रखें" विषय पर व्याख्यान।

28. दिनांक 20 सितंबर, 2024 को आचार्य महा ईआई तंतावी, अलेक्जेंड्रिया विश्वविद्यालय, मिस्र द्वारा दंत चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा प्रौद्योगिकी पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।

29. दिनांक 27 सितंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली में संस्थान दिवस पर मुख स्वास्थ्य संवर्धन तथा जागरूकता दंत चिकित्सा बूथ लगाया गया।

10.2_.indd 1098 1/7/2026 2:26:25 PM

30. भारत में मुख स्वास्थ्य को उन्नत बनाने - 29 सितंबर 2024 को द.शि.अ.कें., एम्स में मुख स्वास्थ्य सहयोगी नेटवर्क का आयोजन किया गया।

31. अमेरेकिन एकेडमी ऑफ डेंटिस्ट्री एवं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजी द्वारा 7-10 नवंबर 2024 को नई दिल्ली के लीला एम्बिएंस कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल अमेरिकन एकेडमी ऑफ इम्प्लांट डेंटिस्ट्री और वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजी की संगठन समिति (प्रकाशन समिति) का आयोजन किया गया।

32. दिनांक 12-13 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्य योजना (एनओएचपी) 2023-2030 के निगरानी ढांचे पर चर्चा के लिए एनओएचपी के तहत चौथी राष्ट्रीय संचालन समूह बैठक तथा इन्हें ग्लोबल ओरल हेल्थ एक्शन प्लान (जीओएचएपी) 2023-2030 के साथ संरेखित करना।

33. दिनांक 12-13 नवंबर, 2024 तक दं.शि.अ.कें. एम्स, नई दिल्ली में नेशनल रेफरल एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट फार हाइयर डेन्टल स्टडीज (एनएआरआईडीएस) में राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम की 4थी राष्ट्रीय संचालन समूह बैठक का आयोजन।

34. दिनांक 14 नवंबर 2024 को आर.के.पुरम स्थित नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लाइंड स्कूल में मुख स्वास्थ्य जांच।

35. दिनांक 20-22 नवंबर 2024 तक एम्स, नई दिल्ली में 'प्राकतिक दांत तथा दंत प्रत्यारोपण के आसपास नरम ऊतक वृद्धि के लिए माइक्रोसर्जिकल टनलिंग फ्लैप्स' पर कार्यशाला

36. दिनांक 14-27 नवंबर, 2024 तक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में आम जनता के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एनओएचपी बूथ पर मुख स्वास्थ्य जांच तथा इसका प्रचार-प्रसार किया गया।

37. दिनांक 21-24 नवंबर, 2024 तक सीके कन्वेंशन सेंटर, विजयवाड़ा में 52वें भारतीय प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी में टेबल क्लिनिक की अध्यक्षता।

38. दिनांक 24 नवंबर ,2024 को नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से "मुख कैंसर स्क्रीनिंग तथा रोकथाम तकनीक" पर व्यावहारिक कार्यशाला।

39. दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को एम्स में मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग द्वारा चिप फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से कार्यशाला -"एनएनवीईएसएचएएन : भारत में कैंसर का शीघ्र पता लगाना: वर्तमान परिदृश्य तथा भविष्य की दिशाओं पर एक स्टेकहोल्डर का दृष्टिकोण"।

40. दिनांक 16 जनवरी, 2025 को एम्स दिल्ली में "मुख कैंसर का शीघ्र पता लगाने तथा रोकथाम की नीति बनाना: भारत में कैंसर के भार को कम करना" विषय पर कार्यशाला।

41. दिनांक 12 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में एआईसीओई ओरल कैंसर कॉहोर्ट्स तथा एमआईडीएएस पर कार्यशाला।

42. दिनांक 13 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में तीसरी एम्स ओरल मुख विकृति विज्ञान संगोष्ठी - "कौशल निर्माण कार्यशाला" का आयोजन।

43. दं.शि.अ.कें., एम्स, नई दिल्ली में 13-14 फरवरी 2025 तक नेशनल रेफरल एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट फार हाइयर डेन्टल स्टडीज (एनएआरआरआईडीएस) बैठक का आयोजन।

44. दिनांक 13-14 फरवरी, 2025 को एनओएचपी के तहत राज्य नोडल अधिकारियों द्वारा राज्यों की प्रगति पर चर्चा तथा प्रस्तुति तथा एचआईएमएस के लिए राज्य नोडल अधिकारियों का उन्मुखीकरण करना।

10.2_.indd 1099 1/7/2026 2:26:25 PM

45. दिनांक 15 फरवरी, 2025 को कक्षा मॉनिटरों के लिए मुख स्वास्थ्य संवर्धन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

46. दिनांक 17 फरवरी, 2025 को कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए मुख स्वास्थ्य संवर्धन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

47. दिनांक 19-21 फरवरी, 2025 तक नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वाइटल पल्प थेरेपी संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया गया।

48. दिनांक 18 मार्च, 2025 को सफाई कर्मचारियों के लिए मुख स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, मुख कैंसर तथा तंबाकू निषेध संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन।

49. दिनांक 21 मार्च, 2025 को बाल कैंसर रोगियों के लिए मुख स्वास्थ्य जागरूकता तथा प्रचार गतिविधियों का आयोजन किया गया।

50. दिनांक 21-22 मार्च, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में 'डेंटल प्रोफेशनल्स के लिए व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटा-विश्लेषण' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

51. दिनांक 24 मार्च, 2025 को बाल चिकित्सा विभाग, मातृ एवं शिशु ब्लॉक में बच्चों के लिए मुख स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया।

52. दिनांक 25 मार्च, 2025 को अस्पताल परिचारकों के लिए मुख स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, मुख कैंसर तथा तंबाकू निषेध संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

53. दिनांक 27 मार्च, 2025 को विशेष - पालना, दिल्ली बाल कल्याण परिषद के लिए मुख स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता।

सीएमई, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान (नामित व्याख्यानों को छोड़कर सभी व्याख्यान, आमंत्रित वार्ता, पूर्ण सत्र व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान यहां सूचीबद्ध किए गए हैं)

प्रदत्त व्याख्यान: 162

रितु दुग्गल: 3	**अजय रॉय चौधरी: 10**	**विजय प्रकाश माथुर: 14**
अजय लोगानी: 8	**देवलिना गोस्वामी: 3**	**दीपिका मिश्रा: 33**
कल्पना बंसल: 3	**अमृता चावला: 2**	**राहुल यादव: 2**
नितेश तिवारी: 31	**शालिनी गुप्ता: 1**	**हर्ष प्रिया: 12**
कुणाल ढींगरा: 1	**विलास समृत: 1**	**विकेंदर सिंह: 6**
सिद्धार्थ शर्मा: 4	**मोरंकर राहुल: 2**	**अनिका डावर: 1**
भारती एम पुरोहित: 11	**वरुण सूर्या: 13**	**राजीव बी: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
140	189	162

10.2_.indd 1100 1/7/2026 2:26:25 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 95

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
52	143	95

अनुसंधानात्मक वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारतीय लोक अस्पतालों में एकीकरण के लिए सर्वश्रेष्ठ आर्ट स्माइल डिजाइनिंग उपकरण के रूप में 3डी प्रिंटेड एलाइनर्स, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, 3.5 वर्ष, 2022-2025, 38.26 लाख रुपये
2. इम्प्लांट लगाने से पहले गाइडेड बोन रीजनरेशन और प्लेटलेट-रिच फाइब्रिन के साथ एलोजेनस या ऑटोजेनस ब्लॉक ग्राफ्ट का उपयोग करके एल्वियोलर वन ऑग्मेंटेशन का क्लिनिकल, रेडियोग्राफिकल, हिस्टोलॉजिकल तथा हिस्टोमोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. अरुण कुमार एन, अर्ली कैरियर इंट्रा म्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये
3. ओरल माइक्रोबायोम बदलावों, लार के माइक्रोआरएनए बायोमार्करों तथा तंबाकू निषेध अनुपालन के आधार पर ओरल ल्यूकोप्लाकिया के प्रगतिशील पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए एक अनुदैर्ध्य पूर्वानुमानित अध्ययन, डॉ दीपिका मिश्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 50.98 लाख रुपये
4. बच्चों में दंत क्षय की नैदानिक तथा लागत-प्रभावशीलता निवारक उपाय - एक सामुदायिक परीक्षण, डॉ. भारती एम. पुरोहित, एम्स संकाय-सदस्यों के लिए इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2025-2027, 6 लाख रुपये
5. कटे होंठ तथा तालू वाले रोगियों में अनुप्रस्थ सुधार के लिए एलाइनर्स और क्वाडहेलिक्स उपकरण के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. राजीव बी, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजनाएं, 2 वर्ष, 2023-2025, 3.46 लाख रुपये
6. मल्टीपल एडजेसेंट जिंजिवल रीसैशन के उपचार के लिए संशोधित कोरोनली उन्नत फ्लैप के साथ संयोजी ऊतक ग्राफ्ट बनाम वॉल्यूम-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स का उपयोग करके परिणामों की तुलना: आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. विकेंदर सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 42.98 लाख रुपये।
7. मल्टीपल एडजेसेंट जिंजिवल रीसैशन के उपचार के लिए संशोधित कोरोनली उन्नत फ्लैप के साथ संयोजी ऊतक ग्राफ्ट बनाम वॉल्यूम-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स का उपयोग करके परिणामों की तुलना: आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. विकेंदर सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 19.91 लाख रुपये
8. कठिन एयरवे वाले बच्चों में इंट्यूबेटिंग स्थितियों के लिए ट्रांसओरल बनाम ट्रांसनासल ह्यूमिडीफाइड रैपिड-इन्सफ्लेशन वेंटिलेटरी एक्सचेंज की तुलना: एक संभावित, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, डॉ. देवलिना गोस्वामी, आईसीएमआर (आईसीएमआर परियोजना आईडी आईआईआरपी-2023-6867/ एफ 1), 3 वर्ष, 2023-2026, 99 लाख रुपये

10.2_.indd 1101 1/7/2026 2:26:25 PM

9. मुख कैंसर की जांच एवं इसका शीघ्र पता लगाने के लिए एक सुरक्षित, पोर्टेबल, किफायती, गैर-आक्रामक, पॉइंट ऑफ केयर डिजिटल इन्फ्रारेड इमेजिंग सिस्टम का डिजाइन तथा विकास: एक खोजपूर्ण पायलट अध्ययन, डॉ. शालिनी गुप्ता, आईसीआरसी, आईसीएमआर टास्क फोर्स परियोजना, 3 वर्ष, 2023-2026, 113.66 लाख रुपये

10. ऑक्लूसल कैरीज़ का पता लगाने तथा इसको वर्गीकृत करने के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली का विकास तथा मूल्यांकन, डॉ. अमृता चावला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 55.77 लाख रुपये

11. कैंसर तथा मुख एवं मुख-ग्रसनी क्षेत्र के संभावित घातक विकारों वाले रोगियों में उच्च जोखिम वाले मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला विकसित परीक्षण (एलडीटी) का विकास एवं सत्यापन, डॉ. राहुल यादव, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये

12. शुरूआती मुख कैंसर निदान के लिए कम लागत वाले मल्टीमॉडल ऑप्टिकल इमेजिंग माइक्रोस्कोपिक उपकरण का विकास, डॉ. वरुण सूर्या, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 38.96 लाख रुपये

13. नॉनसर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी के दौरान तेजी से माइक्रोबियल पहचान के लिए एक प्रोटोटाइप लैब-ऑन-ए-चिप का विकास, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा डॉ. संदीप झा (आईआईटी दिल्ली), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 70.63 लाख रुपये

14. ट्रेडिशनल नॉन-इनवेंसिव पल्प वाइटैलिटी परीक्षण विधियों के विकल्प के रूप में एक वस्तुनिष्ठ बायोइम्पेडेंस आधारित नॉन-इनवेंसिव पल्प वाइटैलिटी परीक्षण उपकरण का विकास, डॉ. मोरंकर राहुल, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये

15. स्वदेशी डिजिटल दंत चिकित्सा समाधान का विकास, डॉ. रितु दुग्गल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2023-2026, 143.72 लाख रुपये

16. जैव प्रौद्योगिकी से प्रेरित कार्यात्मक लैटिस संरचनाओं के साथ रोगी-विशिष्ट एडिटिवली निर्मित मैंडिबुलर प्रत्यारोपण का विकास, डॉ. अजय रॉय चौधरी, इंडो जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, 3 वर्ष, 2022-2025, 90 लाख रुपये

17. भारतीय जलवायु के लिए उपयुक्त उन्नत गुणों वाले मैक्सिलोफेशियल फेशियल प्रोस्थेसिस के लिए रूम टेम्परेचर वल्केनाइजिंग (आरटीवी) सिलिकॉन का विकास, आईआईटी, डीटीएस के साथ सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2023-2025, 50 लाख रुपये।

18. पेडोडोंटिक्स में दांतों के रेस्टोरेशन के लिए पारदर्शी स्ट्रिप क्राउन का विकास, डॉ. विजय माथुर, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये।

19. पारंपरिक पद्धति की तुलना में स्मार्ट फोन आधारित शैक्षिक ऐप की प्रभावशीलता

20. कीमोथेरेपी करवा रहे बाल रोगियों में दंत क्षय की रोकथाम में फ्लोराइड वार्निश की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. हर्ष प्रिया, अन्वेषक - आरंभिक अनुसंधान प्रस्ताव आईसीएमआर लघु बाह्य अनुदान, 2 वर्ष, 2025-2027, 50 लाख रुपये

21. प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग में मुख कैंसर का शीघ्र पता लगाने तथा जोखिम-आधारित ओपीएमडी उपचार प्रोटोकॉल के विकास के लिए ओपीएमडी में गैर-आक्रामक सहायक का मूल्यांकन, डॉ. शालिनी गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 382.99 लाख रुपये।

22. मैक्सिलरी एंटीरियर क्षेत्र में सॉकेट शील्डिंग तकनीक (एसएसटी) तथा पारंपरिक तकनीक (सीटी) द्वारा लगाए गए तत्काल दंत प्रत्यारोपण के आसपास पेरिइम्प्लांट क्रेविकुलर द्रव (पीआईसीएफ) में

10.2_.indd 1102 1/7/2026 2:26:25 PM

ओस्टियोकैल्सिन और मेटालोप्रोटीनेज 8 के स्तर का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, डॉ. धीरज कुमार कोली, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 8.60 लाख रुपये

23. भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए तंबाकू से होने वाले मुख संबंधी घावों के लिए मेडिकल इमेजिंग डेटासेट तैयार करना, डॉ. दीपिका मिश्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 296.27 लाख रुपये

24. अस्थि-एकीकरण का मूल्यांकन करने के लिए खरगोश के फीमर पर जैव प्रौद्योगिकी से प्रेरित कार्यात्मक लैटिस संरचनाओं के साथ योगात्मक रूप से निर्मित छिद्रयुक्त प्रत्यारोपण का प्रत्यारोपण: टेम्पोरोमैंडिबुलर प्रोस्थेसिस के लिए टाइटेनियम छिद्रयुक्त लैटिस को मान्य करने के लिए चरण-II अध्ययन, डॉ. अजय रॉयचौधरी, आईसीएमआर मध्यवर्ती अनुदान, 3 वर्ष, 2025-2027, 700 लाख रुपये।

25. भारतीय जनसंख्या में ओडोन्टोजेनिक सिस्ट तथा ट्यूमर का आणविक लक्षण वर्णन, डॉ. वरुण सूर्या, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये।

26. भारतीय आबादी में ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में इंट्राट्यूमरल विषमता तथा नए बायोमार्कर का पता लगाने के लिए मल्टीरीजन सीक्वेंसिंग: केस नियंत्रण अध्ययन, डॉ. दीपिका मिश्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 52.14 लाख रुपये।

27. राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. रितु दुग्गल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2014-जारी वर्तमान, 2014, के समझौता ज्ञापन के अनुसार।

28. डेंटल ट्रॉमा स्प्लिंट प्रोटोटाइप का अनुकूलन, नैदानिक सत्यापन तथा उत्पाद प्राप्ति, डॉ. अजय लोगानी डॉ. सुरेश नीलकांतन (आईआईटी दिल्ली), डीएसटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 91.94 लाख रुपये।

29. फोटोनिक्स4लाइफ, यूटीएफओआरएसके कार्यक्रम, डॉ. दीपिका मिश्रा, यूआईटी, नॉर्वेजियन शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय (डिकू), 3 वर्ष, 2025-2027, 242,42,907 रुपये (3 मिलियन क्रोनर) प्रतीक्षित धनराशि।

30. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) की प्रगति में इंट्रा-ट्यूमरल माइक्रोबायोम की भूमिका, डॉ. शालिनी गुप्ता, आईसीएमआर एक्स्ट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2023-2026, 49.85 लाख रुपये

31. दिशा-निर्देशों के लिए साक्ष्य हेतु तकनीकी संसाधन केंद्र, डॉ. कुणाल ढींगरा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, 60 लाख रुपये।

32. मध्यम ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में पारंपरिक नॉन-इनवेसिव उपचार बनाम अधिकतम अंतःस्रावी मुंह खोलने पर 940एनएम डायोड लेजर के साथ फोटोबायोमॉड्यूलेशन के सहायक प्रभाव को निर्धारित करने और तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ शालिनी गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल कोलैबोरेटिव, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये।

33. उखड़े हुए स्थायी दांतों के ऑटोलॉगस पुनर्रोपण को सक्षम करने के लिए पीरियोडॉन्टल लिगामेंट फाइब्रोब्लास्ट की संभाव्यता बढ़ाने हेतु एक नवीन स्टोरेज माध्यम विकसित करना, डॉ. अमृता चावला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 73.44 लाख रुपये

10.2_.indd 1103 1/7/2026 2:26:25 PM

34. टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट एंकिलोसिस से ग्रस्त वयस्क आबादी में रेमस कॉन्डाइल यूनिट पुनर्निर्माण में ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रैक्शन ऑस्टियोजेनेसिस की प्रभावकारिता और स्थिरता का मूल्यांकन करना, डॉ. राहुल यादव, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2027, 270 लाख रुपये,

35. डे केयर सेंटरों में बच्चों के मुख स्वास्थ्य में सुधार के लिए - एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. कल्पना बंसल, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2023-2026, 52.80 लाख रुपये।

36. अभिघातज प्रत्यारोपण चोट: परिमित तत्व विश्लेषण तथा उसका यांत्रिक सत्यापन, डॉ. नितेश तिवारी, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये

अनुसंधानात्मक वित्तपोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. "दंत अस्थि दोष के लिए 3डी-स्कैफोल्ड मैट्रिक्स (अस्थि प्रत्यारोपण) की सुरक्षा सहनशीलता तथा प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एकल केंद्र ओपन-लेबल यादृच्छिक तुलनात्मक पायलट अध्ययन", डॉ. अजय रॉयचौधरी, डीबीटी/आईआईटी, 2 वर्ष, 2023-2024, 35 लाख रुपये

2. मुख कैंसर तथा डिस्प्लेसिया का पता लगाने के लिए फ्लूरेसेंस आधारित माइक्रोएंडोस्कोपी और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के नोवल उपयोग का अन्वेषण करना।, डॉ. दीपिका मिश्रा, एम्स-आईआईटी-दिल्ली अंतर-संस्थागत सहयोगीअनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2022, 20 लाख रुपये।

3. ओरल एण्ड मैक्सिलोफेशियल को प्रभावित करने वाले फाइब्रो-ऑसियस घावों का आणविक तथा प्रतिरक्षाविज्ञानी लक्षण-वर्णन, डॉ. दीपिका मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

4. संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण तथा माइक्रोएरे द्वारा नॉन-सिंड्रोमिक पियरे रॉबिन अनुक्रम रोगियों की अनुवांशिक प्रोफाइलिंग, डॉ. दीपिका मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, 2017-2018, 5 लाख रुपये।

5. बच्चों में दंत रोगों की रोकथाम के लिए मोबाइल ऐप का विकास, डॉ कल्पना बंसल, एम्स इंट्रा-म्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2024, 8 लाख रुपये

6. क्लास-II पोस्टीरियर रेस्टोरेशन के लिए सिल्वर अमलगम के विकल्प के रूप में दांत के रंग की धातु मुक्त स्व-उपचारित रोजिन आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित पायलट अध्ययन डॉ. अमृता चावला, इंट्राम्यूरल एम्स, 3 वर्ष, 2017-2019, 5 लाख रुपये।

7. सिर तथा गले के कैंसर पीड़ित रोगियों में विकिरण के बाद होने वाले क्षरण की रोकथाम में नोवेन सेल्फ-एसेम्बलिंग पेप्टाइड मैट्रिक्स (एसएपीएम): यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. विजय कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 35 लाख रुपये

8. खेल सत्र में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के 10-18 वर्ष के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की रोकथाम हेतु कस्टम-फैब्रिकेटेड माउथ-गार्ड के साथ खेल के दौरान लगने वाली दंत चोट से निवारण (एमएसआईपी) के लिए मॉड्यूल का तुलनात्मक मूल्यांकन तथा एमएसआईपी का संयोजन: एक यादृच्छिक नियंत्रण समूह परीक्षण, डॉ. नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 42 लाख रुपये।

10.2_.indd 1104 1/7/2026 2:26:25 PM

9. मुख के संभावित घातक विकारों में उनके नैदानिक और आणविक विशेषताओं के साथ गैर-आक्रामक विधि का उपयोग करके वर्तमान तथा लगातार मुख संबंधी एचपीवी संक्रमण का पता लगाना, डॉ. शालिनी गुप्ता, आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल, 3 वर्ष, 2021-2024, 49.39 लाख रुपये

10. ऑर्थोडोंटिक उपचार के बाद इंटरडेंटल पैपिला पुनर्निर्माण के लिए अनुकूलित संयोजी ऊतक ग्राफ्ट या वॉल्यूम-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स के साथ माइक्रोसर्जिकल इंटरप्रॉक्सिमल टनलिंग: एक स्प्लिट-माउथ, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कुणाल ढींगरा, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जन ऑफ ग्लासगो (टीसी व्हाइट इंटरनेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग अवार्ड), 1 वर्ष, 2023-2024, 5 लाख रुपये

11. रिज संरक्षण के लिए इंजेक्टेब्ल प्लेटलेट रिच फाइब्रिन" के साथ मिश्रित ऑटोजन टूथ बोन ग्राफ्ट का क्लीनिकल, हिस्टोगोर्फोमोट्रिक तथा 3-आयामी कोन बीम कंप्यूटर टोमोग्राफिक विश्लेषण डॉ. विकेंदर सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 8.90 लाख रुपये

12. प्री-क्लीनिकल एंडोडॉन्टिक परीक्षण के लिए शारीरिक जटिलता के साथ 3डी मुद्रित दांत प्रोटोटाइप का विकास और जाँच, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, इंट्राम्यूरल एम्स, 1 वर्ष, 2021-2024, 4.48 लाख रुपये

13. इंट्राम्यूरल परियोजना शीर्षक "रूट कैनाल कीटाणुशोधन हेतु उपयोग किए जाने वाले इंट्राकैनल औषधियों की साइटोटॉक्सिसिटी तथा एपिकल पैपिला से स्टेम कोशिकाओं की क्षमता प्रसार और विभेदन पर उनका प्रभाव"- एक इन-विट्रो अध्ययन" ऑपरेटिव अनुमोदन संख्या एफ.8.A840/2020/RS, डॉ. मोरनकर राहुल, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

14. एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम जीन बहुरूपता और पेरिडोंटाइटिस में उनकी अभिव्यक्ति - उत्तर भारतीय जनसंख्या पर एक आनुवंशिक अध्ययन, डॉ. अनिका दावर, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 16.50 लाख रुपये

15. सीरम तथा लार मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग और न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा पेरियोडोंटाइटिस में संभावित बायोमार्करों की पहचान, डॉ अनिक दावर, एम्स इंट्राम्यूरल प्रारंभिक करियर, 2 वर्ष, 2022-2024, 9.20 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. जोखिम स्तरीकरण के लिए मुख के संभावित घातक विकारों तथा मुख कैंसर की एआई-सक्षम प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग।

2. टीएमजे एंकिलोसिस के रोगी में टीडीडीओ तथा सीसीजी के साथ किए गए आरसीयू के ऑटोजेनस पुनर्निर्माण की ईएमजी गतिविधि अस्थिसमेकन एवं दांत से काटने की शक्ति अस्थिसमेकन एक तुलनात्मक मूल्यांकन द्वारा

3. टीएमजे एंकिलोसिस से पीड़ित रोगियों में ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रैक्शन अस्थिजनन एवं कॉस्टो कॉन्ड्रल ग्राफ्टिंग के साथ किए गए रैमस कॉन्डाइल यूनिट के ऑटोजेनस पुनर्निर्माण के ईएमजी गतिविधि और दांत से काटने के बल द्वारा तुलनात्मक मूल्यांकन।

4. पीरियोडॉन्टल इंडेक्स (बीओपी, पीडी, पीआई) और जिंजिवल बायोमार्कर अर्थात् टीएनएफ-α तथा आईएल-1β का उपयोग करके पारंपरिक रूप से पॉलिश किए गए ज़िरकोनिया क्राउन के साथ अल्ट्रा-पॉलिश्ड जिरकोनिया क्राउन तुलना के सीमेंटेशन के बाद पेरी-इम्प्लांट म्यूकोसल स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्षीय स्प्लिट-माउथ यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

10.2_.indd 1105 1/7/2026 2:26:25 PM

5. मेनडिबल रोगियों के जबड़े के अस्थिभंग से उपचारित मेनडिबल रोगियों के यूनिलेटरल सब-कोंडायल फ्रैक्चर के व्यापक गतिज परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

6. बाल चिकित्सा तथा वयस्क टेम्पोरोमैंडिबुलर जोइंट एंकिलोसिस में रैमस-कॉन्डाइल यूनिट पुनर्निर्माण के लिए ट्रांसपोर्ट डिस्क डिस्ट्रैक्शन ऑस्टियोजेनेसिस के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्वानुमानित अध्ययन (आरसीयू)

7. ट्रांसपोर्ट डिस्क विकर्षण के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्वानुमानित अध्ययन बाल चिकित्सा और वयस्क टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त एंकिलोसिस में रैमस-कॉन्डाइल यूनिट पुनर्निर्माण आरसीयू के लिए अस्थिजनन टीडीडीओ।

8. दिव्यांग व्यक्तियों में दंत चिकित्सा उपचार तक पहुँच: एक व्यवस्थित समीक्षा साक्ष्य आधारित दंत चिकित्सा।

9. वर्चुअल सर्जिकल प्लान (वीएसपी) और ओस्टियोटॉमी के हस्तांतरण में रोगी-विशिष्ट कटिंग गाइड तथा प्रत्यारोपण बनाम जीनियोप्लास्टी एवं प्रत्यारोपण की पारंपरिक तकनीक सटीकता की तुलना करने के लिए एक महत्त्वकांक्षी अध्ययन

10. दर्दनाक दांत चोटों से प्रभावित बच्चों तथा किशोरों में मुख स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन।

11 ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के रोगी में ग्रसनी आयतन एपनिया हाइपोपनिया इंडेक्स और मालमपट्टी स्कोर पर मैक्सिलोमैंडिबुलर एडवांसमेंट के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन,

12. मुख म्यूकोक्यूटेनियस घावों के वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: एक संभावित अध्ययन।

13. ऑर्थोडोंटिक उपचार के दौरान टेम्पोरोमैंडिबुलर विकार की शुरुआत तथा घटना का आकलन - एक अवलोकन अध्ययन।

14. स्थायी परिपक्व दांतों में न्यूट्रोफिल बाह्यकोशिकीय जाल की सांद्रता एवं पल्पोटॉमी के परिणाम के बीच संबंध, लक्षणात्मक अपरिवर्तनीयता के साथ पल्पाइटिस - एक संभावित समूह अध्ययन

15. पोस्ट ट्रोमिक रिसिड्यूल आरेबिटल फ्लोर दोष के पुनर्निर्माण में रोगी-विशिष्ट प्रत्यारोपण बनाम पूर्वनिर्मित स्टॉक ओरबिट प्रत्यारोपण का उपयोग करके ओरबिट वोल्यूम का तुलनात्मक विश्लेषण दोष: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

16. क्रोनिक एपिकल फोड़े वाले दांतों में की जाने वाली एकल और बहु (दो) विजिर गैर-सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी का तुलनात्मक सीबीसीटी आधारित परिणाम: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण.

17. पॉलिश किए गए सीएडी-सीएएम निर्मित पारभासी ज़िरकोनिया के ऑक्लूसल घिसाव, पॉलिश हीट प्रेसड लिथियम डिसिलिकेट क्राउन तथा नेचुरल एंटोगोनिस्ट एनेमल का तुलनात्मक मूल्यांकन - ए स्पिलिट माउथ अध्ययन।

18. सीमांत और कंप्यूटर द्वारा डिजाइन किए गए मिल्ड तथा 3डी प्रिंटेड अनंतिम पीएमएमए आधारित क्राउन का आंतरिक फिट का तुलनात्मक मूल्यांकन - ए स्पिलिट माउथ यादृच्छिक परीक्षण।

19. मिलिंग और 3डी प्रिंटिंग द्वारा कंप्यूटर द्वारा डिज़ाइन किए गए पॉलीमेथिल मैथेक्रिलेट (पीएमएमए) प्रोविजनल क्राउन मुद्रण के ऑक्लूसल वियर का तुलनात्मक मूल्यांकन: ए स्पिलिट माउथ यादृच्छिक परीक्षण।

10.2_.indd 1106 1/7/2026 2:26:25 PM

20. कंप्यूटर द्वारा डिजाइन किए गए पॉलीमेथिल मेथैक्रिलेट (पीएमएमए) मिल्ड तथा 3डी प्रिंटेड प्रोविजनल क्राउन में आईएल-6 एवं आईएल-1 बीटा स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन: ए स्पिलिट अध्ययन।

21. प्राइमरी दाढ़ का समय से पहले ढीला होने की समस्या से पीड़ित बच्चों में पारंपरिक और पूर्वनिर्मित बैंड और लूप स्पेस मैंटेनर के लिए रोगी की स्वीकृति का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

22. -परिपक्व स्थायी दांतों में गैर-सहज लक्षणात्मक पल्पाइटिस सहित अत्यंत गहरे क्षयग्रस्त घाव के उपचार के लिए चयनात्मक क्षरण निष्कासन और आंशिक पल्पोटॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

23. प्राथमिक दाढ़ में सिल्वर मॉडिफाइड एट्रॉमेटिक रिस्टोरेटिव ट्रीटमेंट (एसएमएआरटी) के एकल बनाम दो विजिट प्रोटोकॉल की सफलता का तुलनात्मक मूल्यांकन

24. जनरल एनेस्थीसिया के तहत एयरवे उपचार के दौरान नासोफेरींजल एयरवे बनाम नाक प्रवेशनी बनाम थ्राइव द्वारा एप्नोइक ऑक्सीजनेशन की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

25. मैंडिबुलर रेट्रोग्नाथिज्म वाले बढ़त रोगियों मैंडिबुलर इंसिसर इंक्लिनेशन में ऐक्रेलिक कैपिंग के साथ ट्विन-ब्लॉक सहित ऐक्रेलिक कैपिंग और पर एमसी नैमारास संशोधन के साथ ट्विन-ब्लॉक के प्रभावों की तुलना का संशोधन

26. ऑर्थोडोंटिक दांत की मूवमेंट पर प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा की दो अलग-अलग सांद्रता के प्रभावों की तुलना: एक संभावित स्पिलिट-माउथ अध्ययन।

27. प्रत्यारोपण पुनर्वास में पारंपरिक प्रोटोकॉल और टेंटपोल तकनीक के बीच नरम ऊतक वॉल्यूमेट्रिक परिवर्तन की तुलना - ए स्पिलिट-माउथ, पायलट अध्ययन

28. स्थायी अग्र दांतों की एंडोडॉन्टिक माइक्रोसर्जरी के दौरान दो रूट एंड फिलिंग तकनीकों की तुलना: एक समानांतर डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

29. प्रभावित मेसिओएंगुलर तीसरी दाढ़ के सर्जिकल निष्कर्षण के बाद 10 मिलीग्राम मेलाटोनिन की एकल प्रीऑपरेटिव खुराक बनाम 20 मिलीग्राम प्रेडनिसोलोन के बाद पोस्टऑपरेटिव दर्द की तुलना

30. थाइरोमेंटल दूरी और ग्लोटिस के माध्यम से नासोट्रेकियल ट्यूब को पार करने में होने वाली आसानी के बीच सहसंबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

31. पीड़ित की आयु, लिंग एवं पहचान को निर्धारित करने के लिए सीटी स्कैन से डेटा प्राप्त करने हेतु एआई आधारित एल्गोरिदम का विकास तथा अनुप्रयोग।

32. पल्पोटॉमी के बाद पल्प संवेदनशीलता मूल्यांकन के लिए थर्मल और इलेक्ट्रिक पल्प परीक्षणों की नैदानिक सटीकता - एक हिस्टोमोर्फोमेट्रिक अध्ययन।

33. एम्स, नई दिल्ली के दंत स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले वयस्क तंबाकू सेवनकर्ताओं के बीच आहार विविधता, मुख स्वास्थ्य और संबंधित कारक

34. बच्चों तथा किशोरों में मुख स्वास्थ्य संबंधी पूर्वानुमानों पर पारिवारिक सामंजस्य का प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा।

10.2_.indd 1107 1/7/2026 2:26:26 PM

35. लक्षणात्मक अपरिवर्तनीय पल्पिटिस तथा पर्कशन के प्रति संवेदनशील स्थायी परिपक्व मैंडिबुलर मोलर दांतों में किए गए पूर्ण पल्पोटॉमी के परिणाम और ऑपरेशन के बाद के दर्द पर ऑक्लूसल रिडक्शन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

36. एपिथेलाइज्ड तालु ग्राफ्ट हार्वेस्टिंग के बाद दाता स्थल पर घाव भरने और रोगी की रुग्णता पर तीन अलग-अलग माउथवॉश का प्रभाव- एक ट्रिपल-ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

37. दंतविहीन रोगियों में डेन्चर की अवधारण और काटने की शक्ति पर डेंचर आसंजक के पाउडर और क्रीम के प्रकार का प्रभाव:- एक क्रॉसओवर अध्ययन

38. दंत-चिकित्सा से उपचारित रोगियों में दोहरे प्रतिधारण बनाम एकल प्रतिधारण प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

39. सीबीसीटी का उपयोग करके आगे के दांतों का सामूहिक निष्कासन के दौरान घर्षण एवं घर्षण रहित यांत्रिकी की प्रभावशीलता एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

40. बच्चों तथा किशोरों में स्कूल में मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों की प्रभावशीलता: एक अम्बरेला समीक्षा.

41. ट्वीड फाउंडेशन मानकों के आधार पर विभेदक निदान विश्लेषण प्रणाली के लिए उत्तर भारतीय-विशिष्ट मानदंड स्थापित करना।

42. विभिन्न समय अंतरालों पर मसूड़ों के दरारी द्रव (जीसीएफ) में आईएल-6 और टीएनएफ-α स्तर पर पारभासी ज़िरकोनिया तथा लिथियम डिसिलिकेट क्राउन का मूल्यांकन तथा तुलना: ए स्पिलिट माउथ तुलनात्मक पायलट अध्ययन।

43. अपरिवर्तनीय पल्पिटिस लक्षणों वाले क्षयग्रस्त स्थायी परिपक्व मैंडिबुलर दाढ़ के दांतों में की गई वैकल्पिक पल्पोटॉमी तकनीक का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

44. एट्रोफिक पोस्टीरियर मैक्सिला के पुनर्वास के लिए 3डी-निर्देशित टेरिगॉइड प्रत्यारोपण के नैदानिक परिणाम का मूल्यांकन: एक संभावित अध्ययन

45. कैंसर रोधी चिकित्सा के एक भाग के रूप में कीमोथेरेपी और/अथवा रेडियोथेरेपी प्राप्त करने वाले कैंसर से स्वस्थ हुए लोगों में दंत पल्प कैल्सीफिकेशन का मूल्यांकन।

46. ऑर्थोडोंटिक रोगी में दांतों की मूवमेंट की दर पर पीआरपी के बूस्टर इंजेक्शन के प्रभाव का मूल्यांकन: ए स्पिलिट माउथ अध्ययन

47. ऑर्थोडॉन्टिक रोगियों में सामूहिक वापसी की दर पर इंजेक्शन योग्य प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन की तुलना में केंद्रित प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन, एक त्रि-भुजा यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

48. नवजात शिशुओं में समय से पहले निकले दांतों की ऊतक वैज्ञानिक विशेषताओं का मूल्यांकन - एक प्रायोगिक अन्वेषणात्मक अध्ययन।

49. मैंडिबुलर डिसआर्टिक्यूलेशन रिसेक्शन के उपचार में टेम्पोरोमैंडिबुलर जोइंट रिप्लेसमेंट (ई-टीजेआर): एक संभावित-कोहोर्ट अध्ययन

50. हिस्टोपैथोलॉजी आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता घातक परिवर्तन, घाव की प्रगति और मुख संभावित घातक विकारों में रोगी के जीवित रहने का पूर्वानुमान लगाने में सक्षम बनाती हैं।

10.2_.indd 1108 1/7/2026 2:26:26 PM

51. लक्षणात्मक अपरिवर्तनीय पल्पिटिस वाले दांतों में पूर्ण पल्पोटॉमी के परिणाम पर टाइप 2 मधुमेह का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन

52. मुख संभावित घातक विकारों एवं मुँह के कैंसर में एआई आधारित जोखिम स्तरीकरण तथा रोग का पूर्वानुमान लगाने के लिए लक्षित जीनोमिक सिग्नेचरों और ऊतक वैज्ञानिक विशेषताओं का एकीकरण,

53. एंकिलोसिस से पीड़ित रोगियों में टेम्पोरोमैंडिबुलर जबड़े के प्रतिस्थापन के बाद क्रिनिमेटिक जबड़े का विश्लेषण।

54. पूर्ण पल्पोटॉमी के साथ स्थायी मैंडिबुलर मोलर दांतों में ऑक्लूसल बाइट फोर्स का मापन: एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन

55. उत्तर भारत के तृतीयक उपचार केंद्र में गंभीर से लेकर गहन श्रवण क्षमता हानि वाले बच्चों और किशोरों में ट्रोमिक दंत चोटों की व्यापकता तथा पैटर्न।

56. प्राइमरी दांतों के निकलने के दौरान दांत निकलने संबंधी समस्याओं की व्यापकता - एक संभावित समूह अध्ययन

57. टेम्पोरोमैंडिबुलर विकारों के लिए नैदानिक मानदंडों सहित मूल्यांकित किए गए संभावित ऑर्थोडोंटिक रोगियों में टेम्पोरोमैंडिबुलर विकारों की व्यापकता: एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।

58. मैंडिबल में संशोधित प्लेसमेंट के साथ मानक इलियाक ग्राफ्ट प्लेसमेंट में अस्थि निर्माण की रेडियोग्राफिक तुलना-एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

59. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: मेन्डिबुलर तीसरे मोलर निष्कर्षण के बाद पोस्टऑपरेटिव पीड़ा उपचार में प्रीऑपरेटिव मेलाटोनिन बनाम प्रेडनिसोलोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना

60. ओरल डिस्प्लेसिया के घातक परिवर्तनों में आईजीएफ-1आर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका।

61. प्राइमरी दांतों में गहरे क्षरणग्रस्त घावों के निदान और उपचार के लिए एएपीडी दिशा-निर्देशों के आधार पर नैदानिक निर्णय समर्थन उपकरण (सीडीएसटी) को विकसित और मान्य करना।

62. मैक्सिलरी रिपेयर सर्जरी में इंट्राऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्राज़ीगोमैटिक मैक्सिलरी नर्व ब्लॉक - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

विभागीय परियोजनाएँ (शोध-पत्र/शोध प्रबंध सहित)

पूर्ण

1. मैक्सिलरी पूर्ववर्ती क्षेत्र में सॉकेट शीट तकनीक तथा पारंपरिक तकनीक का उपयोग करके लगाए गए तत्काल प्रत्यारोपण में क्षारीय फॉस्फेट के स्तर और प्रत्यारोपण स्थिरता भागफल का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण जिसमें इंट्राकैनल मेडिकेमेंट के रूप में कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड तथा ट्रिपल एंटीबायोटिक पेस्ट का उपयोग करके अपरिपक्व गैर-महत्वपूर्ण स्थायी दांतों में रिवर्सक्यूलरिजेशन के परिणामों की तुलना की गई - एक पायलट अन्वेषणात्मक अध्ययन।

3. ओकेसी के उपचार में 5 एफएफयू के सामयिक अनुप्रयोग के बाद 1 वर्ष के भीतर हड्डी के उपचार और पुनरावृत्ति दर का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन

4. चीनी का सेवन, चिंता तथा अवसाद के बीच संबंध-एक व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटा-विश्लेषण।

10.2_.indd 1109 1/7/2026 2:26:26 PM

5. प्राइमरी दांतों में पारंपरिक समाधान के साथ नवीन सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड जेल की क्षय निरोध क्षमता का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. प्राइमरी दाढ़ों में प्रीफॉर्म्ड जिरकोनिया क्राउन और बायोफ्लेक्स क्राउन के साथ मसूड़ों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक नॉन-इन्फेरिओरिटी यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
7. सीएडीएमम निर्मित पॉलिश मोनोलिथिक पीईईके, जिरकोनिया क्राउन और प्राकृतिक एन्टागोनिस्ट दांतों के घिसाव का तुलनात्मक मूल्यांकन - ए इन विवो अध्ययन।
8. ऑसियोडेंसिफिकेशन तथा पारंपरिक ड्रिलिंग तकनीक के बीच अस्थि घनत्व एवं प्रत्यारोपण स्थिरता की तुलना - ए स्पिलिट माउथ यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. टीएमजे की आंतरिक अपविन्यास के उपचार के लिए आर्थोसेंटेसिस के साथ प्लेटलेट समृद्ध फाइब्रिन के इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन की प्रभावकारिता की तुलना
10. तीसरे दाढ़ निष्कर्षण सॉकेट में सब-म्यूकोसल डेक्सामेथासोन इंजेक्शन की एकल खुराक प्लेटलेट समृद्ध फाइब्रिन के प्लेसमेंट के बाद ऑपरेशन के बाद आने वाली सूजन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण
11. दांतों की गिनती, कमजोरी का समाधान: एक व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण।
12. दंत-चिकित्सा उपचार करवाने वाले युवा भारतीय किशोरों में मैलोक्लुजन प्रभाव प्रश्नावली (एमआईक्यू) का क्रास-कल्चर अनुकूलन तथा मूल्यांकन
13. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में रिपोर्ट करने वाले बच्चों तथा किशोरों में ट्रोमिक दंत चोटों की विलंबित जटिलताओं का वर्णनात्मक मूल्यांकन
14. द्वि आयामी रेडियोग्राफ का उपयोग करके मैक्सिलरी प्रभावित कैनाइन के उपचार की कठिनाई के लिए एक मानदंड का विकास तथा परीक्षण - एक संभावित अध्ययन।
15. कैरियस प्राइमरी मोलर्स में कम्पोजिट रेजिन रेस्टोरेशन के प्रतिधारण पर पोटेशियम आयोडाइड के साथ एसडीएफ की तुलना में अकेले सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड (एसडीएफ) के अनुप्रयोग का डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल प्रभाव, - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
16. एक चीरा तकनीक का उपयोग करके पेरीओस्टेम के साथ और उसके बिना संयोजी ऊतक ग्राफ्ट को काटने के बाद शीघ्र घाव भरना और रोगी की रुग्णता
17. फिक्सड ऑर्थोडोंटिक उपचार करवा रहे रोगियों में ऑर्थोडोंटिक रूप से होने वाली सूजन मूल अवशोषण पर लो लेवल की लेजर थेरेपी का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. जबड़े के उप-कॉन्डाइल फ्रैक्चर के निर्धारण में लैम्ब्डा प्लेट बनाम 2 मिमी हाई प्रोफाइल प्लेट के निर्धारण की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
19. ऑर्थोडोंटिक उपचार की अवधि को कम करने के लिए प्लेटलेट रिच फाइब्रिन (आई-पीआरएफ) की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. गैर-वित्तपोषित 30 वर्ष से कम आयु वाली भारतीय जनसंख्या में मुँह के कैंसर का कारण
21. पल्पिटिस के साथ क्षयग्रस्त प्राइमरी दांतों में दंत पल्प की अंतःक्रियात्मक विशेषताओं का मूल्यांकन
22. प्राइमरी दाढ़ों में नैनो सिल्वर फ्लोराइड संशोधित बनाम सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड संशोधित अट्रूमैटिक रिस्टोरेटिव तकनीक की सफलता का मूल्यांकन - एक नॉन-इन्फेरिओरिटी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

10.2_.indd 1110 1/7/2026 2:26:26 PM

23. फिक्सड ऑर्थोडॉन्टिक थेरेपी करवा रहे रोगियों में रूट रिसोर्प्शन पर इंजेक्टेबल प्लेटलेट रिच फाइब्रिन (आई-पीआरएफ) के प्रभाव का मूल्यांकन एक जैव रासायनिक एवं सीबीसीटी विश्लेषण - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी के माध्यम से तेजी से तालु विस्तार के बाद मध्य तालु सिवनी हड्डी गठन पर कम तीव्रता वाले स्पंदित अल्ट्रासाउंड की भूमिका का मूल्यांकन: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

25. मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन एवं मुख संभावित घातक विकारों के साथ इसका संबंध - एक व्यवस्थित समीक्षा

26. एंडोडॉन्टिक उत्पत्ति के बड़े सिस्ट जैसे पेरियापिकल घाव के उपचार के लिए सुविचारित पुनर्रोपण बनाम पेरियापिकल सर्जरी - एक नॉन-इन्फेरिअरटी नैदानिक परीक्षण

27. मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के रोगियों में एक्सट्यूबेशन के दौरान खांसी रिफ्लेक्स के ओट्यूनेशन में इंट्राट्रैचियल डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम इंट्राट्रैचियल लिग्नोकेन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

28. भारतीय जनसंख्या में मुख स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा तथा डिस्प्लेसिया के लिए प्रतिदीप्ति आधारित माइक्रो एंडोस्कोपी, डेवलपिंग इमेज रेपोस्टिरी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित गहन शिक्षा के उपयोग की जांच करना

29. दिल्ली एनसीआर के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में रिपोर्ट करने वाले एक्यूट ट्रोमिक दंत चोटों वाले 8-14 वर्ष के बच्चों में मनोवैज्ञानिक लक्षणों की व्यापकता एवं पैटर्न

30. एनमासे रिट्रैक्शन द्वारा उपचारित विभिन्न चेहरे के पैटर्न वाले वर्ग II डिवीजन I मैलोक्लुजन रोगियों में पल्प संवेदनशीलता परीक्षणों की विश्वसनीयता - एक पायलट नैदानिक अध्ययन

31. पल्पोटॉमी के दौरान हेमोस्टैटिक एजेंट के रूप में उपयोग किए जाने पर क्रायोथेरेपी के प्रति दंत पल्प की प्रतिक्रिया - एक हिस्टोमोर्फोलॉजिक अध्ययन

32. मुख विकृति विज्ञान संबंधी नमूनों का पूर्वव्यापी अध्ययन: चीरा बनाम चीरा नमूने और कोशिका विकृति विज्ञान बनाम ऊतक विकृति विज्ञान गैर-वित्तपोषित

33. हेल्थी एडजेसेंट और प्रतिपक्षी दांतों में यांत्रिक एलोडीनिया के समाधान पर रूट कैनाल उपचार का प्रभाव: एक संभावित नैदानिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. लोकली उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि स्पेरिंग आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने वाला चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग और मुख विकृति विज्ञान तथा सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एम्स

2. रजोनिवृत्ति उपरांत ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एनज़ीन बायोसाइंसेज लिमिटेड के बायोसिमिलर डेनोसुमैब बनाम इनोवेटर डेनोसुमैब की सुरक्षा और प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक संभावित, सक्रिय नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, बहुकेन्द्रिक, चरण III अध्ययन, अस्थिरोग विज्ञान, अत:स्राविकी, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

10.2_.indd 1111 1/7/2026 2:26:26 PM

3. एडेनोइडेक्टॉमी रोगियों में तेजी से तालू विस्तार का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, कान, नाक, गला विभाग, एम्स

4. नवजात शिशुओं में समय से पहले निकले दांतों की ऊतकीय विशेषताओं का इन-विट्रो मूल्यांकन, पेडोडोंटिक्स विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें.

5. मुख के कैंसर में ट्यूमर माइक्रोएनवायरमेंट में प्रतिरक्षा दमनकारी प्रतिक्रिया का आकलन, एनआईसीपीआर आईसीएमआर नोएडा

6. पल्पिटिस के साथ क्षयग्रस्त प्राइमरी दांतों में दंत पल्प की अंतःक्रियात्मक विशेषताओं का आकलन, बाल चिकित्सा तथा निवारक दंत चिकित्सा विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान तथा सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें.

7. बाल्यावस्था कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम (सीसीएसपी) कार्यक्रम में कैंसर से संबंधित कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी तथा अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के दंत-चेहरे एवं मुख संरचनाओं पर पड़ने वाले प्रभाव शामिल थे, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग सं.रो.कैं.अ. एम्स, नई दिल्ली

8. रिडज संरक्षण के लिए इंजेक्टेबल प्लेटलेट रिच फाइब्रिन के साथ मिश्रित ऑटोजेनस टूथ बोन ग्राफ्ट का क्लिनिकल, हिस्टोमोर्फोमेट्रिक और त्रि-आयामी कोन बीम टोमोग्राफिक विश्लेषण, पेरियोडोंटिक्स, दं.शि.अ.कें.

9. पॉलिश किए गए सीएडी कैम निर्मित पारभासी जिरकोनिया, पॉलिश किए गए हीट प्रेस्ड लिथियम डिसिलिकेट क्राउन तथा प्राकृतिक नेचुरल एन्टोगोनिस्टो एनामेल के ऑक्लूसल वियर का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक स्प्लिट माउथ पायलट अध्ययन, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, दं.शि.अ.कें. एम्स

10. पेरी-इम्प्लांट वर्टिकल सॉफ्ट टिशू ऑग्मेंटेशन के लिए दो प्रकार के जेनोजेनिक मैट्रिसेस के साथ संयोजी ऊतक ग्राफ्ट के नैदानिक परिणामों, हिस्टोमोर्फोमेट्रिक तथा जीन एक्सप्रेशन विश्लेषण की तुलना, जैव प्रौद्योगिकी, एम्स, नई दिल्ली

11. मल्टीपल एडजेसेंट मसूड़े की निकासी के उपचार के लिए संशोधित कोरोनली उन्नत फ्लैप के साथ संयोजी ऊतक ग्राफ्ट बनाम वॉल्यूम-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स का उपयोग करने के परिणामों की तुलना: आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली

12. डीबीटी-एम्स-इंडिया ट्रांसलेशनल एंड क्लिनिकल रिसर्च पार्टनरशिप सेंटर, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, ओटोलेरींगोलॉजी एवं हेड नेक सर्जरी विभाग, चिकित्सा अर्बुविज्ञान विभाग, डॉ.भी.रा.अं., एम्स, नई दिल्ली, आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, जैवरसायन विभाग, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई एवं मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

13. उत्तर भारत में वृद्ध जनसंख्या में दंत रोग एवं सह-रुग्णताएँ, जराचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. कैंसर और मुख तथा ऑरोफेरिंगियल रिजन के संभावित घातक विकारों वाले रोगियों में उच्च जोखिम वाले मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला विकसित परीक्षण (एलडीटी) का विकास और सत्यापन (20.25 लाख रुपये एम्स), डॉ.भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., ओरल तथा मैक्सिलोफेशियल सर्जरी प्रभाग एवं मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

10.2_.indd 1112 1/7/2026 2:26:26 PM

15. पारंपरिक गैर-आक्रामक पल्प वाइटैलिटी परीक्षण विधियों के विकल्प के रूप में एक वस्तुनिष्ठ बायोइम्पेडेंस आधारित गैर-आक्रामक पल्प वाइटैलिटी परीक्षण उपकरण का विकास", बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, दिल्ली

16. पल्पोटॉमी के बाद पल्प संवेदनशीलता आकलन के लिए थर्मल और इलेक्ट्रिक पल्प परीक्षणों की नैदानिक सटीकता - एक हिस्टोमोर्फोमेट्रिक अध्ययन, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा एवं एंडोडोंटिक्स विभाग, तथा मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

17. डे केयर सेंटरों में बच्चों के मुख संबंधी स्वास्थ्य में सुधार के लिए पारंपरिक विधि बनाम स्मार्ट फोन आधारित शैक्षिक ऐप की प्रभावशीलता - एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, पेडोडोंटिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा।

18. स्कूली बच्चों के बीच ब्रश करने की आदतों पर मुख संबंधी स्वच्छता प्रशिक्षण की प्रभावशीलता', नर्सिंग विभाग, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली

19. मुख के कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ III (डीपीपी III) के कोशिकीय कार्यों तथा नैदानिक महत्व को स्पष्ट करना, जैव रसायन विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

20. स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के साक्ष्य-आधारित दिशा-निर्देशों के लिए तकनीकी संसाधन केंद्र (टीआरसी) की स्थापना दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (दं.शि.अ.कें.), एम्स, नई दिल्ली, पेरियोडोन्टिक्स प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

21. ऑर्थोडॉन्टिक रोगियों में दांतों की मूवमेंट की दर पर पीआरपी के बूस्टर इंजेक्शन के प्रभाव का मूल्यांकन: ए स्पिलिट माउथ अध्ययन, ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति विभाग तथा मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.।

22. अस्थि-एकीकरण का मूल्यांकन करने के लिए खरगोश के फीमर पर जैव प्रौद्योगिकी से प्रेरित कार्यात्मक जाली संरचनाओं के साथ योगात्मक रूप से निर्मित छिद्रयुक्त प्रत्यारोपण का प्रत्यारोपण: टेम्पोरोमैंडिबुलर प्रोस्थेसिस के लिए टाइटेनियम पोरस-लैटिस को मान्य करने के लिए चरण-II अध्ययन, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी प्रभाग, जैव रसायन, ओरल पैथ विभाग एवं आईआईटी, दिल्ली

23. भारत के चयनित जिलों में मुख,स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए स्क्रीनिंग, प्रारंभिक निदान तथा उपचार की शुरुआत को बढ़ाने के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान, एम्स, भटिंडा, पंजाब, येनेपोया मेडिकल कॉलेज, मंगलुरु, दक्षिण कन्नड़, कर्नाटक राज्य, एम्स, दिल्ली, आईसीएमआर-आरएमआरसी, एनई क्षेत्र, डिब्रूगढ़, आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच, मुंबई (पालघर साइट) महाराष्ट्र राज्य, आईजीएमसी, शिमला, हिमाचल प्रदेश, कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआईए), चेन्नई, जिला तिरुवन्नमलाई, तमिलनाडु

24. ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के चिकित्सीय उपचार के लिए ग्लाइसीराइज़ा ग्लाब्रा का स्थानीय अनुप्रयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय, ओटोलेरिंगोलोजी, हेड एवं नेक शल्य चिकित्सा विभाग, भेषजगुण विज्ञान विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.

25. मुख संभावित घातक घाव एटलस परियोजना: एक नए, पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक्स की प्रभावशीलता को मान्य करना एवं एक एकीकृत बहुआयामी, रोगसूचक नोमोग्राम विकसित करना, एनसीआई, झज्जर एवं मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.

10.2_.indd 1113 1/7/2026 2:26:26 PM

26. मुँह के कैंसर के लिए पॉइंट ऑफ केयर स्क्रीनिंग टूल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन हेल्थ फेज , शिक्षा मंत्रालय (2 करोड़ रुपये), मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, दं.शि.अ.कें., एनसीआई झज्जर एम्स तथा भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु

27. पल्पोटॉमी के दौरान हेमोस्टैटिक एजेंट के रूप में उपयोग किए जाने पर क्रायोथेरेपी के प्रति डेंटल पल्प की प्रतिक्रिया - एक हिस्टोमोर्फोलॉजिक अध्ययन, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स विभाग, दं.शि.अ.कें. और मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें.

28. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ स्वास्थ्य सेवा के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र, चरण। शिक्षा मंत्रालय। (2 करोड़ रुपये), मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें., विकिरण निदान विभाग, अंत:स्रावि‌की एवं चयापचय विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, त्वचा रोग विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एनसीआई, झज्जर, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र एम्स एवं आईआईटी, दिल्ली

29. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ स्वास्थ्य सेवा के राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य में आर्टि-फिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्र, चरण II शिक्षा मंत्रालय (330 करोड़ रुपये), मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें., विकरिण निदान विभाग, अंत:स्रावि‌की एवं चयापचय, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, त्वचा रोग विज्ञान विभाग, बाल चिकत्सा विभाग, एनसीआई, झज्जर, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र एम्स तथा आईआईटी दिल्ली

30. धूम्रपान करने वालों में मल्टीपल जिंजिवल रिसेशन के उपचार के लिए उप-उपकला संयोजी ऊतक ग्राफ्ट तथा इनेमल मैट्रिक्स व्युत्पन्न के साथ या उसके बिना इन्जेक्टेबल प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन,: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, पेरियोडोंटिक्स, दं.शि.अ.कें.

31. ऑटोइम्यून बुलस रोगों के निदान में इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीकों [साल्ट स्पिलट स्किन पर प्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस एवं अप्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस], बायोचिप मोज़ेक परख और मल्टीप्लेक्स एलिसा की उपयोगिता की तुलना करना - एक संभावित क्रॉस-सेक्शनल पायलट अध्ययन, त्वचा रोग विज्ञान विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें.

32. पेरियोडॉन्टल लिगामेंट फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाओं की जीवनक्षमता को बढ़ावा देने के लिए कॉर्नियल संरक्षण माध्यम को अनुकूलित करके उखड़े हुए दांतों के लिए नए भंडारण/परिवहन माध्यम का विकास एवं मूल्यांकन करना, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स विभाग, मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. और ओकुलर फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स

33. यौन स्वास्थ्य: भारतीय रोगियों में एसटीआई का निदान एवं उपचार करने हेतु एआई द्वारा पहचान, उपचार तथा परामर्श, त्वचारोग विज्ञान विभाग एवं ओरल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सीडीईआर

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. वंशानुगत एपिडर्मोलिसिस बुलोसा से पीड़ित बच्चों में अतिरिक्त त्वचीय एवं प्रणालीगत संलिप्तता का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

10.2_.indd 1114 1/7/2026 2:26:26 PM

2. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ का एक रूपात्मक अध्ययन, मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एवं शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स

3. मुख गुहा में घातक एवं संभावित रूप से घातक विकारों के आकलन एवं जीभ कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए फ्लोरोसेंस यूवी इमेजिंग का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एवं शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, सं.रो.कैं.अ.

4. ओडोन्टोजेनिक केराटोसिस्ट के उपचार में 5 फ्लूरोरासिल के सामयिक अनुप्रयोग के बाद एक वर्ष के भीतर हड्डी के उपचार तथा पुनरावृत्ति दर का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग तथा मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें.,एम्स।

5. सिर एवं गले के इविंग सार्कोमा ट्यूमर परिवार के वयस्क उत्तरजीवियों के बीच जीवन की गुणवत्ता का आकलन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग,सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

6. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा तथा ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सी के सीरोलॉजिकल स्तरों और आनुवंशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध - एक पायलट अध्ययन, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एवं जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. भारत में कटे होंठ तथा तालु की विसंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक एवं उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल आधारित अध्ययन"-मुख्य चरण, ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल विकृति विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एवं दं.शि.अ.कें., जेनेटिक्स एवं सीएसआईआर-आईजीआईबी

8. रिजनरेटिव एंडोडॉन्टिक चिकित्सा में प्रयुक्त इंट्राकैनल मेडिकमेंट की साइटोटॉक्सिसिटी, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. भारतीय बच्चों में मुख स्वास्थ्य का प्रचार करने हेतु एक स्मार्ट फोन आधारित एप्लिकेशन का विकास तथा सत्यापन (एम्स इंट्राम्यूरल), पेडोडोंटिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा

10. मानव पीरियोडॉन्टल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं की जीवनक्षमता, प्रसार क्षमता एवं विभेदन पर विभिन्न दंत भंडारण माध्यमों का प्रभाव - एक इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

11. आईसीएमआर तंबाकू टास्क फोर्स परियोजना में शामिल मरीजों में कैंसर-पूर्व विक्षतियों - ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लाइकेन प्लेनस से पीड़ित रोगियों के दीर्घकालिक फॉलो-अप (10-15 वर्ष) के साथ मुख कैंसर रूपांतरण जोखिम का अनुमान लगाना, मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें., सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग एम्स और एनआईसीपीआर, नोएडा

12. कॉन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके डेंटिन में रेजिन टैग के प्रवेश की गहराई के संदर्भ में टूटे हुए दांत के टुकड़ों के लिए दो रिहाइड्रेशन प्रोटोकॉल का मूल्यांकन, मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें. एवं पेडोडोंटिक्स विभाग, दं.शि.अ.कें.

10.2_.indd 1115 1/7/2026 2:26:26 PM

13. मुख श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतःविषय विविधताएं, त्वचारोग विज्ञान विभाग एवं मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान प्रभाग, मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, दं.शि.अ.कें., एम्स
14. मुख, स्तन, आंत, श्वसन तंत्र, त्वचा और महिला जननांग पथ के सामान्य कैंसर का मल्टी-मॉडल ऑटोफ्लोरोसेंस, फ्लोरोसेंस, पोलराइजेशन, माइक्रो एंडोस्कोपी एवं स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित पता लगाना, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें. 10 लाख रुपये (एम्स-आईआईटीडी)
15. मुँह के कैंसर में मानव विषम नाभिकीय राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका, मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें. एवं जैव रसायन विभाग, एम्स
16. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेप्सिन बी की संभावित क्षमता का आकलन करना, मुख विकृति विज्ञान विभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें. एवं जैव रसायन विभाग, एम्स
17. जबड़े के ट्यूमर और सिस्ट: सीमित एमआरआई सहसंबंध के साथ दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी द्वारा मूल्यांकन, विकिरण निदान विभाग एवं मुख विकृति विज्ञान प्रभाग एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें., एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 120 **सार: 02**

पुस्तकों में अध्याय: 03 **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 01**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2021-22	2023-24	2024-25
कुल	**165**	**142**	**126**
पत्रिका लेख	149	**128**	120
सार	10	10	02
पुस्तकों में अध्याय	06	04	03
पुस्तकें			01

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है

मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान

उपलब्ध सुविधाएं:

- मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान ओपीडी सेवाएं
- विशिष्ट क्लिनिक: ओरल अल्सर क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2.00 बजे)

10.2_.indd 1116 1/7/2026 2:26:26 PM

- मुख कैंसर स्क्रीनिंग
- मुख संभावित घातक विकारों का उपचार
- दंत चिकित्सा क्लियरेंस
- दंत विकिरण विज्ञान (आईओपीए, ऑक्लूसल, ओपीजी, सेफालोमेट्री)
- मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान दं.शि.अ.कें. में कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा
- दंत शिक्षा एवं चिकित्सा केंद्र में मुख संभावित प्रीमैलिग्नेंट घावों के लिए रजिस्ट्री का विकास
- सॉफ्ट टिशू लेजर क्लिनिक

मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

- चेहरे की विकृति सुधार एवं संपूर्ण जोड़ प्रतिस्थापन के लिए आभासी शल्य चिकित्सा योजना
- ऑर्थोगैथिक सर्जरी के लिए 3डी प्रिंटिंग
- टीएमजे क्लिनिक
- न्यूराल्जिया क्लिनिक
- विशिष्ट मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी क्लिनिक
- जोंइट ऑर्थोडॉन्टिक एवं सर्जरी क्लिनिक

हम मैक्सिलोफेशियल विकृतियों (जन्मजात एवं अधिग्रहित) के जटिल मामलों में अत्याधुनिक उपचार प्रदान करते रहे हैं, हम किसी भी टीएमजे संबंधित असामान्यताओं के उपचार में सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक हैं।

- प्रीऑपरेटिव प्लानिंग तथा फॉलो-अप क्लिनिक - प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 2 से 4 बजे तक।
- विभाग में पूर्व-संचालन योजना के लिए 3-डी प्रिंटिंग सुविधा उपलब्ध है।

प्रोस्थोडोन्टिक्स प्रभाग

हम पूर्ण एवं आंशिक रूप से दंतविहीन रोगियों के दंत रिहब्लिटेशन हेतु बाह्य रोगी ड्यूटी का प्रबंधन करते रहे हैं। हम ओरल तथा मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट डेंटिस्ट्री और टेम्पोरोमैंडिबुलर विकारों संबंधी विशेष क्लीनिक का संचालन रहे हैं। हम रोगियों के लिए विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंग तैयार कर रहे हैं: पूर्ण डेन्चर, हटाने योग्य आंशिक डेन्चर, क्राउन तथा ब्रिज वर्क, लैमिनेट, ऑक्लूसल स्प्लिंट्स, इम्प्लांट समर्थित कृत्रिम अंग (हटाने योग्य एवं स्थिर), और मैक्सिलोफेशियल कृत्रिम अंग (एक्स्ट्रा ओरल/ फेशियल और इंट्रा ओरल)।

विभाग में हम हटाने योग्य तथा स्थिर प्रोस्थोडॉन्टिक उपकरणों के निर्माण के लिए दो प्रयोगशालाएं संचालित कर रहे हैं।

कंर्जेवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स प्रभाग

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र के सबसे व्यस्त विभागों में से एक है। यह विभाग विभिन्न रिस्टोरेटिव, एंडोडोंटिक्स तथा रिस्टोरेटिव प्रक्रियाओं से संबंधित है। यह वयस्क रोगियों में आघातिक दंत चोटों के उपचार का भी देखता है। यह विभाग अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है जो स्नातकोत्तर छात्रों को

10.2_.indd 1117 1/7/2026 2:26:27 PM

सर्वोत्तम नैदानिक कौशल सीखने और विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में इस विभाग में आने वाले रोगियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

उपलब्ध सुविधाएँ: विभाग में रोगी उपचार के लिए 17 उन्नत दंत चिकित्सा इकाइयाँ हैं। यह विभाग नवीनतम तकनीकों से सुसज्जित है, जिनमें प्रीक्लिनिकल सिमुलेशन प्रयोगशाला, डेंटल ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, लेज़र, डायनेमिक नेविगेशन सिस्टम आदि शामिल हैं।

विशिष्ट क्लीनिक: दंत आघात, सौंदर्य और पुन: उपचार जैसे नए विशेष क्लीनिक शुरू किए गए हैं। आघातिक दंत चोटों से ग्रसित तथा विकिरण कैविटी वाले रोगियों का भी उपचार किया जाता है।

ऑर्थोडोंटिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति प्रभाग

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने नियमित ऑर्थोडोंटिक उपचार के अलावा कटे होंठ तथा तालु के रोगियों तथा चेहरे की विकृतियों से पीड़ित संयुक्त ऑर्थोगैथिक सर्जरी के रोगियों के इन्ट्राडिसिप्लिनरी उपचार पर अधिक ध्यान दिया है।

पेरियोडोंटिक्स प्रभाग

पेरियोडोंटिक्स प्रभाग में की जाने वाली विभिन्न उपचार प्रक्रियाएं इस प्रकार हैं:

- पारंपरिक गैर-शल्य चिकित्सा तथा शल्य चिकित्सा पेरियोडॉन्टल चिकित्सा
- पेरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी
- सोफ्ट एवं हार्ड टिश्यू रिजनरेटिव प्रक्रियाएं
- डायोड लेजर सहायता प्राप्त कोमल ऊतक उच्छेदन और सहायक पॉकेट डीब्राइडमेंट प्रक्रियाएं

संवेदनाहरण विज्ञान प्रभाग

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र का संवेदनाहरण विभाग, पूरे वर्ष सामान्य संवेदनाहरण के तहत किए जाने वाले सभी प्रकार के मैक्सिलोफेशियल सर्जरी मामलों के लिए संवेदनाहरण सेवाएं प्रदान करता है। इसमें संवेदनाहरण से पूर्व जाँच, सर्जरी के दौरान उपचार तथा सर्जरी के बाद का उपचार शामिल है।

मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें.

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

एम्स संस्थान दिवस 2024 में मुख विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रभाग, दं.शि.अ.कें. ने उपस्थित लोगों के बीच ओरल प्रीकंसर्ट और ओरल कैंसर की जाँच करके सक्रिय रूप से भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, इसने ग्रामीण क्षेत्रों में ओरल कैंसर जाँच शिविरों के लिए एआई आधारित उपकरणों का उपयोग करने हेतु एम्स तथा एनसीआई, झज्जर के आउटरीच क्षेत्रों के साथ सहयोग किया। वाइटल स्टेनिंग, फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा ऑटो फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसी तकनीकों का उपयोग करते हुए, यह प्रभाग ओरल प्रीकैंसर एवं कैंसर का शीघ्र पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रभाग विभिन्न मुख संबंधी कैंसर जाँच पहलों में एक प्रमुख संसाधन और विशेषज्ञ के रूप में कार्य करता है। यह पूरे वर्ष लगातार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एनआईसीपीआर एवं एनएचएसआरसी में मुख कैंसर की जाँच के लिए आशा, एएनएम, दंत चिकित्सक, एमओ, एसएनओ के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण सहित, ओरल कैंसर जाँच और तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर केंद्रित कार्यशालाओं में भाग लेता है। एआईसीओई चरण 1 के अंतर्गत, आईआईएससी बेंगलुरु के सहयोग से, हम महाकुंभ

10.2_.indd 1118 1/7/2026 2:26:27 PM

2025 में आरोग्यमुख कुंभ का हिस्सा थे और हमने विभिन्न स्वास्थ्य उपचार कर्मियों को ओरल कैंसर जाँच करने के लिए प्रशिक्षित किया। यह प्रभाग तमिलनाडु के दो जिलों, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के गाँवों के ग्रामीण/आउटरीच क्षेत्रों में मुख कैंसर की जाँच के लिए एआई आधारित उपकरणों के कार्यान्वयन और परिनियोजन में सक्रिय रूप से शामिल है। साथ ही, यह एमआईडीएएस और एआईसीओई चरण 2 के लिए भारत के विभिन्न दंत चिकित्सा एवं चिकित्सा संस्थानों के साथ सहयोग भी कर रहा है।

पेडोडोंटिक्स प्रभाग

पेडोडोंटिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री विभाग 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों तथा विशेष स्वास्थ्य उपचार आवश्यकताओं वाले बच्चों में मुख एवं दंत रोगों के निदान और उपचार प्रदान करने से संबंधित है। औसतन, यह विभाग बच्चों में लगभग 20,000 प्रक्रियाओं का संचालन करता है, जिनमें सरल से लेकर उन्नत बाल दंत चिकित्सा प्रक्रियाएँ शामिल हैं। हम अन्य चिकित्सा तथा दंत चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ सहयोग करके अपने सभी रोगियों की समग्र और इंटरडिसिप्लिनरी उपचार पर विशेष ध्यान देते हैं। हम लगभग सभी रोगियों में निवारक प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और पुनर्स्थापन, निष्कर्षण जैसी सरल प्रक्रियाओं से लेकर अस्थायी और स्थायी एंडोडॉन्टिक उपचार, स्टेनलेस स्टील क्राउन, स्पेस मेंटेनर, हेबिट ब्रेकिंग उपकरण और छोटी सर्जरी जैसी जटिल प्रक्रियाएँ करते हैं। बचपन में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त मल्टीपल दांतों वाले बच्चों में अक्सर फूल माउथ रिहैबिलिटेशन किया जाता है। हमारा विभाग उत्तर भारत में बाल दंत चिकित्सा में शल्य चिकित्सा और जैव उत्तेजना प्रक्रियाओं के लिए सॉफ्ट टिशू लेज़रों के उपयोग को शुरू करने में भी अग्रणी है। माता-पिता तथा बच्चों की शिक्षा के लिए, "हेल्दी स्माइल" नाम से एक सॉफ्टवेयर मोबाइल एप्लीकेशन गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है, जिसका उद्देश्य रोगी को शिक्षा प्रदान करना तथा भविष्य में दंत क्षय पर नियंत्रण के लिए प्रेरित करना है।

जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा प्रभाग

विभाग का मुख्य उद्देश्य हमेशा ग्रामीण, वंचित वर्गों तथा समुदाय के विशेष समूहों में मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना और निवारक एवं प्रोत्साहनात्मक उपचार प्रदान करना रहा है। केंद्र के साथ-साथ बल्लभगढ़ और त्रिलोकपुरी स्थित सहायक केंद्रों में भी नियमित निवारक मुख उपचार और तंबाकू निषेध सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, ये सेवाएँ आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से दिल्ली और उसके आसपास के विभिन्न सामुदायिक केंद्रों, स्कूलों तथा बाल देखभाल गृहों तक भी प्रदान की जाती हैं।

जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में मुख स्वास्थ्य संवर्धन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोग केंद्र तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के तहत विभिन्न परियोजनाओं में शामिल है।

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	0.68 लाख रुपये	0.70 लाख रुपये	0.71 लाख रुपये
विशिष्ट क्लिनिक परामर्श	2, 59, 050	2, 87, 748	2, 82, 475
कुल भर्ती रोगी	666	829	940

10.2_.indd 1119 1/7/2026 2:26:27 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर रितु दुग्गल 4 अप्रैल 2024 को गोवा के रेडिसन ब्लू रिजॉर्ट में इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के अतिथि वक्ता थीं। 30 अप्रैल 2024 को तमिलनाडु के कुचिपुड़ी नगर, केएसआर कालवी नगर में केएसआर इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के 15वें स्नातक दिवस की सम्मानीय अतिथि। 3 मई 2024 को नई दिल्ली में सीडीई कार्यक्रम एडीसी आर एंड आर के अध्यक्ष रहीं। 9 जून 2024 को मुंबई में "डेंटिस्ट्री का भविष्य विजन 2030 - चुनौतियां तथा अवसर" पर कार्यशाला के लिए मुख्य अतिथि थी। 8 जून 2024 को मुंबई में इंटरनेशनल डिजिटल डेंटिस्ट्री कांग्रेस के लिए मुख्य अतिथि थी। 29 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित श्री बांके बिहारी डेंटल कॉलेज में पीजी ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए सम्मानीय अतिथि थी। 21 अगस्त 2024 को फरीदाबाद, हरियाणा में मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के 13वें पीजी ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए अतिथि वक्ता थी। वे 5 अक्टूबर, 2024 एसएमवीडीआईएमईडब्ल्यू जम्मू और कश्मीर सदस्य के रूप में आमंत्रित रहीं। 22 अक्टूबर, 2024 को सीमा डेंटल कॉलेज, ऋषिकेश, उत्तराखंड में बीडीएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए मुख्य अतिथि थे। साइबर इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, गुंटूर आंध्र प्रदेश में स्नातक दिवस के लिए मुख्य अतिथि, 19 नवंबर 2024 थी। 18 जनवरी, 2025 मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज फरीदाबाद, हरियाणा में पहली शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक के लिए सदस्य के रूप में आमंत्रित थीं। 20-23 फरवरी, 2025 मानव रचना डेंटल कॉलेज, फरीदाबाद में 28वें इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी पोस्ट ग्रेजुएट कन्वेंशन, 2025 के लिए वक्ता थी। 07 मार्च, 2025 सीएसआईआर, नई दिल्ली में डेंटल इम्प्लांट्स पर एनएमआईटीएलआई परियोजना के लिए निगरानी समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित की गईं थीं।

प्रोफेसर ओंगकिला भूटिया को केंद्र की विभिन्न समितियों का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और वे इन समितियों की सदस्य रहीं। उन्हें 29 नवंबर 2024 को एम्स, दिल्ली में आयोजित एम्स, मैदानगढ़ी के लिए संकाय-सदस्यों की भर्ती हेतु विषय विशेषज्ञ भी नियुक्त किया गया, इसके अलावा, उन्हें 14 नवंबर 2024 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए डेंटल कॉलेज में बीडीएस एवं एमडीएस पाठ्यक्रमों हेतु व्यक्तिगत सुनवाई हेतु न्यायिक सुनवाई समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर विजय प्रकाश माथुर राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम के राष्ट्रीय संचालन समूह के सदस्य थे। यह भारत सरकार की राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य नीति का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सदस्य थे। भारत सरकार के राष्ट्रीय मुखीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए परिचालन दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सदस्य थे। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए ओवर-द-काउंटर (ओटीओ) दवाओं की सूची को अंतिम रूप देने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री की सतत शिक्षा परिषद (2024-26 के लिए) के सदस्य थे। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री की विज्ञान समिति के सदस्य थे। आईएडीआर पुरस्कार समीक्षा समिति (2024-26 के लिए) के सदस्य थे। इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के अध्यक्ष (कार्यकाल अक्टूबर 2024 में पूर्ण हुआ)। इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर- इंडिया डिवीजन) के उपाध्यक्ष। इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एण्ड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के मानद कोषाध्यक्ष (सितम्बर 2024 में कार्यकाल पूर्ण हुआ)। इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री की विज्ञान समिति के सदस्य (कार्यकाल अक्टूबर 2024 से शुरू)। जर्नल ऑफ साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री (जेएसएएपीडी) के प्रधान संपादक। (कार्यकाल अक्टूबर 2024 में पूर्ण हुआ)। संस्थान सुरक्षा एवं यातायात सलाहकार समिति, संस्थान पुस्तकालय समिति, संस्थान की स्थायी अनुसंधान समिति, एम्स कर्मचारी परिषद के सदस्य रहे। प्रभारी-आचार्य, टेलीमेडिसिन। मुख्य कैफेटेरिया प्रबंधन समिति एम्स के

10.2_.indd 1120 1/7/2026 2:26:27 PM

अध्यक्ष थे। एम्स, ऋषिकेश, एम्स, देवघर, चाइल्ड पीजीआई नोएडा, एम्स, गोरखपुर, एम्स कल्याणी, एम्स, राजकोट तथा एम्स, भटिंडा के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्यों हेतु विशेषज्ञ थे।

डॉ राहुल यादव अप्रैल 2025 में झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित जिला दंत चिकित्सा अधिकारी साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञ रहे।

डॉ. अमृता चावला को फरवरी 2024 में अकादमिक योगदान के लिए इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट, सेक्शन VI - भारत, श्रीलंका और नेपाल से प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ। बीडीएस द्वितीय वर्ष के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया में बाहरी परीक्षक, एमडीएस प्रथम वर्ष की परीक्षा के लिए एमएआईडीएस, बीडीएस द्वितीय वर्ष की परीक्षा के लिए एमएआईडीएस, बीडीएस द्वितीय वर्ष की परीक्षा के लिए एमएआईडीएस अनुपूरक के रूप में गए। अप्रैल 2025 में झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित जिला दंत अधिकारी साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ थीं। 19-21 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में इंटरनेशनल वाइटल पल्प थेरेपी संगोष्ठी में वैज्ञानिक अध्यक्ष थीं। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के कोषाध्यक्ष चुनी गईं। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में स्पोर्ट्स डेंटिस्ट्री के अध्यक्ष। इंडियन एंडोडॉन्टिक सोसाइटी (आईईएस) के कार्यकारी समिति सदस्य (चौथे) के रूप में चयनित की गई। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) के चयनित सदस्य संपादक निकाय-सांइस वोल्क्स ओपन एक्सेस डेंटिस्ट्री के सदस्य युवा प्रोफेशनल के रूप में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (आईएडीटी) की सदस्य रहीं, इंटरनेशल एसोशिएसन ऑफ डेन्टल ट्रॉमोटोलॉजी (आईएडीटी) की सदस्यता। अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री (एएसीडी) के सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (आईएसडीटी) के सदस्य, अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ एंडोडोंटिक्स (एएई) के सदस्य, इंडियन एकेडमी ऑफ़ कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स (आईएसीडीई) के सदस्य। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल- जर्नल ऑफ़ एंडोडोंटिक्स, ऑस्ट्रेलियन एंडोडोंटिक जर्नल, इंटरनेशनल एंडोडोंटिक जर्नल, इंडियन जर्नल- जर्नल ऑफ़ कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट रिसर्च एंड रिव्यूज़, बीएमसी ओरल हेल्थ, एमडीपीआई एप्लाइड साइंसेज की समीक्षक रहीं।

डॉ. विजय कुमार ने 20-22 मार्च 2025 तक चेन्नई में इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया। रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जन - ग्लासगो की फेलोशिप प्रदान की गई। 19-21 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वाइटल पल्प थेरेपी संगोष्ठी में आयोजन सचिव रहे। 27 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में "3डी डायनेमिक नेविगेशन इन एंडोडोंटिक्स" नामक कार्यशाला में आयोजन सचिव रहे। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए थे। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में संगोष्ठी समिति के अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे। शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, उत्तर प्रदेश में बाहरी परीक्षक रहे। सह-संपादक, बीएमसीओरल हेल्थ। इंटरनेशनल एंडोडॉन्टिक जर्नल, क्लिनिकल ओरल इंवेस्टिरोशन्स, बीएमसी ओरल हेल्थ, केस रिपोर्ट डेंट्रिस्ट्री, जर्नल ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉन्टोलॉजी में समीक्षक रहे। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, इंडियन एंडोडॉन्टिक सोसाइटी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स, यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कैरियोलॉजी के सदस्य थे। मानव रचना डेंटल कॉलेज में बोर्ड ऑफ स्टडीज के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे। नेशनल एसेंशियल डायग्नोस्टिक लिस्ट के दूसरे संस्करण के लिए दंत विशेषज्ञ रहे।

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जन - ग्लासगो की फेलोशिप प्रदान की गई थी। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के निदेशक के रूप में चुने गए। टोक्यो जापान में वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक अनुसंधान (पोस्टर) में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के लिए फेलोशिप स्थायी समिति के सह-अध्यक्ष

10.2_.indd 1121 1/7/2026 2:26:27 PM

के रूप में चुने गए। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के संयुक्त सचिव के रूप में चुने गए। इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में फेलोशिप समिति के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। इंडियन एंडोडॉन्टिक सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका, एंडोडोंटोलॉजी के लिए उत्कृष्ट समीक्षक का पुरस्कार प्राप्त किया। इंडियन बोर्ड ऑफ एंडोडोंटिक्स की राजनयिक परीक्षा के लिए दो उम्मीदवारों को सलाह दी। डेन्टस्ट्री एमएचडी 08 समिति, भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य। गवर्मेंट डेटल कॉलेज जयपुर में प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष की बीडीएस परीक्षा के लिाए बाह्य परीक्षक। 27 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में "एंडोडोंटिक्स में 3डी डायनेमिक नेविगेशन" नामक कार्यशाला में कोषाध्यक्ष रहे। 19-21 फ़रवरी 2025 को नई दिल्ली में "इंटरनेशनल वाइटल पल्प थेरेपी सिम्पोजियम" में कोषाध्यक्ष थे। चेन्नई में इंडियन एंडोडोंटिक्स सोसाइटी के 32वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष थे। बीएमसी ओरल हेल्थ में सह-संपादक। बीएमसी ओरल हेल्थ में क्लिनिकल ओरल इन्वेस्टिगेशन, केस रिपोर्ट्स इन डेंटिस्ट्री, जर्नल ऑफ़ कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटोलॉजी में समीक्षक। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, इंडियन एंडोडोंटिक्स सोसाइटी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स के सदस्य थे।

डॉ. प्रभात कुमार चौधरी दंत शल्य चिकित्सा संकाय-सदस्य के डेंटल फेलो के रूप में विधिवत भर्ती हुए, रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैंड, पोस्टनॉमिनल एफडीएस आरसीएस (इंग्लैंड) (9325490)। 2024-2025 के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) की टेलर्स कमेटी के अध्यक्ष थे। डेंटल सर्जरी संकाय-सदस्य हुए रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एवं, पोस्टनॉमिनल ऑफ एफडीएस आरसीपीएस (ग्लासगो) के साथ (139426) सर्जन्स ऑफ ग्लासगो के डेंटल फेलो के रूप में विधिवत भर्ती डॉ. ली डब्ल्यू. ग्रेबर को वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ऑर्थोडॉन्टिस्ट्स (डब्ल्यूएफओ), यूएसए द्वारा 'ऑर्थोडॉन्टिक्स चेंजिंग लाइव्स' पुरस्कार (2024)।20-22 सितंबर 2024 तक बेंगलुरु में आयोजित 58वें भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष थे। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (डीएचआर-आईसीएमआर) पीजी थीसिस सहायता कार्यक्रम 2024 के अंतर्गत स्नातकोत्तर (पीजी) थीसिस (दंत चिकित्सा) अनुसंधान प्रस्तावों के वैज्ञानिक समीक्षक के रूप में कार्य किया। एम्स, जोधपुर के पीजी का थीसिस मूल्यांकन। एडिलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के पीजी का थीसिस मूल्यांकन किया।

डॉ दीपिका मिश्रा 5 जुलाई 2024 को सेविता डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल्स, चेन्नई, तमिलनाडु में होने वाले 11वें ट्रांसडिसिप्लिनरी एनुअल रिसर्च समिट (XI स्टार) में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में काम किया है, जहाँ उन्होंने प्रगति रिपोर्टों का मूल्यांकन किया और अनुदान प्रस्तावों का आकलन किया। इसके अतिरिक्त, उन्हें एमडीएस अंतिम परीक्षा के लिए जीडीसी इंदौर में एक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। 15 जून 2024 को, डॉ मिश्रा को पुणे में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट (आईएओएमपी) के XXI राष्ट्रीय पीजी कन्वेंशन के दौरान प्रतिष्ठित डॉ अभय चांडक मेमोरियल लेक्चर से सम्मानित किया गया। डॉ दीपिका मिश्रा बीएमसी ओरल हेल्थ के संपादकीय बोर्ड में भी कार्यरत हैं। हाल ही में उन्हें स्प्रिंगर नेचर द्वारा इंडिया रिसर्च टूर 2024 के तहत इंस्टीट्यूशन ऑफ इमिनेंस में रिसर्च इंटीग्रिटी के रूप में आमंत्रित किया गया है। सितंबर 2024 में, उन्हें मलेशिया के एसईजीआई विश्वविद्यालय और कॉलेजों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. मिश्रा को इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) की कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में चुना गया है। उन्हें 27 जनवरी 2025 को पीडीईयू, स्प्रिंगर नेचर और डीएसटी द्वारा गांधीनगर में महिला स्थिरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 2024 में पीएमसएसी बैंकॉक में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा द्वारा पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें आईआईटी मुंबई में आयोजित वैश्विक महिला स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन तथा पुरस्कार 2024 के तीसरे संस्करण में डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों पर चर्चा करने के लिए भी आमंत्रित किया गया

10.2_.indd 1122 1/7/2026 2:26:27 PM

था। एआईसीओ में, उन्हें एम्स के साथ-साथ आईआईएससी ओरल कैंसर वर्टिकल से ओरल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए अनुदान प्राप्त हुआ और इससे सहयोग तथा सशक्त हुआ।

डॉ. कुणाल ढींगरा को ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैंड के डेंटल सर्जरी संकाय-सदस्य की फेलोशिप एफडीएस आरसीएस (इंजी) से सम्मानित किया गया। *पीरियोडोंटल एंड इम्प्लांट रिसर्च जर्नल* के सह-संपादक के रूप में नियुक्त किए गए। *जर्नल ऑफ पीरियोडॉन्टल* रिसर्च के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए थे। एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के डेंटल सर्जरी संकाय के अंतर्राष्ट्रीय डेंटल एम्बेसडर (भारत क्षेत्र) के रूप में नियुक्त किए गए थे। महिला वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान अनुदान (सीएसआईआर-एस्पायर) के तहत अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों के लिए समीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए थे। नेशनल रेफरल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर हायर डेंटल स्टडीज (एनएआरआईडीएस) के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के ओरल एंड डेंटल डिजीज बर्डन सर्वे के लिए केंद्रीय कोर समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए। इंग्लैंड के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के अपडेट के लिए विशेषज्ञ सलाहकार के रूप में नियुक्त किए गए थे। डीएचआर-आईसीएमआर "एमडी/एमएस/डीएम/एमसीएच/डीएनबी/डॉएनबी/एमडीएस" थीसिस वित्तीय सहायता कार्यक्रम के लिए वैज्ञानिक समीक्षक रहे। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स* जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए थे। नेशनल मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एनएमआरसी) के जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान अनुदान के लिए समीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए थे, जो सिंगापुर के स्वास्थ्य होल्डिंग्स मंत्रालय के तहत एक राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसी है। सार्वजनिक-निजी-भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के लघु व्यवसाय नवाचार अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) के ऑनलाइन साइट विजिट समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. विकेंदर सिंह ओरल इम्प्लांटोलॉजी की विश्व कांग्रेस में राजनयिक थे। पियरे फौचर्ड अकादमी, अमेरिका की फेलोशिप प्राप्त की दिनांक 10 नवंबर, 2024 को छठे वैश्विक एएआईडी और 12वें डब्ल्यूसीओआई सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष, और 28 सितंबर 2024 को आईएसओआई के 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष थे।

डॉ. वरुण सूर्या ने मुख विकृति विज्ञान प्रयोगशाला की एनएबीएल मान्यता प्रक्रिया में योगदान दिया। प्रयोगशाला के लिए एनएबीएल प्रमाणपत्र जारी करने के साथ ही मान्यता प्रक्रिया अक्टूबर 2024 में सफलतापूर्वक पूरी हुई। उन्होंने एम्स में दं.शि.अ.कें. के लिए एनएबीएच मान्यता प्रक्रिया में भी योगदान दिया है, जो नवंबर 2024 में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वे भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के नेतृत्व में स्वास्थ्य पर एआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के संघ में सह-संयोजक भी हैं। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय फोरेंसिक ओडोंटो-स्टोमेटोलॉजी संगठन (आईओएफओएस) की एक सदस्य संस्था, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी के तत्वावधान में, भारतीय फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी बोर्ड की फेलोशिप से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्हें सीएसआई कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, मदुरै में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के 31वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "ओपीएमडी - नए परिप्रेक्ष्य, स्पेक्ट्रोस्कोपी के साथ प्रारंभिक जांच" पर प्रतिष्ठित डॉ डी के दफ्तरी संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथि व्याख्यान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत की पहली कम्प्यूटेशनल ओरल-पैथोलॉजी सुविधा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे डायग्नोस्टिक वर्कफ़्लो में डिजिटल एकीकरण को बढ़ाया गया। हम भारत की पहली ओरल पैथोलॉजी सुविधा भी हैं, जिसने ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर और सिस्ट के लिए फ्लोरोसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन शुरू किया है। इन उपलब्धियों में से, आईआईटी दिल्ली के साथ ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप का सह-विकास एक मील का पत्थर है- जो मुख संबंधी कैंसर का पता लगाने तथा निदान प्रक्रिया की उन्नति हेतु उच्च प्रभावी सहयोगी अनुसंधान का नेतृत्व करने तथा उसमें भाग लेने की उनकी क्षमता का उदाहरण है।

10.2_.indd 1123 1/7/2026 2:26:27 PM

डॉ. कल्पना बंसल

इन्हें 30 जनवरी 2025 को आयोजित चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आई-फ़ोन उपयोगकर्ताओं के लिए शैक्षिक ऐप - "हेल्दी स्माइल" मोबाइल एप्लिकेशन को ऐप स्टोर पर अपलोड करना भी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था क्योंकि यह देश में अपनी तरह का अनूठा ऐप है। इस ऐप का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को बच्चों में दंत क्षय की शुरुआत तथा इसके बढ़ने को रोकने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। यह कार्य 13 नवंबर 2025 को पूर्ण हुआ।

डॉ. नितेश तिवारी को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी की बैठक समिति, शिक्षा समिति, सदस्यता समिति, दिशानिर्देश समिति के सदस्य एवं सोशल मीडिया समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। सर्वोच्च उद्धरण पुरस्कार 2025- एक प्रकाशन 2023-24 में डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी जर्नल में सबसे अधिक उद्धृत लेख था- देवी केपी, तिवारी एन, ओ'कोनेल ए, एट आल। विशेष स्वास्थ्य उपचार की जरूरत वाले व्यक्तियों में दर्दनाक दंत विक्षतियों से जुड़े जोखिम कारक-एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। *डेंट ट्रॉमेटोल*। 2024;40(1):91-110. doi:10.1111/edt.12882 उच्च प्रशस्ति पुरस्कार 2024-ट्रॉमेटोलॉजी जर्नल में 2022-23 में प्रकाशित दो प्रकाशनों को सर्वाधिक उद्धत लेखों के रूप में सम्मानित किया गया। अक्टूबर 2024 में इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त थे। दिनांक 22 अगस्त 2024 को इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के महासचिव के रूप में नियुक्त थे। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन एएनआरएफ (एसईआरबी) डीएसटी, भारत सरकार के बायोमेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान के सह-चयनित सदस्य के रूप में नियुक्त थे।

डॉ. राहुल मोरंकर जी को 26-28 सितंबर 2024 को येलहंका, बेंगलुरु में आयोजित 45वें इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री (आईएसपीपीडी) के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में संकाय मूल शोध श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए पुरस्कृत किया गया। विभिन्न इंट्राकैनल औषधियों का उपयोग करके रीजेनरेटिव एंडोडॉन्टिक थेरेपी के सफल परिणामों पर 12 महीने का रैंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल प्रस्तुत करने के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। 30 जनवरी से 1 फरवरी के बीच मुंबई में आयोजित आईएसपीपीडी के 21वें पीजी सम्मेलन में "थर्मल पल्प सेंसिबिलिटी टेस्ट में ऑपरेटर-संबंधित परिवर्तनशीलता का आकलन" विषय पर संकाय अनुसंधान श्रेणी में सत्र का सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक शोध पत्र प्रदान किया गया। आईएसडीआर सदस्यों के बीच प्रतिस्पर्धा के बाद आईएडीआर-भारतीय प्रभाग द्वारा भारतीय पुरस्कार विजेता के रूप में अनुशंसित और नामित, 24-28 जून, 2025 को बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित होने वाले आईएडीआर जनरल सेशन एवं प्रदर्शनियों में प्रतिष्ठित आईएडीआर हैटन पुरस्कार में भाग लेने के लिए, हमारे कार्य के लिए जिसका शीर्षक है - वरिष्ठ नैदानिक अनुसंधान श्रेणी में "एंटीकैंसर थेरेपी प्राप्त करने वाले युवा कैंसर से जीवित लोगों में डेंटल पल्प कैल्सीफिकेशन की व्यापकता" 2024-27 की अवधि के लिए एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संघ, इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के लिए एक कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गये थे।

डॉ. हर्ष प्रिया ग्लासगो के स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय में एमएससी स्वास्थ्य विश्लेषण एवं नीति प्रबंधन के लिए राष्ट्रमंडल साझा छात्रवृत्ति के लिए भारत सरकार द्वारा नामित किया गया था। इंपीरियल कॉलेज लंदन में सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर के लिए 2024-25 के लिए राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति के लिए भारत सरकार द्वारा नामित किया गया था। मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा में युवा भारतीय जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए 2023-24 की दीर्घकालिक आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप के लिए चुना गया। जे. विलियम फुलब्राइट विदेशी छात्रवृत्ति बोर्ड, अमेरिकी विदेश विभाग, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान तथा संयुक्त राज्य-भारत शैक्षिक फाउंडेशन की ओर से 2024-2025 ह्यूबर्ट एच. हम्फ्री फैलोशिप कार्यक्रम के लिए

10.2_.indd 1124 1/7/2026 2:26:27 PM

वैकल्पिक पैनल पर रखा गया। अन्वेषक-आरंभिक अनुसंधान प्रस्ताव आईसीएमआर लघु बाह्य अनुदान प्राप्त डीईआईएबी (विविधता, समानता, समावेशन, सुगम्यता एवं संबद्धता) पर (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च) आईएडीआर टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में मनोनीत। सदस्य - आईएडीआर ई-ओरल हेल्थ नेटवर्क।

डॉ. भारती एम. पुरोहित ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) सहयोगी नेटवर्क की सदस्य थीं तथा लैंसेट जर्नल में प्रकाशित जीबीडी अध्ययन अनुमानों के वार्षिक अपडेट की सह-लेखिका थीं। बीएमसी ओरल हेल्थ की सह-संपादक: बीएमसी ओरल हेल्थ, स्प्रिंगर नेचर (यूके) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय की जर्नल सहकर्मी-समीक्षा की गई। इंटरनेशनल इंडेक्स्ड जर्नल्स की समीक्षक, जिनमें इंटरनेशनल डेंटल जर्नल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री, कम्युनिटी डेंटल हेल्थ शामिल हैं। वर्ष 2024 में साहित्यिक कार्य के तहत 'प्रीडिक्टिंग पाथवे फॉर अनमेट प्रोस्थेटिक नीडस' और 'संसाधन की कमी वाले सेटिंग्स में मुख स्वच्छता सहायकों का सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण' के लिए दो कॉपीराइट पंजीकृत किए गए। पहला काम जनसंख्या समूहों में अधूरी कृत्रिम अंगों की जरूरतों की पहचान करने और पूर्वानुमान लगाने के लिए एक रूपरेखा प्रस्तुत करता है दो सेकन्ड वर्क सामान्य मुख संबंधी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया को मजबूत करने तथा समुदाय-आधारित स्वास्थ्य नेटवर्क को अनुकूलित करने संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। एम्स, नई दिल्ली तथा एम्स भोपाल में अपना पाठ्यक्रम पढ़ रहे पीएच.डी. छात्रों हेतु डॉक्टरेट समिति के सदस्य रहे, नई दिल्ली में आयोजित एक जन जागरूकता कार्यक्रम के विकास में विशेषज्ञ योगदानकर्ता रहे। जिसका ध्यान 2024 में मुख कैंसर की रोकथाम करने पर केंद्रित था। एम्स, नई दिल्ली में एक जन जागरूकता वीडियो के विकास में विशेषज्ञ योगदानकर्ता, जो 2024 में मुख कैंसर की रोकथाम पर केंद्रित था। इस वीडियो की विषय-वस्तु प्रमुख निवारक उपायों, जोखिम कारकों तथा शीघ्र पहचान की नीतियों को सुलभ भाषा में संप्रेषित करने के लिए डिज़ाइन की गई थी। दूरदर्शन लाइव हेल्थ शो - 'हैलो डॉक्टर' के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, जहाँ मुख स्वच्छता संबंधी जनता के प्रश्नों का समाधान किया जाएगा (मई 2024)।

10.2_.indd 1125 1/7/2026 2:26:28 PM

10.3 नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
संजय थुलकर

आचार्य
चंद्रशेखर एसएच

अपर आचार्य
एकता धमीजा
मुकेश कुमार

सह-आचार्य
कृतिका रंगराजन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
श्री विजय चंदेल

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
आचार्य एवं प्रभारी अधिकारी
रितु गुप्ता

आचार्य
संजीव कुमार गुप्ता
प्रणय तंवर
अनीता चोपड़ा
अमर रंजन

सह-आचार्य
जी स्मिता

वैज्ञानिक
गुरविंदर कौर
(फरवरी 2025 तक)
दीपशी ठकराल
विवेक कुमार सिंह
न्गांग्योला तुइखर

मुख्य तकनीकी अधिकारी
सरोज सिंह

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
समीर बख्शी

10.3_.indd 1126 1/7/2026 4:56:10 PM

आचार्य

अजय गोगिया
रंजीत कुमार साहू

अपर आचार्य

प्रभात सिंह मलिक
अतुल बतरा
सचिन खुराना
थौडम देबराज सिंह
समीर रस्तोगी
राजा प्रमाणिक
चंद्र प्रकाश प्रसाद
मयंक सिंह

सह-आचार्य

दीपम पुष्पम
आकाश झा

सहायक आचार्य

चेतन आर
बबीता कटारिया
अपर्णा शर्मा

वैज्ञानिक

भारत भूषण
सम्पा घोष
सचिन कुमार
सुरेंद्र के शरावत

चिकित्सा भौतिकी

आचार्य एवं प्रभारी

प्रतीक कुमार

सहायक आचार्य

राज किशोर बिष्ट

वैज्ञानिक-II

सुसामा रानी मंडल

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सीमा मिश्रा

आचार्य

राकेश गर्ग
विनोद कुमार
(विश्राम अवकाश पर)
निष्कर्ष गुप्ता
सचिदानंद जी भारती

सह-आचार्य

ब्रजेश कुमार रात्रे

10.3_.indd 1127 1/7/2026 4:56:10 PM

एनसीआई, झज्जर, संकाय सदस्य

सह-आचार्य

अनुजा पंडित

सह-आचार्य

सौरभ विग श्वेता भोपाले बलबीर कुमार

सहायक आचार्य

राघव गुप्ता प्रशांत सिरोहिया

सहायक आचार्य (संविदा पर)

प्रतीक मौर्य

सहायक आचार्य (संविदा), प्रशामक चिकित्सा

-पुनीत राठौड़ भानु प्रताप मौर्य

निवारक अर्बुदविज्ञान

सह-आचार्य

पल्लवी शुक्ला

वैज्ञानिक II

सुजाता पाठक

कुमार संदीप

वैज्ञानिक I

असरार आलम

पवन कुमार

विकिरण अर्बुदविज्ञान

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

सुमन भास्कर

आचार्य

सुष्मिता पथी

सुभाष गुप्ता

हरेश केपी

रंभा पांडे

अहिताग्नि बिस्वास

सह-आचार्य

सुब्रामणि वी
(चिकित्सा भौतिकी)

गोपीशंकर एन
(चिकित्सा भौतिकी)

धनबलन आर
(चिकित्सा भौतिकी)

सुरेंद्र कुमार सैनी

सह-आचार्य (एनसीआई)

अमन शर्मा

सुप्रिया मलिक

10.3_.indd 1128 1/7/2026 4:56:10 PM

सहायक आचार्य

अंजलि वी.आर.

अभिषेक शंकर

सहायक आचार्य (एनसीआई)

करुण कम्बोज

अनिल गुप्ता

चिकित्सा भौतिक विज्ञानी

वरिष्ठ चिकित्सा भौतिक विज्ञानी

सैरेम मेघा सिंह

वरिष्ठ चिकित्सा भौतिक विज्ञानी (एनसीआई)

सीमा शर्मा

चिकित्सा भौतिक विज्ञानी

राजेंद्रन एम

आशीष बिंजोला

मोहना एम

ज्योति यादव

चिकित्सा भौतिक विज्ञानी (एनसीआई)

संगीता हजारिका

जसविन राज एनएम

शल्यक अर्बुदविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनील कुमार

आचार्य

मुकुरदीपी रे

सह-आचार्य

आशुतोष मिश्रा

संदीप कुमार भोरीवाल

सह-आचार्य (एनसीआई, झज्जर)

ज्योति शर्मा

सहायक आचार्य

बाबुल बंसल

सहायक आचार्य (एनसीआई, झज्जर)

नवीन कुमार

ज्योतिशमान सैकिया

अमिताभ मंडल

बिट्टू भुक्कल

डीसीआर

अध्यक्ष

सुनील कुमार

10.3_.indd 1129 1/7/2026 4:56:10 PM

वैज्ञानिक
एन. मनोहरन

वैज्ञानिक-II
राजीव कुमार मल्होत्रा
(दिनांक 31.7.24 तक)

मुख्य चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी
अशोक कुमार सिंह
(दिनांक 30.6.24 तक)

पर्यवेक्षण चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी
इंदु गौर
(31 अक्टूबर 2024 तक)

नर्सिंग सेवाएं

इस रिपोर्टिंग अवधि के अनुसार, परिचर्या विभाग में निम्नलिखित कर्मचारी शामिल हैं:

- **उप परिचर्या अधीक्षक (डीएनएस):** 2 (स्वीकृत संख्या: 3)
- **सहायक परिचर्या अधीक्षक (एएनएस):** 08 (स्वीकृत संख्या: 11)
- **वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी (एसएनओ):** 77(स्वीकृत संख्या: 53)
- **नर्सिंग अधिकारी (एनओ):** 212 (स्वीकृत संख्या: 253)

कुल कर्मचारी: 304 (कुल स्वीकृत संख्या: 320)

इस टीम ने पूरे वर्ष व्यापक, सहानुभूतिशील और उच्च गुणवत्ता वाला परिचर्या उपचार प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम किया है।

आहारिकी

आहारविद्

मार्किन्ती एम

फिजियोथेरेपी

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट
निर्मल कुमार

चिकित्सा समाज कल्याण एकक
चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी
नीतू एस. महाजन

प्रमुख एवं आचार्य
सुषमा भटनागर

10.3_.indd 1130 1/7/2026 4:56:10 PM

(1 अप्रैल 2024-15 फरवरी 2025)

आचार्य

संजय थुलकर

(16 फरवरी 2024 से अब तक)

अपर चिकित्सा अधीक्षक आचार्य

संजय थुलकर

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

त्रिलोक चंद

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

अर्चना शर्मा

प्रशासनिक अधिकारी

राज कुमार भोला

डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ. में अधिकारियों की कुल संख्या

संकाय सदस्य	51
रेजिडेंट डॉक्टर	83
समूह ‹क' अधिकारी	39
समूह ‹ख' अधिकारी	408
समूह ‹ग' कर्मचारी	81
अंशकालिक सामाजिक गाइड	06
आउटसोर्स हाउस कीपिंग स्टाफ	186
आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	84
आउटसोर्स अग्निशमन कर्मचारी	03
आउटसोर्स रोगी उपचार समन्वयक	09
आउटसोर्स एमएलटी	02
आउटसोर्स एमटीएस	07
आउटसोर्स डाटा एंट्री ऑपरेटर	52
आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	101

10.3_.indd 1131 1/7/2026 4:56:10 PM

आउटसोर्स रेडियोग्राफर	01
आउटसोर्स सहायक आहारविद्	01
आउटसोर्स फार्मासिस्ट	01
आउटसोर्स जूनियर फिजियोथेरेपिस्ट	03

डॉ. बीआरएसं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली का स्थापना अनुभाग मुख्य रूप से संकाय सदस्यों और वरिष्ठ रेजिडेंट को छोड़कर डॉ. बीआरएसं.रो.कैं.अ. में तैनात समूह 'क', 'ख' और ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संबंध में सेवा मामलों, छुट्टी प्रसंस्करण, वेतन और भत्ते, पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभों से संबंधित मामलों को देखता है।

विशिष्टताएं

डीसीआर

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 172 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 परिचर्या होम और एमसीडी और एनडीएमसी के महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रभाग से कैंसर रोगी का डेटा एकत्र करती है और दिल्ली शहरी निवासियों के बीच विभिन्न कैंसर की घटनाओं की रिपोर्ट करती है और 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली की 97.5% आबादी को कवर करती है। दिल्ली के पुरुषों में कैंसर के सामान्य स्थान फेफड़े, मुंह, जीभ, प्रोस्टेट और स्वरयंत्र हैं और महिलाओं में कैंसर के सामान्य स्थान स्तन, सर्वाइकल, पित्ताशय, अंडाशय और कॉर्पस गर्भाशय हैं। पुरुषों के लिए कैंसर के निदान की औसत आयु 58 और महिलाओं के लिए 55 वर्ष है। शीर्ष दस कैंसर मुख्य स्थान क्रमशः पुरुषों और महिलाओं में कुल कैंसर के मामलों का 55.1% और 67.2% कवर करते हैं

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

विभाग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, चिकित्सा उपकरणों और चिकित्सा रोबोटिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में गहन अनुसंधान में संलग्न है। संकाय-सदस्य, बीआरएसं.रो.कैं.अ., एम्स, दिल्ली में अपने कार्य के साथ-साथ, झज्जर स्थित एनसीआई-एम्स में कैंसर रोगियों को एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन जैसी रेडियोलॉजी सेवाएँ प्रदान करने के लिए रोटेशन में भी भाग लेते हैं।

विभाग ने एनसीआई-एम्स, झज्जर में नए रेडियोलॉजी उपकरणों की स्थापना और संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई है और इसके उपयोग के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने में योगदान दिया है। जठरांत्र कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और सारकोमा पर केंद्रित, साप्ताहिक बहु-विषयक ट्यूमर बोर्ड चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं।

इसके अलावा, संकाय-सदस्य पूरे वर्ष कार्यशालाओं के आयोजन और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योगदान देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न शोध परियोजनाओं पर आईआईटी दिल्ली और भारत के अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ मिलकर काम करते हैं।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

- **रोगी उपचार:** प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, रक्त और अस्थि मज्जा आकृति विज्ञान और अगली पीढ़ी के प्रवाह साइटोमेट्रिक इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके ल्यूकेमिया के निदान हेतु एक उन्नत कैंसर प्रयोगशाला है। नियमित नैदानिक अनुप्रयोगों के अलावा, न्यूनतम अवशिष्ट

10.3_.indd 1132 1/7/2026 4:56:10 PM

रोग (एमआरडी) का पता लगाने, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, सीएसएफ, शरीर द्रव और फाइन नीडल एस्पिरेट इम्यूनोफेनोटाइपिंग के लिए चिकित्सीय निगरानी जैसी विशिष्ट सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। रोगियों को सभी रक्त संबंधी विकृतियों के लिए अत्याधुनिक आणविक निदान सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला ने एनसीआई, झज्जर में 'रोबोटिक कोर लैब' में चौबीसों घंटे सेवाएँ स्थापित करने और बनाए रखने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है।

- **अनुसंधान:** प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक कई आंतरिक, बाह्य, अंतर-संस्थागत और अंतः-संस्थागत अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंधान सहयोगों में सक्रिय रूप से शामिल रही है, और पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 300 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित कर चुकी है। विभिन्न अंतर-संस्थागत सहयोगों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी, दिल्ली), राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली, जीनोमिक्स एवं एकीकृत जीव विज्ञान संस्थान (आईजीआईबी), नई दिल्ली, एनआईपीसीआर- नोएडा, एनआईओपी- सफदरजंग के साथ सहयोग शामिल हैं।

- **शिक्षा:** प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, विकृति विज्ञान, रुधिर विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा के एमडी रेजिडेंट्स को परिधीय रक्त और अस्थि मज्जा आकृति विज्ञान, मायलोमा और फ्लो साइटोमेट्री का प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसके अलावा, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बाल रोग अर्बुदविज्ञान और रुधिर विकृति विज्ञान के डीएम रेजिडेंट्स भी यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक में एक सक्रिय पीएचडी कार्यक्रम चल रहा है, जिसमें कई पीएचडी छात्र चल रही शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रयोगशाला छात्रों को अल्पकालिक शोध प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग अपने उच्च-स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रम, व्यस्त नैदानिक सेवा, स्टेम सेल प्रत्यारोपण कार्यक्रम और अनुसंधान गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इसके शैक्षिक कार्यक्रम पीएचडी, डीएम और बीएमटी फेलोशिप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और ख्याति प्राप्त हैं। विभाग ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी आकर्षित करता है। उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं में प्रकाशन, अनुसंधान अनुदान और विभिन्न सरकारी/अनुदान एजेंसियों द्वारा संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को मान्यता उनके गुणवत्तापूर्ण योगदान के प्रमाण हैं।

रोगी उपचार सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार के लिए उठाए गए कदम/गतिविधियाँ

1. 'प्रतिष्ठित वक्ता' सेमिनार श्रृंखला के तहत नियमित सेमिनार में प्रतिष्ठित वक्ताओं (भारत और विदेश दोनों से) ने विभिन्न विषयों पर आमंत्रित सेमिनार संचालित किए हैं, जिन्हें युवा संकाय सदस्यों द्वारा पसंद किया गया है।

2. ईएसएमओ 2024 और यूरो - अर्बुदविज्ञान अपडेट का सर्वश्रेष्ठ आयोजन किया गया

3. जैव सांख्यिकी कार्यशाला - कोलकाता स्त्री रोग-अर्बुदविज्ञान परीक्षण एवं ट्रांसलेशनल अनुसंधान समूह (कोलगोट्रिग) के सहयोग से, एनसीआई-एम्स ने 8-10 नवंबर 2024 को चिकित्सकों के लिए तीन दिवसीय गहन जैव सांख्यिकी कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों - डॉ. अतानु भट्टाजी (आचार्य, जैव सांख्यिकी, डंडी विश्वविद्यालय और डॉ. केली एम. किडवेल,

10.3_.indd 1133 1/7/2026 4:56:10 PM

मिशिगन विश्वविद्यालय) ने जैव सांख्यिकी के विभिन्न सिद्धांतों पर व्याख्यान दिए। सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई के संकाय सदस्यों ने भी कार्यशाला के दौरान सत्रों का मार्गदर्शन किया।

4. स्त्री-अर्बुदविज्ञान में कोलगोट्रजी और स्त्री रोग संबंधी कैंसर इंटर ग्रुप (जीसीआईजी) के साथ विचार-मंथन सत्र: हमने डॉ. माइकल बुकमैन-अध्यक्ष, जीसीआईजी और डॉ. मैरी आइकेन, सीईओ- इंटरनेशनल गायनोकोलॉजिकल कैंसर सोसाइटी (आईजीसीएस) के मार्गदर्शन में 5 दिसंबर 2024 को स्त्री-अर्बुदविज्ञान में नैदानिक परीक्षणों के लिए एक विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया। एनसीआई, सं.रो.कैं.अ. और कोलगोट्रजी के संकाय सदस्य ने अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों से प्रतिक्रिया के लिए अपने शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए। व्यावहारिक नैदानिक परीक्षण डिज़ाइन, एम्स और कोलगोट्रजी द्वारा बहु-केंद्रित आईजीसीएस और सर्विक्स कैंसर रिसर्च नेटवर्क (सीसीआरएन) अध्ययनों के रूप में भविष्य के परीक्षणों के विस्तार की व्यवहार्यता पर चर्चा की गई।

5. एनसीआई और सं.रो.कैं.अ. नर्सों के लिए कार्यशाला: एनसीआई और सं.रो.कैं.अ. के 5-5 परिचर्या अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया, जहाँ उन्हें नर्स-नेतृत्व वाली आनुवंशिक परामर्श (नर्स-नेतृत्व वाली आनुवंशिक परामर्श) के लिए प्रशिक्षित किया गया। एनसीआई ने कोल्गोटीआरजी टीम के सहयोग से 5 दिसंबर 2025 को कार्यशाला का आयोजन किया।

चिकित्सा भौतिकी

मेडिकल फिजिक्स एकक, सं.रो.कैं.अ. एम्स में लगभग 20 विभागों, सुविधाओं और अनुभागों में विकिरण सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन, विकिरण डोसिमेट्री, एक्स-रे छवि अनुकूलन से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है। हम 170 से अधिक विकिरण उपकरणों और एम्स एवं एनसीआई झज्जर के लिए नियामक अनुपालन संबंधी कार्यों की उपचार करते हैं। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के नियमों के अनुसार, चिकित्सा में विकिरण के सभी अनुप्रयोगों को सीटी, एक्स-रे रेडियोग्राफी, मैमोग्राफी, फ्लोरोस्कोपी, एंजियोग्राफी, सी-आर्म, डेक्सा, ओ-आर्म आदि के बारे में प्रासंगिक नियमों का पालन करना चाहिए। हम रोगियों, कर्मचारियों और जनता को विकिरण सुरक्षा के लिए परामर्श प्रदान करते हैं, रक्त बैग का प्रदीपन करते हैं, विकिरण डोसिमेट्री और इमेजिंग के अनुकूलन से संबंधित अनुसंधान और नैदानिक मेडिकल फिजिक्स क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करते हैं। 2024-2025 के दौरान हमने रक्त आधान के लिए 26,173 माप, परीक्षण, परामर्श, प्रयोग और रक्त बैगों का विकिरण बंध्यीकरण किया।

अर्बुद-संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

अर्बुद-संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा विभाग ने एनसीआई में 8 नए ऑपरेशन थियेटर, 50 बेड वाले गहन चिकित्सा एकक (आईसीयू), राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर में 40 बेड वाले पैलिएटिव केयर वार्ड (पीसीयू) में सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। एनसीआई, झज्जर में एक समर्पित इंटरवेंशनल कैंसर दर्द निवारक कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। फुप्फुसीय चिकित्सा, हृद विज्ञान, आपात चिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान, वृक्क विज्ञान और जरा चिकित्सा की विशेषज्ञताओं में पैलिएटिव उपचार की अवधारणा को एकीकृत करने की पहल रोगी उपचार और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शुरू की गई है। विभिन्न नैदानिक हस्तक्षेपों के लिए शुरू की गई अन्य नई सेवाओं में एनसीआई में एंडोस्कोपी, ईआरसीपी और स्टेंटिंग और बाल रोगियों को बेहोश करने की क्रिया के लिए एनेस्थीसिया शामिल हैं।

निवारक अर्बुदविज्ञान

विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ

1. **स्वास्थ्य संवर्धन और शिक्षा:** जागरूकता सृजन के माध्यम से वंचितों तक पहुँचना निवारक अर्बुदविज्ञान का प्रमुख क्षेत्र है। रोकथाम योग्य सामान्य कैंसरों के बारे में आम जनता की

10.3_.indd 1134 1/7/2026 4:56:10 PM

जागरूकता विभिन्न माध्यमों से बढ़ाई गई, जिनमें एम्स के मीडिया प्रकोष्ठ और ट्विटर हैंडल के माध्यम से जनसंचार माध्यम, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता सत्र आयोजित करना और महत्वपूर्ण कैंसर जागरूकता दिवस एवं जागरूकता माह मनाना शामिल है।

2. **आउटरीच गतिविधियाँ:** टीकाकरण अभियान और स्क्रीनिंग/शीघ्र पहचान के माध्यम से कैंसर की अधिकता को कम करने और सीमित करने के लिए पहल की और अन्य एजेंसियों के साथ सहयोग किया। वंचित व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य एवं कल्याण, टीकाकरण और स्क्रीनिंग शिविरों सहित आउटरीच गतिविधियाँ।

3. **शिक्षण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण:** विभाग में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया। संस्थान के भीतर और बाहर, जोखिम मूल्यांकन और सामान्य कैंसर स्क्रीनिंग में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के विभिन्न संवर्गों का क्षमता निर्माण किया। एनपी-एनसीडी कार्यक्रम में दिल्ली राज्य के लिए एक तकनीकी संसाधन के रूप में, चिकित्सा अधिकारियों और नर्सों का प्रशिक्षण आयोजित किया। सं.रो.कैं.अ. के रोगियों और उनके परिचरों को ये सेवाएँ प्रदान करने के लिए तंबाकू निषेध में निवारक अर्बुदविज्ञान के वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण को सुगम बनाया।

4. **रोगी उपचार:** क्लिनिक के मरीजों का वार्षिक फॉलोअप परीक्षण शुरू किया। ईएचएस लाभार्थियों के लिए एचपीवी टीकाकरण को सुव्यवस्थित किया। गैर-ईएचएस लाभार्थियों के लिए गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से एचपीवी टीकाकरण शुरू किया। 50 वर्ष से अधिक आयु के ईएचएस लाभार्थियों के लिए मैमोग्राफी स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की।

5. **अनुसंधान:** संकाय और वैज्ञानिक कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम और प्रतिरक्षा चिकित्सा से संबंधित आंतरिक और बाह्य अनुदानों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत कैंसर की शीघ्र पहचान और उपचार आरंभ करने में तेजी लाने के लिए भी अनुसंधान कार्य चल रहा है।

6. **परामर्श:** एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में, दिल्ली राज्य के स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान करना, और दिल्ली में एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के लिए राज्य पीआईपी तैयार करने में भी सहायता प्रदान करना। कैंसर की जाँच और उपचार आरंभ करने में तेज़ी लाने के लिए आईसीएमआर की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता द्वारा चयनित स्थलों में से एक के रूप में, गैर-संचारी रोगों के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सुधार हेतु भारत सरकार को सुझाव प्रदान किए जाएँगे।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग उच्च-गुणवत्ता वाली व्यापक कैंसर उपचार सेवाएँ प्रदान कर रहा है। विभाग कैंसर रोगियों के उपचार के साथ-साथ शिक्षण और अनुसंधान कार्यों में भी संलग्न है। विभाग ने हमेशा डॉ. बीआरएसं.रो.कैं.अ. और एम्स के अन्य विभागों के साथ सहयोग करके कैंसर उपचार के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। विभाग में एक उत्कृष्ट टीम और विविध अनुभव वाले संकाय सदस्यों का मिश्रण है, जो मार्गदर्शन एवं परामर्श को और अधिक संतुलित बनाता है।

वर्तमान में, विभाग आईएमआरटी, वीएमएटी, एसबीआरटी और ब्रैकीथेरेपी जैसे सबसे उन्नत विकिरण उपचार प्रदान करने के लिए रैखिक त्वरक और ब्रैकीथेरेपी एककों सहित उच्च-स्तरीय अत्याधुनिक विकिरण चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है। हमारे विभाग ने नैदानिक उपचार, शिक्षण मानकों और अनुसंधान योगदान में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं और आने वाले वर्षों में और बेहतर करने का प्रयास कर रहा है। विभाग एमडी और पीएचडी जैसे स्नातकोत्तर शैक्षिक पाठ्यक्रम संचालित करता है। यहाँ लगभग 18

10.3_.indd 1135 1/7/2026 4:56:10 PM

स्नातकोत्तर रेज़िडेंट और 18 वरिष्ठ रेज़िडेंट हैं। हमारे विभाग में अत्यधिक प्रेरित संकाय सदस्य हैं जो नैदानिक उपचार, शिक्षा और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। भारतीय वित्त पोषण एजेंसियों और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों के अनुसंधान अनुदानों से कई शोध अध्ययन और नैदानिक परीक्षण जारी हैं।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग - वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

वर्ष 2024-2025 के दौरान, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग ने रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग ने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में अपनी शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया, उन्नत और जटिल अर्बुद विज्ञान प्रक्रियाओं के साथ-साथ व्यापक नैदानिक और चिकित्सीय एंडोस्कोपी सेवाएँ भी शुरू कीं। संकाय सदस्यों ने सरकारी निकायों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से कैंसर जागरूकता, रोकथाम और रजिस्ट्री गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
वर्ष के दौरान कुल 2,564 जटिल मुख्य कैंसर शल्य-चिकित्सा और 10,236 नैदानिक, चिकित्सीय एंडोस्कोपिक और छोटी प्रक्रियाएं की गईं।

प्रमुख गतिविधियाँ और उठाए गए कदम:

1. सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई में रुग्णता और मृत्यु दर को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाए रखते हुए 12,800 बड़ी और छोटी कैंसर शल्य-चिकित्सा सफलतापूर्वक की गई।
2. 45,000 से अधिक ओपीडी परामर्श।
3. एम्स (सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई) में सामान्य कैंसर शल्य-चिकित्सा के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई।
4. अस्पताल में रहने और संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने के लिए ईआरएएस (शल्य-चिकित्सा के बाद बेहतर रिकवरी) कार्यक्रम लागू किया गया।
5. नियमित रुग्णता और मृत्यु दर ऑडिट और गुणवत्ता मीट्रिक आकलन सहित विभागीय गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया गया।
6. एक संरचित कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस की स्थापना की गई, जिससे डेटा संग्रहण और अनुसंधान क्षमताओं में वृद्धि हुई।
7. अनुसंधान, सम्मेलन प्रस्तुतियों और प्रकाशनों के लिए संकाय द्वारा मार्गदर्शन के साथ, रेजीडेंटों (एम. सीएच और गैर-शैक्षिक एसआर) को अंग-विशिष्ट डेटाबेस सौंपे गए।
8. सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई परिसरों के बीच शैक्षिक संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए हाइब्रिड शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए।
9. आईआईटी, आईसीएमआर, डीबीटी और आईआईएससी जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ कई आरसीटी और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू कीं।
10. कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए।
11. समकक्ष-समीक्षित उच्च-प्रभाव पत्रिकाओं में 50 से अधिक प्रकाशनों और अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के साथ उच्च शोध आउटपुट प्राप्त किया।

10.3_.indd 1136 1/7/2026 4:56:10 PM

2025-2026 के लिए कार्य योजना:

विभाग का लक्ष्य आगामी वर्ष में निम्नलिखित पहलों के माध्यम से रोगी उपचार और शैक्षिक उत्कृष्टता को और बढ़ाना है:

- उभरती हुई शल्य चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का परिचय इसमें रोबोटिक शल्य-चिकित्सा, नेविगेशनल शल्य-चिकित्सा और इंट्राऑपरेटिव रेडियोथेरेपी (आईओआरटी) शामिल हैं।
- टेली-अर्बुदविज्ञान सेवाओं का विस्तार ताकि उपचार तक पहुंच और निरंतरता में सुधार किया जा सके।
- ईआरएएस प्रोटोकॉल के अनुरूप कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस और फास्ट-ट्रैक शल्य-चिकित्सा कार्यक्रमों का निरंतर विकास।
- नवीन, रोगी-केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं का शुभारंभ, विशेष रूप से भारतीय कैंसर रोगी जनसांख्यिकी के अनुरूप।

सार:

वर्ष 2024-2025 शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, जहाँ अब तक की सबसे अधिक जटिल अर्बुदविज्ञान प्रक्रियाएँ की गईं। नैदानिक उत्कृष्टता, शैक्षिक नवाचार और अनुसंधान उत्पादकता के एक मज़बूत संयोजन के माध्यम से, विभाग ने कैंसर उपचार में नए मानक स्थापित किए हैं और विश्व स्तरीय अर्बुद विज्ञान सेवाएँ प्रदान करने के अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है।

नर्सिंग सेवाएं

- पूरे वर्ष के दौरान, सं.रो.कैं.अ. की परिचर्या टीम ने कैंसर से संबंधित विभिन्न जागरूकता, शिक्षा और गुणवत्ता संबंधी पहलों का सक्रिय रूप से नेतृत्व किया।
- ओपीडी/आईपीडी क्षेत्रों में रोकथाम और शीघ्र पहचान के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, तथा दोनों वर्षों में अक्टूबर में स्तन और सर्वाइकल कैंसर पर नर्सों के लिए विशेष सेमिनार आयोजित किए गए।
- विश्व कैंसर दिवस (4 फरवरी) पर, कर्मचारियों ने समुदाय को शामिल करने के लिए रैलियां, नुक्कड़ नाटक और सूचनात्मक सत्र आयोजित किए।
- अक्टूबर के स्तन कैंसर जागरूकता माह में सं.रो.कैं.अ. की महिला कर्मचारियों के लिए निःशुल्क जांच शिविर और एम्स केंद्रों में जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, साथ ही डीएनसी-मान्यता प्राप्त कार्यशालाएं और पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।
- जनवरी के गर्भाशय-सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह में एचपीवी टीकाकरण शिविर (रोटरी कैंसर फाउंडेशन द्वारा समर्थित), स्कूलों और एम्स ब्लॉकों में स्वास्थ्य वार्ता, तथा परिचर्या छात्रों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता शामिल थी।
- अक्टूबर में एक समर्पित कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें 30 महिला कर्मचारियों की जांच की गई।
- मई माह में नर्स दिवस स्टाफ सम्मान एवं प्रेरणात्मक सत्रों के साथ मनाया गया।

10.3_.indd 1137 1/7/2026 4:56:10 PM

- गुणवत्ता पहलों में कायाकल्प और स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम शामिल थे, जिनमें स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- साइटोटॉक्सिक औषधि सुरक्षा माह (सितंबर) में प्रशिक्षण और डीएनसी-मान्यता प्राप्त सीएनई का आयोजन किया गया।
- नियमित अग्नि अभ्यास के माध्यम से आपातकालीन तैयारियों को सुदृढ़ किया गया।
- शैक्षिक प्रयास व्यापक थे, जिसमें 2024 में 80 सीएनई कक्षाएं, जनवरी 2025 में एनएबीएच प्रशिक्षण और अन्य एम्स संस्थानों की नर्सों को अर्बुदविज्ञान परिचर्या प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 55 से अधिक नए नोर्सेट परिचर्या अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- नर्सों ने निवारक अर्बुदविज्ञान क्लीनिक, घाव और स्टोमा उपचार, तथा संक्रमण नियंत्रण जैसी नैदानिक सेवाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, तथा सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस और वैश्विक हाथ धुलाई दिवस जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया।

आहार विज्ञान एकक

डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ. में आहार विज्ञान सेवाएँ क्रमशः आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार के रोगियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। मुख्य आहार विभाग के समन्वय से, मुख्य अस्पताल के रसोईघर से भोजन सेवाएँ प्रदान की जाती हैं ताकि सामान्य और निजी दोनों वार्डों में भर्ती सभी आंतरिक रोगियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त, एम्स परिसर के विभिन्न भवनों में स्थित सभी सं.रो.कैं.अ. डेकेयर केंद्रों में उपचार प्राप्त कर रहे डेकेयर आंतरिक रोगियों को गुड डे बिस्कुट भी वितरित किए गए।

फिजियोथेरेपी एकक

डॉ. भीम राव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (सं.रो.कैं.अ.), एम्स, नई दिल्ली में फिजियोथेरेपी सेवाएं 1997 में शुरू की गई थीं और तब से व्यापक कैंसर उपचार के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में विकसित हुई हैं। विभाग में वर्तमान में चार स्थायी और तीन आउटसोर्स फिजियोथेरेपिस्टों की एक टीम शामिल है, जो आंतरिक और बाह्य रोगी सेटिंग्स की एक विस्तृत श्रृंखला में विशिष्ट पुनर्वास सेवाएं प्रदान करते हैं।

शिक्षा

डीसीआर

डॉ. राजीव कुमार मल्होत्रा ने शैक्षिक कार्यक्रमों में व्याख्यान दिए और रेडियो-थेरेपी और अर्बुद-संवेदनाहरण एमडी थीसिस में सह-पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए।

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

संकाय सदस्यों ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिटी स्तरों पर शिक्षण के साथ-साथ रेडियो-सम्मेलन, ट्यूमर बोर्ड बैठकों, नैदानिक संयुक्त दौरों और नैदानिक ग्रैंड राउंडों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सं.रो.कैं.अ. और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सत्रों में भी योगदान दिया।

10.3_.indd 1138 1/7/2026 4:56:10 PM

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

क्र. सं.	संकाय सदस्यों का नाम	पीएचडी छात्रों की संख्या 2022-2023	2023-2024	2024-2025
1	डॉ. रितु गुप्ता	01	01	01
2	डॉ. संजीव कुमार गुप्ता	02	02	02
3	डॉ. अनीता चोपड़ा	03	03	04
4	डॉ. प्रणय तंवर	02	02	01
5	डॉ. अमर रंजन	01	01	01

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग में निम्नलिखित कार्यक्रम सफलतापूर्वक जारी हैं

1. डीएम कार्यक्रम
2. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में पीएचडी
3. बीएमटी फेलोशिप
4. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रशिक्षण

नियमित कक्षाएं और सेमिनार

विभागीय संकाय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार प्रातः 8.15 -9.00 बजे
जर्नल क्लब/केस चर्चा	प्रत्येक बुधवार प्रातः 8.15 -9.00 बजे
सं.रो.कैं.अ. सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार प्रातः 8.30-9.30 बजे
आणविक अर्बुदविज्ञान कक्षा	प्रत्येक मंगलवार दोपहर 2.00-3.00 बजे

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी एकक ने एमडी विकिरण विज्ञान, एमबीबीएस और बीएससी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी, बीएससी और एमएससी परिचर्या, एमएससी जैव भौतिकी और एमएससी जैव तकनीकी के छात्रों को मेडिकल इमेजिंग के विकिरण भौतिकी, विकिरण सुरक्षा, विकिरण डोज़ मापन और मेडिकल इमेजिंग में गुणवत्ता आश्वासन पर शिक्षण कार्य किया। वर्तमान में विभाग में 2 पीएचडी छात्र अपना शोध कार्य कर रहे हैं।

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

विभाग दो शैक्षिक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है: डीएम (अर्बुद-संवेदनाहरण) और एमडी (प्रशामक चिकित्सा)। डीएम अर्बुद-संवेदनाहरण का पहला बैच जनवरी 2016 में और एमडी प्रशामक चिकित्सा का जुलाई 2021 में प्रवेश लिया गया था। विभाग वर्ष में दो बार जून और नवंबर के माह में प्रशामक चिकित्सा में सर्टिफिकेट कोर्स और वर्ष में एक बार मार्च के माह में पैलिएटिव केयर पर फाउंडेशन कोर्स भी आयोजित करता है।

विभागीय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार प्रातः 8-9 बजे (हाइब्रिड मोड)
सं.रो.कैं.अ. सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार प्रातः 8.30-9.30 बजे (हाइब्रिड मोड)
ट्यूटोरियल:	प्रत्येक मंगलवार अपराह्न 3-5 बजे (भौतिक रूप से)

10.3_.indd 1139 1/7/2026 4:56:11 PM

रेडियो सम्मेलन	प्रत्येक शनिवार प्रातः 9-10 बजे (भौतिक रूप से)
जर्नल क्लब/ऑडिट/केस चर्चा	हर शनिवार दोपहर 10-12 बजे (हाइब्रिड मोड)

प्रशामक उपचार और कैंसर दर्द के परिचय और अवधारणा का एक पूर्ण और व्यापक वीडियो यूजी, पीजी और एसआर शिक्षण के लिए एम्स, नई दिल्ली के सरल प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया गया है।

प्रशिक्षुओं की कुल संख्या

2022-2023	2023-24	2024-25
शैक्षिक जेआर (एमडी)- 17	18	19
शैक्षिक एसआर(डीएम)- 22	22	22
गैर-शैक्षिक एसआर-3	4	4
गैर-शैक्षिक एसआर (पीएम)- 8	6	9

निवारक अर्बुदविज्ञान

शिक्षण

1. डीएम छात्रों के लिए व्याख्यान:

   विषय: तंबाकू और अर्थव्यवस्था बनाम स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां - डॉ. कुमार संदीप
   विषय: सीएफडीएनए के साथ चुनौतियाँ और अवसर - डॉ. कुमार संदीप
   विषय: एचपीवी नेगेटिव सर्वाइकल कैंसर: एक अनकही कहानी - डॉ. सुजाता पाठक
   विषय: फेफड़ों के कैंसर की रक्त आधारित जांच- डॉ. असरार आलम

2. अल्पकालिक, दीर्घकालिक प्रशिक्षु:

   पीएचडी छात्र-1
   पर्यवेक्षक-1
   प्रशिक्षणाधीन परिचर्या अधिकारी-2

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विभाग सफलतापूर्वक एमडी विकिरण अर्बुदविज्ञान और पीएचडी कार्यक्रम संचालित करता है। यह स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेता है और परिचर्या छात्रों के लिए व्याख्यान देता है। इसके अतिरिक्त, विभाग नियमित रूप से वर्ष भर अन्य संस्थानों से अल्पकालिक प्रशिक्षुओं और पर्यवेक्षकों की मेजबानी करता है। एक व्यापक, सुदृढ़ और सुव्यवस्थित शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किया जाता है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

क्रम सं.	शैक्षिक कार्यक्रम	दिन	समय
1	एसआर ट्यूटोरियल	हर सोमवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
2	संकाय व्याख्यान	हर मंगलवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
3	रेडियो सम्मेलन	हर बुधवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
4	सं.रो.कैं.अ. सेमिनार	हर गुरूवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक

10.3_.indd 1140 1/7/2026 4:56:11 PM

क्रम सं.	शैक्षिक कार्यक्रम	दिन	समय
5	भौतिकी और रेडियोबायोलॉजी व्याख्यान	हर गुरूवार	दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक
6	सम्मेलन/चार्ट राउंड की योजना बनाना	हर गुरूवार	शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक
7	नाभिकीय चिकित्सा रेडियो कॉन्फ्रेंस (एनएमआरसी)	हर शुक्रवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
8	विभागीय सेमिनार/जर्नल क्लब (वैकल्पिक)	हर शनिवार	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
9	नैदानिक मामले पर चर्चा/भौतिकी प्रयोग (वैकल्पिक)	हर शनिवार	दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक

प्रशिक्षुओं की कुल संख्या

क्रम संख्या	प्रशिक्षु पदनाम	कुल संख्या
1	जूनियर रेजिडेंट- शैक्षिक (जेआर)	18
2	जूनियर रेजिडेंट- गैर-शैक्षिक (जेआर)	6
3	वरिष्ठ रेजिडेंट (गैर-शैक्षिक)	18
4	वरिष्ठ प्रदर्शनकारी	2

शल्यक अर्बुदविज्ञान

1. कृपया स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर और पराचिकित्सा शिक्षण सहित सभी शैक्षिक गतिविधियों की सूची प्रदान करें।

2. कृपया अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या बताएं, यदि कोई हो (जैसा कि शैक्षिक अनुभाग द्वारा अनुमोदित हो)

3. कृपया वर्ष के दौरान शिक्षण कार्यक्रमों और नवीन शैक्षिक गतिविधियों में हुए किसी भी परिवर्तन का उल्लेख करें।

   कृपया विवरण न दें "...स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर के लिए कक्षाएं लेना जारी रखा..."

   क. स्नातक-पूर्व शिक्षण: संकाय शिक्षाप्रद व्याख्यान देकर और अर्बुद विज्ञान विषयों पर सेमिनारों में भाग लेकर/संचालन करके स्नातक-पूर्व शिक्षण में शामिल था।

   ख. स्नातकोत्तर शिक्षण: संकाय ने 17 एम.सीएच शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान छात्रों और 12 शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वरिष्ठ रेजीडेंट, डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान रेजीडेंट और एमडी रेडियोथेरेपी जूनियर रेजीडेंट को शिक्षाप्रद व्याख्यान देकर, सेमिनारों का संचालन करके, जर्नल क्लब आदि का संचालन करके और वार्ड राउंड के दौरान और सं.रो.कैं.अ. के विशेष कैंसर क्लीनिकों में नैदानिक शिक्षण देकर शिक्षण और प्रशिक्षण में भाग लिया। संकाय ने बीआरए-सं.रो.कैं.अ. और एम्स के विभिन्न विभागों से एम.सीएच शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एमडी रेडियो डायग्नोसिस, एमडी विकिरण अर्बुदविज्ञान थीसिस परियोजनाओं और पीएचडी परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक के रूप में

10.3_.indd 1141 1/7/2026 4:56:11 PM

कार्य किया। संकाय ने सामान्य शल्य-चिकित्सा और दंत चिकित्सा रेजीडेंट और एमसीएच स्तन और अंतःस्रावी शल्य-चिकित्सा प्रशिक्षुओं, एम.सीएच स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान प्रशिक्षुओं के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी रोटेशन पर भाग लिया।

ग. परा नैदानिक शिक्षण/प्रशिक्षण: संकाय एमएससी परिचर्या अर्बुदविज्ञान छात्रों के शिक्षण में शामिल था।

परिचर्या सेवाएं

1) रोगी शिक्षा / जन-शिक्षा

- सं.रो.कैं.अ. के ओपीडी और आईपीडी क्षेत्रों में आम जनता के लिए कई कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार विकल्पों के महत्व पर जोर दिया गया।
- विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी को जागरूकता रैलियों, सूचनात्मक सत्रों, नुक्कड़ नाटक और शैक्षिक सामग्री के वितरण सहित सार्वजनिक आउटरीच पहलों की एक श्रृंखला के साथ मनाया गया। परिचर्या स्टाफ ने प्रारंभिक निदान और नियमित जांच के महत्व को उजागर करने के लिए समुदाय के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।
- एम्स के विभिन्न केंद्रों/ब्लॉकों (एनसीए, आरपीसी, सीडीईआर, सीटीसी और न्यू आरएके ओपीडी) में स्तन कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जो विशेष रूप से महिलाओं को ध्यान में रखकर आयोजित किए गए, जिनमें स्व-स्तन परीक्षण तकनीक, लक्षण पहचान और स्क्रीनिंग कार्यक्रम शामिल थे।
- सं.रो.कैं.अ. और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न स्कूलों में प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान एकक के सहयोग से महिलाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर और एचपीवी सैंपलिंग का आयोजन किया गया। रोटरी कैंसर फाउंडेशन द्वारा टीके उपलब्ध कराए गए।
- प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान एकक के सहयोग से एम्स के विभिन्न ब्लॉकों और केंद्रों तथा दिल्ली एनसीआर के विभिन्न स्कूलों में एचपीवी रोकथाम, स्त्री रोग संबंधी नियमित जांच और सुरक्षित प्रथाओं के महत्व पर जोर देते हुए स्वास्थ्य शिक्षा वार्ताएं दी गईं।
- एम्स परिचर्या कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठियाँ / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अर्बुद-संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

1. आईएपीसी दिल्ली राज्य चैप्टर की चौथी सीएमई, वृद्धावस्था प्रशामक उपचार: जीवन के बदलावों में मार्गदर्शक प्रकाश, अप्रैल 2024, नई दिल्ली
2. कैनसपोर्ट के सहयोग से आईएपीसी दिल्ली राज्य चैप्टर की 5वीं सीएमई, छाया में प्रकाश की खोज: अंतिम दिनों और घंटों में जीवन की उपचार, जुलाई 2024, नई दिल्ली
3. एम्स-आईसीएमआर क्षमता निर्माण कार्यशाला, 20-21 जुलाई 2024, एनसीआई, झज्जर

10.3_.indd 1142 1/7/2026 4:56:11 PM

4. आईएपीसी दिल्ली राज्य चैप्टर की छठी सीएमई, ऑंकोलोजी नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से: कैंसर की रोकथाम और उपचार, अगस्त 2024, नई दिल्ली

5. आईएपीसी दिल्ली राज्य चैप्टर की 7वीं सीएमई, बाल चिकित्सा प्रशामक उपचार, सितंबर 2024, नई दिल्ली

6. आईएपीसी दिल्ली राज्य चैप्टर की 8वीं सीएमई, न्यूरो-पेलिएटिव केयर और एडवांस्ड केयर डायरेक्टिव और लिविंग विल पर सार्वजनिक व्याख्यान, अक्टूबर 2024, नई दिल्ली

निवारक अर्बुदविज्ञान

- 8 नवंबर 2024 को दिल्ली में प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान एनसीआई, झज्जर के साथ संयुक्त रूप से आयोजित आईएपीएसएम यंग लीडर्स कॉन्क्लेव में प्रिवेंटिव अर्बुदविज्ञान कार्यशाला कार्यक्रम
- 23 जनवरी 2025 को प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ संयुक्त रूप से आयोजित सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्राथमिक उपचार को मजबूत करना
- जनसंख्या आधारित सामान्य कैंसर स्क्रीनिंग में शामिल रेजिडेंट्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए निवारक अर्बुदविज्ञान पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन बीआरडी चिकित्सा कॉलेज के साथ संयुक्त रूप से किया गया। 14 फरवरी 2025 को गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
- 4 मार्च 2025 को दक्षिण पूर्वी दिल्ली जिले के चिकित्सा अधिकारियों के लिए स्तन और सर्वाइकल कैंसर की जांच पर प्रशिक्षण
- स्तन और सर्वाइकल के कैंसर की जांच पर 7 फरवरी 2025 को दक्षिण दिल्ली जिले के चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण
- अक्टूबर 2024 में स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में एम्स, नई दिल्ली के विभिन्न केंद्रों पर पूरे माह स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता आयोजित की जाएगी।
- 12 नवंबर 2024 को नुक्कड़ नाटक और शपथ समारोह का आयोजन कर सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस मनाया गया
- जनवरी 2025 में एम्स, नई दिल्ली के विभिन्न केंद्रों पर पूरे माह स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता आयोजित करके सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह मनाया जाएगा
- 4 फरवरी 2025 को तिब्बती कैंसर सोसायटी के सहयोग से डॉ. भी.रा.अ.-सं.रो.कैं.अ., एम्स में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

- 13 सितंबर 2024 को डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में 'मल्टीपल मायलोमा- प्रचलित प्रैक्टिस में एमआरडी और आगे का रास्ता' पर विशेषज्ञ समूह की बैठक।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

1. एम्स शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव (एएसओसीओएन 2024) - शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग ने युवा सर्जनों को उन्नत शल्य-चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एम्स शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव (एएसओसीओएन 2024) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। (आयोजन अध्यक्ष- डॉ. सुनील कुमार, संगठन सचिव- डॉ. नवीन कुमार)।

10.3_.indd 1143 1/7/2026 4:56:11 PM

2. चेन्नई में वरिष्ठ रेजिडेंट वेट लैब न्यूनतम इनवेसिव कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

3. एनसीआई में एम्स अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव

परिचर्या सेवाएं

सीएनई/कार्यशाला/सम्मेलन

- अक्टूबर माह में परिचर्या पेशेवरों के लिए एसईटी सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक में स्तन कैंसर और सर्वाइकल के कैंसर पर केंद्रित विशेष सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन सत्रों में विशेषज्ञ वार्ताएँ, रोगियों के किस्से, कौशल केंद्र और प्रश्नोत्तर सत्र शामिल थे।
- दिल्ली परिचर्या काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त सीएनई कार्यशाला एम्स के परिचर्या कर्मियों के लिए 18 अक्टूबर 2024 को एसईटी सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- साइटोटॉक्सिक दवा सुरक्षा पर कर्मचारियों की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण सत्र, व्यावहारिक प्रदर्शन और पुनश्चर्या कार्यशालाएं आयोजित की गईं
- सितंबर में सं.रो.कैं.अ. और एम्स के अन्य केंद्रों व ब्लॉकों के परिचर्या कर्मियों के लिए एसईटी सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक में साइटोटॉक्सिक दवा सुरक्षा पर डीएनसी मान्यता प्राप्त सीएनई का आयोजन किया गया। इन सत्रों में विशेषज्ञ वार्ताएँ, रोगियों की कहानियाँ, कौशल केंद्र और प्रश्नोत्तर सत्र शामिल थे।

नर्सिंग शिक्षा कक्षाएं

- अर्बुदविज्ञान निर्सिंग, संक्रमण नियंत्रण और गहन उपचार प्रबंधन आदि में नवीनतम प्रगति जैसे विषयों पर परिचर्या स्टाफ के लिए नियमित शैक्षिक सत्र आयोजित किए गए। वर्ष 2024 में, सं.रो.कैं.अ. परिचर्या स्टाफ के लिए इन-सर्विस एजुकेशन द्वारा 80 सीएनई कक्षाएं आयोजित की गईं। सीएनई सत्र प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को दोपहर 2 से 3 बजे के बीच सेमिनार कक्ष, प्रथम तल पर आयोजित किए जा रहे हैं।
- साक्ष्य-आधारित प्रचलनों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय भागीदारी और ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित किया गया। इस सत्र में चिकित्सा, तकनीकी और परिचर्या संकायों, दोनों को शामिल किया गया।
- एम्स और परिचर्या कॉलेज के अन्य विभागों/केंद्रों/ब्लॉकों द्वारा आयोजित विभिन्न परिचर्या कार्यशालाओं और सम्मेलनों के लिए परिचर्या स्टाफ को नियमित रूप से तैनात किया गया।

एनएबीएच प्रशिक्षण और तैयारियां

- परिचर्या स्टाफ ने जनवरी 2025 के दूसरे सप्ताह में मान्यता मानकों के अनुरूप होने के लिए एनएबीएच (अस्पतालों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- ध्यान केंद्रित क्षेत्रों में रोगी सुरक्षा, दस्तावेज़ीकरण प्रोटोकॉल, संक्रमण नियंत्रण, नैतिक अभ्यास आदि शामिल थे।

अन्य एम्स परिचर्या स्टाफ सदस्यों के लिए अर्बुदविज्ञान परिचर्या प्रशिक्षण

- परिचर्या विभाग ने विभिन्न एम्स संस्थानों की नर्सों के लिए कैंसर उपचार में उनकी नैदानिक क्षमता बढ़ाने हेतु व्यापक अर्बुदविज्ञान परिचर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। एम्स बीबीनगर और एम्स बिलासपुर, प्रत्येक की कुल 10 नर्सों ने वर्ष 2024 में चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और

10.3_.indd 1144 1/7/2026 4:56:11 PM

विकिरण अर्बुदविज्ञान, डे केयर कीमोथेरेपी, निवारक अर्बुदविज्ञान, प्रशामक उपचार और घाव एवं स्टोमा उपचार सेवाओं सहित विभिन्न आईपीडी और ओपीडी एककों में एक माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया।

- एम्स जोधपुर की दो नर्सों को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) एकक में एक माह के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिसमें प्रत्यारोपण से पहले और बाद के उपचार, केंद्रीय लाइन प्रबंधन और संक्रमण नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- इसके अतिरिक्त, एम्स जम्मू की 20 नर्सों ने सभी अर्बुदविज्ञान विभागों को कवर करते हुए तीन माह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।
- प्रशिक्षण में नैदानिक पोस्टिंग, सैद्धांतिक सत्र और कौशल मूल्यांकन शामिल थे, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों के बीच अपने-अपने संस्थानों में विशिष्ट अर्बुदविज्ञान परिचर्या उपचार प्रदान करने के लिए ज्ञान, आत्मविश्वास और तत्परता में सुधार हुआ।

नवनियुक्त नोर्सेट परिचर्या अधिकारियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण

- 2024 और 2025 में, 55 से अधिक नवनियुक्त नोर्सेट परिचर्या अधिकारियों को अर्बुदविज्ञान परिचर्या में एक व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसका उद्देश्य उन्हें कैंसर रोगियों को विशेष उपचार प्रदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है।
- यह कार्यक्रम कीमोथेरेपी देने, उपचार के दुष्प्रभावों के उपचार, प्रशामक उपचार के सिद्धांतों, रोगी परामर्श और संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं जैसे मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित था। अर्बुदविज्ञान सेटिंग्स में संक्रमण को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए इस प्रशिक्षण में बहु-विषयक दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया, जिससे ऑन्कोलॉजिस्ट, फार्मासिस्ट और अन्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ सहयोग को बढ़ावा मिला।
- इस पहल से न केवल नैदानिक दक्षताओं में वृद्धि हुई, बल्कि सहानुभूतिपूर्ण, साक्ष्य-आधारित अर्बुदविज्ञान उपचार प्रदान करने में नर्सों का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ।
- सत्र का संचालन वरिष्ठ नर्सों द्वारा किया गया और इसका संचालन एसईटी सुविधा और सं.रो.कैं.अ. में किया गया।

आहार विज्ञान एकक

एम्स, नई दिल्ली के परिचर्या कॉलेज द्वारा आयोजित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम "नर्सिंग उत्कृष्टता को सशक्त बनाना: कैंसर स्क्रीनिंग और रोकथाम के लिए नैदानिक दक्षताओं को आगे बढ़ाना" के लिए "कैंसर की रोकथाम में आहार के रहस्यों को उजागर करना" विषय पर वक्ता के रूप में प्रतिनिधित्व किया ।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक

- **सीएमई:**

  विषय: रोगी कल्याण: विकास और बाधाएँ तिथि/स्थान: 7 अगस्त 2024/ एम्स सं.रो.कैं.अ. दिल्ली

  विषय: कल्याणकारी सेवाओं का पुनरुद्धार तिथि/स्थान: 6 मार्च 2025/ एम्स सं.रो.कैं.अ. दिल्ली

- **सीएनई:**

  विषय: अस्पतालों में चिकित्सा सामाजिक सेवाएं (कल्याण) एम्स हैदराबाद परिचर्या अधिकारियों के साथ सीएनई तिथि/स्थान: 29 जुलाई 2024/ एम्स सं.रो.कैं.अ. दिल्ली

10.3_.indd 1145 1/7/2026 4:56:11 PM

- **कार्यशालाएं:**
    - विषय: अस्पतालों में चिकित्सा सामाजिक सेवाएं दिनांक/स्थान: 22 जुलाई 2024/ एनसीआई झज्जर
    - भारतीय कैंसर सोसाइटी के वार्षिक सेमिनार में पैनलिस्ट, जिसका शीर्षक था "कैंसर की वास्तविकता: अंतर को पाटना" तिथि/स्थान: 1 सितंबर 2024/ दिल्ली आईएचसी
    - स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में विशेषज्ञ, सफाई कर्मचारियों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर एक सत्र
    - दिनांक/स्थान: 27 सितंबर 2024/सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
    - "कैंसर जागरूकता, रोकथाम और सहायता" शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा 3 देशों (स्विट्जरलैंड, भारत और कनाडा में वी4यू रेडियो/टीवी पर) में प्रसारित की जाएगी। दिनांक/स्थान: 14 अक्टूबर 2024/ऑनलाइन
    - विशेषज्ञ राष्ट्रीय पार्किंसंस नेटवर्क चिंतन शिविर तिथि/स्थान: 13 दिसंबर 2024, दिल्ली
    - 245वीं सचिन सारकोमा सोसाइटी रोगी सहायता समूह बैठक में एमएसडब्ल्यूयू सं.रो.कैं.अ. द्वारा संचालित (सुविधायुक्त) कल्याणकारी योजनाएं दिनांक/स्थान: 19 जनवरी 2025/ ऑनलाइन
    - ओपीडी रोगियों के लिए विश्व कैंसर दिवस जागरूकता सत्र दिनांक/स्थान: 4 फरवरी 2025/ ओपीडी डॉ. बीआरएसं.रो.कैं.अ. एम्स दिल्ली
    - 4 फरवरी 2025 को डब्ल्यूसीडी पर ब्लॉग्स के माध्यम से सोशल मीडिया पर जागरूकता वार्ता/ ऑनलाइन
    - कैंसर सहयोग स्मारिका में लेख, भारतीय कैंसर सोसायटी (2024), कैंसर की वास्तविकता, अंतर को पाटना, पृष्ठ 36-38

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान: 44

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान : 44

चंद्रशेखर एसएच: 7 **एकता धमीजा: 13**
कृतिका रंगराजन: 17 **मुकेश कुमार: 7**

2022-2023	2023-24	2024-25
33	23	44

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान: 37

रितु गुप्ता: 10 **संजीव कुमार गुप्ता: 9** **अनीता चोपड़ा: 3**
प्रणय तंवर: 2 **अमर रंजन: 2** **जी. स्मिता: 3**
गुरविंदर कौर: 3 **दीपशी ठकराल: 4**
सरोज सिंह: 1

10.3_.indd 1146 1/7/2026 4:56:11 PM

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
29	28	37

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 52

समीर बख्शी: 52

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
22	17	52

समीर रस्तोगी: 10 राजा प्रमाणिक: 21 अतुल बतरा: 3

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
2	3	34

चंद्र प्रकाश प्रसाद: 9

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	6	9

थौडम देबराज सिंह: 5

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	7	5

मयंक सिंह: 7 अपर्णा शर्मा: 7

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
-	4	14

सम्पा घोष (वैज्ञानिक II)

1. एस. घोष*, एस.एम. घुफरान, एस. बिस्वास, एंडोथेलियल कोशिकाओं द्वारा एचबीएक्स अभिव्यक्त करने वाले मानव हेपेटोसाइट्स का उद्दीपन: ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, वार्ता, 5वां आईएसओ-एमवीआर कैनकॉन, 28 अगस्त-2 सितंबर 2024, एमवीआर कैंसर केंद्र एवं अनुसंधान संस्थान परिसर, कोझिकोड, केरल, भारत

10.3_.indd 1147 1/7/2026 4:56:11 PM

2. एस. घोष*, एस रॉय, वी. घोष, एस के. शरावत, आर. प्रमाणिक, एस. बिस्वास, ए. बिस्वास, सेल-फ्री एपस्टीन-बार वायरस डीएनए (ईबीवी) इंटरल्यूकिन-6 और संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के साथ नासॉफिरिन्जियल कैंसर के लिए उपयोगी पूर्वानुमानित बायोमार्कर हो सकता है, पोस्टर प्रस्तुति, कोरियाई सोसाइटी ऑफ मेडिकल ओंकोलोजी की 17वीं वार्षिक बैठक और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024, 26-27 सितंबर 2024, सीओईएक्स, सियोल, दक्षिण कोरिया

3. एस. घोष*, एस. एम. घुफरान, एस. बिस्वास, एचबीएक्स व्यक्त करने वाले मानव हेपेटोसाइट्स की एंडोथेलियल कोशिकाओं के साथ अंतःक्रिया: ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, आमंत्रित व्याख्यान, सतत स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: अनुवादात्मक शोध, 28 फरवरी-1 मार्च 2025, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, भारत

चिकित्सा भौतिकी

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 5

प्रतीक कुमार: 3 **राज किशोर बिष्ट: 2**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
5	9	5

राज किशोर बिष्ट

सीमा मिश्रा: 13 **राकेश गर्ग: 12** **निष्कर्ष गुप्ता: 6**
सचिदानंद जी भारती: 10 **ब्रजेश कुमार रात्रे: 7**

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या: 48

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा: 48

सीमा मिश्रा: 13 राकेश गर्ग: 12 **निष्कर्ष गुप्ता: 6**
सचिदानंद जी भारती: 10 ब्रजेश कुमार रात्रे: 7

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-24	2024-25
50	30	48

निवारक अर्बुदविज्ञान: 16

पल्लवी शुक्ला: 9 **सुजाता पाठक: 7**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
10	17	42

10.3_.indd 1148 1/7/2026 4:56:11 PM

विकिरण अर्बुदविज्ञान: 61

सुमन भास्कर: 4 **सुभाष गुप्ता: 9** **हरेश केपी: 9**
अहिताग्नि बिस्वास: 2 **वी. सुब्रमणि: 5** **गोपीशंकर एन: 6**
सुरेंद्र कुमार सैनी: 5 **अंजलि वीआर: 2** **अभिषेक शंकर: 19**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
16	76	61

शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 115

सुनील कुमार: 10 **एमडी रे: 15** **आशुतोष मिश्रा: 50** **संदीप के भोरीवाल: 3**
ज्योतिष्मा: 10 **नवीन कुमार: 5** **बाबुल बंसल: 10** **ज्योतिषमान सैकिया: 6**
अमिताभ मंडल: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
35	54	72	115

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान : 5

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

2022-2023	2023-24	2024-25
5	7	5

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान: 42

2022-2023	2023-2024	2024-2025
21	27	42

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 34

मौखिक पत्र/पोस्टरपिछले 3 वर्षों में

2022-2023	2023-2024	2024-2025
18	16	34

10.3_.indd 1149 1/7/2026 4:56:11 PM

चिकित्सा भौतिकी: 7

मौखिक पत्र/पोस्टरपिछले 3 वर्षों में

2022-2023	2023-2024	2024-2025
4	6	7

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा: 14

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

2022-2023	2023-24	2024-25
13	19	14

निवारक अर्बुदविज्ञान: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
2	2	2

विकिरण अर्बुदविज्ञान: 20

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
		20

शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 34

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
54	50	34

अनुसंधान

डीसीआर

जारी

1. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री की स्थापना और स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और सिर व गर्दन के कैंसर पर उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. सुनील कुमार, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, 12 वर्ष, 2014, 47 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)

10.3_.indd 1150 1/7/2026 4:56:11 PM

2. भारत में आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. सुनील कुमार, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, 3 वर्ष, 2024, रु. 31,36,392/- प्रति वर्ष (लगभग)

नैदानिक और इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के स्टेजिंग में कंट्रास्ट-एन्हांस्ड एमआरआई के साथ संयुक्त डिफ्यूजन वेटेड और नॉन-कंट्रास्ट एमआरआई की तुलना, एकता धमीजा (सह-प्रधान अन्वेषक), इंट्राम्यूरल (एम्स), 2 वर्ष, 2024-2026, 31.50 लाख रुपये

2. वैक्यूम के लिए मार्जिन चित्रण के तरीकों की तुलना - नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद रेडियोलॉजिकल पूर्ण प्रतिक्रिया वाले स्तन कैंसर रोगी में सहायक एक्सिजन, कृतिका रंगराजन, इंट्राम्यूरल (एम्स), 2 वर्ष, 2023-2025, 4.06 लाख रुपये

3. अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके स्तन कैंसर के रोगियों में एक्सिलरी लिम्फ नोड मेटास्टेसिस का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक गैर-इनवेसिव मशीन लर्निंग आधारित विधि का विकास, एकता धमीजा (सह-पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 82.31 लाख रुपये

4. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में कोशिका मुक्त डीएनए का नैदानिक और रोगसूचक मूल्य - एक समूह अध्ययन, एकता धमीजा (सह-I), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, 96.80 लाख रुपये

5. एआई सहायता से ठोस अंगों में मेटास्टेटिक घावों में चिकित्सा के लिए वॉल्यूमेट्रिक प्रतिक्रिया मूल्यांकन की व्यवहार्यता।, कृतिका रंगराजन, इंट्राम्यूरल (एम्स), 2 वर्ष, 2025-2026, 1 लाख रुपये

6. लेजर पाउडर-बेड फ्यूजन तकनीक का उपयोग करके ऑक्सेटिक वैस्कुलर स्टेंट का स्वदेशी डिजाइन और निर्माण - एक अग्रगामी अध्ययन, चंद्रशेखर एसएच, एम्स-आईआईटी दिल्ली परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये

7. स्तन कैंसर रोगियों में इमेजिंग पैरामीटर और मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग पर अग्रगामी अध्ययन, एकता धमीजा (पीआई), इंट्राम्यूरल कोलैबोरेटिव (एम्स), 2 वर्ष, 2023-2025, 15.36 लाख रुपये

8. डेंस स्तनों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड मैमोग्राफी की भूमिका, एकता धमीजा, इंट्राम्यूरल (एम्स), 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

9. स्तन कैंसर के रोगी में एक्सिलरी नोड्स के लक्षण वर्णन में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका, एकता धमीजा, इंट्राम्यूरल (एम्स), 2 वर्ष, 2024-2026, 2 लाख रुपये

10. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मजबूत करना, कृतिका रंगराजन, शिक्षा मंत्रालय, 1 वर्ष (चरण 1), 2024-2025, 200 लाख रुपये

10.3_.indd 1151 1/7/2026 4:56:12 PM

वित्तपोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. कोविड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: किसका इलाज करें, किसकी जाँच करें, कैसे इलाज करें, कृतिका रंगराजन, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये
2. भारतीय परिदृश्य में मैमोग्राफी पर कैंसर का पता लगाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कृतिका रंगराजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 80 लाख रुपये
3. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रारंभिक प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, एकता धमीजा, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2019-2021, 8 लाख रुपये

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) कोशिकाओं के लिए क्रायोप्रिजर्वेशन प्रणाली स्थापित करना, डॉ. रितु गुप्ता, एफएमईआर, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 40,00,925/-
2. लक्ष्यीकरण मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में नए चिकित्सीय दृष्टिकोणों के लिए ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट, डॉ. रितु गुप्ता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 59,78,368/- रुपये
3. तीव्र माइलॉयड में रोग का निदान और उपचार (केयर-एलएससीपीटी) के लिए ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं (एलएससी) में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र ल्यूकेमिया।, डॉ. रितु गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2025, 563.97 लाख रुपये
4. सीएलएल निदान से पहले या बाद में द्वितीय प्राथमिक दुर्दमताओं (एसपीएम) की घटना और व्यापकता का निर्धारण करना तथा रोग गति और समग्र उत्तरजीविता (ओएस) पर उनके प्रभाव का निर्धारण करना।, रितु गुप्ता, हार्मनी अलायंस, 2 वर्ष, 2023-2025, 18.67 लाख रुपये
5. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा में आनुवंशिकी, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक संभावित अध्ययन, डॉ प्रणय तंवर, कैंसर फाउंडेशन, 7 वर्ष, 2017-2024, 40 लाख रुपये
6. एनआरएफ2 सिग्नलिंग टी-एएलएल के सेलुलर कार्य और नैदानिक महत्व, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 52 लाख रुपये
7. डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंटरमीडिएट करियर फेलोशिप, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीबीटी वेलकम इंडिया अलायंस, 5 वर्ष, 2018-2024, 386 लाख रुपये
8. बीसीआर-एबीएल पॉजिटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) और आईकेजेडएफ1 म्यूटेशन वाले क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) के बी-लिम्फोइड ब्लास्ट चरण में कोशिका आसंजन और कीमोरेसिस्टेंस के आणविक तंत्र को समझना, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

10.3_.indd 1152 1/7/2026 4:56:12 PM

9. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर का विकास।, दीपशी ठकराल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 41.61 लाख रुपये

10. क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल) के लिए टी सेल थेरेपी हेतु नियोएंटीजन की पहचान, गुरविंदर कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 108 लाख रुपये

11. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में कैंसर वृषण प्रतिजन जीन (सीटी45) की भूमिका, हर्षिता दुबे/डॉ. अमर रंजन, आईसीएमआर- एसआरएफ, 3 वर्ष, 2023-2025, एसआरएफ योजना

12. 'एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में डीएनए क्षति उपचार मार्ग जीन की अभिव्यक्ति, कार्य और नैदानिक महत्व का अध्ययन', डॉ. अनीता चोपड़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 56 लाख रुपये

13. बीसीआर-एबीएल1 नेगेटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) में पूर्वानुमानित और रोगसूचक आणविक आनुवंशिक विपथन की व्यापकता और प्रोफ़ाइल का अध्ययन: व्यक्तिगत चिकित्सा की ओर एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30 लाख रुपये

14. एएमएल निदान में समग्र बायोमार्कर के रूप में एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की नैदानिक और रोगनिदान उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए, दीपशी ठकराल, एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

15. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में आरएचओबीटीबी2 की भूमिका को समझना, अनीता चोपड़ा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 51 लाख रुपये

16. सिर और गर्दन के कैंसर में सीटी-डीएनए का पता लगाने के लिए डीडीपीसीआर की उपयोगिता, डॉ. प्रणय तंवर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2026, 43 लाख रुपये

पूर्ण

1. डिम्बग्रंथि के कैंसर में बायोमार्कर की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, डॉ. अमर रंजन, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

2. विस्तृत आनुवंशिक विश्लेषण के लिए बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बाल चिकित्सा बी-एएलएल रोगियों का चयन करने के लिए जोखिम-स्तरीकरण एल्गोरिदम का विकास - अगली पीढ़ी के अनुक्रमण प्लेटफॉर्म के इष्टतम उपयोग की दिशा में एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 49.50 लाख रुपये

3. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल): प्रारंभिक थाइमिक अग्रदूत टी-एएलएल इम्यूनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टीसीआर γ श्रृंखलाओं (एबीडी) के द्वि-एलीलिक विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के अनुसार उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान के रूप में एमईएफ2सी की अभिव्यक्ति।, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2019, 20.16 लाख रुपये

4. टी-एएलएल में टीओएक्स की भूमिका का स्पष्टीकरण, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 30 लाख रुपये

10.3_.indd 1153 1/7/2026 4:56:12 PM

5. निदान और चिकित्सा की निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में एचई4 स्तर का मूल्यांकन, डॉ. अमर रंजन, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-2022, 70 लाख रुपये

6. जठरांत्र मैलिग्नेंसी के ऑपरेशन के बाद के मामलों में सेप्सिस के मार्कर के रूप में थ्रोम्बोपोइटिन का मूल्यांकन, अमर रंजन, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-2022, 40 लाख रुपये

7. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य एएमएल का आणविक जीव विज्ञान, अनीता चोपड़ा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014-2018, 55 लाख रुपये

8. बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक।, अनीता चोपड़ा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2016-2019, 80 लाख रुपये

9. जठरांत्र कैंसर के रोगियों में शल्य-चिकित्सा के बाद थ्रोम्बोपोइटिन का पूर्वानुमानात्मक मूल्यांकन, डॉ. अमर रंजन, अर्बुदविज्ञान फोरम, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, 1.50 लाख रुपये

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. "एक चरण III, ओपन-लेबल, मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड अध्ययन, जिसमें रिटुक्सिमैब प्लस जेमिसिटैबिन प्लस ऑक्सालिप्लैटिन (आर-जेमोक्स) के साथ पोलाटुजुमाब वेडोटिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया जाना, बनाम केवल आर-जेमोक्स, जो रिलैप्स्ड/रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिंफोमा (स्टेज 2) के रोगियों में उपयोग किया जाना", डॉ. समीर बख्शी, रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-वर्तमान, 2.92 लाख रुपये (प्रति रोगी)

2. बाल चिकित्सा तीव्र ल्यूकेमिया और हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लिए फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया में जीवाणु रोगजनकों का तेजी से पता लगाने के लिए 165 आरडीएनए एम्प्लिकॉन और मेटाजेनोमिक नॉनोपोर अनुक्रमण, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2024-जारी, 31.21 लाख रुपये (एक वर्ष)

3. 70 वर्ष से कम आयु के ऐसे रोगियों में, जिनमें पहले से उपचार न किया गया हो, गैर-जर्मिनल सेंटर डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिंफोमा हो, रिटुक्सिमैब, साइक्लोफॉस्फेमाइड, डॉक्सोरूबिसिन, विन्क्रिस्टाइन और प्रेडनिसोन (आर-सीएचओपी) के साथ संयोजन में अकालाब्रुटिनिब का चरण 3, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन। डॉ. समीर बख्शी, अजर्ता, 1 वर्ष, 2023-जारी, 8.28 लाख रुपये (एक वर्ष)

4. गैलिनपेपिमुट-एस (जीपीएस) अनुरक्षण मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल अध्ययन, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से पीड़ित उन रोगियों में सर्वोत्तम उपलब्ध चिकित्सा के लिए अन्वेषक की पसंद की तुलना में, जिन्होंने द्वितीय-पंक्ति बचाव चिकित्सा के बाद पूर्ण छूट प्राप्त की है, डॉ. समीर बख्शी, सेलास, 5 वर्ष, 2022-जारी, प्रति रोगी 8.13 लाख रुपये

5. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम, डॉ. समीर बख्शी, कैनकिड्स किडस्कैन, 5 वर्ष, 2020-वर्तमान, 12 लाख रुपये

6. बाल चिकित्सा एएमएल में नए संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान के लिए परिवर्तित माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए कॉपी संख्या से जुड़े जीन नेटवर्क को समझना, डॉ. समीर बख्शी, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-वर्तमान, 58 लाख रुपये

10.3_.indd 1154 1/7/2026 4:56:12 PM

7. माइटोकॉन्ड्रियल विषमता को समझना और बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों को समझना, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-वर्तमान, 54 लाख रुपये

8. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग का उपयोग करके सारकोमा में फुप्फुसीय नोड्यूल्स की घातक क्षमता का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉडल विकसित करना और इसका संभावित सत्यापन, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-वर्तमान, 67.50 लाख रुपये

9. कैंसर से पीड़ित बाल रोगियों के लिए पोषण परामर्श कार्यक्रम की स्थापना और पोषण संबंधी डेटाबेस विकसित करना, डॉ. समीर बख्शी, कडल फाउंडेशन, 10 वर्ष, 2016-वर्तमान, 13.37 लाख रुपये

10. भारतीय उपमहाद्वीप में आक्रामक परिपक्व बी-नॉन-हॉजकिन लिंफोमा में एपस्टीन बार वायरस पॉजिटिविटी की व्यापकता का आकलन और रोग जीव विज्ञान और उत्तरजीविता पर इसके प्रभाव के आनुवंशिक आधार की व्याख्या, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-जारी, 2.64 लाख रुपये

11. भारत में बाल्यावस्था में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचने की संभावना में सुधार (आईएससीएएलएल): आईसीआईसीएल कार्यान्वयन अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-जारी, 20.89 लाख रुपये (एक वर्ष)

12. नए निदान किए गए तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के लिए भारतीय बाल्यावस्था सहयोगी ल्यूकेमिया समूह बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय मानकीकरण अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, 9 वर्ष, 2017-वर्तमान, 57.6 लाख रुपये

13. भारतीय बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार की विषाक्तता और नैदानिक प्रतिक्रिया के संबंध में आणविक और फार्माकोजेनेटिक मार्कर मूल्यांकन (एमपीजीएक्स-आईएनडीएएलएल), डॉ. समीर बख्शी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2023-जारी, 69.252 लाख रुपये

पूर्ण

1. ठोस ट्यूमर से हड्डी मेटास्टेसिस वाले रोगियों में डेनोसुमाब (हेटेरो) और संदर्भ औषधीय उत्पाद (डेनोसुमाब, एमजेन इंक) के उपचर्म इंजेक्शन की फार्माकोकाइनेटिक, फार्माकोडायनामिक, प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, बहु-खुराक, बहुकेंद्रीय, तुलनात्मक समानांतर अध्ययन।, डॉ. समीर बख्शी, हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड, 2 वर्ष, 2022-2024, प्रति रोगी 2.96 लाख रुपये

2. इंटास फार्मास्युटिकल लिमिटेड के पेगफिलग्रास्टिम पीएफएस के साथ सुरक्षा, प्रभावकारिता, फार्माकोडायनामिक्स और फार्माकोकाइनेटिक्स का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय, ओपन लेबल, टू आर्म अध्ययन, मायलोसप्रेसिव कीमोथेरेपी (सीएमटी) रेजिमेन पर रबडोमायोसार्कोमा या विल्म्स ट्यूमर से पीड़ित 6 वर्ष से कम आयु के बाल रोगियों में न्यूपोजेन® इंजेक्शन की तुलना में, डॉ. समीर बख्शी, इंटास फार्मास्युटिकल लिमिटेड, 2 वर्ष, 2022-2024, 2.87 लाख रुपये

10.3_.indd 1155 1/7/2026 4:56:12 PM

समीर रस्तोगी (अपर आचार्य)

जारी

1. संज्ञान, हृदय और प्रजनन कार्यों पर सोराफेनिब के प्रारंभिक प्रभाव को देखना, डॉ. समीर रस्तोगी, डीटीआरएफ, यूएसए (डेस्मॉइड ट्यूमर रिसर्च फाउंडेशन, यूएसए), 3 वर्ष, 2023-2026, लगभग 16 लाख रुपये वार्षिक

पिछले 3 वर्षों का शोध

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ			1
कुल वित्तपोषण			10 लाख रुपये

जारी

1. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के लिए कैपेसिटाबाइन में कम खुराक वाले पेम्ब्रोलिज़ुमाब को शामिल करना: एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया बहुकेंद्रीय ओपन-लेबल चरण III यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण (स्क्रिप्ट परीक्षण), अतुल बतरा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 733 लाख रुपये

2. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में मानक नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के अलावा कम खुराक वाले पेम्ब्रोलिज़ुमाब का एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (प्लेनेट ट्रायल), अतुल बतरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 147 लाख रुपये

3. मल्टीकाइनेज अवरोधक-संबंधित हाथ-पैर की त्वचा प्रतिक्रिया की रोकथाम के लिए यूरिया क्रीम के अतिरिक्त मानव पुनः संयोजक प्लेटलेट-व्युत्पन्न वृद्धि कारक का एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अतुल बतरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 101 लाख रुपये

4. पित्ताशय के कैंसर में ऑरोरा-ए/टीपीएक्स2 कॉम्प्लेक्स की थेरानोस्टिक क्षमताओं का आकलन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 79 लाख रुपये

5. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेट रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में कार्बोप्लाटिन, जिसमें सोमैटिक या जर्मलाइन होमोलॉगस रीकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन म्यूटेशन मौजूद हैं: एक चरण II सिंगल-आर्म ट्रायल (सीआईपीएचईआर), अतुल बतरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 101 लाख रुपये

6. आनुवंशिक कैंसर प्रवृत्ति वाले जीन में उत्परिवर्तन के साथ स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए एक रजिस्ट्री और एम्स, नई दिल्ली में एक जर्मलाइन डीएनए रिपोजिटरी की स्थापना, डॉ. राजा प्रमाणिक, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर)-आईसीएमआर, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2022-2027, 340 लाख रुपये

7. पित्ताशय के कैंसर में कैनोनिकल और नॉन-कैनोनिकल डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग की थेरानोस्टिक क्षमता का मूल्यांकन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 49 लाख रुपये

10.3_.indd 1156 1/7/2026 4:56:12 PM

8. पित्ताशय के कैंसर में β-कैटेनिन के चिकित्सीय महत्व का मूल्यांकन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

9. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में जीवित रहने पर समय-प्रतिबंधित आहार (टीआरएफ) के साथ आंतरायिक उपवास की प्रभावकारिता की खोज: एक चरण II यादृच्छिक अध्ययन, डॉ. राजा प्रमाणिक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2024-27, 121 लाख रुपये

10. न्यूजेना: आनुवंशिक महिलाओं के कैंसर के लिए स्क्रीनिंग सेवाओं के बारे में जागरूकता और कार्यान्वयन में सुधार के लिए नर्स के नेतृत्व में आनुवंशिक परामर्श: न्यूजेना अध्ययन, डॉ. राजा प्रमाणिक, कोलगोट्रग (कोलकाता स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान परीक्षण और ट्रांसलेशनल रिसर्च ग्रुप), 3 वर्ष, 2024-2027,

11. प्लेटिनम प्रतिरोधी डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए ओरल मेट्रोनॉमिक थेरेपी (ओएमटी) बनाम चिकित्सकों की पसंद का उपचार (टीपीसी), राजा प्रमाणिक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 3 वर्ष, 2025-2028, 91 लाख रुपये

12. उच्च-मूल्य वाले पीएआरपी अवरोधकों के लिए लागत प्रभावी विकल्प के रूप में नैनो-क्वेरसेटिन पर अवधारणा अध्ययन का प्रमाण, चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-यूजी मेंटरशिप अनुदान, 1 वर्ष, 2025-2026, 1.50 लाख रुपये

पूर्ण

1. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में प्रोपोफोल की मध्यस्थता वाले एंटी-मेटास्टेटिक प्रभावों का स्पष्टीकरण, चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-यूजी मेंटरशिप अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 2 लाख रुपये

2. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) के निदान और उपचार के लिए पीएफके-1 प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का कैसे उपयोग किया जा सकता है, इसकी खोज, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 28 लाख रुपये

3. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) में एचयूआर की मध्यस्थता से होने वाले चयापचय परिवर्तनों का अध्ययन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2024, 48 लाख रुपये

जारी

1. फेफड़ों के कैंसर के लिए बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में ईआरआर-γ और जीवित फेफड़ों के कैंसर में डीएन200434 (ईआरआरγ व्युत्क्रम एगोनिस्ट) और एमके2206 (एकेटी अवरोधक) के सहक्रियात्मक ट्यूमर-रोधी प्रभाव की जांच करना, डॉ. थौडम देबराज सिंह, आईसीएमआर (एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, (2023-2025), 82 लाख रुपये

2. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) मानव कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एक संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और कोलन कैंसर में एमके2206 (एक नया एकेटी अवरोधक) के साथ संयोजन में जीएसके5182 (एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर-γ व्युत्क्रम एगोनिस्ट) की एंटीट्यूमर प्रभावकारिता की जांच करना, डॉ. थौडम देबराज सिंह, डीएचआर (एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, (2021-2024), 49 लाख रुपये

10.3_.indd 1157 1/7/2026 4:56:12 PM

3. ट्यूमर ऊर्जा चयापचय, पाइरूवेट डिहाइड्रोजनेज काइनेज 4 (पीडीके4) अभिव्यक्ति और ट्यूमर प्रगति में ईआरआरγ की भूमिका, डॉ. थौडम देबराज सिंह, एनआरएफ मोबिलिटी ग्रांट (दक्षिण कोरिया), 1 वर्ष, (2023-2024), 15 लाख रुपये

4. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कैंसर और पैपिलरी थायरॉइड कैंसर में इन विवो में डीएन200434 (एस्ट्रोजन रिलेटेड रिसेप्टर-γ का एक शक्तिशाली व्युत्क्रम एगोनिस्ट) और एमके2206 (एकेटी अवरोधक) के सहक्रियात्मक एंटी-ट्यूमर प्रभाव की जांच करना, डॉ. थौडम देबराज सिंह, एसईआरबी कोर ग्रांट (एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, (2023-2025), 54 लाख रुपये

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर में डीएन200434 (एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर-γ का एक शक्तिशाली व्युत्क्रम एगोनिस्ट) और एमके2206 (एकेटी अवरोधक) के सहक्रियात्मक ट्यूमर-रोधी प्रभाव की जांच करना, डॉ. थौडम देबराज सिंह, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, (2024-2026), 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) थायराइड कैंसर के लिए एक संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और थायराइड में आयोडीन हैंडलिंग जीन के साथ इसका संबंध, डॉ. थौडम देबराज सिंह, डीएसटी-एसईआरबी कोर (एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, (2020-2023), 50 लाख रुपये

2. डिम्बग्रंथि के कैंसर के उपचार के लिए आईएल-4 रिसेप्टर टार्गेटिंग पेप्टाइड (एपी1-ईएलपी) युक्त इलास्टिन जैसे पॉलीपेप्टाइड का उपयोग करके पैक्लिटैक्सेल का बहुसंयोजी लक्ष्यीकरण-आधारित वितरण, डॉ. थौडम देबराज सिंह, आईसीएमआर (एक्स्ट्राम्यूरल), 3 वर्ष, (2019-2023), 36 लाख रुपये

जारी

1. मल्टीपल मायलोमा के लिए एक इम्यूनोथेरेप्यूटिक एजेंट के रूप में नवीन एंटी-बीसीएमए एंटीबॉडी ड्रग कंजुगेट का लक्षण वर्णन, डॉ. मयंक सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2027, 154.77 लाख रुपये

2. डिम्बग्रंथि के कैंसर में यूबिक्विटिन विशिष्ट पेप्टिडेज़ 37 (यूएसपी37) के ऑन्कोजेनिक नेटवर्क को नए आणविक लक्ष्य पहचान और सिलिको दृष्टिकोण के माध्यम से सत्यापन के माध्यम से समझना, डॉ. मयंक सिंह, एम्स सहयोगी इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2026, 10 लाख रुपये

3. यूबिक्विटिन विशिष्ट पेप्टिडेज़ 37 (यूएसपी37) द्वारा ऑन्कोजेनेसिस मध्यस्थता के आणविक तंत्र का स्पष्टीकरण और प्रोस्टेट कैंसर में इसकी चिकित्सीय क्षमता, डॉ. मयंक सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 4.80 लाख रुपये

4. मल्टीपल मायलोमा के विरुद्ध बीसीएमए आधारित काइमेरिक एंटीजेनिक रिसेप्टर टी सेल (सीएआर टी) सेल का विकास, डॉ. मयंक सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 105 लाख रुपये

पूर्ण परियोजना

सर्वाइकल के कैंसर के निदान के लिए लिक्विड बायोप्सी, सीएफ (कोशिका मुक्त) डीएनए आधारित परख का विकास।, डॉ. मयंक सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये

10.3_.indd 1158 1/7/2026 4:56:12 PM

बबीता कटारिया (सहायक आचार्य)

जारी

1. स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल के कैंसर में समेकन कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए चरण II, बहु-भुजा, यादृच्छिक गैर-तुलनात्मक समानांतर डिज़ाइन परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

2. प्लेटिनम-आधारित कीमोथेरेपी (केप-सीईआरवी) पर प्रगति न करने वाले लगातार/आवर्ती/मेटास्टैटिक सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में प्रगति-मुक्त जीवन पर रखरखाव केपसीटेबाईन के दो अलग-अलग खुराक स्तरों के प्रभाव का परीक्षण करने के लिए चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 20 लाख रुपये

3. स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल के कैंसर में रोगसूचक और पूर्वानुमानित बायोमार्कर के रूप में एचपीवी-सीटीडीएनए की भूमिका, डॉ. बबीता कटारिया, सन फार्मा रिसर्च फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2025-2027, 12 लाख रुपये

पूर्ण

1. ओलानज़ापाइन से कीमोथेरेपी पर मेटास्टैटिक सॉलिड कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा: चरण II यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, डॉ. बबीता कटारिया, एम्स दिल्ली और आईएएससीसी (इंडियन एसोसिएशन ऑफ सपोर्टिव केयर इन कैंसर), 2 वर्ष, 2022-2023, 4 लाख रुपये सभी जांच शुल्क से छूट।

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024- 2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	01	01	03
कुल वित्तपोषण	4 लाख रुपये	4 लाख रुपये	42 लाख रुपये

जारी

1. एपीपी-डीआईपी: प्रतिरक्षाविहीन रोगियों में संक्रमण का शीघ्र पता लगाने के लिए एआई आधारित रोग निदान मंच का विकास, स्व (पीआई), डीबीटी (भारत-स्वीडन), 3 वर्ष, 2022-2025, 90 लाख रुपये

2. भारत में युवा अवस्था में होने वाले फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा का व्यापक जीनोमिक लक्षण वर्णन (वाईओएलए-I अध्ययन), अपर्णा शर्मा, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑन लंग कैंसर (आईएएसएलसी)/एलसीएफए/बीएमएस डिपैरिटीज़ इन नैदानिक अर्बुदविज्ञान रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 180 लाख रुपये (यूएसडी 200,000)

3. लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर के रोगजनन में वृत्ताकार आरएनए सर्किलआईएफआर की भूमिका पर प्रकाश डालना, सचिन कुमार, एएनआरएफ/एसईआरबी, 3.4 वर्ष, 2022-2025, 41.28 लाख रुपये

4. फेफड़ों के ट्यूमरजनन में बायोमार्कर के रूप में लंबे नॉनकोडिंग आरएनए की भूमिका का स्पष्टीकरण, सचिन कुमार, डीबीटी, 4 वर्ष, 2021-2025, 33.93 लाख रुपये

10.3_.indd 1159 1/7/2026 4:56:12 PM

5. ल्यूकेमिया रोगियों के उच्च-रिज़ॉल्यूशन साइटोजेनेटिक्स के लिए विभिन्न इंटरकैलेटिंग एजेंटों का मूल्यांकन, सुरेंद्र के शरावत, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

6. लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर के रोगजनन में वृत्ताकार आरएनए सीआईआरसीसीएएमएसएपी1 की भूमिका पर यांत्रिक अंतर्दृष्टि, डॉ. सचिन कुमार, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 24.36 लाख रुपये

7. "एफडीजी पीईटी-सीटी द्वारा चयापचय प्रतिक्रिया और नियोएडजुवेंट कीमोइम्यूनोथेरेपी प्राप्त करने वाले नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में रोग संबंधी प्रतिक्रिया और जीनोमिक प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध", अपर्णा शर्मा सीओ पीआई: अभिनव सिंघल, एम्स अंतःविषय सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

8. टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई द्वारा बहु-संस्था अध्ययन: एनएससीएलसी में प्रशामक चिकित्सा में पेम्ब्रोलिज़ुमाब को शामिल करने के मूल्यांकन के लिए चरण 3 यादृच्छिक अध्ययन। साइट पीआई: अपर्णा शर्मा, टीएमएच, मुंबई, 2 वर्ष, 2024-2026, 19 लाख रुपये

9. एएलके पॉजिटिव नॉन स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में फॉस्फोराइलेटेड एएलके एक्सप्रेशन और उत्तरजीविता परिणामों पर इसका प्रभाव", अपर्णा शर्मा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट 2023-2024, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

10. सिर और गर्दन के कैंसर के लिए निर्णायक कीमोविकिरण प्राप्त करने वाले रोगियों में संज्ञानात्मक हानि को कम करने में सेलेकोक्सीब की भूमिका: एक चरण II यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, अपर्णा शर्मा, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नैदानिक ओंकोलोजी, कॉन्कर कैंसर फाउंडेशन, 1 वर्ष, 2024-2024, 16 लाख रुपये

11. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में टीआरएनए संशोधनों के प्रभाव को उजागर करना: एक मल्टीमॉडल दृष्टिकोण के माध्यम से अगली पीढ़ी के रोगसूचक स्कोर का विकास करना।, डॉ. सुरेंदर के. शरावत, जीन्स2मी प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2024-2027, 25 लाख रुपये

चिकित्सा भौतिकी

वित्तपोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. आयन इम्प्लांटेशन तकनीक और उन्नत डोसिमेट्री के लिए रासायनिक विधियों द्वारा नए और नवीन विकिरण डोसिमेट्रिक ओएसएल सामग्रियों का विकास, डॉ. प्रतीक कुमार, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2019-2023, 23.66 लाख रुपये

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. स्तन कैंसर शल्य-चिकित्सा में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और मेटास्टेसिस पर क्षेत्रीय एनेस्थीसिया का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 1 जनवरी 2022-31 दिसंबर 2024, 36.89 लाख रुपये

10.3_.indd 1160 1/7/2026 4:56:12 PM

2. कैंसर रोगियों में दर्द उपचार के लिए एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में होम्योपैथिक उपचार: एक संभावित, यादृच्छिक, खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ. ब्रजेश कुमार रात्रे, सीसीआरएच, 2 वर्ष, 2023-2025, 29.65 लाख रुपये

3. उत्तर भारत के 10 अस्पतालों में प्रशामक उपचार सेवाओं की क्षमता का निर्माण करना ताकि दीर्घकालिक दुर्बलताकारी स्थितियों वाले रोगियों की पीड़ा कम की जा सके, डॉ. ब्रजेश कुमार रात्रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 271 लाख रुपये

पूर्ण

1. एम्स-आईआईटी द्वारा वीडियो-लेरिंजोस्कोप का विकास, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये

2. चिकित्सा छात्रों द्वारा पुतले में इंटुबैशन के लिए प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोप के साथ वीडियो-लैरींगोस्कोप चैनलयुक्त और गैर-चैनलयुक्त ब्लेड की तुलना: एक यादृच्छिक पुतले का अध्ययन, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये

निवारक अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के मरीजों में एचपीवी परिसंचारी ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, डॉ. सुजाता पाठक, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 9.5 लाख रुपये

2. एचपीवी के विरुद्ध एक पुनः संयोजक माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी आधारित चिकित्सीय टीके का विकास और मूल्यांकन, डॉ. पवन कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 55 लाख रुपये

3. कैंसर और मौखिक तथा ऑरोफरीन्जियल क्षेत्र के संभावित घातक विकारों वाले रोगियों में उच्च जोखिम वाले मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला विकसित परीक्षण (एलडीटी) का विकास और सत्यापन। डॉ. पवन कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग (इंट्राम्यूरल कोलैबोरेटिव), 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

4. ट्यूमर एंटीजन टीआरपी-2 को माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानि के साथ एकीकृत करके एक नए कैंसर इम्यूनोथेरेप्यूटिक एजेंट का विकास और माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा-तंत्र का विश्लेषण, डॉ. पवन कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

5. लिवर फाइब्रोसिस का पता लगाने के लिए मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-आधारित परख का विकास, जो लिवर फाइब्रोसिस का एक प्रमुख जोखिम कारक है, डॉ. असरार आलम, यूसीएल-एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

6. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी में कैंसर/वृषण प्रतिजन एनवाई-ईएसओ-1 को शामिल करके नवीन कैंसर इम्यूनोथेरेपी का विकास और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसकी ट्यूमर-रोधी प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन, डॉ. पवन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 36 लाख रुपये

10.3_.indd 1161 1/7/2026 4:56:12 PM

7. एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी में इसके स्पाइक प्रोटीन को शामिल करके सार्स-कोव-2 वैक्सीन का विकास, डॉ. पवन कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

8. स्तन स्व-परीक्षण अभ्यास और महिला कैंसर के लिए फॉलोअप जांच कार्यक्रम के पालन पर स्मार्टफोन एप्लिकेशन का प्रभाव: एक अग्रगामी अध्ययन, डॉ. पल्लवी शुक्ला, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 8.25 लाख रुपये

9. सार्स-कोव-2 स्पाइक प्रोटीन से इम्युनोजेनिक क्षेत्रों की पहचान, जो मजबूत ह्यूमरल प्रतिक्रिया उत्पन्न करने में सक्षम हैं, डॉ. असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख

10. बहुऔषधि प्रतिरोधी लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर कोशिका रेखाओं पर क्लोरोक्वीन और आर्टेमिसिनिन का संवेदीकरण प्रभाव, डॉ. असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख

11. पुनः संयोजक माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी (एमआईपी)-आधारित दृष्टिकोण के साथ कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए कई एंटीजन को लक्षित करना और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसका मूल्यांकन, पवन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 40.74 लाख रुपये

12. एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के संदर्भ में मौखिक, स्तन और सर्वाइकल के कैंसर की स्क्रीनिंग, शीघ्र पहचान और उपचार शुरू करने के समय की जिला-स्तरीय कवरेज और गुणवत्ता में सुधार के लिए एक मॉडल विकसित करना, जिसे जिला कार्यान्वयन प्रतिभागियों के साथ सह-विकसित किया गया है। डॉ. पल्लवी शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 250 लाख रुपये (लगभग)

पूर्ण

1. स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध की अधिकता और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोगसूचक और भविष्यसूचक कारकों के साथ इसके संबंध का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, डॉ. पल्लवी शुक्ला, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 3.25 लाख रुपये

2. कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर का प्रारंभिक और देर से विकास और एंड्रोजन रिसेप्टर लिगैंड बाइंडिंग डोमेन म्यूटेशन के साथ इसका संबंध, डॉ. कुमार संदीप, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 3 वर्ष, 2017-2020, 7 लाख रुपये

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. डे नोवो ग्लियोब्लास्टोमा के रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी बनाम पारंपरिक रेडियोथेरेपी के साथ-साथ समवर्ती और सहायक टेमोज़ोलोमाइड की तुलना करने वाला चरण II यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ अंजली वीआर, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

2. कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी के सहायक उपचार के रूप में होम्योपैथिक चिकित्सा की भूमिका का मूल्यांकन करने वाला और आणविक मार्करों के साथ सहसंबंधित एक अग्रगामी अध्ययन, डॉ. रंभा पांडे, डीबीटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2025, 100 लाख रुपये

3. उच्च जोखिम वाले गैर-मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर (एनएमसीआरपीसी) से पीड़ित भारतीयों के लिए मानक एंड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी के अलावा डारोलुटामाइड का एकल-आर्म,

10.3_.indd 1162 1/7/2026 4:56:12 PM

ओपन-लेबल चरण 4 अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, बायर फार्मास्यूटिकल्स, 5 वर्ष, 2022-2026, 10 लाख रुपये

4. फंगसयुक्त उन्नत अप्राप्य या मेटास्टेटिक स्तन कैंसर में उच्च खुराक साप्ताहिक हाइपोफ्रैक्शनेटेड प्रशामक स्तन रेडियोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक संस्थागत चरण I/II अध्ययन।, डॉ. हरेश केपी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये

5. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के उपचार में एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में वर्धमान पिप्पली रसायन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन-लेबल, दो भुजाओं वाला, खोजपूर्ण यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. रंभा पांडे, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, 3 वर्ष, 2023-2026, 12.5 लाख रुपये

6. एरानोट अध्ययन (प्रोटोकॉल बीएवाई 1841788/21140): मेटास्टैटिक हार्मोन-सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) से पीड़ित पुरुषों में एंड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी (एडीटी) के अलावा डारोलुटामाइड बनाम प्लेसिबो प्लस एडीटी का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित चरण 3 अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, बायर फार्मास्यूटिकल्स, 5 वर्ष, 2021-2025, 300 लाख रुपये

7. स्तन कैंसर में इसकी क्रियाविधि जानने के बाद पारंपरिक उपचार के साथ वर्धमान पिप्पली रसायन के सहक्रियात्मक प्रभाव का नैदानिक सत्यापन: प्रायोगिक मॉडल से नैदानिक परीक्षण तक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के साथ सहयोग, डॉ. सुभाष गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 75 लाख रुपये

8. कैंसर से बचे लोगों और उपचार करने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए संचार नीतियों को लागू करना, अभिषेक शंकर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2025-2028, 138 लाख रुपये

9. पेल्विक कैंसर के इलाज के लिए 3डी प्रिंटिंग आधारित ब्रैकीथेरेपी टेम्प्लेट डिवाइस का इन-हाउस विकास और इन-हाउस विकसित पेल्विक फैंटम का उपयोग करके सत्यापन, गोपीशंकर नटानासबपति, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख रुपये

10. स्तन संरक्षण शल्य-चिकित्सा के बाद सम्मिलित चतुर्थांश विकिरण (आईक्यूआई): चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. सुरेंद्र कुमार सैनी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 90 लाख रुपये

11. "एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और बाल चिकित्सा और एवाईए आबादी में उच्च ग्रेड ग्लियोमा में टीएमजेड की प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध", डॉ. सुभाष गुप्ता, एम्स, 2-3 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

12. नेविगेट अध्ययन (प्रोटोकॉल बीएवाई संख्या 2757556 / 20289)। एनटीआरके फ्यूजन-पॉज़िटिव ट्यूमर वाले रोगियों में ओरल एनटीआरके इनहिबिटर लारोट्रेक्टिनिब का चरण 2 बास्केट अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, बायर फार्मास्युटिकल्स, 5 वर्ष, 2021-2025, 12 लाख रुपये

13. मध्यम और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में मध्यम हाइपो फ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी बनाम स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की तुलना करने के लिए अग्रगामी अध्ययन, विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता की तुलना, हरेश केपी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये

10.3_.indd 1163 1/7/2026 4:56:13 PM

14. डीप लर्निंग मॉडल द्वारा सर्वाइकल के कैंसर की पुनरावृत्ति का पूर्वानुमान, डॉ. सुरेंद्र कुमार सैनी, आईसीएमआर / 2023-2025, 2.6 वर्ष, 2022-2025, 28.99 लाख रुपये

15. टीएनबीसी से पीड़ित 40 वर्ष से कम आयु की युवा भारतीय महिलाओं में बीआरसीए उत्परिवर्तन का प्रचलन, डॉ. सुभाष गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

16. एयरस्पेस अध्ययन (वक्ष कैंसर के रोगियों के लिए तंबाकू निर्भरता सेवाओं तक पहुँच में असमानताओं का समाधान), मैथ्यू एविसन, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, एनएचएस, यूके, आईएएसएलसी से तंबाकू नियंत्रण और धूम्रपान निवारण समिति, 3 वर्ष, 2024-2027, 180 लाख रुपये

पूर्ण

1. अर्बुदविज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने हेतु बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग, डॉ. रंभा पांडे, एमईआईटीवाई, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2024, 292 लाख रुपये

2. पैल्विक कैंसर के इलाज के लिए 3डी प्रिंटिंग आधारित ब्रैकीथेरेपी टेम्पलेट डिवाइस का इन-हाउस विकास और इन-हाउस विकसित पैल्विक फैंटम का उपयोग करके सत्यापन, डॉ. गोपीशंकर नटानासबपति, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख रुपये

शल्यक अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. गैस्ट्रिक कैंसर के लिए नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी बनाम अपफ्रंट शल्य-चिकित्सा और एडजुवेंट कीमोथेरेपी की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 3 लाख रुपये

2. कैंसर के निदान और पूर्वानुमान के लिए रक्त प्लाज्मा में जीनोमिक जानकारी का संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग दृष्टिकोण आधारित विश्लेषण।, डॉ. सुनील कुमार, आईहब अनुभूति-आईआईआईटीडी, 3 वर्ष, 2023-2026, 10.05 लाख रुपये

3. कैंसर रोगियों के लिए जैव-सक्रिय रोगी-विशिष्ट जबड़े प्रत्यारोपण का डिजाइन और विकास, डॉ. सुनील कुमार, डीबीटी, 18 माह, 2024-2026, 12 लाख रुपये

4. उपचारात्मक शल्यक्रिया से करा गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर रोगियों में फुप्फुस फैलाव का शीघ्र पता लगाने और प्लाज्मा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का आकलन करने में कोशिका मुक्त डीएनए का मूल्यांकन, डॉ. ज्योतिश्मन सैकिया, एम्स इंट्राम्यूरल अंतरविभागीय परियोजना, 2 वर्ष, 2025-2027, 20 लाख रुपये

5. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, वार्षिक नवीनीकरण के आधार पर, 1 वर्ष, 2024-2025, 30 लाख रुपये

6. सेकेंडरी सीआरएस+एचआईपीईसी से करा रिलैप्स्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर के मरीजों में पुनरावृत्ति का पैटर्न और क्लिनिको-आणविक सहसंबंध, प्रोफेसर एमडी रे, आईसीएमआर डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 35.68 लाख रुपये

10.3_.indd 1164 1/7/2026 4:56:13 PM

7. भारत में आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 34 लाख रुपये

8. शल्य चिकित्सा द्वारा उपचारित स्तन कैंसर रोगियों के बीच नैदानिक, इमेजिंग, ऊतकीय जानकारी और बहुआयामी विश्लेषण का उपयोग करते हुए, स्तन संरक्षण शल्य-चिकित्सा के बाद नियोएडजुवेंट प्रणालीगत चिकित्सा (प्रेवोल-बीसीएस) में शल्य चिकित्सा उच्छेदन की आदर्श मात्रा का पूर्व-संचालन पूर्वानुमान: एक अग्रगामी अध्ययन, डॉ. ज्योतिश्मन सैकिया, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

9. स्तन कैंसर में इमेजिंग पैरामीटर्स और मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग पर अध्ययन, डॉ. ज्योति शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 15 लाख रुपये

पूर्ण

1. फुप्फुसीय मेटास्टेसेक्टॉमी से करा रोगियों में इंट्राऑपरेटिव प्ल्यूरल लैवेज द्रव और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्व।, सुनील कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये

2. साइटोरिडक्टिव शल्य-चिकित्सा और एचआईपीईसी से करा उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में इम्यूनोन्यूट्रिएंट के रूप में दिव्य-सिस्टोग्रिट-डायमंड कैप्सूल की पेरी-ऑपरेटिव प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसिबो-नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन, प्रोफेसर एमडी रे, पतंजलि अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार, 2 वर्ष, 2023-2025, 5.39 लाख रुपये

3. सीआरसी के रोगजनन में आंत माइक्रोबायोम डिस्बिओसिस, डॉ. ज्योति शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

4. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पित्ताशय कैंसर (जीबीसी) पर उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन (पीओसीएसएस) के पैटर्न, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर एनसीडीआईआर, 4 वर्ष, 2020-2024, 13.75 लाख रुपये

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सरोगेट मार्कर के रूप में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए (सीटी-डीएनए) की भूमिका - एक अग्रगामी अध्ययन।, डॉ. आशुतोष मिश्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोध प्रबंध/शोध निबंध सहित)

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

जारी

1. सीटी छवियों का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण

2. ऊपरी उदर कैंसर के दर्द में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड-निर्देशित सीलिएक प्लेक्सस ब्लॉक

3. आईआईटी दिल्ली के सहयोग से 'दूरस्थ रूप से अल्ट्रासाउंड करने के लिए रोबोटिक भुजा का विकास और उपयोग'।

4. अल्ट्रासाउंड इमेजिंग का उपयोग करके स्तन कैंसर में घाव विभाजन और क्लिनिको-पैथोलॉजिकल सहसंबंध के लिए एक गैर-इन्वेसिव मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का विकास

10.3_.indd 1165 1/7/2026 4:56:13 PM

5. अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके स्तन कैंसर रोगियों में एक्सिलरी लिम्फ नोड मेटास्टेसिस का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक गैर-इनवेसिव मशीन लर्निंग आधारित विधि का विकास

6. मल्टीमोडैलिटी इंटीग्रेशन का उपयोग करके सर्वाइकल कार्सिनोमा में ट्यूमर आक्रामकता के आकलन के लिए मात्रात्मक निर्माताओं का विकास

7. मध्यम से लेकर गंभीर जलोदर के साथ डिम्बग्रंथि के कैंसर के नैदानिक/रेडियोलॉजिकल संदेह वाले रोगियों में छवि निर्देशित एडनेक्सल/ओमेंटल/डिम्बग्रंथि बायोप्सी: नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण रक्तस्रावी जटिलताओं का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

8. स्तन कैंसर रोगियों में इमेजिंग मापदंडों और मेटाबॉलोमिक प्रोफाइलिंग पर अग्रगामी अध्ययन

9. डेंस स्तनों में कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका

10. स्तन कैंसर के रोगी में एक्सिलरी नोड्स के लक्षण वर्णन में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड की भूमिका

11. ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा में दर्द उपचार के लिए सीटी निर्देशित ग्लोसोफेरीन्जियल तंत्रिका रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की तकनीकी व्यवहार्यता और प्रभावशीलता।

12. पित्ताशय के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी के प्रभाव का आकलन करना

13. पीटीबीडी करा रहे रोगियों में हेपेटिक हिलर तंत्रिका ब्लॉक की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. स्तन रोगों का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध

2. मेटास्टेटिक रीनल सेल कार्सिनोमा (एमआरसीसी) में टायरोसिन किनेज अवरोधकों (टीकेआई) के प्रति प्रतिक्रिया का आकलन करने में दोहरी ऊर्जा सीटी।

3. चिकित्सा उपचार पर डेस्मॉइड फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों की प्रतिक्रिया के आकलन में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड की भूमिका

4. फेफड़ों के कैंसर के मूल्यांकन में संपूर्ण शरीर एमआरआई की भूमिका।

5. डिजिटल ब्रेस्ट टोमोसिंथेसिस से संश्लेषित मैमोग्राम बनाम टोमोसिंथेसिस के साथ और बिना पूर्ण क्षेत्र डिजिटल मैमोग्राफी: एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन

6. जटिलताओं और विफलताओं की घटनाओं का विश्लेषण करने के लिए, घातक बीमारियों वाले रोगियों में फ्लोरोस्कोपिक मार्गदर्शन के तहत परिधीय रूप से डाला गया केंद्रीय कैथेटर रखा जाता है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. पित्ताशय के कैंसर में जैव सूचना विज्ञान आधारित उत्परिवर्तन प्रोफाइलिंग और संरचनात्मक विविधता विश्लेषण

10.3_.indd 1166 1/7/2026 4:56:13 PM

2. डक्स4-पुनर्व्यवस्थित बी-एएलएल में आणविक मार्गों का विच्छेदन। पीएचडी थीसिस (जारी)।

3. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में एनआरएफ2 सिग्नलिंग मार्ग की भूमिका पर प्रकाश डालना। पीएचडी थीसिस (जारी)।

4. एएमएल में दवा प्रतिरोध पर काबू पाने के लिए ऑटोफैगी-संबंधित मार्गों का मूल्यांकन (सुश्री आफरीन खान)

5. एएमएल में दवा प्रतिरोध पर काबू पाने के लिए ऑटोफैगी-संबंधित मार्गों का मूल्यांकन

6. पित्ताशय कार्सिनोमा के डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग मार्गों में शामिल भिन्न रूप से व्यक्त प्रोटीन-आधारित बायोमार्करों की पहचान

7. मल्टीपल मायलोमा में जीनोमिक विचलन का गैर-इंवेसिव मूल्यांकन (श्री अतुल बसंल)

8. बीसीआर::एबीएल नेगेटिव बी-एएलएल में पूर्वानुमानात्मक और रोगनिदानात्मक आणविक आनुवंशिक विपथन की रूपरेखा

9. बीसीआर::एबीएल नेगेटिव बी-एएलएल में पूर्वानुमानात्मक और रोगनिदानात्मक आणविक आनुवंशिक विपथन की रूपरेखा

10. बी-वंश तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में डीएनए क्षति मरम्मत मार्ग जीन की अभिव्यक्ति, कार्य और नैदानिक महत्व की भूमिका

11. एएमएल में आरएचओबीटीबी2 की भूमिका

12. बी-कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में कोशिका आसंजन अणुओं के साथ आईकेजेडएफ1 परिवर्तनों की परस्पर क्रिया का अध्ययन करना

13. एएमएल में ट्यूमरजनन और कीमोरेसिस्टेंस का अध्ययन करने के लिए ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. पुनरावर्ती बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के नैदानिक लक्षणों, रोग संबंधी विशेषताओं और परिणाम का एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

2. भारत में राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण योजनाओं को समर्थन देने के लिए स्वास्थ्य अर्थशास्त्र डेटा में अंतर पर चर्चा करना, समानता के लिए वंचित समूहों को शामिल करने के लिए बाल कैंसर बजट का तेजी से उपयोग करने वाला सीसी ब्रिज उपकरण।

3. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों और किशोरों के लिए डेक्सामेथासोन के बिना कीमोथेरेपी-प्रेरित उल्टी के लिए एंटी-एमेटिक प्रोफिलैक्सिस: अन्वेषक-आरंभिक, ओपन-लेबल, मल्टी-सेंटर, गैर-हीनता, चरण- III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. बाल चिकित्सा ज्वरीय न्यूट्रोपेनिया में बैक्टेरिमिया और परिणाम का पूर्वानुमान लगाने के लिए आधारभूत प्रोकैल्सीटोनिन स्तर और क्रमिक स्तरों की गतिकी का आकलन

10.3_.indd 1167 1/7/2026 4:56:13 PM

5. सिर और गर्दन के ट्यूमर से बचे वयस्कों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन। इविंग सारकोमा ट्यूमर फेमिली।

6. ब्लास्टिक प्लाज़्मासाइटॉइड डेंड्राइटिक सेल नियोप्लाज्म (बीपीडीसीएन) अंतर्राष्ट्रीय रजिस्ट्री

7. भारत में अस्पताल-आधारित बाल्यावस्था कैंसर रजिस्ट्री (एचबीसीसीआरएस) का आईएनपीएचओजी नेटवर्क स्थापित करना।

8. भारत में उपचारित बच्चों और वयस्कों में ओस्टियोसारकोमा के रोगियों में क्लिनिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं, रोगनिदान कारकों और उपचार परिणामों का मूल्यांकन (आईएमएसओएस ओएस-01)

9. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) (ईएकोड-एएमएल) के लिए प्रेरण कीमोथेरेपी के दौरान विलंबित उल्टी के नियंत्रण में विस्तारित एप्रेपिटेंट

10. भारतीय बाल्यावस्था तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया अध्ययन (आई-चैम्प्स)

11. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया रोगजनन के दौरान माइटोकॉन्ड्रियल अनफोल्डेड प्रोटीन प्रतिक्रिया एमटीयूपीआर की आंतरिक भूमिका की जांच करना।

12. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में माइटोकॉन्ड्रियल आकृति विज्ञान और माइटोकॉन्ड्रियल जैवजनन के बीच संबंध

13. आईएनसीटीआर प्रोटोकॉल एकल केंद्र अनुभव द्वारा उपचारित बाल्यावस्था एएलएल के दीर्घकालिक परिणाम

14. माइटोकॉन्ड्रियल कार्यक्षमता पर माइटोकॉन्ड्रिया-संबंधी भिन्न रूप से अभिव्यक्त जीन का मॉड्यूलेशन और तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया पर रोग जीव विज्ञान पर इसका प्रभाव

15. भारतीय बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार की विषाक्तता और नैदानिक प्रतिक्रिया के संबंध में आणविक और फार्माकोजेनेटिक मार्कर मूल्यांकन (एमपीजीएक्स-आईएनडी एएलएल)

16. ठोस घातक बीमारियों के लिए कीमोथेरेपी ले रहे बच्चों के लिए वजन बढ़ाने हेतु ओलान्ज़ापाइन; एक अन्वेषक द्वारा आरंभित, ओपन-लेबल, बहु-केंद्रीय, चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

17. तृतीयक उपचार केंद्र में इलाज किए गए ऑस्टियोसारकोमा के रोगियों में रोगनिदान कारक परिणाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

18. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के जीव विज्ञान और परिणाम में माइटोफैजी की भूमिका का खुलासा।

पूर्ण

1. भारत में एक तृतीयक उपचार अर्बुदविज्ञान केंद्र द्वारा बाल कैंसर में उपचार परित्याग में लिंग पूर्वाग्रह का आकलन

2. रिटूक्सिमैब से पहले और बाद के युग में बाल चिकित्सा बी-एनएचएल के परिणामों की तुलना

3. बच्चों/किशोरों/युवा वयस्क आयु वर्ग के कैंसर रोगियों में सार्स-कोव2 के विरुद्ध टीकाकरण के बाद प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया

10.3_.indd 1168 1/7/2026 4:56:13 PM

जारी

1. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के रोगियों में मानक नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के अलावा कम खुराक वाले पेम्ब्रोलिज़ुमाब का एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेट प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में कार्बोप्लाटिन, जिसमें दैहिक या जर्मलाइन होमोलॉगस रीकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन उत्परिवर्तन मौजूद हैं: एक चरण II एकल-बाहु परीक्षण
3. अवशिष्ट टीएनबीसी वाले रोगियों में कोशिका मुक्त डीएनए: एक खोजपूर्ण अध्ययन
4. कार्सिनोमा अंडाशय में समजातीय पुनर्संयोजन कमी - वास्तविक दुनिया के आंकड़ों का विश्लेषण।
5. उन्नत कार्सिनोमा सर्विक्स में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में कम खुराक निवोलुमैब के बाद सहवर्ती कीमोविकिरण: एक चरण II अध्ययन
6. उच्च ग्रेड आवर्ती या मेटास्टेटिक एंडोमेट्रियल कैंसर में मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी।
7. पुनरावर्ती या मेटास्टेटिक एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव एंडोमेट्रियल कैंसर में पल्बोसिक्लिब और एनास्ट्रोज़ोल; एकल आर्म चरण 2 अध्ययन
8. परिफेरल डिम्बग्रंथि कैंसर से बचे लोगों में जीवन की गुणवत्ता और चयापचय प्रोफ़ाइल - एक केस-कंट्रोल अध्ययन (ओवीए-एसयूआरवी)
9. उपचार के वास्तविक विश्व पैटर्न और पुनरावर्ती मल्टीपल मायलोमा में नैदानिक परिणाम: एक व्यापक विश्लेषण।

पूर्ण

1. कीमोथेरेपी करा रहे कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का आकलन।
2. सामान्य जठरांत्र कैंसर के लिए बायोमार्कर के रूप में सीएफ-डीएनए लिक्विड बायोप्सी का मूल्यांकन।
3. प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित भारतीय पुरुषों में आनुवंशिक कैंसर प्रवृत्ति का निदान: एक अग्रगामी अध्ययन

जारी

1. सिर और गर्दन के रिसेक्टेड स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में जो पुनरावृत्ति के उच्च जोखिम में हैं और उच्च खुराक सिस्प्लेटिन के लिए अयोग्य हैं, में रोग मुक्त जीवन में सुधार को प्रदर्शित करने के लिए प्लेसिबो और रेडियोथेरेपी की तुलना में जेविनापेंट और रेडियोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित दो भुजा चरण 3 अध्ययन,
2. उन्नत ग्रासनली, ग्रासनली-गैस्ट्रिक, आमाशय और पित्त नली के कैंसर से पीड़ित वृद्ध रोगियों में मानक खुराक की तुलना में सीएआरजी स्कोर के आधार पर कम खुराक वाली कीमोथेरेपी की गैर-हीनता का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक चरण 3 परीक्षण

10.3_.indd 1169 1/7/2026 4:56:13 PM

3. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में डियूबिक्विटिनेटिंग एंजाइम्स (डीयूबी) की ऑन्कोजेनिक क्षमता का पता लगाना।

4. मल्टीपल मायलोमा में बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता एंटीजन) आधारित सीएआर और सीएआर-टी कोशिकाओं का विकास और लक्षण वर्णन"

5. मुख कैंसर में नवीन चिकित्सीय रणनीतियों के लिए धूम्ररहित तम्बाकू अर्क के आणविक और उपापचयी प्रभाव का विश्लेषण - पीएचडी थीसिस

6. प्लेटिनम/टैक्सेन प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी की रोकथाम में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता: डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण

7. प्रोस्टेट कैंसर में यूएसपी द्वारा मध्यस्थता वाले ऑन्कोजेनेसिस के आणविक तंत्र का स्पष्टीकरण

8. ईआरआर-γ को गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर (एनएससीएलसी) के लिए एक बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और एनएससीएलसी में डीएन200434 (ईआरआरγ व्युत्क्रम एगोनिस्ट) और एमके2206 (एक्ट अवरोधक) के सहक्रियात्मक ट्यूमर-रोधी प्रभाव की जांच करना

9. पित्ताशय के कैंसर (जीबीसी) के लिए एक बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में ईआरआर-γ और जीबीसी में ईआरआरγ व्युत्क्रम-एगोनिस्ट (डीएन200434) और एमके2206 (एक्ट अवरोधक)/ जेमिसिटाबाइन के सहक्रियात्मक ट्यूमर-विरोधी प्रभाव की जांच करना।

10. मानव डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में पैक्लिटैक्सेल के बहुसंयोजी लक्ष्य-आधारित वितरण के लिए एपी1-कार्यात्मक इलास्टिन जैसे पॉलीपेप्टाइड नैनोकैरियर्स की क्षमता का मूल्यांकन। पीएचडी थीसिस: रिद्धिमा गोयल

11. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में चिकित्सीय बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता एंटीजन) विशिष्ट एंटीबॉडी का उत्पादन और लक्षण वर्णन।

12. रिसेक्टेबल गैस्ट्रिक कैंसर के रोगियों में नियो-एडजुवेंट बनाम एडजुवेंट कीमोथेरेपी का चरण-3 यादृच्छिक परीक्षण

13. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में एचयूआर की रोगनिदानात्मक और चिकित्सीय प्रासंगिकता- पीएचडी थीसिस

14. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के निदान और उपचार में बीटा कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों की भूमिका - पीएचडी थीसिस

15. पित्ताशय कैंसर में कैनोनिकल डब्ल्यूएनटी/बीटा कैटेनिन सिग्नलिंग की भूमिका- पीएचडी थीसिस।

16. थायराइड कैंसर में एस्ट्रोजन-संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) अभिव्यक्ति के महत्व की जाँच करना और एक चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का अध्ययन करना। पीएचडी थीसिस: दीपक गुलवानी

17. डिम्बग्रंथि के कैंसर में डीएन200434 (एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर-γ का एक शक्तिशाली व्युत्क्रम एगोनिस्ट) और एमके2206 (एकेटी अवरोधक) के सहक्रियात्मक ट्यूमर-रोधी प्रभाव की जांच करना (शोध एसोसिएट: डॉ. प्रियंका उपाध्याय)

10.3_.indd 1170 1/7/2026 4:56:13 PM

18. पीएम 2.5 प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस के आणविक आधार को उजागर करना और निवारक दृष्टिकोण तैयार करना - पीएचडी थीसिस

चिकित्सा भौतिकी

1. विकिरण उपचार के लिए बोलस सामग्री का विकास
2. निम्न-स्तरीय चिकित्सा इमेजिंग आयनीकरण विकिरण में जैविक प्रभावों का अध्ययन और विकिरण संरक्षण के लिए उनकी प्रासंगिकता

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. कठोर ब्रोंकोस्कोपिक पुल्मोनरी प्रक्रियाओं के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन और रेमीफेंटानिल के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. भारत के एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में उन्नत फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित रोगियों की प्रशामक चिकित्सा आवश्यकताओं पर प्रशामक चिकित्सा परामर्श के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन
3. भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में उन्नत फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित रोगियों की प्रशामक चिकित्सा आवश्यकताओं पर प्रशामक चिकित्सा परामर्श के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन
4. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में जागृत फाइबरऑप्टिक इंट्यूबेशन (एएफओआई) में बेहोशी के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन और मिडाज़ोलम बनाम कीटोफ़ोल (केटामाइन + प्रोपोफ़ोल) के संयोजन की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक अध्ययन - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
5. वायुमार्ग मूल्यांकन पैरामीटर, उपचार नीतियाँ (इंटुबेशन और एक्सटुबेशन) और वयस्क रोगियों में इसके परिणाम जिन्होंने 15 वर्षों से अधिक समय तक तृतीयक उपचार केंद्र में सामान्य संवेदनाहरण के तहत सिर और गर्दन के कैंसर की शल्य-चिकित्सा करवाई है: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
6. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में हेमोडायलिसिस करा रोगियों में लक्षण की अधिकता और जीवन की गुणवत्ता का विश्लेषण: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
7. भारतीय रोगियों में कैंसर के दर्द के आकलन के लिए दृश्य एनालॉग पैमाने की तुलना में सौ पैसे के दर्द पैमाने की उपयुक्तता, प्रभावशीलता और सटीकता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
8. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में प्रशामक चिकित्सा विभाग में प्रस्तुत होने वाले मेटास्टैटिक स्पाइनल कॉर्ड संपीड़न से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और भावनात्मक कल्याण का आकलन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
9. अस्पताल से छुट्टी के बाद कोविड-19 रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
10. स्वायत्त शिथिलता और स्तन शल्य-चिकित्सा

10.3_.indd 1171 1/7/2026 4:56:13 PM

11. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं के रोगियों में गैस्ट्रिक वॉल्यूम का अनुमान लगाने और अन्य गैर-जठरांत्र, गैर-पेल्विक दुर्दमताओं के साथ तुलना करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासाउंड: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

12. बड़े उदर-श्रोणि अर्बुद विज्ञान शल्य-चिकित्सा में पेरी-ऑपरेटिव परिणामों पर लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के लिए क्रिस्टलोइड्स बनाम एल्ब्यूमिन के प्रभाव की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

13. एकतरफा थोरैकोटॉमी करा ऑन्को-शल्य-चिकित्सा रोगियों में रिकवरी की पेरिऑपरेटिव गुणवत्ता पर इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम थोरैसिक एपिड्यूरल एनाल्जेसिया के प्रभाव की तुलना"। एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रण, ओपन-लेबल, गैर-हीनता, प्रारंभिक परीक्षण (सीईपीईटी परीक्षण)

14. कैंसर से संबंधित एनोरेक्सिया / कैचेक्सिया में रोगियों के वजन, भूख और जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन के लिए मेजेस्ट्रॉल एसीटेट बनाम डेक्सामेथासोन बनाम प्लेसिबो की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

15. लक्षण की अधिकता, रोग की धारणा और जीवन की गुणवत्ता के लॉन्गीट्यूडनल मूल्यांकन द्वारा वृद्धावस्था प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के बीच प्रशामक चिकित्सा परिणामों की तुलना: एक संभावित समूह अध्ययन।

16. भारतीय आबादी में डबल लुमेन ट्यूब के आकार का अनुमान लगाने के लिए क्रिकॉइड अल्ट्रासोनोग्राफी और सीटी स्कैन

17. कैंसर रोगियों में नियमित मॉर्फिन नुस्खों के अलावा मॉर्फिन प्रेरित कब्ज पर आहार संशोधन और शिक्षा उपकरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

18. सीए स्तन कैंसर के रोगियों में क्यूओएल पर प्रशामक उपचार के प्रारंभिक एकीकरण का प्रभाव

19. हेपेटोबिलरी कैंसर के रोगियों में मानक उपचार के साथ प्रशामक उपचार के प्रारंभिक एकीकरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

20. स्तन कैंसर शल्य-चिकित्सा में पोस्टऑपरेटिव दर्द पर इंट्राऑपरेटिव एस्मोलोल का प्रभाव एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

21. ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया का स्तन-उच्छेदन के बाद होने वाले दीर्घकालिक दर्द पर प्रभाव

22. कैंसर रोगियों में संज्ञान पर ओपिओइड का प्रभाव

23. थोरेसोटॉमी द्वारा फेफड़ों के उच्छेदन शल्य-चिकित्सा के बाद शल्यक्रिया के बाद फुप्फुसीय जटिलताओं और गुर्दे के कार्यों पर अंतःक्रियात्मक लक्ष्य निर्देशित हेमोडायनामिक थेरेपी के प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

24. लौह की कमी से होने वाले एनीमिया से ग्रस्त जठरांत्र संबंधी दुर्दमताओं के रोगियों में शल्यक्रिया के दौरान एलोजेनिक रक्त आधान को कम करने में शल्यक्रिया-पूर्व अंतःशिरा बनाम मौखिक लौह अनुपूरण की सापेक्ष प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

25. अर्बुद विज्ञान आईसीयू में सेप्सिस रोगियों के बीच रोगसूचक मार्कर के रूप में प्रोकैल्सीटोनिन और सी-रिएक्टिव प्रोटीन का मूल्यांकन

10.3_.indd 1172 1/7/2026 4:56:13 PM

26. सिर और गर्दन के कैंसर की शल्य-चिकित्सा करवाने वाले मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद की रुग्णता और मृत्यु दर पूर्वानुमान लगाने वाले कारक। एक पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन

27. कैंसर रिसेक्शन शल्य-चिकित्सा के लिए नियोजित मधुमेह रोगियों में गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा पर प्रोबायोटिक्स के प्रभाव का आकलन करने के लिए गैस्ट्रिक अल्ट्रासोनोग्राफी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

28. प्रमुख उदर कैंसर शल्य-चिकित्सा करा रहे वयस्क रोगियों में शल्य-चिकित्सा के बाद अस्पताल में रहने की अवधि का पूर्वानुममान लगाने में शल्य-चिकित्सा से पहले की कमजोरी का प्रभाव - एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन

29. नए निदान किए गए फेफड़ों के कैंसर रोगियों में अनिद्रा, चिंता और अवसाद

30. वृद्धावस्था में प्रशामक चिकित्सा की आवश्यकता का आकलन

31. उन्नत क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी)/इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) से पीड़ित मरीजों में प्रशामक चिकित्सा की आवश्यकता का आकलन: एक संभावित अध्ययन।

32. उन्नत क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी)/इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) से पीड़ित मरीजों में प्रशामक चिकित्सा की आवश्यकता का आकलन: एक संभावित अध्ययन।

33. आपातकालीन विभाग में आने वाले जीवन-सीमित बीमारियों वाले रोगियों की प्रशामक चिकित्सा की आवश्यकताएं

34. तृतीयक अस्पताल में प्रशामक चिकित्सा के लिए भर्ती रोगी पर पीओसीयूएस: क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

35. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में कैंसर शल्य-चिकित्सा के लिए वैकल्पिक लैपरोटॉमी करवाने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक गिरावट: एक संभावित समूह अध्ययन

36. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में सामान्य एनेस्थीसिया के बाद पोस्ट-इंडक्शन हाइपोटेंशन की घटना का आकलन करने के लिए निष्क्रिय पैर उठाने से सबक्लेवियन शिरा व्यास में परिवर्तन का प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड निर्देशित आकलन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

37. तृतीयक उपचार कैंसर केन्द्र भारत में प्रशामक चिकित्सा क्लिनिक में भाग लेने वाले जराचिकित्सा कैंसर रोगियों और उनके जीवन की गुणवत्ता में पॉलीफॉर्मेसी और संभावित रूप से अनुपयुक्त दवाइयों की व्यापकता।

38. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर रोगियों में मनोवैज्ञानिक संकट और जीवन की गुणवत्ता":- एक संभावित अवलोकन अध्ययन

39. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में प्रशामक चिकित्सा विभाग में आने वाले मस्तिष्क मेटास्टेसिस से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और संज्ञानात्मक कार्य का मूल्यांकन।

40. अर्बुद विज्ञान शल्य-चिकित्सा में ऑपरेशन के बाद होने वाले प्रलाप पर मैग्नीशियम सल्फेट की भूमिका - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

41. पोस्ट मास्टेक्टॉमी दर्द सिंड्रोम पर प्रीऑपरेटिव रिपीटिटिव ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन के प्रभाव का आकलन करने के लिए: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

10.3_.indd 1173 1/7/2026 4:56:13 PM

42. उन्नत ऊपरी वायुपाचन दुर्दमताओं में एंटरल फीडिंग प्रथाओं और उनके परिणामों का अध्ययन करना: एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन

43. स्तन शल्य-चिकित्सा करा रहे रोगियों में पोस्ट मास्टेक्टॉमी दर्द सिंड्रोम पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक के दीर्घकालिक लाभों का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

44. अंतिम चरण के फेफड़ों के रोग [क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी)/इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी)] से पीड़ित रोगियों में अपूर्ण प्रशामक चिकित्सा आवश्यकताओं का आकलन: एक संभावित अध्ययन

पूर्ण

1. अनुभवी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा कठिन वायुमार्ग वाले पुतले में नासोट्रेकियल इंटुबैशन के लिए विभिन्न वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण

2. कोविड-19 महामारी के दौरान इंटुबैशन बॉक्स का उपयोग करते हुए एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा पुतले में इंटुबैशन के लिए मैकग्राथ-मैक और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

3. कठिन वायुमार्ग में इंट्यूबेशन के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि

4. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में नासोट्रेकियल इंटुबैशन: फ़ाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप और सी-मैक डी ब्लेड वीडियोलेरिंजोस्कोप के बीच तुलनात्मक मूल्यांकन

5. कैंसर रोगियों को तृतीयक केंद्र में देरी से लाने के लिए जिम्मेदार कारकों का आकलन करना: और रोगी उपचार में इसके निहितार्थ

6. स्तन कैंसर शल्य-चिकित्सा करा रहे रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव मॉर्फिन सेवन पर ओपिओइड मुक्त सामान्य संज्ञाहरण की ओपिओइड आधारित सामान्य संज्ञाहरण के साथ प्रभावकारिता की तुलना करना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. स्थानीय रूप से उन्नत रिसेक्टेबल मौखिक गुहा कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के रूप में संशोधित टीपीएफ की तुलना डोसेटेक्सेल-प्लेटिनम रेजिमेन से करने वाला एक चरण 2 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

2. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफैरिंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि बख्शते आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने वाला एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

3. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबेरियल लार ग्रंथि बख्शते आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने वाला चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

10.3_.indd 1174 1/7/2026 4:56:13 PM

4. नव निदानित उच्च-श्रेणी ग्लिओमास में हाइपोफ्रैक्शनेटेड नियोएडजुवेंट विकिरण की सुरक्षा और व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक अग्रगामी अध्ययन।

5. स्तन के प्रारंभिक चरण के कार्सिनोमा में अंतरालीय ब्रैकीथेरेपी का उपयोग करके बहुत त्वरित आंशिक स्तन विकिरण का एक संभावित व्यवहार्यता अध्ययन।

6. स्तन के प्रारंभिक चरण के कार्सिनोमा में अंतरालीय ब्रैकीथेरेपी का उपयोग करके बहुत त्वरित आंशिक स्तन विकिरण (वीएपीबीआई) का एक संभावित व्यवहार्यता अध्ययन

7. उपचारात्मक उपचार के लिए उपयुक्त नहीं सिर और गर्दन क्षेत्र के स्थानीय रूप से उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के प्रबंधन में, लघु पाठ्यक्रम समवर्ती कीमोरेडियोथेरेपी बनाम अनुक्रमिक कीमोथेरेपी के बाद लघु पाठ्यक्रम समवर्ती कीमोरेडियोथेरेपी का एक यादृच्छिक नियंत्रित चरण 2 अध्ययन।

8. ग्लियोब्लास्टोमा में परम्परागत विकिरण चिकित्सा बनाम एक साथ एकीकृत बूस्ट (एसआईबी) के साथ हाइपोफ्रैक्शनेटेड विकिरण चिकित्सा का एक यादृच्छिक चरण 2 अध्ययन।

9. 2011-2021 तक एम्स, नई दिल्ली में रेडियोथेरेपी से इलाज किए गए प्रारंभिक ग्लोटिक कैंसर (चरण I-II) के रोगियों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

10. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और स्तन संरक्षण शल्य-चिकित्सा के बाद प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर में त्वरित आंशिक स्तन विकिरण का एक अध्ययन

11. स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में समवर्ती कीमोथेरेपी के साथ त्वरित हाइपो-फ्रैक्शनेटेड पैलिएटिव रेडियोथेरेपी बनाम मानक हाइपोफ्रैक्शनेटेड पैलिएटिव रेडियोथेरेपी: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

12. उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा वाले रोगियों में टीकेआई में संपूर्ण यकृत विकिरण को शामिल करना: एक अग्रगामी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

13. मध्यम और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में ईबीआरटी के बाद ब्रैकीथेरेपी बूस्ट बनाम एसबीआरटी बूस्ट पर तुलनात्मक अध्ययन

14. प्रारंभिक चरण के कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम में छवि निर्देशित आयतन आधारित बनाम बिंदु आधारित इंट्रावेजाइनल ब्रैकीथेरेपी: एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन

15. 4डीफ्लो मैपिंग का उपयोग करके वक्षीय रेडियोथेरेपी से गुजर रहे रोगियों में मात्रात्मक महाधमनी प्रवाह मूल्यांकन - एक अग्रगामी अध्ययन

16. प्राथमिक फेफड़ों के लिए एसबीआरटी, कार्डियक स्पेयरिंग वीएमएटी/आईएमआरटी के साथ मेडिस्टिनल लिम्फनोड तक - एक चरण II व्यवहार्यता अध्ययन

17. हाइपोन परीक्षण 2: सिर और गर्दन के कैंसर में हाइपोफ्रैक्शनेटेड बनाम पारंपरिक सहायक समवर्ती कीमो-विकिरण थेरेपी का मूल्यांकन करने वाला एक चरण II यादृच्छिक अध्ययन।

पूर्ण

1. 2011-2021 तक एम्स, नई दिल्ली में इलाज किए गए एकल प्लाज़्मासाइटोमा के रोगियों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

10.3_.indd 1175 1/7/2026 4:56:14 PM

2. 2010-2019 के दौरान एम्स, नई दिल्ली में इलाज किए गए ऑर्बिटल रबडोमायोसारकोमा के रोगियों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

3. प्रारंभिक चरण के महिला स्तन कार्सिनोमा में स्तन संरक्षण शल्य-चिकित्सा के बाद अंतरालीय ब्रैकीथेरेपी बनाम अत्यधिक हाइपो-फ्रैक्शनेटेड बाहरी बीम आंशिक स्तन विकिरण

शल्यक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर के उपचार में एचआईपीईसी बनाम एनआईपीएसी में एक तुलनात्मक भावी नैदानिक अवलोकन अध्ययन।

2. मौखिक गुहा के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में शल्य-चिकित्सा बनाम अग्रिम शल्य-चिकित्सा के बाद मौखिक मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. मौखिक कैंसर में पारंपरिक और आईसीजी तकनीकों का उपयोग करके पीएमएमसी फ्लैप परिणामों की तुलना करने वाला चरण II आरसीटी

4. स्थानीय रूप से उन्नत कोलन कैंसर में रोगनिरोधी एचआईपीईसी के प्रभावों पर एक संभावित अवलोकनात्मक तुलनात्मक अध्ययन

5. स्थानीय रूप से उन्नत कोलन कैंसर में रोगनिरोधी एचआईपीईसी के प्रभावों पर एक संभावित अवलोकनात्मक तुलनात्मक अध्ययन

6. स्तन कैंसर रोगियों में पोस्ट-मास्टेक्टॉमी प्रीपेक्टोरल और सबपेक्टोरल इम्प्लांट आधारित स्तन पुनर्निर्माण की तुलना करने वाला एक ओपन-लेबल, समानांतर-समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

7. स्तन कैंसर रोगियों में पोस्ट-मास्टेक्टॉमी प्री-पेक्टोरल और सबपेक्टोरल इम्प्लांट-आधारित स्तन पुनर्निर्माण की तुलना करने वाला एक ओपन-लेबल, समानांतर-समूह यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. स्त्री रोग संबंधी दुर्दमताओं के रोगियों में गैस्ट्रिक आयतन का अनुमान लगाने और अन्य गैर-जठरांत्र संबंधी, गैर-श्रोणि संबंधी दुर्दमताओं के साथ तुलना करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासाउंड - एक संभावित अवलोकन अध्ययन

9. रेक्टल एडेनोकार्सिनोमा में कीमोथेरेपी और नियोएडजुवेंट लॉन्ग कोर्स कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के बीच प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

10. निचले एसोफैजियल कैंसर में एससीसी में आइवर लुईस और मैक कियोन की एसोफैजेक्टॉमी के बीच परिणाम की तुलना - एक यादृच्छिक अग्रगामी अध्ययन

11. निचले ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मैकेओन बनाम आइवर लुईस एसोफैजेक्टॉमी के परिणाम की तुलना: एक अग्रगामी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

12. शल्य-चिकित्सा करा रहे रोगियों में नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के मीडियास्टिनल नोडल स्टेजिंग के लिए शल्य-चिकित्सा हिस्टोविकृति विज्ञान के साथ पेट-सीटी और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड की तुलना

10.3_.indd 1176 1/7/2026 4:56:14 PM

13. पुनरावर्ती उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में साइटोरिडक्टिव शल्य-चिकित्सा और हिपेक - एचआरडी/ब्रोंक जीनोमिक प्रोफाइल में हिपेक के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण और वर्णनात्मक अध्ययन

14. प्राथमिक उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ चरण I-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - उपचारित प्राथमिक उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में केआई-67 और पी53 के रोगसूचक और भविष्यसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अग्रगामी अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण।

15. व्यवहार्यता और सटीकता एसएलएनबी रेडियोलॉजिकल रूप से नोड नेगेटिव प्राइमरी एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ चरण I-III) - एक संभावित अग्रगामी अध्ययन

16. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में साइटोरिडक्टिव शल्य-चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में पेरिटोनियल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए निकट-अवरक्त इमेजिंग का उपयोग करके प्रतिदीप्ति-निर्देशित शल्य-चिकित्सा - एक व्यवहार्यता अध्ययन

17. नॉन-मेटास्टेटिक रिसेक्टेबल कार्सिनोमा रेक्टम में नियोएडजुवेंट फोल्फिरिनॉक्स बनाम लॉन्ग कोर्स कीमोरेडियोथेरेपी - एक आरसीटी

18. ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: एकल आर्म चरण II अग्रगामी अध्ययन

19. ग्रासनली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट लघु कोर्स रेडियोथेरेपी: एकल आर्म चरण II अग्रगामी अध्ययन

20. स्तन कैंसर के नवसहायक उपचार के बाद केवल नीले रंग का उपयोग करके सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी पर संभावित अध्ययन और सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी और एक्सिलरी लिम्फ नोड विच्छेदन के बाद लिम्फेडेमा दरों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

21. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सरोगेट मार्कर के रूप में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए (सीटी-डीएनए) की भूमिका - एक अग्रगामी अध्ययन।

पूर्ण

1. मौखिक कैंसर में पारंपरिक और इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी तकनीक का उपयोग करके पेक्टोरलिस मेजर मायोक्यूटेनियस फ्लैप की तुलना करने वाला चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

2. एसोफेजेक्टोमी करा रहे रोगियों में रेट्रोस्टर्नल बनाम पोस्टीरियर मीडियास्टिनल गैस्ट्रिककंडिट प्लेसमेंट में फुप्फुसीय जटिलताओं की तुलना करने वाला एक चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. स्थानीय रूप से उन्नत / आवर्ती चरम नरम ऊतक सार्कोमा में प्रीऑपरेटिव कीमोरेडियोथेरेपी की भूमिका का आकलन करने और नरम ऊतक सार्कोमा डेटाबेस के ऑडिट के लिए एक अग्रगामी अध्ययन।

4. प्रारंभिक कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों में माइक्रोबायोम गतिशीलता और आंत डिस्बिओसिस पर एक संभावित अध्ययन और निम्न और मध्य रेक्टल कैंसर रोगियों में स्फिंक्टर कॉम्प्लेक्स के महत्वपूर्ण शारीरिक मूल्यांकन पर एक संभावित अध्ययन

10.3_.indd 1177 1/7/2026 4:56:14 PM

5. कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों के लिए एमआईएस का मूल्यांकन करने और बृहदान्त्र और मलाशय कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों को सीखने का एक अध्ययन

6. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण सहित प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआईसी) के बीच परिचालन-पूर्व परिणामों की तुलना करने वाला व्यापक अध्ययन

7. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और पेरिटोनियल सतह दुर्दमता डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण सहित प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआईसी) के बीच पेरिऑपरेटिव परिणामों की तुलना करने वाला व्यापक अध्ययन

8. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा एसोफैगस में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और नियोएडजुवेंट समवर्ती कीमोविकिरण के बीच प्रभावकारिता की तुलना: एक अग्रगामी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

9. उपचारात्मक शल्यक्रिया करा रहे गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कैंसर रोगियों में फुफ्फुस फैलाव का शीघ्र पता लगाने और प्लाज्मा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का आकलन करने में कोशिका मुक्त डीएनए का मूल्यांकन

10. रेडियोलॉजिकल नोड नेगेटिव प्राइमरी एडवांस्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर (पीएईओसी) (एफआईजीओ स्टेज II-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - उपचारित प्राइमरी एडवांस्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में केआई-67 और पी53 के पूर्वानुमान और भविष्यसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अग्रगामी अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण।

11. ग्रासनली कैंसर शल्य-चिकित्सा में गैस्ट्रिक या कोलोनिक कंड्यूट परफ्यूजन के अंतःक्रियात्मक मूल्यांकन के लिए इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस डाई का व्यवहार्यता अध्ययन - एक संभावित सत्यापन अध्ययन और हेपेटोबिलरी और अग्नाशय कैंसर डेटाबेस का अद्यतन और विश्लेषण

12. घातक वक्ष रोगों वाले रोगियों में वक्ष शल्य-चिकित्सा के बाद कार्यात्मक सुधार और काम पर वापसी: एक संभावित अध्ययन

13. एसोफैजेक्टॉमी के बाद एसोफैजियल कैंसर रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता का पूर्वानुमान लगाने के लिए नोमोग्राम

14. मौखिक गुहा में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन और मौखिक कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए टोल्यूडीन ब्लू डाई और नैरो बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए अग्रगामी अध्ययन

15. व्यक्तिगत बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवांशिक परामर्श का भावी अध्ययन और जोखिम कम करने वाली शल्य-चिकित्सा करवाने वाले रोगियों का महत्वाकांक्षी मूल्यांकन।

16. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी करा रहे उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में कैंसर-वृषण प्रतिजन (सीटी45) की अभिव्यक्ति और प्लेटिनम आधारित कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ इसके सहसंबंध पर संभावित अध्ययन

17. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के साथ साइटोरिडक्टिव शल्य-चिकित्सा (सीआरएस) में "शल्य-चिकित्सा के बाद उन्नत रिकवरी (ईआरएएस)"

10.3_.indd 1178 1/7/2026 4:56:14 PM

प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन और अनुपालन की व्यवहार्यता - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन और डिम्बग्रंथि कैंसर डेटाबेस का ऑडिट और विश्लेषण।

18. गर्भाशय लेयोमायोसार्कोमा में बीआरसीएएनईएसएस से संबंधित दैहिक उत्परिवर्तनों की व्यापकता सहयोगी परियोजनाएँ

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

जारी:

1. सामान्य जठरांत्र ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कोशिका मुक्त डीएनएएस (सीएफ-डीएनए) का मूल्यांकन।, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग
2. बाल कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग
3. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के चरण निर्धारण में संयुक्त विसरण भारित और गैर-विपरीत एमआरआई की तुलना विपरीत-संवर्धित एमआरआई के साथ, प्रसूति एवं स्त्री रोग
4. भारतीय आबादी में डबल लुमेन ट्यूब के आकार का अनुमान लगाने के लिए क्रिकॉइड अल्ट्रासोनोग्राफी और सीटी स्कैन - एक संभावित अवलोकन अध्ययन, अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग
5. मल्टीमॉडल इमेजिंग का उपयोग करके स्ट्रोक में न्यूरोवैस्कुलर युग्मित कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग का विकास, एनएमआर
6. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में कोशिका मुक्त डीएनए का नैदानिक और रोगसूचक मूल्य - एक समूह अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
7. अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग में ऑन्कोपैलिएटिव रोगियों में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासोनोग्राफी (पीओसीयूएस) का शीघ्र एकीकरण
8. ब्यूप्रेनॉर्फिन अनुरक्षण उपचार पर ओपिओइड आश्रित विषयों से संबद्ध न्यूरोइमेजिंग और मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज, एनएमआर
9. बाल चिकित्सा सार्कोमा के रोगियों में मेटास्टेसिस को ग्रैनुलोमा से अलग करने में एआई की भूमिका की खोज, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली
10. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका, विकृति विज्ञान
11. एलओआई-कैंसर इम्यूनोथेरेपी और एपिजेनेटिक्स रिसर्च नेटवर्क (सीआईईआरईएन): आईईआर-टीएमई (ट्यूमर इम्यून माइक्रो एनवायरनमेंट की इम्यूनोथेरेपी आधारित एपिजेनेटिक रीप्रोग्रामिंग) के लिए केंद्रीकृत ई-प्लेटफॉर्म, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग
12. शल्यक्रिया के बाद नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी बनाम शल्यक्रिया के बाद एडजुवेंट कीमोथेरेपी, रिसेक्टेबल गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा के लिए - चरण 3 बहुकेन्द्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एनएजीए अध्ययन), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग

10.3_.indd 1179 1/7/2026 4:56:14 PM

13. आवर्ती सिर और गर्दन के कार्सिनोमा के उपचार में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी विकिरण थेरेपी: उपचार के परिणाम और विषाक्तता का आकलन, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग

14. संवहनी रोग से ग्रस्त रोगियों के उपचार में डॉप्लर अध्ययन के साथ नैदानिक परीक्षण का सत्यापन: एक संभावित अध्ययन, शल्य-चिकित्सा विभाग

पूर्ण

1. रिलैप्स्ड मेटास्टेटिक सिनोवियल सार्कोमा के रोगियों में जेमिसिटैबिन/डोसेटेक्सेल का चरण II अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में

2. स्टेजिंग की सटीकता, रोग भार और रिसेक्टेबिलिटी का पूर्वानुमान और पीसीआई के निर्धारण के लिए सी.टी. बनाम पी.ई.टी. सी.टी. की अंडाशय में तुलना, एक संभावित अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान

3. स्तन कैंसर के रोगियों में मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण प्रोफाइल की तुलना, जो आनुवंशिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 मानदंड को पूरा करते हैं और नहीं करते हैं: एक संभावित अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

4. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) में एक्स्ट्रानोडल-एक्सटेंशन (ईएनई) का पता लगाना।, ईएनटी विभाग - एचएसएनओ

5. चिकित्सा विकिरण की कम खुराक के मापन के लिए ऊतक समतुल्य प्रकाशिक रूप से प्रेरित ल्यूमिनसेंट सामग्री का विकास, मेडिकल फिजिक्सएकक, बीआरएसं.रो.कैं.अ., और स्वास्थ्य भौतिकी विभाग अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, नई दिल्ली

6. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका, विकृति विज्ञान

7. भारतीय तृतीयक चिकित्सा केंद्र से उन्नत असंक्रमित सिनोवियल सेल सार्कोमा के परिणाम: पूर्वव्यापी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

8. ऊपरी जठरांत्र और फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित शल्य चिकित्सा उपचार करा रहे रोगियों में सार्कोपेनिया की व्यापकता और शल्य चिकित्सा के तुरंत बाद के परिणामों पर इसका प्रभाव: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान

9. इविंग परिवार के ट्यूमर के लिए 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी और पारंपरिक विधियों के बीच संभावित तुलना, नाभिकीय चिकित्सा

10. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में रोग की सीमा के पूर्व-संचालन मूल्यांकन के लिए सीटी इमेजिंग के 3-आयामी वॉल्यूम रेंडरिंग की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग

11. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए मल्टीमोडैलिटी इमेजिंग और लिक्विड बायोप्सी की भूमिका: एक व्यापक अध्ययन, विकिरण-निदान विभाग

12. खराब प्रदर्शन स्थिति वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों की प्रदर्शन स्थिति में सुधार करने में साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: एक एकल भुजा चरण II परीक्षण", चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

10.3_.indd 1180 1/7/2026 4:56:14 PM

13. अस्थि और कोमल ऊतक ट्यूमर के निदान में सेल ब्लॉक की सहायता से फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी की उपयोगिता, विकृति विज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	4	10
कुल वित्तपोषण	90 लाख रुपये	29.42 लाख रुपये	416.68 लाख रुपये

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. परिधीय रक्त स्मीयर अन्वेषक (पीईबीएसआई): रेलटेल द्वारा वित्तपोषित परिधीय रक्त स्मीयर के विभेदक निदान के लिए एक एआई-सहायता प्राप्त समाधान, आईआईआईटी-दिल्ली
2. मल्टीपल मायलोमा में टी कोशिका सक्रियण और फॉलिक्युलर हेल्पर टी कोशिका की भूमिका आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, नोएडा
3. तीव्र माइलॉयड रोग में टीईटीआई के नवीन वैकल्पिक स्प्लिस रूप से रहित डीएनए बाइंडिंग डोमेन की कार्यात्मक भूमिका का वर्णन करनाल्यूकेमिया, ल्यूकेमिक स्टेम सेल और क्या इसे रासायनिक रूप से लक्षित किया जा सकता है? आईसीएमआर, एससीएमएम, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।
4. आईएससीएएलएल, अंतर-संस्थागत परियोजना
5. आईसीआईसीएलई2, अंतर-संस्थागत परियोजना
6. सामान्य विकास और रोगात्मक मायलोप्रोलिफरेशन के तहत एरिथ्रोइड और मेगाकैरियोसाइटिक वंशों का अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली
7. आईआईटी, दिल्ली में आईकेजेडएफ1 उत्परिवर्तन वाले बीसीआर-एबीएल पॉजिटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) और क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) के बी-लिम्फोइड ब्लास्ट चरण में कोशिका आसंजन और कीमोरेसिस्टेंस के आणविक तंत्र को समझना।
8. आईएससीएएलएल, अंतर-संस्थागत परियोजना
9. आईसीआईसीएलई2, अंतर-संस्थागत परियोजना
10. बी-एएलएल में पुनरावृत्ति को लक्षित करने वाले सिंथेटिक सर्किट के साथ चिकित्सीय कोशिकाओं का निर्माण, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली
11. आईएससीएएलएल, अंतर-संस्थागत परियोजना
12. आईसीआईसीएलई2, अंतर-संस्थागत परियोजना
13. कार्यात्मक जीनोमिक्सहेपेटोबिलियरी कैंसर, आईआईटी, दिल्ली

10.3_.indd 1181 1/7/2026 4:56:14 PM

14. स्तन और मौखिक कैंसर का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित उपकरण, आईसीएमआर-एनआईआरडीएचडीएस

15. आईएससीएएल, अंतर-संस्थागत परियोजना

16. आईसीआईसीएलई2, अंतर-संस्थागत परियोजना

17. परिसंचारी रसायनों का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर का विकासएक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में ट्यूमर डीएनए उत्परिवर्तन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा

18. आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसरों की रजिस्ट्री और जर्मलाइन डीएनए भंडार की स्थापना करना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

19. तीव्र माइलॉयड रोग में टीईटी1 के नवीन वैकल्पिक स्प्लिस रूप से रहित डीएन बाइंडिंग डोमेन की कार्यात्मक भूमिका का वर्णन करनाल्यूकेमिया, ल्यूकेमिक स्टेम सेल और क्या इसे रासायनिक रूप से लक्षित किया जा सकता है?, विशेष आणविक चिकित्सा विद्यालय, जेएनयू

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	19	19	19
कुल वित्तपोषण	1407.06 लाख रुपये	1498.64 लाख रुपये	1478.64 लाख रुपये

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी के बाद उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर वाले रोगी में चिंता और अवसाद का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, मनोचिकित्सा, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, स्त्री रोग और प्रसूति

2. पुनरावर्ती डिम्बग्रंथि कैंसर में द्वितीयक साइटोरिडक्टिव शल्य-चिकित्सा का मूल्यांकन: एक व्यापक अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान और चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

3. मौखिक गुहा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिसंचारी ट्यूमर सेल (सीटीसी) गतिकी पर ट्यूमर के शल्य-चिकित्सा हेरफेर का प्रभाव।, ईएनटी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान

4. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर से बचे लोगों के बीच जीवन की गुणवत्ता और चयापचय प्रोफ़ाइल - एक केस-कंट्रोल अध्ययन (ओवीए एसयूआरवी), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, स्त्री रोग विज्ञान।

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर में एफएपीआई स्कैन की भूमिका को समझना नाभिकीय चिकित्सा और चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

6. इन विट्रो और इन विवो ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) मॉडल में सी-पीजीआरपी-एस की चिकित्सीय क्षमता का अनावरण: एक पूर्व-नैदानिक अध्ययन, जैव भौतिकी विभाग, नई दिल्ली

10.3_.indd 1182 1/7/2026 4:56:14 PM

7. भारतीय समूह में एंडोमेट्रियल कैंसर में चयापचय संबंधी गड़बड़ी की जांच के लिए, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. मौखिक कैंसर कोशिकाओं के स्टेमनेस में सर्वव्यापी रूप से प्रतिलेखित टेट्राट्रिकोपेप्टाइड रिपीट युक्त, वाईलिंक्ड (यूटीवाई) की भूमिका की जांच, जैव रसायन विभाग, एम्स, जम्मू

पूर्ण

1. वंशानुगत डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए पूर्वप्रवृत्त जीन में सकारात्मक जर्मलाइन उत्परिवर्तन वाले डिम्बग्रंथि कैंसर रोगियों के नैदानिक परिणाम और जैविक विशेषताएं और भारतीय महिलाओं में कैस्केड परीक्षण की स्वीकृति।, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान

2. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में नैदानिक टीम द्वारा टेलीजेनेटिक्स बनाम आमने-सामने आनुवंशिक परामर्श की तुलना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान

3. "मल्टीपल मायलोमा रोगियों में 68जीए-एफएपीआई-46 पीईटी/सीटी की नैदानिक सटीकता: 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ तुलनात्मक विश्लेषण", चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा

4. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में तंत्रिका-संज्ञानात्मक कार्यों पर माइंडफुलनेस ध्यान का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, स्त्री रोग विज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	5	3	4
कुल वित्तपोषण	129 लाख रुपये	105 लाख रुपये	139.50 लाख रुपये

जारी

1. "उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में कोशिका मुक्त डीएनए (सीएफडीएनए) का नैदानिक और रोगसूचक मूल्य - एक समूह अध्ययन" भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) अवधि- 2023-2026, पीआई: डॉ. सीमा सिंघल, अपर आचार्य, स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. पित्ताशय के कैंसर में कैनोनिकल और नॉन-कैनोनिकल डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग की थेरानोस्टिक क्षमता का मूल्यांकन। फंडिंग एजेंसी: आईसीएमआर। अवधि: 2023-2026, पीआई: डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, अपर आचार्य, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, प्रयोगशाला बीआरएसं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली।

3. पित्ताशय के कैंसर में β-कैटेनिन के चिकित्सीय महत्व का मूल्यांकन; वित्त पोषण एजेंसी: एम्स (दिल्ली), अवधि: 2024-2026, पीआई: डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, अपर आचार्य, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, प्रयोगशाला बीआरएसं.रो.कैं.अ. एम्स, नई दिल्ली

10.3_.indd 1183 1/7/2026 4:56:14 PM

4. ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स प्रोटीन लाइसिल ऑक्सीडेज (एलओएक्स) के मॉड्यूलेशन के माध्यम से हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा को कम करने के लिए ट्रांसलेशनल दृष्टिकोण, स्वयं एक सह-पीआई के रूप में, डीएसटी, 3 वर्ष +, 2022-2025 (विस्तार पर), 87 लाख रुपये

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. ओपिओइड लेने वाले स्तन कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य एम्स इंट्राम्यूरल इंटरडिपार्टमेंटल, शरीर क्रिया विज्ञान

पूर्ण

1. स्तन उच्छेदन पश्चात दर्द सिंड्रोम में दर्द और जीवन की गुणवत्ता पर दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	2	---
कुल वित्तपोषण	43.89 लाख रुपये	330.30 लाख रुपये	---

निवारक अर्बुदविज्ञान

1. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों के बीच दृश्य स्क्रीनिंग के माध्यम से मौखिक-पूर्व-घातक घावों की व्यापकता और जोखिम कारकों की पहचान करने के लिए एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली

2. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में आंत (मौखिक, मल और पित्त) माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग, जठरांत्र विज्ञान विभाग, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद

3. तृतीयक कैंसर अस्पताल में कैंसर रोगियों के परिचारकों के बीच सेकेंड-हैंड तंबाकू धूम्रपान (एसएचएस) जोखिम का आकलन और एम-हेल्थ प्रमोशन रणनीति का मूल्यांकन, निवारक अर्बुदविज्ञान

4. हरियाणा के चयनित जिला अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों/विशेषज्ञों के लिए कैंसर जागरूकता और रेफरल एंगेजमेंट (केयर) कार्यक्रम, निवारक अर्बुदविज्ञान, एनसीआई

5. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नोस्टिक हस्ताक्षर, मूत्र रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. कैंसर और मौखिक तथा मुख-ग्रसनी क्षेत्र के संभावित घातक विकारों वाले रोगियों में उच्च जोखिम वाले मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला विकसित परीक्षण (एलडीटी) का विकास और सत्यापन। मुख विकृति विज्ञान विभाग, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली

10.3_.indd 1184 1/7/2026 4:56:14 PM

7. माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानि में एनवाई-ईएसओ-1 को शामिल करके एक नए कैंसर प्रतिरक्षा-चिकित्सीय एजेंट का विकास और ट्यूमर के माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता/प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन, निवारक अर्बुदविज्ञान, डॉ. भी.रा.सं.रो.कैं.अ., एम्स नई दिल्ली

8. लिवर फाइब्रोसिस का पता लगाने के लिए मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-आधारित परख का विकास, जो लिवर फाइब्रोसिस के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली कायचिकित्सा विभाग, लिवर और पाचन स्वास्थ्य संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूके

9. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा का जीनोमिक्स, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, डॉ. भी.रा. सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

10. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर से पीड़ित युवा भारतीय महिलाओं (<40 वर्ष) में बीआरसीए1/2 जर्मलाइन म्यूटेशन की व्यापकता, शल्य-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल उपकला अंतःक्रियाओं पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिनों के प्रभाव को स्पष्ट करना: सामान्य प्रोस्टेट शरीरक्रिया विज्ञान के रखरखाव में भूमिका।, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

12. स्तन कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं और उनके निकटतम परिवार के सदस्यों में विभिन्न बीआरसीए परीक्षण पात्रता मानदंड उपकरणों के उत्परिवर्तन पहचान प्रदर्शन का मूल्यांकन करना।, निवारक अर्बुदविज्ञान

13. कैंसर-वृषण जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग के बीच परस्पर क्रिया और डिम्बग्रंथि के कैंसर में वैश्विक डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसके संबंध का अध्ययन करने के लिए, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. घातक स्तन ट्यूमर के लिए उपचारित महिलाओं में टोपोइज़ोमेरेज़2β और एन्थ्रासाइक्लिन प्रेरित कार्डियो विषाक्तता (टीएसीटी), निवारक अर्बुदविज्ञान

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. चरण 2 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिसमें स्थानीय रूप से उन्नत रिसेक्टेबल ओरल कैविटी कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के रूप में संशोधित टीपीएफ की तुलना डोसेटेक्सेल-प्लेटिनम रेजिमेन से की गई, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

2. मस्तिष्क अंग पर गामा चाकू का उपयोग करके बहु-सत्र स्टीरियोटैक्टिक रेडियोशल्य-चिकित्सा के ऊतक पुनर्प्राप्ति समय और डोसिमेट्री का आकलन, तंत्रिका-चिकित्सा, सीएनसी, एम्स, नई दिल्ली

3. क्या प्रत्येक व्हार्टन वाहिनी में एन एसिटाइल-सिस्टीन का सत्र-पूर्व अंतः वाहिनी देना, रेडिकल एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी उपचार की एकल विधा द्वारा उपचारित ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के वयस्क रोगियों में शुष्क मुँह (ज़ेरोस्टोमिया) को कम कर सकता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है? कान, नाक एवं गला रोग एवं सिर-गर्दन शल्य-चिकित्सा विभाग, विकिरण अर्बुदविज्ञान एवं भेषजगुण विज्ञान, एम्स नई दिल्ली

10.3_.indd 1185 1/7/2026 4:56:14 PM

4. उपचार प्रतिक्रियाकर्ताओं और गैर प्रतिक्रियाकर्ताओं के साथ इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफ़ाइल और परिणाम, नेत्र विज्ञान

5. मेटास्टैटिक और आवर्तक सिर और गर्दन के कैंसर में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक उपचार बनाम मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

6. जीनोमिक विपथन और एकल प्लाज़्मासाइटोमा में इसका पूर्वानुमानात्मक प्रभाव, विकृति विज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान और चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

7. स्टेज II और III एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा का बहुविध उपचार: एक इंटरवेंशनल अग्रगामी अध्ययन, बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

8. डेंगू के प्रतिरक्षी क्षमता से वंचित रोगियों में एनएस1 प्रतिजनीमिया की निरंतरता और नैदानिक परिणामों के साथ इसका सहसंबंध, चिकित्सा और सूक्ष्म जैव विज्ञान

9. आवर्ती उच्च-श्रेणी ग्लियोमा (एचजीजी) के लिए पुनः-आरटी योजना में 68 जीए पीएसएमए पीईटी की भूमिका - एक अग्रगामी अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा

10. नेत्र सतह स्क्वैमस नियोप्लासिया में नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी की भूमिका - एक संभावित अध्ययन, नेत्र विज्ञान

पूर्ण

1. विकिरण डोसिमेट्री में सुधार के लिए 3डी मुद्रित रोगी-विशिष्ट फैंटम का विकास, चिकित्सा भौतिकी

2. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में विकिरण के बाद होने वाले क्षरण की रोकथाम में नवीन स्व-संयोजन पेप्टाइड मैट्रिक्स (एसएपीएम) की भूमिका: यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडोंटिक्स विभाग, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) और विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ			16
कुल वित्तपोषण			1051.5 लाख रुपये

शल्यक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. प्लेटिनम रेसिस्टेंट/रिफ्रैक्टरी एपिथीलियल ओवेरियन या प्राइमरी पेरिटोनियल कैंसर में एकल एजेंट पेमेट्रेक्सेड का एकल आर्म चरण II अध्ययन।, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए सं.रो. कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

10.3_.indd 1186 1/7/2026 4:56:14 PM

2. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के शीघ्र निदान और हिस्टोलॉजिकल सबटाइपिंग के लिए बायोमार्कर्स की पहचान हेतु एक एकीकृत मेटाबोलोमिक्स और लिपिडोमिक्स दृष्टिकोण।, एनएमआर विभाग, एम्स नई दिल्ली

3. अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने हेतु बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग।, जैव-रसायन विभाग। एम्स, नई दिल्ली

4. "प्रिसिजन मेडिसिन के माध्यम से भारत में कोलन कैंसर के उपचार के लिए बायोबैंक का निर्माण, बायोमार्कर की पहचान, मेटाबोलिक लक्ष्यों का निर्धारण और चिकित्सीय प्लेटफॉर्म का विकास", क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

5. बायोबैंक का निर्माण, बायोमार्करों की पहचान, चयापचय लक्ष्यों का निर्धारण, और सटीक चिकित्सा के माध्यम से भारत में कोलोरेक्टल (सीआरसी) कैंसर के उपचार के लिए चिकित्सीय प्लेटफॉर्म विकसित करना, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

6. सीएपीई-सीईआरवी परीक्षण - मेटास्टैटिक सर्वाइकल कैंसर में कैपेसिटाबाइन अनुरक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

7. कार्सिनोमा पेनिस के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम और जीवित बचे लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. डीबीटी एनसीआई-एम्स ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च सेंटर (फेज-1), जैव रसायन

9. आईसीएमआर के लिए पीडीएक्स मॉडल बहुलक्षित दवा में एआई-निर्देशित गणना-आधारित अनुकूलन, संश्लेषण और पूर्व नैदानिक मूल्यांकन का उपयोग करके स्तन कैंसर के रूप में डीडीपीएमपीवाईपीईपीयू विकसित करना

10. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए माइक्रोआरएनए-आधारित बायोमार्कर का विकास।, प्रजनन जैवविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. पीडीएक्स माउस मॉडल में डोसेटेक्सेल-लोडेड-एचएसपी70 पेप्टाइड कॉम्प्लेक्स की चिकित्सीय भूमिका को स्पष्ट करते हुए, आईसीएमआर

12. आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसरों की रजिस्ट्री और जर्मलाइन रिपोजिटरी की स्थापना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. एम्स, नई दिल्ली में आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए रजिस्ट्री और जर्मलाइन डीएनए रिपोजिटरी की स्थापना, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

14. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ कम खुराक निवोलुमैब का मूल्यांकन गैर-लघु कोशिका फेफड़ों का कैंसर: चरण II ओपन लेबल रेंडमाइज्ड नैदानिक ट्रायल (ईएलओएन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली)

15. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में जीवित रहने पर समय-प्रतिबंधित भोजन (टीआरई) के साथ आंतरायिक उपवास की प्रभावकारिता की खोज, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

10.3_.indd 1187 1/7/2026 4:56:15 PM

16. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नवीन नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर की खोज, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

17. एपेंडिसियल एपिथीलियल नियोप्लाज्म का हिस्टोपैथोलॉजिकल, इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

18. कार्सिनोमा अंडाशय में समजातीय पुनर्संयोजन की कमी - वास्तविक दुनिया के आंकड़ों का विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

19. चरण II स्तन कैंसर में जीवित रहने की दर में सुधार के लिए कार्यान्वयन अध्ययन, आईसीएमआर

20. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी/बी2 का आणविक तंत्र, जैव रसायन

21. प्लेटिनम-प्रतिरोधी उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर में मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी (ओएमटी) बनाम चिकित्सक की पसंद की कीमोथेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

22. चरण-II का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक है "कैंसर रोगियों के लिए जैव-सक्रिय रोगी-विशिष्ट मैंडिबल प्रत्यारोपण का डिजाइन और विकास", मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

23. प्लेनेट परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

24. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर (पीओआईसीई 2024) में अंतराल साइटोरिडक्शन के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी: बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, चरण III परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, जिपमेर, पुडुचेरी

25. स्तन संरक्षण शल्य-चिकित्सा में शल्य-चिकित्सा रिसेक्शन की आदर्श मात्रा का प्रीऑपरेटिव पूर्वानुमान (पीआरवीओएल-बीसीएस),

26. एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा के क्लिनिको-पैथोलॉजिकल पहलुओं और भारतीय रोगियों में उनके परिणामों का अध्ययन करने के लिए पूर्वव्यापी विश्लेषण, तृतीयक कैंसर केंद्र, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

27. थायरॉइड कैंसर में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका, जैव रसायन

28. थायरॉइड कैंसर में टेल2 की भूमिका, जैव रसायन

29. अग्नाशय के कैंसर के रोगियों के ट्यूमर स्थल में मौजूद भिन्न रूप से अभिव्यक्त माइक्रो-आरएनएएस और उनके प्रोटीन लक्ष्यों की भूमिका निर्धारित करने के लिए, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

30. फॉलिक्युलर सेल-व्युत्पन्न थायरॉइड कार्सिनोमा का ट्यूमर प्रतिरक्षा माइक्रोएनवायरनमेंट, विकृति विज्ञान

31. व्यावहारिक प्रबंधन नीतियों के विकास के लिए स्त्री रोग संबंधी एडेनोकार्सिनोमा में व्यापक जीनोमिक और प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग का उपयोग करना।, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10.3_.indd 1188 1/7/2026 4:56:15 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. मौखिक गुहा के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में शल्य-चिकित्सा बनाम अग्रिम शल्य-चिकित्सा के बाद मौखिक मेट्रोनॉमिक कीमोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और मौखिक गुहा कैंसर रोगी डेटाबेस के विश्लेषण के साथ मौखिक मेट्रोनॉमिक थेरेपी के लिए कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाने के लिए बायोमार्कर के रूप में पी53 की भूमिका निर्धारित करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. सामान्य जठरांत्र ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कोशिका मुक्त डीएनएएस (सीएफ-डीएनए) का मूल्यांकन।

3. फेफड़ों की शल्य-चिकित्सा के लिए थोरैकोटॉमी करा रहे रोगियों में तीव्र पश्चात दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोरैसिक पैरावर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन निर्देशित सेरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग

4. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नए प्रोस्टेट अंडाशय वृषण भ्रूण (पोट) प्रतिजन की प्रतिरक्षा-चिकित्सा क्षमता, जैव-रसायन विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणामों पर 15 वर्षों से अधिक का अनुभव - तृतीयक चिकित्सा केंद्र, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग।

7. प्राथमिक डिम्बग्रंथि कैंसर में नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में कैंसर वृषण प्रतिजन जीन (सीटी45) की भूमिका, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

8. गर्भाशय लेयोमायोसार्कोमा में बीआरसीए से संबंधित दैहिक उत्परिवर्तनों की व्यापकता, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	11	11	10	18
कुल वित्तपोषण	221.15 लाख रुपये	165.90 लाख रुपये	249.90 लाख रुपये	215.42 लाख रुपये	139.72 लाख रुपये

प्रकाशन

डीसीआर

प्रकाशन

10.3_.indd 1189 1/7/2026 4:56:15 PM

पत्रिकाएँ: 04

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	11	9	04
पत्रिकाओं में लेख	11	8	4
सार	-	-	-
पुस्तक में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	1	-

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 23 सार: 04 पुस्तक में अध्याय: 34 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	42	36	62
पत्रिकाओं में लेख	36	32	23
सार	03	03	04
पुस्तक में अध्याय	03	01	34
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	-	01

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 42 सार: 34

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	87	62	76
पत्रिकाओं में लेख	69	60	42
सार	18	02	34
पुस्तक में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	-	-

10.3_.indd 1190 1/7/2026 4:56:15 PM

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 128 सार: 29

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	154	132	157
पत्रिकाओं में लेख	147	103	128
सार	07	28	29
पुस्तक में अध्याय	-	01	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	-	-

चिकित्सा भौतिकी

प्रकाशन

पत्रिका: 01

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	03	02	01
पत्रिकाओं में लेख	03	02	01
सार	-	-	-
पुस्तक में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	-	-

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 46

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	110	76	46
पत्रिकाओं में लेख	85	68	46
सार	01	-	-
पुस्तक में अध्याय	21	07	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	03	01	-

10.3_.indd 1191 1/7/2026 4:56:15 PM

निवारक अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 06

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	**09**	**06**	**06**
पत्रिकाओं में लेख	**07**	**03**	**06**
सार	**01**	**-**	**-**
पुस्तक में अध्याय	**01**	**03**	**-**
पुस्तकें और मोनोग्राफ	**-**	**-**	**-**

विकिरण अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 37 सार: 25

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	53	60	62
पत्रिकाओं में लेख	41	41	37
सार	10	18	25
पुस्तक में अध्याय	02	01	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	-	-	-

शल्यक अर्बुदविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 35 सार: 07

मद	2022-23	2023-2024	2024-2025
कुल	36	48	42
पत्रिकाओं में लेख	29	34	35
सार	01	04	07
पुस्तक में अध्याय	-	09	-
पुस्तकें और मोनोग्राफ	06	01	-

10.3_.indd 1192 1/7/2026 4:56:15 PM

रोगी उपचार

डॉ. भी.रा.अ. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर

नई दिल्ली - 110 029

(चिकित्सा अभिलेख अनुभाग)

रोगी उपचार

वर्ष (अप्रैल-2024 से मार्च-2025) के लिए वार्षिक रिपोर्ट

1. कुल बेड की संख्या = 182 + 7 = 189

क. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान = 85

ख. विकिरण अर्बुदविज्ञान = 37

ग. शल्यक अर्बुदविज्ञान = 61

घ. प्रशामक उपचार एकक = 06

2. कुल ओपीडी उपस्थिति - (2024-25) (कुल = 215093)

क. नए पंजीकृत रोगी = 16462

ख. पुनरावृति रोगी = 198631

3. डॉ. बीआरएसं.रो.कैं.अ. में विभिन्न ओपीडी/क्लिनिकों का विवरण (वर्ष 2024-2025)

क्र.सं.	ओपीडी/क्लिनिक का नाम	नए पंजीकृत रोगी			फॉलोअप		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	1973	2682	4655	30082	40267	70349
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकेमिया क्लिनिक	-	-	-	2421	1685	4106
3.	एएमएल/एचएल क्लिनिक	68	32	100	1585	971	2556
4.	एएलएल/सीएमएल क्लिनिक	161	125	286	3662	1700	5362
5.	स्तन कैंसर क्लिनिक	32	664	696	1385	11183	12568
6.	हड्डी और कोमल (ऊतक) क्लिनिक	150	104	254	692	497	1189

10.3_.indd 1193 1/7/2026 4:56:15 PM

क्र.सं.	ओपीडी/क्लिनिक का नाम	नए पंजीकृत रोगी			फॉलोअप		
7.	कैंसर की रोकथाम और स्क्रीनिंग क्लिनिक	07	346	353	-	--	-
8.	पारिवारिक कैंसर क्लिनिक	10	27	37	90	62	152
9.	गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल क्लिनिक	503	345	848	1417	1037	2454
10.	स्त्री रोग क्लिनिक - 'ए'	-	151	151	-	562	562
11.	स्त्री रोग क्लिनिक - 'बी'	-	324	324	-	1173	1173
12.	स्त्री रोग क्लिनिक - 'सी'	-	185	185	-	888	888
13.	जननांग एवं स्त्री रोग क्लिनिक	38	77	115	326	847	1173
14.	जननांग और पीएसएम क्लिनिक	68	157	225	275	833	1108
14.	सिर और गर्दन (शल्य-चिकित्सा) - ए	360	83	443	1647	493	2140
15.	सिर और गर्दन (ईएनटी) - बी	986	174	1160	5244	1300	6544
16.	हेपेटोबिलरी और अग्नाशय क्लिनिक	129	93	222	756	495	1251
17.	फेफड़ों के कैंसर क्लिनिक	712	252	964	7657	2547	10204
18.	एनएचएल/एमएम/सीएलएल क्लिनिक	52	132	184	1788	2314	4102
19.	तंत्रिका अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	300	148	448	2132	1027	3159
21.	नेत्र ट्यूमर क्लिनिक	03	-	03	-	--	-
22.	बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	164	99	263	4156	2364	6520
23.	बाल चिकित्सा लिम्फोमा ल्यूकेमिया क्लिनिक	137	67	204	2748	1522	4270
24.	बाल चिकित्सा (शल्य-चिकित्सा)	130	97	227	1931	1402	3333

10.3_.indd 1194 1/7/2026 4:56:15 PM

क्र.सं.	ओपीडी/क्लिनिक का नाम	नए पंजीकृत रोगी			फॉलोअप		
25.	दर्द निवारण क्लिनिक	646	495	1141	8441	7184	15625
26.	दर्द एवं प्रशामक उपचार क्लिनिक (आरटी-II)	-	-	-	-	-	-
27.	बाल चिकित्सा प्रशामक उपचार क्लिनिक	--	-	-	-	-	-
28.	रेडियोथेरेपी क्लिनिक	585	442	1027	7956	10017	17973
29.	शल्यक अर्बुदविज्ञान (क्लिनिक)	269	393	662	1195	2270	3465
30.	वक्ष अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	205	98	303	981	666	1647
31.	प्रत्यारोपण क्लिनिक	57	37	94	1512	724	2236
32.	यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी क्लिनिक	658	78	736	5986	3589	9575
33.	एंडो मैलिग्नेंसी क्लिनिक	83	69	152	1866	1081	2947
	कुल =	8486	**7976**	**16462**	**97931**	**100700**	**198631**

कुल योग = 16462 + 198631 = 215093

भर्ती (2024-25)	
नियमित भर्ती	11842
शॉर्ट/डे-केयर भर्ती	55828
कुल भर्ती	67670

छुट्टी (2024-25)	
नियमित छुट्टी	11625
लघु/दिवस उपचार छुट्टी	55189
कुल छुट्टी	66814

कुल मृत्यु - (2024-25)	**287**

10.3_.indd 1195 1/7/2026 4:56:15 PM

ऑपरेशन थिएटर सेवाएं - (2024-25)	
बड़े ऑपरेशन	1472
छोटे ऑपरेशन	8309
कुल परिचालन	9781

इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राम (ईसीजी) - (2024-25)	**6123**

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष संख्या 15)	**6315**

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कक्ष संख्या 15)	
पुरुष सीटी	4816
महिला सीटी	2725
बालक सीटी (बाल)	3752
बालिका सीटी (बाल)	1389
कुल रोगी	12682

ओपीडी उपस्थिति नए पंजीकृत रोगी (पुरुष और महिला) - (2024-25)

नए पंजीकृत रोगी	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल - 2024	801	681	1482
मई - 2024	818	733	1551
जून - 2024	684	620	1304
जुलाई - 2024	735	734	1469
अगस्त - 2024	667	641	1308
सितंबर - 2024	761	691	1452
अक्टूबर - 2024	720	684	1404
नवंबर - 2024	716	683	1399
दिसंबर - 2024	652	641	1293
जनवरी - 2025	786	682	1468

10.3_.indd 1196 1/7/2026 4:56:15 PM

नए पंजीकृत रोगी	पुरुष	महिला	कुल
फरवरी - 2025	540	573	1113
मार्च - 2025	606	613	1219
कुल	**8486**	**7976**	**16462**

कुल (पुरुष और महिला) = 16462

ओपीडी उपस्थिति पुन: आगमन (पुरुष और महिला) - (2024-25)

फॉलोअप	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल = 2024	8082	8765	16847
मई - 2024	8609	8401	17010
जून - 2024	7382	7481	14863
जुलाई - 2024	8314	8654	16968
अगस्त - 2024	7598	7984	15582
सितंबर - 2024	8453	8422	16875
अक्टूबर - 2024	8018	8522	16540
नवंबर - 2024	8160	8258	16418
दिसंबर - 2024	9152	8508	17660
जनवरी - 2025	8952	8683	17635
फरवरी - 2025	7195	8341	15536
मार्च - 2025	8016	8681	16697
कुल	**97931**	**100700**	**198631**

कुल (पुरुष और महिला) = 198631

उनके निवास के अनुसार भौगोलिक वितरण = 16462

क्र.सं.		कुल
1.	आंध्र प्रदेश	07
2.	अंडमान निकोबार	00
3.	असम	35
4.	अरुणाचल प्रदेश	05

10.3_.indd 1197 1/7/2026 4:56:15 PM

क्र.सं.		कुल
5.	बिहार	2033
6.	चंडीगढ़	03
7.	छत्तीसगढ	14
8	दादर और नगर हवेली	00
9.	दमन और दीव	00
10.	दिल्ली	4760
11.	गोवा	01
12.	गुजरात	16
13.	हरियाणा	1306
14.	हिमाचल प्रदेश	89
15.	जम्मू और कश्मीर	114
16.	झारखंड	183
17.	केरल	15
18.	कर्नाटक	12
19.	लद्दाख	33
20.	लक्षद्वीप	00
21.	मध्य प्रदेश	321
22.	महाराष्ट्र	32
23.	मेघालय	03
24.	मणिपुर	68
25.	मिजोरम	03
26.	नागालैंड	08
27.	उड़ीसा	28
28.	पांडिचेरी	00
29.	पंजाब	44

10.3_.indd 1198 1/7/2026 4:56:15 PM

क्र.सं.		कुल
30.	राजस्थान	285
31.	सिक्किम	09
32.	तमिलनाडु	07
33.	तेलंगाना	06
34.	त्रिपुरा	07
35.	उत्तर प्रदेश	6293
36.	उत्तरांचल	463
37.	पश्चिम बंगाल	187
	कुल	**16390**

अन्य देश

1.	अफ़ग़ानिस्तान	-
2.	बांग्लादेश	04
3.	कनाडा	01
4.	इथियोपिया	-
5.	फिजी	-
6.	इराक	-
7.	मॉरीशस	-
8.	नेपाल	63
9.	नाइजीरिया	01
10.	सूडान	01
11.	युगांडा	02
	कुल	**72**

कुल योग = 16462

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएँ - (2024-25)

1.	रक्त नमूनाकरण	176195
	हेमोग्राम (एचएमजी) - (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	7091
2.	परिधीय रक्त स्मीयर (पीबीएस)	3997
3.	अस्थि मज्जा एस्पाईरेशन (बीएम)	6127

10.3_.indd 1199 1/7/2026 4:56:15 PM

4.	कोशिका-रसायन विज्ञान	1127
5.	सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन (एसपीई)	7303
6.	इम्यूनोफिक्सेशन (आईएफएक्स)	4656
7.	मूत्र इलैक्ट्रोफोरोसिस (यूई)	1440
8.	ट्यूमर मार्कर	00
9.	फ्लोसाइटोमेट्री	79633
10.	सीएसएफ	2528
11.	ईएसआर	00
12.	आणविक जीवविज्ञान	22677
13.	सीरम फ्रीलाइट चेन	14549
14.	कोशिका विकृति विज्ञान	00
15.	बीटा 2 - माइक्रोग्लोब्युलिन	1506
16.	कोशिका विज्ञान	1268
17.	एचपीबी डीएनए	3990
18.	इम्युनोग्लोबुलिन	1717
19.	शरीर का तरल पदार्थ	08
	कुल	**335812**

कुल योग = 335812

एफ्रेसिस- (2024-25)

1.	एकल दाता प्लेटलेट्स (एसडीपी)	1807
2.	परिधीय रक्त स्टेम सेल - हार्वेस्ट (पीबीएससी)	133
3.	हेमोग्राम	2933
4.	प्लाज्मा	03
5.	ग्रैन्यूलोसाइट्स की संख्या	40
6.	प्लाज्मा एक्सचेंज	-
7.	स्टेम सेल हार्वेस्ट	-
	कुल	**4916**

कुल योग = 4916

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएँ- (2024-25)

1.	फिलाडेल्फिया गुणसूत्र का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	00
2.	काइमेरिज्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	367

10.3_.indd 1200 1/7/2026 4:56:15 PM

3.	सीएमएल में पी210 और पी190 स्थानांतरण का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर (गुणात्मक)	00
4.	सीएमएल में पी210 और पी190 स्थानांतरण का पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर (मात्रात्मक)	890
5.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	00
6.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	00
7.	ल्यूकेमिया के लिए इम्यूनो फेनोटाइपिंग	00
8.	एमएनसी काउंट्स	128
9.	स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन - 80	104
10.	स्टेम कोशिकाओं का भंडारण 4	56
11.	अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण	00
12.	स्टेम कोशिकाओं का संचार	109
13.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	89
14.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	1105
15.	एलडीएच	00
16.	मैगनीशियम	00
17.	ईबीवी - ईबीवी संक्रमण के लिए डीएनए का पता लगाना	00
	कुल	**2848**

कुल = 2848

चिकित्सा भौतिकी सेवाएँ -(2024-25)

1.	विकिरणित रक्त बैगों की संख्या	19025
2.	एक्स-रे मशीनों पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किया गया	5672
3.	डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किया गया	
4.	रेडियोलॉजी (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
5.	एक्स-रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	1119
6.	एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किया गया	-
7.	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	93
8.	गर्भावस्था के अनजाने जोखिम के बारे में सलाह	02
9.	एम्स में क्यूसी टेस्ट फ्लोरोस्कोपी की गई	-
10.	लीड एप्रन पर क्यूए परीक्षण किया गया	262
	कुल	**26173**

10.3_.indd 1201 1/7/2026 4:56:16 PM

कुल = 26173

रेडियोथेरेपी सेवाएं - (2024-25)

1.	रेडियोथेरेपी के मामले	82082
2.	रेडियोथेरेपी पर कुल क्षेत्र	-
3.	ब्रैकीथेरेपी के मामले	1049
4.	उपचार योजना और सिमुलेशन	3881
5.	दो और तीन आयामी खुराक वितरण	3616
6.	क्षतिपूर्तिकर्ता	352
7.	परिरक्षण ब्लॉक स्थिरीकरण उपकरण और ओरिफिट	3124
8.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	14158
9.	योजना सीटी	2571
	कुल	110833

कुल = 110833

विकिरण-निदान सेवाएँ - (2024-25)

1.	सीटी स्कैन	7698
2.	अल्ट्रा-साउंड	8149
3.	मैमोग्राफी	3409
4.	एक्स-रे (नियमित)	18027
5.	डॉपलर	554
6.	इंटरवेंशन	1906
7.	विशेष जांच (बीए, I)	999
8.	इंटरवेंशन एमए	00
	कुल =	40742

कुल = 40742

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

मद	2022-23	2023-24	2024-25
एक्स-रे	19182	18260	18027
अल्ट्रासाउंड	7889	8107	8149

10.3_.indd 1202 1/7/2026 4:56:16 PM

डॉपलर	359	422	554
सीटी स्कैन	8613	9755	7698
मैमोग्राफी	2584	2839	3409
फ्लोरोस्कोपी प्रक्रियाएं और इंटरवेंशन	849	858	999
इंटरवेंशन (यूएसजी, सीटी निर्देशित)	1947	2012	1906
कुल	41423	42253	40742

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

क्र. सं.	प्रयोगशाला का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या 2022-23	2023-24	2024-25
1.	रक्त नमूनाकरण	124533	159865	176195
2.	हीमोग्राम	11175	12449	7091
3.	अस्थि मज्जा	4389	4541	6127
4.	परिधीय रक्त स्मीयर	4533	3252	3997
5.	सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन	6181	6134	7303
6.	मूत्र वैद्युतकणसंचलन	1669	505	1440
7.	इम्यूनोफिक्सेशन	4330	3693	4656
8.	एसएफएलसी	8167	10937	14549
9.	इम्युनोग्लोबुलिन	383	1117	1717
10.	बीटा 2 मैक्रोग्लोब्युलिन	1136	1305	1506
11.	कोशिका रसायन	949	1056	1127
12.	साइटोस्पिन/सीएसएफ	1870	2004	2528
13.	आणविक जीव विज्ञान	15775	9919	22677
14.	फ्लोसाइटोमेट्री	87402	60994	79633
15.	एचपीवी	2910	3042	3990
16.	कोशिका विज्ञान	530	548	1268

10.3_.indd 1203 1/7/2026 4:56:16 PM

17.	**बीएफपीईपी (शारीरिक द्रव प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन)**	-	-	08

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

2024-2025 के दौरान हमारे विभाग में उपचार किए गए रोगियों की संख्या

क्रम सं.		**2024-25**
1.	आंतरिक रोगी के रूप में उपचार किए गए रोगी	11842
2.	डे केयर सुविधा में उपचार किए गए रोगी	55828
3.	चिकित्सा प्रक्रियाएँ	6315
4.	बाह्य रोगी कीमोथेरेपी	7541
5.	बाह्य रोगी IV एंटीबायोटिक्स	28041
6.	हेमाटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण	100

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान (प्रयोगशाला) में रोगी उपचार सेवाएँ

क्रम सं.		**2024-25**
1.	फिलाडेल्फिया गुणसूत्र का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	367
2.	पी210 और पी190 का पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर सीएमएल में स्थानांतरण (मात्रात्मक)	890
3.	एमएनसी की गिनती	126
4.	स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन -80°सेल्सियस	104
5.	स्टेम कोशिकाओं का 4°C पर भंडारण	56
6.	स्टेम कोशिकाओं का संचार	109
7.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	89
8.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	1105

एफेरेसिस प्रयोगशाला (2022-23)

क्रम सं.		**2024-25**
1.	पीबीएससी की कटाई	133
2.	एसडीपी एफेरेसिस	1807

10.3_.indd 1204 1/7/2026 4:56:16 PM

3.	ग्रैनुलोसाइट एफेरेसिस	40
4.	हीमोग्राम	2933
5.	प्लाज्मा विनिमय	03

डॉ. अतुल बतरा (अपर आचार्य)

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	8000	9000	10000
विशेष क्लिनिक परामर्श	1500	2000	2500

डॉ. मयंक सिंह (अपर आचार्य)

(क) कैंसर रोगियों के लिए पीसीआर आधारित सेवाएँ (रियल टाइम पीसीआर) सीएमएल रोगियों के लिए बीसीआर एबीएल ट्रांसक्रिप्ट की मात्रा निर्धारित करना। (अनुमानित वार्षिक भार - लगभग 550)

डॉ. सम्पा घोष (वैज्ञानिक- II)

- चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग में फंगल संक्रमण का पता लगाने के लिए रोगी चिकित्सा सेवा की प्रभारी। एलिसा तकनीक द्वारा, हम इंडक्शन कीमोथेरेपी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के दौरान रोगियों में फंगल संक्रमण की निगरानी के लिए सीरम और ब्रोन्कोएल्वियोलर लैवेज (बीएएल) द्रव में गैलेक्टोमैनन एंटीजन की उपस्थिति का पता लगाते हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 1148 रोगियों के नमूनों (सीरम) का एस्परगिलस संक्रमण के लिए परीक्षण किया गया है।

डॉ. सुरेंद्र के. सहरावत (वैज्ञानिक- I)

1. 428 ल्यूकेमिया रोगियों के लिए पारंपरिक और आणविक कैंसर साइटोजेनेटिक।
2. 72 रोगियों के एफेर्सिस नमूनों में हेमाटोपोइएटिक स्टेम कोशिकाओं (सीडी34) की गणना

चिकित्सा भौतिकी

विकिरणित रक्त बैगों की संख्या	19025
एक्स-रे मशीनों पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किए गए	5672
एक्स-रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	1119
गर्भावस्था में अनजाने जोखिम के बारे में सलाह	02
विकिरण संरक्षण सर्वेक्षण माप	93
एम्स में लेड एप्रन पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किया गया	262
कुल	**26173**

निवारक अर्बुदविज्ञान

निवारक अर्बुदविज्ञान क्लीनिक अप्रैल 2022 में शुरू हुए

10.3_.indd 1205 1/7/2026 4:56:16 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
जांचे गए प्रतिभागियों की संख्या (मौखिक, स्तन और सर्वाइकल के कैंसर)	272	269	355
ईएचएस प्रतिभागियों का टीकाकरण	50	115	82
गैर ईएचएस प्रतिभागियों का टीकाकरण	0	255	373

सामुदायिक/आउटरीच सेवाएँ

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
स्क्रीनिंग शिविर	2	4	3
टीकाकरण शिविर	0	2	10
जागरूकता शिविर/वार्ता	10	18	42
प्रशिक्षण कार्यक्रम	5		2

विकिरण अर्बुदविज्ञान

क्रम सं.	विकिरण अर्बुदविज्ञान	संख्या
1	बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के कुल अंश	82082
2	ब्रैकीथेरेपी के कुल मामले	1049
3	उपचार योजना और सिमुलेशन	3881
4	2डी और 3डी वितरण	3616
5	प्रतिपूरक	352
6	परिरक्षण ब्लॉक, स्थिरीकरण उपकरण, सांचे	3124
7	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	14158
8	योजना सीटी	2571

रोगी उपचार ***(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)***

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श			
विशेष क्लिनिक परामर्श			
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं			

10.3_.indd 1206 1/7/2026 4:56:16 PM

कुल भर्ती रोगी			
प्रयोगशाला जांच			

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

प्रोफेसर सुमन भास्कर

- 23-25 मार्च 2025 तक कर्नाटक के मुंडगोड में 'पेशेंट केयर ट्रस्ट के 4 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर' में भाग लिया।
- मार्च 2025 में डीडी उर्दू हेल्थ टॉक शो।

प्रोफेसर सुभाष गुप्ता:

- 23-26 जुलाई 2024 तक सेरा जे मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बायलाकुप्पे, मैसूर-कर्नाटक में 'पेशेंट केयर ट्रस्ट के 4 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर' में भाग लिया।
- 23-25 मार्च 2025 तक कर्नाटक के मुंडगोड में 'पेशेंट केयर ट्रस्ट के 4 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर' में भाग लिया।

डॉ. अंजलि वी.आर.:

16 मार्च 2025 को डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स और अशोक मिशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कैंसर जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं:

1. आंतरिक रोगी बिस्तर 45 (भी.रा.अ.-सं.रो.कैं.अ.) और 64 (एनसीआई)
2. प्रमुख ऑपरेशन थिएटर - 4 (सं.रो.कैं.अ.) और 3 (एनसीआई)
3. एंडोस्कोपी और माइनर ओटी कॉम्प्लेक्स - सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई में प्रत्येक में 1
4. एमडीटी अंग आधारित विशेष क्लीनिक और ओपीडी (सं.रो.कैं.अ. और एनसीआई में 10-10)।

विशेष उन्नत अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम

1. रोबोटिक शल्य-चिकित्सा कार्यक्रम
2. ऑन्कोप्लास्टी और पुनर्निर्माण अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम
3. थोरैसिक अर्बुदविज्ञान क्लिनिक
4. यकृत-पित्त और अग्नाशय क्लिनिक
5. पेरिटोनियल सतह दुर्दमता और एचआईपीईसी कार्यक्रम।
6. न्यूनतम इनवेसिव शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम
7. कैंसर आनुवंशिकी और जोखिम कम करने वाली शल्य-चिकित्सा कार्यक्रम
8. प्रशामक शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम

10.3_.indd 1207 1/7/2026 4:56:16 PM

जनगणना (रोगी उपचार सेवाएँ)

मद	2023-2024		
	सं.रो.कैं.अ.	एनसीआई	कुल
ओपीडी परामर्श	28363	17254	45617
बड़ी शल्य-चिकित्सा की कुल संख्या	1523	1041	2564
एंडोस्कोपी और छोटी शल्य-चिकित्सा/प्रक्रियाओं की कुल संख्या	8215	2021	10236

नर्सिंग सेवाएं

1. निवारक अर्बुदविज्ञान क्लिनिक गतिविधियाँ

- नर्सों ने निवारक अर्बुदविज्ञान क्लीनिकों में सहयोग दिया और भाग लिया, तथा रोगियों को स्क्रीनिंग सेवाएं और परामर्श प्रदान किया।
- रोगी प्रवाह को सुव्यवस्थित करने में मदद की और स्क्रीनिंग परिणामों का संपूर्ण दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया।
- दो नर्सों को संकाय की देखरेख में अस्पतालों, स्कूलों और समुदाय में एचपीवी टीकाकरण, कैंसर स्क्रीनिंग और कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित करने के लिए निवारक अर्बुदविज्ञान क्लिनिक में तैनात किया गया है।

2. घाव और स्टोमा परिचर्या उपचार सेवाएँ

- घाव और स्टोमा परिचर्या उपचार सेवाएँ तीव्र, पुराने या जटिल घावों वाले रोगियों के साथ-साथ स्टोमा से पीड़ित रोगियों को विशेष सहायता प्रदान करती हैं। ये सेवाएँ व्यापक मूल्यांकन, व्यक्तिगत उपचार योजना, शिक्षा और निरंतर प्रबंधन पर केंद्रित हैं ताकि उपचार को बढ़ावा दिया जा सके, जटिलताओं को रोका जा सके और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। घाव उपचार नर्सें दबाव से होने वाली चोटों, मधुमेह के अल्सर, शल्य चिकित्सा के घावों आदि के लिए साक्ष्य-आधारित तकनीकों का उपयोग करती हैं, जबकि स्टोमा उपचार में शल्य चिकित्सा से पहले और बाद में सहायता, स्टोमा स्थल पर निशान लगाना, उपकरण लगाना, त्वचा की उपचार और रोगी परामर्श शामिल हैं।

वर्ष 2024 के लिए वार्षिक जनगणना- घाव एवं स्टोमा उपचार एकक

माह	क्षेत्र	स्टोमा	घाव	बिस्तर पर रहने से घाव	कुल
जनवरी	आईपीडी	99	112	21	232
	ओपीडी	17	113	01	131
फरवरी	आईपीडी	120	112	27	259
	ओपीडी	25	119	01	145

10.3_.indd 1208 1/7/2026 4:56:16 PM

माह	क्षेत्र	स्टोमा	घाव	बिस्तर पर रहने से घाव	कुल
मार्च	आईपीडी	118	139	23	280
	ओपीडी	22	122	00	144
अप्रैल	आईपीडी	71	74	58	203
	ओपीडी	15	78	03	96
मई	आईपीडी	90	49	17	156
	ओपीडी	21	75	01	97
जून	आईपीडी	96	84	03	183
	ओपीडी	23	81	00	104
जुलाई	आईपीडी	68	101	22	191
	ओपीडी	12	76	00	88
अगस्त	आईपीडी	59	80	25	164
	ओपीडी	10	71	00	81
सितम्बर	आईपीडी	71	74	42	187
	ओपीडी	17	79	02	98
अक्टूबर	आईपीडी	40	115	09	164
	ओपीडी	15	102	00	117
नवंबर	आईपीडी	54	134	16	204
	ओपीडी	10	120	00	130
दिसंबर	आईपीडी	55	108	23	186
	ओपीडी	14	75	00	89

जनवरी से दिसंबर 2024 तक कुल रोगी = 3955

3. संक्रमण नियंत्रण परिचर्या सेवाएं

- संक्रमण नियंत्रण परिचर्या सेवा विभाग, वर्ष भर जागरूकता पहलों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से रोगी सुरक्षा और संक्रमण की रोकथाम में सक्रिय रूप से योगदान देता है। स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें रोगी सुरक्षा जागरूकता सप्ताह (4-15 मार्च), विश्व

10.3_.indd 1209 1/7/2026 4:56:16 PM

स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल), विश्व हाथ स्वच्छता दिवस (5 मई), वैश्विक हाथ धुलाई दिवस (15 अक्टूबर), और विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (18-24 नवंबर) शामिल हैं। इन आयोजनों ने स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों और आम जनता को हाथ की स्वच्छता, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और सुरक्षित उपचार प्रथाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षित करने के लिए मंच प्रदान किए। इसके अलावा, संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने और एक स्वच्छ एवं सुरक्षित अस्पताल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल परिचारकों, सफाई कर्मचारियों और परिचर्या कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

स्टाफ उपचार सेवाएँ

- निवारक अर्बुदविज्ञान और शल्यक अर्बुदविज्ञान विभागों के साथ मिलकर सं.रो.कैं.अ. ओपीडी के कमरा नंबर 60 में सं.रो.कैं.अ. कर्मचारियों के लिए एक समर्पित कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। 30 महिला कर्मचारियों की स्तन कैंसर के लिए जांच की गई।
- कर्मचारियों के लिए शीघ्र पहचान और इंटरवेंशन सुनिश्चित करते हुए व्यापक स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग परीक्षण प्रदान की गई।
- निर्सिंग स्टाफ के लिए स्तन कैंसर जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- हर साल सितंबर माह में साइटोटॉक्सिक दवा सुरक्षा जागरूकता माह मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य खतरनाक दवाओं के सुरक्षित संचालन, दवा देने और निपटान पर ध्यान केंद्रित करना है।

समारोह और मान्यताएँ

नर्स दिवस समारोह

- 12 मई को, वर्ष 2023 और 2024 में परिचर्या स्टाफ के योगदान को सम्मानित करने और मान्यता देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया।
- आयोजित गतिविधियों में अनुकरणीय कर्मचारियों का सम्मान, अतिथि व्याख्यान, तथा परिचर्या उत्कृष्टता और टीम वर्क पर केंद्रित प्रेरक सत्र शामिल थे।

गुणवत्ता पहल

1. **कायाकल्प कार्यक्रम**
   - कायाकल्प कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया, जिसका उद्देश्य परिचर्या एककों में साफ-सफाई, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं को बढ़ावा देना है।
   - अनुपालन को मापने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए नियमित ऑडिट और मूल्यांकन किए गए।
2. **स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम**
   - स्वच्छता पखवाड़ा पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया, तथा कर्मचारियों, रोगियों और आगंतुकों के बीच सफाई और स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा दिया।

10.3_.indd 1210 1/7/2026 4:56:16 PM

- हर साल की तरह 1 से 15 अप्रैल तक वार्डों, रोगी प्रतीक्षा क्षेत्रों और अन्य सामान्य स्थानों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया।
- सं.रो.कैं.अ. के विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों, जिनमें एचए, एसए, परिचर्या स्टाफ, रेजिडेंट डॉक्टर और कार्यालय कर्मचारी शामिल हैं, के लिए पोस्टर

मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आपातकालीन तैयारियां

अग्नि मॉक ड्रिल

- अस्पताल प्रशासन और अग्निशमन विभाग के सहयोग से नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।
- इसका उद्देश्य परिचर्या स्टाफ के बीच आपातकालीन प्रतिक्रिया समय और प्रक्रियाओं का परीक्षण करना और उन्हें बढ़ाना था।
- अंतिम अग्नि मॉक ड्रिल 20 मार्च 2025 को रात 10 बजे शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वार्ड, पाँचवीं मंजिल पर आयोजित की गई थी। इस घटना की विस्तृत रिपोर्ट अस्पताल प्रशासन और अग्निशमन विभाग को प्रस्तुत की गई है।

8. निष्कर्ष

- नर्सिंग विभाग ने रोगी उपचार, सामुदायिक पहुँच और पेशेगत विकास में उत्कृष्टता के लिए अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। शैक्षिक कार्यक्रमों, गुणवत्तापूर्ण पहलों और नैदानिक सेवाओं में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, विभाग परिचर्या उपचार के उच्चतम मानकों को बनाए रखता है।

आहार विज्ञान एकक

अंत: रोगी सेवाएं

दिवस उपचार सेवा				
वितरित किए गए गुड डे बिस्कुट पैकेटों की संख्या	द्वितीय तल सं.रो.कैं.अ.	नया वैयक्तिक वार्ड	आरटीसीटी भूतल	कमरा नंबर 15, भूतल
2024	21456	10760	444	2220
जनवरी-अप्रैल 2025	6984	3880	582	2910

चिकित्सीय अंत: रोगी आहार परामर्श		
कुल आहार परामर्श की संख्या	2024	जनवरी-अप्रैल 2025
	581	55

10.3_.indd 1211 1/7/2026 4:56:16 PM

अंत:रोगी आहार परामर्श		
परामर्श समीक्षा की कुल संख्या	2024	जनवरी-अप्रैल 2025
	40	10

बाह्य रोगी सेवाएं

ओपीडी का समय और दिन: दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक, सोमवार से शुक्रवार

चिकित्सीय बाह्य रोगी आहार परामर्श		
कुल आहार परामर्श की संख्या	2024	जनवरी-अप्रैल 2025
	2569	449

डॉ. भी.रा.अ. सं.रो.कैं.अ. के आहार विज्ञान विभाग ने "कैंसर रोगियों के उपचार के लिए सुझाव" शीर्षक से अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में पुस्तिकाओं के रूप में शैक्षिक पठन सामग्री छापी है। ये पुस्तिकाएँ केंद्र में विभिन्न कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे सभी आंतरिक, बाह्य और डे-केयर रोगियों को वितरित की जाती हैं।

भौतिक चिकित्सा एकक

अंत: रोगी सेवाएं:

गहन चिकित्सा एकक (आईसीयू), शल्य-चिकित्सा वार्ड, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वार्ड, रेडियोथेरेपी वार्ड, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) एकक और प्रशामक उपचार एकक में भर्ती कैंसर रोगियों को फिजियोथेरेपी चिकित्सा प्रदान की जाती है। स्तन कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर, अस्थि और कोमल ऊतक सार्कोमा, तीव्र और जीर्ण माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल, सीएमएल), मल्टीपल मायलोमा, जठरांत्र और वक्ष कैंसर जैसी स्थितियों से पीड़ित रोगियों को दर्द निवारण, श्वसन सहायता, कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित विशेष फिजियोथेरेपी इंटरवेंशनों से लाभ होता है।

बाह्य रोगी सेवाएं:

बाह्य रोगी फिजियोथेरेपी उन रोगियों के लिए उपलब्ध है जिनका निदान कैल्शियम स्तन, कैल्शियम ग्रासनली, कैल्शियम जीभ, कैल्शियम बृहदान्त्र, कैल्शियम मलाशय, कैल्शियम पेट, कैल्शियम अग्न्याशय, कैल्शियम पित्ताशय, और वक्ष कैंसर जैसे रोगों के लिए किया गया है। फिजियोथेरेपी चिकित्सा अस्थि मेटास्टेसिस, मस्तिष्क ट्यूमर (एस्ट्रोसाइटोमा, ग्लियोब्लास्टोमा, ग्लियोमा), मेटास्टैटिक स्पाइनल कॉर्ड कम्प्रेशन, कशेरुकाओं के फ्रैक्चर, लिम्फोएडेमा आदि से पीड़ित रोगियों को भी प्रदान की जाती है। उपचार के तरीकों में वक्ष फिजियोथेरेपी, अंग फिजियोथेरेपी, चाल और संतुलन प्रशिक्षण, मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायाम, मैनुअल लिम्फैटिक ड्रेनेज, बहु-परत पट्टी, लिम्फैप्रेस मशीन का उपयोग और ऑर्थोटिक सपोर्ट और गतिशीलता सहायक उपकरण प्रदान करना शामिल है।

पुनर्वास एवं श्वसन उपचार:

शल्य-चिकित्सा के लिए निर्धारित रोगियों के लिए पुनर्वास पूर्व सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जिनमें शल्य-चिकित्सा के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए गहरी साँस लेने के व्यायाम, इंसेंटिव स्पाइरोमेट्री और चेस्ट फिजियोथेरेपी शामिल हैं। विभाग पुल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) भी करता है और शल्य-चिकित्सा से पहले और बाद में इष्टतम श्वसन क्रिया सुनिश्चित करने के लिए पीएफटी विश्लेषण के आधार पर व्यक्तिगत श्वसन उपचार योजनाएँ विकसित करता है।

10.3_.indd 1212 1/7/2026 4:56:16 PM

भौति चिकित्सा एकक कैंसर रोगियों के समग्र उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिसका उद्देश्य गतिशीलता बहाल करना, स्वास्थ्य लाभ में तेजी लाना तथा रोगी के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करना है।

रोगी आँकड़े

सं.रो.कैं.अ. के भौतिक चिकित्सा एकक ने लगातार अपनी पहुँच का विस्तार किया है और बाह्य एवं अंतःरोगी, दोनों ही प्रकार के रोगियों की बढ़ती संख्या को आवश्यक पुनर्वास चिकित्सा प्रदान की यह विभाग गहन चिकित्सा एकक, शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी एकक), प्रशामक उपचार एकक आदि सहित विभिन्न विशिष्ट एककों के रोगियों को उपचार प्रदान करता है।

निम्नलिखित तालिका पिछले तीन वर्षों में भौतिक चिकित्सा सेवाओं से लाभान्वित होने वाले रोगियों की संख्या का वर्षवार सारांश प्रस्तुत करती है:

सेवा क्षेत्र	2022-2023	2023-2024	2024-2025
बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी)	2947	2415	2317
गहन चिकित्सा एकक (आईसीयू)	1152	1145	1419
वार्ड (शल्य-शल्यक अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान, प्रशामक चिकित्सा एकक)	3978	4247	4272
कुल	8077	7807	8008

रोगियों की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष लगातार वृद्धि भौतिक चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग को दर्शाती है, साथ ही कैंसर रोगियों के कार्यात्मक सुधार और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली, बहु-विषयक उपचार प्रदान करने के लिए विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

समाज कल्याण चिकित्सा एकक

- **रोगी उपचार:**
  - 14 अप्रैल 2024 से आस्क सं.रो.कैं.अ. के रूप में विकेंद्रीकरण ने आयुष्मान भारत लाभार्थियों की संख्या में 182% की वृद्धि में योगदान दिया, जो वित्त वर्ष 23-24 में 2384 से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 6687 हो गई।
  - उत्तर भारत के 50 से अधिक जिलों और 07 नोडल केंद्रों के लगभग 125 से अधिक डॉक्टरों और नर्सों को कैंसर रोगी कल्याण सेवाओं पर उन्मुखीकरण।
- **आंकड़े 2024-25 एमएसडब्ल्यूयू सं.रो.कैं.अ**.

सं.रो.कैं.अ. में रोगी उपचार/चिकित्सा समाज कल्याण सेवाएं						
वर्ग	वित्त वर्ष 2022-2023		वित्त वर्ष 2023-24		वित्त वर्ष 2024-25	
	लाभार्थियों की संख्या	रु.	लाभार्थियों की संख्या	रु.	लाभार्थियों की संख्या	रु.

10.3_.indd 1213 1/7/2026 4:56:16 PM

सं.रो.कैं.अ. में रोगी उपचार/चिकित्सा समाज कल्याण सेवाएं						
एबी-पीएमजेएवाई	1752	*	2384	*	6687 (मार्च)	*
रिवाम्प रैन	24	23350000	35	38500000	63	77600000
एचएमडीजी	3	375000	--**	--	--**	--
पीपीएफ	219	2190000	204	2040000	97	97000
रेलवे रियायत	17794		20335		26524	एन एपीपी
छूट रिकॉर्ड	11030	15011645	11836	13825900	8957	20118924
आरटी शुल्क में छूट	85	63750	78	58500	71	53,250
वार्ड के रोगियों के लिए दवाइयां और शल्य चिकित्सा एल.पी.	246	*** दुकानों पर उपलब्ध	277	***	245	*** दुकानों पर उपलब्ध
रोगी का बिल	1135	90182391.72 ****	1080	2902617165 ****	1560	लागू नहीं
अमृत बिल	1442	432628655 ****	488	7325494.6 ****	4117	75167661
डाक	सुविधा प्रदान करना		सुविधा प्रदान करना		47 *****	5450000
वित्त वर्ष का कुल योग	32,946		36,717		41,681	

* आंशिक रूप से मूल्यांकन किया गया

** उच्च लागत अनुमान, राशि और समय की पाबंदी के कारण अन्य योजनाओं की तुलना में इस राशि को अधिक वरीयता दी जाती है

*** सं.रो.कैं.अ. स्टोर्स से एक्सेस किया जा सकता है

**** उल्लेख नहीं किया जा सकता

***** (डीएके की कुल स्वीकृतियां दें) (आवेदन तैयार किए गए लेकिन रोगियों ने सीधे प्रस्तुत किए)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

नैदानिक एवं इंटरवेंशनल अर्बुद-विकिरण विज्ञान

प्रोफेसर चंद्रशेखर एस.एच. ने लेजर पाउडर-बेड फ्यूजन तकनीक का उपयोग करके स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित ऑक्सेटिक वैस्कुलर स्टेंट के लिए ‹इनोवेशन आईआर› श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता: स्क्रैच से स्टेंट तक मेरी यात्रा!!! परकोच्चि में इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी का 25वां वार्षिक सम्मेलन। 6-9 फरवरी 2025. 29 अक्टूबर 2024 को मैसूर चिकित्सा कॉलेज के शताब्दी

10.3_.indd 1214 1/7/2026 4:56:17 PM

समारोह में "विशिष्ट सेवा पुरस्कार" से सम्मानित। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक संकाय थे।

डॉ. मुकेश कुमार को 2024-25 के लिए सोसाइटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी इंडिया के संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। वे 2024-25 के लिए दिल्ली आईएसवीआईआर के सचिव चुने गए।

डॉ. एकता धमीजा इंडियन जर्नल ऑफ ब्रेस्ट इमेजिंग की प्रधान संपादक (2024-2027) थी। इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के सह-संपादक। आईजेआरआई एडिटर्स रिव्यूअर अवार्ड 2023 - जनवरी 2025 में एओसीआर सम्मेलन में प्रदान किया गया। सदस्य - इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर), सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी (एसईआर), सोसाइटी ऑफ गायनेकोलॉजिकल इमेजिंग एंड इंटरवेंशन इंडिया (एसओजीआईआई), ब्रेस्ट इमेजिंग सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीआईएसआई), आईआरआईए, आईजीसीएस, आरएसएनए थे।

डॉ. कृतिका रंगराजन जर्नल "साइंटिफिक रिपोर्ट्स" की संपादक थी, जो नेचर समूह की पत्रिकाओं का एक हिस्सा है। "नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया" की कार्य समिति की सदस्य थी। पेरिस में भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त कार्य समूह की बैठक में स्वास्थ्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर भारत के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व किया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तकनीकी समिति की बैठक में डिजिटल स्वास्थ्य पर भारत के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व किया। जांचकर्ताओं के उस समूह का नेतृत्व किया जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा मंत्रालय द्वारा एम्स को "स्वास्थ्य में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र" का दर्जा दिया गया, साथ ही स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा "एआई में उत्कृष्टता केंद्र" में काम करने वाले समूह की सदस्य भी रहीं।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर रितु गुप्ता द्वारा नागपुर के होटल सेंटर पॉइंट में आयोजित "भारतीय रक्तविज्ञान एवं रक्त आधान सोसायटी (आईएसएचबीटी) के 65वें वार्षिक सम्मेलन" हेमेटोकॉन 2024 में "रोगजनन को उजागर करने के लिए टेम्पोरल प्रोग्रेशन और क्लोनल पदानुक्रमों की व्याख्या" विषय पर डॉ. मल्टी साठे व्याख्यान दिया गया। नेकर एनफैंट्स मालाडेस अस्पताल, जीएचयू-वेस्ट पेरिस में अतिथि वैज्ञानिक थी।

प्रोफेसर संजीव कुमार गुप्ता को श्रीलंका कॉलेज ऑफ हेमाटोलॉजिस्ट्स के 25वें वार्षिक शैक्षिक सत्र- हेम आइकॉन 2024, 27-28 सितंबर 2024, कोलंबो, श्रीलंका में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया। दक्षिण कोरिया के सियोल में कोरियन सोसाइटी ऑफ हेमाटोलॉजी, आईसीकेएसएच 2025 के 66वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आईसीकेएसएच पुरस्कार प्रदान किया गया। दक्षिण कोरिया के सियोल में कोरियन सोसाइटी ऑफ हेमाटोलॉजी, आईसीकेएसएच 2025 के 66वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए डीएसटी-एएनआरएफ यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ। 1 सितंबर 2024, एम्स, नई दिल्ली में डीएसएच वार्षिक बैठक में मौखिक पेपर सत्र के लिए जज के रूप में आमंत्रित "ड्राई टैप में मज्जा विकृति विज्ञान का रहस्य उजागर करना", 24 अगस्त 2024, (ख) "फ्लो साइटोमेट्री में पैटर्न आधारित दृष्टिकोण", 7 सितंबर 2024, (ग) "एएलएल- प्रबंधन पर एक अद्यतन", 9 मार्च 2025, (घ) "रिलैप्स्ड रिफ्रैक्टरी मल्टीपल मायलोमा", 16 मार्च 2025।

प्रोफेसर अनीता चोपड़ा चौथा एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस, 2025 में उपस्थित रहीं मेरला एसवी, सिंह जे, बेंजामिन एम, पलानीचामी जेके, बख्शी एस, चोपड़ा ए.बी-एएलएल में पेक्स5-संचालित उपप्रकारों को समझना: एक व्यापक विश्लेषण। मंच प्रस्तुति-स्नातक (एफप्रथम पुरस्कार) आईएमएसए की फैलोशिप थी।

10.3_.indd 1215 1/7/2026 4:56:17 PM

प्रोफेसर प्रणय तंवर ने ग्लोबल ब्रेस्ट कैंसर कॉन्फ्रेंस ने भारतीय रोगियों में ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन के उत्परिवर्तन प्रोफाइल के लिए जीबीसीसी छात्रवृत्ति प्राप्त किया। जीबीसीसी 2024 25-27 अप्रैल 2025, 2025 जापानीज सोसाइटी ऑफ मेडिकल ओंकोलॉजी की वार्षिक बैठक जापानीज सोसाइटी ऑफ मेडिकल ओंकोलॉजी की वार्षिक बैठक 6-8 मार्च 2025 को ओसाका, जापान में आयोजित की गई, जिसमें यात्रा पुरस्कार शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की फ़ेलोशिप प्रदान की गई, 14 से 15 सितंबर 2024 के बीच वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित भारतीय कोशिका विज्ञानी अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र/शिक्षक कार्यशाला की अध्यक्षता की। 30 और 31 अगस्त 2024 को कॉन्फ्रेंस हॉल, पाँचवीं मंजिल, एनसीवीबीडीसी भवन, एनसीडीसी परिसर, 22 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइंस, नई दिल्ली में आयोजित अंगदान और प्रत्यारोपण पर चिटिन शिविर में अंगदान के भविष्य पर चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। 30 जनवरी 2025 को एम्स अनुसंधान दिवस समारोह में भारतीय आबादी में स्तन कैंसर में ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा हॉटस्पॉट म्यूटेशन के सत्यापन और संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण द्वारा पीआईके3सीए के नए रूपों की पहचान शीर्षक से प्रकाशित पांडुलिपि के लिए एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता प्रमाणपत्र पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर अमर रंजन ने डिम्बग्रंथि कैंसर के उपचार में कीमोथेरेपी-प्रेरित न्यूरोटॉक्सिसिटी के एटियलॉजी का पता लगाया, 29 मई-02 जून, 2024, जापानीज़ सोसाइटी ऑफ़ न्यूरोपैथी का वार्षिक सम्मेलन, टोक्यो। छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया। जयशिमन वी, एमबीबीएस, रोल नंबर 3745, 8वां सेमेस्टर, स्कॉलर्स के लिए खुराना कार्यक्रम 2024, इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, डीबीटी। सायक बिस्वास, रोल नंबर 3725, 6वां सेमेस्टर, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, यूएसए में रिसर्च इलेक्टिव (6 सप्ताह), 1 जुलाई-15 अगस्त 2024, हृद विकृति विज्ञान। सोएब आफताब, रोल 3734, 6वां सेमेस्टर, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, यूएसए में रिसर्च इलेक्टिव (6 सप्ताह), 1 जुलाई-15 अगस्त 2024, तंत्रिका विकिरण विज्ञान।

डॉ. दीपशी ठकराल ने 31 जनवरी से 2 फ़रवरी 2025 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित इम्यूनो ओंकोलॉजी सोसाइटी ऑफ़ इंडिया के छठे वार्षिक सम्मेलन, आई-ओएसआईसीओएन 2025 में मौखिक प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार जीता। 24-26 मार्च को आयोजित उद्घाटन सम्मेलन, ईवीओएनवीई 2025, जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली की आयोजन समिति की सदस्य थी। इंडियन सोसाइटी फॉर एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (आईएनएसईवी) द्वारा आयोजित "एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स के पृथक्करण और लक्षण वर्णन पर व्यापक व्यावहारिक कार्यशाला" की कार्यशाला समन्वयक थी।

डॉ. न्गांग्योला तुइखर प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान के एनएबीएल (राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड) प्रमाणन के लिए गुणवत्ता प्रबंधक नियुक्त किया गया, जिसमें नीति निर्माण, समन्वय और नीतियों का कार्यान्वयन शामिल है। अपनी प्रक्रियाओं को आईएसओ 15189:2022 मानक दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाकर, हमारा लक्ष्य सटीक और विश्वसनीय रोगी उपचार सेवाएँ प्रदान करना है। एनएबीएल प्रमाणन न केवल हमारी मौजूदा प्रथाओं को मान्यता प्रदान करेगा, बल्कि विभाग में निरंतर सुधार और उत्कृष्टता को भी बढ़ावा देगा।

सरोज सिंह- मुख्य तकनीकी अधिकारी 31 जनवरी से 2 फ़रवरी 2025 तक जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित रूधिरविज्ञान प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी तकनीक पर सीएमई के लिए राष्ट्रीय हेमटोलॉजी अपडेट-XIII में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित की गई। एनएमएलपीडब्ल्यू-2024 की आयोजन अध्यक्ष थी। आईसीएमएलएस-2024 के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन थी आयोजन अध्यक्ष।

10.3_.indd 1216 1/7/2026 4:56:17 PM

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर समीर बख्शी को बच्चों में रक्त संबंधी स्थितियों और कैंसर के अनुसंधान और उपचार की दिशा में कार्य करने तथा वर्ष 2024 में पीएचओसीओएन द्वारा अनुकरणीय योगदान के लिए आर.वी. लोकेश्वर मेमोरियल ओरेशन पुरस्कार प्रदान किया गया। फेफड़ों के कैंसर में 8वीं वार्षिक वर्ष-अंत समीक्षा, 4वां कैंसर अनुसंधान और सांख्यिकी फाउंडेशन व्याख्यान 2024।

प्रोफेसर अजय गोगिया के फैलोशिप फुलब्राइट-नेहरू अकादमिक और पेशेवर उत्कृष्टता फ़ेलोशिप (2024-2025) प्राप्त हुई। मेडोज़ राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 (चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान) पुरस्कार प्रदान किया गया। स्तन कैंसर उपचार उत्कृष्टता 2025 के लिए कैंसर शिखर सम्मेलन 2025 पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. अतुल बतरा युवा अन्वेषक पुरस्कार 2025, जीबीसीसी, सियोल, दक्षिण कोरिया प्राप्त हुआ। अंतर्राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार, एएससीओ 2025 प्राप्त हुआ

डॉ. राजा प्रमाणिक को अंतर्राष्ट्रीय स्त्री रोग कैंसर सोसाइटी (आईजीसीएस) के तत्वावधान में इंडोनेशियाई स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान ईसीएचओ-ट्यूमर बोर्ड में भाग लेने के लिए एक विशेषज्ञ चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। एनसीआई-एम्स, झज्जर स्थित सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) में एक स्टार्टअप को डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए एक कम लागत वाली अकादमिक एचडीआर परख विकसित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। सामुदायिक सेवा: एम्स, नई दिल्ली के डॉक्टरों की टीम के एक सदस्य के रूप में, 25-28 जुलाई 2024 को कर्नाटक के कुर्ग के बायलाकुप्पे में पेशेंट केयर ट्रस्ट (पीसीटी) द्वारा तिब्बती शरणार्थियों के लिए आयोजित चिकित्सा शिविर में योगदान दिया।

डॉ. चंद्रप्रकाश प्रसाद को कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के जैव संसाधन विभाग द्वारा ‹सम्मान पुरस्कार› - अक्टूबर 2024 प्रदान किया गया। ग्लोबल ब्रेस्ट कैंसर कॉन्फ्रेंस कंसोर्टियम, दक्षिण कोरिया द्वारा “जीबीसीसी छात्रवृत्ति पुरस्कार-2025” प्रदान किया गया - मार्च 2025। सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, भारत (संख्या 4784) की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई; सदस्यता संख्या 4784; 2024 से आगे। सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलॉजी (एसएफई-इंडिया) आजीवन सदस्य; सदस्यता संख्या एसएफई/24/I-3007; 2024 से आगे। रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी (आरएसबी), लंदन की सदस्य चुने गए; सदस्यता संख्या पीओ157916; अक्टूबर 2024 से आगे

डॉ. थौडम देबराज सिंह ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार दक्षिण कोरिया के सियोल में कोरियाई कैंसर एसोसिएशन की 50वीं वार्षिक बैठक 2024/10वें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कार पर कोरियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल ऑंकोलॉजी की 17वीं वार्षिक बैठक और 2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (केएसएमओ 2024) प्राप्त किया। 30 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग द्वारा आयोजित चौथे शोध दिवस पर, 2024 के लिए मूल विज्ञान में एम्स सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) प्रदान किया गया। राष्ट्रीय निकायों में समीक्षा समितियाँ: विशेषज्ञ परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी): नैनोटेक्नोलॉजी/नैनोमेडिसिन (आईसीएमआर)। विशिष्ट विशेषज्ञ समिति (पीआरसी): स्वास्थ्य विज्ञान, (एएनआरएफ)।

डॉ. मयंक सिंह ने पीएमएफजी शिखर सम्मेलन आयोजन समिति सिड्रा मेडिसिन से प्रेसिजन मेडिसिन और फ्यूचर ऑफ जीनोमिक्स (पीएमएफजी) 2024 शिखर सम्मेलन यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया ताकि

10.3_.indd 1217 1/7/2026 4:56:17 PM

सिड्रा मेडिसिन दोहा कतर में पीएमएफजी शिखर सम्मेलन 2024 में एक व्याख्यान दिया जा सके।30 जनवरी 2024 को एम्स के चौथे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।रॉटरडैम में ईएसीआर 2024 कांग्रेस में भाग लेने के लिए पीएचडी छात्र द्वारा आईसीएमआर-अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया। सैनडिगो, कैलिफोर्निया में एएसीआर 2024 कांग्रेस में भाग लेने के लिए पोस्ट डॉक्टरेट फेलो द्वारा डीएसटी-एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योजना, एम्स यात्रा अनुदान प्राप्त किया। एसोसिएशन ऑफ डाइग्नोस्टिक बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआईसीओएन 2024) के 50वें वार्षिक सम्मेलन में 2024 में पीएचडी स्कॉलर द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए सीता देवी पुरस्कार प्राप्त किया। शिकागो इलिनोइ, यूएसए में एएसीआर 2025 कांग्रेस में भाग लेने के लिए पीएचडी छात्र द्वारा एम्स यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया। शिकागो इलिनोइस, यूएसए में एएसीआर 2025 कांग्रेस में भाग लेने के लिए पोस्ट डॉक्टरेट फेलो द्वारा आईसीएमआर-अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया

डॉ. बबीता कटारिया ईएसएमओ-आईसीएफ नैदानिक एकक विजिट फेलोशिप 2024- यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ लंदन के कॉम्प्रिहेंसिव डाइग्नेस्टिक ट्रायल्स यूनिट में इंटरनेशनल कैंसर फ़ाउंडेशन के नैदानिक एकक विज़िट प्रोग्राम के लिए फ़ेलो के रूप में चयनित हुई। 8वीं विश्व कैंसर कांग्रेस, नई दिल्ली, भारत (मार्च 2024) में "ओलंज़ापाइन से कीमोथेरेपी पर मेटास्टेटिक सॉलिड कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार: चरण II यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण" विषय पर सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए डॉ. एडवर्ड कैनेडी मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त हुआ। ईएसएमओ वर्चुअल मेंटरशिप प्रोग्राम 2024-2025 - कार्यक्रम के लिए मेंटीज़ में से एक के रूप में चयनित की गई। सन फार्मा नैदानिक रिसर्च फ़ेलोशिप 2025 - "स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल कैंसर में एक रोगसूचक और भविष्यसूचक बायोमार्कर के रूप में एचपीवीसीटीडीएनए की भूमिका" नामक शोध परियोजना के समर्थन हेतु फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त किया। युवा अन्वेषक यात्रा अनुदान - जीसीआईसी सीसीसीसी-सीआर, स्त्री रोग कैंसर इंटर ग्रुप, प्रथम सर्वाइकल कैंसर सहमति सम्मेलन- नैदानिक रिसर्च। सहमति वक्तव्यों के प्रारूपण और पांडुलिपि लेखन में सक्रिय रूप से भाग लिया। जीसीआईजी स्प्रिंग मीटिंग 2024 में नैदानिक रिसर्च में समानता, विविधता और समावेशन पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।

डॉ. अपर्णा शर्मा इइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑन लंग कैंसर (आईएएसएलसी) / एलसीएफए / बीएमएस डिपैरिटीज इन नैदानिक अर्बुदविज्ञान रिसर्च ग्रांट 2023, "भारत में युवा अवस्था वाले फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा का व्यापक जीनोमिक लक्षण वर्णन (योला-I अध्ययन)" नामक परियोजना के लिए। डब्ल्यूसीएलसी 2024 सैन डिएगो में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) की दुर्लभ ट्यूमर समिति और थाइमिक ट्यूमर उपसमिति के सदस्य के रूप में कार्यकाल 2023 से शुरू होने वाले दो वर्ष के कार्यकाल के लिए बढ़ाया गया।एएससीओ वार्षिक बैठक 2024 में एएससीओ आईडिया पुरस्कार प्राप्त किया और 5-8 जून 2024 तक जीयू ऑंकोलॉजी ऑफ लंक सेंटर के संरक्षक संस्थान डाना फार्बर कैंसर इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड, बोस्टन का दौरा किया।

चिकित्सा भौतिकी

प्रोफेसर प्रतीक कुमार लघु व्यवसाय नवाचार अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) कार्यक्रम के तहत तिरुवनंतपुरम में सीटी के लिए कंट्रास्ट डाई विकसित करने की परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा गठित साइट विजिट पैनल के सदस्य हैं; अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) समन्वित परियोजना "फ्लोरोस्कोपिक रूप से निर्देशित हस्तक्षेप प्रक्रियाओं से रोगी खुराक और ऊतक प्रतिक्रियाओं का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन" के भारतीय भाग के लिए प्रधान अन्वेषक; शोभित इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ में शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए मेडिकल फिजिक्सपैनल के विशेषज्ञ; आईएनएमएएस, डीआरडीओ, नई

10.3_.indd 1218 1/7/2026 4:56:17 PM

दिल्ली में डीआरडीओ जेआरएफ (भौतिकी) के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; विकिरण मापन (एल्सेवियर), विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान (एल्सेवियर), अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार (एल्सेवियर) और जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स को प्रस्तुत पांडुलिपि के लिए समीक्षक; इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा गठित परियोजना समीक्षा और संचालन समूह के सदस्य हैं, अनुप्रयुक्त माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और अनुसंधान सोसायटी (एसएएमईईआर), आईआईटी, पवई, मुंबई द्वारा रक्त विकिरणक के विकास को संचालित करने के लिए; जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक भागीदारी कार्यक्रम (बीआईपीपी), लघु व्यवसाय नवाचार अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) और उद्यम में अकादमिक अनुसंधान रूपांतरण को बढ़ावा देने (पीएसीई) कार्यक्रमों के तहत बीआईआरएसी, डीबीटी को वित्त पोषण के लिए प्रस्तुत परियोजनाओं के लिए समीक्षक थे; विकिरण मापन (एल्सेवियर), विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान (एल्सेवियर), अकार्बनिक रसायन संचार (एल्सेवियर) और जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स को प्रस्तुत पांडुलिपि के लिए समीक्षक थे; परीक्षक, बैचलर ऑफ मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, एसवीएमएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी में एमएससी, जीटीबी अस्पताल, नई दिल्ली; आईजीआईएमएस, पटना में बीएससी रेडियोग्राफी टेक्नोलॉजी के लिए प्रश्न सेट (i) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) (ii) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स (जेएमपी) (iii) संस्थापक संपादक, मेडिकल फिजिक्स गजट, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिक्सऑफ इंडिया (एएमपीआई) का समाचार पत्र (iv) सदस्य, इलेक्ट्रोचिकित्सा एंड नैदानिक इमेजिंग एंड रेडियोथेरेपी इक्विपमेंट सेक्शनल कमेटी, एमएचडी-15, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली थे ।

डॉ राज किशोर बिष्ट सत्र 2024-2027 के लिए एएमपीआईएनसी के उपाध्यक्ष थे। 13-14 अप्रैल 2024 के दौरान राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र रोहिणी दिल्ली में एएमपीआई-एनसी के 2024 के वार्षिक सम्मेलन में एक पैनेलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। 29 अप्रैल 2024 से आज तक एम्स-सीएपीएफआईएमएस के लिए आरएसओ थे। एईआरबी से संबंधित अनुमोदन और एम्स-सीएपीएफआईएमएस के कार्यों को देखने के लिए समिति के सदस्य थे। एम्स के नाभिकीय चिकित्सा विभाग में नए साइक्लोट्रॉन की स्थापना के लिए गठित सलाहकार समिति के लिए आमंत्रित किया गया। डेटा संग्रह के लिए संपर्क कर्मी: मेडिकल फिजिक्स एकक डॉ बीआरएसं.रो.कैं.अ. 21 अक्टूबर 2024। 22-23 अगस्त 2024 के दौरान अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) प्रमाणित दो दिवसीय बेसिक लाइफ सपोर्ट और एडवांस कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट (बीएलएस & एसीएलएस) पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण पूरा किया। 1 अगस्त 2023 को "विकिरण डोसिमेट्री के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के साथ जेल बोलस और रोगी-विशिष्ट फैंटम का विकास" पर विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग के श्री आशीष बिंजोला के सह-गाइड। 19 नवंबर 2024 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में मेडिकल फिजिक्सकी भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य रहे। 1 और 3 वर्ष के लिए बीएससी चिकित्सा रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी के लिए पेपर सेटर, पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज रोहतक, नवंबर 2024। 26 दिसंबर 2024 को पीजीआईएमएस रोहतक में बीएससी रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी के पहले और तीसरे वर्ष के व्यावहारिक/मौखिक परीक्षा के परीक्षक रहे। 28 जनवरी 2025 को पंडित बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक में फिजिस्ट भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ/सदस्य चयन समिति रहे। उन्होंने अस्पतालों के लिए एन ए बी एच के छठे संस्करण मानकों को लागू करने संबंधी 3 दिन के कार्यक्रम में भाग लिया, 16-18 जनवरी 2025

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

प्रोफेसर सीमा मिश्रा अध्यक्ष, आईएपीसी कैंसर दर्द उपचार में समग्र दृष्टिकोण, 28-29 अप्रैल 2024,एम्स-एनएएमएस दिल्ली थी। अध्यक्ष: मौखिक पेपर प्रस्तुति, आईएपीसीओएन 2025, 31 जनवरी 2025,जम्मू एम्स.अध्यक्ष: सत्र "आईसीयू में पुल्मोनरी रोगियों में महत्वपूर्ण उपचार प्रबंधन, पल्मोक्रिट 2025, 22 मार्च

10.3_.indd 1219 1/7/2026 4:56:17 PM

2025,एम्स, नई दिल्ली।दिल्ली आईएपीसी सिमुलेशन इन पैलिएटिव केयर इमरजेंसीज की 10वीं सीएमई की अध्यक्ष, 29 मार्च 2025,सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली थी।

प्रोफेसर राकेश गर्ग आयोजन समिति के सदस्य, एम्स-एनएएमएस संयुक्त सीएमई कैंसर दर्द पर संयुक्त सीएमई: समग्र प्रबंधन, 28 अप्रैल 2024, नई दिल्ली थे। कार्यशाला समन्वयक - गंभीर रूप से बीमार रोगियों में वायुमार्ग उपचार यूरोएशिया 2024, ईएसआईसीएम और आईएससीसीएम द्वारा आयोजित, 20-23 जून 2024, बेंगलुरु थे। निर्णायक: मौखिक पोडियम प्रस्तुतियाँ,सोसाइटी ऑफ अर्बुद-संवेदनाहरण एंड पेरिऑपरेटिव केयर का 6वां वार्षिक सम्मेलन, 2-4 अगस्त 2024, बेंगलुरु।कार्यशाला निदेशक - अनुसंधान पद्धति,इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 5वां अंतर्राष्ट्रीय और 15वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-15 सितंबर 2024, लखनऊ, लखनऊ।कार्यशाला निदेशक (अनुसंधान पद्धति एवं प्रकाशन), इंडियन एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सोसायटी का 71वां वार्षिक सम्मेलन, 20-24 नवंबर 2024, पटना थे। जज:डॉ. टीएन झा और डॉ. केपी चंसोरिया मेमोरियल राष्ट्रीय चिकित्सा और यात्रा अनुदान; इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 71वां वार्षिक सम्मेलन, 20-24 नवंबर 2024, पटना। जज: आईएसए लुधियाना सर्वश्रेष्ठ पोस्टर राष्ट्रीय पुरस्कार और यात्रा अनुदान; इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 71वां वार्षिक सम्मेलन, 20-24 नवंबर 2024, पटना। जज :आईएसएच नारानी को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर राष्ट्रीय पुरस्कार, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 71वां वार्षिक सम्मेलन, 20-24 नवंबर 2024, पटना थे।

डॉ. ब्रजेश कुमार रात्रे अध्यक्ष: भविष्य के उपचार को आकार देना: लोकल एनेस्थीसिया, हिमाचल प्रदेश - राज्य एनेस्थीसिया सम्मेलन 2025, 30-31 मार्च 2025, नाहन, हिमाचल प्रदेश पाठ्यक्रम समन्वयक, सीसीपीसीपी, आईएपीसी, 2 सितंबर 2024, ऑनलाइन थे। निर्णायक: प्रतियोगी पेपर प्रस्तुति, दिल्ली आईएसएकॉन, 27-29 सितंबर 2024, नई दिल्ली थे। पाठ्यक्रम समन्वयक, एफसीपीसीपी, आईएपीसी, 29 मार्च 2025, ऑनलाइन थे।

निवारक अर्बुदविज्ञान

डॉ. पल्लवी शुक्ला आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के मूल्यांकन हेतु नीति आयोग के डीएमईओ द्वारा नामित समीक्षा समिति की सदस्य रहीं। दिल्ली राज्य के लिए कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के टास्क फोर्स की सदस्य रहीं। एम्स, नई दिल्ली के आवास आवंटन एवं सलाहकार समिति की नामित सदस्य रहीं।सर्वश्रेष्ठ ई पोस्टर- स्वास्थ्य प्रणाली पर सत्र-2024 में 51वां वार्षिक आईएपीएसएम सम्मेलन प्राप्त हुआ।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर सुभाष गुप्ता राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड के विकिरण अर्बुदविज्ञान विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य नियुक्त किए गए। दलाई लामा पेशेंट केयर ट्रस्ट फाउंडेशन द्वारा मान्यता पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर हरेश केपी भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली के अर्बुदविज्ञान में परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य थे। प्रोस्टेट कैंसर में एरानोट अध्ययन-डारोलुटामाइड के लिए अंतर्राष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य थे। प्रोस्टेट कैंसर में डारोलुटामाइड के अंतर्राष्ट्रीय एरानोट अध्ययन के लिए भारत के प्रमुख प्रधान अन्वेषक थे। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी के लिए डीएनबी ओएससीई के समन्वयक और विशेषज्ञ रहे। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी में डीएनबी व्यावहारिक परीक्षा के लिए समन्वयक रहे। दिसंबर 2024 में डीएनबी/डीआरएनबी/एफएनबी कार्यक्रम चलाने के लिए मेट्रो अस्पताल और कैंसर संस्थान, प्रीत विहार में विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए एनबीईएमएस मूल्यांकनकर्ता के रूप में नियुक्त किए गए।

10.3_.indd 1220 1/7/2026 4:56:17 PM

प्रोफेसर अहिताग्नि बिस्वास युवा भारतीय बायोचिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए 2023-24 के लिए आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फ़ेलोशिप प्राप्त हुई, प्रोटॉन थेरेपी सेंटर, नैदानिक अर्बुदविज्ञान विभाग, द क्रिस्टी अस्पताल, मैनचेस्टर, यूके में 2 अक्टूबर 2024 से 12 महीने के लिए। अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियाँ: 2024-25 में पीयूबीएमईडी-इंडेक्स्ड जर्नल्स के लिए 4 पांडुलिपियों की समकक्ष समीक्षा की। अक्टूबर 2024 में एफआरसीसीआर2बी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम (द क्रिस्टी स्कूल ऑफ़ अर्बुदविज्ञान, मैनचेस्टर, यूके) में परीक्षक रही।

डॉ. सुब्रमणि वी अप्रैल 2024 में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया (एएमपीआई) के उपाध्यक्ष चुने गए। अक्टूबर 2024 में एशिया-ओशिनिया फेडरेशन ऑफ ऑर्गनाइजेशन फॉर मेडिकल फिजिक्स (एएफओएमपी) की प्रकाशन समिति के अध्यक्ष मनोनीत किए गए। 20 नवंबर 2024 को विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग के लिए मेडिकल फिजिसिस्टके चयन के लिए एम्स, बीबीनगर, तेलंगाना की विशेषज्ञ सदस्य चयन समिति थे। डॉ. बीआरए सं.रो.कैं.अ., एम्स दिल्ली में हमारे विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग के लिए दो उच्च ऊर्जा रैखिक त्वरक के लिए तकनीकी विनिर्देश विकसित किए। तकनीकी विनिर्देश विकसित किए और विकिरण अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम की स्थापना की। अन्य एम्स अस्पताल, मेसर्स एचएलएल, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार। इस अवधि के दौरान, संस्थान एम्स दिल्ली की दो विकिरण सुरक्षा समिति (आरएससी) की बैठकों का आयोजन आरएससी के सदस्य-सचिव के रूप में किया। क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड यूनिवर्सिटी), चेन्नई में पीएचडी स्कॉलर श्री एम. ससिंद्रन के लिए बाह्य डॉक्टरल समिति के सदस्य, फरवरी 2025 थे। सुश्री गौरी बी की पीएचडी मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक, 20 नवंबर 2024 को ऑनलाइन, वीआईटी, वेल्लोर, चेन्नई थे।

डॉ. गोपीशंकर एन को वर्ष 2024-2025 के लिए डीएचआर-आईसीएमआर अल्पकालिक अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान की गई। 29 और 30 जनवरी 2025 को आयोजित चौथे एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में प्रथम पुरस्कार जीता (नवीन उपकरण श्रेणी)। 30 जनवरी 2024 को आयोजित तीसरे एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में तृतीय पुरस्कार जीता (नवीन उपकरण श्रेणी)। रेडियोलॉजिकल फिजिक्स एंड टेक्नोलॉजी जर्नल (आरपीटीई) में मेडिकल फिजिक्स और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार उपसमिति के सदस्य थे। जापानीज सोसाइटी ऑफ मेडिकल फिजिक्स (जेएसएमपी) और एशिया-ओशिनिया फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनाइजेशन फॉर मेडिकल फिजिक्स(एएफओएमपी) का आधिकारिक जर्नल। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर मेडिकल फिजिक्ससे संबद्ध एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्टऑफ इंडिया (एएमपीआई) के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुने गए। आईपीआर, नई दिल्ली द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया - भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201811037535 आईपीआर, नई दिल्ली में पेटेंट दायर - भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या: 202111061290 “स्त्री रोग संबंधी कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के लिए 3डी प्रिंटेड पेरिनियल इम्प्लांट टेम्पलेट”। आईपीआर, नई दिल्ली में अनंतिम पेटेंट फाइल - भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या: 202411087999 “विकिरण-चिकित्सा के लिए त्रि-आयामी बेहतर इंसर्ट”। एम्स-सीएपीएफआईएमएस, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली, भारत के लिए एईआरबी संबंधित गतिविधियों के लिए सदस्य सचिव थे। एम्स, रेवाड़ी, हरियाणा, भारत के लिए एईआरबी संबंधित गतिविधियों के लिए सदस्य सचिव थे। “साइंटिफिक रिपोर्ट्स” (नेचर पोर्टफोलियो जर्नल) के वैज्ञानिक समीक्षक रहे।

डॉ. धनबलन राजशेखरन ने हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित एसोसिएशन ऑफ चिकित्सा फिजिसिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमपीआईसीओएन - 2024) के 45वें वार्षिक सम्मेलन में “विकिरण अर्बुदविज्ञान भौतिकी” शीर्षक से एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. अंजलि वी.आर. को विशेषज्ञों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समीक्षा के बाद यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल द्वारा यूआईसीसी तकनीकी फ़ेलोशिप प्रदान की गई। यह फ़ेलोशिप अंजलि वी. रामदुलारी को

10.3_.indd 1221 1/7/2026 4:56:17 PM

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी के बफ़ेलो यूनिवर्सिटी के रोसवेल पार्क कैंसर इंस्टीट्यूट में 41 दिनों की अवधि के लिए वयस्क और बाल चिकित्सा मस्तिष्क ट्यूमर में सटीक रेडियोथेरेपी पर फ़ेलोशिप के लिए सक्षम बनाने के लिए थी। उन्होंने एक पैनल की अध्यक्षता की: बहु-विषयक ढाँचे में ओलिगोमेटास्टैटिक जीआई कैंसर। प्रथम जीआईओएस सम्मेलन: विषय: क्षितिजों को जोड़ना: ऊपरी जठरांत्रीय और यकृत अग्नाशयी पित्त संबंधी दुर्दमताओं के लिए एकीकृत दृष्टिकोण। रेडियोथेरेपी एवं अर्बुदविज्ञान विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, भारत द्वारा आयोजित की गई।

डॉ. अभिषेक शंकर अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अध्यक्ष, तीसरा आईजीसीएस आईजीसीएएन कैंसर सर्वाइवर्स - केयरगिवर्स कांग्रेस, 15 अक्टूबर 2024। सह-अध्यक्ष - ईडीआई अनुदान, आईजीसीएस आईजीसीएएन थे। सह-अध्यक्ष, आईजीसीएस, आईजीसीएएन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वकालत पुरस्कार। एशियन पेसिफिक आर्गनाइजेशन फॉर कैंसर प्रिवेंशन (एपीओसीपी) के महासचिव रहे। एशियन पेसिफिक आर्गनाइजेशन फॉर कैंसर प्रिवेंशन के 12वें महासभा और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक अध्यक्ष रहे। 18-21 सितंबर 2024, बिश्केक, किर्गिस्तान। विश्व फेफड़े के कैंसर सम्मेलन (डब्ल्यूसीएलसी) 2024 के जोखिम कारक, जोखिम निवारण और तंबाकू नियंत्रण पर कार्यक्रम समिति के सदस्य थे। 6-10 सितंबर 2024, सैन डिएगो, यूएसए। 50वां आईएएसएलसी विश्व फेफड़े के कैंसर सम्मेलन (डब्ल्यूसीएलसीराष्ट्रीय - पंजाब राज्य अर्बुदविज्ञान विशेषज्ञ समिति के सदस्य और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पंजाब सरकार द्वारा पंजाब में कैंसर उपचार मार्गों की स्थापना पर गठित संचालन समिति के सदस्य थे। 4 फ़रवरी 2025 को विश्व कैंसर दिवस कार्यक्रम के आयोजन का नेतृत्व, डॉ. रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, दिल्ली। 28वें एनएजेड़आईओआई 2024, 19-20 अक्टूबर 2024 को गुड़गांव, भारत में ओलिगो-मेटास्टेटिक रोग की समझ पर एक सत्र की अध्यक्षता की। पुरस्कार: यूआईसीसी आईसीआरईटीटी फ़ेलोशिप: कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, अमेरिका, "लिक्विड बायोप्सी के माध्यम से पॉइंट-ऑफ़-केयर डिवाइस के विकास के माध्यम से भारत में प्राथमिक उपचार केंद्रों में फेफड़ों के कैंसर की जांच को सशक्त बनाना" विषय पर। 17 जून 2024 से 14 जुलाई 2024 तक प्राप्त हुआ।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

डॉ. आशुतोष मिश्रा- ईवाईएसएसी यूरोपियन सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी के राष्ट्रीय प्रतिनिधि चुने गए। सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी, यूएसए की वैज्ञानिक समिति के सदस्य नियुक्त किए गए। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी (2024-2025) के संपादकीय सचिव चुने गए। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी (2024-2025) के डिजिटल सचिव चुने गए। एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया के शिक्षा निदेशक चुने गए। ओंकोलॉजी फोरम, दिल्ली के कोषाध्यक्ष और यूआईसीसी समन्वयक चुने गए। ब्रेस्टिक्स 24 के निदेशक मंडल के रूप में नियुक्त किए गए। एसएसओग्लोबल पार्टनर्स लीडर्स समिट, टाम्पा, फ्लोरिडा में आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. ज्योति शर्मा को इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी में सेक्शन संपादक के रूप में आमंत्रित किया गया। 15-16 फ़रवरी 2025 को एनसीआई में आयोजित एम्स ओंकोलॉजी कॉन्क्लेव, एनसीआई की आयोजन सचिव थी। 6-7 सितंबर 2024 को एएसओसीओएन 2024 एम्स सर्जिकल ओंकोलॉजी कॉन्क्लेव की आयोजन समिति थी। 15-16 फ़रवरी 2025, नई दिल्ली में एओसी 2025 - एम्स अर्बुदविज्ञान कॉन्क्लेव की आयोजन समिति की आयोजन सचिव थी।

डॉ. नवीन कुमार- अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन (एफएसीएस) के फेलो। रोबोटिक और इनोवेटिव सर्जरी (एफएआरआईएस) में फेलोशिप प्राप्त हुई। दिल्ली ओंकोलॉजी फोरम के कार्यकारी सदस्य चुने गए। संचार समिति के कार्यकारी सदस्य चुने गए।

10.3_.indd 1222 1/7/2026 4:56:18 PM

डॉ. बाबुल बंसल दिल्ली ऑंकोलॉजी फोरम के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए।

सामुदायिक सेवा

डॉ. सुनील कुमार चंद्रकांति देवी कैंसर फाउंडेशन नामक एक गैर सरकारी संगठन के माध्यम से बिहार और झारखंड में कैंसर के प्रति निःशुल्क उपचार सेवाएं और छात्रों में जागरूकता प्रदान कर रहे हैं।

निवारक अर्बुदविज्ञान



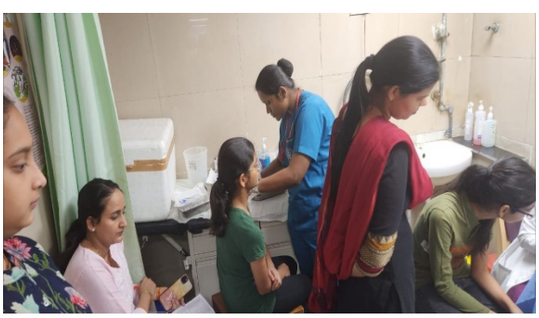
सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग



स्तन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर कैंसर फाउंडेशन, रोटरी क्लब के सहयोग से नुक्कड़ नाटक का आयोजन



शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी; गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर जागरूकता अभियानों की निरंतरता सुनिश्चित करना



एचपीवी टीकाकरण शिविर: गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को शुरूआत में ही रोकना



गर्भाशय ग्रीवा कैंसर उन्मूलन प्रतिज्ञा समारोह



क्षमता निर्माण: स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को सशक्त बनाना

10.3_.indd 1223 1/7/2026 4:56:18 PM



तिब्बती कैंसर सोसाइटी के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस का आयोजन

HPV Screenings Can Avert Cervical Cancer

10-15% Women In 30-60 Age Group +ve For Virus

Anuja.Jaiswal
@timesgroup.com

New Delhi: The persistent high-risk type of Human Papilloma Virus (HPV), a common sexually transmitted infection and main cause of cervical cancer, has been found positive in 10-15% of women in the age of 30-60 years when screened at AIIMS' Preventive Oncology Clinic in the last one year.

Cervical cancer is the second most common cancer among Indian women with 1,23,907 new cases and 77,348 deaths estimated in 2020, according to Global Cancer Ob-

The clinic, which runs twice a week at AIIMS, was started in April 2022. It found that of the 493 women tested, 33 tested positive for the high-risk type of HPV in a year. As January marks cervical cancer awareness month, it is a time to shed light on the importance of prevention and early detection of cervical cancer, doctors at AIIMS said.

Associate professor of preventive oncology Dr Pallavi Shukla advised that every sexually active woman (above 25 years of age) should go through HPV tests at regular intervals to help prevent cervical cancer. It may show up in symptoms such as irregular bleeding, post-menopausal bleeding or increased vaginal discharge. More severe symptoms may arise in advanced stages.

"Sometimes, there may be no symptoms at all. Therefore, it is essential that every woman who is sexually active must undergo regular screenings," she said, adding that HPV test results can be available in one hour and self-sampling is possible only in this method of screening.

Once a screening result is positive, the woman may require further tests, such as colposcopy, with or without biopsy. Any woman identified with a pre-cancer/cancer of cervix must be initiated into prompt treatment, the doctor said.

Research suggests that almost 60% of sexually active individuals will encounter an HPV infection once in their lifetime as the virus spreads through skin-to-skin contact. Doctors said that although over 90% of all new HPV infections go away on their own, some HPV types are persistent and may cause cervical cancer if left undiagnosed or untreated.

While HPV is a family of over 200 low and high-risk genotypes, almost 85% of cervical cancer cases in India are caused by the high-risk HPV 16 and HPV 18 types. The most common high-risk type, HPV-16, alone causes 50% of cervical cancers globally.

Dr Shukla added that almost all cases of cervical cancer are linked to persistent HPV infection. "Cervical cancer is a type of cancer that begins in the cells of the cervix, the lower part of the uterus that connects to the vagina. This cancer usually develops slowly over time, starting with precancerous changes in the cells of the cervix before progressing to an invasive cancer if left untreated," she said.

According to doctors, early detection through awareness, HPV vaccination and screening presents a crucial opportunity, with a high cure rate when managed in the early stages. The government is also planning to include a cervical cancer vaccine in the universal immunisation programme.

HOW TO LOWER RISK

One woman dies of cervical cancer every 8 minutes

Reduce risk
- Vaccinate early (9-14 years)
- Screening test regularly (25-65 years)
- Prompt treatment

HPV test
1) WHO recommends it as the primary screening test
2) Can give result within one hour
3) Self sampling is possible only through this method

ctors that may put one at risk
1) Multiple sex al partners
2) Having man children
3) Long-term u e of oral contracep ve pills
4) Family histo
5) Smoking
6) Early marriage
7) Unprotected sex
8) Early child birth

Signs and symptoms
1) Unusual vag al discharge or bleeding
2) Heavier and onger menstrual cyc
4) Pain during intercourse
5) Unexpected weight loss
6) Pelvic pain
7) Loss of bladder control

DOCTOR SA S

This cancer usually develops slowly over time, startl with precancerous changes in the cells of the cervix before progressing to an invasive cancer if left untreated

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए जनसंचार माध्यमों द्वारा परामर्श

10.3_.indd 1224 1/7/2026 4:56:18 PM

कैंसर की रोकथाम के लिए प्रशिक्षित किए गए छात्र

बीआरडी मेडिकल कालेज



बीआरडी में कैंसर जागरूकता का प्रशिक्षण लेते कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के रेजीडेंट डाक्टर व छात्र • सौ. कैंसर अस्पताल

- हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल का स्वर्ण जयंती वर्ष 16 फरवरी से
- बीआरडी के रेजीडेंट डाक्टर ब्लाकों में जाकर आशा को देंगे प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल का स्वर्ण जयंती वर्ष 16 फरवरी से शुरू होगा। हर ब्लाक में रेजीडेंट डाक्टर जाकर आशा कार्यकर्ताओं को कैंसर की रोकथाम के लिए प्रशिक्षित करेंगे। उन्हें इसका प्रशिक्षण बीआरडी मेडिकल कालेज में गुरुवार को दिया गया। प्रशिक्षण के बाद कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के रेजीडेंट डाक्टर गोरखपुर-बस्ती मंडल के सभी ब्लाकों में जाकर आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे, ताकि आशा कार्यकर्ता गांव-गांव कैंसर जागरूकता की अलख जगा सकें।

हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान की ओर से बीआरडी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में कैंसर जागरूकता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। संस्थान के आयुष श्रीवास्तव ने कैंसर जागरूकता के लिए अस्पताल द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं अस्पताल की सुविधाओं से लोगों को अवगत कराया। डा. पल्लवी शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर प्रिवेंटिव आंकोलाजी एम्स, नई दिल्ली ने कैंसर स्क्रीनिंग का तरीका बताया।

एम्स नई दिल्ली की सीनियर रेजीडेंट डा. हुमा नवाज व डा. जितेंद्र ने मुंह के कैंसर के कारण व रोकथाम पर चर्चा की।

एम्स नई दिल्ली से ही आए डा. अथिरा मोहन, डा. बीआरए, डा. एचएसके राजू व डा. सुजाता पाठक ने ब्रेस्ट व सर्वाइकल कैंसर के लक्षण व बचाव की जानकारी दी। हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल के सचिव उमेश कुमार सिंहानिया व संयुक्त सचिव रसेंदु फोगला ने अतिथियों व बीआरडी के प्राचार्य डा. रामकुमार जायसवाल को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा. शालिनी सिंह, डा. आरुषी व रेजीडेंट डाक्टर उपस्थित थे।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक



आस्क डॉ. बीआरएआईसीएच में आयुष्मान के प्रथम लाभार्थी



इंडियन कैंसर सोसायटी के पैनलिस्ट

10.3_.indd 1225 1/7/2026 4:56:18 PM



एम्स हैदराबाद के परिचर्या अधिकारियों के साथ सीएनई



स्वच्छता पखवाड़ा: सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत जामिया मिलिया इस्लामिया में सफाई कर्मचारियों का अभिमुखीकरण

10.3_.indd 1226 1/7/2026 4:56:18 PM

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

आचार्य नेत्र विज्ञान
राधिका टंडन

चिकित्सा अधीक्षक
डी.के. शर्मा

आचार्य नेत्र विज्ञान

एस.के. खोखर
राजपाल
तनुज दादा
रोहित सक्सेना
तुषार अग्रवाल
राजेश सिन्हा
पारिजात चंद्र
रोहन चावला
विनोद कुमार
मनदीप सिंह बजाज
नम्रता शर्मा
नीलम पुष्कर
विनय गुप्ता
एम वनाति
भावना चावला
नूपुर गुप्ता
स्वाति फुलझले
आलोक
रचना मील

आचार्य नेत्र विकृति विज्ञान

सीमा सेन
सीमा कश्यप

आचार्य विकिरण निदान
संजय शर्मा

आचार्य जांच प्रयोगशाला
प्रदीप वेंकटेश

आचार्य नेत्र भेषजगुण विज्ञान

टी वेलापांडियन
नबनिता हलदर

आचार्य सामुदायिक नेत्र विज्ञान

प्रवीण वशिष्ठ
सेंजम सूरज सिंह

आचार्य नेत्र जैव रसायन

जसबीर कौर
आलोक कुमार रवि

आचार्य संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)
रेणु सिन्हा

10.4_.indd 1227 1/7/2026 5:16:45 PM

अपर आचार्य सामुदायिक नेत्र विज्ञान
विवेक गुप्ता

अपर आचार्य नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान
निशात हुसैन अहमद

अपर आचार्य नेत्र विज्ञान

प्रफुल्ल कुमार महाराणा
शौर्य वर्धन आज़ाद
देवांग अंगमो
नेइवेती लोमी

अपर आचार्य संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)
अरशद अयूब

सह-आचार्य नेत्र विज्ञान

शिखा गुप्ता
रेबिका
मनप्रीत कौर
अमर पुजारी

सहायक आचार्य नेत्र विज्ञान

श्रीदेवी नायर
साहिल अग्रवाल
सौरभ वर्मा
देवेश कुमावत
अनु मलिक

सहायक आचार्य नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान
कर्णिका सैगल

विशिष्टताएं

यूनिट I

यूनिट I बाल चिकित्सा मोतियाबिंद, रिफ्रेक्टिव शल्य चिकित्सा, विट्रो-रेटिना, यूविया, आरओपी (पूर्ण रूप) एवं भेंगापन के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएँ प्रदान करती है। यह यूनिट बाल चिकित्सा मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा और शल्य चिकित्सा के बाद दृष्टि को सही करने में विशेषज्ञता रखती है। यूनिट दृष्टि के लिए खतरा पैदा करने वाले विभिन्न विट्रो-रेटिनल विकारों जैसे मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी, संवहनी अवरोध, आयु-संबंधी मैकुलर डिजनेरेशन, रेटिनल पृथक्करण और यूवाइटिस का भी उपचार करती है। यह यूनिट नवीनतम बिना टांके के 27जी विट्रो-रेटिनल शल्य चिकित्सा करती है। यह अत्याधुनिक इमेजिंग और जांच उपकरणों और लेज़र डिलीवरी सिस्टम से युक्त है।

रुमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से यूवाइटिस के रोगियों के व्यापक उपचार के लिए संयुक्त क्लिनिक की शुरुआत की गई। नवंबर 2024 में डॉ. रा.प्र. केंद्र में "डायबिटिक रेटिनोपैथी" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

10.4_.indd 1228 1/7/2026 5:16:45 PM

यूनिट II

यूनिट II, बाल चिकित्सा नेत्र रोग विशेषज्ञता जैसे कि आरओपी और जन्मजात ग्लूकोमा के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएँ प्रदान कर रही है। डॉ. रा.प्र. केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र अस्पताल है जो आरओपी चरण 4 और चरण 5 में शल्य चिकित्सा करता है। यह यूनिट नवीनतम 3डी हेड्स-अप सिस्टम (एनजेन्यूइटी) के साथ उन्नत विट्रियो-रेटिनल शल्य चिकित्सा कर रही है। इस वर्ष वंशानुगत विट्रियो-रेटिनल डिस्ट्रोफी पर एक नया क्लिनिक शुरू किया गया है। यूनिट केवल यही यूनिट क्यों? (अस्पष्ट) ड्राय एआरएमडी में मूल कोशिका चिकित्सा और डायबिटिक रेटिनोपैथी एवं वेट एआरएमडी से संबंधित विभिन्न अध्ययनों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का एक हिस्सा है। यह आधुनिक इमेजिंग और जाँच उपकरण तथा लेज़र वितरण प्रणालियाँ से युक्त है। यह इकाई आरओपी और विभिन्न रेटिना रोगों में इंट्राविट्रियल इंजेक्शन दे रही है। एंटी वीईजीएफ के वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके संकाय सदस्यों को ग्लूकोमा में कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इकाई वर्तमान में ऑप्टिक डिस्क पिट से संबंधित मैकुलोपैथी के शल्य चिकित्सा उपचार पर शोध कर रही है।

यूनिट III

यूनिट III द्वारा नई सुविधाएं शुरू की गई हैं जिसमें "ट्रांसलेशनल आई रिसर्च फैसिलिटी (टीईआरएफ)", "स्पेशल मायोपिया क्लिनिक" और आईसीएमआर, एम्स और एससीईएच द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई आई-ड्रोन पहल के तहत "ड्रोन का उपयोग करके पहला कॉर्निया परिवहन और उसके बाद प्रत्यारोपण" शामिल है।

नेत्र जैव रसायन

नैदानिक जैवरसायन प्रयोगशाला और अनुसंधान प्रयोगशाला सुविधा को 20 से अधिक मापदंडों नेत्र जैव रसायन प्रयोगशाला आदि के साथ उन्नत किया गया है जिसमें लिपिड प्रोफाइल, एलएफटी, केएफटी और अन्य विशिष्ट जांच जैसे हार्मोन और विटामिन बी12 जैसे परीक्षण शामिल है। नेत्र जैव रसायन ने अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसका मुख्य उद्देश्य नेत्र रोगों का शीघ्र पता लगाने और निदान के लिए गैर आक्रामक न्यूनतम आक्रामक बायोमार्कर का पता लगाना है। इस सुविधा द्वारा कुछ ऐसे बायोमार्करों की पहचान की गई है जिनका उपयोग नेत्र ट्यूमर के पूर्वानुमान/चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में किया जा सकता है।

नेत्र भेषजगुण विज्ञान

- प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया संरक्षण को सक्षम करने का प्रावधान (पीईसीपीटी) - एम्स-एमओ(?) एचएफडब्ल्यू के सहयोग से सक्रिय एक प्रमुख परियोजनाओ इस परियोजना से अंधे लोगों में 4000 कॉर्निया प्रत्यारोपण ऑपरेशन किए गए। कॉर्नियल ट्रांसपोर्ट मीडिया प्रदान करके वर्तमान में, यह 2010 से अब तक भारत के 24 राज्यों में 114 सरकारी नेत्र बैंकों को यह सेवा प्रदान कर रहा है। इसके द्वारा सरकारी नेत्र बैंकों के लिए वर्तमान में लंबी स्टोरेज मीडिया आरपीसी एक्सस्टोरसोल की शुरुआत की गई है।
- लैंडफिल में असंयोजित अपशिष्ट निस्तांतरण के कारण सक्रिय दवा सामग्री एंटीबायोटिक्स के पर्यावरण में बिखरने पर प्रमुख रहस्योद्घाटन के परिणामस्वरूप नीति संशोधन पर विचार किया गया।

10.4_.indd 1229 1/7/2026 5:16:45 PM

- ठोस या अर्ध ठोस दवा संरचना के पुनर्गठन के लिए एक उपकरण, विधि और किट (डब्ल्यूओ2018163201ए1 डब्ल्यूआईपीओ (पीसीटी), चाइनीज पेटेंट (प्रदान किया गया) चाइनीज पेटेंट (व्यावसायीकरण के तहत, यूएसए पेटेंट प्रदान किया गया)।

- नेत्र आपातकालीन उपचार किट (ओईएम किट): नेत्र संबंधी आपातकालीन स्थितियों के लिए तात्कालिक दवाएं

- भारतीय नेत्र अनुसंधान समूह (एआरवीओ-इंडिया) की 30वीं वार्षिक बैठक, 27-29 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में नेत्र विज्ञान, ट्रांसलेशनल अनुसंधान और जैव प्रौद्योगिकी के प्रमुख विशेषज्ञ एक साथ आए जिसमें सम्मेलन से पूर्व एक संगोष्ठी भी शामिल थी। संगोष्ठी में नेत्र निदान में इमेजिंग तकनीकों और एआई से लेकर नेत्र विज्ञान में आयुर्वेद और औषधि विकास में प्रगति तक, कई विषयों पर गहन चर्चा हुई। रेटिना लिपिड विश्लेषण के लिए आईएमस्कोपटीएमक्यूटी और एआई-संचालित ग्लूकोमा पहचान के लिए प्रेडिकेट सीएडी जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के लाइव प्रदर्शनों ने नेत्र अनुसंधान में नवीनतम नवाचारों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया, जिससे सीखने का अनुभव और समृद्ध हुआ। सम्मेलन में नेत्र विज्ञान अनुसंधान में अग्रणी योगदानों को याद करते हुए विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। छात्रों और शोधकर्ताओं ने पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से सक्रिय रूप से भाग लिया जिनका मूल्यांकन पुरस्कारों के लिए किया गया, जिनमें नवीन वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदर्शित की गई।

- 26 नवंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली के नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान सम्मेलन में जैवविश्लेषणात्मक तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें औषधीय अनुसंधान के लिए आवश्यक उन्नत जैवविश्लेषणात्मक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को नमूना तैयार करने और उनके अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक सत्रों में भाग लेने से पहले एचपीएलसी और मास स्पेक्ट्रोमेट्री (क्यूटीआरएपी) के मूल सिद्धांतों से परिचित कराया गया। इस इंटरैक्टिव प्रारूप से प्रतिभागियों को इन महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक उपकरणों की गहरी समझ प्रदान हुई, जिससे उन्हें औषधि अनुसंधान हेतु मूल्यवान कौशल प्राप्त हुए।

नेत्र विकिरण विज्ञान:

- रा.प्र. केंद्र में विकिरण विज्ञान अनुभाग, नेत्र अबुर्दविज्ञान, ऑकुलोप्लास्टी एवं तंत्रिका नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में नियमित रूप से प्रति सप्ताह विकिरण विज्ञान नेत्र सम्मेलनों का आयोजन करता है। यह, जहाँ भी संभव हो, वहां नैदानिक उपचार को सुगम बनाने में विकिरणविज्ञान-आधारित निर्णय लेने का अवसर प्रदान करता है और साथ ही वन टू वन स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है। इस अनुभाग को इन गतिविधियों को करते हुए 14 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

- विकिरण विज्ञान अनुभाग में वर्तमान में नई सीटी और एक्स-रे मशीनों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। बहुत जल्द, मई 2025 तक रा.प्र. केंद्र में आधुनिक इमेजिंग उपकरण स्थापित हो जाएँगे।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान:

- सामुदायिक नेत्र विज्ञान देश के वंचित एवं कम सेवा प्राप्त क्षेत्रों में विस्तृत प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह अपने 28 विजन सेंटरों के नेटवर्क के माध्यम से, आवश्यक नेत्र देखभाल सेवाओं तक समान पहुँच को सुनिश्चित करता है। ये विजन सेंटर विशेष

10.4_.indd 1230 1/7/2026 5:16:45 PM

रूप से वंचित क्षेत्रों में निरंतर और सुलभ प्राथमिक नेत्र देखभाल प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, नेत्रहीनों हेतु सामुदायिक एवं स्कूलों, दोनों में नियमित रूप से आउटरीच नेत्र शिविर आयोजित किए जाते हैं। रिफ्रेक्टिव एरर्स और अन्य दृष्टि दोषों का शीघ्र पता लगाने के लिए स्कूल दृष्टि जाँच कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे बच्चों को समय पर उपचार मिल सके।

- सामुदायिक नेत्र विज्ञान, नेत्र स्वास्थ्य से संबंधित महामारी विज्ञान अनुसंधान और सर्वेक्षणों में भी सक्रिय रूप से शामिल है, जिसमें प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, सामुदायिक जागरूकता और गतिशीलता पर विशेष बल दिया जाता है। जन नेत्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियाँ इसकी सतत पहलों का एक अभिन्न अंग हैं। सामुदायिक नेत्र विज्ञान वर्तमान में एनपीसीबी और वीआई, आईसीएमआर, सीबीएम, हरियाणा सरकार जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी में नेत्र उपचार अनुसंधान और सेवाओं पर 11 परियोजनाएँ चला रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, ओआरबीआईएस, विज़नस्प्रिंग, सीबीएम, सेवा फाउंडेशन और मिशन फॉर विज़न जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ सहयोग विकसित किया गया है।

- अपने सामुदायिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, दृष्टिबाधित व्यक्तियों को एक समर्पित पुनर्वास टीम द्वारा दृष्टि पुनर्वास सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं में अभिविन्यास और गतिशीलता प्रशिक्षण, पठन-लेखन पुनर्वास, अल्पदृष्टि मूल्यांकन और सहायक उपकरणों का प्रावधान, व्यावसायिक परामर्श और प्रशिक्षण मार्गदर्शन, दैनिक जीवन की गतिविधियों (एडीएल) और वाद्य एडीएल में प्रशिक्षण, पर्यावरण और प्रकाश व्यवस्था में संशोधन संबंधी सलाह, और पात्र व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करना शामिल है।

- सामुदायिक नेत्र विज्ञान संपूर्ण, भारत के 200 जिलों में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय ट्रेकोमा ट्राइकियासिस सर्वेक्षणों में शामिल रहा है। इस सर्वेक्षण में ट्रापिकल डेटा एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) एजेंसियां भागीदार रही हैं। इस सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप, डब्ल्यूएचओ ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित किया है।

- 9 और 10 अक्टूबर 2024 को विज़न 2020 राइट टू साइट भागीदारों के साथ विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर अंधेपन की रोकथाम पर सार्वजनिक व्याख्यान और वॉकथॉन का आयोजन किया गया।











10.4_.indd 1231 1/7/2026 5:16:45 PM

नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान:

रोगी उपचार सेवाएँ: सभी रोगजनकों के लिए प्रकाश सूक्ष्मदर्शी एवं संवर्धन की सेवाओं के अलावा, क्लैमाइडिया और हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस के लिए हमने इम्यूनो-फ्लोरोसेंस, और आणविक परख, तथा नेत्र ऊतकों में फंगल तत्वों के लिए प्रतिदीप्ति सूक्ष्मदर्शी (फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोपी) का उपयोग शुरू कर दिया है। इसके अलावा, एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण को मानकीकृत किया गया है और यह नेत्र माइकोसिस के दुर्दम्य मामलों के लिए किया जा रहा है। निदान में मुश्किल बैक्टीरिया और यीस्ट के लिए अब स्वचालित प्रणाली का उपयोग करके पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण उपलब्ध है।

संक्रमण नियंत्रण: यह अनुभाग केंद्र में संक्रमण नियंत्रण तथा संक्रमण के समूहों और प्रकोपों की जाँच और नियंत्रण से संबंधित है। संक्रमण के संचरण और प्रक्रिया के बाद संक्रमण की घटनाओं को कम करने हेतु प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाएँ तैयार की गई हैं।

मान्यता: नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान अनुभाग की एनएबीएल मान्यता के नवीनीकरण की तैयारी प्रगति पर है।

शिक्षा

रा.प्र. केंद्र स्नातक एमबीबीएस, बीएससी (नेत्र विज्ञान) और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण एवं नेत्र विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल है।

विवरण	संख्या
संकाय और चिकित्सा अधीक्षक	50
वरिष्ठ रेजीडेंट	53
कनिष्ठ रेजीडेंट- नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर	103
स्नातकपूर्व छात्र	132
इंटर्न्स	92
एनपीसीबी और वीआई के माध्यम से प्रशिक्षण	शून्य
नेत्र विज्ञान के छात्र	79
लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षु	21

- स्नातक पूर्व एमबीबीएस, बीएससी नेत्र विज्ञान, बीएससी नर्सिंग छात्रों को पढ़ाना, पीएचडी कार्यक्रम
- पीजी शिक्षण: 103 स्नातकोत्तर छात्र यूनिट, संगोष्ठी कक्षाओं, वार्ड शिक्षण, नैदानिक और शल्य चिकित्सा शिक्षण के माध्यम से रोटेट होते हैं।
- वरिष्ठ रेजीडेंट: शैक्षणिक बातचीत और शल्य चिकित्सा सहायता।
- पीएचडी कार्यक्रम
- सामाजिक नेत्र विज्ञान अनुभाग द्वारा स्कूल के शिक्षकों, चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं हेतु विभिन्न प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

10.4_.indd 1232 1/7/2026 5:16:46 PM

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 58वां रा.प्र. केंद्र वार्षिक स्थापना दिवस समारोह, ज.ने. ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली, 8-10 मार्च 2025
2. "डायबिटिक रेटिनोपैथी" पर कार्यशाला - 9 से 10 नवंबर 2024
3. 39वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 2024, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली, 28 अगस्त 2024
4. एआईओएस-एआरसी पीजी टीचिंग प्रोग्राम नॉर्थ ज़ोन। 14-16 जून 2024। जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली

नेत्र भेषजगुण विज्ञान

1. राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन: भारतीय नेत्र अनुसंधान समूह (एआरवीओ-इंडिया) की 30वीं वार्षिक बैठक, 27-29 सितंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में
2. अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान वार्षिक सम्मेलन और भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के 54वें वार्षिक सम्मेलन आईपीएसकॉन 2024 में बायोएनालिटिकल तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 26 नवंबर 2024 को नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में किया गया।
3. 12-14 दिसंबर 2024 को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चेन्नई में भारतीय फिजियोलॉजिस्ट एवं फार्माकोलॉजिस्ट एसोसिएशन के 70वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "नेत्र अवरोधों के माध्यम से औषधि संचार" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

1. डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स के सामाजिक नेत्र विज्ञान के सेमिनार कक्ष में हरियाणा के नेत्र विशेषज्ञ हेतु कम दृष्टि सेवाओं और पुनर्वास पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम "15 जनवरी 2025 को आयोजित।
2. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्त पोषित "छत्तीसगढ़ और ओडिशा में चयनित प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा पर मधुमेह रेटिनोपैथी की प्रारंभिक जांच" नामक परियोजना के तहत मधुमेह रेटिनोपैथी की जांच के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ और ऑप्टोमेट्रिस्ट के लिए 30 सितंबर से 5 अक्टूबर 2024 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. 7 अप्रैल, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में कम दृष्टि और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
4. 20 अप्रैल, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर में कम दृष्टि और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
5. 5 मई, 2024 को श्री गुरु राम मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में कम दृष्टि और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
6. पटना में 26 नवंबर, 2024 को क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान में कम दृष्टि और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

10.4_.indd 1233 1/7/2026 5:16:46 PM

7. 28 दिसंबर, 2024 को श्री गुरु राम मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में कम दृष्टि और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 436

राधिका टंडन: 32	**एस.के. खोखर: 19**	**एम.एस. बजाज: 3**
राजपाल: 7	**सीमा सेन: 2**	**सीमा कश्यप: 3**
नम्रता शर्मा: 20	**तनुज दादा: 1**	**विनय गुप्ता: 12**
नीलम पुष्कर: 12	**तिरुमूर्ति वेलापांडियन: 5**	**प्रवीण वशिष्ठ: 19**
जसबीर कौर: 6	**रोहित सक्सेना: 21**	**रेणु सिन्हा और अरशद अयूब: 19**
तुषार अग्रवाल: 10	**पारिजात चंद्र: 8**	**सूरज सेंजम सिंह: 9**
रोहन चावला: 16	**स्वाति फुलझले: 11**	**विनोद कुमार: 9**
रचना मील: 3	**विवेक गुप्ता: 19**	**प्रफुल्ल के महाराणा: 9**
देवांग अंगमो: 27	**शौर्य वर्धन आज़ाद: 20**	**शिखा गुप्ता: 24**
मनप्रीत कौर: 25	**रेबिका: 12**	**अमर पुजारी: 1**
श्रीदेवी नायर: 13	**देवेश कुमावत: 2**	**साहिल अग्रवाल: 10**
अनु मलिक: 7	**सौरभ वर्मा: 6**	**आशीष मरकाम: 5**

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
682	**598**	**436**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 256

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
165	188	256

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. रेटिनोब्लास्टोमा में 18एफ-एफडीजी रेडियोमिक्स और रेडियोजेनोमिक्स प्रोफाइलिंग, पीआई-नेइवेटे लोमी, इंट्राम्यूरल एम्स अंतःविषय सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

2. शल्य चिकित्सा से पहले और बाद में स्ट्रैबिस्मस में 3-डी दूरबीन मोटर नियंत्रण, रोहित सक्सेना, सीईएफआईपीआरए, 4 वर्ष, 2021-2025, 50 लाख रुपये

3. नियोवैक्यूलर (डब्ल्यूईटी) आयु-संबंधित मैक्यूलर डीजनरेशन (एएमडी) के रोगियों में ल्यूसेंटिस® के साथ इंटास रैनिबिजुमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक डबल मास्क्ड, समानांतर समूह, यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, नैदानिक अध्ययन, डॉ. विनोद कुमार, लेम्बडा, 3 वर्ष, 2023-2026, 15 लाख रुपये

10.4_.indd 1234 1/7/2026 5:16:46 PM

4. नियोवैक्यूलर (डब्ल्यूईटी) आयु-संबंधी मैक्यूलर डीजनरेशन (एएमडी) के रोगी में ल्यूसेंटिस के साथ इंटास रैनिबुजुमाब की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक डबल मास्क्ड, समानांतर समूह, यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, नैदानिक अध्ययन, डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, लेम्बडा फार्मास्यूटिकल्स, 2023 से जारी, 10 लाख रुपये

5. शुष्क नेत्र रोग और लिम्बल स्टेम सेल की कमी वाले रोगियों में मानव नेत्र माइक्रोबायोम के मूल्यांकन के लिए एक मेटाजीनोमिक दृष्टिकोण, नूपुर गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 46.945 लाख रुपये

6. भारत में बच्चों और किशोरों में मायोपिया की प्रगति को धीमा करने में एस्सिलॉर स्टेलेस्ट स्पेक्टेकल लेंस की प्रभावकारिता को प्रदर्शित करने के लिए एक बहु-केंद्रित, पूर्वव्यापी, रियल वर्ल्ड नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन, रोहित सक्सेना, प्रोक्लिन रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

7. शुष्क आयु-संबंधी मैक्यूलर डीजनरेशन (डी-एएमडी) के कारण भौगोलिक शोष (जीए) से पीड़ित लोगों में एकल-खुराक सबरेटिनल इंजेक्शन के रूप में दिए जाने पर आईसाइट-आरपीईटीएम की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण 1/2ए बहु-केंद्र, खुराक-वृद्धि, खुराक-विस्तार अध्ययन। डॉ. राजपाल, आईस्टेम प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2023-2026, प्रति रोगी 3.5 लाख रुपये

8. नियोवैक्यूलर आयु-संबंधित मैक्यूलर डीजनरेशन वाले विषयों में इंट्राविट्रियल ओटीएक्स-टीकेआई (एक्सिटिनिब इम्प्लांट) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए तृतीय चरण, बहुकेंद्रीय, डबल-मास्क्ड, यादृच्छिक, समानांतर-समूह अध्ययन, डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, सिनियोस, 2025 तक जारी, 7 लाख रुपये

9. भारत में फ़ारिसिमैब इंट्राविट्रियल इंजेक्शन की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए नियोवैक्यूलर आयु-संबंधित मैक्यूलर डीजनरेशन या डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा वाले रोगियों पर चौथा चरण, बहुकेंद्रीय, ओपन-लेबल, सिंगल-आर्म अध्ययन (विट्रियल अध्ययन), डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, रोश, 2024-जारी, 1 लाख रुपये

10. ड्राई आयु-संबंधी मैक्यूलर डिजनरेशन (डी-एएमडी) के कारण भौगोलिक एट्रोफी (जीए) से पीड़ित लोगों में एकल-खुराक सबरेटिनल इंजेक्शन के रूप में आईसाइट-आरपीईटीएम के उपयोग से सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण 1/2ए बहु-केंद्र, खुराक-वृद्धि अध्ययन, डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, आईस्टेम, 2024 से जारी, 8 लाख रुपये

11. वेट आयु-संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन (प्रामिस अध्ययन) के रोगियों में जीबीएल1204 की रानीबिजुमाब के साथ प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक चौथा चरण संभावित, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई), बहु-केंद्रित, समानांतर समूह, गैर-हीनता अध्ययन, डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, नैदानिक अनुसंधान नेटवर्क, 2024-जारी, 8 लाख रुपये

12. भारत में रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित नए रोगियों के लिए एक संभावित सहयोगात्मक अध्ययन, एक्स्ट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, रचना मील, एक्स्ट्राम्यूरल, एनजीओ, कैनकिड्स, 5 वर्ष, 2021-2026, 25.80 लाख रुपये

10.4_.indd 1235 1/7/2026 5:16:46 PM

13. नियोवैक्यूलर आयु-संबंधित मैक्युलर डीजनरेशन वाले रोगियों में जीबीएल1204 की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहु, ओपन लेबल, सिंगल-आर्म, तृतीय चरण अध्ययन, डॉ. विनोद कुमार, नैदानिक अनुसंधान प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2025-2026,

14. डायबिटिक मैक्युलर एडिमा (डीएमई) के रोगियों में ब्रोलुसीज़ुमैब के इंट्राविट्रियल इंजेक्शन (आईवीआई) की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहु-केंद्र, ओपन-लेबल, चौथा चरण अध्ययन, डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद, इक्विया, 2024-जारी, 1 लाख रुपये

15. योजनबद्ध आयु-संबंधित मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में रेनर ईएमवी/एचओवाईए इम्प्रेस आईओएल बनाम ईवायईसीआरवायएल सर्ट इंट्राओकुलर लेंस (आईओएल) के नैदानिक सुरक्षा एवं निष्पादन का आकलन करने के लिए एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित, पोस्ट मार्केटिंग नैदानिक अध्ययन, आचार्य नम्रता शर्मा, बायोटेक विजन केयर प्राइवेट लिमिटेड, 16 महीने, 2024-2025, 14.33 लाख रुपये

16. कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के उपचार के लिए कॉर्नीट केराटोप्रोस्थैसिस की नैदानिक सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए सिंगल-आर्म, ओपन लेबल, बहुकेंद्रीय नैदानिक जांच, आचार्य नम्रता शर्मा, कॉर्नीट विजन, 2 वर्ष, 2024-2026, 22 लाख रुपये

17. भारत में रेटिनोब्लास्टोमा के नए निदान किए गए रोगियों के लिए एक अध्ययन, पीआई-रचना मील सीओ-पीआई नेवेटे लोमी, कैनकिड्स, 3 वर्ष, 2021-2023, 35 लाख रुपये

18. दिल्ली की झुग्गी झोपडियों और पुनर्वास कॉलोनियों में रह रही वंचित आबादी के लिए व्यापक आउटरीच नेत्र देखभाल सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 7 वर्ष, 2018-2025, लगभग 125 लाख रुपये।

19. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र देखभाल सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल", आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 8 वर्ष, 2017-2025, लगभग 77 लाख रुपये।

20. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र देखभाल सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकॉर्प, 5 वर्ष, 2018-2025, लगभग 25 लाख रुपये।

21. आक्रामक नेत्र संबंधी दुर्दमताओं में आणविक लक्ष्य के रूप में असामान्य लिपिड चयापचय, पीआई- सीमा सेन सीओ-पीआई नेइवेटे लोमी, आईसीएमआर

22. आक्रामक नेत्र संबंधी दुर्दमताओं में नवीन आणविक के टारगेट के रूप में असामान्य लिपिड चयापचय पथ, डॉ. सीमा सेन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रुपये

23. मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा करवा रहे वयस्कों में द्विपक्षीय रूप से प्रत्यारोपित सुप्रा फोब रीजन ट्राइफोकल आईओएल की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल, संभावित, बहु केंद्र, गैर-यादृच्छिक, गैर-तुलनात्मक, सिंगल आर्म अवलोकन संबंधी नैदानिक जांच।, आचार्य राजेश सिन्हा, अप्पासामी ओकुलर डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, मार्च 2025-फरवरी 2027, 9.99 लाख रुपये

24. भारत में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करने पर एक परिचालन अनुसंधान, डॉ. सूरज सिंह सेंजम/आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडनमिशन (सीबीएम), 3 वर्ष, 2021-2024, लगभग 33 लाख रुपये।

10.4_.indd 1236 1/7/2026 5:16:46 PM

25. कॉर्टिकल विज़ुअल इम्पेयरमेंट (सीवीआई) से ग्रस्त बच्चों में कार्यात्मक दृष्टि का आकलन और चिकित्सा की भूमिका तथा परिणाम निर्धारित करने वाले कारकों का मूल्यांकन, स्वाति फुलझले, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2025-2026, 38.13 लाख रुपये

26. स्कूल जाने वाले बच्चों में रिफ्रेक्टिव एरर कवरेज की मात्रा का आकलन, प्रगति और प्रभाव, रोहित सक्सेना, वनसाइट फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2025-2027, 40 लाख रुपये

27. कोविड-19 से ठीक हो चुके जो हैं 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्ति उनमें कोविड के बाद के लक्षणों और पहले से मौजूद स्वास्थ्य संबंधी कमियों का आकलन, पीआई- सूरज सेनजाम सीओ-पीआई नेइवेते लोमी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, लगभग 100 लाख रुपये

28. डिजिटल आरएटीए टूल के माध्यम से सामान्य आबादी के बीच सहायक प्रौद्योगिकियों तक पहुंच और अपूर्ण जरूरतों का आकलन: भारत में क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण, डॉ. सेंजम सूरज सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, लगभग 40 लाख रुपये।

29. पोस्टीरियर सेगमेंट विकृति वाले रोगियों में उन्नत मध्यवर्ती कार्य (टीईसीएनआईएस एयटैस आईओएल, मॉडल आईसीबी00) के साथ एक मोनोफोकल आईओएल के द्विपक्षीय प्रत्यारोपण के बाद दृश्य परिणामों और रोगी संतुष्टि का आकलन, श्रीदेवी नायर, जॉनसन एंड जॉनसन, 1.5 वर्ष, 2024-2025, 29 लाख रुपये

30. दृश्य गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए एक नए पैनफोकल इंट्राओकुलर लेंस के दृश्य प्रदर्शन का मूल्यांकन (नेचुरो, केयरग्रुप एसएस प्राइवेट लिमिटेड), आचार्य नम्रता शर्मा, केयरग्रुप एसएस, 6 महीने, 2023-2024, 8 लाख रुपये

31. रेटिनोब्लास्टोमा के लिए संभावित आणविक मार्कर के रूप में कोशिका-मुक्त डीएनए: नैदानिक और चिकित्सीय दृष्टिकोण, आचार्य जसबीर कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 68.14 लाख रुपये

32. फेरोप्टोसिस की नैदानिक प्रासंगिकता: रेटिनोब्लास्टोमा के लिए एक नया उभरता हुआ चिकित्सीय दृष्टिकोण, पीआई - लता सिंह सीओ-पीआई नेवेटे लोमी, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2021-2022, 10 लाख रुपये

33. इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों के सीरम, जलीय द्रव्य और ट्यूमर ऊतक में ट्यूमर बायोमार्कर का नैदानिक-विकृति विज्ञान महत्व, डॉ. सीमा कश्यप, आईआरजी, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

34. इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों के सीरम, जलीय द्रव्य और ट्यूमर ऊतक में ट्यूमर बायोमार्कर का नैदानिक विकृति विज्ञान महत्व, पीआई- रचना सेठ सीओ-पीआई नीवेटे लोमी, इंट्राम्यूरल एम्स अंतःविषय सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2022, 10 लाख रुपये

35. फंगल केराटाइटिस में मानक चिकित्सा बनाम सामयिक 0.01% हाइपोक्लोरस एसिड का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, आचार्य नम्रता शर्मा, फेथ इनोवेशन, 1 वर्ष, 2024-2025, 6 लाख रुपये

36. आइसोप्योर प्रीमियम मोनोफोकल आईओएल की तुलना टेक्निस एन्हांस्ड मोनोफोकल आईओएल से, आचार्य नम्रता शर्मा, एवी मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, 10 महीने, 2024-2025,

10.4_.indd 1237 1/7/2026 5:16:46 PM

37. अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया में वीआर-डिस्प्ले डाइकोप्टिक्स थेरेपी बनाम पैचिंग की तुलना - संभावित यादृच्छिक नियंत्रण इंटरवेंशनल अध्ययन, रेबिका, कॉग्निहैब, 2 वर्ष, 2023-2025, 9.25 लाख रुपये

38. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं, प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, 5 वर्ष, 2022-2027, लगभग 50 लाख रुपये।

39. नई पीढ़ी के मल्टीफोकल इंट्राओकुलर लेंस के द्विपक्षीय प्रत्यारोपण के बाद कार्यात्मक एमआरआई पर न्यूरोएडेप्टिव परिवर्तनों का नैदानिक स्टीरियोएक्यूटी और दृश्य गुणवत्ता के साथ सहसंबंध। मनप्रीत कौर, अंतर-विभागीय - एम्स, 2 वर्ष, 2020-2021, 10 लाख रुपये

40. प्रणालीगत स्वप्रतिरक्षी विकारों वाले रोगियों में टीयर इंफलेमेर्टी मीडिएटर और सीरम स्वप्रतिपिंडों का सहसंबंध। 2020-2021, जीवन एस टिटियाल/मनप्रीत कौर, अंतरविभागीय - एम्स, 2 वर्ष, 2020-2021-2025, 10 लाख रुपये

41. नेत्र रोगों में डेमेटियासियस कवक के कारण होने वाले परिणाम - डॉ. कर्णिका सैगल, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

42. एचएसवी केराटाइटिस के निदान के लिए सीआरआईएसपीआर-सीएएस आधारित आणविक जांच का विकास करना, डॉ. कर्णिका सैगल, - एम्स टीएसएचटीआई सहयोगात्मक, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

43. स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय नेत्र बैंकों के लिए कॉर्नियल प्रत्यारोपण संरक्षण हेतु गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों का विकास और एमके मीडिया का वितरण, डॉ. टी. वेलापांडियन, एमएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार, 14 वर्ष, 2009-2026, 129 लाख रुपये

44. यूवीअल मेलेनोमा के लिए तरल बायोप्सी के रूप में एक्वा ह्यूमर की नैदानिक उपयोगिता, पीआई- नीवेटे लोमी, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट, 2 वर्ष

45. कलचर विस्तारित मानव कॉर्नियल एंडोथेलियल कोशिकाओं का विभेदक, आणविक लक्षण वर्णन और ट्रांसलेशन अनुप्रयोग, आचार्य नम्रता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

46. ग्लूकोमा रोगियों में इंट्रा ऑक्यूलर प्रेशर, जीवन की गुणवत्ता, इन्फ्लेमेटरी मार्कर और अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल पर योग आधारित इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य तनुज दादा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2023, 5.37 लाख रुपये

47. शुष्क नेत्र रोगियों में मौखिक मानकीकृत मैक्वी बेरी अर्क की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।, श्रीदेवी नायर, लाव्यू फार्मास्यूटिकल्स, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

48. डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगजनन में पर्यावरणीय रूप से उजागर ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों की भूमिका को स्पष्ट करते हुए, आचार्य जसबीर कौर, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 73.50 लाख रुपये

49. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सशक्त बनाना- प्रथम चरण, आचार्य राधिका टंडन, शिक्षा मंत्रालय, 1 वर्ष, 2024-2025

10.4_.indd 1238 1/7/2026 5:16:46 PM

50. एशियाई भारतीय आबादी में प्राथमिक शिशु कॉर्नियल अपारदर्शीकरण के साथ अग्र खंड विकासात्मक विसंगतियों का महामारी विज्ञान और आनुवंशिक अध्ययन", डॉ. एम वनाति, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 51.91 लाख रुपये

51. यूवाइटिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में टीएच17/टीआरईजी सेल अक्ष की भूमिका स्थापित करना, डॉ. रोहन चावला, एम्स - इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये

52. एएमएल रोगियों में प्रणालीगत साइटाराबिन अरबीनोसाइड (एआरए-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन, देवांग अंगमो, सहयोगी, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अप्रैल 2023-अप्रैल 2025, 2 वर्षों के लिए 20 लाख रुपये

53. बाल्यावस्था के प्रगतिशील मायोपिया (ए-आईजीआईबी-2) के लिए बायोमार्कर के रूप में टीयर प्रोटीन का मूल्यांकन, रोहित सक्सेना, एम्स-आईजीआईबी, 2 वर्ष, 2024-2026, 20 लाख रुपये

54. मध्यम से उच्च मायोपिया और एस्टिगमौटिसम वाले रोगियों में आईक्रिल फेकिक आईओएल प्रत्यारोपण के बाद दृश्य, अपवर्तक परिणाम और नेत्र मापदंडों में परिवर्तन का मूल्यांकन: ईवीओ/ईवीओ+ विसियन प्रत्यारोपण योग्य लेंस के साथ एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. एम वनाति, अन्वेषक द्वारा आरंभ किया गया परीक्षण, 1 वर्ष, 2024-2025, 11.42 लाख रुपये

55. वर्नल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस के रोगजनन में स्फिंगोलिपिड मेटाबोलिज्म के साथ सेक्स स्टेरॉयड हार्मोन इंट्राक्रिनोलॉजी की परस्पर क्रिया की खोज, डॉ. टी वेलापांडियन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 18.77 लाख रुपये

56. उन्नत केराटोकोनस में कोलेजन क्रॉस लिंकिंग के साथ फेम्टोसेकंड लेजर-सहायता प्राप्त बड़े व्यास वाला कॉर्नियल इंट्रास्ट्रोमल लेंटिक्यूल प्रत्यारोपण, आचार्य राजेश सिन्हा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2026, 25 लाख रुपये

57. यूवेल मेलेनोमा में सैल सायकल प्रोग्रेशन के दौरान हिप्पो सिग्नलिंग मार्ग का जीन विनियमन, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रुपये

58. बचपन और प्रारंभिक अवस्था में ग्लूकोमा की आनुवंशिक रूपरेखा और वर्गीकरण, डॉ. विनय गुप्ता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 130 लाख रुपये

59. जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए समयपूर्व जन्म के रेटिनोपैथी में रेटिनल नवसंवहनीकरण के लिए माइक्रोआरएनए सिगनेचर की पहचान, आचार्य जसबीर कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 48.77 लाख रुपये

60. अस्पताल आधारित भारतीय परिवेश में माइक्रोबियल केराटाइटिस उत्पन्न करने वाले एटियोलॉजिकल कारकों की पहचान करना - डॉ. कर्णिका सैगल, एम्स-सीएसआईआर सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख रुपये

61. ओकुलर लिम्फोमा में इम्यून चेकपॉइंट रेगुलेटर और इम्यूनोसप्रेसिव ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट: नए रोगसूचक मार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य", डॉ. सीमा सेन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2025, 36 लाख रुपये

62. मेबोमियन ग्लैंड डिसफंक्शन में टियर फिल्म लिपिड प्रोफाइल और इन्फ्लेमेटरी मेडिएटर्स पर वेक्टर थर्मल पल्सेशन ट्रीटमेंट का प्रभाव, मनप्रीत कौर, इंट्राम्यूरल एम्स, 2 वर्ष, 2022-2025, 5 लाख रुपये

10.4_.indd 1239 1/7/2026 5:16:46 PM

63. प्री-वर्बल बच्चों के लिए स्वदेशी डिजिटल दृश्य तीक्ष्णता परीक्षण, रोहित सक्सेना, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2024-2025, 20 लाख रुपये

64. केराटोकोनस के रोगियों में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और रूपात्मक परिवर्तनों की नैदानिक प्रासंगिकता की जांच, डॉ. अनु मलिक, एम्स (इंट्राम्यूरल ग्रांट), 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

65. एक्वस ह्यूमर से कोशिका मुक्त डीएनए का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में आणविक प्रोफाइलिंग, रचना मील, इंट्राम्यूरल सहयोग, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

66. जलीय द्रव्य से कोशिका-रहित डीएनए का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में आणविक प्रोफाइलिंग, डॉ. साहिल अग्रवाल, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

67. राष्ट्रीय कॉर्नियल अंधापन और दृश्य हानि सर्वेक्षण - भारत में एक क्रॉस सेक्शनल स्थिति विश्लेषण अध्ययन, आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2025, लगभग 76 लाख रुपये।

68. भारत में प्रभावी रिफ्रेक्टिव एरर और प्रेसबायोपिया (आरएआरईपी) के त्वरित मूल्यांकन पर वित्तपोषित राष्ट्रीय सर्वेक्षण', आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, सेवा फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2024-2025, लगभग 204 लाख रुपये।

69. ग्लूकोमा में आयुर्वेद के औषधीय पौधों का न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव - एक विट्रो मैकेनिकल अध्ययन, आचार्य जसबीर कौर, आयुष, 2 वर्ष, 2024-2026, 36.97 लाख रुपये

70. एक्सनफेल्ड रीगर सिंड्रोम पैथोजेनेसिस में नए जीन, डॉ. शिखा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 55 लाख रुपये

71. ग्लूकोमा के रोगजनन में नवीन जीन: ग्लूकोमा रोगियों और पशु मॉडल में सत्यापन, डॉ. विनय गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 130 लाख रुपये

72. एनपीसीबी "भारत भर के 200 जिलों में राष्ट्रीय ट्रैकोमैटस ट्राइकियासिस ओनली सर्वे (केवल टीटी सर्वेक्षण), आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, एनपीसीबी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 2021-2023, 2024, 523 लाख रुपये

73. पश्चिमी दिल्ली की शहरी संवेदनशील आबादी के बीच मोतियाबिंद और सामान्य नेत्र संबंधी रुग्णताओं की देखभाल हेतु पता लगाने के पैटर्न और रास्ते और स्थानीय स्वयंसेवकों का प्रभाव, डॉ. विवेक गुप्ता, स्वामी शिवानंद मेमोरियल, 7 वर्ष, 2017-2025, लगभग 79 लाख रुपये।

74. ताजा मानव कॉर्निया की तुलना में बायोइंजीनियर्ड क्रॉस-लिंक्ड मानव कॉर्निया ग्राफ्ट का उपयोग करके केराटोप्लास्टी की व्यवहार्यता का पता लगाने और नैदानिक परिणाम और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए प्रथम चरण का नैदानिक परीक्षण, आचार्य राधिका टंडन, डीएचआर, 3 वर्ष, 26 सितंबर 2023-26 सितंबर 2026, 83 लाख रुपये

75. नेत्र संबंधी नवसंवहनी स्थिति में एज़िरिन्स की संभावित एंटी-एंजियोजेनिक भूमिका, डॉ. टी. वेलापांडियन, सीएसआईआर-सीडीआरआई, 2 वर्ष, 2024-2026, 25.90 लाख रुपये

76. आयु-संबंधी न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में एंडोजिनीयस ट्रेस अमाइन (टीएएआर रिसेप्टर्स के लिगैंड) का मात्रात्मक मेटाबोलोमिक विश्लेषण: बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य की खोज में, डॉ. टी. वेलापांडियन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 31.66 लाख रुपये

10.4_.indd 1240 1/7/2026 5:16:46 PM

77. आयु-संबंधी न्यूरोजेनेरेटिव रोगों में अंतर्जात ट्रेस अमाइन (टीएएआर रिसेप्टर्स के लिगैंड) का मात्रात्मक मेटाबोलोमिक विश्लेषण: बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य की खोज में, डॉ. वेलापांडियन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 60 लाख रुपये

78. नेत्र संबंधी दुर्दमताओं में रिसेप्टर टायरोसिन काइनेज: नवीन रोगसूचक चिह्नक और चिकित्सीय लक्ष्य, डॉ. सीमा सेन, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2022-2024, 27 लाख रुपये

79. बाल चिकित्सा नेत्र दुर्दमता में हाइपोक्सिया मध्यस्थता कोशिका चयापचय की भूमिका, पीआई-सीमा कश्यप सह-पीआई नीवेटे लोमी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 35 लाख रुपये

80. रोशिनी: समावेशी व्यापक नेत्र देखभाल सेवाओं के लिए अखिल भारतीय पहल- एक बहु-केंद्रित दृष्टिकोण, आचार्य प्रवीण वशिष्ठ, सीबीएम, 3 वर्ष, 2023-2025, लगभग 689 लाख रुपये।

81. भौगोलिक एट्रोफी के लिए आरपीई आईपीएससी, डॉ राजपाल, आईस्टेम, 3 वर्ष, 2023-2026, 4 लाख रुपये

82. स्मार्टफोन आधारित पोर्टेबल और किफायती नेत्र जांच उपकरण, डॉ. साहिल अग्रवाल, आईसीएमआर (सीएआर), 5 वर्ष, 2024- 2029

83. एफएमआरआई और डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग का उपयोग करके अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोप्स में ऑक्लूजन थेरेपी के साथ संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन, रेबिका जया रामासुंदर, अंतःविषय सहयोगी इंट्राम्यूरल वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष, मार्च 2021-मार्च 2025, 1.40 लाख रुपये

84. उच्च जोखिम वाले पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी के बाद ग्राफ्ट अस्वीकृति की रोकथाम के लिए सिस्टमिक माइकोफेनोलेट मोफेटिल बनाम टॉपिकल टैक्रोलिमस - एक पायलट तुलनात्मक अध्ययन, श्रीदेवी नायर, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान, 2 वर्ष, 2025-2027, 5 लाख रुपये

85. कुछ अंतःस्रावी विघटनकर्ताओं (उच्च मात्रा वाले रसायनों) के जलीय जोखिम की सीमा, डॉ. टी वेलापांडियन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 46.50 लाख रुपये

86. इडियोपैथिक यूवाइटिस में टीएलआर4 से जुड़ा गट-ओकुलर एक्सिस: उपचार रणनीतियों को तर्कसंगत बनाने का संभावित मार्ग, डॉ. टी. वेलापांडियन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 125 लाख रुपये

87. अज्ञातहेतुक यूवाइटिस में टीएलआर4 से जुड़ा गट-आक्यूलर एक्सिस अक्ष: उपचार रणनीतियों को तर्कसंगत बनाने का संभावित मार्ग, डॉ. वेलापांडियन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2024-2028, 125 लाख रुपये

88. अच्छी गुणवत्ता वाले डोनर कॉर्निया के माध्यम से केराटोप्लास्टी की आवश्यकता वाले कॉर्नियल ब्लाइंड के रोगी उपचार में परिवर्तन, आचार्य नम्रता शर्मा, रेमेड फार्मा लिमिटेड, 1 वर्ष, 4.9 लाख रुपये

पूर्ण

1. आंखों की गति के विकार वाले बच्चों में 3डी गति बोध, रोहित सक्सेना, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 40 लाख रुपये

10.4_.indd 1241 1/7/2026 5:16:46 PM

2. प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों में पैनरेटिनल फोटोकोएग्यूलेशन लेजर की तुलना में ब्रोलुसीजुमैब 6 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने वाला 96-सप्ताह, टू-आर्म, यादृच्छिक, सिंगल-मास्क्ड, बहु-केंद्रीय, तृतीय चरण अध्ययन, राजपाल वोहरा, नोवार्टिस प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2022-2025, 5 लाख रुपये

3. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा एमवाईएल-1701पी-3001, मायलन इंक. वाले रोगियों में एमवाईएल-1701पी और आइलिया की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल मास्क्ड, सक्रिय-नियंत्रित, तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन, शौर्य वर्धन आज़ाद, क्लिंथा रिसर्च, 3 वर्ष, 2020-2023, 12 लाख रुपये

4. बचपन में निकट दृष्टि दोष की प्रगति को नियंत्रित करने के लिए एट्रोपिन 0.01% नेत्र समाधान की तुलना में एट्रोपिन सल्फेट 0.05% नेत्र समाधान की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक तृतीय चरण बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन, रोहित सक्सेना, बायोस्फीयर क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 10 लाख रुपये

5. नियोवैस्कूलर (वेट) आयु-संबंधित मैक्यूलर डीजनरेशन (एएमडी) के रोगियों में टेस्ट एफ्लिबरसेप्ट और आइलिया® के बीच प्रभावकारिता, सुरक्षा और प्रतिरक्षाजनकता की तुलना करने के लिए एक तृतीय चरण, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर समूह, बहुकेंद्रीय अध्ययन, राजपाल वोहरा, 2 वर्ष, 2023-2025, 4 लाख रुपये

6. भारत में रोगियों में डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा (डीएमई) के उपचार के लिए इंट्राविट्रियल एफ्लिबरसेप्ट की सुरक्षा का आकलन करने के लिए चौथा चरण इंटरवेंशनल पोस्ट अप्रूवल ट्रायल, विनोद कुमार, आईक्यूवीआईए, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख रुपये

7. नियोवैस्कूलर आयु-संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन के रोगियों में जीबीएल1204 की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहु-केंद्र, ओपन लेबल, सिंगल-आर्म, प्रथम चरण अध्ययन, विनोद कुमार, क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 1.5 लाख रुपये

8. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के रोगियों में आइलिया की तुलना में सीटी-पी42 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, डबल-मास्क्ड, समानांतर-समूह, तृतीय चरण अध्ययन। वित्तपोषण एजेंसी, शौर्य वर्धन आज़ाद, सिनेओस, 2 वर्ष, 2022-2024, 12 लाख रुपये

9. नियोवासकुलर आयु-संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन (एनएएमडी) के रोगियों में ब्रोलुसीज़ुमैब के इंट्राविट्रियल इंजेक्शन (आईवीआई) की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक वास्तविक-विश्व, संभावित, बहु-केंद्र, ओपन-लेबल, चौथा चरण नैदानिक अध्ययन", शौर्य वर्धन आज़ाद, आईक्यूवीईए, 1 वर्ष, 2023-2024, 5 लाख रुपये

10. भारत में एक समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करने पर एक परिचालन अनुसंधान, सैंजम सूरज सिंह, सीबीएम, 4 वर्ष, 2021-2024, 92.92 लाख रुपये

11. भारत में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करने पर एक परिचालन अनुसंधान, राधिका टंडन (अध्यक्ष), क्रिस्टोफेल ब्लाइंड मिशन (सीबीएम), 3 वर्ष, जनवरी 2021-दिसंबर 2023, 37.61 लाख रुपये

10.4_.indd 1242 1/7/2026 5:16:46 PM

12. एंजियोग्राफिक आउटफ्लो असेसमेंट: बाल चिकित्सा से वयस्क तक - ऑन सेट ग्लूकोमा, शिखा गुप्ता, एआरवीओ रोशे सहयोगी अनुसंधान फेलोशिप, 1 वर्ष, 2022-2023, 10,000 अमेरिकी डॉलर

13. दिल्ली और एनसीआर में पैयलेट्स और मेटाबोलाइट्स सहित उच्च मात्रा वाले रसायनों की जलीय भेद्यता, टी वेलापांडियन, डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, 57.13 लाख रुपये

14. अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए परीक्षण के माध्यम से नेत्र संबंधी असुविधा और नेत्र सूखापन के लक्षणों को कम करने में एमजीडी स्कोर पर सिस्टेन कम्प्लीट की प्रभावशीलता का आकलन, नम्रता शर्मा, एल्कॉन, 1 वर्ष, अक्टूबर 2023-नवंबर 2024, 15 लाख रुपये

15. कोविड-19 से ठीक हो चुके 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में कोविड के बाद के लक्षणों और पहले से मौजूद स्वास्थ्य कठिनाइयों का आकलन, सूरज सिंह सेंजम, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, लगभग 68 लाख रुपये।

16. आंखों के तेज़ और सुरक्षा के लिए एक नए ट्राइफोकल इंट्राओकुलर लेंस के दृश्य परफॉरमेंस का मूल्यांकन (ऑप्टिफ्लेक्स ट्रायो, बायोटेक यूरोप मेडिटेक), नम्रता शर्मा, बायोटेक विजन केयर प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष 3 महीने, दिसंबर 2021-मार्च 2024, 13.62 लाख रुपये

17. यूवेल मेलेनोमा के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में पिगमेंटेशन के साथ हिप्पो पाथवे का संबंध और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 32 लाख रुपये

18. द्विपक्षीय सीकाट्रीजिंग नेत्र सतह रोग वाले रोगी में संवर्धित मौखिक म्यूकोसल एपियिलियल प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन।, राधिका टंडन, डीबीटी, 5 वर्ष, 2017-2023, 59.16 लाख रुपये

19. मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा के बाद टॉपिकल कॉर्टिकोस्टेरॉइड बनाम टॉपिकल एनएसएआईडी की प्रभावकारिता की तुलना, रोहित सक्सेना, सन फार्मा, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये

20. कॉर्नियल अपारदर्शिता एवं अंधापन सर्वेक्षण हरियाणा, प्रवीण वशिष्ठ, हरियाणा राज्य अंधापन नियंत्रण सोसायटी, 1 वर्ष, 2023-2024, लगभग 10 लाख रुपये।

21. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नेत्र ऊतकों के दान पर जागरूकता के प्रदर्शन, कार्यप्रणाली, विकास, प्रदर्शनी और प्रचार, जागरूकता में अंतराल को मानचित्रण एवं अनुसंधान करना। राजेश सिन्हा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2020-2024 (कोविड के कारण 3 वर्ष की परियोजना को 1 वर्ष के लिए बढ़ाया गया), 48 लाख रुपये

22. एक्सेनफेल्ड रीगर सिंड्रोम (एआरएस) के संबंध में प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा (पीसीजी) के डेसिमेट झिल्ली और ट्रैबिकुलर मेश के कार्य संबंधी विशेषताएं, शिखा गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

23. नेत्र संबंधी वायरल संक्रमणों में हर्पीज़ सिम्प्लेक्स वायरस टाइप 1 और टाइप 2, साइटोमेगालोवायरस, वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस और एडेनोवायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान, 24 महीने, 2016-2018, 7.7 लाख रुपये।

24. सार्स कोविड-19 के रोगियों के आंसुओं और नेत्रश्लेष्मला स्रावों में कोरोनावायरस का मूल्यांकन, देवांग अंगमो, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अप्रैल 2020-अप्रैल 2022, 10 लाख रुपये

10.4_.indd 1243 1/7/2026 5:16:47 PM

25. ग्लूकोमा में एंडोथेलिन और रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरआरएएस) का मूल्यांकन, नवनीता हलदर, एम्स, 3 वर्ष (कार्यकाल विस्तार मिला), 2021-2024, 10 लाख रुपये

26. यूनानी फॉर्मूलेशन की प्रतिरक्षा नियामक और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का मूल्यांकन, आलोक कुमार रवि, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2021-2024, 36.47 लाख रुपये

27. एक्सेनफेल्ड रीगर सिंड्रोम के मामलों में ज्ञात और नवीन उत्परिवर्तनों का परीक्षा अनुक्रमण आधारित पता लगाना, शिखा गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

28. जूवेनाईल ऑन-सेट ओपन एंगल ग्लूकोमा (जेओएजी) से जुड़े नए और कारणात्मक उत्परिवर्तनों का अनुक्रमण आधारित पता लगाने की परीक्षा, विनय गुप्ता, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2017-2020, 68 लाख रुपये

29. डायबिटिक रेटिनोपैथी में माइक्रोआरएनए सिगनेचरों की पहचान: नैदानिक महत्व, जसबीर कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 36.91 लाख रुपये

30. भारत में अल्ट्रा वायलेट विकिरण (यूवीआर) और एरोसोल एक्सपोजर का नेत्र स्वास्थ्य पर प्रभाव, बहु-केंद्रित अध्ययन, राधिका टंडन/प्रवीण वशिष्ठ, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 2024, लगभग 4.50 लाख रुपये।

31. ओकुलर कीमोपोर्ट, रोहन चावला, एम्स-आईआईटी इंट्रामुरा, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

32. मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा के लिए जेब से भुगतान: एक सर्वेक्षण उपकरण का अनुकूलन और पायलट परीक्षण, विवेक गुप्ता, एलएसएचटीएम, 1 वर्ष, जून 2022-सितंबर 2022, 2 लाख रुपये

33. जूवेनाईल ऑन सेट पीओएजी रोगियों के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के रिश्तेदारों में नेत्र उच्च रक्तचाप/ग्लूकोमा का प्रचलन, शिखा गुप्ता, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2014-2016, 15 लाख रुपये

34. नेत्र संबंधी दुर्दमताओं में रिसेप्टर टायरोसिन काइनेज: नवीन रोगसूचक चिह्नक और चिकित्सीय लक्ष्य (सीएसआईआर2020-2024), सीमा सेन, सीएसआईआर, 4 वर्ष, 2020-2024, 30 लाख रुपये

35. बाल चिकित्सा नेत्र दुर्दमता में हाइपोक्सिया मध्यस्थता कोशिका चयापचय की भूमिका, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2020-नवंबर 2023, 35 लाख रुपये

36. शुष्क नेत्र रोग के उपचार के लिए साइक्लिसिस पीएफ, प्रिजर्वेटिव फ्री साइक्लोस्पोरिन ऑप्थाल्मिक सॉल्यूशन 0.05% की सुरक्षा प्रोफ़ाइल और प्रभावकारिता, नम्रता शर्मा, आईएनटीएएस, 8 महीने, जून 2023-फरवरी 2024, 2.3 लाख रुपये

37. जेओएजी से जुड़े हुए ज्ञात और नवीन आनुवंशिक विविधताओं की जांच, विनय गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2022, 33 लाख रुपये

38. नेत्र संक्रमणों से पृथक रोडोटोरुला प्रजातियों की पहचान, कवकरोधी संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और बायोफिल्म निर्माण, निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान, 12 महीने, 2019-2020, 5 लाख रुपये।

39. नेत्र संक्रमणों से पृथक कैंडिडा प्रजातियों की पहचान, एंटीफंगल संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और विषाणु कारक, निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान, 24 महीने, 2021-2023, 5 लाख रुपये।

10.4_.indd 1244 1/7/2026 5:16:47 PM

40. स्माईल और लेसिक से गुजरने वाले मामलों में टियर फिल्म इन्फ्लेमेटरी मेडिएटर्स विश्लेषण, जीवन एस टिटियाल, ज़ीस, 5 वर्ष, 2019-2025, 30 लाख रुपये

41. आरएनए अनुक्रमण द्वारा जूवेनाईल ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा रोगियों के ट्रैबेकुलरमेश कार्य में ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग, विनय गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 130 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंधों सहित)

जारी

1. शुष्क नेत्र रोग और लिम्बल स्टेम सेल की कमी वाले रोगियों में मानव नेत्र माइक्रोबायोम का मूल्यांकन करने के लिए एक मेटाजेनोमिक दृष्टिकोण

2. आरओपी नेत्र शल्य चिकित्सा के लिए समय से पहले जन्मे शिशुओं में रिकवरी समय के लिए एलएमए बनाम ईटीटी के बीच एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक विश्लेषण

3. बाल चिकित्सा आयु वर्ग में उन्नत मोनोफोकल आईओएलएस के दृश्य परिणामों की तुलना करने के लिए एक अध्ययन

4. रेटिनल वास्कुलिटिस का एम्बिस्पेक्टिव विश्लेषण - अल्ट्रा-वाइड-फील्ड इमेजिंग के साथ नैदानिक सहसंबंध - एम्सएसए1691/ 09.07.2024

5. गैर-संक्रामक यूवाइटिस में एडालिमुमैब/एडालिमुमैब बायोसिमिलर्स की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन

6. तीव्र ऑप्टिक न्यूरिटिस और इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी में न्यूरो-रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों का विश्लेषण और नैदानिक विशेषताओं और दृश्य परिणामों के साथ उनका संबंध

7. कॉर्निया के साथ वायरल कंजेक्टिवाईटिस में नेत्र सतह मापदंडों और टीयर इंफलेमेट्री मध्यस्थों का विश्लेषण

8. शुष्क नेत्र रोग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

9. शल्य चिकित्सा के बाद अतिरिक्त नेत्रीय मांसपेशियों की एएसओसीटी निर्देशित इमेजिंग।

10. भेंगापन वाले बच्चों में ईआरक्यूओएल का मूल्यांकन

11. पलक विकृति के पुनर्निर्माण में कर्ण त्वचा-उपास्थि ग्राफ्ट

12. पलक विकृति के पुनर्निर्माण में कर्ण त्वचा-उपास्थि ग्राफ्ट

13. बचपन में निकट दृष्टि दोष में बायोमैकेनिकल और ओक्टोबेर परिवर्तन

14. वेट एएमडी में एंटीवीईजीएफ इंट्राविट्रियल थेरेपी की प्रतिक्रिया में एक्वयस ह्यूमर में वीईजीएफ, आईएल-6, और 1एल-1बीटा के स्तर में परिवर्तन

15. लेट्रल रेक्टस पैलसी में इंफिरियर रेक्टस ट्रांसपोज़िशन के नैदानिक परिणाम

16. वर्तमान युग में एकतरफा रेटिनोब्लास्टोमा का क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफाइल और उपचार परिणाम।

17. वर्तमान युग में एकतरफा रेटिनोब्लास्टोमा की क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफ़ाइल और उपचार के परिणाम' एपोन्यूरोटिक पटोसिस में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी

10.4_.indd 1245 1/7/2026 5:16:47 PM

18. ग्लूकोमा से पीड़ित बच्चों में संज्ञानात्मक परिवर्तन और दृश्य कार्य और संवेदनाहरण के संपर्क के कारण उनका सहसंबंध

19. डब्ल्यूएचओ-आईसीएफ (कार्य, विकलांगता और स्वास्थ्य का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण) का उपयोग करते हुए दिल्ली की वयस्क आबादी में विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन

20. प्राथमिक कोणीय क्लोजर ग्लूकोमा में एंडोस्कोपिक साइक्लोफोटोकोएग्यूलेशन के साथ संयुक्त फेकोइमल्सीफिकेशन बनाम अलोन फेकोइमल्सीफिकेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

21. माइक्रोबियल केराटाइटिस के मामलों में चिकित्सीय केराटोप्लास्टी के बाद नैदानिक निदान, कॉर्नियल स्क्रैपिंग के कल्चर परिणामों और कॉर्नियल ऊतक के हिस्टोपैथोलॉजी परिणामों की तुलना"। (एमडी शोध प्रबंध)

22. जीए के तहत लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा करवाने वाले बाल चिकित्सा रोगियों पर पीसीवी बनाम वीसीवी के बीच यांत्रिक शक्ति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

23. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस शल्य चिकित्सा में ओपिओइड स्पैरिंग प्रोटोकॉल की केटोडेक्स बनाम फेंटेनाइल के साथ तुलना: एक संभावित डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन

24. प्रारंभिक प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा में विभिन्न प्रकार के इंट्राओकुलर लेंस के परिणामों की तुलना - मुख्य गाइड

25. यूबीएम का उपयोग करते हुए पटोसिस में पलक की विशेषताओं में एमएमसीआर से पहले और बाद के परिवर्तनों की तुलना। (एमडी शोध प्रबंध)

26. अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी का उपयोग करके पटोसिस में पलक की विशेषताओं में पहले और बाद के एमएमसीआर परिवर्तनों की तुलना।

27. छोटे कॉर्नियल छिद्रों के उपचार में टेनन पैच ग्राफ्ट और स्माईल लेंटिक्यूल की तुलना

28. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित संशोधित थोरैकोएब्डॉमिनल ब्लॉक थ्रू पेरीकॉन्ड्रियल अप्रोच (एम-टीएपीए) की एक्सटर्नल ऑब्लिक प्लेन ब्लॉक (ईएक्सओपी) बनाम एम-टीएपीए से तुलना: एक संभावित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंडेड अध्ययन

29. रेटिनोब्लास्टोमा में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड

30. निकट दृष्टि दोष वाले बच्चों में कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स एवं ओक्टोबेर पैरामीटर

31. ब्लेफेरोफिमोसिस सिंड्रोम में पारंपरिक वाईवी मेडियल कैन्थोप्लास्टी बनाम बेयर बोन तकनीक द्वारा टेलीकैंथस और एपिकैंथस इनवर्सस का सुधार

32. प्रणालीगत स्वप्रतिरक्षी विकारों में रोग की गंभीरता के साथ टीयर इंफलेमेट्री मध्यस्थों और सीरम स्वप्रतिपिंडों का सहसंबंध

33. वर्नल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस में रोग की गंभीरता और गतिविधि के साथ टीयर इंफलेमेट्री मध्यस्थों का सहसंबंध

34. एकतरफा आरबी में जनसांख्यिकीय अध्ययन (एमडी शोध प्रबंध)

10.4_.indd 1246 1/7/2026 5:16:47 PM

35. सर्पिगिनस और सर्पिगिनस-जैसे कोरॉइडाइटिस वाले रोगियों के एक्वयस ह्यूमर में हर्पीजविरिडे फेमीली के सदस्यों के डीएनए का पता लगाना: एक पीसीआर-आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन - एम्सएए3491/11.03.2025

36. स्त्री रोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिय करवा रहे रोगियों में प्रोसील लेरिंजियल मास्क एयरवे के कफ दबाव पर एयरवे दबाव का प्रभाव

37. संवेदनाहरण के इनहेलेशन इंडक्शन करवा रहे बच्चों में ऑपरेशन से पूर्व की चिंता पर इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी बनाम इंट्रानेजल मिडाज़ोलम का प्रभाव: एक संभावित, यादृच्छिक, नियंत्रित अध्ययन

38. सामान्य संवेदनाहरण के तहत शल्य चिकित्सा करवा से गुजर रहे कुपोषित बच्चों में ऑपरेशन के पश्चात एटेलेक्टासिस पर अनुमानित बनाम वास्तविक शरीर के वजन आधारित ज्वारीय मात्रा सेटिंग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

39. कॉर्नियल अपारदर्शिता वाले रोगियों में टॉपिकल लोसार्टन का प्रभाव - एक पायलट अध्ययन

40. ग्लूकोमा में यूनानी फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता को स्पष्ट करना

41. मधुमेह रेटिनोपैथी में एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन: प्रमुख नियामक नेटवर्क और आणविक लक्ष्यों की पहचान (पीएचडी शोध प्रबंध)

42. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के भारीपन का अनुमान लगाना और केराटोप्लास्टी की आवश्यकता का पूर्वानुमान लगाना

43. बचपन में निकट दृष्टि दोष के उपचार और रोकथाम के लिए मूल्यांकित अंतःपरंपरागत तौर-तरीके

44. प्रीपेरिमेट्रिक और प्रारंभिक ग्लूकोमा में ओसीटीए वाहिका घनत्व पर डोरज़ोलैमाइड बनाम नेटारसुडिल के प्रभाव का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

45. पीसीजी में नीडल अस्सिटिड सरकमफेरीटियल गोनियोटॉमी के परिणामों का मूल्यांकन

46. क्रोनिक सीएससीआर वाले रोगियों में टॉपिकलडिफ्लुप्रेडनेट बनाम ओरल एप्लेरेनोन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन। एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

47. ईएसओ-डीआरएस में निशिदा प्रक्रिया की प्रभावकारिता का मूल्यांकन

48. प्रिजर्वेटिव बनाम प्रिजर्वेटिव-फ्री एंटीग्लूकोमा दवाओं पर ग्लूकोमा रोगियों में नेत्र सतह परिवर्तनों के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन

49. एसोट्रोपिक डुएन रिट्रैक्शन सिंड्रोम में निशिदा प्रक्रिया का मूल्यांकन

50. डिस्क एडिमा, स्यूडो डिस्क एडिमा और मायोपिया के मामलों में पेरिपैपिलरी हाइपरफ्लेक्टिव ओवॉइड मास जैसी संरचना (पीएचओएमएस) का मूल्यांकन

51. तंत्रिका विज्ञान संबंधी विकारों पर कुछ निश्चित पर्यावरण प्रदूषकों की भागीदारी का मूल्यांकन

52. सामान्य संवेदनाहरण के तहत एक्स्ट्राऑक्यूलर ऑकुलोप्लास्टी शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों के लिए यूएसजी निर्देशित या सहायता प्राप्त क्षेत्रीय संवेदनाहरण तकनीकों का मूल्यांकन - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण"

10.4_.indd 1247 1/7/2026 5:16:47 PM

53. ग्लूकोमा के रोगियों में तनाव का पता लगाना और इंटरवेंशन के उपाय।

54. ग्लूकोमा के रोगियों में तनाव की खोज और इंटरवेंशन के उपाय।

55. अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया में डिकोप्टिक्स थेरेपी से पहले और बाद में कार्यात्मक एमआरआई और डीटीआई परिवर्तन

56. अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया में ऑक्लूजन थेरेपी से पहले और बाद में कार्यात्मक एमआरआई और अक्टूबर एंजियोग्राफी परिवर्तन

57. हिप्पो सिग्नलिंग मार्ग और यूवियल मेलेनोमा में इसका जैविक कार्य

58. जेओएजी में ऑक्सीडेटिव फॉस्फोराइलेशन कॉम्प्लेक्स परिवर्तनों की पहचान

59. किशोर ओपन एंगल ग्लूकोमा में ऑक्सीडेटिव फॉस्फोराइलेशन कॉम्प्लेक्स परिवर्तनों की पहचान। (पीएचडी शोध प्रबंध)

60. प्राथमिक स्तर पर मधुमेह रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा की स्क्रीनिंग एवं उपचार के लिए रेफरल के लिए एकीकृत मॉडल - एक परिचालन अनुसंधान

61. प्राथमिक स्तर पर मधुमेह रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा की स्क्रीनिंग एवं उपचार रेफरल के लिए एकीकृत मॉडल - एक परिचालन अनुसंधान

62. यूवाइटिस के लिए इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट

63. ट्रैकोमैटस कॉर्नियल अपारदर्शिता में दृष्टि पुन:प्राप्त करने के लिए केराटोप्लास्टी: एक व्यापक अध्ययन (एमडी शोध प्रबंध 2025)

64. लाक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर: नैदानिक स्पेक्ट्रम और उपचार परिणाम

65. पीडीआर में लेज़र बनाम इंट्राविट्रियल

66. ट्राइकियासिस के रोगियों में मेबोग्राफी: इटियोलॉजी निर्धारित करने में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज

67. आँखों में संक्रमण पैदा करने वाले यीस्ट का सूक्ष्म जैवविज्ञानी प्रोफ़ाइल

68. आँखों में संक्रमण पैदा करने वाले यीस्ट का सूक्ष्म जैवविज्ञानी प्रोफ़ाइल

69. जेओएजी के रोगजनन में माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम वेरिएंट और मातृ वंशानुक्रम

70. यूवीअल मेलेनोमा में मेलानोजेनेसिस मार्ग का आणविक तंत्र

71. पेथैलेट्स के पर्यावरणीय संपर्क के कारण इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में शामिल आणविक तंत्र

72. स्ट्रैबिस्मस में मल्टीमॉडल इमेजिंग।

73. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा के द्वितीय एवं तृतीय चरण का बहुविध उपचार: एक इंटरवेंशनल पायलट अध्ययन (डीएम शोध प्रबंध)

74. हल्के से मध्यम लिम्बल स्टेम सेल की कमी में मल्टीफ़ेज़िक माइसेलर नैनो पार्टिकल (एमएनपी) साइक्लोस्पोरिन

10.4_.indd 1248 1/7/2026 5:16:47 PM

75. विकलांग और गैर-विकलांग छात्रों के बीच सहायक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता, उपयोग और पहुँच में बाधाएँ

76. एक्सेनफेल्ड रीगर सिंड्रोम रोगजनन में नोवेल जीन

77. जैव-चिकित्सा का नेत्रीय विन्यास और रक्त नेत्रीय अवरोधों में पेप्टाइड ट्रांसपोर्टरों की भूमिका

78. म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस के रोगियों में नेत्र संबंधी अभिव्यक्ति: मूल्यांकन पद्धतियों की भूमिका

79. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में नेत्र सतह माइक्रोबायोम प्रोफाइलिंग

80. ऑनलाइन सर्कुलर कॉन्ट्रास्ट पेरिमेट्री द्वारा किफायती, स्केलेबल और सुलभ ग्लूकोमा आउटरीच सेवाएं प्रदान करना

81. ऑनलाइन सर्कुलर कॉन्ट्रास्ट पेरिमेट्री द्वारा किफायती, स्केलेबल और सुलभ ग्लूकोमा आउटरीच सेवाएं प्रदान करना

82. ऑप्टिक डिस्क पिट मैकुलोपैथी एम्बिस्पेक्टिव समीक्षा

83. ट्रैकोमैटस केराटोपैथी वाले रोगियों में कॉर्नियल प्रत्यारोपण के परिणाम

84. बाहरी कोणीय डर्मोइड सिस्ट को निकालने के लिए नवीन निशानरहित दृष्टिकोण के परिणाम

85. रेटिनोब्लास्टोमा के नियमन और प्रगति में ऑक्सीजन सेंसिंग सिग्नलिंग

86. अनकरेक्कटिड प्रेसबायोपिया के उपचार के लिए पिलोकार्पिन 1.25%

87. पोस्ट एनएसीटी इन ओएसएसएन (एमडी थीसिस)

88. उन्नत इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में संयुक्त पेरीओकुलर टोपोटेकन और प्रणालीगत कीमोथेरेपी की भूमिका। (एमडी शोध प्रबंध)

89. नेत्र सतह स्क्वैमस नियोप्लासिया में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की भूमिका - एक संभावित अध्ययन जारी है

90. अल्जाइमर को गैर-अल्जाइमर मनोभ्रंश से अलग करने में ओसीटीए की भूमिका

91. क्रोनिक सीएससीआर में स्टेरॉयड की भूमिका

92. क्रोनिक स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम के साथ केराटिनाइजेशन के साथ नेत्र सतह विकार के उपचार में मिनी स्क्लेरा कॉन्टैक्ट लेंस के साथ टॉपिकल पामिटेट की भूमिका (एमडी थीसिस)

93. ज़ोन 1 एआरओपी में इंट्राविट्रियल रैनिबिज़ुमैब इंजेक्शन के बाद ज़ोन 2 पोस्टीरियर स्पेयरिंग लेज़र की भूमिका - एक ओपन लेबल आरसीटी - एम्स एसए2929/03.01.2025

94. ऊपरी लिम्ब की शल्य चिकित्सा के लिए चयनात्मक ट्रंकल ब्लॉक बनाम कॉर्नर पॉकेट ब्लॉक - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

95. फोकल डायबिटिक मैक्युलर एडिमा में एसटीएल

96. जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी में केराटोप्लास्टी के दीर्घकालिक परिणाम और नैदानिक एवं आनुवंशिक मापदंडों के साथ सहसंबंध का अध्ययन

10.4_.indd 1249 1/7/2026 5:16:47 PM

97. उच्च जोखिम वाले पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी के बाद ग्राफ्ट अस्वीकृति की रोकथाम के लिए सिस्टमिक माइकोफेनोलेट मोफेटिल बनाम टॉपिकल टैक्रोलिमस - एक पायलट तुलनात्मक अध्ययन

98. वैश्विक रेटिनोब्लास्टोमा 2024 अध्ययन

99. ग्लूकोमा में पादप आधारित फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता

100. ग्लूकोमा में पादप आधारित फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता। (पीएचडी शोध प्रबंध)

101. वर्तमान युग में रेटिनोब्लास्टोमा के क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफाइल और उपचार परिणामों का अध्ययन करना

102. जन्मजात द्विपक्षीय दृश्य अक्ष अपारदर्शिता के साथ जनमें शिशुओं तथा बच्चों में दृष्टि रिस्टोरेशन के बाद शारीरिक, कार्यात्मक और तंत्रिका-संज्ञानात्मक परिणामों का अध्ययन करना - एक व्यापक अध्ययन

103. रिफ्रेक्टिव शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में परिवर्तित कॉर्नियल बायोमैकेनिकल शक्ति में योगदान करने वाले कारकों का अध्ययन करना

104. मल्टीमॉडल थेरेपी के बाद एक्स्ट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार के परिणाम - एक संभावित अध्ययन

105. एपोन्यूरोटिक पटोसिस में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी

106. एपोन्यूरोटिक पटोसिस में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी

107. रेटिनल कोशिका एंजियोमैटोसिस की अल्ट्रा-वाइडफील्ड ओक्टोबेर विशेषताएं

108. मैक्सिलरी में इंट्राऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए यूएसजी निर्देशित सुप्राज़ीगोमैटिक मैक्सिलरी नर्व ब्लॉक शल्य चिकित्सा: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

109. रेटिनोपैथी प्रिमेच्योरेटी शल्य चिकित्सा प्रक्रिया से करवा रहे शिशुओं में वायुमार्ग उपचार के लिए लेरिंजियल मास्क एयरवे की उपयोगिता: सिंगल-आर्म नैदानिक परीक्षण।

पूर्ण

1. मेबोमियन ग्रंथि रोग वाले लोगों में इवॉल्वटीएम प्योर आईलिड वाइप्स के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक डबल-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

2. रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित बच्चों में संवेदनाहरण संबंधी चिंताओं, उपचार और ब्रैकीथेरेपी के परिणामों पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन

3. एकैंथेमोइबा केराटाइटिस: उत्तर भारत के एक तृतीयक नेत्र उपचार केंद्र का अनुभव

4. इरिडोफंडल कोलोबोमा से संबंधित रेटिनल डिटैचमेंट में 25 गेज एमआईवीएस के शारीरिक और कार्यात्मक परिणाम

5. शुष्क नेत्र रोग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

6. ट्राइकियासिस के फेनोटाइप, कारणों और सहसंबंधों का ऑडिट: एक डब्ल्यूएचओ ट्रेकोमा सहयोगी अध्ययन

10.4_.indd 1250 1/7/2026 5:16:47 PM

7. केंद्रीय लाइन से संबद्ध रक्त प्रवाह संक्रमणों की जीवाणु विज्ञान प्रोफ़ाइल, बायोफिल्म निर्माण और प्रतिरोध पैटर्न के विशिष्ट संदर्भ के साथ, तथा प्रतिक्रिया और परिणाम के साथ उनका सहसंबंध।

8. डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के कोविड-19 से ठीक हुए स्वास्थ्यकर्मियों में नैदानिक परिणाम

9. वंशानुगत रेटिनल डिस्ट्रोफी की क्लिनिकोजेनेटिक प्रोफ़ाइल

10. बाल चिकित्सा एनोरेक्टल शल्य चिकित्सा में सैक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम कॉडल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता के बीच तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

11. स्थानीय सामयिक उपचार के तहत प्रत्याशित कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियो-लैरिंजोस्कोप का उपयोग करके जागृत नासोट्रैकियल इंटुबैशन की तुलना।

12. बाल चिकित्सा ग्लूकोमा में आईकेयर आईसी200 और पर्किन टोनोमेट्री की तुलना

13. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में ओपिओइड मुक्त संवेदनाहरण प्रोटोकॉल की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

14. प्रारंभिक प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा में विभिन्न प्रकार के इंट्राओकुलर लेंस के परिणामों की तुलना - मुख्य गाइड

15. बच्चों में सब्लिंगुअल और इंट्रानेजल डेक्समेडेटोमिडाइन के फार्माकोकाइनेटिक्स और प्रशामक प्रभाव की तुलना: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन

16. छोटे कॉर्नियल छिद्रों के उपचार में टेनन पैच ग्राफ्ट और स्माईल लेंटिक्यूल की तुलना

17. वयस्क रोगियों में सिमुयुलेटेड सरवाइकल स्पाईन इमोब्लाईणेसन में वीडियो लैरींगोस्कोपी के दौरान लचीले टिप बोगी बनाम मानक बोगी के साथ अंतःश्वासनलीय इंटुबैशन के लिए समय की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

18. कुपोषित बाल रोगी में स्वरयंत्र मास्क वायुमार्ग के चयन हेतु आयु के अनुसार वजन बनाम वजन की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक क्रॉसओवर परीक्षण

19. किशोर प्रारंभिक प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (जेओएजी) के रोगियों में पूर्ववर्ती खंड अक्टूबर विशेषताओं के साथ चयनात्मक लेजर ट्रेबेकुलोप्लास्टी परिणामों का सह-संबंध

20. नेत्रजनित जीवाणुओं के एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न और अस्पताल में भर्ती मरीजों में एंटीबायोटिक उपयोग का सहसंबंध- रोगाणुरोधी उपचार की दिशा में एक कदम

21. सिस्टेमेटिक ऑटोइम्यून विकारों में टीयर इंफलेमेट्री मध्यस्थों और सीरम ऑटोएंटीबाडीज का सहसंबंध

22. द्विपक्षीय समकालिक सक्रिय केराटाइटिस की जनसांख्यिकी, जोखिम कारक, नैदानिक एवं सूक्ष्मजीवविज्ञानी विशेषताएं और दृश्य परिणाम

23. ग्लूकोमा रोगियों में अंतःनेत्र दबाव और स्वायत्त क्रियाओं पर 365 श्वास तकनीक का प्रभाव

10.4_.indd 1251 1/7/2026 5:16:47 PM

24. बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा में ड्राइविंग दबाव पर इंट्रा-एब्डॉमिनल प्रेशर गाइडेड पॉजिटिव एंड एक्सपिरेटरी प्रेशर का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

25. नेत्र उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में आईओपी पर माइंडफुलनेस मेडिटेशन का प्रभाव

26. पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी के बाद के रोगियों में कॉर्नियल एंडोथेलियम पर टॉपिकल ब्रिनज़ोलैमाइड का प्रभाव

27. पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी के बाद के रोगियों में कॉर्नियल एंडोथेलियम पर टॉपिकल ब्रिनज़ोलैमाइड का प्रभाव

28. लोवर सेक्शन सिजेरियन सेक्शन प्रसव के दौरान गर्भाशय की कमजोरी की रोकथाम में कैल्शियम ग्लूकोनेट की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

29. प्राथमिक एंगल क्लोज़र ग्लूकोमा में माइक्रोपल्स की प्रभावकारिता

30. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा और प्राथमिक एंगल क्लोज़र ग्लूकोमा वाले रोगियों में अंत:विकसित कोर्टिसोल प्रोफ़ाइल और मनोवैज्ञानिक तनाव के साथ सहसंबंध

31. सगोत्रीय विवाह में ग्लूकोमा की गंभीरता का मूल्यांकन

32. वैकल्पिक अंतःनेत्र शल्यचिकित्सा करवा रहे रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व कंजंक्टिवल स्वैब के महत्व का मूल्यांकन: एक पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन

33. हिस्टोपैथोलॉजिकल और नैदानिक सहसंबंध के साथ इंट्राऑपरेटिव बैंड्स का मूल्यांकन।

34. रिफेक्टरी ग्लूकोमा में अहमद ग्लूकोमा वाल्व (एजीवी) के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन

35. एकतरफा तीव्र रासायनिक चोट में मानव एमनियोटिक झिल्ली (एचएएम) ग्राफ्ट के विकल्प के रूप में संशोधित पॉली-कैप्रोलैक्टोन (पीपीसीएल) का मूल्यांकन: एक पायलट नैदानिक परीक्षण

36. एक्सट्रा लार्ज एंगल एक्सोट्रोपिया में हैंग बैक रिसेस के साथ रेक्टस मांसपेशी प्लिकेशन का मूल्यांकन।

37. हारिजोंटल कोमिटेंट भेंगापन में शल्य चिकित्सा परिणामों का मूल्यांकन।

38. प्राथमिक ग्लूकोमा में एफएनआईआरएस का उपयोग करके विजुवल कारट्रेक्स गतिविधि का मूल्यांकन

39. एआरएमडी और मधुमेह रेटिनोपैथी वाले रोगियों में मोतियाबिंद सर्जरी के दृश्य परिणामों का मूल्यांकन, पूर्व-शल्य चिकित्सा भविष्यवाणियां और रोगी संतुष्टि

40. मेइबोमियन ग्रंथि के डिस्फ़शन का अस्पताल-आधारित प्रचलन

41. जन्मजात ग्लूकोमा की घटना - एक बहुकेंद्रीय परीक्षण

42. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार नेत्र केंद्र में संक्रामक केराटाइटिस उत्पन्न करने वाले प्रमुख जीवाणु रोगजनकों और उनकी रोगाणुरोधी संवेदनशीलता

43. ग्लूकोमा की आशंका और प्रारंभिक ग्लूकोमा में मैक्यूलर इमेजिंग

10.4_.indd 1252 1/7/2026 5:16:47 PM

44. ट्राइकियासिस के रोगियों में मेबोग्राफी: इटियोलॉजी निर्धारित करने में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज

45. ट्राइकियासिस के रोगियों में मेबोग्राफी: ट्राइकियासिस के इटियोलॉजी का निर्धारण करने में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज

46. महामारी कंजैक्टिवाइटिस/केराटोकोनजंक्टिवाइटिस से पीड़ित रोगियों की सूक्ष्मजीवविज्ञानी प्रोफ़ाइल और नैदानिक विशेषताएँ - एक तृतीयक उपचार नेत्र केंद्र का अनुभव

47. माइकोटिक केराटाइटिस और आक्रामक संक्रमणों से कवक का आणविक लक्षण वर्णन और प्रत्यक्ष पता लगाने और संवर्धन जैसे पारंपरिक तरीकों के साथ तुलना

48. हल्के से मध्यम लिम्बल स्टेम सेल की कमी में मल्टीफेसिक माइसेलर नैनो पार्टिकल (एमएनपी) साइक्लोस्पोरिन

49. उत्तर भारत में माइकोटिक केराटाइटिस: एक तृतीयक उपचार नेत्र केंद्र से सात वर्षों का पूर्वव्यापी अवलोकनात्मक विश्लेषण

50. म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस के रोगियों में नेत्र संबंधी अभिव्यक्तियाँ: मूल्यांकन पद्धतियों की भूमिका

51. वर्नल केराटोकोनजंक्टिवाइटिस में नेत्र सतह का मूल्यांकन

52. प्रीमेच्योरिटी के आक्रामक पोस्टीरियर रेटिनोपैथी और ज़ोन I प्रीमेच्योरिटी रेटिनोपैथी का संभावित अवलोकन अध्ययन।

53. ओरल वीडियो लैरींगोस्कोप फीडबैक के बिना प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोपी द्वारा किए गए नोवोइस एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा एंडोट्रेकियल इंटुबैशन में लगने वाले समय की तुलना मौखिक वीडियो लैरींगोस्कोप फीडबैक के साथ प्रत्यक्ष लेरिंगोस्कोपी से करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

54. सटीक और सुरक्षित अंतःश्वासनलीय इंटुबैशन के लिए रोबोटिक इंटुबैशन प्रणाली - एक प्रारंभिक रिपोर्ट

55. तीव्र पेनक्रियाट्रिटस में डूयल ऊर्जा सीटी की भूमिका

56. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित बाल रोगियों में सुप्राहिओइड वायुमार्ग मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांकन - एक पायलट, अवलोकन अध्ययन।

57. नेत्र संक्रमणों में कोगुलेज़ नकारात्मक स्टैफिलोकोकी की प्रजातियों की पहचान और विषाणु कारकों का निर्धारण

58. नेत्र संक्रमण से पृथक कैंडिडा प्रजातियों की पहचान, एंटीफंगल संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और विषाणु कारक

59. स्थानीय रूप से उन्नत वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट आणविक लक्षित थेरेपी (टीकेआई) की प्रतिक्रिया का आकलन करने में स्पेक्ट्रल डुअल एनर्जी सीटी।

60. उत्तर भारत में बैक्टीरियल केराटाइटिस का स्पेक्ट्रम - एक तृतीयक उपचार नेत्र केंद्र द्वारा छह वर्षीय पूर्वव्यापी अध्ययन

61. सीएसआर के लिए एसआरएल

10.4_.indd 1253 1/7/2026 5:16:47 PM

62. मधुमेह मैक्युला एडिमा के लिए एसटीएल

63. नेत्र उच्च रक्तचाप बनाम आयु-मिलान नियंत्रण में मैक्युला के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन

64. ईडियोपैथिक मैक्युलर छिद्र के उपचार में शल्य चिकित्सा की धारणाएँ और प्राथमिकताएँ-एए-1/05.03.2024

65. एनआईआरएस का उपयोग करके मस्तिष्क ऑक्सीजनेशन पर पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन का प्रभाव और निचले खंड सिजेरियन से गुजरने वाली पूर्णकालिक प्रसूति में नवजात परिणामों पर एक संभावित अवलोकन अध्ययन

66. प्रोलिफेरेटिव रेटिनोपैथी और विट्रीयस रक्तस्राव में विट्रेक्टोमी के लिए इंट्रा-ऑपरेटिव फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करना

67. वीकेसी में टोपोग्राफिक प्रोफ़ाइल - स्वेप्ट स्रोत एंटिरियर सेगमेंट ओसीटी की भूमिका की खोज

68. मोटे रोगियों में कठिन लेरिंगोस्कोपी की संभावना के लिए वायुमार्ग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन - एक संभावित अवलोकन पायलट अध्ययन।

69. फीमर की गर्दन और इंटर ट्रोकैनटेरिक फ्रैक्चर के लिए शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों में केंद्रीय न्यूरैक्सियल ब्लॉक से पहले स्थिति में सुधार के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

70. कल्चर नेगेटिव संक्रमणों के सूक्ष्म जीव विज्ञान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग

71. पलक की विकृति के सुधार के लिए पूर्ण मोटाई वाली त्वचा के ग्राफ्ट प्रत्यारोपण में फाइब्रिन गोंद बनाम टांके का उपयोग।

72. प्रोलिफेरेटिव विट्रेओ-रेटिनोपैथी के साथ रेटिनल डिटैचमेंट में सहायक के रूप में इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट का उपयोग

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. 18एफ एफडीजी रेडियोमिक्स और रेडियोजेनोमिक्स प्रोफाइलिंग इन रेटिनोब्लास्टोमा, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी परियोजना

2. रेटिनोब्लास्टोमा पर 5 वर्षीय कैन किड्स परियोजना, कैनकिड्स

3. डोनर कॉर्निया के संक्रमण मुक्ति के लिए पोविडोन आयोडीन के दोहरे और एकल अनुप्रयोग का तुलनात्मक मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

4. तीव्र ऑप्टिक न्यूरिटिस और इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी में न्यूरो-रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों का विश्लेषण और नैदानिक विशेषताओं और दृश्य परिणाम के साथ उनका संबंध, तंत्रिका विज्ञान

5. मृत एसिम्प्टोमेटिक कोविड-19 दाताओं के कॉर्नियल ऊतक में सार्स-सीओवी-2 का विश्लेषण

6. नेत्र सतह विकारों के उपचार में 0.01% एचओसीएल इंटरवेंशन की प्रभावशीलता का आकलन: शुष्क नेत्र रोग और मेइबोमियन ग्रंथि शिथिलता पर यादृच्छिक परीक्षण, आईसीएमआर

10.4_.indd 1254 1/7/2026 5:16:47 PM

7. मध्यम से गंभीर फंगल केराटाइटिस में सहायक चिकित्सा के रूप में त्वरित कॉर्नियल कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

8. रेटिनोब्लास्टोमा निदान और उपचारात्मक दृष्टिकोण के लिए एक संभावित आणविक मार्कर के रूप में कोशिका-मुक्त डीएनए, आईसीएमआर

9. फंगल केराटाइटिस में टॉपिकल कैस्पोफुंगिन की नैदानिक प्रभावकारिता और टॉपिकल नैटामाइसिन मोनोथेरेपी के साथ इसका तुलनात्मक मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

10. आरबी, आईसीएमआर में माइटोकॉन्ड्रियल मध्यस्थता वाले फेरोप्टोसिस की नैदानिक प्रासंगिकता

11. वर्तमान युग में एकतरफा रेटिनोब्लास्टोमा की नैदानिक जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम', आईआरसीएच

12. माइक्रोबियल केराटाइटिस में कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग, नेत्र विज्ञान

13. माइक्रोबियल केराटाइटिस में कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग", नेत्र विज्ञान

14. संक्रामक केराटाइटिस में कॉर्नियल स्क्रैपिंग के लिए 26 गौज नीडल बनाम किमुरा के स्पैटुला का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान

15. एडेनोवायरल कंजंक्टिवाइटिस में सबएपिथेलियल इंटरवेंशन को रोकने में स्टेरॉयड और साइक्लोस्पोरिन की प्रभावकारिता की तुलना, नेत्र विज्ञान

16. ड्रोन द्वारा कॉर्निया ट्रांसपोर्टेशन: एक अन्वेषणात्मक अध्ययन, आईसीएमआर

17. फंगल केराटाइटिस के लिए चिकित्सीय केराटोप्लास्टी करवाने वाले रोगियों में कॉर्नियल कंसन्ट्रेशन और एंटीफंगल के एमआईसी के बीच सहसंबंध, नेत्र विज्ञान

18. नई पीढ़ी के मल्टीफोकल इंट्राओकुलर लेंस के द्विपक्षीय प्रत्यारोपण के बाद कार्यात्मक एमआरआई पर न्यूरोएडेप्टिव परिवर्तनों का नैदानिक स्टीरियोएक्यूटी और दृश्य गुणवत्ता के साथ सहसंबंध, 2020-21, एम्स अंतर-विभागीय इंट्राम्यूरल सहयोगी परियोजना (10 लाख रुपये), एनएमआर

19. प्रणालीगत ऑटोइम्यून विकारों वाले रोगियों में टीयर इंफलेमेट्री मध्यस्थों और सीरम आटो एंटिबाडी का सहसंबंध। 2020-21, एम्स अंतर-विभागीय अंतःसंस्थानिक सहयोगात्मक परियोजना (10 लाख रुपये), रुमेटोलॉजी

20. ग्लूकोमा की प्रगति के साथ कॉर्टिसोल के स्तर का संबंध (आचार्य तनुज दादा), नेत्र विज्ञान/एम्स

21. जले हुए रोगियों के प्लाज्मा में साइनाइड का स्तर और रोगनिदान के साथ संबंध (डॉ. शेखर), बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी/एम्स

22. यूनानी फॉर्मूलेशन की एंटी-एजिंग और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का निर्धारण, जराचिकित्सा विभाग, एम्स (सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित)

23. फुफ्फुसीय तपेदिक के अतिरिक्त परिणाम वाले रोगियों में एंटीट्यूबरकुलर दवाओं में प्लाज्मा दवा के स्तर का निर्धारण (डॉ. अनंत मोहन), काय चिकित्सा/एम्स

10.4_.indd 1255 1/7/2026 5:16:47 PM

24. जीए-68 पीएसएमए-पीईटी/एमआरआई फ्यूजन आधारित लक्षित बायोप्सी बनाम नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए एमपीएमआर-टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी, मूत्ररोग विज्ञान

25. यूवियल मेलेनोमा, आईआरजी के लिए तरल बायोप्सी के रूप में एक्वंयस ह्यूमर की नैदानिक उपयोगिता

26. नव निदान स्मीयर पॉजिटिव रिफैम्पिसिन संवेदनशील टीबी में देखभाल मानक बनाम क्लावुलैनेट के साथ फैरोपेनम और सेफडिनिर रिफैम्पिसिन की प्रारंभिक जीवाणु गतिविधि और पीके/पीडी अध्ययन, (डॉ. उर्वशी सिंह), सूक्ष्मजैव विज्ञान/एम्स

27. सेप्सिस से पीड़ित यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर रखे गए रोगियों के हीमोग्लोबिन कंसन्ट्रेशन पर विटामिन डी3 की उच्च खुराक का प्रभाव: एक प्लेसबो-नियंत्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित)

28. मधुमेह रेटिनोपैथी रोगियों में ऑक्सीडेंट तनाव इंफ्लेमेशन संवहनी एंडोथेलियल कार्य और आटोनोमिक टोन पर योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन का प्रभाव

29. नमूना पंजीकरण प्रणाली में वर्बल आटोप्सी परीक्षण आधारित मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) की स्थापना, भारत के महापंजीयक - मिनर्वा - एन1715, सीसीएम

30. पीसीओएस रोगियों के मूत्र में बिस्फेनॉल्स का अनुमान (डॉ. नीता सिंह), स्त्री रोग विज्ञान/एम्स

31. एएमएल रोगियों में प्रणालीगत साइटाराबिन अरबीनोसाइड (एआरए-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन, रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स

32. सार्स कोविड-19 के रोगियों के आँसू और कंजक्टिवल सिक्रिएशन स्राव में कोरोनावायरस का मूल्यांकन,

33. ल्यूकोसाइट सिस्टीन का आकलन करके सिस्टिनोसिस का मूल्यांकन। (डॉ. अरविंद बग्गा), बाल चिकित्सा/एम्स

34. कॉर्नियल एपिथीलियल दोष में लोसार्टन आईड्रॉप्स का मूल्यांकन (डॉ. नूपुर गुप्ता), नेत्र विज्ञान/ एम्स

35. डोनर कॉर्निया की सूक्ष्मजीवविज्ञानी जांच का मूल्यांकन और नैदानिक परिणामों के साथ सह-संबंध, नेत्र विज्ञान

36. फंगल केराटाइटिस के मामलों में सहायक के रूप में साइक्लोस्पोरिन-ए की भूमिका का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

37. एडीपोसाइट्स में सेरामाइड मेटाबोलिज्म और इंसुलिन संवेदनशीलता को नियंत्रित करने में हाइपोक्सिया की भूमिका की खोज (डॉ. अर्चना सिंह), जैव रसायन/एम्स

38. आक्रामक एस्परगिलोसिस के संभावित मार्कर के रूप में एफएपीसी (डॉ. सुनीता मीणा), प्रयोगशाला चिकित्सा/एम्स

10.4_.indd 1256 1/7/2026 5:16:48 PM

39. उपयुक्त प्रत्यारोपण माध्यम के रूप में एवल्शन मीडिया का निर्माण (डॉ. अमृता चावला), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र/एम्स

40. मधुमेह रेटिनोपैथी में माइक्रो आरएनए सिगनेचर की पहचान: नैदानिक महत्तता,

41. यूरीन मैट्रिक्स द्वारा क्रोनिक अग्नाशयशोथ में आंतों की पारगम्यता (डॉ. दीपक गुंजन), जठरांत्ररोग विज्ञान/एम्स

42. जैविक नैनोकणों से पृथक लिपिड (डॉ. जयंत भट्टाचार्य), आईआईटी दिल्ली

43. माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता और ऑक्सीकरण तनाव मार्ग आधारित केराटोकोनस के लिए रोगसूचक संकेत, नेत्र विज्ञान

44. एक्वयस ह्यूमर से कोशिका मुक्त डीएनए का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में आणविक प्रोफाइलिंग, शरीर रचना

45. एक्वयस ह्यूमर से कोशिका मुक्त डीएनए का उपयोग करके रेटिनोब्लास्टोमा में आणविक प्रोफाइलिंग, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी परियोजना

46. अज्ञात एवं कम रिपोर्ट किए गए जीवाणु नेत्र संक्रमणों के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर परख, नेत्र विज्ञान

47. राष्ट्रीय मौखिक रोग बर्डन सर्वेक्षण, सीडीईआर

48. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन की सीमा और पैटर्न पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण (2024), एनडीडीटीसी

49. टायरोसिनेमिया रोगियों के लिए निटिसिनोन थेरेपी (डॉ. नीरजा गुप्ता), बाल चिकित्सा/एम्स

50. नेत्र किमोपोर्ट, आईआईटी

51. ग्लोबल आरबी प्रेजेंटेशन 2024 और परिणाम 2027 अंतर्राष्ट्रीय परियोजना अध्ययन ग्लोबल का भाग

52. आरएचडी रोगियों के प्लाज्मा में पेनिसिलिन का पता लगाना (डॉ. कमलदीप), हृदय रोग विज्ञान, आरएमएल अस्पताल

53. टीबी रोगियों में प्रथम श्रेणी की एंटीट्यूबरकुलर दवाओं की फार्माकोकाइनेटिक्स, दूषित मधुमेह मेलिटस वाले और बिना दूषित मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में एक तुलनात्मक अध्ययन (डॉ. सौरव), एमएएमसी

54. ताजा मानव कॉर्निया की तुलना में बायोइंजीनियर्ड क्रॉस-लिंक्ड मानव कॉर्निया ग्राफ्ट का उपयोग करके केराटोप्लास्टी की व्यवहार्यता का पता लगाने और नैदानिक परिणाम और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए प्रथम चरण नैदानिक परीक्षण, वस्त्र एवं रेशा अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।

55. क्विनिडाइन सल्फेट टैबलेट/कैप्सूल/सैशे का निर्माण (डॉ. दीप्ति), हृदय रोग/एम्स

56. ऑपरेशन से पूर्व की ड्रिंक के लिए पाउच तैयार करना (डॉ. भावना), संवेदनाहरण विज्ञान/एम्स

10.4_.indd 1257 1/7/2026 5:16:48 PM

57. वैकल्पिक ग्लूकोमा थेरेपी के रूप में रिसिनोलिक एसिड (डॉ. मधु नाथ), नेत्र रोग विशेषज्ञ/एम्स

58. डायबिटिक रेटिनोपेथी में सीटीजीएफ और बीडीएनएफ की भूमिका (डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद), नेत्र विज्ञान/एम्स

59. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के तीव्र और दीर्घकालिक नेत्र संबंधी मामलों में कम खुराक वाले हेपरिन आई ड्रॉप्स की भूमिका और प्रतिरक्षा मार्ग जीन अभिव्यक्ति के साथ इसका संबंध। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" (आईसीएमआर सितंबर 2019 से), नेत्र विज्ञान

60. नेत्र सतह स्क्वैमस नियोप्लासिया में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की भूमिका - एक संभावित अध्ययन, आईआरसीएच

61. रोशिनी: समावेशी व्यापक नेत्र देखभाल सेवाओं के लिए अखिल भारतीय पहल - क्रिस्टोफेल ब्लाइंडनमिशन (सीबीएम) द्वारा वित्तपोषित एक बहु-केंद्रित दृष्टिकोण

62. भौगोलिक एट्रोफी के लिए आरपीई आईपीएससी, आईस्टेम

63. भौगोलिक एट्रोफी के लिए आरपीई आईपीएससी, आईस्टेम

64. एफएमआरआई और डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग, एनएमआर, एम्स, नई दिल्ली का उपयोग करके अनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोप्स में ऑक्लूजन थेरेपी के साथ संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन

65. मेटाजीनोमिक्स उपयोग करके कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों में नेत्र माइक्रोबियल वनस्पतियों का अध्ययन, नेत्र विज्ञान

66. शिशु आहार उत्पादों में शर्करा विश्लेषण (डॉ. हर्ष प्रिया), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र/एम्स

67. बैक्टीरियल केराटाइटिस रोगियों में मौखिक एंटीबायोटिक दवाओं की टीयर फिल्म सांद्रता, नेत्र विज्ञान

68. वैश्विक रेटिनोब्लास्टोमा 2024 अध्ययन, आईआरसीएच

69. शल्य चिकित्सा के बाद एंडोफ्थालमिटिस के उपचार में एक सहायक के रूप में एंटी-वीईजीएफ की भूमिका का आकलन करने के लिए - एक पायलट अध्ययन, नेत्र विज्ञान

70. वर्तमान और पूर्व सुपारी उपयोगकर्ताओं में सुपारी एल्कलॉइड और कैटेचिन की सांद्रता और प्रो-अबुर्दविज्ञान साइटोकिन्स और मौखिक संभावित घातक विकारों के साथ उनके संबंध का निर्धारण करने के लिए (डॉ. शालिनी गुप्ता), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र/एम्स

71. ऑटिस्टिक बच्चों में एन-कार्बोक्सीमिथाइल लाइसिन, आर्जिनिन और डाइ-टायरोसिन के स्तर का अनुमान लगाना। (डॉ. शैफाली गुलाटी), बाल चिकित्सा/एम्स

72. वर्तमान युग में रेटिनोब्लास्टोमा के क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफाइल और उपचार परिणामों का अध्ययन करने के लिए, आईआरसीएच

73. वर्तमान युग में रेटिनोब्लास्टोमा के क्लिनिकोडेमोग्राफिक प्रोफाइल और उपचार परिणामों का अध्ययन करने के लिए, डीएम शोध प्रबंध - भी.रा.अं.रो.कैं.अ. 2024

74. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए (डॉ. अरविंद कुमार), काय चिकित्सा/एम्स

10.4_.indd 1258 1/7/2026 5:16:48 PM

75. शुष्क नेत्र रोग में सहायक चिकित्सा के रूप में सामयिक मानव इम्युनोग्लोबिन (आचार्य एम. वनाति), नेत्र विज्ञान/एम्स

76. एसीसी में नवीन मार्गों को परिभाषित करने और नैदानिक परिणामों के साथ सहसंबंध स्थापित करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, आईआरजी परियोजना

77. आस्ट्रोजेनेसिस में गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका को समझना (आईजीआईबी के सहयोग से आईसीएमआर परियोजना सह-अन्वेषक), आईजीआईबी

पूर्ण

1. गैर लघु कोशिका लंग कैंसर के रोगियों में रक्त स्तर पर गेफिटिनिब लगाने के समय के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक पायलट अध्ययन (डॉ. पूजा गुप्ता), भेषजगुण विज्ञान/एम्स

2. स्तन कैंसर रोगियों में अमीनो एसिड आकलन (डॉ. प्रमोद गौतम), जैव रसायन

3. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका रेखा पर कच्चे हाइड्रोअल्कोहोलिक हर्बल अर्क की कैंसर-रोधी गतिविधि का विश्लेषण (डॉ. पी.के. चतुर्वेदी), प्रजनन जैव विज्ञान/एम्स

4. फंगल केराटाइटिस में एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण, नेत्र विज्ञान

5. एंटीसेप्टिक प्रभावकारिता और प्लाज्मा क्लोरहेक्सिडिन के स्तर का 2 विभिन्न तरीकों से यादृच्छिक परीक्षण (डॉ. रमेश अग्रवाल), बाल चिकित्सा/एम्स

6. एनएमआर और एलसीएमएस/एमएस द्वारा बैक्टेरिमिया एएमआर और एचएआई के लिए बायोमार्कर (डॉ. हितेंद्र गौतम), सूक्ष्मजैव विज्ञान/एम्स

7. कैंसर चयापचय, एच1299 कोशिकाएं, ग्लूकोज और ग्लूटामेट भुखमरी (प्रो. दमन सलूजा), दिल्ली विश्वविद्यालय

8. सीलिएक रोगियों में सिद्धलाइन का आकलन (डॉ. गोविंद मखारिया), जठरांत्ररोग विज्ञान/एम्स

9. इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों के सीरम, एक्वयस ट्यूमर और ट्यूमर ऊतक में ट्यूमर बायोमार्करों का नैदानिक-विकृति विज्ञान महत्व, आईआरजी सहयोगी परियोजना (20 लाख रुपये)

10. संक्रामक केराटाइटिस में कॉर्नियल स्क्रैपिंग के लिए 26 गुआज़ सुई बनाम किमुरा के स्पैटुला का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान

11. फंगल केराटाइटिस के उपचार के लिए विभिन्न फॉर्मूलेशन जैसे सोनिकेटेड जेल फॉर्म, अनसोनिकेटेड ड्रॉप और लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी के सोनिकेटेड ड्रॉप का तुलनात्मक मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

12. टाइप-I और टाइप-II डायबिटिक मैलिटस और डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों में सीरम और विट्रीयस बायोमार्कर की तुलना (डॉ. शौर्य), नेत्र विज्ञान/एम्स

13. पेल्विक फ्रैक्चर मूत्रमार्ग विकर्षण दोषों में एमआर यूरेथ्रोग्राफी में शल्य चिकित्सा जटिलताओं और परिणाम का ऑपरेशन से पूर्व मापदंडों के साथ सहसंबंध: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, मूत्ररोग विज्ञान

10.4_.indd 1259 1/7/2026 5:16:48 PM

14. मधुमेह रेटिनोपैथी रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव, सूजन, संवहनी एंडोथेलियल कार्य और स्वायत्त स्वर पर योग-आधारित जीवन शैली इंटरवेंशन का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स (एम्स-इंट्राम्यूरल सहयोगी अनुसंधान अनुदान द्वारा वित्त पोषित)

15. मधुमेह रेटिनोपैथी के रोगजनन में पर्यावरणीय रूप से उजागर ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों की भूमिका को स्पष्ट करना।

16. बहु-रोगाणुरोधी दवाओं पर केराटाइटिस के रोगियों में प्राथमिक निदान उपकरण के रूप में कॉर्नियल बायोप्सी का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

17. चिकित्सीय पेनिट्रेटिंग केराटोप्लास्टी के मामलों में एंटीफंगल दवाओं की कॉर्नियल कंसंट्रेशन का मूल्यांकन और न्यूनतम अवरोधक कंसंट्रेशन (एमआईसी) मानों के साथ इसका सहसंबंध, नेत्र विज्ञान

18. नेत्र विज्ञान के अंतर्गत बहु-अंग दाता एवं केडेवरिक दाता से प्राप्त कॉर्निया प्रत्यारोपण के दाता विशेषताओं और ग्राफ्ट परिणामों का मूल्यांकन

19. कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों की आँखों में नेत्र सतही सूक्ष्मजीवी वनस्पतियों का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान

20. गंभीर शुष्क नेत्र में रेटिनॉल-पामिटेट नेत्र निलंबन का मूल्यांकन (डॉ. राजेश सिन्हा), नेत्र विज्ञान/एम्स

21. एक्वयस ह्यूमर और विट्रीयस द्रव्य में ट्रापिकल एट्रोपिन के स्तर का मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन (डॉ. रोहित सक्सेना), नेत्र विज्ञान/एम्स

22. अधिग्रहित अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित भारतीय रोगियों के समूह में जीनोम-व्यापी संबंध अध्ययन, रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स (अमेरिकन सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी द्वारा वित्तपोषित)

23. इसफ्लुरेन या डिफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य संवेदनाहरण के तहत ओपन सर्जरी करवाने वाले बुजुर्गों में ऑपरेशन के बाद कॉमिनेटिव डेकलाइन की घटना: एक संभावित अवलोकन पायलट, संवेदनाहरण विज्ञान

24. कोविड-19 युग में इंफेक्टिव ओरबिटल संक्रामक कक्षीय और पेरिऑर्बिटल रोग, नेत्र विज्ञान

25. मेबोमियन ग्रंथि रोग में वेक्टर थर्मल पल्सेशन उपचार के साथ माइक्रोबियल फ्लोरा में दीर्घकालिक परिवर्तन - एक पायलट अध्ययन, नेत्र विज्ञान

26. कॉर्नियल ग्राफ्ट अस्वीकृति की भविष्यवाणी के लिए एक नए बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए, नेत्र विज्ञान

27. इंजेक्शन के बाद एंडोफ्थालमिटिस को रोकने हेतु मिलिपोर फ़िल्टर: एक इन-विट्रो अध्ययन, नेत्र विज्ञान

28. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर अल्ट्रा वायलट (यूवीआर) एवं एरोसोल के संपर्क के प्रभाव का बहु-केंद्रित अध्ययन, आईसीएमआर

29. एक्सपर्ट चूहों में ग्लिबेनक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (बीजीआर-34) की फार्माकोडायनामिक और फार्माकोकाइनेटिक बातचीत (डॉ. सुधीर), भेषजगुण विज्ञान/एम्स

10.4_.indd 1260 1/7/2026 5:16:48 PM

30. डेक्समेडेटोमोडिन सब्लिंगुअल और इंट्रानैसल के फार्माकोकाइनेटिक्स और शामक प्रभाव (डॉ. रेणू सिन्हा), नेत्र विज्ञान/एम्स

31. पशुओं में बर्बेरीन और बर्बेरीन युक्त नैनोकणों के फार्माकोकाइनेटिक्स और जैववितरण अध्ययन (डॉ. पूजा गुप्ता), भेषजगुण विज्ञान/एम्स

32. कोविड-19 संक्रमण वाले रोगियों में एकल खुराक मौखिक आइवरमेक्टिन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (डॉ. अनंत मोहन), फुप्फुसीय चिकित्सा/एम्स

33. समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं में कैफीन थेरेपी की विफलता के जोखिम कारक। प्लाज्मा कैफीन और एल्ब्यूमिन स्तर (डॉ. पूर्ण चंद्रा), नवजात विज्ञान/एम्स

34. रूमेटिक हृदय रोग से ग्रस्त भारतीय बच्चों और किशोरों में सीरम बेंज़ैथिन पेनिसिलिन जी का स्तर (डॉ. दिनेश कुमार), बाल हृद् रोग विज्ञान चिकित्सा/आरएमएल

35. केराटोकोनस के रोगियों में लगातार लेंस के दीर्घकालिक उपयोग के बाद टीयर फिल्म और नेत्र सतह में परिवर्तन का अध्ययन, नेत्र विज्ञान

36. बायो इंजीनियर्ड कॉर्निया (केराटाइटिस रोगियों में संभावित नैदानिक अनुप्रयोग के लिए) की व्यवहार्यता डेटा (मानव नैदानिक परीक्षण हेतु) उत्पन्न करना - एक इन-विट्रो अध्ययन, एम्स/आईआईटी दिल्ली

37. फैटी एसिड भोजन के साथ निलोटिनिब दवा की परस्पर क्रिया का अध्ययन करने हेतु (डॉ. रंजीत कुमार साहू), आईआरसीएच/एम्स

38. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन-सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, आरसीटी (डॉ. अरविंद), काय-चिकित्सा/एम्स

39. फंगल केराटाइटिस में टॉपिकल पॉसकोनाज़ोल, नेत्र विज्ञान

40. ऑस्टियोपोरोटिमिया मॉडल में अनटार्गेटेड मेटाबोलोमिक्स (डॉ. आर.के. श्रीवास्तव), जैव प्रौद्योगिकी/एम्स

पिछले 3 वर्षों में किए गए अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	79	115	117
कुल वित्तपोषण	4126.75 लाख रुपये	4974.95 लाख रुपये	5722.82 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 280 सार: 06 पुस्तकों में अध्याय: 9

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**351**	**270**	**295**

10.4_.indd 1261 1/7/2026 5:16:48 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिकाओं में लेख	333	230	280
सार	9	4	6
पुस्तकों में अध्याय	9	32	9
पुस्तकें	-	4	0

रोगी उपचार

क. सामान्य ओपीडी आपात चिकित्सा, सामुदायिक सेवाएं और विशेष क्लीनिक

		नए मामले	पुराने मामले	कुल
1.	सामान्य ओपीडी	161820	196281	358101
2.	आपात चिकित्सा	10874	40294	51168
3	विशेष क्लीनिक	41519	159455	200974
4	सामुदायिक नेत्र विज्ञान सेवाएँ	84578	24463	109041
	कुल	298791	420493	719284
	विशेष क्लीनिकों का विवरण			
क.	कॉर्निया क्लिनिक	4428	8340	12768
ख.	लेंस क्लिनिक	616	2555	3171
ग.	यूविया क्लिनिक	1016	4621	5637
घ.	कॉन्टैक्ट लेंस क्लिनिक	899	1072	1971
ड.	ग्लूकोमा क्लिनिक	3766	12350	16116
च.	ओप्थेल्मोप्लास्टी क्लिनिक	2627	2226	4853
छ.	रेटिना क्लिनिक और विट्रियो क्लिनिक	5345	9687	15032
ज.	तंत्रिका-नेत्र विज्ञान क्लिनिक	1896	2912	4808
झ.	आरओपी क्लिनिक	1536	3923	5459
ण.	नेत्र ऑन्कोलॉजी क्लिनिक	403	801	1204
ट.	रेटिनोब्लास्टोमा क्लिनिक	360	1046	1406
ठ.	लो विजन एड	3236	2081	5317

10.4_.indd 1262 1/7/2026 5:16:48 PM

		नए मामले	पुराने मामले	कुल
ड.	ऑर्थोप्टिक क्लिनिक और स्क्विंट क्लिनिक	8317	8088	16405
ढ.	लेसिक	6456	16606	23062
न.	आईआरडी क्लिनिक	529	145	674
त.	अर्ली चाइल्ड विजन डेवलपमेंट	89	30	119
थ.	अपवर्तन	0	82972	82972
कुल विशेष क्लिनिक		**41519**	**159455**	**200974**

ख. आईपीडी (अंत: रोगी विभाग)		
1.	सामान्य भर्ती	15575
2.	आपातकालीन भर्ती	2687
3.	प्राइवेट भर्ती	1322
4.	लघु अवधि भर्ती	17420
5.	डे केयर भर्ती	15848
	कुल	**52852**
	औसत बिस्तर अधिभोग अनुपात	74%
	रहने की औसत अवधि	04 दिन
	प्रतिदिन इनडोर प्रवेश की औसत संख्या	145 प्रति दिन
ग. शल्य चिकित्सा/प्रक्रियाएं		
1.	बड़ी सर्जरी	17796
2.	डे केयर सर्जरी	12722
3.	स्माईल सर्जरी	1439
4.	फेम्टो लेसिक सर्जरी	993
5.	पीआरके सर्जरी	238
6.	पीटीके सर्जरी	19
7.	लेसिक सर्जरी	908

10.4_.indd 1263 1/7/2026 5:16:48 PM

8.	छोटे ऑपरेशन/प्रक्रियाएं	17602
	बड़ी और लघु शल्य चिकित्सा का कुल योग	51717
	प्रतिदिन की गई शल्य चिकित्सा की औसत संख्या	142 प्रति दिन
घ.	विविध	
	मृत्यु	01

आपातकाल सेवाएँ

आपात चिकित्सा में देखे गए रोगियों की कुल संख्या (नया + पुराना)	51168
नए पंजीकरण की कुल संख्या	10874
आपात चिकित्सा वार्ड में भर्ती मरीजों की कुल संख्या	2474
आपातकाल शल्य चिकित्सा कक्ष में की गई मामूली प्रक्रियाएं	561
आपातकाल शल्य चिकित्सा कक्ष में लगाए गए इंट्राविट्रियल इंजेक्शन	6237
आपातकाल शल्य चिकित्सा कक्ष में किए गए ब्रैकीथेरेपी के मामले	13
संवेदनाहरण के तहत प्रक्रिया + प्रक्रिया	1015

जांच प्रयोगशाला

क्र.सं.	जांच एवं प्रक्रियाएं	कुल
1	टोनोमेट्री (एनसीटी + एटी + टोनोपेन + पर्किन्स + आईकेयर)	62323
2	आईओएल वर्क-अप	44091
3	रिफ्रेक्शन और चश्मे का प्रिस्क्रिप्शन	88772
4	एआर (आटो रिफ्रेक्शन)	78081
5	दृश्य तीक्ष्णता मूल्यांकन	34851
6	पोस्टीरियर सेगमेंट ओकुलर कोहेरेंस टोमोग्राफी (पीएसओसीटी)	46198
7	यूएसजी ए स्कैन- एक्सअल लंबाई	12672
8	यूएसजी बी स्कैन	34460
9	यूबीएम	1092
10	अडेपटिव आप्टिक्स	54
11	फ्लेरेमेट्री	74

10.4_.indd 1264 1/7/2026 5:16:48 PM

क्र.सं.	जांच एवं प्रक्रियाएं	कुल
12	पेरिमेट्री (जीवीएफ + एचएफए + एमपी)	13877
13	इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल परीक्षण (वीईआर + ईआरजी + एमएफईआरजी + ईओजी)	10016
14	मेडिकल बोर्ड जांच	2196
15	फंडस ऑटो-फ्लोरेसेंस	5720
16	उन्नत/प्रीमियम कॉन्टैक्ट लेंस वर्क-अप (नया + पुराना)	3387
17	एंटिरियर खंड फोटोग्राफी	6585
18	पोस्टीरीयर खंड फोटोग्राफी	13329
19	आरओपी वर्कअप	6563
20	टोपोग्राफी (वीकेजी + कैसिनी + सीरियस + आई-ट्रेस)	7865
21	पोस्ट सेगमेंट लेजर	9005
22	वाईएजी लेजर	4720
23	कंट्रास्ट संवेदनशीलता	3359
24	ओसीटी एंजियोग्राफी (ओसीटी-ए)	4748
25	हीडलबर्ग रेटिनल टोमोग्राफी (एचआरटी-III)- कॉर्निया	233
26	इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी)	2603
27	रंग दृष्टि मूल्यांकन	5341
28	फंडस एंजियोग्राफी (फ्लोरेसेंस + आईसीजी)	3743
29	स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी	40302
30	एंटिरियर सेगमेट नेत्र कोहोरेंस टोमोग्राफी (एएसओसीटी)	26983
31	पेंटाकैम और कॉर्विस	26201
32	ऑटोलेंसोमेट्री (पीओजी)	9897
33	पैकीमेट्री (सीसीटी)	28811
34	नेत्र सतह विश्लेषक (ओएसए)	2473
35	ऑर्थोप्टिक्स (नए और पुराने मामले)	16405
36	एलआईपीआई (दृश्य + स्कैन + थर्मोफ्लो)	2116

10.4_.indd 1265 1/7/2026 5:16:48 PM

क्र.सं.	जांच एवं प्रक्रियाएं	कुल
37	रेवो 60 - पूर्वकाल और पश्चवर्ती टोमोग्राफी	393
38	नेत्र जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स परीक्षण	169
39	प्रारंभिक दृष्टि विकास प्रयोगशाला	132
40	कम दृष्टि मूल्यांकन	3000
41	कम दृष्टि सेवाओं की जांचें	14496
42	रिफ्रेक्टिव सर्जरी प्रयोगशाला जांचें	84147
43	कृत्रिम अंग फिटिंग	3000
44	बाल्यावस्था मायोपिया क्लिनिक (नए + पुराने मामले)	720
	कुल योग	**7,65,203**

नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान

क्र.सं.	निदान प्रक्रिया	वर्ष		
		2024-25	2023-24	2022-23
1.	जीवाणु संवर्धन और संवेदनशीलता	13727	15577	13440
2.	फंगल कल्चर	6215	6578	4960
3.	कोशिका विज्ञान के लिए संसाधित नमूने	4365	4110	3524
4.	डीएफए का उपयोग करके क्लैमाइडिया एजी का पता लगाने के लिए संसाधित नमूने	07	508	28
5.	डीएफए का उपयोग करके एचएसवी एजी का पता लगाने के लिए संसाधित नमूने	05	07	01
6.	हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस, एडेनो और कॉक्ससैकी वायरस (कंजक्टिवाइटिस/कॉर्नियल अल्सर) के लिए वायरल पीसीआर	63	392	33
7.	माइक्रोस्पोरिडिया के लिए संसाधित नमूने	14	10	09
8.	माइकोबैक्टीरिया के लिए संसाधित नमूने	23	17	12
9.	एकैंथोमोइबा के लिए कल्चर	18	10	13
10.	एंडोफ्थाल्माइटिस के लिए स्वचालित (बैक्टेक) कल्चर	27	20	शून्य

10.4_.indd 1266 1/7/2026 5:16:48 PM

11.	एंडोफ्थाल्माइटिस के लिए ब्रॉड रेंज पीसीआर	05	08	शून्य
कुल		**24469**	**27237**	**22020**

नेत्र जैव रसायन

क्र.सं.	जांचों का नाम	आईपीडी	ओपीडी	कुल
1	शूगर (आर, एफ, पीपी, जीटीटी)	61	5030	5091
2	एचबीए 1 सी	252	2744	2996
3	टीबीआईएल	572	3323	3895
4	डीबीआईएल	572	3323	3895
5	एएलटी या एसजीपीटी	572	3323	3895
6	एएसटी या एसजीओटी	572	3323	3895
7	एएलपी	572	3323	3895
8	टीपी	314	3208	3522
9	एएलबी	314	3208	3522
10	क्रिएटिनिन (सीआरई)	587	3341	3928
11	यूरिया (यूआरईए)	587	3341	3928
12	यूरिक एसिड (यूए)	587	3341	3928
13	सोडियम (एनए+)	587	3341	3928
14	पोटेशियम (के+)	587	3341	3928
15	क्लोराइड (सीएल-)	587	3341	3928
16	टीसीएचओएल	99	1529	1628
17	एलडीएल - सी	99	1529	1628
18	एचडीएल - सी	99	1529	1628
19	ट्राइग्लिसराइड (टीआरआईजी)	99	1529	1628
20	फ्री T3	44	895	939
21	फ्री T4	44	895	939
22	टीएसएच	44	896	940

10.4_.indd 1267 1/7/2026 5:16:48 PM

क्र.सं.	जांचों का नाम	आईपीडी	ओपीडी	कुल
23	विटामिन बी12	04	688	692
कुल		**7855**	**60341**	**68196**

नेत्र भेषजगुण विज्ञान

क. नेत्र फार्मेसी में फोर्टिफाइड और मिश्रित दवाएं

दवाएं	शीशियों की संख्या (5 मिली)
1. एसिटाइल सिस्टीन (10, 20%, 2.5%, 5%)	**289**
2. एम्फोटेरिसिन बी (0.25%, 0.15%, 0.1%)	**221**
3. बीटाक्सोलोल (0.25%)	**793**
4. सेफाज़ोलिन (5%)	**2727**
5. सांद्र टोब्रामाइसिन (1.3%)	**6765**
6. मिटोमाइसिन (0.02%, 0.04%)	**87**
7. पिलोकार्पिन (0.125%- 1%)	**85**
8. पॉलीमिक्सिन बी (10k-30k iu)	**313**
9. वैनकोमाइसिन (5%)	**4959**
10. टिमोलोल 0.25	**26**
11. सेफ्टाज़िडीन 5%	**515**
12. वोरिकोनाज़ोल (1%)	**1002**
13. जेंटामाइसिन 1.3%	**14**
14. एमिकासिन (1.3%, 2.5%, 1.4%)	**224**
15. लिंज़ोलिड 0.2%	**180**
16. कोलिस्टेमेथेट 0.19मि.ग्रा./मिली.	**3**
17. ऑगम्यूटिन 625मिग्रा - 1/3 पाउच	**9**
18. एसिटाज़ोलमाइड 30मिग्रा, 10, 25, 40, 50, 60, 80मिग्रा	**299**
19. पाइपेरासिलिन 10%	**552**
20. इंटरफेरॉन	**528**

10.4_.indd 1268 1/7/2026 5:16:48 PM

दवाएं	शीशियों की संख्या (5 मिली)
21. क्लोरहेक्सिडिन 0.02%	**54**
22. सेफोटैक्सिम 5%	**2**
23. एस. फ्लूरैंसिल 1%	**4**
24. सेफ्ट्रिएक्सोन 5%	**1**
25. एट्रोपिन 0.5%	**1**
26. इंसुलिन 1 IU/ml	**72**
27. ऑक्सीमेटाज़ोलिन 0.01%	**3**

ख. रोगियों को सीधा (निःशुल्क) एवं अस्पताल में उपयोग हेतु भी दवाइयाँ वितरित की जाती हैं

दवाएं	शीशियों की संख्या
1. आर्टिफिशियल टीयर्स	**26938**
2. सिप्रोफ्लोक्सासिन (0.3%)	**8473**
3. साइक्लोस्पोरिन2%, 1%	**28**
4. ईडीटीए	**56**
5. होमाट्रोपिन (2%)	**10699**
6. हाइपरटॉनिकसलाइन (5%)	**4640**
7. मिथाइल सेलुलोज (2%) (30 मिली)	**642**
8. सोडियम एस्कॉर्बेट (10%)	**433**
9. सोडियम साइट्रेट (10%)	**436**
10. थाइमेरोसल सॉल्यूशन (0.005%)	**38 एल**
11. ट्रोपिकैमाइड (1%)	**28119**
12. ट्रोपैक+ फिनाइलेफेरीन(0.5%+2.5% (आरओपी)	**9206**
13. गैन्सीक्लोवायर वायलस 100एमजी	**264**
14. ओलोपैटाडाइन	**3125**
15. पीएचएमबी 0.02%	**120**
16. मिथाइलसेलुलोज 2%	**48 एल**
17. एट्रोपिन 0.05%	**241**

10.4_.indd 1269 1/7/2026 5:16:48 PM

दवाएं	शीशियों की संख्या
18. पीएचएमबी 0.08%	**59**
19. लोसार्टन 0.08%	**206**

ग. किट और अन्य सामान वितरित (मांग पर)

दवाएं	मात्रा	
1. एथिलएल्कोहॉल 20%	**540**	
2. गोल्ड क्लोराइड	**141**	**शीशियाँ**
3. हाइड्राज़िन हाइड्रेट	**141**	**शीशियाँ**
4. टीपीए (इंजेक्शन, 1एमजी/एमएल)	**49**	**एम्पुल्स**
5. टिमोलोलमेलिएटोइंट. 0.5% मरहम	**241**	**मलहम**
6. वोरिकोनाज़ोल भागों में	**28**	**पाउच**
7. इमेपेनम 1%	**2**	**शीशियाँ**
8. आईडीबेनोन	**180**	**कैप्सूल**
9. क्विनिडाइन सल्फेट 300 मिलीग्राम कैप्सूल	**300**	**कैप्सूल**
10. पोसाकोनाज़ोल सस्पेंशन (1%)	**35**	**आई ड्राप्स**
11. आईजीजी	**37**	**आई ड्राप्स**
12. क्विनिडाइन सल्फेट 200एमजी कैप्सूल	**700**	**कैप्सूल**
13. एब्सयलूट अल्कोहल 100%	**4**	**शीशियाँ**
14. पीसीएम 500 मि.ग्रा. ¼ भागों में	**21**	**पाउच**
15. क्विनिडाइन सल्फेट कैप्सूल (400एमजी)	**700**	**कैप्सूल**
16. ऑक्सेंड्रोलोन पाउच	**69**	**पाउच**
17. टी. वाल्माटा 500 मिलीग्राम 1/6 भागों में	**6**	**पाउच**
18. टैब. फोलिक एसिड 5 मि.ग्रा. से 1 मि.ग्रा.	**5**	**पाउच**

घ. वितरित की गईं जीवाणुरहित दवाएं

दवाएं	मात्रा	
1. बोटोक्स	**391**	**एम्पाउल्स**

10.4_.indd 1270 1/7/2026 5:16:49 PM

दवाएं	मात्रा	
2. बेवासिज़ुमैब (एवास्टिन)	**4051**	**एम्पाउल्स**

ड. जैविक पदार्थ वितरित

मद	मात्रा	
1. ऑटोलॉगस सीरम	**69**	**वायल्स**

च. राष्ट्रीय सेवा

वस्तु	वायल्स की संख्या (10 मिली)
भारत के 24 राज्यों में 114 सरकारी नेत्र बैंकों को लंबी कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया की आपूर्ति की गई	**3167**

नेत्र विकिरण विज्ञान:

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025*
एक्स-रे की संख्या	5267	4998	3922
सीटी की संख्या	1995	3122	1132
एमआरआई	एनएमआर एवं रेडियोलॉजी विभाग में सम्पन्न		

नेत्र विकृति विज्ञान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
जांचों की कुल संख्या - 86083	**जांचों की कुल संख्या - 79061**	**जांचों की कुल संख्या - 73943**
रक्त - 58639	रक्त - 52728	रक्त - 41038
मूत्र - 314	मूत्र - 280	मूत्र - 295
साइटो + साइटो अनुसंधान - 1683	साइटोपैथ + साइटोपैथ अनुसंधान -1249	साइटोपैथ + साइटोपैथ अनुसंधान - 1006
हिस्टो + हिस्टो रिसर्च - 23953	हिस्टोपैथ + हिस्टोपैथ अनुसंधान - 23377	हिस्टोपैथ + हिस्टोपैथ अनुसंधान - 30062
आईएचसी - 1494	आईएचसी - 1427	आईएचसी - 1542

10.4_.indd 1271 1/7/2026 5:16:49 PM

राष्ट्रीय नेत्र बैंक

कॉर्निया का कुल संग्रह	**1896**
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	**1536**
01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की गई कॉर्नियल प्रत्यारोपण सर्जरी की कुल संख्या	
केराटोप्लास्टी के प्रकार	संख्याएँ
ऑप्टिकल पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी	442
चिकित्सीय पनैट्रेटिंग केराटोप्लास्टी	762
डीएसएईके	172
ट्रिपल प्रक्रिया	149
डीएमईके	24
लैमेलर केराटोप्लास्टी	66
कुल	**1615**

राष्ट्रीय नेत्र बैंक में 04 फरवरी 2025 तक रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार पीके पंजीकरण प्राप्तकर्ता प्रतीक्षा सूची

वर्ग	**रोगी**	**केराटोप्लास्टी प्राप्तकर्ता**	**प्रतीक्षारत रोगियों की कुल संख्या**
आपातकाल	10 वर्ष से कम आयु के बच्चे	पंजीकरण संख्या-ई 4403 एवं पंजीकरण तिथि 12 अप्रैल 2024 तक	142
सर्वोच्च प्राथमिकता	प्रगतिशील कॉर्नियल रोग वाले द्विपक्षीय अंधे रोगी ईके के लिए उपयुक्त हैं	पंजीकरण संख्या टीपी-17960 एवं पंजीकरण तिथि (30 जून 2024 तक)	494
प्राथमिकता	बेहतर नेत्र बीसीवीए <6/60 के साथ द्विपक्षीय कॉर्नियल रोग	पंजीकरण संख्या पी-5802 एवं पंजीकरण तिथि (29 मई 2024) तक	203
सामान्य	एकतरफा कॉर्नियल अंधेपन से पीड़ित 10 वर्ष से अधिक आयु का रोगी	पंजीकरण संख्या जी-18631 एवं पंजीकरण तिथि (29 फरवरी 2024) तक	421

चिकित्सा समाज कल्याण इकाई

1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च 2025 तक विभिन्न दाताओं से प्राप्त दान	
श्रेणियाँ/स्रोत	**प्राप्त राशि (रुपये में)**
दान पेटियों के माध्यम से प्राप्त दान	2,15,780-00 रुपये

10.4_.indd 1272 1/7/2026 5:16:49 PM

विभिन्न दाताओं के माध्यम से प्राप्त दान	5,30,063-00 रुपये
अनाम दाताओं के माध्यम से प्राप्त दान	18,000-00 रुपये
कुल प्राप्त राशि	8,12,189-00 रुपये

क्र.सं.	श्रेणियाँ	कुल मामलों की संख्या	कुल राशि रुपये में
1	गरीब और निर्धन आउटडोर (ओपीडी) रोगियों के लिए गरीब रोगी निधि के माध्यम से मुफ्त दवाएं	88	90414-00
2	निर्धन रोगी निधि से मुफ्त चश्मे उपलब्ध कराए गए	61	46558-00
3	परामर्श के माध्यम से निःशुल्क शल्य चिकित्सा	60	1141125-00
4	अस्पताल और जांच शुल्क (आईपीडी और ओपीडी) में छूट	1906	1202971-00
5	विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता के संबंध में परामर्श	616	
6	राष्ट्रीय आरोग्य निधि के तहत मरीजों की मदद की गई	8	952427-00
7	जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थी	1721	9039676-00
8	आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के तहत लाभार्थी	3000 (लगभग)	3,00,00,000-00
9	प्रत्यक्ष दान के माध्यम से मरीजों की मदद की गई	30	173233-00
10	सरकारी नियमों के अनुसार जारी किए गए रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	598 (स्थायी-157, अस्थायी - 441)	
11	01 जनवरी 2025 तक जीव दया फाउंडेशन के माध्यम से इंजेक्शन (एडालिमुमैम्ब और रानीबिजुमैब) के लिए सहायता प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या	70	7,00,000-00
12	निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की संख्या	58	--
13	ईएचएस लाभार्थियों के साथ समन्वय	930	29210851-00
14	एनजीओ कैनकिड्स के माध्यम से प्रदान की गई केस सहायता की संख्या	41	300000-00
	कुल रोगियों की संख्या	9187	7,28,57,255 रुपये

10.4_.indd 1273 1/7/2026 5:16:49 PM

सामुदायिक नेत्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	गतिविधि	कुल
I.	**सामुदायिक नेत्र विज्ञान सेवाओं में देखे गए रोगियों की कुल संख्या**	**164879**
1.	डॉ. रा.प्र. केंद्र विजन सेंटर में मरीजों की संख्या (20)	78390
2.	सैटेलाइट विजन सेंटर में मरीजों की संख्या (7)	22008
3.	सैटेलाइट लो विजन क्लिनिक में मरीजों की संख्या	1835
4.	डॉ. रा.प्र. केंद्र कम दृष्टि क्लिनिक में मरीजों की संख्या	2209
5.	आरपीसी कम दृष्टि पुनर्वास क्लिनिक में मरीजों की संख्या	3071
6.	शिविरों में देखे गए रोगियों की संख्या	7534
7.	डीआर शिविरों में देखे गए मरीजों की संख्या	3779
8.	स्कूल दृष्टि जांच कार्यक्रम के अंतर्गत जांचे गए बच्चों की संख्या	9951
9.	आरएएवीआई सर्वेक्षण में देखे गए रोगियों की संख्या	36102
II.	**नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा**	
1.	नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित (आरपीसी वीसी, सैटेलाइट सेंटर, आरपीसी वार्ड)	1490
2.	प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित वालंटियर की संख्या (आरपीसी वीसी, सैटेलाइट सेंटर, आरपीसी वार्ड)	556

प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएँ	
प्राथमिक नेत्र उपचार क्लिनिक	20
स्लम क्लस्टर में पीईसी काउंटर्स पर उपस्थित लोग	79499
मलिन बस्तियों के पीईसी केंद्रों में रिफ्रेक्शन किया गया	33963
मलिन बस्तियों में निर्धारित किए गए चश्में	30208
आरपी सेंटर में रेफर किए गए मरीज	7924
प्राथमिक नेत्र उपचार वालंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	
वालंटियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	46
प्रशिक्षित वालंटियर	519
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम- समुदाय	

10.4_.indd 1274 1/7/2026 5:16:49 PM

नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित	1120
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने वाले	31924
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम- रा.प्र.केंद्र	
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित	247
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने वाले	5880
ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा के लिए रीच-इन-प्रोग्राम	
वयस्क जांच शिविर आयोजित	71
जांचे गए लोग	7534
रा.प्र.केंद्र में रेफर किए गए मरीज	402
स्कूल नेत्र जांच कार्यक्रम	
एसईएस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले स्कूल	16
जांचे गए बच्चों की संख्या	9573
बच्चें जिन्हें चश्मा लगाने की सलाह दी गई	118
मधुमेह रेटिनोपैथी जांच शिविर	
आयोजित डीआर स्क्रीनिंग शिविरों की कुल संख्या	210
शिविरों में मधुमेह रोगियों की जांच की गई	3779
आरपी केंद्र में रेफर किए गए कुल डीआर मरीज	521
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के अंतर्गत डॉ. रा.प्र. केंद्र में उपचार के लिए रिपोर्ट किए गए रोगी	
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए कुल रोगी:	2694
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के अंतर्गत मोतियाबिंद के लिए ऑपरेशन किए गए कुल रोगी	2141
अनुवर्ती शिविरों में जांचे गए मरीज़	1253
सामुदायिक नेत्र विज्ञान में पुनर्वास सेवाएँ	
पुनर्वास सेवाओं के लिए पंजीकृत किए गए मरीज	3071
व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भर्ती किए गए मरीज	17
एडीएल प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त करने वाले मरीज	571
गतिशीलता प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त करने वाले मरीज	525

10.4_.indd 1275 1/7/2026 5:16:49 PM

विशेष स्कूल में सफलतापूर्वक भर्ती हुए बच्चे	26
एम्स में मरीजों को दृष्टि विकलांगता प्रमाण पत्र बनाने तथा दृष्टि विकलांगता प्रमाण पत्र के लाभों के लिए परामर्श दिया गया।	943

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर राधिका टंडन को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी एवं वीआई) को लागू करने के लिए मानद सलाहकार (नेत्र विज्ञान) के तौर पर नियुक्त किया गया। दुनिया के श्रेष्ठ 2% वैज्ञानिक 2024 की स्टैनफोर्ड लिस्ट में शामिल किया गया। 12 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में नेत्र कुंभ 2025 का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फंड (पीएमएनआरएफ) से चिकित्सा इलाज के खर्चों को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए हर दो हफ़्ते में होने वाले कंप्यूटराइज्ड ड्रा से छूटे हुए योग्य लोगों की पहचान करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय, प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फंड द्वारा समिति के सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया। सेंट्रलाइज्ड कोर अनुसंधान सुविधा, अनुसंधान अनुभाग के सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नेत्र विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन को कोऑर्डिनेट किया। हरियाणा नेत्र रोग सोसायटी के 19वें वार्षिक सम्मेलन द्वारा 25 जनवरी 2025 को एचओएस आइकॉन के रूप में सम्मानित किया गया। 'डिजिटल स्वास्थ्य और डेटा विज्ञान का लाभ उठाना' पर एक हितधारक बैठक के दौरान "नेत्र विज्ञान में एआई एप्लीकेशन" पर वार्ता में प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में भाग लिया। भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए प्रौद्योगिकियां आईसीएमआर - राष्ट्रीय संस्थान, डिजिटल स्वास्थ्य एवं डेटा साइंस पर राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरडीएचडीएस), नई दिल्ली द्वारा 15 फरवरी 2025 को आयोजित की गई। बीओए फोकस 2024 में बॉम्बे नेत्र रोग विशेषज्ञ संघ (बीओए) द्वारा नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा पुरस्कार और स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वीओएस के जलसा 24-49वें वार्षिक सम्मेलन इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटो-रिफ्रैक्टिव सर्जन्स (आईएससीकेआरएस) द्वारा आईएससीकेआरएस मीट 2024 में आईएससीकेआरएस जी मुखर्जी ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल द्वारा नैदानिक एडवाइजरी बोर्ड (सीएबी) में तीन साल के लिए सदस्य नियुक्त, विजन 2030 लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान दिया। कॉलेजियम प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अनुपालन निगरानी समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। (संदर्भ फा.सं.40-30/2025-स्था. I दिनांक 29 जनवरी 2025)। अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी (एआईओएस) द्वारा एआईओएस आर.पी. ढांडा पुरस्कार, 2024 (संयुक्त विजेता) से सम्मानित किया गया। 74वें सालाना डीओएस सम्मेलन 2024 में दिल्ली नेत्र विज्ञान सोसाइटी (डीओएस) की तरफ से डॉ. एस.एन. मिटर ओरेशन पुरस्कार मिला। 74वें सालाना डीओएस सम्मेलन 2024 में दिल्ली दिल्ली नेत्र विज्ञान सोसाइटी (डीओएस की तरफ से बेस्ट टीम रनर-अप पुरस्कार मिला। रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में एफओटीआई-2024 की सातवीं नेशनल असेंबली के मौके पर टीचर ऑफ टीचर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में एफओटीआई द्वारा एफओटीआई - 2024 (फोरम ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी टीचर्स ऑफ इंडिया और पैन इंडिया एचओडी ऑप्थेल्मोलॉजी ग्रुप की सातवीं राष्ट्रीय असेंबली) की आयोजक समिति के तौर पर उनकी भूमिका के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित। दूसरे मिड-टर्म सम्मेलन, विशाखापत्तनम में अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी (एआईओएस) द्वारा एआईओसी के फीफा फिल्म फेस्टिवल का ग्रैंड प्राइज विनर पुरस्कार। अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी (एआईओएस) द्वारा दूसरे मिड-टर्म सम्मेलन विशाखापत्तनम में सर्वश्रेष्ठ वीडियो - एंटीरियर सेगमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मखीजा आर, वनाति एम, वर्मा एम, राज एन, गुप्ता एन, टंडन आर को बेस्ट ऑफ़ आईजेओ सर्टिफिकेट 2023 दिया गया। टॉरिक इंट्राओकुलर लेंस

10.4_.indd 1276 1/7/2026 5:16:49 PM

इम्प्लांटेशन में इंट्राऑपरेटिव एबेरोमेट्री और बैरेट के टॉरिक कैलकुलेटर का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंडियन जे नेत्र विज्ञान। 2023; 71:1918-23 जिसे अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी (एआईओएस) और भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका (आईजेओ) द्वारा साल 2023 के दौरान भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन में से एक चुना गया। अनीता वी, वनाति एम, राघवन ए, राजारमन आर, रवींद्रन एम, टंडन आर को प्रशंसा प्रमाण पत्र 2023 दिया गया। बाल चिकित्सा केराटोकोनस-वर्तमान परिपेक्ष्य एवं नैदानिक चुनौती। इंडियन जे नेत्र विज्ञान। 2021;69(2):214-225 जिसे अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी (एआईओएस) और भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका (आईजेओ) ने साल 2023 में भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका (आईजेओ) में सर्वोच्च प्रकाशन में से एक चुना था। कॉर्निया सोसाइटी ऑफ़ इंडिया की एडवोकेसी समिति के सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनवरी आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाई) के तकनीकी विशेषज्ञ, ताकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयोजित की गई इस स्कीम को आसानी से लागू करने के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेज, मानक उपचार दिशा-निर्देश, चिकित्सा ऑडिट और उपचार की गुणवत्ता आदि पर विशेषज्ञता के क्षेत्र में कीमती सुझाव दिए जा सकें। 1 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली में दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत कॉर्निया प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए सेंटर फॉर साइट, बी-5/24, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली के पंजीकरण (नवीनीकरण) के निरीक्षण हेतु निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में थी। 14 मई 2024 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कॉर्निया दान/पुनर्प्राप्ति/वितरण और अन्य संबंधित मुद्दों के संबंध में बैठक के लिए समिति के सदस्य के रूप में दीन दयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली। 14 जून 2024 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित उच्च समर्थन की आवश्यकता वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए दिशानिर्देश/ प्रावधानों के गठन हेतु चर्चा बैठक के लिए समिति सदस्य के रूप में थी। मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत कॉर्निया प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए मैक्स मल्टी स्पेशियलिटी सेंटर, एन-110, पंचशील पार्क, नई दिल्ली के पंजीकरण (नवीनीकरण) के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में 2 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया। 23-24 जुलाई 2024 को हैदराबाद में ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस (जीआईटीए) द्वारा आयोजित परियोजना "वंशानुगत रेटिनल रोगों के लिए नैदानिक पैनल का विकास" की समापन समीक्षा बैठक के लिए परियोजना संरक्षक के रूप में 31 जुलाई 2024 को नई दिल्ली में दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत कॉर्निया प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए बत्रा अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, 1 तुगलकाबाद संस्थागत क्षेत्र, एम.बी. रोड, नई दिल्ली के पंजीकरण (नए) के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में थी, 16 अगस्त 2024 को पं. दीन दयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा 21 अगस्त 2024 को ऑनलाइन/फिजिकल के ज़रिए आईसीएमआर, अंसारी नगर, नई दिल्ली में बीएमएचआरसी, भोपाल के लिए स्पेशलिस्ट ग्रेड-III (नेत्र विज्ञान) की 05 वैकेंसी भरने के लिए चयन समिति मीटिंग के लिए समिति के सदस्य के तौर पर मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार, नई दिल्ली की प्रबंध समिति की 148वीं, 149वीं और 150वीं मीटिंग के लिए प्रबंध समिति की सदस्य रही। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा 29 अगस्त 2024 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में "ब्रेनस्टॉर्मिंग - चिकित्सा डिवाइस की प्रायोरिटी लिस्ट" पर आयोजित मीटिंग के लिए समिति सदस्य के तौर पर 04 सितंबर 2024 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित "दक्षिण-पूर्व एशिया में पुनर्वास तक पहुंच को तेज करने पर डब्लू एच ओ क्षेत्रीय बैठक" की डीब्रीफिंग मीटिंग के लिए समिति के सदस्य के रूप में 30 सितंबर 2024 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलाय के तहत समावेशी नेत्र स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के गठन के लिए बैठक के सदस्य के रूप

10.4_.indd 1277 1/7/2026 5:16:49 PM

में 12 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत कॉर्निया प्रत्यारोपण और नेत्र बैंक सुविधाओं के लिए सर गंगा राम अस्पताल, ओल्ड राजिंदर नगर, नई दिल्ली के पंजीकरण (नवीनीकरण) के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत 13 दिसंबर 2024 को दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ द्वारा नई दिल्ली में आयोजित किया गया। 19 जनवरी 2025 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल, बिहार, पटना द्वारा आयोजित सीएबी की बोर्ड बैठक के लिए नैदानिक सलाहकार बोर्ड (सीएबी) के सदस्य के रूप में मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत कॉर्निया प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए आई उन्नत नैदानिक नेत्र उपचार, 26, राष्ट्रीय उद्यान, लाजपत नगर-IV, नई दिल्ली के पंजीकरण (नए) के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में, 24 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। रा.प्र. कें., एम्स में ट्रांसलेशनल आई अनुसंधान सुविधा (टीईआरएफ) संचालन और कार्य समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त की गई। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा 6 फरवरी 2025 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में आयोजित "चिकित्सा उपकरणों की प्राथमिकता सूची" पर एक संगोष्ठी। 7 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत कॉर्निया प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए श्रेया आई सेंटर, डी-163, सूरजमल विहार, दिल्ली-110092 के पंजीकरण (नवीनीकरण) के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष के रूप में 12 फरवरी 2025 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रलाय के तहत अम्ब्रेला सकीम और लंबित मुद्दों पर समीक्षा बैठक के लिए सदस्य के रूप में 25 फरवरी 2025 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आई सी एम आर द्वारा आयोजित "महत्वपूर्ण स्वास्थ्य उपचार हेतु आवश्यक एपीआईएस को प्राथमिकता देने" के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए समिति सदस्य थी। 12 मार्च 2025 को नई दिल्ली के निर्माण भवन में स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत पंजाब, हरियाणा और केरल जैसे राज्यों में एआई-आधारत डायबिटिक रेटिनोपैथी (डीआर) टूल के विकास के मामले पर चर्चा करने के लिए मीटिंग की सदस्य रही। 18 मार्च 2025 को आईसीएम आर द्वारा ऑनलाइन मोड से आयोजित "क्रिटिकल हेल्थकेयर के लिए ज़रूरी एपीआईएस को प्राथमिकता देने" के लिए विशेषज्ञ समूह मीटिंग के समिति सदस्य के तौर पर थी। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ (संदर्भ. सं. 14524-पीजी-2023/ईएस तारीख 20 मार्च 2025) की एमसीएच (कॉर्निया, मोतियाबिंद और रिफ्रैक्टिव शल्य चिकित्सा) डिग्री के शौध प्रबंध इवैल्यूएशन के लिए बाहरी परीक्षक के तौर पर नियुक्त की गई। 25 मार्च 2025 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन होस्ट की गई डायबिटिक रेटिनोपैथी सॉल्यूशन के लिए सीडीएससीओ सर्टिफिकेशन पर वर्चुअल मीटिंग चर्चा की सदस्य रही।

प्रोफेसर राजपाल को रोहतक में एसीओआईएन पुरस्कार मिला। जज: जेएम पावा पुरस्कार। एआईओएस, 2024 में रेटिना सत्र में अध्यक्ष।

प्रोफेसर नम्रता शर्मा को एशिया कॉर्निया सोसाइटी मीटिंग (2024) जकार्ता में "द ग्लोबल अलायंस ऑफ़ आई बैंकिंग एसोसिएशन्स (जीएईबीए)" की तरफ से "अंतरराष्ट्रीय आई बैंकिंग के लिए पहला डॉ. पॉल डुबोर्ड पुरस्कार" मिला। अकादमी को दी गई सेवाओं के लिए एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी (एपीएओ) से प्रशंसा पत्र (2024)। वर्ष 2024 में एफ्रो-एशियन काउंसिल ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी की सदस्य चुनी गई। वर्ष 2025 में एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी के कोषाध्यक्ष चुने गए। वर्ष 2024 में भारत से एशिया कॉर्निया सोसाइटी (एसीएस) के परिषद सदस्य के रूप में शामिल किए गए। एम एम जोशी नेत्र संस्थान-आई फेस्ट (2025) द्वारा "नेत्र विज्ञान में वैश्विक उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। एम्स में राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रतियोगिता (एनबीआरसीओएम), 2024 में 'चिकित्सीय केराटोप्लास्टी के बाद डोनर कॉर्निया के क्रॉस-लिंकिंग के नैदानिक मूल्यांकन' के लिए

10.4_.indd 1278 1/7/2026 5:16:49 PM

"सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति" से सम्मानित किया गया। भारत में नेत्र शिक्षकों के एफओटीआई फोरम द्वारा "सुसुरता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसायटी (एआईओएस) 2023-2026 की वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष रही। एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी (एपीएओ) की वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति की सह-अध्यक्ष (2025) थी। एपीएओ कांग्रेस स्टैंडिंग समिति के वेबिनार कन्वीनर (2025)। कॉर्निया सोसाइटी ऑफ इंडिया की पूर्व अध्यक्ष (2022-2024) थी। भारतीय नेत्र बैंक संगठन की उपाध्यक्ष (2023-2025)। साउथ एशिया एकेडमी ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी की उप सचिव प्रमुख (2022 से अब तक)। इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रेक्टिव सर्जन्स (आईएससीकेआरएस) की साइंटिफिक समिति की अध्यक्ष। एपीएओ के क्षेत्रिय सचिव (2018-2024)। एशिया कॉर्निया सोसाइटी के काउंसिल सदस्य (2024 से अब तक)। राष्ट्रीय नेत्र बैंक के अध्यक्ष (2025)। ऑप्थल्मिक अनुसंधान एसोसिएशन (ओआरए) के महासचिव, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स। यूनिट-IV, मोतियाबिंद, कॉर्निया और रिफ्रैक्टिव शल्य चिकित्सा सेवाओं की प्रभारी, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स (2021 से अब तक)। अध्यक्ष, शैक्षिक और अनुसंधान समिति, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स (2021-2024)। अध्यक्ष और कार्य प्रभारी ओटी, ऑपरेशन थिएटर समिति (मेन ओटी और डे-केयर), रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स (2021 से अब तक)। सह-अध्यक्ष, संक्रमण मॉनिटरिंग और निगरानी समिति, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स (2021 से अब तक)। महिला नेत्र विज्ञान सोसाइटी (डब्ल्यूओएस), कॉर्निया सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) और इंट्राओकुलर इम्प्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया (आईआईआरएसआई) की कार्यकारी सदस्य। पूर्व महासचिव, अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी (2017-2023)। पूर्व सचिव, दिल्ली नेत्र विज्ञान संस्था (2007-2009, एवं 2019-2021)। पूर्व सचिव, भारतीय नेत्र विज्ञान संगठन (2016-2021) पूर्व कोषाध्यक्ष, साउथ एशिया एकेडमी ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी (2008-2018)। कई मल्टीसेंट्रिक अंतरराष्ट्रीय, एफडीए ट्रायल्स, और कई रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड नैदानिक ट्रायल्स में प्रमुख अन्वेषक रही हैं, जिन्होंने कॉर्निया, कैटरैक्ट और रिफ्रैक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में नैदानिक प्रैक्टिस पैटर्न को बदल दिया है।

प्रोफेसर तनुज दादा को विश्व ग्लूकोमा संगठन के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स में नियुक्त किया गया। एशिया पैसिफिक ग्लूकोमा सोसाइटी के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स नियुक्त किया गया। अंतरराष्ट्रीय सोसाइटी ग्लूकोमा सर्जरी की कार्यकारी समिति के सदस्य। एशिया पैसिफिक ग्लूकोमा कांग्रेस के साइंटिफिक प्रोग्राम समिति के अध्यक्ष। वर्ल्ड ग्लूकोमा कांग्रेस के वैज्ञानिक प्रोग्राम सह-अध्यक्ष। एशिया पैसिफिक ग्लूकोमा सोसाइटी के वैज्ञानिक शिक्षा के अध्यक्ष रहे। वर्ल्ड ग्लूकोमा संगठन की शिक्षा और सर्वसम्मति समिति के सदस्य। एशिया पैसिफिक ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी एकेडमी के लिए ग्लूकोमा के वैज्ञानिक समन्वयक। विश्व नेत्र विज्ञान कांग्रेस के कार्यक्रम नियोजन समिति के सदस्य थे। प्रतिष्ठित ग्लूकोमा अनुसंधान सोसाइटी की सदस्यता से सम्मानित किए गए। नेत्र विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय काउंसिल के परीक्षा समिति के सदस्य थे। वर्तमान ग्लूकोमा प्रैक्टिस के जर्नल के संपादक प्रमुख रहे। जर्नल ऑफ़ ग्लूकोमा के सह-संपादक। अमेरिकन नेत्र विज्ञान पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे।

प्रोफेसर नूपुर गुप्ता, बाल चिकित्सा और नेत्र विज्ञान सतह की बिमारियों के क्षेत्र में पीबीकेसी स्टडी ग्रुप के लिए भारत से वैश्विक विशेषज्ञ हैं। वह बाल चिकित्सा ब्लेफेरोकेराटोकंजंक्टिवाइटिस (बीकेसी) पर एक अंतरराष्ट्रीय डेल्फी मेथड कंसेंसस स्टडी में सम्मिलित थी, जिसका मकसद परिभाषा, नैदानिक मानदंड और चिकित्सीय नतीजों को एक करना है। विजन 2020: राइट टू साइट, इंडिया के तहत इंडिया की सदस्य हॉस्पिटल के लिए सालाना पुरस्कार के लिए जूरी सदस्य और निर्णायक। शीर्षक "ए लाइफस्टाइल एपिडेमिक: ऑक्यूलर सरफेस डिजीज" टीएफओएस कार्यशाला के लिए ड्राई आई पर जन जागरूकता सह-समिति की वैश्विक विशेषज्ञ और सदस्य हैं। यह कार्यशाला टीएफओएस की सबसे नई पहलों में से एक है, जिसे टियर फिल्म और नेत्र सतह के वैज्ञानिक क्षेत्र के अनुसंधान, साक्षरता और शैक्षिक पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया था। एसीओआईएन 2024 में भारतीय महाद्वीप में सामाजिक नेत्र स्वास्थ्य

10.4_.indd 1279 1/7/2026 5:16:50 PM

हेतु निश्चित और आजीवन प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से लड़ने के लिए एक नया एआई-पावर्ड स्मार्टफोन ऐप लॉन्च किया। देश से ट्रेकोमा को खत्म करने के लिए डब्लू एच ओ से मान्यता पाने में मदद के लिए डोजियर जमा करने पर काम करने के लिए मुख्य नेत्र विशेषज्ञ और राष्ट्रीय कोर टीम का हिस्सा थी। एसईएआरओ के लिए सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य पत्रिका के परामर्शदाता संपादक के तौर पर नामांकित और साउथ एशिया सलाहाकार समिति के बोर्ड सदस्य के तौर पर काम करते हुए पत्रिका के लिए परामर्शदाता सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया गया। रिफ्रैक्टिव एरर के कारण देखने में परेशानी के बोझ को कम करने की कोशिश में क्लियर विजन इंडिया के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप पर लीडरशिप एक्सचेंज में विशेषज्ञ रही। नैदानिक शिक्षा एवं ट्रायल्स इकाई (सीएसटीयू), आईसीएमआर के तहत इंटरमीडिएट ग्रांट, आईसीएमआर फेलोशिप और एक्स्ट्राम्यूरल परियोजनाओं की समीक्षा के लिए नेत्र विज्ञान के क्षेत्र के लिए परियोजना की समीक्षा समिति मीटिंग के लिए नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ के तौर पर नामांकित किया गया। ट्रेकोमा के वैश्विक उन्मूलन के लिए सुझाव देना और कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन के नतीजों का अवलोकन करने के लिए विशेषज्ञ, डब्लू एच ओ ग्लोबल ट्रेकोमा विशेषज्ञ के तौर पर ट्रेकोमा के कारण कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को खत्म करना। डब्लूएचओ मुख्यालय ने इस क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर बुलाया है ताकि वैश्विक नेत्र स्वास्थ्य कवरेज के सूचकांक के तौर पर इफेक्टिव मोतियाबिंद सर्जिकल कवरेज (ईसीएससी) और इफेक्टिव रिफ्रैक्टिव एरर कवरेज (ईआरईसी) का आकलन करने और दुनिया भर में सुनने के सूचकांक को जोड़ने के लिए सर्वे प्रोटोकॉल को बनाया और सुनिश्चित किया जा सके। भारत में टीटी सर्वे के लिए ट्रेनर की ट्रेनिंग, डब्लूएचओ मुख्यालय, क्षेत्रीय और भारतीय कार्यालय के विशेषज्ञ के साथ-साथ ट्रॉपिकल डेटा टीम और आईसीईएच, लंदन, यूके में वैश्विक ट्रेकोमा मैपिंग परियोजना में रही।

भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के तहत आयुष्मान भारत योजना और नीति आयोग पैकेज के लिए दिशा-निर्देश बनाना और विशेषज्ञ के सुझाव देने के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ थी। देश से ट्रेकोमा को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय दिशा-निर्देश और मॉड्यूल की निगरानी के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति की विशेषज्ञ थी। देखने में दिक्कत वाली कॉर्नियल ओपेसिटी के फैलाव से जुड़ी इमेज (एम हेल्थ) और डेटा के मोबाइल कैप्चर के लिए ओडीके ऑनलाइन फॉर्म का बनाना। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा साल 2020 तक देश से ट्रेकोमा को खत्म करने के लिए योजना बनाना और लागू करने की रणनीति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सेंट्रल टास्क फोर्स के लिए विशेषज्ञ रही। डब्लूएचओ सेंसरी फंक्शन्स सर्वे मैनुअल पर विशेषज्ञ रिव्यूअर सर्वे मैनुअल, विजन एंड आई केयर प्रोग्राम, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा के साथ मिलकर कार्य किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक। भारत सरकार द्वारा साल 2020 तक देश से ट्रेकोमा को खत्म करने के लिए राज्यों में ट्रेकोमा मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति की विशेषज्ञ। साउथ एशिया सलाहकार एडवाइजरी समिति के बोर्ड सदस्य के तौर पर एसईएआरओ क्षेत्रीय रीजन के लिए सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य हेतु परामर्श सलाहकार।

प्रोफेसर रोहित सक्सेना पेटेंट: 3डी गति धारणा के निरंतर मूल्यांकन के लिए एक नई विधि और एक प्रणाली (पेटेंट आईडी: 202211066151 ए, पेटेंट कार्यालय जर्नल संख्या 21/2024 दिनांक 24 मई 2024 को जारी किया गया। डीओएस 2024-2025 के अध्यक्ष नियुक्त किए गए। वर्तमान में भारतीय तंत्रिका नेत्र विज्ञान सोसाइटी के सचिव थे। पत्रिका "फ्रंटियर्स इन ऑफथमलॉजी" के लिए बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस अनुभाग के मुख्य विशेषता संपादक थे। एम्स के 7 विभागों के साथ चल रहे सहयोगी अनुसंधान: चिकित्सा, नियोनैटोलॉजी, बाल रोग, संवेदनाहरण, विकिरण विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, एनएमआर। नीति विषयक समिति एम्स। दिल्ली विश्वविद्यालय की नीति विषयक समिति के सदस्य। एम्स दिल्ली की संकायाध्यक्ष अनुसंधान समिति के सदस्य। डीसीजीआई की विषय विशेषज्ञ समिति के

10.4_.indd 1280 1/7/2026 5:16:50 PM

सदस्य, नैदानिक ट्रायल, नई दवाएं और डिवाइस के लिए। डीजीएचएस की विषय सलाहकार तकनीकी समिति, जो नैदानिक ट्रायल पर नज़र रखने के लिए बनी है। रेगुलेटरी एप्लीकेशन के लिए आई सी एम आर समिति के सदस्य थे।

प्रोफेसर राजेश सिन्हा को नेत्र विज्ञान की अमेरिकन अकादमी की मीटिंग 2024 में बेस्ट ऑफ शो पुरस्कार मिला। केओएसकेओएन से राष्ट्रपति गोल्ड मेडल मिला। बीओए से गोल्ड मेडल मिला। डीओएस के वार्षिक सम्मेलन में डॉ. पी के जैन ओरेशन में भाग लिया।

डॉ. शौर्य वर्धन आज़ाद को बेस्ट ऑफ आईजेओ पुरस्कार - 2025 मिला। ग्लूकोमा के संदिग्ध और शुरुआती ग्लूकोमा में ऑप्टिक डिस्क और मैक्युला में ओसीटीए बदलावों के साथ ओक्टोबेर तुलनात्मक मूल्यांकन किया। इंडियन जर्नल ऑफ नेत्र विज्ञान की भारतीय पत्रिका 73 (सप्ल 2):पीएस260-एस266, मार्च 2025। बेस्ट ऑफ आईजेओ पुरस्कार - 2024। अल्ट्रा-वाइड फील्ड रेटिनल इमेजिंग: एक बड़ा नैदानिक नज़रिया। इंडियन जे नेत्र विज्ञान। 2021 अप्रैल; 69(4):824-835. आमंत्रित अतिथि संकाय-सदस्य - एमजीएम - सीएमई: मोतियाबिंद और रेटिना 22 सितंबर 2024 को एमजीएम नेत्र अस्पताल, रायपुर, म.प्र.। एनबीईएमएस - राष्ट्रीय संकाय - रेटिना - एफएनबी प्रशिक्षण - 2022 से अब तक किया। समीक्षक - निःशुल्क पेपर - एपीवीआरएस, 2024। एशिया पैसिफिक बाल चिकित्सा रेटिना संगठन (एपीपीआरईए) - कोर समिति में थे। आंतरिक परीक्षक - नेत्र विज्ञान में एमडी- परीक्षा अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली-मई 2024 रहे। संकाय सह-प्रभारी, नेत्र विज्ञान में स्नातक-मई-दिसंबर 2024। एआईओएस-एफएआईसीओ-परीक्षक 2024-2025 थे।

डॉ. देवेश कुमावत दिल्ली नेत्र विज्ञान पत्रिका के सह-संपादक थे। उन्हें साल 2024-2025 के लिए एम्स से अर्ली करियर इंट्राम्यूरल ग्रांट मिला।

डॉ. आशीष मार्कन को एआईओसी 2024 में एंटोड क्विज़ में प्रथम पुरस्कार मिला। युवा इन्फ्लुएंसर पुरस्कार से सम्मानित 2024। योसिकॉन युवा इन्फ्लुएंसर पुरस्कार 2024। 2024 में ऑल इंडिया ऑप्थल्मिक सोसाइटी इन यूविया (एफएआईसीओ यूवीईए) की फेलोशिप मिली। एफएआईसीओ यूवीईए 2024 में स्वर्ण पदक मिला। ब्रिज रेटिना कांग्रेस 2024, एलेक्जेंड्रिया, इजिप्ट में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रेजेंटेशन मिला।

डॉ. मनप्रीत कौर को राइजिंग स्टार पुरस्कार मिला - कर्नाटक नेत्र विज्ञान सोसाइटी के 43वीं वार्षिक बैठक (केओएससीओएन 2024), 22-24 नवंबर 2024। उडुपी, कर्नाटक। रनर अप - केओएस ऑप्थेल्मिक प्रीमियर लीग-कर्नाटक ऑप्थेल्मिक सोसाइटी की 43वीं वार्षिक बैठक। (केओएससीओएन 2024), 22-24 नवंबर 2024। उडुपी, कर्नाटक। विनर - चैलेंजिंग केस सिम्पोजियम। आरओएससीओएन 2024 वार्षिक बैठक। 8-10 नवंबर 2024। उदयपुर, इंडिया। सर्वश्रेष्ठ टीम, ऑडियंस चॉइस। राजस्थान प्रीमियर लीग, आरओएससीओएन 2024 वार्षिक बैठक। 8-10 नवंबर 2024। उदयपुर, इंडिया। बेस्ट वीडियो (मोतियाबिंद) - राजस्थान प्रीमियर लीग, आरओएससीओएन 2024 वार्षिक बैठेक। 8-10 नवंबर 2024। उदयपुर, इंडिया थी।

डॉ. श्रीदेवी नायर को 11 जनवरी 2025 को चंडीगढ़ में हुए वार्षिक एफओटीआई सम्मेलन, 2025 में "यंग ऑप्थैल्मिक टीचर गोल्ड मेडल" से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर टी वेलापांडियन को 8 फरवरी 2025 को मुंबई में इकोनॉमिक टाइम्स ने 'पायनियरिंग साइंटिस्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार' दिया। सदस्य, नीति समिति (सामान्य विज्ञान), एम्स (2016 से अब तक)। सदस्य (भेषजगुण विज्ञान) इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी। (2019 से अब तक)।

10.4_.indd 1281 1/7/2026 5:16:50 PM

सदस्य (भेषजगुण विज्ञान) साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली (2020 से अब तक)। सदस्य (भेषजगुण विज्ञान) आईएनएुएएस, डीआरडीओ, दिल्ली (2019 से अब तक)। सदस्य, पशु नीति समिति-साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली (2016 से अब तक)। सदस्य-आई सी एम आर टास्क फोर्स ऑन इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल अनुसंधान-2018 से अब तक। एफएसएसएआई (भारत सरकार) के जैव-खतरा पैनल के सदस्य, एफडीए भवन, नई दिल्ली 2017 से अब तक (दूसरा टर्म)। परियोजना निगरानी समिति में विशेषज्ञ सदस्य - बीआईआरएसी 2019 से अब तक। अध्यक्ष - क्वालिटी कंट्रोल समिति- मेन अस्पताल भण्डार-एम्स। सदस्य-संकायाध्यक्ष अनुसंधान समिति। सदस्य-पीइआरजी समीक्षा समिति, आईसीएमआर। सदस्य-वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, राष्ट्रीय डोप टेस्टिंग प्रयोगशाला। एम्स में नेत्र विज्ञान कॉलेज बनाने के लिए समिति-सदस्य। सदस्य-तकनीकी सलाहकार समिति, आईसीएमआर। सदस्य-प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग समिति (पीएससी), आईसीएमआर। विशेषज्ञ-संकाय-सदस्य इंटरव्यू पैनल, नेपाल थे।

प्रोफेसर नबनिता हलदर को 30 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में चौथे अनुसंधान दिवस पर 'नटासोल, ए वाटर सोल्यूबल स्टेराइल नैटामाइसिन फॉर्मूलेशन फंगल केराटाइटिस के लिए' विषय हेतु नवाचार पुरस्कार मिला।

डॉ. गायत्री सुरेश को प्रभाग की पोस्ट-डॉक शिष्या आईपीएससीओएन, 28-30 दिसंबर एम्स, नई दिल्ली में "एनवायर्नमेंटल फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी" श्रेणी में युवा संकाय-सदस्य पुरस्कार मिला।

सुश्री अनन्या तुली प्रभाग की पीएचडी छात्रा को सोसाइटी ऑफ यंग बायोमेडिकल साइंटिस्ट्स, एम्स, नई दिल्ली, भारत के पांचवें साइंस कॉन्क्लेव-कम नेशनल बायोमेडिकल अनुसंधान प्रतियोगिता में युवा अनुसंधानकर्ता पुरस्कार प्राप्त हुआ; 1-3 दिसंबर 2024।

सुश्री अनन्या तुली प्रभाग की पीएचडी छात्रा को अंतरराष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन (आईपीसी) और भारतीय भेषजगुण विज्ञान संस्था के 54वें वार्षिक सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, भारत, 28-30 नवंबर 2024 में युवा भेषजगुण विज्ञान पुरस्कार मिला।

श्री तपस कुमार रॉय प्रभाग के पीएचडी स्टूडेंट को एनबीआरसीओएम 2024, एम्स, नई दिल्ली, भारत (1-3 दिसंबर 2024) में सर्वश्रेष्ठ ओरल प्रेजेंटेशन मिला।

डॉ. संजय शर्मा को इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान के क्षेत्र में शानदार योगदान के लिए मई 2024 में एशिया पैसिफिक सोसाइटी ऑफ कार्डियोवैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (एपीएससीवीआईआर) ने गोल्ड मेडल दिया।

डॉ. नीलम पुष्कर को मार्च 2025 में आयोजित एआईओएस के शासी निकाय द्वारा "ओकुलोप्लास्टिक सर्जरी" की विशेषता में एफएआईसीओ (मानद) के पुरस्कार के लिए चुना गया। नेत्र विज्ञान की दक्षिण एशियाई अकादमी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में 'पलकों की विकृति में कर्ण त्वचा-उपास्थि ग्राफ्ट - संकेत और परिणाम' विषय पर प्रस्तुतकर्ता और प्रथम लेखक के रूप में 'सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार' प्राप्त हुआ। चंडीगढ़ में 2025 में 8वीं राष्ट्रीय सभा (एफओटीआई) में 'फोरम ऑफ ऑप्थल टीचर्स ऑफ इंडिया (एफओटीआई)' द्वारा 'भारत के उत्कृष्ट नेत्र रोग शिक्षक पुरस्कार' प्राप्त हुआ। चंडीगढ़ में 2024 के मिडटर्म ओकुलोप्लास्टिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया सम्मेलन में 'पलकों की विकृति में त्वचा-उपास्थि ग्राफ्ट के संकेत और तकनीक का खुलासा' पर मुख्य भाषण दिया। हरियाणा नेत्र विज्ञान पत्रिका के संपादकीय सलाहकार बोर्ड में थी। जून 2024 में एम्स में हुए अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी - एआरसी प्रोग्राम

10.4_.indd 1282 1/7/2026 5:16:50 PM

में 'ओकुलोप्लास्टी और ओकुलर ऑन्कोलॉजी' सत्र में अध्यक्ष रही। अक्टूबर 2024 में देहरादून में हुए मिड-टर्म एआईओएस सम्मेलन में ओकुलोप्लास्टी सेशन में अध्यक्ष थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण कैंपस और पीजीआई चंडीगढ़ से 5 एमडी/एमएस शोध प्रबंध (नेत्र विज्ञान) का मूल्यांकन किया।

डॉ. रचना मील, आईजेओ समीक्षक प्रशंसा प्रमाण पत्र 2024। आईजेओ का सर्वश्रेष्ठ (मूल लेख - ओकुलोप्लास्टी) वर्ष 2024 के लिए रेटिनोब्लास्टोमा में एक्यूएस ह्यूमर ट्यूमर डीएनए नमूनाकरण के लिए प्रमाण पत्र पुरस्कार - दक्षिण एशिया की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। साइनो-ऑर्बिटल म्यूकोर्मिकोसिस मामलों के प्रबंधन में लक्षित कक्षीय हस्तक्षेप के लिए आईजेओ प्रशंसा प्रमाण पत्र। इंडियन नेत्र विज्ञान पत्रिका72(10):पी 1488-1494, अक्टूबर 2024।

डॉ. रेबिका को जनवरी 2025 में एफओटीआई चंडीगढ़ में "यंग ऑप्थल्मिक टीचर गोल्ड मेडल" 2024 मिला। एपीएओ-एआईओसी 2025 नई दिल्ली में आई जे ओ रिव्यूअर कमेंडेशन पुरस्कार 2024 मिला। आई जे ओ में पब्लिश ओरिजिनल आर्टिकल "मायोपिक आंखों में कॉर्निया और ऑक्यूलर एबरेशन के बायोमैकेनिकल गुण" के लिए एपीएओ-एआईओसी 2025 नई दिल्ली में प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला। भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका 72(4):p 538-543, अप्रैल 2024" एम्स संस्थान दिवस 2025 पर सर्वश्रेष्ठ ओरल फ्री पेपर पुरस्कार के लिए सह-संपादक थी। डीओएस मिडटर्म सम्मेलन 2024 में बेस्ट ओरल फ्री पेपर पुरस्कार के लिए सह-संपादक थी। सह-संपादक, फ्रंटियर्स ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी-"बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस" अनुभाग; इंडियन न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (आईएनओएस) न्यूज़लेटर में अनुभाग संपादक रही ।

डॉ. साहिल अग्रवाल को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ़ ऑप्थैल्मिक प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी का सदस्य बनाया गया। पीजीआई चंडीगढ़ में 8वें वार्षिक एफओटीआई सम्मेलन में युवा ऑप्थैल टीचर्स स्वर्ण मेडल से सम्मानित किया गया।

विनय गुप्ता ने ग्लूकोमा वाले विट्रेक्टोमाइज़्ड मरीज़ों में जीएटीटी और जीडीडी के नतीजों की तुलना की। मेघना गणेश, बैजू विरानी, अनुराग कुमार, अर्नव पानीग्रही, पवन सैनी, शिवम पांडे, विनी गुप्ता, शिखा गुप्ता। जीएसआई 2024 पुद्दुचेरी में फ्री पेपर प्रस्तुत किया गया। सत्र में सर्वश्रेष्ठ पेपर चुना गया। नैनोफ्थाल्मोस में ग्लूकोमा के लिए फेकोइमल्सीफिकेशन और ट्रेबेकुलोटॉमी के बीच एक तुलनात्मक ट्रायल। के. तान्या, एम गणेश, विनी गुप्ता, शिखा गुप्ता। जीएसआई 2024 पुद्दुचेरी में पोस्टर प्रस्तुत किया गया। सबसे अच्छा पोस्टर चुना गया। एमआईजीएस के साथ फेकोइमल्सीफिकेशन बनाम अर्ली ऑनसेट पीएसीजी के लिए ट्रेबेकुलेक्टॉमी के बीच एक तुलनात्मक विश्लेषण किया। प्रणया अरोड़ा, विनय गुप्ता, शिखा गुप्ता विंटर डीओएस, अशोका, दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ पेपर जीता।

प्रोफेसर पारिजात चंद्रा को सर्वश्रेष्ठ केस पुरस्कार मिला। शाखा, चंद्रा पी. प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी में एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन के बाद बाइलेटरल इटोजेनिक बनाने के बाद की चुनौतियां। रेटिना समिट 2024 और 8वीं आईआरओपी सालाना मीटिंग। चेन्नई [11-13 जुलाई 2024]। एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार - तीसरा पुरस्कार (2025)। प्रीमैच्योरिटी की एग्रेसिव रेटिनोपैथी में फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी गाइडेड लेजर ट्रीटमेंट की भूमिका। अध्यक्ष। सत्र 1: यूविया और वाइरोरेटिना। एआईओएस एआरसी पीजी रिफ्रेशर कोर्स, एम्स दिल्ली [14-16 जून 2024]। पैनलिस्ट - आरओपी सर्जिकल सेशन। रेटिना समिट 2024 और 8वीं आईआरओपी सालाना मीटिंग। चेन्नई [11-13 जुलाई 2024]। सह अध्यक्ष - रेटिना सत्र - आरओपी मास्टरक्लास, यूपीसीओएन 2024, मेरठ [29-1 दिसंबर 2024]। चेयर। आरओपी जागरूकता सत्र। एम्पावरिंग विज़न: नेत्र देखभाल में वैश्विक उन्नति। इंडियन हैबिटेट सेंटर, दिल्ली [31 जनवरी 2025]। बाहरी परीक्षक शोध

10.4_.indd 1283 1/7/2026 5:16:50 PM

प्रबंध (एमएस नेत्र विज्ञान)। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़। (अप्रैल 2024, नवंबर 2024)। बाहरी परीक्षक शौध प्रबंध (एमएस नेत्र विज्ञान)। दिल्ली विश्वविद्यालय। (अगस्त 2024)। बाहरी परीक्षक शौध प्रबंध (एमएस नेत्र विज्ञान)। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़। (नवंबर 2024, फरवरी 2025, मार्च 2025)। सदस्य, संपादकीय बोर्ड रही। इंडियन नेत्र विज्ञान पत्रिका (2023-)। सदस्य टेक्निकल विशेषज्ञ ग्रुप - आरओपी की वजह से अंधेपन की रोकथाम के लिए नेशनल आरओपी टास्क फोर्स। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत।

प्रोफेसर रोहन चावला, संपादक इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी, रेटिना अनुभाग।

प्रोफेसर विनोद कुमार कवर पेज आईजेओ एंजियोमा। नेत्र विज्ञान डिस्क कोलोबोमा का कवर पेज। वाईओएसआईसीओएन 2024, 28 अप्रैल दिल्ली में मेंटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. शिखा गुप्ता ग्लूकोमा वाले विट्रेक्टोमाइज्ड मरीजों में जीएटीटी और जीडीडी के नतीजों की तुलना की। मेघना गणेश, बैजू विरानी, अनुराग कुमार, अर्नव पानीग्रही, पवन सैनी, शिवम पांडे, विनय गुप्ता, शिखा गुप्ता। जीएसआई 2024 पुद्दुचेरी में फ्री पेपर प्रस्तुत किया गया। सत्र में बेस्ट पेपर चुना गया। नैनोफ्थाल्मोस में ग्लूकोमा के लिए फेकोइमल्सीफिकेशन और ट्रेबेकुलोटॉमी के बीच एक कम्पेरेटिव ट्रायल। के. तान्या, एम गणेश, विनय गुप्ता, शिखा गुप्ता। जीएसआई 2024 पुद्दुचेरी में पोस्टर प्रस्तुत किया गया। बेस्ट पोस्टर चुना गया। एमआईजीएस के साथ फेकोइमल्सीफिकेशन बनाम अर्ली ऑनसेट पीएसीजी के बेकुलेक्टॉमी के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन किया। प्रणया अरोड़ा, विनय गुप्ता, शिखा गुप्ता। विंटर डीओएस, अशोका, दिल्ली में बेस्ट पेपर जीता।

डॉ. देवांग अंगमो एपीजीएस युवा निवेशक पुरस्कार 2024। डब्ल्यूओएस अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विनिंग प्रेजेंटेशन 2024। जीएसआई सर्वश्रेष्ठ वीडियो पुरस्कार ग्लूकोचेरी 2024 के दौरान भारत के नेत्र विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय हीरो, झारखंड नेत्र विज्ञान सोसाइटी 2024 इंटरेस्टिंग केस में बेस्ट पेपर के लिए मेंटर, मिडटर्म डीओएस 2024। ऑप्थेल्मिक चैलेंजिंग केस में बेस्ट प्रेजेंटेशन के लिए मेंटर, मिडटर्म डीओएस 2024। एफओटीआई 8वीं वार्षिक राष्ट्रीय असेंबली, भारत में नेत्र विज्ञान के आउटस्टैंडिग 2024। पुरस्कार जम्मू और करनाल में दो सीएमईएस- जीआईईपी कंडक्ट किए। जीएसआई के साथ मिलकर 9-15 मार्च 2025 तक ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह मनाया गया - विशेषज्ञ के साथ रोगी अवेयरनेस वॉक और टॉक आयोजित किए। कुछ इंडेक्स्ड अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे।

डॉ. अनु मलिक, वीमेन ऑप्थैल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी के लिए पुरस्कार मिला, उभरती हुई लीडर 2024। एआईओएस लीडरशिप कार्यक्रम की इंडक्शन समारोह पूर्ण किया। दिल्ली ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य (2024-2026) चुनी गई। जून 2024 में दिल्ली ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी सबस्पेशलिटी दिवस कार्यक्रम के आयोजन-सचिव रही। वीमेन ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी वार्षिक सम्मेलन, 2024 की आयोजन सचिव थी। सितंबर 2024 में राष्ट्रीय नेत्र बैंक फोर्टनाइट उत्सव का आयोजन और मेजबानी की। रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स में नेत्र विज्ञान स्नातक के लिए बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स की आंतरिक परीक्षक। दिल्ली नेत्र विज्ञान पत्रिका, 2024 के लिए मोतियाबिंद अनुभाग के अनुभाग संपादक के तौर पर शामिल किया गया। दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी टाइम्स जर्नल, 2024 के लिए प्रबंध संपादक के तौर पर शामिल किया गया।

10.4_.indd 1284 1/7/2026 5:16:50 PM

एम. वनाति कॉर्निया अचिवमेंट अवार्ड एआईओएस 2020-2024। में उत्कृष्ठ योगदान के लिए आईएससीकेआरएस उत्कृष्टता पुरस्कार मिला। भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका 2023-2026 के लिए संपादक चुने गए। बेस्ट ऑफ़ सेशन अवार्ड - एशिया कॉर्निया सोसाइटी की बाइएनियल मीटिंग 2024।

डॉ. नेवेटी लोमी इंडियन नेत्र विज्ञान पत्रिका (आईजेओ) अबुर्द नेत्र विज्ञान खंड के संपादक रहे। 21-23 सितंबर 2024 को भूटान में 17वें एसएओ सम्मेलन में 'पेरिलेसनल इंजेक्शन वर्सेस टॉपिकल इंटरफेरॉन अल्फा-बिन ओकुलर सरफेस स्क्वैमस नियोप्लासिया' पर फ्री पेपर रनर-अप विनर। प्लाक ब्रैकीथेरेपी की डिसइंसर्ट, रिट्रैक्ट और रोटेट टेक्निक। भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका 72(2): पृष्ठ 303, फरवरी 2024। आईजेओ प्रशंसा प्रमाण पत्र पाने वाले के तौर पर चुना गया। नॉर्थ इंडिया में एक तृतीयक देखभाल केंद्र के पुनर्वास क्लिनिक में आने वाले मरीज़ों में नज़र कम होने के कारणों और सहयोगी तकनीक की ज़रूरतों की पहचान करना। भारतीय नेत्र विज्ञान पत्रिका 72(4): पृष्ठ 520-525, अप्रैल 2024। आईजेओ प्रशंसा प्रमाण पत्र पाने वाले के तौर पर चुना गया। साल 2024 के लिए आईजेओ का रिव्यूअर कमेंडेशन सर्टिफिकेट किया गया।

जसबीर कौर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में पीएचडी वाइवा-वॉयस की परीक्षक थी। अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित वक्ता/विशेषज्ञ। आईएसजीबीआरडी फेलो (एफआईएसजीबीआरडी), इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास। समीक्षक (शोध परियोजना): जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। संपादकीय बोर्ड के सदस्य: जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी ओपन एक्सेस; जर्नल ऑफ ऑफ्थल्मोलॉजी एंड विजन; एनाल्स ऑफ क्लीनिकल ऑन्कोलॉजी; अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड रिसर्च; एनाल्स ऑफ स्टेम सेल रिसर्च। समीक्षक (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल्स): एक्सपेरिमेंटल आई अनुसंधान; अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी; करंट एजिंग साइंस; अंतरराष्ट्रीय नेत्र विज्ञान (iii) इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमिटी, सीएआरआई (सीसीआरएएस के तहत), नई दिल्ली (iv) इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (v) संस्थान बायोसेफ्टी समिति (आईबीएससी), वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रवीण वशिष्ठ को 2021-2024 अवधि का सामाजिक नेत्र विज्ञान में काम के लिए अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी - के.आर. दत्ता पुरस्कार मिला। एनपीसीबी और VI स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलाय के तहत राष्ट्रीय ब्लाइंडनेस और VI सर्वेक्षण के लिए केंद्रीय सलाहाकर समिति (सीएसी) के विशेषज्ञ सदस्य। देश से ट्रेकोमा के मामलों को खत्म करने के असेसमेंट के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय टास्क फोर्स समिति के सदस्य। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रलाय के तहत रेटिनोब्लास्टोमा पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत समावेशी नेत्र स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स बनाने के लिए मीटिंग के सदस्य। 30 सितंबर 2024 को निर्माण भवन, नई दिल्ली। वैज्ञानिक (मेडिकल) के पद के लिए चयन के लिए आईसीएमआर स्क्रीनिंग समिति के सदस्य। एआईओएस विजन 2030 समिति के सदस्य। विजन 2020 राइट टू साइट-इंडिया के सचिव। एसीओआईएन की पुरस्कार समिति के अध्यक्ष। प्रभारी आचार्य, भर्ती प्रकोष्ठ, एम्स नई दिल्ली। केंद्रीय जन सूचना कार्यालय, केंद्रीय सहायक जन सूचना कार्यालय और एम्स के भर्ती प्रकोष्ठ के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के तौर पर नामांकित हुए। पोस्ट बनाने के लिए अलग-अलग विभाग से मिले स्थायी वित्त समिति के प्रस्ताव के मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य बने। विज़न 2020-द राइट टू साइट इंडिया के कार्यकारी सदस्य होने के लिए सीएमसी लुधियाना से सम्मानित। 13-14 अप्रैल 2024 को थमेल काठमांडू, नेपाल में एनएनजेएस-एसीओआईएन-इंडो नेपाल फ्रेंडशिप अंतरराष्ट्रीय सीएमई 2024 में बॉर्डर के पार शानदार, डेडिकेटेड और

10.4_.indd 1285 1/7/2026 5:16:50 PM

ईमानदार कमिटमेंट के लिए कम्युनिटी आई हेल्थ सर्विस 2024 में एक्सीलेंस सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। गुवाहाटी असम में एसपीईसीएस 2030 स्ट्रेटेजी कार्यशाला में असम में एसपीईसीएस 2030 कार्यान्वयन को पाने के लिए सहयोग पर सत्र अध्यक्ष। 19 सितंबर को होटल पार्क, नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट की राष्ट्रीय रिव्यू मीटिंग में अलग-अलग एसपीओ द्वारा उनके स्टेट एनपीसीबी एवं वीआई गतिविधियों के प्रस्तुतीकरण सत्र की अध्यक्षता की। थिम्पू भूटान में दक्षिण एशियाई नेत्र विज्ञान संघ (एसएओ) सम्मेलन में सामुदायिक नेत्र विज्ञान: बाल नेत्र विज्ञान और भेंगापन पर सत्र की अध्यक्षता की। 26-29 सितंबर 2024 तक पुरी में एसीओआईएन पुरी 2024 स्मारक अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान में भारत में "सामुदायिक नेत्र विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" सत्र की अध्यक्षता की। एम्स नई दिल्ली में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह पर एम्स मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में "होली खेलते समय आंखों को कैसे बचाएं" पर भाग लिया। दिल्ली एनपीसीबीवीआई कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के सलाहकार, संकायाध्यक्ष और संसाधन व्यक्ति। एआईओएस विजन 2030 समिति के सदस्य रहे।

प्रोफेसर सूरज सेंजम सिंह को 20 मार्च 2025 को सेंटर फॉर ऑक्यूपेशनल व्यावसायिक थेरेपी एवं पर्यावरण स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा गेस्ट लेक्चर के लिए बुलाया गया। 9-11 अगस्त 2024 तक अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के तत्वावधान में पोर्टलैंड, ओरेगन यूएसए में आयोजित वैश्विक नेत्र विज्ञान समिट 2024 में लेक्चर देने के लिए बुलाया गया। आरओएस और एसीओआईएन हरियाणा की तीसरी वार्षिक बैठक में ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। 28 अप्रैल 2024 को पीजीआईएमएस, रोहतक, हरियाणा में स्टेट चैप्टर ओरेशन दिया। नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सीएमई में "सहयोगात्मक तकलनीक: दृष्टि हानि के लिए क्या नया है" पर स्पेशल गेस्ट लेक्चर देने के लिए नेत्र विज्ञान, जेएलएम मेडिकल कॉलेज, अजमेर, राजस्थान, इंडिया, 14 अप्रैल 2024 को बुलाया गया। आईसीएमआर, नई दिल्ली, 2023-2025 के तहत इंडिया में आरएटीए (रैपिड असिस्टिव टेक्नोलॉजी असेसमेंट) के नोडल तकनीकी अधिकारी रहे।

डॉ. विवेक गुप्ता, प्रोफेसर फानी कुमार सराकर एंडोमेंट एसीओआईएन त्रिपुरा स्टेट चैप्टर ओरेशन 2024, एसीओआईएन द्वारा 11 मई 2024 को दिया गया। एसीओएन एनओएस एनएनजेएस इंडो-नेपाल फ्रेंडशिप सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस इन कम्युनिटी आई हेल्थ सर्विसेज़ 2024, एनओएस-एसीओआईएन-एनएनजेएस द्वारा 13-14 अप्रैल 2024 को दिया गया।

डॉ. निशात हुसैन डॉ. निशात हुसैन अहमद को पुणे-महाराष्ट्र में हुए एनआईसीआरओसीओएन 2024 में प्रतिष्ठित एस.एस. केलकर मेमोरियल पुरस्कार दिया गया। डॉ. निशात हुसैन अहमद ने रा.प्र. केंद्र के स्थापना दिवस समारोह 2025 में "नेत्र विज्ञान में सेल थेरेपी और रीजेनरेटिव एप्लीकेशन" पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन में हिस्सा लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1) अबुर्द नेत्र विज्ञान में उन्नति में इमेजिंग, कृत्रिम बुद्धिमता और 3डी प्रिंटिंग, प्रोफेसर मंदीप सागू द्वारा, नेत्र विज्ञान और अबुर्द नेत्र विज्ञान के आचार्य, यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ़ नेत्र विज्ञान और कंसल्टेंट ऑप्थल्मिक सर्जन मूरफील्ड्स आई हॉस्पिटल और बार्ट्स हेल्थ ट्रस्ट, लंदन, यूनाइटेड किंगडम, 27 जनवरी 2025।
2) प्रोफेसर दीपक एडवर्ड द्वारा, नेत्र विज्ञान और विकृति विज्ञान के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलिनोइस आई एंड ईयर इन्फर्मरी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलिनोइस कॉलेज ऑफ़ मेडिसिन, शिकागो, इलिनोइस, यूएसए, 31 दिसंबर 2024।

10.4_.indd 1286 1/7/2026 5:16:50 PM

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

प्रमुख
कामरान फ़ारूक़

अपर चिकित्सा अधीक्षक
विजयदीप सिद्धार्थ

आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान

बबीता गुप्ता
छवि साहनी

प्रयोगशाला चिकित्सा

अरुलसेल्वी एस
पूर्वा माथुर

न्याय चिकित्सा

संजीव लालवानी
आदर्श कुमार

ट्रॉमा शल्य चिकित्सा

सुषमा सागर
सुबोध कुमार
अमित गुप्ता
बिप्लब मिश्रा

तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

दीपक अग्रवाल
दीपक के गुप्ता
जी.डी. सत्यार्थी
पंकज कुमार सिंह

अस्थि रोग

कामरान फ़ारूक़
विजय शर्मा
बुद्धदेव चौधरी
विवेक त्रिखा

विकिरण निदान

शिवानंद जी.
अतिन कुमार

तंत्रिका संवेदनाहरण

आशीष बिंद्रा
ज्ञानेंद्र पाल सिंह
नीरज कुमार

सी एवं आई केयर

कपिल देव सोनी
ऋचा अग्रवाल
केशव गोयल
नवदीप सोखल

10.5_.indd 1287 1/7/2026 1:08:00 PM

बाल शल्य चिकित्सा
शिल्पा शर्मा

आपात चिकित्सा
संजीव के. भोई
वृक्क विज्ञान
बागची सौमिता के.

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
गरिमा कछावा

अपर आचार्य
आपात चिकित्सा
तेज प्रकाश सिन्हा

ट्रॉमा शल्य चिकित्सा
प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी
नरेंद्र चौधरी
अभिनव कुमार
दिनेश कुमार बागरिया

अस्थि रोग
समर्थ मित्तल

मूत्र रोग विज्ञान
सिद्धार्थ जैन

सह-आचार्य
संवेदनाहरण विज्ञान
युद्धवीर सिंह
ट्रॉमा शल्य चिकित्सा
जुनैद आलम

आधान चिकित्सा
राहुल चौरसिया

सहायक आचार्य
न्याय चिकित्सा
स्वाति त्यागी

मनोचिकित्सा
निष्ठा चावला

10.5_.indd 1288 1/7/2026 1:08:00 PM

प्लास्टिक सर्जरी
सुवाशिष दाश

अस्पताल प्रशासन
अनंत गुप्ता
मोहम्मद कौसर

अस्थि रोग
निशंक मेहता
अरविंद कुमार
असजद महमूद
गरिका शिव श्रीवास्तव

संवेदनाहरण विज्ञान
अभिषेक सिंह
रिनिकी सरमा
शर्मिष्ठा पाठक
अंजिशनुजीत बंद्योपाध्याय
(27 मार्च 2025 तक)

आपात चिकित्सा
विनीत चंद्रन के.पी.

तंत्रिका शल्य-चिकित्सा
गौर सूर्य श्री कृष्ण

विशिष्टताएं

वर्ष 2024-2025 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.), एम्स, नई दिल्ली के लिए एक परिवर्तनकारी अवधि थी, जिसमें रोगी उपचार, बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक योगदान एवं सामुदायिक कार्य में प्रमुख प्रगति हुई:

- **अप्रैल 2024**:
    - वर्ष की शुरुआत **पुनर्निर्मित रसोई परिसर के उद्घाटन** से हुई, जिससे रोगियों एवं कर्मचारियों हेतु खाद्य स्वच्छता तथा पोषण संबंधी सहायता में काफी वृद्धि हुई।
    - **मारुति सुजुकी** के सहयोग से, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. ने **सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान** शुरू किया, जिसका उद्देश्य सड़क यातायात संबंधी क्षति हेतु ड्राइवरों को आपात चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शिक्षित करना था।
- **जून 2024 विश्व पर्यावरण दिवस** को **"ब्रेक दी प्लास्टिक चेन"** अभियान के शुभारंभ एवं अस्पताल परिसर में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए कपड़े के थैलों के वितरण के साथ मनाया गया।
- **जुलाई 2024**:
    - **ट्रॉमा केंद्र प्रयोगशाला** को **एनएबीएल मान्यता** प्राप्त हुई, जो निदान गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

10.5_.indd 1289 1/7/2026 1:08:00 PM

- **जर्नल ऑफ ट्रॉमा संवेदनाहरण एंड क्रिटिकल केयर** का शुभारम्भ किया गया तथा इसमें प्रविष्टियां स्वीकार की जाने लगीं, जिससे अत्याधुनिक अनुसंधान और नैदानिक प्रगति को प्रसारित करने के लिए एक शैक्षणिक मंच स्थापित हुआ।

- **अगस्त 2024:** अंगदान में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. को **राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ)** द्वारा **सर्वश्रेष्ठ ब्रेन स्टेम डेथ (बीएसडी) प्रमाणन टीम पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

- **सितंबर 2024:** राष्ट्रीय पोषण माह के एक भाग के रूप में, केंद्र ने जागरूकता गतिविधियां और "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" प्रतियोगिता आयोजित की, जिससे स्थिरता एवं नवाचार को बढ़ावा मिला।

- **अक्टूबर 2024**:

  - ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. ने संक्रमण रोकथाम, नियंत्रण और एंटीमाइक्रोबाइल स्टीवर्डशिप में उत्कृष्टता के लिए **ग्लोबल साउथ कॉन्फ्रेंस 2024** पुरस्कार प्राप्त किया।

  - **रोगी सुरक्षा हेतु नर्सिंग लीडरशिप** पुरस्कार नर्सिंग स्टाफ की असाधारण भूमिका को मान्यता देते हुए प्रदान किया गया।

  - **एक मृत दाता से जीवित रोगी में अस्थि प्रत्यारोपण** सफलतापूर्वक किया गया, जिससे रोगी की चलने की क्षमता पुनः ठीक हो गई।

  - 24 अक्टूबर 2024 को, **एम्स, नई दिल्ली के निदेशक** द्वारा पांच अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटरों का उद्घाटन किया, जिससे शल्य चिकित्सा क्षमता का विस्तार हुआ एवं ट्रॉमा उपचार प्रदान करने में वृद्धि हुई, इस प्रकार ऑपरेशन थिएटरों की मौजूदा संख्या 5 से बढ़कर 10 हो गई।

शिक्षा

- एम्स जम्मू के नर्सिंग अधिकारियों को संवेदनाहरण एवं गहन उपचार संकाय द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से ट्रॉमा रोगियों के गहन उपचार में प्रशिक्षित किया गया।

- ट्रॉमाग्रस्त रोगियों के उपचार को सुदृढ़ बनाने हेतु एम्स, दिल्ली के नर्सिंग अधिकारियों के लिए तीन एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ट्रॉमा में केंद्रित गहन उपचार प्रशिक्षण (एफआईटीटी) विशेष रूप से ट्रॉमाग्रस्त रोगियों गहन उपचार के महत्वपूर्ण पहलुओं को सिखाने हेतु तैयार किया गया था।

- केंद्र के पराचिकित्सा कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों को बीएलएस और एसीएलएस प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- एम्स कैडेवरिक शल्य चिकित्सा स्किल्स ट्रेनिंग (एसीएसएसटी), ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न विशेषज्ञताओं में 31 कैडेवरिक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:-

  - अस्थि रोग (संख्या = 11; सहभागी = 224),

  - शल्य चिकित्सा (संख्या = 5; सहभागी = 80),

  - तंत्रिका शल्य-चिकित्सा (संख्या = 5; सहभागी = 113),

10.5_.indd 1290 1/7/2026 1:08:00 PM

- कान, नाक एवं गला (संख्या = 4; सहभागी = 39),
- संवेदनाहरण (संख्या = 2; सहभागी = 55),
- आपात चिकित्सा (संख्या = 1; सहभागी = 16),
- सीटीवीएस (संख्या = 1; सहभागी = 20),
- दंत चिकित्सा (संख्या = 1; सहभागी = 10)
- बर्न, प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा (संख्या = 1; सहभागी = 35)

दिनांक 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के दौरान आयोजित सम्मेलन, कार्यशाला एवं संगोष्ठी की सूची

क्र.सं.	तिथि	शीर्षक
1.	05 मई 2024	शिक्षण
2	03 अगस्त 2024	व्यक्तित्व विकास एवं पाठ्यक्रम कौशल कार्यशाला
3.	14 अगस्त 2024	कार्यशाला
4.	28 अगस्त 2024	12वीं एम्स वार्षिक स्पाइन कैडेवरिक कार्यशाला - 2024, मेरूदंड शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता
5.	28 अगस्त 2024	12वीं एम्स वार्षिक स्पाइन कैडेवरिक कार्यशाला - 2024, मेरूदंड शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता
6.	21- 22 सितंबर 2024	रीज़नल संवेदनाहरण पर कार्यशाला
7.	01-05 अक्टूबर 2024	डब्ल्यूएचओ मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट (एमसीएम) प्रशिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
8.	25-26 अक्टूबर 2024	ईएम सोनो कार्यशाला
9.	28 अक्टूबर 2024	स्पाइन की हड्डी की शल्य चिकित्सा कार्यशाला
10.	08 नवंबर 2024	कैडेवरिक वर्कशॉप एसिटाबुलर फ्रैक्चर
11.	13-14 नवंबर 2024	कैडेवेरिक पीड़ा कार्यशाला
12.	04-05 दिसंबर 2024	कैडेवेरिक ब्रेकियल प्लेक्सस कार्यशाला
13.	13-14 दिसंबर 2024	ईएम सोनो कार्यशाला
14.	15 दिसंबर 2024	माइक्रोस्कोपिक स्पाइन अध्ययन
15.	21 दिसंबर 2024	अनुसंधान पर कार्यशाला
16.	11 जनवरी 12 जनवरी 2025	शिक्षात्मक

10.5_.indd 1291 1/7/2026 1:08:00 PM

क्र.सं.	तिथि	शीर्षक
17.	19 जनवरी 2025	वायुमार्ग/रीज़नल संवेदनाहरण कार्यशाला
18.	22 जनवरी 2025	दिल्ली सरकार के अस्पतालों के लिए एकीकृत आपातकालीन एवं चोट उपचार पर कार्यशाला
19.	24 जनवरी25 जनवरी 2025	कैडेवेरिक स्कल आधार कार्यशाला
20.	07 मार्च09 मार्च 2025	एम्स पेल्विस-एसिटाबुलर ट्रॉमा अपडेट
21.	10 मार्च 2025	कार्यशाला
22.	17 मार्च 2025	कार्यशाला
23.	18 मार्च19 मार्च 2025	स्पाइन की हड्डी पर कैडेवेरिक चिकित्सा पाठ्यक्रम
24.	22 मार्च 2025	कार्यशाला
25.	29 मार्च 2025	कैडेवेरिक कार्यशाला

प्रदत्त व्याख्यान: 654

अभिनव कुमार: 19
अभिषेक सिंह: 10
आदर्श कुमार: 9
अमित गुप्ता: 43
अनंत गुप्ता: 14
अरविंद कुमार: 4
आशीष बिंद्रा: 25
असजद महमूद: 5
अतिन कुमार: 21
बबीता गुप्ता: 11
बागची सौमिता के: 3
बिप्लब मिश्रा: 13
छवि साहनी: 4
दीपक अग्रवाल: 6
दीपक के गुप्ता: 18
दिनेश कुमार बागरिया: 26
गरिका शिव श्रीवास्तव: 6
गरिमा कच्छावा: 4
ज्ञानेंद्र पाल सिंह: 14
जुनैद आलम: 7
कामरान फ़ारूक़: 24
कपिल देव सोनी: 27
केशव गोयल: 16
मोहम्मद कौसर: 5
नरेंद्र चौधरी: 16
नवदीप सोखल: 2
नीरज कुमार: 5
निशंक मेहता: 19
निष्ठा चावला: 7
पंकज कुमार सिंह: 2
प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी: 8
पूर्वा माथुर: 9
ऋचा अग्रवाल: 10
रिनिकी सरमा: 10
समर्थ मित्तल: 72
संजीव के भोई: 4
संजीव लालवानी: 9
शर्मिष्ठा पाठक: 16
शिवानंद जी: 17
सिद्धार्थ जैन: 3
सुबोध कुमार: 5
सुषमा सागर: 20
सुवाशिष दाश: 17
स्वाति त्यागी: 2
तेज प्रकाश सिन्हा: 4
विजय शर्मा: 14
विवेक त्रिखा: 28
युध्यावीर सिंह: 21

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
448	582	694

10.5_.indd 1292 1/7/2026 1:08:00 PM

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 239

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
143	140	239

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. कैल्केनियल फ्रैक्चर हेतु 3डी प्रिंट-सहायता प्राप्त रिडक्शन और आंतरिक फिक्सेशन, असजद महमूद, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख रुपये

2. 3-डी स्कैफोल्ड मैट्रिक्स के प्रदर्शन एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक बहु-केंद्र, संभावित, ओपन-लेबल, एसेस्सर-बलाइंडिड, यादृच्छिक, नियंत्रित, गैर-हीनता, निर्णायक नैदानिक जांच - अस्थि रोग शल्य चिकित्सा में अस्थि ग्राफ्ट विकल्प के रूप में एक क्लास सी मेडिकल डिवाइस बोन वॉयड फिलर, विवेक त्रिखा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2025, 2.7 लाख रुपये

3. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक बहु-केंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, पैरलल समूह, चरण III अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 5 वर्ष, 2021-2026, रु. 588000 प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन) + रु. 2 लाख प्रति रोगी

4. पूरक 3 ग्लोमेरुलोपैथी में इप्टाकोपैन (एलएनपी023) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, पैरलल समूह, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2022-2025, 5.59 लाख रुपये प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन) + 224275 प्रति रोगी

5. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में एटासिसेप्ट की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु चरण 2बी3, बहु-भाग, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, वेरा थेरेप्यूटिक्स लिमिटेड, 5 वर्ष, 2024-2029, प्रति रोगी 5.31 लाख रुपये

6. ट्रॉमा के बाद कोहनी के नीचे के अंग-विच्छेदित व्यक्तियों में दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियों (एडीएल) हेतु कोहनी के नीचे के कृत्रिम अंग (बायोनिक्लि®) की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट अध्ययन, सुषमा सागर, एनसीएएचटी के तहत, 2 वर्ष, 2023-2025

7. घुटने की आर्थोस्कोपी प्रणाली की सुरक्षा एवं प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु एक पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप (पीएमसीएफ) अध्ययन, असजद महमूद, ऑक्सियन, 2 वर्ष, 2024-2026, 2.50 लाख रुपये

8. रेडियस फ्रैक्चर फिक्सेशन के लिए रेडियस सिस्टम की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित सिंगल आर्म पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप अध्ययन, समर्थ मित्तल, ऑक्सिन मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2024-2026, 5.5 लाख रुपये

10.5_.indd 1293 1/7/2026 1:08:00 PM

9. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में ब्यूडेसोनाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित, डबल ब्लाइंड, बहु-केंद्रित, यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित नैदानिक जांच, सौमिता बागची, फोर्ट्स फार्मा लिमिटेड, 3 वर्ष, 2024-2026, 1.98 लाख रुपये

10. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र की ट्रॉमा गहन उपचार यूनिट में भर्ती गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए ट्रॉमा आईसीयू रजिस्ट्री के विकास और पायलटिंग तथा व्यापक गहन उपचार पर एक अध्ययन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, कपिल देव सोनी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 33.15 लाख रुपये

11. भारत के सात एम्स में भर्ती सभी रोगियों के लिए स्थानीय भाषाओं में पर्चे और डिस्चार्ज सारांश के स्वचालित प्रतिलेखन की उपयोगिता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, दीपक अग्रवाल, वाग हेल्थ फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2024-2027, 15 लाख रुपये

12. नैदानिक परिणामों का पता लगाने में गंभीर रूप से घायल रोगियों में आंत माइक्रोबायोम प्रोफ़ाइल का विश्लेषण - एक संभावित, समूह और खोजपूर्ण अध्ययन, अभिनव कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

13. गंभीर बाल चिकित्सा टीबीआई जांच में दृष्टिकोण और निर्णय, (एडीएपीटी) यूएसए, दीपक कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 10 वर्ष, 2015-2026, 265.49 लाख रुपये

14. प्रसव के बाद प्रीक्लेम्पसिया के मार्करों का आकलन और महिलाओं में कार्डियो वैस्कुलर रोग के होने वाले जोखिम कारकों के साथ सह-संबंध, गरिमा कच्छावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 51.77 रुपये

15. बायोहैंड: पोस्टट्रॉमेटिक हैंड फ्रैक्चर में अस्थि पुनर्जनन के लिए 3डी-प्रिंटेड बायोसिमिलर स्कैफोल्ड्स को उन्नत करना - एक यूसीएल-एम्स सहयोगी दृष्टिकोण, डॉ. सुवाशिष दाश, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

16. अस्थिर फेमोरल गर्दन के फ्रैक्चर में तीन अलग-अलग आंतरिक निर्धारण विधियों की बायोमैकेनिकल तुलना: एक फिनाइट एलीमेंट विश्लेषण, समर्थ मित्तल, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 4.8 लाख रुपये

17. भारत भर के विभिन्न एम्स अस्पतालों में एआई आधारित उपचार के साथ ब्रेन ट्यूमर रजिस्ट्री, दीपक अग्रवाल, कैनकिड्स किड्सकैन, 5 वर्ष, 2023-2028, 120 लाख रुपये

18. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने एवं उसकी रोकथाम के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, पूर्वा माथुर, सीडीसी, 5 वर्ष, 2021-2026, 1260 लाख रुपये

19. अस्पताल में होने वाले संक्रमणों की रोकथाम और नियंत्रण में उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर), पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2020-2025, 753.35 लाख रुपये

20. इंट्रामेडुलरी नेल का उपयोग करके शाफ्ट फीमर फ्रैक्चर के फिक्सेशन के दौरान हेमोडायनामिक, कार्डियक परिवर्तन और एम्बोलिक लोड के लिए रीमर इरिगेटर एस्पिरेटर (आरआईए) के साथ कन्वेंशनल रीमिंग तकनीक की तुलना और ऑस्टियोजेनिक वृद्धि का आकलन, समर्थ मित्तल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 26.7 लाख रुपये

10.5_.indd 1294 1/7/2026 1:08:00 PM

21. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट हेतु शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में संवहनी एंडोथेलियल ग्लाइकोकैलिक्स पर सेवोफ्लुरेन और प्रोपोफोल की तुलना, नीरज कुमार और अरुलसेल्वी, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 7.72 लाख रुपये

22. सीएसएफ संक्रमण का शीघ्र पता लगाने हेतु बाह्य वेंट्रिकुलर ड्रेनेज वाले रोगियों में सीजीएम सेंसर का उपयोग करके निरंतर बंद सीएसएफ ग्लूकोज मॉनिटरिंग, दीपक अग्रवाल, हेल्थकेयर में चाणक्य चेयर प्रोफेसरशिप, 1 वर्ष, 2024-2025, 29.7 लाख रुपये

23. सिजेरियन सेक्शन के दौरान प्रसव पीड़ा और मस्तिष्कमेरु फ्लूएड में नॉरएड्रेनालाईन, सेरोटोनिन, गाबा और ग्लाइसिन के बीच सहसंबंध: एक प्रारंभिक अध्ययन, युध्यावीर सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 8.78 लाख रुपये

24. भारतीय आबादी के लिए आईडियल प्लेट डिज़ाइन हेतु पार्श्व मैलेलेलस की सतही आकृति विज्ञान को डिकोड करना, अरविंद कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2024-2025, 1 लाख रुपये

25. दो तृतीयक केंद्रों में स्व-क्षति वाले रोगियों की प्रोफ़ाइल, आवश्यकताओं एवं अनुभवों के आधार पर मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा के लिए इंटरवेंशन मार्गदर्शिका विकसित करना: एक मिश्रित विधि अध्ययन, निष्ठा चावला, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 6.20 लाख

26. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों हेतु रोग निदान मॉडल का विकास एवं सत्यापन: आधुनिक मशीन लर्निंग विधियों की तुलना, दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 45 लाख रुपये

27. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित केंद्रीय शिरापरक कैनुलेशन के लिए रोबोटिक जांच धारक उपकरण का विकास और सत्यापन, नीरज कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 77.22 लाख रुपये

28. कटे होंठ-तालु के रोगियों में स्पीच थेरेपी के रिमोट वितरण के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित ऐप का विकास (स्वरा- "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिमोट असिस्टेंस के साथ स्पीच थेरेपी- जारी कार्य, सुवाशिष दाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 79 लाख रुपये)

29. राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में तंत्रिका शल्य चिकित्सा क्रेनियोप्लास्टी प्रक्रिया के लिए बायो रिसोर्बेबल क्रेनियल इम्प्लांट्स का विकास, दीपक अग्रवाल, बड़ा अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 50 लाख रुपये

30. ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने में प्लेन रेडियोग्राफिक चित्रों से बोन मिनरल डन्सिटी (बीएमडी) का पता लगाने हेतु कम लागत वाली कृत्रिम बुद्धिमान प्रणाली का विकास, समर्थ मित्तल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, 30 लाख रुपये

31. डिजिटल ट्विन्स और प्रोबेबिलिस्टिक मॉडलिंग की अवधारणा का उपयोग करके वेंटिलेटेड तंत्रिकाट्रॉमा रोगियों पर जोखिम उपचार एवं स्वास्थ्य निगरानी प्रणालियों का विकास, दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 200 लाख रुपये

32. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के नैदानिक विकिरण विज्ञान पाठ्यक्रम का पता लगाने में प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स द्वारा संभावित आणविक सिग्नेचर का विश्लेषण, सूर्य श्री कृष्ण गौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 85.22 लाख रुपये

10.5_.indd 1295 1/7/2026 1:08:00 PM

33. सामान्य संवेदनाहरण के तहत डोर्सो-लम्बर स्पाइन शल्य चिकित्सा कराने वाले वयस्कों में आपातकालीन उत्तेजना पर अभिविन्यास के बार-बार मौखिक अनुस्मारक का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, अभिषेक सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख रुपये

34. 15-18 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले खिलाड़ी बच्चों में कार्यात्मक गति, सुदृढ़ीकरण और लचीलेपन पर संस्थागत फिजियोथेरेपी इंटरवेंशन की प्रभावशीलता: - एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित जांच, समर्थ मित्तल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 55.8 लाख रुपये

35. सीपीएपी मशीन की दक्षता - नैदानिक जांच, बिप्लब मिश्रा (डॉ. अमृत दीक्षित, एम्स रायपुर), अमृत मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 5 लाख रुपये

36. आईआर थर्मोग्राफी मशीन की दक्षता अमृत फ्लैपसेंस, बिप्लब मिश्रा (डॉ. अमृत दीक्षित, एम्स रायपुर), अमृत मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 0.50 लाख रुपये

37. एम्स में फग्रेंगिलिटी फ्रैक्चर संपर्क सेवा की स्थापना: एक बहुकेंद्रीय अध्ययन,विजय शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 100 लाख रुपये

38. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हैंड एवं पैर की चोटों के निदान में वाटर बाथ अल्ट्रासाउंड तकनीक (डब्ल्यूबीटी) का मूल्यांकन, तेज प्रकाश सिन्हा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2.5 वर्ष, 2024-2026, 62.38 रुपये

39. माध्यमिक स्तर के अस्पतालों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध अनुसंधान एवं निगरानी गतिविधियों का विस्तार, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2025-2027, 96.83 लाख रुपये

40. ट्रॉमा के रोगियों में कमरे के तापमान पर संग्रहित प्लेटलेट कान्सन्ट्रैट की तुलना में क्रायोप्रिजर्व्ड प्लेटलेट कान्सन्ट्रैट का हेमोस्टेटिक मूल्यांकन।, अभिनव कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 17 लाख रुपये

41. हिप केयर: कूल्हे के फ्रैक्चर वाले रोगियों के उपचार में बहु-विषयक उपचार की नैदानिक एवं लागत-प्रभावशीलता की जांच करने हेतु एम्बेडेड प्रक्रिया मूल्यांकन के साथ एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित जांच।, विजय शर्मा, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके, 3 वर्ष, 2025-2028, रु. 35 लाख

42. हिप फ्रैक्चर त्वरित शल्य चिकित्सा उपचार एवं उपचार ट्रैक 2 (हिप अटैक-2) जांच, विजय शर्मा, आबादी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (पीएचआरआई), कनाडा, 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 4.50 लाख

43. पेट की चोट हेतु लैपरोटॉमी वाले हेमोडायनामिक रूप से अस्थिर रोगियों में सूजन संबंधी साइटोकिन्स पर केटामाइन बनाम एटोमिडेट का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, रिनिकी सरमा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

44. ट्रॉमैटिक अंग एम्प्यूटेशन/विच्छेदनों वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता एवं तनाव बायोमार्कर पर मनोसामाजिक इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, सुबोध कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 63 लाख रुपये

45. पसलियों के फ्रैक्चर के शल्य चिकित्सा स्थिरीकरण का वेंटिलेटर सपोर्ट, एनाल्जेसिक और अस्पताल में रहने की आवश्यकता पर प्रभाव: एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन, नरेंद्र चौधरी, इंट्राम्यूरल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च परियोजना (एम्स, नई दिल्ली), 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

10.5_.indd 1296 1/7/2026 1:08:00 PM

46. लेवल-I ट्रॉमा केंद्र में पेल्विक इंजरी के रोगियों के कार्यात्मक मूल्यांकन एवं जीवन की गुणवत्ता पर योग इंटरवेंशन का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच, दिनेश बागरिया, डीएसटी, 4 वर्ष, 2021-2025, 37 लाख रुपये

47. भारत भर के विभिन्न तृतीयक उपचार केंद्रों में एएमएसपी का कार्यान्वयन, ऋचा अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 81.50 लाख रुपये

48. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में गंभीर टीबीआई रोगियों में नॉन-कन्वल्सिव स्टेटस एपिलेप्टिकस के आकलन में एक नैदानिक उपकरण के रूप में इन्फ्रारेड प्यूपिलोमेट्री (आईसीएमआर एडहॉक परियोजना प्रोग्राम परियोजना आईडी- 2021-13153/एफ1), केशव गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये

49. "स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के सभी स्तरों पर रेड ट्राइएज रोगियों (समय संवेदनशील एवं अन्य आपात स्थिति) के बीच गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन उपचार प्रदान करने हेतु सुविधा-आधारित आपातकालीन उपचार प्रणाली को मजबूत करने के लिए अनुकूली मॉडल", शीर्षक वाली एकीकृत आपातकालीन परियोजना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 2100 लाख रुपये

50. ट्रॉमा के बाद कोहनी के नीचे के अंग-विच्छेदित व्यक्तियों में काल्पनिक अंग दर्द के उपचार हेतु कम लागत वाली आभासी वास्तविकता सेंन्सर-मोटर रोबोटिक इंटरवेंशन, सुषमा सागर, एम्स-यूसीएल सहयोगी अनुसंधान, 1 वर्ष, 2023-2024, 5 लाख रुपये

51. मध्यम से गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी: अधिकता एवं परिणाम के साथ संबंध, आशीष बिंद्रा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2023-2026, 58.23 लाख रुपये

52. भारत में स्ट्रेप्टोकोकस डिस्गैलेक्टिया उपप्रजाति इक्विसिमिलिस (समूह सी, जी) के रुमेटोजेनिक समूहों का आणविक पता लगाना: पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 135.40 लाख रुपये

53. पोस्ट-ट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस एवं मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम का पता लगाने हेतु मल्टी-एनालाइट्स लेटरल फ्लो इम्यून एसे, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 103.98 लाख रुपये

54. पैरामेडिक्स हेतु राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन पाठ्यक्रम- प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: आपात स्थिति से निपटने में पैरामेडिक्स और ईएमटी की क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षकों का एक पूल बनाने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक पाठ्यक्रम, संजीव भोई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2024-2027, 388.96 लाख रुपये

55. पृथक ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के बाद तीव्र गुर्दे की चोट के पूर्वानुमानात्मक मार्कर के रूप में एनजीएएल, आईएल-6, सिस्टैटिन-सी और केआईएम-1: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, शर्मिष्ठा पाठक, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

56. फीमरल नेक फ्रैक्चर (एफएनएस, डीएचएस, सीसीएस) वाले रोगी में फीमरल नेक सिस्टम, डायनेमिक हिप सिस्टम या कैनुलेटेड कैंसिलस स्क्रू की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप अध्ययन, समर्थ मित्तल, ऑक्सिन मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2024-2026, 13.3 लाख रुपये

10.5_.indd 1297 1/7/2026 1:08:00 PM

57. पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप अध्ययन: फीमर से संबंधित फ्रैक्चर फिक्सेशन हेतु प्रॉक्सिमल फेमोरल नेल और एंटी-रोटेशन (पीएफएनए) की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक गैर-यादृच्छिक, संभावित, समर्थ मित्तल, ऑक्सिन मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2023-2025, 18 लाख रुपये

58. वृद्ध हिप फ्रैक्चर रोगियों के फुप्फुसीय कार्यों और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए शल्यक्रिया के बाद प्राणायाम इंटरवेंशन,विजय शर्मा,श्री सेल, डीएसटी का सत्यम कार्यक्रम, 2 वर्ष, 2025-2027, 22 लाख रुपये

59. ब्लंट टोरसो ट्रॉमा के रोगियों में क्रमिक परिवर्तनों के अवलोकन के लिए इन्फलामेट्री साइटोकिन्स और मेटाबोलाइट्स की प्रोफाइलिंग: एक संभावित समूह एवं अवलोकनात्मक अध्ययन, अभिनव कुमार, एएनआरएफ, 3 वर्ष, 04 सितंबर 2024-03 सितंबर 2027, 41.69 लाख रुपये

60. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा और दक्षता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक, खुले लेबल वाला, चरण IIए/IIबी नैदानिक जांच, आईसीएमआर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2024-2027

61. आवर्ती और दीर्घकालिक यूरिन मार्ग संक्रमण एवं आंत माइक्रोबायोम के साथ इसका संबंध: उत्तर भारत के अर्ध-ग्रामीण परिवेश में एक समुदाय-आधारित अध्ययन।, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 149.86 लाख रुपये

62. ट्रॉमैटिक घावों के उपचार में नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा के सहायक के रूप में सामयिक ऑक्सीजन थेरेपी की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

63. घाव भरने के अनुप्रयोगों में उन्नत घाव भरने वाले उपकरण की सुरक्षा, प्रभावकारिता एवं उपयोगिता का मूल्यांकन, सुषमा सागर, डीआरडीओ, 1 वर्ष, 2024-2025, 10 लाख रुपये

64. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों के मस्तिष्क का सिंगल कोशिका आरएनए अनुक्रमण", दीपक अग्रवाल, आईजीआईबी, 2 वर्ष, 2024-2026, 5 लाख रुपये

65. राजस्थान में आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार को मजबूत करना - राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर के चयनित कॉलेजों में बीएलएस और दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रियाओं पर प्रशिक्षकों का एक पूल बनाना, तेज प्रकाश सिन्हा, राजस्थान सरकार, 1 वर्ष, 2024-2025, 56.49 लाख रुपये

66. संज्ञानात्मक रूप से इम्पेएड बाल चिकित्सा हल्के सिर की चोट वाले रोगियों में लार एवं रक्त बायोमार्कर के बीच संबंध का अध्ययन, अरुलसेल्वी एस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 60.29 लाख रुपये

67. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) रोगियों के पेरिफेरल रक्त में एंडोथेलियल मार्कर सिंडीकैन का अध्ययन एवं टीबीआई प्रेरित कोगुलोपैथी तथा तत्काल परिणाम के साथ इसका सहसंबंध, अरुलसेल्वी एस, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 1 लाख रुपये

68. ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं में आंत के माइक्रोबायोम में परिवर्तन का अध्ययन: एक प्रारंभिक अध्ययन, अरुलसेल्वी एस, एम्स, 2 वर्ष, 2025-2027, 1 लाख रुपये

10.5_.indd 1298 1/7/2026 1:08:00 PM

69. इंटरवर्टेब्रल डिस्क (आईवीडी) डिजनरेशन से पीड़ित उत्तर भारतीय रोगियों में विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) जीन पॉलीमॉर्फिज्म और विटामिन डी की कमी का अध्ययन, अरुलसेल्वी, एस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 41.30 लाख रुपये

70. रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने हेतु शल्य चिकित्सा इनोवेशन लैबोरेटरी (एसआईएल), सुषमा सागर (पीआई), आईसीएमआर-एमडीएमएस, 3 वर्ष, 2022-2025, 440 लाख रुपये

71. जलने के बाद के रोगियों के लिए व्यापक लक्षणात्मक उपचार प्रदान करने हेतु एक मोबाइल स्वास्थ्य एप्लिकेशन विकसित करना, डॉ. सुवाशीष दाश, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

72. घुटने के ऊपर के एम्प्यूटेशन रोगियों (पोस्ट ट्रॉमेटिक) में शल्य चिकित्सा के बाद के परिणाम, संतुलन एवं जीवन की गुणवत्ता के संबंध में तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययन करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच, जुनैद आलम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 65 लाख रुपये

73. भारत में तृतीयक उपचार अस्पतालों में ट्रॉमा उपचार परिणामों में सुधार हेतु ट्रॉमा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीक्यूआईपी) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 73 लाख रुपये

74. स्पाइन की हड्डी में संवेदनाहरण के प्रभाव में शल्य चिकित्सा करवा रहे कूल्हे के फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों में हेमोडायनामिक मापदंडों के अनुकूलन के लिए मानक उपचार की तुलना में गैर-इंवेसिव कार्डियक आउट मॉनिटरिंग का उपयोग। एक पायलट अध्ययन, अभिषेक सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. एक पायलट पैरलल आर्म यादृच्छिक नियंत्रण जांच, जो ट्रॉमैटिक के बाद के अंग के उपचार में योग इंटरवेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन करता है, जिससे जटिल रीज़नल दर्द सिंड्रोम (सीआरपीएस I) विकसित होता है और उनके जीवन की गुणवत्ता का आकलन होता है।, विजय शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 64.71 लाख

2. इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी वाले रोगियों के उपचार में रीटक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा की जांच करने हेतु एक यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, खुराक-बलाइंडिड पैरलल समूह, थ्री आर्म, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट नैदानिक जांच, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2023, 5.88 लाख रुपये प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन) + 2 लाख रुपये प्रति रोगी

3. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूली निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, खुराक रेंजिंग अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, प्रति रोगी 1.98 लाख रुपये

4. हेमोस्टेसिस में एक नए एगरोज़/पॉलीडोपामाइन क्रायोगेल की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक इन-विवो मॉडल, विजय शर्मा, आईआईटी कानपुर, 2 वर्ष, 2022-2024,0.45 लाख रुपये

10.5_.indd 1299 1/7/2026 1:08:01 PM

5. टीबीआई में सहयोगी यूरोपीय तंत्रिकाट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान टीबीआई में सहयोगी भारतीय तंत्रिकाट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान (सेंटर टीबीआई), दीपक कुमार गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर ज़ीकेनहुइस एंटवर्पेन (यूज़ेडए), बेल्जियम, 8 वर्ष, 2015-2023, 5000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष

6. ट्रॉमा वाले रोगियों में दीर्घकालिक सहायक केंद्रीय फीड के लिए लेप्रोस्कोपिक फीडिंग गैस्ट्रोस्टोमी बनाम परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी की तुलना - एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन, नरेंद्र चौधरी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021,रु.4.75 लाख

7. सिजेरियन सेक्शन के दौरान प्रसव पीड़ा के साथ मस्तिष्कमेरु फ्लूएड में नॉरएड्रेनालाईन, सेरोटोनिन, जीएबीए और ग्लाइसिन के बीच सहसंबंध: एक प्रारंभिक अध्ययन,युद्धवीर सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 8.78 लाख रुपये

8. रोगियों के कार्यात्मक परिणामों पर इसके प्रभाव के विश्लेषण के साथ कूल्हे के फ्रैक्चर के ऑपरेशन के बाद पुनर्वास में सहायता के लिए रोगी शिक्षा सॉफ्टवेयर का विकास, समर्थ मित्तल, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2022-2024, रु.1.9 लाख

9. रोगियों में रक्त जमावट स्थिति की पहचान को सरल एवं त्वरित बनाने तथा कन्वेंशनल जमावट विधि के साथ इसकी तुलना के लिए पॉइंट ऑफ केयर स्मार्टफोन आधारित पीटी/आईएनआर टेस्ट का विकास, अरुलसेल्वी एस, एम्स-आईआईटी दिल्ली परियोजना वित्त पोषण, 2 वर्ष, 2023-2025, रु.10 लाखों

10. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव-आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, तेज प्रकाश सिन्हा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रु.44.41 लाख

11. निचले अंग एम्प्यूटेशन रोगियों में काल्पनिक अंग दर्द पर आरटीएमएस बनाम दवा चिकित्सा का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच, सुषमा सागर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु.55 लाख

12. मेटाबोलोमिक्स प्रोफाइलिंग और धड़ की चोट के बाद होने वाले क्रमिक परिवर्तन - एक संभावित समूह, व्यवहार्यता और पायलट अध्ययन, अभिनव कुमार, एसईआरबी (एक्स्ट्रा-म्यूरल), 1.5 वर्ष, 2022-2023, रु.28.20 लाख

13. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में गंभीर टीबीआई रोगियों में नॉन-कन्वल्सिव स्टेटस एपिलेप्टिकस (एनसीएसई), केशव गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 25 लाखों रुपये

14. एक्यूट सबड्यूरल हेमेटोमा (रेस्क्यू-एएसडीएच) से निकासी के दौर वाले रोगियों के लिए क्रेनिएक्टोमी के साथ शल्य चिकित्सा का यादृच्छिक मूल्यांकन, दीपक कुमार गुप्ता, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 3 वर्ष, 2017-2020, उपभोग्य मदएं: प्रति यादृच्छिक रोगी 144 पाउंड सीआरएफ पूरा करने की लागत: प्रति यादृच्छिक रोगी 213 पाउंड

15. बुजुर्गों में कूल्हे के फ्रैक्चर की द्वितीयक रोकथाम में योग की भूमिका, विजय शर्मा, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2022-2024, 12.40 लाख रुपये

16. राजस्थान में आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार को मजबूत करना- राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर के चयनित कॉलेजों

10.5_.indd 1300 1/7/2026 1:08:01 PM

में बीएलएस और दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रियाओं पर प्रशिक्षकों का एक पूल बनाना (चरण 1), तेज प्रकाश सिन्हा, राजस्थान सरकार, 0.5 वर्ष, 2023-2024,रु.27.17 लाख

17. मनुष्यों में गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट (एसटीबीआई) के बाद श्वेत पदार्थ विकृति विज्ञान में माइलिनेशन एवं ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में परिवर्तन की जांच करना, संजीव लालवानी, आईसीएमआर, 3वर्ष, 2021-2024,रु.27 लाख

18. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक रोगियों के पेरिफेरल रक्त में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं, हेमेटोपोएटिक प्रोजेनिटर और स्टेम कोशिकाओं के पैटर्न का अध्ययन करना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024,रु.46 लाखों

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. अनजाने में शारीरिक चोटों के साथ लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में आने वाले बच्चों एवं किशोरों में पहले से मौजूद मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मूल्यांकन हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

2. इंटरट्रोकैनटेरिक फीमर फ्रैक्चर के उपचार में एकीकृत ट्विन कम्प्रेशन स्क्रू नेल, सिंगल ब्लेड सीमेंट ऑग्मेंटेड और नॉन ऑग्मेंटेड सेफलोमेडुलरी नेल के नैदानिक एवं विकिरण विज्ञान परिणामों का अध्ययन करना एक संभावित डबल-ब्लाइंड पैरलल 3-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित जांच

3. मध्यम रूप से गंभीर प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (इक्वलिटी अध्ययन) में प्रोटीन्यूरिया को कम करने में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक संभावित बहु-केंद्रित यादृच्छिक ओपन लेबल जांच

4. एन्यूरिज्मल सबराच्नॉइड रक्तस्राव रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज्म पर पेरिऑपरेटिव स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

5. रेडियस फ्रैक्चर फिक्सेशन के लिए रेडियस सिस्टम की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित सिंगल आर्म पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप अध्ययन (जारी)

6. वृद्धावस्था में प्रोक्सीमल फीमर फ्रैक्चर में गहन उपचार की आवश्यकता का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

7. प्रत्यक्ष मौखिक एंटीकोगुलेंट्स (डीओएसी) प्राप्त करने वाले रोगियों और केमोप्रोफिलैक्सिस के रूप में कम आणविक भार हेपरिन (एलएमडब्ल्यूएच) प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्वी-एसिटाबुलर शल्य चिकित्सा के बाद लक्षणात्मक और लक्षणहीन शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं की घटनाओं की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

8. थोरैसिक ट्रॉमा के रोगियों में अंडर वाटर सील ड्रेनेज के साथ कम दबाव नकारात्मक प्यूरल सक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

9. प्रत्यक्ष मौखिक एंटी कोगुलेंट्स (डीओएसी) प्राप्त करने वाले रोगियों और कीमोप्रोफिलैक्सिस के रूप में कम आणविक भार हेपरिन (एलएमडब्ल्यूएच) प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विक-एसिटाबुलर शल्य चिकित्सा के बाद लक्षणात्मक और लक्षणहीन शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं की घटनाओं की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

10.5_.indd 1301 1/7/2026 1:08:01 PM

10. केवल वोलर प्लेटिंग बनाम संयुक्त वोलर और पृष्ठीय प्लेटिंग से उपचारित कमिन्यूटेड डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर 2आर3सी3.1 और 2आर3सी3.2 के विकिरण विज्ञान और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

11. पोस्ट ट्रॉमेटिक मीडियम साइज़ वेसल रिपेयर वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव सिस्टमिक एंटीकोएगुलेशन के प्रभाव को देखने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

12. स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के सभी स्तरों पर रेड ट्राइएज रोगियों (समय संवेदनशील एवं अन्य आपात स्थितियों) के बीच गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन उपचार प्रदान करने हेतु सुविधा-आधारित आपातकालीन उपचार प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए अनुकूली मॉडल

13. महत्वपूर्ण रक्तस्रावी सदमे वाले ट्रॉमा रोगियों में क्रायोप्रेसिपिटेट की शीघ्र एवं अनुभवजन्य दवा देने की प्रभावशीलता पर एक ओपन-लेबल पैरलल-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित जांच

14. लेवल I ट्रॉमा केंद्र में गर्दन की चोट के पैटर्न और उसके परिणामों का विश्लेषण - एक व्यापक अवलोकनात्मक अध्ययन

15. बी-थैलेसीमिया लक्षण वाले रोगियों की स्क्रीनिंग हेतु मशीन लर्निंग तकनीकों के प्रदर्शन का विश्लेषण

16. पेल्विक फ्रैक्चर यूरिनमार्ग की चोट में एनास्टोमोटिक पोस्टीरियर यूरेथ्रोप्लास्टी के परिणामों पर प्लेटलेट रिच प्लाज्मा एवं मानव एमनियोटिक मेम्ब्रेन की नैदानिक प्रभावकारिता का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

17. पीएमजेएवाई के अंतर्गत बीपीएस में स्वास्थ्य उपचार पैकेज के उपयोग एवं इसकी बाधाओं और सुगमताओं का आकलन

18. अस्थि शल्य चिकित्सा वाले वृद्धावस्था के ट्रॉमा रोगियों में डायाफ्रामिक मोटाई और कमजोरी के साथ इसके सहसंबंध का आकलन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

19. ओपीडी कार्ड और डिस्चार्ज समरी के बारे में रोगी की समझ का आकलन: संगठनात्मक स्वास्थ्य साक्षरता में सुधार हेतु एक आवश्यकता आकलन अध्ययन।

20. अस्थिर फेमोरल गर्दन फ्रैक्चर में तीन अलग-अलग आंतरिक निर्धारण विधियों की बायोमैकेनिकल तुलना: एक फिनाइट एलीमेंट विश्लेषण।

21. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित बांझ महिलाओं में ओव्यूलेशन प्रेरण के लिए सहायक के रूप में कैबर्गोलिन: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक अध्ययन।

22. संपूर्ण भारत में तृतीयक एवं द्वितीयक उपचार अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संक्रमण (एचएआई) के प्रकोप के उपचार के लिए क्षमता निर्माण परियोजना - प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएमएबीएचआईएम) के तहत महामारी की तैयारी (सीबीपीपीपी) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के भाग के रूप में एक हब और स्पोक मॉडल

23. स्यूडोमोनास एरुगिनोसा में कार्बापेनम प्रतिरोध के कारण तृतीयक उपचार सेटिंग में यूरीनरी ट्रैक संक्रमण हो सकता है

24. स्पाइन की हड्डी में ट्रॉमा के बाद हृदय संबंधी जटिलताएं।

10.5_.indd 1302 1/7/2026 1:08:01 PM

25. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में एनएबीएच प्रमाणन की चुनौतियाँ और प्रवीणता

26. तृतीयक उपचार अस्पताल के जलने और प्लास्टिक प्रभाग से संक्रमण की नैदानिक एवं सूक्ष्मजैवविज्ञानी प्रोफ़ाइल।

27. कम खुराक सीएमवी प्रोफिलैक्सिस के साथ नैदानिक परिणाम तथा गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में सीएमवी विशिष्ट प्रतिरक्षा का मूल्यांकन

28. एए एमिलॉयडोसिस का नैदानिक प्रोफ़ाइल एवं दीर्घकालिक परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

29. बायोप्सी द्वारा सिद्ध नलिका-अंतरालीय रोगों का नैदानिक प्रोफ़ाइल और दीर्घकालिक परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

30. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में नोरोवायरस संक्रमण की नैदानिक प्रस्तुति और परिणाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

31. आवर्ती अग्र कंधे की अस्थिरता हेतु आर्थोस्कोपिक मरम्मत का क्लिनिको-विकिरण विज्ञान मूल्यांकन

32. वक्षीय ट्रॉमा वाले रोगियों में दर्द का पता लगाने में किनेसियोटेपिंग और कन्वेंशनल उपचार बनाम अलोन कन्वेंशनल उपचार का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

33. वक्षीय ट्रॉमा वाले रोगियों में दर्द का पता लगाने में किनेसियोटेपिंग और कन्वेंशनल उपचार बनाम अलोन कन्वेंशनल उपचार का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

34. बुजुर्ग ट्रॉमा रोगियों में मेरूदंड संवेदनाहरण प्रेरित हाइपोटेंशन को रोकने में कैरोटिड धमनी सुधारित प्रवाह समय (एफटीसी) गाइडिड फ्लूएड उपचार के साथ आईवीसी-सीआई गाइडिड फ्लूएड उपचार की तुलना।

35. ट्रॉमा के तीन महीने बाद विस्तारित ग्लासगो परिणाम पैमाने पर फेंटेनाइल और मिडाज़ोलम के प्रभाव की केटामाइन एवं प्रोपोफोल के साथ तुलना

36. न्यूरैक्सियल ब्लॉक से पहले कूल्हे के फ्रैक्चर के रोगियों में स्थिति निर्धारण के लिए पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक एवं फेशिया इलियाका ब्लॉक के बीच तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

37. प्रमुख उदर संबंधी शल्यक्रियाओं वाले रोगियों में शल्यक्रिया के बाद श्वासरोध (एटेलेक्टेसिस) की घटनाओं को कम करने में, ऐब्डोमिनल से बाहर निकलने और बाहर निकालने के दौरान दबाव स्पोर्ट वेंटिलेशन एवं स्वतःस्फूर्त वेंटिलेशन के बीच तुलना

38. कंधे की शल्य चिकित्सा में दर्द निवारण के लिए सुपीरियर ट्रंक ब्लॉक और संशोधित सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के बीच तुलना - एक पायलट अध्ययन

39. युवा वयस्कों में फेमोरल गर्दन फ्रैक्चर में फेमोरल गर्दन प्रणाली और गतिशील हिप स्क्रू के नैदानिक, विकिरण विज्ञान एवं कार्यात्मक परिणाम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

40. इंट्रामेडुलरी नेल का उपयोग करके शाफ्ट फीमर फ्रैक्चर के निर्धारण के दौरान हेमोडायनामिक, हृदय संबंधी परिवर्तनों और एम्बोलिक लोड के लिए रीमर इरिगेटर एस्पिरेटर (आरआईए) के साथ कन्वेंशनल रीमिंग तकनीक की तुलना और ओस्टियोजेनिक वृद्धि का आकलन

10.5_.indd 1303 1/7/2026 1:08:01 PM

41. आपातकालीन तंत्रिका शल्य-चिकित्सा वाले गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में केटोफोल बनाम सेवोफ्लुरेन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

42. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में मस्तिष्क विश्राम पर केटोफोल बनाम सेवोफ्लुरेन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

43. सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप का उपयोग करके ट्रेकियल इंटुबैशन स्थितियों पर बाएं पैराट्रेकियल दबाव बनाम क्रिकॉइड दबाव की तुलना - एक गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित जांच

44. सीएमएसी वीडियो लैरींगोस्कोप का उपयोग करके ट्रेकियल इंटुबैशन स्थितियों पर बाएं पैराट्रेकियल दबाव बनाम क्रिकॉइड दबाव की तुलना: एक गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित जांच

45. घुटने के ऊपर के ट्रॉमैटिक एम्प्यूटेशन के बाद लक्षित मांसपेशी पुनर्निर्वहन बनाम कन्वेंशनल स्टंप तैयारी कराने वाले रोगियों में दर्द की स्थिति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

46. ट्रेंडेलनबर्ग स्थिति में रोबोट सहायता प्राप्त मूत्ररोग विज्ञान शल्य चिकित्सा कराने वाले रोगियों में आयतन-नियंत्रित वेंटिलेशन बनाम दबाव-नियंत्रित वेंटिलेशन में पेरी ऑपरेटिव पुल्मोनरी परिणामों की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित जांच

47. कूल्हे की हड्डी टूटने की शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में केंद्रीय तंत्रिकाक्षीय अवरोध से पहले रोगी की स्थिति निर्धारित करने में सहायता के लिए शल्यक्रिया-पूर्व अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरीकैप्सुलर तंत्रिका समूह अवरोध और फेमोरल तंत्रिका अवरोध की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

48. अल्ट्रासाउंड निर्देशित रेडियल धमनी कैनुलेशन के लघु अक्ष कोण दूरी दृष्टिकोण बनाम दीर्घ अक्ष इन-प्लेन दृष्टिकोण की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

49. ऊपरी अंग की शल्य चिकित्सा में सिंगल पॉइंट बनाम ट्रिपल एलिकोट कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

50. ऊपरी अंग की अस्थि रोग ट्रॉमा शल्य चिकित्सा में सुप्राक्लेविक्युलर ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक के लिए सिंगल बनाम ट्रिपल एलिकोट इंजेक्शन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

51. इलेक्टिव सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी वाले रोगियों में संवेदनाहरण एमेरजेंस पर प्रोपोफोल बनाम कीटोफोल के प्रभाव की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन

52. सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी वाले रोगियों में उद्भव और पुनर्प्राप्ति प्रोफ़ाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना

53. बुजुर्ग रोगियों में अनुप्रस्थ मध्य तल (टीएमपी) और पैरासगिटल तिरछा दृश्य (पीएसओ) दृश्य का उपयोग करके अल्ट्रासाउंड निर्देशित एपिड्यूरल गहराई मूल्यांकन की तुलना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

54. सीकेडी के रोगियों में हेपेटाइटिस बी टीकाकरण का अनुपालन और प्रभावकारिता

55. सब एकसियल सर्विकल स्पाइन की चोट में सीटी पर चोट की आकृति विज्ञान एवं यूरिन संबंधी परिणामों के बीच सहसंबंध

10.5_.indd 1304 1/7/2026 1:08:01 PM

56. मस्तिष्क एमआरआई निष्कर्षों का नैदानिक परिणाम के साथ सहसंबंध एवं बाल आबादी में एचआईवी नकारात्मक सीएनएस तपेदिक के उपचार में इसका निहितार्थ

57. बीपीएस में आईसीएमआर के सहयोग से उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण

58. भारतीय आबादी हेतु रोगी-विशिष्ट कुल कोहनी प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग का डिजाइन

59. वयस्क रोगियों में सही अंतःश्वासनलीय ट्यूब स्थिति की पुष्टि के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा अत्याधिक कफ का पता लगाना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

60. रक्त प्रवाह संक्रमण का कारण बनने वाले सूक्ष्मजीवों और उनके रोगाणुरोधी प्रतिरोध जीन का कल्चर-मुक्त पता लगाने हेतु मल्टीप्लेक्स मात्रात्मक वास्तविक समय पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन परख का विकास और सत्यापन

61. ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने में सादे रेडियोग्राफिक चित्रों से बोन मिनरल डेन्सिटी (बीएमडी) का पता लगाने हेतु कम लागत वाली कृत्रिम बुद्धिमान प्रणाली का विकास

62. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में प्रारंभिक मात्रात्मक पुपिलोमैट्री: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

63. पोस्ट ट्रॉमेटिक रॉ एरिया वाले वयस्क रोगियों में प्रारंभिक त्वचा प्रत्यारोपण बनाम विलंबित त्वचा प्रत्यारोपण - एक पायलट रैमडोमाइज्ड नियंत्रण जांच

64. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में जुगुलर शिरापरक ऑक्सीमेट्री (एसजेवीओ2) पर डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टोमी का प्रभाव

65. क्षति नियंत्रण लैपरोटॉमी वाले रोगियों में निश्चित उदर कवरेज प्राप्त करने के लिए समय पर प्रत्यक्ष पेरिटोनियल पुनर्जीवन का प्रभाव - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण जांच

66. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में हेमोडायनामिक्स और रिकवरी पर लिडोकेन इन्फ्यूजन का प्रभाव: एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक नियंत्रण जांच।

67. पेट के बल लेटकर शल्य चिकित्सा के लिए सामान्य अंतःश्वासनलीय संवेदनाहरण उपरांत ऑपरेशन के बाद गले में खराश की रोकथाम हेतु नेबुलाइज्ड डेक्समेडेटोमिडाइन और सलाइन नेबुलाइजेशन का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित जांच

68. सामान्य संवेदनाहरण के तहत डोर्सो-लम्बर स्पाइन शल्य चिकित्सा वाले वयस्कों में इमरजेंस बेचैनी पर अभिविन्यास के बार-बार वर्बल रिमाइडर का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

69. काल्पनिक अंग दर्द में दोहरावदार ट्रांस क्रेनियल मैगनेटिक स्टीमूलेशन (आरटीएमएस) का प्रभाव

70. गंभीर टीबीआई रोगियों में गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा पर सिंगल खुराक एरिथ्रोमाइसिन का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच।

71. 15-18 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले खेल बच्चों में कार्यात्मक गति, सुदृढ़ीकरण और लचीलेपन पर संस्थागत फिजियोथेरेपी इंटरवेंशन की प्रभावशीलता: - एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित जांच। (जारी)

72. सबराचिनॉइड ब्लॉक की स्थिति निर्धारण के लिए एसिटाबुलर फ्रैक्चर वाले रोगियों में उच्च मात्रा वाले पेरिकैप्सुलर नर्व ग्रुप (पीईएनजी) ब्लॉक की प्रभावकारिता: संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

10.5_.indd 1305 1/7/2026 1:08:01 PM

73. आपातकालीन विभाग में आने वाले वयस्क ट्रॉमा रोगियों में सामान्य उपचार की तुलना में तीव्र कंधे की चोटों के निदान में समय की कमी लाने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण जांच

74. कन्वेंशनल शव जांच, आभासी शव जांच, हिस्टोपैथोलॉजी, विभिन्न बायोमार्कर और अन्य संबंधित निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए अकास्मिक मृत्यु के कारण का पता लगाना।

75. उत्तर भारतीय आबादी में स्कारम और स्टेरम के कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन का उपयोग करके अस्थिकरण केंद्रों के अध्ययन द्वारा आयु का अनुमान लगाना।

76. गोली लगने से होने वाली मौतों का मूल्यांकन: पोस्टमॉर्टम सीटी एवं कन्वेंशनल शव जांच विधियों का तुलनात्मक अध्ययन

77. समकालीन भारतीय आबादी में पोस्टमॉर्टम कंप्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग करके सब-प्यूबिक एंगल में यौन द्विरूपता का मूल्यांकन करना।

78. चाकू के घाव से होने वाली मौतों का मूल्यांकन: पोस्टमॉर्टम सीटी और कन्वेंशनल शव जांच विधियों का तुलनात्मक अध्ययन

79. आईसीयू में भर्ती छाती की चोट के रोगियों में एंग-2, रेज और क्लारा सेल प्रोटीन (सीसी16) के प्लाज्मा बायोमार्कर स्तर का मूल्यांकन करना तथा इसकी गंभीरता और परिणाम का पता लगाने की क्षमता का मूल्यांकन करना।

80. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में डिस्चार्ज प्रक्रिया का मूल्यांकन एवं डिस्चार्ज में विलंब का विश्लेषण

81. ट्रॉमा केयर सुविधा में दी जाने वाली इनपेशेंट सेवाओं से रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन।

82. तीव्र उपचार सेटिंग में अस्पताल डिस्चार्ज प्रोटोकॉल का मूल्यांकन: उत्तर भारत के ट्रॉमा केंद्र से अंतर्दृष्टि

83. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हैंड और पैर की चोटों के निदान में जल स्नान अल्ट्रासाउंड तकनीक (डब्ल्यूबीटी) का मूल्यांकन

84. डुप्लेक्स डॉपलर अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके रेडियल धमनी डिकैनुलेशन के बाद रेडियल और उलनार धमनी रक्त प्रवाह को बेसल मान पर लौटने में लगने वाले समय का मूल्यांकन

85. माध्यमिक स्तर के अस्पतालों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध अनुसंधान और निगरानी गतिविधियों का विस्तार करना।

86. न्यूनतम इंवेसिव साइनस टार्सी दृष्टिकोण के साथ उपचार प्राप्त कर रहे कैल्केनियस के विस्थापित इंट्रा आर्टिकुलर फ्रैक्चर वाले रोगियों में कार्यात्मक और विकिरण विज्ञान परिणाम - एक संभावित केस श्रृंखला अध्ययन।

87. एओ33-सी2 और एओ33-सी3 फीमरल फ्रैक्चर के उपचार में डयूयल प्लेटिंग के बाद कार्यात्मक और विकिरण विज्ञान परिणाम - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

88. एओ33-सी2 और एओ33-सी3 फीमरल फ्रैक्चर के उपचार में डयूयल प्लेटिंग के बाद कार्यात्मक और विकिरण विज्ञान परिणाम - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

10.5_.indd 1306 1/7/2026 1:08:01 PM

89. विशाल इंट्राक्रैनियल (>20सीसी) घावों के लिए गामा-नाइफ

90. आणविक मार्कर के रूप में एमआरएनए का उपयोग करके वीर्य के नमूनों की पहचान

91. तृतीयक उपचार केंद्र में तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं पर कोविड का प्रभाव

92. पेट की चोट के लिए लैपरोटॉमी वाले हेमोडायनामिक रूप से अस्थिर रोगियों में सूजन संबंधी साइटोकिन्स पर केटामाइन बनाम एटोमिडेट का प्रभाव

93. तृतीयक उपचार अस्पताल में दवा निविदाओं में भागीदारी और प्रभावी कान्ट्रेटिगं पर सहभगिता शर्तों में संशोधन का प्रभाव

94. निचले अंग के फ्रैक्चर में काम पर वापसी पर सामाजिक-आर्थिक पूर्वानुमानों का प्रभाव।

95. पिट्यूटरी शल्य चिकित्सा के बाद लंबे समय तक आईसीयू में रहने की घटना और जोखिम कारक: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

96. गंभीर रूप से घायल रोगियों में, बिना सिर की चोट के, मायोकार्डियल चोट की घटना, पूर्वानुमान और जो लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र की ट्रॉमा गहन उपचार यूनिट में भर्ती हैं उनका पूर्वानुमान लगाना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

97. पोस्टमॉर्टम कोरोनरी धमनी विकृति विज्ञान का एकीकृत मूल्यांकन: सकल परीक्षा, पीएमसीटी और कोरोनरी एक्सप्लांट एंजियोग्राफी का सहसंबंध

98. एम-हेल्थ ऐप उपयोगिता प्रश्नावली एम-एमएयूक्यू का हिंदी में भाषाई और सांस्कृतिक सत्यापन

99. हिस्टोविकृति विज्ञान सहसंबंध के साथ बाल चिकित्सा मस्तिष्क ट्यूमर का एमआरआई लक्षण वर्णन

100. ट्रॉमा के बाद निचले अंग विच्छेदित व्यक्तियों में कृत्रिम अंग की स्वीकृति के लिए डिस्टल स्टंप की तत्परता हेतु मायोडेसिस बनाम मायोप्लास्टी तकनीक - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

101. ट्रॉमा के बाद निचले अंग विच्छेदित व्यक्तियों में कृत्रिम अंग की स्वीकृति के लिए डिस्टल स्टंप की तत्परता हेतु मायोडेसिस बनाम मायोप्लास्टी तकनीक - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

102. पैरामेडिक्स के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन पाठ्यक्रम - प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: आपात स्थिति से निपटने में पैरामेडिक्स एवं ईएमटी की क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षकों का एक पूल बनाने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक पाठ्यक्रम

103. ट्रॉमा रोगियों में परिणाम का पता लगाने हेतु मार्कर के रूप में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट से लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

104. पृथक ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के बाद तीव्र गुर्दे की चोट के पूर्वानुमानात्मक मार्कर के रूप में एनजीएएल, सिस्टिटिस-सी, केआईएम-1 और आईएल-6: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

105. स्टाफिंग मानदंडों के कार्यभार संकेतकों का उपयोग करके ऑपरेशन थिएटर तकनीकी कर्मचारियों के स्टाफिंग स्तर को अनुकूलित करना

106. बड़े पैमाने पर रक्त आधान कराने वाले रोगियों के परिणाम - एक पूर्वव्यापी अध्ययन

10.5_.indd 1307 1/7/2026 1:08:01 PM

107. आपातकालीन विभाग में आने वाले संक्षारक अंतर्ग्रहण के रोगियों में स्वरयंत्र-ग्रसनी चोट के पैटर्न

108. यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता वाले बाल रोगियों में गैस्ट्रिक ट्यूब लगाने की पुष्टि के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड

109. फेमोरल गर्दन फ्रैक्चर (एफएनएस, डीएचएस, सीसीएस) वाले रोगी में फेमोरल गर्दन प्रणाली, गतिशील हिप प्रणाली या कैनुलेटेड कैंसिलस स्क्रू की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए पोस्ट मार्केट नैदानिक फॉलो-अप अध्ययन

110. बाजार पश्चात नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन: फीमर संबंधी फ्रैक्चर निर्धारण के लिए प्रॉक्सिमल फेमोरल नेल और एंटी-रोटेशन (पीएफएनए) की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु एक गैर-यादृच्छिक, संभावित अध्ययन

111. तंत्रिका शल्य चिकित्सा रोगियों में पोस्ट-इंडक्शन हाइपोटेंशन का पता लगाने हेतु सबक्लेवियन नस का प्री-एनेस्थेटिक अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन।

112. कूल्हे की हड्डी टूटने की शल्य चिकित्सा वाले वृद्ध रोगी में मेरूदंड संवेदनाहरण के बाद हाइपोटेंशन के लिए प्रीऑपरेटिव कैरोटिड धमनी सुधारित प्रवाह समय और चरम रक्त प्रवाह वेग के श्वसन संबंधी बदलावों का पता लगाना

113. कूल्हे की हड्डी टूटने की शल्य चिकित्सा वाले वृद्ध रोगी में मेरूदंड संवेदनाहरण के बाद हाइपोटेंशन के लिए प्रीऑपरेटिव कैरोटिड धमनी सुधारित प्रवाह समय और चरम रक्त प्रवाह वेग के श्वसन संबंधी बदलावों का पता लगाना

114. कूल्हे के फ्रैक्चर की शल्य चिकित्सा वाले वृद्ध रोगी में मेरूदंड संवेदनाहरण के बाद हाइपोटेंशन के लिए प्रीऑपरेटिव कैरोटिड धमनी सुधारित प्रवाह समय और शीर्ष रक्त प्रवाह वेग के श्वसन संबंधी बदलावों का पता लगाना

115. कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यान्वयन के आधार पर भारतीय आबादी में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर का पूर्वानुमानित पता लगाना

116. बाल चिकित्सा ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के रोगियों में संवर्धित वृक्क निकासी की व्यापकता

117. ट्रॉमा केयर आईसीयू में भर्ती रक्तस्रावी शॉक वाले रोगियों में ट्रॉफिक फीड की व्यवहार्यता और सुरक्षा का आकलन करने हेतु संभावित यादृच्छिक नियंत्रण जांच

118. त्वरित-निर्मित वार्ड-तैयार स्पाइरोमीटर: शल्यक्रिया के बाद श्वसन उपचार के लिए एक कम लागत वाला, सुलभ उपकरण। एसपीआईआर-क्यू सरल, पोर्टेबल, तत्काल श्वसन अनुकूलक

119. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा तथा दक्षता का अध्ययन करना यादृच्छिक, ओपन लेबल वाला, चरण IIए/IIबी नैदानिक जांच

120. एंडोस्कोपिक ट्रांस-स्फेनोइडल पिट्यूटरी शल्य चिकित्सा कराने वाले रोगियों में लक्ष्य-नियंत्रित बनाम मैनुअल नियंत्रित प्रोपोफोल इन्फ्यूजन के बाद रिकवरी प्रोफ़ाइल: एक संभावित, यादृच्छिक, नियंत्रित अध्ययन

10.5_.indd 1308 1/7/2026 1:08:01 PM

121. एन्यूरिज्मल सबराचनोइड हेमरेज (ए-एसएएच) रोगियों में रोगसूचक मार्कर के रूप में लाल रक्त कोशिका वितरण चौड़ाई (आरसीडीडब्ल्यू), न्यूट्रोफिल से लिम्फोसाइट अनुपात (एनएलआर) और प्लेटलेट से लिम्फोसाइट अनुपात (पीएलआर)

122. टीबीआई रोगियों में रोगसूचक मार्कर के रूप में लाल कोशिका वितरण चौड़ाई (आरसीडीडब्ल्यू), न्यूट्रोफिल से लिम्फोसाइट अनुपात (एनएलआर) और प्लेटलेट से लिम्फोसाइट अनुपात (पीएलआर)।

123. आईजीए नेफ्रोपैथी के नैदानिक पाठ्यक्रम और परिणाम के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी बहु-केंद्रित अध्ययन

124. आईसीयू में भर्ती छाती की चोट वाले रोगियों का पूर्वव्यापी अध्ययन

125. पित्ताशय के द्रव्यमान के मूल्यांकन में उन्नत यूएसजी और स्पेक्ट्रल सीटी की भूमिका

126. ट्यूमर नियंत्रण के लिए बेवाकिज़ुमबिन एनएफ2 की भूमिका

127. पेरिफेरल वास्कुलर ट्रॉमा में ड्यूयल ऊर्जा सीटी एंजियोग्राफी की भूमिका

128. क्रेनियोफेरिन्जियोमास में गामा नाइफ की भूमिका

129. तीव्र फ्रैक्चर शल्य चिकित्सा में नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

130. वैकल्पिक शल्य चिकित्सा हेतु निर्धारित ट्रॉमा एवं गैर-ट्रॉमा रोगियों में गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा का आकलन करने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) की भूमिका - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

131. कैंडिड्यूरिया-अस्पताल आधारित परिप्रेक्ष्य का महत्व

132. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित वयस्क रोगियों में सुप्राहिओड वायुमार्ग मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांकन: एक पायलट, अवलोकनात्मक अध्ययन

133. ट्रॉमा रोगियों में स्थिरीकरण के बाद स्पाइन की हड्डी का संरेखण

134. राजस्थान में आपातकालीन एवं ट्रॉमा उपचार को सुदृढ़ बनाना - राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर के चयनित महाविद्यालयों में बीएलएस एवं दुर्घटना-पश्चात प्रतिक्रियाओं पर प्रशिक्षकों का एक समूह तैयार करना।

135. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) रोगियों के पेरिफेरल रक्त में एंडोथेलियल मार्कर सिंडीकैन का अध्ययन और टीबीआई प्रेरित कोगुलोपैथी और तत्काल परिणाम के साथ इसका सहसंबंध।

136. बाल चिकित्सा ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोटों में सेरेब्रल एडिमा, तंत्रिका सूजन और रक्त मस्तिष्क अवरोध विघटन के विकास का अध्ययन पूर्ण

137. ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं में आंत के माइक्रोबायोम में परिवर्तन का अध्ययन: एक प्रारंभिक अध्ययन

138. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग कराने वाले रोगियों में सी3 और सी4 सीरम पूरक स्तर पर स्टेनलेस स्टील और टाइटेनियम बायोमटेरियल के प्रभाव का अध्ययन

10.5_.indd 1309 1/7/2026 1:08:01 PM

139. ट्रॉमा के बाद सीएसएफ रिसाव वाले रोगियों में सिर के आधार फ्रैक्चर की शारीरिक रचना और पैटर्न में भिन्नता का अध्ययन

140. आगे की ओर कंधे की मुद्रा में जैव-मनोसामाजिक स्वास्थ्य पहलुओं पर स्पाइन की हड्डी में हेरफेर के प्रभाव का अध्ययन करना

141. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में भर्ती उच्च जोखिम वाले ट्रॉमा रोगियों में शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिज़्म की घटना का आकलन करने के लिए अध्ययन - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

142. एनआईआरएस का उपयोग करते हुए मस्तिष्क ऑक्सीजनेशन पर पोस्ट मेरूदंड हाइपोटेंशन का प्रभाव और निचले खंड सिजेरियन सेक्शन वाली पूर्ण अवधि की प्रसूति में नवजात परिणाम

143. आपातकालीन विभाग में प्रस्तुत चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की तुलना में घुटने में और उसके आसपास की चोट के निदान में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका

144. क्षति नियंत्रण लैपरोटॉमी वाले रोगियों में निश्चित उदर क्लोज़र के लिए प्रत्यक्ष पेरिटोनियल पुनर्जीवन की सफलता दर - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

145. प्रमुख रक्तस्रावी प्रोटोकॉल के सक्रियण के पूर्वानुमानों का विश्लेषण करना

146. गैर-ऑपरेटिव उपचार वाले बलंट उदर ट्रॉमा वाले रोगियों में हीमोग्लोबिन और हेमेटोक्रिट के साथ निगरानी की आवृत्ति की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

147. ट्रॉमा के बाद घुटने के ऊपर के एम्प्यूटेशन वाले रोगियों में प्रोस्थेसिस अनुकूलनशीलता एवं चाल के संबंध में कन्वेंशनल व्यायाम के साथ आइसोकाइनेटिक प्रशिक्षण के प्रभाव की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

148. उदर ट्रॉमा के लिए शल्य चिकित्सा वाले हेमोडायनामिक रूप से अस्थिर रोगियों में सूजन संबंधी साइटोकिन्स पर केटामाइन बनाम एटोमिडेट की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

149. ट्रॉमा रोगियों में निचले अंग के फैसिओटॉमी घावों के परिणाम या संशोधित शूलेस तकनीक बनाम नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा (एनडब्ल्यूटी) सहायता प्राप्त त्वचा सन्निकटन की तुलना करना - एक स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

150. विशेष स्टेनिंग विधियों का उपयोग करके नरम और कठोर संयुक्ताक्षर चिह्नों की जीवन शक्ति का निर्धारण करना

151. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में उच्च श्रेणी की अग्नाशयी चोटों के रिसेक्शनल और गैर-रिसेक्शनल उपचार के परिणामों का मूल्यांकन और तुलना करना

152. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट में मस्तिष्क शिरापरक ऑक्सीजन संतृप्ति (एसजेवीओ2) पर डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टोमी के प्रभाव का मूल्यांकन करना रोगियों: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

153. ट्रॉमैटिक निचले अंग संवहनी चोट के उपचार में एन-एसिटाइलसिस्टीन (एनएसी) के उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

154. ट्रॉमैटिक चरम फ्रैक्चर में पूर्व-प्रक्रियात्मक दर्द उपचार की पर्याप्तता में सुधार करने हेतु - गुणवत्ता सुधार अध्ययन

10.5_.indd 1310 1/7/2026 1:08:01 PM

155. मस्कुलोस्केलेटल ट्रॉमा में रबडोमायोलिसिस और लिवर फंक्शन बायोमार्कर के बीच सह-संबंध का अध्ययन करना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

156. वक्षीय ट्रॉमा वाले रोगियों में दर्द पर किनेसिओटेपिंग के प्रभाव का अध्ययन करना - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

157. वक्षीय ट्रॉमा वाले रोगियों में दर्द पर छोटे बोर आकार की छाती ट्यूब के प्रभाव का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

158. ट्रॉमा के बाद बाल चिकित्सा एम्प्यूटेशन में अवशिष्ट अंग एवं काल्पनिक अंग दर्द/संवेदना को कम करने में लक्षित मांसपेशी पुनर्संरचना (टीएमआर) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना - एक संभावित समूह अध्ययन

159. पीसीओएस से ग्रस्त अधिक वजन वाली स्थूल महिलाओं के उपचार में मेटफॉर्मिन के सहायक के रूप में कैबर्गोलिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

160. ट्रॉमा रक्तस्रावी सदमे के रोगियों के पेरिफेरल रक्त में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं, हेमेटोपोएटिक प्रोजेनिटर और स्टेम कोशिकाओं के पैटर्न का अध्ययन करना

161. तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता (एएचआरएफ) वाले ट्रॉमा रोगियों में एचएफएनसी की सफलता का पता लगाने हेतु पीओएक्स-एचआर की पूर्वानुमान क्षमता का अध्ययन करना।

162. सिर की चोट वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन विफलता के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना।

163. रक्तस्राव रोधी पुनर्जीवन के युग में ट्रॉमा हेतु अति-विशाल रक्ताधान। भारत के एक स्तर-1 ट्रॉमा केंद्र से एक पूर्वव्यापी सिंगल केंद्र समूह

164. यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता वाले ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में गैस्ट्रिक ट्यूब लगाने की पुष्टि के लिए अल्ट्रासाउंड

165. स्पाइन की हड्डी में संवेदनाहरण के तहत शल्य चिकित्सा करवा रहे कूल्हे के फ्रैक्चर वाले वृद्ध रोगियों में मानक उपचार की तुलना में हीमोडायनामिक मापदंडों के अनुकूलन के लिए गैर-इंवेसिव कार्डियक आउट मॉनिटरिंग का उपयोग। एक पायलट अध्ययन

166. आपातकालीन विभाग में आने वाले वयस्क ट्रॉमा रोगियों में सामान्य उपचार: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण जांच"

पूर्ण

1. केवल वोलर प्लेटिंग बनाम संयुक्त वोलर और पृष्ठीय प्लेटिंग के साथ इलाज किए गए कम्युनिटेड डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर 2आर3सी3.1 और 2आर3सी.2 के विकिरण विज्ञान और कार्यात्मक परिणाम की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच।

2. एक लेवल I ट्रॉमा केंद्र में ट्रॉमा रोगियों में कन्वेंशनल ट्रॉमा स्कोर के साथ थोरैसिक ट्रॉमा गंभीरता स्कोर (टीटीएसएस) की तुलना और सहसंबंध करने हेतु एक अध्ययन

3. पेट के बल लेटकर स्पाइन की शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में वायुमार्ग में परिवर्तन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

10.5_.indd 1311 1/7/2026 1:08:02 PM

4. डिस्टल थर्ड ह्यूमरल डायफिसियल/मेटाफिसियल फ्रैक्चर के उपचार में एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर लॉकिंग कम्प्रेशन प्लेट (ईएएलसीपी) के साथ रिवर्स फिलोस बनाम पोस्टीरियर ओपन रिडक्शन और इंटरनल फिक्सेशन (ओआरआईएफ) का उपयोग करके पूर्ववर्ती न्यूनतम इनवेसिव प्लेटिंग-एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

5. एम्स, नई दिल्ली के वृक्क विज्ञान ओपीडी में आने वाले रोगियों में अज्ञात मूल के क्रोनिक किडनी रोग का लक्षण वर्णन - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

6. तंत्रिका गहन उपचार में स्वचालित मात्रात्मक पुपिलोमेट्री और नैदानिक पुपिलोमेट्री का तुलनात्मक अध्ययन

7. उच्च-निष्ठा वायुमार्ग पुतला मॉडल का उपयोग करके विभिन्न कठिन वायुमार्ग परिदृश्यों में अंतःश्वासनलीय इंटुबैशन के लिए विभिन्न प्रकार के लैरींगोस्कोप की तुलना - एक अवलोकनात्मक अध्ययन

8. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य उपचार कर्मियों के लिए पंखे वाले स्वदेशी चश्मों की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना मानक चश्मों से की गई

9. मध्यम से गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में तीन महीने तक विस्तारित ग्लासगो परिणाम पैमाने पर आईसीयू बेहोशी के लिए फेंटेनाइल और मिडाज़ोलम के प्रभाव की केटोफोल के साथ तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

10. कूल्हे के फ्रैक्चर वाले रोगियों में न्यूरैक्सियल ब्लॉक से पहले पोज़िशनिंग के लिए पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक एवं फेशिया इलियाका ब्लॉक के बीच तुलना - यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।

11. इन विट्रो फर्टीलाइजेशन प्रक्रियाओं के दौरान अंडाणु पुनर्प्राप्ति के लिए प्रक्रियात्मक बेहोशी एवं पीड़ानाशक के रूप में कीटोफोल और कीटोडेक्स के प्रभाव की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच।

12. कृत्रिम कठिन वायुमार्ग परिदृश्यों में नासोट्रेकियल इंटुबैशन हेतु विभिन्न लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक स्व-नियंत्रित क्रॉसओवर जांच

13. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में मोरेल लावेल्ली घावों के परिणामों में नैदानिक और विकिरण विज्ञान मापदंडों का सहसंबंध

14. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में नैदानिक और ऊतकवैज्ञानिक गंभीरता के साथ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए/पूरक कारक 3(आईजीए/सी3) का सहसंबंध

15. थोरैकोलम्बर बर्स्ट फ्रैक्चर में रेट्रोपल्स्ड फ्रेगमेंट की पश्च दीवार अवतलन का उपयोग करके प्राप्त मेरूदंड कैनाल डिकम्प्रेसन का सीटी आधारित मूल्यांकन

16. कूल्हे के फ्रैक्चर की शल्य चिकित्सा विलंब: कारण और परिणामों पर प्रभाव थोरैकोलम्बर बर्स्ट फ्रैक्चर के लिए कैनाल क्लीयरेंस में आंशिक कॉर्पेक्टोमी की प्रभावकारिता: एक सीटी आधारित विकिरण विज्ञान मूल्यांकन।

17. रोगियों के कार्यात्मक परिणामों पर इसके प्रभाव के विश्लेषण के साथ कूल्हे के फ्रैक्चर के पश्चात शल्य चिकित्सा पुनर्वास में सहायता के लिए रोगी शिक्षा सॉफ्टवेयर का विकास।

10.5_.indd 1312 1/7/2026 1:08:02 PM

18. पेल्विकेसेटेबुलर फ्रैक्चर में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की विभिन्न खुराक व्यवस्था का प्रभाव - एक यादृच्छिक नैदानिक जांच।

19. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार वाले रोगियों में रीज़नल मस्तिष्क ऑक्सीजनेशन पर तंत्रिका विकिरण विज्ञान इंटरवेंशन का प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

20. ग्रीवा स्पाइन की शल्य चिकित्सा के बाद फेफड़ों के वातन स्कोर पर सुगमाडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन उत्क्रमण का प्रभाव: एक संभावित, डबल ब्लाइंडेड, यादृच्छिक नियंत्रण जांच।

21. इनहेलेशनल संवेदनाहरण के तहत सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया एवं 3 महीने के परिणाम पर प्रणालीगत लिडोकेन और डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच।

22. स्पाइन की शल्य चिकित्सा के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर उत्पन्न क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की अलग-अलग सांद्रता का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन।

23. सीटी स्कैन पर ट्रॉमैटिक पसलियों के फ्रैक्चर का स्वचालित पता लगाने, स्थानीयकरण और लक्षण वर्णन के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) मॉडल का मूल्यांकन और विकास

24. भारत के ट्रॉमा केंद्र में डब्ल्यूएचओ शल्य चिकित्सा सुरक्षा चेकलिस्ट मापदंडों के अनुपालन का मूल्यांकन

25. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी वाले रोगियों में दौरे की गतिविधि की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल, रिकवरी समय और कॉर्टिकल गतिविधि (एफएनआईआर का उपयोग करके) पर कीटोफोल एवं कीटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन

26. डुप्लेक्स डॉपलर अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके रेडियल धमनी डिकैनुलेशन के बाद रेडियल एवं उलनार धमनी रक्त प्रवाह को बेसल मानों पर लौटने में लगने वाले समय का मूल्यांकन

27. शल्य चिकित्सा वाले वृद्ध ट्रॉमा रोगियों में प्रतिकूल डिस्चार्ज परिणामों के पूर्वानुमान के रूप में कमजोरी: एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन

28. भारत में प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोगों वाले वयस्क रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता

29. पीएम-जेएवाई के तहत जलने तथा पुनर्निर्माण प्लास्टिक शल्य चिकित्सा में स्वास्थ्य सेवा पैकेज का उपयोग

30. एक भारतीय अस्पताल से बहुऔषधि प्रतिरोधी क्लेबसिएला निमोनिया नैदानिक आइसोलेट्स के विरुद्ध सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम, सेफ्टोलोज़ेन-टैज़ोबैक्टम और इमिपेनम-रेलेबैक्टम के प्रति उच्च स्तर का प्रतिरोध।

31. शिक्षण-अधिगम की संकर विधि संचार में सुधार लाने में प्रभावी - नर्सों के लिए संचार कार्यशाला के माध्यम से एक इंटरवेंशनल पूर्व-पश्चात सिंगल-भुजा अध्ययन का अनुभव। (प्रकाशनाधीन)

32. संज्ञानात्मक इम्पेएडता वाले हल्के सिर की चोट वाले रोगियों हेतु बायोमार्करों की पहचान

33. प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोगों से ग्रस्त महिलाओं में गुर्दे की सर्वाइकल एवं गर्भावस्था के परिणामों पर गर्भावस्था का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

10.5_.indd 1313 1/7/2026 1:08:02 PM

34. ट्रॉमैटिक के बाद अंग एम्प्यूटेशन/विच्छेदनों वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर मनोसामाजिक इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

35. वीएई की घटना एवं बंडल उपचार का प्रभाव: अद्यतन राष्ट्रीय स्वास्थ्य उपचार सुरक्षा नेटवर्क निगरानी मानदंडों को लागू करना

36. प्रमुख अस्थि रोग ट्रॉमा शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में विभिन्न एनेस्थेटिक तकनीकों के साथ पेरिऑपरेटिव इन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स परिवर्तन और न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप गठन।

37. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमा के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोशल्य चिकित्सा के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन

38. उत्तर भारतीय आबादी में ग्रेटर साइटिक नॉच के पश्च भाग का उपयोग करके पीएमसीटी-आधारित लिंग निर्धारण

39. कोविड केंद्र से छुट्टी मिलने वाले रोगियों में म्यूकोर्मिकोसिस की व्यापकता और इससे संबंधित कारक।

40. जीबीएम के लिए समवर्ती टेमोज़ोलोमाइड के साथ प्राथमिक गामा-नाइफ

41. एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद नकली जागृत फाइबर ऑप्टिक निर्देशित मौखिक इंटुबैशन में नौसिखिए संवेदनाहरण विज्ञान रेजीडेंट की दक्षता का मूल्यांकन - एक मैनिकिन आधारित अध्ययन

42. अस्थि रोगपेडिक ट्रॉमा वार्ड में जीवाणु संक्रमण की प्रोफ़ाइल एवं एंटीबायोटिक संवेदनशीलता पैटर्न: आठ वर्ष का अनुभव

43. शल्य चिकित्सा इंटरवेंशन वाले उदर ट्रॉमा रोगियों में रोगनिरोधी एंटीबायोटिक का उपयोग - एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच

44. शल्य चिकित्सा इंटरवेंशन वाले उदर ट्रॉमा रोगियों में रोगनिरोधी एंटीबायोटिक का उपयोग - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

45. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट से पीड़ित कमज़ोर और सामान्य रोगियों में अंतर करने हेतु एक उपकरण के रूप में, बिंदु उपचार अल्ट्रासाउंड द्वारा मापी गई क्वाड्रिसेप्स की गहराई: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

46. प्रोक्सीमल टिबिया फ्रैक्चर में एकअक्षीय बनाम बहुअक्षीय प्लेटिंग के बाद नैदानिक, विकिरण विज्ञान और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण जांच और भारतीय आबादी में प्रोक्सीमल टिबिया फ्रैक्चर का सीटी निर्देशित मानचित्रण

47. भारतीय आबादी में एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर टिबियल शाफ्ट फ्रैक्चर के उपचार में सुप्रा-पेटेलर एवं इन्फ्रा-पेटेलर नेल इंसर्शन तकनीकों के बाद विकिरण विज्ञान, नैदानिक एवं कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण जांच

48. सीरम लैक्टेट, बेस डेफिसिट और ग्लूकोज के स्तर गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के पूर्वानुमानात्मक चिह्नक

49. गहन उपचार की आवश्यकता वाले ट्रॉमा रोगियों में नींद की गुणवत्ता का आकलन - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

10.5_.indd 1314 1/7/2026 1:08:02 PM

50. उत्तर भारतीय आबादी में पोस्टमॉर्टम मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीएमसीटी) फोरामेन मैग्नम माप से कद का अनुमान

51. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग वाले रोगियों में सीरम पूरक सी3 और सी4 के स्तर का अध्ययन

52. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट से प्रेरित द्वितीयक जठरांत्रीय परिवर्तनों का अध्ययन

53. अस्पताल में होने वाले यूरिन ट्रैक के संक्रमणों की निगरानी एवं वयस्क चिकित्सा आईसीयू में कैंडिडुरिया का महत्व

54. एंडोमेट्रियोसिस में प्रो इन्फ्लेमेटरी मार्करों पर कैबरगोलिन और डायनोगेस्ट का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन

55. पूर्ण स्पाइन की हड्डी की चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग

56. गैर-ऑपरेटिव उपचार वाले ब्लंट उदर ट्रॉमा वाले रोगियों में हीमोग्लोबिन और हेमेटोक्रिट के साथ निगरानी की आवृत्ति की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

57. ट्रॉमा रोगियों में निचले अंग फैसिओटॉमी घावों के लिए संशोधित शूलेस तकनीक बनाम नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा (एनपीडब्ल्यूटी) सहायता प्राप्त त्वचा सन्निकटन के परिणाम की तुलना करना - स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण जांच

58. बाल चिकित्सा अधिग्रहित डिमाइलेटिंग सिंड्रोम के विभिन्न उपप्रकारों में एमआरआई पैटर्न का वर्णन करने हेतु प्रारंभिक और अनुवर्ती कार्रवाई

59. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले वयस्कों में आईसीपी माप की गैर-इंवेसिव (एनआईआरएस) और ओएनएसडी) और इंवेसिव (आईसीपी कैथेटर) तकनीकों के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन करना - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

60. ट्रॉमैटिक निचला अंग संवहनी चोट के उपचार में एन-एसिटाइलसिस्टीन (एनएसी) के उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित जांच

61. बड़े पोस्ट ट्रॉमेटिक घाव पर संयोजन चिकित्सा (एनपीडब्ल्यूटी + सामयिक ऑक्सीजन) बनाम नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा (एनपीडब्ल्यूटी) के प्रभाव का अध्ययन करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण जांच

62. बड़े पोस्ट ट्रॉमेटिक घावों पर संयोजन चिकित्सा (एनपीडब्ल्यूटी + टॉपिकल ऑक्सीजन) बनाम नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा (एनपीडब्ल्यूटी) के प्रभाव का अध्ययन करना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण जांच (मुख्य गाइड)

63. ट्रॉमैटिक हेमोथोरैक्स से पीड़ित रोगियों के परिणामों पर प्रारंभिक इरिगेशन और सक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1 अवसादग्रस्त किशोरों और स्वस्थ नियंत्रण समूहों की आंत माइक्रोबायोम संरचना की तुलना करने वाला एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मनोचिकित्सा, एम्स

10.5_.indd 1315 1/7/2026 1:08:02 PM

2 ट्रॉमा के बाद कोहनी के नीचे के अंग-विच्छेदित व्यक्तियों में दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियों के लिए कोहनी के नीचे प्रोस्थेसिस बायोनिकली की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, एनसीएएचटी एम्स, नई दिल्ली (आईआईटी कानपुर)

3 लिम्फेडेमा के निदान में उच्च आवृत्ति यूएसजी और आईसीजी फ्लोरेंस इमेजिंग के बीच संबंध स्थापित करने हेतु एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

4 ब्रेकियल प्लेक्सस अन्वेषण और पुनर्निर्माण के लिए दा विंची शी रोबोटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने के लिए एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

5 आरसीटी, जिसमें सीधे ओरल एंटीकोआगुलंट्स प्राप्त करने वाले रोगियों बनाम कम आणविक भार हेपरिन को कीमोप्रोफिलैक्सिस के रूप में प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विकेटेबुलर शल्य चिकित्सा के बाद लक्षणात्मक और लक्षणहीन शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं की घटनाओं की तुलना की गई है", अस्थि रोग

6 एम्स के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में प्रसवोत्तर रोगियों में एंटीकोएगुलेशन के अभ्यास एवं उनके परिणामों पर एक अध्ययन, स्त्री रोग विभाग

7 कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर के कारण वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया में एरोसोलाइज्ड कोलिस्टिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, संवेदनाहरण

8 तीव्र अग्नाशयशोथ के बाद अग्न्याशय के दीवार बंद परिगलन/स्यूडोसिस्ट के लेप्रोस्कोपिक बनाम ईयूएस गाइडिड ड्रेमेज वाले रोगियों में दीर्घकालिक परिणामों की तुलना करने वाला एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

9 जठरांत्र एवं रक्तप्रवाह रोगजनकों के लिए स्वचालित न्यूक्लिक एसिड निष्कर्षण प्रणाली का विश्लेषणात्मक प्रदर्शन, डॉ. सुनीता मीना (सहायक आचार्य-प्रयोगशाला चिकित्सा)

10 पीएमजेएवाई के तहत बीपीएस में स्वास्थ्य उपचार पैकेज के उपयोग एवं इसकी बाधाओं और सुविधाओं का आकलन करना, बर्न एंड प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

11 गंभीर टीबीआई के रोगियों में निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा मस्तिष्क स्व-नियमन का आकलन, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

12 हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

13 हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

14 बेरिएट्रिक शल्य चिकित्सा से पहले और बाद में मोटापे से ग्रस्त रोगियों में लीवर बायोप्सी के साथ सहसंबंध में गैर-इनवेसिव जाचों और स्कोरिंग प्रणालियों के साथ लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, शल्य चिकित्सा विभाग

15 व्यवहार्य पैरेन्काइमल तंत्रिकासिस्टीसरकोसिस में स्टेरॉयड थेरेपी के लिए आधारभूत सिस्ट आकार निर्देशित अवधि में वृद्धि: एक पायलट संभावित इंटरवेंशन अध्ययन, बाल तंत्रिका चिकित्सा

10.5_.indd 1316 1/7/2026 1:08:02 PM

16 भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने एवं उसकी रोकथाम के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण (सीडीसी), डॉ. पूर्वा माथुर प्रोफेसर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली

17 अस्पताल में उपार्जित संक्रमणों की रोकथाम और नियंत्रण, प्रयोगशाला चिकित्सा उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर)

18 इडियोपैथिक इंट्राक्रैनील हाइपरटेंशन में सेरेब्रोमेरूदंड फ्लूइड बायोमार्कर: लक्षित प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका विकिरण विज्ञान एवं तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

19 छाती में चोट के रोगियों के नैदानिक परिणाम, पसलियों के फ्रैक्चर वाले रोगी, पसलियों का स्थिरीकरण, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा वाले रोगी

20 इनवेसिव ब्रेस्ट कार्सिनोमा से पीड़ित महिलाओं में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद पूर्ण विकृति विज्ञान प्रतिक्रिया के अनुपात की तुलना अकेले नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ: श्रेष्ठता परिकल्पना के साथ एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, डॉ. कमल कटारिया, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, दिल्ली

21 प्रारंभिक परिणामों और लागत-प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और चीरा हर्निया के उपचार हेतु टीएआरएम बनाम आईपीओएम प्लस की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच, शल्य चिकित्सा विभाग

22 गंभीर रूप से बीमार रोगियों के फेफड़े और आंत माइक्रोबायोम का सहसंबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक पायलट अध्ययन, डॉ. चोरो अथिफ्रो काइना (एपी-संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार)

23 फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल मिर्गी से पीड़ित 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों एवं किशोरों में संज्ञान, व्यवहार तथा कार्यकारी कार्य के साथ नींद की संरचना का सहसंबंध: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन, बाल तंत्रिका चिकित्सा

24 हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर प्रतिरक्षा-सूक्ष्म वातावरण के लक्षणों और लक्षित एंटी-पीडी-एल1 और एंटी-वीईजीएफ थेरेपी की प्रतिक्रिया का सहसंबंध: एक व्यापक अध्ययन, विकृति विज्ञान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

25 आईसीएमआर के सहयोग से बीपीएस, बर्न एंड प्लास्टिक शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण

26 रुमेटिक हृदय रोगों में एफसी रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना, हृद जैव रसायन विभाग

27 भारतीय जलवायु परिस्थितियों में सूखे विघटित उंगलियों हेतु त्वरित फिंगरप्रिंट बहाली समाधान का विकास और मूल्यांकन: कार्यप्रणाली, पीएच और तापमान में भिन्नता का तुलनात्मक विश्लेषण, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल

28 जैविक मैट्रिक्स में जेड-ड्रग्स और ट्रामाडोल विश्लेषण हेतु विकास एवं विधि सत्यापन, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर

10.5_.indd 1317 1/7/2026 1:08:02 PM

29 कटे होंठ-तालु के रोगियों में स्पीच थेरेपी के दूरस्थ वितरण के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित ऐप का विकास (स्वरा- "स्पीच-थेरेपी विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिमोट असिस्टेंस- जारी कार्य, आईआईटी दिल्ली)

30 ऊपरी अंग की पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से संबंधित संवहनी आपूर्ति के चित्रण के लिए प्रशिक्षण मॉडल का विकास: शव प्रसंस्करण की एक नवीन विधि, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

31 कैंसर और संक्रमण का पता लगाने के लिए स्वचालित एआई-सक्षम निर्णय समर्थन के साथ ट्रांसवेजिनल प्रोब-आधारित डर्मेटोस्कोप का विकास। आईसीएमआर (विश्व में प्रथम चुनौती), त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित।

32 ट्रॉमा आईसीयू रजिस्ट्री का विकास - एक आईसीएमआर परियोजना, गहन उपचार एवं संवेदनाहरण, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा

33 वयस्क शल्य चिकित्सा रोगियों में अल्ट्रासाउंड-निर्देशित आंतरिक जुगुलर शिरापरक कैनुलेशन के लिए गतिशील सुई टिप पोजिशनिंग बनाम लघु अक्ष तकनीक: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार

34 मध्यम से गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में मस्तिष्क चोट बायोमार्करों पर आईसीयू बेहोशी हेतु कीटोफोल बनाम फेंटेनाइल और मिडाज़ोलम का प्रभाव - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा

35 फैंटम लिम्ब पेन वाले रोगियों में डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (डीएलपीएफसी) के दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) का प्रभाव, डॉ. आकांक्षा सिंह, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

36 सेप्टिक शॉक से पीड़ित इंट्रा-एब्डॉमिनल सेप्सिस रोगियों में मेथिलीन ब्लू के प्रारंभिक प्रशासन के प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, संवेदनाहरण, एम्स

37 एम्स में फ्रग्रेलिटी फ्रैक्चर संपर्क सेवा की स्थापना: एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. विजय शर्मा (अस्थि रोग)

38 एस्केप रोगजनकों के कारण होने वाले बहुऔषधि प्रतिरोधी संक्रमणों से निपटने के लिए बैक्टीरियोफेज अनुसंधान और चिकित्सा हेतु उन्नत अनुसंधान केंद्र की स्थापना, डॉ. तनु सागर, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम्स, दिल्ली

39 क्रोनिक लिम्ब अल्सर और प्रेशर अल्सर के उपचार हेतु एक नए हर्बल एंटीसेप्टिक फॉर्मूलेशन-एसईपीआईएल का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित जांच, डॉ. विजय शर्मा, आचार्य, अस्थि रोग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. एम्स, आचार्य विवेक वर्मा, आईआईटी कानपुर

40 स्वदेशी रूप से विकसित कम लागत वाले हल्के वजन वाले पॉलीसेंट्रिक पॉलीमेरिक घुटने के जोड़ (पीपीकेजे) की अनुकूलनशीलता का मूल्यांकन और ट्रॉमैटिक के बाद ट्रांसफेमोरल एम्प्यूटीज के जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर इसका प्रभाव, डॉ. मोहित जोशी, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, दिल्ली, प्रोफेसर नरेश भटनागर, आईआईटी, दिल्ली

41 सेप्टिक शॉक में फ्लोरोकोर्टिसोन की प्रारंभिक दवा देने का मूल्यांकन, गहन उपचार चिकित्सा, एम्स

10.5_.indd 1318 1/7/2026 1:08:02 PM

42 थर्मल बर्न इंजरी के लिए प्रणालीगत प्रतिक्रिया के एक सरोगेट संकेतक के रूप में इन्फ्लेमेटरी लार बायोमार्कर का मूल्यांकन (डॉ. सिमरन कौर मदान), बर्न्स, एम्स

43 एम्स में मृत्यु के चिकित्सा प्रमाणीकरण का मूल्यांकन और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने हेतु, सीसीएम विभाग

44 पोस्ट ट्रॉमैटिक के बाद नाक की विकृति के सुधार हेतु त्रि-आयामी मुद्रण मॉडल और उत्तेजना कार्यक्रम के परिणाम का मूल्यांकन, डॉ. राज मानस, प्लास्टिक पुनर्निर्माण एवं बर्न शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

45 तृतीयक स्वास्थ्य उपचार सुविधा, बर्न्स और प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग में भर्ती आग से जलने की चोटों के रोगियों में साइनाइड विषाक्तता की व्यापकता का मूल्यांकन

46 पूर्ण ग्रीवा स्पाइन की हड्डी की चोट वाले रोगियों में एक्सपेंसिल ड्यूराप्लास्टी - एक संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंड पॉइंट (प्रोब) अध्ययन, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

47 माध्यमिक उपचार अस्पतालों, प्रयोगशाला चिकित्सा में आईसीएमआर के एंटीमाइक्रोबाइल स्टीवर्डशिप (एएमएसपी) और संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम (आईसीपी) का विस्तार

48 लक्षणात्मक लचीले फ्लैटफुट में चाल विश्लेषण और विकिरण विज्ञान और नैदानिक मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, अस्थि रोग

49 ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमूलेशन के बाद अपूर्ण स्पाइन की हड्डी की चोट वाले रोगियों में चाल कीनेमेटीक्स और तंत्रिकाजेनिक मूत्राशय: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

50 ग्रामीण भारत में शल्य चिकित्सा क्षमता निर्माण इंटरवेंशन का प्रभाव मूल्यांकन, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ भारत-नॉर्वे सहयोग।

51 पसलियों के फ्रैक्चर के शल्य चिकित्सा स्थिरीकरण का वेंटिलेटर सपोर्ट, एनाल्जेसिक और अस्पताल में रहने की आवश्यकता पर प्रभाव: एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन, ट्रॉमा संवेदनाहरण एवं गहन उपचार और ट्रॉमा शल्य चिकित्सा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली

52 पसलियों के फ्रैक्चर के शल्य चिकित्सा स्थिरीकरण का वेंटिलेटर सपोर्ट, एनाल्जेसिक और अस्पताल में रहने की आवश्यकता पर प्रभाव: एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा, ज.प्र. ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली

53 भारत भर के विभिन्न तृतीयक केंद्रों में एएमएसपी का कार्यान्वयन, डॉ. ऋचा अग्रवाल (संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

54 एम्स, नई दिल्ली के आपातकालीन विभाग में यांत्रिक वेंटिलेशन पर रहने वाले रोगियों के लिए वेंटिलेटर रणनीतियों में सुधार - एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन, आपातकालीन चिकित्सा

55 भारत में लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में गंभीर टीबीआई में गैर-आक्षेपिक स्टेटस एपिलेप्टिकस के आकलन में एक नैदानिक उपकरण के रूप में इन्फ्रारेड प्यूपिलोमेट्री, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

10.5_.indd 1319 1/7/2026 1:08:02 PM

56 मार्च 2021- मार्च 2024 + 3 महीने का विस्तार: एक पायलट पैरलल आर्म यादृच्छिक नियंत्रण जांच, जो जटिल रीज़नल दर्द सिंड्रोम (सीआरपीएस I) विकसित करने वाले ट्रॉमैटिक अंग फ्रैक्चर के उपचार में योग इंटरवेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन करता है और उनके जीवन की गुणवत्ता का आकलन करता है।, डॉ. विजय शर्मा (अस्थि रोग विशेषज्ञ)

57 पोस्ट-ट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस और मल्टी-ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम का पता लगाने के लिए मल्टी-एनालाइट्स लेटरल फ्लो इम्यून एसे, प्रयोगशाला चिकित्सा, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा और गहन उपचार, न्याय विकृति विज्ञान एवं आणविक चिकित्सा, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. कें., एम्स, नई दिल्ली

58 एनजीएएल, सिस्टिटिस-सी, केआईएम-1 और आईएल-6 पृथक ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट के बाद तीव्र गुर्दे की चोट के पूर्वानुमानक मार्कर: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, ट्रॉमा संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, तंत्रिका संवेदनाहरण

59 हिरायामा रोग के उपचार के लिए दीर्घकालिक ग्रीवा कॉलर बनाम पश्च ग्रीवा निर्धारण: संभावित यादृच्छिक खुला बलाइंडिड अंत बिंदु (प्रोब), चरण III अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा, तंत्रिकासंवेदनाहरण विज्ञान, तंत्रिकाविकिरण विज्ञान एम्स, नई दिल्ली।

60 तंत्रिका शल्य चिकित्सा रोगियों में पोस्ट-इंडक्शन हाइपोटेंशन का पता लगाने हेतु सबक्लेवियन नस का प्री-एनेस्थेटिक अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार

61 ब्लंट टोरसो ट्रॉमा के रोगियों में क्रमिक परिवर्तनों के अवलोकन के लिए इन्फलामेट्री साइटोकिन्स और मेटाबोलाइट्स की प्रोफाइलिंग: एक संभावित कोहोर्ट और अवलोकन संबंधी अध्ययन, एम्स-आईसीजीईबी

62 बाल चिकित्सा बाह्यरोगियों में घुटने की विकृति और पोषण संबंधी स्थिति और अस्थि चयापचय के नियामकों के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने हेतु संभावित अध्ययन, अस्थि रोग

63 हड्डी के जीसीटी में ज़ोलेड्रोनेट की प्रतिक्रिया के आकलन में पीईटी-सीटी की भूमिका, अस्थि रोग

64 ट्रॉमैटिक घावों के उपचार में नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा के सहायक के रूप में सामयिक ऑक्सीजन चिकित्सा की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, डॉ. प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी (एपी-शल्य चिकित्सा)

65 बुजुर्गों में कूल्हे के फ्रैक्चर की द्वितीयक रोकथाम में योग की भूमिका, डॉ. विजय शर्मा (अस्थि रोग विशेषज्ञ)

66 सेलेनियम अनुपूरण से रेडॉक्स और माइटोकॉन्ड्रियल स्वास्थ्य में सुधार होता है जिससे तपेदिक संक्रमण कम होता है, जैव प्रौद्योगिकी, एम्स

67 कम ज्वारीय मात्रा वेंटिलेशन के साथ प्रोन स्थिति में स्पाइन की शल्य चिकित्सा के दौरान फ्लूएड प्रतिक्रियाशीलता का पता लगाने के लिए अल्पकालिक कम पीप चुनौती जांच: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार

68 तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में अंग विफलता के समाधान के लिए स्टेरॉयड थेरेपी। एक यादृच्छिक नियंत्रित डबल ब्लाइंडेड जांच (स्टार) (डॉ. सौम्या), जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स

10.5_.indd 1320 1/7/2026 1:08:02 PM

69 रोटेटर कफ टियर में सबस्कैपुलरिस की भागीदारी का आकलन करने हेतु अध्ययन: नैदानिक, विकिरण विज्ञान और आर्थ्रोस्कोपिक मूल्यांकन, अस्थि रोग

70 आपातकालीन विभाग में आने वाले सेप्सिस और सेप्टिक शॉक रोगियों में मृत्यु दर का पता लगाना में प्रणालीगत प्रतिरक्षा सूजन सूचकांक और प्रोकैल्सीटोनिन: एक संभावित समूह, आपातकालीन चिकित्सा

71 जीनोटाइप और जियोलोकेशन के बीच सहसंबंध की खोज के लिए विभिन्न वैश्विक और भारतीय आबादी में एसटीआर मार्करों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय न्याय विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर

72 कम ज्वारीय आयतन वेंटिलेशन के साथ पार्श्व स्थिति में तंत्रिका शल्य-चिकित्सा के दौरान फ्लूएड प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए ज्वारीय आयतन चुनौती, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार

73 संवहनी विकृतियों के विभिन्न उपचार पद्धतियों के परिणामों का आकलन और मूल्यांकन करना, शल्य चिकित्सा विभाग

74 टोटल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी वाले रोगियों में डेक्सामेथासोन, पैरासिटामोल और कीटोरोलैक (डेक्सपैक) बनाम पैरासिटामोल, कीटोरोलैक (पैक) के संयोजन के ओपिओइड वाले प्रभावों की तुलना करना। टोटल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी वाले रोगियों में एक संभावित डबल ब्लाइंड रैंडम अध्ययन, संवेदनाहरण, गहन एवं पीड़ा चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

75 विशेष अभिरंजन विधियों का उपयोग करके नरम और कठोर लिगेचर चिह्न की जीवन शक्ति निर्धारित करने हेतु, एफएम, एम्स

76 "ब्रेन ट्यूमर शल्य चिकित्सा के बाद न्यूरोसाइकोलॉजिकल वेलफेयर के लिए भारतीय पुनर्वास" या आईआरईएनईडब्ल्यू-बीटीएसपीएसीकेएजीई की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करना, नैदानिक मनोविज्ञान, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान, जैव सांख्यिकी एम्स, नई दिल्ली।

77 वैकल्पिक लम्बर मेरूदंड शल्य चिकित्सा में पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द एवं रक्त की कमी पर स्थानीय रूप से प्रशासित बहुक्रियाशील कॉकटेल के प्रभाव का अध्ययन करना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण जांच, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

78 हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी रोगियों में इंवेसिव एस्परगिलोसिस के लिए एक संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्राइएसिटाइलफसरीन सी, डॉ. सुनीता मीना (सहायक आचार्य-प्रयोगशाला चिकित्सा)

79 यांत्रिक वेंटिलेशन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार की आवश्यकता वाले ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में गैस्ट्रिक ट्यूब लगाने की पुष्टि के लिए अल्ट्रासाउंड

पूर्ण

1. अवसादग्रस्त किशोरों एवं स्वस्थ नियंत्रण समूहों की आंत माइक्रोबायोम संरचना की तुलना करने वाला एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मनोचिकित्सा

2. ट्रॉमा के बाद कोहनी के नीचे के अंग-विच्छेदित व्यक्तियों में दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियों के लिए कोहनी के नीचे के प्रोस्थेसिस बायोनिकल की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करने हेतु एक पायलट अध्ययन, एनसीएएचटी, आईआईटी कानपुर

10.5_.indd 1321 1/7/2026 1:08:02 PM

3. लिम्फेडेमा, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा के निदान में उच्च आवृत्ति यूएसजी और आईसीजी फ्लोरेंस इमेजिंग के बीच संबंध स्थापित करने के लिए एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

4. ब्रेकियल प्लेक्सस अन्वेषण एवं पुनर्निर्माण, प्लास्टिक शल्य चिकित्सा के लिए दा विंची शी रोबोटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने हेतु एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

5. आरसीटी, जिसमें प्रत्यक्ष ओरल एंटीकोआगुलंट्स प्राप्त करने वाले रोगियों बनाम कम आणविक भार हेपरिन को कीमोप्रोफिलैक्सिस के रूप में प्राप्त करने वाले रोगियों में पेल्विकेटेबुलर शल्य चिकित्सा के बाद लक्षणात्मक एवं अलक्षणात्मक शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिक घटनाओं की घटनाओं की तुलना की गई है", अस्थि रोग

6. प्रसवोत्तर रोगियों में एंटीकोएगुलेशन के अभ्यास और तृतीयक उपचार अस्पताल, स्त्री रोग में उनके परिणामों पर एक अध्ययन

7. कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर के कारण वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया में एरोसोलाइज्ड कोलिस्टिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच, संवेदनाहरण

8. तीव्र अग्नाशयशोथ के बाद अग्न्याशय के दीवार बंद परिगलन/स्यूडोसिस्ट के लेप्रोस्कोपिक बनाम ईयूएस निर्देशित जल निकासी वाले रोगियों में दीर्घकालिक परिणामों की तुलना करने वाला एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग

9. जठरांत्र और रक्तप्रवाह रोगजनकों के लिए स्वचालित न्यूक्लिक एसिड निष्कर्षण प्रणाली का विश्लेषणात्मक प्रदर्शन, प्रयोगशाला चिकित्सा

10. पीएमजेएवाई के तहत बीपीएस में स्वास्थ्य उपचार पैकेज के उपयोग एवं इसकी बाधाओं और सुविधाओं का आकलन करना, बर्न एंड प्लास्टिक शल्य चिकित्सा

11. गंभीर टीबीआई के रोगियों में निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा मस्तिष्क स्व-नियमन का आकलन, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा

12. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

13. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188आरई-एन-डीईडीसी/लिपिडोल ट्रांस-आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन, नाभिकीय चिकित्सा एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

14. बेरिएट्रिक शल्य चिकित्सा से पूर्व और बाद में मोटे रोगियों में लीवर बायोप्सी के साथ सहसंबंध में गैर-इनवेसिव जाचों एवं स्कोरिंग प्रणालियों के साथ लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, शल्य चिकित्सा विभाग

15. व्यवहार्य पैरेन्काइमल तंत्रिकासिस्टीसरकोसिस में स्टेरॉयड थेरेपी के लिए आधारभूत सिस्ट आकार निर्देशित अवधि में वृद्धि: एक पायलट संभावित इंटरवेंशन अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान

16. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने एवं उसकी रोकथाम हेतु अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण (सीडीसी), प्रयोगशाला चिकित्सा

10.5_.indd 1322 1/7/2026 1:08:02 PM

17. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने एवं उसकी रोकथाम के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण (सीडीसी), प्रयोगशाला चिकित्सा

18. अस्पताल में उपार्जित संक्रमणों की रोकथाम और नियंत्रण, प्रयोगशाला चिकित्सा में उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर)

19. अज्ञातहेतुक अंतःकपालीय उच्च रक्तचाप में मस्तिष्कमेरु फ्लूएड बायोमार्कर: लक्षित प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका विकिरण विज्ञान एवं तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

20. छाती में चोट वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम, पसलियों के फ्रैक्चर वाले रोगी, पसलियों का स्थिरीकरण, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा वाले रोगी

21. इनवेसिव ब्रेस्ट कार्सिनोमा से पीड़ित महिलाओं में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद पूर्ण विकृति विज्ञान प्रतिक्रिया के अनुपात की तुलना अकेले नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ: श्रेष्ठता परिकल्पना, शल्य चिकित्सा विभाग के साथ एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच

22. प्रारंभिक परिणामों और लागत-प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और चीरा हर्निया के उपचार के लिए टीएआरएम बनाम आईपीओएम प्लस की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण जांच, शल्य चिकित्सा विभाग

23. गंभीर रूप से बीमार रोगियों के फेफड़े और आंत माइक्रोबायोम का सहसंबंध: एक संभावित अवलोकनात्मक पायलट अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार

24. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसनल मिर्गी से पीड़ित 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में संज्ञान, व्यवहार और कार्यकारी कार्य के साथ नींद की संरचना का सहसंबंध: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान

25. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर प्रतिरक्षा-सूक्ष्म वातावरण के लक्षणों और लक्षित एंटी-पीडी-एल1 और एंटी-वीईजीएफ थेरेपी की प्रतिक्रिया का सहसंबंध: एक व्यापक अध्ययन, विकृति विज्ञान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान

26. आईसीएमआर के सहयोग से बीपीएस, बर्न एंड प्लास्टिक शल्य चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण

27. आमवाती हृदय रोगों में एफसी रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना, हृद जैव रसायन

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अभिनव कुमार

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	3
कुल वित्तपोषण	**33.20 लाख रुपये**	**33.20 लाख रुपये**	**68.69 लाख रुपये**

10.5_.indd 1323 1/7/2026 1:08:03 PM

अभिषेक सिंह

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	2	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**8 लाख रुपये**	**1 लाख रुपये**

अमित गुप्ता

अनुसंधान परियोजनाएं	2021-2022	2022-2023	2023-2024
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**25 लाख रुपये**	**45 लाख रुपये**	**73 लाख रुपये**

अरुलसेल्वी एस

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	4	4
कुल वित्तपोषण	**71.38 लाख रुपये**	**112.60 लाख रुपये**	**103.60 लाख रुपये**

अरविंद कुमार

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	शून्य	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**शून्य**	**1 लाख**

आशीष बिंद्रा

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	1	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**58.23 लाख रुपये**	

असजद महमूद

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	ना	1	2
कुल वित्तपोषण	**ना**	**5 लाख रुपये**	**7.50 लाख रुपये**

10.5_.indd 1324 1/7/2026 1:08:03 PM

बबीता गुप्ता

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	01	01
कुल वित्तपोषण	शून्य	10 लाख रुपये	10 लाख रुपये

छवि साहनी

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	01	01
कुल वित्तपोषण	शून्य	10 लाख रुपये	10 लाख रुपये

दीपक कुमार गुप्ता

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2022	2022-2024	2023-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	1
कुल वित्तपोषण	**2**	**2**	**1**

दिनेश बागरिया

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**37 लाख रुपये**	**37 लाख रुपये**	**37 लाख रुपये**

गरिमा कच्छावा

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	4	1	1
कुल वित्तपोषण	**33.15 लाख रुपये**	**51.77 लाख रुपये**	**51.77 लाख रुपये**

जुनैद आलम

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**5 लाख रुपये**	**26 लाख रुपये**	**27 लाख रुपये**

10.5_.indd 1325 1/7/2026 1:08:03 PM

कपिल देव सोनी

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**33 लाख रुपये**	**33 लाख रुपये**	**33 लाख रुपये**

केशव गोयल

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	1
कुल वित्तपोषण	**60 लाख रुपये**	**60 लाख रुपये**	**35 लाख रुपये**

मोहम्मद कौसर

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**4.50 लाख रुपये**	**15.40 लाख रुपये**	**15.40 लाख रुपये**

नरेंद्र चौधरी

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	02	01	01
कुल वित्तपोषण	**13.25 लाख रुपये**	**8.50 लाख रुपये**	**10 लाख रुपये**

नवदीप सोखल

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	शून्य	1
कुल वित्तपोषण	**63 लाख रुपये**	**शून्य**	**8.50 लाख रुपये**

नीरज कुमार

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	1	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**77.22 लाख रुपये**	**7.72 लाख रुपये**

10.5_.indd 1326 1/7/2026 1:08:03 PM

निष्ठा चावला

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	-	1	1
कुल वित्तपोषण	**-**	**रुपये6.20 लाख**	**रुपये6.20 लाख**

पूर्वा माथुर

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	5	5	6
कुल वित्तपोषण	**7.47 लाख रुपये**	**7.66 लाख रुपये**	**573.59 लाख रुपये**

ऋचा अग्रवाल

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**81.50 लाख रुपये**	**81.50 लाख रुपये**	**81.50 लाख रुपये**

रिनिकी सरमा

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	1	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**10 लाख रुपये**	**10 लाख रुपये**

शर्मिष्ठा पाठक

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	1	1
कुल वित्तपोषण	**शून्य**	**10 लाख रुपये**	**10 लाख रुपये**

सौमिता बागची

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	37	3	4
कुल वित्तपोषण	**12 लाख रुपये**	**12 लाख रुपये**	**12 लाख रुपये**

10.5_.indd 1327 1/7/2026 1:08:03 PM

सूर्य श्री कृष्ण गौर

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	-	1	1
कुल वित्तपोषण		**85.22 लाख रुपये**	**85.22 लाख रुपये**

सुवाशिष दाश

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	0	0	3
कुल वित्तपोषण	**0**	**0**	**94 लाख रुपये**

विवेक त्रिखा

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	शून्य	शून्य	1
कुल वित्तपोषण	**–**	**–**	**2.70 लाख रुपये**

युद्धवीर सिंह

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	1	1	1
कुल वित्तपोषण	**4.39 लाख रुपये**	**4.39 लाख रुपये**	**4.39 लाख रुपये**

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 204 **सार: 17** **पुस्तक में अध्याय: 34**
पुस्तकें और मोनोग्राफ: 03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**309**	**273**	**258**
पत्रिकाओं में लेख	265	242	204
सार	10	09	17
पुस्तकों में अध्याय	32	21	34
पुस्तकें	02	01	03

10.5_.indd 1328 1/7/2026 1:08:03 PM

रोगी उपचार

ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. अस्पताल सांख्यिकी रिपोर्ट: वर्ष 2024-2025

कुल रोगी बिस्तर क्षमता: 259

तालिका संख्या 01: बिस्तर वितरण (वर्ष 2024-2025)

वर्ग	वर्ष 2024-2025 में बिस्तरों की संख्या
सामान्य बिस्तर	172
आईसीयू बेड	60
प्राइवेट वार्ड बिस्तर	21
एचडीयू बेड	06
कुल बिस्तर	**259**

तालिका संख्या 02: विशिष्टता बिस्तर वितरण (वर्ष-2024-2025)

विभाग	वर्ष 2024-2025 में बिस्तरों की संख्या
अस्थि रोग बेड	60
टीएससीसी बेड	55 (5 बेड पीआरएस सहित)
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा बेड	89 (आईसीयू बेड सहित)
प्राइवेट बिस्तर	21
अन्य (आपदा + ईएचएस + एमएस पूल + सामान्य आईसीयू)	34
कुल बिस्तर	259

तालिका संख्या: 03 अस्पताल प्रदर्शन सूचकांक: (वर्ष 2024-2025)

पैरामीटर	वर्ष 2024-2025	अनुमान
उपचार के कुल दिवस	73819	अस्पताल संसाधन के उचित एवं बेहतर उपयोग को दर्शाता है
अस्पताल में रहने की औसत अवधि	10.62 दिन	नियमित रूप से एडमिशन बिस्तरों के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है
औसत बिस्तर अधिभोग दर	78.09%	इष्टतम बिस्तर अधिभोग इंगित करता है.
बिस्तर टर्नओवर दर	2.24 पॉइंट/बेड	अस्पताल के बिस्तरों की उच्च उत्पादकता को दर्शाता है।

10.5_.indd 1329 1/7/2026 1:08:03 PM

पैरामीटर	वर्ष 2024-2025	अनुमान
सकल मृत्यु दर	4.79%	यह कम मृत्यु दर को दर्शाता है, इस तथ्य के बावजूद कि अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की काफी बड़ी संख्या भर्ती थे।

तालिका संख्या: 04 सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन: वर्ष 2024-2025

क्र. सं.	वर्ग	वर्ष 2024-2025
1.	**कुल भर्ती रोगी**	**7379**
	नियमित	**7365**
	अल्प	**014**
	क वयस्क	**6774**
	ख बच्चे एवं नवजात शिशु	**605**
2.	**डिस्चार्ज किए गए रोगी (लामा, फरार, अनुरोध पर डिस्चार्ज तथा मृत्यु सहित)**	**6950**
	क. वयस्क	**6386**
	ख. बच्चे एवं नवजात शिशु	**564**
	उपचार के कुल दिवस	**73819**
	नियमित रोगियों के अस्पताल में रहने की औसत अवधि (दिन)	**10.62**
	ईडी में रोगियों की दैनिक औसत संख्या (दैनिक जनगणना के अनुसार)	**166.08**
	दुर्घटना/ईडी में कुल उपस्थिति	**60619**
	क. वयस्क (ईडी)	**54443**
	ख. बच्चे और नवजात शिशु (ईडी)	**6158**
3.	ग. अन्य (वयस्क)	**0018**
	औसत बिस्तर अधिभोग	**78.09%**
	कुल अस्पताल में भर्ती रोगियों की मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	**824**
	टीसी में पंजीकृत कुल मौतों की संख्या	**492**
	क. 48 घंटे से कम समय में हुई मौतें	**167**
	ख. 48 घंटों में हुई मौतें	**325**

10.5_.indd 1330 1/7/2026 1:08:03 PM

क्र. सं.	वर्ग	वर्ष 2024-2025
4.	कुल ईडी मृत्यु (मृत लाए गए + दिसंबर में मृत्यु)	**332+96=428**
	कुल पंजीकृत मौतें (बीडी+डीडी सहित)	**824**
	ग. सकल मृत्यु दर (%)	**7.08%**
	घ. सकल मृत्यु दर (%)	**4.79%**
5.	विशेष क्लीनिकों सहित ओपीडी उपस्थिति	**56957**
	नए मामले	**21565**
6.	पुराने मामले	**35392**

तालिका संख्या: 05 - ट्रॉमा केंद्र में विभागवार प्रवेश: वर्ष 2024-2025

विभाग	भर्ती		उपचार के कुल दिन		नियमित एडमिशन की औसत अवधि (दिनों में)
	नियमित	थोड़ा	डिस्चार्ज	उपचार के दिन	
अस्थि रोग	2765	06	2768	22493	08.13
टीएससीसी (शल्य चिकित्सा)	2266	06	2213	26229	11.85
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	2314	01	1939	24642	12.71
पीआरएस	19	00	29	454	15.66
दर्द	01	01	01	01	01.00
कुल	**7365**	**14**	**6950**	**73819**	**10.62**
	7379				

तालिका संख्या: 06 ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में लिंग-वार रोगियों का प्रवेश: वर्ष 2024-2025

वर्ग	2024-2025	विशिष्टता	एम	एफ	अन्य	मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य	एफसीएच	कुल
पुरुष	5353	अस्थि रोग	1927	736	00	071	037	2771
महिला	1420	टी/एस	1767	326	01	107	072	2273
अन्य	001	एन/एस	1646	355	00	204	110	2315

10.5_.indd 1331 1/7/2026 1:08:03 PM

वर्ग	2024-2025	विशिष्टता	एम	एफ	अन्य	मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य	एफसीएच	कुल
बालक	385	पीआरएस	013	01	00	03	01	018
बालिका	220	दर्द	00	02	00	00	00	002
कुल	**7379**	**कुल**	**5353**	**1420**	**01**	**385**	**220**	**7379**

तालिका संख्या: 07. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में रोगियों के प्रवेश का राज्यवार वितरण: वर्ष 2024-2025

राज्य	दिल्ली	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	पंजाब	राजस्थान	गुजरात	आंध्र प्रदेश	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	उत्तराखंड
2024-2025	4192	1598	821	16	82	04	5	74	05	00
राज्य	हिमाचल प्रदेश	बीआर	झारखंड	जम्मू और कश्मीर	पश्चिम बंगाल	उड़ीसा	तमिलनाडु	अन्य राज्य अमेरिका	विदेश देश	कुल
वर्ष 2024-2025	06	314	30	18	51	12	03	146	02	7379

तालिका संख्या 08 विभागवार निर्वहन वितरण

विभाग	वर्ष 2024-2025
अस्थि रोग	**2768**
टीएससीसी/शल्य चिकित्सा	**2213**
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	**1939**
पीआरएस	**029**
दर्द	**01**
कुल	**6950**

तालिका संख्या 9 रोगियों के डिस्चार्ज का लिंगवार वितरण

वर्ग	2024-2025	विशिष्टता	एम	एफ	एम.सीएच	एफ.सीएच	कुल
पुरुष	5064	अस्थि रोग	1931	725	74	38	2768
महिला	1322	टी/एस	1733	302	107	71	2213
बालक	367	एन/एस	1379	290	183	87	1939
बालिका	197	पीआरएस	21	04	03	01	029

10.5_.indd 1332 1/7/2026 1:08:03 PM

वर्ग	2024-2025	विशिष्टता	एम	एफ	एम.सीएच	एफ.सीएच	कुल
अन्य	00	दर्द	00	01	00	00	01
कुल	**6950**	**कुल**	**5064**	**1322**	**367**	**197**	**6950**

तालिका संख्या 10: विभागवार औसत ठहरने की अवधि (एएलओएस) (दिन)

विभाग	वर्ष 2024-2025
अस्थि रोग	08.13
टीएस एवं सीसी/ (शल्य चिकित्सा)	11.85
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	12.71
पीआरएस	15.66
पीड़ा	01.00
कुल	**10.62**

तालिका संख्या 11: ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में विभागवार मृत्यु के आंकड़े: वर्ष 2024-2025

विभाग	छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के भीतर हुई मौतें	48 घंटे के बाद हुई मौतें	सकल मृत्यु दर % में	सकल मृत्यु दर % में
अस्थि रोग	2768	17	03	014	0.61%	0.51%
टीएससीसी (शल्य चिकित्सा)	2213	71	19	052	3.21%	2.37%
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	1939	307	49	258	15.83%	13.65%
पीआरएस	29	01	00	01	3.45%	-
पीड़ा	01	00	00	00	-	-
ईडी	53240	96	96	00	0.18%	
ई.डी= बी.डी+डी. मृत्यु	-	51 = 45 बीडी 06 428 = 332 बी 096 ईडी	-	-	-	-

10.5_.indd 1333 1/7/2026 1:08:03 PM

विभाग	छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के भीतर हुई मौतें	48 घंटे के बाद हुई मौतें	सकल मृत्यु दर % में	सकल मृत्यु दर % में
टीसी में हुई मौतें	-	492 = 396 डब्ल्यूडी 096 ईडी	167 = 71 डब्ल्यूडी 96ईडी	325	-	-
टीसी में पंजीकृत कुल मौतें	-	824 = 332 बीडी 396 डब्ल्यूडी 096 ईडी	167	325	-	-
कुल	6950	492	167	325	7.08%	4.79%
		कुल पंजीकृत मृत्यु: 824 = पुरुष 652 + महिला 120 + बालक 33 + बालिकाएँ 18 अन्य 01				

तालिका संख्या: 12 कुल मृत्यु पंजीकृत: वर्ष 2024-2025

माह	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	अन्य	कुल	मृत लाए गए	टीसी में कुल मौतें	दैनिक औसत मृत्यु रिपोर्ट
2024-2025	652	120	33	18	01	824	332	824-332 = 492	824/365=2.26

तालिका संख्या: 13 अस्पताल महत्वपूर्ण संकेतक: वर्ष 2024-2025

माह	48 घंटे से कम समय में मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में मृत्यु	टीसी में हुई कुल मौतें	सकल मृत्यु दर%	सकल मृत्यु दर%	बीओआर%	एएलओएस (दिन)	बीटीओआर /बिस्तर	दैनिक औसत ईडी रोगी उपस्थिति	दैनिक औसत एफओपीडी उपस्थिति
2024-2025	167	325	492	7.08%	4.79%	78.09%	10.62	2.24	60619/365 = 166.08	56957/295 = 193.07

तालिका संख्या: 14 वर्ष 2024-2025 में की जाने वाली शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

विभाग	बड़ी	छोटी	कुल	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
अस्थि रोग	3310	135	3445	2461	804	120	60	3445
टीएससीसी (शल्य चिकित्सा)	2443	36	2479	1897	326	160	96	2479

10.5_.indd 1334 1/7/2026 1:08:03 PM

विभाग	बड़ी	छोटी	कुल	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	1538	24	1562	1094	229	171	68	1562
पीआरएस	47	2	49	42	02	02	03	049
कुल	**7338**	**197**	**7535**	**5494**	**1361**	**453**	**227**	**7535**

तालिका संख्या: 15 किए गए ऑपरेशन का लिंगवार वितरण: (वर्ष 2024-2025)

वर्ग	वर्ष 2024-2025
पुरुष	5494
महिला	1361
बालक	0453
बालिका	0227
कुल	**7535**

तालिका संख्या: 16 माइनर ओटी डाटा एफओपीडी ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. (वर्ष 2024-2025)

विशिष्टता	विभाग/प्रभाग क्र.सं.	छोटे मामले	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	03	2400	1769	370	210	51	2400
अस्थि रोग	01	5009	3678	824	376	131	5009
फ्रेजिलिटी फ्रैक्चर संपर्क सेवा (अस्थि रोग)	01ए	237	128	88	14	07	237
टीएससीसी (शल्य चिकित्सा)	02	5007	3794	543	499	171	5007
ओरल एवं मैक्सिलो फेशियल शल्य चिकित्सा (टीएससीसी)	02बी	3507	2601	386	396	124	3507
एम्प्यूटेशन क्लिनिक (टीएससीसी)	02ए	505	385	53	42	25	505
मूत्र रोग विज्ञान		209	190	14	04	01	209
संवेदनाहरण पीएसी		11	10	01	00	00	11

10.5_.indd 1335 1/7/2026 1:08:04 PM

विशिष्टता	विभाग/प्रभाग क्र.सं.	छोटे मामले	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
पीआरएस		1020	772	102	99	47	1020
चेस्ट ट्रॉमा		110	94	08	06	02	110
कुल		**18015**	**13421**	**2389**	**1646**	**559**	**18015**

तालिका संख्या: 17 माइनर ओटी डाटा आपात चिकित्सा विभाग (पीला+हरा ट्राइएज) वर्ष 2024-2025

मामले का प्रकार	बड़े मामले	छोटे मामले	कुल मामले
टांके	-	12980	12980
ड्रेसिंग	-	7951	7951
कुल योग		**20931**	**20931**

तालिका संख्या: 17 क ईडी प्लास्टर ओटी/कमरा वार्षिक डाटा (लाल + पीला + हरा ट्राइएज) वर्ष 2024-2025

प्लास्टर कास्ट का प्रकार	प्लास्टर कास्ट/स्लैब लागू	प्लास्टर कास्ट/स्लैब निकाला गया	कुल मामले
ऊपरी अंग	5999	207	6206
निचला अंग	5442	247	5689
चेस्ट ब्रेस	2396	00	2396
कुल योग	**13837**	**454**	**14291**

तालिका संख्या: 18 एफओपीडी डाटा पर माइनर ओटी का लिंगवार वितरण (वर्ष 2024-2025)

वर्ग	वर्ष 2024-2025
पुरुष	**13421**
महिला	**2389**
बालक	**1646**
बालिका	**559**
अन्य	**00**
कुल	**18015**

10.5_.indd 1336 1/7/2026 1:08:04 PM

तालिका संख्या: 19 एफओपीडी क्लीनिकों में रोगियों की उपस्थिति: (वर्ष 2024-2025)

विभाग	विभाग/प्रभाग क्र.सं.	नए मामले	पुराने मामले	कुल मामले
अस्थि रोग	01	11692	19362	31054
टीएससीसी (शल्य चिकित्सा)	02	4256	4784	9040
मुख एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	02बी	1649	1574	3223
तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	03	2825	6343	9168
मूत्र रोग विज्ञान	02सी	068	391	0459
मनोचिकित्सा	-	186	705	891
दर्द और पीएसी	-	61	46	107
एम्प्यूटेशन	-	157	648	805
तंत्रिका पीएसी	-	35	416	451
एफएफएलएस	-	217	694	911
चेस्ट ट्रॉमा क्लिनिक	-	419	429	848
कुल		**21565**	**35392**	**56957**
दैनिक औसत रोगी उपस्थिति		**21565/295 = 73.10**	**25392/295 = 119.97**	**56957/295 = 193.07**

तालिका संख्या: 19क क्लिनिक/यूनिट और लिंगवार एफओपीडी डाटा: वर्ष 2024-2025

क्रम सं.	विशिष्टता	यूनिट	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
01	तंत्रिका शल्य-चिकित्सा	नए	1923	497	264	141	2825
		पुराने	4668	1033	447	195	6343
		कुल	6591	1530	711	336	9168
02	मुख एवं एमएफएस (ओएमएस)	नए	1199	228	138	84	1649
		पुराने	1322	178	51	23	1574

10.5_.indd 1337 1/7/2026 1:08:04 PM

क्रम सं.	विशिष्टता	यूनिट	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
		कुल	2521	406	189	107	3223
03	अस्थि रोग-क	नए	3493	1417	484	207	5601
		पुराने	6232	2205	611	226	9274
		कुल	9725	3622	1095	433	14875
04	अस्थि रोग-ख	नए	3626	1787	430	248	6091
		पुराने	6672	2578	541	297	10088
		कुल	10298	4365	971	545	16179
05	मनोचिकित्सा क्लिनिक	नए	144	33	06	03	186
		पुराने	587	107	04	07	705
		कुल	731	140	10	10	891
06	ट्रॉमा शल्य चिकित्सा एवं गहन उपचार एकक 1 और 2	नए	3158	679	278	141	4256
		पुराने	3816	651	188	129	4784
		कुल	6974	1330	466	270	9040
07	मूत्ररोग विज्ञान	नए	051	13	02	02	68
		पुराने	337	41	10	03	391
		कुल	388	54	12	5	459
8	दर्द एवं पीएसी	नए	45	16	00	00	61
		पुराने	36	09	01	00	46
		कुल	81	25	1	0	107
9	एम्प्यूटेशन क्लिनिक	नए	128	18	08	03	157
		पुराने	522	76	26	24	648
		कुल	650	94	34	27	805
10	ट्रॉमा अस्थि रोग - 'क' एफएफएलएस	नए	77	138	02	00	217

10.5_.indd 1338 1/7/2026 1:08:04 PM

क्रम सं.	विशिष्टता	यूनिट	पुरुष	महिला	बालक	बालिकाएँ	कुल
		पुराने	196	498	00	00	694
		कुल	273	636	2	0	911
11।	तंत्रिका संवेदनाहरण पीएसी क्लिनिक	नए	27	03	03	02	035
		पुराने	321	63	23	09	416
		कुल	348	66	26	11	451
12	चेस्ट ट्रॉमा क्लिनिक	नए	334	66	15	04	419
		पुराने	349	77	02	01	429
		कुल	683	143	17	05	848
	कुल योग		39263	12411	3534	1749	56957

तालिका संख्या: 20 आपातकालीन विभाग में उपस्थित रोगियों की कुल संख्या: (वर्ष 2024-2025)

वर्ग	वर्ष 2024-2025
ईडी में कुल रोगी उपस्थिति	60619
दैनिक औसत रोगी ईडी उपस्थिति	166.08
भर्ती की कुल संख्या (आईपीडी)	7379
प्रतिदिन औसत भर्ती (आईपीडी)	20.22
भर्ती की औसत अवधि (दिन)	10.62
अनुवर्ती एफओपीडी मामलों की कुल संख्या	56957
दैनिक औसत रोगी एफओपीडी उपस्थिति	56957/295 = 193.07

तालिका संख्या: 21 ईडी रोगियों का लिंगवार वितरण: (वर्ष 2024-2025)

वर्ग	वर्ष 2024-2025
पुरुष	40156
महिला	14287
अन्य	018
बालक	3929

10.5_.indd 1339 1/7/2026 1:08:04 PM

वर्ग	वर्ष 2024-2025
बालिका	2229
अन्य	00
कुल	**60619**

तालिका संख्या: 22 ईडी में मेडिकोलीगल मामलों का वितरण: वर्ष 2024-2025

वर्ग	वर्ष 2024-2025
एमएलसी	34715 (57.27%)
गैर-एमएलसी	25904 (42.73%)
कुल	**60619**

तालिका संख्या: 23 आपात चिकित्सा विभाग, रोगियों का ट्राइएज-वाइज विवरण: वर्ष 2024-2025

वर्ग	वर्ष 2024-2025
लाल	5603 (9.24%)
पीला	33128 (54.65%)
हरा	21712 (35.82%)
काला	0124 (0.20%)
अन्य (ओपीडी, आरडी)	038 (0.06%)
शरीर दान	014 (0.02%)
कुल	**60619**

तालिका संख्या: 24 राज्यवार ईडी रोगी उपस्थिति वितरण ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

राज्य	दिल्ली	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	पंजाब	राजस्थान	गुजरात	आंध्र प्रदेश	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	उत्तराखंड
डाटा	49634	4875	3107	46	462	16	28	201	46	00
राज्य	**हिमाचल प्रदेश**	**बैंगलौर**	**झारखंड**	**जम्मू और कश्मीर**	**पश्चिम बंगाल**	**उड़ीसा**	**तमिलनाडु**	**अन्य राज्य**	**विदेशी**	**कुल**
डाटा	50	1167	108	55	179	45	31	543	26	60619

उपर्युक्त के अतिरिक्त, एमआरएस ने निम्नलिखित सेवाएं भी प्रदान कीं:
एलआईसी मामले का निपटान - 53, आरटीआई आवेदन - 60, पुलिस अनुरोध -2253 (डिस्चार्ज समरी), पुलिस अनुरोध (एक्स-रे) - 3345, अनुसंधान उद्देश्य हेतु फाइल पुनर्प्राप्ति - 1610, जनसांख्यिकीय रोगी

10.5_.indd 1340 1/7/2026 1:08:04 PM

रिकॉर्ड सुधार (ईडब्ल्यूडी) - 761, ऑनलाइन/ऑफलाइन (हार्डकॉपी) एनडीएमसी जन्म/मृत्यु जानकारी - 824 मामले।

कुल न्यायालयीन सम्मनों पर उपस्थिति - 1929, केवल एमआरटी वाले चिकित्सकों द्वारा उपस्थिति -1548, केवल एमआरटी द्वारा उपस्थिति -381, दिल्ली के अंतर्गत -1616, दिल्ली के बाहर - 313, चिकित्सकों की नियुक्ति 229, चिकित्सकों का बेबाकी पत्र 137, पुलिस की राय -2091, फाइलें पुनः प्राप्ति (ओएसआर) - 619।

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स की वार्षिक लेखापरीक्षा (वित्तीय)

रक्तदान परिसर के आँकड़े

ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स

माह	दाता की जांच की गई	रक्त दाता	प्रतिस्थापन दाता			स्वैच्छिक दाता			इनडोर स्वैच्छिक दाता	आउटडोर स्वैच्छिक दाता शिविर	एसडीपी
			पुरुष दाता	महिला दाता	कुल	पुरुष दाता	महिला दाता	कुल			
अप्रैल 2024	1186	1005	938	8	946	48	8	56	20	36	3
मई 2024	979	823	810	6	816	6	1	7	7	0	0
जून 2024	820	683	622	11	633	40	10	50	9	41	0
जुलाई 2024	1407	1110	1085	15	1100	8	0	8	8	0	2
अगस्त 2024	1172	894	876	10	886	6	0	6	6	0	2
सितंबर 2024	1397	1123	1098	17	1115	8	0	8	8	0	0
अक्टूबर 2024	1232	1007	864	13	877	118	12	130	10	120	0
नवंबर 2024	1411	1145	1009	21	1030	91	22	113	13	100	2
दिसंबर 2024	1258	1023	972	11	983	34	4	38	9	29	2
जनवरी 2025	1162	946	880	4	884	62	0	62	25	37	0
25 फरवरी	986	836	806	4	810	25	0	25	10	15	1
25 मार्च	1282	1043	938	7	945	86	12	98	15	83	0
कुल	**14292**	**11638**	**10898**	**127**	**11025**	**532**	**69**	**601**	**140**	**461**	**12**

10.5_.indd 1341 1/7/2026 1:08:04 PM

जांचे गए रक्तदाताओं की कुल संख्या: 4292

स्वैच्छिक रक्तदान कैम्प की संख्या: 9

कुल रक्तदाताओं की संख्या: 11638

प्रतिस्थापन दाताओं की संख्या: 11025

स्वैच्छिक रक्तदाताओं की संख्या: 601

घटक पृथक्करण प्रयोगशाला के आँकड़े

ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.

माह	तैयार किए गए पैक आरबीसी	तैयार ताजा जमे हुए प्लाज्मा	तैयार प्लेटलेट्स	तैयार क्रायोप्रेसिपिटेट	गुणवत्ता नियंत्रण रक्त और घटक
अप्रैल 2024	1000	1000	924	70	सभी इकाइयों का 1%
मई 2024	821	807	783	4	सभी इकाइयों का 1%
जून 2024	671	655	655	0	सभी इकाइयों का 1%
जुलाई 2024	1090	1017	887	67	सभी इकाइयों का 1%
अगस्त 2024	876	868	777	0	सभी इकाइयों का 1%
सितंबर 2024	1097	1064	916	36	सभी इकाइयों का 1%
अक्टूबर 2024	992	954	846	17	सभी इकाइयों का 1%
नवंबर 2024	1127	1101	933	0	सभी इकाइयों का 1%
दिसंबर 2024	1009	971	844	32	सभी इकाइयों का 1%
जनवरी 2025	925	849	806	70	सभी इकाइयों का 1%
फरवरी 2025	817	755	714	1	सभी इकाइयों का 1%
मार्च 2025	1034	1001	887	16	सभी इकाइयों का 1%
कुल	**11459**	**11042**	**9972**	**313**	

तैयार किए गए पैक्ड आरबीसी की कुल संख्या: 11459

तैयार किए गए ताजा जमे हुए प्लाज्मा की कुल संख्या: 11042

तैयार किए गए प्लेटलेट्स की कुल संख्या: 9972

तैयार किए गए क्रायो की कुल संख्या: 313

10.5_.indd 1342 1/7/2026 1:08:04 PM

संक्रमण मार्कर प्रयोगशाला एवं दाता परामर्श के आँकड़े
ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स

माह	एचाईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	पूर्ण	रिएक्टिव	पूर्ण	रिएक्टिव	पूर्ण	रिएक्टिव	पूर्ण	रिएक्टिव	पूर्ण	रिएक्टिव
अप्रैल 2024	1005	6	1005	4	1005	10	1005	11	1005	0
मई 2024	823	2	823	10	823	12	823	5	823	0
जून 2024	683	2	683	2	683	4	683	9	683	0
जुलाई 2024	1110	6	1110	1	1110	5	1110	20	1110	0
अगस्त 2024	894	5	894	3	894	13	894	9	894	0
सितंबर 2024	1123	3	1123	4	1123	6	1123	19	1123	0
अक्टूबर 2024	1007	9	1007	6	1007	10	1007	11	1007	0
नवंबर 2024	1145	8	1145	2	1145	1	1145	10	1145	0
दिसंबर 2024	1023	5	1023	7	1023	6	1023	7	1023	0
जनवरी 2025	946	2	946	3	946	8	946	10	946	0
फरवरी 2025	836	4	836	6	836	8	836	10	836	0
मार्च 2025	1043	3	1043	13	1043	8	1043	6	1043	0
कुल	**11638**	**55**	**11638**	**61**	**11638**	**91**	**11638**	**127**	**11638**	**0**

एचआईवी रिएक्टिव प्रतिशत: 0.47%

एचबीएसएजी रिएक्टिव प्रतिशत: 0.52%

एचसीवी रिएक्टिव प्रतिशत: 0.78%

सिफलिस रिएक्टिव प्रतिशत: 1.09%

10.5_.indd 1343 1/7/2026 1:08:04 PM

समूही प्रयोगशाला के आँकड़े
ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स
दाता एवं रोगी समूहों की संख्या

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 2024	1005	1332	2337
मई 2024	823	1297	2120
जून 2024	683	1244	1927
जुलाई 2024	1110	1293	2403
अगस्त 2024	894	1108	2002
सितंबर 2024	1123	1205	2328
अक्टूबर 2024	1007	1228	2235
नवंबर 2024	1145	1261	2406
दिसंबर 2024	1023	1163	2186
जनवरी 2025	946	1280	2226
फरवरी 2025	836	1193	2029
मार्च 2025	1043	1328	2371
कुल	**11638**	**14932**	**26570**

कुल दाता समूहीकरण की संख्या: 11638
कुल रोगी समूहीकरण की संख्या: 14932
कुल समूहीकरण की संख्या: 26570

आपातकालीन समस्या काउंटर के आँकड़े
ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स
रोगी के प्राप्त नमूने, किए गए क्रॉस-मैच एवं जारी किए गए रक्त/घटक

माह	जारी किए गए पीआरबीसी की संख्या	जारी एफएफपी	जारी पीआरसी	जारी किए गए क्रायो	जारी एसडीपी
अप्रैल 2024	909	546	680	6	2
मई 2024	1048	564	811	0	0

10.5_.indd 1344 1/7/2026 1:08:04 PM

माह	जारी किए गए पीआरबीसी की संख्या	जारी एफएफपी	जारी पीआरसी	जारी किए गए क्रायो	जारी एसडीपी
जून 2024	955	543	695	40	0
जुलाई 2024	1048	530	619	12	0
अगस्त 2024	1029	570	682	29	2
सितंबर 2024	1065	585	746	68	0
अक्टूबर 2024	1098	575	722	15	0
नवंबर 2024	1138	677	842	71	1
दिसंबर 2024	857	469	614	20	3
जनवरी 2025	981	589	705	38	0
फरवरी 2025	976	680	726	57	0
मार्च 2025	1067	609	722	85	0
कुल	**12171**	**2937**	**8564**	**441**	**8**

ब्लड बैंक, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स

अन्य अस्पताल रक्त बैंकों को जारी किया गया रक्त एवं उसके अवयव
(मुख्य एम्स, ह्.तं.कें., जीबी पंत, एलएनएच, ईएसआई, डॉ. हेडगेवार)

माह	रक्त		एफएफपी		पीआरसी		क्रायो		सीपीपी
	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	प्रभाजन
अप्रैल 2024	81	95	284	20	92	0	0	0	116
मई 2024	138	145	50+379	45	30	117	0	0	21
जून 2024	44	0	100	0	5	0	0	0	0
जुलाई 2024	6	295	320	30	155+2	35	0	0	0
अगस्त 2024	4	101	249	25	90	0	2	0	71
सितंबर 2024	4	40	320	24	75	0	0	0	0
अक्टूबर 2024	17	240	1+388	0	99	23	0	0	46

10.5_.indd 1345 1/7/2026 1:08:04 PM

माह	रक्त		एफएफपी		पीआरसी		क्रायो		सीपीपी
	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	प्रभाजन
नवंबर 2024	32	93	400	55	15	0	0	0	0
दिसंबर 2024	44	0	400	0	80	15	0	0	0
जनवरी 2025	23	65	440	70	20	60	0	0	40
फरवरी 2025	0	105	309	60	30	0	0	0	91
मार्च 2025	0	62	0	60	105	10	0	0	0
कुल	**393**	**1241**	**3640**	**389**	**798**	**260**	**2**	**0**	**385**

अन्य रक्त बैंकों को जारी किए गए पैक्ड आरबीसी की कुल संख्या: 393

जारी किए गए एफएफपी की कुल संख्या: 3640

जारी किए गए प्लेटलेट्स की कुल संख्या: 798

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स में की गई जांचें (1 अप्रैल 2024-31 मार्च 2025 तक)

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक प्रयोगशाला चिकित्सा में की गई कुल जांचें = 16,96,633

1. **रुधिर विज्ञान**

हीमोग्लोबिन	**:** 71,120
एचसीटी	: 71,120
आरबीसी	: 71,120
पीएलटी	: 71,120
टीएलसी	: 71,120
एमवी	: 71,120
एमसीएच	: 71,120
एमसीएचसी	: 71,120
आरडीडब्ल्यू	: 71,120
डीआईएफएफ	: 71,120
पी/एस और एमपी	: 8,187
ईएसआर	: 6,137
रेटिक	: 3569
डेंगू	: 239
कुल	**: 7,29,332**

10.5_.indd 1346 1/7/2026 1:08:05 PM

कॉगुलेशन

पीटी	: 43,412
एपीटीटी	: 43,412
डी-डिमर	: 29
कुल	**: 86,853**

नैदानिक विकृति विज्ञान

यूरिन रूटीन	: 4,221
यूरिन मायोग्लोबिन	: 4,221
यूरिन वसा	: 35
सीएसएफ माइक्रोस्कोपी	: 673
कुल	**: 9,150**

रूधिर विज्ञान अनुभाग में किए गए कुल जांच = 8,25,335

2. **जैव रसायन**

शुगर	: 12915
यूरिया	: 57784
क्रिएटिनिन	: 57783
कैल्शियम	: 57783
फ़ास्फ़रोस	: 57783
यूरिक एसिड	: 57783
सोडियम	: 57783
पोटेशियम	: 57788
टीबीआईएल	: 56998
डीबीआईएल	: 56998
कुल प्रोटीन	: 56887
एल्बुमिन	: 56887
एसजीओटी	: 56887
एसजीपीटी	: 56887
एएलपी	: 56887
कोलेस्ट्रॉल	: 2094
एमाइलेस	: 1656
एचडीएलडी	: 31
एलडीएलडी	: 13
टीजी	: 120
वीएलडीएल	: 110

10.5_.indd 1347 1/7/2026 1:08:05 PM

सी.के.	: 93
सीआरपी	: 6739
एमजी	: 288
लिपेस	: 60
सीके-एमबी	: 88
सीएसएफ शुगर	: 589
सीएसएफ प्रोटीन	: 586
पेरिटोनियल फ्लूएड शुगर	: 01
पेरिटोनियल फ्लूएड एमाइलेज	: 03
एसेटिक फ्लूएड प्रोटीन	: 12
एसेटिक फ्लूएड एमाइलेज	: 12
एसेटिक फ्लूएड शुगर	: 23
प्लूरल फ्लूएड एमाइलेज	: 33
प्लूरल फ्लूएड प्रोटीन	: 28
यूरिन संबंधी स्पॉट सोडियम	: 00
यूरिन संबंधी पोटेशियम	: 00
यूरिन सीए	: 25
यूरिन यूरिया	: 37
यूरिन क्रिएटिनिन	: 132
24 घंटे यूरिन प्रोटीन	: 02
24 घंटे यूरिन शुगर	: 03
24 घंटे यूरिन पी/सी अनुपात	: 00
यूरिन ऑस्मोलैलिटी	: 337
एस. ऑस्मोलैलिटी	: 130
ड्रेन फ्लूएड एमाइलेज	: 66
ड्रेन फ्लूएड क्रिएटिनिन	: 02
लैक्टेट	: 00
एलडीएच	: 53
जिंक:	: 202
आयरन	: 00
फ्लूएड कोलेस्ट्रॉल	: 00
फ्लूएड टीजी	: 00
कुल	**: 8,30,480**
एबीजी	
पीओ2	: 3845

10.5_.indd 1348 1/7/2026 1:08:05 PM

पीसीओ2	: 3845
पीएच	: 3845
एच+	: 3845
पोटेशियम (के)	: 3845
सोडियम (एनए)	: 3845
कैल्शियम (सीए)	: 3845
क्लोरीन	: 3845
कुल	**: 26,915**

जैव रसायन अनुभाग में आयोजित कुल जांचें = 8,57,395

3. **प्रतिरक्षा विज्ञान: -**

क्र.सं.	मार्कर	जाचों की संख्या
1	आईएल-6	1068
2	पीसीटी	3153
3	फेरिटिन	418
4	ट्रोपोनिन-आई	145
5	पीटीएच	354
6	टी3	388
7	टी -4	404
8	टीएसएच	470
9	विटामिन डी	**395**
10	बीएनपी	42
	कुल	**6837**

प्रतिरक्षा विज्ञान अनुभाग में की गई कुल जांचें = 6,837

हिस्टोपैथोलॉजी:-

नमूना	ब्लाक	एच एवं ई	कुल स्लाइड्स
765	1205	1257	1377
कुल: - 4,604			

10.5_.indd 1349 1/7/2026 1:08:05 PM

साइटोविकृति विज्ञान नमूने

क्र.सं.	जाँचें	कुल
1	एच एवं ई	53
2	पीएपी	55
3	एएफबी	09
कुल		**117**

फोरेंसिक

जांच	कुल
मामले	88
नमूना	416
ब्लॉक	872
स्लाइड	969
कुल	**2,345**

हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग में की गई कुल जांचें:-7,066

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक विकिरण विज्ञान में की गई प्रक्रियाओं और अध्ययनों के वार्षिक आँकड़े

सीटी स्कैन	30539
एमआरआई	1929
अल्ट्रासाउंड	39129
इंटरवेंशन प्रक्रियाएं	118
एक्स-रे	
आपातकाल	83939
ओपीडी	18209
वार्ड	1599
पोर्टेबल/बेड-साइड	29696
कुल:	**133443**

10.5_.indd 1350 1/7/2026 1:08:05 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. अभिनव कुमार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पैरामेडिक्स और इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियनों के लिए प्री-हॉस्पिटल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम विकास के लिए संकाय सदस्य थे। दिल्ली मेडिकल काउंसिल, नई दिल्ली की अनुशासन समिति में विशेषज्ञ सदस्य थे। आईसीजीईबी, नई दिल्ली के संस्थागत नैतिक समीक्षा बोर्ड (आईईआरबी) के सदस्य थे। आईआईएसईआर, भोपाल के संस्थागत नैतिक समीक्षा बोर्ड (आईईआरबी) के सदस्य; आईसीएमआर, नई दिल्ली की राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची (एनएलईएम) की उप-समिति (मेडिकल डिस्पोजेबल्स और उपभोग्य सामग्रियों) के सदस्य हैं। अटल इनक्यूबेशन सेंटर-जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय फाउंडेशन फॉर इनोवेशन (एआईसीजेएनयूएफआई-1081) नई दिल्ली के आईबीएससी में बायोसेफ्टी ऑफिसर के रूप में डीबीटी प्रतिनिधि हैं। एम्स पटना, बिहार के ट्रॉमा एंड इमरजेंसी डिपार्टमेंट के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में आमंत्रित वीएमएमसी और एसजेएच, नई दिल्ली में अंतिम एमबीबीएस (सामान्य शल्य चिकित्सा) के व्यावहारिक/ नैदानिक हेतु बाहरी परीक्षक हैं। आईजीआईएमएस, पटना में आपातकालीन और गहन उपचार में फेलोशिप परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे। एनएमसीएच, पटना में एमएस सामान्य शल्य चिकित्सा के सिद्धांत / मौखिक (वीआईवीए) / व्यावहारिक / नैदानिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा शल्य चिकित्सा एंड गहन उपचार (आईएटीएसआईसी) के 6वें डेफिनिटिव शल्य चिकित्सा ट्रॉमा केयर पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स के एडवांस्ड शल्य चिकित्सा स्किल्स फॉर एक्सपोजर इन ट्रॉमा पाठ्यक्रम (एएसएसईटी) का सफलतापूर्वक समापन। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, एनडी में एम्स कैडवेरिक शल्य चिकित्सा स्किल्स ट्रेनिंग (एसीएसएसटी) लैब के सहयोग से 29 मार्च 2025 को निचले अंगों के विकलांगों पर पहली कैडवेरिक कार्यशाला में संकाय सदस्य थे। 17 अक्टूबर 2024 को एंडोसर्ज 2024 और सेल्सी के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन (सेल्सीकॉन 2024) में ब्रेस्ट, एंडोक्राइन और जीआई शल्य चिकित्सा दिवस सत्र में पीजी प्रतिस्पर्धी पेपर और फ्री ओरल पेपर में अध्यक्ष। 18 अक्टूबर 2024 को एंडोसर्ज 2024 और सेल्सी के 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन (सेल्सीकॉन 2024) में मिनिमल एक्सेस शल्य चिकित्सा पर सत्र में अध्यक्ष रहे। 5वें विज्ञान सम्मेलन सह राष्ट्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रतियोगिता (एनबीआरसीओएम 2024) 2 दिसंबर 2024 में पोस्टर प्रस्तुति सत्र में अध्यक्ष थे।

डॉ. अभिषेक सिंह ने नर्सों हेतु केंद्रित गहन चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। संवेदनाहरण विज्ञान नैदानिक फार्माकोलॉजी रिसर्च सोसाइटी की सदस्यता प्राप्त की। बीएमजे केस रिपोर्ट के लिए समीक्षक मान्यता प्राप्त की।

डॉ. आदर्श कुमार जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में मेडिकल रिकॉर्ड्स सेक्शन और मेडिकल सोशल वेलफेयर यूनिट के संकाय प्रभारी थे। वे 21 मई 2024 को एथेंस, ग्रीस में आयोजित इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन- आईएएलएम-2024 के 26वें त्रैवार्षिक सम्मेलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में शामिल हुए। न्याय चिकित्सा के क्षेत्र में दुनिया के इस शीर्ष सम्मेलन में "बाल दुर्व्यवहार" पर सत्र की अध्यक्षता भी की। 28 मार्च 2025 को ग्वालियर में रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान आरएसीई में हालिया प्रगति पर 10वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि रहे। इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के महासचिव चुने गए। इंडियन एकेडमी ऑफ न्याय चिकित्सा के उपाध्यक्ष चुने गए। 10 अगस्त 2024 को नए कानून के कार्यान्वयन के मद्देनजर पोस्टमॉर्टम जांच एवं इसकी जटिलताओं के बारे में जानने के लिए शिमडेगा, झारखंड। 9-10 सितंबर 2024 को भोपाल, मध्य प्रदेश में फोरेंसिक नृविज्ञान की मूल बातें पर कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ थे। पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता में फोरेंसिक विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य-बाहरी विशेषज्ञ रहे। मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल में न्याय चिकित्सा और फोरेंसिक विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य-

10.5_.indd 1351 1/7/2026 1:08:05 PM

बाहरी विशेषज्ञ रहे। सरकारी फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, नागपुर में फोरेंसिक विज्ञान में अध्ययन बोर्ड के सदस्य थे। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और नई दिल्ली परिसरों के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य थे।

डॉ. अमित गुप्ता परिषद सदस्य (एशिया), इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा शल्य चिकित्सा एंड गहन उपचार (आईएटीएसआईसी) - आईएसएस/एसआईसी, 2022-2026 थे। सदस्य विशेषज्ञ समूह - आईएटीएसआईसी डब्ल्यूएचओ संयुक्त ट्रॉमा ऑपरेटिव पाठ्यक्रम फॉर रिसोर्स चैलेंज्ड सेटिंग्स, आवश्यक ट्रॉमा केयर के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के संशोधन के लिए सदस्य विशेषज्ञ समूह रहे। सदस्य: विशेषज्ञ समूह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) - दुर्घटना एवं गंभीर उपचार पर टास्क फोर्स थे। विशेषज्ञ सदस्य, एफएनबी (ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर शल्य चिकित्सा) के लिए एनबीईएमएस मूल्यांकन। महासचिव, एशियन कोलैबोरेशन फॉर ट्रॉमा (एसीटी), नवंबर 2024 - आज तक थे। ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर शल्य चिकित्सा में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एफएनबी) की फैलोशिप के लिए वेबिनार हेतु राष्ट्रीय समन्वयक ट्रॉमा के लिए एशियाई सहयोग अकादमी के अध्यक्ष (एसीटी) दिसंबर 2020-नवंबर 2024 थे। 27 जुलाई 2024 को एम्स, मंगलागिरी में संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के लिए ट्रॉमा एवं आपातकाल के विषय विशेषज्ञ रहे। थोरैसिक एवं थोरैकोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के विषय में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप परीक्षा के लिए परीक्षक थे। 10 अगस्त 2024 को एम्स, जोधपुर में व्यावहारिक परीक्षा। एमएस (ट्रॉमेटोलॉजी एंड शल्य चिकित्सा) प्रैक्टिकल और वाइवा वॉइस के लिए बाहरी परीक्षक 16-17 जनवरी 2025, केजीएमयू, लखनऊ (यूपी)। सदस्य: वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारी पर पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू, 2018 - वर्तमान तक। सदस्य: जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू थे। अतिथि संकाय, परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण कार्यक्रम केंद्र (टीआरआईपीपी), सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली रहे। अतिथि संकाय, ट्रॉमा शल्य चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश।

डॉ. अनंत गुप्ता डीएमए विशिष्ट सेवा पुरस्कार, संक्रामक रोग एव गहन उपचार ब्लॉक के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. के एसपीसी के सदस्य थे। मुख्य अस्पताल के एसपीसी के सदस्य थे। आईआईएम जम्मू हेतु अतिथि व्याख्यान दिया। कोल इंडिया में उपचार कार्यक्रम के लिए अतिथि व्याख्यान दिया। पूर्णकालिक एनएबीएच एसेस्सर। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में स्थान आबंटन समिति के सदस्य थे। मॉड्यूलर ओटी परियोजना में शामिल हुए। यह कार्य ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में 5 और ओटी जोड़ेगा। हाइब्रिड ओटी परियोजना (47 करोड़) में सम्मिलित, वर्तमान में यह निविदा चरण में है। सीएपीएफआईएमएस की खरीद के प्रभारी अधिकारी थे। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में सीबीआरएन सुविधा की योजना और डिजाइन किया। साइट और व्यवहार्यता रिपोर्ट निर्माण। भवन की योजना और डिजाइन। ओपीडी कक्षों को बढ़ाने के लिए ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में ओपीडी की योजना और डिजाइन तैयार किए। ठोस अंग प्रत्यारोपण केंद्र की योजना और डिजाइन जाँच समितियों में शामिल हुए। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में मेडिकल रिकॉर्ड समिति के सदस्य, विभागीय शैक्षिक समिति के सदस्य थे। आउटसोर्सिंग प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी रहे। प्रक्रियाओं का सुव्यवस्थितीकरण किया। बीपीएस के टीएसईसी के सदस्य। आईआईएम जम्मू में अतिथि संकाय थे।

डॉ. अरुलसेल्वी एस आईएबीएस उत्तर क्षेत्र 2024 सम्मेलन के सह-आयोजन सचिव थी।

डॉ. आशीष बिंद्रा इंडियन जर्नल ऑफ संवेदनाहरण पॉडकास्ट में विशेष रुप से शामिल हुए। 18 अक्टूबर 2024 को जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह और विश्व खाद्य दिवस समारोह का आयोजन किया

10.5_.indd 1352 1/7/2026 1:08:05 PM

गया।कार्यकारी सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार; कार्यकारी सदस्य, तंत्रिका-गहन उपचार सोसाइटी ऑफ इंडिया; सोसाइटी फॉर तंत्रिकासाइंस इन संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार (एसएनएसीसी) की शिक्षा समिति के सदस्य थे। ई-शिक्षा के लिए टीम लीडर, तंत्रिका-गहन उपचार सोसाइटी ऑफ इंडिया। जर्नल क्लब समन्वयक, इंडियन सोसाइटी ऑफ तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार रहे। संपादकीय बोर्ड, तंत्रिका विज्ञान इंडिया, जर्नल ऑफ तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार थे। मुख्य अन्वेषक के रूप में अनुदान प्राप्त किया: मध्यम से गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी: बोझ और परिणाम के साथ संबंध, वित्त पोषण एजेंसी: भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, आवंटित धन: रू 58,23,000।

डॉ. असजद महमूद पुणे में डॉ. सचिन एसेटिक के मार्गदर्शन में 2024-2025 के लिए आईएएस-डॉ. गोपालकृष्णन इनलैंड फ़ेलोशिप के लिए चयनित किए गए। एम्स के अस्थि रोग विभाग एवं अस्थि रोग रिसर्च सोसाइटी द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में संकाय के रूप में भाग लिया, जैसे एबीसी ऑफ़ ट्रॉमा 2024, दिल्ली ट्रॉमा कॉन्क्लेव 2024, कैडेवर पाठ्यक्रम ऑन हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी 2024, कैडेवर पाठ्यक्रम ऑन मेनिस्कस रिपेयर 2025, एम्स पेल्वी-एसिटाबुलर ट्रॉमा अपडेट 2025।

डॉ. अतिन कुमार ने 19 अक्टूबर 2024 को कोच्चि में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ तंत्रिकाविकिरण विज्ञान मिड-टर्म सीएमई में डॉ. अनूप मेमोरियल ओरेशन का आयोजन किया गया।2024-2026 के लिए सोसाइटी फॉर इमरजेंसी विकिरण विज्ञान इंडिया के महासचिव चुने गए।

डॉ. बबीता गुप्ता को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा एफएनबी 'ट्रॉमा संवेदनाहरण एवं गहन उपचार' के पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या तैयार करने हेतु विशेषज्ञ के रूप में नामांकित किया गया। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की आचार समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामांकित किया। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान और बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय में अनुसंधान प्रबंध मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक थे। ट्रॉमा के लिए संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। 'जर्नल ऑफ ट्रॉमा संवेदनाहरण, रिससिटेशन एंड गहन उपचार' के मुख्य संपादक के रूप में नामांकित हुए। विश्व स्वास्थ्य संगठन अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्व स्वास्थ्य संगठन मास कैजुअल्टी प्रिपेयरनेस एंड रिस्पांस पाठ्यक्रम पूरा किया और संकाय के रूप में चयनित हुए। सितंबर 2024 में जोधपुर में आयोजित रजिसाकॉन में आईटीएलएस के कार्यशाला निदेशक थे। नवंबर 2024 में आयोजित आईएसए पटना में "एक अभिनव इंटुबैशन प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैचियल इंटुबैशन की सफलता और सुरक्षा को बढ़ाना: एक पायलट परियोजना" पर मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार जीता। सितंबर 2024 में आयोजित कैडवेरिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित रीज़नल संवेदनाहरण कार्यशाला (ऑरा) के लिए कार्यशाला निदेशक एवं आयोजन अध्यक्ष रहे। जनवरी 2025 में आयोजित एओआरए के साथ कैडवेरिक बोर्ड अध्ययन के लिए आयोजन अध्यक्ष थे।

डॉ. बिप्लब मिश्रा सामान्य शल्य चिकित्सा सत्र, वार्षिक दिवस और शल्य चिकित्सा सीएमई के अध्यक्ष थे। शव अनुसंधान के सदस्य, खरीद समिति के सदस्य; तकनीकी विनिर्देश समिति के सदस्य; जर्नल ऑफ कार्डियोथोरेसिक शल्य चिकित्सा के समीक्षक थे। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के समीक्षक; द इजिप्शियन जर्नल ऑफ ब्रोंकोलॉजी के समीक्षक रहे।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 2023-2025 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से 50 लाख रुपये का बड़ा अनुदान प्राप्त हुआ। इंडियन जर्नल ऑफ तंत्रिकाट्रॉमा (आईजेएनटी) के प्रधान संपादक थे। इंडियन सोसाइटी ऑफ

10.5_.indd 1353 1/7/2026 1:08:05 PM

पेरिफेरल नर्व शल्य चिकित्सा के सचिव चुने गए। जेपीएनएस (जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक तंत्रिकासाइंसेज) के प्रधान संपादक चुने गए।

डॉ. दीपक कुमार गुप्ता फरवरी 2025 से भारतीय बाल चिकित्सा तंत्रिका शल्य-चिकित्सा सोसायटी (2025-2027) के अध्यक्ष चुने गए। डोनार्ट एसोसिएशन के सह-अध्यक्ष के रूप में, मेसिना, सिसिली में दान, कला और प्रदर्शनी पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया (सितंबर 2024)। मल्टीडिसिप्लिनरी ट्रॉमा एंड सुपरविशिष्टता केयर एसोसिएशन के अध्यक्ष (2025-2030) थे। मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओटीए), 1994 के प्रावधानों के अनुसार ब्रेन स्टेम डेथ सर्टिफिकेशन पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने में विशेषज्ञ के रूप में तंत्रिकालॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा एनओटीटीओ को अनुशंसित किया। 14वें भारतीय अंग दान दिवस (आईओडीडी) पर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. की ओर से उत्तर क्षेत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ ब्रेन स्टेम डेथ प्रमाणन टीम का पुरस्कार प्राप्त किया - 3 अगस्त 2024। एनएसआई सोसाइटी की ओर से टीबीआई उपचारकर्ताओं के लिए होम केयर मैनुअल के लिए भारत की राष्ट्रपति माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से प्रशंसा प्राप्त की: अप्रैल 2024। भारत के लिए एसबीएससी सुरक्षित बालकनी सुरक्षित बाल पहल का शुभारंभ किया गया। न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के ब्रेन इंजरी इनिशिएटिव के अध्यक्ष (अप्रैल 2024-दिसंबर 2024)। सिर की चोट की रोकथाम हेतु जागरूकता हेतु विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। मेसिना विश्वविद्यालय, सिसिली, इटली (जुलाई-2024)। के.के. वुमन चिल्ड्रन हॉस्पिटल, सिंगापुर (अगस्त-2024)।

डॉ. दिनेश बागरिया ने 21 मई से 30 जून 2024 तक गोल्ड कोस्ट विश्वविद्यालय अस्पताल, गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग फेलोशिप। 24 मई 2024 को गॉड कोस्ट विश्वविद्यालय अस्पताल, गोल्ड कोस्ट में युवाओं में शराब से संबंधित ट्रॉमा की रोकथाम (पार्टी) कार्यक्रम में भाग लिया। 3-5 जून 2024 तक रॉयल ब्रिस्बेन अस्पताल, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में निश्चित शल्य चिकित्सा ट्रॉमा केयर (डीएसटीसी) पाठ्यक्रम में एक अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया। 11-23 जून 2024 तक वेस्टमेड अस्पताल, सिडनी में ट्रॉमा केयर पर पर्यवेक्षक। 24-30 जून 2024 तक रॉयल मेलबर्न अस्पताल में फेफड़े एवं प्यूरल विकृति, शल्य चिकित्सा योजना एवं तकनीकों हेतु वीएटीएस पर पर्यवेक्षक रहे। जीवा रक्षा ट्रस्ट के व्यापक आपातकालीन उपचार एवं जीवन समर्थन (सी-ईसीएलएस) में अध्ययन संस्करण थे।

डॉ. गरिमा कच्छावा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन दिल्ली एनसीआर के अस्पतालों के बीच रेफरल नीति तैयार करने के लिए विशेषज्ञ रहीं। आईसीएमआर के महानिदेशक द्वारा अस्पतालों में एकीकृत आपातकालीन उपचार हेतु विशेषज्ञों के पैनल में रहीं। आईसीएमआर के बाह्य अनुदानों के लिए परियोजना समीक्षा/स्क्रीनिंग समिति के लिए विशेषज्ञों के पैनल में रहीं। आईसीएमआर की तकनीकी सलाहकार समिति की सदस्य थी। एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के लिए आरटीआई के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी थी। एम्स के एसईटी सुविधा में वेट लैब समिति और रोबोटिक प्रशिक्षण की सदस्य थी। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में स्टाफ नर्स/परामर्शदाता, आहार विशेषज्ञ/सांख्यिकीविद्/अध्ययन समन्वयक, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, फिजियोथेरेपिस्ट/फार्माकोलॉजिस्ट की भर्ती के लिए चयन समिति की सदस्य रही। डीजीईएस (दिल्ली गायनोकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट सोसाइटी) के कार्यकारी सदस्य थी। एम्स, नई दिल्ली में एमडी (प्रसूति एवं स्त्री रोग) के लिए आंतरिक परीक्षक थी। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के स्टाफ सदस्य की एसीआर के रिपोर्टिंग अधिकारी। खरीद संबंधी निर्णय लेने के लिए स्टोर खरीद समिति (एसपीसी) की सदस्य रही।

10.5_.indd 1354 1/7/2026 1:08:05 PM

डॉ. ज्ञानिंदर पाल सिंह "इंडियन सोसाइटी ऑफ तंत्रिकासंवेदनाहरण विज्ञान एंड गहन उपचार" (आईएसएनएसीसी) की शिक्षा समिति के अध्यक्ष थे। थीसिस मूल्यांकन: एमडी और डीएम थीसिस - पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ किया। डीएम और पीएचडी थीसिस - जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी किया। एमडी थीसिस - गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली। एमडी थीसिस - पीजीआईएमएस, रोहतक।

डॉ कामरान फ़ारूक़ को 13 अप्रैल 2024 को एरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित 'दिल्ली स्पाइन सोसाइटी कॉन्फ्रेंस- डीएसएससीओएन 2024' में 'संक्रमित टूटे हुए इम्प्लांट- निकालने में कठिन रणनीतियाँ' विषय पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। 11 अगस्त 2024 को हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली अस्थि रोगपेडिक एसोसिएशन मिडकॉन में 'इंटरट्रोकैनटेरिक फीमर फ्रैक्चर में कमी एवं स्थिरीकरण के लिए टिप्स और ट्रिक्स' विषय पर मुख्य संकाय व्याख्यान प्रस्तुत किया। 27 अक्टूबर 2024 को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय स्पाइन एंड मेरूदंड इंजरीज़ कॉन्फ्रेंस- आईएसएसआईसीओएन 2024' में "स्पाइन शल्य चिकित्सा में लैमिनेक्टॉमी/ऑस्टियोटॉमी के लिए अल्ट्रासोनिक स्केलपेल बनाम कन्वेंशनल तरीके- कौन सा सर्वोत्तम लाभ प्रदान करता है" विषय पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित थे। 23 नवंबर 2024 को भारतीय मेरूदंड इंजरीज़ सेंटर, नई दिल्ली में 'आईएसआईसी स्पाइन पाठ्यक्रम 2024' में 'थोराकोलम्बर ट्रॉमा' पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। 18 जनवरी 2025 को बेंगलुरु, कर्नाटक में 'एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ इंडिया- एएसएसआईसीओएन 2025' में 'स्पाइन ट्रॉमा' पर पैनल चर्चा के लिए संकाय थे। 09 फरवरी 2025 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में 'रोड अहेड 2025' में 'ट्रॉमा ओवरव्यू' पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। 9 मई 2024 को एम्स, नई दिल्ली में स्पाइन फेलोशिप परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में नामित किया गया। 28 सितंबर 2024 को एम्स, ऋषिकेश में एपीएस के तहत संकाय की पदोन्नति के लिए चयन समिति की बैठक के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। 27 नवंबर 2024 को एम्स, विजयपुर, जम्मू में ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन की विशेषता में संकाय के चयन के लिए विषय मद विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। 30 नवंबर 2024 को एम्स, ऋषिकेश में पीजी (एमडी/एमएस) अस्थि रोग प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। 18 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में स्पाइन शल्य चिकित्सा परीक्षा में फेलोशिप के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। 29-30 जनवरी 2025 को जीएमसी (गांधी मेडिकल कॉलेज), भोपाल में एमएस अस्थि रोग परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। 07 मार्च 2025 को एम्स, देवघर, झारखंड में अस्थि रोग में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के लिए विषय मद विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया 3 अगस्त 2024 को अस्थि रोगपेडिक रिसर्च सोसाइटी द्वारा द ललित होटल, नई दिल्ली में आयोजित 'हिप स्पाइन रिलेशनशिप: डिकोडेड' सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। 9-10 अगस्त 2024 को अस्थि रोगपेडिक रिसर्च सोसाइटी और सोसाइटी ऑफ पेल्वी-एसिटेबुलर सर्जन द्वारा ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 'एबीसी ऑफ ट्रॉमा' एम्स बेसिक पाठ्यक्रम ऑफ ट्रॉमा के आयोजन अध्यक्ष थे। 4-5 अक्टूबर 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 'डब्ल्यूएचओ अकादमी- मास कैजुअल्टी मैनेजमेंट ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स पाठ्यक्रम' के अध्यक्ष रहे। 24 मार्च 2025 को द रॉयल बॉलरूम, द इंपीरियल, नई दिल्ली में एमचैम इंडिया द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी इंटरवेंशन पर सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. कपिल देव सोनी ने इन-हाउस चिकित्सकों एवं नर्सों के लिए गहन उपचार में कई शैक्षिक और क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें मैकेनिकल वेंटिलेशन, नर्स शिक्षा, अनुसंधान के मूल सिद्धांत और विश्लेषणात्मक कौशल पर कार्यशालाएं शामिल हैं। कोच्चि में क्रिटिकेयर 2025 में राष्ट्रपति प्रशस्ति पत्र पुरस्कार प्राप्त किया-आईएससीसीएम के अध्यक्ष द्वारा आईएससीसीएम को अमूल्य समर्थन

10.5_.indd 1355 1/7/2026 1:08:05 PM

के लिए स्वीकार किया गया और सम्मानित किया गया। गहन उपचार चिकित्सा विशेषता के लिए पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के तहत एक विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। एनबीई के तहत डीएनबी गहन उपचार चिकित्सा की पात्रता के लिए गहन उपचार चिकित्सा विभागों के निरीक्षण हेतु बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। इंडियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार चिकित्सा के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने में ग्रेड विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त इंडियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार चिकित्सा के अंतर्गत गहन उपचार कम्युनिकेशन 2024 के संपादकीय बोर्ड के सदस्य नियुक्त थे। इंडियन सोसाइटी ऑफ गहन उपचार चिकित्सा (आईएससीसीएम) में गहन उपचार अल्ट्रासाउंड फेलोशिप के लिए संकाय सदस्य के रूप में निरंतर कार्यरत रहे। एम्स जोधपुर में थीसिस मूल्यांकन के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। चेस्ट, मेडिसिन®, इंडियन जर्नल ऑफ गहन उपचार चिकित्सा, पीएलओएस वन, इंजरी, बीएमजे ओपन, इंडियन जर्नल ऑफ संवेदनाहरण, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफेक्शियस डिजीज, जर्नल ऑफ इमरजेंसी, ट्रॉमा जैसी पत्रिकाओं के समीक्षा बोर्ड के सदस्य हैं।

डॉ. केशव गोयल को अप्रैल 2024 में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीएपीआईओ) की मानद फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। चौथे भारतीय तंत्रिका-गहन उपचार सोसाइटी (एनसीएसआई) के राष्ट्रीय सम्मेलन में शैक्षणिक गतिविधियों के लिए राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2024 में मलेशिया के सारावाक में आयोजित एशिया पैसिफिक तंत्रिकागहन उपचार सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। जनवरी 2025-2026 में नई दिल्ली में आयोजित सीआरईएसटी तंत्रिका विज्ञान कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर। डीएम उम्मीदवारों (पीजीआईएमईआर, नीमहंस) एवं एमडी उम्मीदवारों (आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल, सफदरजंग अस्पताल, पीजीआईएमईआर, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, दिल्ली) के लिए थीसिस एसेस्सर किया गया। एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के लिए मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। जनवरी 2025 में एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के लिए दीनदयाल मेमोरियल हेल्थ साइंसेज एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा (मध्य प्रदेश) के विशेषज्ञ के रूप में संकाय चयन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। एक्यूट तंत्रिका केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक एवं राष्ट्रीय समन्वयक थे। आयोजन समिति का हिस्सा और क्षमता निर्माण के लिए भारत भर के विभिन्न शहरों (हरियाणा (गुरुग्राम), केरल (कोट्टायम), महाराष्ट्र (वर्धा, लातूर) में शारीरिक एएनसी का आयोजन किया। नैदानिक तंत्रिका विज्ञान और तंत्रिका शल्य-चिकित्सा और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड पुल्मोनरी मेडिसिन के समीक्षक। तंत्रिका गहन उपचार सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) के कोषाध्यक्ष चुने गए। 2024 में मलेशिया के सारावाक में आयोजित एशिया पैसिफिक तंत्रिकागहन उपचार सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। नई दिल्ली 2025-2026 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर सीआरईएसटी तंत्रिका विज्ञान कॉन्क्लेव। मार्च 2018 में क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, यूएसए में तंत्रिका विज्ञान गहन उपचार और तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान में विजिटिंग प्रेसेप्टरशिप से सम्मानित ईएनएलएस प्रशिक्षक: पुनः प्रमाणित थे। एएनसी प्रशिक्षक और पाठ्यक्रम निदेशक। बीईसीसी प्रशिक्षक और पाठ्यक्रम निदेशक। एसएनएसीसी, यूएसए की प्रशिक्षु सहभागिता समिति के सदस्य रहे। आईजेए, आईजेसीसीएम, जेएनएसीसी, जेओएसीपी, बीजेए केस रिपोर्ट, तंत्रिका शल्य-चिकित्सा रिव्यू के समीक्षक हैं।

डॉ. मोहम्मद कौसर आपदा उपचार प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित "अस्पताल सुरक्षा और आपदा लचीलेपन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में चिकित्सकों और अस्पताल इंजीनियरों की क्षमता निर्माण" परियोजना के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य थे। मुख्य अस्पताल में दवा, रसायन और क्रिस्टलॉयड स्टोर के प्रभारी अधिकारी थे।

10.5_.indd 1356 1/7/2026 1:08:05 PM

1564 दवाओं के लिए आरसी को अंतिम रूप दिया गया जिससे बेहतर उपलब्धता और कम स्थानीय खरीद हुई। 1000 से अधिक दवाओं के लिए निविदा जारी है। निविदा प्रक्रिया में सुधार से टर्नअराउंड समय 18 महीने से घटकर औसतन आठ महीने रह गया है। प्रतिबंधात्मक धाराओं को हटाने के लिए निविदा शर्तों में संशोधन किया गया। ईडीएल उप-समिति के सदस्य थे। एलपी ई-मॉड्यूल विकास और प्रशिक्षण-स्टोर संबंधी आवश्यकताएं, एमआईएस रिपोर्ट, एसओपी का विकास ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में कीट नियंत्रण के साथ-साथ हाउसकीपिंग और स्वच्छता सेवाओं के प्रभारी संकाय-ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में कायाकल्प मूल्यांकन तैयारी, मुख्य एम्स में केंद्रीय रूप से दस्तावेज़ समीक्षा, स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता विक्रेता के स्टोर के निरीक्षण के लिए प्रस्तावित समिति और स्वच्छता लेखा परीक्षा तदर्थ समिति थे। टीएसईसी के सदस्य के रूप में निविदा का विकास - डॉ जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में स्वच्छता सेवाओं की आउटसोर्सिंग। स्वच्छता और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए रोस्टर का परिचय। उपयोगकर्ता क्षेत्रों से पर्यवेक्षक फीडबैक की शुरुआत की। एम्स में अग्नि सुरक्षा सलाहकार समिति के लिए प्रमुख नामित किया गया। मूत्ररोग विज्ञान और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और ब्लड बैंक के टीएसईसी विभागों के सदस्य के रूप में चिकित्सा अधीक्षक का प्रतिनिधित्व किया। मशीन और उपकरण निंदा समिति के सदस्य रहे। इंजीनियरिंग सेवा समन्वय समिति के प्रभारी संकाय थे। आपदा के लिए नोडल अधिकारी और मंत्रालय, आपदा सेल और अन्य प्राधिकरणों के साथ ट्रॉमा केंद्र समन्वय से जुड़ी सभी आपदा संबंधी गतिविधियों के लिए मॉक अभ्यास किया। पर्यावरण उपचार और बागवानी समिति के प्रभारी संकाय थे। लॉन्ड्री के प्रभारी संकाय। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में टर्नकी आधार पर कपड़े धोने के लिए निविदा का विकास। सीएसएसडी के प्रभारी संकाय। सुरक्षा और अग्निशमन सेवा के प्रभारी संकाय थे। ट्रॉमा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीक्यूआईपी) के प्रभारी संकाय। सदस्य- "एम्स में चिकित्सा उपकरणों के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसयू) / राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (एसपीएसयू) / स्वायत्त निकाय / खरीद निगम से खरीद सहायता एजेंसी (पीएसए) की भर्ती के लिए निविदा दस्तावेज।" विशेष आमंत्रित- "लिनन की सामान्य खरीद के लिए टीएसईसी,स्टेशनरी और सामान्य आइटम "- सामान्य मदओं के लिए विनिर्देशों को विकसित किया और निविदा नियमों और शर्तों पर जानकारी प्रदान की। निवासी मैनुअल के लिए "आपदा उपचार योजना" की समीक्षा की। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में आउटसोर्स मैनपावर की भर्ती के लिए सदस्य समिति थे। नियमित प्रशासनिक दौर। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में जीईएम के माध्यम से सामान्य, स्टेशनरी, लिनन और कंप्यूटर और बाह्य उपकरणों की खरीद के लिए टीएसईसी के सदस्य रहे। अस्पताल के स्टोर के लिए विभिन्न फर्नीचर मदओं के लिए टीएसईसी के सदस्य रहे। सीबीआरआई रिपोर्ट का अनुपालन किया। पुराने मैनिफोल्ड को स्टोर में परिवर्तित करने के लिए ईएसडी के साथ समन्वय किया। विभिन्न आरटीआई का जवाब दिया। शिकायतों और शिकायतों का समाधान करना। सदस्य-एचआईसीसी, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.। पेजिंग सेवाओं की समीक्षा के लिए समिति के सदस्य थे। विभिन्न जांच समितियों के लिए सदस्य, सचिव या अध्यक्ष रहे। एसाइंड आधार पर मेडिकल बोर्ड हेतु सदस्य सचिव थे।

डॉ. नरेंद्र चौधरी ने निर्दिष्ट विकलांगता की सीमा का आकलन करने के उद्देश्य से संशोधित दिशानिर्देशों पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित लोकोमोटर विकलांगता के आकलन पर प्रशिक्षण के पूरा होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में एमबीबीएस की प्रायोगिक परीक्षा के संचालन के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। एम्स, ऋषिकेश में एमसीएच (ट्रॉमा शल्य चिकित्सा) प्रायोगिक परीक्षा के संचालन के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। आईटीसी, एम्स नई दिल्ली द्वारा आयोजित 23-25 जुलाई 2024 तक एएचए के बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक संकाय के रूप में भाग लिया। अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स द्वारा समर्थित एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक संकाय के रूप में भाग लिया। ईस्टर्न एसोसिएशन फॉर द शल्य चिकित्सा ऑफ ट्रॉमा (ईएएसटी) की सदस्यता प्राप्त की।

10.5_.indd 1357 1/7/2026 1:08:06 PM

डॉ. नवदीप सोखल ने हमारे शोध पत्र को एसएनएसीसी 2025 में वीके ग्रोवर बेस्ट पेपर अवार्ड मिला त्रिवेंद्रम, केरल के लिए "स्पाइन की शल्य चिकित्सा के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर उत्पन्न क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की अलग-अलग सांद्रता के प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन" किया। हमारे पेपर को आरएसएसीपीसीओएन 2025 में बासुदेव कौशल्या पुरस्कार (तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान रिसर्च) में प्रथम पुरस्कार मिला।भटिंडा, पंजाब के लिए "एन्यूरिज्मल सबराचोनॉइड रक्तस्राव वाले रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज्म पर पेरिऑपरेटिव स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन किया। एम्स ऋषिकेश में 13-15 सितंबर 2024 को आयोजित आईएसपीसीसीओएन-2024 में "क्रोनिक पेन" पर एक सत्र और "आरएफए प्रिसिजन एंड पेन" पर एक अन्य सत्र की अध्यक्षता की। एम्स ऋषिकेश में 15 सितंबर 2024 को क्रोनिक पेन के लिए कैडेवरिक कार्यशाला में कार्यशाला संकाय थे।

डॉ. नीरज कुमार एएनसी, ओआरबीओ पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षक (संकाय) हैं। ओआरबीओ टीम के एक संकाय के रूप में, मैं अस्पताल के कर्मचारियों के बीच ज्ञान और जागरूकता की सुविधा प्रदान करता हूं और अंग प्रत्यारोपण से संबंधित प्रक्रियाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल हूं। हमारे पीजी और डीएम रेजीडेंट को पढ़ाने के अलावा, मैं अपने ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए पराचिकित्सा स्टाफ और ओटी तकनीशियनों को पढ़ाने में भी सक्रिय रूप से शामिल हूं। ओटी और आईसीयू से संबंधित प्रक्रियाओं के लिए कम लागत वाले अभिनव समाधान बनाने में लगातार शामिल (एक उपकरण विकसित किया और पेटेंट प्रक्रिया के लिए आवेदन किया) रहता हूँ। मैं परियोजनाओं के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल हूं। (वित्तपोषित और गैर-वित्तपोषित दोनों)। हाल ही में, मुझे डीएसटी से एक्स्ट्रामुरल फंडिंग मिली है। मेरे छात्र को आईएसएनएसीसी 2025, त्रिवेंद्रम में डीएम थीसिस (मैं मार्गदर्शक था) की मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।

डॉ. निशंक मेहता ने डीओएसीओएन 2024 (दिल्ली अस्थि रोगपेडिक एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन) में वर्ष 2023-2024 के लिए डीओए ट्रैवलिंग फ़ेलोशिप प्राप्त की। नॉर्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी द्वारा 2024 के '20 अंडर 40' वर्ग में मान्यता प्राप्त और स्पाइनलाइन पत्रिका में इसी विषय पर प्रकाशित किया। 6-07 दिसंबर 2024 को न्यूयॉर्क शहर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्पाइन विकृति संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आईएसडीएस अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया। कॉम्प्रिहेंसिव स्पाइन सेंटर, एसीबैडेम मसलक यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, इस्तांबुल, तुर्की में एओ स्पाइन इंटरनेशनल फ़ेलोशिप पूरी की। शॉन क्लिनिक, म्यूनिख, जर्मनी में यूरोस्पाइन (स्पाइन सोसाइटी ऑफ़ यूरोप) की अल्पकालिक ऑब्ज़र्वरशिप पूरी की।

डॉ. निष्ठा चावला को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित साइकोथेरेप्यूटिक असेसमेंट्स एंड इंटरवेंशन्स इन साइको-ऑन्कोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में निःशुल्क पोस्टर के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया(4 जनवरी 2025)। एमजीआईएमएस, सेवाग्राम, महाराष्ट्र में आयोजित आईएएसपी के राष्ट्रीय मध्यावधि सीएमई में निःशुल्क पेपर और पोस्टर सत्र के लिए अध्यक्ष और जज के रूप में आमंत्रित किया गया (29 मार्च 2025)। इंडियन साइकियाट्री सोसाइटी नॉर्थ ज़ोन (एसीआईपीएसएनजेड) के 48वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ वीडी मील पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया। यह पेपर नॉर्थ ज़ोन जर्नल में भी प्रकाशित हुआ है। इंडियन साइकियाट्री सोसाइटी नॉर्थ ज़ोन (एसीआईपीएसएनजेड) के 48वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ बक्शी पुरस्कार (सह-लेखक के रूप में) प्राप्त किया पुरस्कार प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि जनवरी 2025 में 76वें एएनसीआईपीएस सम्मेलन में प्रदान की गई। जनवरी 2025 में भारतीय मनोरोग सोसायटी के 76वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पिछले वर्ष की गई प्रस्तुति के लिए भारतीय मनोरोग सोसायटी युवा मनोचिकित्सक पुरस्कार और पूना मनोचिकित्सक संघ (पीपीए) - II पुरस्कार प्राप्त किया। अक्टूबर 2024 में पेरिस में आयोजित फास्ट ट्रैक सिटीज सम्मेलन के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

10.5_.indd 1358 1/7/2026 1:08:06 PM

से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त किया। एम्स, नई दिल्ली में एसईटी सुविधा में आयोजित पावरपॉइंट में एनीमेशन पर कार्यशाला (15 अप्रैल 2024) में "सर्वश्रेष्ठ पावरपॉइंट एनीमेशन" पुरस्कार प्राप्त हुआ। नवंबर 2024 में मैसूर में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के राष्ट्रीय सम्मेलन में वीके वर्मा पुरस्कार (विजेता पेपर के सह-लेखक) के विजेता के रूप में घोषित किया गया। पुरस्कार प्रमाण पत्र अगले वर्ष प्रदान किया जाएगा।

डॉ. पूर्वा माथुर ने आईपीसी और एएमसी नीति लीडरशिप में उत्कृष्टता (आईएफसीएआई) जी-स्पार्क पुरस्कार-2024 प्राप्त किया: डॉ. पूर्वा माथुर, प्रोफेसर, एम्स, नई दिल्ली, 3-5 अक्टूबर 2024 को शिल्पकला वेदिका, हैदराबाद, भारत। प्रथम पुरस्कार- सर्वश्रेष्ठ मौखिक पोस्टर प्रस्तुति: डॉ. एम निजाम अहमद, अपर्णा निंगोमबम, माधवी कीर्ति, वनलाल त्लुआनपुई, भरत चंद्र दास, पूर्वा माथुर। लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में सक्रिय जोखिम मूल्यांकन के माध्यम से प्रयोगशाला की गुणवत्ता में सुधार किया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट दिल्ली चैप्टर (आईएएमएम) 2024। एमएएमसी, नई दिल्ली 10 अगस्त 2024। द्वितीय पुरस्कार- सर्वश्रेष्ठ पोस्टर: डॉ. वंदना कुमारी सिंह, अर्पण कुमार ठाकुर, रसना परवीन, आशीष कुमार सिंह, प्रोजोयिता सामंत सी-सेक्शन के बाद शल्य चिकित्सा साइट पर संक्रमण: स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संक्रमण निगरानी नेटवर्क से अंतर्दृष्टि, भारत 2024। 14 दिसंबर 2024 को एचआईएसआई, दिल्ली चैप्टर, एम्स नई दिल्ली। वर्ष 2024-2025 के लिए प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए परियोजना समीक्षा समिति (बेसिक साइंस) की सदस्य हैं।

डॉ. ऋचा अग्रवाल संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग द्वारा आयोजित "गहन उपचार में हालिया प्रगति" सम्मेलन में पुरस्कार पत्र सत्र के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया। जर्नल ऑफ ट्रॉमा एनेस्थीसिया, रिससिटेशन एंड क्रिटिकल केयर के संपादकीय बोर्ड में शामिल हैं।

डॉ. समर्थ मित्तल द्वारा जेपी प्रकाशक द्वारा संपादक के रूप में पुस्तक "हैंडबुक ऑफ फ्रैक्चर्स: द करंट कॉन्सेप्ट्स" प्रकाशित की गई, प्रथम संस्करण 2025 समर्थ मित्तल। 01 मई 2024 को वारंगल, तेलंगाना, भारत में आयोजित एनबीईएमएस मूल्यांकन के लिए एसेस्सर के रूप में चुने गए। 27 मई 2024-05 जुलाई 2024 को ह्यूस्टन टेक्सास, अमेरिका में आयोजित एओ ट्रॉमा फेलोशिप में भाग लिया और उसे पूरा किया। 23 जुलाई 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित मानक उपचार वर्कफ़्लो (एसटीडब्ल्यू) के विकास के लिए टीम के सदस्य थे। 13-15 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित "प्रथम घुटने और कूल्हे के संशोधन आर्थ्रोप्लास्टी" सम्मेलन का सह-आयोजन सचिव के रूप में आयोजन किया। 2024-2027 तक साउथ दिल्ली अस्थि रोगपेडिक सोसाइटी (एसडीओएस) में कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए। 21 जनवरी 2025 को आगरा, यूपी, भारत में आयोजित एमएस (अस्थि रोग) 2025 परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया। 16 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित "डीओए 1st क्वार्टरली मीट 2025" सम्मेलन में संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया। नेशनल नी एंड हिप जॉइंट रिप्लेसमेंट फाउंडेशन (एनकेएचजेआरएफ) में उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किए गए। जर्नल ऑफ अस्थि रोग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में जारी रहे, जो एक सहकर्मी-समीक्षित, पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल है और भारत के 3 पबमेड इंडेक्स्ड अस्थि रोगपेडिक जर्नल में से एक है। आईजेओ (इंडियन जर्नल ऑफ अस्थि रोग) के सेक्शन एडिटर के रूप में जारी दिल्ली अस्थि रोगपेडिक सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका और पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल, जेसीओटी (जर्नल ऑफ नैदानिक अस्थि रोग एंड ट्रॉमा) के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत रहे। कूल्हे के फ्रैक्चर के लिए रोगी शिक्षा हेतु ऐप विकसित किया। स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण पर पहले से विकसित ऐप को अपग्रेड किया। एनजेडओएसीओएन (नॉर्थ ज़ोन अस्थि रोगपेडिक एसोसिएशन) के संयुक्त सचिव चुने गए। सदस्यता समिति के सदस्य बने: प्रतिष्ठित जेसीओटी

10.5_.indd 1359 1/7/2026 1:08:06 PM

समकक्ष-समीक्षित, पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल के संपादकीय समूह को विविध बनाया। आईओए (इंडियन ऑर्थो रोगपेडिक एसोसिएशन) के दिल्ली राज्य प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. संजीव भोई जिनेवा स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय में एक्यूट केयर नेटवर्क (ग्लोबल) एवं जीएसीआई (ग्लोबल) नेटवर्क की कोर कमेटी के सदस्य थे। आपातकालीन ट्रॉमा और जलन संबंधी उत्कृष्टता केंद्र की निगरानी और मार्गदर्शन हेतु कोर कमेटी के सदस्य रहे। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में आपातकालीन उपचार सेवाओं को सुव्यवस्थित करने हेतु गठित समिति के सदस्य थे। एनईएलएस और सामूहिक मृत्यु दर उपचार हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया।

डॉ. शर्मिष्ठा पाठक ने बीएमजे केस रिपोर्ट और जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर के लिए समीक्षक का दर्जा प्राप्त किया।

डॉ. शिव श्रीवास्तव गरिका को 7-9 जून 2024, नई दिल्ली में एओ ट्रॉमा पाठ्यक्रम- फ्रैक्चर मैनेजमेंट के उन्नत सिद्धांतों में टेबल संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। 2-4 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली के अस्थि रोग विभाग द्वारा आयोजित, आर्थ्रोप्लास्टी की वर्तमान अवधारणाओं में संकाय थे। 9-10 अगस्त 2024 को ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., नई दिल्ली में एम्स बेसिक पाठ्यक्रम (एबीसी) ऑफ ट्रॉमा में संकाय थे। 4-5 दिसंबर 2024 को भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) आईएनएसएआरएजी मान्यता अभ्यास में विशेषज्ञ अस्थि रोगपेडिक सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया। 11 जनवरी 2025 को ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में आर्थ्रोस्कोपिक मेनिस्कस रिपेयर पर कैडेवर पाठ्यक्रम में संकाय थे। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) आईएनएसएआरएजी मान्यता अभ्यास, भारत सरकार के लिए विशेषज्ञ अस्थि रोग सलाहकार के रूप में आमंत्रित: 29 अक्टूबर 2023 - 2 नवंबर 2023। 7-9 मार्च 2025, जोधपुर, भारत में आयोजित एओ ट्रॉमा पाठ्यक्रम - फ्रैक्चर उपचार के मूल सिद्धांत में राष्ट्रीय संकाय थे। 8 मार्च 2024 को अस्थि रोग विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., नई दिल्ली द्वारा आयोजित छठे एम्स-एसीएसएसटी कैडेवरिक पेल्विक एसिटाबुलम पाठ्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य हैं।

डॉ. सौमता बागची डायलिसिस में सेमिनार के सह-संपादक हैं। विषय संपादक (ग्लोमेरुलर रोग) वृक्क विज्ञान कार्लटन थी। संपादकीय बोर्ड, बीएमसी वृक्क विज्ञान थी। सदस्य, वैज्ञानिक कार्यक्रम कार्य समूह, विश्व वृक्क विज्ञान कांग्रेस 2025 रही। ठोस अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में सीएमवी संक्रमण के उपचार हेतु दिशानिर्देशों हेतु ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी नामक सर्वसम्मति कार्य समूह की सदस्य हैं।

डॉ. सुबोध कुमार को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड के कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया। 11-14 सितंबर 2024 को लास वेगास, अमेरिका में अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द शल्य चिकित्सा ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी) की 83वीं वार्षिक बैठक के दौरान "सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस बैठक के दौरान "ट्रॉमा उपचार में विकसित अवधारणाएँ और बहु-ट्रॉमा के प्रति बहु-विषयक दृष्टिकोण" विषय पर पैनलिस्ट। 19 मई 2024 को कोच्चि में आयोजित ईएमईआरजीई- मास्टरिंग द आर्ट ऑफ़ ट्रॉमा केयर। 12 जुलाई 2024 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित 28वें टीयूजीएसएस इंडिया संगोष्ठी के लिए पैनलिस्ट थे। 25 जुलाई 2024 को एम्स, गोरखपुर में स्थायी चयन समिति (एसएससी) द्वारा संकाय चयन के लिए विषय विशेषज्ञ थे। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में ट्रॉमा क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (टीक्यूआईपी) के सदस्य थे। इंडियन जर्नल ऑफ़ शल्य चिकित्सा के एसोसिएट एडिटर, जो एसोसिएशन ऑफ़ सर्जन्स ऑफ़ इंडिया का एक सहकर्मी द्वारा समीक्षित आधिकारिक जर्नल है। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए एमएस (शल्य चिकित्सा) की थीसिस, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के लिए, बाबा फ़रीद यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज पंजाब के लिए परीक्षक थे।

10.5_.indd 1360 1/7/2026 1:08:06 PM

डॉ सूर्य श्री कृष्ण गौर द्वारा 9 अप्रैल 2024 को हमारे संस्थान में 'उच्च ग्रीवा स्पाइन की चोट- एक खोया हुआ कारण या आशा की किरण' पर नैदानिक ग्रैंड राउंड में प्रस्तुति दी गई। इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (आईएसपीएनएस) फेलोशिप के हिस्से के रूप में 21 अक्टूबर 2024 से 2 नवंबर 2024 तक गंगा अस्पताल, कोयंबटूर, तमिलनाडु के प्लास्टिक, हाथ और पुनर्निर्माण माइक्रोशल्य चिकित्सा और बर्न्स विभाग का दौरा किया। 4-5 दिसंबर 2024 को ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. में आयोजित 'ब्रेकियल प्लेक्सस शल्य चिकित्सा और उससे आगे' पर कैडवेरिक कार्यशाला के आयोजन सचिव थे। 01-02 मार्च 2025 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एएसएनएसीसी 2025 में सर्वश्रेष्ठ नैदानिक रिसर्च पेपर पुरस्कार के लिए सह-लेखक 15 दिसंबर 2024 को अस्थि रोग विभाग, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. द्वारा आयोजित 'स्पाइन की हड्डी के लिए एमआईएस तकनीक' पर कैडवेरिक कार्यशाला के लिए आमंत्रित संकाय-टेबल प्रदर्शक के रूप में शामिल हुए।

डॉ. सुषमा सागर को 06 मार्च 2025 को नीमहंस, बेंगलुरु में आयोजित 10वें विश्व महिला मानसिक स्वास्थ्य कांग्रेस (आईएडब्ल्यूएमएच 2025) में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। 23 नवंबर 2024 को एनएएमएससीओएन दीक्षांत समारोह, एम्स, जोधपुर में एफएएमएस (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की फेलोशिप) से सम्मानित किया गया। आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य थी। एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च अनुदान समिति की सदस्य थी। 16 नवंबर 2024 को शल्य चिकित्सा विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा दिल्ली राज्य अध्याय एएसआई के एसयूआरजीआईसीओएन 2024 वार्षिक सम्मेलन के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। 11 अगस्त 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटोबिलरी विकिरण विज्ञान (5वें एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग सीरीज के एक भाग के रूप में) में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित 12 मई 2024 को ग्रेटर नोएडा में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित वाईएटीएचएआरटीएचसीओएन: ट्रॉमा में पैनेलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। दिल्ली एनसीटी सरकार के अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण की अस्पताल-आधारित प्राधिकरण समिति के लिए प्रधान सचिव के नामिती के रूप में नियुक्त 2024-2025 किया गया। नोडल अधिकारी, एबी-पीएमजेएवाई, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली रही। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. कें., नई दिल्ली में शिकायत निवारण समिति की अध्यक्ष; ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में लिनन निंदा समिति की अध्यक्ष; ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में टीसी-6 वार्ड की संकाय प्रभारी; ज.प्र. ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में कोड ब्लू के लिए समीक्षा समिति के सदस्य ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल रक्त आधान समिति के सदस्य; ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति की सदस्य; ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में ट्रॉमा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीक्यूआईपी) की सदस्य थी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा आरएमपी के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) की सदस्य के रूप में नामित किया गया। एम्स, नई दिल्ली में महिला सुरक्षा समिति की सदस्य थी। एम्स ऋषिकेश में अतिथि संकाय रही। 11 फरवरी 2025 को आईआईटी बॉम्बे में आईसीएमआर-डीएचआर-सीओई के आगामी साइट विजिट के लिए परियोजना मेंटरिंग कमेटी (पीएमसी) की सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। 29 मार्च 2025 को एम्स कैडवेरिक शल्य चिकित्सा स्किल्स ट्रेनिंग (एसीएसएसटी) लैब के सहयोग से निचले अंग एम्प्यूटेशन पर पहली व्यावहारिक कैडवेरिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. सुवाशिष दाश ने विशेषज्ञ योगदानकर्ता - अनजाने में लगने वाली चोट की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय रणनीति के प्रसार कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, राष्ट्रीय स्तर की नीति और रणनीति चर्चाओं में योगदान दिया। प्रशिक्षक संकाय, एनईएलएस - आपातकालीन उपचार में कौशल विकास का समर्थन करते हुए, लेह और मेरठ में आयोजित राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन (एनईएलएस) कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षक संकाय के रूप में कार्य किया। संकाय प्रशिक्षक, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण

10.5_.indd 1361 1/7/2026 1:08:06 PM

कार्यक्रम - 29 जनवरी 2024 को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली में हवाई अड्डे के कर्मियों और अग्निशमन बचाव दल को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया। उपाध्यक्ष, बर्न केयर कमेटी - आईएसबीआई - इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर बर्न इंजरीज़ (आईएसबीआई) की बर्न केयर कमेटी के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के अतिथि संकाय - यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) में अकादमिक और नैदानिक दर्शकों के साथ बर्न और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा में विशेषज्ञता साझा करने के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया । आमंत्रित संकाय, रॉयल फ्री हॉस्पिटल, लंदन - रॉयल फ्री हॉस्पिटल के प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग में आमंत्रित संकाय सदस्य के रूप में कार्यरत थे, उन्होंने शैक्षिक आदान-प्रदान और शल्य चिकित्सा शिक्षा में योगदान दिया।

- स्वाति त्यागी
- 24 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आईसीआरसी और आईसीएमआर मुख्यालय के सहयोग से आयोजित वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला में "युवाओं में अचानक अस्पष्टीकृत मृत्यु के निदान में वर्चुअल ऑटोप्सी" पर प्रस्तुति के लिए योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- जर्नल ऑफ फॉरेंसिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सिकोलॉजी के राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड की सदस्य के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।
- एम्स, नई दिल्ली में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत भूटान के फोरेंसिक पैथोलॉजिस्टों के प्रशिक्षण में शामिल।
- एम्स, नई दिल्ली में भूटान के फोरेंसिक नर्सों और शवगृह तकनीशियनों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।
- एम्स, नई दिल्ली के न्याय चिकित्सा एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग में फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के विकास में संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।
- एम्स, नई दिल्ली में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पीओसीएसओ) मामलों से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श करने और उन्हें संबोधित करने के लिए गठित संस्थागत समिति की सदस्य के रूप में कार्य किया। 7. एम्स, नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चिकित्सा उपचार के प्रावधान के लिए संकाय के रूप में नामित। 8. वर्ष 2024-2025 के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम के लिए संकाय समन्वयक के रूप में नामित किया गया।

डॉ. स्वाति त्यागी 24 अप्रैल 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आईसीआरसी और आईसीएमआर मुख्यालय के सहयोग से आयोजित वर्चुअल ऑटोप्सी कार्यशाला में "युवाओं में अचानक अस्पष्टीकृत मृत्यु के निदान में वर्चुअल ऑटोप्सी" पर प्रस्तुति के लिए योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में जी-20 और महाकुंभ-2025 के दौरान सीबीआरएनई की तैयारियों के विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। मुझे एम्स, कल्याणी, जीआईएमएस नोएडा और टीआरआईएचएमएस, अरुणाचल प्रदेश के संकाय चयन साक्षात्कारों के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया। वर्तमान में मैं दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में आपातकालीन और ट्रॉमा उपचार के लिए डब्ल्यूएचओ-सहयोग केंद्र के सह-निदेशक के रूप में भी योगदान दे रहा हूं और एकीकृत आपातकालीन और चोट उपचार की प्रणालियों के निर्माण के लिए भारत के विभिन्न राज्यों (एमपी, यूपी, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा) के साथ मिलकर काम कर रहा हूं। अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के हिस्से के रूप में। आपातकालीन

10.5_.indd 1362 1/7/2026 1:08:06 PM

उपचार अनुसंधान के माध्यम से विश्व स्तर पर जीवन को बदलने की दृष्टि से वैश्विक आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान नेटवर्क "वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा आपातकालीन चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान (ईएमईआरजीई)" की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रहा हूं।

डॉ. विजय शर्मा 28 सितंबर 2024 (वर्चुअल मोड), एम्स ऋषिकेश में संकाय एपीएस की पदोन्नति हेतु स्थायी चयन समिति के लिए बाह्य विशेषज्ञ थे। 26 दिसंबर 2024 को एमडी/एमएस के लिए पेपर-सेटर, पं. बीडी शर्मा, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक रहे। 22 जनवरी 2025 को पीजीआईएमएस, रोहतक में एमडी स्पोर्ट्स मेडिसिन वार्षिक व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक थे। एम्स कैडेवरिक शल्य चिकित्सा स्किल्स ट्रेनिंग (एसीएसएसटी), ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में संकाय प्रभारी के रूप में विभिन्न विशेषज्ञताओं में 31 कैडेवरिक पाठ्यक्रम आयोजित किए: - अस्थि रोग (एन = 11; सहभागी = 224), शल्य चिकित्सा (एन = 5; सहभागी = 80), तंत्रिका शल्य-चिकित्सा (एन = 5; सहभागी = 113), कान, नाक एवं गला (एन = 4; सहभागी = 39), संवेदनाहरण (एन = 2; सहभागी = 55), आपातकालीन चिकित्सा (एन = 1; सहभागी = 16), सीटीवीएस (एन = 1; सहभागी = 20), डेंटल (एन = 1; सहभागी = 10) बर्न्स, प्लास्टिक और पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा (एन = 1; सहभागी = 35)

डॉ. विनीत चंद्रन के.पी. फरवरी 2025 से रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन (आरसीईएम) परीक्षक हैं।

डॉ. विके त्रिका यूरोपियन जर्नल ऑफ अस्थि रोगपेडिक शल्य चिकित्सा एंड ट्रॉमा (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल) के उप-संपादक के रूप में चयनित हुए। इंडियन जर्नल ऑफ अस्थि रोग (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। जर्नल ऑफ नैदानिक अस्थि रोग एंड ट्रॉमा (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल) के सह-संपादक थे। एसआईसीओटी वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ अस्थि रोगपेडिक सर्जन्स की ट्रॉमा कमेटी के सदस्य, 2024 से। एसोसिएशन ऑफ पेल्वी-एसिटाबुलर सर्जन्स (एओपीएएस) के निर्वाचित अध्यक्ष रहे। दिसंबर 2024 में एम्स जोधपुर में एमएस परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक थे।

डॉ. युद्धवीर सिंह भारत में एफसीसीएस प्रसूति पाठ्यक्रम (एससीसीएम, यूएसए) के प्रशिक्षक थे। भारत में एफसीसीएस शल्य चिकित्सा पाठ्यक्रम (एससीसीएम, यूएसए) के प्रशिक्षक थे। भारत में एफसीसीएस बेसिक पाठ्यक्रम (एससीसीएम, यूएसए) के प्रशिक्षक रहे। 9वें एम्स अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल संवेदनाहरण का सह-आयोजन किया। ट्रॉमा पर जर्नल "जर्नल ऑफ ट्रॉमा संवेदनाहरण, रिससिटेशन एंड गहन उपचार" (जेटीएआरसीसी) शुरू करने के सह-संस्थापक रहे। "जर्नल ऑफ ट्रॉमा संवेदनाहरण, रिससिटेशन एंड गहन उपचार" (जेटीएआरसीसी) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे। जनवरी उत्थान समिति द्वारा "सड़क सुरक्षा के लिए निवारक उपाय" पहल के तहत सीपीआर पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

अतिथि वैज्ञानिक

ट्रॉमा शल्य चिकित्सा विभाग

1. श्री जोश अग्रवाल, 28 अगस्त 2024-06 सितंबर 2024, ट्रॉमा सर्जरी ऑब्ज़र्वरशिप, बॉन्ड यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया
2. सुश्री मारेन केपेल, 20 मई 2024-12 जुलाई 2024, ट्रॉमा सर्जरी ऑब्ज़र्वरशिप, जर्मनी
3. श्री फिलिप बेडेकर, 20 मई 2024-12 जुलाई 2024, ट्रॉमा सर्जरी ऑब्ज़र्वरशिप, जर्मनी

10.5_.indd 1363 1/7/2026 1:08:06 PM

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य एवं प्रमुख
अंजू धवन

अपर चिकित्सा अधीक्षक
प्रभु दयाल

आचार्य (मनोचिकित्सा)

अंजू धवन
अतुल अम्बेकर
रवींद्र वेंकट राव
आलोक अग्रवाल
सोनाली झांझी
यतन पाल सिंह बल्हारा
प्रभु दयाल
बिस्वदीप चटर्जी

आचार्य (जैवसांख्यिकी)
अश्विनी कुमार मिश्रा

आचार्य (नैदानिक मनोचिकित्सा)

रचना भार्गव
गौरी शंकर कलोइया

अपर आचार्य (नैदानिक रसायन)
रिज़वाना कुरैशी

अपर आचार्य (मनोचिकित्सा)

सिद्धार्थ सरकार
पियाली मंडल
रोशन मोहनपंत भड़

सह-आचार्य (मनोचिकित्सा)
शालिनी सिंह

समूह क अधिकारी
लेखा अधिकारी
राकेश कुमार झा

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
दीपक यादव

नैदानिक मनोविज्ञानी
लिनी फिलिप

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

यमन सबिहा
प्रतिमा निक्सन
गीता सिंह

10.6_.indd 1364 1/7/2026 1:12:29 PM

विशिष्टताएं

- **नई नैदानिक सेवा**: दिनांक 10 सितंबर, 2024 को एम्स, नई दिल्ली पल्मोनोलॉजी विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र का तंबाकू निषेध क्लिनिक शुरू किया गया।
- **जन स्वास्थ्य गतिविधियाँ:** राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नशा मुक्ति कार्यक्रम (डीडीएपी) के अंतर्गत 25 "ड्रग ट्रीटमेंट क्लीनिक (डीटीसी)" और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एनएपीडीडीआर योजना के अंतर्गत देश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों में स्थित 73 नशा मुक्ति उपचार सुविधाओं (एटीएफ) की गतिविधियों का समन्वय किया गया।
- **मान्यता:** राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र को मादक द्रव्यों के सेवन पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में पुनः नामित किया गया है। इसने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार) तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई, भारत सरकार) को एक राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में तकनीकी जानकारी प्रदान की है।
- **क्षमता निर्माण:** केंद्र ने भारत के 20 राज्यों में विभिन्न सरकारी योजनाओं (एटीएफ/डीटीसी/एनएमएचपी) में कार्यरत 1379 स्वास्थ्य एवं संबद्ध प्रोफेशनल्स के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया है।
- **राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के संकाय-सदस्यों का अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व किया गया** जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्रग निर्भरता पर 47वीं विशेषज्ञ समिति, तंबाकू समाप्ति के लिए डब्ल्यूएचओ नैदानिक उपचार दिशानिर्देश, संज्ञानात्मक गिरावट तथा मनोभ्रंश के लिए जोखिम न्यूनीकरण पर डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देश), ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी), नारकोटिक ड्रग्स संबंधी आयोग (नारकोटिक ड्रग्स संबंधी आयोग का 68वां सत्र), यूएस-इंडिया एंटी-नारकोटिक वर्किंग ग्रुप शामिल हैं।

  राष्ट्रीय योगदान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत नए मनो-सक्रिय पदार्थों के लिए मानक उपचार दिशा-निर्देश विकसित करना; डीडीएपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित व्यसनकारी औषधियों संबंधी स्थायी विशेषज्ञ समिति की सदस्यता; तथा एनडीपीएस टास्क फोर्स, भारतीय मनोरोग सोसायटी में सलाहकार की भूमिका निभाना शामिल है।

शिक्षा

- राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी मनोरोग), एमबीबीएस, एमएससी मनोचिकित्सा नर्सिंग एवं बीएससी नर्सिंग के छात्रों को मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों पर प्रशिक्षण देता है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एक सुपरस्पेशलिटी कोर्स, एडिक्शन साइकियाट्री में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) तथा एडिक्शन साइकियाट्री में पीएचडी का संचालन करता है। क्लिनिकल एवं शैक्षणिक प्रशिक्षण में जर्नल क्लब, सेमिनार, केस कॉन्फ्रेंस तथा स्टाफ सेमिनार शामिल हैं जो शैक्षणिक कार्यक्रम का हिस्सा हैं तथा यह कार्यक्रम सप्ताह में तीन दिन आयोजित किए जाते हैं। इस अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

10.6_.indd 1365 1/7/2026 1:12:29 PM

छात्रों/रेजीडेंटों की श्रेणी	2022-23(राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं मनोचिकित्सा विभाग)	2023-24(राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं मनोचिकित्सा विभाग)	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र *	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र * 2024-2025
सितंबर 2023 तक		अक्टूबर 2023-मार्च 2024		
एमडी मनोचिकित्सा	40	40	-	-
डीएम व्यसन मनोचिकित्सा	12	13	12	13
पीएचडी व्यसन मनोचिकित्सा	1	4	4	5

* 26 सितंबर 2023 से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं मनोचिकित्सा विभाग अलग-अलग प्रशासनिक इकाइयाँ हैं।

- वर्ष 2020 से "भारत में व्यसन उपचार सुविधाओं के लिए क्षमता निर्माण तंत्र की स्थापना और कार्यान्वयन" के तहत, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने कुल 25 प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की हैं, जहां 292 मेडिकल प्रोफेशनल्स, 277 परामर्शदाताओं, 344 नर्सों तथा 191 अन्य स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों को मादक द्रव्यों के सेवन विकारों के उपचार में प्रशिक्षित किया गया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य के चिकित्सा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।
- आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली, होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा कॉलेज ऑफ नर्सिंग आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) के बीएससी और एमएससी नर्सिंग छात्रों के लिए 1-2 दिनों का लघु प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा मादक द्रव्यों के सेवन विकार उपचार पर एक अध्ययन किया गया।
- मादक पदार्थ उपयोग विकारों में ऑनलाइन स्वचालित प्रशिक्षण राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के वेब पोर्टल: https://naat.co.in पर दिया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के औषध नशा मुक्ति कार्यक्रम (डीडीएपी) के कामकाज की समीक्षा हेतु कार्यशाला। डीडीएपी हेतु राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र गाजियाबाद द्वारा आयोजित, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, 15 अप्रैल 2024।
- भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ (आईएसीएएम) की तीसरी राष्ट्रीय सीएमई का आयोजन राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं मनोचिकित्सा विभाग द्वारा 8-9 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में किया गया।

10.6_.indd 1366 1/7/2026 1:12:29 PM

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान
प्रदत्त व्याख्यान : 217

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-23	2023-24	2024-25
168	209	217

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 27

पिछले तीन वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतियां

2022-2023	2023- 2024	2024-2025
12	23	27

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मनो-सामाजिक एवं व्यवहारिक क्षेत्रों की जांच के लिए एक अध्ययन: मिश्रित अध्ययन डिज़ाइन, डॉ. रचना भार्गव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 1.35 लाख रुपये

2. ओपिओइड निर्भरता से पीड़ित रोगियों में परिणामों, विकलांगता और जीवन की गुणवत्ता के निर्धारकों के रूप में सह-उत्पन्न अवसाद तथा चिंता की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक समय श्रृंखला दृष्टिकोण, डॉ सिद्धार्थ सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये

3. गर्भावस्था के दौरान धूम्ररहित तम्बाकू का सेवन बंद करने के लिए बायोमार्कर फीडबैक और संज्ञानात्मक-सामाजिक स्वास्थ्य सूचना-प्रसंस्करण (सी-शिप) मॉडल आधारित नवीन बहु-घटक हस्तक्षेप का विकास तथा पायलट परीक्षण, डॉ. प्रभु दयाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 39.61 लाख रुपये

4. व्यसन उपचार हेतु क्षमता निर्माण तंत्र की स्थापना एवं कार्यान्वयन, डॉ. आलोक अग्रवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2020-2025, 1600 लाख रुपये

5. "ओपिओइड उपयोग विकार के लिए उम्मीदवार एंडोफेनोटाइप के रूप में न्यूरोकॉग्निटिव, व्यक्तित्व, भावनात्मक और मनोसामाजिक बायोमार्कर का मूल्यांकन और ओपिओइड और डोपामाइन रिसेप्टर जीन में बहुरूपता के साथ उनका संबंध: रोकथाम तथा उपचार के लिए अनुमान लगाना", डॉ. प्रभु दयाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 36.63 लाख रुपये

6. "ड्रग्स का इंजेक्शन लेने वाले लोगों में सूखे रक्त के धब्बों का उपयोग करके हेपेटाइटिस सी परीक्षण, निदान और उपचार निगरानी के लिए अनुमान लगाना: एक मल्टी-साइट, क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।", डॉ. रिज़वाना कुरैशी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 24 फरवरी - 27 फरवरी, 42,00,000 रुपये

10.6_.indd 1367 1/7/2026 1:12:29 PM

7. संयुक्त बायोमार्कर और नैदानिक जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण का उपयोग करके शराब उपयोग विकार से पीड़ित रोगियों में आत्मघाती जोखिम के पूर्वानुमानों की पहचान करना, डॉ. प्रभु दयाल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50.61 लाख रुपये

8. "ब्यूप्रेनॉर्फिन-नालोक्सोन अनुरक्षण उपचार पर भारतीय ओपिओइड निर्भरता रोगियों में चयापचय तथा लत सूचकांक: एक लॉंगीट्यूडनल अध्ययन" (आईसीएमआर 2023), डॉ. पियाली मंडल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 14.71 लाख रुपये

9. मिजोरम की जेलों में व्यक्तियों द्वारा मनोसक्रिय पदार्थों का उपयोग: एक स्थितिजन्य मूल्यांकन, डॉ. रवींद्र राव, समाज कल्याण विभाग, मिजोरम सरकार, 9 महीने, दिसंबर 2024-अगस्त 2025, 6 लाख रुपये

10. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों के उपचार पर स्थिर होने पर अतिरिक्त योग करने से वास्तविक दुनिया में प्रभावशीलता, डॉ. सिद्धार्थ साकर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 34 लाख रुपये

11. ओपिओइड डिपेंडेस वाले रोगियों में नाल्ट्रेक्सोन के साथ उपचार अनुपालन और परिणाम के साथ विशिष्ट एकल-न्यूक्लियोटाइड जीन बहुरूपता (एसएनपी) की भूमिका: एक प्राकृतिक अनुवर्ती अध्ययन, डॉ. बिस्वदीप चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 50.70 लाख रुपये

पूर्ण

1. ओपिओइड निर्भरता वाले लोगों में मृत्यु दर और कारणों का आकलन, रवींद्र राव, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, जुलाई 2021-सितंबर 2024, 56.98 लाख रुपये

2. शराब पर निर्भर रहने वाले रोगियों के उपचार में परिणाम को बेहतर बनाने के लिए संज्ञानात्मक शिथिलता तथा लत उपचार हेतु एक नवीन तकनीक के रूप में मस्तिष्क उत्तेजना: एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रभु दयाल, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2022, 30.81 लाख रुपये

3. शराब पर निर्भरता में परिधीय रक्त सूजन संबंधी साइटोकिन्स तथा न्यूरोइन्फ्लेमेशन के मार्कर और व्यवहार संबंधी मार्करों और शराब पर निर्भरता का उपचार करने से प्राप्त परिणाम के साथ उनका संबंध, प्रभु दयाल, एम्स (इंट्राम्यूरल), 1 वर्ष, 2019-2020, 4.63 लाख रुपये

4. ओपिओइड निर्भरता के जोखिम और गंभीरता को निर्धारित करने में आनुवंशिक बहुरूपता की भूमिका: एक केस-नियंत्रण अध्ययन, बिस्वदीप चटर्जी, एम्स (इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये)

विभागीय परियोजनाएँ (शोध पत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. धूम्रपान रहित तम्बाकू के दीर्घकालिक उपयोगकर्ताओं की तंत्रिका-संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

2. मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से ग्रस्त किशोर बाह्यरोगियों में स्कूल छोड़ने पर एक पायलट अध्ययन

3. को-ओक्यूरिंग सब्सटेंश विकार तथा जुआ खेलने वाले व्यक्तियों के बीच आक्रामक व्यवहार के लिए निरोधात्मक नियंत्रण प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

10.6_.indd 1368 1/7/2026 1:12:29 PM

4. शराब पर निर्भर बाह्य रोगियों में डिसल्फिराम थेरेपी का अपनाना परिवार के सदस्यों द्वारा पर्यवेक्षण से संबंधित कारक

5. भारत में केमसेक्स के प्रतिभागियों की सामाजिक-जनसांख्यिकीय और नैदानिक विशेषताओं का आकलन करने के लिए एक ई-अध्ययन

6. किशोरों में मादक द्रव्यों के सेवन की गंभीरता की आवेगशीलता, इंटर्नलाइजिंग तथा बाह्यकरण संबंधी समस्याओं के साथ संबंध।

7. एडीएचडी के साथ और बिना ओपिओइड निर्भरता सिंड्रोम से ग्रस्त वयस्कों में नैदानिक पैरामीटर: एक तुलनात्मक अध्ययन

8. सीरम स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण और अंतःशिरा बनाम सब्लिंगुअल ब्यूप्रेनॉर्फिन के रोगी पर पड़ने वाले प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड क्रॉसओवर अध्ययन।

9. ए डी एच डी सहित और रहित एचडीएचडी ओपिओइड उपयोग विकार वाले वयस्क ओपिओइड उपयोग विकार से पीड़ित रोगियों में नैदानिक मापदंडों की तुलना।

10. महिलाओं उपचार करवाने वाली में औषध निर्भरता उपचार प्रतिधारण और संबंधित कारक - एक दीर्घकालीन अध्ययन

11 एगोनिस्ट अनुरक्षण उपचार पर ओपिओइड निर्भरता रोगियों में धूम्रपान बंद करने के लिए निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) तथा बुप्रोपियन की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक ओपन-लेबल, समानांतर-समूह परीक्षण

12. ब्यूप्रेनॉर्फिन के साथ ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार पर रोगियों में कैनबिस उपयोग विकार के लिए बैक्लोफेन की प्रभावकारिता: एक डबल-ब्लाइंड प्लोसिबो-नियंत्रित परीक्षण

13. तृतीयक दंत चिकित्सा सुविधा में उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों में धूम्ररहित तम्बाकू के उपयोग को बंद करने में संक्षिप्त हस्तक्षेप/5ए दृष्टिकोण की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

14. ब्यूप्रेनॉर्फिन अनुरक्षण उपचार पर ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों से जुड़े न्यूरोइमेजिंग एवं मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज करना।

15. मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से ग्रस्त रोगियों में आध्यात्मिक तथा धार्मिक तरीके से निपटने की खोज: रोगियों तथा स्वास्थ्य कर्मियों के दृष्टिकोण

16. भारत के राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र और त्रिलोकपुरी सामुदायिक क्लिनिक में ओपिओइड निर्भरता से पीड़ित रोगियों के बीच रोजगार पर ओपिओइड प्रतिस्थापन उपचार का प्रभाव

17. ओपिओइड उपयोग विकार का उपचार करवा रहे लोगों में अकेलापन: दर, गंभीरता और संबंधित कारकों की मिश्रित विधि से जांच

18. ओपिओइड उपयोग विकार से पीड़ित रोगियों में ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार के दीर्घकालिक परिणाम: एक व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटा-विश्लेषण

19. ओपिओइड निर्भरता से निजात पाने हेतु उपचार चाहने वाले पुरुषों और महिलाओं और उनके जीवनसाथी के बीच वैवाहिक संबंध तथा जीवन की गुणवत्ता: एक तुलनात्मक अध्ययन

10.6_.indd 1369 1/7/2026 1:12:29 PM

20. ओपिओइड उपयोग विकारों के लिए दीर्घकालिक उपचार हेतु रोगी की प्राथमिकताएँ
21. विभिन्न ओपिओइड पर निर्भर रोगियों में ब्यूप्रेनॉर्फिन के बिना डॉक्टर के पर्चे के उपयोग तथा उसके दुरुपयोग से जुड़े उद्देश्य और कारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन
22. नशीली दवाओं पर निर्भरता से उभरने हेतु उपचार चाहने वाली महिलाओं में अवधारण और संबंधित कारक - एक लॉंगीट्यूडनल अध्ययन
23. ओपिओइड उपयोग हेतु उपचार चाहने वाले किशोर रोगियों की प्रोफ़ाइल, पदार्थ के उपयोग के पैटर्न तथा उपचार के परिणाम का विश्लेषण करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन
24. ओपिओइड पर निर्भर रोगियों में नेत्र ट्रैकिंग का उपयोग करके ध्यान संबंधी पूर्वाग्रह का अध्ययन

पूर्ण

1. मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से ग्रस्त किशोरों तथा बाह्य रोगियों में स्कूल छोड़ने पर एक पायलट अध्ययन: एक दीर्घकालिक संभावित अध्ययन
2. ओपिओइड से पीड़ित रोगियों के लिए पारिवारिक हस्तक्षेप का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. शराब पर निर्भर बाह्य रोगियों में डिसल्फिराम थेरेपी को अपनाना परिवार के सदस्यों द्वारा पर्यवेक्षण से संबंधित कारक
4. ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार पर निर्भर ओपिओइड पुरुषों में यौन क्रियाशीलता और सेक्स हार्मोन के स्तर का आकलन: एक संभावित, समुदाय-आधारित अध्ययन
5. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजीज के रोगियों में तम्बाकू धूम्रपान का मनोरोग संबंधी सह-रुग्णताओं से संबंध
6. शराब की खपत के आकलन के लिए विभिन्न तरीकों की तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल समुदाय आधारित अध्ययन
7. शराब पर निर्भरता वाले रोगियों में तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक कार्यप्रणाली: एक केस नियंत्रण अध्ययन
8. ओपिओइड उपयोग विकार के लिए ट्रामाडोल के साथ 12 सप्ताह तक उपचार के परिणाम: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
9. ओपिओइड उपयोग विकार के लिए दीर्घकालिक उपचार हेतु रोगी की प्राथमिकताएँ
10. सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच देखभाल के अनुभव के मनोसामाजिक सहसंबंध

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बाल चिकित्सा ग्लूकोमा के लिए एनेस्थीसिया के कई बार संपर्क में आने वाले बच्चों में संज्ञानात्मक परिवर्तन तथा दृश्य क्षेत्रों और परिधि के साथ इसका संबंध, नेत्ररोग विज्ञान विभाग
2. एडीएचडी से ग्रस्त किशोरों के लिए माइंडफुलनेस-आधारित हस्तक्षेप का विकास, मनोचिकित्सा विभाग

10.6_.indd 1370 1/7/2026 1:12:30 PM

3. अवसादग्रस्त रोगियों में आत्म-क्षति के पूर्वानुमान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित मॉडल का विकास, मनोचिकित्सा विभाग, शरीर-रचना विज्ञान विभाग

4. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य तथा मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाली हानि संबंधी की साक्षरता को बढ़ाना - एक इन्टर्वेंशन अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

5. रक्तस्राव की समस्याओं का मूल्यांकन, उनकी गंभीरता तथा हीमोफीलिया के वाहक होने के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक प्रभाव, रूधिर विज्ञान विभाग

6. ब्यूप्रेनॉर्फिन अनुरक्षण उपचार पर ओपिओइड आश्रित रोगियों से जुड़े न्यूरोइमेजिंग और मेटाबोलोमिक मार्करों की खोज, एनएमआर विभाग।

7. वेंट्रिकुलर आर्टेरियल कपलिंग की जांच और कोविड-19 में रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन के साथ इसका संबंध, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

8. सामान्य, ध्यानपूर्ण, तनावग्रस्त तथा मनोरोग संबंधी मस्तिष्क अवस्थाओं को मापने तथा वर्गीकृत करने के लिए क्यूईईजी उपकरण के रूप में सूक्ष्म अवस्थाएँ तथा कॉर्टिकल स्रोत, शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग

9. इन्टर्नलाइजिंग रोग से पीड़ित किशोरों के बीच एक ट्रांस-डायग्नोस्टिक उपचार दृष्टिकोण के रूप में न्यूरो-बायोफीडबैक, मनोचिकित्सा विभाग

10. भारतीय इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं में इंजेक्शन ड्रग चिह्नों की प्रोफाइलिंग, त्वचारोग विज्ञान विभाग

11. लैप्रोस्कोपिक इनगुइनल हर्निया सर्जरी के बाद ऑपरेशन करवाने के पश्चात दर्द, सूजन और रक्तगुल्म को कम करने में अंडकोषीय सहायता की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

पूर्ण

1. रक्तदाताओं के बीच अवसाद से संबंधित घटनाओं के लिए मदों का आकलन करने तथा उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार शैक्षणिक संस्थान, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में उनकी उपस्थिति और सामग्री की वैधता स्थापित करने के लिए एक पायलट अध्ययन

2. मनोचिकित्सा विभाग में द्विध्रुवी विकार से ग्रस्त रोगियों में क्रोनोटाइप से जुड़े नैदानिक कारकों का मूल्यांकन

3. पुल्मोनरी प्ल्यूरल रोगों के कारण वक्षीय सर्जरी कराने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एक संभावित समूह अध्ययन, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

4. द्वि चरण वीएस एकीकृत ईसीएमओ का उपयोग करते हुए 2-6 महीने की आयु वर्ग में प्रतिगामी एलवी के साथ टीजीए इन्टेक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम में एएसओ का परिणाम - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, सीटीवीएस

5. एफएनआईआरएस, एसएसीसीआईडीआईसी नेत्र गति और उपचार के प्रभाव का उपयोग करके एडीएचडी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल गतिविधि का आकलन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, मनोचिकित्सा विभाग

10.6_.indd 1371 1/7/2026 1:12:30 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-23	2023-24	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	18	26	13
कुल वित्तपोषण (रुपये में)	1752.98 लाख रुपये	1030.62 लाख रुपये	2059.24 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 48 सार: 10 पुस्तक में अध्याय: 01 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**110**	**75**	**60**
पत्रिकाओं में लेख	97	65	48
सार	5	3	10
पुस्तकों में अध्याय	6	6	1
पुस्तकें	2	1	1

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत: रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित के बारे में जानकारी उपलब्ध करें।

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक तथा/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

कृपया जहां भी उपयुक्त हो, वहां डेटा भी उपलब्ध कराएं।

रोगी उपचार *(विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)*

वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए डेटा

1 बाह्य रोगी सेवाएँ

सामान्य ओपीडी	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ओपीडी	6015	113954	119969
त्रिलोक पुरी (सामुदायिक क्लिनिक)	185	39577	39762
सुंदर नगरी (सामुदायिक क्लिनिक)	256	160338	160594
कोटला मुबारक पुर (सामुदायिक क्लिनिक)	191	26538	26729
कुल रोगी	6647	340407	347054

10.6_.indd 1372 1/7/2026 1:12:30 PM

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 6 विशेष क्लीनिक चलाता है जिनमें दोहरा निदान क्लिनिक, व्यवहार व्यसन क्लिनिक, किशोरावस्था क्लिनिक, तंबाकू निषेध क्लिनिक, महिला क्लिनिक और परिवार सशक्तिकरण क्लिनिक शामिल हैं

2 अन्य रोगी उपचार आँकड़े

विशिष्टता क्लिनिक			
किशोर क्लिनिक	23	105	128
दोहरा निदान (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र)	77	197	274
तंबाकू निषेध	26	257	283
महिला क्लिनिक	29	106	135
परिवार सशक्तिकरण क्लिनिक	01	09	10
क्लैप क्लिनिक	323	1094	1417
व्यवहारिक लत	18	42	60
दोहरा निदान (एम्स)	68	444	512
कुल रोगी	**565**	**2254**	**2819**

अंत: रोगी सेवाएं

कुल भर्ती रोगी 1345

*ओपिओइड (मॉर्फिन, कोडीन, ब्यूप्रेनॉर्फिन, डेक्सट्रोप्रोपॉक्सीफीन, पेंटाजोसिन, ट्रामाडोल), फेनिरामाइन, नाल्ट्रेक्सोन, बेंजोडायजेपाइन, कोटिनिन, कैनबिस और इनहेलेंट) के लिए स्क्रीनिंग की गई कुल औषधि।

वर्तमान (2024-25) और पिछले दो वर्षों (2023-2024, 2022-23) में रोगी उपचार आँकड़े

मद	**2022 - 23**	**2023-24**	**2024-25**
ओपीडी परामर्श	312793	349042	347054
विशेष क्लिनिक परामर्श	565	2254	2819
कुल अंत: रोगी भर्ती	1165	1380	1345
सामुदायिक क्लिनिक परामर्श	209, 845	239, 564	227085
कुल रूधिर विज्ञान परीक्षण	82059	83083	61743
कुल जैव रसायन परीक्षण	110233	122749	83873
कुल एचआईवी स्क्रीनिंग	584	655	641

10.6_.indd 1373 1/7/2026 1:12:30 PM

ओपिओइड (मॉर्फिन, कोडीन, ब्यूप्रेनॉर्फिन, डेक्सट्रोप्रोपॉक्सीफीन, पेंटाजोसिन, ट्रामाडोल), फेनिरामाइन, नाल्ट्रेक्सोन, बेंजोडायजेपाइन, कोटिनिन, कैनबिस और इनहेलेंट) के लिए स्क्रीनिंग की गई कुल औषधि।	42386	81496	83565

दोनों योजनाओं (एटीएफ तथा डीटीसी) के अंतर्गत देश भर में राज्यवार कार्यरत सरकारी स्वास्थ्य उपचार सुविधाएं-राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा समन्वित (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के माध्यम से निधियां प्रदान की गईं)

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	एटीएफ के नाम तथा स्थान
1.	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज, विजयवाड़ा
2.	अरुणाचल प्रदेश	चांगलांग	जिला अस्पताल चांगलांग जिला अस्पताल
3.	अरुणाचल प्रदेश	दिबांग घाटी	अन्नी दिबांग घाटी
4.	अरुणाचल प्रदेश	नामसाई	जिला अस्पताल नामसाई
5.	असम	गुवाहाटी	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी
6.	असम	जोरहाट	जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जोरहाट)
7.	असम	तेजपुर	लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (एलजीबीआईएमएच) तेजपुर
8.	बिहार	पटना	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना
9.	दिल्ली (एनसीटी)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली (एलएचएमसी)
10.	दिल्ली (एनसीटी)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, पश्चिमी दिल्ली
11.	दिल्ली (एनसीटी)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	एलबीएस जिला अस्पताल, पूर्वी दिल्ली

10.6_.indd 1374 1/7/2026 1:12:30 PM

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	एटीएफ के नाम तथा स्थान
12.	दिल्ली (एनसीटी)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	एटीएफ महिला क्लिनिक परदाबाग, निशादराज मार्ग दरियागंज (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली)
13.	दिल्ली (एनसीटी)	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	वीएमएमसी तथा सफदरजंग अस्पताल
14.	गोवा	मापुसा उत्तरी जिला	उत्तरी जिला अस्पताल मापुसा, गोवा
15.	गोवा	दक्षिण जिला मडगांव	दक्षिण गोवा जिला अस्पताल होस्पिसियो मार्गो, गोवा
16.	गुजरात	अहमदाबाद	नरेंद्र मोदी (पूर्व में एएमसी एमईटी) मेडिकल कॉलेज तथा सेठ एलजी जनरल अस्पताल मणिनगर (अहमदाबाद)
17.	गुजरात	बड़ौदा	मेडिकल कॉलेज एसएसजी, बड़ौदा
18.	गुजरात	जामनगर	एमपी साह सरकारी मेडिकल कॉलेज, जामनगर
19.	गुजरात	मेहसाणा	जनरल अस्पताल, मेहसाणा
20.	हरियाणा	भिवानी	डीसीएच भिवानी
21.	हरियाणा	हिसार	डीसीएच हिसार
22.	हरियाणा	जींद	डीसीएच जींद
23.	हरियाणा	कैथल	डीसीएच कैथल
24.	हरियाणा	करनाल	डीसीएच करनाल
25.	हरियाणा	यमुना नगर	एमएलडीसीएच यमुना नगर
26.	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	क्षेत्रीय अस्पताल, कुल्लू
27.	जम्मू और कश्मीर	अनंतनाग	सरकारी मेडिकल कॉलेज, अनंतनाग
28.	जम्मू और कश्मीर	बांदीपुरा	जिला अस्पताल, बांदीपोरा
29.	जम्मू और कश्मीर	बारामूला	जीएमसी, बारामूला

10.6_.indd 1375 1/7/2026 1:12:30 PM

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	एटीएफ के नाम तथा स्थान
30.	जम्मू और कश्मीर	बडगाम	जिला अस्पताल, बडगाम
31.	जम्मू और कश्मीर	डोडा	सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, डोडा
32.	जम्मू और कश्मीर	जम्मू	सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू
33.	जम्मू और कश्मीर	कठुआ	जीएमसी कठुआ
34.	जम्मू और कश्मीर	किश्तवाड़	डीएच किश्तवाड़
35.	जम्मू और कश्मीर	कुलगाम	जिला अस्पताल, कुलगाम
36.	जम्मू और कश्मीर	कुपवाड़ा	जिला अस्पताल, कुपवाड़ा
37.	जम्मू और कश्मीर	पुंछ	जिला अस्पताल पुंछ
38.	जम्मू और कश्मीर	पुलवामा	जिला अस्पताल, पुलवामा
39.	जम्मू और कश्मीर	राजौरी	सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, राजौरी
40.	जम्मू और कश्मीर	शोपियां	जिला अस्पताल, शोपियां
41.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	आईएमएचएएनएस जीएमसी, श्रीनगर
42.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	स्किम्स श्रीनगर
43.	झारखंड	देवघर	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर
44.	झारखंड	सिमडेगा	सदर अस्पताल, सिमडेगा
45.	मध्य प्रदेश	भोपाल	एम्स, भोपाल
46.	मध्य प्रदेश	जबलपुर	एनजेएससीबी जीएमसीएच जबलपुर

10.6_.indd 1376 1/7/2026 1:12:30 PM

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	एटीएफ के नाम तथा स्थान
47.	महाराष्ट्र	नागपुर	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नागपुर
48.	महाराष्ट्र	पुणे	बीजे मेडिकल कॉलेज तथा ससून अस्पताल, पुणे
49.	मेघालय	तुरा	सिविल अस्पताल, तुरा
50.	मिजोरम	अज़ावल	कुलिकावन सब-डिवीजन अस्पताल
51.	नगालैंड	मोन	जिला अस्पताल, मोन
52.	राजस्थान	अजमेर	जेएलएन अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, अजमेर
53.	राजस्थान	बारां	एसआरएम जीएच/सीएच, बारां
54.	राजस्थान	बीकानेर	पीबी सिंह मेमोरियल अस्पताल एसपीएमसीएच, बीकानेर (डिमहांस)
55.	राजस्थान	जोधपुर	एम्स, जोधपुर
56.	राजस्थान	पाली	सरकारी बांगुर अस्पताल तथा जीएमसी पाली
57.	सिक्किम	पश्चिम सिक्किम	जिला अस्पताल ग्यालसिंग, पश्चिम सिक्किम
58.	त्रिपुरा	अगरतला	आधुनिक मनोचिकित्सा अस्पताल, अगरतला
59.	त्रिपुरा	गोमती	जिला अस्पताल, गोमती
60.	उत्तर प्रदेश	आजमगढ़	मण्डलीय जिला चिकित्सालय, आज़मगढ़
61.	उत्तर प्रदेश	बेहराइच	एमएसडी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, बेहराइच
62.	उत्तर प्रदेश	बदायूं	जिला अस्पताल, बदायूं
63.	उत्तर प्रदेश	नोएडा	डीसीएच गौतमबुद्ध नगर, नोएडा
64.	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	एम्स, गोरखपुर
65.	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	पीडीडीयू डीसीएच, मुरादाबाद
66.	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज (इलाहाबाद)
67.	उत्तर प्रदेश	रायबरेली	एम्स, रायबरेली
68.	उत्तर प्रदेश	सहारनपुर	जिला अस्पताल, सहारनपुर
69.	उत्तर प्रदेश	शाहजहांपुर	एएसएमसी शाहजहांपुर

10.6_.indd 1377 1/7/2026 1:12:30 PM

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	एटीएफ के नाम तथा स्थान
70.	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थ नगर	माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर
71.	उत्तराखंड	देहरादून	एम्स, ऋषिकेश, देहरादून
72.	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मुर्शिदाबाद
73.	पश्चिम बंगाल	कल्याणी (नादिया)	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कल्याणी, नादिया

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	डीटीसी सुविधा का नाम
1.	असम	डिब्रूगढ़	डीटीसी असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, डिब्रूगढ़
2.	दिल्ली	राष्ट्रीय राजधानी, क्षेत्र दिल्ली	डीटीसी एवं सामुदायिक क्लिनिक कोटला मुबारकपुर (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, एम्स)
3.	गुजरात	सूरत	डीटीसी न्यू सिविल अस्पताल सूरत
4.	हरियाणा	रोहतक	डीटीसी पंडित पीडी शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस), रोहतक
5.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	डीटीसी मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (आईएमएचएएनएस)
6.	मध्य प्रदेश	इंदौर	डीटीसी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, इंदौर
7.	महाराष्ट्र	भरदावाड़ी	डीटीसी औषध नशा मुक्ति केंद्र, भारदावाड़ी
8.	महाराष्ट्र	धुले	डीटीसी श्री भाऊसाहेब जीएमसीएच, धुले
9.	महाराष्ट्र	मुंबई	डीटीसी गोकुलदास तेजपाल अस्पताल (जीटीएच), मुंबई
10.	महाराष्ट्र	मुंबई	डीटीसी किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल, मुंबई
11.	महाराष्ट्र	नागपुर	डीटीसी सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसीएच), नागपुर
12.	महाराष्ट्र	उस्मानाबाद	डीटीसी जिला सिविल अस्पताल, उस्मानाबाद
13.	महाराष्ट्र	राजावाड़ी	डीटीसी राजावाड़ी अस्पताल, राजावाड़ी

10.6_.indd 1378 1/7/2026 1:12:30 PM

क्र. सं.	राज्य	ज़िला	डीटीसी सुविधा का नाम
14.	मणिपुर	बिष्णुपुर	डीटीसी जिला अस्पताल, बिष्णुपुर
15.	मणिपुर	चुराचांदपुर	डीटीसी जिला अस्पताल, चुराचांदपुर
16.	मणिपुर	इम्फाल	डीटीसी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, इम्फाल
17.	मणिपुर	थौबल	डीटीसी जिला अस्पताल, थौबल
18.	नागालैंड	कोहिमा	डीटीसी नागा स्वास्थ्य प्राधिकरण कोहिमा, नागालैंड
19.	पंजाब	बठिंडा	डीटीसी सिविल अस्पताल बठिंडा, पंजाब
20.	पंजाब	कपूरथला	डीटीसी सिविल अस्पताल कपूरथला, पंजाब
21.	सिक्किम	सिक्किम	डीटीसी जिला अस्पताल, सिंग्टोम सिक्किम
22.	तमिलनाडु	चेन्नई	मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, मद्रास मेडिकल कॉलेज, किलपौक, चेन्नई
23.	तेलंगाना	हैदराबाद	डीटीसी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एर्रागड्डा, हैदराबाद
24.	उत्तर प्रदेश	आगरा	डीटीसी एसएन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, आगरा
25.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	डीटीसी किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ (यूपी)

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफ़ेसर अंजू धवन नीति विषयक समिति (थीसिस) एम्स की सदस्य थीं। योग और ध्यान - विशेषता अनुभाग भारतीय मनोरोग सोसायटी की सलाहकार थीं। एपीएसआई (एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया) की कार्यकारी समिति की सदस्य थीं। 23-24 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित 5वीं भारत-अमेरिका काउंटर नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप (सीएनडब्ल्यूजी) की बैठक के सदस्य थे। 10-14 मार्च 2025 को वियना में आयोजित नारकोटिक ड्रग्स आयोग के 68वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा किया गया। औषध निर्भरता पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की 47वीं विशेषज्ञ समिति के लिए मुख्य बिंदु के रूप में इन्हें नामित किया गया था। सभी नए मानक उपचार दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य। ड्रग डी-एडिक्शन प्रोग्राम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित साइकोएक्टिव पदार्थ (एनपीएस)। 30 जून 2024 को नई दिल्ली में "ड्रग्स तथा मादक द्रव्यों के सेवन एवं इनकी अवैध तस्करी की रोकथाम पर संयुक्त कार्य योजना के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा हेतु सह परामर्श के लिए नामित। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नशा मुक्ति कार्यक्रम द्वारा चयनित नशे की लत को समाप्त करने वाली दवाओं पर स्थायी विशेषज्ञ समिति की सदस्य थी।

10.6_.indd 1379 1/7/2026 1:12:30 PM

प्रोफ़ेसर सोनाली झांझी 2 जुलाई 2024 को शुरू किए गए तंबाकू निषेध हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के नैदानिक उपचार दिशा-निर्देशों हेतु दिशा-निर्देश विकास समूह (जीडीजी) की सदस्य थीं। संज्ञानात्मक गिरावट तथा मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम न्यूनीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अद्यतन हेतु दिशा-निर्देश विकास समूह (जीडीजी) की सदस्य थीं। 9 फरवरी को आईएसीएएम, एम्स, नई दिल्ली के राष्ट्रीय मध्यावधि सीएमई में "डिसोसिएटिव डिसऑर्डर वाले बच्चे का उपचार" शीर्षक वाले सत्र में भाग लिया। उन्हें इसकी अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। 25 जनवरी को 76वें एएनसीआईपीएस, अर्थात भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद में बाल आयु वर्ग में ऑनलाइन गेमिंग की लत: एक प्रमुख स्वास्थ्य अवसाद-निदान, उपचार तथा परामर्श शीर्षक वाले सत्र की अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। भारत में तंबाकू निषेध सेवाओं पर विशेषज्ञ समिति की सदस्य के रूप में, भारत में तंबाकू निषेध की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने हेतु राष्ट्रीय नीति कार्य योजना (2025-30) पर जानकारी देने के लिए 11-12 नवंबर 2024 को मानेसर में हुई बैठक में भाग लिया।

प्रोफ़ेसर अतुल अम्बेकर ने नारकोटिक ड्रगआयोग (सीएनडी) के 68वें सत्र, जिसमें उच्च-स्तरीय सेगमेंट भी शामिल था, में भारत सरकार (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधि) के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया। मार्च 2025 में वियना, ऑस्ट्रिया में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दो संबोधन दिए। मार्च 2025 में वियना, ऑस्ट्रिया में नारकोटिक ड्रग्स पर आयोग (सीएनडी) की बैठक में भाग लेने के लिए भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में और अंततः तैयारी के लिए संचालन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। सितंबर 2024 में वियना, ऑस्ट्रिया में संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) द्वारा नशीली दवाओं के उपयोग के परिणामों पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। अक्टूबर 2024 में लिस्बन, पुर्तगाल में यूरोपीयन यूनियन ड्रग्स एजेंसी (ईयूडीए) द्वारा नशीली दवाओं के उपयोग महामारी विज्ञान तथा निगरानी प्रणाली पर विशेषज्ञ बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। जुलाई 2024 में बैंकॉक, थाईलैंड में अवैध शराब की तस्करी पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। सीडीएससीओ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित टैपेंटाडोल की समय-सारणी पर विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया (2024)। एनडीपीएस टास्क फोर्स, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी के सलाहकार के रूप में कार्य किया (2024-25)। एनएलआर, भारत की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया (2024-25)। हृदय, अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया (2024-25)। आईसीएपी (अल्कोहल समस्याओं के लिए एकीकृत उपचार) अध्ययन के लिए परीक्षण संचालन समिति (टीएससी) - संगथ, गोवा, भारत और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यूके (2024-26) के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

प्रोफ़ेसर रचना भार्गव दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचंडी थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक रहीं। भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ की महासचिव (2023-25) रहीं। भारतीय सामाजिक मनोरोग पत्रिका की सह-संपादक थीं। भारतीय बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य संघ की पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में कार्यरत थीं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिल्ली के बाल उपचार संस्थानों की निरीक्षण समिति की विशेषज्ञ सदस्य थीं।

डॉ. सिद्धार्थ सरकार इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकियाट्री के उप-संपादक थे। मनोचिकित्सा के क्षेत्र की कई पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में सदस्य थे। इनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के लिए प्रशिक्षण सामग्री निर्मित की। उत्तराखंड राज्य के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञ। एम्स, गोरखपुर

10.6_.indd 1380 1/7/2026 1:12:30 PM

और एम्स, मदुरै के अध्ययन बोर्ड में बाह्य विशेषज्ञ थे। भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय सम्मेलन में विशेषज्ञ। यूएनओडीसी - एनआईएसडी - नीति निर्माताओं के प्रशिक्षण हेतु नामित सदस्य। एनआईएसडी पीएचडी और डीएम थीसिस मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ रहे।

डॉ. शालिनी सिंह खोतपुरा, पानीपत, हरियाणा में एमआरएचआरयू के लिए स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समूह की आईसीएमआर-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान की सदस्य थीं।

डॉ रोशन मोहनपंत भड़ एडिक्शन साइकेट्री सेक्शन, वर्ल्ड साइकेट्री एसोसिएशन के सचिव के रूप में निर्वाचित हुए। आईएसएएम, हैम्बर्ग की 27वीं वार्षिक कांग्रेस की वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में नामित किए गए। इण्यिन साइकेट्री सोसाइटी के आपातकालीन एवं आपदा मानसिक स्वास्थ्य अनुभाग के संयोजक के रूप में नामित हुए।

डॉ. रिज़वाना कुरैशी इफरा नाज़, रिज़वाना कुरैशी, अतुल अम्बेकर, रमन दीप, शालिनी सिंह ने "गैलानिन और इसके रिसेप्टर जीन बहुरूपता का ओपिओइड डिपेंडेंश के साथ संबंध: एक केस-कंट्रोल अन्वेषणात्मक अध्ययन" पर एडिकॉन 2024 में 17-19 अक्टूबर श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर **(एमडी थीसिस: गाइड)** के दौरान डॉ सादगी जागवत पुरस्कार जीता। विनीत पटेल, रवींद्र राव, रोशन भड़, अश्विनी के मिश्रा, रिज़वाना कुरैशी, यशदीप गुप्ता। "ओपिओइड डिपेंडेंश वाले पुरुषों में यौन क्रियाशीलता तथा सेक्स हार्मोन के स्तर पर ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार का प्रभाव: एक समुदाय आधारित संभावित अवलोकन अध्ययन" पर एडिकॉन 2024 में 17-19 अक्टूबर श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के दौरान बेस्ट थीसिस पुरस्कार जीता। **(सह-गाइड के रूप में डीएमपीसिस)**

डॉ. पियाली मंडल आईएसएएम 2025, के लिए आईएसएएम-एनआईडीए यात्रा सहायता अनुदान के लिए डीएम रेजिडेंट, "ड्रग निर्भरता वाली महिलाओं में उपचार प्रतिधारण और संबंधित कारक: एक लॉंगीट्यूडनल अध्ययन" (थीसिस पर आधारित) शीर्षक वाले पेपर के लिए मुख्य गाइड रहीं।

डॉ. गौरी शंकर कलोइया सोसाइटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी के महासचिव। एसपीआरईएमएच मनोचिकित्सा विभाग, एम्स के कोषाध्यक्ष। पीएच डी. थीसिस मूल्यांकन - दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय।

डॉ. अश्विनी कुमार मिश्रा:राष्ट्रीय स्तर: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई), भारत सरकार के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए अनुदान सहायता योजना के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नामित किए गए। राजेंद्र प्रसाद आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), रांची में डेटा एवं सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएफडब्ल्यू), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार (जीओआई) के लिए बाह्य विशेषज्ञ सदस्य संस्थान आचार समिति (आईईसी) के रूप में नामित किए गए। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), छत्तीसगढ़ में संकायों के लिए इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना की समीक्षा और मंजूरी के लिए बाह्य सदस्य के रूप में नामित। यूजीसी- नेट 2024 पर्यावरण विज्ञान-सांख्यिकी, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए पैनल विशेषज्ञ सदस्य थे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर: इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स (आईएससीबी) की शिक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में चयनित किए गए। इंटरनेशनल स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट के निर्वाचित सदस्य थे। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टैटिस्टिकल एजुकेशन के निर्वाचित सदस्य थे। प्रोफेशनल सोसाइटी इंडियन

10.6_.indd 1381 1/7/2026 1:12:31 PM

एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पॉपुलेशन (आईएएसपी) के आजीवन सदस्य रहे। फ्रंटियर्स पत्रिका के पब्लिक मेंटल हेल्थ के विशेष खंड के सह-संपादक। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स (आईएससीबी) की शिक्षा उप-समिति के विकासशील देशों के एकमात्र सदस्य थे।

अतिथि वैज्ञानिक- 2

डॉ. बेंजामिन शेफर्ड स्कॉटलैंड के एनएचएस लोथियन में व्यसन मनोचिकित्सा के विशेषज्ञ चिकित्सक रहे। सर्जन कमांडर सरगुनदीप सिंह, भारतीय नौसेना- क्लिनिकल ऑब्ज़र्वरशिप थे।

10.6_.indd 1382 1/7/2026 1:12:31 PM

10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र

विभागाध्यक्ष
मिहिर प्रकाश पांडिया

आचार्य

राजेंद्र सिंह चौहान
हिमांशु प्रभाकर
इंदु कपूर
गिरिजा प्रसाद रथ
चारु महाजन
सूर्य कुमार दुबे

सह - आचार्य
सुमन सोखल

सहायक आचार्य
हिरोक रॉय

विशिष्टताएं

तंत्रिका विज्ञान केंद्र के तंत्रिका शल्य चिकित्सा ऑपरेशन थिएटर में 4046 तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं हेतु संवेदनाहरण उपचार किया गया तथा आवश्यकतानुसार 2 गामा-नाइफ सुइट में सेवाएँ प्रदान की गईं। 726 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 514 और एमआरआई सुइट में 212) के लिए संवेदनाहरण उपचार किया गया। 6677 आईसीयू रोगियों को गहन उपचार प्रदान किया गया। एनएससी के प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक में कुल 4148 रोगी (2812 नए एवं 1336 पुराने) देखे गए। पीड़ा क्लिनिक, ओपीडी, एनएससी में कुल 886 रोगी (192 नए एवं 694 पुराने) देखे गए तथा डे केयर के आधार पर 400 से अधिक पीड़ा निवारण संबंधी प्रक्रियाएँ संपन्न की गईं।

इस वर्ष विभाग में अनुसंधान प्रबंधों सहित बीस शोध परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं और 28 अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। संकाय सदस्य दो अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिनमें से एक परियोजना पहले ही पूर्ण हो चुकी है। एक संकाय-सदस्य वर्तमान में एक आंतरिक वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना पर काम कर रहे हैं। संकाय-सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 40 व्याख्यान दिए हैं। विभाग ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 35 शोधपत्र, 1 सार, 6 पुस्तक अध्याय तथा 2 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विभाग के संकाय-सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त हुए हैं।

शिक्षा

पाँच अभ्यर्थियों को डीएम (तंत्रिकासंवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार) की डिग्री तथा 2 अभ्यर्थियों को तंत्रिका गहन उपचार में फेलोशिप प्रदान की गई। चार नए अभ्यर्थी डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए और एक अभ्यर्थी न्यूरोक्रिटिकल केयर फेलोशिप पाठ्यक्रम में शामिल हुआ। छब्बीस वरिष्ठ रेजिडेंट (शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक वरिष्ठ रेजिडेंट विभाग में कार्यरत हैं, 2 न्यूरो क्रिटिकल केयर फेलो हैं)। 24 कनिष्ठ रेजिडेंट, संवेदनाहरण विज्ञान, गहन उपचार एवं पीड़ा चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली; सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली के 12 वरिष्ठ रेजिडेंट को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एम्स, मंगलागिरि के 2 कनिष्ठ रेजिडेंट; लेडी हार्डिंग

10.7_.indd 1383 1/10/2026 3:19:30 PM

मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के 12 कनिष्ठ रेजिडेंट तथा जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली के 1 वरिष्ठ रेजिडेंट को ऑब्जर्वरशिप तथा प्रशिक्षण प्रदान किया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: लागू नहीं

विभाग में पंजीकृत प्रशिक्षु छात्रों की संख्या:

पंजीकृत छात्र/प्रशिक्षु	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल छात्र/प्रशिक्षु	61	45	28

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 38

गिरिजा प्रसाद रथ: 7
हिमांशु प्रभाकर: 9
चारु महाजन: 4
इंदु कपूर: 3
सूर्य कुमार दुबे: 4
सुमन सोखल: 4
हिरोक रॉय: 7

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
32	60	38

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 21

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
6	15	21

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मध्यम से गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क विक्षति से पीड़ित रोगियों में मस्तिष्क विक्षति बायोमार्कर पर आईसीयू सेडेशन के लिए कीटोफोल बनाम फेंटेनाइल तथा मिडाज़ोलम का प्रभाव - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ सुमन सोखल, एम्स, 2 वर्ष, 2024-2026, 8.50 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एन्यूरिज्मल सबराचनोइड रक्तस्राव के रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज्म पर पेरिऑपरेटिव स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
2. पेट के बल लेटकर रीढ़ की सर्जरी करवाने वाले रोगियों के एयरवे में परिवर्तन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

10.7_.indd 1384 1/10/2026 3:19:30 PM

3. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी करवाने वाले रोगियों में प्रोपोफोल के लक्ष्य नियंत्रित इंफ्यूजन बनाम मैनुअल नियंत्रित इंफ्यूजन में रिकवरी प्रोफ़ाइल का आकलन: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

4. हृदयाघात से उभरे कोमाग्रस्त वयस्क रोगियों में न्यूरो-पूर्वानुमान के लिए ब्रेन अल्ट्रासोनोग्राफी: रिवाइव परीक्षण

5. ऐच्छिक सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में एनेस्थीसिया से उभरने पर प्रोपोफोल बनाम कीटोफोल के प्रभाव की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी

6. वैकल्पिक तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रियाधीन वयस्क रोगियों में रोकुरोनियम प्रेरित न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड में परिवर्तन के लिए सुगमाडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन की तुलना

7. वयस्क शल्य चिकित्सा प्रक्रियाधीन रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आंतरिक जुगुलर शिरापरक कैनुलेशन के लिए गतिशील निडल टिप स्थिति बनाम लघु अक्ष तकनीक: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

8. सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन बच्चों में इंट्राऑपरेटिव ओपिओइड खपत एवं पोस्टऑपरेटिव दर्द पर द्विपक्षीय स्कैल्प ब्लॉक का प्रभाव

9. इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म के लिए इलेक्टिव क्रैनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज्म से जुड़े बायोमार्कर पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

10. एन्यूरिज्म क्लिपिंग प्रक्रियाधीन रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

11. पार्श्व स्थिति क्रेनियोटॉमी सर्जरी प्रक्रियाधीन रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एयरवे मापदंडों पर लक्ष्य निर्देशित फ्ल्यूड थेरेपी का प्रभाव।

12. जागृत क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में मेलाटोनिन प्रीमेडिकेशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर के लिए एवेक क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व अवसाद एवं शल्यक्रिया-पश्चात परिणाम पर नींद के पैटर्न का प्रभाव

14. इनहेलेशनल एनेस्थीसिया के तहत सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया और 3 महीने के परिणाम पर प्रणालीगत लिडोकेन एवं डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

15. सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन रोगियों में शल्यक्रिया-पूर्व चिंता को कम करने में ओरल मेलाटोनिन पूर्व-चिकित्सा की प्रभावकारिता

16. ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति के रोगियों में जुगुलर वेनियस ऑक्सीमेट्री एसजेवीओ2 पर डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टोमी के प्रभाव का मूल्यांकन करना

17. टैंडम ऑक्लूजन के कारण तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में एन्डोवस्कुलर थेरेपी के लिए जर्नल ऐन्सथीसिया बनाम कोन्सियस सिडेशन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

10.7_.indd 1385 1/10/2026 3:19:30 PM

18. वैकल्पिक क्रेनियोटॉमी सर्जरी के बाद यकृत विक्षति - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

19. सिंड्रोमिक और गैर-सिंड्रोमिक बच्चों में क्रेनियोसिनोस्टोसिस के सर्जिकल सुधार के दौरान अंतःक्रियात्मक जटिलताएं: एक संभावित, अवलोकनात्मक, तुलनात्मक, प्रारंभिक अध्ययन।

20. गंभीर मस्तिष्क क्षति के बाद ब्रैन डेथ के मूल्यांकन के पूर्वानुमान के रूप में नियर-इन्फरेरेड स्पेक्ट्रोस्कोपी

21. ट्रोमिक सर्वाइकल स्पाइन की रीढ़ की विक्षति में न्यूरोजेनिक शॉक - प्राकृतिक इतिहास एवं अंतःशिरा वैसोप्रेसर्स से छुटकारा पाने में सहायक के रूप में ओरल दवाओं का उपयोग।

22. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट में कार्डियक अरेस्ट के बाद रोगियों के न्यूरोलॉजिकल परिणाम: द रीस्टोर स्टडी

23. गंभीर रूप से बीमार तंत्रिका रोगियों में न्यूरोप्रग्नोस्टिकेशन - निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में विद्यमान प्रैक्टिस

24. मध्यम से गंभीर ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति वाले गंभीर रूप से बीमार बाल रोगियों में न्यूरोप्रग्नोस्टिकेशन: एक संभावित अध्ययन

25. सिंड्रोमिक एवं गैर-सिंड्रोमिक बच्चों में क्रेनियोसिनोस्टोसिस के सर्जिकल सुधार के दौरान पेरिऑपरेटिव जटिलताएं: एक संभावित अवलोकन संबंधी प्रारंभिक अध्ययन।

26. तंत्रिका शल्य चिकित्सा इंटरवेंशन प्रक्रियाधीनमेटास्टेटिक मस्तिष्क विक्षतियों वाले रोगियों के परिणाम पर पेरिऑपरेटिव कारकों का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अवलोकनात्मक अध्ययन

27. ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति से पीड़ित वयस्कों में आईसीपी माप की नॉन-इन्वेंसिव (एनआईआरएस एवं ओएनएसडी) तथा आक्रामक (आईसीपी कैथेटर) तकनीकों के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन करना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

28. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में न्यूरोएनेस्थीसिया के अभ्यास को समझना (सर्वेक्षण)

पूर्ण

1. मध्यम से गंभीर ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति से पीड़ित रोगियों में तीन महीने तक एक्सट्रेडिड ग्लासगो परिणाम पैमाने पर आईसीयू में बेहोशी के लिए फेंटेनाइल और मिडाज़ोलम के प्रभाव की केटोफोल के साथ तुलना करना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

2. मध्यम से गंभीर ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति से पीड़ित रोगियों में तीन महीने तक एक्सट्रेडिड ग्लासगो परिणाम पैमाने पर आईसीयू में बेहोशी के लिए फेंटेनाइल और मिडाज़ोलम के प्रभाव की केटोफ़ोल के साथ तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

3. सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीनरोगियों में चयापचय मापदंडों तथा मस्तिष्क रिलैक्सेशन के संबंध में 0.9% नोर्मल सलाइन, स्टीरियोफंडिन एवं प्लास्मलाइट की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. विभिन्न तंत्रिका शल्य चिकित्सा स्थितियों के दौरान इंट्रा-एब्डॉमिनल प्रेशर (आईएपी) की तुलना।

10.7_.indd 1386 1/10/2026 3:19:30 PM

5. वैकल्पिक इंट्राक्रैनील ट्यूमर एक्सिशन के लिए क्रैनियोटॉमी प्रक्रियाधीनरोगियों में कफ लीक टेस्ट द्वारा मूल्यांकन के अनुसार पोस्टऑपरेटिव लेरिंजियल एडिमा का विकास: एक संभावित, अवलोकनात्मक, प्रारंभिक अध्ययन।

6. गंभीर ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में प्रारंभिक मात्रात्मक प्युपिलोमेट्री सूचकांक: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

7. एवेक क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीनरोगियों के नैदानिक परिणामों पर आयु परिवर्तनशीलता का प्रभाव

8. पार्श्व स्थिति क्रेनियोटॉमी के बाद एक्स्ट्रावैस्कुलर लंग वॉटर पर इंट्राऑपरेटिव लक्ष्य-निर्देशित फ्ल्यूड थेरेपी का प्रभाव, एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

9. पार्श्विक स्थिति क्रेनियोटॉमी के बाद एक्स्ट्रावैस्कुलर लंग वॉटर पर इंट्राऑपरेटिव लक्ष्य-निर्देशित फ्ल्यूड थेरेपी का प्रभाव, एक संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंडेड अध्ययन

10. कफ लीक टेस्ट और लेरिंजियल अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा मूल्यांकन किए गए पोस्ट-इंटुबेशन लेरिंजियल एडिमा पर तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए रोगी की स्थिति का प्रभाव - एक संभावित, अवलोकनात्मक, प्रारंभिक अध्ययन।

11. सर्वाइकल स्पाइन की ऑपरेटिव फिक्सेशन के बाद फेफड़ों के एरेशन स्कोर पर सुगमाडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन रिवर्सल का प्रभाव: एक संभावित, डबल ब्लाइंडेड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

12. एशिया में समस्या-आधारित शिक्षण तथा चर्चा प्रारूप के साथ न्यूरोक्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता।

13. रीढ़ की सर्जरी के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर प्रेरित क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की विभिन्न कंसट्रेशन का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

14. इंट्राक्रैनियल मेनिंगियोमा का निष्कासन प्रक्रियाधीन रोगियों में परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव जुगलर वेनस ऑक्सीमेट्री आधारित उपचार का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन।

15. निम्न-आय एवं मध्यम-आय वाले देशों में न्यूरोक्रिटिकल केयर संगठन

16. सुप्रार्टेंटोरियल ट्यूमर में क्रेनियोटॉमी के लिए ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन

17. वृद्ध रोगियों में सुप्रार्टेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड स्पेरिंग एनेस्थीसिया तकनीक [ओपीआईएटीई]: एक ओपल लेबल अध्ययन

18. ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति पीड़ित रोगियों में कमजोरी की पहचान करने तथा परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

19. तंत्रिका शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव एनेस्थीसिया परामर्श की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन

20. निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में गंभीर ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति से पीड़ित रोगियों के लिए वेंटिलेटरी नीतियाँ - वेंटिलोमिक्स सर्वेक्षण

10.7_.indd 1387 1/10/2026 3:19:30 PM

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी (2अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अध्ययन)

1. मैगपाइज़ अध्ययन - वैश्विक सर्जरी की मेपिंग। यह एक बहु-केन्द्रित अध्ययन है जिसका नोडल केंद्र बर्मिंघम, यू.के है।
2. कोमा के उपचार का अभियान, एक्यूट कोमा, व्यावहारिक भावी अवलोकनात्मक (रचना) अध्ययन, बायलर सेंट ल्यूक मेडिकल केंद्र एवं कॉलेज ऑफ मेडिसिन, यू.एस.ए

पूर्ण

1. इंट्राक्रैनियल एन्यूरिज्म के लिए वैकल्पिक क्रैनियोटॉमी प्रक्रियाधीनरोगियों में सर्जरी के बाद बेहतर रिकवरी [ईआरएएस] प्रोटोकॉल बनाम पारंपरिक उपचार की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	4	2	1
कुल वित्तपोषण	12.81 लाख रुपये	13.20 लाख रुपये	8.50 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 25 सार: 1 पुस्तकों में अध्याय: 6 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पत्रिका लेख	39	25	25
सार	0	0	1
पुस्तकों में अध्याय	7	1	6
पुस्तकें	1	0	2
कुल	**47**	**26**	**34**

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
विशिष्टता क्लिनिक परामर्श (पीएसी/पीड़ा क्लिनिक)	8512/684	4942/710	4148/886
ऑपरेटिंग रूम प्रक्रियाएं	4110	3798	4774

10.7_.indd 1388 1/10/2026 3:19:30 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
आईसीयू रोगी उपचार	1850	2917	6677
ओपीडी परामर्श	-	-	-
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	-	-	-
कुल भर्ती रोगी	-	-	-
प्रयोगशाला जांचें	-	-	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

समस्त केंद्र/विभाग से संबंधित किसी भी पुरस्कार, सम्मान या महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सबसे पहले सूचीबद्ध किया गया है। इनमें छात्रों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा जीते गए पुरस्कार भी शामिल हो सकते हैं।

1. **दूसरा पुरस्कार** एनसीएसआई 2024 में पुरस्कार पत्र प्रस्तुति; सर्वाइकल स्पाइन के ऑपरेटिव फिक्सेशन के बाद फेफड़ों के वातन स्कोर पर सुगमाडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन रिवर्सल का प्रभाव: एक संभावित, डबल ब्लाइंडेड, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

2. **तीसरा पुरस्कार** एनसीएसआई 2024 में पुरस्कार पत्र प्रस्तुति; ट्रोमिक मस्तिष्क विक्षति (टीबीआई) से ग्रस्त वयस्कों में आईसीपी मापन की नॉन-इन्वेसिव (एनआईआरएस और ओएनएसडी) एवं इन्वेसिव (आईसीपी कैथेटर) तकनीकों के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन करना- एक संभावित अवलोकन अध्ययन

3. **प्रथम पुरस्कार** तंत्रिका संवेदनाहरण श्रेणी में केओपी के राष्ट्रीय पुरस्कार में आईएसएसीओएन 2024; सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीन बच्चों में इंट्राऑपरेटिव ओपिओइड उपयोग और पोस्टऑपरेटिव दर्द पर द्विपक्षीय स्कैल्प ब्लॉक का प्रभाव

4. **दूसरा पुरस्कार** न्यूरोएनेस्थीसिया श्रेणी में केओपी के राष्ट्रीय पुरस्कार में आईएसएसीओन 2024; रीढ़ की सर्जरी के दौरान सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहने वाले रोगियों में एयरवे में परिवर्तन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

5. **प्रथम पुरस्कार** आईएसएनएसीसी 2025 में वीके ग्रोवर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार; रीढ़ की सर्जरी के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर प्रेरित क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की विभिन्न कन्सन्टेशन का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन

6. **प्रथम पुरस्कार** आरएसएसीपीसीओएन 2025 में बासुदेव कौशल्या पुरस्कार (न्यूरोसंवेदनाहरण विज्ञान रिसर्च); एन्यूरिज्मल सबराचनोइड रक्तस्राव वाले रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज़्म पर पेरिऑपरेटिव स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

7. **दूसरा पुरस्कार** आरएसएसीपीसीओएन 2025 में बासुदेव कौशल्या पुरस्कार (तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान अनुसंधान); सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रीढ़ की सर्जरी कराने वाले रोगियों में श्वसन तंत्र में परिवर्तन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

10.7_.indd 1389 1/10/2026 3:19:30 PM

विशिष्ट संकाय-सदस्यों के लिए

आचार्य मिहिर प्रकाश पांडिया ने 29 अगस्त 2024 से 1 सितंबर 2024 के बीच चेन्नई में आयोजित 5वें एनसीएसआई सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। 14 सितंबर 2023 से 17 सितंबर 2023 के बीच भुवनेश्वर में आयोजित तीसरे विश्व सम्मेलन ऑन कॉम्प्रिहेंसिव क्रिटिकल केयर (डब्ल्यू4सी) एवं ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस के संयुक्त सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। 24 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2025 के बीच त्रिवेंद्रम में आयोजित सम्मेलन आईएसएनएसीसी 2025 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। 28 मार्च 2025 से 30 मार्च 2025 के बीच बठिंडा में आयोजित सम्मेलन आरएसएसीपीसीओएन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। दिनांक 28 मार्च 2025 से 30 मार्च के मध्य बठिंडा में आरएससीपीसीओएन सम्मेलन के आयोजन के दौरान एक अनुसंधान प्रस्तुतिकरण सत्र की अध्यक्षता की। न्यूरोक्रिटिकलकेयर सोसाइटी हेतु समिति के गठन के लिए समिति सदस्य के रूप में पदासीन हैं।

आचार्य गिरिजा प्रसाद रथ ने संस्थान के रजिस्ट्रार के रूप में अपना योगदान देना जारी रखा है। सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस इन ऐन्सथीसियो-लॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएसीसी, यूएसए) के शिक्षा तथा वैज्ञानिक मामलों के लिए निर्वाचित अध्यक्ष। इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएन्सथीसियोलॉजी विज्ञान एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) की आधिकारिक पत्रिका, जर्नल ऑफ न्यूरोऐन्सथीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी) के मुख्य संपादक के रूप में नामित। एसएनएसीसी की वैज्ञानिक, सदस्यता, संचार एवं नीतिक मामलों की समितियों के सदस्य एवं ग्लोबल आउटरीच कमेटी के अध्यक्ष के रूप में योगदान देना जारी रखा है। एशियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी) के लिए एक्सको सदस्य (भारत) के रूप में योगदान देना जारी रखा है एवं बैंकॉक, थाईलैंड में एएसएनएसीसी 2025 के दौरान दो व्याख्यान दिए। न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी (एनसीएस) की एशियन रिजनल चैप्टर बैठक के संयुक्त सत्र के दौरान शियान, चीन में दो राष्ट्रीय सोसाइटी (आई एस एन ए सीसी तथा एन सी एसआई) को रिप्रेजेंट किया तथा वहाँ एक व्याख्यान दिया। आईजीआईएमएस, पटना एवं जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ में दो प्रतिष्ठित व्याख्यान दिए। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए) एवं न्यूरोलॉजी इंडिया के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में योगदान जारी रखा। संवेदनाहरण विज्ञान एवं पीड़ा चिकित्सा (एएपीएम) के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं मिनर्वा एनेस्थेसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ तंत्रिका शल्य चिकित्सा संवेदनाहरण विज्ञान, न्यूरोक्रिटिकल केयर एवं जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया जैसी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के सहकर्मी-समीक्षक के रूप में कार्य करना जारी रखा।

आचार्य इंदु कपूर ने एम्स, नई दिल्ली से न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी विज्ञान एवं न्यूरोक्रिटिकल केयर में पी.एच.डी परीक्षा उत्तीर्ण की। कोमा पर एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में भारत की ओर से मुख्य अन्वेषक के रूप में भाग लिया। कोमा उपचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण पूरा किया और निम्न मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) से जुड़े न्यूरोक्रिटिकल रूप से बीमार रोगियों पर दो अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में संचालन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया। 'लेटरल पोजीशन क्रैनियोटॉमी के दौरान आश्रित एवं नॉन-डिपेंडेन्ट फेफड़ों के बीच पुल्मोनरी फ्ल्यूड द्रव भार की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन' शीर्षक अध्ययन में सह-लेखक के रूप में, बैंकॉक, थाईलैंड में एएसएनएसीसी 2025 में सर्वश्रेष्ठ नैदानिक शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. सूर्य कुमार दुबे ने न्यूरोमॉनिटरिंग पर कार्यशाला आयोजित की (पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में)रिसर्च सोसाइटी ऑफ संवेदनाहरण विज्ञान क्लिनिकल फार्माकोलॉजी वार्षिक सम्मेलन (आरएसएसीपीसीओएन 2024), 19 से 21 अप्रैल 2024। जोधपुर, राजस्थान, 21 अप्रैल 2024इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी विज्ञान एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2025) के 26वें वार्षिक सम्मेलन में ब्रेन डेथ डायग्नोसिस

10.7_.indd 1390 1/10/2026 3:19:30 PM

और अंगदान पर कार्यशाला (कोर्स डायरेक्टर के रूप में) आयोजित की। 20 मार्च 2025 को एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में विश्व मस्तिष्क विक्षति जागरूकता दिवस समारोह के भाग के रूप में ब्रेन डेथ डायग्नोसिस पर कार्यशाला आयोजित की। एसएनएसीसी (यूएसए) शिक्षा समिति और रोगी सुरक्षा समूह के सदस्य। आईएसएनएसीसी शिक्षा समिति का हिस्सा। आईएसएनसीसी अनुसंधान अनुदान 2024 प्राप्त किया। आईएसएनएसीसी 2025 में "मास्टरिंग द क्राफ्ट: विशेषज्ञ तकनीक और सर्वोत्तम अभ्यास" सत्र की अध्यक्षता की। प्रशिक्षक एसीएलएस, एटीएलएस, बीएलएस, एसीसीसी, एएनसी। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिय, जर्नल ऑफ न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, क्लीनिक्स (साओ पाउलो) न्यूरोलॉजी इंडिया, न्यूरोक्रिटिकल केयर हेतु समीक्षक रहे।

डॉ. सुमन सोखल हमारे पेपर को आईएसएसीओएम 2024 में कोप्स अवार्ड, न्यूरोएनेस्थीसिया श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला;सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी प्रक्रियाधीनबच्चों में इंट्राऑपरेटिव ओपिओइड खपत और पोस्टऑपरेटिव दर्द पर द्विपक्षीय स्कैल्प ब्लॉक का प्रभाव। हमारे पेपर को आईएसएनसीसी 2025 में वीके ग्रोवर बेस्ट पेपर अवार्ड मिला; रीढ़ की सर्जरी के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर उत्पन्न क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की अलग-अलग सांद्रता का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन।हमारे पेपर को आरएसएसीपीसीओएन 2025 में बासुदेव कौशल्या पुरस्कार (न्यूरोसंवेदनाहरण विज्ञान रिसर्च) में प्रथम पुरस्कार मिला। एन्यूरिज्मल सबराचनोइड रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पाज़्म पर पेरिऑपरेटिव स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। मुझे अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। 14 सितंबर को राजिसकॉन, जोधपुर में "ब्रेन एरोबिक्स" सत्र में। मुझे आमंत्रित किया गया था 22 नवंबर 2024 को एम्स, ऋषिकेश में बीएससी एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी कोर्स तृतीय वर्ष के परीक्षक के रूप में। इन्हें 22-23 मार्च 2025 को संवेदनाहरण विज्ञान एवं गंभीर उपचार विभाग, ऑलएमएस, जोधपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित "पेरिऑपरेटिव और क्रिटिकल केयर इकोकार्डियोग्राफी पर 19वीं वार्षिक कार्यशाला" में पेपर/पोस्टर सत्र में जज के रूप में आमंत्रित किया गया था।

तंत्रिका जैव रसायन विभाग

अपर-आचार्य

अशोक शर्मा

तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला स्टाफ

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अर्चना बंसल　　खूब चंद　　बिमला भट्ट

विशिष्टताएं

एम्स के तंत्रिका जैव रसायन विभाग ने तंत्रिका विज्ञान केंद्र (एनएससी) में तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला एवं राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक लैब में कई उन्नत आणविक नैदानिक सेवाओं के पुन: परिचय और विकास का नेतृत्व किया है, जैसे कि पैरानियोप्लास्टिक मार्कर प्रोफाइलिंग, एनएमओ और एमओजी एंटीबॉडी परीक्षण, और एचपीवी जीनोटाइपिंग, जिससे उपेक्षित कैंसर रोगियों को काफी लाभ हुआ है। डॉ. शर्मा ठोस तथा हेमटोलॉजिकल दोनों प्रकार के दुर्दमताओं के लिए अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस) आधारित जीन पैनल की स्थापना का भी नेतृत्व कर रहे हैं। एक स्ट्रोंग ट्रांसलेशनल फोकस के साथ, डॉ. शर्मा एनसीआई/एम्स, झज्जर में एक अत्याधुनिक ट्रांसलेशनल रिसर्च सेंटर विकसित करने में गंभीरता से शामिल हैं। इस प्रकार को प्रसिद्ध डीबीटी-एनसीआई/एक्स ट्रांसलेशनल एंड क्लिनिकल रिसर्च सेंटर ग्रांट से सहयोग प्राप्त हो रहा है जिसके डॉ. शर्मा मुख्य अन्वेषक हैं। इससे कुल 40 करोड़ का वित्तपोषण प्राप्त हुआ है तथा इस परिवर्तनशील पहल को और सुदृढ़ बनाने हेतु अतिरिक्त 10 करोड़

10.7_.indd 1391 1/10/2026 3:19:30 PM

समीक्षाधीन हैं। डॉ. शर्मा iOncology.ai प्लेटफॉर्म में स्तन कैंसर और डिम्बग्रंथि के कैंसर ईएचआर प्रोफार्मा को शामिल करने पर भी काम कर रहे हैं। iOncology.ai प्लेटफॉर्म (https://ioncologyai.aiims.edu): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली तथा केंद्र फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग, इंडिया (सीडीएसी), पुणे के बीच MeitY द्वारा वित्तपोषित सहयोगी परियोजना में, हमने एक एआई प्लेटफॉर्म विकसित किया है जिसका नाम है - "iOncology.ai" (https://ioncologyai.aiims.edu) जो नैदानिक डेटा के संग्रह, मिलान और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है। यह प्लेटफ़ॉर्म विशेष रूप से अर्बुदविज्ञान से संबंधित नैदानिक डाटा एकत्र करने के लिए समर्पित है। यह प्लेटफ़ॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित मॉडल से लैस है जो कैंसर के निदान और उपचार में सहायता करता है। iOncology.ai को 5 राज्यों के कई जिला अस्पतालों में स्थापित किया गया है।

शिक्षा

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या 18

- दस स्नातकोत्तर छात्रों को अवलोकनात्मक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शन दिया।
- यूजी मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से पांच स्नातकपूर्व छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया।
- तीन यूजी छात्रों का पर्यवेक्षण किया, जिन्हें प्रतिष्ठित आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप प्राप्त हुई।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 9
अशोक शर्मा: 9

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
12	10	09

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

2022-2023	2023-2024	2024-2025
12	14	20

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी = 4 कुल बजट = 16.692 करोड़

1. कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी सहायक उपचार के रूप में होम्योपैथिक दवा की भूमिका का मूल्यांकन करने और आणविक प्रोफाइलिंग के साथ सहसंबंध स्थापित करने वाला एक पायलट अध्ययन, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, 03 वर्ष, 2023-2026, रु. ~1 करोड़/-
2. चिकनगुनिया संक्रमण में आरएनए वायरस और संबंधित संक्रमण-पश्चात गठिया के विरुद्ध बोरोन-आधारित चिकित्सा- एक पूर्व-नैदानिक मूल्यांकन।, डॉ. अशोक शर्मा, आईसीएमआर-भारत सरकार, 3 वर्ष, 2024-2027, कुल लागत रु. ~2.5 करोड़/- की बहुकेन्द्रीय परियोजना।
3. डीबीटी एनसीआई-एम्स ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च केंद्र, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2023-2028, 40 करोड़ में से 10 करोड़ रुपये (प्रक्रियाधीन) (मुख्यत: स्वीकृत)

10.7_.indd 1392 1/10/2026 3:19:30 PM

4. कैंसर हीलर थेरेपी पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन की प्रभावशीलता का अध्ययन करना और स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर कोशिका रेखाओं में इसकी कैंसर-रोधी क्षमता का पता लगाना", डॉ. अशोक शर्मा, कैंसर हीलर केंद्र, 1 वर्ष, 2024-2025, 27.2 लाख रुपये

पूर्ण: 3

1. अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगियों के लिए विशिष्ट निदान तथा उपचार प्रदान करने हेतु बड़े डाटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग, डॉ. अशोक शर्मा, एमईआईटीवाई, 3 वर्ष, 2020-2024, 291.67 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं (शोध-पत्र/शोध प्रबंध सहित): एम.एससी/एमडी/पीएचडी/महिला वैज्ञानिक/पोस्टडॉक/यूजी मेंटरशिप/एमबीबीएस आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप/एमबीबीएस एम्स ग्रीष्मकालीन फेलोशिप/छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु:

जारी

1. स्तन कैंसर में पीओटीईई की बायोमार्कर क्षमता को समझना
2. फेफड़ों के कैंसर के लिए सिस्टम बायोलॉजी और कार्यात्मक जीनोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके मिथाइलेशन परिदृश्य विकसित करना
3. प्रोस्टेट, अंडाशय, वृषण और भ्रूण (पीओटीई) पेप्टाइड के साथ एचएलए-ए2 प्रोटीन संरचना का स्पष्टीकरण। (एस/7471/2024)
4. डिम्बग्रंथि के कैंसर में पीओटीईबी के कार्यात्मक पहलुओं और अंतर्निहित एपिजेनेटिक विनियमन का स्पष्टीकरण। (पी-2018/14779)
5. मानव लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए (आईएनसीआरएनए) का कार्यात्मक विश्लेषण और कैंसर में स्थानिक जीनोम संगठन के साथ उनका संबंध। (पी जनवरी 01 2021/14956)
6. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के माइक्रोआरएनए मध्यस्थता विनियमन का जीनोम-व्यापी विश्लेषण" (डीएसटी/डब्ल्यूओएस-ए/एलएस-266/2021)
7. गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में एपिजेनेटिक पैटर्न की पहचान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मध्यस्थता वाले एल्गोरिदम का उपयोग करना
8. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नए प्रोस्टेट, प्लेसेंटा, अंडाशय, वृषण-व्यक्त (पीओटीई) एंटीजन की प्रतिरक्षा-चिकित्सा क्षमता। (पी/136/19)
9. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी/बी2 का आणविक तंत्र (पी-1-2023/15081)
10. बड़े अवसादग्रस्त विकार से पीड़ित व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार के साथ राइबोफ्लेविन अनुपूरण के प्रभाव का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में प्लैटिनम प्रतिरोध फेनोटाइप को समझने में प्रोस्टेट ओवरी टेस्टिस भ्रूण प्रोटीन (पीओटीई) मेंबर ई तथा नॉच सिग्नलिंग क्रॉस-टॉक के बीच कार्यात्मक परस्पर क्रिया का प्रकटीकरण।

10.7_.indd 1393 1/10/2026 3:19:30 PM

12. कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिकली स्थानीयकृत कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर पर अध्ययन। (पी-2018/14773)

13. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण प्रतिजन (पीओटीई) पर सीओएक्स (साइक्लोऑक्सीजिनेज) अवरोधक के प्रभाव का अध्ययन, (सं.एफ.5-59/आईआरजी/2010/आरएस)

14. डिम्बग्रंथि के कैंसर में जीनोमिक इंप्रिंटिंग और कैंसर-वृषण प्रतिजन पीओटीई के विनियमन का अध्ययन करना। (एस/7160/2024)

15. ऑर्गेनोइड/कोशिका मॉडल व्युत्पन्न कीमोरेसिस्टेंट रिलैप्स्ड ओवेरियन कैंसर रोगियों में नॉच/कैंसर वृषण प्रतिजन पीओटीईई सिग्नलिंग अक्ष का पता लगाना (एफ नं: आईसीएमआर-5/3/8/31-आईटीआर-एफ/2022-आईटीआर)

16. फेफड़ों के कैंसर के प्रभावी उपचार के रूप में हर्बल कम्पाउंडस की क्षमता का पता लगाना: एक इन-सिलिको अध्ययन

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित): एम.एससी/एमडी/पीएचडी/महिला वैज्ञानिक/पोस्टडॉक/ यूजी मेंटरशिप/एमबीबीएस आईसीएमआर-एसटीएस फेलोशिप/एमबीबीएस एम्स ग्रीष्मकालीन फेलोशिप/छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु:

पूर्ण

1. डिम्बग्रंथि के कैंसर में एपिजेनेटिक संकेत पैटर्न का पता लगाने के लिए एक एआई संचालित कार्यात्मक जीनोमिक्स और सिस्टम बायोलॉजी दृष्टिकोण।

2. इपिथेलियल ओवरियन कैंसर में सिस्प्लैटिन प्रेरित रसायन प्रतिरोध परमाणु लेमिनए और कैंसर एपिजीनोम संरचना को नियंत्रित करता है

3. इन-सिलिको विश्लेषण के माध्यम से डिम्बग्रंथि के कैंसर के उपचार में होम्योपैथिक पौधों के अर्क की प्रभावशीलता को डिकोड करना।

4. पीओटीई प्रोटीन/नॉच सिग्नलिंग अक्ष के कार्यात्मक इंटरप्ले और बहुरूपता का स्पष्टीकरण तथा इपिथेलियल ओवरियन कैंसर में नैदानिक फेनोटाइप के साथ इसका संबंध।

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर में इन सिलिको और इन विट्रो दृष्टिकोण द्वारा पीओटीई (प्रोस्टेट, अंडाशय, टेस्टिस और भ्रूण) प्रोटीन एक्सप्रेसन का स्पष्टीकरण।

6. नाभिकीय आर्किटेक्चर पर रिप्रेसिट हिस्टोन संशोधनों की भूमिका

7. डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में कैंसर टेस्टिस एंटिजन एक्सप्रेशन और प्रतिरक्षा कोशिका विभाजन के बीच संबंध का निर्धारण करना

8. ईओसी में प्लैटिनम प्रतिरोध को पुनः संवेदनशील बनाने पर एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन के प्रभाव की जांच करना।

9. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटिजन सीटीए, पीओटीई के एक्सप्रेशन पर मोनोक्लोनल एंटीबॉडी थेरेपी के प्रभाव की जांच करना।

10.7_.indd 1394 1/10/2026 3:19:31 PM

10. प्लैटिनम संवेदनशील और प्रतिरोधी डिम्बग्रंथि कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटिजन नॉच (1, 2, 3) पर नेप्रोक्सन और डिक्लोफेनाक के प्रभाव की जांच करना।

11. डिम्बग्रंथि के कैंसर में पीओटीई की अभिव्यक्ति पर डाइक्लोफेनाक के प्रभाव को समझना

12. iOncology.ai प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण - स्तन कैंसर

13. iOncology.ai प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण-डिम्बग्रंथि कैंसर

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रेनि में कैंसर/टेस्टिस एंटिजन एनवाई-ईएसओ-1 को शामिल करके नवीन कैंसर प्रतिरक्षा चिकित्सा का विकास और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसकी ट्यूमर-रोधी प्रभावशीलता तथा प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन।,. डॉ.भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स

2. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के रोगियों में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक की घटनाओं को कम करने में अंतःशिरा एस्ट्रोजन थेरेपी की सुरक्षा तथा प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक, ओपन लेबल, चरण आईआईए/आईआईबी नैदानिक परीक्षण", आईसीएमआर, 70एल, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. पहले और देर से शुरू होने वाले डिमेंशिया में नैदानिक और रेडियोलॉजिक प्रोफ़ाइल, जोखिम संबंध, उपचार भार तथा नैदानिक परिणाम, तंत्रिका विज्ञान विभाग, सीएनसी, एम्स, नई दिल्ली

2. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट चूहे मॉडल में स्वतःस्फूर्त परिसंचरण की वापसी की शुरुआत पर एनएचई-1 अवरोधक, कैरीपोराइड का प्रभाव।, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. महिला जननांग तपेदिक में एपिजेनेटिक्स तथा प्रतिरक्षा कारकों की भूमिका, प्रसूति रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. स्तन कैंसर में ट्यूमर से जुड़े मेसेनकाइमल स्टेम सेल में डीएनए मिथाइलेशन और पीआई3के-एकेटी सिग्नलिंग मार्ग विश्लेषण पर एम1 मैक्रोफेज की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. प्रत्यारोपण विफलता में प्राकृतिक किलर सेल की भूमिका की जांच करना और नए गैर-दाता आईवीएफ चक्रों में उच्च गर्भाशय प्राकृतिक किलर कोशिकाओं वाली महिलाओं में इंट्रालिपिड्स के इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रभावों का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रसूति रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. सेप्सिस में एक्यूट गुर्दे विक्षति की भविष्यवाणी के लिए बायोमार्कर के रूप में मूत्र संबंधी नवीन माइक्रोआरएनए, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10.7_.indd 1395 1/10/2026 3:19:31 PM

पिछले 3 वर्षों के अनुसंधान (एक मुख्य अन्वेषक के रूप में)

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	01	01	02
कुल वित्तपोषण	10, 00, 000 /-	10, 00, 000 /-	2.77 करोड़

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 7 सार: 4 पुस्तक में अध्याय: 5

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल	12	36	16
पत्रिका लेख	12	7	7
सार	0	26	4
पुस्तकों में अध्याय	0	03	5
पुस्तकें		0	0

रोगी उपचार सेवाएँ:

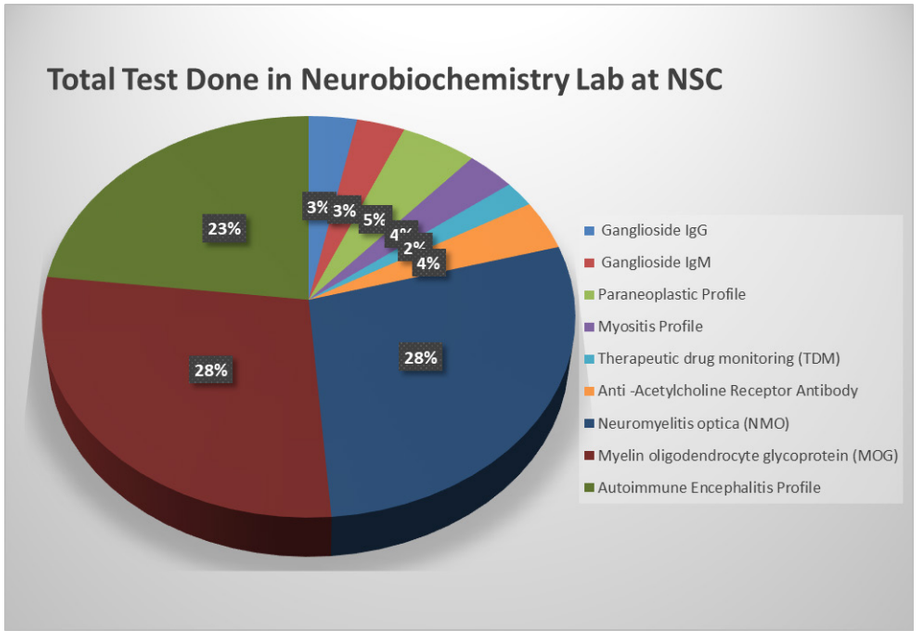
तंत्रिका विज्ञान केंद्र में नियमित नैदानिक सेवाएं: (ओपीडी + वार्ड)

कुल रक्त संग्रह = 1, 09, 180

तंत्रिका विज्ञान केंद्र में विशेष नैदानिक सेवाएं: (ओपीडी + वार्ड)

1. गैंग्लियोसाइड आईजीजी = 92
2. गैंग्लियोसाइड आईजीएम = 92
3. पैरानियोप्लास्टिक प्रोफाइल = 145
4. मायोसिटिस प्रोफाइल = 94
5. थेरेप्यूटिक ड्रग मोनिटरिंग (टीडीएम) = 60
6. एंटी-एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर एंटीबॉडी (एंटी एसीएचआर एबी) = 115
7. न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका (एनएमओ) = 815
8. माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन (एमओजी) = 815
9. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस प्रोफाइल = 671

10.7_.indd 1396 1/10/2026 3:19:31 PM



पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. "कैंसर से लड़ना: भारत में चिकित्सा नीतियाँ एवं समाधान" शीर्षक वाले कार्यक्रम में **अतिथि वक्ता और विशेषज्ञ पैनलिस्ट** के रूप में आमंत्रित, कैंसर और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों के खिलाफ लड़ाई को मज़बूत करने पर केंद्रित यह कार्यक्रम **जागरण न्यू मीडिया** के डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म **Onlymyhealth.com** द्वारा आयोजित किया गया था और **26 मार्च, 2024 को नई दिल्ली** में आयोजित किया गया था।

2. **जागरण न्यू मीडिया** की स्वास्थ्य पहल **Onlymyhealth.com** द्वारा आयोजित **गर्भाशय ग्रीवा** के कैंसर के खिलाफ निवारक उपाय के रूप में **एचपीवी वैक्सीन** के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया। यह **21 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली** में आयोजित किया गया था।

सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार का आयोजन किया गया।

1. आचार्य सुदीप्त सील, विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित आचार्य और यूसीएफ पेगासस आचार्य की वैज्ञानिक वार्ता, जिसका शीर्षक था, रेडॉक्स-सक्रिय नैनोसेरिया: एंजियोजेनेसिस में निहितार्थ। बोर्ड रूम, प्रशासनिक ब्लॉक, एनसीआई/एम्स, नई दिल्ली में 21 फरवरी, 2025 को आयोजित।

समाचार एवं मीडिया में अनुसंधान कार्य:

- एम्स मीडिया सेल द्वारा "रिसर्च डे" पर वंडरएक्स के साथ हमारे प्रदर्शित उन्नत उत्पाद, "आईओन्कोलॉजी.एआई प्लेटफॉर्म" के बारे में एक प्रेस नोट जारी किया गया था, जिसे प्रात:कालिन अवधि के शो में डीडी न्यूज और टॉप न्यूज तथा अन्य प्रमुख मीडिया हाउसों द्वारा कवर किया गया था।

1. https://youtu.be/VbQpRF92Rnw?si=Vs2Z0f-QkyoEq3m0

2. https://epaper.topstory.online/epaper/edition/2443/jan/page/2

10.7_.indd 1397 1/10/2026 3:19:31 PM

- सेल्सफोर्स द्वारा प्रायोजित प्रतिष्ठित "द मिंट ऑल अबाउट एआई | टेक4गुड अवार्ड्स 2024 (गोल्ड कैटेगरी)" प्राप्त करके हम टीम के रूप में गौरवान्वित हैं। यह सम्मान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को iOncology.ai के लिए "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में एआई के सर्वोत्तम उपयोग" श्रेणी में प्रदान किया गया है।

(https://www.livemint.com/ai/all-about-ai-tech4good-awards-recognise-aiims-and-wadhwani-institute-for-ai-led-solutions-in-health-and-sanitation-11734629721189.html)

संपादकीय एवं समीक्षा कार्य:

1. सेल बायोकेमिस्ट्री एंड फंक्शन-2024- विले-ब्लैकवेल का संपादकीय बोर्ड
2. डिस्कवर ऑन्कोलॉजी-2024 का संपादकीय बोर्ड - स्प्रिंगर नेचर

न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस.बी. गायकवाड़

आचार्य
अजय गर्ग

आचार्य (दीर्घ अवकाश पर)
एस लेव जोसेफ देवराजन

सहायक आचार्य
सव्यसाची जैन

विशिष्टताएं

एक अत्याधुनिक 128 स्लाइस डबल एनर्जी सीटी स्कैनर स्थापित किया गया है जो 10 साल पुराने 6-स्लाइस सीटी स्कैनर की जगह ले रहा है। नए सीटी लो-डोज़ सीटी प्रोटोकॉल के साथ मॉडल किए गए पुनरावृत्त पुनर्निर्माण के साथ, 60% तक की खुराक में कमी और नैदानिक दिनचर्या में तेजी से अधिग्रहण अब बेस्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ संभव है। इसने रोगी के उपचार अनुपालन को बढ़ाया है, खासकर बच्चों में और जहां सांस रोककर रखने की आवश्यकता होती है। विशेष रूप से तीव्र स्ट्रोक में सेरेब्रल परफ्यूजन का आकलन करने के लिए निर्देशित बायोप्सी और सीटी परफ्यूजन में मदद करने के लिए सीटी फ्लोरोस्कोपी नए सीटी स्कैनर की स्थापना के साथ शुरू की गई है। मौजूदा 1.5टी एमआर को 'साइलेंट एमआर' सिस्टम में अपग्रेड किया गया जिससे शांत एमआर प्रोटोकॉल के निष्पादन में मदद हुई है जिससे स्कैन के दौरान रोगियों की उत्कंठा में कमी हुई है; स्कैन समय एवं पुन: स्कैन करना कम हुआ है क्योंकि रोगी निश्चित रहता है तथा लंबे परीक्षण के दौरान स्थिर रहने में सहयोग करता है। पूर्व प्रणाली का हाई ग्रेडिएंड कॉयल स्विचिंग द्वारा उत्पन्न होने वाला शोर विशेषता: हाई-एंड एक्यूजिशन तकनीकों के दौरान कई रोगियों के लिए गंभीर समस्या का कारण था। अपग्रेड करने के साथ, यह अड़चन काफी हद तक दूर हो गई है तथा चुंबक के चौड़े छिद्र ने रोगियों में क्लॉस्ट्रोफोबिया को काफी हद तक कम कर दिया है। एनएससी के वार्डों और ओपीडी कक्षों में पीएसीएस नेटवर्क चालू है, जिसमें पीएसीएस सर्वर का अपग्रेड तथा वार्डों, आईसीयू एवं ओपीडी कक्षों में वाई-फाई सुविधा के साथ थिन क्लाइंट व्यूइंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। रिपोर्टिंग रूम के बेहतर संगठन के साथ सभी न्यूरो-इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग

10.7_.indd 1398 1/10/2026 3:19:31 PM

ऑनलाइन की गई है, जिससे सभी अध्ययनों की रिपोर्टिंग, संपादन, साइन आउट तथा उनकों नेटवर्क करना सरल हो गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस और डीएसए आदि के लिए एनएससी वार्डों से ऑनलाइन ऑटो-रिक्विजिशनिंग सक्षम हुई। न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों के लिए पीएसीएस से केस रिकॉर्ड की ऑटो फ़ेचिंग सक्षम हुई है। रोगी यूएचआईडी के पंजीकरण पर प्राइवेट इमेजिंग फिल्मस का डिजिटलीकरण और पीएसीएस में एकीकरण किया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व: छठे सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों के लिए निम्न विषयों पर: न्यूरोरेडियोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग संबंधी मूल बातें, स्ट्रोक इमेजिंग और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की जन्मजात विसंगतियों पर स्नातकोत्तर व्याख्यानों एवं सेमिनारों के लिए संकाय सदस्य को सामग्री और मार्गदर्शन प्रदान किया। न्यूरोरेडियोलॉजी में उनकी वैकल्पिक पोस्टिंग के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या की मूल बातें सिखाई गईं।

स्नातकोत्तर: तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग में एमडी रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों को रोटेशन पर न्यूरोइमेजिंग (सीटी एवं एमआरआई) की रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल से परिचित कराया जाता है और संकाय-सदस्य की देखरेख में उन्हें कार्य-निष्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। डीएम (तंत्रिका विकिरण विज्ञान) के छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाएँ करने तथा इंटरवेंशनल चिकित्सीय न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जिन पर उनके साथ दैनिक आधार पर चर्चा की जाती है। उन्हें आईसीयू और वार्डों में न्यूरो-इंटरवेंशनल चिकित्सीय प्रक्रियाओं प्रक्रियाधीनरोगियों की प्रक्रिया के बाद देखरेख तथा उपचार के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। वर्तमान विकास के प्रति उनके उन्मुखीकरण तथा उनके पुनरावृत्त कौशल में सुधार के लिए नियमित रूप से सेमिनार, जर्नल क्लब तथा केस चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं। वरिष्ठ रेजिडेंट नियमित रूप से तंत्रिका विज्ञान तथा तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभागों के साथ अंतर-विभागीय सम्मेलनों में न्यूरो-रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों को प्रस्तुत करते हैं, जिससे उन्हें नैदानिक न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुति की कला को समझने में मदद मिलती है। उन्हें कम से कम एक वर्ष के लिए बायप्लेन न्यूरो-इंटरवेंशनल सुइट्स में रोटेशन के आधार पर तैनात किया जाता है और उन्हें न्यूरो-एंजियोग्राफिक तथा न्यूरो-इंटरवेंशनल कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 26
एसबी गायकवाड़: 13 अजय गर्ग: 11 लेवे जोसेफ: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 1

1. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में स्यूडोफ्लेबिटिस पैटर्न, एएसएनआर 2024 की 62वीं वार्षिक बैठक, 18-22 मई 2024, सीज़र्स प्लेस, लास वेगास, यूएसए

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. एंटी-आईजीएलओएन 5 रोग का क्लिनिकल एवं रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम तथा प्रगतिशील सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया के न्यूरोडीजेनेरेटिव फेनोटाइप में इसका

10.7_.indd 1399 1/10/2026 3:19:31 PM

पूर्वानुमान, आचार्य अजय गर्ग तथा आचार्य अचल श्रीवास्तव, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

2. ग्रासरूट अध्ययन (ग्रेविटी स्टेंट-रिट्रीवर सिस्टम ऑफ लार्ज वेसल ऑक्लूज़न स्ट्रोक ट्रायल)। बहु-केंद्रित, भारतीय आबादी में नए स्टेंट-रिट्रीवर की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन। डॉ. शैलेश बी. गायकवाड़ तथा डॉ. दीप्ति विभा, गुरुत्व मेडिकल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, एक वर्ष, 2024, 2 लाख रुपये

पूर्ण

1. ब्रेन आयरन संचय (एनबीआईए) के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन के उपप्रकारों के वर्गीकरण के लिए एक इमेजिंग-आधारित एल्गोरिदम का विकास, आचार्य अजय गर्ग तथा आचार्य अचल श्रीवास्तव, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024,

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. क्या एएसपीईसीटीएस समकालीन तीव्र स्ट्रोक अभ्यास में प्रासंगिक है? भारत-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रोक सहयोग द्वारा डेल्फी सर्वसम्मति अध्ययन
2. एम्स में बाल चिकित्सा न्यूरोवैस्कुलर इंटरवेंशन: एक पूर्वगामी विश्लेषण
3. बाल मस्तिष्क ट्यूमर में पर्फ्यूजन एमआरआई: एक पूर्वगामी अध्ययन
4. उच्च-श्रेणी के ग्लियोमा में ट्यूमर पुनरावृत्ति से उपचार-संबंधी परिवर्तनों के विभेदन में एमाइड प्रोटॉन ट्रांसफर (एपीटी) इमेजिंग की भूमिका और डीएससी एमआर परफ्यूजन तकनीक के साथ इसकी तुलना
5. उच्च-श्रेणी के ग्लियोमा में ट्यूमर पुनरावृत्ति से उपचार-संबंधी परिवर्तनों के विभेदन में एमाइड प्रोटॉन ट्रांसफर (एपीटी) इमेजिंग की भूमिका और डीएससी एमआर परफ्यूजन तकनीक के साथ इसकी तुलना

पूर्ण

1. ग्लियोब्लास्टोमा में रेडियोजेनोमिक्स
2. मायोपेथिया के मूल्यांकन में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता और आनुवंशिक अध्ययनों के साथ सहसंबंध

2. सह-अन्वेषक-

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र गैर-कार्डियोएम्बोलिक इस्केमिक स्ट्रोक या उच्च जोखिम वाले टीआईए के बाद 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में इस्केमिक स्ट्रोक की रोकथाम के लिए मुखीय एफएक्सआईए अवरोधक असुंडेक्सियन (बीएवाई 2433334) का एक बहुकेंद्रीय,

10.7_.indd 1400 1/10/2026 3:19:31 PM

अंतर्राष्ट्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह और घटना संचालित चरण 3 अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

2. प्राथमिक प्रगतिशील मल्टीपल स्केलेरोसिस (पीईआरएसईयूएस) से पीड़ित प्रतिभागियों में एससीएआर42168 की प्लेसीबो से तुलना करने वाला चरण III यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

3. स्ट्रोक और कोगनेटिव गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या-आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, तंत्रिका विज्ञान

4. वृद्ध वयस्कों में नींद की संरचना, मस्तिष्क मोर्फोमीटरी और कोगनेशन का एक अध्ययन, शरीर-क्रिया विज्ञान

5. एम्स सीएसआईआर आईजीआईबी सहयोगी परियोजना के अंतर्गत पैरॉक्सिस्मल मूवमेंट विकारों में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल लाइनों का नैदानिक और आणविक लक्षण वर्णन एवं विकास, तंत्रिका विज्ञान

6. किशोर और वयस्क प्रारंभिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी की क्लिनिको-जेनेटिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल, तंत्रिका विज्ञान

7. न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका स्पेक्ट्रम विकारों (एनएमओएसडी) के तीव्र गंभीर मायलाइटिस के उपचार में पीएलईएक्स के साथ आईवीएमपीएस बनाम एक साथ प्लाज्मा एक्सचेंज (पीएलईएक्स) और अंतःशिरा मेथिलप्रेडनिसोलोन (आईवीएमपीएस) की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक ओपन लेबल ब्लाइंड एंडपॉइंट (पीआरओबीई) अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

8. मोयामोया रोग में आनुवंशिक भिन्नताओं की खोज, आईसीएमआर (एमएमडी) और भारत में इंट्राक्रैनियल प्रमुख धमनी अवरोधन (आईसीएएसओ), तंत्रिका विज्ञान

9. सीएनएस ट्यूमर एवं सार्कोमा के लिए मिथाइलेशन आधारित वर्गीकरण उपकरणों का वैश्विक आउटरीच अध्ययन - डीकेएफजेड, तंत्रिका विकृति विज्ञान

10. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस (पीसीएनएसवी) में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, तंत्रिका विज्ञान

11. भारत में एफएसएचडी की आनुवंशिक संरचना की पहचान, तंत्रिका विज्ञान

12. उप-वर्गीकरण एवं रोग निदान के पूर्वानुमान में सुधार के लिए किशोरों एवं युवा वयस्कों (एवाईए) में ग्लियोमा की मिथाइलेशन सरणी-आधारित प्रोफाइलिंग - आईसीएमआर, तंत्रिका विकृति विज्ञान

13. एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग एवं बाल चिकित्सा एवं एवाईए आबादी में उच्च ग्रेड ग्लियोमा में टीएमजेड की प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध - एम्स, तंत्रिका विकृति विज्ञान

14. पार्किंसंस रोग के जीवित जीवों में आणविक लक्षण: एक गहन मस्तिष्क उत्तेजना दृष्टिकोण (जारी) - डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस, तंत्रिका विज्ञान

15. गुइलेन-बार सिंड्रोम (आरयूजीबीबाई) परीक्षण में रिटक्सिमैब: एकल केंद्र, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक चरण 3 परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

10.7_.indd 1401 1/10/2026 3:19:31 PM

16. प्राथमिक डिमाइलेटिंग रोग वाले रोगियों में सीरम और सीएसएफ एमओजी एंटीबॉडी का महत्व, तंत्रिका विज्ञान

17. अनिर्धारित स्रोत के एम्बोलिक स्ट्रोक में लक्षणात्मक गैर-स्टेनोटिक कैरोटिड रोग - भविष्यगामी अवलोकन संबंधी अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

18. "ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस में बेसल एक्सयूडेट्स के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड: एक संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई) अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

19. सीएनएस ट्यूमर उपचार में परिवर्तन: सटीक निदान तथा प्रभावी उपचार के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल डेटा, मल्टी-ओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग - आईसीएमआर, तंत्रिका विकृति विज्ञान

20. मूत्र रोग विज्ञान और आणविक लक्षण वर्णन और प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल लाइन आई का विकास, तंत्रिका विज्ञान

पूर्ण

1. चरण III यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन जिसमें नॉन-रिलैप्सिंग सेकेंडरी प्रोग्रेसिव मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एचईआरसीयूएलईएस) के प्रतिभागियों में प्लेसीबो के साथ एससीएआर442168 की तुलना की गई, तंत्रिका विज्ञान (आयुष अग्रवाल)

2. इमेजिंग के लिए योग्य एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में अंतःशिरा एल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग थेरेपी, जिसकी शुरुआत 4.5 से 9 घंटे के बीच होती है - एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

3. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले विंडो वाले रोगियों में 4.5 से 24 घंटे की इमेजिंग में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावशीलता तथा सुरक्षा।

4. ग्लियोमा में शीघ्र निदान, ट्यूमर के बढ़ने का पता लगाने और इसकी पुनरावृत्ति के लिए नैदानिक बायोमार्कर्रों का मजबूत और किफायती रक्त-आधारित पैनल स्थापित करना - आईसीएमआर, तंत्रिका विकृति विज्ञान (डॉ. वैशाली सूरी)

5. संपूर्ण-एक्सोम अनुक्रमण का उपयोग करके प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस के एक समूह के बीच आनुवंशिक वास्कुलोपैथी की पहचान तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान

6. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्कर्रों की पहचान, तंत्रिका विज्ञान (डॉ. विष्णु वी.वाई.)

7. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक चिकित्सा के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीजीएनएमडी), तंत्रिका विज्ञान (डॉ. विष्णु वी.वाई.)

8. इंट्राक्रैनियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरेसेटम के साथ स्ट्रोक के बाद के दौरों की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान (डॉ. विष्णु वी.वाई.)

10.7_.indd 1402 1/10/2026 3:19:31 PM

9. स्मार्टफोन-आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व में तीव्र स्ट्रोक उपचार (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान (डॉ. विष्णु वी.वाई.)

10. हिरायामा रोग से पीड़ित रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल, इमेजिंग एवं रोग निदान संबंधी कारकों का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान (डॉ. विष्णु वी.वाई.)

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 63 सार: 19

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशित

मद	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल	64	70	82
पत्रिका लेख	55	61	63
सार	8	9	19
पुस्तकों में अध्याय	1	0	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

विभाग रोगी हेतु उपचार कार्य के लिए 24×7, 365 दिन काम करता है और नियमित रूप से सबराचोनॉइड रक्तस्राव, स्ट्रोक, तीव्र एन्सेफैलोपैथी, मायलोपैथी, दर्दनाक अथवा चिकित्सकजनित सेरेब्रो-संवहनी विक्षतियों आदि जैसी आपात स्थितियों में भाग लेता है। बाह्य रोगियों एवं आंतरिक रोगियों से सीटी स्कैन के सभी मामलों का सीटी स्कैन उसी दिन और अक्सर तुरंत किए जाते हैं, ताकि रोगी उपचार के लिए तुरंत निर्णय लिया जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए कोई प्रतीक्षा नहीं है। न्यूरोसाइंसेस केंद्र तथा ईएनटी एवं नेत्र रोग विज्ञान जैसे अन्य विभागों में आने वाले रोगियों के लिए मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के संवहनी अध्ययन के लिए नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं। इसी तरह न्यूरोइंटरवेंशनल चिकित्सीय उपचार नियमित रूप से न्यूरोसाइंसेस केंद्र के रोगियों के साथ-साथ ईएनटी, नेत्ररोग विज्ञान, बालचिकित्सा रोग, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स के रोगियों के लिए किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त मोबाइल सीटी स्कैनर का उपयोग करके आईसीयू में लाइफ सपोर्ट अथवा वेंटिलेटर पर भर्ती रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। बेडसाइड एक्स-रे नियमित रूप से डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे यूनिट या सीआर यूनिट का उपयोग करके किए जाते हैं और इमेज को पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड किया जाता है। तंत्रिका विज्ञान केंद्र के वार्डों और आईसीयू में बीमार एवं चलने में असमर्थ रोगियों के लिए आवश्यकतानुसार पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजिडेंजी आईपी सक्षम प्रोटोकॉल के माध्यम से पीएसीएस इमेज तक एक्सेस प्राप्त करते हैं और इस प्रकार घर से या कहीं से भी इंटरनेट या अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करके इमेज को देख सकते हैं। विभागीय सम्मेलन कक्ष को उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले डीआईकोन संगत प्रक्षेपण प्रणाली का उपयोग करके मल्टिमोडेलिटि इमेज को देखने के लिए विकसित किया गया है, ताकि नैदानिक परामर्शदाता और रेजीडेन्स अपने रोगी की इमेज को बड़ी प्रक्षेपण स्क्रीन पर कालानुक्रमिक क्रम और तुलनात्मक मोड में आसानी से देख सकें। यहाँ तक कि पुरानी इमेज और स्कैन की गई प्राइवेट इमेज को भी तुरंत कुशलतापूर्वक देखा जा सकता है जिससे त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलती है।

10.7_.indd 1403 1/10/2026 3:19:31 PM

वर्ष 2024-2025 के दौरान की जाने वाली न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं

सीटी स्कैन	26979	
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	चिकित्सीय न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं: (सेरेब्रा एन्यूरिज्म, सेरेब्रल और स्पाइनल एवीएम एम्बोलिज़ेशन, कैरोटिड रीवैस्कुलराइज़ेशन आदि)	**555**
	डायग्नोस्टिक डीएसए	**645**
अल्ट्रासाउंड जांच/डॉपलर अध्ययन		**3467**
एमआरआई	गामा नाइफ	**7158**
	एनएमआर	**4384**
एक्स रे		**7539**
पोर्टेबल एक्स-रे		**7172**
ओल्ड फिल्म स्कैनर		**18504**
डेटा माइग्रेशन		**5570**

इस वर्ष के लिए कुल 81973 रोगी उपचार निर्णय लेने के लिए तंत्रिका विकिरण विज्ञान संबंधी सम्मेलनों में चर्चित एवं समीक्षित किए गए मामले

	मामलों की संख्या	साप्ताहिक आवृत्ति	कुल
मिर्गी केस पर सम्मेलन	10@	2	20/सप्ताह
तंत्रिका शल्य चिकित्सा सम्मेलन	40@	4	160/ सप्ताह
तंत्रिका विज्ञान सम्मेलन	25@	6	150/ सप्ताह
तंत्रिका विकृति विज्ञान सम्मेलन	4@	सप्ताह में दो बार	8/ सप्ताह
		कुल	**338/ सप्ताह**

कुल = प्रति वर्ष 17,576 मामले

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

शैलेश बी गायकवाड़ ने आईएसवीआईआर मिडटर्म सीएमई, 2-4 अगस्त 2024, औरंगाबाद, महाराष्ट्र के दौरान, ''न्यूरोवैस्कुलर हस्तक्षेप पर जटिलता'' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की। बायोमार्कर और ट्रांसलेशन अनुसंधान: मस्तिष्क से शरीर तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भारत-फ्रांस कार्यशाला पर सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित, स्वास्थ्य सेवा एवं आगामी पथ। सुबह 10:00 बजे से 11:35 बजे तक, 22 मार्च 2025 रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली। आईएसएनआर मध्यावधि सीएमई। तंत्रिका विकिरण विज्ञान के क्षेत्र में अनुकरणीय सेवा और दक्षता के लिए 27 जुलाई 2024 को द ललित, जयपुर, राजस्थान में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। अत्याधुनिक खेल मनोरंजन सुविधाओं के विकास हेतु स्थल/स्थिति का आकलन करने हेतु 6 सितंबर 2024 को एनसीआई, झज्जर का दौरा किया।

10.7_.indd 1404 1/10/2026 3:19:31 PM

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एंड थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी द्विवार्षिक सम्मेलन 2024 में भाग लिया, जो 6-10 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क - यूएसए में आयोजित किया गया था। 13 दिसंबर 2024 को डॉ. रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पार्किंसन नेटवर्क चिंतन शिविर बैठक में उद्घाटन भाषण दिया। 18-22 मई 2024 को सीज़र्स पैलेस, लास वेगास, नेवादा, अमेरिका में आयोजित होने वाली 63वीं अमेरिकन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (एएसएनआर) वार्षिक बैठक के लिए सार समीक्षक नियुक्त। 27वीं एम्स वार्षिक माइक्रो तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला और तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एनएससी, एम्स, नई दिल्ली के हीरक जयंती समारोह (पूर्व छात्र मिलन समारोह) में मुख्य अतिथि। 27 फरवरी और 1 मार्च 2025 को आयोजित दोनों आयोजनों में उद्घाटन भाषण दिया। तंत्रिका-विकिरण विज्ञान की समझ और प्रैक्टिस को आगे बढ़ाने और रोगी उपचार के प्रति समर्पण और क्षेत्र को प्रतिष्ठित करने के लिए अनुकरणीय सेवाओं और अटूट प्रतिबद्धता के लिए निदेशक, निमहंस, डॉ प्रतिभा मूर्ति द्वारा सम्मानित किया गया, "भारतीय न्यूरोरेडियोलॉजी सोसायटी का 26वां वार्षिक सम्मेलन", 21 फरवरी 2025, निमहंस बेंगलुरु। "कारगिल युद्ध के दौरान अपने लचीलेपन, अविश्वसनीय बहादुरी, साहस और विजय के लिए," कैप्टन नवीन नागपाल: एक कारगिल युद्ध नायक, को सम्मानित करने का सम्मान मिला। कैप्टन नवीन नागपाल 22 फरवरी को "इंडियन न्यूरोरेडियोलॉजी सोसायटी के 26वें वार्षिक सम्मेलन", 21-23 फरवरी 2025, निमहंस बेंगलुरु के दौरान मातृभूमि के प्रति उनकी सेवाओं के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में मुख्य अतिथि थे। समीक्षक बोर्ड पर *अमेरिकन जर्नल ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (एजेएनआर) को पत्रिका में प्रकाशन के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए प्रस्तुत पांडुलिपि की समीक्षा करने हेतु।* स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में रेटिनोब्लास्टोमा (निदान, प्रणालीगत उपचार और ग्लोब साल्वेज के लिए इंट्रा-धमनी कीमोथेरेपी) में क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स में डोमेन विशेषज्ञ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आचार्य जैक्स मोरेट, इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग, बिसेट्रे यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, क्रेमलिन बिसेट्रे, फ्रांस

तंत्रिका विज्ञान विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

मंजरी त्रिपाठी

आचार्य

अचल कुमार श्रीवास्तव
ममता भूषण सिंह
रोहित भाटिया
दीप्ति विभा

अपर आचार्य

विष्णु वी.वाई.
अवध किशोर पंडित
रूपा राजन
राजेश कुमार सिंह

सह- आचार्य

अनु गुप्ता
अनिमेष दास
इलावरासी ए
दिव्या एमआर

सहायक आचार्य

आयुष अग्रवाल

10.7_.indd 1405 1/10/2026 3:19:32 PM

विशिष्टताएं

वर्ष 2024-25 में, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने रोगी उपचार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की। विभाग द्वारा 278 प्रकाशन प्रकाशित किए, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर 115 पोस्टर तथा मौखिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गई, और लगभग 60 करोड़ रुपये की वैज्ञानिक परियोजनाएँ संचालित की गई। विभाग ने देश और दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग किया है। संकाय-सदस्य तथा रेज़िडेंट ने संस्थान के लिए कई पुरस्कार जीते हैं एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों, समितियों और संपादकीय बोर्डों में विशिष्ट भूमिकाएँ निभाई हैं।

आचार्य मंजरी त्रिपाठी को प्रतिष्ठित डॉ. एस. रामचंद्रन चेयर फॉर तंत्रिका विज्ञान अवार्ड और एम्स रिसर्च सेक्शन क्लिनिकल अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। डॉ. अनु गुप्ता ने एएआईसी एनएन, इंडिया, हाइब्रिड हब 2025 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार जीता। डॉ. इलावरासी ए और डॉ. दिव्या एमआर ने मूवमेंट डिसऑर्डर में उन्नत प्रशिक्षण पूरा किया। डॉ. आयुष अग्रवाल को आईएएनसीओएन 2024 में क्रिटिकल केयर तंत्रिका विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए आचार्य एमवी पद्मा श्रीवास्तव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. दिव्यानी गर्ग को एमडीएस लीप प्रोग्राम 2024 के लिए चुना गया, जबकि डॉ. जैस्मीन परिहार को युवा चिकित्सकों के लिए श्रीमती पवन कुमारी जैन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस विभाग ने 98,000 से ज़्यादा बाह्य रोगियों और 4,500 से ज़्यादा अंतःरोगियों को सेवा प्रदान की है और 12,000 प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ संचालित की हैं। रोगी उपचार, शिक्षा, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण में अग्रणी, तंत्रिका विज्ञान विभाग देश और दुनिया के लिए मानक स्थापित करता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ और नवीन शैक्षिक गतिविधियाँ

तंत्रिका विज्ञान विभाग डीएम तंत्रिका विज्ञान में विशेषज्ञता रखने वाले रेजिडेंट और डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कर रहे उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह विभाग चिकित्सा, मनोचिकित्सा, चिकित्सा, प्रशामक चिकित्सा और नर्सिंग सहित विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर छात्रों के साथ-साथ एमबीबीएस एवं नर्सिंग कार्यक्रमों में स्नातकपूर्व छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग स्ट्रोक और न्यूरोइम्यूनोलॉजी फेलोशिप कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन करता है, जबकि मिर्गी, गति विकार, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और बीएससी न्यूरोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम में फेलोशिप पर विचार किया जा रहा है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

कार्यक्रम का नाम	दिनांक	शहर
फ्रीडरिच अटैक्सिया रिसर्च कम्युनिटी मीट	24 जून 2024	नई दिल्ली
नसों और मांसपेशियों के अल्ट्रासाउंड पर कार्यशाला	23 जून 2024	नई दिल्ली
प्रथम राष्ट्रीय पार्किंसंस नेटवर्क चिंतन शिविर	13 दिसंबर 2024	नई दिल्ली
एएसईपीए - एएनजेडएएन ईईजी शिक्षण पाठ्यक्रम	18-19 फरवरी 2025	नई दिल्ली

सीएमईएस, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान (शिक्षण तथा प्रशिक्षण) प्रदत्त व्याख्यान:

मंजरी त्रिपाठी: 37 **अचल कुमार श्रीवास्तव: 22** **रोहित भाटिया: 7**
ममता भूषण सिंह: 7 **दीप्ति विभा: 18** **विष्णु वी.वाई.: 7**

10.7_.indd 1406 1/10/2026 3:19:32 PM

रूपा राजन: 18 **अवध किशोर पंडित: 3** **राजेश कुमार सिंह: 2**
अनु गुप्ता: 4 **इलावारासी ए: 2** **दिव्या एमआर: 6**
आयुष अग्रवाल: 5

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
74	83	138

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 115

पिछले तीन वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-2023	2023-2024	2024-2025
70	108	115

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. संपूर्ण-मेटाजेनोमिक शॉटगन अनुक्रमण का उपयोग करके दवा-प्रतिरोधी मिर्गी रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा डिस्बिओसिस की जांच के लिए एक केस-कंट्रोल अध्ययन, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीएचआर, 3.5 वर्ष, 2021-2025, 59.02 लाख रुपये

2. स्ट्रोक और कोगनेटिव डिक्लाइन के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, डीबीटी, 5 वर्ष, 2017-2024 (विस्तारित), 3200 लाख रुपये

3. विकलांगता एवं सहायक प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र (केयर-डीएटी), डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2021-2026, 237.20 लाख रुपये

4. हंटिंगटन रोग और अन्य वंशानुगत कोरियास से पीड़ित रोगियों की नैदानिक एवं आनुवंशिक प्रोफ़ाइल, डॉ. दिव्या एमआर, एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2025 (विस्तारित), 8 लाख रुपये

5. पैरॉक्सिस्मल मूवमेंट डिसऑर्डर में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल लाइनों का नैदानिक और आणविक लक्षण वर्णन और विकास, डॉ. दिव्यानी गर्ग, एम्स-सीएसआईआर-आईजीआईबी, 2 वर्ष, 2025-2027, 10 लाख रुपये

6. शुरूआत और देर से शुरू होने वाले डिमेंशिया में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल, जोखिम संबंध, उपचारकर्ता का बोझ और नैदानिक परिणाम। डॉ. अनु गुप्ता, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2026 (विस्तारित), 8.15 लाख रुपये

7. किशोरों और वयस्कों में होने वाली ल्यूकोडिस्ट्रोफी की क्लिनिको-जेनेटिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल, डॉ. दिव्यानी गर्ग, एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

10.7_.indd 1407 1/10/2026 3:19:32 PM

8. मल्टीपल स्क्लेरोसिस के रोगियों में कोगनेटिव डिक्लाइन। एक क्रॉस सेक्शनल और लॉन्गिट्यूडिनल अध्ययन, डॉ. रोहित भाटिया, डीएसटी, 3.5 वर्ष, 2021-2024, 15 लाख रुपये (तीसरा वर्ष)

9. न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका स्पेक्ट्रम विकारों (एनएमओएसडी) के एक्यूट स्वीयर गंभीर मायलाइटिस के उपचार में प्लेक्स के साथ आईवीएमपीएस बनाम एक साथ प्लाज्मा एक्सचेंज (पीएलईएक्स) और अंतःशिरा मेथिलप्रेडनिसोलोन (आईवीएमपीएस) की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक ओपन लेबल ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (प्रोब) अध्ययन, डॉ. राजेश कुमार सिंह, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 34.84 लाख रुपये

10. ब्रेन माइक्रोबायोम कनेक्शन को समझना: पार्किंसंस रोग के लिए नए बायोमार्कर विकसित करने हेतु आंत के माइक्रोबायोटा और माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन के परस्पर क्रिया का अन्वेषण। डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव (क्लिनिकल पीआई), आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2025-2028, 92 लाख रुपये

11. डिमेंशिया विज्ञान कार्यक्रम: डिमेंशिया की घटना/व्यापकता/जोखिम/विश्लेषण और बुनियादी अनुसंधान, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2019-2025, 19.87 लाख रुपये

12. दवा प्रतिरोधी मिर्गी (डीआरई) में विभेदित रूप से व्यक्त सिनैप्टिक-गतिविधि-संबंधित लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (इंकराएनए), डॉ. जैस्मीन परिहार, एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 3 वर्ष, 2025-2028, 10 लाख रुपये

13. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग में दुर्दम्य प्रोलिफेरेटिव एराक्नॉइडाइटिस के उपचार में साइक्लोफॉस्फेमाइड की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा - एक यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण। डॉ. इलावरासी ए., एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 6.72 लाख रुपये।

14. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक से ग्रसित विंडो रोगियों में 4.5 से 24 घंटे की इमेजिंग में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावशीलता सुरक्षा, डॉ. अवध किशोर पंडित, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 32.14 लाख रुपये

15. क्रिकोफैरिंजियल डिसफंक्शन के कारण होने वाले फैरिंगो-एसोफेजियल डिस्फेजिया के उपचार के लिए अपर एसोफैजियल स्फिंक्टर में ओनाबोटुलिनम टॉक्सिन ए (बोटोक्स) इंजेक्शन की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा - एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, डॉ. इलावरासी ए, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 35.87 लाख रुपये

16. एम्नेस्टिक माइल्ड कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट और शुरुआती अल्जाइमर रोग से पीड़ित में संज्ञानात्मक कार्यों और रक्त मेटाबोलाइट्स में परिवर्तन पर बाकोपा मोनिएरी लिन की प्रभावशीलता: एक डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अनु गुप्ता, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 70 लाख रुपये

17. भारत में मोयामोया रोग (एमएमडी) और इंट्राक्रैनियल मेजर आर्टरी ऑक्लूजन (आईसीएएसओ) में आनुवंशिक वेरिएंट की खोज, डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2026, 87 लाख रुपये

18. तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लाइसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप का उपचार: एक क्लस्टर यादृच्छिक: परीक्षण (स्ट्रोक उपचार अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार (एफईएसएसएच) चरण- II, डॉ. अवध किशोर पंडित (नोडल केंद्र के पीआई)/ डॉ. कामेश्वर प्रसाद (पीआई), आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 6.91 लाख रुपये

10.7_.indd 1408 1/10/2026 3:19:32 PM

19. ग्रेविटी स्टेंट-रिट्रीवर सिस्टम फॉर रिपरफ्यूजन ऑफ लार्ज वेसल ऑक्लूजन स्ट्रोक ट्रायल (जीआरएएएसएसआरओओटी), डॉ. दीप्ति विभा, गुरुत्व मेडिकल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2024-2025, 2 लाख रुपये

20. उत्तर भारतीयों में एंटीएपिलेप्टिक दवाओं के प्रति अतिसंवेदनशीलता के लिए एचएलए से जुड़ी आनुवंशिक प्रवृत्ति: एक केस कंट्रोल अध्ययन, डॉ. अनिमेष दास, एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2025 (विस्तारित), 10 लाख रुपये

21. अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री (एचबीएसआर), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 6 वर्ष, 2021-2027, 3 लाख रुपये (वर्ष 4)

22. भारत में एफएसएचडी की आनुवंशिक संरचना की पहचान, डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 82.22 लाख रुपये

23. इंडियन मल्टीपल स्क्लेरोसिस एंड एलाइड डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क (आईएमआरएसएन), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 4 वर्ष, 2021-2025, 99.53 लाख रुपये (वर्ष 4)

24. स्वतःस्फूर्त अंतःमस्तिष्कीय रक्तस्राव में ट्रैनेक्सैमिक एसिड का भारतीय परीक्षण (इंट्रिन्सिक परीक्षण), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2026, 2 लाख रुपये (वर्ष 3)

25. अल्जाइमर रोग में कोगनेटिव डिक्लाइन में सुधार के लिए शक्तिशाली फाइटोकेमिकल्स की खोज के लिए एकीकृत आणविक मॉडलिंग और इन विवो दृष्टिकोण", डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 48 लाख रुपये

26. इंट्राक्रैनियल एथेरोस्क्लेरोटिक रोग से पीड़ित रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी: एक यादृच्छिक परीक्षण (स्टेनोसिस परीक्षण), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 23.22 लाख रुपये (वर्ष 3)

27. स्ट्रोक से जीवित लोगों और उनक उपचार करने वालों के लिए चिकित्सा अनुप्रयोग आधारित पोस्ट स्ट्रोक नीति: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (मोबिलिटी), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 3.61 लाख रुपये (वर्ष 1)

28. डीप नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) पद्धति का उपयोग करके स्ट्रोक के निदान और विभेदन के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए (एमआईआरएनए) प्रोफाइलिंग। डॉ. दीप्ति विभा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 20 लाख रुपये

29. पार्किंसंस रोग के इन विवो आणविक लक्षण: एक गहन मस्तिष्क उत्तेजना दृष्टिकोण, डॉ. रूपा राजन, डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट क्लिनिकल/पब्लिक हेल्थ इंटरमीडिएट फेलोशिप, 5 वर्ष, 2023-2028, 344.03 लाख रुपये

30. स्ट्रोक के बाद नॉन-फ्लुएंट अफ़ेसिया में पुनर्वास के लिए संगीत चिकित्सा: भारतीय अनुकूलन, डॉ. दीप्ति विभा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 60 लाख रुपये

31. प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी (पीएआईआर-पीएसपी) के लिए अखिल भारतीय रजिस्ट्री, डॉ. दिव्यानी गर्ग (साइट पीआई), माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन, 1 वर्ष, 2025-2026, 2.31 लाख रुपये

10.7_.indd 1409 1/10/2026 3:19:32 PM

32. न्यूरोसिस्टिसिरकोसिस (एनसीसी) पर अखिल भारतीय बहुकेंद्रीय अध्ययन: इसके मेटाबोलोमिक्स एवं प्रोटिओमिक्स संरचना को उजागर करना ताकि इसका निदान संभव हो सके और मिर्गी रोग (सिस्ट-ओमिक्स) को समझा जा सके, डॉ. दिव्या एमआर (साइट पीआई और सह पीआई), आईसीएमआर टास्क फोर्स ऑफ ओमिक्स इन हेल्थ एंड डिजीज, 3 वर्ष, 2024-2027, 22.17 लाख रुपये (एम्स, दिल्ली के लिए)

33. पोस्ट-एक्यूट कोविड-19 न्यूरोलॉजिकल सीक्वेल: कोविड-19 एवं न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के डेटा स्रोतों को एकीकृत करके आणविक इंटरवेंशन को समझना एवं उनका सत्यापन, डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 48.97 लाख रुपये

34. हिरायामा रोग के उपचार हेतु पोस्टीरियर सरवाइकल फिक्सेशन बनाम दीर्घकालिक सर्वाइकल कॉलर: संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई), चरण III अध्ययन, डॉ. दीप्ति विभा, एम्स दिल्ली अंतर-अनुशासनात्मक इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

35. बड़े वाहिका अवरोधों के कारण तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक हेतु एंडोवैस्कुलर थेरेपी के दौरान बायोसिमिलर टीएनके बनाम टीपीए का यादृच्छिक परीक्षण (री-ओपन ट्रायल), डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 22.23 लाख रुपये (तीसरा वर्ष)

36. कार्य-विशिष्ट फोकल हैंड डिस्टोनिया में इन्फीरियर पैरिएटल लोब्यूल में दोहरावदार ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना: एक क्रॉसओवर, शम नियंत्रण ब्लाइंडेड परिणाम मूल्यांकन अध्ययन, रूपा राजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 41.49 लाख रुपये

37. गिलियन-बैरे सिंड्रोम (आरयूजीबीवाई) में रिटक्सिमैब का परीक्षण: एकल केंद्र, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक चरण 3 परीक्षण। डॉ. आयुष अग्रवाल, डीएसटी-एसईआरबी, 2 वर्ष, 2023-2025, 30 लाख रुपये

38. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) से जुड़े क्लिनिकोपैथोलॉजिकल वर्गीकरण एवं आणविक गड़बड़ी में गैर-कोडिंग आरएनए (एनसीआरएनए) की भूमिका, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 79.09 लाख रुपये

39. टास्क-शेयरिंग (एसटीओपी-एपिलेप्सी) द्वारा एपिलेप्सी के उपचार हेतु प्राथमिक उपचार कार्यकर्ताओं की योग्यता को बढ़ाना, डॉ. ममता भूषण सिंह (सह-पीआई), डीबीटी- वेलकम ट्रस्ट, 5 वर्ष, 2021-2026, 211.87 लाख रुपये

40. प्राथमिक डिमाइलेटिंग रोग वाले रोगियों में सीरम एवं सीएसएफ एमओजी एंटीबॉडी का महत्व, डॉ. आयुष अग्रवाल, एम्स दिल्ली, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

41. सिरदर्द के प्राथमिक उपचार के रूप में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ. दीप्ति विभा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रुपये

42. डिमेंशिया की रोकथाम हेतु जोखिमग्रस्त वयस्क भारतीयों में रणनीतिक बहुविध इंटरवेंशन (स्मृति भारत): एक समूह बहु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएमआरसीटी), डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 4,92,49,450 रुपये

43. स्ट्रोक के रोगियों हेतु स्वैलो-ग्राफी, डॉ. अवध किशोर पंडित, डीएचआर, 3 वर्ष, 2024-2027, 22.31 लाख रुपये

10.7_.indd 1410 1/10/2026 3:19:32 PM

44. ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस में बेसल एक्सयूडेट्स के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड: एक संभावित रेंडोमाइज्ड ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई) अध्ययन।", राजेश कुमार सिंह, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2025-2027, 38.04 लाख रुपये

45. ट्यूबरकुलस मैनिंजाइटिस में ऑप्टोचियास्मैटिक एराक्नॉइडाइटिस के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड: एक संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई) अध्ययन, डॉ. राजेश कुमार सिंह, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 24.59 लाख रुपये

46. इंट्रासेरेब्रल ट्यूबरकुलोमा के उपचार में थैलिडोमाइड: एक संभावित रैंडमाइज्ड ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (पीआरओबीई) अध्ययन', डॉ. दीप्ति विभा, इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2024-2026, 10 लाख रुपये

47. अल्जाइमर रोग (एडी) के रोगियों में फेनोटाइप, मेटाबोलोम तथा आंत माइक्रोबायोम के साथ प्रमुख पैथोफिजियोलॉजिकल रक्त आधारित बायोमार्करों के संबंध का अध्ययन करना: एक पायलट अध्ययन, डॉ अनु गुप्ता, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

48. फार्माकोरेसिस्टेंट एपिलेप्सी में जीनोमिक एवं नॉन-कोडिंग ट्रांसक्रिप्टोमिक गड़बड़ी की तंत्रिका जैव विज्ञान एवं निदान विकृति विज्ञान भूमिका को समझना, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2024-2027, 21.41 लाख रुपये

49. फ्राइड्रिच अटैक्सिया के विरुद्ध स्वदेशी औषधीय जड़ी-बूटियों एवं उनके फाइटोकेमिकल्स की बहु-लक्षित उपचारात्मक क्षमता का अन्वेषण: एक एकीकृत दृष्टिकोण, डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव (क्लिनिकल पीआई), आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2025-2028, रु. 33.20 लाख

50. क्रोनिक स्ट्रोक में अंतःशिरा ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल इन्फ्यूजन की उपयोगिता: एक पैराक्राइन सिग्नलिंग एवं एच-एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन, डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 55 लाख रुपये

51. स्ट्रोक के रोगियों में स्वैलोग्राफ़ी हेतु पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, डॉ. अवध किशोर पंडित, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, एम्स-आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत में वंशानुगत गतिभंग में दुर्लभ उत्परिवर्तन एवं नवीन जीन खोज हेतु बड़े पैमाने पर व्यापक नैदानिक तथा जीनोमिक्स दृष्टिकोण-(चेंजर), डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.49 लाख रुपये

2. 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरुआत वाले इमेजिंग योग्य एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग थेरेपी - एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन, डॉ. अवध किशोर पंडित, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 02 वर्ष, 2020-2022 (विस्तारित), 8 लाख रुपये

3. क्या प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर क्षमता निर्माण से छत्तीसगढ़ में एपिलेप्सी उपचार की पहुँच में सुधार हो सकता है? एक कार्यान्वयन अनुसंधान, डॉ. ममता भूषण सिंह, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-2025, 99.11 लाख रुपये

10.7_.indd 1411 1/10/2026 3:19:32 PM

4. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के अंतर्निहित साक्ष्य आधारित इंटरवेंशन का लागत प्रभावी विश्लेषण: एक तृतीयक उपचार अस्पताल, दिल्ली, भारत में रोगियों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन, डॉ. अवध किशोर पंडित, डीएचआर, 1.5 वर्ष, 2021-2023, 6.51 लाख रुपये

5. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस के निदान में सीएसएफ इन्फ्लेमेटरी मार्कर, डॉ. राजेश कुमार सिंह, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.25 लाख रुपये

6. तीव्र ऑप्टिक न्यूरिटिस (डीओएन) में दृश्य कार्य में सुधार के लिए डॉल्फैम्प्रिडिन - एक यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित चरण 2/3 परीक्षण, डॉ अनिमेष दास, डीएचआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 29.70 लाख रुपये

7. ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस (टीबीएम) के लिए 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने के एंटी-ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की प्रभावकारिता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित, गैर-हीनता परीक्षण, डॉ. दीप्ति विभा, डीएचआर, 3+1 वर्ष, 2020-2024, 42 लाख रुपये

8. निद्रा विकारों के उपचार हेतु नॉर्डोस्टैचिस जटामांसी और विथानिया सोम्नीफेरा फॉर्मूलेशन का विकास, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 56.38 लाख रुपये

9. टेम्पोरल प्लस एवं टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों में योग ध्यान तथा उससे जुड़े एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन की प्रभावकारिता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मंजरी त्रिपाठी, डीएसटी, 4 वर्ष, 2020-2024, 70.27 लाख रुपये

10. पार्किंसंस रोग के रोगियों में गेट में रुकावट के साथ पूरक मोटर क्षेत्र में दोहराए जाने वाले ट्रांस क्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना के प्रभावों का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ दिव्या एमआर, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 24 लाख रुपये

11. छिटपुट वयस्क-प्रारंभिक अटैक्सिया (एसएओए) में तीव्र नेत्र गति (आरईएम) व्यवहार विकार का मूल्यांकन - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन"-, डॉ अनिमेष दास, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 26 लाख रुपये

12. भारत में पार्किंसंस रोग की आनुवंशिक संरचना (गेप-भारत), डॉ. रूपा राजन, माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2019-2024, 75 लाख रुपये

13. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2025, 48 लाख रुपये

14. भारत के मेडिकल कॉलेजों में एक समान स्ट्रोक उपचार एवं परिणामों के लिए मूल्यांकन तथा उपचार पैकेज का कार्यान्वयन (इम्पेटस स्ट्रोक), डॉ. रोहित भाटिया, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 24 लाख रुपये

15. इंटरनेशनल केंद्र फॉर जीनोमिक मेडिसिन इन न्यूरोमस्कुलर डिजीज (आईसीजीएनएमडी), डॉ. विष्णु वीवाई, एमआरसी, यूके, 4 वर्ष, 2020-2024, 1.22 लाख रुपये

16. फ्रेटैक्सिन के नियामक तत्वों में लंबी दूरी, सिस-एक्टिंग कार्यात्मक विविधताएँ: फ्रीडरिच अटैक्सिया में नए चिकित्सीय लक्ष्य डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2021-2024, 89 लाख रुपये

10.7_.indd 1412 1/10/2026 3:19:32 PM

17. इंट्राक्रैनियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरेसेटम के साथ स्ट्रोक के बाद के सीजर्स की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, डॉ. विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये

18. स्मार्टफ़ोन-आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फ़िज़िशियन' के नेतृत्व में तीव्र स्ट्रोक उपचार (स्मार्ट भारत): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, डॉ. विष्णु वी.वाई., आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 2.70 लाख रुपये

19. स्पाइरल डीएक्स: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके ट्रीमर का निदान एवं परिमाणीकरण, डॉ. रूपा राजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.06 लाख रुपये

20. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र क्षय रोग के निदान एवं उपचार में सुधार हेतु शैक्षिक इंटरवेंशन की भूमिका - एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण (आरईडी-टीबी परीक्षण) डॉ. दिव्या एमआर, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ तंत्रिका विज्ञान, 2 वर्ष, 2022-2024, 18.50 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (शोधपत्र/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. कार्यात्मक विघटनकारी सीजर्स के नैदानिक निदान की सटीकता - एक संभावित अवलोकन अध्ययन

2. कार्रवाई: केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के डिमाइलिनेशन के तीव्र प्रकरणों में मिथाइलकोबालामिन; एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. एक्स्ट्राक्रेनियल इंटरनल कैरोटिड आर्टरी एथेरोस्क्लेरोटिक रोग एंव कैरोटिड आर्टरी के पूर्व तथा पश्चात पुनःसंवहनीकरण (कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग एवं कैरोटिड एंड-आर्टेरेक्टॉमी) के कारण होने वाले इस्केमिक स्ट्रोक के मामलों में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी के मूल्यांकन हेतु एक खोजपूर्ण अध्ययन - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

4. नींद संबंधी विकार का आकलन एवं स्वायत्त कार्य परीक्षण के साथ इसका सहसंबंध तथा स्पष्टतः इडियोपैथी छिटपुट प्रगतिशील अनुमस्तिष्क गतिभंग में रोग की गंभीरता

5. पार्किंसंस रोग एवं अन्य तंत्रिका-अपक्षयी रोगों में अग्रिम उपचार योजना पर स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं का दृष्टिकोण तथा व्यवहार

6. स्ट्रोक का शीघ्र पता लगाने हेतु प्रोटिओमिक्स एवं डायग्नोस्टिक परख विकास का उपयोग करके बायोमार्कर की भविष्यवाणी, तत्पश्चात बायोसेंसर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सत्यापन

7. इडियोपैथी अंतःकपालीय उच्च रक्तचाप में मेरेब्रोस्पाइनल द्रव बायोमार्कर: रोग के पैथोमैकेनिज्म पर प्रकाश डालने वाला लक्षित प्रोटिओमिक्स विश्लेषण

8. स्पिनोसेरिबेलर अटैक्सिया प्रकार 12 में ट्रीमर एवं गेट का लक्षण वर्णन

9. एटीटी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी के साथ एमडीआर/एक्सडीआर टीबी के उपचार पर रोगी की नैदानिक एवं जनसांख्यिकीय विशेषताएं: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

10. कार्यात्मक गति विकारों के नैदानिक स्पेक्ट्रम, इमेजिंग विशेषताएं एवं दीर्घकालिक परिणाम - एक संभावित समूह अध्ययन

10.7_.indd 1413 1/10/2026 3:19:32 PM

11. कैरोटिड धमनी इंटरवेंशन में इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) की नैदानिक उपयोगिता - एक व्यवस्थित समीक्षा तथा मेटा-विश्लेषण

12. ब्रेकियल प्लेक्सोपैथी में नैदानिक प्रोफ़ाइल एवं स्टेरॉयड के प्रति प्रतिक्रिया: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

13. पैरेन्काइमल एवं एक्स्ट्रा पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के रोगियों में नैदानिक, प्रयोगशाला तथा इमेजिंग विशेषताएं, उपचार के रुझान और दीर्घकालिक परिणाम - एक रजिस्ट्री-आधारित अध्ययन।

14. चेकलिस्ट सहित एवं चेकलिस्ट रहित एपिलेप्सी रोगी के फॉलो-अप उपचार के परिणामों की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

15. आईआईएच में अक्टूबर-अक्टूबर मापदंडों, ऑप्टिक नर्व शीथ डायामीटर एवं एमसीए वेवफार्म में परिवर्तन का विज़ुअल फिल्ड के साथ सहसंबंध: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

16. डिस्टोनिया के रोगियों में सर्जिकल इंटरवेंशन की लागत-प्रभावशीलता

17. आपातकालीन विभाग में आने वाले बढ़े हुए अंतःकपालीय दबाव की विशेषताओं वाले रोगियों में पेपिलिडेमा की पहचान करने हेतु स्मार्टफोन फंडोस्कोपी बनाम प्रत्यक्ष नेत्रदर्शन की नैदानिक सटीकता

18. डिस्टोनिया के उपचार में रेडियोफ्रीक्वेंसी पैलिडोटॉमी की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा - एक आरसीटी

19. राइटर्स क्रेम्प में सिंगल-फोटोन एमिशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी (एसपीईसीटी) सहायता प्राप्त बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा: एक प्रोब अध्ययन

20. स्ट्रोक रोगियों में सनलाइट थेरेपी चिकित्सा की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

21. फोकल ड्रग-प्रतिरोधी एपिलेप्सी रोगियों में सीजर्स के परिणाम पर मेलाटोनिन की प्रभावकारिता एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

22. माइग्रेन पर नज़र रखने, दवा लेने हेतु पिल रिमाइंडर प्रदान करने एवं माइग्रेन के रोगियों हेतु सामुदायिक ब्लॉग की प्रभावशीलता, माइग्रेन के रोगियों में पेपर पेन डायरी की तुलना में सिरदर्द से संबंधित मापदंडों में सुधार करने संबंधी - एक यादृच्छिक नियंत्रित क्रॉस ओवर परीक्षण।

23. सबएक्यूट स्केलेरोसिंग पैनएनसेफलाइटिस में मायोक्लोनस का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मूल्यांकन

24. वयस्कों में हाइपरट्रॉफिक पैचीमेनिन्जाइटिस का एटियलॉजिकल अध्ययन

25. विल्सन रोग में मल्टीमोडैलिटी इवोक्ड पोटेंशिअल्स एवं इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम का मूल्यांकन

26. टीओएएसटी वर्गीकरण के अनुसार इस्केमिक स्ट्रोक के विभिन्न उपप्रकारों में स्ट्रोक पुनरावृत्ति का मूल्यांकन: एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन

27. सीएनएस तपेदिक के रोगियों में वर्तमान उपचार प्रथाओं एवं परिणामों का मूल्यांकन

28. टीबीएम रोगियों में मृत्यु दर के बढ़ते जोखिम से जुड़े कारक - एक व्यापक अवलोकन अध्ययन

10.7_.indd 1414 1/10/2026 3:19:32 PM

29. एंटीरिअर सरकुलेशन में बड़ी वाहिका अवरोधन के साथ तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक के रोगियों में रोधगलन वृद्धि दर से जुड़े कारक

30. भारत में डिस्टोनिया की आनुवंशिकी: अगली पीढ़ी का अनुक्रमण दृष्टिकोण

31. बड़ी वाहिका अवरोधन वाले तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक रोगियों में यांत्रिक थ्रोम्बेक्टोमी द्वारा निकाले गए थक्कों का हिस्टोपैथोलॉजिकल एवं प्रोटिओमिक लक्षण वर्णन

32. जीनोम वाइड स्क्रीनिंग द्वारा नवीन अस्थिर टैंडेम न्यूक्लियोटाइड रिपीट लोकी की पहचान एवं आनुवंशिक रूप से अनैच्छिक प्रगतिशील सेरिबेलर अटैक्सिया के रोगजनन में उनका निहितार्थ।

33. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस (पीसीएनएसवी) में पैथोबायोलॉजिकल एवं रोग गतिविधि मार्करों की पहचान

34. मनोवैज्ञानिक गैर-एपिलेप्सी के सीजर्स में एंटी-सीजर्स दवाओं का तत्काल बनाम डिलेड बंद करना

35. दवा-प्रतिरोधी एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों के सीजर्स के परिणामों पर स्कैल्प वीडियो ईईजी की असंगति का प्रभाव

36. हाइपरट्रॉफिक पैचीमेनिन्जाइटिस के रोगियों की संस्थागत रजिस्ट्री

37. अनिश्चित महत्व के वेरिएंट (वीयूएस) को समझना: गति विकारों में अनुक्रम वेरिएंट पुनर्व्याख्या अध्ययन

38. मिशन थ्रोम्बेक्टोमी 2020 (एमटी 2020 ऐप) अध्ययन

39. ट्रीमर का बहुविध इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मूल्यांकन: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

40. विल्सन रोग के रोगियों में बहु-विधता उत्पन्न क्षमता एवं इलेक्ट्रोरेटिनोग्राम - एक संभावित अवलोकन अध्ययन

41. स्पिनोसेरिबेलर अटैक्सिया की नॉन अटैक्सिक अभिव्यक्तियाँ

42. हंटिंगटन रोग के रोगियों में नॉन-मोटर अभिव्यक्तियाँ एवं जीवन की गुणवत्ता पर उनका प्रभाव - एक अवलोकनात्मक अध्ययन

43. ऑनलाइन सर्वेक्षण - सामान्य दबाव हाइड्रोसिफ़लस के निदान एवं उपचार में न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा अभ्यास के रुझान की पहचान करना

44. सामान्यीकृत डिस्टोनिया हेतु पैलिडोटॉमी - एक पूर्वव्यापी/संभावित अध्ययन

45. भारतीय आबादी में पार्किंसंस रोग में गेट के स्थिर होने (एफओजी) के पूर्वानुमान

46. एमएस, एनएमओएसडी एवं एमओजी-एडी के रोगियों में ईबीवी डीएनए एवं एंटी ईबीवी एंटीबॉडी का प्रचलन

47. स्ट्रोक के बाद के सीजर्स की रोकथाम हेतु प्रोफिलैक्टिक लेवेतिरेसेटम (प्रोलेविस): एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण

48. पार्किंसंस रोग में गहन मस्तिष्क उत्तेजना परिणामों की भविष्यवाणी करने हेतु मात्रात्मक संवेदनशीलता की मेपिंग

10.7_.indd 1415 1/10/2026 3:19:33 PM

49. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार के पैथोफिज़ियोलॉजी में माइक्रोआरएनए की भूमिका: स्पिनोसेरेबेलर अटैक्सिया टाइप 2 (एससीए2)

50. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी में आनुवंशिक वेरिएंट एवं गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका

51. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में मूवमेंट डिसऑर्डर का स्पेक्ट्रम एवं नैदानिक प्रोफ़ाइल

52. हिरायामा रोग से पीड़ित रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल, इमेजिंग एवं रोग निदान संबंधी कारकों का अध्ययन -संभावित अध्ययन

53. ईएसयूएस (अनिर्धारित स्रोत का एम्बोलिक स्रोत) रोगियों में लक्षणात्मक नॉन-स्टेनोटिक कैरोटिड रोग (एसवाईएनसी) - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

54. एपिलेप्सी के बारे में बातचीत: एपिलेप्सी उपचार में डॉक्टर-रोगी संचार का पता लगाने हेतु एक मिश्रित विधि अध्ययन, जो सह-निर्मित इंटरवेंशन का मार्ग प्रशस्त करता है

55. तेजी से प्रगतिशील मनोभ्रंश का स्पेक्ट्रम एवं परिणाम: एक संभावित समूह अध्ययन

56. रूटिग्मा स्पेक्ट्रम: बोझ, संबंधित कारक, उपचार संबंधी निहितार्थ, एवं एपिलेप्सी से पीड़ित भारतीय व्यक्तियों के बीच पारस्परिक तुलना

57. रुमेटिक हृदय रोग एवं स्ट्रोक के रोगियों में एंटीकोएगुलेशन का समय तथा परिणाम।

58. सीएनएस डिमाइलेटिंग विकारों के रोगियों में थाइमस की रेडियोलॉजिकल भागीदारी का मूल्यांकन करना: केस नियंत्रण अध्ययन।

59. स्पिनोसेरिबेलर अटैक्सियास में ट्रिपलेट रिपीट फ्लैंक्ड हैप्लोटाइप क्षेत्र एवं माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में कार्यात्मक आनुवंशिक तत्वों की पहचान करना

60. एससीए2 एवं एससीए12 में आरंभिक आयु में परिवर्तनशीलता के आनुवंशिक संशोधक का अध्ययन करना

61. आरएनए अभिव्यक्ति विश्लेषण के माध्यम से फ्रीडरिच अटैक्सिया में आणविक सहसंबंध एवं नैदानिक परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना

62. ट्यूबरकुलर सेरेब्रल वैस्कुलोपैथी में ट्रांसक्रेनियल डॉपलर (टीसीडी): एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

63. न्यूरोडीजेनेरेटिव डिमेंशिया के रोगियों के निदान कार्य में अल्जाइमर पैथोफिज़ियोलॉजी हेतु सीएसएफ बायोमार्कर की उपयोगिता: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

पूर्ण

1. स्ट्रोक के बाद एफेसिया में उपचार के मानक बनाम अकेले उपचार के मानक के अतिरिक्त एनआईबीएस (कम आवृत्ति निरोधक आरटीएमएस) की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

2. क्या एपिलेप्सी के रोगियों को सर्वोत्तम रोज़गार मिल रहा है? एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

3. मायस्थेनिक संकट एवं आसन्न मायस्थेनिक संकट से ग्रस्त रोगियों की क्लिनिकोडेमोग्राफिक विशेषताएं तथा परिणाम - एक महत्वाकांक्षी अध्ययन

10.7_.indd 1416 1/10/2026 3:19:33 PM

4. सामान्य दबाव हाइड्रोसिफ़लस वाले रोगियों की क्लिनिको-रेडियोलॉजिक प्रोफ़ाइल एवं परिणाम

5. स्पाइनोसेरेबेलर अटैक्सिया 12 के रोगियों में क्रिया कंपन में प्रोप्रानोलोल एवं प्राइमिडोन की प्रभावकारिता: एकल केंद्र, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित डबल क्रॉस ओवर परीक्षण

6. इंट्रानैसल मिडाज़ोलम बनाम मुंह में घुलने वाला क्लोबाज़म, टर्मिनेटिंग सीज़र में: एक यादृच्छिक ओपन लेबल गैर-हीनता परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पार्किंसंस रोग में आंत-मस्तिष्क अक्ष पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट उत्तेजना एवं प्रोबायोटिक्स के संयुक्त न्यूरोमॉड्यूलेटरी प्रभावों की जांच करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीरक्रिया विभाग, एम्स नई दिल्ली

2. पार्किंसन रोग के "एक्सोसोम आधारित आणविक इंटरवेंशन" को विकसित करने हेतु एक केस-कंट्रोल अध्ययन, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

3. सीएनसी एम्स, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली में तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में आने वाले न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार के रोगियों की उपचार करने वालों के बीच उपचार करने वाले के बोझ, चिंता, अवसाद एवं मुकाबला करने की रणनीतियों का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

4. एक बहुकेंद्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह एवं घटना संचालित चरण 3 अध्ययन, मौखिक एफएक्सएलए अवरोधक असुंडेक्सियन (बीएवाई 2433334) का, तीव्र गैर-कार्डियोएम्बोलिक इस्केमिक स्ट्रोक या उच्च जोखिम वाले टीआईए के बाद 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पुरुष और महिला प्रतिभागियों में इस्केमिक स्ट्रोक की रोकथाम हेतु, विश्व स्तर पर बहुकेंद्रीय।

5. प्राथमिक प्रगतिशील मल्टीपल स्क्लेरोसिस (पीईआरएसईयूएस) से पीड़ित प्रतिभागियों में एससीएआर442168 की प्लेसीबो से तुलना करने वाला चरण III यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्रभावकारिता एवं सुरक्षा अध्ययन, विश्व स्तर पर बहुकेंद्रीय

6. एम्स नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली में स्ट्रोक रोगियों की उपचार करने वालों के बीच घरेलू उपचार प्रबंधन के ज्ञान एवं अभ्यास पर स्ट्रोक केयर गिवर मोबाइल ऐप (एससीजीएम ऐप) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन

7. एम्स, नई दिल्ली के न्यूरो ओपीडी में आने वाले मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों के बीच स्वास्थ्य-संबंधित जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) पर व्यायाम (30 मिनट की पैदल दूरी) की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली

8. एम्स, नई दिल्ली में ईईजी से पीड़ित परिवार के सदस्यों एवं रोगियों के ज्ञान तथा पूर्व प्रक्रियात्मक चिंता पर वीडियो-आधारित शिक्षण का उपयोग करके परिवार और रोगी शिक्षा की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली

10.7_.indd 1417 1/10/2026 3:19:33 PM

9. एम्स, नई दिल्ली के तंत्रिका विज्ञान एवं तंत्रिका शल्य चिकित्सा वार्ड में भर्ती रोगियों में क्यूएसओएफए स्कोर एवं सेप्सिस के नैदानिक लक्षणों तथा चयनित परिणामों के साथ इसके संबंध का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली

10. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों में सीजर्स के नियंत्रण पर विटामिन डी अनुपूरण की भूमिका एवं एपिलेप्सीजनन के बायोमार्करों के साथ इसके सहसंबंध की जांच करने हेतु एक अध्ययन, आईसीएमआर, नई दिल्ली

11. दवा-प्रतिरोधी एपिलेप्सी के रोगियों की आंत माइक्रोबायोटा संरचना की जांच हेतु एक अवलोकन अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

12. एईडी मोनोथेरेपी पर एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों में सामाजिक अनुभूति एवं व्यवहार संबंधी दुर्बलता का संबंध: न्यूरोइमेजिंग निष्कर्षों तथा ट्रेस तत्वों की स्थिति के साथ सहसंबंध, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

13. न्यूरोपैथिक दर्द के उपचार हेतु चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में कैल्शियम पारगम्य आयन चैनल, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

14. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी विकृति में सीजर्स की संवेदनशीलता में प्रोएस्ट्रस-एस्ट्रस संक्रमण के योगदान का निर्धारण, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

15. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी में प्लेटलेट्स की भूमिका का विश्लेषण, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

16. मस्तिष्क माइक्रोबायोम कनेक्शन को समझना: पार्किंसंस रोग हेतु नए बायोमार्कर के विकास हेतु आंत माइक्रोबायोटा माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन के परस्पर क्रिया की खोज, एम्स-डीयू

17. मस्तिष्क एवं मेटाबोलोम प्रोफाइल पर आधारित एक संयोजन बायोमार्कर विकसित करना ताकि कार्यात्मक विघटनकारी सीजर्स को एपिलेप्सी से अलग किया जा सके, शरीरक्रिया विभाग, एम्स नई दिल्ली

18. मस्तिष्क में लौह संचय के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन के उपप्रकारों के वर्गीकरण हेतु इमेजिंग-आधारित एल्गोरिदम का विकास (एनबीआईए), न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली

19. होम्योपैथिक आधारित औषधि निर्माण का एपिलेप्सीजनन पर प्रभाव एवं एपिलेप्सी-रोधी औषधियों के साथ इसकी अंतःक्रिया: एपिलेप्सी एवं संबंधित पोस्ट-इक्टल अवसाद के प्रायोगिक मॉडल पर एक अध्ययन, होम्योपैथी अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद (सीसीआरएच)

20. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्ति में सीजर्स की आवृत्ति पर मायोइनोसिटोल अनुपूरण का प्रभाव, एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड एन-ऑफ-1 परीक्षण", भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

21. पार्किंसंस रोग के रोगियों में संज्ञान एवं अस्थिर मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरण की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

22. हाइपरट्रॉफिक पैचीमेनिन्जाइटिस का एटियोलॉजिकल अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10.7_.indd 1418 1/10/2026 3:19:33 PM

23. नैदानिक संकेतकों का उपयोग करते हुए सीएनएस टीबी के रोगियों में वर्तमान उपचार प्रथाओं एवं परिणामों का मूल्यांकन, कायचिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली

24. पाइरेथ्रॉइड एक्सपोजर एवं पार्किंसंस रोग के बीच संबंध का खोजपूर्ण विश्लेषण: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

25. एमआर तकनीकों का उपयोग करके न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में वित्तीय निर्णय लेने में संज्ञान एवं संख्यात्मक कौशल की खोज, तथा संज्ञानात्मक कार्यों में सुधार पर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट स्टिमुलेशन (आईडीसीएस) का प्रभाव, एनएमआर विभाग, एम्स नई दिल्ली

26. पार्किंसंस रोग के नए बायोमार्कर लक्ष्यों के रूप में एक्सोसोमल एमआईआरएनए की क्षमता की खोज, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

27. तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने एवं उच्च रक्तचाप उपचार: एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण (एफईएसएसएच) चरण-II (स्ट्रोक उपचार अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार), आरआईएमएस, रांची

28. पूर्वोत्तर भारत के एक दूरस्थ अस्पताल में चिकित्सक-आधारित स्ट्रोक यूनिट का कार्यान्वयन - तेजपुर मॉडल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना

29. पार्किंसंस रोग की यांत्रिक समझ एवं प्रारंभिक जांच पद्धति का विकास, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

30. ए4 युक्त जीएबीएए रिसेप्टर्स के मॉड्यूलेटर: फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) हेतु संभावित चिकित्सा, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

31. युवावस्था में शुरू होने वाले एवं बाद में शुरू होने वाले पार्किंसंस रोग में मॉर्फोमेट्रिक मस्तिष्क परिवर्तन: एक तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर विभाग, एम्स नई दिल्ली

32. उपचार-अनुभवहीन सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों के मस्तिष्क में न्यूरोसाइकिएट्रिक अभिव्यक्तियाँ एवं चयापचय संबंधी विशेषताएँ, नियंत्रण समूह की तुलना में एवं उन पर ग्लूटेन मुक्त आहार का प्रभाव: एक संभावित फॉलो-अप अध्ययन, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग एवं मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली

33. न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में नेत्र सतह माइक्रोबायोम प्रोफाइलिंग, डॉ. रा.प्र. केंद्र फॉर ऑप्थल्मिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली

34. न्यूरोसिस्टिसिरकोसिस पर अखिल भारतीय बहुकेन्द्रीय अध्ययन: इसके मेटाबोलोमिक्स एवं प्रोटिओमिक्स संरचना को उजागर करना ताकि इसका निदान संभव हो सके एवं एपिलेप्सी को समझा जा सके (सिस्ट-ओमिक्स), आईआईटी मंडी, आईएचबीटी पालमपुर, डीएमसीएच लुधियाना, आईसीजीईबी दिल्ली एवं पूरे भारत के अन्य कई केंद्रों द्वारा

35. तीव्र स्ट्रोक के रोगियों में पहनने योग्य उपकरण के माध्यम से रक्त शर्करा आकलन एवं अलिंद विकम्पन का संभावित नैदानिक अध्ययन, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली

36. न्यूरो डिजनरेटिव रोगों (एएमआर, ग्लूकोमा एवं अल्जाइमर) में ट्रेस अमीन्स की भूमिका, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

10.7_.indd 1419 1/10/2026 3:19:33 PM

37. स्मार्टवियर - पार्किंसनिज़्म में गेट विकारों की निगरानी एवं इंटरवेंशन हेतु एआई सक्षम पहनने योग्य प्रणाली, आईआईटी गांधीनगर

38. भारत में आंदोलन विकार केंद्रों में रेफरल से पहले पार्किंसंस रोग हेतु नुस्खे के पैटर्न को समझना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, भारत में कई केंद्र

39. स्वदेशी औषधीय जड़ी-बूटियों एवं उनके फाइटोकेमिकल्स की फ्रीडरिच अटैक्सिया के विरुद्ध बहु-लक्षित उपचारात्मक क्षमता का पता लगाना: एक एकीकृत दृष्टिकोण, एम्स-आईसीएआर

40. स्ट्रोक के रोगियों में स्वैलोग्राफ़ी हेतु पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआईटी दिल्ली

पूर्ण

1. टीएमएस मेट्रिक्स का उपयोग करके एएलएस रोगियों में कॉर्टिको-स्पाइनल उत्तेजना एवं प्लास्टिसिटी का आकलन करने हेतु एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

2. चरण III यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्रभावकारिता एवं सुरक्षा अध्ययन जिसमें नॉन-रिलैप्सिंग सेकेंडरी प्रोग्रेसिव मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एचईआरसीयूएलईएस) के प्रतिभागियों में एससीएआर442168 की तुलना प्लेसीबो से की गई, पूरे भारत के कई केंद्रों में।

3. एईडी टेपरिंग एपिलेप्सी (पीडब्ल्यूई) से पीड़ित व्यक्तियों में एईडी (एईडी) के सीरम स्तर एवं सीजर्स की पुनरावृत्ति से जुड़े अन्य कारकों के सहसंबंध का पता लगाने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. दैनिक लेवोडोपा समतुल्य खुराक में सांस्कृतिक विचार: वैश्विक आबादी एक अध्ययन, विश्व स्तर पर बहुकेंद्रीय

5. एपिलेप्सी से पीड़ित महिलाओं में चयापचय स्थिति पर लेवेटिरेसेटम एवं वैल्प्रोएट के साथ एईडी मोनोथेरेपी का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. ट्यूमर से जुड़ी दुर्दम्य एपिलेप्सी के रोगियों से निकाले गए ट्यूमर ऊतकों पर प्लाज्मा जेट का प्रभाव, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

7. पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सीडोपामाइन चूहा के मॉडल में संज्ञानात्मक एवं मोटर कार्य पर प्रोबायोटिक्स एवं दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

8. टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के एक कृंतक पिलोकार्पाइन मॉडल में ग्लूटामेटेरिक उत्तेजक न्यूरोट्रांसमिशन के क्षेत्र-विशिष्ट परिवर्तनों को स्पष्ट करना, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

9. विटामिन डी के पूरक के बाद दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी से पीड़ित व्यक्तियों में विटामिन डी रिसेप्टर अभिव्यक्ति और सीजर्स के नियंत्रण के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन, जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. फार्माको-प्रतिरोधी एपिलेप्सी से जुड़े बेंजोडायजेपाइन-प्रतिरोध में जीएबीएए रिसेप्टर पर निष्क्रिय बेंजोडायजेपाइन बाइंडिंग साइट की भूमिका की जांच करने हेतु, जैवभौतिकी विभाग, एम्स नई दिल्ली

10.7_.indd 1420 1/10/2026 3:19:33 PM

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं.	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	49	59	51
कुल वित्तपोषण	6712.45 लाख रुपये	7236.17 लाख रुपये	6080.64 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 155 सार: 95 पुस्तक में अध्याय: 16 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	240	246	268
पुस्तकों में लेख	193	143	155
सारांश	24	98	95
पुस्तकों में अध्याय	22	5	16
पुस्तकें	1	0	2

रोगी उपचार

तंत्रिका विज्ञान विभाग विभिन्न न्यूरोलॉजिकल स्थितियों वाले रोगियों को अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। बाह्य रोगी विभाग ने 98,000 से अधिक रोगियों को परामर्श प्रदान किया है, जिनमें 7,000 से अधिक विशिष्ट क्लिनिक परामर्श शामिल हैं। नियमित एवं अल्पकालिक प्रवेशों को मिलाकर, पिछले वर्ष हमारे कुल आंतरिक रोगी प्रवेश 4,500 से अधिक हो गए।

विशिष्ट क्लीनिक

- अटैक्सिया क्लिनिक
- बोटुलिनम टॉक्सिन क्लिनिक
- डीप ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिक
- हेडेक क्लिनिक
- दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी क्लिनिक
- मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक
- न्यूरो-संक्रमण क्लिनिक
- न्यूरोमस्कुलर रोग क्लिनिक
- निद्रा विकार क्लिनिक
- स्ट्रोक क्लिनिक.

10.7_.indd 1421 1/10/2026 3:19:33 PM

विशिष्ट प्रयोगशाला सुविधा

- इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला तंत्रिका चालन अध्ययन, उद्भूत क्षमता, इलेक्ट्रोमायोग्राफी, इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी, वीडियो-इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफी, नैदानिक प्रयोजनों हेतु ट्रीयर विश्लेषण, तथा अनुसंधान संकेतों हेतु ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना करने के लिए सुसज्जित है।
- न्यूरो-सोनोलॉजी-ट्रांसक्रेनियल डॉपलर (टीसीडी) नैदानिक प्रयोजनों हेतु उपलब्ध है।
- तंत्रिका जैवविज्ञान प्रयोगशाला (तंत्रिका विज्ञान विभाग के अंतर्गत) विशिष्ट परीक्षण सुविधाएं प्रदान करती है, जिसमें इन-हाउस ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस परीक्षण एवं अन्य ऑटोइम्यून पैनल शामिल हैं।
- बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन सेवाएं नियमित रूप से प्रदान की जाती हैं।
- डायग्नोस्टिक डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए) तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से न्यूरोवैस्कुलर मामलों में की जाती है।

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2035
ओपीडी परामर्श	89,558	1,01,585	98,007
कुल आंतरिक रोगी (नियमित) भर्ती	3,207	2942	2208
डे केयर (लघु) भर्ती		2671	2509
प्रयोगशाला प्रक्रियाएँ	9, 519	11472*	12320

*ओपीडी ईईजी-4451; दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी हेतु दीर्घकालिक वीईईजी-398, एसटीवीईईजी-112, इवोक्ड पोटेंशियल्स-729, एनसीएस/ईएमजी-5642, एमईजी 602

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

- विभाग ने एपिलेप्सी, मनोभ्रंश, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्क्लेरोसिस एवं स्ट्रोक पर जन जागरूकता व्याख्यान तथा पैनल चर्चा आयोजित की।
- आचार्य ममता भूषण सिंह ने कई राज्यों में एपिलेप्सी संबंधी सेवाएं प्रदान कीं।
- डॉ. जैस्मीन परिहार ने कर्नाटक के मुंडगोड में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा जांच कार्यक्रम के माध्यम से सामुदायिक सेवा में भाग लिया, जिसमें उन्होंने रोगी उपचार ट्रस्ट (एनजीओ) एवं एम्स, नई दिल्ली के साथ मिलकर न्यूरोलॉजिकल स्क्रीनिंग एवं रोगी शिक्षा में योगदान दिया।

1. पार्किंसंस रोग पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 18 अप्रैल 2024, एम्स दिल्ली
2. मल्टीपल स्केलेरोसिस पर जन व्याख्यान, 3 जून 2024, एम्स दिल्ली
3. स्ट्रोक पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 28 अक्टूबर 2024, एम्स दिल्ली

10.7_.indd 1422 1/10/2026 3:19:33 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य मंजरी त्रिपाठी एम्स, नई दिल्ली में डॉ. एस. रामचंद्रन चेयर फॉर न्यूरोसांइसेज अवार्ड 2025 प्राप्त किया। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड के हिस्से के रूप में एकॉर्ड सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल में तंत्रिका विज्ञान विभाग 4 अक्टूबर 2024 को फरीदाबाद में मान्यता प्रक्रिया। डीएम, तंत्रिका विज्ञान, जीएस मेडिकल कॉलेज, मुंबई हेतु बाहरी परीक्षक 9 जनवरी 2025. 11 दिसंबर को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में चयन समिति हेतु विशेषज्ञ (वर्चुअली) 2024 21 एवं 22 फरवरी 2025 को दिल्ली में एशियाई ओशियन एपिलेप्सी कांग्रेस के सत्र की अध्यक्षता की। पीएचडी समिति में भाग लिया 1 मार्च 2025 को निमहंस बैंगलोर में बैठक। 7 मार्च 2025 को एम्स देवघर में विशेषज्ञ संकाय चयन साक्षात्कार हेतु आमंत्रित। 26 मार्च 2025 को निमहंस बैंगलोर में पीएचडी समिति सदस्य थे।

आचार्य दीप्ति विभा एम्स के भीतर एवं बाहर विभिन्न चयन समितियों हेतु विशेषज्ञ/चयन समिति की सदस्य थी। 23 जून 2024 को आईएएन- न्यूरोमस्कुलर ग्रुप द्वारा तंत्रिका और मांसपेशियों के अल्ट्रासाउंड पर कार्यशाला में सत्र की अध्यक्ष। 9 अगस्त 2024 को जर्नल क्लब में इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान- स्ट्रोक उपखंड हेतु विशेषज्ञ/संचालक। 19 नवंबर 2024 को न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा समस्या-आधारित शिक्षण और चर्चा में ऑनलाइन कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ पैनलिस्ट। 9-12 जनवरी, 2025 को जेडब्ल्यू मैरियट, नई दिल्ली में, क्रेस्ट न्यूरो-कॉन्क्लेव 2025 में मूवमेंट डिसऑर्डर के सत्र की अध्यक्ष थी। 26-27 फरवरी 2025 को इंडिया इंटरनेशनल केंद्र (आईआईसी), लोधी एस्टेट, नई दिल्ली एम्स वार्षिक रिपोर्ट समिति की सदस्य थी।

डॉ. रूपा राजन क्विज़ मास्टर: द्वितीय अशोक पनगढ़िया मेमोरियल क्विज़ प्रतियोगिता।

अवध के. पंडित 9 से 12 जनवरी 2025 तक दिल्ली में आयोजित क्रेस्ट न्यूरो-कॉन्क्लेव 2025 के एक सत्र की अध्यक्षता की।

राजेश कुमार सिंह तंत्रिका विज्ञान इंडिया के सहायक संपादक के रूप में कार्यरत थे।

अनु गुप्ता ने एएआईसी एनएन, इंडिया, हाइब्रिड हब 2025 में 'प्रारंभिक एवं देर से शुरू होने वाले डिमेंशिया के न्यूरोसाइकोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणाम' शीर्षक वाले शोध ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार जीता।भारत में न्यूरोडीजेनेरेटिव डिमेंशिया में सीएसएफ बायोमार्कर पर अनुसंधान को लाइटनिंग प्रेजेंटेशन राउंड के लिए चुना गया था। यह एएआईसी एनएन, इंडिया हाइब्रिड हब 2025 में अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण हेतु भारत से चुने गए चार सारांशों में से एक था।26 फरवरी 2025 को एएआईसी एनएन, इंडिया हाइब्रिड हब में डिमेंशिया पर एक सत्र की अध्यक्षता की थी।

इलावरासी ए वेस्टर्न ने ओंटारियो विश्वविद्यालय, लंदन, ओंटारियो, कनाडा में मूवमेंट डिसऑर्डर, एडवांस्ड थेरेप्यूटिक्स और न्यूरोमॉड्यूलेशन में क्लिनिकल फ़ेलोशिप पूरी की। पार्किंसंस रोग और संबंधित विकारों पर 30वें विश्व सम्मेलन में मूवमेंट डिसऑर्डर के ग्रैंड वीडियो चैलेंज में केस प्रेजेंटेशन। टोक्यो, जापान में एशियन ओशियन पार्किंसनिज़्म एंड मूवमेंट डिसऑर्डर कांग्रेस (एओपीएमसी) 2025 के वीडियो टूर्नामेंट में उपविजेता। फिलाडेल्फिया में एमडीएस कांग्रेस 2024 और टोरंटो में कैनेडियन मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी मीटिंग के लिए यात्रा अनुदान पुरस्कार। कुआलालंपुर में एमडीएस एओएस जेनेटिक्स स्कूल के एक भाग के रूप में आयोजित, एमडीएस-एओएस, एसवाईएनईआरजीआईईएस, जुलाई 2024 में कनिष्ठ फैकल्टी पुरस्कार। एमडीएस इलेक्ट्रॉनिक क्लिनिकल आउटकम असेसमेंट (ईसीओए) समिति, एमडीएस साक्ष्य-आधारित चिकित्सा (ईबीएम) नॉन-मोटर उपसमिति एवं एमडीएस तंत्रिका शल्य चिकित्सा विशेष

10.7_.indd 1423 1/10/2026 3:19:33 PM

रुचि समूह के सदस्य थे। एमडीएस पीयर रिव्यूइंग एजुकेशन एंड मेंटरिंग प्रोग्राम (2022-2024) में पीयर एजुकेटर।

डॉ. दिव्या एमआर ने पार्किंसंस रोग और संबंधित विकारों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, चिकित्सा संकाय, चूलोंगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड से एमडीएस-एओएस विजिटिंग ट्रेनी अनुदान कार्यक्रम 2024 के तहत आंदोलन विकारों में उन्नत प्रशिक्षण पूरा किया। 9वें एशियाई ओसियन पार्किंसनिज़्म और मूवमेंट डिसऑर्डर कांग्रेस (एओपीएमसी) 2025, टोक्यो, जापान के वीडियो टूर्नामेंट में प्रतिभागी। अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोपैलिएटिव केयर सोसाइटी द्वारा उन्नत न्यूरोपैलिएटिव केयर कोर्स में प्रमाणित। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में एमडीएस कांग्रेस 2024 में एमडीएस वीडियो चैलेंज के फाइनलिस्ट। एनाल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर के सहायक संपादक (मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक पत्रिका)। बाहरी मूल्यांकनकर्ता, एमडी मेडिसिन थीसिस, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़। एमडीएसआईसीओएन 2025 वाराणसी में जज, पोस्टर सत्र- कम्पन और मायोक्लोनस

डॉ. आयुष अग्रवाल विश्व स्ट्रोक संगठन- फ्यूचर लीडर्स प्रोग्राम पुरस्कार विजेता (2022-24) सहायक संपादक, एनल्स ऑफ इंडिया एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (2022-) भारत प्रतिनिधि, यंग न्यूरोलॉजिस्ट एकेडमी: एशिया एंड ओशियन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोलॉजी (एओएएन) (2023-2025)। आचार्य एमवी पद्मा श्रीवास्तव को आईएएनसीओएन 2024 में गंभीर उपचार न्यूरोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ पेपर हेतु पुरस्कार मिला।

अतिथि वैज्ञानिक

आचार्य प्रसन्ना जयकर ने फोकल एपिलेप्सी में एमआरजीएफयूएस पर वार्ता प्रस्तुत की।



टोरंटो विश्वविद्यालय में न्यूरोमॉड्यूलेशन एवं बहुविषयक उपचार के अध्यक्ष डॉ. अल्फोंसो फसानो ने उन्नत गहन मस्तिष्क उत्तेजना पर एक विजिटिंग फैकल्टी व्याख्यान दिया।

डॉ. विभोर कृष्णा, सह-आचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल, एनसी, यूएसए, एवं डॉ. डैनियल रोके, सह-आचार्य, यूएनसी न्यूरोलॉजी, चैपल हिल, यूएसए, ने एमआर-निर्देशित केंद्रित अल्ट्रासाउंड पर व्याख्यान दिया।

वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, लंदन में न्यूरोलॉजी की सहायक आचार्य डॉ. दीपा दाश ने हंटिंगटन रोग के उपचार के अद्यतन पर व्याख्यान दिया।

10.7_.indd 1424 1/10/2026 3:19:33 PM

विभाग/संकाय द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तस्वीरें





एएसईपीए ईईजी कार्यशाला



10.7_.indd 1425 1/10/2026 3:19:33 PM

तंत्रिका विकृति विज्ञान विभाग

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

प्रभारी आचार्य
एम सी शर्मा

आचार्य
वैशाली सूरी

विशिष्टताएं

वर्ष 2023-2024 में तंत्रिका विकृति विज्ञान इकाई उच्च स्तरीय शैक्षणिक एवं अत्याधुनिक नैदानिक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम रही है। यह इकाई नियमित नैदानिक सेवाएँ प्रदान करती है। (कुल 2577 मामले**),** स्नातक, स्नातकोत्तर, डीएम, एमसीएच एवं पीएचडी छात्रों का शिक्षण; साथ ही तंत्रिका विकृति विज्ञान की विभिन्न उप-विशेषताओं में उच्च गुणवत्ता वाला अनुसंधान।

पिछले वर्ष रोगी उपचार सेवाओं तथा अनुसंधान में सुधार हेतु उठाए गए कदम

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला ने नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस), फ्लोरोसेंस इन-सीटू हाइब्रिडाइजेशन (एफआईएसएच), सेंगर सीक्वेंसिंग एवं रियल-टाइम पीसीआर जैसे उन्नत प्लेटफॉर्म्स को जोड़कर अपनी आणविक नैदानिक क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है। इन तकनीकों का अब न्यूरोऑन्कोलॉजी मामलों के आणविक एवं साइटोजेनेटिक वर्क-अप में नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है, तथा इस अवधि के दौरान कुल 20,576 स्लाइड्स को स्टेन्ड एवं विश्लेषित किया गया। इकाई विशेष रूप से न्यूरोऑन्कोलॉजी एवं मायोपैथोलॉजी के डोमेन में, हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्टों में चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक आणविक मार्करों को एकीकृत करना जारी रखती है। तंत्रिका विकृति विज्ञान संकाय ने 8 एक्सट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजनाओं हेतु फंडिंग हासिल की है उल्लेखनीय है कि तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला ने तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया के सातवें राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें आणविक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर चार विशिष्ट कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो विभाग हेतु एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि थी।

आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना:

उच्चतम गुणवत्ता वाली नैदानिक तंत्रिका विकृति विज्ञान सेवाएं, शिक्षण, उन्नत अनुवादात्मक अनुसंधान का संयोजन प्रदान करना तथा सुपर-स्पेशलिटी में कुशल जनशक्ति विकसित करना।

शिक्षा

स्नातकपूर्व व्याख्यान एवं सेमिनार, प्रति वर्ष 9
स्नातकपूर्व स्तर पर व्यावहारिक कक्षाएं, प्रति वर्ष 3
रिपोर्टिंग सत्रों के दौरान स्नातकोत्तर (एमडी पैथोलॉजी) शिक्षण, प्रति सप्ताह 10 घंटे
शुक्रवार के सम्मेलनों में स्नातकोत्तर अध्यापन, प्रति सप्ताह 2 घंटे
तंत्रिका विकृति विज्ञान/तंत्रिका विज्ञान/तंत्रिका शल्य चिकित्सा सम्मेलन, प्रत्येक शुक्रवार को 1.5 घंटे
स्नातकोत्तर (एमडी पैथोलॉजी) छात्रों को एफआईएसएच प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण, वर्ष में दो बार
डीएम तंत्रिका विज्ञान उम्मीदवारों का 15 दिवसीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण, रोटेशन के आधार पर

10.7_.indd 1426 1/10/2026 3:19:34 PM

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन-2025) का सातवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन 20-22 फ़रवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। वैज्ञानिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, उन्होंने न्यूरो-ऑन्कोलॉजी में अत्याधुनिक आणविक तकनीकों पर चार विशिष्ट व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिनमें एफआईएसएच एसे, सेंगर सीक्वेंसिंग, मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग एवं नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) शामिल हैं। यह आयोजन एक प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धि थी, जिसमें देश भर के प्रमुख विशेषज्ञों एवं 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सीएमई में प्रदत्त व्याख्यान सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान: 15
एमसी शर्मा: 9 वैशाली सूरी: 6

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या:

2022-2023	2023-2024	2024-2025
9 (5 + 4 सीपीसी एवं पैथोलॉजी तथा इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी की भूमिका)	**10**	**05**
7	**12**	**06**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 30

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या:

प्रस्तुति	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पेपर पुरस्कार + पोस्टर पुरस्कार + पुरस्कार + प्रमाणपत्र पुरस्कार	**8**	**14**	**31**

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

एमसी शर्मा

1. इंटीग्रेटिव ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण का उपयोग करके पोस्टीरियर फोसा एपेंडाइमल ट्यूमर में आरएनए परिदृश्य का पता लगाना, प्रो. एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 80 लाख रुपये

जारी

वैशाली सूरी

(2022-2023) / (2023-2024) / (2024-2025)

1. ग्लियोमा में शीघ्र निदान, ट्यूमर की प्रगति का पता लगाने और उसकी पुनरावृत्ति के लिए एक मज़बूत और किफायती रक्त-आधारित डायग्नोस्टिक बायोमार्कर पैनल स्थापित करना। प्रोफ़ेसर वी. सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 100 लाख रुपये

10.7_.indd 1427 1/10/2026 3:19:34 PM

2. बाल चिकित्सा ग्लियोमा के आणविक प्रोफ़ाइल का विश्लेषण करने और आणविक उप-समूहीकरण और जोखिम स्तरीकरण के लिए मजबूत और किफायती तरीके स्थापित करने के लिए, आचार्य वी. सूरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये

3. उप-वर्गीकरण और रोग निदान की भविष्यवाणी में सुधार के लिए किशोरों और युवा वयस्कों (एवाईए) में ग्लियोमा की मिथाइलेशन सरणी-आधारित प्रोफाइलिंग, डॉ. वी. सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 80 लाख रुपये

4. सीएनएस ट्यूमर उपचार में बदलाव: सटीक निदान और प्रभावी प्रबंधन के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल डेटा, मल्टी-ओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग। आचार्य वी. सूरी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2024-2029, लगभग 14 करोड़ रुपये)

5. सीएनएस ट्यूमर और सार्कोमा के लिए मिथाइलेशन-आधारित वर्गीकरण उपकरणों का वैश्विक आउटरीच अध्ययन, पोर्फ. वी सूरी, डीकेएफजेड, 5 वर्ष, प्रतीक्षित, प्रति वर्ष मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग के लिए 1000 किट

6. एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और बाल चिकित्सा और एवाईए आबादी में उच्च-ग्रेड ग्लियोमा में टीएमजेड की प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध, आचार्य वी सूरी, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

पूर्ण परियोजनाएँ, 2022-2023, रु. 2023-2024)

1. जोखिम स्तरीकरण और चिकित्सीय इंटरवेंशन में इसकी भूमिका के लिए मेनिंगियोमा में सर्क आरएनए के संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन, आचार्य वी. सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 78 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी (कृपया संकाय/मार्गदर्शक/अभ्यर्थी का नाम अथवा यह पीएचडी, डीएम, एमडी थीसिस आदि है या नहीं, इसकी सूची न दें)

1. डिस्फेरलिनोपैथी हेतु इम्यूनोफ्लोरेसेंस
2. मायोसिटिस-विशिष्ट एवं मायोसिटिस-संबंधित ऑटोएंटीबॉडी का पता लगाने हेतु लाइन इम्यूनोऐसे
3. डिस्फेरलिन और कैल्पैन के लिए इम्यूनोब्लॉट
4. ए वाई ए जनसंख्या की आनुवंशिक एवं एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग
5. गुणात्मक और मात्रात्मक परख द्वारा एमजीएमटी प्रमोटर मूल्यांकन
6. एपेंडिमोमा की आणविक रूपरेखा
7. सीएनएस ट्यूमर परिवर्तन
8. मिथाइलेशन-आधारित वर्गीकरण का वैश्विक आउटरीच अध्ययन
9. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा में सरोगेट मार्कर के रूप में एचआईपी1आर विमेंटिन और एच3के27एमई3 की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
10. बाल चिकित्सा और एवाईए उच्च-श्रेणी के ग्लियोमा में एमएमआर की कमी का खुलासा

10.7_.indd 1428 1/10/2026 3:19:34 PM

पूर्ण

1. पीएक्सए की आणविक एवं प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन करें
2. मेनिंगियोमा की आणविक प्रोफ़ाइल का आकलन करें
3. ग्लियोमा के विभिन्न ग्रेडों के प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का विश्लेषण करना
4. सेंगर अनुक्रमण द्वारा आईडीएच उत्परिवर्तन मूल्यांकन औरडीडीपीसीआर
5. संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकनमेनिंगियोमा में सीआईआरसीआरएनए
6. आईडीएच वाइल्डटाइप एवं उत्परिवर्ती ग्लियोमा का आणविक प्रोफ़ाइल
7. मेनिंगियोमा के एमआईआरएनए प्रोफाइलिंग का मूल्यांकन
8. नैनोस्ट्रिंग द्वारा ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग
9. एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और इसका सहसंबंध

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी (कृपया संकाय के नाम न दर्शाएं)

1. पश्च भाग का हिस्टोपैथोलॉजिकल इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री विश्लेषणजन्मजात/विकासात्मक क्रेनियोवर्टेब्रल विसंगतियों वाले रोगियों में एटलांटो ओसीसीप्टल झिल्ली, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
2. एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और बाल चिकित्सा और एवाईए आबादी में उच्च ग्रेड ग्लियोमा में टीएमजेड की प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध, रेडियोलॉजी विभाग (2023-2025)
3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण विकसित करने के लिए प्राथमिक गामा नाइफ रेडियोसर्जरी या माइक्रोसर्जरी से उपचारित ड्यूरल आधारित घावों के स्वर्ण मानक चिकित्सा इमेजिंग डेटासेट का निर्माण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग

3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषण	425 लाख रुपये	345 लाख रुपये	2107 लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 18 सार: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	49	15	19
पुस्तकों में लेख	24	-	18

10.7_.indd 1429 1/10/2026 3:19:34 PM

सार	2	-	1
पुस्तकों में अध्याय	7	-	-
पुस्तकें	1	-	-
केस रिपोर्ट	9	-	-
समीक्षा लेख	7	-	-

रोगी उपचार

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

वर्ष	**2022-2023**	**2023-2024**	**2024-2025**
नमूनों की कुल संख्या	2427	2454	2577
इंट्राऑपरेटिव फ्रोजन सेक्शन निदान	424	477	457
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (एफएफपीई)	14,158	14830	12785
फ्लूरोसेंस इन-सीटू हाइब्राइडाइजेशन	1271	1014	823
मांसपेशी बायोप्सी (फ्रोजन)	240	219	222
मांसपेशी एंजाइम हिस्टोकेमिस्ट्री	910	632	702
मांसपेशी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	1765	2057	2207
मांसपेशी इम्यूनोफ्लोरेसेंस	128	57	183
इम्यूनोब्लॉट	75	130	69
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	243		224
सेंगर अनुक्रमण क्यूपीसीआर/ आरटीपीसीआर	339	196/68	194/133 = 327
कुल इकाइयाँ (स्तंभ में प्रत्येक आइटम को एक इकाई के रूप में लिया जाता है)	**21,980**	**22, 134**	**20, 576**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. त्रिशला मोहन 4 से 7 अप्रैल 2023 को मोहाली, चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (आईएसएनओसीओएन 2024) के 15वें वार्षिक सम्मेलन में "मेनिंगियोमा के ट्रांसक्रिप्टोमिक परिदृश्य का मूल्यांकन: रोग का निदान एवं चिकित्सीय अंतर्दृष्टि हेतु निहितार्थ" शीर्षक वाले अध्ययन हेतु एक पोस्टर प्रस्तुत किया तथा **प्रथम पुरस्कार** जीता।

डॉ. अग्रिमा शर्मा 4 से 7 अप्रैल 2023 को मोहाली चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (आईएसएनओसीओएन 2024) के 15वें वार्षिक सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया एवं "सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा में डिसरेग्यूलेशन: छोटे अणु अनुक्रमण के माध्यम से आरईएलए फ्यूजन-पॉजिटिव एवं फ्यूजन-नेगेटिव उपप्रकारों में अंतर करना" शीर्षक वाले अध्ययन हेतु **दूसरा पुरस्कार** जीता।

10.7_.indd 1430 1/10/2026 3:19:34 PM

डॉ स्वाति सिंह ने पत्र श्रेणी में पत्र प्रस्तुत किया और दूसरा पुरस्कार जीता1-2 फरवरी, 2025 को विवांता बाय ताज, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनएसीओएन 2025) के 27वें वार्षिक सम्मेलन में "एफएफपीई और सीएफडीएनए का उपयोग करके ग्लियोमास की व्यापक आणविक प्रोफाइलिंग: एनजीएस के माध्यम से लिक्विड बायोप्सी की नैदानिक क्षमता का मूल्यांकन" शीर्षक वाले अध्ययन के लिए उन्हें डॉ. सुबिमल रॉय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 20-22 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में, "आईडीएच1 आर132एच उत्परिवर्तन का पता लगाने हेतु डिफ्यूज ग्लियोमास में प्लाज्मा सेल-फ्री डीएनए (सीएफडीएनए) की नैदानिक उपयोगिता" शीर्षक से तंत्रिका विकृति विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए उन्हें डॉ. सुबिमल रॉय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. बंदना जस्सल को 20-22 फरवरी**,** 2025 को एम्स**,** नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया **(**एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में **"**इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथी **(**आईआईएम**)** के क्लिनिकल एवं ऑटोएंटीबॉडी परिभाषित उपसमूहों में क्लास I तथा क्लास II एचएलए और ऑटोएंटीजन एपिटोप भविष्यवाणी की आनुवंशिक प्रवृत्ति**"** शीर्षक से यूथ इन्वेस्टिगेटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ आशीष वाडेकर 20-22 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा में 1पी/19क्यू सह-विलोपन के लिए हिप1आर, विमेंटिन एवं एच3के27एमई3 की प्रभावकारिता का मूल्यांकन" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ रेजिडेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमृता एस.एम. 20-22 फरवरी**,** 2025 को एम्स**,** नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में **"**हाई ग्रेड एस्ट्रोसाइटोमा विद पाइलोयड फीचर्स**:** ए केस रिपोर्ट**"** शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया है।

डॉ. रोज़ी बाला को 20-22 फरवरी, 2025 एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "असामान्य इम्यूनोफेनोटाइप के साथ एटिपिकल टेराटॉइड/रबडॉइड ट्यूमर: डायग्नोस्टिक चुनौतियों को हल करने में मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग की महत्वपूर्ण भूमिका" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया है।

डॉ. निमिश्या को जून 20-22 फरवरी, 2025 एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "एच3जी34 म्यूटेशन के साथ डिफ्यूज हेमिस्फेरिक ग्लियोमास में अंतर्दृष्टि: 11 मामलों का पूर्वव्यापी विश्लेषण" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया है।

डॉ. चार्ली रॉय को 20-22 फरवरी, 2025 एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "अनरावेलिंग मेडुलोब्लास्टोमा: ए मल्टीओमिक प्रोफाइलिंग स्ट्रैटेजी फॉर प्रिसिजन डायग्नोसिस" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ फ्लैश प्रेजेंटेशन से सम्मानित किया गया है।

डॉ. स्नेह वर्षा भगत 20-22 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "एंटी-सिंथेटेस सिंड्रोम

10.7_.indd 1431 1/10/2026 3:19:34 PM

- फाइंडिंग ए नीडल उन ए हेस्टेक: 12 मामलों की एक श्रृंखला" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ फ्लैश प्रस्तुति से सम्मानित किया गया है।

डॉ. संजना एस. जेम्स को 20-22 फरवरी, 2025 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित तंत्रिका विकृति विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2025) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "सेरेब्रल स्मॉल वेसल डिजीज के रोगजनन में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजाति नियामक प्रोटीन की भूमिका की खोज" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया है

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग

सेवामुक्त आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन　　अजीत के. बनर्जी

विभागाध्यक्ष

शशांक शरद काले

आचार्य

पी. शरत चंद्र　　आशीष सूरी
राजिंदर कुमार　　विवेक टंडन
सचिन बोरकर　　शाश्वत मिश्रा
अमनदीप कुमार　　राजीव शर्मा
श्वेता केडिया　　हितेश गुर्जर

आचार्य (जेपीएनएटीसी)

दीपक अग्रवाल　　दीपक गुप्ता　　गुरुदत्त सत्यार्थी

अपर आचार्य (जेपीएनएटीसी)

पंकज कुमार सिंह

अपर आचार्य

रमेश डोड्डामणि　　दत्ताराज सावरकर
कंवलजीत गर्ग　　मनोज फलक

सह आचार्य

अमोल रहेजा　　सतीश वर्मा
राजेश मीणा

सहायक आचार्य

शांतनु कुमार बोरा　　सूर्य कृष्ण गौर

10.7_.indd 1432　　1/10/2026 3:19:34 PM

विशिष्टताएं

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने वर्ष 2024-2025 के दौरान रोगी उपचार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्टता जारी रखी है। पिछले एक साल में, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने 4787 तंत्रिका शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं कीं एवं गामा-नाइफ केंद्र में, जीकेआरएस के 1029 मामले पूर्ण किए। हमने 27वीं वार्षिक माइक्रो-तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया जो एक अनूठी कार्यशाला है जिसका उद्देश्य भारत एवं विदेशों के युवा न्यूरोसर्जनों को तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रदान करना है। इस कार्यशाला में, हमारे संस्थान के पूर्व छात्र, आचार्य धीरेंद्र प्रसाद (यूएसए) एवं आचार्य दीपांकर नंदी (यूके) सहित तंत्रिका शल्य चिकित्सा के दिग्गजों ने प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभव तथा ज्ञान को साझा किया। इस वर्ष की सूक्ष्म तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला बहुत अच्छी भागीदारी के साथ एक बड़ी सफलता थी और इसकी वैज्ञानिक सामग्री के लिए बहुत सराहना की गई थी हमारे विभाग ने 12वीं एम्स वार्षिक स्पाइन वर्कशॉप, स्पाइनकॉन 2024 का भी आयोजन किया, जो वैज्ञानिक विषयमद तथा प्रतिनिधियों की भागीदारी के लिहाज से बेहद सफल रही। शोध में पीछे न रहते हुए, हमारे विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों ही उच्च-प्रभाव वाली पत्रिकाओं में 128 शोध लेख प्रकाशित किए हैं। हमारे विभाग ने इस वर्ष दो पुस्तकें (स्पाइन सर्जरी और गामा नाइफ पर) भी प्रकाशित की हैं।

शिक्षा

साप्ताहिक आधार पर, एमसीएच रेजिडेन्ट के लिए सेमिनार / जर्नल क्लब / केस प्रेजेंटेशन / मृत्यु दर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। विभाग के संकाय ने शिक्षण में बहुत रुचि ली; वर्ष 2022-2023 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

स्नातक पूर्व

हमारे संकाय ने स्नातक छात्रों हेतु विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए, जिनमें सिर की चोट का उपचार, मस्तिष्क ट्यूमर की प्रस्तुति एवं उपचार, तंत्रिका शल्य चिकित्सा मामलों के लक्षण विज्ञान तथा स्थानीयकरण और मस्तिष्क मृत्यु शामिल थे।

नर्सिंग

हमारे संकाय सदस्यों ने नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने हेतु नर्सिंग कॉलेज में 25 से अधिक ऑनलाइन व्याख्यान लिए।

स्नातकोत्तर

साप्ताहिक आधार पर एमसीएच रेजिडेन्ट के लिए सेमिनार/जर्नल क्लब का आयोजन किया गया।

नवीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-विभाग ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

तंत्रिका शल्य चिकित्सा सिमुलेशन-आधारित अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम: तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा (एनएसटीएफ) एवं तंत्रिका शल्य चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण स्कूल (एनईटीएस) संयोजक: आचार्य आशीष सूरी

- सिमुलेशन-आधारित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सत्र:693
- सिमुलेशन-आधारित अल्पकालिक तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण= 9

10.7_.indd 1433 1/10/2026 3:19:34 PM

- 4 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 3
- 2 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 6
- एनईटीएस सप्ताहांत कार्यशालाएं (रेजिडेन्ट की संख्या) कार्यशालाओं की संख्या = 10; प्रशिक्षुओं की संख्या = 61
- तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण में ई-लर्निंग (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक)
- सर्जिकल वीडियो = 63,222 बार देखा गया; नए सब्सक्राइबर = 778
- वेबसाइट व्यूज = 5900 व्यूज
- डिस्कशन फोरम टोटल लाइक्स = 9751

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. **27वीं एम्स वार्षिक सूक्ष्म तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला: फरवरी 2025**
2. **8वां एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2023: 10-13 अप्रैल 2025**
3. एम्स वार्षिक स्पाइन कार्यशाला **स्पाइनकॉन 2024, 28-31 अगस्त 2024**
4. ब्रेकियल प्लेक्सस सर्जरी एवं उससे आगे की प्रक्रिया पर कैडेवरिक कार्यशाला, **4-5 दिसंबर 2024**
5. 'न्यूरोमॉड्यूलेशन इन पैन' पर पहली आईएसपीएनएस - एम्स कार्यशाला एवं संगोष्ठी, **3-5 मई 2024।**

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 141

शशांक शरद काले: 8	**पीएस चंद्रा: 10**	**आशीष सूरी: 34**
राजिंदर कुमार: 4	**सचिन बोरकर: 18**	**शाश्वत मिश्रा: 5**
राजीव शर्मा: 5	**श्वेता केडिया: 17**	**हितेश कुमार गुर्जर: 3**
कंवलजीत गर्ग: 12	**दत्ताराज सावरकर: 5**	**रमेश शरणप्पा डोड्डामणि: 6**
अमोल रहेजा: 8	**सूर्य श्री कृष्ण गौर: 6**	

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी:

1. दवा-प्रतिरोधी एपिलेप्सी के रोगियों की आंत माइक्रोबायोटा संरचना की जांच हेतु एक अवलोकन अध्ययन, पी शरत चंद्र, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, रुपये 10 लाख
2. शल्य चिकित्सा के दौरान ऑपरेटिव माइक्रोस्कोप के तहत इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस को देखने एवं रिकॉर्ड करने हेतु एक सस्ती, छोटी, कुशल तथा पोर्टेबल, टेबल/माइक्रोस्कोप ऑब्जेक्टिव माउंटेड डिवाइस का डिजाइन और परीक्षण, शाश्वत मिश्रा, एम्स-आईआईटी दिल्ली अंतःविषय अनुसंधान, 2 वर्ष, 2019-2025, रुपये 10 लाख

10.7_.indd 1434 1/10/2026 3:19:34 PM

3. अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल पाठ्यक्रम की भविष्यवाणी करने में प्रोटिओमिक्स तथा मेटाबोलोमिक्स द्वारा संभावित आणविक इंटरवेंशन का विश्लेषण, डॉ सूर्या श्री कृष्ण गौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2027, रुपये 85.22 लाख (एम्स+आईआईसीटी हैदराबाद)

4. पूर्ण सर्वाईकल स्पाइनल कोर्ड की अस्थि की चोट वाले रोगियों में एक्सपेंसाइल ड्यूराप्लास्टी - एक संभावित रैंडमाइज्ड ओपन ब्लाइंडेड एंड-पॉइंट (प्रोब) अध्ययन, डॉ. कंवलजीत गर्ग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद -आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2024-2026, रुपये 43.63 लाख

5. न्यूनतम इनवेसिव तंत्रिका शल्य चिकित्सा हेतु हाई प्रिसेशन सिंथेटिक डायमंड इंस्ट्रूमेंटेशन, आचार्य आशीष सूरी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद -आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 1.99 लाख (एम्स+आईआईटीडी)

6. आईसीएमआर सीओई - तंत्रिका शल्य चिकित्सा चिकित्सा उपकरणों हेतु उत्कृष्टता केंद्र, आचार्य आशीष सूरी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद -आईसीएमआर, 3+2 वर्ष, 2023-2028, 9.96 लाख रुपये (एम्स+आईआईटीडी)

7. मस्तिष्क ऊतक का भौतिक लक्षण वर्णन एवं ऊतक-उपकरण अंतःक्रिया आधारित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कम्प्यूटेशनल उपकरणों का विकास, आचार्य आशीष सूरी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग- डीएचआर, 4.5 वर्ष, 2020-2025, रु. 8,38,46,999 (एम्स+आईआईटीडी)

8. मिडल फोसा एवं रेट्रोसिग्मॉइड हियरिंग प्रिजरवेशन स्कल बेस्ड दृष्टिकोणों के माध्यम से आईएसी के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना - एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, विस्तार प्रदान किया गया, 6 वर्ष, 2018-2024, रुपये 5 लाख

9. हिरायामा रोग के उपचार हेतु पोस्टीरियर सर्वाइकल फिक्सेशन बनाम दीर्घकालिक सर्वाइकल कॉलर: संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (प्रोब), चरण III अध्ययन, डॉ. कंवलजीत गर्ग एवं डॉ. दीप्ति विभा, अंतःविषय सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना (एम्स अनुसंधान अनुभाग), 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख रुपये (तंत्रिका शल्य चिकित्सा + तंत्रिका विज्ञान)

10. पुनरावृत्त ग्लियोब्लास्टोमा; एक नैदानिक चुनौती: ट्यूमर पुनरावृत्ति एवं उपचार संबंधी परिवर्तनों में अंतर करने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण, डॉ. शांतनु कुमार बोरा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2025, 10 लाख रुपये

11. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया एवं टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के रोगियों में एस्ट्रोसाइट तथा न्यूरॉन-विशिष्ट परिवर्तनों को रेखांकित करने हेतु सिंगल सेल-टाइप आरएनए अनुक्रमण रमेश एस. डोड्डामणि, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 5 लाख रुपये

12. डिकम्प्रेसिव क्रेनियोटॉमी की आवश्यकता वाले गंभीर सिर की चोट वाले रोगियों में मल्टीमॉडली ब्रेन मॉनिटरिंग एवं परफ्यूजन कंप्यूटेड टोमोग्राफी का ग्लासगो आउटकम स्केल के साथ सहसंबंध का अध्ययन, डॉ. दत्ताराज सावरकर, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 3 वर्ष, 2025-2028, रुपये 1.5 लाख

पूर्ण

1. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा के उच्छेदन की सीमा निर्धारित करने हेतु 3डी वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण, राजीव शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2024, 2 वर्षों में 6 लाख रुपये

10.7_.indd 1435 1/10/2026 3:19:34 PM

2. डीबीटी सीओई - तंत्रिका शल्य चिकित्सा सिमुलेशन में नवाचार एवं अनुवादात्मक अनुसंधान में उत्कृष्टता हेतु सहयोगी न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म, आचार्य आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग - डीबीटी, 6 वर्ष, 2018-2024 चरण 2 = 2029, 818.95 लाख रुपये (एम्स+आईआईटीडी)

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. "शंट संक्रमण को कम करने में वेंट्रिकुलर सिरे एवं वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट के पेरिटोनियल सिरे के आसपास इंट्राऑपरेटिव टॉपिकल एंटीबायोटिक इंजेक्शन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"
2. पोस्ट-ऑपरेटिव स्कैल्प/फेशियल एडिमा एवं ऑपरेटिव साइट दर्द के संदर्भ में फ्रंटो-टेम्पोरल तथा पेरिओनल क्रैनियोटॉमी में स्कैल्प फ्लैप को ऊपर उठाने हेतु सबगैलियल बनाम सबपेरिओस्टियल विच्छेदन तकनीकों की तुलना: एक संभावित अध्ययन।
3. आघातजन्य एवं गैर-आघातजन्य सीवीजे विसंगतियों हेतु सर्जिकल प्रबंधन के बाद ग्रीवा रीढ़ की गति संरक्षण का विश्लेषण"
4. सीपी एंगल ट्यूमर हेतु गामा नाइफ रेडियोसर्जरी के बाद ब्रेनस्टेम वॉल्यूम में परिवर्तन का आकलन
5. सीपी कोण घावों हेतु जीके के बाद मस्तिष्क स्टेम वॉल्यूम में परिवर्तन का आकलन
6. बेसिलर एपेक्स क्षेत्र में ऑपरेटिव एक्सपोजर की तुलना करते हुए शव संबंधी अध्ययन, ट्रांस-सिल्वियन बनाम प्रीटेम्पोरल ट्रांसकैवर्नस दृष्टिकोण की तुलना: मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण
7. ट्यूबरकुलम सेला मेनिंगियोमास के लिए ट्रांसक्रेनियल बनाम ट्रांस-स्फेनोइडल दृष्टिकोणों का तुलनात्मक महत्वाकांक्षी अध्ययन
8. सबथैलेमिक न्यूक्लियस डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के लिए लक्ष्य नियोजन में विभिन्न एमआरआई अनुक्रमों की सटीकता की तुलना
9. ट्यूबरकुलम सेले मेनिंगियोमा के निष्कासन के लिए एंडोनासल ट्रांसस्फेनोइडल दृष्टिकोण बनाम ट्रांसक्रैनियल दृष्टिकोण की तुलना।
10. गंभीर अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट में डिकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी बनाम सिस्टर्नोस्टॉमी: एक एकल केंद्र यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
11. अभिघातज मस्तिष्क चोट में ड्यूराप्लास्टी के साथ और उसके बिना डिकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. न्यूरोसर्जन द्वारा विकृति सुधार, पैटर्न और परिणाम विश्लेषण
13. कार्यात्मक पिट्यूटरी एडेनोमा के सर्जिकल उपचार के बाद गैर-छूट और पुनरावृत्ति की भविष्यवाणी करने वाले कारक
14. विशाल इंट्राक्रैनियल (>20सीसी) घावों के लिए गामा-नाइफ
15. पार्किंसंस रोग के रोगियों में सबथैलेमिक नाभिक में आनुवंशिक उत्परिवर्तन विश्लेषण

10.7_.indd 1436 1/10/2026 3:19:34 PM

16. सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास की एमआईआरएनए प्रोफाइलिंग और उनका सहसंबंध ईएमटी प्रक्रियाएं और स्टेमनेस।

17. पार्किंसंस रोग के जीवित जीवों में आणविक लक्षण: एक गहन मस्तिष्क उत्तेजना दृष्टिकोण

18. गामा नाइफ थेरेपी में इंट्राकैनालिकुलर वेस्टिबुलर श्वाननोमा का परिणाम विश्लेषण

19. विभिन्न तरीकों से वक्षीय डिस्क सर्जरी के परिणाम।

20. पोस्ट ऑप क्रेनियोफेरीन्जिओमा सर्जरी में द्रव इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का पैटर्न और डेस्मोप्रेसिन के प्रति प्रतिक्रिया का अस्थायी क्रम।

21. क्रेनियोफेरिन्जियोमा से पीड़ित रोगियों के उपचार एवं परिणाम का पूर्वव्यापी विश्लेषण

22. ट्यूमर नियंत्रण हेतु बेवाकिज़ुमबिन एनएफ2 की भूमिका

23. क्रेनियोफेरिन्जियोमास में गामा नाइफ की भूमिका

24. एन्यूरिज्मल सबराचोनॉइड रक्तस्राव वाले रोगियों में हाइड्रोसिफ़लस के पूर्वानुमान के रूप में तीसरे वेंट्रिकुलर वॉल्यूम की भूमिका।

25. सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा में जेडएफटीए और वाईएपी-1 संलयन का अध्ययन।

26. ब्रेकियल प्लेक्सस ट्यूमर का सर्जिकल परिणाम

27. क्लासिक ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के रोगियों में डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग द्वारा निर्धारित ट्राइजेमिनल तंत्रिका की सूक्ष्म संरचना पर माइक्रोवैस्कुलर डीकंप्रेसन का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन

28. एकीकृत ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण का उपयोग करके एपेंडिमल ट्यूमर में आरएनए परिदृश्य को उजागर करना

पूर्ण

1. "पूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग"।

2. सी1-सी2 ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रू के साथ एटलांटोएक्सियल फ्यूजन का पूर्वव्यापी विश्लेषण

3. दवा-प्रतिरोधी एपिलेप्सी के रोगियों की आंत माइक्रोबायोटा संरचना की जांच करने हेतु एक अवलोकन अध्ययन

4. हाइपोक्सिया प्रेरित कारक-1 अल्फा मार्ग सक्रियण का आकलन एवं ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण तथा मिक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमा में ट्यूमर आक्रमण के मार्करों के साथ इसका सहसंबंध

5. दवा प्रतिरोधी एपिलेप्सी में प्लेटलेट्स की भूमिका को समझना

6. इंट्राक्रैनियल धमनी शिरापरक विकृतियों में गामा-चाकू रेडियोसर्जरी के दौरान शिरा जल निकासी परिरक्षण के दीर्घकालिक प्रभाव

7. ए4 युक्त जीएबीएएए रिसेप्टर्स के मॉड्यूलेटर: फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) हेतु संभावित चिकित्सा

10.7_.indd 1437 1/10/2026 3:19:34 PM

8. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमा हेतु स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन
9. जीबीएम के लिए समवर्ती टेमोज़ोलोमाइड के साथ प्राथमिक गामा-नाइफ
10. रोगियों में वेस्टिबुलर श्वाननोमा के उपचार में बेवाकिज़ुमैब की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु संभावित अध्ययन न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 2
11. रेला फ्यूजन इन सुपरेटेंटोरियल एपेंडिमोमास
12. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल वर्गीकरण में गैर-कोडिंग आरएनए (एनसीआरएनए) की भूमिका एवं फोकल से जुड़े मालिक्यूलर परट्यूबेसिस कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी)
13. अभिघातज मस्तिष्क की चोट से प्रेरित द्वितीयक जठरांत्रीय परिवर्तनों का अध्ययन
14. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक मायलोपैथी और हिरायामा रोग के रोगियों में एमआरआई निष्कर्षों का तीन महीने के परिणाम के साथ संबंध निर्धारित करना

सहयोगी परियोजनाएँ:

पूर्ण:

1. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) और फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) से जुड़े असामान्य सिनैप्टिक ट्रांसमिशन में मेटाबोलाइट्स एवं न्यूरोट्रांसमीटर की भूमिका की जांच: एपिलेप्सी फ़ॉसी के स्थानीयकरण हेतु संभावित बायोमार्कर, तंत्रिका विज्ञान (एम्स, नई दिल्ली)
2. कैरियर विकास हेतु राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार, एम्स: तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीरक्रिया विज्ञान, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, तंत्रिका विकृति विज्ञान आईआईटी-डी: कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
3. टाटा इनोवेशन फेलोशिप पुरस्कार, एम्स: तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीरक्रिया विज्ञान, तंत्रिका विकिरण विज्ञान आईआईटी-डी: कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग
4. परिचालन अनुसंधान न्यरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भारतीय संस्थानों को सहायता प्रदान करना, एम्स: तंत्रिका शल्य चिकित्सा, शरीरक्रिया विज्ञान, न्याय चिकित्सा
5. मिनिमली इनवेसिव - तंत्रिका शल्य चिकित्सा हेतु मल्टीपल डिग्रीज ऑफ़ फ्रीडम रोबोटिक मैनिपुलेटर, एम्स: तंत्रिका शल्य चिकित्सा आईआईटी-डी: मैकेनिकल इंजीनियरिंग
6. मोया मोया रोग में मस्तिष्क रक्त प्रवाह का संगणन कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, एम्स: तंत्रिका शल्य चिकित्सा, न्यूरोरेडियोलॉजी, यूसीएल, लंदन, यूके: हेल्थकेयर इंजीनियरिंग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 84 सार: 02 पुस्तक में अध्याय: 23 पुस्तकें तथा मोनोग्राफ: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	178	127	111

10.7_.indd 1438 1/10/2026 3:19:35 PM

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पुस्तकों में लेख	160	125	84
सार	0	0	2
पुस्तकों में अध्याय	18	2	23
पुस्तकें	0	0	2

रोगी उपचार

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग में दो यूनिट हैं जिनमें प्रत्येक यूनिट के अंतर्गत सामान्य तंत्रिका शल्य चिकित्सा वार्ड है (35 × 2 बेड)। 23 बेड वाले दो आईसीयू हैं। ट्रॉमा केंद्र में अब 7 वैकल्पिक ऑपरेशन थिएटर और दो विशेष ऑपरेशन थिएटर हैं। हम सभी तंत्रिका शल्य चिकित्सा उप-विशिष्टताओं में विश्व स्तरीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिसमें शामिल हैं- संवहनी की सर्जरी, मिर्गी की सर्जरी, न्यूनतम इनवेसिव क्रेनियल और स्पाइनल तंत्रिका शल्य चिकित्सा, बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सा, कार्यात्मक तंत्रिका शल्य चिकित्सा, न्यूरो-ऑन्कोसर्जरी, स्कल आधार और जटिल स्पाइनल सर्जरी। हमारे पास उन्नत इमेजिंग पद्धतियां (ओ-आर्म) और नेविगेशनल डिवाइस (जैसे स्टील्थ स्टेशन और आरओएसए) हैं। तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग एक आउट पेशेंट स्पाइन क्लिनिक चलाता है डीबीएस करवा चुके रोगियों को व्यापक उपचार प्रदान करने के लिए तंत्रिका विज्ञान विभाग के सहयोग से हमने डीबीसी क्लिनिक जो अपकर्षक विकृति, ट्यूमर आदि सहित स्पाइन से संबंधित सभी रोगों के उपचार हेतु है भी आरंभ किया है, जो हर शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यान्वित होगा।

वर्ष 2023-2024 के दौरान हमारे द्वारा निम्नलिखित संख्या में रोगियों का इलाज किया गया।

क्र. सं.	उपचार सुविधा	संख्या
1.	बाह्य रोगी विभाग	
	क) कुल नए मामले	19219
	ख) कुल पुराने मामले	27489
	ग) कुल मामले	46708
2.	गामा नाइफ द्वारा की गई प्रक्रियाएं	1029
3.	ह्.तं.कें. में सर्जरी की संख्या	3223
5.	जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में सर्जरी की संख्या	1564
6.	सर्जरी की कुल संख्या	4787

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य शशांक शरद काले 2024-2025 तक न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष रहे।

आचार्य आशीष सूरी भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) 2024 - एफएनए के फेलो चुने गए थे। भारतीय विज्ञान अकादमी -2024- एफएएससी के फेलो चुने गए थे। अध्यक्ष: स्कल बेस सर्जरी

10.7_.indd 1439 1/10/2026 3:19:35 PM

सोसाइटी ऑफ इंडिया। अध्यक्ष: न्यूरो-एंडोस्कोपी सोसाइटी - भारत। निर्वाचित अध्यक्ष: सेरेब्रो वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया। वर्ल्ड एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन - डब्ल्यूएएनएस के निर्वाचित सदस्य। यासरगिल माइक्रो-तंत्रिका शल्य चिकित्सा अकादमी - वाईएमए के निर्वाचित सदस्य। सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक क्षेत्र में "न्यूरो-मेंटर" के लिए "गैलियन पुरस्कार - 2024" से सम्मानित। *"रेफरेंस ऑप्टिकल थ्री-डायमेंशनल स्कैनिंग के साथ कपाल की हड्डियों के पुनर्निर्माण पर कंप्यूटेड टोमोग्राफी आधारित सेगमेंटेशन थ्रेशोल्ड का प्रभाव"* शीर्षक वाले उत्कृष्ट प्रकाशन पत्र के लिए बेसिक साइंस श्रेणी के तहत एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित लगातार 11 वर्षों के लिए सहायक आचार्य के रूप में चयन, स्कूल ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-दिल्ली।

आचार्य अमनदीप कुमार दिसंबर 2024 में आयोजित एपीएस के बाद आचार्य के रूप में पदोन्नत हुए। 27वीं वार्षिक माइक्रो-तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला में विशेषज्ञ संकाय के रूप में भाग लिया और पिट्यूटरी मैक्रोएडेनोमा के एंडोस्कोपिक एंडोनासल एक्सीजन का लाइव सर्जिकल प्रदर्शन किया।

आचार्य राजीव शर्मा आचार्य के पद पर पदोन्नत: एपीएस 2024. कोषाध्यक्ष, आईएसपीएनएस. अनुभाग संपादक, सेरेब्रोवास्कुलर सर्जरी अनुभाग, तंत्रिका विज्ञान भारत।

डॉ. दत्ताराज सावरकर ने मुख्य संपादक के रूप में, 2024 में जर्नल ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (जेपीएनएस) का अंक प्रकाशित किया, जो आईएसपीएनएस सोसायटी की आधिकारिक पत्रिका है। डॉ. प्रवीण मुम्मनेनी के तहत यूसीएसएफ, यूएसए में न्यूनतम इनवेसिव और जटिल स्पाइन सर्जरी में 'आसन एम्बेसडरशिप' से सम्मानित और 17 जून से 16 जुलाई 2024 तक पूरा किया गया। शॉन क्लिनिक, मुंचेन हार्लेचिन, जर्मनी से एओ स्पाइन इंटरनेशनल स्पाइन फेलोशिप से सम्मानित और इसे पूर्ण किया। न्यूरोट्रॉमा सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनटीएसआई) के लिए ईसी सदस्य के रूप में चुने गए। डॉ. चेओल वूंग पार्क के तहत दक्षिण कोरिया में एमआईएस स्पाइन सर्जरी और यूबीई' में प्रशिक्षण प्रदान और इसे पूरा किया गया। 26वें न्यूरोइंडोस्कोपिक कार्यक्रम, एनएससी बी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में आयोजित संकाय-सदस्य के रूप में ऑपरेटिव कार्यशाला में इंडोस्कोपिक पिटूइटेरी सर्जरी का प्रदर्शन किया।

डॉ. सतीश वर्मा ने 3-5 मई 2024 को एम्स, नई दिल्ली में 'दर्द में न्यूरोमॉड्यूलेशन' पर प्रथम आईएसपीएनएस - एम्स कार्यशाला और संगोष्ठी का आयोजन (आयोजन सचिव के रूप में) किया। 3 से 7 फरवरी 2025 तक नेपल्स-इटली में आयोजित सेरेब्रल, वेंट्रिकुलर, स्कल बेस और स्पाइन न्यूरोएंडोस्कोपी पर आईएफएनई-जेएसएनई-ग्लेन-एनईएसआई-सीएसएनई हैंड्स-ऑन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. अमोल रहेजा - एम्स, नई दिल्ली में फैकल्टी क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में मार्च 2025 स्वर्ण पदक विजेता, मैन ऑफ द मैच और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार। फरवरी 2025 - तंत्रिका शल्य चिकित्सा रेजिडेंट (प्राची सिंह) को मार्गदर्शन दिया, जिन्हें एम्स, नई दिल्ली में 27वें एम्स वार्षिक सूक्ष्मतंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यशाला में प्रीपोंटाइन एपिडर्मॉइड के लिए मिडिल फोसा दृष्टिकोण पर वीडियो सत्र प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अक्टूबर 2024 - एम्स, नई दिल्ली में "तंत्रिका शल्य चिकित्सा शिक्षण और योजना के लिए एकीकृत मिश्रित वास्तविकता प्लेटफॉर्म: वेंट्रिकुलर कैथेटर के प्लेसमेंट में उपयोगिता की जांच के लिए एक पायलट अध्ययन" नामक परियोजना के लिए स्नातक पूर्व मेंटरशिप अनुदान। मुझे तंत्रिका विज्ञान इंडिया जर्नल के लिए एंडोस्कोपिक तंत्रिका शल्य चिकित्सा के सेक्शन एडिटर के रूप में शामिल किया गया है। वर्ष 2024-26 अवधि के फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स (एफ ए आई एम एस) का कार्यकारी सदस्य भी चुना गया। मैं वर्ष 2024-26 की अवधि के लिए सेरेबोबाकुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सी वी एस) के सदस्य के रूप में भी चुना गया।

10.7_.indd 1440 1/10/2026 3:19:35 PM

डॉ. रमेश शरणप्पा डोड्डामणि को एशियन एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस (एईएससी) के बोर्ड सदस्य के रूप में शामिल किया गया। सुरबाया, इंडोनेशिया में आयोजित एशियन एपिलेप्सी सर्जरी कांग्रेस (एईएससी) 2024 के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। बीनस, इटली में आयोजित जुलाई 2024 के लिए सैन सर्वोलो एपिलेप्सी समर स्कूल फेलोशिप इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी ग्रांट (आईएलएई) प्राप्त किया। वर्ल्ड तंत्रिका शल्य चिकित्सा (आधिकारिक पत्रिका वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ तंत्रिका शल्य चिकित्सा) के अनुभाग संपादक:

खंड: 1. मिर्गी 2. दर्द एवं 3. सीएसएफ मार्ग तथा हाइड्रोसिफ़लस। तंत्रिका विज्ञान इंडिया के मिर्गी सर्जरी अनुभाग के लिए एसोसिएट एडिटर और सेक्शन एडिटर। जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोसर्जनों के लिए पीड़ा प्रक्रियाओं पर कैडेवर कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. शांतनु कुमार बोरा पूर्णतः एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी में फेलोशिप, देहरादून भारत, दिसंबर 2024। यूनिलेटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपिक (यूबीई) स्पाइन सर्जरी में प्रशिक्षण, शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा, अगस्त 2024।

डॉ. गौर सूर्या श्री कृष्ण 9 अप्रैल 2024 को हमारे संस्थान में 'उच्च ग्रीवा रीढ़ की क्षति - ऐ लोस्ट केस और आशा की किरण पर क्लिनिकल ग्रैंड राउंड में प्रस्तुति दी। इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (आईएसपीएनएस) फेलोशिप के हिस्से के रूप में 21 अक्टूबर 2024 से 2 नवंबर 2024 तक गंगा अस्पताल, कोयंबटूर, तमिलनाडु के प्लास्टिक, हाथ और पुनर्निर्माण माइक्रोसर्जरी एवं बर्न्स विभाग का दौरा किया गया। 4-5 दिसंबर 2024 को जेपीएनएटीसी में आयोजित 'ब्रेकियल प्लेक्सस सर्जरी और उससे अधिक' पर कैडवेरिक कार्यशाला के आयोजन सचिव। मार्च 01-02 2025 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एएसएनएसीसी 2025 में सर्वश्रेष्ठ क्लिनिकल रिसर्च पेपर पुरस्कार के लिए 'टीबीआई वाले वयस्कों में गैर-इनवेसिव (एनआईआरएस और ओएनएसडी) और इनवेसिव आईसीपी माप के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए - एक संभावित अवलोकन अध्ययन' विषय पर प्रस्तुति के लिए मार्च 01-12-2025 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एएसएनएसीसी 2025 में सर्वश्रेष्ठ नैदानिक शोध पत्र पुरस्कार के लिए सह-लेखक। 15 दिसंबर, 2024 को जेपीएनएटीसी के ऑर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा आयोजित 'रीढ़ की हड्डी के लिए एमआईएस तकनीक' पर कैडवेरिक कार्यशाला के लिए आमंत्रित संकाय-टेबल प्रदर्शक।

तंत्रिका मनोचिकित्सा प्रभाग

आशिमा नेहरा

विशिष्टताएं

पिछले एक साल से, तंत्रिका विज्ञान केंद्र की क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) टीम ने शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों में योगदान देते हुए रोगी-केंद्रित, साक्ष्य-आधारित सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा है। टीम ने आठ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया, प्रस्तुतकर्ता और सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, तथा आठ आमंत्रित व्याख्यान दिए।

अनुसंधान प्रयासों में एफोसिया पुनर्वास पर बीआईआरएसी-वित्तपोषित परियोजना की शुरुआत और स्ट्रोक रोगियों के लिए तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक पुनर्वास पर डब्ल्यूएचओ-समर्थित परियोजना का पूरा होना शामिल था। दो नए पीएचडी उम्मीदवार विभाग में शामिल हुए, जिससे शैक्षिक संगठन और मजबूत हुआ।

10.7_.indd 1441 1/10/2026 3:19:35 PM

टीम ने वर्ष के दौरान 12 समकक्ष-समीक्षित प्रकाशन तथा एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। नैदानिक रूप से, 371 बाह्य-रोगी परामर्श आयोजित किए गए, जिनमें बहु-विषयक उपचार के एक भाग के रूप में मूल्यांकन, परामर्श, हस्तक्षेप, पुनर्वास और विकलांगता मूल्यांकन प्रदान किए गए।

सीएनपी रोगियों और व्यापक स्वास्थ्य सेवा टीम को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, और तंत्रिका विज्ञान केंद्र में उपचार की निरंतरता के हिस्से के रूप में नैदानिक सेवा, अनुसंधान और प्रशिक्षण में अपने प्रयास जारी रखेगा।

शिक्षा

अल्पकालिक प्रशिक्षण:

क्र.सं.	कार्यक्रम	संस्था	कुल नामांकन
1.	अल्पकालिक पर्यवेक्षण	दिल्ली विश्वविद्यालय	6

डॉक्टरेट उम्मीदवार:

नए नामांकन	जारी
दो पीएचडी उम्मीदवार	एक पीएचडी उम्मीदवार

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 7

आशिमा नेहरा: 7

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
7	6	7

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 9

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

2022-2023	2023-2024	2024-2025
0	12	9

अनुसंधान

जारी

1. प्रोजेक्ट कोड एन-2391: इंडियन अफ़ेज़िया बैटरी (आईएबी) का विस्तार तथा डिजिटलीकरण, डॉ. आशिमा नेहरा, बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2024-2026, रु. 48,70,000/-

पूर्ण

1. प्रोजेक्ट कोड टी-281: रोगी और उपचारकर्ता भारतीय न्यूरोसाइकोलॉजिकल कंटिन्यूम ऑफ केयर (पीआईएन-सीओसी) मॉडल की प्रभावकारिता का विकास और पता लगाना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. आशिमा नेहरा, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 वर्ष, 2023-2024, रु. 13,00,000/-

10.7_.indd 1442 1/10/2026 3:19:35 PM

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध निबंध सहित)

जारी

1. रोगी और उपचारकर्ता भारतीय न्यूरोसाइकोलॉजिकल उपचार निरंतरता (पीआईएनसीओसी) मॉडल
2. "ब्रेन ट्यूमर सर्जरी के बाद न्यूरोसाइकोलॉजिकल कल्याण के लिए भारतीय पुनर्वास" की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करना याआई-रिन्यू-बीटीएस.
3. सीखने संबंधी अक्षमताओं वाले रोगियों के लिए एक एकीकृत न्यूरोसाइकोलॉजिकल उपचार पैकेज की प्रभावकारिता का विकास और पता लगाना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में संज्ञान और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास का विकास एवं प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. लंबे समय से बिस्तर पर पड़े रोगियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति में सुधार के लिए वर्चुअल रियलिटी के लाभों का आकलन: एक अनुसंधान पायलट अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
2. पार्किंसंस रोग में सबथैलेमिक न्यूक्लियस के डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के बाद संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में परिवर्तन, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. बैन स्पाइनोसेरेबेलर अटैक्सिया (एससीए) में कार्यात्मक परिवर्तन और चयापचय परिवर्तन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. स्वस्थ जनसंख्या में एमआर और अन्य तकनीकों पर आधारित फेनोटाइपिंग और प्रकृति के साथ सहसंबंध, परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. 5 वर्ष की आयु से पहले मल्टीपल जनरल एनेस्थीसिया के संपर्क में आने वाले रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित बच्चों/किशोरों में न्यूरोडेवलपमेंटल मूल्यांकन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	1
कुल वित्तपोषण	74,00,000	73,00,000	60,00,000

10.7_.indd 1443 1/10/2026 3:19:35 PM

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 03 सार: 06 पुस्तक में अध्याय: 01 कॉपी राइट: 14

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल	**19**	**08**	**24**
पुस्तकों में लेख	14	4	3
सार	0	4	6
पुस्तकों में अध्याय	0	0	1
पुस्तकें	0	0	
कॉपीराइट	5	0	14

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
ओपीडी परामर्श	402 (लगभग 45 मिनट से 4 घंटे/रोगी/सत्र)	375 (लगभग 45 मिनट से 4 घंटे/रोगी/सत्र)	371 (लगभग 45 मिनट से 4 घंटे/रोगी/सत्र)
विशेष क्लिनिक परामर्श	224 (न्यूरोसाइकोलॉजिकल अक्षमता मनोविश्लेषण)	51 (न्यूरोसाइकोलॉजिकल अक्षमता मनोविश्लेषण)	72 (न्यूरोसाइकोलॉजिकल अक्षमता मनोविश्लेषण)
	340 *(परामर्श)*	329 *(परामर्श)*	357 *(परामर्श)*
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	102 (45 मिनट से 1-1 ½ घंटा/रोगी/सत्र X सत्रों की संख्या तक)	76 (45 मिनट से 1-1 ½ घंटा/रोगी/सत्र X सत्रों की संख्या तक)	62 (45 मिनट से 1-1 ½ घंटा/रोगी/सत्र X सत्रों की संख्या तक)
कुल भर्ती रोगी	227 वार्ड रेफरल प्राप्त हुए। (उनमें से कई लोग इसलिए नहीं मिल सके क्योंकि वे वीईईजी पर थे या उन्हें मेरी सेवा से पहले ही छुट्टी दे दी गई थी) या समय की कमी के कारण (क्योंकि मैं शुरू से ही अकेले संकाय-सदस्य के रूप में काम कर रहा हूं)	283 वार्ड रेफरल प्राप्त हुए। *(उनमें से कई लोग इसलिए नहीं मिल सके क्योंकि वे वीईईजी पर थे या मेरे सेवा देने से पहले ही उन्हें छुट्टी दे दी गई थी) या समय की कमी के कारण (क्योंकि मैं शुरू से ही अकेले संकाय-सदस्य के रूप में काम कर रहा हूं)*	288 वार्ड रेफरल प्राप्त हुए। *(उनमें से कई लोग इसलिए नहीं मिल सके क्योंकि वे वीईईजी पर थे या मेरे सेवा देने से पहले ही उन्हें छुट्टी दे दी गई थी) या समय की कमी के कारण (क्योंकि मैं शुरू से ही अकेले संकाय-सदस्य के रूप में काम कर रहा हूं)*
प्रयोगशाला जांच		लागू नहीं	लागू नहीं

10.7_.indd 1444 1/10/2026 3:19:35 PM

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. एनसीएएचपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में एक संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में मनोचिकित्सा विषय का प्रतिनिधित्व करने के लिए परिषद सदस्य के रूप में चयनित।

2. एक संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में मनोचिकित्सा विषय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एनसीएएचपी, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार में अंतरिम परिषद सदस्य के रूप में नामित।

3. एनसीएएचपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत बी.पी.एस.वाई. और एम.साइ. एप्लाइड साइकोलॉजी के पाठ्यक्रम विकास में योगदान दिया।

4. भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा दिनांक 29 फरवरी 2024 को जारी "विषय: प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम के प्रारूप पर टिप्पणियाँ/सुझाव-संबंधी" के सुझावों के संबंध में फोकल समूह चर्चा में योगदान दिया।

5. दिनांक 23 अप्रैल 2024 से 25 अप्रैल 2024 तक डॉ. रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में किसी व्यक्ति की अक्षमता का आकलन करते समय संशोधित दिशानिर्देशों में प्रदत्त प्रावधानों के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

6. वर्ष 2024-2025 में क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली से 14 कॉपीराइट प्राप्त किए।

आहार विज्ञान प्रभाग

समूह 'क' अधिकारी

माला मनराल

1. सामान्य एवं निजी वार्डों में आहार :

क. सामान्य आहार - 101494

ख. अर्धठोस आहार - 10134

ग. निजी आहार (सीएन केंद्र) - 20772

2. सामान्य एवं निजी वार्डों में चिकित्सीय आहार:

क. बाल आहार - 24096

ख. मधुमेह आहार - 8701

ग. उच्च प्रोटीन कैलोरी आहार - 5074

घ. गुर्दे के मधुमेह रोगियों हेतु आहार - 505

ड़. गुर्दे के रोग हेतु आहार -672

च. हृदय प्रत्यारोपण आहार - 274

छ. कीटोजेनिक आहार - 211

10.7_.indd 1445 1/10/2026 3:19:35 PM

ज. तरल आहार -246

झ. ईएचएस आहार - 451

ञ. ब्लैंड डाइट - 578

3. **चिकित्सीय फ़ीड:**

क. मानक फ़ीड - 14249

ख. मधुमेह आहार - 3026

ग. गुर्दा रोग में आहार - 577

घ. दही आहार - 728

ड़. दाल आहार - 180

4. इनडोर तथा आउटडोर रोगियों को दी गई आहार परामर्श की संख्या (हृदरोग ओपीडी)

क्र. सं.	महीना	रोगियों की संख्या
1.	अप्रैल	281
2.	मई	285
3.	जून	239
4.	जुलाई	243
5.	अगस्त	234
6.	सितम्बर	348
7.	अक्टूबर	233
8.	नवंबर	259
9.	दिसंबर	279
10.	जनवरी	273
11।	फ़रवरी	207
12.	मार्च	228
	कुल	**3009**

5. इनडोर तथा आउटडोर रोगियों को दी गई आहार परामर्श की संख्या (न्यूरो ओपीडी)

क्र. सं.	महीना	रोगियों की संख्या
1.	अप्रैल	63
2.	मई	61
3.	जून	60

10.7_.indd 1446 1/10/2026 3:19:35 PM

क्र. सं.	महीना	रोगियों की संख्या
4.	जुलाई	70
5.	अगस्त	51
6.	सितम्बर	40
7.	अक्टूबर	62
8.	नवंबर	53
9.	दिसंबर	71
10.	जनवरी	61
11।	फ़रवरी	73
12.	मार्च	48
	कुल	**713**

6. विशेष ओपीडी (मिर्गी संबंधी आहार क्लिनिक - सोमवार और गुरुवार) - डॉ. माला मनराल

क्र. सं.	महीना	आईपीडी	रोगियों की संख्या
1.	अप्रैल	2	18
2.	मई	1	17
3.	जून	2	18
4.	जुलाई	2	38
5.	अगस्त	2	23
6.	सितम्बर	1	13
7.	अक्टूबर	2	9
8.	नवंबर	2	14
9.	दिसंबर	1	23
10.	जनवरी	2	11
11।	फ़रवरी	1	7
12.	मार्च	2	13
	कुल	**20**	**204**

7. रोगियों का पोषण संबंधी उपचार:

क. पोषण मूल्यांकन, वार्ड राउंड, आहार योजना एवं आहार परामर्श:

- सीटी-2 सीसीयू, एनएस-5, सीएनटी-5, सीएनटी-6 - डॉ. माला मनराल

10.7_.indd 1447 1/10/2026 3:19:35 PM

- सीटीवीएस- आईसीयू ए, सीटी-5, सीएन टी-3, सीएनटी-4 - श्रीमती स्मिता एस रेंगन
- एनएस आईसीयू-बी, एनएस आईसीयू-सी, सीटी-6, सीएनटी-1, सीएनटी-2- डॉ. अनुराधा
- सीटीवीएस आईसीयू-बी, सीटी-3, एनएस4+वीईईजी, एनएस-3, एनसीए-सी2 - श्रीमती वसुधा पंडित

ख. हृदय क्लीनिकों के लिए विशेष आहार परामर्श:

- हृदय रोग चिकित्सा (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार)-दोपहर
- उच्च रक्तचाप क्लिनिक (गुरुवार)
- वाल्व प्रतिस्थापन एवं हृदय विफलता क्लिनिक तथा फेफड़े प्रत्यारोपण (गुरुवार)
- हृद विफलता और हृदय प्रत्यारोपण के बाद के रोगियों के लिए आहार परामर्श, मंगलवार/शुक्रवार (सीटी-4 वार्ड) श्रीमती स्मिता एस रेंगन
- बाल चिकित्सा हृदय आहार परामर्श, स्तनपान छुड़ाने के आहार चार्ट

ग. विशेष क्लीनिकों में आहार परामर्श:

- मिर्गी रोग - सोमवार / गुरुवार सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक (आर.नं. 13 सीएनसी ओपीडी) डॉ. माला मनराल

घ. तंत्रिका विज्ञान ओपीडी के लिए आहार परामर्श

- आघात
- निगलने में कठिनाई
- पार्किंसंस
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में मोटापा
- तंत्रिका शल्य चिकित्सा आरटी फ़ीड योजना और वजन घटाने की आहार योजना

ड़. खाद्य सेवा प्रबंधन:

आहार विशेषज्ञों द्वारा अपने-अपने वार्डों के लिए संशोधित आहार/आहार अनुभाग की योजना बनाना और पर्यवेक्षण करना।

च. स्टोर रिकॉर्ड का रखरखाव एवं पर्यवेक्षण:

- उपभोज्य वस्तुएँ, स्टेशनरी स्टोर-डॉ. माला मनराल
- गैर-उपभोज्य वस्तुएँ (स्टील)-श्रीमती स्मिता एस रेंगन
- पोषण पूरक, (क्रॉकरी)- श्रीमती अनुराधा
- वार्षिक रिपोर्ट, ओपीडी/आईपीडी रिकॉर्ड- श्रीमती वसुधा पंडित

8. पोषण शिक्षा:

- स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों का शिक्षण।

10.7_.indd 1448 1/10/2026 3:19:35 PM

तंत्रिका भौतिक चिकित्सा एकक

समूह 'क' व्यावसायिक

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट तथा प्रभारी, न्यूरो-फिजियोथेरेपी यूनिट

राजीव अग्रवाल

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट

सुनीता सिंह

मधु शर्मा

विशिष्टताएं

न्यूरो-फिजियोथेरेपी यूनिट ने न्यूरोलॉजिकल रोगियों के लिए व्यायाम और परामर्श प्रदान करने के लिए वीडियो तैयार किए हैं। न्यूरोफिजियोथेरेपी यूनिट, न्यूरोसाइंस केंद्र के विभिन्न विभागों, अर्थात् तंत्रिका विज्ञान और तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभागों में नियमित रूप से ओपीडी परामर्श प्रदान करती है। इसके अलावा, यह इन-पेशेंट क्षेत्रों और गहन चिकित्सा एकक में भी उपचार प्रदान करती है।

शिक्षा

1. न्यूरो-फिजियोथेरेपी यूनिट ने 2024-2025 में 4 पेशेवरों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया है

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 1

राजीव अग्रवाल: 1

तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2022-2023	2023-2024	2024-2025
5	3	1

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रीढ़ की हड्डी की विक्षति वाले व्यक्तियों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का सत्यापन, भारतीय स्पाइनल इंजरी केंद्र, दिल्ली
2. अभिघातज और गैर-अभिघातज सीवीजे विसंगतियों के लिए शल्य चिकित्सा उपचार के बाद ग्रीवा रीढ़ की गति संरक्षण का विश्लेषण। तंत्रिका शल्य चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली
3. स्ट्रोक के रोगियों में न्यूरोजेनिक डिस्फेजिया पर चिन टक मैन्युवर (सीटीएम) की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली
4. स्ट्रोक में अफ़ेसिया पुनर्वास के लिए मेलोडिक इंटोनेशन थेरेपी (एमआईटी): भारतीय अनुकूलन, तंत्रिका विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली

10.7_.indd 1449 1/10/2026 3:19:35 PM

पूर्ण

1. अंतर्राष्ट्रीय स्पाइनल कॉर्ड इंजरी क्वालिटी ऑफ लाइफ बेसिक डेटा सेट संस्करण 1.0 का हिंदी अनुवाद और विश्वसनीयता परीक्षण, भारतीय स्पाइनल इंजरी केंद्र, दिल्ली
2. अपूर्ण स्पाइनल कॉर्ड विक्षति वाले व्यक्तियों में मोटर और कार्यात्मक रिकवरी पर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) का प्रभाव, भारतीय स्पाइनल इंजरी केंद्र, दिल्ली

रोगी उपचार

मद	2022-2023	2023-2024	2024-2025
न्यूरो-फिजियोथेरेपी ओपीडी परामर्श	8924	9220	9444

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

राजीव अग्रवाल ने 15-16 फ़रवरी 2025 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ के 62वें वार्षिक सम्मेलन में भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ का फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त किया। 19 जून 2022 को फिजियो भारत 2022 सम्मेलन में फिजियो आइकॉन पुरस्कार। मुख्य संपादक; फिजियोथेरेपी - भारतीय फिजियोथेरेपिस्ट संघ की पत्रिका। वोल्टर्स क्लूवर प्रकाशन।आईएसएसएन क्रमांक-0973-6549; आरएनआई क्रमांक टीएनईएनजी/2005/15319 अप्रैल 2021 से मार्च 2024 तक। यूजीसी केयर सूची में सूचीबद्ध।संपादक; जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट्स अप्रैल 2021 से मार्च 2024 तक। यूजीसी केयर सूची में सूचीबद्ध।संपादकीय बोर्ड के सदस्य। एक्सोन: सोसाइटी ऑफ न्यूरो-क्रिटिकल केयर का समाचार पत्र। सदस्य; संस्थान आचार समिति, भारतीय स्पाइनल इंजरी केंद्र, वसंत कुंज, दिल्ली। सितंबर 2015 से अब तक। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की आईएनएसपीआईआरई-एमएएनएके योजना के तहत 17-19 सितंबर 2024 तक राष्ट्रीय विजेताओं के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य। 18 जून 2024 को जीजीएसआईपीयू के तहत बनारसी दास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी के स्नातक समारोह में विशेष अतिथि के रूप में डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए। विशेषज्ञ सदस्य, मिर्गी प्रशामक (एपिपल) उपचार कार्यक्रम। सदस्य, मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी, यूएसए। सदस्य, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन। सदस्य, सोसाइटी ऑफ न्यूरो-क्रिटिकल केयर (भारत)। अध्यक्ष फिजियोथेरेपिस्टस फोरम ऑफ एम्स (पंजी.)। सदस्य: बोर्ड ऑफ स्टेडिज: यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।सदस्य, अध्ययन बोर्ड, हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली। सदस्य, अध्ययन बोर्ड, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा। जनवरी 2025 में स्ट्रोक, टोटल हेल्थ पर डीडी न्यूज़ के विशेषज्ञ पैनल में। प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र नवभारत टाइम्स में लेख।

क. जोड़ सलामत रहे उठने बैठने का तरीका हो सही 8.9.2024

ख. डॉक्टरों के अपने फिटनेस मंत्र 30.6.2024

सुनीता सिंह

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट

2024-2025

1. दिनांक 12 और 13 दिसंबर 2024 को डॉ. सुभाष खत्री द्वारा "इंटीग्रेटेड सर्वाइकल स्पाइन मैनुअल थेरेपी पर व्यावहारिक कार्यशाला" में सहभागिता।

10.7_.indd 1450 1/10/2026 3:19:36 PM

2. दिनांक 14 और 15 दिसंबर 2024 को एनसीए एम्स नई दिल्ली के जेरिएट्रिक मेडिसिन विभाग के फिजियोथेरेपी यूनिट द्वारा फिजियोथेरेपी एम्स 2024 के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।

3. दिनांक 16 दिसंबर 2024 को सुमित आशाना द्वारा न्यूरोरिहैबिलिटेशन में उन्नत मैनुअल दृष्टिकोण में सहभागिता।

4. कर्मयोगी सप्ताह की पहल के तहत राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अपने निर्धारित घंटे पूरे किए और "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और" अपने मंत्रालय को जानें - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया।

* फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एम्स फिजियो रतन पुरस्कार से सम्मानित.

मधु शर्मा

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट

2024-2025

1. दिनांक 12 और 13 दिसंबर 2024 को डॉ. सुभाष खत्री द्वारा "इंटीग्रेटेड सर्वाइकल स्पाइन मैनुअल थेरेपी पर व्यावहारिक कार्यशाला" में सहभागिता।

2. दिनांक 14 और 15 दिसंबर 2024 को एनसीए एम्स नई दिल्ली के जेरिएट्रिक मेडिसिन विभाग के फिजियोथेरेपी यूनिट द्वारा फिजियोथेरेपी एम्स 2024 के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता।

3. दिनांक 16 दिसंबर 2024 को सुमित आशाना द्वारा न्यूरोरिहैबिलिटेशन में उन्नत मैनुअल दृष्टिकोण में सहभागिता।

4. कर्मयोगी सप्ताह की पहल के तहत राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के अपने निर्धारित घंटे पूरे किए और "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और" अपने मंत्रालय को जानें - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया।

* फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एम्स फिजियो रतन पुरस्कार से सम्मानित.

10.7_.indd 1451 1/10/2026 3:19:36 PM

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति
एम राममम

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष (स्थानापन्न)
महेंद्र कुमार विश्वकर्मा

पृष्ठभूमि

बी बी दीक्षित पुस्तकालय एक केंद्रीय पुस्तकालय और ज्ञान केंद्र है, जो सभी विभागों और केंद्रों के विभिन्न हितधारकों, यानी संकाय, स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधकर्ताओं को स्वास्थ्य सेवा पर ज्ञान-आधारित मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान कर रहा है। मुद्रित और ऑनलाइन दोनों में संसाधनों की विशाल मात्रा तक पहुँचने के लिए पुस्तकालय चौबीसों घंटे खुला रहता है। पुस्तकालय में पाठकों (कर्मचारियों; तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों) के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हिंदी पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय दो मंजिलों पर स्थित है। पहली मंजिल पर 300 उपयोगकर्ताओं के बैठने की क्षमता वाली मुद्रित पुस्तकें हैं और भूतल में पत्रिकाओं का संग्रह, राजकुमारी अमृत कौर संग्रह और एक पुस्तक बैंक की सुविधा भी है (वर्तमान में इस क्षेत्र का नवीकरण हो रहा है)। औसतन 270 पाठक प्रतिदिन पुस्तकालय आते हैं। पुस्तकालय जैव आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

पुस्तकालय में मुख्यतः ई-संसाधन (90%) उपलब्ध हैं, जिनमें ई-जर्नल और डेटाबेस शामिल हैं। ये संसाधन एम्स आईपी रेंज के माध्यम से परिसर के अंदर और केनिम्बस तथा ओपन एथेंस जैसी दूरस्थ पहुँच सुविधाओं के माध्यम से भी उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य सेवा संबंधी ज्ञान सेवाओं तक आवश्यक पहुँच पुस्तकालय के वेबपेज (http://www.aiims.edu/en/library.html) के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाती है। पुस्तकालय अपने हितधारकों को शैक्षणिक अखंडता और साहित्यिक चोरी सत्यापन सुविधा आदि जैसी शोध-आधारित सेवाएँ भी प्रदान करता है। पुस्तकालय का अपना स्वयं का सर्च इंजन है जिसे ‹सिंगल पॉइंट सर्च› कहा जाता है, जो पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों और पुस्तकालय की सामग्री को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए वेब-स्केल डिस्कवरी सेवा प्रदान करता है। यह उपयोगकर्ताओं के लिए ग्रंथसूची प्रबंधन प्रणाली के एक उपकरण के रूप में भी कार्य करता है।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद, बजट आवंटन, पुस्तकालय संचालन और सेवाओं में सुधार, ऑनलाइन पहुँच के लिए सभी पत्रिकाओं की संस्थागत सदस्यता प्राप्त करने हेतु तंत्र विकसित करने और ऑनलाइन गतिविधियों के लिए दुनिया भर के अन्य पुस्तकालयों के साथ सहयोग विकसित करने के संबंध में सलाह देती है। समिति हर तीन महीने में कम से कम एक बार और आवश्यकतानुसार बैठक करती है।

पुस्तकालय की अपनी वाई-फाई सेवा है और वर्ष के दौरान लगभग 1029 सक्रिय पाठकों ने इसका लाभ उठाया। पुस्तकालय समसामयिक जागरूकता सेवाएँ और संदर्भ सेवाएँ प्रदान करता है। यह रिप्रोग्राफी सेवा और शैक्षणिक साहित्य के प्रिंटआउट जैसी सेवाएँ भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से छात्रों, शोधार्थियों और डॉक्टरों के लिए अभिविन्यास और सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है।

11.1.indd 1452 1/8/2026 12:32:15 PM

डेलनेट के माध्यम से अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवा भी प्रदान की गई। पुस्तकालय ने सभी थीसिस और शोध-प्रबंधों को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से प्राप्त करने के लिए ईटीडी (इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध-प्रबंध) सुविधा स्थापित की है। अब, थीसिस और शोध-प्रबंध पुस्तकालय पाठकों के लिए मुद्रित/सीडी प्रारूपों/ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म (24x7) में उपलब्ध हैं।

एक राष्ट्र एक सदस्यता (**ओएनओएस):** बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय ने अपने श्वेतसूचीबद्ध आईपी पते के साथ ओएनओएस पोर्टल पर पंजीकरण कराया है और एम्स समुदाय के लिए ई-जर्नल्स तक पहुंच के लिए इसे रिमोट एक्सेस टूल्स पर एकीकृत किया है।वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य शैक्षणिक पत्रिकाओं, शोध पत्रों और डेटाबेस तक देशव्यापी रूप से निःशुल्क पहुँच प्रदान करना है। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लॉन्च किया गया है। इसे आधिकारिक तौर पर 1 जनवरी 2025 को लॉन्च किया गया और इसका संचालन शुरू हुआ। यह साझा मंच एल्सेवियर, स्प्रिंगर नेचर, विले, टेलर एंड फ्रांसिस, आईईईई, सेज, बेंथम साइंस, बीएमजे, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, एमराल्ड, आईसीई, एसीएस, एएमएस आदि सहित 30 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित 13,000 से अधिक पत्रिकाओं को होस्ट करेगा। कई संस्थागत सदस्यताओं को एक ही राष्ट्रीय लाइसेंस से बदलकर, ओएनओएस लागत को कम करता है, शोध को बढ़ावा देता है और शिक्षा एवं नवाचार में वैश्विक अग्रणी बनने के भारत के लक्ष्य में सहायता करता है।

संसाधन संग्रह का संक्षिप्त अवलोकन नीचे दिया गया है:

पिछले 3 वर्षों के प्रमुख संसाधन आँकड़े

संसाधन	2022-2023	2023-2024	2024-2025
कुल मुद्रित पुस्तकें	74569	74592	74592
कुल हिंदी पुस्तकें	667	785	785
उपहार में प्राप्त पुस्तकें	18065	18104	18223
पत्रिकाओं के कुल बाउंड खंड	84391	84391	84391
थीसिस	7974	7980	8045
ई-पत्रिकाएं	1167	1210	1223
एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओएनओएस)			प्रकाशकों की कुल संख्या: 30 पत्रिकाओं की कुल संख्या: 13000+
ई-पुस्तकें	804 (मैक्ग्रा हिल एक्सेस कॉम्बो)	808 (मैक्ग्रा हिल एक्सेस कॉम्बो)	804 (मैक्ग्रा हिल एक्सेस कॉम्बो) + 24 एलडब्ल्यूडब्ल्यू ई-पुस्तकें

11.1.indd 1453 1/8/2026 12:32:15 PM

संसाधन	2022-2023	2023-2024	2024-2025
पॉइंट ऑफ केयर डेटाबेस और अन्य चिकित्सा डेटाबेस (अप-टू-डेट, बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, बीएमजे केस रिपोर्ट, बीएमजे आरटीओपी, बीएमजे लर्निंग, जेएएमए साक्ष्य, एकलैंड एनाटॉमी, मेडवन न्यूरोसर्जरी, ईबीएससीओ डेंटिस्ट्री और ओरल साइंस सोर्स (डीओएसएस)	07	08	09
सार और इंडेक्सिंग डेटाबेस (ईएमबीएएसई, एससीओपीयूएस, डब्ल्यूओएस)	3	3	3
साहित्यिक चोरी सत्यापन सेवा (आई-थेनटिकेट)	नहीं	हाँ	हाँ
पहुँच सुविधा सॉफ्टवेयर और सेवाएँ: ईबीएससीओ डिस्कवरी सेवा (सभी सब्सक्राइब्ड ई-संसाधनों के लिए एक ही स्थान पर खोज)। सभी ई-संसाधनों तक एम्स की आईपी-सक्षम रेंज और रिमोट एक्सेस टूल्स (i) ओपन एथेंस (ii) केनिम्बस के माध्यम से पहुँचा जा सकता है।	हाँ	हाँ	हाँ

पुस्तकालय सेवा संबंधी आंकड़े

क्र. सं.	सेवाएं	प्रदान की गई सेवा (अप्रैल 2023 से मार्च 2024)	प्रदान की गई सेवा (अप्रैल 2024 से मार्च 2025)
1	केनिम्बस रिमोट एक्सेस	648	526
2	ओपन एथेंस रिमोट एक्सेस	196	1670

11.1.indd 1454 1/8/2026 12:32:15 PM

क्र. सं.	सेवाएं	प्रदान की गई सेवा (अप्रैल 2023 से मार्च 2024)	प्रदान की गई सेवा (अप्रैल 2024 से मार्च 2025)
3	पुस्तकालयों के बीच ऋण सेवा के माध्यम से आपूर्ति किए गए लेखों की संख्या	405	734
4	पुस्तकालय सदस्यता	936 (नया + नवीनीकृत)	589 (नया + नवीनीकृत)
5	अल्पकालिक अवलोकन/प्रशिक्षण कार्यक्रम	04	शून्य
6	वाई-फाई सेवा (नया पंजीकरण)	501	479
7	ईमेल के माध्यम से उत्तर दिए गए प्रश्नों की संख्या	2556	3584

स्टाफ की संख्या:

पुस्तकालयाध्यक्ष: सं. = 9
सहायक कर्मचारी: सं. = 19

सम्मेलन/ कार्यशालाएँ/ पुरस्कार/ सम्मान

महेंद्र कुमार विश्वकर्मा (प्रारूप के अनुसार विवरण तालिकाओं में उपलब्ध कराया जाए)

1. मार्चिंग बियोंड दि लाइब्रेरिज: नेतृत्व, रचनात्मकता और नवाचार पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, केआईआईटी, भुवनेश्वर: 20-21 दिसंबर 2024। (महत्वपूर्ण आयोजनों में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए) में सह-अध्यक्ष और प्रतिवेदक के रूप में भाग लिया।

2. आमंत्रित विषय विशेषज्ञ: दिल्ली एनसीआर के एक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान ने 24 मार्च 2025 को कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष पद के साक्षात्कार के लिए पेपर सेटर और विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

जहाँगीर खान:

1. आमंत्रित सह-अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन प्रोफेशनल्स (एएसएलआईपी) कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन 7-8 नवंबर 2024 को सीएसआईआर-माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान, चंडीगढ़ में किया गया।

प्रशांत श्रीवास्तव (प्रारूप के अनुसार विवरण तालिकाओं में प्रदान किया गया है)

(क) प्रदत्त व्याख्यान

1. एमएससी, नर्सिंग छात्र, कॉलेज ऑफ नर्सिंग एम्स, नई दिल्ली, के लिए आमंत्रित व्याख्यान, नर्सिंग और अनुसंधान में डेटाबेस पर, दिनांक: 16 नवंबर 2024।

2. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए रविवार सत्र 2024-2025 में अकादमिक परामर्शदाता।

11.1.indd 1455 1/8/2026 12:32:15 PM

(ख) पत्र प्रकाशन (सारणीबद्ध रूप में)

1. अशोक, के., गुप्ता, डी.के. और श्रीवास्तव, पी. अनुसंधान डेटा नीति: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान प्रकाशकों का दृष्टिकोण। क्वाल क्वांट (2024)।https://doi.org/10.1007/s11135-024-01994-8

(ग) मौखिक पेपर प्रस्तुति(सारणीबद्ध रूप में)

1. श्रीवास्तव, पी. और विश्वकर्मा, एम.के. भारत के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों के पुस्तकालयों में स्वास्थ्य ज्ञान अन्वेषण और शिक्षण विकास संसाधन: एनआईआरएफ रैंकिंग चिकित्सा संस्थानों का एक अध्ययन। मार्चिंग बियोंड दि लाइब्रेरिज: नेतृत्व, रचनात्मकता और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, केआईआईटी, भुवनेश्वर: 20-21 दिसंबर 2024।

दिनेश मीणा (सारणीबद्ध रूप में)

1. "बीबी दीक्षित पुस्तकालय: चिकित्सा विज्ञान में अग्रणी सूचना शिक्षण केंद्रों में से एक" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया एएसएलआईपी कॉन्क्लेव, 7-8 नवंबर 2024, सीएसआईआर-सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, चंडीगढ़।

11.1.indd 1456 1/8/2026 12:32:15 PM

11.2 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी-आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब,

पशु चिकित्सा अधिकारी
प्रदीप कुमार यादव
सदस्य-सचिव, आईएईसी एवं ईएडब्ल्यूसी

वर्ष 2024-2025 के दौरान, चूहों, खरगोशों और गिनी-पिग को केंद्रीय पशु सुविधा (सीएएफ) में रखा गया।

प्रयोगशाला पशु (कृंतक):

वर्ष 2024-2025 के दौरान रखे गए विभिन्न प्रयोगशाला पशुओं की औसत संख्या इस प्रकार है:

1.	चूहे (विस्टार)	-	1898
2.	चूहे (स्प्रेग डॉवले)	-	812
3.	चूहे (स्विस)	-	786
4.	चूहे बाल्ब/सी	-	906
5.	चूहे सी57 बीएल/6	-	853
6.	खरगोश (न्यूज़ीलैंड)	-	71
7.	गिनीपिग (डंकिन हार्टले)	-	39

संस्थान के अंदर:-

जारी किए गए प्रयोगशाला पशुओं की कुल संख्या: - 3227 (विस्टार चूहे-1696, एसडी चूहे-336, स्विस एल्बिनो चूहे-188, बाल्ब/सी चूहे-130, सी57बीएल/6 चूहे-787, खरगोश-81 और गिनी-पिग-09) को आईएईसी द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के तहत संस्थान के विभिन्न विभागों को जारी किया गया।

संस्थान के बाहर:-

जारी किए गए प्रयोगशाला पशुओं की कुल संख्या: - 4916 (विस्टार चूहे- 3218, एसडी चूहे- 554, स्विस एल्बिनो चूहे- 550, बाल्ब/सी चूहे- 208, सी57बीएल/6 चूहे- 376, खरगोश- 00 और जी. पिग- 10) को सीसीएसईए द्वारा अनुमोदित दिशानिर्देशों के अनुसार भारत के विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों को बेचा गया।

प्रायोगिक शल्य-चिकित्सा:

केंद्रीय पशु सुविधा में विभिन्न विभागों के अन्वेषकों और अनुसंधानकर्ताओं द्वारा तैंतीस (33) शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ की गईं। इन विभागों में शरीर रचना विज्ञान, जैव भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, प्रजनन जैव विज्ञान, मूल कोशिका सुविधा और हृद जैव रसायन शामिल हैं।

11.2.indd 1457 1/8/2026 12:33:03 PM

संस्थागत पशु नीति विषयक समिति:

संस्थागत पशु नीति विषयक समिति (आईएईसी) को मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (भारत सरकार) के अंतर्गत आने वाली पशु प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण समिति (सीसीएसईए) द्वारा अनुमोदित किया गया है। आईएईसी के अध्यक्ष डॉ. बीआर मिर्धा, आचार्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग हैं। एम्स सीसीएसईए का पंजीकरण क्रमांक 10/जीओ/आरईबीआईबीटी/एस/99/सीपीसीएसईए है, "कृंतक पशुओं (चूहा, चूहे, खरगोश, गिनी पिग और हैम्स्टर) को शिक्षण उद्देश्य से अनुसंधान, इन हाउस उपयोग के लिए प्रजनन और व्यापार के उद्देश्य से प्रजनन"। संस्थागत पशु नीति विषयक समिति (आईएईसी) ने वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान के विभिन्न अन्वेषकों के प्रयोगशाला पशुओं (कृंतकों) पर 100 नई परियोजनाओं/प्रोटोकॉल और 03 परियोजनाओं/प्रोटोकॉल विस्तार को मंजूरी दी है।

प्रदत्त सेवाएं:

केंद्रीय पशु सुविधा वर्ष 2024-25 में शरीर रचना विज्ञान, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग, जैव भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, भेषजगुण विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तंत्रिका-शल्य चिकित्सा, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, एनएमआर, प्रजनन जीवविज्ञान, मूल कोशिका सुविधा और हृद जैव-रसायन विभागों से संबंधित प्रयोगशाला पशुओं चूहे-57, चूहे-330, और गिनी पिग-02 का रखरखाव किया है।

आईएईसी ने नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी (आरपीसी), भेषजगुण विज्ञान विभाग और शरीर क्रिया विज्ञान विभाग को सीसीएसईए के मानकों और दिशानिर्देशों के अनुसार संबंधित विभाग में प्रयोगशाला पशुओं को बनाए रखने की अनुमति दे दी है।

शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियाँ: (विवरण सारणीबद्ध रूप में उपलब्ध कराया जाना है)

क) **डॉ. प्रदीप कुमार यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी** ने 28-30 नवंबर 2024 को भेषजगुण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय भेषजगुण विज्ञान सम्मेलन (आईपीसी) में भाग लिया।

ख) 7 फरवरी 2025 को अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन जयपुर (राजस्थान) में 25वीं भारतीय पशु चिकित्सा कांग्रेस और आईएएवीआर के 32वें वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

ग) 27 मार्च 2025 को केंद्रीय पशु सुविधा कक्ष संख्या 59 में सीसीएसईए 2025 ऑनलाइन सम्मेलन में भाग लिया।

1. एमएलटी श्री शिव गोविंद साह, श्री उपेश कुमार लाल, श्री रायवेन्दर चौहान, और दिल नवाब, ने

क) 27 मार्च 2025 को केंद्रीय पशु सुविधा कक्ष संख्या 59 में सीसीएसईए 2025 ऑनलाइन सम्मेलन में भाग लिया।

पिछले तीन वर्षों में विभिन्न प्रयोगशाला पशुओं का रखरखाव किया गया

2022-23		2023-24		2024-25	
चूहे (विस्टार)	2081	चूहे (विस्टार)	2083	चूहे (विस्टार)	1898
चूहे (स्प्रेग डॉवले)	619	चूहे (स्प्रेग डॉवले)	686	चूहे (स्प्रेग डॉवले)	812

11.2.indd 1458 1/8/2026 12:33:03 PM

2022-23		2023-24		2024-25	
चूहे (स्विस)	789	चूहे (स्विस)	590	चूहे (स्विस)	786
चूहे बाल्ब/सी	856	चूहे बाल्ब/सी	747	चूहे बाल्ब/सी	906
चूहे सी57 बीएल/6	693	चूहे सी57 बीएल/6	783	चूहे सी57 बीएल/6	853
खरगोश (न्यूजीलैंड)	96	खरगोश (न्यूजीलैंड)	86	खरगोश (न्यूजीलैंड)	71
गिनी पिग्स (डंकिन हार्टली)	56	गिनी पिग्स (डंकिन हार्टली)	44	गिनी पिग्स (डंकिन हार्टली)	39
संस्थान के अंदर	2793	संस्थान के अंदर	2719	संस्थान के अंदर	3227
संस्थान के बाहर	3484	संस्थान के बाहर	4015	संस्थान के बाहर	4916

11.2.indd 1459 1/8/2026 12:33:03 PM

11.3 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक
गंगा प्रसाद
आचार्य (संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार विभाग)

मुख्य तकनीकी अधिकारी
नितिन श्रीवास्तव

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (समूह क)
मनप्रीत सिंह सूडान

उद्देश्य:

कोलंबो योजना के तहत 1964 में स्थापित–भारत एवं ऑस्ट्रेलिया सरकारों के बीच एक सहयोगी पहल–एम्स स्थित केंद्रीय कार्यशाला, रोगी उपचार तथा अनुसंधान, दोनों के लिए उपकरणों और कस्टम उपकरणों की एक व्यापक श्रेणी की मरम्मत और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस कार्यशाला में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, रेफ्रिजरेशन, फाइन इंस्ट्रूमेंट, शीट मेटल, पेंटिंग एवं अपहोल्स्ट्री सहित कई विशिष्ट अनुभाग सम्मिलित हैं, जो सामूहिक रूप से एक प्रमुख बहु-विशिष्टता वाले संस्थान, एम्स की विविध तथा उन्नत आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। कुशल तकनीशियनों से सुसज्जित, यह कार्यशाला संस्थान में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के प्रभावी रखरखाव एवं मरम्मत को सुनिश्चित करती है, जिससे महंगी तथा अधिक समय वाली आउटसोर्सिंग की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह कुशल आंतरिक मरम्मत प्रणाली उपकरणों के डाउनटाइम को काफी कम कर देती है, जिससे पूरे संस्थान में निर्बाध एवं निरंतर संचालन संभव हो जाता है।

कर्मचारियों की संख्या:

केंद्रीय कार्यशाला में इंजीनियरिंग पेशेवरों की एक टीम कार्यरत है जो सामान्य उपयोग, रोगी उपचार, शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु आवश्यक उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव तथा निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक अनुभाग का पर्यवेक्षण एक वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी या तकनीकी अधिकारी द्वारा किया जाता है, जिन्हें कार्यशाला तकनीशियनों, सहायकों और हेल्परों की एक टीम द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है। वर्तमान कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है:

- मुख्य तकनीकी अधिकारी - 1
- वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी - 1
- तकनीकी अधिकारी - 5
- तकनीशियन (ग्रेड I) - 7
- तकनीशियन (ग्रेड II) - 5

11.3.indd 1460 1/8/2026 12:35:35 PM

- कार्यशाला सहायक - 8
- कार्यालय लिपिक (एसएए) - 1
- स्टोर लिपिक (एसएए) - 1
- ऑपरेटर (ई एंड एम) - 2
- एमटीएस (आउटसोर्स स्टाफ) - 2

उपलब्ध सेवाएँ:

केंद्रीय कार्यशाला विभाग मुख्य अस्पताल, डॉ. रा.प्र नेत्र विज्ञान केंद्र, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ., दं.शि.एवं अं. केंद्र, हृद तंत्रिका केंद्र, ज.प्र.ना.ए. ट्रॉमा केंद्र, मातृ एवं शिशु ब्लॉक, शल्य चिकित्सा ब्लॉक, त्रिलोकपुरी नेत्र केंद्र, एनसीआई झज्जर, रा.औ.नि.उ.केंद्र गाजियाबाद एवं सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ सहित विभिन्न एम्स इकाइयों को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। केंद्रीय कार्यशाला द्वारा निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं:

1. मरम्मत एवं रखरखाव:

केंद्रीय कार्यशाला को प्रभावी निदान एवं उपचार हेतु आवश्यक उपकरणों की एक व्यापक श्रेणी की मरम्मत और रखरखाव का कार्य सौंपा गया है। इसमें चिकित्सा उपकरण, वैज्ञानिक उपकरण, प्रशीतन प्रणालियाँ, सामान्य उपयोग की वस्तुएँ तथा अस्पताल फ़र्नीचर सम्मिलित हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कार्यशाला को **8,529 मरम्मत कार्य** मिले एवं उन्हें पूरा किया गया। इनमें से लगभग 94% की सफलतापूर्वक मरम्मत की गई और उन्हें संबंधित विभागों को वापस कर दिया गया, जबकि 6% को अव्यवहारिक घोषित कर दिया गया तथा बाद में अनुपयोगी घोषित कर दिया गया। आश्चर्यजनक रूप से, लगभग 85% कार्य उसी दिन पूरे कर लिए गए, जो कार्यशाला के त्वरित एवं कुशल सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। विशिष्ट अनुभागों द्वारा मरम्मत की गई कुछ वस्तुओं के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

क्रम संख्या	अनुभाग	पूर्ण किए गए कार्यों की संख्या	कार्य/वस्तु विवरण
1	इलेक्ट्रानिक्स	828	कॉटरी एडाप्टर केबल, एयर प्यूरीफायर, एगरोज़ जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस, एयर मैट्रेस पंप, एयर वार्मर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, डीवीटी पंप, टूर्निकेट मशीन, कॉल बेल, डिजिटल दीवार घड़ी, ईसीजी मशीन, फीटल डॉपलर, इन्फ्यूजन पंप, इन्फ्रारेड थर्मामीटर, इंडक्शन कुकटॉप, माइक्रो सेंट्रीफ्यूज, माइक्रोवेव ओवन, नेबुलाइजर, एक्स-रे व्यू बॉक्स (एलईडी), कार्डियोटोकोग्राफी (सीटीजी), सीपीएपी, मोटराइज्ड बेड, स्वेट टेस्टिंग मशीन, सर्वो स्टेबलाइजर, स्पाइरोमीटर, अल्ट्रासोनिक नेबुलाइजर, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, एलिसा रीडर, ईपीटी मशीन, ड्राइंग कैबिनेट, ड्राई बाथ इनक्यूबेटर, एनआईबीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर मॉनिटर, पेपर श्रेडर, पीसीआर मशीन, पेरिस्टाल्टिक पंप, पेशेंट वार्मर, आईएफटी पैड आदि।

11.3.indd 1461 1/8/2026 12:35:35 PM

क्रम संख्या	अनुभाग	पूर्ण किए गए कार्यों की संख्या	कार्य/वस्तु विवरण
2	विद्युतीय	1066	आटोक्लेव, एक्रिलिक ग्राइंडर, शव परीक्षण मशीन, इलेक्ट्रिक केतली, बॉयलर, सेंट्रीफ्यूज, डिस्प्ले काउंटर, बुल आई लैंप, फ्लाई किलर, फ्यूमिगेटर मशीन, हॉट एयर ओवन, गेज कटर, हॉट केस, हॉट प्लेट, आइस क्रशिंग मशीन, नीडल डिस्ट्रॉयर, लेमिनार एयर फ्लो, मैग्नेटिक स्टिरर, ऑयल रेडिएटर, सक्शन मशीन, ओटी लाइट, वॉटर बाथ, ऑन-ऑफ टाइमर, एक्स-रे व्यू बॉक्स, हैंड ड्रायर मशीन, प्लास्टर कटिंग मशीन, जिग-सॉ मशीन, हॉट एयर गन, शेकर, मेयो स्टैंड, इनक्यूबेटर, स्टीमर, एयर कंप्रेसर सिस्टम, डेंटल एक्रिलाइलर, बैन मैरी काउंटर, सब्जी काटने की मशीन, ग्रेवी मशीन, गूज़नेक लैंप आदि
3	यांत्रिक एवं शीट धातु	3130	ऑक्सीजन स्टैंड, पीटी ट्रॉली, आईवी स्टैंड, रिवॉल्विंग स्टूल, फुट स्टेप स्टूल, ऑफिस चेयर, व्हील चेयर, इंस्ट्रूमेंट ट्रॉली, कचरा ट्रॉली, लोडिंग ट्रॉली, साइड स्क्रीन, पुश कार्ट, 3 सीटर एसएस बेंच, मायो स्टैंड, रोगी बिस्तर, कार्डियक टेबल, फूड ट्रॉली, क्रैश कार्ट ट्रॉली, लॉन्ड्री ट्रॉली, ऑफिस अलमारी, बेड साइड लॉकर, फाइल कॉम्पैक्टर, एमएलएस स्टैंड, डबल बेसिन स्टैंड, मेडिसिन ट्रॉली, सर्जिकल ड्रम, सर्जिकल उपकरण, ट्रांस ट्यूब, कैंची (गेज कटिंग), ओटी टेबल, आयरन रैक, परीक्षा सोफा, वॉकर, ट्रांसड्यूसर स्टैंड, गैस बर्नर, ईसीएमओ कार्ट, वेंटिलेटर स्टैंड, हाइड्रोलिक चेयर आदि।
4	फाइन इंस्ट्रूमेंट और बीपी इंस्ट्रूमेंट्स	2991	डिजिटल बीपी उपकरण, डायल बीपी, टॉर्च, दीवार घड़ी, वजन मशीन, ऑक्सीजन फ्लो मीटर, सिंगल गेज एवं डबल गेज ऑक्सीजन रेगुलेटर, सक्शन रेगुलेटर, वॉल सक्शन रेगुलेटर और फ्लो मीटर, ऑप्थाल्मोस्कोप, लैरिंगोस्कोप, डिजिटल थर्मामीटर, स्टेथोस्कोप, हब कटर, स्टेडियोमीटर आदि।
5	रेफ्रीजरेशन	262	डीप फ्रीजर (-20 डिग्री सेल्सियस तक), आइसक्रीम कैबिनेट, रेफ्रिजरेटर, कोल्ड डिस्प्ले काउंटर, मिनी कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड सेंट्रीफ्यूज, आइस फ्लेकिंग मशीन आदि।
6	अप्होलस्ट्री	252	घूमने वाला स्टूल, व्हील चेयर, लीड एप्रन, एग्जीक्यूटिव चेयर, पीटी ट्रॉली गद्दा, सर्जिकल / डेंटल स्टूल, ओटी टेबल गद्दा, सेट्टी गद्दा, कार्डियक टेबल, टूर्निकेट कफ आदि।

11.3.indd 1462 1/8/2026 12:35:35 PM

2. पेंटिंग एवं एस्थेटिक:

पेंटिंग अनुभाग अस्पताल के वातावरण के सौंदर्य मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह स्वच्छ, पेशेवर एवं रमणीय बना रहे। यह टीम कार्यालय तथा अस्पताल के फ़र्नीचर के साथ-साथ अन्य सामान्य उपयोग की वस्तुओं की पेंटिंग का कार्य भी करती है। वर्ष 2024-25 में, केंद्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 796 वस्तुओं की पेंटिंग की गई।जिसमें ऑक्सीजन स्टैंड, पीटी ट्रॉली, आईवी स्टैंड, ऑफिस चेयर, व्हील चेयर, इंस्ट्रूमेंट ट्रॉली, लोडिंग ट्रॉली, स्क्रीन, पुश कार्ट, 3 सीटर बेंच, मायो स्टैंड, रोगी बिस्तर, कार्डियक टेबल, कपड़े धोने की ट्रॉली, ऑफिस अलमारी, बेड साइड लॉकर, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव ओवन, हॉट प्लेट, हाइड्रोलिक ट्रॉली, फुट स्टेप, मेटल सेट्टी और अन्य अस्पताल और कार्यालय फर्नीचर आदि शामिल हैं।

3. निर्माण एवं मार्गदर्शन:

मरम्मत एवं रखरखाव के बढ़ते कार्यभार के बावजूद, केंद्रीय कार्यशाला चिकित्सकों एवं अनुसंधानकर्ताओं को रोगी द और वैज्ञानिक अनुसंधान में सहायता हेतु नए उपकरणों एवं उपकरणों के डिज़ाइन और निर्माण में सहायता प्रदान करती रहती है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा में नवाचार को बढ़ावा देती है और रोगी परिणामों को बेहतर बनाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 437 वस्तुओं का निर्माण किया गया।निर्मित वस्तुओं का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	वस्तु विवरण	मात्रा	विभाग
1	सर्जिकल उपकरणों हेतु हैंडल (पीवीसी)	42	ऑर्थो ओटी, ज.प्र.ना.ए.ट्रा.केंद्र ओटी, एमओटी
2	डबल साइड हैमर कैप्स	2	ऑर्थो ओटी
3	कॉपर का स्टाइलेट	13	एबी6, ओएमएफएस ओटी
4	कॉपर प्रोब	10	सर्जरी माइनर ओटी
5	रोगी नाम पट्ट	10	एबी8 आईसीयू
6	डीवीटी/इन्फ्यूजन पंप क्लैंप	6	सर्जिकल ब्लॉक
7	फोरआर्म ब्रेसेस	2	शरीर क्रिया विज्ञान
8	हाथ की उंगली हेतु बेलनाकार रोलर सपोर्ट (डिज़ाइन के अनुसार)	18	एमआरआई सुविधा एनएमआर
9	समय चिह्नक हेतु आर्म और लीवर टिप	5	शरीर क्रिया विज्ञान
10	एंडोस्कोपी ट्यूब होल्डर	6	ईएनटी
11	एल आकार का घुटना होल्डर	1	एनसीए ओटी
12	स्पॉट वेल्डिंग मशीन हेतु इलेक्ट्रोड	1	सीडब्ल्यूएस

11.3.indd 1463 1/8/2026 12:35:35 PM

क्र. सं.	वस्तु विवरण	मात्रा	विभाग
13	वीआईओ कार्ट हेतु बेस समर्थन	1	एमओटी छठी मंजिल
14	ओटी टेबल के लिए हेड सपोर्ट अटैचमेंट	1	टीसी एनएस ओटी
15	पर्सपेक्स बॉक्स (दिए गए आयामों के अनुसार)	2	जैव भौतिकी
16	ओटी टेबल आर्म रेस्ट	7	मूत्र रोग विज्ञान ओटी, जेपीएनएटीसी एनएस
17	ओटी टेबल बूस्टर (पीसीएनएल रोल)	12	बीपीएस ओटी, एनसीए ओटी,
18	ओटी टेबल हाफ राउंड बूस्टर	2	एनसीए ओटी
19	बेल्ट से रोगी के सिर को सहारा देने वाला	1	एनसीए ओटी
20	बूस्टर सहित एल-आकार का नी होल्डर	1	एनसीए ओटी
21	व्हील चेयर सीट एवं बैक (गद्देदार)	4	सीएनसी
22	ईटी ट्यूब स्पोर्ट हेतु एल पीस	16	बीपीएस ओटी, एनसीए ओटी, एसबी ओटी
23	रोगी चार्ट होल्डर	20	सी6 वार्ड
24	ड्यूटी चार्ट होल्डर	2	एनसीए ओटी
25	व्हील चेयर साइड सपोर्ट	2	स.रो.कैं.अ पहली मंजिल
26	नंबरिंग टैग (एल्यूमीनियम)	250	शरीर रचना

4. शिक्षण गतिविधि एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण:

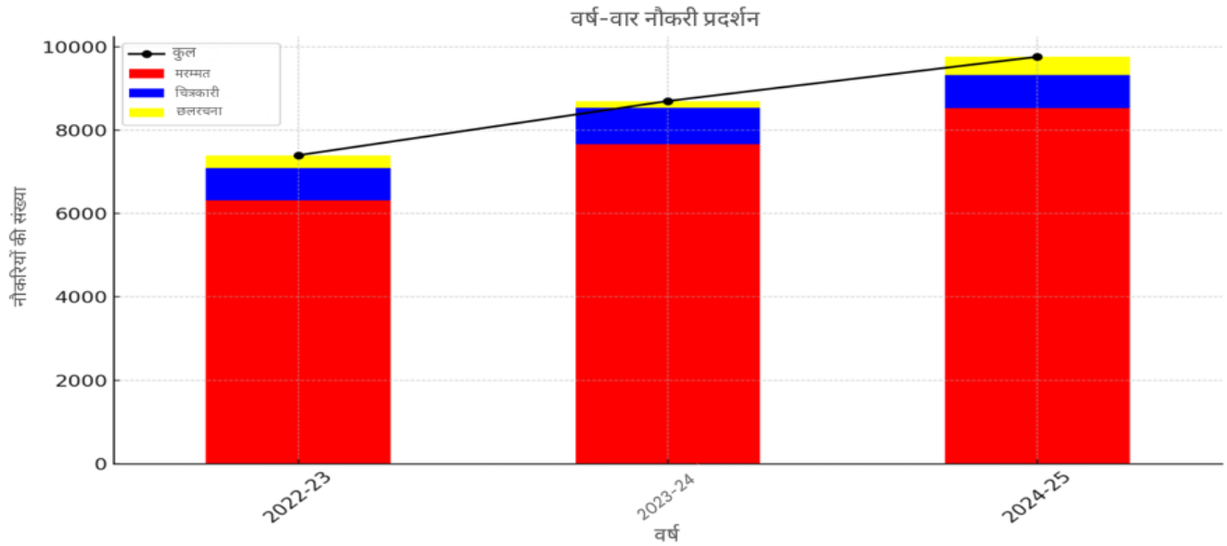
केंद्रीय कार्यशाला बी.एससी. (ओटी टेक्नोलॉजी) के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करके एम्स के शैक्षिक मिशन में भी योगदान देती है। इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार उपकरणों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग, संचालन सिद्धांतों और उचित संचालन तकनीकों पर प्रशिक्षण शामिल है।

वर्तमान बनाम पिछले वर्षों का विवरण चार्ट:

वर्ष	मरम्मत हेतु नौकरियों की संख्या	पेंटिंग हेतु नौकरियों की संख्या	निर्माण हेतु नौकरियों की संख्या	नौकरियों की कुल संख्या
2024-25	8529	796	437	9762
2023-24	7668	869	164	8701
2022-23	6320	774	306	7400

11.3.indd 1464 1/8/2026 12:35:35 PM

वर्ष वार कार्य-निष्पादन



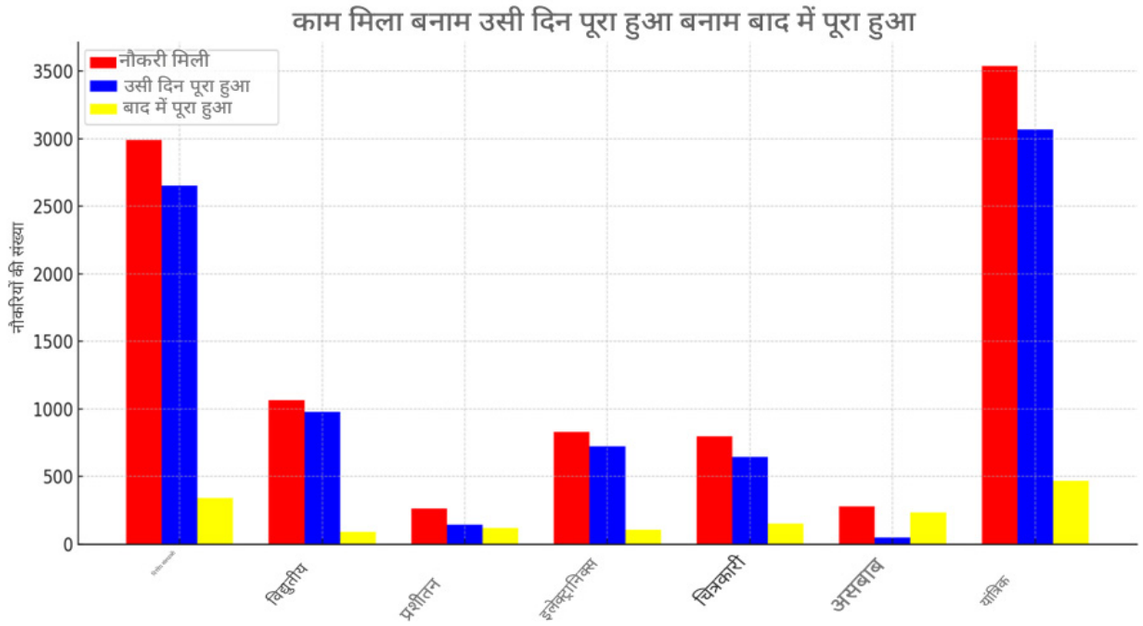
वित्त वर्ष 2024-25 की समेकित कार्य निष्पादन रिपोर्ट:

अनुभाग	कुल प्राप्त वस्तुएँ	उसी दिन पूर्ण किए गए	बाद में पूर्ण किए गए	मरम्मत	अनुपयोगी	फेब्रीकेटिड	कुल मरम्मत लागत
एफआईएस एवं बीपी उपकरण	2991	2651	340	2695	296	0	303576.21
विद्युतीय	1066	978	88	1024	42	0	159319.35
रेफ्रीजरेशन	262	144	118	234	28	0	94294.74
इलेक्ट्रानिक्स	828	721	107	785	43	0	101900.2
अप्होलस्ट्री	279	47	232	246	6	27	42041.25
पेंटिंग	796	645	151	796	0	0	181811.99
यांत्रिक	3540	3070	470	3036	94	410	632254.64
कुल	9762	8256	1506	8816	509	437	1515198.38

11.3.indd 1465 1/8/2026 12:35:35 PM

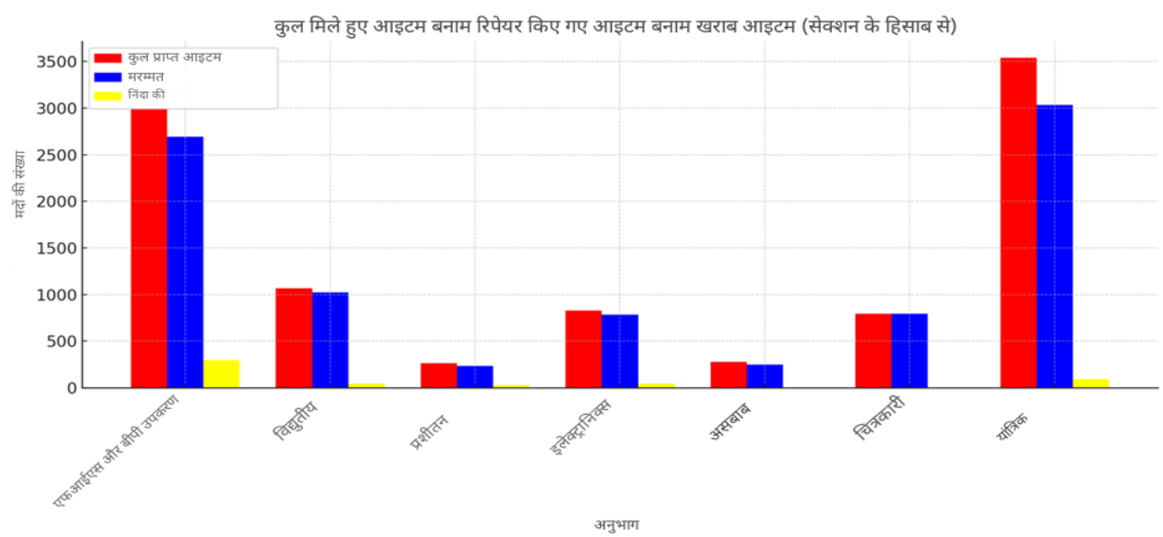
अनुभाग-वार कार्य निष्पादन चार्ट: प्राप्त वस्तु बनाम उसी दिन पूर्ण वस्तु:

प्राप्त कार्य बनाम उसी दिन पूर्ण कार्य बनाम बाद में पूर्ण कार्य



अनुभाग-वार कार्य निष्पादन चार्ट: प्राप्त वस्तु बनाम मरम्मत एवं अनुपयोगी वस्तु

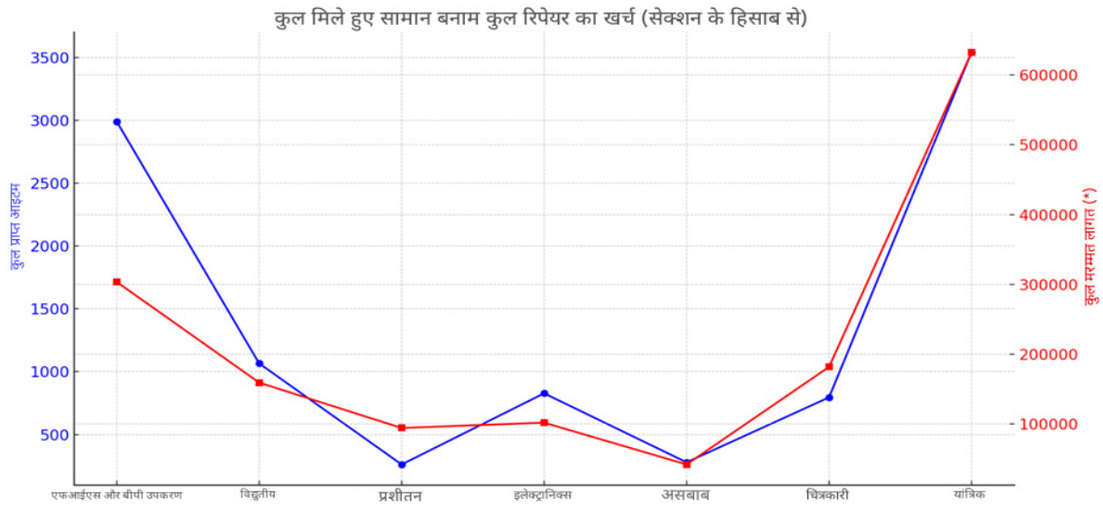
कुल प्राप्त कार्य बनाम कुल निराकृत वस्तुएं (अनुभाग-वार)



11.3.indd 1466 1/8/2026 12:35:35 PM

अनुभाग-वार कुल प्राप्त वस्तुएं बनाम कुल मरम्मत लागत चार्ट:

कुल प्राप्त वस्तुएं बनाम कुल मरम्मत लागत (अनुभाग-वार)



11.3.indd 1467 1/8/2026 12:35:35 PM

11.4 एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर)

संकाय-सदस्य एवं स्टाफ

प्रभारी आचार्य
गौतम शर्मा

संकाय-सदस्य
ऐंजल राजन सिंह

विशिष्टताएं

- एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर) की परिकल्पना एक "अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र" के रूप में की गई है जो समग्र उपचार, रोग निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन हेतु वैज्ञानिक सत्यापन के माध्यम से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को रूढ़ चिकित्सा पद्धतियों के साथ एकीकृत करेगा। सीआईएमआर को आयुष मंत्रालय द्वारा "योग एवं आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)" योजना के अंतर्गत और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

- सीआईएमआर ने 50 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की हैं, जिनमें एम्स, नई दिल्ली के 21 विभागों सहित वित्तपोषित, विभागीय एवं सहयोगी परियोजनाएँ शामिल हैं, जिनमें से 33 पूर्ण हो चुकी हैं। इनमें एमडी, डीएम, पीएचडी और एमएससी थीसिस शामिल हैं जिनमें योग और आयुर्वेद को एक इंटरवेंशन के रूप में शामिल किया गया है। सीआईएमआर ने वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज तथा संबद्ध गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास) बेंगलुरु, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली, जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और डाबर इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली जैसे संस्थानों के साथ बाह्य संयुक्त अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित की हैं।

- प्रभारी आचार्य, डॉ. गौतम शर्मा को 19 मई 2024 को बोस्टन, अमेरिका में आयोजित हार्ट रिदम-2024 में "कार्डियक डिसऑटोनोमिया के रोगियों के उपचार के लिए योग" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

- प्रभारी आचार्य, डॉ. गौतम शर्मा को 26 सितंबर 2024 को सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 17वें एशियन पैसिफिक हार्ट रिदम सोसाइटी के वैज्ञानिक सत्र में "वैसोवेगल सिंकोप में योग की भूमिका" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

11.4_.indd 1468 1/10/2026 3:24:24 PM

पिछले वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

योग एवं आयुर्वेद सेवाएं

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच सीआईएमआर में कुल 12,322 प्रतिभागियों ने योग एवं आयुर्वेद सत्रों में भाग लिया। इसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के भर्ती और बाह्य रोगी दोनों शामिल हैं। इनमें से 2325 योग सत्र वर्चुअल माध्यम से आयोजित किए गए। सीआईएमआर प्रतिभागियों को प्रदान किए गए योग और आयुर्वेदिक उपचारों के लिए कोई शुल्क नहीं लेता है।

पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एकीकृत चिकित्सा में प्रगति (एआईएम) 2025

सीआईएमआर ने 7-8 मार्च 2025 को "एडवांस इन इंटीग्रेटिव मेडिसिन (एआईएम) 2025" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह एम्स द्वारा आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें पारंपरिक चिकित्सा और आयुष क्षेत्रों के विशेषज्ञ भारत और विश्व स्तर पर इंटीग्रेटिव मेडिसिन की प्रगति तथा संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कार्डियोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, प्रणालीगत रोगों, तंत्रिका विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य में इंटीग्रेटिव मेडिसिन के वर्तमान साक्ष्य, जारी अनुसंधान एवं संभावनाओं पर वैज्ञानिक सत्र शामिल थे। आयुष छात्रों और पेशेवरों के लिए तीन व्यावहारिक कार्यशालाएँ और मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। मुख्य आकर्षणों में से एक राउंड टेबल बैठक थी, जिसमें स्वास्थ्य सेवा हितधारकों और संस्थागत नेताओं के साथ एक नीति संबंधी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. वी.के. पॉल (सदस्य, नीति आयोग) ने की और डॉ. राजीव बहल (डीजी, आईसीएमआर), वैद्य राजेश कोटेचा (सचिव, आयुष मंत्रालय), श्री सुभाशीष पांडा (अपर सचिव, पीएमओ), डॉ. कल्याणम शिवकुमार (यूसीएलए), डॉ. गौतम शर्मा (प्रभारी आचार्य, सीआईएमआर), डॉ. ए. रघु (डीडीजी, आयुष), डॉ. बीएन गंगाधर (अध्यक्ष, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, पूर्व, निदेशक एनआईएमएचएएनएस), डॉ. मंजूनाथ के. (वीसी, एस-व्यासा), डॉ. निखिल टंडन (अनुसंधान संकायाध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली), और डॉ. एम. श्रीनिवास (निदेशक, एम्स, नई दिल्ली) ने इसमें भाग लिया। बैठक में एम्स जोधपुर, एम्स रायपुर, एम्स कल्याणी, एम्स जम्मू, एम्स भुवनेश्वर, एम्स देवगढ़, एम्स अवंतिपुरा सहित 14 एम्स के निदेशक ऑनलाइन शामिल हुए।



10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2024

सीआईएमआर, एम्स, नई दिल्ली ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के उपलक्ष्य में 10 जून 2024 से 21 जून 2024 तक कई कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 10 जून 2024 को एक अंतर-संस्थागत योग आसन प्रतियोगिता के साथ हुई। 11 जून 2024 को, एक अंतर-संस्थागत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता- 'योग क्विज़थॉन' का आयोजन किया गया। इस विषय पर आधारित इंटरैक्टिव कार्यशालाओं की एक श्रृंखला "श्रीयम-योग और माइंडफुलनेस के साथ लय का समन्वय" कार्यशाला एम्स, नई दिल्ली के संकाय, नर्सिंग अधिकारियों, छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं, रोगियों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई थी।

11.4_.indd 1469 1/10/2026 3:24:24 PM



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2024) के अवसर पर, संस्थान के शिक्षकों, छात्रों, कर्मचारियों और रोगियों के लिए एम्स, नई दिल्ली के केंद्रीय लॉन में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। एम्स, नई दिल्ली के निदेशक, प्रोफेसर एम. श्रीनिवास ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव, श्री अपूर्व चंद्रा ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। 3500 से अधिक योग प्रेमियों की भारी भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम को व्यापक समर्थन मिला।



चित्र: *एम्स, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (2024) समारोह।*

शिक्षा

- पीएचडी थीसिस
    - कोरोनरी धमनी रोग (वाईओजीआईसीएडी) से पीड़ित भारतीय रोगियों में योग की प्रभावकारिता।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

- **श्रीयम - योग तथा माइंडफुलनेस के साथ लय का समन्वय"** निम्नलिखित के लिए योग कार्यशालाएँ आयोजित किए गए:

    1. 13 जून 2024 को सीआईएमआर रोगियों हेतु।
    2. छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए 14 जून 2024 को आयोजित कार्यशाला।
    3. एम्स संकाय सदस्यों के लिए 16 जून 2024 को आयोजित कार्यशाला।

11.4_.indd 1470 1/10/2026 3:24:24 PM

4. अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारीगण के लिए 18 जून 2024 को आयोजित कार्यशाला।

5. नर्सिंग अधिकारियों के लिए 19 जून 2024 को आयोजित कार्यशाला।

- **अनुसंधान पद्धति कार्यशाला** आयुष छात्रों और पेशेवरों के लिए 7 मार्च 2025 को आयोजित की गई थी।
- **बुनियादी जीवन समर्थन कार्यशाला** आयुष छात्रों के लिए 7 मार्च 2025 को आयोजित की गयी।
- **चयापचय विकारों के लिए योग कार्यशाला** 7 मार्च 2025 को एम्स के नर्सिंग अधिकारियों के लिए आयोजित की गयी थी।
- **एकीकृत चिकित्सा का पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एआईएम2025)** 7-8 मार्च 2025 को आयोजित किया गया था।
- **योग जागरूकता कार्यशाला** 10 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली के एमएससी नर्सिंग छात्रों के लिए आयोजित की गयी थी।
- **योग जागरूकता कार्यशाला** 14 जनवरी 2025 को एम्स, नई दिल्ली के सहायक नर्सिंग अधीक्षकों के लिए आयोजित की गयी थी।
- **माइंडफुल नर्सिंग**: 18 जनवरी 2025 को बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए सेहत और स्वास्थ्य लाभ प्रगति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **माइंडफुल नर्सिंग**: 22 जनवरी 2025 को सहायक नर्सिंग अधीक्षकों के लिए सेहत और स्वास्थ्य लाभ प्रगति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **माइंडफुल नर्सिंग**: 31 जनवरी 2025 को चौथे वर्ष के बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए सेहत और स्वास्थ्य लाभ प्रगति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- **माइंडफुल नर्सिंग**: 12 फरवरी 2025 को सहायक नर्सिंग अधीक्षकों के लिए सेहत और स्वास्थ्य लाभ प्रगति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- महिलाओं एवं बाल स्वास्थ्य पर क्लिनिकल रिसर्च ग्राउंड (सीजीआर) सत्र का आयोजन 1 अप्रैल 2025 को एम्स, नई दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग में किया गया।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान:

प्रदत्त व्याख्यान: 19

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान:

2022-23	2023-24	2024-25
05	05	07

सीआईएमआर अनुसंधान/नर्सिंग कर्मियों द्वारा व्याख्यान/प्रस्तुति: 21

अनुसंधान

वित्तपोषित:

11.4_.indd 1471 1/10/2026 3:24:24 PM

जारी

1. योग के माध्यम से मन-शरीर इंटरवेंशन केंद्र (सीसीएमबीआईवाई), गौतम शर्मा, सीसीआरवाईएन, 5 वर्ष, 2024-2029, 2.50 लाख रुपये

2. योग एवं आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र, गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, 07 वर्ष, -6 माह, फरवरी 2017, -जुलाई 2025, 964.11 लाख रुपये

3. अर्जुनक्षीरपाक [टर्मिनलिया अर्जुन (रॉक्सब. एक्स डीसी.) वाइट एंड अर्न. के तने की छाल से बना एक पारंपरिक आयुर्वेदिक सूत्र] की सीएबीजी के बाद के रोगियों में मानक उपचार देखभाल के लिए नैदानिक प्रभावकारिता। एक डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड प्लेसीबो-नियंत्रित पायलट अध्ययन, गौतम शर्मा, डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष 7 महीने, मार्च 19- जुलाई 2025, 17.19 लाख रुपये

4. वेंट्रिकुलर प्रीमैच्योर कॉम्प्लेक्स (वीपीसी) के रोगियों में वीपीसी बोझ, जीवन की गुणवत्ता और एलवी कार्यों पर योग-आधारित इंटरवेंशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गौतम शर्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 3 वर्ष, जून 2021-मार्च 2025, 32.32 लाख रुपये

पूर्ण

1. वैसोवेगल सिंकोप के रोगियों में नैदानिक परिणामों और जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, 4 वर्ष, 2018-2022, 24,65,616 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ:

जारी

1. डॉक्टरेट छात्रों के बीच मनोप्रेरक प्रदर्शन और स्वायत्त परिवर्तनशीलता पर शिरोधारा और योग निद्रा के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन: एक पायलट यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण

2. हाल ही में हृदय-मस्तिष्कवाहिकीय घटनाओं से पीड़ित रोगियों में नींद की गुणवत्ता पर तेल टपकाने की उपचार प्रक्रिया (शिरोधारा) का प्रभाव (रिजॉल्व ट्रायल): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. स्वस्थ रोगियों में तंत्रिका सहसंबंधों (शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, इमेजिंग) और कार्डियोफिजियोलॉजिकल मार्करों पर धीमी प्राणायामिक श्वास का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

4. कोरोनरी धमनी रोग (वाईओजीआईसीएडी) से पीड़ित भारतीय रोगियों में योग की प्रभावकारिता

5. क्रोनिक अनिद्रा विकार वाले रोगियों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक तेल टपकाने की उपचार प्रक्रिया) की प्रभावकारिता की जांच के लिए दो भुजा समानांतर ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित ऐड-ऑन परीक्षण

विभागीय परियोजनाएँ: पूर्ण

1. आयुर्वेदिक नैदानिक विधियों और प्रश्नावली-आधारित मूल्यांकन के बीच प्रकृति (आयुर्वेद संरचना प्रकार) की भविष्यवाणी की तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

2. कोविड-19 महामारी के दौरान काम कर रहे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों में बर्नआउट पर योग का प्रभाव

11.4_.indd 1472 1/10/2026 3:24:24 PM

3. नैदानिक अवसाद से ग्रस्त वयस्क पर योग चिकित्सा के लिए अतिरिक्त एकीकृत दृष्टिकोण का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

4. कोविड-19 प्रकोप के दौरान भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट: एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण

5. भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल के कार्डियो-न्यूरोलॉजी ओपीडी में आने वाले रोगियों में योग चिकित्सा पद्धति के प्रति ज्ञान दृष्टिकोण और अभ्यास। एक एकल केंद्र सर्वेक्षण

6. भारत के एक तृतीयक स्वास्थ्य सेवा अस्पताल के कार्डियो-न्यूरोलॉजी ओपीडी में आने वाले रोगियों में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति ज्ञान दृष्टिकोण और व्यवहार। एक एकल केंद्र सर्वेक्षण

7. उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में उच्च रक्तदाब हृदय गति, हृदय गति परिवर्तनशीलता, हृदय परिणाम, परिधीय प्रतिरोध पर भ्रामरी प्राणायाम के प्रभाव का अध्ययन।

8. टाइप 2 मधुमेह के उपचार में निशा अमला की भारतीय हर्बल फॉर्मूलेशन के चिकित्सीय तंत्र का पता लगाने के लिए एक नेटवर्क फार्माकोलॉजी-आधारित दृष्टिकोण

9. धूम्रपान और तम्बाकू छोड़ने के लिए पूरक इंटरवेंशन के रूप में योग का उपयोग: एक जांच परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ:

जारी

1. स्पास्टिक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों में अश्वगंधा चूर्ण (विथानिया सोम्नीफेरा (एल) डनल की जड़ों से बना एक पारंपरिक आयुर्वेदिक सूत्रीकरण) को मुखीय रूप से देने के साथ आयुर्वेद चिकित्सा के संयोजन की प्रभावकारिता और कार्यात्मक परिणाम को एड ऑन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल पायलट अध्ययन, बाल चिकित्सा

2. बच्चों और किशोरों में ब्रोन्कियल अस्थमा के उपचार में मानक उपचार देखभाल और योग में अगस्त्य हरित की वलेह [एक आयुर्वेदिक सूत्रीकरण] को शामिल करने की नैदानिक प्रभावकारिता। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल चिकित्सा

3. स्मृतिलोप संबंधी हल्के संज्ञानात्मक क्षीणता और प्रारंभिक अल्जाइमर रोग वाले रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों और रक्त मेटाबोलाइट्स में परिवर्तन पर बाकोपा मोनिएरी लिन की प्रभावकारिता: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोलॉजी

4. प्रीडायबिटीज के निवारण पर व्यापक आयुर्वेद इंटरवेंशन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी

5. टेम्पोरल और टेम्पोरल प्लस मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में ध्यान-संबंधी एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन को स्पष्ट करना, तंत्रिका विज्ञान

6. मल्टीपल स्क्लेरोसिस के रोगियों में योग का एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

7. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणामों पर संरचित योग अभ्यासों का प्रभाव, जठरांत्ररोग विज्ञान

11.4_.indd 1473 1/10/2026 3:24:24 PM

8. ओवुलेशन प्रेरण चक्र से पीड़ित पीसीओएस महिलाओं में फॉलीकुलर प्रतिक्रिया पर योग के योगात्मक प्रभाव का मूल्यांकन - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग

9. कोरोनरी धमनी रोग में योग और नींद की गुणवत्ता (योग-कैडेट्स), हृद रोग विज्ञान

पूर्ण

1. नियोजित कीमोथेरेपी वाले बच्चों में पीड़ा धारणा, थकान और क्यूओएल पर वीडियो सहायता प्राप्त योग के प्रभाव की जांच करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय एवं अर्बुदविज्ञान

2. एक पायलट बहुकेंद्रीय ओपन लेबल समानांतर आर्म आरसीटी यह मूल्यांकन कर रहा है कि क्या योग टाइप 2 मधुमेह के उन रोगियों में इंसुलिन थेरेपी की शुरुआत में देरी कर सकता है, जो लगभग अधिकतम मुखीय दवाओं पर उप-इष्टतम ग्लाइसेमिक नियंत्रण रखते हैं और / या जिन्हें निकट भविष्य में इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है, अंत:स्रावि‍की

3. गर्भावस्था में मातृ वजन वृद्धि और मनोवैज्ञानिक तनाव पर प्रसवपूर्व योग के प्रभाव और गर्भावस्था के परिणामों के साथ इसके संबंध का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

4. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित व्यक्तियों में कम से कम 3 महीने तक 2 या अधिक मुखीय एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक दवाओं की आधी से अधिक अधिकतम खुराक पर HbA1C पर जीवनशैली इंटरवेंशन (जीवनशैली संशोधन, योग और मानक उपचार पर शिक्षित करने वाले वीडियो) के विभिन्न तरीकों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल 3 आर्म रैंडमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण, अंत:स्रावि‍की

5. एकल मानक दवा चिकित्सा की तुलना में प्रणालीगत स्केलेरोसिस के उपचार में योग चिकित्सा का लाभ: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

6. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित अधिक वजन वाले और गैर-रुग्ण रूप से मोटे रोगियों पर योग के साथ जीवनशैली संशोधन कार्यक्रम का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

7. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्रीय प्रक्रियाधीन रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

8. माइग्रेन में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में योग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

9. टाइप-2 डायबिटीज़ मेलिटस से पीड़ित वयस्क रोगियों पर योग का प्रभाव। एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्रावि‍की

10. टी2डीएम और अवसाद से ग्रस्त रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक तथा ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: दो भुजाओं वाला समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्रावि‍की

11. फॉन्टन ऑपरेशन प्रक्रियापूर्ण रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणामों पर योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, हृद रोग विज्ञान

11.4_.indd 1474 1/10/2026 3:24:24 PM

12. पीड़ा प्रधान चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षणों (एमयूपीएस) से पीड़ित रोगियों के लक्षणों की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर योग की प्रभावकारिता, कायचिकित्सा

13. कोविड-19 महामारी के दौरान दिल्ली के एक तृतीयक उपचार अस्पताल के स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों (एचसीडब्ल्यू) के बीच व्यापक आयुर्वेद और माइंडफुलनेस-आधारित योग आहार के रोगनिरोधी प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा

14. एम्स नई दिल्ली के नए मेडिकल स्नातकपूर्व छात्रों पर योग शुरू करने की व्यवहार्यता तथा तनाव और कथित कल्याण पर इसका प्रभाव, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

15. मूत्र असंयम से ग्रस्त महिलाओं में योग चिकित्सा की व्यवहार्यता, प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, मूत्रविज्ञान

16. स्कोलियोसिस के रोगियों में श्वसन कार्यों पर योग और प्राणायाम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थिरोग

17. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में स्टिग्मा के लिए इंटरवेंशन, तंत्रिका विज्ञान

18. योग अभ्यासियों, शारीरिक रूप से सक्रिय और गतिहीन जीवन शैली वाले व्यक्तियों में भावना और संज्ञान के तंत्रिका-संज्ञानात्मक सह-संबंध: एक एफएमआरआई और तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

19. आधुनिक चिकित्सा में मानक उपचार के साथ-साथ हृदय विफलता के रोगियों में योग सहित भारतीय चिकित्सा पद्धति के माध्यम से जीवनशैली प्रबंधन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण, हृद विज्ञान

20. मध्यम-गंभीर बाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन वाले कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी के बाद योग आधारित हृद पुनर्वास की सुरक्षा और प्रभावकारिता: सर्जरी के बाद फॉलो-अप यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, कार्डियोलॉजी/सीटीवीएस

21. क्रोनिक गैर-विशिष्ट निचले पीठ दर्द के लिए योग के साथ पारंपरिक चिकित्सीय व्यायाम की प्रभावशीलता की तुलना: एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण, भौतिक चिकित्सा एंव पुनर्वास

22. ब्रोंकिएक्टेसिस के रोगियों में श्वास कष्ट, मांसपेशियों की शक्ति, सूजन संबंधी संकेतों और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभावों का अध्ययन। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन

23. आईसीडी रोगियों के लिए योग: इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक और अतालता संबंधी परिणामों पर योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, हृद रोग विज्ञान

पिछले 3 वर्षों का अनुसंधान

अनुसंधान परियोजना	2022-2023	2023-2024	2024-25
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	03	03	04
कुल वित्तपोषण	10, 13, 62, 638 रुपये	10, 13, 62, 638 रुपये	12, 63, 62, 638 रुपये

11.4_.indd 1475 1/10/2026 3:24:24 PM

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 03 सार: 01

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

मद	2022-23	2023-24	2024-25
कुल	4	5	4
पत्रिकाओं में लेख	4	5	3
सार	--	--	1
पुस्तकों में अध्याय	--	--	--
पुस्तकें	--	--	--

रोगी उपचार

मद	2022-23	2023-24	2024-25
ओपीडी परामर्श	-	-	-
विशेष क्लिनिक परामर्श	-	-	-
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	12150	12123	14647
कुल रोगियों की भर्ती	-	-	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

मीडिया कवरेज:

1. ड्रग टुडे, एम्स एकीकृत चिकित्सा में प्रगति पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है, 7 मार्च 2025
2. द ट्रिब्यून, माइग्रेन से राहत दिलाने में योग प्रभावी: एम्स सेंटर में 08 मार्च 2025
3. पंजाब केसरी, दिल के रोगियों के लिए योग है रामबाण, एम्स में योग, आयुर्वेद और आयुष पर महासम्मेलन, 08 मार्च 2025
4. डीडी न्यूज़, स्वास्थ्य सेवा का भविष्य: चिकित्सा उपचार के रूप में योग पर सीआईएमआर का अनुसंधान, 09 मार्च 25
5. द टाइम्स ऑफ़ इंडिया, फ्लेक्स इट! अध्ययनों से पता चलता है कि योग और आयुर्वेद का कई रोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, 17 मार्च 2025
6. सीएनबीसी आवाज़, लाइव पैनल चर्चा, 17 मार्च 2025
7. द वीक, योग जीवनशैली से जुड़े रोगों से निपटने का एक अच्छा तरीका: हृद रोग विशेषज्ञ गौतम शर्मा, 09 जुलाई 2023

11.4_.indd 1476 1/10/2026 3:24:24 PM

8. द हिंदू, एकीकृत चिकित्सा प्रणाली रोग उपचार के भविष्य को बदल देगी, 09 मार्च 2023
9. मन की बात (आकाशवाणी), भारत के प्रधानमंत्री द्वारा "मन की बात", 25 दिसंबर 2022
10. इस सप्ताह कार्डियोलॉजी में (पॉडकास्ट) मेडस्केप, इस सप्ताह कार्डियोलॉजी में, 17 दिसंबर 2022

11.4_.indd 1477 1/10/2026 3:24:24 PM

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी आचार्य
पूजा गुप्ता

सहायक संकाय एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी
विवेक गुप्ता

सिस्टम एनालिस्ट

एसके मेहर

श्री पवन शर्मा

वरिष्ठ प्रोग्रामर

श्यामल बरुआ
तृप्ता
संजीव कुमार
अमित भाटी
अंकिता सैनी

कंसल्टेंट

राजीव गुप्ता

हरि शंकर

प्रोग्रामर
डाटा एंट्री ऑपरेटर
हार्डवेयर/नेटवर्क इंजीनियर

उपलब्धियां

सॉफ्टवेयर सेवाएँ एवं शिक्षा	आईटी ढांचा एवं नेटवर्क
• अस्पताल सूचना प्रणाली • ऑनलाइन अपॉइंटमेंट • भर्ती, छुट्टी और स्थानांतरण • ई-अस्पताल बिलिंग • स्मार्ट कैश कार्ड • प्रयोगशाला सूचना प्रणाली • आरआईएस • सॉफ्टवेयर सेवाएँ • इन-हाउस मॉड्यूल • नैदानिक अनुप्रयोग • ई-ऑफिस	• उच्च गति इंटरनेट कनेक्शन के लिए एनकेएन कनेक्टिविटी • छात्रावास भवनों में वाई-फाई कवरेज • इन-हाउस डेटा सेंटर • साइबर सुरक्षा

11.5_.indd 1478 1/10/2026 3:26:41 PM

सॉफ्टवेयर सेवाएँ एवं शिक्षा	आईटी ढांचा एवं नेटवर्क
• कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा एप्लिकेशन (ईएचएस) • एम्स की वेबसाइट: www.aiims.edu • स्नातक और स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों के लिए कंप्यूटर शिक्षा कक्षाएं • इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली • आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली	

अस्पताल सूचना प्रणाली (ई-अस्पताल)

अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) आधुनिक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों की रीढ़ के रूप में कार्य करती है, जो नैदानिक, प्रशासनिक और वित्तीय प्रक्रियाओं के निर्बाध एकीकरण को सुगम बनाती है। एम्स, नई दिल्ली में एक सुदृढ़ एचआईएस के कार्यान्वयन ने स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में क्रांति ला दी है, जिससे दक्षता, उपचार की गुणवत्ता और रोगी संतुष्टि में वृद्धि हुई है। ई-अस्पताल एक अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली है जिसे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एक आईटी सिस्टम एजेंसी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित किया गया था। यह सॉफ्टवेयर अस्पताल के आंतरिक कार्यप्रवाह और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को सक्षम बनाता है। ई-अस्पताल एक कार्यप्रवाह आधारित एकीकृत एचआईएमएस है जो अस्पताल के सभी प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों संबंधी कार्य करता है।

कार्यान्वित किए गए मॉड्यूल निम्नलिखित हैं

- रोगी पंजीकरण (ओपीडी, आपात चिकित्सा, अपॉइंटमेंट)
- भर्ती, छुट्टी और स्थानांतरण (एडीटी)
- बिलिंग प्रणाली
- प्रयोगशाला सूचना प्रणाली
- रेडियोलॉजी सूचना प्रणाली
- इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली
- आहार संबंधी सेवाएं
- ई-ब्लड बैंक

ई-हॉस्पिटल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) इकोसिस्टम के साथ एकीकृत है। एबीएचए नंबर एक 14 अंकों का नंबर है जो भारत के डिजिटल हेल्थकेयर इकोसिस्टम में एक व्यक्ति को भागीदार के रूप में विशिष्ट रूप से पहचान देगा। डिजिटल रूप से सुरक्षित एबीएचए रोगियों को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से पहुंच बनाने और साझा करने की सुविधा देता है। यह अधिक कुशल, प्रभावी और रोगी उपचार की दिशा में एक कदम है।

रोगी पंजीकरण

ई-अस्पताल एप्लीकेशन के रोगी पंजीकरण मॉड्यूल का उपयोग ओपीडी और आपातचिकित्सा विभाग में रोगी पंजीकरण के लिए किया जाता है।

11.5_.indd 1479 1/10/2026 3:26:41 PM

ऑनलाइन अपॉइंटमेंट आँकड़े (ओआरएस और ई-अस्पताल)

विवरण	2022-2023	2023-2024	2024-2025
नए रोगी	1101249	1185499	1131495
फॉलोअप रोगी	1679625	2265938	2507595

भर्ती, छुट्टी एवं स्थानांतरण मॉड्यूल

एडीटी मॉड्यूल तब शुरू होता है जब रोगी का पंजीकरण किया जाता है और वार्ड में बिस्तर आबंटित किया जाता है। यह अस्पताल में रहने के दौरान रोगी को प्रदान की जाने वाली उपचार और सेवाओं से संबंधित है।

यह प्रणाली रोगियों के भर्ती, वार्ड और बिस्तरों के आबंटन में सहायता करती है। यह रोगियों के भर्ती, वार्ड और नर्सिंग प्रबंधन, बिस्तरों के आबंटन, अग्रिम राशि के संग्रह, रोगियों की गई जांचों की सेवा प्रविष्टियों से लेकर और रोगी को सिस्टम से छुट्टी मिलने तक से संबंधित व्यापक डेटा प्रदान करती है।

यह रोगी के वार्ड, कमरे या आईसीयू में भर्ती होने से लेकर अस्पताल से छुट्टी मिलने तक उसकी गतिविधियों पर भी नज़र रखता है।

विशेषताएँ

बिल निपटान: यह सुविधा अग्रिम क्रेडिट के आधार पर रोगी के बिल की स्वचालित रूप से गणना करती है, बिस्तर शुल्क और सर्विस ऑर्डर प्रविष्टियों की स्वचालित रूप से गणना करती है, अंतिम बिल निर्माण की स्वचालित रूप से गणना करती है और रोगी को सिस्टम से छुट्टी देने से पहले देय का निपटान करती है।

भर्ती अवरोधन सुविधा: यह सुविधा किसी विशेष विभाग और एकक में भर्ती को स्वतः अवरुद्ध करने के लिए है यदि उस विशेष विभाग-एकक में 48 घंटे से अधिक समय से आपातकालीन बिस्तरों पर रोगी भर्ती हैं। सिस्टम उस विभाग और इकाई में तब तक आगे भर्ती की अनुमति नहीं देगा जब तक कि आपातकालीन बिस्तर पर मौजूद रोगियों को उनके अपने विभाग-इकाई वार्ड के बिस्तरों पर स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता।

वास्तविक समय बिस्तर अधिभोग: एडीटी मॉड्यूल सभी केंद्रों और ब्लॉकों में समान रूप से कार्यान्वित किया गया है जो वास्तविक समय पर बिस्तर अधिभोग सूची बनाए रखने में सहायता करता है।

ऑटो डिस्चार्ज: इस सॉफ्टवेयर में ऐसी सुविधाएं भी हैं, जो सिस्टम से अल्प अवधि के लिए भर्ती रोगियों को स्वतः डिस्चार्ज करने की सुविधा प्रदान करती हैं।

2024-2025 की अवधि हेतु ऑनलाइन एडीटी आँकड़े

भर्ती	स्थानांतरण	छुट्टी
346267	104154	346195

ई-अस्पताल बिलिंग

बिलिंग मॉड्यूल सभी प्रकार के बिलिंग कार्य को संभालता है। यह मॉड्यूल कैशियर और बिलिंग ऑपरेटरों को बिल प्राप्तियों और रिफंड से संबंधित बिलिंग कार्यों के प्रबंधन में सुविधा प्रदान करता है।

11.5_.indd 1480 1/10/2026 3:26:41 PM

रोगी नकद या डिजिटल भुगतान के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप, इस प्रणाली को डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, स्मार्ट कैश कार्ड आदि जैसे विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे रोगियों और आगंतुकों के वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पूरे एम्स में रोगियों को सिंगल विंडो भगुतान/रिफंड सिस्टम के माध्यम से भुगतान करने की सुविधा दी जा रही है।

2024-2025 की अवधि हेतु ऑनलाइन आँकड़े

भुगतान का विधि	लेनदेन की संख्या
क्रेडिट कार्ड	2162
डेबिट कार्ड	21992
पीओएस/यूपीआई	50615

स्मार्ट कैश कार्ड

अस्पताल तथा गैर-अस्पताल संबंधी भुगतान के लिए पूरे संस्थान में भारतीय स्टेट बैंक के साथ स्मार्ट कैश कार्ड कॉलेबरेशन का प्रबंधन जारी रहा। एम्स, नई दिल्ली में स्मार्ट कैश कार्ड का कार्यान्वयन, प्रौद्योगिकी-उन्मुख स्वास्थ्य सेवा/वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। स्मार्ट कैश कार्ड के लिए उपयोगकर्ता के पास बैंक खाता या स्मार्ट फ़ोन होना आवश्यक नहीं है। इस प्रकार, यह समाज के सबसे वंचित वर्ग की ज़रूरतों को पूरा करता है जो बड़ी संख्या में एम्स आते हैं। यह अभिनव दृष्टिकोण न केवल वित्तीय लेनदेन को सरल बनाता है, बल्कि एक अधिक सुव्यवस्थित और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में भी योगदान देता है।

ई-अस्पताल प्रयोगशाला सूचना प्रणाली

लैब मॉड्यूल प्रयोगशालाओं में मैन्युअल प्रक्रियाओं को स्वचालित बनाता है, जैसे कि रोगी के नमूनों की जांच और प्रक्रियाओं का ऑर्डर देना, नमूनों का संग्रह और एलआईएस डेटाबेस में भर्ती, उचित विभाग या कार्य क्षेत्र में प्रसंस्करण और विश्लेषण, परिणामों की समीक्षा और सत्यापन, नैदानिक उपचार में परिणामों और/या निदान की रिपोर्टिंग।

प्रक्रिया को तेज़ बनाने और सुरक्षा पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, नई तकनीकों का उपयोग करके ई-हॉस्पिटल लैब मॉड्यूल का एक नया संस्करण लॉन्च किया गया है। सभी प्रयोगशालाएँ एनएबीएल मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं और तदनुसार, ई-अस्पताल अपडेट जारी हैं। ई-अस्पताल में प्रयोगशाला रिपोर्ट को एबीएचए पते से जोड़ने की व्यवस्था पूरी हो चुकी है। प्रतिदिन 2000 से अधिक प्रयोगशाला रिपोर्ट एबीएचए पते से जुड़ रही हैं और एबीडीएम डैशबोर्ड पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उपयोगकर्ता द्वारा अनुरोध किए जाने पर ई-अस्पताल में पीडीएफ रिपोर्ट अपलोड करने की सुविधा उपलब्ध है। कंप्यूटर सुविधा ने एम्स की 58 से अधिक प्रयोगशालाओं को एकीकृत कर दिया है।

रेडियोलॉजी सूचना प्रणाली (आरआईएस)

आरआईएस, पीएसीएस और अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) आधुनिक स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण घटक हैं, और प्रत्येक अपनी विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। आरआईएस प्रणालियाँ विकिरण विज्ञान विभागों के परिचालन प्रबंधन में विशेषज्ञता रखती हैं, जिसमें रोगी शेड्यूलिंग से लेकर बिलिंग और रिपोर्ट निर्माण तक सब कुछ शामिल है। इसके विपरीत, पीएसीएस मुख्य रूप से चिकित्सा छवियों के भंडारण, पुनर्प्राप्ति और वितरण से संबंधित है, जो एक डिजिटल संग्रह के रूप में कार्य

11.5_.indd 1481 1/10/2026 3:26:41 PM

करता है जो भौतिक छवियों के भंडारण की आवश्यकता को समाप्त करता है। दूसरी ओर, एचआईएस एक व्यापक प्रणाली है जो विभिन्न विभागों और कार्यों को एकीकृत करते हुए पूरे अस्पताल में सभी प्रशासनिक और नैदानिक सूचनाओं का प्रबंधन करती है। यद्यपि प्रत्येक प्रणाली की अपनी विशिष्ट कार्यक्षमताएँ होती हैं, फिर भी वे अक्सर एक सुचारू, कुशल और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करती हैं।

ई-अस्पताल के माध्यम से निर्धारित विभिन्न जांच अप्वाइंटमेंट नीचे सूचीबद्ध हैं:

- प्लेन एक्स-रे
- सीटी स्कैन
- एमआरआई स्कैन
- अल्ट्रासोनोग्राफी
- पीईटी स्कैन
- नेत्र रेडियोलॉजी
- मैमोग्राफी
- एंजियोग्राफी
- दंत एक्स-रे

विकिरण विज्ञान संबंधी जाँचों के लिए अपॉइंटमेंट एचआईएस ई-हॉस्पिटल सिस्टम के माध्यम से किए जाते हैं। अपॉइंटमेंट एचएल7 संदेशों का उपयोग करके शेड्यूलिंग के लिए आरआईएस को भेजे जाते हैं और आरआईएस रिपोर्ट एचएल7 डेटा ट्रांसफर प्रणाली का उपयोग करके एचआईएस सिस्टम को वापस भेजी जाती हैं। इस एकीकरण से रोगी विकिरण विज्ञान संबंधी जाँच रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं, जिन्हें ज़रूरत पड़ने पर रोगी पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।

इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली

इन्वेंटरी प्रबंधन मॉड्यूल अस्पताल की इन्वेंटरी के प्रबंधन के लिए व्यवस्थित कार्य-आधारित प्रक्रिया को सफल बनाता है। यह चिकित्सा आपूर्ति, उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की इन्वेंटरी या आपूर्ति, उपलब्धता, ट्रैकिंग और उपयोग की निगरानी और नियंत्रण करता है। इन्वेंटरी प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल में वस्तुएँ सही मात्रा में, सही समय पर, सही स्थानों पर उपलब्ध हों।

विशेषताएँ

निगरानी एवं ट्रैकिंग: सिस्टम में मद विवरण, मद मूल्य, मात्रा, स्थान, बैच संख्या और समाप्ति तिथि सहित इन्वेंट्री स्तरों की सटीक निगरानी और रिकॉर्ड करने की विशेषताएं हैं।

मांग पूर्वानुमान: इतिहास डेटा, रोगी रुझान और अन्य कारक आपूर्ति की भावी मांग का पूर्वानुमान लगा सकते हैं, ताकि उचित स्टॉक स्तर का रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके।

इन्वेंट्री अनुकूलन: इन्वेंट्री डेटा सुधार के अवसरों की पहचान करता है। इसमें अतिरिक्त स्टॉक को कम करना, अप्रचलित वस्तुओं को हटाना और जस्ट-इन-टाइम इन्वेंट्री प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है।

11.5_.indd 1482 1/10/2026 3:26:41 PM

इंडेंट प्रबंधन प्रणाली: इंडेंट बनाने के लिए अधिकृत कर्मियों को इंडेंटिंग अधिकार सौंपे जाते हैं। किसी इंडेंट के विरुद्ध मद जारी करने से पहले, वर्कफ़्लो में सत्यापन के दो स्तर होते हैं। यह प्रणाली इंडेंट की वास्तविक समय ट्रैकिंग को सफल बनाती है। इंडेंट के प्रकारों में अंतर करने के लिए, इंडेंट में रूटीन इंडेंट, जेएसएसके इंडेंट, ईएचएस इंडेंट, पीएम-जेएवाई इंडेंट तथा एलपी इंडेंट जैसी श्रेणियाँ होती हैं।

विक्रेता प्रबंधन: यह प्रणाली विक्रेताओं की सूची और उनके विवरण को सिस्टम में बनाए रखता है।

लॉट एवं समाप्ति ट्रैकिंग: यह प्रणाली विभिन्न रंग कोडिंग प्रक्रियाओं का उपयोग करके दवाओं तथा फार्मास्यूटिकल्स की समाप्ति और समाप्ति के करीब वस्तुओं पर नज़र रखने में सक्षम है।

वर्कफ़्लो दक्षता: इन्वेंट्री स्तरों में वास्तविक समय दृश्यता प्रदान करके, यह प्रणाली कार्यप्रवाह दक्षता को बढ़ाती है।

डेटा विश्लेषण एवं रिपोर्टिंग: इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली, प्रदर्शन मूल्यांकन और निर्णय लेने के लिए उपयोगी मूल्यवान आंकडे एकत्र करती है। रिपोर्टिंग सुविधाएँ इन्वेंट्री टर्नओवर, उपयोग के रुझान और विश्लेषण पर अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने में सक्षम बनाती हैं। ये अंतर्दृष्टि डेटा-आधारित और कुशल निर्णय लेने में मदद करती हैं।

2024-2025 की अवधि हेतु ऑनलाइन इन्वेंट्री आँकड़े

मुख्य भण्डार	उप भण्डार	किए गए इंडेंट	जारी किए गए इंडेंट
79	1106	115381	114864

आहार एवं लॉन्ड्री

आहार मॉड्यूल अस्पताल में रोगियों को प्रदान की जाने वाली आहार सेवाओं के कार्यों को स्वचालित बनाता है, जबकि लॉंड्री मॉड्यूल अस्पताल में लॉंड्री सेवाओं के कार्यों और कार्यप्रवाह को स्वचालित बनाता है।

ब्लड बैंक

ई-ब्लड बैंक एप्लिकेशन एक संपूर्ण ब्लड बैंक प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन को सुगम बनाता है। यह मॉड्यूल केवल सीएनसी ब्लड बैंक में ही उपयोग में है।

रोगी पोर्टल

सभी नागरिक और रोगी https://ors.gov.in पर जाकर अपनी अपॉइंटमेंट बुक या रद्द कर सकते हैं। रोगी इस सिस्टम से तैयार की गई और ई-अस्पताल सिस्टम से एकीकृत की गई अपनी लैब और रेडियोलॉजी रिपोर्ट भी देख और डाउनलोड कर सकते हैं।

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाएँ (ईएचएस) आवेदन

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा (ईएचएस) सॉफ्टवेयर प्रणाली, ईएचएस सेवाओं का लाभ उठाने वाले एम्स कर्मचारियों और उससे जुड़े रिकॉर्ड रखने के लिए एक एप्लीकेशन है, जैसे कि ईएचएस ओपीडी में तैयार किए गए कर्मचारियों के स्वास्थ्य संबंधी नुस्खों को रिकॉर्ड करना और उनका रखरखाव करना। यह प्रणाली ईएचएस ओपीडी में ईएचएस लाभों के लिए पात्र सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों का विवरण रखती है।

11.5_.indd 1483 1/10/2026 3:26:41 PM

यह प्रणाली ईएचएस ओपीडी में ईएचएस रोगियों का पंजीकरण और निर्धारित दवाओं का इतिवृत्त दर्ज करती है। ईएचएस फार्मेसी काउंटरों के माध्यम से ऑनलाइन दवाइयाँ भी वितरित की जाती हैं। जो दवाइयाँ ईएचएस फार्मेसी में उपलब्ध नहीं होतीं, उन्हें स्थानीय खरीद के लिए भेज दिया जाता है। एलपी इंडेंट सिस्टम द्वारा स्वचालित रूप से दो बार जनरेट किए जाते हैं और एलपी विक्रेता को ऑनलाइन जमा किए जाते हैं। एलपी दवाओं की प्राप्ति और बिल का प्रबंधन भी इस एप्लिकेशन के माध्यम से किया जाता है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईएचएस लाभार्थियों हेतु ईएचएस पंजीकरण एवं प्रिस्क्रिप्शन डेटा नीचे सूचीबद्ध है:

केंद्र का नाम	ऑनलाइन पंजीकरण	ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन
मुख्य अस्पताल	228426	208847
ट्रॉमा केन्द्र	15454	14051
एनसीआई झज्जर	11403	10611

सॉफ्टवेयर सेवाएँ

कंप्यूटर सुविधा में डेवलपर्स की एक टीम है जो विभिन्न इन-हाउस मॉड्यूल्स का निरंतर रखरखाव, उन्नयन और विकास करती है। यह टीम एम्स, नई दिल्ली के सभी विभागों/अनुभागों को सॉफ्टवेयर विकास और रखरखाव सेवाएँ प्रदान करती है। इसमें डॉट नेट तकनीक, पायथन प्रोग्रामिंग भाषा और पोस्टग्रेएसक्यूएल डेटाबेस जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

इन-हाउस मॉड्यूल को इन-हाउस सॉफ्टवेयर और क्लिनिकल मॉड्यूल के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

इन-हाउस सॉफ्टवेयर

प्रशासनिक और बैक ऑफिस स्वचालन के लिए, कंप्यूटर सुविधा द्वारा विभिन्न इन-हाउस मॉड्यूल विकसित, कार्यान्वित और अनुरक्षित किए जाते हैं।

वर्ष 2024-25 में विकसित इन-हाउस सॉफ्टवेयर नीचे दिए गए हैं

संतुष्ट: यह उपयोगकर्ताओं को अपनी समस्याऐं व्यक्त करने और शिकायतों का तुरंत समाधान करने का अधिकार देता है। यह 24×7 उपलब्ध है। उपयोगकर्ता अपनी प्रतिक्रिया आसानी से साझा कर सकते हैं, जिससे हमें उनके स्वास्थ्य सेवा अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हेल्थी स्माइल ऐप: हेल्दी स्माइल ऐप आपके बच्चे के ब्रश करने के दौरान उसका संगीतमय साथी है। यह एक मोबाइल ऐप है जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

रोगी डिस्चार्ज समरी: वर्तमान स्थिति: आपातकालीन चिकित्सा एवं सीटीवीएस विभाग में सक्रिय और कार्यरत। 100% डिजिटल अभिलेख अनुरक्षण, सुगम्यता और दीर्घकालिक डेटा संग्रहण में सुधार। रीयल-टाइम डिस्चार्ज समरी तैयार करने से टर्नअराउंड समय और रोगी संतुष्टि में सुधार हुआ। अस्पताल के कार्यप्रवाह और कर्मचारियों की उत्पादकता में सुधार हुआ। इस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके 4000 से अधिक रोगियों को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया।

11.5_.indd 1484 1/10/2026 3:26:41 PM

एचआरएमएस (मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली): एचआरएमएस एक वेब-आधारित समाधान है जिसे एम्स में आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रबंधन के लिए विकसित किया गया है। यह संविदा कर्मचारियों के लिए ऑनबोर्डिंग, डेटा प्रबंधन और मानव संसाधन संचालन की दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए एक केंद्रीकृत मंच प्रदान करता है।

ट्रेड (आपातकालीन विभाग हेतु ट्रेड रजिस्टर): ट्रेड एक वेब-आधारित एप्लिकेशन है जिसे आपातकालीन विभागों में रोगी उपचार और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह रोगी रिकॉर्ड को केंद्रीकृत करता है, ट्राइएज प्रक्रियाओं में सहायता करता है, वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित करता है, और रीयल-टाइम रोगी ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग प्रदान करता है।

परिप्रेक्ष्य दर्द प्रबंधन: यह प्रणाली अब आईआरसीएच में सक्रिय है और चल रही है, जिससे सर्जरी के सभी चरणों के दौरान पीड़ा उपचार में सुधार हो रहा है।

ब्लू बेबी वैक्सिनेशन रिकॉर्ड: यह प्रणाली अब सीटीसी में सक्रिय है, जिससे शिशु टीकाकरण रिकॉर्ड के प्रबंधन में सुधार होगा।

भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमएंडआर): वास्तविक समय में प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक रिकॉर्ड अपडेट के साथ प्रतिदिन 100 से अधिक रोगी प्रविष्टियों का प्रबंधन करना।

टिकट प्रबंधन प्रणाली: यह टिकटिंग कार्यों को स्वचालित बनाता है, जिससे एक कार्यदिवस के भीतर त्वरित समाधान सुनिश्चित होता है। रीयल-टाइम अपडेट, ऑडिट ट्रेल्स और स्पष्ट असाइनमेंट जैसी सुविधाएँ पारदर्शिता एवं जवाबदेही में सुधार करती हैं।

एम्स इंटर रेफरल सिस्टम: एक केंद्रीकृत मंच जो एम्स बिलासपुर से एम्स नई दिल्ली और पूरे भारत में एम्स नेटवर्क में निर्बाध रोगी रेफरल को सक्षम बनाता है, जिससे समन्वित और कुशल अंतर-संस्थागत उपचार सुनिश्चित होता है।

विश्राम सदन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर रोगियों और उनके तीमारदारों को कुशल कक्ष आबंटन की एक प्रणाली है। डॉक्टर या नामित रेफरकर्ता रोगियों को सूची में जोड़ सकते हैं। इससे कतारों में लगने की संख्या कम होती है और सुव्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से समग्र रोगी अनुभव बेहतर होता है।

एम्स साइकिल (साइकिल प्रबंधन प्रणाली): कर्मचारियों और छात्रों के लिए साइकिल संबंधी अनुरोधों और समस्याओं के प्रबंधन हेतु एक सुव्यवस्थित प्लेटफ़ॉर्म। उपयोगकर्ता किसी भी साइकिल प्वाइंट पर साइकिल का अनुरोध या वापस जमा कर सकते हैं, और अनुमोदन निर्दिष्ट व्यवस्थापकों द्वारा किया जाता है। एकल सक्रिय अनुरोध नीति और स्वचालित वर्कफ़्लो के साथ, यह प्रणाली पूरे एम्स परिसर में कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी साइकिल प्रबंधन सुनिश्चित करती है।

बाल चिकित्सा मधुमेह रजिस्ट्री मधुमेह से पीड़ित बच्चों से संबंधित डेटा की ट्रैकिंग, प्रबंधन और विश्लेषण के लिए एक समर्पित प्लेटफ़ॉर्म। यह रोगियों की जनसांख्यिकी, उपचार पैटर्न और परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

11.5_.indd 1485 1/10/2026 3:26:41 PM

अनुसंधान निर्देशिका: एम्स में चल रही और पूरी हो चुकी शोध परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाला एक केंद्रीकृत संग्रह। यह उपयोगकर्ताओं को प्रासंगिक कार्यों और सहयोगियों से जोड़ने के लिए विस्तृत शोधकर्ता प्रोफ़ाइल और उन्नत खोज फ़िल्टर प्रदान करता है। यह निर्देशिका शोध की दृश्यता बढ़ाती है और एम्स समुदाय के भीतर और बाहर सहयोग को बढ़ावा देती है।

संस्थान में अनुरक्षित किए जा रहे विभिन्न बैक-ऑफिस सॉफ्टवेयर नीचे सूचीबद्ध हैं:

क्र. सं.	आवेदन का नाम
1	ऑनलाइन हाउस आबंटन
2	छात्रावास आबंटन एवं पंजीकरण प्रणाली
3	एमएसएसओ रेल रियायत प्रणाली
4	इंजीनियरिंग सेवा विभाग हेतु आशय पत्र एवं पुरस्कार प्रणाली
5	ऑनलाइन अंगदान फॉर्म
6	ऑनलाइन परिवहन प्रणाली
7	दृष्टि (अंत:स्राविका एवं डॉ.रा.प्र.केन्द्र हेतु)
8	चेक प्रिंटिंग, आरटीजीएस एवं समाधान

नैदानिक मॉड्यूल

वर्ष 2024-25 में अपग्रेड किए गए क्लिनिकल मॉड्यूल नीचे दिए गए हैं

न्यूरो बोन बैंक इस एप्लिकेशन का उपयोग रोगी के जनसांख्यिकीय डेटा, अस्थि विवरण, कंटेनर का विवरण, बॉक्स का विवरण, शेल्फ़ का विवरण उन एककों के अनुसार प्राप्त करने के लिए किया जाता है जहाँ रोगी की अस्थि संग्रहीत है। इस एप्लिकेशन की मदद से हम कंटेनर और बॉक्स की स्थिति की जाँच कर पाएँगे कि वह खाली है या भरा हुआ।

एमआरडी प्रणाली: मेडिकल रिकॉर्ड सिस्टम एप्लीकेशन को रोगी की जनसांख्यिकी विवरण, रोगी के जन्म और मृत्यु विवरण, एमआरडी फ़ाइल मूवमेंट और रोगी से संबंधित सभी रिकॉर्ड को अनुरक्षित करने के लिए डिज़ाइन और विकसित किया गया है।

ईएमएलसी बीपीएस: ई-एमएलसी (बर्न्स एवं प्लास्टिक) इस एप्लिकेशन का उपयोग रोगियों की एमएलसी बनाने और जनसांख्यिकी विवरण, निदान, केस इतिवृत्त, रोगियों की छवियों को कैप्चर करने और एमआईएस, एमएलसी कार्ड, एमएलसी प्रिंट, पुलिस प्रमाणपत्र आदि बनाने के लिए किया जाता है।

नेत्र बैंक इस आवेदन का उपयोग रोगियों का विवरण प्राप्त करने, प्राथमिकता सूची बनाने, रोगी के अस्पताल में आने के इतिवृत्त बनाए रखने, दाता और प्राप्तकर्ता की प्राथमिकता सूची निर्धारित करने, एमआईएस बनाने आदि के लिए किया जाता है।

11.5_.indd 1486 1/10/2026 3:26:41 PM

ईएम परामर्श डैशबोर्ड इस एप्लिकेशन का उपयोग आपातकाल में रोगी की प्रतीक्षा सूची बनाने, डॉक्टरों को रोगी परामर्श अनुस्मारक भेजने, आपातकाल में ड्यूटी पर उपलब्ध डॉक्टरों को जोड़ने, एसएमएस के माध्यम से डॉक्टरों को लंबित रोगियों का विवरण भेजने, एमआईएस और रोगियों के दौरे का विवरण आदि बनाने के लिए किया जाता है।

संस्थान में संचालित विभिन्न नैदानिक मॉड्यूल नीचे सूचीबद्ध हैं:-

क्र. सं.	आवेदन का नाम
1	पीडीएस मुख्य
2	एसएमएस ऐप
3	ई-एमएलसी मुख्य अस्पताल
4	ई-एमएलसी रा.प्र.केन्द्र
5	ई-एमएलसी (बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी)
6	रा.प्र. केन्द्र ऊतक उपयोग
7	नेत्र विकृति विज्ञान रा.प्र. केन्द्र
8	ई-प्रमाणपत्र रा.प्र. केन्द्र
9	ईबीसी रा.प्र. केन्द्र
10	सीएनसी प्रयोगशाला रजिस्टर
11	आईआरसीएच डेकेयर
12	विटिलिगो
13	छात्र कल्याण
14	हृदय प्रतिरोपण प्रतीक्षा सूची
15	ई-बर्थ
16	ई-प्रमाणपत्र एम्स
17	बोन बैंक (अस्थिरोग एवं तंत्रिका विज्ञान)
18	ई-डेथ नोट
19	अर्बुद संवेदनाहरण, सं.रो.कैं.अ.
20	ओटी मॉड्यूल
21	भर्ती पर्ची
22	एंटीकोग्युलेंट पंजीकरण
23	ई-कैथलिस्ट

11.5_.indd 1487 1/10/2026 3:26:41 PM

क्र. सं.	आवेदन का नाम
24	ई-एमएलसी उपयोगकर्ता बनाने के लिए एडमिन
25	क्यूएएमएचए
26	क्यूएएम एम्स
27	भर्ती पर्ची एनसीआई झज्जर
28	ओटी मॉड्यूल एनसीआई झज्जर
29	ई-डेथ नोट एनसीआई झज्जर
30	ई-एमएलसी एनसीआई झज्जर
31	सं.रो.कैं.अ. निदान

ई-ऑफिस

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अपने प्रशासनिक कामकाज में दक्षता, पारदर्शिता और कागज रहित शासन को बढ़ावा देने के अपने सतत प्रयासों के तहत ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म को अपनाया है। ई-ऑफिस एक डिजिटल कार्यक्षेत्र समाधान है जिसे सरकारी संस्थानों में फ़ाइल प्रबंधन और आधिकारिक कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ई-ऑफिस के कार्यान्वयन से, एम्स ने अपनी कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं–जैसे फ़ाइल स्थानांतरण, अनुमोदन, नोट-शीट और आधिकारिक पत्राचार को एक सुरक्षित और केंद्रीकृत डिजिटल वातावरण में परिवर्तित कर दिया है। इससे कागज़ के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है, संसाधन समय में सुधार हुआ है और विभागों में जवाबदेही बढ़ी है। ई-ऑफिस का निरंतर प्रबंधन और 4000 से अधिक ई-ऑफिस खातों के माध्यम से डेस्क सहायता प्रदान की गई।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी कर्मचारी ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार हों, एम्स नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करता है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को नई सुविधाओं से अवगत कराने, प्लेटफॉर्म की कार्यक्षमताओं के बारे में उनकी समझ बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि डिजिटल वर्कफ़्लो में परिवर्तन सुचारू और कुशल रूप से हो। संस्थान के विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों के लिए लगभग 30 ई-ऑफिस प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

संस्थान ने ई-ऑफिस संस्करण को 07.03.2008 से 07.03.2011 तक अपग्रेड रखा है।

ईमेल आईडी ("@aiims.gov.in"): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) आधिकारिक संचार के लिए gov.in डोमेन ईमेल आईडी का उपयोग करता है। ये ईमेल आईडी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों और अन्य अधिकृत कर्मियों को संस्थान के भीतर और बाहर सुरक्षित, प्रामाणिक और पेशेवर संप्रेषण सुनिश्चित करने के लिए प्रदान की जाती हैं।

एम्स के कर्मचारियों के लिए "@aiims.gov.in" डोमेन पर लगभग 'दस हजार' खाते बनाए गए।

एम्स वेबसाइट (Https://Www.Aiims.Edu)

11.5_.indd 1488 1/10/2026 3:26:41 PM

एम्स, नई दिल्ली की आधिकारिक वेबसाइट एक व्यापक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य करती है, जो संस्थान की विविध स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविधियों, सुविधाओं और जन-जन तक पहुँचने की पहलों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती है। यह रोगियों, छात्रों, शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और व्यापक समुदाय को एम्स के व्यापक संसाधनों से जोड़ती है, जिससे पारदर्शिता, सुगमता और सहजता सुनिश्चित होती है।

वेबसाइट का संरक्षण कंप्यूटर सुविधा द्वारा किया जाता है, जो सुरक्षा, अपटाइम, सामग्री प्रबंधन और बैकएंड संचालन सहित सभी वेब-आधारित सेवाओं और बुनियादी ढाँचे के सपोर्ट की देखरेख करती है। 2024-25 में निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ की गईं:

1. वेबसाइट सामग्री प्रबंधन एवं विभागीय सहयोग:

- एम्स नई दिल्ली के विभिन्न विभागों के अनुरोध पर विभागीय वेबपेजों का नियमित अद्यतन, अपलोडिंग और निर्माण।
- नोटिस, भर्ती विज्ञापन और निविदाएं आदि सहित आधिकारिक दस्तावेजों का प्रसार।
- एम्स प्रशासन की महत्वपूर्ण घोषणाओं की दृश्यता सुनिश्चित की गई।
- विभिन्न कार्यक्रमों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और परिपत्रों के बारे में जानकारी सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को सामग्री प्रदाता ईमेल के माध्यम से प्रसारित की गई।

2. गूगल वर्कस्पेस ईमेल सेवाएँ (@aiims.edu डोमेन):

- @aiims.edu डोमेन के लिए गूगल वर्कस्पेस ईमेल सेवाओं को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया गया
- संकाय, वरिष्ठ रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, एमबीबीएस छात्रों और वैज्ञानिकों आदि के लिए 4000 से अधिक ईमेल खाते बनाए गए और सक्रिय रूप से उनका रखरखाव किया गया।

3. इवेंट सपोर्ट:

- एम्स दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसी संस्थागत गतिविधियों की दृश्यता बढ़ाने के लिए फोटो, विवरण आदि सहित कार्यक्रम से संबंधित सामग्री को समय पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

4. नई वेबसाइट का निर्माण:

- एम्स, नई दिल्ली के लिए एक नई वेबसाइट का निर्माण कार्य चल रहा है। यह नई वेबसाइट गतिशील, द्विभाषी, मोबाइल-फर्स्ट, पूर्णतः सुलभ, जीआईजीडब्ल्यू अनुपालक, सुरक्षित होगी और ओपन सोर्स सीएमएस प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इसकी होस्टिंग, अपडेट, अपग्रेड और रखरखाव पाँच वर्षों तक चलेगा। यह नई वेबसाइट 2025 में लाइव होगी।

एम्स, नई दिल्ली की वेबसाइट संस्थान और उसके हितधारकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनी हुई है। निरंतर सुधार, तकनीकी नवाचार और अंतर-विभागीय सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य उत्कृष्टता और सेवा के उन मानकों को बनाए रखना है जो एम्स को एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान के रूप में परिभाषित करते हैं।

11.5_.indd 1489 1/10/2026 3:26:42 PM

एसएमएस सेवाएं

मोबाइल सेवा सी-डैक एसएमएस गेटवे सेवाओं का उपयोग संस्थान द्वारा विभिन्न हितधारकों को संदेश प्रदान करने के लिए किया जाता है जैसे:

- रोगी से संबंधित एसएमएस जैसे कि अपॉइंटमेंट विवरण, लैब रिपोर्ट ओटीपी आदि।
- परीक्षा अनुभाग से संबंधित संदेश
- छात्रों के लिए शैक्षणिक अनुभाग से संबंधित संदेश
- रक्तदाताओं के लिए ब्लड बैंक से संबंधित संदेश
- अंग दाताओं का विवरण

कंप्यूटर शिक्षा

कंप्यूटर सुविधा स्नातक और स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों को नियमित रूप से कंप्यूटर कक्षाएं प्रदान करती रही है। कंप्यूटर कक्षाओं में ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट और एक्सेस), एचआईएस और नेटवर्किंग का परिचय जैसे विषय शामिल हैं। पूरे वर्ष भौतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की कक्षाएं संचालित की जाती हैं।

आईटी संरचना तथा नेटवर्क

- एम्स, नई दिल्ली में मुख्य अस्पताल, नई ओपीडी, बर्न्स एवं प्लास्टिक ब्लॉक, सर्जरी ब्लॉक, मातृ एवं शिशु ब्लॉक, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग ब्लॉक और प्राइवेट वार्ड-III में नेटवर्क संरचना का प्रबंधन किया।
- कैपएफआईएमएस एवं त्रिलोकपुरी नई दिल्ली में नेटवर्क संरचना की स्थापना एवं प्रबंधन में सक्रिय रूप से सहयोग करना।
- एम्स, नई दिल्ली में सीडीईआर एक्सटेंशन, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग ब्लॉक, न्यू ओपीडी, बर्न्स एंड प्लास्टिक ब्लॉक, सर्जरी ब्लॉक, मातृ एवं शिशु ब्लॉक, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग ब्लॉक और प्राइवेट वार्ड-III को सौंपने के बाद नेटवर्क प्रबंधन का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया।
- लगभग 18 छात्रावासों में वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन का निरंतर प्रबंधन किया गया, जिससे छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिका तक पहुँच के लिए वाई-फाई ज़ोन बनाए गए। छात्रावास उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग 710 आईडी बनाए गए।
- लगभग 18 छात्रावासों में 30 फाइबर केबल नए अपलिंक और 100 वाई-फाई एक्सेस प्वाइंट स्थापित किए गए।
- एम्स के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को लगभग 250 नए इंट्रानेट/लैन कनेक्शन प्रदान किए गए।
- बीबीडीएल में वाई-फाई सेवाओं के प्रबंधन के लिए बीबी दीक्षित पुस्तकालय को स्थापना और तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- कंप्यूटर सुविधा के हेल्प-डेस्क के माध्यम से उपयोगकर्ताओं की शिकायतों के कॉल अनुरक्षण और समाधान हेतु सुविधा प्रबंधन 24×7×365 दिन उपलब्ध है। वर्ष के दौरान लगभग 40,000 कॉलों का निपटान किया गया।

11.5_.indd 1490 1/10/2026 3:26:42 PM

- एम्स के अन्य केंद्रों को जोड़ने के लिए ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल और एम्स के बाहर से अन्य इन-हाउस एप्लिकेशन सर्वर के लिए वीपीएन-आधारित एक्सेस तंत्र।
- एनडीडीटीसी गाजियाबाद, जेपीएनएटीसी और सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ को जोड़ने के लिए सुरक्षित टनल का निरंतर प्रबंधन।
- नेटवर्क विभाजन, एसीएल, पोर्ट-सुरक्षा जैसे सुरक्षा उपायों को प्रबंधित नेटवर्क में लागू किया गया है।
- विभिन्न सेमिनारों/सम्मेलनों/वीडियो कॉन्फ्रेंस के लिए उच्च गति एनकेएन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
- लगभग 18 छात्रावास स्थानों पर वायरलेस नेटवर्किंग क्षेत्रों का प्रबंधन जारी रखा गया, जिससे छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के लिए वाई-फाई क्षेत्र बनाए गए।
- बीबीडीएल उपयोगकर्ताओं को केंद्रीकृत और सुरक्षित वाई-फाई सेवाएँ भी प्रदान की गईं। हॉस्टल और बीबी दीक्षित पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग 1000 आईडी बनाई गईं।
- बीबीडीएल में वाई-फाई सेवाओं के प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता।
- एम्स के ऑफ कैम्पस केंद्रों के लिए ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल और अन्य इन-हाउस अनुप्रयोगों के लिए वीपीएन आधारित एक्सेस तंत्र।
- एनसीआई, एनडीडीटीसी गाजियाबाद, जेपीएनएटीसी और सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ को जोड़ने के लिए सुरक्षित टनल का निरंतर प्रबंधन।
- आईपीएसईसी टनल के माध्यम से एम्स के तत्वावधान में नव स्थापित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआईएमएस), मैदानगढ़ी, नई दिल्ली का सुरक्षित एकीकरण और परिचालन तैयारी।
- सीएपीएफआईएमएस को एनआईसी द्वारा संचालित ई-हॉस्पिटल प्लेटफॉर्म पर शामिल कर लिया गया है।
- ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल के सुचारू परिवर्तन और इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सीएपीएफआईएमएस कर्मियों के लिए प्रशिक्षण और अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए।
- एम्स नेटवर्क की सुरक्षा के लिए फायरवॉल उपकरणों को अपग्रेड किया गया।
- एम्स और उसके केंद्रों में फायरवॉल का निरंतर प्रबंधन।
- पूरे परिसर में अंत बिंदु जांच और प्रतिक्रिया (ईडीआर) स्थापित की गई।
- नेटवर्क की 24 × 7 निगरानी के लिए नेटवर्क एवं सुरक्षा संचालन केंद्र स्थापित किए गए।
- साइबर खतरों की चेतावनियों और शमन की निरंतर निगरानी की जा रही है।
- सर्वर और एंडपॉइंट के लिए सुरक्षा उपाय लागू किए जा रहे हैं।
- एम्स के सभी कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

11.5_.indd 1491 1/10/2026 3:26:42 PM

- प्रभावी निगरानी और परामर्शों के अनुपालन के लिए सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय करना।

एप्लिकेशन तकनीकी सहायता

1 जनवरी 2025 से, समर्पित एप्लिकेशन तकनीकी सहायता टीम, एम्स, नई दिल्ली में ई-हॉस्पिटल और विभिन्न आंतरिक अनुप्रयोगों के लिए व्यापक सहायता सेवाएँ सक्रिय रूप से प्रदान कर रही है। टीम का प्राथमिक उद्देश्य महत्वपूर्ण अस्पताल प्रणालियों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित करना और सभी विभागों के अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाना है। अंतिम उपयोगकर्ता स्तर पर आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तकनीकी सहायता अधिकारी एम्स, नई दिल्ली के सभी केंद्रों में तैनात हैं।

यह सहायता अस्पताल के मुख्य क्षेत्रों में फैली हुई है, जिसमें बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), अंतः रोगी विभाग (आईपीडी), आपातकालीन सेवाएँ, स्टोर, रक्त बैंक, क्लिनिकल मॉड्यूल और शिकायत निवारण पोर्टल शामिल हैं। यह टीम निर्बाध स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए तकनीकी समस्याओं, उपयोगकर्ता प्रश्नों और कार्यप्रवाह की बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, सहायक कर्मचारी सॉफ्टवेयर निर्माण और नेटवर्किंग टीमों के साथ मिलकर बैक-एंड या सिस्टम-स्तरीय समस्याओं को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए समन्वय करते हैं।

टीम की भूमिका का एक अनिवार्य पहलू नर्सों, प्रशासनिक कर्मचारियों और अन्य अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना है। ये सत्र सॉफ़्टवेयर मॉड्यूल को प्रभावी ढंग से संचालित करने, रोगी रिकॉर्ड को संभालने, इन्वेंट्री प्रबंधन, शिकायत दर्ज करने और निर्णय-सहायक उपकरणों का उपयोग करने में उपयोगकर्ता क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

साइबर सुरक्षा

एम्स, नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ चिकित्सा डेटा की संवेदनशीलता और संस्थान द्वारा संचालित महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ इसके सिस्टम और डेटा की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कुछ उपाय दिए गए हैं।:-

- एम्स नेटवर्क की सुरक्षा के लिए फायरवॉल उपकरणों को अपग्रेड किया गया।
- एम्स और उसके केंद्रों में फायरवॉल का निरंतर प्रबंधन।
- परिसर में एंड पॉइन्ट डिटेक्शन और प्रतिक्रिया (ईडीआर) का निरंतर प्रबंधन।
- नेटवर्क की 24 × 7 निगरानी के लिए नेटवर्क और सुरक्षा संचालन केंद्रों का निरंतर प्रबंधन।
- साइबर खतरों की चेतावनियों और शमन की निरंतर निगरानी की जा रही है।
- सर्वर और एंडपॉइंट के लिए सुरक्षा उपाय लागू किए जा रहे हैं।
- संस्थान के कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया।

आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली

एनआईसी की आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) एक अभिनव समाधान है जिसका उद्देश्य आधार बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का लाभ उठाकर उपस्थिति प्रबंधन में दक्षता और जवाबदेही

11.5_.indd 1492 1/10/2026 3:26:42 PM

बढ़ाना है। एम्स, नई दिल्ली और सीएपीएफआईएमएस में एईबीएएस लागू करके, संस्थान उपस्थिति ट्रैकिंग प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, सटीकता में सुधार कर सकते हैं और पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकते हैं।.

नामांकन प्रक्रिया कर्मचारियों को उनके आधार नंबरों को उनके बायोमेट्रिक डेटा से जोड़कर एईबीएएस में नामांकित किया गया। इसमें बायोमेट्रिक जानकारी प्राप्त करना और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उसे आधार डेटाबेस से सत्यापित करना शामिल है। एईबीएएस प्रणाली में पंजीकृत कर्मचारियों की संख्या 8141 है।

11.5_.indd 1493 1/10/2026 3:26:42 PM

11.6 इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा

(शरीर रचना विज्ञान विभाग)

आचार्य
टी. सी. नाग

अपर आचार्य
सुभाष सी. यादव

सह-आचार्य
प्रभाकर सिंह

मुख्य तकनीकी अधिकारी
संदीप आर्य

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
चंदा पंवार

विशिष्टताएँ

इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा द्वारा "जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर तृतीय राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन 22 से 26 अप्रैल, 2024 तक किया गया।

डॉ. सुभाष सी. यादव को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा फेलो के रूप में चुना गया।

शिक्षा

(i) एम. बायोटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ईएम (सिद्धांत एवं प्रायोगिक) कक्षाएँ 17.08.2024 से 11.09.2024 तक आयोजित की गईं।

(ii) शरीर रचना विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए ईएम (सिद्धांत एवं प्रायोगिक) कक्षाएँ 16.09.2024 से 22.09.2024 तक आयोजित की गईं।

सीएमई / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर तृतीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 22-26 अप्रैल 2024, 14 प्रतिभागी।
2. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 15 मई से 14 जून 2024, 9 प्रतिभागी।
3. वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर 40वाँ राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 18 से 30 नवंबर 2024, 17 प्रतिभागी।

11.6_.indd 1494 1/8/2026 12:43:09 PM

ईएम सुविधा का दौरा

1. वसंत वैली स्कूल, वसंत कुंज के 40 छात्रों ने ईएम सुविधा का दौरा किया (18 अप्रैल 2024)
2. इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स (डीयू), जैव रसायन विभाग के 20 छात्रों ने दौरा किया (6 मई 2024)
3. इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली से डॉ. डी. कबीराज़ और डॉ. एस. ए. खान (9 अगस्त 2024)
4. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, पटना के संकाय सदस्य (22 अगस्त 2024)
5. एल. वी. प्रसाद आई इंस्टिट्यूट, हैदराबाद के 16 पीएचडी छात्र (29 सितंबर 2024)
6. स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के 18 छात्र एवं 2 संकाय सदस्य (14 अक्टूबर 2024)
7. हिंदू कॉलेज, डीयू के प्राणीशास्त्र विभाग के 37 छात्र एवं 3 संकाय सदस्य (21 अक्टूबर 2024)
8. स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के 18 छात्र एवं 2 संकाय सदस्य (16 नवंबर 2024)
9. 54वें आईपीएस-सीओएन (एम्स, नई दिल्ली) के प्रतिभागियों ने 26 नवंबर 2024 को ईएम प्रयोगशाला का दौरा किया।
10. ग्रेस वैली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, मरावट्टम, केरल के रसायन विज्ञान विभाग के 15 छात्र एवं 4 संकाय सदस्यों ने 29 जनवरी 2025 को ईएम प्रयोगशाला का दौरा किया।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. वृद्धावस्था में आँख की कोरॉइडल कोशिकाओं की मृत्यु के तंत्र को समझने हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन, जिसमें मैक्रोफेज़ एवं अन्य प्रतिरक्षा सक्षम कोशिकाओं की भूमिका पर विशेष बल दिया गया है।
2. चूहों के रेटिना में एनएमडीए रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति पर निरंतर प्रकाश संपर्क का प्रभाव।
3. चूहों की ऑप्टिक नर्व में आयु-संबंधी अक्षीय साइटोस्केलेटन परिवर्तनों का अध्ययन।
4. चूहों के मस्तिष्क में एंडोथेलिन-1 प्रेरित कैप्सुलर इन्फार्क्ट मॉडल में संरचनात्मक परिवर्तनों का अध्ययन।
5. साइटोलॉजी नमूनों से एचपीवी-16 प्रेरित सर्वाइकल कैंसर कोशिकाओं की पहचान।
6. किशोर चूहों के प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के ग्रे मैटर में मायलिनेशन पर अत्यधिक शराब सेवन का प्रभाव।

पूर्ण

1. आयरन संचय के कारण चूहों के रेटिना में अनफोल्डेड प्रोटीन रिस्पॉन्स के सेंसरों की अभिव्यक्ति की स्थिति का अध्ययन।
2. चूहों के मस्तिष्क में एंडोथेलिन-1 प्रेरित कैप्सुलर इन्फार्क्ट मॉडल में संरचनात्मक परिवर्तनों का अध्ययन।

11.6_.indd 1495 1/8/2026 12:43:09 PM

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ

पिछले तीन वर्षों में अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु निम्नलिखित प्रयोगशाला सुविधाएँ प्रदान की गईं:

सुविधा	2022-2023	2023-2024	2024-2025
टीईएम (उपयोगकर्ता की संख्या)	549	886	924
टीईएम (नमूना की संख्या)	3770	3737	3462
सीईएम (उपयोगकर्ता की संख्या)	162	160	183
सीईएम (नमूना की संख्या)	773	859	755

11.6_.indd 1496 1/8/2026 12:43:09 PM

11.7 छात्रावास

छात्रावास अधीक्षक

संजय कुमार राय, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

छात्रावास के उप अधीक्षकगण

तनुज दादा (नेत्र विज्ञान)
राकेश कुमार (ईएनटी)
विजय शर्मा (अस्थि रोग[ट्रॉमा केंद्र])
भूपिंदर कौर
(मुख्य परिचर्या अधिकारी (कार्यालय) (30/04/2024 को सेवानिवृत्त)
राज कुमार यादव (शरीरक्रिया विज्ञान)
के.एच. रीता (भेषजगुण विज्ञान)
हर्षल रमेश साल्वे (सा.चिकि.केंद्र)
सेसिलिया एम.एस. (नर्सिंग महाविद्यालय)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (छात्रावास)
उत्तम चंद

लेखा अधिकारी (छात्रावास)
अमित कुमार

भंडार अधिकारी (छात्रावास)
यतिन्द्र मीणा

वरिष्ठ वार्डन (छात्रावास)
मोहन कुमार शर्मा

अधीनस्थ कर्मचारी

11 छात्रावास वार्डन (वरिष्ठ वार्डन, वार्डन, उप-वार्डन, सहायक वार्डन एवं कनिष्ठ वार्डन), 7 अनुसचिवीय कर्मचारी वर्ग (02 भंडारपाल, 01 कनि. प्रशा. अधि., 04 वरि.प्रशा.सहा.), 13 संविदा कर्मचारी (01 प्रोगाम असिस्टेंट एवं 12 डीईओ), तथा अधीनस्थ कर्मचारी जिनमें 14 पुरुष कार्यालय परिचर (7 पुरुष कार्यालय परिचर और 7 एमटीएस आउटसोर्स) और 22 महिला कार्यालय परिचर (2 महिला कार्यालय परिचर, 2 अस्पताल परिचर, 1 पशु गृह परिचर, 7 स्वच्छता परिचर तथा 10 एमटीएस आउटसोर्स) छात्रावास अनुभाग के अंतर्गत विभिन्न छात्रावासों में तैनात हैं। एम्स में 2027 (अनुमानित) से अधिक एकल/दो/तीन सीट वाले कमरों की क्षमता वाले कई रेजीडेंट हॉल, 262 विवाहित आवास, नर्सिंग छात्रों/स्टाफ नर्सों हेतु 434 आवास एवं 24 अतिथि कक्ष हैं। ये एम्स मुख्य परिसर, मस्जिद मोठ, जेपीएनएटीसी छात्रावास (राज नगर) में विभिन्न छात्रावासों और आवासों में फैले हुए हैं।

11.7_Hostel Hindi final.indd 1497 1/8/2026 12:45:19 PM

वर्तमान कुल छात्रावासों एवं कुल सीटों की संख्या की सूची (कुल छात्रावास सीट संख्या = 2723)

स्नातकपूर्व पुरुष छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन सीट वाला	
1	छात्रावास संख्या 1 (चरक छात्रावास)	67	----	67
2	छात्रावास संख्या 2 (जीवक छात्रावास)	57	----	57
3	छात्रावास संख्या 3 (सुश्रुत छात्रावास)	77	---	77
4	छात्रावास संख्या 4 (माधव छात्रावास)	63	---	63
5	छात्रावास संख्या 5 (नागार्जुन छात्रावास)	59	---	59
6	छात्रावास संख्या 6 (वाग्भट्ट छात्रावास)	77	---	77
7	छात्रावास संख्या 7 (अश्विनी छात्रावास)	-	107 × 2 = 214 (एमबीबीएस)	214
8	छात्रावास संख्या 18 (कश्यप छात्रावास)	-	13 × 3 = 39 एवं 2 × 1 = 2 (बीएससी)	41
कुल		**400**	**255**	**655**

स्नातकपूर्व महिला छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन/चार/पांच/छह सीट वाला	
1.	छात्रावास संख्या 09 (पार्वती छात्रावास)	6 (एमबीबीएस)	6 × 2 = 12 (बी.एससी.)	18
2.	छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास)	108 (एमबीबीएस)	4 × 1 = 4 (बी.एससी.)	112
3.	छात्रावास संख्या 11 (सी-II फ्लैट 10 से 14) (अक्षरा छात्रावास)	-	5 × 2 = 10 15 × 3 = 45 (एमबीबीएस)	55

11.7_Hostel Hindi final.indd 1498 1/8/2026 12:45:19 PM

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन/चार/पांच/छह सीट वाला	
4.	छात्रावास संख्या 11 (पुराना) (अक्षरा छात्रावास)	-----	17 × 2 = 34 3 × 1 = 3 (एमबीबीएस)	37
5.	छात्रावास संख्या 13 (लक्ष्मी)	32 (एमबीबीएस)	2 × 2 = 4 3 × 1 = 3 (बी.एससी.)	39
कुल		**146**	**115**	**261**

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन सीट वाला	
1	छात्रावास संख्या 8 (भारद्वाज छात्रावास)	108	-	108
2	छात्रावास संख्या 12 (धनवंतरि छात्रावास)	72	-	72
3	छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)	46	-	46
4	छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास)	10	-	10
5	छात्रावास संख्या 18 (कश्यप छात्रावास)	283	9 × 2 = 18	301
6	छात्रावास संख्या ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र	58	-	58
कुल		**577**	**18**	**595**

स्नातकोत्तर महिला छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन/चार/पांच/छह सीट वाला	
1	छात्रावास संख्या 09 (पार्वती छात्रावास)	62	13 × 2 = 26	88

11.7_Hostel Hindi final.indd 1499 1/8/2026 12:45:19 PM

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन/चार/पांच/छह सीट वाला	
2	छात्रावास संख्या 11 (पुराना) (अक्षरा छात्रावास)	10	----------	10
3	छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)	98	----------	98
4	छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास)	292	14 × 2 = 28	320
कुल		**462**	**54**	**516**

स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व नर्सिंग छात्रा छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	प्रकार		कुल संख्या
		एकल	दो/तीन/चार सीट वाला	
1	छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास)	160 (छात्र)	106 × 2 = 212 14 × 3 = 42 4 × 4 = 16	430
		04 (नर्सिंग अधिकारी)	-------	04
कुल		**164**	**270**	**434**

विवाहित स्नातकोत्तर छात्रावास:

क्र. सं.	छात्रावासों की सूची	विवाहित	कुल संख्या
1	छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)	42	42
2	छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास)	160	160
3	छात्रावास संख्या 17 (अंबुजा छात्रावास)	54	54
4	छात्रावास संख्या ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र	06	06
कुल		**262**	**262**

1. दुकानें एवं प्रतिष्ठान

अंसारी नगर, ट्रॉमा केंद्र एवं मस्जिद मोठ स्थित छात्रावासों में विभिन्न मेस/कैफे और दुकानें उपलब्ध हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

11.7_Hostel Hindi final.indd 1500 1/8/2026 12:45:19 PM

क. दुकानें:-

i. जनरल स्टोर की संख्या = 5 (पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, छात्रावास संख्या 14,15 एवं 16 में एक-एक)

ii. नाई की दुकानों की संख्या = 2 (पुरुष छात्रावास एवं छात्रावास संख्या 14 में एक-एक)

iii. दर्जी की दुकानों की संख्या = 3 (पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास एवं छात्रावास संख्या 14 में एक-एक)

iv. जूस की दुकानों की संख्या = 1 (पुरुष छात्रावास में)

v. धोबी की दुकानों की संख्या = 4 (पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास, छात्रावास संख्या 14 एवं 18 में एक-एक)

vi. कंप्यूटर टाइपिंग की दुकानों की संख्या = 2 (पुरुष छात्रावास एवं छात्रावास संख्या 14 में एक-एक)

vii. पुस्तक की दुकानों की संख्या = 1 (पुरुष छात्रावास में)

viii. फोटोस्टेट दुकानों की संख्या = 3 (पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास एवं छात्रावास संख्या 14 में एक-एक)

ix. मोबाइल कूरियर दुकान की संख्या = 1 (पुरुष छात्रावास में)

x. कॉफी शॉप की संख्या = 1 (पुरुष छात्रावास में)

xi. ए/सी कॉफ़ी शॉप की संख्या 24 × 7 = 1 (पुरुष छात्रावास में)

xii. ब्यूटी पार्लर की दुकानों की संख्या = 1 (महिला छात्रावास में)

ख. मेस/कैफे

i. छात्र निकायों द्वारा संचालित सहकारी मेस की संख्या = 15 (छात्रावास संख्या 1 पहली मंजिल, छात्रावास संख्या 2 पहली मंजिल, छात्रावास संख्या 4 भूतल एवं पहली मंजिल, छात्रावास संख्या 5 भूतल, छात्रावास संख्या 7 भूतल तथा दूसरी मंजिल, छात्रावास संख्या 8 भूतल और पहली मंजिल, छात्रावास संख्या 9 भूतल, छात्रावास संख्या 10 पहली मंजिल, छात्रावास संख्या 12 (रा.प्र.केंद्र-I) भूतल, छात्रावास संख्या 14 भूतल, छात्रावास संख्या 15 भूतल और ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र भूतल)

2. छात्र कल्याण केंद्र

1. मुख्य परिसर

क. छात्र कल्याण केंद्र सेवाएं कमरा नंबर 11, (छात्रावास सं. 7 अश्विनी हॉस्टल के सामने), पुरुष छात्रवास, एम्स में उपलब्ध हैं।

ख. कॉमन रूम प्रथम तल, छात्रावास संख्या 9 पार्वती छात्रावास, महिला छात्रावास, एम्स।

2. मस्जिद मोठ परिसर

कॉमन रूम (2/II), द्वितीय तल, छात्रावास सं. 19 (पतंजलि छात्रावास) मस्जिद मोठ।

3. ट्रॉमा केंद्र परिसर - ट्रॉमा केंद्र में

11.7_Hostel Hindi final.indd 1501 1/8/2026 12:45:19 PM

विशिष्ट कार्य

सिविल कार्य

नवीनीकरण

1. छात्रावास सं. 2 के प्रथम तल एवं छात्रावास सं. 4 भूतल के सहकारी मेस में नवीनीकरण कार्य किया गया है।

2. छात्रावास सं. 5-संगीत कक्ष में नवीनीकरण कार्य किया गया है।

3. छात्रावास सं. 5-कैफे में नवीनीकरण का काम जारी है।

4. छात्रावास संख्या 1 से 6 में लगभग 83 कमरों एवं छात्रावास संख्या 7 में लगभग 51 कमरों का नवीनीकरण कार्य किया गया है।

5. छात्रावास सं. 7- 50 कमरों में नवीनीकरण का कार्य जारी है।

6. छात्रावास सं. 9- मुख्य द्वार के निकट केबिन बनाया गया एवं कॉफी मशीन तथा फल/सामान्य खाद्य सामग्री बेचने वाली मशीनें लगाई गईं। निवासियों की सुविधा हेतु सोफा, पंखे, गमले एवं लाइटें लगाई गईं।

7. छात्रावास सं. 10 के मनोरंजन कक्ष तथा छात्रावास सं. 9 के वेल्फेयर सेंटर में टेबल, कुर्सी, अलमारी तथा छोटे होम थियेटर स्पीकर की व्यवस्था की गई।

8. छात्रावास सं. 10-ब्यूटी पार्लर की दुकान का नवीनीकरण कर उसे आबंटित कर दिया गया।

9. छात्रावास सं. 13- कॉमन रूम एवं अतिथि कक्ष का नवीनीकरण कार्य किया गया। कमरा सं. 117 को दो सीट वाले में परिवर्तित कर आबंटित किया गया। मनोरंजन कक्ष सं. 1 में टीटी टेबल की व्यवस्था की गई।

10. छात्रावास संख्या 11 (पुराना अक्षरा छात्रावास) - प्रथम तल पर 10 कमरे अस्थायी रूप से पीजी छात्राओं को आबंटित किए गए।

11. छात्रावास सं. 12 एवं छात्रावास सं. 13 में आपातकालीन स्थिति हेतु अग्नि निकास सीढ़ियों के निर्माण का कार्य किया गया है।

12. छात्रावास सं. 12- अतिथि कक्ष में अलमारी बनाई गई तथा अतिथि कक्ष का दरवाजा एवं मेस के पीछे का गेट भी बदल दिया गया तथा शौचालयों में नवीनीकरण का कार्य जारी है।

13. छात्रावास संख्या 14- एकल कक्ष संख्या 702 एवं 703 में नई अलमारी उपलब्ध कराई गई है तथा कक्ष संख्या 620 एवं सुरक्षा विभाग एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के चेंजिंग रूम में मरम्मत कार्य किया गया है तथा छात्रावास के सभी शाफ्टों में नवीनीकरण कार्य किया गया है।

14. छात्रावास संख्या 15- एसएनए कार्यालय, एन-साइड के कमरा संख्या 105, 106, 108, 109, 314, 316, 603, 604, 605, 611 और 616, मेस हॉल में नवीनीकरण कार्य, 32 खिड़कियों को बदलना, 150 कमरों में पुताई, बाहरी क्षेत्र की मरम्मत और पुताई और पिछली दीवार की फेंसिंग को बदलना।

15. छात्रावास संख्या 14 एवं 15 के सामने स्पीड ब्रेकर बनाये गये हैं।

11.7_Hostel Hindi final.indd 1502 1/8/2026 12:45:19 PM

16. छात्रावास संख्या 16- प्लास्टर एवं पुताई का कार्य, छात्रावास के चारों ओर ग्रिल की लगाना, भूतल पर शौचालय का नवीनीकरण एवं सफाई कर्मचारियों हेतु पानी की टंकी का निर्माण।

17. छात्रावास सं. 17- बेसमेंट में जलभराव की समस्या का समाधान कर दिया गया है। बेसमेंट की सभी नालियों पर लोहे की जालियाँ लगाने तथा छात्रावास सं. 16, 17 एवं अतिथि कक्ष के नाम पट्ट लगाने का कार्य किया गया है।

18. छात्रावास सं. 18- वाचनालय एवं ध्वनिरोधी संगीत कक्ष का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। छात्रावास की पहली मंजिल पर सीढ़ियों में ग्रिल लगा दी गई है तथा सातवीं मंजिल पर बालकनी के दरवाजे बदल दिए गए हैं।

19. छात्रावास सं. 19- महिलाओं के लिए चैंजिंग रूम बनाया गया, छत पर नई पानी की टंकी लगाई गई, 3 स्टील रैक उपलब्ध कराए गए, 170 कमरों की पुताई की गई, प्रथम तल के दोनों ओर लोहे की जाली लगाई गई तथा एनसीए, सर्जिकल ब्लॉक आदि की ओर से मस्जिद मोठ के छात्रावासों में प्रवेश व निकास हेतु छात्रावास के पीछे स्टील गेट लगाया गया।

20. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र छात्रावास- तीनों मंजिलों की बालकनियों में नए स्टील के दरवाजे लगाए गए हैं, सभी शौचालयों की पुरानी पाइपलाइनों को बदल दिया गया है तथा बैडमिंटन कोर्ट में नवीनीकरण का काम किया गया है।

3. विद्युत कार्य

1. छात्रावास सं. 14- प्रथम तल से लेकर सातवें तल तक जहां लाइटें काम नहीं कर रही थीं, वहां नई लाइटें लगाई गई हैं।

2. छात्रावास सं. 19- पांच कमरों में विद्युत नवीनीकरण का कार्य किया गया है।

3. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र छात्रावास- कॉरिडोर लाइट बदलने का कार्य जारी है।

4. एयर कंडीशनिंग

1. छात्रावास सं. 15- नया आरओ प्लांट लगाने का कार्य किया गया है।

2. छात्रावास सं. 18- वाचनालय एवं संगीत कक्ष में ए.सी लगाने तथा छत पर वाटर कूलर लगाने का कार्य किया गया है।

3. छात्रावास सं. 19- 3/2 सामान्य कक्षों में 2 ए.सी लगाने का कार्य किया गया है।

5. छात्रावास भंडार द्वारा किए गए कार्य

1. छात्रावास संख्या 7, 14 एवं ट्रॉमा केंद्र में 5 कंप्यूटर।

2. छात्रावास संख्या 7,9,10,18 एवं ट्रॉमा केंद्र में 15 घूमने वाली कुर्सियां।

3. छात्रावास संख्या 7 (मुख्य कार्यालय) में 2 फोटोकॉपी मशीनें एवं 50 नकद रसीद पुस्तिकाएं।

4. छात्रावास संख्या 1,2,15 एवं 19 में 50 आगंतुक कुर्सियां।

5. छात्रावास संख्या 9,10 एवं 18 में 65 एकल बिस्तर।

11.7_Hostel Hindi final.indd 1503 1/8/2026 12:45:19 PM

6. छात्रावास संख्या 9 और 10 में 2 कंबल।

7. छात्रावास संख्या 17 में 25 बिस्तर।

8. छात्रावास संख्या 7,9,10,14 एवं 19 में 9 ऑयल हीटर।

9. छात्रावास संख्या 9 एवं 10 में 1 होम थियेटर।

10. छात्रावास संख्या 7 एवं 18 में 2 केतली।

11. छात्रावास संख्या 1 के एएसए कार्यालय में 1 सम्मेलन टेबल।

12. छात्रावास संख्या 7,10 एवं 14 हेतु 3 ट्रॉली।

13. छात्रावास संख्या 14 में फोटोकॉपी मशीन की मरम्मत की गई।

14. छात्रावास संख्या 18 एवं 19 में 20 पढ़ने वाली मेजें एवं 40 पुस्तकालय कुर्सियाँ।

उपर्युक्त सभी वस्तुएं छात्रावास भंडार द्वारा उपलब्ध कराई गई थीं।

6. भविष्य में किए जाने वाले कार्य

1. छात्रावास सं. 1 से 6- लगभग 95 कमरों का नवीनीकरण कार्य किया जाना है।

2. छात्रावास सं. 7- 55 कमरों में नवीनीकरण कार्य किया जाना है।

3. छात्रावास सं. 1- पेज टर्नर लाइब्रेरी में नवीनीकरण कार्य किया जाना है।

4. छात्रावास सं. 2-लॉन्ड्री दुकान में नवीनीकरण कार्य किया जाना है।

5. छात्रावास संख्या 1 से 5 और 8 के सभी तलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं।

6. छात्रावास सं. 14 में, अग्नि निकास सीढ़ियों की खिड़कियों को बदला जाना है तथा पहली और चौथी मंजिल से लेकर सातवें तल तक छत पर नए दरवाजे लगाए जाने हैं तथा विवाहित कक्ष 232 और 717 का नवीनीकरण किया जाना है, विवाहित कक्ष 523 में रिसाव की समस्या के कारण मरम्मत कार्य किया जाना है तथा मेस की बाहरी दीवारों की मरम्मत का कार्य किया जाना है।

7. छात्रावास संख्या 15- गलियारे की पुताई, उत्तर दिशा में 22 कमरों का नवीनीकरण, नियंत्रण कक्ष और 6 छतों को ढंकने का कार्य किया जाना है।

8. छात्रावास संख्या 16- पुताई कराई जाएगी, वाचनालय में नवीनीकरण कार्य कराया जाएगा तथा वाईफाई की व्यवस्था की जाएगी।

9. छात्रावास संख्या 19- छात्रावास के बाहरी क्षेत्र का प्लास्टर एवं पुताई, द्वितीय तल से दसवें तल तक दोनों ओर सीढ़ियों एवं खिड़कियों पर ग्रिल लगाना, छत एवं भूतल के आपातकालीन द्वारों को बदलना तथा छात्रावास के उन क्षेत्रों में कैमरे लगाना जो कैमरे में कवर नहीं होते हैं।

10. छात्रावास भंडार द्वारा पुस्तक की दुकान, कम्प्यूटर टाइपिंग की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान, दर्जी की दुकान, मोबाइल की दुकान एवं लांड्री की दुकान हेतु निविदा प्रक्रिया की जानी है।

11.7_Hostel Hindi final.indd 1504 1/8/2026 12:45:19 PM

11.8 नीति विषयक समिति कार्यालय

दिनांक: 03.07.2025

यह वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट हेतु प्रस्तुत करने के संदर्भ में है, उपर्युक्त शैक्षिक वर्ष में नीति विषयक समिति में प्रस्तुत और चर्चा किए गए परियोजना प्रस्ताव तथा शोध प्रोटोकॉल की कुल संख्या नीचे दी गई है: -

बैठकें:

- **संस्थान नीति विषयक समिति की बैठकों की संख्या निम्नलिखित है:**
  - संस्थान नीति विषयक समिति: **13**
  - मूल एवं नैदानिक ज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति विषयक समिति: **12**
- **संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नलिखित है:**
  - नए परियोजना प्रस्ताव: **1050**
  - परियोजना समीक्षा: **511**
  - पुरानी परियोजनाएँ: **444**
- **मूल एवं नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या निम्नलिखित है:**
  - नए शोध: **914**
  - शोध समीक्षा: **336**
  - पुराने शोध: **159**

इसके अतिरिक्त, संस्थान की नीति विषयक समिति को गंभीर दुष्प्रभावों, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त होना जारी रहा।

संस्थान नीति विषयक समिति की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आवश्यकतानुसार संशोधित किया गया तथा यह एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

संस्थान की नीति विषयक समिति तथा मूल एवं नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान की नीति विषयक समिति को डीसीजीआई और एफडब्ल्यूए के साथ पंजीकृत किया गया।

डॉ. रोहित सक्सेना
सदस्य-सचिव
संस्थान नीति विषयक समिति

डॉ. संजीव सिन्हा
सदस्य-सचिव
स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान की नीति विषयक समिति

11.8.indd 1505 12/26/2025 3:57:58 PM

11.9 के एल विग चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केन्द्र (सीएमईटीआई)

आचार्य एवं प्रमुख, सीएमईटीआई
कल्पना लूथरा

प्रभारी आचार्य
(मूलभूत विज्ञान के संकाय विकास हेतु)
ए. शरीफ़

प्रभारी आचार्य
(संकाय विकास एवं चिकित्सा विज्ञान हेतु)
राकेश लोढ़ा

प्रभारी आचार्य
(कौशल एवं सिमुलेशन-आधारित शिक्षा हेतु)
रश्मि रामचंद्रन

अध्यक्ष, सेट सुविधा
अंबुज रॉय

सदस्यगण
राकेश गर्ग
तुषार अग्रवाल
अनु सचदेवा

सदस्य एवं संकाय समन्वयक
नैदानिक विज्ञान
मोहित जोशी

सदस्य एवं संकाय समन्वयक
मूल विज्ञान इम्यूनोजेनेटिक्स
उमा कांगा

प्रशासनिक अधिकारी
देवी प्रसाद

विशिष्टताएं

चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र (सीएमईटीआई) की गतिविधियों को सामान्य तौर पर दो मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

11.9.indd 1506 1/8/2026 12:47:10 PM

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीएमईटीआई ने विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण पहलों का आयोजन करके एम्स के भीतर शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये कार्यक्रम निम्नलिखित के लिए डिज़ाइन किए गए हैं:

- **संकाय सदस्य**
- **वरिष्ठ रेजीडेंट/जूनियर रेजीडेंट**
- **स्नातकपूर्व छात्र**

अब तक, सीएमईटीआई ने सफलतापूर्वक 19 कार्यशालाएं आयोजित की हैं और विभिन्न विभागों के साथ मिलकर अन्य कार्यशालाएं, सम्मेलन तथा सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम भी आयोजित करने में सहयोग किया है।

2. मीडिया सहायता सेवाएँ

सीएमईटीआई में मीडिया सहायता ग्राहक-आधारित है, जिसे संकाय, रेजीडेंटों और छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया गया है। हालाँकि कोई पूर्वनिर्धारित लक्ष्य निर्धारित नहीं हैं, सीएमईटीआई समय पर और उच्च-गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करके लगातार अपेक्षाओं से आगे निकल जाता है। अधिकतम लचीलेपन और दक्षता के लिए संचालन को एक हाइब्रिड कार्य मॉडल में व्यवस्थित किया जाता है।

मीडिया सपोर्ट की मुख्य विशेषताएं:

- **वीडियो रिकॉर्डिंग एवं संपादन अनुरोध**: 323
- **फ़ोटोग्राफ़ी तथा स्कैनिंग अनुरोध**: 345
- **ग्राफ़िक्स डिज़ाइन तथा प्रिंटिंग कार्य**: 2000 से अधिक अनुरोध, जिनमें शामिल हैं:
  - बड़े प्रारूप वाले पोस्टर डिज़ाइन
  - ई-पोस्टर
  - ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियाँ

विस्तारित सुविधाएं:

- सीएमईटी ने अपने स्वयं के कार्यक्रमों के अलावा कार्यशालाओं/सीएमई के आयोजन के लिए एम्स के विभिन्न विभागों को लॉजिस्टिक समर्थन प्रदान किया है। इस वित्तीय वर्ष में सीएमईटी सुविधा 146 दिनों के लिए बुक की गई थी।
- सीएमईटी ने इन कार्यशालाओं, सम्मेलनों और विभागीय गतिविधियों के संचालन के लिए अन्य विभागों को स्थल, दृश्य-श्रव्य और कंप्यूटर सुविधाओं सहित तकनीकी सहायता प्रदान की ।.

प्रमुख विशिष्टताएं

69वां संस्थान दिवस समारोह:25 सितंबर 2024

प्रदर्शनी का विषय: स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में नवाचार" विभिन्न विभागों द्वारा 36 × 60 इंच के 106 से अधिक भौतिक पोस्टरों की सामग्री उपलब्ध कराई गई। इन पोस्टरों को बाद में सीएमईटीआई

11.9.indd 1507 1/8/2026 12:47:10 PM

ग्राफ़िक्स टीम द्वारा डिज़ाइन एवं मुद्रित किया गया, और छह वीडियो स्टेशन प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री.प्रतापराव गणपतराव जाधव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा एम्स के निदेशक प्रोफेसर एम. श्रीनिवास की उपस्थिति में किया गया।





एम्स में 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह: एम्स की सीएमईटीआई टीम द्वारा सेंट्रल क्वाड्रैंगल में आयोजित कार्यक्रमों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी को मल्टी-कैमरा सेटअप सहित राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों को कवर किया गया।

11.9.indd 1508 1/8/2026 12:47:10 PM





चौथा एम्स अनुसंधान दिवस: 30 जनवरी 2025 को चौथे एम्स अनुसंधान दिवस पर, अनुसंधान अनुभाग द्वारा सीएमईटीआई के सहयोग से एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें एम्स के संकाय-सदस्य

11.9.indd 1509 1/8/2026 12:47:10 PM

और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए नवाचारों के 18 लाइव प्रदर्शनों के साथ 550 से अधिक पोस्टर प्रदर्शित किए गए। सीएमईटीआई ग्राफिक्स टीम ने पोस्टर के लिए टेम्पलेट तैयार किया और एसआर, जेआर, पीएचडी, एमबीबीएस, एमएससी और नर्सिंग छात्रों को उन्हें पहले से संपादित और प्रिंट करने में सहायता की और प्रदर्शन सहित प्रदर्शनी का प्रबंधन किया। सीएमईटीआई ऑडियो वीडियो टीम ने एसआर, जेआर, पीएचडी, एमबीबीएस, एमएससी एवं नर्सिंग छात्रों और प्रतिष्ठित अतिथि वैज्ञानिकों द्वारा वैज्ञानिक प्रस्तुति की कार्यवाही का एक दिवसीय लाइव प्रसारण भी आयोजित किया।





आरपीसी स्थापना दिवस:8-10 मार्च 2025 के दौरान पोस्टरों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। सीएमईटीआई ने आरपी केंद्र के अनुसंधान और अन्य उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए 38 पोस्टर डिजाइन और मुद्रित किए।

एम्स का 49वां दीक्षांत समारोह: सीएमईटी की फोटोग्राफी टीम ने 21 मार्च 2025 को भारत मंडपम में आयोजित एम्स के वार्षिक दीक्षांत समारोह की लगभग 3200 से अधिक उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीरें लीं। सभी तस्वीरें एम्स की वेबसाइट www.aiims.edu पर अपलोड की गईं और छात्रों को निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

11.9.indd 1510 1/8/2026 12:47:10 PM

1. सामान्य आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार **(स्नातकपूर्व छात्रों के लिए)**, पूर्ण दिवस, 6 अगस्त 2024, 40, डॉ. राकेश गर्ग

2. चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम **(संकाय-सदस्य हेतु)**, तीन पूर्ण दिवस, 29-31 अगस्त 2024, 25, डॉ. मोहित जोशी

3. पाठ्यक्रम डिजाइन एवं उद्देश्यों का निर्धारण **(एसआर हेतु)**, अर्ध दिवस, 5 अक्टूबर 2024, 43, डॉ. मोहित जोशी, डॉ. नसरीन

4. माइक्रोटीचिंग कार्यशाला **(एसआर हेतु),** अर्ध दिवस, 19 अक्टूबर 2024, 22, डॉ. अक्षय, डॉ. टोनी

5. एमसीक्यू कैसे तैयार करें **(एसआरएस हेतु),** अर्ध दिवस, 26 अक्टूबर 2024, 27, डॉ. कल्पना लूथरा, डॉ. रितु सहगल

6. माइक्रोटीचिंग कार्यशाला **(एसआर हेतु),** अर्ध दिवस, 09 नवंबर 2024, 15, डॉ. टोनी, डॉ. अस्मिता पाटिल

7. चिकित्सा शिक्षा में मूल्यांकन **(संकाय-सदस्य, वैज्ञानिकों एवं वरिष्ठ रेजीडेंटों हेतु),** पूर्ण दिवस, 21 नवंबर 2024, 27, डॉ. अनु सचदेवा

8. व्यावहारिक/नैदानिक कौशल का मूल्यांकन: ओएसपीई और ओएससीई **(एसआर हेतु),** आधा दिन, 14 दिसंबर 2024, 38, डॉ. सिमरन कौर, डॉ. मोहित जोशी

शिक्षा

सीएमईटीआई या एम्स के संकाय-सदस्य, रेजीडेंट एवं स्टाफ द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सूची



11.9.indd 1511 1/8/2026 12:47:10 PM

कार्यशाला का शीर्षक: वरिष्ठ रेजीडेंट के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन एवं उद्देश्यों का निर्धारण



कार्यशाला का शीर्षक: वरिष्ठ रेजीडेंट के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य एवं व्यवसाय शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम



कार्यशाला का शीर्षक: संकाय-सदस्य हेतु चिकित्सा स्वास्थ्य एवं व्यवसाय शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम नर्सिंग महाविद्यालय के सहयोग से एमएससी छात्रों के लिए कार्यशालाएँ

01. स्वास्थ्य विज्ञान में सूचना पुनर्प्राप्ति, 11 अक्टूबर 2024, डॉ. राकेश गर्ग
02. स्वास्थ्य विज्ञान में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 18 अक्टूबर 2024, डॉ. टोनी
03. पैम्फलेट और पोस्टर डिजाइनिंग, 25 अक्टूबर 2024, डॉ. अभिषेक नागरजप्पा
04. पावर प्वाइंट में एनिमेशन, 01 नवंबर 2024, डॉ. ऋषि नैयर

11.9.indd 1512 1/8/2026 12:47:10 PM

05. रचनात्मकता, 08 नवंबर 2024, डॉ. अभिषेक नागरजप्पा

06. स्वास्थ्य विज्ञान में सूचना पुनर्प्राप्ति, 22 नवंबर 2024, डॉ. विवेक गुप्ता

07. स्वास्थ्य विज्ञान में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण, 29 नवंबर 2024, डॉ. सुमन दास

08. शिक्षा में मीडिया, 06 दिसंबर 2024, डॉ. कार्तिकेयन

सीएमईटीआई सहित ओआरबीओ प्रशिक्षण कार्यक्रम सहयोग

01. 21 जनवरी 2025, रेजीडेंट डॉक्टर**,** पूर्ण दिवस

02. 21 फ़रवरी 2025, नर्सिंग अधिकारी**,** अर्ध दिवस

03. 18 मार्च 2025, रेजीडेंट डॉक्टर**,** पूर्ण दिवस

16 सार्वजनिक व्याख्यान: एम्स में निम्नलिखित सार्वजनिक व्याख्यानों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई।

1. बच्चों का सर्जिकल स्वास्थ्य	09 अप्रैल 2024
2. पार्किंसंस रोग और कुछ आवश्यक जानकारी	*22 अप्रैल 2024*
3. ऑटिज़्म के विभिन्न रंग-आइए पहेली सुलझाएँ	*22 अप्रैल 2024*
4. गर्मी से संबंधित बीमारी	*21 मई 2024*
5. उच्च रक्तचाप	*24 मई 2024*
6. मल्टीपल स्क्लेरोसिस	*03 जून 2024*
7. कॉस्मेटिक सर्जरी तथा बाल प्रत्यारोपण के बारे में मिथक	*15 जुलाई 2024*
8. भारत में हेपेटाइटिस	*29 जुलाई 2024*
9. वर्टिगो (ल्यूकोडर्मा)	*13 अगस्त 2024*
10. वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव	*10 सितंबर 2024*
11. स्तन कैंसर जागरूकता	*30 सितंबर 2024*
12. अंधेपन की रोकथाम के बारे में आपको क्या जानना चाहिए	*09 अक्टूबर 2024*
13. उन्नत उपचार निदेश एवं *लिविंग विल*	*15 अक्टूबर 2024*
14. स्ट्रोक	28 अक्टूबर 2024
15. जलने की क्षति	08 नवंबर 2024
16. बाल गठिया संबंधी विकार	19 मार्च 2025

11.9.indd 1513 1/8/2026 12:47:11 PM

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान- शून्य

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: शून्य

मीडिया उत्पादन: वर्ष 2024-2025 के लिए मीडिया उत्पादन का विवरण

मीडिया	2022-23	2023-24	2024-25
बड़े प्रारूप वाले शैक्षणिक पोस्टरों (ई-पोस्टरों सहित) का डिजाइन/मुद्रण	1646	1523	2000
वीडियो रिकॉर्डिंग एवं संपादन हेतु अनुरोध	378	352	323
क्लिनिकल/इवेंट फोटोग्राफी/स्कैनिंग (एमआरआई/ सीटी/एक्स-रे)	239	366	345
ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों की संख्या (स्लाइडों की संख्या)	68(4600+)	69(6950+)	47(3688+)
ए3 पोस्टर प्रिंट	764	948	788
ए4 पोस्टर प्रिंट	281	1562	1155

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की कुल संख्या: शून्य

अनुसंधान: शून्य

वित्तपोषित परियोजनाएँ: शून्य

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस/शोध प्रबंध सहित): शून्य

सहयोगी परियोजनाएँ: शून्य

प्रकाशन: शून्य

रोगी उपचार: शून्य

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ: शून्य

अतिथि वैज्ञानिक: शून्य

11.9.indd 1514 1/8/2026 12:47:11 PM

11.10 वार्षिक रिपोर्ट: नैदानिक महामारी विज्ञान एकक, एम्स, नई दिल्ली (2024-2025)

प्रभारी-संकाय - प्रोफेसर आनंद कृष्णन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

नैदानिक महामारी विज्ञान एकक, महामारी विज्ञान में क्षमता निर्माण और संबंधित अनुसंधान करने के लिए एक अंतर-विभागीय सुविधा के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य "एम्स में रोगी उपचार को सुदृढ़ करने के लिए साक्ष्य उत्पन्न करने हेतु एम्स स्टाफ सदस्यों की महामारी विज्ञान संबंधी क्षमता का निर्माण करना" है। यह कार्यशालाओं, अतिथि व्याख्यानों और ओपन हाउस सहित कई गतिविधियों का संचालन करता है।

1. कोहोर्ट अध्ययनों पर कार्यशाला: डिजाइन, पद्दतियां और विश्लेषण

नैदानिक महामारी विज्ञान एकक ने 5 मार्च 2024 से 2 अप्रैल 2024 तक सीमेट शिक्षण हॉल में सभी मंगलवार को "कोहोर्ट अध्ययन: डिजाइन, पद्दतियां और विश्लेषण" विषय पर एक पूर्णदिवसीय कार्यशाला श्रृंखला का आयोजन किया। कार्यशाला के लिए 29 पंजीकरण किए गए और 20 संकाय-सदस्यों ने सत्रों में भाग लिया।

कार्यशाला में डॉ. आनंद कृष्णन, डॉ. सुमित मल्होत्रा, डॉ. दीप्ति विभा, डॉ. हर्षल रमेश साल्वे और डॉ. एम. कलाइवानी विशेषज्ञ संकाय थे। इस श्रृंखला में बाहरी संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए विशेषज्ञ अतिथि व्याख्यान शामिल थे, जिनमें कोहोर्ट अध्ययन के प्रमुख पद्धतिगत और अनुप्रयुक्त पहलुओं को शामिल किया गया था, जो कि निम्नलिखित है:

1. जोखिम मापन: एकल/बार-बार/पर्यावरणीय (डॉ. कामेश्वर प्रसाद)
2. उत्तरजीविता विश्लेषण (डॉ. आर.एम. पांडे, आईसीएमआर)
3. गर्भ-इनी कोहोर्ट का परिचय (डॉ शिंजिनी भटनागर, टीएचएसटीआई)
4. सीएआरआरएस कोहोर्ट का परिचय (डॉ. डी. प्रभाकरन, सीसीडीसी)
5. जैवबैंकिंग का परिचय (डॉ. पल्लवी क्षेत्रपाल, टीएचएसटीआई)
6. कोहोर्ट अध्ययनों में डेटा विश्लेषण संबंधी चुनौतियाँ (डॉ. सिद्धार्थ मंडल, सीसीडीसी)

2. रोगी-कंट्रोल अध्ययनों पर कार्यशाला: डिजाइन, पद्दतियां और विश्लेषण

नैदानिक महामारी विज्ञान एकक ने 21 जनवरी 2025 से 18 फरवरी 2025 तक सीमेट शिक्षण हॉल में सभी मंगलवार को "रोगी-कंट्रोल अध्ययन: डिजाइन, पद्दतियां और विश्लेषण" विषय पर आधे दिन की कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की। कार्यशाला में 53 पंजीकरण किए गए और 24 संकाय-सदस्यों और पीएचडी शोधार्थियों ने सत्रों में भाग लिया।

कार्यशाला के लिए डॉ. आनंद कृष्णन, डॉ. सुमित मल्होत्रा, डॉ. दीप्ति विभा, डॉ. पार्थ हलदर और डॉ. एम. कलाइवानी विशेषज्ञ संकाय थे। इस श्रृंखला में बाहरी संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए विशेषज्ञ अतिथि व्याख्यान शामिल थे, जिनमें रोगी-कंट्रोल अध्ययनों के प्रमुख पद्धतिगत और अनुप्रयुक्त पहलुओं को निम्नलिखित रूप में शामिल किया गया था:

1. मेंडेलियन रैंडमाइजेशन (डॉ. गगनदीप के. वालिया)

11.10_.indd 1515 1/6/2026 1:37:31 PM

3. ओपन हाउस: अनुसंधान अवधारणा कैसे तैयार करें?

नैदानिक महामारी विज्ञान एकक द्वारा 24 जनवरी 2025 (शाम 4:00-5:00 बजे) को सीमेट तकनीकी हॉल में "अनुसंधान अवधारणा कैसे तैयार करें" विषय पर एक ओपन हाउस का आयोजन किया गया।

इस सत्र के लिए डॉ. दीप्ति विभा और डॉ. सुमित मल्होत्रा विशेषज्ञ संकाय थे। इसमें 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसका मुख्य उद्देश्य स्पष्ट और परीक्षण योग्य अनुसंधान अवधारणाओं को तैयार करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था।

4. सीईयू द्वारा अनुसंधान पद्दतियों और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा में फैलोशिप का समन्वय भी किया जाता है। इस अवधि के दौरान, फैलोशिप में तीन फैलो को पंजीकृत किया गया।

5. सीईयू दिल्ली जनगणना कार्यालय के जनगणना डेटा वर्कस्टेशन को भी होस्ट करता है। इसका इस्तेमाल पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश की जनजातीय आबादी में विकलांगता के आंकड़ों की व्यापकता और पैटर्न का विश्लेषण: 2011 की जनगणना डेटा की एक समीक्षा के लिए, किया गया था।

11.10_.indd 1516 1/6/2026 1:37:31 PM

11.11 मीडिया प्रकोष्ठ एवं प्रोटोकॉल प्रभाग

प्रभारी-आचार्य
मीडिया प्रकोष्ठ
रीमा दादा

प्रभारी-आचार्य
प्रोटोकॉल प्रभाग

नंद कुमार

डिजिटल जन स्वास्थ्य जागरूकता पहल - एम्स, नई दिल्ली

बहु-प्लेटफ़ॉर्म स्वास्थ्य संप्रेषण

जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, हमने निम्नलिखित विषय-वस्तु संबंधी प्रारूपों का उपयोग करके ट्विटर (एक्स) और इंस्टाग्राम सहित डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाया,:

- रील्स, इन्फोग्राफिक्स, व्याख्यान, एनिमेटेड शॉर्ट्स, पॉडकास्ट, मिथक बनाम तथ्य, और कैरोसेल

विशेषज्ञ-संचालित स्वास्थ्य विषय

16 एम्स विशेषज्ञों के सहयोग से, हमने मौसमी और दीर्घकालिक रोगों को सम्मिलित करके 21 प्रमुख स्वास्थ्य विषयों पर सामग्री विकसित की

स्वास्थ्य संबंधी विषय	विशेषज्ञ
एमपॉक्स, डेंगू	डॉ. पीयूष रंजन
फ्लू के टीके, सर्दी एवं दिवाली में क्या करें और क्या न करें	डॉ. नीरज निश्चल
स्तन कैंसर	डॉ. सुहानी
रुमेटॉइड गठिया, स्वप्रतिरक्षी रोग	डॉ. उमा कुमार
ग्लूकोमा	डॉ. तनुज दादा
ऑस्टियोआर्थराइटिस	डॉ. विजय कुमार
विटामिन डी की कमी	डॉ. रविंदर गोस्वामी
दृष्टि संबंधी समस्या, अंधापन एवं दृश्य हानि	डॉ. प्रवीण वशिष्ठ
रक्तदान संबंधी अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न	डॉ. हेम सी. पांडे
यकृत रोग (फैटी लिवर)	डॉ. शालीमार
जीवनशैली संबंधी रोग, पुरुष बंध्यता	डॉ. रीमा दादा
तंबाकू सेवन	डॉ सोनाली झांझी
मोटापा	डॉ एनके विक्रम
महिलाओं में मादक द्रव्यों का सेवन	डॉ. पियाली मंडल
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर	डॉ. शैफाली गुलाटी
तपेदिक रोग (विश्व टीबी दिवस विशेष)	प्रो. एम श्रीनिवास

11.11_.indd 1517 1/10/2026 3:27:41 PM

विषय वस्तु सामग्री संबंधी आधार

- दृश्यात्मक रूप से आकर्षक प्रारूप: रील्स, कैरोसेल, इन्फोग्राफिक्स
- एम्स विशेषज्ञ द्वारा सत्यापित, कथा-आधारित कहानी-कथन
- वैश्विक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुपालन के अनुरूप वास्तविक समय सामग्री प्रवर्धन
- व्यापक और विविध समुदायों तक पहुँचने के लिए द्विभाषी संचार
- शुभंकर, सर्वेक्षण, इंटरैक्टिव पोस्ट और उपयोगकर्ता-जनित सामग्री (यूजीसी) का उपयोग
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बढ़ाने और मौसमी बीमारियों तथा सामान्य स्वास्थ्य विकारों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने हेतु केंद्रित डिजिटल नीतियाँ

अभियान की मुख्य विशेषताएं

- **स्वतंत्रता दिवस -**विशेषज्ञ स्वास्थ्य संबंधी सुझावों, सर्वेक्षणों और दर्शकों की सहभागिता के साथ "स्वास्थ्य आपको स्वतंत्र बनाएं" अभियान
- **नेत्रदान सप्ताह -**शंसापत्र वीडियो और मिथक-विरोधी इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से जागरूकता
- **दशहरा (स्वास्थ्य संबंधी बुराइयों को जलाना) -**डॉक्टरों ने प्रतीकात्मक रूप से जीवनशैली की बुराइयों को जलाया; अनुयायी भी चुनौती में शामिल हुए
- **विश्व हृदय दिवस -** दिल के दौरे के लक्षणों को पहचानने पर डॉ. दिलजीत के साथ एनिमेटेड व्याख्यात्मक वीडियो
- **स्तन कैंसर जागरूकता माह -**विशेषज्ञों द्वारा मिथकों का निवारण, शल्यचिकित्सा विभाग के साथ साझेदारी
- **मोटापा दिवस -**बीएमआई, स्वस्थ आहार, शारीरिक गतिविधि और योग अभ्यास पर जानकारीपूर्ण पोस्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन से संबद्ध स्वास्थ्य दिवस (एम्स में मनाया गया)

- विश्व स्वास्थ्य दिवस
- विश्व एड्स दिवस
- विश्व तंबाकू निषेध दिवस
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
- विश्व ग्लूकोमा सप्ताह
- विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस
- विश्व टीबी दिवस

एम्स विशेषज्ञ पॉडकास्ट

- डॉ. शैफाली गुलाटी - बाल तंत्रिका विज्ञान एवं ऑटिज़्म
- डॉ. मंजरी त्रिपाठी - मिर्गी

11.11_.indd 1518 1/10/2026 3:27:41 PM

- डॉ. तनुज दादा - ग्लूकोमा जागरूकता
- डॉ. राजीव कुमार - मूत्ररोगविज्ञान

विशेष सामुदायिक पहल

- **केन्द्रीय विद्यालय आउटरीच** -स्कूली बच्चों में पोषण और संतुलित आहार को बढ़ावा देना
- **कोविड योद्धाओं को श्रद्धांजलि** -डब्ल्यूएचओ और ग्लोबल स्क्रब चेयर के सहयोग से मार्कोस लुटियंस द्वारा कलात्मक श्रद्धांजलि
- **निदेशक और मीडिया से बातचीत** -प्रेस आउटरीच और विशेषज्ञों की उपस्थिति को बढ़ावा दिया, जिससे संस्थागत स्वास्थ्य संदेशों में जनता का विश्वास बढ़ा। मीडिया ब्रीफिंग और निदेशक के वक्तव्यों ने प्रमुख मंचों पर जन स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर एम्स की भूमिका को व्यापक रूप से प्रचारित करने में मदद की।

प्रेस विज्ञप्तियाँ एवं संस्थागत मुख्य अंश

35 से अधिक प्रेस विज्ञप्तियां जारी की गईं, जिनमें संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, पहलों और नवाचारों को प्रदर्शित किया गया:

1. सृजनम बायोमेडिकल वेस्ट रिग का शुभारंभ
2. 49वां एम्स दीक्षांत समारोह
3. ग्लूकोमा सप्ताह की अंतर्दृष्टि (सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य)
4. प्रो. श्रीनिवास को सुशासन के लिए सम्मानित किया गया
5. इंट्रा-म्यूरल परिवहन का शुभांरभ
6. मोटापे के प्रति जागरूकता हेतु कार्रवाई का आह्वान
7. सृजनम का पुनः शुभारंभ
8. 69वां संस्थान दिवस - स्वास्थ्य सेवा में नवाचार
9. आक्रामक ल्यूकेमिया से उबरने की सफलता की कहानी
10. परिसर को स्वच्छ करने वाले स्टाफ की सराहना
11. संकाय-सदस्य और अनुसंधान स्थान विस्तार
12. आयुर्वेद समारोह दिवस
13. डॉक्टर-अटेंडेंट घटना पर स्पष्टीकरण
14. कैथ लैब अपग्रेड
15. सीडब्ल्यूएमएस कार्यान्वयन
16. रोगी आहार प्रतिक्रिया प्रणाली
17. डिजिटल कैफेटेरिया भुगतान

11.11_.indd 1519 1/10/2026 3:27:41 PM

18. ईसीजी सेवा को सुव्यवस्थित करना
19. ईएचएस डेकेयर को आरंभ करना
20. विजिटर के लिए चेहरे की पहचान
21. संकाय-सदस्य विकास सहयोग
22. छात्रावास संकाय-सदस्य अवसंरचना
23. स्थानीय क्रय का डिजिटलीकरण
24. सामान लॉकर की स्थापना
25. मिलेट्स कैंटीन का उद्घाटन
26. वैलेट पार्किंग रोलआउट
27. सक्रिय प्रकटीकरण नीति
28. एमसीएच ब्लॉक प्राइवेट वार्ड का उद्घाटन
29. इमेजिंग रिपोर्ट एक्सेस का सरलीकरण
30. एमओटीए के साथ विश्व सिकल सेल दिवस
31. निर्बाध रोगी संपर्क
32. महिलाओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण
33. परिवहन प्रणाली में सुधार
34. शांति एवं माइंडफुलनेस कॉन्सर्ट

मुख्य मील का पत्थर

एम्स दिल्ली के आधिकारिक एक्स (ट्विटर) अकाउंट के फॉलोअर्स की संख्या 2024 में 100,000 को पार कर गई, जो विश्वास, जुड़ाव और प्रभाव को दर्शाता है।

प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एम्स संबंधी समाचार

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
1.	1 अप्रैल 2024	वूमेन सफरिंग फ्रॉम आटोइम्यून डिजिज कैन बिकम मदर:स्टडी	द पायनियर
2.	2 अप्रैल 2024	12 माह की उम्र में अगर बोलना शुरू नहीं करे बच्चा, तो डॉक्टर को दिखाएं	नवभारत टाइम्स
3.	5 अप्रैल 2024	स्वदेशी इंजेक्शन की एक डोज से अनीमिया का इलाज	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1520 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
4.	8 अप्रैल 2024	ऑटोइम्यून की बीमारियों से बचाव में सहायक योग	दैनिक जागरण
5.	8 अप्रैल 2024	महज 30 मिनट के योग से अनुवांशिक रोग की आपदा घटी	अमर उजाला
6.	8 अप्रैल 2024	खराब जीवनशैली और आहार कर रहे सेहत पर गंभीर प्रहार	नवोदय टाइम्स
7.	9 अप्रैल 2024	बच्चों को जन्मजात शारीरिक विकृतियों से निजात दिला रहा एम्स	नवोदय टाइम्स
8.	9 अप्रैल 2024	आनुवंशिक रोगों के लिए सिर्फ माँ ही नहीं पिता भी जिम्मेदार:एम्स	नवोदय टाइम्स
9.	10 अप्रैल 2024	मुफ्त मिल रही आयरन की गोली 40 % महिलाएं नहीं खाती	अमर उजाला
10.	13 अप्रैल 2024	एम्स लांचेस स्टडी टू टेस्ट एक्यूरेसी ऑफ एचपीवी किट्स फॉर सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग	इंडियन एक्सप्रेस
11.	13 अप्रैल 2024	सर्वाइकल कैंसर की जांच सस्ती करने के लिए एम्स करेगा अध्ययन	नवोदय टाइम्स
12.	13 अप्रैल 2024	अब मूत्र से हो सकेगी सर्वाइकल कैंसर की जांच	अमर उजाला
13.	14 अप्रैल 2024	एम्स एमफेसीसेस नीड टू इम्प्रूव प्राइमरी हेल्थकेयर	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
14.	14 अप्रैल 2024	जल्दी ही पीएचसी स्तर पर मिलेगा एम्स की सुविधाएं	अमर उजाला
15.	15 अप्रैल 2024	दिल की बीमारियों के लिए बनेगा सुपर स्पेशिएलिटी ओपीडी ब्लॉक	दैनिक जागरण
16.	18 अप्रैल 2024	एम्स में बढ़ेगा जांच सुविधाएं नहीं करनी पड़ेगा इंतजार	अमर उजाला
17.	19 अप्रैल 2024	एम्स अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन पार्किन्सन डिजिज हेल्ड इन सिटी	द स्टेट्समैन
18.	23 अप्रैल 2024	कीटनाशक का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों को बना सकता है मनोरोगी	अमर उजाला
19.	23 अप्रैल 2024	एम्स में अत्याधुनिक उपकरणों से बीमारियों का पता लगाना होगा आसान	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1521 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
20.	23 अप्रैल 2024	अणु की संरचना में खराबी की जांच करेगा एम्स, इलाज होगा आसान	अमर उजाला
21.	23 अप्रैल 2024	एम्स: 1:30 लाख का 3 हजार व 5 हजार का टेस्ट 100 में	नवोदय टाइम्स
22.	23 अप्रैल 2024	महज़ 100 रुपये में होगी सर्वाइकल कैंसर की जाँच	दैनिक जागरण
23.	3 मई 2024	आईसीजी कंडक्ट्स मेडिकल कैम्प इन कोलबोरेशन विद एम्स	हिंदुस्तान टाइम्स
24.	7 मई 2024	एम्स में सर्जरी से रक्तचाप का इलाज किया जा रहा है	हिंदुस्तान
25.	7 मई 2024	सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए ट्रेंड टीम तैयार कर रहा है एम्स	नवोदय टाइम्स
26.	7 मई 2024	एम्स की कैथ लैब समता में होगा विस्तार	नवोदय टाइम्स
27.	8 मई 2024	एम्स दिल्ली अनाउंसेस प्लान टु इनहैन्स इट्स कैथ लैबस कैपेसिटी	मिलेनियम पोस्ट
28.	8 मई 2024	एम्स दिल्ली रैपिडली ब्रिंगींग एआई इन्टु इमेजिंग प्रैक्टिस	द हिंदू
29.	10 मई 2024	एम्स इम्प्लेमेंट्स फूल्ली डिजिटल पेमेंट सिस्टम इन कैफेटेरिया	द स्टेट्समैन
30.	13 मई 2024	एम्स ने बनाया दुनिया का पहला ओरल कैंसर डिटेक्शन प्लेटफार्म एमआईडीएएस	नवोदय टाइम्स
31.	16 मई 2024	एम्स एंड यूनिवसिटी ऑफ बोल्टन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, यूके, साइन एमओयू	मिलेनियम पोस्ट
32.	17 मई 2024	एम्स न्यू दिल्ली इनहैंस ट्रांसपेरेंसी इन ट्रांसपोर्ट	मिलेनियम पोस्ट
33.	17 मई 2024	प्रोजेक्ट लाँगीवीटी: एम्स स्टार्टस स्टडी टू फाइंड सिक्रेट टू लाँग लाइफ	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
34.	18 मई 2024	लंबी उम्र के लिए जिम्मेदार 'प्रोटीन' की पहचान करेगा एम्स	नवोदय टाइम्स
35.	20 मई 2024	एम्स होस्ट्स वर्ल्ड रेटिनोब्लास्टोमा अवेयरनेस वीक	मिलेनियम पोस्ट
36.	22 मई 2024	ऑर्गन्स ऑफ़ ब्रेन-डेड पेशेंट्स गिव न्यू लाइफ़ टू एट, विज़न टू फ़ोर	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.

11.11_.indd 1522 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
37.	22 मई 2024	एम्स में पहली बार एक दिन में पांच रोगियों की अंग प्रत्यारोपण सर्जरी	दैनिक जागरण
38.	23 मई 2024	भीषण गर्मी लगेगी कूल जब शरीर बनेगा योगा के अनुकूल	नवोदय टाइम्स
39.	24 मई 2024	नियंत्रण के गुर सिखायेगा बड़ रहा बीपी, एम्स	अमर उजाला
40.	25 मई 2024	बीपी को नियंत्रित करे,दीर्घ जीवन जिए: एम्स	नवोदय टाइम्स
41.	28 मई 2025	हीट स्ट्रोक कैन ट्रिगर ब्रेन स्ट्रोक इन एक्स्ट्रीम सिचुएशन्स, से डॉक्टर्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
42.	29 मई 2025	मरीजों की संख्या कंट्रोल करने को हेल्थ सर्वे जरूरी समझें:डॉ टंडन	नवोदय टाइम्स
43.	1 जून 2024	एम्स में ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को मिलेगी आधुनिक सुविधाएं	अमर उजाला
44.	1 जून 2024	एम्स में डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी शुरु	नवोदय टाइम्स
45.	6 जून 2024	एम्स में गर्मी से बचाव के लिए विशेष प्रबंधन करने के निर्देश	दैनिक जागरण
46.	8 जून 2024	तीमारदारों के लिए एम्स बनाएगा मेगा वेटिंग एरिया	नवभारत टाइम्स
47.	9 जून 2024	आईआई टी के तहत मिलकर कार्बन अवशोषण पर काम करेगा एम्स	अमर उजाला
48.	10 जून 2024	एम्स में पूर्व बाल चिकित्सा ओपीडी में फ्री मिलेगी दवाई	नवोदय टाइम्स
49.	11 जून 2024	एम्स प्लैन्स अ स्ल्यू ऑफ़ स्टेप्स टू अड्रेस पॉल्यूशन ऑन ऐंड आउटसाइड प्रिमिसेज़	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
50.	11 जून 2024	बच्चो को अपनी गिरफ्त में ले रहा हाइपरटेंशन: एम्स	नवोदय टाइम्स
51.	13 जून 2024	योग कार्यक्रम के तहत हेल्दी लाइफ हेल्दी डाइट की जानकारी देगा एम्स	नवोदय टाइम्स
52.	16 जून 2024	योग से बच्चों में कैंसर, अनुवांशिक विकारों में आएगी कमी	जनसत्ता
53.	18 जून 2024	एम्स में धरातल पर नहीं उतरी किडनी के इलाज की सुविधा बढ़ाने की योजना	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1523 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
54.	19 जून 2024	एम्स दिल्ली परफॉर्म्स इंडिया'ज़ फ़र्स्ट सक्सेसफुल फ़ीटल ब्लड ट्रांसफ्यूज़न	मिलेनियम पोस्ट
55.	21 जून 2024	खराब होती रक्त धमनियों को तेजी से ठीक करने में मददगार है योग	दैनिक जागरण
56.	22 जून 2024	नो किडिंग! योगा कैन हेल्प रेज़ स्पर्म डीएनए क्वालिटी	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
57.	25 जून 2024	डोंट जस्ट स्मेल द कॉफ़ी, ड्रिंक इट टू कट मॉर्टैलिटी रिस्क, सेज़ स्टडी	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
58.	25 जून 2024	शरीर में होने वाले टेडेपन को समय से पहले रोकेगा एम्स, मिलेगा इलाज	अमर उजाला
59.	25 जून 2024	एफआरडीए बीमारी की दवा को भारत में सुलभ बनाने के लिए एम्स में हुआ मन्थन	दैनिक जागरण
60.	27 जून 2024	एम्स में दुर्लभ रक्त कैंसर से पीड़ित की बचाई जान	दैनिक जागरण
61.	2 जुलाई 2024	एंग्ज़ायटी मे डबल रिस्क ऑफ़ पार्किन्सन्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
62.	9 जुलाई 2024	आंखों में होने वाले यूवाइटिस रोग की पहचान अब होगी आसान	अमर उजाला
63.	11 जुलाई 2024	एम्स ब्लड टेस्ट ऑफ़र्स होप एंड हेल्प इन अर्ली अल्ज़ाइमर्स डायग्नोसिस	द इंडियन एक्सप्रेस
64.	11 जुलाई 2024	एम्स: हार्ट, न्यूरो ओपीडी के लिए बनेगा नया ब्लॉक	नवभारत टाइम्स
65.	13 जुलाई 2024	बॉय डिफ़ाइज़ ऑड्स, अंडरगोज़ रियर किडनी सरजरी ऐट एम्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
66.	16 जुलाई 2024	एम्स रीशेप्स परसेप्शन्स ऑन प्लास्टिक सर्जरी	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
67.	16 जुलाई 2024	एम्स करेगा फेशियल ट्रांस्प्लांट बिगड़ चुके चेहरे को सर्जरी से मिल सकेगा नया रूप	नवभारत टाइम्स
68.	16 जुलाई 2024	योगा कैन सिग्निफिकेंटली इम्प्रूव हेल्थ ऑफ़ रूमैटॉइड आर्थराइटिस पेशेंट्स, फाइंड्स स्टडी	स्टेट्समैन
69.	23 जुलाई 2024	एम्स में मिल सकेंगे रियायती दरों पर कृत्रिम अंग	नवोदय टाइम्स
70.	23 जुलाई 2024	एम्स के सॉफ्टवेयर से दूरस्थ सेन्टरों में भी हो सकेगा डायबिटीज का सटीक इलाज	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1524 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
71.	24 जुलाई 2024	सीपीआर ट्रेनिंग शुड बी इंक्लूडेड इन स्कूल करिकुलम: एक्सपर्ट्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
72.	24 जुलाई 2024	स्कूली बच्चों को जान बचाना सिखाएगा एम्स	जनसत्ता
73.	30 जुलाई 2024	एम्स वॉर्न्स ऑफ़ कॉन्टैमिनेटेड फ़ूड ऐंड वॉटर रिस्क्स अमिड राइज़ इन हेपेटाइटिस ए केसेज़	मिलेनियम पोस्ट
74.	31 जुलाई 2024	एम्स साउंड्स वार्निंग ओवर हेपेटाइटिस ए आउटब्रेक इन सिटी	द स्टेट्समैन
75.	1 अगस्त 2024	एम्स में 500 लोगो के बैठने को बनेगा सुविधाओं से युक्त लाउंज	दैनिक जागरण
76.	1 अगस्त 2024	एम्स: परिसर में रोगियों के लिए शुरु होगी ई- बसें	जनसत्ता
77.	1 अगस्त 2024	एम्स, दिल्ली टू रोल आउट इलेक्ट्रिक बसेज़	मिलेनियम पोस्ट
78.	1 अगस्त 2024	नाइन-ईयर ट्रायल लेटर, एम्स सॉफ़्टवेयर टू टेक डायबिटीज़ केयर टू पीएचसीज़	द इंडियन एक्सप्रेस
79.	2 अगस्त 2024	मोटापा, मधुमेह व गतिहीन जीवनशैली लिवर के लिए खतरा: एम्स	नवोदय टाइम्स
80.	2 अगस्त 2024	डायबिटीज रोगियों को मिला 225% लाभ: एम्स	नवोदइय टाइम्स
81.	2 अगस्त 2024	एम्स में अंगदान करने वाले के परिजनों को किया सम्मानित	अमर उजाला
82.	4 अगस्त 2024	एम्स: डीएमडी के 14 रोगियों पर क्लीनिकल ट्रायल जल्द होगा	नवभारत टाइम्स
83.	6 अगस्त 2024	एम्स में कैंसर रोगियों को रेडियोथेरपी में दूर होगी वेटिंग की समस्या	दैनिक जागरण
84.	12 अगस्त 2024	स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एम्स रक्तदान शिविर का आयोजन	नवोदय टाइम्स
85.	14 अगस्त 2024	सफेद दाग के रोगियों को घर में फोटोथेरपी दे रहा एम्स	दैनिक जागरण
86.	16 अगस्त 2024	एम्स में रिकॉर्ड पौने लाख से ज्यादा सर्जरी	दैनिक जागरण
87.	21 अगस्त 2024	एम्पॉक्स आउटब्रेक: एम्स इश्यूज़ एसओपी टू स्क्रीन, टैकल केसेज़	द इंडियन एक्सप्रेस

11.11_.indd 1525 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
88.	22 अगस्त 2024	अब बच्चों की दिमागी परेशानी को जल्द पकड़ेगा एम्स	अमर उजाला
89.	28 अगस्त 2024	एम्स टू सेट अप सेंटर टू डिवेलप मेडिकल डिवाइसेज़ विद ओसाका यूनिवर्सिटी	द इंडियन एक्सप्रेस
90.	2 सितंबर 2024	एम्स अनाउंसिज़ 'होस्टल मेंटर' इनिशिएटिव टू इनहांस क्वालिटी ऑफ़ लाइफ़	मिलेनियम पोस्ट
91.	2 अक्टूबर 2024	बुजुर्गों को सहारा दे रहा एम्स का नेशनल सेंटर फॉर एजिंग	अमर उजाला
92.	4 अक्टूबर 2024	एम्स में स्वदेशी मशीन से दंत रोग का इलाज, इंप्लांट भी होगा	अमर उजाला
93.	6 अक्टूबर 2024	एम्स में वायरल निमोनिया के मरीज़ की ईसीएमओ से बची जान	नवभारत टाइम्स
94.	6 अक्टूबर 2024	अंगों में जान लाकर नन्हें चेहरों पर मुस्कान ला रहा एम्स	अमर उजाला
95.	6 अक्टूबर 2024	एम्स में दिल न्यूरो के मरीजों के लिए अलग ब्लाक बनेगा	हिंदुस्तान
96.	8 अक्टूबर 2024	अब एआई बेस्ड ईसीजी सिस्टम लाएगा, एम्स	नवभारत टाइम्स
97.	8 अक्टूबर 2024	एम्स में मरीजों को मिलेगा एआइ तकनीक से ईसीजी की सुविधा	जनसत्ता
98.	10 अक्टूबर 2024	बच्चों में ब्लांइडनेस की सबसे बड़ी वजह मोबाइल: एम्स	नवभारत टाइम्स
99.	10 अक्टूबर 2024	एम्स आरपी सेंटर की मुहीम से भारत ट्रैकोमा से मुक्त हुआ	जनसत्ता
100.	11 अक्टूबर 2024	एम्स में हुआ मेंटल हेल्थ प्रोग्राम	नवभारत टाइम्स
101.	13 अक्टूबर 2024	एम्स में बढ़ेगी स्तर कैंसर की जांच व स्क्रीनिंग की सुविधा	दैनिक जागरण
102.	15 अक्टूबर 2024	एम्स में छह ऑपरेशन थिएटर जल्दी खुलेंगे	हिंदुस्तान
103.	15 अक्टूबर 2024	महिला कर्मियों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देगा एम्स पश्चिम बंगाल में डॉक्टर की हत्या के बाद लिया फैसला	अमर उजाला
104.	16 अक्टूबर 2024	संपत्ति के साथ स्वास्थ्य की वसीयत भी जरूरी: एम्स	नवोदय टाइम्स

11.11_.indd 1526 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
105.	16 अक्टूबर 2024	अनावश्यक इलाज से मुक्ति देगी एम्स की विशेष ओपीडी	अमर उजाला
106.	17 अक्टूबर 2024	इकलौते ट्रामा सेंटर के सहारे दिल्ली एनसीआर बढ़ रहा बोझ	अमर उजाला
107.	18 अक्टूबर 2024	आरोग्य मंदिर में देसी और विदेशी चिकित्सा पद्धति के संगम से होगा इलाज	नवोदय टाइम्स
108.	18 अक्टूबर 2024	एम्स के मातृ एवं शिशु ब्लाक में फेस रिकगनिशन से होगा प्रवेश	नवोदय टाइम्स
109.	20 अक्टूबर 2024	चिकित्सकीय सम्मेलन में विदेशी जान पर एम्स देगा आर्थिक मदद	दैनिक जागरण
110.	22 अक्टूबर 2024	एम्स ट्रामा सेंटर में बनेगा हाइब्रिड ऑपरशन थिएटर	नवभारत टाइम्स
111.	25 अक्टूबर 2024	एम्स के ट्रामा सेंटर में कुल बिस्तरों की संख्या 259 हुई	जनसत्ता
112.	25 अक्टूबर 2024	एम्स ट्रॉमा सेंटर गेट्स फाइव स्टेट-ऑफ़-दी-आर्ट मॉड्युलर ओटीज़	द इंडियन एक्सप्रेस
113.	27 अक्टूबर 2024	पुलिस एम्पावर एम्स फीमेल स्टाफ, कंडक्ट सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम इन सिटी	द स्टेट्समैन
114.	28 अक्टूबर 2024	एम्स में कल से शुरू होगा जन औषधि केंद्र	दैनिक जागरण
115.	29 अक्टूबर 2024	ब्रेन स्टोक पीड़ित को एम्स में मिलेगा अत्याधुनिक स्टेट रिट्रीवर उपचार	नवोदय टाइम्स
116.	30 अक्टूबर 2024	एम्स दंत रोग उपचार के लिए स्वदेशी उपकरण और प्रत्यारोपण करेगा विकिसित	अमर उजाला
117.	30 अक्टूबर 2024	एम्स में खुला जन औषधि केंद्र आयुर्वेद संस्थान का विस्तार कर बढ़ाए 300 बेड	दैनिक जागरण
118.	1 दिसंबर 2024	छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर सख्ती जरूरी: एम्स	नवभारत टाइम्स
119.	2 दिसंबर 2024	एम्स में प्रबंधन सुधार के लिए सीडब्ल्यूएम एवं प्रणाली	दैनिक जागरण
120.	2 दिसंबर 2024	एम्स में रॉबर्ट करेगा बच्चों की सर्जरी	हिंदुस्तान
121.	3 दिसंबर 2024	125 डिग्री पर झुकी थी रीढ़, एम्स में दो सर्जरी के बाद सीधी खड़ी हुई युवती	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1527 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
122.	4 दिसंबर 2024	अत्याधिक महंगे इलाज वाले दुर्लभ रोगों के लिए क्राउडफंडिंग को बढ़ावा देगा एम्स	नवोदय टाइम्स
123.	7 दिसंबर 2024	एम्स में किया गया, हृदय की बीमारियों से मौतें कम करने में मददगार है फ्लू रोधी टीका	दैनिक जागरण
124.	7 दिसंबर 2024	टेक हार्ट, फ्लू शॉट कैन कट अटैक, डेथ रिस्क्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
125.	7 दिसंबर 2024	मधुमेह की तरह पैर पसार रहा पीसीएसओ, बढ़ रही महिलाओं की समस्या	अमर उजाला
126.	9 दिसंबर 2024	एम्स दिल्ली ऑर्गनाइज़ेस वर्कशॉप ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया	द स्टेट्समैन
127.	9 दिसंबर 2024	अगर रोज़ रात को खर्राटे आए तो मेडिकल जांच कराएं: एम्स	नवोदय टाइम्स
128.	11 दिसंबर 2024	एम्स में क्यूआर कोड से कर सकेंगे खराब भोजन की शिकायत	दैनिक जागरण
129.	13 दिसंबर 2024	एम्स सुविधाएं बेहतर बनाएगा कर्मचारियों को करेगा अपग्रेड	अमर उजाला
130.	12 दिसंबर 2024	एम्स डॉक्टर्स एक्स्ट्रैक्ट 9.2 किलो ट्यूमर फ्रॉम एन ओवरीयन कैंसर पेशेंट	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
131.	14 दिसंबर 2024	एम्स में बनेगा ऐएआई हेल्थ इनोवेशन हब	अमर उजाला
132.	16 दिसंबर 2024	एम्स में टीबी के टीकों का अंतिम परीक्षण शुरू	हिंदुस्तान
133.	16 दिसंबर 2024	एम्स में कैंसर रोगियों के बिस्तर बढ़ेंगे	हिंदुस्तान
134.	18 दिसंबर 2024	एम्स ने ब्लड कैंसर मल्टीपल मायलोमा के इलाज के लिए बनाई एंटीबाडी	दैनिक जागरण
135.	18 दिसंबर 2024	कैंसर की अग्रिम अवस्था में रोगियों को जल्दी मिलेगा सटीक व सुलभ इलाज	अमर उजाला
136.	19 दिसंबर 2024	एम्स रिसर्चर्स डेवलप थेरेपी फ़ॉर मल्टिपल मायेलोमा, एनिमल ट्रायल्स शो प्रॉमिसिंग आउटकम्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया.
137.	19 दिसंबर 2024	स्वास्थ्य क्षेत्र में नवचार को बढ़ावा देने में एम्स की मदद करेगा सीएसआईआर	नवोदय टाइम्स

11.11_.indd 1528 1/10/2026 3:27:41 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
138.	20 दिसंबर 2024	महिलाओं - पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर बुरा असर डाल रही माइक्रो प्लास्टिक	नवोदय टाइम्स
139.	21 दिसंबर 2024	रोज़ 50 मिनट की योग से शुगर कंट्रोल: एम्स	नवभारत टाइम्स
140.	21 दिसंबर 2024	50 मिनट का योग, कम करेगा शुगर	नवभारत टाइम्स
141.	23 दिसंबर 2024	शरीर की प्रकृति के अनुसार आहार के सुझाव देगा एम्स	हिंदुस्तान
142.	23 दिसंबर 2024	शरीर की प्रकृति अनुसार आहार के सुझाव देगा एम्स	हिंदुस्तान
143.	24 दिसंबर 2024	ध्यान पर शोध करेगा एम्स विश्व को देगा वैज्ञानिक सबूत	अमर उजाला
144.	24 दिसंबर 2024	मैडिटेशन से स्ट्रेस- मिर्गी में भी राहत	अमर उजाला
145.	26 दिसंबर 2024	जलने के कारण चमड़ी खो चुके रोगियों को त्वचा दान से मिला नया जीवन	नवोदय टाइम्स
146.	26 दिसंबर 2024	एम्स: ओटी में 50 आइसीयू में 40 फीसदी बिस्तर बढ़े	नवोदय टाइम्स
147.	27 दिसंबर 2024	आवर टारगेट इज़ टू कंप्टीट विद वर्ल्ड'ज़ टॉप मेडिकल इंस्टिट्यूशन्स	हिंदुस्तान टाइम्स
148.	28 दिसंबर 2024	शराब तम्बाकू से रहेंगे दूर तो स्वस्थ रहेगा पैंक्रियास	नवोदय टाइम्स
149.	1 जनवरी 2025	टू इनहांस इमरजेंसी केयर ऐट सी, एम्स एंड कोस्ट गार्ड साइन एमओयू	इंडियन एक्सप्रेस
150.	10 जनवरी 2025	बीएसईएस एंड एम्स यूनाइट फॉर ईको-फ्रेंडली मोबिलिटी	टाइम्स ऑफ इंडिया
151.	27 जनवरी 2025	फॉर्मर हेड ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऐट एम्स अवॉर्डेड पद्म श्री	मिलेनियम पोस्ट
152.	1 फ़रवरी 2025	चिकत्सा शोध में सहयोग करेगा एम्स	जनसत्ता
153.	4 फ़रवरी 2025	स्तन- ओवरी कैंसर के इलाज में मददगार होगा एआइ सॉफ्टवेयर: एम्स	दैनिक जागरण
154.	5 फ़रवरी 2025	गलत खान-पान और मोटापा है देश में आधी बीमारियों का कारण	दैनिक जागरण

11.11_.indd 1529 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
155.	7 फ़रवरी 2025	एम्स शोध में खुलासा, 20 साल में दोगुना हो गए लिवर सेरोसिस के मरीज	अमर उजाला
156.	8 फ़रवरी 2025	एम्स में हुए सम्मलेन में चिकित्सकों ने बताया: देश में 55 फीसदी स्वतंत्र लोग अनिद्रा के शिकार	जनसत्ता
157.	11 फ़रवरी 2025	एम्स लॉन्चेज़ यूनिक वेस्ट कन्वर्शन सिस्टम	टाइम्स ऑफ इंडिया
158.	11 फ़रवरी 2025	जितेंद्र सिंह लॉन्चेज़ सृजनम ऐट एम्स	द स्टेट्समैन
159.	13 फ़रवरी 2025	कैंसर की वैश्विक राजधानी बनने की राह पर भारत: एम्स	जनसत्ता
160.	14 फ़रवरी 2025	एम्स टू सून गेट न्यू टेक फॉर ट्रीटमेंट ऑफ़ पार्किन्सन्स एंड एपिलेप्सी सैन्स सर्जरी	हिंदुस्तान टाइम्स
161.	14 फ़रवरी 2025	एम्स में खुला मानव मिल्क बैंक 'पयोधि	दैनिक जागरण
162.	14 फ़रवरी 2025	एम्स में नई मशीन से कैंसर रोगियों को मिलेगी राहत	दैनिक जागरण
163.	17 फ़रवरी 2025	एम्स स्टार्ट्स 'पयोधी' ह्यूमन मिल्क बैंक फॉर क्रिटिकली-इल्ल बेबीज़	टाइम्स ऑफ इंडिया
164.	17 फ़रवरी 2025	एम्स:फ्री में 250 की हुई रोबोटिक सर्जरी	नवोदय टाइम्स
165.	17 फ़रवरी 2025	एम्स ने हासिल की सर्जिकल रोबोट की अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी	जनसत्ता
166.	17 फ़रवरी 2025	कैंसर की जड़ को तलाशेगा बायोपैक, इलाज होगा सटीक	अमर उजाला
167.	18 फ़रवरी 2025	एम्स झज्जर में तिमारदारों को कराया जा रहा योग	जनसत्ता
168.	21 फ़रवरी 2025	बच्चे की टेढ़ी रीढ़ होगी सीधी लकवे की आशंका भी कम	अमर उजाला
169.	22 फ़रवरी 2025	एम्स में भर्ती हो सकेंगे गठिया के गंभीर मरीज	नवोदय टाइम्स
170.	22 फ़रवरी 2025	वाटरशेड मोमेंट फॉर टाइम्स ऑफ़ इंडिया: इनक्लूसिव मेडिसिन, डॉक्स	टाइम्स ऑफ इंडिया
171.	25 फरवरी 2025	14 सीआर एम्स सेंटर टू टैकल टेक एडिक्शन	टाइम्स ऑफ इंडिया

11.11_.indd 1530 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
172.	25 फरवरी 2025	मोबाइल की लत दूर करने के लिए एआइ टूल तैयार करेगा एम्स	दैनिक जागरण
173.	25 फरवरी 2025	इंटरनेट की लत दूर करने के लिए एम्स मे खुलेगा रिसर्च सेंटर	नवभारत टाइम्स
174.	26 फरवरी 2025	एम्स में चार पैरों वाले बच्चे को दी नई जिंदगी	अमर उजाला
175.	26 फरवरी 2025	इन ए फर्स्ट, दिल्ली एम्स डॉक्स ट्रीट रियर पैरासिटिक ट्विन कंडीशन इन 17 इयर्स ओल्ड बॉय	मिलेनियम पोस्ट
176.	27 फ़रवरी 2025	सेंटर टू हेल्प चिल्ड्रन एंड यूथ कॉम्बैट इंटरनेट एडिक्शन टू बी सेट अप ऐट एम्स	मिलेनियम पोस्ट
177.	1 मार्च 2025	दिल के मरीजों को सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक मिलेगा: एम्स	हिंदुस्तान
178.	1 मार्च 2025	सरकारी अस्पतालों में भी एम्स जैसी आधुनिक सुविधाएं	अमर उजाला
179.	1 मार्च 2025	दिल्ली के अस्पतालों की इमरजेंसी सेवा दुरुस्त करने में जुटा एम्स	दैनिक जागरण
180.	3 मार्च 2025	एम्स एंड आईआईटीज़ लीड एआई-सीओईज़ टू डिवेलप स्ट्रक्चर्ड एआई डेटा सेट्स इन एग्रीकल्चर एंड हेल्थकेयर सेक्टर्स	टाइम्स ऑफ इंडिया
181.	3 मार्च 2025	एम्स के विशेषज्ञों ने किया देशभर के पांच जिला अस्पतालों में शोध, अस्पताल में पैदा होने वाले आधे नवजातों में दिखे बीमारी के लक्षण	अमर उजाला
182.	5 मार्च 2025	एम्स का शोध: हल्दी और काली मिर्च की मदद से दूर हो सकेगा आंखों का सूखापन	अमर उजाला
183.	5 मार्च 2025	मोटापा कम करने में सहायक हो सकती है प्लास्टिक सर्जरी: एम्स	जनसत्ता
184.	5 मार्च 2025	जेनेटिक्स नॉट सिग्निफिकेंट रीजन फॉर ओबेसिटी, लाइफस्टाइल चेंजेज़ अ मस्ट: एक्सपर्ट्स	द स्टेट्समैन
185.	7 मार्च 2025	सेहत के लिए कोलेस्ट्रोल जरूरी मगर ज्यादा होने पर हार्ट अटैक संभव	नवोदय टाइम्स

11.11_.indd 1531 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
186.	8 मार्च 2025	पूरा सिंथेटिक कॉर्निया बनाने के लिए एम्स ने शुरू की रिसर्च	नवभारत टाइम्स
187.	8 मार्च 2025	एम्स में ए आई की मदद से आंखों का उपचार होगा	हिंदुस्तान
188.	8 मार्च 2025	एआई से होगी आँखों के रोग की पहचान, स्टेम सेल से सटीक इलाज	अमर उजाला
189.	9 मार्च 2025	एम्स का सैटेलाइट सेन्टर वसुन्धरा में बनाया जाएगा	हिंदुस्तान
190.	9 मार्च 2025	एंजियोप्लास्टिक के बाद बीमारी से उभरने में योग मददगार	दैनिक जागरण
191.	11 मार्च 2025	एम्स के कैंसर सेंटर में आएगी दो नयी रेडियोथेरेपी मशीन	दैनिक जागरण
192.	12 मार्च 2025	स्टेरॉयड के इस्तेमाल से आँखों को खतरा: एम्स	नवभारत टाइम्स
193.	12 मार्च 2025	एम्स में तैयार हो रही डायलिसिस यूनिट	दैनिक जागरण
194.	16 मार्च 2025	ड्राई आईज़? हल्दी कंपोनेंट लाइकली टू हेल्प	टाइम्स ऑफ इंडिया
195.	16 मार्च 2025	प्रोलॉन्ग्ड यूज़ ऑफ़ स्टेरॉइड्स लिंक्ड टू रिस्क ऑफ़ ग्लॉकोमा, एम्स डॉक्स वार्न	टाइम्स ऑफ इंडिया
196.	16 मार्च 2025	एम्स में चार माह के बच्चे की दुर्लभ सर्जरी से बचाई जान	जनसत्ता
197.	18 मार्च 2025	किडनी मरीजों को एम्स की ओपी डी में भी मिलेगी डायलिसिस सेवा	नवोदय टाइम्स
198.	18 मार्च 2025	अंगदान को बढ़ावा देने के लिए एम्स में निकाली गई रैली	जनसत्ता
199.	22 मार्च 2025	एम्स हैज़ प्लेड अ पिवोटल रोल इन हेल्थकेयर: प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया	द स्टेट्समैन
200.	22 मार्च 2025	मुरमु: एम्स कैन टेक लीड टू ब्रिंग जेंडर पैरिटी ऑन हेल्थकेयर सेक्टर	इंडियन एक्सप्रेस
201.	26 मार्च 2025	इंडिजिनियसली-बिल्ट एमआरआई स्कैनर टू बी इंस्टॉल्ड इन एम्स	टाइम्स ऑफ इंडिया
202.	28 मार्च 2025	ऑक्सीजन प्रबंधन को बेहतर बनाएगा एम्स	अमर उजाला

11.11_.indd 1532 1/10/2026 3:27:42 PM

संवाददाता सम्मेलन

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	8 अप्रैल 2024	बच्चों में जन्मजात शल्य चिकित्सा संबंधी विसंगतियाँ, शल्य चिकित्सा और सुरक्षित एनेस्थीसिया	बाल शल्य चिकित्सा
2.	9 अप्रैल 2024	गर्भावस्था में एनीमिया की जन स्वास्थ्य समस्याएं	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
3.	13 अप्रैल 2024	प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार -लुप्त आर्क को पुनः प्राप्त करना	सीसीएम
4.	22 अप्रैल 2024	ऑटिज़्म के विभिन्न रंग	बाल तंत्रिका विज्ञान
5.	22 अप्रैल 2024	एम्स में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सैफ सुविधा	आपातकालीन चिकित्सा
6.	30 अप्रैल 2024	अत्याधुनिक रेडियोलॉजिकल सेवाएं और एमआरआई सुविधा	विकिरण-निदान और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी
7.	18 जून 2024	अजन्मे बच्चे की जान बचाने के लिए एम्स दिल्ली की बहुविषयक क्षमता	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
8.	19 जून 2024	सिकल सेल रोग कार्यक्रम पर जागरूकता सृजन पर राष्ट्रीय सम्मेलन	रुधिर रोग विज्ञान
9.	15 जुलाई 2024	मिर्गी की सर्जरी में अभूतपूर्व सहयोग	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
10.	15 जुलाई 2024	एम्स नई दिल्ली में प्लास्टिक सर्जरी दिवस मनाया गया	बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी
11.	23 जुलाई 2024	प्रथम स्कूल सीपीआर कार्यक्रम हितधारक परामर्श	आपातकालीन चिकित्सा
12.	29 जुलाई 2024	भारत में हेपेटाइटिस पर महत्वपूर्ण चर्चा-रोकथाम और उपचार संबंधी नीतियों पर ध्यान केंद्रित	जठरांत्र विज्ञान
13.	5 अगस्त 2024	आईएबीएस-एनएच 2024 के साथ संयोजन	विकृति विज्ञान
14.	19 अगस्त 2024	भारत और अन्य जगहों पर इंटरवेंशनल न्यूरो रेडियोलॉजी	तंत्रिका विज्ञान केंद्र
15.	2 सितंबर 2024	39वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया	डॉ.रा.प्र.केंद्र

11.11_.indd 1533 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
16.	8 सितंबर 2024	सर्जिकल नवाचार, चिकित्सा शिक्षा और शव बहु अंग पुनर्प्राप्ति कार्यशाला	शल्य चिकित्सा
17.	10 सितंबर 2024	एम्स दिल्ली एक समर्पित तंबाकू निषेध क्लिनिक शुरू करने के लिए तैयार है	एनडीडीटीसी
18.	24 सितंबर 2024	सर्जरी का भविष्य: चिकित्सा उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना	शल्य चिकित्सा
19.	29 सितंबर 2024	भारत में मुखीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देना	सीडीईआर
20.	9 अक्टूबर 2024	अंधेपन की रोकथाम-जीवन के लिए दृष्टि	डॉ. रा.प्र.केंद्र
21.	10 अक्टूबर 2024	प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता, लेखक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. दीपक चोपड़ा	मनोचिकित्सा
22.	15 अक्टूबर 2024	अग्रिम उपचार निर्देश, जीवित रहने की इच्छा और मरने की गरिमा	डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.
23.	26 अक्टूबर 2024	महिला डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण का पहला बैच आयोजित किया गया	चि.अधी.-कार्यालय
24.	28 अक्टूबर 2024	एम्स में जमीनी स्तर पर परीक्षण	तंत्रिका विज्ञान केंद्र
25.	28 अक्टूबर 2024	बाल मायोपिया क्लिनिक का उद्घाटन	डॉ. रा.प्रा.केंद्र
26.	27 नवंबर 2024	भारतीयों में विटामिन डी की कमी	अंत:स्राविकी
27.	28 नवंबर 2024	परिशुद्धता, नैनो चिकित्सा और औषधि विकास में उन्नति	भेषजगुण
28.	8 दिसंबर 2024	ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया की जन स्वास्थ्य चुनौती	फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार
29.	11 दिसंबर 2024	विपरीत परिस्थितियों में विजय: एक दुर्लभ उदर ट्यूमर को हराने के लिए सर्जनों की यात्रा	डॉ. बी.आर.सं.रो.कैं.अ.
30.	23 दिसंबर 2024	पहला संयुक्त राष्ट्र विश्व ध्यान दिवस	शरीर क्रिया विज्ञान
31.	25 दिसंबर 2024	भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान में सुशासन दिवस	निदेशक कार्यालय
32.	27 दिसंबर 2024	क्या आप अग्न्याशयशोध से पीड़ित हैं	जठरांत्ररोग विज्ञान
33.	30 दिसंबर 2024	एम्स, नई दिल्ली का रूपांतरण	निदेशक कार्यालय

11.11_.indd 1534 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
34.	15 जनवरी 2025	स्वास्थ्य उपचार एवं अध्यात्म का एकीकरण	शरीर क्रिया विज्ञान
35.	17 जनवरी 2025	दुर्लभ रोग	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान
36.	4 फ़रवरी 2025	मोटापे के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जागरूकता	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
37.	7 फ़रवरी 2025	नींद संबंधी विकारों के पीछे छिपे मानसिक विकार	पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार तथा मनोचिकित्सा
38.	15 फ़रवरी 2025	राष्ट्रीय कैंसर संस्थान स्थापना दिवस	एनसीआई झज्जर
39.	25 फरवरी 2025	अपूर्ण परजीवी जुड़वां का पृथक्कीकरण	शल्य चिकित्सा
40.	27 फ़रवरी 2025	स्तन रोगों के बारे में जागरूकता	डॉ. बी.आर.सं.रो.कें.अ.
41.	1 मार्च 2025	न्यूरो-सर्जरी का हीरक जयंती वर्ष	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
42.	7 मार्च 2025	एकीकृत चिकित्सा में प्रगति	सीआईएमआर
43.	7 मार्च 2025	डॉ.रा.प्र.केंद्र का स्थापना दिवस	डॉ. रा.प्र.केंद्र
44.	11 मार्च 2025	ग्लूकोमा- दृष्टि का मूक चोर	डॉ. रा.प्र.केंद्र
45.	25 मार्च 2025	विकसित भारत के लिए एमआर स्कैनर और अन्य चिकित्सा उपकरणों का स्वदेशी विकास	एनएमआर

जन व्याख्यान श्रृंखला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	9 अप्रैल 2024	बच्चों का शल्य चिकित्सा संबंधी स्वास्थ्य	बाल शल्य चिकित्सा
2.	22 अप्रैल 2024	पार्किंसंस रोग तथा कुछ आवश्यक जानकारी	तंत्रिका-विज्ञान
3.	22 अप्रैल 2024	ऑटिज़्म के विभिन्न रंग - आइए पहेली सुलझाएँ	बाल चिकित्सा
4.	21 मई 2024	गर्मी से संबंधित रोग	सीसीएम
5.	24 मई 2024	उच्च रक्तचाप	सीसीएम

11.11_.indd 1535 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
6.	3 जून 2024	मल्टीपल स्क्लेरोसिस	तंत्रिका-विज्ञान
7.	15 जुलाई 2024	कॉस्मेटिक सर्जरी और बाल प्रत्यारोपण के बारे में मिथक	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
8.	29 जुलाई 2024	भारत में हेपेटाइटिस	जठरांत्र विज्ञान
9.	13 अगस्त 2024	विटिलिगो (ल्यूकोडर्मा)	त्वचा रोग विज्ञान
10.	10 सितंबर 2024	वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव	सीसीएम
11.	30 सितंबर 2024	स्तन कैंसर जागरूकता	शल्य चिकित्सा
12.	9 अक्टूबर 2024	अंधेपन की रोकथाम के बारे में आपको क्या पता होना चाहिए	रा.प्र.केंद्र
13.	15 अक्टूबर 2024	अग्रिम उपचार निर्देश और जीवन की इच्छा	डॉ. बी.आर.सं.रो.कें.अ.
14.	28 अक्टूबर 2024	आघात	तंत्रिका-विज्ञान
15.	8 नवंबर 2024	जलने की क्षति	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
16.	19 मार्च 2024	बाल गठिया विकार	रुमेटोलॉजी एवं क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग

प्रोटोकॉल प्रभाग सुविधा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल तक विस्तारित

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	आगमन स्थान
1.	1 अप्रैल 2024	एम्स, नई दिल्ली में कील विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे पर प्रारंभिक बैठक	संकायाध्यक्ष समिति कक्ष, शैक्षिक अनुभाग
2.	4 अप्रैल 2024	एम्स, नई दिल्ली में कील विश्वविद्यालय, यूके के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे पर समापन बैठक	संकायाध्यक्ष समिति कक्ष शैक्षिक अनुभाग
3.	17 सितंबर 2024	एम्स, नई दिल्ली में मालदीव के 34 सिविल अधिकारियों के दौरे पर बैठक	डॉ. रामालिंगास्वामी सभागार कक्ष

11.11_.indd 1536 1/10/2026 3:27:42 PM

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	आगमन स्थान
4.	24 मार्च 2025	एम्स, नई दिल्ली में दवा उत्पादों और चिकित्सा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सतत एवं विश्वसनीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए नीदरलैंड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक	डॉ. रामालिंगास्वामी सभागार कक्ष

11.11_.indd 1537 1/10/2026 3:27:42 PM



11.12 नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया

वर्ष 2024 के लिए वार्षिक रिपोर्ट

नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया (एनएमजेआई) एक सामान्य चिकित्सा पत्रिका है, जिसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत (एम्स) द्वारा प्रकाशित किया जाता है। इस पत्रिका का प्रकाशन 1988 में आरंभ किया गया और तब से यह लगातार प्रकाशित की जा रही है। एनएमजेआई विशेषज्ञ-समीक्षित पत्रिका है, जो प्रिंट और ऑनलाइन दोनों प्रारूपों में प्रकाशित की जाती है, और इसकी पूर्ण सामग्री (प्लेटिनम ओपन एक्सेस) ऑनलाइन http://www.nmji.in पर उपलब्ध है। यह पत्रिका एम्स द्वारा प्राप्त अनुदान द्वारा वित्तपोषित है तथा इसमे लेख जमा करने, प्रकाशन या उपयोग हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

एनएमजेआई मेडलाइन® और साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपैंडिड® में सूचीबद्ध है। यह जनवरी 1992 में मेडलाइन® में शामिल होने वाली भारत की प्रथम पत्रिकाओं में से एक थी। यह पत्रिका द्विमासिक रूप से प्रकाशित की जाती है। इसमें 11% की स्वीकार्यता दर के साथ, वर्ष 2024 में 1600 से अधिक पांडुलिपियाँ प्राप्त की गई हैं। पत्रिका अपनी ऑनलाइन पांडुलिपि प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से डबल-ब्लाइंड विशेषज्ञ-समीक्षा प्रणाली का पालन करती है। यह पत्रिका गूगल स्कॉलर, प्रोक्वेस्ट, रीडक्यूब, क्रॉसरेफ, पोर्टिको और ईबीएससीओ में भी सूचीबद्ध है।

एनएमजेआई के संपादकीय मंडल में ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन, द लैंसेट, जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन सहित कुछ सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के वर्तमान और पूर्व संपादक भी शामिल हैं; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यूएएमई) और इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आईसीएमजेई) जैसे संगठनों के प्रतिनिधि और प्रख्यात भारतीय और अंतरराष्ट्रीय जैव चिकित्सा वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

इस पत्रिका के पूर्व संपादकों में प्रो. समीरन नंदी, प्रो. के. श्रीनाथ रेड्डी एवं प्रो. पीयूष साहनी हैं। एनएमजेआई वर्तमान में आईसीएमजेई, इस समिति में भारत की पहली और एकमात्र पत्रिका की सदस्य पत्रिकाओं में से एक है। यह पत्रिका नैतिकता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए जानी जाती है और एम्स नई दिल्ली की संस्कृति और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राजीव कुमार
संपादक एनएमजेआई

11.12 _NMJI Annual report 2024.indd 1538 1/6/2026 1:40:48 PM

12. प्रकाशन

पत्रिकाओं में लेख: 2990

पत्रिकाओं में सार: 448

पुस्तकों में अध्याय: 343

पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 26

12_Publications.indd 1539 1/10/2026 4:47:45 PM

13. वित्त प्रभाग

वरिष्ठ वित्त सलाहकार	
सुश्री दिव्या यानामदाला, आईएएएस	
वित्त सलाहकार	
श्री विजय पाल सिंह	
वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी	
श्री पदम सिंह	श्री त्रिलोक चंद
श्री प्रेम पाल	श्री राकेश कुमार झा

लेखा अधिकारी		
श्री सुरेंद्र कूलवाल	श्री कोमल अनवानी	श्री जोगिंदर सिंह
श्री प्रकाश कुमार गिरि	श्री निखिल जैन	श्री सतीश कुमार
श्री अमित कुमार	श्री सतीश कुमार यादव	श्री रविंदर कुमार
श्री योगेश कुमार	श्री शिवानंद ठाकुर	श्री मयंक चक्रधर
श्री हिमांशु कांडपाल	श्री धीरज कुमार सिन्हा	

सहायक लेखा अधिकारी		
श्रीमती मीना गुप्ता	श्री प्रमोद कुमार	श्रीमती राशू कबटियाल
श्रीमती एस. तनवीर	श्रीमती सुशील कुमारी	श्री सत्य देव शर्मा
श्री नागेंद्र	श्री अरविंद कुमार	सुश्री वीना गाबा
सुश्री उर्मिला	श्री यशपाल सिंह	सुश्री सोनू कौरा
श्री नरेश चंद्र शर्मा	सुश्री अनुराधा गर्ग	सुश्री रक्षा रानी
श्री सुरेश कुमार	श्री प्रेम सागर	श्री शक्ति सिंह
सुश्री रीमा कुमार	श्री मेघ सिंह चौहान	श्री तेज पाल सिंह
श्री वाजिद अली	श्री दर्शन लाल	
सुश्री अनीता सिंह	श्री मुकेश कुमार	

13_.indd 1540 1/13/2026 11:49:34 AM

कनिष्ठ लेखा अधिकारी
सुश्री ज्योति शर्मा, श्री सुरजीत सिंह, श्री. सतीश कुमार एवं श्री प्रदीप कोटनाला

वित्त प्रभाग (एफडी) के कार्य

संस्थान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से वेतन, सामान्य एवं पूंजी निर्माण शीर्षों के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करता है। साथ ही, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र हेतु भी अनुदान प्राप्त किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आईसीएमआर, डीएसटी, सीएसआईआर, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, डीबीटी आदि जैसी विभिन्न बाह्य निधिकरण एजेंसियों से भी बाह्य अनुदान प्राप्त किए जाते हैं। भारत सरकार से इन तीन शीर्षों के अंतर्गत तथा अन्य एजेंसियों से प्राप्त अनुदान को विभिन्न केंद्रों/विभागों/अनुसंधान परियोजनाओं को उनके अनुमान/आवश्यकताओं के अनुसार आबंटित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, वित्त प्रभाग विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य प्रायोजित स्वास्थ्य योजनाओं जैसे पीएमजेएवाई, आरएएन, जेएसएसके और जेएसवाई आदि को लागू करने हेतु निधि प्रबंधन का संचालन भी कर रहा है। एम्स वित्त प्रभाग आरएएन, आपदा प्रबंधन आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी भी है।

संस्थान का वित्त प्रभाग संबंधित केन्द्रों/एककों/विभागों से मासिक व्यय प्राप्त करके उपर्युक्त निधियों/बजट के व्यय की निगरानी/नियंत्रण करता है तथा संस्थान के कर्मचारियों संबंधी दैनिक वित्तीय मामलों, संकाय एवं स्टाफ को वेतन का भुगतान, व्यक्तिगत दावों का भुगतान, पेंशन तथा जीपीएफ का संचालन भी करता है। भुगतान करते समय संबंधित डीडीओ-सह-लेखा अधिकारियों द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी जांच बिन्दुओं का उपयोग किया जा रहा है।

वित्त प्रभाग के अन्य मुख्य कार्य

बजट से संबंधित: वित्त प्रभाग के बजट विंग की अगले वर्ष के लिए अनुमान तैयार करने के लिए विभिन्न केंद्रों/विभागों/प्रभागों से वार्षिक आवश्यकताओं की मांग करने की जिम्मेदारी होती है। संसद द्वारा एक बार वार्षिक बजट के अनुमोदित होने के बाद, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स को इसकी सूचना दी जाती है। वित्त वर्ष 2024-25 का बजट निम्नानुसार था:

2024-25 (रु. करोड़ में राशि)

लेखा शीर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय
सहायता अनुदान: पूंजीगत संपत्ति का निर्माण	400	490	490
सहायता अनुदान: सामान्य (एसएपी सहित)	1533	1699.32	1699.32
सहायता अनुदान: वेतन	2590	2720.14	2691.38
कुल	**4523**	**4990.46**	**4880.70**

परियोजना निर्माण और मूल्यांकन: संस्थान रोगी उपचार, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की दिशा में प्रगति कर रहा है। एम्स के शासनादेश को कार्यान्वित करने के लिए अति उच्च मूल्य की और महत्वपूर्ण परियोजनाएं जारी हैं। वित्त प्रभाग अनुपालन, गतिविधियों की प्राथमिकता तथा परियोजनाओं की सहमति

13_.indd 1541 1/13/2026 11:49:34 AM

सुनिश्चित करने में एम्स के निदेशक, स्थायी वित्त समिति तथा शासी निकाय एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय/सरकार की सहायता करता है।

वित्तीय सहमति: मशीनरी और उपकरणों की खरीद, रसायनों, दवाओं, उपभोग्य सामग्रियों के लिए दर अनुबंध, कार्यों और सेवाओं के अनुबंध आदि से संबंधित वित्तीय सहमति/सलाह के लिए वित्त प्रभाग को विभिन्न प्रस्ताव प्राप्त हुए। सरकारी खजाने के धन की सर्वश्रेष्ठ उपयोगिता सुनिश्चित करने हेतु वित्त प्रभाग द्वारा की जाने वाली जांच-पड़ताल महत्वपूर्ण होती है।

भुगतान के लिए बिलों की जांच: व्यक्तिगत दावों, जीईएम के माध्यम सेमाल एवं सेवाओं की खरीद, निविदा आदि के बिलों को संसाधित तथा उनका भुगतान किया जाता है। भुगतान करते समय वित्त प्रभाग द्वारा सभी निर्धारित जांच बिंदुओं को ध्यान में रखा जाता है। वित्त प्रभाग 15,000 से अधिक कर्मचारियों एवं पेंशनरों तथा 2500 से अधिक छात्रों एवं रेजीडेंटों को सेवा प्रदान करता है।

आंतरिक लेखापरीक्षा: एम्स की गतिविधियों में वृद्धि और विस्तार के साथ, वार्षिक लेखा-परीक्षा की जाने वाली मदों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। संस्थान का आंतरिक लेखापरीक्षा एक निरंतर एवं अनिवार्य प्रक्रिया है क्योंकि मंत्रालय के साथ-साथ डीजीएसीई के कार्यालय ने संस्थान के आंतरिक लेखापरीक्षा को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि प्रक्रिया संबंधी कमियों को, यदि कोई हो, प्रारंभिक स्तर पर संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाया जा सके और उनमें वहीं सुधार किया जा सके।

लेखा एवं लेखापरीक्षा: केंद्रीय स्वायत्त निकाय होने के नाते, एम्स द्वारा सीएंडएजी की टीम द्वारा लेखापरीक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 30 जून तक पिछले वर्ष के वार्षिक लेखों को संकलित करना आवश्यक है। निरंतर बजटीय सहायता हेतु संस्थान को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के समक्ष पिछले वर्ष जारी किए गए सहायता अनुदानों के लेखा-परीक्षित उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत करना अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट तथा लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र सहित वार्षिक लेखों को दिनांक 09.12.2025 तक प्राप्त किया जाता है तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 31 दिसंबर तक संसद में पेश किया जाता है।

उपर्युक्त सभी कार्यों को वरिष्ठ वित्त सलाहकार के समग्र नियंत्रण के अंतर्गत वित्त सलाहकार, वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (एफएंडसीएओ)/लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी/कनिष्ठ लेखा अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाता है।

13_.indd 1542 1/13/2026 11:49:34 AM

13.1 बजट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, नई दिल्ली-29

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष की वित्तीय स्थिति का विवरण

राशि रूपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2024-25**	**2023-24**
समग्र/पूंजी निधि एवं देयताएं	1	90,307,976,758	85,563,018,796
रिजर्व एवं अधिशेष	2	9,846,064,614	8,073,291,637
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	3	4,250,507,049	3,035,761,408
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5		
आस्थगित ऋण देयताएं	6		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	7,599,838,873	7,354,469,631
कुल		**112,004,387,294**	**104,026,541,472**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	8	77,939,746,802	74,978,698,315
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	9		
निवेश-अन्य	10	1,414,629,612	861,600,000
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	32,650,010,880	28,186,243,157
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**112,004,387,294**	**104,026,541,472**

लेखा के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं टिप्पणियां 24

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

13.1_Budget (1,24).indd 1543 1/13/2026 4:48:25 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

31 मार्च, 2025 को समाप्त का हेतु आय एवं व्यय लेखा

राशि रूपयो में

आय	**अनुसूची**	**2024-25**	**2023-24**
विक्रय/सेवाओं से आय	12	682,803,207	645,594,742
अनुदान/सब्सिडी	13	44,420,044,300	40,155,150,028
शुल्क/अंशदान	14	180,706,582	217,339,149
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश पर आय)	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16		
अर्जित ब्याज	17	512,930,548	139,180,277
अन्य आय	18	2,073,928,892	1,885,773,956
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं चालू कार्य	19		
कुल (क)		**47,870,413,529**	**43,043,038,152**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	27,150,173,667	24,673,649,535
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	10,964,174,792	9,958,123,818
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	6,288,363,973	6,072,481,603
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22		
ब्याज/बैंक प्रभार	23	1,546	1,458
अवमूल्यन (अनुसूची 8 के अनुरूप- समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)		1,156,883,897	902,624,126
कुल (ख)		**45,559,597,875**	**41,606,880,539**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		**2,310,815,654**	**1,436,157,613**
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में /से अंतरित			
समग्र/पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष /(कमी)			
कुल			

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

13.1_Budget (1,24).indd 1544 1/13/2026 4:48:25 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 1- समग्र/पूंजी निधि:	**2024-25**	**2023-24**
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	85,563,018,796	80,534,903,442
जमा : समग्र/पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	4,930,455,081	5,154,728,868
न्यून : वर्ष के दौरान निराकरण	185,497,119	-126,613,514
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष	**90,307,976,758**	**85,563,018,796**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1545 1/13/2026 4:48:25 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:	**2024-25**	**2023-24**
1.पूंजीगत रिजर्व:		
पिछले लेखा के अनुसार	30,759,530	30,756,605
वर्ष के दौरान परिवर्धन	71,213	2,925
न्यून: वर्ष के दौरान कटौती		
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व		
पिछले लेखा के अनुसार		
वर्ष के दौरान परिवर्धन		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौती		
3. विशेष रिजर्व		
पिछले लेखा के अनुसार		
वर्ष के दौरान परिवर्धन		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौती		
4. सामान्य रिजर्व		
पिछले लेखा के अनुसार	8,042,532,107	5,193,997,398
वर्ष के दौरान परिवर्धन	2,310,815,654	1,436,157,613
जमा/(न्यून): समायोजन	-542,701,016	1,412,377,096
बैंक खाते में जमा रद्द चैक	4,587,126	
कुल	**9,846,064,614**	**8,073,291,637**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1546 1/13/2026 4:48:25 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट/अक्षय निधि	**2024-25**	**2023-24**
क) निधियों का अथशेष	3,035,761,408	1,751,872,191
ख) निधियों में जमा:		
i.दान/अनुदान		261,385,669
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय		
iii. सीएसआर अस्पताल बिलिंग एम्स		
iv. अनुसंधान अनुभाग		
v. अन्य	5,367,665,395	2,199,159,369
कुल (क)	**8,403,426,803**	**4,212,417,230**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय		
i.पूंजीगत व्यय		
- स्थायी परिसंपत्तियां		81,200,000
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		29,722,326
- किराया		
-अन्य व्यय	4,152,919,754	1,065,733,496
कुल व्यय (ख)		**1,176,655,822**
वर्ष के अंत में शुद्ध शेष (क-ख)	**4,250,507,049**	**3,035,761,408**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1547 1/13/2026 4:48:25 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 4-सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2024-25**	**2023-24**
1. केंद्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण		
ख) अर्जित ब्याज एवं देय		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
-अर्जित ब्याज एवं देय		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
-अर्जित ब्याज एवं देय		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां #		
जमा- प्राप्त ऋण		
न्यून- ऋण का पुनर्भुगतान		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1548 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2024-25**	**2023-24**
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक:	-	-
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**₹ 0.00**	**₹ 0.00**

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2024-25**	**2023-24**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कल	**₹ 0.00**	**₹ 0.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1549 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2024-25**	**2023-24**
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		
1. अग्रदाय		20,000
2. विविध लेनदार:		-
i) वस्तुओं हेतु (सीमा शुल्क का भुगतान किया जाना है)		-
ii) अन्य (एचईएफए ऋण हेतु अनुदान)		-
3. प्राप्त अग्रिम		-
4. ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं:		-
क) स्वा.एवं.परि.कल्या. मंत्रालय को वापसी		3,970,504
क) असुरक्षित ऋण/उधार		-
5. वैधानिक देयताएं:		-
क) अतिदेय		-
क) अन्य		-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	7,599,838,873	7,350,479,127
7. मुख्य एम्स		-
कुल (क)	**7,599,838,873**	**7,354,469,631**
ख. प्रावधान		
1. कर हेतु		-
2. उपादान		-
3. अधिवर्षिता/पेंशन		-
6. संचित अवकाश/नकदीकरण		-
6. ट्रेड वारंटीज/दावे		-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-
कुल (ख)		-
कुल (क+ख)	**7,599,838,873**	**7,354,469,631**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1550 1/13/2026 4:48:26 PM

13.1_Budget (1.24).indd 1551

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची-8 (स्थायी परिसंपत्तियां)	2024-25					2023-24				
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/मूल्य निर्धारण	वर्ष के दौरान परिवर्धन	निराकरण	अवमूल्यन	वर्ष के दौरान लागत/मूल्य निर्धारण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/मूल्य निर्धारण	वर्ष के दौरान परिवर्धन	निराकरण	अवमूल्यन	वर्ष की समाप्ति के अनुसार लागत/मूल्य निर्धारण
स्थायी परिसंपति विवरण										
क. स्थायी परिसंपत्तियां:										
1 भूमि										
क)पूर्ण स्वामित्व/ पट्टे पर	895,504,881				895,504,881	895,504,881	-			895,504,881
2 भवन:	-				-	-	-			-
क) पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि पर	30,462,903,858	810,697,429		160,811,357	31,112,789,930	30,533,810,376	55,732,752.00	-	126,639,270.48	30,462,903,858
ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	683,133,970	3,239,641		184,025	686,189,586	460,303,700	222,963,000.96	-	132,731.03	683,133,970
3 संयत्र मशीनरी एवं उपकरण	40,308,722,683	3,283,291,843	182,652,826	977,075,860	42,432,285,840	38,147,917,778	3,033,642,878.25	118,885,025.87	753,952,947.97	40,308,722,683
4 वाहन	126,014,656	2,429,500		4,429,605	124,014,551	115,694,282	16,545,147.68	1,770,621.00	4,454,152.66	126,014,656
5 फर्नीचर	98,340,686	1,589,528	2,835,331	903,578	96,191,305	82,921,648	20,148,619.48	-	4,729,581.50	98,340,686
6 कंप्यूटर/पेरीफेरल्स	310,000,469	4,151,688	7,690	13,479,472	300,664,995	294,927,993	33,734,717.34	5,946,799.40	12,715,441.99	310,000,469
7 पुस्तकालय पुस्तकें	2,094,077,113	198,029,874	1,272		2,292,105,715	1,847,174,415	246,913,765.92	11,068.00	-	2,094,077,113
वर्तमान वर्ष का जोड़	**74,978,698,315**	**4,303,429,503**	**185,497,119**	**1,156,883,897**	**77,939,746,802**	**72,378,255,073**	**3,629,680,881.63**	**126,613,514.27**	**902,624,125.63**	**74,978,698,315**
पिछले वर्ष का जोड़	**72,378,255,073**	**3,629,680,882**	**126,613,514**	**902,624,126**	**74,978,698,315**	**70,703,670,921**	**2,588,965,736.14**	**95,236,217.00**	**819,145,366.56**	**72,378,255,073**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

		(राशि रूपयों में)	
अनुसूची 9 - उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश		**2024-25**	**2023-24**
	1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
	2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
	3.शेयर	-	-
	4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
	5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
	6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
	कुल	**₹ 0.00**	**₹ 0.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1552 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 10 - निवेश- अन्य	**2024-25**	**2023-24**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उदद्यम		
6. अन्य	1,414,629,612	861,600,000
8. दान का निवेश		
कुल	**1,414,629,612**	**861,600,000**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1553 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची -11 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	**2024-25**	**2023-24**
वर्तमान परिसंपत्तियां:		
1. खरीद हेतु अग्रदाय/वस्तुसूची		
क) मशी.एवं उप. विदेशी खरीद		320,663,824
ख) सामग्री एवं आपूर्ति		9,782,099
ग) बिक्री माल		
तैयार माल		
कार्य प्रगति पर		
2. विविध देनदार:		
क) बकाया ऋण		14,958,808
ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)		3,245,441
ग) केंद्रों से वसूलनीय विविध वसूलियां (इंजी. कार्य)		
3. शेष राशि (चैक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		204,201
4. बैंक शेष:		
क) अनुसचित बैंकों में:		
बचत/चालू खातों में	14,938,900,895	11,540,844,679
सावधि/जमा खाते में	3,218,516,455	2,696,919,723
ख) गैर अनुसचित बैंकों में		
सावधि जमा पर		
सावधि जमा पर		
बचत खाते पर		
5. शुल्क एवं अग्रिम अन्य		
कुल (क)	**18,157,417,350**	**14,586,618,775**
ऋध, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां		
1. ऋण:		
क) स्टाफ		6,149,149
ख) समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न अन्य मद		
ग) अन्य (खरीद हेतु अग्रिम)		
2. अग्रिम एवं अन्य राशि-		
क) पूंजी खाते में		
ख) साख पत्र		53,149,281
ग) सीमा शुल्क		137,992,347
घ) पीडीए		29,745,034
3. अर्जित आय:		
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि के निवेश पर	40,915,318	
ख) निवेश पर - अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिम पर		
4.) अन्य	14,451,678,213	13,372,588,571
(देय अप्राप्त आय सम्मिलित है - रू.....)		
4. वसूलनीय दावे:		
कुल (ख)	**14,492,593,531**	**13,599,624,382**
कुल (क+ख)	**32,650,010,880**	**28,186,243,157**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1554 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 12 - विक्रय/सेवा से आय	**2024-25**	**2023-24**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार माल का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय	1,056,800	2,832,000
2) सेवा से आय		-
क) अस्पताल प्राप्तियां	673,914,412.79	636,480,030
ख) व्यवसायिक/परामर्श सेवाएं		-
ग) एजेंसी कमीशन एवं ब्रोकरेज		-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)		-
ड.)अन्य	7,831,994	6,282,712
कुल	**682,803,207**	**645,594,742**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1555 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 13 - अनुदान /सब्सिडी	**2024-25**	**2023-24**
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)		
1. केंद्र सरकार	44,420,044,300	40,155,150,028
2. राज्य सरकार(सरकारें)		
3. सरकारी एजेंसियां		
4.संस्थान एवं कल्याण निकाय		
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6.अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल से प्र.ज.आ.यों. को अंतरित		
कुल	**44,420,044,300**	**40,155,150,028**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1556 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 14 - शुल्क/अंशदान	2024-25	2023-24
1. ट्यूशन शुल्क	106,732,361	92,187,443
2. लाइसेंस शुल्क	13,711,805	15,661,231
3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क		
4. परीक्षा प्राप्तियां		
5. अन्य	60,262,416	109,490,475
कुल	**180,706,582**	**217,339,149**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1557 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.3.2025 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**	
(उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निधियों में अंतरण से निवेश पर आय)	**2024-25**	**2023-24**
1. ब्याज	-	-
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स/ऋणपत्र	-	-
2. लाभांश:	-	-
क) शेयरों पर	-	-
ख) म्यूचुअल फंड पर	-	-
3. किराया	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**₹ 0.00**	**₹ 0.00**

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2024-25**	**2023-24**
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**₹ 0.00**	**₹ 0.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1558 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2024-25**	**2023-24**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	512,422,392	138,676,536
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		-
ग) संस्थानों के पास		-
घ) अर्जित ब्याज स्वा.एवं.परि.कल्या.मंत्रा. को वपिस कर दिया गया		-
2. बचत खातों पर:		-
क) अनुसूचित बैंकों के पास		-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		-
ग) डाक घर बचत खातों पर		-
घ) अन्य		-
3. ऋणों पर:		-
क) कर्मचारी/स्टाफ	508,156	503,741
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्ति योग्य पर ब्याज		
कुल	**512,930,548**	**139,180,277**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1559 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2024-25**	**2023-24**
1. विविध प्राप्ति	37,512,562	166,969,532
2. विविध स्था. प्राप्तियां		-
3. परीक्षा अनुभाग प्राप्तियां	1,687,500,132	1,686,449,925
4. अन्य आय	348,916,199	32,354,500
5. अनुसंधान अन्य आय		
कुल	**2,073,928,892**	**1,885,773,956**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1560 1/13/2026 4:48:26 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**2024-25**	**2023-24**
वेतन एवं मजदूरी	21,924,306,862	21,403,136,047
यात्रा भत्ता	80,731,943	57,429,032
शिक्षंण संसाधन भत्ता	15,668,611	16,155,241
भविष्य निधि में योगदान		-
स्टाफ कल्याण व्यय (डीएलआईएस)		-
कर्मचारियों पर व्यय ":सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	3,086,643,831	2,691,708,595
अन्य	2,042,822,420	505,220,620
छुट्टी वेतन पेंशन अंशदान		
कुल	**27,150,173,667**	**24,673,649,535**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1561 1/13/2026 4:48:27 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

राशि रूपयों में

अनुसूची 21 -अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2025-25**	**2023-24**
क) अस्पताल भंडार की खरीद (अन्य निर्दिष्ट करें)	2,209,328,445	1,916,190,377
ख) जनशक्ति आऊटसोर्सिंग प्रभार	3,368,127,183	3,538,606,015
ग) कार्यालय व्यय	671,131,421	1,072,401,787
घ)विद्युत एवं बिजली	1,088,625,652	1,136,455,592
ड.) जल प्रभार	39,792,080	65,233,956
च) बीमा		2,125,690
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)		123,142,148
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	2,530,793,828	1,614,093,930
झ) किराया, दर एवं कर		84,572,484
ञ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण		5,171,360
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		1,361,163
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		1,121,385
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	153,740,880	114,358,408
ढ) संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय		-
ण) शुल्क पर व्यय		-
त) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान		-
थ) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष		-
द) अन्य व्यय		-
ध) छात्रावास		-
न) बैंक प्रभार		436,481
प) विज्ञापन एवं प्रचार		-
फ) अन्य (निर्दिष्ट करें)(आकस्मिक प्रभार)	902,635,303	282,853,042
कुल	**10,964,174,792**	**9,958,123,818**

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	**2024-25**	**2023-24**
अस्पताल भंडार सामग्री एवं आपूर्ति	6,288,363,973	6,052,481,603
अन्य सामग्री एवं आपूर्ति		20,000,000
कुल	**6,288,363,973**	**6,072,481,603**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1562 1/13/2026 4:48:27 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2025 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

		(राशि रूपयों में)
अनुसूची 22 -अनुदान/सब्सिडी आदि पर व्यय	**2024-25**	**2023-24**
	₹ 0.00	**₹ 0.00**

राशि रूपयों में

अनुसूची 23 - ब्याज डेबिट / बैंक प्रभार	**2024-25**	**2023-24**
क) स्थायी ऋणों पर		-
ख) बैंक प्रभार	1546	1,458
ग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को अंतरित		-
कुल	**1546**	**1,458**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

13.1_Budget (1,24).indd 1563 1/13/2026 4:48:27 PM

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 24

लेखों के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं नोट्स

1. संस्थान की गतिविधियों को मुख्यत: भारत सरकार के अनुदानों से वित्तपोषित किया जाता है और संस्थान का लेखा-जोखा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किया जाता है।

2. इन लेखों को, नकद आधार पर अर्थात् वास्तविक प्राप्ति और भुगतान के आधार पर तैयार किया गया है। तथापि, वित्त वर्ष 2024-25 में उपार्जित परिसम्पतियों पर अवमूल्यन प्रभारित किया गया है। परिसम्पतियों के निस्तारण मूल्य को घटाते हुए परिसम्पतियों की वास्तविक जीवन अवधि को ध्यान में रखते हुए अवमूल्यन की गणना सरल स्पष्ट विधि से की गई है।

3. एम्स, नई दिल्ली के समेकित अंतिम लेखा वित्त वर्ष 2024-25 हेतु तैयार किए गए हैं।

4. ब्याज के आंकड़ों में संस्थान की राजस्व प्राप्तियों पर अर्जित ब्याज भी सम्मिलित है।

5. लेखों में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि की देयताओं के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार से अनुदान वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त होता है। लेखों में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान की गणना केवल वास्तविक भुगतानों के समय पर लेखों में की जाती है।

6. लेखांकन अवधि के अंत में भंडार और आपूर्ति का कोई अंतिम स्टॉक लेखों में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भण्डारों और आपूर्तियों पर किये गए सभी व्यय को लेखों में भुगतान के समय पर अंतिम व्यय के रूप में माना जाता है।

7. संस्थान की आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23सी) (iii) (एबी) के अंतर्गत आयकर से मुक्त है। अत: स्वायत निकायों को सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, लेखों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

8. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अनुदान द्वारा वित्तपोषित सभी परिसंपतियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) का उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों के लिए किया जाता है और इन्हें संस्थान की परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) को या तो निधि प्रदान करने वाली एजेंसियों को लौटा दिया जाता है अथवा इनका उपयोग निधि प्रदान करने वाली एजेंसियों की स्वीकृति से, परियोजनाओं की समाप्ति के पश्चात विभागों में किया जाता है।

9. वर्ष 2024-25 के दौरान, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विभिन्न परियोजना अन्वेषकों द्वारा किये गए व्यय को तथा दिनांक 31.03.2025 के अनुसार, संस्थान के पास उपलब्ध शेष राशि को दर्शाने वाला एक विवरण लेखों के साथ संलग्न है।

10. पैकेजों के अंतर्गत, उपचार की अग्रिम राशियों को उन उपचारों की मद में प्राप्त राजस्व एवं व्यय के रूप में मानते हुए व्यय में दर्शाया गया था। चालू वर्ष के दौरान, उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों के मद में प्राप्त अग्रिम राशियों को आवर्ती निधि और आवर्ती निधि पर किये गए व्यय के अंतर्गत दर्शाया गया है। आवर्ती निधि में शेष राशि को देयता के रूप में दर्शाया गया है। लेखांकन नीति के इन परिवर्तनों का प्रभाव आकलन योग्य और महत्वपूर्ण नहीं होता है।

13.1_Budget (1,24).indd 1564 1/13/2026 4:48:27 PM

11. दिनांक 31.03.2025 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा को एकसमान प्रारूप और समूहीकरण एवं पुन: समूहीकरण तथा वर्गीकरण में तैयार किया गया है, जहां कहीं भी आवश्यक हो, इसे बेहतर प्रस्तुति के लिए अथवा लेखा-परीक्षा अवलोकन के अनुसार परिवर्तित/अंगीकृत किया गया है।

12. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान की परिसंपतियों का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

13. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान के भण्डार तथा आपूर्ति का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

14. संस्थान, रोगी उपचार के लिए आवश्यक जांचों/प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न आवर्ती निधियों का रखरखाव कर रहा है और उसे संस्थान के समेकित लेखा में सम्मिलित किया जाता है।

15. बिना किसी संलग्न शर्तों के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दान राशियों/प्राप्तियों को, जैसा भी मामला हो, संबंधित केन्द्र या संस्थान की आय के रूप में माना जाता है।

16. सभी लेखांकन नीतियां एवं टिप्पणियां लेखों के भाग के रूप में हैं।

लेखा अधिकारी वित्त सलाहकार वरिष्ठ वित्त सलाहकार

निदेशक

13.1_Budget (1,24).indd 1565 1/13/2026 4:48:27 PM

13.1_Budget (1.24).indd 1566

अ.भा.आ.सं. 2024-25 / 1566

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वित्त वर्ष 2024-25 हेतु सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	2024-25	2023-24	भुगतान	2024-25	2023-24
अथशेष	6,713,814.00	149,213,328.54	सा.भ.नि. आहरण	1,496,098,565.00	1,710,919,355.00
एम.ओ.डी. अथशेष	143,091,254.54		वर्ष के दौरान निवेश	1,160,000,000.00	279,999,999.00
अंशदान /प्राप्तियां	896,884,300.00	1,027,200,437.46	बैंक प्रभार	1,888.00	1,593.00
ब्याज (बॉंड/एफडीआर)	603,422,270.00	480,520,998.00	कमीशन	0.00	0.00
निवेश परिपक्वता	1,242,276,526.00	340,699,997.00	अंत शेष	22,404,853.00	6,713,814.00
एमओडी ब्याज	12,070,023.00		एम.ओ.डी. अंतशेष	225,952,881.54	
कुल	**2,904,458,187.54**	**1,997,634,761.00**	**कुल**	**2,904,458,187.54**	**1,997,634,761.00**

वित्त वर्ष 2024-25 हेतु सामान्य भविष्य निधि एम्स का आय एवं व्यय का विवरण

व्यय	2024-25	2023-24	आय	2024-25	2023-24
अंशदान पर ब्याज का भुगतान	534,207,584.00	564,074,347	प्राप्त ब्याज	603,422,270.00	480,520,998
बैंक प्रभार	1,888	1,593	एम.ओ.डी. शेष प्राप्त ब्याज	12,070,023.00	0
कमीशन	0	0	जमा अंशदान का समायोजन		
व्यय पर आय की अधिकता	81,282,821.00	0	बैंक प्रभार सहित आय पर व्यय की अधिकता	0	83,554,942
कुल	**615,492,293.00**	**564,075,940.00**	**कुल**	**615,492,293.00**	**564,075,940.00**

1/13/2026 4:48:27 PM

13.1_Budget (1.24).indd 1567

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31 मार्च, 2025 के अनुसार एम्स हेतु सामान्य भविष्य निधि का तुलन-पत्र

देयताएं	2024-25	2023-24	परिसंपत्तियां	2024-25	2023-24
अथशेष(सा.भ.नि.)	7,715,106,648.00	7,834,751,218.54	निवेश अथशेष	7,231,276,526.00	7,291,976,524.00
एम.ओ.डी. अथशेष	143,091,254.54		न्यून : एसएआर संशोधन		
वर्ष के दौरान प्राप्त सा.भ.नि. अंशदान	896,884,300.00	1,027,200,437.46	जमा: किया गया निवेश	1,160,000,000.00	279,999,999.00
जमा: सा.भ.नि. खाते में जमा ब्याज	534,207,584.00	564,074,347.00	न्यून : निवेश परिपक्वता	1,242,276,526.00	340,699,997.00
			न्यून: निवेश मूल्य में अंतर		
न्यून: आहरण/भुगतान	1,496,098,565.00	1,710,919,355.00	कुल	7,149,000,000.00	7,231,276,526.00
न्यून: एसएआर संशोधन			रोकड़ बही अंतशेष	22,404,853.00	6,713,814.00
			एम.ओ.डी. अंतशेष	225,952,881.54	
न्यून: निवेश मूल्य में अंतर			जमा : वर्ष 23-24 के दौरान आय पर व्यय की अधिकता	477,116,308.00	393,561,366.00
			जमा: वर्ष के दौरान आय पर व्यय की अधिकता		83,554,942.00
			न्यून: व्यय पर आय	81,282,821.00	
कुल	**7,793,191,221.54**	**7,715,106,648.00**	**कुल**	**7,793,191,221.54**	**7,715,106,648.00**

1/13/2026 4:48:27 PM

13.2 लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की राय।

राय

हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2025 को वित्तीय स्थिति का विवरण, समाप्त हुए वित्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखा तथा वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां शामिल हैं, जिनमें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियां एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) सहित एम्स अधिनियम, 1956 की धारा 18 (2) के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश शामिल है। इन वित्तीय विवरणों में केंद्रों/एककों के लेखा शामिल हैं।

इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन व्यवहारों की अनुरूपता, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन प्रतिपादन पर टिप्पणियां शामिल हैं। विधि, नियमावली एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन संबंधी वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हों, निरीक्षण रिपोर्ट / सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्टों द्वारा पृथक रूप से रिपोर्ट की जाती हैं।

हमारी राय में, एम्स का संलग्न वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियां और उन पर दी गई टिप्पणियां तथा पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित अन्य मामलों के साथ पठित, 31 मार्च, 2025 को एम्स की वित्तीय स्थिति और समाप्त होने वाले वित्त वर्ष हेतु उसके वित्तीय प्रदर्शन तथा नकदी प्रवाह का एक समान लेखा के प्रारूप के अनुसार सही एवं निष्पक्ष चित्रण प्रस्तुत करता है।

राय का आधार

हमने सीएजी के लेखापरीक्षा विनियमों/मानकों/नियमावली/दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन-टिप्पणियां/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया। अपनी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा हेतु लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व' नामक खण्ड में हमने अपने उत्तरदायित्वों का विस्तृत विवरण दिया है। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम एम्स से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। हमारा मानना है कि हमारे पास उपलब्ध लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी अर्हक राय के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधन का उत्तरदायित्व

एम्स का शासी निकाय, लेखों के एकसमान प्रारूप के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने और निष्पक्ष प्रस्तुति हेतु तथा प्रबंधन द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले आंतरिक नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है ताकि वित्तीय विवरणों को धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण होने वाली भौतिक अशुद्धि से मुक्त तैयार किया जा सके।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा हेतु लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय विवरण समग्र रूप से किसी भी प्रकार की भौतिक अशुद्धि, चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण हो, से मुक्त हो तथा एक ऐसी लेखापरीक्षक रिपोर्ट

13.2_Audit Report.indd 1568 1/13/2026 4:58:26 PM

जारी की जाए जिसमें सीएजी के लेखापरीक्षा विनियमों/मानकों/नियमावली/दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन-टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुरूप हमारी राय प्रकट की जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

(सौरव कुमार जयपुरियार)
महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केंद्रीय व्यय)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक:

13.2_Audit Report.indd 1569 1/13/2026 4:58:26 PM

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

क. तुलन पत्र

क.1 देयता

क.1.1 वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची-7) - ₹759.98 करोड़

क.1.1.1 राष्ट्रीय कैंसर संस्थान **(एनसीआई)** झज्जर तथा डॉ. भीव राव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल **(डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)** ने क्रमशः 4.63 करोड़ रुपये एवं 54.97 करोड़ रुपये की राशि को अनुसूची-7 "वर्तमान देयताएँ" में दर्शाया है। हालांकि, ये राशियां विभिन्न योजनाओं से संबंधित हैं तथा इन्हें अनुसूची-3 "उद्दिष्ट/अक्षय निधि" के अंतर्गत दर्ज किया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान देयताओं में अधिकता तथा उद्दिष्ट/अक्षय निधि में ₹59.60 करोड़ की न्यूनोक्ति हुई है।

इस बात को पिछली पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) में भी इंगित किया गया था। हालांकि, एम्स द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। एम्स ने अपने जवाब में सुधारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

क.2 परिसंपत्तियां

क.2.1 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम आदि (अनुसूची-11) - ₹3265.00 करोड़

क.2.1.1 दिनांक 31.03.2024 को ₹53.24 करोड़ की राशि (जिसमें मातृ-शिशु ब्लॉक के संबंध में अग्रिम पर ₹6.16 करोड़ का ब्याज शामिल है) मैसर्स एचआईटीईएस के पास शेष थी। वर्ष 2023-24 के लेखों में प्रबंधन पत्र (एमएल) में यह मुद्दा उठाया गया था कि यह राशि वर्तमान परिसंपत्तियों में वसूलनीय के रूप में अपने लेखा में नहीं दर्शाई गई थी।

इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान परिसंपत्तियों तथा वर्तमान देयताओं (मंत्रालय को वापस की जाने वाली) में ₹53.24 करोड़ की न्यूनोक्ति हुई है।

क.2.1.2 एम्स (मुख्य) द्वारा अनुरक्षित बैंक खाता संख्या 10874584010 के बैंक समाधान विवरण (बीआरएस) में ₹77.02 करोड़ की राशि को जारी किए गए चेक के रूप में दर्शाया गया है, जिसे बैंक द्वारा डेबिट नहीं किया गया है। एम्स द्वारा ये चेक दिनांक 01.02.2010 से दिनांक 07.09.2023 की अवधि के बीच जारी किए गए थे और प्राप्तकर्ता द्वारा अभी तक भुनाए नहीं गए थे। दिनांक 31.03.2025 तक, इन सभी चेक की समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी और ये भुनाए नहीं जा सके। हालांकि, एम्स ने उपर्युक्त चेक को रद्द नहीं किया तथा उपर्युक्त राशि का प्रतिलेखन किया। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान परिसंपत्तियों तथा वर्तमान देयताओं में ₹77.02 करोड़ की न्यूनोक्ति दर्ज की गई है।

ख. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखों पर टिप्पणियां

ख.1 अनुसूची 8 - 31 मार्च 2025 तक एम्स (मुख्य) तथा एम्स के अन्य केंद्रों के वार्षिक लेखों की अचल परिसंपत्तियां, ₹7793.97 करोड़ मूल्य की परिसंपत्तियां दर्शाती हैं। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियमावली (जीएफआर) 2017 के अंतर्गत फॉर्म जीएफआर-22 में अनुरक्षित करने हेतु आवश्यक एक परिसंपत्ति रजिस्टर को एम्स द्वारा केवल वित्त वर्ष 2020-21 के बाद अधिग्रहित परिसंपत्तियों के लिए ही अनुरक्षित किया गया है।

13.2_Audit Report.indd 1570 1/13/2026 4:58:26 PM

एम्स ने जवाब दिया है कि वर्ष 2020-21 से पूर्व की अवधि के लिए एफएआर की तैयारी प्रक्रियाधीन है जिसे संबंधित विभागों/केंद्रों द्वारा प्रत्येक संपत्ति को भौतिक रूप से चिह्नित करके किया जा रहा है। वर्ष के दौरान, 2020-21 से पूर्व के वर्षों से संबंधित ₹80.41 मूल्य की परिसंपत्तियों का समायोजन किया गया है। सभी परिसंपत्तियों का लेखा-जोखा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

सभी परिसंपत्तियों के लिए परिसंपत्ति रजिस्टर के अभाव में, वर्ष 2020-21 से पहले अधिग्रहित परिसंपत्तियों के मूल्य को लेखापरीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सका।

ख.2 एम्स ने वित्त वर्ष 2020-21 से अनुसूची-8 में उल्लिखित अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाना आरंभ कर दिया है तथा वर्ष 2020-21 से पहले अधिग्रहित अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है। यह मुद्दा वर्ष 2020-21 से हमारी टिप्पणियों में शामिल रहा है, हालांकि आश्वासनों के बावजूद, एम्स ने कोई सुधारात्मक उपाय नहीं किए हैं तथा वर्ष 2020-21 से पहले अधिग्रहित अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

इसके अतिरिक्त, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. ने अपने लेखों की अचल परिसंपत्तियों पर शून्य मूल्यह्रास दर्शाया है।

इसके अलावा, एम्स (मुख्य) तथा एनडीडीटीसी अनुसंधान लेखा में क्रमशः पुस्तकालय की पुस्तकों तथा संयंत्र मशीनरी एवं उपकरणों पर शून्य मूल्यह्रास कटौती दर्शाई गई है।

एम्स ने जवाब दिया कि सभी परिसंपत्तियों का लेखा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

ख.3 यह देखा गया है कि एम्स मुख्य केंद्र द्वारा तैयार किया गया तुलन पत्र निर्धारित प्रारूप के अनुरूप नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप मानक वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों से विचलन हुआ है। इसके अतिरिक्त, उद्दिष्ट निधियों से संबंधित जमा एवं निवेश–जिन्हें एक अलग अनुसूची में पृथक रूप से दर्शाया जाना अपेक्षित है, को वार्षिक लेखों में नियमित सावधि जमाओं के साथ मिला दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, अनुसंधान अनुभाग के सहायक लेखा, जैसे कि राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रम (एनपीएचसीई) - जराचिकित्सा विभाग, अक्षय निधि एवं दान खाते, एम्स के वार्षिक लेखों में समेकित नहीं किए गए हैं।

एम्स ने अपने जवाब में अनुपालन का आश्वासन दिया है।

ख.4 लेखों के एकसमान प्रारूप के अनुसार, सीएबी के खाते प्रोद्भूत आधार पर तैयार किए जाएंगें। इस प्रारूप में सीएबी को तुलन पत्र और आय एवं व्यय खातों के अतिरिक्त प्राप्ति एवं भुगतान खाते भी तैयार करने अपेक्षित होते है।

एम्स ने अपनी महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में यह प्रकट किया है कि वह अपने लेखा नकद आधार पर तैयार करता है। इसके अलावा, वह समेकित प्राप्ति एवं भुगतान खाते तैयार नहीं करता है। एम्स के अनुसंधान अनुभाग ने भी प्राप्ति एवं भुगतान खाते का अनुरक्षण नहीं किया है। यह वित्त मंत्रालय द्वारा

13.2_Audit Report.indd 1571 1/13/2026 4:58:26 PM

लेखों को तैयार करने के लिए जारी वर्तमान निर्देशों का उल्लंघन है। साथ ही, हृद् तंत्रिका केंद्र सामान्य एफडीआर पर ब्याज का लेखांकन प्रोद्भूत आधार पर नहीं करता।

ख.5 एम्स ने समेकित लेखों के तुलन पत्र के देयता पक्ष में अनुसूची 2 (रिजर्व एवं अधिशेष) में ₹54.27 करोड़ की कटौती की। इसे लेखों पर टिप्पणियों में उचित रूप से प्रकट किया जाना चाहिए था।

ग. सामान्य

ग.1 अभिलेखों/सूचनाओं का प्रस्तुत न किया जाना

एम्स ने निम्नलिखित सूचना/अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए, जिनके अभाव में लेखापरीक्षा वार्षिक लेखों में संबंधित आंकड़ों को प्रमाणित नहीं कर सकी: -

केंद्र/अनुसूची	मद	राशि ₹ में
एम्स (मुख्य)		
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 7)	परिक्रामी निधि	10,08,55,243
	छात्रावास (सुरक्षा जमा राशि)	1,56,70,72
	सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ)	2,28,06,076
	सीमा शुल्क खाता	2,03,66,172
	पीडी खाता	1,41,53,908
	विविध देनदारियां	15,56,75,849
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (अनुसूची 11)	आरएएन रिवॉल्विंग अम्ब्रेला योजना (खाता संख्या 38345595812)	1,41,53,908
	पीडी खाता विवरण	1,87,71,709
	विदेशी मशीनरी एवं उपकरण खरीद हेतु (योजना)	389,86,08,080
	भवन निर्माण सामग्री की खरीद हेतु पी एंड एओ को अग्रिम भुगतान	2,58,69,623
	अस्थायी आकस्मिक अग्रिम	7,85,77,346
	स्टोर हेतु निजी कंपनियाँ	1,36,46,482
	पुस्तकों एवं पत्रिकाओं हेतु	3,99,73,749
	अनुरक्षण हेतु मैसर्स ब्लू स्टार लिमिटेड (वातानुकूलन संबंधी कार्यों हेतु)।	2,51,15,148
	सीएनजी पाइपलाइन हेतु मैसर्स इंद्रप्रस्थ	1,04,05,000
	मस्जिद मोठ में जल एवं सीवरेज हेतु दिल्ली जल बोर्ड	11,70,32,373
	एचएससीसी	381,06,34,232

13.2_Audit Report.indd 1572 1/13/2026 4:58:26 PM

केंद्र/अनुसूची	मद	राशि ₹ में
	एचआईटीईएस	211,60,29,730
	अचल संपत्तियां	191,61,00,875
	डीएमआरसी	8,16,55,929
	विद्युत	7,88,35,384
ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.		
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 7)	सरकारी एजेंसियों से रोगियों से प्राप्त अग्रिम राशि	1,60,09,552
	अन्य देयताएं	1,06,91,324
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (अनुसूची 11)	प्रापण हेतु अग्रिम राशि - मशीन एवं उपकरण संबंधी विदेशी खरीद	10,77,48,299
	सीमा शुल्क अग्रिम	2,17,92,190
हृद् एवं तंत्रिका केंद्र		
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (अनुसूची 11)	साख पत्र	5,31,49,281
	कार्य हेतु अग्रिम	17,45,96,762
	सीटी रोगियों के खाते से मशीन एवं उपकरण अंतरण	4,90,25,000
रा.प्र.ने.वि.कें.		
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 7)	रिजर्व एवं अधिशेष पर अर्जित ब्याज	2,27,97,595
	एनपीएस पर छूट देना	1,66,73,034
	ईएमडी (सुरक्षा जमा)	1,16,91,582
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (अनुसूची 11)	मशीन एवं उपकरण विदेशी खरीद	3,66,55,195
	सीमा शुल्क अग्रिम:	2,02,02,614
एनसीआई, झज्जर		
रिजर्व एवं अधिशेष (अनुसूची 2)	आय एवं व्यय खाते की अधिकता से कटौती।	1,29,18,416
अचल परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 8)	वर्ष के दौरान कटौती	1,81,89,174
अनुसंधान अनुभाग		
विशेष रूप से उद्दिष्ट/अक्षय निधि (अनुसूची 3)	उद्दिष्ट/अक्षय निधि	151,01,00,000

13.2_Audit Report.indd 1573 1/13/2026 4:58:26 PM

एम्स ने जवाब दिया कि ये बहुत पुराने आंकड़े हैं और ऐसे ही निरंतर अग्रेषण कर दिए जाते रहे हैं तथा एम्स द्वारा इनका समाधान करने की प्रक्रिया चल रही है।

ग.2 एम्स अपने कर्मचारियों को बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान नहीं करता है। यह एएस-15 के प्रावधानों का उल्लंघन है। पिछले वर्ष की पृथक लेखा रिपोर्ट में इसे इंगित किया गया था, लेकिन एम्स द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

एम्स ने जवाब दिया कि आकस्मिक देनदारी का प्रत्यालेख किया जा रहा है और अगले वित्तीय विवरण में इसके लिए प्रावधान किया जाएगा।

ग.3 हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सी एंड एन) ने सीटी रोगी खातों के लिए दो बैंक खातों (एक प्राप्ति खाता (खाता संख्या 10874584258) तथा एक भुगतान खाता (खाता संख्या 35892346181) का अनुरक्षण किया है। इसके अतिरिक्त, हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र गामा नाइफ निधि तथा एंजियो रोगी निधि के लिए क्रमशः चालू खाते (10874584576) एवं (10874584269) का अनुरक्षण भी कर रहा है। साथ ही, हृद् तंत्रिका केंद्र का एक बचत खाता (10874584247) भी है। इन खातों के बैंक समाधान विवरणों की जांच करने पर पता चला कि इनमें वर्ष 1992 से बहुत पुरानी प्रविष्टियां दर्ज हैं, जिनके विषय में हृद् तंत्रिका केंद्र के पास कोई विवरण/स्थिति उपलब्ध नहीं है।

इसके अलावा, एम्स (मुख्य) अनुदान खाता (39539069789), निदेशक एम्स (मुख्य) खाता (10874584010), ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. खाता (10874584951) तथा रा.प्र.ने.वि.कें. बैंक खाते के बैंक समाधान विवरण में इन खातों में वर्ष 2015 से लंबित बहुत पुरानी प्रविष्टियाँ दर्शाई गई थीं, जिनके लिए कोई विवरण/स्थिति उपलब्ध नहीं थी।

इनका समाधान/समायोजन किया जाए।

ग.4 एनसीआई, झज्जर द्वारा रोकड़ बही एवं बहीखाता लेखों का अनुरक्षण नहीं किया गया है। रोकड़ बही एवं बहीखाता लेखों के अभाव में, प्रशासनिक व्यय तथा सहायता-अनुदान खातों में दर्शाए गए आंकड़ों की सटीकता को प्रमाणित नहीं किया जा सका।

ग.5 विभिन्न केन्द्रों की वर्तमान परिसंपत्तियों में शामिल तथा बैंक प्रमाणपत्रों के अनुसार जारी की गई सावधि जमा प्राप्तियों (एफडीआर) की संख्या में अंतर पाया गया है। इनका विवरण नीचे दिया गया है:

(राशि ₹ में)

केंद्र का नाम	ग्राहक सं.	वर्तमान परिसंपत्तियों में शामिल एफडीआर की राशि	बैंक विवरण के अनुसार एफडीआर की राशि	अंतर
हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र **(सी एंड एन सेंटर)**	80702776740	70,00,00,000	82,82,95,211.60	12,82,95,211.60

13.2_Audit Report.indd 1574 1/13/2026 4:58:26 PM

केंद्र का नाम	ग्राहक सं.	वर्तमान परिसंपत्तियों में शामिल एफडीआर की राशि	बैंक विवरण के अनुसार एफडीआर की राशि	अंतर
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र **(ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)**	80702910483	शून्य	9,88,94,181.70	9,88,94,181.70
दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र **(सीडीईआर)**		3,65,00,057	3,70,96,910	5,96,853
राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र **(आर.पी.सी.ओ.एस.)**	80702761473	33,77,65,908	60,07,00,519.80	26,29,34,611.80
एम्स (मुख्य) अनुदान	90608786254	10,06,36,75,248	10,64,54,53,027	58,17,77,779
एम्स सीए खाता	80702761359	5,81,92,184	3,20,37,81,320	3,14,55,89,136
कुल		**107,42,65,965**	**156,49,86,823.10**	**421,80,87,773.1**

एम्स ने जवाब दिया कि लेखापरीक्षा में एफडीआर के रूप में दर्शाई गई राशि वास्तव में एफडीआर में निवेश नहीं है। ये राशियाँ पिछले वर्षों में विदेशों से खरीद हेतु देयताओं पर जारी किए गए ऋण पत्र (एलसी) की हैं। विदेशी विक्रेता को भुगतान करने से पहले, बैंक इस राशि को अलग रख लेता है और विदेशी विक्रेता के साथ निपटान होने तक इन राशियों को एफडी मानकर ब्याज देता है। इन एलसी के आंकड़ों का बैंक के साथ मिलान किया जा रहा है। इन एलसी के लिए बैंक द्वारा देयताओं को समायोजित करने के बाद ही अंतिम राशि लेखों में दर्ज की जाएगी।

इस अंतर का तत्काल समाधान करना आवश्यक है।

ग.6 एनडीडीटीसी द्वारा 1 अक्टूबर के बाद पूंजीकृत अचल परिसंपत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास किया गया है, न कि अर्धवार्षिक आधार पर। यह आयकर अधिनियम तथा केंद्रीय स्वायत्त निकायों (सीएबी) के लिए लेखा के एकसमान प्रारूप का उल्लंघन है।

एम्स ने जवाब दिया कि एम्स की मूल्यह्रास नीति के अनुसार मूल्यह्रास लगाया गया था।

यह जवाब मान्य नहीं है क्योंकि लेखों में मूल्यह्रास नीति को प्रकट नहीं किया गया है।

13.2_Audit Report.indd 1575 1/13/2026 4:58:27 PM

ग.7 एचएलएल इंफ्रा सर्विसेज (एचआईटीईएस) लिमिटेड को मशीनरी एवं उपकरण की खरीद के लिए ₹60 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया गया था। इसमें से ₹5.46 करोड़ मूल्य के उपकरण दिनांक 31.03.2024 तक प्राप्त एवं स्थापित किए जा चुके थे। हालांकि, इन्हें पूंजीकृत नहीं किया गया था। इसके अलावा, एम्स ने शेष अग्रिम भुगतान की स्थिति तथा स्थापित मशीनरी/उपकरणों का मदवार विवरण प्रदान नहीं किया। इन विवरणों के अभाव में, लेखापरीक्षा में पूंजीकृत परिसंपत्तियों तथा उन पर मूल्यह्रास की सटीक राशि का परिमाण निर्धारित नहीं किया जा सका।

ग.8 उद्दिष्ट निधि/अक्षय निधि

एम्स ने 31 मार्च 2025 तक ₹425.05 करोड़ की उद्दिष्ट/अक्षय निधि दर्शाई है। एम्स इस निधि के एक पृथक विस्तृत विवरण का अनुरक्षण करता है। हालांकि, इसका सारांश अनुसूची-3 के अनुलग्नक के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।

ग.9 एम्स ने पेंशन निधि तथा नई पेंशन योजना हेतु पृथक लेखा तैयार नहीं किए। पेंशन निधि तथा नई पेंशन योजना के लेखा पृथक रूप से तैयार किए जाने चाहिए तथा अलग-अलग दर्शाए जाने चाहिए।

घ. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें सुधारात्मक कार्रवाई हेतु अलग से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

ङ. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन

(i) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

क. एम्स ने अपने लेखों को नकद आधार पर तैयार किया है और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तैयार नहीं किया जाता है।

ख. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स (मुख्य), एनसीआई झज्जर, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. तथा रा.प्र.ने.वि.कें. द्वारा विभिन्न खातों के लिए रोकड़ बही का अनुरक्षण नहीं किया जाता है।

ग. कई वर्षों से बकाया विभिन्न अग्रिमों को समायोजित करने के लिए प्रभावी उपायों का अभाव।

घ. एम्स वर्ष 2019-20 तक अधिग्रहित परिसंपत्तियों के लिए निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल संपत्ति रजिस्टर का अनुरक्षण नहीं कर रहा था।

ङ. वर्ष 2020-21 से पहले अधिग्रहित अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

च. लेखा विभाग के पास निराकृत वस्तुओं की सूची उपलब्ध न होना संस्थान के लेखा एवं भंडार विभाग के बीच आंतरिक समन्वय की कमी को इंगित करता है।

13.2_Audit Report.indd 1576 1/13/2026 4:58:27 PM

छ. 31 मार्च 2023 तक, वर्ष 1996-98 से वर्ष 2021-22 की अवधि के लिए बाह्य लेखापरीक्षा के 55 पैराग्राफ लंबित थे।
ज. एनसीआई, झज्जर द्वारा बहीखातों का अनुरक्षण नहीं किया जाता है।

(ii) आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2024-25 के दौरान एम्स ने नियोजित मदों की कुल संख्या तथा आंतरिक लेखापरीक्षा शाखा द्वारा वास्तव में लेखापरीक्षित मदों की संख्या का विवरण प्रदान नहीं किया था। एम्स में आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली भी नहीं थी।

(iii) परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

महत्वपूर्ण लेखांकन नीति के अनुच्छेद 12 के अनुसार, भौतिक सत्यापन वर्ष में एक बार किया जाता था, हालांकि, एम्स वर्ष 2024-25 हेतु अचल परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन किए जाने के संबंध में कोई प्रमाण प्रदान नहीं कर सका।

(iv) वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

महत्वपूर्ण लेखांकन नीति के अनुच्छेद 13 के अनुसार, भौतिक सत्यापन वर्ष में एक बार किया जाता था, हालांकि, एम्स वर्ष 2024-25 हेतु पुस्तकों एवं प्रकाशनों, स्टेशनरी तथा अन्य उपभोग्य सामग्रियों जैसी वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन के संबंध में कोई प्रमाण प्रदान नहीं कर सका।

(v) बकाया राशि के भुगतान में नियमितता

लेखों के अनुसार, दिनांक 31.03.2025 तक वैधानिक देय राशियों के संबंध में छह माह से अधिक समय से कोई भुगतान बकाया नहीं था।

च. सहायता-अनुदान

वर्ष 2024-25 के दौरान, एम्स को कुल ₹4,909.46 करोड़ की अनुदान सहायता (जीआईए) प्राप्त हुई (जीआईए-वेतन ₹2,720.14 करोड़, जीआईए-सामान्य ₹1,689.32 करोड़, जीआईए-पूंजीगत परिसंपत्तियां ₹490 करोड़ और एसएपी ₹10.00 करोड़)। इसके अतिरिक्त, एम्स (एनडीडीटीसी) को ₹22.50 करोड़ (जीआईए-वेतन), ₹15.17 करोड़ (जीआईए-सामान्य) और ₹4.80 करोड़ (जीआईए-पूंजीगत) भी प्राप्त हुए। साथ ही, एम्स के पास जीआईए-वेतन के अंतर्गत ₹189.10 करोड़ का प्रारंभिक शेष था। कुल उपलब्ध अनुदान 5141.03 करोड़ रुपये में से, एम्स ने वर्ष के दौरान ₹4,919.92 करोड़ (₹2690.54 करोड़ की जीआईए-वेतन, ₹1,689.32 करोड़ का जीआईए-सामान्य, ₹490.00 करोड़ की जीआईए-पूंजीगत संपत्ति, ₹10.00 करोड़ की एसएपी, ₹15.17 करोड़ का जीआईए-सामान्य (एनडीडीटीसी), ₹22.50 करोड़ का जीआईए-वेतन (एनडीडीटीसी) तथा ₹2.39 करोड़ की जीआईए-पूंजी (एनडीडीटीसी)) का उपयोग किया। एम्स ने मार्च 2025 के वेतन के भुगतान हेतु अप्रैल 2025 में भुगतान किए जाने वाले जीआईए-वेतन के 217.86 करोड़ रुपये टीएसए से अपने बचत खाते में अंतरित कर दिए थे तथा वर्ष 2020-21 से वेतन के अंतर्गत 10.3 करोड़ रुपये की अव्ययित राशि शेष थी जिसका उपयोग वर्ष के दौरान किया गया था।

13.2_Audit Report.indd 1577 1/13/2026 4:58:27 PM